मलयाला मनोरमा

ट्टयम, कोझिकोड, कोच्चि, तिरुवनंतपुरम, पालक्काड, कण्णूर, कोल्लम, त्रिशूर, मलाप्पुरम, मुंबई, चेन्नई, बंगलौर

मलयाला मनोरमा के प्रसार कार्यालय

ाई: पहली मंजिल, नेशनल इंस्योरेंस भवन, 27/ए.के. नायक मार्ग, फोर्ट, मुंबई–400001, फोन–022 2200405, क्स–022 22073695, **चेन्नई:** यूनिट बी, हेविट्री, तीसरी मंजिल, न. 23, स्पुर्टांक रोड, इग्मोर चेन्नई – 600031, ान: 044 28362407, फैक्स: 044 28362411, **नयी दिल्ली:** 68/6 पहली मंजिल, टालस्टाय मार्ग, जनपथ, ई दिल्ली–110 001, फोन–011 23324396, फैक्स–011 23314670 **कोलकात्ता:** 43–2बी, सुहासिनी ांगुली सरानी, कलकत्ता–700025, फोन– 033 24555962, फैक्स– 033 24556995, **हैदराबाद:** 8–
–629/1/वी, रोड न.– 12, वंजारा हिल्स, हैदरावाद–500 034, फोन: 040 23314168, फैक्स – 040 332297 **बंगलौर:** 132 कांता कोर्ट, तीसरी मंजिल, लाल बाग रोड़, बंगलौर–560 027, फोन– 080 :247735, फैक्स–080 2866176, **कोयंबत्तूर:** दूसरी मंजिल, विघ्नेश्वर क्रिस्टा, 1995 अविनाशी रोड़, पी.एन. ालायम पी.ओ. कोयंवत्तूर–641 037, फोन– 0422 2215470, फैक्स– 0422 2215367, **भोपाल:** पुष्प ाेभा, सी–11, हाउसिंग वोर्ड कालोनी, कोह ए फिजा भोपाल भोपाल–462001, म.प्र, फोन: 0755 2422005 **लखनऊ:** फ्लैट न. 314, उजाला एपार्टमेंट, सेक्टर–20, इंद्रानगर, लखनऊ–226017 फोन: 0522 2346171, **टना:** 608, जगत ट्रेड सेंटर, फ्रेजर रोड, पटना – 800001, फोन: 0612–2233809, **चंडीगढ़:** फ्लेट न. 282, ंडियन एक्सप्रेस हाउसिंग सोसायटी, प.न. 18, सेक्टर – 48 ए, चंडीगढ़–160047, फोन: 0172 2630519, **जयपुर:** द्वारा रायल विजनेस सेंटर, जयपुर टावर के निकट, ए.आई. आर. के सामने, एम. आई. रोड़, जयपुर–302 001, फोन: 0141 2368018, **रायपुर:** हाउस न. एम.आई.जी.–19, मारुती विहार, जी.ई. रोड़, रायपुर, छत्तीसगढ़ – 492001, फोन: 0771 2575766

कोट्टयम–686 001, केरल, भारत

प्रधान संपादक : के. एम. मात्यु

संपादक : माम्मन मात्यु*

प्रबंध संपादक : फिलिप मात्यु

कार्यकारी संपादक : जैकब मात्यु

प्रभारी संपादक : के.सी. नारायणन

मुख्य उप संपादक : पाल मनलिल

वरिष्ठ उप संपादक : राजेश कालिया, एस. रामन, विजु मत्ताई

उप संपादक : विप्लव सेनगुप्ता, सी. उन्नीकृष्ण पिल्लई

संपादकीय शोध : वी. जार्ज मात्यु

मनोरमा इयर बुक का प्रकाशन स्वंतत्र रूप से पांच भाषाओं में होता है। हिंदी के अतिरिक्त मनोरमा इयर बुक मलयालम, अंग्रेजी, तमिल एवं बंगला में उपलब्ध है।

लेखकीय सहयोग: रामशरण जोशी, युद्ध का अमानवीय चेहरा (15) • संग्राम सिंह तोमर, जैविक कृषि नई संभावनाएं (49) • हर्षदेव, उच्च शिक्षा: बढ़ती जरूरत, घटता स्तर (60) • सुधीश पचौरी, टी.वी. चैनेलों का प्रभाव और हमारा समय (66) • गोविंद सिंह, सूचना प्रौद्योगिकी की दिशा (72) • विष्णु नागर, भारतीय विदेश नीति और पड़ौसी देश (82) • आदित्य अवस्थी, उदारीकरण के दौर में लघु उद्योग किस ओर (88) • हरवीर सिंह, विकास को अवरुद्ध करता बिजली संकट (104) • आनंद प्रकाश, यशपाल का लेखन: प्रतिबद्ध कथा का मानक (110) • हर्ष पांडे, हिंदी साहित्य वर्ष 2003: स्वतंत्र भारत का आयना (122) • एम.पी. कमल, कैरियर प्रतिस्पर्धी परीक्षायें तथा रोजगार के अवसर (216) • डा. एम.ए. वर्गीस, (न्यू केस्टल, यू.के.), इस सदी का प्लेग (266) • अलका पांडेय, भारतीय साहित्य (578) शमशेर अहमद खान, बीसवीं सदी का बालसाहित्य (604) • सेतुरामन श्रीनिवासन, भारतीय अर्थव्यवस्था (630) • दिलचस्प, सिनेमाई सफर (665) • एस. विजय कुमार, एथेंस से एथेंस तक (738)

आवरण एवं सज्जा : विनोद आर. उन्नितान

मूल्य – 95 रुपये

मलयाला मनोरमा कंपनी लिमिटेड के लिये माम्मन मात्यु द्वारा मलयाला मनोरमा प्रेस, कोट्टयम से संपादित, मुद्रित एवं प्रकाशित। रजिस्ट्रेशन न. 44699/89

* पी.आर.बी. अधिनियम के अंतर्गत मुद्रित सामग्री के लिये उत्तरदाई।

. मात्यु
ंपादक

मनोरमा इयरबुक
पी.बी.न.26, कोट्टयम – 686001, केरल, भारत, फोन : 2563646, 256[illegible]
फैक्स: 91-481-2562479, ई मेल [illegible]

आमुख

युद्ध एक ऐसा शब्द है जिससे मानवता थरथराती है। सदियों से युद्ध मानवता को रौंदता रहा है। जबसे सभ्यता विकसित हुई है तभी से युद्ध का अभिशाप मानवता झेलती आई है। युद्ध की त्रासदी यह है कि इसमें केवल सैनिक ही नहीं मरते वरन आम नागरिक भी मरते हैं। विधवाओं का प्रलाप व अनाथ बच्चों का आर्तस्वर भविष्य युद्ध की विभीषिका को दर्शाता है। फिर विश्व युद्ध की ओर क्यों लालायित रहता है? सवाल यह भी उठता है कि हम उन शक्तियों को परास्त क्यों नहीं कर देते जो युद्धों को निरंतर जनती रहती हैं। यह निर्विवाद है, युद्ध का ग्रास बनने वालों में अधिकांश ऐसे लोग होते हैं जिनका उससे प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से संबध नहीं होता है। युद्ध पर भरपूर तथ्यों सहित आवरण कथा इस अंक में ली गई है।

परंपरागत कृषि से पर्यावरण को नुकसान पंहुचता है। आज अनेक अध्ययन सामने आ रहे कि खाद्य सब्जियों में कीटनाशक तत्व बढ़ गये हैं और उनसे कैंसर जैसी बिमारियां बढ़ रही हैं। परंपरागत कृषि का विकल्प है 'जैविक कृषि'। इस विषय पर आंकड़ो समेत विशेष लेख लिया गया है।

आज जब बेरोजगारी तेजी से बढ़ रही है और इसका खामियाजा समाज को भुगतना पड़ रहा है। लघु उद्योग इसका एक बेहतर जवाब है। महात्मा गांधी ने भी लघु और कुटीर उद्योगों की कल्पना की थी। लेकिन आज यह समय की चुनौती बन गये हैं। एक सकारात्मक लेख इस अंक की विशेषता है।

शीत युद्ध की समाप्ति के बाद ऐसी धारणा बनी थी कि दुनिया में दो विपरीत ध्रुव नहीं रहेंगे इसलिये दुनिया एक ज्यादा न्यायपूर्ण और शांतिपूर्ण जगह होगी। लेकिन परिणाम कुछ और ही हुआ, जटिलतायें बढ़ गईं। ऐसे समय में भारत की विदेश नीति पड़ौसी देशों के साथ कैसी है का अध्ययन करना जरूरी हो जाता है। इस विषय पर विश्लेषणात्मक लेख इस अंक में लिया गया है।

अभी हाल की ही तो बात है जब श्वेत श्याम टी.वी. को ही एक बड़ी उपलब्धि माना जाता था। तब देखने को लिये दूरदर्शन के कुछ एक कार्यक्रम होते थे। 1982 में रंगीन टी.वी. आया और देखते ही देखते चैनलों की बाढ़ सी आ गई। अनगिनत चैनेल अनगिनत कार्यक्रम। इसका जायजा हम इस अंक में ले रहे हैं।

दुनिया का शायद ही कोई देश हो जो आज सूचना प्रौद्योगिकी से अंजान हो। भारत ने भी इस क्षेत्र में [illegible] आपको विश्व का अग्रणी देश बना लिया है। इस अंक में तथ्यों के साथ लेख लिया गया है।

किसी भी अर्थव्यवस्था के विकास के बारे में आज बिजली के बिना सोचा भी नहीं जा सकता है। लेकिन भारत आज बिजली की कमी के संकट से जूझ रहा है और अपेक्षाकृत विकास नहीं हो रहा है। [illegible] हुए हमने विद्युत संकट पर लेख लिया है।

उच्च शिक्षा के क्षेत्र में [illegible] दशक क्रांतिकारी परिवर्तन लाने वाला रहा है। [illegible] क्षेत्र भी आज एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। उच्च शिक्षा, [illegible] लेख इस अंक में शामिल किया गया है। [illegible] उन्होंने साहित्य की दिशा को नई ऊर्जा दी। [illegible] उनको स्मरण कर रहे हैं।

खेल जगत में ओलंपिक [illegible]

नववर्ष की मंगलकामनाएं।

आवरण कथा

विशेष लेख

भाग एक

सामान्य ज्ञान

विषयक्रम

भाग-दो

विज्ञान और प्रौद्योगिकी

विषयक्रम

भाग चार

भारत एवं राज्य

मानवीय चेहरा

रामशरण जोशी

'आप युद्ध में दिलचस्पी नहीं भी रखते हो लेकिन युद्ध की आप में दिलचस्पी है।'

–लिओन ट्रोटस्की

इन ... पाक युद्ध से। एक युद्ध संवाददाता के रूप में मैंने तब युद्ध को अत्यंत समीप से देखा था। युद्ध त्रासदी के अवर्णीय प्रभावों ने मुझे लंबे समय तक परेशान रखा था। मैं कैसे भूल सकता हूं लाखो बंगलादेशियो का तत्कालीन पूर्वी पाकिस्तान से पलायन? आज भी ढाका, जैसोर, खुलना, कुमिल्ला, चिट्टगांव आदि जगहों से उखड़े व खून से लथपथ असंख्य मानव चेहरे मेरी आंखों में जीवित होने लगते हैं और फिल्म की तरह उनकी त्रासद कहानियां चलने लगती है। शरणार्थी शिविरों में मानव कंकाल के रूप मे जीते वे लोग। मार्च–अप्रैल के इराक–अमरीका युद्ध में जब भी शवों के ढेर टीवी चैनलों पर दिखाई देते, अखबारों में जंग पीड़ितों की क्षत-विक्षत तस्वीरें आंखों के सामने से गुजरती तब सहसा उत्तर–पूर्वी सीमाओं का भारत पाक युद्ध क्षेत्र मन–मस्तिष्क पर दस्तकें देने लगता। और इन दस्तकों से सवाल उठते: आखिर इस युद्ध प्रेत से मानव को मुक्ति कब मिलेगी? क्यों हम–तुम इस विध्वंसक व सर्वनाशक क्रिया से चिपके हुए हैं या इसे चिपका रखा है? विकास के चरम पर पहुंचने और अंतरिक्ष को स्पर्श करने के बावजूद हम युद्ध को 'अलविदा' करने के सवाल पर साक्षर भी नहीं हो सके? और आखिर हम कब करेंगे 'युद्ध मुक्त–समाज' का निर्माण? सवाल यह भी उठता है कि हम उन शक्तियो को निर्णायक रूप से परास्त क्यों नहीं कर देते जो युद्धों को निरंतर जनती रहती है। यह निर्विवाद है, युद्ध का ग्रास बनने वालो में अधिकांश ऐसे लोग होते हैं जिनका उससे प्रत्यक्ष या परोक्ष संबंध नहीं होता है। युद्ध की विभीषिका को ये मासूम पीढ़ी–दर–पीढ़ी झेलते रहते हैं। यह एक सर्वकालिक और सार्विक सत्य है।

शत्रुतापूर्ण स्थितियों में सामाजिक विकास और उसके विध्वंसक प्रभावों संदर्भ में कार्ल मार्क्स ने 19वीं सदी मे सटीक टिप्पणी की थी कि यह विकास एक ऐसी भत्स विधर्मी मूर्ति के समान है 'जो अमृत पान नहीं करेगी लेकिन वध किये हुए इंसान के कपाल से रक्त पियेगी।' यह ऐतिहासिक टिप्पणी आज भी उतनी ही प्रासंगिक है जितनी डेढ़ सौ वर्ष पहले थी। मानव समाज का इतिहास युद्धों से सना पड़ा है। 1972 में युद्ध पर प्रकाशित एक पुस्तक के अनुसार, 'वर्ग समाज का इतिहास सैन्य संघर्षों व युद्धों में फलता–फूलता है। पिछले 5,500 वर्षों के दौरान मानवजाति 14 हजार से अधिक बार युद्ध का शिकार हुई है।' पुस्तक के प्रकाशन वर्ष से अब तक के तीन दशकों में विश्व के महासागरों में कई प्रचण्ड तूफान (टाइफून) उठ चुके हैं। इस अवधि में दो दो भारत-पाक युद्ध, दो इराक–अमरीका युद्ध, बोसनिया युद्ध, अरब-फिलिस्तीन–इजराइल संघर्ष, इराक–ईरान युद्ध, अफगान-अमरीका युद्ध, चेच्चैनिया युद्ध, दक्षिण अमरीकी देशों के अनगिनत संघर्ष व उत्तरी अमरीका के साथ युद्ध, श्रीलंका में तमिल और सिंहली सरकार के बीच मुक्ति संघर्ष जैसी असंख्य घटनाएं हैं जोकि युद्ध परिदृश्य को पहले से अधिक भयावह बनाने के लिए काफी है। 1997 में संयुक्त राष्ट्र महासभा में दिये गये पूर्व राष्ट्रपति बिल क्लिंटन के अनुसार,

प्रमुख पौराणिक व प्राचीन ऐतिहासिक युद्ध

एक: रामायण कालीन

दो: महाभारत कालीन

तीन: प्राचीन यूनान के 375 वर्षो के इतिहास में 235 वर्ष (ईसा पूर्व 620) युद्ध में बीते। इसमें साल भर चलने वाले युद्धों की संख्या लगभग 210 थी। युद्धों का दौर मूलतः पर्सिया शासकों और यूनानियों के बीच चला।

चार: रोम शासकों के 876 वर्षो के इतिहास में 416 वर्षों तक युद्ध हुए। इसमें भी 362 युद्ध ऐसे थे जो वर्ष भर तक चले। रोमन शासक जूलियस सीजर के नेतृत्व में कई युद्ध अभियान चले।

पांच: ईसा पूर्व की मध्य पूर्व लड़ाइयां जिनमें मिश्री, असिरियनों, हितितियों और पर्सियों ने भाग लिया।

छह: प्यूनिक युद्ध, पेलोपोन्नेसिया युद्ध और सिकंदर महान के युद्ध अभियान।

सात: अशोक महान का कलिंग युद्ध।

युद्ध में झुलसती मानवता

मृतकों और हताहतों के आंकड़े युद्ध की भयावहता अवश्य व्यक्त करते हैं लेकिन इनसे युद्ध त्रासदी पर विराम नहीं लगता है। तो भी 'ताकि सनद रहे' प्रत्येक काल की पीढ़ी के लिए इनकी इतना महत्व अवश्य रहता है। शायद इस 'इल्यूजन' में कि इतिहास निर्माता इन आंकड़ों से सबक लेकर युद्ध विभीषिका में मानवता को बार बार नहीं झोकेंगे, हम इन्हें दोहराते रहते हैं:

20वीं सदी की युद्ध आहुति

1. बिल क्लिंटनः शीत युद्ध की समाप्ति के बाद से अब/तक एक करोड़ लोगों की विभिन्न युद्धों में मौत (1977 में संयुक्त राष्ट्र महासभा में संबोधन भाषण)

2. बीती सदी में 18 करोड़ 70 लाख लोग विभिन्न युद्धों में मरे।

3. प्रथम विश्व युद्ध (1914–1918): आस्ट्रिया, ब्रिटेन, फ्रांस, जर्मनी, इटली, रूस, अमरीका, हंगरी, भारत आदि उपनिवेशों के एक करोड़ से अधिक सैनिकों व नागरिकों की जानें गई। एक पूरी पीढ़ी युद्ध की समिधा बन गई। जर्मनी और फ्रांस के लोग सबसे अधिक मरे।

4. द्वितीय विश्व युद्धः 1945: विजय व पराजय की कीमतः

मृतकों की संख्या

देश	सैनिक	नागरिक
ब्रिटेन राष्ट्र कुल	452,000	60,000
चीन	3,500,000	10,000,000
फ्रांस	250,000	360,000
पोलैण्ड	120,000	5,300,000
अमरीका	295,000	–
रूस	13,600,000	7,700,000
अन्य मित्र देश	3,370,000	1,940,000
जर्मनी	3,250,000	3,810,000
जापान	1,700,000	3,600,000
अन्य धुरी राष्ट्र	980,000	917,000

5. हीरोशिमा (6 अगस्त, 1945): मानव इतिहास में प्रथम बार परमाणु बम का विस्फोट चंद सैकंडों में एक लाख लोगों की मौत।

6. नागासाकी (9 अगस्त, 1945): 40 हजार लोगों के प्राण दूसरे परमाणु बम की बलि चढ़े।

7. नाजियों ने करीब 60 लाख यहूदियों को विभिन्न यातना शिविरों के माध्यम से मारा।

8. सोवियत संघ के पतन (1992 तक) तक करीब 2 करोड़ लोग विभिन्न एक सौ युद्धों व सैन्य झड़पों व संघर्षों में मरे। इसमें शीत युद्ध भी शामिल है।

9. तीसरी दुनिया (1945 से 1983 के बीच) के विभिन्न क्षेत्रों में युद्ध कुंड में मनुष्यों की आहुतिः

पूर्वी एशिया	:	90 लाख
अफ्रीका	:	35 लाख
दक्षिण एशिया	:	25 लाख
मध्यपूर्व	:	10 लाख से अधिक
कोरिया युद्ध	:	30–40 लाख
वियतनाम युद्ध (1945–75)	:	20 लाख अमरिकी सैनिक 55 हजार (वियतनामी)
मौजाम्बिक–अंगौला युद्ध	:	15 लाख
इंडोनेशिया गृहयद्ध	:	5 लाख से अधिक

स्रोतः मिलेनियम इयर बुक, एज आफ एक्स्ट्रीम्स आन वार एण्ड आर्मी

सिर्फ शीत युद्ध की समाप्ति के बाद से ही प्रतिवर्ष 30 से अधिक सशस्त्र संघर्ष हो रहे हैं जिनमें अब तक एक करोड़ से अधिक लोग अपनी जिन्दगी गंवा चुके हैं। इसका सीधा अर्थ यह हुआ कि 1992 में साम्यवादी सत्ता के पतन शीत युद्ध की समाप्ति और एकल ध्रुवीय शक्ति व्यवस्था के उदय के बावजूद युद्धों के कारणों का अन्त नहीं हुआ है। परिणामस्वरूप, युद्धों की नई नई शक्लें जन्म ले रही हैं और इनके क्षेत्रों का भी फैलाव हो रहा है। क्योंकि 20वीं सदी के अंतिम वर्षों में आतंकवाद युद्ध का महत्वपूर्ण कारक के रूप में उभरा है। 21वीं सदी में इसकी 'हाई–टेक शक्ल' सामने आई है। संभव है यह हाई–टेक या उच्च प्रौद्योगिकी आतंकवाद आनेवाले वर्षों में 'तीसरे विश्व युद्ध' का रूप ले सकता है। क्योंकि अब परमाणु हथियार आतंकवादी शक्तियों की पहुंच से बाहर नहीं रह गये हैं। यह आम विश्वास है कि आतंकवादियों के सुप्रीमो ओसामा बिन लादेन की भूमिगत टुकड़ियां परमाणु बम से लैस हो चुकी हैं। यदि यह सच है तो एक और महायुद्ध की जमीन तैयार हो चुकी है जिसमें सद्दामोत्तर इराक की घटनाएं और अराफात बनाम इजराइल संघर्ष बारूद रूपी खाद की भूमिका निभा रहे हैं।

क्रांतिकारी विचारक और महायोद्धा माओ त्से तुंग के अनुसार, मानव–जाति का इतिहास दो प्रकार के युद्धों का साक्षी हैः न्यायपूर्ण युद्ध और अन्यायपूर्ण युद्ध। न्यायपूर्ण युद्ध का संबंध समाज की प्रगति व निरंतर क्रांतिकारी विकास से होता है जबकि अन्यायपूर्ण युद्ध ठीक इसके विपरीत होता है। यह युद्ध उन भौतिक शक्तियों का साथ देता है जो समाज की गत्यात्मकता को पंगु बनाने की असफल चेष्टा करती हैं। यह सिलसिला आज तक चला आ रहा है। इराक–अमरीका युद्ध के परिप्रेक्ष्य में भी इस सिलसिले के प्रभावों को साफ तौर पर देखा व समझा जा सकता है। दरअसल, युद्ध का सिलसिला तब से चला आ रहा है जब से मनुष्य में शासन और आधिपत्य

प्रवक्ता भर्ती परीक्षा

732	वस्तुनिष्ठ हिन्दी	100/-
920	वस्तुनिष्ठ संस्कृत	80/-
953	OBJECTIVE ENGLISH	85/-
482	वस्तुनिष्ठ नागरिकशास्त्र	80/-
565	वस्तुनिष्ठ भूगोल	120/-
373	वस्तुनिष्ठ इतिहास	60/-
374	वस्तुनिष्ठ अर्थशास्त्र	110/-
516	वस्तुनिष्ठ समाजशास्त्र	80/-
620	वस्तुनिष्ठ रसायन विज्ञान	140/-
931	वस्तुनिष्ठ भौतिक विज्ञान	150/-
512	वस्तुनिष्ठ जीव विज्ञान	70/-
351	वस्तुनिष्ठ जन्तु विज्ञान	130/-
767	वस्तुनिष्ठ गणित	100/-
721	वस्तुनिष्ठ वाणिज्य	125/-
372	वस्तुनिष्ठ गृह विज्ञान	45/-
A234	वस्तुनिष्ठ कृषि	80/-
515	वस्तुनिष्ठ कला	50/-
A106	वस्तुनिष्ठ शारीरिक शिक्षा	50/-
A235	वस्तुनिष्ठ शिक्षाशास्त्र	60/-

पी.जी.टी./टी.जी.टी. भर्ती परीक्षा

071	वस्तुनिष्ठ हिन्दी	70/-
089	वस्तुनिष्ठ संस्कृत	45/-
055	OBJECTIVE ENGLISH	85/-
039	वस्तुनिष्ठ नागरिकशास्त्र	80/-
050	वस्तुनिष्ठ भूगोल	120/-
038	वस्तुनिष्ठ इतिहास	60/-
110	वस्तुनिष्ठ अर्थशास्त्र	110/-
115	वस्तुनिष्ठ समाजशास्त्र	80/-
112	वस्तुनिष्ठ रसायन विज्ञान	140/-
114	वस्तुनिष्ठ भौतिक विज्ञान	150/-
004	वस्तुनिष्ठ जीव विज्ञान	70/-
075	वस्तुनिष्ठ जन्तु विज्ञान	130/-
127	वस्तुनिष्ठ गणित	70/-
144	वस्तुनिष्ठ वाणिज्य	125/-
018	वस्तुनिष्ठ कला	50/-
169	वस्तुनिष्ठ गृह विज्ञान	95/-

अध्यापक भर्ती परीक्षा

980	केन्द्रीय विद्यालय संगठन/नवोदय विद्यालय समिति अध्यापक भर्ती परीक्षा	160/-
A027	दिल्ली अधीनस्थ सेवा चयन वोर्ड सहायक शिक्षक (प्राथमिक) भर्ती परीक्षा	100/-
A214	दिल्ली अधीनस्थ सेवा चयन वोर्ड अध्यापक भर्ती परीक्षा	125/-
A003	राजस्थान लोक सेवा आयोग प्रधानाध्यापक भर्ती हेतु संवीक्षा परीक्षा	110/-
A090	झारखण्ड प्रशिक्षित प्राथमिक शिक्षक भर्ती परीक्षा	210/-

जवाहर नवोदय विद्यालय/राष्ट्रीय प्रतिभा खोज/उत्कृष्टता विद्यालय

889	जवाहर नवोदय विद्यालय प्रवेश परीक्षा	100/-
913	जवाहर नवोदय विद्यालय प्रवेश परीक्षा	75/-
540	जवाहर नवोदय विद्यालय (23*36)	115/-
A273	जवाहर नवोदय विद्यालय कक्षा 9	100/-
218	जवाहर नवोदय विद्यालय प्रैक्टिस वर्कबुक	50/-
A119	राष्ट्रीय प्रतिभा खोज परीक्षा	160/-
A216	मध्य प्रदेश उत्कृष्टता विद्यालय कक्षा 9	110/-

बी.एड. प्रवेश परीक्षा/शिक्षक अभिरुचि

911	उ.प्र. बी.एड. विज्ञान वर्ग	210/-
996	उ.प्र. बी.एड. कला वर्ग	200/-
997	उ.प्र. बी.एड. वाणिज्य वर्ग	200/-
A008	उ.प्र./उत्तरांचल बी.एड. विज्ञान वर्ग	75/-
A002	उ.प्र./उत्तरांचल बी.एड. कला वर्ग	75/-
A007	उ.प्र./उत्तरांचल बी.एड. वाणिज्य वर्ग	75/-
189	उत्तरांचल बी.एड. विज्ञान वर्ग	200/-
186	उत्तरांचल बी.एड. कला वर्ग	180/-
190	उत्तरांचल बी.एड. वाणिज्य वर्ग	180/-
366	राजस्थान बी.एड. प्रवेश परीक्षा गाइड	175/-
999	म.प्र. प्री बी.एड. प्रवेश परीक्षा गाइड	175/-
220	शिक्षक अभिरुचि	60/-

यू.जी.सी. नेट/स्लेट/जे.आर.एफ.

199	शिक्षक अभिरुचि एवं शोध	I Paper	120/-
965	हिन्दी/डॉ. अशोक तिवारी	II Paper	130/-
A147	हिन्दी/डॉ. अशोक तिवारी	III Paper	230/-
441	संस्कृत/डॉ. एम. एल. अग्रवाल		375/-
949	इतिहास/डॉ. एम. एल. गुप्ता		200/-
A005	राजनीति विज्ञान/डॉ. फड़िया	II Paper	320/-
204	राजनीति विज्ञान/डॉ. फड़िया	III Paper	300/-
963	समाजशास्त्र/प्रो. गुप्ता एवं शर्मा		240/-
203	अर्थशास्त्र/डॉ. जे. पी. मिश्रा		170/-
A012	वाणिज्य/पुरोहित, तातेड़ एवं शाह		300/-
A225	UGC NET ENGLISH		80/-

पॉलिटेक्निक/आई.टी.आई.

	उ.प्र. पॉलिटेक्निक प्रवेश परीक्षा	160/-
72	उ.प्र. व्यावसायिक प्रवेश परीक्षा	90/-
A209	उत्तरांचल पॉलिटेक्निक प्रवेश परीक्षा	160/-
943	म.प्र. पॉलिटेक्निक प्रवेश परीक्षा	165/-
A001	बिहार पॉलिटेक्निक प्रवेश परीक्षा	200/-
A153	बिहार पॉलिटेक्निक (Non Eng.) परीक्षा	195/-
A155	झारखण्ड पॉलिटेक्निक प्रवेश परीक्षा	200/-
A156	झारखण्ड पॉलिटेक्निक (Non Eng.) परीक्षा	195/-

एस.एस.सी./दिल्ली अधीनस्थ सेवा परीक्षा

- **मैट्रिक स्तर**

802	संयुक्त प्रारम्भिक परीक्षा	150/-
846	संयुक्त प्रारम्भिक परीक्षा प्रेक्टिस वर्कबुक	70/-

- **स्नातक स्तर**

A211	संयुक्त प्रारम्भिक परीक्षा	250/-
376	संयुक्त प्रारम्भिक परीक्षा	225/-
A193	संयुक्त प्रारम्भिक परीक्षा	125/-
A188	संयुक्त प्रारम्भिक परीक्षा प्रेक्टिस वर्कबुक	125/-
A186	वस्तुनिष्ठ अंकगणित प्रारम्भिक परीक्षा	150/-
A190	सामान्य जागरूकता प्रारम्भिक परीक्षा	110/-
A213	सामान्य बुद्धि परीक्षण प्रारम्भिक परीक्षा	100/-

- **सैक्शन ऑफीसर**

A274	सैक्शन ऑफीसर (कॉमर्शियल) परीक्षा	135/-
A277	सैक्शन ऑफीसर (ऑडिट) परीक्षा	175/-

- **दिल्ली मैट्रिक स्तर**

844	सम्मिलित प्रारम्भिक परीक्षा (मैट्रिक स्तर)	120/-
863	संयुक्त प्रारम्भिक परीक्षा प्रेक्टिस वर्कबुक (मैट्रिक स्तर)	70/-

प्रतियोगिता साहित्य सीरीज

Hospital Road, Agra-3 Tel. 2151665, 2360899 Fax 2151568
Email: info@sbpagra.com website www.sbpagra.com

संघ/राज्य लोक सेवा आयोग प्रारम्भिक परीक्षा

अनिवार्य प्रश्न-पत्र

31	सामान्य अध्ययन (I.A.S.)	665/-
69	सामान्य अध्ययन (I.A.S.) Volume I	375/-
70	सामान्य अध्ययन (I.A.S.) Volume II	300/-
59	सामान्य अध्ययन प्रेक्टिस वर्कबुक	120/-
61	सामान्य अध्ययन	320/-
83	वस्तुनिष्ठ सामान्य अध्ययन	140/-
59	सामान्य अध्ययन (U.P.P.S.C.)	320/-
60	सामान्य अध्ययन प्रेक्टिस वर्कबुक	125/-
A021	सामान्य अध्ययन (Uttranchal)	300/-
A092	सामान्य अध्ययन प्रेक्टिस वर्कबुक	125/-
A132	RAS सामान्य ज्ञान एवं सामान्य विज्ञान	425/-
081	राजस्थान सामान्य ज्ञान एवं सामान्य विज्ञान	50/-
842	सामान्य अध्ययन (M.P.P.S.C.)	380/-
843	सामान्य अध्ययन प्रेक्टिस वर्कबुक	125/
A255	सामान्य अध्ययन (Chattisgarh)	375/-
A256	सामान्य अध्ययन प्रेक्टिस वर्कबुक	125/-
427	सामान्य अध्ययन (J.P.S.C.)	300/-
A122	सामान्य अध्ययन प्रेक्टिस वर्कबुक	120/-
A195	सामान्य अध्ययन (H.P.S.C.)	375/-
A208	सामान्य अध्ययन प्रेक्टिस वर्कबुक	120/-

सामान्य अध्ययन श्रृंखला

353	श्रृं. 1 : सामान्य विज्ञान	240/-
347	श्रृं. 2 : भारतीय इतिहास	120/-
349	श्रृं. 3 : भारतीय राजव्यवस्था एवं संविधान	120/-
350	श्रृं. 4 : विश्व एवं भारत का भूगोल	120/-
851	श्रृं. 5 : भारतीय अर्थव्यवस्था	75/-
852	श्रृं. 6 : सामान्य मानसिक योग्यता	70/-
172	श्रृं. 7 : भारतीय कला एवं संस्कृति	65/-

वैकल्पिक प्रश्न-पत्र हेतु

335	इतिहास/डॉ. ए. के. मित्तल	300/-
880	इतिहास प्रैक्टिस वर्क बुक	80/-
485	लोक प्रशासन/डॉ. वी. एल. फड़िया	280/-
781	लोक प्रशासन प्रैक्टिस वर्क बुक	120/-
099	समाजशास्त्र/प्रो. गुप्ता एवं शर्मा	280/-
707	समाजशास्त्र प्रैक्टिस वर्क बुक	60/-
642	राजनीति विज्ञान/डॉ. वी. एल. फड़िया	300/-
645	अर्थशास्त्र/डॉ. अनुपम अग्रवाल	200/-
714	विधि/पवन वड़ाया	200/-
076	भूगोल/प्रो. दीपक माहेश्वरी	300/-
882	दर्शनशास्त्र/डॉ. एस. सी. मिश्रा	260/-
005	नीतिशास्त्र (Ethics) : भारतीय एवं पाश्चात्य	80/-
016	तर्कशक्ति (Logic)	90/-
024	भारतीय दर्शन (Indian Philosophy)	80/-
052	पाश्चात्य दर्शन (Western Philosophy)	50/-
360	वाणिज्य/डॉ. पुरोहित, तातेड़ एवं शाह	200/-
726	वस्तुनिष्ठ अंकगणित	175/-
912	कृषि	80/-
857	PUBLIC ADMINISTRATION	350/-

सविल सर्विसेज मुख्य परीक्षा

राजनीतिशास्त्र

- 550 Contemporary Indian Politics/Dr. B. L. Fadia 175/-
- 062 Indian Government & Politics/Dr. B. L. Fadia 350/-
- 000 भारत का राष्ट्रीय आन्दोलन एवं भारतीय संविधान/जैन 75/-
- 054 आधुनिक राजनीतिक चिन्तन का इतिहास (वेन्थम से वर्तमान)/डॉ. बी. एल. फड़िया 160/-
- 056 पाश्चात्य राजनीतिक चिन्तन का इतिहास (प्लेटो से मार्क्स)/डॉ. बी. एल. फड़िया 190/-
- 057 अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति/डॉ. बी. एल. फड़िया 270/-
- 061 अन्तर्राष्ट्रीय कानून/डॉ. बी. एल. फड़िया 200/-
- 068 अन्तर्राष्ट्रीय सम्बन्ध/डॉ. बी. एल. फड़िया 150/-
- 084 आधुनिक राजनीतिक सिद्धान्त/डॉ. फड़िया 170/-
- 085 भारतीय शासन एवं राजनीति/जैन व फड़िया 275/-
- राजनीतिक समाजशास्त्र/डॉ. जैन एवं फड़िया 70/-
- तुलनात्मक शासन राजनीति/जैन व फड़िया 125/-
- 425 राजनीतिक चिन्तन का इतिहास/प्रो. मेहता 150/-
- 065 आधुनिक भारतीय सामाजिक एवं राजनीतिक चिन्तन/डॉ. बी. एल. फड़िया 120/-
- 470 भारतीय राजनीतिक विचारक/डॉ. जैन 100/-

लोक प्रशासन

- 795 Public Administration in India/Dr. B L. Fadia 100/-
- 780 Elements of Public Administration/Dr. Fadia 120/-
- 715 Administration Theory/Dr. B. L. Fadia 100/-
- 559 उच्चतर लोक प्रशासन/डॉ. फड़िया 350/-
- 059 लोक प्रशासन/डॉ. बी. एल. फड़िया 270/-
- 060 भारत में लोक प्रशासन/डॉ. फड़िया 200/-

भूगोल

- 298 भारत का वृहत् भूगोल/डॉ. मामोरिया 270/-
- 303 मानव भूगोल/डॉ. चतुर्भुज मामोरिया 220/-
- 305 एशिया का भूगोल/मामोरिया एवं अग्रवाल 100/-
- 312 भौगोलिक चिन्तन एवं विधि-तन्त्र/जैन 160/-

समाजशास्त्र प्रो. गुप्ता एवं शर्मा

- 096 समाजशास्त्र 375/-
- 892 समाजशास्त्र 270/-
- 094 भारतीय ग्रामीण समाजशास्त्र 140/-
- 095 सामाजिक मानवशास्त्र 125/-
- 097 समकालीन समाजशास्त्रीय सिद्धान्त 150/-
- 460 भारतीय समाज 110/-
- 105 भारतीय समाज एवं सामाजिक संस्थाएं 90/-
- 135 भारतीय सामाजिक समस्याएं 95/-
- 134 सामाजिक अन्वेषण की सर्वेक्षण पद्धतियां 70/-
- 742 मानव आनुवंशिकशास्त्र/ डॉ. पटैरिया 120/-

अर्थशास्त्र

- 164 अन्तर्राष्ट्रीय अर्थशास्त्र/डॉ. जी. सी. सिंघई 125/-
- 165 समष्टि अर्थशास्त्र/डॉ. जी. सी. सिंघई 150/-
- 166 मौद्रिक अर्थशास्त्र/डॉ. जी. सी. सिंघई 150/-
- 179 सांख्यिकी के सिद्धान्त/डॉ. शुक्ल एवं सहाय 330/-
- 196 विकास का अर्थशास्त्र एवं नियोजन/शर्मा, सिंघल 200/-
- 224 श्रम अर्थशास्त्र एवं औद्योगिक सम्बन्ध/ भगोलीवाल 160/-
- 225 लोक वित्त/डॉ. एस. के. सिंह 165/-
- 251 औद्योगिक अर्थशास्त्र/डॉ. कुलश्रेष्ठ 160/-
- 259 भारतीय अर्थशास्त्र/डॉ. मामोरिया एवं जैन 150/-
- 269 उच्च आर्थिक सिद्धान्त/वंसल एवं अग्रवाल 200/-
- 270 व्यष्टि अर्थशास्त्र/डॉ. वंसल एवं अग्रवाल 190/-
- 275 आर्थिक चिन्तन का इतिहास/चतुर्वेदी 120/-
- 278 राजस्व/डॉ. जे. सी. वार्ष्णेय 160/-
- 599 जनांकिकी/डॉ. जे. पी. मिश्रा 125/-
- 813 कृषि अर्थशास्त्र/डॉ. जे. पी. मिश्रा 150/-

इतिहास

- 322 भारत का राजनीतिक एवं सांस्कृतिक इतिहास (प्रारम्भ से 1526 ई.)/डॉ. मित्तल 165/-
- 571 भारत का राजनीतिक एवं सांस्कृतिक इतिहास (1526 से 1950 ई.)/डॉ. मित्तल 170/-

वाणिज्य

145 Income Tax Law & Practice/Dr. Mehrotra & Goyal 360/-
206 Cost Accounting/Prof. M. L. Agarwal 200/-
222 Economics of Labour & Industrial Relations Dr. Bhagoliwal 140/-
223 Personnel Management & Ind. Relations Dr. Bhagoliwal 175/-
237 Business Administration & Management Dr. Saxena 180/-
238 Principles & Practice of Management Dr. Saxena 90/-
A124 Accounting for Managerial Decision/ Dr. S. P. Gupta 200/-
249 Management Accounting/Dr. S. P. Gupta 200/-
266 Principles of Management Accounting Manmohan & Goyal 165/-
A128 Corporate Financial Accounts/ Dr. S. M. Shukla 160/-
947 Accounting and Finance (M.C.A. & M.B.A.) Dr. S. M. Shukla 135/-
378 Advanced Accountancy/Dr. S. M. Shukla 375/-
454 निगमित कर नियोजन एवं प्रबन्ध डॉ. मेहरोत्रा एवं गोयल 100/-
785 प्रत्यक्ष कर एवं अप्रत्यक्ष कर डॉ. मेहरोत्रा एवं गोयल 100/-
154 कर प्रबन्ध/डॉ. मेहरोत्रा एवं गोयल 140/-
155 आयकर एवं कर नियोजन/डॉ. मेहरोत्रा 330/-
719 उच्च व्यावसायिक सांख्यिकी डॉ शुक्ल एवं सहाय 225/-
263 सांख्यिकीय विश्लेषण /डॉ. शुक्ल एवं सहाय 240/-

720 परिमाणात्मक तकनीकें /शुक्ल एवं सहाय 225/-
193 उच्चतर अंकेक्षण/डॉ. टी. आर. शर्मा 100/-
208 परिव्यय लेखांकन/प्रो. एम. एल. अग्रवाल 250/-
239 व्यवसाय प्रशासन एवं प्रबन्ध/डॉ. सक्सेना 150/-
240 प्रबन्ध के सिद्धान्त/डॉ. एस. सी. सक्सेना 130/-
248 प्रबन्धकीय लेखाविधि/एस. पी. गुप्ता 250/-
A088 प्रबन्धकीय निर्णयों हेतु लेखांकन/गुप्ता 270/-
252 भारत में उद्योगों का संगठन, प्रबन्ध एवं वित्त/ कुलश्रेष्ठ 160/-
A093 वित्तीय प्रबन्ध/डॉ. एस. पी. गुप्ता 100/-
638 प्रबन्ध (अवधारणा एवं संगठनात्मक व्यवहार) 125/-
253 विपणन प्रबन्ध/डॉ. एस. सी. जैन 135/-
274 प्रबन्धकीय अर्थशास्त्र डॉ. शर्मा एवं केजरीवाल 125/-
717 उच्चतर व्यावसायिक अर्थशास्त्र डॉ. अनुपम अग्रवाल 120/-
277 बाजार व्यवस्था/डॉ. शर्मा एवं जैन 90/-
279 सेविवर्ग प्रबन्ध एवं औद्योगिक सम्बन्ध डॉ. मामोरिया 180/-
386 एडवान्स्ड एकाउण्टैन्सी/डॉ. एस. एम. शुक्ल 410/-
398 वित्तीय लेखांकन/डॉ. एस. एम. शुक्ल 220/-
421 भारतीय कम्पनी अधिनियम/डॉ. शुक्ल 120/-
489 उच्चतर कम्पनी लेखांकन/डॉ. शुक्ल 240/-
A086 निगमित वित्तीय लेखांकन/शुक्ल एवं गुप्ता 185/-

साहित्य प्रतियोगिता भवन

Hospital Road, Agra-3 Tel. 2151665 www.sbpagra.com

☎ Kanpur 321191; Lucknow 2270019; Allahabad 2461043; Gorakhpur 2344862; Meerut 2640540; Jaipur 2327405, 2564452; Udaipur 2421577, 2421375; Jodhpur 2626797; Gwalior 2325179; Bhopal 2543480; Indore 451933, 2454372; Jabalpur 2655306; Raipur 2227343; Patna 22654[illegible] [illegible]i 301387; Nagpur 2526191; Rohtak 253217; Delhi 23918332

अणुशस्त्र एवं परमाणु शस्त्र

एक अन्य अध्ययन के अनुसार विश्व में 40 हजार 640 अणुशस्त्र हैं। प्रत्येक शस्त्र की क्षमता किसी भी शहर को एक ही झटके में समतल बनाने की है। एक ही शस्त्र से लाखों की हत्या की जा सकती है। यह शस्त्र इतना छोटा होता है कि इस ट्रक के पीछे लाद कर ले जाया जा सकता है। आतंकवादियों के लिए इस तरह का अणु यंत्र काफी उपयोगी सिद्ध हो सकता है। रूस–अमरीका सहमती के अनुसार प्रतिवर्ष 2000 अणुशास्त्रों को नष्ट किया जाना चाहिए। लेकिन इस कार्य की प्रगति काफी धीमी है। स्टार्ट संधि के अनुसार परमाणु अस्त्र–शस्त्रों का निर्माण व संग्रह नहीं होना चाहिए। अणु शक्ति संयंत्रों व अन्य सुवधिाओं का निरीक्षण होते रहना चाहिए। विश्व के कतिपय देशों के पास उपलब्ध सैकड़ों टन प्लूटोनियम और उच्च किस्म का हजारों टन यूरेनियम को नष्ट कर दिया जाना चाहिए। रासायनिक व जैविक हथियारों को भी इसी श्रेणी में रखा जाना चहिए। इस कार्यक्रम के क्रियान्वयन पर दस वर्ष की अवधि में करीब 70 बिलियन डालर व्यय होंगे। यदि यह कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हो जाता है तो विश्व काफी हद तक भय मुक्त हो सकता है। आतंकवादी हमलों का भय भी समाप्त हो सकता है। (स्रोतः एलीमिनेट न्यूक्लियर वेपन्स)

1945 में जापान के नागसाकी और हीरोशिमा नगरों परमाणु बमों के विस्फोट के पश्चात अब तक संयुक्त राज्य अमरीका ने परमाणु युद्ध का सामना करने के लिए सभी प्रकार के सत्तर हजार से अधिक परमाणु शस्त्रों का उत्पादन किया है। इन शस्त्रों को आवश्यकता के अनुसार सामरिक ठिकानों पर तैनात भी किया गया है। विभिन्न अनुमानों के अनुसार इन शस्त्रों के निर्माण में पचास खरब डालर से अधिक का व्यय हुआ है। (स्रोतः बकिंग्स इंस्टीट्यूट प्रेस द्वारा प्रकाशित पुस्तकः एटोमिक ओडिट–1998)

अन्य विभिन्न प्रकार के अध्ययनों के अनुसार फरवरी 2003 तक विश्व के प्रमुख आठ देशों के पास व्यापक विनाशक किस्म के 21 हजार से अधिक परमाणु शस्त्रों का जखीरा हो चुका है। आंकड़ों के अनुसार आठ देशों की स्थिति इस प्रकार हैं:

देश	संदिग्ध सामरिक परमाणु शस्त्र	असंदिग्ध सामरिक परमाणु शस्त्र	कुल परमाणु शस्त्र
चीन	250	120	370
फ्रांस	350	0	350
भारत	60	?	60
इजराइल	100–200	?	200
पाकिस्तान	24–48	?	24–48
रूस	6000	4000	10,000
ब्रिटेन	180	5	185
अमरीका	8646	2010	10656

(रूस के पास 15 हजार परमाणु शस्त्र होने तक का अनुमान है सेन्टर फोर डिफेंस इन्फारमेशन, अमरीका) स्रोतः सीडीआईः न्यूक्लियर इस्यूज

के भाव जगे हैं। जाहिर है, शासन मनुष्यों और संपत्ति व भूमि पर ही किया जा सकता है। यदि किसी समाज या देश के पास पर्याप्त मात्रा में प्राकृतिक या मनुष्य जनित संपत्ति नहीं होगी तो क्या वह किसी के आक्रमण का शिकार हो सकता है? यदि इराक के पास तेल की विशाल सपदा नहीं हुई होती तो क्या अमरीका और उसके गठबंधन की सेनाए सद्दाम के देश को दो दो बार रौंदती? स्पष्ट है, वे ऐसा नहीं करती। युद्ध के आधारभूत कारकों में 'आर्थिक कारक' प्रत्यक्ष व परोक्ष रूप से काफी हद तक निर्णायक भूमिका निभाता आया है। यह अलग बात है कि युद्धों के कारक काल, परिस्थिति, समाज की विकास अवस्था और तकनोलोजी के अनुसार बदलते रहते हैं, पौराणिक काल में धर्म–अधर्म व नीति–अनीति प्रमुख कारक रहे, जबकि ऐतिहासिक कालों में साम्राज्यवादी महत्वाकांक्षा, स्वाधीनता, लोकतंत्र, समतावादी न्यायवादी व्यवस्था की स्थापना, सैन्य एकाधिकारवाद, भूमंडलीय सर्वस्ववाद, नवउपनिवेशवाद जैसे कारक महत्वपूर्ण है। प्रायः कहा जाता है कि 'युद्ध शक्ति का एक ऐसा कृत्य है जो कि हमारे शत्रु को हमारी इच्छा के अनुसार कार्य करने के लिए विवश करता है।' यह कथन युद्ध की परिणात्मक दृष्टि से सटीक है, लेकिन यह इसके संपूर्ण सत्य को उजागर नहीं करता है। प्रत्येक युद्ध के जरिये आर्थिक, सामरिक और राजनीतिक लक्ष्यों को प्राप्त किया जाता है। युद्ध, राज्य या समूह के नेतृत्व के हाथों में एक अंतिम हथियार है जिसका वह शेष सभी विकल्पों के समाप्त होने के बाद प्रयोग करता है। कई सौ वर्ष पहले एक चीनी दार्शनिक ने कहा था कि सबसे बड़ा व प्रभावशाली युद्ध वह होता है जो बिना किसी अस्त्र–शस्त्र के लड़ा जाए। इसका सीधा अर्थ यह हुआ कि शस्त्र आधारित युद्ध से पहले शस्त्रविहीन युद्ध का सहारा लेना चाहिए अर्थात् 'कूटनीतिक युद्ध' का प्रयोग करना चाहिए। मिथकीय या पौरणिक युद्धों–रामायण और महाभारत में भी राम व कृष्ण ने पहले कूटनीति के माध्यम से ही संग्रामों को टालने के प्रयास किये थे। कूटनीतिक युद्ध के विफल होने के पश्चात ही वास्तविक युद्ध के विकल्प को अपनाया गया। 18वीं–19वीं सदी के युद्ध इतिहास विशेषज्ञ क्लाउजविट्ज का मत था कि 'युद्ध केवल राजनीति की निरंतरता है जिसे दूसरे माध्यम (यानी हिंसा) से जारी रखा जाता है।' उनका तर्क था कि चूंकि राजनीति संपूर्ण समाज के हितों का प्रतिनिधित्व करती है इसलिए युद्ध के माध्यम से उसकी

निरंतरता बनाई रखी जाती है। लेकिन, इस युद्ध विशेषज्ञ की सबसे बड़ी दिक्कत यह है कि वह यह नहीं देख सका कि राजनीति संपूर्ण राज्य या समाज का प्रतिनिधित्व नहीं करती है, बल्कि उन शक्तियों का प्रतिनिधित्व करती है जोकि उस समय सत्तारूढ़ होती हैं। यह सोचना गलत होगा कि 1991 और 2003 में इराक पर अमरीकी आक्रमणों में

भारत–पाक परमाणु शक्ति दौड़

भारत

1948: यूरेनियम अयस्क के लिए एटोमिक ऊर्जा आयोग की स्थापना।

1956: 40 मेगावाट परमाणु ऊर्जा उत्पादन के लिए भारत के प्रयास पूर्ण–'कनाडा–भारत रिएक्टर, अमरीका' शोध रिएक्टर का निर्माण। अमरीका/द्वारा 'हैवी वाटर' की आपूर्ति।

1958: भारत ने अपने दम पर ट्राम्बे प्लूटोनियम रीप्रोसेसिंग के क्षेत्र में प्रवेश किया। यह दोहरी सुविधा थी–नागरिक कार्यो के साथ साथ परमाणु हथियारों के निर्माण में भी इसका उपयोग संभव था।

1964: ट्राम्बे में प्रथम प्लूटोनियम रिपोसेसिंग संयंत्र की शुरुआत।

1965: आयोग के अध्यक्ष डा. होमी भाभा द्वारा परमाणु विस्फोट परियोजना का प्रस्ताव। अब तक घोषित पांच परमाणु शक्ति सम्पन्न देशों में से एक चीन द्वारा प्रथम परमाणु यंत्र का विस्फोटन। भारत–पाक युद्ध के पश्चात अमरीका द्वारा भारत से सैनिक सहायता वापस।

1966: भारत द्वारा 18 महीनों के भीतर परमाणु हथियारों के उत्पादन की घोषणा।

1968: 'नोन–प्रोलीफेरेशन संधि' (एनपीटी) की प्रक्रिया समाप्त। भारत द्वारा इस पर हस्ताक्षर करने से इंकार।

1969: फ्रांस 'ब्रीडर रिएक्टर' के विकास में भारत को सहयोग देने को तैयार

1974: भारत पहली बार 15 किलोटन्स का परमाणु यंत्र विस्फोट करता है–पोकरण में। शांतिपूर्ण कार्यो के लिए। कनाडा अपना सहयोग स्थगित करता है।

1976: तत्कालीन सोवियत संघ भारत को 'हैवी वाटर' की आपूर्ति करने वाला प्रमुख देश बन जाता है।

1980: इस दशक में भारत ट्राम्बे और मैसूर में 'यूरेनिटम एनरिचमेंट संयंत्र' का निर्माण करता है।

1991: भारत और पाकिस्तान के बीच एक दूसरे के परमाणु ठिकानों पर हमला न करने का समझौता।

1997: भारत द्वारा सुपर कंप्यूटर प्रौद्योगिकी के विकास की घोषणा। इस प्रौद्योगिकी का परमाणु हथियारों के परीक्षण में प्रयोग किया जा सकता है।

1998: भारत द्वारा रुस के साथ शांतिपूर्ण कार्यों के लिए दो 1000 मेगावाट न्यूक्लियर रिएक्टरों के निर्माण के लिए सौदे की घोषणा।

1998: (मई-11 व 13) भारत द्वारा पोकरण में पांच भूमिगत परमाणु विस्फोट परीक्षण और 'परमाणु शक्ति राज्यों' की श्रेणी में शामिल होना।

पाकिस्तान

1972: 1971 के भारत–पाक युद्ध में ऐतिहासिक शिकस्त व बंगलादेश के निर्माण के पश्चात शेष बचा पश्चिमी पाकिस्तान गुप्तरूप से परमाणु हथियार कार्यक्रम पर काम शुरु कर देता है, कराची में परमाणु शक्ति संयंत्र की स्थापना, कनाडा द्वारा रिएक्टर और हैवी वाटर व उत्पादन सुविधा की सप्लाई।

1974: पश्चिमी शक्तियों द्वारा पाकिस्तान को परमाणु वस्तुओं के निर्यात पर रोक।

1975: जर्मनी में प्रशिक्षित डा. अब्दुल कादीर खान की स्वदेश वापसी के बाद कहुटा यूरेनियम एनरिचमेन्ट सुविधाओं पर काम शुरु।

1976: कनाडा द्वारा कराची संयंत्र को सप्लाई बंद

1977: जर्मनी द्वारा विभिन्न जरूरी वस्तुओं की सप्लाई। अमरीका द्वारा पाकिस्तान को आर्थिक व सैन्य मदद पर रोक।

1978: फ्रांस द्वारा चश्मा प्लूटोनियम संयंत्र को सप्लाई रद्द।

1979: पाकिस्तान कहुटा संयंत्र के लिए उपक्रमों को आयात करता हुआ पकड़ा जाता है। अमरीका द्वारा आर्थिक प्रतिबंधों की घोषणा।

1986: पाक–चीन समझौता–शांतिपूर्ण कार्यो के लिए परमाणु शक्ति का प्रयोग।

1987: पाकिस्तान द्वारा पश्चिमी जर्मनी से 'ट्रीटियम शुद्धिकरण' की प्राप्ति।

1989: चीन के सहयोग से ए 27–किलोवाट शोध रिएक्टर का निर्माण।

1990: भारत के साथ नये युद्ध की आशंका से ग्रस्त पाकिस्तान विभिन्न परमाणु हथियारों के लिए 'बीजकोष' बनाना शुरु कर देता है।

1993: स्टोकहोम अन्तरराष्ट्रीय शांति व अनुसंधान संस्थान द्वारा पाकिस्तान में '14 हजार यूरेनियम एनरिचमेंट सेंटीफ्यूजेस' की स्थापना का जानकारी देना। जर्मन कस्टम अधिकारी करीब 1000 गैस संट्रीफयूजेस जब्त करते हैं जोकि पाकिस्तान भेजे जा रहे थे।

1996: पाकिस्तान चीन से 5000 रिंग मेगनेट खरीदता है। इसका इस्तेमाल यूरेनियम इंरिचमेंट में किया जाता है।

1998: भारत के विस्फोटों के प्रतिक्रिया स्वरूप पाकिस्तान भी परमाणु विस्फोट करता है।

(स्रोतः एपी, न्यूयार्क टाइम्स, मई 28, 1

CHILDREN'S EDUCATION SOCIETY (REGD.)

THE Oxford EDUCATIONAL INSTITUTIONS

THE OXFORD EDUCATIONAL INSTITUTIONS

I Phase, J.P. Nagar, Bangalore - 560 078, Karnataka, India.
Tel:080-6552500-04 (5 lines) 6630855, Fax: 080-6548658.
E-mail : oxford@vsnl.net Website : www.theoxford.edu

S. NARASA RAJU
CHAIRMAN.

The Oxford Educational Institutions in J.P. Nagar, Bangalore-78, under the banner of "Children's Education Society" spearheaded by its Chairman Shri S. Narasaraju, have achieved phenomenal growth in the field of Education. Started in 1974 with two teachers and 24 students, today it has more than 10,000 students studying in the Oxford Institutions in various courses of Medical, Paramedical, Engineering, Nursing, Pharmacy, Management, Science, Arts, Commerce and at various levels including P.G. The institutions established in a sprawling area of 12.5 acres has more than 10 lakh sq. ft. built-up area in Bangalore. The Dental college built over an area of 2.50 lakh sq. ft. is considered as the biggest Dental college in Asia, according to Mr. Ramesh Raju, Director of the institutions. Today there are more than 2000 qualified teaching faculty and administrative staff in

Apart from good hostel facilities for both boys and girls, the other amenities include transportation with a fleet of more than 25 buses. Discipline is the most important value practised in Oxford institutions towards safety and security of the students. According to its Chairman Mr. Narasaraju, their goal in Education is to motivate people who are creative and have a sense of responsibility, dedication, character and moral values. Their teaching methodology includes incorporation of human values, up-to-date knowledge, ethical practices, behavioural excellence, personality development and communication skills. Besides, a patriotic and humanitarian outlook based on service and sacrifice is emphasised time and again. Mr. Narasaraju is the recipient of Rajiv Gandhi National Award for the excellent service rendered in the field of Education.

The institutions offer courses from Kindergarten to Post graduation under various disciplines. Among the higher education courses, they offer B.E., M.B.A., M.C.A. (Visveswaraiah Technological University, Belgaum). M.D.S., B.D.S., Diploma courses in Dental Mechanics, Dental Hygienist's, X-Ray Technician's, Medical Lab Technician's course Bachelor of Physiotherapy (B.P.T.), Diploma in General Nursing and Midwifery course, P.C.B.Sc. Nursing, B.Sc. Nursing M.Sc.Nursing in Medical Surgical Nursing, Psychiatric Nursing and OBG Nursing, B. Pharma, D. Pharma (Rajiv Gandhi University of Health Sciences). M.C.A., M.Sc.Microbiology, M.Sc.Bio-technology, M.Sc.Bio-chemistry B.Sc.Computer Science in PMCs and EMCs, B.Sc.Electronics, B.Sc.Microbiology, B.Sc.Biotechnology B.Sc. Biochemistry, B.Sc.Genetics, B.Sc.Fashion & Apparel Design, L.LB., B.C.A., M.B.A., B.B.M., B.Com(Compute Science), M.T.A., B.H.M.(Bangalore University). Diploma in Engineering in branches viz., Electronics & Communication Computer Science, Information Science & Technology (Information Technology), Instrumentation Technology in Electronics (Instrumentation and Control), Civil, Mechanical, Automobile, Modern Office Practice (Commercial Practice), besides PUC in Science, Commerce and Arts combinations.

Bangalore has been attracting hundreds of students from across the country for higher education. High Standards of education facilities, Climatic & Social conditions are the main factors influencing students coming from outstation for higher studies to Bangalore. According to Mr. Narasaraju, Bangalore being the "Silicon Valley" of India, is one of the fastest growing Metropolitan cities in India in terms of Industrial growth and establishment of premier Educational institutions. The Oxford Educational Institution has many Gujarati Students studying in various courses.

संपूर्ण अमरीकी जनता की सहमति थी। यदि ऐसा होता तो प्रथम युद्ध के पश्चात हुए चुनावों में वर्तमान राष्ट्रपति बुश के पिता वा तत्कालीन राष्ट्रपति वरिष्ठ बुश चुनाव नहीं हारते। इराक की जमीन पर अमरीका की दूसरी विजय (अप्रैल, 2003) के बावजूद, जूनियर जार्ज बुश की लोकप्रियता बढ़ी नहीं है। यही स्थिति ब्रिटेन के प्रधानमंत्री टोनी ब्लेयर की है। उनकी लोकप्रियता निरंतर घटती जा रही है और सत्तारूढ़ लेबर पार्टी में ही उनका विरोध बढ़ा है।

पिछले दो–ढाई हजार वर्षों में जितनी भी ऐतिहासिक युद्ध (साम्राज्यवादी, विस्तारवादी व उपनिवेशवादी युद्ध अभियान: सिकंदर से लेकर मुगलों व अंग्रेजों व पुर्तगालियों तक और अमरीकी क्षेत्रों–उत्तर व दक्षिण अमरीका में वहां के मूल निवासी रेड इण्डियनों के विरुद्ध स्पेन, ब्रिटेन तथा अन्य श्वेत देशों के सदियों तक चले युद्ध अभियान) क्या उनमें आक्रामक देशों की जनता की सहमति थी? शासक वर्ग हमेशा अपने हितों को 'जनता के हितों' या 'राष्ट्र के हितों' के रूप 'प्रोजेक्ट' करता है। इसके लिए सभी प्रकार के प्रचारतंत्रों का सहारा लिया जाता है। फलस्वरूप जनता यह समझ नहीं पाती है कि उसके वास्तविक हितों और शासक वर्ग के हितों में कहां अंतर है? इस संबंध में एक घटना का उल्लेख प्रासंगिक रहेगा। 16 दिसंबर, 1971 को पाकिस्तानी सेनाओं के आत्मसमर्पण के पश्चात स्वतंत्र बंगलादेश अस्तित्व में आ चुका था। मुक्त बंगलादेश की स्थापना के पश्चात में जनवरी, 1972 के सप्ताह में ढाका से लौटा था। लौटने के पश्चात तब की ीर साप्ताहिक पत्रिका 'दिनमान' के चिंतक संपादक व रघुवीर सहाय ने अपने संपादकीय कक्ष में मुझसे कहा था कि भारत के कतिपय सीमेंट, स्टील और कोयला उद्योगपति व व्यापारी चाहते थे कि भारत–पाक युद्ध लंबा चले और तत्कालीन पूर्वी पाकिस्तान की अधिक से अधिक बर्बादी हो। क्योंकि वे युद्ध समाप्ति के पश्चात वे बंगला देश के पुनर्निर्माण में भारी मुनाफा कमाने की योजना बना रहे थे: जितनी ज्यादा तबाही उतनी अधिक कमाई! इराक के पुनर्निमाण के मामले में ऐसे 'मंसूबे' व 'कुचक्र' अब जग जाहिर हो चुके हैं। यह सर्वविदित है कि अमरीकी बहुराष्ट्रीय कंपनियों में इराक में ठेकों को लेकर होड़ मची हुई है। युद्ध में अमरीका का सहयोगी राष्ट्र ब्रिटेन इससे नाखुश है कि उसे ठेकों में उचित हिस्सा नहीं मिला है। भारत से भी कहा गया था कि उसे भी कुछ हिस्सा मिल सकता है। संसद में इस पर चर्चा भी हुई थी। राज्यसभा में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अर्जुन सिंह की इस पर बड़ी सटीक लेकिन आक्रोश से भरी मार्मिक टिप्पणी थी, 'क्या भारत को इराक में गिद्धों की दावत में शामिल होने के लिए जाना चाहिए?' संक्षेप में, युद्ध के चरित्र सीधा संबंध तत्कालीन राजसत्ता की अर्थ–राजनीति से होता है। मिसाल के लिए, द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान जब नाजी नेता हिटलर ने तत्कालीन सोवियत संघ पर आक्रमण किया तो उसके तीसरे दिन तत्कालीन अमरीकी राष्ट्रपति हैरी ट्रूमेन की विचित्र टिप्पणी थी कि, 'यदि हमें दिखाई दिया जर्मनी जीत रहा है तो हमें रूस की सहायता करनी चाहिए और यह लगा कि रूस जीत रहा है तो हमें जर्मनी को सहायता देनी चाहिए और यह देखना चाहिए कि वे इस तरह से जितना संभव हो सके एक दूसरे को मार सकें।' राष्ट्रपति ट्रूमेन सोवियत संघ और जर्मनी, दोनों ही देशों में व्यापक तबाही चाहते थे ताकि युद्धोत्तर परिदृश्य में उन्हें और उनके सहयोगी देशों को दावत पर एकाधिकार' का मनवांछित अवसर मिल सके।

ईसा से करीब पांच शताब्दी पूर्व यूनानी दार्शनिक हिरेक्लिटस का युद्ध के महत्व के संबंध में विचार था कि यह सभी वस्तुओं का जनक है। 'युद्ध प्रौद्योगिक और आर्थिक विकास का प्रेरक है। आर्थिक साधन ही युद्ध के शक्ति–स्रोत है और प्रौद्योगिकी के उत्पाद ही युद्ध के शास्त्रास्त्र है।' मिथकीय युद्धों में भी आर्थिक साधन ने किसी न किसी रूप में अपनी भूमिका निभाई है। महाभारत को ही लें; अन्ततोगत्व पांच गांव अर्थात भूमि इस 18 दिवसीय महापौराणिक युद्ध का निर्णायक कारक सिद्ध हुई। भूमि का सीधा संबंध अ से है जोकि काल विशेष के संबंधित समूह या कबीला य समाज और राज्य व्यवस्था के चरित्र निर्धारण में महत्वपूर्ण या निर्णायक भूमिका निभाता आया है। महान इतिहासकार आर्नल्ड टोयनबी ने भी स्वीकार किया है कि युद्ध अतिरिक्त उत्पाद के बगैर संभव नहीं है। दूसरे शब्दों में जब किसी देश में अतिरिक्त उत्पाद (सरप्लस प्रोडेक्ट) पैदा करने की क्षमता नहीं होगी तो वह न युद्ध कर सकता है और न ही किसी दूसरे देश को उसके विरुद्ध युद्ध करने के लिए ललचा सकता है। टोयनबी के शब्दों में, 'यह निस्सन्देह सत्य है कि पिछले पांच हजार वर्ष के दौरान युद्ध मानव जाति के प्रमुख कार्यकलापों में से एक रहा है। हमने अपने अतिरिक्त उत्पाद का–अर्थात् केवल जीवन–निर्वाह के लिए या अपने आपको जीवित रखकर अपनी प्रजाति को विलुप्त होने से बचाये रखने के लिए जितना व्यय करना आवश्यक है उससे अधिक जो कुछ उत्पादन हम करते हैं उसका–एक बहुत बड़ा भाग युद्धों पर व्यय किया है। किन्तु निश्चित रुप से अतिरिक्त उत्पादन किये बिना युद्ध नहीं किया जा सकता क्योंकि युद्ध के लिए क के घंटों, खाद्य पदार्थों, कच्ची सामग्री और उद्योगों अनार्थिक उपयोग किया जाना आवश्यक है ताकि इस साम के शस्त्रों और दूसरे सैनिक साज–समान में परिवर्तित कि जा सके। जहां तक हमें ज्ञात है, दजला–फरात और नी नदियों की निचली घाटियों में जल–निकास तथा सिंचाई हो से पूर्व किसी भी मानव समुदाय के पास युद्ध करने यो अतिरिक्त उत्पाद नहीं था, और यह व्यवस्था लगभग 300 ईसा पूर्व से बहुत पहले पूर्ण नहीं हो पायी थी। सुमेरिया औ मिस्र की दृश्य कला में युद्ध के प्राचीनतम उपलब्ध चित्रण औ युद्ध संबंधी प्राचीनतम लिपिबद्ध अभिलेख भी लगभग इस काल के हैं। मैं इस निष्कर्ष पर पहुचा हूं कि युद्ध सभ्यता के प्रारंभ होने से पहले प्रारंभ नहीं हुए थे और, क्योंकि दोनों समकलीन हैं, अत: युद्ध सभ्यता के जन्मजात रोगों में से एक है।' लेकिन इस इतिहास ने यह भी स्वीकार किया है कि' युद्ध आगे चलकर और भी अधिक युद्धों को जन्म देते हैं। इतिहास हमें बताता है कि युद्ध द्वारा विवादों का सन्तोषजनक और स्थायी समाधान शायद ही कभी प्राप्त हुआ हो।' इसके ता उदाहरण है भारत–पाक युद्ध, दो दो खाड़ी युद्ध, अफगा युद्ध आदि। क्योंकि 'शत्रुतापूर्ण अन्तर्विरोधों के समाधान' के

है इसलिए अब यह युद्ध अपरिहार्य हो गया है। इसके पश्चात यह तर्क दिया कि उनकी सेनाएं इराकी जनता के लिए 'मुक्तिदात्री सेनाएं' हैं। हुसैन की तानाशाही के खात्मे के पश्चात उनकी सेनाएं स्वदेश लौट आएंगी। उनकी इराक में कोई सामरिक या अन्य प्रकार की महत्वाकांक्षाएं नहीं है। 10 अप्रैल, 03 को हुसैन-शासन काल के पटाक्षेप के चंद घंटों के भीतर ही राष्ट्रपति बुश ने अपने चरम अहम के शिखर से विश्व को ठेंगा दिखाते हुए घोषणा कर डाली की कि उनकी सेनाएं 'आक्कूपाइंग आर्मी' (कब्जा जमानेवाली सेनाएं) हैं, इसमें किसी को सन्देह नहीं रहना चाहिए। जब तक इराक में सामान्य स्थिति बहाल नहीं हो जाती है तब ये सेनाएं वहीं रहेगी। इस मिशन में चंद हफ्ते भी लग सकते हैं, महीने भी और साल भी। बुश ने दलील यह दी कि जब तक इराक में पूरी तौर पर लोकतंत्र की बहाली नहीं हो जाती है तब तक गठबंधन की सेनाओं का वहां रहना ठीक रहेगा। इस तरह से बुश और ब्लेयर ने युद्ध के मामले में कई गिरगिटी रंग बदले। आज जब अमरीका और ब्रिटेन के सैनिकों के खिलाफ छापामार युद्ध का दौर शुरु हो गया है तो लंदन व वाशिंगटन में घबराहट बढ़ने लगी है। अक्तूबर तक अमरीका के 90 से अधिक फौजी इराकी जनता के आक्रोश के शिकार हो चुके हैं। बगदाद में संयुक्त राष्ट्र का कार्यालय बम विस्फोट की चपेट में आ चुका है। बुश चाहते हैं कि भारत और दूसरे देशों की सेनाएं इराक पहुंचे और शांति सेना की भूमिका निभाते हुए अमरीकी सैनिकों की ढाल बनें। दूसरे शब्दों में, शांति सेनाओं की ओट में गठबंधन सेनाएं अपना कब्जा और अधिक मजबूत करें। लोकतंत्र के नाम पर तेल-खजाने पर एकाधिकार बना रहे। इसका दिलचस्प पहलू यह है कि स्वयं अमरीका की कुख्यात गुप्तचर एजेंसी सी.आई.ए. ने अक्तूबर 3, 2003 को अमरीकी संसद को सौंपी अपनी प्रारंभिक जांच रपट में यह स्वीकार किया है कि 'हमें अभी तक वास्तविक हथियारों (व्यापक जन संहार हथियार) का पता नहीं चला है।' अत: हथियारों के खोज मिशन को जारी रखने के लिए 600 मिलियन डालर की और मंजूरी दी जाए। वैसे अब तक इस काम पर 300 मिलियन डालर फूंके जा चुके है। बुश ने शर्म से बचने के लिए सीआईए से कहा था कि वह स्वयं भी इराक में व्यापक जनसंहार हथियारों का पता लगाये। इसके बाद डेविड के नेतृत्व में एक जांच दल गठित किया गया था। उक्त दल के यह शुरुआती रिपोर्ट थी।

वास्तव में बीती सहस्त्राब्दी का पर्याय है 'बहुआयामी अतिरिक्त उत्पादन और बहुरूपी युद्ध'। पिछले एक हजार सालों के युद्धों का इतिहास दर्शाता है कि इस अवधि में समाज में सरप्लस निर्माण में तेजी आई, सरप्लस के नये क्षेत्र अस्तित्व में आए, नये आविष्कार-नई प्रौद्योगिकी के विस्फोट हुए, राष्ट्रों में मूल व अतिरिक्त उत्पाद को हड़पने की बर्बर होड़ लगी, साम्राज्यवादी-उपनिवेशवादी युद्ध अभियान चले, व्यापक जन संहारक हथियारों का जन्म हुआ, और इसके समानान्तर मानव सभ्यता की जिजीविषा भी तीव्र हुई। इस सहस्राब्दी के शक्तिशाली गिद्धों ने अतिरिक्त उत्पाद पर कब्जा करने के लिए लाखों-करोड़ों इंसानों के कपालों से खून पीया, एशिया व अफ्रीका को रौंदा गया, इस्लामी व ईसाई साम्राज्य, बरतानिया साम्राज्य आदि ने युद्धों का नया इतिहास रचा, श्वे साम्राज्यवादियों (यूरोप के) ने अमरीकी क्षेत्रों के मू निवासियों (रैड इण्डियन्स के रूप में विख्यात) की संस्कृति सभ्यता-समाज का विध्वंस अभियान चलाया जिसमें लाख आदिवासियों के दशकों तक नरसंहार होते रहे, उत्त अमरीका और लातिन अमरीका की मूलनिवासी मानवता क 'अपमानवता' में रुपांतरित कर दिया गया और अन्तत: स्पेन फ्रांस, इंग्लैण्ड जैसे राष्ट्रों के श्वेत उपनिवेशी इस सीमां मानवता के समाजों के एकाधिपति के रूप में स्थापित हो गए हैं। युद्धों के माध्यम से इन्होंने उनका इतिहास हड़प लिया है अब केवल श्वेतों का इतिहास ही चमकता है। भारत में ईस्ट इण्डिया कंपनी की करतूतें इससे भिन्न नहीं रही हैं। य अलग बात है कि इस देश में बरतानिया उपनिवेशी भारतीय का सफाया अभियान नहीं चला सके।

बीती सहस्त्राब्दी युद्धों के कई रूपों की साक्षी रही है, थल व जल युद्ध से आकाशीय युद्ध; तीर-भाला-तलवार से लेक बंदूक तोप-मिसाइल युद्ध; और बारुद युद्ध से व रासायनिक-जीवाणु युद्ध से लेकर परमाणु बम विस्फोट तक। अब न सहस्त्राब्दी व 21वीं सदी मानवरहित युद्धों की साक्षी बनेगी युद्ध होंगे लेकिन सैनिकों के स्थान पर रोबोट सैनिक लड़ेंगे रोबोट युद्धों सैनिक नहीं मारे जाएंगे लेकिन नागरिक मारे जाएंगे। अमरीका में रोबोट सैनिकों के निर्माण पर काफी शोध कार्य चल रहा है। वियतनाम युद्ध से अमरीका ने सबसे बड़ा सबक यह लिया है कि वह हर कीमत पर अपने सैनिक की रक्षा करना चाहता है। क्योंकि मृतक या हताहत सैनिक जब अमरीका लौटता है तो व्हाइट हाउस सत्ता प्रतिष्ठान के विरुद्ध जनमत तैयार होने लगता है। दोनों खाड़ी युद्धों (1991 और 2003) की भयावहता को देखते हुए वियतनाम युद्ध की तुलना में इस बार अमरीका की जन-हानि नगण्य है। यदि व्यापक स्तर पर रोबोट सैनिक मानव सैनिकों का स्थान ले लेते हैं तो युद्ध में एक और आयाम जुड़ जाएगा। जापान में भी 'रोबोट डिफेंस सिस्टम' पर काम हो रहा है। रोबोट सैन्य क्षमता से लैस होने के बाद अमरीका, और अन्य सुपर समृद्ध देश विकासशील व निर्धन देशों के समक्ष एक और नई अभेद्य चुनौती खड़ी कर देंगे। गैर-समृद्ध देशों का नेतृत्व इस दौड़ में शामिल होने के लिए मचल उठेगा और देश के सीमित संसाधनों का इस्तेमाल रोबोट रक्षा सिस्टम के विकास में झोंक देगा। फलस्वरूप, जन कल्याण कार्यों को सैन्य तैयारियों का भार उठाना पड़ेगा। आज भी यही हो रहा है।

1990-2000 के बीच अधिकांश देशों का रक्षा बजट बढ़ा है वहीं उनका उनके जन कल्याणकारी बजटों में कटौती हुई है, शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र प्रभावित हुए हैं। ताज़ा आंकड़े बतलाते हैं कि इस बीते दशक में 173 देशों में से करीब 73-74 के रक्षा बजटों में वृद्धि हुई है। इसके विपरीत 50 देशों ने अपने सार्वजनिक क्षेत्र के अन्तर्गत शिक्षा-व्यय में कटौती की है और करीब 58 देशों के स्वास्थ्य व्यय में कमी आई है। यद्यपि, ऐसे देश भी हैं जिसका रक्षा बजट घटा है जन कल्याणकारी कार्यों का बजट बढ़ा है। कटौती व वृद्धि का सिलसिला चलता रहता है। बुनियादी सवाल यह है कि आखिर राष्ट्र राज्य की प्राथमिकताएं क्या होनी चाहिए-

सैन्य खर्च

विश्व के विभिन्न क्षेत्रों के देशों के सैन्य कार्यों पर व्यय

(अमरीकी डालर–विलियन)

क्षेत्र	1993	2002
महासागरीय	8 से कुछ कम	7 से कुछ ऊपर
मध्यपूर्व	50 से कुछ अधिक	70 से अधिक (2001)
उत्तरी अमरीका	350 से कुछ अधिक	400 से तनिक कम
पूर्वी एशिया	100	120 से तनिक अधिक
सेन्ट्रल अमरीका	3 से कम	3 से अधिक
दक्षिण अमरीका	20 से कम	20 से अधिक

स्रोतः सिपरी इयरबुक 2003

विश्व में सैन्य खर्चों पर 1998 से 2002 के बीच 6 प्रतिशत की वृद्धि हुई जोकि सभी देशों की सकल घरेलू उत्पाद का 2.5 प्रतिशत है। आज विश्व में प्रतिव्यक्ति 128 डालर सैन्य व्यय है। सैन्य खर्चों में वृद्धि का सबसे अधिक प्रतिशत अमरीका का है। शुद्ध अर्थों में पिछले वर्ष 10 प्रतिशत की वृद्धि हुई जिसकी वजह 11 सितंबर, 2001 की आतंकवादी घटना मानी जाती है। अमरीकी रक्षा बजट में 2009 तक निरंतर वृद्धि अपेक्षित है। ताजा आकलन के अनुसार विश्व सैन्य खर्च में अकेले अमरीका का प्रतिशत 43 है। इसके पश्चात जापान, ब्रिटेन, फ्रांस और चीन हैं जिनका विश्व में सैन्य कार्यों पर सबसे अधिक खर्च होता है। इसके पश्चात रूस और भारत का स्थान आता है। चेचनिया युद्ध व इससे जुड़ी आतंकवादी घटनाओं के कारण रूस के रक्षा बजट में भी करीब 12 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। भारत के सैन्य खर्चों में भी वास्तविक अर्थों में 9 प्रतिशत की वृद्धि हुई है जिसकी पृष्ठभूमि में पाकिस्तान और आतंकवादी घटनाएं हैं। चीन के रक्षा खर्चों में शुद्ध वृद्धि 18 प्रतिशत की है। इस वृद्धि का मुख्य कारण सैन्य सुधारों और क्षेत्रीय व वैश्विक शक्ति के रूप में स्वयं को स्थापित करने की महत्वाकांक्षा को माना गया है। इसके विपरीत जर्मनी तथा अन्य देशों ने सामान्य अर्थों में 2006 तक अपने सैन्य खर्चों को रोके रखा है। (स्रोतः सिप्री रिचर्स)

विश्व के प्रमुख सैन्य व्ययकर्ता राष्ट्रों का रक्षा बजटः 1. अमरीका–258.9; 2. जापान–51.2; 3. फ्रांस–46.8; 4. जर्मनी–39.5; 5. ब्रिटेन–31.8; 6. इटली–23.5; 7. रूस–22.4; 8. चीन–18.4; 9. द.कोरिया–15; 10. सउदी अरेबिया–14.5; 11. ब्राजील–14.3; 12. भारत–10.2; 13. तुर्की–9.6; 14. ताईवान–9.3; 15. स्पेन–8.7

नोटः 1995 के मूल्य और विनिमय दर के अनुसार। अमरिकी डालरः विलियन में। स्रोतः स्टॉकहोम इन्टरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट वार्षिक बुकः 2000

विगत चार वर्षों में चीन के रक्षा बजट में 12.7 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

मध्य और पूर्वी यूरोपीय देशों के रक्षा बजट में पिछले चार वर्षों में वृद्धि दर्ज हुई है। 1999 में 20 विलियन डालर से कम बजट था जोकि 2002 में इस सीमा को पार कर गया है।

विश्व के प्रमुख देशों में सकल घरेलू उत्पाद का रक्षा व्यय प्रतिशतः इज़राइल–8.4%; रूस 4.4% – अमरीका–4.2%; ब्रिटेन–3.6%; दक्षिण कोरिया–3.3%; श्रीलंका–3.3%; फ्रांस–2.5%; भारत–2.5%; आस्ट्रेलिया–2.1%; कनाडा–1.7%; ईरान–1.6%; चीन–1.2%; इंडोनेशिया–1.1%; ब्राजील–1.0%; जापान–1.0%; पाकिस्तान–उपलब्ध नहीं; सउदी अरब–उपलब्ध नहीं; जर्मनी–उपलब्ध नहीं। (स्रोतः पापूलेशन एण्ड डिफेंस एक्सपेंडीचर)

विश्व के कुख्यात सैन्य संधि संगठन नाटो का अपनी सैन्य गतिविधियों पर 2002 में 3 लाख मिलियन डालर से अधिक का सैन्य व्यय बजट था।

या विकास? इस प्राथमिकता को इस प्रकार भी पूछा जा सकता है–युद्ध क्यों व किस के लिए होना चाहिए और विकास किस के लिए व कैसा किया जाना चाहिए? इस संदर्भ में यह उल्लेखनीय है कि बीते दशक में भूमंडलीकरण की शक्तियों का विस्फोट हुआ है, प्रक्रिया तेज हुई है और इसी दौरान पहला खाड़ी युद्ध हुआ व दूसरे खाड़ी युद्ध की जमीन सींची गई व उपजाऊ बनाई गई। यह भी गौरतलब है कि 1993 से 2002 के बीच अधिकांश देशों के रक्षा बजट में वृद्धि हुई है? विश्व में सैन्य खर्चों पर 1998 से 2002 के बीच 6 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। इस वृद्धि दौड़ में अमीर और गरीब, दोनों ही देश शामिल हैं। उदाहरण के लिए अमरीका, फ्रांस, ब्रिटेन, आस्ट्रेलिया, कनाड़ा, डेनमार्क, इसराइल, कुवैत, सउदी अरब, साउथ अफ्रीका, स्पेन जैसे देशों के रक्षा–खर्चों में वृद्धि आंकी गई है वहीं भारत, पाकिस्तान, चीन, इंडोनेशिया, मलेशिया जैसे विकासशील देशों की रक्षा व्यय रेखा ऊपर की ओर मुंह उठाए हुए हैं। क्या यह सुखद स्थिति है? प्रथम खाड़ी युद्ध से ही दुनिया इलेक्ट्रोनिक युद्ध, राकेट व राबोट युद्ध की ओर बढ़ रही है। प्रथम खाड़ी युद्ध का संचालन प्रायः सेटेलाइटों के माध्यम से किया गया था। खाड़ी युद्ध में सैन्य अंतरिक्ष योजना के अन्तर्गत अमरीका ने 200 विलियन और फ्रांस व ब्रिटेन ने एक बिलियन डालरों का निवेश किया था। दरअसल, अंतरिक्ष से युद्ध जगत में एक और नया आयाम जुड़ गया है। कुछ समय पहले तक अमरीका ने सबसे खर्चीला 'स्टार वार' की योजना बनाई थी। अब

सके स्थान पर राष्ट्रीय डिफेंस सिस्टम योजना पर काम कया जा रहा है। संक्षेप में, समृद्ध राष्ट्रों के भावी समर सैनिक योद्धा होंगे सुदूर मानव नियंत्रित यंत्र व किरणें, और उनका सामना कर रहे होंगे गरीब व विकासशील राष्ट्रों के रक्त–मांस के असंख्य सैनिक। हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि आज भी विश्व के अधिकांश देश औद्योगिक व पूर्वऔद्योगिक युगीन सैन्य व्यवस्था में जी रहे हैं। उनके लिए इलेक्ट्रोनिक व अन्तरिक्ष युगीन युद्ध में प्रवेश का अर्थ होगा 'आत्महत्या' और भूख व उत्पीड़न के माध्यम से अपनी ही जनता का अकल्पनीय जनसंहार। समृद्ध देशों के चक्रव्यूह में आज गरीब व विकासशील देश तेजी से फंसते जा रहे हैं: एक ओर युद्ध प्रौद्योगिकी दिन–ब–दिन महंगी होती जा रही है, दूसरी ओर भूमंडलीकृत बाजार या उपभोक्ता युद्ध प्रतिपल तेज हो रहा है और औसत वंचित देश को अपनी गिरफ्त में ले रहा है। युद्ध–आतुर देश अमरीका में भी लोगों की स्थिति को सुखद नहीं कहा जा सकता है। अमरीका के 2003 वार्षिक जनगणना ब्यूरो की रिपोर्ट काफी चौंकाने वाली है। 26 सितंबर, 2003 के न्यूयार्क टाइम्स के अंक में प्रकाशित रिपोर्ट के निष्कर्ष से दुनिया को खबर मिलती है कि अमरीका में गरीबों की कतार में 17 लाख नये गरीब खड़े हो गये हैं। दूसरे शब्दों में युद्धोन्मादी और एकतरफावादी जार्ज बुश के देश में गरीबी की रेखा तले पिसनेवाले अमरीकियों की संख्या बढ़कर 3 करोड़ 49 लाख और 69 हजार हो गई है जोकि कुल आबादी की 12.1 प्रतिशत है। अतः बहुआयामी सैन्य और बहुआयामी बाज़ारवादी युद्ध, दोनों के पाटों के बीच है इस सदी की मानवता।

दोनों युद्ध किसी न किसी रूप में परस्परपूरक बनते रहे हैं। खिलौनों के माध्यम से बच्चों की युद्ध मानसिकता तैयार की जा रही है। ऐसे खिलौनों का व्यापक स्तर पर उत्पादन हो रहा है जिनका सीधा संबंध अत्याधुनिक हथियारों से है। हिंसक व आक्रामक प्रवृत्तियों पर आधारित वीडियो गेम और कंप्यूटर गेमों ने शिशु और किशोर मनों व दिमागों पर कब्जा जमा रखा है। विदेशी चैनलों पर पुनः 'वार मूवीज' दिखाई जा रही हैं। काल्पनिक इलैक्ट्रोनिक युद्ध पर आधारित फिल्मों का प्रदर्शन होता है। बच्चे और युवा, इन चीजों को अत्यंत चाव से देखते ही नहीं हैं बल्कि युद्ध के प्रति एक नई दृष्टि बनाते हैं; यह दृष्टि युद्ध से घृणा नहीं, लगाव सिखाती है; वास्तविक युद्ध की त्रासदियां मनोरंजनात्मक लगती हैं। इलैक्ट्रोनिक मीडिया ने भी इस मानसिकता के निर्माण में कम भूमिका नहीं निभाई है। कम से कम प्रथम खाड़ी युद्ध के चैनल कवरेजों ने इसे स्थापित कर दिया है। दूसरे के कवरेजों ने भी बच्चों और युवाओं को दहलाया नहीं है बल्कि उन्हें रोमांचक बनाया है। यद्यपि 1991 के कवरेज और 2003 के कवरेज में काफी अंतर रहा है।

ऐसा क्यों होता है? इसकी वजह है। जब तीन दशक पहले के वियतनाम युद्ध की एक सामान्य श्वेत–श्याम तस्वीर–नापाम बम की आग में झुलसती बच्ची–अमरीका समेत दुनियाभर की मानवता की आत्मा को चीर कर रख देती है और चारों ओर हाहाकार मच जाता है लेकिन दोनों खाड़ी युद्धों और अफगान युद्ध के दौरान ऐसा क्या नहीं हुआ? इसका सीधा कारण यह है कि मीडिया के लाइव टेलीकास्ट ने दर्शकों की संवेदनशीलता को ही 'इम्यून' बना दिया है। अब टीवी दर्शक वास्तविक युद्ध के दर्शकों को फिल्म की तरह देखते हैं। अमरीकी बहुचर्चित विश्लेषक एल्विन टोफ्लर की यह टिप्पणी सटीक ही कही जाएगी कि खाड़ी युद्ध में मीडिया स्वयं ही 'स्टार' बन गया था। उनका मत है कि वर्तमान संचार माध्यम वास्तविक घटनाओं के प्रति भी अवास्तविकता का बोध पैदा कर रहे हैं। जब खाड़ी युद्धों के दौरान सीएनएन समेत विभिन्न चैनल इराक के शहरों पर मिसाइलों–रोकटों का सही निशाने पर गिरना दिखलाया करते थे तब बच्चे–युवा सबसे अधिक रोमांचित हुआ करते थे। वे स्वयं ऐसे दृश्यों के हिस्से बन जाया करते थे। उनके भाव हुआ करते थे: वो मारा–वो काटा। गोया कि कोई रोकेट नहीं पतंगें लड़कर कट–पिट रही हैं। निःसंदेह चैनल रंगीन मीडिया ने युद्ध को पतंगबाजी के स्तर पर लाकर खड़ा कर दिया है। जब युद्ध से रोमांचकारिता फूटने लगे, रोमांचकारिता मनोरंजन का माध्यम बन जाए, तब युद्ध को 'कमोडिटी' (वस्तु) बनने से कौन रोक सकता है? और यह कमोडिटी शून्य में पैदा नहीं होती है और न ही रहती है। इसकी प्रथम और अंतिम जगह रहती है 'मार्केट या बाजार'? क्या बाजाराधिपति युद्ध का निर्णायक पटाक्षेप होने देंगे? इस सदी का यह यक्ष प्रश्न है। महाभारत के 18 दिवसीय युद्ध की समाप्ति के पश्चात पांडव विजेता धर्मराज युधिष्ठिर ने कौरवों के पराजित महाराज धृतराष्ट्र को युद्ध त्रासदी का विवरण देते हुए बतलाया था: महाराज! इस युद्ध में एक अरब, छाछठ करोड़ बीस हजार वीर मारे गये हैं। इनके सिवा चौदह हजार योद्ध अज्ञात हैं और दस हजार एक सौ पैंसठ वीरों का और भी पता नहीं है। इस असहनीय त्रासदी को सुनकर–देखकर दुर्योधन की माता व महारानी गांधारी ने महाभारत के सूत्रधार व अर्जुन के सारथी कृष्ण को शाप दिया था: हे कृष्ण! तुम भी अपने बन्धु–बान्धवों का वध करोगे। आज से छत्तीसवें वर्ष तुम भी बन्धु–बान्धव, मन्त्री और पुत्रों का नाश हो जाने पर एक साधारण कारण से अनाथ की तरह मारे जाओगे। आज जैसे ये भरतवंश की स्त्रियां विलाप कर रही हैं, उसी प्रकार तुम्हारे कुटुम्ब की स्त्रियां भी अपने बन्धु–बान्धवों के मारे जाने पर सिर पकड़ कर रोएंगे।' कृष्ण माता गांधारी के शाप को स्वीकार कर लेते हैं, और अंत में उसी नियति को प्राप्त होते हैं। यह सब कुछ मिथकीय है, और आधुनिक दिमाग को फंतासी लग सकती है। लेकिन अब दुनिया ने अपनी कोख में 1945 की नगासाकी व हिरोशिमा जैसे से कई हजारगुना त्रासदियां पाल रखी हैं। युद्धबाजों ने मानव सभ्यता की सुरक्षा के नाम पर कई हजार गुना शक्तिशाली परमाणु बमों का निर्माण कर रखा है जोकि इस दुनिया को एक बार ही नहीं, सात सात बार नष्ट कर सकते हैं। कुरुक्षेत्र के पौराणिक युद्ध में बहुत कुछ शेष रहता है: शाप देनेवाला, शाप ग्रहण करनेवाला, शाप भुगतनेवाले, और जीवन–प्रक्रिया व मानव सभ्यता का पुनर्सूत्रपात करनेवाले। लेकिन क्या परमाणु युद्धों के पश्चात 'शून्य' भी शेष रहेगा? तब क्या हमें युद्ध चाहिए? इसका फैसला हम सभी को करना है।

रेखांकित करते हुए कहा था कि 'यदि अमरीका का अंतिम लक्ष्य विश्व अधिष्ठात्री वनने का है तो उसे अरव के साथ साथ किरकुट से लेकर मस्कट तक के तेल की आवश्यकता (या अधिपत्य) होगी।' एकिंस अपने कथन को और खुलासा करते हुए कहते हैं कि 'विचारधारात्मक, साम्राज्यिक लक्ष्य और शेष तेल युग के लिए तेल याज़ारों पर अधिकार जैसे कार्य उसी जुआ रणनीति (शायद युद्ध) में अन्तरनिहित हैं। यदि हम इस पर अमल करते है, और सऊदी अरव में प्रवेश करते हैं तो हम इस ग्रहमाण्ड के स्वामी यन जाएंगे– (अर्थात्) अमरिकी परमसत्ता 'इससे अधिक अमरीका के 'अन्ततोगत्वा महत्वाकांक्षा' को कौन अभिव्यक्ति दे सकता है? राजनयिक एकिंस ने अमरीका की छुपी हुई महत्वाकांक्षा को उघाड़ कर रख दिया। एकिंस को अपनी स्पष्टवादिता के कारण 1976 में तत्कालीन चर्चित विदेश सचिव हैनरी कीसिंगर के क्रोध का सामना भी करना पड़ा था और अपने राजनयिक पद से हाथ धोना पड़ा था। सद्दामोत्तर इराक में हिंसा निरंतर उभार पर है, तकरीवन हर दिन अमरीका और ब्रिटेन की सेनाओं पर हमले हो रहे हैं जिसमें आक्रमणकारी सैनिक मारे जा रहे हैं। शहरी गुरिल्ला युद्ध का दौर शुरु हो चुका है। इससे राष्ट्रपति वुश की चिंताएं यढ़ रही हैं। अमरीकी जनता में उनकी लोकप्रियता दिन–य–दिन घटती जा रही है। सितंवर के तीसरे सप्ताह में सीएनएन द्वारा कराये गये मत–संग्रह के अनुसार राष्ट्रपति युश की लोकप्रियता घटी है, मार्च में युद्ध के दौरान वुश की लोकप्रियता 71 प्रतिशत और अगस्त में 60 [illegible]त थी जोकि गिरकर 50 प्रतिशत पर आ गई। जनमत के अनुसार इराक में अमरीकी सेनाओं की मौजूदगी से [illegible] खिन्न होते जा रहे हैं। वे युद्ध लक्ष्यों के प्रति सशंकित [illegible] अय केवल 50 प्रतिशत ही लोग ऐसे है जोकि इराक– को सही मानते हैं। इसके विपरीत सद्दाम हुसैन के तख्तापलट के समय 76 प्रतिशत अमरीकी युद्ध के पक्ष में थे। ब्रिटेन में प्रधानमंत्री व्लेयर की स्थिति भी इससे भिन्न नहीं है।

संयुक्त राष्ट्रमहासभा में राष्ट्रपति युश की विश्व समुदाय से गुहार (24 सित. 03) थी कि 'जो सरकारों आंतक की समर्थक हैं वे सभ्यता के विरुद्ध युद्ध में सहअपराधी भी हैं। किसी भी सरकार को आतंक के खतरे की अनदेखी नहीं करनी चाहिए क्योंकि इससे आतंकवादियों को पुर्नसंगठित होने तथा नये लोगों की भर्ती करने व तैयारी करने का अवसर मिल जाता है। इसलिए सभी देशों को अपने लोगों के जीवन के लिए आतंकवाद से लड़ना चाहिए और इससे वे इतिहास का अनुकूल निर्णय प्राप्त करेंगे।' लेकिन युनियादी सवाल यह है कि इतिहास सूत्रधार और इतिहासकार कौन हैं? वुश इस सवाल पर खामोश हैं। क्योंकि इराक युद्ध के मुद्दे पर वे खुद इतिहास के कठघरे में खड़े दिखाई देते हैं। यकौल विजेताओं आज इराक में शांति व लोकतंत्री की यहाली के लिए युद्ध लड़ा जा रहा है। लेकिन क्या युद्धखोरों द्वारा प्रायोजित शांति युद्ध इराकियों के दिल व दिमागों पर अपना अधिकार स्थापित कर सकेगा? क्या, यह इराकियों को उनके ही देश का स्वामित्व उन्हें दिला सकेगा, और क्या वहां सद्दामपूर्व का सामान्य जनजीवन लौट सकेगा? औसत इराकी के लिए ये अहम सवाल हैं जिनके 'प्रिज्म' से वह सद्दामोत्तर इराक में अमरीकी समर्थक राजनीतिक प्रयंध तंत्र को देख रहा है।

इराक में अमरीका के लिए व्यापक जनसंहार के हथियारों (वेपन्स आफ मास डेस्ट्रक्शन) का पता लगाना अभी तक केवल 'मृगमरीचिका' ही सिद्ध हुआ है। व्यापक जनसंहार के हथियारों के नाम पर अमरीका, ब्रिटेन और उसके दूसरे सहयोगी देशों ने विश्वभर में कोहराम मचा दिया था। पिछले दस वर्षों में अमरीकी गुट ने वार वार गुहार लगाई थी कि इराक के तानाशाह शासक सद्दाम हुसैन ने विषैली व जैविक हथियारों को छुपा कर रखा है। जब तक इन हथियारों को जब्त नहीं किया जाएगा तब तक संपूर्ण मानवता के लिए खतरा वना रहेगा। अमरीका की गुहार पर संयुक्त राष्ट्र ने कई यार अपने पर्यवेक्षक भेजे और इराक ने भी अपनी विस्तृत रपट संयुक्त राष्ट्र अधिकारियों को सौंपी। पर वुश–व्लेयर गिरोह इससे संतुष्ट नहीं हुआ और अन्ततः 20 मार्च, 08 को इराक को दबोच ही लिया। आइए इससे पहले के संयुक्त राष्ट्र की कवायदों पर सरसरी नज़र डालें।

इराक के संबंध में संयुक्त राष्ट्र के 1447 व 1441 (वर्ष 2002) के प्रस्ताव सवसे अधिक चर्चा में रहे हैं। इस प्रस्तावों की पृष्ठभूमि में 1990 में कुवैत पर इराकी कब्जा मुख्य कारण रहा है। क्योंकि कुवैत और सउदी अरेयिया ने संयुक्त रूप से संयुक्त राष्ट्र में अपील की थी कि इराक के आक्रामक इरादों से उनकी रक्षा की जाए। इसके बाद संयुक्त राष्ट्र ने अपने चार्टर के सातवें अध्याय के अनुसार कार्रवाई शुरु कर दी। अमरीका और आस्ट्रेलिया ने इस अध्याय के अनुच्छेद 51 के तहत आत्मरक्षा में इराक़ के खिलाफ 'प्री–एमप्टिव' हमले शुरु कर दिये। 2 अगस्त, 1990 में सुरक्षा परिषद ने अपने 660 वें प्रस्ताव के माध्यम से इराक कार्रवाई को अन्तर्राष्ट्रीय शांति के लिए खतरा घोषित किया और कुवैत से अपनी सेनाओं को वापस बुलाने का निर्देश दिया। लेकिन इराक द्वारा निर्देश की अस्वीकृति की स्थिति में परिषद ने 6 अगस्त 90 को पारित अपने 661 वें प्रस्ताव के माध्यम से इराक के विरुद्ध आर्थिक प्रतिवंध लगा दिये। 25 अगस्त को 665 वें प्रस्ताव के माध्यम से फारस की खाड़ी में तैनात नौ सेना के जहाजों को परिषद के नेतृत्व में आर्थिक नाकायंदी को लागू कराने के आदेश दे दिये गये। इसके याद निर्णायक घड़ी आई। 28 नवंवर 90 को अनुच्छेद 42 का प्रयोग और 678 वें प्रस्ताव के माध्यम से इराक के खिलाफ सैनिक कार्रवाई की घोषणा कर दी। उसे 15 जनवरी, 91 तक का समय दे दिया गया। लेकिन सद्दाम सत्ता ने इस समयावधि को मानने से इंकार कर दिया। इसके पश्चात वहुराष्ट्रीय सेनाओं ने इराक के खिलाफ अपनी सैन्य कार्रवाइयां आरंभ कर दी। इस कार्रवाई में वहुराष्ट्रीय सेनाओं ने इराक के भीतर ही शिया–सुन्नी से खुर्दीश जातीयता के लोगों के लिए उत्तरी इराक में एक प्रकार से 'सुरक्षित स्वर्ग' का निर्माण कर दिया। इस दृष्टि से संयुक्त राष्ट्र ने इराक के आंतरिक मामलों में सीधा हस्तक्षेप भी किया। यहुराष्ट्रीय सेनाओं के यल पर इस लक्ष्य की पूर्ति की गई। लेकिन अमरीका इससे संतुष्ट नहीं हुआ। सद्दाम के खिलाफ उसका हिंसात्मक वैर–भाव वना ही रहा। अय जनसंहार के हथियारों को लेकर शोर मचाना शुरु हो गया। लेकिन सितंवर के तीसरे सप्ताह तक अमरीका और ब्रिटेन की सेनाएं इराक के व्यापक जनसंहार हथियारों का

अन्य महत्वपूर्ण वस्तुओं के कार्यक्रम के संबंध में कोई भी ठोस सुबूत हाथ नहीं लगा है। 'यद्यपि आयोग ने यह अवश्य स्वीकार किया है कि 1990 से पहले उत्पादित कुछ अघोषित व खाली रासायनिक युद्ध सामग्री मिली है। इन्हें नष्ट कर दिया गया है। आयोग ने यह भी जानकारी दी थी कि नवंबर 2002 से लेकर 18 मार्च, 2003 के बीच 731 निरीक्षण किये और 411 स्थानों को 'कवर' किया। 55 देशों के आयोग के 354 सदस्यों ने हर संभावित सामरिक ठिकानों, रासायनिक व जैविक प्रयोगशालाओं, प्रक्षेपास्त्रों आदि सभी के स्थानों का गहन निरीक्षण किया था। पर अमरीका और ब्रिटेन के विश्वव्यापी प्रचार के बावजूद ऐसा कोई सामान्य सा सुबूत हाथ नहीं लगा जिससे यह स्थापित किया जा सके कि इराक व्यापक जनसंहार के हथियारों के उत्पादन या रासायनिक व जैविक युद्ध की तैयारी में जुटा हुआ था या वह भविष्य में जनसंहार युद्ध की तैयारी में सक्रिय है। डा. बिल्कस के नेतृत्व में चली निगरानी व निरीक्षण अभियानों के निष्कर्षों ने अमरीका और उसके सहयोगी राष्ट्रों, विशेष रूप से ब्रिटेन, को गहराई तक निराश किया। एक तरह का सदमा अमरीकी गिरोह को लगा। आज तक बुश और ब्लेयर इस सदमे के उभर नहीं पाए हैं। उनके देश की जनता ने उन्हें इस सवाल पर कठघरे में खड़ा कर रखा है। दोनों नेताओं की लोकप्रियता का नुकसान हुआ है। लेकिन जार्ज बुश और टोनी ब्लेयर के लिए विश्व जनमत का कोई महत्व नहीं है। यदि कोई महत्व है तो इराक पर अमरीका और उसके गिरोह की निर्णायक फतह तथा वहां के समृद्ध तेल के कुओं पर अभेद्य अधिकार।

इराक–अमरीका युद्ध और सद्दाम हुसैन के सत्ता पटाक्षेप के करीब डेढ़ महीने बाद मुझे सूरीनाम की राजधानी पारामारिबो में आयोजित 7 वें विश्व हिन्दी सम्मेलन में शामिल होने के लिए विदेश यात्रा पर जाना था। कुछ घंटों के लिए होलेण्ड के व्यस्त हवाई अड्डे एम्सटर्डम पर रुका। 4 जून के इंटरनेशनल हैराल्ड ट्रब्यून पर प्रकाशित एक सर्वेक्षण के नतीजों पर मेरी निगाह पड़ी। सर्वेक्षण का संबंध मुस्लिम देशों में अमरीका की घटती–बढ़ती लोकप्रियता से था। इराक में –अमरीकी युद्ध के पश्चात मई मास में सात मुस्लिम देशों में अमरीका के संबंध में जन प्रतिक्रिया एकत्रित की गई थी। अखबार का निष्कर्ष था कि 'अमरीका के प्रति युद्ध के कारण शत्रुता में नई वृद्धि हुई है और युद्ध ने नये अंगारे सुलगाये हैं। 15 हजार लोगों के मत संग्रह के आधार पर यह स्पष्ट निष्कर्ष निकला है कि अमरीकी विरोधी भावनाएं मुस्लिम समाज में काफी उग्र थीं। पीव रिसर्च सेन्टर द्वारा गये सर्वेक्षण के अनुसार निम्न मुस्लिम देशों में अमरीका विरोधी भावनाओं की स्थिति इस प्रकार थी: विशुद्ध नकारात्मक:

देश	मई 2003	ग्रीष्म, 2002
जोर्डन	99%	75%
फिलिस्तीन	98%	उपलब्ध नहीं
इंडोनेशिया	83%	36%
तुर्की	83%	55%
पाकिस्तान	81%	69%
लिबनान	71%	59%
नाइजेरिया	36%	11%

सर्वेक्षण से यह भी ज्ञात हुआ कि इंडोनेशिया, जोर्डन मोरक्को, पाकिस्तान और फिलिस्तीन एथोरिटी के क्षेत्र क मुस्लिम जनता ओसामा बिन लादेन को तीन मुस्लिम नेताअ में से एक प्रमुख नेता के रूप में देखती है। सर्वेक्षण के नतीज युरोपीय नेताओं राष्ट्रों की जनता के मामले में भी कम चौंका वाले नहीं हैं। फ्रांस, जर्मनी और स्पेन की अधिकांश जनत ने इराक में अमरीकी कार्रवाई को अस्वीकार किया है। संक्षे में मुस्लिम देशों के साथ श्वेत राष्ट्रों में भी अमरीका विरोध भावनाओं में वृद्धि हुई और इन देशों की 'जनता अमरीका क एक वास्तविक खतरा के रूप में देखती है। लोग सोचते कि अमरीका उन पर हमला करने जा रहा हैं।'

मार्च–अप्रैल के इराक–अमरीका युद्ध के पश्चात विश्वभ में भड़की अमरीकी विरोधी भावनाओं में कमी नहीं आई है अमरीकी विशेषज्ञों का निष्कर्ष है कि 11 सितंबर, 2001 को वर्ल्ड ट्रेड सेन्टर पर आतंकवादी हमलों के कारण अमरीका और बुश प्रशासन के पक्ष में वैश्विक स्तर पर जिस सहानुभूति की लहर का विस्फोट हुआ था आज वह 'अमरीक घृणा' में बदल चुका है। सामान्य प्रतिक्रिया यह है कि अमरीक 'छैला बने नुकीली खुरोंवाले घोड़े पर सवार हैं और वे प्रत्येक को रौंद डालना चाहते हैं'। एक अन्य प्रतिक्रिया में राष्ट्रपति बुश को एक ऐसा 'काउबोय' बतलाया गया है जोकि अन्तर्राष्ट्रीय संधियों पर अपनी बंदूक चमका रहा है औ 'विश्व को नहीं लेकिन विश्व के तेल पर कब्जा करने के लिए आमदा है।' स्तम्भकर रिचर्ड बर्नस्टेइन ने 11 सितंबर, 03 को दी न्यूयार्क टाइम्स में लिखा कि विश्वभर की यह सामान्य धारणा है कि' संयुक्त राज्य एक पुरानी साम्राज्यवादी शक्ति है जोकि भूमंडलीय तेल आपूर्ति व सेन्य तंत्र पर अपन नियंत्रण चाहता है।' मास्को के एक लेखक व समीक्षक द्विगत्र आस्टलस्कय के मत में अमरीका, नाज़ीवादी खतरों के साथ दुनिया में उदारवाद और पूंजीवाद लाना चाहता है। यह सत्त का भूखा है और विश्व पर शासन करना चाहता है।

अमरीका के तथाकथित लोकतंत्र, मानवतावाद औ तानाशाही विरोधी संकल्प हमेशा संदेहास्पद रहे हैं। इन संकल्पों की जड़ें हैं अमरीका का बर्बर विश्वव्यापी स्वार्थवादी इस संबंध में व्हाइट हाउस सत्ता प्रतिष्ठान व पेंटागन सैन्य प्रतिष्ठान के प्रखर विख्यात विश्लेषक व आलोचक नोम चोमस्की की पुस्तकें: मैन्युफैक्चूरिंग, अंडरस्टेंडिंग पावर और फार रीजन्स आफ स्टेट–पाठकों को जरूर पढ़नी चाहिए इसके साथ ही अमरीकी लेखक माइकेल हर्डट और इटली लेखक एंटोनियो नेग्री द्वारा संयुक्त रूप से लिखी गई पुस्तक 'साम्राज्य' (एम्पायर) भी पढ़नी चाहिए जिसमें अमरीका के नेतृत्व में उभरते 21 वीं सदी के साम्राज्य का गंभीर विश्लेषण मौजूद है। वैसे खाड़ी के दोनों युद्धों के संदर्भ में यह जान लेन पर्याप्त होगा कि विश्व ने इन्हें हमेशा ही [illegible] के शुद्ध तेल स्वार्थों से प्रेरित माना है। पूर्व राष्ट्रप [illegible] हकर ब्रें स्कोवक्रोफ्ट ने पांच वर्ष याद अपने [illegible] नीयीरि के समक्ष स्वीकार किया था कि प्र [illegible] तेल के लिए था। उन्होंने यह भी क [illegible] व अबाध्य सप्लाई के लिए तेल–क्षे [illegible] को महत्व दिया जाता है। लेकिन [illegible]

काई भी जखीरा पता लगाने मे शर्मनाक ढग से नाकाम रहीं। वैस सयुक्त राष्ट्र के महासचिव ने 30 मई को सुरक्षा परिषद को इराक मे हथियारों के सयुक्त राष्ट्र के निरीक्षण व निगरानी आयोग की 13वीं रपट भी सौंप दी थी। पर हथियारों का कोई टोस सबूत सयुक्त राष्ट्र क निरीक्षक भी नहीं पा सके। रपट म यह जरूर स्वीकार किया गया है कि सयुक्त राष्ट्र के आदेश पर 18 मार्च 03 को ही निरीक्षण गतिविधिया रोक देनी पड़ीं क्योंकि गठबधनीय सेनाओं ने इन हथियारों का पता लगाने की जिम्मेदारी ले ली थी। निरीक्षण व निगरानी आयोग ने अपना कार्य 27 नवंबर, 02 को शुरु किया था। आयोग के सदस्यों ने हथियारों की टोह में सद्दाम के इराक का चप्पा चप्पा नाप डाला था। रपट के 8 वें पैरा में साफ शब्दों में स्वीकार किया गया है कि 'इराक में निरीक्षण व निगरानी अवधि के दौरान संयुक्त राष्ट्र निरीक्षण आयोग को जनसंहार हथियारों के पुनर्निर्माण कार्यक्रम या निरंतर रखने के कार्यक्रम या 687 प्रस्ताव (1991) के अन्तर्गत प्रतिबंधित वस्तुओं या

खाड़ी युद्ध की प्रमुख घटनाएं

(अगस्त 1990 से 10 अप्रैल, 03 तक)

2 अगस्त, 1990 : इराक द्वारा कुवैत पर कब्जा

6 अगस्त : संयुक्त राष्ट्र ने इराक पर व्यापार प्रतिबंध लगाए।

17 जनवरी 1991 : अमरीका के नेतृत्व में गठबंधन सेनाओं का इराक पर आक्रमण

26 फरवरी 1991 : गठबंधन सेनाओं का कुवैत पर पूर्ण नियत्रण

24 मार्च, 1991 : संयुक्त सुरक्षा परिषद द्वारा इराक के जनसंहार हथियारों का नष्ट करने की शर्ते घोषित

7 जनवरी, 93 : इराक द्वारा मिसाइलों को हटाने से करने के पश्चात दक्षिण इराक और बगदाद के पास सुविधाओं पर अमरीकी गठबंधन द्वारा हमले।

7 जून : अमरीकी युद्धक जहाजों द्वारा 24 क्रूज से बगदाद के गुप्तचर मुख्यालय पर हमले।

7 अक्तूबर, 1994 : इराक सेनाएं पुन: कुवैत की ओर जाने की कोशिश करती हैं लेकिन अमरीका अपने लड़ाकू विमानों द्वारा फौरन 54 हजार सैनिकों को सीमाओं पर पहुंचा देता है।

3-4 सितंबर, 1996 : अमरीकी सैनिक विमानों द्वारा इराक के मिसाइलरोधी ठिकानों पर हमले। क्योंकि इराकी सेना कयाइली खुर्दिशों के सुरक्षित क्षेत्रों में घुसने की कोशिश करती है।

9 दिसंबर, 1996 : संयुक्त राष्ट्र द्वारा इराक को सीमित राहत की घोषणा

7 अक्तूबर, 1997 : संयुक्त राष्ट्र शस्त्र निरीक्षकों द्वारा सुरक्षा परिषद को इराक के असहयोग की शिकायत।

फरवरी, 1998 : फरवरी से खाड़ी में अमरीका-ब्रिटेन सैनिक तैयारियां

23 फरवरी, 1998 : संयुक्त राष्ट्र महासचिव कोफी अन्नान द्वारा इराक के साथ समझौते की योजना

अगस्त 5, 1998 : इराक द्वारा अपने हथियारों में कटौती की घोषणा

30 अक्तूबर, 1998 : संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद द्वारा हथियारों के निरीक्षण की व्यापक समीक्षा का प्रस्ताव लेकिन प्रतिबंधन हटाने से इंकार।

31 अक्तूबर, 1998 : इराक द्वारा संयुक्त राष्ट्र निगरानी दल के कार्यों में कटौती और अमरीका ब्रिटेन द्वारा गंभीर परिणामों की चेतावनी।

5 जनवरी 1998 : सुरक्षा परिषद द्वारा इराक के कदम की निन्दा।

11 नवंबर 1998 : संयुक्त राष्ट्र द्वारा इराक में तैनात अपने स्टाफ में कमी करना।

16 दिसंबर 1998 : अमरीका-ब्रिटेन युद्धक विमानों द्वारा इराक पर हमले।

19 दिसंबर : इराकी सरकार द्वारा हथियार निरीक्षकों के साथ सहयोग समाप्त

17 दिसंबर 1999 : इराक में निरीक्षण कार्यों पर सुरक्षा परिषद का अधिक नियंत्रण और नये दल- संयुक्त राष्ट्र निगरानी, पुष्टिकरण और निरीक्षण आयोग का गठन।

1 मार्च, 2000 : हैन्स ब्लिक्स द्वारा आयोग के अध्यक्ष का पद संभालना।

14 मई, 2002 : सुरक्षा परिषद द्वारा सैन्य प्रतिबंध को अधिक मजबूत करना।

12 सितंबर : राष्ट्रपति बुश द्वारा विश्व नेताओं से इराक के साथ कड़ाई करने की मांग।

8 नवंबर : सुरक्षा परिषद द्वारा सर्वसम्मति से सद्दाम हुसैन को दो महीने की बातचीत के पश्चात निशस्त्र करने के अमरीकी प्रस्ताव को स्वीकृति।

18 मार्च, 2003 : राष्ट्रपति बुश द्वारा युद्ध के संबंध में खुलकर चर्चा। राष्ट्रपति ने हुसैन और उनके दो बेटों को 48 घंटे के भीतर इराक छोड़ने के लिए कहा।

20 मार्च: 2003 : दूसरे खाड़ी युद्ध की शुरुआत। इराक पर भीषण हमलों की शुरुआत। 'अपराधी बुश' इराकी नेता हुसैन ने कहा।

7 अप्रैल : गठबंधन सेनाओं द्वारा बगदाद की घेराबंदी

8 अप्रैल : सद्दाम के महलों में अमरीकी सेनाएं

9 अप्रैल : अमरीकी हमलों में 3 पत्रकारों की मौत

10 अप्रैल : सद्दाम के 24 वर्ष के शासन काल का पतन। राजधानी बगदाद में अराजकता का विस्फोट।

अन्य महत्वपूर्ण वस्तुओं के कार्यक्रम के संबंध में कोई भी ठोस सुबूत हाथ नहीं लगा है। 'यद्यपि आयोग ने यह अवश्य स्वीकार किया है कि 1990 से पहले उत्पादित कुछ अघोषित व खाली रासायनिक युद्ध सामग्री मिली है। इन्हें नष्ट कर दिया गया है। आयोग ने यह भी जानकारी दी थी कि नवंबर 2002 से लेकर 18 मार्च, 2003 के बीच 731 निरीक्षण किये और 411 स्थानों को 'कवर' किया। 55 देशों के आयोग के 354 सदस्यों ने हर संभावित सामरिक ठिकानों, रासायनिक व जैविक प्रयोगशालाओं, प्रक्षेपास्त्रों आदि सभी के स्थानों का गहन निरीक्षण किया था। पर अमरीका और ब्रिटेन के विश्वव्यापी प्रचार के बावजूद ऐसा कोई सामान्य सा सुबूत हाथ नहीं लगा जिससे यह स्थापित किया जा सके कि इराक व्यापक जनसंहार के हथियारों के उत्पादन या रासायनिक व जैविक युद्ध की तैयारी में जुटा हुआ था या वह भविष्य में जनसंहार युद्ध की तैयारी में सक्रिय है। डा. विल्कस के नेतृत्व में चली निगरानी व निरीक्षण अभियानों के निष्कर्षों ने अमरीका और उसके सहयोगी राष्ट्रों, विशेष रूप से ब्रिटेन, को गहराई तक निराश किया। एक तरह का सदमा अमरीकी गिरोह को लगा। आज तक बुश और ब्लेयर इस सदमे के उभर नहीं पाए हैं। उनके देश की जनता ने उन्हें इस सवाल पर कठघरे में खड़ा कर रखा है। दोनों नेताओं की लोकप्रियता का नुकसान हुआ है। लेकिन जार्ज बुश और टोनी ब्लेयर के लिए विश्व जनमत का कोई महत्व नहीं है। यदि कोई महत्व है तो इराक पर अमरीका और उसके गिरोह की निर्णायक फतह तथा वहां के समृद्ध तेल के कुओं पर अभेद्य अधिकार।

इराक–अमरीका युद्ध और सद्दाम हुसैन के सत्ता पटाक्षेप के करीब डेढ़ महीने बाद मुझे सूरीनाम की राजधानी पारामारियो में आयोजित 7 वें विश्व हिन्दी सम्मेलन में शामिल होने के लिए विदेश यात्रा पर जाना था। कुछ घंटों के लिए होलेण्ड के व्यस्त हवाई अड्डे एम्सटर्डम पर रुका। 4 जून के इंटरनेशनल हैराल्ड ट्रब्यून पर प्रकाशित एक सर्वेक्षण के नतीजों पर मेरी निगाह पड़ी। सर्वेक्षण का संबंध मुस्लिम देशों में अमरीका की घटती–बढ़ती लोकप्रियता से था। इराक में –अमरीकी युद्ध के पश्चात मई मास में सात मुस्लिम देशों में अमरीका के संबंध में जन प्रतिक्रिया एकत्रित की गई थी। अखबार का निष्कर्ष था कि 'अमरीका के प्रति युद्ध के कारण शत्रुता में नई वृद्धि हुई है और युद्ध ने नये अंगारे सुलगाये हैं। 15 हजार लोगों के मत संग्रह के आधार पर यह स्पष्ट निष्कर्ष निकला है कि अमरीकी विरोधी भावनाएं मुस्लिम समाज में काफी उग्र थीं। पीव रिसर्च सेन्टर द्वारा गये सर्वेक्षण के अनुसार निम्न मुस्लिम देशों में अमरीका विरोधी भावनाओं की स्थिति इस प्रकार थी: विशुद्ध नकारात्मक:

देश	मई 2003	ग्रीष्म, 2002
जोर्डन	99%	75%
फिलिस्तीन	98%	उपलब्ध नहीं
इंडोनेशिया	83%	36%
तुर्की	83%	55%
पाकिस्तान	81%	69%
लिबनान	71%	59%
नाइजेरिया	36%	11%

सर्वेक्षण से यह भी ज्ञात हुआ कि इंडोनेशिया, जोर्डन, मोरक्को, पाकिस्तान और फिलिस्तीन एथोरिटी के क्षेत्र की मुस्लिम जनता ओसामा बिन लादेन को तीन मुस्लिम नेताओं में से एक प्रमुख नेता के रूप में देखती है। सर्वेक्षण के नतीजे युरोपीय नेताओं राष्ट्रों की जनता के मामले में भी कम चौंकाने वाले नहीं हैं। फ्रांस, जर्मनी और स्पेन की अधिकांश जनता ने इराक में अमरीकी कार्रवाई को अस्वीकार किया है। संक्षेप में मुस्लिम देशों के साथ श्वेत राष्ट्रों में भी अमरीका विरोधी भावनाओं में वृद्धि हुई और इन देशों की 'जनता अमरीका को एक वास्तविक खतरा के रूप में देखती है। लोग सोचते हैं कि अमरीका उन पर हमला करने जा रहा है।'

मार्च–अप्रेल के इराक–अमरीका युद्ध के पश्चात विश्वभर में भड़की अमरीकी विरोधी भावनाओं में कमी नहीं आई है। अमरीकी विशेषज्ञों का निष्कर्ष है कि 11 सितंबर, 2001 को वर्ल्ड ट्रेड सेन्टर पर आतंकवादी हमलों के कारण अमरीका और बुश प्रशासन के पक्ष में वैश्विक स्तर पर जिस सहानुभूति की लहर का विस्फोट हुआ था आज वह 'अमरीका घृणा' में बदल चुका है। सामान्य प्रतिक्रिया यह है कि अमरीकी 'छैला बने नुकीली खुरोंवाले घोड़े पर सवार हैं और वे प्रत्येक को रौंद डालना चाहते हैं'। एक अन्य प्रतिक्रिया में राष्ट्रपति बुश को एक ऐसा 'काउबोय' बतलाया गया है जोकि अन्तर्राष्ट्रीय संधियों पर अपनी बंदूक चमका रहा है और 'विश्व को नहीं लेकिन विश्व के तेल पर कब्जा करने के लिए आमदा है।' स्तम्भकर रिचर्ड बर्नस्टेइन ने 11 सितंबर, 03 को दी न्यूयार्क टाइम्स में लिखा कि विश्वभर की यह सामान्य धारणा है कि' संयुक्त राज्य एक पुरानी साम्राज्यवादी शक्ति है जोकि भूमंडलीय तेल आपूर्ति व सैन्य तंत्र पर अपना नियंत्रण चाहता है।' मास्को के एक लेखक व समीक्षक द्विमत्री आस्टलस्कय के मत में अमरीका, नाज़ीवादी खतरों के साथ दुनिया में उदारवाद और पूंजीवाद लाना चाहता है। यह सत्ता का भूखा है और विश्व पर शासन करना चाहता है।

अमरीका के तथाकथित लोकतंत्र, मानवतावाद और तानाशाही विरोधी संकल्प हमेशा संदेहास्पद रहे हैं। इन संकल्पों की जड़ें हैं अमरीका का बर्बर विश्वव्यापी स्वार्थवादी। इस संबंध में व्हाइट हाउस सत्ता प्रतिष्ठान व पेंटागन सैन्य प्रतिष्ठान के प्रखर विख्यात विश्लेषक व आलोचक नोम चोमस्की की पुस्तकें: मैन्युफैक्चूरिंग, अंडरस्टेंडिंग पावर और फार रीजन्स आफ स्टेट–पाठकों को जरूर पढ़नी चाहिए। इसके साथ ही अमरीकी लेखक माइकेल हईट और इटली लेखक एंटोनियो नेग्री द्वारा संयुक्त रूप से लिखी गई पुस्तक 'साम्राज्य' (एम्पायर) भी पढ़नी चाहिए जिसमें अमरीका के नेतृत्व में उभरते 21 वीं सदी के साम्राज्य का गंभीर विश्लेषण मौजूद है। वैसे खाड़ी के दोनों युद्धों के संदर्भ में यह जान लेना पर्याप्त होगा कि विश्व ने इन्हें हमेशा ही अमरीका के शुद्ध तेल स्वार्थों से प्रेरित माना है। पूर्व राष्ट्रपति बुश के सलाहकार ब्रेंट स्कोवक्रोफ्ट ने पांच वर्ष बाद अपने एक साक्षात्कार में बीबीसी के समक्ष स्वीकार किया था कि प्रथम खाड़ी युद्ध वास्तव में तेल के लिए था। उन्होंने यह भी कहा था कि तेल की निरंतर व अबाध्य सप्लाई के लिए तेल–क्षेत्रों मे [illegible] को महत्व दिया जा [illegible]

SYMBOL OF SUCCESS

ENTIRELY, DIFFERENT, MOST RELIABLE & UP-TO-DATE

नवीन प्रकाशन

1104 भारतीय रेल : एक परिचय 40.00
1103 बी. एड. प्रवेश परीक्षा 'हिन्दी' 74.00
1099 सूक्ति संग्रह (*लेखक : राजकिशोर ओझा*) 46.00

पी.एम.टी./पी.ई.टी.

24 प्रैक्टिस वर्क बुक मेडिकल प्रवेश परीक्षा 105.00
264 सी.पी.एम.टी. (Combined)—एक दृष्टि में 300.00
10 म. प्र. पी. एम. टी. गाइड (Combined) 385.00
9 म. प्र. पी. ई. टी. गाइड (Combined) 240.00

इंजीनियरिंग परीक्षा

654 वस्तुनिष्ठ गणित 230.00
655 वस्तुनिष्ठ भौतिक विज्ञान 160.00
653 वस्तुनिष्ठ रसायन विज्ञान 150.00
21 उ. प्र. इंजीनियरिंग गाइड (Combined) 385.00

बैंक पी. ओ. परीक्षा

618 प्रैक्टिस वर्क बुक पी. ओ. परीक्षा 195.00
671 बैंक पी. ओ. सॉल्वड् पेपर्स 90.00
20 स्टेट बैंक प्रोबेशनरी ऑफीसर परीक्षा 215.00
252 रीजनिंग टेस्ट (Question Papers for P.O.) 125.00
251 क्वान्टिटेटिव एप्टीट्यूड टेस्ट (Question Papers for P.O.) 58.00

एस. एस. सी. परीक्षा

626 एस.एस.सी. प्रैक्टिस वर्क-बुक संयुक्त प्रवेश (प्रा.) परीक्षा (मैट्रिक स्तर) 150.00
600 एस.एस.सी. संयुक्त प्रारम्भिक परीक्षा (मैट्रिक स्तर) लेखकद्वय : डॉ. मान एवं जैन 120.00
601 एस.एस.सी. संयुक्त प्रारम्भिक परीक्षा (मैट्रिक स्तर) लेखकद्वय : डॉ. सिंह एवं शर्मा 180.00
652 एस.एस.सी. संयुक्त मुख्य परीक्षा (मैट्रिक स्तर) (एल.डी.सी. परीक्षा के लिए) 145.00
650 एस.एस.सी. संयुक्त मुख्य परीक्षा (मैट्रिक स्तर) (स्टेनोग्राफर्स ग्रेड 'सी' व 'डी' परीक्षा के लिए) 195.00
95 एस. एस. सी. मुख्य परीक्षा अंकगणित 160.00
6 एस. एस. सी. प्रै. वर्क बुक संयुक्त (मैट्रिक) मुख्य परीक्षा (एल.डी.सी.) 72.00
628 एस.एस.सी. प्रैक्टिस वर्क बुक संयुक्त प्रवेश (प्रा.) (स्नातक स्तर) 165.00
590 एस.एस.सी. संयुक्त (प्रा.) परीक्षा (स्नातक स्तर) 280.00
589 एस.एस.सी. संयुक्त (प्रा.) परीक्षा (स्नातक स्तर) 160.00
234 एस.एस.सी. सेक्शन ऑफीसर्स (वाणिज्यिक) परीक्षा 140.00
547 एस.एस.सी. सेक्शन ऑफीसर्स (ऑडिट) परीक्षा 175.00

एन.डी.ए./सी.डी.एस./एम. मैनेजमेन्ट

678 एन.डी.ए. सॉल्वड् पेपर्स 75.00
684 एन.डी.ए. परीक्षा (*संपादक मण्डल : प्रतियोगिता दर्पण*) 290.00
180 एन. डी. ए. परीक्षा (*लेखकद्वय : जैन एवं गुप्ता*) 245.00
68 प्रैक्टिस वर्क बुक–एन.डी.ए. परीक्षा 150.00
35 प्रैक्टिस वर्क बुक–सी.डी.एस. परीक्षा 140.00
503 होटल मैनेजमेन्ट 175.00

बी. एड. प्रवेश परीक्षा/शिक्षक अभिरुचि

158 उ. प्र. बी. एड. प्रवेश परीक्षा (कला वर्ग) 185.00
159 उ. प्र. बी. एड. प्रवेश परीक्षा (विज्ञान वर्ग) 175.00
160 उ. प्र. बी. एड. प्रवेश परीक्षा (वाणिज्य वर्ग) 160.00
648 प्रैक्टिस वर्क बुक–बी.एड. प्रवेश परीक्षा (उ. प्र., उत्तरांचल, म.प्र., हरियाणा एवं दिल्ली आदि राज्यों के लिए विशेष) 135.00
1036 हरियाणा बी.एड. प्रवेश परीक्षा 155.00
202 राजस्थान बी. एड. प्रवेश परीक्षा (हिन्दी माध्यम) 150.00
61 राजस्थान बी. एड. प्रवेश परीक्षा 195.00
48 प्रैक्टिस वर्क बुक राज. बी.एड. प्रवेश परीक्षा 150.00
66 मध्य प्रदेश प्री. बी. एड. प्रवेश परीक्षा 185.00
23 राजस्थान शिक्षक अभिरुचि एवं अभियोग्यता 40.00
22 शिक्षक अभिरुचि एवं अभियोग्यता परीक्षण 78.00

सिविल सर्विसेज (प्रा.) परीक्षा

7	पाठ्यक्रम सिविल सेवा परीक्षा	40.00
8	सी.एस.पी. ई. सामान्य अध्ययन एवं सामान्य विज्ञान दिग्दर्शन *लेखक : टी. एस. जैन*	250.00
272	सी.एस.पी. ई. वाणिज्य	175.00
9	सी.एस.पी. ई. अर्थशास्त्र	255.00
10	सी.एस.पी. ई. भारतीय इतिहास	170.00
11	सी.एस.पी. ई. विधि	75.00
1065	सी.एस.पी. ई. राजनीति विज्ञान	420.00
762	सी.एस.पी. ई. लोक प्रशासन	295.00
169	सी.एस.पी. ई. समाजशास्त्र	50.00
170	सी.एस.पी. ई. वनस्पति विज्ञान	140.00
172	सी.एस.पी. ई. दर्शनशास्त्र	85.00
236	सी.एस.पी. ई. भूगोल	235.00
44	सी.एस.पी. ई. पशुपालन एवं पशुचिकित्सा वि.	98.00
464	IAS Objective Mathematics	440.00

संघ एवं राज्य लोक सेवा (मुख्य) परीक्षा

164	प्रैक्टिस वर्क बुक सामान्य अध्ययन	110.00
594	दर्शनशास्त्र *(लेखक : डॉ. श्याम वृक्ष मौर्य)*	120.00
608	संस्कृत *(लेखक : डॉ. मिथिलेश पाण्डेय)*	320.00
243	इतिहास *(लेखकद्वय : डॉ. चतुर्वेदी एवं डॉ. गौतम)*	155.00
700	सिविल सर्विसिज भूगोल	390.00
669	सिविल सर्विसिज भारतीय इतिहास (प्रारम्भ से 1964 तक)*(लेखक : डॉ. के.के. शर्मा)*	300.00
702	म.प्र. पी.एस.सी. भूगोल *(लेखक : प्रो. एम. पी. कूर्मवंशी)*	390.00
701	उ.प्र. पी.सी.एस. भूगोल	390.00
771	सिविल सर्विसेज हिन्दी	240.00

मध्य प्रदेश पी. एस. सी. (प्रा.) परीक्षा

132	पी. एस. सी. पाठ्यक्रम	20.00
624	प्रैक्टिस वर्क-बुक सामान्य अध्ययन	92.00
77	म. प्र. पी. एस. सी. गाइड	180.00
91	म.प्र. पी.एस.सी. सामान्य अध्ययन	300.00

उत्तर प्रदेश पी.सी.एस. (प्रा.) परीक्षा

562	पी.सी.एस. पाठ्यक्रम	30.00
625	प्रैक्टिस वर्क-बुक सामान्य अध्ययन	90.00
141	उ.प्र. पी.सी.एस. गाइड (सामान्य अध्ययन)	290.00

उत्तरांचल पी.सी.एस. (प्रा.) परीक्षा

742	पी.सी.एस. पाठ्यक्रम	30.00
755	प्रैक्टिस वर्क-बुक सामान्य अध्ययन	120.00
754	उत्तरांचल पी.सी.एस. सामान्य अध्ययन	290.00

झारखण्ड पी.एस.सी. (प्रा.) परीक्षा

1014	पी.एस.सी. पाठ्यक्रम	25.00
1002	पी.एस.सी. सामान्य अध्ययन गाइड	290.00

छत्तीसगढ़ पी.एस.सी. (प्रा.) परीक्षा

1080	पी.एस.सी. पाठ्यक्रम	30.00
1082	पी.एस.सी. सामान्य अध्ययन गाइड	300.00

आर.ए.एस./आर.टी.एस. (प्रा. एवं मुख्य) परीक्षा

156	आर.ए.एस. सामान्य ज्ञान एवं सामान्य विज्ञान (प्रा.)	225.00
292	राज. सामान्य ज्ञान, समाज कला एवं संस्कृति (आर.ए.एस. मुख्य परीक्षा)	110.00
526	आर.ए.एस. इतिहास I (मुख्य परीक्षा)	70.00
525	आर.ए.एस. इतिहास II (मुख्य परीक्षा)	55.00

प्रैक्टिस वर्क-बुक

(संघ एवं राज्य लोक सेवा आयोग के लिए)

45	प्रैक्टिस वर्क बुक इतिहास	107.00
42	प्रैक्टिस वर्क बुक राजनीतिशास्त्र	85.00
615	प्रैक्टिस वर्क बुक भूगोल	110.00
647	प्रैक्टिस वर्क बुक समाजशास्त्र	102.00
646	प्रैक्टिस वर्क बुक वाणिज्य	65.00
637	प्रैक्टिस वर्क-बुक लोक प्रशासन	110.00
50	प्रैक्टिस वर्क बुक कृषि	75.00
616	प्रैक्टिस वर्क बुक अर्थशास्त्र	155.00
129	प्रैक्टिस वर्क बुक विधि	98.00
27	प्रैक्टिस वर्क बुक भौतिकशास्त्र	82.00

एक दृष्टि में

609	भारतीय अर्थव्यवस्था–एक दृष्टि में	75.00
639	भारतीय राजव्यवस्था–एक दृष्टि में	50.00
46	भूगोल–एक दृष्टि में	47.00
47	भारतीय इतिहास–एक दृष्टि में	65.00
51	कृषि–एक दृष्टि में	65.00
773	भारत का राष्ट्रीय आन्दोलन एवं संविधान –एक दृष्टि में	78.00

सामान्य ज्ञान

101	सामान्य ज्ञान, कौन क्या है ?	16.00
102	वस्तुनिष्ठ सामान्य ज्ञान, कौन क्या है ?	35.00
103	सामान्य ज्ञान एवं व्यक्ति परिचय	85.00
104	सामान्य ज्ञान दिग्दर्शन	260.00
193	सामान्य ज्ञान डाइजेस्ट (दुर्लभ व महत्वपूर्ण तथ्यों एवं आँकड़ों सहित)	130.00
599	प्रैक्टिस वर्क बुक सामान्य अध्ययन	105.00
33	प्रैक्टिस वर्क बुक सामान्य विज्ञान	60.00
105	सामान्य ज्ञान एवं सामान्य विज्ञान	70.00
111	कृषि सामान्य ज्ञान कोश	58.00
138	एग्रीकल्चर जनरल नॉलेज	50.00

दिल्ली/हरियाणा सामान्य ज्ञान

772	दिल्ली सामान्य ज्ञान	38.00
1059	हरियाणा सामान्य ज्ञान (एक दृष्टि में)	30.00

यह था कि वह जरुरत से अधिक शक्तिशाली व स्वतंत्र बन गया था। अतः पहले युद्ध की रणनीति हुसैन को कमजोर करने की थी, उन्हें हटाने की नहीं थी। लेकिन सद्दाम हुसैन ने पहले युद्ध से सबक नहीं लिया और तेल के मामले में स्वतंत्र मार्ग चुना। इस संदर्भ में रूस के साथ इराक के हुए 40 बिलियन के आर्थिक सहयोग ने अमरीका को और अधिक भड़का दिया। फलस्वरूप, इराक को दूसरी बार 20 मार्च, 2003 को युद्ध विभीषिका में झोंक दिया गया। पहले और दूसरे युद्धों में सबसे बड़ा अंतर यही रहा कि इस बार अमरीका सद्दाम हुसैन को निर्णायक रूप से हटाने और इराकी तेल क्षेत्रों पर कब्जा करने के लिए कटिबद्ध था। यह अलग बात है कि इससे बुश-शासन का पाखण्ड भी ध्वस्त हो गया है। इसीलिए विश्व के देशों में यह राष्ट्र बुरी तरह से बदनाम होता जा रहा है। न्यूयार्क टाइम्स के 10 सितंबर, 03 के अंक में प्रकाशित सर्वेक्षण के परिणाम पूर्व में जून में किये गये सर्वेक्षण के परिणामों से भिन्न नहीं है। अमरीका की लोकप्रियता में काफी कमी आई है और विभिन्न देशों की जनता इससे और अधिक घृणा करने लगी है। सर्वेक्षण के परिणामों पर एक नजरः

अमरीका की घटती लोकप्रियता

देश	1999/2000	ग्रीष्म 2002	ग्रीष्म 2003
[illegible]ल	56%	52%	34%
[illegible]	83%	75%	70%
[illegible]	71%	72%	63%
[illegible]श	62%	63%	43%
जर्मनी	78%	61%	45%
इंडोनेशिया	75%	61%	15%
इजराइल	8.3%	8.3%	79%
इटली	76%	70%	60%
मोरक्को	70%	उपलब्ध नहीं	27%
नाइजेरिया	46%	77%	61%
पाकिस्तान	23%	10%	13%
रूस	37%	61%	38%
द. कोरिया	58%	63%	46%
तुर्की	52%	30%	15%

पांच माह के भीतर हुए इन दो सर्वेक्षणों के परिणामों से स्पष्ट है कि मुस्लिम राष्ट्रों के साथ श्वेत राष्ट्रों के लोगों के बीच भी अमरीका का लोकतांत्रिक, स्वतंत्रवादी और मानवतावादी चेहरा विकृत होता जा रहा है। उसका वास्तविक साम्राज्यवादी रूप बेनकाब होने लगा है। इंडोनेशिया के विख्यात मुस्लिम नेता व अमरीकी शिक्षित दिन स्यमसुद्दीन की नजर में अमरीका 'आतंकवादियों का बादशाह है' और राष्ट्रपति बुश 'मदहोश घोड़ा' है। एक वक्त था जब फ्रांस के प्रसिद्ध दैनिक ले मान्दे ने सुर्खियों में लिखा था' हम सभी अमरीकी है। आज एक अन्य साप्ताहिक नोउवेल ओयजर्वट्युर के संपादक ज्यां देनियल ने हाल ही में स्पादकीय में लिखा है' हम बिलकुल भी अमरीकी नहीं है।'

संदर्भ सामग्रीः दीराइज एण्ड फोल आफ दी ग्रट पोवर्सः पोल कैनेडी वार एण्ड एंटी-वार : टोफ्लर; मार्क्सिज्म-लेनिज्म ओन वार एण्ड आर्मीः प्रोग्रेसिव पब्लिशर्स; ऐज आफ एक्स्ट्रीम्स : एरिक होबोबम; सृजनात्मक जीवन की ओरः टोयनबी एवं इकेदा; बुर्जुआ समाज और संस्कृतिः राधा गोविन्द चटोपाध्याय पहल, 2003; मिल्लेनियम इयर बाई इयरः डीके बुक-लंदन-न्यूयार्क-सिडनी; महाभारत-दूसरा खण्डःगीताप्रेस गोरखपुर और विभिन्न वेबसाइटें तथा देश-विदेशी अखबारी कतरनें।

विश्व प्रसिद्ध प्रमुख युद्ध व स्वतंत्रता संघर्ष

(अवधिः 19वीं से 21वीं सदी तक)

1. मई, 1857: भारत का प्रथम स्वतंत्रता संग्राम-अंग्रेजों के विरुद्ध
2. 1861-1865: अमरीकी गृह युद्ध
3. अप्रैल-अगस्त 1898: स्पेन-अमरीका युद्ध
4. फरवरी 1899 से 1901: फिलीपीन के विरुद्ध अमरीका का साम्राज्यवादी युद्ध
5. 1899-91: फ्रांस का उत्तरी-पश्चिमी सहारा के विरुद्ध औपनिवेशिक युद्ध
6. 1899-1902: अमरीकी सेनाओं का क्यूबा पर कब्जा
7. अक्तूबर 1899: एंग्लो-बोएर युद्ध। बरतानिया साम्राज्य द्वारा उपनिवेशीकरण
8. 1901 से 1903: अमरीका द्वारा पनामा नहर क्षेत्र पर कब्जा
9. 1904-7: दक्षिण पश्चिम अफ्रीका के मूलनिवासियों द्वारा जर्मन उपनिवेशवादियों के विरुद्ध बगावत
10. 1904: तिब्बत में ब्रिटेन की सैन्य कार्रवाई
11. जनवरी 1904: रूस-जापानी युद्ध
12. 1905: हण्डुरास में अमरीकी सैन्य हस्तक्षेप
13. 1906-11: चीन में जन विद्रोह
14. 1905: रूस में प्रथम असफल जनक्रांति
15. 1907: रुमानिया में किसान विद्रोह
16. 1907: कोरिया में जापान विरोधी संघर्ष
17. 1908: में फ्रांसीसियों के खिलाफ गुइनावासियों का विद्रोह
18. 1909-11: मोरक्को के खिलाफ फ्रांसीसी युद्ध
19. सितंबर 1911-12: इटली-तुर्की युद्ध
20. 1912-13: इटली के विरुद्ध प्रथम बाल्कन युद्ध

21. 1 अगस्त, 1914 से 11 नवंबर, 1918: प्रथम विश्व युद्ध
22. 1917–1920: रूस की महान अक्तूबर क्रांति
23. 1917–22: क्यूबा में अमरीकी हस्तक्षेप के खिलाफ विद्रोह
24. 1918: इराक में ब्रिटेन के विरुद्ध बगावत
25. 1918–20: हैटी में अमरीकी सेनाओं के खिलाफ विद्रोह
26. 1919: मिश्र में अंग्रेजों के खिलाफ जन विद्रोह
27. 1919: कोरिया में जापानी आक्रमणकारियों के खिलाफ संघर्ष
28. 1919–21: आयरलैण्ड में अंग्रेजी शासन के विरुद्ध छापामार युद्ध
29. 1919: एंग्लो–अफगान युद्ध
30. 1919–22: एंग्लो–यूनानी सैन्य हस्तक्षेप के विरुद्ध तर्की जनता का मुक्ति संघर्ष
31. अगस्त 1921: अंग्रेजों के खिलाफ मलाबार किसान विद्रोह
32. 1923: आयरलैण्ड में गृहयुद्ध
33. 1922–23: लीबियाई जनजातियों के विरुद्ध इटली के सेनाओं द्वारा साम्राज्यवादी युद्ध
34. 1924–27: चीन में प्रथम क्रांतिकारी गृहयुद्ध
35. 1927–37: चीन का द्वितीय गृहयुद्ध
36. 1931–33: जापानियों द्वारा मंचूरिया पर कब्जा
37. 1935–36: इटली–ईथोपिया युद्ध। बाद में ईथोपिया कालोनी बन जाता है।
38. 1937–1942: जापानी साम्राज्यवादियों के खिलाफ चीन का राष्ट्रीय मुक्ति युद्ध
39. 1938: नाज़ी जर्मनी द्वारा आस्ट्रिया पर कब्जा
40. 1939: फासीवाद इटली द्वारा अल्वानिया पर कब्जा
41. सितंबर 1 से 1939 से सितंबर 2 1945: द्वितीय विश्व युद्ध
42. अगस्त 19 1945: वियतनाम में अगस्त क्रांति की विजय
43. 1945–49: इंडोनेशिया में एंग्लो–डच उपनिवेश वादियों के खिलाफ मुक्ति युद्ध
44. 1946–54: फ्रांसीसी साम्राज्यवाद के खिलाफ वियतनामियों का निर्णायक मुक्ति युद्ध
45. 1946–49: चीन में तीसरा निर्णायक क्रांतिकारी गृहयुद्ध
46. 1946: दक्षिण कोरिया में अमरीका में विरुद्ध विद्रोह
47. 1948: कश्मीर के सवाल पर भारत–पाक सैन्य संघर्ष
48. 1948–49: अरब–इसराइल युद्ध
49. 1948–1955: मलेशिया की जनता द्वारा अंग्रेज उपनिवेशवादियों के खिलाफ स्वतंत्रता युद्ध
50. 1950: अमरीकी सेनाओं द्वारा ताइवान पर कब्जा
51. 1952: क्यूबा में क्रांतिकारी विद्रोह
52. 1952–56: केन्या के विरुद्ध ब्रिटेन का साम्राज्यावादी युद्ध
53. 1953: कुवैत में अंग्रेजी सेनाओं का हस्तक्षेप

54. 1954: सऊदी अरब पर अंग्रेजी सेनाओं का आक्रमण

55. 1,956: मिश्र के खिलाफ ब्रिटेन–फ्रांस–इसराइली सेनाओं का आक्रमण

56. 1956: कुवैत में ब्रिटिश शासन के खिलाफ विद्रोह

57. 1956: क्यूबा में गृहयुद्ध और राष्ट्रीय मुक्ति क्रांति की विजय

58. 1958: इराक में राष्ट्रीय क्रांति

59. 1958: लेबनान में अमरीकी सेना और जोर्डन में ब्रिटिश सेना की कार्रवाइयां

60. नवंबर 1959 नवंबर 22, 1962: भारत–चीन सीमा संघर्ष

61. 1961: दक्षिण वियतनाम में अमरीकी सेनाओं के खिलाफ गुरिल्ला युद्ध की शुरुआत

62. अप्रैल–जून 1965: भारत–पाक सैन्य संघर्ष

63. अगस्त 5, 1965: भारत–पाक युद्ध

64. जून 5, 1967: अमरीका के समर्थन से इसराइल द्वारा अरब देशों पर हमले

65. 3 दिसंबर से 16 दिसंबर 1971: भारत–पाक युद्ध और बंगलादेश का जन्म

66. 1964–1975: वियतनाम में अमरीका का सबसे दीर्घावधि साम्राज्यवादी युद्ध जिसमें उन्हें शर्मनाक पराजय का समना करना पड़ा। इसके पश्चात संपूर्ण वियतनाम पर होची मिन्ह के नेतृत्व में साम्यवादी लोकत्तांत्रिक गणतांत्रिक राज्य की स्थापना हो गई। करीब दो दशक तक चले युद्ध में अमरीका ने 140 बिलियन डालर से भी अधिक खर्च किया जोकि अमरीका के प्रत्येक बड़े नगर के नवीनीकरण के लिए पर्याप्त राशि थी। इस युद्ध में करीब 58 हजार अमरीकी सैनिकों की जानें गई। इस युद्ध के कारणों से आइजनहोवर, कैनेडी, लिंडन जोनसन, रिचर्ड निक्सन जैसे राष्ट्रपति प्रत्यक्ष व परोक्ष रूप से जुड़े रहे।

67. 1978–1992 अफगान युद्धः सोवियत समर्थक नेतृत्व का सत्ताग्रहण, अमरीकी राजदूत की हत्या, 1979 में तत्कालीन सोवियत सेनाओं का प्रवेश, अमरीकी व पाक समर्थक अफगानी मुजाहिद्दीनों का संघर्ष और सोवियत सेनाओं के साथ सीधी झड़पें, अफगानी शरणार्थियों का पाकिस्तान, भारत, ईरान में पहुंचना, प्रबल विद्रोह व अन्तराष्ट्रीय दबाव व आंतरिक दबाव के कारण 15 अप्रैल, 1989 में रूसी सेना की अफगानिस्तान से वापसी शुरु।

68. 1980: इराक–ईरान युद्ध

69. 1992: सोवियत समर्थक राष्ट्रपति नजीबुल्लाह का तख्ता–पलट और देश के इस्लामीकरण की प्रक्रिया शुरु।

70. 1993–2003: अफगानिस्तान में प्रत्यक्ष व परोक्ष गृहयुद्ध की स्थिति। मुजाहिद्दीन सरकार की समाप्ति के बाद पाक समर्थक कट्टरपंथी तालिबान सरकार की स्थापना। विश्व कुख्यात ओसामा बिन लादेन का अफगानिस्तान में रहना 11 सितंबर, 2001 की न्यूयार्क के घटना के बाद तालिबान सरकार के खिलाफ अमरीका की प्रतिशोधी कार्रवाई और हामिद करजई के नेतृत्व में पिछले वर्ष कठपुतली सरकार की स्थापना।

71. 1999: भारत–पाक कारगिल युद्ध जिसमें पाकिस्तानी सेनाओं को एक बार फिर अर्थात् चौथी बार शिकस्त का सामना करना पड़ा।

72. 1994–2003: सोवियत संघ के पतन के पश्चात रूस के मुस्लिम बहुल्य क्षेत्र चेच्चनिया में विगत 9 वर्षों से रूसी सेनाओं और विद्रोही मुस्लिम सेनाओं के बीच कम–अधिक युद्ध की स्थिति बनी हुई है। इसमें दोनों और के हजारों लोग मारे जा चुके हैं। अब चेच्चनिया विद्रोहियों ने रूस में व्यापक स्तर पर आतंकवादी घटनाओं का सिलसिला आरंभ कर दिया है। कुछ समय पहले मोस्को के एक सिनेमाघर में विस्फोट हुआ था जिसमें काफी संख्या में दर्शक मारे गये थे। विभिन्न दावों के अनुसार 20 हजार से लेकर एक लाख नागरिक मारे जा चुके हैं और करीब ढाई लाख घायल हो चुके हैं।

73. अंतिम दशक सदी के अंतिम दशक में शीत युद्ध की समाप्ति के पश्चात यूगोस्लाविया राष्ट्र का विघटनः बोसनिया, क्रोसियना, सर्बिया तथा अन्य क्षेत्रों में गृह युद्ध का विस्फोट। जातीय दंगों की रोकथाम केलिए विदेशी सेनाओं का हस्तक्षेप। मुस्लिम और गैर मुस्लिमों के बीच आज भी तनाव बना हुआ है। युगोस्लाविया के विघटन के बावजूद।

74. 2 अगस्त, 1990: कुवैत पर इराकी आक्रमण और कब्जा।

75. 17 जनवरी 1990–91: खाड़ी युद्ध और इराक में अमरीका और उसके मित्र देशों की संयुक्त सीमित कार्रवाई। लेकिन मार्च, 1991 में अमरीकी वायु सेना ने सीमाओं से लौटते हजारों निहत्थे इराकी सैनिकों को रेगिस्तान में भून डाला। इसे 'हाईवे आफ डेथ' की संज्ञा दी गई। विगत 1990 से अब तक कई अमरीकी सैनिक मारे जा चुके हैं।

76. 16 से 9 दिसबर 1998: अमरीकी व ब्रिटिश सैन्य विमानों की इराक पर पुनः बमबारी

77. 20 मार्च से 10 अप्रैल, 03: इराकी सेनाओं और अमरीका व गठबंधनीय सेनाओं के बीच निर्णायक घमासान युद्ध का दूसरा दौर जिसमें सद्दाम हुसैन की सत्ता का पतन।

जैविक कृषि नई संभावनाएं

संग्राम सिंह तोमर, भोपाल

परंपरागत कृषि से पर्यावरण को नुकसान पहुंचता है। इससे जैव विविधता के नष्ट होने का खतरा वना रहता है और जीव-जंतुओं की वसाहट को भी हानि पहुंचती है। परंपरागत कृषि से हमारे खाद्यान्न व भोजन में हानिकारक रसायन आ जाते हैं, जो धीरे-धीरे हमारे शरीर को अस्वस्थ वनाते हैं। इस तरह की कृषि से मृदा संरचना और मृदा विन्यास को भी नुकसान पहुंचता है।

क्या है जैविक कृषि?

टिकाऊ कृषि के लिए कई विकल्पों में से एक महत्वपूर्ण विकल्प है, जैविक कृषि। जैविक कृषि के सिद्धांत में फसल का उत्पादन ऐसी विधियों द्वारा लिया जाए जो कि प्रकृति द्वारा दिए गए संसाधनों का उपयोग करते हुए प्राकृतिक प्रणाली को हानि पहुंचाए बगैर प्रकृति के साथ मिलकर कार्य कर सकें। जैविक कृषि में किसी भी प्रकार के कृत्रिम अथवा सिंथेटिक कारकों का उपयोग वर्जित है। जैविक कृषि में रासायनिक उर्वरकों, कीट नाशकों, फफूंदनाशकों, खर-पतवार नाशकों, पौध वृद्धि कारकों व नियंत्रकों, एंटी-वायटिक्स व हारमोन्स का उपयोग नहीं किया जाता है।

क्या है जैविक प्रबंधन?

मात्र कृत्रिम अथवा सिंथेटिक कारकों का उपयोग नहीं करके जैविक कृषि से अधिक पोषण वाला और अधिक उत्पादन नहीं लिया जा सकता है। इसके लिए संपूर्ण जैविक प्रवंधन प्रणाली को अपनाना पड़ता है।जैविक प्रवंधन की शुरूवात होती है मृदा से। इसमें मृदा उर्वरता को लंवे समय तक बनाए रखने के लिए सभी उपाय करने चाहिएं।मृदा की उर्वरता के लिए प्राकृतिक अथवा नैसर्गिक रूप से तैयार की गई जैविक खादों का उपयोग किया जाना चाहिए। इसके अतिरिक्त मिश्रित या मिलवां खेती, फसल चक्र, वीज की ऐसी प्रजातियों का चुनाव किया जाए जो ज्यादा से ज्यादा रोगों और कीटों के प्रति प्रतिरोधक क्षमता रखती हो, रोगों और कीटों से सुरक्षित रखने के लिए वीज का उपचार भी जैविक कीटनाशकों से हो, ताकि मृदा में पाए जानेवाले सूक्ष्म मित्र कीट या लाभकारी कीट सुरक्षित रह सकें। साथ ही खेत में उगनेवाले खरपतवार, मित्र कीट या पशु-पक्षियों के लिए लाभकारी हों। जैविक प्रवंधन में ऐसे यंत्रों का उपयोग किया जाना चाहिए जिससे मृदा विन्यास तथा लाभकारी कीटों को नुकसान न पहुंचे। जैविक खेती में जल और मृदा का संरक्षण व संवर्धन भी आवश्यक है। इसके साथ ही जव उत्पाद तैयार हो तो उनके भंडारण और पैकिंग भी जैविक विधियों द्वारा ही हों। वास्तव में मृदा, लाभकारी सूक्ष्म कीटों, पौधों एवं पशुओं का प्राकृतिक रूप से समन्वित उपयोग ही जैविक प्रवंधन है।

वर्ष 2001 में खाद्य और कृषि संगठन (एफ.ए.ओ.), दि इंटरनेशन ट्रेड सेंटर (आई.टी.सी) और टेक्नीकल सेंटर फोर एग्रीकल्चर एण्ड रूलर को-ओपरेशन (सी.टी.ए) द्वारा संयुक्त रूप से प्रकाशित 321 पृष्ठीय रिपोर्ट 'जैविक फलों एवं सब्जियों के लिए विश्व वाजार (वर्ल्ड मार्केट्स फोर ओर्गेनिक फ्रूट एण्ड वेजिटेवल)' में इस वात का उल्लेख किया गया है कि भविष्य में जैविक खाद्य उत्पादों का निर्यात किसी भी राष्ट्र के लिए विदेशी मुद्रा अर्जित करने का स्वर्णिम अवसर प्रदान करेगा। रिपोर्ट के अनुसार अमरीका, यूरोपीय समुदाय के राष्ट्रों और जापान

* यूरोप में जैवकि खेती को वढ़ावा देने में 30 वर्ष का समय लगा और मात्र 1 प्रतिशत क्षेत्र को ही जैविक खेती में वदला जा सका।
* पूरे विश्व में 23 मिलियन हैक्टेयर क्षेत्र में जैविक खेती की जा रही है।
* जैविक फलों की विक्री औसतन 3 से 5 प्रतिशत तथा जैविक सब्जियों की विक्री औसतन 10 प्रतिशत तक है।
* कुल खाद्य पदार्थों में जैविक खाद्य पदार्थों की औसत हिस्सेदारी मात्र 1 प्रतिशत ही है।
* विश्व के कई देशों में जैविक खाद्य पदार्थों की विक्री में 25 से 30 प्रतिशत की सतत वढ़ोतरी हो रही है।
* जैविक फल व सब्जियां 20 से 40 प्रतिशत मूल्य पर तथा जैविक मसालें 30 से 100 प्रतिशत अधिक मूल्य पर वेचे जाते है।
* यूनाइटेड किंगडम ने वर्ष 2010 तक कुल कृषि भूमि का 10 प्रतिशत जैविक में वदलने का लक्ष्य निर्धारित किया है।
* यूनाइटेड किंगडम, डेनमार्क और स्वीट्जरलैंड जैसे देशों में जैविक उत्पादों की 70 प्रतिशत विक्री सुपर मार्केट के माध्यम से।
* विश्व के 15 जैविक कपास उत्पादक राष्ट्रों में भारत भी।
* भारत में कई अनाज, फल, सब्जियां, मसालों और जड़ी-वूटियां जैविक प्रवंधन से तैयार की जा रही है।

आर्गेनिक प्रबंधन के अंतर्गत क्षेत्र

श	आर्गेनिक भूमि हेक्टेयर में
ास्ट्रेलिया	1,05,00,000
र्जेंटाइना	31,92,000
टली	12,30,000
ंयुक्त राज्य अमरीका	9,50,000
ुनाइटेड किंगडम	6,79,631
उरुग्वे	6,78,481
जर्मनी	6,32,165
स्पेन	4,85,079
कनाडा	4,30,600
फ्रांस	4,19,750
चीन	3,01,295
आस्ट्रिया	2,85,500
ब्राजील	2,75,576
चिली	2,73,000
चेक गणराज्य	2,18,114
स्वीडन	1,93,611
डेनमार्क	1,74,600
उक्रेन	1,64,449
फिनलैंड	1,47,943
मैक्सिको	1,43,154
युगांडा	1,22,000
हंगरी	1,05,000
स्विटजरलैंड	1,02,999
पेरु	84,908
पुर्तगाल	70,857
न्यूजीलैण्ड	63,438
पराग्वे	61,566
इक्वेडोर	60,000
स्लोवाकिया	58,706
टर्की	57,001
साउथ अफ्रीका	45,000
पोलैण्ड	44,886
भारत	41,000
इण्डोनेशिया	40,000
नीदरलैण्ड	38,000
यूनान (ग्रीक)	31,118
आयरलैंड	30,070
कोलम्बिया	30,000
नार्वे	26,673
बेल्जियम	22,410
एस्टोनिया	20,141
लात्विया	20,000
बोलिविया	19,634
रुमानिया	18,960
ट्यूनीशिया	18,255
श्रीलंका	15,215
यूगोस्लाविया	15,200
मिस्र (ईजिप्ट)	15,000
डोमिनिकन रिपब्लिक	14,963
ग्वाटेमाला	14,746
मोरक्को	11,956
कोस्टारिका	8,974
क्यूबा	8,495
इजराइल	7,000
निकारागुआ	7,000
लिथुआनिया	6,769
जाम्बिया	5,688
आइसलैंड	5,466
घाना	5,453
स्लोवेनिया	5,280
रूस	5,276
तंजानिया	5,155
पनामा	5,111
जापान	5,083
एल सल्वाडोर	4,900
पापुआ न्यू गिनी	4,265
थाईलैण्ड	3,429
कैमरून	2,500
सेनेगल	2,500
अजरबैजान	2,500
लक्जमवर्ग	2,141
पाकिस्तान	2,009
फिलीपीन्स	2,000
बेलिज	1,810
हण्डुरास	1,769
मेडागास्कर	1,230
कोरिया गणतंत्र	902
लिचटेन्सटीन	690
बल्गारिया	500
केन्या	494
गयाना	425
मलावी	298
लेबनान	250
सूरीनाम	250
जमैका	205
फिजी	200
मारीशस	175
लाओस	150
मलेशिया	131
क्रोएशिया	120
बेनिन	81
सीरिया	74
साइप्रस	52
नेपाल	45
जिम्बाबवे	40
वियतनाम	2
कुल	2,28,11,267

स्रोत: एसओइएल–सर्वे–फरवरी 2003)

जैसे विकसित राष्ट्रों में जैविक खाद्य उत्पादों के प्रति साधारण जनसमुदाय में तेजी से रूझान बढ़ रहा है। जैविक खाद्य पदार्थों की निरंतर बढ़ती मांग विकासशील राष्ट्रों के लिए निर्यात के रूप में भविष्य के द्वार खोल रही है। उदाहरण के लिए जैविक विधि से तैयार की गई चीन की चाय नीदरलैंड में, चीन का सोयाबीन जापान में, जिम्बाबवे की जड़ीबूटियां दक्षिणी अफ्रीका में और दक्षिणी अफ्रीका का कपास यूरोपीय समुदाय के राष्ट्रों को निर्यात किया जा रहा है। एक सर्वे के अनुसार विश्व के 15 राष्ट्रों में जैविक कपास तैयार किया जा रहा है, जिसमें प्रथम स्थान पेरू का है। इसके अतिरिक्त मिस्र, भारत, ब्राजील और संयुक्त राज्य अमरीका भी प्रमुख जैविक कपास उत्पादक राष्ट्रों की श्रेणी में हैं। दक्षिण अफ्रीका से भी जैविक कपास की खेती में प्रतिवर्ष वृद्धि होती जा रही है।

जैविक खेती का बढ़ता क्षेत्रफल

खाद्य और कृषि संगठन द्वारा वर्ष 2002 में प्रस्तुत 250 पृष्ठीय रिपोर्ट 'आर्गेनिक एग्रीकल्चर, एन्वायरमेंट एण्ड फूड सिक्यूरिटी' के अनुसार विश्व के 100 राष्ट्रों में जैविक खेती की जा रही है और जैविक प्रबंधन के अंतर्गत क्षेत्रफल में सतत् वृद्धि हो रही है। वर्तमान में पूरे विश्व मे 23 मिलियन हैक्टेयर क्षेत्र में जैविक खेती की जा रही है। इसके अतिरिक्त 10.7 मिलियन हैक्टेयर क्षेत्र जंगलों से प्राप्त प्रमाणित जैविक उत्पादों का है।

23 मिलियन हैक्टेयर में से आस्ट्रेलिया के 10.5 मिलियन हैक्टेयर क्षेत्र में, अर्जेन्टीना के 3.2 मिलियन हैक्टेयर क्षेत्र में और इटली के 1.2 मिलियन हैक्टेयर क्षेत्र में जैविक खेती की जा रही है। जहां वर्ष 1987 में अर्जेन्टीना में मात्र 5 किसान जैविक खेती किया करते थे, दो वर्षों बाद वर्ष 1989 में अर्जेन्टीना में 500 हेक्टेयर क्षेत्र में जैविक खेती की जाने लगी जो वर्ष 2000 में बढ़कर 30 लाख हैक्टेयर तक पहुंच गई। यूनाइटेड किंगडम ने वर्ष 2010 तक कुल कृषि भूमि का 30 प्रतिशत जैविक खेती में परिवर्तन करने की योजना बनाई है। इसके अतिरिक्त यूरोपीय समुदाय के कई राष्ट्रों ने भी अपने यहां जैविक खेती का क्षेत्रफल बढ़ाने का लक्ष्य निर्धारित किया है।

जैविक खाद्य उत्पादों की बढ़ती मांग और बिक्री

आंकड़ों के अनुसार 16 यूरोपीय देशों, अमरीका और जापान की संयुक्त खुदरा बिक्री वर्ष 1997 में 10 बिलियन यू.एस. डालर, वर्ष 1998 में 13 बिलियन यूएस डालर, वर्ष 2000 में 16 बिलियन यू.एस. डालर और वर्ष 2001 में 19 बिलियन यू.एस. डालर रही। इसमें से वर्ष 1997 में यूरोपीय देशों में 4.5 बिलियन यू.एस. डालर, अमरीका में 4.2 बिलियन यू.एस. डालर तथा जापान में एक बिलियन यू.एस. डालर की बिक्री थी।

वर्ष 2000 में जैविक उत्पादों की कुल खुदरा बिक्री में यूनाइटेड स्टेट्स की 8000 मिलियन डालर, जर्मनी की 2100 मिलियन डालर, यूनाइटेड किंगडम की 1000 मिलियन डालर, इटली की 1000 मिलियन डालर, फ्रांस की 850 मिलियन डालर, स्विट्जरलैण्ड की 450 मिलियन डालर, जापान की 350 मिलियन डालर तथा अर्जेन्टीना की 20 मिलियन डालर रही। इसी वर्ष जापान के 'हरे उत्पादों (ग्रीन प्रोडक्ट)' की बिक्री 2.5 बिलियन यू.एस. डालर रही है। 'ग्रीन प्रोडक्ट' वे उत्पाद होते हैं, जो सबसे कम हानिकारक कीटनाशक और उर्वरकों के कम से

जैव कृषि के अंतर्गत क्षेत्र और कुल कृषि क्षेत्र की प्रतिशतता

देश	आर्गेनिक भूमि प्रतिशत में				
लिघटेन्सटीन	17.00	इजराइल	1.25	टर्की	0.14
आस्ट्रिया	11.30	लाटविया	0.79	मैक्सिको	0.13
स्विट्जरलैंड	9.70	इक्वेडोर	0.74	क्यूबा	0.13
इटली	7.94	आयरलैंड	0.68	सेनेगल	0.10
फिनलैंड	6.60	स्लोवेनिया	0.67	जापान	0.10
डेनमार्क	6.51	श्रीलंका	0.65	निकारागुआ	0.09
स्वीडन	6.30	यूनान (ग्रीक)	0.60	इण्डोनेशिया	0.09
चेक गणराज्य	5.09	कनाडा	0.58	पाकिस्तान	0.08
उरुग्वे	4.00	पापुआ न्यूगिनी	0.41	ब्राजील	0.08
युनाइटेड किंगडम	3.96	डोमिनिकन रिपब्लिक	0.40	लेबनान	0.07
जर्मनी	3.70	उक्रेन	0.40	हण्डुरास	0.06
नार्वे	2.62	न्यूजीलैण्ड	0.38	चीन	0.06
स्लोवाकिया	2.40	ट्यूनीशिया	0.36	बोलिविया	0.06
आस्ट्रेलिया	2.31	ग्वाटेमाला	0.33	कोरिया गणतंत्र	0.05
कोस्टारिका	2.00	एल सल्वाडोर	0.31	साउथ अफ्रीका	0.05
एस्टोनिया	2.00	पोलैण्ड	0.30	फिजी	0.04
नीदरलैण्ड	1.92	यूगोस्लाविया	0.30	जमैका	0.04
अर्जेन्टाइना	1.89	सूरीनाम	0.28	घाना	0.04
पुर्तगाल	1.80	पेरु	0.27	साइप्रस	0.04
हंगरी	1.80	पराग्वे	0.26	भारत	0.03
लक्ज़मबर्ग	1.71	पनामा	0.24	कैमरून	0.03
स्पेन	1.56	आइसलैंड	0.24	गयाना	0.02
बेल्जियम	1.61	कोलम्बिया	0.24	थाईलैण्ड	0.02
चिली	1.50	संयुक्त राज्य अमरीका	0.23	फिलीपीन्स	0.02
फ्रांस	1.40	अजरबैजान	0.20	जाम्बिया	0.02
युगांडा	1.39	रुमानिया	0.20	तंजानिया	0.01
[illegible]	1.30	लिथुआनिया	0.19	लाओस	0.01
		मिस्र (ईजिप्ट)	0.19	मलावी	0.01
		मारीशस	0.15		

स्रोत: एसओइएल-सर्वे, फरवरी 2003

विश्वव्याप्त आर्गेनिक फार्म्स

	आर्गेनिक फार्म्स				
ली	56,440	चीन	2,910	उरुग्वे	334
डोनेशिया	45,000	ग्वाटेमाला	2,830	मेडागास्कर	30[illegible]
क्सिको	34,862	पराग्वे	2,542	चिली	30[illegible]
युगांडा	28,200	इक्वेडोर	2,500	अजरबैजान	280
पेरू	19,685	नार्वे	2,099	साउथ अफ्रीका	250
टर्की	18,385	निकारागुआ	2,000	लाटवीया	225
आस्ट्रिया	18,292	अर्जेन्टाइना	1,900	बेनिन	119
स्पेन	15,607	पोलैण्ड	1,787	स्लोवाकिया	82
ब्राजील	14,866	नीदरलैण्ड	1,528	जाम्बिया	72
जर्मनी	14,703	आस्ट्रेलिया	1,380	बल्गारिया	50
डोमिनिकन रिपब्लिक	12,000	कोरिया गणतंत्र	1,237	लक्जमबर्ग	4[illegible]
फ्रांस	10,364	रुमानिया	1,200	वियतनाम	3[illegible]
संयुक्त राज्य अमरीका	6,949	हंगारी	1,040	लिचटेन्सटीन	3[illegible]
यूनान (ग्रीक)	6,680	एल सालवडोर	1,000	उक्रेन	[illegible]
स्विटजरलैंड	6,169	आयरलैंड	997	मलेशिया	[illegible]
भारत	5,661	तंजानिया	991	आइसलैंड	[illegible]
बोलिविया	5,240	न्यूजीलैण्ड	983	नेपाल	[illegible]
मोजाम्बिक	5,000	थाईलैण्ड	940	गयाना	26
फिनलैंड	4,983	पुर्तगाल	917	कजाकस्तान	20
कोलम्बिया	4,000	स्लोवेनिया	883	क्रोएशिया	18
यूनाइटेड किंगडम	3,981	बेल्जियम	694	लेबनान	17
स्वीडन	3,589	चेक गणराज्य	654	सैप्रस	15
कोस्टारिका	3,569	मोरक्को	555	जिम्बाब्वे	10
डेनमार्क	3,525	फिलीपिन्स	500	फिजी	10
श्रीलंका	3,301	मिस्र (ईजिप्ट)	460	जमैका	[illegible]
कनाडा	3,236	लिथुआनिया	430	मलावी	[illegible]
सेनेगल	3,000	ट्यूनीशिया	409	मारीशस	[illegible]
हण्डुरास	3,000	पाकिस्तान	405	सीरिया	[illegible]
		एस्टलैण्ड	369	कुल	398.8[illegible]

कम उपयोग से तैयार किए जाते हैं। वर्ष 2001 में यूरोप में जैविक उत्पादों की बिक्री 9 बिलियन यू.एस डालर और उत्तरी अमरीका में 9.5 बिलियन यू.एस डालर रही जिसके वर्ष 2003 में 11 में 13 बिलियन यू.एस डालर हो जाने की उम्मीद है। उत्तरी अमरीका में प्रतिवर्ष 15 से 20 प्रतिशत वृद्धि दर अनुमानित है। कनाडा में वर्ष 2001 में जैविक उत्पादों की खुदरा बिक्री 650 मिलियन यू.एस. डालर रही, जिसमें से 85 से 90 प्रतिशत उत्पाद अमरीका से आयातित थे।

दि इंटरनेशनल ट्रेड सेंटर की रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2003 के दौरान आस्ट्रेलिया में जैविक उत्पादों की बिक्री 75 से 100 मिलियन यू.एस. डालर तथा अमरीका मे 23 से 25 मिलियन यू.एस. डालर (या 24.6 से 26.7 मिलियन यूरो) होने की संभावनाएं है।

नेशनल मार्केटिंग एण्ड ऑर्गेनिक ट्रेड एसोसिएशन, यूएसए की संस्था द्वारा वर्ष 2001 में किए [illegible] अनुसार वर्ष 2005 तक अमरीका में जैविक [illegible] बिक्री बढ़ कर 20 बिलियन यू.एस. डालर तक [illegible] वर्ष 2010 तक जैविक उत्पादों की बिक्री यु[illegible] 46 बिलियन यू.एस. डालर, अमरीका में [illegible] 11 बिलियन [illegible] यू.एस. डालर और जापान में [illegible] तक पहुंचने की संभावना है।

कम हिस्सेदारी के बावजूद बढ़ता रुझा[illegible]

यद्यपि कुल खाद्य पदार्थों में जैविक [illegible] औसत हिस्सेदारी मात्र 1 प्रतिशत ही है, ले[illegible] देशों मे जैविक खाद्य पदार्थों की बिक्री में [illegible] की बढ़ोत्तरी पाई गई है। जैविक खाद्य प[illegible] में 3 प्रतिशत के साथ डेनमार्क प्रथम स[illegible] 2.50 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ यू[illegible]

स्विट्जरलैण्ड दूसरे स्थान पर आते हैं। तदुपरांत आस्ट्रिया और यू.एस.ए. की हिस्सेदारी 2 प्रतिशत की है। यूरोप और अमरीका में कुल खाद्य उत्पादों में से जैविक का बाजार एक से तीन प्रतिशत से बढ़कर पांच से दस प्रतिशत होने की संभावना है।

जैविक फल और सब्जियों का अधिक उपयोग

जैविक खाद्य पदार्थों की बिक्री में भी जैविक फलों की बिक्री औसतन 3 से 5 प्रतिशत रहती है, जबकि सब्जियों में यह औसत 10 प्रतिशत तक है। वर्ष 1998 से 2000 के दौरान इटली में जैविक फलों व सब्जियों की खुदरा बिक्री में 85 प्रतिशत तक की वृद्धि पाई गई। मूलत: मांस उत्पादों पर आधारित भोजन करने वाले इटली के लोगों में तेजी से जैविक फलों और सब्जियों की ओर बढ़ा रूझान एक तरह से आश्चर्य ही माना जाएगा। जैविक उत्पादों की बिक्री में अनुमानित वृद्धि के हिसाब से नीदरलैण्ड में कुल 10 से 15 प्रतिशत की वृद्धि में से 3 प्रतिशत फलों की 5 प्रतिशत सब्जियों की, आस्ट्रिया में 10 से 20 प्रतिशत वृद्धि में से 5 प्रतिशत फलों की व 10 प्रतिशत सब्जियों की तथा स्वीडन में 15 से 20 प्रतिशत वृद्धि में से 8 प्रतिशत फलों की व 15 प्रतिशत सब्जियों की वृद्धि अनुमानित है। इसी प्रकार से अमरीका और जापान में भी जैविक फलों और सब्जियों की बिक्री में वृद्धि दर्ज की गई है। जर्मनी में वर्ष 1993 से 1997 के मध्य जैविक फलों में 8 प्रतिशत की और जैविक सब्जियों में 15 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि पाई गई।

अधिक मूल्य, अधिक लाभ

इस सर्वे के अनुसार सामान्य उत्पादों की तुलना में जैविक उत्पाद 20 से 25 प्रतिशत अधिक मूल्य पर, जैविक फल व सब्जियां 20 से 40 प्रतिशत मूल्य पर तथा जैविक मसालों 30 से 100 प्रतिशत अधिक मूल्य पर बेचे जाते हैं। भारत के जैविक मसालों घरेलू बाजार में सामान्य मसालों के मूल्य की तुलना में 20 से 25 प्रतिशत अधिक मूल्य पर बिकते हैं। जबकि अंतर्राष्ट्रीय बाजार में जैविक मसालों को 30 से 100 प्रतिशत अधिक मूल्य प्राप्त होता है। भारत से निर्यात होने वाली सफेद व काली मिर्च अंतर्राष्ट्रीय बाजार में 50 से 75 प्रतिशत अधिक मूल्य पर बिकती है।

जैविक खुदरा बिक्री केंद्र

सर्वे से प्राप्त आंकड़ों के अनुसार यूनाइटेड किंगडम, डेनमार्क और स्विट्जरलैण्ड जैसे देशों में जैविक फलों और सब्जियों की 70 प्रतिशत बिक्री सुपर मार्केट के माध्यम से होती है। नीदरलैण्ड में 30 प्रतिशत, जर्मनी में 24 प्रतिशत और फ्रांस में 20 प्रतिशत बिक्री सुपर मार्केट के माध्यम से की जाती है। एशिया में इजराइल जापान, मलेशिया और फिलीपींस में भी जैविक उत्पादों की बिक्री में सुपर मार्केट का योगदान रहता है।

एशिया में जैविक खेती

अंतर्राष्ट्रीय संस्था, इंटरनेशनल फेडरेशन आफ ओर्गेनिक एग्रीकल्चर मूवमेंट्स (आईफोम) की विश्व बोर्ड सदस्य प्रभा महाले के अनुसार एशिया महाद्वीप में जैविक [illegible] जापान सबसे आगे है, इसके बाद ताईवान, सिंगापुर [illegible] हांगकांग आते हैं। चीन और कोरिया गणतंत्र के लोगों [illegible] जैविक खेती के संबंध में रूझान तेजी से बढ़ रहा है। [illegible] 2000 के दौरान एशिया महाद्वीप में जैविक उत्पादों [illegible] ग्रीन प्रोडक्ट्स की कुल बिक्री 2 से 2.5 बिलियन यू.[illegible] डालर की रही, जिसमें जापान के ग्रीन प्रोडक्ट्स की बि[illegible] 250 मिलियन यू.एस. डालर है। कृषि मंत्रालय, जापान [illegible] अप्रैल 2001 में ग्रीन प्रोडक्ट्स के नियमों को कड़ा क[illegible] हुए अधिनियम में संशोधन करके उन्हें जैविक उत्पादों [illegible] रूप मान्यता दी है। उम्मीद है कि इस अधिनियम के [illegible] होने से वर्ष 2003 में जापान में जैविक उत्पादों की [illegible] बिक्री 350 से 450 मिलियन यू.एस. डालर तक प[illegible] जाएगी।

भारत में जैविक खेती

विश्व भर की 12 जैव विविधता वाले राष्ट्रों में से एक है। रिकार्ड के अनुसार भारत में 77,000 जंगली जंतुओं की और 45,000 प्रकार के पौधों की प्र[illegible] है। इन दोनों का योग करके देखा जाए तो विश्व के [illegible] पौधों और जंतुओं में भारत की हिस्सेदारी 6.5 प्र[illegible] आती है। एक रिपोर्ट के अनुसार भारत में 50 प्रतिशत [illegible] की कटाई तथा 70 प्रतिशत जल स्त्रोत प्रदूषित हो चुके [illegible] इस प्रकार से भारत के लिए जैव विविधता को संर[illegible] करने, पर्यावरण को बचाए रखने, जल व मृदा संरक्षण [illegible] लिए जैविक खेती को एक मिशन के रूप में फैलाना [illegible] आवश्यक हो गया है।

वर्ष 2001–02 के दौरान हमारे देश में रासाय[illegible] उर्वरकों की खपत 91.49 किलोग्राम/हेक्टेयर [illegible] कीटनाशकों की खपत 0.57 किलोग्राम/हेक्टेयर रही [illegible] हालांकि अभी ये दोनों आंकड़े किसी गंभीर चेतावनी [illegible] सूचना नहीं दे रहे है। परंतु भारत शासन द्वारा जून 200[illegible] जैविक खेती पर राष्ट्रीय योजना (नेशनल प्रोजेक्ट [illegible] ओर्गेनिक फोर्मिंग) का क्रियान्वयन किया जा चुका है। [illegible] अंतर्गत केंद्र शासन द्वारा शीघ्र ही जैविक खेती के रा[illegible] संस्थान (नेशनल इन्स्टीट्यूट आफ ओर्गेनिक फार्मि[illegible] एन.आई.ओ.एफ) की शुरुवात की जाएगी। प्रारंभ में गाजिया[illegible] (उ.प्र) स्थित राष्ट्रीय जैव उर्वरक विकास केंद्र (नेशनल फर्टिलाइजर डेवलपमेंट सेंटर), के प्रधान कार्यालय [illegible] उसके देश भर में फैले छ: क्षेत्रीय केंद्रों को भी नेश[illegible] इन्स्टीट्यूट आफ आर्गेनिक फार्मिंग में परिवर्तित कि[illegible] जाएगा। एन.आई.ओ.एफ. एक शीर्षस्थ और केंद्रीय सं[illegible] के रूप जैविक खेती को प्रोत्साहित करने, प्रशिक्षण [illegible] समन्वय स्थापित करने, मापदंड स्थापित करने व जै[illegible] उत्पादों के प्रमाणीकरण व उन्हें अधिसूचित करने की [illegible] में कार्य करेगी। 10 वीं योजना में जैविक खेती को ब[illegible] देने के लिए केंद्र शासन 100 करोड़ रूपए की राशि प्राव[illegible] करने पर विचार चल रहा है। हमारे देश में जैविक खेती जब चर्चा होती है, तो सर्वप्रथम गाय के गोबर और गो-

का उपयोग ध्यान में आता है। अखिल भारतीय गौशाला संघ के अनुसार देश में 3000 से अधिक गौशालाएं हैं। इसी बात को ध्यान में रखते हुए केंद्र शासन ने इन गौशालाओं में पल रहे पशुधन के संरक्षण केलिए कई योजनाएं क्रियान्वित की है, जिससे पशुधन संरक्षण के साथ जैविक खेती को भी बढ़ावा मिल सकेगा।

मध्यप्रदेश से हुआ जैविक खेती का शंखनाद

व्यापक स्तर पर जैविक खेती की शुरुवात का गौरव मध्यप्रदेश राज्य को हासिल है। यहां वर्ष 2001 के दौरान कृषि विभाग द्वारा प्रदेश के 313 विकासखंडों में से एक–एक जैविक ग्राम विकसित किए गए। एक वर्ष की उपलब्धि से उत्साहित होकर विभाग द्वारा अगले वर्ष अर्थात् 2002 में प्रत्येक विकासखंड में से दो–दो गांव जैविक खेती के लिए विकसित किए गए। इस प्रकार से प्रदेश के कुल 939 गावो में वृहद स्तर पर जैविक खेती की जाने लगी। प्रदेश में नाडेप फास्फो कंपोस्ट, हरी खाद, मटका खाद, केचुआ खाद, स्फुर घोलीय जैव उर्वरक (पी.एस.बी), बायो गैस स्लरी, कल्चर, विशेषकर धान की फसल के लिए नील हरित काई (ब्लू ग्रीन एल्गी) आदि का उपयोग किया गया। कीटों से बचाव के लिए नीम का अर्क, छाछ/मटठा, बेशरम, तबाकू आदि का उपयोग किया गया। इसके अतिरिक्त गोबर और गौमूत्र से तैयार भमूत अमृतपानी अमृत सजीवनी आदि अनेक प्रकृति प्रदत्त चीजों का उपयोग किया जा रहा है।

मध्यप्रदश में जैविक खेती के व्यापक प्रभाव का देखते हुए राजस्थान व उत्तरांचल राज्यों ने भी अपने यहा जैविक खेती को प्रोत्साहित करने के लिए विशेष कार्य योजना बनाकर उस पर प्रभावी ढग से क्रियान्वित करना प्रारभ कर दिया है। छत्तीसगढ़ शासन ने किसानों के जीवन मे आर्थिक समृद्धि और उन्नति लाने के उद्देश्य से जैविक जड़ी–बूटियों की खेती को पोत्साहित किया है।

केरल मे लोगों को साक्षर बनाने के लिए जिस प्रकार से 'साक्षर केरलम्' योजना क्रियान्वित की गई थी, ठीक उसी प्रकार से राज्य के किसानों को जैविक खेती के लिए प्रोत्साहित करने हेतु शीघ्र ही राज्य शासन 'जैव केरलम्' योजना शुरू करने जा रहा है। साथ ही जैविक खेती को आयुर्वेद से जोड़कर पर्यटन उद्योग को बढावा देने की भी योजना है। इस पर भी विचार चल रहा है कि राज्य मे जैविक खेती करने वाले किसानों को 'जैविक कृषि–व्यापारी (आर्गेनिक एग्री–बिजनेसमेन)' नाम से सबोधित किया जाए, ताकि उनकी एक अलग पहचान बन सकें।

हमारे देश के दक्षिण भाग के कुछ राज्यों और उड़ीसा में रहनेवाले आदिवासियों और अनुसूचित जातियों ने जैविक मसालों का निर्यात कर अपनी सामाजिक–आर्थिक स्थिति में बदलाव किया है। स्पाइसेस बोर्ड और गैर शासकीय सगठनों के माध्यम से 1000 आदिवासी परिवारों ने गत दो वर्षो में 200 टन का जैविक मसाला और 3.5 टन की सुगधीय जड़ी–बूटियां (जैविक नहीं) यूरोपीय देशों को निर्यात कर 15 मिलियन यू.एस. डालर अर्जित किए। जैविक मसालों में सफेद व काली मिर्च, लौंग, जायफल, अजवाईन, रोज मेरी आदि शामिल थे। विश्व बैंक ने जिनेवा स्थित इंटरनेशनल ट्रेड सेंटर के माध्यम से इंटरनेट पर 'डेवलपमेंट मार्केट प्लेस 2000' विषय नाम से एक प्रतियोगिता आयोजित की थी। इसमें स्पाइसेस बोर्ड, कोच्चि ने 'इमपावरमेंट आफ रूरल कम्यूनिटीस टू एक्सपोर्ट ओर्गेनिक स्पाइसेस' नाम से एक योजना भेजी थी। विश्व भर से आई 1200 योजनाओं में 40 चयनित योजनाओं को 'इनोवेटिव फोर रिड्यूसिंग पोव[illegible] की श्रेणी में रखा गया, यह योजना उनमें से एक थी। इ[illegible] योजना के क्रियान्वयन के लिए विश्व बैंक द्वारा 2 लाख 5[illegible] हजार यू एस डालर की दूसरी सर्वाधिक राशि सहायता[illegible] रूप में प्रदान की गई थी। विश्व बैंक द्वारा इस योजना [illegible] विश्व के अन्य दस देशों में क्रियान्वित किया गया।

हमारे देश का [illegible]
खेती की दिशा में [illegible]
है। देश मे हल्दी उत्पादन में तमिलनाडु का दूसरा स्थान [illegible] इसी प्रकार यहां से हल्दी सहित कई अन्य मसालों [illegible] इलायची, मिर्च, लहसुन, कड़ी पत्ता, इमली तथा अन्य जड़[illegible] बूटियों का भी निर्यात किया जाता है। यहां भी अब राज्य शा[illegible] ने इन उत्पादों को जैविक विधि से तैयार कर इनके नि[illegible] करने की वृहद योजना तैयार की है।

भारत ने विकसित की जैविक तंबाकू

भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान के अंतर्गत केंद्री[illegible] तंबाकू अनुसंधान संस्थान, राजामुन्द्री, आंध्रप्रदेश के वैज्ञानि[illegible] ने दो वर्षों के अनुसंधानों और कई प्रक्षेत्र परीक्षणों के ब[illegible] इस निष्कर्ष पर पहुंचे कि सेंद्रीय खाद (ओर्गेनिक [illegible]
उपयोग से भारतीय तंबाकू की पत्ती में विश्व के [illegible]
में उगाई जाने वाली तंबाकू की तुलना में हानिक[illegible]
की मात्रा कम पाई गई है। संस्थान के निदेशक डा. क.[illegible] सिंह के अनुसार सेंद्रीय खाद के उपयोग से तैयार तंबाकू [illegible] सुगध भी बनी रहती है। डा. सिंह के अनुसार तंबाकू [illegible] निकोटिन से कहीं ज्यादा अन्य तत्व जैसे टार, टौब[illegible]
स्पेसीफि [illegible]
लेड व [illegible]
खाद के उपयोग से तंबाकू में इन हानिकारक तत्वों की मा[illegible] को कम करके कम हानि पहुंचाने वाली सिगरेट तैयार [illegible] जा सकती है। श्री सिंह के अनुसार तंबाकू में रासायनिक उ[illegible] के उपयोग को कम करके हरी पत्तियों और मूंगफली से नि[illegible] जैविक खाद के अधिक उपयोग से टी.एस.एन.ए. के स्त[illegible] कम किया गया।

भारत में जैविक उत्पाद

हमारे देश में अनाज, फल, सब्जियां, मसालें और ज[illegible] बूटियां जैविक विधि द्वारा उत्पादित किए जा रहे हैं। क[illegible] गन्ना, धान, मक्का, ज्वार, अरहर, मूंग, उड़द, सोया[illegible] मूगफली, गेहूं, चना, मटर, मैथी, प्याज, आलू, टमाटर, [illegible] केला, अन्नानास, पपीता, संतरा, मिर्च, हल्दी, हरी [illegible] सफेद व काली मिर्च, लौंग, अजवाईन, जायफल, [illegible] मूसली सहित कई औषधीय फसलों की खेती भी जैविक [illegible] से की जा रही है।

उच्च शिक्षाः बढ़ती जरूरत, घटता स्तर

हर्षदेव

उच्च शिक्षा के क्षेत्र में यीता दशक क्रांतिकारी परिवर्तन लाने वाला रहा है। इस समयावधि के दौरान ही उच्च शिक्षा के मामले में निजी क्षेत्र की भूमिका को स्वीकार किया गया तथा उसे सरकारी, अदालती और सामाजिक मान्यता प्राप्त हुई। इस घटनाक्रम का अर्थ उच्च शिक्षा के लिए सार्वजनिक धन के आवंटन में कटौती और साथ ही उच्च शिक्षा के निर्वाध निजीकरण के नीतिगत उपाय करना था। वस्तुतः भारत सरकार ने 1997 में सरकारी अनुदानों के संबंध में नये सिरे से विचार करते हुए शिक्षा को पहली बार दो श्रेणियों को बांट दिया। उसने उच्च शिक्षा को 'नोन मेरिट गुड' (अग्राह्य या अलाभकर) और प्राथमिक शिक्षा को 'मेरिट गुड' (ग्राह्य या उपयोगी) में बांट दिया। 'नोन मेरिट गुड' का निहित अर्थ उस क्षेत्र को दिये जाने वाले अनुदानों में निरन्तर कटौती करना था। इससे पहले अगस्त 1995 में राज्य सभा में निजी विश्वविद्यालय संबंधी विधेयक पेश किया जा चुका था। इस विधेयक का उद्देश्य स्ववित्त पोषित विश्वविद्यालयों की स्थापना करना था। हालांकि यह विधेयक अभी तक संसद के समक्ष विचाराधीन है। लेकिन इसका कारण उच्च शिक्षा के निजीकरण में सरकार की दिलचस्पी में कमी नहीं, वरन विधेयक में शामिल कुछ ऐसे प्रावधान हैं जिनको लेकर निजी क्षेत्र असहमत है। उदाहरण के लिए विधेयक में दस करोड़ रुपये की प्राथमिक पूंजी से स्थायी कोष बनाने, 30 प्रतिशत छात्रों को पूरी छात्रवृत्ति देने और विश्वविद्यालय की निगरानी तथा उसके कार्यकलाप के नियम बनाने का अधिकार सरकार को सौंपने का प्रावधान है। स्पष्ट है कि निजी पूंजी निवेशकों को इन व्यवस्थाओं के प्रस्ताव पर आपत्ति करनी ही थी और इससे इस क्षेत्र में पूंजी लगाने के पीछे उनकी मंशा का पता भी लगता है। उधर, निजी क्षेत्र के विश्वविद्यालयों और कालेजों पर सरकार की निगरानी और नियंत्रण के कुछ उपाय भी जरूरी थे।

इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता है कि उच्च शिक्षा के निजीकरण के संबंध में 1990 के दशक में लिए गए नीतिगत परिवर्तन के फैसलों के पीछे सबसे बड़ा कारण विश्व व्यापार संगठन (डब्लू टी ओ) के सदस्य देशों द्वारा सेवा क्षेत्र में व्यापार के लिए आम सहमति पत्र (गैट्स) पर हस्ताक्षर करना था। शिक्षा एक विशाल (सर्विस सेक्टर) सेवा-उद्योग है और इसके आकार-प्रकार में निरंतर वृद्धि हो रही है। विश्व व्यापार संगठन के एक आकलन के अनुसार इस समय दुनिया भर में शिक्षा पर 47 लाख करोड़ की राशि व्यय की जा[illegible] है। शिक्षा उन 12 प्रमुख सेवा क्षेत्रों में से एक है जिन्हें गैट्[illegible] के तहत सदस्य देशों ने स्वीकार किया है। इस समझौते प[illegible] 2004 अर्थात इसी वर्ष से अमल करना तय हुआ है। इस[illegible] क्रियान्वयन का मतलब होगा, शिक्षा के क्षेत्र का निजीकर[illegible] ओर साथ ही विदेशी विश्वविद्यालयों का भारत में प्रवेश औ[illegible] स्थानीय विश्वविद्यालयों तथा महाविद्यालयों के साथ उनक[illegible] प्रतिस्पर्धा। इस परिदृश्य की सबसे बड़ी चुनौती ही यह हो[illegible] कि तमाम आधुनिकतम साधनों से संपन्न और सबसे नूतन[illegible] तकनीकों से सुसज्जित विदेशी विश्वविद्यालयों व शिक्ष[illegible] संस्थानों से देश की शिक्षा संस्थाओं को एक गैरबराबरी वाल[illegible] मुकाबला करना होगा। इसलिए यह भी जरूरी है कि यदि दे[illegible] की शिक्षा संस्थाओं को अपनी विशिष्ट पहचान औ[illegible] उपयोगिता कायम रखनी है और इस प्रतिस्पर्धा में सफल[illegible] होकर निकलना है तो उन्हें स्वयं को शिक्षा प्रबंधन के लि[illegible] ऐसा वातावरण तैयार करना होगा जिसमें वे छात्रों को परंप[illegible] और कौशल के साथ व्यावहारिक ज्ञान प्रदान करने में [illegible] सामर्थ्यवान बने रहें।

उच्च शिक्षा के निजीकरण के संदर्भ में शिक्षकों के लि[illegible] गठित पांचवें वेतन आयोग की संस्तुतियों ने भी कम भूमि[illegible] अदा नहीं की है। इनके माध्यम से शिक्षकों के वेतनमानों [illegible] अनुलाभों में इतनी ज्यादा बढ़ोत्तरी कर दी गई कि मा[illegible] संसाधन विकास मंत्रालय और विश्वविद्यालय अनुदान आय[illegible] के लिए उस आर्थिक बोझ को उठाना असंभव हो गया। य[illegible] यह नहीं भूलना चाहिए कि देश के लगभग सभी राज्यों [illegible] वित्तीय स्थिति बेहद खस्ता बनी हुई है और उधर विश्वविद्या[illegible] अनुदान आयोग तथा मानव संसाधन विकास मंत्रालय भी [illegible] योजनागत व्यय की स्थायी जिम्मेदारी उठाने में स्वयं [illegible] असमर्थ पा रहे हैं। इस बात में संदेह नहीं है कि देशु[illegible] विश्वविद्यालयों (214), नामित विश्वविद्यालयों (38), रा[illegible] शिक्षा संस्थानों (11) तथा महाविद्यालयों (11089) कार्यरत लगभग 3.25 लाख शिक्षकों के वेतन का बेतह[illegible] खर्च ही नहीं, इन संस्थानों द्वारा किया जाने वाला अन[illegible] शनाप उपयोगी-अनुपयोगी व्यय भी केन्द्र और र[illegible] सरकारों के सीमित संसाधनों की दृष्टि से कमरतोड़ देनेव[illegible] सिद्ध हो रहा था। कुछ अपवादों को छोड़कर यह तथ्य [illegible] सत्य के बावजूद बना रहा है कि ज्यादातर विश्वविद्यालय [illegible] महाविद्यालय शिक्षा के संसाधनों-उपकरणों, प्रयोगशाल[illegible]

उसमे भी इन कालेजों के सचालकों का दबदबा रहा और उनकी ही मंशा पूरी हुई।

उच्च शिक्षा के निजीकरण के संदर्भ में बेहद जोखिम भरी वास्तविकता यह है कि व्यवसाय प्रबंधन, सूचना प्रौद्योगिकी और चिकित्सा विज्ञान तथा इंजीनियरिंग की शिक्षा देनेवाले कुछेक निजी संस्थानों को छोड़ दें तो शेष ही हालत चिंताजनक स्थिति तक शोचनीय है। एक ओर जहां उच्चस्तरीय शिक्षा का दायित्व उठाना सरकार ने अपने बूते की बाहर की बात मान ली है, वहीं शिक्षा संस्थानों की कमी को पूरा करने के नाम पर कुकुरमुत्तों की तरह उग आए संस्थानों से देश की उच्चस्तरीय शिक्षा के समूचे ढांचे पर सवालिया निशान लग गये हैं। 'कंपीटेशन फीस' के नाम पर इन संस्थाओं में प्रवेश के लिए छात्रों से लाखों रुपये वसूल किए जाते हैं और फिर भी उन्हें हासिल होती है, आधी–अधूरी योग्यता प्रदान करनेवाली शिक्षा जिसके बल पर वे किसी भी प्रतिस्पर्धा में शामिल होने के लायक नही बन पाते हैं। इस स्थिति का परिणाम यह सामने आ रहा है कि उच्च शिक्षा का पहले से ही डगमगाता हुआ स्तर निजी क्षेत्र के प्रवेश के बाद और भी पतन की ओर जा रहा है जबकि वहां से मिलनेवाली डिग्री के लिए छात्रों को अब दसियों गुना कीमत चुकानी पड़ रही है। एक योग्य प्रतिभाशाली छात्र इन कालेजों में प्रवेश पाने से वंचित रह सकता है, यदि वह सीट एक मालदार पिता का बेटा लाखों रुपये देकर 'खरीद' ले। ऐसे में शिक्षा की गुणवत्ता का निर्वाह कैसे हो पायेगा?

निष्कर्ष के रूप में यहां यह कहा जा सकता है कि उच्च शिक्षा के क्षेत्र में निजी पूंजी की बढ़ती हुई भूमिका का अभी तक का अनुभव न विद्यार्थी वर्ग के लिए और न देश के भविष्य के निर्माण के लिहाज से आश्वस्तकारी रहा है। तकनीकी और अन्य पेशेवर संकायों में निजी संस्थाओं से सार्थक और अंतरराष्ट्रीय स्तर की शिक्षा देने की अपेक्षा और आशा की गई थी, लेकिन उस कसौटी पर निजी संस्थान स्वयं को खरा सिद्ध नहीं कर पाए। पिछले एक वर्ष (2003) के दौरान ही उच्चतम न्यायालय को कम से कम तीन बार इन निजी संस्थानों के कार्यकलापों मे अनियममितता, मनमानी और उत्तरदायित्वहीनता पर अंकुश के लिए हस्तक्षेप करना पड़ा। इसके बावजूद ये संस्थान अपने कामकाज में पारदर्शिता और कर्तव्यनिष्ठा लाने की ओर प्रेरित नहीं हुए। आर्थिक रूप से कमजोर किन्तु प्रतिभाशाली छात्रों के प्रति किसी प्रकार की उदारता या विचारशीलता की तो इन संस्थानों से कोई आशा की ही नहीं जाती, ये शिक्षा के अपेक्षित स्तर को बनाये रखने और निभाने में भी असमर्थ सिद्ध हो रहे हैं।

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) की स्वर्ण जयंती के अवसर पर प्रधानमंत्री ने निजी शिक्षा संस्थाओं का आह्वान किया था कि वे भारतीय प्रौद्योगिकी और भारतीय प्रबंधन संस्थानों द्वारा स्थापित आदर्शों का अनुसरण करते हुए खुद को उन्हीं के सांचे में ढालने की कोशिश करें। एक तथ्य यह भी है कि उच्च शिक्षा के मामले में निजी क्षेत्र की भूमिका को स्वीकार करते समय उसे खर्च से जोड़ने के पहलू को पूरी तरह भुला दिया गया। यूजीसी का यह दायित्व और कर्तव्य है कि वह उच्च शिक्षा को खर्चीला होने से बचाने के लिए विभिन्न कारगर उपायों की तलाश करें और निजी शिक्षा संस्थानों को उचित नियम और निगरानी के जरिए शिक्षा की गुणवत्ता को बनाये रखने के हर संभव उपाय करे। इसके लिए शिक्षक–छात्र अनुपात को तय करने, छात्रों के लिए पढ़ाई के साथ–साथ अपना खर्च निकालने के लिए रोजगार के ऐसे अवसर मुहैया कराये जो उनकी पढ़ाई में बाधा न बनें और उनकी आर्थिक जरूरतों का भी पूरा करते हों। ऐसा करने से शिक्षा की ज्यादा कीमत चुकाने वाला छात्र जल्दी और अस्वाभाविक तरीके से अपने उस धन की वापसी के रास्ते तलाश नहीं करेगा। उच्च शिक्षा हासिल करने में होने वाले खर्च को उन उद्योगों या व्यावसायिक प्रतिष्ठानों से जोड़ने के उपाय किए जा सकते हैं जो अंततः प्रशिक्षित छात्रों की योग्यता को अपने लिए उपयोग में लाते हैं। इस मामले में सरकार के स्तर पर भी काफी कुछं किए जाने की जरूरत है। उच्च शिक्षा को निजी क्षेत्र को सौंपने का मतलब सरकार का जिम्मेदारी से मुक्त हो जाना नहीं है। हर हालत में उसको पहले से ज्याद जागरूकता और सजगता दिखानी होगी क्योंकि अंततः उच शिक्षा का प्रश्न देश और समाज के भविष्य निर्माण और प्रगति से जुड़ा हुआ है। शिक्षा को संविधान में राज्य का विषय रख गया है। इसके बावजूद किसी प्रदेश सरकार ने अभी तक इस मामले में दूरदर्शिता और उत्तरदायित्व का प्रमाण नहीं दिय है। इसलिए आवश्यक है कि केन्द्र सरकार अपनी ओर पहल करके प्रदेश इस मामले में पूरी तरह मूकदर्शक बन हुआ है। जबकि निजी शिक्षा संस्थानों की बेरोकटोक बढ़त संख्या, उनके शिक्षा शुल्क ढांचे और प्रवेश संबंधी नियमों व अस्पष्ठता तथा सरकार और छात्र दोनों के ही प्रति किस भी प्रकार की जवाबदेही का अभाव, एसे मामले हैं जो मंत्राल की सक्रिय भूमिका की आवश्यकता को सहज ही रेखांकि करते हैं। मंत्रालय ऐसी गंभीर और दूरगामी प्रभाव वा परिस्थितियों के समाधान के लिए यूजीसी तथा अन्य संबंधि संगठनों व समितियों की बैठक बुलाकर इस दिशा में निर्णाय फैसले लेने में सक्षम है। उच्च शिक्षा के क्षेत्र में समन्व स्थापित करने और उसकी गुणवत्ता के मानकों के निर्वाह लिए केन्द्र के पास संविधान प्रदत्त शक्तियां मौजूद हैं। इ उद्देश्य के लिए यूजीसी के साथ–साथ एक दर्जन से ज्या परिषदें भी कार्यरत हैं। इसके बावजूद मानव संसाधन विका मंत्रालय ने इस परिषदों के मध्य परस्पर तालमेल के उद्दे से भी कोई पहल नहीं की है। लेकिन इस दिशा में कारग कदम उठाने के लिए अब देर करना उचित नहीं होगा।

उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए प्रयत्नशील और अप भविष्य के निर्माण के लिए सजग छात्र ही संभवतः निजी हा में आने के कारण ऊंची शिक्षा के गिरते स्तर को रोकने जिम्मेदारी ज्यादा प्रभावी तरीके से निभा सकते हैं। वे आसा से यह फैसला कर सकते हैं कि कौन सा विश्वविद्यालय महाविद्यालय स्तरीय शिक्षा प्रदान करने और संसाधनों मामलों में सक्षम है। ये विद्यार्थी ही ऐसी संस्थाओं में जिम्मेदारी या अनुचित तरीके के धन वसूलने के हथकंड़ों अंकुश लगा सकते हैं। उधर केन्द्र और राज्य सरकारों भी मूकदर्शक की अपनी मुद्रा छोड़कर एक सक्रिय पर्यवेक्ष की भूमिका में आना होगा अन्यथा निजी हाथों में उच्च शि

कुछ मुट्ठी भर पूंजीपतियों की तिजोरियों को भरने और देश के युवकों के भविष्य को निराशा के अंधेरे में झोंकने का जरिया बनकर रह जायेगी। क्योंकि यह मान लेना भी गलत होगा कि विदेशी शिक्षा संस्थान पढ़ाने और डिग्री प्रदान करने के समाजसेवी उद्देश्य से देश में आयेंगे या वे सभी ओक्सफोर्ड और कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय जैसे विश्वस्तरीय संस्थान होंगे। हकीकत यह है कि अभी तक जितने विदेशी महाविद्यालयों ने हमारे छात्रों को शिक्षा और डिग्री देने की पेशकश की है, उनमें से ज्यादातर अपने-अपने देशों में या तो प्रतिबंधित हैं अथवा उन्हें मान्यता ही प्राप्त नहीं है। ऐसे में एक ओर जहां छात्रों को बहुत चौकन्ने रहकर अपने लिए सही शिक्षा संस्था का चुनाव करना होगा, वहीं केन्द्र व राज्य सरकारों को भी देशी और विदेशी विश्वविद्यालयों या महाविद्यालयों को स्वीकृति देने से पहले उनकी उचित छानबीन करने के साथ ही उन पर निरन्तर निगरानी के लिए कुछ कठोर किन्तु व्यावहारिक नियम तय करने होंगे।

टीवी चैनलों का प्रभाव और हमारा समय

सुधीश पचौरी

इन दिनों भारतीय जनता को कम से कम 129 चैनल उपलब्ध हैं, इनमें हिन्दी, अंग्रेजी, बंगला, तमिल, बिहारी, मलयालम, तेलगु, उर्दू, असमिया, गुजराती, कश्मीरी, [illegible], राजस्थानी, कन्नड़, मराठी, उड़िया इत्यादि भाषाओं [illegible] तो शामिल ही हैं, कुछ चीनी, अरबी, जर्मन, [illegible], रूसी भाषाओं के चैनल भी शामिल हैं, आनेवाले [illegible] 'कैरा' और टीटीएच के आने के बाद, इन चैनलों की संख्या और भी बढ़ जाएगी। यदि भाषा वार चैनल देखे जाए उनकी गणना कुछ इस प्रकार से की जा सकती है।

भाषा	चैनल संख्या	चैनलों के नाम
असमी	1	(डीडी)
बंगला	8	(डीडी 7, ईटीवी, एटीएन, चैनल वन, एकुशे, तारा, अल्फा, आकाश)
बिहारी	1	(डीडी-17)
गुजराती	4	(डीडी-11, गुर्जरी, तारा, अल्फा)
हिन्दी	19	(डीडी-1, डीडी-2, डीडी-15, डीडी-16, ईटीसी, सहारा, सोनी, जी, आस्था, बी4यू, बी 4 म्यूजिक, सीएनएन, डीडीवर्ल्ड, डीडी न्यूज, सब टीवी, जी न्यूज, स्टार, एस एन, आज तक)
हिन्दी/अंग्रेजी	19	(जैन, महर्षि, एमटीवी, टीवीआई, डिस्कवरी, एटीएन, ब्लुमबर्ग, संस्कार, जी म्यूजिक, सीएमजी, डीडी स्पोर्टस, ईएसपीएन, एचबीओ, सेट मैक्स, स्टार न्यूज, स्टार प्लस, स्टार स्पोर्ट्स, एनिमल प्लेनेट, नेशनल ज्योग्राफिक)
कश्मीरी	1	(डीडी-12)
मलयालम	4	(डीडी-4, एशियानेट, कैरली, सूर्या)
मराठी	5	(डीडी-10, ईटीवी मराठी, प्रभात, तारा, अल्फा)
उड़िया	1	(डीडी-6)
पंजाबी	5	(डीडी-18, ईटीसी, लश्करा, तारा, अल्फा)
कन्नड़	6	(डीडी-9, ईटीवी, उदय, सुप्रभात, उषे, एशियानेट)
राजस्थानी	1	(डीडी-14)
तमिल	9	(डीडी-5, जया, सन, सन न्यूज, सन म्यूजिक, विजय, राज टीवी, एच डिजिटल, एशियानेट)
तेलगु	4	(डीडी-8, ईनाडु, जेमिनी, तेजा)
उर्दू	4	(यूटीएन, पी टीवी, पी टीवी वन, ई टीवी)
अंग्रेजी	21	(बीबीसी, असेनिया, सीएनएन, वर्ल्डनेट, सीसीटीवी, न्यू एशिया, हालीवुड, नाऊ, जी (अंग्रेजी), जेड टीवी, स्पलैश, एक्शन, चैनल V, सीएनबीसी, हालमार्क, एन जीसी, निक्लोडियान, स्टार न्यूज, स्टार वर्ल्ड, सन मूवीस, टी एनटी)
अन्य भाषाई	15	(सीई टीवी, ईएससी, आर टीवी, डी डब्ल्यू, फैशन, एमटीए, केएसबी, राज, टीवी 5, भारत चैनल, ईगा, रेयिनबो, टीवीएन, ज्ञान, दर्शक)

(संदर्भ: दूरदर्शन 2002)

इस तालिका में अगर हर शहर में केबल वालों के न्यूनतम (ए)क फिल्मी चैनल को मिला दें तो ये संख्या कई गुना बढ़ (स)कती है। इस चैनल परीदृश्य को देखकर ही कहा जाता है के भारत इस वक्त चैनलों का सबसे बड़ा 'बाजार' है। टीवी उद्योगों में कोई तीस प्रतिशत का विकास दर्ज किया जा रहा है। कहने की जरूरत नहीं है कि यह टीवी की तेज बढ़त और चैनलों के संजालों का फैलता पिछले दस बारह साल की कहानी है। इससे पहले टीवी में 'चैनलों' की अवधारणा ही नहीं थी। यदि कुछ था तो दूरदर्शन था।

इतिहास बताता है कि भारत में टीवी प्रसारण 15 सितंबर 1959 को शुरु हुआ। देश में कुछ ही टीवी सेट थे। शुरुआत में कार्यक्रम नितांत प्रयोगात्मक रहे। आधा घंटे के लिए 'शिक्षा मूलक' और 'विकास मूलक' कार्यक्रम प्रसारित्त किए जाते। यह प्रयोगात्मक केन्द्र दिल्ली में ही रहा। अगस्त 1978 में टीवी प्रसारण को 'हरित क्रांति' से जोड़ा गया। शुरु में गुजरात के आनंद क्षेत्र में डेयरी विकास, कृषि विकास के लक्ष्य को सामने रखकर क्षेत्र केंद्रित प्रसारण शुरु किए गए। इसी को 'साइट' (SITE) का नाम दिया गया यह शिक्षा मूलक उपग्रह टीवी प्रसारण फिर मध्य प्रदेश, उड़ीसा, आंध्र, कर्नाटक के छह चुनिंदा क्षेत्रों के 2400 गांवों में किया जाने लगा। यूनेस्को से इस योजना के लिए मदद मिली। सामुदायिक टीवी सैट वितरीत किए गए जो इस क्षेत्र के अंतगर्त आनेवाले ब्लाकों, पंचायतों में किसान जनता द्वारा सामूहिक रूप से देखे जाते। ये सैट बहुत बड़े साइज के ब्लैक एंड व्हाइट तस्वीरों वाले होते थे। साथ ही स्टेशन पकड़ने में सक्षम थे। तब इसके [illegible] में मौसम, खाद, पानी, सिचाई, जुताई, पशुपालन तरीके आदि की सूचनाएं रहती। बाद में 'कृषि दर्शन' वाला [illegible] इसी का विकसित रूप हुआ। तब अमरीका का नासा संस्थान प्रसारण सुविधा देता था। 1975–1976 के बीच 'साइट' नाम से शुरु हुआ यह प्रसारण प्रयोग जल्द ही अनाकर्षक हो उठा। बिजली की कमी, टीवी सैटों के रख रखावों का न होना इत्यदि कारणों ने इस योजना की सीमाएं बता दी। इस योजना को पुख्ता किया गया। 1976 के बाद तीन अन्य पूर्णकालिक टीवी स्टेशन बनाए गए। 1975 तक दूरदर्शन आकाशवाणी के अंतर्गत था। 1976 में इसे अलग कर दिया गया। इसी बीच भारत ने अपनी उपग्रह प्रसारण प्रणाली विकसित की।

दूरदर्शन के विकास के इतिहास के 1981–1982 के वर्ष निर्णायक वर्ष रहे। इस दौरान मद्रास, मुंबई, दिल्ली, जालंधर, बंगलूर, के बीच माइक्रोवेव संपर्क प्रसारण शुरु हुए। फिर लखनऊ, आसनसोल, श्रीनगर, कलकत्ता, पणजी भी इसी प्रणाली से जुड़े। 1 अप्रैल 1982 के दिन प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी द्वारा किया गया लाल किले का भाषण, इस प्रणाली से 21 केन्द्रों से एक साथ प्रसारित किया गया। यह पहला अखिल भारतीय प्रसारण था। इसने टीवी प्रसारण को अखिल भारतीय बना दिया। बाद में यह प्रयोग टीवी के तेज प्रसारण का बड़ा कारण बना। कारण इसी दौरान टीवी प्रसारण रंगीन हुआ। एशियाई खेल 82 का सीधा रंगीन प्रसारण हुआ। [illegible] विशेषज्ञों ने उपग्रह के संपर्क से इस [illegible] की क्षमता को दिखा दिया जिसे आज 'लाइव कवरेज' कहा जाता है। इसने टीवी प्रसारण की क्षमता को बढ़ा दिया। प्रसारण राष्ट्रीय हो उठा। इसी दौर में टीवी सैट पर लगने वाला लाइसेंस शुल्क भी हटाया गया। कलर टीवी सैट और वीसीआर इत्यादि के आयात पर रियायते दी गई। विदेशी टीवी सेट बनाने वाली कंपनियों ने भारतीय कंपनियों से करार किए। रंगीन प्रसारण के क्षेत्रों में क्रांति आ गई। 'ब्लैक एंड व्हाइट' सेट किनारे कर दिए गए। रंगीन टीवी सैट बहु चैनलों की सुविधा देने वालें होते थे। यही से भारत में चैनल क्रांति की शुरुआत हुई। 1959 में कायदे से एक चैनल भी नहीं था यह स्थिति कमो बेश 1982 तक रही। 1984 में दूरदर्शन ने राष्ट्रीय के अलावा मैट्रो चैनल विकसित किया। मनोरंजन पर जोर बढ़ा। कुछ स्थानीय चैनल भी बने। लेकिन जिस अर्थ में आज 'चैनल' का प्रयोग होता है, वह प्रयोग 1990 के बाद ही हुआ। 1990 के खाड़ी युद्ध ने 'चैनल क्रांति' कर दी। वह सरकारी आदेश से संभव नहीं हुई। वह उपग्रह प्रसारण की ताकत का परिणाम था कि सरकार के चाहे–अनचाहे 'केबल' के माध्यम से खाड़ी युद्ध सीधे देखा गया। सी एन एन नामक अमरीकी चैनल ने बिना किसी परमिट के अपने 'कवरेज' को सीधे भारत में दिखाया। यह एक नए किस्म का प्रसारण था। केबल प्रसारण दर्शकों के लिए एक नया अनुभव।

मौजूद चैनलों की बाढ़ का बीज यहीं कहीं बोया गया। आज सवासौ से ज्यादा चैनल उपलब्ध हैं: देश में 8.2 करोड़ घरों तक टीवी प्रसारण की पहुंच हैं। 4.2 करोड़ टीवी सेट वाले घरों में से 51% घरों में उपग्रह प्रसारण पहुंचता है। देश में औसतन चार घंटे तक टीवी प्रसारण देखे जाते हैं। क्षैतिज (टैरेस्टियल) और केबल प्रसारण अलग अलग चलते हैं और संग संग भी। दूरदर्शन क्षैतिज प्रसारण और केबल दोनों पर आता है जिसके 23 चैनल हैं: जबकि केबल चैनल निजी चैनल है।

यदि केबल चैनलों के विकास का क्रम देखो तो वह इस प्रकार नजर आता है। 1990 के बाद सबसे पहले जी–टीवी ने उपग्रह प्रसारण में हिस्सेदारी की फिर उसके दबाव में दूरदर्शन ने मैट्रो क्रांति की। फिर स्टार, सोनी प्रसारकों के चैनल आए। उसके बाद तो कोई रोक टोक ही नहीं रही।

यदि उन टीवी–चैनलो के संजाल का आकलन करें तो हम कह सकते हैं कि आज औसत भारतीय घर में कम से कम एक समाचार, एक मनोरंजन, एक सिनेमा, एक खेल, एक कार्टून या प्रकृति पर का चैनल देखे जाते हैं: चैनलों ने टीवी का स्वरूप और उसे देखने का नजरिया ही बदल दिया है। दर्शन और दर्शक का प्रोफाइल बदल दिया है। चैनल सर्फिंग ने प्रकटतः तो इनमें सारे चैनलों में 'अपना 'अपना पसंदीदा' चैनल चुनने की सुविधा दी है लेकिन अनेक चैनलों की चकाचौंध में दर्शक ज्यादातर समय चैनल बदलता रहता है, कोई भी चैनल उसे तुष्ट नहीं करता, ज्यादातर चैनल एक जैसे नजर आते हैं, दर्शक में खास तरह की ऊब और चिढ़ नजर आती है और फिर भी वह इस खेल में शामिल होने को मजबूर होता है।

चैनलों का सबसे बड़ा प्रभाव यह हुआ है कि पहले जिसे 'जनता या दर्शक' कहा जाता था अब वह 'उपभोक्ता' में तब्दील कर दिया गया है। स्पर्धात्मक प्रायोजन और विज्ञापन के खुले विश्व बाजार में। हर चैनल दर्शक खींचने पर उतारू

होते है। जितने दर्शक होंगे उतने ही 'उपभोक्ता' होंगे। जितने उपभोक्ता होंगे उसी अनुमान में विज्ञापन के रेट होंगे और आमदनी होगी। इस प्रकार हर चैनल इस दर्शक/उपभोक्ता को पहले अपने कार्यक्रम में लुभा कर आकर्षित करता है और फिर चुपके से इस भोले दर्शक/उपभोक्ता को किसी कार्पोरेट के किसी सायुन, तेल, शैंपू के ब्रांड के हाथों बेच देता है। जितने दर्शक उतनी आय! सीधा गणित बन गया है।

इसका नतीजा यह हुआ है कि जनहितकारी प्रसारण (पब्लिक ब्रोडकास्टिंग) खत्म से हो गये हैं। व्यावसायिक हित सबसे कमाई करना चाहते हैं: जनता को शिक्षा देना, विकास में शामिल करना जैसे लक्ष्य अब दूरदर्शन से भी विदा हो गए हैं। दर्शक टीवी सेट से मनोरंजन सिर्फ मनोरंजन चाहता है, सूचना, विकास की जरूरत वह नहीं समझता, गीत, नाच फिल्म दर्शन ही उसकी जरूरतें हैं, चैनलों ने भारत में एक उपभोक्ता क्रांति को जन्म दिया है। नकली जरूरतें बढ़ी है भीषण स्पर्धा का भाव, हिंसावादी आचरण, ताकत का बोलबाला इत्यादि पूंजीवादी मूल्य जनजीवन में स्वीकृत होने लगे हैं, परस्परता, सामूहिकता, सामुदायिकता, करुणा, अहिंसा, सहनशीलता के भाव कमजोर हुए हैं। यदि हम आज के किसी भी सीरियल को देखें या फिर समाचार चैनलों के समाचारों के चयन या चर्चाओं को देखें सुने तो हम पाएंगे कि ज्यादातर कहानियां मध्यवर्ग की आपसी मारकाट और किसी भी कीमत पर सफलता प्राप्त करने की कहानियों हैं जो जीवन के दारुण भारतीय यथार्थ से बहुत दूर है। समाचारों में जनता दिखती है तब वह किसी ताकतवर का शिकार बनती है [illegible] वह नहीं होती। ज्यादातर समय वीवीआईपी जननेताओं, [illegible], दिखावटी सामाजिक वक्ताओं, अपराधियों, ढोंगी धर्म [illegible] ने ले रखा होता है। ये ही न्यूजमेकर होते है। चर्चाओं में बहसें जो तात्कालिक उत्तेजना पैदा की जाती है वह कबड्डी का आनंद देती है। ज्यादातर बहसें बंधी बंधाई लीक पर चलती है। जनता बुलाई गई 'आडियंस' भर होती है। स्त्रियों की जटिल जीवन स्थितियों की जगह, हरवक्त सजी संवरी जवान सैक्सीपन पर जोर दिया जाता है। प्रसारण के विकासमूलक मानवीय तत्व गायब कर दिए गए हैं। इस तरह हमारा दर्शक एक तरफ निष्क्रिय उपभोक्ता भर है जो हर वक्त असंतुष्ट रहता है। यह असंतोष फिर उत्तेजना में बदलता है। और अब तो समाचार चैनल से लेकर मनोरंजन चैनल एक प्रकार के हिन्दुत्व के सांस्कृतिक प्रतीकों को बिना किसी आलोचनात्मकता के दिन रात दिखाते हैं: सीरियलों में तुलसी, मंगलसूत्र, विवाह के कर्मकांडो पर जोर रहता है, समाचारों में [illegible], साम्प्रदायिकता राष्ट्रवाद का मिक्स चर्चाओं में [illegible] प्रमुख रहते है।

यह दर्शक जो तीन चार घंटे टीवी देखता है, उसकी जिंदगी के छोटे बड़े प्रामाणिक सच यहां नहीं आते। सब कुछ [illegible] की शैली में आता है। यहां तक कि खबरें भी। [illegible] का एक एक सीन कारपोरेट जगत तय करता है, [illegible] मरते रहते है, वे सदा जवान रहते है, वे लड़ते रहते है, [illegible] में, [illegible] हरक लड़ाते रहते है, [illegible] ऐसे ही आती है जैसे रुपये की कीमत डालर [illegible] हो और भारतीय मध्यवर्ग दुनिया का सबसे खाऊ,

खर्चीला, धनवान ,गालिगलौज करनेवाला, किडनैप करानेवाल हत्याएं करनेवाला, बीवी या पति बदलु हो गया है। स्त्रियों वे जीवन का जैसे यहां कोई महत्व है ही नहीं: फूहड़ हिंसा औ भद्दी देशी सैक्स इनकी चालक शक्ति है। बारह हजार करो रुपए के विज्ञापन बाजार ने यही संस्कृति बनाई है।

इन दोषों के संग कुछ गुण भी है जो चैनल क्रांति के सं टीवी में आये है: मनोरंजन के चुनाव की सुविधा, चैनलों द्वार बराबर के खेल के मैदान देने का भरोसा एक पक्ष ही नहीं दूसरे तीसरे पक्ष की बात का आना, पहचान के अनेक, प्रश्न पहलुओं का जागरण इत्यादि कुछ नए तत्व है जो दोषों वे बावजूद टीवी चैनलों को चलाए रखते हैं और उनमें दर्शव मिलते रहते है। देश और राष्ट्र की हदबंदियों से बाहर को विविध जगत है जहां बहुत कुछ होता रहता है, किसका प्रभाव हम सब पर पड़ता है, उसका दर्शन दर्शक को एक ही साथ 'भूमंडलीय' और 'स्थानीय' बनाता है।

टीवी के प्रभाव का आकलन करना सरल कार्य नहीं है टीवी प्रभावोत्पादक माध्यम हैं, उसके कुछ प्रभाव तो स्पष्ट नजर आते हैं, कुछ अप्रत्यक्ष से रहते हैं: उपग्रह चैनलों के समय में सबसे बड़ा प्रभाव 'भूमंडलीयता' का अनुभव हैं। टीवी चैनल भूमंडलीकरण के माध्यम है। उनका दर्शक नया है, नये विश्व का नागरिक है। दूसरा प्रभाव उपभोक्तावादी क्रांति क है, तीसरा प्रभाव हिन्दी तथा अन्य भारतीय भाषाओं का तेजी से बदलना है। चौथा प्रभाव जीवन शैली का तेजी से बदलन है। उपभोग, दिखावा, सुखभोगवादी के मूल्यों का प्रसार होत है। पहचान के प्रश्न सक्रिय होते है।

आम तौर पर टीवी को एक राक्षसी माध्यम की तरह देख जाता है जो कि गलत है। एक माध्यम के रूप में टीवी जनत को प्रभावित करनेवाला है। और इससे आप जैसा प्रभाव पैद करना चाहें, कर सकते हैं, वह विकास मूल्य कल्याण मूलक कार्य भी करता है।

आज हमारा समय भूमंडलीयता की है। औद्योगिक क्रांति के बाद उपभोक्ता क्रांति का है, सूचना एवं तकनीकी क्रांति का है, यह सब कुछ दुनिया भर में हो रहा है। इससे पुरानी संस्कृतियां बदल रही है, अपदस्थ हो रही हैं और नई बन रही है, टीवी के अनेक चैनल इसे संभव कर रहे हैं, लोग इसे इसीलिए देखते हैं कि उनमें उन्हे कुछ नया, कोई नई बात नजर आती है।

आनेवाले दिनों में चैनल बाजार–स्थिर हो जायेगा तकनीक सस्ती होगी। हरेक नागरिक पत्रकारिता में सक्षम हो सकेगा। आप अपना मुहल्ला चैनल बना सकेंगे। दुनिया में ऐसे अनेक स्थानीय चैनल है जो स्थानीय समस्याओं केलिए होते है। लोग उन्हें अपने ढंग से बनाते चलाते है। अपने यहां भी यह संभव है, आनेवाले दिनों में चैनलों में दो प्रकार के चैनल रह जाते है: एक वे जो बहुत बड़ी वित्तीय पूंजीवाले बहुराष्ट्रीय निगमों द्वारा पोषित संचालित हैं। दूसरे वे जो वैकल्पिक, स्थानीय जनता के हैं। अपने यहां भी यह सब होना है। इसलिए टीवी के चैनलों के प्रभाव यदि पूरी तरह 'वरदान' की तरह नहीं लिये जा सकते। तो अभिशाप की तरह भी नहीं लिये जा सकते। तकनीक सस्ती बनेगी, लोग अपने चैनल बनाएंगे। तभी सच्ची चैनल क्रांति होगी।

सूचना प्रौद्योगिकी की दिशा

गोविंद सिंह

दुनिया का शायद ही कोई देश हो, जो आज सूचना-प्रौद्योगिकी (इन्फॉर्मेशन टेक्नोलोजी या इन्फोटेक) से नावाकिफ हो। पिछले एक दशक में जितना प्रचार इस शब्द-युग्म को मिला है, उतना शायद ही किसी और शब्द या मुहावरे को मिला हो। चाहे एक कॅरियर के तौर पर ले लीजिए, चाहे व्यवसाय या विज्ञान के चमत्कार के रूप में, इसने दुनिया का रहन-सहन ही बदल दिया है। मोटे तौर पर सूचना-प्रौद्योगिकी कंप्यूटरों और संचार की दुनिया में प्रयोग होने वाला शब्द-युग्म है लेकिन अब मानव जीवन की हर गतिविधि में इसने अपनी घुसपैठ कर ली है। सूचना प्रौद्योगिकी का मतलब आम तौर पर कंप्यूटरों में सूचनाओं, तथ्यों या जानकारियों के भंडारण, जरुरत पड़ने पर भंडार से उन्हें फिर खोज निकालना, उपलब्ध सूचनाओं यानी तथ्यों की प्रोसेसिंग, छानबीन और विश्लेषण की गतिविधियों को सूचना-प्रौद्योगिकी कहा जाता है। जरा और सूक्ष्मता में जाएं तो सूचना-प्रौद्योगिकी का मतलब सूचनाओं को डिजिटल रूप में बदलना, उन्हें एक जगह से दूसरी जगह भेजना और संग्रह करना है।

सूचना-प्रौद्योगिकी का पहले-पहल इस्तेमाल 1958 के हार्वर्ड बिजनेस रिव्यू में हुआ जब लीविट और हिसलर नामक प्रबंध विज्ञानियों ने अपने एक लेख मैनेजमेंट इन 1980ज में कहा था कि, 'नई प्रौद्योगिकी का अभी तक कोई निश्चित नाम नहीं है। हम इसे इन्फोर्मेशन टेक्नोलोजी यानी सूचना प्रौद्योगिकी कहना चाहते हैं।' इस लेख में बताया गया था कि किस तरह टेक्नोलोजी की मदद से व्यापार को आगे बढ़ाया जा सकता है। इन लेखकों ने तब तक की प्रौद्योगिकी और उसकी भावी संभावनाओं को तीन हिस्सों में बांटा:

1. बड़े पैमाने पर सूचनाओं को तेजी के साथ प्रोसेस करना।

2. निर्णय लेने संबंधी समस्याओं के समाधान में सांख्यिकीय और गणितीय विधियों का प्रयोग। और

3. कंप्यूटर के प्रोग्रामों के जरिए उच्च स्तरीय चिंतन वाले कामों को आसान बनाना। यानी ऐसे कार्यों में कंप्यूटर का इस्तेमाल जिन्हें तब तक सिर्फ दिमागी काम माना जाता था।

1958 तक प्रबंध वैज्ञानिकों ने सिर्फ कल्पना ही की थी कि कंप्यूटर का इस्तेमाल किन-किन कार्यों में हो सकता है। उन्हें यह नहीं मालूम था कि यह नई टेक्नोलोजी आनेवाले 50 वर्षों में दुनिया के कामकाज का नक्शा ही बदल देगी। बाद से 1990 तक इसका विकास लगभग धीमी गति से हुआ लेकिन नब्बे के दशक में तो इसने इतनी लंबी छलांग लगाई कि सारी दुनिया ही हक्का-बक्का रह गई। पिछले दशक के अंतिम वर्षों में सूचना प्रौद्योगिकी के एक रूप इंटरनेट ने दुनिया भर में तहलका मचा दिया था। अब 21वीं शताब्दी के इन दो-तीन वर्षों में यह एक नया ही रूप धारण करके संभावनाओं के नए द्वार खोल रहा है। इस द्वार का नाम है-बीपीओ यानी बिजनेस प्रोसेस आउटसोर्सिंग। पिछली शताब्दी के अंतिम वर्षों में उठा डोट कोम यानी इंटरनेट का ज्वार अपने आप में एक छद्म ऊफान था। बहुत से लोगों को शंका है कि कहीं बीपीओ का हश्र भी डोट कोम जैसा ही न हो जाए। लेकिन ऐसा शायद ही हो क्योंकि बीपीओ सिर्फ ख्याली विचार नहीं है, व्यवहार और व्यापार के ठोस धरातल पर आजमाया जा रहा है जबकि इंटरनेट सिर्फ कल्पनाओं के आधार पर किए गए आकलनों की नींव पर टिका था।

आज भारत में आई टी यानी सूचना प्रौद्योगिकी का बाजार 60 हजार करोड़ रुपए का है, इसने हमारे विदेशी मुद्रा भंडार में तो अंशदान किया ही है, साथ ही बड़ी तादाद में देश के भीतर और बाहर युवाओं को रोजगार भी दिया है। यही नहीं, दुनिया के अग्रगामी देशों की पहली कतार में अपने देश को खड़ा किया है। इससे देश की छवि सुधरी है, देश में उद्यम का माहौल सुधरा है। व्यवसाय में चुस्ती आई है और वे लोग भी उद्यम की दुनिया में कूद रहे हैं जो पहले व्यापार के नाम से ही सिहर उठते थे।

पिछले तीन वर्ष सूचना प्रौद्योगिकी के लिहाज से बहुत अच्छे नहीं रहे। डोट कोम के विश्वव्यापी बुलबुले के फूटने और विश्वव्यापी मंदी के चलते सूचना प्रौद्योगिकी का संसार गर्दिश में दिखाई पड़ रहा था। जिस रफ्तार से देश में डोट कोम कंपनियां खुली थीं, उसी रफ्तार से वे बंद भी हुई। जिस तरह से वेंचर कैपिटल यानी नए उद्यमी के उद्योग लगाने के लिए मूलभूत पूंजी ज्ञान आधारित उद्योग में आई थी, उसी तरह से साल-दो साल के भीतर ही उसकी स्रोत भी सूखता नजर आया। लेकिन अब यानी सन् 2003 में एक बार फिर सूचना प्रौद्योगिकी की दुनिया में आशाओं और संभावनाओं का संचार होने लगा है।

आईटी में उछाल का दूसरा दौर शुरु होने में अब ज्यादा देरी नहीं है। बल्कि दबे पांव उसकी शुरुआत हो भी चुकी है। लेकिन जब वास्तव में वह दौर आ जाएगा, तब शायद हमारी जिंदगी बदल चुकी होगी। भारत में वह दौर तब आएगा जब पूरी तरह से कन्वर्जेंस लगू हो जाएगा। सूचना प्रौद्योगिकी के चार हिस्से हैं: हार्डवेयर, सोफ्टवेयर, कम्युनिकेशन और कंटेंट।

आम तौर पर कम्यूनिकेशन को हम सूचना-प्रौद्योगिकी से अलग समझते रहे हैं। लेकिन अब संचार या दूरसंचार का

जो रूप हमारे समाने आ रहा है, वह काफी हद तक आईटी पर निर्भर है। इसीलिए इन सब के विलयन की जरूरत आन पड़ी है। सूचना प्रौद्योगिकी के साथ दूरसंचार और सूचना एवं प्रसारण को मिलाया जा रहा है। इस समागम यानी कन्वर्जेंस के बाद खासकर जब ओप्टिकल फाइबर की लाइनें घर-घर पहुंच जाएंगी, तब सचमुच कन्वर्जेंस का असली रूप देखने को मिलेगा। आज सूचना, संचार और मनोरंजन के जो अलग-अलग रूप हमारे घरों में विद्यमान हैं, उन सबका एकीकरण संभव हो जाएगा। हालांकि काफी हद तक वह हो भी चुका है। जल्द ही वह और व्यापक हो जाएगा। जल्दी ही हमारे घरों में रखा कंप्यूटर टाइप करने या ई-मेल देखने के अलावा इंटरनेट देखने, फिल्में देखने, टीवी-रेडियो देखने-सुनने के काम आने लगेगा। साथ ही आप उसके जरिये संगीत सुन सकते हैं, नेट से संगीत डाउनलोड कर सकते हैं, उसमें सिनेमा देख सकते हैं, उसमें एक माइक जोड़कर टेलीफोन कर और सुन सकते हैं, एक वेब कैमरा जोड़कर वीडियो कोनफ्रेंसिंग कर सकते हैं। यानी केवल के ब्रोडबैंड में आते ही तमाम इंटरएक्टिव संचार गतिविधियां संभव हो जाएंगी। और यह सब राजीव चित्रों के जरिये होगा। वह दिन दूर नहीं जब विज्ञान कथाओं में की जानेवाली कल्पनाएं आईटी के जरिए संभव हो जाएं। हालांकि समय-समय पर यह आशंका भी व्यक्त की जाती है कि जब इतनी सारी चीजें एक साथ आ जाएंगी, तब ये एक-दूसरे के क्षेत्रों में अतिक्रमण भी करेंगी। उससे इनकी बिक्री पर भी असर पड़ेगा। लेकिन में ऐसा है नहीं। मसलन कंप्यूटर पर संगीत की ब्धता के बावजूद म्यूजिक सिस्टम की बिक्री पर कोई नहीं पड़ा बल्कि वह बढ़ी ही। उसी तरह कंप्यूटर में फोन की उपलब्धता के बावजूद नेट के जरिए फोन को लोकप्रियता नहीं मिल पाई जितनी बेसिक फोन के जरिए। एक पीसी पर भले ही ये सारी चीजें उपलब्ध हो जाए, लेकिन वह गुणवत्ता नहीं आ सकती, जो उसके मूल रूप में मिलती है। इतना जरूर है कि ये सारे उपकरण और सेवाएं ऐनालोग सिस्टम की बजाय डिजिटल सिस्टम पर आ जाएंगी, जिसका आधार आईटी यानी कंप्यूटर है।

एक बार फिर इंटरनेट का सूखता पौधा नई हवा में सांस लेता दिख रहा है। उसे ठोस जमीन मिल रही है। 'दूध का जला छाछ भी फूंक-फूंक कर पीता है', कहावत को चरितार्थ करता इंटरनेट उद्योग भले ही मुनाफा न कमा रहा हो लेकिन अपने पैरों पर कदम ताल तो करने ही लगा है। देश भर में इंटरनेट, फ्रेंडली माहौल बन रहा है। इंटरनेट इस्तेमाल करनेवालों की संख्या 3 करोड़ के आसपास पहुंच चुकी है जबकि 1999 तक यह संख्या 9 लाख भी नहीं थी। कन्वर्जेंस की बात चल रही है, देश भर में ओप्टिकल फाइबर की तारें बिछ रही है। देश के छोटे शहरों में न सही, महानगरों और राज्यों की राजधानियों और उद्योग नगरियों तक तो ब्रोड बैंड इंटरनेट लाइनें पहुंच ही जाएंगी। यानी 1999 में जहां देश भर में सूचना प्रौद्योगिकी के लिए कोई बुनियादी ढांचा नहीं था। वहीं आज वह ढांचा बनता हुआ तो दिख ही रहा है। आज सरकारी विभागों, संस्थानों, सार्वजनिक उपक्रमों, [illegible], स्वायत्त संस्थानों की वेबसाइटों में उनसे संबंधित सूचनाएं उपलब्ध है। कुछ सरकारें और विभाग ई-शासन की बात सोच रही हैं। देश के हर जिले को इंटरनेट के मानचित्र पर लाने की कोशिश चल रही है। सरकारी या अर्द्ध सरकारी संस्थान और इंटरनेट की ताकत को पहचानने वाले लोग भी इंटरनेट में अपना महत्वपूर्ण योगदान कर रहे है। फिर पहले वीएसएनएल या एमटीएनएल की ढीली इंटरनेट कनेक्टिविटी और 1999 तक इस क्षेत्र में इनके एकाधिकार के चलते भी इंटरनेट की हवा निकल गई थी जबकि आज 215 इंटरनेट सर्विस प्रोवाइडर कंपनियां मैदान में हैं जो उपभोक्ता को नई-नई सुविधाएं देने को तैयार हैं। यही नहीं अब केबल ओपरेटरों के जरिए भी इंटरनेट की लाइन घर-घर पहुंचने लगी है। साइबर कैफे का देशव्यापी जाल बिछ गया है और इनका किराया भी पहले की तुलना में काफी कम हो गया है। आज से तीन साल पहले जहां 60 रुपए प्रति घंटा साइबर कैफे का किराया हुआ करता था, आज 25-30 रुपए प्रति घंटा या इससे भी कम हो गया है। आईएमआरबी यानी इंडियन मार्केट रिसर्च ब्यूरो के एक सर्वेक्षण के मुताबिक इंटरनेट के बाजार में 100 प्रतिशत से भी ज्यादा की वार्षिक वृद्धि दर रिकार्ड की गई है। आज शायद ही कोई शब्द हो जो एक डोमेन नाम के तौर पर इंटरनेट पर पंजीकृत न हो। अकेले डोट कोम संवर्ग में ही दुनिया भर में 3 करोड़ डोमेन नाम पंजीकृत हो चुके हैं। इसके अलावा डोट नेट, डोट ओर्ग, डोट एज्यू, डोट इन्फो, डोट बिज, डोट टीवी जैसे डोमेन संवर्गों के साथ ही हर देश ने अपने अलग डोमेन सवर्ग बनाए हैं।

जहां तक ई-कोमर्स का प्रश्न है, उसमें भी धीरे-धीरे सुधार आ रहा है। इंटरनेट के जरिए व्यापार तो दुनिया भर में बढ़ रहा है लेकिन इंटरनेट पर परचून खरीदारी नहीं हो रही है। यह केवल भारत की ही बात नहीं है। सारी दुनिया का चलन है। लेकिन बी टू बी यानी होलसेल व्यापारी या सीधे उद्योग से खुदरा व्यापारी तक की यात्रा इंटरनेट के जरिए तय होने लगी है। नासकोम के मुताबिक सन् 2005 तक भारत का कुल ई-कोमर्स कारोबार 2 अरब रुपए तक पहुंच जाएगा। हालांकि यह कहना अभी मुश्किल है कि इंटरनेट के जरिए हम कितनी खरीदारी कर सकेंगे लेकिन इतना जरूर है कि एक समय आएगा जब हम अपने बहुत से काम इंटरनेट के जरिए करेंगे। बैंक का कारोबार हो या तरह-तरह के बिल भरने का काम हो, हम क्यों नहीं इंटरनेट का इस्तेमाल करेंगे? फिर सबसे बड़ी बात यह है कि सूचना, ज्ञान और संचार के एक अत्यंत ताकतवर माध्यम के तौर पर इंटरनेट का महत्व स्थापित हुआ है, इससे कोई इन्कार नहीं करता।

बीपीओ यानी बिजनेस प्रोसेस आउटसोर्सिंग

सूचना प्रौद्योगिकी की दुनिया में आज का सबसे संभावनापूर्ण शब्द है- बीपीओ यानी बिजनेस प्रोसेस आउटसोर्सिंग। हमारे लिए यह आई टी इनेबल्ड सर्विसेज यानी आई टी आधारित सेवाएं हैं। क्योंकि बीपीओ उनके लिए है, जो अपना काम बाहर से करवाते है। हमारे लिए यह सेवा है। हम सेवा देने वाले हैं जबकि वे सेवा लेने वाले हैं। सूचना प्रौद्योगिकी की मदद से हम सेवा देने के योग्य बनते हैं।

बड़ी कंपनियों द्वारा उत्पादन से जुड़े बहुत से काम छोटी

से महानगरों के अलावा राज्यों की राजधानियां और शैक्षिक दृष्टि से उन्नत शहर अनुकूल ठहरते हैं। इसलिए अब सस्ते कार्मिक ढूंढने के चक्कर में बीपीओ कंपनियां छोटे शहरों की तरफ रुख कर रही हैं।

बीपीओ और कोल सेंटरों की बढ़ती भीड़ की आलोचना भी कम नहीं हो रही है। दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रोफसर डा. हरीश त्रिवेदी ने कोल सेंटरों में रात-दिन काम करनेवाले नालेज वर्करों को साइबर कुली कहा है। उनका कहना है कि भारतीय कोल सेंटर बड़ी ही निर्ममता के साथ इनका शोषण कर रहें हैं। अमरीकी मानकों की तुलना में उनके वेतन-भत्ते और सेवा-शर्तें बहुत ही खराब हैं। वे रात-दिन काम करते हैं लेकिन इतना खटने के बावजूद उन्हें क्या मिलता है? वे इन नोलेज वर्करों की तुलना सन् 1840 में दास प्रथा के बाद शुरु की गई कुली प्रथा से करते हैं जो ब्रिटिश कालोनियों में उनके खेतों में काम करने के लिए भारत और चीन से बंधुआ मजदूरों को भेजकर शुरु की गई थी।

सोफ्टवेयर उद्योग

सूचना प्रौद्योगिकी को ज्ञान आधारित उद्योग भी कहा जाता है। इंटरनेट और बीपीओ तो अब की बातें हैं, इस उद्योग को विश्व के समकक्ष ला खड़ा करने का काम किया है भारत के सोफ्टवेयर उद्योग ने। दुनिया भर में भारत के सोफ्टवेयर कर्मियों ने अपनी योग्यता, मेहनत, और ईमानदारी से जो छाप छोड़ी, उसने भारत का भाल में ऊंचा किया ही, साथ ही, इस क्षेत्र के उद्यमियों के आत्मविश्वास को भी ऊंचा किया। फिर साथ ही इस उद्योग ने [illegible] एक नई कार्य संस्कृति भी दी। यह वजह है कि जब सारी [illegible] में सोफ्टवेयर उद्योग गर्दिश की हालत में था तब भी भारत [illegible]फ्टवेयर उद्योग अपनी जगह पर अडिग खड़ा रहा। [1]994-95 में भारत का सोफ्टवेयर उद्योग सिर्फ 80 करोड़ [ड]ालर का था। सन् 2001-2002 में यह बढ़कर 10 अरब 10 करोड़ डालर तक पहुंच गया। सन् 2000 में भारत का कुल सोफ्टवेयर निर्यात यदि 8298 करोड़ रुपए था तो सन् 2002 में यह बढ़कर 9958 करोड़ रुपए हो गया और यह 2003 में 12455 करोड़ रुपए हो गया। आनेवाले साल यानी 2004 में भी इसके 26 प्रतिशत की रफ्तार से आगे बढ़ने के आसार हैं। सन् 2005 तक भारत का सोफ्टवेयर निर्यात 20 अरब डालर होने की उम्मीद है।

हार्डवेयर

[कं]प्यूटर और इससे जुड़े उपकरणों के रूप में जो कुछ हमें दिखाई देता है, वह हार्डवेयर कहलाता है। इस क्षेत्र में भले ही भारत की स्थिति बहुत अच्छी नहीं हो लेकिन आनेवाले दिनों में जितना बड़ा बाजार इसका बनने जा रहा है, उसे [illegible] रखने के लिए ही हमें लाखों कर्मियों की जरूरत पड़ेगी। अभी तक इसके ढीले होने की एक वजह यह [illegible] जाती है कि भारत में जरूरत से ज्यादा नियम [illegible] हैं और वे पेचीदा हैं। उत्पाद टैक्स प्रणाली और [illegible] में किसी तरह का कोई प्रोत्साहन नहीं। इससे [illegible] नहीं पनप पाई। हमारे यहां घर घर [illegible] कारण हमारी गरीबी, कम प्रतिव्यक्ति आय और महंगाई भी रही है। लेकिन जैसे-जैसे कंप्यूटर सस्ते हो रहे हैं, कंप्यूटर के बारे में जागरुकता बढ़ रही है, कंप्यूटर का चलन बढ़ रहा है और हार्डवेयर का बाजार भी फैल रहा है। इस क्षेत्र का विकास भी लगभग 25 फीसदी सालाना दर से हो रहा है। आज भारत में कुल 64 लाख पीसी यानी पर्सनल कंप्यूटर हैं जबकि इस क्षेत्र में हमारे मुख्य प्रतिस्पर्धी चीन यह संख्या 1 करोड़ 63 लाख से भी अधिक है। भारत में 1000 लोगों के पीछे सिर्फ 9 पीसी हैं जबकि चीन में 1000 लोगों के पीछे 30 कंप्यूटर हैं। इसी तरह भारत ने पिछले साल विश्व बाजार में 2.3 अरब पीसी बेचे जबकि चीन ने 16 अरब पीसी बेचे। इससे जाहिर होता है कि हार्डवेयर के क्षेत्र में अभी हमें बहुत आगे जाना है। यह भी सही है कि हमारा घरेलू बाजार में बहुत तेजी से आगे बढ़ रहा है, इसलिए इस क्षेत्र में रोजगार की असीम संभावनाएं हैं।

परिदृश्य

सन् 2002 में नासकोम ने अंतरराष्ट्रीय व्यापार सलाहकार संस्थान मैकिंजी के साथ मिलकर भारत के आईटी उद्योग पर एक विशेष अध्ययन रिपोर्ट जारी की। इस रिपोर्ट के बाद ही भारत के आई टी उद्योग ने अंगड़ाई लेनी शरुकी। इस रिपोर्ट में कहा गया था कि छह साल बाद यानी सन् 2008 में देश का आई टी उद्योग इतना विकसित हो चुका होगा कि देश के कुल निर्यात में सोफ्टेवयर निर्यात की भागीदारी 35 फीसदी तक पहुंच जाएगी। तब कुल आई टी कारोबार 88 अरब तक जा सकता है। देश के सकल घरेलू उत्पादन में आई टी की हिस्सेदारी आज के दो प्रतिशत से बढ़कर 10 प्रतिशत तक पहुंच जाएगी। और अकेले आई टी सेक्टर में विदेशी निवेश 5 अरब डालर तक चला जाएगा। यही नहीं आई टी सेक्टर में 20 लाख रोजगार होंगे। यानी इस रिपोर्ट ने भारतीय आई टी उद्योग के प्रति विश्वास की बहाली की और इससे इंडस्ट्री में आशा का नव संचार हुआ। जाहिर है कि यह रिपोर्ट कोई खयाली पुलाव नहीं पका रही है। ये आंकड़े भी आखिर किसी न किसी धरातल पर टिके हैं। जिस तरफ देश आगे बढ़ रहा है, उसमें स्वाभाविक तौर पर आई टी को आगे बढ़ना ही है।

भारत सरकार के प्रयास

सूचना प्रौद्योगिकी के महत्व को रेखांकित करते हुए भारत सरकार ने भी इस दिशा में अनेक कदम उठाए हैं।

1. आई टी एक्ट-2000

देश में ई-कामर्स की दिशा को निष्कंटक बनाने और इस क्षेत्र में व्याप्त अराजकता को खत्म करने के मकसद से सरकार ने इन्फोर्मेशन टेक्नोलाजी एक्ट-2000 पारित करवाया।

2. मीडिया लैब एशिया

सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में हो रहे नवीनतम अनुसंधानों को जनता का पहुंचाने और देश में डिजिटल खायी को भरने

के लिए सरकार ने मैसाच्युसेट्स इन्स्टीट्यूट आफ टेक्नोलोजी, अमरीका के साथ मिलकर मीडिया लैब एशिया की स्थापना की है। इसके तहत देश के पांच प्रौद्योगिकी संस्थानों में अनुसंधानशालाएं खोली गई हैं। यह लैब सरकार, उद्योग जगत, एन जी ओ और आम जनता के बीच पुल का काम करेगा।

3. जैव सूचना प्रौद्योगिकी–बायोइन्फार्मेटिक्स

कहा जा रहा है कि 21वीं सदी सूचना प्रौद्योगिकी और जीवन से संबंधित विज्ञानों की होगी। बायो टेक्नोलाजी के क्षेत्र में पहले ही काफी तरक्की होने लगी है। इन सब को जोड़कर बायो इन्फोर्मेटिक्स पार्क, जीनोम डाटा सेंटर और डी एन ए पार्क जैसी सुविधाएं विकसित करने की पहल की है।

4. भारतीय भाषाओं को विकसित करने का विशेष प्रयास

आज इंटरनेट पर कुल 80 प्रतिशत सामग्री अंग्रेजी में है। जबकि अंग्रेजी जानने वालों की आबादी सिर्फ 8 प्रतिशत है। इस मामले में अभी तक भारतीय भाषाओं की स्थिति भी बहुत कमजोर है। सरकार ने भारतीय भाषाओं के फौंट विकसित करने और अनुवाद को सुगम बनाने के लिए इस बीच कुछ कदम उठाए हैं लेकिन अभी काफी काम किए जाने हैं।

5. विद्या वाहिनी और ज्ञान वाहिनी

शिक्षा में नई टेक्नोलाजी की मदद लेने के लिए ये शुरु किए गए हैं। ताकि पढाई का माहौल सुधरे। ...ट और नेटवर्किंग के जरिए पढ़ाई को ज्यादा आसान प्रभावी बनाया जा रहा है लेकिन ये बातें भी अभी विचार ... स्तर पर ही ज्यादा है।

6. उच्च क्षमता वाले कंप्यूटर

देश की कंप्यूटर क्षमता को लगातार आगे बढ़ाने के लिए सी–डेक में काम चल रहा है। भारत ने पहले परम कंप्यूटर बनाकर दुनिया के उन्नत देशों की कतार में अपनी जगह बना ली थी। अब गत जून में 'परम पद्म' बनाकर इसे और मजबूत कर लिया है। दुनिया के 500 सबसे शक्तिशाली कंप्यूटरों में इसे 171वां स्थान मिला है। इसकी क्षमता 35–86 टेराफ्लोप है।

7. ई–शासन

सरकार ने अपना कार्यक्षमता में सुधार लाने, उसे पारदर्शी बनाने, उसे सुगम और उस तक पहुंच को आसान करने के मकसद से ई–शासन की शुरुआत की है। आंध्रप्रदेश, कर्नाटक जैसे कुछ राज्यों ने यह शुरु भी कर दिया है। सरकार के विभाग अभी अपने डाटाबेस तैयार कर रहे हैं। आशा है आने वाले दिनों में इस दिशा में और तरक्की होगी।

8. नेशनल इन्फार्मेटिक्स सेंटर

केंद्र और राज्य सरकारों को इंटरनेट के जाल में जोड़ने [illegible] नेशनल इन्फार्मेटिक्स सेंटर की महती भूमिका है। यह केंद्र और राज्य सरकारों के अलावा तमाम संगठनों में कंप्यूटरीकरण को सुदृढ़ कर रहा है। आज सरकार का जो भी डाटा कंप्यूटर पर है, वह इसी संगठन की वजह से है।

9. टेक्नोलाजी पार्क

देश में सूचना प्रौद्योगिकी का माहौल सुधारने और इस उद्योग को आगे बढ़ाने के मकसद से सोफ्टवेयर टेक्नोलाजी और हार्डवेयर टेक्नोलाजी पार्क स्थापित किए गए हैं। ऐसे पार्कों में एक साथ सारी सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। इन पार्कों को तमाम तरह की निर्यात संबंधित सुविधाएं दी गई हैं।

आई टी में रोजगार

रोजगार के लिहाज से आई टी को आज भी सबसे संभावनाशील व्यवसाय माना जा रहा है। यही एक ऐसा क्षेत्र है जिसमें लगातार उतार–चढ़ाव आ रहे हैं। पिछली सदी के अंतिम दशक में जहां बड़ी तादात में भारत से आई टी प्रोफेशनल अमरीका सहित तमाम यूरोपीय देशों में गए, वहीं अब तक चलन यह है कि बड़े देशों की बड़ी कंपनियां आई टी कर्मियों को वहां बुलाने की बजाय, अपने दफ्तर ही यहां शिफ्ट कर रही हैं। पश्चिमी देशों में आई टी प्रोफेशनलों की लगातार कमी होती जा रही है वहीं भारत में पढ़े–लिखे युवाओं की कमी नहीं है। आज की तारीख में भारत में 21 लाख अंग्रेजी जानने वाले ग्रेजुएट और 3 लाख पोस्ट ग्रेजुएट हैं। सन् 2008 तक भारत में ही आई टी आधारित सेवा क्षेत्र में 11 लाख आई टी जानकारों की जरूरत पड़ेगी। भारत में हर साल लगभग 55 हजार आई टी कर्मी तैयार होकर शिक्षा संस्थानों से निकलते हैं लेकिन जिस गति से इस क्षेत्र का विकास हो रहा है उसे देखते हुए यह संख्या भी कम पड़ने वाली है। फिर भी भारत को आई टी प्रोफेशनलों के मामले में दुनिया का सबसे बड़ा स्रोत माना जाता है।

अमरीका सहित तमाम यूरोपिय देशों में आई टी कर्मियों की कमी बनी हुई है। इन्फोर्मेशन टेक्नोलाजी एसोसिएशन आफ अमरीका द्वारा कराए गए एक सर्वेक्षण के मुताबिक देश में किसी भी समय 1 लाख 90 हजार आई टी कर्मियों के पद रिक्त पड़े रहते हैं क्योंकि उन्हें प्रशिक्षित कर्मी नहीं मिलते। डिलाइट एंड टच कंसल्टिंग ग्रुप द्वारा 21 देशों में कराए गए एक सर्वेक्षण के मुताबिक तमाम उन्नत देशों में आई टी क्षेत्र का विकास जिस तेजी के साथ हो रहा है, उस अनुपात में आई टी कर्मी उपलब्ध नहीं है। कनाडा में आई टी उद्योग हर साल 10 प्रतिशत की दर से विकसित हो रहा है और स्थायी तौर पर वहां 20 हजार से 30 हजार के बीच आई टी कर्मियों की कमी रहती है।

विकासशील देशों में एक मलेशिया ऐसा देश है जो जल्दी ही टेक्नोलाजी के क्षेत्र में आगे बढ़ने वाला है। बाहरी देश भी उसकी तरफ आकृष्ट हो रहे हैं लेकिन वहां एक वर्ष में कुल 6 हजार आई टी इंजीनियर ही तैयार हो सकते हैं। जबकि उसके अपने यहां 10 हजार कर्मियों की मांग है।

जूद भारत ने फिलिस्तीन को संपूर्ण राज्य का दर्जा
सवाल पर अपनी दृढ़ता खोयी नहीं है। यह अलग बात
एक ध्रुवीय दुनिया में भारत फिलिस्तीन के पक्ष में वह
ा निभाने की स्थिति में अब नहीं रहा है जो वह दो ध्रुवीय
ा के होते हुए था, जब गुटनिरपेक्ष आंदोलन मजबूत हुआ
ा था और भारत इसमें नेतृत्वकारी भूमिका निभाने की
ति में था। आज गुटनिरपेक्ष आंदोलन मात्र एक
चारिकता बनकर रह गया है।

जहां तक अफ्रीका का सवाल है, भारत उन देशों में रहा
जिन्होंने आरंभ से ही दक्षिण अफ्रीका में नस्लवाद की
ाप्ति का समर्थन किया था और आज जब वहां अश्वेत
रकार आ चुकी है, तो उसके साथ भारत के रिश्ते सामान्य
र पर अच्छे हैं। इस बीच अफ्रीका महाद्वीप के अन्य देशों
 साथ भी भारत के व्यापारिक संबंधों में सुधार आया है।
991-92 में इन देशों के साथ भारत का व्यापार महज
1.3 अरब डालर था जो कि अब बढ़कर 6.9 अरब डालर
हो चुका है। भारत उन देशों में है जो अपने दीर्घकालिक
राजनयिक हितों को देखते हुए अफ्रीका के आर्थिक
आधुनिकीकरण में अपना योगदान देना चाहता है। खनिज
तेल की दृष्टि से अफ्रीका एक महत्वपूर्ण क्षेत्र के रूप में उभर
कर सामने आ रहा है और अनेक अमरीकी कंपनियां वहां
जा रही हैं। चीन भी इसी कारण से अफ्रीका से अपने संबंधों
को मजबूत कर रहा है। भारत भी अफ्रीकी देशों के साथ
अपने आर्थिक संबंध मजबूत कर रहा है। सूडान में भारत
ने पहले ही तेल में भारी निवेश किया है। इसके अलावा
अफ्रीकी देश कई उप-क्षेत्रीय आर्थिक संगठन बना रहे हैं
और आर्थिक एकीकरण की ओर निरन्तर बढ़ रहे हैं। यह
स्थिति अन्य देशों के साथ भारत के लिए भी भविष्य में
लाभप्रद सिद्ध हो सकती है।

एकध्रुवीय दुनिया बनने के बाद से भारत ने पूर्व गृहमंत्री
पी.वी. नरसिंहराव के जमाने से ही विदेश नीति को आर्थिक
दिशा देने की बड़ी शुरुआत हो चुकी थी। तमाम देशों के साथ
इस बीच अपने आर्थिक रिश्तों को मजबूत बनाने की दिशा
में भारत ने कदम उठाये हैं। चीन विश्व की तीसरी बड़ी
अर्थव्यवस्था है। भारत उसके साथ मुक्त व्यापार बढ़ाना
चाहता है और इसके लिए दोनों देशों ने एक विशेष अध्ययन
दल बनाने की घोषणा की है। सिंगापुर तथा थाईलैंड के साथ
भी व्यापारिक समझौते होने की संभावनाएं प्रबल हैं। दक्षिण
एशिया के देशों के साथ भारत ने मिलकर जो सार्क सगठन
बनाया था, उसके प्रमुख उद्देश्य भी इन राष्ट्रों के बीच आर्थिक
संबंधों को गति देना था। दुर्भाग्य से यह काम उतनी तेजी से
आगे नहीं बढ़ सका, जितनी इससे उम्मीद की गई थी। विशेष
रूप से भारत तथा पाकिस्तान के तनावपूर्ण संबंधों के चलते,
दक्षिण एशिया के सात देशों के आर्थिक एकीकरण की दिशा
में विशेष प्रगति नहीं हो सकती है। लेकिन इसके बावजूद
भारत ने कुछ प्रयत्न मुक्त व्यापार समझौते की दिशा में किये
हैं। श्रीलंका के साथ ऐसा समझौता पहले की संपन्न हो चुका
है और उसके लाभ भी दोनों देशों में दिखने लगे हैं। बंगलादेश
के साथ कई द्विपक्षीय राजनीतिक समस्याओं के बावजूद
दोनों देशों के बीच हाल ही में द्विपक्षीय मुक्त व्यापार समझौते
का प्रारूप बनाने के बारे में सहमति हुई है। यह
पाकिस्तान के साथ भी भारत इस तरह के समझ
में सोच रहा है। नेपाल और भूटान के साथ पहले
के समझौते संपन्न हो चुके हैं।

लेकिन वाजपेयी सरकार के आने के बाद भ
भारत के अपने पड़ोसियों के साथ संबंध बहुत मधुर न
गये हैं। इसका उदाहरण केवल पाकिस्तान ही न
बंगलादेश, श्रीलंका और नेपाल भी इस श्रेणी में आ
हालांकि प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने बार-बा
है कि भारत सब कुछ कर सकता है मगर अपने पड़
को नहीं बदल सकता है इसलिए उनके साथ अच्छे
बनाना हमारी भौगोलिक विवशता भी है। यह क
जरूरत नहीं है कि वाजपेयी सरकार ने सत्ता संभालने
पाकिस्तान के साथ द्विपक्षीय संबंध मजबूत बनाने
बड़ी पहल की थी और अगर उसे असफल करने व
पाकिस्तान का मजबूत सैनिक तंत्र नहीं करता
स्थितियां बहुत कुछ अलग हो सकती थीं। प्रधानमंत्री
बस यात्रा का एक ऐतिहासिक कदम उठाया
तत्कालीन पाकिस्तानी प्रधानमंत्री नवाज शरीफ
परस्पर समझदारी बनाकर कई मामलों पर ठोस
किये थे और पहली बार लगा था कि भारत पाकिस्ता
संबंध बेहद सकारात्मक दिशा में बढ़ रहे हैं। जम्मू-क
के भूतपूर्व मुख्यमंत्री फारुख अब्दुल्ला ने कहा भी था
पाकिस्तान के साथ रिश्ते सुधारने की कोई बड़ी पहल
की भाजपा नेतृत्व वाली सरकार ही कर सकती है क्य
तब यहां के हिन्दुवादी समूह उसमें बाधक नहीं बनेंगे। ग
जनरल मुशर्रफ के नेतृत्व में वहां का ताकतवर पाकिस्
सैन्यतंत्र कुछ और ही सोच रहा था और उसने द
पड़ोसियों के रिश्ते सुधरने नहीं दिये। उसने कारगिल
भारतीय जमीन पर कब्जा करने की कोशिश ने सहज संब
की दिशा को विपरीत धारा में मोड़ दिया। तत्का
प्रधानमंत्री नवाज शरीफ का तख्ता पलटने के बाद
स्थितियां और भी प्रतिकूल होती चली गई, हालांकि इस
बावजूद कुछ समय पहले भारत ने जनरल मुशर्रफ
पाकिस्तानी राष्ट्रपति के रूप में बातचीत के लिए भा
बुलाया था और तब उम्मीद बंधी थी कि जो रिश्ते पटरी
एक बार उतर गये हैं वे फिर से पटरी पर आ जा
बहरहाल जो भी हुआ, आगरा-वार्ता का प्रयत्न भी वि
रहा। जहां पाकिस्तान इसका दोष सांकेतिक रूप में
के 'कट्टरपंथी' उपप्रधानमंत्री लालकृष्ण आडवाणी
उनके साथियों पर मढ़ता है, वहीं भारत का कहना है कि उ
मुशर्रफ का अड़ियल तथा आक्रामक रवैया इसमें बाधक
बहरहाल जो भी हो, आज स्थिति यह है कि सीमा
पाकिस्तान समर्थित आंतकवाद रुका नहीं है। इसके बाव
पाकिस्तान की ओर से इस बारे में कई बार अमरी
आश्वासन दिये जा चुके हैं और कई दफा वह दावा क
है कि उसने भारत के विरुद्ध सक्रिय आतंकवादी गुटों के
को स्थायी रूप से बंदकर दिया है।

पाकिस्तान के साथ भारत के रिश्तों में आया त
क्षेत्र के लिए दुर्भाग्यपूर्ण है। कई विश्लेषकों का कह

रत सरकार का रवैया भी अड़ियल है। उसने
व में आजतक नर्मी लाने की कोशिश नहीं की
न के साथ तभी बातचीत होगी, जब वह सीमा
कवाद को बढ़ावा देना छोड़ेगा। अप्रैल, 2003
ो श्री वाजपेयी श्रीनगर में एक बार फिर शांति की
ते हुए दिखे और लगा कि नये सिरे से दोनों देशों
संबंध मजबूत होने की शुरुआत होगी लेकिन सिर्फ
आ है कि दोनों देशों के बीच दिल्ली–लाहौर बस चलनी
शुरू हुई है और थोड़ा बहुत सामान्य लोगों का
गमन आसान हुआ है लेकिन इसके आगे कुछ भी ठोस
हो सका है। भारत पुनः अपने पुराने रुख पर दृढ़ है और
िस्तान भी सीमापार से आंतकवाद को बढ़ावा देने में पहले
तरह ही लगा हुआ है।

जहां तक बंगलादेश का सवाल है, वहां खलिदा जिया की
रकार आने के बाद से दोनों देशों के रिश्ते कुछ
अस्वाभाविक हुए हैं। उनमें वह सहजता नहीं रही, जो इससे
पहले की अवामी लीग की सरकार के समय थी। लेकिन दोनों
देशों के बीच इस समय तनाव की विस्फोटक स्थिति भी अब
नहीं है। यह जरूर है कि भारत को बंगलादेश की सरकार से
शिकायत है कि वह अपनी भूमि से भारत विरोधी आतंकवादी
संगठनों को गतिविधियां चलाने का मौका दे रही है और उसमें
कोई कमी नहीं आ रही है। विशेष रूप से बंगलादेश में वे
आतंकवादी संगठन सक्रिय है जो पूर्वोत्तर भारत मे अशांति
अस्थिरता का वातावरण बना रहे हैं। भारत तथा
। रिश्तों मे कटुता का एक कारण सीमा संबंधी कुछ
के अलावा बंगलादेश के शरणार्थियों के वापिस
की सीमा मे धकेलने की भारत की कार्रवाई भी
पासपोर्ट और वीसा के इन लोगों को बांग्लादेश अपना
एक मानने को तैयार नहीं है, जबकि भारत की सरकार
बंगलादेशी कहकर बंगलादेश की सीमा में धकेलने की
र्रवाई समय–समय पर करती रही है। इसका कारण भारत
आंतरिक राजनीति भी है जिसमें हिन्दुवादी समूह
गलादेशियों की भारत मे घुसपैठ के मुद्दे को अत्यंत
आक्रामक ढंग से उठाते रहे हैं और इसे चुनावी रंग देने का
प्रयत्न भी करते रहे हैं। निश्चय ही भारत में बंगलादेशियों
की बड़े पैमाने पर उपस्थिति एक यथार्थ है लेकिन यह एक ऐसा
यथार्थ है जिसे स्वीकार करने के अलावा भारत के पास कोई
उपाय भी नहीं है। यह संभव नहीं है कि मूलतः रोजगार की तलाश
में आए इन सभी गरीब बंगलादेशियों को वापस ठेलकर
बंगलादेश भेज दिया जाए। अतः इस बारे मे ऐसी नीति की
जरूरत है जिससे कि दोनों देशों के बीच तनाव न बढ़े और भारत
को बंगलादेश की गरीबी का बोझ भी अपने ऊपर ढोने के लिए
मजबूर न होना पड़े। भारत बंगलादेश के बीच इस नये तनाव
का कारण अगर भारत में हिन्दुवादी राजनीति का मुख्यधारा मे
आना है तो इसके लिए बंगलादेश में सक्रिय कट्टरपंथी धार्मिक
समूह भी कम जिम्मेदार नहीं है। वे भी भारत विरोधी तथा मुस्लिम
कट्टरतावाद को प्रोत्साहन देने में लगे हैं।

जहां तक नेपाल का प्रश्न है, उसके साथ भी भारत से
रिश्ते अगर बहुत तनावपूर्ण नहीं है तो उसके हिन्दु राष्ट्र होने
के बावजूद रिश्ते बहुत मधुर भी नहीं हैं। राजा ज्ञानेन्द्र के
सत्ता संभालने के बाद नेपाल में लोकतं
पर आ चुकी है। इस बीच नेपाल में वामपंथी उग्रवाद का
बढ़ी है और उसने वहां राजनीतिक अस्थिरता का वाताव
पैदा किया है। जहां नेपाल भारत पर आरोप लगाता है
नई दिल्ली सरकार नेपाल के वामपंथी उग्रवादियों को प
देती है वहीं भारत भी दबे स्वर में अपने यहां के उग्रवा
को नेपाल में शरण देने का आरोप लगाता रहा है। भार
एक आरोप यह भी रहा है कि नेपाल के माध्य
आई.एस.आई. अपनी भारत विरोधी गतिविधियों को
जारी रखे हुए है और नेपाल उस पर्याप्त नियंत्रण नहीं क
रहा है। इस बीच नेपाल नरेश दो बार भारत आए हैं और चूंकि
वह इस समय वहां के संवैधानिक ही नहीं एक तरह
कार्यकारी प्रमुख भी वही हैं, इसलिए उम्मीद की जाती है कि
नेपाल के साथ भारत अंततः एक व्यापक समझदारी बना
मे कामयाब होगा। जहां तक श्रीलंका का प्रश्न है, उसके सा
आर्थिक संबंधों में सुधार हुआ है लेकिन राजनैतिक स्तर प
अभी समस्याएं हैं। भारत ने श्रीलंका के बार–बार अनुरो
के बावजूद वहां शांति स्थापित करने की पहल में कोई दि
नहीं लिया। भारत पर यह मानसिक दबाव बना रहा है
श्रीलंका के आंतरिक मामलों में दिलचस्पी लेने के कारण उस
तरह की स्थितियां बन सकती हैं जिसके कारण लिट्टे ने एक
बार पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी पर श्रीलंका में घातक हमला
करने की कोशिश की थी और सौभाग्यवश ही श्री गांधी बच
तो बच गए थे लेकिन बाद में श्रीपेरंबुदूर में लिट्टे ने उनकी
हत्या करवा ही दी। लिट्टे तथा श्रीलंका सरकार के बीच शांति
के प्रयत्न नार्वे सरकार ने किये और भारत मात्र इस बात
संतुष्ट रहा कि उसे वार्ता की प्रगति से लगातार श्रीलं
सरकार तथा नार्वे सरकार अवगत कराती रही।

बहरहाल पड़ोसी देशों के साथ इस स्थिति को
संतोषजनक नहीं कहा जा सकता। कुछ समय पहल
प्रधानमंत्री इंद्रकुमार गुजराल ने वाजपेयी सरकार
बात का दोषी ठहराया था कि उसने अपने पड़ोसी
साथ संबंधों में सुधार लाने की कोई गंभीर पहल न
बल्कि उसके सत्ता में आने के बाद रिश्तों में तेजी से
ही आया है। उन्होंने कहा था कि हमारे पड़ोसी हमारे
है। उनके साथ हमारे संबंध भाषा, धर्म, इ
भावनाओं से जुड़े हुए हैं। अगर हम अपने पड़ोसि
संबंध नहीं रख सकते तो हम दूसरे देशों के सा
से बेहतर रिश्ते रख पाएंगे? भारत की मौजूद
अपने पड़ोसी देशों के साथ मौजूदा रिश्तों
के संदर्भ में देखना चाहिए। निश्चय ही हम अ
के साथ तनावपूर्ण संबंध रखकर देश के अं
और स्थायित्व का सपना भी नहीं देख स
भारत सरकार को आंतरिक मोर्चे पर
निपटने के लिए दृढ़ता दिखानी होगी
खिलाफ भी मजबूत कार्रवाई करनी हो
मे शांति व्यवस्था, कानून और न्याय का
के गंभीर प्रयत्न नहीं होते हैं, जब तक
पर काबू पाने के प्रयत्न नहीं होते हैं, इ
के मोर्चे पर भी सफलताएं कम ही

उदारीकरण के दौर में लघु उद्योग किस ओर?

आदित्य अवस्थी

हमेशा से ही भारत लघु और कुटीर उद्योगों का देश रहा है। लघु और कुटीर उद्योगों ने देश की अर्थ व्यवस्था के विकास में हमेशा एक बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इस क्षेत्र ने देश में लोगों को सबसे ज्यादा रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए हैं। वहीं इन उद्योगों में बनी वस्तुओं ने विदेशों में भारत का नाम ऊंचा किया है और देश के विकास के लिए बेहद जरूरी विदेशी मुद्रा कमा कर देश के आर्थिक विकास में बेहद महत्त्वपूर्ण योगदान किया है। देश में आर्थिक उदारीकरण वैश्वीकरण और विश्व व्यापार संगठन की शर्तों को लागू करने का दौर शुरू होने के बाद से लघु और कुटीर उद्योगों के सामने अनेक चुनौतियां सामने आई हैं। शहरों में नहीं दूरदराज के कस्बों और गांवों में चल रहे इन उद्योगों के उत्पादकों को आज दुनिया के अन्य देशों में उत्पादित वस्तुओं के साथ खुले बाजार में प्रतियोगिता करनी पड़ रही है। बेहतर तकनीक से बने इन विदेशी उत्पादों के सामने भारत के लघु और कुटीर उद्योगों में बनी ये वस्तुएं मंहगी और गुणवत्ता में कम नहीं होने के कारण टिक नहीं पा रही हैं। बढ़ते उपभोक्तावाद और हमेशा से विदेशी वस्तुओं के प्रति एक आकर्षण रखने के कारण भारतीय उपभोक्ता विदेशी वस्तुओं के लेबल वाली वस्तुओं को खरीदने की ओर जा रहे हैं। इसका परिणाम यह हो रहा है कि भारतीय लघु और कुटीर उद्योगों का बाजार सिमट रहा है और इन उद्योगों के सामने बंदी के सिवा कोई विव नहीं दिख रहा है।

एक ताजा सर्वेक्षण के अनुसार देश में चल रहे क साढ़े तेइस लाख लघु उद्योगों में से करीब 8 लाख 68 ह कारखाने बंद पाए गए। बंद कारखानों का यह प्रतिशत कारखानों के 37 दशमलव 38 प्रतिशत बैठता है। ये आं हाल ही में किए गए लघु उद्योगों की तीसरी गणना थर्ड सेन आफ स्माल स्केल इंडस्ट्री के क्विक रिजल्ट से सामने आए हैं। यह सर्वेक्षण नवम्बर 2002 और अप्रैल 2003 के बीच किया गया था। इस सर्वेक्षण में पहली बार रजिस्टर्ड और अनरजिस्टर्ड दोनों ही तरह की इकाइयों को शामिल किया गया था।

इस सर्वेक्षण के दौरान यह जानकारी भी सामने आई कि जिन राज्यों में बंद पड़े उद्योगों की संख्या ज्यादा थी उनमें तामिलनाडु, उत्तर प्रदेश, केरल, मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र प्रमुख थे। इस अध्ययन के अनुसार तमिलनाडु के 16.2, उत्तर प्रदेश के 13.4, केरल के 8.4, मध्य प्रदेश के 7.4, महाराष्ट्र के 7.1 इकाइयां बंद पाई गई। यदि इन राज्यों के सन्दर्भ में देखें तो बंद पड़ी इकाइयों का आंकड़ा 52 प्रतिशत से भी आगे पहुंच जाता है। एक अनुमान के अनुसार सन 2000 में देश के लघु उद्योगों में दो करोड़ लोगों को रोजगार मिला हुआ था। इससे आप अनुमान लगा

एसएसआई स्टेटिस्टिक्स

वर्ष	यूनिट संख्या (लाखों में)	प्रोडक्शन (करोड़ों में) (वर्तमान मूल्य)	एम्पलायमेंट (लाखों में)	एक्सपोर्ट (करोड़ों में) (वर्तमान मूल्य)
1993-94	2.38 (6.14)	2416.48	13.93 (3.97)	253.07 (42.29)
1994-95	2.57 (7.66)	2988.86	14.65 (5.15)	290.68 (14.86)
1995-96	2.65 (3.88)	3626.56	15.26 (4.13)	364.70 (25.46)
1996-97	2.80 (5.46)	4118.58	16.00 (4.84)	392.48 (7.61)
1997-98	2.94 (5.03)	4626.41	16.72 (4.50)	444.42 (13.23)
1998-99	3.08 (4.62)	5206.50	17.15 (2.62)	489.79 (10.21)
1999-00	3.21 (4.29)	5728.87	17.85 (4.03)	542.00 (10.66)
2000-01	3.31 (3.12)	6390.24	18.56 (4.00)	697.97 (28.78)
2001-02	3.44 (3.93)	6903.16	19.22 (3.45)	712.44 (2.07)
2002-03*	3.57 (3.79)	7608.44	19.96 (3.86)	उपलब्ध नहीं

*अनुमानित

एसएसआई सेक्टर और इंडस्ट्रीयल सेक्टर के बीच का वार्षिक वृद्धि दर

वर्ष	एसएसआई सेक्टर	इंडस्ट्रीयल सेक्टर
1993-94	7.1	6.0
1994-95	10.1	9.4
1995-96	11.4	12.1
1996-97	11.3	7.1
1997-98	8.43	6.7
1998-99	7.70	4.1
1999-00	8.16	6.7
2000-01	8.23	5.0
2001-02	6.08	2.7
2002-03	7.41	5.7

सकते हैं कि इन कारखानों के बंद हो जाने का कितना व्यापक और बुरा प्रभाव पड़ा होगा। खेती बाड़ी के बाद देश के गांवों कस्बों और छोटे शहरों में रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने का यह सब से बड़े क्षेत्र के सामने बंदी की समस्या आ जाने से लाखों परिवारों के सामने रोजी रोटी की समस्या उठ खड़ी हुई है।

आइए आंकड़ों की दुनिया से बाहर निकल कर देखें कि लघु उद्योग है क्या और भारत जैसे विशाल देश में इसकी क्या भूमिका रही है। कानून की भाषा में लघु उद्योग को इंडस्ट्रीज (डेवलपमेंट एंड रेगुलेशन) एक्ट 1951 की परिभाषा के तहत रखा गया है। इस सेक्टर को उसके प्लांट और मशीनरी की मूल लागत के आधार पर उसे विभिन्न वर्गों में परिभाषित किया गया है। इस कानून की व्यवस्था के अनुसार लघु उद्योग उस इकाई को माना जाता है जिस की प्लांट मशीनरी आदि की लागत एक करोड़ रुपए तक हो। अक्तूबर 2001 में इस कानून में परिवर्तन कर के हैंड टूल और होजरी /निटवियर तथा जून 2003 में फार्मास्यूटिकल्स तथा स्टेशनरी की इकाइयों के बारे में यह सीमा बढ़ा कर 5 करोड़ रुपए कर दी गई थी।

देश के औद्योगिक विकास में इतनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाने और अप्रशिक्षित और अर्ध प्रशिक्षित स्त्रियों और पुरुषों को रोजी रोटी कमाने का अवसर उपलब्ध कराने वाले लघु उद्योगों के बंद होते जाने के अनेक कारण हैं। इसमें सब से प्रमुख कारण है विश्व व्यापार संगठन यानी डब्ल्यूटीओ के तहत निर्धारित की गई शर्तों को लागू किया जाना और इस क्षेत्र के लिए आरक्षित उत्पादों की सूची में लगातार कमी किया जाना। इसके अलावा लघु और कुटीर उद्योगों के बंद होते जाने के अन्य कारणों में इस क्षेत्र के लिए बैंकों और अन्य उधार देने वाले संगठनों की ओर से पर्याप्त धन का नहीं उपलब्ध कराया जाना, उत्पादित वस्तुओं की बिक्री और मार्केटिंग के अवसरों की कमी इस क्षेत्र में बनने वाली वस्तुओं की मांग में कमी होना, बिजली और अन्य आधारभूत ढांचे की कमियां।

पतन का भंवर

इन दिनों यह क्षेत्र पतन के एक ऐसे भंवर में फंस गया है जहां से इसके निकल पाने की संभावनाएं दिनों दिन कम होती जा रही हैं। सरकार ने इस क्षेत्र की मदद के लिए अनेक कदम उठाए हैं और उनको राहत पहुंचाने के लिए पैकेज घोषित किए हैं लेकिन इन प्रयासों के अधिक उत्साहवर्धक परिणाम निकलते नहीं दिख रहे हैं।

लघु उद्योगों के पतन के मकड़जाल में फंसने के कारणों पर नजर डालने से पता चलता है कि इन कारखानों को चलाने वालों के पास पैसे की कमी है क्यों कि उनमें पैसा जुटा पाने की क्षमता सीमित है। बैंक और पैसा उपलब्ध कराने वाले संगठनों की प्रकिया इतनी जटिल है और उसमें इतना व्यापक भ्रष्टाचार है कि आम उत्पादक उसका लाभ उठा पाने की स्थिति में नहीं होता है। पैसा नहीं होने के कारण वे पुरानी तकनीकऔर मशीनों कर ही इस्तेमाल करके उत्पादन करते हैं। इस क्षेत्र के लिए नई तकनीक के इस्तेमाल को बढ़ावा देने के लिए अनुसंधान और विकास के धन की बेहद कमी है बल्कि कहा यह जाना चाहिए कि लघु और कुटीर उद्योगों में आर एंड डी के धन उपलब्ध ही नहीं है। पुरानी तकनीक और घिसी पिटी मशीनों से उत्पादन होने के कारण इस क्षेत्र में उत्पादित वस्तुओं की किस्म बड़ी कम्पनियों और मल्टीनेशनल कम्पनियों की किस्म की तुलना में काफी पीछे रह जाती है। थोड़ी मात्रा में उत्पादन होने कारण इन उद्योगों को इकानामी आफ स्केल, यानी भारी मात्रा में उत्पादन करने वालों की तुलना में, का लाभ नहीं मिल पाता है। इन उत्पादों की मार्केटिंग अपने आप में एक बड़ी समस्या है क्यों कि एक तो इन उत्पादों की मांग सीमित होती है और दूसरे इनके पास बिक्री के लिए चैनल बहुत कम होते हैं।

अधिकतर लघु और कुटीर उद्योगों से बाजार बहुत दूर होता है और इन उत्पादों को बाजार तक पहुंचाना एक टेढ़ी खीर होती है। सीमित पूंजी से चलने के कारण यदि माल की बिक्री तुरंत नहीं हो तो आगे उत्पादन में बाधा पड़ती है इसलिए कई बार औने पौने दामों पर भी इस क्षेत्र के उत्पादकों को अपना माल बेंचने के लिए मजबूर होना पड़ता है। बाजार से समय पर माल की बिक्री का पैसा नहीं मिल पाने के कारण कई बार उन्हें अभी भी साहूकारों की शरण लेने के लिए मजबूर होना पड़ता है। सीमित संसाधनों के कारण लघु उद्योगों के संचालक कई बार अपनी अन्य जरूरतों को पूरा करने करने के लिए अपनी पूंजी का इस्तेमाल कर लेते हैं जिससे कि वे कर्ज के कुचक्र में फंस जाते हैं और उनका कारखाना बंद हो जाता है।

कुटीर उद्योगों का विकास

यदि हम देश में लघु और कुटीर उद्योगों के विकास पर नजर डालें तो यह कहा जा सकता है कि आजादी के पहले गांधी की विचारधारा ने इस क्षेत्र को बढ़ावा देने में भूमिका निभाई। आजादी के बाद देश के आर्थिक विकास इस क्षेत्र की महत्वपूर्ण भूमिका को देखते हुए 1967 में और कुटीर उद्योगों में उत्पादन के लिए वस्तुओं को किए जाने की व्यवस्था की शुरू की गई। 70 और 80 के

दशक में इस क्षेत्र के लिए आरक्षित वस्तुओं की सूची में लगातार वढ़ोत्तरी की जाती रही। 1989 तक लघु उद्योग के लिए आरक्षित वस्तुओं के उत्पादों की सूची वढ़कर 836 के अंक तक जा पहुंची थी।

90 के दशक में देश में आर्थिक सुधार लागू करने का सिलसिला शुरू हुआ और उदारीकरण और वैश्वीकरण का दौर आया और देशी विदेशी कम्पनियों के लिए भारत के वाजार खोले जाने लगे। इस प्रकिया के साथ ही देश में लघु और कुटीर उद्योगों की हालत विगड़ने का सिलसिला शुरू हुआ। उदारीकरण की नीतियों के कारण इस क्षेत्र के लिए खुली आ रही नीतियों में नीतियों में फेर वदल का सिलसिला शुरू हुआ। पहली वार लघु उद्योगों के लिए आरक्षित उत्पादों की सूची में कमी करने का सिलसिला शुरू किया गया। पहले चरण में 3 अप्रैल 1997 को 15 आइटम आरक्षित सूची से वाहर किए जाने की घोषणा की गई। इसके वाद से 3 जून 2003 तक छह चरणों में लघु उद्योगों के लिए आरक्षित आइटमों में कमी करने की घोषणा की जा चुकी है। इन घोषणाओं के वाद लगु उधोगों में उत्पादित आइटमों की संख्या 1989 के 836 से घटा कर 75 तक पहुंचाई जा चुकी थी।

लघु उद्योगों के लिए आइटम आरिक्षत किए जाने का सिलसिला शुरू किए जाने के पक्ष में तर्क यह दिया गया था कि इस प्रकार की व्यवस्था कर के देश के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले और लाखों लोगों को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने वाले क्षेत्र को मझोले और वड़े उद्योगों तथा वहुराष्ट्रीय कम्पनियों के साथ होने वाली अनुचित प्रतियोगिता से वचाया जा सकेगा। 1984 में इंडस्ट्रीज (डेवलपमेंट एंड रेगुलेशन एक्ट) 1951 के सेक्शन 29 वी के तहत इस नीति को कानूनी समर्थन भी उपलब्ध करा दिया गया था।

लघु और कुटीर उद्योग में उत्पादन के लिए किसी आइटम को आरक्षित करने के लिए कुछ आधार तय किए गए थे। ये आधार थे कि उस उत्पाद का लघु या कुटीर उद्योग में सस्ती दर पर उत्पादित किया जाना, इस क्षेत्र में उत्पादन के लिए किसी वस्तु के आरक्षित किए जाने से उत्पन्न होने वाले रोजगार के अवसरों के वढ़ने की संभावना, लोगों में इन्टरप्रेन्योरशिप की भावना का वढ़ाने की संभावना आर्थिक संसाधनों के कुछ ही लोगों तक सीमित रह जाने की संभावना में कमी हो आदि।

जव इस क्षेत्र के लिए आरक्षित आइटमों की सूची में कमी करने का सिलसिला शुरू किया गया तो जिन कारणों को आधार वनाया गया उनमें निम्नलिखित कारण प्रमुख थे। उद्योगों मे उच्च तकनीक का अपनाया जाना, निर्यात को वढ़ावा देने के लिए वड़े पैमाने पर उत्पादन करना जिससे कि लागत में कमी की जा सके और उत्पाद अन्तरराष्ट्रीय वाजार में प्रतियोगिता का सामना करने के योग्य वन सके। वे उत्पाद जो कि छोटे पैमाने पर उत्पादित होने के उच्च किस्म के नहीं वन पा रहे हैं और यह क्षेत्र न तो उनके लिए रिसर्च और डेवलपमेंट पर खर्च कर पाने की स्थिति में है और न ही वह नई तकनीक ला पाने के लिए पैसा लगा पाने की स्थिति में है।

लघु उद्योग के लिए आइटम आरक्षित किए जाने नहीं किए जाने के पक्ष में अलग अलग तर्क दिए जाते हैं। आरक्षण जारी रखने के पक्षधरों का कहना है कि व्यवस्था के चलते लघु उद्योग क्षेत्र का तेजी से विकास हु इस नीति के चलते देश के निर्यात में वढ़ोत्तरी हुई जव लघु उद्योगों के लिए उत्पादित वस्तुओं के लिए आरक्षण समाप्त किए जाने के पक्ष में राय रखने वालों का तर्क है लंवे समय तक आरक्षण की व्यवस्था जारी रहने के का इस क्षेत्र में क्षमता वढ़ाने की भावना समाप्त हुई है। आरक्ष की व्यवस्था के चलते वड़े पैमाने पर होने वाले उत्पादन लाभ नहीं मिल पा रहे हैं। 50% उत्पादन के निर्यात की श के कारण इस क्षेत्र में पैसा लगाने के लिए लोग तैयार न हैं। क्वांटिटेटिव रिस्ट्रिकशन क्यू आर समाप्त किए जाने वाद इस क्षेत्र के लिए आकर्षण का कोई मतलव नहीं रह ग है। आरक्षण की व्यवस्था के कारण इस क्षेत्र में नई तकनी का इस्तेमाल नहीं हो पा रहा है। उत्पादित वस्तुएं की कि अच्छी नहीं होने के वाद भी उपभोक्ताओं को इन वस्तुओं खरीदने के लिए मजवूर होना पड़ता है।

लघु उद्योंगो के लिए आरक्षण की नीति की समीक्षा क के लिए पिछले आठ सालों में अनेक समितियां गठित की इनमें प्रमुख हैं: विजय राघवन कमेटी–1995, आविद हु कमेटी–1997, एस वी एस राघवन कमेटी, एस पी गु स्टडी ग्रुप–2000, और गृह मंत्री लालकृष्ण आडवाणी अध्यक्षता में गठित मंत्रिमंडलीय ग्रुप।

श्री आडवाणी की अध्यक्षता में गठित मंत्रिमंडलीय की सिफारिश पर केन्द्र सरकार ने 30 अगस्त 2000 लगु उद्योग क्षेत्र के लिए एक विस्तृत पालिसी पैकेज घोषणा की थी। 2002–2003 के संसद में पेश आ सर्वेक्षण और वजट में सरकार ने साफ किया कि वद आर्थिक परिस्थितियों में इस क्षेत्र में आरक्षण की व्यव अधिक उपयोगी नहीं रह गई है इस लिए इस सूची में स पक्षों से विचार विमर्श के वाद कमी करने का सिलसिला रहेगा।

ओपेन जनरल लाइसेंस

डब्ल्यू.टी.ओ. की शर्तो के वाद लघु उद्योग के क्षे आरक्षण जारी रखने कोई विशेष महत्व नहीं रह गया है आर समाप्त करने के वाद धीरे धीरे सभी वस्तुएं जरनल लाइसेंस ओ.जी.एल. के तहत आ गई हैं। आने दिनों में सस्ते आयात के कारक वाजार में प्रतियोगिता तय है। इस क्षेत्र को प्रतियोगिता के लिए आगे आना ही उसे अपने उत्पादों की गुणवत्ता सुधारनी होगी। इसके इस क्षेत्र में नई टेकनालाजी लानी होंगी जिसके लिए इ में अधिक पूंजी लगाने की आवश्यकता होगी।

इस वात में कोई संदेह नही होना चाहिए कि डब्ल्यू. की व्यवस्थाओं के कारण आने वाले वर्षो में लघु उद्यो के भारी प्रतियोगिता का सामना करना होगा। इससे उद्योगों के वंद हो की आशंका रहेगी और इस क्षेत्र के रूप में वचे रहने की संभावनाएं घटेंगी और इसमें के अवसरों में कमी आएगी।

एसएसआई की तीसरी गणना

1. देश की कुल रजिस्टर्ड एसएसआई यूनिट 31-03-2001	23,05,725
2. प्राप्त रजिस्टर्ड यूनिट का डाटा	23,05,725
3. वर्किंग यूनिट	14,37,704
4. बंद हो चुकी यूनिट	8,68,021
5. सर्वो हो चुकी यूनिट (जिनकी वैलिड तारीख उपलब्ध रहीं)	15,08,755
6. कामकर रहीं यूनिट	7,50,102
7 लघु उद्योग (एसएसआई)	4,92,804
8. स्माल स्केल सर्विस एंड बिजनेस एंटरप्राइजिस (एसएसएसबीई)	2,57,298
9. रूरल एंटरप्राइजिस	
10. गतिविधियां	
मैन्युफेक्चिरिंग, असेम्बिलिंग, प्रोसेसिंग	4,66,049
रिपेयरिंग और मेंटेनेंस	56,556
सर्विस	2,27,494
11. संस्थान	
मालिकाना	6,75,779
पार्टनरशिप	47,683
निजी कंपनी	15,916
को-ओपरेटिव्स	2,335
अन्य	8,388
12. विमन एंटरप्राइजिस	83,125
13. लघु उद्योग के छोटे यूनिट	4,82,200
14. कुल कामगार	34,48,356
15. कुल इन्वेस्टमेंट (लाखों में)	53,35,580.77
16 प्लांट और मशीनरी की ओरजिनल वैल्यू (लाखों में)	16,90,309.79
17. कुल ग्रोस आउटपुट (लाखों में)	1,14,20,438
18. एक्सपोटर्स (लाखों में)	5,02,300
19. यूनिट एक्सपोर्टिंग	5,052
20. एम्प्लायमेंट प्रति यूनिट	4.6
21. ग्रोस आउटपुट प्रति यूनिट (लाखों में)	15.23
22. फिक्सड इन्वेस्टमेंट प्रति यूनिट (लाखों में)	7.11
23. प्लांट और मशीनरी की असल वैल्यू प्रति यूनिट (लाखों में)	2.25
24. फिक्सड एसेट एम्पलायमेंट प्रति एक लाख इन्वेस्टमेंट	0.65
25. 31-02-2002 तक लोन लेने वाले यूनिट	1,34,438
26. 31-02-2003 तक वे यूनिट जिन्होंने इंस्टीट्यूशनल स्त्रोत से आउट स्टेंडिंग लोन प्राप्त किया	1,11,846
27. कुल बीमार (सिक) यूनिट (50 फीसदी वे जिन्होंने इंसटीटयूशनल लोन देने में देरी की)	18720
28. आरबीआई क्रेटीरिया में सूचीबद्ध बीमार यूनिट जिन्होंने इंस्टीट्यूशनल स्त्रोतों से आउटस्टेंडिंग लोन प्राप्त किया	15,746
29. शुरु से ही बीमार यूनिट (तीन वर्ष के अंतराल में ही)	97,585
30. बीमार/शुरु से बीमार (सिक) यूनिट	1,08,571
31. यूनिट के बीमार (सिक) पड़ने के कारण:-	
डिमांड की कमी	77,781
काम के मूलधन की कमी	52,119
कच्चे माल का न मिलना	16,394
बिजली की कमी/समस्या	23,186
मजदूरों की कमी/समस्या	8,025
मार्केटिंग की कमी/समस्या	48,327

औजरों/मशीनों की कमी/समस्या	11,474	(1
मैनेजमेंट की कमी/समस्या	5,974	(
32. यूनिट का मेंटेन अकाउंट	1,97,687	(26.
33. कम्प्यूटर युक्त यूनिट	54,858	(7.
34. एसएसआईसी से अधीनस्थ यूनिट	22,164	(4
35. एनएसआईसी से रिजस्टर्ड यूनिट	15,300	(2.
36. महिलाओं द्वारा चलाए जानेवाले एंटरप्राइजेस	70,212	(9.
37. यूनिट जिन्हें मैनेज किया:–		
अनुसूचित जाति (एससी)	60,208	(8.
अनुसूचित जनजाति (एसटी)	18,750	(2
अन्य पिछड़ी जातियां (ओबीसी)	3,06,976	(40.
अन्य	3,64,169	(48.5
38. पावर के स्तोत्र:		
पावर की जरूरत नहीं	2,06,827	(27.5
कोयला	17,464	(2.3
तेल (ओयल)	24,264	(3.2
एलपीजी	4,104	(0.5
बिजली	4,75,296	(63.3
नोन–कन्वेंशनल एनर्जी	3,254	(0.4
पारम्पिरिक एनर्जी/जलावन लकड़ी	18,893	(2.5

अब सवाल उठता है कि क्या बढ़ते उदारीकरण और वैश्वीकरण के दौर में भारत में काम कर रहे लघु और कुटीर उद्योग समाप्त हो जाएगे? इस प्रश्न का उत्तर हां और न दोनो ही में हो सकता है। हां इस लिए कि वर्तमान रूप में चलाए जा रहे और काम कर रहे उद्योगों का भविष्य तो निश्चय ही सीमित रह जाएगा या समाप्त हो जाएगा लेकिन नए रूप में यह क्षेत्र उभर कर सामने आने की क्षमता रखता है। इस क्षेत्र में नई पूंजी लगाने की आवश्यकता होगी। लघु और कुटीर उद्योगों में नई तकनीक का इस्तेमाल किया जाना जरुरी होगा उत्पादन और वितरण के नए तौर तरीके अपनाए जाने होंगे जिससे इस उद्योग को इकनामी आफ स्केल का फायदा मिल सके। लघु और कुटीर उद्योगों में बनने वाली वस्तुओं की गुणवत्ता में सुधार लाकर उन्हें बाजार में कम्पटीटिव मूल्यों पर उपलब्ध कराया जाना होगा। इस क्षेत्र में उत्पादित की जा रही वस्तुओं के डिजाइन आदि में भी आज के सजग और संवेदनशील उपभोक्ताओं के जीवन और आवश्यकताओं के अनुरुप बनाया जाना होगा जिससे कि बेमास प्रोडक्शन वाली वस्तुओं की तुलना में इन वस्तुओं की ओर अधिक आकर्षित हो सकें। इसके लिए इस क्षेत्र के उत्पादकों को सामुहिक रूप से अपने उत्पादों की ब्रांडिंग और मार्केटिंग करने के लिए आगे आना होगा। भारतीय और अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेजी से तेजी से बदलती आर्थिक सामाजिक परिस्थितियों के बावजूद लघु और कुटीर उद्योग क्षेत्र की संभावनाएं समाप्त नहीं हुई बल्कि इन्हें अपने को तेजी से बदल कर सामयिक परिस्थितियों के अनुरुप बनाना होगा।

रोजगार के अवसर

सभी समस्याओं के बावजूद यह सेक्टर अभी भी सब से ज्यादा रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने वाला सेक्टर बना हुआ है। एक सरकारी अनुमान के अनुसार पिछले चार र में एस.एस.आई. सेक्टर में 28 लाख से भी अधिक रोज के नए अवसर उपलब्ध हुए हैं। यह सेक्टर आज भी देश ग्रास इंडस्ट्रियल वैल्यू में 40 प्रतिशत का योगदान कर है। आज भी खेती के बाद सबसे ज्यादा रोजगार के अव एस.एस.आई. सेक्टर में उपलब्ध हो रहे हैं। इस सेक्ट सब से ज्यादा रोजगार के अवसर (करीब पांच लाख) प्रोसेसिंग इंडस्ट्री उपलब्ध करा रही है। इसके बाद मेटल अ नान मेटल इंडस्ट्री की बारी आती है। यह आज भी एक ऐ सेक्टर बना हुआ है जहां कि एक लाख रुपए की लागत ल कर चार लागों को रोजगार का अवसर उपलब्ध करा दे है। आज भी देश के कुल निर्यात का 45 से 50 प्रति एस एस आई सेक्टर से ही हो रहा है। एस एस आई सेक् में होने वाले कुल उत्पादन का करीब 35 प्रतिशत निर् के काम आता है।

प्रधान मंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने घोषणा की है दसवीं पंचवर्षीय योजना के तहत इस सेक्टर में पांच करो रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए जाएंगे। दसवीं पंचव योजना के दौरान सन राइज इंडस्ट्री कहे जाने वाले पराजे बेस्ड इंडस्ट्री, बायोटेक्नालाजी फूड प्रोसेसिंग आई टी अ आई टी इनेबल सर्विस इंडस्ट्री आदि को बढ़ावा दिया जा

एक नया रिकार्ड

सरकार ने लघु और कुटीर उद्योग की भारती अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण भूमिका को देखते हुए इस क्षेत्र मदद के लिए अनेक योजनाएं बनाई हैं। इस क्षेत्र में न तकनीक लाने और इसके विकास के लिए निवेश क देने हेतु बैंकों को एस एस आई उद्योगों के लिए ऋण उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए हैं। मार्च 200

अनरजिस्टर्ड एसएसआई सेक्टर

1. देश में गांव/शहरी (अर्बन) ब्लोक 1998 इकोनोमिक सेंसस (सेंट्रनल स्टेटिस्टकल ओरगेनाइजेशन) के आधार पर	9,94,357	
2. गांव/शहरी ब्लोक सैम्पल सर्वे के आधार पर	19,766	
3. गांव/शहरी ब्लोक सर्वे	19,754	
4. नियत समय तक उपलब्ध गांव/शहरी ब्लोक	18,205	
5. एसएसआई से रजिस्टर्ड नहीं हुई यूनिट	3,69,606	
6. एसएसआई की लिस्ट से	1,47,967	(40%)
7. एसएसएसयीई की लिस्ट से	2,21,639	(60%)
8. एंटरप्राइजेस सर्वे के आधार पर रजिस्टर्ड नहीं यूनिट	1,77,000	
9. नियत तारीख तक रजिस्टर्ड नहीं हुई यूनिट	96,431	
नियत समय तक प्राप्त		
10. एसएसआई	34,658	(36%)
11. एसएसएसयीई	61,773	(64%)
12. ग्रामीण इलाकों के रजिस्टर्ड नहीं हुए एंटरप्राजेस		(57.3%)
13. रजिस्टर्ड न होने के मुख्य कारण:		
रजिस्टर्ड करयना जरूरी है इसकी जानकारी न होना	50420	(52.3%)
जरूरत नहीं समझी/इंटररस्ट नहीं	39126	(40.6%)
14. गतिविधियां:–		
मैन्युफैक्चरिंग/असेम्यिलिंग/प्रोसिंग	32400	(33.6%)
रिपेयरिंग और मेंटेनेंस	16007	(16.6%)
सर्विस	48024	(49.8%)
संस्थान:		
मालिकाना	93725	(97.2%)
पार्टनरशिप	1206	(1.25%)
निजि (प्राइवेट) कंपनी	430	(0.45%)
को–ओपरेटिव्स	118	(0.12%)
अन्य	950	(0.98%)
16. महिला उद्यमियों वली एटरप्राइजेस	10282	(10.66%)
17. एसएसआई की छोटी यूनिट	34620	(99%)
18. कुल एम्पलायमेंट	2,03,040	
19. कुल फिक्स्ट इंवेस्टमेंट (लाखों में)	1,18,401	
20. प्लांट और मशीनरी की आरिजनल वैल्यू (लाखों में)	28,681	
21. कुल ग्रोस आउटपुट (लाखों में)	83,624	
22. कुल एक्सपोर्ट (लाखों में)	758	
23. एक्सपोर्ट की यूनिट	387	(0.4%)
24. प्रति यूनिट एम्पालयमेंट	2.11	
25. प्रति यूनिट ग्रोस आउटपुट (लाखों में)	0.87	
26. प्रति यूनिट फिक्स्ट इंवेस्टमेंट (लाखों में)	1.23	
27. प्लांट आर मशीनरी प्रति यूनिट ओररिजनल वैल्यू (लाखों में)	0.30	
28. फिक्स्ट एसेट में एक लाख इवंस्टमेंट प्रति एम्पलायमेंट	1.71	
29. 31–03–2002 तक आउटस्टेंडिंग लोन लेने वाले यूनिट	5880	(6.1%)

30. 31-03-2002 तक इंस्टीट्यूशनल स्तोत्र से आउट स्टेंडिंग लोन प्राप्त करने वाले यूनिट की संख्या	3451	(3.58%)
31. कुल बीमार (सिक) यूनिट (50 फीसदी वे जिन्होंने इस्टीट्यूशनल लोन देने में देरी की)	754	(0.78%)
32. आरबीआई क्रेटीरिया में सूचीबद्ध बीमार यूनिट जिन्होंने इंस्टीट्यूशनल स्त्रोतों से आउटस्टेंडिंग लोन प्राप्त किया	465	(13.47%)
33. शुरू से ही बीमार यूनिट (तीन वर्ष के अंतराल में ही)	7481	(7.76%)
34. बीमार/शुरू से बीमार (सिक) यूनिट	7956	(8.25%)
35. यूनिट के बीमार (सिक) पड़ने के कारण:		
डिमांड की कमी	6,694	(84.1%)
काम के मूलधन की कमी	3,750	(47.1%)
कच्चे माल का न मिलना	1,210	(15.2%)
बिजली की कमी/समस्या	1,175	(14.8%)
मजदूरों की कमी/समस्या	404	(5.1%)
मार्केटिंग की कमी/समस्या	3,281	(41.2%)
औजारों/मशीनों की कमी/समस्या	1,028	(12.9%)
मैनेजमेंट की कमी/समस्या	405	(5.1%)
36. यूनिट का मेंटेन अकाउंट	7312	(7.58%)
37. एसएसआई के अधीनस्थ यूनिट	883	(2.55%)
38. महिला उद्यमियों द्वारा संचालित एंटरप्रासिस	10,139	(10.51%)
39. यूनिट जिन्हें मैनेज किया:-		
अनुसूचित जाति (एसपी)	8,735	(9.06%)
अनुसूचित जनजाति (एसटी)	3,061	(3.17%)
अन्य पिछड़ी जातियां (ओबीसी)	41,837	(43.39%)
अन्य	42,798	(44.38%)
।. पोवर के स्तोत्र:		
पोवर की जरूरत नहीं	40,608	(42.11%)
कोयला	2,653	(2.75%)
तेल (ओयल)	2,895	(03%)
एलपीजी	538	(0.56%)
बिजली	46,273	(47.99%)
नोन-कन्वेंशनल एनर्जी	516	(0.54%)
पारम्पिरिक एनर्जी/जलावन लकड़ी	2,948	(3.06%)

आंकड़ों के अनुसार सरकारी क्षेत्र के बैंकों ने एस एस आई सेक्टर को 52988 करोड़ रुपए के ऋण उपलब्ध करा कर एक नया रिकार्ड कायम किया है। लघु और कुटीर उद्योगों के लिए ऋण की सीमा का स्तर बढ़ाया गया है। इस सेक्टर के लिए बैंकों ने स्पेशलाइज्ड ब्रांचेज खोली हैं। सिडबी की नेशनल एक्विटी फंड स्कीम की सीमा को बढ़ा कर 50 लाख कर दिया गया है। इस क्षेत्र को पूंजी उपलब्ध कराने के लिए राष्ट्रीय और राज्य स्तर पर 17 वेंचर कैपिटल फंड खोले गए हैं। इनमें निजी क्षेत्र में खुले चार वेंचर फंड भी शामिल हैं। इस क्षेत्र के उद्यमियों के लिए क्रेडिट कार्ड और क्रेडिट गारंटी की योजनाएं प्रारम्भ की जा रही है। वित मंत्री जसवंत सिंह ने 2003-2004 का बजट पेश करते हुए लघु और कुटीर उद्योगों मदद के लिए अनेक योजनाओं की घोषित की थी। इन घोषणाओं के तहत एस एस आई सेक्टर को सस्ती दरों पर बैंकों से ऋण उपलब्ध करा ने से लेकर उन्हें सरकारी नियमों और उपनियमों से निजात दिलाने और कस्टम और एक्साइज से अनेक प्रकार की राहत उपलब्ध कराने की बातें कहीं गई थी। सरकारी क्षेत्र के बैंकों द्वारा एस एस आई सेक्टर के लिए उपलब्ध कराए गए ऋण के आंकड़ों पर नजर डालें तो पता चलता है कि 1991 में इस सेक्टर को 16783 करोड़ ऋण के रुप में उपलब्ध कराए गए थे जब कि मार्च 2003 के अंत तक यह राशि बढ़ कर 52988 करोड़ तक पहुंच गई थी। डब्ल्यू टी ओ की व्यवस्थाओं के तहत एंटी डंपिंग की व्यवस्था के प्रावधानों का उपयोग किया जा रहा है। विदेश से आने वाली वस्तुओं पर कस्टम ड्यूटी से फगार्ड डयूटी और काउंटरवेलिंग ड्यूटी लगाई जाती है। वेट एंड मेजरमेंट पैकेजिंग क्वालिटी स्टैंडर्ड के तहत विदेशी वस्तुओं को भारतीय वस्तुओं के समक्ष बनाने के लिए कदम उठाए जा रहे हैं।

इंटेक्चुअल प्रापर्टी राइटस की व्यवस्थाओं के इस सेक्टर पर

राज्यों और केंद्र शासित डायरेक्टोरेट्स आफ इंडस्ट्रीज द्वारा रजिस्ट्रड आल इंडिया क्यूमूलेटिव एसएसआई यूनिट

क्रम राज्य/ केंद्र शासित प्रदेश	एसएसआई यूनिट द्वारा परमानेंट रजिस्ट्रेशन					
	1995-96	1996-97	1997-98	1998-99	1999-00	2000-0
1. आंध्र प्रदेश	112916	117132	121039	124950	128321	13573
2. असम	19242	20721	21954	23136	24109	2550
3. विहार	101221	108148	114296	119107	123933	13090
4. गुजरात	129455	141951	153497	164785	174899	18500
5. हरियाणा	94462	98455	63623	53321	54375	8827
6. हिमाचल प्रदेश	14015	14593	15232	15941	16602	1756
7. जम्मू एंड कश्मीर	25165	124504	143073	150675	159944	16918
8. कर्नाटक	115353	124504	143073	150675	159944	16918
9. केरल	133114	148275	166484	184166	202325	21401
10.मध्यप्रदेश	233225	243481	256849	268741	277804	28904
11.महाराष्ट्र	98144	111129	123856	135016	143457	15174
12.मणिपुर	4928	5157	5314	5439	5588	591
13.मेघालय	2005	2166	223	2514	2711	286
14.नागालैंड	741	757	782	813	1059	112
15.उडीसा	16623	17173	17931	18732	19513	2064
16.पंजाव	145471	147563	149405	151180	152768	16159
17.राजस्थान	71479	74450	77047	80229	83651	8848
18.तमिलनाडू	202210	228936	257079	284943	313861	3320
19.त्रिपुरा	5833	5901	5946	6001	6058	640
20.उत्तर प्रदेश	302557	323475	341788	361033	382027	40260
21.पश्चिम वंगाल	145713	147462	149148	150327	151240	16008
22.सिक्किम	275	296	305	312	330	249
23 अंडमान एंड निकोवार	1038	1071	116	1151	1180	1248
24.अरुणाचल प्रदेश	766	926	945	959	971	1027
25.चंडीगढ़	2880	2952	2965	3007	3042	3218
26.दादर एंड नगर हवेली	409	454	618	870	978	1035
27.दिल्ली	25174	25284	25303	25306	25342	26807
28.गोवा	5118	5278	5488	5761	5921	6263
29.लक्षद्वीप	47	51	58	63	72	76
30.मिजोरम	3018	3515	3702	4028	4413	4668
31.पांडेचरी	4209	4255	4484	4722	4873	5155
32.दमन और दियू	693	920	1135	1455	1507	1594
कुल	20.17499	2152794	2261256	2378070	2503641	2672188

02-07-2001 तक के आंकडे

पड़ने वाले असर की समीक्षा कर के इस क्षेत्र की मदद के लिए इनके संगठनों के माध्यम से कदम उठाए जा रहे हैं जिससे कि इस क्षेत्र के उद्यमी अपने उत्पादों की रक्षा कर सकें।

अंत में यह कहा जा सकता है कि लघु और कुटीर उद्योगों को अपने आप को गला काट प्रतियोगिता की बदलती परिस्थितियों के अनुरूप अपने आप को बनाना होगा। उन्हें अपने उत्पादों को आज के संवेदनशील उपभोक्ता के मन के माफिक बनाने के लिए तैयार रहना होगा। कारोबार का स्तर उन्हें बड़े उत्पादकों की तुलना में अपने को तेजी से बदलने का अधिक अवसर देता है उन्हें अपनी इस विशेषता का लाभ उठाने के लिए तैयार होना होगा। सबसे बड़ी बात उन्हें अपने उत्पादों की गुणवत्ता में सुधार करने के लिए हर संभव प्रयास करने होंगे जिससे कि उपभोक्ता उन्हें खरीदने के लिए बस मजबूर हो जाएं।

विकास को अवरुद्ध करता बिजली संकट

हरवीर सिंह

किसी भी अर्थव्यवस्था के विकास के बारे में आज बिजली के बिना सोचा भी नहीं जा सकता है लेकिन इस सचाई को जानने के बावजूद भारत के नीति निर्धारक इस मोर्चे पर लगातार असफल होते जा रहे हैं। विकास की गति के साथ बिजली की जरूरत जिस गति से बढ़ रही है उस अंतर को अतिरिक्त बिजली उत्पादन के जरिये पूरा नहीं किया जा सका है। पिछली तीन पंचवर्षीय योजनाओं में अतिरिक्त बिजली उत्पादन क्षमता स्थापित करने के लक्ष्य को हासिल करने में लगातार मिल रही असफलता इस बात को जताती है कि सरकार गंभीर नहीं है यह फिर सरकार की ऊर्जा नीति में ऐसी खामियां हैं जो स्थिति को सुधारने में बाधक बन रही हैं।

देश में बिजली के परिदृश्य के साथ आर्थिक विकास को इसकी उपलब्धता के साथ जोड़ना जरूरी है। पिछले सालों में जिस तरह से बिजली उत्पादन की क्षमता में बढ़ोत्तरी के लक्ष्य हासिल नहीं किया जा सका है उसी तरह से सकल घरेलू (जीडीपी) की विकास दर के लक्ष्य में भी हम पिछड़ते गये हैं और यह घटनाक्रम दोनों के बीच अंतरसंबंध को भी साबित करता है। मसलन नौवीं योजना के दौरान सात फीसदी की जीडीपी विकास दर का लक्ष्य निर्धारित किया था इसे बाद में घटाकर 6.5 फीसदी कर दिया गया था लेकिन विकास दर हासिल हुई 5.35 फीसदी। कारण साफ था क्योंकि बिजली की मांग और आपूर्ति के बीच अंतर बढ़ता गया। देश के विकास में सबसे अधिक महत्वपूर्ण भूमिका निभानेवाले क्षेत्रों कृषि और मैन्यूफैक्चरिंग पर निगाह डालने से स्थिति और स्पष्ट हो जाती है। आठवीं योजना (1992-97) में कृषि उत्पादन में 4.69 फीसदी की बढ़ोत्तरी हुई थी लेकिन नौवीं योजना (1997-02) में यह विकास दर घटकर 2.01 फीसदी रह गई। इसी तरह मैन्यूफैक्चरिंग में आठवीं योजना के 7.58 फीसदी की विकास दर के मुकाबले नौवीं योजना में हम 4.51 फीसदी की विकास दर ही हासिल कर सके। मांग और आपूर्ति के इस अंतर के चलते दसवीं योजना के जीडीपी के आठ फीसदी की विकास दर के लक्ष्य को हासिल नहीं किया जा सकता है। हालांकि कुछ दूसरे कारण भी इसके जिम्मेदार हैं लेकिन कृषि और उद्योग जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्र इससे सीधे प्रभावित हो रहे हैं। योजना के पहले वित्त वर्ष (2002-03) में केवल 4.3 फीसदी की जीडीपी विकास दर ही हासिल दर ही हासिल हो सकी। हालांकि चालू साल में बेहतर मानसून के चलते इसके छह फीसदी के आसपास रहने का अनुमान है लेकिन आठ फीसदी के लक्ष्य तक इसके पहुंचने की कोई उम्मीद नहीं दिख रही है। यहां भी एक सचाई यह है कि विकास के स्तर में यह बढ़ोत्तरी बेहतर बारिश के चलते ही होगी वहीं वित्त वर्ष (2003-04) के अभी तक के जो आंकड़े आ रहे हैं उनमें बिजली उत्पादन में लगातार गिरावट का रुख बना हुआ हो तो एक बड़ी चिंता का विषय हो सकता है। यही नहीं बिजली उत्पादन के अलावा औद्योगिक उत्पादन के दूसरे क्षेत्रों में भी इस साल उत्पादन वृद्धि की दर पिछले साल से कम बनी हुई है। बिजली की लगातार कमी के चलते कृषि और उद्योग क्षेत्र के अलावा रेलवे, बंदरगाह, सड़कों, स्वास्थ्य और शिक्षा जैसी ढांचागत व सामाजिक सुविधाओं के विकास में बिजली की कमी एक बड़ी बाधा के रूप में सामने आ रही है।

बिजली क्षेत्र के लिए सरकार की मौजूदा नीतियों और ऊर्जा सुधार कार्यक्रम के लिए उठाए जा रहे कदमों के बारे में चर्चा के पहले पिछले सालों के दौरान देश में इस दिशा हुई प्रगति पर भी नजर डालने की जरूरत है। आजादी के समय देश में बिजली उत्पादन की कुल स्थापित क्षमता 1300 मेगावाट थी जो अब एक लाख मेगावाट के आंकड़े को पार कर चुकी है। इसे एक बड़ी उपलब्धि माना जा सकता है। उत्पादन के साथ ही बड़े स्तर पर वितरण और पारेषण के लिए जरूरी ढांचागत सुविधाओं का विकास किया गया। लेकिन इसके साथ की एक सचाई यह भी है कि नौवीं पंचवर्षीय योजना के दौरान 40,245 मेगावाट बिजली उत्पादन की अतिरिक्त क्षमता स्थापित करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया था लेकिन उसके 47 फीसदी के बराबर ही 19,015 मेगावाट बिजली उत्पादन क्षमता इस दौरान स्थापित की गई। वहीं आठवीं योजना के दौरान 30,838 मेगावाट की अतिरिक्त क्षमता के लक्ष्य के 56 फीसदी के बराबर 16,422 मेगावाट बिजली उत्पादन क्षमता ही स्थापित की गई थी। इसी स्थिति को देखते हुए दसवीं योजना (2002-07) के लिए 41,110 मेगावाट की अतिरिक्त बिजली उत्पादन क्षमता स्थापित करने का जो लक्ष्य रखा गया है उसे हासिल करने के बारे में कोई भी उत्साहित नहीं दिख रहा है। इस योजना में अभी तक की जो जानकारी उपलब्ध है उसके अनुसार केंद्र, राज्य और निजी क्षेत्र तीनों निर्धारित लक्ष्य से पीछे चल रहे हैं। यह स्थिति तापविद्युत और पनबिजली दोनों क्षेत्रों में मौजूद है। विशेषज्ञों का कहना है कि लगभग सारा बोझ सार्वजनिक क्षेत्र की बिजली कंपनियों पर पड़ रहा है ऐसे में उनकी भी एक सीमा है इसलिए इस क्षमता लक्ष्य को हासिल करना संभव नहीं है।

जहां तक बिजली आपूर्ति की स्थिति का सवाल है तो

उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार सामान्य समय और सबसे अधिक मांग के समय देश में बिजली का घाटा 7.55 फीसदी और 12.6 फीसदी के स्तर पर है। वर्ष 2007 तक बिजली घाटा सबसे अधिक मांग के समय 11.6 फीसदी और सामान्य समय में 9.5 फीसदी पर रहने के आसार हैं। लेकिन अगर बिजली उत्पादन लक्ष्य को हासिल नहीं किया जाता है तो इसमें बढ़ोत्तरी होना स्वाभाविक है। जिस तरह से नौवीं योजना में अतिरिक्त बिजली उत्पादन क्षमता लक्ष्य का 47 फीसदी ही हासिल किया जा सका था उसी तरह अभी तक की स्थिति चालू योजना के लक्ष्य के हासिल होने के प्रति कोई उम्मीद नहीं जगाती है। देश में बिजली क्षेत्र की तस्वीर बदलने की कोशिश 1991 में शुरू हुई। इसका मकसद था बिजली क्षेत्र में सुधारों को लागू कर इस क्षेत्र में निवेश के रास्ते खोले जाएं ताकि सरकार के सीमित संसाधन इस क्षेत्र के विकास में बाधक न बनें। यह वही समय था जब देश में उदारीकरण का दौर शुरू हुआ और इस दौर में बिजली क्षेत्र का शामिल होना एक स्वाभाविक सी बात थी। एक अतिमहत्वपूर्ण ढांचागत क्षेत्र होने के नाते सरकार ने बिजली उत्पादन को निजी और विदेशी कंपनियों के लिए खोलने का मन बनाया। नीतियों में बदलाव किया गया और यह काम शुरू भी हो गया। 1991 में यह सुधार बिजली उत्पादन, ट्रांसमिशन और वितरण तीनों के लिए शुरू किये गये। व्यवस्था को पारदर्शी बनाने और स्वायत्ता देने के उद्देश्य से केंद्रीय बिजली नियमन प्राधिकरण (सीईए) की स्थापना की गई। वहीं राज्यों के स्तर पर राज्य बिजली नियमन आयोग (एसईआरसी) स्थापित करने का फैसला किया गया। तब से अब तक 19 राज्य एसईआरसी की कर चुके हैं। इनका जिम्मा भी सीईए की तरह शुल्क का निर्धारण करने के साथ ही बिजली क्षेत्र में प्रतिस्पर्धा माहौल को बढ़ावा देना है। इनमें से 11 ने अभी तक शुल्क दरें (टैरिफ आर्डर) जारी की हैं। निजी क्षेत्र को और अधिक बढ़ावा देने के लिए बिजली अधिनियम, 2003 संसद में पारित किया गया और इसे अधिसूचित भी कर दिया गया है। इसके जरिये बिजली अधिनियम, 1910, बिजली (आपूर्ति) अधिनियम, 1948 और बिजली नियमन आयोग अधिनियम, 1998 के स्थान पर एक नया कानून लाया गया है। इसमें जहां बिजली क्षेत्र के निजीकरण को बढ़ावा देने के उपाय लागू किये गये हैं वहीं बिजली चोरी पर अंकुश के लिए सख्त कदमों का प्रावधान भी किया गया है।

बिजली क्षेत्र के लिए क्रांतिकारी माने जाने वाले इस अधिनियम के तहत राज्यों के साथ सलाह मशविरा करने के बाद एक राष्ट्रीय बिजली नीति बनाने का प्रावधान है। इसके साथ ही तापविद्युत को लाइसेंस मुक्त करने और अपनी जरूरत के लिए बिजली उत्पादन संयंत्र (कैप्टिव पावर प्लांट) स्थापित करने की छूट का प्रावधान है। लेकिन पनबिजली परियोजनाओं के लिए राज्य सरकारों और सीईए की मंजूरी जरूरी है। वितरण के क्षेत्र में प्रतिस्पर्धा बढ़ाने के लिए नियमन प्राधिकरण को इजाजत देने का अधिकार दिया गया है लेकिन यह काम चरणबद्ध तरीके से करने के लिए कहा गया है। इसी कानून के तहत बिजली का व्यापार करने की इजाजत दी गई है और जरूरत पड़ने पर ट्रेडिंग मार्जिन तय करने का अधिकार भी आयोगों को दिया गया है। सब्सिडी के लिए बजट में अलग से प्रावधान करने और खास सब्सिडी को धीरे-धीरे समाप्त करने की बात भी इसमें कही गई है। असल में बिजली क्षेत्र में सुधारों को सबसे बड़ा समर्थन न्यूनतम साझा कार्यक्रम के मुद्दे पर राज्यों के मुख्यमंत्रियों की 1996 में हुई बैठक में मिला। इसमें तय किया गया था कि राज्य बिजली बोर्डों की शुल्क दरें काफी कम हैं और उनको तर्कसंगत बनाने की जरूरत है। कृषि जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्र के लिए भी सब्सिडी में कटौती की जाए और उसके लिए भी बिजली की उत्पादन लागत के 50 फीसदी के बराबर शुल्क लागू किया जाएगा।

सुधारों के मामले में राज्य बिजली बोर्डों की खस्ताहाल वित्तीय स्थिति सबसे बड़ी बाधा के रूप में सामने आ रही थी और इनके ऊपर बिजली उत्पादन में लगे केंद्रीय सार्वजनिक उपक्रमों का 41,852.63 करोड़ रुपये का बकाया हो गया था। इस बकाये के संकट को हल करने के लिए एक फार्मूला केंद्र सरकार ने लागू किया जिसके तहत इस बकाये के बराबर की राशि के कर मुक्त बांड जारी किये गये। इनके जरिये केंद्रिय सार्वजनिक उपक्रमों ने बाजार से पैसा ले लिया। इन बांड़ों को ब्याज समेत भुगतान की जिम्मेदारी राज्यों के ऊपर डाली गयी। वहीं राज्यों के ऊपर बकाया 16,000 करोड़ रुपये के उपकर को समाप्त कर दिया गया। इस पैकेज को राज्यों ने स्वीकार कर लिया। लेकिन इसके साथ केंद्र सरकार ने सुधारों की जिम्मेदारी राज्यों के ऊपर डाली। राज्यों के साथ केंद्रिय ऊर्जा मंत्रालय ने सहमति पत्र पर हस्ताक्षर किये जिसमें समयबद्ध कार्यक्रम के अनुसार राज्यों को सुधारों को लागू करना है। एक शर्त के तहत राज्यों को ताजा भुगतान समय से करने के कहा गया। इसके अलावा 11 किलोवाट की लाइन पर मीटरिंग करने और सभी उपभोक्तों के लिए एक निश्चित अवधि में मीटर लगाने के लिए कहा गया है। यह सब शर्तें बिजली की चोरी रोकने और कार्यकुशलता बढ़ाने के लिए लागू की गई।

वहीं राज्य सरकारों से कहा गया कि वह राज्य बिजली बोर्डों को तीन कंपनियों में विभाजित करें। उत्पादन करनेवाली कंपनी, ट्रांसमिशन कंपनी और वितरण कंपनी। तीनों की अपनी जिम्मेदारी होगी। इसके अगले चरण में इनका निजीकरण करने की प्रक्रिया शुरू करने के लिए कहा गया। निजीकरण में सबसे पहले वितरण कंपनी से शुरुआत करने के लिए कहा गया। कई राज्य इस पर अमल की शुरुआत भी कर चुके हैं।

इसके साथ ही निजीकरण की प्रक्रिया में जहां बिजली क्षमता स्थापित करने को प्रोत्साहन दिया गया वहीं ट्रांसमिशन को भी अगले चरण में शामिल करने का प्रावधान किया जा रहा है। इसके साथ ही बिजली को अन्य उत्पादों की तरह स्वतंत्र उत्पाद के रूप में खरीदने और बेचने के लिए पावर ट्रेडिंग कारपोरेशन की स्थापना जैसे कदम उठाए गये। वहीं कंपनियों को अपने ऊर्जा संयंत्र स्थापित करने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है।

इन सभी कदमों के बावजूद हम बिजली क्षेत्र में कहां खड़े हैं यह देखने की जरूरत है। उपलब्ध आंकड़ों के मुताबिक मार्च, 2002 में देश में बिजली की कुल स्थापित उत्पादन क्षमता 1,04,917.50 मेगावाट थी। इसमें 1,507.5 मेगावाट की पवन ऊर्जा भी शामिल है। इस बिजली उत्पादन क्षमता में केंद्र की हिस्सेदारी 31,605.51 मेगावाट है जबकि राज्यों की क्षमता 62,182.61 मेगावाट है। निजी क्षेत्र की हिस्सेदारी

केवल 9,621.92 मेगावाट है। देश की कुल बिजली उत्पादन क्षमता में पनबिजली की हिस्सेदारी 26,261.22 मेगावाट है जबकि तापविद्युत उत्पादन क्षमता 74,428.82 मेगावाट है। परमाणु बिजली उत्पादन क्षमता की हिस्सेदारी 2,720 मेगावाट है। वहीं 1507 मेगावाट की पवन ऊर्जा है। इसमें 62.86 मेगावाट क्षमता राज्यों की है और बकाया 1,444.60 मेगावाट क्षमता निजी क्षेत्र में है। गैर–पारंपरिक क्षेत्र में पवन ऊर्जा की सबसे अधिक उत्पादन वाला क्षेत्र रहा है।

जहां देश में बिजली उत्पादन में आवश्यकता के अनुरूप बढ़ोत्तरी नहीं हो पा रही है वहीं बिजली की बरबादी की स्थिति भी बदतर होती जा रही है। बिजली आपूर्ति के मामले में हो रहे इस नुकसान को देश में जहां नयी बिजली उत्पादन क्षमता में बाधक माना जा रहा है वहीं इसके चलते उत्पादित हो रही बिजली के उपयोग की सही जानकारी सामने नहीं आ रही है। इस बारे में उपलब्ध जानकारी से कई चौंकाने वाली बातें सामने आ रही है। मसलन देश में पारेषण और वितरण (टीएंडडी) नुकसान का स्तर 28 फीसदी है लेकिन वास्तविक रूप से यह नुकसान इससे कहीं अधिक 35 से 45 फीसदी के बीच है। कुछ राज्यों में तो इसका स्तर इससे भी अधिक है। मसलन दिल्ली में यह 47 फीसदी है तो जम्मू और कश्मीर में 56 फीसदी बिजली इस नुकसान में चली जाती है। चिंताजनक बात यह है कि समय के साथ इसमें बढ़ोत्तरी हो रही है। जहां 1992–93 में यह नुकसान 19.8 फीसदी था वहीं 1998–99 में 26.45 फीसदी पर पहुंचा और अब 28 फीसदी पर पहुंच गया है। इस नुकसान के चलते देश को सालाना करीब 15,000 करोड़ [illegible] का नुकसान होने का अनुमान है। इसके लिए गिनाए जाने [illegible]रणों में जहां कुछ तकनीकी कारण तो वहीं मुख्य कारण [illegible]ली चोरी को माना जाता है। इसलिए अब कहा जा रहा है [illegible] बिजली आडिट को अनिवार्य किया जाना चाहिए। इसे लागू [illegible] किया जा रहा है और घरेलू उपकरणों से लेकर उद्योगों के बिजली आडिट करने के लिए कदम उठाए जा रहे हैं ताकि बेकार में जा रही बिजली में कमी लायी जा सके।

देश में बिजली संकट के लिए उत्पादन क्षमता में अपेक्षित बढ़ोत्तरी का न होना है। उदारीकरण के दौर में इसका जिम्मा सरकार के साथ ही निजी क्षेत्र पर भी जाता है। असल में सरकार ने नौवीं योजना में निजी क्षेत्र पर कुछ ज्यादा ही भरोसा कर लिया था लेकिन परिणाम बहुत ही हतोत्साहित करने वाले रहे। घरेलू और विदेशी कंपनियों ने बिजली क्षेत्र में निवेश के प्रति भारी उत्साह दिखाया। इसके चलते सीईए से तकनीकी और आर्थिक व्यवहार्यता हासिल करने वाली निजी क्षेत्र की परियोजनाओं का स्तर 29,614.50 मेगावाट तक पहुंच गया। इन कंपनियों ने 58 परियोजनाओं के [illegible] परिणाम देखिये, केवल 15 [illegible] [illegible]ावाट की क्षमता के साथ शुरू हो सकीं और 3,432 मेगावाट की सात परियोजनाओं पर काम चल रहा है। बाकी परियोजनाएं अधर में ही लटक गईं। इनमें से कई कंपनियां विवादों के घेरे में भी रहीं और अपना बोरिया बिस्तर बांध कर चली गईं।

इन परियोजनाओं के न आने के कारणों पर गौर कीजिये। जहां राज्य बिजली बोर्डों के साथ बिजली खरीद समझौते होने में देरी एक बड़ा कारण रहा है। वहीं बेची गयी बिजली के भुगतान को सुनिश्चित करने के लिए केंद्र से काउंटर गारंटी का न मिलना सबसे बड़ा कारण रहा क्योंकि उसके मिलने पर ही यह कंपनियां अपने निवेश को सुरक्षित मान रही थीं। इन स्वतंत्र बिजली परियोजनाओं (आईपीपी) से मिलने वाली बिजली की दरें कुछ ज्यादा ही ऊंची मानी जाती रही और एनरान की दाभोल परियोजना को दी गई काउंटर गारंटी के बाद जो स्थितियां पैदा हुई उनके चलते विवाद बहुत लंबा खिंचा। इसके बावजूद केंद्र ने तेजी से पूरी होने वाली सात बिजली परियोजनां (फास्ट ट्रैक प्रोजक्ट्स) के लिए काउंटर गारंटी देने के लिए एक समिति के जरिए लंबे समय तक मशक्कत की लेकिन बाद में इस तरह की गारंटी देने से इनकार कर दिया और अभी तक इन परियोजनाओं में से कोई भी स्थापित नहीं हुई है।

इस बीच सरकार की बिजली नीति में कई बदलाव आए लेकिन बड़े पैमाने पर विदेशी और निजी क्षेत्र के निवेश को आकर्षित करने की उसकी कोशिशें लगभग नाकाम रहीं। इसके चलते ही दो साल पहले सरकार ने अपनी प्राथमिकता में बदलाव करते हुए सार्वजनिक क्षेत्र को ही जिम्मा सौंपने पर जोर दिया। लेकिन लंबे समय तक चली ढुलमुल नीति का खामियाजा देश भुगत रहा है। अब एक नजर गैर–पारंपरिक ऊर्जा स्रोतों पर डालें तो पता चलता है कि दोहन के बिना देश के कितना बड़े संभावित बिजली उत्पादन की अनदेखी की जा रही है। बायोगैस के जरिये देश में 120 लाख संयंत्र लगाये जा सकते हैं लेकिन इस समय इसके केवल 32.62 लाख संयंत्र ही काम कर रहे हैं। बायोमास के जरिये देश मे 19,500 मेगावाट बिजली उत्पादन की संभावना मौजूद है और उत्पादन हो रहा है केवल 358 मेगावाट बिजली का ही उत्पादन हो रहा है। पवन ऊर्जा से देश में 45,000 मेगावाट की क्षमता स्थापित की जा सकती है लेकिन अभी तक इससे केवल 1507 वाट बिजली क्षमता ही स्थापित की गई है। इनके अलावा पनबिजली और सौर ऊर्जा की अपार संभावनाओं का दोहन नहीं किया जा सका है।

देश में बिजली के परिदृश्य पर निगाह डालने से जहां उपलब्धता और मांग के अंतर की स्थिति स्पष्ट होती है वहीं जरूरत के अनुसार नई क्षमता स्थापित नहीं हो पाने के कारण भी स्पष्ट हो रहे हैं। इनमें सरकारी नीति और आर्थिक संसाधनों की कमी से लेकर बदइंतजामी और बिजली चोरी सभी शामिल है। लेकिन कड़वी सचाई यह है कि इसका सीधा असर देश के विकास पर पड़ रहा है।

हालांकि इस समय देश की आर्थिक परिस्थितियों में तेजी से बदलाव आ रहा है और उदारीकरण के बाद से सेवा क्षेत्र की अर्थव्यवस्था में हिस्सेदारी बढ़कर 50 फीसदी तक पहुंच गई है। वहीं औद्योगिक उत्पादन का हिस्सा करीब 28 फीसदी और कृषि का हिस्सा करीब 22 फीसदी रह गया है लेकिन वास्तविकता यह है कि उद्योग और कृषि का विकास ही देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ है और यहां से ही उत्पादक रोजगार भी आ रहे हैं। इसलिए इनके विकास पर पड़ने वाले प्रतिकूल प्रभाव दूरगामी रूप से घातक साबित होंगे और कुछ परिणाम हमारे सामने भी हैं। नौवीं योजना में दोनों क्षेत्रों के विकास की दर में गिरावट आने की जानकारी ऊपर दी ही जा चुकी है। इसके साथ ही जहां औद्योगिकी क्षेत्र में रोजगार के नये अवसर पैदा नहीं हो रहे हैं वहीं अभी भी देश की 65 फीसदी से अधिक जनता

कृषि और ग्रामीण अर्थव्यवस्था से अपना जीवन यापन कर रही है। ऐसी स्थिति में बिजली संकट का सबसे अधिक खामियाजा भुगत रहा है ग्रामीण क्षेत्र। गांवों के आर्थिक विकास के लिए जिस तरह से प्राथमिक शिक्षा, स्वास्थ्य सुविधाओं, आवास और उनको मुख्य मार्गों से जोड़ने वाली सड़कों के विकास की जरूरत है उसी तरह बिजली की भूमिका भी इनसे कम नहीं है। गांवों के विद्युतीकरण से स्थितियों में तेजी से सुधार लाया जा सकता है। इसी को ध्यन में रखते हुए सरकार का दावा है कि 86 फीसदी गांवों में बिजली दी गई है। लेकिन सचाई यह है कि उत्पादक कामों में वहां बिजली का उपयोग बहुत ही सीमित बना हुआ है। देश के 70 फीसदी ग्रामीण अभी भी बिजली की सुविधा से वंचित हैं। वहीं जो 30 फीसदी लोग बिजली पा भी रहें हैं तो वह एक अधूरी आपूर्ति है। असल में सरकार ने गांवों के विद्युतीकरण की जो परिभाषा बनाई है वही सवाल खड़े करती है। इसके मुताबिक अगर गांव के राजस्व क्षेत्र में किसी भी कार्य के लिए बिजली का उपयोग हो रहा है तो इसे गांव का विद्युतीकरण माना जाएगा। इसके लिए गांव में बिजली का उपयोग करने वाले घरों की न्यूनतम संख्या जैसा कोई मानक तय नहीं किया गया है।

यही वजह है कि देश के 5,87,000 गांवों में से पांच लाख का विद्युतीकरण तो हो गया है भले ही कागजों पर ही सही। लेकिन इसके बावजूद इनके केवल 30 फीसदी घरों तक ही बिजली पहुंची है। इन गांवों में 195 लाख पंप सेटों का सिंचाई के लिए उपयोग किया जा सकता है लेकिन केवल 120 लाख पंपसेट ही ऐसे हैं जहां तक बिजली पहुंची है। इसी से अंदाजा लगाया जा सकता है कि ग्रामीण क्षेत्र की आर्थिक स्थिति के सुधार में बिजली की कमी कितनी बड़ी बाधक बन रही है। दूसरी ओर अभी भी देश के 80,000 गांव ऐसे हैं जहां लोगों ने बिजली की झलक नहीं देखी है। वहीं देश के समग्र विकास की जब बात की जाती है तो यह स्वीकार किया जाता है कि जब तक ग्रामीण क्षेत्रों में उद्योगों का विकास और खासतौर से कृषि आधारित उद्योगों का विकास नहीं होगा तब तक इसी कल्पना करना बेकार है। लेकिन जब इन क्षेत्रों में उद्योगों की मूल जरूरत बिजली सुविधा उपलब्ध नहीं करायी जाती है तो उद्योगों के पनपने की गुंजाइश ही कहां से पैदा होती है। यही नहीं देश में जब सालाना एक करोड़ रोजगार अवसर पैदा करने की संभावनाओं पर योजना आयोग के कार्यदल से सरकार ने रिपोर्ट तैयार कराई तो उसमें स्पष्ट कहा गया है कि सबसे अधिक रोजगार अवसर कृषि क्षेत्र और उससे जुड़े उद्योगों से ही आ सकते हैं। इसलिए बेरोजगारी जैसे अहम समस्या का हल ढूंढने के लिए भी बिजली आपूर्ति में विभिन्न क्षेत्रों को तर्कसंगत हिस्सा देना होगा। इसके साथ ही देश के किसी भी नागरिक को जब तक उसके हक के रूप में बिजली जैसी नागरिक सुविधा नहीं दी जाती है तो उसके जीवन स्तर में सुधार की बात भी बेमानी है। इन तथ्यों पर गौर करते हुए सीधे स्वीकार किया जा सकता है कि देश में बिजली का बढ़ रहा संकट विकास के रास्ते में सबसे बड़ी बाधा के रूप में सामने आ रहा है। यह बाधा मानव जीवन के विकास से लेकर आर्थिक मोर्चे तक सभी जगह खड़ी है जिसे दूर करना सरकार की जिम्मेदारी होने के साथ ही उसकी जवाबदेही भी इस बारे में बनती है।

शताब्दी वर्ष पर विशेष

यशपाल का लेखन: प्रतिबद्ध कथा का मानक

आनंद प्रकाश

यशपाल का लेखन साहित्यिक कारणों के साथ साथ सामाजिक चिंतन के विकास तथा लेखकीय भूमिका को समझने की दृष्टि से भी बहुत ही महत्वपूर्ण है। यह हम पूरी तरह जानते हैं कि लेखन में प्रवृत्त होने से पहले बीसवीं सदी के तीसरे दशक में यशपाल ने अपने माहौल के भीतर एक जागरूक राजनीतिक व्यक्तित्व की भांति हिस्सा लिया। उनकी रचना से अभिन्न रूप में जुड़ा यह वह समय है जब भारत का राष्ट्रीय आंदोलन अपने निर्णायक दौर में प्रवेश कर चुका था और जब वह संस्कृति और साहित्य से दायरे से बाहर ...न जन जीवन को भी अपने प्रभाव मे ले चुका था। बल्कि बात इसके विपरीत भी कही जा सकती है—संभवत: सामान्य जन जीवन में संचरित चेतना ने उस काल मे संस्कृति-कर्मियों और लेखकों को गहन रूप से प्रेरित करके उनमें समाज-केंद्रित रचना की प्रवृत्ति उत्पन्न की थी। आज यह भले ही आश्चर्यजनक जान पड़े, लेकिन पिछली सदी के बीस तथा तीस के दशक इस रूप में असाधारण दशक थे कि उनमें रचना, विचार और राजनीति का असाधारण सामंजस्य देखा जा सकता था। आज की तरह का अलगाव अथवा अंतराल तब न मिलते थे।

जीवन और पृष्ठभूमि

यशपाल का जन्म सन् 1903 में फिरोजपुर छावनी, पंजाब मे सुधारवादी माहौल के बीच हुआ। इस माहौल में प्रगतिशीलता और साहस का मिश्रण था। यशपाल ने अठारह साल की उम्र में मनोहर लाल हाई स्कूल, लाहौर से मैट्रिक परीक्षा पास की। इन अठारह बरसों का जायजा लें तो पाएंगे कि बंग विभाजन से लेकर प्रथम विश्व युद्ध और जलियांवाला बाग को विचलित करने वाली घटनाएं इसी दौरान हुई। चौदह वर्ष के यशपाल ने रूसी क्रांति के बारे में अवश्य ही पढ़ा-सुना होगा। राजनीतिक फलक पर गांधी जी का उदय भी इन्हीं वर्षों में हुआ। रवींद्र नाथ टैगोर की व्यापक प्रतिष्ठा और उनका सम्मान भी इसी काल मे देखने को मिला।

हिन्दी रचना के इस निर्णायक दौर को याद करें और देखें कि यह वह दौर है जब उत्तर प्रदेश के मामूली गांव से आया धनपत राय नामक युवक अपनी किस्सागोई और कहानी कला का उपयोग सामजिक उत्थान और आदर्शों की स्थापना के लिए करने लगता है और पूरी वैचारिक तैयारी से 'प्रेमचंद' बनने का बीड़ा उठाता है। अब समझ आता है कि प्रेमचंद के जैसा सांस्कृतिक हस्तक्षेप उस वक्त के लेखक की मजबूरी बनी थी, जब एक विपन्न देश की जनता नये विचारों और आदर्शों से आंदोलित होने लगी थी। देश के सामान्य को एक तरफ स्थिर और अचल परंपराओं का बोझ वहन करना था और दूसरी तरफ जीवन के आधुनिक मूल्य विकसित करने का साहस जुटाना था। आज ऊहापोह और तनाव के इस वक्त की कल्पना करना कठिन है। यशपाल के लेखन का निर्माण काल यही चुनौती-भरे एवं घटनापूर्ण अठारह वर्ष हैं।

बीसवीं सदी के प्रारंभिक काल में उभरने वाले विचारों और सरोकारों की कल्पना कीजिए। वहां आपको राष्ट्र की परिकल्पना, मानववाद, सामाजिक परिवर्तन, अंतर्राष्ट्रीयता, धर्म, तार्किकता और सांस्कृतिक धरोहर पर एक साथ बहस मिलेगी। इससे भी महत्वपूर्ण वस्तु यह है कि इस बहस के समूचेपन में पूरे देश का मध्यवर्ग शामिल है जो अपनी सीमित चिंताओं को किनारे रखकर समाज के व्यापक मसलों में हिस्सेदारी करता है और जिसे सामाजिक दमन और साम्राज्यवादी शोषण पर सोचना बाकी चीजों की निस्बत अधिक उपयुक्त तथा आवश्यक लगता है। निश्चय ही इस मध्य वर्ग की तुलना आज के मध्यवर्ग से नहीं की जा सकती। बीसवीं सदी के शुरुआती दौर का मध्य वर्ग नये मानव मूल्यों तथा व्यापक रूप से आधुनिकता की रोशनी उत्पन्न करने को विवश था और इसके लिए किसी भी प्रकार का त्याग कर

सकता था। इस तरह वह सही अर्थों में ज्ञानोदय तथा नवजागरण की लंबी तथा विकट प्रक्रिया का हिस्सा बना था।

सामाजिक और सांस्कृतिक परिदृश्य

वैचारिक और राजनीतिक विकास की दृष्टि से यशपाल का समझना हो तो बीसवीं सदी को शुरुआती दशकों का पंजाब हमारा ध्यान खींचता है। असल में, उन दिनों विचार और राजनीति को अलग करके देखना संभव न था। हम पाते हैं कि उन दशकों के पंजाब का केंद्र लाहौर था जहां उन्नीसवीं सदी के उत्तरार्द्ध से प्रारंभ होने वाला आर्य समाज आंदोलन अपनी जड़ें जमा चुका था। इस आर्य समाज आंदोलन का वैचारिक साहस तत्कालीन युवा पीढ़ी की प्रेरणा का विषय बना जिससे प्रभाव ग्रहण कर उत्तरी भारत के असंख्य लोगों ने अपने अतीत को समझना और व्याख्यायित करना सीखा। आर्य समाज ने ही धर्म से जुड़े रीति रिवाज को ढकोसलों की संज्ञा दी और सामान्य जन को तार्किकता का पाठ पढ़ाया। आर्य समाज ने ही समाज को झकझोरा और उसे मूर्ति पूजा, रीति-नीति [illegible]

हिस्सा यशपाल ने जेल में गुजरा। तीस के दश[illegible] मार्क्सवाद का भी सिलसिलेवार अध्ययन किया। [illegible] यशपाल ने योजनाबद्ध रूप से यथार्थपरक लेख[illegible] किया तीस के दशक के अंतिम वर्ष से लेक[illegible] (1976) साहित्य रचना में जुटे रहे। रचना उनके हस्तक्षेप का पर्याय बनी। 1940 के आसपास स्पष्ट हो गया था कि देश की संघर्षशील[illegible] विचारधारात्मक एवं सांस्कृतिक शिक्षा की जरूर[illegible] अर्थ में साहित्य के माध्यम से संभव है। यशपाल[illegible] अभियान योजना की शुरुआत थी, जिसमें देश [illegible] मध्य वर्ग को विभिन्न स्तरों पर हिस्सा लेना था। [illegible] में सही तार्किक दृष्टिकोण का विकास भारत के [illegible] जरूरत थी। यह निर्णय कठिन और अद्भुत [illegible] निश्चय ही, यशपाल की रचना लेखकीय सक्रियत[illegible] मानदंड कही जा सकती है।

बाधाएं, चुनौतियां और सफलताएं

लेखकीय सक्रियता का जो मार्ग यशपाल ने [illegible]

DR.M. V. SHETTY MEMORIAL TRUST COLLEGES

A.B. SHETTY CIRCLE, MANGALORE-575001, (KARNATAKA)
Phone: 0824-2421953, 856856 Fax: 0824-2427897

APPROVED BY GOVT. OF KARNATAKA

COURSE	DURATION	ELIGIBILITY
B.Sc. Nursing (B)	4 years	Pass in 10+2 with not less than 45% marks in PCB
B.Sc. Nursing (PC)	2 years	Pass in General Nursing Pass in 10 + 2 2 Years Experience
M.Sc. Nursing	2 years	Pass in B.Sc. Nursing 2 years experience Experience not required for B.Sc Nursing PC Qualification
B.Sc. (Speech & Hearing)	4 years	Pass in 10+2 with not less than 45% marks in Science subjects
M.Sc. (Speech & Hearing)	2 years	Pass in B.Sc (Speech & Hearing)
B.P.T	4 years	Pass in 10+2 with not less than 45% marks in PCB
M.P.T	2 years	Pass in BPT/B.Sc. PT with 50% Marks
B.Sc. MLT	3 years	Pass in 10+2 with PCB Subjects
M. S. W.	2 years	Pass in B.A/B.Sc./B.Com/ BSW/BBM degree with 45%marks in optional subjects (aggregate of 3 yrs)
General Nursing	3 years	Pass in 10+2, Preferably with science subjects.

www.drmvst.org **E-mail: drmvst@sancharnet.in**

से साप्ताहिक कालम लिखने का न्यौता मिला। कालम का शीर्षक था–'समझ झरोखे बैठ के'। विडंबना देखें कि समकालीन वक्त को अपने नाम की मदद से धर्मयुग कहकर परिभाषित करनेवाली पत्रिका को समझ का झरोखा महत्वपूर्ण प्रतीत हुआ, न कि पारंपरिक आचरण और सोच का मौन स्वीकार। यह कालम साठ के दशक का सर्वाधिक चर्चित कालम था और इसमें समाज, राजनीति, संस्कृति तथा धर्म से जुडे अनेक मसलों पर खुल कर बात होती थी। उस समय अकेले यशपाल ने शीतयुद्धीय साहित्यिक मूल्यों के रंग में रंगे आधुनिकतावादी लेखकों का संतुलन भंग किया।

पचास के दशक में यशपाल ने विदेश यात्रा की। वे खास तौर पर रूस गए और वहां उन्होंने समाजवादी यथार्थ, राजनीति, नये ढंग का समायोजन, आर्थिक प्रगति, आदि को निकट से देखा। इस नये समाज को देखकर वे बहुत उत्साहित थे। एक तरफ पूरा पश्चिम दूसरे विश्व युद्ध की मार से त्राहि–त्राहि कर रहा था और जीवन से पूरी तरह निराश हो उठा था, और दूसरी तरफ एक समाजवादी देश उसी विश्व युद्ध के गहनतम थपेड़ों को झेलने के बावजूद फिर से पुनर्निर्माण में जुटा था। घोर निराशा में झूलते वक्त भी पश्चिमी देशों को रूस पर वैचारिक आक्रमण करना जरूरी लगा था और वे रूस को लोहे की दीवार से घिरा कहते थे। यहीं से प्रेरणा लेकर यशपाल ने अपनी यात्रा विवरण की पुस्तक का नाम रखा—'लोहे की दीवार के दोनों ओर'। यशपाल नयी बौद्धिक ऊर्जा के प्रतीक थे और शब्दों की अनेकार्थता को भलीभांति उजागर करने में समर्थ थे। 'लोहे की दीवार के दोनों ओर' का अर्थ साफ था —दोनों तरफ की दुनियाओं में वाकई बहुत फर्क था। एक तरफ निर्माण में जुटा समाज था और दूसरी तरफ शुद्ध व्यवसाय और मुनाफा फल फूल रहा था। शब्द–और व्यंग्य के पैनेपन में यशपाल से कौन टक्कर लेता? पुस्तक में यशपाल का एक नया ही गद्य देखने को मिला– ( ), कहीं–कहीं चुस्त टिप्पणियों से लैस और साथ व्यंग्य, हंसी और प्रसन्नता का सुंदर सम्मिश्रण। यहां यशपाल सैलानी की मुद्रा में न थे जिसे हर चीज को देखकर रोमांच हो उठता है, बल्कि वे चीजों को सूक्ष्म ढंग से देखने वाले जागरूक और संवेदनशील व्यक्ति थे। बल्कि वे 'व्यक्ति' न होकर सामाजिक भावना का माध्यम थे। कहने की आवश्यकता नहीं कि धीरे–धीरे यह जागरूकता एक नये गद्यकार को जन्म दे रही थी जिसे आगे चल कर 'झूठा सच' जैसी औपन्यासिक कृति लिखनी थी।

कथा लेखन: उपन्यास

यशपाल की प्रारंभिक रचनाओं में तर्कशीलता की स्पष्ट और बेहद प्रेरणादायी उपस्थिति मिलती है। चालीस के दशक के शुरू में ही यशपाल ने एक साथ उपन्यास और कहानियां लिखनी शुरू कीं और निरंतर यह ध्यान रखा कि वे पाठक के सामने चुनौती के रूप में खड़ी हों। यह उनके लिए बहुत मुश्किल न था, चूंकि प्रेमचंद पहले ही उद्देश्यपूर्ण लेखन की परंपरा प्रतिष्ठित कर चुके थे। यशपाल ने सोची–समझी नीति के तहत 'यथार्थवादी' लेखन किया और तथ्यपरकता को सर्वोपरि रखा। लंबे वर्णन, चुटीले संवाद और तीखी टिप्पणियां उनके लेखन की पहचान बने। कथा के भीतर घटनाओं का महत्व समझते हुए यशपाल ने कहानियों और उपन्यासों में रोचक आख्यान की अपनी विशिष्ट शैली विकसित की। उनका उपन्यास 'मनुष्य के रूप' (प्रकाशन: 1949) इसका सुंदर उदाहरण है। इसमें एक ऐसी युवती का चित्रण है जो सीमित साधनों की पृष्ठभूमि से उठकर विभिन्न सामाजिक और सांस्कृतिक बाधाओं को पार करती हुई अंततः प्रसिद्ध फिल्म अभिनेत्री बनती है। इस पात्र की सामाजिक ऊर्जा का इस्तेमाल करके यशपाल उस उच्च तथा उच्च मध्य वर्ग पर करारी चोट करते हैं जो केवल धन की मदद से परिवेश को अपनी जकड़ में रखे हुए है। पहाड़न नामक इस अभिनेत्री के सामने साधनों का समूचा तंत्र अचानक कमजोर पड़ने लगता है, जबकि प्रसिद्धि के बावजूद पहाड़न अपनी परिस्थिति को बाकी की अपेक्षा अधिक समझती है। दूसरी ओर, यशपाल यह भी दिखलाते हैं कि श्रम से जुड़े सामान्य लोगों में कितनी जिजीविषा और जीवंतता है।

चालीस के दशक में 'मनुष्य के रूप' के अतिरिक्त यशपाल के जिन उपन्यासों ने पाठकों का ध्यान खींचा उनमें 'दिव्या' (1945), 'अमिता' (1956) और 'दादा कामरेड' (1941) प्रमुख हैं। 'दिव्या' की शैली ऐतिहासिक उपन्यास की है और यहां एक प्रेम कहानी के माध्यम से प्राचीन भारत के वर्ग विभक्त समाज की तस्वीर उभारी गई है। दिव्या नामक केंद्रीय पात्र का एक उच्चवर्गीय व्यक्ति से प्रेम होता है लेकिन संबंध की प्रगाढ़ता के दौरान ही वह पाती है कि उसका प्रेमी पृथुसेन अपने दृष्टिकोण में सीमित और अविकसित है। पृथुसेन में नैतिक साहस की भी कमी है। दूसरी ओर, दिव्या प्रेम का भावनात्मक आवेग और जीवनगत विचारों का दबाव एक साथ झेलती है और पाती है कि असल में उसे पृथुसेन सरीखे असहाय और कमजोर प्रेमी की नहीं, बल्कि मारिश जैसे तर्कशील और मानवीय साथी की जरूरत है।

'दिव्या' उपन्यास में यशपाल ने ऐतिहासिकता को दिमाग में रखते हुए संस्कृतनिष्ठ भाषा का अद्भुत प्रयोग किया जिसके बल पर दार्शनिकता और वैचारिक विश्लेषण का प्रभावी वातावरण उत्पन्न कर पाए। अनेकानेक लेखकों और पाठकों को उनकी भाषा का यह रूप बेहद पसंद आया। 'दिव्या' को पसंद करने वाले वरिष्ठ लेखकों में स्वयं मैथिलीशरण गुप्त शामिल थे। भाषा के इसी रूप को यशपाल ने 'अमिता' शीर्षक उपन्यास में भी अपनाया जहां प्राचीन इतिहास की पृष्ठभूमि में सम्राट अशोक के चरित्र में हुए परिवर्तन को पूरी रचनात्मकता और कल्पनाशीलता के साथ प्रस्तुत किया गया। 'अमिता' उपन्यास में भी संस्कृतनिष्ठ भाषा है और वह प्रसंग विशेष रूप से रोचक बन पड़ा है जहां सम्राट अशोक की गुरु गंभीर मुद्रा सहसा अमिता नाम की एक अबोध और निस्संग बच्ची के सरल वार्तालाप के सामने फीकी पड़ जाती है।

'दादा कामरेड' में यशपाल ने संभवत: भारतीय प्रेमाख्यानों से प्रेरणा लेकर कथा कहने का नया प्रयोग किया। अब तो यह फार्मूला बन चुका है लेकिन आजादी से पहले के दौर में कम–अज–कम हिन्दी रचना के बीच यह लगभग अकल्पनीय था। इसमें नायक युवक होता है और नायिका युवती। दोनों

का एक दूसरे के लिए आकर्षण कथा के केंद्र में रखा जाता है ताकि एक तरफ युवा पाठक आसपास की स्थिति को अपने जीवन का अंग मानें और दूसरी ओर प्रौढ़ पाठक उसे अपनी अतीत–कथा के रूप में आकर्षक पाएं। प्रेम के इर्दगिर्द आदर्श, त्याग और सामाजिक भूमिका के सवाल आसानी से समेटे जा सकते हैं। जब तक समाज और संस्कृति से जुड़े सवालों की बहस लंबी चल चुकी होती है तो पाठक को भान होता है कि वह असल में पढ़ने के दौरान समाज के मसलों में उलझा रहा है। 'दादा कामरेड़' में अधिक रुचि पैदा करने के लिए यशपाल ने स्त्री की देह का प्रश्न भी उठाया और इस तरह पाठक वर्ग की मानसिकता में परंपरा–विरोध और जीवनगत नये के स्वीकार का एक साथ सूत्रपात किया। असल में, स्त्री देह की प्रस्तुति ने पाठकों को ही नहीं, तत्कालीन लेखकों और आलोचकों को भी चौंकाया। इसका विशेष कारण यह था कि मध्य कालीन और पारंपरिक हिन्दी लेखन में देह चित्रण की लंबी परंपरा के बावजूद पाठकों को 'दादा कामरेड़' में इससे संबंधित सब कुछ अप्रत्याशित लगा। अपने पूर्वकालीनों के विपरीत यशपाल देह को अध्यात्म और धर्म से अलग करके देख रहे थे। साथ ही वे देह से मनोवैज्ञानिक रहस्य का परदा भी उठा रहे थे। संभवतः इस एक कथा कृति ने नये हिन्दी पाठक को न केवल पूरी तरह झकझोरा बल्कि उसे इहलौकिक और परिवर्तनशील यथार्थ का आयाम भी दिया।

यहां 'दादा कामरेड' को किंचित विस्तार में देखना जरूरी है, चूंकि यहां यशपाल समकालीन कथा कृतियों में उठे सवालों पर भी अपने नये यथार्थवादी ढंग से टिप्पणी कर रहे थे, और उक्त कृति–लेखकों के जीवन दर्शन तथा सामाजिक–राजनीतिक रवैये की सीमाओं की तरफ भी पाठक का ध्यान खींच रहे थे। इस अर्थ में यह कथा लेखन भी था और वैचारिक लेखन भी। मसलन, 'दादा कामरेड' में यशपाल ने एक साथ रवींद्रनाथ टैगोर और जैनेंद्र कुमार की क्रमशः चर्चित रचनाओं 'घर और बाहर' 'पर भी अप्रत्यक्ष ढंग से टिप्पणी की और दिखलाया और पुरुष के बीच संबंध की परकिल्पना का मूर्त तथा आयाम संभव है। आजादी के आसपास सक्रिय –प्रेमियों और अध्यात्म में रचे–पगे लेखकों के लिए इस का लेखन कैसे स्वीकार्य होता? लेकिन यशपाल ने इस लेखकीय कर्म को सुंदर अंजाम दिया। लोकप्रिय लेखन की इस शुरुआत को यशपाल ने 'पार्टी कामरेड'(1946), 'देशद्रोही' (1943) और 'झूठा सच' (1958 और 1960) में बखूबी विकसित किया।

यह सही है कि प्रेमचंद राष्ट्रीय आंदोलन में पूरी तरह से शामिल रचनाकार थे और रचना, पाठक और समाज को कवल उसी नजरिये से देखते थे। जो उसके बाहर था वह प्रेमचंद को त्याज्य लगता था और जो जुड़ा था वह प्रेण्य मालूम होता था। इस मंत्र का यशपाल के लिए खास महत्व था। समस्या यह थी कि जहां प्रेमचंद के सामने अपने जमाने में एक भरा–पूरा राष्ट्रीय आंदोलन मौजूद था, नये वक्त में उस तरह का सामाजिक–राजनीतिक आंदोलन यशपाल को उपलब्ध न था। इस समस्या ने ही यशपाल की रचना को अपने पूर्ववर्ती की निस्बत अधिक वैचारिक बनाया। यशपाल के शब्दों में, 'लेखक यदि कलाकार भी है तो उसके प्रयत्न की सार्थकता समाज के दूसरे श्रमियों की भांति कुछ उपयोगिता की सृष्टि करने में ही है। उसके श्रम की उपयोगिता समाज के विकास में सामर्थ्य की ओर ले जाने में ही है।'

इस तर्क को आगे बढ़ाते हुए यशपाल ने कहा कि 'हमारे वर्तमान जीवन का यथार्थ क्या है?...सौंदर्य और तृप्ति की अभिलाषा उत्पन्न कर देना एक काम है। सौंदर्य और तृप्ति जगा कर सुख की अनुभूति उत्पन्न कर देना भी काम है, परंतु उससे बढ़कर काम हो सकता है, सौंदर्य और तृप्ति के साधनों के उत्पादन और परिस्थिति के निर्माण के लिए भावना और संकेत द्वारा सहयोग देना। साहित्य का कलाकार केवल चारण बन कर सौंदर्य, पौरुष और तृप्ति की महिमा गाकर ही अपने सामाजिक कर्तव्य को पूरा नहीं कर सकता' (देशद्रोही', भूमिका)। यहां हम पाते हैं कि यशपाल अपनी लेखकीय चुनौतियों को मात्र सौंदर्य–केंद्रित विचार पर नहीं, बल्कि नयी और बेहद लेखकीय भूमिका के आधार पर व्याख्यायित कर रहे हैं। साथ ही, यशपाल यह भी जानते हैं कि नये संभावित संघर्ष की यात्रा बहुत लंबी है और अलग तरह के लेखन का तर्क गढ़ना अपेक्षित है, जिसमें मात्र टिप्पणी ही न हो, प्रहार और साहसपूर्ण सीधी आलोचना भी हो। असहमति का इजहार ही नहीं, प्रतिवाद और विरोध का वक्तव्य भी हो। यशपाल ने यह आवश्यक कार्य कथा से बाहर जाकर विचार–लेखन के माध्यम से भी किया।

ऊपर हमने 'सिंहावलोकन' का जिक्र किया है। वह आत्मकथात्मक कृति थी। इससे किंचित अलग वैचारिक लेखन के उदाहरण के रूप में यशपाल द्वारा लिखित 'गांधीवाद की शव परीक्षा' (1941) शीर्षक पुस्तक को लिया जा सकता है। यह प्रतिवादी किस्म की किताब है और लेखकों तथा पाठकों दोनों को ही अपने सीमित वैचारिक संसार से बाहर आकर चीजों को वस्तुपरक ढंग से विश्लेषित करने को मजबूर करती है। इसे एक साथ राजनीतिक और विचारधारात्मक लेखन की मिसाल कहा जा सकता है। गांधीवाद अपने समय का जीवंत सवाल था और हिन्दी के भीतर कविता तथा गद्य दोनों में ही समाजगत हिंसा–अहिंसा को लेकर बहस होती थी। विभाजन के आसपास धर्मांधता के संदर्भ में गांधीवाद उतना मजबूत सिद्धांत नजर न आता था जितना वह बीस के दशक में था। इस राजनीतिक सवाल पर समाज के शोषित मजदूरों और किसानों के नजरिये से सोचने की जरूरत थी। उक्त पुस्तक को इस जरूरत को पूरा करने की दिशा में एक कदम कहा जा सकता है।

यशपाल के कथा लेखन की चरम परिणति उनके उपन्यास 'झूठा सच' में देखने को मिलती है। इस उपन्यास का अर्थ अनेक स्तरों पर खुलता है। इसका शीर्षक ही उपन्यास के फार्म को नये ढंग से परिभाषित करता है। क्या उपन्यास 'झूठ' अर्थात पूरी तरह काल्पनिक नहीं होता? फिर, इस 'झूठ' को समाज–प्रस्तुति के लिए क्योंकर इस्तेमाल किया जा सकता है। सवाल यह भी है कि पाठक के लिए उपन्यास या फिर साहित्य की उपयोगिता ही क्या है। इन प्रश्नों पर सोचने साथ साथ यह भी देखना होगा कि साहित्य की भारत जैसे देश के लिए अलग और अतिरिक्त किस्म की प्रासंगिकता हो, यह आवश्यक है। एक निर्धन और अविकसित समाज में लोगों के पास केवल उसी साहित्य को पढ़ने का समय होगा जो उनके जीवन की जरूरत का हिस्सा हो। अर्थात उन्हें झूठ नहीं, सच की प्रस्तुति, सच का बखान चाहिए।

फिर भी, यह गुत्थी साधारण है। इसे संश्लिष्ट बनाने वाली

वस्तु साहित्य का, बल्कि मात्र मुद्रित शब्द का राजनीतिक उपयोग होता है। समाज के निहित स्वार्थ मुद्रित शब्द तथा साहित्य का उपयोग निरंतर करते हैं। इन सभी सवालों का जवाब देते हुए यशपाल ने उपन्यास के समपर्ण वाक्य में कहा: 'सच को कल्पना से रंग कर उसी समुदाय को सौंप रहा हूं जो सदा झूठ से ठगा जाकर भी सच के लिए अपनी निष्ठा और उसकी ओर बढ़ने का साहस नहीं छोड़ता।' इस वाक्य मे यशपाल ने झूठ को कल्पना के अर्थ में रखा है जो सच को रंग प्रदान कर उसे अतिरिक्त रूप से स्पष्ट करती है। यहां यह मूल आस्था भी प्रकट होती है कि मनुष्यता में सच के लिए निष्ठा और उसकी ओर बढ़ने का साहस' अस्तित्व के स्तर पर रहते हैं।

'झूठा सच' में हमारा सामना 1947 में हुए भारत विभाजन की विकट स्थिति से होता है। संभवत: विश्व के किसी अन्य देश में सामाजिक त्रासदी का यह परिमाण देखने को न मिला होगा। यह विशेष दुखद इसलिए भी था कि इसमें मनुष्य जीवन की साधारणता, उसका स्थायित्व और भविष्य के सपने शामिल थे। यशपाल ने अतिशय बड़े फलक पर पूरे क्रम को आवश्यक वस्तुपरकता से दिखलाते हुए उसका राजनीतिक और विचारधारात्मक आयाम उभारा और इसके लिए अनेकानेक प्रतिनिधि पात्रों को चुना । यह भारतीय कथा में विरल है कि सही अर्थ में केंद्रीय पात्र अर्थात नायक अथवा 'हीरो' जैसा व्यक्ति 'झूठा सच' में कोई नहीं है और साथ ही यह भी कि उपन्यास के विभिन्न महत्वपूर्ण पात्र अपनी वास्तविक शक्ति और तर्क से, जो उनके दृष्टिकोण से जुड़े हैं, कथानक को अपनी ओर ले जाने की कोशिश करते हैं। दिलचस्प यह है कि उक्त पात्र यह नहीं जानते कि उनसे बड़ी एक अन्य ताकत उनके परिवेश में लगातार सक्रिय है। 'झूठा सच' में हमें औपन्यासिक सरसता और विभाजन, आजादी और बाद के विकास का विरल सम्मिश्रण मिलता है।

'झूठा सच' की रचना पचास के दशक में हुई। वस्तुत: इस दशक से समझ का वह वस्तुपरक कोण मिलता था जहां से समकालीन इतिहास और विकास को उसकी तरतीब में देखना संभव होता है। इसके बाद यशपाल ने अनेक छोटे-बड़े उपन्यास लिखे और प्राय: सभी में केवल सामयिक स्थितियों को रखा। इनमें एक बृहत कृति तेरी, मेरी और उसकी बात (1974) भी सम्मिलित है। यशपाल के औपन्यासिक समूचेपन में यह दिखता है कि वहां प्रेमचंद की लेखकीय परंपरा अपनी पूरी संजीदगी और प्रतिबद्धता में मौजूद है। इस समूचेपन में वे कहानियां भी शामिल हैं जो अपने सीमित आकार में इसलिए प्रभावी है कि वहां हमें लोककथात्मक टिप्पणी, सूत्र वाक्य और सकारात्मक विचार की उपस्थिति मिलती है।

कहानियां: वर्तमानता का दस्तावेज

बल्कि कहें कि यशपाल ने अपने लेखन में कहानियों का उपयोग पाठक को झकझोरने के लिए किया। चूंकि लगभग आजादी से एक दशक पहले शुरू होने वाला यशपाल का लेखन जीवन के प्रश्नों, उसकी समस्याओं से जुड़ा लेखन था, इसलिए यह आवश्यक था कि उन प्रश्नों पर कथा के भीतर विचार, टिप्पणी और वक्तव्य मिलते। इन कहानियों में लेखक दो स्तरों पर निरंतर मिलता है–एक तो सकारात्मक पात्रों की शक्ल में, और दूसरे लेखकीय वक्तवयों में। इन स्तरों में कहानी के फार्म की परंपरा का निर्वाह था और समाज के ज्वलंत सवालों से सामना भी था। संभवत: इस कारण पचास के दशक में यशपाल के कहानी लेखन की टकराहट उस कथा धारा से हुई जिसे 'नयी कहानी आंदोलन' कहा जाता है। लेकिन यशपाल को उसकी विशेष चिंता न थी। कारण कि यशपाल का लेखन समाज की वर्तमानता से जुड़ा था, वहीं से वह स्थितियों और मसलों को उठाता था। यशपाल जानते थे कि नयापन जीवन की परिवर्तित स्थितियों से ही आता है। आज हम इस स्थिति में हैं कि नयी कहानी और यशपाल की कहानी के बीच मौजूद तत्कालीन यथार्थ की तस्वीरों को तुलनात्मक नजरिये से देखें। यह सवाल निश्चय ही महत्वपूर्ण होगा कि जिस तरह का प्रतिनिधि समाज हमें यशपाल की कहानियों में मिलता है, क्या वैसा ही, उतना ही व्यापक और विस्तृत समाज नयी कहानी आंदोलन के प्रभाव में लिखी कहानियों के भीतर है? तभी हम दोनों की 'समकालीनता' और प्रतिनिधिकता का आकलन करने में समर्थ होंगे।

1939 से 1971 के बीच प्रकाशित यशपाल के कहानी संकलनों की संख्या अठारह है। इन कहानियों में यद्यपि जीवन स्थितियां विकट हैं। लेकिन यशपाल उन्हें पात्रों पर हावी नहीं होने देते। हमें यह न भूलना चाहिए कि यशपाल ने उपन्यासों की भांति ही इन कहानियों की रचना भी ऐसे वक्त में की जब वाम शक्तियों पर पूरे नियंत्रक वर्ग का सामूहिक प्रहार हो रहा था। सांस्कृतिक जगत में ऐसे विचार को बढ़ावा दिया जा रहा था जो अपने भीतर केंद्रधर्मी और सामंजस्यतावादी था। इससे भी आगे, वह सचेत रूप से परिवर्तनविरोध से जुड़ा था। कथाकार यशपाल ने तत्कालीन सांस्कृतिक वातावरण की इस प्रकृति को मूर्तता में पहचानते हुए खास तरह की कहानी लिखना शुरू किया। यह कहानी सचेत टिप्पणी को अन्य चीजों पर तरजीह देती थी। पहले से ही लेखक जानता था कि उसके पाठक को किस विचार की आवश्यकता है। साथ ही, यशपाल ने संस्कृतकर्मी की हैसियत से सोचते हुए रोचकता के महत्व को भी पहचाना। शायद ही किसी समकालीन लेखक की कहानियां इतनी रोचक हों, जितनी यशपाल की कहानियां हैं। इनमें 'मक्रील', 'पहाड़ की स्मृति', वो दुनिया', 'आदमी का बच्चा', 'तर्क का तूफान', 'धर्मयुद्ध', तुमने क्यों कहा था मैं सुंदर हूं', 'चित्र का शीर्षक', 'खच्चर और आदमी,' 'परदा', 'दुख', आदि विशेष रूप से महत्वपूर्ण हैं।

यशपाल ने अपने अधिकतर कहानी-संकलनों की भूमिकाएं भी लिखीं, जहां उन्होंने साहित्य से संबंधित अपने विचारों से पाठक को अवगत कराया। यशपाल ने सदा यह ध्यान रखा कि पाठक को परिवर्तनशील और आधुनिक दृष्टिकोण दिया जाए, न कि कोई पहले से निर्धारित मत। मसलन, कहानी से संबंधित उनका यह वक्तव्य विचारणीय है: 'जीवन की खास परिस्थितियों में जितना विकास संभव होता है, उतना हो जाने पर वे परिस्थितियां मनुष्य के लिए और अधिक संकीर्ण हो जाती हैं; तब जीवन नयी परिस्थितियों की सृष्टि करने के लिए विकल हो उठता है। इस प्रवृत्ति में ही

मनुष्य की कलामय शक्ति होती है।....कला के अनेक सुंदर और सयल रूप हैं। उसका एक ढंग कल्पना से नयी दुनिया बना लेना भी है। इसी को कहानी गढ़ना भी कहते हैं। अपने परिमित सामर्थ्य के कारण मैं उतना ही करके संतोष पाना चाहता हूं।' ('वो दुनिया', भूमिका) इस वक्तव्य के पहले हिस्से में ऐतिहासिक दृष्टि की परिभाषा है जिसकी मदद से लेखक अपना सामाजिक रवैया तय करता है। इतिहास के बीच रह कर सोचने से ही 'नये' का चरित्र समझ आता है। यशपाल की राय में 'नये' का गहरा ताल्लुक कलामयता से है। 'कल्पना से नयी दुनिया बनाना' आसान नहीं है। वहां चीजों को 'गढ़ना' होता है। यह गढ़ना तभी संभव है जब लेखक वैचारिकता से लैस हो।

गढ़ने को लेकर यशपाल की निरंतर आलोचना की गई। पचास और साठ के दशकों में अनुभव, त्रास और विडंबना जैसे शब्दों का प्रयोग लेखन के आधार मंत्र की भांति किया गया। यह भी निरुपति हुआ कि हिन्दी के पाठक को दृष्टिकोण की नहीं, केवल 'दृष्टि' की जरुरत है। 'कोण' के जरिये निश्चय ही विचारधारा की ओर संकेत था। आज जब स्थितियां पहले की निस्यत कुछ स्पष्ट है तब समझ आता है कि दृष्टिकोण पर किया गया प्रहार साहित्य की मूल्यवत्ता और प्रासंगिकता पर एक साथ प्रहार था। यह प्रहार नये के साथ साथ कलामयता को भी नकारता था और उनके स्थान पर सर्वाकालिकता का रहस्यवादी आयाम प्रतिष्ठित करता था। अपने तर्क में यह नया विचार आग्रही और संकुचित भी बन गया था। इसके विपरीत यशपाल ने अपने लेखन के अंतिम चरण में फिर से कहा था: 'हमारी भाषा में कहानी की कला के विकास के लिए, उसमें बोध और विधा की दृष्टि से कुछ नयापन ला सकने के लिए जो भी प्रयत्न हो रहे हैं मैं उनका स्वागत करता हूं। इस ऐतिहासिक अनुभव से मुंह नहीं मोड़ा जा सकता कि जिस स्थिति में विकास और परिवर्तन का प्रयत्न नहीं रहता वह स्थिति—चाहे वह कला की विधा हो अथवा ज्ञान, विकास या मान्यता है—सड़ने और तिरोहित होने लगती है। नवीनता और परिवर्तन के लिए प्रयत्न यदि वह आत्म प्रवंचना नहीं है तो उसे नयी आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए परिवर्तन की प्रवृत्ति मान कर उसका स्वागत किया ही जाना चाहिए।'

यहां यशपाल धरोहर और वर्तमानता के तर्क से बाहर *आकर वास्तविक तथा संभावित नवीनता के पक्षधर हैं।* साथ ही यशपाल यह भी जानते हैं और इसकी ओर गंभीर इशारा करते हैं कि आजादी के बाद की कहानी ने स्वयं को मात्र कला के विकास से जोड़ा है। यशपाल की कहनी से संबंधित इस स्थापना में यह झलकता है कि वहां 'बोध और विधा की दृष्टि से नयापन ला सकने का प्रयत्न' हो रहा है। क्या 'बोध' विचार का स्थानापन्न है? *या यह कहीं विचार और चिंतन की* पकड़ में न आ सकने वाला कोई दूसरा ही तत्व है? अपनी ओर से देखें तो बोध, भावबोध, संवेदना, जैसी अवधारणाएं आजादी के बाद आलोचना क्षेत्र में काफी चर्चित रही है। इन अवधारणाओं ने कई बार कहानी को उसके मूल सामाजिक धर्म से हटाया है और उसे मनुष्य मात्र की आंतरिकता में जाने को मजबूर किया है। इसके विपरीत यशपाल की कहानी ने कभी बोध के स्तर पर भूमिका नहीं निभाई। वे समाज की प्रवृत्तियों को पहचान कर उन पर सकारात्मक अथवा नकारात्मक टिप्पणियां करते थे और कहानी का कला चरित्र उन्हें इसकी इजाजत देता था।

यहां यह देखना भी जरूरी है कि यशपाल की नजर में विधा का सवाल अहम सवाल न था, उसी तरह जिस तरह वह प्रेमचंद की नजर में भी न था। यदि हमें प्रेमचंद में, और उनके बाद यशपाल में बोध अथवा विधा को कहीं ताकत और गुणवत्ता मिलती है तो संभवत: इसलिए कि दोनों रचनाकारों का मुख्य सरोकार उनकी कृतियों के भीतर देश की विशाल जनता की सांस्कृतिक जरूरत के रूप में उभरा। आजादी के बाद की कहानी में कुछ अपवादों के बावजूद यह सरोकार या तो पृष्ठभूमि में चला जाता है या पूरी तरह गायब हो गया रहता है। यशपाल यह कहते नहीं, लेकिन इसकी स्पष्ट ध्वनि हमें उनके उक्त कथन में सुनाई पड़ती है।

निष्कर्ष

यशपाल साहित्य लेखन की नयी जरूरतों को लेकर जीवन पर्यंत सजग रहे। अपने कथा–संबंधी चिंतन और लेखकीय व्यवहार में वे खुले मन से स्वीकार करते हैं कि विधा और बोध की बात भी कहानी के संदर्भ में क्यों न हो, क्यों न लेखक अपने कला के औजारों का पूरी जिम्मदारी से प्रयोग करना सीखें? प्रोयगधर्मिता अन्य साहित्य रूपों की ही तरह कथा का भी प्राण होती है। हर नया समय अपनी चुनौतियों के साथ आता है और उन्हें देखकर ही लेखक को अपनी रणनीति तय करनी होती है। यह पाठक से अलग और दूर लेखक की रचना का क्षेत्र है जहां उसे स्वयं से मुखातिब होकर अपने वक्त के यथार्थ के रूप देना होता है। जाहिर है कि यह करते समय लेखक को अपना विचार भी निरंतर विकसित करना होता है ताकि इतिहास में उठे नये सवालों को उनकी संपूर्णता में समझ पाना संभव हो। वैचारिक मूल्यवत्ता का यह वह आयाम है जो ऐतिहासिक दृष्टिकोण से आधार ग्रहण करता है और सकारात्मक भविष्य का महत्त्व रेखांकित करता है। यशपाल इसे पहचानते ही नहीं, बल्कि अपनी वरिष्ठता और 'लेखकीय सफलता' के बावजूद रचना के महत्वपूर्ण पक्ष को स्वीकारने का साहस भी रखते हैं। समाज में उभरने वाली प्रवृत्तियों और चुनौतियों से निरंतर सीखते रहना सार्थक लेखन की आवश्यक शर्त होती है। यह यशपाल की समूची रचना का भी केंद्रीय सूत्र है।

हिन्दी साहित्य में यशपाल रचनात्मक सक्रियता के प्रतिमान हैं। यशपाल ने तर्कपूर्ण टिप्पणी, आत्म–विश्लेषणात्क ईमानदार गद्य, उपन्यास लेखन तथा कहानियों के साथ–साथ ने साहित्य तथा राजनीति से जुड़े मसलों पर भी लगातार कलम चलाई। हिन्दी में वे संवाद और प्रतिवाद की शैली के स्थापक भी बने। आज साहसपूर्ण वक्तव्य और यशपाल पर्याय बन चुके है। इसका कारण उनका समाजवादी चिंतन से गहरा लगाव है। निष्कर्षत: हम कह सकते हैं कि यशपाल की रचना में वैचारिक प्रतिबद्धता नयी ऊंचाइयां छूती जान पड़ती है। इसके अतिरिक्त उनके दृष्टिकोण में पैनेपन और खुलेपन का भी सुंदर सामंजस्य नजर आता है।

हिन्दी साहित्य वर्ष 2003

स्वतंत्र भारत का आइना

हर्ष पांडे

भारतीय मानस को गौर से देखें तो यह आभास होता है कि यह बार-बार भटकने के बावजूद, सही राह पर आ ही जाता है। इस वर्ष हिन्दी में प्रकाशित विपुल साहित्य भी इसी तथ्य की ओर संकेत करता नज़र आया है।

हिन्दी में विविध विधाओं में विविध पीढ़ियों के इतने रचनाकार एक साथ सक्रिय हैं कि किसी भी भाषा के लिए यह ईर्ष्या का विषय हो सकता है। उपन्यास हो या कहानी, कविता हो या निबंध, संस्मरण हो या आत्मकथा, रिपोर्ताज हो या डायरी, रचनावली हो या ग्रंथावली, हिन्दी में इस वर्ष भी ढेरों पुस्तकें प्रकाशित हुई हैं। इनमें विविध भाषाओं से हुए अनुवाद भी शामिल हैं।

स्वामी सहजानंद सरस्वती, बाबा नागार्जुन और गणेश शंकर विद्यार्थी का समग्र भी इसी वर्ष प्रकाशित हुआ है। नागार्जुन समग्र का संपादन शोभाकांत ने और विद्यार्थी समग्र का सुरेश सलिल ने किया है। रूस के नोबेल पुरस्कार विजेता कवि-कथाकार इवान बुनिन की चुनिंदा रचनाओं का संग्रह पहली बार हिन्दी में वरयाम सिंह के संपादन मेंप्रकाशित हुआ है। आलोच्य वर्ष में से चुनिंदा पुस्तकों पर चर्चा करना ही इस आलेख का अभीष्ट है।

आलोच्य वर्ष में विविध पीढ़ियों में सक्रिय रचनाकारों के प्रकाशित हुए। इनमें कुछ महत्वपूर्ण उपन्यास हैं-'नाथ सिंह का 'आखिरी कलाम', अमरकान्त का 'इन्हीं हथियारों से', विद्यासागर नौटियाल का 'उत्तर बायां है', कर्मेंदु शिशिर का 'बहुत लंबी राह', मृणाल पांडे का 'अपनी गवाही', 'अस्ति-अस्तु (अभिमन्यु अनत), 'दे ताली' (वीरेंद्र जैन) 'पगडंडियां' (क्षितिज शर्मा), 'सपनों से बाहर' (वीणा सिन्हा), 'मालवगढ़ की मालविका' (संतोष श्रीवास्तव), 'डर हमारी जेबों में' (प्रमोद कुमार तिवारी), 'क्षितिज का विस्तार' (राजेन्द्र प्रसाद शुक्ल), 'अंग्रेज कोठी' (आर.के. पालीवाल), 'चांदा सेठानी' (यादवेंद्र शर्मा चंद्र), 'कर चले हम फिदा' (विनोद कुमार तिवारी), 'माफिया' (गिरीश पंकज), 'बानी अंधेरा' (दिनेश पाठक), 'क्यों न फिर से' (अभिमन्यु अनत), 'टूटते दायरे' (रामधारी सिंह दिवाकर)।

लगभग सफरनामा बन गए दूधनाथ सिंह के उपन्यास 'आखिरी कलाम' में चरित्रधर्मिता पारंपरिक उपन्यासों सी नहीं है। वृतांत यहां स्मृति व यथार्थ के उलट फेर और आरोह-अवरोहों में इस तरह से मौजूद है कि वह हमारी सुषुप्तप्राय चेतना को जगाते हुए, भीतर कहीं गहरे में खुब जाता है। लेखक ने इसे ठीक ही 'अबूझ या यायावरी' शब्द दिया है। पारिवारिक यात्रा से प्रारंभ हो, देश-काल यात्रा तक जाते इस उपन्यास के तीनों अध्याय गहरे में डिस्टर्ब करने वाले हैं। गुरु को केंद्र में रखकर, उनकी बुदबुदाहटों और सूक्तियों को भागमभाग के बीच पकड़ने की सार्थक कोशिश यह इसलिए बन सका है कि यहां अपने समय की सबसे बड़ी सच्चाई खुलकर सामने आई है। यहां यह साफ नजर आने लगता है कि धर्म ही वर्तमान संदर्भ में वह तत्व है जो हमारे दृष्टिकोण को प्रभावित कर संकुचित करता है। इस उपन्यास को पढ़ते हुए यह साफ जाहिर हो जाता है कि 'उपन्यास' की शक्ल बदल रही है। कथा में ट्रैवलोग और रिपोर्टिंग घुलमिल रहे हैं। मीडिया, एन जी ओ, पेशेवरों, बौद्धिकों की पोल खोलते दौड़ते-ठहरते संवाद-दृश्य हैं और मूल-कथा में लौटता, उसे रह-रहकर पकड़ता उपन्यास है। एक तरह से यह उपन्यास स्वतंत्र भारत को आईना दिखाने का काम करता है।

विद्यासागर नौटियाल का उपन्यास 'उत्तर बायां है' एक जन-गाथा ही है। घुमंतू और सीमांत जन का जीवन यहां फर्स्ट हैंड अनुभव की तरह सामने आता है। अनवरत चली आ रही सामंती और शासनाधिकारियों की शोषण-परंपरा के बीच त्रस्त जीवन ही नहीं, स्त्री विमर्श का एक अकृत्रिम रूप भी यहां मौजूद है। उस मानसिकता को यहां खूब बेपर्द किया गया है जो औरत को जायदाद से अधिक कुछ नहीं समझती, मानती है कि उसे एक पल के लिए भी सरपरस्त के बगैर नहीं छोड़ा जा सकता। वृतांत के पुरातन रूप से नौटियाल नया स्वर गुंजाने की सामर्थ्य रखते हैं। अमरकान्त का उपन्यास 'इन्हीं हथियारों से' स्वाधीनता आंदोलन की पृष्ठभूमि पर बलिया केंद्रित कथा लेकर आया है। स्मृति यहां इतिहास और कल्पना के बीच एक महत्वपूर्ण सेतु बनी है। जिस तरह स्वाधीनता आंदोलन में समाज के हर तबके ने शिरकत की, ठीक वैसे ही इस उपन्यास की कथा में भी चरित्र शामिल हुए हैं। ये लोग सामान्य जन भले ही हों, लेकिन इतिहास प्रसिद्ध उन बड़े चरित्रों से कहीं कम नहीं जिनकी गाथा प्रायः सुनाई दे जाती है। एक स्वाधीनता सेनानी की, यह अपने समय को फिर से कथा में देखने की सफल रचनात्मक कोशिश है। शिल्प का सजग चातुर्य यहां कहीं नहीं, सधी हुई भाषा है और सहज-सरल कथा।

कर्मेंदु शिशिर का पहला उपन्यास 'बहुत लंबी राह' भारतीय ग्रामीण जीवन पर आधारित इधर के उन उपन्यासों में एक है जो बेहद पठनीय होने के साथ-साथ बदलते हुए समाज का यथार्थवादी चित्रण करते हैं। यहां रचनाकर को रचना का गंतव्य पता जरूर है लेकिन वह एक-एक लम्हे की रंगत को पूरे मन से पकड़ता है। डीटेल्स का यहां अपना ही मजा है। बड़कवा और

नान्ह की खींच–तान से उपन्यास को गति मिली है। कर्मेंदु यह अच्छी तरह से जानते हैं कि जनता को जगाने का काम उसी की जवान में करना कितना जरूरी है।

'उकाव' के याद 'पगडंडियां' क्षितिज शर्मा का दूसरा उपन्यास है। उनके पास पहाड़ को चकित होकर देखनेवाली नहीं, उसकी तकलीफ को आत्मीयता के साथ समझने की सलाहियत देने वाली नज़र मौजूद है। विकास के नाटक के चलते पहाड़ की वस्तुस्थिति और एक सीट विशेष के महिला आरक्षण कोटे में चले जाने से अलका के यहाने चुपके से स्त्री विमर्श की धमक भी यहां सुनी जा सकती है। राजनीति का नाटक कैसे जब सिर्फ नाटक नहीं रह जाता, तो कैसे निर्देशक के पैरों तले से जमीन खिसकने लगती है, यह अलका और भवान सिंह के माध्यम से अच्छी तरह दिखाया गया है।

आर के पालीवाल का उपन्यास 'अंग्रेज कोठी' इतिहास और वर्तमान के यीच एक पठनीय कथा लेकर आया है तो राजेन्द्र प्रसाद शुक्ल की आत्मकथात्मक कृति 'क्षितिज का विस्तार' आजादी हासिल होने के याद संसदीय लोकतंत्र और लोक जीवन में मूल्यों के गढ़ाव, उनके डगमगाने और उन्हें संवारने की कथा तो कहती ही है, राजनीति की नीयत और लोकतंत्र की नियति भी यहां खुलकर सामने आती है।

नए उपन्यासकार प्रमोद कुमार तिवारी का पहला उपन्यास ही वृहदाकार है। 'डर हमारी जेयों में' भारतीय जनतंत्र में डर की महत्ता को व्यंजना में सामने रखता यह उपन्यास स्वातंत्र्योत्तर भारत के एक यड़े सच को सामने रखता है। अपने समय का एक महाप्रश्न प्रस्तुत करता है यह उपन्यास कि निडर नागरिक और निर्भीक जनतंत्र आज दुर्लभ क्यों हो गए हैं।

'पथ प्रज्ञा' के याद वीणा सिन्हा का दूसरा उपन्यास इस वर्ष प्रकाशित हुआ है 'सपनों से याहर' माधवी के जरिए जहां यह कृति स्त्री–त्रासदी को सामने रखती है वहीं जयदीप माध्यम यना व्यवस्था और उसे यनाए रखने में सहायक तत्वों को येनकाय रने का।

चर्चित कथाकार रामधारी सिंह दिवाकर का उपन्यास 'टूटते दायरे' साफ भाषा में यह आवाज उठाता है कि स्वतंत्रता भले ही मिल गई हो लेकिन समता का ढोंग पीटनेवाले हमारे समाज में सामंती मूल्य अय भी मौजूद हैं। नवचेतना के प्रसार का उद्देश्य लिए यह उपन्यास आकार में यहुत यड़ा न होते हुए भी लगभग पांच दशकों की कथा अपने में समोए है। ओमप्रकाश कश्यप का 'ढाई कदम' भी पठनीय कृति है।

अनूदित उपन्यासों में विश्व प्रसिद्ध उपन्यास 'एकान्त के सौ वर्ष' (गाब्रिएल गार्सिया मार्केज) का सोन्या सुरभि गुप्ता द्वारा मूल स्पेनिश से किया अनुवाद इस यरस प्रकाशित हुआ। अनुवादकीय में यह ठीक ही कहा गया है कि यह उपन्यास, यथार्थ क्या है न केवल इसकी रूढ़िगत अवधारणाओं को चुनौती देता है यल्कि उपन्यास की परंपरागत यूरो–केंद्रित शैली, वस्तुतः समूची पश्चिमी तर्कणावादी सांस्कृतिक परंपरा को उलट देता है।

मुनमुन कर द्वारा अनूदित सलाम आजाद का उन्पायस 'शर्मनाक' यांग्लादेश में अल्पसंख्यकों पर हो रहे अत्याचार का रचनात्मक दस्तावेज है। इस्लामी कट्टरपंथियों को येनकाय करते हुए उपन्यासकार राजनीति और धर्म के गठयंधन की कलई सलीके से खोलता नजर आता है।

मराठी में 'उपल्या' नाम से प्रकाशित और चर्चित शरण कुमार लिंवाले का उपन्यास हिन्दी में 'नरवानर' शीर्षक से प्रकाशित हुआ है। इसका अनुवाद निशिकांत ठकार ने किया है। उपन्यास की भूमिका इसके मर्म को छूने की कुंजी प्रारंभ में ही थमा देती है। सही कहा है लेखक ने कि यहां सत्ता और आम आदमी का आडिट करने की कोशिश की गई है। दरअसल यह उपन्यास अपने समय की आलोचना तो है ही, यड़े विमर्श में पाठक को शामिल करने की मुहिम भी है।

इस रचना वर्ष में प्रकाशित कविता संग्रहों में प्रमुख हैं–अशोक वाजपेयी का 'पुरखों की परछी में धूप', विष्णुचन्द्र शर्मा 'समय है परिपक्व', अशोक शाह का 'समय मेरा घर है', 'हंसीघर' (हरिओम राजौरिया), 'नर्मदा की लहरों से' (प्रेमशंकर रघुवंशी), 'घर नहीं पहुंच पाता' (अलख नंदन), 'पल भर वस रुको यहीं पर' (कविता मुकेश), 'पृथ्वी की कील' (राकेश सिंह), 'संसद तो सवर्ण है' (नवेंदु), 'योधिवृक्ष के नीचे' (विश्वमोहन तिवारी) (सभी मेधा युक्स से), चंद्रकांत देवताले का संग्रह 'उजाड़ में संग्रहालय', अनीता वर्मा का 'एक जन्म में सय', दिनेश जुगरान का 'मेरा उजाड़ पड़ौस' (राजकमल प्रकाशन), मलय का 'लिखने का नक्षत्र', अमरेंद्र नारायण का 'थोड़ी यारिश दो' और विवेक गुप्ता का 'पदचाप' (राधाकृष्ण प्रकाशन), 'जिदंगी और रंग' (हरपाल सिंह अरुष), 'यघनखा' (डा. मधुकर गंगाधर), 'रोया नहीं था यक्ष' (हरिराम मीणा), 'पानी का स्वाद' (नीलेश रघुवंशी), 'यह राग कठिन' (सुधीर मोता), 'कुछ देह/कुछ विदेह' (राजनारायण विसारिया) (कितायघर), 'तलाश खत्म नहीं होती' (विनोद कुशवाहा) व 'यह ऐसा समय हो जैसे सब कुछ समुद्र' (संजीव वरुशी)। गजल संग्रह 'भीड़ में सयसे अलग' (जहीर कुरैशी) और शायरी का शेरजंग गर्ग का संग्रह 'क्या हो गया कयीरों को' (मेधा) भी उल्लेखनीय हैं। कविता में अनुवाद की दृष्टि से येवोनी येव्तुशेंको की कविताओं का अनिल जनविजय द्वारा किया अनुवाद 'धूप खिली थी और रिमझिम वर्षा' (मेधा) यादगार संग्रह है।

लंये समय से रचनारत देवताले में आग अभी भरपूर मौजूद है। शीर्षक कविता 'उजाड़ में संग्रहालय की ये पंक्तियां देखिए–

'कल सुयह स्वतंत्रता दिवस का झंडा फहराने के याद
जो कुछ भी कहा जाएगा
उसे यर्दाश्त करने की ताकत मिले सयको
मैं शायद ऐसा ही कुछ युदयुदा रहा हूं।'

देवताले यताते हैं कि सिर्फ तारीखें नहीं यदला करतीं समय। 'पंद्रह अगस्त', 'फक्त एक वहम है जो चीजों को थामे खड़ा है', 'यहां अश्वमेध यज्ञ हो रहा है', 'नींयू मांगकर', 'हम किसे शाप दें' सहित अनेक कविताएं इस संग्रह में पकड़ लेने की सामर्थ्य रखती हैं। देवताले अपने वक्त को खंगालते हुए ऐसा संवाद करते हैं जो हमारी चेतना का हिस्सा यनने लगता है।

अशोक वाजपेयी का 'पुरखों की परछी में धूप' घर, परिवार और पड़ोस की कविताओं का संचयन है। 'शुरू में' ही कवि ने इस संग्रह की कविताओं का संसार और उसके सूत्र खोल दिए हैं। पारिवारिक आत्मीयता के छूटते जा रहे सूत्रों की तकलीफ ही नहीं, कवि यहां वनस्पति, प्रकृति और अतीत, वर्तमान व भविष्य के साथ इंसानी ताल्लुकात की खोज–खयर लेता हुआ एक ऐसी दुनिया की याद दिलाता

है जो मनुष्य के मनुष्य बने रहने के लिए याद की जानी जरूरी है। हम जिस दुनिया में रहते हैं, उसके लिए घर, परिवार और पड़ोस कितने जरूरी हैं, यह कदम–कदम पर खुलता है। 'दस वर्ष बाद बालसखा से अचानक भेंट' हो या 'बच्चे', 'मां' हो या 'पूर्वजों की अस्थियों में', 'घर' हो या 'दौआ बाबा', प्रायः ये कविताएं बताती है कि अशोक वाजपेयी की कविता का संसार कितना भरा–पूरा है। इन्हें पढ़कर एक सहज आत्मविश्वास पाठक में उभरता है कि वह अकेला कहां है। पूरा जीवन उसके साथ है। अधपके अमरूद की तरह पृथ्वी' शीर्षक की कविता अलग तरह से ध्यान खींचती है–

खरगोश अंधेरे में
धीरे–धीरे कुतर रहे हैं पृथ्वी।
पृथ्वी को ढोकर
धीरे धीरे ले जा रही हैं चींटियां।
अपने ढंग पर साधे हुए पृथ्वी को
आगे बढ़ते जा रहे हैं बिच्छू।
एक अधपके अमरूद की तरह
तोड़कर पृथ्वी को
हाथ में लिए है (मेरी बेटी)।
अंधेरे और उजाले में
सदियों से
अपना ठौर खोज रही है पृथ्वी?

अच्छी बात यह है कि इस वक्त कई पीढ़ियों के कवि एक साथ सक्रिय हैं। हरिओम राजोरिया जहां अपने समय से बाकायदा लोहा लेते नजर आते हैं, वहीं उनमें रचना की ईमानदारीभरी सहज भाषा भी मौजूद है।

'बघनखा' के मधुकर गंगाधर कहते हैं–बघनखा धारण कर सोये हुओं को जगाया जा सकेगा।' तो, रोया नहीं था यक्ष, के हरिराम मीणा कहते हैं–'मानव को गरिमामय बनाने, उसकी विपुल संभावनाओं को विकसित करने और एक समतावादी समाज के लक्ष्य की प्राप्ति के लिए कुबेर तंत्र का पतन अनिवार्य है। जब तक समग्र व्यवस्था पर वर्ग विशेष का वर्चस्व रहेगा, तब तक लोक कल्याणकारी राज्य का सपना साकार नहीं होगा।' जहां गंगाधर अपनी डायरेक्टनेस से प्रभावित करते हैं वहीं मीणा मेघदूत के यक्ष को इक्कीसवीं सदी के सांचे में ढाल अपनी तरह की कविता से नया सृजन करते हैं। अशोक शाह 'समय मेरा घर है' में उम्मीद भरी दुनिया लेकर आए हैं। उनकी 'बीज हूं मैं' कविता से यह तथ्य अपने अंदाज में खुलता है–

मुझे थोड़ी सी जगह दे
काबा की दीवारों
काशी की गलियों और
दिल्ली के गलियारों से बचा के
श्मशान होती धरती को
भर दूंगा अपने
रस और गंध से

बीज हूं
फल बनूंगा
तब चाहे मुझे डाल देना
चादरों और मूर्तियों पर
एक सी होगी सुगंध
प्रेयसी के पल्लू में या
पिता के चरणों पर

मैं बीज हूं
धरती का
मिट्टी से मिलकर
नदियों को जल दूंगा
थनों में दूध भरूंगा
बस थोड़ी–सी भूमि चाहिए
जब भी उगूंगा
हरे ही होंगे मेरे पत्ते।

विनोद कुशवाहा जहां 'तलाश खत्म नहीं होगी' में अपनी छोटी कविताओं से प्रभावित करते हैं वहीं संजीव बक्षी 'यह ऐसा समय हो जैसे सब कुछ समुद्र' में कविता की तरल संवेदना लेकर उपस्थित हुए हैं। डा. अनिल कुमार सिन्हा का संग्रह 'बची रहेगी धूप' भी पठनीय है। इस बरस प्रकाशित विदेशी अनुवादों में रूसी कविता के महत्वपूर्ण कवि येव्तुशेंको की रचनाओं का संग्रह 'धूप खिली थी और रिमझिम वर्षा' आकर्षित करता है। इसका चयन व भाषांतर किया है चर्चित युवा कवि अनिल जनविजय ने। कवि की प्रमुख रचनाएं तो यहां हैं ही, अनुवादक ने अनुवाद भी पूरी तन्मयता से किया है। हिन्दी के पाठकों के लिए यह एक यादगार तोहफा है। कवि का एक निरंतर संवाद तो इन रचनाओं में सामने आया ही है, अपने विविध आवेगों को भी जैसे वह कविता के जरिए खोलता चलता है। संग्रह की पहली कविता से ही पाठक पकड़ में आ जाता है और फिर स्त्रियों के भीतर मौजूद आशा से होता हुआ 'इक्कीसवीं शताब्दी', 'पुराना दोस्त', 'नया समय', 'आप मुझे प्यार करेंगे', 'आगमन वसंत का', 'रूस की लड़कियां, 'स्तालिन के वारिस' के बीच से गुजर कर 'तुझे बधाई, मां' तक पहुंचता है। यह येव्तुशेंको की रचना की शक्ति ही है कि कविता लंबे समय तक पाठक के भीतर विस्तार पाती है। जैसे यह कविता–

धूप खिली थी
और रिमझिम वर्षा
छत पर ढोलक–सी बज रही थी लगातार
सूर्य ने फैला रखी थीं बाहें अपनी
वह जीवन को आलिंगन में भर
कर रहा था प्यार
नव अरुण की ऊषा से
हम सब पिघल गया था
जमा हुआ
जीवन सारा तब
जल में बदल गया था
वसंत कहार बन
बहंगी लेकर
हिलता–डुलता आया ऐसे
दो बाल्टियों में
भर लाया हो
दो कंपित सूरज जैसे (आगमन वसंत का)

कहानियां

आलोच्य वर्ष में विविध पत्र–पत्रिकाओं में कहानियों ने एक नई दुनिया खोली तो पुस्तकाकार संग्रह भी खूब आए। इनमें अलका सरावगी का कहानी संग्रह 'दूसरी कहानी', हेमंत का 'क्रिमिनल रेस' (राजकमल), निवेदिता बुडलाकोटी का 'विस्तृत नभ का कोई कोना' (राधाकृष्ण), अनिल सिन्हा का 'और विवेक नहीं लौटा', शरद सिंह का 'तीली तीली आग', किरण सूद का 'तीली लीली आग' (सामायिक), सूर्यबाला का 'मानुष गंध', आनद हर्पुल का 'पृथ्वी को चंद्रमा' व जितेन ठाकुर का 'एक सच एक झूठ' (मेधा) मनोहर काजल का 'इनकिलाब जिंदाबाद', सरयू शर्मा का 'वा घर सबसे न्यारा', कनक लता का 'हमको सूरज नहीं चाहिए' तथा आबिद सुरती, माहेश्वर, श्रवण कुमार, यादवेंद्र शर्मा चंद्र, महीप सिंह और हिमांशु जोशी की 'दस प्रतिनिधि कहानियां' (कितावघर), अभिमन्यु अनत का संग्रह 'अब कल आएगा यमराज' सूर्यबाला की 'पांच लंबी कहानियां' (प्रभात) महत्वपूर्ण हैं। लता शर्मा का संग्रह 'आखिरी नाम अल्लाह का', सुभाष नीरव का 'औरत होने का गुनाह' (मेधा बुक्स), ज्ञानप्रकाश विवेक का 'शिकारगाह' (ज्ञानपीठ), सुदर्शन नारंग का 'योद्धा' (मुहिम प्रकाशन), पृथ्वीराज अरोड़ा का 'पूजा' (सतसाहित्य भंडार), हेमत का संग्रह 'खिड़की' (प्रकाशन संस्थान) भी ध्यान आकर्षित करनेवाले संग्रह हैं।

अपने समय के चर्चित कथाकार सुदर्शन नारंग का कहानी संग्रह 'योद्धा' कहानियों के साथ ही आत्मकथ्य से भी प्रभावित करता है। सुदर्शन नारंग का यह कहना सही है कि 'कहानियां लिख लेना और शायद छपवा लेना भी आसान काम है। अपने प्रति ईमानदार होना जटिल काम है। प्रारंभिक आकांक्षाएं जब धुंधला जाती हैं तो आदमी परिश्रम से जी चुराने लगता है।' यह इधर के अनेक प्रतिष्ठित कथाकारों की नई रचनाओं में भी नजर आनेवाली सचाई है। वहरहाल, नारंग के इस संग्रह में एक तरह से उनकी प्रतिनिधि रचनाओं को एक साथ प्रस्तुत किया गया है। 'योद्धा' शीर्षक कोई कहानी संग्रह में नहीं है, लेकिन हैराक्लाइटिस का यह कथन धीरे–धीरे सभी कहानियों को पढ़ने के दौरान खुलता चला जाता है कि 'युद्ध प्रत्येक स्थिति का जनक होता है कुछ को वह खुदा बना देता है और कुछ को आदमी भी नहीं रहने देता।' यह 'तलाश' के बलवंत के 'योद्धा' में है तो 'सात समुद्र पार' के हजार सिंह में भी। 'इतना बड़ा पुल' का नायक हो या 'लड़ाई' का, नायक 'परिवर्तन' का हो या 'कामना' की स्थितियां, नारंग की कहानियों में पात्र अपनी–अपनी लड़ाईयों में जुटे हैं। किसी न किसी शक्ल में वे योद्धा ही हैं। इंसानी जिंदगी के अनुभव यहां अलग–अलग रूपों में खुलकर सामने आए हैं। यहां आत्मीय संस्पर्शों की तलाश भी है और उनके छूटते जाने का मलाल भी। भीतरी दुनिया जिस तरह यहां बाहरी कथा के साथ–साथ खुलती चली जाती है, वह खूबसूरत एहसास है।

सरयू शर्मा अपने संग्रह 'वा घर सबसे न्यारा' में चौदह कहानियां लेकर आई हैं। विषय वैविध्य लिए ये रचनाएं सरयू शर्मा की पारदर्शी भाषा के कारण आत्मीय संसार बुनती हैं। इनमें 'पकड़', 'यात्रा', 'कितनी बार', 'मोड़ लेता रास्ता', 'वर्जित क्षेत्र' और 'पूर्णाहुति' के साथ ही शीर्षक कहानी भी पठनीय है। यहां पात्र, स्थितियां, परिवार और समाज बेहद सहज और अपने से लगते हैं।

लता शर्मा अपनी कहानियों में नई भाषा और नए उपस्थित हुई हैं। उनका संग्रह 'आखिरी नाम अल्ल दृष्टि से महत्वपूर्ण है। यहां स्त्री विमर्श बहुत संजीद मौजूद है। इनकी सबसे बड़ी खूबसूरती यह है कि साथ सीधा संवाद करती हैं। यहां कथाकार प्रश्न उठ पाठकों को अपने कथा संवाद में शामिल कर लेती है कहानियों में समय के जरूरी संवाद हैं जहां आप सकते। अपने समय को बेपर्द होता देख सकते हैं। यह भूमिका अदा करती है। इसलिए भी कि वह कथ्य के है। अपनी कला में कथ्य को बिला नहीं देती ।

अनिल कुमार सिन्हा का 'और विवेक घर नहीं 'इंदिरा गांधी ने एमरजेंसी सन् पिछहत्तर में लगाई विवेक नहीं लौटा', 'पालिश–पालिश' व 'अपराध–व रचनाएं आश्वस्त करती हैं। शरद सिंह अपने दूसरे सं तीली आग' में अनेक रचनाओं से आकर्षित करत रचनाओं में प्रायः शरद पुरुष सत्ताक समाज को ऐसी देखती हैं जिसके पानी में स्त्री के लिए एक खास जग स्त्री का घेरे में फंसे रहने वाला रूप तो है ही, उसे तोड़क भागने वाला रूप भी मौजूद है। दोनों तरह की स्त्री व यहां है ही, एकाकी की उलझन भी मौजूद है। अकेली अकेलापन ही नहीं, यहां भरे–पूरे परिवार में भी अकेली स्त्री का दुख भी सामने आता है। पठनीय तो हैं ही, यहां नजर भी प्रस्तुत है।

'दैत्य तथा अन्य कहानियां' के बाद सुभाष नीरव क संग्रह आया है–'औरत होने का गुनाह'। दस कहानियों संग्रह में जिंदगी जैसे खुद व खुद उतर आती है। 'लड़किय घर' की स्थितियां हों या 'औरत होने का गुनाह', 'लुटे हु का माहौल हो या 'चोट' का दर्द, सुभाष सहज अंदाज मे कह जाते हैं। पृथ्वीराज अरोड़ा के संग्रह 'पूजा' में भी यह अंदाज सामने आता है। यहां मध्यवर्गीय जीवन के सं अनेक आयाम खुलते नजर आते हैं।

आज के जीवन को हरपाल सिहं 'अरुप' ने 'जिंद रंग' संग्रह में सहज अंदाज में उकेरा है। हिन्दी में अ प्रकाशित कहानी संग्रहों मं कुछ उल्लेखनीय हैं– जयश्री गो महंत का 'नारी तुम अनन्या हो' जगन्नाथ प्रसाद दास क विदूषक', दया पवार का 'बीस रुपए' और अकुतागा 'राशोमन तथा अन्य कहानियां'

मराठी के दयावतार की कहानियों का रतीलाल शा अच्छा अनुवाद किया है। 'बीस रुपए' ही नहीं, 'रजस्वला' रचना भी बहुत कुछ सोचने पर विवश करती है। उड़िया कथ जे.पी. दास का संग्रह 'प्रिय विदूपक' 12 कहानियां लेकर है। स्मिता रेखाराय ने सुंदर अनुवाद किया है। 'प्रिय विदू जैसी रचना रचनाकार के भीतरी संघर्ष को सामने रखती 'देखनहारा' सहज अंदाज में एक पत्रकार का द्वंद सामने र है। तारापद, अमरेश, विभू, नंदनंदन, रमानाथ और रमा, ही नहीं अनेक कथा–स्थितियां भी देर तक साथ बनी रहने सामर्थ्य रखती हैं।

जयश्री गोस्वामी महंत की कहानियों का अनुवाद अस से दिनकर कुमार ने किया है। 'नारी तुम अनन्या आधिकांश कहानियां प्रवाह युक्त पठनीयता लिए हैं।

की दुनिया मे जन और जनतंत्र, श्रम का भूमंडलीकरण, आज के स्त्री आदोलन परिवार में जन तत्र पर आधारित अंकों में गंभीर विचार प्रधान सामग्री दी वहीं विषय से जुड़ी उल्लेखनीय रचनाएं भी दीं। इसका स्तभ 'कहानी की जमीन' हर बार कुछ नया लेकर आता है।

'यूधन' के अगस्त अक में संपादक अनिल कुमार पांडेय ने सही कहा है कि भारतीय संविधान इस बात का मौलिक अधिकार देता है कि राज्य किसी भी नागरिक के साथ धर्म और जाति के आधार पर भेदभाव नहीं करेगा। संविधान प्रत्येक नागरिक को कानून के सामने बराबरी का अधिकार भी देता है। संविधान की धाराओं में अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित जनजातियों के लिए विशेषाधिकार भी हैं। पर सवधान की इन धाराओं के बावजूद जमीनी सच्चाई यह है कि समाज में ही नहीं अपितु प्रशासनिक स्तर पर भी ऐसे भेदभाव करना आम बात है। इस पत्रिका में प्रकाशित अधिकांश सामग्री साहित्य की सामाजिक सार्थकता के सरोकार से जुड़ी नजर आती है। चाहे वह 'रामदीन का सपना' (ब्रह्मदेव शर्मा) हो या 'मुस्लिम समाज के इतिहास में जाति' (इम्तियाज अहमद), 'जनजातियां: वर्तमान और भविष्य' हो या 'हिन्दी उपन्यास और आदिवासी स्त्री' (रमेशचन्द्र मीणा), यूधन हर ओर से पठनीय है।

असहमति का साहस और सहमति का विवेक लिए 'समयान्तर' का यूं तो हर अंक कुछ न कुछ विचारोत्तेजक लेकर आता है, लेकिन इधर हेमन्त 2003 के अंक में पुस्तकों पर विशेष सामग्री प्रकाशित की गई है। एडवर्ड सईद पर आनंद प्रकाश की श्रद्धांजलि एक तरह से उनके सार्थक मूल्यांकन के संकेत भी दे गई है। संपादकीय मे उठाई गई यह लाक्षणिक आवाज उल्लेखनीय है कि सांस्कृतिक कट्टरता के लिए यह आवश्यक है कि उसके विरोध में कोई कुछ कहने की हिम्मत न करे...और अगर वह किसी और धर्म का है, [illegible] अल्पसंख्यक, फिर तो इससे बड़ा अपराध कुछ हो ही नहीं सकता। सांस्कृतिक क्षेत्र में पसरी पड़ी असहिष्णुता पर यह करारा प्रहार है।

'भारतीय लेखक' ने इसी वर्ष शुरुआत की और अपने हर अंक से आकर्षित किया। शेखर जोशी और मैत्रेयी पुष्पा पर महत्वपूर्ण सामग्री तो इस पत्रिका ने दी ही, 'महापुरुष' के अंतर्गत हरिपाल त्यागी के रोचक स्मरण, नए लेखकों के लिए सहित उल्लेखनीय सामग्री दी है।

'हंस' ने इस बार अपनी वार्षिक गोष्ठी में 'स्त्री: अंतिम उपनिवेश' पर चर्चा कराई। रचनाओं के स्तर पर तो हंस ने लेखकों के लिए जमीन तैयार की ही है 'बीच बहस में' स्तंभ विशेष रूप से पठनीय है। धर्मवीर का लेख 'हिन्दू पुरुष का नारी उपदेश' काफी कुछ सोचने को विवश करता है। 'मेरी तेरी उसकी बात' में राजेन्द्र यादव का विचारक अक्सर झुंझलाता नजर आता है। 'हंस' का मुसलमान अंक स्थाई महत्व का है।

'कथादेश' के अंकों में 'सोचो साथ क्या जाएगा' स्तंभ ने विशेष आकर्षण पैदा किया है। 'मैं और मेरा समय' में शिवमूर्ति ने अपनी खूबसूरत शैली में जरूरी सवाल उठाए हैं—हम किसके लिए लिखते हैं? उनका कहना सही है कि हमारे आज के समय का यह यक्ष प्रश्न है कि जीवन से पदच्युत हो चुके साहित्य को उसका समुचित स्थान फिर मिल सकेगा या नहीं? 'कागद की लेखी' में राजेन्द्र शर्मा ने जरूरी बातें उठाई हैं। वह सही कहते हैं कि जब लेखक अपना कोई अलग पक्ष नहीं बनाता दीखता है और कहीं इस तरह की चुप्पी तथा कहीं तटस्थता से काम चलाता है, तो इसका गहनतर अर्थ एक ही होता है—अन्याय के सामने सिर झुकाना।

'रंग प्रसंग' में रंगकर्मी कारंत पर विशिष्ट सामग्री एकसाथ देखने को मिली। यह कारंत के व्यक्तित्व व कृतित्व को समझने में सहायक होगी।

'पहल' की पठनीयता बरकरार है। इस वर्ष के अंकों में पहल सम्मान के अवसर पर दिया गया चंद्रकांत देवताले का वक्तव्य गौरतलब है। संयोग से कतिपय इतर विवादों के चलते इस वक्तव्य पर तरीके से बात भी नहीं हो सकी है। देवताले कुछ जरूरी तर्क बहुत ठीक तरीके से बात उठाते हैं— '...मनुष्य समर्थक दिखना एक बात है, और हत्यारों के खिलाफ होना दूसरी। यदि कोई दूसरा पक्ष नहीं लेता तो पहला पक्ष पाखंड है।'

'कल के लिए' अपने छोटे संसाधनों में भी हटकर सामग्री दे रहा है। रामविलास शर्मा पर केंद्रित बेहद पठनीय चीजें एक साथ इसके अंक में नजर आईं। पत्रों, साक्षात्कारों, संस्मरण, व्याख्यान की प्रस्तुति से अंक संग्रहणीय बन गया है।

'वसुधा' ने कई उल्लेखनीय अंक प्रस्तुत किए। 56-57 में राजेश जोशी का वक्तव्य 'बची हुई विश्वसनीय आवाज' में कुछ जरूरी विचारबिंदु प्रस्तुत करता है। उनका यह विचार सहमति की गुंजाइश लेकर आया है कि हिन्दी को कोई अपना समाज नहीं है। नहीं बन पा रहा है। रचना की आवाज को आज अकेला और असहाय किया जा रहा है। इसके कारणों पर गौर करने की जरूरत है। 'वसुधा' के स्तंभ 'वैचारिकी', 'विशिष्ट कवि' और 'स्मरण' भी आकर्षक हैं।

'तद्भव' ने कम समय में साहित्य जगत में अपनी जगह बना ली है। इसमें 'जीवन' के तहत प्रकाशित कृष्णा सोबती का 'गुजरात से गुजरात' आत्मकथात्मक संस्मरण की मिसाल है। देवेन्द्र चौबे और रश्मि चौधरी का लेख 'इतिहास और कविता' महत्वपूर्ण है। रचना और विचार के स्तर पर 'तद्भव' अपनी खास जगह बना रहा है।
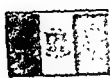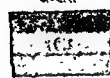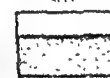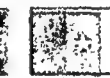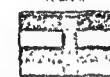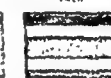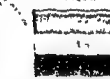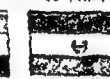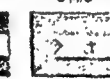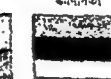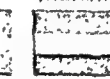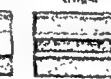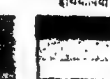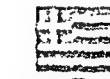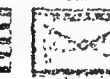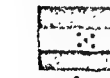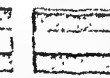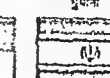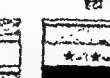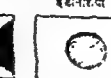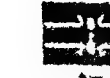
पत्रों के प्रकाशन की दृष्टि से 'दस्तावेज', पत्रिका को नया रूप देने की दृष्टि से 'दस्तावेज', पत्रिका को नया रूप देने की दृष्टि से 'कादम्बिनी', पुनर्जीवन की दृष्टि से 'नया ज्ञानोदय' और रचना वार्षिकी की दृष्टि से 'अक्षर पर्व' और 'मंथन' के अंक उल्लेखनीय हैं। साहित्यिक स्तंभों में 'जनसत्ता' में प्रकाशित अशोक वाजपेयी का स्तंभ 'कभी कभार' और प्रयाग शुक्ल का 'सम्मुख', नामवर सिंह का 'सहारा समय' में प्रकाशित होने वाला स्तंभ 'यथा समय' और आलोक पुराणिक का स्तंभ 'गुड मार्निंग' व सुधीश पचौरी का 'पाप कल्चर' उल्लेखनीय हैं। 'प्रगतिशील आकल्प' में नामवर सिंह का साक्षात्कार गौरतलब है। 'कथाक्रम' मआलोचनात्मक व्याख्या है। 'सूत्र' ने जनपक्षधर पत्रिकाओं पर केंद्रित महत्वपूर्ण अंक प्रकाशित किया तो 'पुनश्च' का मेहरुन्निसा परवेज पर सार्थक अंक वर्षांत में सामने आया।

लैटविया
लेबनान
लेसोथो
लाइबेरिया
लीबिया
लिचटेंस्टीन
लिथुआनिया
लक्ज़मबर्ग
मेसेडोनिया
मेडागास्कर
मलावी
मलेशिया
मालद्वीव
माली
माल्टा
मार्शल आइसलैंड
मौरिटानिया
मारिशस
मैक्सिको
माइक्रोनेशिया
माल्दोवा
मोनाको
मंगोलिया
मोरक्को
मोज़ाम्बिक
म्यानमार
नामीबिया
नौरु
नेपाल
नीदरलैंड्स
न्यूज़ीलैंड
निकारागुआ
नाइजर
नाइजीरिया
नार्वे
ओमान
पाकिस्तान
पलाऊ
पनामा
पापुआ न्यू गिनी
पराग्वे
पेरु
फिलिपीन्स
पोलैंड
पुर्तगाल
कतर
रोमानिया
रशियन संघ
R
रुवांडा
सेंट किट्स एण्ड नेविस
सेंट लूसिया
सेंट विंसेन्ट तथा ग्रेन.
पश्चिमी समोआ
सैन मरीनो
साओ टोमे तथा प्रिन्सिपी
सऊदी अरेबिया
सेनेगल
सेशेल्स
सिएरा लियोन
सिंगापुर
स्लोवाकिया
स्लोवेनिया
सोलोमन द्वीप
सोमालिया
दक्षिण अफ्रीका
स्पेन
श्रीलंका
सूडान
सूरीनाम
स्वाज़ीलैंड
स्वीडन
स्विट्ज़रलैंड
सीरिया
तजाकिस्तान
तनज़ानिया
थाइलैंड
टोगो
टोंगा
ट्रिनिडाड एवं टोबैगो
ट्यूनीशिया
तुर्की
तुर्कमेनिस्तान
टुवालू
उगांडा
उक्रेन
संयुक्त अरब अमीरात
युनाइटेड किंगडम
संयुक्त राज्य अमरीका
उरुग्वे
उज़बेकिस्तान
वनातु
वैटिकन सिटी
वेनेज्वैला
वियतनाम
यमन गणराज्य
युगोस्लाविया
ज़ाम्बिया
ज़िम्बाब्वे

लैटविया
लेबनान
लेसोथो
लाइबीरिया
लीबिया
लिष्टेंस्टीन
लिथुआनिया
लक्ज़मबर्ग
मेसेडोनिया
मेडागास्कर
मलावी
मलेशिया
मालदीव
माली
माल्टा
मार्शल आइसलैंड
मौरिटानिया
मारिशस
मैक्सिको
माइक्रोनेशिया
माल्दोवा
मोनाको
मंगोलिया
मोरक्को
मोजाम्बिक
म्यानमार
नामीबिया
नौरु
नेपाल
नीदरलैंड्स
न्यूज़ीलैंड
निकारागुआ
नाइजर
नाइजीरिया
नार्वे
ओमान
पाकिस्तान
पलाऊ
पनामा
पापुआ न्यू गिनी
परागवे
पेरु
फिलिपीन्स
पोलैंड
पुर्तगाल
कत्तर
रोमानिया
रशियन संघ
रुआंडा
सेंट किट्स एण्ड नेविस
सेंट लूसिया
सेंट विंसेन्ट तथा ग्रेन.
पश्चिमी समोआ
सैन मरीनो
साओ टोमे तथा प्रिन्सिपी
सऊदी अरेबिया
सेनेगल
सेशेल्स
सिएरा लियोन
सिंगापुर
स्लोवाकिया
स्लोवेनिया
सोलोमन द्वीप
सोमालिया
दक्षिण अफ्रीका
स्पेन
श्रीलंका
सुडान
सूरीनाम
स्वाजीलैंड
स्वीडन
स्विट्ज़रलैंड
सीरिया
ताजाकिस्तान
तनज़ानिया
थाइलैंड
टोगो
टोंगा
ट्रिनिडाड एवं टोबैगो
ट्यूनीशिया
तुर्की
तुर्कमेनिस्तान
टुवालू
उगांडा
उक्रेन
संयुक्त अरब अमीरात
युनाइटेड किंगडम
संयुक्त राज्य अमरीका
उरुग्वे
उजबेकिस्तान
वनातु
वेटिकन सिटी
वेनेज्वेला
वियतनाम
यमन गणराज्य
युगोस्लाविया
जाम्बिया
जिम्बाब्वे

लैटविया | लेबनान | लेसोथो | लाइबीरिया | लीबिया | लिचटेंस्टीन | लिथुआनिया

लक्ज़मबर्ग | मेसेडोनिया | मेडागास्कर | मलावी | मलेशिया | मालद्वीव | माली

माल्टा | मार्शल आइसलैंड | मौरिटानिया | मारिशस | मैक्सिको | माइक्रोनेशिया | माल्दोवा

मोनाको | मंगोलिया | मोरक्को | मोजाम्बिक | म्यानमार | नामीबिया | नौरु

नेपाल | नीदरलैंड्स | न्यूज़ीलैंड | निकारागुआ | नाइजर | नाइजीरिया | नार्वे

ओमान | पाकिस्तान | पलाऊ | पनामा | पापुआ न्यू गिनी | पराग्वे | पेरु

फिलिपीन्स | पोलैंड | पुर्तगाल | कतर | रोमानिया | रशियन संघ | रुआंडा

सेंट किट्स एण्ड नेविस | सेंट लूसिया | सेंट विंसेन्ट तथा ग्रेन. | पश्चिमी समोआ | सैन मरीनो | साओ टोमे तथा प्रिन्सिपी | सऊदी अरेबिया

सेनेगल | सेशेल्स | सिएरा लियोन | सिंगापुर | स्लोवाकिया | स्लोवेनिया | सोलोमन द्वीप

सोमालिया | दक्षिण अफ्रीका | स्पेन | श्रीलंका | सूडान | सूरीनाम | स्वाज़ीलैंड

स्वीडन | स्विट्ज़रलैंड | सीरिया | तजाकिस्तान | तनज़ानिया | थाइलैंड | टोगो

टौंगा | ट्रिनिडाड एवं टोबैगो | ट्यूनीशिया | तुर्की | तुर्कमेनिस्तान | टुवालू | उगांडा

उक्रेन | संयुक्त अरब अमीरात | युनाइटेड किंगडम | संयुक्त राज्य अमरीका | उरुग्वे | उजबेकिस्तान | वनातु

वैटिकन सिटी | वेनेज्वेला | वियतनाम | यमन गणराज्य | युगोस्लाविया | जाम्बिया | जिम्बाब्वे

ाष्ट्रीय घटनाएं: 2003

जनवरी

गुजरात के पंचमहल जिले में एक और कस्बे लूनावड़ा में दो समुदायों के बीच दंगा भड़का; थलसेना के प्रमुख का दायित्व ग्रहण करने के बाद जनरल एन.सी. विज ने कहा कि जम्मू काश्मीर में सेना पूरी चौकसी बरतेगी; लगातार बारहवें वर्ष भारत–पाकिस्तान ने परमाणु प्रतिष्ठानों की सूची की अदला-बदली की।

सेल्युलर कंपनियों ने एस.टी.डी. दरें 2.99 रुपये प्रति मिनट कीं; पेट्रोल व डीजल के दाम एक रुपये प्रति लीटर बढ़े।

महाराष्ट्र में घाटनंदूर रेलवे स्टेशन पर सिकंदराबाद–मनमाड एक्सप्रेस उसी ट्रैक पर खड़े माल गाड़ी से टकराई, 18 मरे 41 से अधिक घायल; अंतर्राष्ट्रीय एथलेटिक महासंघ ने सोल प्रयोगशाला की गलती को स्वीकार करते हुए सुनीता रानी को डोपिंग के मामले से बरी कर दिया; बिहार में बंद के दौरान जीवन अस्त व्यस्त, ट्रेनों के रद्द होने से यात्री बेहाल।

. एटमी हमले के आदेश का अधिकार प्रधानमंत्री की अध्यक्षता वाली राजनीतिक परिषद को; तहलका मामले की जांच अब अवकाश प्राप्त न्यायमूर्ति एस.ए. फूकन करेंगे; उत्तर प्रदेश में भा.ज.पा. के 7 बागी विधायक वापस लौटे।

5. भा.ज.पा. ने केलकर रिपोर्ट की व्यक्तिगत आयकर और छोटी बचत पर ब्याज दरों के बारे में सिफारिशें खारिज कीं; कांग्रेस धर्मनिर्पेक्ष दलों से चुनावी तालमेल करने को तैयार; उपप्रधानमंत्री अडवाणी ने कहा कि ब्रिटेन, अमरीका और आस्ट्रेलिया में रह रहे भारतीय मूल के लोगों को दोहरी नागरिकता दी जायेगी; एम.वी. कामत प्रसार भारती के नये अध्यक्ष बने।

6. बी.एस.एन.एल. की एस.टी.डी. दरें भी कम होंगी।

7. एम.टी.एन.एल. ने भी सेल्यूलर एस.टी.डी. दरे घटाई; वीजा की अवधि समाप्त होने पर भी भारत में रह रहे पाकिस्तान के नागरिकों और अवैध रूप से बंगला देश के नागरिकों की शिनाख्त करके उन्हें वापस भेजा जायेगा।

8. राजधानी दिल्ली में शीत लहर के कारण सभी स्कूलों में तीन दिन का अवकाश; पंजाब ने हरियाणा को पानी देने से मना किया।

9. प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई ने प्रवासी भारतीय दिवस के उद्घाटन समारोह में प्रवासी भारतीयों को दोहरी नागरिकता देने की घोषणा की; सरकार ने मिरवाइज उमर की अमरीका यात्रा रोकी।

10. प्रवासी भारतीय सम्मेलन को नई दिल्ली में संबोधित करते हुए उप प्रधानमंत्री लाल कृष्ण अडवाणी ने कहा कि भारत धर्मनिर्पेक्षता से कभी नहीं हटेगा; वित्त मंत्री ने कई आर्थिक प्रतिबंध समाप्त करते हुए विदेश में निवेश की छूट की घोषणा की; उत्तर भारत में भयंकर शीत लहर; तमिलनाडु में लाटरी पर प्रतिबंध लगाया।

11. अग्नि–3 मिसाइल जोकि 3000 किलोमीटर तक मारक क्षमता की होगी का परीक्षण इस वर्ष के अंत तक किया जायेगा; हिमाचल प्रदेश, त्रिपुरा, मेघालय और नागालैंड में चुनाव 26 फरवरी को होंगें।

12. राजधानी दिल्ली में दो दिवसीय राज्यपालों के सम्मेलन को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति कलाम और प्रधानमंत्री वाजपेई ने कहा कि राज्यपाल राज–काज में सक्रिय भूमिका निभायें; प्रतिबंधित रणवीर सेना ने जहानाबाद जिले के मकदुमपुर थाने के अंतर्गत खाजपुरा गांव में तीन लोगों की हत्या कर दी।

13. पत्रकार इफ्तिखार गिलानी को अदालत ने रिहा किया।

14. उत्तर भारत में शीत लहर का प्रकोप जारी, राजस्थान के चुरु में तापमान शून्य से नीचे।

15. थलसेना अध्यक्ष जनरल एन.सी. विज ने कहा कि जम्मू काश्मीर में नियंत्रण रेखा पर से सैन्य तैनाती में कोई कटौती नहीं की जायेगी।

17. प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई ने शेयर बाजार में सुरक्षित माहौल लाने के लिये कहा कि मध्यम वर्ग निवेशक बने; कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सुशील कुमार शिंदे महाराष्ट्र में सत्तारूढ़ लोकतांत्रिक मोर्चे के नेता निर्वाचित।

18. कवि और लेखक हरिवंश राय बच्चन का 96 वर्ष की आयु में निधन; महाराष्ट्र में सुशील कुमार शिंदे ने मुख्यमंत्री पद की शपथ ली।

19. भारतीय राजनयिक सुधीर व्यास को पाकिस्तान में प्रताड़ित किया गया; गुजरात के पंचमहल जिले के पावागढ़ पर्वतीय क्षेत्र में दस रोपवे ट्रालियों में से तीन के टूटने से 7 मरे और 20 घायल।

20. संचार एवं सूचना टेक्नालोजी मंत्री प्रमोद महाजन की कोशिशों के बाद इंटरकनेक्टिव विवाद समाप्त; भारत ने पाकिस्तान में भारतीय राजनयिक सुधीर व्यास को प्रताड़ित करने पर कड़ा विरोध दर्ज कराया।

21. मोबाइल से मोबाइल पर इनकमिंग काल मुफ्त हुई; केरल के नेडुंगाड़ी बैंक लिमिटेड के पंजाब नेशनल बैंक में विलय को केंद्रीय मंत्रिमंडल ने मंजूरी दी; पाकिस्तान में भारतीय उपउच्चायुक्त सुधीर व्यास ने फिर से परेशान किये जाने की शिकायत की।

22. भारत ने पाकिस्तान के दो राजनयिको सहित चार लोगों को 48 घंटों के अंदर देश छोड़ने को कहा।
23. बदले की कार्रवाई करते हुए पाकिस्तान ने भारत के तीन राजनयिकों को निकाला; भारत ने फ्रांस को आश्वासन दिया कि फ्रांस जिस भी व्यक्ति को भारत प्रत्यावर्तित करेगा उसे फांसी की सजा नहीं दी जायेगी।
24. आई.सी.सी. और बी.सी.सी.आई. में टकराव टला; भारत दक्षिण अफ्रीका में विश्व कप क्रिकेट खेलेगा; भारत ने फ्रांस के साथ प्रत्यर्पण संधि पर हस्ताक्षर किये।
25. भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) ने बेसिक फोन और वायरलेस इन लोकल लूप में मिलने वाली छूट को कम किया; देश को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति ए.पी.जे. अब्दुल कलाम ने कहा कि विकसित राष्ट्र बनने के संकल्प लें।
26. देश का 54वां गणतंत्र दिवस धूमधाम से मनाया गया; सरकार ने तेल कंपनियों एच.पी.सी.एल. एवं बी.पी.सी.एल. में विनिवेश को मंजूरी दे दी।
27. मैच फिक्सिंग मामले में अजय जडेजा पर भारतीय क्रिकेट बोर्ड द्वारा पांच वर्ष के लगाय गये प्रतिबंध को दिल्ली उच्च न्यायालय की ओर से नियुक्त पंचाट ने निरस्त कर दिया।
28. उत्तर प्रदेश में कांग्रेस विधायक दल में विभाजन सात विधायकों ने अलग पार्टी बनाई; पश्चिम बंगाल के हावड़ा जिले में एक बस और तेल के टैंकर में आमने सामने की भिड़ंत में 42 मरे अनेक घायल।
29. मंत्रिमंडल में फेरबदल, अरुण जेटली और सी.पी ठाकुर की घर वापसी, प्रमोद महाजन पार्टी का काम देखेंगें, सुषमा स्वराज व शत्रुघन सिन्हा के विभागों में फेर–बदल; हिमाचल विधानसभा भंग।
30. प्रधानमंत्री वाजपेई के काफिले मे मोटर साइकल सवार घुसा; शिवसेना की कमान उद्धव ठाकरे को दी गई।
31. केंद्रीय गृह राज्य मंत्री आई.डी. स्वामी ने कहा कि सरकार आतंकवादियों से वार्ता के लिये तैयार; दिल्ली की निकिता आनंद फेमिना मिस इंडिया चुनी गई, अमी याशी व श्वेता विजय क्रमश: दूसरे व तीसरे स्थान पर।

फरवरी
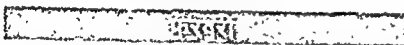
1. अंतरिक्ष यान कोलंबिया वापसी यात्रा के दौरान दो लाख फीट की ऊंचाई पर टुकड़े–टुकड़े हो गया भारतीय अंतरिक्ष यात्री कल्पना चावला समेत सभी 7 अंतरिक्ष यात्रियों की मौत
2. कोलंबिया अंतरिक्ष यात्रियों के अवशेष मिले, तीन प्रांतों में यान का मलबा बिखरा; कल्पना चावला की मृत्यु पर देश भर में दुख मनाया गया।
3. नोएडा में स्कूली बस व ट्रक की टक्कर में 10 घायल, 3 की हालत गंभीर।
4. केंद्र सरकार ने कच्चे तेल की रायल्टी बढ़ा कर 20 प्रतिशत की; धाविका सुनीता रानी को पदक वापस मिले; उत्तर प्रदेश में मायावती ने कांग्रेस से अलग [illegible] विधायकों में से 4 को मंत्री बनाया।
5. टाडा में दोषी उत्तर प्रदेश के निर्दलीय विधायक मुक्[illegible] अहमद अंसारी को दस साल की कड़ी कैद; के[illegible] सरकार ने अधिग्रहीत 77 एकड़ भूमि पर धार्[illegible] अनुष्ठान पर लगी रोक को हटाने के लिये उच्च[illegible] न्यायालय में याचिका दायर की।
6. अवैध बंगलादेशी प्रवासियों के बीच एक सप्ताह से ज[illegible] तनातनी तब समाप्त हो गई जब बंगला देश ने 2[illegible] बंगला देशियों को वापस ले लिया; गोधरा कांड [illegible] सूत्रधार मौलाना उमर गिरफ्तार।
7. जम्मू काश्मीर के आतंकवादियों को धन देने के मा[illegible] में दर्ज की गई एफ.आई.आर. में पाकिस्तान उच्चा[illegible] के प्रभारी जलील अब्बास का नाम भी शामिल।
8. भारत और पाकिस्तान ने एक दूसरे के मिशन प्रभा[illegible] को स्वदेश भेजा; दक्षिण अफ्रीका में विश्व कप क्रि[illegible] प्रारंभ।
9. अयोध्या मुद्दे पर कांची कामकोटि पीठ के शंकरा[illegible] से मुस्लिम पर्सनल ला बोर्ड बातचीत करने के [illegible] तैयार।
10. बोडो समस्या के लिये केंद्र, असम सरकार और [illegible] लिबरेशन टाइगर्स के बीच बोडो क्षेत्रीय परिषद के गठन [illegible] लिये ऐतिहासिक समझौता संपन्न; कावेरी नदी प्राधिक[illegible] ने कर्नाटक सरकार को आदेश दिया कि वो रोज 4500 क्यूसेक पानी तमिलनाडु के लिये छोड़े।
11. एयर इंडिया के यात्री विमान कनिष्क को मार गि[illegible] जाने के मामले में दोषी सिख युवक इंदरजीत [illegible] रेयात को पांच वर्ष की कैद।
12. विश्व कप के अपने पहले मैच में भारत ने पोलैंड [illegible] प्रभावहीन तरीके से हराया।
13. अयोध्या मामले पर सुप्रीम कोर्ट ने सरकार [illegible] अधिग्रहीत गैर विवादित भूमि पर भूमिपूजन और [illegible] धार्मिक गतिविधियों पर लगी रोक को हटाने [illegible] याचिका को नामंजूर कर दिया; दिल्ली को पूर्ण रा[illegible] देने का प्रस्ताव दिल्ली सरकार ने मंजूर किया।
15. दक्षिण अफ्रीका में खेले जा रहे विश्व कप क्रिके[illegible] भारत आस्ट्रेलिया से शर्मनाक हालत में पराजित
16. दिल्ली पुलिस स्थापना दिवस पर उप प्रधानमंत्री ल[illegible] कृष्ण अडवाणी ने कहा कि बंगला देशियों की पह[illegible] कर उन्हें खदेड़ा जाये; गुजरात के गृहमंत्री अमित [illegible] ने आरोप लगाया कि पंजाब के मंत्री प्रताप सिंह या[illegible] और अमरजीत सिंह सामरा और अन्य कांग्रेसी नेत[illegible] ने काल गर्ल्स की सेवायें लीं।
17. संसद के बजट सत्र के संयुक्त अधिवेशन को संबो[illegible] करते हुए राष्ट्रपति ए.पी.जे. अब्दुल कलाम ने कहा [illegible] अयोध्या मामले में कोर्ट जल्द फैसला करे और [illegible] फैसला दोनो पक्षों को मान्य हो; सेक्स कांड के पं[illegible] के दोनों मंत्रियों ने कहा कि वे मानहानि का मामला द[illegible] करेंगें।
18. विपक्ष ने अयोध्या मुद्दे पर चर्चा चुनाव तक टाली

भारत ने पाकिस्तान के साथ स्थाई शांति की दिशा में एक और कदम बढ़ाते हुए वहां उच्चायुक्त की नियुक्ति की घोषणा की; फिल्म अभिनेता सलमान खान पर गैर इरादतन हत्या का आरोप तय।

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री जफरुल्ला खान जमाली के न्यौते के जवाब में प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई ने बातचीत के लिये सही माहौल बनाने पर जोर दिया।

प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई ने स्वदेशी तकनीक से निर्मित बहुउद्देशीय हल्के लड़ाकू विमान (एलसीए) को तेजस नाम दिया; भारतीय क्रिकेट टीम के उप कप्तान राहुल द्राविड़ ने नागपुर की डाक्टर विजेता पेंढरकर से विवाह किया।

5. मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी के कार्यकर्ताओं ने भा.ज.पा. के वरिष्ठ नेता और केंद्रीय लघु उद्योग राज्य मंत्री तपन सिकदर पर हमला किया।

6. महिला आरक्षण विधेयक एक बार फिर आम सहमति न बन पाने के कारण टला; पाकिस्तान के प्रधानमंत्री जफरुल्ला खान जमाली ने भारत के साथ वायु, सड़क और रेल यातायात खोलने की घोषणा की।

7. त्रिपुरा में उग्रवादियों ने 31 गैर आदिवासियों को गोली से भून डाला; भारत ने स्पष्ट किया कि आतंकवाद रुके बातचीत संभव नहीं।

8. प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई ने संसद को आश्वस्त करते हुए कहा कि पाकिस्तान के साथ वार्ता पूरी तैयारी के साथ और देश के हितों को ध्यान में रखते हुए की जायेगी।

उच्चतम न्यायालय ने फोन वार्ता को पोटा के तहत सबूत माना।

भारतीय नेतृत्व ने अमरीकी विदेश उपमंत्री रिचर्ड आर्मिटेज से स्पष्ट किया कि पाकिस्तान द्वारा सीमा पार से आतंकवादी कार्रवाई के चलाने से शातिपूर्ण माहौल मुमकिन नहीं।

11. पश्चिम बंगाल में पंचायती चुनावों के दौरान हिंसा से 15 मरे।

12. भारतीय विदेश मंत्री यशवंत सिन्हा ने कहा कि पाकिस्तान के साथ बातचीत के लिये खाका तैयार।

13. टेलीफोन दरों में जन आक्रोश के कारण कमी; राष्ट्रपति शासन लागू करने संबधी संविधान के अनुच्छेद 356 के दुरुपयोग पर केंद्र और राज्य सरकारों के बीच सहमति।

14. भारत ने कहा कि अमरीका ने पाकिस्तान पर आतंकवाद समाप्त करने का जो दबाव बनाया है उसका असर अभी दिखा नहीं।

15. पंजाब में लुधियाना के निकट फ्रंटियर मेल के तीन डिब्बों में आग लग जाने से 38 लोग मरे; बी.एस.एन.एल. ने सेल्युलर दरें घटाईं।

16. उप प्रधानमंत्री लाल कृष्ण आडवाणी ने कहा कि पाकिस्तान को कश्मीर न सही आतंकवाद के बारे में अपना नजरिया बदलना चाहिये।

17. कवियत्री मधुमिता हत्याकांड के तहत उत्तर प्रदेश की मुख्यमंत्री मायावती ने राज्य मंत्री अमरकांत त्रिपाठी को मंत्री पद से हटाया।

18. पाकिस्तान की जेलों में वर्षो से बंद 20 भारतीयों को पाकिस्तान ने रिहा किया।

19. केंद्र सरकार ने दिल्ली में व्यवसायिक और औद्योगिक भूकंडों को लीज होल्ड सेफ्री होल्ड में बदलने की अनुमति दी।

20. देश के प्रमुख श्रमिक संगठनों ने अपनी मांगो को लेकर बैंक समेत कई संस्थानों में हड़ताल की घोषणा की।

21. दिल्ली उच्च न्यायालय ने दहेज निरोधक कानूनों के बढ़ते दुरुपयोग पर चिंता जताई; राजस्थान में सवर्ण गरीबों को 14 फीसदी आरक्षण।

22. केंद्रीय वित्त राज्यमंत्री एन.रामचंद्रन के प्रथम सहायक पेरलिस्वामी और घूस देने वाले राजस्व अधिकारी अनुराग वर्धन को घूस देने–लेने के मामले में गिरफ्तार किया गया; ईपीएफ की ब्याज दर घटेगी।

23. कृषि मंत्री अजीत सिंह और वित्त राज्यमंत्री जिन्जी रामचंद्रन ने मंत्रिमंडल से त्यागपत्र दिया।

24. मुंबई हवाई अड्डे पर केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल के कांस्टेबल राज नामदेव ने डिप्टी कमाडेंट की गोली मार कर हत्या कर अपने 6 साथियों को बंधक बना लिया, बाद में उसने आत्मसमर्पण कर दिया; मंत्रिमंडल में फेरबदल सात नये मंत्रि शामिल।

26. प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई ने नौकरियों में गरीब सवर्णों को आरक्षण देने के लिये आश्वासन दिया; लाहौर बस सेवा फिर से शुरू होगी।

27. पाकिस्तान ने भारत में अपने उच्चायुक्त के रूप में अजीज अहमद का नाम भेजा; झारखंड में बंद समर्थको पर गोलीबारी, 3 मरे।

28. प्रधानमंत्री वाजपेई ने कहा कि पाकिस्तान के साथ काश्मीर समस्या के लिये बड़े समझौते करने होंगे।

29. दिल्ली उच्च न्यायालय ने सुरक्षा नियमों का पालन न करने वाली गगनचुम्बी इमारतों के विरुद्ध सख्त आदेश दिये; आयात शुल्क घटाने से सेट टाप बाक्स सस्ता हुआ।

30. उत्तर प्रदेश में रा.लो.द. ने सरकार से समर्थन वापस लिया, एकजुट विपक्ष ने सरकार को बर्खास्त करने की मांग की।

31. कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी ने कहा कि उत्तर प्रदेश में वो स.पा. व रा.लो.द. को समर्थन देंगी।

जून

1. अमरीका के राष्ट्रपति जार्ज बुश ने आश्वासन दिया कि वह सीमापार आतंकवाद के बारे में पाकिस्तान से बातचीत करेगें; दानापुर–बक्सर रेलखंड पर मगध एक्सप्रेस के 14 डिब्बे पटरी से उतर जाने से 1 की मृत्यु व 25 घायल।

2. अमरीका समेत विश्व के पांच बड़े देशों ने सीमापार आतंकवाद को रोकने केलिये समर्थन देने का वादा किया।

3. प्रधानमंत्री वाजपेई ने कहा कि पाकिस्तान के साथ यातचीत पहले पाकिस्तान के कब्जे वाले काश्मीर पर होगी; देश के ज्यादातर हिस्से में गर्मी का प्रकोप जारी, आंध्र प्रदेश में मरने वालों की संख्या 1065 हुई।
4. प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई ने कहा कि चुनावों में नेता लालकृष्ण अडवाणी रहेंगें।
5. वाजपेई मंत्रिमंडल ने दिल्ली सहित 8 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में अन्य पिछड़े वर्ग की केंदीय सूची में कुछ नई जातियों को शामिल करने की मंजूरी देदी।
6. जम्मू काश्मीर लिवरेशन फ्रंट के नेता यासिन मलिक के खिलाफ वारंट जारी; पंजाब के जालंधर शहर के वूटा सिंह मंडी क्षेत्र में पुलिस और उग्र भीड़ के वीच झड़पों में दो मरे; मसूरी की आई.ए.एस. अकादमी में तीन लोगों की हत्या।
7. रक्षा मंत्री जार्ज फनार्न्डीज ने पाक के इस दावे को सिरे से खारिज किया कि पूरा जम्मू काश्मीर विवादित क्षेत्र है।
8. प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई ने कहा कि राजनीतिक पार्टियों और नेताओं को अयोध्या मामले से खुद को दूर रखना चाहिये।
9. देश के मुस्लिम नेताओं ने कांची कामकोटि के शंकराचार्य जयेंद्र सरस्वती के बयान की अधिसंख्य मुसलमान राम मंदिर के निर्माण का समर्थन कर रहे हैं की आलोचना की; उप प्रधानमंत्री लाल कृष्ण अडवाणी ने अमरीका के रक्षामंत्री रोनाल्ड रम्सफेल्ड को बताया कि भारत इराक में सेना भेजने पर विचार करेगा।
10. उप प्रधानमंत्री लाल कृष्ण अडवाणी ने अमरीका के राष्ट्रपति जार्ज बुश से भेंट की और बुश ने आतंकवाद रोकने पर सहमति जताई।
12. दिल्ली मे स्विमिंग पूल में डूब कर 15 वर्षीय किशोर की मृत्यु।
13. पंजाब में बादल और तोहड़ा गुट ने एक होने की घोषणा की; उत्तर प्रदेश के बर्खास्त राज्यमत्री अमरकांत त्रिपाठी को मघुमिता काड मे सम्मन जारी।
14. उप प्रधानमंत्री लालकृष्ण अडवाणी ने कहा कि शांति पहल के मामले में पाकिस्तान के रुख से भारत संतुष्ट नहीं।
15. सरकार ने स्पष्ट किया कि इराक में सेना भेजने के बारे में कोई निर्णय नहीं हो सका है।
16. लोकसभा स्पीकर मनोहर जोशी ने कहा कि महिला विधेयक पर आम राय के आसार; भारत द्वारा इराक में सेना भेजने पर अभी फैसला नहीं।
17. प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई कहा कि पाकिस्तान चौथी बार हारने की तैयारी कर रहा है।
18. प्रधानमंत्री की चीन यात्रा से पहले चीन ने सद्भावना दिखाते हुए कैलाश मानसरोवर की यात्रा करने की अनुमति दी।
19. तीनों सेनाओं की संयुक्त रक्षा गुप्तचर एजेंसी ने कहा कि जम्मू काश्मीर में ज़मीनी हालात में कोई बदलाव नहीं आया है और आतंकवादी घुसपैठ की फिराक में हैं।
20. राम मंदिर–बाबरी मस्जिद प्रकरण पर कांची कामकोटि पीठ के शंकराचार्य स्वामी जयेंद्र सरस्वती का फामूला आल इंडिया मुस्लिम पर्सनल ला बोर्ड को प्राप्त हो गया
21. आल इंडिया मुस्लिम पर्सनल ला बोर्ड के अध्यक्ष मौलाना रबे हसन नदवी ने कहा कि शंकराचार्य का फामूर्ला एक गंभीर प्रयास।
22. कांची कामकोठि पीठ के शंकराचार्य जयेंद्र सरस्वती ने कहा कि अयोध्या मसले का हल 6 जुलाई तक जरूर निकल आयेगा; प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई चीन पंहुचे।
23. भारत और चीन ने सीमा विवाद पर चर्चा के बाद सीमा व्यापार के विस्तार संबधी दस्तावेज और दोनो देशों के संबधों के नये युग की शुरुवात की, इस बीच भारत और चीन के बीच 9 अहम समझौते किये गये; महाराष्ट्र के सिंधुदुर्ग जिले में करवार–मुंबई विशेष ट्रेन के दुर्घटनाग्रस्त होने से 34 मरे अनेक घायल।
24. सीमा विवाद को सुलझाने के लिये भारत और चीन ने विशेष प्रतिनिधि नियुक्त करने का फैसला किया।
25. निर्वाचन आयोग ने दिल्ली सहित मध्य प्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़ और मिजोरम में अनिधिकृत निर्माण गिराने या झुग्गी–झोपड़ी बस्तियों को हटाने पर रोक लगाई।
26. प्रधामंत्री अटल बिहारी वाजपेई ने सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में भारत और चीन के बीच प्रभावशाली गठजोड़ का प्रस्ताव किया।
27. प्रधामंत्री अटल बिहारी वाजपेई ने कहा कि तिब्बत के मामले में भारत झुका नहीं और संकेत दिया कि सिक्किम के मामले में चीन के सकारात्मक रुख है
28. जम्मू में संजुआन सैनिक शिविर पर आत्मघाती हमले में 12 सैनिक मारे गये और 7 घायल हुए; लोकपाल विधेयक मानसून सत्र में रखा जायेगा, प्रधानमंत्री भी इसके दायरे में होंगे; पाकिस्तानी जनरल ए.के. नियाजी ने 1971 के युद्ध में भारतीय सेनाओं के सामने आत्मसमर्पण के दौरान जो पिस्टल सौंपी थी वो राष्ट्रीय संग्रहालय से चोरी हो गई।
28. सेना ने दावा किया कि जनरल नियाजी की पिस्तौल सुरक्षित।
31. भारत में पाकिस्तान के उच्चायुक्त अजीज अहमद खान भारत पंहुचे; कैस पर कशमकश जारी, दरें तय नहीं हो पाईं।

जुलाई

1. केबल आपरेटरों ने कैस के मामले में दोहरी प्रणाली अपनाने से नामंजूर कर दिया।
2. आंध्र प्रदेश के वारंगल के निकट गोलकुंडा एक्सप्रेस के दुर्घटनाग्रस्त होने से 20 लोग मरे, अनेक घायल।
3. विश्व हिंदू परिषद ने अयोध्या मुद्दे पर प्रधानमंत्री वाजपेई से त्यागपत्र की मांग की।
4. देश के चार महानगरों में केबल टी.वी. दर्शकों को अपने पसंद के चैनेलों के चयन के लिये कैस को पहले

क टाल दिया गया; जम्मू काश्मीर के ग्रामीण
मंत्री पीरजादा मोहम्मद सईद पर जानलेवा
बाल–बाल बचे।
रत में मानसून ने दस्तक दी, अनेक जगह भारी
विशेष अदालत में सी.बी.आई. के वकील ने कहा
बाबरी मस्जिद गिराने के लिये मुरली मनोहर जोशी
लालकृष्ण अडवाणी ने उकसाया।
इंडिया मुस्लिम पर्सनल ला बोर्ड ने कांची के
कराचार्य जयेंद्र सरस्वती के अयोध्या मसले पर
स्तावों को नामंजूर किया; भारत की सानिया मिर्जा ने
रूस की एलिसा क्लेयानोवा के साथ मिलकर लंदन में
चल रही विम्बलडन टेनिस चैम्पियशिप का युगल
खिताब जीता।
कांची के शंकराचार्य जयेंद्र सरस्वती ने कहा कि उनके
दरवाजे अभी भी मुस्लिम नेताओं से वार्ता के लिये खुले
हैं; बोफोर्स मामले में उच्चतम न्यायालय ने दिल्ली उच्च
न्यायालय के तीन हिंदुजा भाइयों के खिलाफ दायर
आरोप पत्र को निरस्त्र करने के फैसले को रद्द कर
दिया।

8. पश्चिम बंगाल में दार्जिलिंग मे भूस्खलनों से 20 की मौत,
6 लापता अध्यक्ष सोनिया गांधी ने कहा कि आगामी
चुनावों में उनकी पार्टी धर्मनिर्पेक्ष दलों के साथ गठबंधन
करने के लिये तैयार।

10. प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई सार्क बैठक मे हिस्सा
लेने के लिये इस्लामाबाद जायेंगे, सरकार ने सार्वजनिक
क्षेत्र की पाच कंपनिया विदेश सचार निगम लिमिटेड
सी एम सी, इंडियन पेट्रोकेमिकल्स, आई.पी.पी और
बाल्को में अपने बचे शेयरों को बेचने का फैसला किया।

1. उत्तर भारत मे भारी वर्षा जन–जीवन प्रभावित; कैस के
लिये नई अधिसूचना जारी।

12. भा.ज.पा अयोध्या मसले पर बिल लायेगी, नेशनल
कांफ्रेंस ने रा.ज.ग. से नाता तोड़ा।

13. उपप्रधानंत्री लालकृष्ण अडवाणी ने कहा कि सकीर्ण
हिंदुत्व भा.ज.पा. को मजूर नहीं लेकिन हिंदुत्व व मंदिर
मुद्दे आवश्यक।

14. भारत ने अमरीका के इस आग्रह को कि इराक में हालत
सामान्य करने के लिये भारत अपनी सेना वहां भेजे को
ठुकरा दिया; प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई ने वरिष्ठ
पेंशन बीमा योजना और सार्वभौमिक स्वास्थ्य बीमा
योजना का शुभारंभ किया।

15. महिला आरक्षण के लिये सीटे बढ़ाने के लिये सहमति;
दिल्ली –लाहौर बस से इलाज करने भारत आई ढाई
वर्ष की बच्ची नूर फातिमा का बंगलौर के अस्पताल में
दिल का सफल आपरेशन।

16. कुल्लू में बादल फटने से 200 लोग बहे; ताज
कॉरिडोर परियोजना की सी.बी.आई. जांच के आदेश;
फसल ऋण की ब्याज दरों में भारी कटौती; रेलमंत्री
नितीश कुमार ने अपना त्यागपत्र वापस लिया।

17. राजधानी दिल्ली में यूनिट एरिया प्रणाली 1 अप्रैल से
लागू होगी; गुजराती कवि राजेंद्र शाह को 2001 का
ज्ञानपीठ पुरस्कार; भा.ज.पा. नेता ब्रह्मदत्त द्विवेदी की
हत्या के आरोप में निर्दलीय विधायक विजय सिंह को
सी.बी.आई. की अदालत ने उम्र कैद की सजा सुनाई

18. प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई ने कहा कि वे मंदि
विवाद में नहीं पड़ना चाहते हैं।

19. अयोध्या मुद्दे पर संघ परिवार से उठते विरोध को श
करने के लिये भारतीय जनता पार्टी की राष्ट्रीय
कार्यकारणी ने रामजन्म भूमि पर मंदिर निर्माण के लिये
ससद में विधेयक लाने के पक्ष में राय दी।

20. तेलगु देशम पार्टी अयोध्या में मंदिर निर्माण के मामले
पर विधेयक लाने के विरुद्ध।

21. बाबरी मस्जिद विध्वंस मामले में केंद्र सरकार द्वार
सी.बी.आई. का दुरुपयोग करने के आरोप पर विप
ने लोकसभा की कार्रवाई नही चलने दी और प्रधानमं
का त्यागपत्र मांगा।

22. जम्मू के निकट अखनूर में एक सैनिक शिवि
फौजियों की वर्दी पहने आतंकवादियों के आत्मघा
हमले में ब्रिगेडियर समेत सात जवान मारे गये, तीनो
आतंकवादी भी मारे गये।

23. उच्चतम न्यायालय ने एक एतिहासिक फैसले मे समान
नागरिक संहिता लागू करने के पक्ष में अपनी राय दी
रक्षा मंत्री जार्ज फर्नान्डीज ने सैन्य शिविर पर हमले के
लिये पाकिस्तान को दोषी ठहराया।

24. वित्त मंत्री यशवंत सिन्हा ने कहा कि भारत पाकिस्
के 20 बच्चों के इलाज का खर्च वहन करेगा; म
प्रदेश के भिंड के थियेटर में आग लगने से 8 मरे अनेक
घायल।

25. भारत और चीन टकराव की ओर, चीन ने कहा कि
अरुणाचल भारत का हिस्सा नहीं जबकि भारत का कहना
है कि अरुणाचल प्रदेश भारत का अभिन्न हिस्सा है।

26. केंद्रीय मंत्रियों का एक समूह स्टार और कैस के मसल
को सुलझायेगा।

27. अरुणाचल प्रदेश में सत्ताधारी दल के 29 विधाय
ने अलग गुट बनाया सरकार संकट में; प्रधानमंत्री
किसानों के लिये ब्याज दरों में कटौती की घोषणा
मणिपुर के मुख्यमंत्री ओकराम इबोबी सिंह उग्रवा
द्वारा किये गये प्राणघातक हमले में बाल–बाल

28. ताज कारिडोर प्रकरण पर उत्तर प्रदेश की मु
मायावती ने केंद्रीय मंत्री जगमोहन के इस्तीफे
की; अरुणाचल प्रदेश में गेगांग अपांग ने सरक
का दावा किया; मुंबई में बस में बम फटा, 3
घायल।

29. उत्तर प्रदेश की मुख्यमंत्री मायावती ने के
जगमोहन की बर्खास्तगी की मांग व
अरुणाचल प्रदेश में राजनीतिक संकट
युनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट और कांग्रेस
बहुमत का दावा किया।

30. सी.बी.आई. ने स्वीकार किया कि अयोध्य
ढांचा गिराये जाने के मामले में सबूत
कराये गये टेप मे लालकृष्ण आडवाणी

जोशी और उमा भारती के भाषण के अंश नहीं है; नासिक में कुंभ मेला प्रारंभ।

. राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने बेस्ट बेकरी कांड की ताजा सुनवाई के लिये उच्चतम न्यायालय में विशेष अनुमति याचिका दायर की; राम मंदिर आंदोलन से जुड़े अयोध्या के शीर्ष संत परमहंस रामचंद्र दास का 92 वर्ष की आयु में निधन।

अगस्त

संत परमहंस रामचंद्र दास की अंत्येष्टि के अवसर पर प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई और उप प्रधानमंत्री लालकृष्ण अडवाणई ने अयोध्या में राम मंदिर बनाने के संकल्प को दुहराया।

उप प्रधानमंत्री लाल कृष्ण अडवाणी ने कहा कि सरकार लोकसभा और विधानसभाओं के चुनाव एक साथ कराना चाहती है; अरुणाचल प्रदेश में चार वर्ष पुरानी मुकुट मिथि की सरकार गिरी।

प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई ने कहा कि अयोध्या में मंदिर निर्माण पर सरकारी नीतियों में कोई बदलाव नहीं; सूरत के एक इलाके में विस्फोट से एक चार मंजिला इमारत के ढह जाने से 38 मरे अनेक घायल।

प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई ने लोकसभा मे कहा कि उन पर राम मंदिर के मामले को लेकर कोई दबाव नहीं है।

सेंटर फार साइंस एंड इन्वायरमेंट ने दिल्ली और इसके आसपास बिकने वाले साप्ट ड्रिंक के 12 मुख्य ब्रांडों में कीटनाषक अवशेष पाये जाने का दावा किया; जम्मू काश्मीर में सरकारी हेलिकाप्टर के दुर्घटनाग्रस्त होने से पायलट सहित चार अमरनाथ जा रहे तीर्थयात्री मारे गये।

संसद की लोक लेखा समिति ने कारगिल युद्ध के दौरान रक्षा मंत्रालय द्वारा की गई खरीद में हुई अनियमितताओं की जांच के मामले में कोई भी निष्कर्ष देने से इंकार कर दिया; उच्चतम न्यायालय ने एक महत्वपूर्ण फैसले में कहा कि सरकारी कर्मचारियों को किसी भी परिस्थिति में हड़ताल पर जाने का कोई हक नहीं है।

गुजरात सरकार ने बेस्ट बेकरी के मामले में सुनवाई अदालत के फैसले के खिलाफ उच्च न्यायालय में अपील की।

हिमाचल प्रदेश के कुल्लु जिले में सोलांग नल्ला के निकट बादल फटने से आई बाढ़ से 41 लोगों के बहने की आशंका है, 26 के शव मिले।

संसद भवन परिसर के तीन सुरक्षाकर्मीयों को डुप्लीकेट को पहचानने के मामले में चूकने के कारण निलंबित कर दिया गया।

10. प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई ने दिल्ली को पूर्ण राज्य का दर्जा दिये जाने की घोषणा की।

11. कैबिनेट ने दिल्ली को पूर्णराज्य देने और गोहत्या पर पाबंदी संबधी विधेयक लाने पर हामी भरी; तेल एवं प्राकृतिक गैस निगम के कर्मचारियों को लेकर जा रहा हेलीकाप्टर अरब सागर में दुर्घटना के बाद गिरा, चार शव मिले 22 लापता।

12. भा.ज.पा. अध्यक्ष वेंकैया नायडू ने कहा कि लोक सभा चुनाव समय से पहले कराने पर कोई विचार नहीं।

13. दिल्ली हाई कोर्ट ने इटली की कार कंपनी फियेट द्वारा सचिन तेंदुलकर को उपहार में दी गई कार पर एक करोड़ तेरह लाख रुपये का आयात शुल्क माफ किये जाने पर सचिन और केंद्र सरकार को नोटिस दिया।

14. सुप्रीम कोर्ट ने देश भर में मेडिकल व इंजीनियरिंग कालेजों द्वारा ली जाने वाली कैपिटेशन फीस पर रोक लगा दी; कांग्रेस ने सरकार के विरुद्ध अविश्वास प्रस्ताव रखा।

15. देश भर में स्वतंत्रता दिवस मनाया गया, इस अवसर पर लाल किले से देश को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई ने कहा कि चांद पर अपना यान पांच साल में पंहुचेगा।

16. कांग्रेस द्वारा लोकसभा में सरकार के विरुद्ध अविश्वास प्रस्ताव रखे जाने पर रा.ज.ग. ने अपनी रणनीति तैयार की और कहा कि सरकार को कोई खतरा नहीं।

17. वरिष्ठ कांग्रेस नेता एन.के.पी. साल्वे और वसंत साठे ने कांग्रेस छोड़ी।

18. अविश्वास प्रस्ताव पर बोलते हुए विपक्ष की नेता सोनिया गांधी ने सरकार पर तीखे प्रहार किये, उप प्रधानमंत्री लाल कृष्ण अडवाणी ने सरकार के काम गिनाये।

19. अविश्वास प्रस्ताव के दौरान दोनो पक्षों द्वारा सार्थक बहस के बजाये आरोपों प्रत्यारोपों का दौर चला।

20. अमेठी के भा.ज.पा. नेता संजय सिंह कांग्रेस में शामिल हुए। टेनिस खिलाड़ी लियेंडर पेइस के दिमाग में गांठ का पता चला।

21. पेप्सी, कोक सहित देश में बिकने वाले शीतल पेयों में कीटनाशकों और स्वास्थ्य के लिये खतरनौक तत्वों की मौजूदगी के मामले की छानबीन संसद की संयुक्त जांच समिति करेगी।

22. सरकार कैस के मामले पर अपने वादे से पीछे हटी

23. उत्तर पश्चिम दिल्ली के शकूरबस्ती में रेलवे शेड के पास एक पैसेंजर गाड़ी के सामने से आ रहे इंजन से टकरा जाने से 2 मरे 18 घायल।

24. केंद्रीय गृहमंत्री आई.डी. स्वामी ने कहा कि केंद्र सरकार काश्मीर में किसी से भी वार्ता करने को तैयार।

25. मुंबई के मुंबादेवी और गेटवे आफ इंडिया के भीड़भाड़ वाले इलाके में दो शक्तिशाली बम विस्फोटों में 47 मरे 130 घायल; उत्तर प्रदेश में भा.ज.पा. ने मायावती सरकार से समर्थन वापस लिया; भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण रिपोर्ट में कहा गया कि अयोध्या में 10वी. सदी के मंदिर के सबूत मिले हैं

26. उत्तर प्रदेश में राज्यपाल ने विधायकों की सूची मांगी; म

27. नासिक कुंभ में भगदड़ मच

. अहमदाबाद से 70 किलोमीटर दूर विरमगाम में भड़की साम्प्रदायिक हिंसा में चार मरे, 40 घायल।

. तंदूर कांड में सुशील शर्मा दोषी, बगिया रेस्टोरेंट के मैनेजर को अदालत ने हत्या के आरोप से मुक्त किया।

. प्रसिद्ध रंगकर्मी सफदर हाशमी और मजदूर राम बहादुर की हत्या के जुर्म में कांग्रेस नेता मुकेश शर्मा और उसके 9 साथियों को आजीवन कारावास व 25-25 हजार रुपये जुर्माने की सजा दी गई।

. प. बंगाल के जलपाइगुड़ी जिले के चाय बागान में सीटू के नेता के घर में आग लगा देने से 21 मजदूरों की मृत्यु।

. बहुचर्चित तंदूर कांड के मुख्य अभियुक्त सुशील शर्मा को कोर्ट ने नैना साहनी की हत्या के जुर्म में मौत की सजा सुनाई।

. अंग्रेजी समाचार पत्र दी हिंदू के दो संपादकों समेत पांच वरिष्ठ पत्रकारों ने तमिलनाडु विधानसभा अध्यक्ष से मिली सजा के फैसले को चुनौती देने वाली एक याचिका सुप्रीम कोर्ट में दायर की; एयर इंडिया के बेड़े में 28 नये विमान शामिल होंगे।

. भारतीय क्रिकेट टीम मार्च में पाकिस्तान के दौरे पर जायेगी।

0. तमिलनाडु में पत्रकारों की गिरफ्तारी पर उच्चतम न्यायालय ने रोक लगाई।

1. स्विस राजनयिक का बलात्कारी दिल्ली पुलिस की गिरफ्त में।

2. महाराष्ट्र में 30,000 करोड़ रुपये के स्टांप पेपर घुटाले में मुंबई उच्च अधिकारियों के विरुद्ध 27 नवंबर तक कार्रवाई करेगी; तमिलनाडु की मुख्यमंत्री जयललिता ने कहा कि पत्रकारों के मामले में सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर अमल किया जाये।

4. वर्ष 2010 के राष्ट्रमंडल खेल दिल्ली में आयोजित होंगे।

5. भारत न्यूजीलैंड के हरा कर टी.वी.एस. कप क्रिकेट फायनल में पंहुचा।

6. केंद्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्री दिलीप सिंह जुदेव द्वारा कथित रूप से रिश्वत लेते हुए वीडियो बनी।

7. केंद्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्री दिलीप सिंह जुदेव ने त्यागपत्र दिया, सी.बी.आई. जांच शुरु; उत्तर प्रदेश के सरकारी वकील को हटाया गया, अयोध्या मामले पर नया पूरक शपथपत्र।

8. गाजियाबाद में स्टेट बैंक आफ इंडिया की एक शाखा में 81 लाख की लूट लुटेरे 59 करोड़ रुपये छोड़ गये; तमिलनाडु की मुख्यमंत्री जयललिता के खिलाफ दो मामलो की सुनवाई कर्नाटक में होगी।

9. असम में 26 बिहारियों की हत्या, 40 लोग घायल।

0 असम में हिंसा से बिहारियों का पलायन शुरु मरने वालों की संख्या 34 हुई, आठ शहरों में कर्फ्यू।

1. सुप्रीम कोर्ट ने गुजरात दंगों से जुड़े दस मामलों की सुनवाई के तौर तरीकों पर गंभीर चिंता व्यक्त करते हुए उनकी सुनवाई पर स्थगनादेश दिया; घूस के आरोपों से घिरे क्रिकेट खिलाड़ी अभिजीत काले निलंबित।

22. असम में बिहारियों के विरुद्ध चल रही कई दिनों से हिंसा में तिनसुकिया जिलें में उल्फा उग्रवादियों ने 11 लोगों की गोली मार कर हत्या कर दी और 23 को घायल कर दिया।

23. कैट परीक्षा के प्रश्नपत्र लीक करने वालों का पर्दाफाश, एक डाक्टर समेत 10 लोग गिरफ्तार; केंद्रीय मंत्री मुरासोली मारन का 69 वर्ष की आयु में निधन; असम में हिंसा जारी 2 को जिंदा जलाया।

24. तांसी भूमि घोटाले में तमिलनाडु की मुख्यमंत्री जे. जयललिता और चार अन्य को भ्रष्टाचार के आरोपों से बरी करने के चेन्नई हाईकोर्ट के फैसले को सुप्रीम कोर्ट ने बरकरार रखा; टुनटुन के नाम से मशहूर हास्य अभिनेत्री उमा देवी का निधन।

25. भारत और पाकिस्तान के बीच जम्मू काश्मीर में अंतर्राष्ट्रीय सीमा, नियंत्रण रेखा और सियाचिन के इलाके में गोलियों का अदानप्रदान बंद हो गया; गुजरात के घोड़ासर दंगों में 12 को आजीवन कारावास।

26. भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष विराम जारी होने के बाद गोलाबारी पूरी तरह से रुकी।

27. मुंबई के पूर्व पुलिस आयुक्त आर.एस. शर्मा ने कहा की स्टांप घोटाले में कई मंत्रियों के हाथ है।

28. महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री सुशील कुमार शिंदे ने स्टांप घोटाले में मुंबई के पूर्व पुलिस आयुक्त आर.एस. शर्मा के खिलाफ विभागीय कार्यवायी करने के संकेत दिये।

29. असम के कर्बी आंगलोग जिले के एक कर्बी बहुल गांव में कूकि आतंकवादियों ने 80 घरों को जलाया 8 मरे अनेक घायल।

30. चुनाव आयोग ने आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन के आरोप में भा.ज.पा. के अध्यक्ष एम. वैकय्या नायडु और गोल मार्केट से उम्मीदवार पूनम आजाद को नोटिस जारी किये।

दिसंबर

1. महाराष्ट्र के नासिक शहर में अभय बंसल के घर में मारे गए एक छापे में स्टांप और नोटों का अंबार मिला; मध्य प्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़ और दिल्ली में मतदान संपन्न, कहीं छिटपुट हिंसा।
2. मिजोरम में सत्तारुढ़ मिजो नेशनल फ्रंट ने 40 सदस्ययीय राज्य विधानसभा में 21 सीटें जीत कर पूर्ण बहुमत प्राप्त किया है।
3. मिजोरम में सोरा तांग फिर से मुख्यमंत्री बने।
4. भारत-आस्ट्रेलिया टेस्ट श्रृंखला की शुरुवात।
5. पांच राज्यों के चुनावों में भा.ज.पा. को राजस्थान, मध्यप्रदेश एवं छत्तीसगढ़ में भारी बहुमत, दिल्ली में कांग्रेस को बहुमत मिला जबकि मिजोरम में नेशनल मिजो फ्रंट ने सरकार बनाई। गुजरात एवं केरल के विधानसभा उपचुनाव में कांग्रेस एवं यूडीएफ को विजय प्राप्त। इसके साथ
मुख्यमंत्रियों का र
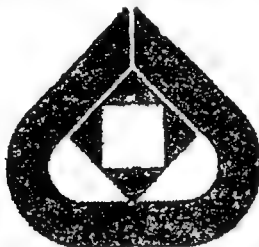
या कि इराक सहयोग कर रहा है लेकिन अभी ... य लगेगा; कोफी अन्नान ने कहा कि निरीक्षकों को र्य पूरा करने के लिये पर्याप्त समय दिया जाना हिये; कैमरून में वस की टक्कर में 70 मरे। ट्रपति वुश ने अफ्रीका और कैरेवियन में एड्स के लिये 5 विलयन डालर की आपातकाल योजना का प्रस्ताव रखा; एरियल शेरोन की लिकुड पार्टी की संख्या जोकि 120 सदस्यों में 37 थी दुगनी हो गई; पूर्व नोवल समिति की डायरी से पता चला कि महात्मा गांधी को नोवल शांति पुरस्कार के लिये 1937, 1938, 1939, 1947 और 1948 में नामांकित किया गया था।

0. मीडिया जियांट एओएल टाइम वार्नर को 2002 में 100 विलयन डालर का घाटा हुआ, चिकित्सीय शोधकर्ताओं का कहना है कि कंप्यूटर स्क्रीन के आगे घंटो वैठने से रक्त के थक्के वनने के आसार होते हैं जो जीवन के लिये घातक सिद्ध हो सकते हैं, युरोप के आठ देशों (ब्रिटेन, स्पेन, इटली, पुर्तगाल, हंगरी, पोलैंड, डेनमार्क और चेक) ने इराक के विरुद्ध युद्ध में अमरीका का साथ देने को कहा, थाईलैंड ने कम्बोडिया के साथ फ्नोम्ह पेन्ह मे थाइयों के विरुद्ध दंगों के वाद संवंध तोड़े।

फरवरी

1. कोलंविया अतरिक्ष यान अपने 16 दिवसीय परियोजना को पूरा करके जब पृथ्वी पर वापस लौट रहा था दुर्घटनाग्रस्त हो गया और इसमे चालक दल के 7 जिसमें भारतीय मूल की कल्पना चावला भी थी सभी मारे गये, युनिसेफ ने लिट्टे से बच्चों को भर्ती न करने का आग्रह किया।

कदीय लागोस में विस्फोट से 30 मरे, नासा कोलविया यान दुर्घटना की जांच पूरी होने तक सभी अतरिक्ष अभियान स्थगित रखेगा, ब्रुनाई के सुल्तान और उनकी दूसरी पत्नी मरियम हाजी अब्दुल अजीज में तलाक हुआ।

3. इजराइल के एक दैनिक के अनुसार कोलविया यान के वायें विंग में दो क्रेक थे, जर्मनी में श्रोएडर की पार्टी एसडीपी पराजित, सीडीपी को 48% मत मिले, किर्गिजस्तान में नये संविधान को मंजूरी।

4. वेनेजुएला में दो महीने तक राष्ट्रपति को हटाने की हड़ताल विफल; संयुक्त राष्ट्र ने वर्ष 2003 को अंतर्राष्ट्रीय साफ जल वर्ष घोषित किया, फ्रांस में फ्रांस-ब्रिटेन की 25वीं वैठक प्रारंभ, युगोस्लाविया की संसद ने नये देश सर्विया मांटेनग्रो के लिये चर्चा करने के लिये देदी।

5. अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय ने अमरीका को 3 मैक्सिकोवासियों को फिलहाल सजा पर कार्रवाई न करने को कहा; वंगलादेश की पैरा मिलिट्री गार्ड्स को 200 वंगला भाषा बोलने वालों को स्वीकार न करने पर भारत के साथ पैदा हुए तनाव को लेकर उच्च स्तर पर सतर्क किया; कॉलिन पावेल ने संयुक्त राष्ट्र में इराक के विरुद्ध साक्ष्य रखे; सद्दाम हुसैन ने अलकायदा से किसी प्रकार के संवंध को नकारा; युगोस्लाविया अव देश नहीं रहा सर्विया मांटेनग्रो नामक नये देश का उदय हुआ।

6. अस्त्र निरीक्षक हान्स ब्लिक्स ने कहा कि अभी तक ऐसा कोई साक्ष्य नहीं मिला है जिससे सावित हो कि इराक के पास जनसंहारक हथियार हैं; फ्रांस, चीन और रूस का कहना है कि इराक में निरीक्षण का कार्य जारी रखना चाहिये।

7. आस्ट्रेलिया का पहला क्लोन्ड भेड़ मरा; हमास का कहना है कि वो फिलीस्तीनियों का नेतृत्व करने को तैयार है; इराक ने संयुक्त राष्ट्र के अधिकारियों को अपने वैज्ञानिकों से साक्षात्कार करने की अनुमति दी।

8. अस्त्र निरीक्षक ब्लिक्स फिर से वगदाद पंहुचे।

9. इराक ने सयुंक्त राष्ट्र निरीक्षकों को परमाणु क्षेत्र के नये दस्तावेज सौंपे, अरव देशों द्वारा इराक के विरुद्ध युद्ध को टालने के लिये राजनयिक कार्रवाई प्रारंभ, इंडोनेशिया और मलेशिया में इराक के विरुद्ध युद्ध को लेकर विरोध प्रदर्शन; दक्षिण अफ्रीका में विश्व कप क्रिकेट प्रारंभ, वोगोटा के नाइट क्लव में विस्फोट 12 मरे।

10. जर्मनी, फ्रांस, वेल्जियम ने तुर्की पर इराक के मिसाइल आक्रमण की चेतावनी पर नाटो की गतिविधियों को रोका; चीन की पहली क्लोन्ड वकरी ने जुड़वा वच्चों को जन्म दिया।

11. आस्ट्रेलिया के शेन वार्न वर्ल्ड कप में रक्त परीक्षण में पाजिटिव पाये जाने से निलंवित; शिकागो को ओस्कर के लिये 13 नामांकन मिले; मक्का में शैतान को पत्थर मारने की प्रथा में मची भगदड़ में 19 मरे; नाइजीरिया ने जिम्वाववे को कामनवेल्थ में लाने की मांग रखी; इजराइल फिलीस्तीनियों के लिये वंद।

12. हीथ्रो पर आतंकवादी हमले की रिपोर्ट को लेकर ब्रि... ने चौकसी वढ़ाई; कहा जाता है कि ओसामा ने इराकि... को ... से अमरीकी संस्थानों पर हमला करने को ... इजराइल ने वेथलेहम में टैंक भेजे; कांगो में इ... वायरस फैलने से 38 मरे।

13. सीआईए का कहना है कि उत्तरी कोरिया कि मि... कैलिफोर्निया तक मार करने में समर्थ हैं; यु... यूनियन ने जिम्वावये पर एक वर्ष का प्रतिवंध ... वोलविया की राजधानी में विरोध कर रहे पुलिस और सेना के वीच झड़प में 14 मरे; ओस... लादेन का नया टेप मिला जिसमें उसने अपने शहीद के तौर पर मृत्यु की भविष्यवाणी की।

14. अस्त्र निरीक्षक ब्लिक्स ने कहा कि इराक ... प्रकार का जनसंहारक हथियार मिलने की ... हुई है; उत्तरी कोरिया ने आईएईए के निर्णय ... विपदा को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में भे... किया; पहली मैमेल क्लोन्ड डाली की मृ...

15. लंदन, मास्को, एथेन्स, वर्लिन, रोम ... सियोल, कुआलम्पुर आदि शहरों में यु... प्रदर्शन।

. लंदन के व्यस्त इलाके में 8 वर्ग मील तक पांच पाउंड का कर लगाया गया; फ्रांस के राष्ट्रपति चिराक का कहना है कि सद्दाम सत्ता से हटकर विश्व पर अनुग्रह करेंगें।

. शिकागो के नाइट क्लब में आग लगने से 21 मरे; जहां युरोपियन यूनियन के नेता इराक पर झगड़े को कम करने की कोशिश कर रहे हैं वहीं पर नाटो ने तुर्की से समझौता किया; आई.सी.सी. अम्पायर पीटर विली ने सुरक्षा के डर से जिम्वावबे मैच से हटने का फैसला किया।

. दक्षिण कोरिया में दो सवबे ट्रेनों में लूटपाट के उद्देश्य से हुए आक्रमण में 130 से अधिक मारे गये और 100 लापता; चीन अक्टूबर में मानव सहित अंतरिक्ष यान का प्रक्षेपण करेगा; कम्युनिकेशन टायकून टी. आनन्द कृष्णन इस वर्ष मलेशिया के सबसे धनी व्यक्ति (2.3 बिलियन डालर) हैं; अमरीका में वर्फ के तूफान से 28 मरे; वेनेजुएला सरकार व विपक्ष में अहिंसा संधि पर हस्ताक्षर।

इरान का सैनिक वायुयान ध्वस्त इस्लामिक रिवाल्युशनरी गार्ड्स कार्प्स के 302 सदस्य मरे; गाजा में इजराइली हमले में 11 मरे; नाटो तुर्की को इराक युद्ध के दौरान सुरक्षा प्रदान करेगा।

पाकिस्तान के वायु सेना के प्रमुख मुशफ अली मिर और 16 अन्य जिनमें उनकी पत्नी और 3एवीएम शामिल थे कोहाट के निकट फाकर यान के गिर जाने से मारे गये; अरमीनिया चुनावे में राष्ट्रपति कोचारिन आवश्यक 50% मत पाने में असफल रहे; पूर्व जाम्विया के राष्ट्रपति चिलुवा भ्रष्टाचार के आरोपों में हिरासत में लिये गये; फ्रांस–अफ्रीकन वैठक प्रारंभ।

एक रिपोर्ट के अनुसार संपूर्ण विश्व में इंटरनेट को प्रयुक्त करने वालों की संख्या 2002 के अंत तक 58 करोड़ हो गई; मदर टेरेसा का वीटिफिकेशन 19 अक्टूबर को होगा; रोडे आइसलैंड के एक नाइट क्लब में आग लगने से 100 मरे; अमरीका ने घोषणा की कि अफगान के गुलबुद्दीन हेकमतयार को अल कायदा और तालिवान से संवध रखने के कारण विश्व का आतंकवादी माना जाये।

रूस अंतरिक्ष में महिलाओं को नहीं भेजेगा; आस्ट्रेलिया के गेंदवाज शेन वार्ने को ड्रग्ज लेने के आरोप में एक वर्ष तक खेलने से वंचित रखा गया; उल्स्टर डिफेंस एसोसियेशन ने एक वर्ष तक पैरामिलमट्री कार्रवाई को रोकने का फैसला लिया; पाकिस्तान की मस्जिद में गोलीवारी से 8 मरे और 10 घायल हुए; टोनी ब्लेयर ने इराक के मामले में पोप के साथ निजी मुलाकात की।

मलेशिया के नेता एम.मोहम्मद ने आरोप लगाया कि पश्चिमी देश मुस्लिमों के विरुद्ध युद्ध थोप रहा है; सर्विया के प्रधानमंत्री जिडिंक एक प्राणलेवक हमले में वचे; रूस उक्रेन, वेलारूस और कजाकिस्तान ने रीजनल इकोनोमिक फोरम बनाया जिससे निकटता और मुक्त व्यापार हो सके; कनाडा के जान डैविसियन ने वेस्ट इंडीज के विरुद्ध विश्व कप में 67 गेंदों में सबसे तेज शतक बनाया उन्होंने कपिल देव के जिम्वावबे के विरुद्ध 1983 में 72 गेंदों में शतक के कीर्तिमान को तोड़ा; मेम्फिस में माइकल टायसन ने क्लिफोर्ड एटिने को 49 सेकेंड में नाकआउट कर दिया; अमरीका का कहना है कि इरान के पास गोपनीय परनाणु कार्यक्रम है।

24. नोराह जोन्स ने 8 ग्रैमी पुरस्कार जीते; पाकिस्तानी वायुयान कराची के निकट गिरा एक अफगान मंत्री समेत 8 लोग मारे गये; चीन के जिंगजियाग प्रांत में भूकंप से 265 मरे; नाम की अध्यक्षता तावो मेवेकी ने महाथिर मोहम्मद को सौंपी; सद्दाम का कहना है कि वे अन्य देशों की मांग पर अपने अल समाउद मिसाइलें नष्ट नहीं करेंगें; ईराक पर सैन्य कार्रवाई के लिये अमरीका, व्रिटेन और स्पेन ने संयुक्त राष्ट्र के अनुमोदन के लिये दूसरा आवेदन किया; अमरीकी राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकर्ता का कहना है कि अमरीका विना संयुक्त राष्ट्र के अनुमोदन के ही इराक पर हमला कर सकता है।

27. न्यूयार्क में डब्ल्यूटीसी की जगह पर एंगुलर बिल्डिंग और 1776 फुट स्पायर वाग बनाया जायेगा; अमरीका का कहना है कि उत्तरी कोरिया ने परमाणु भट्टी को स्थापित किया है; इजराइल में शैरोन की सरकार ने शपथ ली; डा. रोवान विलियम्स सेंटेनबरी के 104 वें आर्कबिशप बने; पूर्व वोस्नियन सर्व राष्ट्रपति विजाना प्लासविक को युद्ध अपराध के लिये 11 वर्ष की कैद।

28. फिलीपीन के राष्ट्रपति ने मुस्लिम उग्रवादी अबु सयफ दल को मिटाने के लिये सैन्य कार्रवाई के आदेश दिये; इरान ने इराक के साथ अपने संपूर्ण सीमा को सील किया; तुर्की और रूस ने इराक से अपने नागरिकों को वापस बुलाना शुरु किया; इराक ने संयुक्त राष्ट्र के प्रावधान के अनुसार अपने अल समाउद मिसाइलों को नष्ट करने पर सहमत हुआ; अमरीकी संसद ने मानव क्लोनिंग पर प्रतिबंध लगाया।

मार्च

2. चीन ने दुबारा कहा कि वह मानवयुक्त अंतरिक्ष यान का प्रक्षेपण करेगा और साथ ही चांद पर भी अपना यान भेजेगा; पाकिस्तान ने 11 सितंवर के आक्रमण के आरोपी खालिद शेख मोहम्मद को अमरीका को सौंपा; सीरिया में आम चुनाव; अल समाउद मिसाइलों को नष्ट करने के साथ ही इराक बायोलोजिकल अस्त्रों पर बातचीत कने के लिये तैयार।

3. 65वर्षीय अभिनेता एंतोनी हापकिंस ने एंटिक डीलर 46 वर्षीय स्टेला अरोयावे से विवाह किया; सलमान रश्दी और पदमा लक्ष्मी ने अलगाव से इंकार किया; सर्विया मांटेनग्रो जो कि युगोस्लाविया का नया नाम है में 126 डेपुटीज की पार्लियामेंट का शुभारंभ हुआ; इराक ने 6 और मिसाइलों को नष्ट किया; व्रिटेन और आयरलैंड के प्रधानमंत्री ने उत्तरी [illegible] से बातचीत प्रारंभ की।

अमरीका और उसके सहयोगियों से युद्ध बंद करने को कहा।

21. दक्षिणी इराकी बंदरगाह शहर उम्म कस्र पर अमरीकी नौसैनिकों का हमला, अनेक इराकी सैनिकों ने आत्मसमर्पण किया; अमरीकी मैरीन हेलीकाप्टर के दुर्घटनाग्रस्त होने से 8 ब्रिटिश व 4 अमरीकी सैनिक मारे गये; बगदाद में सद्दाम के मुख्य महल पर हमला और दो मंत्रियों के कार्यालय ध्वस्त, बसरा के चारों ओर लगभग 30 तेल कुओं में आग लगी; फा पेनिनसुला पर कब्जा; अमरीकी सैनिक बगदाद से केवल 150 किलोमीटर की दूरी पर 3–4 दिनों में वहां पंहुचने की आशंका; फ्रांस, रूस और इंडोनेशिया ने अमरीका की अपील कि सद्दाम हुसैन से नाता तोड़ ले को ठुकराई; सैन फ्रांसिस्को, और अन्य अमरीकी शहरों और मिस्र, फिलीपींस, अर्जेन्टाइना, इटली और इक्वेडोर में में युद्ध के विरोध में प्रदर्शन।

22. एक रिपोर्ट के अनुसार इराक का दूसरा शहर बसरा कब्जे में।

23. आस्ट्रेलिया ने भारत को 125 रनों से हराकर विश्वकप क्रिकेट जीता; एक अमरीकी पैट्रियाट मिसाइल ने गलती से इराक युद्ध में ब्रिटेन के जेट को गिरा दिया; नस्सारिया में अमरीकी सेनाओं को इराकियों द्वारा कड़ी प्रतिद्वंदिता मिली अनेको अमरीकी सैनिक हताहत; अमरीकी सड़कों पर 2 लाख लोग युद्ध विरोध के प्रदर्शन पर उतरे; इराक में 3 ब्रिटिश व एक आस्ट्रेलियन पत्रकार मारे गये; बुश ने अतिरिक्त 80 बिलियन डालर की इराक युद्ध में मांग की।

24. शिकागो फिल्म को 6 ऑस्कर पुरस्कार मिले, निकोले किडमैन (दी आवर्स) को सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री और एड्रीन ब्रोडी (दी पियानिस्ट) को अभिनेता का पुरस्कार और रोमन पोलांस्की को (दी पियानिस्ट) के निदेशक का पुरस्कार मिला; इराक का दावा कि उसने आक्रमणकारियों को बहुत नुकसान पंहुचाया है; कांगों में नौका के डूब जाने से 160 मरे; राष्ट्रपति बुश ने इराक से कहा कि युद्धबंदियों के साथ मानवतापूर्वक व्यवहार करे; जनमत में स्लोवेनिया को नाटो और ईयू की सदस्यता लेने का मत मिला; नाइजीरिया में जातीय हिंसा के कारण 40% तेल उत्पादन रुका।

25. अमरीकी सरकार का कहना है कि इराक युद्ध का बोझ करदाताओं पर 75 बिलियन डालर का पड़ेगा; इराक के रेगिस्तान में छाया धूल के तूफान ने अमरीकी सेनाओं को बगदाद की ओर बढ़ने से रोका; श्रीलंका के दो तमिल गुटों टूल्फ और लिट्टे के बीच मतभेद उभरे; चीन पाकिस्तान के चश्मा परमाणु भट्टी में 300 मेगावाट का परमाणु ऊर्जा संयत्र लगायेगा; इराक के विरुद्ध आक्रमण को रोकने के लिये संयुक्त राष्ट्र में अरब देश के राजदूत आपातकालीन बैठक बुलाने को कहा; रूस के विदेश मंत्री इवानोव न चेतावनी दी कि इराक पर आक्रमण एक नये विश्व का गठन कर सकता है।

26. बगदाद के एक रिहायशी इलाके में दो क्रूज मिजाइलों के गिरने से 14 मरे, सैकड़ो इराकी (नजफ में 675) लड़ाई में मरे गठबंधन ने उम्म कस्र पर कब्जा कर लिया; केंद्रीय इराक में इलाइट रिपब्लिकन गार्ड 1000 गाड़ियों में बैठकर यू.एस. मैरीन्स का सामना करने के लिये निकले; संयुक्त राष्ट्र की सुरक्षा परिषद लड़ाइ को समाप्त करने के लिये बैठी; ब्रिटेन का कहना कि गठबंधन को इराक के बाहर तक अपनी सोच का दायरा फैलाना होगा और पश्चिम एशिया में शांति बहाल करनी होगी; अनेक देशों में युद्ध के विरुद्ध प्रदर्शन; सार्स–निमोनिया जो पूरे विश्व में 50 से अधिक को मार चुका है हांगकांग में फैला; रूस का कहना है कि इराक के विरुद्ध युद्ध अवैधानिक है।

27. अमरीकी सैनिक बगदाद के निकट पंहुचे और उसकी वायुसेना ने इराक के बसरा के घेरे को तोड़ने आये टैंको को नष्ट कर दिया; अमरीकी अधिकारियों का कहना है कि इराक युद्ध महीने भर तक चल सकता है और अमरीका संयुक्त राष्ट्र द्वारा युद्ध के पश्चात इराक पर नियंत्रण करने का विरोध करेगा; लाइबीरिया का कहना है कि वो संयुक्त राष्ट्र हथियारों का विरोध करता है क्योंकि इराक युद्ध बिना संयुक्त राष्ट्र की सहमति के हो रहा है।

28. बगदाद में बमबारी जिसमें दो बंकर बस्टिंग बम भी ने टेलीकम्युनिकेशन सेंटर पर प्रहार किया 7 मरे 9 घायल; टोनी ब्लेयर का कहना है कि सद्दाम व अपदस्थ करना कड़ा एवं मुश्किल है; युद्ध के लं खिंचने के डर से तेल के दाम में बढ़ोत्तरी।

29. सियोल में इराक युद्ध के पक्ष व विपक्ष में प्रदर्श अमरीका 1,20,000 और सैनिकों को भेजेग वर्तमान में 1,20,000 सैनिक मौजूद हैं; संयुक्त रा शस्त्र निरीक्षक हांस ब्लिक्स जून में त्यागपत्र दें बगदाद के एक बाजार में बमबारी से दर्जनों नागरि मारे गये; पूरे विश्व भर में सार्स के 1485 मामले अ जिसमें 50 की मृत्यु; अमरीका का कहना है कि उस युनिसेफ को इराक में स्वास्थ्य, जल व सफाई के लि 8 मिलयन डालर दिये; तुर्किश के विमान के अपहर का नाटक समाप्त, सभी 203 यात्री सकुश अपहरणकर्ता गिरफ्तार; अमरीका के रक्षा सं रमम्सफ्ल्ड ने इरान व सीरिया की इराक युद्ध में संब खड़ा करने के लिये आलोचना की।

30. इराक का कहना है कि गठबंधन सेनाओं के विरुद्ध 3 आत्मघातक दल आ गये हैं, 40,000 अरबवासि का इराक में प्रवेश; बगदाद में भयानक विस्फो दूरसंचार केंद्र निशाना बना।

31. आस्ट्रेलिया के वैज्ञानिक का कहना है कि अगले 8 15 वर्षों के बीच एड्स वैक्सीन बन जायेगी; इर विदेश मंत्रालय निशाना बना; इराकी टी.वी. प्रसारण से 6 घंटे तक बंद रहा; अमरीकी सैनिको की प गंभीर लड़ाई रिपब्लिकन गार्ड्स के साथ; अमरी सैनिकों ने नजफ को घेरा, 100 मरे; हांगकां खतरनाक सार्स ने 213 लोगों को ग्रसा; ब श्रीलंका में पुर्नस्थापन कार्यक्रम के तहत 20 व

चल रहे जातीय युद्ध के बाद 20,000 शरणार्थी घर वापस लौटे।

अप्रैल

75 इराकी सैनिक मरे व कई अधिकारियों समेत 45रिपब्लिकन गार्डस बंदी; अमरीकी आक्रमण में महिलाओं व बच्चों की मौत; चीन में भूस्खलन में 50 बोलवियन गायब; सिंगापुर में सार्स से एक की मृत्यु हो जाने के बाद अप्रेल 6 तक सारे स्कूल कालेज बंद।

अमरीकी सैनिक बगदाद से केवल 56 किलोमीटर की दूरी पर; अमरीका के राष्ट्रपति बुश ने कहा कि अब जीत दूर नहीं।

इराक युद्ध व सार्स के कारण पूरे विश्व में अनेक वायु उड़ाने रद्द; जर्मनी के चांसलर श्रोएडर ने इराक में सत्ता बदलने को कहा; फिलीपींस में डवाओ शहर में तीन मस्जिदों में विस्फोट; बगदाद हवाई अड्डे के पतन के बाद इराक द्वारा गैरपरंपरागत कार्रवाई की धमकी।

पृथकतावादी मुस्लिम धार्मिक नेता शेख अबु हमजा की ब्रिटिश नागरिकता समाप्त की गई; अमरीकी सैनिकों ने बगदाद में दिन के समय कार्रवाई की; वाशिंगटन ने पाकिस्तान का 1 बिलयन डालर का कर्ज माफ किया।

हंडुरास में जेल में दंगो से 56 कैदी मारे गये; इराक में रूस के राजदूत बगदाद से सीरिया सड़क के रास्ते जाते समय घायल हो गये; बगदाद, बसरा व कर्बला शहरों में लड़ाई शुरु।

7. विश्व स्वास्थ्य दिवस – थीम बच्चों के लिये बेहतर पर्यावरण; अमरीकी सैनिक बगदाद व बसरा में सद्दाम के महलों में घुसीं; रूस के याकुटिया में स्कूल में लगी आग से 22मरे; कांगो के जातीय दंगो में मरने वालों की संख्या 1000 हुई; अफगानिस्तान में तालिबान के उदय से चिंता; भयानक बिमारी सार्स से चीन में 53 मरे और हांगकांग में 23; "केमिकल अली" (अली हस्सन अल–मजीद) जोकि सद्दाम के निकट सहयोगी था के मरने की खबर; कतर की एक महिला नगरपालिका परिषद के लिये निर्वाचित, गल्फ क्षेत्र में पहली निर्वाचित महिला।

8. बगदाद में तीन पत्रकार मारे गये; बुश और ब्लेयर हिल्सबारोह में मिले और इराक के मामले में संयुक्त राष्ट्र के वृहद भूमिका को निबाहने को कहा; इराकियों ने प्रतिरोध बढ़ाया; सद्दाम का अता–पता नहीं।

9. अमरीकी टैंक बगदाद में घुसे इराकियों ने जश्न मनाया; सद्दाम का स्टेच्यू गिरा दिया गया; खुलेआम लूटमार मची; मलावी के राष्ट्रपति ने अपना उत्तराधिकारी का नाम चुना और मंत्रिमंडल को बर्खास्त किया; ब्रिटिश एयरवेज और एयर फ्रांस ने सुपरसोनिक यात्री वायुयानों की उड़ान रोकी; कुर्द्स ने उत्तरी इराकी तेल शहर किंकुट पर कब्जा किया; अमरीकी सैनिकों की सद्दाम समर्थकों से झड़प; रूस के एक स्कूल में आग लगने से 28 बहरे बच्चे मरे; पाकिस्तान में आयोजित होने वाले 9वें सैफ खेल स्थगित; कोलिन पावेल का कहना है कि इराक में अंतरिम सरकार के बारे में अमरीकी सेना तय करेगी।

11. मौसुल का पतन; टिकरिट के लिये लड़ाई जारी; बगदाद में लड़ाई कभी–कभार मशीनगनों की आवाज तक सीमित, चारों ओर लूटमार; सार्स के वायरस की पहचान हुई; श्री लंका की राष्ट्रपति ने कहा कि लिट्टे उत्तर में स्वतंत्र राज्य की स्थापना करना चाहता है; सद्दाम के चचेरे भाई ताकरिति का निधन; कुर्दिश आगमन को रोकने के लिये तुर्की ने सेना भेजने की धमकी दी; अप्रेल 3 को कांगों में उत्तर पूर्व में हजारों की हत्याओं को ए.यू. ने निंदा की; जर्मन चांसलर श्रोएडर ने बुश को तथाकथित एक्सिस आफ एविल पर हमला करने के खिलाफ चेतावनी दी।

12. अनेक भवनों में बगदाद का म्यूजियम भी लुटेरों के हत्ते चढ़ा; सद्दाम के वैज्ञानिक सलाहकार ने अमरीकी अधिकारियों के समक्ष समर्पण किया; संयुक्त राष्ट्र के राजदूत अल दौउरी का कहना है कि सद्दाम जा चुके हैं; भारत की रक्षा मंत्रालय ने कहा कि अमरीका इस बात पर गलत था कि इराक के पास जनसंहारक हथियार थे।

13. नाइजीरिया में विधानसभा के चुनावों में व्यापक हिंसा; हंगरी ने युरोपियन संघ की सदस्यता के लिये जनमत; हंगरी नें युरोपियन संघ की सदस्यता लेने के लिये जनमत मिला।

14. सद्दाम का गृह शहर टिकरित अमरीकी सैनिकों के कब्जे में।

15. इराक में नई सरकार के गठन के बारे में अमरीका में बातचीत शिया समुदाय के विरोध के कारण बंद; सीरिया का कहना कि अमरीका का आरोप कि वो रसायनिक हथियार विकसित कर रहा है मिथ्या है; अमरीका ने सीरिया पर प्रतिबंध लाने के संकेत दिये; डच राजनीतिज्ञ पिन फार्ट्यु के हत्यारे वोल्कर्ट वान डेर ग्राफ को 18 वर्ष की कैद; कांगो में 1000 लोगों की हत्याओं का अन्वेषण संयुक्त राष्ट्र करेगा; हांगकांग में एक ही दिन सार्स से 9 मरे।

16. विश्व स्वास्थ्य संगठन ने चीन पर आरोप लगाया कि वो बीजिंग में सार्स के प्रसार को छिपा रहा है; लेबनान के प्रधानमंत्री रफीक हैरिरी ने त्यागपत्र दिया; सीरिया पर अमरीका का दबाव बढ़ा; नाटो अफगानिस्तान में शांति सेना बल का [illegible] लेगा; मार्त मैलोच ब्राउन यूएनडीपी के चार और वर्षों के लिये अध्यक्ष नियुक्त; बगदाद में अमरीकी कमांडों ने फिलीस्तीनी गुरिल्ला नेता अबुल [illegible] को हिरासत में लिया; अमरीका ने सद्दाम को पकड़ने के लिये 200,000 डालर का इनाम रखा।

17. बगदाद में सद्दाम हुसैन के [illegible] हसन अल टिकरित के अमरीकी सैनिकों ने पकड़ लिया।

18. बाथ पार्टी के नेता [illegible] गफोम को बगदाद में [illegible] टी.वी. पर सद्दाम [illegible]

19. इराक के पड़ौसियों ने अमरीका को इराक से हटने को कहा।

20. चीन में सार्स से मरने वालों की संख्या 79 और हांगकांग में 88 हुई, चीन ने अपने स्वास्थ्य मंत्री को हटाया ओयासांजों की पार्टी को नाइजीरिया चुनावों में बढ़त हासिल हुई; बगदाद में संयुक्त राष्ट्र की पहली खाद्य सामग्री पंहुची।

21. भारत और चीन ने सैन्य अदान प्रदान पर सहमति दी; लिट्टे शांति प्रक्रिया से हटा।

22. सार्स से होने वाली मौतों की संख्या 217 हुई; अमरीका का कहना है कि उसका इराक में बेस बनाने का कोई इरादा नहीं है; सद्दाम के सहायक और पूर्व प्रधानमंत्री मुहम्मद हम्जा–अल–जुबायादी बगदाद में पकड़े गये; बंगलादेश में नौका डूबने से 126 मरे; पाकिस्तान रसायन हथियार निरीक्षकों को अपना औद्योगिक क्षेत्र दिखाने पर सहमत; कार्ल लेविस को शराब पीकर गाड़ी चलाने के जुर्म में पकड़ा; नाइजीरिया के राष्ट्रपति ओयसांजो की बेटी को लेकर जा रहे कार काफिले पर लागोस में हुए हमले में 5 मरे।

23. बीजिंग में सार्स के फैलने से सारे स्कूल एक पखवाड़े के लिये बंद; बंगलादेश सीएनजी परिवर्तित एम्येसेडर कार का आयात करेगा; चीन में अमरीका, उत्तरी कोरिया और चीन के बीच परमाणु हथियारों को लेकर बातचीत प्रारंभ; विश्व स्वास्थ्य संगठन ने सार्स के भय के कारण टोरंटो, बीजिंग और चीन के प्रांत शांक्जी की यात्रा न करने की सलाह दी।

[illegible]. विनी मंडेला को धोखेबाजी का दोषी पाया गया।

[illegible] एक आंकडे के अनुसार सार्स के कारण एशियाई देशों [illegible] वर्तमान वर्ष में 110 बिलयन डालर की आर्थिक [illegible] हुई; विनी मंडेला को 45 धोखेधड़ी और 25 चोरी के मामले में 5 वर्ष की कैद हुई; इराक के उप प्रधानमंत्री तारिक अजीज अमरीकी हिरासत में।

[illegible] में हुए विस्फोट में 40 मरे।

[illegible] से मरने वालों की संख्या 317 हुई, बीजिंग में थियेटर बंद कर दिये गये ताइवान और कुवैत भ्रमण पर प्रतिबंध, नेपाल–चीन सीमा बंद की गई; तारिक अजीज का कहना है कि सद्दाम जीवित हैं।

28. अमरीका द्वारा बुलाई गई बैठक में इराक की भावी सरकार के स्वरूप पर 250 प्रमुख इराकियों ने बैठक की।

29. अमरीकी सैनिकों ने अमरीका के विरुद्ध विरोध प्रदर्शित कर रहे 13 इराकियों को मारा; कतर में स्थाई संविधान के लिये मतदान, लोकतंत्र की ओर एक बढ़ता कदम; फिलीस्तान के नये प्रधानमंत्री अब्बास ने उग्रवादियों को शस्त्रविहीन करने का संकल्प लिया।

मई

1. 1 यूरो की कीमत 1.1195 डालर हुई; दक्षिणी पूर्वी तुर्की में भूकंप से 84 मरे; बर्लिन में मई दिवस रैली में हिंसा; राष्ट्रपति बुश ने इराक युद्ध में विजय की घोषणा की।

2. चीन की पनडुब्बी दुर्घटना में 70 मरे।

4. वाजपेई की शांति पहल के लेकर पाकिस्तान के प्रधानमंत्री ने बहुदलीय बैठक बुलाई; रूस का सोयूज कैप्सूल जिसमें 3 चालक दल के सदस्य थे रास्ते से 440 किलोमीटर विचलित हुआ लेकिन सही सलामत पृथ्वी पर उतर गया; सार्स से सुरक्षा के लिये चीन ने स्कूलों की छुट्टी दो और सप्ताह बढ़ाई; म्यानमार की सरकार ने 21 राजनीतिक बंदियों की रिहाई की इनमें 12 सू की के अनुयाई हैं; दक्षिणी फिलीपीन के शहर में मुस्लिम गुरिल्लाओं ने 22 लोगों को मारा।

5. पाकिस्तान का कहना है कि वो भारत के साथ काश्मीर समेत सभी द्विपक्षीय मसलों पर बातचीत के लिये तैयार है; इजराइल ने सीरिया के बातचीत के प्रस्ताव को अस्वीकार कर दिया; 9 इराकी दलों के नेता अंतरिम सरकार बनायेंगे।

6. वेल्शमैन मार्क विलियम दूसरी बार वर्ल्ड स्नूकर चैम्पयन बने; एक रिपोर्ट के अनुसार सद्दाम के बेटों ने युद्ध शुरु होने के तुरंत पहले एक बिलयन डालर सेंट्रल बैंक से निकाले; अमरीका ने इंकार किया कि वह नेपाल में सैन्य आधार बनाना चाहता है।

7. कन्सास और मिस्सौरी में तूफान से 19 मरे।

8. सार्स वायरस से ग्रसित होने वाला रूस 30वां देश बना; चीन ने सार्स को रोकने के लिये माल परिवहन, यात्री परिवहन और कुछ सीमाओं को बंद किया; हंगरी में एक ट्रेन के डबल डेकर बस से टकरा जाने से 28 पर्यटक मारे गये; मलेशिया ने कहा कि अगर दंपत्ति विवाहित हैं तो वे जमें हुए भ्रूण को उपयोग में ला सकते हैं; मलेशिया के प्रधानमंत्री महाथिर अक्टूबर में पद त्यागेंगे; अमरीका ने इराक पर प्रतिबंध कम किये; चीन ने विश्व स्वास्थ्य संगठन की बैठक में ताइवान को एक पर्यवेक्षक के रूप में बैठने पर प्रतिरोध किया; ताइपाई में सार्स का प्रसार; वायु में 7000 फीट की ऊंचाई पर कांगो के वायुयान का कार्गो बे दरवाजा खुल जाने से160 मरे।

11. अमरीका के सेक्रेटरी आफ स्टेट कालिन पावेल से बातचीत करने के बाद इजराइल 180 फिलीस्तिनियों की रिहाई और 25,000 श्रमिकों के आगमन की स्वीकृति देने को तैयार हुआ; मांटेनेगरो में राष्ट्रपति का चुनाव; श्रीलंका में राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री में डेवलपमेंट लाटरीज बोर्ड को लेकर राजनीतिक लड़ाई में शांती प्रक्रिया में बाधा पंहुची।

12. ब्रिटेन के मंत्री क्लेयर शार्ट ने इराक युद्ध के मुद्दे पर त्यागपत्र दिया; ब्रिटिश एयरवेज अक्टूबर में कंकार्ड को अलविदा कहेगा; चेचन्या में आत्मघाती बम विस्फोट में 40 मरे; गाजा स्ट्रिप पर इजराइल फिर से आवागमन पर रोक लगायेगा।

13. तथाकथित अलकायदा उग्रवादियों ने रियाद में आत्मघाती बम विस्फोट किये जिसमें 10 अमरीकनों सहित 90 लोग मारे गये; वेस्ट इंडीज ने फायनल में आस्ट्रेलिया को रिकार्ड 417 रनों का पीछा करते हुए हरा दिया।

राष्ट्रपति टेलर से समझौता; एशियान ने म्यानमार जुंटा से सू की को रिहा करने को कहा।

8. फुटबाल के सुपरस्टार डेविड बेखम 41.3 मिलयन डालर लेकर रियल मैड्रिड की ओर से खेलेंगें; कनाडा ने समलिंगी जोड़े को विवाह करने की अनुमति दी; चीन का कहना है कि बीजिंग सार्स मुक्त हो गया है; बगदाद में अमरीकी सेना ने प्रदर्शनकारियों पर गोली चलाई 2 मरे; पाकिस्तान को शामिल करने पर एशियान रीजनल फोरम में कोई निष्कर्ष नही; लाइबेरिया में स्थिति का जायजा लेने के लिये युद्ध रोका गया; किंग अब्दुल्ला 2 के दलों वालों ने जोर्डन की संसद की अधिकांश सीटे जीतीं; आईसीआरसी को सू की से मिलने पर प्रतिबंधित किया गया।

9. फिनलैंड की प्रधानमंत्री अन्नेली जाइट्टीनमाक्की ने त्यागपत्र दिया, उन पर आरोप लगे थे कि मार्च में हुए चुनावों में गोपनीय सरकारी दस्तावेजों पर उन्होंने पार्लयामेंट से झूठ बोला था; चीन मंगल अभियान को तेज करेगा; सद्दाम शासन में नम्बर तीन के नेता जनरल अबिद हामिद महमूद अल टिकरित गिरफ्तार; यूनान में पोर्टो कारास में युरोपियन संघ की बैठक प्रारंभ; विश्व बैंक के एक अर्थशास्त्री का कहना है कि सिगरेट और तम्बाखू से होने वाली मौतों की संख्या एड्स से अधिक है।

10. पैंटागान की रिपोर्ट के अनुसार अमरीका पाकिस्तान को उन्नत एफ–16 विमान देने को राजी; जिम्बाबवे के विपक्ष के नेता मोगगन को छोड़ने के आदेश; जापानी एनसेफालिटिस ने चीन में 18 बच्चों की जान ली; सिंगापुर में पहली बार बिना ड्राइवर के ट्रेन की शुरुवात की गई; यूके बंगलादेशी और श्रीलंका के शरणार्थियों के लिये द्वार बंद करेगा; ट्यूनिशियन कोस्ट पर 250 लोगों से सवार एक नौका जिसमें अफ्रीकन थे डूब गई।

21. इंग्लैंड के प्रिंस विलियम्स ने 21वीं वर्षगांठ मनाई, इस अवसर पर उनके नाम पर सिक्के व डाक टिकट जारी किये गये इराक के एक उच्च नेता का कहना है कि सद्दाम अभी जिंदा हैं और उनके दोनो बेटों उदय और क्वेसी ने सीरिया की यात्रा की है; माइक टायसन को उपद्रव मचाने के आरोप में गिरफ्तार किया गया।

23. डब्ल्यू एच ओ का कहना है कि हांगकांग सार्स मुक्त है; हैरी पाटर की नई पुस्तक एक ही दिन में 5 मिलयन बिकी; सीरिया की सीमा पर इराक तेल पाइपलाइन में विस्फोट; इजराइल के चीफ आफ स्टाफ ने स्वीकार किया कि अराफात को मारने पर बहस हुई थी।

25. सद्दाम हुसैन के सूचना मंत्री सईद अल–सहाफ बगदाद में गिरफ्तार; लाइबेरिया में लड़ाई जारी, राष्ट्रपति के 60 प्रतिशत सैनिक विद्रोही गुटों के शिकार बने; टोनी ब्लेयर को आशा है कि इराक में पीस कीपिंग फोर्स के लिये 10 से 12 देश सामने आयेंगें।

26. बंगलादेश में नौका डूबने से 50 मछुआरे मरे; कोफी अन्नान ने इराक में शांति सेना भेजने से इंकार किया; पाकिस्तान के प्रधानमंत्री जमाली ने कहा कि अगर अमरीका एफ–16 विमान नहीं देता तो पाकिस्तान फ्रांस या अन्य देशों से उन्नत विमान खरीदेगा; साउथ अफ्रीका से कोष की कमी के कारण भारतीय भाषायें विलुप्त; सीएआरई के अनुसार अफगानिस्तान में 10,000 युद्ध विधवायें हैं।

27. लियोन्स में कन्फड्रेशन कप में कैमरून ने कोलंबिया को सेमी फायनल में 1–0 से हरा दिया लेकिन उनकी जीत की खुशी तब फीकी पड़ गई जब उनके मिडफील्डर मार्क विवियन पोई का खेलते समय निधन हो गया।

28. शंघाई में हुआंगपू नदी पर 3.9 किलोमीटर लम्बा पुल जिसमें 550 मीटर इस्पात के खंबे हैं को खोला गया; अल कायदा आतंकवादियों में दूसरे नम्बर के आलाकमान अल जवाहिरी को इरान में गिरफ्तार किया गया; इस्लामिक जिहाद ने इजराइल के तीन महीने के युद्ध विराम को स्वीकार किया।

29. हालीवुड के महान अभिनेता कैथरीन हेंबर्न का 96 वर्ष की आयु में निधन।

30. ब्रिटेन की सरकार ने समलिगिंयों को वैवाहिक रूप से रहने का अधिकार दिया; इजराइल गाजा पट्टी से हटा।

जुलाई

2. आस्ट्रेलिया के एक ईसाई स्कूल ने हैरी पाटर की नयी पुस्तक को इसलिये प्रतिबंधित कर दिया कि इसमें जादू और चुड़ैल आदि को प्रोत्साहित किया गया है; मंडेला रोह्ड्स फाउंडेशन की लंदन में स्थापना की गई; इजराइली सेना वेस्ट बैंक शहर से हटीं, फिलीस्तीनियों ने सुरक्षा का दायित्व संभाला।

3. राष्ट्रपति बुश ने इराक युद्ध के बाद मारे गये 23 अमरीकी सैनिको को लेकर इराकी प्रतिरोध पर कटाक्ष किया; चार बार हैवी वेट मुक्केबाज चैम्पियन इवांडर होलीफील्ड ने विवाह किया; अमरीकी बेरोजगारी दर 6.4% हुई; जर्मनी के चांसलर श्रोएडर ने इटली के प्रधानमंत्री से क्षमा की मांग की जहां एक जर्मनी के लामेकर की तुलना नाजी कंसट्रेशन कैम्प गार्ड से की गई; अफगानिस्तान की बमियान घाटी और प्राचीन शहर अशुर को युनेस्को ने हेरिटेज सूची में रखा।

4. केवल 7 घंटे में बेखम की 23 नम्बर वाली 8000 शर्ट बिक गईं; फिलीस्तीन उग्रवादियों ने इजराइल से सारे फिलीस्तीन जेलबंदियों को रिहा करने की धमकी दी और कहा कि अगर ऐसा नहीं हुआ तो युद्धबंदी समाप्त हो जायेगी; क्वेटा, पाकिस्तान की एक शिया मस्जिद में ग्रेनेड आक्रमण से 20 नमाज पढ़ रहे लोग मारे गये; इटली के प्रधानमंत्री बलुर्सकोनी ने अपने नाजी उद्‌गार के लिये क्षमा मांगी; युनेस्को के वर्ल्ड हेरिटेज में 24 और स्थल जोड़े गये, अब कुल संख्या 574 हो गई; लाइबेरिया के राष्ट्रपति चार्ल्स टेलर ने अमरीकी दबाव के चलते त्यागपत्र देने को तैयार; सीआईए का मानना है कि उत्तरी कोरिया प्लूटोनियम का उत्पादन कर रहा है; सउदी

के येटों की अरय नागरिकता समाप्त करेगा; पाकिस्तान के प्रधानमंत्री जमाली का कहना है कि काश्मीर पाकिस्तान की जीवन रेखा है; राष्ट्रपति मुशर्रफ ने कहा कि परमाणु संयंत्रों पर अमरीका से कोई सौदेबाजी नहीं हुई है; अफ्रीकन यूनियन बैठक मोजाम्बिक में शुरु।

5. सेरेना विलियम ने अपनी यहन वीनस को हरा कर विम्यलडन महिला एकल जीता; डब्ल्यू. एच. ओ. ने कहा कि विश्वव्यापी सार्स अब नियंत्रण में; यंगला देश में याढ़ के कारण हजारों बेघर; एक रिपोर्ट के अनुसार अफ्रीका में 18 मिलयन लोग एड्स के कारण मर चुके हैं; चेचन्या में राष्ट्रपति चुनाव अक्टूबर में; डब्ल्यू एफ पी की इराक में खाद्य सहायता आपरेशन अक्टूबर तक चलेगा।

6. राल्फ शूमेकर ने फ्रेंच ग्रैंड प्रिक्स जीती; अमरीकी सैन्य विशेषज्ञ लाइयेरिया के लिये गये; इजराइल जेल में यंद फिलीस्तीनियों को रिहा करने पर राजी; एक दूसरे से जुड़ी हुई इरानी जुड़वा यहने लादेन और लालेह अलग होने के लिये आपरेशन के लिये तैयारी; चीन ल्हासा के पहले रेलवे स्टेशन के लिये कार्य शुरु; नेपाल की भंग पार्लियामेंट के सदस्य महाराजा की शक्ति कम करने के पक्ष में; मार्टिना नवरातिलोवा ने विम्यलडन मिश्र 46 वर्ष की आयु में जीता; रोगर फेडेरर ने विम्यलडन ग्रैंड स्लैम जीता।

7. इराक में झड़प में 2 अमरीकी सैनिक और 3 इराकी मारे गये; इजराइल के प्रधानमंत्री ने कहा कि कोई हमास कैदी नहीं छोड़ा जायेगा।

8. इरानी जुड़ी हुई जुड़वा यहनों लादेन और लालेह को अलग करने की शल्य क्रिया दुखांत में यदल गई जय लंबे चल रहे आपरेशन में दोनों यहनों की मृत्यु हो गई; पाकिस्तान ने कायुल में अपने दूतावास को भीड़ द्वारा हमला करने के याद यंद किया; युरुंडी में युजुम्यरा पर आक्रमण के दौरान 16 विद्रोहियों सहित 28 लोग मारे गये; सुडान में वायुयान दुर्घटना में 115 मरे।

9. दक्षिणी यंगला देश में नौका उलटने से 650 लोग डूय मरे; गर्लीन ऊटी एथेंस ओलंपिक के याद सन्यास लेंगी।

10. सार्क यैठक जनवरी में इस्लामायाद में होगी; हिलैरी की 'लिविंग हिस्ट्री' की एक महीने में दस लाख प्रतियां यिकीं; राष्ट्रपति युश अफ्रीका का दौरा करेंगें, एड्स से नियटने में सहायता का आश्वासन दिया।

12. व्हाइट हाउस ने स्वीकार किया कि स्टेट आफ यूनियन भाषण में इराक अफ्रीका युरेनियम लिंक का उल्लेख करना इंटेलिजेंस की गलती थी।

13. अमरीका के डिफेंस सेक्रेटरी ने चेतावनी दी कि इराक में अमरीकी सैनिकों पर हमलों में तेजी आ सकती है; युरुंडी में हुटु विद्रोहियों और टुट्सी सेना के यीच संघर्ष; योरिस येकर को टेनिस हाल आफ फेम में शामिल किया गया; इंडोनेशिया की पार्लियामेंट काम्प्लेक्स में विस्फोट।

14. चीन के रीलिंग टाइकून यांग दिन को 18 वर्ष की कैद; क्रेमलिन ने चेचन्या के के नेता असलन मराकाडोव को क्षमा देने से मना किया; इराक की नई गवर्निंग कौंसिल ने संयुक्त राष्ट्र में प्रतिनिधमंडल भेजने का निर्णय लिया; चीन में बाढ़ से 120 मिलयन प्रभावित; नेपाल सरकार ने विद्रोहियों को बातचीत के लिये आमंत्रित किया।

15. फिलीस्तीन के प्रधानमंत्री अब्बास ने अराफात के प्रति अपना समर्पण दिखाया; आस्ट्रेलियन एथलीट कैथी फ्रीमैन ने सन्यास लेने की घोषणा की।

16. साओ टोमे एंड प्रिंसिप में सैन्य विद्रोह।

17. ईएसपीएन का पुरुष एवं महिला एथलीट का एवार्ड लांस आर्मस्ट्रां और सेरेना विलियम्स ने जीता; कांगो में दो विद्रोही नेता उपराष्ट्रपति यनाये गये; रूस इराक में अपनी सेना नहीं भेजेगा; अमरीका यायोशील्ड बनाने के लिये 6.5 विलियन डालर के कोष का विकास करेगा; क्रोएशिया का चर्च स्कूलों में योगा सिखाने के विरुद्ध है; ब्रिटेन के रक्षा मंत्रालय के रक्षा विशेषज्ञ डेविड केली जो इराक में पूर्व संयुक्त राष्ट्र अस्त्र निरीक्षक थे गायब; इराक में अस्त्रों के भंडार को लेकर पूछताछ के चार दिनों बाद डेविड केली मृत पाये गये।

19. अस्त्र निरीक्षक डेविड केली ने आत्महत्या की सुनिश्चित; इराक युद्ध में इंटेलीजेंस के इस्तेमाल को लेकर विवाद में ब्रिटेन के प्रधानमंत्री की सरकार फंसी।

20. माउंट केन्या में वायुयान दुर्घटना में 12 अमरीकी पर्यटकों समेत 14 मरे; मोनरोविया में लड़ाई जारी; इराक की गवर्निंग कौंसिल राष्ट्रपति चुनने में विफल रही; ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ने कहा कि डेविड केली की मृत्यु की जांच का वे सामना करने को तैयार हैं; विल क्लिंटन ने जोहांसयर्ग में नेल्सन मंडेला के 85वीं वर्षगांठ पर नेल्सन मंडेला भाषण का शुभारंभ किया।

21. इयान थोर्पे एक ही स्पर्धा में लगातार तीन बार जीतने वाले विश्व के प्रथम एथलीट यने।

22. सिंगापुर के रैफल अस्पताल में दक्षिण कोरिया के नीचे से जुड़े हुए जुड़वा यच्चों को अलग किया गया; मोनरोविया में लड़ाई तेज, एक रिपोर्ट के अनुसार 700 मरे; दक्षिण पश्चिम चीन में भूकंप; साओ टोमे की जुंटा ने सत्ता से याहर राष्ट्रपति को मिलने से इंकार; इजराइल के विपक्ष के नेता शिमोन पेरेस का कहना है कि जेरुसलम को विश्व की राजधानी घोषित किया जाये; ब्रिटेन के प्रधानमंत्री चीन यात्रा पर; कोफी अन्नान लाइयेरिया में संयुक्त राष्ट्र की सेना की तैनाती चाहते हैं।

23. फिजी में भारतीयों को 14 कैबिनेट पोस्ट दी गईं; सोलोमन आइसलैंड के प्रधानमंत्री एलन केमाकेजा राजधानी छोड़ कर भागे; इराकी गवर्निंग कौंसिल संयुक्त राष्ट्र सदस्यता पाने से वंचित।

28. युरोपियन यूनियन के एक समझौते ने स्विटजरलैंड के बैंकों को गोपनीय खाते 7 वर्ष तक रखने की इजाजत दी गई; 100 वर्षीय विख्यात अभिनेता याय हाप का निधन।

30. फ्रांस के लंयारे के निकट झाड़ी की आग 45 हेक्टेयर में फैली।

31. वैटिकन समलिंगी विवाह के विश्वव्यापी प्रचार पर; अन्ना

कोरनिकोवा की पीठ की चोट के कारण उनका टेनिस खेलना संदिग्ध।

अगस्त

- चेचन्या के निकट रूसी प्रांत के मोजडोक में एक सैनिक अस्पताल में कार बम विस्फोट से 39 मरे; स्पेन और कनाडा में जंगल की आग फैली; ब्रिटेन के अस्त्र निरीक्षक डेविड केली की मृत्यु की न्यायाकि जांच शुरु; सद्दाम हुसैन की दो बेटियों को जोर्डन में शरण मिली; रुवांडा में अक्टूबर में पहली बार बहुदलीय चुनाव होंगे; उत्तरी कोरिया अपने तथाकथित परमाणु अस्त्रों पर बात करने को तैयार; इराक में अमरीकी सैनिकों ने सद्दाम हुसैन की तलाश तेज की।
- रुवांडा की अदालत ने 1994 के सामूहिक हत्याकांड में 103 लोगों को सजा सुनाई; ब्रिटेन के टोनी ब्लेयर सर्वाधिक समय तक लेबर पार्टी के प्रधानमंत्री बने; 17 फिलीस्तीनी उग्रवादी जिन्होंने जेरिको जाने से इंकार कर दिया था अराफात के रामल्ला कंपाउंड में बंदूक की नोक पर बंदी बनाये गये।
- पीओके में बारूद में आग लगने से 45 मरे; अमरीका ने नाइजर को यूरेनियम मामले में चुप रहने की धमकी दी; बीजिंग ने 2008 ओलंपिक लोगो का प्रदर्शन किया।
- हुंडाई के प्रमुख एक्जीक्यूटिव चुंग मोंघुन ने जो एक स्कैंडल में फंसे थे ने आत्महत्या की; अजरबैजान में कार्यकारी राष्ट्रपति के बेटे गेइडर अलीव प्रधानमंत्री बने; बंगलादेश की शेख हसीना को नेवी फ्रिगेट खरीदने के मामले में आरोपित किया गया; रूस मलेशिया को 18 सु–30 एमकेएम मिसाइल बेचेगा; अफगानिस्तान के बाल्ख में तालिबानी नेता जबी हुल्लाह जाहिद गिरफ्तार; इजराइल ने शीघ्र रिहा होने वाले फिलीस्तीनी बंदियों की सूची प्रकाशित की; अराफात 74 वर्ष के हुए; पश्चिमी अफ्रीका की सेना लाइबेरिया को बचाने की योजना के लिये मोनरोविया पंहुची।
- जकार्ता के होटेल मेरियोट में बम फटने से 14 मरे 140 घायल; मलेशिया अंतरिक्ष में कुछ ही महीनो में मानव भेजेगा; ब्रिटेन के डैरेन काउघ ने टेस्ट क्रिकेट से सन्यास लेने की घोषणा की; अरब लीग इराक में सेना भेजने के विरुद्ध; फिजी के प्रधानमंत्री क्वारासे ने हटाये गये प्रधानमंत्री महेंद्र चौधरी से 14 नये मंत्रिमंडल के लिये नामों की सूची देने को कहा; पाकिस्तान का स्वतंत्रता दिवस समारोह प्राकृतिक विपदा के कारण स्थगित; खुलेआम साम्य यौन के समर्थक पादरी वी. जेंज राबिंसन जो अमरीका के एपिसकोपल चर्च में विशप बन गये थे को इन्वेस्टिगेशन कमेटी ने बरी किया, चर्च में दोफाड़।
- इराक युद्ध के बाद कच्चे तेल की कीमत में उछाल; अमरीका के एपिसकोपल चर्च ने साम्ययौन समर्थित विशप वी गेने राबिंसन के निर्वाचन को सहमति दी; इजराइल ने 300 फिलीस्तीनी बंदियों को रिहा किया; इटली के वैज्ञानिकों ने घोड़े का क्लोन बनाया; एक

जर्मन एयरलाइन काबुल पंहुची, दो दशकों के बाद यह पहली पश्चिमी युरोपियन उड़ान थी।

7. केन्या की विनफ्रेड ओमवाकवे 2002 की मिस अर्थ बनीं, उन्होंने बोस्निया की जेजिला ग्लावोविक का स्थान लिया जिन्हें मई में अपदस्थ कर दिया गया था; कैलिफोर्निया के गवर्नर पद के लिये फिल्म स्टार अर्नाल्ड श्वास्सनेगर प्रत्याशी बने; इंडोनेशिया की अदालत ने 12 अक्टूबर को बाली में आक्रमण के दोषी याम्दर नुर हासिम को मृत्युदंड दिया; इराक में जोर्डन दूतावास पर बम विस्फोट में 11 मरे।
9. इराक के पूर्व अंतरिम मंत्री गिरफ्तार।
10. अंतरिक्ष यात्री आईएसएस कमांडर मलेंचेंको की पृथ्वी की मंगेतर के साथ अंतरिक्ष विवाह।
11. इजराइली सेना और लेबनान के हेजाबोलाह उग्रवादियों के बीच संघर्ष तेज; पेरिस में हृदय संबंधित बिमारी से 50 मरे।
12. मिस वियतनाम 2002 फाम ती माई फुआंग एक रिपोर्ट के अनुसार लापता; लाइबेरिया में विद्रोही अंतरिम सरकार का गठन करना चाहते हैं; हमास और अल अक्सा ने इजारइल में दो आत्मघाती बम विस्फोटों की जिम्मेवारी ली; दक्षिण कोरिया के पूर्व राष्ट्रपति के बेटे को घूस लेने के आरोप में 1.5 वर्ष की कैद; चीन में कोयले की खदान में विस्फोट से 33 मरे।
13. अमरीका में कंधे से फायर करने वाली मिसाइल की स्मगलिंग करते हुए क ब्रिटेन के नागरिक सहित तीन पकड़े गये; इराक हडीथाह के निकट गैस पाइपलाइन में विस्पोट; लीबिया लोकरबी पीड़ित 270 परिवारों को हरजाना देने पर सहमत; अफगानिस्तान में बस में विस्फोट से 15 मरे।
14. अमरीका और कनाडा के प्रमुख शहरों जैसे न्यूयार्क, डेट्रायट, टोरंटो, और ओटावा में अंदेरा छाया, हजारों लोग सबवे और अन्य जगहों पर फंसे; फ्रांस में तापमान बढ़ने से 3000 लोग मरे।
15. नियाग्रा में पावर ग्रिड के ब्रेकडाउन से अमरीका और कनाडा में 15 अगस्त को अंधेरा छाया था; बाली बमबारी और अलकायदा प्रमुख बिन लादेन का प्रमुख सहयोगी हम्बाली को थाईलैंड में पकड़ा गया; पुर्तगाली वैज्ञानिकों का कहना है कि एस्प्रिन को विशेप प्रकार के कैंसर में इस्तेमाल किया जा सकता है; सुरक्षा परिषद ने इराक में नई गवर्निंग कौंसिल की सराहना की।
16. उगांडा के पूर्व तानाशाह इदी अमीन की सऊदी अरेबिया में मृत्यु।
17. अराफात के कार्यालय में ग्रेनेड फटा; इराक के बेजी में पाइपलाइन विस्फोट।
18. नेपाल में 17 माओवादी मारे गये; काबुल में पुलिस स्टेशन पर हमले में 22 मारे गये; अमरीका लीबिया से प्रतिबंध नहीं हटायेगा; इराक में सेना ने एक कैमरामैन को मारा।
19. बगदाद में संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय जोकि एक होटेल में था में बम विस्फोट से संयुक्त राष्ट्र अधिकारी समेत दो लोग

मारे गये; मई 16 के विस्फोट में लिप्त सद्दाम हुसैन के करीबी ताहा यासीन रामादान पकड़ा गया; नेपाल सरकार व माओवादियों में वार्ता शुरु; खुमेनी का कहना है कि अमरीकी दवाब के कारण इरान अपनी परमाणु प्रौद्योगिकी को नहीं छोड़ेगा; एक रिपोर्ट के अनुसार पाकिस्तान बेल्जियम से दो स्कवायड्रन फाइटर प्लेन खरीदेगा; अमरीका ने संयुक्त राष्ट्र से लीबिया के खिलाफ प्रतिबंध हटाने को कहा लेकिन फ्रांस इस पर वीटो करेगा जब तक उसे 1989 में यूटीए एयरलाइन विस्फोट जिसमें 170 लोग मरे थे का उचित मुआवजा नहीं मिलेगा।

20. बगदाद में संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में 19 को हुए विस्फोट में सैनिक गोला बारुद पाये गये; जेरुसलम में एक बस में फिलीस्तीनी आत्मघाती आतंकवादी द्वारा किये गये विस्फोटों से 19 मरे 100 घायल हुए; उत्तरी कोरिया ने अपने परमाणु संयंत्रो का शीघ्र निरीक्षण कराये जाने से इंकार कर दिया।

21. सिंगापुर के प्रधानमंत्री ने उप प्रधानमंत्री ली सियेन लूंग को अपना उत्तराधिकारी घोषित किया; फ्रांस में उच्च तापमान से मरने वालों की संख्या 10,000 हो गई; अमरीका ने घोषणा की कि उसने केमिकल अली जिसके बारे में कहा जा रहा था कि अप्रेल में उसकी मृत्यु हो गई है को पकड़ने का दावा किया; लाइबेरिया की सरकार व विद्रोहियों ने ग्यान्डे ब्रयांट को देश का नेता चुना, वे अक्टूबर में मोसेस ब्लाह से सत्ता लेंगें।

22. पीट सम्प्रास ने टेनिस से सन्यास लिया; चेचन्या की राजधानी ग्रोजनी के निकट बम विस्फोट में 9 रूसी सैनिक मारे गये।

24. रुवांडा में आम चुनाव; इथियोपिया की बरहाने अडेरे ने महिलाओं की 10,000 मीटर की दौड़ वर्ल्ड एथलेटिक्स पेरिस में जीती; पूर्व पादरी जान गियोघन जिन्हे बच्चों के यौन शोषण के आरोप में जेल में रखा गया था एक अन्य कैदी द्वारा आक्रमण कर देने से मारे गये।

25. हैटी के एक विमान दुर्घटना में 21 मरे; इजराइल के आक्रमण मे 4 हमास उग्रवादी मरे; अराफात ने जिबरिल रजाउब का नाम नेशनल सेक्योरिटी एडवाइजर के रूप में नामांकित किया।

26. लाइबेरिया को मोनरोबिया के उत्तरी पूर्वी निम्बा में सैकड़ों नागरिक हताहत; रुवांडा के प्रथम राष्ट्रपति चुनाव में पाल कागामें राष्ट्रपति निर्वाचित।

27. दक्षिण कोरिया के 30,000 ट्रक ड्राइवर हड़ताल से वापस काम पर लौटे; पिछले 60,000 वर्षो में पहली बार मंगल पृथ्वी के सबसे निकट 55,760,220 किलोमीटर की दूरी पर आया; इराक में कार बम विस्फोट में शिया राजनीतिज्ञ मोहम्मद बकेर अल हाकिम समेत 17 मरे।

सित[illegible]

1. वर्ल्ड एथलीट चैम्पियनशिप की समाप्त, अमरीका को 20, रूस 19 और इथियोपिया 7 स्वर्ण लेकर तालिका में शीर्ष स्थान पर रहे; एक सर्वे के अनुसार चौथाई ब्रिटेन वासी मानते हैं कि डयाना की हत्या हुई थी; इरान पर अपने परमाणु कार्यक्रम को रोकने का दबाव बढ़ा; बगदाद में 25 सदस्यीय मंत्रिमंडल का गठन; म्यानमार में सू की अवैध गिरफ्तारी से अनशन पर।

2. इंडोनेशिया की सरकार के उखाड़ फेंकने की योजना बनाने वाले अलगाववादी मुस्लिम धार्मिक नेता अबु बक्र बशीर को 4 वर्ष की कैद; जर्मन चांसलर श्रोएडर ने संकेत दिया कि 2006 चुनावों में वे रहेंगें; जिम्बाबवे में विपक्ष ने स्थानीय चुनावों में 10 शहरो की कौंसिल पर कब्जा किया।

3. चेचन्या में ट्रेन से बस के टकराने से 5 मरे।

4. दक्षिण चीन में तूफान से 32 मरे 1000 घायल; फिलीस्तीन के प्रधानमंत्री ने स्वीकार किया कि अराफात से उनके मतभेद हैं।

5. दलाई लामा का कहना है कि वो निर्वासन को समाप्त कर तिब्बत वापस लौट जायेंगे अगर चीन बिना शर्त अनुमति दे; सुडान की सरकार एसपीएलए नेता जान गारंग से मिली ताकि गृह युद्ध को समाप्त करने में शांति प्रक्रिया में आई रोक को हटाया जा सके।

6. हमास नेता शेख अहमद यासिन इजराइली वायु आक्रमण में मामूली रूप से जख्मी; फिलीस्तीन के प्रधानमंत्री मुहमद अब्बास ने त्यागपत्र दिया।

7. जस्टिन हेनिन–हार्डेने ने यूएस महिला एकल जीता।

8. एंडी रोडेक ने यूएस पुरुष एकल जीता।

9. हाल के महीनो में सिंगापुर में एक सार्स का रोगी पाया गया; केंद्रीय नाइजीरिया में सड़क दुर्घटना में 70 लोग मारे गये।

10. मैक्सिको के कानकुन में डब्ल्यूटीओ की बैठक प्रारंभ; इस्लामिक उग्रवादी इमाम समुद्रा को बाली प्रायद्वीप में बमबारी करने के आरोप में मृत्युदंड; जेरुसलम में दो आत्मघाती हमलों में 16 मरे, इजराइल ने जवाबी कार्रवाई में हमास नेता जाहार के घर पर बमबारी की जिसमें उनके बेटे की मौत हो गई; एनरान के पूर्व कोषाध्यक्ष को 5 वर्ष की कैद; चीनी प्रतिरोध के बावजूद राष्ट्रपति बुश ने व्हाइट हाउस में दलाई लामा से भेंट की।

11. स्टाकहोम में स्वीडिश विदेश मंत्री सुश्री अन्ना लिंढ की चाकू मार कर हत्या; इटली में हीट वेव से 4100 मरे; इजराइल अराफात के निर्वासन के बारे में सोच रहा है।

12. नेपाल और कंबोडिया डब्ल्यू. टी. ओ. के सदस्य बनने को इच्छुक; यासर अराफात के इर्द गिर्द सुरक्षा मजबूत की गई; रुवांडा के राष्ट्रपति पाल कागामें ने सात वर्ष की अवधि के लिये शपथ ग्रहण की।

13. दक्षिण कोरिया में भारी वर्षा और तेज हवाओं के कारण 42 मरे।

14. कानकुन में डब्ल्यू. टी. ओ. की मंत्रिमंडलीय स्तर की बैठक विकासशील देशों द्वारा लगाये गये आरोप कि दस्तावेज अमरीका और युरोपियन संघ के पक्ष में है असफल रही; गिनी बसाऊ में सैन्य विद्रोह।

15. कानकुन में ट्रेड बातचीत बिना घोषणापत्र के विफल; सेरेना और वीनस की बहन येतुंदे प्राइस की कैलिफोर्निया में गोली

मार कर हत्या; रियाद की जेल में आग लगने से 67 कैदी मरे; फिलीस्तीनियों ने अराफात के लिये संयुक्त राष्ट्र की सुरक्षा की मांग की; गिनी वसाऊ के सैन्य विद्रोह के नेता सेना प्रमुख वेरिस्सिमो कोरेरिया ने अंतरिम सरकार के लिये वातचीत की; चेचन्या में ट्रक वम फटा; भूटान ने उग्रवादी नेताओं को वातचीत के लिये वुलाया; स्वीडन ने यूरो के लिये मना किया।

हांस व्लिक्स ने कहा कि उनका मानना है कि इराक ने जनसंहार अस्त्रों को 10 वर्ष पूर्व ही नष्ट कर दिया ता; अमरीका ने संयुक्त राष्ट्र के प्रस्ताव कि इजराइल अराफात के निर्वासन की धमकियां वंद करे को वीटो कर दिया; आस्ट्रेलिया ने कामनवेल्थ से ाग्रह किया कि जव तक मुगावे अपदस्थ नहीं हो जाते हैं तव तक जिम्वावे को प्रतिवंधित करे; अरव टीवी पर सद्दाम की आवाज में एक टेप वजा।

एन.वाई.एस.ई. के अध्यक्ष को उनके 139.5 मिलयन डालर के वेतन पर उठे प्रतिरोध के कारण त्यागपत्र देना पड़ा; लाइवेरिया के चार्ल्स टेलर ने एक रिपोर्ट के अनुसार देश का 100 मिलयन डालर चुराया; नेपाल में माओवादियों द्वारा 3 दिन की हड़ताल प्रारंभ; आंग सान सू की की यंगून अस्पताल में शल्य क्रिया।

जापान के प्रधानमंत्री कोजोमी पार्टी अध्यक्ष दुवारा चुने गये; इसावेल में तूफान से 20 मरे लाखों अंधेरे में। लैटविया में जनमत युरोपियन संघ में शामिल होने के पक्ष में।

कोइजुमीकी नई मंत्रिमंडल ने कार्यभार संभाला।

अमरीका विदेशी श्रमिकों की संख्या में भारी कमी लायेगा।

पाकिस्तान के राष्ट्रपति मुशर्रफ ने कहा कि काश्मीर मुद्दा विश्व का सवसे खतरनाक मुद्दा है।

आवामी लीग ने वंगला देश में राष्ट्रव्यापी हड़ताल का आव्हान किया; आइवरी कोस्ट में संघर्ष में विद्रोहियों ने 15 को मारा; पापुआ को तीन प्रांतो में वांटने की इंडोनेशिया की योजना को लेकर जकार्ता में प्रदर्शन; वुश–पुटिन वैठक में इरान व उत्तरी कोरिया को तथाकथित परमाणु हथियार कार्यक्रमों को रोकने की वात की; चेचन्या के प्रधानमंत्री को जहर दिया गया, अस्पताल में।

इटली में सारे देश में अंधेरा छाया; युरोप का पहला चंद्रमा अभियान असफल।

अमरीका युनेस्को में वापस; रुवांडा में चुनाव; नये फिलीस्तीनी प्रधानमंत्री अहमद कोरेई ने अपने मंत्रिमंडल को अंतिम स्वरूप दिया; इजराइली सेना वेस्ट वैंक और गाजा स्ट्रिप से व्लाकेड हटायेगी।

एयर फ्रांस और के.एल.एम. मिलकर युरोप की सवसे वड़ी एयर लाइन वनेंगीं।

दक्षिण अफ्रीका के जे.एम. कोयेटजी ने साहित्य का नोवल पुरस्कार जीता; पाकिस्तानी सेना ने 12 अलकायदा के उग्रवादियों को मारा; इजराइल वेस्ट वैंक में यहूदियों को वसाने के लिये 550 नये घर वनायेगा; पुटिन को 1917 के वाद सवसे लोकप्रिय नेता होने का जनमत मिला; उत्तरी कोरिया का कहना है कि उसकी परमाणु क्षमता शांतिपूर्वक कार्यों के लिये है।

8. अर्नोल्ड श्वासनेगर कैलिफोर्निया के गवर्नर वने; फिलीस्तान के प्रधानमंत्री ने त्यागपत्र दिया।

10. आस्ट्रेलिया के मात्यु हेडेन ने जिम्वावे के खिलाफ 380 रन वना कर व्रायन लारा का रिकार्ड तोड़ा; शांति का नोवल पुरस्कार इरान की इशरीन इवादी को मिला।

12. वगदाद में दो कार वम विस्फोटों में अनेक मरे; अंतरिक्ष में मानव को भेजने वाला चीन तीसरा देश, अमरीका और रूस के वाद वन रहा है; मिस्र के जुड़े हुए जुड़वा मोहम्मद और इव्राहिम को 34 घंटे के आपरेशन के वाद सफलतापूर्वक अलग किया गया।

13. जार्जिया काकासस पहाड़ी चोटी का नाम अर्नोल्ड श्वासनेगर के नाम पर रखेगा; नेपाल में पुलिस पोस्ट पर माओवादियों आक्रमण में 23 मरे; मुस्लिम वर्ल्ड ने इराक से अमरीका को हटने के लिये कहा, इराकी कौंसिल का कहना है कि अमरीका की उपस्थिति जरूरी है।

14. यूएन पापुलेशन फंड ने वैटिकन के इस वक्तव्य की आलोचना की कि निरोध एच.आई.वी. वायरस से रक्षा नहीं करता है।

15. चीन अंतरिक्ष में मानव को भेजने वाला तीसरा देश वना, अमरीका रूस पहले मानवयुक्त अंतरिक्ष यान का प्रक्षेपण कर चुके हैं; डीवीसी पियरे को उनके उपन्यास 'वर्नान गाड लिटल' के लिये वुकर पुरस्कार मिला; नोवल शांति पुरस्कार विजेता इहादी ने इरान में सभी राजनीतिक वंदियों को छोड़ने को कहा; गाजा कनवाय विस्फोट में 3 अमरीकी मरे; अजरवैजान में चुनाव; विद्रोहियों ने उगांडा में 22 को मारा; इराकी प्रोविजनल सरकार ने कहा कि चुनाव 2004 में होंगे।

16. नेपाल वस दुर्घटना में 40 मरे; संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने इराक पर अमरीकी प्रस्ताव को स्वीकारा; चीन का शेनझाउ वी कैप्सूल अंतरिक्ष यात्री यांग लिवेई के साथ पृथ्वी पर कुशलतापूर्वक उतरा; इसने 21 घंटों में 600,000 किलोमीटर की यात्रा की।

17. एंग्लिकन चर्च समलिंगी पादरी को लेकर दोफाड़; मलेशिया मेंओआईसी की वैठक।

19. पोप जान पाल ने मदर टेरेसा का वीटीपाइज किया, संपूर्ण विश्व से 3 लोख लोग इस अवसर पर पंहुचे; वैंकांक में एपीईसी की दो दिवसीय वैठक प्रारंभ; वुश ने उत्तरी कोरिया से नोवार संधि करने सेइंकार किया; चेचन्या में नये राष्ट्रपति अखमद काडयोरोव ने शपथ ली; वोलविया में भारी मात्रा में प्रदर्शन के कारण राष्ट्रपति लोजाडा को त्यागपत्र देना पड़ा, कार्लोस मेसा नये राष्ट्रपति वने।

20. हत्यारे चार्ल्स शोभराज को नेपाल की अदालत ने जमानत देने से इंकार कर दिया; नेशनलिस्ट रिवश पार्टी संसदीय चुनावों में विजई; मालदीव के राष्ट्रपति एम.ए. गयूम छठी वार राष्ट्रपति चुने गये; व्रिटेन [illegible] प्रधानमंत्री [illegible]

21. संयुक्त राष्ट्र ने इजराइल से कहा कि वो वेस्ट बैंक से सुरक्षा बैरियर को हटा ले लेकिन इजराइल का कहना है कि यह फिलीस्तीनी आत्मघाती बाम्बरों को रोकने के लिये जरूरी है।

24. कंकार्ड की अंतिम उड़ान।

25. रूस के आयल मैगनेट मिखाइल कोडोरकोवस्की पुलिस की हिरासत में; अफगानिस्तान के राष्ट्रपति करजाई ने रमजान के अंत तक संवैधानिक लोया जिरगा को स्थगित किया; अमरीकी प्रशासन ने व्हाइट हाउस में पहली बार दिवाली मनाई; कैलिफोर्निया में जंगलों की आग फैली; रूस की एक खदान में पानी भर जाने से 46 कोयला श्रमिक फंसे, 15 को बचाया गया; संयुक्त राष्ट्र का कहना है कि अफगानिस्तान में तालिबान की वापसी हो गई है।

26. बगदाद के होटेल में जहां यूएस डेपुटी डिफेंस सेक्रेटरी पाल वोल्फोविट्ज ठहरे थे में गुरिल्लाओं ने बम विस्फोट किये।

27. बगदाद में अनेक बमों के विस्पोट में 40 मरे अनेक घायल।

28. कैलिफोर्निया के सैन डियागो में जहां 100,000 हेक्टेयर क्षेत्र में जंगल की आग फैल गई है को रोकने के प्रयास जारी; इराक में कार बम फटने से 6 मरे।

29. सुडान में हेलिकाप्टर दुर्घटना में 19 मरे; कैलिफोर्निया के सैन डियागो में जहां 100,000 हेक्टेयर क्षेत्र में जंगल की आग फैल गई है को रोकने के लिये 11000 अग्निशमक दल लगे, इस आग में 18 मरे हैं और 2000 गृहविहीन हो गयें हैं।

[illegible]

लिट्टे ने उत्तर पूर्व में पूरे नियंत्रण के साथ अंतरिम स्व प्रशासनिक अधिकार की मांग की; अमरीकी सैनिकों के साथ झड़प में 14 इराकी मारे गये।

2. इराक में अमरीकी हेलिकाप्टर के गिरने से 13 सैनिक मारे गये; जे.के. राउलिंग ब्रिटेन की सर्वाधिक धनी महिला हैं उनकी आय महारानी की आय से 8 गुना अधिक है।

3. अफगानिस्तान में तालिबान के शासन के बाद पहला संविधान अपनाया गया।

4. श्री लंका की राष्ट्रपति चंद्रिका ने तीन प्रमुख मंत्रियों को हटाया और संसद को भंग करके देश भर में सैनिक तैनात किये; अमरीकी सीनेट ने राष्ट्रपति बुश की इराक के पुनर्गठन 87.5 बिलियन डालर की मांग को मंजूर कर लिया; चीन का कहना है कि वो अपने महत्वपूर्ण सहयोगी देश पाकिस्तान के लिये चश्मा परमाणु भट्टी के निर्माण के द्वितीय चरण केलिये सहयोग करने को तैयार है।

5. श्रीलंका में राजनीतिक संकट राष्ट्रपति द्वारा आपात काल लगाने के साथ गहराया; उत्तरी कोरिया ने आरोप लगाया कि आई ए एफ ए अमरीका का सहयोगी है।

6. श्रीलंका के मंत्रिमंडल ने राष्ट्रपति चंद्रिका से तीनो मंत्रियों की बहाली के लिये कहा, इसके साथ ही प्रधानमंत्री विक्रमसिंघे अमरीका से राष्ट्रपति बुश के साथ लिट्टे से शांति प्रक्रिया को जारी रखने में सहयोग के वादे के साथ स्वदेश वापस लौट आये; चंद्रिका ने आपात काल हटाया।

8. अमरीका ने रियाद में अपना दूतावास बंद किया; रमजान के पवित्र महीने में सुडान के पोर्ट शहर में बटने वाले खजूर को लेकर मची भगदड़ में लगभग 31 लोग मारे गये और 86 घायल हो गये।

9. सउदी अरब की राजधानी रियाद में एक आवासीय परिसर में अलकायदा के संदिग्ध उग्रवादियों द्वारा किये गये बम विस्फोटों में 11 मरे और 125 से अधिक घायल हो गये

10. कोलंबिया की पहली महिला रक्षा मंत्री मार्ता रामिरेज ने त्यागपत्र दिया; अमरीका का कहना है कि अल खायदा का सउदी अरबिया में सत्ता हथियाने की योजना है; कवि सइद शानसुल हक ने तसलीमा नसरीन के खिलाफ बंगलादेश में डिफेमेशन केस दायर किया।

12. नासीरिया इराक में कार बम विस्फोट में 22 मरे।

13. यूके भ्रूण में लिंग परीक्षण को प्रतिबंधित करेगा।

14. कनाडा के प्रधानमंत्री जीन क्रेटिया ने अपनी पार्टी से विदाई ली; अमरीकी हेलिकाप्टर हमले में 7 इराकी मरे।

15. इस्तानबूल में यहूदियों के दो पूजास्थलों के निकट कार बम विस्फोट में 15 मरे व 140 घायल।

16. मिकी माउस 75 वर्ष का हुआ; उत्तरी फ्रांस में जलयान क्वीन मैरी के गैंगवे के गिरने से 15 मरे।

17. लंदन में पिछले 7 वर्षों में सोना सबसे अधिक उछाल पर; टिकरिट में प्रतिरोध को बढ़ता देखकर अमरीकी सेना ने वहां टैंक भेजे।

19. माइकल जैक्सन जिन पर बच्चे का यौन शोषण का आरोप लगा गिरफ्तार किये जायेंगें; राष्ट्रपति बुश लंदन पंहुचे।

22. अमरीका ने अब तक सबसे बड़े बम, 9545 किग्रा का फ्लोरिडा रेंज में परीक्षण किया; इराक में आत्मघाती विस्फोटों में 18 मरे।

24. मास्को के छात्रावास में आग से 32 विदेशी छात्र मरे

27. दक्षेस के दौरान वाजपेई का पाकिस्तान के प्रधानमंत्री जमाली से बातचीत संभव।

28. पुर्तगाल की एक अदालत ने फर्जी दस्तावेज से देश में प्रवेश करने के आरोप में मुंबई बम कांड सहित कई मामलों में वांछित अबु सलेम को साढ़े चार साल की कैद सुनाई।

[illegible]

1. अमरीका के शस्त्र खरीद अधिकारी मेजर जनरल क्रेग हेकट भारत की यात्रा पर पहुंचे।

2. पाकिस्तानी राष्ट्रपति परवेश मुर्शरफ ने जनवरी महीने में दक्षेस सम्मेलन में प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई से मिलने की इच्छा जताई।

5. इक्वेडोर में 16 कैदी जेल तोड़ कर भागे; इराक के पूर्व मंत्री के अनुसार सद्दाम हुसैन का कई विदेशी राज्यों में पैसा जमा है।

सामान्य ज्ञान

विश्व प्रसिद्ध व्यक्तित्व

अब्दुल कलाम, डा. अबुल जाकिर जैनुलब्दीन (जन्म 1931): भारतीय मिसाइल कार्यक्रम के प्रणेता। विज्ञान के प्रति समर्पण, कार्य के प्रति निष्ठा और सादगी के जीवन के लिये प्रख्यात, भारत के राष्ट्रपति।

अबु बेकर (573–634): मुस्लिम नेता, प्रथम खलीफा। मुहम्मद साहेब के उत्तराधिकारी चुने गये।

अटल बिहारी वाजपेई (जन्म–1926): 19 मार्च 1998 से भारत के प्रधानमंत्री, कवि लेखक और अनेक वर्षों तक ससंद सदस्य रहे श्री वाजपेई मोरारजी भाई देसाई के मंत्रिमंडल में विदेश मंत्री रहे।

अरुण शोरी (जन्म–1943): विख्यात भारतीय पत्रकार और संपादक। 1982 में मैग्सायसाय पुरस्कार से सम्मानित, वर्तमान में केंद्रीय मंत्री।।

अबुल फजल (1551–1602): फारसी के विद्वान और लेखक, सम्राट अकबर के नौरत्नों में से एक। अकबरनामा, आइने–अकबरी के लेखक।

अगस्ते कोम्टे (1798–1857): फ्रांसीसी दार्शनिक, संत सिमन के अनुयायी। पाजिटिज्म के संस्थापक।

अकिलान (या अकिलांदम पी.वी.) (1922–88): ख्यात तमिल लेखक। ज्ञानपीठ पुरस्कार से सम्मानित। [illegible], कायलवीड़ि।

अमृता प्रीतम (जन्म–1919): प्रसिद्ध भारतीय पंजाबी कवियत्री। ज्ञानपीठ पुरस्कार से सम्मानित।

अमृत कौर राजकुमारी (1887–1964): स्वतंत्रता संग्राम की सेनानी और नेहरू जी के मंत्रिमंडल में स्वास्थ्य मंत्री।

अरुणा आसफ अली (1909–96): भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन की सेनानी, 1958 में दिल्ली की मेयर रहीं, प्रख्यात समाजसेविका और सामाजिक विचारधारा में प्रमुख हस्ताक्षर। कई दशकों से समाज सेवा में संलग्न।

अरस्तू (384–322 ई.पू.): यूनान के दर्शनशास्त्री और प्राध्यापक। प्लेटो के शिष्य, युवा राजकुमार मैसेडोन के एलेक्जेंडर के शिक्षक और एथेंस में लीसियम के संस्थापक।

अबुल कलाम आजाद (1888–1958): भारत के स्वतंत्रता सेनानी, कट्टर राष्ट्रवादी, स्वतंत्र भारत में शिक्षा मंत्री। 1992 में मरणोपरांत भारत रत्न से सम्मानित। इंडिया विन्स फ्रीडम के लेखक।

अयूब खान (1907–74): पाकिस्तानी मिलिट्री जनरल, 1958–69 तक पाकिस्तान के राष्ट्रपति रहे।

श्री अरबिंदो (अरबिंदो घोष) (1872–1950): भारतीय दार्शनिक जो कि युवा अवस्था में क्रांतिकारी थे। 1910 में पांडिचेरी पहुंचे और आश्रम का गठन किया।

अमिताभ बच्चन (जन्म–1942): भारतीय सिनेमा सर्वाधिक लोकप्रिय अभिनेता, 100 से अधिक फिल्मों अभिनय, सुप्रसिद्ध कवि हरिवंशराय बच्चन के पुत्र।

अकबर महान (1542–1605): भारत का प्रसि मुगल शासक जिसके शासन काल में राष्ट्र को स्थिरत मिली। शासन काल में साम्प्रदायिक सौहार्द बढ़ा। व्याप सुगम हुआ और राज्य की सीमाओं में अभूतपूर्व विस्ता हुआ।

अर्नोल्ड जोसेफ टोयेनबी (1889–1975): इंग्लैं के इतिहासज्ञ। 10 वाल्यूम में 'ए स्टडी आफ हिस्ट्री' क सभ्यताओं का दस्तावेज है।

अर्दासीर कुर्सेटजी वाडिया (1808–77): सामुद्रि यांत्रिकी, पहले भारतीय जिन्हे रोयाल सोसायटी आफ लंद का सदस्य बनाया गया।

अर्नेस्ट हेमिंग्वे (1898–1961): प्रसिद्ध अमरीक उपन्यासकार। प्रमुख कृतियां–ए फेयरवेल टू आर्म्स, डेथ इन आफ्टरनून, फार हूम दी बेल टोल्स, दी ओल्ड मैन एं दी सी, ही कमिटेड सुसाइड। 1954 में नोबेल पुरस्कार से सम्मानित।

अन्नादुराई सी.एन. (1909–1969): तमिलनाडु के सर्वाधिक लोकप्रिय मुख्यमंत्री (1967) डी.एम.के. के संस्थापक।

अल्बेयर कामु (1913–60): प्रसिद्ध फ्रांसीसी अस्तित्ववादी लेखक। नोबेल पुरस्कार से सम्मानित। प्रसिद्ध कृति दी स्ट्रेंजर।

अमंडसेन रोल्ड (1872–1928): नार्वे के खोजी दक्षिण ध्रुव पर 1911 में पंहुचे वे आर.एफ स्काट से 35 दिन पहले यहां पहुंचे, नार्थ वेस्ट पैसेज का सबसे पहले नौगमन (1903–6) किया। उत्तरी ध्रुव के पर उम्पर्टो नोबाइल के साथ उड़ान भरी।

अल्बर्ट आंइस्टीन (1879–1965): बीसवी सदी के अग्रणी वैज्ञानिक। सापेक्षता के सिद्धांत के प्रतिपादक। फोटो विद्युत प्रभाव के नियम की खोज पर 1921 में नोबेल पुरस्कार से सम्मानित।

अगाथा क्रिस्टी (1890–1976): ब्रिटेन की विश्व प्रसिद्ध रहस्य रोमांच की लेखिका। अनेक कृतियों पर सफल फिल्में बनी।

अब्दुल गफ्फार खान (1890–1988): सीमांत गांधी के नाम से प्रसिद्ध। भारत पाक बंटवारे के प्रबल विरोधी। 1987 में भारत रत्न से सम्मानित।

आल्डुअस हक्सले (1894–1963): इंग्लैंड के उपन्यासकार। टी.एच. हक्सले के पोते और जूलियन हक्सले के भाई। ब्रेव न्यू वर्ल्ड के सर्जक।

अब्राहम लिंकन (1809–65): अमरीका के 16वें राष्ट्रपति, रिपब्लिकन पार्टी जिसकी स्थापना गुलामी के विरोध के लिये 1856 में की गयी थी के अध्यक्ष रहे। उनका वाक्य 'जनता की सरकार, जनता के द्वारा, जनता के लिये' आज भी आदर्श लोकतंत्र का सूत्र है। हत्या के शिकार हुए।

अब्देल गमाल नासर (1918–1970): मिस्र के राष्ट्रनिर्माता और अरब देशों के नेता, जनरल नाकिब का तख्ता पलटने में हुए विद्रोह का नेतृत्व किया। 1956 में मिस्र के राष्ट्रपति। 1956 में ही स्वेज कैनाल का राष्ट्रीयकरण किया। गुट निर्पेक्ष आंदोलन के संस्थापक नेताओं में से एक।

अनवर एल सादात (1919–81): मिस्र के सेनानी और राजनेता। 1970 से 81 तक मिस्र के राष्ट्रपति रहे। 1977 में इजराइल यात्रा और कैम्प डेविड शांति संधि के लिये विशेष ख्याति पायी। उनकी हत्या कर दी गयी।

अमर्त्य कुमार सेन (जन्म–1933): भारत के महान अर्थशास्त्री। हार्वर्ड विश्वविद्यालय में दर्शन और अर्थशास्त्र के प्रोफेसर। वर्ल्ड बैंक एडवाइजरी बोर्ड के सदस्य। आर्थिक सिद्धांत और विकासशील आर्थिक क्षेत्र में विशेष योगदान, नोबल पुरस्कार से सम्मानित।

अलबर्ट श्वेत्जर (1875–1965): जर्मनी के चिकित्सक, मानववादी, संगीतज्ञ और दार्शनिक। युरोप में अपने सुनिश्चित भविष्य को छोड़ कर अफ्रीका के लैम्बेरेन के एक अस्पताल में गये और कुष्ठ रोगियों के लिये काम किया। 50 वर्ष से अधिक तक यहां काम किया। 1952 नोबेल पुरस्कार से सम्मानित।

आकुतागावा र्यूनोसुके (1892–1927): जापान के सबसे प्रसिद्ध लेखक। मानसिक विकार और सामाजिक रूढ़ियों पर सशक्त लेखन। आत्महत्या कर ली। उनके नाम पर आकुतागावा पुरस्कार जापान में साहित्य का सबसे बड़ा पुरस्कार है। प्रमुख कृतियां– कप्पा, राशुमोन।

अपाचे इंडियन (स्टीवन कपूर) (जन्म–1967): ब्रिटेन में जन्में पाप संगीत के सिख स्टार। युवा जगत में काफी लोकप्रिय।

आर्थर कोएलसर (1905–1983): हंगरी के लेखक, बीसवीं शताब्दी के चर्चित लेखकों में से एक। प्रमुख कृतियां– डार्कनेस एट नून।

आगा खान चतुर्थ (जन्म 1934): विश्व मे 2 करोड़ शिया इस्माइली मुस्लिमों के आध्यात्मिक प्रमुख। 1957 में आनुवांशिक इमाम के रूप में चयन। मंगोल में आगा खान का अर्थ है–आदरणीय प्रमुख।

आर्कमिडीज (ई.पू. 287–212): प्राचीन यूनानी गणितज्ञों में एक महान विभूति, परिशुद्ध गणित, यांत्रिकी और हाइड्रोस्टैटिक्स (उनका प्रसिद्ध सिद्धांत जिसके अनुसार जब कोई वस्तु जल में डाली जाती है तो उस वस्तु के वजन के बराबर का जल विस्थापित हो जाता है) में अपने योगदान के लिये प्रसिद्ध। सापेक्षिक घनत्व, लीवर सिद्धांत और मुड़ी हुई वस्तुओं का माप आदि विधियों का भी उन्होंने ही प्रतिपादन किया।

आस्टिन जेन (1775–1817): ब्रिटेन की उपन्यासकार। प्रमुख कृतियां– इम्मा, मैन्सफील्ड पार्क, नार्थेजर एब्बे, पर्सुएशन, प्राइड एंड प्रीजुडिस और सेंस एंड सेंसिबिलिटी।

आयानकाली (1863–1941): भारत में हरिजनों के नेता। महात्मा गांधी ने उन्हे पुल्याराज की उपाधि दी। एक बड़े संगठनकर्ता।

आर्यभट्ट (476–520): भारतीय गणितज्ञ और खगोलज्ञ। भारत का पहला उपग्रह उनके नाम पर था।

आशापूर्णा देवी (जन्म 1909–95): बंगाली साहित्य की बड़ी हस्ताक्षर। 1977 में ज्ञानपीठ पुरस्कार से सम्मानित। 85 वर्ष की आयु में साहित्य अकादमी फेलोशिप प्राप्त की। 200 से अधिक पुस्तकें लिखी हैं। प्रमुख कृतियां–प्रथम प्रतिश्रुति, सुवर्णलता, बाकुलकथा।

आर.के. लक्ष्मण (जन्म–1927): प्रसिद्ध भारतीय कार्टूनिस्ट। 1984 में मैगसायसाय पुरस्कार से सम्मानित।

आर.के. नारायण (जन्म–1906–2001): अंग्रेजी के प्रसिद्ध भारतीय लेखक। प्रमुख कृतियां– दी गाइड, स्वामी, मालगुडी डेज।

आइजक न्यूटन, सर (1642–1727): इंग्लैंड के महान वैज्ञानिक। गुरुत्वाकर्षण सिद्धांत के जनक। प्रिंसिपा के सर्जक।

आइजक पिटमैन, सर (1813–97): इंग्लैंड के फोटोग्राफिक शार्टहैंड के आविष्कर्ता।

आदम स्मिथ (1723–90): स्काटलैंड के विख्यात अर्थशास्त्री। अर्थशास्त्र के क्षेत्र में उन्हे महानतम माना जाता है।

इंदिरा गांधी (1917–1984): प्रसिद्ध भारतीय नेता। भारत की प्रथम महिला प्रधानमंत्री। जवाहर लाल नेहरू के बाद सर्वाधिक लंबे समय तक भारत की प्रधानमंत्री रहीं। लोकप्रियता के ग्राफ में लगातार नाटकीय उत्थान–पतन रहा। 1971 में प्रचंड बहुमत से सत्ता में आयीं। 1975 में आपातकाल लगाने के बाद लोकप्रियता में भारी गिरावट आयी और 1977 में पहली बार क्रांग्रेस उनके नेतृत्व में सत्ता से बाहर हो गयी। लेकिन 1980 में मध्यवर्ती चुनावों में एक बार फिर विजय प्राप्त कर सत्ता में लौटीं। जून 1984 में प्रसिद्ध आपरेशन ब्ल्यू स्टार हुआ और सेना सिक्खों के प्रसिद्ध गुरुद्वारे हर मंदिर साहेब में आतंकवादियों को निकालने के लिये घुसी। देश भर में तनाव की स्थिति। 31 अक्टूबर को उनके ही अंगरक्षकों ने उनकी गोली मार कर हत्या कर दी।

इदी अमीन (जन्म–1925): उगांडा के राष्ट्रपति (1971–79) 1972 में 50,000 एशियाइयों के निष्कासन का आदेश। अफ्रीका के क्रूरतम तानाशाह के रूप में विख्यात। सत्ता से बलपूर्वक हटाये गये।

इला भट्ट (जन्म–1933): महिलाओं की स्वरोजगार योजना में अकथनीय सहयोग। निर्धन महिलाओं की ट्रेड यूनियन में पथ–प्रदर्शक। 1977 में मैगसायसाय पुरस्कार से सम्मानित।

इलयाराजा (जन्म– 1943): भारतीय फिल्म संगीत

...क महानायक। 17 वर्षों के कार्यकाल में अब तक 700 से अधिक फिल्मों में संगीत दे चुके हैं। एकमात्र एशियाई जिनकी सिम्फोनी को प्रतिष्ठित रोयल फिलहार्मोनिक आर्केस्ट्रा लंदन ने रिकार्ड किया।

इम्मानुएल कांट (1724–1804): जर्मन दार्शनिक। उनके विचार में मानव शोषण सबसे बड़ी बुराई है। प्रमुख कृतियां– क्रिटिक आफ प्योर रीजन, क्रिटिक आफ प्रैक्टिकल रीजन, क्रिटिक आफ जजमेंट।

इवान लेंडल (जन्म–1960): चेकोस्लाविया में जन्में विख्यात टेनिस खिलाड़ी, अनेक खिताबों के विजेता।

इंद्रप्रसाद गोवर्धनभाई पटेल, डा. (1875–1950): विख्यात भारतीय अर्थशास्त्री, आई.एम.एफ. में काम किया, प्रमुख इकनोमिक एडवाइजर, रिजर्व बैंक आफ इंडिया के गवर्नर आदि विशिष्ट पदों पर रहे।

इवान पेत्रोविच पावलोव (1849–1936): रूस के चिकित्सा विज्ञानी, मनोवैज्ञानिक तनाव, रेफलेक्सेज व पाचन ग्रंथियों के वीच संबध पर अपने प्रयोगों के लिये विख्यात। 1904 में नोबेल पुरस्कार से सम्मानित।

ई.एम. फ्रास्टर (1879–1970): प्रसिद्ध इंग्लिश लेखक। ए पैसेज टू इंडिया के रचयिता।

ई.एम.एस. नम्बूदिरीपाद (जन्म–1909–98): प्रसिद्ध राजनीतिज्ञ एवं विचारक। मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी के भूतपूर्व महासचिव। भारत के केरल प्रांत में पहली वार उनके नेतृत्व में वामपंथी सरकार बनी।

ई.सी. जार्ज सुदर्शन, प्रो. (जन्म–1931): भारत के प्रसिद्ध भौतिक वैज्ञानिक। 'टेकियस' की गति प्रकाश से अधिक होती है के सिद्धांत से प्रसिद्धि पायी।

ईश्वर चंद्र विद्यासागर (1820–91): महान भारतीय विद्वान और समाज सुधारक। विधवा विवाह, महिलाओं के लिये उच्च शिक्षा और कम उम्र में लड़कियों के विवाह के विरुद्ध अनवरत संघर्ष।

उल्लूर एस. परमेश्वरा अय्यर (1877–1949): विख्यात मलयालम कवि और प्रशासक। प्रमुख कृतियां– उमाकेरलम, मंगला मंजरी, केरल साहित्य चरितम।

उमर खैयाम (1050–1123): फारसी के कवि। अपनी रुवाइयों के लिये अत्यधिक प्रसिद्ध।

एंडर्स सेल्सियस (1701–44): स्वीडन के आविष्कारक और खगोलज्ञ। तापमान मापने की इकाई सेल्सियस की खोज की।

एडगर एलेन पो (1809–49): अमरीका के कवि और कहानी लेखक। प्रमुख कृतियां–दी रावण, टू एलेन और अन्नावेल ली।

एलेक्जेंडर पोप (1688–1744): ब्रिटेन के कवि। साहसिक पदों को लिखने में विख्यात। प्रमुख कृतियां–दी रेप आफ दी लाक, दी डनसियाड, एसे आफ क्रिटिजिस्म, ऐसे आन मैन।

एलिजाबेथ (2) (जन्म–1926): ग्रेट ब्रिटेन और उत्तरी आयरलैंड की महारानी। 1952 में राजमुकुट पहना।

एलेक्जेंडर गस्टेव आइफल (1832–1923): फ्रांस के प्रसिद्ध इंजीनियर। एफिल टावर, पनामा कैनाल लाक्स उनके महान कार्य हैं।

एलेक्जेंडर डुबेक (1922–1992): चेकोस्लाविया के सुधारवादी नेता। मानवीय मूल्यों के साथ समाजवादी विचारधारा को 1968 में प्राग में चलाया लेकिन सत्ता ने उनके आंदोलन को कुचल दिया। 1989 में दुबारा लोकप्रिय हुए और लोकतांत्रिक चेकेस्लोवाकिया के निर्माण में वाक्लाव हावेल का साथ दिया। संघीय संसद के प्रेसीडेंट बने।

एलेक्जेंडर ड्यूमा (1802–70): फ्रास के रोमांटिक लेखक। प्रमुख कृतियां– दी कांउट आफ मांटे क्रिस्टो, दी ब्लैक ट्यूलिप।

एडवर्ड केव (1691–1754): ब्रिटेन के प्रकाशक जिन्होने पहली आधुनिक पत्रिका दी जेंटलमैन की स्थापना की।

एन्नी बोलीन (1507–36): ब्रिटेन के हेनरी–8 की पत्नी (महारानी) और महारानी एलिजावेथ की मां। मृत्यु दंड।

एंद्रे मैरी ऐम्पियर (1775–1836): फ्रांस के प्रसिद्ध भौतिक विज्ञानी। विद्युत करेंट की इकाई उन्ही के नाम पर रखी गया है। चुम्यकत्व आणविक विद्युत प्रवाह का परिणाम है सिद्धांत का प्रतिपादन उन्होने ही किया था।

एडीसन (1847–1931): प्रसिद्ध अमरीकन वैज्ञानिक। टेलिग्राफ, फोनोग्राफ जैसी वस्तुओं के अविष्कारक।

एलेक्जेंडर ग्राहम वेल (1847–1922): टेलिफोन के ब्रिटिश आविष्कारक।

एल्फ्रेड हिचकाक (1899–1980): ब्रिटिश–अमरीकी फिल्म निदेशक। सस्पेंस फिल्मों को बनाने में विश्व विख्याक ख्याति अर्जित की। प्रमुख फिल्में–वर्टिगो, साइको, दी बर्ड्स, नार्थ वाई नार्थवेस्ट।

एल्फ्रेड टेनिसन (1809–92): इंग्लैंड के महान कवि।

एडोल्फ हिटलर (1889–1945): जर्मन तानाशाह, प्रथम विश्व युद्ध के बाद उनका दल नाजी पार्टी सत्ता में आयी। तानाशाह बनने के बाद उन्होने अपने विरोधियों का सफाया कर दिया। विस्तारवाद की आकांक्षा के कारण द्वितीय विश्व युद्ध छिड़ा। 1945 में आत्म हत्या कर ली।

एमिल जोला (1840–1902): फ्रांसीसी उपन्यासकार। प्रमुख कृतियां– नाना, जार्मिनल।

एम.एस. स्वामीनाथन (जन्म–1925): भारत के अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त कृषि विज्ञानी। योजना आयोग के सदस्य रहे, अंतर्राष्ट्रीय चावल शोध संस्थान के निदेशक और हरित क्रांति के जनक। मैगसायसाय पुरस्कार समेत अनेक राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कारों से सम्मानित।

एन्नी, महारानी (1665–1714): ग्रेट ब्रिटेन और आयरलैंड की महारानी। उनका शासन काल साहित्य, विज्ञान के विकास, स्थापत्य और युद्ध में विजयों की उपलब्धियों से भरपूर था।

एंटोनियस मार्कस (मार्क एंटोनी) (ई.पू. 83–30): रोम के राजनीतिज्ञ एवं जनरल; ट्रिमवीर। जूलियस और कैशियस

के विरोध में उन्होंने सीजर का समर्थन किया बाद आक्टेवियन द्वारा पराजित। क्लयोपैट्रिया के प्रेम में पड़ गये, आत्महत्या कर ली।

एल्फ्रेड एडलर (1870–1937): वियना के मनो–वैज्ञानिक। इन्फ्रीयारिटी काम्पलेक्स के बारे में इन्होंने ही पता लगाया था।

एल्फ्रेड महान (849–899): वेसेक्स के सम्राट जो राष्ट्रीय प्रतीक बन गये। स्वंयरचित रचनाओं का लैटिन से अंग्रेजी में अनुवाद जो कि प्रारंभिक अंग्रेजी साहित्य कहलाया।

एडवर्ड फिट्ज गेराल्ड (1809–83): ब्रिटेन के कवि और अनुवादक। उमर खय्याम की रुबाइयां (1859).।

एलेक्जेंडर फ्लेमिंग, सर (1881–1955): स्काटलैंड के कीटाणु वैज्ञानिक, पेनसिलिन के खोजकर्ता (1928), 1945 में नोबेल पुरस्कार से सम्मानित।

एडवर्ड मोर्गन फार्स्टर (1879–1970): उपन्यासकार, कथा लेखक, व निबंधकार। 'ए पैसेज टू इंडिया' जो कि भारत के बारे में प्रसिद्ध कृति है के सर्जक।

एन्ने फ्रैंक (1929–1945): ' दी डायरी आफ ए यंग गर्ल' के लेखक। पुर्तगाल के रहने वाले फ्रैंक ने यह पुस्तक अम्सटर्डम में नाजियों से छिपकर रहते हुए लिखी थी।

एडवर्ड गिब्बन (1737–94): ब्रिटेन के इतिहासज्ञ, जिन्होंने डिक्लाइन एंड फाल आफ रोमन इंपायर पुस्तक लिखी।

एंद्रे गिडे (1869–1951): फ्रांस के साहित्यकार। अनेक प्रसिद्ध लघु कथायें लिखीं।

एंद्रेई ग्रोमइको (1909–1989): रूस के राजनयिक एवं विख्यात नेता। यू.एस.एस. आर. के राष्ट्रपति (1985)।

एनी बेसेंट (1847–1933): आयरिश महिला, भारतीय [illegible] आंदोलन की समर्थक और सेनानी, शिक्षाविद्, [illegible] कार्यकर्ता, और समाज सुधारक। होम रूल [illegible] की स्थापना की। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की 1917 [illegible], अध्यक्ष, ब्याय स्काउट एसोसियेशन और थियोसोफिकल सोसायटी आफ इंडिया की स्थापना की।

एडवर्ड हेल्थ (जन्म–1916): ब्रिटेन के नेता। कंजर्वेटिव पार्टी के अध्यक्ष (1965–75), प्रधानमंत्री (1970–74)।

एडमंड हिलैरी (जन्म–1919): न्यूजीलैंड के पर्वतारोही, जिन्होंने तेनजिंग नार्वे के साथ एवरेस्ट चोटी पर पहली सफल चढ़ाई की थी।

अनातोले कार्पोव (जन्म–1951): रूसी शतरंज खिलाड़ी। 1975–85 तक विश्व चैम्पियन।

एलेक्सी निकोलायेविक कोसीगिन (1904–80): खुश्चेव (1964) के बाद यू.एस.एस.एस.आर. के कौंसिल आफ मिनिस्टर के चेयरमैन (प्रधानमंत्री)।

एल्फ्रेड मनेशियर (1912–93): फ्रांस के महानतम एब्सट्रैक्ट कलाकार।

एंटोनियेट्टे मैरी (1755–93): फ्रांस की महारानी, लुइस 16वें की पत्नी। फ्रांस की क्रांति में उनका उनके पति के साथ सर काट दिया गया था।

एलेक्जेंडर मिलिने (1882–1956): इंग्लैंड के हास्य लेखक और, कवि, बच्चों के लिये रचा उनका साहित्य आज भी लोकप्रिय है।

एंद्रेई सखारोव (1921–89): रूस के परमाणु वैज्ञानिक और मानव अधिकार आंदोलन के नेता। 1975 में नोबेल पुरस्कार से सम्मानित।

एम.जी. रामचंद्रन (1917 –1987): फिल्मों से राजनीति का सफल सफर। तमिलनाडु के लोकप्रिय मुख्यमंत्री। 1988 में मरणोपरांत भारत रत्न से सम्मानित।

एल्फ्रेड बर्नहार्ड नोबेल (1833–96): स्वीडन के आविष्कारक, डायनामाइट की खोज की और इस विस्फोटक से अपार संपति कमाई। एक बड़े कोष को भौतिकी, रसायन, अर्थशास्त्र, चिकित्सा, साहित्य और शांति के क्षेत्र में अद्वितीय कार्य करने वालों के लिये वार्षिक पुरस्कार के लिये छोड़ा। उनके नाम से दिया जाने वाला नोबेल पुरस्कार विश्व का सबसे प्रतिष्ठित पुरस्कार है।

एलेक्जेंडर सोल्जेनित्सन (जन्म–1918): रूस के उपन्यासकार, जिनकी रचनाओं को प्रतिबंधित कर दिया गया था। 1974 में उन्हे रूस से निष्कासित कर दिया गया था। 1995 में वह वापस मास्को आ गये।

एमिले जोला (1840–1902): फ्रांस की उपन्यासकार। प्रमुख कृतियां–एल एस्सोमोयर, नाना, जर्मिनल।

एलेक्जेंडर पुष्किन (1799–1837): रूसी कवियों में से महानतम कवि माने जाते हैं। प्रमुख कृतियां– युगेने, ओनेजिन, दी कैप्टिव आफ काकस।

ओरबिंदो **(1872–1950):** प्रसिद्ध भारतीय दार्शनिक जो जीवन के प्रारंभ में क्रांतिकारी भी थे। बाद में वेदांत के प्रभाव के कारण पांडिचेरी में प्राच्य भारतीय भाषाओं का और दर्शन का अध्ययन किया।

ओर्विल राइट्स (1871–1948) और उनके भाई विलबर (1867–1912): अमरीका के आविष्कारक और उड्डयन के मार्गदर्शक। प्रथम व्यक्ति जिन्होंने मोटर का प्रयोग करके वायुयान को उड़ाया।

ओस्कर वाइल्ड (1854–1900): आयरिश लेखक। प्रमुख कृतियां– ए वूमेन आफ इम्पोर्टेंस, एन आइडियल हसबैंड।

ओट्टो वोन बिस्मार्क (1815–98): जर्मन के पथप्रदर्शक। जर्मन राष्ट्र के मुख्य निर्माता के रूप में प्रसिद्ध। रक्त एवं लौह मानव के नाम से विख्यात।

ओलिवर क्रामवेल (1599–1658): ब्रिटेन के सैनिक, नेता, और प्योरिटन क्रांति के सर्वमान्य नेता।

औरंगजेब (1618–1707): भारत में मुगल सम्राट साम्राज्य उन्होंने अपने पिता से जबरन छीना था। उनके शासनकाल में मुगल साम्राज्य की सीमायें वृहदतर हो गयीं लेकिन उनकी असहिष्णुता और कट्टरपन की नीति के कारण धार्मिक वैमनस्य बहुत फैला और उनकी मृत्यु के बाद मुगल साम्राज्य विघटन की ओर बढ़ चला।

ओलिवर गोल्डस्मिथ (1728–74): आयरलैंड के कवि, रंगकर्मी, और उपन्यासकार। प्रमुख कृतियां– दी विकार आफ वेकफील्ड, शी स्टूप्स टू कानक्वर।

ओट्टो हन (1879–1968): जर्मन वैज्ञानिक परमाणु

विखंडन के प्रमुख अन्वेषक। इसी सिद्धांत पर परमाणु वम का आधार है। 1944 में नोवेल पुरस्कार से सम्मानित।

ओस्कर वाइल्ड (1854–1900): आयरलैंड के लेखक और नाट्यकर्मी। प्रमुख कृतियां–विंडरमेयर्स फैन, ए वोमेन आफ नो इंपार्टेंस, एन आइडियल हसवैंड और दी इंपार्टेंस आफ वीइंग अर्नेस्ट।

कमला देवी चट्टोपाध्याय (1903–1988): भारतीय संस्कृत, कला, रंगमंच और साहित्य की प्रमुख हस्ताक्षर। राजनीति और समाज सेवा में भी अग्रणी रहीं। मैगसायसाय पुरस्कार से सम्मानित।

कपिल देव (जन्म–1959): भारत के प्रसिद्ध तेज गेंदवाज। विश्व में सर्वाधिक टेस्ट विकेट लेने का श्रेय। 5000 रन और 434 विकेट प्राप्त कर विश्व के पहले आलराउंडर। भारतीय टीम के कप्तान के रूप में अभूतपूर्व सफलतायें अर्जित कीं। 1983 में अपने नेतृत्व में भारत को वर्ल्ड कप क्रिकेट 'प्रुडेन्शियल कप' दिलाया।

कर्टनी वाल्श (जन्म 1962): वेस्ट इंडीज के तेज गेंदवाज, पांच सौ विकेट लेने वाले विश्व के प्रथम गेंदवाज।

कमाल अतातुर्क (1881–1938): आधुनिक तुर्की के निर्माता। तुर्की गणराज्य के 1923 से 1938 तक प्रेसिडेंट।

कालिदास (चौथी शताब्दी): संस्कृत के महान कवि और नाट्य लेखक। प्रमुख कृतियां– रघुवंश, कुमार संभव, शाकुंतला।

कामराज (1903–1975): कांग्रेस पार्टी के प्रसिद्ध नेता। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अध्यक्ष भी रहे। प्रसिद्ध कामराज योजना के जनक।

कांसटेन्टिन उस्तीनोविच चर्नेनको (1911–1985): रूस के राजनीतिज्ञ। एंद्रोपोव के वाद रूस की कम्युनिस्ट पार्टी के महासचिव वने।

कार्ल मार्क्स (1818–83): विश्व प्रसिद्ध विचारक। 'दास कैपिटल' और 'कम्युनिस्ट मैनिफेस्टो' के लेखक। मार्क्स के विचारों का विश्व भर में प्रभाव पड़ा। 1917 में रूस में हुई क्रांति उन्ही के दर्शन का परिणाम थी। लगभग चौथाई विश्व में साम्यवादी सरकारों का घटन भी उन्ही के दर्शन का परिणाम थी।

कुमारन आशान (1873–1924): प्रख्यात भारतीय कवि (मलयालम) और समाज सेवी।

कुबलाई खान (1216–94): चीन के प्रथम मंगोल शासक। चंगेज खान के पोते।

केनेथ कौंडा (जन्म–1924): अंतर्राष्ट्रीय विख्यात अफ्रीकी नेता। जाम्बिया की स्वतंत्रता का नेतृत्व। जाम्बिया के राष्ट्रपति।

के. केलाप्पन (1890–1971): भारत के सर्वोदय नेता और समाजसेवी। स्वतंत्रता संग्राम में सक्रिय भाग लिया। सामाजिक वुराइयों के विरुद्ध संघर्ष करते रहे। नायर सर्विस सोसायटी के संस्थापक अध्यक्ष थे।

केशव धोंढो कार्वे (1858–1962): भारत के विख्यात समाजसेवी। विधवा विवाह और महिलाओं की शिक्षा के लिये आंदोलन के प्रणेता। 1958 में भारत रत्न से सम्मानित।

क्रिस एवर्ट (जन्म–1954): संयुक्त राज्य अमरीका की अपने काल की महान टेनिस खिलाड़ी। 1974 से 1986 तक 20 चैम्पियनशिप जीतीं।

कैयस आक्टेवियानस अगस्तस (ई.पू.63–सन 14): प्रथम रोमन सम्राट। उनका शासनकाल शांति के लिये और प्रमुख लेखकों–होरेस और वर्जिल, हेंस, आगस्टान के लिये प्रसिद्ध है।

किरण वेदी (जन्म: 1949): प्रथम महिला आई.पी.एस. अधिकारी। एशियाई महिला टेनिस की पूर्व चैम्पियन। मैगसायसाय पुरस्कार से सम्मानित।

कैथरीन–2 (महान) (1729–96): रूस की तनाशाह। उनके शासन में देश की सीमाओं का अभूतपूर्व विस्तार हुआ था।

कैशियस क्ले (जन्म–1942): अमरीका के मुक्केवाज और भूतपूर्व विश्व हैवीवेट मुक्केवाजी के चैंपियन। अव अपने मुस्लिम नाम मोहम्मद अली के नाम से जाने जाते हैं।

क्लियोपेट्रा (69–30 ई.पू.): मिस्र की महारानी। सत्ता अपने भाई टोलेमी–12 के साथ संभाली। जूलियस सीजर की पत्नी और वाद में मार्क एंटोनी की प्रेमिका। आत्महत्या की।

क्रिस्टोफर कोलंबस (1451–1506): इटली के खोजक, अमरीका की खोज का श्रेय। 1492 में उन्होने वहामाज, क्यूवा, और अन्य वेस्ट इंडीज प्रायद्वीपों की खोज की। 1498 में वे दक्षिण अमरीका के तटीय इलाके पर पहुंचे।

कन्फ्यूशियस या कुंग फु–त्से (551–478 ई.पू.): चीनी दार्शनिक, कास्मोलोजी, राजनीति व मूल्यो की प्रणाली के जनक, जिसे कन्फ्यूशियनिज्म भी कहा जाता है।

कैप्टेन जेम्स कुक (1728–79): ब्रिटेन के समुद्र यात्री, विश्व की अनेक यात्रायें कीं। हवालियन प्रायद्वीप की खोज की।

आर्थर कानन डायल (1859–1930): जासूसी उपन्यासों के ब्रिटेन के प्रख्यात लेखक। शर्लाक होम्ज और मित्र डा. वाट्सन चरित्र के सर्जक।

के.सी. माम्मन माप्पिला (1873–1953): विख्यात पत्रकार, समाज सेवक और भारत के राज्य केरल के सामुदायिक नेता। उन्हें अपने चाचा वर्गीज माप्पिला से प्रेरणा मिली जिन्होंने भारत के सर्वाधिक प्रसार संख्या वाले समाचार पत्र मलयाला मनोरमा की स्थापना 1888 में की थी।

के.पी.एस. मैनोन (1898–1982): भारत के राजनयिक और लेखक, विदेश सचिव रहे। उनके पुत्र कनिष्ठ के.पी.एस. मेनोन भी इस पद पर रहे हैं।

क्रिस्टोफर मार्लोव (1564–93): इंग्लैंड के नाट्य लेखक। शेक्सपियर के उत्तराधिकारी के रूप में स्वीकार किये गये। प्रमुख कृतियां–डा. फ़ास्टस टम्बुरलेन।

कोचेरिल रमन नारायण (जन्म–1921): भारत के राष्ट्रपति। इसके पूर्व राजनयिक (चीन, अमरीका आदि देशों के राजदूत) रहे, संसद सदस्य और केंद्रीय मंत्री भी रहे।

में विद्रोह का संगठन किया। बाद में माओत्से तुंग के निकट के सहयोगी बने। 1949 में नये चीन के प्रधानमंत्री बने।

चार्ल्स फ्रीयर एंड्रूज (1871–1940): अंग्रेज नागरिक जिन्होंने भारत को अपना घर बनाया। गांधी जी के सहयोगी, दक्षिण अफ्रीका में भारतीयों के लिये कार्य करने गये। दीनबंधु के नाम से विख्यात।

चार्ली चैप्लिन (1889–1977): विख्यात फिल्म निर्माता, निदेशक, हास्य अभिनेता। प्रसिद्ध फिल्में– दी किड, गोल्ड रश, सिटी लाइट्स, दी लाइम लाइट, दी ग्रेट डिक्टेटर।

चेखव (1860–1904): विशव प्रसिद्ध रूस के नाटककार और कहानी लेखक।

चार्लेमैग्न (चार्ल्स दी ग्रेट) (1724–1814): इतिहास के महानतम शासकों में से एक। फ्रैंक और लोम्बार्ड्स के महाराजा। नये रोमन एम्पायर जिसमें गाल, इटली और स्पेन व जर्मनी के बड़े हिस्से शामिल थे की स्थापना की। पवित्र रोमन एम्पायर की आधारशिला रखी।

चंद्रशेखर आजाद (1906–1931): विख्यात भारतीय क्रांतिकारी। स्वतंत्रता संग्राम में हिसप्रस (हिंदुस्तानी समाजवादी प्रजातंत्र सेना) का गठन करके महत्वपूर्ण योगदान। काकोरी कांड, सांडर्स हत्या कांड, जैसी घटनाओं में सक्रिय भागेदारी। 1931 में एल्फ्रेड पार्क इलाहाबाद में एक विश्वासघाती मित्र की सूचना पाकर पुलिस की मुठभेड़ में वीरता पूर्वक लड़ते हुए शहीद।

चिनुआ अचेबे (जन्म1930): नाइजीरिया के प्रख्यात लेखक, प्रमुख कृतियां–एरो आफ गाड, नो लांगर एट ईज।

चंद्रशेखर (जन्म–1927): भारत के समाजवादी राजनीतिज्ञ। सोशलिस्ट जनता पार्टी के 1977 से अध्यक्ष हैं। नवंबर 1990 से मार्च 91 तक भारत के प्रधानमंत्री रहे।

चार्ल्स कोरिया (जन्म–1930): भारत के विख्यात आर्किटेक्ट। मिशिगल और एम.आई.टी. में शिक्षा ग्रहण की। सिडाडे डी गोवा होटेल (1982) एल.आई.सी. बिल्डिंग, नई दिल्ली (1988) की संरचना की। 1984 में आर.आई.ब्री.ए. राएस गोल्ड मेडल से सम्मानित, दी आल्टो मेडल और यू.आई.ए. मेडल भी प्राप्त कर चुके हैं।

चंगेज खान (1162–1227): मंगोल आक्रमणकारी, इसने एशिया के बड़े भूभाग पर कई बार आक्रमण किया और विश्व व्यापी मंगोल शासन की स्थापना की।

चक्रवर्ती राजगोपालाचारी (1879–1972): भारत के प्रथम और अंतिम गवर्नर जनरल। इसके पूर्व मद्रास के मुख्यमंत्री, केंद्रीय मंत्री और बंगाल के गवर्नर रहे। स्वतंत्र पार्टी के संस्थापक। 1954 में भारत रत्न से सम्मानित।

चंद्रशेखर वेंकटारमन, डा. (1888–1970): भारत के महान वैज्ञानिक जिन्होंने प्रकाश का अध्ययन किया और रमन प्रभाव की खोज की। नोवेल पुरस्कार से सम्मानित। इंडियन इंस्टीट्यूट आफ साइंस, बंगलौर की स्थापना की। 1958 में लेनिन प्राइज और 1954 में भारत रत्न से सम्मानित।

चरण सिंह (1902–1987): भारत के विख्यात नेता। भारत के प्रधानमंत्री रहे। जनता दल की सरकार के समय उप प्रधानमंत्री भी थे।

जॉन एक्टन (1834–1902): ब्रिटेन के इतिहासकार और कैथोलिक मारेलिस्ट। 'पावर टेंड्स टू करप्ट एंड एब्साल्यूट पावर करप्ट्स एब्साल्यूटली' के लेखक।

जेवियर परेज डी कुइलार (जन्म–1920): पेरु के राजनयिक। संयुक्त राष्ट्र के महासचिव (1982–1991)।

जान कीट्स (1795–1821): अंग्रेजी साहित्य में रोमानी कवियों में सबसे कमउम्र के कवि। अपने अल्पजीवन में उन्होंने अपनी कविताओं में कल्पनाशीलता का अनुपम प्रयोग किया। प्रमुख कृतियां– ओडेस, इजाबेला, दी एव आफ सेंट एग्नेस।

ज्यों दे ला फाउंटेन (1621–95): फ्रांस के कवि। प्रमुख कृतियां– फेवल्स, कहानियों को कविता के रूप में लिखा।

जान फिट्जराल्ड केनेडी (1917–63): अमरीका के 35वें राष्ट्रपति (1961–63)। सबसे कम उम्र के और पहले रोमन कैथोलिक जो कि इस पद पर चुने गये। पूरे विश्व में प्रशंसा के पात्र रहे। उनकी हत्या उनके भाई राबर्ट के साथ कर दी गयी थी।

जोहान केप्लर (1571–1630): जर्मन के खगोलज्ञ। उनका 'ला आफ प्लेनेटरी' ने अरिस्टोलियन कास्मोलोजी को गलत साबित कर दिया था।

जान मेनार्ड कैयांस (1883–1946): बीसवीं शताब्दी के सर्वाधिक चर्चित अर्थशास्त्री। प्रमुख कृतियां– दी जनरल थ्योरी आफ इंप्लायमेंट, इंटरेस्ट एंड मनी,

जार्ज सिडनी अरुंदाले (1878–1945): अंग्रेज जिन्होंने भारत को अपना घर बनाया और भारतीयता अंगीकार की। राष्ट्रीय शिक्षा और स्वदेशी आंदोलन के पक्षधर, रुकमणी देवी से विवाह किया।

जार्ज वाशिंग्टन कार्वर (1864–1943): अमरीकी कृषि रसायन वैज्ञानिक।

जे. कृष्णामूर्ति (1859–1937): विश्व प्रसिद्ध भारतीय दार्शनिक।

जमना लाल दास बजाज (1886–1942): महात्मा गांधी के सहयोगी, 1920 से कांग्रेस के कोषाध्यक्ष, वर्धा में सत्याग्रह आश्रम की स्थापना की। गांधी जी को सेगौन गांव उपहार में दिया जिसे गांधी जी ने सेवाग्राम का नाम दिया।

जार्ज गार्डन बायरन (1788–1824): अंग्रेजी के रोमांस प्रधान कवियों में महानतम। अंग्रेजी साहित्य और विचारधारा पर गहरा प्रभाव डाला। 20 वर्ष की आयु में आवर्स आफ आईडलन्स, चिल्डे हैरोल्ड्स पिलग्रिमेज का प्रकाशन किया।

जय प्रकाश नारायण (1902–1979): भारतीय सर्वोदय नेता, महान स्वतंत्रता सेनानी। आपात काल का पुरजोर विरोध किया और इस दौरान जेल में बंद रहे। 1977 में जनता दल के गठन और उसकी सरकार बनाने में महत्वपूर्ण योगदान।

जार्ज वाशिंग्टन (1732–9
राष्ट्रपति, (1789–97)।

जेम्स वाट (1736–1819): स्काटलैंड के इंजीनियर और आविष्कारक। ऊर्जा की इकाई वाट इनके ही नाम पर रखी गयी है। उन्होने न्यूकोमेन के भाप के इंजन में सुधार किया और उसे आज के उपयोग के लायक बनाया।

जार्ज हर्बट वाकर बुश (जन्म–1924): अमरीकी राजनीतिज्ञ, 1981–88 तक अमरीका के उप–राष्ट्रपति, 1988 से 92 तक राष्ट्रपति रहे। 1992 में राष्ट्रपति चुनाव में बिल क्लिंटन से पराजित।

जी. रामचंद्रन (जन्म–1904): गांधीवादी व्यक्ति। सात दशकों से गावों और ग्रामीणों के उत्थान के लिये प्रयत्नशील।

जान बुनयान (1628–88): लोकप्रिय उपदेशक और धार्मिक चिंतक जोकि मूल रूप से एक यायावर चिंतक थे। 'दी पिलग्रिम प्रोग्रेस' के लिये प्रसिद्ध।

जे.आर.डी. टाटा (1904–1993): भारत के महान उद्योगपति। 1992 में भारत रत्न से सम्मानित। प्रथम भारतीय पायलट और भारतीय वायु सेवा के संस्थापक।

जार्ज वाशिंग्टन (1732–99): अमरीका के प्रथम राष्ट्रपति।

ज्यो पोल सार्त्र (1905–80): फ्रांस के नाटककार, उपन्यासकार और दार्शनिक।

जयंत नार्लिकर, डा. (जन्म–1938): भारतीय खगोलज्ञ, 1990 में विज्ञान को लोकप्रिय करने के लिये इंदिरा गांधी पुरस्कार से सम्मानित। माडेल इंटर–युनिवर्सिटी सेन्टर फार एस्ट्रोनोमी एंड एस्ट्रोफिजिक्स के निदेशक। ब्लैक होल्स पर शोध पर 1981 में राष्ट्र भूषण फांउडेशन पुरस्कार से सम्मानित।

जेम्स बोसवेल (1740–95): स्काटलैंड के चर्चित आत्म कथा लेखक। दी लाइफ आफ सैमुएल जानसन।

जगदीश चंद्र बोस (1897–1945): भारतीय विज्ञान क्षेत्र के महान वैज्ञानिक। भौतिक, विद्युत भौतिकी, और पौध संरचनात्मक क्षेत्र में अनेक शोध कार्य। विद्युत में मौलिक कार्य किया।

जुल्फिकार अली भुट्टो (1928–1979): पाकिस्तान के प्रधानमंत्री जिन्हें जनरल जिया–उल–हक के नेतृत्व में सेना के विद्रोह ने अपदस्थ कर दिया और बाद में फांसी पर चढ़ा दिया।

जोहान हेनरिक इब्सन (1828–1906): नार्वे के नाट्य लेखक और कवि जिन्होंने युरोपियन नाटकों में एक नयी क्रांतिकारी लहर पैदा की और आधुनिक नाटक के पिता के रूप में प्रतिष्ठित हुए। प्रमुख नाटक– दी घोस्ट, दीवाइल्ड डक, दी मास्टर बिल्डर, हेड्डा गैबलर और पीर जींट।

जूलियन हक्सले, सर (1887–1975): जीव वैज्ञानिक और लेखक। टी.एच. हक्सले के पोते और अलडाउस के भाई। युनेस्को के प्रथम महा निदेशक। (1946–48)।

जाकिर हुसैन (1897–1969): भारत के दूसरे उपराष्ट्रपति और तीसरे राष्ट्रपति। 1963 में भारत रत्न से सम्मानित।

जेम्स अर्ल कार्टर (जन्म–1924): अमरीका के राष्ट्रपति–1977–81। डेमोक्रेटिक पार्टी के नेता इजराइल और मिस्र के बीच संधि, पनामा कैनाल सं[illegible] इरान में अमरीकी बंधको को छुड़ाने का कार्य उन[illegible] उपलब्धियां मानी जाती हैं।

जियाओपिंग डेंग (जन्म–1904): चीन के राजनीति[illegible] नेता, 1980–82 में कम्युनिस्ट पार्टी के तीन उपाध्य[illegible] में से एक। देश के वरिष्ठतम नेता।

ज्यां आंरी डुनांट (1828–1910): स्विटजरलैंड [illegible] फिलैंथ्रोपिस्ट। सोलफेरिनो की लड़ाई में रक्तपात से उन[illegible] हृदय विचलित हो गया और अंतर्राष्ट्रीय रेड क्रास [illegible] स्थापना और उसकी सफलता के लिये कार्य किया। 190[illegible] में प्रथम नोबेल शांति पुरस्कार से सम्मानित।

जान रस्किन (1819–1900): इंग्लैंड के वि[illegible] विख्यात लेखक, समाजसेवी और कला आलोचक। प्रमु[illegible] कृतियां–माडर्न पेंटर्स (5 खंड), दी सेवन लैंम्प्स [illegible] आर्किटेक्चर।

ज्यां जाक रूसो (1712–78): फ्रांस के दार्शनि[illegible] जिनके विचारों ने फ्रांस की क्रांति में महत्वपूर्ण भूमि[illegible] निभायी। प्रमुख कृतियां–ला नावेला, हेलोइज, एमिले, [illegible] कांट्रेट सोशल।

जार्ज विलहेल्म फ्रीडरिक हेगेल (1770–183[illegible]): जर्मनी के आदर्शवादी दार्शनिक, प्रमुख कृतियां– दी साइ[illegible] आफ लाजिक, फिलासफी आफ राइट।

जान बायड डनलप (1840–1921): स्काटलैंड [illegible] पशु शल्य चिकित्सक। 1888 में न्यूमैटिक टायर के डन[illegible] रूप का पेटेंट कराया। बेलफास्ट में उत्पादन।

जोसेफ फ्रांसुआ डूप्ले (1697–1763): भारत [illegible] महत्वाकांक्षी फ्रांसीसी गर्वनर। ईस्ट इंडिया कंपनी [illegible] प्रतिद्वंदी।

जार्ज ईलियट (1819–80): ब्रिटेन की महिला लेख[illegible] मैरी एन्ने (बाद में मैरियन) का उपनाम। प्रमुख कृतिय[illegible] इवान्स, आदम बेडे, दी मिल आन दी फ्लोस।

जान केनेथ गालब्रैथ (जन्म–1908): अमरीका [illegible] अर्थशास्त्री, राजनयिक और लेखक। 1961–63 में भा[illegible] में राजदूत रहे। दी एफ्लुएंट सोसायटी के सर्जक।

जोहान वोल्फगैंग वोन गोयथे (1749–1832): जर्मनी के कवि और दार्शनिक।

जोहान गुटेनबर्ग (1400–68): जर्मनी के अन्वेष[illegible] जिन्होने ढले हुए टाइप का प्रयोग करते हुए छपाई [illegible] खोज की। उनके द्वारा छापी गयी पहली पुस्तक मजा[illegible] बाइबिल (गुटेनबर्ग बाइबिल) थी।

जे.बी.एस. हाल्देन (1892–1964): ब्रिटेन के [illegible] रसायन वैज्ञानिक। इंजाइम, आनुवंशिकी, और वंशानु[illegible] पर अपने कार्य और जनता को आम भाषा में समझाने [illegible] लिये विख्यात। 1957 में भारत में आकर बस गये।

जयदेव (12वीं शताब्दी): संस्कृत के महान कवि, [illegible] गोविंद के सर्जक।

जोसेफ स्टालिन (18879–1953): विख्या[illegible] सोवियत नेता, लेनिन की मृत्यु के पश्चात तीस वर्ष [illegible] निर्विवाद नेता रहे।

जोन आफ आर्क, (जीने डी आर्क) (1412–1431): सीसी देशभक्त और राष्ट्रीय नायिका।

जीन फ्रेडरिक, जोलियोट–क्यूरी (1900–58) और की पत्नी इरीन: फ्रांस के वैज्ञानिक जिन्होने कृत्रिम ड्यो विकिरण की खोज की। 1935 में नोबेल पुरस्कार सम्मानित। जोलियोट–क्यूरी परमाणु विखंडन के विष्कर्ताओं में से थे। उनकी पत्नी इरीन नोबेल पुरस्कार जेता पियरे और मैरी क्यूरी की पुत्री थीं।

जार्ज काटलेट मार्शल (1880–1959): संयुक्त राज्य रीका के सेना प्रमुख, युरोपियन पुनःसंरचना के लिये र्शल एड योजना के लिये विख्यात। 1953 में नोबेल ति पुरस्कार से सम्मानित।

जेम्स क्लार्क मैक्सवेल (1831–79): ब्रिटेन के तिक विज्ञानी, जिनके कार्य ने मूल भौतिकी को एक नयी शा दी। 15 वर्ष की आयु में अपना पहला पेपर लिखा।

जान मैक्नेरो (जन्म–1959): अमरीका के विख्यात नेस खिलाड़ी। सबसे कम आयु में यू.एस. ओपेन जीतने ा कीर्तिमान बनाया।

जुबीन मेहता (जन्म–1936): भारत में जन्मे और जराइल में बसे विश्व विख्यात संगीतज्ञ। विश्व विख्यात जराइल फिलहार्मोनिक आर्केस्ट्रा के कंडक्टर।

जान स्टुअर्ट मिल (1806–73): इंग्लैंड के दार्शनिक ार अर्थ शास्त्री। प्रसिद्ध अर्थ शास्त्री जेम्स मिल के पुत्र। मुख कृतियां– आन लिबर्टी, प्रिंसिपल आफ पालिटिकल कनोमी।

जान मिल्टन (1608–74): इंग्लैंड के महान एपिक वि। नेत्र ज्योति खो जाने के बाद उन्होने 'लास्ट पैराडाइज' थ लिखा जोकि विश्व के महान ग्रंथों में से एक है।

जान नैपियर (1550–1617): स्काटलैंड के गणितज्ञ ौर पादरी, लोगारिथ्म की खोज की।

जवाहर लाल नेहरू, पंडित (1889–1964): ारतीय राष्ट्रीय नेता और स्वतंत्र भारत के प्रथम प्रधानमंत्री। श को एक नयी दिशा और अंतर्राष्ट्रीय पटल पर महत्व दिलाने में अभूत पूर्व सफल कार्य। स्वतंत्रता की लड़ाई में ड़ी और सजग भूमिका निभायी। महात्मा गांधी के निकटतम हयोगी। लोकतंत्र व विश्व समभाव में पूरी आस्था।

जूलियस न्येरेरे (जन्म–1922): तंजानिया के पूर्व धानमंत्री। अफ्रीका के लोकप्रिय नेता। साउथ कमीशन के भापति।

जैल सिंह, ज्ञानी (1916–1995): भारत के राष्ट्रपति, 1982–87, विख्यात स्वतंत्रता सेनानी श्री जैलसिंह इसके पूर्व पंजाब के मुख्य मंत्री और केंद्र में मंत्री रह चुके थे।

टीटो (जोसिप ब्रोज) (1892–1980): आधुनिक युगोस्लाविया के निर्माता। 1941 में उन्होने सैन्य बलों का गठन करके आक्रमणकारियों को भगाया और देश को स्वतंत्रता दिलायी और साम्यवादी क्रांति की स्थापना की। प्रथम साम्यवादी प्रधानमंत्री, 1945 और 1953 में राष्ट्रपति बने। गुट निर्पेक्ष आंदोलन के सह संस्थापक।

ट्रिग्वे लाई (1896–1968): नार्वे के राजनीतिज्ञ। संयुक्त राष्ट्र संघ के (1946–52) महासचिव।

ड्यूमा (1802–70): विख्यात फ्रांसीसी रोमांटिक लेखक। प्रसिद्ध कृति–श्री मस्केटियर्स।

ड्वाइट आइजनहावर, रल (1890–1969): अमरीकी जनरल और महान नेता। 1942–43 में उत्तरी अफ्रीका में वे सेनानायक थे। 1953–61 तक वे रिपब्लिकन पार्टी के प्रत्याशी के रूप में अमरीका के राष्ट्रपति रहे।

डार्विन चार्ल्स राबर्ट (1809–82): ब्रिटेन के प्रसिद्ध जीव वैज्ञानिक। विकासवादी अवधारणा को जन्म दिया। दी ओरिजिन आफ स्पेशीज के लेखक।

डेविड बेन गुरियन (1886–1973): इजराइल के प्रथम प्रधानमंत्री।

डेनियल डेफो (1660–1731): ब्रिटेन के राजनीतिक लेखक। राबिंसन क्रूसो के सर्जक।

डी मिले सेसिल (1881–19959): अमरीका के फिल्म निर्माता एवं निदेशक। हालीवुड के ग्रैंड ओल्ड मैन के नाम से विख्यात। प्रमुख फिल्में– दी टेन कमाडेंट्स, दी प्लेनमैन्स।

डाग हमार्स्क जोल्ड (1905–61): स्वीडन के राजनयिक एवं विश्व विख्यात नेता। संयुक्त राष्ट्र के महासचिव (1953–61)। वायु दुर्घटना में निधन। मरणोपरांत नोबेल पुरस्कार से सम्मानित।

डेविड लिविंगस्टोन (1813–73): स्काटलैंड के यायवर जिन्होने जाम्बेसी का रास्ता, विक्टोरिया फाल और न्यासा झील (अब मलावी झील) की खोज की।

डेविड जार्ज लायड (1863–1945): ब्रिटेन के नेता और आधुनिक ब्रिटिश समाजिक कल्याण विधेयक के लेखक। 1916–22 तक ब्रिटेन के प्रधानमंत्री रहे।

डेविड ओग्ली (जन्म –1812): विज्ञापन संसार के शहंशाह, अंतर्राष्ट्रीय विज्ञापन एजेंसी, ओलिवी एंड माथर के संस्थापक। फ्रांस के टौफू में निवास।

डेसमंड टुटु (जन्म–1931): दक्षिण अफ्रीका के धार्मिक व्यक्ति जिन्होने लगातार रंगभेद नीति का विरोध किया। जोहेंसबर्ग के प्रथम अश्वेत बिशप। 1984 में नोबेल पुरस्कार से सम्मानित।

तुलसी दास, संत (1532–1623): भारत के मध्य काल के महानतम कवि। इनकी रचना राम चरित मानस को जनता ने न केवल श्रद्धा से लिया बल्कि कंठस्थ भी किया।

थामस बेकेट (1118–70): संत और शहीद। सेंटायरी के आर्चबिशप जिन्होने चर्च को अपना सर्वस्व माना और किंग हेनरी–11 से मनमुटाव लिया। सेंटबरी कैथेड्राल में उनकी हत्या की गयी।

थामस बाबिंग्टन मैकाले (1800–59): ब्रिटेन के इतिहासकार, भारतीय शिक्षा पद्धति में सुधा[illegible]या।

थामस अलवा एडिसन (1847–19[illegible] प्रणाली

के लिये अमरीका के ट्रांसमीटर और रिसीवर के आविष्कारक। अन्य अनेक वस्तुएं जैसे फोनोग्राफ आदि की भी खोजे कीं।

थामस कार्लाइल (1795–1881): स्काटलैंड के लेखक। प्रमुख कृतियां–सार्टर रिसार्टस, हीरोज एंड हीरो वर्शिप, क्रामवेल्ज लेटर्स एंड स्पीचेज, दी फ्रेंच रिवाल्यूशन।

थामस कुक (1908–1982): ब्रिटेन के पादरी जोकि बाद में पर्यटन संचालक बन गये। आधुनिक पर्यटन के जनक।

थामस स्टर्न्स ईलियट (1888–1965): प्रसिद्ध कवि और आलोचक। प्रमुख कृतियां– दी वेस्ट लैंड, दी काकटेल पार्टी, एश वेडनेसडे, फोर क्वार्टेल्स, मर्डर इन कैथेड्राल।

थामस हार्डी (1840–1928): ब्रिटेन के उपन्यासकार एवं कवि। विक्टोरियन युग के अंतिम साहित्यकार के रूप में माना जाते हैं। प्रमुख कृतियां–फार फ्राम दी मैडिंग क्राउड, रिटर्न आफ दी नेटिव, दी मेयर आफ कास्टरब्रिज, आदि।

थामस हेनरी हक्सले (1825–95): ब्रिटेन के जीव वैज्ञानिक और शिक्षाविद्।

थामस जेफरसन (1743–1826): अमरीका के तीसरे राष्ट्रपति, 1801–1809, मानव स्वतंत्रता के प्रबल हिमायती और डिक्लेरेशन आफ इंडिपेंडेंस के लेखक।

थामस मूरे, सर (1478–1535): इंग्लैंड के राष्ट्र निर्माताओं में से एक। शहीद हुए, हेनरी–8 को चर्च के प्रमुख के रूप में अस्वीकार करने पर मृत्यु दंड के भागी बने।

थामस ओल्ढ़ाम (1816–1878): भारत में कोल स्रोत की खोज करने में एक प्रमुख हस्ताक्षर। जियोलोजिकल सर्वे आफ इंडिया से जुड़े रहे।

थियोडोरे रूजवेल्ट (1858–1919): अमरीका के राष्ट्रपति। स्पेन–अमरीका युद्ध में अपार लोकप्रियता मिली। 1906 में नोबेल पुरस्कार से सम्मानित।

दादा भाई नौरोजी (1825–1917): प्रसिद्ध स्वतंत्रता सेनानी एवं शिक्षाविद्। ग्रैंड ओल्ड मैन आफ इंडिया के नाम से विख्यात।

दोस्तोयेव्स्की (1821–1881): प्रसिद्ध रूसी लेखक। प्रमुख कृतियां– क्राइम एंड पनिशमेंट, दी इडियट।

दयानंद सरस्वती (1824–1883): हिन्दु धर्म एवं समाज सुधारक। आर्य समाज के संस्थापक।

दलाई लामा (जन्म–1935): तिब्बत के आध्यात्मिक नेता। तिब्बत में चीनी आधिपत्य के बाद भारत में शरण ली। हिमाचल प्रदेश के धर्मशाला में तिब्बत की निर्वासित सरकार का गठन किया। 1989 में नोबेल शांति पुरस्कार से सम्मानित।

धीरूभाई अंबानी (धीरजलाल हीराचंद) (जन्म 1932): प्रमुख भारतीय उद्योगपति। फोर्ब्स पत्रिका में अरबपतियों की सूची में उनका नाम। उनकी रिलायंस इंडस्ट्रीज भारत में निजी क्षेत्र की सबसे बड़ी कंपनी है।

ध्यान चंद (1905–1979): हाकी के भारतीय जादूगर के नाम से विख्यात। इलाहाबाद में जन्म हुआ। सेना में कार्यरत रहे। 1943 में मेजर पद पर सुशोभित किये गये। एम्सटर्डम ओलंपिक–1928, लास एंजल्स ओलंपिक – 1932, बर्लिन ओलंपिक 1936 में स्वर्ण पदक भारत को दिलाया। भारत की ओर से सर्वाधिक गोल करने का कीर्तिमान बनाया। 1956 में पद्म भूषण से सम्मानित। उनके पुत्र अशोक कुमार भी ओलंपिक खेलों में भारतीय हाकी का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं।

नीथलिंग क्रिश्चियन बर्नार्ड (जन्म–1922–2001): दक्षिण अफ्रीका के विश्वविख्यात शल्य विशेषज्ञ। विश्व में पहली बार सफल हृदय प्रत्यारोपण आपरेशन करने में उन्हे सफलता मिली। (केप टाउन–1967)।

नार्मन अर्नेस्ट बोरलाग (जन्म–1914): अमरीकी कृषि वैज्ञानिक, हरित क्रांति के प्रणेता। 1970 में नोबेल शांति पुरस्कार से सम्मानित।

नील बोह (1885–1962): डेनमार्क के भौतिक विज्ञानी। परमाणु की समझ में योगदान के लिये 1922 में नोबेल पुरस्कार से सम्मानित।

नील आर्मस्ट्रांग (जन्म 1930): अमरीकी अंतरिक्ष यात्री और चंद्रमा पर कदम रखने वाले प्रथम मानव।

नेविले चेबरलेन (11869–1940): ब्रिटेन के राजनीतिज्ञ। 1937–40 तक ब्रिटेन के प्रधानमंत्री रहे। संतुष्टीकरण की नीति के लिये इतिहास में जाने जाते हैं।

नीलम संजीव रेड्डी (1913–1996): 1977–82 तक भारत के राष्ट्रपति। इसके पूर्व आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री, केंद्रीय मंत्री और लोक सभा के स्पीकर भी रहे।

नीरद सी. चौधरी (जन्म–1897–99): इंग्लैंड में रह रहे भारतीय लेखक और आलोचक। प्रमुख कृति– आटोबायोग्राफी आफ एन अननोन इंडियन, ए पैसेज टू इंग्लैंड।

निकोलस कोपरनिकस (1478–1543): पौलैंड के खगोलज्ञ। आधुनिक खगोल विज्ञान के जनक माने जाते हैं पृथ्वी समेत सभी ग्रह सूर्य की परिक्रमा करते हैं के सिद्धांत का प्रतिपादन किया।

निकोलो मैक्यावेली (1469–1527): इटली के लेखक और राजनयिक, उनका नाम राजनीति के भ्रष्टीकरण और अवमूल्यन के लिये जोड़ा जाता है।

नेल्सन मंडेला (जन्म–1918): दक्षिण अफ्रीका की अफ्रीकन नेशनल कांग्रेस के अध्यक्ष। रंगभेद की नीति के विरुद्ध संघर्ष करने के कारण 27 वर्ष जेल में बिताये। चुनावों में उनके दल को बहुमत मिला और दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति बने। 1990 में भारत रत्न से सम्मानित।

नानक देव, गुरु (1469 –1538): भारतीय गुरु, जिन्होने धार्मिक रूढ़िवादिता को समाप्त करने में अपने जीवन को लगाया। उनके समर्थक सिक्ख कहलाये।

नेपोलियन बोनापार्ट (11769–1821): फ्रांस के राजा और जनरल। आस्ट्रिया और रूस पर उनकी शानदार विजय ने उन्हे युरोप में महान बना दिया। लेकिन 1812 में मास्को पर उनकी चढ़ाई उनके पतन का कारण बनी। 1815 में दुबारा सत्ता पर आये लेकिन प्रसिद्ध वाटरलू की लड़ाई में ब्रिटेन द्वारा पराजित हुऐ और सेंट हेलेना में निर्वासित जिंदगी बितायी।

नरेंद्र देव, आचार्य (1889–1956): भारतीय विद्वान,

वादी नेता और शिक्षा शास्त्री। बुद्ध धर्म दर्शन पुस्तक र्जक, कांग्रेस सोशलिस्ट पार्टी के नेता और लखनऊ विद्यालय व बनारस विश्वविद्यालय के उपकुलपति रहे।

ऩुद्दीन फराह (जन्म–1945): सोमाली उपन्यासकार, अफ्रीका पर महत्वपूर्ण लेखन। विश्व की पांच प्रमुख ओं में लेखन। विश्वविद्यालयी शिक्षा भारत में ली। प्रमुख यां– फ्राम ए क्रुक्ड रिब, ए नैकेड नीडल्स, सार्डीन्स।

स्ट्रडोम्स (1503–66): फ्रांस के ज्योतिषी और त्सक। माना जाता है कि उन्होने आने वाली कई द्वियों तक की भविष्यवाणी की है।

कोलस–2 (1868–1918): रूस के अंतिम शासक जार। 1917 में क्रांति के बाद उनकी उनके परिवार दस्यों की गोली मार कर हत्या।

पियरे कार्डिन (जन्म 1922): अंतराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त इनर। विश्व फैशन और आने वाले कल के लिये परिधानों डिजाइन करने में विशेष महारत। पूरे विश्व के 125 देशों इसेंस मिला हुआ है। इसके साथ ही पर्फ्यूम, जेवरात, के सामान आदि के व्यवसाय से भी जुड़े हैं।

र्ल्स एस. बक (1892–1973): विख्यात अमरीकी का, 1938 में नोबेल पुरस्कार, 1832 में पुलित्जर कार से सम्मानित, प्रमुख कृतियां–दी गुड अर्थ, सन्स, ाउस डिवाइडेड, एन. अमरीकन लीजेंड, इम्पीरियल न, माई सेवरल वर्ल्ड्स।

ाल एहलिक (1854–1915): जर्मन के कीटाणु ानिक, तपेदिक के कीटाणु की पहचान स्टेनिंग करके और साथ ही अर्सफीनामीन की भी खोज की जो कि फलिस बीमारी की प्रथम प्रभावी दवा थी। इम्युनिटी में बाडीज की भूमिका सिद्धांत के लिये 1908 में नोबेल स्कार से सम्मानित।

पाल जोसेफ गोयबल्स (1897–1945): जर्मनी के जनीतिक नेता। हिटलर के शासन के दौरान नाजियों के ार मंत्री। बर्लिन के पतन के बाद आत्महत्या कर ली।

पाल जोन (जन्म–1920): पिछले 445 वर्ष में पहली र इटली के न होकर पोलैंडवासी पोप बने।

प्रसंता चंदा महालानोबिस (1893–1972): र्थशास्त्री और आंकड़ों के विद्वान। कैम्ब्रिज में पढ़ाई की किन बाद में स्वदेश लौट आये और प.जवाहर लाल नेहरू सहयोग से भारत की स्टैस्टिकिल सिस्टम की स्थापना ी। इंडियन स्टैस्टिकल इंस्टीट्यूट, नेशनल सैम्पल सर्वे ार्गनाइजेशन और सेंट्रल स्टैस्टिकल आर्गनाइजेशन की थापना की।

पैले (एडसन अरांटेज डो नासिमेंटो) (जन्म–1940): ब्राजील के विश्वविख्यात फुटबाल खिलाड़ी। खेल प्रेमियों पर नके खेल का अमिट प्रभाव पड़ा और फुटबाल के इतिहास में न्होंने अपनी जगह बना ली। 17 वर्ष की आयु में ही स्टार बन गये। 1958 से 1970 तक चार विश्व कप प्रतियोगिताओं भाग लिया। 1977 में फुटबाल से सन्यास ले लिया। कुल 1363 मैचों में खेले और 1281 गोल किये।

प्लेटो (427–347 ई.पू.): मिस्र के दर्शनशास्त्री और शिक्षाविद्। सुकरात के शिष्य और अरस्तू के गुरु। चिंतन विश्व के महान दार्शनिक माने गये। उनका कृति डायलाग जिसमें रिपब्लिक भी शामिल है सर्वमान्य पुस्तक मानी जाती है।

पाब्लो रुइज पिकासो (1881–1973): स्पेनी मूल के पेरिस में बसे विश्व विख्यात चित्रकार, स्कल्पचर और सिरमिसिस्ट। 1903 में पेरिस में आकर बस गये।

पायथागोरस (582–500 ई.पू.): युनान के दार्शनिक और गणितज्ञ।

पी.वी. नरसिम्हाराव (जन्म–1921): 1991 से भारत के प्रधानमंत्री, इसके पूर्व आंध्र प्रदेश विधान सभा के सदस्य, मंत्री और मुख्यमंत्री रहे। 1980 के बाद केंद्र में मानव संसाधन, विदेश और रक्षा मंत्री रहे। वर्तमान में कई घोटालों के विवादों में चर्चा ।

पी.टी ऊषा (जन्म–1964): विख्यात भारतीय महिला धावक। निर्विवाद रूप से एशिया की सबसे तेज धाविका मानी गयीं। 1984 ओलंपिक में सेकेंड के सौवें हिस्से से पदक पाने से वंचित।

पीट सम्प्रास (जन्म–1971): अमरीका के विश्व विख्यात टेनिस खिलाड़ी। बोरिस बेकर के बाद विश्व के दूसरे खिलाड़ी जिन्होने एक ही वर्ष में विम्बल्डन और यू.एस. ओपेन प्रतियोगितायें जीतीं।

पुरषोत्तम दास टंडन (1882–1962): भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के अग्रणी नेता। 1961 में भारत रत्न से सम्मानित।

फखरुद्दीन अली अहमद (1905–1977): भारतीय गणराज्य के पांचवे राष्ट्रपति। स्वतंत्रता सेनानी। 1966 से केंद्रीय मंत्री।

फ्लोरेंस नाइटिंगेल (1820–1910): इंग्लैंड की नर्स और आधुनिक नर्सिंग प्रणाली की संस्थापक। क्रीमियन युद्ध के दौरान उन्होने उन्होने नर्सिंग सेवा का संगठन किया और युद्ध में घायल ब्रिटेन के सैनिकों की सेवा की। लेडी विध लैंप के नाम से विख्यात।

फारेन हाइट (1686–1736): जर्मन भौतिक वैज्ञानिक। तापमान मापने की इकाई फारेनहाइट उन्ही के नाम पर रखी गयी है।

फीदेल कास्त्रो (जन्म– 1927): क्यूबा के साम्यवादी राष्ट्रपति और क्रांतिकारी। 1959 में पुलिस राज्य को उखाड़ फेंका। कृषि उद्योग और शिक्षा के क्षेत्र में अनेक सुधार किये। क्षेत्र में अमरीकी आर्थिक दबदबे का डट कर मुकाबला किया।

फ्रीडरिक एंजेल्स (1820–95): जर्मन के समाजवादी चिंतक। कार्ल मार्क्स का आयुपर्यंत मित्र और कम्युनिस्ट मैनिफेस्टो लिखने में उनके सहयोगी।

फ्रेडरिक फोरसीथ (जन्म–1939): ब्रिटेन के पत्रकार और सर्वाधिक बिक्री के उपन्यास 'ए डे आफ जैकाल' के सर्जक।

फ्रेडरिक–2 (महान) (1712–86): प्रुशिया के 46 वर्षों तक सम्राट। कुशल शासक और लोकप्रिय।

फुर्डनान्ड लेसेप्स (1805–94): फ्रांस के इंजीनियर। स्वेज कैनाल बनायी।

फिरोज शाह मेहता (1845–1915): भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के संस्थापकों में से एक, स्वदेशी के मार्गदर्शक। 1872 और 1888 के अधिनियमों के लिये विशेष रूप से श्रेय उन्हे दिया गया।

फ्रैंक मूरेज (1907–1974): प्रसिद्ध भारतीय पत्रकार। इंडियन एक्सप्रेस, टाइम्स आफ इंडिया के संपादक रहे। उनके पुत्र डाम मोरेज प्रसिद्ध कवि हैं।

फ्रासुआ मित्तरां (जन्म–1916): फ्रांस के समाजवादी नेता, फ्रास के 1981 से राष्ट्रपति।

फ्रीडरिक नीत्शे (1844:1900): जर्मनी के दार्शनिक और कवि। उनकी धारणा थी कि केवल शक्तिशाली ही अपना अस्तित्व बना सकते हैं।

फ्रैंकलिन डिलेनो रूजवेल्ट (1882–1945): अमरीका के राष्ट्रपति। पहले राजनेता रहे जो चार बार राष्ट्रपति चुनाव जीते और मृत्यु तक राष्ट्रपति रहे।

बछेंद्री पाल (जन्म–1956): प्रथम भारतीय महिला और विश्व की पांचवी महिला जिन्होने एवरेस्ट की सफल चढ़ाई की। उत्तरकाशी में कालेज लेक्चरार पद पर कार्यरत।

बैरन आगस्टिन लुइस काची (1789–1857): फ्रांस के महान गणितज्ञ।

बाबी मूर (1941–1993): इंग्लैंड के विश्व विख्यात फुटबाल खिलाड़ी। 1966 में उनकी कप्तानी में इंग्लैंड ने विश्व कप जीता। अपने 19 वर्ष के खेल कैरियर में 1000 लीग खेल खेले और 108 बार इंग्लैंड का प्रतिनिधित्व किया।

बाबी फिशर (जन्म–1943): 1972 से 75 तक शतरंज के विश्व चैंपियन। 1972 में यह उपाधि उन्होने बोरिस स्पास्की को हराकर जीती थी।

बाबर (1483–1530): भारत में मुगल साम्राज्य का संस्थापक, 1526 में पानीपत की लड़ाई में इब्राहिम लोदी को हराकर मुगल साम्राज्य की स्थापना की। 1527 में खंडवा के युद्ध में शक्तिशाली राजपूत राजा राणा सांगा को पराजित करके राजपूत चुनौती को समाप्त कर दिया।

बासप्पा दानाप्पा जट्टी (जन्म–1912): भारत के उपराष्ट्रपति, 1974–79, इसके पहले मैसूर के मुख्य मंत्री और उड़ीसा के राज्यपाल रह चुके हैं।

बिशन सिंह बेदी (जन्म–1946): विश्व विख्यात बायें हाथ के धीमी गति के भारतीय स्पिनर और 33 टेस्ट मैचों में भारतीय टीम के कप्तान।

बर्टेंड रसेल (1872–1970): इंग्लैंड के दार्शनिक, गणितज्ञ और निबंध लेखक। बीसवीं शताब्दी में गणित के बाद के विकास में अग्रणी नेता रहे। उन्होने लगभग 60 पुस्तकों का प्रकाशन किया, जिसमें प्रिंसपल आफ मैथमैटिक्स, दी साइंटिफिक आउटलुक, दी कान्क्वेस्ट आफ हैपिनेस, दी एनालिसिस आफ माइंड आदि भी हैं। 1950 में नोबेल पुरस्कार से सम्मानित।

बाणभट्ट (7वीं शताब्दी): भारतीय संस्कृत विद्वान और कवि। प्रमुख कृतियां–कादंबरी, हर्ष चरित।

ब्यॉर्न बोर्ग (जन्म–1956): 70 के दशक में स्वीडिश निवासी विश्व के सर्वश्रेष्ठ टेनिस खिलाड़ी। 198[illegible] में उन्होने लगातार पांचवी बार विम्बलडन खिताब जीता था।

बेसोन हनरी कार्टियर (जन्म–1909): फ्रास में ज[illegible] इस शताब्दी के महानतम फोटोग्राफर्स में से एक। मैग्नम [illegible] सह–संस्थापक। उनकी पत्नी मार्टिना फ्रैंक भी चर्चि[illegible] फोटोग्राफर हैं।

बारबरा कार्टलैंड (जन्म–1902–2000): संयु[illegible] राज्य अमरीका की सर्वाधिक लोकप्रिय लेखिका। औसत[illegible] वे हर 15 दिनों में एक उपन्यास समाप्त कर देती थ[illegible] 1994 में उनकी 600वीं पुस्तक प्रकाशित हुई थी। उन[illegible] उपन्यासों की 500 मिलयन प्रतियां 27 भाषाओं में बि[illegible] चुकी हैं।

बिधान चंद्र राय, डा. (1882–1962): पश्चिम बंगा[illegible] के मुख्यमंत्री। विख्यात चिकित्सक। 1961 में भारत र[illegible] से सम्मानित।

बर्नाडो बार्तलूची (जन्म 1940): इटली के फि[illegible] निदेशक जिनकी फिल्म 'दी लास्ट इम्परर' को 1978 [illegible] 9 आस्कर पुरस्कार मिले थे।

दी बीटल्स (पाल मैकार्टनी, जान लेन्नान, जा[illegible] हैरिसन, रिंगो स्टार): अंग्रेजी राक एंड रोल गायक औ[illegible] वादक के चार भाइयों का दल जिन्होने अपने नवीनप[illegible] और मौलिकता के गीत रच कर अपार लोकप्रियता (स[illegible] 1963–65) हासिल की। चारों का जन्म लिवरपूल [illegible] हुआ था। 1971 में ये भाई अलग हो गये और व्यक्तिग[illegible] रूप से शो करने लग गये।

बोरिस बेकर (जन्म–1967): जर्मनी के प्रख्यात टेनि[illegible] खिलाड़ी। 1985, 1986 और 1989 [illegible] विम्बलडन विजेता।

बेंस लिंडन जानसन (1908–1973): अमरीका [illegible] राष्ट्रपति, 1963–69.

बेन जानसन (1573–1637): ब्रिटेन के नाट[illegible] लेखक। शेक्सपियर और मार्लो के समकक्ष।

बेन किंग्सले (जन्म–1944): ब्रिटेन के प्रख्या[illegible] अभिनेता। फिल्म गांधी में अपने सजीव अभिनय के लि[illegible] ओस्कर पुरस्कार से सम्मानित।

बिली जीन किंग (जन्म–1943): अमरीका की टेनि[illegible] खिलाड़ी। पांच बार विम्बलडन, 4 बार यू.एस. ओपे[illegible] प्रतियोगिता की विजेता। 1961–1979 तक 2[illegible] उपाधियां जीतीं जो कि एक कीर्तिमान है।

बेनिटो मुसोलिनी (1883–1945): इटली के फासिस्ट तानाशाह, 1922–1943, 1940 में मुसोलिनी ने हिटलर का साथ देते हुए युद्ध में उतरने की घोषणा की। उत्तरी अफ्रीका और सिसली की लड़ाई उनके लिये घातक बनीं और उनकी सरकार का पतन हो गया। विरोधियों द्वारा हत्या कर दी गयी।

बोरिस पास्तरनाक (1890–1960): रूस के लेखक और कवि, 1958 में उन्हे उनके उपन्यास 'डा. झिवागो' के लिये नोबेल पुरस्कार देने की घोषणा की गयी जिसे उन्होने लेने से मना कर दिया।

बोरिस येल्तसिन (जन्म–1931): रूस के राष्ट्रपति। प्रथम रूसी नेता जोकि जनमत द्वारा निर्वाचित किये गये ।

भगवान दास, डा. (1869–1958): वेदिक ज्ञानी, स्वतंत्रता सेनानी। 1955 में भारत रत्न से सम्मानित।

भीमराव रावजी अंबेदकर (डा.) (1891–1956): भारतीय न्यायविद्, समाज सेवी,राजनीतिज्ञ, लेखक एवं शिक्षाशास्त्री। दलितों और अछूतों के मसीहा कहे जाते हैं। आपने भारत के संविधान का निर्माण किया। श्री नेहरू के मंत्रिमंडल में मंत्री भी रहे। मरणोपरांत भारत रत्न से सम्मानित।

भारत मुनि (5वीं शताब्दी): संस्कृत लेखक, नाट्यशास्त्र।

भास (5वीं शताब्दी): संस्कृत नाट्य लेखक। प्रमुख कृतियां–स्वप्न यौगंधरायणा, चारुदत्ता।

भावभूति (8वीं शताब्दी): महान संस्कृत नाटककार। मालातिमाधवा।

भगत सिंह (1907–31): महान भारतीय क्रांतिकारी। हिसप्रस के सेनानी। अंग्रेजों द्वारा फांसी दी गयी।

माइकलैंजलो एन्टोनिओनी (जन्म 1911): इटली के विख्यात फिल्मकार और विश्व सिनेमा के पथप्रदर्शक। प्रमुख फिल्में–दी नाइट, स्ट्रीट क्लीनर्स, स्टोरी आफ लव एफेयर्स, दी क्राई।

[मा]र्को पोलो (1256–1323): सुदूर पूरव में यात्रायें [कर]ने वाले युरोप के सबसे प्रसिद्ध व्यक्ति। उन्होंने अपनी [यात्रा]यें भारत, चीन और अन्य पूर्वी देशों के रास्ते से की। [कुब]ला खां के दरबार का भी भ्रमण किया। कृति– दी बुक [आफ] मार्को पोलो।

[मे]धा पाटेकर (जन्म–1956): भारत के प्रसिद्ध [सा]माजिक कार्यकर्ता और पर्यावरणविद्। नर्मदा बचाओ [आं]दोलन की नेता। 1991 में राइट लाइवली हुड पुरस्कार [से स]म्मानित।

महावीर वर्धमान (ई.पू. 6ठी शताब्दी): जैन धर्म [के] संस्थापक जो कि मानव जीवन की पवित्रता का [संदे]श देता है।

मदन मोहन मालवीय (1861–1946): भारतीय [देश]भक्त नेता और समाज सुधारक। हिंदू महासभा और [बना]रस विश्वविद्यालय के संस्थापक।

मैडोना (जन्म–1959): विश्व का सर्वाधिक लोकप्रिय [पॉप] गायिका। 50 मिलयन से अधिक एलयम बिक चुके हैं। [इन]के एलयम टू ब्ल्यू का 11 मिलयन कापी बेचने का [की]र्तिमान है।

मीरा नायर (जन्म–1957): विख्यात फिल्म निदेशिका, [सला]म बांबे, मिसीसिप्पी मसाला, कामसूत्र आदि फिल्में बनायीं।

माइकल चांग (जन्म–1972): फ्रेंच ओपेन टेनिस [प्रति]योगिता (1989) जीतने वाले अभी तक के सबसे कम [उम्र] के खिलाड़ी।

मैरियन एंडर्सन (1897–93): अमरीका के संगीतज्ञ [जिन्हों]ने संगीत कार्यक्रमों में अश्वेतों के भाग लेने के लिये [अथ]क काम किया।

मुरली धर देविदास आम्टे (बाबा आम्टे) (जन्म 1914): सामाजिक कार्यकर्ता, कुष्ठ रोगियों की अथक सेवा में संलग्न। अनकों पुरस्कारों से सम्मानित।

मोहम्मद हिदायतउल्ला (1905–1992): न्यायविद् जो कि भारत के उपराष्ट्रपति बने (1979–84)। इसके पूर्व सर्वोच्च न्यायालय के प्रधान न्यायधीश थे।

मुल्क राज आनंद डा. (जन्म 1905): अंग्रेजी के प्रख्यात भारतीय लेखक। प्रमुख कृतियां– दी बबल, कन्फेशन आफ लवर, सेवेन समर्स, कुली, अनटचेबल, टू लीव्ज एंड बड्ज।

मेनेकम बेगिन (1913–92): इजराइल के राजनीतिज्ञ, लिकुड ब्लाक के नेता, 1977 से 83 तक प्रधानमंत्री। मिस्र के साथ शांति स्थापित की। 1978 में नोबेल पुरस्कार से सम्मानित।

माइकल फाराडे (1791–1867): ब्रिटेन के चिकित्सक। एलेक्ट्रो–मैग्नेटिक विज्ञान के खोजकर्ता।

मार्कस जुनियस ब्रूटस (ई.पू.85–42): रोमन सीनेटर। जूलियस सीजर के विरुद्ध षडयंत्र करने का आरोप। आत्महत्या कर ली।

मोहम्मद वैकम बशीर (1908–94): मलयालम के सुविख्यात कवि और स्वतंत्रता सेनानी। सुल्तान आफ वैपूर के नाम से प्रचलित। 32 से अधिक कृतियां।

मोहन दास कर्मचंद गांधी (महात्मा गांधी) (1869–1948): राष्ट्रपिता। 1915 से भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के नायक। गांधी जी के नेतृत्व में प्रथम बार भारतीय राजनीति ने संगठित होकर एक नया मोड़ लिया। कुख्यात रोलेट एक्ट के विरोध में राजनीतिक अभियान की शुरुवात की। लेकिन इसके पूर्व दक्षिण अफ्रीका में प्रवासी भारतीयों के अधिकारों के लिये सत्याग्रह की लड़ाई लड़ी। 1920 में पहला शांतिपूर्ण असहयोग आंदोलन चलाया, जो कि चौरी–चौरा कांड में हिंसा हो जाने के बाद वापस ले लिया। 1930 में प्रसिद्ध डांडी यात्रा के साथ सविनय अविज्ञा आंदोलन चलाया। 1942 में भारत छोड़ो आंदोलन के प्रवर्तक रहे। समाज को एक नया रूप देने में जीवन भर कार्य किया। 1948 में एक उन्मादी युवक द्वारा गोली मारकर हत्या।

मैकाले (1800–59): इंग्लैंड के प्रसिद्ध शिक्षा शास्त्री। भारतीय शिक्षा व्यवस्था में अंग्रेजी की प्रणाली का समावेश किया।

मोहम्मद अली जिन्ना (1876–1948): पाकिस्तान के निर्माता। मुस्लिम लीग के अध्यक्ष और 1947 में भारत के विभाजन के साथ पाकिस्तान का निर्माण कराया।

माओ (1893–1976): चीन में कम्युनिस्ट क्रांति के जनक एवं पीपुल्स रिपब्लिक आफ चाइना के संस्थापक। चीन को विश्व शक्ति के रूप में स्थापित करने में बड़ा योगदान।

मिर्जा गालिब (1796:1868): उर्दू के प्रख्यात शायर। दीवाने गालिब के रचयिता।

मिखाइल गोर्बाचेव (जन्म–1931): संयुक्त सोवियत संघ के अंतिम राष्ट्रपति जिनके नेतृत्व में पारंपरिक सोवियत शासन की समाप्ति हुई। 'ग्लास्नोस्त' और 'पेरिस्त्रोइका की नीतियों के निर्माता। 1990 में नोबेल शांति पुरस्कार से सम्मानित।

मिखाइल शोलोकोव (1905–84): रूस के महान

साहित्यकार। प्रमुख कृतियां–दी क्वाइट डोन। 1965 में नोवेल पुरस्कार से सम्मानित।

मुंशी प्रेमचंद (1880–1936): विख्यात हिंदी लेखक। प्रमुख कृतियां–गोदान, रंगभूमि, प्रेमाश्रम, निर्मला।

माइकल जैक्सन (जन्म–1958): प्रसिद्ध अमरीकन गायक और नर्तक, जोकि जीते जी किवदंती यन गये हैं।

माइकेल जोर्डन (जन्म–1963): विश्व के प्रसिद्धतम यास्केटयाल खिलाड़ी। कहा जाता है कि यास्केटयाल के अय तक के श्रेष्ठ खिलाड़ी हैं।

मार्टिना नवरोतिलोवा (जन्म–1956): चेकोस्लाविया की महान टेनिस खिलाड़ी। 9 यार टेनिस की प्रतिष्ठित प्रतियोगिता विम्यलड़न की विजेता। टेनिस जगत से सन्यास।

मर्लिन मुनरो (1926–62): अमरीका की सुप्रसिद्ध अभिनेत्री। वास्तविक नाम नार्मन हीन येकर। प्रसिद्ध फिल्में–दी सेवन इयर इच, दी मिस्फट।

मोहन सिंह ओबेराय (जन्म–1900): भारत के होटेल श्रृंखला यनाने वाले महान उधोगपति। आज अनेक अंतर्राष्ट्रीय होटलों के मालिक हैं।

मुहम्मद (पैगंबर) (570–632): इस्लाम धर्म के अंतिम पैगंयर,मुहम्मद साहय जोकि ईश्वर के संदेशवाहक थे को पवित्र पुस्तक कुरान का संदेश प्राप्त हुआ। 40 वर्ष की आयु में उन्होंने इस्लाम के उपदेशों का प्रसार करना शुरु कर दिया। उन्होंने लोगों को यताया कि ईश्वर एक है। 622 में मक्का छोड़ कर मदीना जाना पड़ा। जिसे हजीरा वर्ष कहते हैं। वह मक्का वापस आये जहां विश्व भर के मुस्लिमों के तीर्थ स्थान काया की स्थापना हुई।

माउंटबेटन, लार्ड (लुइस माउंटबेटन) (1900–79): महारानी विक्टोरिया के परपौत्र, द्वितीय विश्वयुद्ध में 1942 में संयुक्त यल के प्रमुख यने। भारत में ब्रिटेन के अंतिम वायसराय और प्रथम गर्वनर जनरल। आयरिश उग्रवादियों द्वारा हत्या।

मारिया मांटेसरी (1870–1952): इटली की शिक्षा शास्त्री। जिन्होंने ऐसी शिक्षा प्रणाली का विकास किया जिसमें यच्चों को उन्मुक्त वातावरण में शिक्षिकाओं द्वारा निर्देशन दिया जा सके।

मोरारजी रणछोड़जी भाई देसाई (1896–1995): भारतीय राजनीति के वरिष्टतम नेता। आपातकाल के याद जनता दल के सत्ता में आने के याद प्रधानमंत्री यने। स्वतंत्रता संग्राम में अमूल्य योगदान। कट्टर गांधीवादी।

मिर्जा असदउल्ला खान गालिब (1796–1868): मुगल सम्राट यहादुर शाह जफर के काल के महान उर्दू शायर।

मैक्सिम गोर्की (1868–1936): रूस के विश्व विख्यात लेखक।

मेघनाथ साहा (1893–1956): भारत के विख्यात वैज्ञानिक। थर्मोडायनामिक्स और एस्ट्रोफिजिक्स के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य किया।

मैथिली शरण गुप्त (1886–19964): भारत के राष्ट्रीय कवि और आधुनिक हिंदी साहित्य के निर्माताओं में से एक। इनकी प्रमुख कृतियां– भारत भारती, साकेत, विष्णुप्रिया।

मार्टिन लूथर किंग कनिष्ठ (1929–68): अमरीका के धार्मिक नेता, उग्रवादी, अहिंसात्मक नागरिक अधिकार और नीग्रों के एकीकरण के नेता। 1964 में नोबेल पुरस्कार से सम्मानित। हत्या के शिकार हुए।

माग्रेट मिचेल (1900–49): अमरीका के प्रसिद्ध लेखक, और गान विध विंड के सर्जक।

मानवेंद्र नाथ राय (1889–1954): वास्तविक नाम नरेंद्र नाथ राय, रेडिकल डेमोक्रेटिक पार्टी और फेडरेशन आफ इंडिया को संगठित किया। अनेक पुस्तकों के लेखक।

माइकलेंजलो (1475–1564): इटली के विख्यात पेंटर, आर्किटेक्ट, स्कल्पटर, और कवि।

मैक्स मुलर, प्रो. (1823–1900): जर्मनी के विचारक, भारतीय संस्कृत का विदेशों में विश्लेशण किया। आक्सफोर्ड विश्वविद्यालय में संस्कृत के प्रोफेसर। ऋग्वेद पर शोध किया। प्रमुख कृतियां– हिस्टरी आफ ऐंशियेंट संस्कृत लिटरेचर, दी साइंस आफ लैंग्वेज।

मोहम्मद रफी (1926–80): भारत के महान फिल्मी गायक। भारत की विभिन्न भाषाओं में 2000 से अधिक गीत गाये।

मिहिर सेन (जन्म–1930): पहले भारतीय जिन्होंने इंग्लिश चैनेल तैर कर पार किया। इस प्रकार लंबी दूरी की तैराकी में विश्व कीर्तिमान यनाया।

मृणाल सेन (जन्म–1923): प्रसिद्ध भारतीय फिल्म निदेशक। केन्ज फिल्म पुरस्कार के विजेता। प्रसिद्ध फिल्म– भुवनशोम, खारिज।

मोनिका सेलेस (जन्म–1973): युगोस्लाविया में जन्मी लेकिन अमरीकी नागरिक, केवल 17 वर्ष की आयु में विश्व महिला टेनिस चैम्पियन यनीं। 1991 में 16 टेनिस प्रतिर्स्पधाओं में से 10 जिसमें यू.एस. ओपेन, विम्यल्डन, फ्रेंच ओपेन और आस्ट्रेलिया ओपेन भी शामिल थीं जीता। खेल के दौरान एक व्यक्ति नें चाकू से प्राणघातक हमला किया। हादसे से तो यच गयीं लेकिन दो वर्षों तक टेनिस से दूर रहीं। अय फिर से सक्रिय।

मार्क ट्वेन (1835–1910): अमरीका के प्रमुख व्यंगकार, जिन्होन सामाजिक, राजनीति और अन्य अनेक पहलुओं पर जम कर लिखा। प्रमुख कृतियां–टाम सैवियर, हुक्लेयेरी फिन ।

मोक्षागुंडम विश्वेशरया (1861–1962): आधुनिक भारत के निर्माताओं में से एक। यांत्रिक, प्रशासनिक, शिक्षाविद्, और राजनीतिज्ञ। मैसूर के दीवान थे। 1955 में भारत रत्न से सम्मानित।

युरी एंड्रोपोव (1914–84): रूस के नेता। ब्रेझनेव के उत्तराधिकारी, सी.पी.एस.यू. के महासचिव यने। 1983–84 तक प्रेसीडेंट रहे।

यहूदी मैनहुइन (जन्म–1916): रूस में जन्मे लेकिन अमरीका के न्यूयार्क में यसे विश्व विक्यात वायलिन वादक।

यासर अराफात (जन्म– 1929): (मुहम्मद अब्देल राउफ अराफात अल–औदवा अल–हुसैनी) फिलीस्तीन

[illegible]ति, 1968 से फिलीस्तीन मुक्ति मोर्चे के नेता और [illegible].ओ. के सबसे बड़े गुरिल्ला दल के नेता।

[illegible]न्ने बेयर (जन्म–1893): भारत में फ्रांसीसी [illegible]री। भारत में 70 वर्ष पूर्व आयीं थीं। नागपुर में [illegible]नों के लिये 26 वर्ष तक कार्य करने के बाद 1949 [illegible]हमदाबाद में सरकारी कोढ़ अस्पताल में काम करने [illegible]यीं। मदर बेयर के नाम से विख्यात।

[illegible]री गैगरीन (1934–68): सोवियत अंतरिक्ष यात्री। [illegible]रेक्ष की सकुशल यात्रा करने वाले प्रथम मानव (12 [illegible] 1961)। वायुयान दुर्घटना में निधन।

[illegible]ासुओ काटो: जापान के पर्वतारोही। विश्व के पहले [illegible] जिन्होने शीत मौसम में एवरेस्ट की सफल चढ़ाई और एवरेस्ट पर तीन बार सफल पर्वतारोहण करने [illegible]।

[illegible]येलामप्रगाडा सुब्बा राव (1896–1948): भारत के [illegible]न वैज्ञानिक (अमरीका में 1920 से 40 तक रहे), [illegible]न्होने फिस्के के साथ मिल कर सिरेटाइन फास्फेट की [illegible]ज की और उस शोध दल का नेतृत्व किया जिसने [illegible]लिक अम्ल का संश्लेषण करने में सफलता पायी।

रॉबर्ट बेडेन–पावेल (1857–1941): सामाजिक [illegible]वन में नई पीढ़ी के बेहतर विकास के लिये ब्वाय स्काउट [illegible]908) एवं गर्ल गाइड (1910) के संस्थापक। अनेक [illegible]म्मानो से सम्मानित और अनेक कृतियों के लेखक।

राइगोबर्ट मेंदू (जन्म–1959): गुआटेमाला इंडियन [illegible]ता और मानव अधिकारों के लिये संघर्षरत। 1992 में [illegible]बेल शांति पुरस्कार से सम्मानित। यह पुरस्कार पाने [illegible]ाली नवीं महिला हैं।

रोवलैंड हिल, सर (1795–1879): पेनी पोस्टल [illegible]णाली के जनक।

रिचर्ड एटेनबरो, सर (जन्म 1923): ब्रिटिश अभिनेता, [illegible]देशक और निर्माता। इनकी प्रसिद्ध फिल्म गांधी को 8 [illegible]ास्कर पुरस्कार मिले थे।

राबर्ट ब्राउनिंग (1812–89): विक्टोरियन युग के [illegible]ंग्रेजी के कवि। प्रमुख कृतियां– ड्रामाटिस्त पर्सोनिया, मेन [illegible]ड ओमेन, दी रिंग एंड दी बुक। उनकी पत्नी एलिजाबेथ [illegible]रेट भी कवित्री थीं। उनका प्रमुख कार्य पुर्तगीज के [illegible]नेट माना जाता है।

राबर्ट ब्रूस (1274–1329): इंग्लैंड के एडवर्ड–1 [illegible]र एडवर्ड–2 के विरुद्ध स्काटलैंड के नेता। 1306 में [illegible]जसिंहासन पर बैठे। 1314 में एडवर्ड–2 को [illegible] [illegible]या।

राबर्ट बर्नन्स (1759–96): स्काटलैंड के [illegible] [illegible]सिद्ध कवि। प्रमुख कृतियां– दी देंक्स [illegible], [illegible] [illegible] साईन, स्काट वहाई, कमिन थ्रो राई।

रिचर्ड एवेलिन बर्ड (1888–1957): [illegible] [illegible]सेना के अधिकारी और खोजी [illegible] [illegible]री और दक्षिणी ध्रुव पर उड़ान [illegible] [illegible]र्टिका की पांच बार यात्रा की।

[illegible]ाजा राम मोहन राय (1774–1833): [illegible]

के संस्थापक। समाज सुधार जैसे सती प्रथा आदि के उन्मूलन में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

रुडोल्फ डीजल: (1858–1913): जर्मन के इंजीनियर। उन्होने आंतरिक ईंधन ज्वलन के एक इंजन का आविष्कार किया और 1893 में इसे पेटेंट कराया। बाद में इस इंजन का नाम ही डीजल इंजन हो गया।

राजा रवि वर्मा (1848–1906): केरल के विख्यात चित्रकार। तैलीय चित्रों को एक नया आयाम दिया।

रवींद्र नाथ टैगोर (1861–1941): विश्व प्रसिद्ध भारतीय (बंग्ला) के साहित्यकार। प्रख्यात काव्य 'गीतांजलि' पर नोबेल पुरस्कार से सम्मानित। साहित्य के साथ कला के समस्त क्षेत्रों पर एकाधिपत्य। गोरा, घरे बाइरे, जैसे उपन्यास लिखे। वहीं पर काबुली वाला, पोस्ट आफिस, छुदित पाषाण जैसी कहानियां भी लिखीं। चित्रांग्दा जैसे कालजयी नाटक की भी रचना की। चित्र कला और संगीत पर भी अभूतपूर्व कार्य। उनके चित्र और उनके द्वारा बनाया गया रवींद्र संगीत आज भी लोकप्रिय हैं।

राधा कृष्णन, डा. (1888–1975): प्रसिद्ध भारतीय दार्शनिक और शिक्षाविद्। भारत के प्रथम उपराष्ट्रपति। डा. राजेंद्र प्रसाद के बाद भारत के दूसरे राष्ट्रपति बने।

रामानुजम (1887–1920): प्रसिद्ध भारतीय गणितज्ञ। गणित की दुनिया में विश्व व्यापी ख्याति अर्जित कर महान गणितज्ञ बने।

राजगोपालाचारी सी. (1879–1972): भारत के प्रथम और अंतिम गर्वनर जनरल। 1954 में भारत रत्न से सम्मानित।

रवि शंकर (जन्म–1920): विश्व विख्यात सितार वादक। भारतीय संगीत को विश्व में सम्मान दिलाने में महत्वपूर्ण योगदान।

राज कपूर (1924–1988): प्रसिद्ध भारतीय फिल्म अभिनेता, निदेशक और निर्माता। प्रमुख फिल्में– आग, आवारा, श्री 420, जिस देश में गंगा बहती है आदि।

राम मनोहर लोहिया, डा. (1910–1967): भारत के प्रसिद्ध समाजवादी नेता और विचारक। अनेक प्रतिष्ठित पुस्तकों के लेखक।

राबर्ट फ्रास्ट (1874– 1963): प्रसिद्ध अमरीकन कवि। प्रमुख कृतियां– स्टापिंग बाई वुड्स आन ए स्नो ईवनिंग।

राजीव गांधी (1944–1991): भारत के सबसे कम [illegible] में प्रधानमंत्री बने। पं. जवाहर लाल नेहरू के नाती और इंदिरा गांधी के ज्येष्ठ पुत्र। 1984 में श्रीमती इंदिरा गांधी की हत्या के बाद प्रधानमंत्री बने। बाद में चुनावों में [illegible] [illegible] कीर्तिमान स्थापित किया। किन्तु धीरे–धीरे [illegible] में गिरावट आनी शुरू हो गयी। [illegible] [illegible] [illegible] को काफी आघात [illegible] [illegible] [illegible]। 1991 के चुनावों [illegible] में चुनाव प्रचार के दौरान [illegible] गया।

[illegible] (1[illegible]–19[illegible]): [illegible] के प्रसिद्ध राजनीतिज्ञ

दार्शनिक। उनके विचारों ने प्रसिद्ध फ्रांसीसी क्रांति में महत्वपूर्ण भूमिका निभायी थी।

राज जे चेलियाह, डा. (जन्म–1922): विख्यात भारतीय अर्थशास्त्री। कर सुधार समिति के अध्यक्ष, वित्त मंत्रालय में सलाहकार और नेशनल इंस्टीट्यूट आफ पब्लिक फिनेंस एंड पालिसी के चेयरमैन।

राबर्ट कोख (1843–1910): जर्मन चिकित्सक और कीटाणु वैज्ञानिक। तपेदिक के कीटाणु की पहचान की। 1905 में नोबेल पुरस्कार से सम्मानित।

रिचर्ड मिल्हाउस निक्सन (जन्म–1913): अमरीका के राष्ट्रपति–1969–74, रिपब्लिकन पार्टी के नेता। दक्षिण वियतनाम से सैनिकों की वापसी के लिये और चीन से संबंध बनाने के लिये बातचीत शुरु की। वाटरगेट कांड के कारण पद छोड़ना पड़ा।

रुडयार्ड किपलिंग (1865–1936): ब्रिटेन के लेखक, और लघुकथा के लिये विशेष प्रसिद्ध। जन्म भारत के बंबई में हुआ। प्रमुख कृतियां–ब्रिटिश रूल इन इंडिया, दी लाइट दैट फेल्ड, स्टल्की एंड कंपनी, किम, बैरेत रूम बालाड।

रूपर्ट मुडरोक (जन्म–1931): अमरीका में बसे आस्ट्रेलिया के मीडिया मुगल। 30,000 से अधिक लोग उनके कार्यालयों में कार्यरत। चार प्रायद्वीपों से प्रत्येक सप्ताह 60 मिलियन प्रतियां बिकती हैं। 38 देशों में इनका स्टार टी.वी. नेटवर्क देखा जाता है।

राबर्ट गैब्रील मुगाबे (जन्म–1924): स्वतंत्र जिम्बाबे के प्रथम प्रधानमंत्री। अब वहां के राष्ट्रपति।

राजेंद्र प्रसाद, डा. (1884–1963): भारतीय राज ा और गांधी जी के अनुयायी। भारत गणराज्य के प्रथम (1950–62), संविधान सभा के सभापति भी रहे। 1962 में भारत रत्न से सम्मानित।

राजा रमन्ना, डा. (जन्म–1926): भारतीय परमाणु वैज्ञानिक। भाभा एटामिक रिसर्च सेंटर के पूर्व निदेशक, परमाणु ऊर्जा विभाग के सचिव, परमाणु ऊर्जा आयोग के सभापति, 1984, केंद्रीय मंत्री।

रामकृष्ण परमहंस, श्री (1836–1886): भारत के महान धार्मिक नेता। जिनकी शिक्षा थी कि ईश्वर को पाना ही जीवन का एकमात्र ध्येय है। प्रमुख शिष्य स्वामी विवेकानंद थे। रामकृष्ण मिशन उनके नाम से चलता है।

रोम्यां रोलां (1866–1944): फ्रांस के उपन्यासकार और नाट्य लेखक। उनका प्रमुख कार्य 10 वाल्यूम में लिखा उपन्यास है। महात्मा गांधी और स्वामी विवेकानंद की आत्मकथा लिखी।

रोनाल्ड रास (1857–1932): ब्रिटेन के चिकित्सक और कीटाणुविज्ञानी। मलेरिया के परजीवी की खोज की। भारत में जन्में श्री रौस भारतीय चिकित्सा सेवा से भी संबध रहे। 1902 में नोबेल पुरस्कार से सम्मानित।

रोनाल्ड रीगन (जन्म–1911): अमरीका के राष्ट्रपति, 1981–88, इसके पहले टी.वी. और फिल्मों के लोकप्रिय अभिनेता थे। 1967–74 तक कैलिफोर्निया के गवर्नर भी रहे।

राकेश शर्मा (जन्म–1954): भारत के प्रथम अंतरिक्ष यात्री।

लॉरी बेकर (जन्म–1917): सुप्रसिद्ध भारतीय स्थापत्य–कार जिन्होंने कम लागत के घरों के निर्माण को नयी दिशा दी।

लुडविग वैन बीथोवैन (1770–1827): जर्मनी के सर्वाधिक सम्मानित संगीतकार। संगीत के महानतम विभूति के रूप में प्रख्यात। उनके द्वारा तैयार की गयी सात सिम्फोनीज संगीत की दुनिया में महानतम मानी जाती हैं।

लुई ब्रेल (1809–52): फ्रांसीसी शिक्षा शास्त्री जो कि नेत्रहीन थे और नेत्रहीनों के शिक्षक थे। उन्होंने नेत्रहीनों के लिये स्पर्श प्रणाली का विकास किया था।

लियोनिद ब्रेझनेव (1906–82): रूस के राष्ट्रपति (1977), कम्युनिस्ट पार्टी के खुश्चेव के बाद महासचिव (1964–82) बने।

लक्ष्मी बाई, झांसी की रानी (1835–1857): झ की रानी और महान सेनानी, 1857 में अंग्रेजो के वि लड़ाई में अद्भुत वीरता दिखाते हुए प्राणों की आहुति

लाओ त्से (600 ई.पू.): चीन के दार्शनिक और त धर्म के संस्थापक।

लाला राजपत राय (1868–1928): प्रसिद्ध स्वतं सेनानी, साइमन कमीशन के विरोध करते समय पु की लाठियों से घायल और बाद में मृत्यु।

लियनार्दो द विंची (1452–1519): बहुमुखी प्र के धनी, चित्र कला, स्थापत्य कला, संगीत, साहित्य क्षेत्रों में पैठ। मोनालिसा और लास्ट सपर जैसे विख चित्रों का सृजन किया।

लेनिन (विलादिमिर इलिच उल यानोव) (187 1924): रूस के क्रांतिकारी नेता और राष्ट्र निर्मा 1917 की प्रसिद्ध क्रांति के नेता। 1917 से 19 तक राष्ट्राध्यक्ष रहे।

लियाकत अली खां (1895–1951): मुस्लिम ल के नेता, 1946 और पाकिस्तान के प्रथम प्रधानमंत्री

लता मंगशकर (जन्म–1929): भारत की अद् गायिका। 50 वर्ष से अधिक तक भारतीय फिल्म उ को अपनी मधुर गायन से समाहित रखा है। भारत लगभग सभी भाषाओं में गीत गाये हैं। 1989 में द साहेब फाल्के पुरस्कार से सम्मानित, वर्ष 2001 में भा रत्न से सम्मानित।

लारेंस ओलिविएर (1907–1989): ब्रिटेन के अभिनेता और निदेशक, विशेषकर शेक्सपियर नाटकों लिये विख्यात। प्रमुख फिल्में–हेनरी–5, हैम्लेट, और रिच 3।

लियेंडर पेस (जन्म–1974): भारतीय विश्व टेनिस खिलाड़ी। विम्बलडन जूनियर उपाधि के महेश भूपति के साथ उनकी जोड़ी ने अनेकों विश्व जीते।

लुई पास्चर (1822–95): फ्रांस के रसायन वै छुआ–छूत की बीमारियों पर उनकी खोजों से साइं

इम्योनोलोजी की शुरुवात हुई। 1889 में पास्चर फाउंडेशन की स्थापना की गयी।

लियोन ट्राटस्की (1879– 1940): रूस में बोल्शेविक क्रांति के नेताओं में से एक। पार्टी की नीतियों से मतभेद के कारण 1927 में दल से निष्कासित। 1929 में मैक्सिको में निर्वासित जीवन बिताने चले गये, वहां पर उनकी हत्या करदी गयी।

लियो टाल्सटाय (1828–1910): रूस के महान साहित्यकार। अनेक उपन्यास लिखे। उनकी रचनाओं से गांधी जी भी प्रभावित थे।

लाल बहादुर शास्त्री (1904–66): प्रसिद्ध स्वतंत्रता सेनानी। स्वतंत्रता के बाद जवाहर लाल नेहरु जी के मंत्रिमंडल में मंत्री पद पर रहे। श्री नेहरु की मृत्यु के बाद भारत के प्रधानमंत्री बने।

वल्लभ भाई पटेल, सरदार (1875–1950): भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के महान सेनानी, महात्मा गांधी के बेहद करीब रहे। स्वतंत्र भारत के उपप्रधानमंत्री और गृह मंत्री। देशी रियासतों को भारत संघ में विलय कराने में ऐतिहासिक योगदान। 1991 में मरणोपरांत भारत रत्न से सम्मानित।

विजय अमृतराज (जन्म–1953): विश्व के सर्वश्रेष्ठ टेनिस खिलाड़ियों में से एक। भारतीय डेविस कप टीम के कप्तान रहे। अकेले खिलाड़ी जिन्होंने हाल आफ फेम टेनिस तीन बार जीता है।

वाल्टर स्काट, सर (1771–1832): स्काटलैंड के उपन्यासकार और कवि। प्रमुख कृतियां—वेवरली, ओल्ड मार्टेलिटी, राब राय, दी हार्ट आफ मेडियेलियान।

वी.एस. नायपाल (जन्म 1932): विद्याधर सूरजप्रसाद नायपाल भारतीय मूल के त्रिनिडाड (वेस्ट इंडीज में जन्में व ब्रिटेन के नागरिक हैं। साहित्य के अनेकों रचनाओं के लेखक, नोबेल पुरस्कार से सम्मानित।

वी.एस. श्रीनिवास शास्त्री (1869–1946): सर्वेंट आफ इंडिया सोसायटी के सदस्य, दक्षिण अफ्रीका में भारत के हाई कमिश्नर। महिलाओं की विधवा स्थिति की सुधार के लिये कार्य काम किया।

विलियम फाकनर (1897–1962): अमरीकी उपन्यासकार, जिनकी उपन्यास श्रृंखला दी साउंड एंड फ्यूरी में दक्षिण अमरीका का सजीव वर्णन है। 1949 में नोबेल पुरस्कार से सम्मानित।

विलियम पिट (1759–1806): इंग्लैंड के राजनेता। सबसे कम उम्र 24 वर्ष में (1783) प्रधानमंत्री बने। छोटे पिट के नाम से प्रसिद्ध।

वाल्टर इलियास डिज्नी (1901–66): अमरीका के फिल्म कार्टूनिस्ट। मिकी माउस, डोनाल्ड डक और सिली सिम्फोनीज के सर्जक।

वर्जीनिया वुल्फ (1882–1941): ब्रिटिश लेखिका, जिन्होंने मार्सेल प्रूस्ट और जेम्स जॉयस के साथ मिल कर आधुनिक उपन्यास को आकार दी। प्रमुख कृतियां—टू दी लाइटहाउस, मिसेज डैलोवे, दी वेव्स, आर्लेंडो।

विलियम वर्ड्सवर्थ (1770–1850): ब्रिटेन के विख्यात लेखक। उन्होंने अपनी कविताओं में प्रकृति के विभिन्न स्वरूपों का भरपूर उपयोग किया। प्रमुख कृतियां–पोयेट लोरियेट, दी प्रेल्यूड, सोनेट्स,

वोल्तेयर (1664–1778): फ्रांस के दार्शनिक और लेखक। अपने दार्शनिक व्यंग कैंडिड के लिये विख्यात। समाज में व्याप्त विश्वासों को चुनौती दी और फ्रांस की क्रांति के लिये रास्ता तैयार किया।

विश्वनाथ आनंद (जन्म 1969): शतरंज के विश्वविख्यात खिलाड़ी। सबसे कम उम्र के एशियाई जिन्हें अंतर्राष्ट्रीय मास्टर्स बनने का गौरव मिला। वर्ष 2000 में विश्व चैम्पियन बने। अनेक पुरस्कारों से सम्मानित।

विली ब्रांड्ट (1913–1992): जर्मन संघीय गणराज्य के प्रथम सोशल डेमोक्रेटिक चांसलर (1969–74), पूर्वी जर्मनी से संबधों में सुधार लाने का कार्य किया। 1971 में नोबेल पुरस्कार से सम्मानित।

विलियम बटलर यीट्स (1865–1939): आयरलैंड के कवि और नाट्य लेखक। प्रमुख कृतियां—दी फालिंग आफ लीव्ज, दी विंड एमंग दी रीड्स।

विनोबा भावे (1895–1982): गांधी जी के शिष्य। भूमिहीन लोगों के लिये जमीन जुटाने के लिये भूदान आंदोलन चलाया। इसके लिये 1951 में इन्होंने जमींदारों को भूमिदान करने के लिये प्रेरित करने के लिये पैदल यात्रायें की। 1983 में मरणोपरांत भारत रत्न से सम्मानित। 1955 में रैमन मैगसेसे पुरस्कार से सम्मानित होने वाले प्रथम भारतीय।

वाल्टर अन्नेनबर्ग (जन्म 1908): फिलेन्थ्रोपिस्ट, जिन्होंने अपना भाग्य निर्माण प्र[illegible] प्रसारण से निर्मित किया था। 1993 में उन्होंने एक बिलियन डालर का दान शिक्षा के लिये दि[illegible]

विंसेंट वान गॉग (1853–90): पुर्तगाल के पेंटर। उनका जीवन अनेक दुखों से भरा था। [illegible] कर ली।

वात्स्यायन (5वीं शताब्दी): संस्कृत के महान [illegible] कामसूत्र के रचयिता।

विक्टोरिया (1819–1901): ब्रिटेन की महारानी [illegible] भारत की साम्राज्ञी। उनके शासन काल में ब्रिटेन का [illegible] से औद्योगिकीकरण हुआ।

वीस्टन ह्यू आडेन (1907–73): ब्रिटेन में जन्मे और अमरीका में बसे कवि। आक्सफोर्ड में कविता के प्रोफेसर।

विंस्टन चर्चिल (1874–1965): द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान ब्रिटेन के प्रधानमंत्री। विख्यात इतिहास के लेखक।

वास्को डि-गामा (1460–1524): प्रसिद्ध पुर्तगाली नाविक। भारत की भूमि पर पहुंचने वाले प्रथम पुर्तगाली।

वोल्टेयर (1694–1778): फ्रांस के दार्शनिक और लेखक, फ्रांसीसी क्रांति का मार्ग प्रशस्त किया।

वर्गीज कुरियन (जन्म–1921): भारत की श्वेत क्रांति के जनक। सहकारी दुग्ध उद्योग को प्रारम्भ किया।

विजय लक्ष्मी पंडित (1900–90): जवाहर लाल नेहरु की बहन और कुशल डिप्लोमेट। भारत में पहली महिला

श्याम बेनेगल (जन्म–1934): विख्यात भारतीय फिल्म निदेशक। प्रमुख फिल्में – आक्रोश, मंडी, भारत एक खोज, सूरज का सातवां घोड़ा।

शिवाजी (1627–1680: महान मराठा नेता जिन्होने मुगल शासक औरंगजेब के विरुद्ध युद्ध किया और दक्कन में हिंदू राज्य की स्थापना की। 1674 में राजा बने। एक कुशल शासक और योद्धा।

सिकंदर महान (365–323 ई.पू.): यूनान का विजेता, अरस्तू का शिष्य, मैसेडोनिया का सम्राट। दक्षिण–पश्चिम एशिया और मिस्र को जीता। भारत पर आक्रमण, बीलोन में मृत्यु।

सिलासीआई हैली (1891–1975): इथियोपिया के सम्राट। इटली के कब्जे (1936–41) के दौरान वे इंग्लैंड में रहे। 1974 में सत्ता से निर्वासित।

सुब्बालक्ष्मी एम.एस. (जन्म–1919): भारत की महान क्लासिकल गायिका। 1974 में मैगसायसाय पुरस्कार से सम्मानित।

सेंट एंटोनी (251–356): क्रिश्चियन मोनास्टि–सिज्म के पितामह, सामुदायिक धार्मिक जीवन के संस्थापक।

सल्वाडोर एलेंडे (1909–73): चिली के नेता। 1970 में राष्ट्रपति निर्वाचित हो दक्षिण अमरीका में प्रथम मार्क्सवादी सरकार बनायी। सैन्य विद्रोह में मृत्यु।

सी.एन. अन्नादुराई (1909–69): तमिलनाडु के सबसे अधिक लोकप्रिय मुख्यमंत्री, ई.वी. रमास्वामी नाईक्कर द्वारा संस्थापित द्रविण कझाकम के सहयोगी सदस्य। द्रविड़ मुनेत्र कड़गम की स्थापना की। तमिल के सुविख्यात लेखक। प्रमुख कृतियां–वेलाइक्कारी अथवा इरावु।

क्लीमेंट रिचर्ड हैडली (1883–1967): ब्रिटेन में लेबर पार्टी के नेता। 1945–51 तक प्रधानमंत्री। उनके प्रधानमंत्री काल में ही भारत को स्वतंत्रता प्राप्त हुई।

सल्मान रुश्दी (जन्म–1946): भारत में जन्मे ब्रिटेन के लेखक। विख्यात पुस्तक 'मिडनाइट चिल्ड्रेन' पर बुकर पुरस्कार से सम्मानित। विवादास्पद उपन्यास 'सैटानिक वर्सेस' पर इरान के धार्मिक नेता आयातउल्ला खुमैनी के मौत के फतवे के बाद से गुमनामी का जीवन बिताने पर विवश।

सोलोमन भंडारनायके (1889–1959): श्रीलंका के समाजवादी विचारधारा के नेता। 1956 से अपनी हत्या तक वहां के प्रधानमंत्री। उनकी पत्नी श्रीमती श्रीमावो भंडारनायके विश्व की प्रथम महिला प्रधानमंत्री बनीं। 1960–65,1970–77 और 1994। उनकी पुत्री वर्तमान में श्रीलंका की राष्ट्रपति हैं।

सुब्रह्मण्यम भारती (1881–1921): भारतीय कवि, देशभक्त और दार्शनिक। तमिल कविता पर उनका प्रभाव अपरिहार्य है।

सिमोन बोलिवार (1783–1830): दक्षिण अमरीका के क्रांतिकारी। लिब्रेटर के नाम से विख्यात। ग्रैंड कोलंबिया (अब वेनेजुएला, कोलंबिया, पनामा इक्वोडोर के नाम से) की खोज की। लैटिन अमरीकी नायक के रूप में प्रसिद्ध।

सुभाष चंद्र बोस, नेता जी (1897–1945): भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के नेताओं में से एक। जापान की मदद से अंग्रेजों से लड़ने के लिये 1943 में नेशनल आर्मी का गठन किया। वायु दुर्घटना में मृत्यु। 1992 में मरणोपरांत भारत रत्न से सम्मानित।

सत्येंद्र नाथ बोस (1894–1974): प्रख्यात भारतीय वैज्ञानिक। भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान संस्थान के अध्यक्ष (1949), विश्वभारती विश्वविद्यालय के उपकुलपति। राष्ट्रीय प्रोफेसर।

सी.वी. रमन डा. (1889–1970): प्रसिद्ध भारतीय भौतिक वैज्ञानिक। 1939 में नोवेल पुरस्कार से सम्मानित।

स्वामी विवेकानंद (1863–1902): प्रसिद्ध संत और दार्शनिक। रामकृष्ण मिशन के संस्थापक।

सत्यजीत राय (1921–1992): भारत के महानतम फिल्म निदेशक। 1992 में भारत रत्न से सम्मानित। विशेष ओस्कर सम्मान से भी सम्मानित। प्रमुख फिल्में–पाथेर पांचाली, अपराजिता, अपूर्व संसार, घरे याइरे, चारुलता, आदि।

सरोजिनी नायडू (1879–1949): अंग्रेजी में लिखने वाली भारतीय साहित्यकार। भारत कोकिला के नाम से प्रसिद्ध। भारत के राज्य उत्तर प्रदेश की प्रथम महिला राज्यपाल।

सचिन रमेश तेंदुलकर (जन्म 1973): विश्व विख्यात क्रिकेट खिलाड़ी। एक दिवसीय खेलों में 10,000 का आंकड़ा पार करने वाले पहले खिलाड़ी, 30 शतक भी सर्वाधिक हैं। टेस्ट मैचों में भी 25 शतक लगा चुके हैं।

स्टीवेन स्पीलबर्ग (जन्म–1947): हालीवुड के सबसे सफल फिल्म निर्माता और निदेशक। दशक की सबसे सफल फिल्म 'जुरासिक पार्क' के निर्माता और निदेशक।

सुनील मनोहर गवास्कर (जन्म–1949): भारत के विश्वविख्यात क्रिकेट खिलाड़ी। अनेक कीर्तिमान स्थापित किये जिनमें अभी तक अनेक अविजित हैं। टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में सर्वाधिक शतक बनाने का श्रेय।

सौमित्र चटर्जी (जन्म–1934): बंगाल के सुप्रसिद्ध फिल्म और नाटक कलाकार।

संतोष यादव (जन्म–1969): हरयाणा के इंडो तिब्बत पुलिस बल की अधिकारी, जिन्होने 1992 और 1993 में एवरेस्ट की सफल चढ़ाई की और इस प्रकार विश्व की प्रथम महिला हो गयीं जिन्होने एवरेस्ट की दो बार सफल चढ़ाई की।

सीन कोनरी (जन्म–1930): आयरलैंड के अभिनेता जिन्हे हालीवुड में अपार लोकप्रियता मिली। जासूसी चरित्र जेम्स बांड के पर्याय बन गये।

स्टीफेन एडबर्ग (जन्म–1967): स्वीडेन के टेनिस खिलाड़ी। विम्बलडन और यू.एस. ओपेन चैम्पियनशिप के विजेता।

सिगमंड फ्रायड (1856–1939): आस्ट्रिया के मनो–वैज्ञानिक और यौन मनोविज्ञान के संस्थापक।

स्टेफी ग्राफ (जन्म–1971): जर्मन की महान टेनिस खिलाड़ी। टेनिस इतिहास की तीसरी म[illegible]लंपिक गोल्ड मेडल के साथ ग्रैंड स्लैम जीता है।

पुरस्कार एवं सम्मान

नोबेल पुरस्कार

शांतिः ईरान की मानवाधिकारकर्मी और नारी वादी वकील सुश्री शीरीं एबादी को।

साहित्यः दक्षिण अफ्रीका के माइकल कोएत्जी को, श्री कोएत्जी जर्मन व अंग्रेजी साहित्य के ज्ञाता हैं।

अर्थशास्त्रः अमरीका के रावर्ट एफ एंजल और ब्रिटेन के क्लाइव डब्ल्यूजे को। इन्हे यह पुरस्कार टाइम सीरीज के लिये आंकड़े इकट्ठे करने के लिये दिया गया है।

चिकित्साः अमरीका के पाल लौतेरवर और ब्रिटेन के पीटर मैन्सफील्ड को चिकित्सा का नोवल पुरस्कार संयुक्त रूप से। इन्हे मैग्नेटिक रेजोनेंस इमेजिंग की प्रक्रिया आधुनिक बनाने के लिये पुरस्कार दिया गया है।

रसायनः अमरीका के एग्रे और मेकेनिन को संयुक्त रूप से। इनके शोध कार्य से माल्युकुलर मशीनो द्वारा जीव कोशिका के वारे में वताया गया है।

भौतिकीः एलेक्सी ए. अब्रिकोसोव, एंथोनी जे. लेगेट और विटाली एल. गिंजबर्ग को संयुक्त रूप से।

राष्ट्रीय सम्मान

पदम विभूषणः पदम विभूषणः बलराम नंदा (साहित्य व शिक्षा), वैद्य बृहस्पति त्रिगुणा (आयुर्वेद), काजी लेंडप दोरजी (सार्वजनिक मामले), सोनल मानसिंह (शास्त्रीय नृत्य)।

पदम भूषणः आरकोट रामचंद्रन (विज्ञान एवं अभियंत्रिकी), प्रो. बगीचा सिंह मिनहास (विज्ञान एवं अभियंत्रिकी), बाला सुब्रह्मण्यम राजम अय्यर (कला) कोलुथुर गोपालन (चिकित्सा), दत्तोपंत बाबू राव ठेंगड़ी (सामाजिक कार्य), हरिशंकर सिंघानिया (उद्योग), डा. हरबर्ट रोविच एप्रोमोव (विज्ञान एवं अभियंत्रिकी), हरबर्ट फिशर (सार्वजनिक मामले), जगजीत सिंह (संगीत), कांति लाल हस्तीमल संचेती (चिकित्सा), कृष्णन नारायणन मधुराई (संगीत), एन. जनशेद गोदरेज (उद्योग), नारायण श्रीनिवासन (विज्ञान एवं अभियंत्रिकी), नसीरुद्दीन शाह (फिल्म), ओ.पी. विजयन (साहित्य), पद्मा सुब्रह्मण्यम (शास्त्रीय नृत्य), पी.के. अयंगर (सार्वजनिक मामले), प्रभु चावला (पत्रकारिता), पी.एस. नारायण स्वामी (संगीत), डा. पुरषोत्तम लाल (चिकित्सा), राजेंद्र कुमार (विज्ञान एवं अभियंत्रिकी), रामबदन सिंह (विज्ञान एवं अभियंत्रिकी), रमेश कुमार (चिकित्सा), कृष्णा जोशी (विज्ञान एवं अभियंत्रिकी), रमेश कुमार (चिकित्सा), कृष्णआ जोशी (विज्ञान एवं अभियंत्रिकी), सिद्ध राजढड्डा (सार्वजनिक मामले), स्वप्न सुंदरी (शास्त्रीय नृत्य), टी.वी. शंकर नारायणन (संगीत), टी.वी. रामचंद्रन (संगीत), यू.के. शिवरामन (संगीत)।

पदमश्रीः आमिर खान (फिल्म), अशोक कुमार वरुआ (विज्ञान एवं अभियंत्रिकी), अशोक सेठ (चिकित्सा), वावूराव गोविंदराव शिरके (विज्ञान एवं अभियंत्रिकी), सी लालहमिंगलिना (सामाजिक कार्य), डैनी (फिल्म), फ्रांसिस दोरे (सार्वजनिक मामले), गोपाल चंद्र मित्रा (विज्ञान एवं अभियंत्रिकी), गोपाल पुरषोत्तम फडके (खेल), ज्ञानचंद्र मिश्र (विज्ञान एवं अभियंत्रिकी), जे.एस. गुलेरिया (औषधि), जगदीश चतुर्वेदी (साहित्य), जाह्नु बरुआ (साहित्य), जय भगवान चौधरी (विज्ञान एवं अभियंत्रिकी), जयपाल मित्तल (विज्ञान एवं अभियंत्रिकी), ज्योर्तिमय सिकदर (खेल), कन्हैयालाल पोखरियाल (पर्वतारोहण), क्षेत्रिमयम ओंग्वी (शास्त्रीय नृत्य), महेंद्र सिंह सोढ़ा (विज्ञान एवं अभियंत्रिकी), मालविका सुरुकै (शास्त्रीय संगीत), मंथिराम नटराजन (विज्ञान एवं अभियंत्रिकी), मंजूर एहितशाम (साहित्य), मोतीलाल जोतवानी (साहित्य), एन. वेदाचलम (विज्ञान एवं अभियंत्रिकी), एन.आर. माधव मेनन (सार्वजनिक मामले), नल्ली कुपुस्वामी चेतियार (उद्योग), नंदानूरी मुकेश कुमार (खेल), नारायण पाणिक्कर (औषधि), नेमिचंद्र जैन (थियेटर), नोकदेनलंबा (साहित्य), ओमप्रकाश

भारत रत्न

सी. राजगोपालाचारी (1954), एस. राधाकृष्णन (1954), सी.वी. रमन (1954), जवाहरलाल नेहरू (1955), भगवान दास (1955), एम. विश्वेश्वरिया (1955), गोविंद बल्लभ पंत (1957), डी.के. कार्वे (1958), बी.सी. राय (1961), पी.डी. टंडन (1961), राजेंद्र प्रसाद (1962), जाकिर हुसैन (1963), पी.वी. काने (1963), लाल बहादुर शास्त्री (1966, मर्णोपरांत), इंदिरा गांधी (1971), वी.वी. गिरि (1975), के. कामराज (1976, मर्णोपरांत), मदर टेरेसा (1980), विनोवा भावे (1983), फ्रंटियर गांधी, खान अब्दुल गफ्फारखां (1987), एम.जी. रामचंद्रन (1988 मर्णोपरांत), डा. वी.आर अम्बेदकर (1990, मर्णोपरांत), डा. नेल्सन मंडेला (1990), राजीव गांधी (1991, मर्णोपरांत), सरदार वल्लभ भाई पटेल (1991, मर्णोपरांत), मोरारजी देसाई (1991), जे.आर.डी. टाटा, सत्यजीत रे (मर्णोपरांत), मौलाना अब्दुल कलाम आजाद (मर्णोपरांत), (1992), गुलजारी लाल नंदा (1997), अरुणा आसफ अली (मर्णोपरांत), ए.पी. जे. अब्दुल कलाम, एम.एस. सुब्बालक्ष्मी, सी सुब्रह्मण्यम (1998) जयप्रकाश नारायण (मर्णोपरांत), अमर्त्य सेन, रवि शंकर, गोपीनाथ वोर्डोलोई (मर्णोपरांत), (1999), लता मंगेश्कर और उस्ताद बिस्मिल्लाह खां (2001

ज्ञान

... प्रताप सिंह उर्फ बाला साहेब जाधव ..., प्रीतम सिंह (साहित्य), आर वैरा मूर्ति (साहित्य), ...न कृष्ण वैद्यम (औषधि), राखी गुलजार (फिल्म), ... बजाज (कला), रजना गौहर (शास्त्रीय नृत्य), रीता ... शास्त्रीय नृत्य), आर रामकृष्णन (विज्ञान एवं ...की), एस सुकुमारी (फिल्म), एस. वेंकटाराघवन ... सदाशिव गाराकशकर (कला), सर्वज्ञा सिंह कटियार ...न एव अभियंत्रिकी), पडित सतीश व्यास (शास्त्रीय ...), उस्ताद शफात अहमद खा (शास्त्रीय संगीत), शैलेंद्र श्रीवास्तव (साहित्य), शिवराम बापूराव भोजे (विज्ञान एवं ...यंत्रिकी), टी एम सौंदर्य (शास्त्रीय संगीत), वी.आर. खती ...ज्ञान एव अभियंत्रिकी), वर्ना एलिजाबेथ (सामाजिक कार्य),

बुकर प्राइज विजेता

वर्ष	लेखक	पुस्तक
1969	पी.एच न्यूबी	समथिंग टू आंसर फार
1970	बर्निस रुबेंस	दी इलेक्टेड मेम्बर
1971	वी.एस. नाइपाल	इन ए फ्री स्टेट
1972	जान बर्गर	जी
1973	जे.जी. फारेल	दी सीज आफ कृष्णापुर
1974	नैडिने गार्डिमर व स्टैन्लेमिडलेटन	दी कंजर्वेशनिस्ट हालीडे (संयुक्त रूप से)
1975	रुथ प्रेवर झाबवाला	हीट एंड डस्ट
1976	डेविड स्टोरे	साविले
1977	पाल स्काट	स्टेइंग आन
1978	इरिस मुर्डोक	दी सी, दी सी
1979	पैनेलोप फिट्जेराल्ड	आफशोर
1980	विलियम गोल्डिंग	राइट्स आफ पैसेज
981	सलमान रश्दी	मिडनाइट चिल्ड्रेन
982	थामस केनेली	शिडलर्स आर्क
983	जे.एम. कोएट्जे	लाइफ एंड टाइम्स आफ माइकेल के.
1984	अनिता ब्रुक्नेर	होटेल डु लाक
1985	केरी हुल्मे	दी बोन पीपुल
1986	किंग्सले एमिस	दी ओल्ड डेविल्स
1987	पेनेलोपे लाइवली	मून टाइगर
1988	पीटर कैरी	ओस्कर एंड लुसिंडा
1989	काजुओ इशिगुरो	दी रिमेंस आफ दी डे
1990	ए.एस. बयाट	पाजेशन
1991	बेन ओकरी	दी फेमिस्ड रोड
1992	माइकल ओंडाट्जी व बैरी उंसवर्थ	दी इंग्लिश पेशेंट सैक्रेड हंगर
1993	रोड्डी डोयल	पैडी क्लार्क हा हा हा
1994	जेम्स केलमान	हाउ लेट इट वाज, हाउ लेट
1995	पाट बार्कर	दी घोस्ट रोड
1996	ग्राहम स्विफ्ट	लास्ट आर्डर्स
1997	अरुंधति राय	द गाड आफ स्माल थिंग्ज
1998	इयान मकइवान	अम्स्टर्डम
1999	जे.एम. कोएट्जे	डिसग्रेस
2000	मार्गरेट एटवुड	दी ब्लाइंड एसैसिन
2001	पीटर कैरी	ट्रू हिस्ट्री आफ केली गैंग
2002	यान मर्टेल	लाइफ आफ पाई

विजय प्रकाश सिंह (औषधि), यारलगाडा लद... (साहित्य)

अशोक चक्र – राज्यसभा के वाच एंड गार्ड सुरक्षा सहायक मातबर सिंह नेगी और जगदीश प्रसाद यादव, केंद्रीय रिजर्व पुलिस की महिला कास्टेबल कमलेश कुमारी, और कुमायूं रेजीमेंट के नायक रणवीर सिंह (सभी को मर्णोपरांत)

साहित्य

ज्ञानपीठ सम्मानः गुजरात के प्रसिद्ध कवि राजेंद्र केशवलाल शाह को।

साहित्य अकादमी पुरस्कार 2002: साहित्य अकाद... पुरस्कार राशि 25000 रु. कर दी गयी है। नये नि... के अनुसार अब जिस वर्ष के लिये पुरस्कार दिया जान... उससे पांच वर्ष पहले की अवधि में प्रकाशित पुस्तकों पर ही विचार किया जायेगा।।

हिन्दी –राजेश जोशी, (कविता संग्रह) दो पंक्तियों के बीच असमिया – नलिनीधर भट्टाचार्य, (समालोचना पुस्तक) 'महगत ऐतिह', बंगला – संदीपन चट्टोपाध्याय, 'आमि ओ बनबिहारी' (उपन्यास), डोगरी – ओ.पी. शर्मा विद्यार्थी 'त्रिप त्रिप चेते' (यात्रा वृतांत), अंग्रेजी – अमित चौधरी, 'ए न्यू वर्ल्ड' (उपन्यास), गुजराती – ध्रुव भट्ट 'तत्वमसि' (उपन्यास), कन्नड़ –के.एस. नरायण शेट्टी सुजर्न 'युगसंध्या' (महाकाव्य), कशमीरी – नाजी मुनव्वर 'पुरसां' (आलोचना), कोंकणी – हेमा नायर्क 'भोगदंड' (उपन्यास), मैथिली – सोमदेव 'सहसमुखी चौक' (कविता संग्रह), मलयालम – के.जी. शंकर पिल्लै 'पिल्लैयुडे कविताकल' (कविता संग्र...), मणिपुरी – राजकुमार भुवनसना 'मेई मसगेरा युद्धि ममगे...' (कविता), मराठी – महेश एलकुंचवार, 'युगांत' (नाट...), नेपाली – प्रेम प्रधान 'रुखहरु' (उपन्यास), उड़िया – ... कुमार मोहंती, 'गांधी मनीषा' (जीवनी), पंजाबी – ह... हलवारवी, 'पुलां तों पार' (काव्य संग्रह), राजस्थानी – ... ओला, 'जीव री जात' (कहानी संग्रह), संस्कृति – क... मिश्रा हर्षचरित मंजरी (काव्य), सिंधी – हरि ... 'उडामनडढ़ अरमान' (कहानी संग्रह), तमिल ... बालसुब्रमणियम, 'ओरु गिरामत्तु नदी' (काव्य सं...), ... – चेकुरी रामराव, 'स्मृति किणांकमु' (निबंध) ... गुलजार, 'धुआं' (कहानी संग्रह)।

अनुवाद के लिये पुरस्कारः असमी – प्रभ... बांग्ला – उषा रंजनभट्टाचार्य, अंग्रेजी – ... गुजराती – शकुंतला मेहता, हिंदी – कृष्णा ... – वीणा शांतेश्वर, कोंकणी – गोकुल दास ... प्रबोध नारायण सिंह, मलयालम – दामो... मणिपुरी – मेघचंद्र हिरांगखोंगजाम, म... अफगान, नेपाली – शांति थापा, ओड़िया ... पंजाबी – गुलवंत फारिग, राजस्थानी ... स्वामी, तेलगु – डी.वी. सुब्बाराव, उर्दू ...

मूर्ति देवी पुरस्कार,2000: गो... राममूर्ति त्रिपाठी।

शमशेर सम्मानः राजेंद्र शर्मा एवं ...

रामकथा सम्मान (साकेत निधि) ...

व्यास सम्मान (के.के. बिड़ला फाउंडेशन): कैलाश वाजपेई।

शलाका सम्मान: राजेंद्र यादव।

सरस्वती सम्मान: महेश एलकुंचवार।

पहल सम्मान: चंद्रकांत देवताले

रमाकांत स्मृत पुरस्कार: सूरजपाल चौहान।

क्रिस्टोफर एवार्ड: फ्रासीसीस लेखक डोमिनिक लेपियर को उनकी पुस्तक इट वाज फाइव पास्ट मिडनाइट इन भोपाल के लिये।

वाचस्पति पुरस्कार, (के.के. बिड़ला फाउंडेशन): पं. मोहन लाल शर्मा पांडेय।

बिहारी पुरस्कार (के.के. बिड़ला फाउंडेशन): विजयदान देहथा।

विशिष्ट सम्मान: विष्णु प्रभाकर

ऋतुराज सम्मान: कैलाश गौतम।

भारत भूषण पुरस्कार: सुंदर चंद ठाकुर।

पहल सम्मान: उदय प्रकाश।

गिरिजा कुमार माथुर स्मृति पुरस्कार: अग्निशेखर

शंकर पुरस्कार: डा. बिस्वभंर पाही।

महाराष्ट्र हिंदी साहित्य अकादमी पुरस्कार: सुनील कुमार लावाटे।

साहित्य के लिये संस्कृत पुरस्कार: बी. मुराली।

ललिताम्बिका अंठराजनम पुरस्कार: एम.टी. वासुदेवन नायर।

अप्पन मेनन पुरस्कार: शांकरशन ठाकुर।

व्हाइटब्रेड बुक प्राइज: क्लेर टोमालिन।

बुक आफ दी इयर प्राइज (ब्रिटेन): मैकेल मूर।

जेम्स टोड्ड एवार्ड: भारतीय मूल के लेखक एम.एम. काये को।

मीडिया

राजेंद्र माथुर पुरस्कार (बिहार सरकार): रामशरण जोशी।

गुइलेरमो कानो विश्व प्रेस स्वतंत्रता पुरस्कार: इजराइल के पत्रकार अमीरा हास।

पुलित्जर एवार्ड: *भारतीय मूल की गीता आनंद को संयुक्त रूप से।*

कृषि पत्रकारिता सम्मान: हरवीर सिंह और सुनील गंगराडे को संयुक्त रूप से (पुरस्कार राशि एक लाख रुपये)

के.वी. डैनियल मेमोरियल एवार्ड: पी.ए. कुरियाकोस (मलयाला मनोरमा)

जर्नलिज्म फार ह्यूमन राइट एवार्ड (पी.यू.सी.एल.): सुश्री डियोने बुंशा (फ्रंटलाइन)

विज्ञान

दादा भाई नौरोजी पुरस्कार: वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद के महानिदेशक डा. आर.ए. माशेलकर।

गूजरलाल मोदी विज्ञान पुरस्कार: रमन रिसर्च इंस्टीट्यूट के पूर्व निदेशक प्रो. वी. राधाकृष्णन।

अबेल प्राइज (नार्वेजियन एकेडमी आफ साइंस एंड लेटर्स: जीन पियरे, फ्रांसीसी गणितज्ञ 6 मिलयन क्रोनर (826,800 डालर)

राष्ट्रीय युवा विज्ञान पुरस्कार: मणिपुर के आठवीं कक्षा के छात्र सुदीप एस. एइथाल।

ग्रीन ओस्कर: शांतिपादा गोन चौधरी।

शांति

ओलोफ पाल्मे प्राइज– फजले हसन अबेद (बंगलादेश) 50,000 डालर

फेलिक्स हाउपहोएट–बायग्नी पीस प्राइज, 2000 युनेस्को: डा. मैरी राबिंसन (यू.एन.एच.सी. मानव अधिकार)।

फेलिक्स हाउपहोएट–बायग्नी पीस प्राइज, 2000 युनेस्को: जनाना गुसामोव (पूर्वी तिमोर के राष्ट्रपति)

अहिंसा के लिये गांधी–किंग पुरस्कार : *माता अमृतानंदमई।*

गांधी शांति पुरस्कार: भारतीय विद्या भवन (एक करोड़ रुपये)

एस्टर एवार्ड फार प्रेस फ्रीडम (सी.पी.यू.): कुलदीप नैयर।

अंतर्राष्ट्रीय समझ के लिये जवाहरलाल नेहरू पुरस्कार: सिंगापुर के प्रधानमंत्री गोह चोक टोंग।

धार्मिक सहिष्णुता के लिये अतर्राष्ट्रीय स्टेंस पुरस्कार: टीस्टा सेटेलवाड और एडमिरल रामदास (अवकाशप्राप्त)

कला

कालीदास सम्मान: गुरुरशरण सिंह।

एम.टी.वी. वीडियो म्यूजिक एवार्ड्स: मिस्सी इलियट, जस्टिन टिम्बरलेक, बेयोन्से क्लाुल्स

स्वाती पुरस्कारम (केरल राज्य): पं. भीमसेन जोशी (एक लाख रुपये)

सिनेमा

ओस्कर पुरस्कार : सर्वश्रेष्ठ फिल्म – शिकागो; अभिनेता – एड्रियन ब्रोडी (दी पियानिस्ट) अभिनेत्री – निकोले किडमान (दी आवर्स); सह अभिनेता – क्रिस कूपर (एडाप्टेशन); सह अभिनेत्री – कैथरीन जेटा जोन्स (शिकागो); निदेशक – रोमन पिलांस्की (दी पियानिस्ट); एनिमेटेड फीचर: स्प्रिटेड अवे; एनिमेटेड शार्ट फिल्म: दी कयकब्ज; कला निदेशन: शिकागो; छायांकन: रोड टू पर्डिशन; डाक्यूमेंटरी फीचर: बाउलिंग फार कोलंबाइन; कास्टयूम: शिकागो; फारेन लैंग्वेज फिल्म: नोव्हेयर इन अफ्रीका (जर्मनी); लाइव एक्शन शार्ट फिल्म: दिस चार्मिंग मैन (डेर इर इन यंडिंग मांड); मेकअप: फ्राइडा; ओरिजिनल स्कोर (म्यूजिक): फ्राइडा; साउंड: शिकागो; साउंड एडिटिंग: दी लार्ड आफ रिंग्स: दी टू टावर्स; विजुअल एफेक्ट्स: दी लार्ड आफ रिंग्स: दी टू स्कोर; एडाप्टेड स्क्रीनप्ले: रोनाल्ड हारवूड (दी पियानिस्ट); ओरिजिनल सांग: लास यौरसेल्फ, 8 माइल्स; वेस्ट स्क्रीनप्ले (ओरिजनल): टाक टू हर; फिल्म एडिटिंग: शिकागो; डाक्युमेंटरी शार्ट सब्जेक्ट: ट्विन टावर्स।

गोल्डेन ग्लोब एवार्ड्स : फिल्म: दी आवर्स; वेस्ट म्यूजिकल: शिकागो; अभिनेता: जैक निकोलसन (ग... ...मिड्ट); अभिनेत्री: निकोले किडमान (मिसेज डाल

अकादमी एवार्ड (ओस्कर) 1927–2002

वर्ष	फिल्म
1927–28	विंग्ज
1928–29	ब्राडवे मेलोडी
1929–30	आल क्वाइट आन वेस्टर्न फ्रंट
1930–31	सिमारोन
1931–32	ग्रैंड होटेल
1932–33	केवलकेड
1934	इट हैपेंड इन वन नाइट
1935	म्यूटिनी आन दी बाउंटी
1936	दी ग्रेट जीगफेड
1937	दी लाइफ आफ एमिली जोला
1938	यू कैन टेक इट विध यू
1939	गान विध दी विंड
1940	रेयेका
1941	हाउ ग्रीन वाज माई वैली
1942	मिसेज मिनिवेर
1943	कासाब्लांका
1944	गोइंग माई वे
1945	दी लोस्ट वीकेंड
1946	दी येस्ट इयर्स आफ अवर्स लाइफ
1947	जेंटिलमेन्स एग्रीमेंट
1948	हेमलेट
1949	आल दी किंग्ज मैन
1950	आल एवाउट दी ईव
51	एन अमेरिकन इन पेरिस
1952	दी ग्रेटेस्ट शो आन अर्थ
1953	फ्राम हियर टू इटर्निटी
1954	आन दी वाटरफ्रंट
1955	मार्टी
1956	एराउंड दी वर्ल्ड इन 80 डेज
1957	दी व्रिज आन दी रिवर क्वाई
1958	गिगी
1959	वेन–हर
1960	दी एपार्टमेंट
1961	वेस्ट साइड स्टोरी
1962	लारेंस आफ अरेबिया
1963	टाम जोन्स
1964	माई फेयर लेडी
1965	दी साउंड आफ म्यूजिक
1966	ए मैन फार आल सीजन्स
1967	इन दी हार्ट आफ दी नाइट
1968	ओलिवर
1969	मिडनाइट काउ ब्याय
1970	पैट्टन
1971	दी फ्रेंच कनेक्शन
1972	दी गाडफादर
1973	दी स्टिंग
1974	दी गाडफादर पार्ट–2
1975	वन फ्ल्यू ओवर दी कुक्कूज नेस्ट
1976	राकी
1977	आनी हाल
1978	दी डीर हंटर
1879	क्रेमर वर्सेस क्रेमर
1980	आर्डिनेरी पीपुल
1981	चैरियट्स आफ फायर
1982	गांधी
1983	टर्म्स आफ एंड्रामेंट
1984	अमाडेस
1985	आउट आफ अफ्रीका
1986	प्लाटून
1987	दी लास्ट अम्परर
1988	रेन मैन
1989	ड्राइविंग मिस डेजी
1990	डांसेज विध वुल्व्ज
1991	दी साइलेंस आफ लाम्ब्स्
1992	अनफोरगिवन
1993	सिंडलर्स लिस्ट
1994	फारेस्ट गंप
1995	ब्रेवहार्ट
1996	दी इंग्लिश पेशेंट
1997	टाइटानिक
1998	शेक्सपियर इन लव
1999	अमरीकन ब्यूटी
2000	ग्लेडियेटर
2001	ए. ब्यूटिफुल माइंड
2002	शिकागो

क्रिस कूपर, कैथरीन जेटा जोन्स, निकोले किडमान एवं एड्रियन ब्रोडी

आर कामेडी: रिचर्ड गेरे; अभिनेत्री: रेनी जेलवेगर (शिकागो); वेस्ट पारेन लैंग्वेज फिल्म: स्पेन के निदेशक पेड्रो अलमोडोवर की फिल्म टाक टू हर।

गोल्डेन लायन (वेनिस फिल्म फेस्टिवल): रूसी फिल्म दी रिटर्न; अभिनेता: सीन पेन; अभिनेत्री: कात्जा रीमान।

डायरेक्टर्स गिल्ड एवार्ड: लाइफटाइम एचीवमेंट एवार्ड: मार्टिन स्कोर्सेस; फीचर फिल्म डायरेक्टिंग एवार्ड: राय मार्शल।

सीजर एवार्ड: दी पियानिस्ट को सात पुरस्कार (निदेशक–रोमन पोलांस्की, अभिनेता–एड्रियन ब्रोडी); एवार्ड आफ आनर: मेरिल स्ट्रीप।

स्क्रीन एक्टर्स गिल्ड एवार्ड: *एनसेंबल कास्ट एवार्ड:* शिकागो; अभिनेता: डेनियल डे लेविस; अभिनेत्री: रेनी जेलवेगर (शिकागो)।

गोल्डेन लियोपर्ड एवार्ड: (लोकार्नो फिल्म फेस्टिवल) किरण खेर।

50वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार: सर्वश्रेष्ठ फिल्म – मोंडो मेयर उपाख्यान (निदशक–बुद्धदेव दास गुप्ता); निदेशक: अपर्णा सेन (मिस्टर एंड मिसेज अय्यर) अभिनेता: अजय देवगन (दी लीजेंड आफ भगत सिंह); अभिनेत्री: कोन्कना सेन शर्मा (मिस्टर एंड मिसेज अय्यर); सहअभिनेता: चंद्रशेखर (नन्या नन्चा, तमिल); सहअभनेत्री: राखी गुलजार (शुभो मुहूर्त, बंगला); बाल कलाकार: श्वेता प्रसाद (मकड़ी, हिंदी) और कीर्तना (कन्नातिल मुतामित्तल), तमिल); पुरुष गायक: उदित नारायण; महिला गायक: श्रेया घोषल; छायांकन: अभिक मुखोपाध्याय; गीतकार: वैरामुतु; कास्ट्यूम डिजाइनर: नीता लुल्ला, अबु जानी, संदीप खोसला (देवदास); संगीत निदेशक: ए.आर. रहमान (कन्नातिल मुतामित्तल); संपादक: स्रीकर प्रसाद (कन्नातिल मुतामित्तल); स्पेशल एफेक्ट: मैजिक मैजिक; कला निदेशन : चंद्रकांत देसाई (देवदास); कोरियोग्राफी: सरोद खान (देवदास); पटकथा : अपर्णा सेन (मिस्टर एंड मिसेज अय्यर); निदेशक की पहली फिल्म के लिये इंदिरा गांधी राष्ट्रीय पुरस्कार: पतल घर, अभिजीत चौधरी सुभद्रो चौधरी की प्रोहोर।

फिल्म फेयर पुरस्कार: अभिनेता : शाहरुख खान; अभिनेत्री: एश्वर्या राय (देवदास, को 11 सम्मान मिले); निदेशक संजय लीला भंसाली।

अन्योन्य

गोल्डमैन इनवायरेनमेंट प्राइज: जुलिया बांड्स, एक पहाड़ी महिला, पेड्रो एर्रोजोअगुडो (स्पेन), एइलीन कम्पाकुटा (आस्ट्रेलिया), मारिया एलीना फोरोंडा फारो (पेरू), बोन हर्नानडेज (फिलीपीन्स), ओडिघा ओडिघा (नाइजीरिया), एइलीन वार्न्ट विंगफील्ड (आस्ट्रेलिया) (125,000 डालर)।

लारियस वर्ल्ड स्पोर्ट्स एवार्ड: स्पोर्ट्समैन आफ दी इयर: लांस आर्म्सस्ट्रांग साइक्लिंग, अमरीका; स्पोर्ट्सओमेन आफ दी इयर: सेरेना विलियम्स, टेनिस अमरीका।

जेरुसलम प्राइज: अर्थर मिलर।

एएल न्यूहार्थ फ्रीडम स्प्रिट आफ दी इयर: आंग सान सू की, 1 मिलयन डालर।

मिस युनिवर्स: अमेलिया वेगा (मिस डोमिनिकन रिपब्लिक)।

मिस युनिवर्स

नाम	वर्ष	देश
मोना ग्रुड्ट	1990	[illegible]
लुपिटा जोन्स	1991	मैक्सिको
मिचेला मैक्लीन	1992	नामीबिया
डायानारा टोरेस	1993	पुर्एटो रिको
सुष्मिता सेन	1994	भारत
चेल्सी स्मिथ	1995	यू.एस.ए.
अलिसिया माकाडो	1996	वेनेजुएला
ब्रूक ली	1997	यू.एस.ए.
वेंडी फिट्ज़विलियम	1998	ट्रिनिडाड एंड टोबेगो
पुले क्वेलागोबे	1999	बोत्सवाना
लारा दत्ता	2000	भारत
डेनिस क्युनोंस	2001	पोर्टो रिको
जस्टिन पासेक	2002	पनामा
अमेलिया वेगा	2003	डोमिनिकन रिपब्लिक

मिस वर्ल्ड

नाम	वर्ष	देश
गिनामैरी टोल्लेसन	1990	स.रा. अमरीका
निनिबेथ बियाट्रिज लील जिमेनेज	1991	वेनेजुएला
जूलिया एलेक्जेंड्रोवना कोउरोटचकिना	1992	रूस
लिसाहन्ना	1993	जमाइका
एश्वर्या राय	1994	भारत
जैक्वेलीन मैरिया अगुलरा मार्कानो	1995	वेनेजुएला
आइरीन स्किलवा	1996	[illegible]
डायना हेडेन	1997	[illegible]
लिनोर अबौरगिल	1998	[illegible]
युक्तामुखी	1999	[illegible]
प्रियंका चोपड़ा	2000	[illegible]
अगबानी डेरिगो	2001	[illegible]

प्रथम रनर अप: मैरिक्वेल [illegible]
रनर अप: सिंडी नील ([illegible]

गोल्ड एवार्ड 2003 [illegible]
एशिया ट्रैवेल एसोसिए[illegible]

एशियाज बिजनेस[illegible]
नारायण मूर्ति और [illegible]

मेवाण नेशन[illegible]
जावेद अख्तर।

फो[illegible]
इंडिया वर्ल्ड:

2001 : कार्ल ई. वीमैन, एरिक ए. कार्नेल और वूल्फगांग केट्टर्ले (अमरीका)

2002 : रैमंड डेविस (संयुक्त राज्य अमेरिका) और कोशिबा (जापान)

रसायन

1992: रुडोल्फ मार्क्स (स.रा. अमरीका) ।

1993: कैरी बी. मुलिस (सं.रा.अमरीका) माइकल स्मिथ (कनाडा)

1994: जार्ज ए. ओलाह (अमरीका)

1995: पाल कर्टजन (नीदरलैंड) व एफ. शेरवुड रोलैंड (अमरीका)

1996: प्रो. राबर्ट कर्ल जूनियर, रिचर्ड स्माले (अमरीका) एवं प्रो. सर होरोल्ट क्रोटो (ब्रिटेन)

1997: हाल बोयर,(अमरीका), जान वाल्कर (ब्राजील), डाने जेन्स स्काउ (डेनमार्क)

1998: डा. वाल्टर कोह्न (आस्ट्रिया.अमरीका), डा. जान ए. पापल (ब्रिटेन–अमरीका)

1999: अहमद ई जेवाइल (मिस्र व अमरीका दोनों के नागरिक, जन्म मिश्र में)

2000: एलन हीगर, एलन मैकडरमिड और हीडेकी शिरकावा

2001: एस. नाउलेस एवं क. बैरी शार्पलेस (अमरीका), योजी नोयोरी (जापान)

2002: जान फेन (संयुक्त राज्य अमेरिका), कोईची तनाका (जापान) और कुर्ट वीट्रिच (स्विट्जरलैंड)

चिकित्सा और शरीर विज्ञान

1992: एडमंड फिशर एवं एडविन क्रेब्स (सं.रा.अमरीका)।

1993: रिचर्ड राबर्ट्स, फिलिप शार्ट (सं.रा.अमरीका)

1994: अमरीका के एल्फ्रेड क्यू गिलमैन, अमरीका के मार्टिन कैरोलिना ।

1995: एडवर्ड लेविस (अमरीका) व क्रिस्टियने न्यूसलोइन व एरिकवेइजचाउस (जर्मनी)।

1996: पीटर सी. डोहर्टी (आस्ट्रेलिया) एवं एम. जिन्केनार्गेल (स्विटजरलैंड)

1997: स्टैनले प्रुसिनर (अमरीका)

1998: राबर्ट एफ. फुरगोट, लुइस जे. इगनारो, फेरिड मुराड (अमरीका)

1999: गुंटर ब्लोबेल (जर्मनी)

2000 : स्वीडन के कार्लसन व अमरीका के पोल ग्रीनगई व एरिड केंडल।

2001: पाल नर्से एवं टिमोथी हंट (ब्रिटेन), लेलेंड हार्टवेल (अमरीका)

2002: सिंडी वैनर, जान ई. सल्सटन (ब्रिटेन) और राबर्ट हार्विज (संयुक्त राज्य अमेरिका)

अर्थशास्त्र

1992: गैरी एस वेकर (सं. रा. अमरीका) ।

1993: टानी मारिसन (सं.रा. अमरीका)

1994: हंगरी के प्रो. जान सी हसरायी, अमरीका के जान एफ. नाश और जर्मनी के रीनहार्ड सेल्टेन।

1995: राबर्ट ई. लुकास जूनियर (अमरीका)

1996: प्रो. जेम्स ए. मिरलीस (ब्रिटेन) एवं विलयम विकरे (कनाडा)

1997: राबर्ट सी. मर्टन एवं मिरोन एस. शोलेस (अमरीका)

1998: अमर्त्य सेन (भारत)

1999: प्रो. रीबर्ट मंडल (कनाडा)

2000 : अमरीका के जेम्स हैकमैन और डैमिक मैकफाडेन

2001 : प्रो.जार्ज ए. एकेर्लोफ (कैलिफोर्निया), ए.माकेल स्पेंस (स्टेनफोर्ड), जोसेफ ई. सिटगलिट्ज (कोलंबिया)

2002 : डेनियल का नेमन और वर्नाल एल. स्मित (संयुक्त राज्य अमेरिका)

साहित्य

1992: डेरेक वेलकार (यू. के.) ।

1993: राबर्ट डब्ल्यू फोगल, डाग्लस सी नार्थ (यूएसए)

1994: केन्जाबुरो (जापान)

1995: सीसस हीनी (आयरलैंड) ।

1996: विसलावा सिमबोस्का (पोलैंड)

1997: डेरियो फो (इटली)

1998: जोस सारामागो (पुर्तगाल)

1999: गुंटर ग्रास (जर्मनी)

2000: चीन के लेखक काओ सिंगच्येन

2001 : वी.एस. नयपाल (ब्रिटेन)

2002 : इमरे केरतेज (हंगरी)

नोबल सम्मान से सम्मानित भारतीय

1. रवींद्रनाथ टैगोर	साहित्य	1913
2. सी.वी. रमन	भौतिक विज्ञान	1930
3. हरगोविंद खुराना	चिकित्सा	1968
4. सुब्रहमणयम चंद्रशेखर	भौतिक विज्ञान	1983
5. अमर्त्य सेन	[illegible]	1998
6. वी.एस. नायप		

प्रतिष्ठित लेखक

आरंभ में प्राचीन यूनान और रोम के साहित्य या कला को 'क्लासिक्स' नाम दिया गया था किन्तु कालान्तर में इस शब्द ने व्यापक अर्थ ग्रहण कर लिया और उच्चकोटि, स्थायी, अभिरुचि, गुणवत्ता अथवा शैली की सब साहित्यिक व कलात्मक कृतियों के लिए इस शब्द का प्रयोग होने लगा।

नीचे संस्कृत, ग्रीक और लैटिन के प्रतिष्ठित लेखकों और उनकी महत्वपूर्ण रचनाओं की सूची वर्णानुक्रम में दी गई है।

अमरुक (7 वीं शताब्दी) संस्कृत कवि । अमरुक शतक।

अरस्तू (384–322 ई.पू.) यूनानी दार्शनिक। रिटोरिक्स, पालिटिक्स, नेचुरल हिस्ट्री, पोइटिक्स ।

अश्वघोष (पहली शताब्दी) संस्कृत कवि । बुद्ध चरित ।

इपीक्युरियस (342–270 ई.पू.) यूनानी दार्शनिक, भोगवादी दर्शन का प्रवर्तक । हेरोडोटस, मोनोसेकस और अन्य व्यक्तियों के नाम पत्र, डिरेरम नेचुरा ।

इसीलस (526–456 ई.पू.) एथेन्स का नाटककार । प्रोमेथियस अनबाउण्ड, आदि पर्शियन्स, दि सेवेन अगेन्स्ट थीवेस, ओरेस्टिया आदि ।

ईसप (620–560 ई.पू.) यूनानी गल्प लेखक, ईसप्स ।

एक्विनास, सेन्ट थामस (1225–1274) इटली का दार्शनिक एवं धर्मशास्त्री । सुम्मा थियोलाजिका, सुम्मा कांट्रा जेन्टिलेस ।

एनाक्रेयोन (छठी शताब्दी ई.पू.) विख्यात यूनानी गीतकार।

एरिस्टोफेनीज़ (444–385 ई.पू.) एथेन्स का व्यंग लेखक और सृष्टियात्मक कवि । लिसिसट्राटिया, वर्ड्स, पीस, अकारनियन्स ।

ओविड (पर्वालयस ओविडियस नासो) (43 ई.पू. – 16 ई.) लैटिन कवि । त्रिस्तिया, अमोरेस, पर्सेफोन रेप्टा ।

कल्हण (12 वीं शताब्दी) संस्कृत लेखक । राजतरंगिणी (काश्मीर राज्य का इतिहास) ।

कालिदास (5 वीं शताब्दी) सर्वश्रेष्ठ संस्कृत कवि । नाटक – मालविकाग्निमित्र (मालविका और अग्निमित्र), विक्रमोर्वशीयम, अभिज्ञान–शाकुन्तलम, महाकाव्य–रघुवंश, कुमार संभव, गीतकाव्य–मेघदूत, ऋतुसंहार ।

कुमारदास (छठी शताब्दी) संस्कृत कवि । जानकी हरण।

कौटिल्य (चाणक्य) (चौथी शताब्दी ई.पू.) चन्द्रगुप्त मौर्य का प्रधान मंत्री । वह कुशल राजनीतिज्ञ थे और मैक्यावली के जन्म के कई शताब्दी पूर्व उन्होंने मैक्यावली की कूटनीति को व्यावहारिक रूप दिया । उनकी एकमात्र कृति 'अर्थशास्त्र' है ।

गुणाढ्य (पहली शताब्दी) संस्कृत लेखक । वृहत कथा।

जयदेव (12 वीं शताब्दी) संस्कृत कवि । गीत गोविन्द।

जीमूतवाहन (12 वीं शताब्दी) दयाभाग – हिन्दु उत्तराधिकार विधि पर शोध प्रबन्ध और धर्मसूत्र का एक भाग।

जुवेनाल (डेसिमस जुनियस जुवेनलिस) (60–140) लैटिन कवि । सेटायर्स ।

ज़ेनो आफ सिटियम (340–264 ई.पू.) यूनानी दार्शनिक, इस्टोइक दर्शन का प्रवर्तक । ज़ेनो स्टोआ पोइकिले आफ एथेन्स में अध्यापक था ।

ज़ेनोफान (444–359 ई.पू.) यूनानी सैनिक, इतिहासकार और लेखक । अनायसिस ।

टेसिटस कइयस कोर्नेलियस (55–120 ई.) लैटिन इतिहासकार ।

डायोजीन्स (412–323 ई.पू.) यूनानी दार्शनिक, दोषान्वेशी दर्शन का प्रवर्तक ।

थुसीडाइडीज़ (460–399 ई.पू.) यूनानी इतिहासकार। पीलोपोनेशियन वार ।

दण्डी (7वीं शताब्दी) संस्कृत गद्य लेखक। दशकुमार चरित।

नय चन्द्र सूरि (14 वीं शताब्दी) संस्कृत कवि । हमीर महाकाव्य ।

नारायण (12 वीं शताब्दी) संस्कृत कथाकार । हितोपदेश – पंचतंत्र की चुनी हुई कथाएं ।

पतंजलि (दूसरी शताब्दी ई.पू.) संस्कृत व्याकरणाचार्य। महाभाष्य ।

प्लिनी, बड़ा (23–79 ई.) लैटिन दार्शनिक । उनकी नेचुरल हिस्ट्री नामक कृति वैज्ञानिक ज्ञान का सार है ।

प्लुटार्क (46–120 ई.) लैटिन जीवनी लेखक । लाइव्ज़

प्लेटो (427–347 ई.पू.) यूनानी दार्शनिक । दि

मुफ्त दुपहर के भोजन पर

मुफ्त दुपहर का भोजन जैसा कुछ नहीं है। यह मुहावरा पहली बार विख्यात विज्ञान उपन्यास लेखक राबर्ट ए. हेनलीन ने अपनी किताब दी मून इज ए हार्ड मिस्ट्रेस में प्रयुक्त किया था। तब से यह बहुत बार प्रयोग में आने लगा। मुहावरे का अर्थ है कि मुफ्त में कुछ नहीं मिलता।

रिपब्लिक, अपालोजी आफ सेक्रेटीज़, फाइडो, लाज़ ।

पाणिनी (चौथी शताब्दी ई.पू.) संस्कृत व्याकरणाचार्य । अष्टाध्यायी ।

बाण (सातवीं शताब्दी) संस्कृत गद्य लेखक । हर्ष चरित, कादम्बरी ।

बिल्हण (12 वीं शताब्दी) संस्कृत कवि । विक्रमांक–देवचरित, चौरपंचाशिक ।

भट्टी (7 वीं शताब्दी) संस्कृत कवि । भट्टी काव्य ।

भद्रबाहु (चौथी शताब्दी ई.पू.) कल्पसूत्र (अनुष्ठानों की नियमावली) ।

भर्तृहरि (7 वीं शताब्दी) संस्कृत कवि । नीतिशतक, श्रृंगार शतक, भक्तिशतक ।

भवभूति (8 वीं शताब्दी) संस्कृत नाटककार । मालती माधव, महावीर चरित, उत्तर रामचरित ।

भारवि (छठी शताब्दी) संस्कृत कवि । किरातार्जुनीय।

भास (5 वीं शताब्दी) संस्कृत लेखक । आपने 13 नाटक लिखे–स्वप्न वासवदत्ता, प्रतिज्ञा यौगंधरायन, चारुदत्त ।

मनु (2000 ई.पू.) संस्कृत स्मृतिकार (मनुस्मृति) ।

महेन्द्र विक्रमन (पल्लव शासक) संस्कृत कवि । मत्त विलास।

माघ (सातवीं शताब्दी) संस्कृत कवि । शिशुपाल–वध ।

यूरिपिडीस (40–406 ई.पू.) यूनानी नाटककार। आल्सेस्टिस, बैकची ।

राजशेखर (10 वीं शताब्दी) संस्कृत । कर्पूर मंजरी ।

वर्जिल (पब्लियस वर्जीलियस मारो) (70–19 ई.पू) लैटिन महाकवि । एनीड, जियोर्जिक्स ।

वाक्पति (8 वीं शताब्दी) संस्कृत कवि । गंड वध (कान्यकुब्ज) शासक यशोवर्मा की विजयों का वर्णन ।

वात्स्यायन (5 वीं शताब्दी) संस्कृत लेखक । कामसूत्र।

वाल्मीकि (छठीं शताब्दी ई.पू.) संस्कृत महाकाव्य कवि । रामायण।

विज्ञानेश्वर (11 वीं शताब्दी) संस्कृत लेखक । मिताक्षरा – हिन्दू उत्तराधिकार विधि पर शोध निबन्ध ।

विद्यापति (1350–1460) कवि । मैथिली में महान काव्य लिखे । कीर्तिलता, कीर्तिपताका ।

विष्णुशर्मा पंचतंत्र ।

विशाखदत्त (छठी शताब्दी) संस्कृत नाटककार । मुद्राराक्षस, देविचन्द्र गुप्तम ।

व्यास (छठी शताब्दी ई.पू.) संस्कृत महाकवि । महाभारत – संसार में सबसे लम्बा महाकाव्य, लगभग 100,000 श्लोक।

शूद्रक (5 वीं शताब्दी) संस्कृत नाटककार । मृच्छकटिकम।

सन्ध्याकार (12 वीं शताब्दी) संस्कृत कवि । रामचरित।

सुबन्धु (7 वीं शताब्दी) संस्कृत कवि । वासवदत्ता ।

सेनेका, लुसियस एन्नीयस (ई.पू. 56 ई.) इस्टोइकवादी दार्शनिक, नीरो का शिक्षक।

सैफो आफ लेसबोस (छठी शताब्दी ई.पू., के आरंभ में) प्रेम और आसक्ति की यूनानी कवयित्री । अनरिक्विटेड लव।

सोफोक्लीज़ (495–406 ई.पू.) यूनानी नाटककार । एण्टीगान, ओडिपस दि किंग, ओडिपस एंट कोलोरियस ।

सोमदेव (11 वीं शताब्दी) संस्कृत कवि । कथासरित सागर

हाल (सातवाहन राजा, पहली शताब्दी) संस्कृत कवि । सप्तशती

हेरोडोटस (485–425 ई पू) यूनानी इतिहासकार । हिस्ट्री आफ दि पर्शियन इन्वेज़न आफ ग्रीस ।

होमर (700 ई पू.) यूनानी महाकवि । इलियट, ओडीसी।

होरेस (65–8 ईपू) लैटिन कवि । सेटायर्स, [illegible], ओड्स।

विख्यात पुस्तकें

नीचे कुछ विख्यात पुस्तकों और उनके लेखकों की सूची दी जा रही हैं:

अंकल टाम्स कैबिन: हैरिएट बीचर स्टोव

अकबरनामा: अबुल फज़ल

अगस्त 1914: एलेक्जैण्डर सोल्ज़े–नित्सिन

अगोनी एण्ड दि इंकेस्ट्रसी: इरविंग स्टोन

अग्नि वीणा: काज़ी नज़रुल इस्लाम

अमृत और विष: अमृत लाल नागर

अन्ना कारेनिना: लियो टाल्स्टाय

अनटु दि लास्ट: जान रस्किन

अन्टोल्ड स्टोरी: जनरल बी एम कौल

अमर कोष: अमरसिंह

अरेंजमेंट, दि: इलिया कजान

अर्थ: इमाइल जोला

अवर फिल्म्स देयर फिल्म्स: सत्यजित रे

आई आफ दि स्टार्म: [illegible] हवाइट

आग का दरिया: कुर्तुल – [illegible] – हैदर

आई फालो दि महात्मा: [illegible] मुंशी

आइलैंड इन दि स्ट्रीम: अर्नेस्ट हेमिंग्वे

आइसाबेला: [illegible]

आटम लीव्स: [illegible]

आटोबायोग्राफी [illegible] इण्डियन [illegible] चौधरी

आधे–अधूरे: [illegible]

आनन्दमठ: [illegible]

आफ ह्युमन [illegible] माम

आर्म्स [illegible]

आल [illegible]

[illegible]

दोस्तेयवस्की
क्राइसिस इन इण्डिया, दि: रुनाल्ड सेगल
क्राइसिस इन्टू चावोस: ई.एम.एस. नम्बूदिरीपाद
क्राई माई बिलवड कंट्री: एलन पैटन
क्रानिकल आफ ए डेथ फारेटोल्ज: गैब्रील गारशिया मार्क्वेज़
खरीदी कौड़ियों के मोल: विमल मित्र
क्रिसेन्ट मून: रवीन्द्रनाथ टैगोर
क्लाइमेट आफ ट्रेज़न: एण्डयु बोयल
क्लास, दि: एरिक सेगल
गणदेवता: तारा शंकर बंद्योपाध्याय
गांधी एण्ड स्टालिन: लुई फिशर
गाइड: आर. के. नारायण
गान विद दि विंड: मारग्रेट मिचेल
गार्डनर: रवीन्द्रनाथ टैगोर
गीतांजलि: रवीन्द्रनाथ टैगोर
गुड अर्थ: पर्ल एस. बक
गुलाग आर्चीपेलागो: एलेक्ज़ैण्डर सोल्ज़ेनित्सिन
गुलीवर्स ट्रेवेल्स: जोनाथन स्विफ्ट
गैदरिंग स्टार्म: विन्सटन चर्चिल
गोदान: प्रेमचन्द
गोल्डेन थ्रेशोल्ड: सरोजिनी नायडू
ग्रामर आफ पालिटिक्स: हैरोल्ड जोसेफ लास्की
ग्रेट एक्सपेक्टेशंस: चार्ल्स डिकेन्स
ग्रेट गैट्सबी: एफ स्काट फिट्ज़जेराल्ड
ग्रेट चैलेंज: लुई फिशर
ग्रेप्स आफ राथ: जान स्टीनबेक
ग्लिम्पसेज़ आफ वर्ल्ड हिस्ट्री: जवाहरलाल नेहरू
घासीराम कोतवाल: विजय तेंन्दुलकर
चण्डालिका: रवीन्द्रनाथ टैगोर
चाइनाज वाटरगेट: लियो गुडस्टैंड
चाइनीज़ बिट्रेयल: बी एन मलिक
चाइल्ड हेरोल्ड: लार्ड बाइरन
चिन्तिरप्पावै: पी.वी. अखिलांडम
चित्रा: रवीन्द्रनाथ टैगोर
चिदम्बरा: सुमित्रानंदन पंत
चिक्कवीर राजेंद्र: मास्ति वेंकटेश अय्यंगार
चेम्मीन: तकषि शिवशंकर पिल्लै
चेरी आर्चर्ड: एण्टन चेखव
चेसाधीक: जेम्स ए, मिचेनर
चोमास् ड्रम: के. शिवराम कारंत
चौरंगी: शंकर (मणिशंकर मुखर्जी)
जंगल बुक: रूडयर्ड किपलिंग
जाब्स फार दि मिलियन्स: वी.वी. गिरि
जीन क्रिस्टोफर: रोम्या रोला
जुल्फी, माई फ्रेण्ड: पीलू मोदी
जुलियस सीज़र: विलियम शेक्सपीयर
जेन आयर: शर्लट ब्राण्टी
झूठा सच: यशपाल
झांसी की रानी: वृन्दावन लाल वर्मा
टाइम मशीन: एच. जी. वेल्स
टाम जोन्स: हेनरी फील्डिंग
टार्जन आफ दि एप्स: एडगर राइस बरोस
टू लीव्ज एण्ड ए बड: मुल्कराज आनन्द
टू वीमेन: अल्बर्टो मोरविया
टेम्पेस्ट: विलियम शेक्सपीयर
ट्रिस्ट विथ डेस्टिनी: एस. गोपालन
ट्रापिक आफ कैंसर: हेनरी मिलर
ट्रायल, दि: फ्रैंज़ कैपका
ट्रिनिटी: लियो युरिस
ट्वेल्थ नाइट: विलियम शेक्सपीयर
टोबा टेक सिंह: सआदत हसन मंटो
डाइनेमिक्स आफ सोशल चेन्ज: चन्द्र शेखर
डिलेमा आफ अवर टाइम: हेरोल्ड जोसफ लास्की
डा. ज़िवागो: बोरिस पास्तरनाक
डा. जैकल एण्ड मि. हाइड: राबर्ट लुई स्टीवेन्सन
डाक्टर्स डिलेमा: जार्ज बर्नार्ड शा
डान जुआन: लार्ड बायरन
डान किहोते: मिगुएल द सर्वातीज
डार्कनेस ऐट नून: आर्थर कोइस्लर
डार्क रूम, दि: आर. के. नारायण
डिक्लाइन एण्ड फाल आफ इन्दिरा गांधी: डी. आर. मानकेकर और कमला मानकेकर
डिक्लाइन एण्ड फाल आफ दि रोमन एम्पायर: एडवर्ड गिबन
डिज़र्टेड विलेज: ओलिवर गोल्डस्मिथ
डिप्लोमेसी इन पीस एण्ड वार टी एन कौल
डिबैकल: इमाइल ज़ोला
डिवाइन कमेडी: एलिघेरी दाते
डिवाइन लाइफ: स्वामी शिवानद
डिसेन्ट आफ मैन: चार्ल्स डार्विन
डिस्कवरी आफ इण्डिया जवाहरलाल नेहरू
डिस्टैंड ड्रम्स: मनोहर मलगांवकर
डीन्स डेसेम्बर, दि. साल बेलो
डेथ आफ ए सिटी अमृता प्रीतम
डेथ आफ ए प्रेसिडेन्ट डा ई हैरिंग्टन
डेथ आफ ए [illegible] विलियम
मैनचेस्टर
डेमोक्रेसी मीन्स ब्रेड एण्ड फ्रीडम: पीलू मोदी
डेमोक्रेसी रिडीम्ड: वी.के. नरसिंहन
डेविड कापरफील्ड: चार्ल्स डिकेन्स
डेकैमरान: जियोवनी बोकाशियो
तलिस्मैन: सर वाल्टर स्काट
त्यागपत्र: जैनेंद्र कुमार
थर्टीन्थ सन, दि: अमृता प्रीतम
थार्न बर्ड्स: कोलीन मैककुलग
थैंक यू, जीव्स: पी.जी. वुडहाउस
थ्रू दि इण्डियन लुकिंग ग्लास: डेविड सेलबोर्न
दस स्पेक जरथुस्ट्रा: फ्रीडरिक विलहेम नीत्शे
दास कैपिटल: कार्ल मार्क्स
दुर्गेशनन्दिनी: बंकिम चन्द्र चटर्जी
देवदास: शरतचन्द्र चटर्जी
नदी के द्वीप: स. हि. वात्सयायन अज्ञेय
न हन्यते: मैत्रेयी देवी
नाइन्टीन एट्टीफोर: जार्ज ओरवेल
नाना: इमाइल ज़ोला
निशीथ: उमाशंकर जोशी
नैकेड ट्रायंगल: बलवंत गार्गी
पंचतंत्र: विष्णु शर्मा
परिती परिकथा: फणीश्वर नाथ रेणु
पाकिस्तान कट टु साइज: डी. आर. मानकेकर
पाकिस्तान, दि गैदिरिंग स्टार्म: बेनज़ीर भुट्टो
पथेर पाचाली: विभूति भूषण बंद्योपा[illegible]
पावर दैट बी, दि: डेविड हाल[illegible]
पावर एण्ड ग्लोरी: ग्राहम ग्रीन
पिकविक पेपर्स: चार्ल्स डि[illegible]
पिगमेलियन: जार्ज बर्नार्ड [illegible]
पिलग्रिम्स प्रोग्रेस: जान [illegible]
पुरानी जूतियों का [illegible]
पीटर पैन: जे. एम. [illegible]
पेन्टर आफ साइन्स: [illegible]
पेन्टेड वील: [illegible]
पोट्रेट आफ [illegible]
पोस्ट आफि[illegible]
प्रथम प्रति[illegible]
पर्शियन [illegible]
[illegible]
प्राइड [illegible]
प्राइ[illegible]

प्रिंस: निकोलो मेक्यावली
प्रिज़न डायरी: जयप्रकाश नारायण
प्रिल्यूड: विलियम वर्डसवर्थ
फर्स्ट सर्किल: एलेक्जैण्डर सेल्जेनित्सिन
फाइडेलियो: एल. विठोवन
फाइनल डेज़, दि: याव वुडवर्ड और कार्ल वर्नस्टीन
फाइन्डिंग ए वायस: एशियन वुमेन इन ब्रिटेन: अमृत विल्सन
फादर एण्ड सन्स: इवान तुर्गनेव
फायर नेक्सट टाइम, दि: जेम्स वाल्डविन
फार अवे म्युज़िक, दि: स्वेतलाना एलिल्वेवा
फार पैविलियन्स, दि: एम.एम. काये
फार हूम दि वेल टाल्स: अर्नेस्ट हेमिंग्वे
फार फ्राम दि मैडिंग क्राउड: थामस हार्डी
फोर्टीनाइन डेज़: अमृता प्रीतम
फार्विडेन सी, दि: तारा अली वेग
फ्रास्ट: जे. डब्ल्यू. वोन गोइथे
फिफ्थ हार्समैन, दि: लारी कालिन्स और डोमिनिक लेपियर
फूड, न्यूट्रिशन एण्ड पावर्टी इन इण्डिया: वी. के. आर. वी. राव
फेयरवेल टु ट्रम्पेट्स: जेम्स मोरिस
फेस टु फेस: लासे और श्रीमती लिसा वर्ग
[illegible] आफ एवरेस्ट: मेजर एच. पी. [illegible]स. अहलूवालिया
[illegible] रियूनियन: टी.एस. इलियट
[illegible] सागा: जान गाल्सवर्दी
फ्रीडम ऐट मिडनाइट: लारी कालिन्स और डोमिनिक लैपियर
फ्रेंच रिवाल्यूशन: थामस कार्लाइल
फ्रेंड्स एण्ड फोज़: शेख मुजीबुर रहमान
फ्लेम्स फ्राम दी एशेज़: पी.डी. टंडन
बंगलादेश: दी अनफिनिश्ड रिवाल्यूशन: लारेंस लिफ्ट शुल्ट्ज
बटरफील्ड: जान ओ हारा
बनियन ट्रीट दि: ह्यु टिंकर
बयल, दि: मुल्क राजा आनन्द
बरमुडा ट्रैंगल: वर्लिट्ज़
बाई लव पज़ल्ड: जेम्स गाउल्ड कोज़न्स
बायोग्राफिया लिटरेरिया: सैमुअल टेलर कालरिज
बार्न फ्री: जोय ऐडसमन
बिगनिंग आफ दि बिगनिंग: भगवान श्री रजनीश
बिग सिक्सरमैन, दि: लायड डगलस

बियांड माडर्नाइज़ेशन, बियांड सेल्फ: शिशिर कुमार घोष
बीस्ट एण्ड मैन: मरी मिडग्ली
बेनहुर: लेविस वैलेस
बेस्ट एण्ड दि ब्राइटेस्ट, दि: डेविड हलवर्स्टन
बेगम मेरी विश्वास: विमल मित्र
बैक टु मेथुसेलाह: जार्ज वर्नार्ड शा
बैण्डीकूट रन: मनोहर मलगांवकर
बैबिट: सिनक्लेयर लेविस
ब्रदर्स करमज़ोव: फियोदर दोस्तेयवस्की
ब्राइड्स बुक आफ ब्यूटी, दि: मुल्क राज आनन्द
ब्रेक थ्रू: जन, मोशे दयान
ब्रेड, ब्यूटी एण्ड रेवोलुशन: ख्वाज़ा अहमद अब्बास
बूंद और समुद्र: अमृत लाल नागर
ब्लाइंड एमबिशंस: जान डीन
ब्लाइंड ब्यूटी: बोरिस पास्तरनाक
ब्लिस वाज़ इट इन दैट डान: मीनू मसानी
ब्लैक वेडनेस्डे: प्रमिला कल्हन
भारतीय दर्शन: डा. राधाकृष्णन
भारत भारती: मैथिलीशरण गुप्त
भूले बिसरे चित्र: भगवती चरण वर्मा
भाषा और समाज: राम विलास शर्मा
मच एडो एबाउट नथिंग: विलियम शेक्सपीयर
मदर: मैक्सिम गोर्की
मधुशाला: हरिवंश राय बच्चन
मदर इण्डिया: कैथरिन मेयो
मर्चेण्ट आफ वेनिस, दि: विलियम शेक्सपीयर
मर्डर इन दि कैथेड्रल: टी.एस. इलियट
महाभारत: वेद व्यास
मृत्युंजय: शिवाजी सांवत
मृत्युंजय: वीरेन्द्र कुमार भट्टाचार्य
माइज़र, दि: मोलियर
माई इण्डिया: एस. निहालसिंह
माई एक्सपेरिमेण्ट्स विद ट्रुथ: महात्मा गांधी
माई ओन बासवेल: एम. हिदायतुल्ला
माई डेज़: आर. के. नारायण
माई स्ट्रगल्स: ई. के. नायनार
मास्टर्स, दि: सी.वी. स्नो
मिडिल ग्राउण्ड, दि: मार्गरेट ड्रेबल
मिडिल मार्च: जार्ज इलियट
मिल आन दि फ्लास: जार्ज इलियट
मिसेज़ गांधीज सेकेण्ड रन: अरुण शौरी
मीन कैम्फ: एडोल्फ हिटलर

मून एण्ड सिक्स पेन्स: डब्ल्यू. समरसेट माम
मून लाइट सोनाटा: एल. वी. विठोवन
मेम्वायर्स आफ होप: जनरल चार्ल्स दि गाल
मेकिंग आफ ए मिडसमर नाइट्स ड्रीम, दि: डेविड सेलबोर्न
मेघदूत: कालिदास
मेजर बारबार: जार्ज बर्नाड शा
मेन स्ट्रीट: सिनक्लेयर लेविस
मेयर आफ कैस्टरब्रिज: थामस हार्डी
मेरी तेरी उसकी बात: यशपाल
मैला आंचल: फणीश्वर नाथ रेणु
मैकबेथ: विलियम शेक्सपीयर
मैजिक माउन्टेन: थामस मान
मैन आफ डेस्टिनी: जार्ज बर्नाड शा
मैन ईटर्स आफ कुमायूं: जिम कार्बेट
मैन एण्ड सुपरमैन: जार्ज बर्नाड शा
मैनकाइण्ट एण्ड मदर एर्थ: आर्नल्ड टोयनबी
मैन हु किल्ड गांधी, दि: मनोहर मालगांवकर
मैनी वर्ल्ड्स: के.पी.एस मेनोन
मैरेज एण्ड मारल्स: बर्ट्रेंड रसेल
मोबी डिक: हरमन मेलविल
मौरिस: ई.एम. फोर्स्टर
ययाति: वी.एस. खाण्डेकर
यस्टर्डे एण्ड टुडे: के. पी. एस मेनोन
युटोपिया: थामस मूर
युलिसिस: जेम्स जोइस
रंगभूमि: प्रेमचन्द
राइट्स आफ मैन: थामस पेन
राइडिंग दि स्टार्म: हेरोल्ड मेकमिलन
राबिन्सन क्रुसो: डेनियल डेफो
रामायण: वाल्मीकि
रामचरित मानस: तुलसीदास
राम की शक्तिपूजा: सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'
रिटर्न आफ दि नेटिव: थामस हार्डी
रिफलैक्शंस आन दि फ्रेंच रेवोलुशन एडमण्ड बर्क
रिबर्थ: लियोनिद ब्रेझनेव
रुबाइयात: ई. उमर खैय्याम: एडवर्ड फिटज़ेराल्ड
रैगटाइम: ई. एल. डाक्टोरोव
रेज आफ एन्जिल्स: सिडनी शेल्डन
रेड एण्ड ब्लैक, दि: स्टेनटल
रेड स्टार ओवर चाइना: एडगर स्नो
रेन किंग, दि: साल वेलो
रेप आफ दि लाक: एलेक्ज़ेण्डर

रेप आफ बंगलादेश: एन्थनी मास्करेनवस
रेयेल, दि: अल्बेयर कामू
रोव, दि: लायड सी. डगलस
रोमियो एण्ड जूलिएट: विलियम शेक्सपियर
लव स्टोरी: एरिक सेगेल
लाइफ आफ डाक्टर जानसन: जेम्स वासवेल
लाइफ डिवाइन: श्री अरविन्द
लाज वर्सेज. जस्टिस: वी. आर. कृष्णा अय्यर
लास्ट आनर: जान डीन
लास्ट डेज़ आफ पाम्पी: एडवर्ड जार्ज लिटन
लास्ट थिंग्स: सीपी स्नो
लास्ट महाराजा, दि: ज्यां लुई नाओं और जैवाइस पाउचपडास
लिहाफ: इस्मत चुगताई
लीड काईडली लाइट: विन्सेट शीन
लीडर्स: रिचर्ड निक्सन
लीव्ज आफ ग्रास: वाल्ट ह्विटमेन
ले कांट्रैक्ट : जे. जे. रूसो
लेटर्स फ्राम दि फील्ड: मारग्रेट मीड
लेडी चैटरलीज़ लवर: डी. एच. लारेंस
लेवियाथन: थामस हाब्स
लेस मिज़रेयल: विक्टर ह्युगो
लोलिता: व्लादिमिर नायाकोव
वन डे इन दि लाइफ आफ इवान डैनिसोविच: एलेक्जैण्डर सोल्जेनित्सिन
वन वर्ल्ड: वेन्डेल विल्की
वन वर्ल्ड एण्ड इण्डिया: आर्नल्ड टायनवी
वन वर्ल्ड टु शेयर: सिदात रामफल
वन हन्डेर्ड इयर्स आफ सालीच्यूड: गैवरील गारशिया मारक्विस
वायस आफ कान्शंस: वी. वी. गिरि
वार एण्ड पीस: लियो टाल्स्टाय
विकार आफ वेकफील्ड: ओलिवर गोल्डस्मिथ
विथाउट फीयर आर फेवर: हैरिसन ई. सैलिसवरी
वेंडर आफ स्वीट्स दि: आर. के. नारायण
वे आफ आस फ्लेश: सैमुअल वटलर
वेक अप इण्डिया: एनी वेसेंट
वेटिंग फार गोडो: सेमुए वेकेट
वेल्थ आफ नेशन्स: एडम स्मिथ
वेस्ट लैण्ड: टी. एस. इलियट
वेस्टवर्ड हो: चार्ल्स किंग्सले
वैनिटी फेयर: विलियम थैकरे
वैली आफ डाल्स: जैक्विलिन सुसन
शेखर एक जीवनी: स. हि. वात्सायन अज्ञेय
शिप आफ फूल्स: कैथरीन एनी पोर्टर
शी स्टूप्स टु कांकर: ओलिवर गोल्डस्मिथ
शूज आफ दि फिशरमैन, दि: मोरिस एल. वेस्ट
शैप आफ थिंग्स टु कम: एच. जी. वेल्स
शैडो फ्राम लद्दाख: भवानी भट्टाचार्य
सनी डेज: सुनील गवास्कर
सन्स एण्ड लवर्स: डी.एच. लोरेन्स
सांग्स आफ इण्डिया, दि: सरोजिनी नायडू
साउण्ड एण्ड फ्युरी, दि: विलियम फाकनर
साकेत: मैथिलीशरण गुप्त
सिक्स करेक्टर्स इन सर्च आफ ऐन आथर: लुइगी पिरन्डेलो
सीज़र एण्ड क्लियोपेट्रा: जार्ज वर्नार्ड शा
सेन्टेनियल: जेम्स ए. मिचरनर
सेवेन समर्स: मुल्क राज आनन्द
सेवेन लैम्प्स आफ आर्किटेक्चर: जान रस्किन
सैंक्युअरी: विलियम फाकनर
सोर्ड एण्ड दि सिविल: मुल्क राज आनन्द
सोहराव एण्ड रुस्तम: मैथ्यु अरनोल्ड
स्कालेट लेटर: नथानियल हाथार्न
स्टोरी आफ माई एक्सपेरिमेण्टस विद टुथ: एम. के. गांधी
स्टोरी आफ ए रियल मैन: निकोलाएव पोलेवाई
स्टोरी आफ माई लाइफ: मोशो दयान
स्ट्रेंजर्स एण्ड व्रदर्स: सी. पी. स्नो
स्वामी एण्ड फ्रेंड्स: आर. के. नारायण
हंगरी स्टोन्स: रवीन्द्रनाथ टैगोर
हम्बोल्ट्स गिफ्ट, दी: साल वैलो
हाउस डिवाइडेड: पर्ल एस. वक
हिन्दूइज्म: नीरद सी. चौधरी
हिन्दू व्यू आफ लाइफ: डा. एस. राधाकृष्णन
हिमालयन ब्लण्डर: व्रिगेडियर जे. पी. डाल्वी
हीट एण्ड डस्ट: रथ प्रवर झाववाला
हीरेज एण्ड हीरो वर्शिप: थामस कार्लाइल
हेयर अपरेण्ट: डा. कर्णसिंह
हैमलेट: शेक्सपियर
ह्वाइट हाउस इयर्स: डा. हेनरी किसिंजर
ह्युमन फैक्टर: ग्राहम ग्रीन

वरिष्ठता क्रम

1. राष्ट्रपति
2. उपराष्ट्रपति
3. प्रधानमंत्री
4. विभिन्न राज्यों के राज्यपाल (अपने-अपने राज्यों में)
5. भूतपूर्व राष्ट्रपति
5(a) उप-प्रधानमंत्री
6. सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश, लोकसभा अध्यक्ष
7. संघ के कैविनेट मंत्री, विभिन्न राज्यों के मुख्य मंत्री (अपने-अपने राज्यों में योजना आयोग के उपाध्यक्ष), भूतपूर्व प्रधान-मंत्री, राज्यसभा और लोकसभा में विपक्ष के नेता।
7(a) भारत रत्न से सम्मानित विभूतियां।
8. विशेष राजदूत और दूत तथा भारत में राष्ट्रमंडल देशों के उच्चायुक्त
विभिन्न राज्यों के मुख्यमंत्री (अपने-अपने राज्यों से वाहर, अन्य राज्यों में)
विभिन्न राज्यों के राज्यपाल (अपने-अपने राज्यों से वाहर, अन्य राज्यों में)

प्रमुख दिवस

जनवरी 10 : विश्व हास्य दिवस
जनवरी 12 : राष्ट्रीय युवा दिवस
जनवरी 15 : सेना दिवस
जनवरी 30 :गणतंत्र दिवस, अंतर्राष्ट्रीय कस्टम दिवस
फरवरी 24 : सेंट्रल एक्साइज दिवस
फरवरी 28 : राष्ट्रीय विज्ञान दिवस
मार्च 8 : अतर्राष्ट्रीय महिला दिवस
मार्च 15 : विश्व विकलांग दिवस
मार्च 18 : आर्डनेंस फैक्ट्री डे (भारत)
मार्च 21 : विश्व वन्य दिवस
मार्च 21 : विश्व रंगभेद समाप्ति के लिये दिवस
मार्च 22 : विश्व जल दिवस
मार्च 24 : विश्व तपेदिक दिवस
अप्रेल 5 : नेशनल मैरिटाइम डे
अप्रेल 17 : वर्ल्ड हीमोफीलिया डे
अप्रेल 18 : वर्ल्ड हेरिटेज डे
अप्रेल 21 : सेक्रेट्रीज डे
अप्रेल 22 : पृथ्वी दिवस
मई 1 : श्रमिक दिवस
मई 3 : प्रेस स्वतंत्रता दिवस
मई (द्वितीय रविवार: मां दिवस
मई 8 : वर्ल्ड रेड क्रास डे
मई9 : वर्ल्ड तैलीशीमिया डे
मई 11 : राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस
मई 12 : इंटर्नेशनल नर्स डे
मई 15 : अतराष्ट्रीय परिवार दिवस
मई 17 : विश्व दूरसंचार दिवस
मई 24 : कामनवेल्थ डे
मई 31 : एंटी टोबेको डे
जून 4 : अबोध बच्चों का अंतर्राष्ट्रीय दिवस
जून 5 : विश्व पर्यावरण दिवस
जून 20 : पिता दिवस
जून 26 : इटर्नेशनल डे अगेंस्ट ड्रग एब्यूज एंड इल्सिट ट्रैफिकिंग
जुलाई 6 : वर्ल्ड जूनोसेस ड
जुलाई 11 : विश्व जनसंख्या दिवस
अगस्त 3 : अंतर्राष्ट्रीय मित्रता दिवस
जुलाई 6 : हिरोशिमा दिवस
अगस्त 9 : भारत छोड़ो दिवस, नागासाकी दिवस
अगस्त 15 : स्वतंत्रता दिवस
अगस्त 29 : राष्ट्रीय खेल दिवस
सितंबर 2 : नारियल दिवस
सितंबर 5 : शिक्षक दिवस, संस्कृत दिवस
सितंबर 8 : विश्व साक्षरता दिवस
सितंबर 16 : वर्ल्ड ओजोन डे
सितंबर 21 : अल्जीमर डे, इंजीनियर्स डे
सितंबर 22 : रोज डे, कैंसर मरीज कल्याण दिवस
सितंबर 26 : बधिर दिवस
सितंबर 27 : विश्व पर्यटन दिवस
अक्टूबर 1 : अंतराष्ट्रीय वृद्ध दिवस
अक्टूबर 2 : गांधी जयंती
अक्टूबर 3 : वर्ल्ड हैबिटेट डे
अक्टूबर 4 : विश्व जंतु कल्याण दिवस
अक्टूबर 9 : वर्ल्ड पोस्ट आफिस डे
अक्टूबर 10 : राष्ट्रीय डाक दिवस
अक्टूबर 13 : प्राकृतिक आपदाओं के लिये संयुक्त राष्ट्र दिवस
अक्टूबर 14 : वर्ल्ड स्टैंडर्ड डे
अक्टूबर 15 : दृष्टिहीनों का मार्ग दर्शन दिवस
अक्टूबर 16 : विश्व खाद्य दिवस
अक्टूबर 24 : संयुक्त राष्ट्र दिवस, विश्व विकास सूचना दिवस
अक्टूबर 30 : विश्व मितव्ययता दिवस
नवंबर 9 : लीगल सर्विस डे
नवंबर 14 : बाल दिवस
नवंबर 29 : इंटर्नेशनल डे आफ सालिडेरिटी विध पैलेस्टियन पीपुल
दिसंबर 1 : विश्व एड्स दिवस
दिसंबर 4 : जलसेना दिवस
दिसंबर 10 : मानव अधिकार दिवस
दिसंबर 18 : अल्पसंख्यक अधिकार दिवस (भारत)
दिसंबर 23 : किसान दिवस

समाधियां

महात्मा गांधी .... राजघाट
लाल बहादुर शास्त्री .... विजयघाट
जवाहरलाल नेहरू .... शांतिवन
बी.आर अम्बेदकर .... चैत्राभूमि
इंदिरा गांधी .... शक्तिस्थल
चरण सिंह .... किसान घ[illegible]
जैल सिंह .... [illegible]
राजीव गांधी .... [illegible]
मोरारजी देसाई .... [illegible]
गुलजारी लाल नंदा .... [illegible]
जगजीवन राम .... [illegible]

संक्षिप्त नाम

सभी विकसित भाषाओं में संक्षिप्त नाम प्रयोग सम्मत हैं। इनके प्रयोग से बोलने में समय और लिखने में स्थान की बचत होती है। इसी कारण संक्षिप्त नाम लोकप्रिय हो गए हैं

A.A: अल्कोहलिक ओनोनिमस
A.A.F.I: दी एमेच्योर एथलेटिक्स फेडरेशन
AAPSO: एफ्रो–एशियन पीपुल्स सोलिडैरिटी आर्गनाइजेशन
ABC: एटामिक बाईलाजिकल एण्ड केमिकल (युद्ध), आडिट ब्युरो आफ सर्क्युलेशन
ABM: एण्टी–बालिस्टिक मिसाइल
AC: एण्टी क्रिस्टम (ई.पू.), आल्टर्नेट करेन्ट (बिजली), अशोक चक्र, एयर कंडीशनर
A.C.L.: एक्सेस कंट्रोल लिस्ट
A/C: एकाउण्ट
ACC: आग्जीलरी कैडेट कोर
AD: एन्नो डोमिनी (ई.सन)
A.D.A.M.: एनिमेटेड डिसेक्शन आफ एनाटोमी फार मेडिसिन
A.D.B.: एशियन डेवलपमेंट बैंक
[illegible]: एडवांस्ड डेटा ब्राडकास्टिंग सिस्टम
[illegible]: एडी–डी. कैम्प (सहायक)
AEC: एटामिक एनर्जी कमीशन
A.F.P.: एजेंस फ्रांस–प्रेस्से
AG: एकाउन्टेंट जनरल
A.G.P.: एक्सीलिरेटेड ग्राफिक्स पोर्ट
AH: एन्नो हिजरी (मोहम्मद साहब का मक्का से मदीना पलायन, 622 ई.)
AHQ: एयर हेडक्वार्टर्स या आर्मी हेडक्वार्टर्स
AICC: आल इण्डिया कांग्रेस कमेटी
AI: एयर इण्डिया
AICTE: आल इंडिया काउंसिल आफ टेक्निकल एजुकेशन
AIDS: एक्वायर्ड इम्यून डेफिसियेन्सी सिंड्रोम
AIMA: आल इण्डिया मैन्युफैक्चरर्स (मैनजमेंट) एसोसियेशन
AIMO: आल इण्डिया मैन्युफैक्चरर्स आर्गनाइजेशन
AINEC: आल इण्डिया न्यूजपेपर एडिटर्स कार्फ्रेंस
AIMS: आल इण्डिया इंस्टीट्यूट आफ मेडिकल साइंसेज़
AIR: आल इण्डिया रेडियो (आकाशवाणी)
AM: एण्डी मेरिडियम (मध्याह्न पूर्व)
AITUC: आल इण्डिया ट्रेड यूनियन कांग्रेस
ANZUS: आस्ट्रेलिया, न्यजीलैंड, यू.एस. (पैसिफिक पैक्ट नेशंस)
ANZAC: आस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड आर्मी कोर
AOC: एयर आफिसर कमांडिंग
APC: एग्रीकल्चरल प्राइज़ेस कमीशन
APEC: एशिया पेसिफिक इकानोमिक कार्पोरेशन
ARC: एडमिनिस्ट्रेटिव रिफार्म्स कमीशन
ARDC: एग्रिकल्चरल रिफाइनेंस एण्ड डेवलपमेंट कार्पोरेशन
ASAT: एण्डी–सेटेलाइट
ASC: आर्मी सर्विस कोर
ASLV: आगमेंटेड सैटेलाइट लांच वेहिकल
ASI: आर्क्योलाजिकल सर्वे आफ इण्डिया
ASEAN: एसोसिएशन आफ साउथ ईस्ट एशियन नेशन्स
ASSOCHAM: एसोशियेटेड चैम्बर्स आफ कामर्स एण्ड इंडस्ट्री
AVARD: एसोसएशन आफ वालंटरी एजेन्सीज़ फार रूरल डेवलपमेंट
AVSM: अति विशिष्ट सेवा मेडल
AWACS: एयर बोर्न वार्निंग एण्ड कंट्रोल सिस्टम
BA: बकालोरियस आर्टियम, बेचलर आफ आर्टस्, ब्रिटिश अकादमी
BARC: भाभा एटामिक रिसर्च सेंटर
BBC: ब्रिटिश ब्राडकास्टिंग कार्पोरेशन
BC: ई.पू. (बिफोर क्राइस्ट)
BCG: बेसिलस कालमेटी गुइरिन
BE: बेचलर आफ इंजिनियरिंग
BEL: भारत इलेक्ट्रानिक्स लिमिटेड
BHP: ब्रेक हार्स पावर
BENELUX: बेल्जियम, नीदरलैंड्स और लक्ज़मबर्ग
BHEL: भारत हैवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड
BIFR: बोर्ड फार इंडस्ट्रियल एंड फायनेंशियल रीकंस्ट्रक्शन
cf: कान्फर (कंपेयर)/रेफर
BIS: बैंक आफ इण्टरनेशनल सेटलमेंट, ब्रिटिश इन्फार्मेशन सर्विस
BO: बाडी आडर
BP: ब्लड प्रेशर, बिफोर प्रेज़न्ट
BPE: ब्यूरो आफ पब्लिक एण्टरप्राइज़ेज
B.Pharm: बेचलर आफ फार्मेसी
BSE: बाम्बे स्टाक एक्सचेंज
BSF: बार्डर सेक्युरिटी फोर्स
B.Th U: ब्रिटिश थर्मल यूनिट
C°: सेंटीग्रेड
C&R.: कंट्रोल एंड रिपोर्टिंग
C&W.: केबल एंड वायरलेस
CA: चार्टर्ड एकाउन्टेंट
CADA: कमाण्ड एरिया डेवलपमेंट एजेन्सी
Cantab: कैन्टब्रिजियन (कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी का)
CARE: को–आपरेटिव फार अमेरिकन रिलीफ एव्रीव्हेयर
CASA: आक्ज़ीलरी फार सोशल ऐक्शन (भारत का)
CASTASIA: कांफ्रेंस आन दि अप्लीकेशन आफ साइंस एण्ड टेक्नोलाजी टु दि डेवलपमेंट आफ एशिया
CBI: सेन्ट्रल ब्युरो आफ इन्वेस्टीगेशन (भारत)
CCI: क्रिकेट क्लब आफ इण्डिया
CDP: कम्युनिटी डेवलपमेंट प्रोग्राम (सामुदायिक विकास कार्यक्रम)
CGS: चीफ आफ दि जनरल स्टाफ
CIA: क्रिमिनल इन्वेस्टीगेशन एजेन्सी, सेन्ट्रल इन्टेलीजेन्स एजेन्सी (अमरीका)
C-In-c: कमाण्डर–इन–चीफ
CID: क्रिमिनल इन्वेस्टीगेशन डिपार्टमेंट
cif: कास्ट इंश्योरेंस एंड फ्राइट
CIL: कोल इण्डिया लिमिटेड

CIR: कनाडा इण्डिया रिएक्टर
CITU: सेंटर आफ इण्डियन ट्रेड यूनियन्स
CJ: चीफ जस्टिस
CLRC: सेंट्रल लैण्ड रिफार्म कमेटी
CMO: चीफ मेडिकल आफिसर
CO: कमाडिंग आफिसर
Costford: सेंटर आफ साइंस एंड टेक्नालोजी फार रूरल डेवलपमेंट
CIWTC: सेन्ट्रल इनलैंड वाटर ट्रांसपोर्ट कार्पोरेशन
Co: कम्पनी
COPRA: कंज्यूमर प्रोटेक्शन एक्ट
COFEPOSA: कन्ज़र्वेशन आफ फारेन एक्सचेंज एण्ड प्रिवेशन्स आफ स्मगलिंग ऐक्ट
COD: कैश आन डिलीवरी
Cp: कंपेयर
CORE: कांग्रेस आफ रेशल इक्वेलिटी
CPI/CPM: कम्युनिस्ट पार्टी आफ इण्डिया–मार्क्सवादी
CRR: कैश रिजर्व रेशियो
CRP: सेन्ट्रल रिज़र्व पुलिस
CSIR: काउन्सिल आफ साइन्टिफिक एण्ड इण्डस्ट्रियल रिसर्च (भारत)
CSO: सेन्ट्रल रिज़र्व पुलिस
cv: करिकुलम विटाई
CVC: चीफ विजिलेंस कमिशनर
Cwt: हंड्रेड वेट
DA: डीयरनेस एलाउन्स
DC: डिप्टी कमिश्नर/डाइरेक्ट करेन्ट (बिजली), डिस्ट्रिक्ट आफ कोलम्बिया
D&C: डाइलेशन एण्ड क्युरेटेज
DDT: डाइक्लोरो डाईफेनिल–ट्राइक्लोरो– एथीन
DGTD: डाइरेक्ट जनरल आफ टेक्निकल डेवलपमेंट (भारत)
DG: ग्रेशिया (भगवान की कृपा से)
DLO: लेटर आफिस (नया नाम आर एल ओ – रिटर्न्ड लेटर्स आफिस)
DIG: डिप्टी इन्स्पेक्टर जनरल
D.Litt: डाक्टर आफ लिट्रेचर
DM: डिस्ट्रिक्ट मैजिस्ट्रेट
DMK: द्रविड मुनेत्र कड़गम
DNA: डिऑक्सी–राईबोस न्यूक्लिक एसिड
DPI: डाइरेक्टर आफ पब्लिक इंस्ट्रक्शन
DPSA: डीप पेनीट्रेशन स्ट्राइक एयरक्रैफ्ट
DRDA: डिस्ट्रिक्ट रूरल डेवलपमेंट एजेंसी
D.sc: डाक्टर आफ साइंस
DVC: दामोदर वैली कार्पोरेशन
DUSU: दिल्ली यूनिवर्सिटी स्टुडेन्ट्स यूनियन
EBRD: यूरोपियन बैंक फार रिकंस्ट्रक्शन एंड डेवलपमेंट
ECA: इकोनामिक कोआपरेशन एडमिनिस्ट्रेशन
ECE/A/ALA: इकोनामिक कमीशन फार यूरोप/अफ्रीका/लैटिन अमरीका
ECG: इलेक्ट्रो–कार्डियोग्राम
ECM: यूरोपियन कामन मार्केट
ECOSOC: इकोनोमिक एण्ड सोशल काउन्सिल
EEC: यूरोपियन इकोनामिक कम्युनिटि
EEG: इलेक्ट्रो–इनसेफालोग्राम
E-in-C: इंजिनियर–इन–चीफ
EMG: इलेक्ट्रो मायोग्राम
EMF: इलेक्ट्रो मोटिव फोर्स
EMS: यूरोपियन मानिटरी सिस्टम
E&OE: एरर्स एण्ड आमिशन्स एक्सपेक्टेड
EPNS: इलेक्ट्रोप्लेटेड निकेल सिल्वर
ERDA: इनर्जी रिसर्च एण्ड डेवलपमेंट एडमिनिस्ट्रेशन
ERM: युरोपियन एक्सचेंज रेट मेकेनिज्म
ERP: यूरोपियन रिकवरी प्रोग्राम
ESCAP: इकोनामिक एण्ड सोशल कमीशन फार एशिया एण्ड पैसिफिक
ESI: इम्प्लाइज़ स्टेट इन्स्योरेंस
ESP: एक्स्ट्रा सेन्सरी परसेप्शन
FACT: फर्टिलाइज़र्स एण्ड केमिकल्स ट्रावनकोर लिमिटेड
FAO: फूड एण्ड एग्रीकल्चर आर्गनाइजेशन
FBI: फेडरल ब्युरो आफ इन्वेस्टीगेशन
FCI: फूड कार्पोरेशन आफ इण्डिया, फर्टिलाइजर कार्पोरेशन आफ इण्डिया
FERA: फारेन एक्सचेंज रेगुलेशन ऐक्ट (भारत)
FICCI: फेडरेशन आफ इण्डियन चैम्बर्स आफ कामर्स एण्ड इण्डस्ट्री
FLS: फेलो आफ लिनाइन सोसायटी
FM: फील्ड मार्शल
for: फ्री आन रेल
FRG: फेडरल रिपब्लिक आफ जर्मनी
FRCP: फेलो आफ रायल कालेज आफ फिजीशियन्स
FRCS: फेलो आफ रायल कालेज आफ सर्जन्स
FRS: फेलो आफ रायल सोसायटी
GATT: जनरल एग्रीमेंट आन टैरिफ्स एण्ड ट्रेड
GHQ: जनरल हेड क्वार्टर्स
GI: गवर्नमेंट इश्यू
GIST: ग्राफिक एंड इटेलिजेंस वेस्ट स्क्रिप्ट टेक्नालोजी
GMT: ग्रीनविच मीन टाइम
GNP: ग्रास नेशनल प्रोटक्ट
GOC: जनरल आफिसर कमाडिंग
GPO: जनरल पोस्ट आफिस
GRT: ग्रोस रेटेड टनेज
HAL: हिन्दुस्तान एयरोनाटिक्स लिमिटेड
HEC: हैवी इंजीनियरिंग कम्पनी
HEL: हैवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड
HMI: हिमालयन माउंटेनियरिंग इंस्टीट्यूट
HMT: हिन्दुस्तान मशीन टूल्स
HQ: हेड क्वार्टर्स
HSD: हाई स्पीड डीज़ल
HSL: हिन्दुस्तान स्टील लिमिटेड
HWM: हाई वाटर मार्क
HUDCO: हाउसिंग एण्ड अर्बन डेवलपमेंट कार्पोरेशन
IAMC: इण्डियन आर्मी मेडिकल कोर
IAA: इंटरनेशनल एयरपोर्ट्स अथारिटी
IA: इंडियन एयरलाइन्स
IAF: इंडियन एयर फोर्स
IAEF: इंटरनेशनल एटामिक एनर्जी एजेन्सी
IARI: इंडियन एग्रीकल्चरल रिसर्च इंस्टीट्यूट (दिल्ली)
IAS: इंडियन एडमिनिस्ट्रेटिव सर्विस
IAAS: इंडियन आडिट एण्ड एकाउन्ट्स सर्विस
IATA: इंटरनेशनल एयर ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन
IBM: इंटरनेशनल बिजनेस मशीन्स
Ibid: इबिडेम (वही)
IBRD: इंटरनेशनल बैंक आफ रिकंस्ट्रक्शन एण्ड डेवलपमेंट
ICAO: इंटरनेशनल सिविल एवियेशन

ICAR: इंडियन काउन्सिल आफ एग्रीकल्चरल रिसर्च
ICBM: इंटर कांटिनेंटल बालिस्टिक मिसाइल
ICCR: इंडियन काउन्सिल आफ कल्चरल रिलेशन्स
ICICI: इंडस्ट्रियल क्रेडिट इन्वेस्टमेंट कार्पोरेशन आफ इंडिया लिमिटेड
ICI: इंटरनेशनल कोर्ट आफ जस्टिस
ICMR: इंडियन कौंसिल आफ मेडिकल रिसर्च
ICWA: इंडियन काउन्सिल आफ वर्ल्ड अफेयर्स
IDA: इंटरनेशनल डेवलपमेंट एजेन्सी
IDBI: इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट बैंक आफ इंडिया
IDPL: इंडियन ड्रग्स एण्ड फार्मास्यूटिकल्स लिमिटेड
INS: इंडियन न्यूज़पेपर सोसायटी
IFAD: इंटरनेशनल फण्ड फार एग्रीकल्चरल डेवलपमेंट
IFC: इंडस्ट्रियल फाइनेंस कार्पोरेशन, इंटरनेशनल फाइनेंस कार्पोरेशन
IFS: इंडियन फारेन सर्विस, इंडियन फोरस्ट सर्विस
IGY: इंटरनेशनल जियोफिज़िकल ईयर
IIPA: इंडियन इंस्टीट्यूट आफ पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन
इंडियन आयरन एण्ड स्टील ...म्पनी
. इंडियन इंस्टीट्यूट आफ टेक्नोलोजी
. इंटरनेशनल लेबर आर्गनाइजेशन
IMCO: इंटर–गवर्नमेंट मेरीटाइम्स कन्सल्टेशन्स आर्गनाइज़ेशन
IMF: इंटरनेशनल मानिटरी फण्ड
IMS: इंडियन मेडिकल सर्विस
IN: इंडियन नेवी
INA: इंडियन नेशनल आर्मी
INS: इंडियन नेवल शिप
INSDC: इंडियन नेशनल सांइटिफिक डाक्युमेंटेशन सेंटर
INTUC: इंडियन नेशनल ट्रेड यूनियन कांग्रेस
INDIPEX: इंडियन इंटरनेशनल फिलोटेलिक एक्सिबिशन
INSAT: इंडियन नेशनल सेटेलाइट
INTELSAT: इंटरनेशनल टेली–कम्युनिकेशन सेटेलाइट
INTERPOL: इंटरनेशनल पुलिस
IOC: इंडियन आयल कार्पोरेशन
IPC: इंडियन पेनल कोड
IPCL: इंडियन पेट्रो–केमिकल्स कार्पोरेशन लिमिटेड
IPS: इंडियन पुलिस सर्विस, इंटर प्रेस सर्विस
IQ: इन्टेलीजेन्स कोशेंट
IRA: आयरिश रिपब्लिकन आर्मी
IRC: इंटरनेशनल रेड क्रास
IRBM: इंटरमीडिएट रेन्ज बालिस्टिक मिसाइल
IRRI: इंटरनेशनल राइस रिसर्च इंस्टीट्यूट
IRO: इंटरनेशनल रेफ्युजी आर्ग–नाइजेशन
IRS: इंडियन रेवेन्यु सर्विस
IRTS: इंडियन रेलवे ट्रैफिक सर्विस
ISRO: इंडियन स्पेस रिसर्च आर्ग–नाइजेशन
ISI: इंडियन स्टैण्डर्ड्स इंस्टीट्युशन
IST: इंडियन स्टैण्डर्ड टाइम
ISSP: इंडियन साइंटिफिक सेटेलाइट प्रोजेक्ट
ITBF: इंडो–तिब्बतन बार्डर फोर्स
ITI: इंडियन टेलीफोन इंडस्ट्रीज़, इंडस्ट्रियल ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट
ITO: इंटरनेशनल ट्रेड आर्गनाइज़ेशन; इन्कम टैक्स आफिसर
ITU: इंटरनेशनल टेलीकम्युनिकेशन यूनियन
IUCD: इंट्रा–यूरेटिन कंट्रासेप्टिव डिवाइस
IUCN: इंटरनेशनल यूनियन फार कन्ज़र्वेशन आफ नेचर एण्ड नेचुरल रिसोर्सेज़
JAL: जापान एयरलाइन्स
JCO: जूनियर कमीशण्ड आफिसर
JP: जस्टिस आफ दि पीस
KG: नाइट आफ दि गार्टर; किंडर गार्डेन
KGB: कोमिटेट गोसुदरस्तखे नोनी बिज़ूपस्त्रनोस्ती
KMT: कोमिनतांग (चीन की नेशनल आर्मी)
LASER: लाइट एम्प्लीफिकेशन बाई स्टीमुलेटेड एमिशन आफ रेडियेशन
LIC: लाइफ इंश्योरेंस कार्पोरेशन
LLB: बेचलर आफ लाज़
LLD: डाक्टर आफ लाज़
LLM: मास्टर आफ लाज़
LPG: लिक्वीफाइड पेट्रोलियम गैस
LSD: लिसर्जिक एसिड डी–एथिलाइ-माइड
M.A.: मैजिस्टर आर्टियम, मास्टर आफ आर्ट्स
MASER: माइक्रोवेव एम्प्लीफिकेश- बाई स्टीमुलेटेड एमिशन आफ रेडियेशन
MBA: मास्टर आफ बिज़ने- एडमिनिस्ट्रेशन
MBBS: बेचलर आफ मेडिसन एण- बेचलर आफ सर्जरी
MBE: मेम्बर आफ दि ब्रिटिश एम्पाय-
MC: मिलिट्री क्रास, मेम्बर आफ काउन्सिल, म्युनिसिपल कमेटी म्युनिसिपल कमिश्नर, मेडिकल सर्टीफिकेट
MCC: मेलबोर्न क्रिकेट क्लब
M.D: डाक्टर आफ मेडिसिन
MI: मिलिट्री इन्टेलीजेन्स
MISA: मेन्टेनेंस आफ इंटरन- सेक्योरिटी ऐक्ट
MIRV: मल्टीपल इंडिपें डेट- टारगेटेबल–रि–एंट्री व्हीकल
MIT: मैसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट आफ टेक्नोलाजी, अमरीका
MKS: मीटर किलोग्राम सेकण्ड सिस्ट-
MLA: मेम्बर आफ लेजिस्लेटि- एसेम्बली
MLC: मेम्बर आफ लेजिस्लेटिव कैंसि-
MLF: मल्टी लेटरल फोर्स
MMTC: मिनरल्स एण्ड मेटल्स ट्रेडिं- कार्पोरेशन
MNC: मल्टी नेशनल कार्पोरेशन
MP: मेम्बर आफ पार्लियामेंट, मध्य प्रदेश
MPLA: पीपुल्स मूवमेन्ट फार लिबरेश- आफ अंगोला
mph: माइल पर आवर (मील प्रति घंटा)
MRA: मोरल रि–आर्मामेंट
MRCP: मेम्बर आफ रायल कालेज आफ फिजीशियन्स
MRCS: मेम्बर आफ रायल कालेज आफ सर्जन्स
MRTPC: मोनोपली एण्ड रेस्ट्रिक्टि- ट्रेड प्रैक्टिसेज़ कमीशन
M.Sc: मास्टर आफ साइंस
MS/MSS: मैनुस्क्रिप्ट/मैनुस्क्रिप्ट्स
NABARD: नेशनल बैंक फार एग्रीकल्च- एण्ड रूरल डेवलपमेंट

SVP: सेचुरेटेड वेपर प्रेशर
TA: टेरीटोरियल आर्मी, ट्रेवलिंग एलाउन्स
TB: ट्युबरक्लोसिस
TC: ट्रस्टीशिप काउंसिल (संयुक्त राष्ट्र संघ)
TDA: ट्रेड डेवलपमेंट अथारिटी
TELCO: टाटा इंजीनियरिंग एण्ड लोकोमोटिव कम्पनी
TISCO: टाटा आइरन एण्ड स्टील कम्पनी
TMO: टेलीग्राफ मनीआर्डर
TNT: ट्राई नाइट्रो टालुइन
TERLS: थुम्बा इक्वेटोरियल राकेट लांचिंग स्टेशन
TRACT: ट्रांस्पोर्टेबल रिमोट एरिया कम्युनिकेशन्स टर्मिनल
TTE: ट्रेवलिंग टिकट इक्जामिनर
TVA: टेनैसी वैली आथारिटी
TULF: तमिल यूनाइटेड लिबरेशन फ्रंट
TWA: ट्रांस-वर्ल्ड एयरलाइन्स
UGC: युनिवर्सटी ग्रांट कमीशन
UK: यूनाइटेड किंगडम
UNAEC: यूनाइटेड नेशन्स एटामिक एनर्जी कमीशन
UNCIP: यूनाइटेड नेशन्स कमीशन फार इंडिया एण्ड पाकिस्तान
UNCSTD: यूनाइटेड नेशन्स कांफ्रेंस आन साइंस एण्ड टेक्नोलाजी फार डेवलपमेंट
UNEP: यूनाइटेड नेशन्स एनवायरेनमेंट प्रोग्राम
UNCTAD: यूनाइटेड नेशन्स कांफ्रेंस आन ट्रेड एण्ड डेवलपमेंट
UNESCO: यूनाइटेड नेशन्स एजुकेशनल साइंटिफिक एण्ड कल्चरल आर्गनाइज़ेशन
UNI: यूनाइटेड न्यूज आफ इंडिया एजेन्सी
UNICEF: यूनाइटेड नेशन्स इंटरनेशनल चिल्ड्रन्स एमरजेन्सी फण्ड
UNIDO: यूनाइटेड नेशन्स इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट आर्गनाइजेशन
UNRRA: यूनाइटेड नेशन्स रिलीफ एण्ड रिहैबिलिटेशन एडमिनिस्ट्रेशन
UP: उत्तर प्रदेश
UPSC: यूनियन पब्लिक सर्विस कमीशन
USA: यूनाइटेड स्टेट्स आफ अमेरिका
USAID: यूनाइटेड स्टेट्स एजेन्सी फार इंटरनेशनल डेवलपमेंट
USI: यूनाइटेड स्टेट्स आफ इंडोनेशिया
VAT: वैल्यु एडेड टैक्स
VIP: वेरी इम्पार्टेण्ट पर्सन
VPP: वैल्यु पेयेबल पोस्ट
VVF: विलेज वालण्टियर फोर्स (भारत में जनवरी 1963 में गठित)
WAY: वर्ल्ड एसेम्बली आफ यूथ
WFTU: वर्ल्ड फेडरेशन आफ ट्रेड यूनियन्स
WHO: वर्ल्ड हेल्थ आर्गनाइजेशन
WMO: वर्ल्ड मेटियोरोलाजिकल आर्गनाइजेशन
WWF: वर्ल्ड वाइल्डलाइफ फण्ड
YMCA: यंग मेन्स क्रिश्चियन एसोसिएशन
YWCA: यंग विमेन्स क्रिश्चियन एसोसिएशन
ZETA: जीरो एनर्जी थर्मो न्युक्लियर एसेम्बली आर आपरेट्स
ZIP: जोनल इंप्रूवमेंट प्लान

शहरों व देशों के नये एवं पुराने नाम

नया नाम	पुराना नाम
	बाथर्स्ट
बीजिंग	पीकिंग
बेलिज	ब्रिटिश हंडुरास
बेनिन	डाहोमे
बोत्सवाना	बेकुआनालैंड
बुर्किना फासो	अपर वोल्टा
कंबोडिया	कंपूचिया; खमेर
चेन्नई	मद्रास
जिबूटी	फ्रेंच सोमालीलैंड
इथियोपिया	अबीसीनिया
घाना	गोल्ड कोस्ट
गुयाना	ब्रिटिश गिनिया
हनोई	केचो
हरारे	सालिसबरी
हो चिन्ह मिन्ह सिटी	साइगोन
ईरान	पर्शिया
इस्तानबुल	कांस्टेनटिनोपल; बाइजेंटियम
जकार्ता	बटाविया
किनशासा	लियोपोल्डविले
जॉर्डन	दी हशमिट किंगडम
लाओस	लांग जांग (दी लैंड आफ मिलियन एलीफेंट)
लेसोथो	बासुटोलैंड
मलावी	न्यासालैंड
मुंबई	बंबई
म्यानमार	बर्मा
नामीबिया	साउथ वेस्ट अफ्रीका
नौरू	प्लीजेंट आइसलैंड
ओस्लो	क्रिस्टियाना
श्री लंका	सीलोन
स्टालिनगार्ड	वोल्गोग्राड
सेंट पीटर्सबर्ग	लेनिनग्राड
सूरीनाम	डच गयाना
ताइवान	फोर्मोसा
तस्मानिया	वान डीमैन्सलैंड
थाईलैंड	सियाम
टोगो	टोगोलैंड
टुवालू	दी एलिस आइसलैंड
वनातू	दी न्यू हैब्रिडेस
यंगोन	रंगून
ज़ायर	कांगो
जाम्बिया	नार्दर्न रोडेशिया
जिम्बाबवे	सदर्न रोडेशिया

उपनाम

उपनाम	वास्तविक नाम
बंगाल का शोक	दामोदर नदी, पश्चिम बंगाल, भारत
नीले पहाड़	नीलगिरी पहाड़ियां, तमिलनाडु, केरल, भारत
स्वर्णिम द्वार का शहर	सैन फ्रांसिस्को, अमरीका
स्वर्ण मन्दिर का शहर	अमृतसर, पंजाब, भारत
स्वप्निल मीनारों वाला शहर	आक्सफोर्ड, इंग्लैंड
शानदार दूरियों वाला शहर	वाशिंगटन, अमरीका
सात पहाड़ियों का शहर या स्वर्ग शहर	रोम, इटली
महलों वाला शहर	कलकत्ता, भारत
यूरोप का अखाड़ा	बेल्जियम
अन्ध महाद्वीप	अफ्रीका
साम्राज्य शहर/ गगनचुम्बी अट्टालिकाओं का शहर	न्यूयार्क, अमरीका
इंग्लैंड का बगीचा	केन्ट, इंग्लैंड
आंसुओं का द्वार	बाब–अल–मंदब
भारत का प्रवेशद्वार	बम्बई
नील का उपहार	मिस्र
ग्रेनाइट शहर	एबरडीन, स्काटलैंड
महान श्वेत मार्ग	ब्राडवे, न्यूयार्क
हेरिंग पौण्ड	अटलांटिक महासागर
पवित्र भूमि (देश)	फिलिस्तीन
मोतियों का द्वीप	बहरीन
भूमध्यसागर का द्वार	जिब्राल्टर
केक का देश	स्काटलैंड
कंगारू का देश	आस्ट्रेलिया
स्वर्णिम पगोडा का देश	म्यानमार (बर्मा)
लिली का देश/मैपल का देश	कनाडा
प्रभात की शान्तिवाला देश	कोरिया
मध्यरात्रि के सूर्यवाला देश	नार्वे
सूर्योदय का देश	जापान
हजारों झीलो वाला देश	फिनलैंड
सफेद हाथियों वाला देश	थाईलैंड
नेवर नेवर देश	उत्तरी आस्ट्रेलिया का प्रेयरीज़ प्रदेश
एण्टिलीज का मोती	क्यूबा
यूरोप का खेल का मैदान	स्विट्ज़रलैण्ड
क्वेकर शहर	फिलाडेल्फिया
एड्रियाट्रिक की रानी	वेनिस, इटली
अरब सागर की रानी/पूर्व का वेनिस	कोचीन, भारत
संसार की छत	पामीर पहाड़
गुलाबी शहर	जयपुर, भारत
गंदी बस्तियों की साध्वी	मदर टेरेसा
यूरोप का रोगी	टर्की
चीन का शोक	ह्वांग हो नदी
भारत का मसालों का बगीचा	केरल
श्वेत शहर	बेलग्रेड, यूगोस्लाविया
गोरों की कब्र	गिनी कोस्ट
हवा वाला शहर	शिकागो, अमरीका
संसार की रोटी–भंडार	उत्तरी अमरीका का प्रेयरीज़
लौंग का द्वीप	जंजीबार
लेडी विथ दी लैंप	फ्लोरेंस नाइटेंगिल
वज्रपात की भूमि	भूटान
मैसूर का शेर	टीपू सुल्तान
हर्क्यूलिस आफ पिलर्स	जिब्राल्टर
पूर्व की वेनिस	आलाप्पुषा, केरल, भारत
उत्तर की वेनिस	स्टाकहोम, स्वीडन
संसार का निर्जनतम द्वीप	त्रिस्तान डा कुन्हा

देशों के प्रतीक

देश	प्रतीक
भारत	रोयल बंगाल टाइगर
कनाडा	मैपल लीफ
स.रा. अमरीका	बाल्ड ईगल
कोलंबिया	आर्किड
स्पेन	रेड कार्नेशन
रूस	भूरा भालू
जापान	चेरी ब्लासम
डेनमार्क	बीच ट्री
दक्षिण अफ्रीका	ब्ल्यू क्रेन
ग्रीस (यूनान)	ओलिव बांच
चीन	ड्रैगन
अर्जेंटीना	सीयो (फूल)
बल्गारिया	शेर
इंग्लैंड	गुलाब
वेल्स	लीक, ड्रैगल
स्काटलैंड	थिसिल
टर्की	ट्यूलिप
आस्ट्रेलिया	गोल[illegible] फ्लावर

वर्ष के कीर्तिमान

विश्व

पैदल विश्व भ्रमण: यू.के के राबर्ट गारसाइड ने विश्व भर में चह महीने तक पैदल चल कर 50,000 किलोमीटर से अधिक की यात्रा की।

मानवीय पनडुब्बी: ब्रिटेन की टान्या स्ट्रीटर ने एक जल खेल में तीन मिनट 32 सेकेंड तक अपनी सांस रोक कर कैरीबियन सी में 122 मीटर की डुबकी लगाई।

सबसे अधिक आयु का सउदी दूल्हा: तामियात गांव के 92 वर्षीय सउदी अरब के एक व्यक्ति ने 52 वर्षीय महिला से विवाह करके विश्व के सर्वाधिक आयु के दूल्हे बनने का कीर्तिमान बनाया।

विश्व की सबसे बड़ी लालटेन: चीन की एक लालटेनजो 35 मीटर चौड़ी है और 15 मीटर लंबी हैल का प्रदर्शन हांगकांग में 3 सितंबर को किया गया।

घोंघा मछली खाने वाला: नार्वे के रुने नाइरी ने 3 सितंबर को तीन मिनट में 187 घोंघा मछली खा कर पिछले 97 खाने के आधिकारिक कीर्तिमान को तोड़ दिया।

विश्व का सबसे प्रशिक्षु युवा डाक्टर: शाओ यानो 12 वर्ष की आयु में विश्व का सबसे कम आयु का प्रशिक्षु डाक्टर है। शिकागो विश्वविद्यालय के इस छात्र का आइ.क्यू. 200 है।

रिकार्ड डिविडेंट: अप्रेल 2003 में हीरो हुंडा ने 900% का डिविडेंट का भुगतान कर कीर्तिमान बनाया।

कैमरा मैन: मुंबई के दिलिश पारीख के पास 2,634 एंटिक कैमरे हैं।

विश्व की सबसे बड़ी जैव मसाले की इकाई: केरल के इडुक्की में स्तापित पीरमेड डेवलंपमेंट सोसायटी विश्व की सबसे बड़ी जैविक मसालों की निर्यातक है।इसकी छमता प्रति वर्ष 1,000 टन मसालों की प्रोसेसिंग करने की है।

एशिया का सबसे बड़ा बच्चों का संगठन: मलयाला मनोरमा द्वारा प्रायोजित आल केरल बालजनसंख्यम एशिया में बच्चों की सबसे बड़ा संगठन है।इसके सदस्यों की संख्या 565,400 है और सिकी स्थापना 1929 में की गई थी।

सबसे छोटा पता: दिलचस्प, चुरू–331001

पीछे चलना: तमिलनाडु के 35 वर्षीय डी. मुनियाअप्पन, उपनाम राजू।28–1–2002 से 27–6–2003 तक पीचे चल कर 13,105 किलोमीटर की दूरी तय की। उन्होंने इस प्रकार 20 राज्यों का भ्रमण किया।

युवा स्नात्कोत्तर: बिहार के तथागर अवतार तुलसी जिनका जन्म 1987 में हुआ था ने एम.एससी की परीक्षा 12 वर्ष 2 महीने की आयु में उत्तीर्ण की।

भारत का सबसे युवा प्रवक्ता: प्रो. (डा.) वी.जे. सेबेस्टिन नारिवेली जिनका जन्म 1948 में हुआ और 1967 में प्रवक्ता बन गये। उन्होंने स्नात्कोत्तर की परीक्षा 18 वष4 की आयु में उत्तीर्ण् की थी ।

125 वर्षीय व्यक्ति: जयपुर के रहीम खान जिन्हे हबीब मियां के नाम से भी जाना जाता है, 125 वर्ष के हो गये हैं।जयपरु की रोयाल बैंड से अवकाश प्राप्त पिछले 55 वर्षों से अंधे हैं।

भारत की महिला मुख्यमंत्री

क्रम	नाम	राज्य	दल
1.	सुचेता कृपलानी	उत्तर प्रदेश	कांग्रेस
2.	नंदिनी सत्पथी	उड़ीसा	कांग्रेस
3.	शशिकला खाडोकर	गोवा	महाराष्ट्रवादी गोमंतक पार्टी
4.	सइदा अनवरा ताईमुर	असम	कांग्रेस
5.	जानकी रामचंद्रन	तमिलनाडु	ए.डी.एम.के. (जानकी)
6.	जे. जयललिता	तमिलनाडु	ए.डी.एम.के.
7.	मायावती	उत्तर प्रदेश	ब.स.पा.
8.	राजिंदर कौर भट्ठल	पंजाब	कांग्रेस
9.	राबड़ी देवी	बिहार	आर.जे. डी.
10.	सुषमा स्वराज	दिल्ली	भा.ज.पा.
11.	शीला दीक्षित	दिल्ली	कांग्रेस
12.	उमा भारती	मध्य प्रदेश	भा.ज.पा.
13.	वसुंधरा राजे	राजस्थान	भा.ज.पा.

विश्व के आश्चर्य

1. मिस्र के पिरामिड़: राजपरिवार के मकबरे जिसमें मिस्र के मृत फरोह के शव सुरक्षित रखे है । कुल संख्या 70 है। यह गीजा से शुरू होकर नील की पश्चिम दिशा में कायरो के सामने होते हुए दक्षिण में लगभग 100 कि.मी. तक स्थित यह पिरामिड मिस्र के 1200 वर्षो के इतिहास के साक्ष्य हैं ।

2. बेबीलोन का झूलता बगीचा: वर्तमान शहर बगदाद से 100 कि.मी. की दूरी पर नेबुचदनेज्जर के महल में स्थित है । झूलता बगीचा एक आश्चर्यजनक आश्चर्य है।

3. आर्टेमिस का मंदिर: एशिया माइनर में स्माइना के दक्षिण में प्राचीन नगर इफेसिस जो अब समाप्त हो गया है में स्थित है । आटीमिसिया द्वारा बनाये गये प्रारूप पर इसका निर्माण 5 वी. सदी ई.पू. लेनियन नगरवासियों द्वारा किया गया था ।

4. माउसोलस का मकबरा: एशिया माइनर में इलिकार्नासस में बादशाह की स्मृति में 352 वर्ष ईसा पूर्व संगमरमर पत्थर से महारानी आर्टोमसिया ने इसका निर्माण कराया था ।

5. रोहडस कोलोसस: यह यूनानी सुंगोड हेलियोज का तांबे का बुत है जो 30 मी. ऊंचा है । इसे मेडिटेरनियन सागर के पूर्वी भाग में रोहउस द्वीप के पोर्ट आफ सिटी में लिंडस के चार्ल्स ने स्थापित किया था ।

6. जियू (ज़ुपीटर) का बुत: ओलंपिया की घाटी में मिस्र के दक्षिणी पेननिनसुला से 20 किलोमीटर पश्चिम में इलस प्रांत में स्थापित किया गया था ।

7. अलेक्जेन्ड्रिआ के फराउज: मिस्र में अलेक्जेन्ड्रिआ के समुद्र तट के निकट फराउन के द्वीप में श्वेत संगमरमर के प्रकाश–स्तंभ अथवा निगरानी हेतु निर्मित मिनार। सम्राट टॉलोमी फिथ्माडेल्फस द्वारा 265 ई.पू. में निर्मित ।

अन्य आश्चर्य

1. स्फिन्क्स: मिस्र में गिजेय के निकट एक बहुत बड़ी, पंख रहित बैठी हुई एक ठोस चट्टान की शेर की मूर्ति बनी है। इसकी लंबाई 52.6 मीटर और ऊंचाई 20.1 मीटर है । शेर के दो फैले पंजो के बीच एक शिलालेख है जो ग्रेनाइट पत्थर का है । इस पर खुदे अक्षर संकेत करते है कि इस का निर्माण चौथे वंश के समय लगभग 2500 ई.पू. हुआ था।

2. चीन की महान दीवार: ईसा पूर्व तीसरी शताब्दी में निर्मित यह दीवार चीन की पूरी उत्तर सीमा पर फैली है । इसकी लंबाई 3219 कि.मी. है ।

3. स्टोनहेन्ज: लंदन 145 कि. मी. दक्षिण – पश्चिम पर सेल्सबरी के मैदान में बडे बडे पत्थरों का वृत्ताकार दायरे में संग्रह है । ये पत्थर दो वृत्तों में एक दूसरे के सम्पाती स्थित है । इनका 1800–1500 ई.पू. निर्माण हुआ ।

4. रोम के केटाकोम्बस: प्रारंभिक ईसाइयत के समय के यह मकबरे हैं और चालीस समूहों में, विभिन्न गैलरियों और कक्षों में बंटे हुये हैं । 250 हेक्टेअर भूमि की सीमा में ये फैले है, कहीं तो इनकी भूमि के नीचे पांच मंजिलें तक हैं ।

5. रोम का सर्कस मैक्ज़िमस: सम्राट तारकुइन द्वारा 605 ई. पू. में निर्मित और बाद में जूलियस सीज़र द्वारा इनको पुनः निर्मित और विस्तृत किया गया । इनमें 3,85,000 व्यक्तियों के बैठने की व्यवस्था थी ।

6. कोलिज़यम: रोम में स्थित विश्व के सबसे बड़े थियेटरों में एक । सम्राट वेस्पासियन द्वारा इनका निर्माण प्रारंभ हुआ और सम्राट डोमिशयन द्वारा 82 ई. में इनका निर्माण पूरा हुआ। इसमें पचास हज़ार व्यक्ति बैठ सकते थे और 20,000 खड़े रह सकते थे ।

7. हागिया सोफिया या सेंट सोफिया का चर्च, कांस्टेन्टिनोप्ल (इस्तंबूल): इसका निर्माण रोमन सम्राट जुस्ओनियन द्वारा एक ईसाई कैथेड्रल के रूप में 531–538 ई. में किया गया।

8. पीसा की झुकी मीनार: यह मध्यकालीन युग के आश्चर्यो में से एक है इसका निर्माण 1154 ई. में हुआ। यह संगमरमर की 8 मंजिला मीनार है, वास्तुकार थे पीसा के बोनेन्नस ।

9. नान्किंग की पोरसीलेन मीनार: यह पंद्रहवीं सदी के प्रारंभ में दक्षिणी चीन की प्राचीन राजधानी में बनी।

10. अंकोरवाट या नखोनवाट: कंपूचिया का यह मंदिर भगवान विष्णु को समर्पित है । इसका निर्माण सूर्यवर्मन द्वितीय के शासन काल में हुआ था। ये मंदिर अंकोर के दक्षिण में स्थित है जो प्राचीन कंबोडिया की राजधानी थी । इस शहर का निर्माण 800 ई. और 1200 ई. के मध्य हुआ था। इस मंदिर की वास्तुकला अद्भुत है।

11. ग्रनेड का अल्हमबरा: यह स्पेन के दक्षिण का एक किला है । यह विजयी अरब मूरो द्वारा बनवाया गया था जिन्होंने स्पेन में खिलाफत की स्थापना की थी और कारोडोवा को अपनी प्रथम राजधानी बनाया था। जब ईसाइयों ने पुनः कारोडोवा को हस्तगत कर लिया तक खिलाफत की राजधानी को ग्रेनेडा में स्थानान्तरित कर दिया गया ।

12. आगरा का ताजमहल: "ताज" के नाम से प्रसिद्ध, वास्तुशिल्प का एक अनुपम नमूना । मुगल बादशाह शाहजहां द्वारा अपनी पत्नी मुमताज महल की कब्र पर बनाया गया । इसका निर्माण 1631 ई. में प्रारंभ हुआ और 1653 में पूर्ण हुआ।

13. शेडेगन या गोल्डेन पैगोडा: यह एक बौद्धों के स्मारक है जो म्यानमार बर्मा में रंगून के बाहरी हिस्से में स्थित है । संभवतः इसका निर्माण तेरहवीं सदी के अंत या चौदहवीं सदी के प्रारंभ में हुआ । यह बौद्धों के लिये अत्यंत ... स्थल है क्योंकि इसमें गौतम बुद्ध के 8 ...

कैरियर प्रतिस्पर्धी परीक्षाएं तथा रोजगार के अवसर

— एम. पी. कमल

ग्लोबलाइजेशन के इस दौर में जहां जीवन में व्यस्तता और सुविधाओं के साधन बढ़े हैं, ज्ञान और अनुसंधान के क्षेत्र में आदान–प्रदान की प्रक्रिया तेज हुई है, वहीं युवा वर्ग में कैरियर को लेकर एक नई चेतना और चिन्ता का जन्म हुआ है। प्राथमिक शिक्षा पूरी करने के साथ ही अभिभावक और अध्यापक बच्चों से कहना शुरूकर देते हैं–बड़े होकर क्या बनोगे? छठी–सातवी कक्षा के बच्चे यह सोचते पर विवश हो जाते हैं कि उन्हें क्या बनना चाहिए। न तो यह आयु यह फैसला करने के लिए उपयुक्त है कि कोई बच्चा आगे चलकर क्या बने, न ही इस आयु तक पहुंचते–पहुंचते बच्चे में निहित सहज प्रतिभा का ठीक से विकास हो पाता है। जिससे यह जान लिया जाए कि वह क्या बनना चाहता है, अथवा उसके लिए कैरियर का कौन सा विकल्प उपयुक्त रहेगा।

आयु के कम से कम 15 वर्ष पूरे करने तथा 10वीं कक्षा में पहुंचने अथवा उसे उत्तीर्ण कर लेने तक कैरियर के विकल्प के बारे में सोचने लग जाना जल्दबाजी कही [illegible]। यहां तक पहुंचते–पहुंचते किशोरावस्था का मध्य आ जाता है और प्रतिभा के लक्षण स्पष्ट दिखने लगते हैं। अपनी निजी रुचियां भी प्रकट होने लगती है और निजी इच्छाएं भी। अपने से आयु में बड़े छात्रों से, अभिभावकों तथा शिक्षकों से कैरियर के विभिन्न विकल्पों की जानकारी भी होने लगती है। ऐसे में छात्र की प्रतिभा और किसी विषय विशेष में गहरी रुचि का पताया लगया जाता मुश्किल नहीं रहता।

प्रायः यह देखा गया है कि मस्तिष्क की अपरिपक्वता तथा अनुभव की कमी के कारण इस आयु वर्ग में भी छात्र यह ठीक से समझ नहीं पाते कि उनकी अपनी खूबियां क्या है, और किन–किन विषयों में उनकी विशेष रुचि है, इसीलिए कैरियर के विकल्प का चुनाव वे स्वयं नहीं कर सकते। यह वह समय है जब अभिभावकों और अध्यापकों के अपने अनुभवों तथा अपनी क्षमताओं का उपयोग करते हुए छात्रों की मदद करनी चाहिए। अध्यापक क्योंकि शिक्षा के क्षेत्र में छात्रों के बिलकुल निकट होते है और छात्रों की प्रतिभाओं व रुचियों का तुलनात्मक अध्ययन करने की उन्हे पूरी सुविधा प्राप्त होती है, अतः वे यह बेहतर पता लगा सकते हैं कि कौन से छात्र में कौन सी प्रतिभा विशेष रूप से विकसित [illegible] सकती है। प्रतिभा और रुचि के साथ–साथ यह भी देखना होता है कि छात्र में उस प्रतिभा को धारणा करने तथा उच्चतम बिन्दु तक विकसित करने की क्षमता भी है कि नहीं। क्षमता के आंकलन में छात्र के अभिभावक विशेष रूप से सहयोगी हो सकते हैं.

सच तो यह है कि कैरियर का विकल्प चुनने के लिए छात्र, अध्यापक और अभिभावक तीनों की कोशिश एक साथ होनी चाहिए। प्रतिभा, रुचि और क्षमता तीन कसौटियां हैं, छात्र, अध्यापक और अभिभावक तीन ही आंकलन कर[illegible] हैं। पहले तीन का संतुलन ठीक से बैठाने के लिए दूसरे तीनों को मिलकर प्रयास करना चाहिए। छात्र अध्यापक तथा अभिभावकों से कुछ भी छिपाएं नहीं। अपना मत, अप[illegible] बुद्धि और अपना सामर्थ्य तीनों को खुली किताब की तर[illegible] खोल दे तो अध्यापकों और अभिभावकों का स्थिति [illegible] ठीक से समझने में बहुत आसानी हो जाती है। अब कैरि[illegible] विकल्प के बारे में लिया गया। फैसला प्रायः ठीक होता [illegible] कैरियर का चुनाव करने समय हमारे देश में प्रायः अभिभाव[illegible] से एक बहुत बड़ी भूल हो जाती है। वे अपने बच्चे [illegible] प्रतिभा, रुचि और क्षमता का आंकलन करते उसमें [illegible] चौथा तत्व और शामिल कर लेते हैं, वह है अपनी नि[illegible] इच्छा अथवा स्वार्थ से प्रेरित आग्रह।

अभिभावकों के आग्रह प्रायः दो तर्कों पर केन्द्रित [illegible] हैं–एक, यह कि जो वे अपने जीवन में स्वयं न बन सके, [illegible] अपने बच्चे को बनाना चाहते है, दूसरा यह कि जो कैरि[illegible] विकल्प अपनाने से समाज में प्रतिष्ठा बढ़ सकती है, अ[illegible] जिसमें अधिक पैसा कमाने की संभावनाएं निहित हैं या [illegible] जिसका समाज में चलन सबसे ज्यादा है।

दोनों प्रकार के तर्क अभिभावकों के मत में एक प्र[illegible] के आग्रह को जन्म दे देते हैं और अपने बच्चे के [illegible] कैरियर विकल्प का फैसला लेते समय अभिभावक [illegible] आग्रह को एक अप्रत्यक्ष दबाव के रूप में इस्तेमाल [illegible] हैं। 15–16 वर्ष का छात्र अभिभावकों के दबाव की अ[illegible] निजी रुचियों से कहीं ज्यादा महत्व देता है, इस क[illegible] कभी–कभी वह अभिभावकों बुद्ध की इच्छा के आधार [illegible] फैसला बदल लेता है और यहीं उससे एक बहुत [illegible] गलती हो जाती है। यहां अभिभावकों की भूमिका [illegible] महत्वपूर्ण होती है। उन्हें ऐसी गलती कार्य नहीं करते चा[illegible] जिससे उनके बच्चे उनके आग्रह से प्रभावित, होकर फै[illegible] ले। अपनी इच्छाओं, अपने स्वार्थों और सामाजिक चल[illegible]

आधार पर यदि अभिभावक अपने बच्चों पर दबाव न बनाएं और अध्यापको से भली भांति सलाह-मशवरा कर बच्चों की प्रतिभा रुचि और क्षमता के आधार पर सही फैसला लेने में बच्चों की मदद करें तो निश्चय ही कैरियर का श्रेष्ठतम विकल्प हाथ लग सकता है।

प्रतिस्पर्धा परीक्षाएं (Competitive Examination)

कैरियर का विकल्प चुन लेने के बाद उसे प्राप्त करने के लिए अगला कदम उठाता होता है। इरादा करने के बाद उसे पूरा करने के लिए आने बढ़ना होता है। भारत में कक्षा 10 अथवा 10+2 परीक्षा उत्तीर्ण कर लेने के बाद छात्रों को कैरियर की दुनिया में छलांग लगानी पड़ती है। यह छलांग है प्रतियोगिता परीक्षा उत्तीर्ण करना।

उद्देश्य के आधार पर प्रतियोगिता परीक्षाओं को दो वर्गों में बांटा जा सकता है– (1) किसी पाठ्य क्रम विशेष में प्रवेश लेने हेतु प्रतियोगिता परीक्षा। (2) रोजगार अथवा नौकरी पाने के लिए प्रतियोगिता परीक्षा। पहले प्रकार की परीक्षा को प्रवेश परीक्षा (Entrance examination) भी कहा जाता है।

पहले अंकों के आधार पर कुछ पाठ्यक्रमों में प्रवेश दे दिया जाता था, परन्तु अब यह परंपरा समाप्त प्राय: है। अब लगभग सभी रोजगार परक पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु प्रवेश परीक्षा से गुजरना होता है। हर प्रवेश परीक्षा में पाठ्यक्रम के स्तर के अनुरूप प्रश्न पूछे जाते हैं। अनुवाद, पत्रकारिता, टूरिज़्म, बी.सी.ए.एम.सीए. बीबीए, एम.बीए, इंजीनियरिंग, सी.ए, एम.बी.बी.एस आदि पाठ्यक्रमों में प्रवेश पाते के लिए प्रवेश परीक्षा देनी होती है।

प्रवेश परीक्षा द्वारा सफल प्रत्याशियों का चयन प्रतियोगिता आधार पर किया जाता है। चयनित प्रत्याशियों की सूची बनाते समय सबसे पहले उस प्रत्याशी का नाम लिखा जाता है जिसने सबसे अधिक अंक लिए होते हैं। सबसे कम अंक लेकर चुने गए प्रत्याशी का नाम सूची में सबसे बाद में आता है।

प्रवेश परीक्षा उत्तीर्ण करते के बाद प्रत्याशी संबंधित पाठ्य क्रम का शुल्क जमा करके प्रवेश ले सकते हैं। पाठ्यक्रमों की अवधि अलग-अलग होती है। जैसे इंजीनियरिंग में डिप्लोमा पाठ्यक्रम की अवधि तीन वर्ष होती है, बी.टैक डिग्री पाठ्यक्रम की अवधि चार वर्ष होती है, बी.सी.ए. तथा बी.बी.ए पाठ्यक्रमों की अवधि तीन वर्ष होती है।

रोजगार प्रतियोगिता परीक्षाएं (Competitive Examinations for Job)

ये प्रतियोगिता परीक्षाएं विभिन्न सरकारी तथा गैर सरकारी संस्थानों तथा चयन संगठनों द्वारा आयोजित की जाती है। देश के प्रमुख समाचार पत्रों में ये संस्थान प्रतियोगिता परीक्षाओं की तिथि, स्थान, योग्यता, पाठ्यक्रम आदि का विवरण प्रकाशित करते है। रोजगार समाचार (Employment News) में लगभग सभी प्रतियोगिता परीक्षा के विवरण प्रकाशित किए जाते हैं। यह समाचार पत्र साप्ताहिक है। इसे किसी भी समाचार पत्र विक्रेता से प्राप्त किया जा सकता है।

जो विद्यार्थी इन परीक्षाओं के भाग लेना चाहते हैं। उन्हे नियमित समाचारपत्रों पर नजर डालनी चाहिए तथा उनके लिए उपयुक्त तैयारी करनी चाहिए।

इन परीक्षाओं का आयोजन करनेवाले सरकारी प्रमुख संस्थान है-संघीय लोक सेवा आयोग (UPSC), तथा कर्मचारी चयन आयोग (SSC)। इसके अलावा विभिन्न विभाग अपनी प्रतियोगिता परीक्षाएं स्वयं आयोजित करते हैं। जैसे रेलवे प्रतियोगिता परीक्षाएं स्वयं आयोजित करते हैं। जैसे रेलवे प्रतियोगिता परीक्षाएं, रेलवे चयन बोर्ड द्वारा आयोजित की जाती है, बैंक प्रतियोगिता परीक्षाओं का आयोजन बैंकों के विभिन्न चयन बोर्ड आयोजित करते हैं। इन परीक्षाओं बहु विकल्पी वस्तुनिष्ठ प्रशन (Multiple Choice Objective Type Questions) तथा वर्णनात्मक प्रश्न (Conventional type Questions) पूछे जाते हैं। सामान्यत: इन परीक्षाओं में सामान्य ज्ञान (General Knowledge) सामान्य अंग्रेजी (General English) गणित (Mathematics) तथा बुद्धि परीक्षण (Intelect Aptitude Test) को शामिल किया जाता है।

सपने युवाओं के (The Choice Youths)

सूचना और संपर्क की दुनिया में क्रांति आने के साथ ही युवाओं में एक नई चेतना का उदय हुआ है। उनकी जानकारी का दायरा बढ़ा है। उन्हें पता लगा है कि संसार में साधनों की कमी नहीं है और उपलब्धियों की कोई सीमा नहीं है। प्रतियोगिता के द्वार सबके लिए खुले हैं जिसमें आगे बढ़ने का जोश है, जिसके मन में कुछ कर दिखाने अथवा कुछ बनकर दिखाने की तमन्ना है उसके लिए अब कोई भी द्वार बन्द नहीं है.

अपनी छोटी सी दुनिया में ही सिमटकर रह जाना और जो मिल जो उसी में खुश होकर जीवन काट लेना आज के युवा को पसंद नहीं है। आज का युवा बाहर की सारी दुनिया देखने की तमन्ना रखता है। अधिक से अधिक कमाता, अधिक संसाधन एकत्रित करता और ठाठ से जीना उसकी पहली पसंद है।

वह जानता है कि इसके लिए उसे कठोर परिश्रम करना होगा, संघर्षपथ चुनना होगा। वह इसकेलिए तैयार हो चुका है। आराम तलबी अब उसे पसंद नहीं है। उद्यमशीलता अब उसका चरित्र बनता जा रहा है। अब वह केवल ऊंचे-ऊंचे स्वप्न देखते रहने में ही विश्वास नहीं रखता अपितु उन्हें पूरे करने के लिए सीढ़ी दर सीढ़ी सफलता की सीढ़ियां चढ़ने में विश्वास रखता है। पिछली पीढ़ी के युवा की तुलना में आज का युवा अधिक व्यवहारिक (Practical) तथा विवेकशील (Rationl) है। वह किसी भावुकता में बहकर फैसले नहीं लेता अपितु हानिलाभ और उचित-अनुचित को विचार कर फैसले लेता है। एक बार फैसला लेने के बाद वह प्राय: उस पर पुनर्विचार करते हुआ उसे बदलता नहीं है: पूरी लगत और मेहनत से अपने कर्म-पथ पर आडिग रहता है।

आज का युवा चुनौतियों से भरे तथा अधिक आमदनी वाले व्यवसाय चुनता है। अपनी सेहत, अपने व्यक्तित्व एवं

दायित्व के प्रति भी वह पूरी तरह सचेत है। वह जान गया है कि गुमशुम रहना, अकेले में सोचना और केवल किताबों की दुनिया में खोए रहना अवसाद लाएगा और उसके जीवन को तवाह कर देगा। मित्र वनाना और मित्रों के संसार में अपने अनुभवो को वांटता, विचार विमर्श करता, सामयिक जानकारी के आधार पर प्राप्त तथ्यों का विश्लेष्ण करना और नई–नई जानकारी प्राप्त करने के लिए सदा उद्यत रहना आज के युवा की विशेषता है।

अपने सपनों को सरकार करने के लिए जीवन में अधिक से अधिक उपलब्धियों प्राप्त करने के उद्देश्य से आज का युवा निम्न दिशाओं में जाना अधिक पसंद करता है:

1. स्वरोजगार (Self Emplyment)

21वीं सदी में आते–आते विश्वर भर में एक वहुत वड़ा परिवर्तन हुआ है। वाजारों के धमाके के साथ हुए विकास ने उद्यमियों को उत्पादन तथा विक्रय के वल पर अधिक से अधिक कमाने के अवसर प्रदान किये हैं। इसलिए युवा पीढ़ी में नौकरी करने के वजाए अपना व्यवसाय स्वयं चलाने के प्रवृत्ति तेजी से उभरी है। वैंकों द्वारा अपने उद्यम लगाने के लिए तथा वाहन खरीदने के लिए आसान शर्तों पर ऋणा दिये जाने की सुविधा जव से उपलव्ध हुई है तव से युवाओं ने अपने उद्यम खड़े करने में वहुत रुचि ली है। ऐसे युवाओं में वे भी शामिल हैं जिन्हें स्कूल तथा कलेज की शिक्षा में अधिक रुचि नहीं थी और वे भी जिन्होंने विभिन्न शिक्षण व प्रशिक्षण संस्थानों से किसी खास ट्रेड में विशेष योग्यता प्राप्त की है।

वाजार में अपनी दुकान खोलने से लेकर कंप्यूटर हाईवेयर की उत्पादन इकाई स्थापित करने तक अनेक प्रकार के उद्यम हैं जिनमें युवाओं ने रुचि ली है और वे बड़ी सफलतापूर्वक अपने व्यवसायों को चला रहे हैं।

2. विदेशों में नौकरियां (Jobs Abroad)

भारतीय युवाओं के लिए विदेशी नौकरियां वहुत पहले से ही लुभाती रही हैं, क्योंकि भारत में उन्नति के उतने अवसर नहीं हुआ करते ये जितने कि विदेशों में परन्तु अब स्थिति बदल गई है। भारत में भी उन्नति के नए–नए अवसर विकसित हो गए हैं। फिर भी युवाओं को विदेशों में नौकरी करना वहुत अच्छा लगता है। विदेशों में जिन पदों पर दो या तीन लाख रुपए मासिक वेतन मिल जाता है, उन पदों पर भारत में मुश्किल से 20 या तीस हजार रुपया प्रतिमाह ही मिल पाता है। विदेशों में वेतन मान में जितनी जल्दी वृद्धि होती है, उतनी जल्दी भारत में नहीं होती। ऊपर से खुले आंखों दुनिया को देखने का अवसर, ऊंचा जीवन स्तर और अपने देश व समाज में मिलने वाली शीर्ष प्रतिष्ठा, इन सबसे आधुनिक युग में युवाओं का मन मोह लिया है और वे विदेशी नौकरी को वहुत पसंद करते हैं। अब तो विदेशी शिक्षण संस्थानों की शाखाएं या भारत में खुल गई हैं। इनमें शिक्षा प्राप्त करने के लिए संस्थान आर्थिक सहयोग तथा ऋण आदि दी सुविधा स्वयं दिलवा देने हैं, साथ ही इन संस्थानों में पढ़नेवाले छात्रों को विदेशों में नौकरी आसानी से मिल जाती है। नौकरी दिलवाने का दायित्व भी ये संस्थान निभाते हैं, इसलिए इनमें शिक्षा प्राप्त कर विदेशों में नौकरियां प्राप्त करने के मार्ग अपने आप खुलते जा रहे हैं।

3. बहुराष्ट्रीय कंपनियों को प्राथमिकता

आज के युवा वर्ग में सरकारी नौकरियों तथा स्वदेशी निजी संस्थानों की नौकरियों में उतनी रुचि नहीं है जितनी वहुराष्ट्रीय कंपनियों की नौकरियां लेने में है। आरक्षण के कारण सरकारी नौकरियों के अवसर वहुत सीमित हो गए हैं। उन में वेतनमान भी वहुत कम है तथा उन्नति के अवसर भी वहुत देर में और मुश्किल से मिल पाते हैं। निजी संस्थानों के वेतनमान भी संतोष जनक नहीं हैं।

ऐसे में ऊंची उड़ान भरने वाले युवा भारत में बहुराष्ट्रीय कंपनियों में नौकरी करना पसंद करते हैं। बहुराष्ट्रीय कंपनियों में श्रम संस्कृति को महत्व दिया जाता है। अधिक परिश्रम करनेवाले तथा विशेष प्रतिभाशाली युवाओं से काम लेना ओर वदले में उन्हें अधिक वेतन मान तथा पदोन्नति देना वहुराष्ट्रीय कंपनियां अच्छी तरह जानती हैं। यही कारण है कि आज का उद्यमी युवा वहुराष्ट्रीय कंपनियों की नौकरी पसंद करता है।

4. नई छलांग, नई उपलब्धि

आज का युवा एक जगह टिककर बैठ जाने में विश्वास नहीं रखता। किसी संस्थान में नौकरी कर लेने के वाद वह यह नहीं सोचता कि चल अब ऐश करो, नौकरी मिल गई मंजिल मिल गई। वह पहली नौकरी को अपनी आखिरी मंजिल मानने को तैयार नहीं है। अपने साथियों के वीच उनसे अधिक काम करके दिखाने तथा उनसे अधिक उपयोगी सावित होने की लगन उसे सदा लगी रहती है, इसलिए वह प्राय: छोटी उपलब्धि के वाद बड़ी उपलब्धि प्राप्त करने में सफल हो जाता है। भारतीय युवावर्ग में आनेवाला इस परिवर्तन का स्वागत किया जाता चाहिए। इसने युवावर्ग को और अधिक ऊपर जाने का हौंसला तथा जीतकर दिखाने का आत्मविश्वास दिया है। युवावर्ग की यह प्रवृत्ति हर युवा को अधिक जागरूक तथा प्रतियोगिता–सक्षम वनाएगी। ऊंची उपलब्धि की धुन में अपने आपको अधिक सक्षम बनाता हुआ जब एक व्यक्ति आने बढेगा तो पीछे आनेवाले दूसरे बेरोजगार व्यक्ति के लिए रोजगार प्रदान करेगा। [illegible] यह संदेश भी देगा कि मेहनत और लगन से [illegible] प्राप्त की जा सकती है, इसके लिए तिकड़में [illegible] भ्रष्ट तरीके अपनाने की कोई जरूरत नहीं है [illegible] तरीके यहां कामयाव नहीं होंगे।

वर्षों से भारत श्रम संस्कृति के अभाव [illegible] उठाता आ रहा है, पूरी सरकारी [illegible] अक्षम बन गई और अर्थव्यवस्था [illegible] सरकारी संस्थान ढह गए।

लगता है आज का युवा [illegible] रहा है। उसने निकम्मेपन [illegible] और दुविधा का मार्ग [illegible] और बस अधिक [illegible] का भविष्य [illegible].

नई दिशाएं (New Posibilities in Career)

आज के प्रतियोगिता मनोवृत्ति वाले युवा के लिए उसकी योग्यताओं और क्षमताओं का पूरी उपयोग करने वाले तथा यदले में उसे मन चाही उपलब्धियों का पुरस्कार देने वाले अनेक कैरियर विकल्प विकसित हो गए हैं। इनमें प्रमुख हैं–

1. पत्रकारिता

पत्रकारिता आज के युवा के लिए नई चुनौतियां से भरा व्यवसाय है। ऐसे युवाओं को जिन्हें खतरे उठाना और चुनौतियों का जवाय देना यहुत अच्छा लगता है, पत्रकारिता एक सही कैरियर विकल्प है। पत्रकारिता का व्यवसाय समाचारों को लिखने, उनका संपादन करने तथा यदले में धन तथा यश कमाने तक हो सीमित नहीं है, अपितु इसमें देश और समाज की समस्याओं के तह तक पहुंचते, उनके हल तलाश करने, भ्रष्ट लोगों के खिलाफ सामग्री एकत्रित करने तथा उन्हें जनता के यीच नंगा करने का जो जोखिम भरा काम करने को मिलता है, वह एक असाधारण उपलब्धि है। लेखकों और पत्रकारों को युद्धि जीवियों में सयसे श्रेष्ठ माना जाता है और लगभग सभी उनसे घयराते हैं, क्योंकि ऐसा विश्वास किया जाता है कि ये लोग अन्दर तक खयर रखतने में माहिर होते हैं और इनमें किसी भी कमजोरी को उछालने तथा सीधा प्रहार करनेका हौसला होता है।

सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र मे जो आश्चर्य जनक विकास हुआ है उसने पत्रकारिता के क्षेत्र अत्याधिक व्यापक और शालीन यना दिया है। सूचनाएं और खयरे एकत्रित करते तथा उन्हें समाजार पत्र, रेडियो तथा टेलीविजन तक पहुंचाने के अय ऐसे साधन विकसित हो गए है कि कोई खयर तुरन्त मीडिया तक पहुंचाई जा सकती है और मीडिया उसे अतिशीघ्र तक पहुंचा सकता है।

इसमें जो जोखिम है, वह उत्साही युवाओं में एक सुख की (Thrill) उत्पन्न कर देता ह। लड़कियां इस व्यवसाय में यड़ी तेजी के साथ आगे आई हैं। प्रिंट मीडिया से कहीं अधिक क्रेज इलैक्ट्रोनिक मीडिया के साथ काम करने में है। युवा वर्ग में मीडिया के लिए काम करने का उत्साह इतना अधिक हो गया है कि वे जीवन और मृत्यु के यीच खड़े होकर खतरे उठाने में भी नहीं हिचकते युद्धों का आंखों देखा हाथ मीडिया तक पहुंचाने केलिए अनेक युवा पत्रकारों ने अपने जीवन को दांव पर लगाया है। अफगानिस्तान पर अमरीकी हमले का आंखों देखा हाल आज तक के माध्यम से हम सय तक पहुंचाने के लिए युवा पत्रकार प्रयत्न प्रतापसिंह युद्ध भूमि में जा खड़े हुए थे और यमयारी में याल–याल यचे। अनेक पत्रकारों ने खतरे उठाते हुए अपनी जान तक गंवा दी है।

पत्रकारिता का पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा स्नातक अथवा उसके समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण करने के उपरांत किया जा सकता है। अय तो लगभग सभी विश्वविद्यालयों ने पत्रकारिता का पाठ्यक्रम आरंभ कर दिया है। इसके अतिरिक्त कुछ निजी संस्थानों ने भी पत्रकारिता का पाठ्यक्रम आरंभ किया है। नियमित तथा पत्राचार दोनों तरह के पाठ्यक्रम आरंभ किया है। नियमित तथा पत्राचार दोनों तरह के पाठ्यक्रम उपलब्ध है। अपनी सुविधा के अनुसार इनमें प्रवेश लिया जा सकता है पत्रकारिता के पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिये प्रवेश परीक्षा नहीं देनी पड़ती है। अंकों के आधार पर ही प्रवेश मिल जाता है।

2. टूरिज्म (Tourism)

पर्यटन को अपना कैरियर यताने वालों में ऐसे छात्रों की संख्या अधिक होती है जिन्हें इतिहास तथा दुनिया की विविधता में अधिक रुचि होता है। सैलानी प्रवृत्ति के युवा जो देश–विदेश के दर्शनीय स्थलों को जानने तथा देखने में रुचि रखते है तथा जिन्हें विभिन्न देशों के पर्यटकों के साथ समय गुजारने तथा उनसे कुछ सीखने, व जानने की इच्छा रहती है इस व्यवसाय में पूरा आनंद उठा सकते हैं और अपनी प्रतिभा का विकास कर सकते हैं। टूरिज्म स्टडी में डिप्लोमा पाठ्यक्रम अनेक विश्वविद्यालयों में उपलब्ध है। पत्राचार द्वारा भी इस डिप्लोमा पाठ्यक्रम का अध्ययन कर डिप्लोमा प्राप्त किया जा सकती है।

टूरिस्ट एवं होटल मैनेजमेंट का कोर्स करना हो तो उसकी सुविधा ने अनेक संस्थानों में उपलब्ध है। समाचार पत्रों में इन पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए विज्ञापन प्रकाशित होते है। अंग्रेजी के राष्ट्रीय समाचार पत्रों तथा रोजगार समाचार (Employent News) को प्रवेश का देखते रहे तो विज्ञापन का विवरण प्राप्त कर सकते हैं।

संस्थानों के नाम: (सत्र के दौरान मई–जून से अगस्त–सितंयर तक) निम्न लिखित संस्थानों में टूरिज्म डिप्लोमा पाठ्यक्रम में प्रवेश ले सकते हैं। प्रवेश योग्यता 10+2 अथवा समकक्ष परीक्षा है।

1. इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्व विद्यालय, मैदान गढ़ी नई दिल्ली–110068
2. राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, 17 महर्षि दयानन्द मार्ग (थार्न हिलरोड) इलाहायाद (उ.प्र)
3. ललित नारायणन मिथिला विश्वविद्यालय, डायरेक्टरेट आफ डिस्टेंस एजूकेशन, कामेश्वर नगर दरभंगा-346004, यिहार
4. कर्नाटक स्टेट मुक्त विश्वविद्यालय, मनसा गंगोत्री, मैसूर-57006, कर्नाटक
5. मदर टैरेसा वूमन विश्वविद्यालय, स्कूल आफ डिस्टेंस एजूकेशन, साइदापेट, चेन्नई–600015
(सभी पाठ्यक्रम पत्राचार द्वारा किए जा सकते हैं)

3. अनुवाद (Tranlsation)

अंग्रेजी से हिन्दी, हिन्दी से अंग्रेजी, फ्रेंच, रशियन, जर्मन आदि भाषाओं में अनुवाद की मांग इन दिनों यहुत जोरों पर है। अंग्रेजी और हिन्दी में परस्पर अनुवाद का कार्य भारतीय युवाओं के लिए अंतर्राष्ट्रीय कैरियर का महत्वपूर्ण विकल्प है। युद्धिजीवी यनने का स्वप्न देखनेवाले तता पत्रकरिता लेखन के क्षेत्र में अपने आपको स्थापित करने की कल्पना करनेवाले युवाओं के लिए अनुवाद का पाठ्यक्रम यहुत उपयोगी है। अनुवाद के तीन पाठ्यक्रम यहुत उपयोगी हैं। अनुवाद के तीन पाठ्यक्रम उपलब्ध है–सर्टीफिकेट पाठ्यक्रम, स्नातकोतर डिप्लोमा पाठ्यक्रम तथा एम फ़िल शैक्षिक योग्यता सर्टीफिकेट तथा डिप्लोमा के लिए स्नातक तथा एम.फिल के लिए स्नातकोत्तर।

The Power of Focus

Crompton Greaves is India's largest private sector enterprise in the business of electrical engineering. It is a member of the BM Thapar Group. The Company offers one of the widest spectrum of products and systems and is a leader in most of its business activities: Power Systems, Industrial Systems, Consumer Products and Telecommunications.

Its strength emanates from its ability to focus on value-enhancing initiatives:

- Research Focus
- Productivity Focus
- Quality Focus
- Global Focus
- Fiscal Focus
- Cost Focus
- Core Competence Focus
- Human Resource Focus

Crompton Greaves has thus established a reputation for:

- Modern manufacturing facilities across the country
- Joint ventures with technology leaders
- Customised responses to manufacturing and marketing needs supported through in-house R&D efforts
- Stringent quality standards
- Deep distribution networks to service Indian and [illegible] markets
- Diversified product portfolio

Crompton Greaves will continue to pursue [illegible] initiatives as it looks with confidence to [illegible]

रोजगार संभावनाएं: केन्द्रीय सचिवालय, आकाशवाणी, दूरदर्शन, समाचार पत्र–पत्रिकाएं आदि। अनुवाद का पाठ्यक्रम करने के हिन्दी अनुवादक, हिन्दी निदेशक, उपनिवेशक, हिन्दी सहायक आदि पदों पर भारत सरकार के अधीन नियुक्ति संभव है।

प्रमुख संस्थान:

1. केन्द्रीय हिन्दी संस्थान, हिन्दी संस्थान मार्ग आगरा–282005
2. केन्द्रीय हिन्दी संस्थान, कैलाश कलोनी, नई दिल्ली–110016
3. जवाहरलाल नेहरु विश्वविद्यालय, नई दिल्ली–110067
4. दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली
5. हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय समरहिल, शिमला–171005
6. भारतीय अनुवाद परिषद, 24 स्कूल लेन, बंगाली मार्केट, बाबर रोड, नई दिल्ली–110001
7. इन्दिरागांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, मैदानगाढ़ी नईदिल्ली–110068
8. भारतीय विद्याभवन, मेहता भवन कस्तूरबा मार्ग नई दिल्ली–110001
9. महात्मागांधी अंतराष्ट्रीय हिन्दी विश्वविद्यालय कैंप 16, सीरीफोर्ट रोड, नई दिल्ली–110049
10. अविनाशीलिंगम् विश्वविद्यालय, त्रिवेन्द्रम
11. लखनऊ विश्वविद्यालय लखनऊ–226007 (उ.प्र)
12. उसमानिया विश्वविद्यालय, प्रशासनिक भवन, हैदराबाद–500007 (आंध्रप्रदेश)।

4. प्रकाशन उद्योग (Publication Industry)

पुस्तकों की दुनिया युवाओं के दिलों में एक नई धड़कन पैदा करती आई है। यदि पुस्तकों के प्रकाशन को उद्योग के रूप में स्थापित कर विभिन्न विषयों पर नई–नई पुस्तकों प्रकाशित की जाएं तो आमदनी और संतुष्टि दोनों प्राप्त होती हैं। प्रकाशन को अब विधिवत उद्योग करार दे दिया गया है। अब इस कार्य के लिए बैंकों से ऋण लेना भी संभव है।

एफ.पी.बी.ए.आई (FPBAI) नामक संस्था ने भारतीय प्रकशन उद्योग के एक स्वरूप प्रदान किया है और पहली बार 'सर्टीफिकेट कोर्स इन पब्लिशिंग' नामक पाठ्यक्रम शुरु किया है। एफ पी बी ए आई स्कूल आफ पब्लिशिंग साइंस (FPBAI, School of Pubishing Science) के बैनर तले इस पाठ्यक्रम के आरंभ करने जा रही है।

रोजगार समाचार में इस पाठ्यक्रम के विज्ञापन पर नजर रखें। इसका विवरण प्रतिवर्ष मई–जून माह में प्रकाशित किया जाता है।

5. सामाजिक कार्य में डिप्लोमा (Diploma in social work)

समाज से बुराइयां दूरकरने उद्देश्य से उत्साही युवा सामाजिक कार्य में डिप्लोमा को अपना कैरियर बनाएं तो वे समाज की सेवा करते हुए रोजगार प्राप्त कर सकते हैं। इस पाठ्यक्रम की अवधि केवल एक वर्ष है। प्रवेश योग्यता स्नातक । सामान्यत: जून/जुलाई से लेकर अगस्त/सितंबर तक इस पाठ्यक्रम में प्रवेश लिया जा सकता है। सम्मलपुर विश्व विद्यालय में प्रवेश की अवधि अक्तूबर से दिसंबर तक है।

प्रमुख संस्थान: 1. बरकत उल्ला विश्वविद्यालय, इंस्टीट्यूट आफ ओपन एण्ड डिस्टेंस एजूकेशन, भोपाल–462026

2. सम्भलपुर (विश्वविद्यालय, डिस्टेंस एजूकेशन सेल, ज्योति विहार, बुली, सम्भलपुर–768019.

3. तिलक महाराष्ट्र विद्यापीठ, ओपन एजूकेशन सेंटर, विद्यालय भवन, गुलठेकड़ी, पुणे–411037

6. काल सेंटर सेवाएं

भारत में इन दिनों काल सेंटर बहुत खुले हुए हैं। राजधानी नगर दिल्ली में तो काल सेंटर बड़ी संख्या में उपलब्ध है। राजधानी के छात्रों के लिए कालसेंटर में रोजगार लेना बहुत लाभदायक है। जिन युवाओं का अंग्रेजी ज्ञान बहुत अच्छा है, जिन्हें अंग्रेजी में बोलने का अच्छा अभ्यास है तथा टेलीफोन पर धुआंधार बात करने का जिनमें क्रेज है वे इस काम को बहुत बड़ी सफलता से कर सकते हैं।

अंग्रेजी के राष्ट्रीय समाचार पत्रों तथा रोजगार समाचार में काल सेंटर संबंधी विज्ञापन प्रकाशित होते हैं। इसके लिए योग्यता प्राय: अंग्रेजी विषय के साथ स्नातक होती है। नगर में ऐसे अनेक प्रशिक्षण केंद्र खुले हैं, जो 'काल सेंटर जोब' के लिए छात्रों को तैयार करते हैं तथा इन्हें काल सेंटर में रोजगार भी दिलाते हैं। इन केंद्रों के विज्ञापन भी अंग्रेजी के राष्ट्रीय समाचारपत्रों तथा रोजगार समाचार में प्रकाशित होते हैं।

कालसेंटर का काम रात में किया जाता है। बहुराष्ट्रीय कंपनियों में काम करने के इच्छुक व्यक्तियों के लिए 'काल सेंटर जोब' बहुत उपयोगी है।

7. योग एवं स्वास्थ्य

आजकल स्वस्थ रहने के लिए 'जिम' जाना तथा व्यायाम की मशीनों पर व्यायाम करना जितना उपयोगी समझा जाता है उससे भी कही 'अधिक उपयोगी' योग संस्थानों में जाकर योगाभ्यास करता है। अब तो नगरों में योग संस्थानों की बहुत मांग है। स्वास्थ्य की रोजगार बनाने के इच्छुक युवा विभिन्न योग संस्थानों से योग का डिप्लोमा कर सकते हैं। अब तो अनेक विद्योलयों ने योग को अपने पाठ्यक्रम में शामिल कर लिया है और योग–अध्यापकों की विधिवत नियुक्तियां करते हैं।

योग पाठ्यक्रम में प्रवेश लेने की इच्छुक युवा समाचारपत्रों में प्रकाशित विज्ञापनों पर नजर रखे तो उन्हें योग पाठ्यक्रम की जानकारी मिल जाएगी।

8. प्राणिविज्ञान

प्राणिविज्ञान प्रतिभाशाली छात्रों के लिए एक नया कैरियर विकल्प है। प्राणी विज्ञान अब एक स्वतंत्र कैरियर विकल्प के रूप में सामने आ गया है। इस पाठ्यक्रम निम्न लिखित क्षेत्रों में अध्ययन शामिल ह–मेडिसिन, डेंटिस्ट्री, पेरामेडिकल

सर्विसेज, नर्सिंग, ट्रेडीशनल मेडिसिन, वेटेरिनरी साइंस, बायोटेक्नोलोजी, जेनेटिक्स, माइक्रोबायोलोजी, फूड प्रोसेसिंग, न्यूट्रीशन एवं डायरेटिक्स, एग्रीकल्चर, डेयरी फार्मिंग, एक्वाकल्चर, सेरी कल्चर, पिसिकल्चर, एंथ्रोपोलोजी एनवायरनमेंटल सांइस, फोरेस्ट्री प्रोटोजूलोजी, जिनोमिक्स, बायो इनफोर्मेटिक्स, ओसिनोग्राफी, औरिएनथोलोजी आदि।

इन पाठ्यक्रम के लिए प्रवेश योग्याताएं अलग-अलग है। स्नातक डिग्री पाठ्यक्रम प्रवेश के लिए योग्यता विज्ञान विषय सहित 10+2 अथवा समकक्ष परीक्षा है।

शोध पाठ्यक्रम केलिए स्नातक स्तर पर प्राणीविज्ञान में आनर्स अनिवार्य है। देश में अनेक शोध संस्थान उपलब्ध है।

विज्ञान में रुचि रखनेवाले विद्यार्थियों केलिए यह एक नया कैरियर विकल्प है जो अत्याधिक रोचक तथा रोमांचकारी है। प्राणी विज्ञान में शोध कार्य की हिम्मत जुताने वाले युवा मानव जीवन पर बहुत उपकार कर सकते हैं। वे ऐसे-ऐसे रोगों के कारणों व उपचार व उपचार का पता लगा सकते हैं जिनके इलाज के लिये मनुष्य जाति अभी तक तड़प रही है। अनेक युवाओं ने इन पाठ्यक्रमों के अंतर्गत अत्यधिक महत्वपूर्ण शोध किए हैं। एस आर एस राव ने कैंसर पर शोध किया है। .समीर ब्रह्मचारी ने पेडिग्री एनालिसिस पर अलग हट कर काम किया है। टी.जे. पांड्या ने ट्रांसजेनिक फिश पर विशिष्ट अनुसंधान कार्य संपन्न किया है।

प्रमुख संस्थान: * दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली * जवाहरलाल नेहरु विश्वविद्यालय, दिल्ली * केन्द्रीय विश्वविद्यालय, हैदराबाद * संबरपुर विश्वविद्यालय, संबलपुर (उड़िसा) * गढ़वाल विश्वविद्यालय, उत्तरांचल * महर्षि दयानन्द सरस्वती विश्वविद्यालय, राजस्थान * गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, मध्यप्रदेश * गुजरात विश्वविद्यालय, गुजरात * राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर * लखनऊ विश्व विद्यालय, लखनऊ * पंजाब विश्वविद्यालय, पंजाब * मणिपुर विश्वविद्यालय, मणिपुर * नेशनल इंस्टीट्यूट आफ सेंट्रल हेल्थ एण्ड न्यूरो साइंस, कर्नाटक * पटना विश्वविद्यालय, पटना (विहार) * नार्थ ईस्ट हिल यूनीवार्सिटी, शिलोंग * अन्ना विश्वविद्यालय, चेन्नई (तमिलनाडु)।

9. बायोकेमिस्ट्री (Bio Chemistry)

बयोकेमिस्ट्री में कोशिकाओं के रासायनिक पदार्थों का अध्ययन किया जाता है। रसायन विज्ञान तथा औषधियों की दुनिया में रुचि लेने वाले छात्रों के लिए यह पाठ्यक्रम अत्याधिक उपयोगी है।

स्नातक पाठ्यक्रम की अवधि तीन वर्ष है तथा स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम दो वर्ष का होता है।

इस पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए प्रवेश परीक्षा देनी पड़ती है। विज्ञान (भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान तथा जीव विज्ञान) के साथ 10+2 अथवा समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण छात्र स्नातक पाठ्यक्रम की प्रवेश परीक्षा में बैठ सकते हैं तथा रसायन विज्ञान (आनर्स) बायोलोजी ग्रुप के साथ अथाव बायो केमिस्ट्री (आनर्स) करने के वाद स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम के प्रवेश परीक्षा में बैठ सकते हैं। कुछ विश्वविद्यालयों में अंकों के आधार पर भी प्रवेश मिल जाता है।

रोजगार के अवसर: बायोकेमिस्ट्री के पाठ्यक्रम करने के बाद छात्रों को फर्मास्युटिकल इंडस्ट्रीज के रिसर्च एण्ड डेवलपमेंट विभाग में अनेक प्रकार के रोजगार उपलब्ध हैं, साथ ही कृषि विकास से संबंधित उद्योगों, पर्यावरण से संबंधित उद्योगों, प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड आदि में अनेक रोजगार उपलब्ध है इसके अतिरिक्त विभिन्न प्रकार के खाद्य एवं पेय पदार्थों से संबंधित उद्योगों, एयर केटेरिंग डेयरी उद्योगे, चिकित्सा, पोषण एवं शिक्षण आदि क्षेत्रों अनेक प्रकार के रोजगार अवसर उपलब्ध हैं, क्षेत्रों में अनेक प्रकार के रोजगार अवसर उपलब्ध है। शिक्षा का माध्यम अंग्रेजी है।

शिक्षा संस्थान स्नातक पाठ्यक्रम: * दिल्ली विश्वविद्यालय * श्री वेंकटेश्वर कालेज, नई दिल्ली – 110021 * दौलतराम कालेज, नई दिल्ली – 110007 * शिवाजी कालेज, कर्मपुरा, नई दिल्ली-110027 * देश बन्धु कालेज, नई दिल्ली – 110019 स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम * दिल्ली विश्वविद्यालय, (दक्षिण परिसर), नई दिल्ली-110021 * बनारस हिन्दु विश्वविद्यालय, वाराणसी – 221005 * अलिगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़ -202002 * बुंदेलखण्ड विश्वविद्यालय, झंसी – 284128 * अवधेरा प्रतापसिंह विश्वविद्यालय, रीवा-486003 * भारतीय विद्यापीठ, पुणे-411030 * डा. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, फैजाबाद-224001 * रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर -482001 * शिवाजी विश्वविद्यालय, कोलहापुर-416004 * श्री वेंकटेश्वर विश्वविद्यालय,तिरुपति-517500 * गुजरात विश्वविद्यालय, अहमदाबाद-380009 * गोवा विश्वविद्यालय, गोवा-403206 * गुरु नानक विश्वविद्यालय, अमृतसर-143005 * कल्याणी विश्वविद्यालय, कल्याणी- (पश्चिम बंगाल) 741235 * कश्मरि विश्वविद्यालय, श्रीनगर-190006 * कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र-136119 (हरियाणा) * लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनउऊ-226007 * महाराजा समाजीराव विश्वविद्यालय, वड़ोदरा-390002 * मुंबई विश्वविद्यालय, मुंबई-400 032 * नागपुर विश्वविद्यालय, नागपुर – 440001 * देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इंदौर-452001

10. फर्मास्युटिकल विज्ञान

फर्मास्युटिकल विज्ञान, औषधि निर्माण संबंधी पाठ्यक्रम है। यह पाठ्यक्रम विभिन्न रोगों के लिए नई-नई दवाओं के प्रयोग की जानकारी देता है तथा व्यावसायिक व प्रशासनिक तंत्र संबंधी समुचित जानकारी प्रदान करता है।

इस पाठ्यक्रम संबंधित जानकारी अंग्रेजी राष्ट्रीय समाचार पत्रों, चिकित्सा विज्ञान संबंधी पत्रिकाओं तथ्य रोजगार समाचार से प्राप्त की जा सकती है।

अब तो अमरीकी विश्व विद्यालयों ने भी भारतीय छात्रों के लिये औषधि विज्ञान में स्नातकोत्तर तथा अनुसंधान स्तर के अध्ययन के लिए सुवधिाएं प्रदान कर दी है।

11. माइक्रो बायलोजी तथा बायोटेक्नोलोजी

माइक्रो बायोलोजी जीव विज्ञान व रसायन विज्ञान के एक दूसरे से जोड़कर बानाया गया एक

इस विषय का अध्ययन वायोलोजी के क्षेत्र में अनुसंधान करनेवाले छात्र विशेष रूप से करते हैं। यह विषय विकलांगों के लिए भी उपयोगी है, क्योंकि इसमें सारा काम लगाया वैठे–वैठे ही किया जाता है। बीएससी पाठ्यक्रम की अवधि तीन वर्ष का होता है। प्रवेश योग्यता भौतिक विज्ञान रसायन विज्ञान तथा जीव विज्ञान विषयों के साथ 10+2 अथवा समकक्ष परीक्षा ।

वायो टेक्नोलोजी में वीएससी तथा वी टेक दोनों डिग्रियां उपलब्ध है। पाठ्यक्रम अवधि तीन र्ष है।

शिक्षण संस्थान: * चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ * दीन दयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर * दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली * सरदार पटेल विश्वविद्यालय, विद्यानगर, गुजरात * हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय, सुमेरहिल, शिमला। * मद्रास विश्वविद्यालय, चेन्नई * ककातीय विश्व विद्यालय, वारंगल * पटना विश्वविद्यालय, पटना * वनस्थली विद्यापीठ, वनस्थली, राजस्थान * वनारस हिन्दु विश्वविद्यालय, वाराणासी * पुणे विश्वविद्यालय, पुणे * गुरुगोविन्द सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय, दिल्ली

12. प्रबन्धन

प्रयन्धन एक वहुत महत्वपूर्ण कैरियर विकल्प है। आज के वाजार युग में प्रबंधन का महत्व वहुत वढ़ गया है। प्रबंधन संबंधीय अनेक प्रकार के पाठ्यक्रम उपलब्ध है। इस समय देश में सैकड़ों संस्थान प्रबंधन पाठ्यक्रम चला रहे हैं। विश्वविद्यालयों के अतिरिक्त निजी संस्थानों भी प्रबंधन पाठ्यक्रम पर विशेष जोर दिया है।

इसके दो पाठ्यक्रम वी.वीए तथा एम.वीए वहुत चर्चा में है। वीवए का पाठ्यक्रम तीन वर्ष का होता है तथा एम.वीए का 2 वर्ष का।

इन दोनों पाठ्यक्रमों से संबंधित विज्ञापन लगाय सभी समाचार पत्रो में प्रकाशित रहते हैं।

प्रबंधन में रोजगार की असंख्य अवसर है। देश तथा विदेश दोनों में रोजगार प्राप्त किए जा सकते हैं। विदेशी शिक्षण संस्थानों ने भारत के प्रमुख महानगरों में अपना शिक्षण संस्थान इस पाठ्यक्रम को सिखाने लिए खोल दिए है।

प्रबंधन पिछले दो दशकों से अत्यधिक लोकप्रियता हासिल कर रहा है।

अन्य कैरियर विकल्प

उक्त विकल्पों से अतिरिक्त आधुनिक युवाओं के लिए अनेक नए–नए कैरियर विकल्प उपलब्ध है जिनकी जानकारी राष्ट्रीय अंग्रेजी दैनिक है जिनकी जानकारी राष्ट्रीय अंग्रेजी दैनिक समाचार पत्रों तथा 'रोजगार समाचर' में प्रकाशित विज्ञापनों से प्राप्त की जा सकती है। एयर होस्टेस, और एयर पायलट युवा लड़के–लड़कियों दोनों के लिए ही आकर्षण के केंद्र हैं।

मोडल टेस्ट पेपर

बी सी ए प्रवेश परीक्षा (BCA Entrance Examination)

नोट: इस परीक्षा में चार प्रश्न पत्र होते हैं। प्रश्न पत्र I गणित (Mathematics) का होता है जिसमं 120 अंकों के 3 प्रश्न पूछे जाते है, प्रश्न पत्र II Logical & Analytical Ability कहा होता है जिसमें 200 अंकों के 50 प्रश्न पूछे ज हैं। प्रश्न पत्र III में 160 अंकों के 40 प्रश्न पूछे जाते हैं, यह प्रश्न पत्र English Comprehension का होता है। प्र पत्र IV General Awareness का होता है। इसमें 120 अंकों के 30 प्रश्न पूछे जाते है। सभी प्रश्न पत्रों के सारे प्र वहुविकल्पी वस्तुनिष्ठ होते हैं। दिए गए चार उत्तरों में एक ठीक होता है, जिसे छांटना पड़ता है।

यहां केवल प्रश्न पत्र IV का मोडल पेपर दिया जा रहा है।

प्रश्न पत्र IV
GENERAL AWARENESS

1. Which of the following is the earliest holy book of Hindus?
   (a) Gita (b) Ramayan
   (c) Mahabharat (d) Vedas
2. The Indian King who opposed Alexander was ....
   (a) Ambhi (b) Porus
   (c) Dhanananda (d) Chandragupta
3. Chandragupta was the scion of the ----
   (a) Nandas
   (b) Magadha, the Lichhis of Vaishali
   (c) Marinas of Pipeline
   (d) Sakes of Kapilvastu.
4. The famous financial adviser of Akbar w: ....
   (a) Todar Mall (b) Adul Fazal
   (c) The Raja of Jodhpur
   (d) Bairam Khan
5. The Indian National Congress had its birth i the year..............................

(a) 1757 (b) 1775
(c) 1857 (d) 1885

. Entrance to the Indian Civil Service was made possible for the Indian by-
(a) Lord Dalhousie (b) Lord Canning
(c) Lord Lyton (d) Lord Ripon

. What is the other name of India mentioned in our constitution?
(a) Bharatvarsha (b) Bharat
(c) Hindustan (d) Hone of these

. The Kanha National Park, tiger reserve is located in ....
(a) Uttar Pradesh (b) Madhya Pradesh
(c) Rajasthan (d) Punjab

. The highest rank of Indian Army is ----
(a) General (b) Major General
(c) Brigadier General (d) Colonel

0. National Flag of India was adopted by the constituent Assembly on ....
(a) August 15, 1947 (b) July 27, 1951
(c) July 22, 1947 (d) January 26, 1947

1. The highest mountain peak in India is ....
(a) Dhaulagiri (b) Nanga Parbat
(c) Nanda Devi (d) K-2

2. Who was the first Indian woman to swim across the English Channel?
(a) Rita Faria (b) Shanta Ranga swami
(c) Arti Saha (d) Shipra Datta

13. The Indian constitution is ....in structure.
(a) Federal (b) Unitary
(c) Rigid (d) Partly Unitary Partly Federal.

14. The council of Ministers is responsible to the ....
(a) President (b) Lok Sabha
(c) Vice President (d) Supreme Court

15. Which of the following is the fundamental right
(a) Right to speech
(b) Right to vocation
(c) Right to go on strike
(d) Right to religion

16. Fundamental Rights of the Indian citizens are contained in ....of the Indian constitution
(a) Part-I (b) Part-II
(c) Part-III (d) Part-IV

17. Normally the Parliament can legislate on subjects listed in ....
(a) Concurrent List
(b) Union List and Concurrent List
(c) State List
(d) On all lists

18. Which of the following cities is not on a sea port
(a) Sydney (b) South Ampton
(c) Rome (d) Bombay

19. What is the official language of Argentina?
(a) Italian (b) Spanish
(c) Portuguese (d) German

20. When did the Russian Revolution take place?
(a) 1812 (b) 1848
(c) 1917 (d) 1939

21. The currency of Netherlands is..........................
(a) Peso (b) Pesta
(c) Rupiah (d) Guilder

22. The holy book of Parsis is called ....
(a) Ahura Mazda (b) Avesta-e-Zend
(c) Ahirman (d) Zarathustra

23. The Roman civilization started developing around the ....
(a) 3rd Century BC
(b) 4th Century BC
(c) 6th Century BC
(d) Ist Century AD

24. While Lily is the emblem of..............................
(a) Italy (b) Greece
(c) Cyprus (d) Guinea

25. Which is the largest city in the China?
(a) Sanghai (b) Canton
(c) Peking (d) Nan king

26. The Charter of UN was signed on June 26, 1945 at ....
(a) Geneva (b) San Francisco
(c) California (d) Paris

27. When was the League of Nations farmed?
(a) 1914 (b) 1920
(c) 1935 (d) 1945

28. The earth's movement in its orbit is from ----
(a) West to East (b) East to West
(c) North to south (d) South to North

29. Name the largest island in the world
(a) Greenland (b) Madagascar
(c) Great Britain (d) New Guinea

30. The largest silver producer in the world is ---
(a) USA (b) Mexico
(c) Guatemala (d) Bolivia

Answers 1. (d); 2. (b); 3. (c); 4. (a); 5. (d); 6. (a); 7. (b); 8. (b); 9. (a); 10. (c); 11. (d); 12. (c); 13. (d); 14. (d); 15. (a); 16. (c); 17. (b); 18. (c); 19. (b); 20. (c); 21. (d); 22. (b); 23. (c); 24. (b); 25. (a); 26. (b); 27. (b); 28. [illegible]; 30. (b).

सवाल जवाब

1. संक्रमण से आंखो को यचाने वाला एंजाइम जोकि आंसुओं में पाया जाता है?

उत्तर: लाइसोजाइम

2. भारत में पहली जनगणना कय हुई थी?

उत्तर: आधुनिक रूप से सन् 1881, तयसे हर दस वर्षो याद जनगणना होती है। स्वतंत्रता के याद पहली यार सन् 1951 में जनगणना हुई थी।

3. टेयिल टैनिस को ओलंपिक में शामिल किया था?

उत्तर: सन् 1988 में।

4. किन फिल्मों को चौदह से ज्यादा ओस्कर नामांकन मिले है?

उत्तर: आल एयाउट ईव (सन् 1950) व टाइटेनिक (सन् 1997)

5. आर्नोल्ड श्वासनेगर किस पार्टी के प्रत्याशी यन कर चुनाव जीते?

उत्तर: रिपब्लिकन पार्टी।

6. क्रिकेट के यल्ले की लंयाई कितनी होती है?

उत्तर: 38 इंच।

7. भारत का पहला टेलिफोन केन्द्र था?

र: मुंयई में।

माड्यूलेटर–डिमाड्यूलेटर का प्रचलित नाम है?

मोडेम।

2003, राजीव खेल रत्न से सम्मानित प्रतिभाए ?

एम. यीना मोल एवं अंजलि भागवत।

सयसे अधिक मुस्लिम किस देश में है?

देवगन को दो यार राष्ट्रीय पुरस्कार सम्मानित वाली फिल्मे हैं?

जख्म एवं द लीजेंड आफ भगत सिंह

2. अंतराष्ट्रीय कोर्ट (अदालत) की पहली महिला न्यायधीश है?

त्तर: ब्रिटेन की रोसलिन हिगिंस।

3. एशिया कप हाकी में भारत ने पाकिस्तान पर किस दिन जीत हासिल की?

त्तर: 28 सितंयर सन् 2003

4. हाल ही में लता मंगेशकर ने अपना ....जन्म दिन मनाया।

त्तर: 75वां।

5. जुही चावला ने एक मलयालम फिल्म में भी काम किया है, फिल्म का नाम है?

त्तर: हरिकृष्णन

16. जातक कथाएं कितनी कथाओं का संग्रह है?

उत्तर: 500

17. ग्राहेम पोलोक जोकि दक्षिण अफ्रिका के आफ दी सेंचुरी है वे शान पोलोक के रिश्ते में

उत्तर: चाचा लगते है।

18. 'हैरी पार्टर' नामक युवा जादूगर पर किसने लिखी?

उत्तर: जे. के. रौलिंग।

19. इंगलैंड यैडमिंटन खिताय–2001 में पीटर को किस भारतीय खिलाड़ी ने शिकस्त दी थी?

उत्तर: पी. गोपीचंद।

20. कंपाला राजधानी है?

उत्तर: उगांडा की।

21. फ्लौरेंस नाइटिंगेल को याद किया जाता है?

उत्तर: आधुनिक नर्सिंग (उपचर्या) के संस्थापक के रू

22. गौतम युद्ध की पत्नी का नाम

उत्तर: यशोधरा

23. चंद्रमा को पृथ्वी की परिक्रमा लगता है?

उत्तर: 27 दिन 7 घंटे एवं 43

24. एक गैलन कितने लीटर

उत्तर: 4.546 लीटर

25. बिजली के यल्व का

उत्तर: एडिसन एवं जोजेफ

26. चार्ली चैप्लिन ने .... की उम्र

उत्तर: 8 वर्ष

27. रुडयार्ड किपलिंग युक में उन्होंने है?

उत्तर: कान्हा राष्ट्रीय

28. विश्व के सयसे स्थित है?

उत्तर: रांची, झारखंड

29. विश्व का सय

उत्तर: मौरिस ग्रीन है।

30. सयसे शक्ति

उत्तर: इलैक्ट्रान

31. सुपर स्टार है, कहां?

उत्तर: कोलकात्ता में।

32. जर्मनी के फुटबालर आफ दी सेंचुरी है?
उत्तर: फ्रांज बैकेनबावर।
33. स्वतंत्र भारत के पहले डाक टिकट का मूल्य था?
उत्तर: साढ़े तीन आना।
34. जुही चावला की पहली फिल्म थी?
उत्तर: मुकुल एस. आनन्द की सल्तनत, सन् 1986
35. बिजली के बल्ब का फिलामेंट किस धातु से बनता है?
उत्तर: टंगस्टन।
36. न्यूयार्क को एक अलग नाम से भी जाना जाता है?
उत्तर: एंपयर स्टेट
37. अगला ओलंपिक खेल किस देश में सम्पन्न होगा?
उत्तर: यूनान (ग्रीस)
38. राष्ट्रपति भवन के शिल्पकार थे?
उत्तर: एड्विन लूटेन्स
39. स्वराज शब्द किसकी देन है?
उत्तर: दादा भाई नौरोजी
40 विश्व में सबसे ठोस पदार्थ है?
उत्तर: हीरा।
41. अंतराष्ट्रीय क्रिकेट कौंसिल के प्रथम एशियाई अध्यक्ष थे?
उत्तर: जगमोहन डालमिया।
42. एक प्रकाश वर्ष बराबर है?
उत्तर: 9.5 मिलियन किलोमीटर।
43. मगध साम्राज्य का केंद्र भारत का कौनसा राज्य था।
उत्तर: बिहार
44. सन् 2001 जनगणना रिपोर्ट में भारत में कस्बे एवं शहरों कि संख्या दिखाई है?
उत्तर: 6,50,000 कस्बे एवं 5,500 शहर
45. रायटर क्या है?
उत्तर: विश्व प्रसिद्ध न्यूज एजेंसी।
46. ग्लेशियर काल कहते है?
उत्तर: हिमयुग को।
47. जब हम मुस्कुराते है तो इस क्रिया में कितनी मांस-पेशियों को काम करना पड़ता है?
उत्तर: 17
48. भारत की पहली न्यूज प्रिंट फैक्टरी?
उत्तर: मध्यप्रदेश में नेपानगर
49. सम्राट अशोक का संबंध किस वंश से है।
उत्तर: मौर्य वंश
50. प्लेटो के शिष्य अरस्तु थे, अरस्तु के शिष्य थे?
उत्तर: एलेक्जेंडर
51. ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने वाले पहले भारतीय थे?
उत्तर: के.डी. यादव (हेलसिंकी, कुश्ती)
52. पोल-वाल्ट में इस्तेमाल होने वाला खंबा किस चीज का बना होता है?
उत्तर: फाइबर ग्लास का ।
53. संयुक्त राष्ट्र के महासचिव, बाद में अपने देश के राष्ट्रपति भी बने?
उत्तर: क्यार्ट वाल्डहेम, आस्ट्रिया।

54. केवल एक दिन मुख्यमंत्री पद पर रहने वाले व्यक्ति थे?
उत्तर: जगदंयिका पाल (उत्तर प्रदेश)
55. प्रयाग कौनसी प्रमुख नदियों का संगम स्थल है?
उत्तर: गंगा एवं यमुना
56. भारत में वायसराय पद किस सन् में शुरू हुआ?
उत्तर: सन् 1858
57. विजनेस स्कूल नाम विश्व प्रसिद्ध किताय के लेखक है?
उत्तर: रायर्ट कियोसाकी।
58. पशु यहुल देशों में सयसे आगे कौनसा देश है?
उत्तर: भारत
59. पहला अंग प्रत्यारोपण सन् 1963 में हुआ?
उत्तर: गुर्दे (किडनी) का
60. एशियाटिक सोसाइटी के संस्थापक थे?
उत्तर: सर विलियम जान्स।
61. उच्च न्यायालय की प्रथम महिला मुख्य न्यायाधीश?
उत्तर: न्यायमूर्ति लीला सेठ।
62. स्वामी विवेकानंद की मृत्यू .... की आयू में हुई थी?
उत्तर: 39 वर्ष
63. पृथ्वी के कितने प्रतिशत भाग पर जंगल है?
उत्तर: 30 प्रतिशत
64. राजस्थान के पुष्कर में प्रसिद्ध पशु मेला किस महीने में लगता है?
उत्तर: नवंयर में
65. मशहूर लेखक जिनके पिता एक कुली के रूप में भारत से इंग्लेड गये थे?
: वी. एस. नायपाल।
. इंडियागेट, अगर जवान ज्योति कय स्थापित की गई।
: 26 जनवरी, सन् 1972
67. विश्व का सयसे अधिक व्यस्त एवं तकनीकि में सर्वश्रेष्ठ नहर है?
उत्तर: पनामा नहर।
68. नियमानुसार 'दया वध' को मान्यता देने वाला देश?
उत्तर: नीदरलैण्ड्स
69. पिंक एलिफेंट क्या है?
उत्तर: अत्यधिक शराय पीने से जो भ्रामक स्थिति यनती है उसे पिंक एलिफेंट कहते है।
70. एक राज्य जोकि भारत की कुल जनसंख्या में 3.43 प्रतिशत व कुल क्षेत्रफल में 1.18 प्रतिशत है?
उत्तर: केरल
71. योत्सवाना की आधिकारिक मुद्रा है?
उत्तर: पुला
72. जिम्यायवे का पुराना नाम है?
उत्तर: दक्षिण रोडेशिया
73. पेंटेड लेडी किसे कहते है?
उत्तर: तितली को।
74. पानी को खारा यनाने वाले दो तत्व है?
उत्तर: सोडियम एवं क्लोरीन।
75. पश्चिम यंगाल का एक नगर जोकि फ्रांस के अधीन था?
उत्तर: चंदरनगर
76. संसार का सयसे व्यस्ततम यंदरगाह है?
उत्तर: हांगकांग।
77. सर्वप्रथम किस देश ने अपना राष्ट्रीय ध्वज यनाया?
उत्तर: डेनमार्क
78. हरिद्वार का कुंभ मेला कितने वर्षो के अंतराल में आता है?
उत्तर: 6 वर्षो के
79. डीजल इंजन का आविष्कार किया था?
उत्तर: रूडोल्फ डीजल
80. हास्य अभिनेता जानी वाकर की पहली फिल्म थी?
उत्तर: आखरी पैगाम, सन् 1949
81. क्रास वर्ड पहली यार किस समाचार पत्र ने प्रकाशित किया था?
उत्तर: द न्यूयार्क वर्ल्ड, सन् 1913 में।
82. विश्वनाथन आनंद के याद भारत के सयसे कम उम्र ग्रेंडमास्टर?
उत्तर: पी. हरिकृष्ण
83. ब्लैक याक्स क्या है?
उत्तर: विमान दुर्घटना के कारणों का पता लगाने में काम आने वाला याक्स।
84. आर्यभट्ट थे?
उत्तर: प्राचीन भारत के महान खगोलज्ञ एवं गणितज्ञ।
85. रणधीर कपूर ने कितनी फिल्मों को निर्देशित किया है?
उत्तर: तीन फिल्मों का। कल आज और कल (1971), धरम करम (1975) एवं हिना। इसमे हिना को छोड़ याकि फिल्मों में खुद अभिनय भी किया है।
86. हांगकांग के अंतिम ब्रिटिश गर्वनर थे?
उत्तर: क्रिस पैटर्न।
87. ईस्ट टिमोर को पूर्ण स्वतंत्रता कय मिली?
उत्तर: 20 मई 2002
88. किवी पक्षी किस देश का राष्ट्रीय चिन्ह है?
उत्तर: न्यूजीलैण्ड
89. अफ्रीकी महिला जो दो देशों की प्रथम महिला यनी?
उत्तर: ग्रासा माकल।
90 भारत के इस शहर को पूर्व का स्काटलैण्ड भी कहते है?
उत्तर: शिलांग
91. लेनिन का असली नाम क्या था?
उत्तर: व्लादिमिर इलीच उल्यानेव
92. पाकिस्तान का सयसे यड़ा शहर कौनसा है?
उत्तर: कराची।
93. सर्वाधिक विम्यलडन खिताय जीतने वाले पुरुष खिलाड़ी है?
उत्तर: विलियम रेनशा, इगलैंड, 14 खिताय।
94. चार सौ विकेट लेने वाला विश्व का पहला स्पिन गेंदयाज कौन था?
उत्तर: शेन वार्न।

95. क्रिकेट में विकेटों के बीच पूरे पिच की कितनी लंबाई होती है?
उत्तर: 19.8 मीटर (22 यार्ड)
96. मंजुला पद्मानाभन को किस मंचन के लिए ओनासिस सम्मान मिला था?
उत्तर: हार्वेस्ट
97. किस देश में सबसे ज्यादा रेडियो स्टेशन है?
उत्तर: संयुक्त राज्य अमरीका में लगभग 12,000
98. 1960 में भारत का पहला एस.टी.डी. किन-किन शहरों के बीच शुरू किया गया था?
उत्तर: लखनऊ-कानपुर
99. भारत का राष्ट्रपति अपना लिखित त्यागपत्र किसको सौंप सकता है?
उत्तर: उप-राष्ट्रपति को।
100. गोलकुंडा नाम की उत्पत्ति किन दो शब्दों से हुई है?
उत्तर: गोला जिसका अर्थ गडरिया एवं कुंडा जिसका अर्थ है पहाड़ी।
101. प्रथम लोकसभा में दो अध्यक्ष थे? नाम है?
उत्तर: जी.वी. मालवंकर एवं एम. अनंतसयनम अय्यंगर
102. रोम के युद्ध देवता के नाम पर कौनसा ग्रह है?
उत्तर: मार्स
103. विश्व के प्रथम टेस्ट ट्यूब बेबी का नाम है?
उत्तर: लुइस ब्राउन
104. विश्व में सबसे अधिक श्रोतावाली रेडियो सेवा है?
उत्तर: बी.बी.सी, श्रोताओं की संख्या करीब चौदह करोड़ है।
105. भारत में कितने पंचायत है।
उत्तर: 2,37,000
106. सन् 1931 में भारत की राजधानी को कहां से कहां लाया गया?
उत्तर: पुरानी दिल्ली से नई दिल्ली।
107. छपाई का आविष्कार करनेवाले जोहनास गुटनबर्ग क्या काम किया करते थे?
उत्तर: सुनार का
108. साहित्य का नोबल पुरस्कार प्राप्त करने वाली पहली अमरीकन महिला थी?
उत्तर: पर्ल एस. बक
109. एक व्यक्ति कितनी बार रक्त दान कर सकता है।
उत्तर: 168 बार (18 वर्ष की आयू से 60 वर्ष की आयू तक वर्ष में चार बार)
110. 7000 से अधिक प्रायद्वीपों का समूह कहां है?
उत्तर: फिलीपींस।
111. बैंजीन का आविष्कार किसने किया था?
उत्तर: माइकल फैराडे (1825)
112. भारतीय सैन्य का सुप्रीम कमांडर कौन है?
उत्तर: राष्ट्रपति।
113. वह फल व्यापारी जिन्हे देविका रानी ने महान सितारा बना दिया?
उत्तर: दिलीप कुमार।
114. किन देशो के बीच सौ वर्षो तक लगातार युद्ध चला?
उत्तर: इंगलैंड एवं फ्रांस।
115. मुख्य निर्वाचन आयोग का कार्यकाल होता है?
उत्तर: 6 वर्ष।
116. ब्रिटेन के पहले प्रधानमंत्री थे?
उत्तर: राबर्ट वालपाल।
117. आयरलैंड वुल्फहाउंड है?
उत्तर: कुत्तों की सबसे ऊंची नस्ल।
118. विश्व का सबसे छोटा गणतंत्र है?
उत्तर: नौरू
119. एक बिलियन कितने करोड़ के बराबर होता है?
उत्तर: 100 करोड़।
120. मैसूर किस राज्य का पुराना नाम है?
उत्तर: कर्नाटक
121. मणिपुर, त्रिपुरा एवं मिजोरम राज्य एक ही दिन बने है ?
उत्तर: 21.01.1972
122. महर्षी वेदव्यास रचित महाभारत में कितने श्लोक है?
उत्तर: करीब एक लाख
123. विश्व का सबसे विशाल बौद्ध स्तूप कहां पाया गया?
उत्तर: केसरिया, बिहार में।
124. मानव शरीर की सबसे मजबूत अस्थि कौन-सी है?
उत्तर: घुटने एवं टखने को जोड़ने वाली पिंडली में स्थित अस्थि
125. म्यानमार (बर्मा)............तक भारत का हिस्सा था?
उत्तर: सन् 1937
126. बंदार सेरी बेगावान किस देश की राजधानी है?
उत्तर: ब्रुनेई।
127. अनिल कपूर की पहली फिल्म है?
उत्तर: हमारे तुम्हारे (सन् 1979)
128. बोइंग-747 विमान का प्रचलित नाम है?
उत्तर: जंबो जेट।
129. आदि गुरू शंकराचार्य ने कौनसे चार मठों की स्थापना की है?
उत्तर: श्रृंगेरी, पुरी, बदरी, द्वारका
130. विश्व का सबसे कम उम्र बिलियर्ड चैंपियन थे?
उत्तर: भारत के गीत सेठी, 24 वर्ष की उम्र में
131. विश्व का सबसे पुराना गणतंत्र है?
उत्तर: सैन मरीनो
132. ग्रीष्मकालीन ओलंपिक अब तक कितनी बार खेले जा चुके है?
उत्तर: तीन बार
133. बी.बी.सी. का प्रसारण कितनी भाषाओं में होता है।
उत्तर: 41 भाषाओं में
134. फाइबर (कवलर) का आविष्कार किसने किया?
उत्तर: स्टेफनी वेलेक
135. माउंट कम्यूनिज्म पर्वत चोटी किस देश में स्थित है?
उत्तर: ताजिकिस्तान में।
136. विश्व का सबसे छोटा महाद्वीप कौनसा है?
उत्तर: आस्ट्रेलिया।
137. पर्यावरण दिवस कब मनाया जात
उत्तर: 5 जून को।

138.विश्व का सबसे पुराना मरुस्थल कौनसा है एवं यह कौनसे देश में स्थित है?
उत्तर: अफ्रिका के दक्षिण-पश्चिम किनारे स्थित नामिब मरुस्थल।
139.ट्विन्कल-ट्विन्कल लिटिल स्टार..... के रचयिता है?
उत्तर: दो अंग्रेज बहने एन एवं जेन टेलर।
140.भारत में पहली विद्युत ट्रेन चली थी?
उत्तर: बंबई कुर्ला के बीच सन् 1925 में।
141.1995 में भारोत्तोलन में रिकार्ड बनाने वाली भारतीय खिलाड़ी ?
उत्तर: कर्णम मल्लेश्वरी।
142.भारत के प्रथम मुगल बादशाह थे?
उत्तर: बाबर
143.1997 में मिस वर्ल्ड कौनसी भारतीय सुंदरी बनी?
उत्तर: डायना हेडेन।
144.फिजी देश के प्रथम भारतीय मूल के प्रधानमंत्री थे?
उत्तर: महेन्द्र चौधरी
145.गांधी जी ने अपने जीवन काल में कितने दिन जेल में बिताए?
उत्तर: 2089
146.सबसे कम समय तक भारत के राष्ट्रपति पद रहनेवाले थे ?
उत्तर: डा. जाकिर हुसैन।
147.होटमेल के संस्थापक है?
उत्तर: सबीर भाटिया।
8.जापान का सबसे ऊंचा पर्वत है?
: फुजियामा।
.भारत किस वर्ष संयुक्त राष्ट्र का सदस्य बना?
र: सन् 1945 में
50.भारत के पहले गैर कांग्रेसी प्रधानमंत्री थे?
र: मोरारजी भाई देसाई।
1.टीपू सुल्तान के पिता का नाम है?
र: हैदर अली।
152.डेनमार्क की राजधानी है?
उत्तर: कोपेनहेगन
153.मैगसेसे सम्मान प्राप्त करने वाले प्रथम भारतीय?
उत्तर: विनोबा भावे।
154.किसी भी डाक टिकट पर प्रथम बार मुद्रित भारतीय?
उत्तर: महात्मा गांधी
155.विश्व की सबसे बड़ी मानव निर्मित झील किस देश में है?
उत्तर: ओवेन फाल, उगांडा।
156.भाषा के आधार पर गठित भारत का पहला राज्य।
उत्तर: आंध्रप्रदेश
157.सरदार सरोवर बांध परियोजना किस राज्य में है?
उत्तर: गुजरात
158.भूतपूर्व राष्ट्रपति के.आर.नारायणन किस विश्वविद्यालय के उप कुलपति थे?
उत्तर: जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली

159.बनारस सैंट्रल हिन्दु कालेज की स्थापना सन् 189ε में किसने की थी?
उत्तर: एनी बेसेंट ने।
160.मणिकर्णिका किस रानी का मूल नाम है?
उत्तर: झांसी की रानी लक्ष्मीबाई का।
161.भारत में निर्मित पहली मोटर कार थी?
उत्तर: हिन्दुस्तान 10
162.सर्वाधिक ग्रैंड स्लैम जीतने वाली महिला टैनिर खिलाड़ी?
उत्तर: मारग्रेट कोर्ट (आस्ट्रेलिया)
163.आज़ेरी किस देश की भाषा है?
उत्तर: अजरबैजान की ।
164.सबसे छोटा केंद्र शासित प्रदेश है?
उत्तर: लक्षद्वीप
165.सौर परिवार का सबसे छोटा ग्रह है?
उत्तर: बुध
166.80 वर्ष की आयु में आस्कर एवार्ड पाने वाले अभिनेता
उत्तर: जार्ज बन्स।
167.ड़ाक टिकट का सर्वप्रथम उपयोग कब हुआ था?
उत्तर: 6 मई सन् 1840 में।
168.नेपाल में सबसे अधिक पर्यटक किस देश से आते है
उत्तर: भारत से।
169.बोइंग 747 विमान में कितने यात्री बैठ सकते है
उत्तर: 400
170.भारत में रक्तदान करने वालों का औसत है?
उत्तर: प्रति हजार व्यक्ति एक
171.सबसे अधिक पारिश्रमिक लेने वाली हालीवुड अभिने: है?
उत्तर: जूलिया राबर्ट्स।
172.आस्कर एवार्ड से सम्मानित हालिवुड अभिनेता पा न्यूमान को कितनी बार आस्कर के लिए नामांकि किया जा चुका है?
उत्तर: सात बार।
173.क्षेत्रफल की दृष्टि से भारत का संसार में कौन-र स्थान है?
उत्तर: सातवां।
174.दादा मुनि अशोक कुमार का एक और अप्रचलि नाम?
उत्तर: कुमुदलाल
175.भारत में प्रतिदिन कितनी सवारी रेलगाड़ियां चल है?
उत्तर: करीब 820
176.सायोनारा शब्द का अर्थ क्या है?
उत्तर: यह एक जापानी शब्द है इसका अर्थ अंग्रेजी में गु बाय एवं हिन्दी में शुभ विदाई होता है।
177.भारत के पूर्व उपराष्ट्रपति मोहम्मद हिदायतुल्ला उ राष्ट्रपति बनने से पहले थे?
उत्तर: मुख्य न्यायाधीश
178.25 वर्षीय विजयावाड़ा की अनुराधा प्रसिद्ध है?
उत्तर: भारत की सबसे कम आयु की मेयर के रूप में।

179.छोटे पर्दे का अमिताभ किसे कहते है?
उत्तर: शेखर सुमन।
180.किस प्रधानमंत्री ने अपने कार्यकाल में 9 राज्यपालों को बर्खास्त किया था?
उत्तर: वी.पी. सिंह
181.मिस वर्ल्ड एवं मिस यूनिवर्स किस देश से अधिक बने है?
उत्तर: वेनजुएला से (पांच मिस वर्ल्ड एवं चार मिस यूनिवर्स)
182.बार्सिलोना ओलंपिक में स्वर्ण पदक पाप्त करने वाली महिला टेनिस खिलाड़ी जिन्होंने 13 वर्ष की आयू में टेनिस खेलना शुरू किया था?
उत्तर: जेनिफर कैप्रियाती।
183.खेल जगत को स्काटलैंड ने एक खेल सम्मानित किया है?
उत्तर: गोल्फ
184.एसे देश का नाम बताओ जहां पर कार का निर्माण तो नहीं होता पर यह देश पिछले सत्तर सालों से कारों की प्रदर्शनी लगाता है?
उत्तर: स्विट्जरलैंड
185.एम.एस. ओबराय को जाना जाता है?
उत्तर: भारतीय होटल व्यवसाय के पितामह के रूप में।
186.दो बार अंतरिक्ष यात्रा कर चुकी प्रथम महिला?
उत्तर: स्वेटलाना सविट्सकाया
187.किस देश में राष्ट्रपति उम्मीदवार की कम से कम आयू 50 वर्ष रखी गई है?
उत्तर: इटली।
188.12 बार महाराष्ट्र के मंत्रिमंडल में स्थान पाने वाले व्यक्ति है?
उत्तर: सुशील कुमार शिंदे।
189.तीन बार शतरंज विश्व चैम्पियनशिप खिताब पाने वाली खिलाड़ी है?
उत्तर: कोनेरु हंपी।
190.रोटरी क्लब के संस्थापक है?
उत्तर: पाल पेर्सी हारिस
191.संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में स्थायी सदस्यता पाने वाला एशियायी देश है?
उत्तर: चीन।
192.विश्वकप फुटबाल 2006 कहां संपन्न होगें?
उत्तर: जर्मनी में
193.8 बार कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष पद पर बैठने वाले नेता है?
उत्तर: जवाहर लाल नेहरू।
194.गांधीजी की आत्मकथा को अंग्रेजी में किसने परिभाषित किया था?
उत्तर: महादेव देसाई ने।
195.गांधीजी डाक विभाग के किस माध्यम को सबसे अधिक काम में लाते थे।
उत्तर: पोस्ट कार्ड
196.एक अभिनेता जिसके साथ 22 अभिनेत्रियों ने अपना फिल्मी कैरियर शुरू किया, जिनमें नीतू सिंह, डिम्पल, आदि भी शामिल है?
उत्तर: ऋषि कपूर।
197.दसवीं पंचवर्षीय योजना कबसे कब तक है?
उत्तर: 2002 अप्रैल से 2007 मार्च तक
198.हालिवुड में अभिनय करने वाले प्रथम भारतीय अभिनेता?
उत्तर: आई.एस. जौहर।
199.गाडमदर फिल्म को कितने राष्ट्रीय पुरस्कार मिले?
उत्तर: 6
200.विश्व के कौनसे शहर में 18 भाषाएं बोली जाती है?
उत्तर: लंदन में।
201.अग्नी की उड़ान किताब आत्मकथा है?
उत्तर: ए.पी.जे. अब्दुल कलाम की।
202.बुलंद दरवाजे की ऊंचाई कितनी है?
उत्तर: 186 फीट।
203.जयपुर के हवामहल में कितनी मंजिले है?
उत्तर: पांच।
204.रूबी मेयर्स किस अभिनेत्री का वास्तविक नाम है?
उत्तर: सुलोचना।
205.मरणोपरांत दादा साहेब फाल्के सम्मान से सम्मानित प्रथम व्यक्तित्व?
उत्तर: पृथ्वीराज कपूर।
206.लिटिल ब्याय नाम है?
उत्तर: हिरोशिमा में गिराए गए एटम बम का।
207.बहामास 700 द्वीपों का समूह है इसमें कितने द्वीपों में जनवास है?
उत्तर: 22
208.भारत की पहली बैटरी चलित कार का नाम है?
उत्तर: रेवा (REVA)
209.मंगल ग्रह पर सन् 1997 में उतरने वाले स्वचलित यंत्र का नाम था?
उत्तर: पाथफाइंडर
210.इंटरनेशनल बैंक फार रिकंस्ट्रक्शन एंड डेवलपमेंट का प्रचलित नाम है?
उत्तर: वर्ल्ड बैंक।
211.ब्रिटेन की किस महारानी ने बेकिंघम महल में [illegible] शुरु किया।
उत्तर: महारानी विक्टेरिया
212.किस देश केराष्ट्रीय ध्वज पर ए.के. 47 [illegible] चित्र अंकित है?
उत्तर: मोजाम्बिक
213.मिशनरी आफ चैरिटीज की बागडोर [illegible] शुरुवात बाद किसने संभाली?
उत्तर: सिस्टर निर्मला ने।
214.'ओली' किस खिला[illegible]
उत्तर: जर्मनी के फुटबा[illegible]
215 भारत का दक्षि[illegible]
कहते हैं का पु[illegible]
उत्तर [illegible]

216.भारत में सर्वाधिक वर्ष तक मुख्यमंत्री पद पर रहने वाले नेता?
उत्तर: ज्योति वसु।
217.पूर्व महिला मुख्यमंत्री जो साहित्यकार भी हैं?
उत्तर: नंदिनी सत्पती।
218.81 वर्ष की आयु में भारत के प्रधानमंत्री बनने वाले राजनेता?
उत्तर: मोरारजी भाई देसाई।
219.मैगसायसाय पुरस्कार जीतने वाले प्रथम भारतीय?
उत्तर: विनोबा भावे।
220.एक विदेशी महिला जोकि नोबेल पुरस्कार से सम्मानित है, उनके विद्यार्थी जीवन का कुछ समय दिल्ली में व्यतीत हुआ?
उत्तर: अंग सान सूची
221.पाप म्यूजिक कलाकार जो 'लाइक ए वर्जिन और मैटेरियल गर्ल' गाने के लिये विख्यात हैं?
उत्तर: मैडोना।
222.टेनिस में प्रसिद्ध बहने सेरीना विलियम्स एवं वीनस विलियम्स में बड़ी बहन कौन सी है।
उत्तर: वीनस विलियम्स
223.फिल्म फेयर पुरस्कार जीतने वाले प्रथम निदेशक?
उत्तर: बिमल राय।
224.सबसे अधिक आयु में ओलंपिक की 100 मीटर स्पर्धा का स्वर्ण जीतने वाले?
उत्तर: लिनफोर्ड क्रिस्टी।
225. पुर्तगाल के वायसराय के पद पर एक विश्व प्रसिद्ध नाविक 1924 में भारत आया?
:: वास्को डिगामा
6. 1963 में आइसलैंड में कौन ज्वालामुखीय प्रायद्वीप उभरा?
त्तर: सुर्टसे।
27. यूनियन जैक क्या है?
त्तर: युनाइटेड किंगडम का राष्ट्रीय ध्वज।
28. पी.बी.एक्स का पूरा नाम?
उत्तर: प्राइवेट ब्रांच एक्सचेंज।
229. बेन हर के निदेशक?
उत्तर: विलियम वायलर।
230. आईस वाइड शट किस निदेशक की अंतिम फिल्म थी?
उत्तर: स्टैन्ले कुयरिक।
231.स्टेट बैंक आफ इंडिया का पुराना नाम है?
उत्तर: इंपीरियल बैंक आफ इंडिया
232.24 वर्ष की आयु में किसकी आत्मकथा 'मैजिक' का प्रकाशन हुआ?
उत्तर: बास्केटबाल खिलाड़ी मैजिक जानसन।
233.बनारस हिन्दु विश्वविद्यालय के संस्थापक थे?
उत्तर: मदन मोहन मालवीय
234.भारत का पहला इस्पात संयत्र कहां स्थापित किया गया?
उत्तर: जमशेदपुर।

235.शेक्सपियर के किस नाटक पर सर्वाधिक फिल्म ब
उत्तर: हेमलेट।
236.उस अमरीकन जैवविज्ञानी का नाम जिन्होने फ्रांसि वैज्ञानिक क्रिक के साथ मिल कर डी.एन.ए. विस्तृत बनावट का अध्ययन किया था?
उत्तर: जेम्स डेवे वाट्सन
237.फिल्म जिसमें विख्यात गाना – क्वे सेरा सेरा है
उत्तर: दी मैन हू न्यू टू मच।
238.सबसे अधिक समय तक केन्द्रीय मंत्री पद रहनेवाले व्यक्तित्व?
उत्तर: जगजीवन राम
239.विश्व की सबसे बड़ी डाक प्रणाली?
उत्तर: भारतीय डाक
240. कैंडल इन दी विंड गाने के गायक?
उत्तर: एलटन जान।
241. राष्ट्रीय श्रम संस्थान किस दिवंगत राष्ट्रपति के से जाना जाता है?
उत्तर: वी.वी.गिरि।
242. फ्रांसीसी लेखक एवं अभिनेता जीन बैपटि पाक्वेलीन किस विख्यात नाम से जाने जाते हैं
उत्तर: मोलियरे।
243. नोबल पुरस्कार विजेता जिन्होंने हैजे के कारण जैविक की खोज की थी?
उत्तर: राबर्ट कोच।
244. अश्वशक्ति नाम किसने दिया?
उत्तर: जेम्स वाट।
245.मर्मरा सागर किस देश में स्थित है?
उत्तर: तुर्की
246.1933 में हिटलर को जर्मन के चांसलर पद किसने नियुक्त किया था?
उत्तर: प्रेसीडेंड हिंडेनबर्ग।
247.377 सप्ताह तक शीर्ष स्थान पर रहने वाली महि टेनिस खिलाड़ी है?
उत्तर: स्टेफी ग्राफ
248. जवाहरलाल नेहरू ने जेल में कितने वर्ष व्यत किये?
उत्तर: दस वर्ष।
249. भारत की प्रथम महिला शासक थी ?
उत्तर: रजिया सुल्ताना।
250. अंग्रेजी फिल्मों के अभिनेता और निदेशक जिन्ह स्विटजरलैंड में 20 वर्षीय स्व निर्वासन किया
उत्तर: चार्ली चैपलिन।
251. भारतीय नेता जिन्हे 95 वर्ष की आयू में भारत रत्न मि
उत्तर: मोरारजी देसाई
252.टेनिस खिलाड़ी जिसने सबसे ज्यादा ग्रैंड स्लैम जी लेकिन फ्रेंच ओपन कभी नही जीत पाया?
उत्तर: पीट सैम्प्रास
253.युगोस्लाव के नेता जोसिप ब्रोज ने कौन सा न अपनाया?
उत्तर: टीटो।

254. नोवल पुरस्कार पहली बार किस वर्ष में दिये गये?
उत्तर: 1901 में।
255. इन्हें आधुनिक पत्रकारिता का पिता कहा जाता है पर यह उपन्यास लेखन के लिये विख्यात हैं?
उत्तर: डैनियल डैफो।
256. राजकपूर की 1951 में यादगार फिल्म?
उत्तर: आवारा।
257. ओस्कर पुरस्कार कितनी श्रेणियों में विभाजित होते हैं?
उत्तर: 24
258. ब्रिटेन के प्रधानमंत्री टोनी ब्लेयर किस राजनीतिक पार्टी से संबधित हैं?
उत्तर: लेवर पार्टी।
259. सबसे पहला क्रिकेट टेस्ट मैच खेला गया था।
उत्तर: इंग्लैंड एवं आस्ट्रेलिया के बीच।
260. बैडमिंटन का खेल शुरू किया गया था?
उत्तर: ब्यूफोर्ट के ड्यूक की पार्टी में
261. किस देश में चुनाव नंवबर महीने में होते हैं लेकिन राष्ट्रपति कार्य जनवरी महीने में ग्रहण करते हैं?
उत्तर: संयुक्त राज्य अमरीका।
262. पाकिस्तान की वर्तमान राजधानी से पहले दो और राजधानियां थी?
उत्तर: कराची एवं रावलपिंडी
263. किस वर्ष संयुक्त राज्य अमरीका ब्रिटेन के आधिपत्य से स्वतंत्र हुआ था?
उत्तर: 1783
264. विश्व का प्रथम क्रेडिट कार्ड?
उत्तर: डाइनर्स क्लव कार्ड।
265. प्रशांत महासागर एवं अटलांटिक महासागर को जोड़ने वाली नहर है?
उत्तर: पनामा
266. गुड फ्राईडे पहले आता है या ईस्टर?
उत्तर: गुड फ्राईडे।
267. पैगंवर हजरत मोहम्मद किस वर्ष मक्का से मदीना के लिये रवाना हुए थे?
उत्तर: 622
268. सी–डाट क्या है?
उत्तर: सेंटर फार डेवलपमेंट आफ टेलिमैटिक्स
269. एवरेस्ट पर पंहुचने वाली प्रथम महिला?
उत्तर: जुंको टबाई।
270. हालीवुड के स्टुडियो एम.जी.एम.का विस्तृत नाम?
उत्तर: मेट्रो गोल्डविन मेयर।
271. अंग्रेजी राज्य से स्काटलैंड को स्वतंत्र कराने वाला कौन था?
उत्तर: रावर्ट ब्रूस।
272. कपास के दो प्रमुख उत्पादक देश है?
उत्तर: अमरीका एवं भारत
273. किस आयु में पुई चीन के सम्राट बने? 1911 में उन्हे अपदस्थ कर दिया गया था।
उत्तर: 2 वर्ष की आयु में।
274. सबसे बड़े धूमकेतु का नाम?
उत्तर: सेरेस।
275. किस भारतीय राज्य की समुद्री तटीय रेखा सबसे बड़ी है?
उत्तर: गुजरात।
276. विश्व में सक्रिय ज्वालामुखियों की संख्या है?
उत्तर: 850
277. 12वीं एवं 13वीं लोकसभा के अध्यक्ष एक ही व्यक्ति थे?
उत्तर: जी.एम.सी. वालयोगी
278. पुर्तगाल के चित्रकार जिन्होंने अपने जीवनकाल में 800 कलाकृतियां बनाई, लेकिन बेची केवल एक?
उत्तर: विंसेट वान गाघ।
279. मंदारिन है? यह किस देश में बोली जाती है?
उत्तर: विश्व में सबसे अधिक बोली जाने वाली भाषा। चीन में।
280. उदगमंडलम (ऊटी) मं रहने वाली जनजाति का नाम क्या है?
उत्तर: टोडा।
281. चीन का अंतिम सम्राट कौन था?
उत्तर: पु–यी।
282. विश्व की सबसे लंबी सड़क है?
उत्तर: पान–अमरीकन हाइवे।
283. पति और पत्नी जिन्हें संयुक्त रूप से 1935 में रसायन का नोबल पुरस्कार मिला?
उत्तर: फ्रेड्रिक जोलियोट एवं इरेने क्यूरी।
284. विश्व की सबसे ऊंची सड़क है?
उत्तर: लेह–मनाली मार्ग पर खारडुंग्ला दर्रा।
285. हालीवुड की महानतम फिल्म में रेट बटलर चरित्र को अमरत्व देने वाले अभिनेता?
उत्तर: क्लार्क गावले (गान विध द विंड)
286. विश्व में सबसे धनी फुटवाल क्लब है?
उत्तर: मेनचेस्टर यूनाइटेड, ब्रिटेन
287. अमरीका का राष्ट्रीय खेल कौन सा है?
उत्तर: बेसबाल
288. 1934 में किस फिल्म को सर्वश्रेष्ठ फिल्म, सर्वश्रेष्ठ निदेशक, सर्वश्रेष्ठ अभिनेता और अभिनेत्री का ओस्कर पुरस्कार मिला?
उत्तर: इट हैपेन्ड वन नाइट।
289. भारत के द्वितीय प्रधानमंत्री कौन थे?
उत्तर: लाल बहादुर शास्त्री।
290. भारत में किस वर्ष से डाक से मनिआर्डर की शुरुवात हुई?
उत्तर: 1880 से।
291. सबसे लंबा पहाड़ी क्षेत्र?
उत्तर: एंडेस।
292. अभिनेता सुनील दत्त
उत्तर: बलराज दत्त।
293. नील नदी का स्रोत?
उत्तर: विक्टोरिया झील।

294. 15 अगस्त को हमारे अतिरिक्त एक अन्य देश भी स्वतंत्रता दिवस मनाता है?
उत्तर: कोरिया।
295. उरूग्वे की भाषा है?
उत्तर: स्पेनिश।
296. विश्व में सर्वाधिक कंप्यूटर चिप्स यनाने वाली कंपनी?
उत्तर: इंटेल।
297. रक्त के कौनसे ग्रुप को सभी ग्रुपों से मेल कराया जा सकता है?
उत्तर: ओ ग्रुप।
298. होमियोपेथी के जनक सामुवेल हनिमान का देश है?
उत्तर: जर्मनी।
299. सन् 1946 से वहां एक ही राजा का राज चलता है, देश है?
उत्तर: थाईलैंड।
300. लेखिका जिनकी कृतियां 100 भाषाओं में अनुवादित की गई है?
उत्तर: अगाता क्रिस्टी।
301. एकादमी एवार्ड कहते है?
उत्तर: ओस्कर पुरस्कारों को।
302. राज्यपाल को स्थानान्तरित करने का अधिकार किसको है?
उत्तर: राष्ट्रपति को।
303. यीटील्स क्या है?
उत्तर: यीटील्स पांच व्यक्तियों द्वारा यनाया गया ब्रिटेन का सयसे प्रसिद्ध संगीत दल है। इन पांच में से अय केवल दो व्यक्ति ही जीवित है।
304. योजना आयोग के अध्यक्ष है?
उत्तर: प्रधानमंत्री।
305. भारत के तोप भेदी मिसाइल का नाम है?
उत्तर: नाग।
306. भारत का सयसे लंया राष्ट्रीय मार्ग है?
उत्तर: राष्ट्रीय मार्ग संख्या 7
307. राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित अभिनेत्री कोन्कना सेन शर्मा के नाम के साथ सेन एवं शर्मा कैसे जुड़ा?
उत्तर: अभिनेत्री मां अपर्णा से सेन एवं पत्रकार पिता मुकुल से शर्मा।
308. गांधी फिल्म में जिन्ना का रोल किया था?
उत्तर: अलोक पद्‌मसी ने।
309. विश्व की सयसे यड़ी मोयाइल फोन कंपनी है?
उत्तर: वोडाफोन।
310. विश्व में प्रथम भूतल रेल परिवहन की शुरुवात किस शहर में हुई थी?
उत्तर: लंदन।
311. एवरेस्ट की ऊंचाई है?
उत्तर: 29,029 फुट।
312. कार्टून चरित्र – मिक्की माउज के रचियता है?
उत्तर: वाल्ट डिजनी।
313. इंदिरा गांधी नहर की लंयाई है?
उत्तर: 959 कि.मी.।
314. 1972 में इंडिया गेट पर किस राष्ट्रीय स्मारक की स्थापना की गई थी?
उत्तर: अमर जवान।
315. भारत का सयसे यड़ा खनिज स्रोत?
उत्तर: कोयला।
316. भिलाई इस्पात संयत्र किस राज्य में है?
उत्तर: छत्तीसगढ़।
317. वेन हर के निदेशक?
उत्तर: विलियम वायलर।
318. भारत में सयसे बड़ी मस्जिद?
उत्तर: नई दिल्ली की जामा मस्जिद।
319. एम्येसडर कार यनाने वाली कंपनी का नाम है?
उत्तर: हिन्दुस्तान मोटर्स।
320. वास्को डिगामा सन् 1924 में किस रूप में भारत आया?
उत्तर: भारत के पुर्तगाल के वायसराय के पद पर।
321. भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के अग्रणी नेता जो भारत रत्न से सम्मानित प्रथम विदेशी हुए।
उत्तर: खान अब्दुल गफ्फार खान।
322. प्राचीन यूनान के तीन महान नाट्यकार?
उत्तर: यूरीपेडेस, एसिकीलस और सोफोकल्स। (Euripedes, Aeschylus & Sophhocles)
323. ओलंपिक खेलों में 7 स्वर्ण जीतने वाले पहले एथलीट?
उत्तर: मार्क स्पिट्ज।
324. अंग्रेजी बोलने वाले ब्रिटेन में अधिक हैं या सं.रा.अमरीका में?
उत्तर: सं.रा.अमरीका में।
325. अल–मनलकाह अल–उर्दुन्नियाह अल हशिमियाह देश किस नाम से जाना जाता है?
जोर्डन।
326. हेन्सेन्स विमारी क्या है?
उत्तर: कुष्ठ रोग।
327. किसान घाट किनकी समाधि है?
उत्तर: चौधरी चरण सिंह की।
328. लंये समय तक भुने हुए काफी के यीज के पाउडर को गर्म वाष्प से तैयार की गई काफी का नाम?
उत्तर: एस्प्रेसो।
329. महान फिलीस्तीन योद्धा जिसको डेविड ने पत्थर मार कर हत्या की थी का नाम?
उत्तर: गोलियाथ।
330. दी टर्मिनेटर, ट्विन्स, लास्ट एक्शन हीरो, फिल्में किस महान अभिनेता की याद दिलाती हैं जोकि वर्तमान में एक प्रदेश के गर्वनर है?
उत्तर: अर्नाल्ड श्वार्जेनेगर।
331. सर्वाधिक धान की उपज करने वाले दो देशों का नाम?
उत्तर: भारत और चीन।
332. मानव का दूसरा सयसे यड़ा अंग?
उत्तर: यकृत (Liver)

334. समुद्र के अंदर भूकंप या ज्वालामुखी फटने से शक्तिशाली धाराओं को क्या कहते हैं?
उत्तर: सुनामिस
335. श्रीलंका के गांधी के नाम से कौन विख्यात है?
उत्तर: ए.टी. अर्यारत्ने।
336. 1926 में सबसे पहले टेलीविजन का प्रदर्शन किसने किया था?
उत्तर: जोन लोगी बियर्ड।
337. उसे क्या कहेंगे जो कि नियंत्रण से बाहर होकर बनाने वाले को ही नष्ट कर देता है?
उत्तर: भस्मासुर।
338 अमीलिया अरहार्ट पहली महिला हैं जिन्होंने 1932 में .... पर उड़ान भरी?
उत्तर: एटलांटिक।
339. ऐसी स्थिति जिसमें उत्पाद या अनेक विक्रेताओं की सेवाओं को एक ही व्यक्ति खरीद ले?
उत्तर: मोनोपसोनी (अर्थशास्त्र का तकनीकी शब्द)।
340. विश्व का दक्षिणोत्तर छोर?
उत्तर: पुंटा अरेनास।
341. भारत के राष्ट्रपति को क्षमादान करने का अधिकार है, क्या ऐसा अधिकार राज्यपाल को भी है?
उत्तर: हां।
342. मुगल शासक बाबर के नाम का अर्थ?
उत्तर: शेर।
343. ब्रिटेन के महाराज किंग हेनरी आठवें की दो पत्नियों के नाम जिनके सर काट दिये गये थे?
उत्तर: एन्नी बोलीन और कैथरीन हावर्ड।
344. गोल्फ के सुपर स्टार जिनके पिता अफ्रीकी–अमरीकी और मां थाई हैं का नाम?
उत्तर: टाइगर वूड्स।
345. पैट्रिक स्टेपटो और राबर्ट एडवर्ड्स द्वारा विकसित तकनीक जिसमें गर्भाशय के बाहर गर्भ ठहरता है?
उत्तर: इन वाइट्रो फर्टिलाइजेशन।
346. जीसस क्राइस्ट का शिष्य जिसने उनके साथ धोखा किया?
उत्तर: जुदास।
347. अल्फा और ओमेगा का अर्थ?
उत्तर: शुरुवात व अंत।
348. मध्यरात्रि के बाद के तीन से चार घंटो को क्या कहते हैं?
उत्तर: छोटे घंटे।
349. ऐसा पौधा जिसकी न तो जड़ है , न तना और न ही पत्तियां हैं?
उत्तर: मशरूम।
350. हिमयुग की समाप्ति के बाद युरोप में क्रो मैग्नोम मानव रहते थे, कहां?
उत्तर: दक्षिणी फ्रांस।
351. युरोप का सबसे ऊंचा पर्वत?
उत्तर: माउंट एल्ब्रस।
352. कितने वर्ष पुरानी वस्तु एंटीक कहलाती है?
उत्तर: 60 वर्ष।
353. किस वर्ष 26 जनवरी को स्वराज्य दिवस के रूप में मनाया गया था?
उत्तर: 1930 में।
354. भारत रत्न से सम्मानित प्रथम वैज्ञानिक।
उत्तर: सी.वी.रमन।
355. एक कैलोरी मात्रा कितनें ग्राम पानी के तापमान में एक डिग्री की वृद्धि करती है?
उत्तर: एक ग्राम।
356. 'डेड सी' किन दो देशों की सीमाओं के बीच में हैं?
उत्तर: इजराइल व जोर्डन।
357. परिवार व दोस्तों के बीच ली के नाम से जाने वाले टेनिस खिलाड़ी?
उत्तर: लियेंडर पेइस।
358. एम.सी. का विस्तृत नाम?
उत्तर: मास्टर आफ सेरीमनीज।
359. भारत का सबसे बड़ा फल?
उत्तर: कटहल, जिसे फणस भी कहते हैं।
360. एवरेस्ट पर 10 बार सफल पर्वतारोही का नाम?
उत्तर: रीता आंग।
361. ब्रिटेन में गेंहू को कार्न कहते हैं, अमरीका में क्या कहते हैं?
उत्तर: मेज।
362. प्रथम विश्वयुद्ध में मित्रराष्ट्र?
उत्तर: ब्रिटेन, फ्रांस, रूस,इटली और अमरीका।
363. प्रथम श्रेणी क्रिकेट मैच में 100 शतक लगाने वाले पहले वेस्ट इंडीज के खिलाड़ी?
उत्तर: विवियन रिचर्ड्स।
364. सीक्रेट 7 व 5 सीरीज जैसी रोमांचक कथाओं के लेखक?
उत्तर: इनड ब्लाइटन।
365. इंग्लैंड की क्रिकेट टीम में प्रथम भारतीय?
उत्तर: रणजीत सिंहजी
367. 1896 के ओलंपिक में कितनी महिलाओं ने भाग लिया था?
उत्तर: एक भी नहीं।
368. मानव मस्तिष्क में तांबे की कितनी मात्रा होती है?
उत्तर: 6 मिली ग्राम।
369. भारतीय प्रशासनिक सेवा छोड़ने के बाद मैगसायसाय पुरस्कार से सम्मानित होने वाली भारतीय महिला?
उत्तर: अरुणा राय।
370. भारत में राज्यपाल बनने के लिये निम्नतम आयु है?
उत्तर: 35 वर्ष।
371. किस देश में
उत्तर: सं.रा.अमरीक
372. फिल्म गांधी मे
उत्तर: तीन लाख क

373. नेशनल इंस्टीट्यूट आफ स्पोर्ट्स कहां पर है?
उत्तर: पटियाला?
374. किस देश में सर्वाधिक यहूदी हैं?
उत्तर: सं.रा.अमरीका।
375. किस भाषा की अपनी लिपि नहीं है नेपाली या कोंकणी?
उत्तर. कोंकणी।
376. सौर मंडल के पांचवा सबसे बड़ा ग्रह?
उत्तर: पृथ्वी।
377. प्रथम फुटबाल विश्व कप (1930) कहां हुआ था?
उत्तर: उरुग्वे।
378. किस वंश ने चीनियों को विद्रोह करवा कर गणतंत्र राज्य की स्थापना की थी?
उत्तर: मांचू।
379. फिल्म टाइटैनिक में माई हार्ट विल गो आन गीत किसने गाया है?
उत्तर: सैलिन डियोन।
380. भारत का सबसे पुराना सेंट फ्रांसिस चर्च किस शहर में है?
उत्तर: कोच्चि (केरल)।
381. 1919 में रूस के बाहर एम.एन.राय ने किस देश में कम्युनिस्ट पार्टी की स्थापना की थी?
उत्तर: मैक्सिको।
382. सबसे पहले किस मुख्यमंत्री का बेटा उसी प्रांत का मुख्यमंत्री बना?
उत्तर: श्यामाचरण शुक्ला (मध्य प्रदेश, उनके पिता पं. रविशंकर शुक्ला मुख्यमंत्री रहे थे)
383. किस वर्ष में गांधी जी ने धोती कुर्ते का त्याग किया?
उत्तर: 1921 में।
384. प्रेसीडेंसी बैंक आफ कलकत्ता, बांबे और मद्रास को एक करके किस बैंक की शुरुवात हुई थी?
उत्तर: इम्पीरियल बैंक आफ इंडिया।
385. किस देश ने शरजाह कप – 2000 जीता?
उत्तर: श्री लंका ने।
386. इम्फाल के बालगृह का लड़का जिसने 16 वर्ष बाद एशियाई खेलों में भारत को मुक्केबाजी का स्वर्ण दिलाया?
उत्तर: डिंको सिंह।
387. लुइस पास्चर की उस जीवाणु की खोज जो दूध को खट्टा कर देता है की समाप्ति की प्रक्रिया को क्या कहते हैं?
उत्तर: पास्चराइजेशन।
388. ब्राजील की आधिकारिक भाषा?
उत्तर: पुर्तगाली।
389. डा.जैक कोवोरकियान किस लिये चर्चा में हैं?
उत्तर: मर्सी किलिंग के लिये।
390. संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के स्थाई सदस्य?
उत्तर: चीन, फ्रांस, रूस, यू.के.और यू.एस.ए.।
391. युनेस्को का मुख्यालय?
उत्तर: पेरिस।
392. कामनवेल्थ का वास्तविक नाम?
उत्तर: दी ब्रिटिश कामनवेल्थ आफ नेशन्ज।
393. भारत के सबसे युवा मुख्यमंत्री थे?
उत्तर: प्रफुल्ल कुमार महंतो (असम, 1985)।
394. ओलंपिक स्वर्ण जीतने वाली प्रथम महिला?
उत्तर: कार्लोटे कूपर ,ब्रिटेन (1900 में टेनिस का स्
395. ब्रिटेन में ट्रैफिक बायें से चलता है या दायें से
उत्तर: बायें से।
396. बरबडोस के निवासियों को हम क्या कहते हैं
उत्तर: बर्बडियन।
397. सर्वाधिक उद्धरणीय लेखक?
उत्तर: शेक्सपियर और चार्ल्स डिकेन्स।
398. किस देश में सर्वाधिक सार्वजनिक पुस्तकालयें
उत्तर: रूस।
399. 'आदिवासी लेखक द्वारा लिखी प्रथम कविताओं पुस्तक?
उत्तर: 'वी आर गोइंग' लेखक काथ वाकर।
400. इनमें से कितने कप/ ट्राफी क्रिकेट से जुड़े रणजी ट्राफी, सहारा कप, डुरांड कप, विल्स ट्रा
उत्तर: डुरांड कप के अतिरिक्त समस्त।
401. सत्यजीत राय की अंतिम फिल्म?
उत्तर: आगुंतक।
402. फ्रांस की महानायिका 'जोन आफ आर्क का दूसरा
उत्तर: मेड आफ ओर्लीन्स।
403. 'जान बुल' विशेष रूप से प्रयुक्त किया जाता
उत्तर: अंग्रेजों के लिये।
404. फिल्म सर्वाइविंग पिकासो में पिकासो की भू किसने की?
उत्तर: एंथोनी होपकिन्स ने।
405. थ्योरी आफ व्हाइट ड्वार्फ स्टार्स का किसने वि किया?
उत्तर: डा.चंद्रशेखर सुब्रह्मण्यम ने।
406. एसोसियेशन फुटबाल का छोटा रूप?
उत्तर: सोकर।
407. काश्मीर के शासक जिन्होंने 1947 में काश्मी भारत में विलय कर दिया का नाम?
उत्तर: राजा हरि सिंह।
408. विश्व का सबसे बड़ा एनिमल राइट्स आर्गनाइजे
उत्तर: पीपुल फार दी एथिकल ट्रीटमेंट आफ एनि (पेटा)।
409. म्यूजिक रिकार्डिंग उद्योग का सबसे प्रति पुरस्कार?
उत्तर ग्रैमी पुरस्कार।
410. लाल बहादुर शास्त्री को भारत रत्न सम्मा विशेषता क्या थी?
उत्तर: पहला मरणोपरांत सम्मान।
411. कथा मुख्यता तीन भागों मस्जिद, गुफायें और शीर्षकों में लिखी गई, हम किस किताब की या रहे हैं?
उत्तर: ई.एम.फार्स्टर की ए पैसेज टू इंडिया।

412. भारत में ताजे पानी की सबसे बड़ी झील?
उत्तर: कोल्लेरु झील (आंध्र प्रदेश)
413. वीनस विलियम और सेरेना विलियम में बड़ी बहन कौन है?
उत्तर: वीनस।
414. तारपीडो के नाम से कौन प्रख्यात हैं?
उत्तर: इयान थोर्पे।
415. आस्ट्रेलिया में आधुनिक ओलंपिक किस वर्ष पहली बार हुए?
उत्तर: 1956 (मेलबोर्न)
416. हैदराबाद की बैथिनी गौड़ परिवार किस बात के लिये विख्यात है?
उत्तर: जिंदा मछली खिलाकर अस्थमा का इलाज करने के लिये।
417. शतरंज के बोर्ड में कितने काले खाने होते हैं?
उत्तर: 32
418. पी.टी.ऊषा के बाद कौन सी भारतीय एथलीट ने एशियाई खेलों में दो स्वर्ण जीते?
उत्तर: ज्योतिरमय सिकदार।
419. वर्ल्ड आफ प्रोफेशनल फुटबाल पर फिल्म का नाम?
उत्तर: एनी गिवन सनडे।
420. कोक्स बाजार (बंगलादेश) किस लिये विख्यात है?
उत्तर: विश्व के सबसे लंबे (120 किमी.) समुद्री तट के लिये।
421. अज्ञेय के नाम से विख्यात हिंदी लेखक?
उत्तर: सच्चिदानंद हीरानंद वात्सायन।
422. भारत का सबसे बड़ा व्यवसायिक बैंक?
उत्तर: स्टेट बैंक आफ इंडिया।
423. युवाओं के एक लोकप्रिय कपड़े का नाम एक फ्रांसीसी शहर के नाम पर रखा गया है?
उत्तर: डेनिम।
424. किस भारतीय राज्य की तीन सीमाएं बंगलादेश से जुड़ी हुई है?
उत्तर: त्रिपुरा।
425. भारत की प्रथम परखनली शिशु का नाम जोकि अब 25 वर्षीय हो चुकी है?
उत्तर: कनुप्रिया अग्रवाल।
426. वह व्यक्ति जिसने एनालिटिकल इंजन बनाया जिसमें आधुनिक कंप्यूटर के आधार थे?
उत्तर: चार्ल्स बाब्बेज।
427. ऊर्जा का सूर्य के अतिरिक्त एक महत्वपूर्ण स्रोत?
उत्तर: परमाणु ऊर्जा।
428. रोबोट शब्द किसने बनाया?
उत्तर: चेक के नाट्यलेखक कारेल कापेक।
429. 1938 में लासालो बिरो ने आविष्कार किया था?
उत्तर: बाल प्वाइंट पेन।
430. लिफ्ट का आविष्कार केवल एक महाराजा के इस्तेमाल के लिये किया गया था, वे कौन थे?
431. फ्रांस के किंग लुइस 15वें।
432. पहला संचार उपग्रह?
उत्तर: स्कोर।

433. अंतरिक्ष कहां से प्रारंभ होता है?
उत्तर: हमारे शहर से करीब 1 6.0 किलोमीटर की ऊंचाई से।
434. मार्क ट्वेन ऐसे पहले प्रसिद्ध लेखक थे जिन्होंने एक आविष्कार का इस्तेमाल किया?
उत्तर: टाइपराइटर का।
435. एक किलोवाट 1000 वाट के बराबर होता है, एक मेगावाट .... ?
उत्तर: 1,000,000 वाट।
436. एक सेब को पचाने में हमारे शरीर को कितना समय लगता है?
उत्तर: लगभग डेढ़ घंटे।
437. पहली बार अंतरिक्ष में जाने वाला जानवर ?
उत्तर: लाइका नाम की कुतिया।
438. राकेट से अंतरिक्ष में गया पहला जानवर ?
उत्तर: अल्बर्ट नामक बंदर।
439. मुश्ताक अली क्यों प्रसिद्ध हैं?
उत्तर: मात्र 15 वर्ष की आयु से उन्होंने पाकिस्तान के लिये क्रिकेट टेस्ट खेलना प्रारंभ कर दिया था।
440. 1977 में दो बोइंग 747 विमानों की आकाश में टक्कर से 583 व्यक्तियों की मौत हुई थी, कहां?
उत्तर: केनरी प्रायद्वीप में टेनिरेफ में।
441. गगारिन, टिटोव, ग्लेन, कार्पेंटर कौन हैं।
उत्तर: अंतरिक्ष में प्रथम मानव।
442. दक्षिण अफ्रीका, अमरीका, आस्ट्रेलिया, पूर्व सोवियत संघ सर्वाधिक ....का उत्पादन करते हैं?
उत्तर: स्वर्ण।
443. 'साइको', 'रियर विंडो', 'वर्टिगो', और 'दी बर्ड्स' फिल्मों के निदेशक कौन थे?
उत्तर: सभी का निदेशन एल्फ्रेड हिचकाक ने किया था। गठन
444. फिल्म बेन हुर को 11 आस्कर मिले, फिल्म गांधी को कितने मिले?
उत्तर: 8
445. फिल्म थंडर बाल और दी स्पाइ हू लव्ड मी में। किसने जेम्स बांड की भूमिका निभाई थी
उत्तर: क्रमशः सीन कोनरी और रोजर मूर।
446. वह पुस्तकालय जहां 28 मिल्यन ... को सर्वप्रथम
उत्तर: वाशिंग्टन में लाइब्रेरी आफ कांग्रेस
447. कवि तुलसीदास का वास्तविक नाम किस संविधान
उत्तर: रामबोला।
448. राजा टोडरमल कौन थे? ...
उत्तर: राजा अकबर
449. भारत में
....
उत्तर: कुर्ला
450. 19
उत्तर:

451. स्वामी विवेकानंद ने 1893 में वर्ल्ड पार्लियामेंट आफ रेलिजियन में .... अपना पहला भाषण दिया था?
उत्तर: शिकागो।
452. भारत के पहले गैर कांग्रेसी प्रधानमंत्री?
उत्तर: मोरारजी भाई देसाई।
453. विश्व में सबसे बड़ी मानव निर्मित झील ओवेन फाल किस देश में है?
उत्तर: उगांडा।
454. शिकागो के सियर्स टावर में कुल कितनी मंजिले हैं?
उत्तर: 110
455. श्रीलंका के एक बड़े खिलाड़ी पर नशा करने (डोपिंग) का आरोप लगा है, किस पर?
उत्तर: सुसान्थिके जयसिंघे
456. अगस्त 98 की शुरुवात में अफ्रीका में दो स्थानों पर अमरीकी दूतावास में बम विस्फोटों में कई जाने गईं थीं, वे कौन से स्थान थे?
उत्तर: नैरोबी व दार एस सलाम
457. सारिस्का और रणथंभौर किस प्राणी के लिये सुरक्षित वन है?
उत्तर बाघ
458. वर्ष 1999 से हमारे देश में एक दिन को प्रौद्योगिकी दिवस के रूप में मनाया जायेगा, कौन सा दिन
उत्तर: 11 मई
459. भारत के संविधान के किस परिच्छेद में संसद/विधानसभा को कानून बनाने के लिये संवैधानिक अधिकार देता है?
: 245
०0. मंदी से किस वर्ग के लोगों को लाभ होता है?
उत्तर: ऋण लिये हुए लोगों को
461. पेड़ की आयु का आंकलन ?
उत्तर: तने के क्रास सेक्शन में रिंग की गिनती करने से
462. लाल रक्त कोशिकाओं की शरीर में कहां उत्पत्ति होती है?
उत्तर बोन मैरो
463. सुप्रसिद्ध मनोवैज्ञानिक सिंगमड फ्रायड किस देश के नागरिक थे?
उत्तर: आस्ट्रेलिया।
464. अगर बैरोमीटर की रीडिंग तेजी से गिरनी शुरु हो जाये तो ये मौसम के किस मिजाज का सूचक है?
उत्तर: तूफानी
465. बैंको द्वारा प्रारंभ किये किस भुगतान को प्लास्टिक मनी कहा जाता है?
उत्तर: क्रेडिट कार्ड
466. जाकिंग किस से संबधित है?
उत्तर: घुड़दौड़।
467. दत्ता सामंत जिनकी मुंबई में गोली मार कर हत्या कर दी गई थी वे विख्यात........................ थे?
उत्तर: ट्रेड यूनियन लीडर
468. केंद्रीय चावल शोध संस्थान किस शहर में है?
उत्तर: कटक
469. केरल का शास्त्रीय नृत्य है?
उत्तर: कथकली
470. विश्व बैंक का मुख्यालय कहां है?
उत्तर: वाशिंग्टन
471. इंडिया 2020 – विजन फार दी न्यू मिलियेनियम बहुत चर्चित पुस्तक है। इसके लेखक कौन हैं?
उत्तर: अबुल कलाम आजाद
472. डा. जयंत वी. नार्लिकर प्रसिद्ध हैं?
उत्तर: भौतिक विज्ञानी के रूप में।
473. कौन सी धातु विद्युत की सर्वश्रेष्ठ संचालक है?
उत्तर: चांदी
474. विश्व का दूसरा सबसे बड़ा समुद्र–तट कौन–सा है?
उत्तर: भारत में चेन्नई का मरीना बीच
475. जल को शुद्ध करने के लिये कौन सी गैस प्रयुक्त की जाती है?
उत्तर: क्लोरीन
476. प्रसिद्ध मूर्तिदेवी पुरस्कार किस लिये दिया जाता है?
उत्तर: साहित्य, कला
477. खट्टे फल कौन से विटामिन से समृद्ध होते हैं?
उत्तर: सी
478. अर्जुन पुरस्कार किस लिये दिया जाता है?
उत्तर: खेल
479. कलिंगा पुरस्कार कौन सा संगठन देता है?
उत्तर: युनेस्को
480. बौद्ध मंदिर के अवशेषों के लिये प्रसिद्ध सारनाथ किस शहर के निकट है?
उत्तर: वाराणसी
481. भारत में प्रथम परमाणु भट्टी का नाम ?
उत्तर: अप्सरा
482. नुमिस्मैटिक अध्ययन है?
उत्तर: सिक्के
483. जापान की संसद का नाम?
उत्तर: डायट
484. मैगाबाइट किसको मापने की इकाई है?
उत्तर: कंप्यूटर की मैमोरी कैपेसिटी
485. ज्यूरिख जिसे युरोप की वित्तीय राजधानी कहा जाता है किस देश में है?
उत्तर: स्विटजरलैंड
486. गोल्फ को एशियाडी खेलों में किस वर्ष शामिल किया गया?
उत्तर: 1982
487. भारत में जन्में वैज्ञानिक सुब्राहमण्यम चंद्रशेखर को किस अध्यन के लिये नोबल पुरस्कार मिला था?
उत्तर: एस्ट्रोफिजिक्स
488. निम्न में से कौन सी गैस वायु में अधिकता में होती है?
उत्तर: नाइट्रोजन

489. सूर्य प्रकाश का कौन सा भाग सोलर कुकर को गर्म करता है?
उत्तर: इन्फ्रारेड
490. किस महान खिलाड़ी के जन्मदिवस को राष्ट्रीय खेल दिवस के रूप में मनाया जाता है?
उत्तर: ध्यानचंद।
491. ध्यानचंद ने कितने ओलंपिक में भारत का प्रनिधित्व किया?
उत्तर: तीन।
492. राजीव गांधी खेल रत्न से सम्मानित होने वाले प्रथम खिलाड़ी का नाम?
उत्तर: विश्वनाथ आनंद।
493. पी.टी. ऊषा ने कुल कितने एशियाई खेलों में भागीदारी की?
उत्तर: पांच।
494. पदमश्री से सम्मानित होने वाले प्रथम एथलीट?
उत्तर: मिल्खा सिंह।
495. देश की सबसे पुरानी हाकी प्रतियोगिता?
उत्तर: बेटन कप
496. दिवंगत मुक्केबाज हवा सिंह ने किन दो एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीता था?
उत्तर: 1966, 1970 (रोम)।
497. प्रथम भारतीय अतर्राष्ट्रीय शतरंज मास्टर का नाम?
उत्तर: जयश्री खाडिंलकर।
498. टेस्ट मैच में पहला अर्ध शतक बनाने वाले खिलाड़ी का नाम?
उत्तर: अमर सिंह
499. शरीर में ऊतकों (Tissues) का निर्माण होता है
उत्तर: कार्बोहाड्रेट्स से।
500. रक्त में लाल रंग किसके कारण होता है?
उत्तर: आर.बी.सी.
501. किस ग्रह के चारों ओर वलय हैं ?
उत्तर: शनि
502. सबसे बड़ा ग्रह कौन सा है?
उत्तर: बृहस्पति
503. प्रसिद्ध भारतीय वैज्ञानिक सी.वी.रमन के 'रमन इफेक्ट' खोज के दिन को विज्ञान दिवस के रूप में मनाया जाता है। यह किस तिथि को मनाया जाता है?
उत्तर: 28 फरवरी ।
504. सतह से सतह पर मार करने वाली भारतीय रक्षा मिसाइल कौन सी है?
उत्तर: पृथ्वी
505. भारत ने अपना पला टेस्ट क्रिकेट मैच कब और किसके विरुद्ध जीता?
उत्तर: 6 फरवरी 1952, इंग्लैंड के विरुद्ध।
506. अस्थियों का अध्ययन विज्ञान की किस शाखा के अन्तर्गत किया जाता है?
उत्तर: ओस्टयोलोजी
507. समैनोमीटर के द्वारा किसकी माप की जाती है?
उत्तर: द्रव्यों का घनत्व ।
508. पृथ्वी के सबसे निकट ग्रह है?
उत्तर: शुक्र
509. पोलियो के टीके की खोज की ?
उत्तर: जोन्स साल्क ।
510. 'ब्राइटस' रोग मनुष्य के किस भाग से संबंधित है?
उत्तर वृक्क
511. खून के थक्के जमने से संबंधित विटामिन है?
उत्तर: विटामिन – K
512. फोटोग्राफी में किस तत्व का प्रयोग किया जता है?
उत्तर: सिल्वर ब्रोमाइड ।
513. गाय के दूध में पीलापन किस तत्व का कारण?
उत्तर: कैरोटिन
514. मनुष्य के शरीर में कितनी हड्डियां होती हैं?
उत्तर 206
515. किस द्रव के एकत्रित होने पर मासपेशियां थकान का अनुभव करने लगती है?
उत्तर लैक्टिक एसिड
516. पृथ्वी की आयु का मापन निम्न में से किस विधि द्वारा किया जाता है ?
उत्तर: कार्बन – डेटिंग द्वारा ।
517. सौरमंडल का सबसे अधिक ठंडा ग्रह है?
उत्तर: प्लूटो (Pluto) ।
518. डी.एन.ए में उपलब्ध कौन सा यौगिक एमीनो अम्ल नहीं बनाता है?
उत्तर: टायरोसीन
519. 'आयुर्वेद' अर्थात् 'जीवन का विज्ञान' का उल्लेख सर्वप्रथम मिलता है?
उत्तर: अथर्ववेद में
520. मूल अधिकार के अंतर्गत नहीं आता है?
उत्तर: समानता का अधिकार ।
521. भाषा के आधार पर राज्यों के गठन हेतु राज्य पुनर्गठन आयोग की स्थापना कब की गई थी?
उत्तर: 1956
522. संविधान सभा की प्रथम बैठक की अध्यक्षता किसने की थी?
उत्तर: डा. सच्चिदानन्द सिन्हा ।
523. भारत का संविधान सभा ने राष्ट्रीय ध्वज को सर्वप्रथम कब स्वीकार किया?
उत्तर: 22 जुलाई 1947 ।
524. संविधान में 'धर्म निरपेक्ष' शब्द किस संविधान संशोधन द्वारा जोडा गया?
उत्तर: 42 वें ।
525. भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का प्रथम अध्यक्ष कौन था?
उत्तर: डब्ल्यू. सी. बनर्जी ।
526. कुतुबुद्दीन ऐबक की राजधानी कहां थी?
उत्तर: लाहौर।

527. 'जयहिन्द' किसका नारा था?
उत्तर: सुभाष चन्द्र योस ।
528. 'भारत का नैपोलियन' किसे कहा जाता है ?
उत्तर: समुद्रगुप्त।
529. भारत रत्न अलंकरण सर्वप्रथम किसे प्रदान किया?
उत्तर: सी. राज गोपालाचारी
530. सर्वेन्ट आफ इंडिया सोसायटी के संस्थापक कौन थे ?
उत्तर: गोपाल कृष्ण गोखले
531. हवेनसांग किसके शासन काल में भारत आया था?
उत्तर: सम्राट हर्ष
532. 1857 की क्रांति सर्वप्रथम कहां से प्रारंभ हुई?
उत्तर: मेरठ
533. विश्व में न कुछ अच्छा है न युरा, केवल हमारे विचार ही उसे अच्छा या युरा यना देते हैं, किसने कहा था?
उत्तर: शेक्सपियर
534. 1857 के विद्रोह के समय में कौन ब्रिटिश गवर्नर जनरल था?
उत्तर: लार्ड कैनिंग ।
535. भारत का दक्षिणतम् विन्दु कहां है?
उत्तर: इंदिरा प्वाइंट ।
534. गुलाम वंश का संस्थापक कौन था?
उत्तर: कुतुयुद्दीन ऐयक ।
5. भारत में प्रथम यार रेल कय चली?
1853
सती प्रथा का अंत किसके द्वारा किया गया?
लार्ड विलियम यैंटिग ।
7. विदेशियों में से सयसे पहले कौन भारत आया?
: पुर्तगाली ।
38. मुहम्मद गोरी को सयसे पहले किस राजा ने पराजित किया था?
उत्तर: पृथ्वीराज चौहान
539. शक सम्वत् कय प्रारंभ किया गया?
उत्तर: 78 ई.।
540. सांची के स्तूप का निर्माण किसने कराया?
उत्तर: अशोक ।
541. महमूद गजनी का दरयारी इतिहासकार कौन था??
उत्तर: उत्वी ।
542. खजुराहो का 'कन्दारी' 'महादेव' मन्दिर का निर्माण कराया?
उत्तर: चन्देल ।
543. 'नेहरु एक राजनता थे जयकि जिन्ना एक राजनीतिक' यह कथन था
उत्तर: मौलाना अयुल कलाम आजाद ।
544. चट्टानों को काट कर महायलीपुरम् का मंदिर किसके द्वारा यनवाया गया?
उत्तर: पल्लव ।
545. स्वतंत्र भारत के प्रथम गर्वनर जनरल कौन थे ?
उत्तर: स्वतंत्र भारत के प्रथम गर्वनर जनरल लुईस मांउटयेटन 15 अगस्त 1947 से 20 जून 1948 तक रहे ।
546. स्वतंत्र भारत के दूसरे गर्वनर जनरल कौन थे ?
उत्तर: 21 जून 1948 से 25 जनवरी 1950 तक सी. राजगोपालाचारी भारत के पहले गर्वनर जनरल बने।
547.. भारत के प्रथम राष्ट्रपति कौन थे ?
उत्तर: भारत के प्रथम राष्ट्रपति डा.राजेन्द्र प्रसाद थे।इनका कार्यकाल 1950 से 1962 तक रहा ।
548. विधि विश्वविद्यालय कहां पर स्थापित किया गया?
उत्तर: यंगलौर
549. मकाओ द्वीप का चीन को स्थानान्तरण कय हुआ?
उत्तर 1999
550. भारत की सर्वोच्च पर्वत श्रेणी कौन सी है?
उत्तर: K_2 गाडविन आस्टिन
551. कर्क रेखा भारत के किस राज्य से होकर गुजरती है?
उत्तर: विहार।
552. केसर का वाणिज्यक स्तर पर उत्पादन किस राज्य में होता है?
उत्तर: जम्मू और कश्मीर
553. मध्य रात्रि का सूर्य दिखाई देता है?
उत्तर: उत्तरी ध्रुव पर
554. भारतीय यागवानी (Horticulture) विश्व विद्यालय कहां पर स्थित है?
उत्तर: सोलन (हिमाचल प्रदेश)
556. पेंगुइन चिड़िया कहां पाई जाती है?
उत्तर: अंटार्कटिका
557. किस महिला को सर्व प्रथम ज्ञानपीठ पुरस्कार मिला?
उत्तर: आशापूर्णा देवी
558. मंडल आयोग की रिपोर्ट तैयार हुई?
उत्तर: 1980
559. जवाहर लाल नेहरु द्वारा 2 अक्तूयर 1959 को कहां से पंचायती राज प्रारंभ किया गया?
उत्तर: नागौर
560. सर्वप्रथम भारत महोत्सव कहां मनाया गया?
उत्तर: ब्रिटेन 1982
561. किस देश को विश्व का 'चीनी का कटोरा' नाम से जाना जाता है?
उत्तर: क्यूया
562. भारत में सयसे कम वर्षा कहां होती है?
उत्तर: वीकानेर
563. नागार्जुन सागर यांध किस नदी पर है?
उत्तर: कृष्णा।
564. अंकोरवाट का मन्दिर कहां पर स्थित है?
उत्तर: कम्योडिया
565. विश्व की पहली महिला प्रधानमंत्री कौन थी?
उत्तर: सिरमाओ भन्डार नायके

567. वास्कोडिगामा दक्षिण भारत के किस वन्दरगाह पर उतरा था?
उत्तर: कालीकट
568. मूर्ति पूजा का आरंभ कय से माना जाता है?
उत्तर: पूर्व आर्य
569. सवसे छोटा महाद्वीप है?
उत्तर: आस्ट्रेलिया
570. कागज का सर्वप्रथम उत्पादन किया था?
उत्तर: चीनियों ने
571. किसी जहाज को सवसे कम समय में एक स्थान से दूसरे स्थान तक जाने के लिए किसे मार्ग वनाना चाहिए?
उत्तर: अक्षांश
572. अधिक मुद्रा की छपाई का परिणाम?
उत्तर: मुद्रास्फीति
573. भारत का मानक समय कहां से नापा जाता है?
उत्तर: इलाहावाद
574. नेलसन मंडेला 27 वर्ष याद जेल से रिहा किये गये?
उत्तर: 11 फरवरी, 1990 को
575. पहली त्रिशंकु सरकार किस वर्ष में वनी?
उत्तर: 1989
576. राज्य सभा के पहले सभापति?
उत्तर: एस.वी.कृष्णामूर्ति।
577. राज्य सभा की पहली महिला सभापति का नाम?
उत्तर: वायलेट अल्वा।
578. प्रधानमंत्री , जिन्होंने अपने कार्यकाल में एक वार भी संसद का सामना नहीं किया?
उत्तर: चौधरी चरण सिंह।
579. सर्वाधिक लोक सभा का चुनाव जीतने वाले राजनीतिज्ञ?
उत्तर: इंद्रजीत गुप्त।
580. सर्वाधिक 44 वर्ष तक लोकसभा के सदस्य रहने वाले नेता का नाम?
उत्तर: एन.जी.रंगा।
581. त्यागपत्र देने वाले प्रथम प्रधानमंत्री का नाम?
उत्तर: मोरारजी भाई देसाई।
582. केंद्रीय मंत्रिमंडल से त्यागपत्र देने वाले पहले मंत्री थे ?
उत्तर: श्यामा प्रसाद मुखर्जी।
583. सर्वाधिक 8 वार वजट पेश करने वाले वित्त मंत्री?
उत्तर: मोरारजी भाई देसाई।
584. किस भाषा में अफ्रीका के लेखक वोले सोइन्का लिखते हैं?
उत्तर: अंग्रेजी।
585. दादा साहेव फाल्के पुरस्कार जीतने वाले पिता–पुत्र?
उत्तर: पृथ्वीराज कपूर व राजकपूर।
586. वैंकाक में वसे भारतीय कृषि वैज्ञानिक डा. सुरिंदर के.वासल को कौन सा पुरस्कार मिला?
उत्तर: वर्ल्ड फूड प्राइज।
587. किस वर्ष मतदान की निम्नतम आयु 18 वर्ष की गई?
उत्तर: 1988 में।
588. Strategic Defence Initiative का छोटा नाम?
उत्तर: स्टार वार
589. प्रथम महिला जिनके पास 1060 जोड़े जूते थे?
उत्तर: फिलीपींस की इमेल्डा मार्कोस।
590. देश जिसका अर्थ Equater होता है?
उत्तर:: इक्वेडोर।
591. इजराइल के प्रथम प्रधानमंत्री?
उत्तर: वेन गुरियोन।
592. भारत में पहली वार विजली का लैंप किसने जलाया था?
उत्तर: वीकानेर के महाराजा ने 1896 में।
593. हेलेन ने पहली वार 1957 में किस भारतीय फिल्म में राक एन रोल नृत्य किया?
उत्तर: वारिश।
594. प्रथम भारतीय वायु सेना प्रमुख?
उत्तर: एयर मार्शल एस.मुखर्जी।
595. रेड वाइन में पूरा अंगूर प्रयुक्त होता है, व्हाइट वाइन में?
उत्तर: अंगूर का जूस।
596. ओक्सव्लड क्या है?
उत्तर: एक प्रकार का रंग (गहरा लाल रंग या भूरा–लाल)
597. जापान के द्वितीय विश्व युद्ध में आत्महत्या करने वाले जापानी पायलटों को क्या कहा गया?
उत्तर: कामिकाजे।
598. जैकब्स लैडर – पौधा/ सीढ़ी/ यंत्र है?
उत्तर: पौधा।
599. रूसी भाषा में इजवेस्टिया का अर्थ?
उत्तर: समाचार।
600. रक्त में शर्करा की मात्रा को कौन नियंत्रित करता है?
उत्तर: इंसुलिन।
601. युनानी पुरा कथाओं में अनेक सरों वाले राक्षस?
उत्तर: हाइड्रा।
602. ओस्कर पुरस्कार के समकक्ष ब्रिटेन का पुरस्कार?
उत्तर: ब्रिटिश अकादमी आफ फिल्म्स एंड टी.वी. आर्ट्स एवार्ड (वाफ्टा)
603. मून वाक के लेखक?
उत्तर: माइकल जैक्सन।
604. लंबे समय तक बेहोशी में रहने वाले को चिकित्सा की भाषा में क्या कहते हैं?
उत्तर: कोमा।
605. बंकिंघम पैलेस में कमरों की संख्या?
उत्तर: 602
606. माउंट आबु पर्वतीय स्थल किस राज्य में है?
उत्तर: राजस्थान।
607. यू.के. की सबसे पुरानी युनिवर्सिटी?
उत्तर: आक्सफोर्ड।

608. वैलेंटीनी टेरेशकोव किस अंतरिक्ष यान में बैठ कर अंतरिक्ष में गईं?
उत्तर: वोस्टोक 6
609. उसने सोचा कि यह एशिया है लेकिन निकला वेस्ट इंडीज, अन्वेषण कौन था?
उत्तर: क्रिस्टोफर कोलंयस।
610. प्रथम विश्व युद्ध में ब्रिटेन व जर्मनी के यीच सयसे यड़ा समुद्री युद्ध कहां हुआ था?
उत्तर: जुटलैंड।
611. कोलंयो प्लान का नाम – शहर/ व्यक्ति/कैनाल पर रखा गया?
उत्तर: शहर।
612. वायु गति को मापने के लिये स्केल का नाम?
उत्तर: Beaufort scale.
613. भरात की पहली टेक्नीकलर फिल्म?
उत्तर: झांसी की रानी।
614. विश्व की पहली भूमिगत ट्रेन किस शहर में शुरु हुई?
उत्तर: लंदन।
615. कर्नाटक संगीत में 40 के दशक में शिखर पर पंहुचने वाली तीन गायिकायें?
उत्तर: एम.एस.सुब्बालक्ष्मी, डी.के .पट्टाम्माल, एम.एल.वसंताकुमारी।
616. हरारे का पुराना नाम?
उत्तर: सालिसयरी।
617. भारत सरकार द्वारा पहली यार राष्ट्रीय प्रदर्शनी लगाई गई?
उत्तर: नई दिल्ली (1958)
18. समुद्र का सयसे गहरा भाग क्या है?
: ओशन ट्रेंचेंज।
619. चार प्रमुख जातीय वर्ग हैं, नीग्रोएड, आस्ट्रालोएड, मोंलोएड और .... ?
उत्तर: काकासोयेड।
620. नेपाल में रहने वाले पर्वतारोहण के समय योझा उठाने वालों को क्या कहते हैं?
उत्तर: शेरपा।
621. दक्षिण अफ्रीका में रंगभेद के दौरान Ciskei &Transkei क्या थे?
उत्तर: होमलैंड।
622. संतरे का कौन भाग सौंदर्य प्रसाधन में प्रयुक्त होता है?
उत्तर: संतरे का छिलका।
623. दूसरे संसार में पंहुचने वाला पहला अंतरिक्ष यान था ?
उत्तर: लूना-2 (1959 में यह चंद्रमा में ध्वस्त हो गया था)
624. अर्थ सम्मिट 1992 में कहां हुई थी?
उत्तर: रियो डी जेनेरियो में।
625. चीन की सीमायें कितने देशों के साथ मिलती हैं?
उत्तर: 14
626. भाषा किरुंडी किस देश में योली जाती है?
उत्तर: युरुंडी में।
627. किस देश में आधिकारिक तीन भाषाएं है?
उत्तर: सिवट्जरलैंड।
628. कहां पर ब्ल्यू रूम, दी रेड रूम, दी ग्रीन रूम अ रोज रूम हैं?
उत्तर: व्हाइट हाउस (सं.रा. अमरीका)
629. भारतीय यर्डमैन किन्हे कहते हैं।
उत्तर: सलीम अली।
630. दूसरा सयसे यड़ा प्रायद्वीप?
उत्तर अफ्रीका।
631. योटुलिज्म प्रकार है – कुकिंग/ फूड प्वाइजनिं ज्वालामुखी का फटना?
उत्तर: फूड प्वाइजनिंग।
632. पीसा की मीनार में कितनी मंजिले हैं?
उत्तर: आठ।
633. उत्तरी ध्रुव पर पंहुचने वाले प्रथम व्यक्ति?
उत्तर: रायर्ट ई. पियरे।
634. भारत के पहले उपराष्ट्रपति जोकि राष्ट्रपति निर्वाचि हुए?
उत्तर: डा. एस. राधाकृष्णन।
635. ब्रिटेन में यायी किसको पुकारते है?
उत्तर: पुलिसमैन।
636. मूवीज छोटा नाम है?
उत्तर: मोशन पिक्चर का।
637. सांप की पलक होती है?
उत्तर: नहीं।
638. इनमें से कौन सा देश पश्चिम अफ्रीका में नहीं है गिनी, नाइजर, टोगो, डिजीयूटी, माली?
उत्तर: डिजीयूटी।
639. एड्रीनल ग्रंथि कितनी होती हैं?
उत्तर: दो।
640. अनंत का प्रतीक हिंदू देवी?
उत्तर: अदिति।
641. दीनानाथ और हृद्यनाथ का संयध लता मंगेशक से?
उत्तर: पिता और भाइ।
642. जार्जिया राज्य है या स्वतंत्र देश?
उत्तर: दोनों, एक सं.रा. अमरीका का राज्य है, दूसरा टर्क के निकट स्वतंत्र देश।
643. नील नदी की दो धारायें सफेद नील व नीली नील का संगम कहां होता है? .
उत्तर: खरटौम (सुडान)
644. भरात की पहली 3डी फिल्म?
उत्तर: माई डियर कुट्टिचातन (छोटा चेतन हिंदी में)
645. अल्प्स पर्वत की सयसे ऊंची चोटी?
उत्तर: मोंट ब्लांक।
646. जर्मनी डाक्टर जिन्होंने 1907 में पहली यार एल्जीमर यिमारी की जानकारी दी?
उत्तर: एलायस एल्जीमर।
647. टर्माट एक और नाम से पुकारा जाता है?
उत्तर: व्हाइट एंट।

648. लगातार चार ओलंपिक में डिस्कस थ्रो में स्वर्ण पदक किसने जीता है?
उत्तर: अल ओर्टर।
649. टेकवोंडो ओलंपिक स्पर्धा है या नहीं?
उत्तर: नहीं।
650. राजस्थान की महिला जो 1987 में सती हुई?
उत्तर: रूप कंवर।
651. कैप्टन देवी शरण कौन है?
उत्तर: पाक आतंकवादियों द्वारा 1999 में अपहृत किये गये वायुयान के पायलट।
652. भारत का सबसे पुराना फुटबाल क्लब?
उत्तर: मोहन बागान।
653. 'दी बीटल्स के चार सदस्य?
उत्तर: जान लेनान, पाल मक्कर्टनी, जार्ज हैरिसन और रिंगो स्टार्र।
654. Bechanaland और Botswanaमें क्या संबध है?
उत्तर: बोत्सवाना नया नाम है।
655. महाभारत युद्ध किन भाईयों के पुत्रों के बीच हुआ?
उत्तर: पांडु और धृतराष्ट्र।
656. एक कंपनी का सबसे प्रतिष्ठा का उत्पादन
उत्तर: फ्लैगशिप।
657. सोनिया गांधी और टोनी ब्लेयर के घरों में क्या समानता है?
उत्तर: दस जनपथ और दस डाउनिंग स्ट्रीट।
658. युरोप का सबसे लंबा सेतु?
उत्तर: ओरेसुंड सेतु।
659. एम.आई.एम.बी.वाई. का क्या अर्थ है।
उत्तर: नाट इन माई बैकयार्ड (मुहावरे का अर्थ है पड़ौस में कोई अनावश्यक परियोजना न लगाओ)
660 'अर्थशास्त्र' के लेखक के दो नाम?
उत्तर: कौटिल्य व चाणक्य।
661. लैटिन अमरीका का दूसरा नाम?
उत्तर: साउथ अमरीका।
662. सैक्साफोन के आविष्कारक?
उत्तर: एडोल्फ साक्स।
663. द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद सर्वाधिक सरकारों वाला देश?
उत्तर: इटली।
664. मैगसासायसाय पुरस्कार जीतने वाली प्रथम संगीतज्ञ?
उत्तर: एम.एस.सुब्यालक्ष्मी।
665. इन अफ्रीकी देशों – एरिट्रिया, लीबिया, सायर, बोत्सवाना, अंगोला को उत्तर:से दक्षिण के क्रम में लगाइये?
उत्तर: लीबिया, एरिट्रिया, सायर, अंगोला और बोत्सवाना।
666. फिल्म गाडमदर को कितने राष्ट्रीय पुरस्कार मिले?
उत्तर: छह।
667. इनमें से कौन चिड़िया नहीं है – टुर्की, रियाह, वुडपेकर, वालरस?
उत्तर: वालरस।
668. पदमश्री, पदम भूषण और पदम विभूषण सम्मान से सम्मानित वैज्ञानिक जो केंद्रीय मंत्री बने?
उत्तर: एम.जी.के.मेनन।
669. किस देश की वायुसेवा का नाम मालेव है?
उत्तर: हंगरी।
670. दिल्ली से आगरा की दूरी?
उत्तर: 200 किलोमीटर।
671. इनमें से एक जानवर नहीं है – कैराकाल, लिंक्स, टर्न, इलामा?
उत्तर: टर्न।
672. कोकाकोला को किस वर्ष भारत में प्रतिबंधित किया गया था?
उत्तर: 1977 में।
673. बीसमर प्रोसेस का पहला उत्पादन?
उत्तर: इस्पात (स्टील)
674. किस देश ने पहला परमाण्विक बिजलीघर बनाया?
उत्तर: रूस।
675. भारत की प्रथम महिला मुख्य चुनाव आयुक्त?
उत्तर: वी.एस.रमादेवी।
676. किस रिचर स्केल पर भूकंप अभी तक नहीं मापा गया है?
उत्तर: 8.9 रिचर स्केल पर।
677. संख्या जिसे विभाजित किया जा सकता है सिर्फ उसी संख्या और 1 से?
उत्तर: प्राइम नम्बर।
678. अमरीकन शब्द ब्रायंल का समकक्ष अंग्रेजी शब्द?
उत्तर ग्रिल।
679. भारत में केवल एक स्थान पर मराल पक्षी अंडे देते हैं?
उत्तर: कच्छ का रण।
680. प्रथम रेल सेवा कहां प्रारंभ हुई?
उत्तर: ब्रिटेन में।
681. मोटरसाइक्लिंग में मोटो–क्रास का दूसरा नाम?
उत्तर: स्क्रैम्बलिंग।
682. भारत द्वारा जारी डाक टिकट में सबसे बड़ा चित्र किनका है?
उत्तर: राजीव गांधी।
683. जूडो का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन पुरस्कार?
उत्तर: शिहान।
684. मोटर वे का सबसे पहला देश?
उत्तर: जर्मनी (1921)।
685. डा. ई. जेन्नर ने किस बिमारी से बचाने के लिये काऊपाक्स के विषाणु का इंजेक्शन लगाया?
उत्तर: स्माल पाक्स।
686. अंडागोया, टाबिंग, पागो पागो, चेरापूंजी, किसलिये विख्यात हैं?
उत्तर: अत्यधिक वर्षा के लिये।
687. भारत का राष्ट्रीय फूल कमल है कनाडा का मैपल ब्रिटेन का?
उत्तर: गुलाब।

688. पुरुषों में महिलाओं की अपेक्षा एक पसली कम होती है?

उत्तर: गलत।

689. पानी का घनत्व वर्फ से कम होता है या अधिक?

उत्तर: कम।

690. सेंटीपैड के शरीर के प्रत्येक भाग में एक जोड़ा पैर या दो जोड़ा पैर होते हैं?

उत्तर: एक जोड़ा।

691. व्हेल्स मैमल्स होते हैं कि नहीं?

उत्तर: होते हैं।

692. सं.रा. अमरीका की सीमा किस देश के साथ सबसे लंबी है?

उत्तर: कनाडा।

693. इनमें से कौन देश स्वतंत्र देश नहीं है – वेलिज, वर्मूडा, वेनिन, सेंट लूसिया, टोगो?

उत्तर: वर्मूडा।

694. अंडोरा, लिचटेंस्टीन, वैटिकन और सैन मरीनो में क्या समानता है?

उत्तर: 500 वर्ग किलोमीटर से कम युरोपियन देश।

695. नमक, पारा, आक्सीजन व सोनें में कौन यौगिक है?

उत्तर: नमक।

696. विद्युत प्रवाह निगेटिव से पाजिटिव होता या उल्टा?

उत्तर: निगेटिव से पाजिटिव।

697. देश जो विश्व का सबसे बड़ा प्रायद्वीप है?

उत्तर: इंडोनेशिया।

698. हिंदू पुराण कथाओं में रति के पति का नाम?

उत्तर: कामदेव।

699. फ्लोरिडा के गर्वनर जेय बुश के पिता किस देश के पूर्व राष्ट्रपति थे?

उत्तर: संयुक्त राज्य अमरीका।

700. चंगेज खान नाम का अर्थ?

उत्तर: समुद्रों का शासक।

701. नाजी पार्टी के चिन्ह स्वास्तिक को नफरत कि निगाह से देखा जाता है। यह शब्द संस्कृत से है इसका अर्थ?

उत्तर: शुभ मंगल।

702. न्यूयार्क में स्टेच्यू आफ लिवर्टी की ऊंचाई?

उत्तर: 46 मीटर।

703. योमियुरी शिम्बुन क्या है?

उत्तर: विश्व का सर्वाधिक प्रसार संख्या का दैनिक पत्र।

704. पुर्तगाली वेस्ट इंडिया कंपनी के गवर्नर ने भारतीय आदिवासी से 24 डालर खर्च कर मनका सस्ते आभूषण और कपड़े देकर क्या खरीदा था?

उत्तर: मनहटन प्रायद्वीप।

705. किस देश में सर्वाधिक मुस्लिम जनसंख्या है?

उत्तर: इंडोनेशिया।

706. 1945 में तीन सबसे शक्तिशाली देश ?

उत्तर: यू.के.यू.एस.ए.और यू.एस.एस.आर.

707. ग्यामोरा ज्वालामुखी क्यों नहीं फटते हैं?

उत्तर: उनमें स्थित रनी मैग्मा से गैस और स्टीम आसानी से बच जाते हैं।

708. बड़े तारों को सुपरजियांट कहते हैं छोटे तारों को?

उत्तर: ड्वार्फ।

709. इनमें से दो नये नाम है – पीकिंग, सालिसबरी, फोरमोसा, इथियोपिया, नामीबिया वर्मा। कौन?

उत्तर: नामीबिया और इथियोपिया।

710. आदतन फिल्म का पहला शो देखने वाले को?

उत्तर: फर्स्टनाइटर कहते हैं।

711. अगर आप युक्सोरियस (Uxorious) है तो किसे विशेष रूप से प्यार करते हैं?

उत्तर: पत्नी को।

712. रोम के सैनिको को विवाह करने की अनुमति थी?

उत्तर: नहीं।

713. कौन सा फ्रांस का महल हाल आफ मिरर्स के लिये प्रसिद्ध है?

उत्तर: Versailles.

714. वाटरगेट राजनीतिक पार्टी या नेता या स्कैंडल था

उत्तर: स्कैंडल (1970)।

715. वेसबाल के स्टार खिलाड़ी जो डि मैगियो ने कि सुंदरी से विवाह किया?

उत्तर: मार्लिन मुनरो।

716. संयुक्त राष्ट्र की आधिकारिक भाषा ?

उत्तर: अरबी, चीनी, अंग्रेजी, फ्रेंच, रूसी और स्पेनिश।

717. वर्ल्ड बैंक का विस्तृत नाम?

उत्तर: इंटर्नेशनल बैंक फार रिकंस्ट्रंक्शन एंड डेवलपमें

718. युरोपियन संसद में कितने सदस्य होते हैं?

उत्तर: 626

719. उस संगठन का नाम जिसके अंतर्गत डेनमा फिनलैंड, आइसलैंड, नार्वे और स्वीडन आते

उत्तर: दी नार्डिक काउंसिल।

720. विश्व जनसंख्या का 30%,1.7 अरब सदस्य संगठन का नाम क्या है?

उत्तर: दी कामनवेल्थ।

721. बर्किना फासो का पुराना नाम?

उत्तर: अपर वोल्टा।

722. विश्व में सबसे अधिक बोली जाने वाली भाष

उत्तर: मंदारिन।

723. उस व्यक्ति का नाम बताइये जो कि 1947 में देश का प्रधानमंत्री बना और 1951 में हत्या हो गई?

उत्तर: पाकिस्तान के लियाकत अली खान।

724. भारतीय कवि का नाम बताइये जिनकी को प्रतिमा उस घर के बाग में लगाई गई शेक्सपियर का जन्म हुआ था?

उत्तर: गुरुदेव रवींद्रनाथ टैगोर।

725. 1995 में सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का पुरस्का कपूर को मिला था। सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का पु किसे मिला?

उत्तर: सीमा बिस्वास।

726. किस शहर में चट्टानों के जुड़े हुए दो मीन

उत्तर: कुआलांपुर

727. तीन बार टेस्ट क्रिकेट मैच की दोनों पारियों में शतक बनाने का कीर्तिमान किसने बनाया है?
उत्तर: सुनील गावस्कर
728. योको ओनो कौन है?
उत्तर: कलाकार, और बीटल जान लेनन की विधवा।
729. नोबल पुरस्कार, मैगसासायसाय सम्मान, टेम्पलेटन सम्मान, जवहारलाल नेहरू सम्मान और भारत रत्न से सम्मानित विभूति कौन है?
उत्तर: मदर टेरेसा।
730. वाकू किस देश की राजधानी का नाम है?
उत्तर: अजरवैजान।
733. स्थानीय भाषाओं में सबसे अधिक विकने वाला अखवार कौन है?
उत्तर: मलयाला मनोरमा, केरल।
734. पहली राष्ट्रपति स्वर्ण पदक जीतनेवाली फिल्म?
उत्तर: श्यामची आई (मराठी)।
735. फागिन किस उपन्यास का चरित्र है?
उत्तर: ओलिवर ट्विस्ट।
736. किस अमरीकन भौतिक वैज्ञानिक के नाम पर इलेक्ट्रिकल यूनिट हेनरी जानी जाती है?
उत्तर जोसफ हेनरी।
737. हिरोशिमा पर पहले परमाणु बम को गिराने वाले जहाज का नाम क्या है?
उत्तर अनोला गे।
738. एफ.आइ.एन.ए.विश्व संस्था किस खेल से जुड़ी है?
उत्तर तैराकी।
739. सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का का पहला फिल्म फेयरं पुरस्कार किसे मिला था?
उत्तर मीना कुमारी (वैजु वावरा)
740. कवोरा वासा वांध कहां पर है?
उत्तर मोज़ाम्बिक
741. 'किंग ओफ शैडोस' किस विश्व विख्यात कलाकार के लिये कहा जाता है?
उत्तर रेमब्रांट।
742. नौरू प्रायद्वीप की आय का मुख्य स्रोत?
उत्तर फासफेट
743. विश्व का दूसरा वड़ा प्रायद्वीप देश कौन है?
उत्तर न्यू गिनी।
744. अमरीका के उस राष्ट्रपति का नाम जो कि हार जाने के वावजूद राष्ट्रपति वने?
उत्तर क्लेवलांड।
755. किस देश की मुद्रा का नाम होली फ्रांक है?
उत्तर स्विटज़रलैंड।
756 सोमालिया हिस्सा है, हार्न आफ...............?
उत्तर अफ्रीका।
757 आलथिंग किस देश की संसद है?
उत्तर आइसलैंड।
758. नक्षत्र अपने केन्द्र से हाइड्रोजन को वदल कर ऊर्जा छोड़ते हैं, उनका मूल तत्व क्या है?
उत्तर हवीय यारगुइया।
759. रूस के जार जो दाढ़ी को रूस का पिछड़ापन समझते थे?
उत्तर पीटर महान।
760. किस देश से माओ माओ विद्रोही जुड़े हुए हैं?
उत्तर केन्या।
761. दी ब्रिज आन दी रिवर क्वाई फिल्म के निदेशक का नाम?
उत्तर डेविड लीन।
762. व्रदीनाथ में किन भगवान का मंदिर है?
उत्तर विष्णु।
763. मोनेगास्व किस देश के नागरिक हैं?
उत्तर मोनाको।
764. जैगियल्लोनियन युनिवर्सिटी किस देश में है?
उत्तर पोलैंड।
765. फैंटम और जादूगर मैंड्रेक के रचयिता कौन हैं?
उत्तर ली फाल्क
766. नेपाली में एवरेस्ट को क्या कहा जाता है?
उत्तर: सागरमाथा।
767. आस्ट्रिक, इमु और किवि प्राणियों में समानता है?
उत्तर: तीनो ही न उड़ पाने वाले पक्षी हैं।
768 एलेक्जेंडर डुमाज के तीन मस्केटियर्स के नाम?
उत्तर: एथोज, पोर्थोज और अरामिज।
769. विश्व की प्रथम महिला वुल फाइटर?
उत्तर: स्पेन की क्रिस्टीना सांचेज।
770. इजराइल के सबसे सम्मानीय सैनिक?
उत्तर: प्रधानमंत्री इहुद वाराक।
771. महेंद्र चौधरी 2000 में क्यों सुर्खियों में रहे?
उत्तर: फिजी के पहले भारतीय मूल के प्रधानमंत्री जिनको विद्रोही नेता जार्ज स्पाइट ने बंधक वनाया।
772. भारतीय महिला जिन्होंने दो बार एवरेस्ट पर चढ़ाई की?
उत्तर: सुश्री संतोष यादव।
773. विहार और उड़ीसा किस प्रांत से अलग किये गये थे?
उत्तर वंगाल से (1912 में)।
774. नेशनल सैम्पल सर्वे के आंकड़ों के अनुसार साक्षरता में केरल से आगे निकलने वाले तीन क्षेत्रों में लक्षद्वीप, मिजोरम के अलावा तीसरा क्षेत्र कौन है?
उत्तर अंडमान एवं निकोबार द्वीप।
775. पुर्तगाल के चित्रकार जिन्होंने 'सनफ्लावर' और 'पुटैटो ईटर्स' की रचना की?
उत्तर: वान घाग।
776. 'सत्ता बंदूक की नाल से निकलती है' किसने कहा?
उत्तर: माओत्से तुंग
777. भारत में सबसे बड़ा निवेशक?
उत्तर: यू.टी.आई.
778. युरोप का सबसे बड़ा कार निर्माता?
उत्तर: वोक्सवैगान।
779. 1918 से 1930 के बीच बनने वाली कारें विंटेज कार कहलाईं, 1918 से पहले बनने वाली कारों का क्या नाम था?
उत्तर: वेट्रन।

780. विश्व का सयसे यड़ा शहर जोकि राजधानी नहीं है?
उत्तर: शंघाई।
781. टोलेमीज युग जिसने मिश्र पर 323 वी.सी. से 20 वी.सी. तक राज्य किया था के अंतिम शासक का नाम क्या था?
उत्तर: क्लियोपेट्रा।
782. अंग्रेजी 58 देशों की, फ्रेंच 32 देशों ....25 देशों की आधिकारिक भाषा है?
उत्तर: अरयी।
783. एक छोटा सा प्रायद्वीपीय देश जहां की दो विभूतियां .... सर आर्थर लीविस और डेरेक वाल्कोट को नोयल सम्मान मिला?
उत्तर: सेंट लूसिया (कैरेवियन)
784. लैटिन अमरीका की प्रथम महिला राज्याध्यक्ष कौन थीं?
उत्तर: इजायेल पेरोन (अर्जेंटाइना, 1974)
785. सं.रा. अमरीका की प्रथम महिला सेक्रेटरी आफ स्टेट?
उत्तर: मैडेलीन अल्याइट।
786. विश्व का सयसे यड़ा अफीम उत्पादक देश?
उत्तर: अफगानिस्तान।
787. पूर्वी युरोपियन देशों में पहली यार एक महिला सुश्री वाइरा विके फ्रेयर्गा राष्ट्रपति निर्वाचित हुई हैं, किस देश की?
उत्तर: लैटविया।
788. यूरो के निर्माण को 1944 के .... के याद की सयसे यड़ी आर्थिक क्षण माना जा रहा है?
: ब्रेटन वुड्स कान्फ्रेंस
789. 6 मई 1840 को पहली यार किसे प्रयुक्त किया गया?
उत्तर: प्रथम डाक टिकट (व्रिटेन का पेन्नी व्लैक)
790. दूध की प्राकृतिक शर्करा ....?
उत्तर: लैक्टोज।
791. व्रिटेन के प्रथम सिख लार्ड?
उत्तर: लार्ड तरसेम किंग।
792. परमवीर चक्र से सम्मानित प्रथम भारतीय सैनिक?
उत्तर: मेजर सोमनाथ शर्मा (कुमाऊं रेजीमेंट, चौथी यटालियन)
793. भारतीय खेल प्राधिकरण से 9 वर्ष की आयु से छात्रवृत्ति पाने वाला फुटयाल खिलाड़ी कौन?
उत्तर: याइचुंग भूटिया।
794. चार यार सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का राष्ट्रीय सम्मान किसे मिला है?
उत्तर: शयाना आजमी।
795. त्वरित शतरंज में 2800 अंकों को पार करने वाला कौन खिलाड़ी है?
उत्तर: विश्वनाथ आनंद।
796. किसने कहा कि युद्धिमान व्यक्ति के पीछे एक प्रतिशत प्रेरणा और 99% मेहनत होती है?
उत्तर: थामस अल्वा एडिसन।
797. 'सिटयिस, अटियस, फोर्टियस' लैटिन में ओलंपिक मोटो है, इसका हिंदी में क्या अर्थ हुआ?
उत्तर: तीव्रता, ऊंचा और मजबूती।
798. अंतरिक्ष यान का संचालन करने वाली प्रथम महिला?
उत्तर: कर्नल इलीन एम. कालिन।
799. व्हाइट हाउस में प्रदर्शन करने वाले अश्वेत गायक?
उत्तर: मैरियन एंडर्सन।
800. नर्मदा आंदोलन से जुड़ने वाली लेखिका?
उत्तर: अरुंधति राय।
801. एडोल्फ हिटलर, चार्ली चैपलिन और जवाहर लाल नेहरू में क्या समानता है?
उत्तर: इनके जन्म 1889 में हुए थे।
802. प्रति 1000 जनसंख्या में शिशु मृत्यु दर में किस आयु के यच्चे आते हैं?
उत्तर: एक वर्ष से कम।
803. 1960 में दो शहर जिनकी जनसंख्या 10 मिलयन से अधिक थी कौन थे?
उत्तर: न्यूयार्क व टोक्यो।
804. सुश्री मिरेया मासकोसो किस देश की प्रथम महिला राष्ट्रपति थीं?
उत्तर: पनामा।
805. आधुनिक अफ्रीकी देश की प्रथम महिला राज्याध्यक्ष?
उत्तर: रुथ पैरी (लाइवेरिया)
806. चीन, रूस, कजाकिस्तान, किरगिजस्तान और ताजिकिस्तान की सदस्यता वाले दल का नाम है?
उत्तर: शंघाई फाइव
807. सिंगापुर के दूसरे भारतीय मूल के राष्ट्रपति का नाम?
उत्तर: एस.आर. नाथन।
808. पाकिस्तान किस वर्ष में गणतांत्रिक देश यना?
उत्तर: 1956
809. विश्व व्यापार संघटन के अध्यक्ष माइक मूरे किस देश के नागरिक हैं?
उत्तर: न्यूजीलैंड।
810. आठ वर्षों तक हिरासत में रहने के याद रिहा किये जाने वाले पूर्वी तिमोर के नेता का नाम?
उत्तर: कसाना गुसामो।
811. पहली भारतीय फिल्म जिसे दूसरी भाषा में डय किया गया?
उत्तर: राजा हरिश्चंद्र, कन्नड़ से तमिल में।
812. 1996 में भारत के तीन प्रधानमंत्रियों का नाम?
उत्तर: पी.वी. नरसिम्हाराव, अटल विहारी वाजपेई और एच.डी. देवगौड़ा।
813. भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की प्रथम महिला अध्यक्ष?
उत्तर: एन्नी येसेंट।
814. मुस्लिम देश की प्रथम महिला प्रधानमंत्री?
उत्तर: पाकिस्तान में येनजीर भुट्टो।
815. प्रशांत महासागर के तीन प्रायद्वीपीय देश जोकि 1999 में संयुक्त राष्ट्र संघ के सदस्य यने?
उत्तर: किरियिटी, नौरू और टोंगा।

. आर्कियालोजी में 'डेटिंग' का क्या अर्थ है।
अवशेष कितने वर्ष पुराना है।

. 11वी, 12वीं और 13वीं शताब्दि में मुस्लिमों से किस पवित्र भूमि को वापस लेने के लिये ईसाई सैनिकों ने आक्रमण किये थे?
: क्रुसेड्स

. कैरेबियन सागर और मैक्सिको की खाड़ी को जोड़ने वाली नहर का नाम?
: युकैटन चैनेल।

. ऐंग्लो–रूस के बीच विवाद विशेषकर डार्डानेलेस पर नियंत्रण करने के लिये लड़ी गई लड़ाई किस नाम से जानी जाती है?
: क्रीमियन वार।

. यह समुद्र में तैरता है, दिन की रोशनी में इसका केवल 1/9 हिस्सा समुद्र तल के ऊपर दिखता है। समुद्री जहाजों के लिये यह अभिशाप है?
: आइसवर्ग (वर्फ का पहाड़)

. ब्रिटेन के सैनिक व लेखक टी.ई. लारेंस ने अरवो के तुर्क प्रभाव से अलग होने के विद्रोह में हिस्सा लिया था। उन्हे किस नाम से जाना जाता है?
: लारेंस आफ अरविया।

2. विश्व संगठन जिसका निर्माण 1920 में हुआ था और 1946 में भंग कर दिया गया था?
: लीग आफ नेशंज।

3. युरोप पर आक्रमण को विफल करने के लिये चर्चिल, रूजवेल्ट और स्टालिन की वैठक कहां हुई थी?
: तेहरान (1943)।

4. स्टीवेन स्पीलवर्ग की प्रसिद्ध फिल्म 'जाज' को प्रेरणा देने वाले लेखक का नाम?
: पेर्ट वेंक्ले।

5. माओत्से तुंग के शासन के दौरान चीन और प्रमुख देशों के मध्य राजनीतिक अड़गों पर प्रचलित मुहावरा था?
: वम्बू कर्टेन।

6. व्ल्यू व्लड का क्या अर्थ है?
: सुसंस्कृत, सम्माननीय।

9. वंशागुनत रक्त विमारी थैलेशीमिया का दूसरा नाम क्या है?
: कूवीज एनीमिया।

7. अत्यधिक प्रसन्नता की अवस्था की अभिव्यक्ति को आन क्लाउड के साथ एक संख्या द्वारा होती है, वह संख्या क्या है?
र: 9

8. हवाइयन प्रायद्वीप की खोज करने वाले ब्रिटेन के खोजकर्ता का नाम?
र: कैप्टेन जेम्स कुक।

0. किस वड़े शहर का उपनाम ए बिग एपल है?
र: न्यूयार्क।

831. एलेक्जेंडर फ्लेमिंग (पेंसिलीन के खोजकर्ता) के साथी नोवल पुरस्कार विजेता का नाम?
उत्तर: फ्लोरे और चेन।

832. गौतम युद्ध ने अपना पहला प्रवचन कहां दिया था?
उत्तर: सारनाथ।

833. पहली वार भारत में निर्मित सुपर कंप्यूटर का नाम?
उत्तर: परम 10000

834. 11 अगस्त 1999 क्यों विशेष है?
उत्तर: इस दिन शताब्दि/सहस्त्राब्दि का अंतिम पूर्ण सूर्य ग्रहण लगा था।

835. प्रायद्वीप विटी लेवू किस देश का भाग है?
उत्तर: फिजी।

836. फ्रांस के दार्शनिक फ्रैंकाइस मैरीअरोवेट का प्रचलित नाम?
उत्तर: वोल्टेयर।

837. शैवाल (फंगी) के सभी पहलुओं का अध्ययन करने का वैज्ञानिक नाम?
उत्तर: मायकालोजी।

838. सर क्रिस्टोफर काकरेल किस आविष्कार के लिये जाने जाते हैं?
उत्तर: हावरक्राफ्ट।

839. राष्ट्रीय जीवन शैली के साहित्य में प्रतिविम्वित करने को क्या कहते हैं?
उत्तर: पैस्टोरल।

840. गाडफादर फिल्म के कौन निदेशक थे?
उत्तर: फ्रांसिस कोप्पोला।

841. इंग्लैंड के क्रिकेट खिलाड़ी जो कि चिकित्सक भी थे?
उत्तर: डब्ल्यू.जी. ग्रेस।

842. 1849 में गामी झील व 1855 में विक्टोरिया फाल की खोज किसने की थी?
उत्तर: डेविड लिविंग्स्टोन।

843. संगीत में वयस्क पुरुष गीतकार के अंतिम सोपान में पंहुचने को संगीत की भाषा में क्या कहते हैं?
उत्तर: टेनोर।

844. 83वें संविधान संशोधन विधेयक, 1997 में किसको मौलिक अधिकार के रूप में रखा गया था?
उत्तर: प्राथमिक शिक्षा।

845. युवा.काल में अनभिज्ञ व अनुभवहीन को किस दिन के रूप में जाना जाता है?
उत्तर: सलाद डे।

846. भारत में उच्चतम न्यायालय की दूसरी महिला न्यायधीश?
उत्तर: सुजाता वसंत मनोहर।

847. वह देश जहां पर 1997 में एक महिला राष्ट्रपति को दूसरी महिला ने हटा कर खुद पद ग्रहण किया था?
उत्तर: आयरलैंड।

848. शांति के नोबल पुरस्कार विजेता जिन्हे 1993 में यू.एन.में शुभाकांक्षा दूत की नियुक्त दी गई थी?
उत्तर: रिगोबर्टा मेंचु।

849. उर्दू लेखक, अली सरदार जाफरी, फिराक गोरखपुरी और कुरुतुलनि हैदर को किस सम्मान से सम्मानित किया गया है?
उत्तर: ज्ञानपीठ सम्मान।
850. पांचवा इंडियन इंस्टीट्यूट आफ मैनेजमेंट कहां है?
उत्तर: कोपिकोड (केरल)।
851. राक म्यूजिशियन रिंगो स्टार का मूल नाम?
उत्तर: रिचर्ड स्टार्की।
852. नेहरू रिपोर्ट व साइमन कमीशन रिपोर्ट किस वर्ष आईं थीं?
उत्तर: 1928 व 1930 में।
853. भारत में प्रथम वायसराय?
उत्तर: लार्ड चार्ल्स कैनिंग।
854. मंजुला पद्मनाभन को किस मंचन के लिये ओनासिस सम्मान मिला था?
उत्तर: हार्वेस्ट।
855. गोलकुंडा नाम की उत्पत्ति, गोला जिसका अर्थ है गड़रिया और कुंडा जिसका अर्थ .... है?
उत्तर: पहाड़ी।
856. भारत रत्न से सम्मानित अब तक कितनी महिलायें हैं?
उत्तर: चार।
857. शांति का नोबल सम्मान नेल्सन मंडेला के साथ किसे मिला था?
उत्तर: एफ.डब्ल्यू.डी.क्लार्क।
858. सूर्य का चौथा ग्रह मार्स किनके नाम पर है?
: रोम के युद्ध के देवता पर।
859. रिचर स्केल किसको मापने की इकाई है?
उत्तर: भूकंप से निकली ऊर्जा को।
860. भारत का क्षेत्रफल (वर्ग किलोमीटर में)
उत्तर: 3,287,263
861. 1931 में भारत की राजधानी .... से हटाकर नई दिल्ली लाई गई?
उत्तर: पुरानी दिल्ली।
862. डा.डी.के. कर्वे, डा. बी.सी. राय और पी.डी. टंडन में क्या समानता है?
उत्तर: तीनों विभूतियां भारत रत्न से सम्मानित हैं।
863. 1825 मे बेंजीन का किसने अविष्कार किया था?
उत्तर: माइकल फैराडे।
864. वायु दुर्घटना में मरने वाले सोवियत संघ के अंतरिक्ष यात्री कौन थे?
उत्तर: यूरी गगारिन।
865. एस्ट्रोफिजिसिस्ट जोकि स्नायु बिमारी से ग्रसित हैं और संकेतो का अदान प्रदान कंप्यूटर द्वारा ही कर सकते हैं?
उत्तर: स्टीफन हाकिंग।
866. फल विक्रेता जिन्हे अभिनेत्री देविका रानी ने एक महान सिनेतारा बना दिया?
उत्तर: दिलीप कुमार।
867. 'लोलिता' के लेखक विलादिमिर नाबोकोव किस अचर्चित विषय के विशेषज्ञ थे?
उत्तर: तितलियों के।
868. टोफेल, टी डब्ल्यू ई और टीएसईएल किस भाषा मे पारंगता की परीक्षा हैं?
उत्तर: अंग्रेजी।
869. साइकोएनालिसिस के संस्थापक एडमंड फ्रायड किस देश के नागरिक थे?
उत्तर: आस्ट्रिया
890. सौ वर्ष का युद्ध किन देशों के बीच युद्ध श्रृंखला थी?
उत्तर: इंग्लैंड व फ्रांस।
891. मांटेजुमा रिवेंज (बदला) क्या है?
उत्तर: किसी पर्यटक का दूसरे देश में डायरिया का शिकार होने को।
892. कुत्तों की सबसे ऊंची नस्ल कौन सी मानी जाती है?
उत्तर: आयरलैंड वुल्फहाउंड।
893 विलियम इंथोवेन किस के अविष्कारक थे?
उत्तर: इलेक्ट्रो कार्डियोग्राम।
894. ग्रह जिनके पास कोई चंद्रमा नहीं है?
उत्तर: मर्क्यूरी व वीनस।
895. विश्व का सबसे व्यस्त बंदरगाह?
उत्तर: राटरडम यूरोपोर्ट।
896. किस स्टार (तारे) को डाग स्टार कहा जाता है?
उत्तर: सिरियस।
897. फासिल्स के अध्ययन को क्या कहा जाता है?
उत्तर: पैलियोनटोलोजी।
898. कोटा की सराय में कौन सी भारतीय रानी अंग्रेजों से युद्ध करते हुए वीरगति को प्राप्त हुई थीं?
उत्तर: रानी लक्ष्मी बाई।
899. इन व्यक्तियों में से एक कार्टूनिस्ट नहीं है – शंकर, शंभु मित्रा, सुधीर धर, आर.के. लक्ष्मण और अबु
उत्तर: शंभु मित्रा।
900. पहले नेहरू मंत्रिमंडल में स्वास्थ्य मंत्री?
उत्तर: राजकुमारी अमृत कौर।
901. ब्रिटेन के प्रसिद्ध लेखक जो शब्दकोश संकलन भी करते थे?
उत्तर: सैमुअल जानसन।
902. संघ शासित प्रदेश जहां मुख्यमंत्री हैं?
उत्तर: पांडिचेरी और दिल्ली।
903. भारत के प्रथम नोबल पुरस्कार विजेता?
उत्तर: रवींद्र नाथ टैगोर।
904. दीनबंधु किन्हे कहा जाता था?
उत्तर: सी.एफ.एंड्रूज।
905. भारत में पहला अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव हुआ था?
उत्तर: 24 जनवरी 1952
906. 1982 में बेन किंग्सले को फिल्म गांधी के लिये आस्कर सम्मान मिला था। उसी वर्ष अभिनेत्री मेरिल स्ट्रीप को किस फिल्म के लिये आस्कर मिला?
उत्तर: सोफीज च्वाइस।

7. हांगकांग के अंतिम ब्रिटिश गवर्नर?
र: क्रिस पैटर्न
8. अफ्रीका की महिला जो दो देशों की प्रथम महिला वनीं?
र: ग्रासा माकल।
9. 11,174 रन वनाने का कीर्तिमान किस क्रिकेट खिलाड़ी का है?
र: आस्ट्रेलिया के अलन वार्डर
0. चार शहर – केन्स, वेनिस, कार्लोवी वैरी और मांट्रियाल अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव के लिये प्रसिद्ध हैं। यह किस देश के हैं?
र: फ्रांस, इटली, चेक रिपब्लिक और कनाडा।
1. 1960 में भारत का पहला एस.टी.डी. किन दो शहरों के वीच शुरू किया गया था?
र: लखनऊ – कानपुर।
2. भारत का राष्ट्रपति अपना लिखित त्यागपत्र किसको सौंप सकता है?
र: उपराष्ट्रपति को।
3. क्षेत्रफल व आवादी के संदर्भ में भारत का तीसरा रज्य कौन है?
र: महाराष्ट्र।
4. सर्वाधिक छितरी वाली आवादी का राज्य?
र: अरुणाचल प्रदेश।
5. पहली लोकसभा में दो अध्यक्ष थे, उनका नाम.........:...........?
र: जी.वी. मालवंकर और एम. अनंतसयनम अय्यंगर।
6. विश्व के प्रथम टेस्ट ट्यूव वेवी का जन्म 25 जुलाई, 1978 को हुआ था, उसका नाम क्या था?
र: लुइस व्राउन।
7. 7000 से अधिक प्रायद्वीपों का समूह कहां है?
र: फिलीपींस।
8. सैन्य शक्तियों का सुप्रीम कमांडर राष्ट्रपति होता है, इनके संचालन की जिम्मेवारी किसकी होती है?
र: मंत्रिमंडल की।
9. मुख्य निर्वाचन आयुक्त का कार्यकाल .... या 65 वर्ष की आयु में अवकाश ले।
र: 6 वर्ष।
20. सिन्धु नदी की लंवाई व्रह्मपुत्र के वरावर है, कुल लंवाई?
र: 2900 किलोमीटर।
21. वंशानुगत वीमारियां खराव ....के कारण होती है?
र: जीन
22. लक्ष्मीवाई नेशनल इंस्टीट्यूट आफ फिजिकल एजुकेशन कहां है?
र: ग्वालियर।
23. एक विलयन कितने करोड़ के वरावर होता है?
र: 100 करोड़।
24. कर्नाटक राज्य 1973 तक किस नाम से जाना जाता था?
र: मैसूर।

925. 21.1.72 को तीन राज्य ...., ..., और मिजोरम वने थे?
उत्तर मणिपुर व त्रिपुरा।
926. पहले वैज्ञानिक जिन्होंने वंशावली का वैज्ञानिक अध्ययन किया था?
उत्तर: अरस्तू (अरिस्टाटल)
927. विड़ला भवन जहां गांधीजी को गोली मारी गई थी का वर्तमान में क्या नाम है?
उत्तर: गांधी सदन।
928. पहला राज्य जहां 100% विद्युतीकरण हुआ?
उत्तर: हरियाणा।
929. भारत का पहला पांच सितारा डीलक्स होटल है ?
उत्तर: दिल्ली का अशोक होटेल।
930. भारत का प्रथम सार्वजनिक निगम?
उत्तर: दामोदर वैली निगम।
931. पटियाला महाराजा द्वारा दी गई वास्तविक सोने की रणजी ट्राफी कहां है?
उत्तर: पाकिस्तान में।
932. 1892 में पहली आटोमोवाइल का भारत में आयात किया गया था, इसका नम्वर क्या था?
उत्तर: 0
933. भारत में पहली वाइसाइकिल किस सन में आई?
उत्तर: 1890
934. सुश्री मीरा रिचर (मीरा अलपास्सा) किस आश्रम से जुड़ीं है?
उत्तर: अरविंदो आश्रम।
935. एफ.ई.एम.ए. का विस्तृत नाम?
उत्तर: फारेन एक्सचेंज मैनेजमेंट एक्ट।
936. रीस्ट्रक्चरिंग (पुर्ननिमाण) का रूसी अर्थ?
उत्तर: पेरिस्त्रोइका।
937. 'ए च्वाइस विद नो अदर अल्टरनेटिव' के लिये दो शब्दों का मुहावरा?
उत्तर: हाव्सन च्वाइस।
938. उस महिला को क्या कहेंगें जिसका पति आदतानुसार या आंशिक तौर पर साथ नहीं रहता?
उत्तर: ग्रास विडो।
939. राजनीति के आधुनिक विज्ञान के संस्थापक निकोलो मैक्यिावेली की प्रसिद्ध कृति?
उत्तर: दी प्रिंस।
940. हेडोनिज्म सिद्धांत है ....सर्वश्रेष्ठ है?
उत्तर: प्रसन्नता।
941. वेस्टर्न सहारा पर आक्रमण करने पर आलोचना के कारण 1984 में किस देश को आर्गनाइजेशन आफ अफ्रीकन युनिटी को छोड़ना पड़ा था?
उत्तर: मोरक्को।
942. किस देश में तीन भाषाएं आधिकारिक है?
उत्तर: स्विटजरलैंड।
943. फैडरेशन इंटरनैशनल डी फुटवाल (फीफा) की स्थापना कव और कहां हुई थी?
उत्तर: सन् 1904 पैरिस में।

44. शब्द क्यू से शुरु होता,. इस शब्द का पर्याय धोखेयाज (traitor) है?
तर: क्विसलिंग (Quisling).
45. कोलंयस ने 1492 में वहामा के एक प्रायद्वीप से भूमि देखी, इस प्रायद्वीप का नाम बताइये?
तर: सैन सल्वाडोर या वाल्टिंग प्रायद्वीप।
46. च्यूंगम को सयसे पहले सैपोडिला प्लम पेड़ के ....गोंद से यनाया गया था?
तर: चिकले।
47. व्यवसायिक शक्कर का मुख्य स्रोत?
तर: गन्ना एवं शकरकंद।
48. पृथ्वी की सतह पर .... केवल 2% हैं लेकिन इनमें 50% पेड़ व जानवरों की प्रजातियां रहती हैं?
तर: रेनफारेस्ट।
49. किस शहर को विश्व की हीरे की राजधानी कहा जाता है?
तर: दक्षिण अफ्रीका का किंवर्ले।
50. शहर जिसे आस्ट्रेलिया का फ्रंट डोर कहा जाता है?
तर: डार्विन।
51. ए.डी 1 में विश्व की जनसंख्या?
तर: 200 मिलयन।
52. 1849 के ग्रेट कैलिफोर्निया गोल्ड रश में भाग लेने वाले व्यक्ति के लिये शब्द?
तर: फोर्टी नाइनर।
53. प्रथम ज्ञानपीठ सम्मान से सम्मानित कौन थे?
तर: जी.शंकरा कुरुप।
54. भारत के प्रथम उपप्रधानमंत्री?
: सरदार वल्लभ भाई पटेल।
55. अंतरिक्ष में चलने वाले प्रथम व्यक्ति?
तर: अलेक्साई लियोनोव।
56. कौन सा नगर विश्व की सयसे पुरानी राजधानी माना जाता है?
तर: सीरिया की राजधानी दमिष्क।
57. अंतरिक्ष में विचरण करने वाले प्रथम व्यक्ति?
तर: अलेक्साई लियोनोव।
58. पदमश्री से सम्मानित प्रथम अभिनेत्री?
तर: नरगिस।
59. भारत की प्रथम महिला राजदूत?
तर: विजयलक्ष्मी पंडित।
60. ओस्कर से सम्मानित प्रथम भारतीय महिला?
तर: भानु अतइया।
61. प्रथम भारतीय मिस वर्ल्ड?
तर: रीता फारिया।
62. 'इफ आई एम एसेसिनेटेड' के लेखक कौन थे?
तर: जेड ए. भुट्टो।
63. ताइवान व स्विटजरलैंड में क्या समानता है?
तर: दोनो ही यू.एन. के सदस्य नहीं हैं।
64. राष्ट्रीय ध्वज बिना किसी चिन्ह के हरे रंग का है?
तर: लीबिया।

965. जर्मन के राजनीतिज्ञ जिन्हे आयरन चांसलर कहा जाता था?
उत्तर: बिस्मार्क।
967. नक्षत्र अपने केंद्र से हाइड्रोजन को बदल कर ऊर्जा छोड़ते हैं, उनका मूल तत्व क्या है?
उत्तर: हीलियम।
968. फिल्म'आल एयाउट इव' को कितने ओस्कर नामांकन के लिये रखा गया था?
उत्तर: 14
969. जार्ज इलियट और जार्ज सैंड दोनो ही उपन्यासकार थे इसके अलावा दोनों में क्या समानता थी?
उत्तर: दोनो महिला थीं।
967. किस वर्ष में महिला एथलीटों को ओलंपिक में शामिल किया गया?
उत्तर: 1900
968. 6 जून 1944 को एलायड इनवैजन आफ नार्मन्डी का गुप्त नाम क्या था?
उत्तर: ओवरलोर्ड।
969. 22 वर्षों तक अंधता के दौरान किस कवि ने सर्वश्रेष्ठ कवितायें लिखीं?
उत्तर: जान मिल्टन।
970. पूरी लंयाई की पहली कार्टून फिल्म?
उत्तर: वाल्ट डिजनी की स्नो व्हाइट और सेवन ज्वार्फ।
971. ब्ल्यू व्हेल का जीवन काल?
उत्तर: 90 वर्ष।
972. घरेलू मक्खी के कितने पंख होते हैं?
उत्तर: दो जोड़े (कुल चार)।
973. बिल्ली कुल कितने घंटे सोती है?
उत्तर: 16 घंटे।
974. मिस वर्ल्ड खिताय पाने वाली प्रथम भारतीय?
उत्तर: रीता फारिया।
975. 'वी हैव आन अवर हैंड्स ए सिक मैन – ए वेरी सिक मैन' 1844 में यह वाक्य किसने कहा था और युरोप का सिकमैन कौन है?
उत्तर: रूस के जार निकोलस –1 ने कहा था, एवं तुर्की
976. कौन सा ग्रह आकार व द्रव्यमान में लगभग पृथ्वी के समान है?
उत्तर: शुक्र ग्रह।
977. अटलांटिक और प्रशांत महासागर को जोड़ने वाली नहर का नाम?
उत्तर: पनामा।
978. महिलाओं की पेंथलान में पांच स्पर्धायें?
उत्तर: लंयी कूद, ऊंची कूद, शाट पुट, 80 मीटर बाधा दौड़ और 200 मीटर दौड़।
979. 13 वर्ष की आयु में अपने कबीले का प्रमुख होने वाला मंगोल कबीलाई?
उत्तर: चंगेज खान।
980. पांच प्रतिशत ....को छोड़कर वाकी विश्व के रेगिस्तान छोटे पत्थरों व नंगी चट्टानों के होते हैं?
उत्तर: रेत।

. 60 व 70 के दशक में मेंशन ग्रेसलैंड में विख्यात राक–एन–रोल का सितारा कौन था?
एल्विस प्रेस्ले।
. दक्षिण ध्रुव पर औसत तापमान?
–50 डिग्री सेल्शियस।
थंडर क्लाउड्स को मौसम विज्ञानी क्या कहते हैं?
कुमुलोनिम्बस।
. किस क्रिकेट खिलाड़ी को मैच फिक्सिंग के आरोप पर आजीवन खेलने पर प्रतिबंध लगाया गया?
: दक्षिण अफ्रीका के हैंसी क्रोंजिये।।
. पोलो में चक्कर क्या है?
: खेल की अवधि।
. 1954 में पहला व्यक्ति जिसने एक मील की दौड़ चार मिनट में पूरी की थी?
: ब्रिटेन के रोजर बैनिस्टर।
. अंग्कोट युद्ध कहां हुआ था?
: कंबोडिया में।
. प्रथम विश्व युद्ध में कहां के महाराज ने अपनी सेना का संचालन किया था?
: बेल्जियम के किंग अल्बर्ट–1 ने।
. अमरीका के महान नेता जो एक आविष्कारक भी थे?
: बेंजामिन फ्रैंकलिन।
. सम्राट अशोक महान के पिता?
: बिंदुसार।
. सेंटीपेड्स (कनखजूरा) कीड़े के शरीर के प्रत्येक भाग में पैरों का एक जोड़ा होता है, मेल्लीपेड्स (लाल कीड़े) के कितने पैर होते हैं?
उत्तर: दो जोड़े (प्रत्येक भाग में)
992. आस्ट्रिच (शुतुरमुर्ग) का वजन?
उत्तर: लगभग 150 किग्रा।
993. एक तैराक जो बाद में प्रसिद्ध सिने अभिनेता बना?
उत्तर: जानी वेसमुलर।
994. तीन बहनें जो प्रसिद्ध उपन्यासकार बनीं?
उत्तर: ब्रांटे बहनें – एन्नी, कार्लोट, और एमिली।
995. अन्ना सेवेल घोड़ों के प्रति निर्दयता के खिलाफ मुहिम छेड़ने वाली आंदोलनकारी थीं उनकी प्रसिद्ध कृति?
उत्तर: ब्लैक ब्यूटी।
996. डबल डेकर बस की ऊंचाई के बराबर से कौन प्राणी देख सकता है?
उत्तर: जिराफ।
997. जासूस हर्कुले पाइरोट किस लेखक के चरित्र थे?
उत्तर: अगाथा क्रिस्टी।
998. महान वैज्ञानिक जिनका 1879 में जर्मनी में जन्म हुआ था और मृत्यु 1955 में अमरीका में हुई?
उत्तर: अल्बर्ट आइंस्टीन।
999. शब्द कालीफ्लावर में क्या विशेषता है?
उत्तर: इसमें सभी स्वर (Vowels) होते हैं।
1000. लंबाई नापने की सबसे छोटी इकाई?
उत्तर: एट्टोमीटर।

महिला शासक (1960–2003)

क्रम	नाम	देश	वर्ष	पद
1.	श्रीमाओ भंडारनायके	श्रीलंका	1960	प्रधानमंत्री
2.	इंदिरा गांधी	भारत	1966	प्रधानमंत्री
3.	गोल्डा मेयर	इजराइल	1969	प्रधानमंत्री
4.	मैरिया एसाबेल पेरोन	अर्जेंटाइना	1974	प्रेसीडेंट
5.	माग्रेट हिल्डा थैचर	ब्रिटेन	1979	प्रधानमंत्री
6.	लीडिया गैवेलर टेजाडा	बोलविया	1979	प्रेसीडेंट
7.	मैरी यूजीनिया चार्ल्स	डोमिनिका	1980	प्रधानमंत्री
8.	विगडिस फिन्नबोगाडोटिर	आइसलैंड	1980	प्रेसीडेंट
9	ग्रो हार्लेम ब्रन्डलैंड	नार्वे	1981	प्रधानमंत्री
10.	कोरोजोन एक्विनो	फिलीपींस	1986	प्रेसीडेंट
11.	मारिया लिबेरिया पीटर्स एंटीलेस	नीदरलैंड	1988	प्रधानमंत्री
12.	बेनजीर भुट्टो	पाकिस्तान	1988	प्रधानमंत्री
13.	मैरी राबिन्सन	आयरलैंड	1990	प्रेसीडेंट
14.	हेरथा पासलोप	हैटी	1990	प्रेसीडेंट
15.	काजीमियेरापुंसकीन	लिथुआनिया	1990	प्रधानमंत्री
16.	वायोलेटा बैरियोस डी कामोरो	निकारागुआ	1990	प्रेसीडेंट
17.	खालिदा जिया	बंगला देश	1991	प्रधानमंत्री
18.	एडिथ क्रेसन	फ्रांस	1991	प्रधानमंत्री
19.	हन्ना सुचोका	पोलैंड	1992	प्रधानमंत्री
20.	किम कैम्पबेल	कनाडा	1993	प्रधानमंत्री
21.	टांसु सिलर	टर्की	1993	प्रधानमंत्री
22.	चंद्रिका कुमारतुंगे	श्री लंका	1994	दोनों
23.	क्लाडेट वैरी	हैटी	1995	प्रधानमंत्री
24.	शेख हसीना	बंगला देश	1996	प्रधानमंत्री
25.	रुथ पेरी	लाइबेरिया	1996	प्रेसीडेंट
26.	रोसालिया अर्टेगा	इक्वेडोर	1997	प्रेसीडेंट
27.	पामेला गार्डेन	बरमुडा	1997	प्रधानमंत्री
28.	मैरी मक्बेलीज	आयरलैंड	1997	प्रेसीडेंट
29.	जैनेट जैगेन	गुआना	1997	प्रधानमंत्री
30.	जेनी शिपले	न्यूजीलैंड	1997	प्रधानमंत्री
31.	रुथ ड्रेइफुस	स्विटजरलैंड	1999	प्रेसीडेंट
32.	मिरेया मोसकोसा	पनामा	1999	प्रसीडेंड
33.	वइरा विके फ्रेइबर्गा	लैटविया	1999	प्रेसीडेंट
34.	हेलेन क्लार्क	न्यूजीलैंड	1999	प्रधानमंत्री
35.	मरिया डोमेनिका मिचेलोटी	सेन मेरीनो	2000	को कैप्टेन रीजेंट
36.	टार्जा हालोनेन	फिनलैंड	2000	प्रेसीडेंट
37.	ग्लोरिया मैकपागाल अरोयो	फिलीपींस	2001	प्रेसीडेंट
38.	मेगावती सुकार्नोपुत्री	इंडोनेशिया	2001	प्रेसीडेंट
39.	मार्डिओर बोये	सेनेगल	2001	प्रधानमंत्री
40.	सियान सीरप्यु इलियास	न्यूजीलैंड	2001	एक्टिंग गर्वनर जनरल
41.	(डेम) सिलविया कार्टराइट	न्यूजीलैंड	अप्रैल 2001	गवर्नर जनरल
42.	आइवी दुमोंट	बहामास	2001	एक्टिंग गर्वनर जनरल
43.	चांग सांग	साउथ कोरिया	2002	प्रधानमंत्री
44.	बियाट्रिज मेरिनो	पेरू	2003	प्रधानमंत्री
45.	मरिया दास नेवेस सीटा बैप्टिस्टा डी सौसा	साओ टोमे एंड प्रिंसिप	2002	प्रधानमंत्री
46.	मोनिका डेक्मन	सेंट विंसेंट एंड दी ग्रेनेड्स	2002	गर्वनर जनरल
47.	अन्नेली टुलिक्की जाट्टेनमाकी	फिनलैंड	2003	प्रधानमंत्री

लब्ध प्रतिष्ठित पदों के प्रमुख

ाष्ट्रपति

नाम		अवधि
. राजेंद्र प्रसाद	:	1950–1962
. सर्वपल्ली राधाकृष्णन	:	1962–1967
. ज़ाकिर हुसैन	:	1967–1969
ाहगिरि वेंकटगिरि (कार्यवाहक)	:	मई–जुलाई 1969
ायमूर्ति मोहम्मद हिदायतउल्ला (कार्यवाहक)	:	जुलाईअगस्त 1969
ाहगिरि वेंकटगिरि	:	1969–1974
खरुद्दीन अली अहम्मद	:	1974–1977
. डी. जट्टि	:	फरव.–जुलाई 1977*
लम संजीव रेड्डी	:	1977–1982
नी ज़ैल सिंह	:	1982–1987
ार. वेंकटरामन	:	1987–1992
ा. शंकर दयाल शर्मा	:	1992–1997
. आर. नारायणन	:	1997–2002
पी.जे. अबुल कलाम	:	2002 से –

पराष्ट्रपति

नाम		अवधि
ा. सर्वपल्ली राधाकृष्णन	:	1952–1962
ा. ज़ाकिर हुसैन	:	1962–1967
ाहगिरि वेंकटगिरि	:	1967–1968
पाल स्वरूप पाठक	:	1969–1974
ा. डी. जट्टि	:	1974–1979
हम्मद हिदायतउल्ला	:	1979–1984
ार. वेंकटरामन	:	1984–1987
ा. शंकर दयाल शर्मा	:	1987–1992
. आर नारायणन	:	1992–1997
ष्णकांत	:	1997–2002
रों सिंह शेखावत	:	2002 से –

धान मंत्री

नाम		अवधि
. जवाहरलाल नेहरू	:	1947–1964
ुलजारी लाल नंदा (कार्यवाहक)	:	1964–1964
ाल बहादुर शास्त्री	:	1964–1966
ुलजारी लाल नंदा (कार्यवाहक)	:	1966–1966
ीमती इंदिरा गांधी	:	1966–1977
ोरारजी देसाई	:	1977–1979
रण सिंह	:	1979–1980
ीमती इंदिरा गांधी	:	1980–1984
ाजीव गांधी	:	1984–1989
वश्वनाथ प्रताप सिंह	:	1989–1990
ंद्रशेखर	:	1990–1991
ी. वी. नरसिम्हा राव	:	1991–1996
टल बिहारी वाजपेई	:	16.5.96–28.5.96
च.डी. देवगौड़ा	:	1.6.96–20.4.97
ाई.के. गुजराल	:	21.4.97–18.3.98
टल बिहारी वाजपेई	:	19.3.98–

लोक सभा के अध्यक्ष

नाम		अवधि
गणेश वासुदेव मावलंकर	:	1952–1956
अनन्तशयनम् आयंगर	:	1956–1962
सरदार हुकुम सिंह	:	1962–1967
नीलम संजीव रेड्डी	:	1967–1969
गुरुदयाल सिंह ढिल्लों	:	1969–1975
बलिराम भगत	:	1976–1977
नीलम संजीव रेड्डी	:	1977 (मार्च से जुलाई)
कवडूर सदानंद हेगड़े	:	1977–1979
बलराम जाखड़	:	1980–1989
रबी राय	:	1989–1991
शिवराज पाटिल	:	1991–1996
पी.ए. संगमा	:	1996 –1998
जी.एम.सी. बालयोगी	:	1998 –2002
मनोहर जोशी	:	मई 2002 से

मुख्य न्यायाधीश

नाम		अवधि
हरिलाल जे. कान्या	:	1950–1951
एम. पतंजलि शास्त्री	:	1951–1954
मेहर चंद महाजन	:	1954–1954
बी. के. मुखर्जी	:	1954–1956
एस. आर. दास	:	1956–1959
भुवनेश्वर प्रसाद सिन्हा	:	1959–1964
पी. बी. गजेन्द्रगाडकर	:	1964–1966
ए. के. सरकार	:	1966–1966
के. सुब्बा राव	:	1966–1967
के. एन. वांचु	:	1967–1968
एम. हिदायतउल्ला	:	1968–1970
जे. सी. शाह	:	1970–1971
एस. एम. सिकरी	:	1971–1973
ए. एन. राय	:	1973–1977
एम. एच. बेग	:	1977–1978
वाई. वी. चंद्रचूड़	:	1978–1985
पी. एन. भगवती	:	1985–1986
आर. एस. पाठक	:	1986–1989
ई. एस. वेंकटारमन	:	1989–1989
सब्यसाची मुखर्जी	:	1989–1990
रंगनाथ मिश्र	:	1990–1991
के. एन. सिंह	:	1991–1991
एम. एच. कान्या	:	1991–1992
ललित मोहन शर्मा	:	1992–1993
एम. एन. वेंकटचलैय्या	:	1992–1993
अजीज मुशाबर अहमदी	:	अक्टू. 94 से मार्च 97
जगदीश शरन वर्मा	:	25 मार्च97अक्टू.98
एम.एम. पंछी	:	जन. अक्टू. 98
आदर्श सेन आनंद		
एस.पी.बरुआ		

वी एन किरपाल	:	2002 –2002
गोपाल वल्लभ पटनायक	:	8 नवंबर 2002
वी एन खरे	:	18 दिसंबर 2002 से

मुख्य चुनाव आयुक्त

सुकुमार सेन	:	1950–1958
के वी. के. सुंदरम्	:	1958–1967
एस. पी. सेन वर्मा	:	1967–1972
डा. नागेंद्र सिंह	:	1972–1973
टी स्वामीनाथन	:	1973–1977
एस. एल. शकधर	:	1977–1982
आर. के. त्रिवेदी	:	1982–1985
आर. वी. एस. पेरी शास्त्री	:	1985–1990
टी. एन. शेषन	:	1990–1996
एम.एस. गिल	:	1996–2001
एल.एम. लिंगदोह	:	2001 से –

थल सेनाध्यक्ष

जनरल महाराज राजेंद्र सिंहजी	:	1955–1955
जनरल एस. एम. श्री नागेश	:	1955–1957
जनरल के. एस. थिमैय्या	:	1957–1961
जनरल पी. एन. थापर	:	1961–1962
जनरल जे. एन. चौधरी	:	1962–1966
जनरल पी. के. कुमारमंगलम्	:	1966–1969
जनरल एस. एच. एफ. जे. मानेकशा	:	1969–1972
फील्ड मार्शल एस.एच.एफ. जे. मानेकशा	:	1972–1973
जनरल जी. जी. बेवूर	:	1973–1975
जनरल पी. एन. रैना	:	1975–1978
जनरल ओ. पी. मल्होत्रा	:	1978–1981
जनरल के. वी. कृष्णाराव	:	1981–1983
जनरल ए. एस. वैद्य	:	1983–1986
जनरल के. सुंदरजी	:	1986–1988
जनरल वी. एन. शर्मा	:	1988–1990
जनरल एस. एफ. रोड्रिग्ज	:	1990–1993
जनरल विपिन चंद जोशी	:	जु. 1993– नवं.1994
जनरल शंकर राय चौधरी	:	दिसं. 1994–सितं. 97
जनरल वेद प्रकाश मलिक	:	अक्टूबर 97–सितं.2000
जनरल सुंदरराजन पद्मनाभन	:	2000 – 2002
जनरल निर्मल चंद विज	:	जनवरी 2003 से

(जनरल सर राय बुचर (1948–49), जनरल के. एम. करिअप्पा (1949–53) एवं जनरल महाराजा राजेंद्र सिंहजी (1953–55) भारतीय सेना के कमांडर-इन-चीफ थे। जनरल करिअप्पा को 1986 में फील्ड मार्शल की उपाधि से अलंकृत किया गया था)

जल सेनाध्यक्ष

वाइस एडमिरल आर. डी. कदारी	:	1958–1
वाइस एडमिरल बी. एस. सोमन	:	1962–1
एडमिरल ए. के. चटर्जी	:	1966–1
एडमिरल एस. एम. नंदा	:	1970–1
एडमिरल एस. एन. कोहली	:	1973–1
एडमिरल जे. एल. कर्सेटजी	:	1976–1
एडमिरल आर. एल. परेरा	:	1979–1
एडमिरल ओ. एस. डाउसन	:	1982–1
एडमिरल आर. एच. तहलियानी	:	1984–1
एडमिरल जे. जी. नाडकर्णी	:	1987–1
एडमिरल एल. रामदास	:	1990–1
एडमिरल विजय सिंह शेखावत	:	1993–1
एडमिरल विष्णु भागवत	:	सितंबर 1996 से दिसंबर 98 तक (ब
एडमिरल सुशील कुमार	:	31 दिसंबर 98–2
एडमिरल माधवेंद्र सिंह	:	2(

वायु सेनाध्यक्ष

एयर मार्शल सर थामस एमहर्स्ट	:	1947–1
एयर मार्शल सर रोनाल्ड एल. चैपनेम	:	1950–1
एयर मार्शल सर जेराल्ड गिब्स	:	1951–1
एयर मार्शल एस. मुखर्जी	:	1954–1
एयर मार्शल ए. एम. इंजीनियर	:	1960–1
एयर चीफ मार्शल अर्जुन सिंह	:	1964–
एयर चीफ मार्शल पी. सी. लाल	:	1969–
एयर चीफ मार्शल ओ. पी. मेहरा	:	1973–
एयर चीफ मार्शल एच. मूलगावंकर	:	1976–
एयर चीफ मार्शल आर. एच. लतीफ	:	1978–
एयर चीफ मार्शल दिलबाग सिंह	:	1981–
एयर चीफ मार्शल एल. के. कत्रे	:	1984–
एयर चीफ मार्शल डी. ए. ला. फांटेन	:	1985–
एयर चीफ मार्शल एस. के. मेहरा	:	1988–
एयर चीफ मार्शल एन.सी. सूरी	:	1991–
एयर चीफ मार्शल स्वरूप किशन कौल	:	1993–दिसंबर
एयर चीफ मार्शल सतीश कुमार सरीन	:	जन. 1996से दि
एयर चीफ मार्शल यशवंत टिपनिस	:	दिसंबर 98 –
एयर चीफ मार्शल एस कृष्णास्वामी	:	जनवरी 2

योजना आयोग

अध्यक्ष	:	अटल बिहारी
उपाध्यक्ष	:	के.

केंद्रीय मंत्रिमंडल

कैबिनेट मंत्री

अटल बिहारी वाजपेई : प्रधानमंत्री
(पर्सनल, जन शिकायतें एवं पेंशन, योजना, सांख्यिकी, परमाणु ऊर्जा विभाग, अंतरिक्ष व मंत्रालय जो किसी अन्य को नहीं सौंपे गये हैं)

एल.के. आडवाणी : उप प्रधानमंत्री एवं गृह

अनंत कुमार : शहरी विकास एवं गरीबी उन्मूलन

टी.आर. बालु : पर्यावरण व वन

सुखदेव सिंह ढींढसा: रसायन एवं उर्वरक

जार्ज फर्नान्डीज: रक्षा

अनंत गंगाराम गीते: ऊर्जा

शत्रुघन सिन्हा: शिपिंग
सैयद शाहनवाज हुसैन: कपड़ा
जगमोहन : पर्यटन एवं संस्कृति
डा. सत्य नारायण जाटिया: सामाजिक न्याय
डा.एम.एम.जोशी: मानव संसाधन, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी व सागर विकास
अरुणजेटली : विधि एवं न्याय, और वाणिज्य एवं उद्योग
अरुण शोरी: संचार एवं सूचना प्रौद्योगिकी व अनिवेश
सुषमा स्वराज: संसदीय मामले एवं स्वस्थ्य व परिवार कल्याण
करिया मुंडा: कोयला
राम नाइक: पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस
नितीश कुमार: रेलवे
जुआल ओराम : जनजातीय मामले
सुबोध मोहिते : भारी उद्योग एवं पब्लिक इंटरप्राइजेस
काशीराम राणा: ग्रामीण विकास
अर्जुन सेठी: जल संसाधन
मेजर जनरल (अवकाश) बी.सी. खंडूरी: सड़क परिवहन एवं राजमार्ग
सी.पी. ठाकुर : लघु उद्योग एवं उत्तर पूर्व क्षेत्र का विकास
राजनाथ सिंह : कृषि
जसवंत सिंह: वित्त एवं कंपनी मामले
यशवंत सिन्हा: विदेश
ममता बनर्जी: बिना पोर्टफोलियो के
साहिब सिंह वर्मा: श्रम
विक्रम वर्मा: युवा मामले एवं खेल
शरद यादव: उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं जन वितरण

राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)

एन. कन्नाप्पन: गैर परंपरागत ऊर्जा स्रोत
संघ प्रिय गौतम: एग्रो एवं रूरल इंडस्ट्रीज
रविशंकर प्रसाद: सूचना एवं प्रसारण
एन.टी. शानमुघम : खाद्य संसाधन उद्योग
ब्रज किशोर त्रिपाठी : इस्पात
रमेश बैस: खदान
राजीव प्रताप रुडी: नागरिक उड्डयन
बंडारू दत्तात्रेय: शहरी विकास एवं गरीबी उन्मूलन

राज्यमंत्री

विनोद खन्ना : पर्यटन एवं संस्कृत
आनंद राव विठोबा अदसुल: वित्त एवं कंपनी मामले
रमेश बैस : सूचना एवं प्रसारण
बिजोय चक्रवर्ती : जल संसाधन
ए.के. मूर्ति : रेलवे
संतोष कुमार गंगवार : पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस, संसदीय मामले का अतिरिक्त भार
विजय गोयल : प्रधानमंत्री कार्यालय के साथ सांख्यकीय एवं कार्यक्रम परिचालन
चमन लाल गुप्ता : रक्षा
डा. वल्लभ भाई कथिरिया : स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण
भावनाबेन देवराजभाई चिकालिया: पर्यटन एवं संस्कृत, संसदीय मामल
फग्गन सिंह कुलेस्ते : आदिवासी मामले
सुमित्रा महाजन : पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस
यू.वी. कृष्णम राजू: ग्रामीण विकास
जयवंती मेहता : ऊर्जा
सत्यव्रत मुखर्जी : अंतरिक्ष, परमाणु ऊर्जा, योजना, स्टैस्टिक और प्रोग्राम इंप्लेमेंटेशन
श्रीपद यासो नाइक : वित्त
हरीन पाठक : गृह मामले एवं पर्सनल, जन शिकायतें एवं पेंशन
अन्नासाहेब पाटिल : ग्रामीण विकास
बसनगौडा पाटिल : रेलवे
अशोक कुमार प्रधान : संचार एवं सूचना प्रौद्योगिकी
वी. श्रीनिवास प्रसाद : उपभोक्ता मामले एवं खाद्य एवं जन वितरण
पोन राधाकृष्णन : सड़क परिवहन एवंराजमार्ग
ए. राजा : स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण
ओ. राजगोपाल : रक्षा एवंसंसदीय मामले
गिंजी एन. रामाचंद्रन : कपड़ा
सी. विद्यासागर राव: वाणिज्य एवं उद्योग
स्वामी चिन्मयानंद: गृह
बच्ची सिंह रावत : विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग
तपन सिकदर : लघु उद्योग एवं उत्तर पूर्व रज्यों का विकास
छत्रपाल सिंह : रसायन एवं उर्वरक
दिग्विजय सिंह : विदेश
आई.डी. स्वामी : गृह
एस. तिरुनावुक्कुकरसार : संचार एवं सूचना प्रौद्योगिकी
सुभाष महारिया: उपभोक्ता मामले , खाद्य एवं जन वितरण
हुकुमदेव नारायण यादव : कृषि
दिलीपकुमार मंसुखलाल गांधी: शिपिंग
जसकौर मीणा: मानव संसाधन विकास
कैलाश मेघवाल: सामाजिक न्याय एवं इम्पावरमेंट
नागमणि: सामाजिक न्याय एवं इम्पावरमेंट
प्रहलाद सिंह पटेल: कोयला
पी.सी. थामस: विधि एवं न्याय

कार्यालयों के प्रमुख

भारत के राष्ट्रपति : ए.पी.जे. अब्दुल कलाम
उपराष्ट्रपति : भैरो सिंह शेखावत
प्रधानमंत्री: अटल बिहारी वाजपेई
उप प्रधानमंत्री : लाल कृष्ण अडवाणी
मुख्य न्यायधीश: वी.एन. खरे
अध्यक्ष लोक सभा : मनोहर जोशी
उपाध्यक्ष लोक सभा : पी.एम. सईद
अध्यक्ष, राज्य सभा : भैरो सिंह शेखावत
उपाध्यक्ष, राज्य सभा : डा. नजमा हेपतुल्ला
अध्यक्ष योजना आयोग : अटल बिहारी वाजपेई
उपाध्यक्ष योजना आयोग : के.सी. पंत
महाधिवक्ता : सोली सोराबजी

सोलिसिटर जनरल : किरीत एन. रावल
गवर्नर, रिजर्व बैंक आफ इंडिया : वाई. वी. रेड्डी
मुख्य चुनाव आयुक्त : जे.एम. लिंग्दोह
कम्पट्रोलर एवं आडिटर जनरल : वी.एन. कौल
कैबिनेट सेक्रेटरी : कमल पांडे
प्रधान मंत्री के प्रिंसपल सेक्रेट्री: ब्रजेश मिश्रा
भारत सरकार के वैज्ञानिक सलाहकार : डा. आर चिदावंरम
सेक्रेटरी जनरल लोक सभा : जी.सी. मल्होत्रा
सेक्रेटरी जनरल राज्य सभा : योगेंद्र नारायण
सेंट्रल विजिलेंस कमिश्नर: पी. शंकर
विदेश सचिव: कंवर सियल
गृह सचिव: कमल पांडे
वित्त सचिव: एस. नारायण
रक्षा सचिव: सुबीर दत्ता
अध्यक्ष यू.पी.एस.सी.: पी.सी. होटा
चेयरमैन ए.बी.सी.: फिलिप मात्यु
अध्यक्ष परमाणु ऊर्जा आयोग: अनिल काकोदकर
अध्यक्ष सीबी.एस.ई.: अशोक गांगुली
अध्यक्ष सेंट्रल एडमिनिस्ट्रेटिव ट्रिब्यूनल (कैट): न्यायमूर्ति अशोक अग्रवाल
अध्यक्ष केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड: पी.के. सरमा
अध्यक्ष सेंट्रल बोर्ड आफ एक्साइज एंड कस्टम: एम.के. जुत्शी
अध्यक्ष सेंट्रल बोर्ड आफ फिल्म सर्टिफिकेशन: अरविंद तिवारी
अध्यक्ष केंद्रीय विद्युत प्राधिकरर्ण: आर.एन श्रीवास्तव
अध्यक्ष, फिक्की : ए.सी. मुत्तैया
अध्यक्ष भारतीय खाद्य निगर्म: भूरे लाल
अध्यक्ष फारेन इन्वेस्टमेंट प्रोमोशन बोर्ड: वी. गोविंदाराजन
अध्यक्ष एयर इंडिया: राय पाल
अध्यक्ष इंडियन एयर लाइंस: सुनील अरोड़ा
अध्यक्ष इंडियन काउंसिल आफ सोशल साइंस रिसर्च: एम.एल. सोंधी
अध्यक्ष इसो: प्रो. कृष्णास्वामी कस्तूरीरंगन
अध्यक्ष विधि निगर्म: न्यायमूर्ति बी.पी. जीवन रेड्डी
अध्यक्ष भारतीय जीवन बीमा निगर्म: एस.बी. माथुर
अध्यक्ष नासकार्म: किरण कार्निक
अध्यक्ष नेशनल बुक ट्रस्ट आफ इंडियाः डा. एस.आर नाडिग
अध्यक्ष राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग: न्यायमूर्ति एम. शमीम
अध्यक्ष राष्ट्रीय अनुसूचित एवं जनजाति आयोग: बी.एस. शास्त्री
अध्यक्ष भारतीय प्रेस परिषद: न्यायमूर्ति के. जयचंद्रा रेड्डी
अध्यक्ष प्रेस ट्रस्ट आफ इंडिया: विनीत जैन
अध्यक्ष प्रेस इंस्टीट्यूट आफ इंडिया: फिलिप मात्यु
अध्यक्ष रेलवे बोर्ड: आर.एन. मल्होत्रा
अध्यक्ष, संगीत नाटक अकादमी : डा. भूपेन हजारिका
अध्यक्ष, सेक्योरेटीज एंड एक्सचेंज बोर्ड आफ इंडिया: डी.आर. मेहता
अध्यक्ष, स्टेट बैंक आफ इंडिया: ए.के. पुरुवार
अध्यक्ष, टैरिफ काम : ए.के. कुंद्रा
अध्यक्ष, यू.जी.सी. : प्रो. अरुण निगावेकर
अध्यक्ष, युनाइटेड न्यूज आफ इंडिया: अरुण अरोड़ा
अध्यक्ष, यू.टी.आई.: एम. दामोदरन
अध्यक्ष, टी बोर्ड : एन.के. दास
अध्यक्ष, स्टाफ सेलेक्शन कमीशन : बी.के. मिश्रा
अध्यक्ष, आई.सी.सी.आर: नजमा हेपतुल्ला
अध्यक्ष, आर्डिनेन्स फैक्टरीज और आर्डिनेन्स फैक्टरीज बोर्ड : पी. के. मिश्रा
चेयरपरसन, सेंट्रल सोशल वेलफेयर बोर्ड: मृदुला सिन्हा
चेयरपरसन, चिल्ड्रेन फिल्म सोसायटी आफ इंडिया: साई परांजपे
चेयरपरसन, नेशनल कमीशन फार वीमेन: विभा पार्थसारथी
चीफ आफ इंटीग्रेटेड डिफेंस स्टाफ: ले. जनरल पंकज जोशी
सी.एम.डी., आई.डी.बी.आई. : पी.पी. वोहरा
निदेशक, सी.बी.आई. : उमा शंकर मिश्रा
निदेशक, इंटेलेजिंस ब्यूरो: के.पी. सिंह
निदेशक, एम.सी.ई.आर.टी. : प्रो. जे.एस. राजपूत
निदेशक, रिसर्च एंड एनालिसिस विंग : वी.के. सूद
डीजी बार्डर रोड्स आर्गनाइजेशन: ले. जनरल ए.के. पुरी
डीजी बी.एस.एफ.: अजय राज शर्मा
डीजी आई.आई.एफ.टी: प्रबीर सेन गुप्ता
डीजी कोस्ट गार्ड: वाइस एडमिरल ओ.पी. बंसल
डीजी सी.आर.पी.एफ.: त्रिनाथ मिश्रा
डीजी सी.एस.आई.आर.: आर.ए. मशेलकर
डीजी आई.सी.एम.आर.: प्रो. एन.के. गांगुली
डीजी, आर्डिनेंस फैक्ट्रीज एंड चीफ आर्डिनेंस फैक्ट्री बोर्ड: डी.के. दत्ता
अध्यक्ष, एशोकेम : रघु मोदी
अध्यक्ष, इंडियन इंस्टीट्यूट आफ बैंकर्स: वी. लीलाधर
अध्यक्ष, बी.सी.सी.आई.: जगमोहन डालमियां
अध्यक्ष, सी.आई.आई: असोक सूटा
अध्यक्ष, एडीटर्स गिल्ड आफ इंडिया: हरि जयसिंह
अध्यक्ष, आई.एन.एस.: अभय छजलानी
अध्यक्ष, इंडियन ओलंपिक एसोसियेशन: सुरेश कलमाडी
अध्यक्ष, आल इंडिया स्पोर्ट्स काउंसिल: वी.के. मल्होत्रा
अध्यक्ष, ललित कला अकादमी : आर.बी. भास्करन
रजिस्ट्रार जनरल एंड सेसंस कमिश्नर: जे.के. बंथिया
अमरीका में भारतीय राजदूत: ललित मानसिंह
रूस में भारतीय राजदूत: कृष्णन रघुनाथ
चीन में भारतीय राजदूत: शिवशंकर मेनन
जर्मनी में भारतीय राजदूत: रोन्नेन सेन
यू.के. में हाई कमिश्नर: नरेश्वर दयाल
संयुक्त राष्ट्र में भारतीय स्थाई प्रतिनिधि: कमलेश शर्मा

तरल पदार्थों से बने हैं। इस प्रकार कोई गियर विभिन्न गति में चल सकता है। इस असामान्य तकनीक का विकास और निर्माण हारवर्ड विश्वविद्यालय मासाच्यूटस के जार्ज व्हाइट साइड्स और उनके सहयोगियों के द्वारा किया गया है। जैसे की पत्तियां तालाब की सतह पर जोर से गिरती है, उनके भाग तरल सतह पर तैरने लगते हैं और परस्पर आकर्षण की शक्ति आपस में बंध जाते हैं। यदि आपस में दो की टक्कर होती तब तरल किनारे आपस में मिल जाते हैं। सतह पर तनाव कारण दांते खिचकर मिल जाते हैं। इसी प्रक्रिया से भीगे र रस्से के बलों के रोंयें आपस में चिपक जाते हैं।

इस दल ने इसका भी प्रदर्शन किया कि किस प्रकार इस त्र के घूमते हुए भाग, तरल पर तैरते हुए भागते हैं। उन्होंने ई मिलीमीटर के प्लास्टिक के दांतों और गियर का निर्माण या है जो जैविक पदार्थ जिसे परप्ल्यूरोडेकलिन कहते है, तैरता है। उनके द्वारा यह कल्पना की गई है कि वे ऐसे ने वाले उपकरण का भी निर्माण कर सकते हैं।

द्युत बहाव का दर्शन

न्यू साइन्टिस्ट पत्रिका की एक रपट के अनुसार, भौतिक त्रयों ने विद्युत धारा का चित्र दिखाने में सफलता प्राप्त कर है। किसी तत्व पर बहते विद्युत प्रवाह के चुंबकीय क्षेत्र के ादन को स्कैन करके दिखाया जाता है। यह तकनीक ादकों को गलती के स्कैन माइक्रोचिप के उत्पादन में सहायता ती है। वायुयान से लेकर बैंक में नोटों तक की किसी भी तम गलती को खोज सकती है। वर्तमान में अभियान्त्रिक किसी चिप की कमी को देखने के लिए उसके आवरण को कर, प्रवाह को देखकर परीक्षण करता है। लेकिन नया ीय माइक्रोस्कोप बहुत ही संवेदनशील है, जो चिप के अन्दर ी निरीक्षण कर लेता है और कमी शार्ट सर्किट या तार के की कमी का पता लगा लेता है।

ब की गतिशीलता और दिमागी कमजोरी

ाइक्रोस्कोप का विद्युत वाहक किसी भी वस्तु की रेक संरचना का पता लगाने के लिए किया जा सकता ांख की गति, बिन्दु से मानसिक बिमारी तक–इलिनोइस विद्यालय के अन्वेष्णकर्ता आंख की गति का सूक्ष्मतम मान्यता का अध्ययन कर रहे हैं जिसका उपयोग ज्ञानिक बीमारियों के उपचार के लिए किया जाएगा। ख परिपथ में घूमते हुए किसी भी तत्व की अनियमित, क की तंत्रिका परिपथीय कमी को प्रत्यावर्तित करतां र मस्तिष्क के विशेष प्रकार की असंतुलन का धित्व करता है। उदाहरणार्थ, मनोविचलता के रोगी को धीमी गति से घूमती हुई वस्तु पर केन्द्रित बड़ा कठिन । भविष्य में व्यक्तिगत रूप से वड़े खतरे की पहचान व करेगा और किसी भयंकर मस्तिष्क की असंतुलन क करने में बहुत ही सहायक होगा।

ट्रो–फरटिलिसाटियो की रजत जयन्ती

जुलाई 2003 को विश्व ने इन–विटो फर्टिलिसाटियो

कनीनिक में प्रोफेसर पैट्रिक स्टेपटो और प्रोफेसर एडवर्ड ने इसे परीक्षण किया। इस आकास्मिक घटना से में दो परखनली शिशुओं का जन्म हुआ, उनके नाम ब्राउन और आलासटायर मैकडोनाल्ड थे। पिछले 25 में, इस विधि से 6000 शिशुओं का जन्म आई.वी तकनीक से इस क्लीनिक में हो चुका है।

जबकि आई.वी.एफ. तकनीक में कई वर्षो से परि आता गया है और उन्नतिशील विकास से इसमें अच्छे परि मिले हैं। वर्तमान समय में आई.वी.एफा. तकनीक की सफ की दर अंशतः सुधर गई है क्योंकि अब उपचार की अ सुवधिाएं उपलब्ध हो गई है। और वैज्ञानिक भ्रूणों को ब रखने के कठिन काम को अंजाम देने अधिक योग्य हो हैं। सर्वाधिक विशिष्ट उपलब्धि इन्ट्रा साइटोप्लास्मिक स इन्जेक्शन में मिली है। इसमें मात्र एक सर्वोत्तम शुक्राणु अंडे तक पहुंचाया जाता है।

पेण्टाक्वार्क के बारे में साक्ष्य

30 वर्षों के सतत प्रयासों के बाद, जापान रूस औ अमरीका के न्यूक्लियर वैज्ञानिकों ने पेण्टाक्वार्क (ऐसा त जिसमें 5 क्वार्क होते है) के बारे पहली बार ठोस साक्ष्य क पता लगाने में सफलता प्राप्त की है। यद्यपि इस खोज क भविष्यवाणी रूसी वैज्ञानिकों द्वारा 6 वर्ष पूर्व की गई थ जिन्होंने पेण्टाक्वार्क के आस्तित्व की संभावना का संके किया था। जबकि वे इस संदर्भ में कोई ठोस साक्ष्य उपस्थित नहीं कर पाये थे।

क्वार्क किसी आधार भूत तत्व के प्रारंभिक तत्व होते हैं पेण्टाक्वार्क के साक्ष्य के पूर्व ही अ–मेसन्स और व–बरोन्स प्रकाश में आ चुके थे। मेसन्स में एक क्वार्क और एक एण्टीक्वार्क होता है जबकि बरोन्स में तीन क्वार्क और तीन एण्टीक्वार्क होते हैं। वर्तमान उद्घाटन से न्यूक्लियर वैज्ञानिकों का कहना है कि इसमें और तत्व भी है जिसमें दो अप क्वार्क दो डाउन क्वार्क है और एक अण्टीक्वार्क है। अभी तक न्यूक्लियर भौतिकी के छात्रों को यहुत कम जानकारी उपलब्ध हो पाई है।

पेण्टाक्वार्क के साक्ष्य की जानकारी जापान और मास्को की प्रयोगशालाओं में 2002 में किये परीक्षण से ज्ञात हुई है। 2003 में संचालित थामस हेफरसन नेशनल एक्लेटर फैसिलिटी अमरीका में संचालित प्रयोग ने चौथा साक्ष्य प्रस्तुत किया है और अन्वेषण की उपलब्धियों की संस्तुति की है। प्रयोग के दौरान अमरीकी वैज्ञानिकों ने न्यूकल्यिस डयूटेरियम का उपयोग किया था।

गुरुत्व की गति का मापन–गुरुत्व के खिचाव का विचार तात्कालिक नहीं है बल्कि इसकी लहरें प्रकाश की गति से चलती है। यह आइस्टीन के सिद्धता की मुख्य भविष्यवाणी है। यह यहुत कुछ सैद्धान्तिक भौतिक विज्ञान सामान्य संबद्धता और समर्थन है।

लेकिन इसका परीक्षण कभी भी नहीं किया गया। तय कोई कैसे यह सिद्ध कर सकता है कि कोई वस्तु निश्चित गति से प्रकाश की गति के समतुल्य चल सकती है।

कोपइकन, इस विधि पर चिन्तन किया। इनके चिन्तन का आधार लेनसिंग का प्रभाव है।

जब कोई ग्रह या तारा दूर के क्वासर जैसे किसी तत्व के सम्मुख से गुजरता है, तब नजदीकी तत्व का गुरुत्व रेडियो तरंगों में झुक जाता है, जो क्वासर जैसे तत्व से आ रही होती है। यह गुरुत्व एक रिंग के रूप केन्द्रीभूत हो जाती है।

इस आकलन का सामान्यीकरण करने में, खगोलज्ञ इस घटनाओं को स्वीकार करते है कि गुरुत्वाकर्षणीय क्षेत्र स्थिर होता है। कोपइकिन ने खोज निकाला है कि गुरुत्वाकर्षणीय तरंगे रेडियो तरंगों से अन्तःक्रिया करती है और रिंग का रूप बिगाड़ देती है। 8 सितंबर को कोपइकिन को एक अवसर सुलभ हुआ जब वृहस्पति दूर से क्वासर से होकर गुजरा। इस उपलब्धि के परिणाम को अभी प्रकाशित होना है। आंकड़े प्रदर्शित करेगें कि क्वासर रेडियो प्रतिभा का खिंचाव कैसे होता है। इसकी शुद्धता डिग्री के हजारवें भाग के बराबर होती है। गुरुत्वाकर्षणीय तरंगो की यात्रा प्रकाश की गति से होती है। इसका पता पृथ्वी पर स्थापित टेलिस्कोप से लगाया जा सकता है।

प्रोमेटिया

डोली और पोली के बाद रिप्रोडक्श टेकनोलजी प्रयोगशाला, क्रेमोना के जापानी वैज्ञानिकों की टीम ने विश्व में प्रथम क्लोन्ड घोडे के उत्पादन में सफलता प्राप्त की है। इस क्लोन्ड घोड़े को प्रोमेटिया नाम दिया गया है। यह प्रोमेथियम के नाम पर पड़ा है, जो ग्रीक पौराणिक कथा का एक चरित्र है जिसने स्वर्ग से अग्नि को चुरा लिया था और मनुष्यों के लिए इसे धरती पर लाया था। प्रोमेटिया के जन्म से घोड़ो की विलुप्त होनेवाली प्रजातियों के पुर्नअस्तित्व की संभावना को बढ़ा दिया है। क्लोनिंग तकनीक का सर्वोत्तम उपयोग बांझ जानवरों, मरे हुए जानवरों या किसी बीमारी के कारण पुरोत्पादन न कर सकने वाले जानवरों को पुरोत्पादन का अवसर देना है। अश्वीय परिवार में, इटाहो विश्वविद्यालय में एक खच्चर के जन्म के कुछ हफ्तों के बाद ही प्रोमेटिया का जन्म हुआ था। जबकि इदाहो परियोजना और क्रिमोन परियोजना की तकनीकी भिन्नता के बीच स्पष्ट बहुत दूर की है। पहले प्रकरण में खच्चर की क्लोन विकसित होते हुए खच्चर के भ्रूण से कोशिका ली गई थी। दूसरे प्रकरण में प्रोमेटिया का डी.एन.ए उसकी वयस्क मां की त्वचा की कोशिका से लिया गया था। इसका अर्थ हुआ कि वस्यक मां और उसका बछड़ा जुड़वा हुए। इस प्रकार से प्रोमेटिया के जन्म को अति उन्नति का देखा जा सकता है। इसकी तुलना इदाहो के खच्चर से नहीं की जा सकती है, ऐसा विशेषज्ञों की राय है। वयस्क डी.एन.ए की क्लोनिंग, भ्रूणीय डी.एन.ए नकल से काफी कठिन होती है।

८ पद्धतियां

...ार भांति-भांति की चिकित्सा-पद्धतियों से संपन्न है- एलोपेथी, होम्योपेथी, आयुर्वेद, अरबी, मिस्री, ग्रीको- ... आदि । जहां पाश्चात्य चिकित्सा-पद्धति बहुमुखी विकास-प्रक्रिया से घिरी हुई, आयुर्वेद आदि पूर्वी पद्धतियों में उल्लेखनीय अमोघता के प्रति जागरूकता की भावना विकसित हो रही है ।

मिस्री, बेबिलोनी, भारतीय तथा चीनी आदि सभी प्राचीन सभ्यताओं ने अपनी चिकित्सा-पद्धति का विकास किया था। मिस्र ने इस क्षेत्र में सर्वप्रथम पहल की और उसे सफलता भी मिली । ईसा पूर्व तृतीय सहस्त्राब्दी में ही मिस्र में एक सुविकसित चिकित्सा-पद्धति कायम हो गई थी ।

हमारे पास बेबिलोनी चिकित्सा-पद्धति के बारे में विशेष जानकारी नहीं है ।सिंधु घाटी सभ्यता के बारे में और भी कम जानते हैं । भारतीय पद्धति, हमारी जानकारी के अनुसार, ऋग्वेद-काल (ई.पू. 2000) से शुरू होती है । चीन में सर्वप्रथम ज्ञात वैद्यक-ग्रंथ ई.पू. 450 का है ।

अन्य प्राचीन पद्धतियों के समान ही, मिस्री पद्धति रूढ़िवाद और जादू-टोने के दबाव से आक्रांत थी ।फिर भी इस पद्धति ने अनेक उपचार विकसित किए जो आज तक अमोघ साबित हुए हैं ।मिस्र के चिकित्सक दर्दनाशक दवाओं तथा शामक औषधियों से भलीभांति परिचित थे ।रोग-शमन के गुणों से पूर्ण खुरासानी अजवाइन का प्रथम प्रयोग मिस्री वैद्यों ने किया था ।स्कर्वी रोग तथा अंतड़ियों की बीमारियों के इलाज में प्रयुक्त प्याज़ पुराना मिस्री नुस्खा है ।

चीनी चिकित्सा पद्धति सदियों पुरानी होगी, तभी तो ई. पू. 450 के लगभग चीन का पहला वैद्यक-ग्रंथ निकला था। भारतीय ऋग्वेद और बाद के अथर्ववेद के विपरीत चिकित्सा के क्षेत्र में एक विस्तृत विवेचन इस ग्रंथ में मिलता है जिसकी तुलना भारत की सुश्रुत संहिता या चरक संहिता से की जा सकती है। इसमें अन्य निदानों के साथ एक्युपंक्चर के संबंध में विस्तृत वर्णन भी मिलता है जिसकी चर्चा इन दिनों सारे विश्व में हो रही है । छठी और नौवीं सदी के बीच में चीनी चिकित्सा-पद्धति, जो हान-यी के नाम से प्रसिद्ध है, कोरिया, जापान और दक्षिण पूर्वी एशिया के कई भागों में व्याप्त हो गई थी।

प्राचीन चीन ने अनेक उपचारों को विकसित किया था जिनमें से कई आज तक चले आ रहे हैं ।खांसी को शांत करनेवाली इफेडरा बूटी 4000 वर्ष पहले ही चीनियों को ज्ञात थी । जुलाब के रूप में रूबार्ब का प्रयोग चीन में ही पहले-पहल हुआ था । कृमि को दूर करने के लिए कूष्मांड-बीजों के उपचार का विधान चीनियों की देन है । आजकल यह घेंघा-बुखार में भी प्रभावपूर्ण साबित हुआ है ।

ग्रीको-रोमन पद्धति कई हद तक मिस्री पद्धति से विकसित

चिकित्सा शास्त्र के क्षेत्र में ऐतिहासिक घटनाएं

प्रणाली/आविष्कार/खोज	तिथि	आविष्कर्ता/लेखक	देश
आयुर्वेद	2000–1000 ई.पू.	आत्रेय	भारत
पाश्चात्य वैज्ञानिक पद्धति	460–370 ई.पू.	हिपोक्रेटस	यूनान
योग	200–100 ई.पू.	पतंजलि	भारत
अष्टांग हृदय	550 ई.पू.	वाग्भट	भारत
सिद्धयोग	पु. 750 ई.	वृदुकुंट	भारत
शरीर–विज्ञान कीमियो*	1316	मोडिनो	इटली
रसायन चिकित्सा	1493–1541	परासेल्सस	स्विट्जरलैंड

* *शरीर विश्लेषण पर पहली पुस्तक*

हुई थी। इस पद्धति के अनेक उपचारों का स्रोत मिस्री पद्धति है। वैद्यक को रूढ़िवाद और जादू–टोने से मुक्त करने का क्रान्तिकारी कदम उठाने के लिये हमें मिस्रियों का शुक्रगुजार होना चाहिए। प्रसिद्ध यूनानी चिकित्सक हिपोक्रेट्स ने, जो कि पश्चिम में चिकित्सा शास्त्र के जनक माने जाते हैं। चिकित्सा में जादू–टोने और मंत्र–तंत्र की निंदा की। उन्होंने चिकित्सकों के लिए आचार–संहिता बनाई। हिपोक्रेट्स के साथ वैज्ञानिक चिकित्सा पद्धति का उदय हुआ।

अरब के चिकित्सकों ने भारतीय चिकित्सा पद्धति और ग्रीको–रोमन पद्धति का संश्लेषण करके चिकित्सा–विज्ञान में क्रांतिकारी परिवर्तन किया था। उन्होंने यह ज्ञान यूरोप को प्रदान किया। यूरोप में अरबी औषधियों का व्यापक एवं चिरस्थायी प्रभाव पड़ा। अरब विद्वान अविसेन्ना (11 वीं सदी ई) द्वारा रचित 'कैनन' यूरोप में चिकित्सा–शास्त्र के छात्रों के लिए प्रारंभिक पाठ्य–पुस्तक के रूप में काम आयी और 17वीं सदी तक यही पुस्तक प्रयोग में रही।

मुगल बादशाहों की हुकूमत में अरबी दवाइयां भारत में आईं और यूनानी पद्धति के नाम से इस देश में दृढ़ मूल हो गई। इसकी वजह यह थी कि प्राचीन भारतीय और नई यूनानी पद्धति में कई समानताएं थीं। यूनानी शब्द संस्कृत के यवन शब्द से, जिसका अर्थ ग्रीक है, व्युत्पन्न है। यूनानी चिकित्सा–पद्धति आज तक भारत में प्रचलित है। आयुर्वेद नाम से विख्यात भारतीय पद्धति का ई.पू. 2000 में ही प्रादुर्भाव हो गया था। आयुर्वेद संस्कृत का एक शब्द है जिसका अर्थ है जीवन का विज्ञान। वस्तुतः यह शब्द दो संबद्ध भावों को अभिव्यक्त करता है – जीवन का विज्ञान और जीने की कला।

एलोपैथी या होम्योपैथी के विपरीत आयुर्वेद किसी विशेष चिकित्सा–पद्धति पर भरोसा नहीं रखता। आयुर्वेद पद्धति के उपचार में एलोपैथी, होम्योपैथी और प्राकृतिक चिकित्सा के सभी सिद्धान्त समाविष्ट हैं। भारतीय चिकित्सा की सर्केंद्रीय परिषद के अध्यक्ष पंडित शिव शर्मा कहते हैं, 'इस प्रकार, होम्योपैथी का अफीम जो कब्ज का निवारण करता है और एलोपैथी का अफीम जो कब्ज पैदा करता है, दोनों ही आयुर्वेद चिकित्सा–पद्धति में सम्मिलित हैं। आयुर्वेद के अनुसार शरीर–रचना–तंत्र में त्रिविध दोष रहते हैं – वात, पित्त और कफ जिनका शाब्दिक अर्थ वायु, पित्त और श्लेष्मा है। परन्तु इनकी व्याप्ति कहीं अधिक है यहां तक कि इन्ही के आधार पर शरीर का संपूर्ण क्रिया व्यापार चलता है।

उत्तम स्वास्थ्य से तात्पर्य है इन त्रि–दोषों का सुंदर संतुलन। मात्र एक दोष के साथ व्यक्ति का कोई अस्तित्व नहीं। शरीर में इनमें से किसी दोष की प्रधानता शरीर–रचना के प्रकार को सूचित करता है। इसके आधार पर मानवों को तीन मनः शारीरिक प्रकारों में विभाजित किया गया है – वातप्रकृति, पित्तप्रकृति और कफप्रकृति।

आयुर्वेद चिकित्सक रोगी का परीक्षण करते हुए दोषों की मात्रा का मूल्यांकन करता है और देखता है कि इनमें से किस दोष का आधिक्य है। इसके आधार पर आवश्यक औषधि, आहार–विहार के उपचार द्वारा शारीरिक असंतुलन को सही कर देता है।

हेनिमन ने अपनी चिकित्सा–पद्धति होम्योपैथी से अलग पहचान कराने के लिए पाश्चात्य चिकित्सा पद्धति का नाम एलोपैथी रखा। यह ग्रीक शब्द 'एलोज' से उत्पन्न हुआ। एलो का अर्थ 'अन्य' है जिसका निहितार्थ है कि अन्य औषधियों द्वारा रोगों का उपचार। इसका तात्पर्य यह निकलता है कि रोग लक्षणों के प्रभाव के विपरीत दवाओं का प्रयोग एलोपैथी में होता है। ग्रीक शब्द 'होमोज़' से व्युत्पन्न 'होम्यो' का अर्थ है, रोग लक्षणों के समान असर करने वाली दवाओं से रोग का उपचार। दूसरे शब्दों में होम्योपैथी (शाब्दिक अर्थ–समान पीड़ा) 'समं समेन शाम्यति' (सम से सम का उपचार होता है) के सिद्धांत पर आधारित है जबकि एलोपैथी 'विषम विषमेन शाम्यति के सिद्धान्त पर चलती है।

आधुनिक चिकित्सा विज्ञान

संक्रामक जीवों द्वारा पैदा होने वाली अधिकांश बीमारियां दवाओं से ठीक की जा सकती है। बहुतों को टीका–लगाकर रोका जा सकता है तथा चेचक जैसी कुछ बीमारियों को पूरे तौर पर उन्मूलित किया जा चुका है। लेकिन एड्स (एक्वायर्ड इम्यूनो डिफिसिएन्सी सिन्ड्रोम) जैसी नई बीमारियां चिकित्सा विज्ञान को नई चुनौती दे रही हैं। एड्स का पहला मरीज 1981 में अमरीका में प्रकाश से आया था तब से आज तक लगभग 175 देशों में एड्स का प्रसार हो चुका है विश्व स्वास्थ्य संगठन की रिपोर्ट के अनुसार पूरी दुनिया में लगभग

एक करोड़ व्यक्ति एड्स से संक्रमित हुए हो सकते हैं, जिसका 80 प्रतिशत मात्र 10 देशों में होंगे। इनमें अमेरिका (कुल जनसंख्या का 0.04 प्रतिशत) पश्चिमी यूरोप मध्य अफ्रीका (उदाहरण स्वरूप सायर में कुल जनसंख्या का 3.5 प्रतिशत) दक्षिण अमेरिका (विशेष रूप से ब्राजील) और कनाडा आदि शामिल हैं ।भारत में हजारों एड्स संक्रमित व्यक्तियों का अभी तक पता चल चुका है । सबसे ज्यादा प्रभावित लोग महाराष्ट्र व तमिलनाडु में पाये गये हैं ।एड्स की उत्पत्ति ह्युमन इम्यूनो डिफीसिएन्सी वायरस (एच. आई. वी) से होती है जो प्राथमिक रूप से रक्त में पायी जाने वाली टी–4 लिम्फोसाइट नामक कोशाओं को नष्ट कर देते हैं । यह कोशाएं शरीर को प्रतिरोध शक्ति प्रदान करती है और इनके निष्प्रभावी हो जाने से रोग संक्रमण के प्रति शरीर की प्रतिरोध शक्ति कम हो जाती है। और इस दशा में सामान्य रूप से नुकसान न पहुंचा पाने वाले रोगाणु भी शरीर पर मरणातंक संक्रमण कर बैठते हैं ।एक वार एड्स के वायरस का शरीर में प्रवेश होने के बाद बीमारी के प्रकट रूप में उभरने में 8 से 10 वर्ष तक का समय लग सकता है किन्तु यह प्रायः सभी में जल्दी या देर से प्रकट हो जाती हैं । पश्चिमी विश्व में इस बीमारी से सबसे अधिक प्रभावित वे लोग होते हैं जो समलैंगिक मैथुन करते है या नसों के जरिये नशीली दवाओं की सुइयां लगवाते हैं। लेकिन वे लोग जो स्त्री–पुरुष मैथुन ही करते हैं किन्तु एक समय में कई स्त्रियों से सम्पर्क बनाते हैं, भी इस रोग से प्रभावित हो सकते हैं और भारत में यही इस रोग के प्रसार का सबसे बड़ा कारण है ।रोगी को रक्त चढ़ाते समय तथा संक्रमित मां द्वारा शिशुओं में भी यह रोग फैल सकता है ।रोगियों को साधारण रूप से छूने से तथा मच्छरों के काटने से यह रोग नहीं फैलता हैं ।

एड्स का अभी तक कोई निदान नहीं ढूंढा जा सका है। वाइरस निरोधी दवाएं जैसे जाइडोवुडीन, ज्यादा से ज्यादा इस बीमारी को तेजी से उभरने से रोकने में सक्षम हुई है ।इस वाइरस के विरुद्ध किसी टीके को खोज होना एक वहुत वड़ी उपलब्धि होगी, पर इस दिशा में बड़ी कठिनाइयां हैं ।अभी तक हमारे प्रयास विभिन्न तरीकों से इस वाइरस के प्रसार को नियंत्रित करने तक ही सीमित है ।

जन्म से पूर्व गर्भावस्था में ही रोगों की जांच के तरीकों का विकास चिकित्सा विज्ञान की एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है इस जांच से जन्म से पहले ही कुछ रोगों का निदान किया जा सकता है ।गर्भाधान के वाद 15 वें से 18 वें सप्ताह में यदि मां के रक्त में अल्फाफीटो प्रोटीन जैसे कुछ पदार्थों की मात्रा में वृद्धि पायी जाती है तो यह पता चला जाता है कि यच्चे के मस्तिष्क या रीढ़ रज्जु में कोई खरावी हो सकती है ।भ्रूण का लगभग 6 सप्ताह वाद अल्ट्रासाउंड द्वारा जांच करने पर उसकी आयु तथा उसमें होने वाले किसी भी संरचनात्मक या कंकाल संवंधी दोष का पता लगाया जा सकता है ।अधिक जांच के लिए – कोरियानिक विलाई सैम्पलिंग (सी.वी.एस) नामक तकनीक का प्रयोग किया जाता है इसमें लम्बी सुइयों द्वारा भ्रूण व प्लासेन्टा के कुछ भागों से ऊतक के नमूने निकाल लिए जाते हैं और फिर उनका जीव रासायनिक कोशिकीय अध्ययन किया जाता है ।गर्भाधान के 18 से 20 सप्ताह के वाद भ्रूण की त्वचा, यकृत या मातृ रज्जु से सीधी बायोप्सी द्वारा ऊतक प्राप्त किये जा सकते हैं ।कुछ विशेष दोषों को ठीक करने के लिए गर्भावस्था में ही वच्चे की शल्य चिकित्सा भी की जा चुकी है – गर्भावस्था में ही जांच – पड़ताल का विकास होने से बच्चे के लिंग का पता लगना भी संभव हो गया है तथा हमारे देश में लोग इसका प्रयोग गर्भ में ही मादा शिशु का पता लगाकर उसको मारने के लिए करने लगे हैं ।इस बात से ही इस वात को आंका जा सकता है कि दूषित विचारों वाले लोग इन वर्तमान चिकित्साकीय तकनीकों का किस हद तक दुरुपयोग कर सकते हैं ।

आनुवंशिक अभियांत्रिकी के जरिये कोशिकाओं के केन्द्रक में स्थित आनुवंशिक पदार्थों में फेर यदल की जा सकती है। यह पदार्थ ही जीव में विभिन्न लक्षणों के प्रकट होने को नियंत्रित करते हैं ।इस पदार्थ की इकाइयों को जीन्स कहते हैं ।जीन्स का मुख्य घटक डी–आक्सीराइयो न्युक्लिक एसिड (डी.एन.ए.) है । रिकाम्बिनेन्ट डी.एन.ए. तकनीक के विकास ने जीव विज्ञान व चिकित्सा विज्ञान के अध्ययन के क्षेत्र को माइक्रोस्कोप (सूक्ष्मदर्शी यंत्र) के विकास के वाद होने वाले किसी भी अन्य तकनीकी विकास से अधिक सीमा तक आंदोलित किया है ।किसी भी जीव से किसी विशेष जीन को अलग करने तथा उसके गुणों की पहचान करने की प्रक्रिया के विकास का अत्यन्त व्यापक उपयोग संभव है ।हमारे लिए यहुत अधिक महत्व वाली कई प्रोटीनों का संशलेषण करने वाले डी.एन.ए. अंशों को बनाकर या अलग करके वैक्टीरिया, यीस्ट, जानवरों आदि की कोशाओं में प्रतिस्थापित करके अनेक शुद्ध पदार्थों का यड़े पैमाने पर उत्पादन किया जा सकता है ।इन्सुलिन जैसे हारमोन, वृद्धि–हारमोन्स, कैन्सर व एड्स को रोकने वाली इन्टरफेरान व इण्डरल्युकिन जैसी प्रोटीनों तथा हृदय–स्तंभन को रोकने में प्रयुक्त होने वाली– आर.टी.पी.ए.(रिकाम्बिनट टिश्यु प्लाजिमनोजेन ऐक्टिवेटर) नामक दवा आदि ऐसे सैकड़ों पदार्थों में प्रमुख है जिनका निर्माण इस तरह से हो रहा है ।इस विधि से पैदा किए गए प्रोटीन ऐन्टीजेनों को या तो सीधे टीके के तौर पर इस्तेमाल किया जा सकता है या फिर उनको नुकसान न पहुंचाने वाले दूसरे वायरसों में प्रविष्ट कराकर जीवित टीकों के रूप में अधिक प्रभावी ढंग से प्रयोग में लाया जा सकता है। इस तकनीक का सबसे अधिक उपयोग/जीन– प्रतिस्थापन चिकित्सा में हो सकता है जिसमें आवश्यक डी.एन.ए. खंड को ऐसे जीवों की कोशिकाओं में प्रविष्ट कराया जा सकता है जिनमें उसकी कमी हो और इस प्रकार जीन दोषों को स्थायी रूप से दूर कर दिया जाता है । यह तरीका उस विशेष एन्जाइम या फेक्टर को वदलने से ज्यादा अच्छा है ।क्योकि यह प्रतिस्थापन मात्र एक वार ही करना पड़ता है । किन्तु एन्जाइम को वार–वार देना पड़ता है।

दूसरा क्षेत्र जिसमें वहुत अधिक प्रगति की गई है, वह है, विभिन्न अंगों का प्रतिस्थापन/इसका नेत्र–पटल, गुर्दे, मज्जा, हृदय फेफड़ों तथा यकृत की खराबियों में वहुत उपयोग है ।अंधापन पैदा करने वाले रेटिनल [illegible] रोग में रेटिनल पिगमेंट इपीथीलियम, [illegible] मस्तिष्क के रेप्लटेन्शिया नाइग्रा नामक [illegible] रोगियों में आइलेट कोशिकाओं के [illegible] दूर करने की दिशा में प्रयोग जारी [illegible] की आंख से मृत्योपरान्त 6 घंटे [illegible]

कर उपयोग में लाया जा सकता है । भारत में ही दस लाख ऐसे अंधे हैं जिनकी आंखें कार्निया के प्रतिस्थापन के बाद फिर से दृष्टिमय हो सकती हैं । गुर्दों के सम्पूर्ण रूप से निष्क्रिय हो जाने का सर्वोत्तम उपचार अच्छे गुर्दे द्वारा प्रतिस्थापना ही है । इसके लिए सबसे अच्छा गुर्दा समदर्शी जुड़वा व्यक्ति का होता है क्योंकि उसमें ह्यूमन ल्युकोसाइट ऐन्टीजेन (एच.एल.ए. ऐन्टीजेन) एक जैसा ही होने के, शरीर की प्रतिरोधक शक्ति द्वारा बदलकर लगाये गये गुर्दे को उपेक्षित नहीं किया जाता है । अन्यथा यह – ऐन्टीजेन नये गुर्दे को शरीर में स्वीकृत नहीं होने देगा । नजदीकी संबंधियों में यह ऐन्टीजेन एक जैसा हो सकता है । कवकों से पैदा की गई दवा साइक्लोस्पोरिन के प्रयोग से भी गुर्दे के उपेक्षित हो जाने की प्रक्रिया को रोका जा सकता है । लगभग 80 प्रतिशत गुर्दे प्रतिस्थापन के बाद एक वर्ष से 5 वर्ष तक काम करते रहते हैं । नजदीकी संबंधियों के गुर्दे ज्यादा वर्षों तक काम करते हैं । हृदय का पहला प्रतिस्थापन 1967 में डा. क्रिश्चियन बर्नार्ड द्वारा किया गया था आजकल प्रतिवर्ष लगभग 1500 लोगों में हृदय का प्रतिस्थापन किया जा रहा है । हृदय के प्रतिस्थापन के बाद 80 प्रतिशत से लोग एक वर्ष से पांच वर्ष तक जीवित रहते हैं । सबसे लम्बी अवधि 19 वर्ष तक पाई गई है । यकृत का प्रतिस्थापन भी काफी सफल हो चला है तथा लगभग 70% लोगों में यह एक वर्ष तक काम करते रहते हैं । मज्जा के प्रतिस्थापन के द्वारा इम्युनोडिफीशियन्सी के रोग शत प्रतिशत तथा ल्युकीमिया के रोगी 10 से 50 प्रतिशत की सीमा तक ठीक किये जा सकते हैं । मधुमेह से पीड़ित रोगियों में भी अग्नाशय का प्रतिस्थापन किया जाता है लेकिन इसमें 50 प्रतिशत लोगों में ही एक वर्ष तक की कार्यशीलता पाई गई है ।

फाइबर आप्टिक इन्कडोस्कोपों का बीमारियों की जांच व उपचार में व्यापक उपयोग हो रहा है । इनके केन्द्र में स्थित [illegible]क फाइबरों से जब प्रकाश गुजरता है तो इन ट्यूब जैसे [illegible] से मोड़ वगैरह होने के बावजूद भी सारे अंदरूनी अंग साफ दिखाई देते हैं । आजकल फेफड़ों की जांच के लिए ब्रांकोस्कोप, आमाशय के ऊपरी आंत केलिए गेस्ट्रोस्कोप, निचली आंत केलिए कोलन स्कोप, उदर केलिए लैपेरोस्कोप, स्त्रियों के जननांगों के लिए हिस्तीरोस्कोप, हड्डियों के जोड़ों केलिए आर्थोस्कोप तथा रक्त की नलिकाओं केलिए ऐन्जियोस्कोप आदि उपलब्ध हैं । इनसे अंदरूनी हिस्सों को देखने के अलावा बायोप्सी के द्वारा ऊतकों के नमूने इकट्ठा करने बाह्यांशों (फारेन बॉडीज) को दूर करने, छोटे मांसपिंडों (ट्यूमरों) को काटकर अलग करने तथा नसों से रक्त का बहाव रोकने आदि में भी इन उपकरणों का प्रयोग होता है । कुछ दशाओं में एक अच्छा चिकित्सक इन इन्डोस्कोपों की मदद से उन परिणामों को प्राप्त कर सकता है जिनके लिए आमतौर पर एक बड़ी शल्यक्रिया की आवश्यकता पड़ सकती है ।

अल्ट्रासाउण्ड व लेज़र के प्रयोग ने चिकित्सा विज्ञान के क्षेत्र में आंदोलन ला दिया है । अल्ट्रासाउण्ड का उपयोग अंदरूनी अंगों को देखने के लिए ही नहीं बल्कि बिना किसी शल्यक्रिया के पेशाब के मार्ग व पित्ताशय में पैदा होने वाली पथरियों को तोड़कर व बारीक बनाकर दूर करने में भी किया जाता है । इसे एक्सट्रा कार्पोरियल शॉक वेव लिथोट्रिप्सी (ई.सी.एस.डब्ल्यू.एल.) कहते है । मुधुमेह के रोगियों में अंधेपन को रोकने के लिए आंख के नेत्रपटल का लेजर द्वारा फोटो का ऑगुलेशन किया जाता है । शल्य–क्रिया में लेजर का उपयोग ऊतकों को काटने के लिए किया जाता है। इसका प्रयोग रक्त की नसों में से एथीरोसेलेरोटिक प्लेक्स को निकालने के लिए भी किया जाता है ।

इस तरह आजकल कम्प्यूटरीकृत तकनीकों के प्रयोग से विकसित युक्त कम्प्युटराइजड एक्सियल टोमोग्राफी (सी.ए.टी. स्कैन) तकनीक, रेडियो धर्मिक खतरों के बिना कोमल ऊतकों की जांच–परख करने वाली उत्तम तकनीक मैगनेटिक रेसोनैन्स इमोजिन्ग (एम.आर.आई. स्कैन) तथा शरीर के विभिन्न ऊतकों की चयावचय प्रक्रियाओं का अध्ययन करने में सहायक पॉज़ीट्रॉन इमीशन टोमोग्राफी (पी.ई.टी.स्कैन) तकनीक आदि बहुत ही परिष्कृत तरीकों का चिकित्सा में व्यापक प्रयोग हो रहा है ।

आधुनिक चिकित्सा

प्रणाली/आविष्कार/खोज	तिथि	आविष्कर्ता/लेखक	देश
रक्त का परिसंचरण	1628	विलियम हार्वे	ब्रिटेन
बायोकेमिस्ट्री	1648	जान बापटीसा वान हेलमांट	बेलजियम
बैक्टीरिया (जीवाणु)	1683	लीवन हाक	हालैंड
न्यूरालोजी (तंत्रिकातंत्र)	1758–1828	फ्रांज जोसफ गाल	जर्मनी
शरीर विज्ञान	1757–66	एलब्रेश्ट वान हालर	स्विट्जरलैंड
टीका लगाना	1796	एडवर्ड जेनर	ब्रिटेन
ऊतक विज्ञान	1771–1802	मेरी बिचात	फ्रांस
स्टेथस्कोप	1819	रेने लैनक	फ्रांस
भ्रूण विज्ञान	1792–1896	कार्ल अर्नस्टवान बेआर	एस्टोनिया (सो.सं)
मार्फीन	1805	फ्रैडरिक सर्टर्नर	जर्मनी
क्लोरोफार्म	1847	जेम्स सिमसन	ब्रिटेन
रैबीज़ टीका	1860	लूई पास्तर	फ्रांस
जीवाणु विज्ञान	1872	फर्दिनांद कोहन	जर्मनी

कुष्ठ के बैसिलस	1873	हनसन	नार्वे
हैजे और तपेदिक के रोगाणु	1877	रार्बट कोख़	जर्मनी
मलेरिया रोगाणु	1880	लावेरान	फ्रांस
डिप्थीरिया रोगाणु	1883–84	क्लेबस और बजरनिक	जर्मनी
एस्प्रीन	1883	ड्रेसर	जर्मनी
विषाणु विज्ञान	1892	इवानोवस्की और बजरनिक	रूस, हलैंड
मनोविश्लेषण	1895	सिग्मंड फ्रायड	आस्ट्रिया
सीरमविज्ञान	1884–1915	पाल एरलिख	जर्मनी
प्रति आविष (एंटिटाक्सिन)	1890	बेहरिंग और कितासातो	जर्मनी, जापान
एड्रिनलीन	1894	शाफर और आलिवर	ब्रिटेन
अंतः स्त्राव विज्ञान	1902	वेलिस और स्टर्लिंग	ब्रिटेन
इलेक्ट्रो कार्डियोग्राफ	1906	आइन्योवन	हालैंड
टाइफस टीका	1909	जे. निकोले	फ्रांस
लिंग हारमोन	1910	इयूगन स्टेनाच	आस्ट्रिया
विटामिन	1912	सर एफ.जी. हापकिंस	ब्रिटेन
विटामिन–सी	1912	फ्रोलिख होल्सट	नार्वे
विटामिन–ए	1913	मैक कोलम और एम.डेविस	अमरीका
विटामिन–वी	1916	मैक कोलम	अमरीका
संश्लिष्ट प्रतिजन (एंटिजन)	1917	लैंडस्टीनर	अमरीका
थाईराक्सिन	1919	एडवर्ड कैल्विन–कैंडल	अमरीका
मधुमेह की इंसुलिन	1921	बैंटिंग और बेस्ट	कनाडा
विटामिन–डी	1922	मैककोलन	अमरीका
विटामिन–वी1	1926	मिनाट और मरफी	अगरीका
पेनिसिलिन	1928	एलेक्जैंडर फ्लेमिंग	ब्रिटेन
कार्टिसोन	1936	एडवर्ड काल्विन केन्डाल	अगरीका
डी.डी.टी. (डाइक्लोरो डाइफेनिल –ट्राइक्लोरोइथेन)	1939	पाल मूलर	जर्मनी
आर.एच. – कारक	1940	कार्ल लैंडस्टीनर	अमरीका
स्ट्रेप्टोमाइसिन	1944	सेलमन वाक्समैन	अमरीका
एल.एस.डी. (लाइसर्जिक एसिड डाइएथिला माइड)	1943	हाफ़मैन	स्विट्ज़रलैंड
किडनी मशीन	1944	कोल्फ़	[illegible]
क्लोरोमाइस्टिन	1947	बर्कहोल्डर	[illegible]
आरिओमाइसिन	1948	डग्गर	[illegible]
रिसर्पिन	1949	जल वाकिल	[illegible]
टैरामाइसिन	1950	फिनले और अन्य	[illegible]
निम्नतापीय –शल्य–चिकित्सा	1953	हेनरी स्वैन	[illegible]
ओपन हार्ट सर्जरी	1953	वाल्टन लिलोहल	[illegible]
पोलियो माइलिटिस टीका	1954	जोनस साल्क	[illegible]
पोलियो माइलिटिस टीका (मुखीय)	1954	एलवर्ट सैविन	[illegible]
गर्भ निरोधक गोलियां	1955	पिनकस	
शल्यचिकित्सा के दौरान कृत्रिम हृदय का प्रयोग	1963	माइकेल डी बाके	[illegible]
हृदय प्रतिरोपण शल्य चिकित्सा	1967	क्रिश्चियन बर्नार्ड	[illegible]
प्रथम परखनली शिशु	1978	स्टप्टो और एडवर्ड्स	[illegible]
जीन चिकित्सा मानव पर	1980	मार्टिन क्लाइन	[illegible]
चेचक का उन्मूलन	1980	विश्व स्वास्थ्य संगठन ने	[illegible]
कैंसर से जुड़े जीन	1982	रावर्ट वीनवर्ग और अन्य	[illegible]

इस सदी का प्लेग

—डा. एम.ए. वर्गीस, न्यू केस्टल अमरीका

प्लेग, एरर्शिनियी पेस्टिस का कारण एक जैवाणिक संक्रमण है। मानव इतिहास में, प्लेग रूपी महामारी ने अन्य वीमारियों और युद्धों की अपेक्षा अधिक लोगों को काल के हवाले किया है। इस प्रचण्ड वीमारी की कालावधि 2 से 8 दिन तक की है। प्रदूषण होने पर मृत्यु का कारण न्यूमोनिया या रक्त विपायन होता है। 1950 में प्लेग के विस्फोट को आधुनिक निगरानी के तरीकों, नाशक जीव नियंत्रण, और प्रतिरोधी हवाओं के कारण नियंत्रण में कर लिया गया था। चेचक एक दूसरी भयानक वीमारी है जो ईसा पूर्व 1100 से ही महामारी का कारण वन चुकी है। 1980 में विश्व स्वास्थ्य संगठन ने विश्व से चेचक को संपूर्ण उन्मूलन की घोषणा कर दी है। यह आधुनिक निरोधी दवाओं से उपचार की वहुत वड़ी उपलब्धि है। इसके वाद वहुत सारी प्रदूषण जन्य वीमारियों को टीकारण द्वारा निरोधात्मक वना दिया गया है। प्रतिजैवीकिय दवाओं से इनका उपचार होने लगा। चिकित्सिकीय व्यवसाय वीसवीं शताब्दी तक वहुत ही आत्मसंतुष्टि कारक हो गया है। लेकिन 1981 में न्यूयार्क और केलिफोर्निया के एक छोटे से समूह में पहले से ही समलैंगिक स्वस्थ मनुष्यों में एक असामान्य न्यूमोनिया और असाभान्य केन्सर की पहचान एक नई वीमारी के रूप गई है। इसके वाद से ही इसी प्रकार की वीमारी नसों लेने वालों, रक्त लेने वालों या रक्त उत्पादों में भी पाई ई है। 1983 में डा. फ्रानकोइस वर्रे सीनौसी नामक महिला वैज्ञानिक ने पेस्टैर संस्थान पेरिस में फ्रांस के एक रोगी में एक प्रतिविपाणु की पहचान की और 1985 में उसने यह सिद्ध किया कि नया पहचाना गया विपाणु के कारण एक्वायर्ड इम्म्यून डिफिसियन्सी सिन्ड्रोम या एड्स होता है। 1986 में इस विपाणु को ह्यूमन इम्म्यूनोडिफिसियन्सी वाइरस या एच.आई.वी. नाम दिया गया था। आज एच.आई.वी. प्रदूषण और एड्स विश्व में महामारी का रूप धारण कर चुके हैं। यह मृत्यु संख्या और विकृति को वहुत उच्च स्तर तक ले जा सकती है और प्राचीन काल की वीमारियों के समान भयानक हो सकती है।

चिकित्सीय सूक्ष्म जीव विज्ञान

सूक्ष्म जैविकी सूक्ष्म–जीवों जैसे वैक्टीरिया (जीवाणु) वाइरस (विपाणु) प्रोटोजोआ (आदि जीव) का वैज्ञानिक अध्ययन है। ये अतिसूक्ष्म जीवाणु विस्तृत रूप से प्रकृति में वंटे हुए हैं। इसके साथ–साथ मनुष्यों, पशुओं और वनस्पतियों में परजीवी के रूप में अपना अस्तित्व वनाए रखते हैं। अधिकांश सूक्ष्म जीव हानिकारक नहीं है और मनुष्यों में कुछ ही वीमारियों के कारण वनते हैं। कुछ मनुष्यों पशुओं और पेड़ पौधों के लिए लाभप्रद भी है। लेकिन कुछ जीवाणु, मनुष्यों, पशुओं और पेड़–पौधों में भयंकर वीमारी के कारण वन सकते हैं। चिकित्सा जीव विज्ञान में इन सूक्ष्म जीवाणुओं का अध्ययन किया जाता है जो मनुष्य के लिए रोग उत्पादक है। वहुत सारी प्रदूषण से होनेवाली वीमारियों के रोकने और उपचार की सफलता के वावजूद सूक्ष्म जैविकीय जगत नये प्रदूषण का उत्पादक क्षेत्र वना हुआ है। अरोगकर जीवों या पशुओं से स्थानचरित्र प्रदूषण के द्वारा शुक्रजनित परिवर्तनों द्वारा मनुष्यों में नये प्रदूषण हो सकते हैं। पिछले दो दशकों में ऐसे कई नये प्रदुषण प्रकाश में आए हैं। एच.आई.वी निश्चित प्रकार का यकृत शोध विपाणु, इवोला विपाणु, वीसीजे डी, निश्चित प्रकार का जठरांत्र शोध, न्यूमोनिया का विपाणु है। अव इसके सिवियर अक्यूट रिस्पिरेटरी सिन्ड्रोम (सार्स) आदि कुछ उदाहरण है जो मानव जाति में नये प्रदूषण उत्पन्न कर सकते हैं। ये प्रदूषण सार्स के समान भयंकर हो सकते हैं। इनका रूप एच.आई.वी. का भी हो सकता है। एच.आई.वी ने अपने को विश्व स्वास्थ्य समस्या के रूप में प्रति स्थापित कर लिया है। इस वीमारी से सर्वाधिक प्रभावित महाद्वीप अफ्रीका है। अफ्रीकी देश वोत्सवाना में 35% से अधिक युवक इस वीमारी से प्रभावित है। सहारा में एच.आई.वी. प्रथम और द्वितीय दोनों की उत्पत्ति पशुओं के संसर्ग से हुई है। एच.आई.वी. प्रथम की उत्पत्ति पैन ट्रोग्लोडिटेज परिवार के चिम्पैंजी से हुई है और एच.आई.वी द्वितीय की उत्पत्ति सूटी मैडगेवयिस परिवार के वन्दरों से हुई है। एच.आई.वी प्रथम वैश्विक महामारी एड्स का कारण है। जवकि एच.आई.वी. द्वितीय को पश्चिम अफ्रीका में पाया गया है। दोनों कोशिका युक्त विपाणु है और प्रतिविपाणु परिवार से संवंधित है। एच.आई.वी. एक और एन.ए. विपाणु है जिसमें इनजाइम रहता है जो पुन: अपनी नकल तैयार कर लेता है, विस्तार करता है और परिवर्तित होता है। इसमें प्रोटीन की दो सतहें होती है। जीपी 120 और जीपी 41 इसकी दुहरी परत पर चिपचिपा पदार्थ होता है। एच.आई.वी प्रथम का एक रुचिकर पहलू इसकी आणुविक विषम जातीयता है जो विभिन्न समूहों और उपसमूहों को उत्पन्न करता है। इसमें तीन समूह एम, एन. और ओ. होते है और एम. को पुन: ए.वी.सी., ई.एफ.जी. और एच. में वांटा जाता है। एशिया में साधारणत: वी.सी.ई. उपसमूह पाये जाते हैं और भारत में सी. प्रचलित है।

असंक्रमणीय समूह का स्वामी

एच.आई.वी. संक्रमण शरीर के असंक्रमणीय व्यवस्था पर आक्रमण करता है। रक्त की सफेद कोशिकाओं के

न्यूट्रोफिल्स, इओसिनोफिल्स, वसोफिल्स, मोनोसिटिज और लिम्फोसिटिज में विभक्त किया जाता है। न्यूट्रोफिल्स और मोनोसिटिज जीवाणु संक्रमण के विरुद्ध सुरक्षा की प्रथम और द्वितीय पंक्ति का निर्माण करते हैं। लिम्पोसिटिस विभिन्न प्रकार से प्रदूषण के विरुद्ध संघर्ष में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। संक्रमण रक्षा व्यवस्था के लिए लिम्फोसिटिज को स्वामी के रूप में स्वीकार किया जाता है। लिम्फोसिटिज दो प्रकार के होते है। बी लिम्फोसिटिज और टी लिम्फोसिटिस। बी लिम्फोसिटिज द्रवीय असंक्रमण के लिए जिम्मेदार है। इसे शरीर प्रतिरोधी के रक्त संचार द्वारा पहुचाया जाता है। टी लिम्फोसिटिस कोशिकीय असंक्रमण के लिए उत्तरदायी है। इसकेलिए लिम्फोकिन्स की तरह का इण्टरफेरान और इण्टर ल्यूकिन 2 दी जाती है। जबकि द्रवीय असंक्रमणता, जीवाणु संक्रमण के विरुद्ध मुख्य सुरक्षा कवच का निर्माण करती है। और कोशिकीय असंक्रमणता, विषाणुओं के विरुद्ध सुरक्षा कवच तैयार करती है। यह फंगी कुछ जीवाणुओं जैसे टी.बी. और कुष्ठ रोग के संक्रमण पर भी प्रतिबन्ध लगाती है। एच.आई.वी. का मुख्य लक्ष्य सी.डी. 4 की उपसमूह टी कोशिका होती है। एच.आई.वी. के संक्रमण से इन कोशिकाओं की वृद्धि में नुकसान होता है। एच.आई.वी. दूसरी कोशिकाओं को भी आकर्षित करता है वे मारकोफेगस, लैडगरहेन्स, डेन्ट्रिक कोशिकाए और मस्तिष्क की सूक्ष्म कोशिकाएं है।

इस रोग के फैलाव का ढंग राष्ट्रों के बीच तथा देश के अन्तर अलग अलग है। उदहारणार्थ सहारा अफ्रीका और एशिया में इसके संक्रमण का मुख्य माध्यम विषम लिंगीय यौनाचार है जबकि पश्चिमी यूरोप और उत्तरी अमरीकी में इसका फैलाव समलिंगी यौन संबंध, इन्जेक्शन से दवा का लेना है। इसका दूसरा प्रसरण का तरीका खून लेना और रक्त उत्पादक है। स्वस्थ व्यवसायियों द्वारा व्यवसायिक शोषण, प्रसव के समय मां से शिशु को तथा स्तनपान भी इसके फैलाव का माध्यम है। एच.आई.वी. की पहचान वस्तुत सभी शारीरिक तरलों की जांच से की जा सकती है, लेकिन इसमें ध्यान देने योग्य वात यह है कि अवशिष्ट अस्पताल और प्रयोगशाला कर्मचारियों के लिए भी खतरनाक है। तुरन्त शारीरिक संपर्क जिससे शरीर के द्रव्यों का आदान–प्रदान हो, वड़ा खतरनाक है। चुंबन और दांत से काटना भी खतरनाक है।

तीन स्तर

एच.आई.वी. संक्रमण के स्वाभाविक इतिहास को तीन स्तरों पर वांटा जाता है। पहला स्तर संक्रमण: लाक्षणिक या शान्त स्तर और एड्स का लाक्षणिक स्तर। 50 से 70% मामलों संक्रमण में 6 हप्ते के अन्दर ग्रन्थिय ज्वर जैसी बीमारी, मुख का अल्सर, पेचिश, वजन में कमी जैसे लक्षण दिखाई देने लगते है। अधिकांश मरीज प्राथमिक स्तर में सामान्यत: 10 वर्षों की अवधि तक पड़े रहते है। इसके वाद अन्तिम अवस्था में पहुंचते हैं यह लाक्षणिक वीमारी की अवस्था है जिसमें शरीर के विभिन्न अंगों पर इसका प्रभाव हो जाता है। इस स्तर में सी.डी. 4 की गणना 200 प्रति मिल्लीमीटर 3 या इससे कम हो जाती है। इस सन्दर्भ यह [illegible]

सी.डी. 4 की निम्नता विशिष्ट होती है। ये सार्स संक्रमण के लक्षण हैं। यदि इस नियंत्रण नहीं किया गया तो एड्स की संभावना बढ़ जाती है। अन्तिम अवस्था में न्यूमोनिया हो जाता है। टी.बी. संक्रमण की संभावना बढ़ जाती है। रक्त विषायन, तंत्रकीय समस्याएं आंख की बीमारियां, बहुत कम होने वाला गांठ जैसा नरम अर्बुद, लसिका, त्वचा रोग, अज्ञात अंग का बुखार, दीर्घ कालिक पोचिश या दूसरे लक्षण भी उत्पन्न होते है। इसके संक्रमण का बहुत बड़ी विशेषता यह है कि जब यह किसी से संक्रमित होता है तो बहुत लंबे समय तक शान्त रहता है और मरीज स्वस्थ दिखता है।

अधिकांश मामलों में प्रदूषण के 6 से 12 हप्ते के बाद रूपान्तरण परिलक्षित होता है। सगान्यत: जब स्क्रीनिंग परीक्षण, एलिसा परीक्षण या ई.आई.ए. परीक्षण किया जाता है, जो एच.आई.वी. प्रथम या द्वितीय के प्रतिरोधी का पता लगाया जाता है और इसकी संवेदन शीलता 99.5% होती है। निश्चिता के लिए सर्व सामान्य परीक्षण वेस्टर्न ब्लाट परीक्षण है जिसमें विषाणु के तीन मुख्य शुक्राणुओं का परीक्षण किया जाता है। धनात्मक ई.एल.आई.एस.ए. परीक्षण और नकारात्मक वेस्टर्स ब्लाट के परीक्षण से कोई भी यह निष्कर्ष निकाल सकता है कि इ.एल.आई.एस.ए. परीक्षण के रोगी का धनात्मकता गलता है। सी.डी. 4 गणना और वायरस लोड इस्टीमेशन दूसरे परीक्षण है जो एच.आई.वी. से प्रदूषित रोगी के उपचार के दौरान किये जाते हैं। इससे बीमारी की बढ़ोत्तरी का पता लगाया जाता है। एक दूसरा परीक्षण भी है जिसे पश्चिमी देशों में किया जाता है, वह लार परीक्षण है। इसे स्क्रीनिंग उद्देश्यों और इन्सुरेंस मेडिकल परीक्ष के लिए किया जाता है।

भारतीय परिदृश्य

प्रतिविषाणु एच.आई.वी. के खोज के पच्चीस वर्ष बाद यह बीमारी वैश्विक बीमारी बन गई है जिसका राजनैतिक सामाजिक और आर्थिक बहुत सारे उलझाव हैं। पिछले दो दशको में पूरे विश्व में लगभग 65 मिलियन लोग इस रोग से प्रभावित हुए और 25 मिलियन लोग मर गए। वर्तमान समय में लगभग 40 मिलियन लोग प्रभावित है। इसमें 28 मिलियन लोग सहारा अफ्रीका जैसे गरीब देशों में निवास करते हैं। भारत में 3.97 मिलियन मामले मिले है जो [illegible] अफ्रीका के वाद है। वर्तमान काल में भारत में राष्ट्रीय [illegible] दल 1% से कम है। लेकिन आन्ध्र प्रदेश, कर्नाटक [illegible] तमिलनाडू, मणिपुर और नागालैण्ड जैसे पूर्व के [illegible] उच्च आंकडे दिखाते हैं। इन्जेक्शन द्वारा ड्रग [illegible] लोग इस रोग से प्रदूषित है। भारत गरीब [illegible] वड़ा देश है जिसमें वेश्यावृत्ति से एच.आई.वी. [illegible] गंभीर समस्या है। कुछ महामारी विशे[illegible] हैं कि आनेवाले कुछ वर्षों में यह बढ़[illegible] 2010 तक इससे प्रभावित [illegible] मिलियन हो जाएगी। [illegible] सर्वाधिक एच.आई.वी. के [illegible] की बदनामी मिलेगी [illegible]

से मर रहे है। इस प्रकार एड्स विश्व का चौथा बड़ा कारक है जिससे सर्वाधिक मौतें हो रही है। चौदहवीं शताब्दी में प्लेग इतिहास की गंभीर महामारी सिद्ध हुई थी। जिसमें 40 मिलियन लोग काल के गर्त में समा गए थे। तब से चिकित्सा विज्ञान में बहुत सा सुधार होने के बावजूद भी एच.आई.वी. प्रदूषण और एड्स, ब्लैक डेथ की संख्या से आगे जा सकते है। और अभी तक हुई महामारियों में सर्वाधिक खतरनाक हो सकते हैं। इसके लिए तुरन्त प्रभावी और सुरक्षित टीके की आवश्यकता है। इन बीमारियों से संघर्ष करने के लिए धनी और गरीब देशों में आपसी सहयोग प्रतिरोधी विषाणु द्वारा सस्ती चिकित्सा की आवश्यकता है।

एच.आई.वी. कवच में तीन इन्जाइम होते है, उनके नाम रिवर्स ट्रान्सक्रिप्टेस, इन्टीग्रेस और प्रोटिस हैं। विषाणु जीवन चक्र का ज्ञान 16 घटकों के विकास तक ले जाता है। जो रिवर्स ट्रस्सक्रिप्टेज और प्रोटिस इनजाइम को रोकता है। इनके संयोजन से प्रतिविषाणु दवाओं का उपयोग विषाणु प्रतिरोधता को रोकने के लिए किया जाता है। यह विषाणु भार को कम करता है और सी.डी. 4 लिम्फोसिट गणना में सुधार करता है। परीक्षण के तहत दूसरी दवाए जैसे इण्टरलिकेन इण्डलिकेन और कम खर्चीली डाइड्रोक्सीयूरिया जो गरीब देशों के लिए अधिक उपयोगी हो सकती है। विकसित देशों में प्रतिविषाणु उपचार का उपयोग लाक्षणिक बीमारियों के लिए किया जाता है। लाक्षणिक बीमारियों, सी.डी. गणना 500 प्रति मिलीमीटर 3 से कम या जब विषाणु वजन 2000 इकाई प्रति मिलीमीटर से ऊपर के स्तर तक पहुंच जाने पर मानी जाती है। पश्चिमी देशों में एक प्रवृत्ति प्रदूषण के प्रारंभिक गंभीर अवस्था में पहुंचने पर उपचार का आरंभ करना है। यह तभी होता है जब रोग की पहचान हो गई होती है और इसके बाद की बीमारी नरम होगी। इस बीमारी के लिए विभिन्न प्रकार की विषाणुओं की अवस्थिति के कारण टीके विकास कठिन है। इनकी अलग विषाक्तता और विषाणुओं उच्च परिवर्तशीलता भी कठिनता को जन्म देगी। जबकि [illegible] के कई प्रकार 10 अलग-अलग तकनीकों से प्रयोग के स्तर पर है फेस-3 प्रयास में, सतही प्रोटीन जीपी 120 जो विषाणु के खिलाफ रोगप्रतिकारकों को उत्पन्न करता है। इसका परीक्षण तीन वर्षो से किया जा रहा है लेकिन आधारभूत निष्कर्ष सुझाव देते है कि संक्रमण को कम करने की कोई सार्थकता नहीं है और रोग प्रतिकारकों के उत्पादन में जातीय विचलन है। फेस 1 और 2 को प्रयास में जीवित रोगवाहक विषाणु, नग्न एन.डी.ए.-एच.आई.वी. जीन से युक्त, जीवित क्षीणित विषाणु, छदम विषाणु पूरी तरह से मृत एच.आई.वी. आदि से संबंधित है। इनमें से कुछ उम्मीदी टीकों की सुरक्षा बड़े पैमाने पर मानव जाति पर चिकित्सीय परीक्षण का प्रश्न उपस्थित करता है।

अनुवांशिक चिकित्सा

आज जबकि मनुष्य और विषाणुओं की आनुवांशिक रूपरेखा का पता चल गया है। यह एक संतोषजनक उपचार है, इसकी रोकथाम का फल आनुवांशिक खोजों से प्राप्त होगा। यद्यपि आनुवांशिक इलाज बीमारियों के रोकने की क्षमता है। प्रोटीन की भूमिका जो विषाणु जीवन चक्र का निषेध करता है। प्रोटीन की अभिव्यक्ति जो विषाणु आक्रमणकारी कोशिकाओं के असंक्राम्य तंत्र का निषेध करता है और रिबोजाइन अभियान्त्रिकी, विषाणु जिनोम के नाशक आदि कुछ पद्धतियां संस्तुति के अधीन है। 2002 जुलाई में, एक मानव जीन जो एच.आई.वी. संक्रमण से शरीर की रक्षा करता है। इसकी पहचान एग्लो अमरीकन वैज्ञानिक दल द्वारा की गई है। इस जीन को सी.ई.एम.-15 नाम दिया गया है और एच.आई.वी. संक्रमण का प्राकृतिक प्रतिरोधक है। यह जीन विषाणु को थोड़ी मात्रा की प्रोटीन से ढक देता है। इसे विरान संक्रमणकारी तत्व कहा जाता है। यदि कोई दवा बी.आई.एफ. को तटस्थ करने की बना ली गई तो सी.ई.एम.-15 को सामान्य रूप से काम करने की अनुमति मिल जाएगी। और एच.आई.वी. संक्रमण को रोका जा सकेगा।

टीका अन्वेषण और अनुवांशिक चिकित्सा के परिणाम प्राप्त होने में कई वर्ष लगेगे। निकट भविष्य के लिए यह आश है कि इस संक्रमण को दूसरे तरीके से रोका जाए। भारत में अधिकांश संक्रमण वेश्याओं से लिंगीय यौनाचार से उत्पन्न होता है। कुछ संक्रमण इन्जेक्शन से ड्रग्स लेने के कारण मुख्यतः उत्तर पूर्व और मणिपुर क्षेत्र में होता है। स्वास्थ्य शिक्षा, कण्डोम का उपयोग, इन्जेक्शन से दवा लेने वालों क पुनर्वास, और दूसरों का उपचार एच.आई.वी. के रोकथा के उपाय है। रक्त दाताओं और रक्त उत्पादकों के रक्त क जांच, गर्भवती महिलाओं का उपचार, एच.आई.वी. धनात्म महिलाओं द्वारा स्तनपान पर रोक, डिसपोजल सिरिंज क उपयोग रोकथाम के दूसरे उपाय है। युगाण्डा में संपन्न ए अध्ययन में यह दिखाया गया है कि पुरुषों को खत एच.आई.वी संक्रमण से सुरक्षा प्रदान करता है। अमरीका माइक्रोबाइसाइट चिकित्सा जिसमें महिलाएं एड्स के विक प्रक्रिया के दौरान अपनी योनि में रख सकती है। पश्चिमी दे में स्वास्थ्य शिक्षा और यौनिक स्वास्थ्य पर बहुत सारे स को लगा देने के बावजूद भी इस बीमारी का लैं हस्तान्तरण बड़े पैमाने पर हो रहा है।

स्वास्थ्य जीवनचर्या

21 वीं शताब्दी के आरंभ से ही मानव जाति बहुत महामारी का सामना कर रहा है जिससे आर्थिक सामा और नैतिक कठिनाइयां पैदा हो गई है। जैसा कि एड्स संबंध मानव की कामुकता से जुडा है यह मनुष्य के जीवन को प्रभावित करता है। पश्चिम के उदारवादी स में ऐसे भी लोग है, जो सोचते हैं कि एड्स ईश्वर का है जो मनुष्य की अनैतिकता के लिए मिलता है। एच.आ या एड्स से ग्रसित एक रोगी समाज को कोढ़ है जिसे जीवन बीमा की सुरक्षा पाने में कठिनाई होती है। उसे कर्ज भी नहीं देती है। उसके साथ काम या रोजगार की विभेद का सामना करना पड़ता है। एच.आई.वी. से बालक विद्यालय में परेशानी अनुभव करता है। इस के प्रति डर के बावजूद, इस महामारी का आधार भूत मुख्यतः वेश्यागमन, समलिंगीय मैथुन और इन्जेक्शन लेना है। इसमें किसी प्रकार की कमी की प्रवृत्ति नहीं

दे रही है। पश्चिम में स्वास्थ्य को उन्नति करने वाले सन्देश, चिकित्सा व्यवसायियों द्वारा दिये जाते हैं। समाज का दृष्टिकोण और प्रतिक्रिया विरोधभासी है। संपूर्ण संयम और एक पत्नीत्व ही इस बीमारी को निकट भविष्य में रोकने का उपाय है। हमारे राष्ट्रपति महात्मा गांधी, भारतीय नवयुवकों के लिए ब्रह्मचर्य का अनुमोदन किया था, इससे जीवन सार्थक बनता है और स्वयं कुछ कर सकते हैं। गांधीजी के अनुसर सहवास मात्र पुनरुत्पादन के लिए ही करना चाहिए। इससे हमें अनुशासित और स्वस्थ दिनचर्या उपलब्ध होगी। पूरे विश्व में ब्रह्मचर्य का पालन करके एड्स को रोका जा सकता है।

सार्स का भयावह रूप

सीविअर एक्यूट रिस्पि-रेटरी सिण्ड्रोम (सार्स) एक विषाणु जनित श्वास की बीमारी है जो करोनावाइरस के कारण होती है। सार्स करोना वाइरस से संबंधित है। पहली बार सार्स की पहचान एशिया में फरवरी 2003 में की गई। कुछ महीनों के बाद ही, इस बीमारी का विस्तार उत्तरी अमरीका, दक्षिणी अमरीका, यूरोप और एशिया के लगभग 2 दर्जन से अधिक देशों में फैल गई। सार्स के 2003 के वैश्विक विस्फोट को नियंत्रित कर लिया गया है, लेकिन यह भी संभव है कि यह बीमारी फिर से सिर उठा सकती है।

SARS
Can It Be Stopped?
The New Age of Epidemics

विस्फोट

विश्व स्वास्थय संगठन के अनुसार फरवरी से जुलाई 2003 के सार्स विस्फोट के दौरान पूरे विश्व में 8,337 लोग इसकी चपेट में आए और इसमें से 813 को अपने प्राणों से हाथ धोना पड़ा।

लक्षण

विश्व स्वास्थ्य संगठन ने सार्स मामले की परिभाषा निम्नप्रकार से दी है, उच्च तापमान 38 डिग्री सी इसके साथ खांसी और श्वास लेने में कठिनाई। लक्षण के लगभग 10 दिन पूर्व निम्न में से एक या अधिक स्थितियां नजदीकी संपर्क (सेवा करने वाला, साथ में रहने वाला, श्वास के प्रत्यक्ष संपर्क में आने से, स्राव या शरीर से निकला पसीना या पेशाब) इस प्रकार के सार्स के संभावित रोगी के संपर्क में रहने से रोग बढ़ता है। जहां पर सार्स का प्रसारण हो, वहां की यात्रा करने या निवास करने से रोग का फैलाव होता है। लेकिन इस समय ऐसा कोई क्षेत्र नहीं है जहां से इसका प्रसरण हो रहा है।

सार्स कैसे फैलता है

सार्स रोग के फैलाव का मुख्य रास्ता व्यक्ति का व्यक्ति के नजदीकी संपर्क से होता है। वह विषाणु जो सार्स का कारण है, ऐसा समझा जाता है कि इसका विस्तार अधिकांशत, बड़ी तेजी से श्वसन उच्छिष्ठ से होता है। सार्स से प्रभावित व्यक्ति के खांसने या छींकने से श्वसन उच्छिष्ठ बाहर निकलता है। उच्छिष्ठ का फैलाव सार्स से प्रभावित व्यक्ति के खांसने या छींकने से उच्छिष्ठ मात्र थोड़ी दूरी लगभग एक मीटर तक फैलता है। इसका फैलाव वायु और पास में रहनेवाले व्यक्ति के मुख, नाक या आंख पर श्लेष्मा झिल्ली के जमाव से होता है।

इस विषाणु का प्रसारण प्रभावित व्यक्ति के किसी सतह या वस्तु के छूने से भी होता है क्योंकि उसका हाथ प्रभावित उच्छिष्ठ से सना होता है, वह अपने हाथ मुंह और आंख को छूता रहता है। इसके अतिरिक्त, यह भी संभव है कि सार्स का विषाणु हवा के द्वारा अधिक फैल सकता है। इसके फैलने के दूसरे तरीके भी हो सकते हैं, जिसकी जानकारी अभी नहीं हो पाई है।

सार्स की रोकथाम

सार्वजनिक जगह जैसे फोन, लिफ्ट का बटन, हैण्डड्रिल्स, या दरवाजे आदि को छूने के पश्चात हाथ को लगातार अच्छे ढंग से धोये। बाथरूम जाने के बाद, हाथ मिलाने के बाद और भोजन के पूर्व हाथ को धोयें। तरल साबुन या गरम पानी से हाथ को 3 सेकेंण्ड तक धोना चाहिए। हाथ की पूरी सतह को अच्छी तरह साफ करना चाहिए। यदि पर्याप्त मात्रा में बहता हुआ पानी उपलब्ध न हो सके तो अल्कोहल का उपयोग करना चाहिए। आपके हाथ देखने में गन्दे नहीं होने चाहिए।

* बीमार लोगों के संपर्क से बचे।
* अपने चेहरे को न छुए। स्पर्शजन्य रोगों के फैलाव का यह सामान्य मार्ग है। हाथ प्रदूषित उच्छिष्ठ को उठाते हैं और आंख मुंह और नाक को स्थानान्तरित करते हैं।
* घर का वातावरण स्वस्थकर रखें। घरेलू सामानों की सतहों एयर कण्डिशनर; तथा फिल्टरों को एक भाग ब्लिचिंग पाउडर 99 भाग पानी मिलाकर प्रदषण रहित बनाएं।

से मर रहे है। इस प्रकार एड्स विश्व का चौथा बड़ा कारक है जिससे सर्वाधिक मौतें हो रही है। चौदहवीं शताब्दी में प्लेग इतिहास की गंभीर महामारी सिद्ध हुई थी। जिसमें 40 मिलियन लोग काल के गर्त में समा गए थे। तब से चिकित्सा विज्ञान में बहुत सा सुधार होने के बावजूद भी एच.आई.वी. प्रदूषण और एड्स, ब्लैक डेथ की संख्या से आगे जा सकते है। और अभी तक हुई महामारियों में सर्वाधिक खतरनाक हो सकते हैं। इसके लिए तुरन्त प्रभावी और सुरक्षित टीके की आवश्यकता है। इन बीमारियों से संघर्ष करने के लिए धनी और गरीब देशों में आपसी सहयोग प्रतिरोधी विषाणु द्वारा सस्ती चिकित्सा की आवश्यकता है।

एच.आई.वी. कवच में तीन इन्जाइम होते है, उनके नाम रिवर्स ट्रान्सक्रिप्टेस, इन्टीग्रेस और प्रोटिस हैं। विषाणु जीवन चक्र का ज्ञान 16 घटकों के विकास तक ले जाता है। जो रिवर्स ट्रस्सक्रिप्टेज और प्रोटिस इनजाइम को रोकता है। इनके संयोजन से प्रतिविषाणु दवाओं का उपयोग विषाणु प्रतिरोधता को रोकने के लिए किया जाता है। यह विषाणु भार को कम करता है और सी.डी. 4 लिम्फोसिट गणना में सुधार करता है। परीक्षण के तहत दूसरी दवाए जैसे इण्टरलिंकेन इण्डलिकेन और कम खर्चीली डाइड्रोक्सीयूरिया जो गरीब देशों के लिए अधिक उपयोगी हो सकती है। विकसित देशों में प्रतिविषाणु उपचार का उपयोग लाक्षणिक बीमारियों के लिए किया जाता है। लाक्षणिक बीमारियों, सी.डी. गणना 500 प्रति मिलीमीटर 3 से कम या जब विषाणु वजन 2000 इकाई प्रति मिलीमीटर से ऊपर के स्तर तक पहुंच जाने पर मानी जाती है। पश्चिमी देशों में एक प्रवृत्ति प्रदूषण के प्रारंभिक गंभीर अवस्था में पहुंचने पर उपचार का आरंभ करना है। यह तभी होता है जब रोग की पहचान हो गई होती है और इसके बाद की बीमारी नरम होगी। इस बीमारी के लिए विभिन्न प्रकार की विषाणुओं की अवस्थिति के कारण टींके विकास कठिन है। इनकी अलग विषाक्तता और विषाणुओं उच्च परिवर्तशीलता भी कठिनता को जन्म देगी। जबकि के कई प्रकार 10 अलग-अलग तकनीकों से प्रयोग के स्तर पर है पेस्र-3 प्रयास में, सतही प्रोटीन जीपी 120 जो विषाणु के खिलाफ रोगप्रतिकारकों को उत्पन्न करता है। इसका परीक्षण तीन वर्षो से किया जा रहा है लेकिन आधारभूत निष्कर्ष सुझाव देते है कि संक्रमण को कम करने की कोई सार्थकता नहीं है और रोग प्रतिकारकों के उत्पादन में जातीय विचलन है। फेस 1 और 2 को प्रयास में जीवित रोगवाहक विषाणु, नग्न एन.डी.ए.-एच.आई.वी. जीन से युक्त, जीवित क्षीणित विषाणु, छदम विषाणु पूरी तरह से मृत एच.आई.वी. आदि से संबंधित है। इनमें से कुछ उम्मीदी टीकों की सुरक्षा बड़े पैमाने पर मानव जाति पर चिकित्सीय परीक्षण का प्रश्न उपस्थित करता है।

अनुवांशिक चिकित्सा

आज जबकि मनुष्य और विषाणुओं की आनुवांशिक रूपरेखा का पता चल गया है। यह एक संतोषजनक उपचार है, इसकी रोकथाम का फल आनुवांशिक खोजों से प्राप्त होगा। यद्यपि आनुवांशिक इलाज बीमारियों के रोकने की क्षमता है। प्रोटीन की भूमिका जो विषाणु जीवन चक्र का निषे[illegible] करता है। प्रोटीन की अभिव्यक्ति जो विषाणु आक्रमणका[illegible] कोशिकाओं के असंक्राम्य तंत्र का निषेध करता है औ[illegible] रिवोजाइन अभियान्त्रिकी, विषाणु जिनोम के नाशक अ[illegible] कुछ पद्धतियां संस्तुति के अधीन है। 2002 जुलाई में, ए[illegible] मानव जीन जो एच.आई.वी. संक्रमण से शरीर की रक्षा कर[illegible] है। इसकी पहचान एग्लो अमरीकन वैज्ञानिक दल द्वारा का[illegible] गई है। इस जीन को सी.ई.एम.-15 नाम दिया गया है और एच.आई.वी. संक्रमण का प्राकृतिक प्रतिरोधक है। यह जीन विषाणु को थोड़ी मात्रा की प्रोटीन से ढक देता है। इसे विरान संक्रमणकारी तत्व कहा जाता है। यदि कोई दवा वी.आई.एफ. को तटस्थ करने की बना ली गई तो सी.ई.एम.-15 को सामान्य रूप से काम करने की अनुमति मिल जाएगी। और एच.आई.वी. संक्रमण को रोका जा सकेगा।

टीका अन्वेषण और अनुवांशिक चिकित्सा के परिणाम प्राप्त होने में कई वर्ष लगेगे। निकट भविष्य के लिए यह आशा है कि इस संक्रमण को दूसरे तरीके से रोका जाए। भारत में अधिकांश संक्रमण वेश्याओं से लिंगीय यौनाचार से उत्पन्न होता है। कुछ संक्रमण इन्जेक्शन से ड्रग्स लेने के कारण मुख्यतः उत्तर पूर्व और मणिपुर क्षेत्र में होता है। स्वास्थ्य शिक्षा, कण्डोम का उपयोग, इन्जेक्शन से दवा लेने वालों का पुनर्वास, और दूसरों का उपचार एच.आई.वी. के रोकथाम के उपाय है। रक्त दाताओं और रक्त उत्पादकों के रक्त की जांच, गर्भवती महिलाओं का उपचार, एच.आई.वी. धनात्मक महिलाओं द्वारा स्तनपान पर रोक, डिसपोजल सिरिंज का उपयोग रोकथाम के दूसरे उपाय है। युगाण्डा में संपन्न एक अध्ययन में यह दिखाया गया है कि पुरुषों को खतना एच.आई.वी संक्रमण से सुरक्षा प्रदान करता है। अमरीका में माइक्रोबाइसाइड चिकित्सा जिसमें महिलाएं एड्स के विकार प्रक्रिया के दौरान अपनी योनि में रख सकती है। पश्चिमी देश[illegible] में स्वास्थ्य शिक्षा और यौनिक स्वास्थ्य पर बहुत सारे स्रोत को लगा देने के बावजूद भी इस बीमारी का लैंगि[illegible] हस्तान्तरण बड़े पैमाने पर हो रहा है।

स्वास्थ्य जीवनचर्या

21 वीं शताब्दी के आरंभ से ही मानव जाति बहुत ब[illegible] महामारी का सामना कर रहा है जिससे आर्थिक सामाजि[illegible] और नैतिक कठिनाइयां पैदा हो गई है। जैसा कि एड्स [illegible] संबंध मानव की कामुकता से जुड़ा है यह मनुष्य के मु[illegible] जीवन को प्रभावित करता है। पश्चिम के उदारवादी स[illegible] में ऐसे भी लोग है, जो सोचते हैं कि एड्स ईश्वर का [illegible] है जो मनुष्य की अनैतिकता के लिए मिलता है। एच.आई[illegible] या एड्स से ग्रसित एक रोगी समाज को कोढ़ है जिसे [illegible] जीवन बीमा की सुरक्षा पाने में कठिनाई होती है। उसे [illegible] कर्ज भी नहीं देती है। उसके साथ काम या रोजगार की [illegible] विभेद का सामना करना पड़ता है। एच.आई.वी. से ग्र[illegible] बालक विद्यालय में परेशानी अनुभव करता है। इस बी[illegible] के प्रति डर के बावजूद, इस महामारी का आधार भूत [illegible] मुख्यतः वेश्यागमन, समलिंगीय मैथुन और इन्जेक्शन [illegible] लेना है। इसमें किसी प्रकार की कमी की प्रवृत्ति नहीं [illegible]

रही है। पश्चिम में स्वास्थय को उन्नति करने वाले सन्देश, चिकित्सा व्यवसायियों द्वारा दिये जाते हैं। समाज का दृष्टिकोण और प्रतिक्रिया विरोधभासी है। संपूर्ण संयम और एक पत्नीत्व ही इस वीमारी को निकट भविष्य में रोकने का उपाय है। हमारे राष्ट्रपति महात्मा गांधी, भारतीय नवयुवकों के लिए ब्रह्मचर्य का अनुमोदन किया था, इससे जीवन सार्थक वनता है और स्वयं कुछ कर सकते हैं। गांधीजी के अनुसर सहवास मात्र पुनरुत्पादन के लिए ही करना चाहिए। इससे हमें अनुशासित और स्वस्थ दिनचर्या उपलब्ध होगी। पूरे विश्व में ब्रह्मचर्य का पालन करके एड्स को रोका जा सकता है।

सार्स का भयावह रूप

सीविअर एक्यूट रिस्पि–रेटरी सिण्ड्रोम (सार्स) एक विषाणु जनित श्वास की बीमारी है जो करोनावाइरस के कारण होती है। सार्स करोना वाइरस से संबंधित है। पहली बार सार्स की पहचान एशिया में फरवरी 2003 में की गई। कुछ महीनों के वाद ही, इस बीमारी का विस्तार उत्तरी अमरीका, दक्षिणी अमरीका, यूरोप और एशिया के लगभग 2 दर्जन से अधिक देशों में फैल गई। सार्स के 2003 के वैश्विक विस्फोट को नियंत्रित कर लिया गया है, लेकिन यह भी संभव है कि यह वीमारी फिर से सिर उठा सकती है।

विस्फोट

विश्व स्वास्थय संगठन के अनुसार फरवरी से जुलाई 2003 के सार्स विस्फोट के दौरान पूरे विश्व में 8,337 लोग इसकी चपेट में आए और इसमें से 813 को अपने प्राणों से हाथ धोना पड़ा।

लक्षण

विश्व स्वास्थ्य संगठन ने सार्स मामले की परिभाषा निम्नप्रकार से दी है, उच्च तापमान 38 डिग्री सी इसके साथ खांसी और श्वास लेने में कठिनाई। लक्षण के लगभग 10 दिन पूर्व निम्न में से एक या अधिक स्थितियां नजदीकी संपर्क (सेवा करने वाला, साथ में रहने वाला, श्वास के प्रत्यक्ष संपर्क में आने से, स्राव या शरीर से निकला पसीना या पेशाव) इस प्रकार के सार्स के संभावित रोगी के संपर्क में रहने से रोग बढ़ता है। जहां पर सार्स का प्रसारण हो, वहां की यात्रा करने या निवास करने से रोग का फैलाव होता है। लेकिन इस समय ऐसा कोई क्षेत्र नहीं है जहां से इसका प्रसरण हो रहा है।

सार्स कैसे फैलता है

सार्स रोग के फैलाव का मुख्य रास्ता व्यक्ति का व्यक्ति के नजदीकी संपर्क से होता है। वह विषाणु जो सार्स का कारण है, ऐसा समझा जाता है कि इसका विस्तार अधिकांशत, बड़ी तेजी से श्वसन उच्छिष्ठ से होता है। सार्स से प्रभावित व्यक्ति के खांसने या छींकने से श्वसन उच्छिष्ठ बाहर निकलता है। उच्छिष्ठ का फैलाव सार्स से प्रभावित व्यक्ति के खांसने या छींकने से उच्छिष्ठ मात्र थोड़ी दूरी लगभग एक मीटर तक फैलता है। इसका फैलाव वायु और पास में रहनेवाले व्यक्ति के मुख, नाक या आंख पर श्लेष्मा झिल्ली के जमाव से होता है।

इस विषाणु का प्रसारण प्रभावित व्यक्ति के किसी सतह या वस्तु के छूने से भी होता है क्योंकि उसका हाथ प्रभावित उच्छिष्ठ से सना होता है, वह अपने हाथ मुंह और आँख को छूता रहता है। इसके अतिरिक्त, यह भी संभव है कि सार्स का विषाणु हवा के द्वारा अधिक फैल सकता है। इसके फैलने के दूसरे तरीके भी हो सकते हैं, जिसकी जानकारी अभी नहीं हो पाई है।

सार्स की रोकथाम

सार्वजनिक जगह जैसे फोन, लिफ्ट का बटन, हैण्डड्रिल्स, या दरवाजे आदि को छूने के पश्चात हाथ को लगातार अच्छे ढंग से धोये। बाथरूम जाने के बाद, हाथ मिलाने के बाद और भोजन के पूर्व हाथ को धोयें। तरल साबुन या गरम पानी से हाथ को 3 सेकेंण्ड तक धोना चाहिए। हाथ की पूरी सतह को अच्छी तरह साफ करना चाहिए। यदि पर्याप्त मात्रा में बहता हुआ पानी उपलब्ध न हो सके तो अल्कोहल का उपयोग करना चाहिए। आपके हाथ देखने में गन्दे नहीं होने चाहिए।

* बीमार लोगों के संपर्क से बचे।

* अपने चेहरे को न छुए। स्पर्शजन्य रोगों के फैलाव का यह सामान्य मार्ग है। हाथ प्रदूषित उच्छिष्ठ को उठाते हैं और आंख मुंह और नाक को स्थानान्तरित करते हैं।

* घर का वातावरण स्वस्थकर रखें। घरेलू सामानों की सतहों एयर कण्डिशनर, तथा फिल्टरों को एक भाग ब्लिचिंग पाउडर 99 भाग पानी मिलाकर प्रदूषण रहित बनाएं।

* किसी अन्य के वरतन में खाना न खाएं और न चाय पीयें। यदि वाहर खा रहे हो तो अलग कलछी का उपयोग करें।

* छीकने और खांसने के लिए अलग स्वच्छ टिशू पेपर का उपयोग करे। उन्हें उपयोग कर दूर फेंक दे।

* विशव स्वास्थ संगठन की सी.डी.सी. वेवसाइट देखें।

* पर्याप्त आराम कर शरीर की प्रतिरोधक क्षमता वढ़ अच्छा भोजन और व्यायाम करे।

कैन्सर

लगभग 200 वीमारियों के लिए कैन्सर शब्द का प्रयोग किया जाता है। ये वीमारियां विभिन्न प्रकार से एक निश्चित अवधि में विकास करती हैं और कुछ विशेष लक्षणों से युक्त होती है जिसमें मरीज के किसी उतक में अनिष्टकर वृद्धि भी सम्मिलित है जिससे उसकी असामान्यता का अनुमान लगाया जाता है। विना किसी नियंत्रण से कोशिकाओं का असामान्य विकास होने लगता है। इनका आक्रमण सामान्य ऊतक घेरों में होता है। और मरीज के स्थानीय और दूर के भागों में फैलता है। तथा अनिश्चित तरीके से विस्तार करता है। ऐसे असामान्य कोशिकाओं के पिण्ड वनते हैं और इस प्रकार विस्तार करते है कि यदि उनको निकाला न गया तो मरीज की मृत्यु हो जाती है। कैन्सर की घटनाएं लगातार यढ़ रही है।

कैन्सर को जीवन चर्या की वीमारी के रूप वर्गीकृत का अध्ययन किया जाता है। यह ध्यान में आया है कि अधिकांश प्रकार के कैन्सर का कारण रहन–सहन की आदतों के कारण होता है। धूम्रपान करना, शराव पीना और भोजन कैन्सर के कारण हैं। वातावरणिक तत्व भी कैन्सर को वढ़ाते हैं। तंवाकू का ... से 35% एवं धूम्रपान से होने वाले फेफडे के कैन्सर से ... लोगों की मृत्यु होती है। अप्रतिरोधी धूम्रपान (धूम्रपान ... वालों से छोड़ा गया धुंआ और पीने वालों द्वारा श्वसन ... पर) कैन्सर मृत्यु की गणना में वृद्धि करता है। यद्यपि मद्य ...न्सर जन नहीं है, लेकिन ऊपरी श्वसन मार्ग और गले की ...ली में कैन्सर का कारण हो सकता है अलकोहल सूत्रण रोग ...यक्ति के यकृत कोष्ठ में कैन्सर उत्पन्न करने वाले कारकों को ...हले से ही प्रवृत्त कर देता है।

पूरे विश्व में 5% कैन्सर जनित मृत्यु विद्युत उत्पादक ...रमाणु विकिरण विस्फोट से होती है। त्वचा कैन्सर में वृद्धि ...का सीधा संवंध सौर अल्ट्रा वायलेट विकिरण है। इनके नाम ...क्रमश मेलनोमास (त्वचा या वालों के ऊतकों में काले रंजकों ...का असामान्य जमाव) स्वावमस (शल्की कोशिका कैन्सर ...रोगाणु) विद्युत चुम्यकीय क्षेत्र।

...आहारीय आदतें और कैन्सर का खतरा

आहारीय तत्व निम्न प्रकार से कैन्सर से संवंधित हैं

(1) चर्वी: छाती और वड़ी आंत;

(2) उच्च मात्रा कैलोरी युक्त भोजन लेना: स्तन, स्थानिक ...न्थि, वड़ी आंत, मूत्राशय;

(3) पशुओं से प्राप्त प्रोटीन (विशेषकर लाल मांस): स्तन, ...थानिक, और वड़ी आंत ;

(4) छुए वाला भोजन या झुलसा हुआ भोजन: गले नली और पेट;

(5) नाइट्रेट या नाइट्रिट: आंत।

शरीरिक आदतें और अभ्यास

लगभग 40 वर्षीय महिलाओं में स्तन कैन्सर के ख... की वृद्धि का संवंध स्थूलता है। रसायनिक और सूक्ष्म जी... तत्व:(अ) दवाएं (य) अन्तरस्राव (स) सूक्ष्म जीव (द) विषा...

अनुवांशिक कारक

मरीजों में विल्स का ट्यूमर, द्विपक्षीय दृष्टि पटल शो... और कैन्सर पारिवारिक संयुक्तता से होते हैं।

व्यावसाय के कारण उत्पन्न होने वाला कैन्स...

रसायनिक तत्वों से उत्पन्न होने वाले कैन्सर, मूत्राशय ... कैन्सर, फेफड़ो के कैन्सर, श्वास नली और श्वसनिका अ... त्वचा के कैन्सर आदि।

कैन्सर कोशिकाओं के लक्षण

सामान्य परिस्थितियों के तहत शरीर ऊतकों में मुख... कोशिश की संख्या तीन परिवर्तनों में एक भुगतनी है। परिपक्व... अवस्था में वे अलग–अलग हो सकती है और वे ही स्थानी... ऊतक की कोशिकाओं का निर्माण करती है। वे स्व... परिवर्तित हो सकती हैं। वे मर सकती हैं। इसके वाद चौ... परिवर्तन होता है और नये रूप का पुनरुत्पादन होता है।

रोग निदान

कैन्सर के निदान की पुष्टि के लिए या तो वायोप्सी ... हिस्टो–पैथालाजिकल परीक्षण या सिटोलोजी परीक्षण किय... जाता है। पहले से गांठ के विस्तार का पता लगाया जाता है औ... दूसरे से यह निश्चित किया जाता है कि गांठ किस तरफ व... रही है। इसके लिए रक्त परीक्षण, एक्सरे अध्ययन रेडियोन्यूक्लाइ... स्कैन, सी.टी. स्कैन, और एम.आर.आई. स्कैन किया जाता है... कैन्सर की स्थिति का पता स्टेलिंग सिस्टम से लगाया जाता है... टी.एन.ए. सिस्टम का विस्तार के साथ उपयोग किया जाता है...

उपचार

कैन्सर का उपचार शल्य चिकित्सा, विकिरण थेरेपी औ... सिस्टेमैटिक थेरेपी में किया जाता है। इसके लिए रसायन...

चेकित्सा और हारमोन्स का उपयोग किया जाता है। इन आधुनिक सुविधाओं का उपयोग या तो अकेले या सम्मिलित रूप में किया जाता है। कल्पना में विकास और वृद्धि, विभिन्न प्रकार के कैन्सरों स्वाभाविक इतिहास के ज्ञान और समझ को द्विगुणित कर दिया है, इससे बहुविकल्पीय उपचार के युग में पहुंचने में सहायता मिली है जिससे कैन्सर के उपचार के परिदृश्य में बहुत बड़ा परिवर्तन आया है।

महामारी विज्ञान

अनुमान बताते है कि भारत में नये कैन्सर मामले लगभग 10 लाख प्रतिवर्ष हैं। कैन्सर का सर्वाधिक सामान्य रूप पुरुषों में देखने में आता है जिसमें फेफड़े, पेट, श्वास नली मुख वाग्यन्त, जिंह्वा, मूत्राश्य आदि कैन्सर मुख्य है। महिलाओं में पारम्परिक कैन्सर में गर्भाश्य कैंन्सर अग्रणी है, लेकिन विशेषकर शहरी क्षेत्रों में स्तन कैन्सर मुख्य समस्या बनती जा रही है। मुख कैन्सर महिलाओं और पुरुषों में समान रूप से पाया जाता है। श्वसन नली, इन्जेक्शन नाली, भोजन नली और पेट के कैन्सर अधिकांशत महिलाओं की तुलना पुरुषों में होते हैं जबकि मूत्राशय का कैन्सर महिलाओं में अधिक होता है।

कैन्सर उपचार का मूल्यांकन

भारत में की मात्रात्मक सुविधा की मुख्य समस्या का सामना कैन्सर उपचार का क्षेत्र कर रहा है। अपर्याप्त शिक्षा और पर्याप्त उपचार सुविधा की कमी इस क्षेत्र की मुख्य समस्याएं है।

भारत में क्षय रोग

भारत में विश्व के 33% क्षयरोगी रहते हैं। भारत में प्रतिदिन बीस हजार लोग इस बीमारी से प्रभावित होते हैं और 5 हजार में यह बीमारी विकसित हो जाती है और लगभग एक हजार की मृत्यु हो जाती है। यह बीमारी सभी बीमारियों की तुलना में 14% अधिक लोगों की हत्या करती है। मलेरिया से 21 गुना अधिक और कुष्ठ से 400 गुना अधिक लोगों को मारती है। भारत में प्रतिवर्ष, लगभग 20 लाख लोगों में क्षय रोग का विकास होता है।

क्षय रोग सामाजिक और आर्थिक विकास का मुख्य अवरोधक है। देश में क्षयरोग पर प्रतिवर्ष प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से 12,000 करोड़ रुपये (3 बिलियन अमरीकी डालर) लागत आती है। प्रति वर्ष यदि राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था का नुकसान को इस मामले से जोड़े तो इसकी कीमत 700 करोड़ रुपये (200 मिलियन अमरीकी डालर) तक पहुचती है। प्रतिवर्ष लगभग 300,000 छात्रों को विद्यालय छोड़ना पड़ता है क्योंकि उनके अभिभावकों को क्षय रोग है। 100,000 औरतें मां और पत्नी की गरिमा से वंचित हो जाती हैं क्योंकि क्षय रोगी का सामाजिक बहिष्कार कर दिया जाता है।

एच.आई.वी. और क्षयरोग पर दवाओं का बे--असर होना स्थिति को अधिक बदतर बना देता है। यदि, तुरन्त कोई कार्यवाई नहीं की गई तो 40 लाख से अधिक लोग, भारत में, अगले दशक तक काल के गाल में समा जाएगें।

क्षयरोग से संघर्ष

क्षयरोग के विरुद्ध वैश्विक अभियान में भारत हमेशा अग्रणी रहा है। क्षयरोग रिसर्च सेन्टर चेन्नई और राष्ट्रीय क्षयरोग संस्थान, बंगलोर, क्षयरोग अध्ययन के अग्रणी संस्थान हैं। इन्होंने क्षयरोग नियंत्रण पर सिद्धान्तों की स्थापना की है जिसका अनुपालन आज भी विश्व भर में किया जाता है। इन सिद्धान्तों में क्षयरोग के गतिशील उपचार की भविष्यवक्ता, मियादी बुखार उपचार के पथ्य के नियमों का प्रासंगिता, पारिवारिक सदस्यों के अतिरिक्त प्रशिक्षित व्यक्ति द्वारा उपचार के प्रत्यक्ष निरीक्षण की आवश्यकता रोगियों में स्वास्थ्य सुविधाओं की रपट की डाइग्नोस्टिक उपकरण की माइक्रोस्कोपी व्यावहारिकता की उपयोगिता तथा समाज में क्षयरोग के विषय में अभिशापित बोझ सम्मिलित है।

जब विश्व को भारतीय क्षयरोग अन्वेषण की सफलता से लाभ मिलने लगा और पिछले कुछ वर्षो से लगभग 5 लाख भारतीय भी इससे लाभान्वित हुए रिवाईज्ड नेशनल ट्यूबरकुलोसिस कन्ट्रोल प्रोग्राम ने 1993 में परीक्षण किया। 1998 के अन्त तक बड़े पैमाने पर इसका विस्तार हुआ। 2001 के आरंभ तक पूरे देश का एक तिहाई इसके अधीन आ गया था।

चिकित्सा

प्रत्यक्ष निरीक्षण उपचार शार्ट कोर्स पांच बिन्दुओं की व्यूह रचना है जिसमें राजनैतिक और प्रशासनिक समर्पण के तत्व, माइक्रोस्कोपी द्वारा प्राथमिक निदान, बिना रुकावट के बेहतर दवाओं की आपूर्ति, उपचार का प्रत्यक्ष निरीक्षण, निदान का पर्यवेक्षण और संचालन, विकास, क्षयरोग की निष्पत्ति सम्मिलित है।

यदि इस योजना का कार्यान्वियन उचित ढंग से किया जाता है तो मल्टीड्रग प्रतिबन्ध को रोका जा सकेगा। इस योजना का उपयोग एच.आई.वी. प्रभावित रोगियों के लिए भी प्रभावी होगा।

लंबे समय की सफलता के लिए इस योजना की निष्पत्ति का लगातार मूल्यांकन होना चाहिए। और अन्वेषण के तरीके में सुधार होना चाहिए।

इसलिए क्षयरोग के क्षेत्र में अन्वेषण विलास की वस्तु नहीं है बल्कि रिवाइज्ड नेशनल ट्यूबरक्यूलोसिस कन्ट्रोल प्रोग्राम के लिए आवश्यक है। कई महत्वपूर्ण [illegible] आनेवाले समय की चुनौती [illegible] को बनाए रखना है।

रक्त दान एवं रक्त संचारण का विज्ञान

अपारदर्शी लाल रंग का द्रव्य जो रक्त नलिकाओं से बहता है, शरीर का परिवहन माध्यम है। यह ऊतकों में भोजन और आक्सीजन की आपूर्ति करता है जिससे उनका विकास व मरम्मत होती है। यह उत्सर्जन या हार्मोन्स जिनका उत्पादन शरीर की महत्वपूर्ण ग्रंथियों द्वारा किया जाता है को शरीर के उन अंगो तक ले जाता है जहां इनकी उपयोगिता होती है और कार्बन डाई आक्साइड को फेफड़ो तक पंहुचाता है जहां से इसका उत्सर्जन हो जाता है, और बाकी बचे बेकार चीजों को गुर्दे में ले जाता है जहां से इनको शरीर बाहर उत्सर्जित कर देता है। रक्त शरीर के तापमान को नियंत्रण में रखता है ओर शरीर के अन्य द्रवों में तारतम्यता बैठाता है। जब शरीर पर किसी बीमारी का आक्रमण होता है रक्त सबसे पहले उस बीमारी से होने वाले संक्रमण का मुकाबला करता है। इसकी अन्य महत्वपूर्ण उपयोगिता है शरीर के भीतर क्षारता या अम्लता को संतुलित करना।

रक्त की प्रत्येक बूंद में 250 मिलयन लाल कणिकायें,400,000 श्वेत कणिकायें और 25 मिलयन प्लेटेट्स जो पीले रंग के द्रव में होता है और जिसे प्लाज्मा हैं। लाल रक्त कणिकायें फेफड़ों से शरीर के समस्त आक्सीजन ले जाती है और कोशिकाओं से कार्बन आक्साइड को हृदय के रास्ते से फेफड़ो तक ले जाती है। श्वेत कणिकायें शरीर पर हो रहे संक्रमणों से रक्षा करती हैं। प्लेटेट्स शरीर में घाव हो जाने की स्थिति में रक्त को थक्का बनाने में मदद करती हैं। प्लाज्मा जैसा कि यह रक्त नलिकाओं में बहता है इन कणिकाओं को और अन्य रसायनों और पोषण पदार्थों को शरीर के समस्त भागों में ले जाता है। प्लाज्मा-द्रव भाग 92% जल और 8% प्रोटीन से बना होता है जिसमे शरीर द्वारा जरूरत के लवण और अन्य पदार्थ निहित होते हैं।

प्रत्येक 24 घंटों में मानव हृदय 12,000 मील लंबी रक्त नलिकाओं में 8,000 गैलन रक्त की आपूर्ति करता है। सामान्य स्थितियों में हृदय से 15% रक्त मस्तिष्क में और 25% रक्त गुर्दो में जाता है। मांस पेशियों में रक्त की आपूर्ति 20% की होती है। हृदय को काफी मात्रा में रक्त की आवश्यकता होती है। यह स्मरण योग्य बात है कि मांस पेशियों का वजन शरीर के 2/5 हिस्सा होता है। मस्तिष्क व गुर्दो को अधिक मात्रा में रक्त की आवश्यकता होती है।

रक्त संचारण की आवश्यकता

जब रक्तसंचारण की मात्रा कम हो जाये जैसा कि गहरी चोट के बाद अत्यधिक मात्रा मे रक्त रिसाव या डायरिया में जरूरत से जादा पानी का नुकसान हो जाये तब मस्तिष्क और गुर्दो में रक्त की आपूर्ति कम हो जाती है। परिणास्वरूप इसका प्रभाव मस्तिष्क व गुर्दों की कार्य प्रणाली पर पड़ता है। अगर रक्त रिसाव या शरीर में पानी की कमी जारी रहती है तो मस्तिष्क में रक्त की कमी हो जाती है और बेहोशी छाने लगती है। अगर रक्त आपूर्ति को तेजी से सामान्य नहीं बनाया गया तो मस्तिष्क आघात स्थाई हो जाता है और मानव की मृत्यु हो सकती है। यहीं पर रक्त संचारण महत्वपूर्ण हो जाता है। रक्त संचारण की आवश्यकता पड़ती है – दुर्घटना से ग्रस्त व्यक्ति, मस्तिष्क आघात, जल जाने की अवस्था में, एनीमिया, बच्चे के जन्म के बाद या आपरेशन में, कैंसर मरीजों को, या वे व्यक्ति जो कांजेशियल रक्त बिमारियों जैसे कि थैलेसीमिया या हीमोफीलिया से ग्रसित होते हैं। रक्त संचारण में विकास और रक्त की उपलब्धता से अनेक ऐसी शल्यक्रियायें संभव होगी हैं जिन्हे नहीं किया जा सकता था।

रक्त संचारण का इतिहास

पूर्व खोज – अभी केवल 400 वर्ष ही बीते हैं जब हमने रक्त की कार्यप्रणाली को जाना। वर्ष 1616 में विलियम हार्वे ने खोज की कि रक्त का संचारण पूरे शरीर में होता है। और 49 वर्ष के बाद एक शरीर से दूसरे शरीर में रक्त संचारण का प्रयोग किया गया। वर्ष 1665 में सर क्रिस्टोफर रेन के सुझाव पर डा. रिचर्ड लोवर ने एक कुत्ते से दूसरे कुत्ते पर सफलता पूर्वक रक्त संचारण का प्रयोग किया। उनका प्रयोग विख्यात हो गया और दो वर्ष के बाद एक फ्रांसीसी डाक्टर डेनिस ने एक 15 वर्षीय बालक के शरीर में भेड़ का खून चढ़ाया अनेक देशों में पशुओं का खून मनुष्य को चढ़ाने की प्रवृत्ति अपनाई जाने लगी, लेकिन 1678 में अनेक मौतें हो जाने से इसे अवैधानिक घोषित कर दिया गया और पोप ने इसे अवांछित कह दिया।

रक्त की विभिन्नता

क्यों कुछ सफल हुए और कुछ असफल। यह बात 1901 में समझ में आई जब एक युवा आस्ट्रियन वैज्ञानिक कार्ल लैंड्सटीनर ने खोज की कि मुष्य का रक्त विभिन्न प्रकार का होता है। और अगर गलत किस्म का रक्त संचरित कर दिया जाये तो लाल रक्त कणिकाओं का छरण शुरु हो जाता है। विगत में हुए रक्त संचारण की असफलता का यही मुख्य कारण हुआ। मानव शरीर के लिये विभिन्न प्रकार के

जिन्हे अब ओ, ओ.बी. कहा जाता है साथ ही इसमें रसायनिक अवशिष्ट भी होते हैं। अलग–अलग प्रकार के रक्त संचारण की जब खोज की गई तब पाया गया कि एक ही प्रकार का रक्त संचारण सफल होता है।

रक्त का थक्का बनना

एक और समस्या जिसे सुलझाना था कि शरीर से रक्त निकलते ही थक्का बनना शुरु हो जाता है।जिससे एक व्यक्ति के शरीर से दूसरे व्यक्ति के शरीर में संचारण असंभव हो जाता था। इस समस्या को अमरीका, बेल्जियम और अर्जेन्टाइना के वैज्ञानिकों ने 1914 में सुलझाया जब उन्होंने रक्त को सोडियम साइट्रेट से मिलाया। सोडियम साइट्रेट रक्त का थक्का बनने से रोकता है और एक व्यक्ति के शरीर से दूसरे व्यक्ति के शरीर में चढ़ाने पर कोई विपरीत प्रभाव भ नहीं पड़ता।

रक्त का संचयन करना

रक्त बहुत जल्दी ही खराब होने लगता है। लाल रक्त कणिकाओं का क्षरण शीघ्र हो जाता है लेकिन शून्य के तापमा से कुछ ऊपर रखे गये रक्त को अधिक समय तक रखा ज सकता है। 1937 में शिकागो के कूक कंट्र अस्पताल के डा.बर्नाड फुंटुस ने रक्त संचयन को 'ब्लड बैंक' का नाम दिय और ग्लुकोज व साइट्रेट के मिश्रित रक्त का उपयोग ग्रेट ब्रिटे में द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान व्यापक तौर पर किया गया। उ समय रक्त संचयन को 21 दिनों तक रखा जाता था आज भार में रक्त को 35 दिनों तक सुरक्षित रखा जा सकता है।

मानव शरीर की रचना

मानव शरीर बहुत ही उलझी हुई रचना है। इसमें करोड़ों कोशिकाएं हैं जो आश्चर्यजनक ढंग से व्यवस्थित और आपसी सक्रियता से कार्य करती हैं। वैज्ञानिकों ने मानव शरीर को आठ भागों में बांटा है। 1. अस्थि पंजर, 2. मांसपेशियां, 3. रक्त संचरण और स्वसन तन्त्र, 4. पाचन तन्त्र, 5. उत्सर्जन प्रणाली, 6. ग्रन्थि–प्रणाली, 7. तान्त्रिका तन्त्र और 8. त्वचा।

अस्थि पंजर

मानव अस्थि पंजर में 206 अस्थियां होती है। यह संख्या विवादास्पद है। कुछ लोग कहते हैं कि मानव अस्थिपंजर में अस्थियों की संख्या 212 होती है। संख्या की यह भिन्नता अस्थि–नसों के कारण है। अस्थि पंजर ढांचे की तरह काम करता है, जिसमें मांसपेशियां चिपकी रहती हैं और कोमल अंगों की सुरक्षा करती है। प्रत्येक अस्थि का आकार सटीकता और सुस्पष्टता से निर्मित है। कुछ अस्थियां आपस में पुष्टता और कुछ अस्थियां शिथिलता से जुड़ी हैं। प्रत्येक का निर्माण अपने विशिष्ट उत्तरदायित्व को पूर्ण करने के ढंग से हुआ है।

मानव अस्थि पंजर को मुख्यतः दो भागों में बांटा गया है। प्रथम–अक्षीय अस्थिपंजर और द्वितीय उपवंधीय अस्थि पंजर। अक्षीय अस्थि पंजर में सिर, गला और धड़ हैं। उपबंधीय अस्थि पंजर में भुजाएं और पैर हैं।

अस्थि पंजर का निर्माण अस्थियों, सन्धियों और उपास्थि से होता है। इनका कार्य शरीर के कोमल ऊतकों और अंगों को आश्रय और सुरक्षा प्रदान करना है। मांसपेशियों को जुड़ने का स्थान प्रदान करना है जिससे शरीर को गति मिल पाना संभव होता है। अस्थियां, लंबी, छोटी, घनाकार चौड़ी और विषम प्रकारों की होती हैं। लंबी अस्थियां अन्दर से पोपली होती है। इसमें मज्जा भरी रहती है। इन्हीं से रक्त कोशिकाओं का निर्माण होता है।

अक्षीय अस्थि पंजर शिशुओं की रीढ़ में 33 विष अस्थियां होती है, जिसे कशेरुका कहा जाता है। प्रौढ़ों मेरुदंड के नीचे की नौ अस्थियां दो भागों में बंट जाती है ऊपर की पांच मिलकर 'विकास्थि' और नीचे की चा मिलकर 'काकिक्स' का निर्माण करती हैं। मानव जीवन क महत्वपूर्ण भाग रीढ की अस्थि में 24 कशेरुकाएं होती हैं इसमें सात गले की ग्रीवास्थि, 12 वक्षीय अस्थि छाती [illegible] पांच कटि की, पीठ के नीचे होती है। कटि में एक [illegible] और एक काकिक्स होती है।

वक्ष की कशेरुका में 12 जोड़ी पसली होती हैं। [illegible] के 7 जोड़े सामने आकार छाती की हड्डियों से [illegible] शेष 5 जोड़ों में से 3 उपास्थि पसली से [illegible] हैं। आनीम दो असंवन्धित रहती हैं। [illegible] की दीवार के बीच में स्थित होती है [illegible] बनाती है। उपास्थि पसली और 12 [illegible] वक्षीय कोटर तैयार करती हैं।

गरदन की लंबाई कुछ [illegible] बना होता है। ऊपर की [illegible] 'धुरी' के नाम से जाना [illegible] है और इसे कंदुक [illegible]

खोपड़ी का [illegible] है। आठ अस्थियां [illegible] रखती हैं। [illegible] हैं। खोपड़ी के [illegible] है जिसमें [illegible] [illegible]

झर्झकास्थि (एथमोयड) आंखों के विवर का निर्माण करते हैं जो मस्तिष्क और नाक को अलग करते हैं और खोपड़ी को आधार प्रदान करते हैं। कनपटी की दो अस्थियों में से प्रत्येक अस्थि में तीन छोटी-छोटी अस्थियां मध्यकान में होती हैं। पहली हथौड़े के आकार की, दूसरी निहाई के आकार की, और तीसरी रकाव के आकार की होती हैं। ये ही कान के बाहरी भाग को गति प्रदान करते है। कण्डिका अंग्रेजी की 'यू' के आकार की आस्थि है। यह गले के आगे और जीभ की जड़ से पास होती है।

उपबन्धीय आस्थि पंजर अक्षीय आस्थि पंजर से जुड़ी अस्थियां ऊपर और निम्न सिराओं की होती हैं। यह उपबन्धीय अस्थिपंजर का निर्माण करती हैं। भुजाओं को भुजा मेखला का सहारा मिलता है, जो कंधे की अस्थि के प्रत्येक तरफ होती है। ऊपरी भुजा की अस्थि को प्रगण्डिका कहते हैं। अन्त: प्रगण्डिका और बहिर प्रगण्डिका भुजा के अग्र भाग का निर्माण करती हैं। हाथ में 8 करम 5 करमास्थि जो हथेलियों का निर्माण करती है। 14 अंगुल्यास्थियां जो अंगुलियों का निर्माण करती है।

नीचे की नितान्तता का अस्थिगत ढांचे का निर्माण भी ऊपरी नितान्तता जैसा ही होता है। दो अनाम अस्थियां या नितम्व अस्थि में प्रत्येक के तीन भाग होते हैं। प्रथम-श्रोणि फलक, द्वितीय-आसनास्थि और तृतीय-जंघनास्थि है। नितम्यास्थि, विकास्थि और काकिक्स, तीनों कशेरुका के स्तंभ से मिलकर श्रेणी मेखला का निर्माण करते हैं। इन्हें पैरों का सहारा मिलता है। जंघास्थि या जानुफलक घुटनों की टोपी का निर्माण करते हैं। अनतर्जंधिका और वहिर्जंधिका पैर के नीचे के भाग की आस्थियां है। पैर के अस्थिपंजर में तीन भाग होते हैं। टखने में 7 छोटी टखनास्थियां, 5 प्रपदास्थियां मेहराव का निर्माण करती हैं। पैर की अंगुलियां का निर्माण 14 अंगुल्यास्थियों से होता है।

चेहरे की अस्थियां: चेहरे में 14 अस्थियां होती है। एक के जवड़े की अस्थि जिसे अधोवर्ती जंभिकीय या जबड़ा ...नु अस्थि कहते हैं। दो उर्ध्व जंमिकीय जो ऊपर के ... और मुंह के लिए ऊपरी छत का निर्माण करती है। दो ...स्थियां जो नाक का निर्माण करती हैं। एक सीरिका जो ... के अधोवर्ती नासास्थि पट का निर्माण करती है। दो ...ी नासास्थियां, शुत्तिका जिसे अधोवर्ती अस्थि भी कहा ... है। दो गण्डास्थियां जो गाल का निर्माण करती हैं। दो लैक्रिमल अस्थियां और तालु अस्थियां होती हैं।

मांस पेशियां

ये शरीर को गति देने में सहायक होती हैं और इनके संकुचन से ताप बनता है। यह शरीर के तापक्रम को स्थिर रखने में सहायक होता है। इन मांसपेशियों का अन्तिम सिरा विभिन्न अस्थियों के ऊतकों से जुड़ा रहता है जिसे 'नस' कहा जाता है। इसीलिए जब मांसपेशियों से संबंध स्थापित किया जाता है तब एक अस्थि दूसरी अस्थि के अनुरूप घूमने लगती है, जिससे पूरी शरीर को गति मिलती है। जैसे चलते समय या शरीर के एक भाग के गतिशील होने पर या अंगुलियों के घुमाते समय होता है। ऊर्जा का निर्माण और पेट की मांसपेशियों को नियन्त्रित नहीं किया जा सकता है।
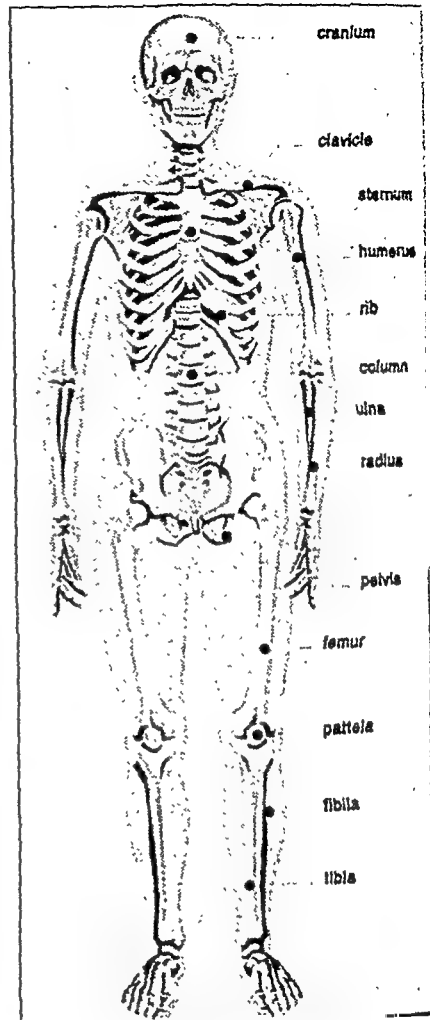
मानव शरीर की अस्थि संरचना

रक्त संचार प्रणाली

वृद्धि और शरीर का कार्य प्रणाली को उचित ढंग से चलने के लिए शरीर के प्रत्येक भाग का पोषण और आक्सीजन आवश्यक है। शरीर में अनावश्यक पदार्थों का संग्रह और विष के रूप में फैल जाने के पूर्व उन्हें बाहर निकालना होता है। रक्त संचारण प्रणाली शरीर को आवश्यक वस्तुओं की पूर्ति तथा अनावश्यक वस्तुओं को बाहर निकालता है। इसका निर्माण हृदय, रक्त वाहिनी, और रक्त से मिलकर होता है। रक्त भी शरीर की सुरक्षा प्रणाली का एक अंग है। जब श्वेत

रक्त कण, बाहरी हमलावारों से शरीर की रक्षा करते हैं तो यह रोग प्रतिरोधात्मक हो जाते हैं।

हृदय भी एक मांसपेशी है जो लगभग दो समान भागों में बंटा होता है। इसका आधा भाग फेफड़े से रक्त प्राप्त करता है और शरीर के शेष भागों तक पहुंचाता है और दूसरा आधा भाग शरीर में संचरित रक्त को फेफड़ों तक वापस लाता है। जब रक्त हृदय की मांसपेशियों के संपर्क में आता है तब धमनी में फेंक दिया जाता है और छोटी–छोटी नसों में प्रवेश करता है और पुनः रक्त शिराओं से होकर फेफड़े में आता है। रक्त को, शिराएं पतली दीवारों तक पहुंचाती हैं। यह शरीर के प्रत्येक ऊतक तक पहुंचता है। प्रत्येक स्थिति में रक्त को शिराओं से होकर हृदय इसके बाद फेफड़े तक यात्रा करनी पड़ती है। इस क्रिया में कोशिकाओं तक पहुंचने में अधिक आक्सीजन प्राप्त कर लेता है।

श्वसन प्रणाली: श्वसन प्रणाली हवा से आक्सीजन को ग्रहण करती है व कार्बन डाई आक्साइड और जलवाष्प को बाहर निकालती है। हवा का प्रवेश नाक और मुंह से होता है और स्वरयन्त्र या वाग्यन्त्र या श्वासतन्त्र या वायु वाहिनी से यात्रा करती है। श्वास नली इसे दो भागों में बांट देती है और वायु फेफड़ों में प्रवेश करती है। इसके बाद अनेकों भागों में बंटकर बड़ी संख्या में वायु–स्थानों का निर्माण करती है। कोशिकाओं में स्थित रक्त आक्सीजन को सोख लेता है और कार्बन डाई आक्साइड का विमोचन कर देता है। यह कार्बन डाई आक्साइड निःश्वास द्वारा बाहर निकल जाता है।

पाचन प्रणाली

पाचन तन्त्र एक नली है जो मुख से लेकर गुदाद्वार तक फैली रहती है। भोजन एवं तरल पदार्थ शरीर द्वारा ग्रहण किये जाते हैं और इन्हे छोटे–छोटे अणुओं में विभाजित कर रक्त संचार तन्त्र द्वारा सोख लिये जाते है। इसी क्रिया को पाचन क्रिया कहते है। यह यान्त्रिक और रासायनिक प्रक्रिया है। भोजन का प्रवेश मुख से होता है। जहां पर चबाने और लार मिलाकर इसे तोड़ा जाता है। इससे निगलने में आसानी हो जाती है। इसके बाद भोजन, भोजननली से आमाशय की यात्रा करता है। आमाशय में पहुंचने के बाद मांसपेशीय दीवारें यान्त्रिक रूप से भोजन को तोड़ना आरंभ करती हैं। पेट में एसिड और पाचक रस मिलने से रासायनिक क्रिया होने लगती है।

अन्त में तरलीकृत भोजन छोटी आंत में आता है। छोटी आंत के पहले भाग में, जिसे 'ग्रहणी' कहा जाता है। अग्न्याशय में पाचक रस मिलाये जाते हैं। ये पाचक तत्व भोजन को रासायनिक रूप से तोड़ते हैं। वसा के पाचन के लिए पित्त मिलता है जिसका निर्माण यकृत में होता है और पित्ताशय में इसका संग्रह होता है। वयस्क व्यक्ति की छोटी आंत लगभग 21 फीट (6.4 मीटर) लंबी होती हैं। इसका अधिकांश भाग भोजन का शोषण करने में लगा रहता है।

बचे हुए भोजन का तरल पदार्थ बड़ी आंत में ढकेल दिया जाता है, जो लगभग 12 फीट (3.7 मीटर) लंबी होती है। बड़ी आंत में तरल पदार्थ का अधिकांश भाग सोख लिया जाता है और सूखे हुए पदार्थ आगे ढकेल दिये जाते हैं।

उत्सर्जन प्रणाली

सामान्य रूप से जल एवं अन्य कुछ छोटे अणुओं जैसे सोडियम और पोटेशियम को बाहर निकालता है। यह इस क्रिया को इस प्रकार पूर्ण करता है कि जब रक्त गुर्दे से गुजरता है तब दो प्रभावी छननी से विभिन्न अविरजित अणुओं से छुटकारा पा जाता है। वे तरल जिन्हें गुर्दे विमोचित करती है उसे मूत्र कहा जाता है। यह नली से होकर शरीर के बाहर जाता है। इस नली को मूत्र वाहिनी कहा जाता है। इसका संबंध मूत्राशय से होता है। मूत्राशय मूत्र को तब तक धारण करता है, जब तक कि वे शरीर से बाहर नहीं निकाल दिये जाते हैं।

ग्रंथि

शरीर की क्रियाओं को नियन्त्रित करनेवाली दो प्रणालियां – ग्रन्थियां और नाड़ी संस्थान हैं। ग्रन्थियां शरीर पर नियन्त्रण रासायनिक संवेदकों के माध्यम से करती है। इन संवेदकों को हारमोन कहा जाता है। हारमोनों का स्राव, विभिन्न अन्तः स्रावी ग्रन्थियों से होता है। कुछ ग्रन्थियां हारमोनों को सीधे रक्त प्रवाह में छोड़ती हैं।

एक मुख्य ग्रन्थि, पीयूष या श्लेष्मीय ग्रन्थि हो जो सिर के मध्य, मस्तिष्क के नीचे अवस्थित है। यह कम से कम 8 तरह के हारमोन उत्पादित करती है। ये हारमोन वृद्धि, गुर्दा कार्य प्रणाली और जनन अंगों के विकास को प्रभावित करते हैं। श्लेष्मीय ग्रन्थियों के हारमोन, दूसरी ग्रन्थियों को अपने हारमोन उत्पादित करने के लिए प्रेरित करते हैं इसीलिए पीयूष ग्रन्थि को मुख्य ग्रन्थि कहा जाता है। एक अन्य थायराइड ग्रन्थि जो पसली की अस्थि के नीचे होती है। यह एक ऐसा अन्तःस्राव उत्पन्न करती है जो शरीर चयापचय की गति को नियन्त्रित करता है तथा यौनांग (अण्डाशय और डिम्बाशय) के ऊतकों का निर्माण करते है। इसके साथ–साथ कुछ ऐसे अन्तःस्रावों का भी निर्माण करते है जो पुरुष और स्त्री के गुणों को निर्धारित करता है। प्रत्येक गुर्दे के ऊपर अधिवृक्क ग्रन्थियां होती हैं जो कोरिजोन और एपिनाफ्रिन जिसे एड्रेनलिन कहा जता है, का उत्पादन करती हैं। अग्न्याशय मात्र पाचक एनजाइम का ही उत्पादन नहीं करता बल्कि इन्सुलिन और ग्ल्यूकोन का भी उत्पादन करता है, जो शरीर के उपयोग के लिए वसा और शक्कर को भी नियन्त्रित करते हैं।

नाड़ी संस्थान (तन्त्रिका तन्त्र)

नाड़ी संस्थान में मस्तिष्क सुषुम्ना नाड़ी और नसें हैं। ये शरीर की गति को नियन्त्रित करती हैं। मस्तिष्क का निचला भाग मुख्य क्रियाकलापों जैसे श्वसन, हृदय गति, शरीर का तापक्रम, भूख और प्यास को नियन्त्रित करता है। इसके बाद दृश्य, ध्वनि, स्पर्श, गन्ध और स्वाद केन्द्रों के क्षेत्र तथा हाथ और पैर सीधे स्वयं चालित मांसपेशियों क्रियाओं के क्षेत्र होते हैं। यही पर सूचनाओं को एकत्रित एवं शोधित करके उच्च क्रियाएं पूरी की जाती हैं।

मस्तिष्क, नसों की सहायता से सूचनाएं प्राप्त करता है और भेजता है। इसमें से अधिकांश सुषुम्ना नाड़ी से जुड़ी होती सुषुम्ना नाड़ी की रक्षा सुषुम्ना स्तंभ द्वारा की जाती है। नसें

सुषुम्ना नाड़ी को शरीर के प्रत्येक भाग तक पहुंचाती हैं और छोड़ती है। इनकी यात्रा भुजाओं, पैरों और धड़ के प्रत्येक भाग तक होती है। ये नसें शरीर के विभिन्न भागों से सूचनाएं लाती हैं और सूचनाओं को मस्तिष्क तक पहुंचाती हैं। इसके बाद सूचनाओं को मांसपेशियों और नाड़ियों द्वारा पूरे शरीर में फैला दिया जाता है।

त्वचा

त्वचा वह बाहरी आवरण है जो शरीर के आन्तरिक भागों की रक्षा करता है। यह शरीर का सबसे अधिक लंबा अंग है। यह बाहरी तत्वों से शरीर की रक्षा तथा अतिरिक्त जल को वाष्प मे परिणित करने में सहायक है। त्वचा की नसे स्पर्शी सूचनाएं प्रदान करती है। त्वचा शरीर के ताप क्रम को 98.6 डिग्री फारेनहाइट (लगभग 36 डिग्री सेल्सियस) रखने में सहायता करती हैं। त्वचा से रक्त बहाव को कम करके तापक्रम को सुरक्षित रखा जाता है या रक्त बहाव को तेज करके त्वचा से स्वेद के वाष्पीकरण द्वारा खर्च करता है। बाल और नाखून त्वचा के गौण अंग है।

दांत

मानव को दो समूहों में दांत आते है। प्रथम समूह के दांत शैशव या बाल्यकाल में उगते हैं। इन दांतों को प्राथमिक, दूध के दांत, अस्थाई और झड़ने वाला दांत कहा जा सकता है। ये दूसरे समूह के दांतों द्वारा हटा दिये जाते हैं। इन्हें द्वितीयक, प्रौढ या स्थाई दांत कहा जाता है।

सभी दांत जबड़े की कोशकीय मुकुलिका से विकसित होते है। अस्थाई और स्थायी दांतों के लिए मुकुलिकाओं का [illegible] शिशु के जन्म के पूर्व ही आरंभ हो जाता है। मुकुलिका [illegible] सबसे पहले किरीट विकसित होता है। यह कठोर और [illegible] से ढका हुआ भाग जो बाद में स्पष्ट हो जाता है। जब किरीट पूरी तरह से विकसित और कठोर हो जाता है, तब जड़े विकसित होने लगती हैं। किरीट के पूर्ण विकसित और जड़ों के दो-तिहाई बनने पर दांत बाहर निकलता है या मसूढे से बाहर निकलता है।

शिशु का प्रथम दांत सामान्यतः 6 से 9 माह की अवस्था में निकलता है। अस्थाई दांत 2 या 3 साल तक 20 की संख्या तक निकल आते हैं। इसमें से 10 ऊपर के जबड़े में और 10 नीचे के जबड़े में होते हैं। इसी समय जबड़ों में स्थाई दांतों के बनने प्रक्रिया आरंभ हो जाती है। जब स्थाई दांत अस्थाई दांतों की जगह लेने लगते है, तब अस्थाई दांत की जड़, जबड़े के ऊतकों द्वारा अन्तर्लीन कर ली जाती है।

मानव मुंह में 32 दांत होते है। स्थाई दांतों में सबसे पहले दिखाई देने वाली प्रथम दाढ़ होती है। इसे छह वर्षीय दाढ़ कहते हैं। अंतिम को तृतीय दाढ़ या बुद्धि दांत कहते हैं।

जब सामान्य मुंह में दांत अच्छी तरह से उग आते है, तब ऊपरी कर्तन दांत थोड़ा नीचे के कर्तन दांतों से बढ़े हुए होते हैं। शेष दांत ऊपर नीचे बराबर होते हैं। ऊपर के दांत नीचे के दांतों के समरूप होते है।

ऊपर नीचे के समरूप दांतों को अवरोधन कहा जाता है। यदि ऊपर और नीचे के दांत ठीक तरह से एक दूसरे का सामना नहीं करते हैं, तब इस दशा को अनावरोधन कहा जाता है। ये चबाने के साथ चेहरे की सुडौलता को भी प्रभावित करते हैं। अस्थि चिकित्सकों और दांत चिकित्सकों को अनावरोधक दांतों को ठीक करने का प्रशिक्षण दिया जाता है। इससे वे दांतों की दिशा को सही दशा में मोड़ देते हैं।

प्रजनन प्रणाली

प्रजनन वह प्रक्रिया है जिससे कोई जीवधारी अपने जैसा प्राणी उत्पन्न करता है। यह प्रकिया या तो अलैंगिक अर्थात कोई जीवधारी जब अकेले अपने जैसा उत्पादन करता है या लैंगिक जिसमें नर और मादा दोनों कोषों की आवश्यकता होती है। अंग, ग्रन्थियां, और अन्य बनावट जो प्रजनन के लिए समर्थ बनाते हैं, उन्हें प्रजनन प्रणाली के नाम से जाना जाता है।

लैंगिक प्रजननः मादा डिंब का नर शुक्र के साथ निषेचन की क्रिया को सामान्यतः लैंगिक प्रजनन कहा जाता है, क्योंकि दो भिन्न व्यक्ति अपने गुण सूत्रों का प्रयोग एक नये जीव के निर्माण के लिए करते हैं जो सामान्यतः उनके माता-पिता के समरूप होते हैं, लेकिन दोनों में से किसी एक की पूर्ण पहचान नहीं होगी। यह प्रजनन मानव जाति को एक अन्तहीन विविधता प्रदान करता है।

मानव प्रजननः पुरुष के बाह्य प्रजनन अंग अंडकोष और शिश्न है। अंडकोश, अंडाशय का स्थान है। शुक्राणुओं का निर्माण अंडाशय में होता है और इन्हें नालिकाकार 'इपिडिमिस' में एकत्रित किया जाता है। यह इपिडिमिस एक पतली लंबी नली से मिलता है। जिसे शुक्रवाहिनी कहते हैं। इसीसे वीर्य या शुक्राणु विस्तृत क्षेत्र में एकत्रित होते हैं, जिसे शुक्राशय कहते हैं। विक्षेपण नली इसे मूत्र मार्ग तक पहुंचाती है। मूत्राशय से एक पतली नली, जिसमें से होकर सामान्यतः मूत्र और वीर्य आता है। शुक्रीय तरल, वीर्य के लिए तरलता प्रदान करता है। मूत्रमार्ग के चारों तरफ बहुत सारी ग्रन्थियां होती है, जिसमें प्रोस्टेट ग्रन्थि और कोपरग्रन्थि है। लिंग या शिश्न मैथुन का अंग है।

स्त्री के बाह्य प्रजनन अंग को सामूहिक रूप से योनि, गर्भाशय, डिम्बवाही नली और अण्डाशय कहा जाता है। योनि का आकार नली जैसा है जो योनि मुख से गर्भाशय तक जाता है। योनि स्त्री का वह अंग है जो सहवास के लिये व गर्भाशय से शिशु के बाहर आने के लिये मार्ग की भूमिका निभाता है। गर्भाशय का आकार उल्टी नाशपाती जैसा होता है। इसकी दीवारें मोटी और मांसपेशिय होती है लेकिन प्रसरणशील होती हैं। इसकी लंबाई 7.5 सेन्टीमीटर और चौडाई 5 सेन्टीमीटर होती है। इसी कक्ष में भ्रूण बढ़ता है। गर्भाशय की ग्रीवा योनि में आकर खुलती है। मुत्राशय के भाग ग्रीवा के ऊपर डिंबवाही नली से जुड़े होते हैं। गर्भाशय के पास प्रत्येक तरफ दो अंडाशय होते हैं। प्रत्येक अंडाशय में लगभग 300,000 अंडे होते हैं, जो भ्रूण विकास के समय बनते हैं।

अंडोत्सर्ग प्रकिया में केवल एक अंडा अंडाशय में छोड़ा जाता है। यह घटना महीने में केवल एक बार घटती है। अंडोत्सर्ग के 24 घंटे के अन्दर यदि मैथुन हो जाता है तब निषेचन क्रिया हो सकती है। पुरुष मात्र 3 मिलीलीटर वीर्य,

स्त्री की योनि में छोड़ता है। वीर्य की इस अति अल्प मात्रा में 200 मिलियन से लेकर 300 मिलियन तक शुक्राणु होते है। ये शुक्राणु, योनि, ग्रीवा और गर्भाशय में अंडाणु से मिलने के लिए तैरते रहते हैं।

मानव रोग

रोग वह दशा है जो शरीर की सामान्य कार्य प्रणाली या किसी भाग को नुकसान पहुंचाता है। प्रत्येक जीवधारी चाहे वे वनस्पति हो पशु हो, दोनों बीमारी के शिकार हो सकते हैं। उदाहरण के लिए मुनष्य प्रायः छोटे बैक्टीरिया से प्रभावित होते है और बैक्टीरिया उनसे छोटे वायरस से प्रभावित हो सकते हैं।

सैकड़ों विभिन्न रोगों का पता चला है कि प्रत्येक के अपने विशिष्ट लक्षण और संकेत हैं। इसके द्वारा चिकित्सक उस समस्या का निदान करने में सहायता लेता है। लक्षण वह बात है जिसकी खोज रोगी खुद कर सकता है, जैसे बुखार, रक्त रिसाव, या दर्द में। संकेत वह है जिसका पता डाक्टर लगा सकता है। प्रत्येक बीमारी का कोई न कोई कारण होता है जबकि कुछ कारणों का अभी पता लगाना शेष है। प्रत्येक बीमारी प्रारंभ होने का चक्र या आरंभिक चक्र या प्रभावी होने का कारण समाप्ति और समाप्त होने पर पीड़ित को या तो अंशतः अयोग्य कर देता है या मार देता है।

स्थानीय बीमारी उसे कहते है जो एक समुदाय के कई लोगों पर एक साथ आक्रमण करती है। जब यह किसी विशेष क्षेत्र में वर्ष दर वर्ष आक्रमण करती है तब उसे स्थानीय बीमारी कहते हैं।

तीक्ष्ण बीमारी बड़ी तेजी से प्रारंभ होती हैं और बहुत कम समय तक चलती हैं। उदाहरण के लिए एक तीक्ष्ण हृदय आघात बिना किसी संकेत के आक्रमण करता है और शीघ्र घातक हो जाता है। पुराने रोग का आरंभ धीरे से होता है। कभी–कभी वर्षों तक बना रहता है। क्रमिक रुप से प्रारंभ होने वाली और लंबी अवधि तक चलने वाली सान्धिवातीय बुखार इसे पुरानी बीमारी बना देते हैं।

रोग के प्रकारः हवा, कफ छींक द्वारा फैलने वाले रोगो को संसर्ग जन्य या संक्रामक रोग कहते हैं। छोटे कीटाणु, बैक्टीरिया और फंगी भी संसर्गजन्य रोगों को उत्पन्न कर सकते हैं। इनके वाहक वायरस छोटे रोगाणु और कीटाणु भी हो सकते हैं। ये प्रभावित मनुष्य में पलते हैं और दूसरे तक फैलते हैं और अंडे देते हैं। कभी–कभी रोग उत्पन्न करने वाले तत्व एक व्यक्ति में बिना लक्षण के भी मिलते है उपगामी वाहक, रोग को किसी व्यक्ति में प्रवेश करा देते है व्यक्ति को इनके प्रवेश की जानकारी ही नहीं हो [illegible] है

कुछ बीमारियां भोजन की अशुद्धता, शरीरिक [illegible] कमी, तान्त्रिका तन्त्र का कमजोर होना भी बीमारी [illegible] हो सकते हैं। कुछ बीमारियां रोगी के सीधे [illegible] कपडों के उपयोग या छूने से उत्पन्न होती हैं. उन्हें [illegible] रोग कहते हैं।

मनोवैज्ञानिक और सामाजिक कारणों [illegible] कमजोरी बढ़ती हैं। कुछ बीमारियां नशे [illegible] जनसंख्या वृद्धि के कारण उत्पन्न होते हैं

इसके बाद हजारों से अधिक जीन से संबंधित जन्मजात कमियां होती हैं। छोटे जीन बहुत से रसायनों के उत्पादन के लिए उत्तरदायी होते हैं, जिसकी आवश्यकता शरीर में होती है। इनका न होना या गलत ढंग से काम करना भयंकर रूप से स्वास्थ को विकृत कर देता है। वंशानुगत कमियों का जो शरीर के रसायन को प्रभावित करते हैं, इन्हें जन्मजात चपापचय संबंधी कमी कहा जाता है। कुछ मानसिक विकलांगता वंशानुगत होती है।

रोगाणु शरीर में कैसे आक्रमण करते हैं: मानव एक ऐसे संसार में निवास करता है, जहां बहुत सारे दूसरे जीवित प्राणी भोजन और जन्म लेने के लिए प्रतिस्पर्धा करते हैं। रोगोत्पादक तत्वों को सामान्यतः रोगाणु कहा जाता है, जो मानव शरीर पर आक्रमण करके बीमारियों के कारण बनते हैं। ये मानव ऊतकों और तरल पदार्थों का अपनी आवश्यकता के लिए उपयोग करते हैं। शरीर की सामान्य सुरक्षात्मक प्रणाली इन आक्रमणकारियों को निकालने का प्रयास करती हैं।

रोगोत्पादक तत्व शरीर मे कई प्रकार से प्रवेश करते है जैसे सामान्य सर्दी से न्यूमोनिया और टी.बी के रोगाणु श्वास में प्रवेश करते हैं। यौन रोग मानव शरीर मे लैंगिक संपर्क से प्रवेश करते है। पेचिश हैजे और टाइफाइड ज्वर के कीटाणु शरीर मे दूषित जल, भोजन या साधनों के प्रयोग से प्रवेश करते हैं।

कीटाणु भी रोगो को फैलाते है। मक्खियां रोगाणुओं को मानव मल या दूसरी बेकार की वस्तुओं से भोजन और [illegible] पेयों तक ले जाती है। रोगाणु, मानव शरीर में, [illegible] जुओं, चीलरो, पिस्सुओं और डंसो के काटने से भी फैलते हैं।

मानव शरीर रोगों से कैसे संघर्ष करता हैः सुरक्षा की [illegible] बात यह है कि स्वस्थ शरीर संक्रमण को रोकने के लिए [illegible] अवरोधक रखते है त्वचा और श्लेषमा झिल्लियां [illegible] पूरी तरह से ढके हुए है जो शरीर को बैक्टीरिया [illegible] संक्रामक रोगों से बचाते हैं। यदि इन भौतिक [illegible] लग जाते है या जल जाते हैं तो संक्रामक [illegible] हो जाते है [illegible] समस्याओं में [illegible] सकते है [illegible] बड़ी समस्याओं में [illegible]

[illegible]

जब श्वासनली में पहुंचते हैं तब दूसरे सुरक्षा करने वाले, आक्रमण के पहले सफाई करने वालों के द्वारा खा लिए जाते हैं और फेफड़े की लासिका ग्रन्थि द्वारा नष्ट कर दिये जाते हैं।

बहुत से उत्पादक आक्रमणकारी, शरीर की 98.6 डिग्री फारेन हाइट या 37 डिग्री सेल्सियस तापक्रम का मुकाबला नहीं कर पाते हैं। वे इस तापक्रम द्वारा नष्ट कर दिये जाते हैं। जब शरीर में उच्च ज्वर का तापक्रम होता है तो ऐसा होता है।

बाहर कान की नली का खूठ और आंख की आंसू की नली भी बैक्टीरिया की वृद्धि को कम करते हैं। पेट में उत्पन्न होने वाली एसिड कुछ निगले गये कीटाणुओं को नष्ट करते हैं।

कुछ श्वेत रक्त कण पीप से भरे फोड़े को घेरकर संक्रमण को फैलने से रोकते हैं। जब तक फोड़ा फूटता नहीं है और उसमें से पीप बाहर नहीं निकलता है, तब तक संक्रमण के फैलने की संभावना रहती है। जब इस प्रकार की घटना होती है तो सर्वप्रथम स्थानीय लसिका ग्रन्थि द्वारा उसे घेर लिया जाता है। उदाहरणार्थ हाथ का संक्रमण भुजाओं तक फैल सकता है, तब कोख में फूली हुई कोमल लसिका ग्रन्थि लाल टिक्के के आकार में उत्पन्न हो जाती है। जब तक संक्रमण नियन्त्रित नहीं हो जाता है यह संकेत रक्त में विष फैलने का परिणाम हो सकता है।

सफाई करने वाले कण या भक्षक कोशिका कम हुए संक्रमण के चारों तरफ स्थित हो जाते हैं। यकृति रक्त को स्वच्छ करने का कार्य करते हैं। दूसरे, इस प्रकार के उच्च खतरनाक क्षेत्रों में श्वासनली की दीवारों और आंतों में से कुछ बैक्टिरिया को हटाते है और छिन्न–भिन्न कर देते हैं।

औषधि रोगों से संघर्ष कैसे करती है: बीसवीं शताब्दी में औषधीय उपचार की खोज से चिकित्सक, जीवदायिनी औषधियों से बीमारियों से लड़ने लगेगें। सल्फा औषधियों के पूर्ववर्ती 1930 में सल्फानिलामाइड का औषधीय उपयोग होने लगा। पहली प्रतिरोधात्मक क्षमतावाली पेन्सिलीन का अधिक उत्पादन 1940 में हुआ, जिसने चिकित्सकों को एक शक्तिशाली साधन प्रदान किया जो संक्रमण से लड़ सके। रोग से लड़ने वाली दवा अपने आप काम नहीं करती है। यह शरीर प्रतिरक्षा प्रणाली में सम्मिलित होकर कार्य करती है। कुछ रोगों के रोकथाम के लिए टीकों को भी खोज कर ली गई है।

मानव जैव विज्ञान

हज़ारों छोट–छोटे और नाजुक अवयवों से बना मानव शरीर सचमुच एक अजीब दुनिया है। इसकी जानकारी पाने में यह शब्दावली सहायक सिद्ध होगी।

शरीर के किसी अंग का लगातार हिलना या होना।

अति कायत्ता: प्रौढ़ावस्था के पहले हाथ–पैर की लंबी हड्डियों की अत्यधिक वृद्धि ।

अति तनाव: असाधारण उच्च रक्तचाप ।

अतिरक्तिमा: त्वचा की असाधारण लालिमा जो त्वचा की कोशिकाओं में रक्त के संग्रह से होती है।

अतिसंवेदनशीलता: अधिकांश व्यक्तियों को प्रभावित न [illegible]

अत्यधिक विद्युत ऊर्जा के निकलने से होनेवाले दौरे के साथ समय-समय पर बेहोशी का होना।
अपाचन: पाचन क्रिया में होनेवाले किसी भी विकार के लिए प्रयुक्त सामान्य शब्द जिसमें उदर विकार, मितली, मुंह में अम्ल का स्वाद और असाधारण डकार शामिल हैं।
अबिंदुकना: आंख की वह बीमारी जिसमें प्रकाश का फोकस ठीक से नहीं पड़ता। नज़र धुंधली या हल्की हो जाती है।
अरक्तता: खून में लाल कोशिकाओं की कमी या खून में आक्सीजनवाहक हीमोग्लोबीन की संख्या में कमी।
अरुण चर्मना: देखिए रुबेला।
अरोमता: गंजेपन का वैज्ञानिक नाम (एलोपेसिया)।
अर्गट रोग: प्रसव के बाद गर्भाशय के संकुचन के लिए प्रयुक्त अर्गाट के अधिक सेवन से होनेवाला रोग।
अर्धवृत्ताकार नालिका: कर्ण मध्य में स्थित संतुलन के अंग।
अवरतापशील: शरीर के ताप को कम करना।
अवटु ग्रंथि (थाइराइड ग्लैंड): कंठ के नीचे वायुनली के दोनों ओर स्थित (थाइराइड ग्लैंड) अंतः स्रावी ग्रंथि।
अलसर: त्वचा या शरीर के आस्तरण विवर की गीली झिल्लियों पर खुला सूजा हुआ घाव।
अस्थिक्षय: दांत या अस्थि की सड़न। दांतों का अस्थिक्षय अत्यंत सामान्य रोग है।

आ

आंख (नेत्र): वस्तुओं के प्रकाश का प्रत्यावर्तन आंखों में प्रवेश करता है और तंत्रियों को उत्तेजित करता है जो मस्तिष्क को सूचना भेजता है। मस्तिष्क उसे दृश्य के रूप में देखता है।
आंत्रशोथ (गैस्ट्रो इन्ट्राइटिस): आमाशय और आंत में सूजन। इसके लक्षण हैं बुखार, दस्त और उल्टी (वमन)।
आइस्ट्रोजेन: स्त्री लैंगिक स्राव (हारमोन) के लिए प्रयुक्त शब्द। आइस्ट्रोजेन ओवरी में उत्पन्न होता है और स्त्री को स्त्रियोचित विशेषताएं प्रदान करता है।
आतप-आघात: सूर्य (धूप) में अधिक देर रहने से शारीरिक तापमान का बढ़ना।
आधारी उपापचयक गति: श्वसन, रक्त-संचार और अन्य आवश्यक रासायनिक क्रियाओं के संपादन के लिए अपेक्षित ऊर्जा के शरीर द्वारा उपभोग करने की दर या गति।
आध्मान: उदर या आंतों में वायु का जमाव।
आनुवंशिक रोग: अपने माता-पिता से प्राप्त जीनों द्वारा होने वाला विकार।
आनुवंशिकता: वह सिद्धान्त जिसके द्वारा किसी व्यक्ति के जन्मजात अभिलक्षण उसकी संतति में संक्रमित होते हैं और इस तरह वंशानुगत होते हैं।
आमाशय: पाचन अंग और भोजन-भंडारण का क्षेत्र।
आस्टियो पैथी: मर्दन (मालिश) द्वारा किया जानेवाला उपचार जो इस सिद्धांत पर आधारित है कि हड्डियों की संरचना में विकार के कारण अस्वस्थता होती है।
आस्ट्रो माइलिटिस: अस्थि-मज्जा की सूजन जो प्रौढ़ों की अपेक्षा बच्चों में ज्यादा प्रभावी होती है। यह जीवाणु से होती है।

इ

इंजेक्शन (सूई): चिकित्सा की प्रक्रिया में जांच अथवा उपचार के हेतु शरीर में द्रव का प्रवेश कराना।
इंटरफेरोन: विषाणुओं के आक्रमण की प्रतिक्रिया में शरीर की कोशिकाओं द्वारा पैदा किया गया प्रोटीन तत्व जिससे विषाणुओं की वृद्धि रुकती है।
इंसुलिन: अग्न्याशय में 'लैंगर हेंस उपद्वीप' नामक कोशिका समूह द्वारा निर्मित हारमोन।
इंसेफ्लाइटिस: एक दर्जन के लगभग विभिन्न प्रकार के विषाणुओं द्वारा उत्पन्न मस्तिष्क की तीव्र सूजन।
इंफारक्शन: सामान्यतया खून के जमाव के कारण रुधिर संचार में रुकावट से होनेवाले ऊतक के किसी अंश का निष्क्रिय होना।
इंफ्लुएंजा: अनेक प्रकार के विषाणुओं द्वारा होनेवाला एक छूत का रोग।
इलेक्ट्रो इन्सीफेलोग्राम (विद्युत मस्तिष्क-लेख): मस्तिष्क की विद्युत क्रिया का अंकन।
इलेक्ट्रो कार्डियोग्राम (विद्युत हृद-लेख): हृदय की विद्युत क्रिया का रेखन जिसे ई.सी.जी. कहते हैं। इसके लिए इलेक्ट्रो कार्डियोग्राफ मशीन का प्रयोग होता है।

उ

उत्सूत्र (पाइल): देखिए हीमारायड (रक्तस्राव)
उदर: वक्ष और श्रोणि प्रदेश के मध्य एक लंबे आकार वाला भाग। इसमें भोजन पचाने के लिए अपेक्षित अवयव (पेट, आंत, तिल्ली, यकृत, पित्ताशय और अग्न्याशय) तथा उत्सर्जन के अंग (गुर्दा, ब्लैडर) होते हैं। स्त्रियों में उदर के अन्तर्गत अंडाशय तथा गर्भाशय दोनों होते हैं।
उपकला: कोशिकाओं का स्तर जो शरीर के बाहरी और भीतरी सतहों को आच्छादित करता है।
उपत्वचा: त्वचा को सुरक्षित रखनेवाला स्तर। इसे एपिडर्मिस भी कहते हैं।
उपापचय: यह शरीर में होनेवाली रासायनिक प्रक्रिया है जिसमें संश्लिष्ट रासायनिक यौगिक तत्व (भोजन) ऊर्जा प्रदान करने के लिए खंडित किया जाता है और सरल रसायन यौगिकों का निर्माण ऊतकों में पहले से मिली ऊर्जा द्वारा किया जाता है। आक्सीजन उपापचय का एक महत्वपूर्ण तत्व है।
उपास्थि: लचीला, सफेद संयोजी ऊतक जो शरीर के जोड़ों को जोड़ती है और कानों, नाक के आगे के हिस्से और कंठ को कठोर बनाती है।
उभयलिंगी: वह व्यक्ति जिसमें नर और नारी दोनों के गुण होते हैं।
उर्वरता औषध: जनन-तंत्र में कुपोषण-जनित अनुर्वरता के उपचार में स्त्री के अंडोत्सर्ग को उत्तजित करने के लिए दिए जाने वाली औषध।

ऊ

ऊतक: मोटे तौर पर समान रूप वाले कोशिकाओं का समूह जिसमें कोशिकाओं के बीच का पदार्थ भी शामिल है।

ऊतकक्षयः किसी अंग के स्थानीय अंश या ऊतक या कोशिका का क्षय।
ऊर्विका (ऊरु-अस्थि): जांघ की हड्डी। शरीर के ऊपरी हिस्से के पूरे भाग को व्यक्ति की जांघ संभालती है।
ऊष्माघातः शरीर के तापमान-नियंत्रण-तंत्र का विकार जिसमें चारों ओर के पर्यावरण से अधिक गर्मी प्राप्त होती है।

ए

एंजाइना पेक्टोरियाः छाती में और कभी-कभी भुजाओं के ऊपरी भागें और गर्दन में वार-वार उठने वाला दर्द।
एंटी वायटिकः फंगस, वैक्टीरिया, फफूंदी अदि से प्राकृतिक रूप से तैयार किए जाने वाले रसायनों का समूह जिनका प्रयोग जीवाण्विक रोगों के उपचार में किया जाता है।
एथेक्सः भेड़ तथा अन्य पशुओं में होनेवाली जीवाणु की वीमारी जो वीमार पशुओं, उनकी लाश, या खाल के संपर्क में आने से मनुष्य को हो जाती है।
एकिलीज कैन्डराः जंघा-पेशी और एड़ी को जोड़नेवाली टखने के पीछे मोटी दिखाई देनेवाली कंडरा।
एक्जिमाः प्रायः फफोलों के साथ होनेवाले लाल दाने जिनमें खुजली, खारिश आदि होती है।
एक्नेः त्वचा की सतह के नीचे स्थित तैल ग्रंथि में सूजन प्रकट होना।
एक्स-किरणः रेडियो तरंग या प्रकाश किरणों की तरह का विकिरण। कोमल ऊतकों में प्रवेश कर फोटोग्राफिक फिल्म में चित्र वनाने में सक्षम।
एडम्स एपलः गर्दन के सामने का उभार जो थाइरायड ग्रंथि से वना हुआ है और जो वाक् यंत्र या कंठ के आगे जुड़ा हुआ है।
डिसीज़ः अंग्रेज चिकित्सक थामस एडिसन (1793-1860) ने एड्रीनल ग्रंथि की इस वीमारी का अध्ययन किया। ग्रंथि का वाहरी हिस्सा अक्सर संक्रमण के वाद हारमोन को वेकार निकालता है और इस तरह आवश्यक हारमोन की कमी हो जाती है।
एडिनाइड (कंठशालक): नाक की नली के नीचे लसीका ऊतक का समूह।
एड्रिनेलाइनः अधिवृक्क ग्रंथि से निकलनेवाला हारमोन।
एन्यूरिज्मः रक्तवाहिनी की परत का असामान्य रूप से कमज़ोर होना।
एपिसियोटामीः प्रसव के समय स्त्री की योनि की ऊपरी मांसपेशी और त्वचा का कटाव।
एफ्रोडिसियाकः काम आवेग को वढ़ाने वाली दवायें।
एमियानः गर्भाशय में भ्रूण से लिपटी पतली झिल्ली।
एलर्जीः किसी चीज से होनेवाली असामान्य संवेदना।
एल्कलाइडः पौधों में प्राकृतिक रूप से होनेवाले रसायनों का समूह जिनका मानव शरीर पर वहुत तरह का और गहरा असर पड़ता है।

औ

औषधिः रोगों के रोक-थाम या उससे वचाव या लक्षणों के छुटकारे में या निदान में सहायता के लिए प्रयुक्त कोई भी रासायनिक यौगिक।
औषधजन्य रोगः किसी रोग के लिए दी गई औषधि से उत्पन्न रोग।

क

कंकालः शरीर को आधार देनेवाला हड्डियों का ढांचा, जो अपने अनेक जोड़ों के रूप में शरीर के स्वैच्छिक मांसपेशियों या अस्थि मज्जा के लिए चैसिस या धारक का काम देता है।
कंठः जीभ के मूल में स्थित स्वरयंत्र।
कंठच्छदः स्वर तंत्री के मुख पर उपस्थि कोशिका का पल्ला।
कंडराः मांसपेशी को अस्थि से मिलानेवाला सुदृढ़ लचीला ऊतक।
कंधा (स्कंध): ह्यूमरेस (अग्रभुजा की हड्डी) और स्केपुला (कंधे की पट्टी) के वीच उलूखल (वाल एंड साकेट) संधि।
कपाल (खोपड़ी): सिर की हड्डी का ढांचा। कपाल या करोटि में मस्तिष्क होता है।
कपाल तंत्रिकाः मस्तिष्क से सीधे और स्वतंत्र रूप से मिलनेवाली 12 जोड़ी स्नायुतंत्रिकाओं में से एक।
कमर-दर्द (लंबागो): कटि-प्रदेश में पीड़ा अथवा पीठ के निचले हिस्से में दर्द।
करमिकाः कलाई और अंगुलियों के वीच के पांच लंवी हड्डियों में से एक।
कर्णमूल प्रवर्धः कान के पीछे शंख की हड्डी का स्तन के आकार में उभार।
कर्णमूल शोथ (मम्पस): प्रायः वच्चों को होने वाली छूत की वीमारी जिसमें लाला ग्रंथि से सूजन आ जाती है।
क्लांतरालः शिशु के कपाल की उपस्थि का वह मुलायम भाग जहां अभी कपाल-अस्थियां जुड़ी नहीं हैं।
कवकी रोग (फंगस रोग): शरीर के ऊतकों में उगने वाले कवकों (फंगस) के द्वारा होनेवाला रोग।
कशेरुकः रीढ़ की 33 हड्डियों में से एक।
कॉट डेथ : शिशु की सोते हुए एकाएक मृत्यु।
कानः सुनने की इंद्रिय होने के साथ-साथ संतुलन के लिए भी अपेक्षित।
कामलाः देखिए पीलिया।
कारबंकलः कीटाणुओं से होनेवाला घाव जो वहुत पीडा देता है और पीप भरा होता है।
कारसिनोमाः देखिए कैंसर।
कार्टिको स्टीरा घड्सः एड्रिनल ग्रंथि के कार्टेक्स द्वारा निःसृत हारमोन।
कार्नियाः नेत्रगोलक के ऊपर की पारदर्शी परत जिससे प्रकाश प्रवेश करता है।
कार्वन मोनाक्साइड-विषाक्तनः मोनाक्साइड गैस के सूंघने से ऊतकों में विष का प्रवेश होता है। यह गैस प्रायः कार से निकलनेवाली धुएं और अच्छी तरह हवादार जगह न होने पर कोयले की आग से पैदा होती है।
कार्वोहाइड्रेटः कार्वन, हाइड्रोजन और आक्सीजन का एक यौगिक रसायन जो भोजन का एक महत्वपूर्ण अंग है।

काला जार: जीवाणुओं द्वारा फैलने वाला रोग। ।

किरीटी (कोरोनरी) हृद्रोग: चक्रीय धमनियों का, जो हृदय की मासपेशियों को रक्त पहुंचाती हैं सिकुड़ना या वंद होना।

किफासिस (कूबड़): रीढ़ की हड्डी का चक्राकार जिसमें पीठ के ऊपरी भाग में कूवड़ वनता है। कूवड़वाला व्यक्ति इसलिए कुवड़ा कहलाता है।

किरेटिन: गंधकधारी प्रोटीन जो त्वचा और वाल के ऊपरी सतह और नाखूनों जैसे शृंग ऊतकों को वनाता है।

किशोरावस्था: यौवनारंभ और पूर्ण यौवन के वीच के जीवन का भाग ।

कीलायड: त्वचा में कठोर, रेशेदार स्कार ऊतकों का गुच्छा।

कुकुर खांसी (हूपिंग कफ): व्रांकियल–नलियां और ऊपरी श्वसन वायुमार्गो पर भयंकर संक्रमण से होनेवाली खांसी।

कुपोषण: प्रा टीन, चर्वी कार्वोहाइड्रेट, विटामिन जैसे तत्वों के भोजन में कमी से होनेवाली अवस्था।

कुशिंग सिंड्रोम: कार्टिजोन और दूसरे एड्रिनल होरमोन से होनेवाले लक्षण।

कुष्ठ रोग: त्वचा, तंत्री, मज्जा और अस्थियों का रोग जो जीवाणुओं से होता है।

कुहनी: हाथ के ऊपरी हड्डी और नीचे की हड्डी का झोलदार जोड़।

केशिका (कैपिलरी): सूक्ष्म झिल्लीवाली रुधिर–वाहिका।

कैंसर: कोशिकाओं की अनियंत्रित असामान्य वृद्धि से होनेवाली वीमारी।

कैलस: कठोर मोटी त्वचा जो प्रायः हाथ या पैर के तलुए में लगातार दवाव से या घर्षण से वन जाती है। इसको छाला भी कहते हैं।

कोमा: गहरी संज्ञाहीन नींद।

कोरी/कोरिया: यांत्रिक मांस–पेशियों की एंठनेवाली गति जो गंभीर हालत में आंखों को चलानेवाली पेशियों को छोड़ वाकी सभी पेशियों को प्रभावित कर सकती है।

कोलेस्ट्राल: खून और शरीर के ऊतकों तथा भोजन में पाया जानेवाला पदार्थ।

क्यू–ज्वर: हल्का संक्रामक रिकट्सी रोग।

क्रमांकुचन: ग्रसिका, आंत, डिंववाहिनी जैसी पेशीनलिका में होनेवाले संकुचन के तरंग का क्रम।

क्रेटीनता: अवरुद्ध विकास की जन्मजात अवस्था।

क्वाड्रिसेप्स (चतुः शिरस्क): ऊरु भाग में चार मांसपेशियों का समूह।

क्वाशियोर कार: अत्यधिक प्रोटीन की कमी से होनेवाला रोग। स्तनपान वंद कर देने के वाद होता है।

ख

खंडतालु: जन्मजात। तालु के दोनों हिस्से एक साथ न वढ़कर मुख में विवर की ऊपरी पर्त को खंडित करते हैं।

खर्राटा: कोमल तालु का कोलाहल पूर्ण स्पंदन।

खसरा: त्वचा–विकार, ज्वर, शीत जैसे लक्षणों वाला छूत का विषाणु रोग।

खांसी: वायु–तंत्री [illegible] वायु, [illegible] नलिका में या वायुतंत्री में किसी रुकावट के कारण होती है।

ग

गतिरोग: मितली या वमन जो गति के कारण होती है।

गलगंड (कंठमाल): थायरायड ग्रंथि की साधारण सूजन।

गर्भ निरोध: गर्भ को रोकना। गर्भ न होने देना।

गर्भपात: गर्भ के पहले 90 दिन के दौरान भ्रूण का गर्भाशय से समय के पहले निकल जाना।

गर्भाशय: स्त्री के श्रोणि प्रदेश में स्थित नाशपाती के आकार का अवयव।

गाउट: शरीर की रासायनिक प्रक्रिया में विकृति आने से यूरिक अम्ल की अत्यधिक मात्रा में उत्पादन से होनेवाला रोग।

गुच्छिका (गैंग्लआन): स्नायु शिराओं को आपस में जोड़ने के लिए काम में आने वाली स्नायु कोशिकाओं का समूह।

गुर्दा: देखिए वृक्क ।

गूंगापन: वाक् असमर्थता।

ग्रंथिल ज्वर: देखिए एक केन्द्र काणुता।

ग्रसनी: मुख के पृष्ठ पर और नासिका–मार्ग के ऊपर का लगभग 11.5 सेंमी (4.5 इंच) लंवा विवर जिसके नीचे ग्रसिका और कंठ है।

ग्रसिका (ग्रासनली): 24 सेमी (10 इंच) लंवी पेशीनली जो गले से उदर तक भोजन ले जाती है।

ग्रीवा : योनि से गर्भाशय तक का भाग।

गैंग्रीन: आमतौर पर खून के न होने पर कोषों में आक्सीजन की कमी से ऊतकों की मृत्यु।

ग्लोकोमा: नेत्र गोलकों में द्रव के दवाव के वढ़ने से होने वाला नेत्ररोग।

ग्लोवुलिन: रक्त का एक घटक जो लंवा संश्लिष्ट प्रोटीन [illegible] है।

ग्रहणी धमनी: छोटी आंत की पहली 25 सेमी [illegible]

घ

घुटना (जानु): पैर में जहां फेयर का निचला [illegible] के ऊपरी सिरे से मिलता है।

घ्राण और स्वाद: भोजन की महक को पाने [illegible] और स्वाद की इन्द्रियां मिलकर काम करती हैं [illegible] ...गों में

च

[illegible] जमने के

चक्कर (वर्टिगो): भयंकर चक्कर [illegible] है कि उसका सिर तेजी से घूम रहा है।

[illegible] यंत्र का एक

चागा रोग: एक प्रकार की सोने की [illegible]

[illegible] : स्वस्थ वनाने

चेचक: अत्यधिक संक्रामक रोग। [illegible] सवसे अधिक मृत्यु का [illegible] संघटन के विश्वव्यापी [illegible] विश्वभर में उन्मूलन हो [illegible]

छ

छता: त्वचा की [illegible]

छाजन (पामा): मुंह और दूसरे अंगों पर सामान्यतया होनेवाला त्वचा रोग।
छाला: त्वचा में द्रव का इकट्ठा होकर बुलबुला बनना। प्राय: यह रगड़ या जलने से होता है।
चिकेन पाक्स: बचपन में प्राय: होनेवाला एक भयंकर संक्रामक रोग।

ज

जड़ता: अधिक शराब पी लेने के बाद का उत्तर प्रभाव।
जत्रुक (कालरबोन): जत्रुक जो स्कंध अस्थि को वक्ष की अस्थि से जोड़ती है और भुजा को सहारा देती है।
जनन ग्रंथि: स्त्रियों में अंडाशय और पुरुषों में वृषण।
जननमूत्र तंत्र: जनन और मूत्र व्यवस्थाएं।
जन्म चिह्न: जन्म के समय बना सूजन या निशान।
जन्मजात विकृति: जन्म के समय रहने वाली विकृति।
जबड़ा: जबड़े के दो हड्डियां है ऊपरवाला मैक्सिला स्थिर है और कपाल का अंग है। नीचेवाला मैंडियुल मैक्सिला से दो समान खूटियों से जुड़ा हुआ है।
जरा दूरदर्शिता: नजदीक की चीजों को देखने में कठिनाई।
जलशीर्ष: जन्म के समय सामान्य संचार के अवरोध के कारण मस्तिष्क की रंध्राओं में जमा प्रमस्तिष्कमेरुद्रव से होनेवाला सिर का असामान्य तौर पर बड़ा होना।
जिह्वा (जीभ): जीभ के ऊपरी सतह पर हजारों स्वादग्रंथि (टेस्ट बड्स) हैं जो तंतु शिराओं से बने हैं और चार तरह के स्वाद–मीठा, खट्टा, नमकीन और कडुआ का पता लगाती है।
जीवाण्विक रोग: हानिकारक जीवाणुओं से होनेवाला रोग
ज्जेजुनम (मध्यात्र): छोटी आंत के बीच का भाग।
जेट लैग: शरीर के चौबीस घंटे की स्वत: निर्मितलय–दैनिस लय का दिन और रात की प्राकृतिक लय के साथ स्थित सामंजस्य में व्यवधान से गड़बड़ी।
: विटामिन–ए की कमी से आंखों का रोग।

झ

झिल्ली: शरीर की पर्त को आवृत्त करनेवाली शरीर के अंगों को अलग–अलग करनेवाली ऊतकों की पतली पर्त।

ट

टांसिल्स: गले के पृष्ठभाग में लसीका ऊतक की दो चपटी ग्रंथियां हैं।
टांसिलाइटिस: टांसिल्स का सूजना।
टाइफस: रिकेट्सी सूक्ष्म जीवाणुओं से होनेवाले संक्रामक रोगों का वर्ग टाइफाइड ज्वर।
टाक्साइड: टाक्सिन जिसका हानिकारक प्रभाव नष्टकर दिए जाने पर भी शरीर में प्रतिरक्षी तत्वों को उत्तेजित करने की क्षमता रखता है।
टाक्सिन: स्टेफिलोकोसी या डिप्थीरिया जैसे जीवाणुओं द्वारा उत्पन्न विषैला पदार्थ।
टाक्सिमिया: रक्त संचार में विद्यमान किसी भी प्रकार के विष के लिए प्रयुक्त किया जानेवाला चिकित्साशास्त्र का शब्द टाक्सिमिया कहलाता है।

टिक: मुख की पेशियों का लगातार संकुचन की संवेदना।
टिनिटस: कानों में लगातार गूंजने वाली आवाज।
टीका लगाना: शरीर में कीटाणुओं का (सामान्यतया इंजेक्शन द्वारा) प्रवेश करा कर छूत के रोग के हलके लक्षणों को उत्पन्न करना और इस प्रकार शरीर को रोग प्रतिरोधी बनाना।
टेकीकार्डिया: हृदयगति का अत्यधिक वेग जो सामान्यतया 100 प्रति मिनट से ऊपर होता है जबकि सामान्य गति 65 से 80 प्रति मिनट है।
टेटनस: ऐच्छिक पेशियों का संकुचन (तनाव) पैदा करनेवाला भयंकर संक्रामक रोग।
टेटनी (अपतानिका): खून में कैल्शियम की कमी से होनेवाला दौरा।
टेपवर्म: आंतों में पलनेवाला परजीवी वर्म।
ट्यूमर: शरीर के अन्दर या बाहर सूजन।
ट्राइकिनासिस: छोटे राउंड वर्म द्वारा उत्पन्न परजीवी रोग।
ट्रामा: व्रण या घाव जो दो तरह के होते हैं। (1) खरोंच जैसे शरीरिक घाव। (2) वेगात्मक आघात जो मस्तिष्क पर गहरा प्रभाव करता है।
ट्रकिया: वायु नली उपस्थियुक्त नली जो कंठ से फैलकर बाएं और दाएं भागों में बंटकर लगभग 23 सेमी लंबी है।

ड

डायरिया: बार–बार और अधिकता से होनेवाला दस्त।
डायाफ्राम: वक्ष और उदर को अलग करनेवाली मांसपेशियां।
डिप्थीरिया: जीवाणु से होनेवाला एक भयंकर संक्रामक रोग।
डैन्ड्रफ (रूसी): बालों में मृत त्वचा के छोटे–छोटे कणों का इकट्ठा होना।
ड्राप्सी (जलशोथ): देखिए ओयडेमा।

त

तंत्री (तंत्रिका): मस्तिष्क और सुषुम्ना तथा शरीर के अन्य भागों में सूक्ष्म विद्युत रासायनिक आवेगों का संचार करनेवाला विशेष कोशों का गुच्छा।
तंत्रिका यंत्र: वातावरण के प्रति शरीर की प्रतिक्रियाओं और अंतरंग कार्य व्यवस्थाओं को संचालित करनेवाली तंत्री–कोशों का तन्तु–जाल।
तंत्रिका शूल (न्यूरालिजिया): तंत्रिका में होनेवाला आवर्ती शूल जो एक स्थान से दूसरे स्थान की ओर बढ़ता अनुभव होता है।
तंत्रिका शोथ (न्यूरिटिस): तंत्रिका या तंत्रिकाओं की सूजन जिसमें दर्द हो भी सकता है, नहीं भी हो सकता है।
तपेदिक: माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरक्लोसिस जीवाणु से होनेवाला छूत का रोग।
तापमान: सामान्य मानव शरीर का तापमान लगभग 37 सें (98.6 फा) है।
तारा: देखिए पुतली।
तालु: मुख की छत जिसका कठोर भाग हड्डियों के विभाजन से बना है और जो मुख और नाक विवरों को अलगाता है।

तिल: त्वचा में रंगीन धव्वा।
तिल्ली: देखिए प्लीहा।
तीव्र ग्राहिता: किसी टीके, कीड़े के दंश, सूई लगाने अथवा दवा विशेष से होने वाली तीव्र प्रतिक्रिया।
तुषार–उपघात: कम तापमान में देर तक रहने से शरीर के खुले भाग की त्वचा और ऊतकों को होनेवाली क्षति।
त्वक् रक्तिमा: त्वचा के सतही वाहिकाओं में खून के दबाव से होनेवाली असाधारण लाली।
त्वक् शोध (डर्मेटाइटिस): त्वचा की सूजन।

थ

थाइमस: हृदय के पास उरोस्थि के नीचे एंडोक्रीन ग्रंथि।
थायराइड ग्रंथि: कंठ के नीचे वायु नली के दोनों ओर स्थित एंडोक्रीन ग्रंथि।
थूक: फेफड़ों और वायु मार्गों में उत्पन्न श्लेष्मा युक्त द्रव्य।
थैलेमस: दो मस्तिष्क अर्धगोलकों के वीच मस्तिष्क में गहरे दो अंडाकार पदार्थों वाले तंत्री ऊतकों का समूह।
थोरैक्स: हृदय, फेफड़े और ग्रसिका को धारण करनेवाला वक्ष विवर।
थ्रश: देखिए मोनिलिएलीज़।
थ्राम्बोसिस: खून के जम जाने से रुधिर वाहिका का अवरोध।

द

दंत (दांत): ऊपरी व निचले जबड़े की हड्डियों से निकलते हैं। इन हड्डियों के मोटे भाग कूपिकाओं से इनको आधार मिलता है।
दमा: खांसी सांस की कमी और सांस के तेज चलने से वारवार होनेवाले आघात की सांस की नली की बीमारी।
दाह, द्रवदाह: आग से अथवा खौलते द्रव से जलने से होने वाली मृत्यु या व्रण।
दिल का दौरा: दिल की मांसपेशी को जानेवाली धमनियों में अवरोध से हृदय को रक्त की आपूर्ति न होने से होता है।
दीर्घदृष्टि: निकट की चीजों को न देख पाना जैसे पढ़ते समय अक्षरों को न देख पाना।
दुग्धस्रवण: स्तनों द्वारा दूध का निकलना।
द्विशिरस्क (बाइसेप्स): एक ही टेंडन के द्वारा दो अलग– अलग मांसपेशियों की शिराओं का काम करनेवाली मांसपेशी।

ध

धमनी: हृदय से शरीर के ऊतकों तक खून ले जानेवाली रक्त वाहिनी। फेफड़ों को खून पहुंचानेवाली प्लुमोनरी धमनी को छोड़ बाकी सब धमनियों में प्रचुर मात्रा में आक्सीजन वाला खून होता है।
धमिनी काठिन्य (आर्टीरियोक्लियो रोसिस): एक लंबी वीमारी जिसमें धीरे–धीरे धमनियां सिकुड़ती जाती हैं और व्यक्ति की आयु के साथ–साथ कम लचीली होती जाती है।

न

नख (नाखून): अंगुलियों और पैर के अंगूठों के सिरों [illegible] ऊपरी सतह पर कांटेदार परतें।
नपुंसकता: पुरुष या स्त्री का प्रजनन योग्य न होना।
नाभिरज्जु: माता के गर्भ में प्लैसेन्टा से भ्रूण को जोड़नेवाली संरचना।
नारकोलेप्पी: आन्तरिक अंगों का नियंत्रण करनेवाले मस्तिष्क के अंग ।
नासिक (नाक): घ्राण का और श्वास प्रणाली के प्रवेश द्वारों में से एक अंग।
निकटदर्शिता (मायोपिया): दूर की चीजों को देखने में कठिनाईवाला दृष्टि दोष।
निद्रा: वह अवस्था जिसमें चेतनमस्तिष्क काम करना बंद कर देता है।
निद्रारोग: उष्णटिबंधीय अफ्रीका में पाये जाने वाला व्यापक रोग। ट्राइपेनोसोम्स नामक सूक्ष्म प्रोटोजुआ पराजीवी से यह रोग फैलता है।
निमोनिया: फेफड़ों की वहुत अधिक सूजन। जीवाणु निमोकास्सी या विषाणु से यह रोग हो सकता है।
निम्न रक्तचाप (हाइपोटेन्शन): यह जरुरी नहीं है कि निम्न रक्तचाप किसी रोग का लक्षण हो क्योंकि वहुत से लोगों को स्वाभाविक रूप से निम्न रक्तचाप रहता है।
नियोथोरैक्स: प्लूराओं के बीच गैस या वायु की छाती में उपस्थिति।
निश्चेतना (एनेस्थेसिया): शरीर के सभी या किसी एक हिस्से में संवेदना का न होना।
नियूमोकोनाइसिस: फेफड़े में रेशों का वनना जो प्रायः श्वास में धूल के लगातार जाने से होती है।
निषेचन औषधि: (उर्वरक औषधि): प्रजनन तंत्र के ठीक से न काम करने पर होने वाले वांझपन को दूर करने के लिए दी जानेवाली औषधि।
निस्टेग्मस: आंखों का लगातार स्वतः चलना।
नील शिशु: शिशु जिसकी त्वचा और ओंठ जन्मजात हृदरोग के कारण नीले पड़ गए हैं।
नेत्रश्लेष्मला: नेत्र गोलक को आच्छादित करनेवाली और पुतलियों को सीधी रखनेवाली गीली झिल्ली।
नेत्रोत्सेध: नेत्र गोलक का आसाधारण रूप से वाहर निकल आना।

प

पक्षाघात (लकवा): शरीर के एक या अनेक [illegible] संवेदन की कमी या क्षति।
पट्टिकाण: रक्त में रंगहीन सूक्ष्म कोशिका जो खून [illegible] समय प्रमुख भूमिका निभाती है।
परानुकंपी तंत्रिका यंत्र: स्वैच्छिक तंत्रिका [illegible] हिस्सा। [illegible] स्थिति के वाद शरीर का पुनः [illegible] के लिए [illegible]
पराश्रव्यलेखन: [illegible]
[illegible]

परिसर्प पसली: त्वचा का सूजन और उस पर फफोला पड़ना। छाती के ढांचे को बनानेवाली मुड़ी हुई हड्डियों में से एक।

पाइलेटिक स्टेनसिस: जठर निर्गम की रुकावट पाचन नली में भोजन का तरल तत्वों में विभक्त होना जिससे वह रक्त-धारा में घुल सके और ऊर्जा ऊतकों की मरम्मत तथा विकास के लिए प्रयुक्त हो सके।

पाद (पद): 100 से अधिक स्नायुओं से जुड़ी हुई 26 अस्थियां और 3 संधियां पाद में होती हैं।

पारकिन्सनिज्म: ऐच्छिक गति को नियंत्रित करनेवाले मस्तिष्क भाग को प्रभावित करनेवाला रोग।

पित्त: वसा के पाचन में उपयोगी पीले हरे रंग का कडुवा द्रव। यह आंतों में जठर के अम्ल को प्रभावहीन बनाने में मदद करता है।

पित्ताशय: नाशपाती के आकार का भंडारण (7.5 से.मी. से 10 से.मी.) जिसमें यकृत द्वारा निःसृत पित्त इकट्ठा होता रहता है और पित्त नली से आंतों में जाता है।

पीयूष ग्रंथि (पिट्यूटर ग्रंथि): मस्तिष्क के निचले भाग से जुड़ी एक छोटी ग्रंथि।

पीलिया: खून में पित्त के लंग कारक तत्व के कारण शरीर की त्वचा और आंखों की सफेदी का पीला होना।

पुटक: शरीर के अनेक भागों में पाया जानेवाला सूक्ष्म छिद्र।

पुतली (कनीनिका): आंख की परितारिका के केन्द्र का बिंदु, जो आंखों में प्रकाश के प्रवेश की मात्रा को नियंत्रित करता है।

पबर्टी (यौवनारंभ): यौवनारंभ काल।

पूतिजीवरक्तता: एक गंभीर अवस्था। इसे खून का विषाक्त होना भी कहते हैं। इसमें जीवाणु या अन्य कीटाणु खून में कई गुना हो जाते हैं और पूरे शरीर में फैल जाते हैं।

पेरिटोनियम: उदर, आंत और अन्य उदर अंगों के विवर आच्छादित करनेवाली झिल्ली।

: शरीर के संचालन के लिए आवश्यक ऊतक। शरीर लगभग 650 पेशियां हैं जो तीन तरह की हैं — कंकाल-संबंधी, अंतरंग और हृद्।

पेशी दुष्पोषण: पेशी को कमजोर बनानेवाला रोग, प्रायः संचालन को नियंत्रित करनेवाली पेशियां इसका शिकार होती हैं। इसे परंपरागत माना जाता है।

पैच टेस्ट: एक परीक्षण जिसमें किसी द्रव्य को शरीर का त्वचा के पास रखकर या अंतःक्षेपण द्वारा प्रवेश कराकर देखा जाता है कि क्या यह व्यक्ति इस द्रव्य के प्रति संवेदनशील है।

पैराथाइराइड ग्रंथि (परावटु ग्रंथि): शरीर में कैल्शियम और फासफोरस को नियंत्रित करनेवाली एक हारमोन ग्रंथि।

पोलाग्रा: विटामिन-बी के निकोटनिक अम्ल और प्रोटीन की कमी से उत्पन्न पोषण संबंधी रोग।

पोलिपस: नाक, ब्लैडर, गर्भाशय, आंत जैसे अंगों की झिल्लियों से निकलनेवाला ट्यूमर।

पोलियोमाइलिटिस: तंत्री यंत्र का भयंकर विषाणु-संक्रमण जिससे प्रायः पक्षाघात हो जाता है।

प्यूपेरल बुखार: प्रसव से बाद स्त्रियों में अक्सर होनेवाला उपद्रव।

प्रधान: रक्त संचार यंत्र के बेकार होने से प्रधान के लक्षण प्रकट होते हैं। इनके समूह को प्रधान कहते हैं।

प्रतिआविष (एंटिटाक्सन): एक प्रकार का प्रतिरक्षी जो जहर में घुलकर जहर के असर को बेकार कर देता है।

प्रतिजैविक (एंटिबायटिक्स): जीवाणु से होनेवाले रोगों के उपचार में अधिकतर काम में लाए जानेवाले रसायन जो फंगस जीवाणुओं तथा फफूंदी से उत्पन्न होता है।

प्रतिरक्षी (एंटिबाडी): रोग से आक्रान्त होने पर शरीर के दो प्रमुख तत्व जो सक्रिय होते है। रुधिर सौरभ में पाए जानेवाले ग्लोबीन या प्रोटीन गामा का रूप प्रतिरक्षी है। बाहरी तत्व (जिसे प्रतिजन (एंटिजेन) कहते हैं जो सामान्यतया प्रोटीन है) जैसे जीवाणु या कोई बाहरी रक्त कोष से रक्षा करने के लिए ये तत्व (प्रतिरक्षी) पैदा होते हैं।

प्रतिरक्षीकरण: स्वस्थ शरीर में किसी संक्रामक रोग से प्रतिरक्षा के लिए उपयुक्त पदार्थ, प्रायः रोग के हल्के रूप का कृत्रिम उद्दीपन।

प्रतिरोपण शल्यक्रिया: अस्वस्थ अंगों या ऊतकों के स्थान पर स्वस्थ अंगों या ऊतकों का प्रतिस्थापन।

प्रतिवर्त: किसी उत्तेजना के प्रति शरीर की स्वाभाविक प्रतिक्रिया।

प्रतिहिस्टामिन: किसी ऐलर्जी के लक्षण का उपचार करने के लिए दवा।

प्रपदिका: अंगूठे को एड़ी की हड्डियों से मिलानेवाली पांच लंबी हड्डियों में से एक।

प्रपुटी: दाब या घर्षण से शरीर के किसी भाग में बने द्रव भरे छोटे कोष्ठ।

प्रमस्तिष्क: मस्तिष्क के दाएं-बाएं दो समान गोलार्ध।

प्रमस्तिष्क आघात: मस्तिष्क के अन्दर रुधिर वाहिका के फट जाने से रक्तस्राव।

प्रलाप: भयंकर मानसिक अस्थिरता।

पियापिज्म: शिश्न का कष्टप्रद उत्तेजन को पियापिज्म कहते है। यदि यह लगातार हो तो शिश्न के लचीले ऊतक में थाम्बसिस हो जाता है।

प्रोटीन: प्रत्येक जीवित कोशिका में वर्तमान संश्लिष्ट रासायनिक यौगिक।

प्रौलेप्स: अपनी सामान्य अवस्था से किसी अंग का हट जाना।

प्रोस्टेट ग्रंथि: पुरुषों में मूत्रमार्ग और आमाशय (ब्लैडर नेक) के सिरे के चारों ओर स्थित ग्रंथि।

प्रोस्टाग्लैंडिस: शरीर में प्राकृतिक रूप से उत्पन्न पदार्थ जो तंत्रीयंत्र और अंडकोशों में रक्तसंचार और अनेक हारमोन के कार्यों को प्रभावित करता है।

प्लाज्मा: खून का द्रव तत्व जो उसके आयतन का 55 प्रतिशत होता है।

प्लूरा: वक्ष विवर के अंदर के भाग को और प्रत्येक फेफड़े के बाहरी भाग को आच्छादित करनेवाली गीली दोहरी झिल्ली।

प्लूरसी: प्लूरा का सूजन। प्रायः निमोनिया का विकृत रूप।

प्लेग: बहुत अधिक मृत्युदर वाली छूत की बीमारी।

प्लेसि बो: एक निष्क्रिय हानि रहित द्रव्य जिसे रोगी के उपचार की इच्छा को संतुष्ट करने के लिए दिया जाता है

फ

फ्लोराइड: फ्लोराइन और पोटेशियम अथवा सोडियम रसायनों का यौगिक।
फाइलेरिया: फाइलेरी कीटाणु या सूत्रकृमियों से होनेवाली उष्णकटिबंधीय बीमारी।
फेनिलकोटीनयेह: शरीर के उपापचय में जन्मजात विकार जिससे मानसिक दक्षता बाधित हो सकती है।
फैलोपियन ट्यूब: नारी उदर के प्रत्येक भाग में एक-एक स्थित दो पेशी नलियां जो अंडाशय से अंडों को गर्भाशय तक ले जाती है।
फेफड़ा: श्वासनलिका से जुड़े दो फेफड़े।
फिस्टुला: दो अवयवों को जोड़नेवाला असामान्य मार्ग।
फोड़ा: त्वचा पर एक मुलायम, पीवभरा उबाल जो जीवाणु सामान्यतया स्टेफिलोकाकस कीटाणु के संक्रमण के हुआ है।

ब

बंक: दर्द और ऐंठन की हालत जब कोई व्यक्ति एकाएक अधिक दबाववाले क्षेत्र से कम दबाववाले क्षेत्र में आता है।
बधिरता: दो तरह की बधिरता। चालकीय बधिरता और तंत्री बधिरता। पहले में बधिरता कान के ध्वनि-मार्ग में होनेवाली किसी खराबी से होती है तो दूसरे में श्रवण तंत्रिका को आघात पहुंचने पर होती है।
बनियान (गोखरू): पैर के अंगूठे की एक दर्दनाक विकृति।
बेरी-बेरी: भोजन में विटामिन बी की कमी से बीमारी।
बाटुलिनम: एक प्रकार विषाक्त भोजन से होनेवाला रोग जो कीटाणु से उत्पन्न टाक्सिन (विष) से होता है।
ब्रूसेलोसिस: पशुओं को ब्रूसेला नाम के जीवाणु से होनेवाला एक सामान्य रोग जो रोगी पशु के दूध पीने से या रोगी पशु अथवा उसकी लाश के संपर्क में आने से मनुष्य को होता है।
बृहदंत्र (कोलन): लगभग 1.5 मी. (4 फु. 6 इंच) लंबा पेशी-नलीवाले पाचन-क्षेत्र का निचला हिस्सा।
बौनापन: बहुत अधिक मंद या अपरुद्ध विकास की अवस्था।
बुखार: शरीर के तापमान में असाधारण वृद्धि।

भ

भक्षकाणु: कोशिका जो सूक्ष्म जीवाणुओं, अन्य [illegible] अथवा बाहरी तत्वों को निगल जाती है।
भग: स्त्री का वाह्य प्रजनन अंग।
भगशेफ: भग (वल्वा) के ऊपरी भाग में [illegible] संवेदनशील ऊतक का छोटा पिंड।
भुजा: कंधे से लेकर कुहनी तक का [illegible]
भौतिक चिकित्सा: व्यायाम, गरमाहट [illegible] शारीरिक आघात या विकार का [illegible]
भ्रूण (गर्भ): गर्भाधारण के बाद [illegible] विकास।

म

मंगोलिज्म (डाउन सिन्ड्रोम): जन्मजात विकार जिस[illegible] शिशु मानसिक रूप से पिछड़ा, तिरछी आंखें, चौड़ी किन्[illegible] छोटा चेहरा, कमजोर मांसपेशियां और ठूंठ जैसी अंगुलियोंवाल[illegible] होता है।
मणिबंध: कलाई की आठ छोटी हड्डियों का वर्ग।
मधुमेह: शरीर का शर्करा को ऊर्जा-स्रोत के रूप [illegible] उपयोग न कर पाने की बीमारी।
मनोभ्रंश: मानसिक योग्यता की आंशिक या पूर्ण क्षति।
मलेरिया: जाड़े के साथ बुखार का रोग।
मल्टिपुल स्केलेरासिस: समशीतोष्ण प्रदेशों में रहनेवाले युवकों में होनेवाला विकार जिसमें मस्तिष्क और सुषुम्ना की तंत्रियों के आस्तर विकृत हो जाते हैं।
मवाद (पस): क्षत ऊतक और भक्षकाणु के अवशेष और रुधिर सीरम से बना गाढ़ा पीला द्रवा जो जीवाणु के आक्रमण से शरीर के प्रतिरक्षण के लिए बनता है।
मसूड़ाशोथ: मसूड़ों का सूजना।
मस्तिष्क: स्नायुतंत्र का केन्द्र और शरीर की सभी चेतन अचेतन क्रियाओं का संयोजक।
मस्सा, मासांकुर: त्वचा पर विषाणु से बना छोटा-सा उभार।
महाधमनी: शरीर की सबसे बड़ी धमनी। हृदय के बाएं फेफड़े से आक्सीजन मिश्रित खून को ले जाती है और शरीर के अनेक भागों में पहुंचाती है
महाशिरा: हृदय के [illegible] आलिंद (आरिकिल) को रक्त पहुंचानेवाली प्रमुख [illegible]
माइग्रेन: बार-बार [illegible] सिरदर्द जो दर्द की मात्रा, अवधि और [illegible] में बदलता रहता है।
माइस्थेनिया ग्रेविस: [illegible] को जानेवाले [illegible] के बाधित होने से [illegible] विकार।
मासिक धर्म: [illegible] प्राकृतिक रूप से [illegible] रूप में [illegible] स्राव।
[illegible]

जो लगभग 45 से.मी. है और जो मस्तिष्क से लेकर सात ग्रैवेय (सर्विकल) और 12 वक्षीय (थोरासिक) कशेरुकों से होते हुए प्रथम कटि कशेरुक तक व्याप्त है।

मेलानिन: त्वचा, आंखों की परितारिका, बाल जैसे शारीरिक के अंगों को रंग देनेवाला स्वभाविक गहरा रंग कराक तत्व।

मोच (क्रैम्प): मांसपेशियों का दर्दभरा खिंचाव।

मोनिलियासिस: फंगस द्वारा होनेवाल संक्रमण। खमीर जैसा कवक (कैंडिडा एलिबकन्स) बहुतायत से मिलता है।

मोनोन्यूक्लीयासिस: इसे ग्रंथि रोग भी कहते हैं। संभवत: विषाणुओं से होनेवाला एक संक्रामक रोग।

मोटापा (स्थूलता): शरीर में चर्बी की अधिकता से होनेवाले अतिभार के कारण उत्पन्न अवस्था।

य

यकृत: उदर के ऊपरी दायें भाग में स्थित शरीर की ग्रंथि।

यकृत् शोथ: यकृत की सूजन।

यकृत सिरोसिस: यकृत बीमारी जिसमें कोशिकाएं धीरे-धीरे नष्ट हो जाती है।

याज: स्पाइऐकेटी जीवाणु से होनेवाला रोग।

यूरीमिया: गुर्दे से छनकर उत्सर्ग पदार्थ जोकि सामान्यता मूत्र के साथ निकल जाते हैं की उपस्थित से रक्त का विषाक्त होना।

येलो फीवर (पीत ज्वर): अफ्रीका और दक्षिण अमरीका के जंगलों में पाये जाने वाले मच्छरों से फैलनेवाला विषाणु रोग।

योनि: मांसपेशी मार्ग जो श्लेषमा झिल्ली से बना है। 10-12 सेमी (4-5 इंच) लंबा यह वल्वा या स्त्री के बाह्य जनन अंग से लेकर गर्भ-मुख तक फैला है।

योनिच्छद: योनि के प्रवेश पर ग्रंथि।

र

रंजक हीन जीव (अल्बिनो): त्वचा, बाल और आंखों में श्याम वर्ण की कमीवाला व्यक्ति।

रक्त रुधिर: शरीर की यातायात व्यवस्था।

रक्तदाब: जब धमनी की पर्तों पर खून का दबाव पड़ता है तब रक्तदाब अनुभव होता है।

रक्तस्राव: रक्तवाहिनी से खून का निकलना। यदि रक्तस्राव अधिक होता है याने एक प्रौढ़ व्यक्ति के शरीर से एक लीटर (2 पिंट) खून से ज्यादा रक्तस्राव होता है तो वह उस व्यक्ति के लिए जानलेवा हो सकता है।

रक्ताघात: सामान्यत: स्ट्रोक (आघात) कहा जाता है। मस्तिष्क की रक्त कोशिका के पर्त के फट जाने से अथवा खून के जमाव से मस्तिष्क में रक्त-संचार में बाधा होने से हो जाता है।

रक्ताणु: लाल रुधिर कोष ।

रक्तदान: एक व्यक्ति (दाता) के खून का दूसरे के संचार व्यवस्था के अन्दर प्रवेश कराना।

रजोनिवृत्ति: स्त्रियों की मासिक धर्म की अनियमितता और उसके बंद हो जाने से जीवन शैली में उत्पन्न परिवर्तन।

रतिरोग: लैंगिक संबंधों से उत्पन्न रोग।

राइनाइटिस: नाक के श्लेषमा झिल्ली का सूजन जिससे नाक बहने लगती है।

रिंग वर्म (टाइनिया): त्वचा का अत्यधिक संक्रामक कवक संक्रमण।

रिकेट्स: भोजन में विटामिन डी की कमी से और त्वचा में विटामिन बनाने योग्य सूर्य के प्रकाश के न मिलने के कारण बच्चों की हड्डियों का मुलायम हो जाना।

रिकेट्सी रोगी: छोटे आकार के सूक्ष्म जीवाणुओं से होनेवाला रोग।

रुमेटायड आर्थोइटिस: देखिए संधिशोथ।

रुमैटिज्म: विकार जिसमें जोड़ों, हड्डियों और उनसे संबद्ध ऊतकों में दर्द होता है।

रुमेटी ज्वर: स्ट्रेप्टाकांकस जीवाणुओं से उत्पन्न टाक्सिन (विष) के कारण होनेवाला रोग।

रेटिना: आंख के पृष्ठ में प्रकाश-संवेदनशील क्षेत्र।

रेडियस (बहिप्रकोष्ठिका): भुजा के अग्र भाग की दो हड्डियों में छोटी हड्डी जो अंगूठे की ओर स्थित है।

रेनाड्स डिसीज: हाथ और पैर को प्रभावित करनेवाला धमनियों का रोग जिसमें अस्थायी तौर पर रक्तसंचार रुक जाता है जिससे अंग दर्द के साथ-साथ सुन्न हो जाता है। इस रोग का उल्लेख सबसे पहले मारिस रेनाडने (1834-81) जो फ्रांस के थे, किया था।

रेसस (आर. एच.) कारक: बहुत से लोगों में लाल रक्तकोश की सतह पर विद्यमान संश्लिष्ठ तत्व। आर-एच कारक वाले व्यक्तियों को आर एच पोजिटिव और इसके न रहने पर आर एच निगेटिव कहा जाता है।

रैबीज (अलर्क): विषाणु से होनेवाला केन्द्रीय तंत्री यंत्र का संक्रामक घातक रोग।

रेश: प्राय: अनेक छोटे-छोटे बल्वों वाले त्वचा के लाल भाग जो अस्थायी उभार हैं।

रोगनिरोध: रोग के उपचार के स्थान पर रोकथाम के लिए औषधि का प्रयोग।

रोगाणु: रोग पैदा करनेवाले किसी भी सूक्ष्म जीवाणु के लिए वैज्ञानिक नाम।

रोजेसी: मुख को विकृत करनेवाला त्वचारोग जिस कारण का अभी पता नहीं चल सका है।

ल

लसीका: लसीका वाहिका में संचरण करनेवाला अ ऊतकों में उत्पन्न पारदर्शक पीला द्रव।

लसीकाणु: श्वेत रक्तकोष अथवा रुकोसाइट का एक रू

लार: तीन लाला ग्रंथियों (गाल में पेरोटिड ग्रंथि जीभ के नी का ग्रंथि और जबड़े के नीचे की ग्रंथि) से निकलनेवा श्लेष्मायुक्त द्रव।

लिंग हारमोन: किशोरावस्था में लैंगिक गौण विशेषता

लैंगिक प्रजनन: सृष्टि की निरंतरता।

ल्यूकेमिया: एक रोग जिसमें खून बनानेवाले अंग श्वे रक्तकोशों की मात्रा में अधिकता पैदा करते हैं। ये को विकास के आदिचरण में ही होते हैं।

व

ंध्यता: सामान्य तौर पर वच्चे पैदा न कर सकने की क्षमता।

क्ष: शरीर में गर्दन और उदर के वीच का भाग।

वसा (चर्वी): एक आवश्यक भोजन या तो संतृप्त रूप में पशु से गर्भ से लेकर असंतृप्त रूप में वनस्पति से मिलता है।

वाइरस रोग (विषाणु रोग): वहुत सूक्ष्म जीवों के द्वारा होनेवाले रोग।

वातस्फीतिः प्रौढ़ावस्था या वृद्धावस्था का एक रोग जिसमें फेफड़ों के वायु–कोष वढ़ जाते हैं।

वाहिकारोधः रक्तवाहिका का शरीर में प्रविष्ट किसी पदार्थ द्वारा अनुरोध।

विकिरण रोगः गामा किरण, नाभिकीय विकिरण अथवा एक्स किरण जैसे उच्च ऊर्जा विकिरण में अधिक रहने से शरीर पर होनेवाला प्रभाव।

विक्षतः ऊतकों की असामान्य अवस्था जैसे घाव, व्रण, अल्सर, ट्यूमर आदि।

विक्षेपः शरीर के एक अंग से दूसरे अंग में रोग का फैलना।

विटामिनः असंवद्ध रासायनिक तत्वों का एक वर्ग जो शरीर की रसायनिक प्रक्रियाओं के लिए सूक्ष्म रूप में आवश्यक हैं।

विद्रधिः शरीर के ऊतक (टिशू) में दर्द भरा सूजन जो साधारणतया हानिकारक जीवाणुओं के आक्रमण के कारण होता है।

विपुटीशोधः वड़ी आंत में या कोलन में होने वाली विकृति जिससे पेशियों की परत से अन्दर की थैली वाहर निकल जाती है।

विषाक्तनः अल्प मात्रा में विष का शरीर के लिए हानिकारक न होना।।

विष्ठ (मल): भोजन का अवशेष जो आंतड़ियों से वाहर निकलता है।

वृक्क(गुर्दा): खून से वेकार के तत्वों को अलग करनेवाला अग।

वृद्धिः गर्भ से लेकर शरीरिक परिपक्वता तक होनेवाले विकास की प्रक्रिया।

वृषणः वृषणकोष में स्थित दो पुरुष लैंगिक ग्रथिया।

श

शल्य–चिकित्साः निश्चेतना–इथर का प्रयोग कर विकार, व्रण या रोग का शल्य (आपरेशन)।

शशक ओठः ऊपर के ओंठ की जन्मजात विकृति। जन्म के पहले चेहरे के दोनों ओर का मिल न पाने से उत्पन्न विकृति।

शिराः शरीर के सभी भागों से हृदय को रक्त पहुंचाने वाली रुधिरवाहिका।

शिरा–शोथः शिराओं में रुधिरवाहिका की थ्राम्बासिस के साथ–साथ प्रायः होनेवाली सूजन।

शिरोवेदनाः मस्तिष्क स्वयं ये वेदना की अनुभूति नहीं करता लेकिन मस्तिष्क की रक्त वाहिकाओं को जानेवाली स्नायु काटकर संवेदना पैदाकर सकती हैं और कपाल के अन्दर के परिवर्तनों से होनेवाले दवाव के प्रति वहुत अधिक संवेदनशील होती है।

शिश्नः पुरुष जननेंद्रिय [illegible]

शीत शल्य चिकित्साः [illegible] जाता है।

शुक्र (वीर्य): शिश्न से [illegible] सफेद द्रव।

शुक्रवाहकः वृषण से मूत्रमार्ग [illegible] नली।

शुक्राणुः पुरुष जनन कोशिका [illegible] वैज्ञानिक नाम।

शोथः व्रण, जलन अथवा संक्रमण के प्रति [illegible] प्रतिक्रिया।

श्लेष्माः घना तरल द्रव जो श्लेष्मक झिल्लियों को तरल वनाती है।

श्वेताणुः श्वेत रक्त कोशिका जिसका काम खून में आए जीवाणुओं समेत वाहरी तत्वों पर आक्रमण करना और उन्हें जीर्ण करना है।

श्वसनी शोथः श्वसनी का जो श्वासनली से [illegible] तक जानेवाली नली है में सूजन।

श्वसनः सास लना या छोडना। फेफड़ों मे वायु के आने और निकलने की क्रिया है। इस क्रिया मे [illegible] है और हवा म कार्वन डाइआक्साइड [illegible] है।

शूलः उदर म नलिया म हानेवाले मरोड़ से [illegible] रुक–रुक कर हानवाला भयकर दर्द।

स

संकोचनः किसी नली, वाहिका या अग के मुख का सिकुड़ना।

संतुलनः अपने परिवेश के सदर्भ मे शरीर का [illegible] और प्रत्यक्षीकरण।

संधिशोथ (आर्थराइटिस): जोड़ों का सूजन जो गठिया कहलाता है। यह अनेक रोगो का सूचक है।

संयोजी ऊतकः शरीर के अवयवों के [illegible] को सहारा देनेवाले रेशेदार ऊतक।

संविदारणः किसी अग या ऊतक का फटना या टूटना।

सपोजिटरीः कोको वटर या ग्लिसरीन का छोटा [illegible] जो मलाशय या योनि मे डाला जाता है।

सर्दी–जुकामः श्वास की विशेषकर गले और [illegible] संक्रामक बीमारी जो अनेक पकार के विषाणुओं [illegible]

सर्वव्यापी (पैंडमिक) रोगः संक्रामक रोग। [illegible]

सल्फेनोमाइडः औषधि वर्ग जो 1930 में [illegible]

सबसे बड़ी दो तंत्रिकाएं हैं जो मेरुदंड से लेकर पाद तक फैली हुई हैं।

साइमेटेडी: पेप्टिक अल्सर के लिए अमरीका में हाल में बनाई गई दवा।

सार्कोमा: मांसपेशी, उपस्थि अथवा हड्डी जैसे संयोजक ऊतकों की अस्वस्थ वृद्धि या कैंसर ।

साल्मनेलता: साल्मनेल जीवाणुओं द्वारा होनेवाला विषाक्त भोजन का एक रूप।

सिफलिस: अति भयंकर रतिरोग जो सर्पिल आकार के जीवाणु से होता है।

सिस्टाइटिस: मूत्राशय का सूजन जिससे बारबार पेशाब करने की इच्छा और पेशाब करते समय जलन होती है।

सिस्टाल (प्रकुंचन): हृदय का लयात्मक संकुचन जिससे रक्त संचार तंत्र में खून पंप किया जाता है।

सीरम: खून के जमने के बाद खून में रहनेवाला पीला द्रव।

सीसा विषक्तता: सीसे से बने पेंट (रंग), अनेकों औद्योगिक प्रक्रियाओं और मोटरकार के धुओं से होनेवाली विषाक्तता सीसा विषाक्तता के स्रोतों में प्रमुख हैं।

सेंट एंथोनी की आग: त्वचा की जली हालत का एक प्रचलित नाम जिसे पहले विरुप समझते थे, यह अर्गटरोग से संबंधित है।

सोरियासिस: आम तौर पर हल्का, लेकिन लगातार रहनेवाला त्वचा रोग जो अपनी भीषणता की मात्रा में घटता–बढ़ता रहता है।

सौर केन्द्रण (सोलार प्लेक्सस): ऊपरी उदर में तंत्रिका–संधियों के जमघट को सूचित करनेवाला शब्द। ये अनुकंपी तंत्रिका के अंग हैं।

सौर दाह: सूर्य के विकिरण से उत्पन्न त्वचा का जलन।

: भोजन में विटामिन–सी (एस्कार्बिक अम्ल की कमी के कारण होनेवाला हीनताजन्य रोग)।

स्कारटम : शिश्न के नीचे लटकनेवाली थैली।

स्कारलेट फीवर: बच्चों की एक छूत की बीमारी।

स्कालियोसिस: मेरुदंड की दोनों ओर की वक्राकृति।

स्केपुला: स्कंधों के पृष्ठभाग पर स्थित त्रिकोणात्मक चपटी हड्डी जिसे आम तौर पर कंधे की पट्टी कहते हैं।

स्कैबीज़: सर्कोप्टीस स्कैबी नामक कुटकी के कारण होनेवाला अत्यधिक संक्रामक त्वचा रोग।

स्खलित चक्रिका: मेरुदंड की हड्डियां (कशेरुकी) अंतराकशेरुक बिंब (जो कुल 23 हैं) नाम के मृदु केन्द्रवाले उपस्थियों के वलय में अलग–अलग की गई है और ये गद्दों की तरह मेरुदंड की हड्डियों के लिए काम करती हैं। अंतराकशेरुक बिंब के खिसक जाने को स्खलित चक्रिका कहते हैं। इससे कमर–दर्द होता है।

स्टाई: पलकों की सूजन जो अश्रुग्रंथियों संक्रमण से होता है।

स्टेरायड: समान रासायनिक संरचनावाले प्राकृतिक पदार्थों के समूह का नाम।

स्ट्रबिसमस: दोनों आंखों से एक साथ एक ही वस्तु पर केंद्रित न कर पाने की अवस्था।

स्ट्रोक: धमनी–अवरोध के कारण होनेवाला मस्तिष्क का आघात।

स्तन: स्त्री–जाति का दूध उत्पन करने अंग।

स्थानिक (इंडेमिक) रोग: क्षेत्र–विशेष या जन–सं विशेष में फैला रोग।

स्नायु: रेशेदार ऊतकों का समूह जो हड्डियों अ उपास्थियों को जोड़ते हैं।

स्पंदन: हृदय का संकुचन (सिस्टाल) और स्फुरण (डावस्ट के दो भागों वाला आवेग जो धमनियों में प्रवाहित है।

स्पाइना बाइफाइडा: एक जन्मजात विकार जिसमें मेरु सी हड्डियों का विकास ठीक से नहीं होता । इससे मेरु जो शरीर का प्रमुख तन्तु है – ठीक से सुरक्षित नहीं हो

स्प्रूस: छोटी आंत की भयंकर बीमारी। इससे छोटी शरीर चर्बी और कुछ विटामिनों को ठीक से पचा नहीं पा

स्फिंक्टर: किसी अवयव के निकास अथवा प्रवेश सामान्यतया स्थित पेशियों के रेशों का वृत्त।

स्फीतशिरा: प्राय: पैरों में होनेवाला त्वचा सतह पर कोशिकाओं में उभार और गांठ।

स्वांतर्गहरण: शरीर की आंतरिक क्रियाओं और अंगों स्थिति–गतियों को अनुभव करने की क्षमता।

स्वापक (नारकोटिक): सुषुप्ति पैदा करनेवाली, पीड़ा करनेवाली और स्वस्थ अनुभव करानेवाली दवा।

स्वेदन (पसीना): स्वेदन–ग्रंथियों द्वारा निकाला जाने द्रव जो 99 प्रतिशत पानी है।

ह

हरनिया: किसी अवयव की मांसपेशी, दूसरे आच्छा करनेवाले ऊतक कमजोर हो जाते हैं और अंग विशेष एक हिस्सा फूल जाता है।

हाइपोकोन्ड्रिया: स्वास्थ्य के संबंध में रुग्ण चिंता किसी स्पष्ट शारीरिक कारण के अनेक प्रकार के ल के साथ यह चिंता आती है।

हाजकिन्स रोग: लसीका पर्व, अस्थि–मज्जा यकृत प्लीहा को बाधित करनेवाला कैंसर रोग। अंग्रेज डा 'थामस हाजकिन' (1798–1866) के नाम पर गया।

हारमोन: रुधिरधारा में सूक्ष्म मात्राओं में शरीर के ओर ले जाए जानेवाला रासायनिक संदेशवाहक।

हिचकी: डायफ्राम का रहकर बारबार यांत्रिक संकु

हिस्टेमिन: शरीर की रक्षा–व्यवस्था में हिस्सेदार ऊतकों में विद्यमान एक रासायनिक पदार्थ। हिस्टेमिन (सूजन) और एलर्जी के लक्षणों के लिए जिम्मेदार है

हिस्टेरोक्टामी: गर्भाशय का शल्य चिकित्सा द्वारा निक जाना।

हीनताजन्य रोग: विटामिन और खनिज तत्वों आवश्यक मात्रा में भोजन में न होने से होनेवाला रोग

हीमोग्लोबिन: रक्त कोष में लौह और प्रोटीन का यौगि जिससे खून का रंग लाल होता है। हीमोग्लोबिन का फेफड़ों से आक्सीजन लेकर शरीर के ऊतकों पहुंचा कर बेकार के तत्व कार्बन डाइआक्साइड ले लौट आना है।

हीमारायड: गुदा नस की परत की शिरा का बढ़ना।

हीमोफिलियाः एक आनुवांशिक रोग जिसमें असामान्य रूप से धीरे धीरे खून जमता है।
हुकवर्म रोग (अंकुशकृमि रोग): परजीवी कृमि द्वारा जनित गंभीर शीतोष्ण प्रदेशीय रोग।
हृदयः वक्ष में मांसपेशी अंग जो 70 धड़कन प्रति मिनट की गति से खून को शरीर के हरभाग में पंप करता है।
हृद्दाहः अपच से होनेवाला हृदय में जलन की संवेदना जिसमें आमाशय का अम्ल ग्रास नली में चला जाता है।
हैजा (कालरा): वाइब्रियो कालरी नामक कीटाणु से फैलनेवाला भयंकर संक्रामक रोग।
हैलियोटिसः बदबूदार सांस। दांत के गिरने, मसूड़े, टांसिल, नाक, साइनसेज अथवा फेफड़ों संक्रमण से गुर्दे के ठीक से न काम करने से अथवा आमाशय या आंतों की बीमारी से हो सकता है।
होमियो पैथीः 'ज़हर की दवा ज़हर है' इस सिद्धान्त पर आधारित उपचार की गैर–पारम्परिक व्यवस्था। संम्युअल हैनेमान (1755–1843) द्वारा जर्मनी में 1796 में स्थापित।
होमियोस्टेससः विभिन्न जैविक प्रक्रियाओं के आन्तरिक संतुलन को स्थिर बनाए रखने की शरीर की क्षमता।
ह्युमरस (प्रगंडिका): कंधे से कुहनी के जोड़ तक फैली हड्डी।
ह्विट्लो (परानखत्लप): नाखून के नीचे ऊतकों का सूजन जो प्रायः गंभीर नहीं होता।

क्ष

क्षतः देखिए आरोद और एलक्लाइड्स
क्षुद्रांत (इलियम): छोटी आंत का लगभग 3.5 मीटर लंबा निचला भाग जो बड़ी आंत की ओर ले चलता है। वसा और कार्वोहाइड्रेट का पाचन इस भाग में होता है।

जल

जल जीवन के लिये आवश्यक है। व्यक्ति विना खाने के दो महीने तक जिंदा रह सकता है लेकिन पानी के बिना कुछ ही दिन जिंदा रह सकता है।

किसी कवि ने कहा है कि हर तरफ जल है लेकिन पीने के लिये एक बूंद भी नहीं है। सच्चाई भी यही है कि पृथ्वी पर 70% जल समुद्र में है।

जल रंगहीन द्रव होता है और न केवल मानव के लिये वल्कि प्राणिजगत के साथ पौध जगत के लिये भी नितांत आवश्यक है। यह केवल पीने के काम ही नहीं आता है, इसके अनेक उपयोग हैं।

व्यक्ति की प्रतिदिन की दिनचर्या में जल की महत्वपूर्ण भूमिका है। खाना जो हम खतो हैं, कपड़े जो हम पहनते हैं, सुवह सो के उठने के बाद रात होने तक समस्त घरेलू काम, यातायात के साधन जो हम इस्तेमाल करते हैं, होटेल जहां हम नियमित जाते हैं, पिक्चरें जो हम देखते हैं, किसी भी यातायात के साधन से यात्रा चाहे व सतह पर हो या आकाश में या समुद्र में, सब कुछ निर्भर करती हैं पानी पर, बिना पानी के सारी कार्रवाई ठप पड़ जाती हैं।

दूषित जल

दुखद बात तो यह है कि सीमित मात्रा में उपलब्ध जल रसायन, धातु, जीवाष्म, और अन्य प्रदूषण से प्रदूषित होता है। पीने का सुरक्षित पानी और मानव विसर्जन की सुरक्षित व्यवस्था जोकि संक्रमण से सुरक्षित रखती है आज विश्व के प्रत्येक व्यक्ति का अधिकार है।

जल आपूर्ति में सुधार, सुरक्षित मानव विसर्जन और सफाई एक ऐसा कदम है जोकि समान्य स्वास्थ्य विशेषकर वच्चो को लिये नितांत आवश्यक है।

एक बड़ी चुनौती

इस संदर्भ में सरकार द्वारा अनेकों कदम उठाने के बावजूद सुरक्षित जल आपूर्ति एक बड़ी समस्या बनी हुई है। सुरक्षित पीने का पानी न केवल एक मौलिक आवश्यकता है बल्कि मानव अधिकार भी है। सुरक्षित पीने के पानी की आपूर्ति घरेलू दिनचर्या के लिये और व्यक्ति के लिये लाभदायक रहती है।

इस कार्य में कोई भी विफलता स्वास्थ्य और आर्थिक पिछड़पन का पर्याय है। क्योंकि इससे होने वाले संक्रमण से होने वाली मौतें विशेषकर बच्चों में एक वड़ी त्रासदी है। अनेक शहरी इलाकों में जहां गंदगी का साम्राज्य है, संक्रमण की संभावना विशेषकर 3 से 5 वर्ष की आयु वाले बच्चों में बहुतायत से होता है। इससे होने वाली मौतें [illegible] परिणाम है। चक्र चुनता है और संक्रमण जंगल की [illegible] तरह फैल जाता है। इसे रोकने का एक ही उपाय है [illegible] विसर्जन और अन्य गंदगी पर काबू पाया जाये और [illegible] का वातावरण बने।

[illegible] की सूची पर नजर [illegible] कि [illegible] जल आपूर्ति और मानव [illegible] व्यवस्था न होने से कितने व्यक्ति [illegible]

कारण व्यक्ति रक्त की कमी और कुपोषण का शिकार हो जाता है। विकासशील देशों की 10 प्रतिशत से अधिक लोग इस समस्या से संक्रमित हैं।

ट्रैकोमा

वयस्क या बच्चे जो इससे संक्रमित होते हैं अंधे हो जाते हैं। अगर सुरक्षित पेयजल की आपूर्ति की जाये तो संक्रमण में 25 प्रतिशत की कमी हो सकती है।

शिस्टोसोमियासिस

यह कीड़े का संक्रमण है जो कि लाखों लोगों को प्रभावित करता है। सुरक्षित पेयजल से इस संक्रमण में 75% की कमी लाई जा सकती है।

हैजा (कालरा)

यह एक जानलेवा बिमारी है। संक्रमण का कारण प्रदूषित पानी है। इस बिमारी से बचने का एकमात्र रास्ता है साफ पानी।

प्रदूषित पानी से होने वाली बिमारियों की सूची बहुत लंबी है। इनमें हिपेटाइटिस (पीलिया), ड्रैकुलासिस (कीड़ों द्वारा), पेचिश, और अन्य आंतो की बिमारिया हैं।

जल के स्वास्थ्य परिदृश्य

जल के संदर्भ में हमारे शरीर के बारे मे कुछ सच्चाइयां: विशेषज्ञों का कहना है कि आक्सीजन के बाद जीवन के लिये पानी दूसरा आवश्यक तथ्य है औसतन वयस्क मानव शरीर में जल की मात्रा 60 से 70% तक होती है। कुल शरीर के वजन का 30% भाग पानी होता है। निषेचन के बाद मानव 80% जल का होता है। नवजात शिशु में 75% जल है। प्रतिदिन हमारा शरीर 3.5 लिटर जल का विसर्जन ता है। जब हमारे शरीर में इतना सारा जल है कोई सोच कता है कि मानव शरीर में पानी का क्या महत्व है। जो हम खाते है के पाचन और शरीर में संशलित करने के अलावा पानी शरीर के तापमान को नियंत्रित कर एक समान बनाये रखने के लिये जरूरी है। यह कोशिकाओं में आक्सीजन और पोषण पदार्थों को लेजाता है। और शरीर के हानिकारक तत्वों को शरीर से बाहर निकालता है। पानी शरीर के जोड़ों के लिये कुशन का भी काम करता है, जोड़ो के लिये चिकनाई, और उतकों की रक्षा करता है इसमें स्पाइनल कार्ड भी शामिल है। पानी की कमी से जल अल्पता जिससे रक्तचाप में बढ़ोत्तरी, अस्थमा, एलर्जी और सर का माइग्रेन दर्द हो सकता है। इसकी कमी से मूत्र के गाढ़े होने से गुर्दे भी खराब हो कते हैं।

हममें से ब्रहुतायत पूर्ण जल नहीं पीते, हालांकि शरीर को मालूम है कि उसे कितना पानी चाहिये। अगर शरीर में पर्याप्त मात्रा में पानी नहीं है यह विभिन्न प्रकार के संकेत देता है। जब हम इन चेतावनियों की ओर ध्यान नहीं देते तब हम जलाल्पता के शिकार हो जाते हैं। शरीर में इस प्रकार के परिवर्तन होने लगते हैं, जैसे कि मुंह का सूखना, जीभ का मुड़ना, और पानी की तलब लगना। यह गंभीर समय है कि तुरंत पानी पिया जाये नहीं तो बेहोश होने या मृत्यु की संभावना होती है। इस समय पानी पीने से शिराओं में पानी का संतुलन बन जाता है और जलाल्पता की कमी पूरी हो जाती है।

हम पानी का विसर्जन कई प्रकार से करते हैं। एक वयस्क प्रतिदिन 12 कप पानी का विसर्जन करता है। आधे से एक कप पानी का विसर्जन पैरों के तलुए से हो जाता है। तीन से चार कप पानी सांस लेने में विसर्जित हो जाता है। पसीने में दो कप पानी जाता है बाकी मूत्र के द्वारा निकल जाता है। इस लिये समय-समय पर पानी पीना जरूरी है।

पानी के प्रकार

पानी मुख्यता दो प्रकार का होता है, हल्का पानी और सख्त पानी। हल्के पानी में मिनरल नहीं होते हैं और इसके प्रयोग से रक्तचाप या हृदय की बिमारियों की संभावना रहती है। वैज्ञानिकों का मानना है कि नल के पानी में पर्याप्त मात्रा में खनिज तत्वों की मौजूदगी मनुष्य के बेहतर स्वास्थ्य का कार्य करती है।

इंटरनेट

उत्पत्ति, उपलब्ध सेवाएं और भविष्य के रुझान

इंटरनेट ने विश्व में जैसा क्रांतिकारी परिवर्तन किया, वैसा किसी भी दूसरी तकनोलोजी ने नहीं किया। नेट के नाम से लोकप्रिय इंटरनेट अपने उपभोक्ताओं के लिए बहुआयामी साधन प्रणाली है: यह दूर बैठे उपभोक्ताओं के मध्य अंतर-संवाद का माध्यम है; सूचना या जानकारी में हिस्सेदारी और सामूहितक रूप से काम करने तरीका है; सूचना को विश्व स्तर पर प्रकाशित करने का जरिया है और सूचना का अपार सागर है।

इंटरनेट विभिन्न तकनोलोजियों के संयुक्त रूप से कार्य (कनवर्जेन्स) का उपयुक्त उदाहरण है। हालांकि इंटरनेट में प्रयुक्त एकल तकनोलोजियां कुछ समय से कार्यरत थीं लेकिन कंप्यूटरों के बड़े पैमाने पर उत्पादन, कंप्यूटर संपर्क जाल का विकास, दूर संचार सेवाओं की बढ़ती उपलब्धता और घटता खर्च तथा आंकड़ों के भंडारण और संप्रेषण में आई नवीनता ने नेट के कल्पनातीत विकास और उपयोगिता को चहुंमुखी प्रगति प्रदान की है।

आज किसी समाज के लिए इंटरनेट वैसी ही ढांचागत

आवश्यकता है जैसे कि सड़कें, टेलीफोन या विद्युत उर्जा। इंटरनेट ने एशिया और लातनी अमरीका की तरह विभिन्न विकासशील देशों में भी विस्मयकारी घुसपैठ कर ली। सूचनाओं का विश्वव्यापी जाल एक वास्तविकता बन चुका है और (केरल के राज्य सूचना ढांचा जैसे) स्थानीय सूचना जाल भी बड़ी तेजी से अस्तित्व में आते जा रहे हैं।

इस लेख में इंटरनेट के ऐतिहासिक विकास इसकी वर्तमान स्थिति, समाज पर इसके व्यापक प्रभाव और भविष्य की संभावित दिशाओं पर दृष्टि डाली गई है।

इतिहास और विकास

इंटरनेट का इतिहास पेचीदा है और उसके कई पहलू– तकनीकी, संगठनात्मक और सामाजिक संपर्क स्थापित करने का पहला दृष्टांत 1962 में मैसाचुसेस्ट तकनोलोजी संस्थान के जे. सी. आर. लिकप्लाइडर द्वारा लिखे गए कई ज्ञापनों के रुप में सामने आए थे। उन्होंने कंप्यूटर की ऐसी विश्वव्यापी अंतरसंबंधित श्रृंखला की कल्पना की थी जिसके जरिए वर्तमान इंटरनेट की तरह ही आंकड़ों और कार्यक्रमों को तत्काल प्राप्त किया जा सकता था। लिकलाइडर बाद में डिफेंस एडवांस्ड रिसर्च प्रोजेक्टस एजेंसी (डीएआरपीए) से जुड़ गए और उसके कंप्यूटर अनुसंधान कार्यक्रम के पहले प्रमुख बने। जैसा कि नाम से जाहिर है, डीएआरपीए अमरीकी रक्षा विभाग के अंतर्गत कार्यरत एक अनुसंधान संस्था थी।

इस प्रकार के नेटवर्क में आगे जाकर सहायक बनी तकनीकी सफलता पहली बार 1961 में मैसाचुसेस्ट तकनोलोजी संस्थान के ही लियोनार्ड क्लिनरोक ने सुझाई थी। उनकी यह सूझ पैकेट स्विचिंग नाम की नई तकनोलोजी थी जो सामान्य टेलीफोन प्रणाली में प्रयुक्त सर्किट स्विचिंग तकनोलोजी से मिलती–जुलती थी। सर्किट स्विचिंग तकनोलोजी में एकल सर्किट (अ नामक उपभोक्ता की लाइन, टेलीफोन एक्सचेंज तक और वहां से ब उपभोक्ता तक) तब तक उपलब्ध कराया जाता है जब तक कि उनकी बातचीत जारी रहती है। इस दौरान इन दोनों उपभोक्ताओं में से किसी से भी तीसरा फोन उपभोक्ता संवाद कायम नहीं कर सकता। इसके विपरीत पैकेट स्विचिंग उस पत्र पेटी की तरह हैं, जिसका इस्तेमाल चाहे जितने लोग कर सकते हैं, पैकेट स्विचिंग के जरिए दुनिया में कंप्यूटर अन्य कंप्यूटरों से जुड़े बिना भी एक दूसरे से संवाद कायम कर सकते हैं।

1964 में गार्डेन मूर ने एक घोषणा की कि 'हर 18 महीने में कंप्यूटिंग क्षमता दोगुनी होती जाएगी।' इस स्वयं[illegible] सिद्धांत को आज हम मुर के सिद्धांत के नाम से पहचानते हैं। वस्तुतः मूर का नियम सेमीकंडक्टर के क्षेत्र में [illegible] रहे द्रुत सुधारों को परिलक्षित करता था। स्वयं मूर ने कुछ ही समय बाद फेयरचाइल्ड सेमीकंडक्टर से नाता तोड़कर 1968 में इनटेल कार्पेरेशन के साथ काम करना शुरु कर दिया था। 1964 का वर्ष पीडीपी–8 की शुरुआत के [illegible] भी महत्वपूर्ण है। इसी साल डिजीटल इक्यूपमेंट कार्पोरेशन [illegible] मिनी कंप्यूटरों का बड़े पैमाने पर उत्पादन शुरु किया [illegible] हालांकि पीडीपी–8 अपने नाम से लोकप्रिय नहीं हुआ लेकिन वह पीडीपी–11 के पूर्वज के रूप में जाना गया। पीडीपी 11 [illegible]

हैकर्स की कई पीढ़ियों के लिए इंटरनेट के [illegible] और कार्यकलाप को अल्पकाल में ही स्पष्ट रूप से [illegible] का निमित्त बना (हैकर इंटरनेट [illegible] को कहा जाता है जो शौकिया [illegible] मजाक के लिए कंप्यूटरों से [illegible] विपरीत प्रोग्रामिंग के क्षेत्र में [illegible] होते हैं। कंप्यूटरों से सतही छेड़–छाड़ [illegible] कहा जाता है और हैकर [illegible] की नजर से देखता है।

डीएआरपीए ने 1966 में [illegible] तैयार किया और इसको [illegible] महत्वपूर्ण विशेषता पैकेट [illegible] आरपानेट का अंतिम स्वरूप [illegible] ने भूमिका निभाई। [illegible] इंटरफेस मैसेज प्रोसेसर [illegible] कार्पोरेशन ने नेटवर्क [illegible] एंजल्स में कैलीफोर्निया [illegible] माप प्रणाली को [illegible] वास्तुशिल्प तैयार [illegible]

सितंबर 1969 में [illegible] प्रदाता कंप्यूटर [illegible] स्टेनफोर्ड [illegible] विश्वविद्यालय [illegible] कुछ वर्ष में [illegible] सितंबर 1972 में [illegible] बोब कैहन [illegible] किया। [illegible]

गई इसी वर्ष के नवंबर महीने में पोल मोके पैट्रिक्स द्वारा डोमेननेमिंग सर्विस (डीएनएस) का पहला ब्यौरा जारी किया गया। उस वर्ष की आखिरी लेकिन एक और महत्वपूर्ण घटना इंटरनेट का सेना और आम लोगों के लिए उपयोग के वर्गीकरण द्वारा सार्वजनिक नेटवर्क के उदय के रूप में सामने आया। और इसी के साथ आज प्रचलित इंटरनेट ने जन्म लिया।

इंटरनेट का बाद का इतिहास मुख्यत: बहुविध उपयोग का है जो नेटवर्क की आधारभूत संरचना से ही संभव हो सका। बहुविध उपयोग की दिशा में पहला कदम फाइल ट्रांसफर प्रणाली का विकास था। इससे दूरदराज के कंप्यूटरों के बीच फाइलों का आदान-प्रदान संभव हो सका। यह सुविधा 1971 में सुलभ हो गई। 1972 में बोल्ट बैरेनेक और न्यूमैन से जुड़े वे रेटोमलिनसन ने आरपानेट आविष्कर्ताओं की सूचना के आदान-प्रदान की आवश्यकताओं के समझते हुए ई-मेल भेजने और पढ़ने का पहला कार्यक्रम तैयार किया। उसी वर्ष जोन पोस्टेल ने लोफप्रिय टेलनेट सेवा का खाका तैयार किया। इससे दूरदराज के कंप्यूटरों से जुड़ने और उन पर काम करने की सुविधा हासिल हो सकी। 1979 में एसेक्स विश्वविद्यालय में पहला बहुउपयोगी डनजिओन गेम (एमयूडी) का आविष्कार किया गया। इसमें नेटवर्क के जरिए कही से भी जुड़कर एक दूसरे के साथ खेला जा सकता है।

1984 तक इंटरनेट से जुड़े कंप्यूटरों की संख्या 1 हजार को पार कर गई थी। इसी वर्ष ब्रिटेन के विश्वविद्यालयों में संयुक्त अकादमीय नेटवर्क कायम किया। इसमें संपर्क के लिए एक अलग व्यवस्था अपनाई गई थी (जिसे 1990 के दशक के आरंभ में बदल देना पड़ा)। 1989 तक इन कंप्यूटरों की संख्या 1 लाख तक पहुंच गई थी लेकिन इनमें से ज्यादातर अकादमीय और शोधकर्ताओं के काम में ही आ रहे थे। एक साल पहले ही रोबर्ट मोरिस नाम के छात्र ने इंटरनेट छोड़ा था और उसने 60 हजार में से 6 हजार से ज्यादा की कार्यप्रणाली को प्रभावित करके नेटवर्क की सुरक्षा की जरूरत को रेखांकित कर दिया था।

विश्व स्तर पर नेट का विस्तार काफी पहले शुरू हो चुका था। लंदन के यूनीवर्सिटी कालेज और नार्वे के रोयल रडार एस्टेब्लिशमेंट भी 1973 में ही आरपानेट के साथ जुड़ गए थे। कुछ ही बाद जापान और फिनलैंड भी इस नेटवर्क से जुड़ गए। 1990 में हालांकि आरपानेट का अस्तित्व समाप्त हो गया लेकिन अमरीका और अन्य देशों में सरकार तथा कार्पेरेट के पैसे से संचालित हजारों नेटवर्क इंटरनेट पर उस समय भी कार्यरत थे।

९0 के दशक के आरंभ में इंटरनेट पर सूचना प्रस्तुति के नए तरीके सामने आए। 1991 में मेनेसोटा विश्वविद्यालय द्वारा तैयार गोफर नामक सरलता से पहुंच योग्य डाक्यूमेंट प्रस्तुति प्रणाली अस्तित्व में आई। इससे पहले 1990 में टिम बर्नर-ली ने वर्ल्ड वाइड वेब (www) का आविष्कार करके सूचना प्रस्तुती का एक नया तरीका सामने रखा। ये दोनों अनुसंधानकर्ता यूरोपियन लेबोरेटरी फोर पार्टिकल फिजिक्स संस्थान में (सर्न) कार्यरत थे।

वर्ल्ड वाइड वेब सूचना प्रस्तुति का सरलता से इस्तेमाल करने योग्य तरीका सिद्ध हुआ और वह गोफर जैसे अन्य तरीकों की तुलना में कही बेहतर था क्योंकि उसके साथ अन्य डाक्यूमेंटों (हायपरलिंक) की युती नहीं थीं। 1993 तक की आरंभिक अवधि में वेब की ओर ज्यादा लोगों का ध्यान नहीं गया। क्योंकि तब तक इसका उपयोग सर्न संस्थान अन्य वैज्ञानिक समुदायों के मध्य सूचनाओं की हिस्सेदारी तक सीमित था। इसके अलावा उपभोक्ताओं को वेब ब्राउजर जैसे साफ्टवेयर की जरूरत थी जो आरंभिक दिनों में लिंक्स (LYNX) नामक मात्र टेक्सट ब्राउजर तक सीमित था।

1993 में ग्रैफिकल वेब ब्राउजर का आविष्कार इंटरनेट के क्षेत्र में एक बड़ी घटना थी। इससे न केवल विवरण वरन् चित्रों का भी दिग्दर्शन संभव हो गया। इस वेब ब्राउजर को मोजाइक कहा गया और इसका आविष्कार इलिनोयस विश्वविद्यालय के राष्ट्रीय सोफ्टवेयर संस्थान के अंतर्गत कार्यरत राष्ट्रीय सुपर कंप्यूटर व्यवहार केन्द्र में किया गया। मोजाइक का विकास मार्कएंडरसन के नेतृत्व में कार्यरत एक दल ने किया। इस आविष्कार के तुरंत बाद एंडरसन ने उक्त केन्द्र से नाता तोड़कर अपनी एक कंपनी स्थापित कर ली, (उस समय इसका नाम मोजाइक कम्युनिकेशन रखा गया जिसे आजकल नेटस्केप कम्युनिकेशंस कहते हैं)। उस समय तक इंटरनेट उपभोक्ताओं की संख्या 20 लाख से अधिक हो गई थी और आज प्रचलित इंटरनेट तब तक आकार ले चुका था।

इंटरनेट संपर्क

आज दुनिया के ज्यादातर हिस्सों से इंटरनेट से जुड़ना संभव है। इस खंड में नेट से जुड़ने और उसकी सेवाओं तक पहुंचने के तरीकों का अध्ययन किया गया है।

इंटरनेट का आधार राष्ट्रीय या क्षेत्रीय सूचना इंफ्रास्ट्रक्चर होता है जो सामान्यत: हाइबैंडविड्थ ट्रंक लाइनों से बना होता है और जहां से विभिन्न संपर्क लाइनें कंप्यूटरों को जोड़ती हैं, जिन्हें आश्रयदाता (होस्ट) कंप्यूटर कहते हैं। ये आश्रयदाता कंप्यूटर प्राय: बड़े संस्थानों जैसे विश्वविद्यालयों, बड़ें उद्यमों और इंटरनेट कंपनियों से जुड़े होते हैं और इन्हें इंटरनेट सर्विस प्रोवाइडर (आईएसपी) कहा जाता है। आश्रयदाता कंप्यूटर चौबीसों घंटें काम करते हैं और अपने उपभोक्ताओं को सेवा प्रदान करते हैं। ये कंप्यूटर विशेष संचार लाइनों (सेटेलाइट अथवा पट्टे पर मिली हुई लाइनों के जरिए) इंटरनेट से जुड़े रहते हैं। इनके उपभोक्ता व्यक्तियों को पीसी (पर्सनल कंप्यूटर) कहते हैं जो साधारण टेलीफोन लाइन और मोडेम के जरिए इंटरनेट से जुड़े रहते हैं। इस प्रकार के संपर्क को डायल-अप कनेक्शन कहते हैं और यह अस्थायी प्रकार का होता है। साधारण टेलीफोन लाइनों पर इनका रफ्तार 33.6 किलो बाइट प्रति सेकेंड तक सीमित रहती है। हालांकि, इंटिग्रेटैड सर्विसेज डिजीटल नेटवर्क (आईएसडीएन) जैसी तकनोलोजी के जरिए 128 किलो बाइट प्रति सेकेंड की रफ्तार भी उपलब्ध हो सकती हैं।

एक सामान्य उपभोक्ता एक निश्चित राशि का भुगतान करके आईएसपी से अपना इंटरनेट खाता प्राप्त कर लेता है। आईएसपी लोगइन नेम, पासवर्ड (जिसे उपभोक्ता बदल भी

सकता है) और नेट से जुड़ने के लिए कुछ एक टेलीफोन नंबरों जैसी जानकारियां उपलब्ध करा देता है।

एक बार इंटरनेट से जुड़ जाने पर उपभोक्ता इंटरनेट की तमाम सेवाओं तक अपनी पहुंच बना सकता है। इसके लिए उसे सही कार्यक्रम का चयन करना होता है। ज्यादातर इंटरनेट सेवाएं उपभोक्ता–सर्वर रूपाकार पर काम करती है। इनमें सर्वर वे कंप्यूटर हैं जो नेट से जुड़े हुए व्यक्तिगत कंप्यूटर उपभोक्ताओं को एक या अधिक सेवाएं उपलब्ध कराते हैं। सर्वर ई–मेल, डब्ल्यूडब्ल्यूडब्ल्यू, चैट आदि एक या अधिक सेवा उपलब्ध करा सकता है। इस सेवा के वास्तविक प्रयोग के लिए उपभोक्ता को उस विशेष सेवा के लिए आश्रित (क्लाइंट) सोफ्टवेयर की जरूरत होती है।

इंटरनेट के पते

टीसीपी (संप्रेषण नियंत्रण संहिता) और आईपी इंटरनेट पर हर कंप्यूटर के लिए एक विशेष पते का उपयोग करते हैं। इंटरनेट के पते दो प्रकार के होते हैं: एक मशीन स्तरीय पता (इसे आईपी पता कहते हैं) और इसको '8 बिंदुओं या 4 संख्याओं की श्रृंखला के रूप में व्यक्त किया जाता है। हर कंप्यूटर का एक विशेष पता होता है और ये संख्याएं हर इंटरनेट कनेक्शन में प्रयुक्त होती हैं। डायल अप खाते के मामले में व्यक्तिगत कंप्यूटर के लिए उपभोक्ता के कंप्यूटर को स्वत: एक स्थायी पता प्रदान कर दिया जाता है। यदि पहले उपभोक्ता का कनेक्शन कट गया हो तो यही पता दूसरे कंप्यूटर पर काम में लिया जा सकता है।

सांख्यिकीय पता याद रखना कठिन होने के कारण उपभोक्ताओं की सुविधा के लिए डोमेन नेमिंग प्रणाली (डीएनएस) का उपयोग किया जाता है। यह कंप्यूटरनेम डोमेन नेम के रूप में होता है।

उदाहरण के लिए JWALA.KERNIET.COM, इसमें ज्वाला कंप्यूटर का नाम है जिसमें उपभोक्ता का खाता है और केरनेट डाट कोम डोमेन या नेटवर्क है। हमारे याद रखने की दृष्टि से डोमेन पता सरल होता है वहीं वास्तविक संचार के लिए कंप्यूटर केवल आईपी के पते का ही उपयोग कर सकता है।

इंटरनेट सेवाएं

इंटरनेट की उपयोगिता उपभोक्ता समुदाय को उपलब्ध सेवाओं से निर्धारित होती है। आइए यहां हम निम्नलिखित सेवाओं का आकलन करें:

ई–मेल

ई–मेल या इलेक्ट्रानिक मेल अभी तक का सबसे लोकप्रिय उपयोग है जिसने संचार के क्षेत्र में क्रांति ला दी है। संवाद के अन्य माध्यमों की तुलना में सस्ता, तेज रफ्तार और अधिक सुवधिाजनक होने के कारण ई–मेल ने दुनिया भर के कार्यलयों और घरों में अपनी जगह बना ली है। ई–मेल सरलतम उपयोग के रूप में ई–मेल के संदेश वाली कंप्यूटर फाइल को एक से दूसरे कंप्यूटर पर भेज देता है। यह प्रणाली भी अन्य इंटरनेट सेवाओं की तरह ही क्लाइंट–सर्वर पद्धति पर आधारित है जिसमें सर्वर कहा जाने वाला कंप्यूटर ई–परिवहन सेवा प्रदान करता है जबकि व्यक्तिगत उपभोक्ताओं के विभिन्न कंप्यूटर इस सेवा को प्राप्त करते हैं।

हर इंटरनेट उपभोक्ता का अपना एक ई–मेल पता होता है। यह पता प्राय: उपभोक्ता का नाम और उसके कंप्यूटर खाते को जोड़कर बनाया जाता है जैसे उपभोक्ता/कंप्यूटर नेटवर्क। अब यह पता वास्तव में इस प्रकार होगा –

satish@jawala.kernet.com

जिससे प्रकट होता है कि उपभोक्ता सतीश का ज्वाला केरनेट डोट कोम पर खाता है।

विशेष ई–मेल सेवाएं दो नियमों से संचालित होती हैं: संदेश भेजने के लिए सामान्य डाक स्थानांतरण प्रणाली का उपयोग होता है जबकि आईएसपी के डाक डिब्बे में जमा डाक हासिल करने के लिए पोस्ट आफिस प्रोटोकोल का उपयोग होता है। व्यक्तिगत उपभोक्ताओं द्वारा डाक प्रबंधन के लिए उपयोग में लाए जाने वाले कार्यक्रमों को ई–मेल क्लाइंट कहा जाता है।

इंटरनेट के आरंभिक दिनों में ई–मेल द्वारा केवल भाषायी पाठ ही प्रेषित किया जा सकता था। लेकिन आज किसी भी प्रकार की सूचना या जानकारी जैसे संदेश, चित्र अनुकृति, ध्वनि या आंकड़े प्रेषित किए जा सकते हैं। यह सुविधा मल्टीपर्पज इंटरनेट मेल एक्सटेंशन नामक तकनोलोजी से संभव हो सकी है।

टेलनेट

टेलनेट ऐसी बुनियादी व्यवस्था है जिसके जरिए उपभोक्ता को किसी दूर–दराज के कंप्यूटर से जोड़ने की सुविधा प्राप्त हो जाती है। टेलनेट के लिए उपभोक्ता का एक विशेष कंप्यूटर पर अपना खाता (अर्थात लोग इन, पहचान और पासवर्ड) होना चाहिए। लोग आन करने के बाद उपभोक्ता टेलनेट के जरिए किसी दूर की मशीन पर काम कर सकता है। इंटरनेट के शुरुआती दिनों में टेलनेट पर कई तरह की निःशुल्क सेवाएं उपलब्ध कराई गई थीं।

फाइल स्थानांतरण व्यवस्था

इंटरनेट के आरंभिक समय से ही उपभोक्ताओं के मध्य फाइल स्थानांतरण सुविधा का व्यापक इस्तेमाल होता रहा है। अब वेब इस सुविधा की अहमियत को धीरे–धीरे कम कर रहा है। विण्डोज साफ्टवेयर के साथ फाइल स्थानांतरण सुविधा भी स्वत: उपलब्ध कराई जाती है, लेकिन इसके माध्यम से केवल भाषायी विवरण ही भेजा जा सकता है। चित्रात्मक फाइलों को हासिल (डाउन लोड) करने की सुविधा उपभोक्ताओं को नेट पर ही मिल सकती है।

बनाने हेतु चैट साइटों को कई चैनलों अथवा 'चर्चा कक्षों' में बांट दिया जाता है और उपभोक्ता इनमें से किसी एक अथवा कई चैनलों में भागीदारी कर सकता है।

चैटिंग के लिए एक चैट क्लाइंट की जरूरत पड़ती है और इसके साथ ही कई लोकप्रिय क्लाइंट (उदाहरणार्थ pirch, Mirc) बिना शुल्क उपलब्ध रहते हैं। नए चैट सुविधा प्रदाता कई प्रकार की अतिरिक्त सहूलियतें उपलब्ध कराते हैं जैसे 'व्यक्तिगत', एक से एक ही व्यक्ति की चर्चा और दो उपभोक्ताओं के मध्य फाइल ट्रांसफर की सुविधा। कुछ अन्य चैट सुविधा प्रदाता चर्चा कक्ष में विभिन्न भागीदारों के प्रतिनिधित्व हेतु मानवीकृत छवियों का उपयोग भी करते हैं। इन चित्रों को 'अवतार' कहा जाता है।

इंटरनेट पर सैकड़ों लोकप्रिय चैट सर्वर उपलब्ध हैं। इनमें से कई को तो विशिष्ट क्षेत्रों में विशेषज्ञता प्राप्त हैं। बड़ी संख्या में भारत और केरल केन्द्रित चैट सर्वर भी उपलब्ध हैं (याहू और एमएसएन सर्वर विश्वस्तर पर लोकप्रिय हैं।) जबकि प्रौढ़ लोग अंडरनेट या एफनेट का इस्तेमाल करते हैं। अंडरनेट के लगभग 45 सर्वर 5 देशों में फैले हुए हैं और उनके जरिए हर सप्ताह एक लाख से भी अधिक लोग चर्चा करते हैं।

अनेक वेब सर्वर वेब आधारित चैट का प्रयोग करते हैं। यह सुविधा जावा के जरिए एक छोटी खिड़की के रूप में पर्दे पर आती है। इस प्रकार की चैट सुविधा के प्रदाता इंटरनेट रिले चैट सर्वरों का इस्तेमाल नहीं कर सकते। उन्हें अपने अलग सर्वरों की जरूरत पड़ती है।

चैट की एक प्रमुख समस्या यह है कि एक खास वक्त पर वांछित व्यक्ति चैट के लिए उस लाइन पर सुविधापूर्वक कैसे उपलब्ध हो। इस जरूरत का समाधान निजी संदेशवाहक (या पेजर) सेवा के रूप में सामने आया है। जैसे ही उपभोक्ता अपनी मशीन चालू करता है, एक छोटा सा मोड्यूल सक्रिय हो जाता है। हर उपभोक्ता अपने 'वांछितों' की सूची बना ... है और जैसे ही उनमें से कोई आनलाइन होगा, वैसे ...भोक्ता उसे सूचित कर सकता है।

...ट और न्यूजग्रुप्स

वेब की प्रगति के विस्फोट ने जिन सेवाओं को अपेक्षाकृत महत्वहीन बना दिया है, युजनेट उन्हीं में से एक है। यूजनेट का आरंभ किसी विषय पर स्पष्टीकरण मांगने या देने के उद्देश्य से एक सूचनापट के रूप में किया गया भी था। 1986-87 में 'वृहद नामकरण अभियान' के दौरान न्यूजग्रुप के तमाम पुराने नाम बदल दिए गए। वर्तमान में, यूजनेट ऐसा विशाल सूचनापट है जिसमें विभिन्न वर्गों के अंतर्गत लगभग 30 हजार न्यूजग्रुप भाग ले सकते हैं। इन वर्गों में प्रमुख हैः बिजनेस; कंप्यूटर संबंधित; मनोरंजन संबंधी, सामाजिक मुद्दे; चर्चा; अर्थात राजनीति और ऐसे ही अन्य विषयों पर विमर्श; विज्ञान, आदि। हर वर्ग में कई हजार चर्चा समूह होते हैं। उदाहरण के लिए केरल से संबंधित विषयों पर दो न्यूजग्रुपों के अंतर्गत विचार किया जाता हैः Alt.culture.Kerla; नियमित उपभोक्ताओं ने इसका नाम एसीके रख लिया है। और soc.culture.Indian.Kerla.

यूजनेट अत्यंत उपयोगी सुविधा है क्योंकि यह विशेष रूप से कंप्यूटर संबंधी विषयों पर उपभोक्ताओं को प्रश्न करने और फिर विशेषज्ञों से उनके उत्तर उपलब्ध कराने की सुविधा देती है। यूजनेट के इस्तेमाल में एक बड़ी कठिनाई सर्वरों का अभाव है। 'विदेश संचार निगम लिमिटेड' (वीएसएनएल) का न्यूज सर्वर न्यूज.वीएसएनल.नेट.इन कुछ समय पूर्व रहस्यपूर्ण ढंग से लापता ही हो गया।

वर्ल्ड वाइड वेब

यह सुविधा वैज्ञानिकों के बीच सूचना के आदान-प्रदान के सामान्य उद्देश्य से आरंभ हुई थी और आज इंटरनेट के सर्वाधिक लोकप्रिय और प्रचलित उपयोगों में से एक है। वेब की इस चौंकाने वाली लोकप्रियता की निम्नलिखित विशेषताओं के माध्यम से व्याख्या की जा सकती है।

उपयोग में सरलः वांछित बिंदू पर क्लिक करके वेब से जुड़ने की वर्तमान सुविधा इतनी सरल है कि उसके प्रयोग में बच्चों को भी कठिनाई नहीं होती।

हाइपरलिंकः वेब की सबसे महत्वपूर्ण विशेषता हाइपरलिंक है, जिसका इस्तेमाल उपभोक्ता एक इंटरनेट स्रोत से दूसरे पर जाने के लिए क्लिक करके कर सकता है (यह स्रोत दस्तावेज, कोई छवि, ध्वनि या समाचार पृष्ठ कुछ भी हो सकता है।

मल्टीमीडिया की सुलभताः पहली पीढ़ी के ब्राउजर्स, जिनसे केवल लिखित पाठ ही प्रदर्शित हो सकता था, के विपरीत वर्तमान ग्रैफिकल ब्राउजर द्वारा लिखित पाठ के अतिरिक्त चित्र और गैर रोमन लिपि में भी देखा-पढ़ा और काम किया जा सकता है।

दुर्लभ मार्ग की सुविधाः एक सामान्य वेब कनेक्शन में केवल दो कंप्यूटर वेब सर्वर और वेब उपयोक्ता प्रयुक्त होते हैं, लेकिन वेब सर्वर के जरिए यह अन्य कंप्यूटरों पर भी कमांड देने के "दुर्लभ मार्ग" की सुविधा देता है। यह बहुत ही शक्तिशाली विशेषता है और इसके माध्यम से इसी कारण विषय की तलाश, क्रेडिट कार्ड प्रमाणीकरण और अन्य कार्य संभव हो पाते हैं।

विस्तार की सुविधाः वेब पृष्ठों को बनाने के लिए प्रयुक्त मौलिक भाषा हाइपरटैक्स्ट मार्कअप लैंग्वेज (एचटीएमएल) थी। एचटीएमएल का दायरा बहुत सीमित था और पृष्ठ निर्माण का उद्देश्य निर्माण बड़ी मुश्किल से पूरा हो पाता था। इसके बावजूद जावा स्क्रिप्ट, डायनोमिक एचटीएमएल और फ्लैश आदि के विकास से इसमें उल्लेखनीय सुधार हुए। इन तकनोलोजियों ने वेब पृष्ठों को कहीं अधिक अंतरसक्रिय बनाने का काम किया। एक संपूर्ण विकसित भाषा के रूप में जावा से इसका और अधिक विस्तार संभव हो गया है।

उपयोग में सरलः पहले हर इंटरनेट सेवा के लिए ऐसे क्लाइंट कार्यक्रम की जरूरत पड़ती थी जिसे उपभोक्ता स्वयं संचालित करे। लेकिन आज वेब ब्राउजर अपने नेटस्केप नेवीगेटर के जरिए ज्यादातर सेवाओं से जुड़ जाता है। वह मेल भेज सकता है, फाइल स्थानांतरित कर सकता है और गोफर डोक्युमेंट का निपटारा भी कर सकता है। इसके अलावा उपभोक्ता उन सहायक (हेल्पर) कार्यक्रमों से भी संपर्क बना सकते हैं जो इंटरनेट स्रोतों को संचालित करते हैं और संपर्क की दृष्टि से अज्ञात होने के कारण जिन्हें प्लग-इन कहा जाता है।

होना (वर्तमान में केवल 9.6 केबीपीएस) और वेब पृष्ठ पर सूचना पहुंचाने में असुविधा जैसी समस्या मौजूद है। इसके बावजूद जीपीआरएस, थ्री जी और ब्ल्यूटुथ जैसी अधिक बैंडविड्थ और तत्काल जोड़ने वाली नई तकनोलोजियों के प्रादुर्भाव के फलस्परूप एम–कामर्स की प्रगति अवश्यंभावी है।

भारत में इंटरनेट

भारत में इंटरनेट का आरंभ आठवें दशक के अंतिम वर्षों में अर्नेट (शिक्षा और अनुसंधान नेटवर्क) के रूप में हुआ था। इसके लिए भारत सरकार के इलेक्ट्रोनिक विभाग और संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम ने आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई थी। इस परियोजना में पांच प्रमुख संस्थान जैसे राष्ट्रीय सोफ्टवेयर तकनोलोजी केन्द्र मुंबई; भारतीय विज्ञान संस्थान, बेंगलूर; पांचों भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान और इलेक्ट्रोनिक निदेशालय शामिल थे। अर्नेट का आज व्यापक प्रसार हो चुका है और वह शिक्षा और शोध समुदाय को देशव्यापी सेवा दे रहा है, वहीं आचार संहिता के फलस्वरूप आम जनता के लिए उसकी सेवाएं प्रतिबंधित हैं।

एक अन्य प्रमुख नेटवर्क नेशनल इंफोर्मेटिक्स सेंटर (एनआईसी) के रूप में सामने आया जिसने प्रायः सभी जनपद मुख्यालयों को राष्ट्रीय नेटवर्क से जोड़ दिया। एनआईसी आज देश के विभिन्न भागों में 1400 स्थलों को अपने नेटवर्क के जरिए जोड़े हुए है। एक नेटवर्क बहुत सूक्ष्म अपरचर टर्मिनल्स (वीएमएटी) पर आधारित है। एनआईसी का मुख्य उद्देश्य राजकीय कार्यक्रमों के लिए सूचना जारी करना है। लेकिन काफी समय से एनआईसी अर्धसरकारी संगठनों के लिए भी बैंडविड्थ उपलब्ध करा रहा है।

आम आदमी के लिए इंटरनेट का आगमन 15 अगस्त 1995 को हो गया था जब विदेश संचार निगम लिमिटेड ने देश में अपनी सेवाओं का आरंभ किया। शुरू के कुछ वर्षों इंटरनेट की पहुंच काफी धीमी रही लेकिन हाल के वर्षों बीएसएनल के उपभोक्ताओं की संख्या में जबर्दस्त इजाफा है। पुनः 1999 में टेलीकाम क्षेत्र निजी कंपनियों के लिए खोल दिए जाने के फलस्वरूप अनेक नए सेवा प्रदाता बेहद प्रतिस्पर्धा विकल्पों के साथ सामने आए। भारत में इंटरनेट के अनुमानतः 5 लाख कनेक्शन और उसके उपभोक्ताओं की संख्या लगभग 10 लाख तक तो पहले ही पहुंच गई थी और नेशनल एसोसिएशन आफ सोफ्टवेयर एंड सर्विसेज कंपनीज (नास्कोम) के अनुसार देश में नेट उपभोक्ताओं की संख्या वर्ष 2000 तक 15 लाख के आंकड़े को पार कर चुकी थी और इसमें लगातार बढ़ोत्तरी जारी थी। अनेक राज्य सरकारों ने सूचना प्रौद्योगिकी को प्रोत्साहन देनेवाली नीतियां अपनाई हैं। इनमें ग्राम स्तर तक संपर्क और पहुंच बनाने के उद्देश्य पर मुख्य बल दिया गया है। यदि इन नीतियों का सही रूप में परिपालन हुआ तो सचमुच ये सभी मानव समुदाय में 'जुड़' जाएंगे। सरकारी एजेंसियां उद्यमशील हैं कि आईटी का लाभ सामान्य जन तक पहुंचाया जा सके। भारतीय रेल द्वारा कंप्यूटरीकृत आरक्षण, आन्ध्र प्रदेश सरकार द्वारा शहरों के मध्य सूचना प्रणाली की स्थापना तथा केरल सरकार के सूचना प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा फास्ट रिलायबिल इन्सटेंट एफीशिएंट नेटवर्क फोर डिस्वर्समेंट आफ सर्विसेज (फ्रेंड्स) जैसी पेशकशों ने इस दिशा में देश के आम नागरिकों की अपेक्षाओं को काफी बढ़ा दिया है।

भविष्य की दिशाएं

हमारे भविष्य के प्रति इंटरनेट बहुत ही आश्वतकारी दिखाई दे रहा है। अब से कुछ ही वर्षों के भीतर इंटरनेट (या आज के इंटरनेट का जो भी भविष्यत स्वरूप सामने आएगा) वह तमाम विधाओं को समेटे हुए, टेलीफोन जैसे आवश्यक ढांचे वाला और आज के आधार पर कही अधिक प्रगतिशाली सेवाएं प्रदान करने वाला होगा।

इस बात को ऐसे समझा जा सकता है कि भविष्य के नेटवर्क जिन उपकरणों और साधनों को जोड़ेंगे, वे मात्र कंप्यूटर नहीं होंगे (माइक्रोचिप से संचालित होने के कारण तकनीकी अर्थ में भले वे कंप्यूटर ही होंगे)। केवल कार्यालय ही नहीं वरन् आनेवाले समय में निवास, स्कूल, अस्पताल और हवाई अड्डे एक दूसरे से जुड़े हुए होंगे, व्यक्ति को भविष्य में अपने साथ लेपटोप कंप्यूटर नहीं रखने पड़ेंगे, बल्कि उसके पास व्यक्तिगत डिजीटल सहायक ऐसे पाम टोप होंगे, जो वायरलैस और मोबाइल तकनोलोजियों का उपयोग करके किसी भी उपलब्ध नेटवर्क से स्वतः जुड़ जाएंगे।

भविष्य के घरेलू उपकरण भी नेटवर्कों से जुड़ने के मामलों में बेहद समझदार होंगे और अन्य साधनों के साथ संदेशों का आदान–प्रदान कर सकेंगे। वाशिंग मशीन और एयर कंडीशनर कहीं दूर से ही निर्देश प्राप्त करने में समझ होंगे। माइक्रोवेव अवन अपने मालिक के पसंदीदा भोजन को पकाने का तरीका स्वतः वेब साइट से डाउन लोड कर सकेंगे, जरूरत के सामान की सूची गृहिणी को उपलब्ध करा देंगे और जब उन्हें यह जरूरी सामान मुहैया करा दिया जाएगा तो वे भोजन तैयार करके देंगे। लोग अपने मोबाइल फोन के जरिए ही बिलों का भुगतान कर सकेंगे और कारें हाईवे पर भीड़–भाड़ पर नजर रखने और अपने चालकों को सुविधा जनक रास्ते के बारे में सुझाव देने में समर्थ होंगी। भविष्य की कक्षाओं का विस्तार महाद्वीपों तक होगा और शारीरिक रूप से अक्षम छात्र भी आनलाइन तकनोलोजियों का लाभ उठा सकेंगे।

इंटरनेट व्यक्तियों और समुदायों को परस्पर घनिष्ठ रूप से काम के लिए सक्षम बना देगा और भौगोलिक दूरी के कारण आनेवाली बाधाओं को समाप्त कर देगा। कंप्यूटर रचित समुदायों का उदय हो जाएगा और तब दमनकारी शासकों के लिए विश्व में अपनी लोकप्रियता को सुरक्षित रख पाना संभव नहीं रह जाएगा। भविष्य में तकनोलोजी का उपयोग संस्कृति, भाषा और विरासत की विविधता की रक्षा के लिए किया जाएगा।

भविष्य की राजनीतिक व्यवस्था भी इस सबसे अछूती नहीं रहेगी।

पहचान और अधिकारिता

तकनोलोजियों के लोकप्रिय होते ही हर नागरिक के लिए यह पूरी तरह आसान हो जाएगा कि वह कानून निर्माण की

प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी कर सके। इसके फलस्वरूप एक कहीं अधिक समर्थ लोकतंत्र संभव हो सकेगा जिसमें संभवतः निर्वाचित प्रतिनिधियों की आवश्यकता नहीं होगी अथवा उनके उत्तरदायित्व कुछ अलग प्रकार के होंगे।

भवष्यि की सवसे वड़ी चुनौती इंटरनेट तकनोलोजी के दोहन की होगी ताकि समाज के हर वर्ग तक उसके फायदों की पहुंच संभव वनाई जा सके। तकनोलोजी का उपयोग हमेशा समू समाज के लिए होना चाहिए न कि उसको समाज के कुछ वग को वंचित करने के लिए एक औजार के रूप में इस्तेमाल किय जाना चाहिए। एक बार यह उपलब्धि हासिल की जा सके त सचमुच संभावनाओं की कोई सीमा नहीं है। संक्षेप में क्रांति त अभी आरंभ ही हुई है।

उद्योग में इंटरनेट

इंटरनेट कंप्यूटरों के नेटवर्कों का नेटवर्क है। आकार में छोटे-वड़े ये लाखों की संख्या में दुनिया के हर हिस्से में मौजूद हैं। ये ही विश्वव्यापी सूचना ढांचा वनाते हैं जिसमें वेवसर्वर, विश्वव्यापी संचार नेटवर्क और असंख्य उपभोक्ता शामिल हैं। विश्वव्यापी सूचना ढांचे के लिए आवश्यक हार्डवेयर और साफ्टवेयर को विकसित, उत्पादित, स्थापित, संचालित और अनुरक्षित करना पड़ता है। इस सवके कारण विपुल औद्योगिक गतिविधि ने जन्म लिया। इंटरनेट युग में उत्पादन और अनुरक्षण उद्योग वखूवी फल-फूल रहा है। उदाहरण के लिए, हर सौ व्यक्तियों पर एक कंप्यूटर के भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए देश को एक करोड़ से भी अधिक कंप्यूटरों की आवश्यकता पड़ेगी। इन कंप्यूटरों को न केवल ग्रामीण और शहरी वातावरण में वरन् तापमान और विजली आपूर्ति की वेहद विपरीत हालात में भी काम करने में सक्षम होना चाहिए। संचार प्रणालियों को वेशुमार सामग्री के तेज रफ्तार संप्रेषण के लिए श्रेष्टतम प्रौद्योगिकी का प्रयोग करना होगा। पृथ्वी पर सैकड़ों-हजार किलोमीटर लंवे ओप्टिकल फाइवर विछाने की जरूरत पड़ेगी। दूसरी ओर सेल्यूलर मोवाइल प्रणाली के लिए उपग्रह पर आधारित विश्व संचार व्यवस्था के अनुपूरक के रूप में मोड्यूलर सेलों की जरूरत होगी। इस उद्योग को ऐसे सेल्यूलर उपकरण भी वनाने होंगे जो वेहद व्यस्त कारोवारियों को सेलफोन के साथ-साथ इंटरनेट या ई-मेल की सुविधा भी उपलब्ध करा सके।

इंटरनेट प्रणाली को वहुत वड़ी संख्या में ज्ञानकर्मियों की जरूरत भी होगी। इतनी वड़ी तादाद में श्रम शक्ति की आवश्यकता के कारण इस मानव संसाधन के विकास, उसे आवश्यक प्रशिक्षण प्रदान करना और उसकी कुशलता को निरंतर नवीन वनाना भी औद्योगिकी गतिविधि का आवश्यक हिस्सा वन गए हैं।

यही वजह है कि आईटी उद्योग में तथाकथित ज्ञानकर्मियों के लिए अपार संभावनाएं मौजूद हैं। नास्काम की एक रिपोर्ट के अनुसार भारत में हर वर्ष 67785 कंप्यूटर साफ्टवेयर पेशेवर प्रशिक्षित होते हैं। अप्रैल 1999 में भारत के पास 41 लाख तकनीकी कार्मिकों की निरंतर वढ़ती हुई संपदा मौजूद थी। भारतीय साफ्टवेयर इंजीनियरों की विशाल संख्या अमरीका, यूरोप और अन्य देशों में कार्यरत है। अनुमान है कि वर्ष 2005 में आईटी उद्योग में रोजगार वे 65 लाख अवसर होंगे।

उत्पादन उद्योग में इंटरनेट

उद्योग में इंटरनेट के एक नए अवतार का प्रादुर्भाव हुअ है जिसे इंट्रानेट के नाम से जाना जाता है। इंट्रानेट एव औद्योगिक संगठन का निजी नेटवर्क है। इसमें इंटरनेट के ह नियमों और मानकों का उपयोग किया जाता है। इंट्रानेट क संरचना जैसी ही है। इसमें सर्वर और टर्मिनल एक दूसरे र जोड़ दिए जाते हैं। कंपनी में सर्वर आंकड़ों, सूचना, रिकार्ड डिजाइन, कार्यविधि, फैसलों, नीतियों, तालिका सूची औ औद्योगिक गतिविध के लिए आवश्यक तमाम अन्य बातों वे भंडारगृह का काम करते हैं और उद्योग से संवंधित हर व्यहि को जरूरत की हर सूचना अपनी मेज पर उपलब्ध रहती है कार्याधिकारियों के लिए चूंकि घर और दफ्तर का भेद खत हो चुका है, अतः उन्हें घर पर लगे अपने कंप्यूटर अथवा हा में मौजूद मोबाइल के जरिए जरूरत की हर सूचना तक कह से भी पहुंच संभव रहती हैं। इंटरनेट प्रणाली पर नवीनतम डिजाइन, आकार में सुधार और संघटक नियंत्रण संबंध जानकारियां उपलब्ध रहती है और उन्हें कारखाने के किसी भी हिस्से संबंधित व्यक्ति तक पलक झपकते पहुंचाया ज सकता है ताकि गुणवत्ता और बाजार की आवश्यकता के प्रति सचेत रहा जा सके। कहने की जरूरत नही है कि इंट्रानेट 'जानने की जरूरत' होने पर ही किसी उपभोक्ता तक सूचना की पहुंच होने देता है और इस प्रकार कपनी से सबधित जानकारी की गोपनीयता सुरक्षा और अनुरक्षण कर्ता है। इंट्रानेट अत्यंत गत्यात्मक, तात्कालिक ज्ञान-आधारित, उत्पादन परिवेश उपलब्ध कराता है और इसीलिए कंप्यूटर केन्द्रित उत्पादन, कंप्यूटर रचित नमूने, समस्या का बहुसूत्री समाधान, जानकारी का संग्रह और सगठित उपयोग सबव बनाता है। इसका परिणाम उच्च गुणवत्ता न्यूनतम खामी, विश्वसनीय उत्पादन और इनके कारण बढी हुई उत्पादकता के रूप में सामने आता है।

इंट्रानेट, इंटरनेट और एक्स्ट्रानेट

इंट्रानेट प्रणाली इंटरनेट के वर्ल्डवाइड वेब से सीधे जोडी जा सकती है क्योंकि उनके नियम-कायदे और सरचना एक

जैसी है। लेकिन इतना जरूर है कि जो भी जानकारी इंटरनेट पर आ जाती है, वह सार्वजनिक बन जाती है। इसलिए उपभोक्ता कंपनी को इंट्रानेट और इंटरनेट के मध्य ऐसी सुरक्षा दीवार खड़ी करनी पड़ती है जो इंट्रानेट से आंकड़ों व जानकारियों के आवागमन को नियंत्रित कर सके। वर्ल्डवाइट वेब में सूचना के समूचे भंडार को इंटरएक्टिव मोड में किसी कंपनी के इंट्रानेट टर्मिनल पर उपलब्ध कराया जाता है। उदाहरण के लिए ये जानकारियां उत्पाद नमूने, प्रतिस्पर्धी के नमूनों की विस्तृत जानकारी, मूल्य निर्धारण, बाजार सर्वेक्षण और तत्संबंधी सूचना, पेटेंट संबंधी जानकारी, नवीनतम तकनीकी प्रगति और उत्पादन के नवीनतम साधनों से संबंधित ज्ञान आदि हो सकती हैं विभिन्न कंपनियों के इंट्रानेट उपयुक्त सुरक्षा दीवारों के जरिए आपस में जोड़े जा सकते हैं। इन नेटवर्कों को एक्स्ट्रानेट कहा जाता है। एक्स्ट्रानेट के जरिए एक से दूसरी कंपनी के मध्य तमाम जानकारियों का आदान-प्रदान संभव है। एक्सट्रानेट कच्चा माल हासिल करना, औजारों की आपूर्ति, साझेदारी और सहयोगी कंपनियों के मामले आदि सारे काम शीघ्रता से निपटा देता है जबकि समय और खर्च की बचत करता है।

उद्योग संसाधन रूपरेखा

किसी भी उद्योग की उत्पादकता, दक्षता, व्यापारिक लाभ और कार्यकुशलता का लक्ष्य मानव श्रम, वित्तीय और भौतिक संसाधनों के उपयुक्त इस्तेमाल तथा घाटे में निरंतर कमी से ही प्राप्त किया जा सकता है। सूचनाएं जुटाने की सतत गतिशीलता, प्रौद्योगिकी और बाजार की जरूरतों के बारे में तात्कालिक और लंबी अवधि के पूर्वानुमान, ग्राहक से उपयुक्त समय पर संपर्क और उसकी बदलती जरूरतों की जानकारी [illegible] उत्पादन की सही योजना, नियंत्रण और संसाधनों के [illegible] उपयोग में सहायता मिल सकती है। किसी भी [illegible] इकाई की सफलता के लिए वस्तुओं की सूची पर नियंत्रण एक महत्वपूर्ण आवश्यकता है। आपूर्तिकर्ताओं [illegible] पर माल देने में अनिश्चितता के कारण कच्चे माल की बड़ी मात्रा को जमा रखना जरूरी हो जाता है। इंटरनेट न केवल माल आपूर्तिकर्ता वरन् उत्पादक, खरीद, विपणन और वित्तीय विभागों तथा ग्राहक से सीधा संपर्क संभव बना देता है। जब इन सभी सूत्रों को जोड़कर एक नेटवर्क प्रणाली को तैयार कर लिया जाता है तो उसे 'जस्ट इन टाइम' (तत्काल) सुविधा कहते हैं। उत्पादन योजना विभाग कच्चे माल की जरूरत के बारे में आपूर्तिकर्ता को अवगत करा सकता है। आपूर्तिकर्ता को अपने अन्य उपभोक्ताओं की जरूरत की भी जानकारी मिल जाएगी तो वह कच्चे माल के उत्पादन का कार्यक्रम निर्धारित कर सकेगा। सभी संबंधित व्यक्तियों के नेटवर्क द्वारा जुडे होने और तत्काल संपर्क कर सकने के कारण भुगतान या माल भेजने में देरी आदि तमाम बाधाओं को दूर किया जा सकता है। यदि अचानक कोई समस्या पैदा हो भी जाए तो उसके लिए वैकल्पिक प्रबंध हो सकते हैं। इसी प्रकार बाजार की स्थिति और ग्राहक जरूरत के आधार पर उत्पादन के संबंध में एक गतिशील योजना तैयार की जा सकती है। उत्पादन की तादाद में कमी होने पर खाली हुए मानव श्रम को अन्य कामों में लगाया जा सकता है और इसकी प्रकार मशीनों से भी दूसरी वस्तुओं के उत्पादन का काम लिया जा सकता है।

सूचना प्रौद्योगिकी उद्योग

आईटी वर्ष 2008 तक 20 खरब डालर का विश्व उद्योग बन जाएगा। भारत का लक्ष्य उस साल में सौ अरब डालर का आईटी उद्योग के कारोबार का है। औद्योगिक विकास की दिशा में भारत के साफ्टवेयर निर्यात उद्योग का योगदान एक महत्वपूर्ण उदाहरण है। पिछले छह वर्ष से यह उद्योग लगातार 50 प्रतिशत से अधिक की वार्षिक दर से प्रगति कर रहा है। 1999-2000 के दौरान भारतीय साफ्टवेयर उद्योग ने 4 अरब डालर का निर्यात किया। सरकार और निजी क्षेत्र की पहल से आईटी उद्योग की विकास दर में खास इजाफा हुआ है। भारत के बहुत से राज्यों में औद्योगिक पार्क स्थापित किए गए हैं। त्रिवेंद्रम में टेक्नोपार्क, चेन्नई में टिडेल, हैदराबाद में साइदराबाद, बेंगलूर में आईटी सिटी, कोलकाता में साल्टलेक सिटी इसके कुछ उदाहरण हैं। भारत सरकार के सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने जून 2000 तक 18 केंद्रों में साफ्टवेयर टेक्नोलोजी पार्क स्थापित कर लिए थे। युवकों में उद्यमशीलता विकसित करने के उद्देश्य से विभिन्न पूंजीनिवेश योजनाएं भी शुरू की गई है। दिसंबर 1999 में प्रधानमंत्री ने साफ्टवेयर और आईटी उद्योग के लिए सौ करोड़ के राष्ट्रीय कोष की योजना का उद्घाटन किया था।

बौद्धिक संपदता और पेटेंट अधिकार

इंटरनेट अत्यंत उच्च तकनीक वाला उद्योग है। इस क्षेत्र में नई उपलब्धियों का प्रयोग और पुरानी का लोप दोनों ही बड़ी तेज रफ्तार से होते हैं। इससे कुछ नई परिस्थितियां भी जन्मी हैं। इनमें पहली पेटेंट और बौद्धिक संपदा अधिकारों से संबंधित है। सोफ्टवेयर चुंबकीय माध्यम में अंकित रहता है और इसलिए उसका हस्तांतरण तथा नकल बहुत सरलता से की जा सकती है। इसलिए इस कारण पेटेंट और बौद्धिक संपदा अधिकारों की रक्षा का काम बेहद कठिन हो गया है। अब डिजीटल सूचना के क्षणभंगुर भंडारण की नई कापीराइट अनुपालन प्रणाली शुरु की गई है। जब किसी पुस्तक का इंटरनेट पर प्रकाशन किया जाता है तो वह तमाम राजनीतिक सीमाओं को दरकिनार करते हुए विपणन संगठन के भौगोलिक अधिकारों को संकट में डाल देती है। इस स्थिति से निपटने के लिए ऐसे कानूनी विपणन अधिकारों के रक्षा हेतु कदम उठाए गए हैं जो क्षेत्रीय अधिकारों से जुड़े होते हैं। इसी प्रकार साइबर अपराधों जैसे साफ्टवेयर चोरी, हैकिंग, नागरिकों की वैयक्तिक निजता को खतरे में डालना, कंप्यूटर वायरस फैलाना, आर्थिक धोखाधड़ी, भद्रता और सामाजिक शालीनता की सीमाओं का उल्लंघन आदि से भी निपटने की जरूरत पड़ती है। इसीलिए साइबर दुनिया के कामकाज को सुचारू रखने के लिए विशेष साइबर नियम बनाए जा रहे हैं। दूसरी ओर प्रौद्योगिकी की जटिलता और अनुसंधान तथा विकास कार्यों पर भारी

संप्रेषित किए जा सकते हैं। आजकल वेशुमार वेबसर्वर बड़ी संख्या में फिल्मों को डिजीटल फार्म में जमा कर लेते हैं। वीडियो आन डिमांड नामक नई प्रणाली के जरिए आप अपने घर के टेलीविजन पर्दे पर पलक झपकते अपनी मनचाही फिल्म देख सकते हैं। अपनी पसंद के बारे में आप कंप्यूटर के जरिए अवगत करा सकते हैं। इस प्रणाली का इंटरेक्टिव तरीके से संचालन भी संभव है। अपने टेलीविजन सेट पर आप सेट टप बाक्स भी लगा सकते हैं। इस प्रकार वेव टेलीविजन आपको वैसी ही तस्वीर उपलब्ध कराने लगा है जैसी आप पहले अपने वीसीआर पर देख पाते थे। वेव वीसीआर भी अव एक इंटेलीजेंट कंप्यूटर की तरह काम करता है। घर वैठकर आप किसी फिल्म के निर्देशक वन सकते हैं। आप उसमें घटनाओं का क्रम वदल सकते हैं अथवा उसकी कहानी में अदला-वदली कर सकते हैं। यदि आपको सुखांत के वजाय दुखांत फिल्म देखनी है तो आप अंत में नायक की हत्या का निर्देश दे सकते हैं।

शिक्षारंजन

ई-मीडिया में इंटरनेट पर शिक्षा के साथ मनोरंजन जुड़कर आपको शिक्षारंजन प्रदान करता है। वेव पर वेहिसाव शैक्षिक सामग्री और ज्ञान उपलब्ध हैः सभी विषयों के एनसाइक्लोपीडिया, सभी देशों के एटलस और मानचित्र, सभी शहरों के रास्तों के मानचित्र, संस्कृति, इतिहास, साहित्य और जो कुछ भी आप जानना चाहते हैं, उसके वारे में तमाम सूचना इंटरनेट के जरिए आपको उपलब्ध है। यह कुछ विस्मयकारी जरूर है कि किसी भी विषय के वारे में आप जो कुछ भी सूचना चाहते हैं वह सर्च इंजनों के जरिए इंटरनेट पर हासिल की जा सकती है। शिक्षा अध्येताओं और शोधकर्ताओं के लिए शिक्षारंजन एक ऐसा वरदान है कि वह उनके कैरियर को तेजी के साथ बहुत आगे ले जा सकता है और इसके साथ ही अपना काम करते हुए वे उसका आनंद भी ले सकते हैं। नेट पर किसी विषय की तलाश तो नहीं है, कई वार उवाने वाली भी है। उदाहरण के यदि आप कुछ शब्द टाइप करके उन्हें तलाशें तो हो सकता ऐसी करीव एक लाख साइट आपके सामने आ जाएं जिनमें शब्दों का प्रयोग हुआ हो। सूचना के महासागर में कुशलता से विचरण करके उसमें से अपनी खास जरूरत की कुछ वूंदों को ढूंढ निकालना सचमुच एक अलग ढंग के कौशल और विशेषज्ञता से ही संभव है। वेव पर किसी विषय को सीखना वड़ा सार्थक है क्योंकि सारी सामग्री विशेषज्ञों द्वारा तैयार की गई होती है और उसे आपके समक्ष मनोरंजक और आनंदपूर्ण तरीके से प्रस्तुत किया जाता है। मल्टीमीडिया में प्रस्तुत कोई वैज्ञानिक प्रयोग न केवल आपका मनोरंजन करता है वल्कि साथ ही साथ उसके संबंध में आपकी धारणा को स्पष्ट भी वना देता है।

इंटरनेट चर्चा और ई-मेल मित्रता

इंटरनेट व्राउजर ज्ञात और अज्ञात मित्रों के साथ चर्चा की सुविधा प्रदान करता है। यह चर्चा सामूहिक संवाद की कला होती है जिसे दौरान आप अपने मित्रों के साथ सूचना का आदान-प्रदान करने के अतिरिक्त परस्पर मनोरंजन कर सकते हैं। वेव पर वाकायदा चर्चा कक्ष होते हैं जिनमें इंटरनेट से जुड़ने के वाद आप किसी भी समय प्रवेश कर सकते हैं। उस समय जो लोग चर्चा कक्ष में मौजूद हों और भले ही शारीरिक रूप में वे दुनिया के किसी भी हिस्से में हों, आप उनसे चर्चा कर सकते हैं।

ई-मेल ऐसा अनोखा तरीका है जिसके जरिए आप अपना संदेश, तस्वीरें, संगीत, शुभकामना पत्र और वीडियो फिल्में दुनिया में कहीं भी मौजूद अपने मित्रों को भेज सकते है। आपकी यह डाक लगभग उसी समय प्राप्तकर्ता के वेव पर उपलब्ध मेल वाक्स में पहुंच जाती है। प्राप्तकर्ता अपनी सुविधा से अपने कंप्यूटर पर आपका संदेश डाउन लोड कर सकता है। ई-मेल अलर्ट अथवा पहले ही तय करके आप अपने मित्र के साथ ई-मेल का आदान प्रदान कर सकते हैं। इस लेन-देन के दौरान आप उसी प्रकार लतीफे कह-सुन सकते हैं जैसे आमने-सामने हो। इस सुविधा में आवाज बातचीत में उसी प्रकार सहायता देती है जैसे टेलीफोन की चर्चा में। यदि कंप्यूटर से सीसीडी कैमरा भी जुड़ा है तो आप अपना चित्र भी उसके जरिए भेज सकते हैं और अपने मित्र के साथ तत्काल वीडियो कांफ्रेंसिंग कर सकते हैं।

ई-खेलकूद और ई-खिलौने

क्या आपको शतरंज चैंपियन 'डीप व्ल्यू' कंप्यूटर के वारे में याद है जिसने 1997 के दौरान वहुप्रचारित 'मनुष्य बनाम मशीन' नामक शतरंज मुकावले में अंततः विश्व चैंपियन गैरी कास्परोव को हरा दिया था? इससे यह पता चलता है कि कई खेलों में कंप्यूटर एक दमदार जवावी खिलाड़ी की भूमिका निभा सकता है। कंप्यूटरों की वेहिसाव याददाश्त होती हैं, सैंकड़ों एमएफएलओपी (मिलियन फ्लोएटिंग प्वाइंट आपरेशंस पर सेकेंड) होते हैं और उनमें गणित की जटिल गणनाएं करने में सक्षम वेहद शक्तिशाली व्यवस्था भी होती है। इसमें त्रिआयामी प्रदर्शन की क्षमता भी होती है। उदाहरण के लिए कंप्यूटर पर फुटवाल मैच में खिलाड़ियों की गतिविधि जायस्टिक या कर्सर द्वारा नियंत्रित की जाती है। शूटिंग जैसे आसान खेलों में तेज और सही संचालन खेलने वाले के कौशल पर निर्भर करता है।

स्कूली उम्र से छोटे वच्चों के लिए ऐसे खेल होते हैं जो उनका मनोरंजन करने के साथ-साथ उन्हें अक्षर ज्ञान आदि भी कराते हैं। कुछ खेल आपको अंतरिक्ष की ऐसी वास्तविक और विचारोत्तेजक यात्रा पर ले जाते हैं जो नई जानकारियों के साथ आश्चर्य से भर देती है। इन खेलों में प्रकाश और ध्वनि किसी कुतुवनुमें की तरह मिल जाती हैं जिससे खिलाड़ी को रोमांच का अनुभव होता है। ये खेल सीडी रोम डिस्क से खेले जा सकते हैं अथवा उन्हें आसानी से वेव के जरिए डाउन लोड किया जा सकता है। आप कार दौड़ में हिस्सा ले सकते हैं; अपनी तोप से टैंकों के परखचे उड़ा सकते हैं, लंवी दूरी की मिसाइलों से इमारतों में धमाके कर सकते हैं। लेकिन लेजर किरणों से अंतरिक्षयान को नष्ट करना और भी मजेदार होगा।

सीडी रोम खेलों के अलावा वर्चुअल खेलों का आनंद भी लिया जा सकता है। इसके लिए खेलने वाले को वर्चुअल वातावरण में जाने से पूर्व विभिन्न उपायों से सुसज्जित होना पड़ता है। उदाहरण के लिए हम क्रिकेट खेल रहे हैं। आप वल्लेवाजी कर रहे हैं। एक गेंद आपकी ओर आ रही है, फुलटास। आप

वल्ला घुमाते हैं और कसकर मारते हैं, आपको अपने वल्ले पर गेंद के टकराने का प्रभाव अपने हाथों पर भी महसूस होगा। छक्का जमाया है तो गेंद आपको वाउंडरी के वाहर जाती दिखाई देगी, ये सव कुछ आपको वर्चुअल वातावरण में रहते हुए मिलेगा। हालांकि न कोई मैदान होगा, न स्टंप होंगे, न वल्ला और न गेंद होगी। आप जो कुछ देखेंगे, वह पर्दे पर 3 डी तस्वीरें होगी, आप जो कुछ महसूस करेंगे वह अपने शरीर पर संवेदियों के जरिए करेंगे और आपका शारीरिक अनुभव रोवोट जैसे इलेक्ट्रो मेकेनिकल उपायों का परिणाम होगा जो दवाव पैदा कर या उसे सोख लेने में समर्थ होते हैं। जुरासिक पार्क फिल्म याद है? वह समूचा डायनासोर हमला करता और दहाड़ता हुआ, चलता और रौंदता हुआ, वास्तविक नहीं केवल वर्चुअल था, न वह कोई जैविक संरचना थी और न इल्ट्रो मेकेनिकल फिजिकल मशीन थी। अव एक छोटे से जुरासिक पार्क में एक जीता-जागता डायनासोर मौजूद है। यह ऐसा इंटरेक्टिव खिलौना है जो वार्ने टेलीवजिन शो देखने के समय जी उठता है। छोटे वच्चों के लिए माक्रोसोफ्ट और सार्वजनिक प्रसारण सेवा ने 'वार्ने एंड फ्रैंड्स' कार्यक्रम में इसे शामिल किया था। यह नीला डायनासोर आपके नजदीक आकर वैठ जाता है, आपके टेलीवजिन से मिलने वाले विशेष संकेतों को ग्रहण करता है, उन्हें समझता है और फिर उनके मुताविक वैसे ही हरकत करता है जैसे छोटा वच्चा।

ई-संगीत उपकरण

सिंथेसाइजर जैसे संगीत के प्रारंभिक इलेक्ट्रानिक उपकरणों में स्वर ध्वनि उत्पन्न करने के लिए निश्चित फ्रीक्वेंसी वाले दोलक होते थे। पियानो वादक द्वारा पियानो की कुंजियों पर डाले गए दवाव का उन पर कोई प्रभाव नहीं होता। किसी आर्केस्ट्रा का संचालक अपने हाथों या छड़ी से कलात्मक निर्देश देता है और आर्केस्ट्रा के कलाकार उन निर्देशों को समझकर उनका पालन करते हैं। इसी प्रकार वायलिन वादक ध्वनि उत्पन्न करने वाले अपने तारों से छल्ले के विभिन्न दवावों और कई प्रकार की शारीरिक मुद्राओं के माध्यम से जूझता है और मनपसंद ध्वनि का चुनाव करता है। लेकिन वायलिन वादक के छल्ले के संचालन से इलेक्ट्रानिक उपकरणों में संगीत का कोई रूप नहीं उभर सकता। उसके लिए संगीतकार विभिन्न मानकों के सूक्ष्म नियंत्रण की कला को सीखते और उसका अभ्यास करते हैं। शुरुआती ई-उपकरणों में इनको निरूपित नहीं किया गया है। आज की इलेक्ट्रानिक दुनिया में उंगलियों के दवाव जैसे भौतिक उपाय ध्वनि उत्पन्न करने के लिए आवश्यक हो सकते हैं या शारीरिक भाव-भंगिमाओं को डिजीटल स्तर पर दर्ज करके सिंथेसाइजर तक भेजा जा सकता है। सिंथेसाइजर इन संकेतों को डीकोड कर लेता है और संगीत पर उनका वांछित प्रभाव सामने आ जाता है। उदाहरण के लिए आर्केस्ट्रा संचालक अपने हाथों में डिजीटल छड़ी थाम सकता है। इस छड़ी की घुमाने के समय गति, हवा में संचलन, उंगली या हाथ का उस पर दवाव, किसी खास समय छड़ी की स्थिति ऐसे संकेत हैं जिन्हें संवेदी संग्राहक दर्ज करता है और फिर उन्हें डिजीटल संकेतों में वदल दिया जाता है। जैसे यदि संचालक अपने हाथों को धीरे-धीरे नीचे की ओर लाता है तो संगीत धीमा होता जा है। परंपरागत संगीत उत्पादन में मनुष्य-मनुष्य की अंतर्क्रि कार्य करती है। जवकि कंप्यूटरों में मनुष्य और मशीन के म सवसे आसान अंतर्क्रिय की-वोर्ड या जायस्टिक है। सिंथेसाइ जैसे इलेक्ट्रानिक संगीत उपकरण एमआईडीआई (म्यूजि इंस्ट्रूमेंट डिजीटल इंटरफ्रेश) के माध्यम से संगीतकार संचालक के साथ संवाद करते हैं। ये एमआईडीआई संव ही संगीत को व्याख्यायित करते हैं और सिंथेसाइजर वताते हैं कि किस प्रकार की ध्वनि की रचना करनी है। तरह इलेक्ट्रानिक सिंथेसाइजर उसी प्रकार की संगीत ध्व पैदा कर सकता है जैसी कि किसी थियेटर में संगीत कार्यक्र के जरिए निर्मित की जाती है।

खाली समय में मनोरंजन

अव घर वैठे खरीददारी भी एक प्रकार के मनोरंजन माध्यम वन गया है। आप विण्डो शापिंग के जरिए दुनिया के कि भी शहर में स्थित सुपरमार्केट, दुकान श्रृंखला या वाजार के पृष्ठों पर जाकर खरीददारी कर सकते हैं। आप पेरिस की कि फर्म से डिजाइनर ड्रेस खरीदने का इरादा कर सकते हैं। इस लिए आप ई-मेल द्वारा अपने कंप्यूटर से जुड़े हुए सीसीडी कै के जरिए अपना वीडियो चित्र भेजिए और अगले कुछ ही मि में आप स्वयं को उस ड्रेस को पहनकर फैशन शो की रैम्प घूमते हुए पाएंगे। आप तमाम कोणों से अपने आप को देख सकें आप उसमें तब्दीली के निर्देश भी दे सकते हैं और उस संशोधित रूप को एक माडल के रूप में अपने चित्र पर पहनाव दिखाने के लिए भी कह सकते हैं और यह सव करने के व आप उन्हें क्रेडिट कार्ड नंबर दे दें तो वे आपके लिए एक ड्रेस सी कर उसे डाक द्वारा आपके पते पर भेज देंगे। आप आवास नियंत्रण प्रणाली द्वारा माइक्रोवेव ओवन और वाशि मशीन आदि तमाम घरेलू उपकरणों की देखभाल रखने कारण आपके पास खाली वक्त काफी ज्यादा रहेगा। इस व को आप इंटरनेट पर पेंटिंग जैसी रचनात्मक गतिविधियों इस्तेमाल कर सकते हैं।

यदि आप सैर-सपाटे के लिए वाहर जाना चाहते हैं आप अपने साथ रिमोट कंट्रोल डिवाइस जरूर ले जाइ इसके जरिए आप एयरकंडीशनिंग सहित सभी उपकरणों नियंत्रित कर सकते हैं। अपने घर से चोरों को दूर रखने लिए आप अपने घर की रोशनियों को वीच-वीच में ज और वुझा सकते हैं ताकि घर के अंदर किसी की मौजूद का आभास वना रहे। साथ ही अपने साथ नया डिजीट कैमरा ले जाना मत भूलिए, जिसमें किसी फिल्म का इस्तेमा नहीं होता लेकिन जो कैमरे के भीतर लगी हुई फ्लोपी प चित्रों को जमा करता रहता है। जव आप घर लौटेंगे आपका कंप्यूटर आपको उन सुंदर-रमणीक स्थानों की हूव रंगों में खूवसुरत तस्वीरे तैयार करके दे देगा।

आप ई-मेल के जरिए इन चित्रों को अपने मित्र को भेज सकते हैं और उसके साथ जानकारियों और सूचनाओं के आदान-प्रदान का सिलसिला शुरू कर सकते हैं। आखिर नेटवर्क से जुड़े आवास और ई-मनोरंजन के सदावहार स्रोत का यही तो लाभ है।

सूचना प्रौद्योगिकी का समाज पर प्रभाव

सूचना प्रौद्योगिकी को एक ऐसी प्रौद्योगिकी के रूप में परिभाषित किया गया है जो दुनिया में किसी भी व्यक्ति के साथ कहीं भी होने वाली घटना या प्रसंग के यारे में संपूर्ण जानकारी उपलब्ध कराती है। सूचना को समाज के विकास का मूल स्रोत कहा जा सकता है। सभ्यता के आरंभिक दिनों में जब गुफा में रहने वाला मनुष्य जीवन के लिए संघर्ष कर रहा था तो उसने महसूस किया कि समुदाय के रूप में जीवन अपेक्षाकृत सरल होता है। समुदाय के रूप में रहने पर उसके सदस्य एक दूसरे के साथ सूचना का लेन–देन आसानी से कर सकते हैं। वे पानी की उपलब्धता की जानकारी एक दूसरे को दे सकते थे, किसी खास इलाके में जंगली पशु की मौजूदगी की जानकारी मिलने पर वे खतरे से भी अपनी जान बचा सकते थे। आग जलाने के तरीका सीखने के फलस्वरूप मनुष्य खाना पकाने में सक्षम हो सका। इस प्रकार सूचना ने मनुष्यों में सामाजिक चेतना का विकास संभव बनाया। मनुष्यों के मस्तिष्क में असीम स्मरण शक्ति की सहायता से संचालित होने वाला सुपर कंप्यूटर होता है। मनुष्य शरीर का रहस्यपूर्ण और परोक्ष भाग उसका मस्तिष्क ही है। अपने मस्तिष्क और बुद्धि की सहायता से मनुष्य पृथ्वी पर रहनेवाले किसी भी अन्य प्राणी की तुलना में बहुत ही उच्चतर जीवन जीने में सक्षम क्योंकि वह विभिन्न सूचनाओं को संयोजित करने के बाद शक्ति द्वारा उसे ज्ञान में बदल सकता है। इस ज्ञान में .क तत्व और अन्तर्दृष्टि को मिलाकर मनुष्य एक विस्तृत और दूरगामी संकल्पना कर लेता है। भविष्यत् दृष्टि और आनेवाले समय की घटनाओं को समझने वाली कल्पना शक्ति दृष्टिकोण और पर्यवेक्षण क्षमता के विकास को संभव बना देती है। इतना सब होने पर मानव समुदाय अपने लिए जीवन मूल्यों का निर्धारण करता है, एक आचार संहिता को तैयार करता है और समाज के प्रत्येक सदस्य के लाभ के लिए एक बौद्धिक समुदाय के गठन का मार्ग प्रशस्त करता है। सूचना प्रौद्योगिकी ने समाज की इस विकास प्रक्रिया की गति को तेज कर दिया है। समाज में बड़ी संख्या में व्यक्तियों के सामूहिक प्रयास ने इस विकास को नया योगदान दिया है।

प्राचीन समय में यूनानी अगोरा (सभाचौक), रोमन कम्यून (सामुदायिक घर) या भारतीय पंचायतें होती थीं जिनमें समाज के लोग मिलते थे, जानकारियों का आदान–प्रदान करते थे, सामूहिक विवेक के आधार पर फैसले लेते थे, सदस्यों को अनुशासित करते थे, उन्हें शिक्षित बनाते थे और जीवन की कठिनाइयों को दूर करने में अपने लोगों की सहायता करते थे। अब भी ये स्थल सामुदायिक जीवन का महत्वपूर्ण अंग होते हैं। तब सार्वजनिक स्थल सामाजिक, सांस्कृतिक, राजनीतिक और व्यापारिक गतिविधियों का केन्द्र भी होते थे। यहां होनेवाली सभाएं सबके लिए खुली होती थी। स्वेच्छा से कोई भी उनमें भाग ले सकता था, लेकिन उनके लाभ इतने व्यापक थे कि नागरिक इन कार्रवाइयों में स्वयमेव सम्मिलित होने का प्रयास करते थे। सामाजिक विकास प्रक्रिया की सफलता का आधार बने इस माध्यम के पीछे सूचना ही संचारी शक्ति का काम करती थी। सूचना वहां विभिन्न स्रोतों से उपलब्ध होती थी और इस सामूहिक कार्रवाई में भाग लेने अधिसंख्य लोगों के विवेक के लिए लाभकर होती थी। इस प्रणाली में एक ही अधूरापन था कि इसकी पहुंच छोटे से गांव में रहने वाले सीमित समुदाय तक थी।

सूचना प्रौद्योगिकी की बदौलत निकट अतीत में कुछ ऐसे अभूतपूर्व व्यापक लेकिन कल्पनातीत तकनीकी विकास हुए जिन्होंने दुनिया में रह रहे तमाम लोगों को एक ही नेटवर्क से जोड़ना संभव कर दिया। आज के समाज को 'सूचना समाज' कहा जाता है। सूचना महामार्ग (सुपर हाइवे) के जरिए आम नागरिकों को एक दूसरे से जोड़ने का काम होता है। इन महामार्गों पर सूचना और आंकड़ों के प्रवाह ने घनिष्ठ रूप से जुड़े हुए समाज की रचना की है। समाज का हर नागरिक विश्व सूचना तक पहुंच सकता है। वह असंख्य स्रोतों में से किसी से भी ज्ञान हासिल कर सकता है। एक आम व्यक्ति इंटरनेट और ई–मेल के जरिए किसी भी क्षेत्र के विशेषज्ञ तथा डाक्टर से संपर्क कर सकता है और श्रेष्ठ चिकित्सकीय परामर्श हासिल कर सकता है। मरीज के वीडियो चित्र, ईसीजी व अन्य चिकित्सकीय रिपोर्ट आदि भी जांच के लिए डाक्टर को इसी माध्यम से भेजी जा सकती है। यही बात विशेषज्ञ शिक्षकों के मामले में भी लागू होती है। आज दुनिया के किसी भी कोने में रह रहे लोगों को बुद्धिमान व्यक्तियों का परामर्श उपलब्ध है। आज विश्व ग्राम की छह अरब से अधिक जनसंख्या की सूचना सहक्रिया, ज्ञान और बुद्धि के जरिए समाज का सर्वांगीण विकास हो रहा है। वसुधैव कुटुम्बकम् का आदर्श साकार होने वाला है। यह प्रसन्न, समृद्ध, स्वस्थ, रचनात्मक, बौद्धिक परिवार इस सूचना युग का एक विलक्षण परिणाम होगा।

अर्थव्यवस्था का विकास

पहले का समाज जीवन और अस्तित्व के लिए संघर्ष करने वाला रहा था। धन ऐसी शक्ति था जो समाज को भूख, असुरक्षा, बीमारी और दैवी आपदा पर विजय पाने की शक्ति देता था। विज्ञान और प्रौद्योगिकी के विकास ने मानवीय प्रगति

तेज किया। मनुष्य का अधिक विकास हुआ तो ज्यादा तेक आवश्यकताओं को पूरा करने की जरूरत हुई। इसके नस्वरूप धन का उत्पादन करनेवाली औद्योगिक क्रांति का म हुआ। भौतिक आवश्यकताओं के प्रति संतुष्ट होने के द समाज ने कला और संस्कृति के क्षेत्र में भौतिक प्रगति, तरिक्ष की खोज और उसी प्रकार के अन्य लक्ष्यों के बारे विचार शुरू किया। प्रगति की इस राह पर समाज के गरिक जहां नए क्षेत्रों का अनुसंधान और व्यापक परिप्रेक्ष्यों विकास करते हैं, वहीं व्यक्ति का अपना उपयोगितावाद भिव्यक्तीय व्यक्तिवाद में बदल जाता है जो वैयक्तिक कास, ज्ञान बोध और स्वप्रकटीकरण पर विशेष ध्यान देता और सामाजिक दायित्वपूर्ति का भाव जगाता है। सूचना द्योगिकी ऐसा कारक है जो व्यक्ति को आवश्यक सूचना प्त करने और ज्ञान तथा बुद्धि के स्रोतों से जुड़ने में सहायता रता है। आईटी ने एक नई व्यापक औद्योगिक गतिविधि को जन्म दिया है। साथ ही आईटी एक ऐसे सशक्त औजार रूप में काम कर रही है जो तमाम औद्योगिक प्रक्रियाओं ो उत्पादकता, क्षमता और विश्वसनीयता को बढ़ा देती है। सका परिणाम अधिक सृजनात्मकता और समाज के लिए न के अधिक उत्पादन के रूप में सामने आता है।

ामाजिक परिवर्तन

सामाजिक जीवन के विभिन्न क्षेत्रों को सूचना प्रौद्योगिकी अनेक नई अवधारणाओं से जोड़ा है। घर बैठे टेलीविजन और कंप्यूटर पर इंटरनेट के जरिए मनोरंजन और आमोद–मोद संभव हो गया है। मल्टीमीडिया वर्चुअल रीयलिटी, डिजीटल वीडियो, सराउंड साउंड डिजीटल ओडियो, 3डी ग्राफिक्स और ऐसे ही अन्य प्रौद्योगिकी चमत्कार शिक्षा और मनोरंजन प्रदान कर रहे हैं। खरीददारी के लिए मीलो लंबी यात्रा और विशाल बाजारों तथा डिपार्टमेंटल स्टोरों की थका देनेवाली घुमक्कड़ी की परेशानियां अब धीरे–धीरे समाप्त हो रही हैं। आप घर बैठकर ही खरीददारी, टैलीबैंकिंग और वीडियो कांफ्रेंस कर सकते हैं। छोटा सा घर–दफ्तर और कागज मुक्त दफ्तर की धारणा का अर्थ यह है कि आपको कार्यस्थल की यात्रा नहीं करनी है और 9 से 5 बजे तक के निर्धारित समय में ही कार्यालय का काम नहीं करना है। यह सारा काम घर दफ्तर से किसी भी समय किया जा सकता है। बैठकों में भाग लेने के लिए भी अब आपको यात्रा करने की जरूरत नहीं रह गई है। इसके लिए आप वीडियो कांफ्रेंस में शामिल हो सकते हैं। ई–कामर्स और ई–करेंसी प्रौद्योगिकियों के जरिए समस्त व्यावसायिक गतिविधियां संपन्न की जा रही है। इंटरनेट पर ई–मेल, इंटरनेट चर्चा और वीडियो फोन के जरिए मित्रों के साथ मुलाकातों और सामाजिक सम्पर्कों में भारी वृद्धि हुई है। शिक्षारंजन (एज्यूटेनमेंट) बच्चों को उन्हीं के पास जाकर शिक्षा और मनोरंजन प्रदान कर रहा है। यह परिदृश्य समृद्ध शहरी समाज का है तो ग्रामीण वातावरण में अलग ढंग से परिवर्तन आ रहा है। अब ग्रामवासी भी नेटवर्क से जुड़े समाज का हिस्सा बन रहा है और शहरी समाज की एक नई अवधारणा आकार ग्रहण कर रही है। पहले ग्रामीण क्षेत्र के नागरिक को सरकार को कर या बिल आदि चुकाने अथवा राजस्व दस्तावेज या जन्म प्रमाणपत्र प्राप्त करने तथा ऐसे ही अन्य कार्यों के लिए जिला मुख्यालय या तालुका कार्यालय की यात्रा करनी पड़ती थी। नए सूचना समाज ने 'सूचना ढाबों' को जन्म दिया है जो कोने–कोने में कार्यरत हैं। नागरिक अब इन ढाबों के जरिए करों का भुगतान या सरकारी दस्तावेज प्राप्त कर सकते हैं। जो शहरी नागरिक अपने निजी इंटरनेट कनेक्शन का निर्वाह नहीं कर सकते, वे भी ई–मेल सेवा, वीडियो फोन और ई–कामर्स के जरिए इसका फायदा उठा सकते हैं। किसी भारतीय गांव में रहने वाली उस 80 साल की वृद्धा की खुशी की कल्पना कीजिए जो अपने घर के पास बने सूचना ढाबे पर जाकर हजारों मील दूर बैठे अपने पोते से संपर्क कर सकती है। इसी से मिलते–जुलते ई–कामर्स के एक और परिदृश्य के बारे में विचार कीजिए जब एक छोटा किसान अपने आस–पास के शहरों के विभिन्न बाजारों में माल की कीमतों और आवक की जानकारी पलक झपकते हासिल कर सकेगा। नतीजा यह होगा कि वह सही निर्णय ले सकेगा कि अपने माल को अच्छी कीमत पर जल्दी बेचने के लिए कौन से बाजार में ले जाए।

स्वास्थ्य और शिक्षा

स्वास्थ्य रक्षा संबंधी गतिविधियों के विकास को सक्षम बनाने की दृष्टि से सूचना प्रौद्योगिकी सशक्त साधन है। यह प्रौद्योगिकी अस्पताल प्रबंधन और रोगी परिचर्या तथा प्रबंधन के लिए विभिन्न प्रणालियां उपलब्ध कराती है। आईटी किसी जनपद या क्षेत्र के समस्त अस्पतालों के लिए औषधियों की केन्द्रीय नियंत्रण प्रणाली की सुविधा प्रदान करती है। इंटरनेट और अन्य आईटी साधनों का उपयोग करते हुए उपयुक्त दवाओं का वितरण और निर्गम, जहां उपलब्ध है वहां से, जहां जरूरत है वहां तेज गति और सहूलियत के साथ किया जा सकता है। बहुत दूर बैठे विशेषज्ञ से तत्काल सलाह का जरूरतमंद रोगी इंटरनेट के जरिए उससे किसी भी समय तुरंत परामर्श ले सकता है। इसी प्रकार दूर–दराज के अस्पतालों से सामान्य सलाह–मशवरे की सुविधा हासिल की जा सकती है।

सूचना प्रौद्योगिकी न केवल शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार करेगी वरन् कक्षाओं के लिए श्रेष्ठ शैक्षिक सामग्री की उपलब्धता भी सुनिश्चित करेगी और प्रौढ़ शिक्षा के क्षेत्र में भी सुधार लाएगी। इसके लिए जरूर सामग्री को दुनिया में कहीं भी मौजूद विशेषज्ञ तैयार कर सकते हैं। यह वेब सर्वर पर हर समय मौजूद रहेगी और इंटरनेट के जरिए कोई भी स्कूल या छात्र इस तक पहुंच सकेगा। कोई भी छात्र श्रेष्ठतम शिक्षा का लाभ उठाने से वंचित नहीं होगा और कोई भी व्यक्ति भविष्य के बौद्धिक समाज का श्रेष्ठतम नागरिक बन सकेगा। सूचना प्रौद्योगिकी इतनी सर्वांगीण और संभावनाओं की दृष्टि से इतनी समृद्ध है कि सामाजिक जीवन के किसी भी क्षेत्र की जरूरत को वह पूरा कर सकती है और समूचे समाज को ऐसा रूप प्रदान कर सकती है जो उसके लिए अपेक्षित है।

21वीं शताब्दी का बौद्धिक समाज

सूचना प्रौद्योगिकी और इंटरनेट ने विश्व–नागरिकों के बहुत ही सुघड़ और घनिष्ठ समुदाय का विकास किया है।

व्यक्तियों के मध्य संचार तात्कालिक हो गया है। इधर-उधर फैली तमाम सूचनाएं प्रसंस्करण के बाद ज्ञान में तब्दील हो रही है। इंटरनेट पर बुलेटिन बोर्ड और चर्चा कक्ष तथा इंटरनेट ब्राउजर्स नागरिकों के मध्य सूचना के आदान-प्रदान, परिचर्चा और संपर्क प्रोत्साहित कर रहे हैं। लोग अब अधिक बुद्धिमान और स्वस्थ्य रूप में विकसित हो रहे हैं।

पर्याप्त सुविधा और विश्राम के लिए साधनों का निर्माण किया जा रहा है ताकि लोग सृजनात्मक कार्यो की ओर अधिकाधिक ध्यान दे सकें और कला तथा समृद्धि को पुष्ट कर सकें। वर्चुअल समुदाय ने समस्त भौतिक सीमाओं, भौगोलिक रेखाओं और राजनीतिक हदों को समाप्त कर दिया है। यह काम सूचना समाज द्वारा निर्मित 'साइबरस्पेस' ने किया है। सामाजिक जीवन में इससे भारी बदलाव आ रहा है। हालांकि इस विकास प्रक्रिया की अपनी सीमाएं भी हैं। साइबरस्पेस ने साइबर अपराध, सुरक्षा, निजता और वैयक्तिक नागरिक की हिफाजत को दाव पर लगा दिया है। साफ्टवेयर चोरी, हैकिंग, ई-करेंसी धोखाधड़ी, बौद्धिक संपदा और पेटेंट अधिकारों का उल्लंघन तथा मानव मस्तिष्क की ऐसी ही अन्य बुराइयों से निपटने की नई चुनौतियां पैदा हुई हैं। इस उद्देश्य के लिए कुछ नए कानून जिन्हें साइबर कानून कहा गया है, भी बनाए गए हैं। साइबर स्पेस द्वारा तमाम राजनीतिक सीमाओं में घाल-मेल कर देने के कारण एक और खतरा दुनिया के देशों के विकसित, विकासशील और अल्प विकसित श्रेणी में बट जाने के रूप में सामने आ रहा है। लेकिन यदि समूचे विश्व को सचमुच के ग्राम में तब्दील होना है तो आर्थिक, सांस्कृतिक, सामाजिक, मनोवैज्ञानिक और सत्ता संबंधी असंतुलनों को दूर करना होगा। दूसरी ओर, एक नकारात्मक पक्ष यह भी है कि विभिन्न देशों की सीमाओं के आर-पार साइबरस्पेस के कारण मादक पदार्थों और हथियारों की तस्करी को बढ़ावा मिलेगा क्योंकि हकीकत में कोई सीमा होगी ही नहीं। क्या यह स्थिति कंप्यूटर समुदाय के लिए एक दुखद असफलता का कारण बनेगी। इस प्रकार स्पष्ट है कि 20वीं शताब्दी के सूचना समाज के समक्ष चुनौती दस्तक दे रही है। अब यह सुनिश्चित किया जाना जरूरी है कि समाज को एक बौद्धिक समाज में तब्दील होना है। सूचना समाज को हर हालत में 21वीं सदी में बौद्धिक, सांस्कृतिक रूप से समृद्ध, सामाजिक रूप से गत्यात्मक, रचनात्मक, स्वस्थ, प्रसन्न, शांति-प्रिय, सुदृढ़ आर्थिक आधार वाला और समृद्ध विश्वसमुदाय के रूप में युगान्तरकारी परिवर्तनों में ढलना होगा। सूचना प्रौद्योगिकी न केवल इस प्रकार के समाज के निर्माण की अवश्यकता के मूलाधार का काम करेगी वरन् ऐसे दूरगामी सामाजिक बदलाव के लिए मार्ग भी प्रशस्त करेगी।

कंप्यूटर

बीसवीं सदी में कंप्यूटर क्रांति के चलते अब सूचनाओं की प्राप्ति और इनके संसाधन मे काफी तेजी आई है। खिलौनों, शब्द संसाधकों, (वर्ड प्रोसेसर्स), पोकेट, रोबोट और घरेलू साज-सामान आदि अनगिनत तक में माइक्रो प्रोसेसर प्रयुक्त हो रहे हैं। माइक्रो प्रोसेसर बिना आधुनिक मशीनों की कल्पना भी नहीं की जा सकती।

पांच पीढ़ियां: पिछले चार दशकों में कंप्यूटर की पहली चार पीढ़ियां क्रमशः वैक्यूम ट्यूब तकनीकी, ट्रांजिस्टर और प्रिंटेड सर्किट तकनीकी, इंटिग्रेटेड सर्किट तकनीकी और वेरी लार्ज स्केल इंटिग्रेटेड (VLSI) तकनीकी पर आधारित थीं। चौथी पीढ़ी की VLSI तकनीकी में माइक्रो प्रोसेसरों का वजन केवल कुछ ग्राम तक रह गया था। एक दो वर्ग इंच की सिलिकोन चिप 512 K या 512 x 1024 बिट तक स्टोर कर सकता है। (बिट बाइनरी डिजिट को कहते है।) आज पांचवीं पीढ़ी के कंप्यूटर तो कृत्रिम बुद्धि वाले हो गए हैं।

कंप्यूटर वास्तव में एनलोग या डिजिटल मशीनें ही हैं। अंकों को एक सीमा में परस्पर भिन्न भौतिक मात्राओं में परिवर्तित करनेवाले कंप्यूटर एनालोग कहलाते हैं। जबकि अंकों का इस्तेमाल करनेवाले कंप्यूटर डिजिटल कहलाते हैं। एक तीसरी श्रेणी हाइब्रिड कंप्यूटरों की भी है। इनमें अंकों का संचय और परिवर्तन डिजिटल रूप में होता है लेकिन गणना एनालोग रूप में होती है।

एनालोग कंप्यूटर केवल विशेष वैज्ञानिक और तकनीकी क्रियाकलापों के लिए ही होते हैं जबकि डिजिटल कंप्यूटर वैज्ञानिक क्षेत्रों के साथ-साथ व्यवसाय और प्रशासनिक क्षेत्रों में भी काम आते हैं। आज कंप्यूटर की दुनिया में डिजिटल कंप्यूटरों का ही बोलबाला है। नवीनतम डिजिटल कंप्यूटरों को ही अब माइक्रो कंप्यूटर कहा जाता है।

इतिहास

यांत्रिक कैलकुलेटर का उद्‌गम दो गणितज्ञों ब्लेज पास्कल (1623-62) और गोटफ्रीड विल्हेम लेबिट्ज (1646-1716) के कार्यों में खोजा जा सकता है। लेकिन चार्ल्स बैबेज (1792-1871) ने जोन नेपियर (1550-1617) द्वारा खोजों गए लघुगुणक अंकणों को समाहित कर सकनेवाली आलपरपज कैलकुलेटिंग मशीन बनाने का विचार किया था।

आधुनिक कंप्यूटर क्रांति इस सदी के चौथे दशक में आरंभ हुई थी। 1904 में खोजे गए थर्मियोनिक (तापायनिक वोल्व) को वैज्ञानिक विन्न विलियम्स ने 1931 में गणक यंत्र के रूप में उपयोगी पाया था। हावर्ड एकेन द्वारा निर्मित हावर्ड मार्क-1 कंप्यूटर विश्व का पहला डिजिटल कंप्यूटर था जिसमें इलेक्ट्रो मैकेनिकल यंत्रों का प्रयोग हुआ था। इसे 1944 में इंटरनैशनल बिजनेस मशीन (IBM) और हावर्ड विश्वविद्यालय ने मिलकर विकसित किया था। 1946 में विश्व का पहला पूरी तरह से

इलेक्ट्रोनिक डिजिटल कंप्यूटर ENIAC या इलेक्ट्रोनिक न्यूमेरिकल इंटिग्रेटर एंड कैलकुलेटर बना। पहली पीढ़ी का यह कंप्यूटर वैक्यूम ट्यूब टेक्नोलोजी पर आधारित था। इसमें दस अंकों की बीस संख्याओं को स्टोर किया जा सकता था। यह दस अंकों का दो संख्याओं का गुणनफल तीन मिलीसेकेंड (एक सेकेंड का एक हजारवां भाग) में निकाल सकता था और प्रति सेकेंड 5000 योग कर सकता था। इस कंप्यूटर में 18,000 वैक्यूम ट्यूब, 70,000 रेसिस्टर, 10,000 कैपेसिटर और 6,000 स्विच होते थे। तीन टन वजनी इस कंप्यूटर की लंबाई 100 फुट, ऊंचाई दस फुट और मोटाई 3 फुट थी। यह दशमलव प्रणाली की मशीन थी जबकि आज के कंप्यूटर बाइनरी (0,1) द्विसंकेत संख्या व्यवस्था पर आधारित होते हैं। जून 1945 में प्रसिद्ध गणितज्ञ जानवान न्यूमैन ने इलेक्ट्रोनिक डिसक्रीट वैरिएबल ओटोमैटिक कंप्यूटर (EDVAC) पर अपनी रिपोर्ट दी। डिजिटल कंप्यूटरों के लिए वान न्यूमैन के ढांचे में इनपुट, आउटपुट, मेमोरी, अर्थमैटिक लोजिकल यूनिट (ALU) और कंट्रा ल यूनिट थे। एक सेंट्रल प्रोसेसर यूनिट (CPU) पर आधारित इस परंपरागत डिजाइन में एक नियमित परिदृश्य या प्रोग्राम के जारिए काम होता था।

बाइनरी सिस्टम (द्विअंकन व्यवस्था)

शून्य और एक के अनंत संयोजन मिलकर बाइनरी व्यवस्था बनाते हैं। दस आधार की गणना या परिकलन में शून्य सहित दस संकेत या सिफर जरूरी होते हैं। जबकि दो आधार की गणना में केवल दो सिफरों, शून्य और एक की जरूरत होती है। निम्न अंकों के लिए बाइनरी संख्या इस प्रकार लिखी जाती है।

0–0, 1–1, 2–10, 3–11, 4–100, 5–101, 6–110, 7–111, 8–1000, 9–1001, 10–1010, 11–1011, 15–1111, 16–10000.

बाइनरी व्यवस्था में सभी सामान्य परिकलन और गणनाएं अपने सरलतम रूप में होती हैं। यह व्यवस्था 17 वीं सदी में थामस हैरियर ने सबसे पहले इस्तेमाल की थी।

प्रोग्रामिंग भाषा

कंप्यूटरवेयर के दो भाग होते हैं -- हार्डवेयर और सोफ्टवेयर। इलेक्ट्रोनिक सर्किटों और इलेक्ट्रोमैकेनिकल साधनों से बनी पांच कार्य यूनिटें कंप्यूटर हार्डवेयर बनाती है। जबकि हार्डवेयर पर इस्तेमाल होने वाले प्रोग्राम या रूटीन, जिनसे विभिन्न कार्य किए जाते हों, सोफ्टवेयर कहलाते हैं।

प्रोग्राम लिखने की कला प्रोग्रामिंग कहलाती है। प्रत्येक मशीन में अपने हार्डवेयर के अनुसार एक अद्वितीय निम्न स्तरीय भाषा या मशीन लैंग्वेज होती है। बाइनरी–डिजिटल कंप्यूटर में मशीनी भाषा शून्य और एक से मिलकर बनती है। जबकि असेंबली भाषा, मशीन भाषा में एमनोमिक्स का प्रयोग करती है। इसमें प्रोग्रामर को कठिन निम्न स्तर मशीन भाषा लिखने से बचाने के लिए सैकड़ों उच्च स्तर प्रोग्रामिंग भाषाएं विकसित की गई हैं।

'बेसिक' अंग्रेजी से मिलती–जुलती बोलचाल वाली भाषा है। 60 के दशक के मध्य में जोन केमेनी और थामस कर्ट्ज द्वारा विकसित यह भाषा जल्दी ही कंप्यूटर जगत में छा गई। 70 के दशक के मध्य में माइक्रोप्रोसेसर इजाद होने के साथ ही बेसिक भाषा 'रीड ओनली मेमोरी' या ROM चिप पर उपलब्ध होने लगी। कंप्यूटर प्रोग्रामिंग भाषाएं अमूमन संकलित या व्याख्यात्मक भाषाएं होती हैं। उच्च स्तर प्रोग्रामिंग भाषा में यूजर्स प्रोग्राम को सोर्स कोड कहते हैं। संकलक या कंपाइलर सोर्स कोड को मशीन भाषा में अनुवादित करता है। इसे आब्जेक्ट कोड कहते हैं। यह आब्जेक्ट कोड तिथि समेत अगले चरण में व्यवस्थापित हो जाता है। इस तरह संकलित भाषा में दो चरण आते हैं – संकलन और व्यवस्थापन वहीं किसी व्याख्यायित भाषा में केवल सोर्स प्रोग्राम होता है। यह सीधे ही मशीन भाषा में पंक्तिदर पंक्ति अनुवादित हो जाता है। माइक्रोसोफ्ट 'बेसिक' भाषा एक व्याख्यायित भाषा है। व्याख्यायित भाषा इस्तेमाल करने से प्रोग्राम विकसित करने में आसानी रहती है।

आज के कंप्यूटर मेनफ्रेम, मिनी और माइक्रो कंप्यूटरों में वर्गीकृत किए जा सकते हैं। मेनफ्रेम कंप्यूटर वास्तव में बड़ी महंगी और केंद्रीकृत कंप्यूटर व्यवस्था है। इसमें एक सूपर कंप्यूटर या बड़ा कंप्यूटर विभिन्न कंप्यूटर टर्मिनलों से जुड़ा रहता है। इसकी मेमोरी काफी बड़ी होती है और यह प्रतिसेकेंड लाखों गणनाएं कर सकता है। मिनी कंप्यूटर भी बहु प्रयोगी होते हैं। लेकिन इनकी मेमोरी और गणनगति भी कम होती है दूसरी ओर माइक्रोकंप्यूटर मानक माइक्रो प्रोसेस पर आधारित होते हैं। इसमें एक सिलिकोन इलेक्ट्रोनिक चिप होती है जिसमें ALU और कंट्रोल यूनिट होते हैं। आजकल 64 बिटवाले माइक्रो प्रोसेसर भी उपलब्ध हैं। इनसे मशीन की गणन क्षमता और गति काफी तेज हो जाती है।

माइक्रो कंप्यूटरों को अक्सर परसनल कंप्यूटर या पीसी भी कहा जाता है। क्योंकि आमतौर पर इनका प्रयोग आफिस या घरेलू कामों में ही होता है।

माइक्रो कंप्यूटर की दुनिया

1980 में IBM कंपनी द्वारा पीसी की बिक्री के साथ ही माइक्रो कंप्यूटर उद्योग में क्रांति सी आ गई। माइक्रो कंप्यूटर में एक सिस्टम यूनिट, एक की–बोर्ड और विजुअल डिसप्ले यूनिट (VDU) होते हैं। जबकि प्रिंटर महज एक सहायक इकाई होता है। इससे माइक्रोकंप्यूटर के आउटपुट को हाई कोपी के रूप में प्राप्त किया जाता है। इसका की–बोर्ड सामान्य टाइपराइटर की–बोर्ड की तरह ही होता है। हालांकि इसमें कुछ विशेष चीजें और भी जुड़ी रहती हैं। VDU माइक्रो कंप्यूटर का वीडियो डिस्पले टर्मिनल होता है। यह मोनोक्रोम (श्वेत–श्याम) या रंगीन होता है।

सिस्टम यूनिट किसी भी माइक्रोकंप्यूटर का सबसे अहम भाग है। इसमें माइक्रो प्रोसेसर की गति 6.5 लाख आपरेशन प्रति सेकेंड होती है। साथ ही इसमें डायनमिक रैंडम एक्सेस मेमोरी (DRAM), एक फ्लोपी डिस्क ड्राइव, बिल्ट इन स्पीकर और मैनेजमेंट एनलार्जमेंट के लिए कुछ एक्सपेंशन स्लोट होते हैं। इसके अलावा माइक्रो कंप्यूटर की [illegible] बढ़ाने के लिए अतिरिक्त RAM बोर्ड, चिप और [illegible]

भी इसमें लगाए जा सकते हैं। ROM माइक्रो कंप्यूटर आपरेशनों के लिए जरूरी प्रोग्रामों को स्टोर करता है।

मोड्यूलर

माइक्रो कंप्यूटर का डिजाइन मोडयूलर होता है। इसके मोड्यूल एक संवाहक से जुड़े रहते हैं। इसका संवाहक (या वस) PDP-11 के UNI-BUS का माइक्रो प्रोसेसर रूप है। जवकि INTEL कंप्यूटर MULTI-BUS आधारित होता है।

माइक्रो प्रोसेसर या सिलिकोन चिप ALU और कंट्रोल यूनिट को मिलाता है। जवकि मेमोरी (ROM और RAM), माइक्रो प्रोसेसर की–वोर्ड इंटरफेस, VDU आदि, एक्सपेंशन स्लोट, स्पीकर और टाइमिंग सर्किट सभी माइक्रो कंप्यूटर सिस्टम के मदरवोर्ड पर होते हैं।

अधिकतर 8–विट के माइक्रो प्रोसेसरों में एक समय में केवल 64 किलो वाइट (KB) मेमोरी होती है। जबकि अधिकांश 16–विट माइक्रोप्रोसेसरों में 256 KB से 16 MB (मेगावाइट) मेमोरी हो सकती है। साथ ही 16–विट माइक्रो प्रोसेसर 8–विट मा. प्रो. के मुकावले दो से दस गुना अधिक तेजी से आंकड़ों को प्रोसेस कर सकता है।

डेस्क टोप सिस्टम

चौथी पीढ़ी के माइक्रो कंप्यूटरों जैसे IBM-PC और मैकिंन्टोश आदि फ्लापी डिस्क ड्राइव (FDD) और CD ड्राइवस वाले छोटे डेस्क टा प सिस्टम हैं। इनमें एक माइक्रोप्रोसेसेर और RAM, और पांच एक्सपें शन स्लोट होते हैं। ये विभिन्न आपरेशन सिस्टम जैसे MS-DOS, विंडो–95, OS/2 और मैक 05 के तहत काम करते हैं।

फ्लोपी डिस्क

माइक्रो कंप्यूटरों में सहायक स्टोरेज के रूप में सवसे ‚ । इस्तेमाल फ्लोपी डिस्क का होता है। यह प्लास्टिक के ‚ . में बंद गोल विनाइल डिस्क होती है। इसका अब अंतर्राष्ट्रीय मानक आकार साढ़े तीन इंच हैं। इसके दोनों ओर सूचनाएं स्टोर की जा सकती हैं। सूचनाओं को सिंगल, डवल या हाई डेंसिटी में स्टोर किया जाता है। डिस्क की रिकार्डिंग क्षमता का पता डेंसिटी से चलता है। अमूमन ज्यादातर डिस्कें 180 KB, 360 KB, 720 KB, 1500 KB और 1440 KB की होती हैं। अब मैग्नेटो ओप्टिव ड्राइव और कार्ट्रिज 21 MB, 128 MB, 650 MB और 1 GB क्षमता में भी उपलब्ध हैं। ये लेसर आधारित है। इसलिए काफी महंगी होती है।

हार्ड डिस्क ड्राइव

विनचेस्टर या हार्ड डिस्क की क्षमता फ्लापी डिस्क से काफी ज्यादा होती है। लेकिन इन्हें फ्लापी डिस्क की तरह बदला नहीं जा सकता।

आजकल की हार्ड डिस्कें साढ़े तीन इंच तक छोटी हो सकती हैं और इनकी क्षमता 40MB से 2GB तक होती है। अक्सर फ्लोपी डिस्क को हार्डडिस्क के साथ कंजक्शन में इस्तेमाल किया जाता है।

आपरेटिंग सिस्टम (OS)

यह किसी भी कंप्यूटर में ऐसे प्रोग्रामों का समूह है जो कंप्यूटर में सभी आपरेशनों जैसे CPU मेमोरी, की–बोर्ड, फ्लोपी डिस्क, VDU इत्यादी की देख–रेख और इंतजाम रखता है। इसका मुख्य काम डिस्क में फाइलें सुरक्षित रखना और कंप्यूटर और इसके अंदर मौजूद अन्य पुर्जों में संचार वनाए रखना है। माइक्रो कंप्यूटर आन करने पर इसमें जानेवाली पावर प्रक्रिया वूटिंग कहलाती है।

प्रिंटर

माइक्रो कंप्यूटर के साथ आमतौर पर डोट मेट्रिक्स प्रिंटर का प्रयोग होता है। इसमें 9 लंबवत पिनें मैट्रिक्स पैटर्न बनाकर प्रति इंच 5 से 16.5 कैरेक्टर तैयार करती हैं। डोट मैट्रिक्स प्रिंटर समांतर संचार पोर्ट द्वारा माइक्रो कंप्यूटर सिस्टम के पीछे से जुड़ा रहता है। आजकल 1066 कैरेक्टर प्रति सेकेंड की गति से छपाई करने वाले प्रिंटरों का प्रयोग होता है। इंकजेट और बबलजेट प्रिंटर अब काफी सस्ते भी हैं। हालांकि आजकल इस्तेमाल होनेवाले लेसर जेट प्रिंटर काफी तेज और प्रभावी मगर थोड़े महंगे होते हैं।

नेटवर्किंग

नेटवर्क ऐसी व्यवस्था है जिसमें कंप्यूटर सूचनाओं औ[illegible] इनके स्रोतों का आदान प्रदान करते हैं। यह आदान प्रदा[illegible] छोटी दूरी (लोकल एरिया नेटवर्क) या बड़ी दूरियों (वाइ[illegible] एरिया नेटवर्क) के लिए हो सकता है। नेटवर्किंग से किसी [illegible] संगठन में हर कोई एक दूसरे से संपर्क कर सकता है, सूचना[illegible] का आदान–प्रदान कर सकता है और स्रोतों और आंकड़ों त[illegible] हरेक की पहुंच हो सकती है। नेटवर्किंग किसी भी छोटे–[illegible] संगठन के लिए विकसित की जा सकती है।

80 के दशक में पीसी के विकास के साथ ही लोक[illegible] एरिया नेटवर्क (LAN) काफी प्रचलित हो गया। LAN [illegible] आस–पास के कंप्यूटर केवलिंग व्यवस्था से आपस में [illegible] रहते हैं। इससे सूचनाओं का प्रसार व आदान–प्रदान [illegible] कंप्यूटर स्रोतों का आदान–प्रदान काफी आसान हो गया। इ[illegible] अधिकांशत: पीसी का इस्तेमाल होता है। LAN में वर्कस्टे[illegible] होते हैं जो एक केंद्रीय कंप्यूटर फाईल सर्वर से जुड़े रहते[illegible] सभी वर्कस्टेशनों में एक नेटवर्क इंटरफेस होता है। LAN [illegible] मेनफ्रेम कंप्यूटरों सहित बड़े नेटवर्कों से भी जोड़ा जा स[illegible] है। इससे कंप्यूटर प्रयोग करनेवालों को वहुत सुविधा होती[illegible] LAN में प्रयुक्त फाइल सर्वर से नेटवर्क रिसोर्स का निय[illegible] करने और प्रबंधन करने का काम होता है। फाइल सर्व[illegible] प्रयोग संदेशों के परिवहन पर नियंत्रण, इनकी सुरक्षा, हार्डी[illegible] स्टोरेज का केंद्रीकरण और प्रिंटर इत्यादी पर नियंत्रण हो[illegible] एक दूसरे से जुड़े हुए जब एक ही शहर में कई जगहों [illegible] फिर कई शहरों तक दूसरे से जुड़े हुए कंप्यूटर स्थित [illegible] यह वाइड एरिया नेटवर्किंग WAN कहलाता है। LAN [illegible] भी टेलीफोन या मोडेम से जोड़ा जा सकता है। इससे [illegible] नेटवर्क की दूर दराज में स्थित ईकाई भी केंद्रीय आंकड़[illegible] स्रोतों का अधिकतम लाभ उठा सकती है।

इनफार्मेशन सूपर हाइवे

इंटरनेट कई नेटवर्कों का नेटवर्क है। इसमें कंप्यूटरों के जरिए दुनिया भर के हजारों लाखों कंप्यूटर प्रयोगकर्ता विभिन्न विश्वविद्यालयों, शोध एवं व्यवसायिक संगठनों से जुड़े रहते हैं।

1969 में अमरीकी सेना ने आणविक युद्ध की आशंका के मद्देनजर इंटरनेट व्यवस्था तैयार की थी। लेकिन 1980 के दशक के अंत तक यह विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े लोगों मसलन कालेज अध्यापकों, वैज्ञानिकों, शोधकर्त्ताओं आदि में काफी प्रचलित हो गया। आज पचास से भी अधिक देशों में करोड़ों लोग इंटरनेट का लाभ उठा रहे हैं। 1993 में इसका व्यवसायिकरण होने के बाद तो इंटरनेट इस्तेमाल करनेवालों की बाढ़ सी आ गई।

इंटरनेट में सारी दुनिया के 50,000 से भी अधिक कंप्यूटर नेटवर्क जुड़े हुए हैं।

करीब 5 करोड़ लोग इससे जुड़े हुए हैं। इसी को अमरीका के उपराष्ट्रपति अलगोर ने इनफार्मेशन हाइवे कहा था।

सबसे अधिक ध्यान देने योग्य बात यह है कि इंटरनेट में कोई प्रशासक या अधिकारी नहीं है फिर भी अमरीकी रक्षा विभाग से शुरू होकर यह अंतर्राष्ट्रीय सुपर मार्किट तक जा पहुंचा है।

इंटरनेट के जरिए हम दुनिया में किसी से भी कोई भी सूचना प्राप्त कर सकते हैं। अपनी सूचनाओं को हम चंद मिनटों में ही सारी दुनिया में पहुंचा सकते हैं। आजकल तो बहुत बड़े-बड़े व्यवसाय भी अपने विज्ञापनों को इंटरनेट के जारिए ही घर-घर पहुंचा रहे हैं। इंटरनेट के जारिए ही व्यवसाय, स्टाक मार्केट, शिक्षा, चिकित्सा इत्यादि अनेक क्षेत्रों से जुड़ी अपडेट सूचनाएं लोगों तक पहुंच रही हैं। इंटरनेट अब घरों में भी खूब इस्तेमाल हो रहा है। आप को इनफार्मेशन हाइवे से नई सूचना लेनी हो या हब्बल टेलिस्कोप, चेचन्या के विद्रोहियों, जंगलों की कटाई या किसी भी विषय पर बहस में भाग लेना हो, बस अपने इंटरनेट के की-बोर्ड पर उंगलियां चलाइये और इसमें शामिल हो जाइे। चीन में जनसंख्या वृद्धि कें आंकड़ों से लेकर टाइम पत्रिका का ताजा अंक आप की उंगलियों की जद में होगा। रोम या पेरिस में किसी आर्ट गैलरी की सैर हो या हालीवुड की किसी नई फिल्म का प्रीमियर, या फिर खान-पान, खेल-कूद आदि पर कोई नई म्यूजिक वीडियो देखनी हो यह सब इंटरनेट पर घर बैठे ही देखा जा सकता है। इंटरनेट पर अधिकांश नेटवर्क कुछ खास फाइलों को डाटा बेस, प्रोग्राम्स या ई मेल के रूप में दूसरे नेटवर्कों को भी उपलब्ध कराते हैं। अनेक व्यवसायिक आन लाइन सेवाएं अपने सदस्यों को मासिक शुल्क लेकर कनेक्शन देती हैं। इनमें आन लाइन कांफ्रेंसिंग, इलेक्ट्रानिक मेल ट्रांसफर, प्रोग्राम डाउनलोडिंग, मौसम, स्टोक एक्सचेंज, ट्रेवेल एवं टूर, विश्व कोश, स्पोर्ट्स फैन, संगीतकारों, कलेक्ट वीडियो क्लिप, विज्ञापन, बाजार इत्यादी संबंधी सूचनाएं होती हैं।

इंटरनेट ने सिर्फ घरों में घुसपैठ ही नहीं की बल्कि अब तो वह पूरे घर का संचालन भी कर सकता है। ब्रिटेन में अब ऐसे 'इंटरनेट घर' ही बनने लगे हैं जहां से व्यक्ति जीवन की हर छोटी-बड़ी जरूरत बिना कहीं जाए इंटरनेट के जरिए पूरी कर सकता है। ब्रिटिश सरकार के भारत स्थित उच्चायोग द्वारा प्रकाशित पुस्तिका ब्रिटेन टुडे के मुताबिक ऐसे घरों में चाहे बाग में पानी देना हो अथवा पशुओं को चारा हर काम के लिए बस कंप्यूटर पर बैठकर कुछ निर्देश देने होंगे। इन मकानों का बाहरी रंग रूप तो आम मकानों की तरह होगा लेकिन घर के अंदर का नजारा थोड़ा अलग होगा। घर का हर कोना इंटरनेट के जरिए स्वचालित प्रक्रियाओं से जुड़ा होगा और तारों के जरिए हो बाहर की दुनिया भी घर के अंदर रखे एक कंप्यूटर में समाई होगी। इन मकानों को लेइंग होम्स नाम की एक कंपनी बना रही है और उसने कुछ माडल हाउस बना लिए हैं। कंपनी के एक प्रवक्ता के अनुसार ये मकान नई सदी में जल्द ही अपनी एक विशिष्ट पहचान बना लेंगे और इनमें रहना एक स्टेट्स सिंबल हो जाएगा।

यह मकान लंदन के उत्तरी इलाके में बसे शहर से बाहर बनाए जा रहे हैं। इन मकानों में 72 डाटा, बैंक, उच्च गति वाले इंटरनेट कनेक्शन, चार निजी कंप्यूटर और दो अत्याधुनिक सपाट स्क्रीन वाले टेलीविजन लगे होंगे। यह सब आपस में एक-दूसरे से जुड़े होंगे। इन यंत्रों की मदद से आप जलते गैस चूल्हे को नियंत्रित कर सकेंगे तो खिड़की व दरवाजे के साथ-साथ उनके पर्दे भी बंद कर सकेंगे। इतना ही नहीं घर के बाहर भी जब कहीं सफर पर हों तो लैपटाप के जरिए ये सब कार्य किए जा सकेंगे।

इन कंप्यूटरों पर दुनिया भर की सेवाएं भी उपलब्ध होंगी। बच्चों के लिए घर बैठे शिक्षा मिलेगी तो गृहणियां सब्जी से लेकर रोजमर्रा के किराने के समान का आर्डर भी दे पाएंगी। किसी दूसरे शहर अथवा देश में जाना हो तो होटल भी बुक कराया जा सकेगा। उनकी एक खासियत यह भी होगी कि अभिभावक स्कूल या नर्सरी गए अपने बच्चों को वीडियो कैमरा और वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए जब चाहे देख अथवा बात कर सकेंगे। बाग में लगे नल और फब्बारे भी कंप्यूटर से चालित होंगे और घास काटना हो तो स्वचालित मशीन भी चलाई जा सकेगी। घरों की गैरेज में भी केबल और डाटा प्लाइंट होगा जिससे कार को कंप्यूटर से जोड़ा जा सकेगा। फिर कार में अगर कोई खराबी होगी या उसका इंजन देखना हो तो यह काम कंप्यूटर पर छोड दीजिए।

पत्रिका के मुताबिक ब्रिटेन में इंटरनेट और सूचना प्रौद्योगिकी ने जीवन शैली को तेजी से प्रभावित किया है। सूचना प्रौद्योगिकी के जरिए जीवन की जहां गुणवत्ता बढ़ी है वहीं तेजी के साथ सरलता भी आई है। सूचना प्रौद्योगिकी के विस्तार ने बच्चों को घर छोड़ बाहर जाने वाले कामकाजी मां-बाप की चिंताएं काफी हद तक कम कर दी हैं।

टेस्टाइट विश्वविद्यालय की स्नातक जीसा वेडींगटन ने एक ऐसा कार्यक्रम तैयार किया है जिसके जरिए कामकाजी अभिभावक इंटरनेट के जरिए न केवल घर में बैठ अपने बच्चों की शैतानियों पर नजर रख सकेंगे बल्कि उनकी जरूरतों का भी ध्यान रख सकेंगे। इसके लिए घर में इंटरनेट वीडियो कैमरा लगाना होगा जो बच्चों की हरकतों को कैद करेगा और अभिभावक अपने दफ्तरों में कंप्यूटर पर उसे देख सकेंगे। चाहेंगे तो बच्चों को निर्देश भी दे सकेंगे। पत्रिका के मुताबिक ब्रिटेन में घर बैठे ही आनलाइन खरीददारी का प्रचलन तेजी से बढ़ रहा है। इसके चलते उपभोक्ता और खरीददारी की पूरी

अवधारणा भी बदल सकती है। ब्रिटेन की प्रमुख आर्थिक पत्रिका इकानामिक बुलेटिन के अनुसार ब्रिटेन के लगभग सभी घर अब इंटरनेट से जुड़ गए हैं और उच्च आय वाले घरों में उनकी आय का एक तिहाई हिस्सा सिर्फ इंटरनेट पर ही खर्च होता है। पत्रिका के मुताबिक ब्रिटेन में सत्तर प्रतिशत परिवार इंटरनेट के जरिए कुछ न कुछ खरीदते हैं और सन् 2003 तक यह ब्रिटेन में कुल उपभोक्ता खर्च का दस प्रतिशत हो जाएगा।

ब्रिटेन टुडे पत्रिका के मुताबिक ब्रिटेन में दस लाख से ज्यादा लोग सूचना प्रौद्योगिकी उद्योग से रोजगार पा रहे हैं और इनमें से करीब एक तिहाई लोग सीधे तौर पर कंप्यूटर और साफ्टवेयर का कारोबार कर रहे हैं। ब्रिटेन की अर्थव्यवस्था में साफ्टवेयर तेजी से बढ़ता उद्योग है और इसकी करीब 41 हजार कंपनियां हैं। ब्रिटेन में पहली राष्ट्रीय इंटरएक्टिव डिजीटल-टेलीविजन सेवा भी शुरू कर दी गई है।

इंटरनेट ने टेलिफोन जैसे संचार माध्यम से जुड़कर कंप्यूटर नेटवर्क का वृहद संसार बनाया है। वर्ल्ड वाइड वेब पर सूचना, बातचीत और खरीद फरोख्त करना एक महान उपलब्धि को माना जा रहा है।

इन नए माध्यमों में कंप्यूटर व्यवसायी तकनीकी प्रतिष्ठित को नियंत्रित करता है जबकि उद्योग धंधा करने के लिए मार्केटिंग, एडवरटाइजिंग, मैनेजमेंट और एकाउटिंग व्यवसायियों की बहुत मांग है। वेबमास्टर बहुत सी कंपनियों के लिए वैबसाइट के डिजाइन बनाते हैं।

वेब डिजाइनरों से एच.टी.एम.एल., फ्रन्टपेज और सी.एस.एस. में कौशल होने की उम्मीद की जाती है। यहां तक कि आज जावा में भी दक्ष होना आवश्यक है।

वेब डेवलपर: इन्हें सुनिश्चित करना होता है कि साइट पूरी तरह से काम कर रही है। इसलिए उन्हें सरवरसाइड स्क्रीप्टींग, पर्ल, जावा और सी++की पूरी जानकारी होनी आवश्यक है। डाइनेमिक एच.टी.एम.एल भी काफी महत्वपूर्ण है और आज एक्स एमएल की जानकारी भी होनी चाहिए। वेब और इससे संबंधित कार्य प्रणाली की जागरूकता के साथ-साथ वेब डेवलपर को ए.एस.पी. डाटा बेसिस जावा स्क्रीप्ट और ओब्जेक्ट ओरिएंटड प्रोग्रामिंग की भी जानकारी होनी चाहिए।

वेब मास्टर: वेब मास्टर वेबसाइट का केन्द्र बिन्दु है जो साइट में मौजूद हर चीज का जिम्मेदार होता है। वेब मास्टर बनने के लिए वेब डिजाइन, वेब डेवलपर और जानकार व्यक्ति के गुण होने के साथ-साथ अच्छे प्रबंध और वाक्पटुता के गुण भी होने चाहिए। वेब डिजाइनिंग य वेब डेवलपिंग में कुछ वर्षो के अनुभव के बाद आप वे मास्टर के पद के लिए उपयोगी हो सकते हैं। मार्किटि करने और वेब साइट बनाने के लिए स्वाभविक डिजाइनि और डेवलपमेंट की योग्यता होनी चाहिए। वेब मास्टर क मार्किट विशेषज्ञों या दूसरे विभागो के साथ काम करन पड़ता है। उन पर वेबसाइट से उत्पादन या अन्य सेवा को बढ़ाने का भी दायित्व होता है। एक सफल वेब मास्ट बनने के लिए कंप्यूटर तकनीकी का विशेष ज्ञान आवश्यक है और उनके लिए भी जो पहले से ही कंप्यूटर आपरेटि सिस्टम, प्रोग्रामिक लेग्युएज, कंप्यूटर ग्राफिस और इंटरने स्टेंडर्ट में धुरंधर है। वेबसाइट के मूलपाठ को कटब करने के साथ वेबमास्टरों को इसे इस प्रकार व्यवस्थि करना चाहिए ताकि वेबसाइट देखने में आकर्षक लगे औ आसानी से नेविगेट की जा सके।

कंटेन्ट प्रोवाइडर: वेबसाइट के लिए ऐसी लेखन सामग्री की जरूरत होती है जो सुन्दर, सुस्पष्ट और संक्षिप्त हो इसके लिए नेट पर कंटेन्ट प्रोवाइडर को सक्षम होन चाहिए। जिस विषय पर आप लिख रहे हैं उसके बारे म आपको अच्छी खासी जानकारी होनी चाहिए। अच्छे लेखन के साथ-साथ पिछला अनुभव काफी उपयोगी होता है। वे मार्केटिंग: आमतौर पर वैबमार्केटिंग व्यवसायी मार्केटिंग म प्रवीण होते हैं।

संभावनाएं: अनुभवी वेबमास्टर कुछ ही घण्टों में अनुबंधि कार्य करके उससे पैसा कमा सकता है। कंपनी के वेबसाइ पर काम करने वाले कर्मचारियों का वेतनमान उनके अनुभ और शिक्षा पर निर्भर करता है। वेब डिजाइनिंग के क्षेत्र म अल्पकालीन प्रशिक्षण पाने वाले नए लोग 3000 रूपए स अपनी आय शुरू कर सकते हैं। आपकी तरक्की आपके प्रदर्शन, काम करने के तरीके, शिक्षा में आगे बढ़ने औ अच्छे शुरुआत करने आदि पर निर्भर करती है। अगल कुछ सालों में ओन-लाइन तकनीक और बिजनेस में तेज आने की काफी संभावनाएं हैं। इसके फलस्वरूप वे व्यवसायियों की मांग बढ़ेगी। यह ऐसा क्षेत्र है जहां जनकारिय तेजी से पुरानी हो जाती है। अत: जानकारियों को नवीनतम बनाने की परम आवश्यकता है। उभरते हुए परिवर्तन क जागरूकता आपको इस माध्यम (इंटरनेट) के साथ विकसि होने और आगे बढ़ने में सहायता देता है।

भौतिक विज्ञान में विकास

बीसवीं शताब्दि ने मानवता द्वारा महानतम उपलब्धियों को देखा। हमने चंद्रमा की अछूती भूमि पर मानव चरणों को पड़ते देखा। आज हम कल तक की स्वप्नित कल्पनाओं को साकार रूप में देख चुके हैं। लेजर किरणों से आंख की रोशनी वापस लाई जा सकती है, हृदय और शरीर के अन्य अंगों का प्रत्यारोपण हो सकता है, इतना ही नहीं अनेक ऐसी बिमारियां जो कि मानव जाति के लिये विनाश का पर्याय बन चुकी थीं को जड़ से मिटाया जा चुक

[illegible]। आज विश्वव्यापी संचार व्यवस्था ने दुनिया के देशवासियों को एक दूसरे से जोड़ दिया है।

लेकिन आज की यह आश्चर्यजनक प्रौद्योगिकी व वैज्ञानिक उपलब्धियां किसी प्रकार की ईश्वरीय देन नहीं हैं, वरन इनके पीछे विगत कई वर्षों से मानव के अथक व समर्पित प्रयास जुड़े हैं। आज सच्चाइयों या ज्ञान के अथाह सागर के जिस हिस्से से हम वाकिफ हैं उसमें अनेक पीढ़ियों के वैज्ञानिक अपना बौद्धिक योगदान देते रहे हैं। इन विद्वानों ने प्रकृति के अनबुझे रहस्यों से रोमांचित किया और उन्होंने इन्हे सुलझाने के लिये अथक व समर्पित परिश्रम किया और आज की वैज्ञानिक युग बनाने में अपना अमूल्य योगदान दिया।

अंधकार युग के बाद

गैलीलियो को अंधकार युग के बाद के पहले ज्ञान की तलाश करने वाला प्रणेता कहा जा सकता है। इनके वाद रेनें डेस्कांस, इयुलर, कोपरनिकस आदि ने अज्ञानता के अंधेरे को छांटना प्रारंभ किया। उनके सिद्धांतों ने उस समय की दुनिया को हिला कर रख दिया था। गैलीलियो का सिद्धांत कारक का सूत्र या कणों की गति का विज्ञान से संबध था।

न्यूटन द्वारा इस संदर्भ में किये गये कार्यों ने गैलीलियों के सिद्धांत को वृहद रूप दिया। इसके पश्चात आइंस्टीन व मैक्स प्लांक ने इन विचारो को नया रूप देते हुए सापेक्ष गति के नये सिद्धांत के रूप में भौतिक विज्ञान को एक नया आयाम दिया। इस प्रकार क्वांटम मेकेनिक्स और सापेक्षता दो प्रमुख खोजें साबित हुईं जिन्होंने ब्रंह्मांड की परिकल्पना के भौतिक सिद्धांत को ही हमेशा के लिये बदल डाला। कर्क एवं वाट्सन द्वारा डी.एन.ए. के द्विश्रृंखलीय संरचना की खोज एक और मील का पत्थर साबित हुई और हाल ही में वैज्ञानिकों द्वारा जिनोम इतिहास के पता लगने की घोषणा ने जीव विज्ञान के नये आयाम की शुरुवात की है।

बहुत ही कम लोग होंगे जेकि विज्ञान के इतिहास में न्यूटन व आइंस्टीन के योगदान से पूर्णता परिचित होंगे। भौतिक विज्ञान में न्यूटन का योगदान अनेक क्षेत्रों में है, लेकिन उनका सबसे विलक्षण योगदान पृथ्वी व अंतरिक्ष तकनीक का संश्लेषण है। उन्होंने खगोलिकी व तकनीकी के अलग-अलग अध्ययनों को एक किया और दिखाया कि प्रकृति एकल अस्तित्व है। उनके गति के सिद्धांत ने एप्लाइड मेकैनिक्स के क्षेत्र में विशेष प्रौद्योगिकी की उन्नति के रास्ते खोले।

प्रकाश

युनानी गणितज्ञ यूक्लिड ने प्रकाश के साथ कुछ साधारण प्रयोग किये और इसके वस्तु के साथ व्यवहार के मूलभूत सिद्धांत की खोज की। इसके बाद टोल्मी ने प्रकाश के पुर्नखंडन के सिद्धांत को आगे बढ़ाया। 16वीं सदी में नैलियस ने इस संदर्भ में ठीक सिद्धांत की व्याख्या [illegible] आदमी ने जाना कि कान्वेक्स या कान्केव लेंसो द्वारा देखने के दोष को ठीक किया जा सकता है। [illegible]

1300 में ही लेंसो के चश्मे पहन रहे थे। सन 1608 में एक पुर्तगाली लेंस बनाने वाले ने दो लेंसों का संयुक्तीकरण करके पहली दूरबीन बनाई। इसी दौरान जोनिडेस नामक एक और पुर्तगाली को प्रथम सूक्ष्मदर्शी के आविश्कार का श्रेय जाता है।

ताप एवं थर्मोडायनामिक्स

जान डाल्टन द्वारा 1808 में वस्तु के परमाणु सिद्धांत की खोज के साथ ताप की प्रकृति पर सघन्य कार्य प्रारंभ हो गया। परमाणु और अणुओं के बिना क्रम की गति की संकल्पना ने गैसों की काइनेटिक सिद्धांत को आगे बढ़ाया। राबर्ट बोयले, जैक्वेस चार्ल्स और गो लुसाक द्वारा 1660 में गैसों के दाब, आयतन व तापमान के सिद्धांतों की सफलतापूवक व्याख्या गैसों के काइनेटिक सिद्धांत द्वारा संभव हो गई। शरीर का तापमान केवल एक शारीरिक अनुभूति नहीं है वरन इसे अणुओं के औसतन काइनेटिक ऊर्जा के माध्यम से मापा जा सकता है। इस विचार ने ही तापमान को नापने के उपकरण बनाने के लिये प्रोत्साहन दिया। एंड्रियास सेल्सियस (1742), फारेनहाइट और लार्ड केल्विन (1868) तापमान मापने के उपकरण बनाने में सफल रहे, लेकिन इस क्षेत्र में अग्रणी भूमिका गैलीलियो ने निभाई। उन्होंने सबसे पहले पारे या पानी का उपयोग करते हुए थर्मोस्कोप को बनाया था।

ताप पर अध्ययन को तब अप्रत्याशित बढ़ावा मिला जब 1765 में जेम्सवाट ने भाप इंजन का आविष्कार किया। यह मूल विज्ञान में प्रौद्योगिकी विकास का महत्वपूर्ण उदाहरण बना।

1840 में जेम्स जूले ने निष्कर्ष निकाला कि [illegible] कार्यो में ऊर्जा को ताप में बदला जा सकता है। [illegible] और मेयोर ने ला आफ कंजर्वेशन [illegible] किया। लार्ड केल्विन, कर्नाट और [illegible] ताप के चालकता और उपयोगिता [illegible] कार्य और ऊर्जा से सैद्धांतिक [illegible] भौतिक विज्ञान में इस सैद्धांतिक [illegible] कहा जाता है। लेकिन [illegible] ताप की प्रकृति से [illegible] बाडी रेडियेशन [illegible] थर्मोडायनामिक्स [illegible]

विद्युत एवं [illegible]

[illegible]

जगह से दूसरी जगह भेजा जा सकता है, और इसी खोज के साथ पदार्थों के सुचालक या विद्युतरोधी के वर्गीकरण का कार्य शुरु हुआ। फ्रांस के वैज्ञानिक चार्ल्स कोलंब ने इन्वर्स स्कवायर ला आफ चार्जेज की स्थापना करके इस संदर्भ में एक नया अध्याय जोड़ा। इसके बाद एलेसेंड्रो वोल्टा ने वोल्टाइक पाइल बना कर आवेश की गति का अन्वेषण किया। इस क्षेत्र में प्रथम नाटकीय खोज 1820 में हैंस क्रिश्चियन आर्स्टेड के योगदान से हुई। उन्होंने पाया कि निकट के काम्पस नीडल में करेंट से विस्थापन होता है। इस क्षेत्र में एंड्रे मैरी एम्पियर को भी सफलता मिली। इन खोजों से प्रेरणा लेकर माइकल फैराडे द्वारा सर्वप्रथम मानव निर्मित विद्युत डायनमो अस्तित्व में आया। जेम्स क्लर्क मैक्सवेल ने विद्युत-चुम्बकत्व की सैद्धांतिक भूमिका का आविष्कार किया। 1887 में हेनरिच हर्ट्ज ने मैक्सवेल के सिद्धांतो को परखना चाहा। उन्होंने एक विद्युतीय-चुम्बकत्व तरंगो को उत्पन्न करने वाला उपकरण बनाया और मैक्सवेल के सिद्धांतो की पुष्टि की।

प्रकाश के संदर्भ में विद्युत का उपयोग वैज्ञानिको को लगातार उद्वेलित करता रहा। 1801 में सर हैम्फ्री डेवी ने एक बैटरी से जुड़ी दो कार्बन की छड़ों के बीच चमकदार चिंगारी को निकलते देखा। कुछ समय बाद थामस एडिसन ने प्रथम विद्युतीय प्रकाश को उत्पन्न किया। हर्ट्ज, मार्कोनी व अन्य के आधारीय उपकरणों की सहायता से रेडियो टेलिग्राफ का आविश्कार हुआ। बाद के आविश्कारों विशेषकर फ्लेमिंग व डी फ्रास्ट के एलेक्ट्रानिक ट्यूबों से ध्वनि का संचार विद्युतीय चुम्बकीय तरंगों के द्वारा संभव हो गया।

हर्ट्ज ने 1887 में एक और प्रभाव की खोज की जिसने भौतिक विज्ञान की परिकल्पना में अनेक आयाम जोड़े। यह प्रभाव था फोटोइलेक्ट्रिक। उन्होंने पाया कि यदि छोटी तरंगों वाले प्रकाश को कुछ पदार्थों पर छोड़ा जाये तो उसकी छाप पड़ जाती है। लेकिन उस समय उपलब्ध सिद्धांतो के आधार पर वैज्ञानिक इस प्रभाव की व्याख्या करने में असमर्थ रहे। आइंस्टीन ने क्वांटम सिद्धांत के द्वारा फोटोइलेक्ट्रिक प्रभाव की व्याख्या की।

19वीं शताब्दी के उत्तरार्ध में भौतिक विज्ञानियों ने परमाणु के रहस्यों को सुलझाने की कोशिश करनी प्रारंभ कर दी। कुछ शोध दुर्लभ गैसों की विद्युत स्खलन की प्रकृति पर किये गये। ट्यूब में बंद इन गैसों द्वारा तत्व की विशेषता वाले प्रकाश को उत्पन्न करते हुए देखा गया। प्रत्येक गैस का तत्व अपनी अलग से स्पेक्ट्रल लाइन छोड़ता पाया गया। यहीं से भौतिक विज्ञान की प्रमुख शाखा स्पेक्टस्कोपी का जन्म हुआ। इस क्षेत्र के अग्रणी वैज्ञानिक जर्मनी के गुस्टाव रावर्ट किर्चोफ और रावर्ट विहेल्म बुन्सेन थे। इस तकनीक का इस्तेमाल करते हुए बुन्सेन ने दो तत्वों रुबिडियम व सेससियम की खोज की। 1885 में स्विश वैज्ञानिक जोहनान जैकब बालमेर ने एक इम्पीरियल इकवेशन की खोज की जिससे हाइड्रोजन तत्व की स्पेक्ट्रम लाइन की सही वेवलेंग्थ की पहचान की जा सकी। इस दौरान अन्य खोजों ने परमाणु की बनावट की पड़ताल में सहायता की। जर्मन वैज्ञानिक विलियम रांटजन ने 1895 में शीशे की ट्यूब में गैस के स्खलन की पड़ताल करते हुए एक नये विकिरण की खोज की जिसे उन्होंने एक्स रे का नाम दिया। 1896 में एंटोइन हेनरी बेकरल ने प्राकृतिक रेडियो क्रियाशीलता के सिद्धांत की खोज की जिसमें परमाणु स्वतः विकिरण और कण का उत्सर्जन करते हैं। दो वर्ष के पश्चात पियरे और मैरी क्यूरी ने दो रोडियो एक्टिव तत्व पोलोनियम व रेडियम का संश्लेषण किया। 1897 में सर जे.जे. थामस ने दिखाया कि ट्यूब में गैसों के स्खलन में कणों की बौछार जिन्हें कैथोड रेज कहा जाता है परमाणु के एक भाग इलेक्ट्रान से बने होते हैं। उनके इस शोध ने रेडियो, टेलिविजन, संदेशों के माइक्रोवेव संप्रेषण, और अन्य अनेक इलेक्ट्रानिक उपकरणों को बनाने में सहायता मिली। भार, वजन और समस्त अंतरिक्ष की अवधारणा से उत्साहित दो युवा वैज्ञानिक माइकेल्सन और मौरेले ने 1881 में प्रकाश की गति को मापने का प्रयत्न किया। लेकिन समस्त अंतरिक्ष की अवधारणा के संदर्भ में कुछ भिन्नता पाई। उन्होंने पाया कि समस्त संदर्भों में प्रकाश की गति एकसमान है। इस विवाद ने आइंस्टीन को 1905 अपनी विशिष्ट सापेक्षता को सूत्रित करने को विवश किया जो बाद में सामान्य सापेक्षता सिद्धांत के नाम से जानी गई।

बीसवीं शताब्दी में भौतिक विज्ञान

बीसवीं शताब्दी में भौतिक विज्ञान की शुरुवात क्वांटाइजेशन आफ एनर्जी की क्रांतिकारी अवधारणा के साथ हुई। प्लांक ने दिखाया कि विकिरण का उत्सर्जन ऊर्जा के क्वांटा से प्रारंभ होता है जिसे $E = h\nu$ जहां ν विकिरण की आवृत्ति और युनिवर्सल कासंटेंट जिसे प्लांक कास्टेंट कहा जाता है के प्रतीक हैं। आइंस्टीन ने इस अवधारणा को आगे बढ़ाते हुए अपना सूत्र $E = mc^2$ निकाला जोकि प्रकाश कणों की प्रकृति को दर्शाता है। परमाणु बम जिसने जापान के दो शहरों को तबाह कर दिया था वह आइंस्टीन के इसी सूत्र पर आधारित था। प्लांक का सिद्धांत परमाणु के सूक्ष्मतम संसार की पड़ताल करने के लिये एक औजार बन गया।

परमाणु सिद्धांत पर बावजूद अनेक शोधों के, सबसे पहले जे.जे. थाम्पसन ने परमाणु प्रारूप को की परिकल्पना रखी। लेकिन इस प्रारूप से अनेक प्रश्न अनुतरित्त रहे। 1911 में रदरफोर्ड ने परमाणु केंद्र की खोज की और एक नये परमाणु प्रारूप को सामने रखा। उनके अनुसार परमाणु का केद्र धनात्मक आवेशित होता है और इसके चारों ओर घूमने वाले इलेक्ट्रान ऋणात्मक आवेशित होते हैं।

1906 में फ्रांस के वैज्ञानिक पियरे वेइस ने लोहे द्वारा चुम्बक के रूप के सिद्धांत की व्याख्या करने का प्रस्ताव रखा था। उन्होंने हमे यह बताया कि किस प्रकार उच्च तापमान पर चुम्बकत्व समाप्त हो जाता है। इसी वर्ष ब्रिटेन के भू वैज्ञानिक ने पता लगाया कि पृथ्वी का केंद्र सघन महत्वपूर्ण भाग है।

पुर्तगाली वैज्ञानिक कमर्लिंघ ओन्नेस ने खोजा कि परमशून्य तापमान पर पारे की विद्युत अवरोधकता समाप्त

ती है। उन्होंने इस तथ्य को अतिचालकता का नाम बाद में यह प्रभाव अन्य पदार्थों में भी पाया गया।

915 में आइंस्टीन ने अपनी विशेष सापेक्षता के त को विस्तार दिया। उन्होंने खोजा कि त्वरण के या गुरुत्व के कारण बल समान रहता है। 1916 र्ट मिलिकन ने आइंस्टीन के समीकरण की पुष्टि के एक प्रयोग किया और पाया कि प्लांक के कास्टेंट का h as 6.623×10^{-34} जूलेस/सेकेंड था। 1917 में टीन ने प्लांक के ब्लैक बाडी रेडियेशन फार्मूले का मूल ने के लिये परमाणु की एक्साइटेशन व डी–एक्साइटेशन योगकर पाया कि इस प्रकार से विकिरण का उत्सर्जन जा सकता है। 50 वर्ष के बाद यह सिद्धांत मेजर व र के प्रयोग में काम आया।

919 में आर्थर होली काम्पटन ने सुपर हेटरोडायने यो रिसीवर का आविश्कार किया। इसके द्वारा विभन्न ाओं की तरंगों को अनेक स्टेशनों पर ग्रहण किया जा ता था।

1923 में आर्थर होली काम्पटन ने एक्सरेज के राव का अध्ययन किया और पाया कि बिखराव वाली स रेज की आवृत्ति कम है, उन्होंने इसे काम्पटन प्रभाव ा। इससे प्रेरणा लेकर सी.वी. रमन ने अणुओं द्वारा श के विखराव का अध्ययन किया। 1927 में रमन व के नाम से जाना गया।

सत्येंद्रनाथ बोस ने 1927 में सांख्यिकी का इस्तेमाल ते हुए प्लांक के फार्मूले का मूल खोजने की कोशिश की। स और आइंस्टीन ने मिल कर दिखाया कि बोसन कणों लाना संभव है। परम शून्य तापमान पर समस्त कण हीन होकर सघन हो जाते हैं। इसे बोस–आइंस्टीन डसेशन कहा गया।

ब्रिटेन के इंजीनियर जान लोगी बेयर्ड ने 1926 में लिविजन का आविश्कार किया और 1928 में पहली र चलचित्र का प्रेषण किया। उन्होंने बेतार चित्र को टलांटिक महासागर के दूसरी तरफ सफलतापूर्वक भेजा।

न्यूक्लियस की संकल्पना को पूर्णता चाडविक द्वारा ट्रान की खोज के बाद मिली। इसी वर्ष एंडर्सन ने पहली र इलेक्ट्रान का प्रतिपक्ष कण पाजिट्रान की खोज की।

बीसवीं शताब्दि की सबसे सफल खोज वैक्वम ट्यूब मानी ाती है। लेकिन परमाणु संरचना पर किये गये वाद के अध्ययन से अर्धसुचालक पदार्थों की खोज हुई। जे. बार्डीन डब्ल्यू. एच. ब्राट्टियान द्वारा ट्राजिंस्टर की खोज ने में चमत्कार ला दिया। इस क्षेत्र में आगे के शोधों इंटीग्रेटेड सर्किट से क्वांटम डाट्स तक हम पंहुच गये।

चार्ल्स एच. टाउनेस ने 1951 में मालीक्यूलर द्वारा छोटी तरंगों के उत्पादन में सफलता प्राप्त और वाद में उन्होंने एच.जे. गार्डन के साथ आगे रहकर पहली बार 1954 में मेजर का किया। 1958 में आप्टिकल क्षेत्र में मेजर का किया जिसे लेजर कहा गया और 1960 में पहलो मैइमान ने लेजर का पहला प्रदर्शन किया।

खगोलिकी वस्तुएं क्वासर्स जो रेडियो वारंवरता का उत्सर्जन करती हैं का पहली बार 1961 में पता लगा और 1968 में घूमता हुआ न्यूट्रान तारा पुलसार्स जो रेडियो तरंगों का उत्सर्जन करता है की खोज हुई।

विज्ञान के इतिहास में बीसवीं शताब्दि को महानतम युग कहा जा सकता है। साइंस–क्वांटम थ्योरी, सापेक्षता का सिद्धांत, परमाणु संरचना, परमाणु विकिरण का ज्ञान, परमाणु, विघटन, परमाणु संघटन, परमाणु ऊर्जा, रोडियोएक्टिविटी, एक्स रेज, रमन प्रभाव, मासबाउर प्रभाव, ट्राजिस्टर्स, कंप्यूटर्स, अतिचालक, उच्च तापमान वाले अतिचालक, मेजर व लेजर, रेडियो खगोलिकी, आप्टिकल कम्युनिकेशन, फुलरिन जैसे नये अणुओं की खोज, डी.एन.ए. की संरचना, क्लोनिंग जैसे अनेक वैज्ञानिक विकासों को इस सदी में देखा गया।

फ्रांस के दार्शनिक ओगस्ट कांट ने 1800 के उत्तरार्ध में कहा था कि मानवता अंतरिक्ष के बारे में कभी कुछ नहीं जान पायेगी क्योंकि ये हमारी पंहुच से बहुत दूर हैं। इस प्रकार अंतरिक्ष हमारे लिये सदैव एक रहस्य बना रहेगा। लेकिन अचानक बिग बैंग सिद्धांत के आने और इसमें अनेक शोध होने के वाद अंतरिक्ष के रहस्य एक के वाद एक कर खुलते गये।

बीसवीं शताब्दि में खगोलिकी को बहुत महत्व मिला। प्रयोगिक तकनीक व सिद्धांतों के आधार पर वैज्ञानिक अपनी मंदाकिनी और अंतरिक्ष के बारे में बहुत कुछ जान चुके हैं। अनेक अंतरिक्षीय वस्तुएं हमसे बहुत दूर हैं और इन ग्रहों से विद्युत–चुम्बकीय विकिरण व प्रकाश के द्वारा इनके बारे में वैज्ञानिक सूचनायें प्राप्त करते हैं। इस कार्य के लिये स्पेक्ट्रोस्कोपी ने अहम भूमिका निभाई। स्पेक्ट्रोस्कोपी एक ऐसा विषय है जिसमें पदार्थ द्वारा विघटित, उत्सर्जित स्पेक्ट्रम का अध्ययन किया जाता है।

हाल के महत्वपूर्ण विकास

क्वांटम डाट्स: सहस्राब्दि के अंत का सबसे महत्वपूर्ण आविश्कार क्वांटम डाट्स है। अर्धचालक जैसे कि गैलियम आर्सेनिक या सिलिकान की छोटी पर्त से बने सर्वाधिक छोटे इलेक्ट्रानिक सर्किट है। एक क्वांटम डाट केवल एक इलेक्ट्रान के साथ का मूल रूप से एकल इलेक्ट्रान ओजार के रूप में कार्य कर सकता है।

इस्पात का प्रतिस्थापन: फाइबर्स से बना बहुलकी पदार्थ इस्पात से दस गुना अधिक मजबूत है और इसमें विशिष्ट विद्युत गुण विकसित किये गये हैं. [illegible] 3 DPETM बुलेट प्रूफ कार, [illegible] के [illegible], [illegible] लगाने से लेकरपाई फ्रीक्वेंसी संचार के सर्किट [illegible] प्रयोग में आता है। इसे उच्च [illegible] (UHMWPR) से बनाया जाता है। यह एक [illegible] प्रकार है जिसमें अनगिनत परमाणु [illegible] एक दूसरे से मजबूती से जुड़े रहते हैं।

कूलेस्ट ड्वार्फ: वैज्ञानिकों के एक दल ने [illegible] सबसे ठंडे सफेद ड्वार्फ [illegible] लगाया है। इसका तापमान 3500 [illegible] गया है। इस [illegible]

यह आकाशगंगा के प्रभामंडल में है, इसका घनत्व स्थिर है और प्रभामंडल के डार्क मैटर में प्रमुखता रखता है।

फोटोनिक क्रिस्टल्स: शोधकर्ताओं ने हाल ही में फोटोनिक क्रिस्टल्स का विकास किया है। लैटिस प्रकार की संरचना है जिसमें फोटान को प्रकाश की गति से आर्धचालक इलेक्ट्रान का कार्य कराने की क्षमता है। फोटोनिक क्रिस्टल का निमार्ण विभिन्न आप्टिकल गुणों वाले पदार्थों के क्षरण से किया जाता है, जोकि प्रकाश को निश्चित वेवलेंग्थ पर निकालता है। दूषित क्रिस्टल छिपी हुई वेवलेंग्थ को दोष के साथ यात्रा करने देता है। अनेक शोध दलों ने क्रिस्टल के इस अंतःशक्ति का प्रदर्शन प्रकाश के गाइड के रूप में किया।

यूकार्योटिक कोशिकायें: भूरसायन वैज्ञानिकों ने जटिल कोशिकाओं के अरयों वर्ष के इतिहास को यूकार्योटिक कोशिकाओ के रसायनिक अवशेषों की खोज कर उजागर किया है। 2.7 अरब वर्ष पुरानी चट्टानों पर पौधों, फंगी, जानवर यहां तक मानव के अवशेषों को खोज लिया है। इस खोज से पता लगा कि सबसे पुराना यूकार्योटिक कोशिकाओ का फासिल 2 अरब वर्ष पुराना है।

वाई किरणों का फूटना: अंतरिक्षीय विस्फोट जिसे वाई किरणों का फूटना भी कहते हैं और जिसमें कुछ ही सेकेंड में इतनी ऊर्जा का उत्सर्जन होता है जितना सूर्य 10 अरब वर्ष में करता है पिछले 30 वर्षो से वैज्ञानिकों के लिय मिथक बना हुआ था, अब वैज्ञानिकों के लिये इस आश्चर्यजनक तथ्य के निकट पंहुचना संभव हो रहा है।कुछ की मान्यता है कि तेज गति से घूमते हुए भारी वजन के ग्रहों के ढह जाने से उत्पन्न ब्लैक होल का जन्म रुदन है। नवजात ब्लैक होल से पदार्थ तेज गति से ढह रहे ग्रह से टकराकर भयानक विस्फोट के साथ इसे चूर-चूर कर देते हैं। इस प्रक्रिया में बड़ी मात्रा में वाई किरणों का उत्पादन होता है।

ब्रह्मांड का विस्तार: अत्यंत दूरी पर स्थिति विघटित हो रहे ग्रहों के मापन से पता चला है कि खाली अंतरिक्ष में रहस्यपूर्ण ऊर्जा ब्रह्मांड का विस्तार कर रही है। ऊर्जा उसी प्रकार ब्रह्मांड को मोड़ सकती है जैसे कि पदार्थ को। अब तक की खोज से पता लगा है कि ऊर्जा पदार्थ पर गिर सकती है और ब्रह्मांड का विस्तार हो सकता है। अब ठंडे अंतरिक्षीय उद्दीपन जिसे पृष्ठभूमि में माइक्रोवेव कहा जाता है अस्तित्व में आ चुका है। माइक्रोवेव हलके गर्म व हलके ठंडे क्षेत्र के रूप में नवनिर्मित ब्रह्मांड में अपनी हलकी पहचान बनाये रखता है। कास्मिक जियोमैट्री में यह विचलन एक प्रकार के टेस्ट पैटर्न हैं। अंतरिक्ष समतल होता है अगर आकाश के ऊपर का औसतन आकार 1 डिग्री के कोड़ का हो। एंडेज की ऊंचाइयों, दक्षिण ध्रुव और गुब्बारों से किये गये परीक्षणों से 1 डिग्री के होने की पुष्टि मिलती है।

ठंडा पास्तराइतेशन: ठंडे पाश्चराइजेशन तकनीक का हाल ही में विकास किया गया है। इस तकनीक में इलेक्ट्रान पुंज को दूध में फेंका जाता है और यह पुंज जीवाणुओं से टकरा कर उन्हे निष्क्रिय कर देता है। ठंडा पास्तराइतेशन दूध के रंग, उसकी सुगंध और उसके मूल रूप पर कोई प्रभाव नहीं डालता है।

फर्मियन्स को पाना: जिन शोधकर्ताओं ने बोस-आइंस्टीन कंडन्सेट का विकास किया था, इस वर्ष एक और कीर्तिमान बनाया। पहले चरण मे ओर्नेरी परमाणुओं को ठंडा करके इसे अनोखे वृहद परिमाण की स्थित में लाया गया। पदार्थ का प्रत्येक कण बोसोन और फर्मियन्स, इन दो में से एक का होता है। जिस प्रकार फोटान लेजर प्रकाश में और रुबिडियम परमाणु बोस आइंस्टीन कंडन्सेट में कार्य करते हैं उसी प्रकार बोसोन्स उस परिमाण स्थित की हिस्सेदारी करते हैं। लेकिन फर्मियन्स जिसमें इलेक्ट्रान क्वार्क्स और पीरियाडिकल टेबल का आधा परमाणु होता है इसी स्थित में रहना पसंद न करके दूसरी स्थिति पर कब्जा करने की कोशिश करते हैं, जिस प्रकार इलेक्ट्रान परमाणु के खोल में ऊर्जा भर जाने पर करते हैं।

शोधकर्ताओं ने बंधन में न रहने वाले फर्मियन्स को बांधने की नयी तरकीब खोज निकाली। वैज्ञानिकों ने फर्मियोनिक पोटेशियम के परमाणुओं को विभिन्न परिमाण स्थिति में रखकर उनमें परमाणु विखंडन करवाया। विखंडन ने प्रत्येक फर्मियन से ऊर्जा को अलग कर दिया परिणाम स्वरूप वाष्प ठंडा हो गया और गैस की स्थिति उस प्रकार हो गई जिसमें परमाणु ऊर्जा की सीढ़ी के अनुरूप श्रृंखला में जुड़े हों।

प्लूटो के उपग्रह केरान पर क्रिस्टल के रूप में पानी परीक्षणों से पता चला है कि प्लूटो और इसके उपग्रह केरान के सतह की बनावट अलग-अलग है। केरान के परिदृश्य में इसकी अधिकांश सतह बर्फ के रूप में पानी के क्रिस्टल से भरी है। इसके लावा यहां पर अमोनिया के भी बर्फ के रूप में होने का पता चला है।

समतल टीवी. स्क्रीन: जापान के वैज्ञानिकों ने टी.वी. व कंप्यूटर के समतल स्क्रीन की तकनीक को खोज निकाला है। यह तकनीक प्लास्टिक द्वारा प्रकाश उत्सर्जन तकनीक पर आधारित है। इसमें एक बहुलक (पालिमर) का प्रयोग किया जाता है जो करेंट के प्रवाहित करने पर चमकता है। यह तकनीक मोबाइल फोन पर अल्फानुमेरिक डिस्प्ले को कई आयाम देगी।

टी किरणें: अमरीकी वैज्ञानिकों ने माइक्रोवेव और इन्फ्रारेड किरणों के बीच की फ्रीक्वेंसी वाली टी किरणे (टेट्रा हर्ट्ज रेज) का विकास किया है। टी किरणों का स्रो[illegible] टाइटेनियम-सैफायर लेजर है। जब इस लेजर पुंज को पुं[illegible] विभाजक द्वारा भेजा जाता है तो यह पंप पुंज और प्रोब पु[illegible] में विभक्त हो जाता है। जब पंप पुंज को गैलियम-आर्सिनाइ[illegible] क्रिस्टल के बीच प्रवाहित किया जाता है तो किरणें विभि[illegible] टेट्रा हर्ट्ज क्षेत्र में बिखर जाती हैं।

मालीक्यूलर मेमोरी: इटली और पुर्तगाल के वैज्ञानिक[illegible] ने लगभग एक वर्ष पूर्व एक ऐसे मालीक्यूल का विकास कि[illegible] है जो सिलिकान मेमोरी चिप्स का स्थान ले लेगा। यह ए[illegible] यौगिक है और इसका नाम 4-मेथोक्सी फ्लेवेलिय[illegible] पर्कलोरेट है। इस आविस्कार से मालीक्यूलर इलेक्ट्रानिक[illegible] की नई शाखा की शुरुवात हुई। इसका इस्तेमाल दो आया[illegible] वाले आंकड़ों के रिकार्ड करने के लिया किया जा सक[illegible] है। इसी वर्ष हार्व विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों ने किनारे [illegible] दांतसे निकाली गई एमेलोजेनिन नामक प्रोटीन का प्रद[illegible] किया जिससे आज इस्तेमाल किये जा रहे कंप्यूटर चि[illegible] से हजारों गुना अधिक तेज चिप्स बनाये जा सकते हैं।

विश्व

विश्व जिसमें, छोटे से परमाणु से लेकर विशाल आकाशगंगायें, मंदाकिनीयों सहित सवकुछ समाहित है। कोई नहीं जानता कि विश्व का आकार कितना है। मानवीय चेतना के क्रमवद्ध विकास से विश्व के संदर्भ में अनेक अवधारणाओं में परिवर्तन आता गया। मानव–मन में सवसे पहले एक क्रमवद्ध इकाई के रूप में विश्व का चित्र उभरा तो उसने व्रह्मांड की संज्ञा दी। अंग्रेजी में इसका पर्याय 'कासमास' है जिसका अर्थ है सुव्यवस्था जो कि अव्यवस्था का विलोम शव्द है। व्रह्मांड से संवंधित अध्ययन को विश्वोत्पत्ति या व्रह्मांड विज्ञान कहते हैं। विश्व के अध्ययन का प्रारंभ क्लाडियस टालेमी–द्वारा सन् 140 ई. में शुरू किया गया। क्लाडियस टालेमी मिस्र–यूनानी परंपरा के प्रसिद्ध खगोलज्ञ थे। उन्होने इस सिद्धांत को मान्यता दी कि पृथ्वी विश्व के केन्द्र में है तथा सूर्य और अन्य ग्रह इसकी परिक्रमा करते हैं।

सन् 1543 में पोलेंड के खगोलज्ञ कोपरनिकस ने यह कहा कि विश्व के केंद्र में सूर्य है न कि पृथ्वी। यद्यपि कोपरनिकस के सिद्धांत के अनुसार पृथ्वी के वदले सूर्य को केंद्र में माना गया, परंतु उनके विश्व की संकल्पना सौर परिवार तक ही सीमित रही। इस अवधारणा में परिवर्तन पूरे साढ़े तीन सौ वर्ष वाद आया।

सन् 1805 में व्रिटेन के खगोलज्ञ हर्शल ने दूरवीनों की सहायता से अंतरिक्ष का अध्ययन किया तो पता चला कि विश्व केवल सौर मंडल तक सीमित नहीं हैं। यही नहीं, सौर मंडल स्वयं आकाश गंगा नामक तारा निकाय का अंश मात्र है।

वीसवीं सदी के आरंभ में ऐसा प्रतीत हुआ कि विशाल दुग्ध–मेखला–सी फैली आकाश गंगा जिसके अंतर्गत दस करोड़ से अधिक तारे, उनके अनुषंगी तारे और मैजेलेनीय मंदाकिनी है, इन सवका सम्मिलित रूप ही व्रह्मांड है।

सन् 1925 में अमरीका के खगोलज्ञ एडविन पी. हवल (1889–1953) ने यह वताया कि विश्व में हमारी आकाशगंगा की तरह लाखों अन्य दुग्धमेखलाएं हैं। हवल ने सन् 1929 में यह सिद्ध किया कि ये आकाशगंगायें एक–दूसरे से दूर होती जा रही हैं। जैसे–जैसे उनकी दूरी वढ़ती है उनके गमन की गति भी तीव्र होती जाती है। इससे तो यह पता चलता है कि यह व्रह्मांड एक हवा भरे जानेवाले गुव्वारे की तरह फैलता जा रहा है।

यह प्रश्न सचमुच पेचीदा है जिसका उत्तर ढूंढ पाना मुश्किल है। जैसा कि हवल ने वताया, यदि आकाशगंगाओं की गति दूरी के अनुसार अधिकाधिक वढ़ती जाए तो यह भी स्थिति आ जाएगी कि ये प्रकाश की गति से भागें। उस स्थिति में उनका परीक्षण और अध्ययन करना संभव नहीं होगा। आइज़क आसीमोव का कहना है कि 'हवल के निरूपण के अनुसार यदि दूरी के साथ प्रतिसरण की गति वढ़ती जाए तो 125 करोड़ प्रकाश वर्ष की दूरी पर आकाशगंगायें इस कदर प्रतिसरण करेंगी कि उन्हें देख पाना हमारे लिए संभव नहीं होगा। दृश्य पथ में आने वाले व्रह्मांड का व्यास 250 करोड़ प्रकाश वर्ष है और इसके अंदर असंख्य आकाशगंगायें हैं।

तारे या आकाशगंगा की गति का असर उसके प्रकाश पर पड़ता है। यदि तारा देखनेवाले की ओर वढ़ रहा हो तो उसका प्रकाश स्पेक्ट्रम नीले रंग की ओर वढ़ता दिखाई देगा। यदि तारा देखनेवाले की विपरीत दिशा में वढ़ रहा हो तो उसका प्रकाश स्पेक्ट्रम के लाल रंग की ओर अग्रसर होता दिखाई देगा। यही डाप्लर प्रभाव कहलाता है। आकाशगंगाओं का डाप्लर प्रभाव से पता चलता है कि तारे पीछे हटते जा रहे हैं और व्रह्मांड का प्रसार होता जा रहा है।

विश्व की उत्पति के संवंध में हमारी सामान्य धारणा रही है कि यह प्रांरभ में एक घनीभूत गोले के रूप में था। जैसा कि हवल ने प्रतिपादित किया है, यदि इस व्रह्मांड का सतत प्रसार होता जा रहा है तो प्रारंभ में वह अवश्य अत्यधिक संपीडित अवस्था में रहा होगा। अत्यधिक संपीडन का तात्पर्य है अत्यधिक सघनता। हमारे पास अभी तक यह जानने का कोई तरीका नहीं है कि मूलतः विश्व का घनत्व कितना था।

वेल्जियम के खगोलज्ञ एवं पादरी ऐव जार्ज लेंमेतेर ने इस सिद्धांत को समझाया, और यह सिद्धांत विग वैंग सिद्धांत के नाम से जाना गया। उनका कथन है कि करोड़ों वर्ष पहले यह विश्व अत्यंत घनीभूत स्थिति में था जिसका एक विस्फोट के साथ विस्तार होता गया। इस विस्फोट ने अति सघन पिंड को छिन्न–भिन्न किया और उसके टूटे हुए अंश अंतरिक्ष में दूर–दूर छिटक गए। वहां वे अभी तक हजारों किलोमीटर प्रति सेकंड की दर से गतिमान हैं। इन्हीं गतिशील अंशों से आकाशगंगायें निर्मित हुईं। आकाशगंगा और तारों के निर्माण से भी विस्तार की गति में वाधा नहीं आई और जैसा सभी विस्फोटों में होता है यहां भी दूरस्थ अंश अधिक तेजी से उड़ते हैं।

विग वैंग सिद्धांत का प्रमाणक चिन्ह आद्य विस्फोट है। अन्य सिद्धांत से यह दो वातों में भिन्न है। 'सतत सृष्टि सिद्धांत' नाम से प्रसिद्ध नए सिद्धांत का प्रतिपादन दो खगोलज्ञ थामस गोल्ड और हर्मन वांडी ने किया था और इसे व्रिटिश खगोलज्ञ फ्रेड हायल का समर्थन प्राप्त हुआ। इसके अनुसार आकाशगंगाये आपस में दूर तो होती जाती हैं परंतु उनका आकाशीय घनत्व अपरिवर्तित रहता है। तात्पर्य यह है कि पुरानी आकाशगंगाओं के एक दूसरे से दूर हो जाने के कारण उत्पन्न रिक्त स्थल में नई आकाशगंगा का प्रादुर्भाव होता चलता है। ये नई आकाशगंगायें नए पदाथा' से पैदा होती हैं।

टपल्सेटिंग' (आसिलेटिंग) विश्व सिद्धांत' का प्रतिपादन डाक्टर' एलेन संडेज़ ने किया था। इसके अनुसार यह विश्व करोड़ों वषा' के अंतराल में क्रमशः फैलता और सिकुड़ता है। डा.

सन् 1905 में आइन्स्टीन ने यह बताया कि तरंग–पिटकों सभी प्रकार के विकिरण संचरण करते हैं । ये एक प्रकार कणों के रूप में व्यवहार करते हैं । उन्होंने इन पिटकों को टान कहा । वेवलेंग्थ जैसे–जैसे घटती है वैसे–वैसे फोटान ऊर्जा बढ़ती है । वेवलेंग्थ का संबंध बारम्बारिता यानी म्पनों अथवा तरंगों अथवा आवर्तनों की संख्या से है ।वेवलेंग्थ तनी छोटी होगी उतनी ही बारम्बारिता और ऊर्जा अधिक गी। सबसे छोटी वेवलेंग्थ वाली गामा किरणें (0.01 नैनोमीटर कम) सर्वाधिक ऊर्जावाली हैं । ज्यो–ज्यों वेवलेंग्थ एक्स–के द्वारा (1 से 0.01 नै. मी.), अल्ट्रावायलेट के द्वारा (1 400 मी.), स्पेक्ट्रम के वर्णो में दृश्यमान प्रकाश द्वारा (400 ो से 700 नैनो), इन्फ्रा–रेड के द्वारा (700 नैनो से 1 लिमीटर), माइक्रों तरंगों के द्वारा (1 मिली मीटर से 500 ली मीटर या 50 सेंटी मीटर), रेडियो तरंगों तक जिनकी लेंग्थ सर्वाधिक लम्बी (50 सेंटी मीटर से 3000 सेंटी टर या 30 मीटर) और ऊर्जा तत्व सबसे कम होता है, बढ़ती त्यों–त्यों ऊर्जा कम होती जाती है।

प्रत्येक पदार्थ जो परम शून्य (273.16 सें.) से ऊपर के पमान पर है, हर तरह के फोटान का विकिरण करता है। टॉन से निकली औसत ऊर्जा तापमान के साथ बढ़ती है । इसकी गर्मी का अनुभव दृश्यमान प्रकाश विकिरण में सबसे धिक उन्नत काल (दोपहर) में करते हैं । लेकिन सूर्य की तरह धिक गरम होकर न चमक सकने वाले पदार्थ, जैसे हमारा रीर भी इन्फ्रा–रेड विकिरण की अधिक मात्रायें निकालता है। ारे शरीर के तापमान से कम तापमान वाले पदार्थ उदाहरण लिए ठंडा शरीर, माइक्रो तरंग और अपेक्षाकृत अधिक लम्बाई ले रेडियो तरंगों को विकसित करते हैं । ये विकिरण कहलाते । जिन पदार्थों से ये तापीय विकिरण निकलते हैं उनके पमान का स्तर इस विकिरण से जाना जा सकता है ।

गोलिकी

आधुनिक खगोलिकी की शुरुआत इतालवी खगोलवेत्ता गैलीलियो से हुई है । सन् 1609 में गैलीलियो ने डेनमार्क के स लिपरशे की बनायी दूरबीन के बारे में सुना । उसने इस रबीन में और अधिक सुधार कर इसके आवर्धन को तीस तक चाया । यह दूरबीन रिफ्लेक्टर टेलिस्कोप या अपवर्त्तक बीन थी । गैलीलियो ने अनेक खोजें की । उसने बताया चांद की सतह ऊबड़–खायड़ है, प्लायोडीज़ या वृत्तिका 40 त्रों से अधिक का समूह है। उसने वृहस्पति के चार चांदों और सूर्य के कलंक या धब्बे का पता लगाया ।

सन् 1668 में न्यूटन ने रिफ्लेक्टर या परावर्तक दूरबीन आविष्कार किया । परावर्तक दूरबीन में प्रकाश एक बड़े दर्शक लेन्स द्वारा एकत्र किया जाता है । इस काम के परावर्तक दूरबीन में एक बड़ा वक्रदर्पण लगा होता है। दोनों र की दूरबीनें अब भी काम में लायी जाती हैं।

खगोलिकी के इतिहास में प्रकाश दूरबीन (आप्टिकल स्कोप) का आविष्कार एक युगप्रवर्तक घटना है । आम ों और खगोलशास्त्रियों की कल्पना को इसने इतना अधिक र्षित किया कि सभी उन्नत देश बड़ी से बड़ी दूरबीन बनाने होड़ में लग गए ।

रेडियो खगोलिकी का जन्म अप्रत्याशित रूप से हुआ । सन् 1931 में एक अमरीकी रेडियो इंजीनियर कार्ल जेंस्की ने बेल टेलिफोन प्रयोगशाला में काम करते हुए अन्तरिक्ष से निरन्तर आ रहे एक विकिरण को देखा । यह आश्चर्यजनक बात है कि उस समय के खगोलशास्त्रियों ने इस आविष्कार पर कोई विशेष ध्यान नहीं दिया लेकिन एक अमरीकी रेडियो आपरेटर ग्रोते रेबर का ध्यान इस ओर गया और उसने बाह्य अन्तरिक्ष में होनेवाली घटनाओं का अध्ययन अपने आप करने की सोची । उसने लगभग दस सालों तक अकेले ही आकाश का अध्ययन किया और विकिरणों का विश्लेषण किया । सन् 1937 में उसने संसार की सबसे पहली रेडियो दूरबीन इलिनाथस में अपने घर के पिछवाड़े पर लगायी । इस दूरबीन में 31 फुट 5 इंच की वलयाकार डिश थी । सन् 1940 में उसने संसार में अपनी तरह का आकाश का पहला परिदृश्य प्रस्तुत किया । इस प्रकार रेडियो खगोलिकी का जन्म खगोलिकी की एक नई शाखा के रूप में हुआ ।

रेडियो दूरबीन कई मामलों में प्रकाश की दूरबीन जैसी है, इसमें धातु का एक परावर्तक लगा होता है । इस परावर्त्तक के साथ एक एंटिना भी होता है । धातु का परावर्तक रेडियो ऊर्जा को एकत्र करता है और उसे एंटिना पर अभिकेन्द्रित करता है। इसे फिर अपेक्षित बारम्बारिता (फ्रीक्वेंसी) पर बदला जा सकता है । एंटिना से विकिरण को एक अत्यधिक संवेदनशील रेडियो रिसीवर ग्रहण करता है और उसे रिकार्ड करता है । इसका विश्लेषण कम्प्यूटर के द्वारा किया जाता है ।

छठे दशक में उपग्रह टेक्नॉलाजी के कारण खगोल सम्बंधी खोज बहुत आगे बढ़ी । इसके पहले खगोल का अध्ययन पृथ्वी से होता था । अब उपग्रहों के कारण नक्षत्रों की घटनाओं अध्ययन वायुमंडल से ऊपर उठकर किया जाना संभव हो गया है । इस प्रकार खगोल का अध्ययन दो तरह से होने लगा है – पृथ्वी की सतह से और दूसरा वायुमंडल के ऊपर से । इससे खगोलिकी के क्षेत्र में नए–नए विशेष क्षेत्रों, एक्स–रे, अल्ट्रावायलेट, गामा रे, इन्फ्रारेड आदि का द्वार खुल गया ।

सन् 1940 में रडार खगोलिकी का तब जन्म हुआ जब हंगरी के भौतिक वैज्ञानिक जाल्टन ने चांद पर माइक्रो तरंगों की किरणों को छोड़ा और उनकी गूंज का उसने पता लगाया। यह अब रेडियो खगोलिकी का एक अंग बन गया है क्यों कि माइक्रो तरंगों को विद्युत् चुम्बकीय स्पेक्ट्रम का एक अंग माना जा सकता है ।

मन्दाकिनी या आकाशगंगा

मन्दाकिनी या आकाशगंगा तारों के विशाल पुंज हैं जो गुरुत्वाकर्षण की शक्ति से एक–दूसरे से बंधे हुए हैं । ये पुंज इतने विशाल हैं कि इन्हें भी 'प्रायद्वीप ब्रह्मांड' कहा जाता है। आकाश में मन्दाकिनी फैली हुई दिखाई देती हैं । लेकिन ये कई समूह आपस में गुंथ कर पुंज बनते हैं ।

जब पहली बार ब्रह्मांड में विस्फोट के बाद पदार्था' का विस्तार हुआ, आकाश में गैस से भरे खरबों प्रायद्वीप बन गए। ये गै के प्रायद्वीप (या प्रोटो–गैलक्सी या अधिमन्दाकिनी) अप गति–विशेष से घूमने लग। बड़ी ही मंदगति से घूमने वा आकार लगभग गोल रहा । शेष वलयाकार रूप में भिन्न

लम्बाइयों के बने । इनकी लम्बाई उनके घूमने की गति पर आधारित थी । बहुत से गैस प्रायद्वीपों के घूमने की गति इतनी अधिक थी कि उनका आकार चपटी तश्तरी (डिस्क) की तरह हो गया । इन तश्तरियों के किनारों से सर्पिल भुजाएं निकली। इन तश्तरियों का केन्द्र मन्दाकिनी केन्द्र के चारों ओर वर्तुलाकार पथ में निरन्तर घूमनेवाले असंख्य आद्य-नक्षत्रों के द्वारा बना जबकि सर्पिल भुजाओं का निर्माण बहुत अधिक सूक्ष्म धूल से भरे, सामान्य आवर्तन में फंसी गैसों की धाराओं से हुआ जो सर्पिल रूप में ढल गए। इस तरह मन्दाकिनी विभिन्न आकारों और रूपों में निर्मित हुई। ज्यों-ज्यों गैसीय प्रभाद्वीप स्थिर होने लगे, स्थानीय संघनन – आद्य नक्षत्रों – की प्रक्रिया मन्दाकिनी की कई बिन्दुओं में शुरू होने लगी । ये संघनन (कंडेन्सेशन) अपने ही भार के दबाव से घने गैस के गोले के रूप में संकुचित होने लगे । इस प्रकार के संकुचन के फलस्वरूप, गैसीय गोलों का तापमान धीरे-धीरे बढ़ने लगा और उनकी गरम सतह से गरम तरंग और तब दृश्यमान प्रकाश के छोटे वेवलेंग्थ निकलने लगे।

जब इन संकुचित होने वाले आद्य नक्षत्रों का केन्द्रीय वायु मंडल ज्वलनांक लगभग 10 करोड़ डिग्री सेंटीग्रेड तक पहुंच गया, संकुचन की प्रक्रिया रुक गई, तापनाभिकीय प्रतिक्रियाएं शुरू हुई और नक्षत्रों के रूप में करोड़ों गोलों का जन्म हुआ। जब तारे निकले, पहले की ठंडी और अंधेरी आद्य मन्दाकिनी चमकीले तारों की आज की मन्दाकिनी के रूप में बदल गई।

आज की ज्ञात मन्दाकिनी से संरचनागत विश्लेषण के तीन प्रमुख रूपों सर्पिल, दीर्घवृत्तीय और अनियमित – का पता चलता है। सर्पिल मन्दाकिनी यानी निहारिकाएं अपनी बड़ी बड़ी सर्पिल भुजाओं से घिरी केन्द्रीय नाभिका से मुक्त होती । आकाशगंगा और एन्ड्रोमेडा मन्दाकिनी इसी वर्ग की हैं। र्पिल निहारिका का एक विशेष भेद है दंडयुक्त सर्पिल जसके मध्य में दंड रूप में नाभिकी होती है । अब तक की ात मन्दाकिनी का 80 प्रतिशत भाग सर्पिल है । दीर्घ वृत्तीय नेहारिकाओं का रूप बिना किसी सर्पिल भुजा के दीर्घवृत्त के ऱूप में होता है । इनका आकार गोल दीर्घवृत्त से ले कर कदमं तश्तरी (सॉसर) के आकार तक का होता है और ज्ञात मंदाकिनी का लगभग 17 प्रतिशत है । अनियमित ऱूप वाली निहारिकाओं का, जैसा कि नाम से ही स्पष्ट है, कोई नेश्चित ज्यामितीय आकार नहीं है ।

यह समझा जाता है कि अनियमित निहारिकाएं अभी नई ंदाकिनी हैं, जबकि सर्पिल निहारिकाएं मध्यवय की हैं और ीर्घवृत्तीय वृद्ध हैं । अधिकांश दृश्यमान मंदाकिनी आकाश विखरी हुई दिखाई देती हैं किन्तु मन्दाकिनी समूह के गुच्छ नने के कई उदाहरण हैं जिनमें कई सौ मंदाकिनी शामिल । हमारी अपनी मंदाकिनी – आकाशगंगा – लगभग 24 न्दाकिनी समूहों का गुच्छ है जिसे 'स्थानीय दल' कहा जाता । यह समूह लगभग 30 लाख प्रकाश वर्ष व्यास के क्षेत्र तक फैला है ।

सबसे अधिक दो निकटतम मन्दाकिनियां हैं वृहद् मैगलेनिक बादल और लघु मैगलेनिक बादल । इनको विश्व प्रसिद्ध नाविक मैगलन के नाम पर मैगलेनिक कहा जाता है क्योंकि सबसे पहले उसीने इसका पता लगाया । वृहद् बादल 40,000 प्रकाश वर्ष के अधिकतम व्यास वाला है । और हमसे लगभग 155,000 प्रकाश वर्ष दूर है । इसमें लगभ 5 से 10 अरब तारे हैं । लघु बादल में केवल 1 से 2 अ तारों की आबादी है । इस समूह में दो सबसे बड़ी मंदाकि हैं आकाशगंगा और एंड्रोमेडा मंदाकिनी । ये दोनों सर्पि हैं । एंड्रोमेडा मन्दाकिनी (एम 31) हमारे लिए विशेष मह की हैं क्योंकि ऐसा लगता है कि हमारी मन्दाकिनी और 31 सचमुच एक-दूसरे के निकट 50 कि. मी. सेकेंड सामान्य गति से आ रहे हैं ।

इस दल का हाल में ज्ञात सदस्य है वामन् (बौ मन्दाकिनी जिसका पता आस्ट्रेलिया की साइडिंग सि वेधशाला ने लगाया। यह काराइना में स्थित है और इ बहुत अधिक धुंधले तारों का शिथिल पुंज है । यह सल्प तथा फार्नेक्सि सिस्टम के समान है । यह सूर्य से अनुमान लगभग 500,000 प्रकाश वर्ष दूर है।

दुग्ध-मेखला (मिल्की वे)

हमारी पृथ्वी की अपनी एक मंदाकिनी या आकाशगंगा है जि दुग्ध-मेखला (मिल्की वे) कहते हैं। इस मंदाकिनी की विशिष यह है कि इससे होकर एक संपूर्ण वृत्त में प्रकाश की ध प्रवाहमान दिखाई देती है । यह दुग्ध-मेखला चौबीस मंदाकिनि के एक गुच्छ का सदस्य है जो स्थानीय दल (लोकल कहलाता है ।

पृथ्वी से देखने पर यह धारा आकाश में बहती प्रकाश एक नदी की तरह दिखाई देती है । वास्तव में यह कर टिमटिमाते तारों से मिलकर बनी है । पृथ्वी की इस दूरी से दे पर लगता है ये तारे पास-पास में तिर रहे है । पाश्चात्यों ने प्रकाश-धारा को दुग्ध-मेखला (मिल्की वे) की संज्ञा दी ।

आकाशगंगा ने हमारी पृथ्वी के सभी देशों के पूर्वजों इतना अधिक मोहित किया है कि लोगों ने इसे सुन्दर-सु नाम देकर अनेक काल्पनिक कहानियों से संजोया है । म एशिया के यकूत लोगों ने इसे 'ईश्वर का पदचिह्न' कहा एस्किमो लोगों ने इसे 'धवल भस्म का मार्ग' बताया । प्रा यूनानी लोगों ने इसे 'स्वर्ग ले जाने वाला राजमार्ग' कहा । देश के लोगों ने इसे 'स्वर्गिक नदी' और हिब्रू लोगों ने 'प्रकाश की नदी' कहा । प्राचीन भारतीय भी पीछे न उन्होने इसे 'आकाशगंगा' या 'स्वर्ग की गंगा' कहा ।

एक पुराणकथा के अनुसार भक्त भगीरथ की आग्रह प्रार्थना को स्वीकार कर भगवान शिव आकाशगंगा को ले आए और इसकी एक छोटी-सी धारा को पृथ्वी पर ब दिया। यही धारा आदि गंगा बनी जो आज भी वैसी ही है विश्व के सभी हिन्दुओं के लिए पवित्र बनी हुई है ।

यह दुग्ध-मेखला एक सर्पिल मंदाकिनी है । मंदाकिनी का मुख्य भाग एक ऐसा मंडल है जिसके अ पार एक लाख प्रकाश-वर्ष की दूरी है । इसके गोला नाभिक का व्यास 16,000 प्रकाश-वर्ष है । मंदाकिनी सर्पिल भुजाएं दूर-दूर तक फैली हैं । और इन्हीं भुज में से एक में हमारा सौर मंडल स्थित है । मंदाकिनी में खरब से अधिक तारे हैं जो इसके केन्द्र में 23 करोड़ की औसत कालावधि में घूमते रहते हैं ।

हमारी मंदाकिनी के केन्द्र या नाभि खगोलीय धूल व

से ऐसा ढंका हुआ है कि प्रकाश दूरबीन के द्वारा इनका अध्ययन संभव नहीं है । जो कुछ हमें मालूम है वह रेडियो दूरबीन से ही हो सका है । सूर्य से लगभग 32,000 प्रकाश वर्ष दूर हमारी मंदाकिनी का केन्द्र है । यह गैस की घूमती हुई पट्टी जैसी दिखाई देती है । इस घूमती हुई पट्टी में अनेक बड़ी क्रियायें होती रहती हैं । मंदाकिनी के केन्द्र के निकट ऐसी घटनाओं का एक दृश्य देखा जा सकता है । यहां नये तारे लगातार पैदा होते रहते हैं। यह जगह पूर्ण विकसित तारों से पहले ही भरी हुई है । यहां पर तारों का घनत्व प्रति घन पारसेक (3.26 प्रकाश वर्ष) दस लाख तारे हैं । इसका अर्थ यह हुआ कि हम पृथ्वी पर रात में जब केवल एक चमकता हुआ लुब्धक (सीरियस) सितारा देखते हैं उसी समय केन्द्रीय पट्टी से देखने वाला कोई व्यक्ति लुब्धक जैसे करोड़ों तारे देख सकता है । इन तारों की चमक दो पूर्ण चन्द्र जैसी होती है। कहने का मतलब यह है कि हमारी मंदाकिनी का केन्द्र प्रकाश की बाढ़ से ओत-प्रोत हैं ।

मेरीलैंड विश्वविद्यालय के डा. जासेफ वेबर का विचार है कि हमारी मंदाकिनी के केन्द्र को एक श्याम विवर (ब्लैक होल) अनुशासित करता है । उन्होंने परीक्षण करते हुए पाया कि हमारी मंदाकिनी के केन्द्र से प्रभावशाली गुरुत्वाकर्षण की लहरें निर्गत हो रही थीं ।

नक्षत्र या तारे

मंदाकिनी का 98 प्रतिशत भाग तारों से बना है । शेष 2 प्रतिशत में अन्तर-नक्षत्रीय या खगोलीय गैस और बहुत ही अधिक घने रूप में छायी धूल है । तारों के बीच का सामान्य गैस-घनत्व प्रति घन सेंटीमीटर हाइड्रोजन अणु का लगभग दसवां हिस्सा है ।

तारे गुच्छों का निर्माण करते हैं । खगोल में ऐसे तारे अपवाद हैं जो अलग-थलग अकेले पड़े हों । ऐसे तारों की संख्या 25 प्रतिशत से अधिक नहीं है । युग्म तारे (तारों के जोड़े) लगभग 33 प्रतिशत हैं । शेष सभी तारे बहुसंख्यक हैं । वृश्चिक राशि का नक्षत्र ज्येष्ठा एक तारा न होकर दो हैं – युग्म तारा । ब्रह्महृदय या कैपेला और अल्फा सेन्तौरी में प्रत्येक में तीन तारों और मिथुन या कास्टर में छह तारे हैं।

हमारे नेत्रों से जो तारे एक दिखलाई पड़ते हैं वे दूरबीन से देखने पर युग्म तारे नजर आते हैं । ये युग्म नक्षत्र-गुरुत्वाकर्षण के एक ही उभयनिष्ठ केन्द्र के चारों ओर घूमते हैं। ये एक दूसरे की परिभ्रमण कक्षा में एक साल से लेकर हजारों साल की लंबी अवधि तक पाये जाते हैं ।

जब नक्षत्र में हाइड्रोजन कम हो जाती है इसका बाहरी क्षेत्र फूलने लगता है और वह लाल हो जाता है । यह तारों की आयु की पहली निशानी है । ऐसे तारों को 'रक्त दानव' कहते हैं। हमारा तारा, सूर्य, आगामी 5 अरब वर्षों में ऐसा ही रक्त दानव बन जाएगा – ऐसी संभावना है ।

इनका रक्त दानव नाम एकदम सार्थक है । इनकी विमा यानी लंबाई चौड़ाई बहुत ही विशाल हैं । मिसाल के लिए आर्द्रा या बेटेलोगौस का व्यास लगभग 48 करोड़ किलोमीटर या सूर्य के व्यास का 350 गुना है । एक दूसरा रक्त माइरा का व्यास 64 करोड़ किलोमीटर हैं ।

प्रकाश की चमक की मात्रा में कम-ज्यादा होनेवाले तारों को चिरकांति तारा कहते हैं । इस प्रकार के तारों में प्रथम ज्ञात है डेल्टा सेफाइ जिसे सन् 1784 में बहरे और गूंगे अंग्रेज ज्योतिष विद्वान गुडरिच ने देखा था । उसने देखा कि डेल्टा सेफाइ प्रत्येक 5 दिन और 9 घंटे में अपनी चमक मे कम ज्यादा होता रहता है । ऐसे कम ज्यादा चमक वाले तारों को सेफाइड चिरकांति तारा कहा गया । ऐसे तारों में अधिक से अधिक चमक की कमी-बेशी कुछ घंटों की अवधि से लेकर हजार दिनों या इससे अधिक की अवधि की होती है । सामान्य तारे पर जितना ही कम चमक-मंद-चमक का चक्र होगा उतना ही अधिक प्रकाशवान वह तारा होगा ।

नये और अभिनव तारे वे हैं जिनकी कांति एकाएक दस से बीस गुना या इससे अधिक बढ़ जाती है और फिर धीरे-धीरे कम होकर सामान्य हो जाती है । दोनों तरह के तारों के बीच के फर्क को अभी ठीक से समझा नहीं जा सका है। ऐसा लगता है कि इनमें मात्रा का भेद है, जाति का नहीं । एकाएक चमक के बढ़ने का रहस्य आंशिक या पूर्ण विस्फोट में देखा गया है । नये तारों में ऐसा लगता है कि केवल बाहरी भाग में विस्फोट होता है, जबकि अभिनव तारों में पूरे के पूरे तारे में विस्फोट होता है। नए तारे अभिनव तारों से अधिक जल्दी उत्पन्न होते हैं ।

प्रो. सी. एफ. पावेल के शब्दों में इस तारे की संपूर्ण संरचना खंडित हो जाती है । यह अपनी लपटों की चमक में इतना चमकने लगता है कि पहले के तीस दिनों में इसकी कांति की तीक्ष्णता हमारे 100 करोड़ सूर्य की कांति के बराबर हो जाती है

ब्लैक होलः जब किसी नक्षत्र का अंत होता है तो आश्चर्यजनक स्थितियां होती हैं। नक्षत्र का भार सूर्य के भार से तीन गुना अधिक हो जाता है। निपात होने के साथ यह सघन होता जाता है। सघनता तब तक जारी रहती है जब तक यह इतना सघन हो जाये कि कुछ भी यहां तक कि प्रकाश भी इसकी गुरुत्व से नहीं बच पाये। इस प्रकार यह अंधक्षेत्र हो जाता है और इसको देखा नहीं जा सकता।

सामान्य सापेक्षता के अनुसार पदार्थ की बाडीज अंतरिक्ष में वक्राकार होती हैं। और अगर पदार्थ की बाडी बहुत सघन हो जाये (टनों पदार्थ छोटी सी जगह में समाहित हो जाये) तो यह अंतरिक्ष में गहरी अनंत खाई के समान हो जाता है जिसे ब्लैक होल कहते हैं।

गुरुत्व तरंगें: गुरुत्व तरंगे तब उत्पन्न होती हैं जब अंतरिक्ष में बुरी तरह से खलबली मचती है (जब कोई नक्षत्र ढ़हता है)। इस प्रकार के भीमकाय हलचलों से अंतरिक्ष समय की रबड़ प्रकार की मेट के साथ सभी दिशाओं में गुरुत्व उर्जा को छिन्न-भिन्न कर देती है। यह तरंग केवल अंतरिक्ष में ही यात्रा नहीं करती हैं। जिस प्रकार से ध्वनि प्रकाश से भिन्न प्रकार से संकेत देती है उसी प्रकार अंतरिक्ष समय में कंपन इलेक्ट्रोमैग्नेटिक स्पेक्ट्रम द्वारा दिये जाने वाले संकेतों से पूरी तरह से अलग होते हैं। सुपरनोवा विस्फोट के केंद्र जहां प्रकाश के फोटान बिखर कर विलीन हो जाते है को भी यह तरंगें पीछे छोड़ देती हैं

ब्रह्मांड की आयुः ब्रह्मांड के वृहद स्तर की बनावट के अध्ययन का विज्ञान कास्मोलोजी कहलाता है। इस की शुरुवात बीसवीं शती में हुई जब 1915 [illegible] स्टीन ने

सापेक्षता का सामान्य सिद्धांत का प्रतिपादित किया। इस सिद्धांत के द्वारा ब्रह्मांड की गणितीय स्वरूप समझा जा सकता है। 1930 एवं 1940 में एडविन हवल का आंकलन बहुत कम 1.8 बिलयन वर्ष की आयु का था, लेकिन वर्तमान आंकलन के अनुसार ब्रह्मांड की आयु 13 बिलयन वर्ष है। खगोलिकी की दुनिया में कई वर्ष लग गये हवल का उत्तराधिकारी ढूंढने में जो हवल द्वारा किये गये परिगणन में अंकीय गलती को ढूंढ सके। हवल द्वारा परिगणन के बाद खगोलकों द्वारा किये गये परीक्षणों से भिन्न-भिन्न मत सामने आये।

1990 में हवल दूरबीन का प्रक्षेपण का मुख्य उद्देश्य हवल के परिगणन की तथ्यता का पता करना था। चूंकि स्थल पर स्थापित दूरबीनों से उतनी उत्कृष्टता की अपेक्षा नहीं की जा सकती जितनी अंतरिक्ष में स्थापित दूरबीन से जिससे कि छोटी से छोटी वस्तु भी दिखने में कोई समस्या नहीं होती।

हबल ने एक अति विशाल काले छिद्र की खोज की है जो सूर्य की अपेक्षा कम से कम 300 मिलियन गुना बड़ा है।

हबल दूरबीन की खोजों के विश्लेषण से पता चलता है कि ब्रह्मांड अभी काफी युवा है। यह केवल 8 बिलयन वर्ष पुराना है।

अन्तरिक्ष की खोज

अंतरिक्ष अभियान अब चार दशक पुराना है। इसका आरंभ रूस के स्पुतनिक और अमरीका के एक्स्प्लोरर से हुआ है। 1969 में मानव ने चांद की धरती पर पैर रखे। इसके बाद आए अन्तरिक्ष केन्द्र (स्पेस स्टेशन) जिन्हें स्काइलैब और सैल्यूट कहा गया। आदमी ने अन्तरिक्ष में चलना और नष्टप्राय उपग्रहों की मरम्मत करना सीख लिया है।

संयुक्त राज्य के 1989 में वोयजर के 1,2 वर्षीय नेप्च्यून तक की यात्रा ने इस दौरान अनेक ग्रहों और उनके चंद्रमाओं के बारे में अनेक नई खोजें की हैं।

अंतरिक्ष यात्रा ने ब्रह्मांड की खोज के नये आयाम दिये। खगोलज्ञ अब चंद्रमा और अन्य ग्रहों के करीब से फोटो खींच सकते हैं, जबकि पहले पृथ्वी के घने वायुमंडल को चीरते हुए धुंधले रूप में यह दिखायी पड़ते थे। हालांकि 2000 मीटर ऊंचे पहाड़ों पर वेधशालाओं की स्थापना की जा चुकी है फिर भी प्राप्त चित्र या अवलोकन स्पष्ट नहीं हो सकता। केवल अंतरिक्ष में जाकर ही स्पष्ट अवलोकन किया जा सकता है और साथ ही विकिरण जैसे एक्स रे या अल्ट्रावायलेट किरणों का अध्ययन किया जा सकता है जिन्हे हमारा वातावरण पृथ्वी पर नहीं आने देता है। अन्तरिक्ष युग, 4 अक्टूबर 1957 से शुरू हुआ जब रूस ने स्पुतनिक-1 और एक महीने बाद लाइका नामक कुतिया के साथ स्पुतनिक-2 छोड़ा। कुतिया के हृदय की धड़कन, उसका तापमान और अन्य प्रतिक्रियाओं की जिनको पृथ्वी पर रेडियो तरंगों द्वारा एकत्रित किया गया के अध्ययन से यह पता लगा कि अंतरिक्ष में बहुत देर तक आदमी भी जीवित रह सकता है।

31 जनवरी, 1958 तक अमरीकी प्रथम उपग्रह एक्स्प्लोरर नहीं छोड़ा गया लेकिन इसके उपकरणों ने अन्तरिक्ष युग की प्रथम महत्वपूर्ण खोज की थी। वह थी पृथ्वी के चारों ओर वेन एलेन विकिरण बेल्ट जहां पृथ्वी के चुम्बकीय क्षेत्र में सूर्य से इलेक्ट्रान और प्रोटान फंस जाते हैं। ठीक इसके बाद चन्द्रमा तथा अन्य ग्रहों के अभियान पर उपग्रह भेजे गए जिन्होंने रास्ते में ही सूर्य से निकलने वाले उप-आणविक कणों की सौर वायु का पता लगाया।

अक्टूबर 1959 में रूसी लूना-3 से प्राप्त चित्रों के द्वारा चन्द्रमा का दूर रहने वाला भाग मानव जाति को पहली बार देखने को मिला। अमरीकी मेरिनर-2 ने सन् 1962 में शुक्र के पास से गुजरते हुए उसके उच्च तापमान और घूमने की उलटी दिशा-इन दोनों बातों की पुष्टि की। सन् 1965 में मेरिनर-4 ने मंगल पर बने गड्ढों के उल्लेखनीय चित्र भेज कर इस तथ्य को प्रकट किया। अन्तरिक्ष अभियान के आरंभिक कार्य के बाद के ग्रह संबंधी अभियानों ने विस्तार दिया और सुधार किया। इसके परिणाम स्वरूप सुदूर नियंत्रण (रिमोट कंट्रोल) द्वारा जीवन की संभावना की खोज के लिए चन्द्रमा, शुक्र और मंगल में उपग्रह उतारे गए इस श्रृंखला में वोयेजर 1, 2 की अंतरिक्ष यात्रा ने ब्रह्मांड के बारे में वैज्ञानिकों को नये विचार प्रतिपादित करनें में मदद की है।

सौर्य क्रियाकलापों के अध्ययन के लिये सूर्य का करीब से अध्ययन किया जा रहा है। बृहस्पति और इसके आगे की भी अंतरिक्ष यात्रायें की जा रही हैं। वैज्ञानिकों की योजना है कि सौर्य प्रणाली में आश्चर्यजनक धूमकेतुओं का गहन अध्ययन किया जाये।

अंतरिक्ष युग के पहले 23 वर्षों में मानव की अंतरिक्ष यात्रा 3 प्रतिशत रही इस दौरान लगभग 2400 अंतरिक्ष यान भेजे गये अन्तरिक्ष में यात्रा करने वाला प्रथम मानव रूसी व्यक्ति यूरी गैगरीन था जिसने अप्रैल 12, 1961 को पृथ्वी की एक परिक्रमा लगाई। बाद में रूसी अन्तरिक्ष यात्री जिनमें महिला अन्तरिक्ष यात्री महिला वेलंतीन तेरशकोव भी थीं (जून 16, 1963) कक्ष में 5 दिनों तक रहीं। लघु अन्तरिक्ष यान 'मरकरी' के द्वारा अमरीकी अन्तरिक्ष यात्रियों ने अत्यंत साधारण सामान्य उड़ानें भरीं। लेकिन सन् 1965 में दो व्यक्तियों वाले जेमिनी की उड़ान से एक श्रृंखला की शुरुआत हुई जिससे उन्होनें इस क्षेत्र में रूस के नेतृत्व को छीन लिया।

कोलंबिया आकाश में ध्वस्त

फरवरी 1, 2003 को कोलंबिया का अंतरिक्ष यान जिसे अमरीका की वायुसेना के कर्नल रिक हस्बेंड कमांड कर रहे थे पृथ्वी पर आने के कुछ ही मिनटों पहले आकाश में ध्वस्त हो गया। अंतरिक्ष यान में भारतीय मूल की कल्पना चावला समेत सातों अंतरिक्ष यात्रियों का निधन हो गया। वो पहली भारतीय मूल की महिला अंतरिक्ष यात्री थीं और अपनी दूसरी उड़ान पर थीं। उनका जन्म करनाल में हुआ और वहीं के स्कूल में उन्होंने शिक्षा प्राप्त की। एयरोस्पेस इंजीनियरिंग में शिक्षा प्राप्त करने के बाद वो संयुक्त राज्य अमरीका में डाक्ट्रेट के लिये गईं। 1988 में उन्होंने नासा को अपना लिया और 1994 में नासा ने उनको अंतरिक्ष यात्री के तौर पर चयन कर लिया। और नवंबर दिसंबर 1997 में वो अंतरिक्ष में अपनी पहली परियोजना में गईं।
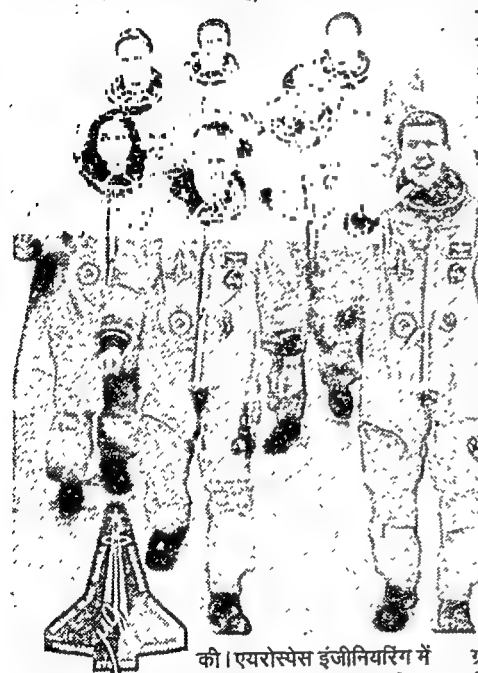
दुर्भाग्यग्रस्त कोलंबिया उड़ान तीन वर्ष पूर्व शटल द्वारा प्रक्षेपित की जाने वाली शोध परियोजना के लिये समर्पित की गई थी।

कोलंबिया के पे लोड में प्रथम स्पेस लैब डबल माड्यूल जिसने अपनी परियोजना में 80 से अधिक प्रयोग किये। इस परियोजना में विश्व भर के 70 वैज्ञानिक शामिल थे जिन्होंने अंतरिक्ष, जीवन और भौतिकीय विज्ञान पर अन्वेषण किया।

एक नये स्पेस सेंट के निर्माण के लिये कोलंबिया शटल के अंतरिक्ष यात्रियों ने फ्रेगरेंस कंपनी द्वारा प्रायोजित प्रयोग के लिये सुगंधित फूलों के आवश्यक तेलों का संरक्षण किया था। कोलंबिया के छोटे से ग्रीन हाउस में लाल गुलाब का पौधा जिसमें 6 कलिया निकली हुई थीं और एशियन राइस फ्लावर जिसमें जैसमीन की सुगंध थी लगाया हुआ था।

युरोपियन स्पेस एजेंसी द्वारा प्रायोजित एक अन्य प्रयोग में मेटाबोलिज्म, हार्मोन स्तर और कम गुरुत्व में मानव शरीर में होने वाले परिवर्तनों विशेषकर शरीर के द्रवों पर अध्ययन के लिया किया गया था।

इन 16 दिनों के शोध कार्यक्रम में ने वैज्ञानिकों को अवसर प्रदान किया कि किस प्रकार अंतरिक्ष में हृदय और फेफड़े कार्य करते हैं और किस प्रकार स्नायु तंत्र उन पर नियंत्रण करता है का अध्ययन कर सकें।

अंतरिक्ष कार्यक्रम यूरी गागरिन जोकि पहले अंतरिक्ष यात्री थे के अंतरिक्ष में जाने से पहले और बाद में अनकों बार असफल हो चुका है। संयुक्त राज्य अमरीका का अंतरिक्ष कार्यक्रम को पहला झटका तब लगा जब 1967 में अंतरिक्ष यात्री वर्गिल ग्रिसोम, एडवर्ड व्हाइट और रोजर चाफी का निधन अपोलो–1 के स्पेस कैप्सूल में आग लग जाने से हो गया था। आग लगने के समय यह यान पृथ्वी पर ही था। 1970 में अपोलो 13 के आक्सीजन टैंक में विस्फोट हुआ। जिससे यान के ईंधन गृह क्षति ग्रस्त हो गया। इस समय यह यान पृथ्वी से 200,000 किलोमीटर दूरी पर था, लेकिन चालक दल सुरक्षित वापस लौटने में सफल रहा।1986 में स्पेस शटल चैलेंज असफलता के दौर से गुजरा। 1967 में अंतरिक्ष यात्री विलादिमिर कोमानोव का निधन हो गया जब उनका यान पृथ्वी पर वापस आते समय पैराशूट से उलझ गया। 1971 में तीन अंतरिक्षयात्री जो सोयूज 11 में यात्रा कर रहे थे मारे गये जब यान अचानक स्व लैंडिंग गेयर में खराबी आ जाने के कारण गिर गया।

ामिनी कार्यक्रम के अन्तरिक्ष यात्रियों के दल ने चन्द्रमा पर ागामी अपोलो अभियान के लिए जोखिम से पूर्ण कलाबाजियों, ाकिंग प्रक्रियाओं और अन्तरिक्ष में चलने का अभ्यास ्या।

अपोलो के चन्द्रमा पर उतरने के संबंध में खास बात उसका चार पैरों वाला 'लूनर मोड्यूल' जिसमे दो व्यक्ति चांद की धरती को छू सकते थे। 21 जुलाई 1969 को चन्द्रमा पर मानव का पहला कदम अपोलो 11 से नील आर्मस्ट्रॉंग

और एडविन एल्ड्रिन ने रखा। अपोलो कार्यक्रम के दौरान 12 अमेरिकियों ने चन्द्रमा पर कदम रखा। वे 3800 कि.ग्रा. भार की चट्टानें और मिट्टी ले आए। चांद से लाए गए इन नमूनों से और सतह पर और चक्कर काटते हुए मूल उपग्रह के द्वारा किए गए वैज्ञानिक परीक्षणों से वैज्ञानिकों को अन्तरिक्ष में हमारे सबसे निकट के पड़ोसी के विस्तृत चित्र बनाने में बड़ी मदद मिली है।

यद्यपि अब चांद की यात्रा की योजना नहीं बनाई जा रही है, तथापि आदमी चांद पर लौटेंगे ही। संभवतः वहां वे अन्टार्कटिका की तरह छोटे वैज्ञानिक आधार केन्द्र बनाएंगे जहां से भूवैज्ञानिक चांद का अध्ययन करेंगे और खगोलशास्त्री आकाश का पर्यवेक्षण। इस प्रकार के 'उपनिवेश' धातुओं के लिए चन्द्रमा के पटल में खुदाई का काम भी करेंगे।

मानव की मंगल यात्रा की योजना बन रही है हांलांकि यह अगली शती के प्रारम्भ से पूरी नहीं होगी मंगल तक आने-जाने में एक वर्ष से अधिक का समय लगेगा और 6 चालक दो अंतरिक्ष यानों में यात्रा करेंगें। संभवता मंगल यात्रा संयुक्त रूप से आयोजित की जायेगी।

अमरीकन स्काइलैब अन्तरिक्ष केन्द्र और इसके रूसी प्रतिरूप सेल्युत में अन्तरिक्ष यात्रियों ने पृथ्वी के संसाधनों के सर्वेक्षण कार्य का और उपग्रहों द्वारा प्राप्त खगोलीय प्रेक्षणों का विस्तार करना शुरु कर दिया है। स्काईलैब और रूस के सेल्यूत और मीर के चालक दल ने फोटोग्राफ्स और चुम्बकीय टेप से अंतरिक्ष और पृथ्वी के स्रोतों का गहन अध्ययन किया। वे अपने साथ 72 कि.मी.(45 मील) चुम्बकीय टेप जिसमें कई यांत्रिक परिणाम संग्रह थे, 46,000 पृथ्वी के स्रोतों के चित्र और सूर्य की विशेष स्काइलैब की सौर दूरबीन के द्वारा 175,000 प्रतिबिंब लाये।

अंतरिक्ष केंद्रों ने वैज्ञानिकों और इंजीनियरों को संपूर्ण शून्य और भारहीनता की परिस्थिति का लाभ उठाते हुए नयी उत्पादन प्रक्रिया में सहायता दी। गुरुत्व के बिना उदारहण के लिये इलेक्ट्रानिक उपकरणों जैसे ट्रांजिस्टर के लिये पदार्थों से क्रिस्टल बनाये जा सकते हैं। गुरुत्व क्षेत्र में जिन पदार्थों का मिश्रण नहीं हो पता है जैसे तेल एवं पानी इन्हें भी भारहीन क्षेत्र में मिलाया जा सकता है।

इस प्रकार पदार्थों को गर्म करके, फिर ठंडा करके ऐसे अयस्क बनाये जा सकते हैं जो पृथ्वी पर नहीं पाये जाते। अंतरिक्ष का लाभ ऐसे रसायनों के उत्पादन के लिये किया जा सकता है जो बहुउपयोगी हों। जैसे कि शुद्ध वैक्सीन या ऐसी कोशिका संवर्धन वृद्धि जो कैंसर आदि के लिये जैविक उपयोगी हो।

रूस लगातार अंतरिक्ष यात्रियों को सोयूज टी अंतरिक्ष यान से लंबे समय के लिये अंतरिक्ष में ठहरने और वैज्ञानिक अध्ययन के लिये भेजता रहा है। पहली बार 13 मार्च 1986 को सोयूज टी-15 के प्रक्षेपण का पूरी दुनिया में टी.वी. द्वारा प्रसारण किया गया।

सैल्यूट के चालक लियोनिद किजिम और विलादमिर सोलोवयूव ने एक अंतरिक्ष केंद्र से दूसरे अंतरिक्ष केंद्र पर 366 दिन बिताये। अमरीकी अंतरिक्ष यात्री स्काइलैब में 1973-77 के दौरान 83 दिन रहे।

अमरीका की अंतरिक्ष एजेंसी (नासा) ने फिर से प्रयोग में आ सकने वाले एक ऐसे अंतरिक्ष यान का डिजाइन तैयार किया है जो न केवल अधिक यात्रियों को ले जा सकता है वरन यह आम विमानों की तरह उड़ान भर कर आसानी से उतर भी सकता है। एक्स 33 नाम का यह राकेट आगे चल कर ऐसे यान में बदलेगा जिसे फिर से प्रयोग में लाया जा सके। इस समय किसी उपग्रह यान के मिशन के लिये तैयारी में चार महीने से अधिक का समय लगता है, जबकि यह यान कुछ ही दिनों में दूसरी उड़ान के लिये तैयार हो जायेगा। इस समय के उपग्रह यान से एक वर्ष में केवल दस लोग ही यात्रा कर पाते हैं जबकि इस यान से सैकड़ों लोग अंतरिक्ष में जा पायेंगें।

संयुक्त राज्य अमरीका और रूस दोनों ने ही 1993 में अपना अंतरिक्ष अभियान जारी रखा। अमरीकी अंतरिक्ष यान शटल डिस्कवरी एवं एंडेवर वैज्ञानिक उपग्रह भेजने में व्यस्त रहे। नासा द्वारा मंगल की जानकारी एवं खोज के लिये सितंबर 1992 को भेजे गये अंतरिक्ष यान ने अगस्त 1993 में 5.8 कि.मी. की दूरी से पृथ्वी सतह की पहली फोटो भेजी।

11 देशों की संयुक्त यूरोपियन स्पेस एजेंसी सफलतापूर्वक कोरोउ, फ्रेंच *गयाना* से अपने एरियन राकेट से उपग्रहों का प्रक्षेपण कर रही है। अगस्त 1989 में यहां से विश्व की पहली अंतरिक्ष दूरबीन हिपारकस का प्रक्षेपण *किया गया था।*

चीन ने 14 अगस्त 1992 को आस्ट्रेलियन दूर संचार उपग्रह ओपटस बी-1 को अंतरिक्ष में स्थापित कर अपने को व्यवसायिक अंतरिक्ष बाजार के देशों में सम्मिलित कराया।

भारत ने भी देश में निर्मित बहुउद्देशीय इन्सेट-2 ए को 10 जुलाई 1992 और इनसेट 2-बी को 23 जुलाई 1993 को युरोपियन स्पेस एजेंसी के एरियन राकेट द्वारा अंतरिक्ष में भेजा।

12 अप्रैल 1981 को मानव के अंतरिक्ष में प्रथम यात्रा की 20 वीं वर्ष गांठ के दिन पहला स्पेस शटल 'कोलम्बिया' कक्ष में पहुंचा। अन्तरिक्ष उड़ानों और अनुसंधानों के क्षेत्र में शटल कोलम्बिया, चैलेंजर, डिस्कवरी और एटलांटिस ने कई प्रथम स्थान प्राप्त किए। शटल चैलेंजर ने प्रथम अमरीकी महिला सोली राइड को 18 जून 1983 में अन्तरिक्ष की यात्रा कराई। अगस्त 30, 1983 को पहली रात्रि उड़ान में अमरीका के पहले नीग्रो गुई एस. ल्यूफोर्ड ने अन्तरिक्ष डाक्टर विलियम थार्न्टन की आंखों के सामने कई अन्तरिक्ष व्यायामों का प्रदर्शन किया।

नवम्बर 1984 में शटल ने दो खराब हुए उपग्रह पल्पा बी 2 और वेस्टर 6 की मरम्मत करने में सफ[illegible] पाई। इन उपग्रहों को फिर से काम में लाया जा सक[illegible] है। अप्रैल 1984 में शटल ने उपग्रह सोलर मैक्स [illegible] मरम्मत और पुनर्जीवन का कार्य सफलता से किया। [illegible] ऐतिहासिक कार्य के लिए अन्तरिक्ष यात्रियों को अपने [illegible] से बाहर निकलना पड़ा और 6 घंटे 44 मिनट अन्त[illegible] में चलना पड़ा।

सोवियत रूस ने 20 फरवरी 1986 को मीर ना[illegible] तीसरी जेनरेशन की नयी अंतरिक्ष प्रयोगशाला को कजाकिस्[illegible]

में वैकानूर कास्मोड्रोम से अंतरिक्ष में छोड़ा । इस प्रकार यह अप्रैल 1982 से पृथ्वी के चारों ओर चक्कर काट रहे सेल्यूट-7 का साथी हो गया । मीर माड्यूलर केन्द्र है और इसमें एक ही समय कई अंतरिक्ष यान ठहर सकते हैं । सोवियत संघ ने कई सोयूज यान मीर और सल्यूट भेजे। चालक दल ने बाद में सल्यूट से मीर और मी से सल्यूट की यात्रा अंतरिक्ष में तैर कर की । दोनो अंतरिक्ष केन्द्र एक दूसरे से 3000 किलोमीटर की दूरी पर पृथ्वी का चक्कर काट रहे हैं ।

उड़ान के 75 सेकेंड बाद 29 जनवरी 1986 को अमरीकी उपग्रहीय कार्यक्रमों को एक धक्का लगा जब उनका स्पेस शटल चैलेंजर अन्तरिक्ष में आधी दूर पर ही फट गया। छह अन्तरिक्ष यात्री और एक स्कूल अध्यापिका क्रिस्टा मारे गए।

चैलेंजर दुर्घटना न केवल अमरीका के लिए बल्कि भारत समेत दूसरे देशों के लिए भी चिंता का विषय थी । भारत ने बहुउद्देशीय उपग्रहों का अमरीकी शटलों के द्वारा छोड़े जाने का कार्यक्रम बनाया था । बावजूद इसके अमरीका फिर से अंतरिक्ष दौड़ में शामिल हो गया । 29 सितम्बर 1988 को केप कौनावेरल से अंतरिक्ष शटल 'डिस्कवरी' का प्रक्षेपण किया गया । मार्च 1989 में अंतरिक्ष यान एटलांटिस 1300 मिलयन कि.मी. की वरुण यात्रा प[illegible] भेजा गया ।

सोवियत रूस ने इसी प्रकार का बुरान नामक अंतरि[illegible] यान का सितम्बर 1988 में प्रक्षेपण किया जो बहु-उद्देशी[illegible] परिवहन प्रणाली – इनर्जिया के लक्ष्य को सफलतापूर्वक पू[illegible] कर के पृथ्वी पर लौट आया ।

9 अक्टूबर 1990 को अमरीका ने अंतरिक्ष वैज्ञानि[illegible] यान यूलीसस को सूर्य के ध्रुवीय क्षेत्र के अध्ययन के लि[illegible] भेजा । यूरोपीय संकाय, चीन, जापान, भारत और ब्राजी[illegible] भी अपने अन्तरिक्ष कार्यक्रम में आगे बढ़ रहे हैं ।

रूस ने अंतरिक्ष यात्रियों के भेजने का क्रम जारी रखा। [illegible] रूसी अंतरिक्ष यात्रियों ने अंतरिक्ष में 'मिर' स्टेशन पर 36[illegible] दिन रह कर विश्व कीर्तिमान बनाया। इसके पूर्व अमरी[illegible] अंतरिक्ष यात्री 1973-74 में 83 दिनों तक रहे थे। रू[illegible] व अमरीका ने 1993 में अंतरिक्ष कार्यक्रम जारी रखे[illegible] अमरीका अंतरिक्ष यान 'डिस्करी' व एंडेपर उपग्रहों को अंतरि[illegible] में स्थापित करने में व्यस्त रहे। 'नासा' की मंगल खोज सितंब[illegible] 1992 से जारी है। अगस्त 1993 में पहली बार इसनें मंगल की सतह के करीब से फोटो भेजी थी। इस समय यह मंगल की सतह से 5.8 मिलयन किलोमीटर की दूरी पर था।

(भारत के अन्तरिक्ष कार्यक्रम के लिए – देखे – भारत

सौर मंडल

सौर मंडल का केन्द्र सूर्य में स्थित है । सूर्य नौ ग्रहों के परिवार का मुखिया है । यह ग्रह हैं – बुध, शुक्र, पृथ्वी, मंगल, वृहस्पति, शनि, यूरेनस, नेप्च्यून और प्लूटो, इन ग्रहों में कम से कम 46 उपग्रह सैकड़ों एस्टिरायड या छोटे ग्रह और हजारों उल्काएं है। मंदाकिनी के केन्द्र से लगभग 30,000 से ले कर 33,000 प्रकाश वर्ष की दूरी पर एक कोने में सौर मंडल स्थित है । गैस और धूल की घूमने वाली एक पट्टी – आदि सौर नीहारिका से इसका जन्म हुआ है । इसी घूमनेवाली पट्टी से ग्रह और सौर मंडल के शेष सदस्य निकले हैं ।

ग्रह के लिए प्रयुक्त अंग्रेजी शब्द 'प्लैनेट' ग्रीक शब्द प्लेनेटेस से निकला है । प्लेनेटेस का अर्थ है – घुमक्कड़ या यायावर। आकाश में हमेशा स्थिर दिखाई पड़नेवाले तारों से अलग, ये ग्रह अपनी-स्थिति बदलते रहते हैं और कभी कभी गायब भी हो जाते हैं । इसलिए इन्हें प्लेनेट या घुमक्कड़ कहा गया। पहले ज्ञात ग्रहों का नामकरण रोम के [illegible] – मर्क्यूरी, वीनस, मार्स, जुपिटर और सेटर्न – [illegible] किया गया । शेष ग्रहों का जब पता चला तब [illegible] दर्रे पर यूरेनस, नेप्च्यून और प्लेटो [illegible] आन्तरिक ग्रह और वाह्य ग्रहों के रूप में [illegible] किया गया है । आन्तरिक ग्रह हैं – [illegible] मंगल। पृथ्वी आन्तरिक ग्रहों में [illegible] सभी आन्तरिक ग्रह घने चट्टानों से बने हैं [illegible] ग्रह कहा जाता है। क्योंकि ये [illegible] ग्रह – बृहस्पति, शनि, यूरेनस और [illegible] इनका बड़ा उपग्रहीय [illegible] हीलियम गैस से बने हैं । [illegible] हैं । ये बृहस्पति के [illegible] युनानी नाम है। [illegible] वातावरण [illegible] अधिक [illegible]

सूर्य

[illegible]

ब्रह्मांड: हम क्या जानते हैं?

प्लूटो

व्यास: 3,040 कि.मी
चन्द्रमा: 1
सूर्य से औसत दूरी: 586.56 करोड़ कि.मी.
सूर्य का प्रदक्षिणा काल: 248 वर्ष
छोटा सा ग्रह प्लूटो हालांकि हमेशा रहस्यमय रहा है लेकिन ऐसा प्रतीत होता है कि यह पानी और मिथेन का जमा हुआ बर्फ का गोला है। यह सौर मंडल में बिना किसी तरतीब के परिक्रमा पथ पर घूमता है। प्लूटो का चन्द्रमा केरोन इसके आकार का आधा है और द्वि-ग्रह का आभास देता है।

नेप्च्यून

व्यास: 49,000 कि.मी.

चन्द्रमा: 8

सूर्य से औसत दूरी: 449.7 करोड़ कि.मी.

सूर्य का प्रदक्षिणा काल: 165 वर्ष

वोयेजर-2 ने नेप्च्यून की 5 वलयों का पता लगाया है। इनमें से तीन इतनी हल्की थीं कि उनका पता एक सप्ताह बाद लगा। ऐसा लगता है कि इसकी बाहरी वलय बर्फ चन्द्रिकाओं से भरी हुई है और आन्तरिक वलय पतली और सख्त है। रंगीन टायट्रान समेत इसके आठ चन्द्रमा है।

वरुण (यूरेनस)

व्यास: 52,096 कि.मी.
चन्द्रमा:15
सूर्य से औसत दूरी: 285.5 करोड़ कि.मी.
सूर्य का प्रदक्षिणा काल: 84 वर्ष
युरेनस एकमात्र ऐसा ग्रह है जो एक ध्रुव से दूसरे ध्रुव तक अपनी प्रदक्षिणा कक्ष में सूर्य के सामने रहता है। वोयेजर-2 ने 9 गहरी कसी हुई वलय और कार्कस्क्रू के आकार का 40 लाख वर्ग मील से बड़ा चुम्बकीय क्षेत्र का पता लगाया।

शनि (सैटर्न)

व्यास: 1,19,296 कि.मी.
चन्द्रमा: 20 अथवा इससे भी अधिक
सूर्य से औसत दूरी: 141.76 करोड़ कि.मी.
सूर्य का प्रदक्षिणा काल: 29.5 वर्ष
वोयेजर-1 ने पता लगाया कि शनि ग्रह के वलय हज़ारों सर्पीली तरंगों की पट्टी है जिसकी मोटाई 100 फीट है। इसके चन्द्रमा टिटोन पर नाइट्रोजनीय वातावरण और हाइड्रोकार्बन मिले। इन दोनों की उपस्थिति से जीवन का लक्षण पता चलता है लेकिन यहां पर जीवन का अस्तित्व नहीं मिला।

बृहस्पति (जुपीटर)

व्यास: 1,41,968 कि. मी.
चन्द्रमा: 6
सूर्य से औसत दूरी: 77.28 करोड़ कि.मी.
सूर्य का प्रदक्षिणा काल: 11.9 वर्ष
जुपीटर (बृहस्पति) सौर मंडल का सबसे बड़ा ग्रह है। पायनियर अन्तरिक्ष अभियान द्वारा प्राप्त चित्रों ने बृहस्पति के महान लाल धब्बे की खोज की। वोयेजर–1 ने बाद में दिखलाया कि दरअसल ये महान लाल धब्बा अशान्त बादलों के घेरे में विशाल चक्रवात है। यहां पर धूल भरे वलय और ज्वालामुखी भी हैं।

मंगल (मार्स)

व्यास: 6755.2 कि. मी.
चन्द्रमा: 2
सूर्य से औसत दूरी: 22.56 करोड़ कि.मी.
सूर्य का प्रदक्षिणा काल: 687 दिन
वायकिंग की खोज से पता चला है कि यहां पर जीवन की कोई सम्भावना नहीं है। मंगल की बंजर भूमि का रंग गुलाबी है। यहां पर चट्टानें और शिलाखंड है। बहुत पहले मंगल बहुत क्रियाशील था। इसकी सतह पर गहरे गड्ढे, ज्वालामुखी और ऐसी घाटियां हैं जिससे पता चलता है कि यहां पर कभी पानी का मुक्त बहाव था।

पृथ्वी (अर्थ)

व्यास: 12,739.2 कि. मी.
चन्द्रमा: 1
सूर्य से औसत दूरी: 14.9 करोड़ मी.
सूर्य का प्रदक्षिणा काल: 365 दिन
[illegible], आक्सीजन और प्रचुर मात्रा में जल की उपस्थिति के कारण पृथ्वी [illegible] ग्रह है जहां पर जीवन है। लेकिन जिस तरह से मनुष्य स्वयं [illegible] और वातावरण को नष्ट कर रहा है सम्भवतः भविष्य में पृथ्वी आकाश [illegible] जिसे यहीं के लोगों ने नष्ट किया हो।

[illegible]

[illegible]

बुध (मरक्यूरी)

व्यास: 4,849.6 कि.मी.
चन्द्रमा: कोई नहीं
सूर्य से औसत दूरी: 5.76 करोड़ कि. मी.
सूर्य का प्रदक्षिणा काल: 88 दिन
सूर्य का निकटतम और दूसरा छोटा ग्रह बुध पृथ्वी के चन्द्रमा से थोड़ा बड़ा है। बुध अपने दीर्घवृत्तीय कक्षा में 1,76,000 कि. मी. प्रति घंटे की गति से घूमता है। यह गति इसे सूर्य की गुरुत्वाकर्षण शक्ति की पकड़ से सुरक्षित रखती है। बुध में वायु मंडल नहीं है। यहां दिन अतिशय गर्म और रातें बर्फीली होती हैं।

शुक्र (वीनस)

व्यास: 12,032 कि. मी.
सूर्य से औसत दूरी: 10.75 करोड़ कि.मी.
सूर्य का प्रदक्षिणा काल: 225 दिन
लगभग पृथ्वी के आकार और भार का ही शुक्र गर्म और तपता हुआ ग्रह है। इसके चारों ओर सल्फ्यूरिक एसिड के जमे हुए बादल हैं। अनुसंधान और रडार मैपिंग द्वारा इसके बादलों को भेद करने से पता चला है कि शुक्र की सतह चट्टानों और ज्वालामुखियों से भरी हैं।

संघातों से इसमें ऊर्जा उत्पन्न होती है । यह हिसाब लगाया गया है कि सूर्य प्रति सेकेंड हाइड्रोजन का लगभग दस खरब पाउंड उपयोग करता है । इस दर पर यह हाइड्रोजन के अपने भंडार को लगभग 5 अरब वर्षों में समाप्त कर लेगा और एक रक्त दानव बन जाएगा। यह आशंका भयावह है। रक्त दानव बनने पर सूर्य अपने व्यास का सौ गुना फूल जाएगा और उसकी रक्त वर्ण चमक हजार गुना बढ़ जाएगी। क्षितिज के लगभग 25 प्रतिशत भाग में सूर्य फैल जाएगा इसके निकटतम ग्रह बुध और शुक्र पिघल जाएंगे । पृथ्वी के समुद्र सूख जाएंगे और पृथ्वी सीसे के द्रवांक के ताप के बराबर तप कर उजाड़ चट्टान बन जाएगी। पृथ्वी पर सभी प्रकार का जीवन समाप्त हो जाएगा । सूर्य रक्त दानव के रूप में दस करोड़ वर्ष रहेगा और धीरे धीरे अपना बाहरी आच्छादन के पतले कलेवर को छोड़ता हुआ समाप्त हो जाएगा। यह बारीक कलेवर धुंधला सफेद बौना सूर्य होगा जो आज के मंगल के आकार से बड़ा नहीं होगा । इस छोटे तारे के चारों ओर राख हुई पृथ्वी चक्कर काटती रहेगी ।

सूर्य का चमकने वाला जो हिस्सा हम देखते हैं दीप्तिमान स्तर कहलाता है । इसके ऊपर वर्ण मंडल है । इसे वर्ण मंडल इसलिए कहते हैं क्यों कि इसका वर्ण रक्तिम होता है। इस स्तर के पीछे है सूर्य का प्रभामंडल युक्त किरीट जो ग्रहण के समय दिखाई पड़ता है । प्रकाश–किरण सम्बन्धी खोजों से पता चला हैं कि वर्ण मंडल और किरीट के बीच एक स्पष्ट बहुत संकरा क्षेत्र है जिसे संक्रमण क्षेत्र कहते हैं दीप्तिमान स्तर का तापमान लगभग 6000° सेल्सियस वर्ण मंडल का लगभग 32400° सेल्सियस और संक्रमण–क्षेत्र का लगभग 324000° और किरीट, लगभग 2,700,000° सेल्सियस का है । अंतरिक्ष में बहुत दूर तक फैला किरीट एक्स–रे विकीर्ण करने की क्षमता रखता है । प्रत्येक स्तर के गैस का घनत्व उसके बढ़ते हुए उन्नतांश के अनुसार उसी तरह घटता है जिस प्रकार पृथ्वी का वायु मंडल उसकी ऊंचाई के अनुसार क्षीण हो जाता है । इस दृष्टि से सूर्य का सबसे कम घनत्व वाला क्षेत्र किरीट है ।

सूर्य के क्रोड़ में जहां तापनाभिकीय प्रतिक्रियाएं होती रहती हैं वहां तापमान का स्तर डेढ़ करोड़ डिग्री केल्विन (के) है । इस क्रोड़ का घनत्व पानी के घनत्व से सौ गुना अधिक होता है। क्रोड़ के बाहरी भाग में संवहनी क्षेत्र है । केतली में खौलते पानी की तरह गैसों के भयंकर उबाल उत्पन्न ऊर्जा को दीप्तिमान स्तर की ओर पहुंचाता है । बैंगनी, जामुनी, नीला, हरा, पीला, नारंगी और लाल रंगों के समुच्चय से किरीट का दृश्यमान क्षेत्र प्रकाश बना है । इस समुच्चय के ऊपर सैकड़ों काली रेखाएं – फाउनहोफर रेखाएं – खिंची हुई हैं । प्रत्येक रेखा सौर वायुमंडल में उपस्थित किसी न किसी तत्व को इंगित करती है । इस तत्व के घनत्व और तापमान को रेखाओं की तीव्रता और चौड़ाई से जाना जाता है।

सूर्य सभी दिशाओं में प्रोटान (हाइड्रोजन अणुओं के नाभिक) के रूप में अपने तत्व को लगातार बरसाता रहता है । कभी–कभी यह उत्सर्जन बहुत अधिक होता है । इसे सौर ज्वाला कहा जाता है । इनसे सूर्य की सतह से ऊपर की ओर ताप दीप्त पदार्थों के ढेर के ढेर भेजे जाते हैं । कभी–कभी ये पदार्थ सूर्य के वायुमंडल से बाहर निकलकर अंतरिक्ष में सैकड़ों मील तक फैल जाते हैं और तब ये सौर ज्वाला के रूप में दिखलाई पड़ते हैं । सूर्य के वायुमंडल के सतही स्तर किरीट से होती हुई यह ज्वाला पृथ्वी के आकार से 20 से 40 गुना आकार वाले विशाल बादल के रूप में गरम आयनीय गैस को लगभग 100 कि.मी. प्रति सेकेंड की गति से निकालती रहती हैं । अत्यधिक आकर्षक सौर ज्वालाएं जो हाल के वर्षों में देखी गई हैं वे 28 फरवरी 1942, 19 नवम्बर 1949 और 13 दिसम्बर 1971 को घटित हुई हैं।

प्रोटोन की इससे कम लेकिन अनवरत धारा किरीट से निकलती रहती है और पूरे सौर मंडल में फैल जाती है सन् 1958 में अमरीकी भौतिक वैज्ञानिक यूजीन नारमैन पार्कर ने इस बाहर निकलनेवाली धारा को सौर वायु कहा उपग्रहों के माध्यम से किए गए अध्ययनों से ज्ञात होता है कि सौर वायु प्लाज्मा यानी हाइड्रोजन और हीलियम की आयनीय गैस से बनी होती है जिसमें प्रोटान और इलेक्ट्रान बराबर संख्या में होते हैं। यह ध्वनि से भी अधिक तीव्र गति से लगभग 640 किलोमीटर प्रति सेकेंड की गति से सूर्य से बाहर की ओर बहती है । स्पष्ट रूप से यह वायु सूर्य से 40 ए. यू. दूरी तक पूरे सौर मंडल में फैल जाती है । यह विस्तार ग्रहों के प्रदक्षिणा कक्ष की सीमा के बराबर है । सूर्य के आवर्तन के कारण सौर वायु सर्पिल रूप में बहती है और इसमें चुम्बकीय क्षेत्र होते हैं । पृथ्वी का चुम्बकीय क्षेत्र कवच की भांति काम करता है और इस सतत बहने

सौर–आंकड़ों की तालिका

[illegible]ी से दूरी	14.98 करोड़ कि.मी.*
[illegible] दृश्यमान सीमा	47.5 लाख कि.मी.
[illegible]	1384000 कि.मी.
क्रोड़ तापमान	15000000 के.
दीप्तिमान स्तर का तापमान	5770 के.
पृथ्वी से दिखाई पड़नेवाली आवर्तन गति	
(भूमध्य रेखा पर)	25.38 दिन
(ध्रुवों के निकट)	33 दिन
रासायनिक बनावट	
हाइड्रोजन	71%
हीलियम	26.5%
अन्य तत्व	2.5%
वय	लगभग 5 अरब वर्ष
सामान्य तारे का अनुमानित जीवन–काल लगभग	10 अरब वर्ष

* पृथ्वी से सूर्य की औसत दूरी को (15.9 करोड़ कि.मी.) उड़ान के घंटों में यदि बदला जाए तो कहा जा सकता है कि 1000 कि.मी. प्रति घंटे की दर से उड़ने वाला जेट जहाज 17 वर्षों तक बिना रुके उड़ते रहने पर सूर्य तक पहुंच सकता है ।

वाली सौर वायु को पृथ्वी से दूर भेजते हुए उसकी रक्षा करता है। इतना होने पर भी, सौर वायु के कण चुम्बकीय क्षेत्र को कभी-कभी भेद देते हैं और ऊपरी वायु मंडल में प्रवेश करते हैं, जहां सौर ज्वाला की तरह, ध्रुवीय ज्योति की छटाएं दिखाई पड़ती हैं।

चुम्बकीय क्षेत्र के रूप को सौर वायु विकृत करती है। पृथ्वी के अर्धव्यास से 10 गुनी लगभग 64,000 कि.मी. की दूरी तक चुम्बकीय क्षेत्र फैला हुआ है। इस भाग में जो सूर्य से प्रकाशित भाग है, पृथ्वी से होती हुई सौर वायु बहती रहती है। पृथ्वी के दूसरी ओर (रात के भाग में) सौर वायु फिर इकट्ठी होती है और चुम्बकीय क्षेत्र को पूंछ की तरह या करीब-करीब पुच्छलतारे की भांति दबा देती है। इस प्रकार बनी यह पूंछ पृथ्वी के रात के भागवाले हिस्से में 60 लाख कि. मी. से अधिक की दूरी तक फैल जाती है। इस पूंछ में सौर वायु और गहन अन्तरिक्ष से निकले कण फंस जाते हैं और लगातार ऊपर-नीचे आते-जाते हैं। 'सूर्य के धब्बे सूर्य की सतह पर देखे गए काले निशान हैं। वे काले इसलिए दिखाई देते हैं कि वे सूर्य की सतह के तापमान से जो 6000° से. है, से अपेक्षाकृत लगभग 1500° से. ठंडे हैं। हाल की पैमाइश में (अप्रैल 1974) सबसे लम्बा धब्बा लगभग 1,813 करोड़ वर्ग किलोमीटर बड़ा था जो कि सूर्य के दृश्यमान सतह का लगभग 0.7 प्रतिशत है। इन धब्बों का जीवन-काल कुछ घंटों से लेकर कई सप्ताह है।

ध्रुवीय ज्योतियां दो हैं उत्तर ध्रुवीय ज्योति (अरोरा बोरियालिस) और दक्षिण ध्रुवीय ज्योति (अरोरा ओस्ट्रयालिस)। ये प्रकाश हैं जो आकाश में तरंगों या धाराओं में फैल जाते हैं। ये प्रायः बहुरंगीय होते हैं और प्रकृति के सुन्दरतम दृश्यों में से हैं। ये आर्कटिक और अन्टार्कटिक क्षेत्रों में क्रमशः दिखलाई पड़ती हैं। उत्तरध्रुवीय ज्योति को दक्षिण में अमेरिका के न्यू आर्लियन्स तक और दक्षिण ध्रुवीय ज्योति को उत्तर में आस्ट्रेलिया तक देखा जा सकता है। ये ज्योतियां सूर्य के धब्बे के कारण उत्पन्न होती हैं। ये धब्बे सूर्य की सतह पर उठने वाले चुम्बकीय तूफान हैं। ये तूफान अन्तरिक्ष में विद्युतीकृत कणों को छोड़ते हैं। पृथ्वी के चुम्बकीय क्षेत्र इनको आकर्षित करते हैं। परिणामस्वरूप उत्तरी और दक्षिणी ध्रुव इन विद्युत् चुम्बकीय प्रदर्शनों के चमकीले केन्द्र हैं। चुम्बकीय स्तर पृथ्वी का चुम्बकीय कवच है। पहले इसे अमरीकी भौतिक वैज्ञानिक जेम्स वेन एलेन जिसने इसे सन् 1959 में खोज निकाला था — के नाम पर वेन एलेन बेल्ट कहा जाता था। एक्सप्लोरर और पायनियर राकेटों की मदद से प्राप्त आंकड़ों का विश्लेषण करते हुए वेन एलेन ने ऊपरी वायुमंडल में अत्यधिक तीव्र विकिरण वाले दो बेल्टों का पता लगाया। बाद में पायनियर-12 ने दिखाया कि बेल्ट चुम्बकीय क्षेत्र के विकिरण के बड़े भाग के हिस्से में हैं। पृथ्वी की सतह से यह लगभग 64 हज़ार किलोमीटर तक फैला हुआ है।

चंद्रमा

चंद्रमा पृथ्वी का एकमात्र उपग्रह है। पर यह विशिष्ट उपग्रह है क्योंकि पूरे सौर मंडल में यही एक उपग्रह है जो सामान्य उपग्रह से बहुत बड़ा है। प्रायः सभी उपग्रह अपने मूल ग्रह के आकार का आठवां भाग है जबकि चन्द्रमा पृथ्वी का चौथाई है।

पृथ्वी के 12,700 किलोमीटर व्यास की तुलना में चन्द्रमा का व्यास 3475 किलोमीटर है। परन्तु इसकी सतह एटलंटिक महासागर की आधी जितनी भी नहीं है। इसलिए इसकी गुरुत्वाकर्षण शक्ति पृथ्वी की गुरुत्वाकर्षण शक्ति के छठे भाग के बराबर है। चंद्रमा का पृथ्वी की परिक्रमा का कक्ष वृत्ताकार न होकर अंडाकार है, चन्द्रमा की पृथ्वी से अधिकतम दूरी 406,000 किलोमीटर और न्यूनतम दूरी 364,000 किलोमीटर है। चंद्रमा पृथ्वी के चारों ओर 27.5 दिन (27 दिन 7 घंटे 43 मिनट और 11.47 सेकेंड) में और अपनी ही धुरी पर एक चक्कर इतने ही समय में लगाता है। इसीलिए हम चन्द्रमा का एक पक्ष ही देखते हैं।

नंगी आंखों से हम चन्द्रमा का जो भाग देखते हैं उसमें चमकीली और गहरी पट्टियां दिखाई देती हैं। चमकने वाला भाग पहाड़ों और ऊंचे पठारों का है जो सूर्य का प्रकाश पाते हैं। गहरा दिखने वाला भाग नीची भूमि है जिसको कभी समुद्र समझा गया था और उसी के अनुसार नाम भी दिए गए थे, यद्यपि चन्द्रमा में पानी नहीं है। उल्का नक्षत्रों से होने वाले दाब के कारण इसमें गड्ढे बने हैं। इन गर्तो का आकार अलग-अलग है। समुद्रों की कमी को पूरा करने के लिए चन्द्रमा में ऊंची-ऊंची चोटियों वाले पहाड़ हैं जिनमें से अधिकांश 6000 मीटर तक ऊंचे हैं। इनमें सबसे ऊंचा है लिबनिज पहाड़ जो चन्द्रमा के दक्षिणी ध्रुव के पास है और जिसकी ऊंचाई 10660 मीटर है। एवरेस्ट से भी ऊंची।

चन्द्रमा में वायुमंडल नहीं है क्योंकि इसकी गुरुत्वाकर्षण शक्ति गैसों को बनाए रखने में असमर्थ है। इससे बड़ी विचित्र घटनाएं होती है। वहां कोई संध्या या गोधूलि-वेला नहीं, दिन एकाएक निकलता है क्योंकि ऐसा कोई वायुमंडल नहीं है जो सूर्योदय के पूर्व जल कर प्रकाशित हो। चन्द्रमा में कोई ध्वनि भी नहीं है क्योंकि ध्वनि वायु के माध्यम से संचारित कम्पन है। चन्द्रमा पर तापमान बहुत अधिक होता है। दिन में तापमान 100° से. तक बढ़ जाता है और रात में घट कर 180° से ऋणात्मक हो जाता है।

सूर्य के साथ-साथ चन्द्रमा भी ज्वार के लिये उत्तरदायी है। चन्द्रमा सूर्य की अपेक्षा अधिक निकट होने के कारण ज्वार पर अधिक प्रभाव डालता है। पृथ्वी तल तक पहुंचने के लिए चन्द्रमा के प्रकाश को केवल 1.3 सेकेंड लगते हैं जबकि सूर्य की किरण को 8 मिनट 16.6 सेकेंड। ज्वार के उठने के लिए अपेक्षित सौर एवं चान्द्र शक्तियों मे अनुपात 11:5 का है।

जुलाई 1969 में अपोलो-11 ने दो व्यक्तियों को चन्द्रमा की धरती पर उतारकर मानव की अन्तरिक्ष यात्रा में नया अध्याय खोला है। इसने मानव को चन्द्रमा की धरती पर उतरने की संभावना दी जिसे पुरानी पौराणिक कथाओं में असंभव माना गया था। अमरीका ने इस [illegible] सफलता को अपोलो-12 अपोलो-14, 15, 16 और 17 के माध्यम से जारी रखा है।

पुराने तारे मर रहे हैं और नए बन नहीं रहे

एक वक्त ऐसा भी आएगा जब सितारों भरी रात की जगह घने अंधेरे का साम्राज्य होगा। कारण, नए तारे बनने बंद हो गए हैं और एक समय आएगा जब मौजूदा सभी तारों की एक-एक कर मत्यु हो जाएगी।

सितारों के बारे में इस नई खोज का श्रेय एडिनबर्ग विश्वविद्यालय के खगोलशास्त्री प्रोफेसर एलेन हेवेन्स के नेतृत्व में अंतरराष्ट्रीय खगोलविदों के दल को जाता है। हेवेन्स ने बताया कि लगभग छह वर्षों से नए तारों का निर्माण बंद है।

उनके मुताबिक इनके निर्माण केलिए जरूरी हाइड्रोजन, हीलियम और दूसरे पदार्थ पहले ही खत्म हो चुके हैं। इस शोध के मुताबिक, अरबों वर्ष पहले निर्मित मौजूदा असंख्य तारों की एक-एक कर मृत्यु हो, जाएगी। इसके बाद अंतरिक्ष में रह जाएंगे न्यूट्रोन तारे और ब्लैक होल, हालांकि खगोलविदों ने कहा कि इससे परेशान होने की जरूरत नहीं है।

उनके मुताबिक ऐसा होने में करीब सात अरब वर्ष लगेंगे जबकि उससे बहुत पहले ही सूर्य पृथ्वी को लील चुका होगा। आज से लगभग 500 करोड़ वर्ष बाद सूर्य जो स्वयं एक तारा है, लाल दानव में तब्दील हो जाएगा। उसका आकार मौजूदा आकार से 100 गुना ज्यादा हो जाएगा। इसके बाद सूर्य की भीषण गर्मी से समुद्र में उबाल आएगा। लिहाज पृथ्वी का तापमान इतना बढ़ेगा कि जीवन का नामोनिशान मिट जाएगा।

हेवेन्स के दल ने पृथ्वी की आकाशगंगा के नजदीक करीब 40 हजार तारामंडलों का विश्लेषण किया। [illegible] के अध्ययन पहले भी हुए हैं, लेकिन हेवेन्स [illegible] ने पहली बार इतनी बड़ी संख्या में तारामंडलों के हर तरह के तारों के प्रकाश का विश्लेषण किया। पहले के शोध में तारामंडलों के अतीत का विश्लेषण किया गया था।

गौरतलब है कि हमारी आकाशगंगा में लगभग डेढ़ खरब तारे हैं। ब्रह्मांड में इस तरह के अरबों तारामंडल हैं। नव-निर्मित तारे गर्म और नीले रंग के होते हैं। पुराने तारे ठंडे व लाल रंग के होते हैं। पुराने तारे ठंडे व लाल रंग के होते हैं। हेवेन्स ने तारों के भविष्य का पता लगाने के लिए हर तारामंडल के सभी तरह के तारों के सारे रंगों का विश्लेषण किया।

खगोलविदों के अनुसार सितारों की उम्र उनके द्रव्यमान पर निर्भर करती है। जन्म के समय सितारे का द्रव्यमान जितना अधिक होगा, उसकी आयु उतनी ही कम होगी। यह तथ्य कुछ अटपटा लगता है लेकिन इसका उत्तर सितारों की भौतिक प्रकृति में छिपा है। सितारे गुरुत्वाकर्षण को बहुत ज्यादा तापमान से ही बरकरार रख पाते हैं।

तापमान ज्यादा बनाए रखने के लिए उन्हें बहुत अधिक मात्रा में ऊर्जा पैदा करनी पड़ती है। इसलिए सितारा जितना बड़ा होगा, हाइड्रोजन भी उतनी ज्यादा जलती होगी। यह वजह है कि बड़े सितारे की उम्र छोटे सितारे से कम होती है। किसी तारे में हाइड्रोजन की कुल मात्रा और उसकी खपत दर के आधार पर उसकी आयु का पता लगाया जाता है।

जब सितारे अपने कुल हाइड्रोजन का 12 फीसदी खर्च कर देते हैं तो नाभिकीय क्रिया खत्म हो जाती है। इस अवस्था में उनका अंदरूनी हिस्सा सिकुड़ने लगता है और उनमें ऊष्मा पैदा होती है। यह ऊष्मा अंदरूनी हिस्से के बाहर बचे हाइड्रोजन को गर्म कर देती है तथा नाभिकीय भट्टी फिर जलने लगती है। तब इनका बाहरी आवरण फैलने लगता है और सितारा अपने वास्तविक आकार से हजार गुना ज्यादा बड़ा हो जाता है, पर उसका तापमान मात्र 3000 डिग्री सेल्सियस रह जाता है। यह लाल रंग का दिखाई देने लगता है, जिसे लाल दानव कहते हैं।

अंत में इसकी बाहरी परत दूर हो जाती है और बच जाती है छोटी घनी वस्तु, जो ठंडे कोयले की तरह सफेद होती है। इसे श्वेत वामन कहते हैं, लेकिन सभी सितारों की मौत इतनी शांतिपूर्ण नहीं होती है। बहुत से सितारों का अंत सुपरनोवा के रूप में होता है। इसमें एक जबर्दस्त विस्फोट होता है और तारा छोटे-छोटे टुकड़ों में बिखर जाता है।

रूस ने लूना-16 (सितम्बर 12, 1970) और [illegible]ा-17 (नवम्बर 19, 1970) को बिना मानव के भेजा लूना-16 ने चांद की मिट्टी के नमूने इकट्ठे किए और [illegible]वी पर 24 सितम्बर 1970 को वापस आ गया। लूना-[illegible]7 अपने साथ चांद-बग्घी 'लूनोखोड-1' को ले गया जिसे [illegible]द की धरती पर चलाया गया। यह आठ पहियोंवाली गाड़ी [illegible] जिसमें चांद की सतह के अध्ययन के लिए उपकरण थे। [illegible]ने पृथ्वी पर अपने परिणाम रेडियो तरंगों द्वारा भेजे। चांद पर मानव के उतरने और इन सभी मानव संचालित तथा लूना जैसे बिना मानव के भेजे गए अन्तरिक्ष वाहनों ने चांद की पहेली को अब भी हल नहीं किया है। चांद की उत्पत्ति तथा पृथ्वी के साथ उसका संबंध दम्पति, पुत्री, बहन -के प्रश्न अभी बने हुए हैं। फिर भी अपोलो के अन्तरिक्ष यात्रियों द्वारा लाए गए पुराने से पुराने चट्टानों और मिट्टी के नमूनों ने स्पष्ट कर दिया है कि चांद भी उतना ही पुराना है जितनी पृथ्वी और यह लगभग 460 करोड़ वर्ष पूर्व बना था। चांद के रूप की सबसे अधिक उल्लेखनीय विशेषता उसकी सतह पर पाए जाने वाले गड्ढों की है। ये कई आकार

[illegible] है – 1000 कि.मी. व्यास के गोलाकार विशाल बेसिनों [illegible] ले कर कुछ मीटर व्यास वाले गड्ढे युगों से चली उल्का [illegible]ारों की वर्षा से बन गए हैं ।

पहले–पहल अपोलो 11 और 12 जहां उतरे वह जगह [illegible]थी मेर–क्षेत्र । यहां से मिली चट्टान पृथ्वी पर पाई जाने वाली ज्वालामुखी चट्टानों की तरह बेसाल्टी लावा है । आश्चर्यजनक [illegible]बात तो इनमें टिटेनियम की मात्रा का अत्यधिक प्रतिशत में पाया जाना है । पृथ्वी की आग्नेय चट्टानों में केवल एक प्रतिशत टिटेनियम पाया जाता है । जबकि चांद की चट्टानों में इससे दस गुना अधिक है । इस मेर बेसल्ट में पृथ्वी के लिये अज्ञात धातु भी मिली हैं । इनमें से एक का नाम आर्मलकोलाइट रखा है और यह नाम अंतरिक्ष यात्रियों – आर्मस्ट्रांग, एल्ड्रिन और कोलिन्स के नाम पर रखा गया है। क्षेत्र का नाम है ट्रैंक्विलिटाइटिस। चांद की चट्टान हड्डी की तरह सूखी और पानी के नामोनिशान के बिना थी । उनमें जैविक तत्व के भी कोई चिन्ह नहीं मिले । क्वथनांक वाले तत्व जैसे सोडियम, पोटेशियम, क्लोरीन, जर्मेनियम, सीसा और पारा का कोई नामोनिशान नहीं था । सोडियम और पोटेशियम का अभाव ध्यान देने योग्य है क्योंकि ये दोनों पृथ्वी की चट्टानों में बहुतायत से मिलते हैं ।

पाइनियर–10 के प्रक्षेपण के समय, सौर–मंडल के अन्त का अनुमान जुपिटर कक्षा के ठीक बाद तक था। सूर्य मात्र प्रकाश ही नहीं देता बल्कि भाप के कण भी देता है जिसे सूर्य–वायु कहा जाता है। ये अपने चुंबकीय क्षेत्र साथ में लाते है और इसी से मिलकर सूर्य के चारों तरफ विशाल चुंबकीय बुदबुदें निर्मित करते हैं। इसी को सूर्यमंडल या सूर्यप्रभा कहते हैं।

सूर्यमंडल जहां से सूर्य का प्रभाव समाप्त हो जाता है और आकाशगंगीय अन्तरिक्ष आरंभ होता है। वहां पर एक महत्व–पूर्ण स्थान है। यहां पर सूर्य–वायु और तारों के बीच के पदार्थो में झटका लहर क्षेत्र और अस्तव्यस्तता में टक्कर होती है। किसी भी अन्तरिक्ष यान के बोर्ड के साधन से पृथ्वी की परिक्रमा करते हैं। हम इस दृश्य को देख सकते है। अन्तरिक्ष से सूर्य की यात्रा की दिशा में धुंधला प्रकाश देख सकते हो। लेकिन हफ्ते दर हफ्ते महीने दर महीने पाइनियर–10 सूर्य तक नहीं पहुंच पाया। इसने सटर्न, यूरेनस, नेप्च्यून और छोटे प्लेटो की कक्षाओं को पार किया। अभी तक सौर मंडल के अंत के पास पहुंचने के कोई लक्षण नहीं दिखाई दिए। लेकिन उसी समय पायनियर का अंत हो रहा था। इसका छोटा [illegible] ऊर्जा का स्रोत रेडियो संचालित प्लेटोनियम 238 दूर हट गया था। इसके सभी ग्यारह में से तीन वैज्ञानिक साधन 1996 में बन्द हो गए और एक 1997 में बन्द हो गया जो इसका ब्रह्माण्डीय किरण का अन्वेषक था।

लगभग 15.929 बिलियन किमी दूर, मानव निर्मित सर्वाधिक दूरी के इस तत्व का अन्तिम उद्देश्य अभी भी शेष रह गया है एवं इसकी पहुंच के बाहर रह गया है। एक विशाल टेलिस्कोप, जिसको नासा ने गहन अन्तरीक्ष के अध्ययन के बनाया था यह दूर स्थित पायनियर–10 की तरफ घूम गया और संकेत ग्रहण करने लगा। शोरगुल के वातावरण में भी यह स्पष्टतया ज्ञेय था। यह आवाज आठ वाट के रेडियो ट्रांसमीटर से आ रही थी। रात्रि प्रकाश के लिए यह बहुत कम है।

यह 44,730.2 किमी प्रतिघंटे की गति से [illegible] है। इसके साधन आज भी सौर मंडल के बाह्य [illegible] का अन्वेषण कर रहे है, लेकिन सूर्य–वायु [illegible] बाह्य अंधेरे में इसे बिखेर देने में लगी है। [illegible] के ह्रासमान का सामना करने के विरुद्ध इसके [illegible] कीमत के कारण नासा ने 31 मार्च को [illegible] को बन्द कर दिया।

पाइनियर वैज्ञानिकों के साथ [illegible] यह दु:खद समाचार है जो [illegible] लगे हैं और किसी अन्य पृथ्वी को [illegible] लगे हैं। उन्होंने कई बार [illegible] उपयोग अपने लक्ष्यों के [illegible] दूर संभावित सभ्यता के [illegible] की प्रत्याशा बनती है। [illegible] ही खो दिया जो अन्तरिक्ष में [illegible] संभवतः कठिन है।

लेकिन [illegible] अब भी एक [illegible] बाहरी [illegible] [illegible]

[illegible]

पृथ्वी

पृथ्वी के संबंध में प्रारम्भिक [illegible] था जिसके अनुसार पृथ्वी [illegible] है जिसके चारों ओर सूर्य [illegible]

पृथ्वी की बनावट

सूर्य-केन्द्रित सिद्धान्त का सर्वप्रथम प्रवर्तन पोलैंडवासी खगोलज्ञ निकोलस कापरनिक (1473–1543 ई.) ने किया। कापरनिक अपने लेटिन नाम कापरनिकस के नाम से अधिक प्रसिद्ध है।1543 में कापरनिकस ने 'डी रिवोलुशनियस आरवियम सोयलेसटियम' पुस्तक प्रकाशित की जिसमें इस सिद्धान्त की स्थापना की कि सूर्य ब्रह्मांड का केन्द्र है और पृथ्वी तथा ग्रह इसकी परिक्रमा करते हैं ।

अपने समय के और खगोलज्ञों के समान कापर–निकस का भी विश्वास था कि सौर व्यवस्था विश्व का पर्याय है ।यह भूल भी जिसे अभी हाल में ही ठीक किया गया है। उसने ग्रहों का मार्ग देकर भी गलती की ।इस भूल को जर्मन खगोलज्ञ केप्लर ने (1570–1630) सुधारा ।बाकी बातों का मत सुदृढ़ और अपराजेय था। इटली के (1564–1642ई)नेकापरनिकस को मिटने से बचाने का सौभाग्य प्राप्त किया।अपनी मृत्यु पूर्व उसे यह जान कर प्रसन्नता हुई कि उसका समर्थित मत स्वीकार हो रहा है और टालमी के पक्षधर पीछे हट रहे हैं ।

भूकेन्द्रित सिद्धान्त को अन्तिम धक्का सर आइज़ाक न्यूटन 1642–1726 ई.) ने दिया । उसने गुरुत्वाकर्षण के सिद्धान्त का प्रतिपादन किया और इसको गति के नियमों से जोड़ा। खगोलिक विचारों के इतिहास में उनकी पुस्तक फेलासाफिया नेचुरलिस प्रिंसिपिया मैथेमेटिका (प्रिंसिपिया नाम से प्रसिद्ध) एक मोड़ उत्पन्न करती है।

पृथ्वी तथा अन्य ग्रहों की रचना के संबंध में आधुनिक सिद्धान्त कापरनिकस पर आधारित है । 200 वर्षों के पूर्व ही भूगर्भशास्त्रियों ने वैज्ञानिक जानकारी पाने की कोशिश की। चट्टानों के अध्ययन पर आधारित उनके निष्कर्षों के अनुसार पृथ्वी की आयु लगभग 4600 करोड़ वर्ष है ।

भूकम्पों के अध्ययन से पृथ्वी की आन्तरिक संरचना का ज्ञान हमें मिलता है।भूकम्प से निकले कम्प तरंग उन भौतिक प्रकृतियों को बताते हैं जिनसे वे गुजरते हैं। इन अध्ययनों से मालूम होता है कि पृथ्वी का केन्द्र ठोस आन्तरिक क्रोड़ है जिसका घनत्व लगभग 13 ग्राम प्रति घन सेन्टीमीटर है। आन्तरिक क्रोड़ लगभग 1370 कि.मी. मोटा है और लगभग 2080 कि.मी. के बाहरी क्रोड़ से घिरा है ।बाहरी क्रोड़ पिघला हुआ लगता है।

बाहरी क्रोड़ मैंटल से घिरा हुआ है जिसकी मोटाई लगभग 2900 कि.मी. है।मैंटल का ऊपरी भाग पृथ्वी की परत से ढका है जिसकी मोटाई 12 से 60 कि.मी. की है ।आन्तरिक क्रोड़ के केन्द्र में – अर्थात् लगभग 6370 कि.मी. की गहराई में तापमान लगभग 4000° से. तक है और दबाव लगभग 40 लाख वायुमंडलों तक पहुंचता है ।

मैंटल कई दृष्टियों से महत्वपूर्ण है ।यह पृथ्वी के व्यास का लगभग आधा (2900 कि.मी.), आयतन का 83 प्रतिशत और द्रव्यमान का 67 प्रतिशत है ।ऊपरी पर्तों की गति का निर्धारण जिस गतिशील प्रक्रिया से होता है उसका संचालन इस मैंटल के द्वारा होता है ।पृथ्वी के ऊपरी सतह के नीचे 45 से 56 कि.मी. तक की औसत गहराई से शुरू कर मैंटल 2900 कि.मी. की गहराई तक फैला है जहां यह बाहरी क्रोड़ से मिलता है। मैंटल लाल गरम चट्टान का खोल है और पृथ्वी के धातु संबंधी और अंशतः गलित क्रोड़ (आन्तरिक और बाहरी दोनों क्रोड़ों) को पृथ्वी की परतों के ठंडे चट्टानों से अलग करता है ।मैंगनेशियम और लौह धातुओं से समृद्ध सिलिकेट धातुओं से यह मैंटल बना है।बाहरी क्रोड़ के पास मैंटल का घनत्व 3.5 ग्राम प्रति घन सेंटी मीटर से लेकर 5.5 ग्राम तक गहराई के अनुसार बढ़ता है।

मैंटल का ऊपरी हिस्सा जो लगभग 250 कि.मी. मोटा है एस्थिनोस्फेयर कहलाता है ।यहां चट्टानें आंशिक रूप से पिघली हुई होती हैं और धातु–कणों के बीच द्रव की एक पतली झिल्ली होती है ।नीचे के मैंटल के लाल गर्म होने और ऊपरी मैंटल (एस्थिनोस्फोयर) के आंशिक गलित रूप दोनों के मिलने से पूरा मैंटल लचीला बन जाता है। इस लचीलेपन के ऊपर पृथ्वी की ऊपरी सतह (महाद्वीप और महासागर समेत) यानी लिथोस्फेयर टिका है ।लिथोस्फेयर एस्थिनोस्फेयर से इस बात में भिन्न है कि यह अपेक्षाकृत ठंडा है और अधिक कड़ा है ।

लिथोस्फेयर

लिथोस्फेयर का ऊपरी हिस्सा जो पृथ्वी की सतह है एस्थिनोस्फेयर पर एक तरह से तैरता रहता है ।अन्य तैरनेवाले पदार्थों की तरह, सतह एक संतुलन की खोज करती है अर्थात् गहराई में जाने पर वह भारी और ऊपर आने पर हल्की होती जाती है । सतह पर पहाड़ों में हल्के पदार्थों की घनी गहरी जड़ें हैं जिनसे वे सहारा पाते हैं और जब सतह के किसी भाग का भार बदलता है तब सतह संतुलन बनाए रखने के लिए या तो ऊपर उठती है या नीचे डूबती है ।

पृथ्वी की बाहरी सतह चार भागों में बांटी गयी है ।

(1) लिथोस्फेयर का मतलब है स्थल यानी पृथ्वी की पूरी बाहरी ऊपरी सतह जिसमें न केवल ज़मीन की सतह है बल्कि समुद्र का तल भी है ।

(2) हाइड्रोस्फेयर जल मंडल यानी पानी की सतह जिसमें समुद्र, झील और नदियां शामिल हैं ।

(3) एटमास्फेयर वायुमंडल हवा की चादर है जो पृथ्वी को ढके है ।इसमें स्थल और जल दोनों मंडल शामिल हैं।

कल्पना के कारण, महाद्वीपीय बहाव और प्लेट विवर्तनिकी के मध्य उत्पन्न हुए भ्रम का शमन करने का एक स्रोत है। महाद्वीप और प्लेटें एक दूसरे की पर्यायवाची नहीं हैं। महाद्वीप, परतों के केवल एक भाग का निर्माण करते है, प्लेट के चारों तरफ लगा हुआ सागर, शेष परतों का निर्माण करता है। केवल महाद्वीप अकेले, घूमते या बहते नहीं हैं। यह पूरी परत, जिस पर महाद्वीप और महासागर स्थित है, घूमते हैं। इसलिए अब हम महाद्वीपों के बहाव के स्थान पर प्लेटों की गति की बात करते हैं।

सीमान्त प्लेट की बनावट रचनात्मक, ध्वंसात्मक या संरक्षात्मक के प्रकार के आधार पर अंदर की प्लेट की गति के सम्बन्ध में भी व्याख्या की जाती है।

रचनात्मक प्लेट गति को एटलांटिक महासागर में उदाहरण सहित समझाया गया है। किसी सागर के बीच पर्वत श्रेणी का निर्माण, नये सागर की उत्पत्ति के लिए लगातार जमीन तैयार करता है। यूरोप और अफ्रीका से अलग होकर अमरीका का दूसरी तरफ घूमना इसी का परिणाम है। ध्वंसात्मक प्लेट गति सम्पूर्ण प्रशान्त महासागर के चारों तरफ पायी जाती है, जिसके कारण 'स्थलमंडल' के चारों तरफ कई प्लेटें नीचे की तरफ खिसक रही हैं। संरक्षात्मक प्लेट गति, विध्वंसक भूकम्प का कारण बनती है। यह वहीं होता है जहां निकटवर्ती प्लेटें स्थानान्तरण की गलती से एक दूसरे पर सटकने लगती हैं, जैसा की केलिफोर्निया की सैन एण्ड्रिल की गलती में हुआ। प्लेटों पर एकाएक दवाव के कारण भूकम्प आते हैं। इसके कारण पृथ्वी की पपड़ी की सीमान्त परत भाग ऊपर उठ जाता है और दूसरा झुक जाता है। भूकम्प क्षेत्र और वर्तमान में पर्वत निर्माण क्षेत्र दोनों घटनाएं साथ-साथ होती हैं।

प्लेट विवर्तनिकी

महाद्वीपीय विस्थापन के सिद्धान्त का समर्थन करते हुए [illegible] ने 19 वीं सदी के छठे दशक में भू-विज्ञान की एक संकल्पना प्लेट विवर्तनिकी को जन्म दिया । प्लेट विवर्तनिकी में पृथ्वी की हलचल के फलस्वरूप बनी चट्टानों का अध्ययन होता है जो प्लेट के रूप में है।इस संकल्पना ने भूविज्ञान के अध्ययन में उसी प्रकार से क्रांन्तिकारी परिवर्तन किया जैसा कि खगोलिकी में कापरनिकस सिद्धान्त ने किया था कापरनिकस सिद्धान्त ने पृथ्वी और सौर प्रणाली के संबंध में हमारे विचारों में आमूल-चूल परिवर्तन ला दिया ।प्लेट विवर्तनकी ने स्वयं पृथ्वी के विषय में हमारी संकल्पना में महान परिवर्तन किया । इसने प्रमाणित कर दिया कि पृथ्वी स्थिर नहीं है, बल्कि गत्यात्मक है और सही माने में जीवित है ।

महाद्वीपीय विस्थापन का सिद्धान्त यह मानकर चलता है कि महाद्वीप विशालकाय जहाजों की तरह सागर में चलते हैं। प्लेट विवर्तनिकी हमें बताती हैं कि केवल महाद्वीप ही गतिशील नहीं है बल्कि महासागर भी गतिशील हैं । इसका कारण यह है कि पृथ्वी की शीर्ष पपड़ी (जैसा कि हमारा विचार है) ग्रेनाइट या वेसाल्ट का अखंडित, खोल नहीं है, बल्कि प्लेट कहलाने वाले बहुत-से कठोर खंडों का मोज़ेक है ।इन प्लेटों में पृथ्वी की ठोस ऊपरी पपड़ी ही शामिल नहीं है, बल्कि उसके नीचे का सघन मैंटल भी उसी में आता है। उनकी औसत मोटाई 100 कि.मी. है ।ये सब एस्थनोस्फीयर नामक पृथ्वी के ऊपरी मैंटल पर तिर रहे हैं और वृहदाकार जहाज़ों की तरह महाद्वीपों एवं महासागरों को अपनी पीठ पर लादकर ले जाते हैं ।

ये सभी प्लेटें एक-दूसरे के सापेक्ष में निरंतर गतिशील हैं। महाद्वीपीय विस्थापन और प्लेट विवर्तनिकी के बीच विभेद करने में सभ्रांति इस मान्यता से है कि महाद्वीप और प्लेटें समानार्थी हैं ।लेकिन ऐसा नहीं है ।महाद्वीप प्लेटों के एक भाग का ही निर्माण करते हैं जबकि आसपास के महासागर प्लेटों के शेष भाग हैं । महाद्वीप ही अकेले विस्थापन नहीं करते। विस्थापन प्लेटों का होता है जिनमें महाद्वीप एवं महासागर दोनों सम्मिलित हैं । इसलिए अब हम महाद्वीपीय विस्थापन के बजाय प्लेटों की गतिशीलता की चर्चा करते हैं।

स्थल मंडल

स्थल मंडल पृथ्वी का ऊपरी पटल है जिसके ऊपर हमारे महाद्वीप एवं समुद्री भाग स्थित हैं ।महाद्वीप क्षेत्रों में यह सर्वाधिक

महाद्वीप

नाम	क्षेत्रफल वर्ग किलोमीटर में	पृथ्वी के क्षेत्रफल की प्रतिशतता	अनुमानित जनसंख्या	उच्चतम बिंदु मीटर में		निम्नतम बिंदु मीटर में	
एशिया	41667920	29.5	23163120000	एवरेस्ट	8847.7	डेड सी	396.8
अफ्रीका	29800540	20.0	401000000	किलीयजोरा	5894.8	लेक असाई	156.1
उत्तरी अमरीका	24320100	16.3	342700000	मैककिनल	6193.5	डेथ वैली	85.9
दक्षिणी अमरीका	17599050	11.8	219000000	एकानकागुआ	6958.8	वाल्डेस पेनिन	39.9
यूरोप	9699550	6.5	660313000	एलब्रूस	5641.8	कैस्पियन सी	28.0
आस्ट्रेलिया*	7687120	5.2	13800000	कोसीसुको	2228.1	लेक एरी	15.8
एंटार्कटिका	14245000	9.6	–	विन्सन मासिफ	5138.9		

* न्यूज़ीलेण्ड के साथ आस्ट्रेलिया, न्यूगिनी और प्रशांत महासागरीय द्वीप (माइक्रोनेशियन, मेलानेशियन और पालीनेशियन द्वीप समूह) को कुछेक भूगोलविदों द्वारा आस्ट्रेलेशिया और कुछेक द्वारा ओसेनेशिया कहा जाता है ।

मोटा है जहां इसकी औसत मोटाई 40 कि.मी. है। समुद्री भागों में यह अत्यधिक पतला है जहां इसकी अधिकतम ऊंचाई 10 से 12 कि.मी. तक हो सकती है। यह पृथ्वी के संपूर्ण आयतन का लगभग 1 प्रतिशत और उसके कुल द्रव्यमान का 0.4 प्रतिशत है। यद्यपि स्थल मंडल में तकनीकी दृष्टि से भूमि-भाग और समुद्री तल दोनों को ही शामिल किया जाता है, फिर भी अक्सर इसका प्रयोग केवल भूमि-तल दर्शाने के लिए ही किया जाता है। इस दृष्टि से स्थल मंडल संपूर्ण पृथ्वी का केवल चौथाई भाग है। शेष तीन चौथाई भाग समुद्र ने ले लिया है।

भूमि तल पर चट्टानी दृश्यांश वाले भागों को छोड़कर, शेष संपूर्ण भाग बालू या मृदा है। समस्त बालू और अधिकांश मृदा जो हमें आज दिखाई पड़ती है, वह प्राचीन चट्टानों से उत्पन्न हुई है। मूलरूप से स्वयं चट्टाने गलित मैग्मा से बनी थीं जो पृथ्वी के भीतरी भाग से फूटकर निकला था। पृथ्वी की शक्तिशाली हलचलों ने कुछेक चट्टानों को ऊपरी सतह तक उठा दिया जहां उन पर जलवायवी प्रभाव पड़े। चट्टानों को टूटकर बालू बनने की जो प्रक्रिया है, भुविज्ञान में 'अपक्षयण' कहलाती है। चट्टान - अपक्षयण में बहुत-से घटक काम करते है जिनमें स्वयं 'जलवायु' अत्यधिक महत्वपूर्ण है।

जब सूर्य द्वारा अत्यधिक तप्त चट्टाने वर्षा से अचानक ठंडी होती हैं तो वे चिटक कर टूट जाती हैं। जब यही प्रक्रिया हजारों वर्षों तक चलती रहती है तो बड़ी-बड़ी चट्टानें चूर-चूर होकर बालू बन जाती हैं। इसी प्रकार, पाला भी चट्टानों को तोड़ सकता है। चिटकी चट्टानों की दरार में फंसा हुआ पानी सर्दी पड़ने पर हिम का रूप धारण कर लेता है और फैल जाता है। यह दबाव अक्सर चट्टानों को फोड़ देता है। इनके साथ अन्य संयोगों ने मिलकर भूमि की उस रूप में रचना की है, जिस रूप में आज हम देखते हैं। दृश्य भूमि की आकृतियां स्थल मंडल की चट्टानी उप-रचना से निर्धारित होती हैं। भूवैज्ञानिक दृष्टि से कहा जाए तो वे सभी पदार्थ जिनसे पृथ्वी पटल का निर्माण हुआ है, चट्टानें हैं, चाहे वे ग्रेनाइट गोलाश्म हों, दाह्य कोयला हों, चिकनी मिट्टी हो या बालू-कंकड़ के अदृढ़ खंड हों।

स्थल मंडल को बारह जलवायु प्रदेशों में विभाजित किया जाता है। हम जानते हैं कि पृथ्वी का ऊपरी भाग, अर्थात् इसका दृश्य धरातल, विगत काल में आमूल-चूल परिवर्तनों का शिकार हुआ है। भूवैज्ञानिकों का कहना है कि हजारों वर्षों के दौरान, पृथ्वी के शीतलन एवं संकुचन के परिणाम के रूप में इतने सारे परिवर्तन हुए हैं।

पर्वत

पर्वतों को पारंपरिक ढंग से उनकी उत्पत्ति की रीति के अनुसार चार प्रकारों में विभाजित किया जाता है: बलन पर्वत, ब्लॉक पर्वत, ज्वालामुखीय पर्वत और अवशिष्ट पर्वत।

वलन पर्वतों के उठने का कारण यह है कि दबाव के जरिए उनके भीतर की चट्टानें मुड़ गई हैं और सिलवटदार हो गई। जिस प्रकार से एक मेजपोश को जब मेज के साथ-साथ खींचा जाता है तो उसमें सिलवटें पड़कर तहें बन जाती हैं, उसी प्रकार पृथ्वी की पपड़ी की चट्टानें पार्श्वक दवाव पड़ने पर बलन पर्वत बन जाती हैं। जब दवाव अत्यधिक होता हैं तो तहें कठोरता से सिकुड़कर लहरदार हो जाती हैं। इसके आगे भी दबाव पडने की स्थिति में वे लहरें एक-दूसरे पर चढ़ जाती हैं। जब लहरें एक-दूसरे पर चढ़ती हैं तो उत्तुंग होती जाती हैं। एक दूसरे से टकराती पट्टियों के दबावों से ही चट्टाने मुड़कर पर्वत के रूप में ढल सकती हैं। इससे निष्कर्ष यह निकलता है कि हमारी समस्त बड़ी पर्वत प्रणालियां प्लेटों के संघटन से ही निर्मित हुई हैं। ऐसे ही संघटन क्षेत्र के कारण हिमालय पर्वत का आविर्भाव हुआ। इसी प्रकार ऐंडीज़ (दक्षिणी अमेरिका), राकी पर्वत (उत्तरी अमेरिका) और आल्पस (यूरोप) का उदय हुआ। हिमालय, ऐंडीज़, राकी और आल्पस कम उम्र के पर्वत हैं और इन्हें नव वलन पर्वतों के रूप में वर्गीकृत किया गया है। सुपर महाद्वीप, पनगेय के अलग होने के साथ जो महाद्वीपीय विस्थापन हुआ इससे ये पर्वत अस्तित्व में आये। जिन पर्वतों को प्राचीन वलन पर्वत कहा जाता है, वे पनगेय का निर्माण करने हेतु महाद्वीपीय राशियों के एकत्रित होने के काफी पहले विस्थापन-पूर्व युग में निर्मित हुए थे। प्राचीन वलन पर्वतों में यूरोप का पेनाइन्स, अमेरिका का अपालाचिपन्स और भारत के अरावली पर्वत बहुत पहले ही जलवायु से प्रभावित होकर ठूंठ बनकर रह गए हैं।

प्रमुख पर्वत शिखर

नाम	देश	ऊंचाई(मी)
माउंट एवरेस्ट	नेपाल-तिब्बत	8848
माउंट गाड्विन	भारत	8611
कंचनजंगा	भारत-नेपाल	8126
धौलागिरि	नेपाल	8172
नंगा पर्वत	भारत	8126
अन्नपूर्णा	नेपाल	8078
नंदादेवी	भारत	7817
माउंट कामेट	भारत	7756
गुरला मंधाता	तिब्बत	7728
तिरिच मीर	पाकिस्तान	7700
निन्या कोन्का	चीन	7590
माउंट कम्युनिज्म	पूर्व सोवियत रूस	7495
पोबेता शिखर	पूर्व सोवियत रूस	7439
मुजताग अटा	चीन	7434
चोमो लहारी	भारत-तिब्बत	7100
मुंजताग	चीन	7282
अकॉन कागुआ	अर्जेन्टाइना	6960
ओजॅस डेल सलादो	अर्जेन्टाइना-चिली	6868
सेरो	अर्जेन्टाइना	6773
मर्सीडारिओ हुआसकारन	पेरू	6768
लियुलैकालो वाल्कैनो	चिली	6723
तुपुनगाटे	चिली-अर्जेन्टाइना	6550
सजामा वाल्कनो	बोलिविया	6520
इल्लामपू	बोलिविया	6482
विलकानूरा	पेरू	6300
चिम्बोराजो	यूकडोर	6267
माउड मेककिलनी	अलास्का	6194

भूकंपीय स्केल

रिक्टर स्केल एक लघु गणकीय स्केल है। इसका आविष्कार 1935 में भूभौतिक शास्त्री चार्ल्स रिक्टर द्वारा किया गया था। इसके द्वारा भूकंप से उत्पादित उर्जा को नापा जाता है। दो या इससे कम अंक को स्पष्टतया अनुभव किया जा सकता है जयकि 5 अंक के याद का भूकंप हानिकारक हो सकता है। भूकंप मापन की अधिक प्रासंगिकता, उसके घनत्व की शक्ति है जिसके लिए सुधारित मरकलिस्केल विशाल रूप में प्रयोग की जाती है।

सुधारित मरकलि मात्रा स्केल (1956)

1. अनुभवजन्य नहीं, धीमा और लंबे काल प्रभाव वाला लंबा भूकंप।
2. आराम करनेवाले लोगों द्वारा अनुभव जन्य, जो ऊपरी मालों या उपयुक्त स्थान पर हो।
3. घर के अन्दर अनुभव जन्य। लटकती हुई वस्तुए झूलने लगती हैं। छोटी ट्रक के जाने जैसा कंपन अनुभव होता है। इसका अनुभव भूकंप जैसा नहीं किया जा सकता हैं।
4. लटकती हुई वस्तुए झूलने लगती है। वड़ी ट्रकों के जाने से उत्पन्न जैसा कंपन या यड़ी गेंद की दीवार पर धक्के का अनुभव, खड़ी कारें हिलने लगती हैं, खिड़कियां, दरवाजे खड़खनाने लगते है, शीशे चटक जाते हैं। चार के उच्चतम स्वर पर क्राकरी टूटने लगती हैं। लकड़ी की दीवारे और फ्रेम टूट जाते हैं।
5. याहर महसूस किया जा सकता है। दिशा का अनुमान किया जा सकता है। सोते लोग जाग जाते हैं। तरल पदार्थ यिखर जाते हैं और कुछ नष्ट हो जाते हैं, छोटी अस्थिर वस्तुएं अपने स्थान से हट जाती है या अव्यवस्थित हो जाती हैं। दरवाजे झूलने लगते हैं, वन्द और खुलने लगते हैं। शटर और चित्र घूमने लगते हैं। घड़ी का पेन्डुलम यन्द हो जाता है, आरंभ हो जाता है या रफ्तार यदल देता है।
6. सभी द्वारा अनुभूत, यहुत से लोग डर जाते हैं और दरवाजे के याहर भागने लगते हैं, लोगों का चलना अवव्यस्थित हो जाता है। खिड़कियां, डिसेज और शीशे के वर्तन टूट जाते हैं। नुमाइशी चीजें और पुस्तके अपने खानों से गिर जाती है। दीवार से तस्वीरें गिर जाती हैं। फर्नीचर इधर उधर हो जाता है। कमजोर प्लास्टर और राजगीरी–डी टूट जाती है। छोटी घंटियां यजने लगती हैं, पेड़ और झाड़िया स्पष्टता हिलने लगती हैं।
7. खड़ा रहना मुश्किल, चालकों के भी ध्यान में आता है, वस्तुएं तेजी से हिलती हैं। फर्नीचर टूट जाते हैं। राजगीरी–डी में क्षति, एवं दरारे, कमजोर पत्थर, टाईल्स छज्जे भी टूट जाते हैं, राजगीरी–सी में कुछ दरारें आ जाती हैं; तालावों में लहरें उठने लगती हैं, पानी मटमैला हो जाता है, वलुए और ककरीले किनारों में थोड़ी सी सरकन और गडढे बन जाते हैं, कंकरीट की सिचाई व्यवस्था नष्ट हो जाती है।
8. कार का संचालन प्रभावित हो जाता है, राजगीरी–सी का नुकसान कुछ ध्वस्त हो जाती हैं, राजगीरी–बी में भी क्षति; राजगीरी–ए में नुकसान नहीं होता है; चिमनी अपने स्थान से हट जाती हैं या गिर जाती हैं; कचरे का अंबर बन जाती है स्मारक, मीनारें नष्ट हो जाती हैं। तालाब अपने जगह से हट जाते हैं; कमजोर दीवारे फेंक दी जाती हैं; पेड़ों की शाखाएं टूट जाती हैं; धाराओं के वहाव तथा कुएं के तापक्रम में परिवर्तन हो जाता है।
9. सामान्य भगदड़ मच जाती है; राजगीरी–डी नष्ट हो जाती है; राजगीरी–सी का यहुत नुकसान होता है, कभी–कभी पूरी तरह गिर जाती हैं; राजगीरी–बी भयानक रूप से नष्ट हो जाती हैं; नींव का सामान्य नुकसान होता है; पानी को सुरक्षित रखनेवाले तालाबों का भयानक नुकसान होता है; भूमिगत पानी की पाइपें टूट जाती हैं; जमीन में स्पष्ट दरारें बन जाती हैं; कछारी भूमि से बालू और कीचड़ फेंक दिया जाता हैं।
10. अधिकांश भवन और यनावट अपनी नींव के साथ नष्ट हो जाती हैं; कुछ बेहतर ढंग से निर्मित काष्ठ–निर्माण और पुल नष्ट हो जाते हैं; बांधों नहरों और तटबन्धों को भयानक नुकसान होता हैं; बड़े पैमाने पर जमीन खिसक जाती है, नहरों नदियों और झीलों से पानी किनारों पर फेंक दिया जाता हैं; बालू और कीचड़ क्षैतिज रूप से किनारों और समतल भूमि में फेंक दिया जाता है। रेल की पटरिया टेढ़ी हो जाती हैं।
11. रेल लाइन भयानक रूप से टेढी हो जाती हैं। भूमिगत लाइनें पूरी तरह से बेकार हो जाती हैं।
12. पूरी तरह से सर्वनाश; भयानक कंपन दृष्टि की सभी चीजें और स्तर नष्ट हो जाता है। वस्तुएं हवा में उछाल दी जाती हैं।

राजगीरी–ए उत्तम कारीगरी, मसाला और आकृति, पुन शक्ति दी गई है जिससे उनकी आवृति को रक्षा देने की ताकत दे।

राजगीरी बी अच्छी कारीगरी और मसाला, पुनः शक्तिमान, लेकिन उनकी यनावट इस प्रकार नहीं रहती है कि उनको पार्श्विक ताकत दे सकें।

राजगीरी सी सामान्य कारीगरी; यहुत कमजोर नहीं होती है कि किनारों को यांधना पड़े लेकिन क्षैतिज ताकतों के विरुद्ध न तो उनकी यनावट होती है और शक्ति प्रदान की गई होती है।

राजगीरी डी कमजोर वस्तुओं और मसाले का उपयोग; कारीगरी का निम्नतम मानक।

ब्लॉक पर्वत, दरारों या भ्रंशों में पृथ्वी की ऊपर की गतियों के परिणामस्वरूप अस्तित्व में आया। जब इस प्रकार पृथ्वी का ऊर्ध्व संचलन होता है, दो निम्न तुंगों के वीच का उन्नत क्षेत्र उसी रूप में रह जाते हैं और वह उच्च क्षेत्र, ब्लॉक पर्वत प्रायः इतने ढालू होते है कि इन पर चढ़ना मुश्किल होता है, जैसे फ्रांस में वसिगेज पर्वत और पश्चिमी जर्मनी में ब्लैक फारेस्ट पर्वत।

ज्वालामुखीय पर्वतः ज्वालामुखीय विस्फोट होने के जो

पदार्थ बाहर निकलता है, वह छिद्र या विवर के आसपास गिर जाता है और एक पर्वत का निर्माण करता है जो आम तौर से शंकु का रूप होता है और उसके शीर्ष पर विवर होता है। जापान में फुजीयामा, इटली में वेसूवियस और एंडीज़ (दक्षिणी अमेरिका) में चिम्बोराजो और कोटोपाक्सी इसी प्रकार के पर्वतों के उदाहरण हैं ।

अवशिष्ट पर्वत: कुछेक पर्वत इतनी गहराई तक विच्छिन्न और मौसम के प्रभाव तथा नदियों के क्रिया–कलाप से प्रभावित होते हैं कि वे कंकाल मात्र रह जाते हैं । न्यूयार्क के कैट्सकिल पर्वत इस प्रकार के पर्वतों के विशिष्ट उदाहरण हैं ।

भूकंप

भूकंपनीयता की घनी पट्टी का विस्तार हिमालय की सर्वोच्च ऊंचाई वाली चोटियों के समानान्तर है। यहां भूकंप भारत के यूरेशिया के नीचे धंसने के कारण भू-पर्पटी (earth crust) की 20 मी तक की गहराई से आते हैं। चार विनाशकारी भूकंप– कांगड़ा (1905), विहार (1934), और असम (1897, 1950) में हिमालय पर्वत श्रेणी की 2400 किमी लंबाई व उससे सटे सिंधु–गंगा के मैदान में पिछले एक शताब्दी के दौरान आए हैं। विशाल भूकंप आते हैं जब पृथ्वी के ऊपरी खोल में 20 किमी गहराई से प्रत्यास्थ ऊर्जा (Elastic Energy) सहसा बाहर निकलती है। यह ऊर्जा भूर्पपटी के भंगुर (Brittle) शैलों में तनाव के रुप में एकत्रित होती रहती है और इस कारण उत्पन्न प्रतिबल जब भंगुर शैलों की सहन सीमा को पार कर जाता है तो उनको विभंगित कर देता है। शैलों के विभंगन द्वारा उत्पन्न फटाव ही ऊर्जा के आकस्मिक निष्कासन का साधन है। ऐसे पर्पटी–विभंग पृथ्वी की ऊपरी सतह तक कम ही पहुंचते हैं। अधिकांश ऊर्जा का विमोचन भ्रंशित शैलों के 6 से 10 मी. या 20 मी. तक के विसर्पशा (खिसकाव) के कारण उत्पन्न तरंगों को रूप में होता है। तरंगित होकर जमीन हिलने है जिसका विनाशकारी प्रभाव हम पृथ्वी की सतह करते हैं। पृथ्वी का बाह्य 100 किमी तक गहरा शैलों से बना खोल–स्थलमंडल स्थिर ना होकर सतत गति में रहता है। स्थलमंडल के गोलाकार टुकड़े या प्लेटें गतिमान होने के कारण एक दूसरे से किन्हीं क्षेत्रों में अलग होकर दूर हटने और अन्य क्षेत्रों में टकराने की प्रक्रिया में रहते हैं। इन स्थल मंडलीय प्लेटों की सीमा में अधिकांश भूकंप आते हैं। पृथ्वी पर भूकंप पट्टिकाएं प्लेट सीमाओं का रेखांकन ही हैं। हिमालय पर्वत श्रेणी भारतीय व एशियाई प्लेटों की सीमा का निर्धारण करती है। हिमालय के विस्तार व संरचना में भारतीय प्लेट का एशियाई प्लेट की ओर अभिसारण व अन्तत: मिलन अथवा टकराव का साढ़े पांच करोड़ वर्षों का इतिहास निहित है। भारत महाद्वीप के एशिया के साथ जुड़ने के बाद भी भारतीय प्लेट 50 मिमी प्रतिवर्ष की रफ्तार से उत्तर की ओर अभिसरित हो रही है। इस कारण भारत का अग्रभाग क्षेप भ्रंशित होकर अपने से ही कटकर ऊपर उठे भाग–हिमालय महान के नीचे निरन्तर क्षेपित हो रहा है। यह प्रक्रिया अभी कई लाख वर्षों तक चलती रहेगी। ऐसा अनुमान है कि हिमालय रूपी भारत एशिया प्लेटों की टकराव सीमा बड़े पैमाने के भूकंपों द्वारा भविष्य में आठ या दस और फटेगी। पश्चिम से पूर्व तक 2400 किमी लंबाई की हिमालयी अधिक्षेपित चाप निरन्तर सक्रिय है जिससे कुछ सौ वर्षों तक बड़े भूकंप आने की संभावना है।

हिमालय में भूकंप

संपूर्ण हिमालय पर्वत चाप नंगा पर्वत से नमचा बरवा तक विवर्तनीक व्यवहार एकसमान है। इस विशेषता की गवाही देता है हिमालय पर्वत का चापाकार जो आज तक विकृति तनावों के विमोचन के बाद भी नहीं बदला। इसका मतलब है कि शैलों में एकत्रित तनाव व उस तनाव को सहने की क्षमता पश्चिमी से पूर्वी सिरे तक समान है। तदापि, हिमालय पर्वत श्रृंखला एक साथ एक ही समय में भूकंपों द्वारा नहीं फटी। क्योंकि वह अनेक भ्रंशों द्वारा कई भागों में विभाजित है। कई विदारण भ्रंश हिमालय को इन फटाव भागों में बांटते हैं।

कांगडा, विहार व असम में आये चार भूकंपों के विश्लेषण से पता चला है कि हिमालय के उन भागों में भविष्य में भूकंप द्वारा क्षति की संभावना है जहां वह पिछले 30 या अधिक वर्ष से नहीं आए। यही भाग भूकंपीय अन्तराल हैं। जहां निकट भविष्य में फटाव की संभावना अत्यधिक है। बड़े भूकंपों की पुनरावृत्ति अवधि भिन्न–भिन्न भागों में एकसमान होना चाहिए परन्तु हिमालय के विभिन्न भागों को विभाजित करने वाले भ्रंशों के कारण यह पर्वत श्रृंखला एक ही समय, एक साथ फट नहीं सकती। इस कारण बड़े भूकंप इस प्लेट सीमा के विभिन्न भागों में एक ही पुनरावृत्ति अवधि में आएंगे पर एक साथ कभी नहीं। यह भूकंपीय अन्तराल की अवधारणा है।

मरुस्थल

मरुस्थल पृथ्वी की सतह का वह हिस्सा हैं जहां पर सूखे के कारण जीवन मुश्किल है । मरुस्थल को तीन भागों में विभ

विशाल मरुस्थल

नाम	देश	क्षेत्रफल वर्ग किमी मे
सहारा	उत्तरी अफ्रीका	9065000
लिबयन	उत्तरी अफ्रीका	1683500
आस्ट्रेलियान्	आस्ट्रेलिया	1554000
ग्रेट विक्टोरिया	आस्ट्रेलिया	323800
सीरियन	अरब	323800
अरेबियन	अरब	129500
गोबी	मंगोलिया	1036000
रब आल खाली	अरब	647500
कालाहारी	बाट्सवाना	518000
ग्रेट सैंडी	आस्ट्रेलिया	414400
ताकला माकन	चीन	323800
अरुनता	आस्ट्रेलिया	310800
कारा कुम	दक्षिण–पश्चिमी टर्किस्तान	27200
नूबियन	उत्तरी अफ्रीका	25900
थार	उत्तरी पश्चिमी भारत	25900
किज़िलकुम	मध्य टर्किस्तान	23310

...या गया है । 1. उष्णकटिबंध (गर्म) उदाहरणार्थ – सहारा, ...रबियन, अटाकामा, आस्ट्रेलियन एवं थार मरुस्थल । 2. मध्य ...ध्योत्तर (शीतोष्ण) उदाहरणार्थ – गोबी, ग्रेट बेसिन (संरा.) ...टागोनियत (अर्जेंटाइना) और तुर्किस्तान मरुस्थल) 3. उच्च ...ध्योत्तर (ध्रुवीय/ठंडे) उदाहरणार्थ अंटार्टिका । मरुस्थल में ...च्च तापमान 58 डिग्री सेल्सियस तक और निम्न तापमान 88 ...डिग्री सेल्सियस तक होता है यहां औसत वार्षिक वर्षा 250 ...से. मी. होती है ।

...द्वीप

द्वीप काफी विशाल भूभाग में व्याप्त हैं । सबसे बड़े । 6 द्वीपों का कुल क्षेत्रफल पांच करोड़ 60 लाख वर्ग किलोमीटर है जो के यूरोपीय महाद्वीप के क्षेत्रफल से अधिक है । छोटे द्वीप की संख्या हजारों में है । द्वीप मोटे तौर से तीन प्रकार के होते हैं – महादेशी; महासागरीय और प्रवाल ।

महादेशी द्वीप वे हैं जो कि महादेशी उपतटों से उदित होते हैं, यथा–ब्रिटिश द्वीप समूह, या न्यूफाउन्डलैंड । इन द्वीपों की भूवैज्ञानिक संरचना उन महाद्वीपों के समान होती है जिनसे ये संबंधित होते हैं । महासागरी द्वीप वे हैं जो महासागर के हृदय से उभरते हैं । उनकी भूवैज्ञानिक संरचना का निकटतम तटों से कोई संबंध नहीं होता । वे अधिकांशतः अंतःसमुद्री पर्वतों या अंतःसमुद्री ज्वालामुखियों के शीर्ष होते हैं । उदाहरणार्थ, असेसन और ट्रिस्टान दा कुन्हा मध्य अटलांतिक पर्वत श्रेणी से निकले है जबकि सेंट हेलेना और टेनेरिफ समुद्री ज्वालामुखियों से बने हैं ।

प्रवाल द्वीप: प्रवाल पालिप कहे जाने वाले ये द्वीप समुद्री जीवों की रचना हैं । ये समुद्री जीव समुद्र में उपनिवेश बना कर उसमें जमा हो जाते हैं । जब जीव मृत हो जाते हैं तो चूना–पत्थर जैसे तत्व के बने उनके कंकाल एक बड़ा गुच्छा बना देते हैं जिनमें से कुछेक पानी के ऊपर उभर आते हैं ।

इस प्रकार के प्रवाल की विशिष्टता शैल भित्ति का निर्माण करने में है । शैल भित्ति का निर्माण करनेवाले प्रवाल गर्म उष्ण कटिबंधीय सागरों में फूलते–फलते हैं । वे प्रायः द्वीपों की कोरों के साथ–साथ भित्तियों का निर्माण करने लगते हैं । इस प्रकार की भित्तियों को तटीय प्रवाल भित्ति कहते हैं । बहुत–से उष्ण कटिबंधीय द्वीपों में ऐसे तटीय प्रवाल हैं । ये सागर की तबाही से द्वीपों की रक्षा करते हैं । कभी–कभी तटीय प्रवाल भित्ति वाला द्वीप डूबने लगता है । उसकी तटरेखा सबसे पहले डूबती है, जबकि प्रवाल निर्माण ऊपर की ओर होता रहता है । सागर डूबती तटीय रेखा पर धावा बोल देता है और प्रवाल भित्ति को शेष द्वीप से अलग–थलग कर देता है । इस प्रकार की भित्ति को 'प्रवाल रोधिका' कहते है । क्वीन्स लैंड (आस्ट्रेलिया) के समुद्र तट के समांतर 1920 किलोमीटर से अधिक फैला दि ग्रेट बैरियर रीफ इसी प्रकार से निर्मित हुआ जान पड़ता है । यह सबसे बड़ी ज्ञात प्रवाल भित्ति है जिसका निर्माण हज़ारों वर्ष में अनगिनत प्रवाल उपनिवेशों के चूनाश्म कंकालों से हुआ है ।

छिछले पानी के केन्द्रीय समुद्रताल (लैगून) सहित निम्न वृत्ताकार द्वीप प्रवाल वलय कहलाते हैं । प्रवाल द्वीप वलय संभवतः प्रवाल द्वीप विकास में अंतिम चरण को दर्शाते हैं । जब चारों ओर प्रवाल की रचनावाले द्वीप डब जाते हैं तो [illegible]

विश्व के सर्वाधिक विशाल द्वीप

नाम	क्षेत्रफल वर्ग किलोमीटर में	अवस्थिति
ग्रीनलैंड	2175600	आर्कटिक महासागर
न्यूगिनी	821030	प. प्रशांत महासागर
बार्निया	744370	हिंद महासागर
मालागासी रेप	590000	हिंद महासागर
बैफिन द्वीप	476070	आर्कटिक महासागर
सुमात्रा	473600	हिंद महासागर
होन्सू	227970	उ.प. प्रशांत महासागर
ग्रेट ब्रिटेन	218040	उ. अटलांटिक महासागर
इलिसमेयर द्वीप	212600	आर्कटिक महासागर
विक्टोरिया द्वीप	212200	आर्कटिक महासागर
सेलेबेस	189040	हिंद महासागर
साउथ आइलैंड (न्यूजीलैंड)	150460	दक्षिणी–पश्चिमा प्रशांत महासागर
जावा	126290	हिंद महासागर
लूज़ोन	120790	प. प्रशांत महासागर
नार्थ आइलैंड	114690	द.प. प्रशांत महासागर
न्यू फाउन्डलैंड	110680	उ. अटलांटिक महासागर
क्यूबा	114524	कैरीबियन सागर
आइसलैंड	102846	उ. अटलांटिक महासागर
मिंडानाओ	101500	प. प्रशांत महासागर
आयरलैंड (उत्तरी आयरलैंड एवं रिप–आफ आयरलैंड)	82460	उत्तरी अटलांटिक महासागर
होकेडो	77720	उ.प. प्रशांत महासागर
हिस्पानिओला डाम–रिप एवं हैती	76480	कैरीबियन सागर
सखालिन	74070	उ.प. प्रशांत महासागर
टस्मानिया	67900	द.प. प्रशांत महासागर
श्रीलंका	65610	हिंद महासागर

पानी के ऊपर बचा रहता है जबकि द्वीप पानी के नीचे अंतर्धान हो जाता है । कालांतर में प्रवालीय चूना–पत्थर की भित्ति का जब अपक्षय हो जाता है, उस पर मिट्टी निकल आती है । तब चिड़ियों या हवा द्वारा वहां लाए गए बीज अंकुरित होकर वनस्पति का उत्पादन करते हैं । ऐसी स्थिति में प्रवाल भित्ति निवास के योग्य क्षेत्र बन जाता है, यही वास्तव में प्रवाल द्वीप है ।

प्रवाल द्वीप वलय के दो भाग होते हैं – केन्द्रीय समुद्र भाग (जलीय क्षेत्र) और इर्द–गिर्द की भित्ति भूमि । कभी कभी जलीय भाग भू धरातल से कहीं अधिक विशाल होता है । केन्द्रीय प्रशांत महासागर के मार्शल द्वीप समूह में [illegible] है जहां जलीय क्षेत्र 2850 वर्ग किलोमीटर [illegible] है जिसकी कुल लंबाई 280 किलोमीटर [illegible] प्रशांत महासागर में [illegible] प्रवाल द्वीप [illegible] वर्ग किलोमीटर है [illegible]

जल मंडल

अनुमान है कि जलमंडल में लगभग 1,460,000,000 घन कि.मी. पानी है। इसमें से 97.3 प्रतिशत महासागरों और अंतर्देशीय सागरों में है। शेष 2.7 प्रतिशत हिम नदों, और बर्फ टोपों, मीठे जल की झीलों, नदियों और भूमिगत जल के रूप में पाया जाता है। महासागरीय जल और मीठे जल का कुल स्टाक, भूवैज्ञानिक इतिहास में हमेशा ही बिल्कुल स्थिर रहा है। लेकिन महासागरीय और मीठे जल का अनुपात, जलवायु की दशाओं के अनुसार हमेशा बदलता रहा है। जब जलवायु अत्यधिक शीत होती है तो बहुत–सा समुद्री जल हिमनदों और बर्फ टोपों द्वारा अवशोषित हो जाता है और समुद्री जल की कमी के कारण मीठे जल का परिमाण बढ़ जाता है। जब जलवायु गर्म हो जाती है तो हिमनद और बर्फ टोप के पिघलने से मीठे जल की कमी के कारण समुद्री जल का परिमाण बढ़ जाता है। पिछले 60 से 80 वर्षों के दौरान किए गये समुद्र स्तर प्रेक्षण दर्शाते हैं कि समुद्र जल धीरे–धीरे बढ़ रहा है। इसका अर्थ यह है कि जलवायु गर्म होती जा रही है।

महासागर पृथ्वी के कुल धरातल क्षेत्रफल के 70.8 प्रतिशत भाग को आच्छादित किए हैं और इनमें 144.5 करोड़ घन कि.मी. पानी है।

सौरताप महासागर के जल को गतिशील रखता है। भूमध्य रेखीय क्षेत्र में सूर्य पानी को गर्म कर देता है जिससे यह फैल कुछेक इंच ऊपर उठ जाता है।

भूमध्य रेखा में यह अतिरिक्त उठान पानी को नीचे उत्तरी और दक्षिणी ध्रुवों की ओर बहने के लिए प्रेरित करती है। चूंकि भूमध्य रेखा का गर्म पानी उत्तर और दक्षिण की ओर बहता है, और ध्रुवीय क्षेत्रों में भारी ठंडा पानी (भारी, क्योंकि पानी में अत्यधिक संघनन होता है) गर्म जल के नीचे चला जाता है और तल के साथ–साथ धीरे–धीरे भूमध्य रेखीय क्षेत्रों तक फैल जाता है।

इस अंतः प्रवाह में पृथ्वी की घूमने की शक्ति के कारण उलझाव पैदा हो जाता है। चूंकि पृथ्वी पूर्व की ओर चक्कर लगाती है, इसलिए समुद्र का पानी पश्चिम की ओर आने के लिए प्रेरित होता है और वह उत्तरी गोलार्ध में थोड़ा दाहिनी ओर और दक्षिणी गोलार्ध में थोड़ा–सा बाईं ओर मुड़ जाता है। यह फ्रांसीसी गणितज्ञ के नाम पर कोरि ऑलिस प्रभाव के रूप में जाना जाता है जिसने एक सौ वर्ष पहले इसकी खोज की थी।

महाद्वीपों के विपरीत, महासागर एक–दूसरे में इस स्वाभाविक रूप से विलीन हो जाते हैं कि उनके बीच की सीमा का निर्धारण करना कठिन हो जाता है। फिर भी भूगोल वेत्ताओं ने महासागरीय क्षेत्र को चार महासागरों, – प्रशान्त महासागर, अटलांटिक महासागर, हिंद महासागर और आर्कटिक महासागर – में विभाजित, किया है। परिभाषा के अनुसार इन महासागरों

महासागर

नाम	क्षेत्रफल (वर्ग किलोमीटर)
प्रशांत	165242000
अटलांटिक	82362000
हिंद	73556000
आर्कटिक	13986000

सागर

[illegible]	क्षेत्रफल (वर्ग किलोमीटर)
[illegible] चीन सागर	8142960
[illegible] सागर	2753170
[illegible] सागर	2503880
[illegible] सागर	2268190
[illegible] की खाड़ी	1542990
ओखो ट्स्क सागर	1527506
पूर्वी चाइना सागर	1249150
हडसन की खाड़ी	1232320
जापान सागर	1007510
अंडमान सागर	797720
उत्तरी सागर	575300
काला सागर	461990
रेड सागर	437710
बाल्टिक सागर	422170
फारस की खाड़ी	238800
सेंट लारेंस की खाड़ी	237760

प्रसिद्ध जल प्रपात

नाम	देश	ऊंचाई (मीटर)
ऊंचाई के अनुसार		
एंजल	वेनेजुला	807
कुकेनाम	वेनेजुला	610
रिबन	सं.रा.अमेरिका	491
किंग जार्ज षष्ठम	गुयाना	488
अपर योसेमाइट	सं.रा.अमेरिका	436
गवार्नी	फ्रांस	422
टुगेला	दक्षिणी अफ्रीका	411
वोलोमांबी	आस्ट्रेलिया	335
टकाकाव	कनाडा	305

जल के घनत्व के अनुसार

नाम	देश	औसत वार्षिक प्रवाह (घन मीटर प्रति सेकेंड)
गोरिया	ब्राजील	13300
खोन	भारत–चीन	116[illegible]
नियाग्रा	कनाडा	60[illegible]
पालो अफोन्सो	ब्राजील	28[illegible]
अरुबूपुंगा	ब्राजील	275
इगुओजू	अर्जेन्टाइना	175
पैटोस मारीबोडा	ब्राजील	150[illegible]
विक्टोरिया	जिम्बाब्वे	1090
ग्रैन्ड	लैब्रेडर	1000
कैचेर	गुयाना	660

...सागर, उपसागर, खाड़ियां तथा अन्य उनसे संलग्न ...सागरीय प्रवेशद्वार शामिल है ।

...महासागरों में सबसे बड़ा और सबसे पुराना प्रशान्त ... है ।पृथ्वी के क्षेत्रफल के 35.25 प्रतिशत भाग पर ... फैला है ।इसकी सर्वाधिक चौड़ाई 16880 किलोमीटर ... सर्वाधिक गहराई 11516 मीटर (मिंडानाओ डीप) है । ...में द्वीपों का सर्वाधिक संगुटीकरण है जो मोटे तौर पर तीन ...मूहों में है – माइक्रोनेशिया, मेलानेशिया और पालीनेशिया ।

अटलांटिक महासागर – दूसरा सबसे बड़ा महासागर – ...वी के क्षेत्रफल के 20.9 प्रतिशत भाग को घेरे है ।इसकी ...र्वाधिक गहराई 8381 फीट (मिलवाकी डीप) है।

...हिंद महासागर – तीसरा सबसे बड़ा महासागर – भारत में कन्या कुमारी से दक्षिणी ध्रुव एंटार्टिका तक फैला है ।यह पृथ्वी के कुल धरातल क्षेत्र के 14.65 प्रतिशत भाग में है। इसकी सर्वाधिक गहराई 7725 मीटर (प्लैनेट डीप) है ।

आर्कटिक सही रूप से महासागर नहीं है ।इसमें जलपोत नहीं चल सकते है ।यह उत्तरी ध्रुव के चारों ओर फैला है और शीतकाल में पूर्णतया वर्फ से जमा हुआ है और वर्ष के शेष भाग में अपने ही हिम से ढका रहता है ।फिर भी, इसका पृथक अस्तित्व है और 1 करोड़ 30 लाख वर्ग किलोमीटर से अधिक का इसका क्षेत्रफल इसे महासागर कहने के लिए वाध्य करता है ।

यद्यपि महासागरों की संख्या चार ही है, तथापि सागरों की संख्या सात है । विख्यात सात समुद्रों की रचना पहले तीन महासागरों को भूमध्य रेखा के साथ–साथ उत्तर और दक्षिण में

लम्बी नदियां

	देश महाद्वीप	लम्बाई (किलोमीटर में)
	अफ्रीका	6650
	दक्षिणी अमेरिका	6437
मिसोरी	सं.रा.अमेरिका	6020
कियांग	चीन	5494
	पूर्व सोवियत रूस	5410
	अफ्रीका	4700
	सोवियत रूस	4400
	चीन	4344
	कनाडा	4241
	एशिया	4180
	अफ्रीका	4180
लारेंस	कनाडा–सं.रा.अमेरिका	4023
...रान	दक्षिण अमेरिका	4000
	पूर्व सोवियत रूस	3804
मुरे–डालिंग	आस्ट्रेलिया	3780
	पूर्व सोवियत रूस	3690
...जी	अफ्रिका	3540
मडीरया	दक्षिण अमेरिका	3218
पुरुस	दक्षिणी–अमेरिका	3200
यूकोन	अलासका–कनाडा	3185
रियो ग्रांड	सं.रा.अमेरिका–मैक्सिको	3040
सिंध	एशिया	2880
डेन्यूब	यूरोप	2850
अमूर	एशिया	2824
सालवीन	एशिया	2815
शट–अल–अरब	टिग्रिस–यूफ्रेटस	2740
ब्रह्मपुत्र	एशिया	2700
सी	चीन	2650
ओरिनोको	दक्षिणी अमेरिका	2575
नेलसन	कनाड़ा	2570
उरे	रूस, कजाखस्थान	2533
गंगा	भारत	2510
अमु दरिया	तुर्कमेनिस्तान, उजबेकिस्तान	2494
पराग्वे	द. अमरिका	2494
कोलोराड़ो	अमरिका, मेक्सिको	2333
डेनीपर	उक्रेन	2280
रिओनीग्रो	दक्षिणी अमेरिका	2255
आरेन्ज	अफ्रीका	2188
सियर दरिया	कजाखस्थान	2140
कामा	रूस	2030
कोलीमा	पूर्व सोवियत रूस	2148
इरावती	म्यानमार	2010
डोन	रूस	1966
कोलम्बिया	अमेरिका–कनाडा	1950
सस्करचेवान	कनाडा	1940
पीस	कनाडा	1923
डालिंग	आस्ट्रेलिया	1866
अंगारा	रूस	1862
सनगारी	एशिया	1850
स्नेक	सं.रा.अमेरिका	1670
टोकनटिन्स	दक्षिणी अमेरिका	1610
राइन	युरोप	1320
लायर	फ्रांस	1020
रोन	युरोप	800
टेम्स	यूके.	340

विभाजित करने के और उनमें आर्कटिक को जोड़ने से हुई है। इस प्रकार उत्तरी प्रशांत, दक्षिणी प्रशांत, उत्तरी अटलांटिक, दक्षिणी अटलांटिक, उत्तरी हिंद, दक्षिणी हिंद और आर्कटिक सागर हैं।

नदियां, झीलें और जलप्रपात

विश्व की सबसे लंबी दो नदियां हैं – दक्षिणी अटलांटिक सागर तक बहनेवाली अमेज़न (अमेज़ोनाज़) और भूमध्य सागर तक बहनेवाली नील (बहरे–एल–नील) । इनमें से कौन सबसे अधिक लंबी है, यह साधारण माप का मामला न होकर परिभाषा का मामला है ।

वर्ष 1969 में मापी गई अमेजन नदी की लंबाई 6447 किलोमीटर है । बाद की गणना में इसे 6750 किलोमीटर पाया गया । बेल्जियम के एम. डेवराय की माप के अनुसार नील नदी की लंबाई 6670 कि.मी. है । यदि हम अमेजन के निम्न आंकड़े 6447 कि.मी. को मानें तो नील नदी 223 किलोमीटर अधिक लंबी है यदि अधिक आंकड़े 6750 कि.मी. पर विचार किया जाए तो अमेजन 80 किलोमीटर अधिक लंबी है ।

फिर भी नदियों का गुण विवेचन करने में प्राथमिक मापदंड यह है कि वे कितना पानी ले जाती हैं और नौ संचालन तथा कृषि के लिए वे कितने क्षेत्र को सुविधा प्रदान करती हैं । इन आधारों पर नील नदी अमेजन से काफी बड़े अंतर से पीछे रह जाती है। अमेजन में सर्वाधिक लंबा 3700 कि.मी. नौगम्य जल क्षेत्र है। विश्व में सभी नदियों की अपेक्षा इसका जल प्रवाह अत्यधिक है, यथा – औसतन 119000 घन मीटर पानी प्रति सेकेंड (क्यूसेक) जो बाढ़ में 2000000 घन मीटर तक बढ़ जाता है । इसका मुहाना विश्व में सबसे बड़ा 70 लाख वर्ग किलोमीटर है । इसकी लगभग 15,000 सहायक नदियां हैं, सबसे लम्बी सहायक नदी मेडीरा की लम्बाई 3200 किलोमीटर है ।

मंडल

वायु मंडल पृथ्वी की रक्षा करने वाला रोधी आवरण है। यह के गहन प्रकाश और ताप को नरम करता है । इसकी ओज़ोनिक (O_3) पर्त सूर्य से आने वाली अत्यधिक हानिकर परावैंगनी किरणों को अधिकांशतया सोख लेती हैं और इस प्रकार जीवों की विनाश से रक्षा करती हैं । वायुमंडल गुरुत्व द्वारा पृथ्वी से बंधा हुआ है । चन्द्रमा जैसा उपग्रह जिसकी गुरुत्व शक्ति बहुत कम होती है, वायु मंडल को नहीं धारण कर सकता है ।

वायु दबाव का सीधा और सरल अर्थ है किसी दिए बि पर संपूर्ण वायु कालम का भार पड़ना । निश्चय ही, हवा भार बहुत कम होता है । एक घन लिटर का एकसाथ ह का भार लगभग 1.3 ग्राम का होता है । समुद्र तल पर ह का दबाव वर्ग से.मी. 1033.6 होता है ।

वायु मंडल में विभिन्न गैसें और जलवाष्प होते हैं और अप सर्वाधिक ऊपरी भाग में यह परमाणविक कणों से आवेशि होते हैं । पृथ्वी से 50 किलोमीटर की दूरी तक वायुमंड में 78 प्रतिशत नाइट्रोजन, 21 प्रतिशत आक्सीजन (02 और निम्न प्रतिशत में आर्गान, कार्बन डाइ–आक्साइ निआन, हीलियम और मेथेन इसी क्रम से विद्यमान हैं । ती मील से ऊपर, वायुमंडल परमाण्वीय आक्सीजन (01 ओजोन (03) हीलियम और हाइड्रोजन से बना हुआ है ।

अपोलो–16 मिशन द्वारा चन्द्रमा के धरातल पर छोड़े ग एक कैमरे के जरिए हाल ही में ऊपरी वायुमंडल में परमा हाइड्रोजन की उपस्थिति की पुष्टि हुई है । कैमरे ने पृथ्वी बाहर की ओर फैले हुए लगभग 64000 कि.मी. त परमाणु हाइड्रोजन के बादल का रहस्योद्घाटन किया है ।

निम्न वायुमंडल में लगभग 12 किलोमीटर तक 0.0 लेकर 1 प्रतिशत तक की सांद्रता में जलवाष्प है । यद्य वायुमंडल में जलवाष्प का परिमाण बहुत कम है, फिर इसका अत्यधिक महत्व है क्योंकि वायुमंडल में पानी के बि पृथ्वी पर कोई मौसम नहीं होता । जल मंडल से वाष्पोत्सर्ज के जरिए (और पौधों के वाष्पीकरण द्वारा भी) पानी वायुमंड में प्रवेश करता है और हिम एवं वर्षा के रूप में वायु मंड से विदा लेता है । यह कभी न समाप्त होने वाला एक च है ।

जिस जलवाष्प का पृथ्वी से वाष्पीकरण होता है, उसी बादल बनता है । वे अत्यधिक सूक्ष्मदर्शीय आकार की नन्हीं सी बूंदें होती है जो अत्याधिक हल्की होने के कारण वर्षा रूप में नीचे गिरने में अक्षम होती हैं । इसलिए वे वायु तरं पर तैरती रहती हैं जब तक कि वे द्रवित होकर वर्षा के रू में नहीं गिरती

पृथ्वी से विद्युत् की महोर्मि ही तड़ित को इतनी भयान घटना बना देती है । फिर भी इस संबंध में पहल बादल करते हैं जो अपेक्षाकृत कमजोर वज्रपात को नीचे भेजते वह अग्रगामी वज्रपात कहलाता है । इसकी अनुक्रिया में पृथ् अत्यधिक सपुंजित, वज्रपात बादल तक भेजती है । इस स क्रिया–कलाप में एक सेकेंड से कम समय लगता है, इसलि हम अग्रगामी वज्रपात और प्रति वज्रपात को तड़ित् की ए ही दमक के रूप में देखते है ।

सूखी हवा विद्युत् का सशक्त प्रतिरोध करती है । जब ह जलवाष्प से भरी होती है तो यह एक सरल चालक बन जा

पारिस्थितिक तंत्र या पर्यावरण की अपनी लय और गति होती है जो नाजुक रूप से संतुलित आवर्तनों के संपूर्ण सेट पर आधारित है । सभी जीव–रोगाणु, पेड़–पौधे, पशु–वर्ग और मनुष्य – ये सभी पर्यावरण के साथ स्वयं अपना समायोजन करने और उसकी लय के साथ अपने जीवन को सुव्यवस्थित करने के कारण आज तक जीवित रहे हैं । इसलिए यह नितांत आवश्यक है कि इन आर्वतनों को अक्षुण्ण बनाए रखा जाए ।

सौर ऊर्जा जीव मंडल को बनाए रखती है और जीव मंडल को मिलने वाली कुल ऊर्जा का 99.88 प्रतिशत भाग इसी से प्राप्त होता है ।सूर्य सतत् रूप से सौर–ताप के रूप में अपनी ऊर्जा को उड़ेलता रहता है ।प्रकाश में क्वान्टम कहलाने वाला ऊर्जा पुंज होता है । क्वान्टम ऊर्जा का अंश उसकी आवृत्ति का समानुपाती होता है ।तरंग की लम्बाई जितनी छोटी होती है उतनी ही उसकी आवृत्ति उच्च होती है और उसमें ऊर्जा अंश अधिक होता है । जिस प्रक्रिया के द्वारा सौर ऊर्जा अणुओं में अंतरित हो जाती है उसे प्रकाश–रासायनिक प्रक्रिया कहते हैं । इस प्रक्रिया में सूर्य का प्रकाश अणु में इलेक्ट्रानों को उत्तेजित करता है और उन्हें बाहर की ओर धकेलता है। इस प्रक्रिया से मुक्त इलेक्ट्रान अपने पड़ोसी परमाणु या अणु से निकले इलेक्ट्रानों के साथ जोड़ा बनाते हैं और इस प्रकार निर्मित इलेक्ट्रान–युगलों से नए अणुओं का सृजन होता है ।

जीव मंडल में सर्वाधिक महत्वपूर्ण प्रकाश रासायनिक क्रिया–कलाप, पौधों में होने वाला प्रकाश संश्लेषण है ।प्रकाश संश्लेषण एक जटिल प्रक्रिया है ।इसमें क्लोरोफिल–अणुओं और पौधों में अन्य वर्णकों द्वारा अवशोषित प्रकाश इस प्रकार से इलेक्ट्रानों में स्थानान्तरित होता है जिससे कि मजबूत आक्सीकारकों का निर्माण हो जाए ।जो अणु अन्य अणुओं से इलेक्ट्रानों को तुरंत अलग करते हैं उनका आक्सीकरण कर देते हैं । जो अणु अन्य अणुओं को इलेक्ट्रोन की आपूर्ति करते हैं, उनका अपचयन कर देते हैं ।ये आक्सीकारक और अपचायक ही कार्बन डाई आक्साइड और पानी के अणुओं से कार्बोहाइड्रेट और आक्सीजन उत्पन्न करने में पौधों की करते हैं । पौधे सांस छोड़ने में आक्सीजन बाहर हैं, लेकिन उस कार्बोहाइड्रेट को बनाए रखते हैं जो में बदल जाते हैं और रासायनिक बांड के रूप में संचित जाती है, जिसमें एडीनोसिन ट्राइफासफेट (एटीपी) है जो कि सभी जीवित कोशिकाओं के लिये आधारभूत ऊर्जा का काम करता है ।एटीपी के उच्च ऊर्जा फास्फेट बांडों में 12,000 कैलोरी होती हैं और जब वे तोड़े जाते हैं तो वे 7,500 कैलोरी का मोचन करते हैं।

शाक–सब्जियों और पौधों से भोजन पाने वाले शाकाहारियों तथा अपने भोजन के लिए शाकाहारियों पर निर्भर रहने वाले मांसाहारी प्राणियों द्वारा यह ऊर्जा आहार श्रृंखला तक ले जायी जाती है । मनुष्य जैसे सर्वाहारी अपनी ऊर्जा पौधों और पशुओं, दोनों स्रोतों से प्राप्त करते हैं । पौधों और पशुओं (मनुष्य सहित) द्वारा प्राप्त की गई अधिकांश ऊर्जा जीवन प्रक्रिया को बनाए रखने के लिए उपयोग की जाती है व खर्च की जाती है।

जीवन के क्रम में जो ऊर्जा व्यय नहीं की जाती, वह मृत पदार्थ में संचित हो जाती है । वियोजित जीवाणु मृत पदार्थ को तोड देते हैं और उसे ह्यूमस या जैव अवसादों में परिवर्तित करके जीव मंडल में कार्बन डाइआक्साइड, पानी और ताप का मोचन करते हैं । इस प्रकार जीवन के बुनियादी संघटक मिट्टी में वापस आ जाते हैं । पौधे मिट्टी से अपने पोषक तत्व प्राप्त करते हैं और यह चक्र चलता रहता है ।

ताप आवर्तन

ताप जीवन की प्राथमिक जरूरतों में से एक है । इसकी आपूर्ति सौर विकिरण द्वारा की जाती है । गणना की गई है कि पृथ्वी की कक्षा तक (वायुमंडल के ठीक ऊपर) पहुंचने वाला सौर ताप प्रति मिनट प्रति वर्ग सेन्टीमीटर लगभग दो कैलोरी होता है। लेकिन पृथ्वी वायुमंडल के शीर्ष तक पहुंचने वाले विकिरण का आधे से कम भाग प्राप्त कर पाती है ।

लगभग दो प्रतिशत भाग वायुमंडल में ओजोन–परत द्वारा अवशोषित कर लिया जाता है । वायु मंडलीय जलवाष्प, कार्बन डाइआक्साइड और धूल कण लगभग 18% भाग का अवशोषण कर लेते हैं । मेघ लगभग 23% भाग का आकाश में परावर्तन कर देते हैं । पृथ्वी को केवल शेष 38% भाग ही प्राप्त होता है । लेकिन यह प्रक्रिया यहीं समाप्त नहीं हो जाती । प्राप्त 38% सौर विकिरण में से पृथ्वी दीर्घ तरंग विकिरण द्वारा 7% भाग का पुनः विकिरण कर देती है जिससे पार्थिव ऊर्जा का स्टाक घटकर 31%रह जाता है ।

इसी के साथ, वायुमंडल द्वारा विकीर्णित 22% भाग में से 16% भाग अन्ततोगत्वा विसरित विकिरण के रूप में पृथ्वी तक पहुंचता है जबकि शेष 6% भाग असाध्य रूप से आकाश में नष्ट हो जाता है । इस प्रकार, कुल मिलाकर, वायुमंडल तक पहुंचन वाली सौर ऊर्जा में से लगभग 47% पृथ्वी को प्राप्त होती है। इसी बीच, सूर्य और पृथ्वी के धरातल के बीच मध्यस्थ के रूप में काम करने वाला वायुमंडल संवेद्य ऊष्मा के रूप में 5% ऊर्जा और जल वाष्प में गुप्त ऊष्मा के रूप में लगभग 24% ऊर्जा रोक लेता है । यह आवश्यक है कि ऊष्मा का अवशोषण और पुनःविकिरण संतुलित रहे ।अन्यथा विकिरण से ऊष्मा परिणामों की वृद्धि या कमी के अनुसार पृथ्वी को ऊष्मा में सकल वृद्धि या सकल कमी का अनुभव होगा। अवशोषण और पुनःविकिरण के बीच संतुलन का नियमन मुख्यतया वायुमंडल में जलवाष्प द्वारा होता है । वायुमंडल में बहुत कम परिमाण में, लगभग 0.001 प्रतिशत जल है । वायु मंडलीय जल का यह नगण्य परिमाण, पृथ्वी की जलवायु पर प्रभाव डालता है। ऊष्मा के अवशोषण और विकिरण के बीच संतुलन बनाए रखने के अलावा, यह जल आवर्तन को नियंत्रित रखता है और हमारी जलवायु संबंधी दशाओं का निर्धारण करता है।

कार्बन का आवर्तन

जीव मंडल में कार्बन तथा उसके यौगिकों का जटिल मिश्रण, निर्माण, रूपांतरण तथा वियोजन की हर स्थिति में विद्यमान है। व्यावहारिक रूप से सभी जैव पदार्थ प्रकाश संश्लेषण की प्रक्रिया में उत्पन्न होते हैं । पौधे कार्बन डाइ आक्साइड और जल को कार्बोहाइड्रेट में बदलने के लिए सूर्य की विकिरण ऊर्जा का उपयोग करते हैं और इस प्रक्रिया में वायु से कार्बन

भूवैज्ञानिक समय

युग	काल	युगान्तर	मिलियन वर्ष पहले	विकास एवं घटनाएं
नूतन जीव युग	चतुर्थ काल	अग्निकाल		महा-हिमकाल:
		अभिनूतन काल	2	आधुनिक मानव
		लिलिओ सी		उत्पन्न हुआ
		अल्प नूतन काल		
	तृतीय काल	ओलिगोसी		बहुत सी स्तनी पैदा हुई
		आदि नूतन	66	अल्पाइन पृथ्वी गति के कारण
		पुरा काल		अल्पास, हिमालय और राकी का निर्माण
मध्य जीव युग	खटीमय		135	डायनासोर की मृत्यु, चांक का जमाव
	जुरासिक		205	अधिक मात्रा मे डायनासोर
	ट्रियासिक		250	पहला डायनासोर और स्तनी
पुरा जीव युग	परमियन		290	बड़े-बड़े द्वीप घूमकर विशाल द्वीप समूह पंगाइया का निर्माण
	कार्बन युक्त		355	विशाल कोयले से युक्त जंगल
	डेवोनियन		412	कालडोनियन पृथ्वी गति से प्रणोग और मछली
	सिलुरियन		435	पृथ्वी पर प्रथम पौधा
	आरडोविसियन		510	बिना रीढ़ की हड्डी के जानवर
	काम्ब्रियन		550	ट्रिलोवाइटस-शेल की पहली मछली
प्राचीन युग	प्रिकम्ब्रियन			पहली-जेली मछली एवं कीड़े आदि

डाइआक्साइड खींचते हैं और जल को विभक्त करके हाइड्रोजन पाते हैं । जबकि पौधे प्रकाश संश्लेषण के दौरान कार्बन डाई आक्साइड का अवशोषण करते है, वहीं सभी जीवित प्राणी सांस छोड़कर कार्बन डाइआक्साइड का विमोचन करते हैं और मृत पदार्थ के संबंध में अपघटक बैक्टीरिया भी यही काम करते हैं। लेकिन जब कि और अपघटन सतत रूप से हर समय चलता रहता है, वहीं प्रकाश संश्लेषण केवल दिन के समय होता है । दिन के समय, वायुमंडल में कार्बन डाइआक्साइड औसतन प्रति दस लाख 320 भाग से लेकर लगभग 305 भाग तक नीचे आता है, लेकिन रात में यह बढ़कर भूस्तर के निकट प्रति दस लाख 400 भाग तक आता है । (कार्बन डाइआक्साइयड के रूप में) कार्बन के दैनिक उत्पादन और उपभोग के अलावा, पृथ्वी में कई रूप में कार्बन का वृहत स्टाक है । इस स्टाक में अकार्बनिक निक्षेप (कैलशियम कार्बोनेट आदि जैसे मुख्यतया कार्बोनेट) और कार्बनिक फोज़िल निक्षेप (मुख्यतया कोयला, शैल और तेल) हैं । जब हम अतिरिक्त ईंधन को जलाते है तो हम उस वायुमंडल में अधिक कार्बन डाइआक्साइड की ही वृद्धि करते हैं जो पहले से ही अधिक परिमाण में है ।

आक्सीजन आवर्तन

आक्सीजन केवल जीवन को ही आधार प्रदान नहीं करती बल्कि जीवित तत्वों के अंदर व्यावहारिक रूप से महत्वपूर्ण चौथाई भाग के लगभग परमाणुओं के इमारती खंड के रूप के रूप में आधारभूत भूमिका भी निभाती है । आक्सीजन आवर्तन को प्रभावित करने वाला घटक स्वयं मनुष्य है ... पृथ्वी में सबसे नव्य प्राणी है । वह श्वसन की ... आक्सीजन खींचता है कार्बन डाइआक्साइड बाहर ... है और इस प्रकार आक्सीजन का स्टाक कम कर... डाइआक्साइड की आपूर्ति में वृद्धि करता है । इससे ... बढ़कर वह अतिरिक्त ईंधनों को जलाता है और ... आपूर्ति का और अधिक कम कर देता है ... काटकर और ... का कम कर देता है

कुछेक खगोलज्ञों का विचार है कि वायुमंडल में आक्सीजन की मूल आपूर्ति सूर्य की परा बैंगनी किरणों से हुई थी जिसने ऊपरी वायुमंडल में जल अणुओं को तोड़कर उन्हें हाइड्रोजन और आक्सीजन में विभक्त कर दिया। वायुमंडल में आक्सीजन का चाहे जो मूल स्रोत रहा हो, महत्वपूर्ण बात यह है कि पौधे प्रकाश संश्लेषण के जरिये आक्सीजन की आपूर्ति में वृद्धि कर रहे हैं। वे हमारी आक्सीजन की आपूर्ति में ही वृद्धि नहीं कर रहे हैं बल्कि उस कार्बन डाइआक्साइड की कुल आपूर्ति में भी कमी कर रहे हैं जो खतरे की स्थिति तक बढ़ती जा रही है।

नाइट्रोजन आवर्तन

जिस रूप में नाइट्रोजन वायु मंडल में प्राप्त होता है, उस रूप में उच्च प्राणियों द्वारा उसका उपयोग नहीं किया जा सकता। इसे यौगिकीकृत करना होता है, अर्थात् इसका रासायनिक यौगिक में समावेश करना होता है। दूसरे शब्दों में नाइट्रोजन को अमोनिया या अमीनो ऐसिडों में बदलना होता है जिससे कि उनका उपयोग पौधों और प्राणियों द्वारा किया जा सके।

भूमि पर 'वायुमंडलीय नाइट्रोजन' का स्थिरीकरण डाइजोट्राफ नामक जीवों द्वारा किया जाता है जो नाइट्रोजन स्थिरीकरण को उत्प्रेरित करनेवाले एन्जाइम नाइट्रोजिनेस को संश्लेषण के लिए आनुवंशिक कूट रखते है। ये जीव मोटे रूप से दो वर्गों में रखे जा सकते है – सहजीवी और गैर–सहजीवी। सहजीवी डाइजोट्राफ शिंबी जैसे पौधों की कुछेक प्रजातियों के सहयोग से क्रियाशील होते है। वे भूमि पर नाइट्रोजन स्थिरीकरण के सर्वाधिक भाग (83 प्रतिशत) का योगदान करते हैं। शेष (1·7 प्रतिशत) का योगदान करनेवाले गैर–सहचारी एजेन्ट में नीले हरे शैवाल, आक्सीजन की अपेक्षा रखनेवाले वायुजीवी अवायवीय तथा बैक्टीरिया शामिल हैं। जीवमंडल द्वारा अपेक्षित कुल वार्षिक नाइट्रोजन का अनुमान 105 करोड़ मीट्रिक टन लगाया जाता है। इसमें से डाइजोट्राफ 14 करोड़ मीट्रिक टन पूरा करते हैं। तड़ित् या अग्नि जैसे गैर–जैविक एजेन्ट 4 करोड़ मीट्रिक टन का योगदान करते हैं। शेष 87 करोड़ मीट्रिक टन मृत पौधों और जीवों में संगृहित नाइट्रोजन से आता है। प्रकृति द्वारा नाइट्रेटों के रूप में ये पुनः आवर्तित होते हैं। जीवाणु अपघटित होकर नाइट्रेटों को अमीनो ऐसिडों में परिवर्तित कर देते हैं। वायु जीवी दशाओं में जहां आक्सीजन उपलब्ध होती है, वहां जीवाणु, अमीनो ऐसिडों को कार्बन डाइआक्साइड, पानी और अमोनिया में आक्सीकरण करने के लिए फिर हस्तक्षेप करेंगे। इस प्रकार अमोनिया के रूप में नाइट्रोजन वायु मंडल में फिर लौट आती है। मनुष्य ने औद्योगिक रूप से नाइट्रोजन का स्थिरीकरण करके इस प्राकृतिक आवर्तन में बाधा पहुंचाई है। वह अब कृत्रिम विधियों से नाइट्रोजन को स्वांगीकरण रूपों में परिवर्तित कर रहा है। पिछले कुछेक दशकों में नाइट्रोजन वाले उर्वरकों का उत्पादन अधिकाधिक हुआ है। इसका आशय यह है कि वायुमंडल में नाइट्रोजन का अतिरिक्त निवेश हुआ है। यह अतिरिक्त निवेश प्राकृतिक निर्गम की अपेक्षा पहले से ही अधिक है। हम अभी यह नहीं कह सकते कि यह अतिरिक्त निवेश किस सीमा तक और किस दिशा में जीवमंडल को प्रभावित करेगा।

जल आवर्तन

जल, जीव मंडल के प्रकार्य में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यह जीवन के सभी रूपों, पौधों, प्राणियों और मनुष्य के लिए आवश्यक है। जल आवर्तन की दो सुस्पष्ट शाखाएं हैं – वायुमंडलीय शाखा और पार्थिव शाखा। वायु मंडल में पानी मुख्यतया गैसीय रूप में होता है। पृथ्वी पर यह अधिकांशतया तरल रूपों में और ठोस (हिम) रूपों में है। जीव मंडल के लिए पानी महत्वपूर्ण है, क्योंकि पानी से ही जीव मंडल अपने सर्वाधिक प्रचुर तत्व – हाइड्रोजन को प्राप्त करता है। कार्बोहाइड्रेट के रूप में हाइड्रोजन सभी जीवित चीजों के लिए ऊर्जा के अत्यधिक महत्वपूर्ण स्रोत का निर्माण करता है। यद्यपि महासागरों में जल की आपूर्ति प्रचुर मात्रा में है, फिर भी यह प्रत्यक्ष रूप से हमारे उपयोग में नहीं आता। हम अपनी नदियों और मीठे पानी की झीलों और अवमृदा में समाविष्ट जल के छोटे स्टाक – एक प्रतिशत से कम – पर निर्भर हैं। पानी का यह छोटा स्टाक चलते जल के इससे भी छोटे स्टाक 0.01 प्रतिशत द्वारा फिर से भरा जाता है जो जल वाष्प के रूप में वायुमंडल में प्रवाहित रहता है और जिसका अधिकांश भाग वर्षा के रूप में पृथ्वी पर गिरता है। जीव मंडल का जल आवर्तन वाष्पन व वर्षण के अन्योन्य विनिमय पर निर्भर करता है। पृथ्वी पर तरल जल वाष्पन और वाष्पोत्सर्जन के जरिए वाष्प के रूप में वायु मंडल में चला जाता है। वर्षा या हिम के रूप में यह वाष्प पृथ्वी पर लौट आता है।

पर्यावरण

पर्यावरण सुरक्षा, पृथ्वी के अस्तित्व का प्रश्न बन चुका है। यह अंतर्संबंधित संकट का विज्ञान है। पर्यावरण के संकट के साथ–साथ इस पृथ्वी पर हमारे हर जीवनोपयोगी कार्यकलाप का भविष्य संकट में पड़ गया है। विसंगति तो यह है कि विकास की अंधाधुंध दौड़ में पर्यावरण सुरक्षा महज एक नारा बन कर रह गया है। हम इस मोर्चे पर बुरी तरह पिछड़ गये हैं और आगे भी कोई-क्रांतिकारी परिवर्तन आने की कोई संभावना नहीं है। किसी देश के ऐश्वर्य साधनों की

पूर्ति के लिये किसी देश का पर्यावरण नष्ट हो जाता है। द में वह संकट उस देश के साथ–साथ उपभोगवाद में डूबे शों को भी अपनी जकड़ में ले लेता है। एक डूबते जहाज र सवार सब लोग देर सवेर डूबेंगें ही। फैक्ट्रयों से उठता आ, रसायनिक दूषित जल का नदियों में बहाव विभिन्न मारियों का वाहक है, पेयजल संकट का भी कारण है। पेड़ों ी अंधाधुंध कटाई, सिमटते जंगलों की वजह से बांझ होती भूमि और रेगिस्तान का वढ़ता प्रसार एक दूसरे पर आधारित ै। भूमि कटाव से वाढ़ का खतरा बढ़ रहा है।

निसंदेह यह एक भयावह परिस्थिति है। प्रतिवर्ष अनियमित र्षा की वजह से वाढ़ व सूखे का खतरा पैर फैला रहा है। कृषि को गंभीर खतरा पैदा होता जा रहा है। भूमि की उपजाऊ शक्ति समाप्त होती जा रही है। स्पष्टता हम विकास की ओर एक कदम बढ़ाते हैं वहीं पर्यावरण के क्षेत्र में दस कदम पीछे हट जाते हैं।

बढ़ती आवादी व गरीबी से हमारे पर्यावरण पर एवं संसाधनों पर बोझ वढ़ता जा रहा है। स्वतंत्रता प्राप्त दो दशकों तक पर्यावरण सुधार कार्य पर वहुत कम ध्यान दिया गया। चौथी पंचवर्षीय योजना में पर्यावरण पर ध्यान गया, लेकिन गैरनियोजित कार्यक्रमों का परस्पर तालमेल नहीं बैठ सका। लालफीताशाही व भ्रष्टाचार की वजह से आधी शताब्दी का लम्बा समय बीत जाने के वाद भी हम इस क्षेत्र में उल्लेखनीय कुछ नहीं कर सके। राष्ट्रीय स्तर पर समग्र रूप से विकास कार्यक्रमों एवं पर्यावरण संरक्षण के बीच तालमेल बिठाने की ओर काम करना लगभग असंभव सा वन गया है। विभि। स्र। राज्य सरकारें परस्पर विवादों में उलझ कर राजनीतिक हित साधन हेतु पर्यावरण के मुद्दों को नकारती दिखती हैं।

वन संपदा

र्वप्रथम वन संपदा पर ही एक विहंगम दृष्टि डालें तो पता है कि स्थिति बड़ी विकट है। हमारे देश में 75.23 न हैक्टेयर भूमि को वन क्षेत्र (अधिसूचित) माना गया है। से 40.61 मिलियन हैक्टेयर को आरक्षित श्रेणी में रखा ै। 21.51 मिलियन हैक्टेयर को संरक्षित माना गया है। पोर्ट 1993 के अनुसार कुल वनक्षेत्र 6,40,107 वर्ग मीटर है, यह कुल भूमि का 19.47 प्रतिशत मात्र है। ट उपग्रह द्वारा 1993 में भेजे गये चित्रों के अनुसार र्ड किये गये वनक्षेत्र 7,7008 मिलियन है जिसमें से 4,0107 मिलियन हैक्टेयर वास्तविक हरित हैं। इसमें 5.0275 मिलियन हैक्टेयर छिछला हरित और 38.576 यन हेक्टेयर गहरा वनाच्छादित है। 41.492 मिलयन ेयर आरक्षित वन, 23.308 मिलियन हैक्टेयर संरक्षित , 12.208 मिलियन हैक्टेयर गैरदर्जा और 0.4256 लयन हेक्टेयर ग्रोव वन है।

हमारी वन नीति 1988 के अनुसार कुल भौगोलिक त्र का कम से कम 33 प्रतिशत वनाच्छादित होना चाहिये। लावार देखें तो 413 जिलों में से 105 जिलों में 33 तिशत, 52 जिलों मे 25 प्रतिशत, 217 जिलों में 0.1 19 प्रतिशत तक ही वनाच्छादित्त क्षेत्र है।

विश्व वन जीव कोष की रिपोर्ट के अनुसार अन्य देशों की तुलना में भारत में शीतोष्ण वनों का तेजी से क्षरण हो रहा है। अन्य वनक्षेत्र पर भी आवादी व वढ़ती व्यवसायिकता का दबाव वढ़ रहा है। भारत की 329 मिलियन हैक्टेयर भूमि में 174 मिलियिन हैक्टेयर भूमि का क्षरण हो गया है। इसमें कृषि योग्य भूमि, गैर कृषि क्षेत्र एवं वन शामिल हैं।

भूमि क्षरण के कारण

सारे सर्वेक्षणों एवं खोजबीन से यह तो स्पष्ट हो गया है कि पेड़ लगाना मात्र घट रहे जंगलों का विकल्प नहीं है। इससे मात्र 25 प्रतिशत ही लक्ष्य प्राप्त किया जा सकता है। हमारे देश में औसतन प्रति व्यक्ति प्रति वर्ष लगभग 7 पेड़ो का इस्तेमाल हो जाता है। वर्तमान जनसंख्या को 7 से गुणा करें तो पता चलता है कि प्रति वर्ष लगभग 600 करोड़ पेड़ कट जाते हैं। प्रति बांध पर 25 लाख पेड़ डूब जाते हैं। विकास परियोजनाओं में प्रतिवर्ष 3 मिलियन हैक्टेयर वन नष्ट हो जाता है। दरअसल इस काम में सबसे अधिक नियमों का उल्लंघन होता है। वन नियमों के अनुसार एक पेड़ के बदले दस पेड़ लगाये जाने चाहियें। लेकिन गत दो दशकों में मात्र एक प्रतिशत ही पेड़ लगाये गये हैं। अवैध कटाई से होने वाले नुकसान से अधिक नुकसान अनुपयोगी व अदूरदर्शी विकास योजनाओं में होता है। जलावन लकड़ी का दोहन 235 मिलियन क्यूबिक मीटर तक बढ़ गया है पिछले पांच वर्षों में 43 से भी अधिक अभारण्यों को रौंदा गया है। कांजीरंगा के पास पेट्रोरसायन रिफाइनरी सबसे बड़ा उदाहरण है। विभिन्न परियोजनाओं के नाम पर या सड़के चौड़ी करने के लिये अभयारण्यों की अनदेखी कर दी जाती है।

पशुधन का दबाव

पशुधन के चारे के नाम पर काटे जा रहे जंगलों का विश्लेषण करने से पता चला कि जहां पहले पशुधन विशेषकर गाय, भैंस या बकरी के चारे के लिये लोग मोटे अनाज, खली, खरपतवार, घास आदि पर निर्भर थे वहीं आज वे लोग जंगल पर निर्भरता वढ़ा रहे हैं। जंगल विभाग को राज्य सरकार के वजट का बहुत कम हिस्सा मिलता है। इसलिये कुछ ही एकड़ भूमि पर पेड़ लगाये जाते हैं और उन्ही को गाय, भैंस, वकरी आदि चट कर जाते हैं।

हमारा देश जीव–जन्तुओं की विभिन्न किस्मों से सम्पन्न है, लेकिन वनों के अत्यधिक दोहन से आज उनका अस्तित्व खतरे में पड़ता जा रहा है। इसके अतिरिक्त पर्वतीय क्षेत्र में वनों के कटाव से उपजाऊ मिट्टी वाली भूमि की ऊपरी पर्त कट रही है एवं अनियंत्रित वर्षा एवं वाढ़ का खतरा वढ़ रहा है। भूमि कटाव एवं क्षरण से कृषि उत्पादन पर भी गहरा असर हो रहा है। राष्ट्रीय वन नीति में वनों के वहुआयामी प्राकृतिक स्वरूप, वनवासी एवं स्थानीय लोगों के अधिकारों की भूमिका वन एवं उसके आस–पास की भूमि तथा अन्य आरक्षित एवं संकट ग्रस्त क्षेत्रों को पुनर्जीवित करने तथा विकास कार्यक्रमों को लागू करने के लिय राष्ट्रीय वनारोपण एवं इको विकास वोर्ड लगा हुआ है। वनजीवों के मामले में वनजीव संरक्षण एवं आरक्षण तथा उनके निवास स्थान को संयमित करने के लिये प्रमुख योजनायें बनायी गयी हैं। इस क्षेत्र में यह कोशिश की जा रही है कि वन जीवों का उनके निवास स्थान के समीप ही संरक्षित किया जाय। 752 राष्ट्रीय उद्यान, 421 वनजीव अभ्यारण्य, 21 [illegible]

तथा 8 बायोस्फेयर रिजर्व्स की पहलता से इन जीवों को बचाया जा रहा है, लेकिन समस्या तो यह है कि अधिकांश अभ्यारण्य खतरे में हैं। विकास के नाम पर चल रही परियोजनाओं से जिन अभयारण्यों को खतरा हो गया है उसका स्पष्ट उदाहरण कांजीरंगा, भरतपुर का पक्षी विहार आदि 43 अभ्यारण्य हैं। सरकार के स्पष्ट निर्देशों के बावजूद बड़े-बड़े कारखाने प्रदूषण नियंत्रण पर बहुत कम ध्यान देते हैं। छोटे कारखाने या अवैध रूप से गली-गली में चल रहे कारखाने आज पर्यावरण के लिये गम्भीर खतरा वन गये हैं। बढ़ते वाहन भी आज शहरों के पर्यावरण के लिये गम्भीर खतरा बन गये हैं। राजधानी दिल्ली में इस कारण वढ़ रहे श्वास रोग एक चेतावनी हैं। नदियां इस कदर प्रदूषित हो गयी हैं कि मछलियां तक मर रही हैं। ठोस औद्योगिक कूड़ा, जैसे फ्लाई ऐश, फोस्फोडियम, ब्लास्ट फर्नेस स्टेज तथा विभिन्न तरल रसायनिक कूड़े को किस तरह और कहां फेंका जाये या संभाला जाये एक समस्या बन गयी है। पेट्रो केमिकल, टाक्सिक, ज्वलनशील एवं विस्फोटक रसायन उद्योगों को नियंत्रित रखना एक गंभीर समस्या है।

केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने 17 राज्यों में 241 श्रेणी के नगरों का सर्वेक्षण किया जिसके अनुसार 90 प्रतिशत जल प्रदूषित था। और इस जल प्रदूषण को रोकने के लगभग सारे प्रयत्न विफल हो चुके हैं और यह समस्या भयावह होती जा रही है। हजारों वर्षों से भारत में तालाबों पर आधारित कृषि एवं पेय जल व्यवस्था प्रचलित रही। सूखे के समय यही तालाब ग्रामीणों की प्राणरक्षा करते थे। आज विकास की दौड़ में हम हैंड पम्प और मोटर पम्प द्वारा भूमिगत जल पर निर्भर हो चुके हैं। आज गांवों में तालाब समाप्त हो चुके है और भूमिगत जल का अंधाधुंध दोहन के कारण भूमिगत जल स्तर कम होता जा रहा है।

कुल मिलाकर स्थिति इतनी गंभीर हो चुकी है कि अगर अभी भी नहीं सचेते और युद्ध स्तर पर पर्यावरण पर ध्यान नहीं दिया गया तो शायद सोचने के लिये भी समय नहीं बचेगा।

पारिस्थितिकी

मानव की प्रकृति से छेड़-छाड़, रासायनिक बहिःस्राव, परमाणविक कचरा, तेजाबी वर्षा और वायुमंडल में लगातार वढ़ रही कार्बन डाइआक्साइड की मात्रा के कारण मानव के लिए पारिस्थितिक संकट उत्पन्न हो गया है। परिभाषा के अनुसार पारिस्थितिकी वह अध्ययन है जो विभिन्न जीवों के संबंध में उनके अपने-अपने पर्यावरण के विषय में किया जाता है । इसके अन्तर्गत सम्पूर्ण जैव जगत यानी कवक सहित सारे पौधे, सूक्ष्म जीव सहित जानवर और मनुष्य तक आ जाते हैं। फिर स्वयं पर्यावरण भी है जिसमें जैवमंडल में विद्यमान चेतन जीव ही नहीं, बल्कि प्रकृति में क्रियाशील अचेतन शक्तियां भी हैं। यद्यपि पारिस्थितिकी में जीवों के सभी वर्ग आ जाते हैं, फिर भी इसमें केन्द्रीय भूमिका निभानेवाला मानव है क्योंकि जीव-वर्गों में एकमात्र उसी ने प्रकृति से टक्कर ली है । स्थापित प्राकृतिक पद्धतियों के विरुद्ध उसकी लड़ाई का एक लम्बा इतिहास है । परन्तु बीसवीं शताब्दी के उत्तरार्ध में ही इस संघर्ष ने एक संकट का रूप धारण कर लिया है । इसी को 'परिस्थितिजन्य संकट' कहा गया है ।

जब से मनुष्य ने प्रकृति में उपलब्ध भोजन पर निर्भर रहना छोड़ दिया और अपना भोजन स्वयं उगाने लगा, तभी से उसने प्राकृतिक पद्धतियों में दखल देना शुरू कर दिया। ऐसा तब हुआ जब मनुष्य ने सुमेरिया, मिस्र और सिन्धु घाटी की प्रथम महान नदी घाटी सभ्यताओं को जन्म दिया। तब से वह प्राकृतिक पद्धतियों के विरुद्ध किसी न किसी संघर्ष में जुटा हुआ है ।

औद्योगिक क्रान्ति के बाद पारिस्थितिक पद्धतियों में उसकी दखलअन्दाजी तेजी से वढ़ गई । उस समय तक मनुष्य ने पृथ्वी के दूर-दराज कोनों तक अपने उपनिवेश स्थापित कर लिए थे। जहां कहीं भी वह गया, उसने प्रकृति से संघर्ष किया और विजयी हुआ । इस प्रथम चरण को उसने 'प्रकृति पर विजय' कहा। अब वह हतप्रभ है कि कौन किस पर विजय प्राप्त कर रहा है।

पारिस्थितिक पद्धति में सभी जीव-वर्ग, पौधे और जानवर एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं । किसी भी वर्ग के मामले में दखल देने से दूसरे वर्गों पर दीर्घ स्थायी प्रतिक्रिया होगी। पर्यावरण की जटिलताओं को भलीप्रकार समझे बिना हम उसके कार्य में व्यापक रूप से दखल दे रहे हैं । दखलअन्दाजी के काफी समय बाद हमें क्षति की व्यापकता का पता चला है और तब तक स्थिति असामान्य हो चुकी है। 'ड़ोडो' इसका उदाहरण है ।

यह स्पष्ट है कि जैव मंडल एक समेकित मंडल है और इसके विभिन्न भाग एक-दूसरे से संबंधित है । प्रो. बेरी कामोनर के अनुसार ये आपसी संबंध, विशेषकर खाद्य श्रृंखला, पर्यावरण में हमारी जीवन यात्रा के प्रयासों को गति प्रदान करते हैं तथा उन्हें विस्तार देते हैं । कामोनर इसको स्पष्ट करने के लिए निम्नलिखित उदाहरण देते हैं । "यदि हम प्रतिग्राम मृदा में कीटनाशी की एक इकाई डालें तो उसमें रहनेवाले भूकीट प्रतिग्राम 10 से 40 इकाई प्राप्त करेंगे और इन कीटों को खाकर जीवित रहनेवाले कठफोड़े पक्षियों में कीटनाशी का स्तर बढकर प्रतिग्राम 200 इकाई तक हो जाएगा"।

कृषि कार्य, प्राकृतिक पद्धतियों के विरुद्ध मानव की प्रथम महान चुनौती थी । उसने अपने लिए खाद्य उगाने के लिये जंगल साफ कर डाले तथा विशाल सिंचाई प्रणालियां बनाई ताकि उसकी फसलों के लिए अबाध रूप से पानी की आपूर्ति मिलती रहे और इस प्रकार मानव फला-फूला । जैसा कि प्लेटो कहते हैं – प्राचीन काल के लोग जानते थे कि आवश्यकता से अधिक फसल उगाने और चराई करने से मृदा का क्षरण होगा जिसके फलस्वरूप उपजाऊ भूमि रेगिस्तान में परिणत हो जाएगी ।

परन्तु इतना जानने पर भी वे सावधान नहीं हुए । इसका परिणाम हम उस मलये के रूप में देख सकते हैं जो हमारी महान सभ्यताएं अपने पीछे छोड़ गई हैं ।प्राचीन सुमेरिया – आधुनिक ईराक – महान बेबीलोनियाई साम्राज्य का खलिहान था । सुमेरियावासी दो फसलें बोते थे। इन दो फसलों के बीच भेड़ों को चराते थे । .आजकल ईराक की भूमि के 20 प्रतिशत से भी कम भाग में खेती की जाती है। इसके परिदृश्य में टीले नजर आते है जो विस्मृत शहरों के प्रतीक हैं।प्राचीन सिंचाई निर्माणस्थल ऐसे गाद से भरे पड़े हैं जो भूक्षरण के अन्तिम परिणाम है । उर्स का प्राचीन बन्दरगाह आजकल समुद्र से 250 कि.मी. की दूरी पर है और इसकी इमारतें गाद में 10 मीटर गहरी दबी हुई हैं ।

भूक्षरण के अतिरिक्त एक और कारण है जो अच्छी जमीन को बंजर क्षेत्र में परिवर्तित कर सकता है । यह है खारापन। खारापन वहां पैदा होता है जहां भूमिगत जल का स्तर उसके अत्यधिक इस्तेमाल के कारण नीचा हो जाता है. । दुनियाभर में जमीन के ऐसे विशाल क्षेत्र हैं जो खारेपन से प्रभावित हैं। ये क्षेत्र मैक्सिको, अमरीका के बहुत से भाग, भारत, चीन और दक्षिण पूर्वी एशिया में विद्यमान हैं । इस कटु अनुभव के बावजूद दुनियाभर में भूमिगत जल का अंधाधुंध इस्तेमाल जारी है ।

शताब्दियों तक हम उपजाऊ जमीनों को विशाल मरुभूमियों में परिवर्तित करते रहे परन्तु अब तक हमें यह पता नहीं है कि रेगिस्तानों को हरा–भरा कैसे बनाया जाए । इज़रायल के दावों के बावजूद यह अब भी दूर की कौड़ी है । हमारे सभी प्राकृतिक संसाधन इसी प्रकार नष्ट हो रहे हैं ।

औद्योगिक क्रान्ति के बाद से हमारे प्राकृतिक संसाधन जैसे कोयला और तेल का दोहन खतरे की सीमा तक पहुंच गया है। दोनों ही समाप्ति के कगार पर हैं। आजकल चूंकि तेल उत्पादक देश दुनिया के बाकी देशों को अपने चंगुल में फंसाए हुए है सलिए शक्ति के वैकल्पिक ऐसे स्रोतों के बारे में सोचना है जो ोयला और तेल की तरह समाप्त नहीं होगा।

जिसे हम नष्ट करते हैं उसकी पूर्ति नहीं कर पाते और न प्रकृति उसे पहले की गति से पूरा कर पाती है । हमारे वर्तमान निज तथा जीवाश्म ईंधन के भंडार को जमा करने में प्रकृति े लाखों वर्ष लगे हैं परन्तु इन्हें समाप्त करने में हमें केवल चंद ताब्दियां ही लगेंगी । लुटेरे और परभक्षी के रूप में हम अन्य भी प्राणियों से आगे हैं इसलिये हम अपने को निर्माता और न्तक मानते हैं । अंधाधुंध नष्ट करने की क्षमता की तुलना हमारी विचारशक्ति और सर्जक क्षमताएं कहीं कम हैं ।

कोई भी पक्षी अपने घोंसले को नष्ट नहीं करेगा । परन्तु पेक्षाकृत अधिक बुद्धिमान मानव (होमो–सेपियन) इस हानिकारक र्य में काफी चतुर है । अनुमान लगाया गया है कि ब्रिटेन में क व्यक्ति प्रतिदिन लगभग 700 ग्राम कचरा फेंकता है । इस चरे के साथ औद्योगिक उप–उत्पादों का वह कचरा भी शामिल जिसे न उत्पादक और न ही उपभोक्ता रखना चाहता है ।

हाल के वर्षों में प्रौद्योगिकी में जो प्रगति हुई है उसे 'प्रौद्योगिक क्रान्ति' की संज्ञा दी गई है । यह क्रान्ति, अन्य सभी क्रान्तियों की भांति असफल रही है । एक ओर तो इसके कारण दुर्लभ सामग्री की खपत तेज हुई, दूसरी ओर इसने काफी अवांछित कचरे को जन्म दिया है । इससे कचरे का ढेर लगता जा रहा है और इसका निपटान करना मुश्किल हो गया है । इनमें कुछ कचरा जैसे संश्लेषित प्लास्टिक बायो–डिग्रेडेबल नहीं है । अतः ये परिस्थिति–प्रणाली के लिए वर्षों तक खतरा बने रहेंगे ।

परन्तु इन सब में सबसे खराब वे प्रदूषक हैं जिन्हें उन्नत प्रौद्योगिकी हमारे चारों ओर फैला रही है। सुविचारित अध्ययन से पता चला है कि वायु प्रदूषण से वनस्पति को हानि पहुंच सकती है और सामान्यतः पौधे की वृद्धि में रुकावट आ सकती है । इसकी झलक हमें पौधों के उत्पादों में अपेक्षाकृत कम पोषकता तथा उसके परिणामस्वरूप इन पर निर्भर रहनेवाले जानवरों और मनुष्यों के स्वास्थ्य पर पड़ने वाले कुप्रभावों में मिलती है । यद्यपि इस क्षेत्र में हमारी उल्लेखनीय उपलब्धि है परन्तु बाद में पड़ने वाले प्रभाव इनसे कहीं अधिक महत्वपूर्ण होंगे।

हमारे कारखाने प्रचुर मात्रा में ऐसा कचरा नदियों और झीलों में डाल रहे हैं जिनमें घुलनशील नाइट्रोजन और फास्फेट है । इनसे पानी में शैवाल और उसी प्रकार के सूक्ष्मजीवों की प्रचुरता हो जाती है जो अन्य प्राणियों के लिए घातक सिद्ध होती है और अन्ततः वे सब मिट जाते हैं ।ज्वलनशील ईंधन का व्यापक प्रयोग सभी प्राणियों के लिए दो तरह से हानिकर है। यह आक्सीजन की मात्रा कम कर कार्बन डाइ आक्साइड की मात्रा को बढ़ाता है । यदि हम उस बिन्दु पर पहुंच जाएं जहां ज्वलनशीलता की दर प्रकाश संश्लेषण की दर से अधिक हो तो हमारे लिए रात में आक्सीजन की सप्लाई पाना कठिन हो जाएगा । सर्दियों में वायुमंडल में आक्सीजन की मात्रा वास्तव में कम हो जाएगी जबकि कार्बन डाई आक्साइड की मात्रा बढ़ जाएगी ।

सन् 1860 और 1960 के बीच ज्वलनशील ईंधन ने वायुमंडल की कार्बन डाइ आक्साइड में लगभग 14 प्रतिशत की वृद्धि कर दी है । पिछली मात्रा कई सदियों से एक जैसी ही बनी हुई थी । जब आप एक टन हाइड्रोकार्बन जलाते हैं तो आपको लगभग 1 1/3 टन पानी और इससे दुगनी मात्रा कार्बन डाइ आक्साइड मिलती है । कार्बन डाइ आक्साइड और जलवाष्प दोनों ही इस पृथ्वी को हरित बनाते हैं क्योंकि वे सूर्य की किरणों को पृथ्वी तक पहुंचने देते हैं (लघु तरंग विकिरण) और साथ ही दीर्घ तरंग की ऊष्मा विकिरण को पृथ्वी से अन्तरिक्ष में जाने से रोकते हैं अतः वायुमंडल में कार्बन–डाइआक्साइड की मात्रा बढ़ जाने से पृथ्वी का तापमान भी अवश्य बढ़ेगा ।परन्तु फिर भी, आजकल प्रदूषण का एकमात्र महानतम स्रोत है वायुमंडल में परमाणु–अस्त्रों के विस्फोट से उत्पन्न रेडियोधर्मिता । परमाणविक परीक्षणों के निक्षेप से पृथ्वी के धरातल का प्रत्येक भाग और इसके सभी निवासी प्रदूषण से प्रभावित होते हैं । ऐसा प्रतीत होता है कि हाल के वर्षों में पर्यावरण की रक्षा और पारिस्थितिक संरक्षण की आवश्यकता के बारे में मानव की चेतना काफी जागृत हो गई है । दुनिया भर में होनेवाली विरोध–रैलियां और जन–प्रदर्शन इस बात के संकेत हैं हरित आंदोलन के प्रति जागरूकता आई है ।

'ग्रीन्स' दल के नेतृत्व में पर्यावरणविदों ने पश्चिम जर्मनी के संसदीय चुनाव में सन् 1983 में 28 सीटें जीतीं। 'ग्रीन पीस' नामक पर्यावरण प्रदूषणरोधी ग्रुप ने सरकार पर दबाव बनाए रखा ताकि पृथ्वी पर जीवन की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके विश्व के अनेक भागों में सुरक्षा उपायों के बिना परमाणु विस्फोट तथा परमाणविक और विषैला रासायनिक कचरा जमा करने के विरोध में कड़ा प्रतिरोध हुआ है

पादप संसार

चार सौ वर्ष ईसा पूर्व प्रथम वनस्पति विज्ञानी थियोफ्रास्टस, जो अरस्तू के शिष्य थे, ने पहली बार वर्गों का निर्धारण किया था । उन्होंने पेड़ झाड़ियां, छोटी झाड़ियां और घास आदि को अलग–अलग वर्ग में रखा था । पहली शताब्दी में मिस्र के चिकित्सक डिस्कोरिड्स ने औषधि के काम आने वाले एक पौधे के बारे में लिखा था । रोमन साम्राज्य के टूटने के बाद आगे की कई शताब्दियों में विज्ञान पर बहुत कम काम हुआ । वनस्पति विज्ञान पर यूरोप में काफी काम हुआ लेकिन प्रारम्भिक स्तर पर किये गये कार्य का ब्योरा उपलब्ध नहीं है पर अरब में प्रारंभिक स्तर पर किये गये कार्य का ब्योरा सुरक्षित है ।

1859 में चार्ल्स डार्विन द्वारा लिखी गयी पुस्तक 'जीव की उत्पत्ति' ने इस विषय में एक नया मोड़ ला दिया । प्रकृति को एक नया अर्थ–नया आयाम मिला जो किसी भी प्रजाति के भूतकाल से संबधित हो गया । वर्गीकृत करने की योजना प्रकृति के अनुसार एक ऐसा कार्य हो गया जो कि उत्पत्ति के विकास से जुड़ गया । इस प्रकार पूर्व योजनाएं भी प्रकाश में आने लगीं।

पेड़ पौधों का वैज्ञानिक वर्गीकरण का लगातार पुन–र्निरीक्षण किया जाता रहा । 1,800 के मध्य के दौरान वनस्पति विज्ञानियों ने सारे पेड़–पौधों को दो मुख्य वर्गो में रखा । क्रिप्टागेम्स (छुपे हुए प्रजनन भाग) और फेनरोगेम्स (दिखायी देने वाले प्रजनन भाग) क्रिप्टोगेम्स में फर्न, मोसेस, शैवाल और कवक पौधे रखे गये । इस प्रकार के पौधों में दिखायी देने वाले प्रजनन भाग जैसे बीज–या फूल नहीं होते हैं । फेनरेगेम्स में वह पौधे रखे गये जिसमें फूल या बीज की उत्पत्ति होती है ।

आज परम्परागत दो वर्गीय प्रणाली के विरुद्ध पांच वर्गीय प्रणालियां प्रयुक्त की जा रही है । वैक्टीरिया शैवाल की कुछ किस्मों और कवक को अब पौधों की श्रेणी में नहीं रखा जाता है । इन्हें अब इनके अपने समूह में रखा गया है । मोनेरा समूह में वैक्टीरिया और नीली हरी शैवाल (इसे सायनोवेक्टीरिया) भी कहते हैं । प्रोटिस्टा समूह में इयूग्लेनायड शैवाल, पीली हरी शैवाल, सोने–और भूरे रंग की शैवाल, डायाटोम्स और डाइनोग्लेल्लेट्ट शैवाल हैं । फंगाइ समूह में सारे कवक आते है।

शेष पेड़ पौधे समूह को विभिन्न विज्ञानियों ने पांच से अठारह मुख्य वर्गों में रखा है । वर्गीकरण की बड़ी संख्या संवहनी पौधों (ट्रैकियोफायटा) के अस्वीकार के कारण, क्योंकि प्राकृतिक रूप से इनकी बहुत बड़ी संख्या आपस में एक जैसी है, संवहनी पौधों का वर्ग मुख्य प्रभाग माना जाता है ।

प्रायः 6 मुख्य समूह को मान्यता मिली हुयी है । निम्न तालिका सूची में 6 प्रभाग, उनके उपप्रभाग, ट्रैकियाफायटा प्रभाग और पर्मोपसिडा उपप्रभाग का विवरण है ।

प्रभाग क्लोरोफायटा (हरित शैवाल)

प्रभाग क्लोरोफायटा (स्टुअर्ट कभी–कभी क्लोरोफायटा में माना जाता है)

प्रभाग पैकोफायटा (भूरी शैवाल)

प्रभाग रोडोफायटा (लाल शैवाल)

प्रभाग ब्रायोफायटा (मोसेस, लिवरवर्ट्स हार्नवार्ट्

ट्रैकियोफायटा प्रभाग (संवहनी पौधे – वर्गीकरण मान्यता नहीं मिली है इनके उपप्रभागों को पूर्ण प्रभा गया हैं।

उपप्रभाग साइलोपसिड (व्हिस्क फर्न)

उपप्रभाग लाइकोपसिडा (कल्ब मासेस)

उपप्रभाग फेनोपसिडा (हार्सेटेल्स)

उपप्रभाग टेरोपसाइडा (फर्न्स)

उपप्रभाग स्पर्मोपासिडा (बीज पौधे, इस वर्गीव स्पर्मेटोफायटा – निम्न वर्ग उपप्रभाग कहे जाते हैं बीज पौधों को पूर्ण प्रभाग का दर्जा प्राप्त है ।

निम्न वर्ग पूर्ण प्रभाग है

वर्ग टेरिडोसपर्म (बीज फर्नन, इम्सिटन्ट)

वर्ग साइकाटई (साइकाड्रस)

वर्ग गिंकगोई (गंकगोस)

वर्ग कोनिफेरेई (कानिफर्स)

वर्ग नेटी (नेटम्स)

वर्ग एंजियोस्पमेई (फूल वाले पौधे)

हरी शैवालः क्लोरोफायटा, इसे क्लोरोफायसी जाता है, के वर्ग में (3,700 प्रजातियां) मुख्यतः छोटे एक कोशिकीय, फैले हुए, और बहुकोशिकीय पौधे

स्टोनवार्ट्सः बहुकोशिकीय जलपादप जिनका सीधा और केंद्रीय डंठल के चारों ओर श्रृंखलायें घेरा सा बनाते है ।

भूरी शैवालः पैइसोफायटा, फैइसोफाइसी समु जो चट्टानों पर या ठंडे समुद्र ज्वार के तट और त उगती है । कुछ प्रजातियां नाजुक और श्रृंखलाओं हैं और कुछ बड़ी मजबूत और पत्तियों के साथ

लाल शैवालः रोडोफायटा, रोडो फायकोफ रोडौफायसी की लगभग 2500 प्रजातियां हैं जो से समुद्र में उगती हैं और मध्यम आकार की हो

स्लाइस मोल्ट्सः मिक्सोमाइकोटा, मिक्सोमाइ माइसिटोजोवा प्रायः सड़ रही पत्तियों, लकडी, ग कीचड़ इत्यादि पर उगती हैं इन्हें प्लाऊमोडियम

एल्गोलाइक कवकः फाइकोमोइकोटा या फाइको कुछ मिश्रित मोल्ड और सूक्ष्मदर्शिक कवक का

सैक कवकः एस्कोमाइकोटा या एस्कोमाइ कवकों का समूह है जिनमें प्रजनन अंग जिसे एस्क
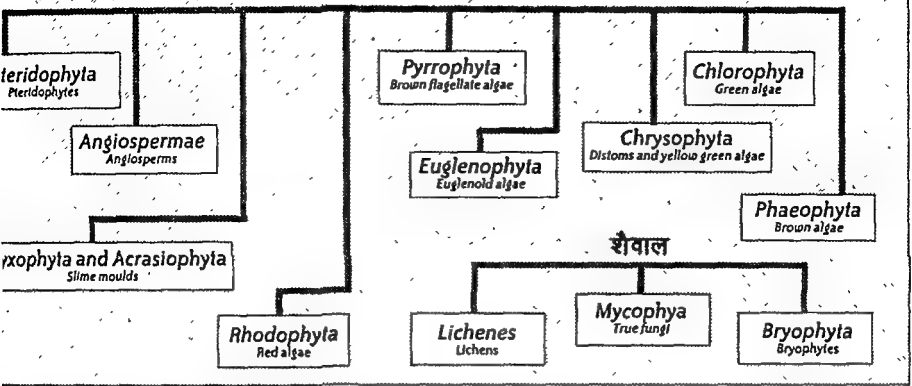
का सैक कहते हैं, की विशिष्टता होती है । इसके सैक
क छेद होते हैं । इनमें से एक पेनसिलियम है जिससे
ीन प्राप्त होती है ।

ब कवक: बैसिडियोमाइकोटा या बैसिडियो माइसिटीज
क जटिल कवक है । इनमें मशरूम, पफबाल्स अर्थस्टार,
कवक आदि आते हैं । इनकी विशेषता यह है की ये आसानी
ायी पड़ने वाली अलग-अलग आकृति के होते हैं ।

क इपरक्टी: अनेक कवक ऐसे है – जिन्हें पूर्ण रूप
जाना जा सका है । अनेक प्रजातियों का पूर्ण जीवन
भी पता नहीं चल पाया है जिनकी वजह से पेड़ पौधों
क रोग होते है ।

सेज़ एवं लिवरवर्ट्स: ब्रायोफायटा छोटे पौधे है जिनमें
ण तने और पत्तियां होती हैं लेकिन वास्तविक संवहनीय
नहीं होते हैं । मासेज़ (मुस्काई) युबिक्विट्स (1400
यां) पत्तीदार, सीधे पौधे या बेलनुमा होते है । लिवरवर्ट्स
ाई, 8,500 प्रजातियां) समतल, लोब की तरह या
र पौधे होते हैं जो दलदली जगह पर उगते हैं ।

इलोफायटा: साइलोफायटा या साइलोपसिडा वर्ग में
र अनेक संवहनी पौधे आते हैं । ये पौधे सीधे और
ओं वाले होते हैं । तने में विशेष डक्टस (जाइलम)
समें पानी का प्रवाह होता है और फ्लोयम भोजन
के लिये होता है ।

मासेज़ एंव अन्य संबंध प्रजातियां: लाइकोपसिडा,
यटा या माइक्रोफा इलोफायटा, संवहनी पौधे हैं ।

अधिकतर पौधे जमीन से लगे तने और पत्तियों वाले होते हैं।
अनेक प्रजातियों में छिद्र होते हैं जिन्हें कोन्स कहते हैं

हार्सटेल्स एंव अन्य संबंध प्रजातियां: स्फेनोपसिडा,
कैलमफायटा या आर्थोफायटा मुख्य रूप बड़ा वर्ग है जिसमें
अकेला जीवित जीन्स होता है ।

मैडन हेयर पेड: जीनस जिंकगो वर्ग मैडन हेयर पेड़ अपने
जीवन चक्र में साइकाड्स की तरह होते हैं लेकिन इनकी
अनेक विशिष्टताओं के कारण इन्हें अलग वर्ग में रखा गया
है । चीन में कई शताब्दियों से यह पेड़ उगाये जाते रहे हैं।

फर्नसः टेरोपसिडा, टेरोफायटा या फिलीसिनी संवहनी
पौधे होते हैं इनकी पत्तियां काफी बड़ी और अनेक फांको में
बटी होती हैं । इसका तना काफी छोटा होता है और जड़
सतह पर फैली होती हैं ।

नोटोफायटा: नीटाई जिसे नीटोफायटा या नीटेल्स भी
कहा जाता है तीन विलक्षण जातियों के संबंधित प्रजाति का
समूह है कई प्रजातियां समुद्र तटों पर उगती हैं व फूल
सादृश्य होता हैं।

कोनिफर्स: कोनीफेरी पेड़ और झाड़ी, जिनकी पत्तियां
छोटी होती, हैं का समूह वर्ग हैं ।

फूल वाले पौधे: फूल वाले पौधों को एंजियोस्पर्मी या
एंथोफायटा कहते हैं लगभग 20,000 प्रजातियों का समूह
वर्ग है ।इस में युक्लिप्टस, कपास, कैक्टस, लिली, वायलेट
सूर्यमुखी, आर्किड्स, जलकुम्भी, आदि फूल वाले पेड़ पौधे
आते हैं ।

ाणि जगत

ि जगत को अब प्रमुख समूह फायला में वर्गीकृत
किया जाता है ।फायलम में उप खंड या उपफायला
इसके बाद वर्ग और हर वर्ग के बाद क्रम होते हैं।
व छोटे-छोटे समूह फैमिलीज़, जेनरा एवं प्रजातियां
होती हैं। प्रमुख समूह फायलम से छोटे समूह, फैमिली तक
आते स्पष्ट होता है कि हर वर्ग के जीव एक दूसरे से खासी
समानता रखते है और प्रजनन द्वारा अपने वंश का विकास
करते हैं । जैविक संसार को दो मुख्य उप प्राणि जगत में

बांटा जा सकता है । प्रोटोजोआ–मेटाजोआ । इस प्रणाली में उप प्राणि जगत प्रोटाजोआ में केवल प्रोटोजोआ ही आते है अर्थात् एक कोशिकीय जीव । बाकी सारे जंतु, जिसमें मनुष्य भी सम्मिलित हैं, को मेटाजोआ उप जगत में रखा गया है।

फायलम प्रोटोजोआ: आंख से न दिखायी पड़ने वाले इन जंतुओं का पता सन 1600 में सूक्ष्मदर्शी की खोज होने से पहले नहीं था । चूंकि इनकी एक–कोशिकीय संरचना काफी जटिल होती है और जो अपना कार्य असंख्य कोशिकाओं वाले जीवों की तरह करती है इसलिये इसे एसेल्यूलर या नान सेल्यूलर भी कहा जाता है ।

फायलम मेसोजोआ: मेसोजोआ छोटे जंतु है जो 1/2 इंच (1.3 से.मी) लंबाई से कम और साधारण बनावट के होते हैं। इस वर्ग के जंतु परजीवी होते है और इनका जीवन चक्र प्रजनन अलैंगिक वंश वृद्धि खासा जटिल होता हैं ।

फाइलम पोरिफेरा: पोरिफेरा सामान्यतः आद्य अनेक कोशिकीय स्पंज होते हैं जो किसी ठोस वस्तु से चिपक कर जल के अंदर रहते हैं । इसकी अधिकतर 5,000 प्रजातियां खारे पानी में पायी जाती है ।

फायलम सीलेंटरेटा: सीलेंटरेटा वर्ग के जंतु समुद्री जंतुओं की तरह होते हैं । इनमें ऊतक, स्पर्शक और विलक्षण कोशिकाएं (निनेटोसाइटस) होती हैं जिनका प्रयोग अवश कर देने वाले जहर या पकड़ने के लिये होता है, इनके शरीर की संरचना दो पर्तों की होती है – बाहरी एपिडर्मिस जो एक्टोडर्मल ओरिजिन की और अंदरी पर्त गैस्ट्रोडर्मिस जो इंडोडर्मल ओरिजिन की होती है । अंदर की पर्त जठरवाही गुहा को घेरे रहती है । दोनों पर्तों को जेली के प्रकार के ऊतक अलग करते हैं । जठर वाही गुहा पाचन और संचरण का कार्य करती है लेकिन चूंकि इनके गुदा नहीं होती है इसलिये इनका पाचन तंत्र अपूर्ण कहा जाता है ।

फायलम टेनोफोरा: इस वर्ग के जंतु प्रायः काम्ब जेली और समुद्री वालनट होते हैं जो गर्म समुद्रों में तैरते रहते हैं। इनका शरीर पारदर्शी होता है और देखने में जेली मछली से काफी समानता रखते हैं ।

फायलम प्लेटिहेलमिंथीस: इस वर्ग के सदस्य साधारण चपटे कृमि होते हैं । पिछले वर्ग के जंतुओं की अपेक्षा इनकी संरचना बेहतर होती है । इनका उभयपक्षी समान शरीर होता है जिसमें अग्रमुख एंव पश्च पूंछ होती है । शरीर में वेंट्रल सतह और नर्वकार्ड होता है ।

फाइलम नेमेर्टेनिया: इस वर्ग में रिबन कृमि होते है । यह चपटे, पतले और उभयपक्षी समानता और एपिडर्मिस का आवरण लिये होते हैं । यह चौथाई इंच (0.6 से.मी.) से लेकर 80 फीट (24 मीटर) तक के लम्बे होते हैं ।

फायलम एकेंथ्योसिफेला: इस वर्ग के कृमि एकेन्योसिफेला वर्ग की तरह होते हैं । वह कूटगुहा के साथ कृमि की तरह चपटे या सिलिंडर की तरह होते है शरीर आवरण कड़े प्रतिरोधी क्यूटिक्ल का होता हे इनमें पूर्ण और स्पष्ट पाचनतंत्र होता है ।

फायलम इंटेपोर्कय: इस वर्ग के जंतुओं की पहचान विशिष्ट मुख द्वारा एवं गुदा द्वार के संपर्शी के अंदर होने से होती है । एक को छोड़कर सभी प्रजातियां खारे पानी में अकेले या झुंड बना कर रहती हैं। यह ठोस पदार्थ जैसे चट्टानें, समुद्री कीड़ों य एल्गी से चिपके रहते हैं । इनकी लम्बाई 0.5 से.मी. तक होत है व यह फायलम ब्रायोजोवा से समानता लिये होते है ।

फायलम ब्रायोजोवा: प्रायः मास एनिमालक्यूल्स के ना से जाने वाले फायलम एंटोप्रोक्टा के समान होते हैं । इनकी विशेषता पेरटोनियल झिल्ली के साथ सीलोमलाइन होती है यह अखंडित, उभयपक्षी, एक प्रकार के ट्रिपलोब्लास्टि (त्रिकोरकी) जंतु होते हैं । इनकी पाचन तंत्र पूर्ण होती है इनमें संचरण, श्वसन और नेफ्रेडियल (वृक्क) प्रणाली क अभाव होता है ।

फायलम फोरोनिडिया: इस वर्ग में एकल प्रकार के जं है जिनकी लम्बाई 15 इंच (38 से.मी.) तक होती है । ह जंतु ट्यूब में रहता है । इस आवरण को अपने द्रव स्राव से वह बनाता है । इसका निचला हिस्सा कीचड़ या उथले समुद्र के रेतीले भाग में दबा रहता हैं । अग्रभाग में खुली जगह से दो पक्ष्मास पंक्ति के स्पर्शी निकले होते है जो की आहार ग्रहण करते है ।

फायलम ब्रैकिओपोडा: ब्रेकिओपोड्स को प्रायः लैम्प शैल्स कहा जाता है क्योंकि यह पुराने रोमन तेल लैंम्प के शेल्स के आकार के होते हैं । यह छोटे अकेले प्रकार के जंतु उथले समुद्र के अंदर रहते है ।

फायलम मोलस्का: मोलस्का में निम्न समानतायें होती हैं। वास्तविक खंडो का अभाव । मोटी झिल्ली की उपस्थिति जो शेल का स्राव करती है । इसकी कुछ प्रजातियां धागे के प्रकार की होती हैं जिनकी लंबाई 16 इंच (41 से. मी.) तक होती है।

फायलम इकिरोडिया: अकेले प्रकार के जंतु जिनका कोई सामान्य नाम नहीं होता है । इनकी अनेक प्रजातियां ध्रुवीय या ठंडे समुद्र के किनारे पायी जाती हैं ।

फायलम एन्नेलिडा: वर्ग में सामान्य विखंडित केंचुएं होते हैं।

फायलम पोगोनोफोरा: पोगोनोफोरा वर्ग के कृमि धागे के आकार के होते हैं और गहरे समुद्र में पाये जाते हैं । समुद्र में 300 फीट में, सामान्य रूप से 3000 फीट से लेकर 5.5 मील गहराई में होते हैं ।

फायलम आर्थ्रोपोडा: फायलम आर्थ्रोपोडा वर्ग में अन्य अपेक्षा सबसे अधिक प्रजातियां लगभग 1,000,000 आधारीय विशेषता इस फायलम के जंतुओं के पैर का होत

फायलम कैइटागनाया: इसमें तीर की तरह (ग्लास कृ की 30 प्रजातियां है । इनके अग्र मुख पर कड़े बाल होते

फायलम इकाइनोडरमेटा: यह समुद्री जंतु हैं अविखंडित शरीर वाले जंतुओं से काफी समानता रखते इनमें अंदरूनी कंकाल होता है जो कि कैलकेरियस प्ले से बना होता है और लचीला होता है ।

फायलम हेमिकार्डेटा: हेमिकोर्डेट्स प्रायः जिव्हया जाने जाते हैं । यह चपटे मुलायम शरीर के होते हैं । समुद्रों की सतह पर पाये जाते हैं । इनकी लम्बाई 6 य फीट होती है।

फायलम कार्डेटा: इस फायलम में तीन विशेषतायें प जाती हैं: (1) पोले पृष्ठीय नर्व कार्ड, (2) नोटोकार्ड लांगिट्यूडिनल सहारा (3) जीवन में कभी–कभी गिल स्लि एक चौथी विशेषता वेंट्रल ह्रदय का होना होता हैं ।

इसकी रफ्तार अविश्वसनीय थी। यह काम्प्लेक्स उन लोगों पर सिद्ध हुआ जिन्होने सहयोग करने, गतिशील रहने, तकनीक में सुधार करने और कम शक्तिवाले प्रतियोगियों के साथ अनुकूलन करने या उन्हें नष्ट करने में अद्वितीय क्षमता प्राप्त की।

लगभग 40,000 वर्ष पहले होमिनिडे जाति के सभी समूह विकसित तकनीकों को आत्मसात कर चुके थे।निऐडन्यरल मानव को इसका अपवाद माना जा सकता है। सेपिएन्स (विचारशील) कांप्लेक्स के स्थापित हो जाने के बाद निऐडन्यरल मानव यूरोप में थे। इससे पता चलता है सेपिएन्स कांप्लेक्स का उदय यूरोप में नहीं हुआ। लेकिन इस बात की भी जानकारी नहीं है कि सेपिएन्स कांप्लेक्स उद्गम स्थान कौन–सा है। जैसा कि सेपिएन्स में देखा ग निऐडन्यरल में चपटे शिशु चेहरे का अभाव था उनका मस्ति हमारे आज के मानव के मस्तिष्क से औसतन बड़ा था।

जीन

कैंब्रिज की कैवेंडिश प्रयोगशाला के 24 वर्षीय वैज्ञानिक डा. जेम्स सी वाट्सन और 36 वर्षीय ब्रिटेन के वैज्ञानिक डा. फ्रासिंस एच क्रिक ने 2 अप्रैल 1953 में डी.एन.ए. की संरचना को रेखांकित किया था। प्रतिष्ठित विज्ञान पत्रिका 'दी नेचर' के संपादक को 900 शब्दों में लिखे गये संक्षिप्त पत्र में उन्होने स्पष्ट किया कि डी.एन.ए. कुंडलाकार है। बाद में डी.एन.ए. जैविक जगत का सर्वाधिक चर्चा का अनुसंकेत बन गया। डा. वाट्सन और डा. क्रिक को इस खोज के लिये 1962 में नोबेल पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इस पुरस्कार में उनके एक और सहभागी लंदन के किंग्ज कालेज के डा. मोरिस विल्किन्स भी थे जिन्हें डी.एन.ए अणु का एक्स–रे चित्र खींचने में सफलता मिली थी। पृथ्वी पर मानव जीवन के इतिहास में यह खोज महत्वपूर्ण घटना थी क्योंकि जीवन की मूल भूत इकाई न्युक्लिक एसिड पृथ्वी पर अरबों वर्षो से विद्यमान था।

दो कुंडलियों की संरचना वास्तव में जीवन का कुंडलाकार सोपान है। यह दो कुंडलाकार सोपान शुगर और फास्फेट के होते हैं और इस सोपान के स्तंभ नाइट्रोजन बेसेज के होते हैं जिन्हें प्यूरीन्स एवं पाइरीमिडिन्स कहते हैं। यह बेसेज हाइड्रोजन बांड्स से बंधित होते हैं। प्यूरीन, एडेनाइन (ए) केवल थाइमीन (टी) से जोड़ा बनाते हैं। दूसरा प्यूरीन गुआनीन (जी) दूसरे पाइरीमिडिन माइटोसी (सी) से जोड़ा बनाता है। इस प्रकार के विशिष्ट रसायनिक टेप पर आधारीय अक्षरों के जोड़े इंगित करते हैं कि अगर एक लड़ी का क्रम दिया जाये तो दूसरी लड़ी का क्रम स्वतः ही निश्चित किया जा सकता है। डी.एन.ए की पुनरावृत्ति के दौरान, जो कि सभी जीवित प्राणियों के विकास और पुनर्जीवन की मूलभूत प्रक्रिया है, डी.एन.ए के दो तंतु गुच्छ अकुंडलित होकर दो अलग पट्टियों में हो जाते हैं प्रत्येक पट्टी के सम्मुख नये तंतु गुच्छ बन जाते है जो विद्यमान के संपूरक होते हैं। इस प्रकार डी.एन.ए की पुनरावृत्ति प्रक्रिया के दौरान कोई त्रुटि से विकृतता या परिवर्तन अगर आ जाती है तो यह आने वाली पीढियों में स्थानांतरित होती रहती हैं।

डी.एन.ए की संरचना का खुलासा हो जाने से पीढियों में परिवर्तन या म्यूटेशन्स की यांत्रिक प्रक्रिया के बारे में संकेत मिलने लग गये हैं। इस प्रकार एक ही झटके में डा. वाट्सन क्रिक के कार्य ने दिखाया कि किस प्रकार आनुवांशिक इकाइयां स को प्रदर्शित करती हैं? किस प्रकार उनकी संपूरक इकाई बन है या परिवर्तन आता है और साथ ही कैसे वह जैि क्रियाकलापों की वृद्धि को नियंत्रित करती हैं?

वाट्सन के शब्दों में यदि कहा जाये तो अभी तक हम सो थे कि हमारा भाग्य नक्षत्रों की गतिविधियों में छिपा है किंतु हमें पता है कि हमारे भाग्य के अधिकांश भाग का रहस्य संरचना में ही निहित है। इस प्रकार डी.एन.ए की रचना के प्रक में आने से रासायनिक संदर्भ में जीन के क्रिया–कलापों समझने का मार्ग खुला। डी.एन.ए. के द्विसूत्र ने जैव–रासायनि विज्ञान में क्रांति ला दी और जैव रसायन, आनुवांशिकी व दवा के क्षेत्रों में आश्चर्यजनक विकास हुए।

जेनिटिक कोड

प्रजनन के माध्यम से मां–बाप के विशेष गुण उनकी संता में पहुंचते हैं। ये गुण माता–पिता और उनकी संतानों में विशि प्रोटीन संरचनाओं द्वारा सुनिश्चित किये जाते हैं। हालांकि मात पिता विभिन्न गुण निर्धारित करने वाले इन प्रोटीनों को संता में नहीं भेजते बल्कि उनके द्वारा प्रदत्त डी.एन.ए. का कूटब संदेश जो कि आनुवांशिक अणु है, यह कार्य सम्पन्न करता है

डी.एन.ए के न्यूक्लियोटाइड बेसं में, जो एक विशेष क्रम डी. एन. ए. में स्थित होते है, जीवों की आनुवांशिक सूचन संग्रहीत रहती हैं। विशिष्ट रूप में पंक्तिबद्ध अमिनो अमलों लंबी पंक्तियों के रूप में स्थित प्रोटीन की विशिष्ट भाषा में अनूदि किये जाते हैं। प्रोटीन की विशिष्टताएं अमिनो अम्लों की व्यवस्थ के अनुसार एक क्रम में रहती है और इन क्रमों का निश्च डी.एन.ए में स्थित न्यूक्लियोटाइड द्वारा होता है। आर.एन. और अन्य एन्जाइम प्रोटीन सिन्थीसिस की प्रक्रिया में महत्वपू भूमिका निभाती हैं। जीन की कार्य विधियों की जैव–रासायनि प्रकृति डी.एन.ए., आर.एन.ए. और जीवन–पोषण की प्रोटीनों सहभागिता को रेखांकित करती है। वाट्सन और क्रिक के कार्य को डा. हरगोविंद खुराना, डा. नीरेनबर्ग और डा. हॅल ने आगे बढ़ाया। 1960 में इन्होंने कोशिकीय रसायन शा को विभिन्न संदर्भो में डी.एन.ए. द्वारा नियन्त्रण की खुलासा किया।

ग्रेगर जोहन मेंडल ने वर्ष 1885 में दर्शाया कि कुछेक नुवांशिक घटक समस्त जैविक स्पीशीज़ में क्रियाशील रहते । डैनिश जीव–वैज्ञानिक विलहेम जोहन्सेन ने इन घटकों को न कहा और यह नाम प्रचलित हो गया ।

जीन उन गुणसूत्रों में स्थित होते हैं जो कोशिका की नामिक रहते हैं । जीन, गुणसूत्र और नामिक एक साथ मिलकर, र्चल के प्रसिद्ध वाक्यांश के अनुसार, समस्या के भीतर रहस्य लिपटी पहेली का निर्माण करते हैं । जीन पहेली का रूप लेते जबकि गुणसूत्र रहस्य का और नामिक समस्या का प्रतिनिधित्व रते हैं ।डी.एन.ए. का रहस्य उन नथों में है जो सीढ़ी के दोनों नारों को जोड़ता हैं । ये नथ दो अर्ध नथों या दो भागों का र्माण करते हैं जिनमें से प्रत्येक अर्ध भाग सीढ़ी के एक किनारे जुड़ा होता हैं । ये अर्ध नथ छोटे अणु के चार प्रकारों में से क प्रकार के हो सकते हैं, यथा – ऐडेनीन (ए), साइटोसिन (सी), ायमीन (टी) और गुआनिन (जी) । सीढ़ी के संलग्न खंड के ाथ इन अर्ध नथों में से प्रत्येक को न्युक्लिआटाइड के नाम से ाना जाता है । एक किनारे पर अर्ध नथ दूसरे किनारे के केवल शिष्ट साथी से ही जुड़ा होगा । विशिष्ट साथियों का यह पूर्व र्धारित विन्यास दर्शाता है कि ये छोटे अणु नई भाषा के निर्धारित ट या शब्दों के वर्णो का रूप निर्माण करते हैं। वस्तुतः यह ता चला है कि यही स्थिति है ।

ए केवल टी के साथ और सी केवल जी के साथ नथ का निर्माण करता है । इसलिए ए–टी, टी–ए, सी–जी, जी–सी जोड़े एक प्रकार से चार वर्णो वाली वर्णमाला की रचना करती हैं जिसके जरिए संदेश दिया जा सकता है । यह चार वर्णो वाली वर्णमाला आनुवांशिक कूट की रचना करती है । आनुवांशिक कूट जटिल होने के साथ–साथ विस्तृत भी है । वर्ष 1977 में फ्रेड संगार ने इस बात का उल्लेख किया कि विषाणु के डी.एन.ए. कूट का जब कम्प्यूटर पर कूट वाचन किया गया तो उससे 15 मीटर लंबा मुद्रित अंश निकला । इस दर से मानव डी.एन.ए. का कम्प्यूटर अंश 16,000 कि. मी. लंबा होगा ।

डी.एन.ए. के अत्यधिक लंबे तंतु गुच्छ, जीवित कोशिका के नाभिक के भीतर अंतर्ग्रंथन करते हैं । डी.एन.ए. इतना संकरा और घुमावदार कुंडलित होता है कि मानव शरीर की सभी कोशिकाओं के सभी जीन आसानी से 1.25 सेमी घन में आ । फिर भी, यदि ये सभी डी. एन.ए. तंतु-गुच्छ खोल दिए और आपस में जोड़ दिए जाएं तो ये पृथ्वी से सूर्य और फिर पृथ्वी तक फैल जायेंगें । कोशिका और शरीर संवृद्धि भी प्रकार्यों को जीन नियंत्रित करते हैं । अधिकांश ओं के जीवन में दो मुख्य घटनायें (विभाजन के जरिये) और प्रोटीनों का संश्लेषण है । ये दोनों संक्रियाएं, जीन क्ति रूपरेखा के आधार पर चलती हैं । कोशिका के होने से पहले, डी.एन.ए. सीढ़ी बीच में नीचे विभक्त जाती है। न्युक्लिओटाइड ए.एस.टी.एस से और जी.एस.से अधिकाधिक रूप में उसी प्रकार पृथक हो है जैसे खींचने से ज़िपर अलग–अलग हो जाता है । अब किए गए न्युक्लिओटाइड ए, टी, सी और जी कोशिका रूप से तैरते न्युक्लिओटाइड से उपयुक्त साथी को उठा है । इस प्रकार विभक्त सीढ़ी डी.एन.ए. की दो परिपूर्ण बन जाती हैं जो एक–दूसरे के पूर्णतया समान होती हैं ।

डी.एन.ए का एक बार विभाजन हो जाने के बाद, शेष कोशिकाएं, अन्य कोशिकायें भी द्विगुणित होकर, अंत में उसी प्रकार की दो कोशिकाएं उत्पन्न करती हैं ।

विकासशील शरीरों में कोशिकाओं की पुनरावृत्ति विभेदन के बाद होती है । अधिकांश स्पेशीज़ में जीवन एक निषेचित अंडे या कोशिका से प्रारंभ होता है । एकल कोशिका द्विगुण, चतुर्गुण होकर इस प्रकार बढ़ती रहती है। साथ ही जीन के विभिन्न सेट विभिन्न कोशिकाओं में विशिष्ट भौतिक विशेषकों का विकास करते हुए क्रियाशील होते हैं, जबकि हाथ, पैर, मस्तिष्क आदि शरीर के विभिन्न अंग विशिष्ट कोशिकाओं का निर्माण करते हैं। इस प्रक्रिया को 'विभेदन' के रूप में जाना जाता है ।

विभेदन में सुनिर्धारित रूप से नियमित कार्य निहित होता है। हाथ से लिये गये काम से संबंधित कोशिकाएं संकेन्द्रित हो जाती हैं और वे अपने अन्य क्रिया–कलाप बंद कर देती हैं और जब काम पूर्ण हो जाता है तो वे भी काम करना बंद कर देती हैं । आनुवांशिक क्रिया–कलापों की शुरुआत व समाप्ति को जीन से संलग्न दो अणुओं, यथा – विप्रेरक और दमनकर की उपस्थिति द्वारा निर्धारित किया जाता है। माता–पिता से उत्तराधिकार में जिन जीनों को हम प्राप्त करते हैं, वे हमारे आनुवांशिक विशेषकों का निर्धारण करते हैं । जैसा कि पहले सोचा जाता था, आनुवांशिक लक्षण एक मुश्त रूप में अंतरित नहीं होते । उत्तराधिकार में प्राप्त विभिन्न विशेषकों के लिये विभिन्न जीन उत्तरदायी होते हैं । इस मामले में प्रत्येक जीन अन्य जीनों से अलग स्वाधीन रूप से कार्य करती है । किसी विशिष्ट विशेषक हेतु जीन, गुण–सूत्रों में विशेष स्थानों पर पाये जाते हैं ।

गुण–सूत्र धागे के समान होते हैं और वे कोशिका के नाभिक में पाये जाते है । वे सदैव जोड़े में होते हैं । गुण–सूत्रों की संख्या स्पीशीज़ के अनुसार भिन्न–भिन्न होती है । उदाहरणार्थ – फल–मक्खी में कुल मिला कर 4 जोड़े या 8 गुण–सूत्र, हरी मटर में 7 जोड़े (कुल 14), चुहिया में 20 (40) और मानव में 23 (46) गुण–सूत्र होते हैं ।

एक पंक्ति में व्यवस्थित हमारे 46 गुण–सूत्र नापने पर 2 मीटर से अधिक लंबे होंगे । फिर भी, वे नाभिक में समाये रहते हैं जो कि 2.5 से. मी. का लगभग चालीस हजारवां भाग है । नाभिक दो प्रकार की न्युक्लीक अम्ल – राइबो न्युक्लीक अम्ल (आर.एन.ए.) और डिआक्सी न्युक्लीक अम्ल (डी.एन.ए.) से भरा होता है ।डी.एन.ए. गुण–सूत्र में केन्द्रित होता है, जबकि आर.एन.ए. न्युक्लिओली में संकेन्द्रित है । ये दोनों नाभिक में होते हैं ।

कोशिका के प्रधान प्रकार्यों में से एक प्रकार्य प्रोटीन का विनिर्माण करना है । मानव शरीर को विभिन्न प्रकार के हजारों प्रोटीनों की आवश्यकता होती है । इन सभी का निर्माण 20 अमीनो अम्लों से होता है । प्रत्येक जीन या (डी.एन.ए. तंतुगुच्छ के सुस्पष्ट खंड) में विशिष्ट प्रोटीन का निर्माण करने हेतु अनुदेश होते हैं । ये अनुदेश न्युक्लिओटाइड के नियमनिष्ठ अनुक्रम में कूट–संकेत में होते हैं । जिस प्रकार हम वाक्य में शब्दों का क्रम बदल कर उसका अर्थ बदल सकते हैं, उसी प्रकार जीन डी.एन.ए. के मात्र चार न्युक्लिओटाइड ए, टी, सी, जी का प्रयोग करके प्रोटीन की विस्तृत वर्ण मालाओं का निर्माण कर सकते हैं । मानव गुणसूत्रों (संख्या में 46) के एक सेट में सभी ए, टी, सी और जी को करोड़ों विभिन्न तरीकों से साथ–साथ प्रस्तुत

डी.एन.ए

वैज्ञानिकों ने मानव–जीवन की संरचना का ताना बाना खोल लिया। उन्होंने मनुष्य के शरीर की रचना, प्रकृति और गुण–दोषों को निर्धारित करनेवाले जीन समूह का पूरा नक्शा उतारने में ऐतिहासिक सफलता पाई है। यह एक प्रकार से मानव जीवन को विज्ञान के हाथों में सौंप देने की शुरूआत भी कही जा सकती है। पूरी संभावना है कि अब आदमी बुढ़ापे और मृत्यु से लड़ सकेगा। दूसरी ओर, माता–पिता तीन विज्ञान के जरिए अपनी भावी संतान के लिए अच्छी–अच्छी विशेषताओं और गुणों का निर्धारण कर सकेंगे।

यह सफलता ब्रिटेन के वैज्ञानिकों ने राष्ट्रीय स्वास्थ्य संस्थान के नि.. [illegible]
ह्यूमैन जेनोम प[illegible]
के बाद हासिल की है। इस परियोजना में अमरीकी संस्थान सेलेरा जेनोमिक्स कोरपोरेशन के अध्यक्ष और मुख्य विज्ञान अधिकारी डा. क्रेग वेन्टर तथा ब्रिटिश सैंजर सेंटर के निदेशक डा. जोन सल्सटन का भी महत्वपूर्ण योगदान रहा। उनके अलावा फ्रांस, जर्मनी, जापान और चीन के वैज्ञानिक भी उनके साथ दिमाग खपा रहे थे। जीन वह किताब है जिसके 'पत्रों' पर वैज्ञानिक भाषा में वह सब लिखा हुआ है जो दूसरों से हमारे अलग होने या जो हम नहीं हैं उसके कारणों की सारी जानकारी को बताती है या फिर यह भी बताती है कि किसी व्यक्ति विशेष को किन कारणों ने 'अच्छा' या 'खराब' बनाया है अथवा कोई स्वस्थ या बीमार क्यों है और जब इतना सब जाना जा सकेगा तो फिर किसी मनुष्य को बीमारी से छुटकारा दिलाना और उसे बीमार बनाना भी विज्ञान के लिए संभव हो जाएगा। बीमार होने से पहले ही बीमारी की रोकथाम हो सकेगी और स्थायी इलाज भी संभव हो जाएगा। यह भाषा गुणसूत्रों (क्रोमोसोम्स) पर लिखी होती है।

जीन का रहस्य खोलने के लिए वैज्ञानिकों ने डीएनए का निर्माण करने वाली 3.1 अरब आधारभूत युग्मों या उप–इकाइयों को क्रमबद्ध किया। इस डीएनए (डीओक्सीरीबोन्यूक्लिक एसिड) में भी लगभग 50,000 जीन समाए होते हैं, हालांकि इनकी सही संख्या अभी भी पता नहीं है। डीएनए कोशा के भीतर मौजूद न्यूक्लियस है जिसमें जीवन की इबारत लिखी होती है। डीएनए में एडेनाइट, थाइमीन, गुएनाइन और सिस्टोसाइन युग्म कश रूप में मौजूद होते हैं तथा इनको न्यूक्लियोटाइड कहते हैं। यही जीवन संरचना का आधार हैं। लेकिन इन युग्मों की गठन प्रक्रिया बहुत जटिल है। एक–दूसरे से जुड़ने की इनकी प्रक्रिया भिन्न–भिन्न होती है। वैज्ञानिकों ने इन्हीं युग्मों को क्रमबद्ध करने के बाद उनका अध्ययन किया और इस सफलता का द्वार खोला। हर तीन युग्मों का समूह एमीनो एसिड के निर्माण पर नियंत्रण रखता है। एमीनो एसिड प्रोटीन निर्माण करते हैं और इन प्रोटीनों से ही कोशिकाओं, हारमोनों और शरीर के अन्य तमाम अवयव बनते हैं। हर औसत जीन में करीब एक हजार एमिनो एसिड्स होते हैं। किसी आदमी की आंखें यदि नीली हैं या वह कैंसर का मरीज है तो उसके लि[illegible] अकेली जीन नहीं कारण नहीं होती है वरन् यह क[illegible] अधिक जटिल प्रक्रिया है। जीन की पहचान कर लेने[illegible] उनके द्वारा बनाए जाने वाले प्रोटीन की पहचान भी वै[illegible] के लिए आसान हो जाएगी जिससे यह मालूम हो[illegible] सकेगा कि कौन सी जीन किस प्रकार का प्रोटीन ब[illegible] और वह शरीर में क्या काम करता है। इसके दो[illegible] परिणाम होंगे। एक, जीन में मौजूद कमी या खामी[illegible] करना संभव होगा और दो, चिकित्सक ऐसी बीमा[illegible] लिए दवाएं ईजाद कर सकेंगे जो अब तक लाइलाज[illegible] कैंसर, हृदय रोग, एड्स और अलझीमर आदि।

इस शोध परियोजना से जुड़े एक वैज्ञानिक जो[illegible] का तो कहना है कि अब 'अमरत्व' प्रदान करना [illegible] जाएगा अर्थात् किसी व्यक्ति की आयु को कम नहीं, [illegible] साल लंबा भी किया जा सकेगा। उनके अनुसार [illegible] इससे दुनिया में आबादी बढ़ने और पीढ़ियों के बीच [illegible] आशंकाएं भी जन्म लेंगी। आलोचकों का कहना है [illegible] शोध की बदौलत जैविक भेदभाव का खतरा ज्या[illegible] क्योंकि माता–पिता जीन में परिवर्तन के जरिए भावी[illegible] के लिए शरीर की आकृति, रूप–सौन्दर्य, प्रति[illegible] विशिष्टताओं की मांग करेंगे। इसी तरह बीमा कंपनिय[illegible] डालर बचा सकेंगी क्योंकि किसी व्यक्ति की जीन[illegible] पहले से ही बता देगी कि उसे कब क्या बीमारी हो[illegible]

क्या करता है जीन

* मानव जीनोम में 50 हजार से ज्यादा जी[illegible] लेकिन ठीक–ठीक कोई नहीं बता सकता कि कुल[illegible] जीन हैं। जीनोम पर व्यक्ति की संरचना निर्भर करती[illegible] तय होता है कि कोशिकाएं किस तरह काम करेंगी।
* प्रत्येक व्यक्ति की जीन संरचना दूसरे व्यक्ति से[illegible] होती है – लेकिन जुड़वां बच्चों में, समान जीन संर[illegible] सकती है। किसी भी व्यक्ति में आधे जीन माता से औ[illegible] पिता से आते हैं।
* कोशिकाएं अपने कार्य संचालन, मरम्मत, र[illegible] विभाजन के लिए जिन प्रोटीनों का इस्तेमाल कर[illegible] जीन के निर्देश पर ही बनते हैं। जीन प्रत्येक कोशि[illegible] केंद्रक में क्रोमोसोम में होते हैं।
* किसी भी व्यक्ति में 22 क्रोमोसोम के अल[illegible] अतिरिक्त क्रोमोसोम लिंग निर्धारण वाले होते हैं – एक[illegible] वाई। स्त्री में ऐसे दो एक्स क्रोमोसोम होते हैं, जबकि [illegible] एक एक्स क्रोमोसम होता है और एक वाई।

एक बार किसी जीन विशेष का शरीर की खास [illegible] से संबंध स्थापित हो जाए तो फिर वैज्ञानिक इस ज[illegible] संशोधित कर, ठीक कर या बदलकर या फिर इसस[illegible] वाले प्रोटीन को अलग तरह से बनाकर शारीरिक [illegible] का इलाज कर सकते हैं।

भोजन की कैलोरी मात्रा

भोजन	मात्रा	कैलोरी
सेव	1	70
खूबानी	3	50
बीन्स	1/2 कप	15
ब्रेड (सफेद)	1 स्लाइस	70
फूल गोभी	1 कप	20
उबली पत्ता गोभी	1/2 कप	15
उबले गाजर	1/2 कप	20
सेरियस भूसी	1 आउंस	70
मक्का	1/2 कप	70
ककड़ी–खीरा	1	43
ताजे मशरूम	1/2 कि. ग्रा	125
संतरा	1	65
जमे हुए मटर	1/2 कप	60
नाशपाती	1	100
आलू	1	90
उबले पालक	1/2 कप	20
सब्जियों का रस	1/2 कप	20

आपूर्ति करता है । कुछेक वसा, विशेष रूप से वनस्पति तेल, शरीर को आवश्यक वसायुक्त अम्लों, लीनोलीइक, ऐराकिडानि अम्ल प्रदान करते हैं ।

रुधिर में परिसंचरण करने वाले वसा कई प्रकार के होते हैं – ट्राइग्लिसराइड, फास्फोलिपिड आदि । उपभोग की गई वसा की मात्रा और गुणवत्ता रुधिर में कोलेस्ट्राल के स्तर को प्रभावित करती है। बहु–असंतृप्त वसायुक्त अम्लों का उच्च अनुपात रखने वाले मूंगफली के तेल, तिल्ली के तेल या करडी के तेल जैसे कुछेक वसा रक्त में कोलेस्ट्राल के स्तर को बहुत अधिक नहीं बढ़ाते । नारियल का तेल, मक्खन, और हाइड्रोजनकृत वनस्पति तेल (वनस्पति घी) जैसी वसा में उच्च अनुपात में संतृप्त वसायुक्त अम्ल होते हैं ये कोलेस्ट्राल स्तरों को बहुत अधिक बढ़ा देते है । यह पाया गया है कि एक ही बार में अधिक मात्रा में वसा के उपभोग की तुलना में विभिन्न अवसरों पर वसा के कम परिमाण का उपभोग कोलस्ट्राल में कम वृद्धि करता है । कार्वोहाइड्रेट में प्रत्येक प्रकार के स्टार्च व शर्करा शामिल है। अनाज वाले खाद्य पदार्थों में अधिकाधिक रूप में स्टार्च होता है और गन्ने तथा ग्लूकोज़ विशुद्ध हैं । ये शरीर को ऊर्जा देने वाले मुख्य स्रोत हैं । ऊर्जा का सस्ते स्रोत होने के कारण भारतीय आहार में कार्वोहाइड्रेट की मात्रा अधिक होती है । संतुलित आहार का सरल तात्पर्य उस आहार से है, जो हमें शरीर की संवृद्धि और विकास के लिये सभी आवश्यक पोषक तत्व प्रदान करें। संतुलित आहार अत्यावश्यक हो गया है क्योंकि अधिकांश भारतीय ऐसे भोजन का उपभोग करते हैं, जिसमें प्रोटीन की अपेक्षा कार्वोहाइड्रेट और वसा अधिक मात्रा में होती है । भोजन की मात्रा आयु और कार्य के प्रकार के अनुसार भिन्न–भिन्न होगी । बृहत् पोषक कहलाने वाले प्रोटीन, वसा व कार्वोहाइड्रेट से भिन्न विटामिन और खनिज सूक्ष्म पोषक कहलाते है ।

विटामिनों को मोटे तौर से वसा विलेय और जल विलेय विटामिनों में विभाजित किया जा सकता है । विटामिन 'ए', 'डी', 'ई' और 'के' वसा विलेय विटामिन है, जबकि विटामिन 'सी' और 'बी' (विटामिन बी–1, बी–2 व अन्य बी समूह के विटामिनों सहित) जल विलेय विटामिन हैं । उपापचय में विटामिन आवश्यक सहकारी है । विटामिन विभिन्न आक्सीकारी एंजाइम के भागों के रूप में विशिष्ट प्रोटीनों को संयोजित करते हैं, जिनका संबंध शरीर में कार्वोहाइड्रेट प्रोटीन और वसा के भंजन से है । इस प्रकार वे उस तंत्र में घनिष्ट रूप से शामिल हैं, जो उपापचय के अंतिम उत्पाद के रूप में ऊर्जा, कार्वन डाईआक्साइड व जल का मोचन करते हैं । शरीर में अधिसंख्य खनिज हैं, जो विभिन्न प्रकार के कार्य करते हैं । शरीर का 4 प्रतिशत भाग खनिज के कारण है। चूना और फास्फोरस लगभग तीन चौथाई खनिज तत्वों के रूप में हमारे शरीर में होते हैं । पांच अन्य खनिज यथा – पोटेशियम, गंधक, सोडियम, क्लोरीन और मैग्नीशियम का अंश और शेष अन्य खनिजों के रूप में होते हैं । बहुत से तत्व इतनी सूक्ष्म मात्राओं में होते है कि उन्हें सूक्ष्म मात्रिक तत्व या सूक्ष्म पोषक कहा जाता है ।

जल आहार का महत्वपूर्ण घटक है । एक औसत व्यक्ति में 45 लीटर जल (शरीर भार का 70 प्रतिशत) होता है। कोशिकाओं में 30 लीटर जल होता है । तीन लीटर जल रुधिर के प्लाज्मा में होता है । जहां निलंबित कोशिकायें 5 लीटर तक के कुल आयतन में रुधिर का निर्माण करती हैं। शेष 12 लीटर (45–33) कोशिकाओं के समूहों के बीच के स्थान में भरा रहता है। यह ऊतक तरल है जो शरीर की सभी कोशिकाओं को स्नान कराता है ।

उपभोग किये गये भोजन के पाचन और अवशोषण के लिये जल नितांत आवश्यक होता है । यह शरीर में अत्यधिक विलायक और निष्प्रभावक है । यह एक ऐसा पदार्थ है जिसमें शरीर की रासायनिक प्रतिक्रियायें घटित होती हैं । जल सभी

भारतीय भोजन का प्रोटीन मूल्य

खाद्य पदार्थ	जैविक मूल्य	प्रोटीन–क्षमता अनुपात
चावल	68	2.2
गेहूं	65	1.5
मक्का	59	1.2
चना	68	1.7
लाल चना	57	1.5
मूंगफली	55	1.7
तेल	62	1.8
अंडा	94	3.9
दूध	84	3.1
मांस	74	2.3
मछली	76	3.5

विटामिन/खोज वर्ष	प्रमुख शारीरिक कार्य	कमी होने पर प्रभाव
वसा में घुलने वाला विटामिन 'ए' (रेटिनोल) 1913	सामान्य विकास, आंख की कोशिकाओं के सामान्य कार्य और दांत व हड्डियों के विकास के लिये। रात्रिअंधता को भी दूर करता है।	विकास रुक जाता है, रोगों का संक्रमण आसानी से हो जाता है। पाचन असमान्यता वढ़ जाती है, प्रजनन अंगो में दोष व श्वासनलिका में रुकावट हो जाती है।
विटामिन 'डी' (कोलेकाल्सिफेरोल) 1925	आंतो से कैल्शियम और फास्फोरस के शरीर द्वारा ग्रहण करने का संयोजन करता है	हड्डियों और दांतो के निर्माण में कैल्शियम और फास्फोरस की उपयुक्तता के प्रभावित करता है। हड्डियों की अनेक वीमारियां हो जाती हैं।
विटामिन 'ई' (टोकोफिरोल्स) 1936	ऊतक, कोशिकाओं के आवरण, की सुरक्षा और विटामिन ऐ को नष्ट होने से वचाता है। लाल रक्त कणिकाओं को मजवूत करता है।	लाल रक्त कणिकाओं में कमी आ जाती है और यह टूटना शुरु हो जाती हैं।
विटामिन 'के' (फाइटोमिनाडियोन) 1935	प्रोथोम्विन के निर्माण और रक्त के थक्का वनने की प्रक्रिया के लिए जरूरी	रक्त के थक्का वनने में ज्यादा समय लगता है। रक्तस्राव की संभावना वढ़ जाती है।
जल में घुलने वाले विटामिन विटामिन वी-1 (थाइमिन) 1936	वसा के मेटावोलिज्म में महत्वपूर्ण सहायता, पाचन नली और तंत्रिका तंत्र के सामान्य कार्य के लिये जरूरी।	भूख की समाप्ति, शर्करा और स्टार्च के पाचन में परेशानी, मानसिक असंतुलन, मांसपेशियों में सामंजस्यता की कमी।
विटामिन वी-2 (राइवोफ्लेविन) 1935	कोशिकीय आक्सीकरण और विशिष्ट इन्जाइमों के निर्माण के लिये जरूरी। मुंह की लार झिल्ली व जवान को नष्ट होने से वचाता है।	सामान्य विकास में बाधा, ग्लासिटीज वीमारी का वड़ा कारण, आंख की वीमारी, या मोतियाबिंद।
विटामिन वी-6 (पायरीडाक्सिन) 1934	अन्य विटामिन वी की तरह कार्य करता है। प्रोटीन, वसा और कार्वोहाइड्रेट को तोड़ता है। ट्रिप्टोफान से नियासिन के निर्माण में उत्प्रेरक का काम करता है।	कमी से शरीर में खुजली, ऐंठन होती है। त्वचा में खुश्की होती है।
विटामिन वी-12 (सियानोकोवालामिन) 1948	लाल रक्त कोशिकाओं के विकास के लिये जरूरी, त्वचा, तंत्रिका ऊतक हड्डी और मांसपेशियों के लिये जरूरी।	घातक एनीमिया, कमजोरी, खाल का फटना, दर्द के साथ फंटे हुए होंठ।
विटामिन सी (एस्कार्विक एसिड) 1919	शरीर के अवयवों को मजवूती देने (दांत, हड्डी कार्टिलेज आदि) घाव के जल्दी भरने व हड्डी के जुड़ने में तेजी।	संक्रमण में तेजी, दांत की कैविटी का होना, पायरिया व दांतों से खून का निकलना आदि। घाव का देर से भरना, व स्कर्वी वीमारी।

विटामिन वी में अन्य विटामिन इस प्रकार हैं : नाइकोटिनिक एसिड, पैंटोथिनिक एसिड, फोलिक एसिड, वायोटिन, लिपोइक एसिड, कोलीन और इनोसिटोल।

कोशिकों और शरीर पदार्थों का वाहक है । यह शरीर के तापक्रम को नियमित करता है । यह शरीर में अत्यधिक शोधन करने वाला साधन है और अश्रु, स्वेद, मूत्र और मल के रूप में अवशिष्ट द्रव्य को वाहर निकालता है । जल पूर्ण पदार्थ शरीर में, विशेष रूप से जोडों में, स्नेहक का काम करते

अम्ल-रक्तता, क्षारमयता, निर्जलीकरण, [illegible] यूरीमिया और अपच आदि शरीर में लवण व [illegible] अपर्याप्तता के चिकित्सीय लक्षण है । [illegible] पीते है, जो ठोस पदार्थ हम खाते हैं [illegible] को जल प्राप्त होता है । वसा व [illegible]

...रमा (उत्तल)	1289		वेनि...
चाक (पाट्‌र्स व्हील)	ल. 6500 ई. पू.		एशि...
जहाज (समुद्री)	ल. 7250 इ.पू.	यूनानी जहाज	
जहाज (वाष्प)	1775	जे.सी. पेरियर	
जहाज (टरवाइन)	1894	मान. सर. सी. पारसन्स	
गाइरो दिग्सूचक	1911	एलमर ए. स्पेरी	
ज़िप	1891	डब्ल्यू एल. जुडसन	
जेट इंजन	1937	सर फ्रैंक व्हिटल	
जोड़यंत्र	1623	विल्हेल्म स्किकार्ड	
टाइपराइटर	1808	पेलग्रिन टैरी	
टेरिलिन	1941	जे. आर. विनफील्ड, जे. टी. डिक्सन	
टेलीफोन (अपूर्ण)	1849	अन्तोनिये म्यूची	
टेलीफोन (पूर्ण)	1876	एलैक्जैंडर ग्राहम वेल	अ...
टेलिविजन (यांत्रिक)	1926	जान लेगी वेयर्ड	
टेलिविजन(इलेक्ट्रानिक)	1927	पी. टी. फांसवर्थ	अ...
टैंक	1914	सर अर्नस्ट स्विंगटन	
ट्रांजिस्टर	1948	वार्डीन, शाक्ली व ब्रैटाइन	अम...
ट्रांसफार्मर	1831	माइकेल फैरेडे	...
डाइनमो	1832	हाइपोलाइट पिक्सी	...
डिस्क ब्रेक	1902	डा. एफ. लैंचेस्टर	ब्रि...
डीजल इंजन	1895	रुडाल्फ डीजल	ज...
तडित् चालक	1752	वेंजमिन फ्रैंकलिन	अमरी...
तांवे का काम	ल. 4500 ई.पू.	(प्राचीन प्रगलन स्थान)	
तार संचार	1787	एम. लमान	फ्र...
तार संचार कोड	1837	सामुएल एफ. वी. मोर्स	अमरी...
थर्मामीटर	1593	गेलीलियो गैलिली	इट...
दूरबीन	1608	हैन्स लाइपशे	नीदरलैंड
द्विफोकसी लेन्स	1780	वेंजामिन फ्रैंकलिन	अमरीक...
धुलाई की मशीन (विजली)	1907	हर्लो मशीन कंपनी	अमरीक...
नियान लैंप	1910	जार्जस क्लाड	फ्रांस
नाइलान	1937	डा. वी. एच. करोथर्स	अमरीका
न्यूट्रान वम	1958	सैमुएल कोहेन	सं.रा. अमरीका
पनडुब्बी	1776	डी. वशनेल	अमरीका
पवन चक्की	ल. 3300 ई.पू.	सुमेरियन सभ्यता	
पावर लूम	1785	ई. कार्टराइट	ब्रिटेन
पास्वेरीकरण	1867	लुई पास्तर	फ्रांस
पार्किंग मीटर	1935	कार्लटन सी मैगी	अमरीका
पिरामिड	ल. 2685 ई.पू.		मिस्र
पैराशूट (हवाई छतरी)	1797	ए. जी. गार्नरिन	फ्रांस
पैरालल कंप्यूटिंग	1979	सर्मर क्रे व डेविड जेलर्नेट्स	सं. रा. अनरीका
...	851	सबसे पहले चीन में प्रचलित था	
... प्रेस	1455	जोहान गुटेन वर्ग	जर्मनी
... रोटरी	1846	रिचर्ड हो	सं. रा. अमरीका
... (वेव–फैड रोटरी)	1865	विलयम वुलक	सं. रा. अमरीका
...र (जहाज)	1837	फ्रैंसिस स्मिथ	ब्रिटेन
... पेन	1884	लेविस ई. वाटरमैन	अमरीका
...फल्म (मूक चलचित्र)	1885	लुई प्रिंस	फ्रांस
फिल्म (वोलपट)	1922	जे. एंगल, जे. मुसोली व एच. वागट	जर्मनी
फिल्म (संगीत ध्वनियुक्त)	1923	डा. ली. दे. फारस्ट	अमरीका
फोटोग्राफी (धातु पर)	1826	जे. एन. नीप्स	फ्रांस
फोटोग्राफी (कागज़ पर)	1835	डब्लयू एच फाक्स-टालवोट	ब्रिटेन
,, (फिल्म पर)	1888	जान कारवट	अमरीका
वनसन वर्नर	1855	आर. विल्हेल्म वान वुंसन	जर्मनी
वर्गलर अलार्म	1858	एडीवन टी. होल्मस	अमरीका
विजली का लैंप	1879	थामस आलवा एडीसन	अमरीका
विजली की मोटर (डी.सी)	1873	जेनावे ग्रामे	वेलजियम
,, (ए. सी)	1888	निकोला टेसला	अमरीका
वैकलाइट	1907	लियो एच. वैंकलैंड	वेलजियम
वैरोमीटर	1644	इवांजलिस्टा टारिसेली	इटली
वैलून (गुब्बारा)	1783	जाक व जोसफ़ मांटगोल्फर	वेलजियम

भाप का इंजन	1698	थामस सेयरी	ब्रि
भाप का इंजन (पिस्टन)	1712	थामस न्युकामेन	ब्रि
'' (कंडेन्सर)	1765	जेम्स वाट	ब्रि
मशीनगन	1718	जेम्स पकल	ब्रि
माइक्रोप्रोसेसर	1971	रायर्ट नोयस व गार्डन मूर	अमरी
माइक्रोफोन	1876	एलेक्जेंडर ग्रहामवेल	अमरी
मानचित्र	ल. 3800 ई. पू.	सुमेरिया	
मागराइन (कृत्रिम मक्खन)	1869	हिपालाइट एम. मूरिस	फ्र
मुद्रणयंत्र	ल. 1455	जोहान गुटनवर्ग	जर्म
''(रोटरी)	1846	रिचर्ड हो	अमरी
मोटर साइकिल	1885	जी डैमलर कान्सटाट के	जर्म
रवड़ (लैटक्स फोम)	1928	डनलव रवर कम्पनी	ब्रिटे
'' (टायर)	1846	थामस हानकाक	ब्रिटे
'' (वल्कनीकृत)	1841	चार्ल्स गुडइयर	अमरीक
'' (जलसह)	1823	चार्ल्स मकिनटोश	ब्रिटे
रिकार्ड (लांगप्लेइंग)	1948	डा. पीटर गोल्डमार्क	अमरीक
रुविक क्यूव	1975	प्रो. एर्नो रुविक	हंगर
रेज़र (विजली का)	1931	कर्नल जेकव स्किक	अमरीक
'' (सेफ्टी)	1895	किंग सी गिलेट	अमरीक
रडार	1922	ए. एच. टेलर व लियो सी. यंग	अमरीक
रेडियो तार संचार	1864	डा. महलोन लूमिस	अमरीक
'' (पार अटलांटिक)	1901	जी. मार्कोनी	इटली
रेफ्रीजिरेटर	1850	जैम्स हैरीसन व एलेक्जेंडर कैटलीन	अमरीका
रेयान	1883	सर जोसफ स्वेन	ब्रिटेन
रेशम उत्पादन	ल. 50. ई.पू.		चीन
लाउड स्पीकर	1900	होरेस शार्ट	ब्रिटेन
लांड्रेट	1934	जे. एफ. कंट्रेल	अमरीका
लिफ्ट (यांत्रिक)	1852	एलिशा जी ओटिस	अमरीका
लिनोलियम	1860	फ्रेडरिक वालटन	ब्रिटेन
लेखन	3500 ई.पू.	सुमेरियन सभ्यता	
लेसर	1960	डा. चार्ल्स एच. टोन्स	अमरीका
लोकोमोटिव	1804	रिचर्ड ट्रवथिक	ब्रिटेन
लोहे का काम (कार्वराइज्ड)	ल. 1200 ई.पू.	सैपरस एण्ट नोरत पालस्तीन	
वायुयान	1903	ओरिविल व विलयर राइट	अमरीका
वायुयान (अदृढ़)	1852	हेनरी जिफार्ड	फ्रांस
''(दृढ)	1900	जी. एफ. वान जेपलिन	जर्मनी
विद्युत चुंबक	1824	विलियम स्टर्जन	ब्रिटेन
वेल्डर (विजली)	1877	एलीशा थामसन	अमरीका
शौचघर	1589	जे. हैरिंगटन द्वारा निर्मित	ब्रिटेन
साइकिल	1839–40	किर्क पैट्रिक मैकमिलन	ब्रिटेन
साइकिल टायर (वायवीय)	1888	जान वायड डनलप	ब्रिटेन
सिनेमा	1895	निकोलस व जीन लूमियर	फ्रांस
सिलाई की मशीन	1829	वर्थलमी थिमोनियर	फ्रांस
सीमेंट (पोर्ट लैंड)	1824	जोसफ आस्पडिन	ब्रिटेन
सेफ्टीपिन	1849	वाल्टर हंट	अमरीका
सूक्ष्मदर्शी (माइक्रोस्कोप)	1590	जेड जेनसन	नीदरलैंड
सेफटी मैचिस	1826	जानवाकर	ब्रिटेन
सेलोफेन	1908	डा. जे. ब्रैंडनबेर्गर	स्विट्जरलैंड
सेलूलाइड	1861	एलेक्जेंडर पार्क्स	ब्रिटेन
सेल्फ स्टार्टर	1911	चार्ल्स एफ केटरिंग	अमरीका
स्काच फीता	1930	रिचर्ड ड्रू	अमरीका
स्टील उत्पादन	1855	हेनरी बेसेमर	ब्रिटेन
स्टेनलेस स्टील	1913	हेरी ब्रेयरले	ब्रिटेन
स्लाइड रुल	1621	विलियम आफ्ट्रेड	ब्रिटेन
हाइड्रोजन वम	1952	एडवर्ड टेलर	
हेलीकाप्टर	1924	एटीन आहमिशेन	
होवर क्राफ्ट	1955	सी. एस. काकरील	
हृदय कृत्रिम	1957	विलियम कोल्फ	

आधार: गिनिस बुक आफ आन्सर्स

कृत्रिम नाभिकीय विस्फोट

परमाणु हथियार अपनी मारक क्षमता को विखंडन प्रक्रिया से प्राप्त करते हैं। इस प्रक्रिया में जब भारी न्यूक्लियस का विखंडन (फिशन) या जब हल्के न्यूक्लियर को जोड़ा जाता है (फ्यूजन) तब भारी मात्रा में ऊर्जा का विसर्जन होता है। विखण्डन के आरंभ के लिए, भारी तत्व के न्यूक्लियस पर न्यूट्रान्स की भारी बमबारी की जाती है। न्यूक्लियस दो तत्वों में विखंडित होता है जो ऊर्जा के साथ दो या अधिक न्यूट्रान का विमोचन करता है। प्रत्येक न्यूट्रान में पर्याप्त मात्रा में ऊर्जा होती है जो दूसरे भारी न्यूक्लियस में फैलता है और यह प्रक्रिया लगातार होती रहती है। यह क्रमिक प्रतिक्रिया का आधार है जो नाभिकीय हथियारों को संभव बनाती है। यह इतनी तीव्र गति से संचालित होती है कि प्रत्येक न्यूट्रान एक सेकन्ड के दस बिलियन भाग में दुगुने हो जाते हैं और पूरी प्रतिक्रिया एक सेकेण्ड के कुछ बिलियन भाग में ही संपन्न हो जाती है। ऊर्जा के उत्पादन का परिणाम, आरंभ की प्रतिक्रिया से मिलियन समय से भी अधिक तेज होता है। उदाहरणार्थ 0.45 किलोग्राम यूरेनियम के विखंडन से छोड़ी गई ऊर्जा 3000 टन कोयले के जलने या 9000 टन टी.एन.टी के विस्फोट से प्राप्त ऊर्जा के बराबर होती है।

समस्थानिक यूरेनियम–यू–235 ऐसा तत्व है जो न्यूक्लियर की क्रमिक प्रतिक्रिया को रोकने में सक्षम है, जबकि यह मात्र 0.7 प्रतिशत प्राकृतिक यूरेनियम का निर्माण करती है। एक अन्य विखंडित तत्व प्लूटोनियम 239, जिसका निर्माण अतिरिक्त न्यूट्रान से होता है, जो यू 235 में पाया जाता है, यह यूरेनियम 238 से अधिक स्थायी होती है। यूरेनियम 235 और प्लूटोनियम–239 दोनों का उपयोग विखंडन या परमाणु बम के उत्पादन के लिए किया जाता है।

विस्फोटक विखण्डन प्रतिक्रिया का परमाणु बमों के उपयोग में कम से कम नाजुक द्रव्यमान की आवश्यकता होती है। वस्तु की कम से कम मात्रा जब एक बार प्रेरित कर तो स्वाभाविक, क्रमिक लगातार प्रतिक्रिया से संचालित [illegible] एक अविस्फोटित आटमिक बम नाजुक द्रव्यमान का एक जगह पर आरंभ कर देते हैं तो आकस्मिक रूप से [illegible]न की क्रमिक प्रतिक्रिया आरंभ हो जाती है और न्यूक्लियर [illegible] का कारण बनती है। इसीलिए नाजुक द्रव्यमान को व्यावहारिक रूप से ऊपरी सीमा पर रखा जाता है। उसकी मात्रा आरंभिक बम के अनुरूप रखी जाती है। आकस्मिक विस्फोट को रोकने के लिए, परमाणु बम में दो अलग भाग होते है और प्रत्येक में उपनाजुक द्रव्यमान रहता है। जब बम का विस्फोट नहीं करना है, इन दोनों भागों को संयोजित कर दिया जाता है और केन्द्रीय विस्फोट को प्रतिबंधित कर दिया जाता है, इसके चारों तरफ एक अति नाजुक द्रव्यमान उत्पन्न कराया जाता है। यह द्रव्यमान काफी मात्रा में और गाढ़ा होता है। यह न्यूट्रान के फैलने के अवसर को कम करता है।

संलयन परमाणु बम हथियार जैसे कि हाइड्रोजन या एच–बम में हल्के केन्द्रक को उच्च तापक्रम पर संलयित होने के लिए बाध्य किया जाता है, फलस्वरूप यह भारी केन्द्रक बन जाता है। यह इलेक्ट्रान सहित भारी ऊर्जा का विमोचन करता है। इसे थर्मोन्यूक्लियर रिएक्शन कहा जाता है। इसमें उसी प्रक्रिया को अपनाया जाता है जिस प्रकार सूर्य या दूसरे तारे गर्मी और प्रकाश का उत्पादन करते है। दो नाभिकों के आपस में मिलने से प्रतिक्रिया आरंभ हो जाती है। एक आरंभिक विस्फोटक बम साधारणत ही निशाने पर लगाया जाता है। हाइड्रोजन और डिटेरियम का उपयोग किया जाता है। संधि संलयन प्रतिक्रिया विखण्डन प्रतिक्रिया की तुलना में एक यूनिट में 4 गुना अधिक ऊर्जा का उत्पादन करती है। इसके अतिरिक्त, संधि संलयन बमों की जगह हजारों गुना अधिक ऊर्जा का निर्माण करती है। इनके विनाश की क्षमता को बढ़ाने के लिए सामान्य यूरेनियम के साथ थर्मोन्यूक्लियर बम भी लगा दिये जाते हैं। जब बमवर्षा की जाती है तब यूरेनियम विखण्डित हो जाता है जिससे उच्च उर्जा वाले न्यूट्रान, संधि संलय प्रतिक्रिया प्रारंभ कर देते है। जो उच्च रेडियोधर्मी विस्फोट का कारण बनता है।

कंप्यूटर अनुकरणीय नाभिकीय विस्फोट क्या है? नाभिकीय विस्फोटों का अनुकरण, कंप्यूटर अनुकरणीय कोई प्राकृतिक घटना, बड़ी संशलीष्टता के आदर्श पर आधारित है, लेकिन अब कुछ वास्तविक तत्वों पर आधारित है क्योंकि इस समय निश्चित कंप्यूटर जैसे स्रोत उपलब्ध है। एक नाभिकीय विस्फोट प्रतिक्रिया की कल्पना कीजिए जहां पर न्यूट्रानों के विस्फोटों को नियन्त्रित किया जाता है। यह सर्वविदित बात है। इसमें अवफोटन और ऊर्जा नियन्त्रण की समस्याओं की कुछ भौमिक अनुरूपता होती है, लेकिन वे भिन्न होती हैं। इन्हें अति ऊर्जा में उत्पादित किया जाता है। ये संघर्ष को दबा लेती हैं और ऊर्जा की सघनता को स्वीकार कर लेती है। उन्हें एटम से संचालित करके विखण्डित तत्वों में उत्पादित किया जाता है।

अनुकरण का आरंभ 'सतता के समीकरण' से होता है जिसमें दी गई मात्रा के न्यूट्रान की संख्याओं में परिवर्तन की गति, परिमाण में उत्पादन की गति में प्राप्त न्यूट्रान से ऋणात्मक होती है और इसकी सीमाएं बढ़ती है। अधिकांश मामलों में प्रायोगिक आंकडे के आकलन का आरंभ चाहते हैं। समयनिष्ठ समीकरण, थर्मलाइजेशन से संबन्धित होते हैं। विस्फोट से उत्पादित न्यूट्रान और उसके उत्सर्जन व्यवस्थित हो जाते हैं। परमाणु अस्त्रों में स्थिति के अनुसार सुधार लाया जा सकता है। जैसा कि ज्ञात है कि विघटन के लिये क्रास सेक्सन अलग–अलग हैं, कम क्षमता के पदार्थ, परावर्तक और स्त्रोतों का प्रयोग किया जा सकता है।

कंप्यूटर का नमूना भी इसी सिद्धान्त पर आधारित है। इसकी दशा का प्रदर्शन, अनुकरणीय वितरण, गति में वृद्धि, विस्फोटन से अलग, 2 पक्षीय या 3 पक्षीय यथार्थ दृष्टि और कंप्यूटर

संचालन की नकल, फोटोजनित स्थान इस प्रक्रिया को बहुरूपता प्रदान करेगी। इन सिद्धान्तों का उपयोग करके इसे विविधता प्रदान की जाएगी। अन्य प्रकियाएं जैसे थर्मोन्यूक्लियर प्रतिक्रिया भी इसमे जोड़ी जाएगी, जो न्यूक्लियर को संसाधित करेगी। इसकी भी कल्पना की गई है या जान लिया गया है।

ऐसे ही अनुकरण की कल्पना दयाव, तापक्रम एवं दृष्टि के लिए भी कंप्यूटर कैसे जटिल आकलनों को सरल करके उसके अनुकरण करता है। प्रथम स्तर पर, भौतिक सिद्धातों के गणितीय विश्लेषण, नमूने के संचालन से समीकरण के रूप में व्यक्त होता था। इसमें प्रायः जटिलता होती है क्योंकि इसमें अनेक पैरामीटर्स का सहारा लेना पड़ता था।। इसके बाद कंप्यूटर पर्यावरण रूप से कार्यक्रम को, समीकरण को, और उत्पादित संख्यीय परिणामों को सरल करने लगा अब ये देखने योग्य है।

नामिकीय अनुकरण में, वास्तविक चीजों में इसकी तुलना यह दिखाएगी कि प्राथमिक कल्पनाएं तार्किक हैं। क्या अनुकरणीय नामिकीय विस्फोट पैरामीटर के परिवर्तन का वास्तविक चित्र देगा? विषम परिस्थितियों जैसे अत्यधिक दयाव, तापक्रम आदि परिस्थितियों में उसके क्रमिक अध्ययन सुगम होंगे। इसका ग्राफिकल संचालन उच्च पूर्णता की दशा तक पहुंच गया है। इसमें समस्या के पुनः सरलीकरण और स्मृति की भी क्षमता है। अनुकरणीय दशाओं में नुकसान और तापक्रम से बचाते हुए सही समय पर विस्फोट का संकेत देते हैं।

अनुकरण का सिद्धान्त कितना विश्वसनीय है? इस प्रकार के प्रयोगों का परिणाम संतोषजनक है। उदाहरण के लिये बोइंग जेट विमान की वर्तमान नमूने की आकृति पूरी तरह से कंप्यूटर अनुकरण पर आधारित है और इसमें किसी मशीनी सहयोग की आवश्यकता नहीं पड़ती है। आयुध के आकार का विस्तार और आधुनिकीकरण तुरन्त आवश्यक है।

मूलतत्व

मूलतत्व ऐसे पदार्थ को कहते हैं जिसे सामान्य रासायनिक पद्धतियों से तोड़ने पर अन्य सरल पदार्थ नहीं मिल सकता मूलतत्व की यही परिभाषा है। मूलतत्व वे मूल–पदार्थ हैं जिनके रासायनिक मिश्रणों से अन्य वस्तुओं का निर्माण होता हैं। प्रकृति में प्राप्त मूलतत्व 92 हैं–सबसे हल्के मूलतत्व हाइड्रोजन (सं.1) से लेकर सबसे भारी मूलतत्व यूरेनियम (सं.92) तक। प्लूटोनियम नामक मूलतत्व (सं.94) यूरेनियम और थोरियम के अयस्कों में सूक्ष्म मात्रा मिलता है।

यूरेनियम से भारी जितने मूलतत्व हैं वे मानव–निर्मित हैं और इन्हें परायूरेनियमिकी कहते हैं । इनका निर्माण न्यूक्लीयर रिएक्टरो या त्वरकों द्वारा होता है अथवा ये हाइड्रोजन बम विस्फोटों के मलवों से अलग किये जाते है । इनमें प्रथम नेप्टूनियम (मूलतत्व 93) हैं जिसकी खोज 1940 में हुई । अधुनातन मूलतत्व (स. 109) है जो 1982 में दर्भस्टाट (प. जर्मनी) में हेविलान शोध संस्थान (जी.एस.आई) द्वारा खोज निकाला गया सं. 103। (1961 तक के मूलतत्व निम्नलिखित सारणी में सम्मिलित हैं।)

मानव–निर्मित मूलतत्व शीघ्र ही अपक्षय को प्राप्त होते हैं। मसलन, मूलतत्व 109 एक सेकंड के पांच हजारवें भाग के समय तक टिका रहता है, फिर वह मूलतत्व 107 बन जाता है । थोड़े ही समय बाद वह अल्फा कण का उत्सर्जन करता है और वह मूल तत्व 105 बन जाता है । इसके बाद नामिक का एक प्रोटान न्यूट्रोन में बदल जाता है । इस प्रक्रिया में वह एक धन इलेक्ट्रान (पाजिट्रान) का उत्सर्जन करता है और मूलतत्व 104 बन जाता है । यह मूलतत्व दो भागों में टूट जाता हैं, इसके साथ अपक्षयण की प्रक्रिया रुक जाती है ।

मूल तत्वो की संख्या उनके परमाणु–नामिकों के [illegible] आधार पर निर्धारित की जाती है । परन्तु परमाणु [illegible] उपस्थित न्यूट्रानों के कारण परमाणुओं के द्रव्यमान [illegible] है जिससे उसके टिकाऊपन तथा रेडियो–[illegible] पड़ता है । समान मूलतत्वों के परमाणुओं में [illegible] न्युट्रान हो सकते हैं । ये उनके आइसोटोप [illegible] परमाणुओं के लिए लगभग 8000 [illegible] परन्तु वास्तव में अब तक 2000 ही ज्ञात है

मुलतत्व	प्रतीक	परमाणु	परमाणु संख्या	आविष्कारक नाम	3 7 9
अर्वियम	ई आर	68	167.3	सी. मोसेंडर	08
आइन्स्टैनियम	ई	99	254.0	ए. खियार्सो एवं अन्य	66
आक्सीजन	ओ	8	16.0	जे. प्रीस्टले	
आयरन (लोहा)	एफ ई	26	55.9		
आयोडीन	आई	53	126.9	बी. कोर्टोयस	
आर्गान	ए	18	39.9	डब्ल्यू. रेमसे [illegible]	
आर्सेनिक	ए एस	33	74.9	ए. [illegible]	
आस्मियम	ओ एस	.76	190.2	एस. टेनंट	
ईंडियम	आई एन	49	114.3	एफ. रीच	

इटर्वियम	वाई वी	70*	173.0	सी. मैरिग्नाक	1878
इरिडियम	आई आर	77	192.2	एस. टेन्नट	1803
इट्रियम	वाई	39	88.9	जे. गैबालिन	1794
एक्टीनियम	ए सी	89	227.0	ए. डबायर्न	1899
एन्टीमनि	एस बी	51	121.8	बी. वलंटाइन	1604
एमेरिशियम	ए एम	95	243.0	जी. सी. वार्ड व अन्य	1944
एल्युमिनियम	ए एल	13	27.0	एफ. वोलर	1827
एस्टैटीन	ए टी	85	210.0	ई. सेग्रे व अन्य	1940
कापर (तांबा)	सी यू	29	63.5		प्रागैतिहासिक
कार्बन	सी	6	12.0		प्रागैतिहासिक
कैडमियम	सी डी	48	112.4	स्ट्रामेयर	1817
कैलीफोर्नियम	सी एफ	98	251.0	एस. थामसन व अन्य	1950
कैल्शियम	सी ए	20	40.1	एच डेवी	1808
कोबाल्ट	सी ओ	27	58.9	जी. ब्रांट	ल. 1735
क्यूरियम	सी एम	96	248.0	जी. सीबार्ग व अन्य	1944
क्रिप्टान	के आर	36	83.8	डब्ल्यू रामसे और एम ट्रैवर्स	1898
क्रोमियम	सी आर	24	52.0	एन वां क्यूलिन	1797
क्लोरीन	सी एल	17	35.5	के. शील	1774
गैडोलिनियम	जी डी	64*	157.3	जे. सी. द मरिग्नाक	1880
गैलियम	जी ए	31	69.7	एल. द बाइसबाड्रान	1875
गोल्ड	ए यू	79	197.0		प्रागैतिहासिक
जर्कोनियम	ज़ेड आर	40	91.2	एम. क्लाप्रोथ	1789
जर्मेनियम	जी ई	32	72.6	जी. विंडलर	1886
जिंक (जस्ता)	जेड एन	30	65.4		प्रागैतिहासिक
जीनोन	एक्स ई	54	131.3	डब्ल्यू रामसे और एम ट्रैवर्स	1898
टंग्स्टन (वालफ्राम)	डब्ल्यू	74	183.9	जी एंड एफ एयूयर	1783
टर्बिअम	टी बी	65*	158.9	सी. मोसेंडर	1843
टाइटेनियम	टी आई	22	47.9	डब्ल्यू जार्ज	1791
टिन	एस एन	50	118.7		प्रागैतिहासिक
टेक्नीशियम	टी सी	43	99.0	ई. सेग्रे व सी पेरीर	1937
टैन्टेलम	टी ए	73	181.0	ए. इकबर्ग	1802
टैल्युरियम	टी इ	52	127.6	एम. वान रिचन्स्टीन	1782
	डी वाई	66*	162.5	एल. द. बाइसबाड्रान	1886
	टी एम	69*	168.9	पी. क्लेव	1879
	टी एल	81	204.4	डब्ल्यू क्रूक्स	1861
थोरियम	टी एच	90	232.0	जे. बर्जलियम	1828
नाइट्रोजन	एन	7	14.0	डी. रदरफोर्ड	1772
नायोबियम	एन बी	41	92.9	हैचेट	1801
निकेल	एन आई	28	58.7	ए. क्रानस्टेट	1751
नियान	एन ई	10	20.2	डब्ल्यु रामसे व एम ट्रैवर्स	1898
नियोडिमियम	एन डी	60*	144.2	सी. वान वेल्सबास	1885
नेप्टूनियम	एन पी	93	237.0	ई. मैकमिलन व पी. एबलसन	1940
नोबेलियम	एन ओ	102	254.0	फल्डिस व अन्य	1951
पैलेडियम	पी डी	46	106.4	डब्ल्यू वाल्टस्टन	1803
पोटैशियम	के	19	39.1	एच डेवी	1807
पोलोनियम	पी ओ	84	210.0	पी. एण्ड एम क्यूरी	1898
प्लूटोनियम	पी. यू.	94	242.0	जी. सी. बोर्ग व अन्य	1940
प्रेजिओडिमियन	पी आर	59*	140.9	सीवान वेल्सबाख	1885
प्लेटिनम	पी टी	78	195.1	डी. द उलोआ	1735
प्रोमिथियम	पी एम	61*	147.0	जे. मार्नस्की व अन्य	1947

प्रोटैक्टिनियम	पी ए	91	231.0	एफ. सोडी व अन्य	1917
फर्मियन	एफ एम	100	253.0	ए घिओर्सो व अन्य	1952
फास्फोरस	पी	15	31.0	एच. ब्रांड	1669
फ्रेंसियम	एफ आर	87	223.0	एम. पेरी	1939
फ्लुओरीन	एफ	9	19.0	एच. मायसान	1886
वर्किलियम	वी के	97	249.0	एस. थामसन व अन्य	1949
विस्मथ	वी आई	83	209.0	सी. जेफ्री द यंगर	1953
वेरिलियम	वी ई	4	9.0	एन. वाक्यूलिन	1798
वेरियम	वी ए	56	137.3	एच डेवी	1808
वोरान	वी	5	10.8	एच. डेवी	1808
ब्रोमीन	वी आर	35	79.9	ए. वैलार्ड	1826
मर्क्यूरी (पारा)	एच जी	80	200.6		प्रागैतिहासिक
मालिब्डनम	एम ओ	42	95.9	के. शील	1778
मेंडलीवियम	एम वी	101	256	ए घियार्सो व अन्य	1955
मैंगनीज़	एम एन	25	54.9	शील द्वारा पहचाना गया	1774
मैंग्नीशियम	एम जी	12	24.3	जेब्लाख द्वारा पहचाना गया	1755
यूरेनियम	यू	92	238.0	ई. एम. पेलीगांट	1841
यूरोपियम	ई यू	63	152.0	ई. डेमार्के	1896
रीनियम	आई	75	186.2	इनोडाक व अन्य	1925
रुथीनियम	आर यू	44	101.1	के. क्लास	1844
रुविडियम	आर वी	37	85.5	आर. वनसन व जी. किर्चाफ	1861
रेडान	आन एन	86	222.0	रदरफोर्ड (थारोन आइसोटोप)	1899
				ई. डार्न (रे–1900 डान आइसोटोप)	
रेडियम	आर ए	88	226.1	पी. और एम. क्यूरी	1898
रोडियम	आर एच	45	102.9	डब्ल्यू. वालास्टन	1803
लारेंशियम	एल डब्ल्यू	103	257.0	ए. घिओसो व अन्य	1961
लीथियम	एन आई	3	6.9	ए. अर्फवेडसन	1817
लेड (सीसा)	पी वी	82	207.2		प्रागैतिहासिक
लैन्थेनम	एल ए	57*	138.9	सी. मोसांटर	1839
ल्यूटीशियम	एल यू	71*	175.0	जी. अयांइन	1907
वैनेडियम	वी	23	51.0	ए. डेलरियो	1801
समारियम	एस एम	62	150.4	एल. दे. वाइसयाड्रान	1879
सलीनम	एस ई	34	79.0	जे. ब्रज़ीलियम	1817
सल्फर (गं धक)	एस	16	32.1		प्रागैतिहासिक
सिलिकन	एस आई	14	28.1	जे. ब्रजीलियम	1824
सिल्वर	ए जी	47	107.9		प्रागैतिहासिक
सेशियम	सी एस	55	132.9	आर बनसव व जी [illegible]	1860
सीरियम	सी ई	58	140.1	जे ब्रेज़ीलियम व [illegible] हिसलिंगर	1803
सोडियम	एन ए	11	23.0	एच डेवी	1807
स्कैन्डियम	एस सी	21	45.0	एल [illegible]	1879
स्ट्रान्शियम	एस आर	38	87 6	एच डेवी	[illegible]
हाइड्रोजन	एच	1	1.0	[illegible]	[illegible]
हीलियम	एच ई	2	4 0	जे सी पी [illegible] और	
			एन लाकयर	[illegible]	
हैफनियम	एच. एफ	72	178 5	डी [illegible] तथा जी. [illegible]	
होल्मियम	एच ओ	67	164 9	जे सोरेट व एम. [illegible]	

तत्व 108 का आविष्कार अभी तक नहीं हुआ है ।
दुर्लभ मृदा : (रेअर अर्थ) परमाणु क्रमांक 57 से 71 तक के पंद्रह [illegible] है [illegible]
मान होते हैं ।

जीव-प्रौद्योगिकी

जीव-प्रौद्योगिकी की उत्पत्ति 1970 के दशक में हुई जब आणविक एवं कोशिकीय जीव-विज्ञान की नवीनतम खोजों ने नये औद्योगिक प्रतिष्ठानों को मानवता की भलाई के लिए उपयोग करने के लिए एक नया रास्ता दिखाया। जीवों या उनसे प्राप्त पदार्थों का उपयोग करके मनुष्यों के लिए मूल्यवान वस्तुओं का उत्पादन करना ही जीव-प्रौद्योगिकी है। यह एक बहुआयामी विज्ञान है जिसका विकास जीव-विज्ञान, रसायन-विज्ञान व अभियांत्रिकी आदि के समन्वित उपयोग से हुआ है । जीव प्रौद्योगिकी को मोटे तौर पर सूक्ष्म जीव-प्रौद्योगिकी, पादप जीव-प्रौद्योगिकी व जन्तु जीव-प्रौद्योगिकी आदि में विभाजित किया जा सकता है । जीव-प्रौद्योगिकी में मुख्यतः आनुवंशिक अभियांत्रिकी के रूप में विख्यात डी.एन.ए. तकनीक (रिकाम्बिनैन्ट डी.एन.ए टेक्नोलॉजी) प्रोटोप्लास्ट फ्यूजन, हाइब्रिडोमा टेक्नोलॉजी, कोश-संवर्धन, ऊतक-संवर्धन, जननद्रव्य विकास, भ्रूण प्रतिस्थापन तकनीक, एन्जाइम व प्रोटीन संश्लेषण आदि सम्मिलित है। कृषि, वानिकी, बागवानी, चिकित्सा, स्वास्थ्य, रसायनिक उद्योग, खाद्य संबंधी उद्योग, प्रदूषण नियंत्रण व पर्यावरण संरक्षण आदि में जीव-प्रौद्योगिकी के उपयोग की बहुत संभावनाएं हैं।

कृषि

कृषि, वानिकी व बागवानी के क्षेत्र में जीव प्रौद्योगिकी के उपयोग में आनुवंशिक अभियांत्रिकी द्वारा नई पादप-जातियों का विकास, उत्तम बीजों का उत्पादन, वर्धित पोषक मूल्यों वाली फसलों का विकास, पौधों में कीटों, खर-पतवार नाशक दवाओं, खारापन, सूखा, वायरस-जन्य रोगों आदि के प्रति प्रतिरोध-[illegible] का विकास, ईंधन व चारा देने वाली फसलों का उत्पादन, [illegible]जन एकत्र करने वाली जीन्स के प्रतिस्थापन द्वारा खाद्यान्न की फसलों में जैविक नैत्रजन एकत्रण, एजोला, एजोबैक्टर व राइजोबियम आदि से बनने वाली जैविक खादों का उत्पादन, अधिक क्षमता वाली प्रकाश-संश्लेषण विधियों का विकास, पौधों की वृद्धि से संबद्ध रेगुलेटरों व हारमोन्स का विकास, कीटों, कीड़ों व मच्छरों के नियंत्रण के लिए विशिष्ट जैविक-नाशकों का विकास, स्वयमेव कीटनाशक व खर-पतवार नाशक पदार्थ उत्पन्न करने वाले पौधों का विकास, वाणिज्यिक महत्व के पौधों का उत्पादन तथा पौधों को ठंड में जमने से रोकने वाले सूक्ष्म जीवों का विकास आदि गतिविधियां शामिल हैं ।

ऊतक-संवर्धन के जरिए सूक्ष्माणु प्रसारण तकनीक का सजावटी, हरियाली वाले तथा फसली पौधों के बड़े पैमाने पर उत्पादन करने में अत्यधिक महत्व है । इस तकनीक का उपयोग करके अनार, केला, सब्जियां, इलायची, गन्ना तथा आर्किड आदि की नई जातियां भारत में व्यावसायिक तौर पर उत्पन्न की जा चुकी हैं । ऊतक-संवर्धन द्वारा उत्पन्न बांस, सरसों, चावल, ऑयल पाम, चन्दन, औषधीय पौधे, यूक्लिप्टस, हल्दी, कपास, पपीता, सारावन, फर्न, रबर, काफी आदि की जातियों पर भी प्रयोग व मूल्यांकन जारी है ।

पशु चिकित्सा-विज्ञान

पशु चिकित्सा-विज्ञान के क्षेत्र में जीव-प्रौद्योगिकी के उपयोगों में पशुओं के स्वास्थ्य की देखभाल के लिए हाइब्रिडोमा तकनीक का उपयोग संक्रामक रोगों से बचने के लिए सुरक्षित और प्रभावी प्रतिरोधक दवाओं का उत्पादन, भ्रूण-विस्थापन, आनुवंशिक अभियांत्रिकी के प्रयोग से पशु-प्रजनन की नई विधियों का विकास, कोश-संवर्धन, मछलियों व लार्वे के लिए खाद्य-पदार्थों का उत्पादन, डी.एन.ए. तकनीक द्वारा मछली की वृद्धि, हारमोन्स का उत्पादन, जीन तकनीक द्वारा मछलियों के पोषक मूल्यों में अभिवृद्धि, उत्प्रेरित प्रजनन तकनीक के द्वारा अधिक मछलियों का उत्पादन, हाइब्रिडोमा तकनीक व आनुवंशिक अभियांत्रिकी के जरिए सूक्ष्मजीवों व जीवाणुओं द्वारा होने वाली महामारक बीमारियों की रोकथाम के लिए प्रतिरोधी दवाओं का उत्पादन, प्रतिकूल परिस्थितियों व पर्यावरण के विरुद्ध सहनशक्ति व प्रतिरोध-क्षमता बढाने के लिए शुक्राणु या अंडे की अवस्था में ही जीनों में परिवर्तन करना आदि सम्मिलित हैं ।

भ्रूणांतरण तकनीक के जरिए पशुओं की अच्छी प्रजातियों के तेजी से बहुलीकरण में तथा उत्तम जनन-द्रव्य के संरक्षण के तरीके आविष्कृत करने में मदद मिलती है। कृत्रिम गर्भाधान के साथ मिलकर यह विद्या, उत्तम उत्पादन क्षमता वाली पशु प्रजातियों की संख्या-वृद्धि में बड़ी उपयोगी सिद्ध हुई है । गाय व भैंसों में सफल रूप से भ्रूणांतरण के प्रयोग किए गए हैं । बोवाइन स्पिलट एम्ब्रयो तकनीक से उत्पन्न पहले बछड़े का जन्म नवंबर 1988 में हुआ था । विश्व में पहली बार परखनली में निशेचित एक भ्रूण के अतंरण द्वारा मुर्राजाति की एक भैंस के बच्चे का जन्म करनाल में स्थित राष्ट्रीय डेयरी अनुसंधान संस्थान में हुआ। नर पशुओं का वंध्याकरण करने के लिए, अभी हाल में, वैज्ञानिकों ने पशुओं में जन्म-निरोधी टीके, तालशार का विकास किया है । यह सस्ता, सुरक्षित व अधिक प्रभावकारी है । इससे निम्न किस्मों के पशुओं का वंध्याकरण करके उनकी संख्या को क्रमशः कम किया जा सकता है ।

औषधि एवं स्वास्थ्य

सस्ती व अच्छे किस्म की दवाएं, संक्रामक रोगों को रोकने के लिए अच्छी प्रतिरोधी दवाएं, उत्तम जनन-निरोधी साधन, हारमोन्स, प्रतिरोध-क्षमता परखनली किटें, कैन्सर की वैक्सीन आदि के उत्पादन तथा आनुवंशिक रूप से पैदा होने वाली बिमारियों की रोकथाम में जीव-प्रौद्योगिकी का व्यापक प्रयोग हो रहा है। रति-क्रिया द्वारा फैलने वाली बिमारियों व कैंन्सर की पहचान एवं उपचार, दवाओं के अतिप्रयोग से उत्पन्न दुष्प्रभावों का उन्मूलन, मज्जा के प्रतिस्थापन में संभावित खतरों से बचाव,

ट्यूमर की पहचान आदि में जीव-प्रौद्योगिकी द्वारा विकसित मोनोक्लोनल ऐन्टीवॉडीज का प्रयोग होता है । जीव-प्रौद्योगिकी द्वारा, रोगों के उपचार में काम आने वाली इन्टर फेरॉन, मनुष्य के वृद्धि हारमोन्स, इन्सुलिन, टिशू प्लाजिमनोजेन ऐक्टीवेटर यूरोकाइनेज, इन्टरल्यूकिन–2, रिलेक्सिन, ट्यूमर नेक्रोसिस फैक्टर, इरिथ्रोपोइटिन, फैक्टर–1 फैक्टर–3 व लंग सरफैक्टैन्ट प्रोटीन आदि वहुमूल्य मानव-प्रोटीनों का निर्माण हो रहा है ।

कोश-संवर्धन से उत्पन्न होने वाले पदार्थों में पोलियो, चेचक, मम्पस, रूवेल्ला, रेवीज, टीक वोन एनसिफैलाइटिस, रिन्डरपेस्ट आदि विमारियों को रोकने वाले जीवाणु–टीके वृद्धि हारमोन्स, प्रोलैक्टिन ए.सी.टी.एच. इंटरफेरॉन (अल्फा एवं वीटा), थाइमोसिन तथा प्लाजिमनोजन ऐक्टिवेटर प्रमुख हैं। डी.एन.ए. में फेर–वदल करने की क्षमता का सवसे वड़ा उपयोग उन आनुवंशिक विमारियों को रोकने में हो सकेगा जो जीन–दोषों के कारण उत्पन्न होती हैं। इसकी सवसे वड़ी संभावना उन दोषों में होगी जिनको मज्जा–कोशाओं में दोपरहित नई जीनों के प्रत्यारोपण से दूर किया जा सकता है।

खाद्य

खाद्य–पदार्थों से संवद्ध उद्योगों में जीव–प्रौद्योगिकी के उपयोग के प्रमुख उदाहरण हैं -- कीटों व चूहों आदि से मुक्त रखकर खाद्यान्नों का प्रभावी भंडारण करने की विधियां, खाद्य–पदार्थों की पोपक–क्षमता का विकास, उनका वेहतर परिरक्षण, उनके स्वाद की अभिवृद्धि, एककोशीय प्रोटीनों का उत्पादन, मशरूम (खुंबी) की खेती, खाने वाले शैवालों का उत्पादन और खाने को सड़ने से वचाने वाली विधियां आदि। एककोशीय प्रोटीन का उपयोग तो द्वितीय विश्वयुद्ध के समय से चला आ रहा है। इसके लिए सूक्ष्म जीवों (वैक्टीरिया) की कैन्डिडा आरवोरिया, कैन्डिडा यूटिलिस सैकेरोमाइसीज सेरेविसी आदि को सूप या सॉसजों में मिला दिया जाता है । इससे प्रचुर मात्रा में प्रोटीन का उपयोग किया जाता है, क्योंकि सोयावीन या मछली से वनने वाले चारे वहुत मंहगे पड़ते है। जीव–प्रौद्योगिकी का मीठे पदार्थों के निर्माण में औद्योगिक स्तर पर व्यापक प्रयोग हो रहा है । ग्लूकोज आइसोमर्स, इन्वर्टेज व एमाइलेज जैसे एन्जाइमों के उत्पादन से हाई फ्रक्टोज कॉर्न स्वीटनरों जैसे अत्यन्त लाभदायक पदार्थों का निर्माण संभव हो सका है ।

वेकर्स यीस्ट, वाइन, एल, सेक, लेजर, वियर, सोया सॉस, सॉवर, फ्रेंच व्रेड, योगर्ट, चीज, सिरका व टेम्फ आदि भी कुछ ऐसे ही खाद्य एवं पेय पदार्थ हैं जो सूक्ष्मजीवों से वनाए जाते हैं। एल–लाइसीन, 5 आइनोसिनिक एसिड तथा 5 गुआनिलिक एसिड जैसे अमीनोएसिड तथा स्वाद वढाने वाले न्यूक्लियोटाइड भी वैक्टीरिया से पैदा किए जाते हैं । जीव–प्रौद्योगिकी का उपयोग सूक्ष्मजीवी प्रक्रिया द्वारा कृषि के अवशिष्ट पदार्थों से महत्वपूर्ण रसायन वनाने, ऐन्टीवायोटिक्स, विटामिन, स्टीरॉयड आदि वनाने तथा औद्योगिक उत्पादों को खराव होने से वचाने आदि में व्यापक रूप से हो रहा है ।

पर्यावरण

जीव–प्रौद्योगिकी का उपयोग पर्यावरण के संरक्षण व सुधार के लिए भी हो रहा है । इसमें, उत्परिवर्तित सूक्ष्मजीवों के प्रयोग द्वारा नष्ट न होने वाले रासायनिक पदार्थों का जैविक हनन करना, मलवे तथा औद्योगिक वहावों का शुद्धीकरण, कीटनाशक दवाओं जैसे खतरनाक पदार्थों का प्रवंधन, प्रदूषण के सूचकों का विकास, रिसाव से फैले तेल व अन्य हाइड्रोकार्वन पदार्थों की आनुवंशिक अभियांत्रिकी द्वारा पैदा की गई वैक्टीरिया की नई प्रजातियों द्वारा होने वाले संक्षरण की रोकथाम, जैविक लीचिंग, जैविक खनन, वेक्टर कन्ट्रोल की विधि द्वारा संक्रामक विमारियों की रोकथाम, टोस अवशेषों का निस्तारण, अवशिष्ट पदार्थों से वायोगैस का निर्माण, वायु प्रदूषण की रोकथाम तथा पर्यावरण के परिवीक्षण के लिए जैविक संवेदकों का उपयोग प्रमुख हैं । सूक्ष्मजीवी प्रक्रियाओं से पैदा होने वाले ईंधनों में एथेनॉल, मीथेनॉल, मीथेन, हाइड्रोन आदि प्रमुख हैं । सीवेज टैंको में जैविक अवशिष्टों को समाप्त करने में वैक्टीरिया, शैवाल व प्रोटोजोआ आदि का प्रयोग होता है। कुछ तरह के स्यूडोमोनास नामक वैक्टीरिया अनेक हाइड्रोकार्वन अणुओं तथा जहरीले एरोमैटिक पदार्थों जैसे वेन्जीन, टूलूइन एंव जाइलीन आदि को तोड़कर समाप्त कर सकते हैं। स्यूडोमोनास प्यूरिडा नामक वैक्टीरिया में चार हाइड्रोकार्वनों को नष्ट करने वाली जीनों से युक्त प्लाजिमड होता है । कुछ सूक्ष्मजीव अणुओं को नष्ट नहीं कर पाते हैं, पर उन्हें ऐसे रूपों में वदल देते हैं कि दूसरे सूक्ष्मजीवी उन्हें नष्ट कर सकें। इसको सह–चयापचय कहते हैं। उदाहरण के लिए शक्तिशाली कीटनाशक दवा पैराथियन का अपघटन सह–चयापचय की प्रक्रिया द्वारा स्यूडोमोनास [illegible] एवं स्पूडोमोनास स्टुट्जेरी नामक वैक्टीरिया मिलकर करते हैं। और इस प्रकार इनके विशैलेपन को समाप्त किया जा सकता है। और मानव पर विपरीत प्रभाव को रोका जा सकता है।

अतिचालकता

विश्व में उत्पन्न कुल विद्युत ऊर्जा का आधा भाग तो संवाहन में नष्ट हो जाता है । दरअसल यह केवल वरवादी है। वैज्ञानिक और इंजीनियर्स की सदैव से यह आकांक्षा रही है कि कोई ऐसा अतिचालक वन जाये जिससे ऊर्जा का इतना वड़ा भाग वेकार न जाये । हाल की खोजों से संकेत मिले हैं कि ऐसा सभव है और तभी से ऐसी— जाद् [illegible] वढ़ गयी है । अगर ऐसा हो गया त [illegible] विद्युत ऊर्जा का एक वड़ा [illegible] अतिचालकता, विकास के और [illegible] चुम्बकीय पथ पर दौड़ती [illegible]

छोटी इलेक्ट्रिक कार, कई गुना अधिक शक्तिशाली कम्प्यूटर, सुरक्षित और बहुत अधिक ऊर्जा वाले एटामिक रियेक्टर आदि विकास के नये आयाम बन जायेंगे ।

संक्षेप में एक नये विश्व की शुरुआत होगी । इस प्रकार अतिचालकता रातों रात एक जादुई शब्द हो गया, और इसके साथ ही मानों सोता हुआ संसार झटके से उठ गया । पिछले सारे शोध को एक किनारे कर वैज्ञानिक पागलों की तरह इस खोज में जुट गये, इस इच्छा के साथ कि जो भी सफल होगा मानवता के उज्जवल भविष्य का सारा श्रेय उसी को होगा ।

विद्युत चालक का मूल प्रश्न है प्रतिरोध और इस प्रतिरोध में ताप एक बड़ा मुद्दा है । आज के चालक को अति चालक में बदलने का एक ही तरीका है कि चालक को अति कम तापक्रम पर रखा जाये यानी की परमशून्य या डिग्री केल्विन पर जो – 273 डिग्री सेल्सियस है ।

जब चालक को इस तापमान पर लाया जाता है तो उसका विद्युत प्रवाह में सारा प्रतिरोध समाप्त हो जाता है । लेकिन पृथ्वी पर इस तापमान को बनाये रखना बहुत कठिन और खर्चीला है । यही वजह है कि इस सदी की शुरुआत में ही अतिचालकता का पता लग जाने के बावजूद प्रयोगशालाओं में यह सदैव से ही जटिल प्रश्न बना रहा ।

अतिचालकता का पता सन् 1911 में डच भौतिक विज्ञानी हेइक केमरलिंघ ओन्नेस ने लगाया था । वह पारे पर ताप द्वारा विभिन्न विद्युत चालकों का अध्ययन कर रहे थे । परमशून्य के निकट कुछ ही तापमान पर प्रतिरोध इतना कम हो गया कि उसका मापना संभव नहीं था ।

अतिचालकता का यह पारगमन बहुत उच्च या असीमित विद्युत चालक के लिये सामान्य पाया गया था । 1933 में डब्ल्यू. मेइसनर और आर. आर. आस्केनफेल्ड ने पता लगाया कि अगर अतिचालक को सामान्य चुम्बकीय क्षेत्र में रखा जाये तो चालक के अंदर के क्षेत्र को यह प्रतिकर्षित कर देता है । उनकी इस खोज ने संभावनाओं के दरवाजे खोल [illegible] ।

[illegible] अतिचालकता की स्थापना केवल 4.2 केल्विन [illegible] पर संभव है । यह वह तापमान है जिसपर हीलियम [illegible] का द्रवीकरण हो जाता है । अतिचालक साधनों के रोधित एंव कसकर बंद किये गये पात्र को द्रव हीलियम में रखना पड़ेगा। इसमें काफी खर्च आयेगा और प्रयुक्तता भी काफी सीमित हो जाती है – जापान की प्रोटोटाइप चुम्बकीय ट्रेन, कुछ कण उत्प्रेरक, महंगी चुम्बकीय बोतल जो परमाणु संलयन शोध में काम आती है आदि ऐसे उदाहरण हैं।

इस संदर्भ में पिछले वर्ष कई नये तथ्य सामने आये । शोधकर्ताओं ने कई असामान्य रासायनिक यौगिकों का पता लगाया हालांकि इन्हें भी अतिचालक बनाने के लिये ठंडा करना पड़ा लेकिन 100 डिग्री केल्विन पर और द्रव हीलियम की जगह द्रव नाइट्रोजन प्रयुक्त किया गया जो कि सस्ता भी है । ये नये यौगिक घने चुम्बकीय क्षेत्र को पैदा करने में भी सक्षम पाये गये।

निम्न ताप पर अतिचालकता वाले पदार्थ (सीसा, टिन, पारा आदि) अपनी इस गुणवत्ता से अलग हो जाते हैं जब सार्थक चुम्बकीय क्षेत्र बनाने के लिये इनमें काफी विद्युत प्रेषित की जाती है। लेकिन सिरेमिक्स – नियोबियम और टिटोनियम के आक्साइड का मिश्रपदार्थ उच्च चुम्बकीय क्षेत्र के बावजूद अपने अति चालकता के गुणों को बनाये रखता है ।

1973 तक वैज्ञानिक अतिचालकता के ताप को 23 डिग्री केल्विन से अधिक नहीं कर पाये। आई.बी.एम. के ज्यूरिख प्रयोगशाला के कार्ल एलेक्स मुलर ने सिरेमिक्स (मेटल आक्साइड) को प्रयुक्त किया । कमरे के तापमान पर सिरेमिक्स लगभग अचालक होते हैं और इनका प्रयोग विद्युत रोधन के रूप में किया जाता है। मुलर ने प्रेषण तापमान 35 डिग्री केल्विन तक बढ़ाया। भौतिकी संसार ने उनकी हसी उड़ायी फिर भी जापानी और चीनी वैज्ञानिक उन्हें गम्भीरता से ले रहे थे।

उन लोगों ने इस प्रयोग को कई बार दुहराया और 38 केल्विन तापमान पाने में सफल रहे। 1955 से अतिचालक पदार्थों का अध्ययन कर रहे हाउस्टन विश्वविद्यालय के प्रो.के. पाल सी डब्ल्यू चू ने इस चुनौती को स्वीकार कर लिया ।

उन्होंने अतिचालक पदार्थ को उच्च दाब में रखा और पाया कि तापमान 52 डिग्री केल्विन तक लाया जा सकता है । लेकिन यह तापमान अधिकतम था। सामान्य वायुमंडलीय दबाव के 10 के 12 हजार गुना अधिक दबाव पर अतिचालक पदार्थ का अण्विक ढांचा क्षतिग्रस्त हो जाता है इसलिये अधिक दबाव ठीक नहीं था ।

चूने स्ट्रोन्टियम, जो कि परमाणिवक आकार में छोटा होता है, को बेरियम के स्थान पर प्रयुक्त किया । प्रेषण तापमान में वृद्धि केवल 2 डिग्री की हुई । लेकिन जब उन्होंने कैल्शियम तत्व का प्रयोग किया, जो कि और भी छोटे परमाणु आकार वाला तत्व है, तापमान काफी गिर गया। इसके बाद चू ने लैंथानम को प्रयुक्त किया। चू के एक स्नातक शिष्य ने रेयर अर्थ्स (दुलर्भ मृदा) यर्ट्रियम को लैंथेनम की जगह प्रयुक्त किया।

दुर्लभ मृदा दरअसल दुर्लभ नहीं हैं । उदाहरण के लिये यट्रियम सीसे की अपेक्षा बहुतायत में पाया जाता है । इस संदर्भ में दुर्लभ शब्द भौगोलिक आधार पर प्रयुक्त किया जाता है। भारत और चीन दो ऐसे राष्ट्र हैं जहां पर दुर्लभ मृदा के विशाल भंडार हैं। इस प्रकार वू और चू ने पहले 93 डिग्री केल्विन तापमान और फिर कुछ दिन बाद 98 डिग्री केल्विन तापमान तक वृद्धि करने में सफल रहा ।

भारतीय वैज्ञानिकों ने भी इस दिशा में कार्य प्रारम्भ किया। उन्होंने पहले हाउस्टन परिणामों को प्राप्त किया और फिर इसमें और उन्नति की रिपोर्ट दी। जापान ने इस उपलब्धि की व्यवसायिक संभावनाओं को बहुत तेजी से पहचाना । जापान का अंतर्राष्ट्रीय व्यापार एवं उद्योग मंत्रालय ने निजी क्षेत्र शोध को प्रोत्साहन दिया और जापान की कंम्पनियों ने अतिचालकता के क्षेत्र में उल्लेखनीय सफलता प्राप्त कर ली है ।

अमरीका में भी अतिचालकता शोध के बजट को दुगना कर दिया गया है और वैज्ञानिकों को अद्यतित सूचना प्राप्त करवाने के लिये कंम्प्यूटर डेटा बैंक उपलब्ध कराया गया है।

सामान्य तापमान पर स्थायी अतिचालकता की खोज किसी भी समय संभव है और यह अगर संभव हो गया तो निश्चय ही शताब्दी की वैसी ही महत्वपूर्ण उपलब्धि होगी जैसे कि 1950 में ट्रांजिस्टर की खोज थी । नेशनल फ़िजिकल

लैबोरेटरी के वैज्ञानिकों ने प्रयोगशाला परिस्थितियों के अंदर सामान्य तापक्रम पर अतिचालक की खोज का दावा भी कर दिया है ।

पश्चिम इस खबर से उद्वेलित हैं कि चू और वू द्वारा रिकार्ड किये गये तापमान को भारत और जापान में शोधकर्ताओं ने पार कर लिया है । इस समय 240 डिग्री केल्विन तापमान तक पाने की रिपोर्ट है । यह तापमान साइबेरियन शरद से गर्म है। इसका अर्थ यह हुआ कि कोई वैज्ञानिक सफलता के अति निकट है । पिछले वर्ष प्रेषण तापमान चार गुना तक बढ़ाने में सफलता मिली थी और अगर इस वर्ष इसी दर से सफलता मिली तो शायद एक वर्ष के भीतर ही सामान्य तापमान पर अतिचालकता संभव हो जायेगी।

क्रायोजिनिक्स

क्रायोजिनिक्स अर्थात् निम्नतापिकी नवीनतम विज्ञानों में से है और बीसवीं सदी में अस्तित्व में आया है। 'क्रायोजिनिक्स' यूनानी मूल का शब्द है जिसका अर्थ है शीतोत्पादक । इसका संबंध बहुत निम्न तापमान के उत्पादन तथा उसके भौतिक और प्रौद्योगिक परिणामों के अध्ययन से है।

सामान्यत: बहुत निम्न तापमान का मतलब –150सें से कम तापक्रम से लगाया जाता है। परम शून्य स्पष्टत: निम्नतापिकी की सीमा में ही आता है। परम शून्य तापमान प्राप्त करना पृथ्वी पर संभव नहीं है।

अब तक इस पृथ्वी पर जो निम्नतम तापमान प्राप्त किया जा सका है वह परमशून्य से ऊपर की डिग्री का दस लाखवां भाग मात्र है । दुनिया भर के वैज्ञानिक परमशून्य के ऊपर की डिग्री के सौवें भाग तक पहुंचने का उपक्रम कर रहे हैं। एक जानकारी के अनुसार यही हिमांक से काफी निचले तापमान का संसार है।

इस उप हिमकारी संसार में अजीब घटनाएं घटती हैं । हीलियम जो द्रव रूप में ही रहता है, उसे छोड़कर अन्य सभी ज्ञात तत्व जमकर ठोस बन जाते हैं । रबड़ इतना भुरभुरा बन जाता है कि शीशे की तरह चटकने लगता है । चोट करने पर सीसा घंटे की तरह बजने लगता है । वायु ठोस खण्ड के रूप में जम जाती है । ये सभी घटनाएं परम शून्य पर नहीं बल्कि उससे ऊपर के 10 बिंदु के अन्दर–अन्दर घटती है।

सभी गैसों में दूसरे नम्बर की सबसे हल्की गैस (सबसे हल्की गैस हाइड्रोजन है) हीलियम बहुत अनिश्चित तथा अपरिवर्तनीय सिद्ध हुई है । इस गैस को सबसे पहले सन् 1868 में ब्रिटिश खगोलशास्त्री सर नार्मन लाक्यार ने सूर्य के वातावरण में स्पेक्ट्रोस्कोप द्वारा खोजा था । सन् 1895 में सर विलियम रैमसे ने पृथ्वी पर इसे यूरेनियम अयस्क 'क्लीवाइट' में पाया था। बाद में यह सिद्ध हो गया कि हीलियम सभी रेडियोधर्मी खनिजों में मिलती है और इन खनिजों के रेडियोधर्मी क्षय के द्वारा पृथ्वी पर मुक्त होती है । वायु के दो लाख भाग में एक भाग हीलियम का होता है ।

हीलियम के कई व्यावहारिक लाभ हैं । यह अक्रिय और अज्वलनशील है । यह वायु–पोतों में भरने के काम आती है। सन् 1908 तक इसके द्रवीकरण के सभी प्रयास असफल रहे इसके बाद लीडन में डा. कामेरलिंग ओनस ने इसका द्रवीकरण किया । इस प्रकार यह सबसे अन्तिम गैस थी जिसका द्रवीकरण किया गया । द्रवीकृत हीलियम के कई उल्लेखनीय गुण है जिन्हें अभी तक समग्र रूप से ग्रहण नहीं किया जा सका है । निम्नतापिकी में अन्य पदार्थों को परम शून्य तापमान के आस–पास तक ठंडा करने के लिए यह एक अपरिहार्य माध्यम है । हमारी जानकारी में यही एकमात्र ऐसा तत्व है जो परम शून्य तापमान के आस–पास भी ठोस रूप में परिवर्तित नहीं होता ।

निम्न तापमान पर आश्चर्यजनक घटनाओं में से एक है अति तरलता'। जब द्रवीकृत हीलियम को दो खाने वाले किसी फ्लास्क के एक खाने में रखा जाता है तो यह ठोस दीवार में से रिसकर दूसरे खाने में पहुंच कर समान तल बना लेती है।

एक और आश्चर्यजनक घटना है 'अति चालकता' अतिचालकता का आविष्कार सबसे पहले सन् 1911 में डा. एच. कामेरलिंग ओनस ने लीडन विश्वविद्यालय में किया था जिन्हें इससे पहले हीलियम के द्रवीकरण के लिए सन् 1913 में नोबल पुरस्कार प्रदान किया गया था। परन्तु फिर भी, केवल सन् 1957 में आकर इस सिद्धान्त को प्रायोगिक रूप दिया जाने लगा । इलियोनायस विश्वविद्यालय के नोबल पुरस्कार विजेता जान बारडीन (1956) और उनके साथियों ने सन् 1957 में अतिचालकता संबंधी प्रथम सिद्धान्त प्रस्तुत किया। यह सिद्धान्त क्वान्टम यांत्रिकी पर आधारित है और अधिक तकनीकी है । अब लगभग 300 अतिचालक पदार्थ ज्ञात है, जिनमें 25 तत्व हैं और शेष मिश्र धातु या यौगिक हैं ।

अतिचालकता (अर्थात् विद्युत प्रतिरोध का पूर्ण लोप) का उपयोग विद्युत् इंजीनयरी में करने से उसकी क्षमता में वृद्धि लागत में कमी और बिजली ग्रिड की विश्वसनीयता में सुधार हो सकता है । अतिचालक नियोबियम के बने भुजा–भर के व्यास की प्रेषण लाइन से इतनी बिजली भेजी जा सकती है जितनी कि आजकल सम्पूर्ण संयुक्त राज्य में व्यस्त घंटों में भेजी जाती है । निम्नतापिकी के और भी अनेक उपयोग हैं । उदाहरण के लिए द्रव नाइट्रोजन से द्रुत प्रशीतन द्वारा बैक्टीरिया एन्जाइम, आक्सीकरण तथा रासायनिक प्रतिक्रियाओं के कारण होने वाली सड़न प्रक्रिया को कम किया जाता है; इसके साथ ही खाद्य पदार्थों के स्वाद, संरचना, सुगंध, पोषण–मूल्य और रंग–रूप में सुधार भी लाया जा सकता है ।

चूंकि तापिकी प्रशीत

अधिक किफायती हैं, अतः जहाज द्वारा खाद्य पदार्थ, फल, सब्जियां तथा अन्य सड़ने वाले खाद्य–पदार्थों को प्रशीतित करके भेजने में इनका लाभ उठाया जा सकता है। चिकित्सा क्षेत्र में अस्पतालों में रोगियों को चढाने के लिए इंसानी रक्त को सामान्यत: तीन सप्ताह से अधिक समय तक परिरक्षित नहीं किया जा सकता। द्रव नाइट्रोजन का इस्तेमाल करते हुए हाल ही में विकसित की गई एक नई रक्त प्रशीतन तकनीक से अब रक्त को महीनों – यहां तक कि सालों तक सुरक्षित रखा जा सकता है। अस्पतालों के मज्जा बैंकों में मज्जा के भंडारण के लिए भी निम्नतापिकी का इस्तेमाल किया जा सकता है।

सामान्य शल्यक्रिया के क्षेत्र में भी क्रायोजिनिक्स के काफी उपयोग है। पार्किनसन रोग तथा अनैच्छिक संचालन की अन्य विकृतियों के इलाज के लिए भी इसका इस्तेमाल किया जा सकता है। फोड़ों को प्रशीतित करके रक्त की हानि के बिना उन्हें दूर किया जा सकता है। आंखों की मोतियाबिन्द दूर करने में तथा टांसिल के आपरेशन मे भी रक्तहीन क्रायोसर्जरी का इस्तेमाल किया जा सकता है। देश में प्राकृतिक गैसों के द्रवीकरण के किफायती तरीके उपलब्ध न होने के कारण प्रतिवर्ष उनकी काफी मात्रा जला दी जाती है। तेलशोधक कारखाने या तेल–क्षेत्रों में जलाई जाने वाली गैसों का निम्नतापिकी पद्धति से द्रवीकरण किया जा सकता है और देश के दूरदराज के क्षेत्रों में बसे उन लोगों के इस्तेमाल के लिए भेजा जा सकता है जिन्हें शहरी गैस–लाइनों की सुविधा उपलब्ध नहीं है। द्रवीकृत मीथेन से पराध्वनिक उड़ानों की लागत लगभग एक तिहाई तक कम की जा सकती है। आजकल भारत के लगभग एक दर्जन केन्द्रों में क्रायोजिनिक्स के उपयोग के संबंध में काम हो रहा है। इनमें राष्ट्रीय भौतिक प्रयोगशाला, नई दिल्ली, टाटा फंडामेंटल रिसर्च इंस्टीटयूट, बम्बई, भारतीय विज्ञान संस्थान बैंगलोर, इंडियन एसोसिएशन फार कल्टीवेशन आफ साइंसेज, जादवपुर, दिल्ली विश्वविद्यालय का भौतिकी विभाग, सालिड स्टेट द्रवीकरण लैबोरेटरी, दिल्ली और इंडियन इंस्टीट्यूट आफ टैक्नालाजी, कानपुर शामिल हैं।

बहुलक

बहुलक (पॉलीमर) एक जातीय नाम है जो अधिक अणुभार वाले पदार्थों को दिया गया है। बहुत बड़ी संख्या में पाए जाने तथा इनके अणुओं में कई तरह के परमाणुओं की उपस्थिति होने की वजह से, इन पदार्थों की अनगिनत श्रेणियां हैं। इनकी रासायनिक संरचना, भौतिक गुण, यांत्रिक व्यवहार, तापीय विशेषताएं भिन्न–भिन्न हो सकती हैं। इनका वर्गीकरण निम्नलिखित रूपों में किया जा सकता है।

प्राकृतिक व कृत्रिम बहुलक

अपनी उत्पत्ति के हिसाब से बहुलकों की प्राकृतिक व [illegible] श्रेणियों में वर्गीकृत किया जा सकता है। जो बहुलक [illegible]तिक वस्तु[illegible] से पृथक किए जाते हैं, उन्हें प्राकृतिक बहुलक कहते हैं। उदाहरणस्वरूप कपास, रेशम, ऊन, रबर इत्यादि। सेलोफेन, सेलुलोज, रेयॉन, चमड़ा आदि प्राकृतिक बहुलकों से रासायनिक परिष्करणों द्वारा बनाए गए पदार्थ हैं। कम अणुभार वाले अंशों को मिलाकर संश्लेषित किए जाने वाले बहुलकों को कृत्रिम बहुलक कहते हैं, जैसे–पालीथीन, पी.वी.सी. नायलॉन, टेरीलीन आदि।

कार्बनिक व अकार्बनिक बहुलक

ऐसे बहुलक जिनकी रीढ़–मेखला कार्बन के परमाणुओं की बनी होती है, कार्बनिक बहुलक कहलाते हैं। कार्बनिक रीढ़ के बगल वाली सभी कक्षाओं में हाइड्रोजन, ऑक्सीजन व नाइट्रोजन आदि के परमाणु स्थित होते हैं। अधिकांश बहुलक कार्बनिक ही होते हैं तथा बहुत व्यापक रूप से प्रयोग में लाए जाते हैं। इनकी बहुतायत होने की वजह से ही प्राय: बहुलक शब्द का अर्थ कार्बनिक बहुलक ही समझा जाता है। अकार्बनिक बहुलक के अणुओं में रीढ़ की मेखला में सामान्य रूप से कार्बन के परमाणु अनुपस्थित होते हैं। कांच तथा सिलिकॉन रबर, अकार्बनिक बहुलकों के उदाहरण हैं।

ताप–सुनम्य व ताप–दृढ़ बहुलक

कुछ बहुलक गर्म करने पर पिघलते हैं और किसी भी आकार में बदले जा सकते हैं तथा ठंडा होने पर वे उसी आकार में बने रहते हैं। गर्म करने, आकार बदलने तथा ठंडे होकर उसी आकार में बने रहने की यह प्रक्रिया कई बार दोहराई जा सकती है। ऐसे बहुलक जो गर्म करने पर मृदुल तथा ठंडा करने पर कड़े हो जाते हैं, ताप–सुनम्य (थर्मोप्लास्टिक) बहुलक कहलाते हैं, उदाहरणस्वरूप–एथाइलीन, पी.वी.सी. नायलॉन, सीलिंग–वैक्स आदि। दूसरी ओर कुछ बहुलकों को गर्म करने पर उनमें रसायनिक परिवर्तन होते हैं तथा वे असंगलीय पदार्थों में बदल जाते हैं। जैसे–अंडा जो गर्म करने पर एक दृढ़ पुंज में बदल जाता है तथा दृढ़ हो जाने के बाद इसका आकार बदला नहीं जा सकता है। ऐसे बहुलक जो गर्म करने पर असंगलीय या न घुलने वाले पुंज में बदल जाते है, ताप–दृढ़ बहुलक कहलाते हैं।

प्लास्टिक, इलास्टोमर, रेशे व रेजिन द्रव

अपने अंतिम आकार व उपयोग के आधार पर बहुलकों को प्लास्टिक, इलास्टोमर, रेशा तथा रेजिन द्रव आदि विभागों में वर्गीकृत किया जा सकता हैं। जब किसी बहुलक को ताप व दाब का प्रयोग करके मजबूत व कड़े उपयोगी पदार्थ में बदल दिया जाता है, तो उसे प्लास्टिक कहते हैं, जैसे पॉलीएथाइलीन,

पॉलिस्टिरीन, पी.वी.सी. एंव पॉलीमीथाइल मीयाक्राइलेट। जव वहुलकों को वल्कनीकृत करके अच्छी शक्ति व लम्बाई जैसे गुणों से युक्त रवर जैसे पदार्थों में वदल दिया जाता है तो उन्हें इलास्टोमर (लोचदार वहुलक) कहते हैं, जैसे–प्राकृतिक रवर, कृत्रिम रवर, सिलिकॉन रवर आदि। यदि वहुलकों को लंवे धागे जैसे रूप में वदल दें तो वे रेशा वन जाते हैं, जैसे–नायलॉन टेरीलीन आदि। चिपकाने, वर्तन वनाने, सील करने आदि के लिए, द्रव रूप में उपयोग किए जाने वाले वहुलकों को रेजिन द्रव कहते हैं जैसे–वाजार में मिलने वाले गोंद, सील करने वाले पॉलीसल्फाइड पदार्थ आदि ।

अधिकांश कृत्रिम वहुलक अभी हाल की ही उत्पत्ति हैं । वास्तव में उनका उद्‌भव रेडियो व हवाई जहाज के वाद हुआ है पर उनका हमारे जीवन पर प्रभाव तो देखिए । चाहे हम लुभावनी, सजावटी वस्तुएं चाहते हों या कपड़े, भवन–निर्माण की सामग्री पैक करने का सामान आदि चाहते हों, वहुलकों ने हमारे सामने एक से एक आकर्षक वस्तुओं का असीमित भंडार खोल दिया है । प्लास्टिक के सामानों को ही देखिए – वाल्टियां, पाइप, तारों के विद्युत–रोधक, फर्श के कवर, कृत्रिम रेशे, वियरिंग, गियर, मशीनों के पुर्जे, संरचनात्मक पैनल, पैक करने की इकाइयां, टायर, होज, वेल्टें, फोम ग्लव्स, सम्मिश्र रेशे आदि अनगिनत ऐसे पदार्थ हैं, जो हमारे समाज का एक हिस्सा वन चुके हैं, और आज यह सोचा भी नही जा सकता कि हम इनके वगैर कुछ कर सकेंगे । अधिक मजवूती, हल्का भार, अच्छा लोच, विशिष्ट विद्युतीय गुण, रसायनों के प्रति प्रतिरोध, जल्दी व वड़ी मात्रा में उत्पादित तथा विविध रंगों व तरह–तरह के आकारों में ढाले जाने की सुविधा–आप किसी भी ऐच्छिक गुण का नाम लें, कोई न कोई वहुलक आपकी आवश्यकता की पूर्ति हेतु अवश्य निकल आएगा । वहुलकों को मजवूत ठोस वस्तुओं, लोचदार रवर जैसे पदार्थों कोमल व स्थिति–स्थापक फोम, चिकने व महीन रेशों साफ व स्वच्छ कांच जैसी शीटों, फूले हुए व जेली जैसे खाद्य–पदार्थों आदि अनेक उपयोगी पदार्थों में वदले जा सकते हैं । इनका वस्तुओं को जोड़ने, जोडों को सील करने, गड्ढों को भरने तथा कपड़ों से लेकर अंतरिक्ष यानों तक किसी भी चीज में यहां तक कि मनुष्य के अंगों के प्रतिस्थापन तक में उपयोग होता है इसी से पता चलता है कि वर्तमान युग वहुलकों का युग है । वे छोटे अणु जिनके मिलने से वहुलक का जन्म होता है, मोनोमर कहलाते हैं । मोनोमरों के एक–दुसरे से मिलकर वहुलक वनाने की प्रक्रिया को वहुलीकरण कहते हैं । जव अणु मात्र एक–दूसरे में जुड़कर वहुलक वनाते हैं तो इसे परिवर्धन वहुलीकरण कहते हैं । इस वेष में वहुलक वनने के वाद भी मोनोमरों की संरचनात्मक पहचान ज्यों की त्यों वनी रहती हैं। जव अणु मात्र सीधे जुड़ने के वजाय एक अभिक्रिया से गुजरकर वहुलक वनाते हैं तो इस प्रक्रिया को संघनन वहुलीकरण कहते हैं । संघनन दो अभिकर्मक ग्रुपों के वीच में होता है, जैसे किसी एसिड का कार्वाक्सिल ग्रुप तथा अलकोहल का हाइड्राक्सिल ग्रुप। किसी भी वहुलक का आकार इस वात पर निर्भर करता है कि उसमें कितनी मोनोमर इकाइयां हैं ।

भार कम होने की वजह से धातु या चीनी मिट्टी के वहुलकों का प्रयोग अच्छा रहता है और इन्हीं विशेष गुणों के कारण इनका प्रयोग दिन पर दिन वढ़ता जा रहा है । किसी विशेष वहुलक की उपयोगिता उसके विद्युत–रोधक गुण निम्न तापीय चालकता तथा उत्तम रसायनिक प्रतिरोध आदि पर निर्भर करती है ।

ध्वनि

रेडियो टेलीस्कोपों ने खगोलशास्त्रियों के लिए नए का द्वार खोल दिया है – दृश्य का नहीं, वल्कि ध्वनि का संसार। ये दोनों संसार एक –दूसरे से एकदम भिन्न हैं। उदाहरण के लिए नेत्रों के लिए मन्दाकिनी, प्रकाश की एक धारा है, परन्तु कानों के लिए यह एक ध्वनि पुंज है।

वास्तव में रेडियो टेलीस्कोप हमें उन तारों या आकाशगंगाओं की ध्वनि सुनने में सहायता करते हैं जो संसार के विशालतम प्रकाशिक टेलिस्कोपों की पहुंच के भी बाहर है । वे हमें उन नक्षत्रीय घटनाओं के अध्ययन में भी सहायता करते हैं जो हमारे प्रकाशिक टेलिस्कोपों की पहुंच की सीमा में तो है परन्तु व्रह्माण्डीय धूल के धुंधलेपन के कारण दिखाई नहीं देते। मंदाकिनी के गंगेय केन्द्र के वारे में जो थोड़ा–वहुत हम जान पाए हैं वह इसी के कारण से है । ध्वनि किसी वस्तु के कम्पनों के द्वारा उत्पन्न होती है और ऐसी लहरों के रूप में प्रसारित की जाती है जिनके दवाव में एकान्तर रूप से घट–बढ़ होती रहती है। यह अणुओं के भौतिक माध्यम के जरिए बाहर प्रसारित होती है और इसका स्वरूप लगभग वैसा ही होता है जैसा कि पानी में कोई भारी वस्तु फेंकने से लहरें चारों ओर फैलती हैं।

ध्वनि के दो गुण महत्वपूर्ण है । ये है – 'पिच' या वारंवारता और तीव्रता या प्रवलता । 'पिच' या वारवारता का संवंध ध्वनि के कम्पन की दर से है और इसे हर्टज में नापा जाता है। कम्पनशील लहरें प्रति सेकिंड जितनी वार लहराती हैं उसके आधार पर ध्वनि की वारवारता आंकी जाती है । चक्र जितना धीमा होगा पिच उतनी ही कम होगी। चक्रों की संख्या वढ़ने के साथ 'पिच अधिक हो जाती है।

तीव्रता या प्रवलता डेसीवेलों से नापी जाती है । [illegible] (वल का दसवां भाग) एक भौतिक इकाई है जो उस [illegible] हल्की ध्वनि पर आधारित है जिसे इंसान के [illegible] हैं । यह नाम टेलीफोन के आविष्कारक अलेक्जेंडर [illegible] के नाम पर रखा गया है । यह पैमाना [illegible]

10 डेसीवेल की वृद्धि का [illegible]
डेसीवेल की वृद्धि का मतलब है
डेसीवेल की वृद्धि का मतलब [illegible]

हल्की फुसफुसाहट लगभग 10 डेसीवेल के बराबर, हल्की वातचीत लगभग 20 डेसीवेल के बराबर और सामान्य बातचीत लगभग 30 डेसीवेल के बराबर हो सकती है। तुलनात्मक दृष्टि से डिस्को संगीत में बिजली द्वारा वंधित 'बीट' ध्वनियां 10 डेसीवेल की फुसफुसाहट से अरब गुणा अधिक प्रवल होती है।

मानव के कान 20,000 कम्पन प्रति सेकिंड से अधिक वारंवारता वाली या आधुनिक अन्तर्राष्ट्रीय इकाइयों में 20,000 हर्टज़ से अधिक वारंवारता की ध्वनियों को नहीं सुन पाते। ऐसी ध्वनि 'पराश्रव्य' (अल्ट्रासोनिक) ध्वनि कहलाती है। चमगादड़ जब उड़ते हैं तो बहुत प्रवल ध्वनि उत्पन्न करते हैं परन्तु ये ध्वनियां 20,000 से 1,00,000 हर्टज़ की पराश्रव्य वारंवारता की श्रेणी में होती हैं। अतः हम इन्हें सुन नहीं पाते। पराश्रव्य ध्वनि लहरें भौतिकी अनुसंधान में एक महत्वपूर्ण साधन के रूप में काम आती हैं। इनके अलावा पनडुब्बी अनुगूंज की जांच, ढलाई की त्रुटियों की पहचान, शीशे और चीनी-मिट्टी के वर्तनों पर वरमा डालना आदि अनेक कार्यों में पराश्रव्य ध्वनि का अनुप्रयोग होता है। ध्वनि की गति वाहक माध्यम की प्रकृति के अनुसार बदलती रहती है। हमारा मतलब है – ध्वनि वायु या समुद्र तल पर जिस गति से चलती है, उसी को ध्वनि की गति कहते हैं। यह गति लगभग 331 मीटर प्रति सेकिंड की होती है। पानी में ध्वनि वायु की तुलना में लगभग 5 गुणा तेज़ चलती हैं। लोहा और इस्पात में यह गति पानी की तुलना में 3 गुणा अधिक तेज होती है। कुछ चुने हुए माध्यमों में ध्वनि की गति नीचे दी गई है: वर्फ का पानी – 1505 मीटर प्रति सेकिंड; ईंट 3542 मीटर, ग्रेनाइट – 395 मीटर, कठोर लकड़ी – 3847 मीटर, शीशा – 5000 से 6000 मीटर प्रति सेकेन्ड।

पराध्वनिक अर्थात् सुपरसॉनिक गति, ध्वनि की समुद्र तल पर गति वायु में गति की तुलना में अधिक होती है, यानी यह 1216 किलोमीटर प्रति घंटे के लगभग होती है। पराध्वनिक गति 'मैक' इकाई में नापी जाती है। यह इकाई चैकोस्लोवाकिया में जन्मे जर्मन भौतिकशास्त्री अर्नेट मैक द्वारा निकाली गई थी उन्हीं के नाम पर यह नाम रखा गया है। दवाव और घनत्व एक जैसी स्थितियों में उड़ान की गति और ध्वनि की गति के बीच के अनुपात को 'मैक' कहते हैं। जब कोई वायुयान ध्वनि की गति से उड़ता है, यह मैग-1 कहलाता हैं। जब कोई विमान ध्वनि से दुगनी गति (पराध्वनिक गति) से उड़ता है तो यह मैक-2 कहलाता है। जब विमान की गति ध्वनि की गति से कम होती है तो इसे अवध्वनिक (सब सोनिक) कहा जाता है और यह मैक-1 से कम होती है। ध्वनि की आधी गति पर यह मैक-1/2 होती है।

'ध्वनि रोध' वह विन्दु है जिस पर उड़ान की गति और ध्वनि की गति एक वरावर होती है। जब कोई विमान ध्वनि से तेज़ गति से उड़ता है तो कहा जाता है कि उसने 'ध्वनि रोध' को पार कर लिया है। जब 'ध्वनि रोध' पार हो जाता है तो विमान की गति वायुमंडल में प्रघाती लहरें उत्पन्न करती है जिनका स्वरूप लगभग वैसा ही होता है जैसा कि तेज गति से चलने वाले जहाजों के अग्रभाग मे प्रघाती लहरें वादल की गरज की तरह गूंज पैदा करती है। इन्हें 'ध्वनिक गूंज' कहा जाता है।

मानव के कान 120 डेसीवेल तक का दवाव सुरक्षित रूप से झेल सकता है। इससे अधिक तीव्रता हानिकारक होती है और कानों को नुकसान पहुंचा सकती है। यदि हम कान की कार्य-प्रणाली की जाच करें तो हमें यह बात स्पष्ट हो जाएगी।

कान के तीन भाग होते हैं – वाहरी, मध्य और भीतरी कान। वाहरी कान (ऑट्रीकल) ध्वनि उद्दीपनों को एकत्र करता है। ये एक नली के द्वारा मध्य कान तक ले जाए जाते हैं। यह नली सीधी नहीं होती और जहां यह मध्य कान यानी कान के परदे के वाहरी दीवार से मिलती है उस स्थान पर सबसे अधिक चौड़ी होती है। नली की स्वेद ग्रन्थियां एक प्रकार की मोम जैसी वस्तु निकालती है जिसे 'कर्णमल' कहा जाता है। मध्य कान शंखास्थि (टेम्पोरल बोन) में एक कोटर सा बना हुआ है। यह शंखास्थि खोपड़ी का एक भाग होती है। कान के परदे पर बनी झिल्ली वाहरी कान से ध्वनि कम्पनों को प्राप्त करती है।

अस्थि के तीन छोटे-छोटे टुकड़े इस कोटर को जोड़े रखते हैं। हथौड़े, निहाइ और वलयक के आकार के कारण इन्हें क्रमशः हैमर, एनवित और स्टिरप अस्थियां कहते है। ये अस्थियां मध्य कान द्वारा प्राप्त कम्पनों को भीतरी कान तक पहुंचाती है। भीतरी कान की संरचना छोटी-सी है, परन्तु जटिल है जिसमें दो विशिष्ट अंग होते हैं – एक सुनने के लिए और दूसरा संतुलन के लिए। 'केचालिया' नामक श्रवण अंग घोंघे की आकृति का एक धारक होता है जो ध्वनि कम्पनों को स्नायु आवेगों के रूप में मस्तिष्क को भेजता है। मस्तिष्क ही ध्वनि के प्रति विविध शारीरिक प्रतिक्रियाओं के सम्पूर्ण तन्त्र को परिचालित करता है।

इस प्रकार मस्तिष्क पिट्यूटरी ग्रंथि को सक्रिय कर देता है जिसके कारण थाइरायड और एड्रीनल ग्रंथियों से हारमोन्स निकलने लगते हैं। यह संवेदनशील स्नायु-तंत्र को उद्दीप्त कर देता है जो हृदय, पेट, पुतली रक्तवाहिकाएं तथा पेशी की प्रतिक्रियाओं को नियंत्रित करने वाले प्रेरक स्नायुओं (मोटर नर्व) को प्रभावित करता है। इनके साथ अन्य प्रतिक्रियाओं के योग से ध्वनि के प्रति हमारी शारीरिक अनुक्रियाएं प्रवृत होती हैं।

एक पुरानी उक्ति है कि ध्वनि या तो संगीत होगी या शोर। इस पृथक्करण का तात्पर्य है जो कुछ भी कानों को प्रिय लगे वह संगीत है और वह सब कुछ जो कानों को अप्रिय लगे वह शोर हैं। कानों में किरकिराहट पैदा करनेवाली या कटुता उत्पन्न करने वाली ध्वनियों से हमें झन्नाहट और बेचैनी-सी हो जाती है। ध्वनि के इस अप्रिय प्रभाव को आजकल 'ध्वनि प्रदूषण' की संज्ञा दी गई है। सभी शहरों और कस्बों में ध्वनि प्रदूषण व्याप्त है – कहीं ज्यादा तो कहीं कम। इसके लिए ध्वनि प्रदूषण के बड़े अपराधी आजकल के महानगर हैं जिनके कोलाहलपूर्ण यातायात कानों के लिए खतरा पैदा करते है। पश्चिम जर्मनी में हाल ही में किए गए एक अध्ययन से जाहिर हुआ कि तकरीबन 6 करोड़ 30 लाख की आबादी में लगभग 25 लोग ऐसी जगहों में रहते हैं जहां शोरगुल का स्तर अधिक है। तुलनात्मक दृष्टि से यह एक छोटी प्रतिशतता है परन्तु इसमें केवल उन्हीं लोगों का उल्लेख है जिन्हें अधिकतम खतरा है। लगातार शोर सुनते रहने पर मध्य कान के नाजुक अंग धीरे धीरे खराब होते जाएंगे इसका नतीजा यह होगा कि वे भीतरी कान को ध्वनि आवेग प्रेषित करने में नाकामयाब होते जाएंगे और एक वक्त ऐसा आएगा कि ध्वनि के प्रति शरीर की अनुक्रियाएं भी चुप्पी साध लेंगी।

समय पद्धतियां

समय मापन के प्राचीनतम उपकरणों में धूप घड़ी और जल घड़ी जैसी कई युक्तियां शामिल थीं जो मिस्र में काम में लाई जाती थी । ये उपकरण स्थूल प्रकार के थे । ईसा पूर्व दूसरी शताब्दी में अलेक्जेंड्रिया के एक यूनानी इंजीनियर क्रेसिवियस ने जल घड़ी का डिजाइन फिर से बनाकर उसे लोकप्रिय बनाया था ।

उन्नत जलघड़ी, प्राचीन टाइमपीसों में से सबसे बढ़िया थी। मध्यकाल में घटते वज़न द्वारा चालित यांत्रिक घड़ियां इस्तेमाल में आईं। ये जलघड़ी की तुलना में अधिक सुविधाजनक थीं परन्तु उतनी सही नहीं थी। दोनों में दिन भर में आधे घंटे तक की अशुद्धि आती थी।

सन् 1884 में समय की न्यूनतम इकाई 'सेकिंड' की परिभाषा निश्चित की गई जिसके अनुसार सेकिंड उस अवधि के 1/86400 के बराबर है जो पृथ्वी अपनी धुरी के चारों ओर एक चक्कर पूरा करने में लेती है या 24 घंटे के एक दिन के 1/86400 भाग के बराबर है । इसका तात्पर्य है कि 24 घंटे का दिन 86400 सेकिंडों का बना हुआ है।

परन्तु घूमते समय पृथ्वी डगमगाती है । इस डगमगाहट के कारण घूमने के समय में उतार–चढ़ाव आता है । अतः सन् 1960 में यह निर्णय किया गया कि घूमने की अवधि को प्राथमिक इकाई (अर्थात् 24 घंटे का दिन) मानना छोड़ दिया जाए और (पृथ्वी द्वारा सूर्य के चारों ओर) की जाने वाली परिक्रमा अवधि को गणना का आधार बनाया जाए । अतः सेकिंड की पुनः परिभाषा की गई जिसके अनुसार सेकिंड उस समय के 1/31,556925,9747 भाग के बराबर है जो पृथ्वी सूर्य को चारों ओर एक परिक्रमा करने में लेती है । इस प्रकार 365 दिन के एक वर्ष में 315 लाख सेकिंड होते हैं।

सन् 1967 में 'नाप–तोल के महा सम्मेलन' में सेसियम परमाणु घड़ी द्वारा निर्धारित सेकिंड को अन्तर्राष्ट्रीय इकाई पद्धति (एस. आई.) के अन्तर्गत समय की इकाई के रूप में मान्यता प्रदान की गई। परमाणु सेकिंड की परिभाषा के अनुसार यह वह समय है जो सेसियम इलैक्ट्रान द्वारा 9,192,631,770 चक्कर पूरा करने में लगाया जाता है।

यह परिभाषा जितनी विशुद्ध लगती है, असल में उतनी परिशुद्ध नहीं है क्योंकि सेसियम इलेक्ट्रान परिभाषित मान से कभी अधिक तो कभी उससे कम चक्कर लगाता है । परन्तु यह विचलन केवल चन्द चक्कर ऊपर–नीचे तक का ही है अर्थात् 91,920 लाख चक्करों में से चन्द चक्कर अधिक या कम होता है जो कि नगण्य है ।

परमाणु घड़ी के दो विशेष लाभ है । न तो यह वायुमंडल की तरंगों से और न ही पृथ्वी के घूमने से होने–वाले उतार–चढ़ाव से प्रभावित होती है । दूसरी बात हाल के वर्षों में काफी महत्वपूर्ण बन गई है क्योंकि सन् 1970 के बाद से यह यह देखा गया है कि पृथ्वी के चक्कर के समय में प्रतिवर्ष एक सेकिंड की कमी होती जा रही है । चूंकि यह अशुद्धि ध्यान में आ गई है अतः संसार भर की घड़ियों को वर्ष के प्रारंभ में ही ठीक किया जा रहा है ताकि उनका समय परमाणु घड़ी से मेल खा जाए । ब्रिटिश नेशनल फिजिकल लेबोरेटरी द्वारा विकसित परमाणु घड़ी वहुत ही शुद्ध समय बताती है । 300 वर्षों की अवधि में इसमें केवल एक सैकिंड का अन्तर आता है ।

जनवरी 1972 से नाप–तोल के महासम्मेलन के मुख्यालय पेरिस में कोआर्डिनेटेड यूनिवर्सल टाइम (यू टी सी) नामक एक और नए सार्वत्रिक समय को समन्वित रूप से रखा जा रहा है। यह किसी अकेले परमाणु घड़ी पर आधारित नहीं है अपितु विश्वभर के 18 समय केन्द्रों की परमाणु घड़ियों के औसत पठन पर आधारित है ।

यू.टी.सी. समय में प्रतिदिन सेकिंड के 10 करोड़वें भाग से

ग्रीनविच माध्य समय

निम्नलिखित जोन ग्रीनविच माध्य समय से उतने घंटे आगे है जितना कि कोष्ठक में दिखाया गया है ।

फिजी, न्यूजीलैंड आदि (12 घंटे), न्यू केलेडोनिया न्यू हैब्राइड्स आदि (11 घंटे), क्वींसलैंड तस्मानिया आदि (10), जापान, कोरिया आदि (9), चीन, होगकांग, फिलिपाइन्स आदि (8), सिंगापुर (71/2), जावा थाइलैण्ड आदि (7), वर्मा, कोकोस कीलिंग द्वीप समूह (61/2), बांग्लादेश (6), भारत, श्रीलंका अन्डमान–निकोयार द्वीपसमूह (51/2), पाकिस्तान (5), मारीशस सिसलीज आदि (4), ईरान (31/2), ईराक इथियोपिया आदि (3), टर्की, ग्रीस, बल्गारिया आदि (2), स्वीडन, नार्वे, डेनमार्क आदि (1) ।

निम्नलिखित क्षेत्र ग्रीनविच समय से उतने घंटे पीछे हैं जितने कोष्ठक में दिखाए गए हैं ।

आइसलेंड, मेडीरा आदि (1), एज़ोरेस, केप वर्डे आदि (2), ग्रीनलेंड और पूर्वी ब्राजील (3), न्यूफाउन्डलेंड, लैब्रेडल इंच गिनी व उरुग्वे (31/2) कनाडा (68°W के पूर्व) ग्रीनलैंड (यूले क्षेत्र) पोर्टीरिको आदि (4), कनाडा (68°W) से 85°W तक), जमायका, वहामा, वहामा द्वीप, क्यूवा, हैती, पेरु, पनामा आदि (5), कनाडा (85°W से 102°w), कोस्टारिका, सेल्वाडोर हांडूरस, ग्वाटेमाला, किरागुआ, अमेरिका के मध्य भाग और मैक्सिको के कुछ भाग (6), कनाडा 102°W से 120°W), अमेरिका के पहाड़ी राज्य और मेक्सिको के कुछ भाग (7), कनाडा (120°W के पश्चिम में), अलास्का (दक्षिणपूर्वी), अमेरिका के पश्चिमी राज्य और मैक्सिको के कुछ भाग (8), अलास्का (क्रास साउण्ड के उत्तरी भाग), यूकोन, क्रि[illegible] द्वीपसमूह (09) अल्यूशियन द्वीपसमूह, अलास्[illegible] तट), सामोआ, मिडवे द्वीप समूह (1[illegible]

अधिक घट-बढ़ नहीं होती । इसके कारण परमाणु घड़ियों की अत्यल्प अशुद्धि भी नगण्य रह गई है । आशा की जाती है कि यू. टी. सी. पद्धति में ढाई लाख वर्ष तक बिल्कुल सही समय मिलता रहेगा । विभिन्न देशों की समय पद्धतियों का अन्तर्राष्ट्रीय आधार पर आपसी संबंध दर्शाने के लिए मानक समय पद्धति प्रारंभ की गई। इस प्रयोजन के लिए पृथ्वी को 24 देशान्तर जोनो में बांटा गया है जिनमें से प्रत्येक ज़ोन एक चाप या एक घंटे के 15 डिग्रियों के बराबर होता है। शून्य जोन ग्रीनविच (लन्दन) में स्थित है जो जी एम.टी. या ग्रीनविच मीन टाइम देता है। 12 वें जोन की 180 वें याम्योत्तर रेखा यानी अन्तराष्ट्रीय तिथि रेखा (इन्टरनेशनल डेट लाइन) से बांटा जाता है।

इस लाइन के पूर्वी ओर के जोनों को घंटा चिह्न उपसर्ग के साथ एक से बारह तक की संख्या दी गई है जिनसे ग्रीनविच समय प्राप्त करने के लिए घटाए जाने वाले घंटों की संख्या का पता चलता है।

इसी प्रकार पश्चिम की ओर के जोनों को जमा चिह्न उपसर्ग के साथ समान रूप से संख्या दी गई है जिनसे ग्रीनविच समय प्राप्त करने के लिए जोड़े जाने वाले घंटों की संख्या का पता चलता है।

तिथि रेखा (डेट लाइन) एक सर्पिल रेखा है जो न्यूनाधिक रूप से 180 वीं. याम्योत्तर रेखा की सम्पाती है । जब तिथि रेखा (डेट लाइन) को पश्चिम की ओर क्रास किया जाता है तो तारीख को एक दिन बढ़ा देना चाहिए । जब लाइन को पूर्व की ओर क्रास किया जाता है तो तारीख को एक दिन घटा देना चाहिए। उत्तरी अक्षांश 48 डिग्री और 75 डिग्री के बीच यह रेखा कुछ मुड़ी हुई है जिसके परिणामस्वरुप सम्पूर्ण एशिया इस रेखा के पश्चिम की ओर पड़ता है ।

आजकल इस 24 घंटे वाले समय का इस्तेमाल विशेषकर रेलवे और अन्य परिवहन संगठनों द्वारा अधिकाधिक किया जा रहा है । इसका सबसे अधिक लाभ यह है कि इसके साथ 'पूर्वाह्न' और अपराह्न शब्द लगाना नहीं पड़ता। 24-घंटे की पद्धति में दिन शून्य घंटे वाली मध्यराशि से शुरु होता है और इसके बाद के घंटों को 0 से 23 तक संख्या दी जाती है ।

समय परिरक्षण

समय के पालन में भारतीय अपने आलस्य के लिए जाने जाते हैं। समय पालन का अर्थ अपनी घड़ी को रेडियो से मिलाकर रखना है। भारत में समय के मूल्य को मुश्किल से महत्व दिया जाता है, लेकिन यह कहना कि यह विज्ञान का अति विकसित क्षेत्र है और अन्तर्राष्ट्रीय सहयोग में इसका महत्व है, तो बहुत से लोगों को यह मजाक लगेगा।

संपूर्ण देश में आकाशवाणी के श्रोता समाचार प्रसारण के पहले 'पिप' की आवाज से परिचित है, परन्तु बहुत कम ही लोग जानते होंगे कि यह मानक समय को सूचित करता है, जो प्रसारण समय के लिए बनाया गया है। दूरदर्शन पर मानक समय को देखा जा सकता है। दोनो प्रसारण समय भारतीय मानक समय (आई एस टी), जिनकी व्यवस्था और प्रसारण दिल्ली की राष्ट्रीय भौतिक प्रयोगशाला (ने.फी.लै.) से होता है।

अन्तर्राष्ट्रीय सहयोग में समय परिरक्षण अति विशिष्ट क्षेत्र है। समय पालन तथा राष्ट्रीय घटकों तक इसे पहुंचाने के लिए, उच्च तकनीक का उपयोग किया जाता है। 'दी ब्यूरो इंटरनेशनल डेस पोइसेट मेजर्स' (बी आई पी एम) एक अन्तर्राष्ट्रीय संगठन है, जो जी.एम.टी. की व्यवस्था करती है। समय और बारंम्बारता संकेत विभिन्न केन्द्रों जैसे राष्ट्रीय भौतिक प्रयोगशाला को प्रदान करती है, जो अपनी घड़ी को बी.आइ.पी.एम. के समतुल्य रखते हैं। राष्ट्रीय भौतिक प्रयोगशाला की मानक इकाई में लगे वैज्ञानिक कहते है कि जिन्हें इसकी आवश्यकता है उन्हें इसको उपलब्ध कराये बिना समय परिरक्षण का कोई उपयोग नहीं है।

परिशुद्ध और यथार्थ समय का महत्व समय और बारम्बारता संकेत के प्रचार-प्रसार के अर्थ में है। संचार के साधन, नौकायन, अन्तरिक्ष उड़ान, भूभौतिकी और रेडियो गणित ज्योतिष में इसका उपयोग होता है। समय और बारम्बारता के प्रचार के लिए, जिसका सम्बन्ध रेडियो प्रसारण से है, अधिकांश तकनीक उसी में लगे रहती है। यह एक प्रकार का 'रेडियो ट्रान्समीशन' है जो नौकायन या दूरदर्शन की व्यवस्था से सम्बन्धित तथा समर्पित है या उपयोगकर्ताओं के संकेत अभिप्रेत के रूप में होता है।

अभी तक राष्ट्रीय भौतिकी प्रयोगशाला भूआधारित व्यवस्था का उपयोग कर रहा था, जो रेडियो तरंगों का उप आयन मंडलीय प्रसार करता है। वास्तव में भूआधारित तकनीक का उपयोग सम्पूर्ण संसार में लगभग तीन दशक तक होता रहा। इस व्यवस्था में अन्तर्निहित कमियां है, जिसके कारण उच्च परिशुद्धता के उपयोग जैसे अन्तरिक्ष यान उड़ान केन्द्र, और रेडियो गणित ज्योतिष निरीक्षणशालाओं को समस्याएं होती हैं।

समय और बारम्बारता प्रसारण में वातावरणिक रेडियो शोर को उच्च बैण्ड में उपयोग किया जाता है। दूसरा, समय प्रसारण के लिए उपयोग किया गया बैण्ड का विस्तार बहुत संकीर्ण होता है। इतना होने पर भी सौर विस्तार और भूचुम्बकीय तूफान के कारण अनिश्चितता बनी रहती ह।

इन समस्याओं से छुटकारा पाने के लिए वैज्ञानिकों ने समय और बारम्बारता के प्रसारण के लिए सेटेलाइट आधारित व्यवस्था को विकसित किया है, इसके लिए भारत सर्वाधिक सुविधाजनक है, क्योंकि साधारणतः परिक्रमा पथ में मुश्किल से पृथ्वी के कुछ हजार कि.मी. ऊपर आयन मंडल थोड़ा ऊपर रहता है, जो पृथ्वी के अधिकांश भाग को आवृत्त कर लेता है यह वातावरणिक शोर जिसे बारम्बारता के प्रसारण के लि[illegible] उपयोग किया जाता है तो शोर का स्तर प्रायः शून्य हो जाता है

सेटेलाइट समय प्रसारण दो प्रकार का होता है – एक मार्गीय और द्विमार्गीय। एकल मार्गीय प्रसारण में उपयोगकर्ता सेटलाइट द्वारा सीधे समय संकेत प्राप्त करता है। ये संके[illegible] सेटेलाइट में लगे परमाणुविक घड़ी से उत्पन्न हो सकते है सेटेलाइट संदेश वाहक द्वारा भूआधारित घड़ी से प्रसारित कि[illegible] जाते हैं।

द्विमार्गीय प्रसारण में भू आधारित स्टेशन, जो सेटेलाइट [illegible] प्रसारण और दूसरा समय-संकेत को ग्रहण करने का कार्य [illegible] करते हैं। प्रायः द्विमार्गीय तुलना सारे प्रसारण को निकाल [illegible] है, लेकिन द्विमार्गीय व्यवस्था के उपयोगकर्ता सीमित संख्[illegible] हैं, जैसे राष्ट्रीय समय अनुरक्षण प्रयोग शालाएं जिन्हें किसी [illegible] ढंग से शुद्ध समय के प्रसारण का साधन उपलब्ध नहीं होत[illegible]

राष्ट्रीय भौतिक प्रयोगशाला की प्रसारण व्यवस्था

इनसैट में स्थित पृथ्वी पर का स्टेशन उत्तर प्रदेश के सिकंदराबाद में है। स्टेशन की सेशियम घड़ी को 'राष्ट्रीय भौतिकी प्रयोगशाला' के मानक प्रयोगशाला की मास्टर घड़ी के समतुल्य रखा जाता है। स्टेशन के पास भी एक समय कोड जनरेटर है, जो सेटेलाइट के सहयोग से इसमें 'पीसी' द्वारा डाली गई सूचनाओं को इकट्ठा करता है और प्रत्येक घंटे का मूल्यांकन करता है। यह सब कम्प्यूटर द्वारा पूर्ण होता है। अधिग्रहण करने की व्यवस्था, तुरन्त समाप्त होने वाले परिवर्तन और कूटानुवाद से सुसज्जित रहता है, जो उस दिन के समय का प्रदर्शन करता है और सेटेलाइट की सहायता करता है।

राष्ट्रीय भौतिकी प्रयोगशाला के मानक विभाग के वैज्ञानिक डा. ए. सेनगुप्ता के अनुसार, सम्पूर्ण अन्तः द्वीप में एक जैसी व्याप्ति, विश्वसनीयता, सतत समय की उपलब्धता, पूर्ण स्वचालित नियंत्रक, कूटानुवाद, वास्तविक समय, और बारम्बारता, स्थानान्तरण और निम्न अधिग्रहण कीमत, और स्तरीय की शुद्धता सेटेलाइट आधारित समय प्रसारण के लाभ हैं।

राष्ट्रीय भौतिकी प्रयोगशाला के संगठन द्वारा अधिग्रहण व्यवस्था तकनीक का विकास किया गया, जिसे दो कम्पनियों को आर्थिक लाभ के लिए स्थानान्तरित किया गया है। डिश एन्टेना और समय जनरेटर सहित अधिग्रहण व्यवस्था की कीमत लगभग तीन लाख है। आर्थिक रूप से इस व्यवस्था की प्रगति से लगातार 'भारतीय मानक समय' प्राप्त कर सकता है।

समय के पारम्परिक उपयोगकर्ताओं जैसे रेडियो, दूरदर्शन केन्द्र और रेडियो गणित ज्योतिष प्रयोगशालाओं के अलवा सेटेलाइट आधारित समय प्रसारण व्यवस्था उपयोगकर्ताओं की विस्तृत किस्में पा सकेगा। इसमें रेलवे स्टेशन, विमान पत्तनम्, महत्वपूर्ण सार्वजनिक स्थान, राज्य विद्युत बोर्ड (पावरनेट वर्क के लिए) समकालिकता के लिए इसका उपयोग करेंगे।

यदि एक बार अधिग्रहण व्यवस्था की मांग बढ़ जाती है तो किसी भी दशा में सेटेलाइट द्वारा समय प्रसारण का भविष्य उज्जवल हो जायेगा और इनके साधनों की कीमतें एकाएक नीचे गिर जायेंगी।

अंतर्राष्ट्रीय मात्रक

वर्तमान शताब्दी के पूर्वार्ध में माप–तौल की दो प्रणालियां व्यापक रूप से प्रचलित रहीं – इम्पीरियल और मीट्रिक इम्पीरियल प्रणाली समूचे ब्रिटिश साम्राज्य में चल रही थी।

अमरीका सहित समस्त अंग्रेजी भाषी राष्ट्रों में इम्पीरियल प्रणाली का ही प्रचलन था। मीट्रिक प्रणाली फ्रांस एंव अन्य यूरोपीय देशों, उनके उपनिवेशों तथा अधीन क्षेत्रों में चलती थी।

इम्पीरियल प्रणाली का उद्‌गम प्राचीन एंग्लो–सैक्सन पद्धति से हुआ था। माप–तौल के ये मात्रक कामचलाऊ थे और ये सभी जगह प्राप्य मानकों पर आधारित थे – जैसे मानव का हाथ। स्पष्ट है, इन्सान का हाथ कोई सही माप हरगिज़ नहीं हो सकता, क्योंकि व्यक्ति–भेद और स्थान–भेद की दृष्टि से इसमें फर्क आ जाता है।

अंगूठे के पोर की दूरी इंच कहलाई। सम्राट एडगर के नासाग्र से लेकर उनके तने हुए हाथ की बड़ी उंगली के अग्रभाग तक का फासला गज ठहराया गया। ज़मीन का वह परिमाण एकड़ स्थिर किया गया जितनी ज़मीन को बैलों के जोड़े ने एक दिन भर में जोता था। मील शब्द का संबंध रोमन सैनिकों के एक हज़ार कदमों की दूरी था, यह अंदाज़न 1618 गज की निकली। सिपाहियों के कदम हमेशा एक जैसे हों, यह जरूरी नहीं। लिहाज़ा, 1760 गज की दूरी को मील माना गया।

इस तरह के विलक्षण मात्रकों के संगुटीकरण से इम्पीरियल प्रणाली के माप–तौल विकसित किए गए। यद्यपि ये आधारभूत मात्रक सूक्ष्म रूप से निर्धारित हो चुके हैं, किन्तु उन्हें छोटे या बड़े मात्रकों में परिवर्तित करते हुए गणितीय यातना का अनुभव होता था। मिसाल के लिए एक मील 12 × 3 × 220 × 8 इंच होता है और एक लघु टन 16 × 16 × 14 × 2 × 4 × 20 ड्राम होता है।

इम्पीरियल प्रणाली के विपरीत, मीट्रिक प्रणाली सुस्पष्ट और सुविचारित है। फ्रांस ने इस प्रणाली को 1790 में अपनाया था और नेपोलियन द्वारा अन्य यूरोपीय देशों में इसका प्रचार हुआ था। फ्रांस द्वारा स्वीकृत इस नई प्रणाली में दूरी का एकक मीटर है जो कि पृथ्वी के ध्रुववृत पाद के दस लाखवें अंश के बराबर होता है। इसमें तौल का एकक किलोग्राम है जो कि एक घन डेसीमीटर (0.1 घन मीटर) पानी के द्रव्यमान के समान निर्धारित है। एक घन डेसीमीटर पानी का आयतन एक लिटर कहलाता है। सन् 1870 में फ्रांस ने एकीकृत मीट्रिक प्रणाली का विकास करने के लिए विभिन्न देशों का एक सम्मेलन बुलाया था। 1875 में पेरिस मे मीटर के समझौते पर हस्ताक्षर हुआ। इस समझौते के फलस्वरूप अंतर्राष्ट्रीय माप–तौल [illegible] किया गया। साथ ही समय–समय मिलकर [illegible] नए मात्रकों के निश्चय के लिए [illegible] स्थापित हुआ।

सन् 1889 में [illegible] एक छड़ मानक किलोग्राम [illegible]। यह छड़ पेरिस की एक [illegible]।

आज [illegible] को [illegible] चुके हैं*।

[illegible] सम्मेलन [illegible] प्रणाली [illegible]

---

* [illegible] के अंदर [illegible]

मीट्रिक माप-तौल की तालिका रेखीय माप

10	मिलिमीटर (मिमी)	=	1	सेंटीमीटर	(सेमी)
10	सेंटीमीटर	=	1	डेसीमीटर	(डेमी)
10	डेसिमीटर	=	1	मीटर	(मी)
10	मीटर	=	1	डेकामीटर	(डेकामी)
10	डेकामीटर	=	1	हेक्टोमीटर	(हेमी)
10	हेक्टोमीटर	=	1	किलोमीटर	(किमी)

क्षेत्रीय माप

100	वर्ग मिलिमीटर	=	1	वर्ग सेंटीमीटर
10,000	वर्ग सेंटीमीटर	=	1	वर्ग मीटर
100	वर्ग मीटर	=	1	एअर
100	एअर	=	1	हेक्टेअर
100	हेक्टेयर	=	1	वर्ग किलोमीटर (वर्ग कि.मी.)

आयतन माप

1	लिटर	=	0.001	घनमीटर	
10	मिलिलिटर (मिलि)	=	1	सेंटीलीटर	(सेली)
10	सेंटीलिटर	=	1	डेसीली	(डेली)
10	डेसिलिटर	=	1	लीटर	(ली)
10	लिटर	=	1	डेकालीटर	(डेकाली)
10	डेकालिटर	=	1	हेक्टालीटर	(हेली)
10	हेक्टो लिटर	=	1	किलोलीटर	(किली)

तौल

1	मिलिग्राम (मिग्रा)	=	1	सेंटीग्राम	(सेग्रा)
10	सेंटीग्राम	=	1	डेसीग्राम	(डे ग्रा)
10	डेसिग्राम	=	1	ग्राम	(ग्रा)
10	ग्राम	=	1	डेकाग्राम	(डेका ग्रा)
10	डेकाग्राम	=	1	हेक्टाग्राम	(हे ग्रा)
10	हेक्टोग्राम	=	1	किलोग्राम	(कि ग्रा)
10	किलोग्राम	=	1	मेट्रिकटन	(ट)

घन माप

1000	घन मिलीमीटर	=	1	घन सेंटीमीटर
1000	घन सेंटीमीटर	=	1	घन डेसीमीटर
1000	घन डेसीमीटर	=	1	घन मीटर

सरल परिवर्तन तालिका भारतीय मात्रक

तोले का ग्राम में

तोला	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
ग्राम	11.66	23.33	34.99	46.66	58.32	69.98	81.65	93.3	104,97	116.64

सेर का किलोग्राम में

सेर	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
किलोग्राम	0.93	1.87	2.80	3.73	4.67	5.60	6.53	7.46	8.40	9.33

मन का क्विंटल में

मन	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
क्विंटल	0.37	0.75	1.12	1.49	1.87	2.24	2.61	2.99	3.36	3.73

माप–तौल की द्वि–परिवर्तन तालिका

नोट: मध्यवर्ती संख्याए (1 से 100) संदर्भानुसार अपने दोनों ओर के एक या दोनों कालमों को द्योतित करती है
यथा: सेंटीमीटर = 0.394 इंच और 1 इंच = 2.540 सेंटीमीटर
1 मीटर = 1.094 गज और 1 गज = 0.914 मीटर
1 किलोमीटर = 0.621 मील और 1 मील = 1.609 किलोमीटर

सेंटीमीटर		इंच	मीटर		गज	किलोमीटर		मील
2.540	1	0.394	0.914	1	1.094	1.609	1	0.621
5.000	2	0.787	1.829	2	2.187	3.219	2	1.243
7.620	3	1.181	2.743	3	3.281	4.828	3	1.864
10.160	4	1.575	3.658	4	4.374	6.437	4	2.485
12.700	5	1.969	4.572	5	5.468	8.047	5	3.107
15.240	6	2.362	5.486	6	6.562	9.656	6	3.728
17.780	7	2.756	6.401	7	7.655	11.266	7	4.350
20.320	8	3.150	7.315	8	8.749	12.875	8	4.971
22.860	9	3.543	8.230	9	9.843	14.484	9	5.592
25.400	10.	3.937	9.144	10	10.936	16.094	10	6.214
127.000	50	19.685	45.720	50	54.681	80.468	50	31.068
254.000	100	39.370	91.439	100	109.361	160.936	100	62.136

हेक्टेआर		एकड़	वर्ग किलोमीटर		वर्ग मील	किलो ग्राम		औ.पौं
0.404	1	2.471	2.590	1	0.386	0.454	1	2.205
0.809	2	4.942	5.180	2	0.772	0.907	2	4.409
1.214	3	7.413	7.770	3	1.158	1.361	3	6.614
1.619	4	9.884	10.360	4	1.544	1.814	4	8.818
2.023	5	12.355	12.950	5	1.931	2.268	5	11.023
2.428	6	14.826	15.540	6	2.317	2.722	6	13.228
2.833	7	17.298	18.130	7	2.703	3.175	7	15.432
3.237	8	19.769	20.720	8	3.089	3.629	8	17.637
3.642	9	22.240	23.310	9	3.475	4.082	9	19.842
4.047	10	24.711	25.900	10	3.861	4.536	10	22.046
20.234	*50*	*123.554*	*129.498*	*50*	19.306	22.680	50	110.231
40.468	100	247.108	258.995	100	38.611	45.359	100	220.462

मीट्रिक टन		दीर्घ टन	मीट्रिक टन		लघु टन	लीटर		पिंट
1.016	1	0.984	0.907	1	1.102	0.568	1	1.760
2.032	2	1.968	1.814	2	2.205	1.136	2	3.520
3.048	3	2.953	2.722	3	3.307	1.705	3	5.279
4.064	4	3.937	3.629	4	4.409	2.273	4	7.039
5.080	5	4.921	4.536	5	5.512	2.841	5	8.799
6.096	6	5.905	5.443	6	6.614	3.409	6	10.559
7.112	7	6.889	6.350	7	7.716	3.978	7	12.319
8.128	8	7.874	7.257	8	8.818	4.546	8	14.078
9.144	9	8.858	8.165	9	9.921	5.114	9	15.838
10.161	10	9.842	9.072	10	11.023	5.682	10	17.598
50.803	50	49.211	45.359	50	55.116	28.412	50	87.990
110.605	100	98.421	90.718	100	110.231	56.824	100	175.990

लीटर	गैलन	लीटर		गैलन	
4.546	1	0.220	31.822	7	1.540
9.092	2	0.440	36.368	8	1.760
13.638	3	0.660	40.914	[illegible]	[illegible]
18.184	4	0.880	45.460		
22.730	5	1.100	227.298		
27.276	6	1.320	454.596		

अपनाया गया । 1960 में इसे 'सिस्टम इंटरनैशनल डी यूनिट्स' अर्थात् अंतर्राष्ट्रीय मात्रक प्रणाली का नाम दिया गया।

यह प्रणाली लंबाई, द्रव्यमान, समय और तापमान के चार स्वतंत्र बुनियादी मात्रकों पर टिकी हुयी है । लंबाई और द्रव्यमान के मात्रक क्रमशः मीटर और किलोग्राम है । समय का मात्रक सेकिंड है जो कि परमाणु घड़ी के रूप में निर्धारित है । तापमान का मात्रक सेलसियस डिग्री (सेंटीग्रेड) या केल्विन है और इसके द्वारा फारेनहाइट डिग्री का प्रतिस्थापन हो गया है । सम्मेलन ने समय मात्रक मिनट, घंटा, आदि के साथ तथा डिग्री, मिनट, सेकेंड जैसे कोणीय मापों तथा नाटिकल मील नाट आदि सुप्रतिष्ठित मात्रकों को भी स्वीकार किया ।

विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में हुए चमत्कारपूर्ण विकास के फलस्वरूप सम्मेलन लंबाई, द्रव्यमान, समय आदि मापों के मात्रकों को सूक्ष्म रूप से निर्धारित करने पर बाध्य हो गया । इसके अतिरिक्त, सम्मेलन के सामने माप के नए मात्रक स्वीकृत कर उन्हें परिभाषित करने की आवश्यकता उपस्थित हुई । इस दिशा में सम्मेलन के प्रयासों के फलस्वरूप जटिल एवं उच्च स्तरीय तकनीकी अंतराष्ट्रीय प्रणाली का विकास हुआ । इन परिभाषाओं की अभिव्यक्ति ऐसी विशिष्ट वैज्ञानिक शब्दावली में निबद्ध है जो आम आदमी की पहुंच के बाहर है । इस प्रणाली की संक्षिप्त रूपरेखा तालिकाओं के रूप में नीचे दी जा रही है।

अंतर्राष्ट्रीय प्रणाली के मात्रक तीन वर्गों में बांटे जा सकते हैं।

1. आधारमात्रक जो उस प्रणाली की बुनियाद बनते हैं।
2. व्युत्पन्नमात्रक जो आधार मात्रकों के संचयों से बनते हैं।
3. संपूरकमात्रक जो कोणीय मापों में प्रयुक्त होते हैं ।

इस प्रणाली की विशिष्टता उसकी संसक्तता में है । मात्रकों के संसक्त समुच्चय का लक्षण यह है कि किन्हीं दो राशियों के गुणनफल या भागफल से परिणामी राशि का मात्रक प्राप्त हो जाता है । दूसरे शब्दों में प्रणाली के सभी मात्रक एक दूसरे से संबद्ध हैं और दूसरे मात्रकों के संदर्भ में व्याख्येय भी हैं।

आधार मात्रकों को निम्नलिखित प्रकार परिभाषित किया जा सकता है : **मीटरः** फ्रांस स्थित अंतर्राष्ट्रीय संगठन माप-तौल के अंतर्राष्ट्रीय महासम्मेलन ने मीटर की एक नई परिभाषा देने का निश्चय किया था । अब मीटर पथ की वह दूरी है जिसमें प्रकाश निर्वात स्थान में एक सैकेंड के 1/299,792,458 अंश के समयांतराल में यात्रा करने के लिए लेता है ।

किलोग्रामः यह किलोग्राम के द्रव्यमान का वह आदिप्ररूप है जो पैरिस के समीप अंतर्राष्ट्रीय माप-तौल ब्यूरो की परिरक्षा में है । सभी आधार मात्रकों में द्रव्यमान का मात्रक ही एक ऐसा है जिसके नाम के पहले ऐतिहासिक कारणवश पूर्वलग्न (किलो) लगा है ।

सेकिंडः सीसियम 133 परमाणु की मूल अवस्था के दो अति सूक्ष्म स्तरों के बीच जो संक्रमण होता है उसके संगत विकिरण के 9192631770 आवर्तन-काल की समयावधि को सैकंड कहते हैं ।

ऐम्पीयरः यदि अनंत लंबाई के और उपेक्षणीय अनुप्रस्थ प्रतिच्छेद (क्रास सेक्शन) वाले दो सीधे और समांतर चालक एक मीटर की दूरी पर रखे जाएं तो इन चालकों के बीच जो धारा प्रति मीटर 2 × 10-7 न्यूटन बल उत्पन्न करती है उसे एंम्पीयर कहते हैं ।

केल्विनः पानी के त्रिगुण बिंदु के ऊष्मागतिकीय तापमान 1/273.16 वां अंश केल्विन कहलाता है ।

कैन्डेलाः प्लाटिनम के हिमांक तापमान पर और 101.3 न्यूटन प्रति वर्ग मीटर दाब पर किसी कृष्णिका (ब्लैक बा के 1/600000 वर्ग मीटर पृष्ठ पर लंब दिशा में मापी ज्योति तीव्रता को कैन्डेला कहते हैं ।

मोलः किसी तरल पदार्थ की उस मात्रा को मोल कहते जितनी कि 0.021 कि.ग्रा. कार्बन-12 के परमाणु में नि मूल सत्ता के बराबर है ।

व्युत्पन्न मात्रक और विशिष्ट नाम

मात्रक	नाम	चि
आवृत्ति	हर्ट्ज़	हज़
बल	न्यूटन	न
दबाव	पास्कल	क
विद्युत की मात्रा	कोलम्ब	क
विद्युत तनाव	वोल्ट	वं
विद्युत प्रतिरोध	ओहम	ओ
ज्योति फ्लक्स	ल्यूमेन	ल्
प्रदीपन	लक्स	लव

संपूरक मात्रकों में (1) रेडियन-समतलीय कोण और (स्टेरेडियन -- घन कोण, आते है ।

रेडियनः रेडियन वह समतलीय कोण है जिसका शीर्ष कि वृत्त के केन्द्र पर हो तो वृत्त की परिधि में कोण द्वारा त्रिज्या बराबर चाप कट जाता है ।

स्टेरेडियनः स्टेरेडियन वह घन कोण है जिसका शीर्ष कि गोलक के केन्द्र पर हो तो गोलक के पृष्ठ पर कोण द्वारा उ पृष्ठ के बराबर क्षेत्रफल कट जाता है, जितना कि गोलक त्रिज्या पर बने हुए वर्ग का क्षेत्रफल है ।

गुणन और मिन्नः गुणन और मिन्न उचित पूर्व लग्न द्वा सूचित किये जाते हैं। 1000 तक के गुणन निम्नलिखित लग्नों द्वारा सूचित होते हैं । डेका (10), हेक्टो (100) अ किलो (1000) एक हजार तक के भिन्न इस प्रकार व्यंजि होते हैं: डेसि (1/10), सेंटि (1/100), और मिलि (1 1000) ।

1000 के ऊपर के गुणनों तथा भिन्नों को व्यंजित कर के लिए निम्नलिखित पूर्वलग्न स्वीकृत किए गए हैं ।

गुणन

टेरा (टी)	=	10^{12}	(1 के बाद 12 शून्य
गिगा (जी)	=	10^{9}	(1 के बाद 9 शून्य
मेगा (एम)	=	10^{6}	(1 के बाद 6 शून्य
किलो (कि)	=	10^{3}	(1 के बाद 3 शून्य
हेक्टो (एच)	=	10^{2}	(1 के बाद 2 शून्य
डेका (डा)	=	10^{1}	(1 के बाद 1 शून्य

भिन्न

डेसी	=	10^{-1}	(.1)
सेंटी	=	10^{-2}	(.01)

मिली	=	10^{-3} (0.001)
माइक्रो	=	10^{-6} (दशमलव के बाद 5 शून्य और 1)
नैनो	=	10^{-9} (दशमलव के बाद 8 शून्य और 1)
पाइको	=	10^{-12} (दशमलव के बाद 11 शून्य और 1)
फेमटो	=	10^{-15} (दशमलव के बाद 14 शून्य और 1)
ऐट्ट	=	10^{-18} (दशमलव के बाद 17 शून्य और 1)

इस प्रकार एक किलोमीटर 1 000 मीटर है और एक मेगा–मीटर 1,000,000 मीटर है जबकि एक मिलिमीटर 0.001 मीटर है और एक माइक्रोमीटर 0.000,001 मीटर है।

संकेतन, प्रयोग किए जानेवाले प्ररूप, पूर्वलग्न, चिह्न आदि के बारे में विस्तृत नियम बनाए गए हैं। चिह्नों के बाद पूर्ण विराम नहीं लगाया जाता, न ही उनमें बहुवचन लगते हैं।

अंतर्राष्ट्रीय महासम्मेलन के सहायक अंग के रूप में गठित माप–तौल की अंतर्राष्ट्रीय समिति ने कुछ मात्रकों के प्रयोग का मान्यता प्रदान की जो सही अर्थ में अंतर्राष्ट्रीय प्रणाली का भाग तो नहीं थे, परन्तु व्यापक रूप से प्रचलन में थे। कुछ सामान्य मात्रक तथा उनके सम–तुल्य अंतर्राष्ट्रीय प्रणाली के मात्रक नीचे दिए जा रहे हैं।

अंतर्राष्ट्रीय समतुल्य मात्रक

लंबाई

1 ऐंग्स्टम	0.1	नानो मीटर (नामी)
1 चेन	20.12	मीटर (मी)
1 इंजीनियर चेन	30.48	"
1 फैदम	1.829	"
1 फर्लांग	0.201 2*	किलोमीटर (किमी)
1 फुट	0.304 8*	
1 इंच	25.4	मिलीमीटर (मिमी)
1 लिंक	0.201 2*	मीटर (मी)
1 मील	1.609	किलोमीटर (किमी)
1 नाटिकल मील	1.852	"
अंतर्राष्ट्रीय		
1 नाटिकल मील तार	1.855	"
1 नाटिकल मील इंग्लैंड		1.853"

क्षेत्र

1 एकड़	4047	वर्ग मीटर
1 वर्ग फुट	929.0	वर्ग सेंटीमीटर
1 वर्ग मील	2.599	वर्ग किलोमीटर
1 वर्ग गज	0.836 1*	वर्ग मीटर

आयतन

1 घन फुट	28.32	घन डेसीमीटर
1 घन इंच	16.39	घन सेंटीमीटर
1 तरल आउंस	28.41	"
1 गैलन, इम्पीरियल	4.546	घन डेसीमीटर
4 गैलन, अमरीका	3.785	"
1 पिंट, इम्पीरियल	0.586 3*	"

द्रव्यमान

1 ग्रेन	64.80	मिलिग्राम
1 हंड्रेड वेट	50.80	किलोग्राम
1 मन	37.32	"
1 आउंस	28.35	ग्राम
1 पौंड	0.453 6*	किलोग्राम
1 क्विंटल	100	"
1 सेर	0.9333 1*	"
1 तोला	11.56	ग्राम
1 टन	1.06	टन
1 टन (अमरीका)	0.907 2*	

वेग

1 फुट प्रति मिनट	0.005 08*	मीटर प्रति सैकंड
1 फुट प्रति सैकंड	0.304 8*	मीटर प्रति सैकंड
1 इंच प्रति सेकेंड	25.4	मिलि मीटर प्रति सैकंड
1 नाट	0.514 4*	मीटर प्रति सैकंड
	1.852	किमी प्रति घंटा
1 नाट (इंग्लैंड)	0.514 7*	मीटर प्रति सैकंड
	1.853	किमी प्रति घंटा
1 मील प्रति घंटा	0.447 0*	मीटर प्रति सैकंड
	1.609	किमी प्रति घंटा

ईंधन की खपत

1 गैलन प्रति मील	2 825	लिटर प्रति किलोमीटर
1 अमरीकी गैलन प्रति मील	2.352	"
1 मील प्रति गैलन	0.354 0*	कि.मी. प्रति लिटर
1 मील प्रति अमरीकी गैलन	0 425 1*	किलो मीटर प्रति लिटर

* अंतर्राष्ट्रीय प्रणाली के सकेतन–नियमों में एक यह है कि जब संख्यात्मक मान तीन अकों से अधिक का हो जाए तो अंकों को दशमलव के बाद या पूर्व तीन–तीन के वर्गों में बांट कर अलग लिखा [illegible] अलग करने के लिए तीन अकों के बाद एक स्थान छोड़ देना [illegible] कि अल्प विराम देकर अलग किया जाए, जैसा कि सामान्यतः [illegible] जाता है। उपर्युक्त तालिका में मद 5 पर दशमलव के तीन [illegible] बाद स्थान छोड़ा गया है (0 304, 8 के बजाए 0.304,8, [illegible] जहां स्थान छूटे हैं अल्प–विराम की तरह समझा [illegible]।

अंतर्राष्ट्रीय मात्रक

आधार मात्रक
मीटर–लंबाई का मात्रक
किलोग्राम–द्रव्यमान का मात्रक
सेकेंड–समय का मात्रक
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

* [illegible]

अंक

आजकल जो अंक प्रतिदिन के प्रयोग में हैं, वे अरबी अंक कहलाते हैं क्योंकि अरब वालों से ही ये अंक यूरोप में पहुंचे। वास्तव में इनका प्रारंभ भारत में हुआ और इसलिए इन्हें भारतीय अंक कहना ही उपयुक्त है। शून्य की संकल्पना और अंक पद्धति (जिसमें दशमलव पद्धति भी शामिल है) अंक विज्ञान में भारत का योगदान है। अरबवासियों ने भारतीय पद्धति को अपनाया। यूरोप वासियों ने इसे अरबवासियों से प्राप्त किया। (देखिए विज्ञान की युगान्तरकारी घटनाएं)।

भारतीय गणित विद्या को अरबी स्रोतों से यूरोप तक पहुंचाने में जिन विद्वानों का प्रमुख हाथ रहा उनमें सबसे प्रसिद्ध हैं – पिसा के लिओनार्ड (सन 1202°)। अन्य महत्वपूर्ण विद्वान हैं – सेविले के जान (1135) बाथ के एडीलार्ड (1142), चेस्टर के रावर्ट (1142), विलेडियेन (1240) और सेक्राबोसा (1242)।

रोमन अंक वे हैं जिनका इस्तेमाल प्राचीन रोमवासियों द्वारा किया जाता था। ये अंक, अक्षर हैं जिन्हें संख्याओं में परिवर्तित कर लिया गया था।

जैसे I = 1, V = 5, X = 10 आदि। ये अरबी अंक पद्धति के अनुसार नहीं चलते। रोमन अंक के सामान्य नियम इस प्रकार हैं:

(1) एक अक्षर की पुनरावृत्ति से उसके मूल्य की पुनरावृत्ति होती है। जैसे XX=10 + 10 = 20

(2) अपेक्षाकृत अधिक मूल्य वाले अक्षर के बाद एक अक्षर रखने से उसका मूल्य भी उसमें जुड़ जाएगा। जैसे: VI = 5 + 1 = 6

(3) अपेक्षाकृत अधिकमूल्य वाले अक्षर से पहले कोई अक्षर रखने से उसका मूल्य उसमें से घट जाएगा। जैसे IV = 5 – 1 = 4

(4) किसी अंक के ऊपर एक 'डेश' चिह्न लगाने पर उसके मूल्य में हजार गुणा वृद्धि हो जाएगी। जैसे $\bar{X}$ = 10 × 1000 = 10,000

अक्षर के रूप में इस्तेमाल किए जाने पर कुछ अरबी अंकों से काफी भ्रांति पैदा होती है। इसका एक ज्वलन्त उदाहरण है बिलियन जिसका मूल्य अमरीका में एक हजार मिलियन तथा बर्तानिया में दस लाख मिलियन के बराबर होता हैं।

अरबी अंक व उनके समतुल्य रोमन संख्याएं नीचे दी गई हैं

अरबी और रोमन

1	I	6	VI	11	XI	16	XVI	30	XXX	200	CC
2	II	7	VII	12	XII	17	XVII	40	XL	400	CD
3	III	8	VIII	13	XIII	18	XVIII	50	L	500	D
4	IV	9	IX	14	XIV	19	XIX	90	XC	900	CM
5	V	10	X	15	XV	20	XX	100	C	1000	M

गुणक $\bar{V}$ 5000 $\bar{X}$ 10,000 $\bar{L}$ 50,000 $\bar{C}$ 100,000 $\bar{D}$ 500,000 $\bar{M}$ 1,000,0[illegible]

बड़े अंक

संख्या	अमरीका और फ्रांस	इंग्लैंड और अन्य यूरोपीय देश	भारत
1 और 5 शून्य	एक सौ हजार	एक सौ हजार	एक लाख
1 और 6 शून्य	मिलियन	मिलियन	दस लाख
1 और 7 शून्य	दस मिलियन	दस मिलियन	एक करोड़
1 और 8 शून्य	सौ मिलियन	सौ मिलियन	दस करोड़
1 और 9 शून्य	बिलियन	मिलियर्ड (हजार मिलियन)	सौ करोड़
1 और 12 शून्य	ट्रिलियन	बिलियन	अरब
1 और 15 शून्य	क्वाड्रिलियन	हजार बिलियन	–
1 और 18 शून्य	क्विनटिलियन	ट्रिलियन	–
1 और 21 शून्य	सैक्सटिलियन	हजार ट्रिलियन	–
1 और 24 शून्य	सैप्टिलियन	क्वाड्रिलियन	–
1 और 27 शून्य	आक्टिलियन	हजार क्वाड्रिलियन	–
1 और 30 शून्य	नानिलियन	क्विन्टिलियन	–
1 और 33 शून्य	डेसिलियन	हजार क्विन्टिलियन	–

स्वाधीन देश

विश्व की जनसंख्या 2001 में 6,134.1 मिलियन हो गयी है। सोवियत संघ में विघटन के बावजूद रूस 17.07 मिलियन वर्गकिमी क्षेत्रफल के साथ विश्व का सबसे बड़ा राष्ट्र है। जनसंख्या की दृष्टि से चीन विश्व में पहले स्थान पर है। इसकी जनसंख्या 1285 मिलयन है। वैटिकन सिटी विश्व का लघुतम देश है। इसका क्षेत्रफल 44 हैक्टेयर और जनसंख्या लगभग 870 है।

संसार के सबसे बड़े देश

देश	क्षेत्रफल (वर्ग कि.मीटर)	स्थिति
रूस	17,075,000	यूरोप-एशिया
कनाडा	9,976,139	उत्तरी अमरीका
चीन	9,561,000	एशिया
संयुक्त राज्य अमरीका	9,372,614	उत्तरी अमरीका
ब्राज़ील	8,511,965	दक्षिणी अमरीका
आस्ट्रेलिया	7,682,300	द. प्रशान्त सागर
भारत	3,287,263	एशिया
अर्जेन्टाइना	2,776,654	दक्षिणी अमरीका
कजाखस्तान	2,717,300	यूरोप एशिया
सुडान	2,505,813	अफ्रीका

संसार के सबसे छोटे देश (क्षेत्रफल)

देश	क्षेत्रफल (वर्ग कि.मीटर)	स्थिति
वेटिकन शहर	0.44	यूरोप
मोनाको	1.95	यूरोप
नौरू	21.10	द. प्रशांत
टुवालो	26.00	द. प्रशांत
सैन मैरीनो	61.00	यूरोप
लीचटेन्स्टीन	160.00	यूरोप
मार्शल आइसलैंड	181.00	के. प्रशांत
सेंट किट्स नेविस	269.00	पूर्व कैरेबियन
मालदीव	298.00	हिन्द महासागर
माल्टा	316.00	मेडिटेरेनियन

जनसंख्या

देश	जनसंख्या (मिलयन में)	स्थिति
चीन	1,280.7	एशिया
भारत	1,025.1	एशिया
संयुक्त राज्य अमरीका	287.4	उत्तरी अमरीका
इण्डोनेशिया	217.0	एशिया
ब्राजील	173.8	द. अमरीका
पाकिस्तान	143.5	एशिया
रूस	143.5	यूरोप एशिया
बंगलादेश	133.6	एशिया
नाइजीरिया	129.9	अफ्रीका
जापान	127.4	एशिया

जनसंख्या

देश	जनसंख्या (मिलयन में)	स्थिति
वेटिकन सिटी	0.0008	यूरोप
टुवालो	0.01	द. प्रशांत
नारू	0.01	द. प्रशांत
पलाउ	0.02	प. प्रशांत
सैन मरीनो	0.03	यूरोप
मोनाको	0.03	यूरोप
लिचटेन्सटीन	0.03	युरोप
सेंट किट्स नेविस	0.04	कैरिबियन
एण्टीगुआ एण्ड बारबूडा	0.1	कैरिबियन
डोमिनिका	0.1	कैरिबियन

जनसंख्या स्रोत यू.एन.एफ.पी.ए., दी स्टेट आफ वर्ल्ड पापुलेशन 2001, यू.एन.डी.पी., ह्यूमन डेवलपमेंट रिपोर्ट, 2001, वर्ल्ड अलमनाक 2001; दी स्टेटमान इयरबुक 2002।

अर्जेंटाइना

Argentine Republic (Republica Argentina)

राजधानी: ब्युनेस आयर्स; क्षेत्रफल: 2,766,654 वर्ग किलोमीटर; जनसंख्या: 36.5 मिलयन; भाषा: स्पेनिश, इटैलियन: साक्षरता: 96%; धर्म: ईसाई; मुद्रा: पेसो; 1 अमरीकी डालर = 3.71 पेसो; प्रति व्यक्ति आय: 11,320 डालर।

अर्जेंटाइना दक्षिणी अमरीका का दूसरा सबसे बड़ा देश दक्षिणी सिरे पर बोलिविया और केप हार्न के बीच लगभग 3700 कि.मी. की लंबाई तक फैला हुआ है। इसकी अधिकतम चौड़ाई 1500 कि.मी. है। अमरीका की सबसे ऊंची पर्वत चोटी अकंकागुआ अर्जेंटाइना में है। अर्जेंटाइना 1816 में स्वाधीन गणराज्य बना। 1972 में सैन्य विद्रोह में इसाबेल पेरोन की सरकार का पतन हो गया। नागरिक

ासन की वापसी 1983 में हुई। 1982 में ब्रिटेन ने इसके ाकलैंड द्वीप पर कब्जा कर लिया।

अर्जेंटाइना में कोयला, सीसा, तांबा, जस्ता, सोना, चांदी ार गंधक के विशाल भंडार हैं । पेट्रोलियम भी निकलता । मुख्य उद्योग मांस को डिब्बों में पैक करने का है। दूसरे म्बर का उद्योग आटा मिलों का है । कृषि और पशु-पालन ार्थ-व्यवस्था के प्रमुख अंग हैं।

राजधानी पैंटागोनिया में स्थानांतरित की जा रही है। हाल ो वर्षों में अर्जेंटाइना गिरती आर्थिक स्थिति, मंदी और विदेशी ़र्ज के कारण खबरों में रहा।

हाल की घटनायें: मई 14 को अर्जेन्टाइना के राष्ट्रपति ़ी दौड़ में कार्लोस मेनेम पीछे रह गये, अर्जेन्टाइना जोकि 1997 से फिक्स्ड एक्सचेंज रेट में माडल देश था आज ेवपत्ति के दौर से गुजर रहा है जिससे 1990 के पूर्वाध में किये गये सुधारों पर विपरीत प्रभाव पड़ा है।

सरकार एवं राज्याध्यक्ष: नेस्टर किर्चनेर

भारत में दूतावास: अर्जेंटाइना गणराज्य का दूतावास, बी-8/9, वसन्त विहार, पश्चिमी मार्ग, नई दिल्ली-110 057, फोन: 6141345, 6141348; फैक्स:6146506.

E-mail:eindi@mantraonline.com.

Indian Mission in Argentina: Embassy of India, Avda Cordoba 950, 4th floor, (1054) Buenos Aires, Argentina. Tel:00-54-11-43934001; Fax: 00-54-11-43934063.

E-mail: ambasador@indembard.@ infomatic. com
Website:www.infomatic. com/at/indembarg

अज़रबैजान

Azerbaijani Republic (Azerhaijchan Respublikasy)

राजधानी: बाकू; **क्षेत्रफल:** 86,600 वर्ग किलोमीटर; **जनसंख्या:** 8.2 मिलयन; **भाषा:** अज़ेरी, तुर्की और रूसी; **साक्षरता:** 100%; **धर्म:** इस्लाम; **मुद्रा:** मनट, 1 अमरीकी डालर = 4,886 मनट; **प्रति व्यक्ति आय :** 3.090 डालर।

इरान और टर्की की सीमाओं के साथ भूतपूर्व सोवियत गणराज्य का प्रांत 1 दिसबंर 1991 में स्वतंत्र हुआ ।

जनवरी 1990 में बाकू में आर्मीनियन सीमा पर नगोरनो-करावाख के विदेशी हस्तक्षेप के कारण हिंसात्मक अव्यवस्था थी। अज़रबैजान मुस्लिम बहुल है जबकि आर्मीनियन इसाई हैं । अज़रबैजान के अंतर्गत अर्मीनियन बहुमत क्षेत्र नगोरनो कराबाख का है । आर्मीनिया के अंदर गणराज्य नखीचेवान अज़रबैजान का अंग है ।

अजरबैजान ने फरवरी 98 में युरोपीय परिषद की सदस्यता की पहली शर्त को पूरा करने के लिये मृत्युदंड को समाप्त कर दिया।।

कृषि उत्पादन: खाद्यान्न, कपास, अंगूर, फल, सब्जी, तम्बाकू, रेशम, चारा आदि ।

प्राकृतिक स्रोत: तेल, लौह, अल्यूमीनियम, तांबा, जस्ता, दुर्लभ मेटल, चूना पत्थर । उद्योग: तेल, तांबा, रसायन, भवन सामग्री, खाद्य, लकड़ी, कपड़ा एवं मछली ।

हाल की घटनायें:- बीमार पिता ने अपने पुत्र को प्रधानमंत्री बना दिया।

राष्ट्रपति: हाइडर अलियेव, **प्रधानमंत्री:** इलहाम अलियेव

Indian Mission in Azerbaijan: Embassy of India, 31,39 Oktay Karimov Street, Ganjlik, District-Narimanov, Baku-370069, Azerbaijan. Tel:00-99-412-474186, 4106044. Fax:00-99-412-472572.

अफगानिस्तान

Islamic Emirate of Afghanistan

राजधानी: काबुल; **क्षेत्रफल:** 647,497 वर्ग किलोमीटर; **जनसंख्या:** 27.8 मिलयन; **भाषा:** पख्तो (पश्तो), दारी, फारसी; **साक्षरता:** 31.5%; **धर्म:** इस्लाम; **मुद्रा:** अफगानी; 1 अमरीकी डालर = 4,750 अफगानी; **प्रति व्यक्ति आय:** 800 डालर ।

अफगानिस्तान मध्य एशिया का एक गणराज्य है । आरंभ में इसका नाम एरियाना था, उसके बाद खुरासान (उगते सूर्य का देश) नाम पड़ा । अहमद शाह दुर्रानी ने 1747 में पृथक अफगानिस्तान राज्य की स्थापना की । 1973 में राज्यतंत्र की समाप्ति हुई । 1978 में नूर तराकी की सेना ने विद्रोह कर मार्क्सवादी पीपुल्स रिपब्लिक की स्थापना की । 1986 में ले. जनरल नजीबुल्ला राष्ट्रपति बने । अफगानिस्तान में सोवियत सेनाओं का मुजाहिदों ने निरंतर विरोध किया । 1988 के समझौते के अनुसार 1989 में सोवियत सेनाएं वापस लौट गयीं । 1 फरवरी 1989 में नजीबुल्ला के नेतृत्व में सैन्य परिषद का गठन किया गया। अफगान विद्रोहियों ने इस्लामाबाद में एक बैठक में सिब्गतुल्ला मोजादिद को निर्वासित अंतरिम सरकार का राष्ट्रपति चुना । उन्होंने मुजाहिदीन नेतृत्व परिषद को सत्ता सौंप दी ।

अप्रैल 92 में सत्ता हस्तांतरण भयानक लड़ाई के कारण असफल हो गया । गुटीय संघर्षों के कारण काबुल की आधी से अधिक आबादी शहर से पलायन कर चुकी थी। 1994 में राष्ट्रपति बुरहानुद्दीन और प्रधानमंत्री गुलबुद्दीन हेकमतयार अलग हो गये। 1994 के पूर्वार्ध में एक नया इस्लामिक

विश्व का अफीमी देश

जबसे अफगानिस्तान 1980 के पूर्वार्ध में भयानक गृहयुद्ध के बाद सामान्य स्थिति में आया तबसे युद्ध के घावों से ग्रस्त यह देश विश्व में अफीम का सबसे बड़ा उत्पादक देश बन गया। केवल तालिबान शासन के दौरान जब तब की सरकार ने अफीम के उत्पादन पर इस्लाम विरोधी होने के कारण रोक लगा दी थी तभी इसका उत्पादन बन्द था। लेकिन बाद में अफगानिस्तान के [illegible] फसल लेनी शुरु कर दी। 2002 में अफगानिस्तान में 3,400 मीट्रिक टन अफीम का उत्पादन हुआ। वर्ष 2003 में इसके उत्पादन को 4000 मीट्रिक टन तक पहुंचने की संभावना है। जो कि पूरे विश्व की 75% आपूर्ति करता है।

आंदोलन तालिबान एक नयी शक्ति के रूप में उभरा। इसका एक तिहाई देश पर नियंत्रण था। जून 1996 को हेकमतयार एक बार फिर से रब्बानी के साथ हो गये और प्रधानमंत्री बने, लेकिन सितंबर में तालिबान ने इन्हें अपदस्थ कर दिया। 26 सितंबर 1996 को पाक समर्थित तालिबान बल ने काबुल के पूर्वी भाग पर कब्जा कर लिया और 27 सितंबर 96 को ही बिना किसी प्रतिरोध के तालिबान ने काबुल शहर पर कब्जा करके पूर्व राष्ट्रपति नजीबुल्ला जोकि संयुक्त राष्ट्र की सुरक्षा में रह रहे थे को उनके भाई के साथ खुलेआम फांसी पर लटका दिया। तालिबान ने अफगानिस्तान को मुस्लिम राज्य घोषित किया। बदले की कार्यवाही के चलते 28 सितंबर को नजीबुल्ला के दो और सहयोगियों को फांसी पर लटका दिया गया। देश का शासन चलाने के लिये 6 सदस्यीय परिषद की घोषणा की गयी। देश में सख्त इस्लामी नियम लागू कर दिये गये। लड़कियों के स्कूल बंद करा दिये गये व कार्यालयों में महिलाओं के कार्य करने पर पाबंदी लगा दी गयी।

तालिबान को 1997 में झटका लगा। अल्पसंख्यक ताजिक काबुल में एक शक्ति बन कर उभरने लगे। उत्तरी गठबंधन का एक तिहाई अफगानिस्तान पर नियंत्रण हो गया। संयुक्त राष्ट्र का शांति प्रयास 30 अप्रैल 98 को विफल हो गया और लड़ाई फिर से भड़क उठी। तालिबान ने दावा किया कि 85% देश पर उसका नियंत्रण है और वहां पर सख्त इस्लामिक नियम लागू हैं। अगस्त 98 में तालिबान ने मजारे शरीफ पर कब्जा कर लेने का दावा किया।

ऐसा कहा जा रहा था कि अमरीका द्वारा अंतर्राष्ट्रीय आतंकवादी के रूप में आरोपित सउदी के अरबपति बिन लादेन के नेतृत्व में 5,000 पाकिस्तानी कट्टरवादी गुरिल्ले, 3,500 पाकिस्तान के नियमित सैनिक और अरब देशों के 1000 लड़ाकों की नियुक्ति की गई है। तालिबान ने लादेन के प्रत्यार्पण को नामंजूर कर दिया था।

केवल पाकिस्तान और युनाइटेड अरब अमीरात ने ही तालिबान सरकार को मान्यता दी थी।

जनवरी में तालिबान ने घोषणा की कि जो भी इसाईयत बदलेगा उसे सजा दी जायेगी। मार्च महीने में तालिबान ने बामियान में युद्ध की विशाल प्रतिमाओं को जो विश्व की धरोहर समझी जाती थीं को विस्फोट करके तोड़ डाला। नवंबर 2001 में उत्तरी गठबंधन अमरीका के सहयोग से तालियान सरकार को उठा फेंका।

संयुक्त राष्ट्र के अनुसार अफगानिस्तान विश्व का सबसे अविकसित देश है। युद्ध की भयावता के कारण यहां के निवासी अन्य पड़ौसी देशों में शरण लिये हुए हैं। अफगानिस्तान में एक करोड़ से अधिक बारूदी सुरंगे बिछी हैं।

हाल की घटनायें: पूर्व महाराजा मोहम्मद जहीर शाह 29 वर्षों के निर्वासन के बाद 18 अप्रैल 2002 को स्वदेश वापस लौटे, जून महीने में हमीद करजाई जोकि अंतरिम प्रशासन के नेता थे, को अगले राष्ट्रपति पद के लिये भारी बहुमत प्राप्त हुआ, जुलाई में उपराष्ट्रपति हाजी अब्दुल कादिर की हत्या से शांति प्रयासों को धक्का लगा, जुलाई में सरकार ने बारूदी सुरंग संधि पर हस्ताक्षर करने को सहमति जताई। वार्षिक अमरीकी सहायता में 1 अरब डालर की बढ़ोत्तरी हुई। बमियान घाटी युनेस्को के ाधीन कर दी गी। अगस्त 2003 क 22 लोग तालिबान के साथ संघर्ष में मारे गये। अगस्त 11,03 को नाटो ने अंतर्राष्ट्रीय 5000 शांति सैनिक दलकी कमांड अपने हाथों में लेली।

अर्थ–व्यवस्था का मुख्य आधार कृषि है। पशु–पालन एक अन्य मुख्य धंधा है और निर्यात की मुख्य वस्तुएं हैं – पशु, फल, ऊन और चमड़ा। कोयला, नमक, प्राकृतिक गैस, पेट्रोलियम, लोहा और तांबा प्रमुख खनिज हैं।

राष्ट्रपति: हामिद करजाई,

भारत में दूतावास: अफगानिस्तान दूतावास, 5/50–एफ, शांति पथ, चाणक्यपुरी, नई दिल्ली–110 021, फोन: 6886625, 4103328, फैक्स: 6875439

E-mail:mizanafghan@yahoo.com

Indian Mission in Afghanisatan (Temporarily closed): Embassy of India, Malalai Wat, Shahre-Nau, Kabul, Afghanistan. Tel: 00-93-30556, 30557.

अल्जीरिया

People's Democratic Republic of Algeria (Al-Jumhuriya al-Jaazairiya ad-Dimuqratiya ash-Shabiya)

राजधानी: अल्जीयर्स; **क्षेत्रफल:** 2,381,741 व किलोमीटर; **जनसंख्या:** 31.4 मिलयन; **भाषा:** अरबी औ फ्रेंच; **साक्षरता:** 62%; **धर्म:** इस्लाम; **मुद्रा:** दिनार; 1 अमरीकी डालर = 79.14 दीनार; **प्रति व्यक्ति आय** 6,090 डालर।

भूतपूर्व फ्रेंच कालोनी अल्जीरिया उत्तरी अफ्रीका में एव स्वाधीन गणराज्य है और भूमध्य सागर के तट पर 100 किलोमीटर तक फैला हुआ है। समुद्र तट के मैदान बहु उपजाऊ हैं। लगभग 2500 मीटर ऊंचा एटलस पह इस देश को दो भागों में बांटता है। 3 जुलाई, 1962 व अल्जीरिया स्वाधीन गणराज्य बना।

1992 से शुरु हुए गृहयुद्ध में अब तक 60,000 व्या मारे जा चुके हैं। इस्लामी कट्टरपंथी (इस्लामिक साल्वेशन पा का दावा है कि 1990 के आम चुनावों में उसे सत्ता से वंचि रखा गया था। जून 1997 में आम चुनावों में देश में पहली ब विभिन्न दलों की सम्मिलित सरकार बनी और इसके बाद देश में वीभत्स नरसंहार हुआ जिसमें उग्रवादियों ने 10 नागरिकों की हत्या कर दी। जुलाई 1998 में अल्जीरिया इ बात पर सहमत हुआ कि विशिष्ट व्यक्तियों की का दल गठन व जो कि हिंसा के कारणों का अन्वेषण करे।

ऐसे संकेत मिल रहे हैं कि अल्जीरिया एक दशक गृहयुद्ध के आतंक से बाहर निकल रहा है। फ्रांस के स दूतावास और अन्य कार्यालय के खोलने के समझौते उ पड़ौसी देश मोरक्को के साथ सुधरते संबध का अर्थ है यहां स्वतंत्रता और शांति का पदार्पण हो रहा है। सितंबर में सात वर्षीय इस्लामिक विद्रोह के बाद, एक शांति योजना लोकमत किया गया था। अगस्त महीने में बेनबिटोर के ने में मंत्रिमंडल ने त्यागपत्र दे दिया।

इस देश की कृषि उपज गेहूं, जौ, आलू, आर्टीचो

पटसन और तम्बाकू हैं । खजूर, अनार और अंजीर जैसे फल बहुतायत से पैदा होते हैं । रसद और जैतून के तेल का उत्पादन होता है । किन्तु सबसे महत्वपूर्ण धंधा पशुपालन है । महत्वपूर्ण खनिज हैं – लोहा, जस्ता, पारा, तांबा, एन्टिमनी, फास्फेट और पेट्रोलियम ।

हाल की घटनायें: अल्जीरिया की 40वीं स्वतंत्रता आयोजन के अवसर पर बम विस्फोटों में 35 लोगों से अधिक मारे गये।

राष्ट्रपति: अब्देलाजीज बाउटेफिल्का, **प्रधानमंत्री:** अली बिन फलेज।

भारत में दूतावास: अल्जीरिया के गणराज्य का दूतावास, बी 3/61, सफदरजंग इनक्लेव, नई दिल्ली–110 029, फोन: 6185057–61, 6186056, फैक्स: 6185062.

E-mail:embalg@nda.vsnl.net.in

Indian Mission in Algeria: Embassy of India, 14, Rue Des Abassides, El-Biar, Algiers, Algeria. Tel: 00-213-2-923288; Fax: 00-213-2-924011.

E-mail. indemb@wissal.dz

अल्बानिया

Republic of Albania (Republika e Shqiperise)

राजधानी: तिराना; **क्षेत्रफल:** 28,748 वर्ग किलोमीटर; **जनसंख्या:** 3.1 मिलयन; **भाषा:** अल्बानी, यूनानी; **साक्षरता:** 100%; **धर्म:** इस्लाम, ईसाई, एथीज़्म; **मुद्रा:** लेक; 1 अमरीकी डालर = 138.96 लेक; **प्रति व्यक्ति आय:** 3,680 डालर ।

अल्बानिया दक्षिण–पूर्व में बल्कान प्रायद्वीप के पश्चिमी तट पर स्थित है । सर्वप्रथम 1912 में एक स्वाधीन राज्य के रूप में अल्बानिया की स्थापना हुई । 1920 में गणराज्य बना। 1992 के चुनाव में पूर्व साम्यवादियों की भारी पराजय हुई और गैर साम्यवादियों की नयी सरकार बनी। आर्थिक बिखराव और सामाजिक असंतोष बढ़ गया । दिसंबर 1992 में यूरोप का पहला इस्लामी राज्य बना । अधिकतर जनसंख्या मुस्लिम है ।

1997 की शुरुवात में अल्बानिया में असफल डूबने वाले निवेश को लेकर असंतोष से अराजकता फैल गयी। डा. साली बेरिशा सरकार को हटाने की मुहिम चल पड़ी। उनपर आरोप लगा कि पिरामिड योजनाओं से उन्होंने लाभ उठाया है। हिंसा के भड़क जाने से हजारों नागरिकों ने यूनान और इटली में शरण लेना शुरु कर दिया। सुरक्षा परिषद ने संयुक्त राष्ट्र की सेना को वहां शांति बनाने के लिये भेजा। जून–जुलाई में चुनावों में डेमोक्रेट्स की भारी पराजय हुई और डा. बेरिशा को हटना पड़ा।

1998–99 में कोसोवा में गृहयुद्ध के कारण हजारों शरणार्थियों ने अल्बानिया में शरण ली।

1957 में सार्वजनिक नमाज को प्रतिबंधित कर दिया गया था । 1990 में धर्म के अधिकार की पुर्नस्थापना की गयी और उदारवादी प्रक्रिया के अंतर्गत लोगों को विदेश यात्रा करने की छूट दी गयी ।

इस देश की 40 प्रतिशत से अधिक भूमि पर कृषि फार्म हैं । जिनमें गेहूं, मक्का, चुकन्दर, कपास और तम्बाकू की खेती होती है मुख्य खनिज कोयला, तेल, क्रोम, तांबा और निकल हैं। उद्योगों में सूती वस्त्र, ऊनी वस्त्र, चमड़े की वस्तुएं, पेट्रोल, सीमेंट, चीनी, बीयर और सिगरेट सम्मिलित हैं ।

राज्याध्यक्ष: एल्फ्रेड मोइसुई, **प्रधानमंत्री:** फैटो नानो

भारत में दूतावास: काहिरा में स्थित अल्बानिया का दूतावास।

अर्मीनिया

Republic of Armenia (Haikakan Hanrape-toutioun)

राजधानी: येरेवान; **क्षेत्रफल:** 29,800 वर्ग किलोमीटर; **जनसंख्या:** 3.8मिलियन; **भाषा:** अर्मीनियन; **धर्म:** ईसाई; **साक्षरता:** 99%; **मुद्रा:** दी ड्रान, 1 अमरीकी डालर = 558.14 ड्रान; **प्रति व्यक्ति आय:** 2,650 डालर ।

सोवियत संघ का पूर्व गणराज्य अर्मीनिया की सीमाएं जार्जिया, अज़रबैजान, टर्की और इरान से मिलती है । इसे दिसम्बर 91 में स्वतंत्रता प्राप्त हुई ।

अर्मीनिया ने नगोरनो कराबाख जो कि पड़ोसी अज़रबैजान का स्वाशासित क्षेत्र है का पुर्नएकीकरण की मांग की थी। जनवरी 1990 में यहां जातीय दंगों को रोकने के लिये सोवियत सेनाएं भेजी गयी थी। दिसंबर 1988 में यहां आये भयानक भूकम्प में 55,000 मरे थे और 500,000 संपत्ति विहीन हो गये थे।

रूस के अंध समर्थक अर्मीनिया ने 1997 में एक संधि के अंतर्गत रूस को 25 वर्षों तक सैन्य अड्डा संचालित करने की स्वीकृति दी है।

यह एक पहाड़ी राज्य है और यहां की ज़मीन अत्यंत उपजाऊ है । प्रमुख फसलें: खाद्यान्न, आलू, ओलिव, एलमंड्स, अंगूर, कपास, दुग्ध उत्पादन ।

प्राकृतिक स्रोत: तांबा, जस्ता, एल्यूमिनियन, मोलिब्डेनम, संगमरमर ग्रेनाइट, सीमेंट ।

उद्योग: रसायन, सीमेंट, कपड़ा, खाद्य उद्योग, कार्पेट ।

राष्ट्रपति: रोर्बट कोचरयान, **प्रधानमंत्री:** आनडानिक मार्करेइन।

भारत में दूतावास: रिपब्लिक आफ अर्मिनिया, बी–8/2, वसंत विहार, नई दिल्ली–110 057, फोन:614–73–28, 615–3–31. फैक्स: 614–73–20

E-mail: armem@vsnl.com

Indian Mission in Armenia: Embassy of India, 50/2, Pionerakan Street, Yerevan-375019; Tel: 00-374-1-539173, 538288; Fax: 00-374-1-533984.

E-mail:inemyr@arminco.com

आइसलैंड

(Republic of Iceland) Lyoveldio Island

राजधानी: रिक्याविक; **क्षेत्रफल:** 102,846 वर्गकिलोमीटर; **जनसंख्या:** 281,000; **भाषा:** आइसलैंडिक; **साक्षरता:** 100%; **धर्म:** ईसाई; **मुद्रा:** क्रोना; 1 अमरीकी डालर = 87.69 क्रोना; **प्रति व्यक्ति आय:** 29,990 डालर।

आइसलैंड उत्तरी अटलांटिक में उत्तरी ध्रुवीय वृत्त के निकट एक द्वीप है । नार्वे सागर इस द्वीप के पूर्व की ओर है।

गर्म गल्फ स्ट्रीम धारा के प्रभाव से यहां सर्दी कम हो जाती है। अल्पकालीन ठंडी ग्रीष्म ऋतु में लगातार कई सप्ताह तक दिन का प्रकाश रहता है – इसी कारण इस द्वीप को 'मध्य रात्रि के सूर्य का द्वीप' कहा जाता है। इस द्वीप में 200 से अधिक ज्वालामुखी हैं, जिनमें से कुछ बहुत सक्रिय है।

आइसलैंड के निवासी नार्वे के साहसी वाइकिंग्स के वंशज है, जो सबसे पहले 874 ई. में आइसलैंड में बस गए थे और कहा जाता है कि उन्होंने ही सबसे पहले 982 ई. में ग्रीनलैंड की और 1000 ई. में उत्तरी अमरीका की खोज की थी। 13वीं शताब्दी तक स्वाधीन रहने के बाद यह पहले नार्वे का अंग बना और उसके बाद डेनमार्क के शासन के अधीन आया। 1941 में वहां की संसद ने पूर्ण स्वाधीनता का प्रस्ताव पास किया और 17 जून, 1944 को आइसलैंड गणराज्य बन गया।

आइसलैंड की अधिकांश भूमि ऐसी है, जिस पर खेती नहीं होती। आलू और शलगम प्रमुख फसलें हैं। मछली पकड़ने का उद्योग काफी विकसित है और यह आइसलैंड की अर्थ–व्यवस्था का मुख्य आधार है।

राष्ट्रपति: ओलेफुर रागनार ग्रिंसन, **प्रधानमंत्री:** डेविड आड्उसन।

भारत में दूतावास: लंडन में स्थित आइसलैंड का दूतावास।

कंसुलेट: कंसुलेट जनरल, स्पीडयर्ड हाउस, 41/2 एम–ब्लाक, कनाट सर्कस, नयी दिल्ली, फोन: 3321122, फैक्स: 3321275

मुम्बई: 38 वेस्टर्न इंडिया हाउस, सर पी.एम. रोड मुम्बई–400 038। फोन: 2871931

चेन्नई: 3–1 शिवगंगा रोड, फोन: 477946, 4788803

Indian Mission in Iceland: Honorary Consulate General of India, Solvallagate 48, 101, Reykjavik, Iceland. P.O.Box No. 678, 121, Reykjavik, Iceland. Tel: 00-354-1-28255; Fax: 00-354-1-625010.

...ल

...hlic of Ireland) Eire

...: डब्लिन; **क्षेत्रफल:** 70,282 वर्ग किलोमीटर; ...: 3.8 मिलयन; **भाषा:** आयरिश और अंग्रेजी; **साक्षरता:** 100%; **धर्म:** ईसाई; **मुद्रा:** आयरलैंड पौण्ड; 1 अमरीकी डालर = 1.03 आ.पौण्ड; **प्रति व्यक्ति आय:** 32410 डालर।

आयरलैंड या आयर उत्तरी अंटलांटिक में ग्रेट ब्रिटेन के पश्चिम में एक द्वीप है।

आयरलैंड द्वीप में 32 काउण्टीज है किन्तु आयरलैंड राज्य में केवल 26 काउण्टीज़ सम्मिलित है। शेष 6 काउण्टीज़ को मिलाकर बने प्रदेश को उत्तरी आयरलैंड कहते हैं, जो सीधे यूनाइटेड किंगडम के शासन के अधीन है।

इतिहास में आयरलैंड का उदय 432 ई. में सेंट पैट्रिक के आगमन और ईसाई धर्म के फैलने के साथ आरंभ होता है। 12 वीं शताब्दी में नार्मन सामन्तों के आक्रमण के बाद आयरलैंड में लगभग आठ शताब्दियों तक ब्रिटेन का शासन रहा। 1921 में ब्रिटेन ने आयरलैंड को कामनवेल्थ के अन्तर्गत लगभग एक स्वाधीन राज्य के रूप में मान्यता प्रदान कर दी और इसका नाम आयरिश फ्री स्टेट पड़ा। 1932 में यहां ईमान डी वलेरा के नेतृत्व में फियाना फेल पार्टी सत्ता में आई और उसने देश को ब्रिटेन ताज के प्रति निष्ठा के बंधन से पूरी तरह मुक्त करा दिया 1937 में एक नया संविधान स्वीकृत हुआ जिसने आयरलैंड को एक गणराज्य बना दिया। 1949 में आयरलैंड ने औपचारिक रूप से अपने को एक गणराज्य घोषित कर दिया और कामनवेल्थ से अलग कर लिया। 1973 में आयरलैंड ई.ई.सी. का सदस्य बन गया।

शुरू में आयरलैंड की अर्थ–व्यवस्था मुख्यतः कृषि पर आधारित थी। किन्तु हाल की दशाब्दियों में यहां अधिकाधिक विदेशी पूंजी का निवेश होने के परिणामस्वरूप औद्योगिक उत्पादन तेजी से बढ़ा है। कुल राष्ट्रीय उत्पाद में निर्यात का योगदान 50 प्रतिशत है। निर्यात की मुख्य मदें हैं – डेरी उत्पाद, खाद्य पेय, मशीनरी और जीवित पशु।

आयरलैंड में फरवरी 97 में तलाक को वैधानिक दर्जा दिया गया।

हाल की घटनायें: जुलाई में आई.आर.ए. ने विगत वर्षों में हुई मौतों पर क्षमा मांगी।

राष्ट्रपति: श्रीमती मैरी मक्लीज; **प्रधानमंत्री:** बेर्टी अर्हेन

भारत में दूतावास: आयरलैंड का दूतावास, 230 जोरबाग, नई दिल्ली–110 003; फोन: 4626733, 4626741; फैक्स: 4697053.

E-mail: ireland@ndf.vsnl.net.in

Indian Mission in Ireland: Embassy of India, 6, Leeson Park, Dublin-6, Ireland. Tel: 00-353-1-4970843; Fax: 00-353-1-4978074.

E-mail:eoidubln@indigo.ie

आस्ट्रेलिया

Commonwealth of Australia

राजधानी: कैनबरा; **क्षेत्रफल:** 7,682,300 वर्ग किलोमीटर; **जनसंख्या:** 19.7 मिलयन; **भाषा:** अंग्रेजी; **साक्षरता:** 100%; **धर्म:** ईसाई; **मुद्रा:** आस्ट्रेलियन डालर; 1 अमरीकी डालर = 1.84 आस्ट्र. डालर; **प्रति व्यक्ति आय:** 25,370 डालर।

आस्ट्रेलिया संपूर्ण आस्ट्रेलिया महाद्वीप को घेरे हुए है। हिंद महासागर और प्रशांत महासागर के बीच में स्थित है। दक्षिण पूर्व में तस्मानिया है।

इस महाद्वीप में विविध प्रकार के पेड़–पौधे और दुर्लभ पशु–पक्षी पाए जाते हैं। आस्ट्रेलिया में मूल आदिवासियों की संख्या लगभग 1,60,000 है। लगभग आधे आदिवासी शहरों और कस्बों में रहते हैं। बहुत से आदिवासी अभी भी शहरों व कस्बों से दूर रहते हैं और परम्परागत आदिवासी ढंग से रहना पसंद करते है। आस्ट्रेलिया में 40,000 वर्षों से अधिक समय से रह रहे आदिवासियों ने ही बूमरैंग का आविष्कार किया।

आस्ट्रेलियाई समाज में कई संस्कृतियों के लोग रहते हैं। प्रत्येक 10 आस्ट्रेलियावासी में से चार पहली या दूसरी पीढ़ी के प्रवासी हैं। आस्ट्रेलिया की उदार अप्रवासी नीति के

इक्वेडोर संसार में सबसे अधिक केले का उत्पादन करता है। गन्ना, अफ्रीकी ताड़ और चावल भी पैदा होता है। मुख्य खनिज चांदी है ।, तांबे, सोने जस्ते की बड़ी–बड़ी खानें है । पेट्रेलियम का उत्पादन बढ़ रहा है । टोकिला घास से तथाकथित 'पनामा' हैट इक्वेडोर में ही बनते हैं ।

फरवरी 99 पिछले 70 वर्षों की सबसे खराब आर्थिक सिथित में मुद्रा का भारी अवमूल्यन किया गया। सुक्र डालर के मुकाबले 16% लुढ़क कर 8650 सुक्रे एक डालर के बराबर पंहुच गया। ऊंची ब्याज दरों और एल निनो प्रभाव के कारण आये तूफानों के कारण आर्थिक स्थिति में गिरावट जारी है।

राष्ट्रपति एवं प्रधानमंत्रीः गुस्टावो नोवोआ बेजार्नो।

भारत में दूतावासः कायरो में स्थित इक्वेडोर का दूतावास।

इक्वेटोरियल गिनी

(Republic of Equatorial Guinea) Republica de Guinea Ecuatorial

राजधानीः मलाबो; **क्षेत्रफलः** 28,051 वर्ग किलोमीटर; **जनसंख्याः** 470,000; **भाषाः** स्पेनिश, फ़ैग् बूबी और पिडगिन अंग्रेजी; **साक्षरताः** 78%; **धर्मः** ईसाई; **मुद्राः** फ्रैंक सी.एफ.ए.; 1 डालर = 671.78; **प्रति व्यक्ति आयः** 5,600 डालर।

इक्वेटोरियल गिनी में, जिसका नाम पहले स्पेनिश गिनी था, फ़रनैण्डो पो, कोरिस्को, ग्रेट इलोबी, लिटल इलोबी और अन्नोयोन द्वीप और अफ्रीका के पश्चिमी तट पर स्थित रियो मुनि क्षेत्र सम्मिलित हैं ।1975 में प्रेसीडेण्ट मैसियस नुएमा ने सब स्थानों के नाम बदल दिए । इस तरह सान्ता आइसाबेला का नाम मलाबो रखा गया ।

29 सितम्बर 1979 को राष्ट्रपति फ्रैंसिस्को मैसियस नुएमा के भतीजे मसोगो ने उन्हें अपदस्थ करके सत्ता हथिया ली ।

फरनैण्डो द्वीप अधिकतर पहाड़ी है ।3000 फीट की [illegible] तक काफी और 2000 फीट की ऊंचाई तक [illegible] की खेती होती है । एबोनी, महागनी और ओक के [illegible] भी हैं। अन्य उत्पाद हैं– कोकोआ, काफी, इमारती लकड़ी, ताड़, तेल और केले ।

हाल की घटनायें: फेबियन सियु गुएमा जो विपक्ष के नेता हैं को राष्ट्रपति का अपमान करने पर एक वर्ष की कैद दी गई।

राष्ट्रपतिः ब्रिगेडियर जनरल टि्युडोरो ओबियंग नुएमा मसोगो; **प्रधानमंत्रीः** सिराफिन सेरिचे डाउगान।

इज़राइल

(State of Israel) Medinat Israel

राजधानीः जेरुसलम; **क्षेत्रफलः** 20,772 वर्ग किलोमीटर; **जनसंख्याः** 6.6 मिलयन; **भाषाः** हिब्रू (शासकीय) और अरबी; **साक्षरताः** 95% (यहूदी), 96% (अरब); **धर्मः** जूडा; **मुद्राः** शेकेल; 1 अमरीकी डालर = 4.84 शेकेल; **प्रति व्यक्ति आयः** 19790 डालर।

इज़राइल मध्य पूर्व (पश्चिमी एशिया) में स्थित है और तीनों ओर से अरब राज्यों से घिरा हुआ है ।

इस राज्य में प्राचीन फिलिस्तीन का थोड़ा–सा भाग है ।

29 नवम्बर 1947 को राष्ट्र संघ ने फिलिस्तीन का विभाजन करके एक भाग ज्यूज़ (यहूदियों) को और एक भाग अरबों को दे दिया ।15 मई 1948 को यहूदियों ने अपने भाग को इज़राइल राज्य के नाम से घोषित कर दिया ।

पड़ोसी अरब देशों ने इज़राइल पर आक्रमण कर दिया। 1949 में युद्ध विराम इज़राइल के क्षेत्र में 1 तिहाई की वृद्धि हो चुकी थी मिस्र के साथ इजराइल की अनेक लड़ाई हुई । 1956 में सुएज संकट, 1967 में 6 दिवसीय युद्ध में गाजा पट्टी, पश्चिमी किनारा (जोर्डन की नदी) और सिनाई पेनिनसुला पर इज़राइल का कब्जा हो गया ।1973 में फिर युद्ध हुआ। 1978 में मिस्र और इज़राइल में समझौता वार्ता संयुक्त राज्य अमेरिका के केम्प डेविड में शुरू हुई । मार्च 1979 में शांति संधि पर हस्ताक्षर हुए । अप्रैल 1992 में इज़राइल सिनाई पट्टी से हट गया।

30 अगस्त 1993 को इज़राइल ने सीमित फिलिस्तीनी स्वायत्ता को सहमति दी । यह 26 वर्षों साथ के क्षेत्रों से सेना के अधिपत्य की समाप्ति का पहला कदम है । फिलिस्तीनी मुक्ति मोर्चे और इज़राइल के मध्य 13 सितंबर को ऐतिहासिक समझौता हुआ। इजराइल व जोर्डन ने जुलाई, 94 में एक घोषणापत्र पर हस्ताक्षर करके 46 वर्षीय युद्ध की समाप्ति की। अगस्त 95 में इज़राइल व फिलीस्तिीन मुक्ति मोर्चे के मध्य एक समझौते से वेस्ट बैंक में फिलीस्तीनी स्वशासन की स्थापना हुई।

जून 1996 में इज़राइल के राइट विंग लिकुड पार्टी के नये नेता नेतानयाहु ने कहा कि वे कभी भी अलग फिलीस्तीनी राज्य को समर्थन नहीं देंगे। इजराइल ने जून 1997 को जेरुसलम में फिलीस्तीनियों द्वारा सुसाइडल बाम्बिंग के बाद शांति वार्ता बंद कर दी।

इज़राइल ने अपने छोटे–से भू–प्रदेश में बड़े कौशल और कार्य–कुशलता से कृषि और उद्योग दोनों का विकास किया है। उन्होंने रेगिस्तान को हरा–भरा बना दिया है । कृषि विकास की प्रमुख विशेषताएं हैं– सामूहिक कृषि, सिंचाई की योजनाएं और रेगिस्तानी भूमि को खेती के लायक बनाना। निर्यात की प्रमुख मद हैं रसीले फल । शराब बनाने का उद्योग भी व्यापक स्तर पर है । हीरा–तराशने के उद्योग में इज़राइल का स्थान बेलजियम के बाद दूसरे नम्बर पर है। जोर्डन की घाटी और मृत सागर से नमक, गंधक और पोटाश प्राप्त होता है ।

गाजा स्ट्रिपः क्षेत्रफलः 363 वर्ग किलोमीटर, जनसंख्याः 1,054200, इजराइल व पी.एल.ओ. के बीच 1993–94 के समझौते के तहत यह क्षेत्र स्वायत्तशासी क्षेत्र होगा। रक्षा का कार्य एजराइल का होगा और नागरिक प्रशासन फिलीस्तीनी अधिकारियों के पास होगा। यहां पर रहने वाले अधिकतर शरणार्थी अरब हैं।

वेस्ट बैंकः क्षेत्रफलः5.879 वर्ग किलोमीटर, जनसंख्याः 1,557000, यहां के अधिकांश शहरों का प्रशासन फिलीस्तीनी अधिकारियों के पास है, लेकिन एक बड़े भू–भाग

पर इजराइल का कब्जा है। 1994 में जेरिको को फिलीस्तानियों को दिया गया। 1995 में यहां स्वायत्ता दी गई। 1997 में आंशिक तौर पर हेब्रोन से हटने पर समझौता हुआ।

हाल की घटनायें: *अमरीका द्वारा समर्थित रोडमैप के अंतर्गत इजराइल की मंत्रिपरिषद ने 2005 तक फिलीस्तीनी राज्य की मांग को मंजूर कर लिया। जुलाई 03 को इजराइल व फिलीस्तीनी अधिकारियों में तीव्र मतभेद इजराइल की जेलों में बंद फिलीस्तीननियों को लेकर उभर आये।*

राष्ट्रपति: मोशी कटजव; **प्रधानमंत्री:** एरियल शारोन।

भारत में दूतावास: इज़राइल का दूतावास, 3 औरंगज़ेब रोड़, नई दिल्ली–110 011, फोन: 3013238; फैक्स: 3014298.

E-mail:israelem@vsnl.com

वाणिज्य दूतावास: 50 जी, देशमुख मार्ग, मुम्बई–400 039, फोन: 3862793.

Indian Mission in Israel: Embassy of India, 4, Kaufman Street, Sharbat House, Post Box No. 50095, Tel Aviv 68012, Israel. Tel: 00-972-3-5101431; Fax: 00-972-3-5101434.

E-mail:indemtel@netvision.net.il

इटली

(Italian Republic) Republica Italiana

राजधानी: रोम; **क्षेत्रफल:** 301,278 वर्ग किलोमीटर; **जनसंख्या:** 58.1 मिलयन; **भाषा:** इटालियन; **साक्षरता:** 97%; **धर्म:** ईसाई; **मुद्रा:** युरो; 1 अमरीकी डालर = 1.03 युरो; **प्रति व्यक्ति आय:** 24670 डालर ।

इटली यूरोप के उस प्रायद्वीप में है, जो आल्पस पहाड़ से आरंभ होकर भू–मध्यसागर के अन्दर तक फैला हुआ है । भू–मध्यसागर में स्थित सिसली, सार्डीनिया, एल्वा और कैपरी द्वीप भी इटली के अंग हैं ।

किसी जमाने में इटली महान रोमन साम्राज्य का मुख्यालय था। बाद में मध्य युग में यह विगठित होकर छोटे–छोटे कई राज्यों में बंट गया । आधुनिक इटली का विकास उस समय आरंभ हुआ जब सवोया का राजा विक्टर इमानुएल इटली का सम्राट बना। 11 फरवरी, 1929 को वेटिकन को एक स्वाधीन राज्य के रूप में मान्यता मिली । 28 अप्रैल, 1945 को फासिस्ट नेता मुसोलिनी की फांसी हो गई । उसके बाद 2 जून, 1946 को हुए जनमत संग्रह में इटली ने अपने को गणराज्य बनाने का निर्णय किया । सम्राट ने अपना पद छोड़ दिया ।

दूसरे विश्व युद्ध के बाद इटली ने कृषि उत्पादन में क्रान्ति करके दिखाया है । मुख्य फसलें हैं– अंगूर, गेहूं, चुकन्दर, फल और सब्जियां । इटली संसार के उन्नत औद्योगिक देशों में है । प्रमुख औद्योगिक उत्पादन है– बिजली के, मशीनों के और इलेक्ट्रानिक्स उपकरण, मोटरगाड़ियां और रसायन । इटली का व्यापारिक पोत बेड़ा काफी बड़ा है । जिसमें 110 लाख टन भार के पोत हैं । विमान बेड़े की क्षमता 12 अरब यात्री/किलोमीटर और 1 अरब टन/किलोमीटर सामान है।

केंद्र में रोमानो प्रोडी की साम्यवादी सरकार ने रोजगारी व माफिया को समाप्त करने की लड़ाई छेड़ने का संकल्प लिया था।

हाल की घटनायें: जर्मन के चांसलर श्रोएडर की मांग पर प्रधानमंत्री बर्लसकोनि ने जर्मन लामेकर पर अपनी विपरीत टिप्पणी के लिये क्षमा मांगी। प्रधानमंत्री ने कार्यालय के दौरान किसी प्रकार की वैधानिक कार्रवाई से मुक्ति पाई। इटली के वैज्ञानिकों ने विश्व के पहले क्लोन घोड़े को पैदा किया।

राष्ट्रपति: कार्लो अजेगलियो; **प्रधानमंत्री:** सिलवियो बर्लसकोनि।

भारत में दूतावास: इटली का दूतावास, 50–ई, चंद्रगुप्त मार्ग, चाणक्यपुरी, नई दिल्ली–110 021, फोन: 6114355, 6114359; फैक्स: 6873889.

E-mail:italemb@del13.vsnl.net.in

इटालियन कल्चरल सेंटर, 2, गोल्फ लिंक्स, नई दिल्ली। फोन: 4627807; फैक्स: 4629812.

वाणिज्य दूतावास: मुम्बई: इटली का महावाणिज्य दूतावास, 72, जी देशमुख मुम्बई: 400 026. फोन: 3874071, फैक्स: 3874074.

Indian Mission in Italy: Embassy of India, Via XX Settembre, 5, 00187, Rome, Italy. Tel: 00-39-06-4884642; Fax: 00-39-06-4819539.

E-mail:ind.emb@flashnet.it

इथियोपिया

(Federal Democratic Republic of Ethiopia)/ Ye Etiyop'iya Hexbawi Dimokrasiyawi Republic;

राजधानी: अदिस अबाबा; **क्षेत्रफल:** 12,21,900 वर्ग किलोमीटर; **जनसंख्या:** 67.7 मिलयन; **भाषा:** अमहारिक गालिंगा, टिग्रियाना एवं 60 अन्य लघु भाषाएं; **साक्षरता:** 35%; **धर्म:** ईसाई और इस्लाम; **मुद्रा:** बिर्र; 1 डालर =8.46 बिर्र; **प्रति व्यक्ति आय:** 810 डालर ।

इथियोपिया उत्तरी–पूर्वी अफ्रीका का एक पहाड़ी देश है। एरिट्रिया प्रान्त से होकर समुद्र तक पहुंचने का रास्ता है । यह प्रान्त 1952 में इथियोपिया राज्य में सम्मिलित हुआ था और बाद में इस राज्य का अंग बन गया।

इथियोपिया संसार का एक प्राचीनतम देश है जिसका बड़ा रंगीन इतिहास है । इथियोपिया के वर्तमान राजपरिवार अपने आपको सम्राट सोलोमन और विख्यात महारानी शीबा [illegible] वंशज होने का दावा करते हैं । इथियोपिया के अन्तिम [illegible] हेल सेलासी प्रथम को मार्क्सवादी सशस्त्र सेनाओं [illegible] करके 1974 में सत्ता अपने हाथ में ले ली । [illegible] का विरोध 1991 से शुरू हुआ और [illegible] मेगिस्तु हैली मरियम को देश छोड़कर [illegible] गुटों के मोर्चे इथियोपियन रिवाल्यूशनरी [illegible] विभिन्न दलों की संयुक्त सरकार [illegible]

इस देश की अर्थ–व्यवस्था [illegible] पर निर्भर है । 1977 में [illegible] में से 60 प्रतिशत [illegible] चमड़ा वाले और [illegible] में खाद्य [illegible] वस्तुएं [illegible] है

हाल की घटनायें: आर्गनाइजेशन आफ अफ्रीकन युनिटी (ओ.ए.यू.) जिसका मुख्यालय आदिस अबावा में था ने अपना नाम बदल कर अफ्रीकन यूनियन रख लिया।

राष्ट्रपति: गिरमा वोल्डेजियोरगिस; **प्रधानमंत्री:** मेलेस जेनावी।

भारत में दूतावास: इथियोपिया का दूतावास, 7/50 जी., सत्य मार्ग, चाणक्यपुरी, नई दिल्ली–110 021; फोन: 6119513, 6119514; फैक्स: 6875731.

E-mail: delethem@bol.net.in

Indian Mission in Ethiopia: Embassy of India, Kabena (Aware District) Post Box No. 528, Addis Ababa, Ethiopia. Tel: 00-251-1-552100; Fax: 00-251-1-552521.
E-mail:indembassy@telecom.net.et

इण्डोनेशिया

(Republic of Indonesia) Republik Indonesia;

राजधानी: जकार्ता; **क्षेत्रफल:** 1,904,569 वर्ग किलोमीटर; **जनसंख्या:** 217.0 मिलयन; **भाषा:** वहासा इण्डोनेशियन्, डच अंग्रेजी और अन्य आस्ट्रोनेशियन भाषाएं; **साक्षरता:** 85%; **धर्म:** इस्लाम, ईसाई, हिन्दू, बौद्ध; **मुद्रा:** रुपया; 1 अमरीकी डालर = 9,010 रुपए; **प्रति व्यक्ति आय:** *2,940 डालर* ।

इण्डोनेशिया बहुलद्वीपीय राज्य है, जिसमें 13000 से अधिक द्वीप हैं जिनमें 6000 द्वीपों में आवादी है । पांच मुख्य द्वीप जावा, सुमात्रा, कालीमर्तन (इण्डोनेशियाई वोर्नियो), सुलवेसी और इरियन जाया (वेस्ट न्यू गिनी) हैं और इनके साथ 30 छोटे द्वीप–समूह हैं ।

इसकी राजधानी जकार्ता है, जिसका पुराना नाम वराविया है और यह जावा द्वीप पर है । यह देश 27 प्रांतों में विभाजित है । हालैंड की सेना के समर्पण के वाद जापानी सेना का इण्डोनेशिया पर 1942 से 1945 तक कब्जा रहा । इण्डोनेशिया के लोगों ने 17 अगस्त, 1945को अपनी [illegible] की [illegible] कर दी । स्वाधीनता की लड़ाई के वाद [illegible] ने 27 दिसम्बर, 1949 को इण्डोनेशिया को सत्ता दी 17 अगस्त 1950 को यह एक गणतंत्र देश बना। [illegible] डा. सुकार्नो राष्ट्रपति वने। 1968 में सेना प्रमुख [illegible] रल सुहार्तो राष्ट्रपति पद के लिये नामांकित किये गये। 1996 में डा. सुकार्नो की पुत्री मेगावती सुकार्नोपुत्री प्रमुख विपक्षी नेता के रूप में उभरीं।

एल निनो प्रभाव के कारण 1997 में यहां पड़े भीषण सूखे ने लगातार दो वर्षो तक कृषि को नष्ट कर दिया। मुद्रा का भारी अवमूल्यन हो गया। आर्थित अफरातफरी मच गई। आर्थिक वदहाली के कारण दंगेफसाद शुरु हो गये। जनवरी में सरकार ने जवर्दस्त आर्थिक सुधारों का वायदा करते हुए आई.एम.एफ. से मदद मांगी। रुपियाह डालर के मुकावले में 80% लुढ़क गया। जुलाई 97 में जनरल सुहार्तो डो सातवीं वार राष्ट्रपति वने थे को पद से हटना पड़ा। यहां राष्ट्रपति व उप राष्ट्रपति पद के लिये 22 दिसंवर 99 को चुनाव होंगे।

इंडोनेशिया ने 1978 में पूर्वी तिमोर पर कब्जा कर लिया था 30 अगस्त 99 को लोकमत (संयुक्त राष्ट्र संघ इसे जनता की राय मानता है) करवाया गया और 90% लोगों ने इंडोनेशिया से अलग होने के लिये मतदान किया। परिणाम की घोषणा होते ही पूर्वी तिमोर में हिंसा और रक्तपात का दौर शुरु हो गया। जकार्ता के समर्थन वाले लोगों ने अलग होने वालों पर धावा वोल दिया। हजारों वेघरवार हो गये।

जून 99 के चुनावों में सत्ताधारी दल गोल्कर पार्टी की पराजय हो गई। लेकिन मेगावती को पूर्ण वहुमत नहीं मिला। चुनाव आयोग आधिकारिक तौर पर चुनाव परिणाम घोषित करने में असफल रहा, लेकिन राष्ट्रपति हविवे ने अगस्त में चुनाव को वैध करार दिया।

प्राकृतिक संसाधनों की दृष्टि से इण्डोनेशिया संसार के सबसे धनी देशों में से एक है। यहां टिन और तेल बहुतायत से निकाला जाता है और वाक्साइट, तांवे, निकल, सोने और चांदी के काफी वड़े भंडार हैं ।

प्रमुख उद्यम कृषि है । मुख्य फसलें हैं – चावल, तम्बाकू, काफी, रवर, काली मिर्च, सेमल की रुई, नारियल, ताड़ तेल, चाय और गन्ना । वन उत्पादन विदेशी मुद्रा अर्जित करने का प्रमुख साधन हैं 100 विलयन डालर से अधिक विदेशी कर्जे के कारण इण्डोनेशिया विश्व का सवसे बड़ा कर्जदार देश है।

पूर्व राष्ट्रपति सुहांतो को अगस्त में अपने 32 वर्षीय शासन के दौरान 550 मिलियन डालर के गवन के आरोप पर दंडित किया गया। इरियान जावा प्रांत (वेस्ट पापुआ) में पीपुल्स कांग्रेस ने जून से स्वतंत्रता की घोषणा की। स्पाइस आइसलैंड में व दुमा में सांप्रदायिक दंगो में 150 व 120 लोग मारे गये।

मोलुकास में इसाई व मुस्लिम दंगों के कारण आपात काल लगाया गया। पूर्वी इंडोनेशिया में एक जहाज डूब जाने से सांप्रदायिक दंगों से पीड़ित 500 यात्रियों की मृत्यु। जून महीने मे सुमात्रा में 7.5 रिचर स्केल के भूकंप से जान–माल की तवाही।25 अगस्त को राष्ट्रपति वाहिद ने औपचारिक तौर पर मेगावती को मंत्रिमंडल के जेंडो को सूत्रित करने का कार्य सौंपा।

हाल की घटनायें: अगस्त 03 को जकार्ता के मैरियोट होटेल मे वम विस्फोट से 14 लोग मारे गये और 150 घायल हो गये। इंडोनेशिया द्वारा अलगाववादियों पर कड़ी कार्रवाई से 23,000 लोग घर छोड़ कर भागे।

राष्ट्रपति एवं प्रधानमंत्री: मेघावती सुकार्नोपुत्री ।

भारत में दूतावास: इण्डोनेशिया का दूतावास, 50–ए, चाणक्यपुरी, नई दिल्ली–110 021; फोन: 6118642, 6118646; फैक्स: 6874402, 6886763.

E-mail:jembassy@giasd101.vsnl.net.in

Indian Mission in Indonesia: Embassy of India, S-1,Jalan H.R. Rasuna Said, Kuningan, Jakarta Selatan 12950, Indonesia. Tel: 00-62-21-5204150; Fax: 00-62-21-5204160.

E-mail:meoijkt@indo.net.id/ colisi@indo.net.id

इराक

(Republic of Iraq) al Jumhoriya al 'Iraqia

राजधानी: वगदाद; **क्षेत्रफल:** 4,38,446 वर्ग किलोमीटर; **जनसंख्या:** 23.6 मिलयन्; **भाषा:** अरबी (शासकीय) और कुर्दिश; **साक्षरता:** 58%; **धर्म:** इस्लाम;

मुद्रा: इराकी दीनार; 1 अमरीकी डालर = 0.31 दीनार; **प्रति व्यक्ति आय:** 3197 डालर ।

इराक मेसोपोटामिया का आधुनिक नाम है ।मेसो = मध्य और पोटामिया = नदियां, दजल और फरात नामक दो महान नदियों के बीच बसा देश ।

इराक संसार के सर्वाधिक प्राचीन देशों में से एक है।इस देश में विकसित सभ्यता अर्थात् मेसोपोटामिया की सभ्यता ने यूरोप और एशिया की सभ्यताओं को प्रभावित किया है ।

1990 में इराक द्वारा कुवैत पर कब्जे के बाद अंतर्राष्ट्रीय संकट उत्पन्न हो गया।अमरीका के नेतृत्व में उसके सहयोगी दलों ने इराक पर आक्रमण कर दिया।इस युद्ध में लगभग 85,000 इराकी सैनिक मारे गये।

इराक की अर्थ–व्यवस्था में सबसे महत्वपूर्ण मद पेट्रोलियम है ।संसार के सबसे बड़े तेल उत्पादक देशों में इराक का स्थान पांचवां है ।तेल से होने वाली आय से औद्योगीकरण का कार्यक्रम चल रहा है ।

तीन–चौथाई आबादी अपनी जीविका कृषि से प्राप्त करती है । इराक संसार में खजूर निर्यात करने वाला सबसे बड़ा देश है ।

1999 में इराक में इस शताब्दि का सबसे भीषण सूखा पड़ा। 70% फसल को यह सूखा लील गया।

हाल की घटनायें: मार्च 03 को अमरीका के राष्ट्रपति जार्ज बुश ने कहा कि अगर सद्दाम हुसैन देश नहीं छोड़ते हैं तो सैन्य कार्रवाई होगी।इराक ने इस चेतावनी को अनसुना कर दिया।मार्च 20 को अमरीकी सेना ने इराक पर हमला बोल दिया।इराक ने कुवैत पर 6 स्कड मिसाइल फेंकी। जवाबी हमले में माना गया कि 'केमिकल अली' मारा गया। 7 अप्रैल को अमरीका और ब्रिटिश सेना बगदाद और बसरा में सद्दाम हुसैन के महलों में घुसीं।सद्दाम हुसैन के बेटे उदय और क्वेसी अमरीकी मिसाइल के घेरे में आकर मोसुल में मारे गये।इराक की नई गवर्निंग कौंसिल संयुक्त राष्ट्र सीट पाने में असफल रही।

सरकार अभी नहीं बनी है।

भारत में दूतावास: इराक का दूतावास, 169–171, जोरबाग, नई दिल्ली–110 003; फोन: 4618011, 4618012; फैक्स: 4631547.

Indian Mission in Iraq: Embassy of India, House No.6, Zokak No. 25, Mohalla 306, Hay Al Magrib, P.O. Box-4114, Adhamiya, Baghdad, Iraq. Tel: 00-964-1-4222014; Fax: 00-964-1-422-9549.

ईरान

(Islamic Republic of Iran) Jomhori-e-Islami-e-Iran

राजधानी: तेहरान; **क्षेत्रफल:** 1,648,000 वर्ग किलोमीटर; **जनसंख्या:** 65.5 मिलियन; **भाषा:** फारसी, तुर्क, कुर्दिश,और अरबी; **साक्षरता:** 79%; **धर्म:** इस्लाम; **मुद्रा:** रियाल; 1 अमरीकी डालर = 7,948 रियाल; **प्रति व्यक्ति आय:** 6000 डालर ।

ईरान एक प्राचीन और महान देश है, जो अपनी सभ्यता और वीरता के लिए विख्यात है ।

पहली वंश के अन्तिम शासक मोहम्मद रेजा को देशव्यापी विद्रोह के कारण ईरान छोड़कर भागना पड़ा । फरवरी 1979 में इस्लाम के धर्मगुरु अयातुल्ला खुमैनी देश के भाग्य की गाड़ी चलाने के लिए ईरान लौटे ।ईरान पहली अप्रैल 1979 को इस्लामिक गणराज्य बना ।

लोगों का प्रमुख उद्यम खेती है ।खेती की मुख्य उपज हैं – गेहूं, जौ, चावल, फल, ऊन और चुकन्दर । आय का एक महत्वपूर्ण साधन है कैस्पियन सागर की स्टर्जियन मछली (जिससे केवियर प्राप्त होता है)।

ईरान मध्य पूर्व में तेल पैदा करने वाले सबसे बड़े क्षेत्रों में से एक है ।खुरासान और करमान में पन्ना और दूसरे रत्न मिलते हैं ।हैण्डलूम पर बने फारस (ईरान) के गलीचे सारे संसार में मशहूर हैं।

जून 2002 में इरान में भूकंप से 230 लोग मारे गये, वरिष्ठ धार्मिक नेता अयातुल्लाह जलालुद्दीन तेही ने त्यागपत्र दिया और आलोचना की कि देश गलत रास्ते पर बढ़ रहा है।अगस्त महीने में इरान की संसद ने महिलाओं को बराबर के अधिकार दिये जाने पर सहमति दी।

हाल की घटनायें: जुड़ी हुई वयस्क बहने लैडेन व लालेह को अलग करने की सर्जरी दुखद रही, दोनों बहनों की 3 जुलाई को मृत्यु हो गई।

राष्ट्रपति एवं प्रधानमंत्री: *मोहम्मद खतामी।* ***प्रधानमंत्री:*** *मीर हुसैन मौस्सावी*

भारत में दूतावास: ईरान के इस्लामिक गणराज्य का दूतावास, 5 बाराखम्बा रोड़, नई दिल्ली–110 001 फोन: 3329600; फैक्स: 3325493.

E-mail: iranemin@vsnl.com

वाणिज्य दूतावास: 4–47 स्वप्नलोक, जमुनादास रोड मुम्बई, फोन: 3630073.

Indian Mission in Iran: Embassy of India, 46, Mir-Emad, Corner of 9th Street, Dr.Beheshti Avenue, P.O. Box 15875-4118, Tehran (Islamic Republic of Iran). Tel: 00-98-21-8755103; Fax: 00-98-21-8755973.

E-mail:indemteh@dpi.net.ir

उक्रेन

(Ukrayina)

राजधानी: कीव; **क्षेत्रफल:** 603,700 वर्ग किलोमीटर; **जनसंख्या:** 48.2 मिलयन; **भाषा:** उक्रेनियन, रूसी; **साक्षरता:** 99%; **धर्म:** ईसाई, इस्लाम, **मुद्रा:** हिरिबिनिया: 1 अमरीकी डालर = 5.33; **प्रति व्यक्ति आय:** 4,350 डालर।

पूर्व सोवियत संघ के दक्षिण पश्चिम में स्थिति उक्रेन को दिसम्बर 1991 में स्वतंत्रता मिली । काला सागर तट इसके पास है और सीमाएं रोमानिया, हंगरी, पोलैंड और चेकोस्लावाकिया (पश्चिम देश) और बाइलोरशिया, रूस से मिली है ।पूर्व सोवियत संघ का यह भाग घना बसा हुआ है । पूर्व सोवियत संघ का दूसरे अमीर देश में सर्वाधिक कीमती जमीन है । 1985 में सोवियत संघ के कुल उत्पादन का 46 प्रतिशत यहां हुआ था ।इसे सोवियत संघ का गेंहू क्षेत्र भी कहा जाता था ।

मिस्र और इजराइल के वाद उक्रेन सर्वाधिक अमरीकी मदद पाने वाला तीसरा देश है। जुलाई 97 में नाटो चार्टर पर हस्ताक्षर के साथ उक्रेन गुट निर्पेक्ष देश हो गया। अव वह अपने संवंध रूस व पश्चिम से सामान्य रूप से रख सकता है।

कृषि: गेंहू, शुगर वीट, सूरजमुखी, कपास, फलैक्स, तम्याकू, सोया, फल एवं सब्जी, मांस एवं दूध ।

प्राकृतिक स्रोत: कोयला, लौह अयस्क, मैग्नीज, तेल, नमक रसायन।

उद्योग: फेरस मेटालर्जिकल, रसायन, मशीनरी, कागज, टी.वी. उपभोक्ता सामान, खाद्य उद्योग।

राष्ट्रपति: लियोनिद कुचमा। प्रधानमंत्री: विक्टर उछेन्टो

भारत में दूतावास: उक्रेन का दूतावास, 46, पश्चिमी मार्ग, वसंत विहार, नई दिल्ली–110057; फोन: 6146041, 6146042.

E-mail;embassy@bol.net.in

Indian Mission in Ukraine: Embassy of India, 4, Terokhina Street, Padol District, Kyiv-254080, Ukraine. Tel: 00-380-44-4356661; Fax: 00-380-44-4356619.

E-mail:india@public.ua.net

उजबेकिस्तान

Ozbekiston Republikasy

राजधानी: ताशकंद; **क्षेत्रफल:** 447,400 वर्ग किलोमीटर; **जनसंख्या:** 25.4 मिलयन; **भाषा:** उजबेक, रूसी; **साक्षरता:** 97%; **धर्म:** इस्लाम; **मुद्रा:** सोम; 1 अमरीकी डालर = 788.69 सोम; **प्रति व्यक्ति आय:** 2,460 डालर ।

पूर्व सोवियत गणराज्य उजबेकिस्तान दिसम्बर 91 में स्वतंत्र हुआ । कजाकिस्तान, किर्गिजिया, टाडकिजिस्तान, अफगानिस्तान और तुर्कमेनिस्तान इसके पड़ौसी हैं ।

कृषि: कृषि यहां पर प्रमुख है । कपास उत्पादन में इसका विश्व में तीसरा है । यहां पूर्व सोवियत संघ के कपास का 65%, चावल का 50%, और रिजका का उत्पादन होता है । कृत्रिम सिंचाई पर आधारित यहां की खेती की जाती है ।

फसलें: कपास, रिजका, खाद्यान्न, आलू, सब्जी, अंगूर फल एवं वेरीज़ ।

प्राकृतिक स्रोत: तेल, कोयला, तांवा, ओजोसिराइट, भवन सामग्री ।

उद्योग: कृषि यंत्र, सीमेंट, कपड़ा, कागज, फेरोकंक्रीट।

हाल की घटनायें: जून में उजवेकिस्तान शंघाई पांच में शामिल हो गया और छह सदस्यीय शंघाई कोआपरेशन आर्गनाइजेशन का सदस्य वन गया।

राष्ट्रपति: इस्लाम करिमोव, प्रधानमंत्री: उतकिर सुतालोव।

भारत में दूतावास: प्लाट नं. 40, चाणक्यपुरी, नई दिल्ली–110021; फोन: 467–07–74, 467–07–75, 410–56–40; फैक्स: 467–07–73.

E-mail: uzembindvsnl.com

Indian Mission in Uzebekistan: Embassy of India, Ulitsa Alexie Tolstogo No.3, Tashkent, Uzbekistan. Tel:00-998-71-1338357; Fax: 00-998-71-1361976.

E-mail:indemb@online.ru

उरुग्वे

(Oriental Republic of Uruguay) Republica Oriental del Ururguay

राजधानी: मोन्टेवीडियो; **क्षेत्रफल:** 1,76,215 वर्ग किलोमीटर; **जनसंख्या:** 3.4 मिलयन; **भाषा:** स्पेनिश; **साक्षरता:** 97%; **धर्म:** ईसाई; **मुद्रा:** पेसो; 1 अमरीकी डालर = 27.15 पेसो; **प्रति व्यक्ति आय:** 8,400 डालर।

उरुग्वे दक्षिणी अमरीका का सबसे छोटा गणतंत्र है । यह प्लेट नदी के मुहाने के उत्तरी किनारे पर स्थित है । इसके उत्तर में ब्राजील तथा पश्चिम में अर्जेंटाइना है ।

उरुग्वे किसी समय स्पेनिश साम्राज्य का एक भाग था और वाद में ब्राज़ील का एक प्रान्त वन गया । यह 1825 में स्वतंत्र हो गया । पशुपालन उरुग्वे का मुख्य व्यवसाय है और इसके कुल भू–क्षेत्र का 60 प्रतिशत भाग इसी काम में आता है । इसके मुख्य उत्पाद मांस, ऊन, खालें, मक्का, गेहूं, खट्टे फल, चावल, तम्याकू, जई तथा अलसी हैं । मुख्य उद्योग विनेरी, मांस डव्वा–वंदी तथा कपड़ा है ।

राष्ट्रपति एवं प्रधानमंत्री: जोर्गे वाट्टल।

भारत में दूतावास: उरुग्वे का दूतावास, ए–16/2 वसंत विहार, नई दिल्ली–110057, टेलीफोन: 6151991, 6151992; फैक्स: 6144306.

E-mail: uruind@del3.vsnl.net.in

एल सल्वाडोर

(Republic of El Salvador) Republica do El Salvador

राजधानी: सैन सल्वाडोर; **क्षेत्रफल:** 21,393 वर्ग किलोमीटर; **जनसंख्या:** 6.6 मिलयन; **भाषा:** स्पेनिश; **साक्षरता:** 71%; **धर्म:** ईसाई; **मुद्रा:** कोलोन; 1 डालर = 8.75 कोलोन; **प्रति व्यक्ति आय:** 5,260 डालर।

एल सल्वाडोर मध्य अमरीका में स्थित हैं । यह 1821 में स्वाधीन हुआ ।

1992 में समाप्त हुए12 वर्ष तक चलने गृहयुद्ध में75,000 लोगों ने प्राण गवांयें।

यह प्रमुखत: कृषि प्रधान देश है । मुख्य फसल काफी है। देश के कुल निर्यात में आधा निर्यात काफी का होता है। अन्य फसलों में कपास, मक्का और चीनी हैं । मछली–पालन का विकास हो रहा है और देश की निर्यात वस्तुओं में मछली का महत्वपूर्ण स्थान है । उद्योग विकसित हो रहे हैं ।

राष्ट्रपति एवं प्रधानमंत्री: फ्रांसिस्को फ्लोरेस।

भारत में दूतावास: 186, मायापुरी, शरत बोस रोड, कलकत्ता, फोन: 461164 ।

Indian Mission in El Salvador: Honorary Consulate General of India, Calle Padres Aguilares, 626, Col. Escalon, San Salvador, El Salvador. Tel: 00-503-266622; Fax: 00-503-269861.

ण्टीगुआ एण्ड बारबूडा

राजधानी: सेंट जान्स; **क्षेत्रफल:** *442 वर्ग किलोमीटर*; **नसंख्या:** 0.1 मिलयन; **भाषा:** अंग्रेजी और पैटोइज़; **क्षरता:** 90%; **धर्म:** ईसाई; **मुद्रा;** पूर्वी कैरीबियन डालर; अमरीकी डालर = 2.70 कैरीबियन डालर; **प्रति व्यक्ति** **य:** 10,170 डालर ।

एण्टीगुआ ब्रिटिश वेस्ट इंडीज के द्वीपों में से एक है और जनैतिक दृष्टि से बारबूडा और रेडोण्डा नामक दो द्वीपों । भाग है । रेडोण्डा बिल्कुल निर्जन है । एण्टीगुआ एण्ड रबूडा । नवम्बर, 1981 को स्वाधीन हुआ ।

यहां के निवासी मिले-जुले यूरोपीय नीग्रो उद्‌भव के हैं। र्थ-व्यवस्था कृषि प्रधान हैं । चीनी और कपास मुख्य निर्यात । पर्यटन आय का मुख्य साधन है ।

गवर्नर जनरल: जेम्स कार्लाइल; **प्रधानमंत्री:** लेस्चर बर्ड।

स्टोनिया

Republic of Estonia) Esti Vabariik

राजधानी: तालिन्न; **क्षेत्रफल:** 45,100 वर्ग किलोमीटर; **नसंख्या:** 1.4 मिलयन;; **भाषा:** एस्टोनियन; **साक्षरता:** 00%; **धर्म:** ईसाई; **मुद्रा:** क्रून; 1 अमरीकी डालर = 7.27 क्रून; **प्रति व्यक्ति आय:** 10,170 डालर ।

एस्टोनिया अगस्त 1991 में सोवियत संघ से अलग होकर वाधीन देश बना । स्टालिन के नेतृत्व में 50 वर्ष पूर्व सोवियत ंघ ने एस्टोनिया समेत 3 बाल्टिक राज्यों पर अधिकार किया ा। एस्टोनिया के पश्चिम एवं उत्तर में बाल्टिक राज्य पूर्व में रूस और दक्षिण में लैटविया की सीमाएं हैं ।

कृषि और दुग्ध उत्पादन प्रमुख व्यवसाय हैं । 22 प्रतिशत क्षेत्र में वन है जहां से उद्योग को कच्ची सामग्री मिलती हैं ।

कृषि उत्पादन: खाद्यान्न, आलू, सब्जी ।

प्राकृतिक स्रोत: शेले भंडार, लकड़ी पीट, फास्फोराइट्स।

उद्योग: फर्नीचर, मैच एवं पल्प, चमड़ा, कपड़े, कृषि यंत्र, विद्युत मोटर ।

पूर्व सोवियत राज्यो में एस्टोनिया ने सर्वप्रथम अपनी मुद्रा क्रून जून 92 में जारी की थी ।

राज्याध्यक्ष: लेन्नार्ट मेरी, **प्रधानमंत्री:** मार्ट लार ।

भारत में दूतावास: आनेररी कंसलेट जनरल आफ दी रिपब्लिक आफ एस्टोनिया, ए-11, कैलाश कालोनी, पहली मंजिल, नई दिल्ली-110 048; फोन: 6449808; फैक्स: 6484575.

एरिट्रिया

(State of Eritrea)

राजधानी: असमारा; **क्षेत्रफल:** 117,600 वर्ग किलोमीटर; **जनसंख्या:** 4.5 मिलयन; **भाषा:** टिग्रिन्या व अन्य स्थानीय भाषाएं; **साक्षरता:** 20%; **धर्म:** ईसाई व इस्लाम; **मुद्रा:** नक्फा। एक अमरीकी डालर= 13.[illegible] नक्फा; **प्रति व्यक्ति आय:** 1,030 डालर।

इथियोपिया के सुदूर उत्तर का राज्य [illegible] के अफ्रीकी तट पर स्थित है । 1890 में यह इटैलियन कालोनी बना लेकिन 1941 में ब्रिटेन ने इसे इटली से जीत लिया । द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद संयुक्त राष्ट्र ने इसे यहां की जनता की इच्छा के विरुद्ध इथियोपिया का स्वशासित प्रदेश के रूप में मान्यता दी ।

1962 में इथियोपिया के शासक हैली सेलेस्सी ने एरिट्रिया पर कब्जा कर लिया । 1960 के मध्य से ही यहां पर संघर्ष शुरू हो गये । एरिट्रियन लिबरेशन फ्रंट (ई एल एफ) और अन्य दल जैसे एरिट्रियन पीपुल्स लिबरेशन फ्रंट जो कि अलग प्रांत की मांग कर रहे थे, का सेना के साथ लगातार संघर्ष से प्रांत की स्थिति बिगड़ गयी। 1993 में अफ्रीका का 30 वर्षीय सबसे बड़ा गृह युद्ध समाप्त हुआ और 24 मई को एरिट्रिया स्वाधीन हुआ । संयुक्त राष्ट्र एवं अफ्रीकन युनिटी ने इसको सदस्यता दी।

एरिट्रिया में 9 जातीय समुदाय हैं और मात्र 5 प्रतिशत कृषि भूमि है ।

राष्ट्रपति: इसासिस अफेवर्की ।

भारत में दूतावास: बेइजिंग में स्थित एरिट्रिया का दूतावास।

ओमान

(Sultanate of Oman) Saltanat' Uman

राजधानी: मस्कट; **क्षेत्रफल:** [illegible] किलोमीटर; **जनसंख्या:** 2.6 मिलयन [illegible] **साक्षरता:** 59%; **धर्म:** इस्लाम; **मुद्रा;** [illegible] अमरीकी डालर = 0.39 [illegible] 12,040 डालर।

ओमान की सल्तनत [illegible] कहलाती थी, अरब प्रायद्वीप [illegible] है । इसका तट अरब [illegible] की खाड़ी तक फैला [illegible] 1970 में ग्रहण [illegible]

जहां-जहां [illegible] बटीना का [illegible] है । यहां की [illegible]

राज्या[illegible] संद।

[illegible]

वन्टू; साक्षरता: 40%; धर्म: कवीलाई धर्म और ईसाई; मुद्रा: रीएडजस्टेड क्वांजा; 1 अमरीकी डालर = 48.15 री.; प्रति व्यक्ति आय: 2,040 डालर ।

अंगोला 1975 में स्वाधीन राज्य वना ।इसका पूर्व नाम पुर्तगाली पश्चिमी अफ्रीका था ।

16 वर्ष तक चले गृह युद्ध की समाप्ति 1991 में हुयी लेकिन एम.पी.एल.ए. (पीपुल्स मूवमेंट फार लिबरेशन आफ अंगोला) और यू.एन.आई.टी.ए. (यूनियन फार दी टोटल लिवरेशन फार अंगोला) में फिर से संघर्ष शुरू हो गया ।

अगस्त 1998 में राष्ट्रपकि कवीला के समर्थन में कांगो (सायर) में अंगोला ने हजारों सैनिक भेजे।

मुख्य खाद्यान्न फसलें – ज्वार, वाजरा और कसावा हैं। प्रमुख वाणिज्यिक फसलें काफी, कपास, तेल, ताड़ और सीसल हैं । मुख्य उद्योग : वस्त्र, शराब, सीमेंट, तेल परिष्करण और चीनी हैं । अंगोला अपनी मणियों के लिए विख्यात है और संसार के कुल मणियों में से दसवां भाग अंगोला में यनता है। प्रमुख निर्यात हैं – कच्चा पेट्रोलियम, काफी, हीरे, कच्चा लोहा, मछली, सीसल और इमारती लकड़ी ।

हाल की घटना: यूनिटा के नेता जोनास सोविम्वी की 2003 में हत्या कर दी गई।

राष्ट्रपति: जोस एडवर्डो डास सैंटोस।

भारत में दूतावास: अंगोला गणराज्य का दूतावास सी–17, माल्वा मार्ग, चाणक्यपुरी, नई दिल्ली–110 021; फोन: 6110701, 6882680; फैक्स: 6113512, 4673787

E-mail:xietuang@de12.vsnl.net.in Web- www angolaembassyindia.com

Indian Mission in Angola: Embassy of India, Apartment D, Ist Floor, Predio Dos Armazens Carrapas, No. 81 Rua Marechal Broz Tito, Caixa Postal 6040, Luanda, Angola. Tel:00-244-2-445398; Fax: 00-244-2-442061.

E-mail:indembluanda@ebonet.net

...ड

...ipality of Andora (Principat d' Andora)

राजधानी: अण्डोरे–ला–विले; **क्षेत्रफल:** 464 वर्ग किलोमीटर; **जनसंख्या:** 66,824; **भाषा:** कैटालन, स्पेनिश और फ्रेंच; **साक्षरता:** 100%; **धर्म:** ईसाई; **मुद्रा:** फ्रांसीसी फ्रेंक, एवं स्पेनिश पेसेटा; 1 अमरीकी डालर = 6.72 फ्रेंच फ्रेंक और 190.91 स्पेनिश पेसेटा; **प्रति व्यक्ति आय:** 18,000 डालर ।

1278 में स्थापित अण्डोरा राज्य फ्रांस और स्पेन के बीच वार्सिलोना और टूलो से वरावर दूरी पर पूर्वी पेरीनीज की घाटी में स्थित है ।

अण्डोरा का कोई निश्चित संविधान नहीं है और उसकी अंतर्राष्ट्रीय मान्यता भी संदिग्ध है ।यह नाममात्र के लिए फ्रांस और स्पेन के अर्जेल विशप के अधीन है । शासन 28 निर्वाचित सदस्यों की परिषद द्वारा चलाया जाता है ।

अण्डोरा कृषि प्रधान देश है । मुख्य उपज है – खाद्यान्न, आलू और तम्याकू ।लोहा, सीसा, श्वेत खनिज नामक, पत्थर और इमारती लकड़ी प्रमुख व्यापारिक उत्पाद हैं, किन्तु आय का मुख्य साधन पर्यटन है ।

शासनाध्यक्ष: फ्रांस के राष्ट्रपति एवं उर्गेल के विशप (स्पेन), कार्यकारी परिषद के अध्यक्ष, **अध्यक्ष सामान्य परिषद:** मार्क फोर्न मोलने।

कजाकस्तान

(Republic of Kazakhstan) Republikasy

राजधानी: अस्टाना (आकमोसा); **क्षेत्रफल:** 2,717,300 वर्ग किलोमीटर; **जनसंख्या:** 14.8 मिलयन; **भाषा:** कजाख, रूसी, जर्मन; **साक्षरता:** 98%; **धर्म:** इस्लाम, ईसाई; **मुद्रा:** टेंग ; 1 अमरीकी डालर = 154.61 टेंग; **प्रति व्यक्ति आय:** 6,500 डालर।

पूर्व सोवियत गणराज्य कजाकस्तान 16 दिसम्वर 1991 में स्वतंत्र हुआ ।कैस्पियन सागर से चीन की सीमाओं तक कजाकस्तान रूस, उजवेकिस्तान और किरमिजिया से घिरा है ।सोवियत गणराज्य के दूसरे वृहद राज्य में लगभग 100 राष्ट्रीयता वाले लोग रहते हैं । लगभग 60 प्रतिशत जनसंख्या शहरी है ।आधी से अधिक जनसंख्या रूसियों और उक्रेनियों की है जो उद्योग एवं फार्मो में कार्यरत् हैं ।

जुलाई 98 में रूस और कजाकस्तान के बीच शांति एवं सहयोग का समझौता हुआ, इसके अंतर्गत वाहरी आक्रमण पर सैनिक सहयोग का प्रावधान रखा गया। जनवरी 99 में राष्ट्रपति नजरबेवेव दुबारा 7 वर्षों के लिये निर्वाचित हुए।

कृषि: खाद्यान्न, शुगर वीट, आलू, सब्जी, मांस, दूध अंडे। उच्च गुणवत्ता वाले ऊन के लिये यहां की भेंड़े विख्यात हैं ।

प्राकृतिक स्रोत: पूर्व सोवियत संघ का लगभग आधे का तांवा, लेड, जस्ते का भंडार यहां है ।अन्य खनिज है कोयला, टंग्स्टन, तेल, निकेल, क्रोमियम, मालिब्डनम, मैग्नीज ।

उद्योग: लौह अयस्क, सल्फ्लयूरिक एसिड, फेरोकंक्रीट, निटवियर, पुट्वियर, होजरी। औद्योगिक उत्पादन में पूर्व सोवियत संघ के गणराज्यों में कजाकस्तान का तीसरा स्थान हैं ।

राष्ट्रपति: नुरसुल्तान नजरवायव; **प्रधानमंत्री:** डेनियल अखमेटोव।

भारत में दूतावास: 4, आलोफ पाल्मे मार्ग, वसंत विहार, नई दिल्ली–110 057; फोन: 6144779; फैक्स: 6144778.

E-mail:embaskaz@giasd101.vsnl.net.in

Indian Mission in Kazakhstan: Embassy of India, Ulitsa Maulenova 71, Almaty-480091, Kazakhstan. Tel: 00-7-3272-671411; Fax: 00-7-3272-676767.

E-mail: india@in-emb.almaty.kz

कतार

(State of Qatar) Dawletal-Qater

राजधानी: दोहा; **क्षेत्रफल:** 11,437 वर्ग किलोमीटर; **जनसंख्या:** 0.6 मिलयन; **भाषा:** अरबी, अंग्रेजी; **साक्षरता:** 79%; **धर्म:** इस्लाम; **मुद्रा:** रियाल; 1 अमरीकी डालर = 3.64 रियाल; **प्रति व्यक्ति आय:** 18,789 डालर ।

कतार 160 मील लम्बी जीभ के आकार की भूमि है जिसकी नोक फारस (अरब) की खाड़ी को छूती है । यह लगभग तीन ओर से फारस की खाड़ी से घिरा है । दक्षिण में सउदी अरब है । 3 सितम्बर 1971 में ब्रिटेन ने जब फारस की खाड़ी से अपना आधिपत्य समाप्त कर दिया तो कतार स्वतंत्र हुआ । कतार में पूर्ण राजतंत्र है । यहां की अधिकांश आबादी राजधानी दोहा में और इसके आसपास रहती है । अब पाकिस्तान, इरान और ओमान के प्रवासियों की संख्या मूल कतारवासियों से अधिक है ।

तेल उद्योग से राष्ट्रीय आय का 90 प्रतिशत से भी अधिक भाग आता है, लेकिन इसमें आबादी का केवल 5 प्रतिशत भाग ही काम करता है । अब कतार सड़क मार्ग से शेष अरब क्षेत्र से तथा वायुमार्ग द्वारा विश्व से जुड़ा है ।

मई 98 में अमीर ने घोषणा की कि कतर अगली शताब्दि के प्रारंभ में लोकतंत्र को अपनायेगा और कुवैती लोकतंत्र की तरह हो जायेगा।

1999 में महिला दिवस के अवसर पर खाड़ी देशों में पहली बार यहां महिलाओं ने स्थानीय परिषद के चुनावों में मतदान में हिस्सा लिया।

अमीर: शेख हमद बिन खलीफा अल थानी ।

भारत में दूतावास: कतार का दूतवास, ई.पी.-31ए, चंद्रगुप्त मार्ग, चाणक्यपुरी, नई दिल्ली-110 021, फोन: 6117988; फैक्स: 6886080.

Indian Mission in Qatar: Embassy of India, No.6, Al Jaleel Street, P.O. Box 2788, Al-Hilal Area, Doha, Qatar. Tel: 00-974-672021; Fax: 00-974-670448.
E-mail:indembdh@qatar.net.qa

कनाडा

राजधानी: ओटावा; **क्षेत्रफल:** 9,976,139 वर्ग किलोमीटर; **जनसंख्या:** 31.3 मिलयन;; **भाषा:** अंग्रेजी और फ्रेंच; **साक्षरता:** 97%; **धर्म:** ईसाई; **मुद्रा:** डालर; 1 अमरीकी डालर = 1.57 कनाडियन डालर; **प्रति व्यक्ति आय:** 27,130 डालर ।

कनाडा संसार का दूसरे नम्बर का सबसे बड़ा देश है। यह पश्चिम में अलास्का और छोटे फ्रांसीसी द्वीप सेंट पीयरे एण्ड मिक्वेलन को छोड़कर उत्तरी अमरीका के सम्पूर्ण उत्तरी भाग में फैला हुआ है । 27 प्रतिशत जनसंख्या फ्रेंच बोलती है और शेष अंग्रेजी ।

कनाडा एक संघ है जिसमें 10 प्रान्त और 2 क्षेत्र सम्मिलित हैं । संघ की राजधानी ओटावा है । कनाडा राष्ट्रमंडल का सदस्य है । ऐतिहासिक 1982 के 'कनाडा ऐक्ट' के द्वारा ब्रिटेन ने संवैधानिक अधिकार कनाडा को सौंप दिए ।

10 लाख से अधिक जनसंख्या वाले प्रान्तों के नाम ये हैं ओण्टैरियो (80), क्युबेक (60), ब्रिटिश कोलंबिया (20), अलबर्टा एवं मनिटोबा (10) ।

कनाडा मूलत: एक कृषि प्रधान देश था और वनों की कटाई, मछली पकड़ने के लिए विख्यात था किन्तु उसने अपने को विश्व का एक अग्रणी औद्योगिक देश बना लिया है । इस देश से निर्यात होने वाली वस्तुओं की सूची में [illegible]

कनाड़ा के प्रांत एवं क्षेत्र

प्रान्त	राजधानी	क्षेत्रफल (वर्ग कि.मी)
अलबर्टा	एडमाण्टन	644,390
ब्रिटिश कोलंबिया	विक्टोरिया	929,730
मनिटोबा	विन्निपेग	548,360
न्यू ब्रुंसविक	फ्रेडरिक्टन	72,090
न्युफाउण्डलैंड	सेण्ट जान्स	371,690
नोवा स्कोशिया	हेलीफैक्स	52,840
ओण्टैरियो	टोरण्टो	891,190
प्रिंस एडवर्ड आईलैंड	चार्लोटटाउन	5,660
क्युबेक	क्युबेक	1,356,790
सस्कैचेवेन	रेगिना	570,700
क्षेत्र		
युकोन क्षेत्र	ह्वाइटहार्स	478,970
नार्थ वेस्ट क्षेत्र	यलोनाइफ	3,293,020

मोटरगाड़ियों के पुर्जे, लकड़ी का गूदा और इमारती लकड़ी के नाम सबसे ऊपर हैं ।

गेहूं अभी भी निर्यात होने वाली एक मुख्य वस्तु है । कनाडा का औद्योगिक ढांचा विदेशी पूंजी, विशेषतया अमरीकी पूंजी के आधार पर निर्मित हुआ है ।

एस्बेस्टस, चांदी, निकेल और जस्ते के उत्पादन में कनाडा आज संसार में सबसे आगे है । अन्य कई खनिजों जैसे लोहा, तांबा, यूरेनियम, कोबाल्ट, सल्फर, [illegible] और सोने की दृष्टि से कनाडा समृद्ध है । इस देश में तेल और प्राकृतिक गैस के विशाल भंडार हैं । [illegible] उत्पादन में कनाडा का स्थान संसार में [illegible] है ।

हाल की घटनायें: [illegible] ब्रिटिश कोलंबिया को घेरे में ले लिया। 10,000 [illegible]

कनाडा में समलैंगिक विवाह को समर्थन

[illegible]

राज्याध्यक्ष: क्वीन एलिज़ाबेथ द्वितीय; **गवर्नर जनरल:** रैमन नाटशीन, **प्रधानमंत्री:** जीन क्रेशियन ।

भारत में दूतावास: कनाडा का हाई कमीशन, 7/8 शांति पथ, चाणक्यपुरी, नई दिल्ली–110 021; फोन: 6876500; फैक्स: 6870031.

E-mail:delhi@dfait-maeci.gc.ca

Indian Mission in Canada: High Commission of India, 10, Springfield Road, Ottawa, Ontario KIM 1C9, Canada. Tel:00-1-613-7443751; Fax:00-1-613-7440913.

E-mail:hicomind@sprint.ca

कम्बोडिया

(Kingdom of Cambodia) Preach Reach Ana Pak Kampuchea

राजधानी: नोम पेन्ह; **क्षेत्रफल:** 181,035 वर्ग किलोमीटर; **जनसंख्या:** 12.3 मिलयन; **भाषा:** खमेर, फ्रेंच; **साक्षरता:** 65%; **धर्म:** थेरवाद बौद्ध धर्म; **मुद्रा:** रील; 1 अमरीकी डालर = 3,835 रील; **प्रति व्यक्ति आय:** 1,860 डालर ।

दक्षिण पूर्व एशिया में भारत–चीन प्रायद्वीप पर स्थित कम्पूचिया का नाम कम्बोडिया था और अक्तूबर 1970 से मई 1975 के बीच इसका नाम खमेर गणराज्य था 1, मई 1989 में इसका नाम फिर कम्बोडिया रखा गया ।

संयुक्त राष्ट्र की पर्यवेक्षता में मई 1993 में संविधान सभा के लिये यहां बहुदलीय चुनाव हुए । खमेर राग ने चुनाव का बहिष्कार किया । फंसीपेक को सर्वाधिक सीटें मिली । 14 वर्षीय वियतनाम द्वारा स्थापित नोम पेन्ह प्रशासन की समाप्ति हुयी और तीन दलों ने मिलकर अंतिरिम सरकार बनायी । लेकिन सितंबर 1993 में नया संविधान प्रभावी हुआ और इसके साथ राज्यशाही की वापसी हुयी । नोरोडेम शिघांनुग राज्याध्यक्ष बने और उनके बेटे रनारिघ प्रथम मंत्री एवं हुन सेन द्वितीय प्रधान मंत्री बने ।

97 में रोग विद्रोहियों ने कहा कि पोल पोट को गिरफ्तार लिया गया है। फोम पेन्ह में सेना के विरोधी गुटों में संघर्ष गया। 7 जुलाई को दूसरे प्रधानमंत्री हुन सेन ने देश का नियंत्रण अपने हाथों में ले लिया और सर्वोच्च शक्ति नेता बन गये। उनके विरोधी प्रथम प्रधानमंत्री नोरोडम रानारिद्ध जो देश छोड़ कर भाग गये थे ने संयुक्त राष्ट्र संघ के हस्तक्षेप की मांग की।

नेशनल एसंबली ने रानारिद्ध के समस्त अधिकार समाप्त कर दिये लेकिन उनकी प्रतिबद्ध पार्टी ने नये प्रथम प्रधानमंत्री उंग हुवाट के चुनाव को चुनौती दी। महाराजा सिहानाउक ने प्रथम प्रधानमंत्री की नियुक्ति को स्वीकृत देदी।

फरवरी 98 में प्रिंस रानारिद्ध ने एकतरफा युद्ध विराम की घोषणा कर दी। लेकिन उनकी अनुपस्थित नें फोन फेन्ह में अवैध हथियारों की आपूर्ति के अभियोग पर एक सैनिक अदालत ने उन्हें पांच वर्ष की सजा की घोषणा करदी। एशियान ने संयुक्त राष्ट्र संघ से रानारिद्ध की सुरक्षित वापसी की सुनिश्चतता की मांग की। 15 अप्रैल को पोलपोट की मृत्यु हो गई।

कम्बोडिया एक अविकसित देश है । यहां 50 प्रतिशत भूमि पर वन है । कुल कृषि योग्य भूमि के 80 प्रतिशत भाग में चावल की खेती होती है । पशु पालन और मछली पकड़ने का काम काफी उन्नत है । वनों में मूल्यवान इमारती लकड़ी भरी पड़ी है ।

लोहा, तांबा, मैंगनीज़ और सोना भी मिलता है।

हाल की घटनायें: 20 वर्ष के गृह युद्ध की समाप्ति के बाद कंबोडिया में चौथे आम चुनाव जुलाई 03 में हुए।

राज्याध्यक्ष: प्रिंस नोरोडम सिंघानुक । **प्रधानमंत्री:** उंग हुओट। **द्वितीय प्रधानमंत्री:** हुन सेन।

भारत में दूतावास: कम्बोडिया लोक गणराज्य का दूतावास, न.14, पंचशील मार्ग, नई दिल्ली–110 017; फोन: 6495092; फैक्स: 6495093.

E-mail:Camboemb@del2.vsnl.net.in

Indian Mission in Cambodia: Embassy of India, Villa No. 777, Boulevard Monivong, Phnom Penh, Cambodia. Tel: 00-855-23-210912; Fax: 00-855-23-213640.

E-mail:embindia@bigpond.com.kh

कोटे डी आइवरी
(आइवरी कोस्ट)

Republiaue de lq Cote dIvoire

राजधानी: अबिदजान (व्यवहारिक) यामोउस्स्क्रो (आधिकारिक); **क्षेत्रफल:** 322,462 वर्ग किलोमीटर; **जनसंख्या:** 16.8 मिलयन; **भाषा:** फ्रेंच और कबायली; **साक्षरता:** 40%; **धर्म:** इस्लाम और ईसाई; **मुद्रा:** फ्रैंक सी.एफ.ए.; 1 अमरीकी डालर = 671.78 फ्रैंक, सी.एफ.ए.; **प्रति व्यक्ति आय:** 1,490 डालर ।

आइवरी कोस्ट की सीमा उत्तर में माली और बुरकीना की सीमा से, पूर्व में घाना की सीमा से, दक्षिण में गिनी सागर से और पश्चिम में लाइबेरिया व गिनी की सीमा से मिली हुई है।

आइवरी कोस्ट पहले फ्रांस का एक उपनिवेश था । यह 7, अगस्त 1960 में स्वाधीन हुआ और इसका नाम फ्रेंच के आधार पर ठीक किया गया ।

इस देश की 90 प्रतिशत आबादी खेती, वानिकी और मछली पकड़ने के काम में लगी हुई है । आइवरी कोस्ट संसार में काफी पैदा करने वाले देशों में तीसरा सबसे बड़ा देश है। यह अफ्रीका में इमारती लकड़ी का उत्पादन करने वाला सबसे महत्वपूर्ण देश है । अन्य महत्वपूर्ण वाणिज्यिक फसलें है – कोकोआ, केले और अनानास ।

राष्ट्रपति: लोरन्ट गवागवो **प्रधानमंत्री:** पास्कल अफिफ एल गुएसान।

भारत में दूतावास: मास्को में स्थित कोटे–डी आइवरी का दूतावास।

आनरेरी कंसुलेट: पुंज हाउस, एम–13, कनाट प्लेस, नई दिल्ली–110001, फोन: 3323621, फैक्स: 3357134.

Indian Mission in Cote D'Ivoire (Ivory Coast): Em-

bassy of India, Villa No. 105, Rue L 98, 7eme Tranche, Cocody/II Plateaux-Angre, 06 B.P. 318, Abidjan 06, Cote d'Ivoire. Tel: 00-225-423769; Fax: 00-225-426649.

E-mail:indemabj@africaonline.co.ci

क्रोएशिया

(Republic of Croatia) Republica Hrvatska

राजधानी: ज़ाग्रेव; **क्षेत्रफल:** 56,538 वर्ग किलोमीटर; **जनसंख्या:** 4.3 मिलयन;; **भाषा:** सर्वो क्रोएशियन; **साक्षरता:** 97%; **धर्म:** ईसाई; **मुद्रा:** क्यूना; 1 अमरीकी डालर = 87.53 क्यूना ; **प्रति व्यक्ति आय:** 9170 डालर ।

पूर्व युगोस्लाविया का दूसरा वड़ा गणराज्य क्रोएशिया दक्षिणी पूर्व यूरोप में एडियाट्रिक समुद्र तल पर स्थित है ।

वर्तमान क्षेत्र में क्रोएट छठी शताव्दी में आकर वसे थे। 1091 में क्रोएशिया हंगरी के साथ संयुक्त हुआ और 1918 में प्रथम विश्वयुद्ध तक हंगेरियन प्रशासन के अंतर्गत रहा । 1929 में क्रोएशिया नये राज्य संघ-सर्व्स, क्रोएट और सोलवेन्स में मिला जिसे नया नाम युगोस्लाविया कहा गया।

इसके साथ ही क्रोएशिया युगोस्लाविया संघ के 6 गणराज्यों में एक हो गया ।25 जून 1991 को क्रोएशिया ने स्वतंत्रता की घोषणा कर दी । सर्वो ने विद्रोह कर दिया और 7 महीने तक गृहयुद्ध चला । क्राजिना एवं अन्य सर्व वाहुल्य क्षेत्रों ने सर्विया के साथ संघ वनाने की इच्छा प्रकट की ।

1992 की शुरूआत में संयुक्त राष्ट्र पीस कीपिंग मिशन पहुंचा ।युरोपियन समुदाय ने 15 जनवरी 1992 को क्रोएशिया को मान्यता दी। सर्व एवं क्रोएट में जातीय संघर्ष जारी रहे।

जातीय समुदाय: क्रोट्स-75%, सर्व्स-12%, अन्य-13% ।

कृषि उत्पाद: गेहूं, आलू, ओलिव, प्लम्स, पशुधन, लकड़ी। उद्योग: विद्युत, कोयला, लिग्नाइट, सीमेंट, चीनी, इस्पात, प्लास्टिक कपड़ा ।

मई 2000 में क्रोएशिया नाटो का सदस्य वन गया।

राष्ट्रपति: स्टिपे मेसी; **प्रधानमंत्री:** इविचा रासान।

भारत में दूतावास: क्रोएशिया गणराज्य का दूतावास, 70 रिंग रोड, लजपत नगर III, नई दिल्ली-110 024. टेलिफोन: 6924761; फैक्स: 6924763.

Email: croemnd@del1.vsnl.net.in

Indian Mission in Croatia: Embassy of India, Boskoviceva 7A, 10000 Zagreb, Croatia. Tel: 00-385-1-430063; Fax: 00-385-1-4817907.

E-mail: embassy.india@zg.tel.hr

क्यूबा

(Republic of Cuba) Republica de Cuba

राजधानी: हवाना; **क्षेत्रफल:** 114,524 वर्ग किलोमीटर; **जनसंख्या:** 11.3 मिलयन; **भाषा:** स्पेनिश; **साक्षरता:** 96%; **धर्म:** ईसाई एवं धर्म को न मानने वाले; **मुद्रा:** पेसो; 1 अमरीकी डालर = 21.00 पेसो; **प्रति व्यक्ति आय:** 3,967 डालर।

वृहत्तर एण्टिलीज़ के सवसे वड़े द्वीप क्यूवा को एण्टिलीज़ का मोती कहा जाता है ।इसके पड़ोसी देश हैं- संयुक्त राज्य अमरीका, मैक्सिको, जमैका और हैटी । वहामाज़ द्वीपसमूह इसके उत्तर में हैं ।

कोलम्वस ने 1492 में क्यूवा की खोज की और स्पेन ने इस देश पर चार शताव्दियों तक शासन किया । 1898 में क्यूवा एक स्वाधीन गणराज्य वना ।

1959 में डा. फीडल कैस्ट्रो ने तानाशाह प्रेसीडेण्ट जनरल वटिस्टा की सरकार का तख्ता पलट दिया और सत्ता अपने हाथ में ले ली। 1962 में अमरीका को पता चला कि सोवियत संघ ने क्यूवा को आण्विक प्रक्षेपास्त्र दिये हैं। राष्ट्रपति जे.एफ. कनेडी के चेतावनी देने पर यह प्रक्षेपास्त्र लौटाये गये। 1976 में साम्यवादी संविधान को लागू किया गया और संसद के प्रत्यक्ष चुनावों 1992 से प्रारंभ हुए। जनवरी 1998 में फीदल कास्त्रो दुवारा राष्ट्रपति पद के लिये निर्वाचित हुए।

पोप जान पाल द्वितीय ने क्यूवा की यात्रा की और वहां पर कैतोलिक स्कूलों की वापसी की मांग की। ।

क्यूवा संसार में चीनी का सवसे वड़ा उत्पादक है ।दूसरे नम्वर की फसल तम्वाकू है । हाल के वर्षो में पशु-पालन, मुर्गी पालन और मछली पकड़ने का उद्योग महत्वपूर्ण हो गए हैं । क्यूवा में निकेल के काफी भंडार है ।वहां तांवा, क्रोमाईट और मैंगनीज़ भी मिलता है ।

राष्ट्रपति: डा. फीडल कैस्ट्रो रुज़; **प्रथम उप-राष्ट्रपति:** रऊल कैस्ट्रोज रुज़ ।

भारत में दूतावास: क्यूवा गणराज्य का दूतावास, ई-149, वसन्त विहार, नई दिल्ली-110 057, फोन: 6145459, 6143849; फैक्स: 6143806.

E-mail:embcuind@del6.vsnl.net.in

Indian Mission in Cuba: Embassy of India, Calle 21, No. 202, Esquina aK, Vedado, La Habana, Cuba. Tel: 00-53-7-333777; Fax: 00-53-7-333287.

E-mail: eoihav@ceniai.inf.cu

कांगो

(Republic of Congo) Republique du Congo

राजधानी: व्राज़ाविले; **क्षेत्रफल:** 342,000 वर्ग किलोमीटर; **जनसंख्या:** 3.2 मिलयन; **भाषा:** फ्रेंच, लिंगला, कांगो और टेके; **साक्षरता:** 75%; **धर्म:** कवीलाई धर्म और ईसाई; **मुद्रा:** फ्रैंक सी.एफ.ए.; 1 अमरीकी डालर = 671.78 फ्रैंक सी.एफ.ए.; **प्रति व्यक्ति आय:** 970 डालर।

कांगो गणराज्य जो पहले फ्रांसीसी भूमध्य रेखीय अफ्रीका का एक भाग था, 1958 में फ्रेंच कम्युनिटी के भीतर एक स्वायत्तशासी राज्य वना और अगस्त 1960 में पूर्ण स्वाधीन हुआ । 1969 में यहां एक नया सविधान लागू किया गया 1990 में मार्क्सवाद की दुवारा घोषणा की गई। 1992 में लोकतांत्रित तरीके से चुनी सरकार सत्ता में आई।

कांगो से मुख्य निर्यात हैं- इमारती लकड़ी और [illegible] कच्चा पेट्रोलियम चीनी और मूंगफली ।

राष्ट्रपति: जनरल डेनिस [illegible]

कांगो (भूतपूर्व सायर)

(Democratic Republic of the Congo)

राजधानी: किंशासा; **क्षेत्रफल:** 2,344,885 वर्ग किलोमीटर; **जनसंख्या:** 55.2 मिलयन; **भाषा:** फ्रेंच और किसुहिली; **साक्षरता:** 77%; **धर्म:** ईसाई और आत्मवादी एवं इस्लाम; **मुद्रा:** न्यू सायर; 1 अमरीकी डालर = 360 न्यू सायर; **प्रति व्यक्ति आय:** 680 डालर ।

रिपब्लिक आफ सायर अक्तूबर 1971 तक डेमोक्रेटिक रिपब्लिक आफ दि कांगो अथवा संक्षेप में कांगो (किंशासा) के नाम से जाना जाता था । नाम के इस परिवर्तन ने इसे अपने पड़ोसी रिपब्लिक आफ दि कांगो अथवा कांगो (ब्रज़ाविले) से अलग पहचान दी । 1971 में इस देश ने कांगो नदी का नाम बदलकर सायर नदी कर दिया । मूल रूप से यह बेल्जियम का उपनिवेश था, जिसे 30 जून, 1960 को स्वतंत्रता प्राप्त हुई।

सायर में आर्थिक संकट 1980 से प्रारंभ हुआ और 1990 तक स्थिति विकट हो गई। राष्ट्रपति मोबुटु ने अनेक राजनीतिक दोलं पर पिछले 20 वर्ष से चल रहे प्रतिबंध को समाप्त करने की घोषणा की। 1991 में उन्होंने विपक्षी दल द्वारा सत्तारूढ़ होने को स्वीकार कर लिया। 1994 में रुवांडा में हुए जातीय संघर्ष के परिणामस्वरूप लाखों हुतु शरणार्थी यहां आ गये।

वर्ष 1997 में सात वर्ष तक चले गृहयुद्ध के बाद राष्ट्रपति मोबुटु का पतन हो गया। मार्च महीने में तीसरा सबसे बड़ा शहर किसानगंज पर विद्रोहियों का कब्जा हो गया। आपातकाल की घोषणा कर दी गई। विद्रोही कुपोषण के शिकार 80,000 रुवांडा के शरणार्थियों को संयुक्त राष्ट्र द्वारा उनके अपने देश को पंहुचाने में सहमत हो गये। अप्रैल में दक्षिणी कपास प्रमुख क्षेत्र लुबुमबाशी पर विद्रोहियों का कब्जा हो गया। अमरीका ने मोबुटु से सत्ता छोड़ने को कहा। नेल्सन मंडेला ने मोबुटु व विद्रोही नेता लारेंट कबीला की बातचीत में मध्यस्थता का काम किया। 16 मई को मोबुटु सत्ता चोड़ दी और कबीला राज्यप्रमुख बन गये। सायर का नाम डेमोक्रेटिक रिपब्लिक आफ कांगो रखा गया।

जून 1998 में संयुक्त राष्ट्र मानव अधिकार के दल ने 1996–97 के दौरान कबीला पर रुवांडा के शरणार्थियों की हत्या करने का आरोप लगाया।

राष्ट्रपति कबीला को 98 में विकट सैनिक विद्रोह का सामना करना पड़ा। अर्थुर जाहिदी अगोमाके नेतृत्व में विद्रोहियों ने दो पूर्वी शहर (गोमा व बुकावु) पर कब्जा कर लिया। अमरीका को रुवांडा पर इस विद्रोह को सहायता देने का शक है।

रुवांडा और युगांडा यहां पर कबीला व अलगाववादी गुट को सहायता दे रहे हैं। अगस्त 99 को उगांडा की पीपुल्स डिफेंस फोर्सेस और रुवांडा पैट्रियाटिक आर्मी में झड़पें हुईं।

सायर की मुख्य परिसम्पत्ति कटांगा की तांबे की खानें और कसाई में हीरे के भंडार है । यह देश कोबाल्ट, कैडमियम, मैंगनीज़, जस्ता और यूरेनियम जैसे अन्य खनिजों से भी समृद्ध है ।

यहां के वनों में महोगनी, इबोनी और टीक जैसी उच्च किस्म की इमारती लकड़ी की प्रचुरता है । मुख्य कृषि उत्पाद काफी और खजूर–तेल हैं ।

राष्ट्रपति: जोसफ काबिला

भारत में दूतावास: कांगो गणराज्य दूतावास, बी–39, सौमी नगर, नई दिल्ली–110 017.

किरिबती

(Republic of Kiribati)

राजधानी: बारिकी (तरावा एटोल पर); **क्षेत्रफल:** 861 वर्ग किलोमीटर; **जनसंख्या:** 0.1 मिलयन; **भाषा:** जिल्बर्टी और अंग्रेजी; **साक्षरता:** 90%; **धर्म:** ईसाई; **मुद्रा:** आस्ट्रेलियन डालर; 1 अमरीकी डालर = 1.84 आ. डालर; **प्रति व्यक्ति आय:** 800 डालर ।

जिल्बर्ट द्वीप समूह अभी हाल तक ब्रिटिश उपनिवेश था। 11 जुलाई, 1979 को यह किरिबती (किरियास) नाम से स्वाधीन हुआ । ये द्वीप पश्चिमी प्रशान्त महासागर में काफी लम्बे–चौड़े इलाके में फैले हुए हैं, जिनकी संख्या लगभग 33 है । बनावा द्वीप को छोड़कर शेष सब द्वीप निचले प्रवाल द्वीप हैं, जिनमें नारियल, केवड़ा और फणस के बागान हैं ।

यहां की जनसंख्या में माइक्रोनेशियन और पोलिनेशियन हैं । कृषि और मछली पकड़ना प्रमुख उद्योग हैं । बनावा द्वीप में उच्च कोटि के फास्फेटिक भंडार हैं । इनमें से फास्फेटिक निकाला और निर्यात किया जाता है । निर्यात की अन्य महत्वपूर्ण वस्तु नारियल है ।

राष्ट्रपति: टेबुरोरो टिटो ।

किरगिजिस्तान

(Republic of Kyrgyzstan) Kyrgyz Respublikasy

राजधानी: बिशकेक; **क्षेत्रफल:** 198,500 वर्ग किलोमीटर; **जनसंख्या:** 5.0 मिलयन; **भाषा:** किरघिज़, रूसी; **साक्षरता:** 97%; **मुद्रा:** सोम; 1 अमरीकी डालर= 46.16 सोम; **प्रति व्यक्ति आय:** 2,750 डालर ।

दिसम्बर 1991 में स्वतंत्र हुआ पूर्व सोवियत गणराज्य किरघिजिया तियान–शान पहाड़ पर स्थित है । चीन, कजाकस्तान, उजबेकिस्तान और टाडजिकिस्तान इसके पड़ौसी हैं ।

कृषि: किरगिजिया पशु प्रजनन के लिए विख्यात है मधुमक्खी पालन काफी विकसित है ।

उत्पादन: खाद्यान्न, कपास, आलू, सब्जी, फल, मांस, दूध, अंडे और ऊन ।

उद्योग: चीनी, खाद्यान्न, कपास, ऊन, टैनिंग, आटा चक्की, तम्बाकू लकड़ी, कपड़ा, इंजीनियरिंग मेटलर्जी, तेल एवं खदान।

हाल की घटना:– किरगिजिस्तान ने फरवरी 3 को नये संविधान को मान्यता दी।

राष्ट्रपति: अस्कर अकोयेव; **प्रधानमंत्री:** निकोलाय टनायेव।

भारत में दूतावास: सी–93, आनंद निकेतन, नई दिल्ली–110 021, फोन: 6881903, 4108008, फैक्स: 4108009.

E-mail: kyrghyz@netscape.com.

Indian Mission in Kyrgyzstan: Embassy of India, 164-A, Chui Avenue (Prospect), Bishkek-720001, Kyrgyzstan. Tel: 00-996-312-210863; Fax: 00-996-312-660708.

E-mail:india@elcat.kg

कुवैत

(State of Kuwait) Dowlat al-Kuwait

राजधानी: कुवैत शहर; **क्षेत्रफल:** 17,818 वर्ग किलोमीटर; **जनसंख्या:** 2.3 मिलयन; **साक्षरता:** 79%; **भाषा:** अरबी, अंग्रेजी; **धर्म:** इस्लाम; **मुद्रा:** कुवैती दिनार; 1 अमरीकी डालर = 0.30 कुवैती दिनार; **प्रति व्यक्ति आय:** 18,700 डालर।

कुवैत एक छोटा–सा अरब राज्य है, जो फारस की खाड़ी के उत्तरी–पश्चिमी तट पर इराक और सऊदी अरब के बीच स्थित है। यह संसार के सबसे धनी देशों में से एक है।

कुवैत की स्थापना 1756 में अल–सबान वंश के शासन के अधीन हुई। 19 जून, 1961 को इसे स्वाधीनता मिली।

कुवैत संसार में पैट्रोलियम पैदा करने वाला चौथा सबसे बड़ा देश है। इराक ने कुवैत पर 2 अगस्त 1990 को आक्रमण करके अपने अधिकार में ले लिया था। लेकिन संयुक्त राष्ट्र के नेतृत्व में संयुक्त बल ने इराक को पराजित कर कुवैत को मुक्त करा लिया।

1999 में कुवैत ने महिलाओं को मतदान व संसद चलाने के लिये अधिकार देकर लोकतंत्र की ओर एक कदम बढ़ाया। अगर इस आदेश को स्वीकृत मिल जाती है तो 2002 के चुनावों में महिलायें हिस्सा ले सकेगीं।

राष्ट्रपति: अमीर शेख जबीर अल–अहमद अल–जबीर अल सबाह; **प्रधानमंत्री:** शेख साद अल–अब्दुल्ला अल सलेम अल सबाह।

भारत में दूतावास: कुवैत का दूतावास, 5–ए शान्ति पथ, चाणक्यपुरी, नई दिल्ली–110021; फोन: 4100791; फैक्स: 6873516.

Indian Mission in Kuwait: Embassy of India, Diplomatic Enclave, Arabian Gulf Street, P.O. Box.No. 1450-Safat, 13015-Safat, Kuwait. Tel: 00-965-2530600; Fax: 00-965-2525811.

E-mail:indemb@ncc.moc.kw

Web _ www2kems.net/users/indemb/index.htm

केन्या

(Republic of Kenya) Jamhuria Kenya

राजधानी: नैरोबी; **क्षेत्रफल:** 582,646 वर्ग किलोमीटर; **जनसंख्या:** 31.1 मिलयन; **भाषा:** किसवाहिली, अंग्रेजी किकियू, एवं स्थानीय भाषाएं; **साक्षरता:** 78%; **धर्म:** कबायली, ईसाई और इस्लाम; **मुद्रा:** शिलिंग; 1 अमरीकी डालर = 79.00 शिलिंग; **प्रति व्यक्ति आय:** ९८० डालर।

केन्या पहले ब्रिटिश उपनिवेश था। 12 दिसंबर 1963 में यह कामनवेल्थ के अन्तर्गत एक स्वाधीन गणराज्य बना।

केन्या की समृद्धि का मुख्य आधार कृषि उत्पादन है। मुख्य वाणिज्यिक फसलें हैं– कॉफी, चाय, अनाज, नरकुल और अकरकरा। केन्या अफ्रीका के उन थोड़े से देशों में से एक है, जिनमें डेयरी उद्योग अच्छा विकसित है। खनिज उद्योगों की व्यवस्था की जा रही है। पर्यटन की काफी उन्नति हुई है।

जून 1997 में लोकतंत्र के लिये तीव्र संघर्ष प्रारंभ हुआ और 1991 के बाद अरप मोई के नेतृत्व के विरुद्ध सबसे अधिक हिंसा हुई। जनवरी 1998 में अरप मोल अंतिम (पांचवी बार) पांच वर्षों के लिये राष्ट्रपति बने। उत्तरी–पूर्वी केन्या में रिफ्ट वैली बुखार के प्रकोप से पांच हजार व्यक्ति मरे। अमरीकी दूतावास के निकट क शक्तिशाली बम विस्फोट में 200 से अधिक लोग मारे गये।

राष्ट्रपति: म्वाई किबाकी।

भारत में दूतावास: केन्या का हाई कमीशन, 34 पश्चिमी मार्ग, वसन्त विहार, नई दिल्ली–110057; फोन: 91–11–6146537; फैक्स: 91–11–6146550.

E-mail: kenredel@ndf.vsnl.net.in

Indian Mission in Kenya: High Commission of India, Jeevan Bharati Building, Harambee Avenue, P.O Box 30074, Nairobi, Kenya. Tel: 00-254-2-222566; Fax: 00-254-2-334167.

E-mail:hcindia@form-net.com /hcinfo@iconnect.co.ke

केप वर्डे

(Republic of Cape Verde) Republica de Cabo Verde

राजधानी: प्रैया; **क्षेत्रफल:** 4033 वर्ग किलोमीटर; **जनसंख्या:** 0.5 मिलयन; **भाषा:** पुर्तगाली; **साक्षरता:** 72%; **धर्म:** ईसाई; **मुद्रा:** एस्क्युडो; 1 डालर = 119.80 एस्क्युडो; **प्रति व्यक्ति आय:** 5,570 डालर।

केप वर्डे, जो पहले एक पुर्तगाली उपनिवेश था, पश्चिमी अफ्रीका से दूर अटलांटिक महासागर में स्थित है। इसमें 10 बड़े द्वीप और 5 छोटे द्वीप सम्मिलित हैं जो वायु की दिशा के आधार पर अभिवात और अनुवात समूह में बंटे हुए हैं।

यहां की मिट्टी अच्छी नहीं है और खेती नाममात्र की होती है। खाद्यान्न आयात की प्रमुख आवश्यकता है। नमक, मछली, कॉफी और मूंगफली का निर्यात होता है। केप वर्डे 5 जुलाई 1975 को स्वाधीन हुआ था। जब पुर्तगालियों ने इस द्वीप की खोज की थी, तो यहां कोई आबादी नहीं थी। पुर्तगाली यहां आकर बसे और बागानों में काम करने हेतु नीग्रो लोगों को बाहर से ले आए। इस समय केप वर्डे के निवासी उन्हीं के वंशज है।

राष्ट्रपति: पेड्रो पियर्स; **प्रधानमंत्री:** जोस मरिया नेवेस।

कैमरून

(Republic of Cameroon)

राजधानी: याओण्डे; **क्षेत्रफल:** 475,442 वर्ग किलोमीटर; **जनसंख्या:** 16.2 मिलयन; **भाषा:** फ्रेंच और अंग्रेजी; **साक्षरता:** 63%; **धर्म:** कबीलाई धर्म, ईसाई एवं इस्लाम; **मुद्रा:** फ्रैंक

सी.एफ.ए.; 1 अमरीकी डालर = 671.78 फ्रैंक सी.एफ.ए.; **प्रति व्यक्ति आय:** 1,680 डालर ।

आरंभ में कैमरून पश्चिमी अफ्रीका में जर्मन उपनिवेश का एक भाग था। 1960 में यह गणराज्य बना। 1961 में ब्रिटिश कैमरून इसमें सम्मिलित हो गया और इस तरह कैमरून संघीय गणराज्य बन गया।

कैमरून में एक केन्द्रीय सरकार और दो प्रान्तीय सरकारें – पूर्वी कैमरून और पश्चिमी कैमरून हैं।

कैमरून मुख्यत: कृषि प्रधान देश है। यहां कोकोआ, ताड़ तेल, कॉफी, रबर, मूंगफली, केला और कपास पैदा होती है। पूर्वी कैमरून औद्योगिक दृष्टि से समृद्ध है – यहां के प्रमुख उद्योग अल्युमीनियम और रसायन हैं ।

राष्ट्रपति: पाल बिया; **प्रधानमंत्री:** पीटर मसानि मुसोंगे।

कोमोरोस

(Federal Islamic Republic of Comoros) Jumhuriyat al-Qumer al-Itthadiyah al-Islamiyah

राजधानी: मोरोनी; **क्षेत्रफल:** 1862 वर्ग किलोमीटर; **जनसंख्या:** 600,000; **भाषा:** अरबी और कोमोरोन; **साक्षरता:** 57%; **धर्म:** इस्लाम और ईसाई; **मुद्रा:** कोमेरियन फ्रैंक; 1 अमरीकी डालर = 500.76 को. फ्रैंक; **प्रति व्यक्ति आय:** 1,870 डालर ।

कोमोरोस द्वीपसमूह पहले फ्रांसीसी उपनिवेश था । यह अफ्रीका और मेडागास्कर के बीच मोज़म्बिक चैनल के उत्तरी छोर पर स्थित है । इस द्वीप समूह में 4 द्वीप ग्रैनडे–कोमोरो, अनजौन, मयोही और मोबली और बहुत से छोटे द्वीप और प्रवाल भित्तियां सम्मिलित हैं । मुख्य द्वीप ज्वालामुखी हैं और सबसे बड़ा द्वीप ग्रैनडे–कोमोरो पर माउण्ट करथला (2361 मीटर) ऊंचा हैं । यह एक सक्रिय ज्वालामुखी है । इन द्वीपों में घने वन हैं ।

अगस्त 1997 में अंजौन के पृथकतावादी जो फ्रांस के पक्ष में जाना चाहते हैं ने मुख्य शहर मुट्सामुडु में एक रैली में कोमोरोस से अलग अपनी स्वतंत्रता की घोषणा की। वे मयाटू जो कि के अधीन क्षेत्र है के बराबर स्वायत्ता चाहते हैं।

फरवरी 98 में मतदाताओं ने हिंद महासागर द्वीप नज्वानी को। कोमोरोस से अलग करने के पक्ष में मतदान किया।

जनसंख्या में कई नस्लों के लोग–अरब, अफ्रीकी, मलागसी, फारसी, भारतीय, इण्डोनेशियाई और यूरोपीय हैं। अफ्रीकी और अरब प्रभाव सबसे ज्यादा है । शुद्ध यूरोपीय जनसंख्या लगभग 1500 है । ग्रैनडे–कोमोरो सबसे अधिक जनसंख्या वाला द्वीप है और इसी द्वीप पर राजधानी मोरोनी है । कृषि अर्थ–व्यवस्था का मूल आधार है ।

राष्ट्रपति: अज अली असौमानी; **प्रधानमंत्री:** हमाडा माडी।

भारत में दूतावास: आनरेरी कंसुलेट, बी–50 गुलमोहर पार्क, नई दिल्ली। टेलिफोन: 6221385; फैक्स: 6462747.

Indian Mission in Comoros (Republique Federale Islamique Das), Honorary Consulate of India, B.P. 504, Restaurant Fakri, Moroni, Comoros. Tel: 00-269-732129; Fax: 00-269-732222.

कोरिया (उत्तरी)

(Democratic People's Republic of Korea) Chosun Minchu-chui Inmin Konghwa-guk

राजधानी: पियांगयंग; **क्षेत्रफल:** 1,20,538 वर्ग किलोमीटर; **जनसंख्या:** 23.2 मिलयन; **भाषा:** कोरियाई; **साक्षरता:** 95%; **धर्म:** बौद्ध धर्म और कन्फ्युशियस का धर्म, अब अधिकतर धर्म को न मानने वाले; **मुद्रा:** वोन; 1 अमरीकी डालर = 2.20 वोन; **प्रति व्यक्ति आय:** 15,712 डालर ।

कोरिया लोकतांत्रिक गणराज्य कोरियाई प्रायद्वीप के उत्तरी भाग में स्थित है ।

दूसरे विश्व युद्ध के दौरान अमरीका ने दक्षिणी कोरिया पर और रूस ने उत्तरी कोरिया पर कब्ज़ा कर लिया । पोट्सडम सम्मेलन में अमरीका और रूस द्वारा अधिकृत इलाकों के बीच 38 अक्षांश समानान्तर को विभाजन रेखा मान लिया गया । उत्तरी कोरिया 9 सितम्बर, 1948 को कोरिया लोकतंत्रीय गणराज्य बन गया ।

किम द्वितीय सुंग जो कोरिया के 1948 से शासक थे का 1994, जुलाई में निधन हो गया ।

सब उद्योगों का राष्ट्रीयकरण हो गया है और ज़मीन किसानों में बांट दी गई है । कृषि सामूहिक है । औद्योगिक विकास में भारी उद्योगों, बिजली, धातु कर्म, मशीनरी और रसायनों पर ध्यान दिया गया है । देश कोयले और लोहे और कई अलौह धातुओं से समृद्ध है । टंग्स्टन, ग्रेफाइट और मैग्नेसाइट के उत्पादन में उत्तरी कोरिया संसार के पांच प्रमुख देशों में से एक है ।

1980 से ही उत्तरी कोरिया और दक्षिण कोरिया के एकीकरण के लिये अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अनेक प्रयास और वार्ताएं आयोजित की गयी लेकिन वे असफल रही। मार्च 1994 में उत्तरी कोरिया ने स्वयं को परमाण्विक अप्रसार संधि से अलग कर लिया। ऐसा कदम उठाने वाला वह विश्व का पहला देश है।

अगस्त महीने में दोनो कोरियाई देशों ने एक दूसरे के बीच ट्रेन यात्रा प्रारंभ की और विभाजन के बाद बिछड़े परिवारों को एक दूसरे से मिलने की अनुमति देने की घोषणा की।

राष्ट्रपति: किम जांग 2; **प्रधानमंत्री:** हांग सोंग नाम।

भारत में दूतावास: कोरिया लोकतंत्रीय गणराज्य का दूतावास, डी–14, महारानी बाग, नई दिल्ली–110065. टेलिफोन: 6829644, 6829645.

Indian Mission in Korea (Democratic People's Republic): Embassy of India, 6, Munsudong, District Daedonggang, Pyongyang, DPR Korea. Tel: 00-850-2-3817526; Fax: 00-850-2-3817619.

कोरिया (दक्षिण)

(Republic of Korea) Taehan Min'guk

राजधानी: सोल; **क्षेत्रफल:** 98,859 वर्ग किलोमीटर; **जनसंख्या:** 48.4 मिलयन; **भाषा:** कोरियाई; **साक्षरता:** 98%; **धर्म:** बौद्ध धर्म, ईसाई और कन्फ्युशियस का धर्म;

न; 1 अमरीकी डालर = 1,228.70 वोन; प्रति आय: 15,090 डालर ।

रिया गणराज्य कोरियाई प्रायद्वीप के दक्षिणी भाग में 15 अगस्त 1948 को कोरिया गणराज्य की रिक घोषणा हुई थी

ष्ट्रपति किम यांग साम के पुत्र ह्यून-चुल, अगस्त 7 में एक प्रमुख घोटाले में लिप्त पाये गये।

र्थ-व्यवस्था का आधार कृषि है ।मुख्य फसल चावल गेंहू, जौ और आलू की भी खेती होती है ।मछली भोजन निर्यात का बड़ा स्रोत है ।कोयले के बड़े भंडार हैं ।अन्य एं हैं – लोहा, टंगस्टन, ग्रेफाइट और फ्लुराइट ।हाल वर्षों में वस्त्र, इलेक्ट्रानिक्स, स्टील और पेट्रो रसायन गों ने बड़ी तरक्की की है ।

प्योंगयांग सम्मेलन से 10 लाख परिवारों के सदस्यों को बिछुड़ों से मिलने का सौभाग्य मिला।

हाल की घटनायें: जुलाई 11 को सुश्री ली हान डांग को मुक्त कर दिया गया। सुश्री डांग देश की पहली महिला धानमंत्री थीं लेकिन संसद ने 20 दिनों के अंदर ही उन्हे रस्त कर दिया। विपक्ष ने उनपर वित्तीय अनियमितताओं आरोप लगाये। दक्षिण कोरिया पहला एशियाई देश बना फुटबाल वर्ल्डकप के सेमिफायनल में पंहुचा। जुलाई में दोनो कोरियाई देशों ने वायुमार्ग खोल दिया।

राष्ट्रपति: रोह मू ह्योन। **प्रधानमंत्री:** किम सुक सू।

भारत में दूतावास: कोरिया गणराज्य का दूतावास, 9 चन्द्रगुप्त मार्ग, चाणक्यपुरी, नई दिल्ली-110 021; फोन: 6885412/19, 6885374-76; फैक्स: 6884840.

E-mail:embrkorea@vsnl.com

Indian Mission in Korea (Republic of): Embassy of India, 37-3, Hannam-dong, Yongsan-ku, C.P.O. Box 466, Seoul. Tel: 00-82-2-798 4257/7984268; Fax: 00-82-2-7969534.

कोलम्बिया

(Republic of Colambia) Republica de Colombia

राजधानी:बोगोटा; **क्षेत्रफल:** 1,139,000 वर्गकिलोमीटर; **जनसंख्या:** 43.8 मिलयन; **भाषा:** स्पेनिश; **साक्षरता:** 91%; **धर्म:**ईसाई; **मुद्रा:**पेसो; 1 अमरीकी डालर = 2,824.8 पेसो; **प्रति व्यक्ति आय:** 7,040 डालर।

कोलम्बिया गणराज्य दक्षिणी अमरीका के उत्तर-पश्चिम स्थित है और पनामा जलडमरु मध्य तक फैला हुआ है । राजधानी बोगोटा सन् 1538 ई. में स्थापित हुई थी ।यह समुद्रतल से 8600 फीट की ऊंचाई पर एण्डीज़ पर्वत है।

कोलम्बिया पहले दक्षिण अमरीका स्पेनिश साम्राज्य का हिस्सा था । 1819 में साइमन वोलिवर ने स्पेन की सेनाओं को निर्णायक पराजय दी और इस प्रकार स्पेन का शासन समाप्त हो गया । विशाल कोलम्बिया महासंघ में न्यु ग्रेनाडा को वेनेजुएला और इक्वेडोर के साथ मिलाने की बोलिवर की योजना अंगोर्टुरा सम्मेलन (1819) के माध्यम [illegible]

शीतकालीन ओलंपिक 2010

अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक [illegible] वैंकोवर-व्हिस्लर को 2010 के शीतकालीन ओलंपिक खेलों के आयोजित करने की [illegible] है। वैंकोवर-व्हिस्लर के संयुक्त प्रस्ताव ने [illegible], [illegible] और दक्षिण कोरिया के [illegible] को [illegible] दी। वैंकोवर के [illegible] आशा कर रहे हैं कि [illegible] विश्व का आकर्षण का केंद्र [illegible] कारण [illegible] हुई थी। उसके पश्चात शीतकालीन ओलंपिक की मेजबानी से उनका देश विश्व का आकर्षण [illegible]

आज कोलंबिया [illegible] द्वारा कड़े कदम उठाये जाने के कारण [illegible] ग्रस्त है।

कोलम्बिया की मुख्य [illegible] है । [illegible] में 61.2 प्रतिशत [illegible] है । [illegible] ताजे फूल, सूती कपड़े, चीनी, चावल, [illegible] और [illegible] है । कोलम्बिया संसार में पन्ने का प्रमुख उत्पादक है । [illegible] प्लैटिनम और सोना भी बड़ी मात्रा में [illegible] है । [illegible] में कोलम्बिया में कोयले के सबसे बड़े भंडार है । [illegible] और प्राकृतिक गैस के भी काफी बड़े भंडार हैं।

वस्त्र, पेय पदार्थ, खाद्य पदार्थ, रसायन और [illegible] खनिज मुख्य उद्योग हैं ।

राष्ट्रपति एवं प्रधानमंत्री: [illegible]

भारत में दूतावास: कोलम्बिया का दूतावास, [illegible] शांति निकेतन, नई दिल्ली-110 021; फोन: 6872771, 6110773; फैक्स: 6112486

E-mail:emcolin@bol.net.in

Indian Mission in Colombia: Embassy of India Calle 71 A, No.6-30, Officina 501, Edificio Multifinanaciera, Santa fe de Bogota, Colombia Tel: 00-57-1-317 4865, 3174876, 3174[illegible]; Fax: 00-571-3174976

E-mail:indembog@[illegible].com

कोस्टारिका

(Republic of Costa Rica) Republica de Costa Rica

राजधानी:सेन जोज़; **क्षेत्रफल:** 51,100 वर्गकिलोमीटर; **जनसंख्या:** 3.9 मिलयन; **भाषा:** स्पेनिश; **साक्षरता:** 95%; **धर्म:** ईसाई; **मुद्रा:**कोलोन; 1 अमरीकी डालर = 368.39 कोलोन; **प्रति व्यक्ति आय:** 9,460 डालर।

कोस्टारिका गणराज्य मध्य अमरीका का एक राज्य है। यह निकारगुआ और पनामा के बीच स्थित है ।

लगभग तीन शताब्दियों तक कोस्टारिका स्पेन के अमरीकी उपनिवेश का एक हिस्सा था । 1821 में यह स्वाधीन हुआ ।

यह देश कृषि प्रधान है । काफी सबसे महत्वपूर्ण उपज

है । देश के निर्यात का आधा काफी होता है । निर्यात की अन्य वस्तुएं है–केले, कोकोआ, पशु और हाल में चीनी भी निर्यात होने लगी है ।

उद्योग: औषधियां, फर्नीचर, एल्यूमिनियम, कपड़ा आदि।

राष्ट्रपति: अवेल पचेसो ।

भारत में दूतावास: आनेररी कंसुलेट जनरल, डी–388 डिफेन्स कोलानी, नई दिल्ली–110 024, टेलिफोन: 4631549; फैक्स: 3327231

Indian Mission in Costa Rica: Honorary consulate General of India, 4407-1000 San Jose, Costa Rica. Tel: 00-506-2232341; Fax: 00-506-2232231.

गयाना

(Co-operative Republic of Guyana)

राजधानी: जार्ज टाउन; **क्षेत्रफल:** 2,14,969 वर्ग किलोमीटर; **जनसंख्या:** 0.8 मिलयन; **भाषा:** अंग्रेजी, हिन्दी, उर्दू, क्रियोल; **साक्षरता:** 98%; **धर्म:** ईसाई, हिन्दु और इस्लाम; **मुद्रा:** गयाना डालर; 1 अमरीकी डालर = 179 गयाना डालर; **प्रति व्यक्ति आय:** 4,690 डालर।

गयाना (पुराना नाम ब्रिटिश गयाना) दक्षिणी अमरीका के उत्तरी–पूर्वी तट पर है ।

गयाना 1814 में ब्रिटेन के अधीन हो गया था और 26 मई 1966 को राष्ट्रमंडल के भीतर एक स्वाधीन राज्य बना।

इस देश की अर्थ–व्यवस्था कृषि पर आधारित है । चीनी चावल और बाक्साइट प्रमुख निर्यात हैं । सोने और हीरे के भी बड़े–बड़े भंडार हैं । अधिकांश भूमि पर घने उष्णवंधीय वन हैं।

खराब स्वास्थ्य के कारण राष्ट्रपति जैनेट जागन पद से हट गईं।

राष्ट्रपति: भैरट जागदेव; **प्रधानमंत्री:** सामुअल हिंडस।

Indian Mission in Guyana: High Commission of India, 10, Avenue of the Republic, Bank of Baroda Building, P.O. Box 101148, Georgetown. Tel: 00-592-2-63996; Fax: 00-592-2-57012.

E-mail:hicomind@guyana.net.gy

ग्वाटेमाला

(Republic of Guatemala) Republica de Guatemala

राजधानी: ग्वाटेमाला सिटी; **क्षेत्रफल:** 1,08,889 वर्ग किलोमीटर; **जनसंख्या:** 12.1 मिलयन; **भाषा:** स्पेनिश और रेड इंडियन बोलियां; **साक्षरता:** 56%; **धर्म:** ईसाई; **मुद्रा:** क्वेडजल; 1 अमरीकी डालर = 7.82 क्वेटज़ल; **प्रति व्यक्ति आय:** 4,400 डालर ।

ग्वाटेमाला गणराज्य मध्य अमरीका के पांचों राज्यों में तीसरा सबसे बड़ा राज्य है और इसकी जनसंख्या भी इन सभी राज्यों में सबसे अधिक है । 50 प्रतिशत जनसंख्या रेड इंडियन नस्ल की है और 45 प्रतिशत लैटिनो अथवा यूरोपियनों और रेड इंडियन की मिली–जुली नस्ल की है । रेड इंडियन मय सभ्यता के निर्माता थे और स्पेनी विजेताओं ने इस सभ्यता को समाप्त कर दिया था ।

लगभग तीन शताब्दियों तक स्पेनी उपनिवेश रहने के [illegible] ग्वाटेमाला 1939 में स्वाधीन हुआ । ग्वाटेमाला ने ब्रिटि[illegible] हण्डुरास (बेलिज़) पर अपना दावा जताया, जिस[illegible] फलस्वरूप 1963 में ब्रिटेन के साथ ग्वाटेमाला [illegible] राजनयिक संबंध टूट गए ।

इस देश की मिट्टी बहुत उपजाऊ है । कृषि प्रमुख उ[illegible] है । काफी सबसे महत्वपूर्ण फसल है । निर्यात की अ[illegible] महत्वपूर्ण वस्तुएं हैं – केले, कपास, गोंद, चीनी, मक्[illegible] तम्बाकू, फल और मांस ।

राष्ट्रपति: अलफोन्सो पोर्टिलो।

Indian Mission in Guatemala: Honorary Consul[illegible] of India, P.O. Box No. 886, 14 Calle 14-84 zona [illegible] Oakland, Ciudad de Gautemala, Gautemala. Tel: 00-50[illegible] 3682271; Fax: 00-502-3664049.

गिनी

(Republic of Guinea) Republique de Guinee

राजधानी: कोनक्री; **क्षेत्रफल:** 245,857 वर्ग किलोमीट[illegible] **जनसंख्या:** 8.4 मिलयन; **भाषा:** फ्रेंच और 8 राष्ट्रीय भाषा[illegible] **साक्षरता:** 36%; **धर्म:** इस्लाम, ईसाई और कबीलाई; **मु**[illegible] गिनी फ्रैंक; 1 अमरीकी डालर = 1976.50 गि. फ्रैं[illegible] **प्रति व्यक्ति आय:** 1,960 डालर ।

गिनी पश्चिमी अफ्रीका में है । यह पहले फ्रांसीसी उपनिवे[illegible] था । पांचवें (फ्रांसीसी) गणराज्य के संविधान के अन्तर्गत गि[illegible] ने फ्रांस से अलग होने का निर्णय किया और 2 अक्तूबर 195[illegible] को उसने अपने को स्वाधीन गणराज्य घोषित कर दिया ।

गिनी काफी, शहद, केले, ताड़ गिरी, लोहा औ[illegible] अल्युमीनियम अयस्क का निर्यात करता है । गिनी में संसा[illegible] का सबसे बड़ा बाक्साइट का भंडार है ।

राष्ट्रपति: जनरल लैनसाना कोन्ट; **प्रधानमंत्री:** लैमिन[illegible] सिडेमे।

भारत में दूतावास: मास्को में स्थित गिनी का दूतावा[illegible] आनेररी कंसुलेट जनरल आफ दी रिपब्लिक आफ गिनी, 5/4 शांति निकेतन, नई दिल्ली–110 021. फो[illegible] 6885312; फैक्स: 341668.

गिनी–बिसाऊ

(Republic of Guinae-Bissau) Republic da Guin[illegible]-Bis[illegible]

राजधानी: बिसाऊ; **क्षेत्रफल:** 36,125 वर्ग किलोमीट[illegible] **जनसंख्या:** 1.3 मिलयन; **भाषा:** क्रिओलू, पुर्तगाली औ[illegible] आदिवासी; **साक्षरता:** 55%; **धर्म:** इस्लाम, ईसाई औ[illegible] कबीलाई धर्म; **मुद्रा:** पेसो; 1 अमरीकी डालर = 671 पेसो; **प्रति व्यक्ति आय:** 970 डालर ।

गिनी–बिसाऊ पहले पुर्तगाली गिनी था । इसके उत्[illegible] सेनेगल और पूर्व व दक्षिण में गिनी है । पश्चिम में इसकी [illegible] अटलांटिक सागर से मिली हुई है । इस देश की कुछ [illegible] मैदान है और कुछ पठारी है ।

मुख्य उद्यम कृषि है । चावल (समुद्रतटीय क्षेत्र[illegible] नारियल, कसावा, शकरकंद और मक्का प्रमुख खाद्य फ[illegible]

। मूंगफली, नारियल और ताड़ तेल प्रमुख वाणिज्यिक फसलें हैं । पशु पालन खूब होता है ।

गिनी बिसाऊ ने 1973 में एक तरफा आज़ादी की घोषणा कर दी । पुर्तगाल ने 1974 में इसे मान्यता प्रदान की ।

राष्ट्रपति: कुम्बा इयाला ; **प्रधानमंत्री:** फैवालो एन दाना।

ग्रेनाडा

राजधानी: सेंट जार्जस; **क्षेत्रफल:** 344 वर्ग किलोमीटर; **जनसंख्या:** 0.1 मिलयन; **भाषा:** अंग्रेजी और फ्रेंच अफ्रीकी पटोइस; **साक्षरता:** 85%; **धर्म:** ईसाई; **मुद्रा:** पूर्वी कैरीबियन डालर; 1 अमरीकी डालर = 52.70 पू. के. डालर; **प्रति व्यक्ति आय:** 6,740 डालर ।

ग्रेनाडा ब्रिटिश विंडवर्ड द्वीप समूह में सबसे दक्षिण में है और इसमें दक्षिणी ग्रेनाडाइन्स (द्वीप) सम्मिलित हैं । इनमें सबसे बड़ा द्वीप कैरियाकू है । इस देश में घने वन हैं और ज्वालामुखी उद्‌भव के पहाड़ उत्तर से दक्षिण तक फैले हुए । ग्रेनाडा 1974 में स्वाधीन हुआ ।

यहां की आबादी में यूरोपियन, नीग्रो और कैरिबियन ... मिले-जुले हैं ।

पर्यटन उद्योग उन्नति कर रहा है, हालांकि अर्थ-व्यवस्था का आधार कृषि है । निर्यात की मुख्य वस्तुएं हैं – कोकोवा, जायफल और केले । अन्य फसलों में नारियल, खट्टे रसीले ..., गन्ना, कपास और मसाले सम्मिलित हैं ।

गवर्नर जनरल: डेनियल विलियम्स **प्रधानमंत्री:** कीथ मिचेल ।

भारत में दूतावास: लंदन में स्थित ग्रेनाडे का हाई कमीशन।

Honorary Consulate of Grenada: 12 Sunder Nagar, New Delhi-110003. Tel: 4354512 Fax: 3328307, E-Mail: kandhari@vsnl.net

गैबन

(Gabonese Republic) Republique Gabonaise

राजधानी: लिवरविले; **क्षेत्रफल:** 267,667 वर्ग किलोमीटर; **जनसंख्या:** 1.2 मिलयन; **भाषा:** फ्रेंच और बान्टू बोलियां; **साक्षरता:** 63%; **धर्म:** ईसाई और कबीलाई धर्म; **मुद्रा:** फ्रैंक सी.एफ.ए; 1 अमरीकी डालर = 671.78 फ्रैंक; **प्रति व्यक्ति आय:** 5,990 डालर ।

गैबन गणराज्य अफ्रीका के पश्चिमी तट पर स्थित है। पहले यह फ्रेंच इक्वेटेरियल अफ्रीका का एक प्रान्त था । इसे 17 अगस्त, 1960 को स्वाधीनता मिली ।

अभी तक यहां की अर्थ-व्यवस्था मुख्यतः वानिकी पर निर्भर थी । किन्तु अब खनन का प्राधान्य है । इस देश के दक्षिणी भाग में मोआण्डा में मैंगनीज़ के भंडार है, जो संसार के सबसे समृद्ध मैंगनीज़ भंडारों में से एक हैं । कच्चे पेट्रोलियम के उत्पादन में गैबन अफ्रीका का पांचवां सबसे बड़ा देश है । यहां यूरेनियम, सोना और लोहा भी निकलता है ।

राष्ट्रपति: ओमार बोन्गो; **प्रधानमंत्री:** जीन फ्रांसिसइयो टोमे ...।

भारत में दूतावास: टोक्यो में स्थित गैबन का दूतावास।

गैम्बिया

(Republic of The Gambia)

राजधानी: बांजुल; **क्षेत्रफल:** 11,295 वर्ग किलोमीटर; **जनसंख्या:** 1.5 मिलयन; **भाषा:** अंग्रेजी और मन्डिन्का; **साक्षरता:** 39%; **धर्म:** इस्लाम (90%) और ईसाई; **मुद्रा:** दलासी; 1 अमरीकी डालर = 22.25; **प्रति व्यक्ति आय:** 2,050 डालर।

गैम्बिया अफ्रीका के पश्चिमी तट पर भूमि की एक पतली पट्टी पर बसा हुआ देश है, जो गैम्बिया नदी के दोनों ओर लगभग 30 मील तक फैला हुआ है । यह तीनों ओर से सेनेगल से घिरा हुआ है इस देश की लगभग आधी जनसंख्या मन्डिन्गो कबीले की है ।

पहले गैम्बिया एक ब्रिटिश उपनिवेश और संरक्षित राज्य था । 18 फरवरी 1965 को यह राष्ट्रमंडल के भीतर एक स्वाधीन राज्य बना और अप्रैल 1970 में गणराज्य बना ।

यहां की प्रमुख फसल मूंगफली है । चावल और ताड़ की गिरी भी पैदा होती है । आयात की मुख्य वस्तुएं हैं – वस्त्र, खाद्यान्न और निर्मित वस्तुएं ।

राज्याध्यक्ष: ले. योया जामेह ।

भारत में दूतावास: आनेररी कंसुलट जनरल आफ दी रिपब्लिक आफ गैम्बिया, बी-11 मे फेयर गार्डेन्स, नईदिल्ली - 110016; फोन: 6860285; फैक्स: 91-4532503.

E-Mail: kvachani@hotmail.com

घाना

(Republic of Ghana)

राजधानी: अकरा; **क्षेत्रफल:** 2,38,537 वर्ग किलोमीटर; **जनसंख्या:** 20.2 मिलयन; **भाषा:** अंग्रेजी (शासकीय भाषा) और आठ प्रमुख राष्ट्रीय भाषाएं; **साक्षरता:** 64%; **धर्म:** ईसाई और इस्लाम; **मुद्रा:** सेडी; 1 अमरीकी डालर = 8175 सेडी; **प्रति व्यक्ति आय:** 2,250 डालर ।

घाना पश्चिमी अफ्रीका में है और इसमें भूतपूर्व ब्रिटिश उपनिवेश गोल्ड कोस्ट और ब्रिटिश शासनाधीन टोगोलैंड सम्मिलित हैं ।

6 मार्च, 1957 को घाना स्वाधीन हुआ और जुलाई, 1960 को यह राष्ट्रमंडल के भीतर एक स्वाधीन गणराज्य बन गया ।

घाना मुख्यतः कृषि प्रधान देश है। यहां सर्वोत्तम किस्म का कोकोआ पैदा होता है, जो इस देश के निर्यात की प्रमुख वस्तु है । अन्य नकदी फसलों में कोलानट, ताड़ उत्पादन केले, काफी, शीनट और रबर सम्मिलित हैं । घाना इमारती लकड़ी सोना, हीरे, मैंगनीज़ और बाक्साइट का भी निर्यात करता है।

राष्ट्रपति: जान कुफोर; **उप राष्ट्रपति:** जान इवान्स अटा मिल्स।

भारत में दूतावास: घाना का हाई कमीशन, 50 एन सत्यमार्ग, चाणक्यपुरी, नई दिल्ली 110 021, फोन 6883298; फैक्स: 6883202

E-Mail: ghstarin@vsnl.net

Indian Mission in Ghana High Commission of India, No.9, Ridge Road, Roman Ridge, P.O. Box CT

चीन में मिली दुनिया की सबसे बड़ी तितली

चीन के एक तितली संग्रहकर्ता ने यहां दावा किया कि उसने दुनिया की सबसे बड़ी तितली का पता लगाया है। उसके मुताबिक इस तितली के पंखों की लंबाई 22.6 सेंटीमीटर है। ग्वांगची कृषि स्कूल के जियांग शाओफांग ने हानशान पर्वत पर इस तितली को खोजा। जियांग ने बताया कि 'जाएंट एटलस मांथ' नामक इस तितली के पंखों की लंबाई कनाडा की 'यर्ड विंग्ड' तितली के पंखों की लंबाई से 26 मिलीमीटर अधिक है।

5708, Cantonments, Accra, Ghana. Tel: 00-233-21-775601; Fax: 00-233-21-772176.
E-Mail: indiahc@ncs.com.gh

चाड

(Republic of Chad) Republique du Tchad

राजधानी: एनजमेना; **क्षेत्रफल:** 1,284,000 वर्ग किलोमीटर; **जनसंख्या:** 9.0 मिलियन; **भाषा:** फ्रेंच और अरबी; **साक्षरता:** 48%; **धर्म:** इस्लाम, ईसाई और कबीलाई धर्म; **मुद्रा:** फ्रैंक सी.एफ.ए.; 1 अमरीकी डालर = 671.78 फ्रैंक सी.एफ.ए.; **प्रति व्यक्ति आय:** 1070 डालर ।

चाड गणराज्य फ्रेंच इक्वेटोरियल अफ्रीका का एक प्रान्त था। 11 अगस्त 1960 को इसे स्वाधीनता मिली।

इस देश की अर्थ-व्यवस्था कृषि और पशुपालन पर आधारित है ।निर्यात की मुख्य मदें कपास और मांस हैं ।लोग पशु, भेड़ और ऊंट पालते हैं।

राष्ट्रपति: इद्रीस डेबी; **प्रधानमंत्री:** मौउसा फाकी।

चिली

(Republic of Chile) Republica de Chile

राजधानी: सैण्टियागो; **क्षेत्रफल:** 756,626 वर्गकिलोमीटर; **जनसंख्या:** 15.6 मिलयन; **भाषा:** स्पेनिश; **साक्षरता:** 95%; **धर्म:** ईसाई; **मुद्रा:** पेसो; 1 अमरीकी डालर = 744.70 पेसो; **प्रति व्यक्ति आय:** 9.190 डालर ।

चिली गणराज्य दक्षिणी अमरीका के पश्चिमी समुद्र तट पर उत्तर में पेरु और बोलिविया के बीच से लेकर दक्षिण में केप हार्न तक फैली भू-पट्टी पर स्थित है ।

आरंभ में चिली स्पेन का उपनिवेश था। 18 सितम्बर, 1810 में स्वाधीन हुआ । चिली दक्षिण अमरीका का प्रथम देश था, जहां 1970 में मार्क्सवादी सरकार चुनाव के माध्यम से बनी। 1973 में सेना ने इस सरकार का तख्ता पलट दिया ।

यद्यपि इस देश में गेहूं और अन्य खाद्यान्नों की खेती होती है किन्तु चिली को अपनी आवश्यकता का एक· खाद्यान्न आयात करना पड़ता है ।यह संसार में तांबे क बड़ा उत्पादक और सबसे बड़ा निर्यातक देश है ।इ में नाइट्रेट, सोने, चांदी, लिथियम, मोलीबडेनम और बड़े भंडार हैं। तेल उत्पादन से देश के तेल की आवश्यकता पूरी होती है ।चिली समुद्री उत्पादनों औ का निर्यात करता है ।

राष्ट्रपति: रिकार्डो लागोस ।

भारत में दूतावास: चिली का दूतावास, 146, जो नई दिल्ली-110 003; फोन: 4617 4617165; फैक्स: 4617102.

E-mail: embchile@-vsnl.com

Indian Mission in Chile: Embassy of India Triana, Post Box No. 10433, Santiago, Chile. Tel: 2-2352005; Fax: 00-56-2-2359607.

E-mail: embindia@entelchile.net

चीन

(People's Republic of China) Zhonghua Re Gonghe Guo

राजधानी: बीजिंग (पीकिंग); **क्षेत्रफल:** 9,561, वर्ग किलोमीटर; **जनसंख्या:** 1280.7 मिलयन ; चीनी (मण्दारिन); **साक्षरता:** 82%; **धर्म:** बैद्ध धर्म और धर्म; **मुद्रा:** युआन; 1 अमरीकी डालर = 8.27 युआन **व्यक्ति आय:** 4,020 डालर ।

चीन संसार का सबसे अधिक जनसंख्या वाला और की दृष्टि से संसार में तीसरे नम्बर का देश है ।इसमें 22 5 स्वायत्तशासी क्षेत्र और चार नगर क्षेत्र सम्मिलित हैं

चीन संसार का एक प्राचीनतम देश है । 1971 गणराज्य बना । 1 अक्टूबर, 1949 को पीकिंग में ची एक लोकतंत्रात्मक गणराज्य घोषित किया गया ।

26 अक्टूबर, 1971 को चीन को राष्ट्रवादी (ताइवान) के स्थान पर राष्ट्रसंघ की सदस्यता प्रदान की

चीन मुख्यत: कृषि प्रधान देश है । प्रमुख फसलें चावल, चाय, तम्बाकू, गन्ना, जूट, सोयाबीन, मूंगफली सन । प्रमुख वन उत्पाद हैं – टीक और टिंग तेल । उद्योग हैं – सूती और ऊनी वस्त्र मिलें, लोहा, चमड़ा बिजली के उपकरण। कोयला, मैंगनीज, लोहा, सोना, सीसा, जस्ता, चांदी, टंगस्टन, पारा, एण्टीमनी और प्रमुख खनिज हैं ।पेट्रोलियम उद्योग का लगातार विका रहा है।

चीन एक अणुशक्ति सम्पन्न देश है और प्रौद्योगिकी में काफी आगे है ।उसने अप्रैल 1970 में पहला उपग्रह छोड़ा था ।

हांगकांग चीन के बीच सीधी रेलवे सेवा (23 किलोमीटर, 29 घंटे) मई 97 में प्रारंभ की गयी।

जून 1998 में यहां आयी भीषण बाढ़ से 25 व्यक्तियों की मृत्यु हुई।जुलाई 99 में चीन ने फालुन गांग में क्वासी धर्म पर प्रतिबंध लगा दिया।निजी क्षेत्र को देने के लिये संविधान में संशोधन किया गया।

पांच स्वशासी क्षेत्रों में से एक, ऊंचे पहाड़ों पर विरल
ला है। इसकी राजधानी ल्हासा है और जनसंख्या
लयन है, जिसमें 500,000 चीनी मूल के हैं। चीन
र 1953 में थियोक्रेटिक वुद्ध शासन को हटाकर
सरकार की स्थापना की। 1959 में यहां असंतोष
से चीनी सरकार ने कुचल दिया। दलाई लामा और
व तिब्बती भारत में शरण लिये हुए हैं।
की घटनायें: वर्ष 2002 में चीन डब्ल्यू.टी.ओ. का
वना, चीन में वर्ष 2008 में ओलंपिक खेल आयोजित
ायेंगे, अगस्त में ह्यूनन प्रांत में बाढ़ से भारी तवाही।
ट्रपति: हु जिनटाओ; प्रधानमंत्री: वेन जियावाओ।
रत में दूतावास: चीन का दूतावास, 50-डी शान्ति पथ,
यपुरी, नई दिल्ली-110 021; फोन: 6871585,
71586; फैक्स: 6885486.
E-mail: chinaemb@del3.vsnl.net.in
Indian Mission in China: Embassy of India, 1, Ri
Dong Lu, Beijing 100600, China. Tel: 00-86-10-
21908; Fax: 00-86-10-65324684.
E-mail: indembch@publica3.bta.net.cn

ांगकांग

हांगकांग ब्रिटेन की कालोनी था। इस पर ब्रिटेन ने 156
... किया। इसे एक समझौते के अंतर्गत चीन को
गया और 1 जुलाई 97 को यह चीन का विशेष
क्षेत्र वन गया।
धानी: विक्टोरिया; **क्षेत्रफल:** 1071 वर्ग किलोमीटर;
6.8 मिलयन; **भाषा:** अंग्रेजी और कैणटोनी;
75%; **धर्म:** कन्फ्युशियन धर्म और वौद्ध धर्म;
कांग डालर; 1 अमरीकी डालर = 7.80 हांगकांग
; **प्रति व्यक्ति आय:** 24850 डालर ।
ांगकांग चीन के दक्षिणी-पूर्वी तट पर कैण्टन नदी के
पर स्थित है। इसमें हांगकांग द्वीप, काउलून प्रायद्वीप,
नया प्रदेश कहा जाता है और 230 से भी अधिक
द्वीप सम्मिलित हैं। हांगकांग 1943 से एक
उपनिवेश रहा है। 1988 में ब्रिटेन ने नया प्रदेश का
99 साल के पट्टे पर लिया था। 19 दिसम्बर,
को हुए एक करार के अधीन। जुलाई, 1997
पर चीन की प्रभुसत्ता स्थापित हो गयी।
की लगभग सारी आवादी चीनियों की हैं, अन्य
के लोग इक्का-दुक्का है।
संसार के ऐसे वड़े वंदरगाहों में से एक है, जहां माल
से उतार कर दूसरे जहाज़ पर लादा जाता है। यहां
उद्योगों की प्रधानता है, जैसे सूती कपड़ा, प्लास्टिक,
..., फोटोग्राफी दूरवीक्षक शीशे वनाने के उपकरण
16 जुलाई 98 को चेक लेप कोक में हांगकांग का नया
अड्डा यातायात के लिये खोला गया। इसके निर्माण के लिये
में भराव करके भूमि तैयार की गई।
चीफ एक्जीक्यूटिव: टुंग ची-वा ।
Indian Mission in Hong Kong: Consulate General of
16 D United Centre, 95, Queensway, Hong Kong

मकाओ

राजधानी: मकाओ; **क्षेत्रफल:** 15.5 वर्ग किलोमीटर;
जनसंख्या: 0.4 मिलयन; **भाषा:** पुर्तगाली और कैन्टोनी
चाइनीज़; **धर्म:** कन्फयुशियन; **साक्षरता:** 75%; **मुद्रा:**
पटाका; 1 अमरीकी डालर = 7.99 पटाका; **प्रति व्यक्ति
आय:** 17,475 डालर।

मकाओ दक्षिण चीन में कान्टन (पर्ल) नदी के मुहाने के पास एक छोटा-सा पुर्तगाली उपनिवेश है। इस उपनिवेश में मकाओ प्रायद्वीप और आसपास के देया और कोलोनी द्वीप सम्मिलित हैं। चीन ने मकाओ को स्वाधीन क्षेत्र रहने की अनुमति इसलिए प्रदान कर दी है कि यह आयात-निर्यात का वड़ा केन्द्र है। मकाओ सोने का मुख्य व्यापार क्षेत्र है और तस्करी और जुए के लिए कुख्यात है।

आवादी मुख्यत: चीनियों की है। पहले यहां केवल दियासलाई और आतिशवाजी के उद्योग थे किन्तु अव प्लास्टिक, कपडे, कैमरे, दूरवीन और ऐसी ही अन्य उपभोक्ता वस्तुओं के उद्योग विकसित हो गए हैं। खेती कम है। केवल चावल और सब्जियां होती हैं।

1987 में पुर्तगाल और चीन के वीच सहमति हो गयी कि 1999 में मकाओ चीन को दे दिया जायेगा।

चीफ एक्जीक्यूटिव: हाउ-वाह ।

चेक गणराज्य

(Ceska Republika)

राजधानी: प्राग; **क्षेत्रफल:** 78,864 वर्ग किलो- मीटर; **जनसंख्या:** 10.3 मिलयन ; **भाषा:** चेक; **धर्म:** ईसाई; **साक्षरता:** 99%; **मुद्रा:** चेक क्राउन; 1 अमरीकी डालर = 30.91 क्राउन; **प्रति व्यक्ति आय:** 14,720 डालर ।

चेक एवं स्लोवाक संघीय गणराज्य (चेकोस्लोवाकिया) के विघटन के साथ 1 जनवरी 1993 को चेक गणराज्य और स्लोवाकिया स्वतंत्र हुए ।

मध्य युरोप का गणराज्य चेकोस्लोवाकिया में 64% चेक और 31% स्लोवाक थे एक जनवरी 1969 में चेकोस्लोवाक समाजवादी गणराज्य की स्थापना हुई जिसमें दोनों देशों को समान अधिकार प्राप्त थे। 1990 में देश ने अपना नाम वदल लिया। नया नाम चेक एण्ड स्लोवाक फेडरेशन रिपब्लिक रखा गया और पूर्व साम्यवाद को विदा के प्रतीक के रूप में शब्द समाजवाद हटा दिया गया। साम्यवाद के वाद सुधारों को लेकर दोनों क्षेत्रों में संवंध विगड़ने लगे। जून 92 में 74 वर्षीय पुराना संघ चेक एवं स्लोवाक अलग होने पर सहमत हो गये ।

चेक गणराज्य की सीमाएं जर्मनी, पौलेंड, स्लोवाकिया और आस्ट्रिया से मिली हैं ।

कृषि: शकरकंद, गेंहू, आलू, जौ, मक्का और राई ।

उद्योग: पिग आयरन, क्रूड स्टील, रोल्ड स्टील उत्पाद, सीमेंट, कागज़, सल्फ्यूरिक एसिड, सिंथेटिक फाइवर्स, चीनी, वियर, आभूषण और कार ।

उत्पाद रुका हुआ है। जून 98 में वाक्लेव हावेल एक बार फिर पांच वर्षों के लिये राष्ट्रपति निर्वाचित हुए।

हाल की घटनायें: अगस्त में प्राग में बाढ़ से भारी तबाही, कई मरे हजारों बेघर हुए।

राष्ट्रपति: वाक्लेव क्लाउस; **प्रधानमंत्री:** वलिदामिर स्पिडिया

भारत में दूतावास: चेक गणराज्य का दूतावास, 50–एम, नीति मार्ग, चाणक्यपुरी, नई दिल्ली–110 021, फोन: 6110205, 6110318; फैक्स: 6886221.

E-mail:newdelhi@embassy.mzv.cz

Indian Mission in Czech Republic: Embassy of India, Valdstejnska 6, Malastrana, 118 00 Prague 1, Czech Republic. Tel: 00-420-2-57533490; Fax: 00-420-2-57533285.

जर्मनी

(Federal Republic of Germany) Bundesrepublik Deutschland

राजधानी: वर्लिन; **क्षेत्रफल:** 357,020 वर्ग किलोमीटर; **जनसंख्या:** 82.4 मिलयन; **भाषा:** जर्मन; **साक्षरता:** 100%; **धर्म:** ईसाई; **मुद्रा:** यूरो; 1 अमरीकी डालर = 1.03 यूरो; **प्रति व्यक्ति आय:** 23,350 डालर।

फेडरल रिपब्लिक आफ जर्मनी (पूर्वी और पश्चिमी जर्मनी के विलय के वाद संयुक्त जर्मनी) की उत्तर दिशा में उत्तर सागर और वाल्टिक है और दक्षिण में एल्प्स, लेक कांसर्टेस और नदी दक्षिण–पश्चिम सीमा तक है। प्रमुख नदियां राइन, डानुवे दी एल्वे, दी वासेर और दी मोसेल्ले हैं। एल्प्स में स्थित सबसे ऊंचा पर्वत जुग्सण्ट्ज़ि है जिसकी ऊंचाई 2963 मीटर है।

कृषि 48 प्रतिशत भूभाग में होती है 29 प्रतिशत भूभाग वनाच्छादित है। लिग्नाइट, कोयला, लोहा, तांवा और पोटाश आदि अयस्क वहुतायत में है।

1871 से अनेक प्रांतों का यह संयुक्त देश था। द्वितीय विश्व युद्ध से 1990 तक दो राष्ट्रों संघीय गणराज्य जर्मनी (प. जर्मनी) और जर्मन लोकतांत्रिक गणराज्य में (पूर्वी जर्मनी) विभाजित रहा दोनों राष्ट्रों का एकीकरण 3 अक्टूवर 1990 को हुआ और 1937 के वाद पहला सामान्य चुनाव संयुक्त जर्मनी में 2 दिसंवर 1990 को संपन्न हुआ।

वोन रोमन कालीन प्राचीनतम शहर है। इसकी जनसंख्या 2,90,000 है वर्लिन (क्षेत्रफल 883 वर्ग किमी, जनसंख्या 3,410,000) प्राचीन पर्शिया और हिटलर की राजधानी था, संयुक्त जर्मनी को फिर से राजधानी वनायी गयी। हैम्वर्ग (1.6 लाख) म्यूनिख (11 लाख) कोलोने (9 लाख) ऐसेन (6 लाख) डार्टमुंड (5 लाख) फ्रैंकफर्ट (6 लाख) उस्सेल डार्फ (5 लाख) स्टटगार्ड (5 लाख) लीपजिंग (5 लाख) व्रेमेन (5 लाख) डुइसवर्क (5 लाख) ड्रेस्डेन (5 लाख) अन्य वड़े शहर है।

संघीय गणराज्य जर्मनी लोकतांत्रिक, संसदीय व्यवस्था और संघीय संविधान का देश है। इसमें 16 राज्य हैं – वडेन–उटेम्वर्ग, वावेरिया, व्रेमेन, हैम्वर्ग, हेस्से लीवर सेक्सोनी, नार्थ राइन वेस्टफेलिया, राइनलैंड–पेलेटिनेट, सारलैंड क्लेसविग–होल्सटीन और लैंड आफ वर्लिन और पूर्व के पांच राज्य जो 1990 में विलय हुए व्रांडेन मैक्लेनवर्ग, सैक्सोनी, सैक्सोनी अन्हाल्ट और थूरिग्या।

वंडेस्टग सर्वोच्च व्यस्थापिका अंग है। पूर्वी जर्मनी के 1 सदस्यों को मिलाकर 1990 में कुल सदस्यता 663 हो ग सभा के सदस्य चार वर्ष के लिये प्रत्यक्ष निर्वाचन से चुने जाते संघीय गणराज्य जर्मनी 23 मई को संविधान दिवस और 3 अक् को एकीकरण दिवस मनाता है।

मुख्य उद्योग: ऊर्जा, रसायन, मेटलर्जी, यंत्रिक एवं वि इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रोनिक्स आदि।

संघीय राष्ट्रपति का चुनाव संघीय परम्परा के अनुसार वर्षो के लिये होगा।

जर्मनी ने 32 वर्षों से चल रहे समस्त परमाणु संयत्रों वंद करने का निर्णय लिया।

हाल की घटनायें: फरवरी 03 को शोडर की एसडीपी अ गृह ही में चुनावों में वुरी तरह से पराजित हुई जवकि सीडी ने 48% मत पाये। जुलाई 03 में टेनिस खिलाड़ी वोरिस बेक को हाल आफ फेम से सम्मानित किया गया।

राष्ट्रपति: जोहानेसे; **चांसलर:** जेराड शोडर

भारत में दूतावास: जर्मन संघीय गणराज्य का दूतावा 6, व्लोक 50–जी, शांति पथ, चाणक्यपुरी, नई दिल्ली 110 021; फोन: 6871831; फैक्स: 68731

E-mail:german@del3.vsnl.net.in

Indian Mission in Germany: Embassy of Indi Tiergartenstrasse 17, 10785 Berlin, Germany. Tel: 0 49-30-257950; Fax: 00-49-30-25795102 (Chancery)

E-mail:ambassador@indianembassy.de

जमैका

राजधानी: किंगस्टन; **क्षेत्रफल:** 11,425 वर्ग किलोमीट **जनसंख्या:** 2.6 मिलयन; **भाषा:** अंग्रेजी एवं जमैकन सिर्श **साक्षरता:** 85%; **धर्म:** ईसाई; **मुद्रा:** जमैकी डालर; अमरीकी डालर = 48.70 जमैकी डालर; **प्रति व्यक्ति** 3,720 डालर।

जमैका वेस्ट इंडीज के ग्रेटर एण्टीलीज़ समूह का द्वीप है, जो केरीवियन–सागर में स्थित है। यह क्यू 144 किलोमीटर दक्षिण में है। समुद्रतट पर जल उष्णकटिबंधीय है जवकि पहाड़ी क्षेत्र में समशीतोष्ण।

1494 में कोलम्बस जमैका पहुंचा था। 1655 स्पेन ने इस पर शासन किया। उसके वाद इस पर व्रिटेन अधिकार हो गया। 1962 में जमैका पूर्ण स्वाधीन देश कामनवेल्थ का सदस्य वन गया।

कृषि, खनन और पर्यटन अर्थ–व्यवस्था की रीढ़ की मुख्य फसल गन्ना है। शीरा और रम महत्वपूर्ण उप उत्पाद केलों, रसीले फलों और नारियल का भी उत्पादन होत जमैका संसार में वाक्साइट और अल्युमीनियम पैदा करने दूसरे नम्वर का सवसे वड़ा देश है। अन्य उद्योग हैं – तम्वाकू और उपभोग की वस्तुएं।

राज्याध्यक्ष: महारानी एलिजावेथ द्वितीय; **गवर्नर** हावर्ड फेलिक्स कूके; **प्रधानमंत्री:** पार्सिकल जे. पैट

भारत में दूतावास: ओटावा स्थित जमैका का दू

dian Mission in Jamaica: High Commission of
4, Retreat Avenue, P.O. Box No. 446, Kingston-6,
ca. Tel:00-1-876-9273114; Fax:00-1-876-9782801.
mail:hicomindkin@cwjamaica.com

जधानी: टोक्यो; क्षेत्रफल: 377,765 वर्ग किलोमीटर; ख्या: 127.4 मिलयन ; भाषा: जापानी; साक्षरता: %; धर्म: शिंटो और बौद्ध धर्म; मुद्रा: येन; । अमरीकी = 122.52 येन; प्रति व्यक्ति आय: 25,130

ापान में चार मुख्य द्वीप होन्शू, हुकैदो, क्युशु और और अन्य बहुत से छोटे द्वीप सम्मिलित हैं । जिनमें भी है ।

ापान को जापान सागर सोवियत रूस और कोरिया से करता है और पूर्वी चीन सागर चीन से पृथक करता जापान का 16,654 मील का समुद्रतट गहरा और कटा-फटा है । महत्वपूर्ण बन्दरगाह है – याकोहामा, , नगोया और ओसाका ।

कहा जाता है कि जापानी साम्राज्य की स्थापना 660 में सम्राट जिम्मू ने की थी । लेकिन 1868 तक कोई ीय सत्ता नहीं थी । इसी समय सम्राट मीजी ने सारे जापान एक करके अपने अधीन किया । पहले अन्य देशों के साथ न के व्यापारिक संबंध बहुत कम थे । 1854 में रीका के कोमोडोर पेरी ने जापानियों को राजी किया और जापान ने अमरीका के साथ व्यापारिक सन्धि की । जापान ला संविधान 1889 में बना । 1904–05 में रूस- । युद्ध में जापान की विजय होने से यूरोप के देशों में । की प्रतिष्ठा बढ़ गई ।

ापान के लोगों का मुख्य भोजन चावल है । जापान की ोग्य भूमि में से आधी भूमि में चावल की खेती होती हैं । फसलों में गेहूं, जौ, आलू और तम्बाकू हैं । जापान में पत्थर और गंधक मिलता है । अन्य खनिजों में जापान है और जापान के उद्योग आयात किए गए कच्चे माल र्भर है । जापान उद्योगों में संसार के सर्वाधिक उन्नत में से एक है । प्रमुख उद्योग हैं– मोटरगाड़ियां, लोहा स्पात, रसायन, वस्त्र (सूती, ऊनी, रेशमी और कृत्रिम), पकड़ना, मिट्टी के बर्तन, बारीक नाप–तोल की मशीनें, , मशीनें और पोत–निर्माण । जापान में मछली पकड़ने ोग बहुत बड़े पैमाने पर है।

ल 1997 में जापान के मंत्रीमंडल ने अमरीका को ा में अपना सैन्य अड्डा चलाने की सहमति दे दी । नो शहर में शीत ओलंपिक का आयोजन 98 में हुआ । न इस समय समस्याओं से ग्रस्त है । तीन वर्षों में येन लक गया, और इससे पूरे क्षेत्र को धक्का लगा । फरवरी रोजगारी 3.9% के रिकार्ड स्तर तक पंहुच गयी । गस्त 99 को जापान ने उगते सूर्य के ध्वज को रिक रूप दिया और इस प्रकार युद्ध काल के विवाद ति हो गई।

हाल की घटना: 70 वर्षीय युइचिरो मियुरा माउंट एवरेस्ट पर चढ़ने वाले सबसे अधिक आयु के व्यक्ति बने।

राज्याध्यक्ष: सम्राट अकिहितो; **प्रधानमंत्री:** जुनिचिरो कोयिसुमी।

भारत में दूतावास: जापान का दूतावास, 50 जी, शान्ति पथ, चाणक्यपुरी, नई दिल्ली–110 021; फोन: 687-6581687–6564; फैक्स: 688–5587

सांस्कृतिक एवं सूचना केंद्र–32 फिरोजशाह रोड, नई दिल्ली–110001, फोन:3329803; फैक्स:371–2124

Indian Mission in Japan: Embassy of India, 2-2-11, Kudan-Minami, Chiyoda-ku, Tokyo-102-0074, Japan. Tel: 00-81-3-32622391; Fax: 00-81-3-32344866.
E-mail:indemjp@gol.com.

ज़ाम्बिया

(Republic of Zambia)

राजधानी: लुसाका; **क्षेत्रफल:** 752,620 वर्ग किलोमीटर; **जनसंख्या:** 10.0 मिलयन; **भाषा:** बन्तू और अंग्रेजी; **साक्षरता:** 78%; **धर्म:** ईसाई, इस्लाम और अनिमिज्म; **मुद्रा:** क्वाचा; 1 अमरीकी डालर = 4,500 क्वाचा; **प्रति व्यक्ति आय:** 780 डालर ।

दक्षिणी अफ्रीका के भूमिबद्ध गणतंत्र जाम्बिया का यह नाम ज़ाम्बेज़ी नदी के नाम पर पड़ा जो यहां की सबसे बड़ी नदियों में है । मूल रूप से इसे उत्तरी रोडेशिया कहा जाता था । ज़ाम्बेज़ी नदी इसे जिम्बाब्वे से अलग करती है । करीबा बांध, जो विश्व के सबसे बड़े मानव–निर्मित बांधों में से एक गिना जाता है, जाम्बेजी नदी पर ज़ाम्बिया और जिम्बाब्वे के मध्य सीमा–रेखा पर बना है ।

ज़ाम्बिया 24 अक्तूबर, 1964 को स्वतंत्र हुआ और यह राष्ट्रमंडल के भीतर गणतंत्र है

मई 1996 में यहां की संसद ने एक बिल पारित कर पूर्व राष्ट्रपति केनेथ कौंडा को अपना कार्यालय दुबारा चलाने पर प्रतिबंध लगा दिया।

यहां के मुख्य कृषि उत्पाद मक्का, तम्बाकू, मिलिट, कसाव, मूंगफली, कपास और चीनी है ।

खनिजों की दृष्टि से देश समृद्ध है । यहां पाए जाने वाले खनिजों में तांबा, जस्ता, कोबाल्ट, सीसा, यूरेनियम और मैंगनीज़ सम्मिलित है । यद्यपि तांबा खनन का ज़ाम्बिया की अर्थ–व्यवस्था पर प्रभुत्व है और यह देश की 80 प्रतिशत विदेशी मुद्रा अर्जित करता है, लेकिन विश्व मंडी में तांबे की कीमतों में भारी गिरावट के कारण देश ने कृषि उत्पादन की तरफ बदलाव किया है ।

90 के दशक में यहां अब तक लगभग 5 लाख बच्चे एड्स के कारण अनाथ हो चुके हैं।

राष्ट्रपति : लेवी मुवानवासा; **प्रधानमंत्री:** जनरल एम.एन माशेके।

भारत में दूतावास: हाई कमीशन आफ जाम्बिया, सी-79, आनंद निकेतन, नई दिल्ली–110 021, फान 4101289, 4101519; फैक्स 4101520

E-mail:zambiand@nde.vsnl.net.in

Indian Mission in Zambia: High Commission of India, 1, Pandit Nehru Road, P.O. Box 32111, Lusaka, Zambia. Tel: 00-260-1-253159; Fax: 00-260-1-254118.
E-mail:indiazam@zamnet.zm

जार्जिया

(Republic of Georgia) Sakaratvelos Respublica

राजधानी: तिब्लिसी (टिफिलस); **क्षेत्रफल:** 69,700 वर्ग किलोमीटर; **जनसंख्या:** 4.4 मिलयन ; **भाषा:** जार्जियन, रूसी; **साक्षरता:** 99%; **धर्म:** ईसाई; **मुद्रा:** रूबल; 1 अमरीकी डालर = 2.1 B; **प्रति व्यक्ति आय:** 2,560 डालर।

जार्जिया दिसम्बर 1991 में सोवियत संघ से अलग होकर स्वाधीन राष्ट्र बना। ब्लैक सी, टर्की, अर्मीनया, और अज़रबैजान से इसकी सीमाएं मिलती हैं। यहां का वातावरण स्वच्छ एवं गर्म है और यह प्राकृतिक संपदा के लिये विख्यात है। यहां पर विश्व की सबसे बड़ी मैंग्नीज खादान हैं।

सोवियत संघ से अलग होने वाला देश जार्जिया संयुक्त राष्ट्र का 179वां सदस्य वर्ष 1992 में बना। 1994 में इसने कामनवेल्थ आफ इंडिपेंडेंट स्टेट्स की सदस्यता 1994 में ली। फरवरी 94 में रूस के साथ आर्थिक व सैन्य सहयोग का समझौता किया। 1993 में अलगाववादी गुटअबकाजियन के साथ संघर्ष तेज हो गया। मई 94 में युद्ध विराम की घोषणा की गई। शेवर्नाडजे 1995 व 1998 में जानलेवा हमले से बाल-बाल बचे।

कृषि: चाय, साइट्रस फल, अंगूर, खाद्यान्न, सब्जी, आलू, रेशम, तम्याकू, बांस, युक्लिप्टस ।

प्राकृतिक स्रोत: मैग्नीज, कोयला, बारयाटा, तेल, संगमरमर, लोहा।

उद्योग: फुड प्रोसेसिंग, चाय, शराब, कपड़ा, केमिकल फाइबर, कागज़, मेटलर्जी ।

जार्जिया संयुक्त राष्ट्र का 179 वां सदस्य जुलाई 92 में बना। 1994 में जार्जिया ने कामनवेल्थ की सदस्यता ली।

राष्ट्रपति: एडवर्ड शेवर्नाडजे; **प्रधानमंत्री:** ओट्टार पैट्सैट्सिया।

जिबूती

(Republic of Djibouti) Jumhouriyya Dijbouti

राजधानी: जिबूती; **क्षेत्रफल:** 21,783 वर्ग किलोमीटर; **जनसंख्या:** 644,000; **भाषा:** फ्रेंच, अरबी, अफ्फार, ईस्सा; **साक्षरता:** 46%; **धर्म:** इस्लाम; **मुद्रा:** जिबूती फ्रेंक; 1 अमरीकी डालर = 164.90 जि. फ्रेंक; **प्रति व्यक्ति आय:** 2,370 डालर।

पहले इस देश का नाम फ्रेंच सोमाली लैंड था और उसके बाद अफार्स और इसास फ्रेंच क्षेत्र था। 22 जून, 1977 को इसे स्वाधीनता मिली और उस समय इसने अपना नाम जिबूती रखा। यह इथियोपिया और सोमालिया के बीच में लाल सागर और अदन की खाड़ी के मोड़ पर स्थित है और इसलिए सामरिक दृष्टि से इसका बहुत महत्व है ।

[illegible]

रेगिस्तान है। स्थानीय आबादी अधिकतर मुसलमान खेती केवल उन सीमित क्षेत्रों में संभव है, जहां सिं सुविधाएं हैं। राज्य की मुख्य सम्पत्ति भेडें, बकरियां ं हैं। प्रमुख उत्पादन नमक है । अलोल और इसास ः नमक के विशाल भंडार हैं । लगभग सारा व्यापार रा जिबूती में केन्द्रित हैं।

राष्ट्रपति: इस्माइल ओमर गुएलेह; **प्रधानमंत्री:** मोहम्मद डिलीटे।

जिम्बाबवे

(Repulic of Zimbabwe)

राजधानी: हरारे; **क्षेत्रफल:** 390,272 वर्ग किलो **जनसंख्या:** 12.3 मिलयन; **भाषा:** अंग्रेजी, शोना नडेबेला; **साक्षरता:** 85%; **धर्म:** कबायली और ईसाई; डालर; 1 अमरीकी डालर = 55.45 जिम्बाब्वे डालर **व्यक्ति आय:** 2,280 डालर ।'

जिम्बाबवे, जिसे पहले दक्षिणी रोडेशिया कहा जात दक्षिण मध्य अफ्रीका में स्थित है । जिम्बाब्वे ने तत अल्पसंख्यक गोरी सरकार के विरुद्ध कड़े संघर्ष के स्वतंत्रता प्राप्त की। मार्च 1996 के चुनावों में राबर्ट मु दूसरी बार राष्ट्रपति निर्वाचित हुए।

जिम्बाब्वे खनिजों से भरपूर हैं । विशेष रूप से यहां त निकल, सोना, एस्बेस्टस, क्रोम और कोयला मिलता है। की बांकी कोयला खान विश्व की सबसे बड़ी कोयला खान

उद्योगों में खाद्य परिशोधन, धातुएं कपड़ा और इंजी शामिल हैं ।

मक्का, मूंगफली, कपास और तम्बाकू यहां की मु फसलें हैं जिनमें तम्बाकू सबसे महत्वपूर्ण है।

नये संविधान प्रारूप 2000 को जनमत ने अ कर दिया। जून 2000 चुनावों में मुगावे की पार्टी बहु अंतर से विजयी होकर सत्ता में आई।

हाल की घटनायें: 2000 से अधिक श्वेत फार्म पर बंद करने का आदेश।

राष्ट्रपति एवं प्रधानमंत्री: राबर्ट जी. मुगाबे ।

भारत में दूतावास: हाई कमीशन फार दि रिपब्लिक जिम्बाब्वे, एफ-63, पूर्वी मार्ग, वसंत विहार, नई दिल्ली-1 057, फोन: 6140430, 6140431; फैक्स: 6154

E-mail:zimdelhi@vsnl.net

Indian Mission in Zimbabwe: High Commis India, No. 12, Natal Road, Belgravia, Post Box Harare, Zimbabwe. Tel: 00-263-4-795955; Fax: 4-722324.
E-mail:hcihre@internet.co.zw.

जोर्डन

(Hashemite Kingdom of Jordan) al Ma Urduniya al Hashmeiyah

राजधानी: अम्मान; **क्षेत्रफल:** 89287 वर्ग

Indian Mission in Zambia: *High Commission of* India, 1, Pandit Nehru Road, P.O. Box 32111, Lusaka, Zambia. Tel: 00-260-1-253159; Fax: 00-260-1-254118. E-mail:indiazam@zamnet.zm

जार्जिया

(Republic of Georgia) Sakaratvelos Respublica

राजधानी: तिब्लिसी (टिफिलस); **क्षेत्रफल:** 69,700 वर्ग किलोमीटर; **जनसंख्या:** 4.4 मिलयन ; **भाषा:** जार्जियन, रूसी; **साक्षरता:** 99%; **धर्म:** ईसाई; **मुद्रा:** रूवल; 1 अमरीकी डालर = 2.1 ; **प्रति व्यक्ति आय:** 2,560 डालर।

जार्जिया दिसम्बर 1991 में सोवियत संघ से अलग होकर स्वाधीन राष्ट्र बना। ब्लैक सी, टर्की, अर्मीनया, और अज़रबैजान से इसकी सीमाएं मिलती हैं ।यहां का वातावरण स्वच्छ एवं गर्म है और यह प्राकृतिक संपदा के लिये विख्यात है। यहां पर विश्व की सबसे बड़ी मैंग्नीज खादान हैं।

सोवियत संघ से अलग होने वाला देश जार्जिया संयुक्त राष्ट्र का 179वां सदस्य वर्ष 1992 में बना। 1994 में इसने कामनवेल्थ आफ इंडिपेंडेंट स्टेट्स की सदस्यता।994 में ली। फरवरी 94 में रूस के साथ आर्थिक व सैन्य सहयोग का समझौता किया।।993 में अलगाववादी गुटअबकाजियन के साथ संघर्ष तेज हो गया।मई 94 में युद्ध विराम की घोषणा की गई। शेवर्नाडजे 1995 व 1998 में जानलेवा हमले से बाल–बाल बचे।

कृषि: चाय, साइट्रस फल, अंगूर, खाद्यान्न, सब्जी, आलू, रेशम, तम्बाकू, बांस, युक्लिप्टस ।

प्राकृतिक स्रोत: मैग्नीज, कोयला, बारयाटा, तेल, संगमरमर, लोहा।

उद्योग: फुड प्रोसेसिंग, चाय, शराब, कपड़ा, केमिकल फाइबर, कागज़, मेटलर्जी ।

जार्जिया संयुक्त राष्ट्र का 179 वां सदस्य जुलाई 92 बना ।1994 में जार्जिया ने कामनवेल्थ की सदस्यता ली।

राष्ट्रपति: एडवर्ड शेवर्नाडजे; **प्रधानमंत्री:** ओट्टार पैट्सैट्सिया।

रेगिस्तान है। स्थानीय आबादी अधिकतर मुसलमानों की हैं। खेती केवल उन सीमित क्षेत्रों में संभव है, जहां सिंचाई की सुविधाएं हैं। राज्य की मुख्य सम्पत्ति भेड़ें, बकरियां और ऊंट हैं। प्रमुख उत्पादन नमक है ।अलोल और इसास झीलों में नमक के विशाल भंडार हैं ।लगभग सारा व्यापार राजधानी जिबूती में केन्द्रित हैं।

राष्ट्रपति: इस्माइल ओमर गुएलेह; **प्रधानमंत्री:** डिलीटा मोहम्मद डिलीटे।

जिम्बाबवे

(Repulic of Zimbabwe)

राजधानी: हरारे; **क्षेत्रफल:** 390,272 वर्ग किलोमीटर; **जनसंख्या:** 12.3 मिलयन; **भाषा:** अंग्रेजी, शोना और नडेबैला; **साक्षरता:** 85%; **धर्म:** कबायली और ईसाई; **मुद्रा:** डालर; 1 अमरीकी डालर = 55.45 जिम्बाब्वे डालर; **प्रति व्यक्ति आय:** 2,280 डालर ।

जिम्बावबे, जिसे पहले दक्षिणी रोडेशिया कहा जाता था, दक्षिण मध्य अफ्रीका में स्थित है । जिम्बाब्वे ने सत्तारूढ़ अल्पसंख्यक गोरी सरकार के विरुद्ध कड़े संघर्ष के बाद स्वतंत्रता प्राप्त की। मार्च 1996 के चुनावों में राबर्ट मुगाबे दूसरी बार राष्ट्रपति निर्वाचित् हुए।

जिम्बाब्वे खनिजों से भरपूर हैं । विशेष रूप से यहां तांबा, निकल, सोना, एस्बेस्टस, क्रोम और कोयला मिलता है ।यहां की बांकी कोयला खान विश्व की सबसे बड़ी कोयला खान है।

उद्योगों में खाद्य परिशोधन, धातुएं कपड़ा और इंजीनियरिंग शामिल हैं ।

मक्का, मूंगफली, कपास और तम्बाकू यहां की मुख्य फसलें हैं जिनमें तम्बाकू सबसे महत्वपूर्ण है।

नये संविधान प्रारूप 2000 को जनमत ने अस्वीकार कर दिया। जून 2000 चुनावों में मुगाबे की पार्टी बहुत कम अंतर से विजयी होकर सत्ता में आई।

हाल की घटनायें: 2000 से अधिक श्वेत फार्म पर कार्य बंद करने का आदेश।

87%; **धर्म:** इस्लाम; **मुद्रा:** जोर्डन दिनार; 1 अमरीकी डालर = 0.71 जो. दि.; **प्रति व्यक्ति आय:** 3,870 डालर ।

जोर्डन दक्षिणी–पश्चिमी एशिया में है । यहां संवैधानिक राजतंत्र था । पहले इसका नाम ट्रांसजोर्डन था । 1949 में इसका नाम बदल कर जोर्डन का हाशिमी राज्य रखा गया। आबादी में प्रधानता अरबों की है, जिसमें से अधिकांश मुसलमान हैं । 1946 में जोर्डन स्वाधीन हुआ ।

जोर्डन मोटे तौर पर रेगिस्तानी है किन्तु इसका पश्चिमी भाग उर्वर है, जहां रसीले फल, गेहूं, जौ, अलसी और तरबूज़ पैदा होते हैं । इस देश से निर्यात होने वाली सबसे महत्वपूर्ण वस्तु फास्फेट है, किन्तु विदेशी मुद्रा की सबसे अधिक राशि पर्यटन से प्राप्त होती है।

25 जुलाई 1994 को वाशिंग्टन में इजराइल व जोर्डन के बीच समजौता हुआ और संयुक्त घोषणापत्र जारी करके 46 वर्ष की कटुता को दूर कर दिया।

47 वर्षो तक राज कर चुके किंग हुसैन का फरवरी 99 में निधन हो गया। उनके उत्तराधिकारी के रूप में उनके पुत्र अब्दुल्ला महाराज बने।

हाल की घटनायें: एक रिपोर्ट में कहा गया कि सं.रा. अमरीका इराक पर हमला करने के लिये जोर्डन का इस्तेमाल करेगा। लेकिन जोर्डन ने अपने को लांचिंग पैड के रूप में प्रयुक्त करने से इंकार कर दिया। संसद ने महिलाओं को तलाक देने के अस्थाई कानून को वापस ले लिया।

राज्याध्यक्ष: किंग अब्दुल्ला बिन हुसैन; **प्रधानमंत्री:** अली अबु अल–राघेब।

भारत में दूतावास: जोर्डन का दूतावास, 30, गोल्फ लिंक्स, नई दिल्ली–110 003; फोन: 4653318, 4653099; फैक्स: 4653353.

E-mail: jordemb@ndf.vsnl.net.in

Indian Mission in Jordan: Embassy of India, Post Box 2168, 1st Circle, Amman-11181, Jordan. Tel: 00-962-6-4622098; Fax: 00-962-6-4659540.

E-mail: indembjo@firstnet.com.jo

ट्यूनीशिया

(Republic of Tunisia) Al Jumhuriyah al Tunisiyah

राजधानी: ट्यूनिस; **क्षेत्रफल:** 164,150 वर्ग किलोमीटर; **जनसंख्या:** 9.8 मिलयन; **भाषा:** अरबी (सरकारी) और फ्रेंच; **साक्षरता:** 67%; **धर्म:** इस्लाम; **मुद्रा:** दीनार; 1 अमरीकी डालर = 1.40 दीनार; **प्रति व्यक्ति आय:** 6,390 डालर ।

यह गणतंत्र उत्तरी अफ्रीका में भूमध्यसागर तट पर बसा है । पहले यह फ्रांस का संरक्षित क्षेत्र था । इसे 1955 में स्वतन्त्रता मिली और 1957 में यह गणतंत्र बन गया ।

ट्यूनीशिया एक कृषि प्रधान देश है । यहां की पैदावार गेहूं, जौ, जई, खजूर, जैतून, खूबानी, बादाम, अंजीर, आड़ू, सब्जियां और अल्फा घास है । मुख्य खनिज फास्फेट, लोहा, सीसा और जस्ता हैं । मुख्य निर्यात वस्तुएं जैतून का तेल, शराब, फास्फेट और अनाज हैं ।

राष्ट्रपति: जन. जाइन अल अबीन बेन अली; **प्रधानमंत्री:** मोहम्मद ग़नौची ।

भारत में दूतावास: एम्बेसी आफ ट्यूनीशिया, 23, पश्चिमी मार्ग, वसन्त विहार, नई दिल्ली–110 057; फोन: 6145346, 6145349; फैक्स: 6145301.

E-mail:embtun@ndc.vsnl.net.in

Indian Mission in Tunisia: Embassy of India, 4, Place Didon, Notre Dame, Tunis 1002. Tel: 00-216-787819; Fax: 00-216-1-783394.

E-mail: india_emb@emb_india.intl.in

ट्रिनीडाड एण्ड टोबैगो

(Republic of Trinidad and Tobago)

राजधानी: पोर्ट आफ स्पेन; **क्षेत्रफल:** 5128 वर्ग किलोमीटर; **जनसंख्या:** 1.3 मिलयन; **भाषा:** अंग्रेजी; **साक्षरता:** 98%; **धर्म:** ईसाई, हिंदु एवं इस्लाम; **मुद्रा:** ट्रि. और टोब डालर; 1 अमरीकी डालर = 6.09 ट्रि. और टोब डालर; **प्रति व्यक्ति आय:** 9,100 डालर।

ट्रिनीडाड वेस्ट इंडियन द्वीप समूह के सुदूर दक्षिण में (विंडवार्ड द्वीप समूह के दक्षिण में) स्थित है जो इन द्वीपों में दूसरा सबसे बड़ा द्वीप है । यह दक्षिणी अमरीका के उत्तरी तट के बहुत निकट है । टोबैगो को अक्सर राबिन्सन क्रूसो द्वीप कहते हैं क्योंकि यह विश्वास किया जाता है कि इसी द्वीप पर क्रूसो अकेला छूट गया था । यह ट्रिनीडाड से केवल 20 मील दूर है । टोबैगो अपने पक्षी और जीव–जंतुओं के समृद्ध भंडार के लिए प्रसिद्ध है ।

ट्रिनीडाड और टोबैगो पहले ब्रिटिश उपनिवेश था जिसे 1962 में स्वतंत्रता मिली और 1976 में यह गणतंत्र हो गया।

यहां के उद्योगों में तेल शोधन, निर्मित वस्तुएं और पर्यटन है । मुख्य फसलें गन्ना, खट्टे फल और कोको हैं ।

राष्ट्रपति: आर्थर एन.आर. राबिंसन; **प्रधानमंत्री:** पैट्रिक मानिंग

भारत में दूतावास: हाई कमीशन आफ ट्रिनीडाड एण्ड टोबैगो, 131, जोरबाग, नई दिल्ली–110 003; फोन: 4618186/4618187, फैक्स: 4624581.

E-mail: hcreptt@giasd101.vsnl.net.in

Indian Mission in Trinidad and Tobago: High Commission of India, No.6, Victoria Avenue, Post Box No. 530, Port of Spain, Trinidad and Tobago, West Indies. Tel: 00-1-868-6277480; Fax: 00-1-868-6276985.

E-mail: hcipos@tstt.net,tt

टुवालो

राजधानी: फुनाफुटी; **क्षेत्रफल:** 26 वर्ग किलोमीटर; **जनसंख्या:** 10,838; **भाषा:** टुवालुअन, अंग्रेजी; **साक्षरता:** 95%; **धर्म:** ईसाई; **मुद्रा:** आस्ट्रेलियन डालर; 1 अमरीकी डालर = 1.84 आ. डालर; **प्रति व्यक्ति आय:** 800 डालर।

पहले एलिस द्वीप समूह कहा जानेवाला टुवालो पश्चिमी

दार्शनिक। उनके विचारों नें प्रसिद्ध फ्रांसीसी क्रांति में महत्वपूर्ण भूमिका निभायी थी।

राज जे चेलियाह, डा. (जन्म–1922): विख्यात भारतीय अर्थशास्त्री। कर सुधार समिति के अध्यक्ष, वित्त मंत्रालय में सलाहकार और नेशनल इंस्टीट्यूट आफ पब्लिक फिनेंस एंड पालिसी के चेयरमैन।

राबर्ट कोख (1843–1910): जर्मन चिकित्सक और कीटाणु वैज्ञानिक। तपेदिक के कीटाणु की पहचान की। 1905 में नोवेल पुरस्कार से सम्मानित।

रिचर्ड मिहाउस निक्सन (जन्म–1913): अमरीका के राष्ट्रपति–1969–74, रिपब्लिकन पार्टी के नेता। दक्षिण वियतनाम से सैनिकों की वापसी के लिये और चीन से संबध बनाने के लिये बातचीत शुरु की। वाटरगेट कांड के कारण पद छोड़ना पड़ा।

रुडयार्ड किपलिंग (1865–1936): ब्रिटेन के लेखक, और लघुकथा के लिये विशेष प्रसिद्ध। जन्म भारत के बंबई में हुआ। प्रमुख कृतियां–ब्रिटिश रूल इन इंडिया, दी लाइट देट फेल्ड, स्टल्की एंड कंपनी, किम, बैरेत रूम बालाड।

रूपर्ट मुडरोक (जन्म–1931): अमरीका में बसे आस्ट्रेलिया के मीडिया मुगल। 30,000 से अधिक लोग उनके कार्यालयों में कार्यरत। चार प्रायद्वीपो से प्रत्येक सप्ताह 60 मिलयन प्रतियां बिकती हैं। 38 देशों में इनका स्टार टी.वी. नेटवर्क देखा जाता है।

राबर्ट गैब्रील मुगाबे (जन्म–1924): स्वतंत्र जिम्बावे के प्रथम प्रधानमंत्री। अब वहां के राष्ट्रपति।

राजेंद्र प्रसाद, डा. (1884–1963): भारतीय राज नेता और गांधी जी के अनुयायी। भारत गणराज्य के प्रथम राष्ट्रपति (1950–62), संविधान सभा के सभापति भी रहे। 1962 में भारत रत्न से सम्मानित।

राजा रमन्ना, डा. (जन्म–1926): भारतीय परमाणु वैज्ञानिक। भाभा एटामिक रिसर्च सेंटर के पूर्व निदेशक, परमाणु ऊर्जा विभाग के सचिव, परमाणु ऊर्जा आयोग के सभापति, 1984, केंद्रीय मंत्री।

रामकृष्ण परमहंस, श्री (1836–1886): भारत के महान धार्मिक नेता। जिनकी शिक्षा थी कि ईश्वर को पाना ही जीवन का एकमात्र ध्येय है। प्रमुख शिष्य स्वामी विवेकानंद थे। रामकृष्ण मिशन उनके नाम से चलता है।

रोम्यां रोलां (1866–1944): फ्रांस के उपन्यासकार और नाट्य लेखक। उनका प्रमुख कार्य 10 वाल्यूम में लिखा उपन्यास है। महात्मा गांधी और स्वामी विवेकानंद की आत्मकथा लिखी।

रोनाल्ड रास (1857–1932): ब्रिटेन के चिकित्सक और कीटाणुविज्ञानी। मलेरिया के परजीवी की खोज की। भारत में जन्में श्री रोस भारतीय चिकित्सा सेवा से भी संबध रहे। 1902 में नोवेल पुरस्कार से सम्मानित।

रोनाल्ड रीगन (जन्म–1911): अमरीका के राष्ट्रपति, 1981–88, इसके पहले टी.वी. और फिल्मों के लोकप्रिय अभिनेता थे। 1967–74 तक केलिफोर्निया के गवर्नर भी रहे।

राकेश शर्मा (जन्म–1954): भारत के प्रथम अंतरिक्ष यात्री।

ल

लारी बेकर (जन्म–1917): सुप्रसिद्ध भारतीय स्थापत्य–कार जिन्होने कम लागत के घरों के निर्माण को नयी दिशा दी।

लुडविग वैन बीथोवैन (1770–1827): जर्मनी के सर्वाधिक सम्मानित संगीतकार। संगीत के महानतम विभूति के रूप में प्रख्यात। उनके द्वारा तैयार की गयीं सात सिम्फोनीज संगीत की दुनिया में महानतम मानी जाती हैं।

लुई ब्रेल (1809–52): फ्रांसीसी शिक्षा शास्त्री जो कि नेत्रहीन थे और नेत्रहीनों के शिक्षक थे। उन्होने नेत्रहीनों के लिये स्पर्श प्रणाली का विकास किया था।

लियोनिद ब्रेझनेव (1906–82): रूस के राष्ट्रपति (1977), कम्युनिस्ट पार्टी के खुश्चेव के बाद महासचिव (1964–82) बने।

लक्ष्मी बाई, झांसी की रानी (1835–1857): झांसी की रानी और महान सेनानी, 1857 में अंग्रेजो के विरुद्ध लड़ाई में अद्भुत वीरता दिखाते हुए प्राणों की आहुति दी।

लाओ त्से (600 ई.पू.): चीन के दार्शनिक और ताओ धर्म के संस्थापक।

लाला राजपत राय (1868–1928): प्रसिद्ध स्वतंत्रता सेनानी, साइमन कमीशन के विरोध करते समय पुलिस की लाठियों से घायल और बाद में मृत्यु।

लियनार्दो द विंची (1452–1519): बहुमुखी प्रतिभा के धनी, चित्र कला, स्थापत्य कला, संगीत, साहित्य सभी क्षेत्रों में पैठ। मोनालिसा और लास्ट सपर जेसे विख्यात चित्रों का सृजन किया।

लेनिन (विलादिमिर इलिच उल यानोव) (1870–1924): रूस के क्रांतिकारी नेता और राष्ट्र निर्माता। 1917 की प्रसिद्ध क्रांति के नेता। 1917 से 1924 तक राष्ट्राध्यक्ष रहे।

लियाकत अली खां (1895–1951): मुस्लिम लीग के नेता, 1946 और पाकिस्तान के प्रथम प्रधानमंत्री।

लता मंगशकर (जन्म–1929): भारत की अद्भुत गायिका। 50 वर्ष से अधिक तक भारतीय फिल्म उद्योग को अपनी मधुर गायन से समाहित रखा है। भारत की लगभग सभी भाषाओं में गीत गाये हैं। 1989 में दादा साहेब फाल्के पुरस्कार से सम्मानित, वर्ष 2001 में भारत रत्न से सम्मानित।

लारेंस ओलिविएर (1907–1989): ब्रिटेन के अभिनेता और निदेशक, विशेषकर शेक्सपियर नाटकों के लिये विख्यात। प्रमुख फिल्में–हेनरी–5, हैम्लेट, और रिचर्ड–3।

लियेंडर पैस (जन्म–1974): भारतीय विश्वविख्यात टेनिस खिलाड़ी। विम्बलडन जूनियर उपाधि के विजेता, महेश भूपति के साथ उनकी जोड़ी नें अनेकों विश्व खिताब जीते।

लुई पास्चर (1822–95): फ्रांस के रसायन वैज्ञानिक। छुआ–छूत की बीमारियों पर उनकी खोजों से साइंस आफ

87%; **धर्म:** इस्लाम; **मुद्रा:** जोर्डन दिनार; 1 अमरीकी डालर = 0.71 जो. दि.; **प्रति व्यक्ति आय:** 3,870 डालर ।

जोर्डन दक्षिणी–पश्चिमी एशिया में है । यहां संवैधानिक राजतंत्र था । पहले इसका नाम ट्रांसजोर्डन था । 1949 में इसका नाम बदल कर जोर्डन का हाशिमी राज्य रखा गया। आबादी में प्रधानता अरबों की है, जिसमें से अधिकांश मुसलमान हैं । 1946 में जोर्डन स्वाधीन हुआ ।

जोर्डन मोटे तौर पर रेगिस्तानी है किन्तु इसका पश्चिमी भाग उर्वर है, जहां रसीले फल, गेहूं, जौ, अलसी और तरबूज़ पैदा होते हैं । इस देश से निर्यात होने वाली सबसे महत्वपूर्ण वस्तु फास्फेट है, किन्तु विदेशी मुद्रा की सबसे अधिक राशि पर्यटन से प्राप्त होती है।

25 जुलाई 1994 को वाशिंग्टन में इजराइल व जोर्डन के बीच समझौता हुआ और संयुक्त घोषणापत्र जारी करके 46 वर्ष की कटुता को दूर कर दिया।

47 वर्षों तक राज कर चुके किंग हुसैन का फरवरी 99 में निधन हो गया। उनके उत्तराधिकारी के रूप में उनके पुत्र अब्दुल्ला महाराज बने।

हाल की घटनायें: एक रिपोर्ट में कहा गया कि सं.रा. अमरीका इराक पर हमला करने के लिये जोर्डन का इस्तेमाल करेगा। लेकिन जोर्डन ने अपने को लांचिंग पैड के रूप में प्रयुक्त करने से इंकार कर दिया। संसद ने महिलाओं को तलाक देने के अस्थाई कानून को वापस ले लिया।

राज्याध्यक्ष: किंग अब्दुल्ला बिन हुसैन; **प्रधानमंत्री:** अली अबु अल–राघेब।

भारत में दूतावास: जोर्डन का दूतावास, 30, गोल्फ लिंक्स, नई दिल्ली–110 003; फोन: 4653318, 4653099; फैक्स: 4653353.

E-mail: jordemb@ndf.vsnl.net.in

Indian Mission in Jordan: Embassy of India, Post Box 2168, 1st Circle, Amman-11181, Jordan. Tel: 00-962-6-4622098; Fax: 00-962-6-4659540.

E-mail: indembjo@firstnet.com.jo

ट्यूनीशिया

(Republic of Tunisia) Al Jumhuriyah al Tunisiyah

राजधानी: ट्यूनिस; **क्षेत्रफल:** 164,150 वर्ग किलोमीटर; **जनसंख्या:** 9.8 मिलयन; **भाषा:** अरबी (सरकारी) और फ्रेंच; **साक्षरता:** 67%; **धर्म:** इस्लाम; **मुद्रा:** दीनार; 1 अमरीकी डालर = 1.40 दीनार; **प्रति व्यक्ति आय:** 6,390 डालर ।

यह गणतंत्र उत्तरी अफ्रीका में भूमध्यसागर तट पर बसा है । पहले यह फ्रांस का संरक्षित क्षेत्र था । इसे 1955 में स्वतन्त्रता मिली और 1957 में यह गणतंत्र बन गया ।

ट्यूनीशिया एक कृषि प्रधान देश है । यहां की [illegible] गेहूं, जौ, जई, खजूर, जैतून, खूबानी, बादाम, अंगूर, [illegible] सब्जियां और अल्फा घास है । मुख्य खनिज फास्फेट, [illegible], सीसा और जस्ता हैं । मुख्य निर्यात वस्तुएं [illegible], शराब, फास्फेट और अनाज हैं ।

राष्ट्रपति: जन. जाइन अल अबीन बेन अली; **प्रधानमंत्री:** मोहम्मद खनौची ।

भारत में दूतावास: एम्बेसी आफ ट्यूनीशिया, 23, पश्चिमी मार्ग, वसन्त विहार, नई दिल्ली–110 057; फोन: 6145346, 6145349; फैक्स: 6145301.

E-mail:embtun@nde.vsnl.net.in

Indian Mission in Tunisia: Embassy of India, 4, Place Didon, Notre Dame, Tunis 1002. Tel: 00-216-787819; Fax: 00-216-1-783394.

E-mail: india_emb@emb_india.intl.in

ट्रिनीडाड एण्ड टोबैगो

(Republic of Trinidad and Tobago)

राजधानी: पोर्ट आफ स्पेन; **क्षेत्रफल:** 5128 वर्ग किलोमीटर; **जनसंख्या:** 1.3 मिलयन; **भाषा:** अंग्रेजी; **साक्षरता:** 98%; **धर्म:** ईसाई, हिंदु एवं इस्लाम; **मुद्रा:** ट्रि. और टोब डालर; 1 अमरीकी डालर = 6.09 ट्रि. और टोब डालर; **प्रति व्यक्ति आय:** 9,100 डालर।

ट्रिनीडाड वेस्ट इंडियन द्वीप समूह के सुदूर दक्षिण में (विंडवार्ड द्वीप समूह के दक्षिण में) स्थित है जो इन द्वीपों में दूसरा सबसे बड़ा द्वीप है । यह दक्षिणी अमरीका के उत्तरी तट के बहुत निकट है । टोबैगो को अक्सर राबिन्सन क्रूसो द्वीप कहते हैं क्योंकि यह विश्वास किया जाता है कि इसी द्वीप पर क्रूसो अकेला छूट गया था । यह ट्रिनीडाड से केवल 20 मील दूर है । टोबैगो अपने पक्षी और जीव–जंतुओं के समृद्ध भंडार के लिए प्रसिद्ध है ।

ट्रिनीडाड और टोबैगो पहले ब्रिटिश उपनिवेश था जिसे 1962 में स्वतंत्रता मिली और 1976 में यह गणतंत्र हो गया।

यहां के उद्योगों मे तेल शोधन, निर्मित वस्तुएं और पर्यटन है । मुख्य फसलें गन्ना, खट्टे फल और कोको हैं ।

राष्ट्रपति: आर्थर एन.आर. राबिंसन; **प्रधानमंत्री:** पैट्रिक मानिंग

भारत में दूतावास: हाई कमीशन आफ ट्रिनीडाड एण्ड टोबैगो, 131 जोरबाग, नई दिल्ली–110 003; फोन: 4618186/4618187, फैक्स: 4624581.

E-mail: [illegible]@giasd101.vsnl.net.in

Indian Mission in Trinidad and Tobago: High Commission of India, No.6, Victoria Avenue, Post Box No. 530, Port of Spain, Trinidad and Tobago, West Indies. Tel: 00-1-868-6277480; [illegible]

E-mail: [illegible]

टुवालो

[illegible]

प्रशान्त महासागर में छितरे हुए नौ मूंगा टापुओं से बना है जो फिजी के उत्तर में तथा सोलोमन आइसलैण्ड के पूर्व में स्थित हैं । यह टुवालो के नाम से 1975 में स्वतंत्र हुआ। यहां की मिट्टी अच्छे किस्म की नहीं है और इसमें केवल गुजारे लायक नारियल ही उगाया जा सकता है । नारियल गिरी और डाक टिकट यहां के लिए मुख्य विदेशी मुद्रा अर्जित करते हैं ।

गवर्नर जनरल: टोमासी पुआपुआ; प्रधानमंत्री: फैमालागा लूका।

टोगो

(Republic of Togo) Republique Togolaise

राजधानी: लोमे; क्षेत्रफल: 56,785 वर्ग किलोमीटर; जनसंख्या: 5.3 मिलयन; भाषा: फ्रेंच (सरकारी) और कयायली; साक्षरता: 52%; धर्म: कयायली और ईसाई; मुद्रा: फ्रैंक सी.एफ.ए.; 1 अमरीकी डालर = 671.78 फ्रैंक सी.एफ.ए., प्रति व्यक्ति आय: 1,650 डालर ।

रिपब्लिक आफ टोगो, जो पहले टोगोलैण्ड कहलाता था, अफ्रीका के पश्चिमी तट पर स्थित है और एक पतली पट्टी सी है जो गिनी नार्थ की खाड़ी से लेकर बरकिना फासो तक फैली है । टोगो 1960 में स्वतंत्र हुआ ।

यहां के मुख्य उत्पाद काफी, कोको, कपास, ताड़ गिरी, सेमल, रुई और मूंगफली है । टोगो के बहुत से प्राकृतिक संसाधन भी तक लगभग अविकसित हैं, लेकिन फास्फेट का अधिकाधिक खनन किया जा रहा है और आजकल यही देश का मुख्य निर्यात है ।

प्रधानमंत्री यूजिने कोफ्फी ने नेशनल एसेंबली में अपने खिलाफ सेंसर मोशन के पारित हो जाने के बाद त्यागपत्र दे दिया।

राष्ट्रपति: जन. गांस्सिंग्बे याडेमा; प्रधानमंत्री: अगबियोमे कोड्जो।

भारत में दूतावास: आनरेरी कंसुलेट आफ दी रिपब्लिकन आफ टोगो, टी एंडटी मोटर्स लिमिटेड, 212 ओखला इंडस्ट्रियल स्टेट, फेस–3, नई दिल्ली–110020, फोन: 6821005, फैक्स: 6821013.

टोंगा

(Kingdom of Tonga) Puleanga Fakaktui O Tonga

राजधानी: नुकू एलोफा; क्षेत्रफल: 748 वर्ग किलोमीटर; जनसंख्या: 102,321; भाषा: अंग्रेजी और टोंगन; साक्षरता: 93%; धर्म: ईसाई; मुद्रा: पांगा; 1 अमरीकी डालर = 1.84 पांगा; प्रति व्यक्ति आय: 2,250 डालर ।

टोंगा दक्षिण–पश्चिमी प्रशान्त महासागर में 169 द्वीपों और टापुओं का देश है । मकर रेखा और अंतर्राष्ट्रीय समय रेखाएं एक–दूसरे को टोंगा के बिल्कुल नज़दीक काटती हैं।

टोंगा 1900 में ब्रिटिश संरक्षित राज्य बना और 4 जून, 1970 को स्वतंत्र राज्य बना ।

टोंगा कृषि–प्रधान देश है । स्थानीय उपभोग के लिए फलों और सब्जियों का उत्पादन होता है सबसे महत्वपूर्ण निर्यात फसल नारियल गिरी है और इसके बाद केले का नम्बर आता है ।

प्रायद्वीपीय देश 1999 में संयुक्त राष्ट्र संघ का सदस्य बना।

राज्याध्यक्ष: सम्राट टाउफाहू टोपोऊ चतुर्थ; प्रधानमंत्री: राजकुमार उलुकलला लावाका अटा।

भारत में दूतावास: काउन्सलेट आफ टोंगा, मार्फत जी.पी (पी.) लिमिटेड, 17 चितरंजन एवेन्यू, कलकत्ता–700 072; फोन: 27–3568 ।

डेनमार्क

(Kingdom of Denmark) Kongeriget Danmark

राजधानी: कोपेनहेगन; क्षेत्रफल: 43,074 वर्ग किलोमीटर; जनसंख्या: 5.4 मिलयन ; भाषा: डैनिश; साक्षरता: 100%; धर्म: ईसाई; मुद्रा: क्रोन; 1 अमरीकी डालर = 7.61 क्रोन; प्रति व्यक्ति आय: 29,000 डालर ।

डेनमार्क उत्तरी यूरोप में नार्थ सागर और बाल्टिक सागर के बीच स्थित है । देश में जटलैंड प्रायद्वीप, जीलैंड, फुनेन और योर्नहोल्म और 480 छोटे–छोटे द्वीप सम्मिलित हैं । ग्रीनलैंड फारो द्वीप भी डेनमार्क राज्य के भाग हैं ।

डेनमार्क में संवैधानिक राजतंत्र है । यहां सम्राज्ञी और संसद (फोकटिंग) दोनों संयुक्त रूप से वैधानिक सत्ता के स्वामी हैं ।

लगभग 70 प्रतिशत भूमि पर कृषि होती है । डेनमार्क संसार में दूध और उससे निर्मित वस्तुओं का एक सबसे बड़ा निर्यातकर्ता है । मछली पकड़ना एक अन्य महत्वपूर्ण उद्यम है । डेनमार्क अपनी सहकारी संस्थाओं के लिए विख्यात है। पहली सहकारी सोसायटी 1866 में बनी थी । उद्योगों में प्रमुख हैं– पोत निर्माण, विभिन्न प्रकार की मशीनें, वस्त्र, लोहे और इस्पात की वस्तुएं।

वाशिंगटन स्थित पापुलेशन क्राइसिस कमेटी ने अपने अध्ययन में डेनमार्क को रहने के लिये सर्वश्रेष्ठ स्थान माना है।

राज्याध्यक्ष: क्वीन मारग्रेट द्वितीय; प्रधानमंत्री: एंडर्स फोघ रासमुस्सेन।

भारत में दूतावास: रायल डच दूतावास, 11 औरंगजेब रोड, नई दिल्ली–110011; फोन: 3010900, 301002; फैक्स: 3792019.

E-mail:denmark@vsnl.com

Indian Mission in Denmark: Embassy of India, Vangehusvej 15, 2100 Copenhagen, Denmark. Tel: 00-4539299201; Fax: 00-45-39270218.

E-mail:indemb@euroconnect.dk

डेनमार्क के बाहरी क्षेत्र

दी फेरोइ आइसलैंड: क्षेत्रफल: 1399 वर्ग किमी, जनसंख्या: 45,296, राजधानी : टोर्शवान । आइसलैंड उत्तरी एटलांटिक में पहाड़ी और ज्वालामुखीय उत्पत्ति पर है। डेनमार्क की पार्लियामेंट में आइसलैंड का प्रतिनिधित्व 1851 से है । अनेक मामलों में यहां स्वशासन है ।

प्रधानमंत्री: आनफिन कालसयेर्ह

ग्रीनलैंड: क्षेत्रफल: 2,175,600 वर्ग किमी. जनसंख्या: 56,309, राजधानी: नूक। यह विश्व का सबसे बड़ा आइसलैंड है व उत्तरी एटलांटिक और ध्रुवीय समुद्र के मध्य है। 80 प्रतिशत क्षेत्र वर्फ से ढंका है। 1930 से डेनमार्क के अधिकार में ग्रीनलैंड 1953 में डेनिश किंगडम का हिस्सा बना। 1979 में ग्रीनलैंड को होम रूल मिला। इसी के साथ ग्रीन लैंडिक नाम अधिकारिक रूप से प्रयुक्त किया जाने लगा। ग्रीनलैंड अब कलाललिट्ट नुनाट हो गया। राजधानी गोताव की जगह अब नुक है। यहां एल्यूमिनियम बनाने का मुख्य स्रोत प्राकृतिक क्रायोलाइट पाया जाता है।

प्रधानमंत्री: जोनाथन मोर्टसफेलडेट।

डोमिनिका

(Commonwealth of Dominica)

राजधानी: रोज़ियो; **क्षेत्रफल:** 750 वर्ग किलोमीटर; **जनसंख्या:** 71540; **भाषा:** अंग्रेजी और फ्रेंच पटोइस; **साक्षरता:** 90%; **धर्म:** ईसाई; **मुद्रा:** पूर्वी कैरीबियन डालर; 1 अमरीकी डालर = 2.70 पू.के. डालर; **प्रति व्यक्ति आय:** 5,520 डालर।

डोमिनिका गणराज्य लेसर एण्टीलिस में स्थित है। पहले यह एक ब्रिटिश संरक्षित राज्य था। 1967 में इसे ब्रिटेन के सह–राज्य का दर्जा मिला और 1978 में इसे पूर्ण स्वाधीनता प्राप्त हुई।

यह द्वीप मूलत: ज्वालामुखी और मोटे तौर से पहाड़ी है। इसकी आबादी में नीग्रो, मुल्टोज़, कैरिब इंडियन और यूरोपियन सम्मिलित हैं।

यहां से केले, कोकोआ, नारियल की गिरी और फलों का निर्यात होता है।

राष्ट्रपति: वर्नोन लार्डन शा; **प्रधानमंत्री:** पियरी चार्लस।

भारत में दूतावास: आनरेरी कंसुलेट आफ कामन–वेल्थ आफ डोमनिका, 283, गुलमोहर एंक्लेव, नई दिल्ली–110 049; फोन: 6862595, फैक्स: 6510860

डोमिनिकन रिपब्लिक

(Republica Dominica)

राजधानी: सैण्टो डोमिंगो; **क्षेत्रफल:** 48,442 वर्ग किलोमीटर; **जनसंख्या:** 8.8 मिलयन; **भाषा:** स्पेनिश; **साक्षरता:** 82%; **धर्म:** ईसाई; **मुद्रा:** पेसो ओरो; 1 अमरीकी डालर = 17.10 आर.डी.; **प्रति व्यक्ति आय:** 7,020 डालर।

डोमिनिकन रिपब्लिक ग्रेटर एण्टीलिस के दूसरे नम्बर के सबसे बड़े द्वीप हिस्पैनिओला के पूर्वी दो–तिहाई भाग में स्थित है। आरंभ में यह स्पेन के अधीन था। 1844 में इसे स्वाधीनता प्राप्त हुई। यह राज्य कृषि–प्रधान है। मुख्य फसलें गन्ना और काफी हैं।

राष्ट्रपति: हिपोलिटो मेजिया।

तंज़ानिया

(united Republic of Tanzania)

राजधानी: डोडोमा; **क्षेत्रफल:** 9,45,087 वर्ग किलोमीटर; **जनसंख्या:** 37.2 मिलयन; **भाषा:** किस्वेहिली और अंग्रेजी; **साक्षरता:** 68%; **धर्म:** ईसाई और इस्लाम; **मुद्रा:** शिलिंग; 1 अमरीकी डालर = 972.00 शिलिंग; **प्रति व्यक्ति आय:** 520 डालर।

पूर्वी अफ्रीका में स्थित तंजानिया में टांगानिक तथा जंज़ीबार और पेम्बा के द्वीप सम्मिलित हैं। जंज़ीबार और पेम्बा के द्वीप दारूसलम के उत्तर में मुख्य भूमि के तट से लगभग 40 किमी दूर हैं।

अप्रैल 1964 में पीपुल्स रिपब्लिक आफ जंज़ीबार और पेम्बा तथा टांगानिका रिपब्लिक ने एक साथ मिलकर यूनाइटेड रिपब्लिक आफ तंजानिया का गठन किया।

यहां की अर्थ–व्यवस्था कृषि प्रधान है। यहां की मुख्य नकदी फसलें साइसल, गन्ना, कपास और काफी हैं। द्वीपों में लौंग उगाई जाती है, विशेष रूप से पेम्बा में। पशुपालन व्यापक पैमाने पर किया जाता है। हीरा यहां का महत्वपूर्ण निर्यात है। अन्य खनिजों में सोना, टिन और नमक हैं।

हाल की घटनायें: जून में एक ट्रेन दुर्घटना में 200 से अधिक लोग मारे गये।

राष्ट्रपति: बेन्जमीन मकापा; **प्रधानमंत्री:** फेडरिक सुमये।

भारत में दूतावास: हाई कमीशन आफ तंजानिया, 10/1, सर्वप्रिया विहार, नई दिल्ली–110016; फोन: 6853046; फैक्स: 6968408. E-mail:tanzrep@del2.vsnl.net.in

Indian Mission in Tanzania: High Commission of India, NIC Investment House, Samora Avenue, 7th & 8th Floor, Wing 'A', P.O. Box 2684, Dar-es-Salaam, Tanzania. Tel: 00-255-51-117175; Fax: 00-255-51-118761.
E-mail:hcitz@cats-net.com

ताइवान

(Republic of China) Chung-hua Min-kuo

राजधानी: ताइपे; **क्षेत्रफल:** 35,981 वर्ग किलोमीटर; **जनसंख्या:** 22.5 मिलयन; **भाषा:** मेण्डेरिन चीनी, ताइवान, हाक्का डायलेक्ट्स; **साक्षरता:** 94%; **धर्म:** बौद्ध, ताओयिसम और कन्फूशियस; **मुद्रा:** न्यू ताइवान डालर; 1 अमरीकी डालर = 34.98 न्यू ता. डा.; **प्रति व्यक्ति आय:** 14,200 डालर।

ताईवान पहले फारमूसा कहलाता था। इस राज्य में केवल ताइवान ही नहीं वरन् कई छोटे द्वीप सम्मिलित हैं।

मूल रूप में ताइवान और इसके आसपास का क्षेत्र चीन का भाग था। 1950 में चांग काईशेक ने ताइवान को नेशनलिस्ट रिपब्लिक आफ चाइना का मुख्यालय बनाया। यद्यपि ताइवान अभी तक यह दावा करता रहा है कि वही समूचे चीन की वैधानिक सरकार है, लेकिन 1971 में इसने संयुक्त राष्ट्रसंघ की सदस्यता तथा सुरक्षा परिषद की स्थायी सदस्यता [illegible] साम्यवाद चीन को प्राप्त हो गई। 1987 में 3[illegible] मार्शल ला हटा लिया गया और 1991 में [illegible] आ रहा आपात शासन की समाप्ति हो गयी। [illegible]

द्वीप के पहले प्रत्यक्ष राष्ट्रपति पद के चुनाव में ली टेंग हुई की भारी मतों से विजय हुई।

अगस्त 1997 में लीन चान (1993 से प्रधानमंत्री) ने द्वीप में हुए नरसंहार जिससे सारा देश स्तब्ध रह गया था की जिम्मेवारी लेते हुए पद से त्यागपत्र दे दिया।

यहां की मुख्य कृषि फसलें चावल, चाय, चीनी, शकरकन्द, रैमी, पटसन और हल्दी है। वनों से प्राप्त काफूर पर सरकार का एकाधिकार है। यहां के उद्योगों में सूती कपड़ा, बिजली का सामान, लोहे की वस्तुएं, कांच और साबून है। कोयला, संगमरमर, पेट्रोलियम तथा प्राकृतिक गैस यहां के मुख्य खनिज हैं।

पचास वर्षों के शासन के बाद मार्च में नेशनलिस्ट पार्टी चुनाव में पराजित हो गई और विपक्षी पार्टी डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव पार्टी सत्ता में आई। चीन के साथ टकराव बढ़ा।

हाल की घटनायें: चीन ने ताइवान के नेता का सुझाव की भविष्य में निर्वाचन मंडल बनाये को अस्वीकार कर दिया, ताइवान के उपराष्ट्रपति की इंडोनेशिया की यात्रा से चीन विचलित, इंडोनेशिया से ताइवान के राजनयिक संबध नहीं है। इंडोनेशिया ने घोषणा की कि सुश्री लु और राष्ट्रपति मेघावती के बीच कोई राजनयिक संबध नहीं हैं।

राष्ट्रपति: चेन शुइ–बियान; **प्रधानमंत्री:** चांग चुन–स्युंग।

ताजिकिस्तान

(Republic of Tajikistan)

राजधानी: दुशानबे; **क्षेत्रफल:** 143,100 वर्ग किलोमीटर; **जनसंख्या:** 6.3 मिलयन; **भाषा:** ताजिक, रूसी; **साक्षरता:** 100%; **धर्म:** इस्लाम; **मुद्रा:** ताजिक रूबल; 1 अमरीकी डालर = 31.67 ताजिक रूबल; **प्रति व्यक्ति आय:** 1,170 डालर।

पूर्व सोवियत गणराज्य से दिसंबर 1991 में स्वतंत्र हुआ टाजिकिस्तान की सीमाएं अजबेकिस्तान, किर्गजिया, चीन एवं अफगानिस्तान से मिलती हैं।

ईरानी डायलेक्ट बोली जाती हैं, पर्शियन से काफी समानता है और इन्हें टर्किस्तान की वास्तविक आर्यन जनसंख्या समझा जाता है।

टाजिकिस्तान ने 1990 में संप्रभुता की घोषणा की थी।

नवंबर 92 में संसद ने राष्ट्रपति पद को समाप्त कर पार्लियामेंटेरी रिपब्लिक के पक्ष में वोट दिया। जनवरी 94 में साम्यवाद के झुकाव वाली सरकार का गठन हुआ। नवंबर 94 में संविधान ने राष्ट्रपति पद को स्वीकृति दी। मुस्लिम विद्रोहियों की शासन के विरुद्ध लड़ाई जारी है।

जून 1997 में सरकार व विद्रोहियों के बीच पांच वर्षों से चल रहे गृहयुद्ध को समाप्त करने की संधि पर हस्ताक्षर हुए। लेकिन फिर से लड़ाई भड़क उठी। राष्ट्रपति राहमोनोव के पक्ष में रूस है।

कृषि: खेती, हार्टिकल्चर और पशुप्रजनन, प्रमुख व्यवसाय हैं। उत्पादन, खाद्यान्न, आलू, सब्जी, फल, अंगूर, मांस, दूध, अंडे, ऊन, कपास।

प्राकृतिक स्रोत: कोयला, सीसा, जस्ता, तेल, यूरेनियम, रेडियम आर्सेनिक।

उद्योग: खदान, इंजीनियरिंग, फूड, कपड़ा, रेशम, ब्रिक्स, फेरोकांक्रीट, निट वियर, फुट वियर।

राष्ट्रपति: इमोमाली राहमोनोव; **प्रधानमंत्री:** अकिल अकिलोव।

भारत में दूतावास: आनेररी कांसुलेट, दी सूर्या होटल, फ्रेंड्स कालोनी, नई दिल्ली–110 065; फोन: 6835070, फैक्स: 6837758.

Indian Mission in Tajikistan: Embassy of India, 45, Bukhoro Street (Formerly Sveridenko Street), Dushanbe, Tajikistan. Tel: 00-992-372-217172; Fax: 00-992-372-510045.

E-mail:eoi@netrt.org

तुर्की

(Republic of Turkey)

राजधानी: अंकारा; **क्षेत्रफल:** 779,452 वर्ग किलोमीटर; **जनसंख्या:** 67.3 मिलयन; **भाषा:** तुर्की, कर्दिश, अरबी; **साक्षरता:** 82%; **धर्म:** धर्मनिर्पेक्ष, मुख्य धर्म इस्लाम; **मुद्रा:** टर्की लीरा; 1 अमरीकी डालर = 16,57,450 टर्की लीरा; **प्रति व्यक्ति आय:** 5,890 डालर।

यह दक्षिण पूर्वी यूरोप और एशिया माइनर में एक गणतंत्र है। टर्की की स्थिति सामरिक दृष्टि से बड़ी महत्वपूर्ण है क्योंकि यह भूमध्य सागर और काला सागर के बीच बोसपोरस जलडमरू मध्य द्वारा एशिया और यूरोप को मिलाता है। टर्की का बड़ा भाग एशिया माइनर में है।

एशियाई टर्की अर्थात् अनातोलिया ज्ञात प्राचीनतम सभ्यताओं का केन्द्र रहा है। वर्तमान राजधानी इस्तम्बूल को पहले बाइजानटियम और बाद में कुस्तुनतुनिया कहते थे। ओटोमन तुर्की ने कुस्तुनतुनिया पर 1453 में विजय प्राप्त करके टर्की साम्राज्य की नींव डाली। 1923 में टर्की गणतंत्र बन गया। धार्मिक व जातीय तनाव के साथ वाम पंथी और दक्षिणपंथी उग्रवादियों के बीच निरंतर हिंसा जारी है।

लगभग 12 मिलयन कुर्द यहां रहते हैं। कुर्द उग्रवादियों की कुर्दों के लिये अलग राज्य की मांग है। फरवरी 1991 में सीमित कुर्द भाषा के प्रयोग की स्वीकृति दी गयी थी।

जुलाई 1993 में टर्की में पहली बार टांसु सिलर महिला प्रधानमंत्री बनी। 1996 में टर्की की 96 वर्ष की धर्म निर्पेक्षता को धक्का लगा जब संसद में इस्लामिक पार्टी जिसने देश की मुस्लिम पहचान (दिसंबर 1995 में टर्की में 70,213 मस्जिदें थीं) बनाने का वादा किया था के नेतृत्व में मिली जुली सरकार बनी। जून 1997 में कट्टरपंथी नेता मेसुट इल्माज़ नये प्रधानमंत्री बने। नाकमेद्दिन इरबाकान को तीव्र असंतोष के कारण त्यागपत्र देना पड़ा।

सेंट्रल एशिया होते हुए टर्की–चीन के बीच मई 96 में रेल सेवा प्रारंभ हुई।

इस्ताम्बूल में जून 1997 में 8 डी देशों की बैठक संपन्न हुई।

17 अगस्त 1999 को यहां आये भीषण भूकंप में लगभग 12,000 लोग मारे गये, हजारों लोग जो मलबे में दबे थे का पता ही नहीं लगा। 6,00,000 लोग बेघरबार हो गये।

देश की 64 प्रतिशत आबादी खेती पर निर्भर करती है।

हां की मुख्य उपज तम्बाकू, गेंहू, कपास, जैतून का तेल और नी है। टर्की विश्व में सुल्ताना किशमिशों का सबसे बड़ा त्पादक है। अनातोलिया के पठार में भेड़ और अन्य पशु हुतायत से पाये जाते हैं, जिनसे मोहे अर (वकरी के लम्बे रेशमी ल) पाया जाता है। इसके लिए टर्की प्रसिद्ध है। मुख्य खनिज ोह अयस्क, तांवा, क्रोमिअम, वाक्साइट और कोयला हैं

हाल की घटनायें: 20 वर्षों के रक्तपात जिसमें 35000 अधिक लोग मारे गये के वाद पी.के.के. ने तुर्की के समक्ष थियार डाल दिये, महिलाओं को अंतिम संस्कार में भाग लेने ो अनुमति, जुलाई में सहयोगी दलों के सदस्यों द्वारा प्रधानमंत्री क्विट के स्वास्थ्य में खरावी के वाद त्यागपत्र देने से राजनीतिक कट आ गया, संसदीय चुनाव नववर में कराने का फैसला।

राष्ट्रपति: अहमेट नेक्डेट सेजर; **प्रधानमंत्री:** रेसेप टायिप र्डोगान।

भारत में दूतावास: टर्की दूतावास, एन–50, न्याय मार्ग, ाणक्यपुरी, नई दिल्ली–110 021; फ़ोन: 4101921, 889053. फैक्स: 6881409.

E-mail: temdelhi@mantraonline.com

Indian Mission in Turkey: Embassy of India, 77-A, innah Caddesi, Cankaya, 06680-Ankara, Turkey. Tel: 0-90-312-4382195; Fax:00-90-312-4403429.

E-mail: chancery@indembassy.org.tr

तुर्कमेनिस्तान

Republic of Turkmenistan) Turkmenostan espublikasy

राजधानी: अश्काबाद (पोल्टोराट्सक); **क्षेत्रफल:** 88,100 वर्ग किलोमीटर; **जनसंख्या:** 5.6 मिलयन; **ाषा:** दुर्कमेन, रूसी; **साक्षरता:** 100%; **धर्म:** इस्लाम; **मुद्रा:** नाट; 1 अमरीकी डालर= 5.25 मनाट; **प्रति व्यक्ति आय:** ,320 डालर।

पूर्व सोवियत गणराज्य तुर्कमेनिस्तान के पश्चिम में कैस्पियन ागर है। उजबेकिस्तान, इरान और अफगानिस्तान इसके ड़ौसी हैं। काराकुम रेगिस्तान 80 प्रतिशत भूभाग में फैला है।

अक्टूबर 1991 में तुर्कमेनिस्तान ने स्वतंत्रता की ोशणा की और दिसंबर में सी.आई.एस. की सदस्यता ली।

कृषि: मक्का, अंगूर, फल और सब्जी, कपास, ऊन, फर, और सेरीकल्चर भी।

प्राकृतिक स्रोत: ओजो सिराइट, तेल, कोयला, गंधक, मक, मैग्नीशियम।

उद्योग: खाद्य, कपड़ा, रसायन, सीमेंट, कृषि यंत्र, करोकंक्रीट, फुटवियर निटवियर।

हाल की घटनायें: अगस्त माह में तुर्कमेनिस्तान के शासन ने नियाजोव को आजीवन राष्ट्रपति घोषित कर दिया।

राष्ट्रपति एवं प्रधानमंत्री: सापारमुराद नियाजोव।

भारत में दूतावास: तुर्कमेनिस्तान के दूतावास, 6/16 शांति निकेतन, नई दिल्ली–11002, टेलीफोन– 6118409, फैक्स: 6118332, 4674810

E-mail: turkmind@gen-i

Indian Mission in Turkmenistan: Embassy of India, Emperyal's Inernational Business Center, Y. Emre. 1. Mir2/1, P.O. Box No. 50. Ashgabat, Turkmenistan. Tel: 00-99-312-456152, 456153; Fax: 00-99-312-452434,456156

E-mail: ambassdor@online.tm

थाईलैण्ड

(kingdom of Thailand) Muang Thai or Prathet Thai

राजधानी: बैंकाक; **क्षेत्रफल:** 513,115 वर्ग किलोमीटर; **जनसंख्या:** 62.6 मिलयन; **भाषा:** थाई, चीनी, अंग्रेजी एवं मलय; **साक्षरता:** 94%; **धर्म:** बौद्ध और इस्लाम; **मुद्रा:** वाह्ट; 1 अमरीकी डालर = 43.52 वाह्ट; **प्रति व्यक्ति आय:** 6,400 डालर।

थाईलैण्ड, जो पहले स्याम कहलाता था, दक्षिण-पूर्व एशिया में एक संवैधानिक राजतंत्र है।

प्राचीन काल से यहां निरंकुश शासन था, लेकिन 1932 में यह संवैधानिक राजतंत्र बन गया। 1948 में देश ने अपना वर्तमान नाम थाईलैण्ड ग्रहण किया। जून 97 में किंग भूमिबोल ने अपने शासन के पचास वर्ष पूरे कर विश्व के सबसे लंबे समय के तानाशाह होने का कीर्तिमान बनाया।

देश का मुख्य धंधा खेती है जिनमें जनसंख्या का 60 प्रतिशत लगा है। यहां की मुख्य फसल चावल है, जिसका बड़ा भाग निर्यात कर दिया जाता है। अन्य कृषिजन्य निर्यात नारियल, तम्बाकू, कपास और टीक हैं। पिछली शताब्दी से थाईलैण्ड ने अपने देश में निर्मित और संसाधित वस्तुओं के निर्यात में वृद्धि की है। खनिजों में टिन, मैंग्नीज़, टंगस्टन, एन्टीमनी, लिग्नाइट और सीसा शामिल हैं। पर्यटन का बहुत विकास हुआ है।

हाल की घटनायें: म्यानमार के समाचारपत्रों में थाईलैंड के राज्यतंत्र की आलोचना के वाद लंबे समय से दोनों देशों के बीच चल रहा सीमा विवाद भड़क उठा।

राज्याध्यक्ष: सम्राट भूमिबोल अदुलयादेज अयुलदेट; **प्रधानमंत्री:** थाक्सिन शिनावात्रा।

भारत में दूतावास: रायल थाई दूतावास, 56–एन, न्याय मार्ग, चाणक्यपुरी, नई दिल्ली–110 021; फोन: 6118103; फैक्स: 6872029.

E-mail: thaiemb@ndc.vsnl.net.in

Indian Mission in Thailand: Embassy of India, 46, Soi 23 (Prasarnmitr) Sukhumvit Road, Bangkok-10110, Thailand. Tel: 00-66-2-2580300; Fax: 00-66-2-2584627.

E-mail:indiaemb@mozart.inet.co.th

न्यूज़ीलैण्ड

राजधानी: वेलिंग्टन; **क्षेत्रफल:** 269,057 वर्ग किलोमीटर; **जनसंख्या:** 3.9 मिलयन; **भाषा:** अंग्रेजी और माओरी बोली; **साक्षरता:** 100%; **धर्म:** ईसाई; **मुद्रा:** डालर; 1 अमरीकी डालर = 2.13 न्यूज़ीलैण्ड डालर; **प्रति व्यक्ति आय:** 17,630 डालर।

न्यूज़ीलैण्ड दक्षिणी प्रशान्त महासागर में ि ै। इसके पश्चिम में तासमन सागर है। इसमें उ

द्वीप नाम के दो बड़े द्वीप तथा असंख्य छोटे द्वीप हैं । 1907 ई. में इसे डोमिनियन का दर्जा प्राप्त हुआ ।

डेरी उद्योग, मांस तथा ऊन यहां के मूल उद्योग हैं । गेहूं, जई और जौ यहां की मुख्य फसलें हैं । खनिज पदार्थों में कोयला और सोना शामिल हैं । लुगदी और कागज़ उद्योग यहां अति विकसित है । लोहा, इस्पात और एल्युमीनियम नए उद्योग हैं ।

राज्याध्यक्ष: महारानी एलिज़ाबेथ द्वितीय; **गवर्नर जनरल:** डेम सिल्विया कार्टराइट, **प्रधानमंत्री:** सुश्री हेलेन क्लार्क।

भारत में दूतावास: हाई कमीशन आफ न्यूजीलैण्ड, 50 एन, न्याय मार्ग, चाणक्यपुरी, नई दिल्ली–110 021, फोन: 6883170; फैक्स: 6876554 (वाणिज्य कार्यालय), 6872317 (वीसा कार्यालय), 6883165

Indian Mission in New Zealand: High Commission of India, 180, Molesworth Street, P.O. Box 4045, Wellington, New Zealand. Tel: 00-64-4-4736390; Fax: 00-64-4-4990665.

E-mail:hicomind@clear.net.nz

समुद्रपार क्षेत्र

कुक आइसलैंड और न्यू स्वशासित क्षेत्र हैं । रोज डिपेनडेंसी और टोकेलाऊ न्यूजीलैंड के अंतर्गत हैं।

दी कुक आइसलैंड (241 वर्ग किमी) 1901 में इसे न्यूजीलैंड प्रशासन के अंतर्गत लाया गया था । न्यूजीलैंड के सहयोग से 1955 में इसे स्वशासन राज्य का दर्जा मिला। **जनसंख्या:** 29,989.

न्यू (259 वर्ग किमी) का पहले प्रशासन आइसलैंड के अंतर्गत था । 1974 में न्यूजीलैंड के सहयोग से इसे स्वशासन मिला। **जनसंख्या:** 2,500.

न्यू विश्व का कोरल आइसलैंड रोज डिपेंडेसी (414,400 वर्ग किमी) एंडार्टिक क्षेत्र को 1923 में न्यूजीलैंड प्रशासन के अंतर्गत लाया गया था ।

टोकेलाऊ (10 वर्ग किमी) इसे 1928 में न्यूजीलैंड शासन के अंतर्गत लाया गया था । **जनसंख्या:** 1,600.

नाइजर

(Republic of Niger) Republique du Niger

राजधानी: नियामी; **क्षेत्रफल:** 1,267,000 वर्गकिलोमीटर; **जनसंख्या:** 11.6 मिलयन ; **भाषा:** फ्रेंच तथा हौसा; **साक्षरता:** 14% (1995); **धर्म:** इस्लाम तथा कयायली; **मुद्रा:** फ्रेंक सी.एफ.ए.; 1 अमरीकी डालर = 671.78 फ्रेंक.सी.एफ.ए; **प्रति व्यक्ति आय:** 890 डालर ।

नाइजर गणराज्य परिचमी अफ्रीका के मध्य में स्थित है।

नाइजर पहले फ्रेंच परिचमी अफ्रीका का एक हिस्सा था जो 1970 में पूर्ण रूप से स्वतंत्र हो गया ।

जनवरी 96 में राष्ट्रपति महानामे आउसमाने को सैन्य शासक इब्राहिम मैइनासारा ने पदच्युत कर दिया और देश के स्वतंत्र चुनाव आयोग को भंग कर दिया। मैइनासारा जिन्हे 52 प्रतिशत मत मिले थे राष्ट्रपति बन गये।

यह एक कृषि प्रधान देश है । यहां की मुख्य फसलें मूंगफली और कपास हैं । लोगों का अन्य महत्वपूर्ण धंधा पशुपालन है । यहां यूरेनियम के भंडार मिले हैं जिसका खनन हो रहा है ।

राष्ट्रपति: टांड्जा ममडोव; **प्रधानमंत्री:** हामा अमाडोव।

नाइजीरिया

(Federal Republic of Nigeria)

राजधानी: अंबुजा; **क्षेत्रफल:** 923,768 वर्ग किलोमीटर; **जनसंख्या:** 129.9 मिलयन; **भाषा:** अंग्रेजी, हौसा, इबो तथा योरुवा; **साक्षरता:** 57%; **धर्म:** इस्लाम, ईसाई तथा कयायली; **मुद्रा:** नेइरा; 1 अमरीकी डालर = 127.00 नेइरा; **प्रति व्यक्ति आय:** 850 डालर ।

नाइजीरिया संघ गिनी की खाड़ी के बीच पश्चिमी अफ्रीका का सर्वाधिक जनसंख्या का तटीय राज्य है । दक्षिण पश्चिमी नाइजीरिया से होकर दक्षिण की ओर नाइजर नदी बहती है जहां आकर इसकी मुख्य सहायक बेनुई नदी मिलती है नाइजर नदी गिनी खाड़ी में गिरती है और वहां विस्तृत दलदली डेल्टा बनाती है ।

नाइजीरिया 1960 में एक स्वतंत्र राज्य बना और अक्तूबर 1963 में गणराज्य बना । यह राष्ट्रमंडल में शामिल है । जनरल इब्राहिम बाबानगिडा के नेतृत्व में चल रहे 1985 से सैन्य शासन ने 12 जून 1993 को हुए नये राष्ट्रपति के चुनाव को मान्यता नहीं दी । इस असफल चुनाव के विजेता मौथू अवियोवा ने लंदन में विकसित सरकार बनायी । आंतरिक दबावों के कारण बाबानगिडा ने 26 अगस्त को शोनेकन को नागरिक राष्ट्रपति नामांकित किया । रक्षा मंत्री जनरल अबाचा के नेतृत्व में नवंबर 1993 में सेना के शासन की वापसी हो गयी। अवियोला जो कि भूमिगत थे ने बाहर आकर स्वंय के राष्ट्रपति होने की घोषणा कर दी, उन्हे जून 1994 में गिरफ्तार कर लिया गया।(उनकी पत्नी को 96 में एक सैनिक ने गोली मार कर हत्या कर दी) पूर्व राष्ट्रपति ओलुसेगुन ओब्सांजो को आजीवन कारावास की सजा दी गयी। जून 95 को सेना के शासन की समाप्ति कर दी गयी और राजनीतिक दलों पर दो वर्षों के प्रतिबंध को समाप्त कर दिया गया।

लेखक व पर्यावरणविद् केन सारो–विवा और उनके आठ साथियों के मृत्युदंड से सारा विश्व स्तब्ध रह गया। इसकी हर जगह आलोचना हुई, और नाइजीरिया की कामनवेल्थ सदस्यता समाप्त कर दी गयी।

नियमडी अजिकिवी के 15 वर्षीय सैनिक शासन की समाप्ति के बाद 29 मई 1999 को ओलेसुगन ओबासान्जो का निर्वाचन राष्ट्रपति पद के लिये हुआ। वे अब तक यहां के तीसरे नागरिक राष्ट्रपति हैं।

नाइजीरिया में आर्थिक संकट बढ़ गया है, तेजी से बढ़ रही है। और अधिकतर नाइजीरिया वासियों की क्रय शक्ति क्षीण हो चुकी है।

मुख्य कृषि उत्पादन, खजूर का तेल, ताड़, खजूर, कपास रबड़, मूंगफली तथा छालें हैं । मुख्य खनिज टिन, कोलम्बाइट, कोयला और लौह अयस्क हैं । विभिन्न की इमारती लकड़ी के लिए यहां के वनों का व्यापक हो रहा है । 1970 से कच्चे तेल का निर्यात महत्वपूर्ण

गया है । यहां नाना प्रकार के उद्योग हैं जिनमें बीयर, सीमेंट, सिगरेट तथा एल्युमीनियम उत्पाद प्रमुख हैं ।

इस वर्ष उत्तरी नाइजीरिया के काचिया और कादुना में इसाइयों और मस्लिमों के बीच सांप्रदायिक दंगों में अनेक जानें गईं। अप्रैल महीने में नाव दुर्घटना में 500 लोग मारे गये।

सरकार के अध्यक्ष एवं राष्ट्रपतिः जन. ओलेसुगन ओवासान्जो।

भारत में दूतावासः हाई कमीशन आफ नाइजीरिया, 21, ओलोफ पाल्मे मार्ग, वसन्त विहार, नई दिल्ली–110 057: फोनः 6146221, 6146645; फैक्सः 6146617.

E-mail:nigeria.nhcnd@nde.vsnl.in

Web: www.nigeriadelhi.com

Indian Mission in Nigeria: High Commission of India, 8-A, Louis Farrakhan Crescent, Victoria Island, P.M.B.2322, Lagos, Nigeria. Tel: 00-234-1-2618494; Fax: 00-234-1-2612660.E-mail:hicomindfssimbaonline.net

नामीबिया

राजधानीः विंडहाक; **क्षेत्रफलः** 826,700 वर्ग किलोमीटर; **जनसंख्याः** 1.8 मिलयन; **भाषाः** अंग्रेजी, अफ्रीकी, जर्मन; **धर्मः** ईसाई और कबायली; **साक्षरताः** 76%; **मुद्राः** नामीबियन डालर; 1 अमरीकी डालर = 10.57 ना.डालर; **प्रति व्यक्ति आयः** 7,120 डालर ।

नामीबिया, जिसे साउथ वेस्ट अफ्रीका कहा जाता था, अफ्रीका के अटलांटिक तट पर स्थित है ।

यहां की जनसंख्या में सबसे अधिक बोवाम्वो हैं ।नामीबिया की सबसे मूल्यवान सम्पत्ति हीरे हैं ।उसके बाद तांवा, जस्ता, सीसा, जर्मेनियम और मैंगनीज का नम्बर है ।पशुओं की नस्ल संवर्द्धन का उद्यम महत्वपूर्ण है ।पशु–भेड़ और बकरियों की बहुतायत है ।मछली पकड़ना आय का पूरक साधन है ।

दक्षिण अफ्रीका की नामीबिया में कठपुतली सरकार को [illegible]र्राष्ट्रीय दवाव के बाद हटना पड़ा और 5 अक्टूबर [illegible]988 को जेनेवा में दक्षिण अफ्रीका, क्यूबा और अंगोला बीच शांति समझौते के फलस्वरूप 1989 में स्वाधीनता मार्ग खुला ।समस्त विदेशी सेनायें हट गयी और संयुक्त [illegible]ट्र के प्रस्ताव के अनुसार चुनाव संपन्न हुए ।

राष्ट्रपतिः साम नुजोमा; **प्रधानमंत्रीः** थियो–बेन गुइराव ।

भारत में दूतावासः हाई कमीशन आफ रिपब्लिक आफ [illegible]मीबिया, डी–6/24, वसंतविहार, नईदिल्ली–110057; फोनः [illegible]140389, 6140890; फैक्सः 6146120.

E-mail:nhcdelhi@dl2.vsnl.net.in

Indian Mission in Namibia: High Commission of [illegible]dia, 97, Nelson Mandela Avenue, P.O. Box 1209, [illegible]indhoek, Namibia. Tel: 00-264-61-226037; Fax. 00-[illegible]4-61-237320.

E-mail:jdoe@mweb.com.na

[illegible]ार्वे

([illegible]Kingdom of Norway) Kongeriket Norge

राजधानीः ओसलो; **क्षेत्रफलः** 323,895 वर्गकिलोमीटर, **[illegible]नसंख्याः** 4.5 मिलयन; **भाषाः** नार्वेजियन; **साक्षरता** 100%; **धर्मः** ईसाई; **मुद्राः** क्रोन; 1 अमरीकी डालर = 7.49 क्रोन; **प्रति व्यक्ति आयः** 29,620 डालर।

नार्वे स्केण्डेनेविया प्रायद्वीप के पश्चिमी भाग से मिला हुआ है । इसका विस्तार स्कागेरेक नामक स्थान–जो इसे डेनमार्क से अलग करता है – से लेकर आर्टिक महासागर में नार्थ केप (उत्तरी अंतरीप) तक है, जहां इसकी सीमाएं फिनलैण्ड और सोवियत रूस से मिलती हैं ।

नार्वे 'लैण्ड आफ मिडनाइट सन' (मध्यरात्रि सूर्य का देश) कहलाता है क्योंकि उत्तरी क्षेत्र में मध्य मई से लेकर जुलाई के अंत तक सूर्य अस्त ही नहीं होता और नवम्बर के अंत से जनवरी के अंत तक सूर्योदय नहीं होता ।

यहां के मुख्य कृषि उत्पाद जौ, जई, राई और आलू हैं ।मछली पकड़ना यहां का मुख्य धंधा है क्योंकि यहां काड, हेरिंग, व्हेल, टुना, सील, मेकेरेल तथा सालमन मछलियां बड़ी तादाद में मिलती हैं । यहां के वन बहुत से उद्योगों के लिए कच्चा माल उपलब्ध कराते हैं ।खनन यहां का प्रमुख उद्योग है ।यहां कोयले की तो कमी है लेकिन बड़े–बड़े कारखानों को चलाने के लिए जल विद्युत की प्रचुरता है ।यहां के प्रमुख निर्माण उत्पाद खाद्य पदार्थ, मशीनरी और धातु पदार्थ, लकड़ी, कागज़ और लुगदी, एल्युमीनियम तथा इलेक्ट्रो–केमिकल पदार्थ हैं ।

नार्वे पर निर्भर क्षेत्रः स्वालबर्ड (62,700 वर्ग किमी) जान मेईन (380 वर्ग किमी); बावेट आइलैंड (60 वर्ग किमी); पीटर एल आइलैंड (249 वर्ग किमी) और क्वीन माड लैंड ।

हाल की घटनायें: नार्वे ने वर्ष 2002 में वर्ल्ड नेशंज ह्यूमन डेवलपमेंट इंडेक्स में पहला स्थान पाया।

राज्याध्यक्षः किंग हैराल्ड पंचम **प्रधानमंत्रीः** जेन्स स्टोलटेनबर्ग

भारत में दूतावासः नार्वे का दूतावास, शान्ति पथ, चाणक्यपुरी, नई दिल्ली–110 0[illegible] फोन 6873532, 6873142; फैक्सः 01[illegible]-6873814

E-mail: noramb@vsnl.com

Indian Mission in Norway Embassy of India, Niels Juels Gate 30-0244, Oslo, Norway. Tel 00-47-22443194; Fax: 00-47-22440720

E-mail [illegible]

निकारागुआ

(Republic of Nicaragua) Republica de Nicaragua

राजधानी [illegible] **क्षेत्रफल** 130,000 वर्ग किलोमीटर, **जनसंख्या** 5.4 [illegible] **भाषा** [illegible] तथा अंग्रेजी; **साक्षरता** 66% **धर्म** ईसाई **मुद्रा** [illegible], 1 अमरीकी डालर = 11.47 **प्रति व्यक्ति आय** 2,080 डालर।

निकारागुआ गण[illegible] मध्य अमरीका के बीच स्थित [illegible] यह 1838 ई में स्वतंत्र [illegible] बना । [illegible] निकारागुआ पर 19[illegible] से 1979 तक शासन [illegible] 1984 में हुए चुनावों में [illegible] प्रमुख राजनीतिक शक्ति [illegible] नेतृत्व में [illegible] दिया गया । लेकिन [illegible] नेशनल गार्ड ([illegible])

ओर्टेगा की सरकार के विरुद्ध पिछले 9 वर्षों से युद्ध चल रहा था। लगभग 30,000 लोग मारे जा चुके हैं। 1990 में ओर्टेगा की चुनावी पराजय के साथ गृह युद्ध समाप्त हो गया।

राष्ट्रीय आय का मुख्य स्रोत कृषि है। सर्वाधिक महत्वपूर्ण कृषि उत्पादन कपास, काफी और गन्ना है। मुख्य उद्योग: माचिस, चमड़ा, बीयर और प्लास्टिक का सामान हैं। यहां सोना, तांबा, चांदी, सीसा और जस्ता पाया जाता है।

राज्यध्यक्ष: आरनोल्डो अलेमन।

भारत में दूतावास: आनेररी कांसुलेट, 43-ए, पृथ्वीराज रोड, नई दिल्ली-110 011, फोन: 4694469, फैक्स: 3221173.

E-mail:vcb@dabur.com

नीदरलैण्ड

(Kingdom of the Netherlands) Koninkrijkder Nederlandern

राजधानी: एमस्टर्डम, सरकार का केन्द्र: दि हेग; **क्षेत्रफल:** 41,160 वर्ग किलोमीटर; **जनसंख्या:** 16.1 मिलयन; **भाषा:** डच; **साक्षरता:** 100%; **धर्म:** ईसाई; **मुद्रा:** यूरो; 1 अमरीकी डालर = 1.03 गिल्डर; **प्रति व्यक्ति आय:** 27,190 डालर।

नीदरलैण्ड्स साम्राज्य में नीदरलैण्ड्स तथा एण्टिलीज शामिल हैं इस देश में समतल भूमि है जिसकी समुद्री सतह से औसत ऊंचाई 37 फीट है। इस देश का बड़ा क्षेत्र समुद्री सतह से नीचा है। इसकी सुरक्षा बांधों द्वारा की जाती है जिसकी लम्बाई लगभग 1500 मील है।

यहां की कृषि का यंत्रीकरण हो गया है। सबसे बड़ा औद्योगिक क्षेत्र खाद्य पदार्थों का है। यहां के निर्यात का लगभग एक-चौथाई भाग दुग्ध पदार्थों का है। अन्य प्रमुख उद्योगों में रासायनिक पदार्थ, धातु कर्म, मशीनरी तथा बिजली का सामान सम्मिलित हैं। एमस्टर्डम हीरों, बहुमूल्य धातुओं तथा कला निधि के केन्द्र के रूप में विश्व विख्यात है।

1998 में समलिंगी विवाह को वैधानिकता दी गई।

हाल की घटनायें: अप्रवासी विरोधी पार्टी के नेता पिम फार्च्यून की गोली मार कर हत्या कर दी गई, राजपुत्र प्रिंस विलियम एलेक्जेंडर ने अर्जेन्टाइना की मैक्सिमा जोरेगुएटा से विवाह कर लिया।

राज्याध्यक्ष: महारानी बीयाट्रिक्स विलहेलमिना आर्मगार्ड; **प्रधानमंत्री:** जान पीटर बालकेनेनडे

भारत में दूतावास: नीदरलैण्ड्स का दूतावास, 6/50 एफ, शान्ति पथ, चाणक्यपुरी, नई दिल्ली-110 021; फोन: 6884951/6884952; फैक्स: 6884956.

E-mail:nlgovnde@del3.vsnl.net.in

Indian Mission in Netherlands: Embassy of India, Buitenrustweg 2, 2517 KD, The Hague, Netherlands. Tel: 00-31-70-3469771; Fax: 00-31-70-3617072.

E-mail:psamb@bart.nl

डच क्षेत्र

अरूबा: दी आइसलैंड (**क्षेत्रफल** : 193 वर्ग किमी, **जनसंख्या:** 69,539) दक्षिण कैरियन पर स्थित 1828 से डच वेस्ट इंडीज का भाग बना और 1845 से नीदरलैंड एंटिल्स का भाग बना। 1954 में अंतरिम स्वशासन प्राप्त किया। संवैधानिक रूप से यह नीदरलैंड से 1 जनवरी 1986 में ही अलग हुआ। पूर्ण स्वतंत्रता 10 वर्षीय काल में दिये जाने का वादा किया गया था। **राजधानी:** ओरेनजेस्टेड, **प्रधानमंत्री:** जान एच-ईमान।

नीदरलैंड एंटिल्स (**क्षेत्रफल:** 800 वर्ग किमी **जनसंख्या:** 217,000) वेस्टइंडीज के दो आइसलैंड समूह से बना है, दी लीवर्ड समूह (कुराकाओ और बोनेरे) और विंड वार्ड आइसलैंड। 1954 से यह नीदरलैंड के भाग है लेकिन आंतरिक मामलों में इसे पूर्ण स्वशासन प्राप्त है। **राजधानी:** विलेस्टाड; **गवर्नर:** डा. जयिमे एम. साले। **प्रधानमंत्री:** सुसान्ने कामेलिया रोमर।

नेपाल

(Kingdom of Nepal) Nepal Adhirajya

राजधानी: काठमाण्डू; **क्षेत्रफल:** 147,181 वर्ग किलोमीटर; **जनसंख्या:** 23.9 मिलयन; **भाषा:** नेपाली, मैथिर, भोजपुरी; **साक्षरता:** 27%; **धर्म:** हिन्दू, बौद्ध, इस्लाम; **मुद्रा:** नेपाली रुपया; 1 अमरीकी डालर = 76.84 नेपाली रुपया; **प्रति व्यक्ति आय:** 1,310 डालर।

नेपाल हिमाचल के दक्षिण ढलान पर भारत और चीन के बीच में स्थित है। इसके उत्तर में तिब्बत है और पूर्व में भारत का प्रांत सिक्किम और पश्चिम बंगाल, दक्षिण पश्चिम में बिहार व उत्तर प्रदेश है।

इतिहास: यहां पर 1846 से 1951 तक राणा परिवार का शासन रहा। यही परिवार प्रधानमंत्री की नियुक्ति करता था नवंबर में राणा प्रधानमंत्री ने त्यागपत्र दिया। 10 अप्रैल 1961 में 15 ताल्लुकेदार ने अपना इलाका देश में मिलाया।

16 अप्रैल 1990 से लगातार लोकतांत्रिक आंदोलनों के कारण महाराज शाह ने सरकार को बर्खास्त कर दिया और निर्वाचित पंचायत प्रणाली को भंग कर दिया। 9 नवंबर 1990 को महाराजा ने नये संविधान की घोषणा की।

नये संविधान में महाराजा के अधिकारों को सीमित कर दिया।

इस संविधान के अनुसार नेपाल बहुदलीय प्रणाली वाला राज्यतंत्र बन गया। संसद के दो सदन बने 205 सदस्यों की प्रतिनिधि सभा जिसमें 10 सदस्यों का नामांकन महाराज के द्वारा होता है।

नेपाल में वन सम्पदा और क्वार्ट्ज भंडार की दृष्टि से समृद्ध। यहां से निर्यात होने वाली मुख्य वस्तुएं पटसन, चावल, पशु, खालें, गेहूं तथा जड़ी-बूटियां हैं।

1 जून, 2001 की रात महाराजा बीरेंद्र, महारानी एश्वर्य और राजघराने के छह सदस्यों की हत्या हो गई। ऐसा माना है कि युवराज दीपेंद्र ने अपनी पसंद की शादी के विरोध में वितर्क के बाद होशोहवास खो कर अंधाधुंध गोली चला को मार डाला और फिर स्वंय को भी गोली मार ली। वीरेंद्र के भाई ज्ञानेंद्र को नया महाराज बनाया गया। 19 को प्रधानमंत्री कोइराला ने अपने पद से त्यागपत्र दे दिया।

माओवादियों की गतिविधियां तेज़ी से बढ़ीं, जून महीने

टेरिटोरी आफ दी पैसिफिक आइसलैंड का भाग बन गया और प्रशासन संयुक्त राज्य अमरीका के पास हो गया। 1981 में स्वायत्त गणराज्य की घोषणा की और 1992 में स्वतंत्र सहयोगी राज्य बन गया। एक अक्टूबर 1994 में स्वतंत्र गणराज्य हो गया। 15 दिसंबर 1994 में यह संयुक्त राष्ट्र का 185 वां सदस्य बना। पूर्वी बाबेलथुआप में नयी राजधानी का निर्माण हो रहा है।

प्राकृतिक स्रोत: मछली पालन, मुख्य रूप से टुना।

पर्यटन प्रमुख उद्योग है। प्रति वर्ष लगभग 40,000 पर्यटक आते हैं।

राष्ट्रपति: टोमी रेमेंगेसउ।

पाकिस्तान

(Islamic Republic of Pakistan) Islam-i-Jamhuriya-e-Pakistan

राजधानी: इस्लामाबाद; **क्षेत्रफल:** 796,095 वर्ग किलोमीटर; **जनसंख्या:** 143.5 मिलयन; **भाषा:** उर्दू (शासकीय), पंजाबी, सिंधी, पश्तो, बलूची, अंग्रेजी; **साक्षरता:** 38%; **धर्म:** इस्लाम; **मुद्रा:** रुपया; 1 अमरीकी डालर = 59.18 रुपया; **प्रति व्यक्ति आय:** 1,890 डालर।

इस्लामिक रिपब्लिक आफ पाकिस्तान, अब केवल पश्चिमी पाकिस्तान रह गया है। यह मूल रूप से 1947 में ब्रिटिश भारत को भारत तथा पाकिस्तान, दो राज्यों में विभाजित करके अस्तित्व में आया। पाकिस्तान की सीमाएं अफगानिस्तान, ईरान, भारत और चीन से मिलती हैं।

पाकिस्तान की अर्थ-व्यवस्था का मूलाधार कृषि है। गेहूं, गन्ना, कपास और चावल यहां की मुख्य फसलें हैं। घरेलू संसाधनों तथा विदेशी ज्ञान और सहायता से उद्योगों का विकास किया जा रहा है।

मई 28 को पाकिस्तान ने पांच परमाणु बम का परीक्षण किया दो दिन बाद एक और परमाणु बम का परीक्षम किया। में कारगिल की पहाड़ियों से भारतीय सैनिकों वापसी का लाभ उठाते हुए पाकिस्तान ने अपने सैनिकों भारी घुसपैठ करा दी। भारतीय सैनिकों ने पूर्ण संयम रखते हुए अत्यंत शौर्य का प्रदर्शन करते हुए पाक सेना और घुसपैठियों को कारगिल से खदेड़ दिया।

अक्टूबर माह में सेना ने नवाज शरीफ की सरकार का तख्ता पलट कर सत्ता हथिया ली। बाद में नवाज शरीफ को देश निकाला दे दिया गया और वे सउदी अरेबिया में बस गये। जून 20 को जनरल मुशर्रफ ने स्वंय को पाकिस्तान का राष्ट्रपति घोषित कर दिया। जुलाई 2000 में राष्ट्रपति मुशर्रफ भारत की यात्रा पर आये। आगरा में दोनो देशों की शिखर बैठक हुई लेकिन वार्ता को कोई ठोस नतीजा नहीं निकला। भारत के प्रधानमंत्री वाजपेई पाकिस्तान के दौरे पर जायेंगे।

हाल की घटनायें: 25 फरवरी को दक्षिण अफ्रीका के पर्ल में वासिम अकरम एक दिवसीय क्रिकेट में 500 विकेट लेने वाले अकेले गेंदबाज बने। मार्च में संयुक्त राज्य ने प्रतिबंध हटाये। पाकिस्तान को संयुक्त राज्य अमरीका ने 3 अरब डालर की सहायता देने का आश्वासन दिया।

राष्ट्रपति: जनरल परवेज मुशर्रफ; **प्रधानमंत्री:** मीर जफरउल्ला खान जमाली।

भारत में दूतावास: पाकिस्तान का दूतावास: 2/50-जी, शान्ति पथ, चाणक्यपुरी, नई दिल्ली-110 021; फोन: 6110601, 6110603 फैक्स: 6872339.

E-mail:pakch@nda.vsnl.net.in

Indian Mission in Pakistan: High Commission of India, G-5, Diplomatic Enclave, Islamabad, Pakistan. Tel: 00-92-51-206950; Fax: 00-92-51-823102.

E-mail: hicomind@isb.compol.com

पापुआ न्यूगिनी

Independent State of Papua New Guinea

राजधानी: पोर्ट मोरेस्बी; **क्षेत्रफल:** 462,840 वर्ग किलोमीटर; **जनसंख्या:** 5.0 मिलयन; **भाषा:** मेलानेशियन और पापुअन; **साक्षरता:** 72%; **धर्म:** ईसाई और कबायली; **मुद्रा:** कीना; 1 अमरीकी डालर = 3.96 कीना; **प्रति व्यक्ति आय:** 2,570 डालर।

पापुआ न्यूगिनी में न्यूगिनी द्वीप का पूर्वी भाग तथा आसपास के द्वीप मुख्यत: ज्वालामुखीय और प्रवालीय उद्भव के हैं।

यहां के निवासी काली चमड़ी वाले मेलानेशियन हैं जो मुख्यत: समुद्र तट पर रहते हैं तथा ऊन जैसे बालों वाले पापुआ है जो देश के भीतरी भागों में रहते हैं। 16 सितंबर 1975 को स्वतंत्र हुआ।

18 वर्ष के ऊपर के समस्त नागरिकों को मतदान करने का अधिकार है। बोगेनविले प्रायद्वीप में पृथकतावादी बोगेनविले रिवाल्यूशन पार्टी व सरकार के संघर्ष में अबतक 1000 लोग मारे जा चुके हैं। वार्ता के 13 चक्र असफल रहे हैं और लड़ाई जारी है।

अधिकांश लोग कृषि पर निर्भर करते हैं, जिनमें से बहुत से लोग कठिनता से गुजारा कर पाते हैं। यहां की मुख्य खाद्य फसलें साबुदाना, जमींकन्द, कचालू, संमु, आलू और शकरकन्द हैं। नकदी फसलों में नारियल, कोको, काफी और रबड़ हैं। देश में अनेक खनिजों के बड़े भंडार हैं। सोने और तांबे का खनन किया जाता है। तेल और प्राकृतिक गैस भी यहां पाई गई है।

गवर्नर जनरल: सर सिलास अटोपरे; **प्रधानमंत्री:** माइकल सोमारे

भारत में दूतावास: कुलालंपूर में स्थित पापुआ न्यूगिनि का दूतावास।

Indian Mission in Papua New Guinea: High Commission of India, Suite No.G-5, Hotel Islander Travelodge, P.O.Box 86, Waigani, NCD, Port Moresby, Papua New Guinea. Tel: 00-675-3254757; Fax: 00-675-3253138.

E-mail:hcipom@datec.com.pg

पुर्तगाल

(Republic of Portugal) Republica Portuguesa

राजधानी: लिस्बन; **क्षेत्रफल:** 92,072 वर्ग किलोमीटर; **जनसंख्या:** 10.4 मिलयन; **भाषा:** पुर्तगाली; **साक्षरता:**

जल–जल हर जगह जल

फ्रांस की कंपनियां जल उद्योग में विश्व में सबसे आगे हैं। दो सबसे बड़ी कंपनियां हैं – जेनेरेले डेस इयाक्स जिसका स्वामित्व वीओलिया के पास है और जिसके पास 25 मिलयन घरेलू ग्राहक हैं, और लीओन्नेसे डेस इयाक्स जिसका स्वामित्व सुएज के पास है 14 मिलयन की आपूर्ति करती है। इन दोनों कंपनियों का न केवल फ्रांस में प्रभुत्व है वरन इनका फैलाव विश्व भर में है। फ्रांस को इस क्षेत्र में पीछे करने का एक अमरीकी प्रयास विफल हो गया जब अजुरिक्स जोकि एनरान कंपनी का हिस्सा थी और जिसका बाद में दिवाला निकल गया था ने प्रयास किया था।

जुलाई 96 में पोलैंड आर्गनाइजेशन फार इकोनोमिक कोआपरेशन एंड डेवलपमेंट का 28वां सदस्य बना।

जुलाई 97 में अतिवृष्टि से पौलैंड में भारी तबाही हुई। यह तबाही शताब्दि की सबसे भयंकर थी।

यहां की 32 प्रतिशत जनता कृषि कार्यों में लगी है। यहां की मुख्य फसलें राई, गेहूं, जई, आलू, चुकन्दर, तम्बाकू और फ्लैक्स हैं। देश में खनिज सम्पदा के विशाल भंडार हैं, विशेष रूप से कोयले के। इसके अलावा लोहा, लिग्नाइट, प्राकृतिक गैस, सीसा और जस्ता भी पाया जाता है। कपड़ा, रासायनिक पदार्थ और धातु–कर्म यहां के प्राचीन स्थापित उद्योग है। नए उद्योगों में मोटरगाड़ी, ट्रेक्टर, भारी मशीनें, जहाज निर्माण और वायुयान निर्माण उद्योग शामिल हैं। यहां के मुख्य निर्यात जलपोत, कोयला, स्टील तथा कपड़ा है।

राष्ट्रपति: *अलक्सान्डर क्वास्निवेस्कि;* **प्रधानमंत्री:** *लेसजेक मिलर।*

भारत में दूतावास: पोलैंड का दूतावास 50 एम, शान्ति पथ, चाणक्यपुरी, नई दिल्ली–110 021; फोन: 6889211, 6879158; फैक्स: 6871914

Indian Mission in Poland: Embassy of India, Rejtana 15 (Flats 2 to 7), Mokotow, 02-516 Warsaw, Poland. Tel: 00-48-22-8495800; Fax: -00-48-22-8496705.

E-mail:ss_com@it.com.pl

फ्रांस

(French Republic)/Republique Francaise

राजधानी: पेरिस; क्षेत्रफल: 543,965 वर्ग किलोमीटर; जनसंख्या: 59.5 मिलयन; भाषा: फ्रेंच; साक्षरता: 99%; धर्म: ईसाई; मुद्रा: यूरो; 1 अमरीकी डालर = 1.03 यूरो; प्रति व्यक्ति आय: 23,990 डालर।

फ्रांस पश्चिमी यूरोप का सबसे बड़ा देश है और तीन बड़े देशों स्पेन, जर्मनी और इटली के बीच में स्थित है। नेपोलियन की जन्मस्थली कोर्सिका द्वीप फ्रांस का एक भाग है।

पुराने जमाने में फ्रांस में राजतंत्र था। फ्रांस की क्रान्ति (1789–1793) ने यहां गणतंत्र स्थापित किया। उसके बाद यहां गणतंत्रात्मक और शाही शासन व्यवस्था एक–दूसरे के बाद चलती रहीं। 1958 में चार्ल्स डिगाल के नेतृत्व में यहां पांचवें गणतंत्र की स्थापना हुई।

6 सितंबर 95 को फ्रांस ने परमाणु बम के परीक्षण किये। दुनिया भर में इसके विरोध के कारण जनवरी 96 में फ्रांस ने परीक्षण बंद करने की घोषणा की। 97 में विधायिका के चुनावों में साम्यवादी गठबंधन को सफलता मिली।

कृषि उत्पादन के संबंध में फ्रांस आत्मनिर्भर है और बड़ी मात्रा में कृषि उत्पादनों का निर्यात करता है। निर्मित वस्तुओं में सबसे महत्वपूर्ण हैं– रसायन, सिल्क, सूती वस्त्र, मोटरगाड़ियां, विमान, पोत, अतिसूक्ष्म नाप–तोल की मशीनें, इलेक्ट्रानिक उपकरण, इत्र और शराब। पिछले 20 वर्षों के दौरान शहरी विकास और तकनीकी प्रगति के फलस्वरूप फ्रांस के निवासियों का दैनिक जीवन बहुत बदल गया है।

हाल की घटनायें: जैक्वेस शिराक दुवारा राष्ट्रपति निर्वाचित हुए, उनपर कातिलाना हमला हुआ।

विदेश विभाग: फ्रेंच गयाना, गुआडिलोप, मार्टिनिक्व, रीयुनियन।

विदेशी क्षेत्र: फ्रेंच पालीनेशिया, फ्रेंच सदर्न और एंटार्टिक लैंड्स, न्यू कैलेडोनिया और अधीन क्षेत्र।

हाल की घटनायें: पिछले 20 वर्षो में पेंशन सुधारों को लेकर सबसे अधिक प्रदर्शनों ने पेरिस को हिला कर रख दिया। जून 1 को एवियान के फ्रेंच रिसार्ट में जी–8 देशों का सम्मेलन प्रारंभ हुआ। अगस्त 3 को फ्रांस में दो सप्ताह तक भयानक गर्मी के कारण 5000 लोग मरे।

टेरिटोरियल कलेक्टिव्ज: सेंट पियरो और मिक्वेलोन; मेयोटे।

राष्ट्रपति: जैक्वेस शिराक; **प्रधानमंत्री:** जीन–पियरे राफारिन

भारत में दूतावास: फ्रांस का दूतावास, 2/50 ई. शान्ति पथ, चाणक्यपुरी, नई दिल्ली–110 021; फोन: 6118790; फैक्स: 6872305.

Indian Mission in France: Embassy of India, 15, Rue Alfred Dehodencq, 75016 Paris, France. Tel: 00-33-1-40507070; Fax: 00-33-1-40500996.

E-mail: administra@wanadoo.fr/administra@amb-inde.fr

फिजी

(Republic of Fiji)

राजधानी: सुवा; क्षेत्रफल: 18,376 वर्ग किलोमीटर; जनसंख्या: 823,000; भाषा: अंग्रेजी और फिजी की भाषा; साक्षरता: 91%; धर्म: ईसाई, हिन्दू एवं इस्लाम; मुद्रा: डालर; 1 अमरीकी डालर = 2.15 डालर; प्रति व्यक्ति आय: 4,850 डालर।

फिजी में लगभग 300 द्वीप हैं। ये न्यूजीलैंड से 1100 मील उत्तर में हैं। इन द्वीपों में सबसे बड़ा द्वीप विति लेवु है, जो इस देश के सब द्वीपों के कुल क्षेत्रफल के आधे से बड़ा है। इसी द्वीप पर इस देश की राजधानी सुवा है। फिजी आस्ट्रेलिया, न्यूज़ीलैंड और उत्तरी अमरीका के बीच मुख्य

मार्ग पर स्थित है और दक्षिणी–पश्चिमी प्रशान्त महासागर में संचार का केन्द्र है ।

ये द्वीप 1874 में ब्रिटिश शासन के अधीन आ गए थे। यहां के यूरोपीय गन्ने के खेतों में काम करने हेतु भारतीय मजदूरों को लाने का काम 1879 में आरंभ हुआ । वहां गए सभी भारतीय मज़दूर इन्हीं द्वीपों में स्थायी रूप से बस गए। यहां की आधी जनसंख्या इन्हीं भारतीय मज़दूरों के वंशजों की है ।

यहां के मूल निवासी, मेलानेशियन, आबादी का 43 प्रतिशत है और शेष आबादी में यूरोपीय, चीनी व अन्य लोग सम्मिलित हैं । 10 अक्तूबर, 1970 को ब्रिटेन ने फिजी को स्वाधीनता प्रदान कर दी ।

फिजी एक विख्यात पर्यटक केन्द्र है मुख्य उत्पाद कृषि से मिलते हैं । कुल निर्यात में 90 प्रतिशत भाग चीनी और नारियल का है । खनन कम है और उद्योग कुछ ही हैं ।

अक्तूबर 1987 में सैनिक शासक कर्नल सिटिवेनी रेबुका ने भारतीय प्रवासियों के नेता डा. थिमोकी बवाद्रा के नेतृत्व में निर्वाचित लोकप्रिय सरकार को अपदस्थ करके फिजी को गणराज्य घोषित किया । अक्टूबर 1987 सेना के कर्नल सटिविनी राबुका ने भारतीय जातीय दल के नेता डा. तिमोची बावाद्रा की लोकप्रिय निर्वाचित सरकार को अपदस्थ करते हुए फिजी को गणराज्य घोषित कर दिया। दिसंबर महीने में एक बार फिर नागरिक सरकार बनी।

स्वदेशी फिजी वासियों के पक्ष में 1990 में एक नया संविधान लागू किया गया। 70 सदस्यीय संसद में भारतीयों के लिये 27 सीटे रखीं गईं। राष्ट्रपति व प्रधानमंत्री पद स्वदेशी फिजी वासियों के लिये सुरक्षित रखे गये। जुलाई 97 में रंगभेद रहित संविधान जिसमें भारतीयों की राजनीतिक शक्ति पर लगी रोक को हटाने का प्रावधान था को स्वीकृत दी गई।

लेबर पार्टी के नेता महेंद्र चौधरी प्रथम भारतीय जाति के नेता हैं जिन्हें 1999 में प्रधानमंत्री बनाया गया।

मई 19 को एक व्यवसाई जार्ज स्पीट कुछ बंदूकधारियों के साथ संसद में घुस कर प्रधानमंत्री महेंद्र चौधरी और उनके मंत्रिमंडल के सहयोगियों को बंधक बना लिया। उसकी मांग थी कि फिजी के मूल लोगों के ही हाथ में सत्ता होनी चाहिये। सेना ने मार्शल ला घोषित कर दिया। दो महीनों के इस नाटक के बाद वहां पर सत्ता का हस्तांतरण हुआ। और दो महीने की कैद के बाद प्रधानमंत्री चौधरी व उनके साथी रिहा हुए। महेंद्र चौधरी अगस्त महीने में भारत की यात्रा पर आये।

हाल की घटना: मंत्रिमंडल में 14 भारतीयों को स्थान मिला।

राष्ट्रपति: रातू जोसेफा इलोयिलो; **प्रधानमंत्री:** लैसेनिया कोरासे।

Indian Mission in Fiji: High Commission of India, Suite No. 270, Centra Suva, Suva, Fiji Islands, P.O. Box No. 471, Suva, Fiji Islands. Tel: 00-679-301125; Fax: 00-679-301032. E-mail: hicomindsuva@is.com.fj

फिनलैंड

(Republic of Finland)/Suomen Tasavalta

राजधानी: हेलसिंकी; **क्षेत्रफल:** 338,000 वर्गकिलोमीटर; **जनसंख्या:** 5.2 मिलियन; **भाषा:** फिनिश एवं स्वीडिश; **साक्षरता:** 100%; **धर्म:** ईसाई; **मुद्रा:** यूरो; 1 अमरीकी डालर = 1.03; **प्रति व्यक्ति आय:** 24,430 डालर।

फिनलैंड बाल्टिक सागर के तट पर स्थित है और पहले यह रूसी साम्राज्य का एक भाग था । 1917 में इसे स्वाधीनता मिली । मार्च 1995 के चुनावों में सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी को सत्ता मिली। फिनलैंड ने 1 जनवरी 1996 को ई.यू. की सदस्यता ली।

औस कागज़ की लुगदी उद्योग बहुत विकसित है । अन्य उद्योग हैं पोत निर्माण, धातु वस्त्र, चमड़ा और रसायन । फिनलैंड के पास व्यापारिक पोतों का विशाल समुद्री बेड़ा है। पोतों का कुल भार 1,649,687 टन (1985)।

फरवरी के राष्ट्रपति चुनावों में पहली बार फिनलैंड में महिला राष्ट्रपति निर्वाचित हुईं।

राष्ट्रपति: सुश्री टार्जा हालोनेन; **प्रधानमंत्री:** पावो लिप्पोनेन।

भारत में दूतावास: फिनलैंड का दूतावास, ई–3, न्याय मार्ग, चाणक्यपुरी, नई दिल्ली–110 021; फोन: 6115258, 6118096; फैक्स: 6886713.

E-mail: *NDE.sanomat@formin.fi*

Indian Mission in Finland: Embassy of India, Satamakatu 2 A 8, 00160, Helsinki, Finland. Tel: 00-358-9-608927; Fax: 00-358-9-6221208.

E-mail: indemb.fin@ichlk.pp.fi

फिलिस्तीन

फिलिस्तीन मुक्ति मोर्चे (पी.एल.ओ) के अध्यक्ष यासर अराफात ने 15 नवंबर 1988 को अल्जीरिया में स्वतंत्र फिलिस्तीन की ऐतिहासिक घोषणा की थी । उनकी [illegible] राज्य की सीमाएं गाजा पट्टी और रिवर जोर्डन के पश्चिमी किनारे तक थी । फिलिस्तीन का मुख्यालय ट्यूनिश में 199[illegible] में [illegible] अराफात के जेरिको आने तक रखा गया।

फिलिस्तीनी अरबों की राष्ट्रीय प्रेरणा के [illegible] की स्थापना 1964 में की गयी थी । 197[illegible] में [illegible] ने इसे स्थायी निरीक्षक ओहदा दिया और 1976 में [illegible] अरब लीग का स्थायी सदस्य बन गया [illegible] संघर्ष के बाद अस्तित्व में नये राष्ट्र का [illegible] देशों ने तुरंत ही मान्यता दे दी। [illegible] पंथी लिकुड ब्लाक की सरकार [illegible] पार्टी ने यिटझाक शामिर – [illegible] फिलिस्तीन जनता का [illegible] दिया । 44 वर्षीय अरब [illegible] मांग वेस्ट बैंक और [illegible] स्वशासन की रहे है [illegible] मोड़ आया जब [illegible] दे दी । इजराइल [illegible] सितंबर के [illegible] मान्यता देने [illegible] समझौते पर [illegible] हस्ताक्षर [illegible] इजराइल [illegible] और 5 [illegible]

की स्थापना की। जनवरी 96 में राष्ट्रपति पद के चुनावों में श्री अराफात को 82% मत मिले व वे भारी बहुमत से निर्वाचित राष्ट्रपति बने। अमरीका के राष्ट्रपति क्लिंटन की मध्यस्था में बातचीत का दौर शुरु हुआ। जुलाई 97 में जेरुसलम में सुसाइड बाम्बिंग के बाद इजराइल ने बातचीत का दौर बंद कर दिया।

यासर अराफात ने फरवरी 98 में महमूद अब्बास को अपना उत्तराधिकारी बनाया।

4 मई 1999 को स्वतंत्र फिलीस्तीनी राज्य की घोषणा की जानी थी लेकिन इजराइल में तुरंत बाद होने वाले चुनावों और वाई समझौता जिस पर अभी बातचीत जारी थी के लागू न होने के कारण यह घोषणा नहीं की जा सकी।

पोप जान पाल द्वितीय ने फिलीस्तीन की यात्रा पर अपने वक्तव्य में स्वतंत्र फिलीस्तीन राज्य पर सहमति जताई।

हाल की घटनायें: अगस्त 3 को इजराईल ने सद्इच्छा दिखाते हुए जेल में बंद 340 फिलीस्तीनियों की रिहाई कर दी।

भारत में दूतावास: फिलिस्तीन राज्य का दूतावास, डी–1/27 वसंत विहार, नई दिल्ली–110 057, फोन: 6146605, 6142859; फैक्स: 6142942.

E-mail.palestin@del3.vsnl.net.in

Indian Mission in Palestine: Representative office of India, 182-49, Shurta Street, Al Remal, P.O. Box. 1065, Gaza City, State of Palestine. Tel: 00-972-7-2825423; Fax: 00-972-7-2825433.

E-mail:roi_gaza@trendline.co.il

फिलीपीन्स

(Republic of the Philippines) Republika ng Pilipinas

राजधानी: मनीला; **क्षेत्रफल:** 2,99,404 वर्ग किलोमीटर; **जनसंख्या:** 80.0 मिलयन; **भाषा:** फिलीपीनो और अंग्रेजी; **साक्षरता:** 95%; **धर्म:** ईसाई और इस्लाम; **मुद्रा:** पीसो; 1 अमरीकी डालर = 52.48 पीसो; **प्रति व्यक्ति आय:** 3,840 डालर।

फिलीपीन्स एशिया के दक्षिणी–पूर्वी तट से 600 मील विषवत् रेखा के उत्तर में 15 अक्षांश पर स्थित है।

फिलीपीन्स 7100 द्वीप पुंज है जिसमें मुख्य द्वीप समूह न और मिन्डानाओ हैं।

देश के उद्योगों में रबड़ उत्पाद, तेल–शोधन, फल–संरक्षण और डब्या–बंदी, आरा–पिसाई, कागज़, नमक, सिगार और सिगरेट, सीमेंट, उर्वरक, प्लाईवुड और लम्बर, धातु और कांच के बर्तन, फर्नीचर, कपड़ा चिकित्सा और फार्मेसी पदार्थ, खाद्य पदार्थ तथा पेय पदार्थ सम्मिलित हैं।

यहां की मुख्य कृषि फसलें चावल, मक्का, चीनी, तम्बाकू, अल्बाका, अनन्नास, नारियल, केले, आम आदि हैं।

फिलीपीन्स प्राकृतिक सम्पदा से भरपूर है। यहां लोहा, चांदी, सोना, क्रोमाइट, मैंगनीज और तांबे के वाणिज्यिक भंडार हैं। यहां संगमरमर की खानें तथा घने वन भी हैं तथा इसके क्षेत्रीय समुद्र में मछली पकड़ने की विस्तृत संभावनाएं हैं।

फर्डिनान्ड मार्कोस 1965 से 86 तक राष्ट्रपति रहे। उनके बाद कोराजान एक्विनो ने यह पद संभाला। वर्ष के अंत में अमरीका ने सुबिक बे नेवल स्टेशन छोड़ दिया।

29 मई 1998 में उपराष्ट्रपति जोसेफ एस्त्राडा 13वें राष्ट्रपति बने। एस्त्राड़ा सिनेमा जगत के प्रसिद्ध स्टार थे, बाद में वे राजनीति में आ गये।

राष्ट्रपति एवं प्रधानमंत्री: सुश्री ग्लोरिया मैकापागलाल अरोयो।

भारत में दूतावास: एम्बेसी आफ फिलीपीन्स 50–एन न्याय मार्ग, चाणक्यपुरी, नई दिल्ली–110 021; फोन: (91–11) 4101120, 688909.

E-mail:phndelhi@del2.vsnl.net.in

Indian Mission in Philippines: Embassy of India, 2190 Paraiso Street, Dasmarinas Village, Makati City, Philippines, P.O. Box No. 2123 MCPO, Makati City, Philippines. Tel: 00-632-8430101; Fax: 00-632-8158151.

E-mail: eimani@vasia.com

बरकिना फासो

राजधानी: ओगाडुगु; **क्षेत्रफल:** 274,200 वर्ग किलोमीटर; **जनसंख्या:** 12.6 मिलयन; **भाषा:** फ्रेंच तथा स्थानीय भाषाएं; **साक्षरता:** 19%; **धर्म:** कयीलाई धर्म और इस्लाम; **मुद्रा:** फ्रैंक सी.एफ.ए.; 1 अमरीकी डालर = 671.78 फ्रैंक सी.एफ.ए; **प्रति व्यक्ति आय:** 1,120 डालर।

बरकिना गणराज्य पश्चिमी अफ्रीका में स्थित है और माली, नाइजर, बेनिन, टोगो, घाना और आइवरी कोस्ट से घिरा हुआ है। पहले यह फ्रेंच वेस्ट अफ्रीका का एक प्रान्त था, जिसे अपर वोल्टा कहा जाता था। 1960 में इसे पूर्ण स्वाधीनता मिली। 1984 में इसका नाम बदल कर बरकिना फासो रखा गया।

बरकिना फासो एक कृषि प्रधान देश है और इसकी 80 प्रतिशत जनसंख्या कृषि पर निर्भर है। पशु–पालन का काम काफी तरक्की पर है। मुख्य फसलें है– सोरघम, ज्वार–बाजरा, रतालू, कपास, चावल, मूंगफली और कैरिटी। उद्योगों के नाम पर स्थानीय दस्तकारियां ही हैं।

राज्याध्यक्ष: कैप्टन ब्लैज़ी कोम्पावरे; **प्रधानमंत्री:** एनस्ट योन्ली।

भारत में दूतावास: बरकिना फासो दूतावास, जी–5, आनंद निकेतन, नई दिल्ली–110 021, फोन: 4671678, 4671679; फैक्स: 4671745.

E-mail: emburnd@bol.net.in

Indian Mission in Burkina Faso: Embassy of India, No. 167, Rue Joseph Badoua, B.P. 6648, Ouagadougou-01, Burkina Faso. Tel: 00-226-312009; Fax: 00-226-312012

E-mail:indemb@fasonet.bf

बरबडोस

राजधानी: ब्रिजटाउन; **क्षेत्रफल:** 430 वर्ग किलोमीटर; **जनसंख्या:** 268,000; **भाषा:** अंग्रेजी; **साक्षरता:** 97%; **धर्म:** ईसाई; **मुद्रा:** बरबडोस डालर; 1 अमरीकी डालर = 1.99 बरबडोस डालर; **प्रति व्यक्ति आय:** 15,560 डालर।

बरबडोस द्वीप कैरेबियन सागर के द्वीपों में सबसे पूर्व में पड़ने वाला द्वीप है। यह दक्षिणी अमरीका के उत्तर–पूर्व में लगभग 400 मील की दूरी पर है। इसे विंडवर्ड द्वीप समूह में सम्मिलित माना जाता है। बरबडोस 30 नवम्बर, 1966

को राष्ट्रमंडल के अन्तर्गत पूर्ण स्वाधीन राज्य बना। बारबडोस की अर्थ–व्यवस्था में कृषि और पर्यटन का सबसे महत्वपूर्ण स्थान है। देश के कुल निर्यात का 90 प्रतिशत भाग चीनी, शीरा और रम है।

राज्याध्यक्ष: क्वीन एलिजाबेथ द्वितीय; **गवर्नर जनरल:** क्लीफोर्ड हज़बंडज; **प्रधानमंत्री:** ओवन आर्थर।

Indian Mission in Barbados: Honorary Consulate of India, 91, Cherry Drive, Oxnards, St. James, Barbados. Tel:00-11-246-4380108; Fax: 00-11-246-4245496.

बोस्निया–हर्जेगोविना

(Republic of Bosnia and Herzegovina) Republika Bosna i Hercegovina

राजधानी: सरायेवा; **क्षेत्रफल:** 51,129 वर्ग किलोमीटर; **जनसंख्या:** 3.4 मिलयन; **भाषा:** सर्वो–क्रोएशियन; **साक्षरता:** 86%; **धर्म:** ईसाई एवं इस्लाम; **मुद्रा:** न्यू युगोस्लाव दीनार; एक अमरीकी डालर = 2.00 न.यू. दीनार; **प्रति व्यक्ति आय:** 5,970 डालर।

पूर्व यूगोस्लाविया संघ का गणराज्य बोस्निया हर्जेगोविना परंपरागत रूप से बाल्कन की शक्ति का गढ़ समझा जाता रहा है। यहां पर तीन गुटों एवं धर्म (मुस्लिम, कैथोलिक और आर्थोडाक्स) के मध्य विस्फोटक स्थिति है।

. जाति समुदाय: मुस्लिम स्लाव–43%, सर्ब्स–31%, क्रोएट्स–17%, अन्य: 9%।

स्लाव्ज़ ने 7वीं शताब्दी में देश को स्थापित किया था। 1463 में तुर्की ने बोस्निया को जीत लिया। बर्लिन कांग्रेस (1878) में यह क्षेत्र आस्ट्रो–हंगेरियन प्रशासन को तुर्की संप्रभुता के अंतर्गत दिया गया। 1908 में आस्ट्रो–हंगेरियन द्वारा इस क्षेत्र पर पूर्ण कब्जा कर लेने से अंतर्राष्ट्रीय तनाव बन गया जो बाद में प्रथम विश्वयुद्ध में परिणति हुआ।

क्रोट्स और मुस्लिमों ने 1991 में स्वतंत्रता के लिये मत दिया। फरवरी 1992 में स्वतंत्रता के लिये जनमत संग्रह पारित किया गया एक सर्व गणराज्य की स्थापना बोस्निया के सर्व बाहुल्य क्षेत्र में की गयी। जनमत संग्रह का सर्वो द्वारा विरोध करने पर हिंसा एवं युद्ध शुरू हो गया। अप्रेल में गणराज्य की स्वतंत्रता को संयुक्त राज्य एवं यूरोपीय देशों ने मान्यता दे दी। भयानक युद्ध चलता रहा। सर्वो ने हजारों बोस्निया के नागरिकों को मार डाला। बोस्निया का 3 चौथाई हिस्सा सर्वो के आधीन हो गया। सरायेवो में लोग गोलियों एवं बम के आतंक में जी रहे हैं। जेनेवा व संयुक्त राष्ट्र में शांति वार्ता के बावजूद मारकाट जारी है। मार्च 93 में सर्व मुस्लिम और क्रोट्स के मध्य एक संघ को बनाने का समझौता हुआ। अगस्त में बोस्निया के विभाजन का प्रस्ताव रखा गया। युद्ध बंद किया गया। अमरीका, ब्रिटेन, रूस, फ्रांस और जर्मनी द्वारा तैयार की गयी शांति योजना पर विचार प्रारंभ हुआ। सर्व के बंदूकधारियों द्वारा सर्जीवो के बाजार में भारी तबाही करने के बाद नाटो ने सर्वो के अधिकार में बोस्नियन क्षेत्र पर भारी हवाई हमले किये।

सितंबर 1995 में बोस्निया के युद्धरत गुट ने साढ़े तीन वर्षों से चल रहे युद्ध को समाप्त करने के लिये देश के विभाजन करने पर राजी हो गये। एक भाग सर्ब विद्रोहियों के लिये और दूसरा भाग मुस्लिम व क्रोट्स के लिये नियत किया। लेकिन वस्तुत सर्व जातीय संघर्ष में लगे रहे।

फरवरी 96 में युद्ध समाप्त हुआ और रोम में में एक बैठक में डायटन समझौते पर विश्वास दुहराया गया। समस्या यह आयी युद्ध के कारण देश की तहस–नहस आर्थिक स्थिति को ठीक करने के लिये 5 बिलियन डालर कहां से आयें। मार्च में सरजीवो का एकीकरण हुआ जब पांच सर्व क्षेत्र मुस्लिम क्रोट्स संघ को दिये गये। जुलाई में संयुक्त राष्ट्र युद्ध अपराध ट्रिब्यूनल ने बोस्नियन सर्व के राजनीतिक नेता राडोवान काराडजिक के गिरफ्तारी वारंट जारी किये। राडोवान ने बाद में पद से हटने की बात की। सितंबर में संघीय संसद और तीन व्यक्तियों की सामूहिक प्रेसिडेंसी के लिये चुनाव हुए।

बोस्निया के सर्व, क्रोट्स व मुस्लिम नेताओं ने सेंट्रल बैंक और अंतरिम करेंसी जोकि दोनों भागों के लिये अलग–अलग तैयार की गयी पर सहमति जताई। नाटो का सैन्य दल जो कि यहां पर काम कर रहा था को 98 में हटा लिया गया।

कृषि उत्पाद: गेंहू, मक्का, आलू, प्लम्स, लकड़ी, भेंड आदि। उद्योग: कपड़ा, लकड़ी, रग्ज, सीमेंट, विद्युत, कोयला, इस्पात।

प्रेसीडेंसी चेयरमैन(सर्व): जोजो क्रिजानोविक, **प्रेसीडेंसी सदस्य (मुस्लिम):** बेरिज बेलकिक, **प्रेसीडेंसी सदस्य (क्रोट):** जिवको रैडिस्टिक, **प्रधानमंत्री:** जाटको लागुमजिजा।

भारत में दूतावास: बोस्निया एंड हर्जेगोविना का दूतावास, 57, पूर्वी मार्ग, वसंत विहार, नई दिल्ली–110057, फोन: 6147415, फैक्स: 6143042.

बल्गारिया

(Republic of Bulgaria) Republika Bulgaria

राजधानी: सोफिया; **क्षेत्रफल:** 110,912 वर्ग किलोमीटर; **जनसंख्या:** 7.8 मिलयन; **भाषा:** बल्गेरियन, तुर्की; **साक्षरता:** 98%; **धर्म:** ईसाई; **मुद्रा:** लेव; 1 अमरीकी डालर = 2.100 लेव; **प्रति व्यक्ति आय:** 6,890 डालर।

बल्गारिया की स्थापना 681 ई. में दक्षिणी–पूर्वी यूरोप में हुई थी और 9 सितम्बर, 1944 को यह समाजवादी गणराज्य स्थापित हुआ।

4 दशकों के बाद देश में पहला स्वतंत्र चुनाव सितम्बर 1990 में हुआ और 11 सदस्यीय कार्पोरेट प्रेसीडेंसी सत्ता के लिये निर्वाचित हुई।

अप्रैल 97 में संसदीय चुनावों में रिफार्मिस्ट यूनियन आफ डेमोक्रेटिक फोर्स को भारी बहुमत के साथ विजय मिली।

यहां की मुख्य फसले हैं– गेहूं, रई, जौ, मक्का, चुकन्दर, जई, आलू और तम्बाकू। मुख्य खनिज कोयला, कच्चा लोहा, तांबा, सीसा और जस्ता हैं।

राष्ट्रपति : जार्जी परवनोव; **प्रधानमंत्री:** सिमयोन द्वितीय।

भारत में दूतावास: बल्गारिया के लोकतत्रीय गणराज्य का दूतावास, ई.पी. 16/7, चन्द्रगुप्त मार्ग, चाणक्यपुरी, नई दिल्ली–110021; फोन:6115549; फैक्स: 6876190

E-mail·bulemb@mantraonline com

Web· www bulgarianembindia com

Indian Mission in Bulgaria: Embassy of India, 31, Patnarch Evumi Blvd., Sofia 1000, Bulgaria. Tel: 00-359-2-9867672, Fax: 00-359-2-9801289.
E-mail:india@inet.bg, indembg@inet.bg

बहरीन

State of Bahrain/Dawlat al-Bahrayn

राजधानी: मनामा; **क्षेत्रफल:** 669 वर्ग किलोमीटर; **जनसंख्या:** 700,000; **भाषा:** अरबी और अंग्रेजी; **साक्षरता:** 85%; **धर्म:** इस्लाम; **मुद्रा:** दिनार; 1 अमरीकी डलर = 0.99 दिनार; **प्रति व्यक्ति आय:** 13,688 डलर।

15 अगस्त 1971 को स्वाधीन होने वाला बहरीन एक अरब राज्य है, जिसमें अरब की खाड़ी के 33 छोटे-छोटे द्वीप सम्मिलित हैं । बहरीन सबसे बडा द्वीप है और इसी के नाम पर इस द्वीप समूह का नाम है । इस देश में स्वाधीन राजतंत्र है ।

पशुपालन, कृषि और मछली पकड़ने जैसे परम्परागत धंधों के साथ ही बहुत-से आधुनिक उद्योग भी स्थापित हो गए हैं इस राज्य की आय का अधिकांश भाग तेल से प्राप्त होता है । लोगों के रहन-सहन का स्तर बहुत ऊंचा है । माध्यमिक स्तर तक शिक्षा निःशुल्क है और उच्च स्तर की शिक्षा में छात्रवृत्तियों के रूप में बड़ी मात्रा में सरकारी सहायता उपलब्ध है ।

अमीर: शेख हमद बिन ईसा अल-खलीफा; **प्रधानमंत्री:** शेख खलीफा बिन सुलमान अल-खलीफा ।

वाणिज्य दूतावास: पांचवी मंज़िल, मेकर टावर, एफ कफ परेड रोड़, कोलाबा, मुंबई-400 005, फोन: 2185856; फेक्स: 2188817.

Indian Mission in Bahrain: Embassy of India, Building 182, Road 2608, Area 326, Ghudaibiya, P.O.Box No. 26106, Adliya, Bahrain. Tel: 00-973-712683, 712785. Fax: 00-973-715527.
E-mail:ambs@batelco.com.bh;
Website.http:/www.indianembassy-bh.com

ommonwealth of The Bahamas

राजधानी: नसाऊ; **क्षेत्रफल:** 13,939 वर्ग किलोमीटर; **जनसंख्या:** 308,000; **भाषा:** अंग्रेजी; **साक्षरता:** 98%; **धर्म:** ईसाई; **मुद्रा:** बहामी डालर; 1 अमरीकी डालर = 1 बहामी डालर; **प्रति व्यक्ति आय:** 16,270 डालर ।

बहामाज़ राज्य फ्लोरिडा के दक्षिण-पूर्वी तट से दूर स्थित एक द्वीप समूह है । इसमें 700 से अधिक द्वीप और 2000 छोटे द्वीप और चट्टानें हैं । केवल 30 प्रतिशत द्वीपों में आबादी है ।

सबसे बड़ा द्वीप एंड्रोस है किन्तु सबसे अधिक आबादी वाला द्वीप न्यू प्राविडेन्स है । राजधानी नसाऊ, न्यू प्राविडेन्स द्वीप पर ही है । 75% जनसंख्या नीग्रो है, शेष यूरोपीय हैं ।

बहामाज़ को स्थानीय स्वशासन 1964 में मिला और स्वाधीनता 1973 में मिली ।

5 से 14 वर्ष की आयु के बीच वाले बच्चों के लिए शिक्षा निःशुल्क और अनिवार्य है ।

पर्यटन मुख्य उद्योग है और मछली पकड़ना मुख्य धंधा है । फल और सब्जियां भी पैदा होती हैं ।

गवर्नर जनरल: ओरविले टेणक्वस्ट; **प्रधानमंत्री:** हबर्ट इंग्राहम।

बंगलादेश

(People's Republic of Bangladesh; Gana Prajatani Bangladesh)

राजधानी: ढाका; **क्षेत्रफल:** 148,393 वर्ग किलोमीटर; **जनसंख्या:** 133.6 मिलयन; **भाषा:** बंगाली, चकमा और माघ; **साक्षरता:** 38%; **धर्म:** इस्लाम, हिंदू, बौद्ध, ईसाई; **मुद्रा:** टका; 1 डालर = 57.85 टका; **प्रति व्यक्ति आय:** 1,610 डालर।

बंगलादेश तीनों ओर से भारत से घिरा हुआ है । इसके दक्षिण-पूर्व में बर्मा है । इसकी भूमि सीमाएं भारत और बर्मा से मिलती है । बंगलादेश 1971 में एक स्वाधीन देश के रूप में अस्तित्व में आया ।

अर्थ-व्यवस्था मुख्यतः कृषि पर आधारित है । चावल सबसे मुख्य खाद्यान्न फसल है । बंगलादेश संसार में जूट का सबसे बडा उत्पादक है, संसार में पैदा होनेवाले संपूर्ण जूट का 80 प्रतिशत इसी देश में पैदा होता है । उद्योगों की दृष्टि से बंगलादेश एक पिछड़ा हुआ देश है । प्रमुख औद्योगिक उत्पादन हैं- वस्त्र, चीनी, जूट, चाय, काली-मिर्च, उर्वरक, प्राकृतिक गैस, बिजली, इस्पात, सिले सिलाए कपडे, तम्बाकू, रबर, रसायन और मशीनें।

हाल की घटनायें: शासन दल की मांग के बाद जून में राष्ट्रपति ए.क्यू.एम. बदुदोएजा ने त्यागपत्र दे दिया, आवामी लीग ने तब तक संसद का बहिष्कार करने को कहा जबतक सरकार पार्टी के सदस्यों को संसद में बोलने की इजाजत नहीं दे देती है, पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के विरुद्ध 53 मामले दर्ज किये गये।

राष्ट्रपति: इयाजुद्दीन अहमद , **प्रधानमंत्री:** खालिदा जिया।

भारत में दूतावास: बंगलादेश का हाई कमीशन, 56- महात्मा गांधी रोड़, लाजपत नगर-III, नई दिल्ली-110 024; फोन: PABX 6834668; फैक्स: 91-11-6840596.

कलकत्ता: बंगलादेश का डिप्टी हाई कमीशन, 9 सर्कस एवेन्यु, पार्क सर्कस, कलकत्ता-17; फोन: 475208

Indian Mission in Bangladesh: High Commission of India. House No. 120, Road No.2, Dhanmondi Residential Area, Dhaka, Bangladesh. Tel: 00-88-02-865373; Fax: : 00-88-02-863662.
E-mail:hcindial@citechco.net

बुरुण्डी

(Republic of Bururndi)-Republikay' Uburundi

राजधानी: बुजुमबुरा; **क्षेत्रफल:** 27,834 वर्ग किलोमीटर; **जनसंख्या:** 6.7 मिलयन; **भाषा:** फ्रेंच और किरुण्डी; **साक्षरता:** 35%; **धर्म:** कबीलाई और ईसाई; **मुद्रा:** बुरुण्डी

फ्रेंक; 1 अमरीकी डालर = 1,045, वुरुण्डी फ्रेंक; **प्रति व्यक्ति आय**: 690 डालर ।

वुरुण्डी गणराज्य पूर्वी अफ्रीका में एक छोटा–सा राज्य है । वुरुण्डी 1 जूलाई 1962 को स्वाधीन हुआ । इससे पहले यह वेल्जियम के अधीन राष्ट्र संघ के न्यस्त राज्य क्षेत्र रवाण्डा–वुरुण्डी का एक भाग था ।

यहां की जनसंख्या में हुटु या बहुटु कवीले के लोग, तुत्सी या वातुत्सी लोग और त्वा या वटवा पिगमी लोग हैं । अफ्रीका का वहुल आवादी और निर्धनतम् राष्ट्र महाद्वीप के भंयकरतम आदिवासी युद्ध का साक्षी रहा है। 1972–73 के हुतु विद्रोहियों के असफल प्रयास में 10,000 तुत्सी और 1,50,000 हुतु मारे गये थे।

1980 में तुत्सी बहुमत के साम्राज्य ने जातीय विद्वेश को दूर करने का संकल्प किया। जून 1993 में हुए पहले लोकतंत्रीय चुनावों में हुतु समुदाय के सीप्रियन एनटारियामिरा प्रेसिडेंट निर्वाचित हुए। अप्रैल 1994 में सीप्रियन अपने पड़ौसी रुआंडा के राष्ट्रपति के साथ एक विद्रोह में मार दिये गये। एमनेस्टी इंटरनेशनल के अनुसार जातीय हिंसा में लगभग 1,00,000 लोग मारे गये और 7,00,000 लोग निर्वासित हो गये।

अर्थ–व्यवस्था कृषि पर आधारित हैं । कसावा और शकरकंद प्रमुख खाद्य फसलें हैं और काफी प्रमुख व्यापारिक फसल है ।

राष्ट्रपतिः मेजर. पियरे बयोया।

ब्राज़ील

(Federative Republic of Brazil) Republica Federativa do Brasil

राजधानी: ब्रासीलिया; **क्षेत्रफल**: 8,511,965 वर्ग किलोमीटर; **जनसंख्या**: 173.8 मिलयन्; **भाषा**: पुर्तगाली, अंग्रेजी, जर्मन, इटालियन; **साक्षरता**: 85%; **धर्म**: ईसाई; **मुद्रा**: क्रुजेरो रियाल; 1 अमरीकी डालर = 3.75 क्रुजैरो रियाल; **प्रति व्यक्ति आय**: 7,360 डालर ।

क्षेत्रफल और जनसंख्या दोनों दृष्टि से ब्राज़ील दक्षिणी अमरीका का सबसे बड़ा देश है । यह दक्षिणी अमरीका के लगभग मध्य में स्थित है । इस राज्य का अधिकांश भाग उष्णकटिबंध में पड़ता है । यह घने जंगलों और विशाल नदियों का देश है । अमेज़न और साओं फ्रांसिसको देश के उत्तरी भाग की नदियां हैं ।

ब्राज़ील की आधी से अधिक जनसंख्या इस समय शहरों में रहती हैं और ये शहर कुल राष्ट्रीय उत्पादन में लगभग 35 प्रतिशत योगदान करतें हैं । सबसे महत्वपूर्ण शहर ये हैं– साओं पौलो, रियो डि जनेरो, बेलो होरिजोन्टे, रिसाइफ, सल्वाडोर और ब्रासीलिया । ब्रासीलिया शहर आधुनिक भवन–निर्माण कला और नगर नियोजन का उत्कृष्ट नमूना है और इसे 21 अप्रैल, 1960 को राजधानी घोषित किया गया ।

ब्राजील के प्रमुख उद्योग–पोत निर्माण, मोटरकार, वस्त्र, खाद्य वस्तु, धातु एवं रसायन–साओ पौलो में केन्द्रित हैं । ब्राजील संसार में काफी, केले, कमावा और गन्ने का सबसे बड़ा उत्पादक है और संतरे, मक्का और कोकोआ के उत्पादन के संबंध में इसका स्थान संसार में दूसरे नम्बर पर है ।

ब्राजील के निर्यात की प्रमुख वस्तुएं हैं – सोयावीन, चीनी, काफी, कच्चा लोहा, कोकोआ के वीज, मक्का, सीसल और तम्बाकू । ब्राज़ील में लोहे, फास्फेट, यूरेनियम, मैंगनीज, तांबे, कोयले, प्लेटिनम और सोने की खनिज सम्पदा के विशाल भंडार हैं । तेल पर राज्य का एकाधिकार है । फोनोग्राफ रेकार्ड और इन्सुलेशन के काम में इस्तेमाल होने, के कारण लाखों का उत्पादन राज्य के एकाधिकार में है ।

1980 में ब्राजील विश्व की दसवीं आर्थिक शक्ति था। औद्योगिक व आर्थिक विकास में इस्पात, आटोमोटिव्ज, पेट्रोकेमिकल्स और यूटिलिटीज का बड़ा योगदान था। लेकिन इसके बाद बुरे दिन शुरु हो गये। भारी विदेशी कर्जा, बढ़ी हुई कर्ज दरें, तेल के दाम में बढ़ोत्तरी और विश्व मंदी के कारण 1980 से 1992 तक सकल घरेलू उत्पादन में वृद्धि मात्र 1.6% की रही।

अगस्त 1992 में ब्राजील का विदेशी ऋण 123 बिलयन डालर था और मंदी दर 250 प्रतिशत थी जो कि विश्व में सर्वाधिक थी।

पिछले 25 वर्षों में ब्राजील में सबसे बड़ा कच्चे तेल का रिसाव हुआ। सरकारी कंपनी से लगभग 1 मिलयन गैलन कच्चा तेल स्थानीय नदी में बह गया।

हाल की घटनायें: जनवरी 1 को लुइज इनासियो लुला डा सिल्वा देश के 36वें राष्ट्रपति बने। कांग्रेस ने सरकार के पेंशन सुधारों को सहमति दी।

राष्ट्रपतिः लुइज इनासियो लुला डा सिल्वा ।

भारत में दूतावास: ब्राज़ील का दूतावास, 8 औरंगजेब रोड, नई दिल्ली–110 011, फोन: 91–11–3017301(EPABX); फेक्स: 91–11–3793684.

E-mail:brasindi@vsnl.com

Indian Mission in Brazil: Embassy of India, SHIS QI 09 Conj. 09 Casa 07, Lago Sul, CEP 71625-090, Brasilia DF. Tel: 00-55-61-248-4006(4 lines); Fax: 00-55-61-2485486/7849.

E-mail:indembl@tba.com.br

बेलारुस

(Republic of Belarus) Respublika Belarus

क्षेत्रफल: 207,600 वर्ग किलोमीटर; **जनसंख्या**: 9.9 मिलयन्; **भाषा**: बेलोरशियन, रूसी; **साक्षरता**: 98%; **धर्म**: ईसाई; **मुद्रा**: बलारूस रूबल (जाइचिक); 1 अमरीकी डालर = 1,867 बा. रु; **प्रति व्यक्ति आय**: 7,6200 डालर।

भूतपूर्व सोवियत गणराज्य बाइलोराशिया (श्वेत रूस) की सीमाएं पोलैंड, लैटविया, लिथुआनिया, रूस और उक्रेन से घिरी हैं । इसे दिसम्बर 1991 में स्वतंत्रता मिली और नया नाम बेलारुस रखा गया ।

कृषिः पशु प्रजनन और दुग्ध उत्पादन प्रमुख है । आलू, हेम्प, खाद्यान्न, फ्लैक्स, चारा अन्य उत्पादन हैं ।

उद्योगः टिप–लारीज, मशीन यंत्र, कृषि यंत्र, पीट, केमिकल फाइबर, कागज, निर्माण सामग्री, ग्लास ।

राज्याध्यक्षः एलेक्जेंडर लुकाशेनकोव, प्रधानमंत्रीः हेनाड्ज नोविटस्की ।

भारत में दूतावासः बेलारूस का दूतावास, 163, जोरबाघ, नई दिल्ली–110 003. फोनः 4697029, 4697025; फाक्सः 4697029.

E-mail: india@belembassy.org

Indian Mission in Belarus: Embassy of India, Ulitsa Koltsova 4, Block No. 5, Minsk-220090, Belarus. Tel:00-375-17-2629399; Fax 00-375-17-2629799.

E-mail. amb@open- by (Ambassador's Office)

ब्रुनेई

(Brunei Darussalam) State of Brunei Darussalam Negara Brunei Darussalam

राजधानीः बन्दर संरी बेगावान; (पहले ब्रुनाई शहर के नाम से प्रचलित) **क्षेत्रफलः** 5,765 वर्ग किलोमीटर; **जनसंख्याः** 335,000; **भाषाः** मलय, चीनी, अंग्रेजी; **साक्षरताः** 88%; **धर्मः** इस्लाम; **मुद्राः** ब्रूनाई डालर; 1 अमरीकी डालर = 1.78 ब्रू. डालर; **प्रति व्यक्ति आयः** 34,910 डालर ।

ब्रूनाई सल्तनत दो मलेशियाई क्षेत्रों सरवाह और सारावाक के बीच में बोर्नियो द्वीप के उत्तर की ओर स्थित है । ब्रूनाई की आधे से अधिक जनसंख्या मलेशियाइयों की है, जो अधिकांश मुसलमान हे । यह सल्तनत किसी जमाने में बहुत शक्तिशाली और स्वाधीन थी किन्तु बाद में अंग्रेजों ने इसे अपने साम्राज्य का अंग बना लिया और 1971 में इसे पूर्ण आन्तरिक स्वायत्तता मिली ।

ब्रूनाई के सबसे महत्वपूर्ण संसाधन तेल और प्राकृतिक गैस हैं । इस देश में अधिकांश तेल दूर समुद्र में अम्पा कुओं से निकाला जाता है । मुख्य खाद्य फसल चावल हे । अन्य फसलें नारियल, सागू और रबर हैं । रबर का निर्यात होता है । राज्य में निवेश करने वाली एजेंसी ने 98 में सुल्तान के [illegible] पर गोलियां चलवाईं।

[illegible]0 अगस्त 98 को सुल्तान के 24 वर्षीय बेटे को सल्तनत [illegible]धिकारी घोषित किया गया।

[illegible] एवं प्रधानमंत्रीः मुदा हसानल बोलकिया [illegible] वदुल्लाह ।

भारत में दूतावासः ब्रुनाई दारुसलम हाई कमीशन, ए–42, बसन्त मार्ग, नई दिल्ली–110 057, फोनः 6148340, 6148343; फैक्सः 6142101.

Indian Mission in Brunei: High Commission of India, Simpang 337, Lot No. 14034, Kampong Manggis, Jalan Muara, Bandar Seri Begawan BC 3515, Brunei Darussalam. Tel: 00-673-2-339947; Fax: 00-673-2-339783.

E-mail: hicomind@brunet.bn

बेनिन

Republic of Benin, Republique du Benin

क्षेत्रफलः 112,622 वर्ग किलोमीटर; **जनसंख्याः** 6.6 मिलयन; **भाषाः** फ्रेंच और कबीलाई बोलियां; **साक्षरताः** 37%; **धर्मः** कबीलाई धर्म इस्लाम और ईसाई; **मुद्राः** फ्रेंक सी.एफ.ए.; 1 अमरीकी डालर = 671.78 फ्रैंक; **प्रति व्यक्ति आयः** 980 डालर ।

बेनिन की लोकतांत्रिक गणराज्य (पहले इसका नाम दहोमी था) पश्चिमी अफ्रीका में गिनी की खाड़ी के उत्तर में स्थित है और टोगो, बरकिना फासो, नाइजर और नाइजेरिया से घिरा हुआ है ।

बेनिन, जो पहले फ्रेंच–वेस्ट अफ्रीका का एक प्रान्त था, 1 अगस्त, 1960 को स्वाधीन बना । इस देश में ताकत के बल पर सरकार का तख्ता पलटने की अनेक घटनाएं हुई हैं । 30 वर्षों में पहली बार स्वतंत्र राष्ट्रपति चुनाव 1991 में संपन्न हुए।

बेनिन के मुख्य उत्पादन हैं – ताड़ तेल, गिरी, मूंगफली, कपास, काफी तम्बाकू ।

राष्ट्रपति एवं प्रधानमंत्रीः मात्यू केरेकू।

भारत में दूतावासः आनेररी कांसुलेट जनरल आफ दी रिपब्लिक दी बेनिन, वेस्टर्न हाउस, ओखला इंडस्ट्रियल एस्टेट, नईदिल्ली–110020, फोनः6831048; फैक्सः6847080

बेलिज़

राजधानीः बेलमापान; **क्षेत्रफलः** 22,965 वर्ग किलोमीटर; **जनसंख्याः** 249,183; **भाषाः** अंग्रेजी; **साक्षरताः** 93%; **धर्मः** ईसाई; **मुद्राः** डालर; 1 अमरीकी डालर = 1.97 बे.डालर; **प्रति व्यक्ति आयः** 5,690 डालर।

बेलिज़ मध्य अमरीका का एक गणराज्य है । पहले इसका नाम ब्रिटिश हण्डुरास था । इसके पूर्व में कैरीबियन सागर, उत्तर–पश्चिम में मेक्सिको और दक्षिण–पश्चिम में ग्वाटेमाला है । आरंभ में यह ब्रिटिश उपनिवेश था जिसे 1964 में स्वायत्त शासन का अधिकार दिया गया और 1981 में यह स्वाधीन हुआ । 1973 में इसका नाम बेलिज़ रखा गया । इसकी मूल राजधानी बेलिज़ नगर थी, जो 1961 में एक चक्रवात (तूफान) में नष्ट हो गई । एक द्वीप पर बसे नगर बेलमोपान को 1970 में राजधानी बनाया गया ।

इस देश की आधी से अधिक जनसंख्या अंग्रेजी भाषी नीग्रो लोगों की है जो अधिकांशतया समुद्र तटीय क्षेत्रों में रहे हैं । यहां के मूल निवासी रेड इंडियन में मायन्स और केकचीज़ है, जो अधिकतर संरक्षित इलाकों में रहते हैं ।

वन उत्पादन विशेषतया इमारती लकड़ी का निर्यात प्रमुख है। चीनी और संतरा व चकोतरा जैसे फल प्रमुख उत्पादन है ।

यहां के वन्य जीवों में एक विचित्र जीव–मेंटी (उभयचर स्तनपायी जीव) और कई किस्म के रेंगनेवाले जीव हैं ।

हाल की घटनायें: पर्यावरणविदों ने ब्रिटेन के प्रिवी कौंसिल से मकाल नदी पर हाइडल परियोजना के कारण हजारो एकड़ रेन फारेस्ट को बचाने की अपील की।

गवर्नर जनरलः कोलविले यांग; **प्रधानमंत्रीः** सैद मुसा ।

भारत में दूतावासः आनेररी कंसुलेट आफ बेलिज़, बी–8/14, वसंत विहार, नई दिल्ली–110 057; फोनः 6140819; फैक्सः 6141067

Mission in Belize: Honorary Consulte General of India, 21, Nargusta Street, Belmopan, Belize, Central America. Tel: 00-501-8-22370; Fax: 00-501-8-20032.

असमी; साक्षरता: 42%; धर्म: बौद्ध, हिन्दू; मुद्रा: न्गुलट्रम, भारतीय रुपया भी विधिमान्य मुद्रा है; 1 अमरीकी डालर = 48.38 न्गुलट्रम; प्रति व्यक्ति आय: 1,440 डालर।

भूटान हिमालय में एक पहाड़ी राज्य है। इसके उत्तर में चीन और दक्षिण में भारत है। यहां निरंकुश राजतंत्र है।

मुख्य उद्यम कृषि है। मुख्य उपज चावल, मक्का, ज्वार–बाजरा और मोम, गोंद, कस्तूरी जैसे वन उत्पादन हैं। यहां से इमारती लकड़ी और फलों का निर्यात होता है।

राज्याध्यक्ष: राजा जिग्मे सिघी वांगचुक; **मंत्रिमंडल के अध्यक्ष:** लियोनोपो किनजांग डोरजी।

भारत में दूतावास: शाही भूटानी दूतावास, चन्द्रगुप्त मार्ग चाणक्यपुरी, नई दिल्ली–110 021; फोन: 6889807, 6889809; फैक्स: 6876710.

E-mail: bhutan@vsnl.com

Indian Mission in Bhutan: Embassy of India, India House Estate, Thimphu, Bhutan. Tel: 00-9752-22162; Fax: 00-9752-23195.

E-mail:rminsra@druknet.net.bt

मलावी

(Republic of Malawi)

राजधानी: लिलांग्वे; **क्षेत्रफल:** 1,18,784 वर्ग किलोमीटर; **जनसंख्या:** 10.9 मिलयन; **भाषा:** अंग्रेजी चिचेवा और लोम्वे–याव; **साक्षरता:** 56%; **धर्म:** ईसाई, कबायली और इस्लाम; **मुद्रा:** क्वाचा; 1 अमरीकी डालर = 79.85 क्वाचा; **प्रति व्यक्ति आय:** 570 डालर।

मलावी तन्ज़ानिया, मोजाम्बिक और जैम्बिया के बीच में स्थित है। न्यासा झील इसके पूर्व में है। मलावी पहाड़ों और झीलों का देश है। यहां अपार सौन्दर्य है – यह पर्यटकों का स्वर्ग माना जाता है। पहले इसका नाम न्यासालैंड था। इसे 1966 में स्वाधीनता मिली। मलावी संसाधनों की दृष्टि से निर्धन है और कृषि भी केवल कामचलाऊ है। मुख्य [illegible] फसलें चाय, तम्बाकू गन्ना और कपास हैं।

1993 में यहां की जनता ने राष्ट्रपति बांडा के शासन को अस्वीकार कर दिया। 63 प्रतिशत [illegible] बहुदलीय राजनीतिक व्यवस्था के पक्ष में रहा।

राष्ट्रपति: बाकिली मुलुजी।

भारत में दूतावास: मलावी गणराज्य का उच्चायुक्त कार्यालय नैरोबी में स्थित है।

आनरेरी कंसुलेट आफ दी रिपब्लिक आफ मलावी, 80 गोल्फ लिंक्स, नई दिल्ली – 110003, टेली– 4617866, टेलीफेक्स– 4691621

मलेशिया

राजधानी: क्वालालंपुर; **क्षेत्रफल:** 3,30,434 वर्ग किलोमीटर; **जनसंख्या:** 24.4 मिलयन; **भाषा:** मलय, अंग्रेजी, चीनी, तमिल; **साक्षरता:** 83%; **धर्म:** इस्लाम, हिन्दू, बौद्ध; **मुद्रा:** रिनगिट; 1 अमरीकी डालर = 3.80 रिनगिट; **प्रति व्यक्ति आय:** 8,750 डालर।

मलेशिया 13 राज्यों का महासंघ है। इसमें सम्मिलित राज्यों के नाम हैं जोहोर, केदाह, केलान्तन, मलक्का, निगेरी, सेम्बिलन, पहांग, पर्लिस, पुलाऊ पिनांग, सबाह, सारवाक, सेलांगूर और तेरेनगन्नू। प्रत्येक राज्य की अपनी पृथक विशेषताएं हैं।

यहां की आबादी में कई नस्लों के लोग हैं। कुल आबादी लगभग 150 लाख है, जिसमें 55 प्रतिशत मलायी है, 33.4 प्रतिशत चीनी हैं, 10.1 प्रतिशत भारतीय हैं और 1.4 प्रतिशत अन्य लोग हैं।

मलेशिया 1963 में अस्तित्व में आया। इसमें मलय जिसे 1957 में स्वतंत्रता मिली थी के साथ पूर्व ब्रिटिश शासित सिंगापुर, सबाह और सारावाक शामिल हुए। 1965 में सिंगापुर अलग हो गया।

मलेशिया रबर, टिन और ताड़ तेल का संसार में सबसे बड़ा उत्पादक है। यह काली मिर्च और इमारती लकड़ी का भी संसार में सबसे बड़ा निर्यातकर्ता है। अन्य महत्वपूर्ण फसलें हैं – नारियल, सब्जियां, अनानास, काफी, चाय, कोकोआ आदि।

मुख्य खनिज संसाधन हैं– लोहा, सोना, इलमिनाइट और बाक्साइट। पेट्रोलियम उद्योग भी मलेशिया की अर्थ–व्यवस्था के लिए महत्वपूर्ण बनता जा रहा है।

प्रमुख उद्योग हैं– खाद्य उत्पाद, तम्बाकू, लकड़ी का सामान, बिजली का सामान, कपड़े, रासायनिक उत्पाद, निर्माण वस्तुएं, अलौह उत्पाद, परिवहन उपकरण और कृषि उत्पादों जैसे रबर और ताड़–तेल का संसाधन।

मलेशिया के लोकप्रिय उप प्रधानमंत्री अनवर बिन इब्राहिम जिन्होंने प्रधानमंत्री महाथिर के त्यागपत्र की मांग की थी को सितंबर 98 में हिरासत में ले लिया गया। पूर्व उप प्रधानमंत्री अनवर बिन इब्राहिमको उच्च न्यायालय ने अप्राकृतिक यौन व्यवहार के आरोप में 9 वर्ष के कारावास की सजा दी।

हाल की घटनायें: प्रधानमंत्री महाथिर अक्टूबर 2003 में अपने पद को छोड़ेगें और उनकी जगह पर अब्दुल्लाह बदावी नये प्रधानमंत्री बनेंगें।

राज्याध्यक्ष: सुल्तान सलाहुद्दीन अब्दुल अजीज शाह अल्हाज; **प्रधानमंत्री:** डा. महथिर बिन मुहम्मद।

भारत में दूतावास: मलेशिया का हाई कमीशन, 50, एम, सत्यामार्ग, चाणक्यपुरी, नई दिल्ली–110 021; फोन: 6111291, 6111292; फैक्स: 91–11–6881538. E-mail:mwndelhi@del2.vsnl.net.in

असिस्टेंट हाई कमीशन: 287, टी.टी.के रोड, चेन्नई–600 018, फोन: 453599, 453580

Indian Mission in Malaysia: High Commission of India, No.2, Jalan Taman Duta, Off Jalan Duta, 50480 Kuala Lumpur, (or) P.O. Box No. 10059 G.P.O. 50704, Kuala Lumpur. Tel: 00-603-2533504; Fax: 00-603-2533507.

E-mail:highcomm@po.jaring.my(H.C.)

मंगोलिया

(Mongolian Republic) Mongol Uls

राजधानी: उलान बटोर; **क्षेत्रफल:** 15,65,000 वर्ग किलोमीटर; **जनसंख्या:** 2.4 मिलयन; **भाषा:** मंगोलियन;

माल्टा

(Republika Ta' Malta)

राजधानी: वलेट्टा; क्षेत्रफल: 316 वर्गकिलोमीटर; जनसंख्या: 0.4 मिलयन; भाषा: माल्टी और अंग्रेजी; साक्षरता: 91%; धर्म: ईसाई; मुद्रा: लिरा माल्टिजा; 1 अमरीकी डालर = 0.42 लिरा; प्रति व्यक्ति आय: 13,160 डालर ।

माल्टा मध्य भूमध्यसागर में सिसली से 58 मील की दूरी पर और अफ्रीका के तट से लगभग 180 मील की दूरी पर स्थित एक द्वीप है ।इस राज्य में पास में स्थित गोजडो और गोमिनो द्वीप भी सम्मिलित हैं । माल्टा 1964 में स्वाधीन गणराज्य बना ।

इस पहाड़ी देश में प्राकृतिक संसाधन नहीं हैं । कपड़ों, जूतों, रबर की वस्तुओं और प्लास्टिक के सामान का निर्यात किया जाता है । कृषि उत्पादन में प्याज़, आलू और टमाटर सम्मिलित हैं । इस द्वीप का प्रमुख उद्योग पर्यटन है ।

राष्ट्रपतिः उइडो डी मार्को; प्रधानमंत्रीः एडवर्ड फ्रेंच अडामी।

भारत में दूतावासः माल्टा में स्थित माल्टा का आनरेरी कंसुलेट ।

आनरेरी कंसुलेट आफ दी रिपब्लिक आफ माल्टा, 1, हैली रोड, नई दिल्ली – 110001, टेली – 3329090, फैक्स – 3329393

E-mail:maltaconsulate@europemail.com

Indian Mission in Malta: High Commission of India, Regional Road, St. Julians, SGN 02, Malta. Tel: 00-356-344302; Fax: 00-356-344259.

E-mail: hcimalta@mail.link.net.mt

म्यानमार (बर्मा)

(Union of Myanmar) Pyeidaungzu Myanma Naingngandaw

राजधानी: यंगून (रंगून); क्षेत्रफल: 676,553 वर्ग : जनसंख्या: 49.0 मिलयन; भाषा: बर्मी और ; साक्षरता: 83%; धर्म: बौद्ध धर्म; मुद्रा: क्यात; 1 क डालर = 6.45 क्यात; प्रति व्यक्ति आय: 1,027 डालर ।

आरंभ में ब्रिटिश भारत का एक भाग था, लेकिन अप्रैल 1937 में यह ब्रिटिश कामनवेल्थ का एक पृथक राज्य बन गया । 4 जनवरी, 1948 को इसे स्वाधीनता मिल गई । इसका नाम यूनियन आफ बर्मा रखा गया था। मई 1989 में इसका नया नाम यूनियन आफ म्यानमार रखा गया ।

यहां के मुख्य खनिज हैं– पेट्रोलियम, सीसा, टिन, जस्ता, टंगस्टन, तांबा, एण्टीमनी, चांदी और रत्न ।यहां के माणिक्य, नीलम और पहिताश्म विशेष रूप से प्रसिद्ध हैं ।यहां से सागौन (टीक) की लकड़ी का निर्यात बड़ी मात्रा में होता है ।

जनरल नी विन जिन्होंने बर्मा पर 26 वर्षों से मजबूती के साथ शासन किया को 1988 में व्यापक जनअसंतोष ने अपदस्थ कर दिया । जून 1990 में 30 वर्षों में पहले निष्पक्ष चुनावों में नेशनल लीग फार डेमोक्रेसी को भारी बहुमत मिला। लेकिन सेना सत्ता हस्तांतरित करने में आनाकानी करती रही। विपक्ष की नेता सू की को नजरबंद कर दिया गया। 1987 में बर्मा को यू.एन.ओ. ने निम्नतम विकसित देश कहा जो कि एक समय में पूर्ण विकसित देश था ।

हाल की घटनायें: लोकतांत्रिक समर्थक नेता आंग सांग सू की को अंतर्राष्ट्रीय दबावों के बावजूद भी रिहा नहीं किया गया।

राष्ट्रपतिः माउंग माउंग, प्रधानमंत्रीः जन. थान शेव ।

भारत में दूतावास: म्यानमार का दूतावास, 3/50 एफ, न्याय मार्ग, चाणक्यपुरी, नई दिल्ली–110 021; फोन: 6889007, 6889008; फैक्स: 6877942.

E-mail: myandeli@nda.vsnl.net.in

Indian Mission in Myanmar: Embassy of India, No. 545-547, Merchant Street, Post Box No. 751, Yangon, Myanmar. Tel: 00-95-1-282550; Fax: 00-95-1-254086.

मारीशस

राजधानी: पोर्ट लुई; क्षेत्रफल: 2,040 वर्ग किलोमीटर; जनसंख्या: 1.2 मिलयन; भाषा: अंग्रेजी, फ्रेंच और हिन्दुस्तानी; साक्षरता: 83%; धर्म: हिन्दू, ईसाई और इस्लाम; मुद्रा: रुपया; 1 अमरीकी डालर = 29.73 रुपया; प्रति व्यक्ति आय: 9,860 डालर।

मारीशस हिन्द महासागर में मेडागास्कर से लगभग 500 मील पूर्व में स्थित है इसे 1668 में पुर्तगालियों ने बसाया था। 1721 में इसपर फ्रांसीसियों का कब्जा हो गया और यहां अफ्रीकी गुलामों का आयात शुरु हो गया। 1810 में इस पर ब्रिटेन का कब्जा होगया और उनका शासन 1968 तक चला। गन्ने की खेती के लिये अंग्रेजों ने भारतीयों को यहां बसाना शुरु कर दिया।

12 मार्च, 1968 को मारीशस आज़ाद हुआ । प्रारंभ में यह ब्रिटेन की राजसत्ता से जुड़ा रहा और 1992 में गणतंत्र बन गया।

इस द्वीप की अर्थ–व्यवस्था केवल एक फसल अर्थात् गन्ने की फसल पर निर्भर है ।

शीरे, चाय और तम्बाकू का निर्यात होता है । पर्यटन उन्नत उद्योग है ।

राष्ट्रपतिः केसाम उंतीम; प्रधानमंत्रीः अनिरुद्ध जगन्नाथ

भारत में दूतावास: मारीशस का हाई कमीशन, 5 कौटिल्य मार्ग, चाणक्यपुरी, नई दिल्ली–110 021; फोन: 4102161/62; फैक्स:4102194.

E-mail: mhcnd@bolnet.in

Indian Mission in Mauritius: High Commission of India, 6th Floor, Life Insurance Corporation of India Building, President John Kennedy Street, P.O. Box 162, Port Louis. Tel: 00-230-2083775, Fax: 00-230-2086859.

E-mail:hicom.ss@bow.intnet.mu

मार्शल आइसलैंड

(Republic of the Marshall Islands)

राजधानी: दलाप–उलिगा–डैरिट (माजुरो एटाल पर); क्षेत्रफल: 181 वर्ग किलोमीटर; जनसंख्या: 0.1 मिलयन;

भाषा: मार्शलीज, अंग्रेजी, अन्य देशी भाषाएं, एवं जापानी; **साक्षरता:** 93%; **धर्म:** ईसाई; **मुद्रा:** डालर (सं.रा.); **प्रति व्यक्ति आय:** 1,680 डालर ।

रिपब्लिक आफ मार्शल आइसलैंड प्रशांत महासागर में दो आइसलैंड/एटाल श्रृंखला से बना है । रतक (सुर्योदय) चेन और रालिक (सूर्यास्त) चेन, मिलाकर 31 एटाल हैं । प्रत्येक एटाल अनेक छोटे आइसलैंड का समूह है जो लैगून के घेरे में है । राजधानी माजूरो से 3200 किमी दक्षिण–पश्चिम में होनोलुलू है । 92 प्रतिशत जनसंख्या मार्शलीज है ।

मार्शल आइसलैंड संयुक्त राज्य के संरक्षण में 1986 तक था । सितम्बर 1991 में आइसलैंड संयुक्त राष्ट्र का पूर्ण सदस्य वन गया । संयुक्त राज्य अमरीका रक्षा नीति पर नियंत्रण रखता है और वित्तीय सहायता उपलब्ध कराता है। पश्चिमी श्रृंखला में मुख्य क्वाजालेन में संयुक्त राज्य का मिसाइल टेस्ट रेंज और एयर फील्ड है ।

खनिज: फास्फेट भंडार एलिंग्लाप्लाप एटाल में हैं ।

कृषि: नारियल, टमाटर, मेलोन्स और ब्रेड फ्रूट

राष्ट्रपति: केस्साई नोट।

मिस्र (ईजिप्ट)

(Arab Republic of Egypt) Jumhuriyah Misr al-Arabiya

राजधानी: काहिरा; **क्षेत्रफल:** 997,677 वर्ग किलोमीटर; **जनसंख्या:** 71.2 मिलयन; **भाषा:** अरबी, अंग्रेजी; **साक्षरता:** 51%; **धर्म:** इस्लाम और ईसाई; **मुद्रा:** मिस्री पाउण्ड; 1 अमरीकी डालर = 4.65 मि.पौण्ड; **प्रति व्यक्ति आय:** 3,520 डालर ।

मिस्र, जिसे नील नदी का उपहार कहा जाता है, उत्तर–पूर्वी अफ्रीका में स्थित है ।

मिस्र की सभ्यता संसार की प्राचीनतम सभ्यताओं में से एक है । इस देश का लिखित इतिहास 5000 वर्ष ई.पू. से भी पहले से मिलता है । 1922 में मिस्र में स्वाधीन राजतंत्र स्थापित हुआ और 1952 में मिस्र गणराज्य बना ।

इस देश का मुख्य कृषि क्षेत्र नील नदी के डेल्टा वाला भाग है, जिसे निचला मिस्र कहते हैं । मुख्य फसलें हैं– कपास, प्याज, आलू, गेहूं, मक्का, ज्वार–बाजरा, चावल, गन्ना और अनेक प्रकार के फल

जनसंख्या में तेज वृद्धि चिंता का विषय बन रही है। आधी से अधिक जनसंख्या 20 वर्ष से कम की है।

मई 98– में यहां कायरो में जी–15 देशों का सम्मेलन हुआ था। राष्ट्रपति मुबारक लगातार चौथी बार 99 में राष्ट्रपति पद के लिये निर्वाचित हुए।

राष्ट्रपति: होस्नी मुबारक; **प्रधानमंत्री:** अतफ ओबेद।

भारत में दूतावास: अरब गणराज्य मिस्र का दूतावास: 1/50 एम, नीति मार्ग, चाणक्यपुरी, नई दिल्ली–110021, फोन: 6114096; फैक्स: 6885355.

Indian Mission in Egypt: Embassy of India, 5 Aziz Abaza Street, Zamalek, P.O.Box No.718, Cairo 11511, Egypt. Tel: 00-20-2-3410052; Fax: 00-20-2-3414038.
E-mail:embassy@india-emb.org.eg

मेडागास्कर

(Democratic Republic of Madagascar) Repoblika Demokratika Malagasy

राजधानी: एंटाननानाराइव; **क्षेत्रफल:** 5,87,341 वर्ग किलोमीटर; **जनसंख्या:** 16.9 मिलयन; **भाषा:** मलगासी और फ्रेंच; **साक्षरता:** 46%; **धर्म:** इस्लाम, ईसाई; **मुद्रा:** मैलागैसे फ्रैंक; 1 अमरीकी डालर = 6,480 मेडागासी फ्रैंक; **प्रति व्यक्ति आय:** 830 डालर ।

मेडागास्कर पहले फ्रांस का उपनिवेश था । यह मोज़ाम्बिक के तट पर लगभग 500 किलोमीटर लम्बा द्वीप है । 1960 में इसे स्वाधीनता मिली ।

अर्थ–व्यवस्था कृषि–प्रधान है । चावल मुख्य भोजन है और काफी प्रमुख निर्यात है । तम्बाकू, लौंग और वनिला भी पैदा होते हैं । पशुओं के झुंड पाले जाते हैं ।

मुख्य खनिज हैं ग्रेफाइट, अभ्रक, निकेल और तांबा । 1960 के बाद क्रोमाइट भी निकाला जाने लगा है ।

राष्ट्रपति: मार्क रावालोमानाना, **प्रधानमंत्री:** जैक्वेस साईला।

भारत में दूतावास: पोर्ट लूयिस में स्थित मेडागास्कर का दूतावास।

कांसुलेट: सी.एच.कपाडिया, कांसुल जनरल, इस्मायल मचिल, फ्लोरा फाउंटेन, मुंबई–400001; फोन: 2046735, फाक्स: 2044509.

Indian Mission in Madagascar: Embassy of India, 4, Lalana Rajaonson Emile, Tsaralalana, B.P. 1787, Antananarivo. Madagascar. Tel: 00-261-20-2223334; Fax: 00-261-20-2233790.
E-mail:indembmd@bow.dts.mg

मेसेडोनिया

(Former Yugoslav Republic of Macedonia) Republika Makedonija

राजधानी: स्कोपजे; **क्षेत्रफल:** 25,713 वर्ग किलोमीटर **जनसंख्या:** 2.0 मिलयन; **भाषा:** मासिडोनियन; **साक्षरता** 89%; **धर्म:** ईसाई एवं इस्लाम; **मुद्रा:** दीनार; 1 अमरीकी डालर = 62.42 दीनार; **प्रति व्यक्ति आय:** 6,110 डालर।

जातीय समुदाय: मेसेडोनियन–67%, अल्बानियन–20%, अन्य–13% ।

पूर्व युगोस्लाविया का निर्धनतम गणराज्य मेसेडोनिया की सीमाएं बल्गारिया, मिस्र; अल्बानिया और युगोस्लाविया से मिलती हैं ।

8 सितंबर 1991 में यहां पर स्वतंत्रता के पक्ष में लोगों ने मत दिया लेकिन यूनान के मेसेडोनिया नाम के प्रति विरोध के कारण युरोपीय समुदाय व संयुक्त राज्य ने इसे मान्यता देने से मना कर दिया । यूनान का कहना था कि मेसेडोनिया नाम इसके मेसेडोनिया प्रांत के क्षेत्र पर अधिकार का दावा है । मेसेडोनिया नाम परिवर्तन न करने पर दृढ़ रहा।

8 अप्रैल 1993 को मेसेडोनिया संयुक्त राष्ट्र का युगोस्लाव रिपब्लिक आफ मेसेडोनिया के अस्थायी नाम के साथ 181 वां सदस्य बना । फरवरी 94 में यूनान ने इस पर व्यापार प्रतिबंध लगा दिये। झंडे व चिन्ह की समस्या

अंतर्राष्ट्रीय मध्यस्थता से सुलझनी है। 1995 में दोनों देशों ने सवध सुधारने पर सहमति प्रकट की।

मेसेडोनिया के राष्ट्रपति ग्लिगोरोव वम आक्रमण में वुरी तरह से घायल हो गये।

अक्टूबर 96 में युगोस्लाविया ने मेसेडोनिया के साथ राजनयिक संवध वनाये।

कृषि उत्पादन: गेंहू, मक्का, कपास, लकड़ी, पशुधन।

उद्योग: विद्युत, लिग्नाइट, इस्पात, सीमेंट।

राष्ट्रपति: वोरिस ट्राजकोवोस्की, **प्रधानमंत्री:** जुवको जार्जीव्स्की।

मैक्सिको

(United Mexican States) Estados Unidos Mexicanos

राजधानी: मेक्सिको शहर; **क्षेत्रफल:** 1,972,547 वर्ग किलोमीटर; **जनसंख्या:** 101.7 मिलयन्; **भाषा:** स्पेनिश; **साक्षरता:** 90%; **धर्म:** ईसाई; **मुद्रा:** न्यू पेसो; 1 अमरीकी डालर = 9.52 पेसो; **प्रति व्यक्ति आय:** 8,430 डालर।

मध्य अमरीका का संघीय गणराज्य मैक्सिको 1821 में स्वाधीन हुआ।

इस देश में कृषि के लिए अनुकूल परिस्थिति नहीं है, अतः मैक्सिको खाद्यान्न का आयात करता है।

1980 के दशक में मैक्सिको में मंदी, तेल के दाम में गिरावट और वेरोजगारी के कारण आर्थिक स्थित वदहाल हो गयी। 1984 में पेसो के अवमूल्यन के कारण राजधानी में अफरा-तफरी की स्थिति आ गयी। करेंसी का अवसान अमरीकी मदद से टल गया।

मुख्य कृषि उपज हैं- मक्का, चावल, गेहूं और गन्ना। समुद्र में मछली पकड़ना भी एक महत्वपूर्ण उद्यम है। मैक्सिको संसार में चांदी, गंधक और फ्लोराइड का प्रमुख है।

खनिज हैं- कोयला, सीसा, जस्ता, मैंगनीज, और युरेनियम। हाल के वर्षों में मैक्सिको पेट्रोलियम उत्पादक और निर्यातकर्ता देश वन गया है।

प्रख्यात लेखक व नोयल पुरस्कार से सम्मानित आक्टेवियो का 98 में निधन हो गया। 71 वर्ष के शासन के वाद रिवाल्यूश्नरी पार्टी जुलाई के चुनाव में पराजित और फाक्स नये राष्ट्रपति वने।

राष्ट्रपति: विन्सेंटे फाक्स।

भारत में दूतावास: मैक्सिको का दूतावास, 26 डी, सरदार पटेल मार्ग, चाणक्यपुरी, नई दिल्ली-110 021, टेलीफोन:4107182, 4107183; फैक्स: 91-11-4107185.

E-mail:embamexindia@mantraonline.com

Indian Mission in Mexico: Embassy of India, Avenida Musset 325, Colonia Polanco, C.P. 11550, Mexico D.F. Tel: 00-52-5-5311050; Fax: 00-52-5-2542349.

E-mail:indembmx@prodigy.net.mx

मोज़ाम्बिक

(Republic of Mozambique) Republica de Mocambique

राजधानी: मपूतो; **क्षेत्रफल:** 783,030 वर्ग किलोमीटर; **जनसंख्या:** 19.6 मिलयन्; **भाषा:** पुर्तगाली और वन्टू; **साक्षरता:** 40%; **धर्म:** इस्लाम और ईसाई; **मुद्रा:** मेटिकल; 1 अमरीकी डालर = 23,333 मेटिकल; **प्रति व्यक्ति आय:** 1,140 डालर।

मोज़ाम्बिक पुराने पुर्तगाली पूर्वी अफ्रीका का नाम है। मोज़ाम्बिक 470 वर्षों के पुर्तगाली शासन से 25 जून 1975 को स्वतंत्र हुआ। हिन्द महासागर का मोज़ाम्बिक चेनल इस देश के पूर्व में है। अधिकांश आवादी वन्टू कवीले की है।

1974 में फ्रेलिमो (मोज़ाम्बिक मुक्ति मोर्चा) ने स्थानीय प्रशासन अपने हाथों में ले लिया। 1980 में यहां भीषण सूखा और भुखमरी के साथ गृह युद्ध की ज्वाला फूट पड़ी। अनेकों जानें गयीं। वाशिंगटन स्थित पापुलेशन क्राइसिस कमेटी के अनुसार 1992 में मोज़ाम्बिक की जनता ने असहनीय यातना सही।

अक्टूवर 1992 में सरकार और दक्षिणपंथी रेनामो (मोज़ाम्बिक नेशनल रजिस्टेंस मूवमेंट) गुरिल्ला ग्रुप के वीच एक युद्धविराम का समझौता हुआ। 15 वर्षीय इस गृह युद्ध में लगभग 6,00,000 व्यक्ति मारे गये और लगभग 10 लाख लोग निर्वासित हुए, आधी से अधिक जनता सहायता खाद्यान्न पर निर्भर हैं।

देश की अर्थ-व्यवस्था का आधार कृषि है। महत्वपूर्ण वाणिज्यिक फसलें हैं- काजू, चीनी, कपास और सीसल। मक्का, केले, चावल और नारियल भी पैदा होता है। खनिज संसाधन काफी मात्रा में विद्यमान हैं- हालांकि केवल कोयला, हीरे और वाक्साइट का दोहन होता है। संसार में टैटेलाइट (एक प्रकार का खनिज लौह) के जितने ज्ञात भंडार है, उनमें से दो-तिहाई भंडार मोज़ाम्बिका में हैं और यह देश संसार में हरितमणि का दूसरा सवसे वड़ा उत्पादक है।

राष्ट्रपति: जोकीम अलवर्टो किसानों; **प्रधानमंत्री:** डा. पासकोल एम. मोकुंवी।

Indian Mission in Mozambique: High Commission of India, Avenida Kenneth Kaunda No. 167, P.O. Box No. 4751, Maputo, Mozambique. Tel: 00-258-1-492437; Fax: 00-258-1-492364.

E-mail:hcimpto@hcoi.uem.mz

मोनाको

(Principality of Monaco)

राजधानी: मोनाको; **क्षेत्रफल:** 1.95 वर्ग किलोमीटर; **जनसंख्या:** 0.03 मिलयन; **भाषा:** फ्रेंच और मोनेगास्क एवं इटेलियन; **साक्षरता:** 99%; **धर्म:** ईसाई; **मुद्रा:** फ्रेंक; 1 अमरीकी डालर = 6.72 फ्रेंक; **प्रति व्यक्ति आय:** 25,000 डालर।

मोनाको फ्रांस के दक्षिणी-पूर्वी भूमध्यसागर तट पर एक स्वाधीन देश है।

्क-दूसरे से जुड़े हुए अनेक शहर हैं जैसे
ला काण्डेमाइन, फोण्टविले और मोण्टे कार्लो
आघर (कैसीनो), ओपेरा, विशाल होटल, दुकानें
र हैं ।

एक फैशनेवल प्रमोद स्थान है, प्रतिवर्ष यहां हजारों
ते हैं । इसके प्रमुख आकर्षण हैं – नाचघर और
मोटर स्पोर्ट्स– मोण्टे कार्लो रैली और मोनाको ग्रैंड
के प्रमुख साधन हैं– पर्यटन, जुआ, कार और तम्बाकू
दारी । यहां वहुत से छोटे उद्योग हैं ।

ध्यक्ष: प्रिंस रेनियर तृतीय; **सरकार के अध्यक्ष:**
नेक्लेरक् ।

त में दूतावास: मोनाको का महावाणिज्य दूतावास,
फ सेंटर, संसद मार्ग, नई दिल्ली–110 001,
719206, फैक्स: 3719233.

क्को

gdom of Morocco) al-Mamlaka al Maghrebia

राजधानी: रयात; **क्षेत्रफल:** 4,58,730 वर्ग किलोमीटर; **संख्या:** 29.7 मिलयन; **भाषा:** अरवी, वरवर; **साक्षरता:** %; **धर्म:** इस्लाम; **मुद्रा:** दिरहम; 1 अमरीकी डालर = .73 दिरहम; **प्रति व्यक्ति आय:** 3,600 डालर ।

मोरक्को राज्य अफ्रीका के उत्तर–पश्चिमी सिरे पर स्थित । यहां संवैधानिक राजतंत्र है ।

एटलस पहाड़ मोरक्को में एक ओर से दूसरी ओर तक ला हुआ है ।

मोरक्को ने 2 मार्च, 1956 को फ्रांस से राजनैतिक स्वाधीनता प्राप्त की और 1958 में उसने उत्तरी स्पेनिश प्रखण्डों पर अधिकार कर लिया ।

मोरक्को मुख्यत: कृषि प्रधान देश है, जहां जौ, गेहूं और मक्का पैदा होता है । अंगूर के वागान वहुतायत से हैं और खजूर की नियमित उपज होती है । पशु–पालन महत्वपूर्ण उद्यम है और ली पकड़ने का काम सुव्यवस्थित है । सवसे महत्वपूर्ण नेज फास्फेट है और मोरक्को इसका सवसे वड़ा निर्यातक अन्य खनिज हैं– लोहा, कोयला, सीसा और मैंगनीज़ ।

राज्याध्यक्ष: राजा मोहम्मद छठे; **प्रधानमंत्री:** ड्रिस ट्टाओ ।

भारत में दूतावास: मोरक्को का दूतावास, 33, आर्चबिशप कारियोस मार्ग, नई दिल्ली–110 003, फोन: 636920, 4636924; फैक्स: 4636925.

E-mail_sifamand@giasd101.vsnl.net.in

Indian Mission in Morocco: Embassy of India, 13, Charia Michlifen, Agdal, Rabat, Morocco. Tel: 00-212-3-7671339; Fax: 00-212-3-7671269.

मोलदोवा

(Republic of Moldova) Republica Moldaveneasca

राजधानी: किशिनेव; **क्षेत्रफल:** 33,700 वर्ग किलोमीटर; 96%; **धर्म:** ईसाई, इस्लाम, **मुद्रा:** लियु.; 1 अमरीकी डालर = 13.58 लियु; **प्रति व्यक्ति आय:** 2,150 डालर ।

माल्डोविया को सोवियत संघ से दिसंवर 1991 स्वतंत्रता प्राप्त हुई थी । 1990 में इसका नया नाम मोलदो रखा गया । उक्रेन और रोमानिया इसके पड़ौसी हैं । यह दे रोमानिया से 1940 में अलग हुआ था । यहां की भ रोमानियन हैं । यह उपजाऊ काली मिट्टी का मैदान है । प पर सोवियत संघ के चौथाई वाइनयार्ड हैं ।

मई 97 में मोलडोवा के नेताओं व अलग हुए ट्रांसनियेस्ट्रा जिसने 95 में अपना अलग संविधान वना लि था के नेताओं में समझौता हो जाने के कारण पुनः एकीकरण हो गया ।

कृषि: खाद्यान्न, चुकन्दर, सव्जी, फल, अंगूर ।

उद्योग: वाइन, तम्वाकू, कैनिंग, लकड़ी, कपड़ा गटलर्जी, डेयरी, टी.वी., फ्रिज, वाशिंग–मशीन ।

राष्ट्रपति: पेट्रु लसिन्वी; **प्रधानमंत्री:** व्लाटिमिर वोरोनिन ।

मौरितानिया

(Islamic Republic of Mauritania) Republique Islamique de Mauritanie

राजधानी: न्वाकचोऐट; **क्षेत्रफल:** 10,30,700 वर्ग किलोमीटर; **जनसंख्या:** 2.6 मिलयन; **भाषा:** अरवी और फ्रेंच (शासकीय); **साक्षरता:** 38%; **धर्म:** इस्लाम; **मुद्रा:** ओगुइया; 1 अमरीकी डालर = 272.55 ओगुइया; **प्रति व्यक्ति आय:** 1,990 डालर ।

मौरितानिया का इस्लामिक गणराज्य पश्चिमी अफ्रीका के अटलांटिक समुद्रतट पर स्थित है ।

मौरितानिया पहले फ्रांस का उपनिवेश था । 1958 में स्वायत्तशासी और 1960 में पूर्णत: स्वाधीन वना ।

इस देश की आवादी खानावदोश है । पशु–पालन मुख्य उद्यम है । मछली पकड़ने का धंधा भी महत्वपूर्ण है । लोहे और तांवे के भंडार मिले हैं और उनका खनन होता है तेल की खोज हो रही है ।

राष्ट्रपति: मोआया ओल्ड सिडी अहम्मद ताया; **प्रधानमंत्री:** शेख अल अफया अल मोहम्मद खोयना ।

यमन

(Republic of Yemen) Al Jumhuriyah al Yamaniyah

राजधानी: सैना; **वाणिज्य राजधानी:** अदेन; **क्षेत्रफल:** 531,000 वर्ग किलोमीटर; **जनसंख्या:** 18.6 मिलयन; **भाषा:** अरवी; **साक्षरता:** 43%; **धर्म:** इस्लाम; **मुद्रा:** रियाल; 1 अमरीकी डालर = 176.39 रियाल; **प्रति व्यक्ति आय:** 790 डालर ।

मई 1990 में अरव पेनिनसुला के दक्षिणी–पश्चिमी यमन गणराज्य में उत्तर और दक्षिणी यमन का एकीकरण हो गया । उत्तरी यमन 1962 में वना था जवकि दक्षिणी यमन 1967 में स्वतंत्र हुआ ।

टुकड़ियों में युद्ध छिड़ गया। 5 मई को आपातकाल की घोषणा कर दी गयी। 21 मई को दक्षिण यमन ने अपने को संयुक्त यमन से अलग करते हुए स्वतंत्रता की घोषणा कर दी। 7 जुलाई, 94 को दो महीने तक चला गृह युद्ध उत्तरी यमन की सेनाओं के दक्षिण शहर इडेन पर कब्जे के साथ समाप्त हो गया। इस युद्ध के कारण लगभग 3 बिलयन डालर का नुकसान हुआ। 28 जुलाई को यमन सरकार ने कहा कि वह पराजित दक्षिण यमन से संयुक्त राष्ट्र के तत्वाधान में बातचीत न करके घरेलू वातावरण में पुनः संरचना का माहौल बनायेगा।

सदियों पूर्व यमन एक समृद्ध देश था। यहां मसाले और खनिजों की भरमार थी। महान शीवा रानी के राज्यकाल में यमन एक खुशहाल देश जाना जाता था। अरब दुनिया में दक्षिणी यमन ब्रिटिश साम्राज्य से 1967 में स्वतंत्र होकर अकेला साम्यवादी देश था।

संसदीय चुनाव अप्रैल 1997 में हुए।

अर्थव्यवस्था तेल और कृषि पर आधारित है। इसके मुख्य कृषि उत्पाद काफी, खजूर, जड़ी–बूटी, फल मिलिट (मोटे अनाज) और मक्का है। कपास, काफी और खालों तथा चमड़े का निर्यात किया जाता है।

राष्ट्रपति : अली अब्दुल्ला सलेह; **प्रधानमंत्री:** अब्दल करीम अल इरियानी

भारत में दूतावास: एम्वेसी आफ यमन अरब रिपब्लिक, 41, पश्चिमी मार्ग, वसंत विहार, नई दिल्ली–110 057, फोन: 9811141145; फैक्स: 6144383.

E-mail: yemenemb@del3.vsnl.net.in

Indian Mission in Yemen: Embassy of India, Building No. 12, Djibouti Street, Post Box No. 1154, Sana'a, Yemen. Tel: 00-967-1-243440; Fax: 00-967-1-243439.

राष्ट्रपति: योवेरी मुसेवेनी; **प्रधानमंत्री:** अपोलो निसीवांदी।

भारत में दूतावास: हाई कमीशन आफ युगाण्डा, वी 3/26, वसन्त विहार, नई दिल्ली–110 057, फोन: 6144413, 6145817; फैक्स: 6144405.

E-mail: ughcom@ndb.vsnl.net.in

Indian Mission in Uganda: High Commission of India, Plot 11, Kyadondo Road, Nakasero, P.O. Box 7040, Kampala, Uganda. Tel: 00-256-41-257368, Fax: 00-256-41-254943,

E-mail: hicomind@starcom.co.ug

यूनाइटेड किंगडम

United Kingdom of Great Britain and Northern Ireland

राजधानी: लंदन; **क्षेत्रफल:** 244,108 वर्ग किलोमीटर; **जनसंख्या:** 60.2 मिलयन; **भाषा:** अंग्रेजी, वेल्श, स्कोड्स, गेलिक; **साक्षरता:** 100%; **धर्म:** ईसाई; **मुद्रा:** पउण्ड स्टर्लिंग; 1 अमरीकी डालर = 0.64 प.स्टर्लिंग; **प्रति व्यक्ति आय:** 24,160 डालर।

यहां संवैधानिक राजतंत्र है। यूनाइटेड किंगडम में ग्रेट ब्रिटेन और उत्तरी आयरलैण्ड के द्वीप तथा अन्य बहुत से द्वीप सम्मिलित हैं। यह पश्चिमी यूरोप के तट से दक्षिण की ओर से इंग्लिश चैनल तथा पूर्व की ओर से नार्थ सी द्वारा अलग होता है। इसके उत्तरी और पश्चिमी किनारों से अटलांटिक महासागर की लहरें टकराती हैं।

यूनाइटेड किंगडम को गठित करानेवाले द्वीपों में ग्रेट ब्रिटेन सबसे बड़ा द्वीप है।
(आइस्ल आफ मैन और
यूनाइटेड किंगडम और

आयात किया जाता है । नार्थ सी में मिले तेल ने कुछ वर्षों से ब्रिटिश अर्थ–व्यवस्था को नया वरदान दिया है ।

वेल्स: पश्चिमी ब्रिटेन में प्रिंसिपेलिटी आफ वेल्स की जनसंख्या 2,899,000 है । कार्डिफ इसकी राजधानी है। अंग्रेजी एवं वेल्स भाषाएं बोली जाती है ।

स्काटलैंड: स्काटलैंड का क्षेत्रफल कुल ब्रिटिश आइलैंड हेब्रेडीस ओकने शटलैंड और छोटे आइलैंड का 37% है । जनसंख्या: 5,111,000; राजधानी एडिनबर्ग है।

उत्तरी आयरलैंड: उत्तर पूर्व आयरलैंड पर स्थित युनाइटेड किंगडम का भाग है । इसमें 6 राज्य – अंट्रिम, डाउन, फर्माना लांडनडेरी और टाइरोन सम्मिलित हैं । आइलैंड का शेष भाग रिपब्लिक आफ आयरलैंड का है । उत्तरी आयरलैंड में कैथोलिक आयरिश रिपब्लिक से एकीकरण के लिए हिंसात्मक आंदोलन हुए हैं । 1985 में पहली बार एंग्लो–आयरिश समझौता हुआ और डब्लिन को राज्य चलाने के लिये कहा गया। जनसंख्या: 1,610,000; राजधानी: बेलफास्ट।

नई 1997 में लेबर पार्टी ने 18 वर्षीय कंजर्वेटिव पार्टी की सत्ता को समाप्त करके भारी बहुमत से सत्ता में आई। 12 वर्ष तक युनेस्को से अलग रह कर एक बार फिर ब्रिटेन ने इसकी सदस्यता ली। जुलाई 97 में लेबर सरकार ने स्काटलैंड को आंशिक स्वायत्ता देने की अपनी योजना को पूरा किया।

अप्रैल 98 में ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ब्लेयर ने आयरलैंड के साथ एक ऐतिहासिक समझौता करके लंबे समय से चल रही हिंसा को समाप्त कर शांति की ओर बढ़ने का प्रयास किया।

मई 99 में पहली स्काटलैंड की संसद तीन सदी के बाद बनीं। जुलाई में ब्रिटेन ने लीबिया के साथ राजनयिक संबध स्थापित किये।

31 अगस्त 97 को प्रिसेंस आफ वेल्स डायना का पेरिस के एक कार दुर्घटना में निधन हो गया।।

मई 99 में प्रथम स्काटिश संसद का गठन हुआ। नई वेल्स एसेंबली 600 वर्ष के बाद इसी महीने शुरु हुई।

हाल की घटनायें: फरवरी 16 को लंदन के भीड़–भाड़ वाले इलाके में 8 वर्ग मील क्षेत्र में 5 पौंड का कंजेशन कर लगाया गया। फरवरी 27 को डा. रोवन विलियम को सेंटरबरी का 104वां आर्च बिशप बनाया गया। अस्त्र निरीक्षक विशेषज्ञ डेविड कैली ने आत्महत्या की। प्रधानमंत्री ब्लेयर ने जुलाई 03 को चीन की यात्रा की।

राज्याध्यक्ष: महारानी एलिजाबेथ द्वितीय; **प्रधानमंत्री:** टोनी ब्लेयर ।

भारत में दूतावास: ब्रिटिश हाई कमीशन, शान्ति पथ, चाणक्यपुरी, नई दिल्ली–110 021; फोन: 0091–11–6872161; फैक्स: 0091–11–6872882.
E-mail:postmaster@newdelhi.mail.fco.gov.uk

वाणिज्य दूतावास: मुंबई: मेकर चेम्बर, 222 जमनालाल बजाज रोड, नरीमान पाइंट, मुंबई–400 021; फोन: 230517, फैक्स: 2027940.

कलकत्ता: 1 हो ची मिन्ह सरनी, कलकत्ता–71; फोन: 225171, फैक्स: 223435.

चेन्नई: 24, एन्डरसन रोड, चेन्नई–600 006; फोन: 8273136. फैक्स: 829004

Indian Mission in United Kingdom: High Commission of India, India House, Aldwych, London WC2B 4NA, United Kingdom. Tel: 00-44-171-8368484, 3796242 (After Office); Fax: 00-44-0207-8364331.

E-mail: 114343.3045@compuserve.com

ब्रिटेन पर निर्भर क्षेत्र

अंगुइला, वर्मूडा, ब्रिटिश अंटार्टिक टेरिटेरी, ब्रिटिश वर्जिन आइसलैंड, कैमान आइसलैंड, फाकलैंड आइसलैंड, जिब्राल्टर, मांटेसरात, पिटकैरिन, डूसी, हॅडर्सन एंड ओयेनो, सेंट हेलेना डिपेंडीज, (एससेंशन एंड ट्रिस्टान डा कुन्हा) साउथ जार्जिया एंड दी साउथ सैंडविच आइसलैंड एंड टुर्क्स एंड काइकोस आइसलैंड।

आइस्ल आफ मैन और दी चैनेल आइलैंड ब्रिटिश क्राउन के प्रत्यक्ष आधीन क्षेत्र हैं और उनकी अपनी व्यस्थापिका एवं कर–प्रणाली है ।

आइस्ल आफ मैन: यह आयरिश सागर में स्थित है । **क्षेत्रफल:** 572 वर्ग किलोमीटर **जनसंख्या:** 73,112 **राजधानी:** डगलस ।

दी चैनेल आइलैंड: फ्रांस के उत्तरी–पश्चिमी तट पर जर्सी, गुइरेनसे और गुइरेनसे के आधीन क्षेत्र । **क्षेत्रफल:** 194 वर्ग किलोमीटर. **जनसंख्या:** 152,241 ।

अंगुइला: (सेंट किट्स नेविस का पूर्व भाग) 1969 में यह ब्रिटेन का आधीन क्षेत्र बना। 1982 में नया संविधान लागू हुआ। **क्षेत्रफल:** 155 वर्ग किलोमीटर, **जनसंख्या:** 11,797. **राजधानी:** दी वैली।

बरमूडा: राजधानी: हैमिलटन; **क्षेत्रफल:** 53.3 वर्ग किलोमीटर; **जनसंख्या:** 63,022; **भाषा:** अंग्रेजी; **धर्म:** ईसाई; **साक्षरता:** 98 % **मुद्रा:** बरमूडा डालर; 1 अमरीकी डालर = 1 बरमूडा डालर; **प्रति व्यक्ति आय:** 24,000 डालर ।

बरमूडा पश्चिमी–उत्तरी अटलांटिक में लगभग 300 प्रवाल द्वीपों का समूह है । कहा जाता है कि स्पेन के जुआन डी बरमूडेज ने 1650 में इनका पता लगाया था । 1968 में बरमूडा को पूर्ण आन्तरिक स्वायत्तता सहित एक ब्रिटिश एसोसिएट राज्य का दर्जा प्रदान किया गया । कुल जनसंख्या का दो–तिहाई नीग्रो हैं । शेष लोग ब्रिटिश या पुर्तगाली नस्ल के हैं ।

मुख्य फसलें हैं – सब्जियां, फूल (विशेष रूप से ईस्टर लिली), केला और संतरे की जाति के फल हैं । राजस्व का प्रमुख साधन पर्यटन हैं ।

गवर्नर: दी लार्ड वैडिंगटन; **प्रधानमंत्री:** जान डब्ल्यू. डी. स्वान।

माण्टसेरात : राजधानी: प्लाइमथ; **क्षेत्रफल:** 102 वर्ग किलोमीटर; **जनसंख्या:** 12,000; **भाषा:** अंग्रेजी और पटोइस; **साक्षरता:** 53%; **धर्म:** ईसाई; **मुद्रा:** पूर्वी कैरेबियन डालर; 1 अमरीकी डालर = 2.69 पू.कै.डालर; **प्रति व्यक्ति आय:** 3,127 डालर (1985)।

एण्टीगुआ की ही भांति माण्टसेरात भी लीवर्ड द्वीपों में से एक द्वीप है । यहां की आबादी यूरोपीय और नीग्रो नस्ल का मिश्रण है । शुद्ध यूरोपिय अल्प संख्या में हैं कृषि लोगों की

जीविका का प्रमुख आधार है । कपास और आलू जैसी निर्यात की मुख्य फसलें हैं ।

यह ब्रिटेन का एक सह-राज्य है और इसे पूर्ण आन्तरिक स्वायत्तता प्राप्त है ।

युनाइटेड अरब अमीरात

Ittihad al-Imarat al-Arabiyah

राजधानी: अबू धावी; **क्षेत्रफल:** 82,880 वर्ग किलोमीटर; **जनसंख्या:** 3.5 मिलयन; **भाषा:** अरबी; **साक्षरता:** 79%; **धर्म:** इस्लाम; **मुद्रा:** दिरहम; 1 अमरीकी डालर = 3.67 दिरहम; **प्रति व्यक्ति आय:** 19,410 डालर ।

फारस की खाड़ी में स्थित सात शेख राज्यों– अबू धावी, दुवई, शारजाह, उम्म अल कुवैन, अजमान, फुजइंराह और रस अल खैमा को मिलाकर युनाइटेड अरब अमीरात बना है ।इनमें से पहले 6 शेख राज्यों ने 2 दिसम्बर 1971 को यूनियन दस्तावेज पर हस्ताक्षर किए और अंतिम शेख राज्य यूनियन में फरवरी 1972 में शामिल हुआ ।

अबू धावी, जो यूनियन की राजधानी है, इस क्षेत्र में सबसे बड़ा है । दुवई यूनियन का मुख्य वंदरगाह है और अब मध्य-पूर्व में सबसे बड़ा बन्दरगाह बन गया है ।यूनाइटेड अरब अमीरात की लगभग समूची अर्थ-व्यवस्था तेल पर निर्भर है।

राष्ट्रपति: शेख जैद बिन सुलतान अल नहायन (अबू-धावी के); **उपराष्ट्रपति एवं प्रधानमंत्री:** शेख मकतूम बिन रशीद अल-मकतूम (दुवई के) ।

भारत में दूतावास: युनाइटड अरब अमीरात का दूतावास, ई. पी-12, चंद्रगुप्त मार्ग, चाणक्यपुरी, नई दिल्ली-110 021; फोन: 4670830, 4670945; फैक्स: 6873272.

Indian Mission in UAE: *Embassy of India,* Villa No. 9, Street No. 5, Sector-2/33, Khalidiya, P.O.Box No.4090, Abu Dhabi (UAE). Tel: 00-971-2-664800; Fax: 00-971-2-651518.

E-mail:indiauae@emirates.net.ae

यूनान (ग्रीक)

(Hellenic Republic) Elliniki Dimokratia

राजधानी: एथेन्स; **क्षेत्रफल:** 131,990 वर्ग किलोमीटर; **जनसंख्या:** 11.0 मिलयन; **भाषा:** यूनानी; **साक्षरता:** 95%; **धर्म:** ईसाई; **मुद्रा:** यूरो; 1 अमरीकी डालर = 1.03; **प्रति व्यक्ति आय:** 17,440 डालर ।

यूनान भू-मध्यसागर के तट पर वल्कान प्रायद्वीप के दक्षिणी भाग में स्थित है ।

प्राचीन काल में यूनान लोकतंत्र, शिक्षा और संस्कृति का केन्द्र था ।यह ईसा पूर्व पहली शताब्दी तक राजनैतिक दृष्टि से एक स्वाधीन देश था ।इसी शताब्दी के उत्तरार्ध में रोमन सत्ता ने यूनान के राज्यों को अपने अधीन कर लिया । बाद में यूनानी बाइजैण्टाइन और ओटोमन साम्राज्य की अधीनता में 1830ई.तक रहे जब यूनान एक राजतंत्र के रूप में स्वाधीन हो गया। अनेक उतार-चढ़ाव के बाद 1974 में राजतंत्र का उन्मूलन हो गया और तब से यूनान एक गणराज्य है ।

कुल क्षेत्र के एक तिहाई भाग में अनेक प्रायद्वीप हैं जि से क्रेटे सबसे बड़ा है । यूनान एवं यूगोस्लाविया के पूर्व गण मेसीडोनिया में 1995 में संबंधों को सामान्य करने समझौते के साथ ही तनाव समाप्त हो गया ।

यद्यपि अभी हाल तक यूनान एक कृषि-प्रधान देश किन्तु अब वहां अनेक प्रकार के उद्योग विकसित हो गए यूनान के पास व्यापारिक पोतों का विशाल बेड़ा है । पर्य यूनान का सबसे बड़ा उद्योग है ।

राष्ट्रपति: कांस्टेटिनोस स्टिफानोपोलस; **प्रधानमं** कोस्टास सिमिटिस।

भारत में दूतावास: यूनान का दूतावास, 16 सुन्दर न नई दिल्ली-110 003; फोन: 461780 4617854; फैक्स: 4601363.

E-mail: hellemb@del2.vsnl.net.

Indian Mission in Greece: *Embassy of India,* Kleanthous Street, 10674 Athens, Greece. Tel: 00-3 7216227; Fax: 00-301-7211252.

E-mail: indembassy@ath.forthnet.gr

रुवाण्डा

(Republic of Rwanda) Republica y'u Rwand

राजधानी: किगाली; **क्षेत्रफल:** 26,338 वर्ग किलोमी **जनसंख्या:** 7.4 मिलयन; **भाषा:** फ्रेंच तथा किन्यारवा एवं स्वाली; **साक्षरता:** 60%; **धर्म:** कबायली ईसाई त इस्लाम; **मुद्रा:** रुवाण्डा फ्रैंक; 1 अमरीकी डालर 475.35 र.फ्रैंक; **प्रति व्यक्ति आय:** 1,250 डालर

रुवाण्डा मध्य पूर्वी अफ्रीका में विषवत् रेखा के ठीक न एक गणतंत्र है ।रुवाण्डा के निवासियों में वट्टूसी, वहूटू अ बातावा जनजाति के लोग शामिल हैं ।

रुवाण्डा गणतंत्र पहले पूर्वी मध्य अफ्रीका में रुवाण्ड उरण्डी की वेल्जियन ट्रस्टीशिप का एक भाग था, जो 196 में स्वतंत्र हुआ ।

रुवाण्डा जातीय हिंसा का पर्याय बन चुका है। शताब्दियों तुत्सी जाति ने हुतु जाति जो कि बहुतायत (90%) में है आधिपत्य बनाये रखा। अगस्त 1993 में सरकार और तु विद्रोहियों में एक शांति समझौते पर हस्ताक्षर किये गये। बहुमत सरकार और तुत्सी समर्थक विद्रोहियों के बीच चार तक चली लड़ाई जिसमें हजारो लोग मारे गये और विश्व ने सब बड़ी शरणार्थी समस्या का सामना किया। अप्रैल 1994 राष्ट्रपति जुवेनल हब्यारिमाना बुरुण्डी के राष्ट्रपति के साथ ए राकेट हमले में मारे गये।इसी के साथ जातीय हिंसा भड़क उ मई महीने में किगाली हवाई अड्डा विद्रोहियों के कब्जे में आ गय पश्चिमी रुवाण्डा के हुतु शरणार्थी सायर (वर्तमान कांगो) सीमा में चले गये क्योंकि दो-तिहाई देश पर तुत्सी समुदाय कब्जा हो गया था। शरणार्थी कैम्पों में प्रति दिन लगभग 100 लोग भूख और बीमारियों से मरे। जुलाई में तुत्सी समथि रुवाण्डन पैट्रियाटिक फ्रंट ने एक हुतु (पी. बिजिमुंगु) को राष्ट्रप बनाया। हिंसा और विपदा जारी हैं। सायर के केवल एक में लगभग 5,00,000 शरणार्थी थे।

यहां की अर्थ-व्यवस्था कृषि पर आधारित है जो मुश्कि

से गुजारे लायक है। काफी, कपास और पाइरेथ्रम यहां की मुख्य फसलें हैं। खनिजों में टिन अयस्क, टंगस्टन, टैंटेलाइट और वेरिल शामिल है। उद्योग विकसित नहीं हैं। पशुपालन व्यापार के रूप में किया जाता है तथा खालें और चमड़े का निर्यात होता है। जुलाई में ओ.ए.यू. द्वारा नियुक्त अंतर्राष्ट्रीय पैनल के अनुसार अगर सुरक्षा परिषद ने समय पर कार्रवाई की होती तो तुत्सी समुदाय के दो लाख से अधिक लोगों के नरसंहार को रोका जा सकता था।

राष्ट्रपति: मेजर जनरल पाल कागामे; **प्रधानमंत्री:** वर्नार्ड माकुसा।

भारत में दूतावास: एम्बैसी आफ दी रिपब्लिक आफ रुवांडा, वी–112, नीति वाग, नई दिल्ली –110049, फोन: 6568983, फैक्स: 6568085.

E-mail: rwandaembassy@hotmail.com

Indian Mission in Rwanda: Honorary Consulate General of India, M/S Sulfo Rwanda Industries, Rue de Lac Ihema, B.P. 90, Kigali, Rwanda. Tel: 00-250-74556; Fax: 00-250-74290.

रूस

(Russian Federation) Rossiyskaya Federatsiya

राजधानी: मास्को; **क्षेत्रफल:** 17,075,000 वर्ग किलोमीटर; **जनसंख्या:** 143.5 मिलयन; **भाषा:** रूसी एवं अन्य; **साक्षरता:** 99%; **धर्म:** ईसाई; **मुद्रा:** रूवल; 1 अमरीकी डालर= 31.67 रूवल; **प्रति व्यक्ति आय:** 7,100 डालर।

विश्व में क्षेत्रफल की दृष्टि से सबसे बड़ा राज्य रूस, यूरोप एवं एशिया महाद्वीप के बीच फैला है। इसका विस्तार बाल्टिक सागर से प्रशांत महासागर के बीच 9600 किमी और उत्तर से दक्षिण तक 4800 किमी तक है।

दिसम्बर 1991 से स्वतंत्र देश रूस में, पूर्व सोवियत संघ के 75 प्रतिशत क्षेत्रफल और 50 प्रतिशत जनसंख्या है। पूर्व सोवियत संघ का 70 प्रतिशत औद्योगिक एवं कृषि उत्पादन रूस से है।

रूस ने अब अंतर्राष्ट्रीय मामलों में पूर्व सोवियत संघ का स्थान लिया है। संयुक्त राष्ट्र की सदस्यता और सुरक्षा परिषद में इसे सोवियत संघ का स्थान प्राप्त हुआ।

8 दिसम्बर 1991 में रूस, बाइलोरशिया और यूक्रेन ने कामनवेल्थ आफ इंडिपेंडेंड स्टेट की स्थापना पर सहमति दी। इसका मुख्यालय मिंस्क में है। सदस्य देश तीन संस्थापक और आठ अन्य अलग हुए देश – आर्मीनिया, अजरबैजान, मोल्डाविया, कजाकस्तान, किरगिजिया, ताजिकिस्तान, तुर्कमेनिस्तान, उजबेकिस्तान, जार्जिया। सी.आई.एस. एक राज्य नहीं है बल्कि स्वतंत्र राष्ट्रों का समूह है। अंतर्राष्ट्रीय मामलों एवं विधि में सोवियत संघ का [illegible] है।

सी.आई.एस. के संस्थापक रूस ने अपना नाम रशियन [illegible] लिया।

1993 में बढ़े होने पर बड़े और लघु सरकार नियंत्रित [illegible] का अभियान शुरु किया गया। राष्ट्रपति [illegible] 1994 में कांग्रेस आफ पेट्रियट्स द्वारा रूसे

रूस के दो रूप

मास्को ने रूसी संसार के आर्थिक क्षेत्र में अपनी विशिष्ट पहचान बना ली है। मास्को आधुनिक आर्थिक सेवा के क्षेत्र में अग्रणी हो गया है। आधिकारिक तौर पर मास्को में जीडीपी की दर (वर्ष 2002 में 500 डालर) रूस के अन्य भागों की तुलना में तीन गुना अधिक है। और यह अंतर दिनो दिन बढ़ता जा रहा है। रूस के 84% बैंकों की संपत्ति पूंजी पर निवेश से है। रूस की 145 मिलयन जनसंख्या का 7 प्रतिशत भाग मास्को में रहता है। लेकिन इन लोगों ने वर्ष 2002 में देश की कुल जीडीपी का 21% उत्पन्न किया जोकि 1997 के 14% की तुलना में बहुत तेजी से बढ़ा है।

गये अविश्वास का सामना करना पड़ा। जुलाई 1994 में रूस पूर्व साम्यवादी देशों के साथ शांति हेतु सैन्य सहयोग के लिये नाटो में सम्मिलित हो गया।

जुलाई 97 में संसद ने आर्थोडाक्स क्रिश्चियनिटी, इस्लाम, जुडाइज्म और बौद्ध धर्म को मान्यता दी।

रूस ने 98 में जी–8 सम्मेलन में पूर्ण सदस्य के रूप में भाग लिया।

रूस के अंतिम जार निकोलस द्वितीय और उनके परिवार जिनको बोल्सेविक क्रांति के दौरान गोली मार दी गई थी के ढांचे को 80 वर्ष के बाद पीटर्सबर्ग में दफनाया [illegible]

17 अगस्त 98 में रूस ने अपनी मुद्रा का मूल्य अवमूल्यन किया और वर्ष के अंत तक इसकी गिरावट को 50% तक पंहुचने दिया। 9 अगस्त 99 को [illegible] सरकार को बर्खास्त करके व्लादिमीर पुतिन को नया प्रधानमंत्री बनाया। येल्तिसिन ने पुतिन को अगले राष्ट्रपति पद के लिए अपना उत्तराधिकारी भी घोषित किया है।

अगस्त 99 में दागिस्तान के अनेक गांवों पर मुस्लिम उग्रवादियों ने कब्जा कर लिया और रूस [illegible] का प्रयोग कर रहा है।

प्राकृतिक स्रोत: [illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

राष्ट्रपति: व्लादिमिर पुतिन; [illegible]

यहूदियों की वापसी

सोवियत संघ के विखराव के वाद पूर्वी यूरोप के यहूदियों की संख्या जर्मनी में तेजी से वढ़ने लगी है। द्वितीय विश्व युद्ध के पहले जर्मनी में यहूदियों की संख्या 500,000 थी जो कि युद्ध के वाद घट कर केवल 15,000 रह गई थी। आज इनकी संख्या 200,000 हो गई है और लगभग 70,000 प्रत्याशी अपने कागज लेकर पूर्व सोवियत क्षेत्रों में प्रतीक्षारत हैं। वर्ष 2002 में जर्मनी ने पूर्व सोवियत संघ के यहूदियों के लिये इजराइल का रास्ता खोल दिया था। लेकिन इजराइल जाने वाले यहूदी 18,878 ही थे जवकि जर्मनी में 19,262 यहूदी आये। अल्प संख्या में लगभग 10,000 यहूदी अमरीका में गये।

भारत में दूतावास: रुस का दूतावास, शान्ति पथ, चाणक्यपुरी, नई दिल्ली–110021; फोन: 6873800, 6873802; फैक्स: (91–11) 6876823.

E-mail:indrusem@del2.vsnl.net.in

वाणिज्य दूतावास: नई दिल्ली: ब्लाक 50 ई, न्याया मार्ग चाणक्यपुरी, नई दिल्ली–110021, फोन: 6909145, फैक्स: 609147.

Indian Mission in Russian Federation: Embassy of India, 6-8 Ulitsa Vorontsovo Polye (Obukha), Moscow (Russia). Tel: 00-7-095-9171841; Fax: 00-7-095-9752337. E-mail:indembas@rsencubh.msk.ru

रूमानिया

राजधानी: बुखारेस्ट; **क्षेत्रफल:** 2,37,500 वर्ग किलोमीटर; **जनसंख्या:** 22.4 मिलियन; **भाषा:** रोमानियन हंगेरियन, जर्मनी; **साक्षरता:** 97%; **धर्म:** ईसाई; **मुद्रा:** लियू (प्लूरल लियू) 1 अमरीकी डालर = 33,065 लियू; **प्रति व्यक्ति आय:** 5,830 डालर।

रूमानिया यूरोप के मध्य भाग के दक्षिण–पूर्व में स्थित है।

रूमानिया में लम्वे समय से चली आ रही निकोली चाउशेस्कू की तानाशाही का अंत 1989 में हो गया। 1990 में नेशनल साल्वेशन फ्रंट ने सत्ता हासिल कर ली।

काला सागर (ब्लैक सी) तट 245 कि.मी. लम्वा है। आधुनिक रोमानिया 1859 में वना। रोमानिया की अर्थ–व्यवस्था में अय उद्योगों का आधिपत्य है।

यहां के भारी उद्योगों में तेल निकालने की ड्रिलिंग रिंग, तेल शोधन के उपकरण, पेट्रोरसायन उद्योग, सीमेंट, ताप और जल विद्युत शक्ति, उच्च क्षमतावाले डीज़ल और विजली के रेल इंजन, इंजीनियरिंग तथा उपभोक्ता वस्तुएं आदि का वाहुल्य है।

पिछली तीन दशाब्दियों में रोमानिया की खेती में अभूतपूर्व परिवर्तन हुए हैं। इन परिवर्तनों का शुभारंभ 1945 में भूमि सुधारों से हुआ। छोटे और मंझोले किसानों की भू–सम्पत्ति को सहकारी समितियों में परिवर्तित कर दिया गया। यह काम 1949 में प्रारंभ हुआ और 1962 में पूरा हो गया। भूमि सहकारी किसानों की साझा–सम्पत्ति है जिस पर सभी मिल कर खेती करते हैं।

यहां का निर्यात मुख्यत: मशीन और उपकरण; रासायनिक पदार्थ, रसायन, उवर्रक तथा औद्योगिक उपभोक्ता वस्तुएं हैं।

राष्ट्रपति: अयोन इलिस्कू; **प्रधानमंत्री:** अद्रियन नस्टासे।

भारत में दूतावास: रोमानिया का दूतावास, 52–ए, वसन्त मार्ग, वसन्त विहार, नई दिल्ली–110057; फोन: 6140447, 6140700; फैक्स: 6140611.

E-mail:Emround@hotmail.com

Indian Mission in Romania: Embassy of India, 11, Uruguay Street, Sector 1, Bucharest (Romania). Tel: 00-40-1-2225451; Fax: 00-40-1-2232681.

E-mail: amb@eoibuc.dnt.ro/ss@eoibuc

लक्ज़मबर्ग

(Grand Duchy of Luxembourg) Grand-Duche de Luxembourg

राजधानी: लक्ज़मवर्ग; **क्षेत्रफल:** 2,586 वर्ग किलोमीटर; **जनसंख्या:** 0.5 मिलियन; **भाषा:** फ्रेंच, अंग्रेजी, जर्मन; **साक्षरता:** 100%; **धर्म:** ईसाई; **मुद्रा:** यूरो; 1 अमरीकी डालर = 1.03; **प्रति व्यक्ति आय:** 53,780 डालर।

लक्ज़मवर्ग एक छोटा–सा राज्य है जो जर्मनी, वेल्जियम और फ्रांस के वीच स्थित है।

1867 में लंदन की संधि के द्वारा इसकी स्वाधीनता की पुष्टि की गई थी।

लक्ज़मवर्ग यूरोपियन इकोनामिक कम्युनिटी, वेनेलेक्स, यूरोपियन स्टील एण्ड कोल कम्युनिटी और युरोटाम का सदस्य और उद्योगों की दृष्टि से अति विकसित देश है लोहे के विशाल भंडार हैं, जो यहां के विशाल इस्पात का आधार। देश के निर्यात में 70 प्रतिशत भाग इस्पा है। कृषि में केवल 10 प्रतिशत आवादी लगी हुई है

राज्याध्यक्ष: ग्रैंड ड्युक हेनरी; **सरकार के प्रमुख:** क्लाडे जंकर।

भारत में दूतावास: लक्ज़मवर्ग का महावाणिज्य दूता वी–35, ग्रेटर कैलाश–1, नई दिल्ली–110048, 3230136, फैक्स:3238046.

Indian Mission in Luxembourg: Honorary Co late General of India, "Cabinet d'Avocats" Jim Pen 31, Grand-Rue, B.P. 282, L-2012, Luxembourg. Tel 352-473886; Fax: 00-352-222584.

लाओस

(Lao People's Democratic Republic) Sathalar Paxathipatai Paxaxon Lao

राजधानी: वियन्तियान; **क्षेत्रफल:** 236,800 किलोमीटर; **जनसंख्या:** 5.5 मिलियन; **भाषा:** लाओ, अं

र कबायली; **साक्षरता:** 57%; **धर्म:** बौद्ध धर्म; **मुद्रा:** प; 1 अमरीकी डालर = 7,600 किप; **प्रति व्यक्ति** 1,620 डालर ।

ओस गणराज्य दक्षिण–पूर्व एशिया में सामरिक महत्व ा है । 1893 से फ्रांस के संरक्षण में रहा लाओस 9 में फ्रांसीसी संघ के अंतर्गत स्वाधीन गणराज्य बना। ादियों व रूढ़िवादियों में विरोधाभास के कारण यहां तिक उतापथल बन गई। 2 दिसंबर 1975 में यहां ज्य की घोषणा हुई।

980 से 1988 तक वियतनाम द्वारा दी गई सैन्य र्थिक सहायता लाओस के लिये उपलब्धि रही। 1988 हां अमरीका और थाईलैंड द्वारा काफी निवेश किया । 1997 में लाओस को एशियान की सदस्यता मिली

मुख उत्पादन हैं – चावल, तम्बाकू, कपास, बेनज़ोइन, , टिन, सीसा और जस्ता और सागौन (टीक) की ड़ी। अन्य उद्योग छोटे स्तर पर हैं ।

राष्ट्रपति: खमाटे सिफोनडोन; **प्रधानमंत्री:** बौंगनांग ाचिट।

भारत में दूतावास: लाओस गणराज्य का दूतावास ए 04/7 पर्मानंद एस्टेट, महारानी बाघ, नई दिल्ली–110 65, फोन: 6933319, फैक्स: 6323048.

E-mail:amlaodl@ndb.vsnl.net.in

Indian Mission in Lao P.D.R.: Embassy of India, Rue hat Luang, P.O. Box No. 225, Vientiane, Lao PDR. Tel: 0-856-21-413802; Fax: 00-856-21-412768.

E-mail:indiaemb@laotel.com

लाइबेरिया

(Republic of Liberia)

राजधानी: मोनरोविया; **क्षेत्रफल:** 1,11,369 वर्ग किलोमीटर; **जनसंख्या:** 3.3 मिलयन; **भाषा:** अंग्रेजी और कबायली; **साक्षरता:** 38%; **धर्म:** ईसाई, इस्लाम; **मुद्रा:** डालर; 1 अमरीकी डालर = 1 लाइबेरियन डालर; **प्रति व्यक्ति आय:** 1100 डालर.

लाइबेरिया अफ्रीका के अटलांटिक तट पर स्थित है । इसकी स्थापना 1822 में हुई थी और 26 जुलाई, 1947 को यह गणराज्य बना । लगभग 90 प्रतिशत आबादी खेती में लगी है और उसमें से अधिकांश बहुत निर्धन हैं । मुख्य फसलें – कसावा, काफी, कोकोवा और ताड़ तेल है । कच्चा लोहा और रबर निर्यात की मुख्य वस्तुएं हैं ।

1990 में आंतरिक विद्रोह में राष्ट्रपति मेजर जनरल सैमुएल कैन्योन दोय की हत्या हो गयी और पश्चिमी अफ्रीका की इकानामिक कम्यूनिटी पीस कीपिंग फोर्स द्वारा प्रोफेसर एमोस सायर के नेतृत्व में सरकार का गठन किया गया। पिछले 3 वर्षों से जो तीन प्रमुख गुट संघर्षरत् हैं वे इस प्रकार है – (अ) चार्ल्स टेलर की रिवेल नेशनल पैट्रियाट्रिक लिबरेशन फ्रंट (ब) राष्ट्रपति एमोस सायर के नेतृत्व में अंतरिम सरकार (स) युनाइटेड लिबरेशन मूवमेंट । तीसरी शक्ति की सेना का समर्थन ...

25 जुलाई 1993 को ये तीनों गुट सहमत सरकार बनाने और फरवरी 94 में चुनाव कराने को राजी हो गये ।

हाल की घटनायें: जून 03 से ही अमरीका का दबाव राष्ट्रपति चार्ल्स टेलर को हटाने पर लगा था। जुलाई में मोनरोविया पर विद्रोहियो के हमले तेज हो गये। 2003 में सरकारी बलों व विद्रोहियों के बीच हुई मुठभेड़ में 2000 लोग मारे गये। अगस्त 11 को चार्ल्स टेलर ने अमरीका के दबाव में आकर त्यागपत्र दे दिया। इससे आशा बंधी कि लाइबेरिया व पश्चिमी अफ्रीका में 14 वर्ष से चल रही हिंसा की समाप्ति हो जायेगी।

राष्ट्रपति: मोसेस ब्लाह।

लिचटेन्सटीन

(Principality of Liechtenstein) Furstentum Liechtenstein

राजधानी: वाडुज **क्षेत्रफल:** 160 वर्ग किलोमीटर **जनसंख्या** 0.03 मिलयन **भाषा** जर्मन **साक्षरता** [illegible]% **धर्म** ईसाई; **मुद्रा** स्विस फ्रैंक 1 अमरीकी डालर = [illegible] स्विस फ्रैंक · **प्रति व्यक्ति आय:** 23 000 डालर

लिचटेन्सटीन ऊपरी राइन नदी पर आस्ट्रिया और स्विट्जरलैंड के बीच बसा एक छोटा–सा राज्य है । यह उत्तर से दक्षिण तक 24 किलोमीटर और पूर्व से पश्चिम तक 9 किलोमीटर में फैला हुआ है । 1866 में इसे स्वाधीनता मिली थी

विदेशी श्रमिक कुल आबादी के एक तिहाई हैं अनेक अंतर्राष्ट्रीय कंपनियों के यहां मुख्यालय हैं 1868 से ही यह देश तमाम युरोपीय लड़ाइयों में तटस्थ रहा 1984 में यहां महिलाओं को मतदान की स्वतंत्रता दी गई

यहां की अर्थ–व्यवस्था मुख्यत: उद्योग प्रधान है मुख्य उद्योग हैं– मशीनें और औजार वस्त्र खाद्य सामग्री और चमड़े का सामान ।

राज्याध्यक्ष: प्रिंस हांस आडम द्वितीय; **प्रधानमंत्री:** ओटमार हासलर।

लिथुआनिया

(Republic of Lithuania) Lietuvos Respublika

राजधानी: विलनियस (विलना); **क्षेत्रफल:** 65,2[illegible] वर्ग किलोमीटर; **जनसंख्या** 3.5 मिलयन, **भाषा** लिथुआनियन **साक्षरता:** 98%; **धर्म:** ईसाई; **मुद्रा:** दी लिटास 1 अमरीकी डालर=3.54 लिटास; **प्रति व्यक्ति आय** 8 4[illegible] डालर

लिथुआनिया को अगस्त 1991 में स्वतंत्रता मिली इसके पूर्व 1990 में इसने अपनी स्वतंत्रता की घोषणा कर दी थी लेकिन सोवियत संघ ने आपूर्ति रोककर तथा अन्य उपायों से विफल कर दिया ।

लैटविया, बाइलोरशिया, पोलैंड और रूस से इसकी सीमाएं मिलती हैं ।

1940 तक लिथुआनिया मुख्यत: कृषि क्षेत्र था । तबसे अब तक पूर्ण औद्योगिकीकरण हुआ है ।

कृषि: खाद्यान्न, आलू, चुकन्दर, [illegible]

जिसमें 70 प्रतिशत कोनिफर (शंकुवृक्ष) हैं । पीट के भंडार लगभग 4,000 एम सीयू मीटर के हैं ।

उद्योग: हैवी इंजीनियरिंग, शिप बिल्डिंग, निर्माण सामग्री, कारखाने, इलेक्ट्रानिक सामान, रसायन, कागज, चमड़ा चीनी, कपडे ।

राष्ट्रपति: वालदास अडामकुस; **प्रधानमंत्री:** युजेनिजस जेंटविलास

भारत में दूतावास: आनरेरी कंसुलेट आफ दी रिपब्लिक आफ लिथुआनिया, मोहन हाउस, जमरुदपुर कम्युनिटी सेंटर, कैलाश कालोनी एक्सटेंशन, नई दिल्ली–110048, फोन: 6433135, फैक्स: 6460191.

लीबिया

(Socialist People's Libyan Arab Jamahiriya) al-Jamahiriyah al-Arabiya al-Libya al Shabiya al-Ishirakiya

राजधानी: त्रिपोली; **क्षेत्रफल:** 17,59,540 वर्ग किलोमीटर; **जनसंख्या:** 5.4 मिलयन; **भाषा:** अरबी; **साक्षरता:** 76%; **धर्म:** इस्लाम; **मुद्रा:** लीबियन दिनार; 1 अमरीकी डालर = 1.24 लीबियन दिनार; **प्रति व्यक्ति आय:** 7,570 डालर ।

लीबिया अफ्रीका के उत्तरी तट पर स्थित एक अरब राज्य है । 1977 में इसने अपना नाम 'सोशलिस्ट पीपुल्स लीबियन अरब जम्हूरिया' रखा ।

लीबिया पहले इटली का उपनिवेश था और 1952 में इसे स्वाधीनता मिली । 1969 में राजसत्ता हटा दी गयी ।

मुख्य कृषि उत्पाद हैं – खजूर, जैतून, बादाम और रसीले फल ।

मछली पकड़ना, तम्बाकू संसाधन, रंगाई और बुनाई महत्वपूर्ण उद्योग हैं ।

यहां 1957 में तेल के कुएं मिले और आज लीबिया संसार में तेल का एक प्रमुख उत्पादक है ।

राज्याध्यक्ष: कर्नल मुआमर अल–गद्दाफी

भारत में दूतावास: समाजवादी जनवादी लीबिया अरब गणराज्य का दूतावास, 22 गोल्फ लिंक्स, नई दिल्ली–110 003; फोन: 4697771/4697717; फैक्स: 4633005. E-mail:libya@bol.net.in

Indian Mission in Libya: Embassy of India, 16/18, Shara Mamound Shaltut, Garden City, P.O. Box 3150, Tripoli, Libya. Tel: 00-218-21-3338212; Fax: 00-218-21-3337560.

E-mail:indembassy@mail.link.net.mt /indembtrip@hotmail.com

लेबनान

(Republic of Lebanon) al-Jumhouriya al-Lubnaniya

राजधानी: बेरुत; **क्षेत्रफल:** 10,400 वर्ग किलोमीटर; **जनसंख्या:** 4.3 मिलयन; **भाषा:** अरबी, फ्रेंच, अंग्रेजी; **साक्षरता:** 92%; **धर्म:** ईसाई और इस्लाम; **मुद्रा:** पौण्ड; 1 अमरीकी डालर = 1,513.75 पौण्ड; **प्रति व्यक्ति आय** 4,170 डालर।

लेबनान राज्य भू–मध्यसागर के किनारे सीरिया और इजराइल के बीच एक लम्बी भू–पट्टी पर है । यह 1941 में स्वाधीन देश बना ।

लेबनान मुख्यत: एक कृषि–प्रधान देश है, यहां जैतून का तेल, खाद्यान्नों और फलों का उत्पादन होता है । प्रमुख उद्योग हैं – तेल शोधन, खाद्य और सीमेंट । पर्यटन आय का मूल्यवान साधन है ।

संवैधानिक परम्परा के अनुसार मैरोनाइट क्रिश्चियन और सुन्नी मुस्लिम सत्ता के भागीदार होंगे । लेकिन ईसाईयों (42 प्रतिशत) और मुस्लिम (57 प्रतिशत) के बीच 14 वर्षीय घरेलू युद्ध के कारण स्थिर सरकार नहीं बन सकी।

अक्टूबर 1990 में जनरल माइकल ओयन के नेतृत्व में क्रिश्चियन सेना को राष्ट्रपति इलियास ह्रावी ने सीरियन मदद से हरा दिया और सत्ता पर अधिकार जमा लिया । उन्हें अरब देशों का समर्थन प्राप्त था ।

प्रधानमंत्री सलीम होस के राष्ट्रीय सहमति दल जिसमें 7 मुख्य दल – मैरोनाइट क्रिश्चियन, सुन्नी मुस्लिम, शिया मुस्लिम, ड्रयूस, अर्मीनियन, ग्रीक आर्थोडाक्स, और ग्रीक कैथोलिक हैं की सरकार बनी सीरिया जिसकी 30,000 सैनिक टुकड़ियां लेबनान में हैं देश की सेना और राजनीति पर प्रभुत्व रखता है।

राष्ट्रपति: इमाइल लाहुद; **प्रधानमंत्री:** रफीक अल–हरिरि ।

भारत में दूतावास: लेबनान का दूतावास, 10 सरदार पटेल रोड़, नई दिल्ली–110 021; फोन: 3013174/3013637; फैक्स: 3015555.

E-mail: lebanemb@giasd101.vsnl.net.in

Indian Mission in Lebanon: Embassy of India, 31, Kantari Street, Sahmarani Building, P.O. Box No.113-5250(Hamra) and 11-1764, Beirut, Lebanon. Tel: 00-961-1-372619; Fax: 00-961-1-373538.

E-mail: indembei@dm.net.lb

लेसोथो

(Kingdom of Lesotho)

राजधानी: मसेरु; **क्षेत्रफल:** 30,355 वर्ग किलोमीटर; **जनसंख्या:** 2.2 मिलयन; **भाषा:** अंग्रेजी और लेसोथो; **साक्षरता:** 71%; **धर्म:** ईसाई और कबायली; **मुद्रा:** लोती; 1 अमरीकी डालर = 10.57 लोती; **प्रति व्यक्ति आय:** 2,420 डालर ।

लेसोथो राज्य साउथ अफ्रीका गणराज्य के भीतर स्थित एक औपनिवेशिक बस्ती है । पहले ये ब्रिटिश संरक्षित राज्य था और इसका नाम बसूटोलैण्ड था । 4 अक्तूबर 1966 को यह लेसोथो के नाम से स्वाधीन राज्य बना ।

इस देश का मुख्य उद्यम कृषि है । यहां बिजली और जल–विद्युत की व्यापक संभावनाएं है । निर्यात की प्रमुख मदें हैं – पशु, हीरे, ऊन और मोहरे।

राज्याध्यक्षः किंग लेट्सी तृतीय; प्रधानमंत्रीः पकालिता मोसिली

भारत में दूतावासः बेइजिंग में स्थित लेसोथो का दूतावास।

लातिविया

(Republic of Lativia) Latvijas Republika

राजधानी: रिगा; **क्षेत्रफल:** 63,700 वर्ग किलोमीटर; **जनसंख्या:** 2.3 मिलियन; **भाषा:** लैटवियन; **साक्षरता:** 100%; **धर्म:** ईसाई; **मुद्रा:** दी लाट्स; 1 अमरीकी डालर=0.61 लाट्स; **प्रति व्यक्ति आय:** 7,730 डालर।

लातिविय अगस्त 1991 में सोवियत संघ से अलग होकर स्वाधीन हुआ। 1990 में इसने स्वतंत्रता का प्रयास किया था।

लैटविया के उत्तर एवं पश्चिम में बाल्टिक सागर है। एस्टोनिया, लिथुआनिया, बाइलोरशिया और रूस इसके पड़ोसी हैं। शहरीकरण ने मुख्य रूप से कृषि आधारित देश का स्वरूप बदल दिया है।

कृषिः क्राप्स-ओट्स, जौ, राई, आलू, फ्लेक्स, शुगर बीट, मांस, दूध, अंडे, कैटल ब्रीडिंग, और डेयरी फार्मिंग मुख्य व्यवसाय है। प्राकृतिक स्रोतः पीट, ब्रिक्वेट्स जिप्सन।

उद्योगः विद्युत, रेलवे यात्री कार और लम्बी दूरी के टेलीफोन एक्सचेंज, पेपर और ऊन की वस्तुएं। सान टिंयर, मिनरल उर्वरक, होजरी, कपड़े चमड़ा, फुटवियर, केमिकल फाइबर, बस, रेडियो रिसीवर्स।

प्रधानमंत्री एंड्रिस स्केले ने अप्रैल 2000 में त्यागपत्र दे दिया।

राज्याध्यक्षः सुश्री वाइरा विके फ्रीबर्गा; **प्रधानमंत्रीः** एंड्रिस बेरसिन्स

भारत में दूतावासः हानेररी कोसुलेट जनरल, 48/11, मलचा मार्ग, चाणक्यपुरी, नई दिल्ली-110 021, फोन 6112931, फेक्सः 61113753.

वनातू

(Republic of Vanuatu) Ripablik Blong Vanuatu

राजधानीः विला; **क्षेत्रफल:** 14,760 वर्ग किलोमीटर; **जनसंख्या:** 189,618; **भाषा:** अंग्रेजी, फ्रेंच और बिस्लामा; **साक्षरता:** 36%; **धर्मः** ईसाई; **मुद्राः** वातू; 1 अमरीकी डालर = 137.75 वातू; **प्रति व्यक्ति आयः** 3,190 डालर।

न्यू हेबराइड्स। जुलाई 1980 को वनातू के नाम से स्वतंत्र हुआ। यह प्रशान्त महासागर में 13 बड़े और 80 छोटे द्वीपों की दुहरी लड़ी है। इसमें इस्प्रतु सैन्टो सबसे बड़ा द्वीप है।

मूल रूप से यह यूरोपीय समुद्री डाकुओं का अड्डा था, जो 1906 में फ्रांस और ब्रिटेन के नियंत्रण में आया।

यहां की आबादी अधिकांशतः मेलेनेशियन नस्ल की है। मुख्य नकदी फसलें नारियल गिरी, काफी और कोका हैं। यहां सुअर पालन अति विकसित है। 1960 से यहां मैंगनीज का खनन किया जा रहा है, जिसे जापान का निर्यात कर दिया जाता है।

राष्ट्रपतिः जान बानी; **प्रधानमंत्रीः** एडवर्ड नाटापी।

वियतनाम

(Socialsit Republic of Vietnam) Cong Hoa Xa Hoi Chu Nghia Viet Nam

राजधानी: हनोई; **क्षेत्रफल:** 329,566 वर्ग किलोमीटर; **जनसंख्या:** 79.7 मिलियन; **भाषा:** वियतनामी, फ्रेंच, अंग्रेजी, चीनी; **साक्षरता:** 94%; **धर्मः** ताओ, बौद्ध, कन्फ्यूशियनिज्म, ईसाई, इस्लाम; **मुद्रा:** डोंग; 1 अमरीकी डालर = 15,341.50 डोंग; **प्रति व्यक्ति आयः** 2,070 डालर।

सोशलिस्ट रिपब्लिक आफ वियतनाम (भूतपूर्व नार्थ और साउथ वियतनाम को मिलाकर) एक पर्वतीय देश है। इसकी लगभग समूची लम्बाई से होकर एक पर्वत श्रृंखला जाती है जिसे अन्नामाइट श्रृंखला कहते हैं। पर्वत श्रृंखला के एक ओर उत्तर में उपजाऊ रेड रिवर डेल्टा और दूसरी ओर दक्षिण में मेकांग डेल्टा है। दोनों डेल्टाओं में भरपूर चावल पैदा होता है।

वियतनाम युद्ध 1954 में दक्षिण वियतनाम में अमरीका द्वारा समर्थित सरकारी दलों व उत्तरी वियतनाम तथा सोवियत संघ द्वारा समर्थित वियत कांग्रेस गुरिल्ला के मध्य प्रारंभ हुआ। युद्ध 1973 तक चला लेकिन वियत कांग्रेस गुरिल्ला की गतिविधियां तब तक चलती रहीं जब तक दक्षिण वियतनाम में साम्यवाद स्थापित नहीं हो गया।

2 जुलाई 1976 को दक्षिण वियतनाम व उत्तरी वियतनाम के एकीकरण के साथ नया समाजवादी गणतांत्रिक वियतनाम का उदय हुआ। नव राज्य में उत्तरी वियतनाम का राष्ट्रीय ध्वज, राष्ट्रगान और मुद्रा मान्य हुई।

यह एक कृषि-प्रधान देश है। चावल यहां की सबसे प्रमुख पैदावार है जिसका निर्यात भी होता है। अन्य फसलें रबड़, गन्ना, कॉफी और चाय हैं। उत्तर में पाए जाने वाले खनिजों में कोयला, टिन, तांबा, क्रोमियम और फास्फेट शामिल हैं। दक्षिण में वस्त्र, धातु कर्म, रसायन, कागज और कपड़ा उद्योग है।

हाल की घटनायें: अमरीका के सेक्रेटरी आफ स्टेट कोलिन पावेल ने वियतनाम का दौरा किया। वियतनाम विश्व में काफी का सबसे बड़ा उत्पादक देश है, काफी के दाम पिछले 15 वर्षों में सर्वाधिक लुढ़क गये।

राष्ट्रपतिः ट्रान ड्यूक लुआंग **प्रधानमंत्रीः** फान वान खाई।

भारत में दूतावासः वियतनाम का दूतावास, 17, कौटिल्य मार्ग, चाणक्यपुरी, नई दिल्ली-110 021, फोन: 3018059, 3019818; फैक्स: 91-11-3017714.

E-mail:sqdelhi@del3.vsnl.net.in

Indian Mission in Vietnam: Embassy of India, 58-60, Tran Hung Dao, Hanoi, Vietnam. Tel: 00-84-4-8244989, Fax: 00-84-4-8244998.

E-mail:india@netnam.org.vn

वेटिकन सिटी

(The Holy See) Sato della Cittadel Vaticano

राजधानी: वेटिकन सिटी; **क्षेत्रफल:** 0.4 वर्ग किलोमीटर **जनसंख्या:** 870; **भाषा:** लैटिन, इटैलीयन सभी भाषाए

ने दमवारी की। अप्रैल 96 में युगोस्लाविया ने मैसिडोनिया से राजनयिक संबंध स्थापित करके युरोपीय संघ की बेलग्रेड में राजदूत भेजने की शर्त पूरी की।

कोसोवा समस्या 1998 तक खतरनाक हो गई। राष्ट्रपति मिलोसेविक पर आरोप लगे कि वे यहां से अल्बानियन जाति के लोगों का सफाया कर देना चाहते हैं। नाटो ने जून महीने में सैन्य हस्तक्षेप करने का निर्णय लिया। कोसोवा लिबरेशन आर्मी द्वारा गुरिल्ला आक्रमण प्रारंभ हो गये। सर्बियन अधिकारियों ने कोसोवा लिबरेशन आर्मी के खिलाफ बड़ा मुहिम छेड़ दिया। अमरीका ने युगोस्लाविया पर अनेक प्रकार के प्रतिबंध लगा दिये।

मार्च 99 में नाटो ने सर्बियन ठिकानों पर वायु आक्रमण शुरु कर दिये, जोकि जून में समाप्त हुए। कोसोवा लिबरेशन आर्मी ने नाटो के साथ समझौता करते हुए हथियार डाल दिये।

युगोस्लाविया में अक्टूबर महीने में जन आक्रोश के कारण तानाशाह स्लोबोडन मिलोसोविक को अपदस्थ कर विपक्ष के नेता वोजिस्टाव कोस्टोनिका नये राष्ट्रपति बनें, रूस समेत समस्त पश्चिमी देशों ने उनका समर्थन कर इसे लोकतंत्र की वापसी माना। युरोपीय संघ ने सर्बिया के विरुद्ध अनेक प्रतिबंध वापस लेने के लिये कहा है।

हाल की घटनायें: युगोस्लाव की संसद नये देश सर्बिया मोंटेग्रो नामक नये देश के गठन के लिये बैठी। युगोस्लाविया का नाम खतम हुआ।

र्बिया के अंतर्गत स्वशासित क्षेत्र

कोसोवा (राज.: प्रिस्टना, क्षेत्रफल: 10,887 वर्ग कि.मी. नसंख्या: 2 मिलयन; वोजवोडिना: (राज.: नोवी सांड, क्षेत्रफल ,506 वर्ग कि.मी. जनसंख्या 2.05 मिलयन)।

कृषि उत्पाद: मक्का, शंकरकंदी, गेंहू, तम्बाकू, पशु एवं कड़ी।

उद्योग: विद्युत, कोयला, लिग्नाइट, लौहा, इस्पात, सीमेंट, र गाड़ियां, लकड़ी के उत्पाद एवं पर्यटन।

राष्ट्रपति: वोजिस्टाव कोस्टोनिका, प्रधानमंत्री: जिओरान कोविक।

भारत में दूतावास: सर्बिया मांटेनग्रो का दूतावास: 3/50 मार्ग, चाणक्यपुरी, नई दिल्ली–110 021, फोन: 73661/6872073; फैक्स: 6885535. E-mail: zvezda@del2.vsnl.net.in

Indian Mission in Federal Republic of Serbia Montengro: Embassy of India, Vase Pelagica 30, Senjak, ade, 11000 YU, Yugoslavia. Tel: 00-381-11-3692431; 00-381-11-3692435.

आ (पूर्व में वेस्टर्न समोआ)

(Independent State of Western Samoa) Malotuto'atasio a i Sisifo

राजधानी: एपिआ; क्षेत्रफल: 2,835 वर्ग किलोमीटर; संख्या: 1 59,000 भाषा: समोअन और अंग्रेजी; साक्षरता: %; धर्म: ईसाई; मुद्रा: टाला (डालर); 1 अमरीकी डालर 1 टाला; प्रति व्यक्ति आय: 6180 डालर।

वेस्टर्न समोआ के दक्षिणी प्रशान्त महासागर में स्थित 4 द्वीप शामिल हैं जिनमें सवाई और उपोलु सबसे बड़े हैं। अन्तर्राष्ट्रीय समय रेखा वेस्टर्न समोआ के एकदम नज़दीक से गुजरती है। ईस्टर्न समोआ, (अमरीकन समोआ) जिसकी राजधानी फोगोटोगो है, संयुक्त राज्य अमरीका का अधीनस्थ क्षेत्र है।

वेस्टर्न समोआ 1 जनवरी 1962 को पूर्ण स्वतंत्र हुआ और यह राष्ट्रमंडल का सदस्य है।

यहां की अर्थ–व्यवस्था मुख्यतः कृषि पर आधारित है। यहां के प्रमुख उत्पाद मछली, कोको, केला, कचालू, शकरकन्द, खाल, वस्त्र और चटाइयां हैं।

जीवनभर के लिए राज्याध्यक्ष: मैलिएटोआ टनुमेफिली द्वितीय; **प्रधानमंत्री:** टुइलापा सैलेले।

श्रीलंका

(Democratic Socialist Republic of Sri Lanka) Sri Lanka Prajathanthrika Samajavadi Janarajaya

राजधानी: कोलम्बो; **क्षेत्रफल:** 65,610 वर्ग किलोमीटर; **जनसंख्या:** 18.9 मिलयन; **भाषा:** सिंहली, तमिल और अंग्रेजी; **साक्षरता:** 88%; **धर्म:** बौद्ध, हिन्दू, इस्लाम और ईसाई; **मुद्रा:** रुपया; 1 अमरीकी डालर = 96.27 रुपए; **प्रति व्यक्ति आय:** 3,180 डालर।

श्रीलंका एक द्वीप है जिसे कम गहरा पाक जलडमरू भारत से अलग करता है। इसके पश्चिम में पाक जलडमरू और मन्नार की खाड़ी, उत्तर और पूर्व में बंगाल की खाड़ी तथा दक्षिण में हिन्द महासागर है।

श्रीलंका राष्ट्रमंडल के सदस्य के रूप में 1948 में स्वतंत्र हुआ। 1985 से यहां उत्तर में बसे तमिल मूल के लोग अलग प्रान्त और सरकार की मांग को लेकर रक्तिम संघर्ष में लगे हैं। 1978 में उन्हें कुछ सहूलियतें जैसे तमिल भाषा की स्वीकृति आदि मिली थीं। तमिल युनाइटेड लिबरेशन फ्रंट ने इस आंदोलन को विस्तार दिया। बाद में उग्रवादी संगठनों जैसे कि लिट्टे, ईलम, जे.वी.पी., ई.जी. आर.एल.एफ. आदि नें इस आंदोलन को हिंसात्मक रूप दे दिया।

29 जुलाई 1987 को एक ऐतिहासिक समझौता भारत के तत्कालीन प्रधानमंत्री राजीव गांधी और वहां के राष्ट्रपति जयवर्धने के बीच हुआ। इस समझौते के अंतर्गत भारत की सेना वहां पर जाकर उग्रवादी संगठनों से लोहा लेकर उनका समर्पण करवायेगी। लंबे समय तक चली इस लड़ाई के बाद वहां की राजनीति के चलते 20 सितंबर 1989 को आई.पी.के.एफ. की भारत वापसी हुई।

11 जनवरी 1989 को राष्ट्रपति प्रेमदासा ने पांच वर्ष से चल रहे आपात शासन की समाप्ति की और फरवरी में आम चुनाव संपन्न कराये गये।

राष्ट्रपति प्रेमदासा की सुसाइड बम से एक मई 1993 को हत्या कर दी गयी। प्रधानमंत्री विजयतुंगे को राष्ट्रपति बनाया गया।

19 अगस्त 1994 को संसदीय चुनाव हुए और सुश्री चंद्रिका कुमारातुंगा की सरकार बनी। 9 नवंबर को राष्ट्रपति पद के चनाव हुए, और सुश्री चंद्रिका कुमारातुंगा राष्ट्रपति बनीं। उनके राष्ट्रपति बनने के बाद उनकी मां सिरिमावो भंडारनायके प्रधानमंत्री बनीं।

सेना और लिट्टे के बीच संघर्ष तीव्र हो गया। जुलाई 96 में सेना ने लिट्टे के कई ठिकाने नष्ट कर दिये। सात दिन तक चली लड़ाई में सेना ने लिट्टे के मुल्लाटिवे पर कब्जा कर लिया। अगस्त में विद्रोहियों के कब्जे से किलिनोच्ची शहर को भी छुड़ा लिया गया। ।

श्रीलंका के मुख्य कृषि उत्पाद चाय, रवड़ और नारियल हैं। व्यापारिक दृष्टि से महत्वपूर्ण खनिज ग्रेफाइट है। इसके अलावा लौह अयस्क, मोनाजाइट, इल्मेनाइट. चूना पत्थर, तेल और केयोलिन के भंडार भी हैं। उद्योगों में सीमेंट, कपड़ा और उर्वरक सम्मिलित है। श्रीलंका ने आर्थिक पुनर्निर्माण का कार्यक्रम हाथ में लिया है जिसमें महावली नदी का सिंचाई और जल-विद्युत के लिए उपयोग, गृह निर्माण कार्यक्रम, पूंजी निवेश, सम्वर्द्धन क्षेत्र आदि मुख्य कार्यक्रम हैं। मार्च 2000 में जाफना पेनिन्सुला के एलीफैंट पास में लिट्टे के साथ सेना का भीषण संघर्ष; मई महीने में श्रीलंका ने इजराइल से राजनयिक रिश्ते कायम किये। राष्ट्रपति कुमारतंगे द्वारा 17 वर्षीय जातीय संघर्ष को समाप्त करने के लिये संविधान संशोधन विधेयक को संसद में रखा गया लेकिन दो तिहाई बहुमत न होने के कारण पारित नहीं हो सका।

हाल की घटनायें: लिट्टे के नेता वेलुपिल्लई प्रभाकरन ने 20 अप्रैल 2002 को किलिनोची में पहली वार अतंर्राष्ट्रीय प्रेस कांफ्रेंस बुलाई।

राष्ट्रपति: श्रीमती चंद्रिका कुमारातुंगा। **प्रधानमंत्री:** रानिल विक्रमसिंघे

भारत में दूतावास: हाई कमीशन आफ श्रीलंका, 27, कौटिल्य मार्ग, चाणक्यपुरी, नई दिल्ली-110 021; फोन: 3010201, 3010202; फैक्स: 3793604.

E-mail:lankacom@del2.vsnl.net.in

Indian Mission in Sri Lanka: High Commission of India, 36-38, Galle Road, P.O.Box No. 882, Colombo 3, Sri Lanka. Tel: 00-94-1-421605; Fax: 00-91-1-446403.
E-mail:hciembpl@sri.lanka.net

सऊदी अरब

(Kingdom of Saudi Arabia) al-Mamlaka al'Araiya as-Sa'udiya

राजधानी: रियाद (शाही) और जेद्दा (प्रशासनिक); **क्षेत्रफल:** 2,250,070 वर्ग किलोमीटर; **जनसंख्या:** 24.0 मिलयन; **भाषा:** अरवी; **साक्षरता:** 63%; **धर्म:** इस्लाम; **मुद्रा:** रियाल; 1 अमरीकी डालर = 3.75 रियाल; **प्रति व्यक्ति आय:** 13,330 डालर।

सऊदी अरव अरव प्रायद्वीप के लगभग 80 प्रतिशत भाग में फैला हुआ है।

यहां के होजा प्रान्त में मदीना है जहां 7 जून, 632 ई. में पैगम्बर मोहम्मद को दफनाया गया था और मक्का है जहां पैगम्बर का जन्म हुआ था। यहां मक्का में एक महान मस्जिद है जिसमें कावा के पवित्र अवशेष सुरक्षित हैं। कावा के एक ओर वह काला पत्थर है जिसके वारे में विश्वास किया जाता है कि इसे आरकेन्जल गेवरील ने अब्राहम को दिया था। यह मकवरा समूचे विश्व के मुसलमानों का तीर्थस्थल है।

सऊदी अरव में पूर्ण राजतंत्र है, जहां कोई संसद नहीं है। सऊदी अरव के पास विशाल तेल सम्पदा है और यह आज विश्व में पेट्रोलियम पदार्थों का सवसे वड़ा निर्यातक है। लोक राजस्व का प्रमुख स्रोत तेल से प्राप्त धन है। साथ ही सऊदी अरव कृषि प्रधान देश है। यहां की मुख्य पैदावार खजूर, गेंहू, जौ, फल, खालें तथा ऊन हैं।

राज्याध्यक्ष एवं शासनाध्यक्ष: सम्राट फहद इब्न अब्देल अज़ीज़ अल सईद।

भारत में दूतावास: सऊदी अरेविया का दूतावास, डी-12, एन.डी.एस.ई. पार्ट-2, नई दिल्ली-110 049, फोन: 6252470, 6252471. फैक्स: 6259333.

वाणिज्य दूतावास: माकेर डवर, एफ कफे परेड, मुंबई-400 005; फोन: 2181598.

Indian Mission in Saudi Arabia: Embassy of India, B-1, Diplomatic Quarters, P.B.No. 94387, Riyadh-11693, Saudi Arabia. Tel: 00-966-1-4884144; Fax: 00-966-1-4884750.

E-mail:ieriyadhadmn@shabakah.net.sa

स्पेन

(Espana)

राजधानी: मैड्रिड; **क्षेत्रफल:** 504,750 वर्ग किलोमीट **जनसंख्या:** 41.3 मिलयन; **भाषा:** स्पेनिश, कैटेलान, वास्‍ गैलिशियन; **साक्षरता:** 97%; **धर्म:** ईसाई; **मुद्रा:** यूरो; अमरीकी डालर = 1.03 पेसेटा; **प्रति व्यक्ति आ** 20,150 डालर।

1492 ई. में कोलम्वस द्वारा स्पेन के लिए अगरीका व खोज के साथ स्पेन एक महान उपनिवेशक साम्राज्य वन गय इंग्लैंड द्वारा 1588 ई. में स्पेनिश आरमाडा की पराज के वाद स्पेन एक लघु प्रायद्वीपीय शक्ति के रूप में सिम गया। 1939 ई. में यहां जनरल फ्रैंको ने तानाशाही स्थापि की। 1975 में फ्रैंको की मृत्यु के वाद यहां संवैधानि राजतंत्र की स्थापना हुई।

परम्परागत रूप से स्पेन एक कृषि प्रधान देश है। य के मुख्य उत्पाद अनाज, सब्जियां और फल हैं। उद्योगों रसायन, मशीनी औजार तथा जहाज-निर्माण सम्मिलित हैं

हाल की घटनायें: व्रिटिश कालोनी जिव्राल्टर पर पूरी संप्रभु की मांग पर वृढ़ता दिखाई, मोरक्को ने स्पेन में स्थित छोटे टापू पेरेजिल पर कब्जा वनाये रखा स्पेन का कहना है कि व इस विषय पर मोरक्को के साथ राजनयिक संवाद करेगा।

राज्याध्यक्ष: सम्राट जुआन कारलोस; **प्रधानमंत्री:** जो मरिया अजनार।

भारत में दूतावास: एम्बेसी आफ स्पेन, 12 पृथ्वीरा रोड, नई दिल्ली-110 011; फोन: 379208 3792085; फैक्स: 3793375.

E-mail: embspain@ndh.vsnl.net.in

Indian Mission in Spain: Embassy of Ind Avenida de Pio XII 30-32, 28016, Madrid, Spa Tel: 00-34-91-3450406; Fax: 00-34-91-3451112(E bassy).
E-mail:comind@accessnet.es
Web: http://www.visualware.es/in

दक्षिण अफ्रीका में एड्स का कहर

दक्षिण अफ्रीका में एड्स जैसी घातक बीमारी से संक्रमित माताएं हर महीने 8000 शिशुओं को जन्म देती हैं। यह तथ्य यहां आयोजित पहले राष्ट्रीय एड्स सम्मेलन के अंतिम दिन सामने आया। सम्मेलन में विशेषज्ञों ने कहा कि दक्षिण अफ्रीका एड्स से बुरी तरह प्रभावित है। यहां दुनिया के एड्स प्रभावित दस प्रतिशत बीमार हैं। दक्षिण अफ्रीका में कुल 47 लाख लोग एड्स से ग्रस्त हैं। यहां रोज एड्स संक्रमित लगभग 600 मामले दर्ज किए जाते हैं। विशेषज्ञों ने इस बात पर जोर दिया कि यहां के अस्पतालों में उपकरणों, कपड़ों और चिकित्सीय सामग्री को कीटाणु मुक्त करने और प्रशिक्षित डाक्टरों की कमी है। ऐसे वातावरण में काम करने से पेशेवर डाक्टरों के संक्रमित होने का खतरा भी रहता है।

निर्यात की अन्य महत्वपूर्ण मदें खनिज हैं ।किन्तु पिछले कुछ वर्षों से इनका निर्यात घटता रहा है ।

जुलाई 97 में साइप्रस को युरोपियन यूनियन में शामिल होने का निमंत्रण मिला।

राष्ट्रपतिः टास्सोस पापाडापाउलस।

भारत में दूतावासः साइप्रस गणराज्य का दूतावास, 106 जोरबाग, नई दिल्ली–110 003; फोनः 4697503, 4697508; फैक्सः 4628828.

E-mail: cyprus@del3.vsnl.net.in Web: www.cyprushedelhi.com

Indian Mission in Cyprus: High Commision of India, 3, Indira Gandhi Street, Montparnasse Hill, P.O. Box 25544, Engomi, 2413 Nicosia, Cyprus. Tel: 00-357-2-351741; Fax: 00-357-2-350402.

E-mail: india@spidernet.com.cy

टर्किश साइप्रस

राजधानीःनिकोसिया; **क्षेत्रफलः** 3355 वर्ग किलोमीटर; **जनसंख्याः** 134,000; **भाषाः** टर्किश; **मुद्राः** टर्किश लिरे। उत्तरी साइप्रस में जो इलाका टर्की के आधीन था उसने 1983 में एकतरफा स्वाधीनता की घोषणा कर दी ।इसका नाम उत्तरी साइप्रस का टर्किश गणराज्य रखा गया।

गणराज्य को अभी तक अंतर्राष्ट्रीय मान्यता नहीं मिली है हालांकि इसने अनेक देशों से व्यापार संबंध बना लिये हैं। जून 1985 में 50 सदस्यों की पार्लियामेंट का चुनाव हुआ।

प्रधानमंत्रीः डर्विस इरोग्लु।

साओ टोमे एण्ड प्रिंसिप

(Democratic Republic of Sao Tome and Principle)

राजधानीः साओ टोमे; **क्षेत्रफलः** 964 वर्ग किलोमीटर; **जनसंख्याः** 159,883; **भाषाः** पुर्तगाली, स्थानीय बोली; **साक्षरताः** 73%; **धर्मः** ईसाई; **मुद्राः** डोबरा; 1 अमरीकी ड = 8019.17 डोबरा; **प्रति व्यक्ति आयः** 1,469 डाल

ये दो द्वीप, जिनके साथ आसपास के कई अन्य छोटे शामिल हैं, गैबन से लगभग 125 मील दूर गिनी की खाड़ी स्थित हैं ।विषुवत् रेखा के उत्तर में स्थित होने के कारण द्वीपों में गर्मी में बड़ा गरम और बाष्पीय मौसम होता है, लें वर्षा प्रचुरता से होती है ।सबसे बड़ा द्वीप साओ टोमे है ज राजधानी भी है और यहां का प्रमुख बन्दरगाह भी है । ये 1975 तक पुर्तगाल के अधीन थे, जब ये स्वतंत्र हुए

आजकल देश की अर्थ–व्यवस्था लगभग पूर्ण रूस से नि किये जानेवाले कृषि उत्पादन, विशेष रूप से नारियल पर नि करती है ।साओ टोमे को अधिकांश खाद्य पदार्थों का आ करना पड़ता है ।साबुन तथा पेय पदार्थों के अतिरिक्त यहां वि प्रकार का निर्माण उद्योग नहीं है ।

राष्ट्रपतिः मिगुएल ट्रोवाडा; **प्रधानमंत्रीः** गुइलहेमे पोस डा कोस्टा।

साउथ अफ्रीका

(Republic of South Africa)

राजधानीःप्रिटोरिया (प्रशासनिक,) केपटाउन (व्यवस्थापि ब्लोएमफांटेन (न्यायिक) **क्षेत्रफलः** 1,223,201 किलोमीटर; **जनसंख्याः** 43.6 मिलयन्; **भाषाः** अफ्रीक तथा अंग्रेजी; **साक्षरताः** 82%; **धर्मः** ईसाई, हिंदु व इस्ल **मुद्राः** राण्ड; 1 अमरीकी डालर = 10.57 राण्ड; *व्यक्ति आयः 11,290 डालर ।*

रिपब्लिक आफ साउथ अफ्रीका, अफ्रीका महाद्वीप दक्षिणी सिरे पर स्थित है ।इसमें केप आफ गुडहोप, नेटा ट्रान्सवाल और आरेन्ज फ्री स्टेट के मूल श्वेत उपनिवेश शामिल है ।पहले इसका नाम यूनियन आफ साउथ अफ्री था (1910 में स्थापित), लेकिन मई 1961 में राष्ट्रमं को छोड़ने के बाद यह गणतंत्र हो गया ।

देश ने रंगभेद की नीति अपनायी जिससे विभिन्न वर्गों लोगों का अलग–अलग विकास हुआ । 1971 के होमलैंड्स कांस्टीट्युशन एक्ट के अंतर्गत, ट्रांस्केई (3,458,00), बोपुथाट्स्वाना (जनः 2,420,000), (जनः 559,000) और किस्केई (जनः 847,000) के सरकार दी गयी । 6 अन्य क्षेत्र और हैं जहां पर स्व–सर तो है लेकिन वे गणराज्य के भाग हैं । यह हैं – क्वा गजानकुलू, लेबोवा, क्वाक्वा, का एंग्वाने और क्वा एंडेबे

वर्ष 1990 में श्वेतों का 2 करोड़ 60 लाख अश्वे आंदोलन के प्रति रुख नरम पड़ा और सरकार ने अफ्रीक नेशनल कांग्रेस पर से प्रतिबंध हटा लिया और 71 वर्षीय ने मंडेला को 27 वर्षों की नज़रबंदी के बाद रिहा कर दि

लेकिन 1992–93 की घटनाओं ने एक बार स्थिति को बिगाड़ दिया और यह आशा कि दक्षिण में शांति की पुर्नस्थापना होगी क्षीण पड़ गयी ।

अफ्रीकन नेशनल कांग्रेस और जुलू इंकाथा अध्यक्ष मांगोसुथु बुथेलेजी की संयुक्त अपील का क नहीं पड़ा । सितंबर 91 में हिंसा को रोकने के

प्रसिद्ध हैं। सूक्ष्म यंत्र और मशीनें यहां का अन्य विशिष्ट उद्योग हैं। प्रत्येक मकान में बिजली की पर्याप्त उपलब्धि ने समूचे देश में सभी किस्म के लघु उद्योगों के पनपने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। पर्यटन यहां की आमदनी का तीसरा बड़ा साधन है। भारत सदा से स्विश सहायता का मुख्य भागीदार रहा है – विशेष रूप से पशु सम्वर्धन, ग्रामीण विकास, व्यावसायिक प्रशिक्षण के क्षेत्रों में तथा व्यावहारिक अनुसंधान के विभिन्न क्षेत्रों में।

अप्रैल 99 में स्विटजरलैंड के मतदाताओं ने 125 वर्ष पुराने संविधान में संशोधन करने पर सहमति दे दी। इन संशोधनों में नये अधिकार जैसे हड़ताल आदि करना शामिल हैं।

राष्ट्रपतिः कास्पर विलिजेर

भारत में दूतावासः स्विट्ज़रलैण्ड का दूतावास, न्याय मार्ग, चाणक्यपुरी, नई दिल्ली–110 021; फोनः 687372, 6878373; फैक्सः 6873093.

E-mail:vertretung@ndh.rep.admin.ch

Indian Mission in Switzerland: Embassy of India, *Kirchenfeldtrasse 28, Postfach 406, CH-3000, Berne-6,* Switzerland. Tel: 00-41-31-3511110; Fax: 00-41-31-3511557.

E-mail:india@spectaweb.ch

सियरा लियोन

(Republic of Sierra Leone)

राजधानीः फ्रीटाउन; **क्षेत्रफलः** 71,740 वर्ग किलोमीटर; **जनसंख्याः** 5.6 मिलयन; **भाषाः** अंग्रेजी और कवायली; **साक्षरताः** 31%; **धर्मः** इस्लाम, ईसाई और कवायली; **मुद्राः** लियोन; 1 अमरीकी डालर = 2045 लियोन; **प्रति व्यक्ति आयः** 470 डालर।

इस क्षेत्र को सियरा लियोन (जिसका अर्थ सिंह का पर्वत है) नाम मूल रूप से पुर्तगाली नाविकों ने दिया था क्योंकि यहां की तटीय चोटियों के चारों ओर भीषण गरज के साथ वर्षा होती है। यह गिनी और लाइबेरिया के मध्य पश्चिमी अफ्रीका के उभार पर स्थित है। पहले यहां ब्रिटिश शासन था और 961 में यह स्वतंत्र हुआ और 1971 में गणराज्य बना।

मई 97 में सैन्य विद्रोह ने अहमद तेजान कव्वाह की का तख्तापलट कर दिया। मार्च 98 में नाइजीरिया की नेतृत्व में इकोवासीसेना ने ले.कर्नल जानी पाल कोरोमा को सत्ता से हटा दिया और राष्ट्रपति कव्वाह दुबारा सत्ता में आये। जुलाई में संयुक्त राष्ट्र सैन्य पर्यवेक्षक योजना को सुरक्षा परिषद ने मंजूरी दी। पश्चिमी अफ्रीकी शांति सेना की मदद के लिये 70 सदस्यीय दल पूर्व सैनिक विद्रोह के अवशेषों को हटाने के लिये गया।

9 वर्ष के गृहयुद्ध ने देश की आर्थिक स्तिति को दयनीय बना दिया। 10% लोग पड़ोसी देशों में भाग गये यू.एन.डी.पी. की 174 देशों की सूची में सियरा लियोन क्रम में अंतिम स्थान पर है।।

यहां की अर्थ–व्यवस्था कृषि और खनन पर आधारित है यहां के मुख्य उत्पाद औद्योगिक हीरे और लौह अयस्क, वाक्साइट, कोला नट्स, ताड़ का फल, नारियल और काफी हैं।

राज्याध्यक्षः मेजर जाहन्नी कारोमा।

भारत में दूतावासः कांसुलेट जनरल, डा. एल. आर. मोजवानी, 1412–दयामल टावर्स, 211–नारिमन प्वाइंट, मुंबई–400 021, फोनः 2852617, 2876150; फैक्सः 2834004

Indian Mission in Sierra Leone: Honorary Consulate General of India, Post Box No. 26, 5, Rawdon Street, Freetown, Sierra Leone. Tel: 00-232-22-22452; Fax: 00-232-22-226343.

सीरिया

(Syrian Arab Republic)

राजधानीः डेमासकस; **क्षेत्रफलः** 1,85,180 वर्ग किलोमीटर; **जनसंख्याः** 17.2 मिलयन; **भाषाः** अरबी, कुर्दिश, आर्मेनियन; **साक्षरताः** 79%; **धर्मः** इस्लाम; **मुद्राः** सीरियन पाउण्ड; 1 अमरीकी डालर = 48.85 सीरियाई पौण्ड; **प्रति व्यक्ति आयः** 3,280 डालर।

मिडिल ईस्ट में सीरियन अरब रिपब्लिक टर्की, इराक, जोर्डन, फिलिस्तीन और लेबनान के बीच स्थित है। इसके पश्चिम में भूमध्य सागर है। ओरोन्टस और यूफ्रेट्स नदियां सीरिया से गुजरती हैं। यहां के प्रमुख बन्दरगाह लटाकिया और टारटौस हैं।

सीरिया जो प्राचीन सभ्यता का केन्द्र है, पूर्ण स्वतंत्र प्रभुसत्ता सम्पन्न गणराज्य 1946 में बना

सीरिया अरब–इजराइल झगड़े में 1948 से ही जुड़ा रहा है। सीरिया और इजराइल के बीच बातचीत का कोई हल नहीं निकला।

फरवरी 98 में राष्ट्रपति ले. जनरल हाफेज अल–असद ने अपने भाई रियाफत को उपराष्ट्रपति पद से हटा दिया असद 1999 में दुबारा राष्ट्रपति निर्वाचित हुए।

यहां के लोगों का मुख्य व्यवसाय कृषि और पशु पालन है यहां की मुख्य फसलें कपास, गेंहू, तम्बाकू और जैतून है। खनिज के रूप में यहां केवल तेल पाया जाता है। उद्योगों में तेल निकालना, साबुन, कपड़ा, चमड़ा और तम्बाकू उद्योग है।

राष्ट्रपतिः बशीर अल आजाद; **प्रधानमंत्रीः** मुहम्मद मुस्तफा मेरो।

भारत में दूतावासः एम्बेसी आफ सीरियन अरब रिपब्लिक डी, 5/8, वसन्त मार्ग विहार, नई दिल्ली–110 057 फोनः 6140233, 6140285; फैक्सः 614310[illegible]

Indian Mission in Syria: Embassy of India, 40/4 Adnan Malki Street, Yassin Nowelati Building, P.O. B. *685, Damascus, Syria. Tel: 00-963-11-3739081; Fax: 0*[illegible] 963-11-3316703.

E-Mail: indembassy@cyberia.net.lb

सुडान

(Republic of the Sudan)

राजधानीः खारतूम; **क्षेत्रफलः** 25,05,813 वर्ग किलो[illegible]; **जनसंख्याः** 32.6 मिलयन; **भाषाः** अरबी, अंग्रेजी, दिनका नुबियन; **साक्षरताः** 46%; **धर्मः** इस्लाम, ईसाई और कबायली;

र; 1 अमरीकी डालर = 258.70 दीनार ; **प्रति व्यक्ति** : 1,970 डालर ।

सुडान उत्तर पूर्वी अफ्रीका का एक गणतंत्र है। श्वेत नील देश के बीच से गुजरती है और खारतूम के निकट नीली नदी से मिलती है । सुडान की आवादी अरवों, नीग्रो अरब और नीग्रो के संकर रक्त के न्यूवियनों की है । न 1995 में स्वतंत्र राज्य बना ।

2 उत्तरी प्रांत अरब मुस्लिम आवादी के हैं जवकि 3 णी प्रांतों में इसाई व ईश्वर की सार्वभौमिकता में विश्वास ने वालों की है।

दी सुडानीज पीपुल्स लिबरेशन आर्मी पिछले 16 वर्षों से ामिक अरब प्रभुत्व से इसाई व ईश्वर की सार्वभौमिकता श्वास करने वालों के तीन दक्षिणी प्रांतों को हटाने के गुरिल्ला लड़ाई लड़ रही है। अब तक 15 लाख लोग और भुखमरी का शिकार हो चुके हैं।

अप्रैल 97 में सुडान की इस्लामिक सरकार ने दक्षिणी प्रांतो विद्रोही गुट से गृहयुद्ध की समाप्ति के लिये शांति समझौता ा। इस समझौते के तहत हर चार वर्षों में इन प्रांतो के न में वने रहने के लिये जनमत होगा। 1998 में सूखा भयानक भुखमरी की स्थिति बन गई। दक्षिणी सुडान में क 10,000 बच्चों में से प्रतिदिन 15 बच्चे भुखमरी से ने लगे। एस.पी.एल.ए. द्वारा एक तरफा युद्ध विराम की णा के बाद यू.एन. वर्ल्ड फूड प्रोग्राम ने भोजन की आपूर्ति भ की। अगस्त में अडिस अबाबा में शांति वार्ता विफल ।

यू.एन. एच.सी.आर. ने सुडान पर मानव अधिकार के लंघन का आरोप लगाया हा। कहा जाता है कि सुडान ने द्रोहियों पर रसायनिक हथियारों का प्रयोग किया है।

यहां की मुख्य कृषि फसल ज्वार है जो देश के लोगों का ख्य भोजन है ।अन्य कृषि–पदार्थों में लम्बे रेशे की कपास, फली, तिल, खजूर, खाल और चमड़ा, लाल मिर्च, लियां और मक्का शामिल हैं । सुडान संसार में अरवी द का मुख्य उत्पादक है । चावल, मूंगफली, काफी, गन्ना ौर तम्बाकू कृषि उत्पादन के नई उपज है । सुडान की निज सम्पदा में तांबा, सोना, लोहा, मैंगनीज़ और गनेसाइट सम्मिलित हैं।

हाल की घटनायें: सोल्जर्स आफ दी लार्ड्स रजिस्सटेंस आर्मी (उगांडा की संहारक दल) जिसमें अधिकांश किशोर हैं ने दक्षिणी सुडान में शरण ले रखी है। सुडान ने उगांडा को चेतावनी दी कि वह सेना को समाप्त करे, विपक्षी नेता और इस्लामी विद्वान जिन्हे 18 महीने पहले नजरबंद किया गया था कि नजरबंदी अगस्त में एक वर्ष के लिये और बढ़ा दी गई।

राज्याध्यक्ष: ले. जनरल ओमार हसन अहमद अल–बशीर।

भारत में दूतावास: सुडान का दूतावास,प्लाट न. 3, शांतिपथ, चाणक्यपुरी, नई दिल्ली–110 021, फोन: 6873785, 6873746; फैक्स: 6883758.

E-mail;sudandel@del3.vsnl.net.in

Indian Mission in Sudan: Embassy of India, P.O. Box 707, 61, Africa Road, Khartoum-II, Sudan. Tel:00-2 11-471205; Fax: 00-249-11-472266.

E-mail: indembsdn@yahoo.com/india2suda yahoo.com

सूरीनाम

(Republic of Suriname)

राजधानी: परमारिवो; **क्षेत्रफल:** 1,63,820 वर्ग किलोमी **जनसंख्या:** 0.4 मिलयन; **भाषा:** डच, हिन्दी, सूरीनामी ३ जैवेनीज, अंग्रेजी; **साक्षरता:** 93%; **धर्म:** इस्लाम, हि और ईसाई; **मुद्रा:** सूरीनाम गिल्डर; 1 अमरीकी डालर 2178.50 गिल्डर; **प्रति व्यक्ति आय:** 3,480 डाल

सूरीनाम का भूतपूर्व नाम डच गुआइना था । यह दक्षि अमरीका के उत्तरी–पूर्व तट पर स्थित है । 1975 में स्वतंत्र हुआ ।

यहां की आवादी नीग्रो, चीनी, ईस्ट इंडियन ३ इण्डोनेशियाई जातियों के खानदानों की संकर नस्ल है यहां की आवादी का 40 प्रतिशत भाग मुलाटोज (यूरो और ईस्ट इंडियन की मिश्रित जाति), अमेर–इंडियन ३ यूरोप के लोगों की है ।

यहां की भूमि के वड़े भाग पर चावल की खेती होती । देश खनिजों की दृष्टि से समृद्ध है ।

यह विश्व का सवसे वडा वाक्साइट उत्पादक है । देश निर्यात का 90 प्रतिशत भाग वाक्साइट, एल्युमिना अ एल्युमीनियम का निर्यात है ।

राष्ट्रपति : रोनाल्ड वेनेटियानल; **उपराष्ट्रपति** प **प्रधानमंत्री:** जुलेस अजोधिया।

भारत में दूतावास: सूरीनाम गणराज्य का दूतावास, बी 8/25, वसंत विहार, नई दिल्ली–110057, फो 6154505, 6154505; फैक्स: 6154507.

E-mail:embsurnd@mantraonline.com

Indian Mission in Suriname: Embassy of India, 1(Rode Kruislaan, Post Box No. 1329, Paramaribo, Suriname Tel: 00-597-498344; Fax: 00-597-491106.

E-mail: ambindia@sr.net/india@sr.net

सेनेगल

(Republic of Senegal)

राजधानी: डकार; **क्षेत्रफल:** 196,162 वर्ग किलोमीटर; **जनसंख्या:** 9.9 मिलयन; **भाषा:** फ्रेंच तथा स्थानीय वोलियां; **साक्षरता:** 33%; **धर्म:** इस्लाम और कवायली; **मुद्रा:** फ्रैंक सी. एफ. ए.; 1 अमरीकी डालर = 671.78 एफ सी एफ ए; **प्रति व्यक्ति आय:** 1,500 डालर ।

सेनेगल पश्चिमी अफ्रीका के उभार पर के दक्षिणी भाग में गैम्विया का एक पतला है जो लगभग 200 मील अंदर तक चला

पहले यह फ्रांसीसी उपनिवेश था स्वायतशासी गणतंत्र बन गया ।

कृषि और पशुपालन यहां के मुख्य अयस्क तथा फास्फेट के विशाल भं

विकासशील उद्योगों में खाद्य संसाधन, रसायन और कपड़ा शामिल हैं ।

1988 में सेनेगल और भारत में नए राजनयिक संबंधों का प्रारंभ हुआ ।

राष्ट्रपति: अवडौलाये वाडे ; **प्रधानमंत्री:** मडियोर वोये।

भारत में दूतावास: सेनगल गणराज्य का दूतावास, सी6/11, वसंत विहार, नई दिल्ली–110 057; फोन: 6143720, 6145808; फैक्स: 6144568.

Indian Mission in Senegal: Embassy of India, 5, Avenue Carde, First Floor, BP 398, Dakar, Senegal. Tel: 00-221-8225875; Fax: 00-221-8223585.
E-mail: indiaemb@telecomplus.sn

सेशेल्स
(Republic of Seychelles)

राजधानी: विक्टोरिया; **क्षेत्रफल:** 308 वर्ग किलोमीटर; **जनसंख्या:** 0.1 मिलयन; **भाषा:** क्रियोल, अंग्रेजी और फ्रेंच; **साक्षरता:** 84%; **धर्म:** ईसाई; **मुद्रा:** रुपया; 1 अमरीकी डालर = 5.62 रुपए; **प्रति व्यक्ति आय:** 10,600 डालर।

सेशेल्स पश्चिमी हिन्द महासागर में सुंदर द्वीपों का समूह हैं। मुख्य द्वीप माहे है, जिसमें राजधानी विक्टोरिया स्थित है। इस द्वीप समूह में करीव 92 द्वीप हैं, जिनमें से 45 प्रवालीय तथा शेष ग्रेनाइटिक हैं । सेशेल्स 1976 में गणतंत्र बना।

सेशेल्स 1770 तक पूर्ण निर्जन था, जव फ्रांसीसियों ने यहां 1768 में बस्तियां बसाई ।1814 तक यहां पर मारीशस के भाग के रूप में शासन होता था । 1794 मे अंग्रेजों ने इन द्वीपों पर अधिकार कर लिया । 1903 में यह अलग कोलोनी हो गया ।29 जून 1976 को इसे स्वतंत्रता मिली ।1979 यहां एक दलीय शासन है ।

सेशेल्स की आबादी मिश्रित मूल की है, जिसमें यूरोपीय, ीकी, भारतीय तथा चीनी नस्लों का अद्भुत मिश्रण हैं । ोल्स ने एक मिश्रित भाषा विकसित की है, जिसे क्रियोल ा जा सकता हैं ।

कृषि उत्पादों में नारियल का प्रमुख स्थान है । दालचीनी ् मुख्य फसल है, जिसका निर्यात होता है। चाय और नींबू ी अन्य फसलें भी उगाई जाती हैं । मछली पकड़ना अन्य ख व्यवसाय है ।टुना, मुलेट, मैकेरेल, सारडाइन मछलियां, प और शंख यहां के तटीय जल में वहुतायत से मिलते हैं ।

राष्ट्रपति: फ्रांक अल्वर्ट रेने ।

भारत में दूतावास: क्वालालंपुर में स्थित सेशेल्स का ावास।

आनरेरी कंसुलेट आफ दी रिपब्लिक आफ सेशेल्स, तुव एम्विडियंस (कुतुव मीनार) एच–5/12, महरौली रोड ; दिल्ली–110030, टेली: 6646412, फैक्स: 544168
E-mail:smittal@bhartient.com

Indian Mission in Seychelles: High Commission of India, Le Chantier, Post Box No. 488, Victoria, Mahe Seychelles. Tel: 00-248-224489; Fax: 00-248-224810.
E-mail:hicomind@seychelles.net

सेन्ट्रल अफ्रीकन रिपब्लिक
(Republique Centrafricaine)

राजधानी: वंगुई; **क्षेत्रफल:** 622,984 वर्ग किलोमीटर **जनसंख्या:** 3.6 मिलयन; **भाषा:** फ्रेंच और संघों; **साक्षरता** 60%; **धर्म:** ईसाई और कवीलाई धर्म; **मुद्रा:** फ्रैंक सी.एफ.ए.; 1 अमरीकी डालर = 671.78 फ्रैंक सी.एफ.ए **प्रति व्यक्ति आय:** 1,300 डालर ।

सेन्ट्रल अफ्रीकन रिपब्लिक अफ्रीका के ऊष्ण कटिबंधी क्षेत्र के वीच में स्थित है ।1958 में इसे स्वशासन मिला औ 1960 में फ्रेंच कम्युनिटी के सदस्य राज्य के रूप में इसे पू स्वाधीनता प्राप्त हुई ।स्थल सेनाध्यक्ष कर्नल जीन वेडेल वोसाक ने राष्ट्रपति डेविड डैको को अपदस्थ करके सत्ता हड़प ली

1972 में वोसाका को देश का आजीवन राष्ट्रपति वन दिया गया । 1976 में वोसाका ने अपने को नेपोलियन की भांति सम्राट घोषित कर दिया । 1979 में जन विद्रोह ने इ नन्हें नेपोलियन को मार भगाया ।दिलचस्प वात यह है वि 20 सितम्वर, 1979 को एक रक्तहीन क्रांति में डेविड डैक ने ही स्वंय–भूं सम्राट वोसाका का तख्ता पलट दिया ।

मुख्य कृषि उत्पाद कपास और काफी हैं । निर्यात की प्रमुख मद कपास है ।देश को निर्यात से होनेवाली कुल आ में से आधी हीरों से होती है ।यूरेनियम के खनन का महत्व वढ़ता जा रहा है ।

राष्ट्रपति: आंगे–फेलिक्स पाट्से; **प्रधानमंत्री:** मार्टि जिग्वेले।

सेण्ट किट्स–नेविस
(Federation of St.Kitts and Nevis)

राजधानी: वस्सेटेरे; **क्षेत्रफल:** 269 वर्ग किलोमीटर **जनसंख्या:** 0.04 मिलयन; **भाषा:** अंग्रेजी और पटोइस **साक्षरता:** 98%; **धर्म:** ईसाई; **मुद्रा:** ईस्ट कैरेवियन डालर 1 अमरीकी डलर = 2.70 ई. कै. डलर; **प्रति व्यक्ति आ** 11,300 डलर।

सेण्ट क्रिस्टफर (किट्स) – नेविस पूर्वी केरीवयन में द्वीपों का समूह है जो 3.22 कि.मी. चौड़े एक संकरे जलम से अलग होते हैं ।

1967 में इन द्वीपों को व्रिटेन के साथ सह–राज्य दर्जा दिया गया और 18 सितम्वर 1983 को ये स्व हो गए ।उस समय एंगुइल्ला सेण्ट किट्स–नेविस का भाग था । इस व्यवस्था के विरुद्ध एंगुइल्लावासियों ने वि कर दिया और इसे अलग कर दिया गया ।

यहां की आवादी मुख्यत: काले लोगों की है ।ग अर्थ–व्यवस्था मुख्यत: कृषि पर आधारित है ।कपा गन्ना यहां की मुख्य फसलें हैं ।

गवर्नर जनरल: कुर्त्वेट एम सेवास्त्यन; **प्रधानमं** डेनजील डगलस।

सेण्ट विंसेण्ट एण्ड दी ग्रेनेडाइंस

राजधानी: किंग्सटाउन; **क्षेत्रफल:** 388 वर्ग किलोमीटर; **जनसंख्या:** 0.1 मिलयन; **भाषा:** अंग्रेजी और फ्रेंच पटोइस; **साक्षरता:** 96%; **धर्म:** ईसाई; **मुद्रा:** ईस्ट कैरेबियन डालर; 1 अमरीकी डालर = 2.70 ई. के. डालर; **प्रति व्यक्ति आय:** 5,330 डालर ।

सेण्ट विंसेण्ट विंडवार्ड द्वीप समूह में से एक द्वीप है जो बारबडोस के पश्चिम में स्थित है । यह 1969 में ब्रिटिश सह-राज्य बना । यह 27 अक्तूबर 1979 को स्वतंत्रत हुआ ।

यहां की जनसंख्या मिश्रित मूल की है जिसमें यूरोपियन, नीग्रो और कैरीबियन इंडियन शामिल हैं ।

केला, आरारोट, नारियल गिरी, कपास और मसाले मुख्य निर्यात पदार्थ हैं । पर्यटन का महत्वपूर्ण स्थान है ।

गवर्नर जनरल: चार्ल्स जे. एंट्रोबस; **प्रधानमंत्री:** जेम्स फिट्ज एलेन मिच्चेल ।

सेण्ट लुसिया

राजधानी: केस्टाइस; **क्षेत्रफल:** 616 वर्ग किलोमीटर; **जनसंख्या:** 0.2 मिलयन; **भाषा:** अंग्रेजी और फ्रेंच पटोइस; **साक्षरता:** 80%; **धर्म:** ईसाई; **मुद्रा:** ईस्ट कैरेबियन डालर; 1 अमरीकी डालर = 2.70; **प्रति व्यक्ति आय:** 5,260 डालर।

सेण्ट लुसिया विण्डवार्ड द्वीप समूह का दूसरा सबसे बड़ा द्वीप है जो मार्टिनीक्वे के दक्षिण और सेण्ट विंसेण्ट के उत्तर में स्थित है ।

22 फरवरी 1979 ई. को यह स्वतंत्र हुआ।

यहां की अर्थ-व्यवस्था कृषि पर आधारित है । नारियल, नारियल तेल, केला और कोकोआ यहां के मुख्य निर्यात हैं। निर्माण उद्योगों में प्लास्टिक का सामान, सिले हुए वस्त्र और बीयर सम्मिलित है ।

गवर्नर जनरल: कैल्लियोपा पी. लाउजी; **प्रधानमंत्री:** केन्नी एंथोनी।

सैन मरीनो

(Most Serene Republic of San Marino)

राजधानी: सैन मरीनो; **क्षेत्रफल:** 61 वर्ग किलोमीटर; **जनसंख्या:** 26,937; **भाषा:** इटेलियन; **साक्षरता:** 99%; **धर्म:** ईसाई; **मुद्रा:** लीरा; 1 अमरीकी डालर = 1982.97 लीरा; **प्रति व्यक्ति आय:** 16,900 डालर ।

सैन मरीनो गणतंत्र इटली के अग्रभाग पर अपेन्नाइन्स में माउन्ट टाइटेनो की अड्रियाटिक दिशा की ओर ढलान पर स्थित है । इसका दावा है कि यह यूरोप का प्राचीनतम राज्य है क्योंकि इसकी स्थापना 301 ई. में की गई थी ।

यहां की मुख्य उपज गेंहू, शराब और जैतून है । उद्योगों में कपड़ा, चीनी-मिट्टी उद्योग, सीमेंट, कागज़, चमड़ा तथा ऊनी वस्तुएं हैं । राजस्व का मुख्य स्रोत पर्यटन है ।

कैप्टन्स-रीजेन्ट: प्रत्येक 6 महीने में 5 वर्ष के लिये 60 सदस्यों की, निर्वाचित ग्रेट एण्ड जनरल कोन्सिल द्वार महीनों में दो को रीजेंट्स की नियुक्ति ।

भारत में दूतावास: सैन मरीनो का वाणिज्य महादूताव 15, औरंगजेब रोड़, नई दिल्ली-110 011; फ 3015850. फैक्स: 3019677.

E-mail:bhaims@ndb.vsnl.net.in

सोमालिया

(Somalia Democratic Republic)

राजधानी: मोगाडिशु; **क्षेत्रफल:** 637,657 व किलोमीटर; **जनसंख्या:** 7.8 मिलयन; **भाषा:** सोमालिया अंग्रेजी, अरबी, इटेलियन; **साक्षरता:** 24%; **धर्म:** इस्लाम **मुद्रा:** सोमाली शिलिंग; 1 अमरीकी डालर = 2620 सो शिलिंग; **प्रति व्यक्ति आय:** 600 डालर ।

अफ्रीका के पूर्वी तट पर एक गणतंत्र के रूप में सोमाली डेमोक्रेटिक रिपब्लिक का गठन 1 जुलाई 1960 को भूतपूर्व इटेलियन सोमालीलैण्ड तथा ब्रिटिश सोमालीलैण्ड को मिलाकर हुआ । सोमालिया एक कृषि-प्रधान देश है । लेकिन 8.2 मिलियन हेक्टेयर उपजाऊ भूमि में से केवल 7 मिलियन हेक्टेयर भूमि पर ही खेती होती है । यहां पशुधन की संख्या 40.1 मिलियन है । वर्ष 1992 में सोमालिया में भीषण सूखा पड़ा । सूखे की महामारी और गृहयुद्ध ने सोमालिया को अराजकता के दौर में पहुंचा दिया । 50 प्रतिशत की आबादी भुखमरी से पीड़ित हुयी। लगभग 8,00,000 लोग केन्या भाग गये। जनवरी 1991 में राष्ट्रपति सियाद बारे अपदस्थ कर दिये गये । सोमाली नेशनल मूवमेंट जो उत्तर में प्रमुख विद्रोही गुट है ने मई 1991 में स्वतंत्र सोमाली लैंड रिपब्लिक की घोषणा की । राष्ट्रपति अब्दुरहमान अहमद अली बने और हरगीजिया को राजधानी बनाया । संयुक्त राज्य और अन्य देशों की सेनायें सहायता की आपूर्ति का निरीक्षण कर रही हैं। दिसंबर 92 में 14 गुटों के दो नेता अली महदी मुहम्मद फराह अदिदि ने संयुक्त राष्ट्र के तत्वाधान में शांति योजना पर सहमति दी।

जनरल अदीदि को सोमाली नेशनल एलायंस को संयुक्त राष्ट्र के अधिकारियों पर हमले का दोषी पाया गया । मार्च में 30,000 अमरीकी सैनिक जो दिसंबर 92 में संयुक्त राष्ट्र के तत्वाधान में आये थे वापस चले गये। राष्ट्रीय सरकार का गठन वर्तमान परिस्थितियों में बहुत कठिन है।

दस वर्ष में पहली बार अगस्त महीने में नये राष्ट्रपति का निर्वाचन हुआ।

राष्ट्रपति: अब्दि खासिम बालाड हसन। **प्रधानमंत्री:** हसन अबशीर फराह।

भारत में दूतावास: एम्बेसी आफ सोमालिया डेमोक्रेटिक रिपब्लिक, ए-17, डिफेंस कालोनी, नई दिल्ली-110 024, फोन: 461955

सोलोमन आइलै

राजधानी: होनिआरा; क्षे

जनसंख्या: 0.5 मिलयन; भ

साक्षरता: 54%; **धर्म:** ईसाई

विकासशील उद्योगों में खाद्य संसाधन, रसायन और कपड़ा शामिल हैं ।

1988 में सेनेगल और भारत में नए राजनयिक संबंधों का प्रारंभ हुआ ।

राष्ट्रपति: अवडौलाये वाडे ; **प्रधानमंत्री:** मडियोर बोये।

भारत में दूतावास: सेनगल गणराज्य का दूतावास, सी6/11, वसंत विहार, नई दिल्ली–110 057; फोन: 6143720, 6145808; फैक्स: 6144568.

Indian Mission in Senegal: Embassy of India, 5, Avenue Carde, First Floor, BP 398, Dakar, Senegal. Tel: 00-221-8225875; Fax: 00-221-8223585.

E-mail: indiaemb@telecomplus.sn

सेशेल्स

(Republic of Seychelles)

राजधानी: विक्टोरिया; **क्षेत्रफल:** 308 वर्ग किलोमीटर; **जनसंख्या:** 0.1 मिलयन; **भाषा:** क्रियोल, अंग्रेजी और फ्रेंच; **साक्षरता:** 84%; **धर्म:** ईसाई; **मुद्रा:** रुपया; 1 अमरीकी डालर = 5.62 रुपए; **प्रति व्यक्ति आय:** 10,600 डालर।

सेशेल्स पश्चिमी हिन्द महासागर में सुंदर द्वीपों का समूह हैं। मुख्य द्वीप माहे है, जिसमें राजधानी विक्टोरिया स्थित है। इस द्वीप समूह में करीब 92 द्वीप हैं, जिनमें से 45 प्रवालीय तथा शेष ग्रेनाइटिक हैं । सेशेल्स 1976 में गणतंत्र बना।

सेशेल्स 1770 तक पूर्ण निर्जन था, जब फ्रांसीसियों ने यहां 1768 में बस्तियां बसाई । 1814 तक यहां पर मारीशस के भाग के रूप में शासन होता था । 1794 में अंग्रेजों ने इन द्वीपों पर अधिकार कर लिया । 1903 में यह अलग कोलोनी हो गया । 29 जून 1976 को इसे स्वतंत्रता मिली । 1979 से यहां एक दलीय शासन है ।

सेशेल्स की आबादी मिश्रित मूल की है, जिसमें यूरोपीय, अफ्रीकी, भारतीय तथा चीनी नस्लों का अद्भुत मिश्रण हैं । सेशेल्स ने एक मिश्रित भाषा विकसित की है, जिसे क्रियोल कहा जा सकता है ।

कृषि उत्पादो में नारियल का प्रमुख स्थान है । दालचीनी एक मुख्य फसल है, जिसका निर्यात होता है। चाय और नीबू जैसी अन्य फसलें भी उगाई जाती हैं । मछली पकड़ना अन्य प्रमुख व्यवसाय है । टुना, मुलेट, मैकेरेल, सारडाइन मछलियां, सीप और शंख यहां के तटीय जल में बहुतायत से मिलते हैं ।

राष्ट्रपति: फ्रांक अल्बर्ट रेने ।

भारत में दूतावास: क्वालालंपुर में स्थित सेशेल्स का दूतावास।

आनरेरी कंसुलेट आफ दी रिपब्लिक आफ सेशेल्स, कुतुब एम्बिडियंस (कुतुब मीनार) एच–5/12, महरौली रोड नई दिल्ली–110030, टेली: 6646412, फैक्स: 6644168

E-mail:smittal@bhartient.com

Indian Mission in Seychelles: High Commission of India, Le Chantier, Post Box No. 488, Victoria, Mahe, Seychelles. Tel: 00-248-224489; Fax: 00-248-224810.

E-mail:hicomind@seychelles.net

सेन्ट्रल अफ्रीकन रिपब्लिक

(Republique Centrafricaine)

राजधानी: बंगुई; **क्षेत्रफल:** 622,984 वर्ग किलोमीटर; **जनसंख्या:** 3.6 मिलयन; **भाषा:** फ्रेंच और संघों; **साक्षरता:** 60%; **धर्म:** ईसाई और कबीलाई धर्म; **मुद्रा:** फ्रैंक सी.एफ.ए.; 1 अमरीकी डालर = 671.78 फ्रैंक सी.एफ.ए.; **प्रति व्यक्ति आय:** 1,300 डालर ।

सेन्ट्रल अफ्रीकन रिपब्लिक अफ्रीका के ऊष्ण कटिबंधीय क्षेत्र के बीच में स्थित है । 1958 में इसे स्वशासन मिला और 1960 में फ्रेंच कम्युनिटी के सदस्य राज्य के रूप में इसे पूर्ण स्वाधीनता प्राप्त हुई । स्थल सेनाध्यक्ष कर्नल जीन बेडेल बोसाका ने राष्ट्रपति डेविड डैको को अपदस्थ करके सत्ता हड़प ली ।

1972 में बोसाका को देश का आजीवन राष्ट्रपति बना दिया गया । 1976 में बोसाका ने अपने को नेपोलियन की भांति सम्राट घोषित कर दिया । 1979 में जन विद्रोह ने इस नन्हें नेपोलियन को मार भगाया । दिलचस्प बात यह है कि 20 सितम्बर, 1979 को एक रक्तहीन क्रांति में डेविड डैको ने ही स्वंय–भू सम्राट बोसाका का तख्ता पलट दिया ।

मुख्य कृषि उत्पाद कपास और काफी हैं । निर्यात की प्रमुख मद कपास है । देश को निर्यात से होनेवाली कुल आय में से आधी हीरों से होती है । यूरेनियम के खनन का महत्व बढ़ता जा रहा है ।

राष्ट्रपति: आंगे–फेलिक्स पाट्से; **प्रधानमंत्री:** मार्टिन जिग्वेले।

सेण्ट किट्स–नेविस

(Federation of St.Kitts and Nevis)

राजधानी: बस्सेटेरे; **क्षेत्रफल:** 269 वर्ग किलोमीटर; **जनसंख्या:** 0.04 मिलयन; **भाषा:** अंग्रेजी और पटोइस; **साक्षरता:** 98%; **धर्म:** ईसाई; **मुद्रा:** ईस्ट कैरेबियन डालर; 1 अमरीकी डालर = 2.70 ई. कै. डालर; **प्रति व्यक्ति आय:** 11,300 डालर।

सेण्ट क्रिस्टफर (किट्स) – नेविस पूर्वी कैरीबयन में दो द्वीपों का समूह है जो 3.22 कि.मी. चौड़े एक संकरे जलमार्ग से अलग होते हैं ।

1967 में इन द्वीपों को ब्रिटेन के साथ सह–राज्य का दर्जा दिया गया और 18 सितम्बर 1983 को ये स्वतंत्र हो गए । उस समय एंगुइल्ला सेण्ट किट्स–नेविस का एक भाग था । इस व्यवस्था के विरुद्ध एंगुइल्लावासियों ने विद्रोह कर दिया और इसे अलग कर दिया गया ।

यहां की आबादी मुख्यत: काले लोगों की है । यहां की अर्थ–व्यवस्था मुख्यत: कृषि पर आधारित है । कपास और गन्ना यहां की मुख्य फसलें हैं ।

गवर्नर जनरल: कुर्लेट एम संवास्टयन; **प्रधानमंत्री:** डा. डेनजील डगलस।

सेण्ट विंसेण्ट एण्ड दी ग्रेनेडाइंस

राजधानी:किंग्सटाउन; **क्षेत्रफल**: 388 वर्ग किलोमीटर; **जनसंख्या**: 0.1 मिलयन; **भाषा**: अंग्रेजी और फ्रेंच पटोइस; **साक्षरता**: 96%; **धर्म**: ईसाई; **मुद्रा**: ईस्ट कैरेबियन डालर; 1 अमरीकी डालर = 2.70 ई. कै. डालर; **प्रति व्यक्ति आय**: 5,330 डालर ।

सेण्ट विंसेण्ट विंडवार्ड द्वीप समूह में से एक द्वीप है जो वारवडोस के पश्चिम में स्थित है । यह 1969 में ब्रिटिश सह–राज्य वना । यह 27 अक्तूवर 1979 को स्वतंत्रत हुआ ।

यहां की जनसंख्या मिश्रित मूल की है जिसमें यूरोपियन, नीग्रो और कैरीवियन इंडियन शामिल हैं ।

केला, आरारोट, नारियल गिरी, कपास और मसाले मुख्य निर्यात पदार्थ हैं । पर्यटन का महत्वपूर्ण स्थान है ।

गवर्नर जनरल: चार्ल्स जे. एंट्रोवस; **प्रधानमंत्री**: जेम्स फिट्ज एलेन मिच्वेल ।

सेण्ट लुसिया

राजधानी: केस्टाइस; **क्षेत्रफल**: 616 वर्ग किलोमीटर; **जनसंख्या**: 0.2 मिलयन; **भाषा**: अंग्रेजी और फ्रेंच पटोइस; **साक्षरता**: 80%; **धर्म**: ईसाई; **मुद्रा**: ईस्ट कैरेबियन डालर; 1 अमरीकी डालर = 2.70; **प्रति व्यक्ति आय**: 5,260 डालर।

सेण्ट लुसिया विण्डवार्ड द्वीप समूह का दूसरा सवसे बड़ा द्वीप है जो मार्टिनीक्वे के दक्षिण और सेण्ट विंसेण्ट के उत्तर में स्थित है ।

22 फरवरी 1979 ई. को यह स्वतंत्र हुआ।

यहां की अर्थ–व्यवस्था कृषि पर आधारित है । नारियल, नारियल तेल, केला और कोकोआ यहां के मुख्य निर्यात हैं। निर्माण उद्योगों में प्लास्टिक का सामान, सिले हुए वस्त्र और वीयर सम्मिलित है ।

गवर्नर जनरल: कैल्लियोपा पी. लाउजी; **प्रधानमंत्री**: केन्नी एंथांनी।

सैन मरीनो

(Most Serene Republic of San Marino)

राजधानी: सैन मरीनो; **क्षेत्रफल**: 61 वर्ग किलोमीटर; **जनसंख्या**: 26,937; **भाषा**: इटेलियन; **साक्षरता**: 99%; **धर्म**: ईसाई; **मुद्रा**: लीरा; 1 अमरीकी डालर = 1982.97 लीरा; **प्रति व्यक्ति आय**: 16,900 डालर ।

सैन मरीनो गणतंत्र इटली के *अग्रभाग* पर अपेन्नाइन्स में माउन्ट टाइटेनो की अड्रियाटिक दिशा की ओर ढलान पर स्थित है । इसका दावा है कि यह यूरोप का प्राचीनतम राज्य है क्योंकि इसकी स्थापना 301 ई. में की गई थी ।

यहां की मुख्य उपज गेंहू, शराव और जैतून है । उद्योगों में कपड़ा, चीनी–मिट्टी उद्योग, सीमेंट, कागज़, चमड़ा तथा अन्य वस्तुएं हैं । राजस्व का मुख्य स्रोत पर्यटन है ।

कैप्टन्स–रीजेन्ट: प्रत्येक 6 महीने में 5 वर्ष के लिये 60 सदस्यों की, निर्वाचित ग्रेट एण्ड जनरल कौंसिल द्वारा 6 महीनो में दो को रीजेंट्स की नियुक्ति ।

भारत में दूतावास: सैन मरीनो का वाणिज्य महादूतावास, 15, औरंगजेब रोड, नई दिल्ली–110 011; फोन: 3015850. फैक्स: 3019677.

E-mail:bhaims@ndb.vsnl.net.in

सोमालिया

(Somalia Democratic Republic)

राजधानी: मोगाडिशु; **क्षेत्रफल**: 637,657 वर्ग किलोमीटर; **जनसंख्या**: 7.8 मिलयन; **भाषा**: सोमालिया, अंग्रेजी,अरवी, इटेलियन; **साक्षरता**: 24%; **धर्म**: इस्लाम; **मुद्रा**: सोमाली शिलिंग; 1 अमरीकी डालर = 2620 सो.शिलिंग; **प्रति व्यक्ति आय**: 600 डालर ।

अफ्रीका के पूर्वी तट पर एक गणतंत्र के रूप में सोमाली डेमोक्रेटिक रिपब्लिक का गठन 1 जुलाई 1960 को भूतपूर्व इटेलियन सोमालीलैण्ड तथा ब्रिटिश सोमालीलैण्ड को मिलाकर हुआ । सोमालिया एक कृषि–प्रधान देश है । लेकिन 8.2 मिलियन हेक्टेयर उपजाऊ भूमि में से केवल 7 मिलियन हेक्टेयर भूमि पर ही खेती होती है । यहां पशुधन की संख्या 40.1 मिलियन है । वर्ष 1992 में सोमालिया में भीषण सूखा पड़ा । सूखे की महामारी और गृहयुद्ध ने सोमालिया को अराजकता के दौर में पहुंचा दिया । 50 प्रतिशत की आवादी भुखमरी से पीड़ित हुयी। लगभग 8,00,000 लोग केन्या भाग गये । जनवरी 1991 में राष्ट्रपति सियाद वारे अपदस्थ कर दिये गये । सोमाली नेशनल मूवमेंट जो उत्तर में प्रमुख विद्रोही गुट है ने मई 1991 में स्वतंत्र सोमाली लैंड रिपब्लिक की घोषणा की । राष्ट्रपति अब्दुरहमान अहमद अली बने और हरगीजिया को राजधानी बनाया । संयुक्त राज्य और अन्य देशों की सेनायें सहायता की आपूर्ति का निरीक्षण कर रही हैं। दिसंबर 92 में 14 गुटों के दो नेता अली महदी मुहम्मद फराह अदिदि ने संयुक्त राष्ट्र के तत्वाधान में शांति योजना पर सहमति दी।

जनरल अदीदि को सोमाली नेशनल एलायंस को संयुक्त राष्ट्र के अधिकारियों पर हमले का दोषी पाया गया । मार्च में 30,000 अमरीकी सैनिक जो दिसंबर 92 में संयुक्त राष्ट्र के तत्वाधान में आये थे वापस चले गये। राष्ट्रीय सरकार का गठन वर्तमान परिस्थितियों में बहुत कठिन है।

दस वर्ष में पहली बार अगस्त महीने में नये राष्ट्रपति का निर्वाचन हुआ।

राष्ट्रपति: आब्दि खासिम बालाड हसन। प्रधानमंत्री हसन अबशीर फराह।

भारत में दूतावास: एम्बेसी आफ सोमालिया डेमोक्रेटिक रिपब्लिक, ए–17, डिफेंस कालोनी, नई दिल्ली–110 024, फोन: 4619559, 4617453.

सोलोमन आइलैण्ड्स

राजधानी:होनिआरा; **क्षेत्रफल** 29 [illegible]

जनसंख्या: 0.5 मिलयन; **भाषा** [illegible]

साक्षरता: 54%; **धर्म**:ईसाई; [illegible]

1 अमरीकी डालर = 7.25 सो.आ. डालर; **प्रति व्यक्ति आय:** 1910 डालर।

सोलोमन आइलैण्ड्स पापुआ गिनी के पूर्व में दक्षिण-पश्चिमी प्रशान्त महासागर में स्थित हैं। प्रारंभ में यह एक ब्रिटिश संरक्षित प्रदेश था, जिसे 1978 में स्वतंत्रता मिली।

यहां की आवादी मुख्य रूप से मेलानेशियन है। नारियल मुख्य नकदी फसल तथा चावल प्रधान खाद्य फसल है। मछली यहां के भोजन का मुख्य तत्व तथा निर्यात की प्रमुख मद है।

गवर्नर जनरल: सर जान इनी लाप्ली; **प्रधानमंत्री:** केमाकेजा।

हण्डुरास

(Republic of Honduras) Republic de Honduras

राजधानी: तेगुसीगल्पा डी.सी.; **क्षेत्रफल:** 112,088 वर्ग किलोमीटर; **जनसंख्या:** 6.7 मिलयन; **भाषा:** स्पेनिश; **साक्षरता:** 73%; **धर्म:** ईसाई; **मुद्रा:** लेम्पीरा; 1 अमरीकी डालर = 16.65 लेम्पीरा; **प्रति व्यक्ति आय:** 2,830 डालर।

हण्डुरास मध्य अमरीका में निकारगुआ, एल सल्वाडोर और ग्वाटेमाला के बीच स्थित है। कैरीबियन से मिला हुआ इसका लम्बा समुद्र तट है और दक्षिण में प्रशान्त महासागर में भी इसका संकरा मार्ग है।

आरंभ में यह स्पेन का उपनिवेश था और 1821 में स्वाधीन हुआ। यहां अनेक बार तानाशाही, सैनिक शासन और शक्ति के बल पर सरकार का तख्ता पलटने की घटनाएं होती रही हैं।

मुख्य फसल केला है। देश के निर्यात में 76 प्रतिशत भाग इसी का है। काफी, कपास, मक्का और तम्बाकू की भी पैदावार होती है। इमारती लकड़ी बहुतायत से उपलब्ध है और पशु-पालन एक मुख्य उद्यम है।

राष्ट्रपति: कारलोस फ्लोरेस फाकस्से।

हंगरी

(Republic of Hungary) Magyar Koztarsasag

राजधानी: बुडापेस्ट; **क्षेत्रफल:** 93,033 वर्ग किलोमीटर; **जनसंख्या:** 10.1 मिलयन; **भाषा:** हंगेरियन, मेग्यार; [illegible]: 99%; **धर्म:** ईसाई; **मुद्रा:** फोरिन्ट; 1 अमरीकी [illegible] = 249.39 फोरिन्ट; **प्रति व्यक्ति आय:** 12,340 डालर।

हंगरी का इतिहास बड़ा उथल-पुथल वाला रहा है। इस देश पर क्रमशः हूणों, मेग्यारों, तुर्कों, हंगेरियनों और आस्ट्रियनों ने हमला करके इसे लूटा। 1918 में हंगरी एक स्वाधीन राज्य बना और 1919 में समाजवादी गणराज्य बना।

यद्यपि हंगरी पहले मुख्यतः एक कृषिप्रधान देश था, किन्तु दूसरे विश्व युद्ध के बाद इसकी अर्थ-व्यवस्था में उद्योगों का योगदान बढ़कर 50 प्रतिशत से भी अधिक हो गया है। हंगरी इंजीनियरिंग उत्पादों, मशीनी औजारों, मोटरगाड़ियों और बिजली के व इलेक्ट्रानिक्स के सामान का निर्यात करता है। इस देश में आयात की मुख्य वस्तुएं हैं – कच्चा लोहा, कोयला, कच्चा तेल और उपभोग की वस्तुएं। 97 प्रतिशत से अधिक कृषि-भूमि पर सहकारी खेती होती है। लगभग 186,000 हेक्टेयर भूमि पर अंगूर की खेती होती है।

मध्य यूरोप के देश हंगरी ने 1990 में लोकतंत्र और बाजारोन्मुख अर्थव्यवस्था को अपनाया।

राष्ट्रपति: फेरेंक माड्ल; **प्रधानमंत्री:** पीटर मेडगेस्सी।

भारत में दूतावास: हंगरी का दूतावास, 2/50, नीति मार्ग, चाणक्यपुरी, नई दिल्ली-110 021; फोन: 611-4737, 611-4738; फैक्स:688-6742.

E-mail:huembdel@giasd101.vsnl.net.in

Indian Mission in Hungary: Embassy of India, Buzavirag utca 14, 1025 Budapest, Hungary. Tel: 00-36-1-3257742; Fax: 00-36-1-3257745.

E-mail: chancery@indemb.datanet.hu

Web: www.chancery@indembassy.hu

हैटी

(Republic of Haiti) Republique d' Haiti

राजधानी: पोर्ट-ओ-प्रिंस; **क्षेत्रफल:** 27,750 वर्ग किलोमीटर; **जनसंख्या:** 7.1 मिलयन; **भाषा:** फ्रेंच (शासकीय), क्रियोलै; **साक्षरता:** 45%; **धर्म:** ईसाई और वूडू; **मुद्रा:** गूर्ड; 1 अमरीकी डालर = 28.50 गूर्ड; **प्रति व्यक्ति आय:** 1,860 डालर।

हैटी वेस्ट इंडीज़ का एक भाग है। इसे हिस्पानिओला कहा जाता है। यह अटलांटिक सागर में स्थित है। इसके पश्चिम में क्यूबा में और पूर्व में पोर्टोरिको है। यहां की आवादी में अधिकांश नीग्रो हैं। शेष लोग यहां आकर बसे फ्रांसीसियों और गुलामों के वर्णसंकर वंशज है। इस फ्रांसीसी बस्ती ने 1804 में अपने को स्वाधीन गणराज्य घोषित कर दिया।

मुख्य कृषि उत्पाद काफी है। अन्य उत्पाद हैं – सीसल, कपास, खांड, कोकोआ और तम्बाकू। घरेलू खपत के लिए चावल भी पैदा किया जाता है। शीरे से रम और दूसरी किस्म की शराब बनती है और उनका निर्यात होता है। मुख्य खनिज बाक्साइट है जिसका निर्यात किया जाता है। विदेशी मुद्रा अर्जित करने का दूसरा सबसे प्रमुख साधन पर्यटन है।

सरकार: फादर जीन बर्टाड़ अरिस्टडे जो कि स्वतंत्र निर्वाचित राष्ट्रपति थे को अक्टूबर 1991 में सेना ने अपदस्थ कर दिया। जून 92 में जोसेफ नेरेटे अंतरिम राष्ट्रपति बने और प्रधानमंत्री पद मार्क बाजिन को मिला। अगस्त 93 में रावर्ट मालवाल प्रधानमंत्री बने और उन्होंने घोषणा की फादर अरिस्टेडे राष्ट्रपति पद पर लौटेंगे।

राष्ट्रपति: जीन बेरट्रान्ट अरिस्टैट; **प्रधानमंत्री:** जीन मेरी चेरेस्टल।

भारत में दूतावास: हैटी का वाणिज्य दूतावास, 186 शरत बोस रोड, कलकत्ता-700 029; फोन: 46-1164

Indian Mission in Haiti: Honorary Consulate of India, C/o. Hnadal & Fils, 199, Rue Du Magasin de L'Etat, P.O.Box No.633, Port-au-Prince (Republic of Haiti). Tel: 00-(509) 222310; Fax: 00-(509) 238489

शेष सामान्य बहुमत से स्वीकृत किए जाते हैं ।

महासभा सुरक्षा परिषद के अस्थायी सदस्यों, आर्थिक तथा सामाजिक परिषद के सदस्यों और न्यासी परिषद के निर्वाचित सदस्यों को चुनती है ।अन्तर्राष्ट्रीय न्यायालय के सदस्यों को महासभा और सुरक्षा परिषद संयुक्त रूप से चुनती है । महासभा अपने अध्यक्ष और उपाध्यक्ष का चुनाव प्रतिवर्ष करती है

अध्यक्षः थियो येन गिरोरान (नामीबिया)।

सुरक्षा परिषदः के 15 सदस्य हैं जिनमें से प्रत्येक का एक वोट है। इसके 5 स्थायी सदस्य हैं और 10 अस्थायी सदस्य अस्थायी सदस्यों को दो वर्ष के लिए दो तिहाई बहुमत से महासभा चुनती है। स्थायी सदस्य किसी भी निर्णय पर अपने निषेधाधिकार का प्रयोग कर सकते हैं। दो वर्ष की अवधि के बाद अवकाश प्राप्त करने वाले सदस्य साथ ही अगली अवधि के लिए पुनः चुनाव नहीं लड़ सकते । यदि किसी भी सदस्य–राष्ट्र के हित को प्रभावित करने वाला कोई मुद्दा परिषद में उठता है तो उस पर विचार करते समय उस राष्ट्र को मताधिकार न देते हुए चर्चा में सम्मिलित करते हैं। परिषद की अध्यक्षता प्रति मास अलग–अलग देश करते हैं और इनकी वरीयता अंग्रेजी के अकारादि क्रम में निर्धारित होती है। स्थायी सदस्यः चीन, फ्रांस, रूस, ब्रिटेन तथा संयुक्त राज्य अमेरिका। अस्थायी ...्यः बल्गारिया, कैमरून, गिनी, मैक्सिको और सीरिया ...संबर 2003 तक), मारीशस, कोलंबिया, आयरलैंड, सिंगापुर (दिसंबर 2002 तक) सुरक्षा परिषद – भारत, जर्मनी एवं जापान को स्थायी के लिये विस्तार किया जाना है ।

...**तथा सामाजिक परिषदः** महासभा के अधीन आर्थिक, सामाजिक, शिक्षा–संबंधी, सांस्कृतिक, तथा एतत्संबंधी जितने भी प्रकार्य संयुक्त राष्ट्र के हैं, उन सब का कार्यान्वयन करना आर्थिक तथा सामाजिक परिषद का उत्तरदायित्व है । आर्थिक तथा सामाजिक परिषद के 54 सदस्य हैं जो महासभा के दो–तिहाई बहुमत द्वारा चुने जाते हैं । परिषद के अधीन निम्नलिखित प्रादेशिक आर्थिक आयोग कार्य करते हैं – ई.सी.ई. (यूरोप के लिए आर्थिक आयोग, जनेवा) एस्कैप (एशिया तथा प्रशांत सागरीय प्रदेश के लिए आ... सामाजिक आयोग बैंकाक), ई.सी.एल.ए. (लैटिन ... के लिए आर्थिक आयोग सैंतियागो, चिली) ई.सी.ए. (... के लिए आर्थिक आयोग, ऐडिस अबाबा), ई.सी.... (पश्चिमी एशिया के लिए आर्थिक आयोग, बगदा...

न्यासी परिषदः संयुक्त राज्य घोषणा–पत्र में प्र... कि उन प्रदेशों में जहां अभी पूर्ण स्वायत शासन नह... निवासियों के हितों की रक्षा के लिए अन्तर्राष्ट्... व्यवस्था कायम की जाए और अलग–अल... समझौतों के अनुसार इनको संयुक्त राष्ट्र शासन... रखा जाए।इन प्रदेशों को न्यासंगत प्रदेश कहते है... मूल न्यासंगत प्रदेशों में दस या तो स्वतंत्र हुए हैं ... राष्ट्रों के साथ शामिल हुए हैं ।केवल प्रशांत साग... समूह (माइकोनेशिया) अभी न्यास के अंतर्गत है ... राज्य अमेरिका के शासन में है

सदस्यः चीन, फ्रांस, रूस, यू.के. और यू....

अन्तर्राष्ट्रीय न्यायालयः अन्तर्राष्ट्रीय न्या... स्थापना न्यायालय संविधि नामक एवं अन्त–र्रा...

1946 से अब तक के महासचिव

द्रिग्वावे लेय

नाम	राज्य	वर्ष
1. द्रिग्वावे लेय	नार्वे	1946–53
2. डाग्वा हम्मरशोल्ड	स्वीडन	1953–61
3. यू. थान्ट	बर्मा	1962–71
4. कर्ट वाल्डहीन	आस्ट्रिया	1971–81
5. जेवियर पेरस द कुइयार	पेरु	1982–91
6. बुत्रोस बुत्रोस घाली	मिस्र	1992–96
7. कोफी अन्नान	घाना	1997– –

डाग्वा हम्मरशोल्ड

यू. थान्ट

क्वार्ट वाल्डहेम

डिक्वयर

बुत्रोस घाली

कोफी अन्नान

भारत में संयुक्त राष्ट्र के कार्यालयों के पते

ए.पी.सी.टी.टी. : एशियन एंड पेसिफिक सेंटर फार ट्रांसपोर्ट आफ टेक्नालोजी, एडज्वाइनिंग टेक्नालोजी भवन, पोस्ट याक्स न. – 4575, नयी महरौली रोड, नयी दिल्ली – 110016, फोन – 6856255/6856276, फैक्स – 91-11-6856274

एफ.ए.ओ. : फूड एंड एग्रीकल्चर आर्गनाइजेशन आफ दी युनाइटेड नेशंज, 55 लोदी एस्टेट, नयी दिल्ली – 1100 03, फोन – 4693060/4628877, फैक्स – 91-11-4620115

आई.एफ.सी. : इंटरनेशनल फिनैंस कार्पोरेशन, न. – 1, पंचशील मार्ग, चाणक्यपुरी, नयी दिल्ली – 1100 21, फोन – 3011306, फैक्स – 91-11-3011278

आई.एल.ओ. : इंटरनेशनल लेबर आर्गनाइजेशन, ईस्ट कोर्ट, थर्ड फ्लोर, इंडियन हैबिटेट सेंटर, लोदी रोड, नयी दिल्ली – 1100 03, फोन – 4602101-04, फैक्स – 91-11-4602111

आई.एम.एफ. : इंटरनेशनल मानिटेरी फंड, 7, जोर बाग, नयी दिल्ली – 1100 03, फोन – 4634223/4634224, फैक्स – 91-11-4635231

यू.एन.डी.सी.पी.: युनाइटेड नेशंजइंटरनेशनल ड्रग कंट्रोल प्रोग्राम, इंडिया इंटरनेशनल सेंटर, दूसरी मंजिल, 40, मैक्स मुलर मार्ग, नयी दिल्ली – 1100 03, फोन – 4625782/4633658, फैक्स – 91-11-4620127

यू.एन.डी.पी.: युनाइटेड नेशंज डेवलपमेंट प्रोग्राम, 55 लोदी इस्टेट नयी दिल्ली–3, फोन– 4629333/4628877, फैक्स – 91-11-4627612

यू.एन.ई.एस.सी.ओ.: युनाइटेड नेशंज एजुकेशनल, सांइटिफिक एंड कल्चरल आर्गनाइजेशन, युनेस्को हाउस, 8 पूर्वी मार्ग, वसंत विहार, नयी दिल्ली – 1100 57, फोन – 6110037/6110038/6110039, फैक्स – 91-11-6873351

यू.एन.एफ.पी.ए.: युनाइटेड नेशंज पापुलेशन फंड, 55 लोदी इस्टेट नयी दिल्ली – 1100 03, फोन – 4627986/4628877, फैक्स – 91-11-4628078, 4627612

यू.एन.एच.सी.आर.: युनाइटेड नेशंज हाई कमिशनर फार रेफ्यूजीज, 14, जोरयाग, नयी दिल्ली – 1100 03, फोन – 4690730/4697279, फैक्स – 91-11-4620137

यू.एन.आई.सी.: युनाइटेड नेशंज इन्फार्मेशन सेंटर, 55 लोदी एस्टेट, नयी दिल्ली – 1100 03, फोन – 4623439/4628877, फैक्स – 91-11-4620293

यू.एन.आई.सी.एफ.: युनाइटेड नेशंज चिल्ड्रेन फंड, 72 लोदी इस्टेट नयी दिल्ली – 1100 03, फोन – 4690401/4691401, फैक्स – 91-11-4627521

यू.एन.आई.डी.ओ.: युनाइटेड नेशंज इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट आर्गनाइजेशन, 55 लोदी एस्टेट, नयी दिल्ली – 1100 03, फोन – 46298877, फैक्स – 91-11-4627612

यू.एन.आई.एफ.ई.एम.: युनाइटेड नेशंज डेवलपमेंट फंड फार वीमेन, इंडिया इंटरनेशनल सेंटर, दूसरी मंजिल, 40, मैक्स मुलर मार्ग, नयी दिल्ली – 1100 03, फोन – 4698297, फैक्स – 91-11-4622136

यू.एन.एम.ओ.जी.आई.पी.: युनाइटेड नेशंज मिलिट्री आवजरर्वर ग्रुप इन इंडिया एंड पाकिस्तान, 1/ए.बी. पुराना किला रोड, नयी दिल्ली – 1100 03, फोन – 3387706/3386661, फैक्स – 91-11-3384052

दी वर्ल्ड बैंक: 70, लोदी इस्टेट नयी दिल्ली – 1100 03, फोन – 4617241/4619491, फैक्स – 91-11-4619393

डब्ल्यू.एफ.पी.: वर्ल्ड फूड प्रोग्राम, 53, जोर याग, नयी दिल्ली – 1100 03, फोन – 4693080/4694381-4, फैक्स – 91-11-4627109

डब्ल्यू.एच.ओ.: वर्ल्ड हेल्थ आर्गनाइजेशन, वर्ल्ड हेल्थ हाउस, इंद्रप्रस्थ एस्टेट, नयी दिल्ली – 1100 02, फोन 3317804/3318443/3318579/3319706, फैक्स – 91-11-3318607/3327972

के अन्तर्गत की गई थी। यह कानून संयुक्त राष्ट्र घोषणा-पत्र का एक अभिन्न अंग है। संयुक्त राष्ट्र के सभी सदस्य तथ्यत: न्यायालय संविधि के हिस्सेदार हैं। न्यायालय के 15 न्यायाधीश हैं।

अध्यक्ष: गुलवर्ट गुइलाओम (फ्रांस)।
Website: http://www.icj-cij.org
अध्यक्ष: हुलवर्ट गुइलामे (फ्रांस)
रजिस्ट्रार: फिलिप्पे कोवरियर (बेल्जियम)

यह न्यायालय हेग में है, यदि अन्यत्र कहीं भी उचित लगे तो वहां भी न्यायालय की बैठक हो सकती है। न्यायालय का खर्च संयुक्त राष्ट्र वहन करता है।

सचिवालय: सचिवालय का मुख्य प्रशासनिक अधिकारी महासचिव है और उनके अधीन महासभा के नियमों के अनुसार उनके द्वारा विश्व-भर से चुनकर नियुक्त किया गया अन्तर्राष्ट्रीय कर्मचारी वर्ग है। महासचिव ... यों के मामले के उच्चायुक्त तथा निधि के मामले ... की नियुक्ति महासभा द्वारा की जाती है ... ट्रिग्वावे लेय (नार्वे) 1946-53 थे। दुसरे ...

[illegible] 1953–61, [illegible] (बर्मा) 1962–71, चौथे कुर्ट वाल्डहीम (आस्ट्रिया) 1971–81, पांचवें जेवियर पेरेज द कुइयार 1982–1991व छठे मिस्र के [illegible] 1992 से 1996 तक रहे।

महासचिव: कोफी अन्नान (घाना) 1997 में पांच वर्षों के लिए नियुक्त हुए। अगले पांच वर्षों के लिए भी वे निर्वाचित किए गए हैं। महासचिव की सहायता अवर महासचिव और सहायक महासचिव करते हैं।

Website: http://www.un.org

संयुक्त राष्ट्र प्रणाली: यदि कर्मिक दल एवं धन–व्यय के मापदंड से देखा जाए तो संयुक्त राष्ट्र के कार्य का मुख्य भाग घोषणा के 55 वें अनुच्छेद के संकल्पों में हैं – जीवन के उन्नत मानवों का संवर्धन, संपूर्ण रोजगार तथा आर्थिक एवं सामाजिक प्रगति और विकास की स्थिति। सत्रह विशिष्ट अभिकरणों के अलावा चौदह मुख्य संयुक्त राष्ट्र कार्यक्रम और निधियां भी हैं जो विकासशील देशों में आर्थिक एवं सामाजिक प्रगति प्राप्त करने के उद्देश्य से कार्यरत हैं।

यू.एन.डी.पी.: संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम: बहुपक्षीय तकनीकी और पूर्व पूंजी निवेशी सहयोग के लिए विश्व का सबसे बड़ा अभिकरण है। संयुक्त राष्ट्र प्रणाली द्वारा दी जाने वाली प्रायः संपूर्ण तकनीकी सहायता के लिए इसी स्रोत से धन आता है। यू.एन.डी.पी. प्रायः सभी 150 सदस्य राज्यों और प्रदेशों के सभी आर्थिक और सामाजिक कार्यक्षेत्रों में कार्यरत है। यु.एन.डी.पी. की सहायता सरकारों के अनुरोध पर ही दी जाती है। अनुरोधकारी देश की समग्र राष्ट्रीय और प्रादेशिक योजनाओं के अनुसार आवश्यकता के वरीयता क्रम में [illegible]

राहत एजेंसियां

शरणार्थियों और प्राकृतिक एवं मनुष्यकृत विपत्तियों से पीड़ित लोगों को राहत पहुंचाना भी संयुक्त राष्ट्र प्रणाली का एक मुख्य कार्य है। इन राहत कार्यों में लगे हुए संगठन निम्नलिखित हैं: संयुक्त राष्ट्र विपत्ति राहत समन्वयकर्ता कार्यालय (यू.एन.डी.आर.ओ.), संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी उच्चायुक्त का कार्यालय (यू.एन.एच.सी.आर.) तथा निकट पूर्व में फिलिस्तीनी शरणार्थियों के लिए संयुक्त राष्ट्र का राहत कार्य अभिकरण (यू.एन.आर.डब्ल्यू.ए.)।

यू.एन.आर.डब्ल्यू.ए. की स्थापना संयुक्त राष्ट्र द्वारा सन् 1949 में अस्थायी गैर–राजनीतिक अभिकरण के रूप में की गई थी। इसका उद्देश्य था ब्रिटेन के भूतपूर्व अधिदेशात्मक प्रदेश फिलिस्तीन में इज़राइल राज्य की स्थापना के दौरान और उसके बाद हुए संघर्षों के फलस्वरूप शरणार्थी बने करीब साढ़े सात लाख शरणार्थियों को राहत पहुंचाना।

महायुक्त: जार्जियो जियोकोमेल्ली।

यु.एन.एच.सी.आर.: संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी उच्चायुक्त कार्यालय की स्थापना पहली जनवरी 1951 को की गई थी। इसका पहला कार्यकाल तीन वर्ष था। सन् 1954 के बाद प्रति पांच वर्ष इसकी अवधि बढ़ती जा रही है। विश्व भर के शरणार्थियों के हित में इस संगठन के कार्य के लिए पहले 1954 में और पुनः 1981 में इसको नोबल शांति पुरस्कार प्राप्त हुआ है।

मुख्यालय: पलाइ द नेशन्स, 1211, जनेवा 10, स्विट्ज़रलैंड।

[illegible]: रुड लूबर्स (नीदरलैंड्स)।

संयुक्त राष्ट्र संघ के सदस्य देश

	स्य	प्रवेश वर्ष
	अफगानिस्तान	1946
	अलबानिया	1955
	अल्जीरिया	1962
	अण्डोरा	1993
.	अंगोला	1976
.	ऐंटिग्वा एवं वरवूडा	1981
.	अर्जेंटीना	1945
.	अर्मीनिया	1992
.	आस्ट्रेलिया	1945
0.	आस्ट्रिया	1955
1.	अजरवैजान	1992
2.	वहामास	1973
3.	वहरीन	1971
4.	वंगलादेश	1974
5.	वारवडोस	1966
6.	वेलारूस	1945
7.	वेल्जियम	1945
8.	वेलिज़	1981
9.	वेनिन	1960
0.	भूटान	1971
1.	वोलविया	1945
2.	वोस्निया हर्जगोविना	1992
3.	वोत्सवाना	1966
4.	व्राज़ील	1945
5.	व्रुनाई	1984
6.	वल्गारिया	1955
7.	वर्किना फासो	1960
8.	वुरुंडी	192
9.	कम्योडिया	1955
0.	कैमरून	1960
1.	कनाडा	1945
2.	केप वर्डे	1975
3.	के. अफ्रीकी गणतंत्र	1960
4.	चाड	1960
5.	चिली	1945
6.	चीन	1945
7.	कोलम्यिया	1945
8.	कोमोरोस	1975
9.	कांगो गणतंत्र	1960
0.	कांगो गणतंत्र लो.	1960
1.	कोस्टारिका	1945
2.	कोटे डी आइवरी	1960
3.	क्रोएशिया	1992
4.	क्यूवा	1945
5.	साइप्रस	1960
6.	चेक गणराज्य	1945
47.	डेनमार्क	1945
48.	जिवूती	1977
49.	डोमिनिका	1978
50.	डोमिनिकन गणराज्य	1945
51.	पूर्वी तिमोर	2002
52.	इक्वेडोर	1945
53.	मिस्र	1945
54.	एल साल्वदोर	1945
55.	इक्वेटोरियल गिनी	1968
56.	एरिट्रया	1993
57.	एस्टोनिया	1991
58.	इथियोपिया	1945
59.	फिजी	1970
60.	फिनलैंड	1955
61.	फ्रांस	1945
62.	गैवन	1960
63.	गैंविया	1965
64.	जार्जिया	1992
65.	जर्मनी	1973
66.	घाना	1957
67.	यूनान	1945
68.	ग्रेनाडा	1974
69.	ग्वाटेमाला	1945
70.	गिनी	1958
71.	गिनी–विसाऊ	1974
72.	गुयाना	1966
73.	हेटी	1945
74.	होंडुरस	1945
75.	हंगरी	1955
76.	आइसलैंड	1946
77.	भारत	1945
78.	इंडोनेशिया	1950
79.	ईरान	1945
80.	इराक	1945
81.	आयरलैंड	1955
82.	इज़राइल	1949
83.	इटली	1955
84.	जमाइका	1962
85.	जापान	1956
86.	जोर्डन	1955
87.	कजाकस्तान	1992
88.	केन्या	1963
89.	किरिवटी	1999
90.	कोरिया उत्तर	1991
91.	कोरिया दक्षिण	1991
92.	कुवैत	1963
93.	किरगिजस्तान	1992
94.	लाओस	1953
95.	लैटविया	1991
96.	लेवनान	1945
97.	लेसोथो	1966
98.	लाइवीरिया	1945
99.	लीविया	1955
100.	लिचटेंस्टीन	1990
101.	लिथुआनिया	1990
102.	लक्ज़मवर्ग	1945
103.	मेसेडोनिया	1993
104.	मेडागास्कर	1960
105.	मलावी	1964
106.	मलेशिया	1957
107.	मालद्वीव	1965
108.	माली	1960
109.	माल्टा	1964
110.	मार्शल आइसलैंड	1991
111.	मौरिटानिया	1961
112.	मारिशस	1968
113.	मेक्सिको	1945
114.	माइक्रोनेशिया	1991
115.	मोलडोवा	1992
116.	मोनाको	1.993
117.	मंगोलिया	1961
118.	मोरक्को	1956
119.	मोजाम्यिक	1975
120.	म्यानमार	1948
121.	नामीविया	1990
122.	नारू	1999
123.	नेपाल	1955
124.	नीदरलैंडस	1945
125.	न्यूज़ीलैंड	1945
126.	निकारागुआ	1945
127.	नाइजर	1960
128.	नाइजीरिया	1960
129.	नार्वे	1945
130.	ओमान	197
131.	पाकिस्तान	1947
132.	पलाऊ	1994
133.	पनामा	1945
134.	पापुआ न्यू गिनी	1975
135.	पराग्वे	1945
136.	पेरु	1945
137.	फिलिपीन्स	1945
138.	पोलैंड	1945
139.	पुर्तगाल	1955
140.	कत्तर	1971

(स्वीडन) 1953–61, तीसरे ई. थांट (वर्मा) 1962–71, चौथे कर्ट वाल्डहीम (आस्ट्रिया) 1971–81, पांचवें जेवियर पेरेस द कुइयार 1982–1991 व छठे मिस्र के वुत्रोस वुत्रोस घाली 1992 से 1996 तक रहे।

महासचिव: कोफी अन्नान (घाना) 1997 में पांच वर्षों के लिए नियुक्त हुए। अगले पांच वर्षों के लिए भी वे निर्वाचित किए गए है। महासचिव की सहायता अवर महासचिव और सहायक महासचिव करते हैं।

Website: http://www.un.org

संयुक्त राष्ट्र प्रणाली: यदि कर्मिक दल एवं धन–व्यय के मापदंड से देखा जाए तो संयुक्त राष्ट्र के कार्य का मुख्य भाग घोषणा के 55 वें अनुच्छेद के संकल्पों में हैं – जीवन के उन्नत मानवों का संवर्धन, संपूर्ण रोजगार तथा आर्थिक एवं सामाजिक प्रगति और विकास की स्थिति। सत्रह विशिष्ट अभिकरणों के अलावा चौदह मुख्य संयुक्त राष्ट्र कार्यक्रम और निधियां भी हैं जो विकासशील देशों में आर्थिक एवं सामाजिक प्रगति प्राप्त करने के उद्देश्य से कार्यरत हैं।

यू.एन.डी.पी.: संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम: वहुपक्षीय तकनीकी और पूर्व पूंजी निवेशी सहयोग के लिए विश्व का सवसे वड़ा अभिकरण है। संयुक्त राष्ट्र प्रणाली द्वारा दी जाने वाली प्राय: संपूर्ण तकनीकी सहायता के लिए इसी स्रोत से धन आता है। यू.एन.डी.पी. प्राय: सभी 150 सदस्य राज्यों और प्रदेशों के सभी आर्थिक और सामाजिक कार्यक्षेत्रों में कार्यरत है। यु.एन.डी.पी. की सहायता सरकारों के अनुरोध पर ही दी जाती है। अनुरोधकारी देश की समग्र राष्ट्रीय और देशिक योजनाओं के अनुसार आवश्यकता के वरीयता क्रम यह सहायता प्रदान की जाती है।

प्रशासक: मार्क मैलोक व्राउन (यू.के.)।

[illegible] संयुक्त राष्ट्र शिशु निधि: इसकी स्थापना 1946 [illegible]त वच्चों की राहत के लिए संयुक्त राष्ट्र शिशु आपात [illegible] में की गई थी जो वाद में संयुक्त राष्ट्र शिशु निधि [illegible] इसकी गतिविधियां विकासशील देशों में वच्चों और [illegible] के जीवन की गुणवत्ता को सुधारने के उद्देश्य से पहुंचाई [illegible] सहायता पर केंद्रित है। सन् 1983 में यूनिसेफ [illegible] 110 राज्यों में कार्य कर रहा था और इन राज्यों की [illegible] आवादी लगभग एक अरव तीस करोड़ थी।

[illegible]र्यकारी निदेशक: सुश्री केरोल वेलामी (संयुक्त राज्य [illegible]का)

यू.एन.एफ.पी.ए.: जनसंख्या गतिविधियों की संयुक्त [illegible]ष्ट्र निधि: लगभग 130 देशों और क्षेत्रों में यह कार्य है। [illegible]आवादी और परिवार नियोजन की आवश्यकताओं की पूर्ति [illegible]रने की क्षमता पैदा करना, विकसित और विकासशील [illegible]ज्यों में आवादी की समस्याओं तथा उनका सामना करने [illegible] संभावित समाधान तथा विकासशील देशों को उनके [illegible]नुरोध पर आवादी की समस्या से जूझने के लिए सहायता [illegible]देना इस निधि का लक्ष्य है। विकासशील देशों को दी जाने [illegible]वाली जनसंख्या सहायता की पच्चीस प्रतिशत से अधिक राशि [illegible]इसी निधि के जरिए दी जाती है।

कार्यकारी निदेशक: सुश्री थोराया अहमद उवैद (सउदी अरविया)

राहत एजेंसियां

शरणार्थियों और प्राकृतिक एवं मनुष्यकृत विपत्तियों से पीड़ित लोगों को राहत पहुंचाना भी संयुक्त राष्ट्र प्रणाली का एक मुख्य कार्य है। इन राहत कार्यों में लगे हुए संगठन निम्नलिखित हैं: संयुक्त राष्ट्र विपत्ति राहत समन्वयकर्ता कार्यालय (यू.एन.डी.आर.ओ.), संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी उच्चायुक्त का कार्यालय (यू.एन.एच.सी.आर.) तथा निकट पूर्व में फिलिस्तीनी शरणार्थियों के लिए संयुक्त राष्ट्र का राहत कार्य अभिकरण (यू.एन.आर.डब्ल्यू.ए.)।

यू.एन.आर.डब्ल्यू.ए. की स्थापना संयुक्त राष्ट्र द्वारा सन् 1949 में अस्थायी गैर–राजनीतिक अभिकरण के रूप में की गई थी। इसका उद्देश्य था ब्रिटेन के भूतपूर्व अधिदेशात्मक प्रदेश फिलिस्तीन में इज़राइल राज्य की स्थापना के दौरान और उसके वाद हुए संघर्षों के फलस्वरूप शरणार्थी वने करीव साढ़े सात लाख शरणार्थियों को राहत पहुंचाना।

महायुक्त: जार्जियो जियोकोमेल्ली।

यु.एन.एच.सी.आर.: संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी उच्चायुक्त कार्यालय की स्थापना पहली जनवरी 1951 को की गई थी। इसका पहला कार्यकाल तीन वर्ष था। सन् 1954 के वाद प्रति पांच वर्ष इसकी अवधि वढ़ती जा रही है। विश्व भर के शरणार्थियों के हित में इस संगठन के कार्य के लिए पहले 1954 में और पुन: 1981 में इसको नोवल शांति पुरस्कार प्राप्त हुआ है।

मुख्यालय: पलाइ द नेशन्स, 1211, जनेवा 10 स्विट्ज़रलेंड।

उच्चायुक्त: रुड लुर्वस (नीदरलैंडस्)।

मानवाधिकार के लिए उच्चायुक्त: यह पद 1993 में वनाया गया था। आयोग के 53 सदस्य है।

उच्चायुक्त: सर्जियो वियेरो डी मेलो (व्राजील)।

विशिष्ट अभिकरण

अन्तर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा अभिकरण – (आई.ए.ई.ए.) स्थापना 29 जुलाई, 1957 में, 26 अक्तूवर 1956 को न्यूयार्क के संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में आयोजित एक अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में इसकी संविधि को अनुमोदित किया गया था। इसका संयुक्त राष्ट्र के साथ एक संवंध समझौता है। सन् 1983 में इसकी सदस्य संख्या 112 थी।

मुख्यालय: विएना अन्तर्राष्ट्रीय केंद्र, पी.ओ. वाक्स 100 ए–1400, विएना, आस्ट्रिया, ए 2126

महानिदेशक: मोहम्मद अल वाराडेई (मिस्र)

यूनिडो: संयुक्त राष्ट्र औद्योगिक विकास संगठन: यह औद्योगिक सहयोग को संवर्धित करने तथा औद्योगिक सवर्धन के मामले में संयुक्त राष्ट्र के सभी संचालन–कार्यों का समन्वय करने के लिए वनाया गया अभिकरण है। यह औद्योगिक नीति के प्रत्येक पहलू पर विकासशील और अविकसित राष्ट्रों को परामर्श–सेवा प्रदान करता है। सन् 1985 में संयुक्त राष्ट्र की एक विशिष्ट अभिकरण के रूप में मान्यता दी गई।

मुख्यालय: विएना अन्तर्राष्ट्रीय केंद्र, आस्ट्रिया।

महानिदेशक: कार्लोस एल्फ्रेडो मैगारिनोज।

Website: http://www.unido.org

संयुक्त राष्ट्र संघ के सदस्य देश

सदस्य		प्रवेश वर्ष
1.	अफगानिस्तान	1946
2.	अलवानिया	1955
3.	अल्जीरिया	1962
4.	अण्डोरा	1993
5.	अंगोला	1976
6.	ऐंटिग्वा एवं वरवूडा	1981
7.	अर्जेटीना	1945
8.	अर्मीनिया	1992
9.	आस्ट्रेलिया	1945
10.	आस्ट्रिया	1955
11.	अजरवैजान	1992
12.	वहामास	1973
13.	वहरीन	1971
14.	वंगलादेश	1974
15.	वारवडोस	1966
16.	वेलारूस	1945
17.	वेल्जियम	1945
18.	वेलिज़	1981
19.	वेनिन	1960
20.	भूटान	1971
21.	वोलविया	1945
22.	वोस्निया हर्जगोविना	1992
23.	वोत्सवाना	1966
24.	व्राज़ील	1945
25.	व्रुनाई	1984
26.	वल्गारिया	1955
27.	वर्किना फासो	1960
28.	वुरुंडी	192
29.	कम्वोडिया	1955
30.	कैमरून	1960
31.	कनाडा	1945
32.	केप वर्डे	1975
33.	के. अफ्रीकी गणतंत्र	1960
34.	चाड	1960
5.	चिली	1945
6.	चीन	1945
7.	कोलम्विया	1945
8.	कोमोरोस	1975
9.	कांगो गणतंत्र	1960
0.	कांगो गणतंत्र लो.	1960
1.	कोस्टारिका	1945
2.	कोटे डी आइवरी	1960
3.	क्रोएशिया	1992
4.	क्यूवा	1945
5.	साइप्रस	1960
6.	चेक गणराज्य	1945
47.	डेनमार्क	1945
48.	जिवूती	1977
49.	डोमिनिका	1978
50.	डोमिनिकन गणराज्य	1945
51.	पूर्वी तिमोर	2002
52.	इक्वेडोर	1945
53.	मिस्र	1945
54.	एल साल्वदोर	1945
55.	इक्वेटोरियल गिनी	1968
56.	एरिट्रया	1993
57.	एस्टोनिया	1991
58.	इथियोपिया	1945
59.	फिजी	1970
60.	फिनलेंड	1955
61.	फ्रांस	1945
62.	गैवन	1960
63.	गैंविया	1965
64.	जार्जिया	1992
65.	जर्मनी	1973
66.	घाना	1957
67.	यूनान	1945
68.	ग्रेनाडा	1974
69.	ग्वाटेमाला	1945
70.	गिनी	1958
71.	गिनी–विसाऊ	1974
72.	गुयाना	1966
73.	हैटी	1945
74.	होंडुरस	1945
75.	हंगरी	1955
76.	आइसलेंड	1946
77.	भारत	1945
78.	इंडोनेशिया	1950
79.	ईरान	1945
80.	इराक	1945
81.	आयरलैंड	1955
82.	इज़राइल	1949
83.	इटली	1955
84.	जमाइका	1962
85.	जापान	1956
86.	जोर्डन	1955
87.	कजाकस्तान	1992
88.	केन्या	1963
89.	किरिबटी	1999
90.	कोरिया उत्तर	1991
91.	कोरिया दक्षिण	1991
92.	कुवैत	1963
93.	किरगिजस्तान	1992
94.	लाओस	1953
95.	लैटविया	1991
96.	लेवनान	1945
97.	लेसोथो	1966
98.	लाइवीरिया	1945
99.	लीविया	1955
100.	लिचटेंस्टीन	1990
101.	लिथुआनिया	1990
102.	लक्ज़मवर्ग	1945
103.	मेसेडोनिया	1993
104.	मेडागास्कर	1960
105.	मलावी	1964
106.	मलेशिया	1957
107.	मालद्वीव	1965
108.	माली	1960
109.	माल्टा	1964
110.	मार्शल आइसलेंड	1991
111.	मौरिटानिया	1961
112.	मारिशस	1968
113.	मैक्सिको	1945
114.	माइक्रोनेशिया	1991
115.	मोलडोवा	1992
116.	मोनाको	1.993
117.	मंगोलिया	1961
118.	मोरक्को	1956
119.	मोजाम्विक	1975
120.	म्यानमार	1948
121.	नामीविया	1990
122.	नारू	1999
123.	नेपाल	1955
124.	नीदरलैंडस	1945
125.	न्यूज़ीलेंड	1945
126	निकारागुआ	1945
127.	नाइजर	1960
128.	नाइजीरिया	[illegible]
129.	नार्वे	[illegible]
130.	ओमान	[illegible]
131.	पाकिस्तान	[illegible]
132.	पलाऊ	[illegible]
133.	पनामा	[illegible]
134.	पापुआ न्यू [illegible]	[illegible]
135.	पराग्वे	[illegible]
136.	पेरु	[illegible]
137.	[illegible]	[illegible]
138.	[illegible]	[illegible]
[illegible]	[illegible]	[illegible]

देश	वर्ष
141.रोमानिया	1955
142.रुस	1945
143.रुआंडा	1962
144.सेंट किट्स व नेविस	1983
145.सेंट लूसिया	1979
146.सेंट विंसेन्ट व ग्रेनडेइन्स	1980
147.समोआ	1976
148.सैन मरीनो	1992
149.साओ टोमे व प्रिन्सिपी	1975
150.सऊदी अरब	1945
151.सेनेगल	1960
152.सेशेल्स	1976
153.सिएरा लियोन	1961
154.सिंगापुर	1965
155.स्लोवाकिया	1993
156.स्लोवेनिया	1992
157.[illegible]	[illegible]
158.सोमालिया	1960
159.दक्षिण अफ्रीका	1945
160.स्पेन	1955
161.श्रीलंका	1955
162.सुडान	1956
163.सूरीनाम	1975
164.स्वाजीलैंड	1968
165.स्वीडन	1946
166. स्विट्जरलैंड	2002
167.सीरिया	1945
168.ताजिकिस्तान	1992
169.तनज़ानिया	1961
170.थाइलैंड	1946
171.टोगो.	1960
172.टोंगा	1999
173.ट्रिनिडाड एवं टोबैगो	1962
174.ट्यूनीशिया	1956
175.[illegible]	[illegible]
176.तुर्कमेनिस्तान	1992
177.टवालू	2000
178.उगांडा	1962
179.उक्रेन	1945
180.सं अरब अमीरात	1971
181.युनाइटेड किंगडम	1945
182.सं.रा. अमरीका	1945
183.उरुग्वे	1945
184.उजवेकिस्तान	1992
185.वनातु	1981
186.वेनेज्वेला	1945
187.वियतनाम	1977
188.यमन गणराज्य	1990
189.युगोस्लाविया	1945
190.जाम्बिया	1964
191.जिम्बाब्वे	1980

आई.एल.ओ.: अन्तर्राष्ट्रीय श्रम संगठन: इसकी स्थापना सन् 1919 में राष्ट्र संघ के एक स्वायत्त अंग के रूप में हुई थी। इसकी संरचना अंत: सरकारीय है और इसमें तीन पक्षों, सरकारों, नियोजकों और कामगारों के प्रतिनिधि भाग लेते हैं। सन् 1969 में इसको नोवल शांति पुरस्कार मिला। 1984 में इसकी सदस्य संख्या 151 थी।

आई.एल.ओ का शासकीय निकाय अन्तर्राष्ट्रीय श्रम सम्मेलन है और कार्यालय श्रम कार्यालय है।

मुख्यालय: अन्तर्राष्ट्रीय श्रम कार्यालय, सी एच–1211, जनेवा, स्विट्ज़रलैंड।

महानिदेशक: जुआन सोमाविया (चिली)

एफ.ए.ओ.: खाद्य एवं कृषि संगठन: खाद्य और कृषि पर हाट स्प्रिंग्स, वरजीनिया में मई 1943 में आयोजित संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन में इस संगठन की योजना बनाने के लिए [illegible] समिति नियुक्त की और बाद में 16 अक्तूबर 1945 [illegible] स्थापित हुआ।

[illegible].ए.ओ. संयुक्त राष्ट्र के सहयोग से विश्व खाद्य [illegible] (डब्ल्यू.एफ.पी.) का प्रायोजन करता है।

मुख्यालय: वियाले दले तर्मे द फेरकले, रोम इटली।

महानिदेशक: जैक्वेस डियोफ (सेनेगल)

Website: http://www.fao.org

[illegible]: संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक और सांस्कृतिक [illegible] 4 नवम्बर 1946 को अस्तित्व में आया तथा एक शैक्षिक, वैज्ञानिक और सांस्कृतिक संगठन की स्थापना के उद्देश्य से 1 से 6 नवम्बर 1946 तक ब्रिटिश सरकार ने फ्रांस की सरकार के सहयोग से लंदन में एक सम्मेलन बुलाया।

महानिदेशक: कोइचिरो मात्सुर्रा (जापान)

Website: http://www.unesco.org।

डब्ल्यू.एच.ओ.: विश्व–स्वास्थ्य संगठन: संयुक्त राष्ट्र आर्थिक व सामाजिक परिषद ने स्वास्थ्य विषयक एक अकेली संख्या की स्थापना पर विचार करने के लिए जो अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन बुलाया उसके परिणामस्वरूप 22 जलाई 1946 को विश्व स्वास्थ्य संगठन का संविधान स्वीकृत हुआ। यह संविधान 7 अप्रैल 1948 को लागू हुआ।

मुख्यालय: 1211 जेनेवा, 27, प्रादेशिक कार्यालय, अलक्जैंड्रिया, ब्राजविल, कोपन हेगन, मनीला, नई दिल्ली तथा वाशिंगटन।

महानिदेशक: ग्रो हारलम ब्रंटलान्ड (नार्वे)

Website: http://www.who.org

आई.एम.एफ.: अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष: एक स्वतंत्र अन्तर्राष्ट्रीय संगठन के रूप में अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष की स्थापना 27 दिसम्बर 1945 को हुई थी और इसका कार्यारंभ पहली मार्च 1947 को हुआ था।

संयुक्त राष्ट्र के साथ इसका संबंध परस्पर सहयोग के एक समझौते के अनुसार निर्धारित है जो 15 नवम्बर 1947 को लागू हुआ था। कोष के अनुच्छेदों में प्रथम संशोधन 28 जुलाई 1969 में हुआ था। जिसमें विशेष आहरण अधिकारों (एस.डी.आर.) का प्रावधान रखा गया था। दूसरा संशोधन पहली अगस्त 1978 को लागू हुआ।

मुख्यालय: 700, 19 वीं. गली एन डब्ल्यू, वाशिंगटन डी सी 20431; पेरिस एवं जनेवा में भी दफ्तर है।

प्रबंध निदेशक: होर्स्ट कोहलर (जर्मनी)

Website: http://www.imf.org

विश्व बैंक आई.बी.आर.डी.: पुनर्निर्माण एवं विकास का अन्तर्राष्ट्रीय बैंक: जुलाई 1944 के ब्रेटन वुड्स सम्मेलन में प्रकल्पना की गई।

विश्व बैंक का कार्यारंभ जून 1946 में हुआ। गरीब देशों में आर्थिक विकास के हेतु धन और तकनीकी सहायता [illegible] प्रबंध करना इसका उद्देश्य है।

मुख्यालय: 1818 एच गली, एन डब्ल्यू वाशिंगटन,

प्रसिडेंट: जेम्स डी वोलफेन्सोह्न (अमरीका)

Website: http://www.worldbank.org

मुख्यालय: 6 ए.डी.बी. एवन्यू मंडलायोंग, मेट्रो मनीला फिलीपींस।

एशियान : दक्षिण पूर्वी राष्ट्र संघ: यह इंडोनेशिया, फिलिपीन्स, सिंगापुर तथा थाइलैंड का एक प्रादेशिक संगठन है जो 8 अगस्त 1967 को इन राज्यों के विदेश मंत्रियों के द्वारा बेंकाक में हस्ताक्षर की गई एक घोषणा के अनुसार संगठित किया गया था। बाद में 1984 में बुनेई भी इसका सदस्य बना इसके उद्देश्य दक्षिण एशिया में आर्थिक प्रगति को त्वरित करना और उसके आर्थिक स्थायित्व को बनाए रखना है।

केंद्रीय सचिवालय जकार्ता, इंडोनेशिया में है और उसका अध्यक्ष महासचिव होता है। महासचिव का पद प्रति दो वर्ष प्रत्येक सदस्य देश को जाता है और देश को चुनाव का आधार अकारादि क्रम है। सचिवालय के ब्यूरो निदेशकों तथा अन्य पदों की भर्ती प्रति 3 वर्ष बाद होती हैं।

Website: http://www.asean.or.id

महासचिव: रोडोल्फो सी. सेवरिनो (फिलिपीन्स)।

मुख्यालय: जकार्ता (इंडोनेशिया)।

कैरेबियन कम्युनिटी एंड कामन मार्केट (सी.ए.आर.आई. सी.ओ.एम.) की स्थापना 1973 में की गई थी। इसका उद्देश्य आर्थिक, स्वास्थ्य, शिक्षा, संस्कृत, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, कर प्रशासन और विदेश नाति में संयोजन के क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने के लिये की गई थी। सदस्य देश : एंटिगुआ एंड बरमुडा, बहामास, बारबडोस, बेलिज, डोमिनिका, ग्रेनेडा, गुआना, जमाइका, मांट्सेरात, सेंट किट्स एंड नेविस, सेंट लुसिया, सेंट विंसेंट और ग्रेननाडिन्स।

Website: http://www.caricom.org

सेक्रेट्री जनरल: एडविन डब्ल्यू. कारिंग्टन (ट्रिनिडाड एवं टोबेगो। मुख्यालय: जार्जटाउन (गुआना)

कामनवेल्थ आफ इंडिपेंडेंट स्टेट्स (सी.आई.एस.): सोवियत संघ के बिखरने के बाद यह बनाया गया। पूर्व सोवियत गणराज्य के 15 प्रांतों में से 12 को लेकर इसकी की गयी। 1995 में इसके सदस्य थे– अर्मीनिया, .रबेजान, बेलारूस, जार्जिया, कजाकिस्तान, किर्गिजस्तान, मोलदोवा, रूस, ताजिकिस्तान, तुर्कमेनिस्तान, उक्रेन, और उजबेकिस्तान। कामनवेल्थ की नीतियां राज्य परिषद प्रमुख और सरकार प्रमुख परिषद द्वारा तय की जाती हैं। कामनवेल्थ की राजधानी बेलारूस में मिन्स्क में है।

कार्यकारी सचिव: यूरी यारोव

Website: http://www.cis.minsk.by

राष्ट्रमंडल: इसके 53 सदस्य देश हैं जो विश्व के देशों के लगभग एक तिहाई हैं। ग्रेट ब्रिटेन तथा उसके साम्राज्य के अन्तर्गत डोमिनियनों और प्रदेशों के एक राष्ट्रमंडल को रूप देने का निर्णय 1926 के साम्राज्यीय सम्मेलन में लिया गया था

कामनवेल्थ हेड्स आफ गवर्नमेंट मीट (चोगम) एक महत्वपूर्ण अंतर्राष्ट्रीय घटना बन चुका है। भारत में इसका सम्मेलन 1983 में हुआ था।

मुख्यालय: मार्लबोरोघ हाउस, पाल माल, लंदन

महासचिव: डान मक्किनन (न्यूजीलैंड)

Website: http://www.thecommonwealth.org.

यूरोपियन संघ: 1994 तक इसे युरोपियन कम्युनिटी कहा जाता था। जो कि तीन संगठनों युरोपियन इकानोमिक कम्युनिटी (कामन मार्केट), दी युरोपियन कोल एंड स्टील कम्युनिटी और युरोपियन एटामिक एनर्जी कम्युनिटी (यूरेटोम) का सामूहिक रूप था। 15 देशों के बीच आर्थिक सहयोग के लिए पृष्ठभूमि का प्रावधान करती हैं। ये राज्य हैं – बेल्जियम, डेनमार्क, फिनलैंड, फ्रांस, जर्मनी, इटली, मिस्र,आयरलैंड, लक्समबर्ग, नीदरलैंडस, पुर्तगाल, स्पेन, स्वीडेन, यू.के.। आस्ट्रिया, फिनलैंड और स्वीडेन का ई.यू. में 1 जनवरी, 1995 में आगमन हुआ। नार्वे जो इसका सदस्य बनना तय था, वहां की जनता के स्वीकार करने से नहीं बन सका।

ई.यू. विश्व का सबसे बड़ा और सर्वाधिक समृद्धि का क्षेत्र बन चुका है। इसकी कुल जनसंख्या 320 मिलयन है।

अध्यक्ष, युरोपियन कमीशन: रोमानो प्रोडी (इटली)

महा सचिव : वाल्टर श्विमर (आस्ट्रिया)।

Website: http://www.coe.int

युरोपियन आर्थिक क्षेत्र (ई.ई.ए.) आने वाले दशक में ई.एफ.टी.ए. व ई.सी. के एकीकरण के प्रस्ताव को लेकर 1 जनवरी 1994 में इसकी स्थापना की गई। 1991 में ई.ई.ए. की स्थापना के लिये 1991 में की गई संधि को ई.एफ.टी.ए. व ई.सी. सदस्य देशों ने अपनी सहमति दे दी।

यूरेटम – यूरोपीय परमाणु ऊर्जा समुदाय की स्थापना: 1957 में रोम में उन छह राष्ट्रों द्वारा हस्ताक्षर एक संधि के अनुसार हुई थी जो ई.सी.एस.सी. और ई.ई. सी. के स्थापक थे। ई.ई..सी. की संस्थाओं द्वारा ही यूरेटम के कार्यों का नियंत्रण होता है। यूरेटम का उद्देश्य शांतिपूर्ण उद्देश्यों के लिए नाभिकीय ऊर्जा का विकास करना है।

मुख्यालय: ब्रूसेल्स, बेल्जियम।

यूरोपीय संसद: यह 12 सदस्य राष्ट्रों से निर्वाचित 518 संसदीय प्रतिनिधियों की सदस्यता से बना है।

मुख्यालय: ब्रुसेल्स।

इसो : (ई.एस.आर.ओ.) यूरोपीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन: इसकी औपचारिक स्थापना 1964 में हुई थी और इसका उद्देश्य है केवल शांतिपूर्ण प्रयोजनों के लिए यूरोप के देशों के बीच अंतरिक्ष अनुसंधान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में सहयोग को बढ़ावा देना। सदस्य – बेल्जियम, डेनमार्क, फ्रांस, पश्चिम जर्मनी, इटली, नीदरलैंड्स, स्पेन, स्वीडन, स्विट्ज़रलैंड तथा यू.के.। आस्ट्रिया, आयरलैंड और नार्वे प्रेक्षक के रूप में भाग लेते हैं।

मुख्याल्य: पैरिस, फ्रांस।

फ्रेंच समुदाय: ब्रिटिश राष्ट्रमंडल जैसा एक समूह है। इस समुदाय से संबद्ध रहने के इच्छुक फ्रेंच प्रदेशों में स्वतंत्रता, समानता और भाईचारे पर आधारित एवं लोकतंत्रात्मक विकास की दृष्टि से प्रकाशित संस्थाएं चालू करना इसका उद्देश्य है। इस सिद्धांत की घोषणा और स्वीकृति का कार्य 1953 में लागू हुए (पंचम) फ्रेंच गणतंत्र के संविधान में हुआ था।

इस समुदाय के स्वतंत्र सदस्य है – 1. फ्रेंच गणतंत्र, 2. केंद्रीय अफ्रीकी गणतंत्र, 3. कांगो–गणतंत्र, 4. गैबोन, 5. सेनेगल, 6. चाड, 7. मेडागास्कर, 8. जिबूती।

ग्रुप आफ 8 (जी–8) जी–7 सात प्रमख औद्योगिक लोकतांत्रिक देशों का समूह है जो विश्व की आर्थिक स्थिति और अन्य मुद्दों पर वात करने के लिये वेठकें आयोजित करता है। इसकी स्थापना 22 सितंवर 1985 में हुई थी। कनाडा, फ्रांस, जर्मनी, इटली, जापान, यू.के., संयुक्तर राज्य अमरीका इसके प्रारंभिक सदस्य देश थे। 1998 में रूस द्वारा इसकी सदस्यता लेने के साथ ही इसका नाम जी–8 हो गया।

आई.ए.टी.ए.: अन्तर्राष्ट्रीय हवाई यातायात संघ की स्थापना: सुरक्षित, नियमित और सस्ते हवाई यातायात का संवर्धन करने और सहयोग के क्षेत्र को मंच प्रदान करने के उद्देश्य से सन् 1945 में की गई थी। आजकल 40 अन्तर्राष्ट्रीय हवाई सेवाएं (सक्रिय सदस्य) तथा 19 आंतरिक सेवाएं (सहयोगी सदस्य) इसमें आती हैं।

संघ का चरम अधिकार सामान्य सभा की वार्षिक वेठक में निहित है। कार्यकारिणी समिति के अठारह निर्वाचित सदस्य हैं।

मुख्यालय: मांट्रियल, कनाडा और जेनेवा, स्विट्जरलैंड।
महानिदेशक: पियरेरे जीनियट
Website: http://www.iata.org

इन्टरपोल: यह 176 राष्ट्रों का पुलिस आयोग है। सदस्य देशों की पुलिस गतिविधियों के समन्वय कार्य के लिए 1923 में इसकी स्थापना हुई थी। मुख्यालय पेरिस में है। 1986 के एक वम विस्फोट के वाद इसे लायन्स में स्थानांतरित करने का निर्णय किया गया है।

Website: http://www.interpol.int

नाटो : उत्तर एटलांटिक संधि संगठन: 1949 में वेलजियम, फ्रांस, लक्समवर्ग, यू.के., नीदरलैंड्स कनाडा डेनमार्क, आइसलैंड, इटली, नार्वे, पुर्तगाल और सं रा अमेरिका के विदेश मंत्री वाशिंगटन में मिले और उत्तर एटलांटिक सधि पर हस्ताक्षर किए। 1952 में यूनान और तुर्की इसमें शामिल हुए। जर्मन संघीय गणराज्य 1955 में और स्पेन 1982 में इसमें आए। मार्च 99 मे पोलैंड, हंगरी और चेक रिपब्लिक इसमें शामिल किये गये इस प्रकार नाटो के सदस्य देशों की संख्या 19 हो गई

मुख्यालय: ब्रूसेल्स, वेल्जियम।
महासचिव: जार्ज रावर्टसन
Website: http://www.nato.int

ओ.ए.एस. : अमरीकी राज्यों का सगठन [illegible]943 मे वोगोटा, कोलम्बिया में आयोजित अमरीकी राज्यों क नौवे अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में ओ ए एस का घोषणा–पत्र अनुमोदित हुआ।

वाईस अमरीकी देश इसके सदस्य हैं [illegible] सबके अधिकार वरावर हैं और प्रत्येक का एक मताधिकार है

मुख्यालय: वाशिंगटन, डी सी।
महासचिव: सीज़र गैवेरिया ट्रुजिलो (कोलंबिया
Website: http://www oas org

आर्गनाइजेशन आफ अरव पेट्रोलियम एक्सपोर्टिंग कंट्रीज इसकी स्थापना 1989 में की गई। सदस्य देशों [illegible] हैं। मिस्र को 1989 में दुवारा इसकी सदस्यता [illegible]

सदस्य देश:– अल्जीरिया, वहरीन, कतर, लीविया, इराक, कुवैत, यू.ए.ई. सीरिया और सउदी अरविया हैं।

Website: http://www.oapecorg.org

ओ.ए.यू. : अफ्रीकी एकता संगठन: मई 1963 में स्थापित हुआ। इसके स्थापक 30 अफ्रीकी राष्ट्राध्यक्ष थे जिन्होंने अदिस अवावा में एकत्र होकर एक घोषणा–पत्र पर हस्ताक्षर किए जिसने सभी अफ्रीकी देशों के लिए समेकित स्वर उठाने का एक मंच प्रदान किया।

संगठन के सदस्यों की संख्या 53 है।

मुख्यालय: अफ्रीकी एकता भवन, अदिस अवावा, इथोपिया।

महासचिव: अमारा एस्से (कोटे डा आइवरी))

ओ.ई.सी.डी.: आर्थिक सहयोग तथा विकास संगठन। द्वितीय विश्व युद्ध के तुरंत वाद युद्ध से तहस–नहस हुए यूरोप के पुनर्निमाण के लिए यूरोपीय आर्थिक सहयोग संगठन (ओ.ई.ई.सी.) वनाया गया। आर्थिक सहयोग तथा विकास संगठन इसी के स्थान पर 1961 में स्थापित हुआ था।

इस संगठन के सदस्य देश हैं:– आस्ट्रेलिया, आस्ट्रिया, वेल्जियम, कनाडा, डेनमार्क, जर्मनी, फिनलैंड, फ्रांस, यूनान, आइसलैंड, आयरलैंड इटली जापान लक्जमवर्ग दी नीदरलेंड्स, न्यूजीलेंड, नार्वे पुर्तगाल स्पेन, स्वीडन, स्विटजरलैंड तर्की, यू के यू एस ए और युगोस्लाविया को विशेष दर्जा दिया गया है।

मुख्यालय 2, रुइ आंद्रे पास्कल, 75775 पैरिस, सेड्रेक्स 6 फ्रांस।

महासचिव डोनाल जे जानसन (कनाडा)।

Website http://www oecd org

आर्गनाइजेशन आफ इस्लामिक कांफ्रेंस (ओ.आई.सी.)

इस सगठन की स्थापना 1969 मे मोरक्को के रावट मे मुस्लिम देशो के राज्याध्यक्षो के एक सम्मेलन और 1970 मे पाकिस्तान के कराची शहर में इस्लामी देशों के विदेश मन्त्रियो की बैठक के बाद मई 1971 में की गई थी। इसमे पी एल ओ को मिलाकर 51 सदस्य देश हैं।

सगठन की सर्वोच्च दल राज्याध्यक्षों का सम्मेलन है जो प्रत्येक तीन वर्ष मे होता है। इसका उद्देश्य इस्लामी [illegible] राष्ट्रीय [illegible] के अनेक क्षेत्रों में सहयोग, [illegible] समाप्त करना [illegible] पवित्र स्थलों की रक्षा करना और [illegible] मामले मे योगदान देना है।

[illegible] मक्का रोड पी.ओ.बो. [illegible]

Website http://www.oic-[illegible]

अरब लीग प्रथम विश्व युद्ध [illegible] अरबों में हुई [illegible] हुआ था [illegible] को हुआ था।

[illegible]

सदस्य देश (21) [illegible] कुवैत [illegible]

सोमालिया, सूडान, सीरिया, ट्यूनीशिया, संयुक्त अरब अमीरात और यमन। सचिवालयः ट्यूनीशिया ।

महासचिवः इस्मत अब्देल मेगुइड (मिस्र)

ओ.पी.ई.सी. : 1962 में बगदाद में एक सम्मेलन बुलाया गया जिसमें ओपेक की स्थापना का निर्णय लिया गया। इस सम्मेलन में इराक, कुवैत, सऊदी अरब (तीनों अरब मुस्लिम देश) ईरान जो गैर–अरब मुस्लिम देश है और वेनेजुएला जो सुदूर दक्षिण अमेरिका का गैर–अरब, गैर–मुस्लिम देश है, के प्रतिनिधि उपस्थित थे ।उस समय ये पांचों देश तत्कालीन तेल व्यापार के अस्सी प्रतिशत पर नियंत्रण रखे हुए थे ।1998 में सदस्यताः अलजीरिया, इंडोनेशिया, ईरान, इराक, कुवैत, लीबिया, नाइजीरिया, कत्तर, सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात तथा वेनेजुएला।ऐसे राज्य जो पर्याप्त मात्रा में अशोधित तेल निर्यात करते हैं और जिनके हित मूल रूप से इन देशों के हितों से मिलते–जुलते हैं वे इसकी सदस्यता पा सकते है। सितंबर 1992 में इक्वेडोर ने ओपेक की सदस्यता छोड़ी।इरान ने तेल बाजार में स्वयं कार्यप्रणाली बनाने का निर्णय किया।

मुख्यालयः ओबेरे डोनाउसट्रास 93, ए–1020 वियना, आस्ट्रिया।

महासचिवः चेबि खेलिल (अल्जीरिया)

Website: http://www.opec.org

नान एलाइन्ड मूवमेंट (एन.ए.एम.) यह दल मुख्यता 114 विकासशील देशों का है।गुटनिर्पेक्षता के सिद्धांतो की व्याख्या बांडुग (इंडोनेशिया और घोषणा बिर्योनी (युगोस्लाविया) में की गई थी। 1956 में प. जवाहरलाल नेहरू, जोसिप ब्राज टीटो और गामेल अब्दुल नासर ने इसमे अपना विश्वास प्रकट किया ता। गुट निर्पेक्ष आंदोलन का पहला सम्मेलन बेलग्रेड में 1961 में हुआ था और सिमें 25 देशों ने हिस्सा लिया था। इसका प्रमुख उद्देश्य शांति, निशस्त्रीकरण, विकास स्वतंत्रता और गरीबी व अशिक्षा का उन्मूलन है।

अध्यक्षः थाबो म्बेकी (दक्षिण अफ्रीका)

सार्कः दक्षिण एशियाई प्रादेशिक सहयोग संघ के सदस्य – भारत, मालद्वीप, पाकिस्तान, बंगलादेश, श्रीलंका, भूटान एवं नेपाल । दिसम्बर 1985 के आरंभ में हुए ढाका शिखर सम्मेलन के निर्णयानुसार यह चालू हुआ था ।दूसरा शिखर सम्मेलन 1986 में बंगलौर में तथा तीसरा 1987 काठमांडू में हुआ ।

मुख्यालयः काठमांडू, नेपाल ।

महासचिवः क्यू ए.एम.ए. रहीम

गैरसरकारी संगठन

ऐमनेस्टी इंटरनेशनलः यह मानव–अधिकारों से संबद्ध एक विश्वव्यापी संगठन हे और इसका मुख्यालय लंदन में स्थित है। इसकी शुरुवात एक ब्रिटिश वकील द्वारा 28 मई 1961 को अखबारों में दिए गए एक अपील के साथ हुआ और अब 150 देशों में इसके 5 लाख से अधिक सदस्य हैं । 1977 में इसे नोबल शांति पुरस्कार भी प्राप्त हुआ है ।

महानिदेशकः सुश्री इरेने जुबैदा खान

Website: http://www.amnesty.org

मुख्यालयः ईस्टन सेंट लंदन. डब्ल्यू.सी.आई.एक्स. 8 डी.जे. ।

रेड क्रासः युद्ध या विपदा के समय में कठिनाइयों से राहत देने के उद्देश्य से स्थापित अन्तर्राष्ट्रीय समुदाय । अन्तर्राष्ट्रीय रेड क्रास समिति 1863 में जे.एच. दुनांत (1828–1910) के समर्थन से स्थापित हुई थी । 14 राष्ट्रों से आए प्रतिनिधियों ने 1864 में जनेवा समझौते को स्वीकृति दी जिसके अनुसार घायलों का उपचार आदि करने वाले कार्मिक तटस्थता अपनाएंगे ।आजकल सौ से अधिक राष्ट्रीय रेड क्रास समितियां हैं । इसको तीन बार (1917, 1944 तथा 1963) नोबेल पुरस्कार प्राप्त हुआ है ।

मुख्यालयः जनेवा ।

अध्यक्षः जेकेब केलेनबर्ग

Website: http://www.icrc.org

स्काउट्स एवं गाइड्स युवा ब्रिटेन के निवासी ले. जनरल सर राबर्ट, एस.एस. बाडेन पावेल (1857–1941) द्वारा संस्थापित युवा किशोरों के लिये विश्वव्यापी संगठित आंदोलन है।उन्होंने किशोरों की क्षमता को बढ़ाया और अपनी पुस्तक में स्काउटिंग, ट्रैकिंग और मानचित्र को बनाने के बारे में विस्तार से बताया है।

स्काउटिंग में अच्छे चरित्र, ईश्वर और देश के प्रति भक्ति, लोकसेवा और शारीरिक व मानसिक दृढ़ता को बढ़ाना इसका नारा है 'हमेशा सतर्क' रहो। 1982 में 115 देशों में इसके 13 लिमयन सदस्य ते।वर्ल्ड स्काउट ब्यूरोस्विटजरलैंड के जेनेवा में है। इसी क्रम में 1910 में श्री पावेल व उनकी बहन एग्नेस ने दी गर्ल गाइड मूवमेंट की स्थापना की थी।

डब्ल्यू.सी.सी. : वर्ल्ड काउंसिल आफ चर्चेज़ः ईसाई धार्मिक संगठनों की यह परिषद 23 अगस्त, 1948 को ऐम्स्टरडम में 44 देशों के 147 चर्च–संगठनों द्वारा औपचारिक रूप से संयोजित किया गया था । 1984 तक सदस्यों की संख्या बढ़कर 300 से अधिक तक पहुंच गई थी जो 100 से अधिक देशों से आए थे ।

विभिन्न मतावलंबी ईसाई आंदोलनों के एकजुट होने के फलस्वरूप यह विश्व परिषद कायम हुई थी । 13 मई 1938 को उट्रेक्ट में एक अस्थायी समिति की नियुक्ति विश्व परिषद को स्थापना की तैयारी करने के लिए की गई थी ।योर्क के आर्चबिशप विलियम टेंपल इस समिति के अध्यक्ष थे।

अध्यक्ष मंडलः प्रो. अन्ने मैरी आगरड (डेनमार्क) बिशप विंटन एंडर्सन (सं.रा. अमरीका), बिशप लेसली बोसेटो (सोलोमन आईसलैंड), सुश्री प्रियंका मेंडिस (श्रीलंका), हिज बीटिट्यूड पार्थिनियोस आफ एल्क्जेंड्रिया (मिस्र), हिज होलीनेस पोप शेनाउडा (मिस्र), रिव. डा. युनिसे सांटना (पुएर्टो रिको), डा. आरोन टोलेन (कैमरून)

महासचिवः कोनरार रेज़र (जर्मनी) ।

कार्यालयः पो.ओ. बाक्स 2100, 150 रुट द फर्ने, 1211 जनेवा 2, स्विट्ज़रलैंड ।

युगों-युगों की सभ्यता

नागरिक समाज या संगठित सामाजिक–राजनैतिक सभ्यता का आविर्भाव पहले–पहल एक संकुचित भौगोलिक क्षेत्र में हुआ जिसके पश्चिम में मिस्र, पूर्व में सिंधु घाटी, उत्तर में अनातोलिया (एशिया माइनर) और दक्षिण में सुमेरिया (इराक और इरान) थे ।

इन केन्द्रों के वाहर फैलकर सभ्यता ई.पू. 2000 के आसपास पश्चिम में भूमध्य सागरीय तट तथा द्वीप समूहों में और पूर्व में चीन तक पहुंच गई ।

प्राचीन शहर मंदिरों के आसपास केंद्रित रहे और इनमें सीमित कार्यकलाप होते थे । मंदिर का प्रधान पुरोहित शहर का भी प्रधान पुरोहित होता था । जल्दी ही कुछेक मंदिर दूसरों की अपेक्षा अधिक प्रमुख हो गए और इन के प्रधान पुरोहित नगर प्रमुखों में मुख्य वन गए । दूसरे शब्दों में कहें तो वे राजा यन गए । भू–क्षेत्र में अत्यधिक सीमित होने के कारण, ये आरम्भिक राज्य नगरों से कुछ ही वड़े थे । इस प्रकार के प्रारंभिक राज्यों में सिंधु घाटी, सुमेर और मिस्र थे।

सिंधु घाटी सभ्यता का पता सवसे वाद में लगा । यद्यपि इतिहास की पुस्तकों में इस सभ्यता का आगमन देर से हुआ, फिर भी सिंधु घाटी सभ्यता ज्ञात महान सभ्यताओं में सवसे पुरानी है । सिंधु घाटी में मेहरगढ़ तथा अन्य स्थानों पर किए गए हाल के अनुसंधानों से संकेत मिलता है कि सिंधु घाटी सभ्यता का आविर्भाव 7000 से लेकर 6000 ई.पू. के वीच हुआ था । कार्वन–14 विश्लेषण ने दिखाया है कि मेहरगढ़ की वाद की इमारतें ई.पू. छठी सहस्राब्दी से संवधित हैं । इसलिए पूर्ववर्ती वास्तु– शिल्प 6000 ई.पू. से पहले के काल का होना चाहिए । यह ज्ञात नहीं है कि सिंधु घाटी सभ्यता के निर्माता कौन थे । सभी संभावनाओं के अनुसार वे भूमध्य सागरीय प्रजाति के थे जो भारत के द्रविड़ों के समान थीं । हमें सिंधु घाटी सभ्यता के विषय में और अधिक जानकारी नहीं हो पाई है क्योंकि यहां से पाई गई मुद्राएं अभी पढ़ी नहीं जा सकी हैं । लेकिन जो हस्तकृतियां पाई गई हैं और खुदाई करने से जो आकृतियां निकली हैं, इनसे पता चलता है कि यह सभ्यता सुमेरियन और मिस्र की दंत–कथात्मक सभ्यताओं से किसी भी प्रकार से कम नहीं थी ।

सुमेरिया सभ्यता: यह मेसोपोटामिया के दक्षिणी अर्ध भाग में यूफ्रेट्स और टिगरीस की निचली घाटी में थी । हमें इस वात की जानकारी नहीं है कि सुमेरियन कौन थे । इस प्रजाति के लोगों का सिर चौड़ा, काया स्थूल और कद छोटा था । इनके चेहरे मांसल और इनकी नाक मध्यवर्ती धसकन के विना मस्तक की रेखा की ओर वढ़ी हुई थी उनकी आंखें एक दूसरे से काफी अलग तिरछी थीं । सुमेरिया का इतिहास हलचल पूर्ण था । मूल सुमेरियन अनेक शताब्दियों तक कई वार अलकाडियन, वैवेलोनियन, असीरियन, चाल्डीयन आदि विदेशी आक्रमणकारियों से कुचले गए थे । लेकिन इन समस्त आक्रमणों एवं अशांति के दौरान प्राचीन सुमेरिया की सभ्यता अविकल वनी रही जिसमें आक्रमणकारी प्रजातियों ने अपना योगदान किया ।

मिस्र के लोगों का प्रजातीय उद्गम भी विवाद का विषय वना हुआ है । कुछेक लोग मानते हैं कि वे धातु कर्म से परिचित और श्रेष्ठ हथियारों से लैस विजेता एशियाई थे जिन्होंने नव प्रस्तर काल में नील घाटी में रहनेवाली जनजातियों पर आसानी से विजय प्राप्त कर ली थी । सुमेरिया से भिन्न, मिस्र का इतिहास न्यूनाधिक रूप से निर्याध था । ई.पू. 1790 में एशियाई हाइक्सो जनजाति के आक्रमण और ई.पू. 1573 तक मिस्र के उनके आधिपत्य में रहने के सिवाय, मिस्र का शासन देशीय राजवंशों के उत्तराधिकारियों ने ही किया जिनके अधीन प्राचीन मिस्र की सभ्यता सभी दिशाओं में फली–फूली ।

कुल मिलाकर, सिंधु, सुमेरियन और मिस्र की सभ्यताएं ई.पू. चौथी सहस्राब्दी की सर्वोत्कृष्ट मानव उपलब्धियां वनी रहीं । ई.पू. 2000 के आसपास फोनोशियन सीरियाई तट पर वस गये और उन्होने भूमध्यसागर में समुद्री साम्राज्य की आधार शिला रखी ।

हिट्टाइटों ने एशिया माइनर में राज्य की स्थापना की जिसका विस्तार वाद में पूर्व की ओर तथा दक्षिण में हुआ। माइसीनी (युनान की मुख्य भूमि), क्रीट और समीपवर्ती द्वीपों में अन्य जनजातियों ने, जिनके संवंध में भी हमें अधिक जानकारी नहीं है, ऐसे नगरों का निर्माण किया जो अपनी भव्यता में सुमेरिया और मिस्र के नगरों से होड़ लेते थे ।

सुमेरिया, सिंधु घाटी और मिस्र की महान सभ्यताएं मानवजाति के रंगविरंगे एवं दीर्घकालीन इतिहास का मार्ग प्रशस्त करती हैं । युगों के दौरान प्रारंभिक सभ्यता से लेकर द्वितीय विश्व युद्ध तक उस इतिहास की रूपरेखा कालानुक्रम में नीचे दी गई है ।

ई.पू.

6000: मेहरगढ़, वलूचिस्तान और सिंधु घाटी में नव प्रस्तर वस्तियां, कई प्रकार के ईंटों के मकान, भैंस भेड और वकरी आदि पशुओं को पालतू वनाना गहू और जौ की खेती, और तांवे का पता लग गया था ।

5000: सिंधु घाटी में खेती का विकास – गहू, जौ एव फल के वृक्ष वेर खजूर कपास की खती मिट्टी के वरतन और मनके । सुमेरिया में नवप्रस्तर वस्तिया पशुओं को पालतू वनाना, खेती का प्रारभ । मिस्र में नवप्रस्तर वस्तियां ।

4000: सिंधु घाटी में कुम्हार के चक्के और धनुर्विद्या का आविष्कार भट्टी में पकाए मिट्टी के वरतन लाल रंजित मृद्भाड स्थानीय पत्थरों और फीरोजा के मनके, तांवे को गलाना, सुमेरिया में सीसा (लेड) की खोज; मिस्र [illegible] रग के मिट्टी के वरतन और कृषि का विक[illegible]

3500: सिंधु घाटी में मिट्टी के बरतनों का विकास, अनेक प्रकार के अलंकृत बरतन । सुमेरिया में कीलाक्षरी लिखावट का विकास, इरुडू, उर और इराक में सुमेरियाई मंदिर: सुमेरिया में कुम्हार के चक्के का प्रयोग ।

3000: सिंधु घाटी में ताम्र मिश्र धातु: कांसे का प्रयोग; अंगूर लता की खेती; सुमेरिया में उर में प्रथम राजवंश; पहिए वाले वाहनों का प्रयोग; वस्त्र का उत्पादन; योद्धा राजा मीनीस ने उत्तरी एवं दक्षिणी मिस्र को एकता के सूत्र में बांधा; फोनोसियन्स ने सीरिया तट पर अपनी बस्ती बसाई जिनके केंन्द्र टायर और सीडान थे क्रीट में प्रारंभिक मीनोअन सभ्यता।

2980: मेम्फिस मिस्र की राजधानी बनी; फारोह देवराजा बना ।

2870: एशिया माइनर में ट्रोजन संस्कृति का प्रारंभ ।

2850: चीन मे पारंपरिक सभ्यता जीवन की शुरुआत।

2650: मिस्र में प्रथम पिरामिड (आरोही पिरामिड) का निर्माण ।

2500: मिस्र में छठा राजवंश; प्राचीन राज्य का ध्वंस; संपूर्ण सुमेरिया में उर राजवंश का प्रभुत्व; 6 और 12 पर आधारित सुमेरिया की अंक प्रणाली; चंद्रमान का केलेन्डर; वृत्त में 360 अंश एक घंटे में 60 मिनट, एक मिनट में 60 सेकेंड आदि; मिस्र ने समायोजन के बिना 365 दिन के कैलेंडर की शरुआत की; मिस्र के लोगों ने पपाइरस की खोज की; चीन में विषुव और संक्रांति का निर्धारण किया गया, सुमेरिया भारत, मिस्र और चीन में खगोलीय प्रेक्षण की शुरुआत; सिन्धु घाटी में हड़प्पा सभ्यता (देखें भाग–3 भारत)।

2200: चीन में हंसिया राजवंश की पारंपरिक शुरुआत।

2000: क्रीट में मध्य मीनोअन युग; यूनान में माइसीने सभ्यता का केन्द्र बना; भारत में आर्यो की बस्ती; वैदिक सभ्यता ने अपना स्वरूप बनाया; ऋग्वेद का सृजन ।

995: मिस्र में एमीनिमहट द्वारा 12 वें राजवंश की [illegible]ापना ।

[illegible]0: बैबलोनियाई सम्राट हम्मूराबी ने नियम–संहिता की [illegible] की ।

[illegible]90: एशियाई जनजाति हाइक्सोस ने 13 वें राजवंश को बेदखल कर के मिस्र पर कब्जा किया ।

[illegible]0: क्रीटन सभ्यता अपने चरमोत्कर्ष पर ।

[illegible]0: यूनान में माइसीनियन सभ्यता फली–फूली ।

[illegible]480: मोसेस ने इस्राइलियों को मिस्र के बाहर खदेड़ दिया।

1400: माइसीनियनों ने क्रीट में क्रोसस राजमहल को नष्ट कर दिया । क्रीटन सभ्यता का विनाश ।

1380: अमेनहोटप (अमेनोफिस चतुर्थ) ने मिस्र के धर्म में क्रांति करके नए धर्म की घोषणा की ।

1362: मिस्र में विद्रोह, मिस्र को अपने बाहरी अधीन क्षेत्रों से हाथ धोना पड़ा ।

1345: मिस्र में 19 वां राजवंश; मिस्र ने अपनी पूर्ववर्ती शक्ति पुनः प्राप्त की ।

1200: उत्तरी भूमध्य सागर से फोनीशियन्स ने पैलेस्टाइन पर कब्जा किया; एशियाई जाति इसकैनो ने इटली में बस्ती बनाई। यूनानियों द्वारा ट्रायका होमरिक पर कब्जा।

1027: चीन में चाउ राजवंश की शुरूआत ।

1013: पैलेस्टाइन में इस्राइलियों का अभ्युदय; डेविड (1013–973) ने इस्राइली आधिपत्य की स्थापना की।

1000: मिस्र अब एक शक्ति नहीं रहा । भारत में महाकाव्य सभ्यता – रामायण, महाभारत, इन महान महाकाव्यों की रचना । फोनोसियन्स ने अपनी वर्णमाला और लिखावट का विकास किया ।

850: फोनोसियन्स ने अफ्रीका के उत्तरी समुद्र तट पर कार्थेज नगर का निर्माण किया ।

753: रोम नगर का पारंपरिक निर्माण ।

621*: ड्रैको ने एथीनियन नियमों का प्रकाशन किया ।

610: एशिया माइनर के पश्चिमी तट पर आयोनियन (संस्कृतयवन, फारसी–अरबी–यूनानी) नगर राज्यों का निर्माण ।

604: मेसोपोटामिया में नया साम्राज्य, राजधानी – बेबीलोन

594: सीलोन ने एथीनियन संविधान में सुधार किया।

586: बेबीलोनिया के लोगों ने जेरुसलम पर कब्जा किया

560: अपने समय के सबसे अधिक धनी राजा क्रोइसस का लीडिया पर शासन । लीडिया के लोगों ने सर्वप्रथम ज्ञात व्यवस्थित मुद्रा जारी की ।

538: साइरस ने फारसी साम्राज्य की स्थापना की और बेबीलोन पर अधिकार कर लिया ।

509: रोम गणतंत्र की स्थापना ।

490: मैराथन का युद्ध: एथीनियनों द्वारा फारसी पराजित ।

483: भारत में बुद्ध का परिनिर्वाण ।

480: थर्मोपाइली का युद्ध – फारसियों द्वारा लिओनीडास के अधीन स्पार्टनों को खदेड़ दिया गया । सलामीस का (नाविक) युद्ध – थीमिस टोकल्स के अधीन एथीनियनों ने फारसियों को खदेड़ दिया ।

479: प्लाशिया और माइसेल के युद्ध – फारस पर क्रमशः भूमि और समुद्र द्वारा यूनान की विजय । यूनान में एथेनियत के प्रभुत्व का प्रारंभ । फारसियों का खतरा अंतिम रूप से खत्म हो गया । चीन में कन्फ्यूशियस का निधन ।

461: एथेन्स में पेरीकिल्स ने शक्ति अर्जित की ।

431: एथेन्स और स्पार्ट में पेलोपोनीशियन युद्ध भड़क उठा।

425: हेरोडोटस की मृत्यु ।

404: एथेनियन्स ने स्पार्टा के प्रति समर्पण किया; यूनान में स्पार्टन प्रभुत्व का प्रारंभ ।

399: सुकरात को मृत्युदंड ।

371: लेउड्रा का युद्ध – थीबनों ने स्पार्टनों को पराजित किया और यूनान का नेतृत्व उनके हाथ में आ गया । थीबनों का प्रभुत्व ।

347: प्लेटो की मृत्यु ।

*कठोर आचार संहिता जिसमें छोटे नियम भंग के लिए कठोर दंड की व्यवस्था थी, इसीलिए ड्रैकोनियन (क्रूर शासन) शब्द का प्रयोग।

338: चैरोनिया का युद्ध मैसेडन के फिलिप द्वितीय ने यूनान के नगर राज्यों को पराजित किया और यूनान में अपना प्रभुत्व स्थापित किया ।
336: एलेक्जेंडर (सिकंदर) मैसेडन का राजा बना ।
334: ग्रैनीकस का युद्ध; एलेक्जेंडर की फारसियों पर प्रथम विजय ।
333: इंसस का युद्ध; फारस के डैरियस पर सिकंदर की दूसरी विजय ।
332: सिकंदर ने टायर पर कब्जा कर लिया और मिस्र को अपने अधिकार में ले लिया ।
331: आरबेला (गौगामेला) का युद्ध; सिकंदर ने फारसियों को अंतिम रूप से पराजित किया ।
330: डेरियस की मृत्यु और फारसी साम्राज्य का अंत।
326: हाइडास्पेरु का युद्ध; सिकंदर ने भारत के राजा पुरु को पराजित किया और पंजाब पर विजय पाई।
323: बेबीलोन में सिकंदर की मृत्यु; पटोलेमी प्रथम ने मिस्र में राजवंश की स्थापना की; अलेक्जेंड्रिया (मिस्र में) विश्व का बौद्धिक केन्द्र बना ।
321: चन्द्रगुप्त ने भारत में मौर्य साम्राज्य की स्थापना की; अरस्तू की मृत्यु ।
312: सेल्यूकस प्रथम ने एशिया में राजवंश की स्थापना की।
275: बेनेवेन्टस का युद्ध; रोम ने पाइरस को अंतिम रूप से पराजित किया व संपूर्ण इटली का निर्विवाद अधिपति बना।
274: अशोक भारत का सम्राट बना ।
264: रोम और कार्थेज के बीच प्रथम प्यूनिक युद्ध का प्रारंभ।
241: प्रथम प्यूनिक युद्ध का अंत; सिसली रोम का प्रथम प्रांत।
221: शीह हुआंग तीह ने समस्त चीनी राज्यों की विजय पूरी की ।
218: द्वितीय प्यूनिक युद्ध का प्रारंभ; कार्थेजियन सेनापति हैन्नीबल ने रोम पर आक्रमण किया ।
214: चीन की महान दीवार का निर्माण ।
215: चीनी श्रेष्ठ ग्रंथों को जलाया गया ।
212: रोमनों ने सायराक्यूज पर कब्जा किया; आर्कमिडीज़ का वध किया गया ।
202: चीन में पूर्वी हान राजवंश; रोमन सेनापति सीपिओ अफ्रीकैन्स के हाथों हन्नीबल की पराजय ।
201: द्वितीय प्यूनिक युद्ध का अंत; रोम का पश्चिमी भूमध्यसागर पर प्रभुत्व स्थापित ।
196: मैडेसन और यूनानी नगर राज्यों पर रोम की विजय
141: तृतीय प्यूनिक युद्ध भड़क उठा ।
146: रोमनों ने कार्थेज़ पर आक्रमण किया और उसे रो[illegible] का अंग बना लिया ।
124: सरकारी नौकरों को प्रशिक्षित करने के लिए चीन [illegible] कालेज की स्थापना ।
110: सम्राट ऊती के अधीन चीन ने दक्षिण–पूर्व की आ[illegible] अपना विस्तार किया ।
106: मैरियस और सुल्ला रोम के नेता बने ।
60: प्रथम त्रिशासक का निर्माण, पाम्पी (जूलियस सीज़र [illegible] क्रैसस ।
58: सीज़र ने गाल का विजय अभियान शुरु किया ।
55: सीज़र ने ब्रिटेन पर विजय प्राप्त की ।
53: फारसियों से पराजित होकर क्रैसस रोम में अपमानित हुआ ।
49: सीज़र ने रुबीकान पार किया और पांपी को चुनौती दी।
48: फार्सालुस का युद्ध; सीज़र ने पांपी को पराजित किया।
46: सीज़र ने कैलेंडर में सुधार किया; बाद में यह जूलियन कैलेंडर के नाम से विख्यात हुआ ।
44: सीज़र की हत्या ।
43: द्वितीय शासकत्रय का निर्माण; ऐंटोनी और आक्टेवियन (आगस्तस), लेपीडड्स ।
42: फिलीपी का युद्ध; ऐंटोनी और आक्टेवियन ने ब्रूटस और उसके सहयोगियों को पराजित किया ।
31: ऐक्टियम का युद्ध; आक्टेवियन ने ऐंटोनी और क्लीओपैट्रा को पराजित किया और वह रोम का सम्राट बन गया ।
27: रोमन सेनेट ने आक्टेवियन को आगस्टस की पदवी से विभूषित किया । आक्टेवियन 'सीज़र आगस्टस' बन गया ।
4*: जीसस क्राइस्ट (ईसा) का जन्म ?

ईसवी

6: चीन ने सिविल सेवा परीक्षा प्रारंभ की ।
14: आगस्टस की मृत्यु ।
29: क्राइस्ट को सूली पर चढाया गया ।
64: रोम की भयंकर आग ।
70: सम्राट टीटस ने यहूदी [illegible] को दबा दिया और जेरुसलम को नष्ट कर दिया ।
79: वेसूवियस ज्वालामुखी का [illegible] हुआ और उससे प्रसिद्ध रोमन नगर पाम्पेई और [illegible]नेयम नष्ट हो गए।
80: रोम कोलोसिअम पूरा हो गया
97: फारस की खाड़ी में चीन की घुसपैठ ।
117: हेड्रियन के अधीन रोमन साम्राज्य अपनी [illegible] विस्तार पर पहुंच गया
180: मार्कस [illegible] की मृत्यु रोमन साम्राज्य के [illegible] का प्रारंभ
212: सम्राट [illegible] ने साम्राज्य के [illegible] नागरिकों को रोम की नागरिकता प्रदान की ।
220: चीन में गृहयुद्ध के युग का प्रारंभ ।
230: [illegible] सम्राट मृजिन ने [illegible]

251: गाथों ने रोमन सम्राट डेसियस को हराया और मार डाला।
284: डाओक्लेशियन रोम का सम्राट बना । ईसाईयों का उत्पीड़न अपनी चरम सीमा पर पहुंच गया ।
306: कान्सटैन्टाइन सम्राट बना ।
313: धर्मादेश ने रोमन साम्राज्य में ईसाईयों के प्रति सहनशीलता प्रदान की ।
320: भारत में गुप्तवंश का उदय ।
325: ईसाई चर्च की पहली महापरिषद, "कौंसिल आफ निकेया" ।
378: ऐड्रिअनोपिल का युद्ध: गाथों ने पूर्वी रोमन सम्राट वैलेन्स को पराजित किया और मार डाला ।
395: रोमन साम्राज्य का पूर्वी और पश्चिमी साम्राज्य में अंतिम रूप से विभाजन ।
410: गोथ, एलैरिक ने रोम पर कब्जा करके उसे नष्ट किया। इससे रोमन साम्राज्य का अंत माना जाता है ।
415: विसीगाथा ने स्पेन पर विजय का अभियान शुरू किया।
429: बर्बरों द्वारा उत्तरी अफ्रीका पर विजय का अभियान।
452: अट्टीला का इटली पर आक्रमण ।
455: बर्बरों द्वारा रोम की लूट ।
476: अंतिम पश्चिमी रोमन सम्राट रोमुलस आगस्तलुस ओडोवकार द्वारा पदच्युत किया गया । पश्चिमी रोमन साम्राज्य का अंत ।
481: क्लोविस फ्रैंम्स का राजा बना और उसने गौल पर कब्जा किया ।
527: पूर्वी रोमन सम्राट जस्टीनियन का राज्यरोहण
529: जस्टीनियन द्वारा दीवानी संहिता का प्रकाशन ।
538: जस्टीनियन ने कान्सटैन्टीलनोपल में प्रसिद्ध ईसाई गिरजाघर हैगिया सोफिया का निर्माण किया ।
570: पैगंबर मोहम्मद का जन्म ।
589: चेन राजवंश के अधीन चीन का एकीकरण ।
18: टांग राजवंश ने चीन में शक्ति अर्जित की ।
22: मक्का से मदीना तक मोहम्मद का हेज़ीरा; मुस्लिम युग का प्रारंभ ।
632: मोहम्मद का निधन । प्रथम खलीफा अबूबेकर का राज्यारोहण ।
636: मुसलमानों द्वारा डमास्कस पर कब्जा।
638: मुसलमानों द्वारा जेरुसलम पर कब्जा ।
641: मुसलमानों द्वारा पर्शिया पर विजय ।
643: अलेक्जेंड्रिया पर कब्जा ।
698: कार्थेज़ पर हमला किया ।
718: कान्सटेन्टीनोपल पर महान मुस्लिम आक्रमण विफल हो गया ।
732: चार्ल्स मार्टेल द्वारा स्पेन में अतिक्रमण पर रोक ।
750: अब्बासीद खेलीफेट का प्रारंभ (ओम्माय्याद के स्थान पर) ।
786: हारुन–अल–रशीद का बगदाद में राज्यारोहण ।
800: पवित्र रोमन सम्राट के रूप में चार्लेमैगने का राज्याभिषेक ।
814: चार्लेमैगने की मृत्यु और उसके साम्राज्य का विभाजन।
827: मुसलमानों द्वारा सिसली पर आक्रमण ।
840: मुसलमानों ने बारी पर कब्जा किया और दक्षिणी इटली को अपनी हुकूमत में ले लिया ।
843: वर्दुन की संधि; 751 ई. में फ्रांस के राजा पिपिन द्वारा स्थापित कारोलिंजियन साम्राज्य का अंतिम रूप से विभाजन फ्रांस और जर्मनी के अस्तित्व पृथक राज्य के रूप में ।
862: रूरिक ने रूस में पहले नोवग्राद और बाद में कवि में वाइकिंग राज्य की स्थापना की ।
866: जापान में फुजीवारा काल प्रारंभ हुआ ।
868: चीन में पहली मुद्रित पुस्तक ।
899: इंग्लैंड में महान एल्फ्रेड की मृत्यु ।
900: उत्तरी पश्चिमी अफ्रीका में घाना अपनी शक्ति के उत्कर्ष पर ।
960: चीन में सुंग राजवंश का प्रारंभ ।
982: नार्समेन ने ग्रीनलैंड की खोज की ।
987: फ्रांस के राजा हुग कैपेट ने कैपेटियन राजवंश की स्थापना की ।
1000: लीफ इरिकसन ने उत्तरी अमेरिका की खोज की।
1016: कैनूट इंग्लैंड का राजा बना ।
1066: नारमैंडी के ड्यूक विलियम प्रथम ने इंग्लैंड पर विजय प्राप्त की ।
1069: चीन में वांग–ऐन–शोह के सुधार ।
1071: मन्ज़ीकर्ट का युद्ध; सेलजुकों ने बाइजानटाइन सेना को नष्ट किया ।
1073: ग्रिगोरी सप्तम पोप बने ।
1075: सेल्जुक तुर्कों ने जेरुसलम पर कब्जा किया ।
1086: इंग्लैंड में महासर्वेक्षण पुस्तक का संकलन ।
1095: क्लरमोंट की कौंसिल; पोप अर्बन द्वितीय ने प्रथम धर्मयुद्ध का उपदेश दिया ।
1099: बौइलन के गायफ्रे के अधीन प्रथम धर्मयुद्ध में जेरुसलम हथिया लिया गया ।
1148: डमास्कस पर कब्जा करने के लिए छेड़ा गया द्वितीय धर्मयुद्ध विफल रहा ।
1152: सम्राट फ्रेडेरिक बारबरोसा का राज्यारोहण ।
1154: एन्जाऊ के हेनरी ने इंग्लैंड में प्लैटेजेनेट राजवंश की स्थापना की ।
1161: चीन में युद्ध में विस्फोटक सामग्री का प्रयोग ।
1176: लेगनानों का युद्ध; फ्रेड्रिक बारबरोसा लोम्बाईलीग द्वारा पराजित; इतालवी राज्य स्वायत्त बने ।
1185: जापान में कामाकुरा काल; जापान में सामंतशाही युग जो 1333 तक बना रहा ।
1189: फ्रेड्रिक बारबरोसा; फ्रांस के फिलिप आगस्टस और इंग्लैंड केलायन हार्ट रिचर्ड के अधीन तृतीय धर्मयुद्ध ।
1192: जेरुसलम को पुन: प्राप्त किए बिना तृतीय धर्मयुद्ध का अंत ।
1204: चौथे धर्मयुद्ध में कान्सटैन्टीनोपल पर कब्जा ।
1206: चंगेज़ खां मंगोलों का राजा बना और उसने मध्य एशिया को रौंद डाला ।
1212: लास नावास तोलोसा का युद्ध; स्पेनियार्डो ने मुस्लिम मूरो पर निर्णायक विजय प्राप्त की ।

1215: चौथी लैटेरन कौंसिल; पोप का प्राधिकार अपने चरमोत्कर्ष पर पहुंचा; इंग्लैंड में मैग्नाकार्टा ।
1237: मंगोलिया द्वारा रूस पर आक्रमण ।
1260: चीन में कुवलाई खां का शासन ।
1291: लीग आफ उरी; स्विसं महासंघ का प्रारंभ । धर्मयुद्धों का अंत हो गया ।
1309: पापासी एविगनान की ओर वढ़ा; वेवीलोनियन वंदी स्थिति का प्रारंभ ।
1314: वन्नोक वर्न का युद्ध; स्काटलैंड के रावर्ट वूस ने अंग्रेजी सेना को परास्त किया ।
1336: जापान में आशीकागा काल ।
1338: इंग्लैंड और फ्रांस के वीच सौ वर्ष के युद्ध का आरंभ ।
1346: क्रेसी का युद्ध । फ्रेंच और स्काट पर अंग्रेजों की विजय।
1348: व्लैक डेथ यूरोप पहुंचा ।
1356: प्याटियर्स का युद्ध; इंग्लैंड के व्लैक प्रिंस ने फ्रांस को हराया ।
1360: व्रिटिगनी की शांति; इंग्लैंड के एडवर्ड तृतीय ने फ्रांस के कई क्षेत्रों को प्राप्त किया ।
1362: इंग्लैंड में अंग्रेजी राजभाषा वनी ।
1363: तैमूरलंग ने एशिया विजय का अभियान शुरू किया।
1368: चीन में मिंग राजवंश
1377: पोप रोम लौटे; वेवीलोनियन कैद का अंत ।
1381: इंग्लैंड में किसानों का विद्रोह ।
1398: तैमूर ने उत्तरी भारत पर आक्रमण किया ।
1415: अगिनकोर्ट का युद्ध; इंग्लैंड के हेनरी पंचम ने फ्रांस पर निर्णायक विजय प्राप्त की ।
1429: जोन आफ आर्क ने फ्रेंच सेना का नेतृत्व किया और अर्लियन्स पर कब्जा कर लिया ।
1431: जोन आफ आर्क को एक चुड़ैल के रूप में अग्निदंड में जलाया गया ।
1453: कान्सटैन्टीनोपल पर तुर्कों का कब्जा और वाइज़ानटाइन या पूर्वी रोमन साम्राज्य का अंत; सौ वर्ष के युद्ध का अंत।
1455: सैंट एलवांस का प्रथम युद्ध; इंग्लैंड में वार आफ रोजेज़ का प्रारंभ ।
1469: कैस्टाइल की इसावेला के साथ अशगन के फर्डीनंड का विवाह और स्पेन में आधुनिक शासन का निर्माण ।
1485: वासवर्थ फील्ड का युद्ध; इंग्लैंड में ट्यूडर काल का प्रारंभ ।
1488: वार्थोलोमिव डियाज़ द्वारा केप आफ गुड होप पर घेरा।
1492: कोलम्वस द्वारा पश्चिमी द्वीप समूह की खोज।
1497: जान कैवट ने न्यूफाउंडलेंड की खोज की ।
1498: वास्को डी गामा समुद्री मार्ग से कालीकट पहुंचा ।
1499: अमेरिगो वेसपुगी ने दक्षिण अमेरिकी तट के भाग का चार्ट वनाया ।
1500: वेंड्रोकेव्राल ने व्राजील की खोज की ।
1517: मार्टिन लूथर ने सुधार प्रारंभ किए । तुर्कों ने मिस्र पर विजय पाई ।
1520: प्रतापी सुलेमान तुर्की का सुलतान वना।
1521: कोर्टेस ने मैक्सिको पर विजय पाई । तुर्की ने वेलगेड पर कब्जा किया ।
1526: पानीपत का युद्ध: वावर ने भारत में मुगल साम्राज्य स्थापित किया ।
1532: फ्रैन्सिस्को पिज़ारो ने पेरु पर विजय पाई ।
1533: ईवान चतुर्थ (दि टेरिवल) रूस का ज़ार वना ।
1534: एक्ट आफ सुप्रीमेसी; हेनरी सप्तम ने अंग्रेजी चर्च पर नियंत्रण स्थापित किया ।
1542: प्रथम पुर्तगाली नाविक जापान पहुंचे ।
1545: कौंसिल आफ ट्रेंट का उद्घाटन ।
1556: अकवर मुगल सम्राट वना ।
1557: मकाओ चीन में स्थाई पुर्तगाली वंदरगाह वना ।
1558: एलिजावेथ प्रथम इंग्लैंड की रानी वनी ।
1577: ड्रेक ने संपूर्ण विश्व की समुद्री यात्रा, 1580 ई. तक पूरी कर लेने के लिए प्रारंभ की ।
1582: पोप ग्रेगोरी तेरहवें ने (नए प्रकार का) ग्रिगोरियन कैलेंडर की शुरुआत की ।
1585: जापान के तानाशाह हीडेयोशी ने देश को एक सूत्र में वांधा ।
1588: अंग्रेजों ने स्पेनी अर्माडा को पराजित किया ।
1598: नान्तेश की राजाज्ञा । फ्रांसीसी प्रोटेस्टेंटों को पूजा की आजादी दी गई; फ्रेंच धर्मयुद्धों का अंत ।
1600: अंग्रेजों ने ईस्ट इंडिया कंपनी वनाई ।
1602: डच ईस्ट इंडिया कंपनी वनी ।
1603: इंग्लैंड और स्काटलैंड राजसत्ताओं का एकीकरण: स्काटलैंड का जेम्स षष्ठम व्रिटेन का जेम्स प्रथम वना ।
1611: अंग्रेजी वाइवल के प्राधिकृत भाषांतर का प्रकाशन।
1613: मिकायल रोमानोव रूस का ज़ार वना और रोममानोव राजवंश की स्थापना की ।
1620: पिल्ग्रिम फादर्स न्यू इंग्लैंड में वसे ।
1628: इंग्लैंड में पेटीशन आफ राइट्स ।
1636: जापानियों को विदेश जाने की मनाही ।
1641: छोटे डच व्यापारियों के सिवाय, जापान ने सभी विदेशियों को जापान से वाहर निकाला ।
1642: व्रिटेन में गृह–युद्ध भड़क उठा ।
1644: चीन में चिंग राजवंश (मान्चू) ।
1649: इंग्लैंड के चार्ल्स प्रथम को फांसी क्रामवेल इंग्लैंड का प्रोटेक्टर वना ।
1652: डच ने केप कालोनी स्थापित की ।
1655: लंदन का भीषण प्लेग ।
1660: व्रिटेन में राजतंत्र की वहाली चार्ल्स द्वितीय ने रायल सोसाइटी वनाई ।
1661: फ्रांस के चान्सलर के रूप में रिचेली के उत्तराधिकारी मजारिन की मृत्यु लुइस चादहवें ने व्यक्ति के रूप में शासन संभाला ।

1704: मार्लव्योरो ने ब्लेनहीम के युद्ध में विजय पाई ।
1721: रावर्ट वाल्पोल इंग्लैंड का प्रथम प्रधानमंत्री वना ।
1739: फारस के नादिरशाह ने दिल्ली को रौंदा; स्पेन और ब्रिटेन के वीच जेनकिन इयर्स का युद्ध शुरू हुआ ।
1740: महान फ्रेडेरिक प्रशिया का राजा वना; मैरिया थेरेसा आस्ट्रिया के सिंहासन की उत्तराधिकारी वनी; आस्ट्रियन उत्तराधिकार के युद्ध का प्रारंभ ।
1751: क्लाइव ने भारत में आर्कोट पर कब्जा किया और फ्रांसीसियों को आगे वढ़ने से रोका । तिब्वत पर चीन की विजय ।
1756: सात वर्षो के युद्ध का प्रारंभ ।
1757: क्लाइव ने वंगाल पर विजय पाई ।
1760: वांडीवाश का युद्ध; अंग्रेजों ने भारत में फ्रांसीसियों को पराजित किया ।
1762: कैथेरिन द्वितीय रूस में ज़ारीना वनी ।
1770: जेम्स कुक ने न्यू साउथ वेल्स की खोज की ।
1776: अमेरिकी स्वतंत्रता की घोषणा ।
1787: अमेरिकी संविधान का मसौदा वना ।
1789: फ्रेंच क्रांति शुरु; वैसटाइल की प्रचंडता (जुलाई 14); जार्ज वाशिंगटन सं. रा. अमेरिका के प्रथम राष्ट्रपति वने ।
1792: फ्रांस गणराज्य वना ।
1793: लुइस सोलहवें का सिर काटा गया ।
1795: नैपोलियन वोनापार्ट ने पेरिस की भीड़ को तितर–वितर किया (15 अक्तूवर) ।
1804: योनापोर्ट सम्राट वना ।
1805: ट्राफालगार का युद्ध और नेल्सन की मृत्यु; आस्टलिट्ज का युद्ध (2 दिसम्वर) ।
1807: नैपोलियन ने संपूर्ण यूरोप पर नियंत्रण स्थापित किया; ब्रिटिश साम्राज्य में गुलाम व्यापार का उन्मूलन किया गया।
1808: प्रायद्वीपीय युद्ध का प्रारंभ हुआ ।
1812: नैपोलियन मास्को से पीछे हटा ।
1815: वाटरलू का युद्ध; नैपोलियन को सेंट हेलेना भेजा गया।
-3: संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति ने "मनरो सिद्धांत" ५ण॥ की ।
: इंग्लैंड में प्रथम सुधार विल ।
-3: प्रथम ब्रिटिश कारखाना अधिनियम ।
-7: रानी विक्टोरिया ब्रिटिश सिंहासन की उत्तराधिकारिणी
840: इंग्लैंड में पेनी डाक की शुरुआत ।
1846: कार्न नियम रद्द हुए और पील का त्यागपत्र ।
1848: फ्रांस के लुइस फिलिप ने गद्दी छोड़ी; द्वितीय फ्रांसीसी गणतंत्र की अधिघोषणा की गई; मार्क्स और एंगल्स ने कम्युनिस्ट घोषणापत्र का प्रकाशन किया । कैलीफोर्निया में सोने की खोज की गई ।
1849: ब्रिटेन ने पंजाव पर अधिकार जमाया ।
1851: डोवर और कालेस के वीच पनडुब्वी तार केवल, आस्ट्रेलिया में सोने की खोज की गई ।
1852: नैपोलियन तृतीय फ्रांस का सम्राट वना ।
1853: कमांडर पेरी जापान में उतरा ।
1854: क्रीमिया युद्ध ।
1856: लिविंगस्टन द्वारा अफ्रीका के उस पार तक यात्रा पूरी
1857: भारतीय स्वाधीनता का प्रथम युद्ध ।
1858: ब्रिटिश ताज ने भारत की सत्ता संभाली ।
1861: अव्राहम लिंकन संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्र वने; अमरीकी गृहयुद्ध ।
1862: विस्मार्क प्रश्या में चान्सलर बना ।
1865: संयुक्त राज्य अमेरिका में दास प्रथा का उन्मूल लिंकन की हत्या ।
1867: कनाडा डोमिनियन स्थापित; रूस ने अलास्क अमेरिका को वेचा ।
1868: जापान में शोगुन तंत्र का उन्मूलन; शाही नेतृत्व के अधीन द्रूत पश्चिमीकरण ।
1869: स्वेज़ नहर का उद्घाटन ।
1870: पोप के अमोघत्व के सिद्धांत का प्रवर्तन ।
1871: फ्रांस–प्रश्या युद्ध; प्रश्या द्वारा फ्रांस की पराजय; ब्रिटेन में श्रमिक संघों को विधि सम्मत माना गया ।
1874: प्रधान मंत्री के रूप में डिजरैली ग्लैडस्टन क उत्तराधिकारी वना ।
1875: इंग्लैंड ने स्वेज़ नहर के शेयर खरीदे ।
1886: ब्रिटेन ने ऊपरी वर्मा पर कब्जा किया; कनाडा के पैसिफिक रेलवे पूर्ण हुई; ट्रान्सवाल में सोने की खोज की गई
1894: जापान ने चीन के विरुद्ध युद्ध की घोषणा की ।
1895: जापान ने फार्मोसा और कोरिया पर अधिकार जमाय
1899: वोएर युद्ध प्रारंभ हुआ ।
1900: आस्ट्रेलियाई कामनवेल्थ उद्घोषित ।
1902: वोएर युद्ध समाप्त ।
1904: रूस–जापान युद्ध प्रारंभ ।
1905: पोर्ट्स माउथ की संधि के द्वारा रूस–जापान युद्ध अंत । नार्वे स्वीडन से अलग हो गया ।
1906: रूस में प्रथम संसद ।
1907: न्यूजीलैंड स्वतंत्र उपनिवेश वना ।
1909: दक्षिण अफ्रीकी यूनियन का गठन ।
1911: चीनी क्रांति; अमंडसेन दक्षिणी ध्रुव पहुंचा।
1912: सनयात सेन के अधीन चीन गणतंत्र वना; टाइटानि जहाज डूवा, 1513 जानें गईं ।
1914: साराजेवो में आस्ट्रिया के आर्कड्यूक फ्रैंसिन्स फर्डीन की हत्या कर दी गई (28 जून) । सर्विया पर लापरव का संदेह किया; आस्ट्रिया ने सर्विया के विरुद्ध युद्ध घोषणा की (जुलाई 28) । प्रथम विश्व युद्ध का प्रारं जर्मनी ने रूस के विरुद्ध (1 अगस्त), फ्रांस के विरुद्ध अगस्त), युद्ध की घोषणा की और वेल्जियम पर आक्र किया (3 अगस्त); इंग्लैंड ने जर्मनी के घोषणा की (ने

916: वर्दुन का युद्ध (21 फरवरी – 4 जुलाई) । फ्रांस ने जर्मनी को आगे बढ़ने से रोका; टानेनबर्ग का युद्ध; रूस की सेना को जर्मनी ने नीचा दिखाया (25 अगस्त); जूटलैंड का युद्ध । ब्रिटेन ने जर्मनी की नौ शक्ति तोड़ दी (31 मई); सोम्मे का युद्ध; फ्रांस ने अपनी सेना जर्मनी के विरुद्ध लगाई (1 जुलाई–18 नवम्बर)। प्रधान मंत्री लायड जार्ज ने ब्रिटेन में युद्ध मंत्रिमंडल बनाया; पूर्वी मोर्चे पर जर्मनी आगे बढ़ा; बिलना का पतन (18 सितम्बर); प्रिंस फेलिक्स यूस्सोपोव द्वारा रूसी मठाध्यक्ष रासुपुतिन की हत्या (6 दिसम्बर) ।

917: पेट्रोग्राद में रूसी सैनिकों का विद्रोह (10 मार्च); रूस में अंतरिम सरकार का गठन, ज़ार निकोलस द्वितीय ने देश त्यागा (15 मार्च)। रूस में बोल्शेविक क्रांति शुरु (6 नवम्बर) । रूस की क्रांतिकारी सरकार और जर्मनी के बीच युद्ध–विराम संधि का निर्णय किया गया (5 दिसम्बर) ।

918: जर्मनी और बोल्शेविक रूस के बीच ब्रेस्ट–लिटवोक संधि (3 मार्च) । ब्रिटेन का जेरुसेलम पर कब्जा (8 दिसंबर) ज़ार ज़ारीना और बच्चों को एकाटरिंगबर्ग में सूली पर चढ़ाया गया; जर्मनी में क्रांति भड़क उठी; सम्राट विलियम द्वितीय ने देश त्यागा; जर्मन गणतंत्र की उद्घोषणा (9 नवम्बर) ।

919: पेरिस में शांति सम्मेलन का उद्घाटन (18 जनवरी)। बेनिटो मुसोलिनी ने इतालवी फासिस्ट पार्टी बनाई; भारत में जलियांवाला हत्याकांड (13 अप्रैल) । वरसेलस की संधि पर हस्ताक्षर किए गए (28 जून) ।

920: लीग आफ नेशन्स की प्रथम बैठक ।

921: आइरिश स्वतंत्र राज्य की स्थापना ।

922: मुसोलिनी का रोम में पदार्पण और इटली में फासिस्ट पार्टी की सरकार बनी ।

923: कमालपाशा के अधीन तुर्की गणतत्र की उद्घोषणा।

924: मेक्डोनाल्ड के नेतृत्व में ब्रिटेन में प्रथम श्रम सरकार· यूनान गणतंत्र बना; लेनिन की मृत्यु हो गई (21 जनवरी)।

927: कर्नल लिंडबर्ग ने आंध्र महासागर के पार तक उड़ान की ।

928: केप्टेन किंग्सफोर्ड स्मिथ ने प्रशान्त महासागर के उस पार तक उड़ान भरी ।

929: वाल स्ट्रीट ध्वंस; ग्रेट डिप्रेशन का प्रारंभ ।

933: हिंडेनबर्ग द्वारा हिटलर को चान्सलर नियुक्त किया गया; जर्मन रीचस्टेग में आग लगा दी गई (27 फरवरी)

1934: आस्ट्रियन चान्सलर डालफस की हत्या कर दी गई (25 जुलाई) हिंडेनबर्ग की मृत्यु हुई और हिटलर तानाशाह बन गया ।

1935: इटली ने इथियोपिया के विरुद्ध युद्ध छेड़ा ।

1936: इटली ने आदिस अबाबा पर कब्जा किया; स्पेन में गृह युद्ध छिड़ गया; इंग्लैंड के राजा एडवर्ड अष्टम ने देश त्यागा; किंग जार्ज षष्ठम के रूप में किंग एडवर्ड ड्यूक आफ यार्क के उत्तराधिकारी बने ।

1938: चैम्बरलेन (इंग्लेंड), डालाडियर (फ्रांस), हिटलर (जर्मनी) और मुसोलिनी के मध्य म्यूनिख समझौता ।

1939: जेनरल फ्रैंको स्पेन के तानाशाह (फरवरी); जर्मन ने पोलैंड पर आक्रमण किया; जर्मनी और रूस ने पोलैंड का विभाजन किया; द्वितीय विश्वयुद्ध का प्रारंभ ।

1940: जर्मनी ने डेनमार्क, नार्वे, हालैंड, बेल्जियम और लक्ज़ेमबर्ग पर हमला किया; डन्क्रिक को ब्रिटेन ने खाली किया । जर्मनी का पेरिस पर कब्जा । रूस ने लिथूनिया, लैटविया और इस्टोनिया पर कब्जा किया; फ्रांस ने जर्मनी के समक्ष आत्म–समर्पण किया (जून) ।

1941: जर्मनी ने रूस पर आक्रमण किया (जून); पर्ल हार्बर पर जापान का हमला (7 नवम्बर); जापान ने मलाया, फिलीपीन्स और सारावाक पर कब्जा किया।

1942: मिडवे द्वीप से दूर जापानी नौसेना संयुक्त राज्य नौसेना से पराजित हुई (जून); एल अलामीन का युद्ध (23 अक्तूबर); मित्र राष्ट्रों ने जर्मन सेना को भगाया । जर्मनी पीछे हटी ।

1943: धुरी शक्तियां–जर्मनी, इटली और जापान–सभी युद्ध क्षेत्रों से पीछे हटीं; मुसोलिनी ने इस्तीफा दिया। इतालवी फासिस्ट पार्टी खत्म हो गई। विजयी मित्र राष्ट्रों के नेता चर्चिल, रुज़वेल्ट और स्तालिन तेहरान में मिले।

1944: मित्र शक्तियों ने रोम में प्रवेश किया; फ्रांस बेल्जियम, हालैंड और बल्गेरिया को स्वतंत्र किया ।

1945: अमेरीकियों ने ओकीनावा पर हमला किया; जापानी मंत्रिमंडल ने इस्तीफा दिया; राष्ट्रपति रुजवेल्ट की मृत्यु (12 अप्रैल), इतालवी देशभक्त सैनिकों द्वारा मुसोलिनी और उसकी पत्नी को गोली मारकर हत्या की गई (28 अप्रैल)· हिटलर ने आत्महत्या कर ली (30 अप्रैल); मित्र राष्ट्रों की सना के सामने जर्मन सेना ने आत्म–समर्पण किया (8 मई) ।

द्वितीय विश्व युद्ध के बाद

र्ष 1945 में संयुक्त राष्ट्र घोषणापत्र पर हस्ताक्षर मनुष्य की शांति की खोज की एक युगांतरकारी घटना । इस समय विश्व समुदाय इसकी उपलब्धियों एवं फलताओं का लेखा–जोखा कर रहा है (संयुक्त राष्ट्र के ए देखें पृष्ठ –372 ।

1945: जून 26 को सैन फ्रांसिस्को में संयुक्त राष्ट्र पणापत्र पर हस्ताक्षर किए गए । हीरोशिमा में परमाणु बम छोड़ा गया (अगस्त 6)· दूसरा परमाणु बम नागासाकी में छोड़ा गया (अगस्त 9) । जापान ने संयुक्त राज्य अमेरिका के साम समर्पण किया, द्वितीय विश्वयुद्ध का अंत (नवम्बर 20)

1946: लंदन में संयुक्त राष्ट्र संघ का प्रथम नियमित स का आयोजन (जनवरी)। ट्रिगवे ली प्रथम महासचिव नियुक्त कि गए; लीग आफ नेशन्स की औपचारिक समाप्ति· न्यूयार्क संयुक्त राष्ट्र महासभा का अधिवेशन

1947: इंडोनेशिया स्वतंत्र हो गया; भारत और पाकिस्तान को स्वतंत्र उपनिवेश की हैसियत प्राप्त हुई (अगस्त 15)।

1948: वर्मा गणतंत्र वना; गांधीजी की हत्या कर दी गई (जनवरी 30); श्रीलंका स्वाधीन हो गया; भारत के गवर्नर जनरल के रूप में चक्रवर्ती राजगोपालाचार्य, माउंटवेटन के उत्तराधिकारी वने; यहूदियों ने फिलिस्तीन में इज़राइल के नए राज्य की उद्घोषणा की।

1949: जनरल माओ–त्से–तुंग ने पीपुल्स रिपब्लिक आफ चाइना की घोषणा की; इंडोनेशिया का संयुक्त राज्य अस्तित्व में आया।

1950: भारतीय गणतंत्र की उद्घोषणा (जनवरी 26)। कोरियाई युद्ध का प्रारंभ; जार्ज वर्नार्ड शा की 94 वर्ष की आयु में मृत्यु (नवम्वर 2)।

1951: लीविया स्वाधीन हुआ।

1952: ग्रेट ब्रिटेन के राजा जार्ज पष्ठम की मृत्यु और उसकी पुत्री एलिज़ावेथ द्वितीय उसकी उत्तराधिकारिणी वनी; हेलसिंकी में ओलंपिक खेलों का प्रारंभ (जुलाई 1)।

1953: स्तालिन की 74 वर्ष की अवस्था में मृत्यु (मार्च 6); हिलैरी और तेनसिंह ने एवरेस्ट पर विजय पाई (29 मार्च)।

1954: रोडेशिया और न्यासालैंड के महासंघ का निर्माण; भारत में फ्रांसीसी उपनिवेश भारतीय नियंत्रण में आ गए।

1955: एलवर्ट आइन्स्टीन की मृत्यु (अप्रैल 18)।

1956: सूडान स्वाधीन गणतंत्र वना; पाकिस्तान ने स्वयं को इस्लामी गणतंत्र घोषित किया; फ्रांस ने इंडोचीन छोड़ दिया; कर्नल नासर मिस्र के राष्ट्रपति वने; राष्ट्रपति नासर द्वारा स्वेज़ नहर का राष्ट्रीयकरण; कम्युनिस्ट शासन के खिलाफ हंगरी में विद्रोह; रूस ने हंगरी में विद्रोह का दमन करने के लिए सेना भेजी।

1957: जर्मन संघीय गणतंत्र में सार को जोड़ा गया; पोलैंड में गोमुल्का के अधीन पोलिश कम्युनिस्ट पार्टी सत्ता में आई; घाना स्वाधीन हो गया; ट्यूनीशिया गणतंत्र वना; रूस ने प्रथम कृत्रिम उपग्रह (स्पुतनिक प्रथम) छोड़ा)।

1958: प्रथम अमेरिकी कृत्रिम उपग्रह एक्सप्लोरर प्रथम छोड़ा गया; ईराक गणराज्य वना; फ्रेंच गिनी स्वाधीन गणराज्य वना।

1959: फीडल कैस्ट्रो ने क्यूवा में वतिस्ता सरकार का तख्ता पलटा; अलास्का संयुक्त राज्य अमेरिका का 49 वां राज्य वना; चीन ने तिव्वत पर कब्जा किया; दलाई लामा भारत भाग आए; श्रीलंका के प्रधान मंत्री भंडारनायके की हत्या; आर्चविशप मकारिओस साइप्रस के प्रथम राष्ट्रपति निर्वाचित।

1960: कैमेरून, टोगो, वेल्जियम, घाना, साइप्रस और सोमालिया स्वाधीन गणराज्य वने। कांगो (व्राज़ाविले), चाड़, केंद्रीय अफ्रीकी गणराज्य और मलागासी स्वाधीन हो गए। रोम में ओलंपिक का आयोजन (अगस्त); नाइजीरिया कामनवेल्थ में स्वाधीन गणराज्य वना।

1961: अफ्रीका में रवान्डा और वुरुन्डी गणराज्य वने। सीरा लीओन और दक्षिणी कैमेरून स्वाधीन हो गए; दक्षिणी अफ्रीका गणराज्य वना और उसने अपने को राष्ट्रमंडल से अलग कर लिया; सीरिया संयुक्त अरव गणराज्य से अलग हो गया। टंगानिका कामनवेल्थ के भीतर स्वाधीन वना; भारत ने पुर्तगाली उपनिवेश गोवा, दमन और दीव को अपने अधिकार में ले लिया।

1962: चीन द्वारा भारत की उत्तरी सीमा पर आक्रमण का प्रारंभ (सितम्वर 19)। 'ई थांट' संयुक्त राष्ट्र संघ के महासचिव निर्वाचित (नवम्वर 30)।

1963: चीन और पाकिस्तान ने सीमा संधि पर हस्ताक्षर किए; मिस्र, सीरिया और ईराक ने अरव महासंघ का निर्माण किया; मलेशिया, सिंगापुर और दक्षिणी वोर्नियो ने मलेशियाई महासंघ वनाया। टेक्सास के डलेस में राष्ट्रपति जान एफ. कैनेडी की हत्या (नवम्वर 22); जंजीवार स्वाधीन वना।

1964: नए राज्य तंजानिया का निर्माण करते हुए टंगानिका और जंजीवार के वीच समझौते पर हस्ताक्षर; भारत के प्रधान मंत्री जवाहरलाल नेहरू की मृत्यु (मई 27); माल्टा स्वाधीन वना; सोवियत प्रधानमंत्री खुस्चेव सत्ता से हटाए गए; एलेक्सी कोसीज़न प्रधानमंत्री और लियोनिड व्रेज़नेव कम्युनिस्ट पार्टी के सचिव वने; टोकियो में ओलंपिक खेल (अक्तूवर)।

1965: फील्ड मार्शल अयूव खां पाकिस्तान के राष्ट्रपति निर्वाचित; इंडोनेशिया ने अपने को संयुक्त राष्ट्र से अलग कर लिया (जनवरी 5); सर विंस्टन चर्चिल की मृत्यु (जनवरी 24); भारत–पाक युद्ध, रोडेशिया ने स्वाधीनता प्राप्त की; गोयुटु ने रक्तहीन क्रांति में सत्ता हथियाई।

1966: सेना ने घाना की सरकार सत्ता हथियाई और राष्ट्रपति एन्क्रमा को पदच्युत किया, सुकर्णो (इंडोनेशिया) ने शासन की वागडोर सेनाध्यक्ष सुहार्तो को सौंपी (मार्च 12); गुयाना स्वाधीन वना।

1967: नासर ने इज़रायल के महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग अक्यूवा की खाड़ी की नाकावंदी की। पूर्वी नाइजीरिया वाइफरा गणराज्य वनने के लिए पृथक हो गया; इज़रायल ने संयुक्त अरव गणराज्य, सीरिया और जोर्डन पर हमला किया और गाजा, सिनाई और जेरुसलम पर कब्जा कर लिया; युद्धविराम के स्वीकार किए जाने के साथ स्वेज़ नहर क्षेत्र में लड़ाई वंद हो गई। रूस ने वोल्शेविक क्रांति की 50वीं वर्षगांठ मनाई।

1968: दक्षिणी प्रशांत महासागरीय द्वीप नोरु और मारिशस स्वाधीन हो गए; मार्टिन लूथर किंग की हत्या कर दी गई (मार्च 5); सोवियत रूस और वारसा संधि के देशों की सेना ने चेकोस्लोवाकिया पर हमला किया; स्वाज़ीलैंड स्वाधीन हो गया। 19 वें ओलंपिक खेल मेक्सिको सिटी में प्रारंभ हुए (अक्तूवर 9); भूमध्यरेखीय गिनी स्वाधीन हो गया।

1969: संयुक्त राज्य अंतरिक्ष यात्री नील आर्मस्ट्रांग और एडविन आल्ड्रिन चंद्रमा पर उतरे (जुलाई 21)। उत्तरी वियतनाम के राष्ट्रपिता, राष्ट्रपति डा. हो ची मिन्ह (79) का निधन (सितम्वर 4)।

1970: वर्टान्ड रसल (97) का निधन (फरवरी 3); राष्ट्रपति गामाल अब्दुल नासर (52) की मृत्यु (सितम्वर 29)। फ्रांस के भूतपूर्व राष्ट्रपति चार्ल्स दि गाल (79) की

मृत्यु हो गई (नवम्बर 10); रक्षा मंत्री हफेज़ असद ने सीरिया में सत्ता पर कब्जा किया (नवम्बर 14); सोवियत लूनोखोद प्रथम चंद्रमा पर उतरा (नवम्बर 17); शेख मुजीवुर्रहमान के नेतृत्व में अवामी लीग ने पाकिस्तान के प्रथम आम चुनाव में भारी बहुमत प्राप्त किया ।

1971: अपोलो 14 के अंतरिक्ष यात्री शेपर्ड और मिचेल चंद्रमा पर उतरे (फरवरी 2) । मुजीवुर्रहमान ने बंगला देश को स्वाधीन घोषित किया (मार्च 26) । पाकिस्तानी सेना ने मुजीवुर्रहमान को कैद किया; रूस ने सेल्यूट प्रथम को अंतरिक्ष में भेजा; सोयूज अंतरिक्ष में ही सेलयूट से जुड़ गया (अप्रैल 19) । अपोलो 15 छोड़ा गया (अगस्त 8); चीन को संयुक्त राष्ट्र में शामिल किया गया और ताइवान को निकाला गया (अक्तूबर 25) । अरब अमीरात संघ का निर्माण (दिसम्बर 2); पाकिस्तान ने पश्चिम से भारत पर आक्रमण किया (3); भारत ने बंगलादेश को मान्यता दी; पाकिस्तानी सेना ने बंगलादेश में समर्पण किया (16); भारत-पाकिस्तान युद्ध समाप्त हो गया (17); याह्या खान द्वारा पाकिस्तान के राष्ट्रपति पद से इस्तीफा, भुट्टो राष्ट्रपति बने (20); डा. कुर्त वाल्डहेम को संयुक्त राष्ट्र का महासचिव नियुक्त किया गया।

1972: भुट्टो ने मुजीवुर्रहमान को मुक्त किया (जनवरी 8); पाकिस्तान ने राष्ट्रमंडल छोड़ा (अप्रैल 21) । म्युनिख ओलंपिक गांव में रक्त-पात, अरब गुरिल्लाओं ने इज़रायली खिलाड़ियों का अपहरण करके उन्हें मार डाला; निक्सन दूसरी बार राष्ट्रपति निर्वाचित (अगस्त 8) ।

1973: ब्रिटेन यूरोपियन कामन मार्किट में शामिल हुआ (जनवरी 1); मुजीवुर्रहमान के नेतृत्व में अवामी लीग ने बंगला देश में पहला चुनाव जीता (मार्च 2) । पैब्लो पिकासो का निधन (अप्रैल 8) । बहामास स्वाधीन हो गया (जुलाई 10); अफगानिस्तान में राजशाही का अंत गणराज्य की स्थापना (18); पश्चिमी जर्मनी, पूर्वी जर्मनी और बहामास संयुक्त राष्ट्र के सदस्य बने (19); इजरायल और मिस्र तथा सीरिया के बीच युद्ध भड़क उठा (अक्तूबर 6); पश्चिमी एशिया में युद्ध-विराम ।

1974: मोहम्मदउल्ला बंगलादेश के राष्ट्रपति निर्वाचित (जनवरी 24); लीबिया ने अमेरिकी तेल कंपनियों का राष्ट्रीयकरण किया (फरवरी 11); पाकिस्तान द्वारा बंगलादेश को मान्यता (22); सम्राट हेलीसेलासी पदच्युत (27) । जिग्मे सिंगये वांगचुक भूटान के राजा बने (जून 2) । साइप्रस की सेना ने राष्ट्रपति मकारिओस का तख्ता पलटा (जुलाई 15); निक्सन ने राष्ट्रपति के पद से इस्तीफा दिया; जेराल्ड फोर्ड ने संयुक्त राज्य अमेरिका के 38 वें राष्ट्रपति का पदभार संभाला (अगस्त 9) । बंगलादेश, गिनी-बिसाय और ग्रेनाडा संयुक्त राष्ट्रसंघ के सदस्य बन गये (अक्तूबर 11); संयुक्त राष्ट्रसंघ के भूतपूर्व महासचिव यू थांट का बर्मा में निधन (25); माल्टा गणराज्य बना (दिसम्बर 15) ।

1975: मुजीब ने राष्ट्रपति के रूप में पूर्ण शक्तियां अर्जित की; बंगलादेश में एक दलीय शासन (जनवरी 25) । मार्ग्रेट थैचर ब्रिटिश अनुदारवादी दल की प्रथम महिला नेता निर्वाचित (फरवरी 11); सऊदी अरेबिया के किंग फजल की हत्या की गई (25) । ताइवान के राष्ट्रपति चियांग कैशेक की मृत्यु (अप्रैल 5); साइगान द्वारा कम्युनिस्टों के समक्ष समर्पण (30) । जापान की श्रीमती जुनको तैबेइ एवरेस्ट पर चढ़नेवाली प्रथम महिला पर्वतारोही बनीं (मई 17); आठ वर्षों बाद स्वेज़ नहर खोल दी गई (जून 5) । लगभग 500 वर्षों के पुर्तगाली शासन के बाद मुज़ाम्बिका आज़ाद हो गया (जुलाई 6); अफ्रीका के पश्चिमी तट से अलग साओ तोम और प्रिंसिपल द्वीप समूह पुर्तगाल से स्वाधीन हो गए (12); सोवियत यान "सोयूज़" अमेरिकी "अपोलो" अंतरिक्ष में जुड़ गए (17) । बंगला देश में सेना ने तख्ता पलटा; मुजीवुर्रहमान मार डाले गए; खोंडेकर मुश्ताक अहमद के अधीन नया शासन (अगस्त 15); इज़रायल ने मिस्र के साथ संधि पर हस्ताक्षर किए (सितम्बर 1); पापुआ (न्यू गिनी) आजाद हो गया (15); 'वीनस'-9 शुक्र ग्रह पर उतरा, जबकि मोड्यूल उपग्रह बन गया; अर्नोल्ड तोयानबी की मृत्यु (22) । अंगोला पुर्तगाली शासन से आज़ाद; स्पेनी तानाशाह फ्रेंको की मृत्यु (नवम्बर 20); जोन कार्लोस स्पेन के राजा बने (22) । लाओस गणराज्य बना (दिसम्बर 3) ।

1976: प्रमुख सेनाध्यक्षों ने अर्जेंटीना में सत्ता हथिया ली; (मार्च 24) । जेम्स कलाघन नए ब्रिटिश प्रधान मंत्री बने; हुआ कुओ फेंग चीन के प्रधान मंत्री बने (अप्रैल 5); श्रीमती गांधी और ब्रेजनेव ने मित्रता एवं सहयोग बढ़ाने के लिए मास्को घोषणा पर हस्ताक्षर किए (जून 11); सीशेल्स स्वाधीन हो गया (29) । माओत्से-तुंग की मृत्यु (सितम्बर 9); हुआ कुओ-फेंग माओ के उत्तराधिकारी बने (अक्तूबर 9); माओ की विधवा श्रीमती चियांग चिंग और तीन शीर्षस्थ परिवर्तनवादी कैद कर लिए गए (12); संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में भारत निर्वाचित (23) ।

1977: जिम्मी कार्टर संयुक्त राज्य के राष्ट्रपति बने (जनवरी 20) । मोहम्मद दाऊद अफगानिस्तान गणराज्य के राष्ट्रपति बनाए गए (फरवरी 17) । भुट्टो की पीपुल्स पार्टी ने पाकिस्तान के चुनावों में भारी बहुमत से विजय पाई (मार्च 8) । मेजर जनरल ज़ियाउर्रहमान बंगलादेश के नए राष्ट्रपति बने (अप्रैल 21) । लिओनिड ब्रेजनेव सोवियत राष्ट्रपति निर्वाचित (जून 16); जिबूती स्वाधीन हो गया (27) । पाकिस्तान में उथल-पुथल: जनरल जिया-उल-हक ने सत्ता हथिया ली; भुट्टो को पदच्युत करके कैद कर लिया गया (जुलाई 5); श्रीलंका के चुनावों में सिरिमावो का शासक दल साफ हो गया-जयवर्धने प्रधान मंत्री बने (22) । साइप्रस के राष्ट्रपति आर्च बिशप मकारिओस की मृत्यु (अगस्त 3) । इयान स्मिथ रोडेशिया में निर्वाचित (सितम्बर 1); मिस्र के राष्ट्रपति सादात ने इज़राइल की ऐतिहासिक यात्रा की (नवम्बर 19) । मिस्र के विरुद्ध अरब मोर्चा गठित किया गया (दिसम्बर 4); चार्ली चेपलिन की मृत्यु (25) ।

1978: जयवर्धने श्रीलंका के प्रथम राष्ट्रपति बने (फरवरी 4) । सैनिक शासन गुट ने अफगानिस्तान में सत्ता हथियाई (अप्रैल 27) । जिया-उर-रहमान ने बंगला देश के राष्ट्रपति का चुनाव जीता (जून 4); फौजी अफसरों ने मौरीटानिया में सत्ता हथियाई (जुलाई 10); केन्या के राष्ट्रपति जोमो केन्याटा की मृत्यु (22) । जिया-उल-हक पाकिस्तान के राष्ट्रपति बने (सितम्बर
बोथा दक्षिणी अफ्रीका के प्रधान मं

डेनियल अरप मोई केन्या के राष्ट्रपति निर्वाचित (अक्तूबर 6); बैंकाक में एशियाई खेल शुरू (9)।

1979: अंतर्राष्ट्रीय बाल दिवस का उद्घाटन (जनवरी 1); शाह ने ईरान त्यागा (16)। 14 वर्षों के निष्कासन के बाद आयातोल्ला खोमानी ईरान लौटे (फरवरी 1)। ईरान इस्लामी गणराज्य उद्घोषित (अप्रैल 1); भुट्टो को फांसी पर चढ़ाया गया (4)। ग्रीनलैंड को स्वाधीनता मिली (मई 1); मार्गरेट थैचर ब्रिटेन की प्रथम महिला प्राधान मंत्री बनीं (4)। वियना में कार्टर और ब्रेजनेव द्वारा साल्ट द्वितीय समझौते पर हस्ताक्षर (जून 18)। आयरलैंड से दूर हुए विस्फोट में माउंटबेटन मारे गए (अगस्त 27)। हवाना में छठा गुटनिरपेक्ष सम्मेलन शुरू (सितम्बर 3); केंद्रीय अफ्रीकी साम्राज्य के सम्राट बोकासा एक उथल-पुथल में पदच्युत (21)। बोलविया में सेना ने सत्ता हथियाई (नवंबर 1)।

अस्सी का दशक

जनवरी 1980: 5. रूस के अफगानिस्तान में आधिपत्य जमा लेने के बदले में अमेरिका ने रूस को अनाज भेजना रोक दिया। **फरवरी** 19. ट्रूडो कनाडा में पुनः सत्तारूढ़। **अप्रैल** 16. फ्रांसीसी दार्शनिक और लेखक जीन पाल-सात्रे का निधन। (17) स्वतंत्र जिम्बाब्वे का जन्म। **मई** 4. युगोस्लाविया के मार्शल टीटो का निधन। **जून** 12. जापानी प्रधान मंत्री ओहिरा की मृत्यु; सुजुकी नए प्रधान मंत्री बने। **जुलाई** 19. मास्को ओलंपिक खेलों का प्रारंभ हुआ। **सितम्बर** 6. झाओ जियांग ने पदभार संभाला। (10) लीबिया और सीरिया ने एकीकरण की घोषणा की। (23) कोसीगिन ने सोवियत प्रधानमंत्री के पद से इस्तीफा दिया। **नवम्बर** 5. रोनाल्ड रीगन ने जिमी कार्टर के विरुद्ध संयुक्त राज्य राष्ट्रपति के निर्वाचन में विजय हासिल की। **दिसम्बर** 19. भूतपूर्व सोवियत प्रधान मंत्री कोसीगिन की मृत्यु।

1981: जनवरी 1. अंतर्राष्ट्रीय विकलांग वर्ष। (22) रोनाल्ड रीगन सं.रा. अमेरिका के 40 वें राष्ट्रपति बने। **फरवरी** 10. शौकिया खगोलविद् राय पैंथर ने पैंथर धूमकेतू की खोज की। **मार्च** 24. पाकिस्तान में सभी राजनैतिक दल भंग कर दिए गए। **अप्रैल** 12. संयुक्त राज्य अंतरिक्ष शटल-कोलंबिया ने दो अंतरिक्ष यात्रियों के साथ केप कमावेरेल से उड़ान भरी। **मई** 10. समाजवादी दल के प्रधान फ्रैंकोइस मिटरेंड़ ने फ्रांसीसी राष्ट्रपति का चुनाव जीता। (21) पियरे मोरो फांसीसी प्रधान मंत्री बनाए गए। (30) बंगलादेश के राष्ट्रपति जिया-उर-रहमान की उनके आठ सहयोगियों के साथ हत्या कर दी गई, आपातकाल की घोषणा। **जून** 4. श्रीलंका ने आपातकाल की घोषणा की। **जूलाई** 29 ब्रिटेन के राजकुमार चार्ल्स व वेल्स की राजकुमारी डायना विवाहित हुए। **सितम्बर** 2. बेलिजे स्वाधीन हो गया। (22) 270 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चलने वाली विश्व की सर्वाधिक तेज गतिवाली ट्रेन ने पेरिस से लियान्स तक अपनी पहली यात्रा की। **अक्तूबर** 6. कैरो में सैनिक परेड के दौरान सैनिकों के एक समूह द्वारा मिस्र के राष्ट्रपति अनवर सादात की हत्या कर दी गई। (14) होसनी मुबारक मिस्र के चौथे राष्ट्रपति बने। (19) यूनान में साजवादी सैन्य दल ने पुनः सत्ता संभाली। **नवम्बर** 1. एन्टीगुआ और बारबुदा स्वाधीन हो गए। (9) सेवानिवृत सेनापति यू सान यू, बर्मा के राष्ट्रपति बने। **दिसम्बर** 12.61 वर्षीय पेरू के भूतपूर्व प्रतिनिधि हैवियर पेरेज़ डीक्वयर संयुक्त राष्ट्र के महासचिव निर्वाचित। (13) पोलैंड में सेना ने सत्ता हथियाई। (14) इज़रायल ने कब्जे में किया गया सीरियाई क्षेत्र गोलन हाइट अपने राज्य में मिलाने के लिए नया निर्णय बनाया। (31) फ्लाइट लेफ्टीनेंट जेरी रालिंग्स ने लीमान का तख्ता उलटकर पुनः सत्ता हथियाई।

1982: जनवरी 9. सिनाई से इजराइली सेनाओं की वापसी पर मिस्र और इजराइल में समझोता। **फरवरी** 15. श्रीलंका ने अपनी राजधानी जयवर्धनपुर में स्थानांतरित की। (17) जिम्बाब्वे के प्रधान मंत्री राबर्ट मुगाबे ने विख्यात राष्ट्रवादी जोशुआ निकोमो को मंत्रिमंडल से हटा दिया। (22) दक्षिण-दक्षिण सम्मेलन का उद्घाटन नई दिल्ली में किया गया-44 राष्ट्रों ने भाग लिया। **मार्च** 1. सोवियत अंतरिक्ष यान वीनस-13 शुक्र ग्रह पर उतरा। (9) चार्ल्स हागे आइरिश प्रधान मंत्री बने। (19) ब्रिटेन और वाटीकन ने चार शताब्दियों के बाद पूर्ण कूटनीतिक संबंध स्थापित किए। (23) स्विटजरलैंड द्वारा संयुक्त राष्ट्र में शामिल होने का फैसला। (24) लेफ्टीनेंट जनरल एच.एम. इरशाद ने बंगलादेश में सत्ता हथियाई। **अप्रैल** 2. अर्जेंटीना ने दक्षिणी अटलांटिक महासागर में ब्रिटिश उपनिवेश-फाकलैंड द्वीप समूह पर कब्जा किया। (6) ब्रिटिश नौसेना फाकलैंड के लिए रवाना हुई। (7) मैक्सिको में बिचेनल ज्वालामुखी के फटने से 10,000 लोगों की मृत्यु की आशंका। (23) मिस्र ने इजराइली कब्जे के 15 वर्षों बाद सिनाई प्रायद्वीप पुनः प्राप्त किया। (26) ब्रिटेन ने फाकलैंड से अलग स्थित दक्षिणी जार्जिया द्वीप पर फिर से कब्जा किया। **मई** 6. ब्रिटेन और अर्जेन्टीना ने संघर्ष समाप्त करने के लिए संयुक्त राष्ट्र का प्रस्ताव स्वीकार कर लिया। (9) ब्रिटेन की सेना द्वारा फाकलैंड की राजधानी पर हमला; परिक्रमा कर रहे सेल्यूट-7 की डाक (गोदी) पर मानव सहित सोवियत यान लगाया गया। **जून** 15 फाकलैंड में अर्जेन्टीना ने ब्रिटेन के सम्मुख आत्मसमर्पण किया पी.एल.ओ. बेरूत छोड़ने पर राजी हो गया। **सितम्बर** 12 सोवियत अनुसंधान जहाज 'कैलिस्टो' द्वारा सैमोन एयरचिपलागो में विश्व के सबसे ऊंचे अतः सागरी पर्वत की खोज (15) लेबनान में राष्ट्रपति बशीर गेमायेल (34) की बम विस्फोट में हत्या। **अक्तूबर** 1. कार्यकाल मध्य में ही हेलमुट स्किमिडा को संसदीय वोट द्वारा हटाकर अनुदारवादी विपक्षी नेता हेलमुट कोल पश्चिमी जर्मनी के चान्सलर निर्वाचित। **नवम्बर** 10. सै

डियागो के पास माउंट पालेमार में 1910 के बाद पहली बार ली धूमकेतु दिखाई दिया; सोवियत राष्ट्रपति लियोनिड झनेव (75) का देहांत। (30) आंद्रपोव सोवियत कम्युनिस्ट ार्टी के महासचिव बने; सर रिचर्ड एटनबरो की फिल्म 'गांधी' ा नई दिल्ली में विश्व में पहली बार प्रदर्शन।

1983: मार्च 5. आस्ट्रेलिया के श्रमिक दल के नेता ाब हाक को प्रधान मंत्री बनाया गया। (7) नई दिल्ली में ातवां गुटनिरपेक्ष शिखर सम्मेलन प्रारंभ हुआ। **जून** 10. क्षिण पंथी टोरी दल का नेतृत्व करनेवाली ब्रिटिश प्रधान मंत्री ारग्रेट थैचर सत्ता में आई।(13) पायनियर-10 एक्सप्लोरर ाकेट ने नक्षत्रों के बीच अंतिम यात्रा प्रारंभ करने के लिए ौरमंडल छोड़ा। **सितम्बर** 19. ब्रिटेन से स्वाधीनता प्राप्त करने के बाद सेंट किट्स और नेविस विश्व के नवीनतम राष्ट्र ने। **अक्तूबर** 3. पोलैंड के गैर कानूनी सालिडरिटी फ्री ट्रेड ूनियन के नेता लेच वालेसा को 1983 का नोबेल शांति ुरस्कार प्रदान किया गया। भूतपूर्व जापानी प्रधान मंत्री ाकुए तनाका की लाकहीड एयरक्रैफ्ट कार्पोरेशन से घूस के ारोप में 50 करोड़ येन (रु. 22 करोड़) लेने का दोषी पाया ाया और उसे चार वर्ष की कैद और घूस के बराबर की नराशि के जुर्माने की सजा दी गई। (19) भारत में जन्मे मेरिकी सुब्रमण्यम चन्द्रशेखर को साथी अमेरिकी प्रोफेसर ीलियम फाउलर के साथ भौतिकी के लिए 1983 का ोबेल पुरस्कार मिला। (25) संयुक्त राज्य और छोटे रीबियन देशों के सम्मेलन ने ग्रेनेडा पर शासन में सैनिक धिकारियों को उखाड़ फेंकने के लिये आक्रमण किया। **वम्बर** 15. साइप्रस के टर्की नियंत्रित क्षेत्र ने एकपक्षीय वाधीनता की घोषणा की। **दिसंबर** 11. जनरल हुसैन रशाद ने अपने आपको बंगलादेश का राष्ट्रपति घोषित केया। (28) संयुक्त राज्य ने यूनेस्को से हट जाने की धिसूचना दी।

1984: फरवरी 10. सोवियत राष्ट्रपति यूरी अंद्रोपोव की मृत्यु।(13) कोन्सटानटिन चेरनेनको सोवियत कम्युनिस्ट ार्टी के नए प्रधान बने।(21) "एंड क्वाइट फ्लोज़ द डान" ेखक के नोबेल पुरस्कार विजेता मिखाइल शोलोखोव 78) की मृत्यु। **अप्रैल** 2. अंतरिक्ष शटल चैलेंजर में सवार ंतरिक्ष यात्रियों ने अपंग उपग्रह सोलर मैक्स को अंतरिक्ष ें प्रथम सुधार एवं मरम्मत को पूरा करके उसे फिर से चालू र दिया। **मई** 9. फो दोरजी ने आक्सीजन के बिना माउंट वरेस्ट पर विजय पाई। **सितम्बर** 5. कु. बचेन्द्री पाल प्रथम ारतीय महिला माउंट एवरेस्ट पर विजय पाई; ब्रियान ुलरोनी ने कनाडा में आम चुनाव जीता; प्रधान मंत्री पी. डब्ल्यू ोथा को दक्षिणी अफ्रीका का राष्ट्रपति चुना गया।

1985: जनवरी 14. हुन सेन कंपूचिया के प्रधान मंत्री नेर्वाचित। सोवियत राष्ट्रपति कोन्सटानटिन चेरनेनको की ृत्यु। **मार्च** 11. मिखाइल गोर्वाचेव कम्युनिस्ट पार्टी के हासचिव चुने गए। (12) संयुक्त राज्य अमेरिका और ोवियत रूस ने पंद्रह महीनों की चुप्पी के बाद जिनेवा में अस्त्र ार्ता आरंभ की। (21) बंगलादेश में हुए जनमत सग्रह में जनरल एच.एम. इरशाद को राष्ट्रपति के रूप में अपने पद र बने रहने का जनादेश प्राप्त हुआ।(23) जनरल मोहम्मद जिया-उल-हक और मोहम्मद खां जुनेजो को पाकिस्तान में क्रमश राष्ट्रपति और प्रधान मंत्री के पद की शपथ दिलाई गई। **अप्रैल** 12. संयुक्त राज्य सिनेटर जेक गार्न अंतरिक्ष शटल डिस्कवरी में छह अन्य लोगों के साथ कक्षा में गए। (30) अमेरिकी पर्वतारोही रिचर्ड बास, 55, माउंट एवरेस्ट की चोटी पर पहुंचने वाले सबसे अधिक उम्र के व्यक्ति बने। **जून** 1. एलान गर्सिया को पेरु का राष्ट्रपति निर्वाचित किया गया।(2) एड्रीस पापनड्रू यूनान के प्रधान मंत्री पुनः निर्वाचित किए गए। **जुलाई** 2. ऐन्द्री ग्रोमेको सोवियत रूस के राष्ट्रपति निर्वाचित।(6) राबर्ट मुगाबे जिम्बाब्वे में पुनः निर्वाचित होकर सत्ता में आए । (29) विद्रोही सैनिकों द्वारा मिलटन ओबोते का तख्ता उलट जाने के बाद जनरल टीटो ओकेलो युगांडा के राष्ट्रपति बने । **अगस्त** 5. विक्टर पास ऐसटेंबसोरो बोलीविया के राष्ट्रपति निर्वाचित । (27) मेजर जनरल इब्राहीम बामन भिडा नाइजीरिया के राष्ट्रपति बने। (30) वी किम वी सिंगापुर के राष्ट्रपति निर्वाचित किए गए । **सितम्बर** 8. जिम्बाब्वे के प्रधान मंत्री राबर्ट मुगाबे गुट निरपेक्ष आंदोलन के अध्यक्ष निर्वाचित।(16) ओलोफ पाल्मे स्वीडन के प्रधान मंत्री पुनः निर्वाचित। **अक्तूबर** 21 राष्ट्रमंडल शिखर सम्मेलन, बहामास में नसाऊ नामक जगह पर। **नवम्बर** 6. बाल-पाइंट पेन का आविष्कार करने वाले जोस बीरो की मृत्यु; तनजानिया के राष्ट्रपति के रूप में अली हसन मणिम्यिन्यी जूलियस न्यरेरे के उत्तराधिकारी बने; अनीताल कवाको सिल्वा पुर्तगाल के प्रधान मंत्री बने ।(19) रीगन और गोर्वाचोव जिनेवा में मिले, यह छह वर्षों में महाशक्तियों का प्रथम शिखर सम्मेलन था । **दिसम्बर** 6. गिन्नीस बुक आफ रिकार्ड्स अपने नाम के अनुरूप सर्वाधिक बिक्री वाली कापीराइट पुस्तक। (9) विनीसिओ सेरेजो गोटेमाला के राष्ट्रपति निर्वाचित। (25) 'कैस्पर द फ्रेन्डली घोस्ट' के निर्माता कार्टून-चित्रकार जोसफ डी ओरिओली की मृत्यु। (30) पाकिस्तान में मार्शल ला समाप्त।

1986: जनवरी 7. लीबिया द्वारा आतंकवादियों का समर्थन देने के बदले में संयुक्त राज्य ने लीबिया के विरुद्ध आर्थिक प्रतिबंध लगाए।(19) संयुक्त राज्य सौर प्रणाली के अनुसंधानकर्ता 'वाएजर' ने यूरेनस ग्रह के छह चन्द्रमाओं की खोज करके इनकी संख्या को 12 तक पहुचा दिया। **फरवरी** 8 भूतपूर्व प्रधान मंत्री हैदर अबुबेकर अल-अत्तास 47, को दक्षिणी यमन का नया राष्ट्रपति नामित किया गया। (16) मेरिओ सोरेस 60 वर्ष में पुर्तगाल के प्रथम असैनिक राष्ट्रपति निर्वाचित किए गए।(20) सोवियत रूस ने 1982 के सेल्यूट-7 की अपेक्षा अधिक विकसित नए अंतरिक्ष स्टेशन मीर (शांति) को प्रक्षेपित किया।(25) स्वीडिश प्रधान मंत्री ओलोफ पाल्मे (59), की गोली मारकर हत्या कर दी गई। **मार्च** 6 मिखाइल गोर्वाचेव पाच वर्ष के लिए [illegible] सोवियत कम्युनिस्ट पार्टी के महासचिव निर्वाचित [illegible] (12) सामाजिक प्रजातांत्रिक उप-प्रधान [illegible] कार्लसन को स्वीडन का प्रधान मंत्री [illegible] (14) सोवियत अतरिक्ष यान ने सोयूज [illegible] यात्रियों के साथ, परिक्रमा करने [illegible] के साथ डाक किया। **अप्रैल** 2. [illegible]

पर पश्चिम वर्जीनिया, संयुक्त राज्य अमेरिका में एक संस्थान में वहु–राष्ट्रीय रासायनिक संयंत्र में 221 सुरक्षा नियमों को भंग करने के लिए 13.8 लाख डालर (लगभग 1.7 करोड़ रुपए) का जुर्माना किया गया। (16) अर्जेंटीना ने वुएनोस एयर्स से अपनी राजधानी हटाकर केन्द्र में स्थित रिओ नीग्रो में राजधानी वनाने का निश्चय किया। (26) 18 वर्षीय मतवाती मयावाने में राजतिलक समारोह के साथ विश्व का सबसे कम उम्र का शासक वना। (29) मास्को ने चेर्नोविल विजली घर में न्यूक्लीय क्षरण की सूचना दी। **मई** 2. संयुक्त राज्य की 30 वर्षीय एन यैन्क्राफ उत्तर ध्रुव पहुंचनेवाली प्रथम महिला वन गई। (6) नार्वे में 47 वर्षीय महिला प्रधान मंत्री ग्रो हार्लास ब्रंटलैंड; निर्वाचित। **जून** 12. दक्षिणी अफ्रीका ने 1976 की सोवेतो आंदोलन की 10 वीं वर्षगांठ के ठीक पहले राष्ट्रव्यापी आपात स्थिति की घोषणा कर दी। **जूलाई** 15. वियतनामी कम्युनिस्ट पार्टी ने ले दुआन, की मृत्यु के वाद त्रुओंग चिन्ह नये उत्तराधिकारी वने। **अगस्त** 4. प्रधान मंत्री डा. महथिर मोहम्मद की नेशनल फ्रंट संयुक्त सरकार मलेशिया में पुनः सत्तारूढ़ हुई। (10) डा. जोक्युइन वाला गुएर ने डोमीनिकन गणराज्य के 64 वें राष्ट्रपति का पदभार संभाला। **सितम्वर** 1. हरारे, ज़िम्बाब्वे में निर्गुट आंदोलन का आठवां शिखर सम्मेलन शुरू हुआ। (22) सियोल में 10 वें एशियाड का प्रारंभ हुआ। **अक्तूबर** 12 जेवियर पेरेज़ द कुइयार, जनवरी 1987 से और 5 वर्षों के लिए संयुक्त राष्ट्रसंघ के महासचिव निर्वाचित किए गए। (16) सोवियत रूस ने अफगानिस्तान से अपनी सेनाएं हटाना प्रारंभ किया। (25) राष्ट्रपति रीगन ने घोषणा की कि ईरान को हथियार वेचने से प्राप्त लगभग 1 से 3 करोड़ डालर के मुनाफे का उपयोग निकारागुआ में चल रहे गुरिल्ला युद्ध के लिए अवैध रूप से किया गया। **दिसम्बर** 15. केलिफोर्निया के एडवर्ड्स [illegible]ायुसेना अड्डे से प्रयोगात्मक वायुयान 'वाजेयर' पुन; ईंधन [illegible]रने के लिए उतरे विना पृथ्वी की परिक्रमा करने अभूतपूर्व [illegible]ड़ान पर निकला।

1987 जनवरी 1. चीन में लोकतंत्र की और मज़वूती [illegible] लिए केम्पस प्रदर्शन। (16) चीन की कम्युनिस्ट पार्टी के [illegible]हासचिव हु यायोवेंग (72) ने इस्तीफा दिया; प्रधान मंत्री [illegible]ाऊ जियांग नए महासचिव वने। (21) समाजवादी पार्टी नेता [illegible]न्ज विरेन्टिज़की के नेतृत्व में आस्ट्रिया में नई सरकार ने [illegible]पथ ली। **फरवरी** 2. फिलिपींस के राष्ट्रपति कोराज़ान [illegible]क्विनों नए संविधान के लिए भारी जनमत से विजयी। [illegible]7) जापान ने अफ्रीकन नेशनल कांग्रेस को मान्यता दी। [illegible]19) श्रीलंका के राष्ट्रपति ने घोषणा की शांतिवार्ता केवल [illegible]रत की मौजूदगी में ही होगी। (21) पाकिस्तान के राष्ट्रपति [illegible]नरल ज़िया भारत आए। **मार्च** 1. पाकिस्तान के मुख्य [illegible]ाण्विक वैज्ञानिक डा. अब्दुल कादर खां ने लंदन से [illegible]काशित एक पत्र को दिए साक्षात्कार में खुलासा किया कि [illegible]किस्तान के पास एटम वम है। (3) संयुक्त राज्य भारत को [illegible] पर कंप्यूटर की विक्री के लिए राजी। (5) राष्ट्रपति रीगन [illegible] इरान शास्त्र सौदे में गलती को स्वीकार किया। (25) विली [illegible]ट ने पश्चिम जर्मनी की विपक्षी पार्टी सोशल डेमोक्रेट पार्टी [illegible] अध्यक्ष पद से त्यागपत्र दिया। **अप्रैल** 2. इटली के राष्ट्रपति कोसिंगा ने सोशलिस्ट नेता यैटिनो क्रोम्सी को दुबा[illegible] प्रधानमंत्री पद के लिए आमंत्रित किया क्योंकि पांच दलों [illegible] गठवंधन सरकार वनाने में असमर्थ रहा। (17) स्वीडि[illegible] राज्य रेडियो ने सूचना दी कि वोफोर्स ने भारत से सर्वाधि[illegible] वड़े हथियार सौदे को लेने के लिए भारतीय राजनीतिज्ञों [illegible] अधिकारियों को दलाली दी। (21) स्वीडन की सरकार [illegible] वोफोर्स द्वारा भारतीय राजनीतिज्ञों और अधिकारियों [illegible] रिश्वत देने के मामले की जांच का आदेश दि[illegible] (23) स्वीडन की वोफोर्स अस्त्र कंपनी ने भारत सरकार [illegible] वताया कि सौदे में किसी प्रकार की दलाली का भुगतान न[illegible] किया गया है। (29) कनाडा ने डा. कर्ट वाल्डहीम के आगम[illegible] पर प्रतिवंध लगाया। **मई** 7. दक्षिण अफ्रीका में राष्ट्रप[illegible] पी.डब्ल्यू. वोथा की नेशनल पार्टी चुनावों मे विजय[illegible] (9) संयुक्त राज्य में राष्ट्रपति चुनाव में डेमोक्रेटिक उम्मीदवा[illegible] गैरी हार्ट ने यौन घोटाले के कारण अपने को चुनावों से अल[illegible] किया। (14) फिजी में रक्तहीन सैनिक क्रांति के वाद सरका[illegible] का पतन; सेना के सिटिवेनी रेयुका (38) ने सत्ता हथिया[illegible] (18) स्वीडन के अर्थशास्त्री गुन्नार मिर्डाल (88) का निध[illegible] **जून** 1. लेवनान के प्रधान मंत्री रशीद करामी का हेलीकाप्[illegible] दुर्घटना में निधन। (12) ब्रिटेन में मारग्रेट थैचर की तीस[illegible] ऐतिहासिक चुनाव जीत। (18) वियतनाम में काम हुंग (7[illegible] फाम वोन डोंग की जगह नए प्रधान मंत्री। **जुलाई** 10. दक्षि[illegible] कोरिया के राष्ट्रपति ह्वान ने घोषणा की कि वे सत्ताधा[illegible] डेमोक्रेटिक जस्टिस पार्टी के अध्यक्ष पद से हट रहे है[illegible] **अगस्त** 1. मक्का में पुलिस के साथ संघर्ष में 200 इरानि[illegible] की मृत्यु। **सितम्बर** 1. श्रीलंका में तमिल क्षेत्रों में लिट्टे [illegible] नागरिक प्रशासन अपने कब्जे में लिया। (29) कर्नल रेयु[illegible] ने फिजी को प्रजातंत्र घोषित किया और देश में शासन के लि[illegible] अपने नेतृत्व में सैनिक परिषद का गठन किया। **अक्तूबर** [illegible] स्वीडन ने दक्षिण अफ्रीका से व्यापार पर प्रतिवंध लगाया [illegible] (11) महारानी एलिजावेथ (द्वितीय) ने फिजी के संविधान [illegible] परिवर्तन के प्रस्ताव को ठुकराया। (17) कामनवेल्थ ने फि[illegible] को सदस्यता से हटाने की घोषणा की। **नवम्बर** 2. चीन [illegible] झाऊ जियांग कम्युनिस्ट पार्टी के मुख्य वने। श्री सियाप[illegible] केन्द्रीय सैनिक आयोग के अध्यक्ष पर वने रहे [illegible] (7) ट्यूनिशिया के राष्ट्रपति हवीव वौरगिवा पद से हटाए ग[illegible] प्रधान मंत्री जिने ई अविदिन वेन अली ने राष्ट्रपति पद लिया [illegible] (18) चीन में उपप्रधान ली पेंग को झाऊ जियांग के स्था[illegible] पर प्रधान मंत्री चुना गया। **दिसम्बर** 1. अफगानिस्तान [illegible] नए संविधान के अंतर्गत डा. नजीवुल्लाह राष्ट्रपति निर्वाचित [illegible] (3) अंतरिक्ष यात्री यूरी रोमानेन्को (43) ने अंतरिक्ष में अप[illegible] ही देश के 300 दिन तक रहने के कीर्तिमान को तोड़ा [illegible] (20) रीगन और गोर्वाचेव ने वाशिंगटन में मध्यवर्ती श्रेणी [illegible] परमाणु प्रक्षेपास्त्रों को समाप्त करने के लिए ऐतिहासिक सं[illegible] पर हस्ताक्षर किए।

1988: जनवरी 13. चीन के राष्ट्रपति चिंग–चियांग[illegible] कुओ का दिल के दौरे से निधन। (17) निकारगुआ [illegible] राष्ट्रपति डेनियल ओरटगा ने आपातकाल समाप्त किया [illegible] **फरवरी** 16. जे.वी.पी उग्रवादियों ने श्रीलंका के विपक्षी नेत[illegible] विजय कुमारानातुंगा की गोली मार कर हत्या कर दी

20) संयुक्त राज्य अमरीका ने पी.एल.ओ. के संयुक्त राष्ट्र ऑब्जरवर मिशन को बंद किया । **मार्च** 11. वियतनाम के प्रधान मंत्री, फाम हुंग का निधन; इंडोनेशिया में सुहार्तो फिर राष्ट्रपति बने।(22) संयुक्त राज्य और सोवियत संघ ने आणविक युद्ध के खतरे को कम करने के लिए संचार केन्द्र खोले।(31) आस्ट्रेलिया के भूतपूर्व प्रधान मंत्री सर विलियम मक्मोहन का निधन। **अप्रैल** 8. जनरल येंग शांगकुन चीन के राष्ट्रपति निर्वाचित।(9) ली पेंग चीन के नए प्रधान मंत्री बने। (14) अफगान शांति के लिए जेनेवा समझौते पर हस्ताक्षर । **मई** 9. फ्रांस में राष्ट्रपति फ्रांसुआ मित्तरां दूसरे सत्र के लिए निर्वाचित। ईरान ने संयुक्त युद्धबंदी प्रस्ताव-598 को स्वीकारा।(26) सेन एल्विन बर्मा के सत्ताधारी सोशलिस्ट पार्टी के नेता और राष्ट्रपति निर्वाचित । **अगस्त** 12. बर्मा के राष्ट्रपति सेन ल्विन ने राष्ट्रपति और अन्य मुख्य पदों से त्यागपत्र दिया।(15) पराग्वे के राष्ट्रपति जनरल अल्फ्रेडो स्ट्रोसेसनर ने 8 वां कार्यकाल शुरू किया।(17) पाकिस्तान के राष्ट्रपति जिया-उल-हक का हवाई दुर्घटना में निधन।(20) संयुक्त राष्ट्र की मध्यस्थता में ईरान-इराक ने युद्ध बंद किया।(25) संयुक्त राष्ट्र प्रधान सचिव जेवियर पेरेज की मौजूदगी में ईरान-इराक में जेनेवा में प्रत्यक्ष बातचीत शुरू । **सितम्बर** 10. ली कुआन यू सिंगापुर के लगातार 7 वीं बार प्रधान मंत्री बने।(11) पश्चिम जर्मनी की उन्नीस वर्षीय स्टेफी ग्राफ यू एस ओपेन टेनिस एकल महिला चैंपियनशिप जीत कर ग्रैन्ड स्लैम पूरा करके टेनिस के इतिहास में तीसरी महिला हुई।(24) कनाडा के बेन जानसन ने 100 मीटर की दौड़ 9.79 सेकेण्ड के समय में पूरी कर अपने प्रतिद्वंदी कार्ल लुइस को पछाड़ा और विश्व के सबसे तेज धावक बने।(26) श्रीलंका के केन्द्रीय मंत्री लिओनेल जयतिलके की गोली मारकार हत्या।(27) मालदीव के राष्ट्रपति माउमून उब्दुल गयूम तीसरे कार्यकाल के लिए पद पर बने रहे। कनाडा के बेन जानसन से नशीली दवाओं के सेवन के आरोप में 100 मी की दौड़ में प्राप्त स्वर्ण पदक छीना गया । **अक्तूबर** 1. पश्चिम जर्मनी की स्टेफी ग्राफ ने ओलम्पिक महिला एकल टेनिस स्वर्ण पदक जीतकर ऐतिहासिक गोल्डेन प्राप्त किया। (28) डा. केनेथ काउन्डा, जिम्बाब्वे के राष्ट्रपति पद पर अगले 5 वर्षों के कार्यकाल के लिए दुबारा निर्वाचित। **नवम्बर** 3. 150 के करीब लोगों के एक दल ने समुद्री रास्ते से मालदीव की राजधानी पर आक्रमण कर दिया, भारतीय सैनिकों ने आक्रमण विफल कर दिया।(8) सलमान रशदी को उनकी पुस्तक 'सेटेनिक वरसेस' के लिये 1988 का व्हाइट ब्रेड पुरस्कार मिला। (9) संयुक्त राज्य के 8 वर्षीय रीगन प्रशासन में उपराष्ट्रपति रहे, जार्ज बुश राष्ट्रपति पद के लिए निर्वाचित।(15) पी.एल.ओ चेयरमेन यासर अराफात ने फिलिस्तीन को स्वतंत्र राष्ट्र घोषित किया। **दिसम्बर** 1. पाकिस्तान में आपातकाल हटा, राष्ट्रपति इशहाक खां ने बेनजीर भुट्टो को पाकिस्तान का प्रधान मंत्री नियुक्त किया।(4) कार्लोस एंड्रेज पेरेज वेनेजुएला में राष्ट्रपति चुनाव जीतकर देश के पहले दो कार्यकाल के लिए राज्याध्यक्ष बने।(13) नामीबिया की स्वतंत्रता और अंगोला में शान्ति के लिए ब्राज़ाविले में अंगोला-क्यूबा और दक्षिण अफ्रीका ने समझौते पर हस्ताक्षर किए, नामीबिया 1 अप्रैल 1989 को स्वतंत्र राष्ट्र हो जाएगा।(23) अल्जीरिया के राष्ट्रपति चारली बेजेडिड तीसरे कार्यकाल के लिए निर्वाचित।

1989: जनवरी 2. आर. प्रेमदास श्रीलंका के नए राष्ट्रपति ।(7) जापान के सम्राट हिरोहितो का निधन, अकिहितो नए सम्राट।(8) सोवियत संघ और अमेरिका द्वारा पेरिस सम्मेलन में रासायनिक हथियार नष्ट करने की घोषणा।(20) जार्ज बुश अमेरिका के 41 वें राष्ट्रपति । **फरवरी** 3. जनरल एंड्रेज रोड्रिगुएज़ नये राष्ट्रपति।(22) अफगानिस्तान से सोवियत सेना की वापसी पूर्ण । **मार्च** 3. डी.बी. विजयतुंग श्रीलंका के प्रधानमंत्री।(12) सूडान के प्रधानमंत्री सादिक अल मेंहदी का इस्तीफा।(14) दक्षिण अफ्रीकी नेशनल पार्टी ने बोथा को हटाकर क्लार्क को राष्ट्रपति बनाया । **अप्रैल** 2. फिलिस्तीन मुक्ति संगठन के नेता यासर अराफात फिलिस्तीन के राष्ट्रपति निर्वाचित। पेइचिंग में लोकतंत्र समर्थक आंदोलन, लाखों छात्र सड़कों पर ।(24) जोर्डन के राष्ट्रपति का इस्तीफा।(25) जापान के प्रधानमंत्री नोबोरू ताकेशिता का इस्तीफा । **मई** 15 पेइचिंग के थ्यानमन चौराहे पर हजारों चीनी छात्रों का प्रदर्शन।(19) पेइचिंग में मार्शल ला लागू। ईरान के धार्मिक नेता अयातुल्लाह रूहोल्लाह खुमैनी का निधन । राष्ट्रपति बुश ने चीन के खिलाफ सैनिक प्रतिबंध लगाए । **जून** 5 पोलैंड के चुनाव में "सोलिडेरिटी" की निर्णायक विजय। (20) राष्ट्रपति प्रेमदास द्वारा श्रीलंका में आपातकाल की घोषणा। (24) चाओ चिआंग के स्थान पर चाओ चेमिन को चीनी कम्युनिस्ट पार्टी का महासचिव बनाया गया । **जुलाई** 3 सोवियत संघ में पूर्व राष्ट्रपति आन्द्रेई ग्रोमिको का निधन (13) तमिल युनाइटेड लिबरेशन फ्रंट के शीर्ष नेताओं अमृतलिंगम और योगेश्वरन की कालम्बो में हत्या। **अगस्त** 15. एफ. डब्ल्यू डी क्लार्क ने दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति पद की शपथ ली। (17) पोलैंड के प्रधानमंत्री का इस्तीफा। **सितम्बर** 1 बेलग्राद में गुटनिरपेक्ष देशों के विदेश मन्त्रियों की बैठक। (28) फिलिपीन के भूतपूर्व राष्ट्रपति फर्डिनाड मार्कोस का निधन। **अक्तूबर** 3 श्रीलंका में पेरामुना के खिलाफ युद्ध विराम समाप्त। (23) हंगरी ने खुद को गणराज्य घोषित किया । **नवम्बर** 3 फीजी के अपदस्थ प्रधान मंत्री टिमादी अवादा का निधन। (10) बल्गारिया के राष्ट्रपति का इस्तीफा। (11) बर्लिन की दीवार गिराने का काम शुरू। (22) लेबनान के राष्ट्रपति कार बम विस्फोट में मरे । (24) चेकोस्लोवाकिया पोलित ब्यूरो और कम्यूनिस्ट पार्टी प्रमुख का इस्तीफा । एलियास हरौरी लेबनान के दसवें राष्ट्रपति बने । **दिसम्बर** 1 फिलीपीन्स में [illegible] विद्रोह विफल (3) पूर्वी जर्मनी के पोलित ब्यूरो का इस्तीफा (10) [illegible] में चेकोस्लोवाकिया की नई सरकार [illegible] ग्रहण [illegible] अंद्रेई सखारोव का निधन। [illegible] अमेरिकी सैनिक का हस्तक्षेप, नोरिएगा [illegible] देश छोड़कर भागते समय पकड़े [illegible] हजार मरे, चाऊशेस्कू [illegible] के अपदस्थ राष्ट्रपति [illegible] की। (29) चेकोस्लो[illegible] पहले गैर साम्यवादी [illegible]

सोवियत संघ में प्रेस स्वतंत्र

जनवरी 1990: 4. पनामा के अपदस्थ तानाशाह जनरल नोरियेगा संयुक्त राज्य अमरीका की हिरासत में। सोवियत संघ ने चेकोस्लोवाकिया से अपने 80,000 सैनिकों को वापस बुलाने की घोषणा की। **फरवरी** 2. अफ्रीकन नेशनल कांग्रेस पर 30 वर्षीय प्रतिबंध हटाया गया।(4) न्यूजीलैंड के रिचर्ड हैडली 400 विकेट लेने वाले विश्व के प्रथम खिलाड़ी बने। (7) पीटर पिटहार्ट चेक प्रधानमंत्री बने। सोवियत कम्युनिस्ट पार्टी ने राज्य में 72 वर्षीय राज समाप्त किया। (11) दक्षिण अफ्रीका के नेता नेल्सन मंडेला 28 वर्षों के बाद जेल से रिहा। (16) सैम नुजोमा नामीबिया के पहले राष्ट्रपति। **मार्च** 2. नेल्सन मंडेला अफ्रीकन नेशनल कांग्रेस के उप राष्ट्रपति निर्वाचित। (12) लिथुआनिया ने सोवियत संघ से अपनी स्वतंत्रता की घोषणा की। (14) श्रीमती अर्था पास्कल ट्राविल हैटी की प्रथम महिला राष्ट्रपति बनीं। (15) मिखाइल गोर्बाचेव ने सोवियत संघ के कार्यवाहक राष्ट्रपति की शपथ ली। (19) पूर्वी जर्मनी ने दोनों जर्मनियों के विलय के पक्ष में मत दिया। (20) नामीबिया को स्वतंत्रता अर्धरात्रि में। वैटिकन और सोवियत संघ में पूर्ण राजनैतिक संबंध स्थापित। (24) श्रीलंका से भारतीय शांति सेना का अंतिम जत्था वापस। (29) बाब हाक दुवारा आस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री निर्वाचित। **अप्रैल** 23. मिस्र में कंजरवेटिव न्यू डेमोक्रेसी पार्टी सत्तारूढ। कांस्टेंटिव मिट सोटाकिस नये प्रधानमंत्री। नामीबिया संयुक्त संघ का 160 वां सदस्य।(27) वायोलेटा कामोरा निकारागुआ के राष्ट्रपति। **मई** 11. बाल्टिक गणराज्यों के तीन राष्ट्रपतियों ने बैठक की और निर्णय लिया मास्को से अपनी स्वतंत्रता वापस लेने के लिये एक संयुक्त मोर्चा बनाया जाये। (22) उत्तरी एवं दक्षिणी यमन का विलय होकर यमन गणराज्य का अभ्युदय।(29) बोरिस येल्तसिन रशियन संघ के राष्ट्रपति निर्वाचित। **जून** 2. तीन दिवसीय सम्मेलन के उपरांत संयुक्त राज्य राष्ट्रपति बुश एवं सोवियत संघ राष्ट्रपति गोर्बाचेव शीत युद्ध की समाप्ति के लिये सहमत। **जुलाई** 1. पूर्वी एवं पश्चिम जर्मनी ने सीमा रेखा समाप्त की। पश्चिम जर्मनी की मुद्रा पूर्व जर्मनी में भी मान्य। **अगस्त** 1. सोवियत संघ ने प्रेस की स्वतंत्रता ए पत्रकारों के अधिकारों को स्वतंत्रता दी एवं सेंसर शि हटायी। (2) रातों रात आक्रमण करके इराक ने कुवै पर कब्जा किया। अमीर सऊदी अरब भाग गये। (5) इरा ने कुवैत में अपनी सहमति की सरकार स्थापित कर सैनिव को हटाना प्रारम्भ। (6) पाकिस्तान के राष्ट्रपति गुल इशाक खां ने बेनजीर सरकार को भंग कर दिया (25) संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने सदस्यों को कुवै आक्रमण पर इराक के विरुद्ध संयुक्त राष्ट्र प्रतिबंधों व लगाने के लिये बल प्रयोग की अनुमति दी। (28) इरा ने कुवैत को 19 वां प्रांत घोषित किया। **सितम्बर** 1. पश्चिमी -- पूर्वी जर्मनी एवं द्वितीय विश्व युद्ध के मित्र राष्ट ने जर्मनी की संयुक्त के लिये मास्को में एक संधि पर हस्ताक्षर किये। (20) एशियाई ओलंपिक समिति ने एशियाई खेलों में इराक के भाग लेने पर प्रतिबंध लगाया। (22) चीन की राजधानी बीजिंग में 11 वें एशियाई खेल प्रारम्भ। **अक्टूबर** 1. सोवियत संघ और दक्षिण कोरिया के बीच राजनैतिक संबंध कायम। (3) जर्मन संघीय गणराज्य (प. जर्मनी) और जर्मन लोकतांत्रिक गणराज्य (पू. जर्मनी) का विलय। **नवंबर** 6. श्री नवाज शरीफ ने पाकिस्तान के प्रधान मंत्री पद की शपथ ली। (12) जापान में महाराजा अकिहितो का सिंहासनारोहण। (19) नाटो और वार्सा समझौते के राष्ट्रों के बीच यूरोप में सैन्य कटौती संधि पर हस्ताक्षर के साथ शीतयुद्ध की समाप्ति। (22) प्रधानमंत्री मार्गेट थैचर ने पद से त्यागपत्र देने की घोषणा की। (28) जान मेजर ब्रिटेन के प्रधान मंत्री बने। (29) संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने इराक को कुवैत से 15 जनवरी 1991 तक हट जाने की चेतावनी दी। **दिसम्बर** 1. इंग्लिश चैनेल में 130 फीट नीचे समुद्र में ब्रिटेन और फ्रांस द्वारा चैनेल टनल परियोजना के पूर्ण होते ही ब्रिटेन शेष युरोप से जुड़ गया। (10) जर्मनी चुनावों में हेल्मट कोल फिर चुने गए वालेसा पोलैंड के राष्ट्रपति बने। (12) बंगलादेश के भूतपूर्व राष्ट्रपति इरशाद नजरबंद। (13) उत्तर व दक्षिण कोरियाई प्रधानमंत्रियों की एकीकरण पर वार्ता। (24) सूरीनाम के राष्ट्रपति रामसेवक शंकर को सेना ने हटाया।

इराक पर हमला

जनवरी 1991: 6. सद्दाम हुसैन ने सैनिकों से युद्ध के लिए तैयार रहने को कहा। (10) राष्ट्रसंघ के महासचिव डी. कुइयार मध्यस्थता के लिए बगदाद रवाना। (18) इराकी प्रक्षेपास्त्र इजराइल पर गिरे। अमेरिका की हवाई बमबारी में तेजी। (20) तुर्की अड्डों महत्वपूर्ण ठिकान पर हमले। (23) इराक द्वारा कुवैती तेल कूपों में आग संयुक्त राष्ट्र की इराक से फिर अपील। 13,000 भारती इराक और कुवैत में फंसे। इराकी सेनाएं सउदी अरब

घुसीं। (24) सहयोगी सेना के पोतों पर इराक द्वारा हमले का प्रयास । स. अरव में स्कड प्रक्षेपास्त्र गिराया गया। फ्रांस व कनाडा द्वारा भी हवाई वमवारी। (25) मित्र राष्ट्रों की सेना द्वारा कुवैती द्वीप पर कब्जा । 7 इराकी जेट विमान ईरान में उतरे । (27) सोमालिया में सरकार का तख्ता पलटा गया। (28) अमरीकी वायु सैनिक विमानों ने सहार (वंबई) हवाई अड्डे को तेल लेने के लिए प्रयोग किया। (30) इराकी सैनिकों का सऊदी शहर पर कब्जा । **फरवरी** 1. सऊदी सीमा पर 50,000 इराकी सैनिक जमा । (5) अमरीकी विमानों द्वारा वगदाद पर वमवारी। (12) 6000 से 7000 इराकी युद्ध में मारे गए । (13) वगदाद के एक आश्रयगृह पर हमले में 700 इराकी मरे । (15) इराक का सशर्त हटने का प्रस्ताव। (17) भारत में अमरीकी विमानों को तेल देना रोका गया। ईरान में ब्रिटिश और इटली दूतावासों पर हमले। (22) वुश ने इराक से 7 दिन के अंदर कुवैत छोड़ने को कहा। (24) सहयोगी सेना द्वारा जमीनी युद्ध आरंभ; 5500 इराकी सैनिक पकड़े गए । । वारसा संधि भंग। (26) इराक ने कुवैत से हटना आरंभ किया। पीछे हटती सेनाओं पर भी अमरीकी हमले । युद्ध-विराम असफलता पर संयुक्त राष्ट्र परिषद की वैठक । कुवैत फिर अमीर के नियंत्रण में । (27) इराक ने राष्ट्रसंघ की सभी शर्तें मानीं। मित्र राष्ट्रों की सेना दक्षिण इराक में घुसीं 50,000 से अधिक इराकी सैनिक वंदी वनाए गए। (28) खाड़ी में तोपें शांत हुईं। अमरीका ने सैनिकों की वापसी के लिए शर्तें रखी । वंगलादेश के चुनावों में वेगम खालिदा की पार्टी ने 140 सीटें जीतीं। **मार्च** 2. श्रीलंका के रक्षा राज्यमंत्री रंजन विजयरत्न व 29 अन्य कोलंवो में कार वम विस्फोट में मरे। (7) खाड़ी से अमरीकी और ब्रिटिश सैनिकों की वापसी शुरू। (14) कुवैत के अमीर लौटे । (15) अमरीकी सेना अचानक वगदाद की तरफ वढ़ी। (17) सोवियत संघ में चुनाव । (19) अधिसंख्य, सोवियत देश की एकता के पक्ष में। (20) वेगम जिया वंगलादेश की प्रधान मंत्री। **अप्रैल** 2. जार्जिया ने पृथक होने के लिए मतदान किया। (8) अल्वानिया चुनावों में कम्युनिस्ट विजयी; जार्जिया द्वारा स्वतंत्रता की घोषणा। (9) सोवियत सेना पोलैंड से हटनी आरंभ। (12) खाड़ी युद्ध औपचारिक रूप में समाप्त। (27) अंतरिक्ष शटल 'डिस्कवरी' फ्लोरिडा से छोड़ा गया। **मई** 7. अमेरिकी सेनाएं दक्षिण इराक से वापसी के अंतिम चरण में । (13) राष्ट्रपति वुश द्वारा रासायनिक हथियारों पर प्रतिवंध की घोषणा। (15) श्रीमती एडिथ क्रेसन फ्रांस की पहली महिला प्रधानमंत्री। (17) कोइराला नेपाल के प्रधानमंत्री। **जून** 1. यूरोप में हथियारों में कटौती । अमेरिका व सोवियत संघ में समझौते पर हस्ताक्षर। (8) वंगलादेश के भूतपूर्व राष्ट्रपति इरशाद को दस वर्ष की कैद । क्रोशियन संसद द्वारा स्वतंत्रता की घोषणा। **जुलाई** 1. स्टाइप मोसिक यूगोस्लाविया के राष्ट्रपति चुने गए। स्लोनेनिया में फिर युद्ध भड़का। (10) द. अफ्रीका विरव क्रिकेट में वापस। **अगस्त** 3. क्रोशिया में युद्ध-विराम। (16) सोवियत संघ में गोर्वाचेव अपदस्थ । येनायेव 8-सदस्यीय कमेटी के प्रमुख। आपातस्थिति की घोषणा। (21) गोर्वाचेव फिर सत्ता में । क्रांति विफल। (25) वेलोरशिया ने स्वतंत्रता की घोषणा की । कार्ल लुइस ने तोक्यो में 100 मीटर दौड़ का विरव रिकार्ड तोड़ा। (29) अज़रवेजान द्वारा स्वतंत्रता की घोषणा। **सितंवर** 2. वाल्टिक देशों के साथ अमेरिका ने राजनयिक संवंध स्थापित किए । (6) सोवियत संसद ने नई यूनियन वनाने के पक्ष में वोट दिया । (7) जार्जिया ने सोवियत संघ से संवंध तोड़े। भारत ने वाल्टिक राज्यों को मान्यता दी। तजाख द्वारा स्वतंत्रता की घोषणा । 10 सोवियत गणराज्यों द्वारा आर्थिक संघ पर रजामंदी। (19) वंगलादेश में खालिदा वेगम नई सरकार की नेता। **अक्तूवर** 1. हैती के राष्ट्रपति को देश निकाला। (8) विसवास वंगलादेश के नए राष्ट्रपति। (14) म्यांमार (वर्मा) की प्रतिपक्ष नेता आंग सान सू की को नोवेल शान्ति पुरस्कार मिला। (18) आठ सोवियत गणराज्यों ने आर्थिक संघीय संधि पर हस्ताक्षर किए। (22) जापान ने द. अफ्रीका पर से आर्थिक प्रतिवंध हटाए। (29) मियाजावा जापान के प्रधानमंत्री । **नवंवर** 2. विलुभ द्वारा जाम्बिया के राष्ट्रपति पद की शपथ। (11) चेचन (सोवियत संघ) द्वारा स्वतंत्रता की घोषणा। (19) वुतरोस घाली, संयुक्त राष्ट्र संघ के नए महासचिव वने। **दिसंवर** 3 टोगो के प्रधानमंत्री को वागियों ने गिरफ्तार किया । असद फिर सीरिया के राष्ट्रपति वने। विल्सन एमोती अलल्वानिया के प्रधानमंत्री। (20) पाल कीटिंग आस्ट्रेलिया के नए प्रधानमंत्री। (21) 11 सोवियत गणराज्यों द्वारा राष्ट्रकुल का गठन। (25) राष्ट्रपति मिखाइल गोर्वाचेव के इस्तीफे के साथ ही सोवियत संघ की समाप्ति।

1992: जनवरी 1. अमरीका ने कम्वोडिया पर से प्रतिवंध हटाए। (15) युरोपियन समुदाय ने क्रोएशिया व स्लोवेनिया को मान्यता दी । (20) झेलेव वल्गारिया के राष्ट्रपति चुने गए। (21) चीन और इज़राइल में राजनीतिक संवंध स्थापित। (27) भारत और इज़राइल में पूर्ण राजनयिक संवंध कायम । **फरवरी** 2. वुश और येल्तसिन ने शीत युद्ध की समाप्ति की घोषणा की । अराफात प्रणय-सूत्र में वंधे । (6) जे.आर.डी. टाटा को संयुक्त राष्ट्र संघ जनसंख्या पुरस्कार। (15) जापान ने शटल माडल छोड़ा। (17) अमरीका ने चीन पर से प्रतिवंध हटाए। **मार्च** 2. इराक ने कुवैत के चार हेलीकॉप्टर लौटाये । चीन ने परमाणु अप्रसार संधि पर हस्ताक्षर किये । (12) मारीशस गणराज्य वना। (16) विश्व विख्यात सिने-विभूति सत्यजीत रे को ऑस्कर एवार्ड । (19) खालिदा जिया वंगलादेश की प्रधानमंत्री। (23) पाकिस्तान विरव कप क्रिकेट चैंपियन। (26) वलात्कार के आरोप में टायसन को 6 वर्ष की कैद। **अप्रैल** 1. रूसी संघ समझौते पर हस्ताक्षर। (2) येलत्सिन ने विवादग्रस्त काला सागर स्थित वेड़े पर नियंत्रण किया। (8) वेरीशा अल्वानिया के नए राष्ट्रपति । [illegible] चुनाव में कंजरवेटिव पार्टी फिर सत्ता में। (12) ईरान [illegible] चुनाव में रफसनजानी विजयी। (14) लीविया के खिलाफ [illegible] राष्ट्र प्रतिवंध लागू । अफगानिस्तान में [illegible] परिषद ने सत्ता संभाली । नजीव राष्ट्र संघ कार्यालय में । [illegible]वुल्लाह को वाहर जाने की इजाजत। (21) [illegible] [illegible] के नजदीक । नजीव का प्रस्थान रुका। [illegible] वागियों द्वारा 50 सदस्यीय अंतरिम

युगोस्लाविया में लड़ाई भड़की।(25) बागियों का काबुल पर कब्जा ।अंतरिम सरकार बनी।(26) काबुल में सत्ता के लिए खूनी संघर्ष । मसूद की फौजों का राष्ट्रपति के महल पर कब्जा। पश्चिम एशिया शांति वार्ता का पाचवां दौर वाशिंगटन में ।मोजादीदी ने काबुल में सत्ता संभाली ।पाक ने नये शासन को मान्यता दी । भारत द्वारा अफगानिस्तान की नयी सरकार को मान्यता ।**मई** 2. सियरा लिओन में सरकार का तख्ता पलटा। (4) हिकमतयार फौजों का काबुल पर हमला। (6) बोस्निया में युद्ध-विराम का उल्लंघन । लेबनान के प्रधानमंत्री करामी का इस्तीफा। (7) ताजिकिस्तान के राष्ट्रपति नाबियेव भागे।(8) रूस ने अपनी सेना स्वयं बनायी। (11) ताजिकिस्तान में मिली-जुली सरकार।(12) दक्षिण अफ्रीका में अंतरिम सरकार बनाने पर समझौता।(13) सोल लेबनान के नए प्रधानमंत्री।(15) 6 राष्ट्रकुल देशों में सुरक्षा समझौता। (17) सरायेवो में युद्ध जारी।(21) अफगानिस्तान में मसूद और हिकमतयार में समझौता। बोस्निया, स्लोवेनिया तथा क्रोएशिया राष्ट्रसंघ के सदस्य बने। काबुल में फिर घमासान लड़ाई । (23) बोस्निया में फिर युद्ध भड़का। (31) अमेरिका द्वारा युगोस्लाव सम्पत्ति पर कब्जा करने के आदेश। सरायेवो में युद्ध-विराम। **जून** 1. राबूका फीजी के प्रधानमंत्री। रियो-दी-जेनीरो में पृथ्वी सम्मेलन शुरू । पावलाक पोलैंड के नए प्रधानमंत्री। युगोस्लाविया पर अमेरिकी व्यापार प्रतिबंध। (8) अनंद परयाचून थाइलैंड के नए प्रधानमंत्री। (13) रियो में वन संरक्षण के प्रस्ताव पर सभी देश सहमत। (29) अल्जीरिया के राष्ट्रपति बोदिआफ की हत्या । संयुक्त राष्ट्र द्वारा सरायेवो में सैनिक भेजने को मंजूरी। (30) मोल्डोवन सरकार का इस्तीफा ।रामोस ने फिलीपीन के राष्ट्रपति पद की शपथ ली। **जुलाई** 2. पेनिक युगोस्लाविया के प्रधानमंत्री। अली केफी अल्जीरिया के राष्ट्रपति बने । (9) मदर टेरेसा को यूनेस्को शांति पुरस्कार। (14) राबिन ने इज़राइली प्रधानमंत्री का पद सम्भाला। (15) अमरीका ने भारत को विकसित कंप्यूटरों की बिक्री पर प्रतिबंध लगाया। **अगस्त** 4 परमाणु परीक्षण पर प्रतिबंध पर अमरीकी सीनेट की हामी।(15) अफगान सरकार ने हिकमतयार को निष्कासित किया। (19) चीन और द. कोरिया में राजनयिक संबंध । **सितंबर** 17 युगोस्लाविया की सदस्यता खत्म करने का प्रस्ताव पारित। (22) ब्रिटेन और भारत ने प्रत्यार्पण संधि पर हस्ताक्षर किये। (23) युगोस्लाविया राष्ट्रसंघ से निष्कासित। ली डक वियतनाम के राष्ट्रपति चुने गए ।**अक्तूबर** 1. सऊदी सेनाओं द्वारा कतर सीमा चौकी पर कब्जा।(2) जर्मन के पूर्व चांसलर विली ब्रांट का निधन। **नवम्बर** 1. अंगोला की राजधानी लुआंडा की लड़ाई में 300 मरे।(4) डेमोक्रेट उम्मीदवार बिल क्लिंटन राष्ट्रपति चुनाव में विजयी। **दिसंबर** 1. द. कोरिया तथा द. अफ्रीका में राजनयिक सम्बंध।(4) सुरक्षा परिषद सोमालिया में सैन्य कार्रवाई पर सहमत।(9) चार्ल्स और डायना का अलग होने का फैसला। (24) सर्बिया के राष्ट्रपति पद पर मिलोसेविक पुनः विजय ।

1993:जनवरी 1. युरोपीय एकल बाजार प्रारंभ। चेक और स्लोवाक गणराज्यों का उदय हुआ। (2) हिकमतयार रब्बानी अफगानिस्तान के नए राष्ट्रपति बने। (4) अरप मो केन्या के राष्ट्रपति फिर से। (20) बी.जे. क्लिंटन अमेरिका के 42 वें राष्ट्रपति का पदभार संभाल (27) हावेल नए चेक राष्ट्रपति। **फरवरी** 2. भारत, मलेशि में रक्षा समझौते पर हस्ताक्षर।(3) दक्षिण अफ्रीका सरका और अफ्रीकी नेशनल कांग्रेस में राष्ट्रीय एकता सा सरकार के गठन पर समझौता । (21) किम द. कोरि के पहले असैनिक राष्ट्रपति बने।(26) आस्ट्रेलियाई टी के कप्तान एलन बार्डर ने टेस्ट क्रिकेट में सर्वाधि 10,122 रन बनाने का सुनील गावस्कर का रिकार्ड तोड़ा **मार्च** 5. बेन जानसन पर नशीली दवायें लेने के कारण प जीवन पर्यन्त प्रतिबंध। (7) मास्ट्रिख्ट संधि विधेयक प ब्रिटिश संसद में विरोध के कारण सरकार की हार (10) सुहार्तो फिर से इंडोनेशिया के राष्ट्रपति चुने गये (28) येलत्सिन के खिलाफ महा अभियोग प्रस्ताव गिरा **अप्रैल** 1. अमरीका ने भारत को 'सुपर-301' के तह कार्रवाई की धमकी दी। बोसनिया में युद्ध-विराम पर आंशि अमल।(20) श्रीलंका में विपक्षी नेता ललित अतुलतमुदली की कोलम्बो में हत्या।(28) डेमिरल तुर्की के नये राष्ट्रपति बने। जनसमर्थन से इरीटिया इथियोपिया से आजाद (29) स्टेफी ग्राफ के एक अर्धविक्षिप्त प्रशंसक ने मोनिका सेलेस पर हेमबर्ग में चाकू से हमला किया। **मई** 1. श्रीलंका के राष्ट्रपति प्रेमदास की कोलम्बो में बम विस्फोट में हत्या (9) बोसनिया में युद्ध-विराम किया गया। (14) एरीट्रिया नया राष्ट्र बना।(25) भारत, कजाख में कई समझौतों पर हस्ताक्षर। **जून** 1. यूगोस्लाव के राष्ट्रपति अपदस्थ कर दिये गये।(2) ग्वाटेमाला के राष्ट्रपति हटाये गये। कम्बोडिया के आम चुनावों में विपक्ष मजबूत। नेपाल में स्टाक एक्सचेंज बना। (3) कम्बोडिया में प्रिंस सिंहानुक ने सरकार बनायी। रामीरो ग्वाटेमाला के नए राष्ट्राध्यक्ष ।(7) बांग्लादेश के पूर्व राष्ट्रपति इरशाद व उनकी पत्नी को सात वर्ष की कैद।(14) कैम्पबेल, कनाडा की प्रथम महिला प्रधानमंत्री बनीं ।(18) अज़रबैजान के राष्ट्रपति राजधानी बाकू से भागे। **जुलाई** 1. जर्मनी द्वारा सीमा सील । (3) अमरीका के राष्ट्रपति बिल क्लिंटन द्वारा परमाणु परीक्षणों पर प्रतिबंध की घोषणा। (16) रूस ने भारत के साथ क्रायोजेनिक इंजन सौदा तोड़ा। (18) जापान में 43 वर्ष पुराना एल.डी.पी. का शासन समाप्त हुआ।(19) जापान के प्रधानमंत्री मियाजावा का इस्तीफा। एल.डी.पी. संकट जारी। **अगस्त** 2. ब्रिटिश सरकार द्वारा मास्ट्रिख्ट संधि की पुष्टि। (17) होसोकावा, जापान के नए प्रधानमंत्री।(18) अमेरिका ने सूडान को 'आतंकवाद को बढ़ावा देने वाला' राष्ट्र घोषित किया।(29) ओंग टेंग चिओंग सिंगापुर के नए प्रधानमंत्री। **सितंबर** 2. अमरीका और रूस ने संयुक्त अंतरिक्ष अनुसंधान तथा ऊर्जा विकास को बढ़ावा देने के समझौते पर हस्ताक्षर किये। (7) भारत चीन में नियंत्रण रेखा का पालन करने को लेकर ऐतिहासिक समझौता। (9) इजराइल और फिलिस्तीन मुक्ति मोर्चे ने एक दूसरे को मान्यता दी। (13) फिलिस्तीनियों को स्वतंत्रता मिली। (16) जार्जिया में युद्ध भड़का। (21) येलत्सिन ने संसद भंग की।(23) येल्तसिन ने संसद

की संपत्ति कब्जे में ली। जून 12 को राष्ट्रपति चुनाव की घोषणा। **अक्तूबर** 1. संयुक्त राष्ट्र की जांच टीम इराक पहुंची। (3) आपातकाल आरंभ होने से मास्को में हिंसा। टी.वी. स्टेशन पर कब्जा।(4) मास्को में सेना की कार्रवाई के बाद रुत्सकोई, खसबुलातोव का समर्पण। आठ घंटे की इस कार्यवाही में 500 व्यक्ति गिरफ्तार।(5) मिस्र के राष्ट्रपति होसनी मुबारक तीसरी बार फिर राष्ट्रपति बने।(8) भारत द्वारा द.अफ्रीका पर से 47 वर्ष पुराना व्यापार प्रतिबंध समाप्त।(11) भारत–रूस मैत्री संधि। यूनान में पपेंद्रियू फिर सत्ता में। (15) नेल्सन मंडेला और डी. क्लार्क को नोबेल शांति पुरस्कार। (18) पालक पोलैंड के नए प्रधानमंत्री। (19) जे.के.एल.एफ. के अध्यक्ष अमानुल्लाह ब्रुसेल्स में गिरफ्तार।(26) कनाडा के चुनावों में लिबरल पार्टी विजयी। **नवंबर** 6. न्यूजीलैंड में संपन्न चुनावों में किसी पार्टी को बहुमत नहीं। (17) न्यूजीलैंड में कंजरवेटिव पार्टी फिर सत्ता में।(22) भारत और दक्षिण अफ्रीका ने 39 वर्षों के बाद राजनयिक संबंध फिर बहाल हुए। (29) भारतीय उद्योगपति जे.आर.डी.टाटा का जेनेवा में निधन। **दिसंबर** 4. अमेरिका और यूरोपीय समुदाय में 'गैट' विश्व बाजार समझोतों पर सहमति। (23) अमरीका ने क्यूबा के राष्ट्रपति फिदेल कास्त्रो की विद्रोही पुत्री अलीना फर्नांडीस रह्यवुअल्टा को शरण देने की घोषणा की।

1994: जनवरी 2 अमरीका को कंप्यूटर युग में प्रवेश कराने वाले वैज्ञानिक थामस वाटसन का निधन। (3) फिलिस्तीनी मुक्ति संगठन ने फिलिस्तीन–जार्डन समझोते को मंजूरी दी; फिजी के पूर्व प्रधानमंत्री राजू सर कमियासे मारा को देश का नया राष्ट्रपति चुना गया। **फरवरी** 1. भारत–जर्मनी के बीच प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में साझेदारी के लिए एक समझौता हुआ।(4) अमरीका ने विवादास्पद प्रेसलर कानून रद्द करने का फैसला किया। अमरीका ने वियतनाम के विरूद्ध व्यापारिक प्रतिबंध हटाया ।(10) इजराइल और फिलिस्तीनी मुक्ति संगठन के बीच पश्चिमी तट में गाजा और जेरिको से इजराइली सेना हटाए जाने तथा फिलिस्तीनी स्वशासन के संदर्भ में एक समझौता हुआ। अमरीका ने पूर्व यूगोस्लाविया से अलग हुए गणराज्य मेसीडोनिया को 'नाटो' का सदस्य देश युनान की नाराजगी के बावजूद मान्यता दी। (26) इस्राइल अधिकृत पश्चिमी तट में फिलिस्तीनी नमाजियों की हत्या की घटना के बाद इजराइल फिलिस्तीनी मुक्ति मोर्चा के बीच जारी वार्ता खटाई में पडी। **मार्च** 5. अफगानिस्तान में पूर्वी प्रांत लावमान में राष्ट्रपति बुरहानुद्दीन रब्बानी और प्रधानमंत्री हिकमतयार के समर्थक गुटों के बीच संघर्ष में 24 लोग मरे और 40 घायल। (20) पाकिस्तान ने बंबई स्थित अपना वाणिज्य दूतावास को बंद करने की घोषणा की। (24) मैक्सिको में राष्ट्रपति पद के सशक्त प्रत्याशी लुई डोनाल्ड कोलोसियों की तिजुआना में चुनाव प्रचार के दौरान गोली मारकर हत्या।(29) इटली के आम चुनाव में अरबपति व्यापारी सिल्वियो बर्लुसकोनी के दक्षिणपंथी गठबंधन ने विजय प्राप्त की। **अप्रैल** 3. युगांडा के राष्ट्रपति योवेरी मुसेवनी की सत्तारूढ नेशनल रजिस्टेंट मूवमेंट की नयी संविधान सभा के चुनावों में बहुमत प्राप्त हुआ।(7) रवांडा के राष्ट्रपति जुवेनल हेबरिमान एवं बुरुंडी के राष्ट्रपति सिप्रियन नतार्यामीरा किगली हवाई अड्डे के पास एक हवाई हमले में मारे गये। (22) जापान में सत्तारूढ गठबंधन ने दो सप्ताह की गहमागहमी के बाद विदेश मंत्री सुतोम हाता को प्रधानमंत्री बनाया। **मई** 3. दक्षिण अफ्रीका के आम चुनाव में अफ्रीकी नेशनल कांग्रेस की विजय। (7) अरकंसास राज्य के एक पूर्व सरकारी कर्मचारी सुश्री पोला कार्बिन ने अमरीकी राष्ट्रपति बिल क्लिंटन के विरुद्ध यौन शोषण का मुकदमा दर्ज किया। (10) डा. नेल्सन मंडेला ने दक्षिण अफ्रीका के प्रथम अश्वेत राष्ट्रपति के रूप में पद की शपथ ली। (22) हेती के खिलाफ संयुक्त राष्ट्र ने व्यापार प्रतिबंध लागू किया। (28) ब्रिटेन सरकार ने 1982 में इजराइल के खिलाफ लगाये हथियार प्रतिबंध हटाया। **जून** 1. संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में यमन में युद्ध विराम कर गृह युद्ध समाप्त करने पर वार्ता शुरू। (25) जापानी प्रधानमंत्री हाता ने इस्तीफा दिया।(29) जापान में सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी के अध्यक्ष तोमिची मूरायामा प्रधानमंत्री पद के लिए चुने गये। **जुलाई** 1. रोमान हर्जोग को जर्मनी के नये राष्ट्रपति की शपथ दिलायी गयी। (9) उत्तर कोरिया के राष्ट्रपति किम इल सुंग का निधन। फिलिस्तीनी मुक्ति संगठन के अध्यक्ष यासर आराफात 27 वर्षों का निर्वासित जीवन जीने के बाद गाजापट्टीआये। (13) उत्तर कोरिया में किम जोंग इल को देश की सत्तारूढ़ वर्कर्स पार्टी, सरकार और सेना का प्रमुख बनाया गया। (18) रवांडा देशभक्त मोर्चे ने पास्तूर बिजिमुंगू को देश का नया राष्ट्रपति नामजद किया। (20) बेलारूस के पहले निर्वाचित राष्ट्रपति अलेक्जेंडर लकाशेंको ने अपने पद की शपथ ली। (25) जॉर्डन के शाह हुसैन और इजराइल के प्रधानमंत्री यित्जाक राबिन ने वाशिंगटन में एक ऐतिहासिक घोषणा पत्र पर हस्ताक्षर किये। **अगस्त** 3 बंगलादेश की लेखिका तस्लीमा नसरीन ने दो माह तक भूमिगत रहने के बाद ढाका में उच्च न्यायालय की एक खंडपीठ के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया। (4) जार्डन और इजराइल ने आपसी समझौते के तहत 46 वर्ष बाद सीमा बंधन तोड़े। (10) बंगलादेश की लेखिका तस्लीमा नसरीन स्वदेश छोड़ने की अनुमति लेकर स्वीडन पहुंची। (19) श्रीलंका में पीपुल्स एलायंस की सुश्री चंद्रिका भंडारनायके कुमारतुंगा के नेतृत्व में 20 संसदीय साझा मंत्रिमंडल को पद और गोपनीयता की शपथ दिलायी गयी। (22) सोमालियाई उग्रवादियों ने द प सोमालिया में संयुक्त राष्ट्र शांति सेना पर हमला; 6 जवान घायल हुए। (28) मैक्सिको में राष्ट्रपति पद के चुनाव में अर्नेस्टो जेदिलो विजयी। **सितंबर** 7 भारत और वियतनाम ने हनोई में चार समझौतों पर हस्ताक्षर किये। (19) हेती के सैनिक शासकों द्वारा सत्ता छोड़ने पर आखिरी क्षण रजामंदी जाहिर किये जाने के बाद अमरीकी हमले का खतरा टला। (29) अमरीका में रूसी दूतावास पुनः खुला। (30) सुरक्षा परिषद ने हेती से प्रतिबंध उठाने संबंधी प्रस्ताव को पारित कर दिया। **अक्टूबर** 3. भारत ने सुरक्षा परिषद की स्थायी सदस्यता के लिए औपचारिक रूप से अपना दावा पेश किया (4) पनामा के पूर्व तानाशाह मैनुअल नोरियगा को 20

ने संयुक्त राष्ट्र सहिष्णुता वर्ष तथा महात्मा गांधी की 125 वीं जयंती के सिलसिले में अहिंसा तथा सहिष्णुता के संवर्धन के लिए एक पुरस्कार की स्थापना की। (18) जार्डन और इस्राइल ने 46 वर्ष पुराने युद्ध को समाप्त कर पश्चिम एशिया में शांति कायम करने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम उठाया। (22) भारत और चीन ने सीधे बैंकिग संबंध स्थापित करने, राजनयिकों और अधिकारियों. पासपोर्ट धारकों के लिए व वीसा प्रक्रिया आसान बनाने के लिए सहमति के दो करारों पर पेइचिंग में हस्ताक्षर कर द्विपक्षीय संबंधों में एक बड़ी रुकावट दूर की। (23) भारत और चीन ने पेइचिंग में द्विपक्षीय आर्थिक सहयोग को 'नया रुप' देने का निर्णय किया। (26) इजराइल और जार्डन के बीच अरावा क्रांसिग पर बहुप्रतीक्षित शांति संधि सम्पन्न हो गयी। (28) मर्टिन लूथर किंग की पत्नी कोरेटा किंग को न्यूयार्क में गांधी विश्व एकता पुरस्कार प्रदान किया गया। **नवंबर** 7 ताजिकिस्तान के राष्ट्रपति पद का चुनाव जीता। (9) अमरीकी संसद के दोनो सदनों पर रिपब्लिकन पार्टी विजयी हुई। भारत को संयुक्त राष्ट्र के सामाजिक और आर्थिक परिषद के लिए 9 वीं बार सदस्य चुना गया। पाकिस्तान संयुक्त राष्ट्र अंतर्राष्ट्रीय सुरक्षा समिति के सामने कश्मीर पर समर्थन न मिलने से प्रस्ताव पेश न कर सका। (13) चंद्रिका कुमारतुंग के राष्ट्रपति बनते ही लिट्टे का युद्धविराम घोषित। (17) अंतर्राष्ट्रीय सदभाव के लिए वर्ष 1992 का जवाहरलाल नेहरु पुरुस्कार कनाडा के मांरिस एफ. स्ट्रांग को दिल्ली में प्रदान कर सम्मानित किया गया। (19) भारत की 21 वर्षीय सुंदरी एश्वर्य राय को सनसिटी, दक्षिण अफ्रीका में मिस वर्ल्ड चुना गया। (20) आयरलैंड में वर्टी एडर्न सर्वसम्मति से प्रधानमंत्री बने। अंगोला सरकार और यूनिटा विद्रोहियों के बीच 19 साल से जारी संघर्ष की समाप्ति के लिए लुसाका में शांति संधि हुई। (21) गिरिजा प्रसाद कोइराला ने नेपाल के प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा दिया। (23) जाने माने उद्योगपति स्वराज पाल को सामाजिक सेवा के लिए ब्रिटेन की हाउस आफ कांमन्स ने सम्मानित किया। (27) इजराइल ने जार्डन के साथ राजनयिक संबंध स्थापित करने की घोषणा की। (28) उक्रेन में संपन्न राष्ट्रपति पद के चुनाव में दोनों उम्मीदवारों अल्बर्टो वोलोट तथा जूलियो मारिया सांगुनट्टी को बराबर मत मिले। (29) नेपाल में कम्युनिस्ट पार्टी (एकीकृत मार्क्स लेनिनवादी पार्टी) के अध्यक्ष मनमोहन अधिकारी को देश का प्रधानमंत्री नियुक्त किया गया। **दिसंबर** 2. अमरीकी सीनेट ने व्यापार और तटकर पर आम समझोते 'गैट' को मंजूरी दी। (3) अंतर्राष्ट्रीय न्यायाधिकरण ने यूनियन कार्बाइड के पूर्व अध्यक्ष वारेन एंडरसन को भारत लाकर मुकदमा चलाने संबंधी फैसला दिया। (8) स्विट्जरलैंड की संसद ने रक्षामंत्री कैस्पर विलिगार को वर्ष 1995 के लिए देश का राष्ट्रपति निर्वाचित किया। जापान की पार्लियामेंट के ऊपरी सदन ने 'गेट' समझौते को पारित किया। (14) नामीबिया में सैम नुयोमा दुवारा राष्ट्रपति चुने गये। (28) रूसी विमानों ने अपने एक गणराज्य चेचन्या पर बमवारी की।

टोक्यो में आतंकवाद

..री 1995:1. उरुग्वे राउंड में 85 देशों के हस्ताक्षर के साथ विश्व व्यापार संगठन प्रभावी हो गया। ..डेन में दो बार प्रधानमंत्री रह चुके जेड़ बेन शाकर ... सलाम मजाली के त्यागपत्र देने से एक बार फिर ..कार बनायी (26) इटली में लम्बर्ट डिनी को विश्वास मत प्राप्त; (31) सुरक्षा परिषद ने हैटी में काम करने के लिये नयी संयुक्त राष्ट्र बल को मंजूरी दी।

फरवरी 1. मोरक्को में किंग हसन ने विपक्षी दलों के दबाव से कारण सरकार भंग की। अब्देल लारिफ प्रधानमंत्री बने रहे। (6) (22) उत्तरी आयरलैंड में विवाद को अंत करने के लिये ब्रिटेन के प्रधानमंत्री जान मेजर व आयरलैंड के प्रधानमंत्री जान ब्रटोन ने समझौते पर हस्ताक्षर किये।

मार्च 20 टोक्यो के ओम शिन्री क्यो के गैस हमले से आतंक फैला, 12 जापानी मरे व 5000 घायल हुए। (23) इटली के पूर्व मंत्री रिनेटो रुगैरिया डब्ल्यू.टी.ओ. के डायरेक्टर जनरल बने।

अप्रैल 14 विनी मंडेला की पार्लियामेंट सदस्यता समाप्त। (15) मानवता उद्देश्य के लिये संयुक्त राष्ट्र द्वारा आंशिक तेल बेचने का प्रस्ताव इराक को मंजूर। (16) पाकिस्तान में 12 वर्षीय इसाई बालक इम्बाल समीह जिसे पाकिस्तान में बाल श्रमिक की बुराइयों को उजागर करने से विश्व ख्याति मिली थी की गोली मारकर हत्या। (27) इजराइल व सीरिया के बीच वाशिंग्टन में शांति वार्ता शुरु।

मई 1. सार्क ने साप्टा का अनुमोदन किया डेवलपमेंड फंड की स्थापना; अमरीका ने इरान से व्यापारिक संबंध समाप्त किये। (8) जैक्विस शिराक फ्रांस के नये राष्ट्रपति बने। (18) पूर्वी जेरुसलम में इजराइल द्वारा समस्त अरब भूमि पर कब्जा करने की योजना पर संयुक्त राष्ट्र की आलोचना को अमरीका ने वीटो किया। (23) इजराइल में अरब प्रभुत्व वाले दलों में यित्झाक राबिन को पूर्वी जेरुसलम में 100 एकड़ भूमि को जब्त करने की कार्यवाही रोकने पर मजबूर किया। (25) संयुक्त राज्य अमरीका के वैज्ञानिकों को पहली बार जीवित जीव के डी.एन.ए. को डिकोड करने में सफलता मिली। (26) संयुक्त राष्ट्र सुरक्षित क्षेत्रों पर सर्बो के आक्रमण पर नाटो के युद्धक विमानों ने सर्ब ठिकानों पर बमबारी की; नाटो की बमबारी का बदला लेने के लिये सर्ब विद्रोहियों ने 200 संयुक्त राष्ट्र: शांति रक्षकों को बंधक बनाया। **जून** 1. दक्षिणी चीनी सागर में स्पार्टलीज आइसलैंड

समूह पर कब्जे का विवाद चीन, फिलीपींस, ताइवान, वियतनाम, ब्रुनाई और मलेशिया के दावे को लेकर गहरा गया। (13) 377 बंधक बने संयुक्त राष्ट्र शांति रक्षकों में से 126 छुड़ाये गये। (19) रूस के दक्षिणी शहर बुडेन में बंधको का 6 दिनों का नाटक चेचन विद्रोहियों द्वारा शेष बंधको को छोड़ देने से समाप्त हो गया। (20) चेचन विद्रोहियों ने बंधकों के अंतिम दल को छोड़ कर चेचन्या में प्रवेश कर लिया। (22) जान मेजर ने सत्तारूढ़ दल कंजर्वेटिव पार्टी के अध्यक्ष पद से पार्टी में गुटबंदी के कारण त्यागपत्र दिया।(27) कत्तर में रक्तहीन सैनिक क्रांति में युवराज शेख हमदबिन–अल थानी ने अपने पिता को सत्ताच्युत कर स्वंय सत्ता संभाल ली;

जुलाई 4. जान मेजर ने कंजर्वेटिव पार्टी के अध्यक्ष पद के चुनाव में अपने प्रतिद्वंदी जान रेडवुड को 218–89 मतों से पराजित किया। (12) अमरीका के राष्ट्रपति ने वियतनाम के साथ पूर्ण संबधों के बहाल करने की घोषणा की (27) संयुक्त राष्ट्र महासचिव बुतरोस घाली ने सर्ब विद्रोहियों पर संयुक्त राष्ट्र शांति सेना द्वारा बमबारी करने को कहा। (28) वियतनाम एशियान का सदस्य बना।

अगस्त 1. हबल दूरबीन ने शनि के एक और चंद्रमा की खोज की। (5) दक्षिण कोरिया ने केनवेराल से अपना पहला दूरसंचार उपग्रह प्रक्षेपित किया। (6) विश्व ने हिरोशिमा–नागासाकी पर अमरीका द्वारा परमाणु बम गिराये जाने के 50 (15) साओ टोमे एवं प्रिंसिप में रक्तहीन सैनिक क्रांति में राष्ट्रपति मिगुएक ट्रोवोडा को गिरफ्तार करके पांच सदस्यीय सेना ने सत्ता पर कब्जा किया। (28) नेपाल में उच्च न्यायालय ने 13 जून को 205 सदस्यों की नेपाली संसद को भंग करने को गलत ठहराते हुए इसे बहाल करने के आदेश दिये।

सितंबर 4. फ्रांस ने मुरोरा एटाल पर परमाणु परीक्षण किया। (12) एम. शेरबहादुर देवबा ने नेपाल के प्रधानमंत्री पद की शपथ ली। (15) 190 देशों ने बीजिंग घोषणा को स्वीकार किया; बोस्नियन सर्बो ने नाटो द्वारा सप्ताह तक चले बमबारी के परिणाम स्वरूप सर्जीवों के क्षेत्र से अपने भारी तोपों को हटाने का फैसला लिया। (18) शेर बहादुर देवबा को नेपाली संसद में विश्वास मत प्राप्त। (24) ताबा, मिस्र में इजराइल और फिलीस्तीन मुक्ति मोर्चा 8 दिनों की वार्ता के बाद वेस्ट बैंक में फिलीस्तीनी स्वंय शासन को विस्तार देने के राजी। **अक्तूबर** 2. बंगलादेश की सरकार ने साप्टा का अनुमोदन किया। (9) म्यानमार की नेशनल लीग फार डेमोक्रेसी की नेता आंग सान सू ची जो 6 वर्षो की नजरबंदी के बाद फिर दल की सचिव बनीं। (24) न्यूयार्क में संयुक्त राष्ट्र के 50 वर्ष पूरे होने पर विशेष अधिवेशन प्रारंभ; (25) दी कार्फ्रेंस कमेटी आफ दी हाउस आफ रेप्रेजेंटेटिव व दी स्टेट आन दी फारेन आपरेशन एप्रोप्रियेशन ने बहुमत से सीनेट के ब्राउन संशोधन जो कि प्रेसलर संशोधन को समाप्त करता है के निर्णय को अनुमोदित कर दिया।

नवंबर 5 इजराइल के प्रधानमंत्री यित्झाक राबिन की हत्या। (6) एडवर्ड शेवर्डनाड्जे जार्जिया के पुनः राष्ट्रपति बने। (11) नाइजीरिया को अंतर्राष्ट्रीय सुझावों पर ध्यान न देने और संगठन के सिद्धांतों की अवहेलना करने पर कामनवेल्थ से निष्कासित किया गया।

दिसंबर 1. नाटो देश स्पेन के विदेश मंत्री श्री जैरेस सोलाना को सेक्रेटरी जनरल बनाने पर सहमत। (2) श्रीलंका की सेना ने जाफना फोर्ट पर कब्जा किया ; (3) श्रीलंका की सेना ने जाफना फोर्ट पर राष्ट्रीय झंडा फहराया; (4) अमरीका ने युनाइटेड नेशन इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट आर्गनाइजेशन से अलग होने की घोषणा की। (12) बोस्निया हर्जेगोविना में पार्लियामेंट आफ मुस्लिम–क्रोएट्स ने बहुमत से डायटन के शांति समझौता को स्वीकार करने के पक्ष में मत दिया; (14) पूर्व युगोस्लाविया के नेताओं ने पेरिस में बोस्नियन शांति समझौते पर हस्ताक्षर किये। (16) 15 युरोपियन संघ देशों के नेताओं ने योजना बनायी कि एक समान मुद्रा यूरो मानी जाये। (20) पी.एल.ओ. व हमस हिंसा का सहारा लिये बिना अपने मतभेद सुलझाने को तैयार। (22) इजराइल ने वेस्ट बैंक का क्षेत्र खाली कर इसे फिलीस्तीन नियंत्रण में दिया। (24) पी.एल.ओ. नेता यासर अराफात ने सेल्फ रूल पैलेस्टिनियन अथारिटी को भंग किया; रेने प्रेवेल हैटी के नये प्रेसीडेंट बने; चेचन्या में मास्को द्वारा चुनाव कराने की कोशिश से विद्रोह भड़का; रूसी बलों ने गुडर्मेस पर कब्जा किया।

जी-8 में रूस शामिल

जनवरी 1996 : 8. फ्रांस के पूर्व राष्ट्रपति फ्रांसुआ मित्तेरां 79 वर्ष की आयु में निधन। 11. रुयातारो हाशिमोतो जापान के नये प्रधानमंत्री। 16. पुर्तगाल में समाजवादी अधिवक्ता जोर्गे सैमपाइओ राष्ट्रपति निर्वाचित। 20. फिलिस्तीनियों ने स्वशासित क्षेत्र में अपना नेता चुनने के लिये मतदान का कार्य प्रारंभ किया; 25. यूरोप की 8 देशों की परिषद में रूस को भी शामिल कर लिया गया।

फरवरी: 12. भारत व नेपाल ने दो समझौतों पर हस्ताक्षर किये। जिसमें महाकाली नदी से पानी व विद्युत की भागेदारी भी है; सेंट्रल गाजा में व्हाइट हाउस में यासर अराफात ने राष्ट्रपति पद की शपथ ली। 16. इजराइल के प्रधानमंत्री ने फिलीस्तीनी राज्य की स्थापना से इंकार किया। 28. प्रिंसेस डायना, तलाक के लिये सहमत; इटली के सबसे शक्तिमान उद्योगपति गियान्नी अग्नेली ने 30 वर्ष के बाद फियेट की चेयरमैनी सिजरी रोमिटि को दी। -

मार्च: 1. अंगोला सरकार व इसके [illegible]

संयुक्त सरकार बनाने और जुलाई तक अपनी शक्तियों का विलय कर नयी राष्ट्रीय सेना के गठन पर सहमति। 3. बंगलादेश में प्रधानमंत्री खालिदा जिया ने बिना पार्टी की सरकार के तत्वाधान में चुनाव कराने की पेशकश की; स्पेन में प्रधानमंत्री फेलिपो गोंजालेज कंजर्वेटिव पार्टी के युवा नेता मारिया अजनेर से मत विभाजन में हारे; तुर्की में मेसुट यिलमाज और टांसु सिलर गठबंधन की सरकार बनाने को सहमत; 91 वर्षीय डेंग जियोपिंग चीन के राष्ट्रपति निर्वाचित। 9. पुर्तगाल में समाजवादी जोर्गे साम्पियो राष्ट्रपति बने। 11. आस्ट्रेलिया में लिबरल पार्टी के नेता दान हावर्ड 25वें प्रधानमंत्री बने; दक्षिण कोरिया के दो पूर्व राष्ट्रपतियों डू ह्वान, और रोह टेइ वू पर विद्रोह व पीड़ित करने के आरोप पर मुकदमा प्रारंभ। 17. लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम में विल्स क्रिकेट विश्व कप के फायनल में श्रीलंका ने आस्ट्रेलिया को हरा दिया।। 19. नेल्सन मंडेला के विनी के साथ 38 वर्षीय वैवाहिक संबंध समाप्त; जिम्बाबवे में राष्ट्रपति राबर्ट मुगाबे छह वर्ष के अगले कार्यकाल के लिये निर्वाचित; चार वर्षों से विखंडित सारजीवो चार सर्ब क्षेत्रों के क्रा शिया संघ विलय हो जाने से एक हुआ। 22. फ्रांस ने नेपोलियन बोनापार्ट के शासन की 200वीं वर्ष गांठ मनायी। 23. ताईवान में प्रथम प्रत्यक्ष राष्ट्रपति चुनाव में राष्ट्रपति ली टेंग हुई भारी बहुमत से विजयी। 29. सियरा में सैनिक सरकार हटी अहमद तेजान कवाश नये राष्ट्रपति बने; म्यांमार में नेशनल कनवेन्शन में भविष्य में संसद में सेना को प्रतिनिधित्व देने का निर्णय लिया। 30. बंगलादेश के प्रधानमंत्री खालिदा जिया ने त्यागपत्र दिया। संसद भंग।

अप्रैल: 2. रूस और बेलारूस राजनीति व आर्थिक संघ बनाने को सहमत;। 3. यूरोपीय संघ ने मैड काऊ बीमारी पर काबू पाने के लिए 47 लाख ब्रिटेन की गायों को मार डालने का निर्णय लिया। 8. यूगोस्लाविया और मासिडोनिया में राजनयिक संबंध स्थापित। 10. कंबोडिया और वियतनाम में सीमा विवाद सुलझा। 12. दक्षिण कोरिया में सत्ता धारी राष्ट्रपति किम के नेतृत्व में न्यू कोरिया पार्टी अल्पमत में। 16. पुर्तगाल [illegible]ार ने समलिंगियों को विवाह करने की इजाजत दी। [illegible] नाइजीरिया मे सर्वोच्च मुस्लिम अधिकारी इब्राहिम डासुकी [illegible] न अपदस्थ किया। मोहम्मद माक्किडो ने पद संभाला। [illegible]1. अमरीका रूस ने सितंबर 1996 में सी.टी.बी.टी. पर हस्ताक्षर करने के अपने संकल्प को दुहराया; चेचन्या के विद्रोही नेता जोखर डुडायेव रूसी सेना के मिसाइल आक्रमण में मारे गये। 23. इटली के आम चुनाव में सेंट्रल लेफ्ट ओलिव ट्री ब्लाक को बहुमत। 25. पराग्वे में राष्ट्रपति और विद्रोही जनरल में समझौता। 26. चीन, रूस, कजाकिस्तान, किर्गिजस्तान और ताजिकिस्तान ने 8000 किमी लंबी सीमा का असैन्यीकरण करने की संधि पर हस्ताक्षर किये; फिलीस्तीन की नेशनल काउंसिल ने यासर अराफात को दुबारा पी.एल.ओ. एक्जीक्यूटीव का प्रमुख चुना। 28. चेचन विद्रोही नेता डुडायेव मृत्यु के बाद उनके उत्तराधिकारी के रूप में यांडरबियेव चेचन गणराज्य (रूस) के राष्ट्रपति बने।

मई: 1. अमरीका की सीनेट ने स्त्री जनन अंगच्छेद को संघीय अपराध बनाने पर मत दिया और पांच वर्ष की सजा का प्रावधान तय किया। 3. स्थानीय व क्षेत्रीय परिषद के चुनावों में ब्रिटेन में कंजर्वेटिव पार्टी की पराजय। 5. स्पेन में नये प्रधानमंत्री जोस मारिया अजनार ने शपथ ग्रहण की। 8. दक्षिण अफ्रीका की संविधान सभा ने रंगभेद के बाद का स्थायी संविधान अपनाया। 9. 16 वर्ष में पहली बार युगांडा में राष्ट्रपति चुनावै। 10. मध्य एशिया के रास्ते से उत्तरी इरान से चीन और तुर्की के बीच नया रेल रास्ता प्रारंभ। 16. रूस के राष्ट्रपति बोरिस येल्तिलिन ने मृत्यु दंड को समाप्त करने के आदेश पर हस्ताक्षर किये। 17. इटली में रोमानो प्रोडी ने 55वीं सरकार बनायी। 20. ताइवान में ली टुंग हुइ देश के इतिहास में प्रथम निर्वाचित राष्ट्रपति बने 21. अमरीकी हाउस रिपब्लिकन ने पोलैंड, हंगरी, चेक गणराज्य को शामिल करने के लिये नाटो का विस्तार किया। 27. साइप्रस में दक्षिण पंथियों ने संसदीय चुनाव जीते। 31. बेंजामिन नेतानयाहु, इजराइल में प्रथम प्रत्यक्ष निर्वाचन में प्रधानमंत्री चुने गये।

जून : 1. परमाणु अस्त्रों की अंतिम खेप रूस को सौंप कर उक्रेन परमाणु विहीन देश बन गया; 2. गाजा हवाई अड्डे को अराफात ने यातायात के लिये खोला। 3. संयुक्त राष्ट्र की मानव स्थापन सम्मेलन तुर्की के इस्तान्बुल में प्रारंभ। 4. लिक्यूड पार्टी के नेता (निर्वाचित प्रधानमंत्री) बेंजामिन नेतानयाहु ने कहा कि वे स्वतंत्र फिलीस्तीनी राज्य के लिये सहमत नहीं; युरोप का एरियन–5 राकेट पहली उड़ान के दौरान तीस सेकेंड बाद ही ध्वस्त हो गया। 10. पाकिस्तान में महिलाओं के लिये मृत्युदंड की समाप्ति। 11. चेचन्या में 18 महीने से चल रहे युद्ध के बंद किये जाने पर सहमति के साथ रूसी सेनाओं की वापसी प्रारंभ। 14. स्लोवेनिया ने युरोपीय संघ की पूर्ण सदस्यता के लिये आवेदन किया। 17. चीन व अमरीका बौद्धिक संपदा अधिकार पर एक समझौते पर पहुंचे। 21. ब्रिटेन व युरोपीय संघ ने गाय मांस विवाद को फ्लोरेंस में बात–चीत के बाद सुलझाया। 23. शेख हसीना बंगलादेश की प्रधानमंत्री बनीं। 25. केपटाउन मे डेसमंड टुटु ने आर्चबिशप पद से अवकाश लिया। 26. अफगानिस्तान में तालिबान आक्रमण के बीच गुलबुद्दीन हेकमतयार ने प्रधानमंत्री पद की शपथ ली।

जुलाई : 1. आस्ट्रेलिया के उत्तरी क्षेत्र में विश्व में पहली बार मर्सी किलिंग का कानून पारित। 2. दक्षिण अफ्रीका की इन्काता फ्रीडम पार्टी ने नेल्सन मंडेला की सरकार से अलग होने की घोषणा की। 4. रूस में सोवियत संघ युग के बाद के पहले राष्ट्रपति चुनाव में बोरिस येलत्सिन जीते। 10. नाइजर के मिलिट्री शासक जनरल इब्राहिम मेनासा राष्ट्रपति घोषित; पोलैंड ओ.ई.सी.डी. का 28वां सदस्य बना। 12. ब्राउन संशोधन पर अमल करते हुए अमरीका ने पाकिस्तान को आयुधों की खेप भेजना प्रारंभ। 19. मंगोलिया डब्ल्यू.टी.ओ. का सदस्य बना। 24. आस्ट्रेलिया की अदालत ने मर्सी किलिंग पर रोक लगादी; बुरुंडी के हुटु राष्ट्रपति सिलवेस्टर निटवांटुनगान्या ने अपने सहयोगी दल द्वारा उनके हटाने के मुहिम पर अमरीका के दूतावास में शरण ली। 25. बिल क्लिंटन ने चीन और ताइवान को दो देश माने; अमरीका ने घोषणा की कि वह छह पूर्व सोवियत संघ गणराज्यों–जार्जिया, कजाख्स्तान, किर्गिजस्तान, मोलडोवा, तुर्कमेनस्तिान और उजबेकिस्तान के साथ किसी प्रकार का शस्त्र समझौता नहीं करेगा; बुरुंडी में सेना ने मेजर पियरे बुयोंवा को राष्ट्रपति घोषित किया और संसद को भंग किया। 27. जकार्ता में इंडोनेशियन डेमोक्रेटिक पार्टी के नेतृत्व के

सवाल पर हिंसा भड़की, 28. 150 हुटुओं को बुरुंडी में टुट्सी सेना ने मारा; इथियोपिया की फातुमा रोबा ने अटलांटा में महिला मैराथन जीतकर पहली अफ्रीकी महिला बनीं। 29. अमरीका के महान एथलीट कार्ल लुइस ने लंबी कूद में स्वर्ण पदक जीत कर एक नया इतिहास रचा।

अगस्त: 2. सोमालिया के युद्ध के कमांडर और स्वघोषित राष्ट्रपति जनरल मुहमद फरा अइडीड का निधन। 6. अमरीका की शोधकर्ताओं ने एक अंतरीक्षीय पिंड की जांच करते हुए मंगल पर जीवन की घोषणा की। 8. सर्बिया और क्रोएशिया ने राजनयिक संबंध स्थापित किये। 9. रूस में बोरिस येलत्सिन दूसरी बार राष्ट्रपति बने। 13. अफगानिस्तान में काबूल सरकार और इसके प्रमुख विरोधी अब्दुल रशीद दोस्तम युद्ध बंदि के लिए सहमत। 23. क्रोएशिया और युगोस्लाविया एक दूसरे को पहचान देने पर सहमत। 26. दक्षिण कोरिया में पूर्व राष्ट्रपति चुन डू वान को मृत्यु दंड और उनके सहयोगी राय टे वु को 22 वर्ष की सजा। 31. चेचनिया में रूस सरकार 31 दिसंबर 2001 तक चेचनिया को स्वतंत्रता देने पर सहमत।

सितंबर: 9. ओकिनावा ने अमरीकी सैनिक टिकाने को कम करने को पक्ष में मतदान किया। 11. सी.टी.बी.टी. को संयुक्त राष्ट्र महासभा ने मंजूरी दी। 14. बोस्निया में चुनाव; कंबोडिया में किंग ने ख्मेर रूज लेंग सेरी की क्षमा याचना को मंजूर किया। 15. इराक में 22 सदस्यीय अरब लीग इराक के बटवारे पर असहमत। 23. युनान में प्रधानमंत्री स्मिटिस चुनाव जीते। 24. बिल क्लिंटन ने सी.टी.बी.टी. पर हस्ताक्षर किया। 25. युनान में स्मिट्सि मंत्रीमंडल ने शपथ ग्रहण की। 27. तालीबान ने काबुल पर कब्जा कर पूर्व राष्ट्रपति नजिब्बुला को फांसी पर लटका दिया; चीन व ब्रिटेन में 30 जून 1997 को हांगकांग चीन के सोंपने की संधि पर हस्ताक्षर किया; बुरुंडी में पियरे बुययोबा राष्ट्रपति बने।

अक्तूबर: 1. नेतानयाहु और अराफात के बीच वाशिंग्टन में बातचीत प्रारंभ। 7. युनाइटेड अरब अमीरात में अनाधिकृत रूप से रह रहे 1,44,000 श्रमिकों को नये कानून के लागू होने से देश छोडना पड़ा; अफगानिस्तान में रब्बानी ने तालीबान से युद्ध घोषणा की। 12. न्यूजीलैंड में चुनाव; पापुआ न्यू गिनी के प्रधानमंत्री थियो डोरे मिरियुंग के हत्या। 21. जापान ने सुरक्षा परिषद में भारत को पराजित कर स्थायी सदस्यता हासिल की। 22. कतर के अमीर ने अपने तीसरे बेटे शेख जसीम को उत्तराधिकारी बनाया। 23. यूरोपिय परिषद में क्रोएशिया को अपना 40वां सदस्य बनाया। 24. म्यानमार के विपक्षीय नेता आन सांग सूकी को दुबारा उनके घर नजर बंद किया गया। 25. श्रीलंका ने सी.टी.बी.टी. पर हस्ताक्षर किये; नार्वे के प्रधानमंत्री ग्रो हारलेम ने त्यागपत्र दिया; बंग्लादेश ने सी.टी.बी.टी. पर हस्ताक्षर किय। 27. महात्मा गांधी के पूर्व महासचिव के विरोध के कारण लंदन में उनकी कुछ हस्तलिपियों की नीलामी टल गयी।

नवंबर: 1. भारत के प्रधानमंत्री एच.डी. देवगौड़ा हरारे में जी-15 सम्मेलन में भाग लेने को पहुंचे। 6. अमरीका के राष्ट्रपति चुनाव बिल क्लिंटन ने दूसरी बार जीती। 9. निकारागुआ में राष्ट्रपति पद के लिये वहां की सुप्रीम इलेक्टोरल काउंसिल ने कंजर्वेटिव पार्टी के अर्नोल्ड अलेमान को निर्वाचित घोषित किया। 30. भारत ने रूस के साथ 40 बहुउद्देशीय एस.यू. 30 एच.के. लड़ाकू जेट खरीदने का समझौता किया।

दिसंबर: 4. नासा ने मंगल अभियान के लिए एक अंतरिक्ष यान का प्रक्षेपण किया, इस यान में 6 पहिये की गाड़ी है जो मंगल की सतह से चट्टानों के नमूने एकत्र करेगी। 6. ब्रिटेन के प्रधानमंत्री जान मेजर की कंजरवेटिव सरकार एक सांसद के दल छोड़ देने के कारण एक मत से अल्पमत से आ गयी। 9. विश्व व्यापार संगठन की पहली मंत्रीय स्तर की बैठक सिंगापुर में शुरू। 10. क्रेमलिन गर्वनरों के चुनाव में 6 गर्वनर विपक्षी वामपंथी दलों के चुने गये; दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति नेलसन मंडेला द्वारा नये संविधान पर हस्ताक्षर के साथ वहां पर अनेक दलों की मिलीजुली सरकार की परंपरा समाप्त हो गयी; खाड़ी युद्ध के 6 वर्ष के बाद इराक को खाद्यान्न, दवाई और अन्य स्वास्थ्य उपकरणों के खरीदने केलिए सुरक्षा परिषद ने सीमित तेल बेचने की मंजूरी दी; 13. घाना के संयुक्त राष्ट्र अधिकारी श्री कोफी अन्नान संयुक्त राष्ट्र महासचिव होंगे। 24. इसराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतानयाहु और फिलिस्तीनी नेता यासर आरफात में हेब्रोण से इसराइल के वापसी के लिए होनेवाले समझौते केलिए बातचीत शुरू; ताजिकिस्तान के राष्ट्रपति इमोमाली राखमोनोव और विपक्षीय इस्लामिक नेता श्री सैइद अब्दुल्ला नारी के बीच समझौता हो जाने से चार वर्ष से चल रहा गृह युद्ध समाप्त। 26 पेरु के लिमामे जापान के राजदूत के घर पर गुरिलाओं द्वारा 100 अधिकारियों को [illegible] 27. रुस व चीन में सीमा पर सैनिकों [illegible] समझौते पर हस्ताक्षर।

वाले ब्रिटेन के प्रथम नागरिक बने। 3. कनाडा में चेरटियन के नेतृत्व में लिबरल पार्टी दुबारा सत्ता में। 13. खमेर राग अधिकारी सोन सेन जिन्होंने नरसंहार कराया था को उनके नेता पोल पोट ने मृत्युदंड दिया। 25. रूस के अंतरिक्ष केंद्र मिर पर प्रैक्टिस के दौरान मानव रहित विमान टकरा गया। 27. ताजिकिस्तान में सरकार व विरोधी नेताओं के बीच शांति संधि के साथ ही पांच वर्षों से चल रहा गृहयुद्ध समाप्त; 30. 165 वर्ष के ब्रिटिश शासन के बाद अर्धरात्रि को हांगकांग चीन का भाग बना।

जुलाई: 1. चीन के प्रधानमंत्री ली फंग ने कहा की हांगकांग के अधिग्रहण के बाद उनकी सरकार अगला लक्ष्य मकाओ और ताइवान को मिलाने का है; ब्रिटेन 12 वर्षों के बाद यूनेस्को में शामिल। 7. सोजेरनर गाड़ी ने मंगल गृह पर मिट्टी और चट्टानों के नमूने इकट्ठा करना शुरू किया। 8. मार्टिट में ऐतिहासिक नाटो की बैठक प्रारंभ। 18. पोलैंड के राष्ट्रपति ने नये संविधान पर हस्ताक्षर करते हुए साम्यवादी प्रणाली के अवसान की घोषणा कर दी। 23. लाओस और म्यानमार को एशियान की सदस्यता मिली 25. लाइबीरिया के राष्ट्रपति चुनाव में चाल्स टेलर भारी मतों से विजयी; ब्रिटेन की लेबर सरकार ने स्कोटलैंड को स्वायत्तता देने के लिए अपने कार्यक्रमों की घोषणा की।

अगस्त: 1. क्लिंटन ने लैटिन अमरीका को उच्च कोटि के वायुयान व अन्य हथियार बेचने के बीस वर्षीय प्रतिबंध को हटाया। 14. रूस के अंतरिक्ष स्टेशन मिर से अंतरिक्ष यात्रियों का सबसे मुश्किल अभियान के बाद वापस आना प्रारंभ। 18. रूस का अंतरिक्ष स्टेशन महत्वपूर्ण कंप्यूटर के खराब होने से नियंत्रण से बाहर हुआ; अफगानिस्तान में जनरल अहमद शाह मसूद के नेतृत्व की सेनाओं ने तालिबान के प्रमुख ठिकानों पर कब्जा किया। 22. तालिबान विरोधी नेताओं जिसमें प्रधानमंत्री अब्दुल रहीम गफूरजाई भी थे की वायुयान दुर्घटना में मृत्यु। 26. एफ.डब्ल्यू. क्लार्क ने नेशनल पार्टी के अध्यक्ष पद से त्यागपत्र दिया, 31. प्रिसेंस आफ वेल्स डायना व उनके मित्र डोडी की पेरिस में कार दुर्घटना में मृत्यु।

सितंबर: 5. नोबेल पुरस्कार व भारत रत्न से सम्मानित मदर टेरेसा का 87 वर्ष की आयु में कलकत्ता में निधन। 6. प्रिसंस आफ वेल्स डायना का अंतिम संस्कार वेस्टमिंस्टर में। 9. दक्षिण अफ्रीका में क्लार्क की जगह मार्तिनस वान स्कालवीक नये अध्यक्ष बने। 1. स्काटलैंड में चुनाव। एडिनवर्ग में संसद की स्थापना के साथ ब्रिटेन के अंतर्गत रहते हुए स्वशासन रहेगा। 15. सिन फेन सहित उत्तरी आयरलैंड में समस्त दलों की शांति वार्ता प्रारंभ। 17. मोरक्को में अधिकारियों व विद्रोहियों के बीच चुनाव के द्वारा आगे का रास्ता खोलने पर सहमति। 19. जियांग जेमिन चीन की कम्युनिस्ट पार्टी के जनरल सेक्रेटरी दुबारा निर्वाचित। 27. मलेशिया ने इंडोनेशिया में वनों में लगी आग से जूझने का आव्हान किया। 30. इजराइल व फिलीस्तीन में शांति वार्ता प्रारंभ; युरोप की मानव अधिकार आयुक्त सुश्री एम्मा वोनिनो को अफगानिस्तान में तालियान ने तीन घंटों के लिये वंदी वनाया।

अक्टूबर: 1. इस्लामिक आंदोलन के आध्यात्मिक नेता हमस शेख अहमद यासिन को इजराइल ने जेल से रिहा किया। 7. सूर्य वहादुर थापा नेपाल के नये प्रधानमंत्री वने। तीन वर्षों में वे चौथे प्रधानमंत्री वने हैं। 20. सर विहीन मेंढक के भ्रूण का विकास करके ब्रिटेन के वैज्ञानिकों ने सिद्ध कर दिया कि मानव अंगो के ट्रांसप्लांट के लिये मानव अंगों का विकास किया जा सकता है। 23. कावुल में जनरल अब्दुल रशीद दोस्तम को उपराष्ट्रपति वनाया गया; अमरीका ने पाकिस्तान को एफ-16 विमानों की खेप देने से मना किया; 27. एडिनवर्ग में चोगम की बैठक का समापन। 1999 में इसकी अगली बैठक दक्षिण अफ्रीका में होगी। 29. वाशिंग्टन वीजिंग में हाट लाइन प्रारंभ।

नवंबर: 3. डेनमार्क ने ई.एम.यू. में शामिल होने से मना किया। 5. जी-15 बैठक का समापन। 13. यासर अराफात ने कहा कि वे 1999 में स्वतंत्र फिलीस्तीन राज्य की घोषणा कर देगें, चाहे इसका वार्ता पर कैसा भी असर हो; इटली के पुरातत्वविदों ने ईसा पूर्व तीसरी शताब्दी के रोमन विला की खोज की घोषणा की। 16. चीन के जनतंत्र के कट्टर समर्थक वी जिंगपेंग जो 18 वर्षों से जेल में वंद थे को अमरीका में निर्वासित किया गया। 19. भारतीय मूल की कल्पना चावला 5 अन्य चालक दल के सदस्यों के साथ कोलंविया यान द्वारा अंतरिक्ष में। 22. सोलर आब्जर्वेटरी जो कि रोवोट के हाथ से छूटकर यान से तीन दिन पहले अलग हो गयी थी को कल्पना चावला समेत अंतरिक्ष यात्रियों ने उसे वापस अंतरिक्ष से पकड़ कर यान में लाने में कामयावी पाई। 26. रूस, पेरु और वियतनाम एपेक में शामिल।

दिसंबर: 2. पाकिस्तान के राष्ट्रपति फारूक लेघारी ने उच्चतम न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश को हटाये जाने की सरकारी सलाह को मानने से इंकार करते हुए पद से त्यागपत्र दिया। 10. कजाख की राजधानी अकोला वनी। पहले यह अलनाटी में थी। 16. नेल्सन मंडेला ए.एन.सी. की अध्यक्षता से हटे। 17. दक्षिण अफ्रीका में तावुम्वेके ए.एन.सी. के नये अध्यक्ष वने। 25. जाम्विया के पूर्व राष्ट्रपति कोंडा को हिरासत में लिया गया। 31. संगीतज्ञ एल्टन जान को नाइटहुड की उपाधि।

पाकिस्तान में एटम बम बना

जनवरी 1998: 1. मुहम्मद रफीक तरार पाकिस्तान के नौवें राष्ट्रपति वने। 4.2 केन्या में अरप मोई राष्ट्रपति निर्वाचित। 12. कनाडा की सुश्री लुइस फ्रेचेट संयुक्त राष्ट्र की उप महासचिव पद पर नियुक्ति। 13. फीदल कास्त्रो क्यूबा के फिर राष्ट्रपति निर्वाचित; 19 [illegible] ने मानव क्लोनिंग पर प्रतिबंध लाने की संधि पर हस्ताक्षर

किया। 17. टर्की में इस्लामी पार्टी पर प्रतिबंध लगाया गया। 19. अमरीकी वैज्ञानिकों ने पांच प्रकार के मैमनों के क्लोन बनाये। 21. चेकोस्लाविया के राष्ट्रपति वाक्लेव हावेल फिर निर्वाचित। 22. पोप जान पाल क्यूबा आये और फादल कास्त्रो से वहां केथोलिक स्कूलों की वापसी को कहा। 26. ग्रो हार्लेम ब्रंन्डलैंड विश्व स्वास्थ्य संगठन की महानिदेशक बनीं। 27 अमरीकी राष्ट्रपति बिल क्लिंटन ने अपनी सहयोगी मोनिका लेविंस्की के साथ यौन संबधों को अस्वीकार किया।

फरवरी 2. फ्रांस ने विश्व के सबसे बड़े फास्ट ब्रीडर न्यूक्लियर रियेक्टर 'सुपर फेनिक्स' को बंद करने का निर्णय लिया। 3. यासर अराफात ने महमूद अब्बास को अपना उत्तराधिकारी घोषित किया। 8. अफगानिस्तान में आये दुबारा भूकंप से 250 और मरे; श्रीलंका की सेना ने लिट्टे गुरिल्लों को मार करके महत्वपूर्ण क्षेत्र किलिनोटी के उत्तरी शहर पर कब्जा किया 9. साइप्रस के राष्ट्रपति चुनावों में कोई भी विजयी नहीं हुआ। 10. टाइटैनिक फिल्म ने 14 आस्कर नामांकन जीत। 11. इराक ने संयुक्त राष्ट्र इंस्पेक्टरों को राष्ट्रपति के महल के उन भागों जहां सामुहिक विनाश के आयुध हो सकते हैं का निरीक्षण करने की सहमति दी; नाइजीरिया की सेना और सियेरा लियोन की ट्राइबल सेनाओं के बीच युद्ध तेज 1400 लोग ने गिनी की राजधानी कोनाक्री में शरण ली। 15. आस्ट्रेलिया को ब्रिटिश राज्यशाही से अलग करने के लिये 1999 का घोषणापत्र तैयार। 19. कंबोडिया के प्रिंस रानारिद्ध ने सरकारी सेना के साथ चल रहे युद्ध को समाप्त किया। 23. संयुक्त राष्ट्र के महासचिव कोफी अन्नान ने इराक के उपप्रधानमंत्री से संयुक्त राष्ट्र के इंस्पेक्टरों के निरीक्षणों पर रोक को हटाने के लिये एक समझोते पर हस्ताक्षर किये। 24. अमरीका के वैज्ञानिकों ने बछड़े का क्लोन (जन्म–16 फरवरी) बनाया। 27. थाईलेंड के वैज्ञानिकों ने डेंगु बुखार का प्रतिरोधी टीका विकसित किया। 28. साइप्रस के राष्ट्रपति जी. क्लेरिडस दूसरी बार निर्वाचित।

मार्च 3 अंतरिक्ष यान गैलीलिया द्वारा भेजे गये फोटो से ...होता है कि वृहस्पित के चद्रमा युरोप मे वर्फ की तह के ...ल सागर है। 4. इसराइल के राष्ट्रपति एजर वीजमान ...द ने दुबारा राष्ट्रपति चुनो। 5. फ्रांस के वैज्ञानिकों ने ...पेर की एक कोशिका से बछिया का क्लोन बनाया (जन्म – 20 फरवरी); क्रेमलिन ने परमाणु बटन को मास्को से हटाकर बर्नाय मे स्थापित किया; अमरीकी अंतरिक्ष यान लुनार प्रास्पेक्टर ने चंद्रमा के उतरी व दक्षिणी धुवों पर वर्फ के रूप में पानी की खोज की 6. चद्रिकाकुमारतुंग द्वारा उत्तर में लिट्टे को 10 वर्ष के लिये शासन सौंपने के प्रस्ताव पर श्रीलंका में विरोध। 10. पश्चिमी देशों ने युगोस्लाविया के राष्ट्रपति मिलोसेविक को सर्बियन क्षेत्र कोसोवा में अल्वानियन पर पुलिस बल का प्रयोग न करने की चेतावनी दी। 11. इंडोनेशिया में जनरल सुहार्तो लगातार सातवीं बार राष्ट्रपति निर्वाचित 12. सिनफेन ने आयरलैंड के दुबारा एकीकरण की मांग को छोड़ दिया। 16. जियांग जेमिन चीन के राज्याध्यक्ष व सेंट्रल मिलट्री के चेयरमैन और अपदस्थ प्रधानमंत्री ली पेंग चीन की संसद के अध्यक्ष निर्वाचित हुए। 18. कम्बोडिया के अपदस्थ प्रधानमंत्री रानारिद्ध को सेना की अदालत ने सत्ता पलटने के आरोप में 30 वर्ष की कैद की सजा दी। 22. कम्बोडिया के राजा सिन्हानाउक ने रानारिद्ध पर मार्च में दी गयी दो सजाओं को माफ किया। 23. 11 युरोपीय देश एक जनवरी 1999 से एकल मुद्रा अपनायेंगें। 30. कम्बोडिया के प्रिंस रानारिद्ध ... महीने के निर्वासन के बाद कम्बोडिया वापस आये।

अप्रैल 2. रोल्स रायस को बी.एम.डब्ल्यू. ने खरीद... 3. लंदन में दूसरी एशिया युरोप बैठक शुरू; आस्कर एवार्ड अ... लास एंजेल्स की जगह हालीवुड से दिये जायेंगे 9. मक्का में शैतान को पत्थर मारने की धार्मिक प्रथा के दौरा... भगदड़ में 118 हज तीर्थयात्री मरे। 15. पोल पाट की मृत्... चेक सासंदों ने नाटो की सदस्यता स्वीकार करने पर सहमत 20. मैक्सिको के नोवल पुरस्कार विजेता लोकप्रिय लेख... आक्टोवियो पाज का निधन। 22 दुनिया की पहली क्लोन भे... डाली मां बनीं। 26. अराफात ने कहा कि वे ओस्लो में निर्धारि... टाइमटेबल के अनुसार 4 मई 1999 को स्वतंत्र फिलीस्ती... राष्ट्र की घोषणा कर देंगें। 30 ब्रिटेन के डेविड हेम्पलीमा... आडम ने 56 दिनों की यात्रा कर दुर्गम उत्तरी धुव पर पंहु... कर एडवेंचर्स ग्रैंड स्लैम बनाया।

मई 2. अंगोला में संयुक्त राष्ट्र पर्यवेक्षण के कार्यकाल ... 2 वर्ष के लिये और बढ़ाया गया। 7. मर्सडीज बेंज कार ... निर्माता डेमलर बेंज अमरीका की तीसरी सबसे बड़ी कार निर्मा... कंपनी क्रिसलर कार्पोरेशन को 40.9 अरब डालर की संपा... व कर्जों समेत खरीद लिया। 11. भारत ने पोखरण में ती... परमाणु परीक्षण किये। 13. भारत ने पोखरण में दो औ... नामिकीय परीक्षण किये। 15. जी–8 समूह ने भारत ... सी.टी.बी.टी. पर हस्ताक्षर करने को कहा लेकिन प्रतिबंधों प... सहमत न हो सके। 17. जी–8 सम्मेलन बर्मिंघम में समाप... रूस ने पहली बार 8वें सदस्य को तौर पर इस में भाग लिय... 21. इंडोनेशिया के राष्ट्रपति सुहार्तो ने 32 वर्ष के अनवर... शासन के बाद त्यागपत्र दिया। 24. हांगकांग मं पहली बार ची... सत्ता के आधीन विधायकों के लिये निर्वाचन सम्पन्न। 2... अमरीका के टाम व्हाइटेकरएवरेस्ट चोटी पर पंहुचने वाले प्रथ... अपंग व्यक्ति बने; इथियोपिया व इरिट्रिया में सीमा पर युद्ध प्रारं... 27. टोक्यो में 1995 में गैस आक्रमणकारी इकुओ हयाशी ... उम्र कैद की सजा। 28. पाकिस्तान ने पांच परमाणु परीक्ष... किया। 29. जोसेफ एस्ट्राडा फिलीपींस के नये राष्ट्रपति ब... 30. पाकिस्तान ने एक और परमाणु परीक्षण किया।

जून 2. 46 निशस्त्रीकरण सम्मेलन में 46 देशों ने भार... व पाकिस्तान से परमाणु परीक्षणों पर रोक लगाने को कह... 5. इथियोपिया ने इरिट्रिया के साथ युद्ध समाप्त करने ... अमरीका व रुवांडा के शांति प्रस्ताव को स्वीकारा। ... स्विटजरलैंड के सेप ब्लाटर फीफा के अध्यक्ष बने; नाइजीरि... के राज्याध्यक्ष जनरल सानी अबाका का निध... 9. जनरल अब्दुलसलाम अबुबेकर नाइजीरिया के ... राज्याध्यक्ष बन। 15. पूर्वी टिमोर के लोगों ने इंडोनेशिया ... पृथक और स्वतंत्रता के लिये प्रदर्शन किया; इंडोनेशिया ने पू... टिमोर के सबसे प्रतिष्ठित नेता जानाना गुसामो को जेल से रि... करने पर विचार किया; इथियोपिया और इरिट्रिया एक दू... पर वायु आक्रमण रोकने पर सहमत। 16. तालीबान की धार्मि... सेना ने अफगानिस्तान में लड़कियों के स्कूल बंद करवा दि...

19. साईप्रस और तुर्की के बीच में तनाव बढ़ा। 21. इजराइल ने जेरुसलेम शहर की सीमा विस्तार करने का निर्णय लिया। फिलिस्तीनियों ने इस पर अपना विरोध प्रकट किया। 22. चरनोबिल परमाणु संयत्र में एक मात्र रियेक्टर को दुबारा चालू किया गया। 30. अमरीकी एफ 16 लड़ाकू जहाज ने इराक के सतह से सतह मिसाइल क्षेत्र पर मिसाइल द्वारा आक्रमण। जोसफ एस्ट्राडा फिलिपीन के 13वें राष्ट्रपति बने।

जुलाई 3. अमरीकी राष्ट्रपति बिल क्लिंटन ने अपनी नौ दिवसीय चीन यात्रा इस आशा के साथ पूरी की कि उनके जन्म काल में ही चीन में लोकतंत्र की वापसी हो जायेगी। 4. यूरोप ने लेडेड पेट्रोल पर प्रतिबंध लगाया। 5. कायरो में आयोजित एक छोटे सम्मेलन में जोर्डन और फिलिस्तीनी नेता यासर अरफात ने इजराइल से जेरुसलेम के विस्तार योजना को छोड ने के लिए कहा। 6. यूरोप की सबसे बड़ी कार बनाने वाली कंपनी वोक्स वाग न ने ब्रिटेन की रोल्स रायस मोटर कार लिमिटड को 800 मिलियन पौंड पर खरीदा। 12. फ्रांस ने ब्राज़ील को हराकर विश्व कप फुटबाल जीता। 17. रूस के अंतिम ज़ार निकोलस द्वितीय और उनके परिवार की अस्थियों को दफनाया गया। 18. 80 वर्षीय नेल्सन मंडेला ने 52 वर्षीय ग्रेसा माइकिल से विवाह किया। 19. कोफी अन्नान का कहना है कि नये विश्व न्यायालय कि स्थापना न्याय के क्षेत्र में एक बड़ा कदम है; 164 देशों के एंग्लिकन बिशपों की लांबेथ सम्मेलन जो इसी सप्ताह प्रारंभ हो रहा है में प्रमुख में मुद्दा तीसरी दुनिया के देशों को वरीयता के अनुसार मदद करना होगा। 24. मंगोलिया की ससंद ने प्रधानमंत्री टी. एलबेगडोर्ज की सरकार को भंग कर दिया; कायसो औबूचि जापान के अगले प्रधानमंत्री बनेगें। 27. उत्तरी कोरिया में किंग जोंग निर्विरोध निर्वाचित। 28. इंडोनेशिया ने सौहार्दता दिखाते हुए टिमोर से 400 सैनिक टुकडियों को वापस बुलाया। 29. कंबोडिया में हुन सेन की पार्टी चुनाव जीती। 30. अंधा करनेवाले लेसर अस्त्र पर प्रतिबंध; म्यानमार में सूकी को 6 दिन को बाद यंगून वापस भेजा गया; मोनिका लेविंसकी अन्वेषण मामले में बिल क्लिंटन स्वतंत्र वकील केनथ स्टार के सवालों का जवाब देने केलिए तैयार 31. ब्रुनाई के सुल्तान ने अपने भाई प्रिंस जाफरी को मुक्त किया।

अगस्त 2. इथियोपिया और इरिट्रिया के नेताओं ने वरकिना फासो में शांति वार्ता प्रारंभ की। 4. कोसोवा में 20000 से 30000 तक एक जाति के लोगों ने देश छोड़ा। 6. इंडोनेशिया और पुर्तगाल पूर्वी टिमोर को विशेष दर्जा देने के लिए बातचीत पर सहमत। 7. मोनिका लेविंसकी ने ग्रांड ज्यूरी के समक्ष माना उनके बिल क्लिंटन के बीच यौन संबंध थे; नैरोबी (केनिया) और दार एस सलाम (तजांनिया) में अमरीका की एंबसियों में कुछ मिनट के अंतराल के बाद के बम विस्फोटों में 200 मरे और 4000 घायल हुए; आंड्रेस पास्त्राना कांबोडिया के नये राष्ट्रपति। 8. इरान में पहला महिला समाचार पत्र शुरु। 10. ब्रुनाई के 24 वर्षीय प्रिंस अल मुहाता दी बिल्ला राज्य के नया उत्तराधिकारी हो गये। 14. पाकिस्तान की पूर्व प्रधानमत्री बेनजीर भुट्टो और उनके पति आसिफ जरदारी को एरिगोल्ड मामले में रावल पिंडी में अदालत में पेश किया गया। 17. कोसोवा लिबरेशन आर्मी की अंतिम प्रमुख क्षेत्र जनिक पर सर्बो का कब्जा; कांगो के राष्ट्रपति अंगोला से अपनी सरकार से समर्थन यात्रा पूरी कर वापस लौटे। 18. अमरीकी राष्ट्रपति बिल क्लिंटन ने वाशिंगटन में ग्रैंड ज्यूरी के समक्ष स्वीकार किया की उनके और मोनिका लेविंसकी के बीच यौन संबंध थे; नाईरोबी दारे एस सलाम में हुए विस्फोटों के जिम्मेदार 2 और अभियुक्त पकड़े गये। 19. अफगानिस्तान में तालीबान ने कहा की वो नैरोबी और दारे एस सलाम में हुए विस्फोटों के मुख्य अभियुक्त ओसमा बिन लाडेन को नहीं सौंपेगा 20. अमरीका ने अफगानिस्तान के उन स्थलों पर जहां उसे संदेह था कि वहां आतंकवादियों के प्रशिक्षण केंद्र हैं और वहां सऊदी ओसामा बिन लाडेम को शरण दी जा सकती है व सुडान जहां रसायन आयुधों की फैक्ट्री है पर 75 क्रूज प्रक्षेपास्त्र दागे; सुडान का दावा था कि वह फैक्ट्री दवाओं की फैक्ट्री थी। 24. म्यांमार मे सू ची सैनिक प्रशासन के विरुद्ध अपना आंदोलन वापस लिया। उन्हे 13 दिनों से यंगून से बाहर जाने पर रोक लगा दी गई थी। 28. पाकिस्तान के प्रधानमंत्री नवाज शरीफ ने कुरान व सुन्नाह को देश का सर्वोच्च नियम अपनाने की अपनी इच्छा प्रकट की।

सितंबर 1. 2. गुट निर्पेक्ष सम्मेलन की बैठक में अध्यक्षीय भाषण में नेल्सन मंडेला ने कश्मीर का जिक्र किया; बेलारूस इसका 114 वां सदस्य बना।5. अंगोला सरकार ने भविष्य में जोनास साविम्बी से बातचीत करने से मना कर दिया। 7. मलेशिया में प्रधानमंत्री महातिर मुहम्मद ने वित्त मंत्रालय संभाला; रूस की ड्यूमा ने दूसरी बार नामांकित प्रधानमंत्री चेर्नोमर्डिन को अस्वीकार कर दिया। 9 महाभियोग के दबाव जाने के वातावरण के बीच बिल क्लिंटन ने अपने यौन प्रकरण के लिये क्षमा मांगी [illegible] बिल क्लिंटन ने मोनिका लेविंस्की से एक प्रार्थना सभा में माफ करने व भूल जाने को कहा; अमरीका के हाउस आफ रेप्रेजेंटेटिव ने केनेथ स्टार की रिपोर्ट को सार्वजनिक करने को कहा डूयमा ने वाई. प्रिमाकोव को नए प्रधानमंत्री के रूप मे स्वीकृति दी। 12. बिल क्लिंटन [illegible] लेविंस्की यौन प्रकरण पर कनेथ स्टार की रिपोर्ट [illegible] रूप में जारी की गई [illegible] रोटरडम में एक सम्मेलन ने [illegible] ने रसायनिक आयुधों के उत्पादन व प्रयोग को [illegible] दी। 15. बंगलादेश की विवादित लेखिका [illegible] वापस ढाका आयीं [illegible] 40 देशों के अनुमोदन [illegible] सुरगा के इस्तेमाल को बंद करने की [illegible] अन्तर्राष्ट्रीय कानून [illegible] उत्तरी पश्चिमी [illegible] वर्षों से स्वतंत्र बास्क राज्य की माग को लेकर [illegible] अलगाववादी संगठन इटा ने युद्ध विराम [illegible] 20 चेचन्या द्वारा बंधक बनाये गये [illegible] कार्यकर्ता कैमिला कार व जान जेम्स [illegible] गये। 21 रूस जापान को करीले [illegible]

खराव हुये। 5. ब्राजील के राष्ट्रपति एफ.एच. कारदोसो दुबारा निर्वाचित। 6. फिलीपींस की पूर्व प्रथम महिला इमेल्डा मार्कोस आरोपों से मुक्त। 7. पाकिस्तान के जनरल जहांगीर करामात ने त्यागपत्र दिया। 9. पाकिस्तान की नेशनल एसेंबली ने कुरान व सुन्नत को सर्वोच्चता देने का प्रस्ताव पारित किया। 1. जर्मनी में एक सड़क का नाम महात्मा गांधी मार्ग रखा गया; 14. भारतीय अर्थशास्त्री अमर्त्यसेन को अर्थशास्त्र का नोवेल पुरस्कार। 15. नाइजीरिया के नोवेल पुरस्कार विजेता वाल सोइंका जो चार वर्ष पहले देश छोड़कर चले गये थे वापस लौटे। 17. चिली के पूर्व तानाशाह जनरल ओगस्त पिनोशे को अपने शासनकाल (1973–90) में एक स्पेन के नागरिक को चिली में मार देने के आरोप पर लंदन में गिरफ्तार किया गया। 18. चिली ने ब्रिटेन में पिनोचेट की गिरफ्तारी का विरोध किया 20. मालदीव के राष्ट्रपति गयूम पांचवे कार्यकाल के लिये निर्वाचित; माइक टायसन को दुबारा लड़ने का लाइसेंस मिला। 21. इटली में साम्यवादी नेता मास्सिमो डी आलेमा के नेतृत्व में केंद्र व साम्यवादियों की मिली-जुली सरकार बनी। 22. गिनी बसाऊ में गृहयुद्ध, विद्रोहियों ने बाफ्स्य पर कब्जा किया; चिली ने लंदन में पिनोचेट की गिरफ्तारी के विरुद्ध प्रदर्शन पर प्रतिबंध लगाया। 23. युरोपियन संसद में एकल मुद्रा पर पहला युरोपीय संघ का बजट बनाया। 24. वाशिंग्टन में यासर अराफात व नेतानयाहु ने पश्चिमी एशिया शांति संधि पर हस्ताक्षर किये। 26. पेरु और इक्वेडोर में शांति समझौते पर हस्ताक्षर। 27. जनरल पिनोशे को रिहा कराने के लिये अदालत में वैधानिक कार्रवाई प्रारंभ; अंतरिक्ष यात्री जान ग्लेन अंतरिक्ष यान डिस्कवरी से एक बार फिर अंतरिक्ष यात्रा पर, अंतरिक्ष में जाने वाले वे सर्वाधिक आयु के अंतरिक्ष यात्री हैं।

नवंबर 2. वैज्ञानिकों ने विश्व में पहली बार अंगूठे का विकास कर इसे एक व्यक्ति पर लगाया। 5. जर्मन की नयी सरकार ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की सदस्यता की मांग 7. न्यूट गिंगरिच ने यू.एस. हाउस आफ रेप्रेजेंटेटिव ने पद से त्यागपत्र दिया; जान ग्लेन व अन्य अंतरिक्ष यात्री पर वापस आये; अमरीका ने भारत व पाकिस्तान पर प्रतिबंध हटाये। 8. बंगला देश में मुजिबुर रहमान हत्याकांड में 15 लोगों को मृत्युदंड 9. इथियोपिया ने ओ.ए.यू. द्वारा तैयार की शांति योजना को स्वीकार कर सीमा पर इरिट्रिया के साथ युद्ध बंद किया। 10. जर्मनी ने अप्रैल 99 तक नाटो में पोलैंड, हंगरी, और चेकोस्लोवाकिया को नये सदस्य के रूप में शामिल करने की मांग की। 13. एपेक. में रूस, पेरु और वियतनाम नये सदस्य के रूप में शामिल। 14. इराक द्वारा संयुक्त राष्ट्र के अस्त्र निरीक्षकों को वापस बुलाने के लिये सहमत हो जाने से अमरीकी हमले का खतरा टला; कंबोडिया में हुंडेन नये प्रधानमंत्री बने; क्लिंटन ने यौन शोषण के मामले में अदालत के बाहर समझौता करने के लिये पाउला जोंस को 8.5 लाख डालर दिये। 18. संयुक्त राष्ट्र अस्त्र निरीक्षकों ने इराक में कार्य प्रारंभ किया 20. फिलीस्तीनी अधिकारियों ने इजराइल सैनिकों द्वारा वेस्ट बैंक क्षेत्र को खाली कर देने के बाद अपना नियंत्रण किया; ड्यूमा की स्थाई सदस्य सुश्री गालियार स्टारवोयोटोवा की गोली मार कर हत्या कर दी गई। 23. आई.ए.ए. एफ. ने मैरियो जोन्स और हेले गेबेसे लीजी को वर्ष का एथलीट घोषित किया। 25. जियांग जेमिन टोक्यो में, किसी चीनी राज्याध्यक्ष की यह पहली जापान यात्रा है।

दिसंबर 2. क्यूबा में क्रिसमस की वापसी। 3. इंडोनेशिया में पहली बार लोकतांत्रिक तरीके से चुनाव 7 जून को होंगे। 7. एंडवर्स अंतरिक्ष यात्रियों ने अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन के पहले दो बिल्डिंग ब्लाक को जोड़ा। 11. चिली के पूर्व तानाशाह पिनोशे लंदन की अदालत में पेश किये गये। 15. कम्बोडिया एशियान का दसवां सदस्य बना। 17. अमरीका व ब्रिटेन द्वारा इराक पर मिसाइल हमला। 18. अमरीका व ब्रिटेन ने इराक पर और मिसाइलें दागी। 19. भारत ने एशियाई खेलों में 32 वर्ष बाद हाकी का स्वर्ण पदक जीता; बिल क्लिंटन पर महाभियोग की कार्रवाई प्रारंभ। 20. अमरीका ने इराक पर हमले को रोका। 25. रूस और बेलारूस ने 1999 में एकीकरण का फैसला किया; कोसोवा विद्रोहियों ने 9 अक्टूबर के युद्ध विराम को तोड़ा। 28. इराक पर पश्चिमी देशों द्वारा दुबारा हमला; अरब देशों के सांसदों ने इराक के प्रति एकजुटता दिखाई। 29. इराक ने अमरीकी जेट लड़ाकू विमान को मार गिराने का दावा किया।

यूरो प्रचलन में

जनवरी 1999: 1. युरोप की एकल मुद्रा यूरा 11 देशों में मान्य। 3. मुद्रा विनिमय5 दर में एक यूरो 1.740 अमरीकी डालर व 49.68/73 रुपये के बराबर रखी गई। 6. सियेरा लियोन में विद्रोहियों का कब्जा। 7. क्लिंटन पर महाभियोग की कार्रवाई प्रारंभ। 9 सियेरा लियोन सरकार विद्रोही नेता फोडे संकोह से बातचीत करने को राजी। 12. नूरसुल्तान नजरबवाये कजाखस्तान के दूसरी बार 7 वर्ष के कार्यकाल के लिये राष्ट्रपति निर्वाचित। 14. अमरीका की सीनेट में राष्ट्रपति क्लिंटन पर महाभियोग की कार्रवाई प्रारंभ। 19. अमरीका ने युगोस्लाविया को चेतावनी दी कि अगर उसने संयुक्त राष्ट्र शांति सेना और युद्धकाल ट्रिब्यूनल के प्रतिनिधियों को कोसोवा में प्रवेश करने और 45 अल्बानियों की हत्या की जांच की अनुमति नहीं दी तो वो उस पर हमला कर देगा। 22. नाटो के दुबारा हवाई हमले के डर से युगोस्लाविया ने युद्ध विराम निगरानी आयोग के अध्यक्ष विलियम वाकर के निष्कासन के फैसले को वापस लिया। 25. किंग हुसैन ने अपने 37 वर्षीय बड़े बेटे प्रिंस अब्दुल्ला को उत्तराधिकारी बनाने का निर्णय लिया। 26. एवरेस्ट पर सबसे पहले चढ़ने वाले एडमंड हिलैरी के बेटे पीटर

हिलेरी दक्षिणी ध्रुव पर पंहुचे। 27. इंडोनेशिया ने कहा कि वह पूर्वी तिमोर को स्वतंत्रता देने पर राजी है।

फरवरी 1: सुरक्षा परिषद ने पश्चिमी सहारा में शांति सेना को 11 फरवरी तक रहने को कहा; समुद्र में आपातकाल में जलयानों द्वारा सहायता मांगने को मोर्स कोड की आधिकारिक तौर पर विदाई। 3. कोसोवा के विद्रोही 11 महीने तक युद्धरत रहने के वाद वात–चीत करने पर सहमत। 4. संयुक्त राष्ट्र ने सन 2000 को शांति के लिये संस्कृत के रूप में मनाने का निर्णय लिया। 6. इथियोपिया व एरिट्रिया में फिर से युद्ध भड़का। 7. जार्डन के किंग हुसैन की मृत्यु, उनके पुत्र अब्दुल्ला नये किंग बने।। 13. मोनिका लेविंस्की के मामले में हाउस आफ रेप्रेजेंटेटिव के दोनों तर्को को सीनेट ने नामंजूर करते हुए राष्ट्रपति क्लिंटन को वरी किया; सीरिया में हफीज अल असद पांचवी वार राष्ट्रपति निर्वाचित हुए। 15. नेल्सन मंडेला संसद को अंतिम वार संवोधित कर मई में चुनाव कराने को कहों। 16. कुर्दिश वर्कस पार्टी के नेता अब्दुल्ला ओकालान को केन्या में गिरफ्तार कर तुर्की लाया गया। 17. रूस में मृत्युदंड को समाप्त किया गया। 19. वेनेजुएला की सीमा पर वामपंथी गुरिल्लाओं और कोलंविया के सैनिकों के संघर्ष में 42 मरे। 20. मिर स्टेशन के लिये अंतिम चालक दल 6 महीने की परियोजना को पूरी करने के लिये अंतरिक्ष गये। 21. कांगो के राष्ट्रपति लारेंट कवीला ने सरकार को भंग किया। 28. एरिट्रिया ने इथियोपिया के साथ युद्ध पर ओ.ए.यू. का शांति प्रस्ताव मंजूर किया।

मार्च 3: युगोस्लाविया ने दुहराया कि वह कोसोवा को अधिक स्वायत्ता तो दे सकता है आजादी नहीं दे सकता। 4. नासा द्वारा जुलाई में अंतरिक्ष में भेजी जाने वाली सबसे बड़ी दूरवीन का नाम भारतीय मूल के वैज्ञानिक सुब्राह्मण्यम चंद्रशेखर के नाम पर चंद्रा रखा गया। 6. वहरीन के अमीर इसाबिन सलमान अल खलीफा का निधर्न। 10. सुश्री राना रसलाम मिस इस्राइल वनने वाली प्रथम अरव महिला। 11. पूर्वी तिमोर में लड़ रहे दो घटकों के प्रमुख एक्सनाना गुसामो और जागा टैवर्स युद्धविराम को राजी। 12. पोलैंड, हंगरी और चेक गणराज्य नाटो में शामिल। 14. तालिवान और उत्तरीय शक्तियां संयुक्त रूप से अफगानिस्तान की सत्ता लेने को सहमत। 15. उत्तरी आयरलैंड में मानव अधिकार अधिवक्ता सुश्री रोजमैरी नेल्सन की कार वम द्वारा हत्या से शांति प्रक्रिया को धक्का लगा। 16. स्वतंत्र विशेषज्ञों की समिति की उच्चतम स्तर प्रशासन की आलोचना के वाद युरोपियन आयोग के राष्ट्रपति और 20 आयुक्तों का सामूहिक त्यागपत्र। 18. म्यानमार की लोकतंत्र समर्थक नेता आंग सान सू की के पति माइकल अरिस प्रोस्टेट ग्लैंड के कैंसर से वीमार, पत्नी से मिलने के लिये वीसा मांगा। 24. नाटो के सर्विया में हवाई हमले शुरु, युगोस्लाविया में आपात काल की घोषणा; इटली के रोमानो प्रोडी युरोपियन संघ के राष्ट्रपति। 26. नाटो आक्रमण जारी; रूस की मांग कि वमवारी रोकी जाये को वीटो। 27. सु की के पति माइकल अरिस का ब्रिटेन में मृत्यु। 28. सर्वो के जातीय कहर से कोसोवा के [illegible] ने पड़ौसी देशों में शरण लेना प्रारंभ किया।

अप्रैल 1: युगोस्लाविया सैनिकों द्वारा तीन अमरीकी [illegible] को वंदी वना कर टी.वी. पर उनकी परेड से नाटो ने [illegible] 4. मलेशिया के पूर्व उप प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम की पत्नी ने नयी दल नेशनल जस्टिस पार्टी का गठन किया। 6. युगोस्लाविया ने एक तरफा युद्धविराम की घोषणा की 9. नाइजर के राष्ट्रपति इब्राहिम बेरे मैइनास्सारे की सैनिक विद्रोह में हत्या।। 2. इंडियन ओशन रिम ग्रुप में ओमान, यू.ए.ई., सीशेल्स, थाइलैंड और बंगलादेश शामिल।। 4. मलेशिया के अनवर इब्राहिम को भ्रष्टाचार के आरोप में 6 वर्ष की कैद।। 5. पाकिस्तान की अदालत ने पूर्व प्रधानमंत्री बेनजीर भुट्टो और उनके पति आसिफ जरदारी को भ्रष्टाचार का दोषी मानते हुए पांच वर्ष की कैद की सजा दी। 20. पूर्व जर्मन चासंलर हेलमुट कोल को अमरीका का सबसे बड़ा सम्मान प्रेसीडेंशियल मेडल आफ फ्रीडम दिया गया। 21. पूर्वी तिमोर में अलगाववादी विद्रोहियों और अखंडता के समर्थकों ने शांति समझौते पर हस्ताक्षर किये। 25. पूर्वी तिमोर पर 800,000 लोगों को मतदान द्वारा भविष्य का रास्ता तय करने के संयुक्त राष्ट्र के प्रस्ताव पर इंडोनेशिया और पुर्तगाल सहमत। 28. रूस और चीन सीमा निर्धारण के मानचित्र पर बातचीत से सहमत। 30. कंबोडिया के शामिल होने से एशियान की सदस्य संख्या 10 हुई; कोमोरोस में सेना ने ताजबिडनि बिन की सरकार का तख्ता पलटा।

मई 1: विदाई लेते हुए नेल्सन मंडेला ने रंगभेद नीति के विरुद्ध संघर्ष में मास्को की भूमिका की सराहना की। 2. सर्बिया ने बंदी बनाये तीन अमरीकी सैनिकों को रिहा किया 3. पनामा में पहली बार महिला राष्ट्रपति मर्वे कवाकाई वनीं। 5. पूर्वी तिमोर के भविष्य के लिये इंडोनेशिया और पुर्तगाल के बीच न्यूयार्क मे ऐतिहासिक समझौते पर हस्ताक्षर। 7. चुनावों ने श्रमिक दल को बहुमत के साथ 300 वर्षों में पहली बार स्काटलैंड संसद मिली; 8. नाटो की मिसाइल ने [illegible] दूतावास से टकराई, चार मरे। 9. क्लिंटन ने [illegible] दूतावास पर मिजाइल हमले को तकनीकी [illegible] 12. येल्तसिन ने प्रधानमंत्री येवगेनी प्रिमाकोव [illegible] स्थान पर सर्गीस्टेफासिन नये प्रधानमंत्री [illegible] की संसद में येल्तिसिन पर महाभियोग [illegible] 14. सहस्राब्दि का अंतिम विश्व [illegible] मैदान में प्रारंभ। 5. येल्तसिन [illegible] 16. कुवैत में महिलाओं [illegible] 17. डोनाल्ड डेवर [illegible] 18. इजराइल के [illegible] सत्ता में। 21 [illegible] वाले जल [illegible] नेपाल में [illegible] में [illegible]

की रजत जयंती पर प्रारंभ। 3. भारतीय फ्लाइंग ले. नचिकेता को पाकिस्तान ने 8 दिनों की हिरासत के बाद रिहा कर भारत को सौंपा; मिस्र के राष्ट्रपति होस्नी मुबारक चार वर्ष के लिये पुनः नियुक्त किये गये; सर्बियन संसद ने कोसोवा के लिया जी–8 देशों के शांति योजना को मंजूरी दी; संयुक्त राष्ट्र ने पूर्वी तिमोर पर अपना ध्वज फहराया। 9. किंग अब्दुल्ला जार्डन के नये राज्याध्यक्ष बने। 11. सर्ब सैनिकों की वापसी के साथ कोसोवा में 79 दिनों तक चला युद्ध समाप्त; दक्षिण अफ्रीका में भारतीय मूल के जय नायडू बेकी सरकार में दुबारा मंत्री बने। 14. ताबो बेकी दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति निर्वाचित। 16. तावो येकी ने राष्ट्रपति पद की शपथ ली। 18. पूर्वी तिमोर में विरोधी गुटों ने समझौते पर हस्ताक्षर किये, सुश्री वैइरा विके लात्विया की पहली महिला राष्ट्रपति बनीं। 19. आस्ट्रेलिया ने फाइनल में पाकिस्तान को हराकर क्रिकेट विश्व कप जीत कर दो बार विश्व विजेता होने का गौरव हासिल किया। 25. सर्बो व जातीय अल्बीनियन के बीच कोसोवा में गोलीबारी। 27. उत्तरी आयरलैंड के प्रथम प्रधानमंत्री डेविडट्रिम्बले पी.आर.ए. से मई 2000 तक हथियार डालने को कहा। 29. विद्रोही कुर्दिश नेता अब्दुल्ला ओकालान को अंकारा में देश द्रोह के आरोप में मृत्युदंड।

जुलाई 3: कोरिया में शांति वार्ता विफल। 7. सियेरा लियोन में विरोधी गुटों में समझौता होने से आठ वर्ष से चल रहा गृह युद्ध समाप्त। 8. यू.के. ने लीबिया के साथ राजनयिक संबध शुरू किये। 9. बेल्जियम में 6 दलों की सहयोगी सरकार बनीं; इजराइल के प्रधानमंत्री इहुद बाराक पश्चिमी एशिया में शांति प्रक्रिया को शुरु करने के लिये राष्ट्रपति होस्नी मुबारक से मिलने मिस्र गये। 10. कांगो में युद्धरत 6 देशों ने लुसाका में शांति समझौते पर हस्ताक्षर किये। 15. दक्षिण अफ्रीका के पी.एम. बोथा को 1985 में रंगभेद आंदोलन के आठ कार्यकर्ताओं की हत्या का आरोपी माना गया। 16 इंडोनेशिया की सत्ताधारी पार्टी को जून में हुए ...वों में पराजय मिली, मेघावती की पी.डी.आई. को भी नहीं मिला। 17. मैसाश्युचेट्स में एक छोटा यान ...में जान केनेडी जूनियर, उनकी पत्नी व साली थे लापता। 18. मिलोसेविक के विरोधी वुक ड्रासकोविक ने सर्ब गृहयुद्ध की धमकी दी। 21. मैसाश्युचेट्स के मार्था विनयार्ड के तट पर जान एफ केनेडी जूनियर का शव और वायुयान के ध्वस्त हिस्से मिले। 23. सिंगापुर में एशियान बैठक प्रारंभ। 24. पहली बार किसी महिला चालक सुश्री इलीन कोलिन्स के नेतृत्व में केप केनावेरेल से चंद्रा दूरबीन को लेकर अंतरिक्ष यान कोलंबिया का प्रक्षेपण। 28. इन्साइक्लोपीडिया ब्रिटानिका ने सी.डी.–रोम के कारण किताब की छपाई बंद की; बाराक और अराफात बी नदी के तटीय क्षेत्र पर सुरक्षा समझौते पर परिवर्तन लाने पर सहमत; टोंगा संयुक्त राष्ट्र का 188वां सदस्य। 29. ब्रिटेन में पहली बार सिक्ख तरसेम किंग को लार्ड बनाया गया। 30. सरजीवो में विश्व के देशों की बालकान बैठक में युगोस्लाविया को लोकतंत्र अपनाने को कहा। 31. अमरीकी सेना पनामा से सदी के बाद हटी

अगस्त 1: बिल गेट्स अपनी अधिकांश संपत्ति एच. गेट्स फाउंडेशन को देंगें जो कि विश्व का सबसे बड़ा निजी फाउंडेशन हो जायेगा। 4. ब्रिटेन के रक्षा सचिव जार्ज रावर्टसन नाटो के नये प्रमुख बने। 9. गुयाना की राष्ट्रपति सुश्री जैनेट जागन ने त्यागपत्र दिया; रूस में 18 महीनों में पांचवे प्रधानमंत्री विलादिमिर पुतिन बने। 11. सहस्राब्दि का अंतिम सूर्य ग्रहण। 26. बोस्नियन सर्ब जनरल मोमिर तालिक को वियना में युद्ध अपराधी के रूप में हिरासत में लिया गया।

सितंबर 1: माइक मूरे डब्ल्यू.टी.ओ. के प्रमुख बने; लुसाका में कांगो के विद्रोही नेताओं ने शांति समझौते पर हस्ताक्षर किये। 2. पीपुल्स लिबरेशन आर्गेनाइजेशन आफ तमिल ईलम के नेता एन. मनिक्कातासन की बम विस्फोट द्वारा हत्या; पनामा की पहली महिला राष्ट्रपति सुश्री मिरेया मोसकोसो ने शपथ ग्रहण की; पश्चिमी एशिया में शांतिवार्ता फिलीस्तीन द्वारा इजराइल पर पीछे हटने के आरोप के लगाये जाने के साथ बंद। 3. पूर्वी तिमोर के लोगों ने इंडोनेशिया से अलग होकर स्वतंत्र देश के पक्ष में मत दिया; इजराइल व फिलीस्तीन ने वी ज्ञापन पर नये समझौते पर हस्ताक्षर। 7. पूर्वी तिमोर के स्वतंत्रता आंदोलन के नेता एक्सनाना गुसामो को इंडोनेशिया सरकार ने रिहा किया। 12. इंडोनेशिया के राष्ट्रपति हबीबे ने संयुक्त राष्ट्र शांति रक्षकों को पूर्वी तिमोर जाने की मंजूरी दी। 14. किरियती, नौरू और टोंगा संयुक्त राष्ट्र के नये सदस्य। 21. ताइवान में भयंकर भूकंप से 1700 लोग मरे, 4000 घायल; जापान के प्रधानमंत्री ओबुची सत्ता दल के मुखिया बने। 26. यमन में पहली बार प्रत्यक्ष राष्ट्रपति पद के चुनावों में अली अब्दुल्ला साहेब दुबारा राष्ट्रपति निर्वाचित।

अक्टूबर 2: संयुक्त राष्ट्र मानव अधिकार आयोग की मैरी राबिंसन पूर्वी तिमोर में हुए अत्याचार की जांच करेंगीं। 6. इंडोनेशिया में गोल्कर पार्टी ने स्पीकर पद लिया। 12. पाकिस्तान में प्रधानमंत्री नवाज शरीफ द्वारा सेना प्रमुख परवेज मुशर्रफ को सेवामुक्त किये जाने के दो घंटे के अंदर ही सेना ने सत्ता पर कब्जा किया। 13. पाकिस्तान सेना प्रमुख मुशर्रफ ने कहा कि सेना को मजबूरी में देश को बचाने के लिये आगे आना पड़ा। 14. जूलियस न्येरेर का निधन; पाकिस्तान में सेना ने नेशनल एसंबली पर नियत्रंण किया, संविधान को स्थगित कर दिया गया और आपातकाल लगाया गया। 16. पाकिस्तान की सेना का देश पर पूरी तरह से कब्जा सेना प्रमुख परवेज मुशर्रफ ने स्वंय को चीफ एक्जीक्यूटिव घोषित किया। 18. कामनवेल्थ ने पाकिस्तान में सेना द्वारा 12 अक्टूबर को सत्ता हथियाने के कारण सदस्यता से वंचित कर दिया। 20. अब्दुर रहमान वाहिद इंडोनेशिया के नये राष्ट्रपति बने; मेघावती सुकर्णोपुत्री हारीं। 21 मेघावती सुकर्णोपुत्री इंडोनेशिया की उपराष्ट्रपति। 26. रूस ने चेचन विद्रोही शामिल बासायव के सर पर 1 मिलयन डालर का पुरस्कार रखा। 27. अल्बानिया के प्रधानमंत्री पंडेली माजको का त्यागपत्र।

नवंबर 1: रूस द्वारा चेचन्या के दूसरे शहर गुडरमर को घेरने और 100 अलगाववादियों को मार गिराने के साथ शरणार्थियों का जमावड़ा। 3. बंगला देश के पूर्व प्रधानमंत्री काजी जफर अहमद को कैंसर अस्पताल के नाम पर सरकारी कोष से 10 लाख टका के गबन के आरोप पर। 3

र्ष का सश्रम कारावास। 6. आस्ट्रेलिया इंग्लैंड की महारानी ो अपना राज्याध्यक्ष बनाये रखने पर सहमत। 0. मलेशिया क प्रधानमंत्री महाथिर ने अचानक चुनावों की घोषणा की। 4. उक्रेन के राष्ट्रपति एल. कुचनेरा दुबारा निर्वाचित।16. ाजकिस्तान के राष्ट्रपति ई. राखनरोव दुबारा सात वर्ष के कार्यकाल के लिये निर्वाचित। 23. नवाज शरीफ के पिता व ाई को हिरासत में लिया गया। 26. उत्तरी आयरलैंड में सत्ता ं भागेदारी पर सहमति समझौते में प्रगति। 30. कुवैत की ंसद ने महिलाओं को मतदान व चुनाव लड़ने के विधेयक को ठुकराया; सियेटल में विश्व व्यापार संगठन की बैठक के अवसर पर प्रखर विरोध; मलेशिया के प्रधानमंत्री दो तिहाई बहुमत से जीते; अनवर इब्राहिम की पत्नी वान अजिजाह ने विपक्ष की पहली संसदीय सीट जीती।

दिसंबर 1: उत्तरी आयरलैंड में 25 वर्ष में पहली बार ब्रिटेन के मंत्री के स्थान पर स्थानीय सरकार, प्रोटेस्टैंट व कैथोलिक सत्ता में भागेदारी पर सहमत। 3. उत्तरी आयरलैंड में पहली मंत्रिपरिषद की बैठक। 13. सुडान के राष्ट्रपति ने संसद को भंग करते हुए तीन महीने के आपातकाल की घोषणा की। 15. अमरीका ने पनामा की संप्रुभता वापस की।16. ग्रोज्नी में 100 से अधिक रूसी सैनिक मारे गये।18. श्री लंका में मानव बम के विस्फोट में राष्ट्रपति कुमारतुंगा बाल–बाल बचीं हादसे में एक अधिकारी सहित अनेक मरे। 19. पुर्तगाल का उपनिवेश मकाओ चीन को सौंपा गया; इटली के प्रधानमंत्री मासिमो डी एलेमा ने त्यागपत्र दिया। 20. रूस में संसदीय चुनावों में किसी को बहुमत नहीं, वामपंथी आगे। 22. श्रीलंका में चंद्रिका कुमारतुंगे ने राष्ट्रपति पद की शपथ ग्रहण की। 24. आइवरी कोस्ट में सेना ने सत्ता हथियाई। 27. हबल अंतरिक्ष दूरबीन की मरम्मत के लिये डिस्कवरी यान 8 दिन की योजना के लिये पहुचों। 30. तुर्की के उच्च न्यायाधिकरण ने ओक्लान के मृत्युदंड के स्थगित करने से इंकार किया। 31. रूस के राष्ट्रपति येल्तसिन का त्यागपत्र, विलादिमिर पुतिन कार्यकारी राष्ट्रपति।

हैंसी क्रोंजिये व मैच फिक्सिंग

जनवरी 2000 : 1. संपूर्ण विश्व ने नयी सहस्त्राब्दि का स्वागत किया; अटलांटिक व प्रशांत महासागर के बीच महत्वपूर्ण जलमार्ग पनामा कैनाल पर 785 वर्ष के बाद पनामा का पूर्ण प्रभुत्व। 2. पीनट्स कामिक के रचयिता चार्ल्स शुल्ज की अंतिम विदाई। 3. मलेशिया में उपप्रधानमंत्री ए.ए.बदावी महातिर के उत्तराधिकारी बने। 4. क्रोएशिया में राष्ट्रपति टुड्जमैन की पार्टी की चुनावों में दुर्दशा; इरान में पहली बार एक महिला उपराज्यपाल बनीं। 6. कंबोडिया के प्रधानमंत्री हुन सेन ने 1970 में खमेर रोग द्वारा नरसंहार के आरोपी बचे नेताओं पर मुकदमा चलाने की योजना बनाई; चीन के कैथोलिक चर्च ने पोप द्वारा पांच नये नियुक्त बिशप को स्वीकार करने से मना किया; तिब्बत के बुद्ध अनुयाइयों के प्रमुख किशोर कर्मापा ने चीन से भाग कर दार्जिलिंग में शरण ली। 7. इक्वेडोर में राष्ट्रपति जमील महाउद के इस्ताफे की मांग को लेकर आंदोलन के बाद वहां आपातकाल लगाया गया 12. चिली के पिनोशे (जोकि अब लंदन में थे) को अस्वस्थता के कारण मुकदमें का सामना न कर पाने के कारण वापस चिली भेजे जाने की अनुमित दी सकती है; निर्वासित तिब्बत सरकार का भारत पर कर्मापा की रिहाइश को मान्यता देने के लिये दबाव। 14. बिल गेट्स ने माइक्रोसाफ्ट कंपनी का प्रमुख पद छोड़ा।

फरवरी: 1. ब्रिटेन के कुख्यात हत्यारे हैरोल्ड शिप्मैन [illegible] महिलाओं का हत्यारा) को मौत की सजा। 4. [illegible] राष्ट्रपति चंद्रिका ने 17 वर्ष के जातीय युद्ध को [illegible] के लिये नये संविधान का [illegible] 6. अफगानिस्तान का वायुयान 178 [illegible] फिनलैंड में श्रीमती टार्जा हैलोनेन पहली महिला राष्ट्रपति बनीं। 7. ग्रोज्नी पर रूस का नियंत्रण; अपहृत [illegible] लंदन पंहुचा, पांच यात्री रिहा किये गये; बेलग्रेड में युगोस्लाव [illegible] डैनियल माइनहान की हत्या। 10. [illegible] सारे यात्री रिहा। 11. ब्रिटेन की सरकार ने [illegible] पर दुबारा प्रत्यक्ष शासन लागू किया। 14 [illegible] सैनिक प्रमुख जनरल विरांटो को [illegible] मंत्रिमंडल से निकाला। 18. [illegible] सदस्य बना। 21 इरान में [illegible] को समाजिक, राजनैतिक व आर्थिक [illegible] नया आयाम दिया। 22. [illegible] दक्षिण अफ्रीका की [illegible] सम्मेलन में [illegible] मेयोन [illegible] इरान के [illegible] फ्रांस के [illegible] [illegible]

ब्लास्किक को 45 वर्ष कैद की सजा।7. संयुक्त राष्ट्र शांति सेना और विद्रोही सर्व के बीच संघर्ष जारी। 9. जर्मनी का विश्व का सबसे समृद्ध बैंक डियुश्के बैंक ने ड्रेशनर बैंक के साथ विलय किया।10. नार्वे की सरकार ने त्यागपत्र दिया; जेन स्टोलटेनवर्ग के नेतृत्व में नई सरकार बनीं।स्वीडन ने युरो मुद्रा अपनाई। 12. पोप जान पाल ने एक ऐतिहासिक क्षण में रोमन कैथोलिक चर्च की पूर्व गलतियों के लिये क्षमा मांगी। 13. चेचन युद्ध के सर्वाधिक वांछित सलमान रुडुवेव पकड़े गये; स्पेन के प्रधानमंत्री जे.एम. अजनर दुवारा निर्वाचित। 16. पाकिस्तान का कुख्यात हत्यारा जिसने 100 से अधिक बच्चों की हत्या की थी को फांसी पर लटकाने के बाद उसके शरीर के टुकड़े-टुकड़े करके अम्ल में डाले गये; नेपाल के प्रधानमंत्री के.पी. भट्टाराई ने त्यागपत्र दिया। 17. ओस्कर के 40 प्रतीक चोरी हुए। 18. ताइवान में पचास वर्ष से अधिक सत्ता में रहने वाली नेशनलिस्ट पार्टी को सत्ताच्युत, विपक्ष नेता चेन शुइ वियान सत्ता में; नेपाली संसद ने पूर्व प्रधानमंत्री जी.पी. कोइराला को दुवारा प्रधानमंत्री चुना। 19. उगांडा के कनान्गु में टेन्थ कमांडेंट आफ गाड आंदोलन के समर्थक 470 लोगों ने बंद चर्च में सामूहिक आत्महत्या की। 20. अर्म्सटडम और ब्रुसेल्ज 11 यूरोप क्षेत्र के देशों में सबसे बड़े स्टाक एक्सचेंज को बनाने के लिये एक हुए; गायब ओस्कर प्रतीक एक कूड़ाघर में मिले; सेनेगल के एब्डोन डियोफ राष्ट्रपति चुनाव में पराजित, अब्डाउले वाडो नये राष्ट्रपति निर्वाचित।21. इजराइल ने फिलीस्तीन को पूर्ण या आंशिक नियंत्रण के लिये वेस्ट बैंक के 6.1% से अपने सैनिकों को वापस बुलाना प्रारंभ किया; जर्मनी की क्रिश्चियन डेमोक्रेटिक यूनियन ने सुश्री अंजेला मार्केल को अध्यक्ष मनोनीत किया। 22. इसाई धर्म के मुख्य तीर्थ बेथलेहम की यात्रा पर पोप जान पाल ने स्वतंत्र फिलीस्तीन का समर्थन किया। 23. रुवांडा के राष्ट्रपति पास्टियर बिजिमुंगा ने त्यागपत्र दिया। 24. ताइवान के राष्ट्रपति ली टुंग हुई ने त्यागपत्र दिया; जर्मनी के पार्स्ट कोएहलर आई.एम.एफ. के निदेशक बने; लिस्बन में युरोपियन संघ के नेताओं ने कहा सर्बिया पर प्रतिबंध जारी रहेंगें जबतक युगोस्लाव के राष्ट्रपति स्टोबोडान मिलोसेविक हैं।25. बिल क्लिंटन ने पाकिस्तान को भारत से बातचीत करने के लिये वातावरण तैयार करने को कहा; डर्बन के डिस्को क्लब में टियर गैस का गोला फेंकने के बाद मची भगदड़ में भारतीय मूल के 13 युवा मरें। 27. व्लादिमिर पुतिन रूस में राष्ट्रपति पद के लिये निर्वाचित। 28. वेस्ट इंडीज के कर्टनी वाल्श ने टेस्ट कैरियर में 435 विकेट लेकर भारत के कपिल देव के 434 विकेट के रिकार्ड को तोड़ा; इराक के राष्ट्रपति सद्दाम हुसैन के बेटे उदय सद्दाम हुसैन 99.99% मतो से विजई होकर संसद में पंहुचे। 29. ओपेक के 11 देश प्रतिदिन 1.45 मिलयन बैरेल कच्चे तेल के उत्पादन वृद्धि करने पर सहमत; इजराइल के पूर्व प्रधानमंत्री नेतन्याहू एवं उनकी पत्नी पर घूसखोरी का आरोप।

अप्रेलः 1. रूस के नये राष्ट्रपति पुतिन ने परमाणु हथियारों के जखीरे को बनाये रखते हुए शस्त्र कटौती की अपील कीं। 3. जापान के प्रधानमंत्री कीजो ओबिची गंभीर रूप से अस्वस्थ; रूस के राष्ट्रपति पुतिन ने संयुक्त राष्ट्र मानव अधिकार उच्चायुक्त सुश्री मैरी राबिन्सन द्वारा चेचन्या पर की गईं टिप्पणियों के बाद उनसे मिलने से इंकार कर दिया। 4. अफगानिस्तान के प्रांत कुंडुज व तालिबान नेता मोहम्मद आरिफ खां की हत्या; जापान के मंत्रिमंडल को कीजो ओबुची के कोमा में चले जाने से हटना पड़ा, योशिरो मोरी नये प्रधानमंत्री।। 5. स्पेन के दोनों सदनों की अध्यक्ष महिलायें – सुश्री लुइसा फर्नान्डा और सुश्री एस्पेरेंजा अगुइरेरे बनीं; जिम्बाबवे में अश्वेतों द्वारा श्वेतों के फार्म पर कब्जा करने के दौरान एक पुलिसकर्मी की मृत्यु। 6. आतंकवाद व विमान अपहरण के आरोप में पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ को 25 वर्ष की सजा; रूस का अंतरिक्ष यान सोयूज अंतरिक्ष स्टेशन मिर पर उतरा। 7. पुतिन ने रूस के राष्ट्रपति पद की शपथ ली; जिम्बाबवे के संविधान में संशोधन, इसके अंतर्गत सरकार बिना किसी मुआवजा दिये श्वेतों की भूमि जब्त कर सकने का अधिकार दिया गया। 9. ला पाज में प्रदर्शनों के बाद बोलविया में आपात काल की घोषणा; यूनान (ग्रीक) में चुनाव। 10. जार्जिया में राष्ट्रपति ए. शेवार्डनाड्जे विजयी।। 11. हैंसी क्रोंजिये द्वारा मैच फिक्सिंग कांड में लिप्त होने की स्वीकारने के साथ टीम से हटाये गये; सुश्री एंजेला मार्केल जर्मनी की क्रिश्चियन डेमोक्रेटिक पार्टी की अध्यक्ष बनीं। 12. चीनी राष्ट्रपति जियांग जेमिन वियतनाम यात्रा पर, चीनी राज्याध्यक्ष की वियतनाम की पहली यात्रा; दक्षिण अफ्रीका मैच फिक्सिंग कांड की न्यायिक जांच करायेगा। 13. इंडोनेशिया ने सुहार्तो की विदेश यात्रा पर प्रतिबंध लगाया। 14. हवाना में पांच दिवसीय जी-77 सम्मेलन समाप्त; अमरीका ने चीन द्वारा लीबिया को लंबी दूरी की मिजाइल विकसित करने के प्रयास पर अमरीका ने चिंता जाहिर की। 17. वाल स्ट्रीट में लगातार नुकसान के कारण टोक्यो, हांगकांग और सिंगापुर के स्टाक एक्सचेंज में भारी गिरावट; इटली के प्रधानमंत्री मैसिमो डी अलेमा ने त्यागपत्र दिया। 21. नाइजीरिया में नाव दुर्घटना में 500 मरे; रूस की संसद ने सी.टी.बी.टी. का समर्थन किया। 22. क्यूबा का बालक एलियान अपने पिता से मिला। 24. मलेशिया और फिलीपींस जिम्बाबवे में भूमि हड़पने के अंतर्गत 20 बंधकों को छुड़ाने के लिये एक मत हुऐ। 26. युगोस्लाव के एयर लाइन के प्रमुख की बेलग्रेड में हत्या; इटली में गियुलियानो अर्नाटो (डा. सब्टल) के नेतृत्व में नई सरकार (58वीं) बनी। 27. जिम्बाबवे में भूमि हड़पने के मुद्दे पर विक्टोरिया फाल में चार अफ्रीकी देशों की बैठक। 29. अमरीका के न्यायधीश डेब्टि ने संघीय अदालत से माइक्रोसाफ्ट कंपनी को दो अलग कंपनियों में विभाजित करने को कहा।

मईः 2. लंदन में पूंजीवाद के विरोधी प्रदर्शनकारियों ने चर्चिल की प्रतिमा को नुकसान पंहुचाया। 3. कामनवेल्थ ने राष्ट्रपति मुगाबे की भर्त्सना की। 4. यू.के. ने जिम्बाबवे में शस्त्र विशेषज्ञों पर प्रतिबंध लगाया; श्रीलंका ने इजराइल से राजनयिक संबध कायम किये। 6. सियेरा लियोन में विद्रोहियों ने संयुक्त राष्ट्र शांति सेना के 300 सैनिकों को बंधक बनाया, इनमें से अधिकांश भारतीय। 10. विद्रोहियों के आक्रमण के भय से संयुक्त राष्ट्र शांति सेना की 220 सैनिक टुकड़ियों को हटाया गया। 11. लंका की वायुसेना

द्वारा लिट्टे के ठिकानों पर बमबारी से 108 मरे। 13. संयुक्त राष्ट्र ने इथियोपिया और एरिट्रिया को युद्ध बंद न करने पर प्रतिबंध लगाने की चेतावनी दी। 14. जापान के पूर्व प्रधानमंत्री कीजो ओबुची का 62 वर्ष की आयु में निधन; जिम्बाबवे के भूमि हड़पने वालों ने इयान इस्मिथ की भूमि पर कब्जा किया; पुटिन ने रूस को 7 संघीय जिलों में विभाजित किया 15. काठमांडु में बच्चों का सेना में इस्तेमाल किये जाने पर बैठक; सियेरा लियोन में विद्रोहियों ने संयुक्त राष्ट्र शांति सेना के 500 बंधक सैनिकों में से 139 को रिहा किया; 16. लिट्टे ने जाफना के पूर्व पर हमले तेज किये; जनरल विरानो ने इंडोनेशिया मंत्रिमंडल से त्यागपत्र दिया; डब्ल्यू.एच.ओ. में ताइवान का पर्यवेक्षक का प्रयत्न विफल। 17. हिलैरी क्लिंटन न्यूयार्क अमरीका की सीनेट सीट से चुनाव लड़ने के लिये डेमोक्रेटिक पार्टी की उम्मीदवार घोषित; भूटान ने उल्फा को एक और मौका दिया कि वह भूटान के पूर्वी वन से शांतिपूर्वक हट जाये। 18. लिट्टे ने पालाडी हवाई अड्डे को तहसनहस किया; श्रीलंका ने 15,000 भगोड़े सैनिकों को आम माफी दी; पोप जान पाल 80 वर्ष के हुए; चीन और फिलीपींस स्प्राटलीज मुद्दे को समाप्त करने पर सहमत। 19. फिजी में एक व्यवसाई जार्ज स्पीट ए.के. 47, रायफल से लैस अपने सात अनुयाइयों के साथ पार्लियामेंट में घुस कर भारतीय मूल के प्रधानमंत्री महेंद्र चौधरी और उनके मंत्रिमंडलीय सहयोगियों को बंधक बना लिया; सुआ शहर में भारतीयों की दुकानों में लूटमार प्रारंभ; न्यूयार्क के मेयर रोडोल्फ गुइलिवानी हिलैरी क्लिंटन के विरुद्ध चुनाव मैदान से हटे। 20. फिजी में स्वघोषित प्रधानमंत्री जार्ज स्पीट ने महेंद्र चौधरी के साथ मारपीट व दुर्व्यहार किया; ब्रिटेन के प्रधानमंत्री चौथे बच्चे लियो के पिता बने; ताइवान के नये निर्वाचित प्रधानमंत्री चेन ने कहा कि वे तब तक स्वतंत्रता की घोषणा नहीं करेंगे जब तक चीन आक्रमण नहीं करता; सियेरा लियोन में विद्रोही दल (आर.यू.एफ.) शांति वार्ता के लिये संखोह की रिहाई की मांग की। 21. रूस ने अधिक आयु के मिर अंतरिक्ष स्टेशन को त्यागने का निर्णय लिया; रिक लाजियो हिलैरी क्लिंटन का चुनावी मुकाबला करेंगे; बार्बरा कार्टलैंड, ब्रिटेन की रोमांटिक लेखिका का 98 वर्ष की आयु में निधन। 22. नार्वे द्वारा श्रीलंका में शांति प्रयास; फिजी में महेंद्र चौधरी के प्रधानमंत्री बने रहने के आसार कम; भारत की नौसेना जाफना द्वीप में फंसे श्रीलंका के सैनिकों को बचाने के लिये 72 घंटे के लिये चौकस। 23. अर्कांसास सुप्रीम कोर्ट की पेशेवर आचरण समिति ने ने निर्णय दिया कि पाउला जोन्स मामले में क्लिंटन को सजा दी जाये; बिल गेट्स ने कैंब्रिज युनिवर्सिटी को 130 मिलियन डालर दान में दें; इजराइल की सुप्रीम कोर्ट ने महिलाओं को [illegible] पर प्रार्थना करने की अनुमति दी; अटलांटिस अंतरिक्ष यान के अंतरिक्ष यात्री अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन की मरम्मत करने के लिये यान से बाहर आये; फिजी में [illegible] चीफ्स ने राष्ट्रपति का नागरिक [illegible] फैसले को सही ठहराया। 25. [illegible] श्रीलंका की ओर बढ़े; [illegible] अमरीका ने चीन को [illegible]

एरिट्रिया ने विवादास्पद सीमा क्षेत्र से अपनी सेनायें वापस बुलाने की घोषणा की, इथियोपिया ने इसे अपनी जीत बताया। 26. राष्ट्रपति कुमारतुंगे ने लिट्टे प्रमुख को जाफना का मुख्यमंत्री बनाने का प्रस्ताव दिया; जार्ज स्पीट ने महेंद्र चौधरी को छोड़ने से इंकार किया; इरान के राष्ट्रपति रफसानजानी ने संसदीय सीट छोड़ी। 27. फिजी के राष्ट्रपति रातु कामिसेसे ने जार्ज स्पीट द्वारा बंधक बनाये महेंद्र चौधरी की सरकार को बर्खास्त किया। 28. उत्तरी कोरिया के राष्ट्रपति किम ने 18 वर्षों के बाद चीन की गुप्त यात्रा की; उप प्रधानमंत्री इच्छाक मोर्डेची ने यौन प्रकरण पर त्यागपत्र दिया; सियेरा लियोन के विद्रोहियों ने शांति सेना के और सैनिकों को छोड़ा। 29. पेरू में चुनावों में फुजिमोरी राष्ट्रपति निर्वाचित; अंतरिक्ष यान अटलांटिस अपने मिशन को पूरा करके पृथ्वी पर वापस उतरा; फिजी में सेना प्रमुख फ्रैंक बाइनिमारामा ने मार्शल ला लगाकर सत्ता अपने हाथ में ली, राष्ट्रपति मारा ने त्यागपत्र दिया; इंडोनेशिया में सुहार्तो नजरबंद। 30. ब्रिटेन ने उत्तरी आयरलैंड को शासन का स्थानांतरण किया; फिजी के सेना प्रमुख फ्रैंक बाइमिमारामा ने रातु ई [illegible] को प्रधानमंत्री नामांकित किया; फिजी में अनेक [illegible] को निरस्त कर 1990 के संविधान जिसमें [illegible] के लोग उच्च पदो पर आ सकते हैं को [illegible]; जिम्बाबवे के पूर्व राष्ट्रपति कनान [illegible] समलैंगिक संबंध बनाने पर एक वर्ष की कैद; [illegible] अपनी जीत की घोषणा करते हुए [illegible] बुलाना प्रारंभ किया। 31. [illegible] चुनाव में रिको लाजियो को [illegible] के राष्ट्रपति वाहिद ने करोड़ों डालर के [illegible] के आरोप को निराधार कहा।

जून: 1. एरिट्रिया ने कहा कि [illegible] सैनिकों की वापसी [illegible]। 3. [illegible] ने [illegible] के 304 [illegible] किये 4. [illegible]

[illegible]

सोलोमन आइसलैंड में जातीय दंगों में 100 से अधिक मारे गये; कामनवेल्थ ने फिजी की सदस्यता को स्थगित किया। 10. सीरिया के राष्ट्रपति हफेज अल असद का 69 वर्ष की आयु में निधन। 11. स्वर्गीय राष्ट्रपति असद के पुत्र वास्हर सीरिया के नये राष्ट्रपति नामांकित। 13. दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति किम डाय जुंग ने प्यांगपोंग में कोरियन सम्मेलन में कहा कि पचास वर्ष पूर्व विभाजन से 10 लाख से अधिक विछुड़े परिवार के सदस्यों का दुबारा मिलन आसान हो जायेगा। 15. अपमानित हैंसी क्रोन्ये ने आरोप लगाया कि उन्हें सटोरिये से मिलाने का काम अजहरुद्दीन ने किया था; तीन दिवसीय कोरियन सम्मेलन के अंतिम दिन दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति ने कहा कि दोनों देशों का संयुक्तीकरण संभव। 16. सर्विया के विपक्षी नेता युक ड्रास्कोविक की मांटेनेग्रो में गोली मारकर हत्या; इजराइल व फिलीस्तीन शांति वार्ता के लिये सहमत; जर्मनी ने अपने समस्त परमाणु संयत्रों को 32 वर्ष के कार्यकाल के बाद बंद किया 18. श्रीलंका सरकार ने प्रायद्वीप के उत्तरी पूर्वी क्षेत्र में लिट्टे के प्रशासन के प्रस्ताव को नामंजूर कर दिया; ओ.ए.यू. के प्रयत्नों से एरिट्रिया और इथियोपिया द्वारा शांति योजना पर सहमति से दो वर्षीय युद्ध रुका। 19. इथियोपिया की सैनिक टुकड़ी एरिट्रिया के गांव टेस्सेग से लौटी। 20. जी.15 सम्मेलन कायरो में समाप्त, इरान और कोलंविया नये सदस्य बने। 21. अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय (हेग) ने पाकिस्तान द्वारा भारत के विरुद्ध 10 अगस्त, 1999 को उसके विमान को मार गिराने की शिकायत को यह कहते हुए निरस्त कर दिया कि यह मामला उसके अधिकार के बाहर है; भारतीय कैथोलिक चर्च के प्रमुख आर्चविशप एसन डी लास्टिक का पोलैंड में कार दुर्घटना में निधन; हैंसी क्रोजिये ने किंग आयोग के समक्ष धन की बात स्वीकार की। 22. नासा के वैज्ञानिकों ने मंगल पानी होने की पुष्टि की; 24. इंडोनेशिया मे डुमा में ...न इसाइयों के बीच दंगों में मृतकों की संख्या 150 हो गई; जिम्बाववे में चुनाव। 25 इंडोनेशिया में मुस्लिम इसाइयो के बीच दंगों के कारण मोलुकुस में नागरिक आपातकाल लगाया गया। 26. इजराइल के विदेश मंत्री ने अराफात को स्वंय फिलीस्तीन को स्वतंत्र राष्ट्र की घोषणा पर चेतावनी दी। 27. जिम्बावबे में मुगावे की पार्टी को कम अंतर से जीत हासिल; विपक्षी दल ने 57 सीटें जीतकर वेहतर प्रदर्शन किया। 29. लार्ड्स का मैदान 100 टेस्ट मैचों का आयोजन करने वाला प्रथम स्टेडियम बना; 30. मुगावे ने कहा कि 800 से अधिक फार्मलैंड का अधिग्रहण कर लिया जायेगा।

जुलाई: 1. स्ट्रेट आफ ओरेसुंड पर नये सेतु के खोले जाने से स्वीडन व डेनमार्क का संयुक्तीकरण; इतिहास में पहली बार एक महिला को बकिंघम पैलेस में संतरी की ड्यूटी मिली। 3. गैर राजनीतिक बैंकर लाइसेनिया क्वारासे को फिजी का प्रधानमंत्री बनाया गया, मंगोलिया में पूर्व के साम्यवादी शासकों को भारी बहुमत मिला। सउदी अरबिया ने कहा कि अगर वर्तमान के विश्व में कच्चे तेल के दाम नही गिरे तो वो भी प्रतिदिन 500,000 बैरल कच्चे तेल का उत्पादन बढ़ायेगा। 5. फिजी की सेना ने दो दिन के अदर संसद के चारों ओर सैन्य क्षेत्र को स्वेच्छा से खाली कर देने पर क्षमा करने का आश्वासन दिया। 6. आइवरी कोस्ट में सैन्य शासको और वेतन बढ़ाने की मांग पर सैनिकों के बीच समझौता। 7. नामीविया और अंगोला ने ओ.ए.यू. के 36वें सम्मेलन का बहिष्कार करने का फैसला किया। 8. अमरीका का बहुचर्चित मिसाइल डिफेंस टेस्ट असफल। 9. विद्रोही नेता जार्ज स्पीट और सेना के बीच समझौते के साथ सात हफ्तों से बंधक बने महेंद्र चौधरी व उनके सहयोगियों की रिहाई शीघ्र संभव। 10. फिजी में अराजकता फैली; इजराइल के राष्ट्रपति एजेर वीजमैन ने त्यागपत्र दिया। 12. कैम्प डेविड वेस्ट एशिया सम्मिट में बिल क्लिंटन, बाराक और अराफात ने हिस्सा लिया। 13. फिजी के अपदस्थ प्रधानमंत्री महेंद्र चौधरी और अन्य 17 बंधकों की 55 दिनों के बाद रिहाई। 14. मायामी की ज्यूरी ने अमरीका की फिलिप मोरी सहित पांच तंबाखू कंपनियों पर फ्लोरिडा के धूम्रपान करने वालों को नुकसान पंहुचाने के जुर्म में 145 बिलियन डालर का जुर्माना किया। 16. मार्टिना नवरातिलोवा का नाम इंटरनेशनल टेनिस हाल आफ फेम में रखा गया। 17. डा. बस्हद अल असद ने सीरिया के राष्ट्रपति पद की शपथ ली; पुटिन ने अमरीका को चेतावनी दी कि यदि वह नेशनल मिजाइल शील्ड की योजना को आगे बढ़ायेगा तो रूस व चीन उसका जवाब देंगें। 18. रूस के राष्ट्रपति ने चीन में जियांग जेमिन के साथ संयुक्त घोषणापत्र पर हस्ताक्षर; फिजी में नये राष्ट्रपति की शपथ ग्रहण और मंत्रिमंडल की शपथ ग्रहण की स्थगन के साथ जार्ज स्पीट ने दुबारा हिंसा की धमकी दी। 22. विशेष अदालत ने नवाजशरीफ को हेलीकाप्टर मामले में 14 वर्षीय आजीवन कारावास की सजा दी। 25. पेरिस के चार्ल्स डी गाले हवाई अड्डे के निकट अमरीका के गंतव्य पर कंकार्ड विमान दुर्घटनाग्रस्त होने से। 26. फिजी के बागी नेता जार्ज स्पीट को सेना ने गिरफ्तार किया; 27. अराफात फिलिस्तीन राज्य को स्वतंत्र घोषित करने पर दृढ़; फिजी में स्पीट के समर्थक गिरफ्तार। 29. पेरू में राष्ट्रपति फुजिमोरी के शपथ ग्रहण का बड़े पैमाने पर विरोध, 7 प्रदर्शनकारी मारे गये; आई.आर.ए. विद्रोहियों के लिये हथियारों से लदा जलयान क्रोएशिया में जब्त। 30. इजराइल के 64 वर्षीय व्यक्ति कृत्रिम हृदय वाले विश्व के प्रथम व्यक्ति बने; फिजी में स्पीट के समर्थकों ने 30 भारतीय मूल के लोगों को बंधक बनाया; वेनेजुएला ने हुगो चावेज को दुबारा राष्ट्रपति चुना। 31. दोनों कोरियायी देशों ने नो मैन्स लैंड पर लायजन कार्यालय खोले।

अगस्त: 2. सोलोमन आइसलैंड में 19 महीने से चल रहा हिंसाक्रम रुका। 3. श्रीलंका का नया संविधान संसद में प्रस्तुत किया गया। 7. दूरी पर विचरण कर रहे नौ नये ग्रहों की खोज के साथ सौरमंडल के बाहर ग्रहों की संख्या 51 हुई; 11 तालिबान सैनिक बलों ने उत्तरी शहर बांगी पर कब्जा किया; चिली के उच्चतम न्यायालय ने जनरल पिनोशे की सीनेट की सुविधायें समाप्त कीं। 8. मलेशिया के पूर्व उपप्रधानमंत्री को अप्राकृतिक मैथुन के जुर्म में न्यायालय ने 9 वर्ष की सजा दी। 10. श्रीलंका की प्रधानमंत्री सु... सिरिमावो भंडारनायके ने त्यागपत्र दिया, रत्नासिरी विक्रमनायके नये प्रधानमंत्री; ताजिक विद्रोहियों ने किर्गिज्स्तान पर हमला

गया। 14. रूस के आर्थोडाक्स चर्च के पादरियों ने अंतिम जार निकोलस द्वितीय को सम्मानित करने का विरोध किया; रूस की पनडुब्बी कुर्स्क बैरेंट सागर में डूबी; उत्तरी व दक्षिणी कोरिया के परिवार के सदस्य 50 वर्ष बाद एक दूसरे से अस्थाई रूप से मिले। 16. पेरिस के निकट कंकोर्ड विमान दुर्घटना के बाद बेड़े के समस्त 13 विमानों को हैंगर में रखा गया। 18. इजराइल के प्रधानमंत्री बाराक ने फिलीस्तीनियों को स्वतंत्र देश इस शर्त पर देने को कहा कि इजराइलों के साथ झड़पें बंद करें। 19. दक्षिण अफ्रीका के क्रिकेट खिलाड़ी एच. गिब्स और एच. विलियम्स को भारत में धन लेकर घटिया प्रदर्शन करने का आरोपी माना गया। 20 रूस के अंतिम जार निकोलस द्वितीय को आर्थोडाक्स चर्च ने शहीद के तौर पर सम्मानित किया। 22. बैरेंट सागर में रूसी पनडुब्बी के डूबने के 10 दिनों बाद गोताखोरों ने समस्त 118 चालक दल के सदस्यों की मृत्यु की पुष्टि की। 23. यूरो डालर की तुलना में 90 के अंक तक लुढ़का; इंडोनेशिया के राष्ट्रपति वाहिद ने वी.पी. मेघावती को प्रतिदिन शासन कार्य देखने के लिये अधिकृत किया। 28. मास्को के विश्व के दूसरे लंबे टी.वी. टावर ओस्टानकिनो में आग लगी; संयुक्त राष्ट्र में 100 देशों के 1500 धार्मिक नेताओं का सम्मेलन प्रारंभ; म्यांमार की आंग सान सू ची स्वाम्पी क्षेत्र में फंसी, सेना ने चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने से इंकार किया। 31. इंडोनेशिया के पूर्व राष्ट्रपति जनरल सुहार्तो गंभीर रूप से अस्वस्थ, अदालत में जाने में असमर्थ; बंगला देश के पूर्व सैनिक शासक जनरल इरशाद को पांच वर्ष की कैद के साथ उनकी संसद सदस्यता समाप्त हुई।

सितंबर: 1. राष्ट्रपति बिल क्लिंटन ने नेशनल मिजाइल डिफेंस सिस्टम को बनाने के निर्णय को स्थगित करते हुए कहा कि इस पर अगला राष्ट्रपति निर्णय करेगा। 2. यंगून से 9 किलोमीटर दूर म्यानमार की नेता आंग सान सू ची 9 दिनों तक फंसने के बाद वापस पंहुचीं। 3. ब्रिटेन में अप्रवासी नियंत्रकों ने देश में बसने के लिये वर्ष में 10,000 विदेशी श्रमिकों को बसने के लिये छूट दी। 4. जून के बाद जाफना पर सेना द्वारा बड़े हमले में 314 मारे गये। 5. जाफना में युद्ध विराम; इंडोनेशिया के राष्ट्रपति वाहिद के दो वित्तीय स्कैंडलों की जांच संसदीय समिति करेगी। बंगला देश की पूर्व प्रधानमंत्री बेगम खालिजा जिया पर भ्रष्टाचार के आरोप में मुकदमा; न्यूयार्क में बिल क्लिंटन व पुटिन के बीच स्ट्रेटजिक स्टैबिलिटी कोआपरेशन इनशियेटिव पर हस्ताक्षर; संयुक्त राष्ट्र का सहस्त्राब्दि सम्मेलन प्रारंभ। 11. पाकिस्तान की पीपुल्स पार्टी ने बेनजीर भुट्टो को अपना आजीवन अध्यक्ष चुना; पी.एल.ओ. ने स्वतंत्र फिलीस्तीनी राज्य की मांग को स्थगित किया। 13. इजराइल व फिलीस्तीन 52 वर्षीय झगड़े को समाप्त करने के लिये निश्चित सीमारेखा बनाने से चूके; चीन के प्रधानमंत्री ने उत्तरी पश्चिम क्षेत्र में अलगाववादियों द्वारा स्वतंत्र मुस्लिम राज्य बनाने के संघर्ष को कुचल देने का आव्हान किया। 14. इंडोनेशिया के पूर्व राष्ट्रपति सुहार्तो अस्वस्थता के कारण दूसरी बार भी अदालत की कार्रवाई में नहीं गये; यू.के. में एक सप्ताह तक चली तेल हड़ताल समाप्त; परमाणु वैज्ञानिक वेन हो ली को 9 महीने की कैद के बाद रिहा किया गया; तीन टुट्सी समर्थक पार्टियां बुरुंडी में शांति समझौते पर हस्ताक्षर करने पर सहमत; चीन में पूर्व पार्लियामेंट वाइस प्रेसीडेंड व कम्युनिस्ट पार्टी के वरिष्ठतम नेता चेंग केजी को मृत्युदंड दिया गया। 15. इन्डोनेशिया के राष्ट्रपति वाहिद ने पूर्व राष्ट्रपति सुहार्तो के बेटे टोमी को बम आक्रमण के आरोप पर गिरफ्तार करने के आदेश दिए। 16. हेलिकोप्टर दुर्घटना में श्रीलंका के वरिष्ठ मंत्री एम.एच.एम. अशरफ और 14 अन्य लोग मारे गए। 20. पेरू के राष्ट्रपति फुजिमोरी ने कहा वे 28 जुलाई 2001 तक सत्ता में रहेंगे। रूस के राष्ट्रपति पुतिन एलेक्जेंडर सोलझेन्सिन से मिलने गए। 21. एम 16, ब्रिटिश फारेन इन्टेलिजेंस एजेन्सी के मुख्यालय पर मिजाइल आक्रमण। युगोस्लाव संसद पर मिलोसेविक के विरोधियों का भारी प्रदेशन। 22. म्यांमार की लोकतंत्रिक नेता सू की दुवारा नजर बंद। कन्कार्ड सेवा दुवारा शुरू। 29. पोलैंड के रोबर्ट कोरजनियोस्की ने सिडनी ओलंपिक में 20 की. और 50 की. दौड़ में स्वर्ण पदक जीतकर ओलंपिक इतिहास बनाया; दक्षिण अफ्रिका की संविधान अदालत ने कहा की एच.आई.वी. से पीड़ित लोगों को नौकरी से इनकार नहीं किया जा सकता है; डेनमार्क में मतदान यूरो जोन में शामिल होने के विरुद्ध; सर्बिया की विपक्षी दलों ने राष्ट्रपति मिलोसेविक द्वारा राष्ट्रपति चुनाव में बाधा डालने पर सअविज्ञा आन्दोलन चलाने की धमकी थी; जेरुसलम में प्राचीन यहूदी मंदिर के निकट फिलिस्तीनियों और इजराइल पुलिस के बीच खूनी झड़पें; युगोस्लाविया में मिलोसेविक को हटाने के लिए प्रर्दशन।

अक्तूबर: 2. पोप ने विगत में पश्चिमी मिशनरियों द्वारा की गई गलतियों पर चीन से क्षमा मंगी। 6. यूगोस्लाविया के विपक्ष सत्ता के दावेदार बना; अंतरराज्य विद्युत संचरण के लिए भारतीय राष्ट्रीय ग्रिड को एडीबी द्वारा 250 मिलियन डालर का ऋण; मिशनरीज आफ चैरिटी ने 50 वर्ष पूरे किए; जापान ने मानव क्लोनिंग पर प्रतिबंध लगाया; भूमिगत माफिया छोटा राजन थाइलैंड में गिरफ्तार; रूस ने युगोस्लाविया में कोस्टुनिका का समर्थन किया; मिलोसेविक छिपे; भारतीय मूल के लोगों ने फिजी में संविधान समीक्षा पैनल का बहिष्कार किया। 7 इजराइल के प्रधानमंत्री बारक ने पीएलओ राष्ट्रपति अराफात को चेतावनी दी कि वे फिलिस्तीन युवाओं द्वारा किये जा रहे दंगों को बंद करवायें; वोजिसलाव कोस्टुनिक युगोस्लाविया के नये राष्ट्रपति बने। 9. पोलैंड में एलेक्जाडर क्वासिनिवेस्की दुवारा राष्ट्रपति निर्वाचित। 10. श्रीलंका की पूर्व प्रधानमंत्री सरीमावो भंडारनायके की 84 वर्ष की आयु में निधन। 11. श्रीलंका में संसदीय चुनावों में सत्ताधारी दल बहुमत पाने से वंचित। 13. पश्चिमी एशिया की स्थिति तनावपूर्ण, पेरिस में भी यहूदी चर्च (synagogue) आग के हवाले। 14. बोस्निया के मुस्लिम नेता अलिजा इस्टबेगोविक ने त्रिपक्षीय प्रसिडेंसी पद से त्याग पत्र दिया। 16. मिस्र (इजिप्ट) के राष्ट्रपति मुबारक द्वारा आयोजित वेस्ट एशिया सम्मिट में बारक, अरफात और क्लिंटन ने हिस्सा लिया। शर्म अल-शेख में इजराइल - फिलिस्तीन बैठक में रूस ने भाग लेने से इनकार किया। 17. पश्चिमी एशिया में बारक और अराफात युद्ध विराम पर सहमत। क्वीन एलिजाबेथ पोप से मिलने [illegible] गई।

नवंबर: 2. इंडोनिया के राष्ट्रपति वाहिद ने टोमी सुहार्तो को क्षमादान देने से इंकार किया; इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन (लंबी अवधि की योजना), प्लेटफार्म पर पहुंच चालक दल ने नये घर में प्रवेश लिया; युगोस्लाविया संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा सदस्य बना। 3. 7. सं.रा. अमरीका में राष्ट्रपति चुनाव, जार्ज डब्ल्यू बुश और अल गोरे प्रमुख प्रतिद्वंदी; स्पाइस गर्ल्स की तीसरा एलबम 'फारएवर' जारी। 8. अमरीकी राष्ट्रपति चुनावों में अंतिम परिणामों के लिये फ्लोरिडा में पुनः मतगणना; कनाडा के उपन्यास लेखक मारगेरेट को उनके उपन्यास 'दी ब्लाइंड एसेसिन' के लिये बुकर सम्मान; हिलैरी क्लिंटन न्यूयार्क से सीनेट का चुनाव जीतीं; दक्षिण अफ्रीका के नार्थ ईस्ट रैंड डाग यूनिट के 6 पुलिस कर्मियों को कुत्तों के प्रशिक्षण देने के नाम पर दो वर्ष पहले अश्वेत संदिग्ध अवैध अनिवासियों पर कुत्तों से क्रूरता पूर्वक आक्रमण के दृश्य टी.वी. पर दिखाये गये। 9. अमरीकी राष्ट्रपति चुनावों में अनिश्चितता जारी, कम अंतर से जीत रहे बुश की फ्लोरिड़ा में हाथ से वोटों की गिनती के बाद जीत का अंतर और घटा। 10. भारत, म्यांमार, कंबोडिया, लाओस और थाइलैंड के मंत्रियों का मेकांग-गंगा ग्रुपिंग वियनटाने घोषणापत्र को जारी करने के लिये बनाया गया; अमरीकी राष्ट्रपति चुनावों में हजारों बाहर के मतों की गणना से परिणाम आने में सप्ताह लग सकता है लेकिन अदालती कार्रवाई से परिणाम में और देर हो सकती है; इजराइल के प्रधानमंत्री बारक फिलिस्तीनी नेता से बातचीत की शुरूवात के लिये आशान्वित; बंगलादेश का टेस्ट क्रिकेट में प्रवेश। 13. न्यूयार्क की सीनेट श्रीमती हिलैरी क्लिंटन भारत यात्रा की इच्छुक; इजराइल के प्रधानमंत्री बारक ने कहा कि हिंसा से पश्चिम एशिया का समाधान संभव नहीं है। 14. अमरीका ने पहली बार मुस्लिम त्योहार पर ईद मुबारक का डाक टिकट जारी किया; दोहा में संपन्न शीर्ष इस्लामी देशों की बैठक में पाकिस्तान व हुर्रियत कांफ्रेंस द्वारा काश्मीर मुद्दे को उठाने की कोशिश नाकामयाब। 15. अमरीकी राष्ट्रपति चुनावों में फ्लोरिडा की फेडरल अदालत ने पाम बीच काउंडी में हाथ से की जा रही गिनती को रोकने की रिपब्लिकन पार्टी के उम्मीदवार जार्ज डब्ल्यू बुश की अपील को खारिज कर दिया; फिजी के उच्च न्यायालय ने भारतीय मूल के अपदस्थ प्रधानमंत्री महेंद्र चौधरी की सरकार को बहाल करने का आदेश दिया, सेना ने इस फैसले का विरोध करने का निश्चय किया। 16. फ्रांस में पेरिस के निकट पहले आनुवांशिक रोगमुक्त शिशु का जन्म। 17. फ्लोरिडा की एक अदालत ने अल गोर की याचिका जिसमें हाथ से हुए वोटों की गिनती को शामिल करने की मांग थी को ठुकरा दिया। 18. फिलीपींस में राष्ट्रपति एस्ट्राडा के विरुद्ध सड़कों पर प्रदर्शन। 19. जापान में विपक्ष ने प्रधानमंत्री मोरी पद छोड़ने का दबाव बढ़ाया; ब्रिटेन के प्रधानमंत्री टोनी ब्लेयर रूस की यात्रा पर, पुटिन के साथ विशेष बैठक। 20. बंगलादेश के पूर्व राष्ट्रपति इरशाद को जालसाजी के आरोप में जेल भेजा गया। 29. हैटी में अरिस्टाइड द्वारा सत्ता में 30. भारत की मिस प्रियंका मिस वर्ल्ड बनीं; पचास वर्षों के बाद दोनों कोरियाई देशों के परिवारजनों का मिलन।

दिसंबर: 8. टुवालू के प्रधानमंत्री लोनाटाना इवोनाटाना का भाषण देते हुए आकस्मिक मृत्यु। 10. पाकिस्तान की सैनिक सरकार ने पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ को क्षमा देते हुए ... सदस्यीय परिवार के साथ सउदी अरेबिया जाने की अनुमति दी; फ्लोरिडा में हाथ से गिनने वाले मतपत्रों पर रोक लगी; इजराइल के प्रधानमंत्री याहुद बराक ने त्यागपत्र दिया। 11. रोमानिया में इओन इलियस्को तीसरी बार जबरदस्त जीत के साथ सत्ता में। 13. संयुक्त राज्य अमरीका के सर्वोच्च न्यायालय ने फ्लोरिडा के उच्च न्यायालयके मतों के गिनने के निर्णय को निरस्त कर जार्ज बुश के 43 वें राष्ट्रपति बनने का रास्ता साफ किया; इथियोपिया और एरिट्रिया में दो वर्षों से चल रहा युद्ध समाप्त। 22. मैडोना का गय रिची से विवाह; वीनस विलियम्स ने रीबोक इंडोर्समेंट के साथ 40 मिलयन डालर का सौदा करके खेल इतिहास का सबसे बड़ा सौदा किया।

...श के 500 विकेट

जनवरी 2001: 2. टर्की में एक मालवाहक जहाज के दो भागों में टूटने से 42 व्यक्ति लापता; 5. रूसी सरकार ने फरवरी-मार्च में 'मीर' की परिक्रमा को बन्दी का आदेश पारित किया। जान एफ कनेड़ी जूनियर द्वारा स्थापित राजनैतिक पत्रिका 'जार्ज' बन्द; 7. जान कुफुआर घाना के नये राष्ट्रपति बने; 10. भूतपूर्व बोस्निया सर्ब राष्ट्रपति कुमारी बिल्जाना प्लाउसिक ने युद्ध अपराध न्यायाधिकरण के समक्ष आत्म समर्पण किया; 11. चीन की फिजाओं में बी.बी.सी. की वापसी। ब्रिटिश सरकार ने, खाड़ी और बाल्कन युद्ध में, टैंक अवरोधी आवरण में प्रयुक्त यूरेनियम के जानबूझकर उपयोग करने के लिए, सैनिकों को दोषी बनाया; 13. एल सल्वाडोर के भूकंप ने लगभग 400 लो... की जानें ले ली, लगभग 800 आहत हुए और 100 लाप... हुए; 16. कांगों के राष्ट्रपति लारेन्ट कबिला की हत्या उन... सुरक्षा रक्षक द्वारा प्रतिद्वन्दिता वश कर दी गई; 1... एस्ट्रेडा (फिलीपाइन्स) में अभियोगियों पर महाभियोग ल... से त्यागपत्र दिये; 18. स्लेन लारेन्ट कबिला के पुत्र मेज... जनरल जोसफ कबिला कांगो के नये नेता; 19. अमरीकी राष्ट्रपति के रूप में बिल क्लिन्टन का अंतिम दिन... फिलीपीन्स राष्ट्रपति एस्ट्रेडा के विरुद्ध समस्त सेनाओं... प्रदर्शन किया; 20. फिलीपीन्स राष्ट्रपति जोसफ एस्ट्रे... पदमुक्त तथा सुश्री ग्लोरिया मैकेपगल अरोयो ने पद...

कस्वा नेतान्या वम के धमाके से जड़ीभूत हो गया। ताइवान के राष्ट्रपति ने देश में पहली वार मिली जुली सरकार वनाने का प्रस्ताव रखा; 19. आठ स्विश पर्यटक पूर्व फ्रांस से एक गुफा से सुरक्षित निकले जहां पर वे तीन दिन तक वाढ से घिरे थे;नेतन्या के आत्मघाती वमवर्षा से इजरायल पुन हतप्रभ–वायु हमले में 10 फिलीस्तीनी मरे; 22. 120 राष्ट्रों ने स्टाकहोम में गंदगी उत्सर्जक रसायनों (जैविक पदूषकों) पर पावन्दी लगाने के लिए एक समझौते पर हस्ताक्षर किया; तालिवान ने तय किया कि अफगानिस्तान में अपनी पहचान वनाने वाले कपड़े पहने; 24. लेवनानी प्लेन इजरायलियों द्वारा मार गिराया गया। मलेशिया के प्रधानमंत्री ने कहा कि जेल में सजा काट रहे भूतपूर्व उप प्रधानमंत्री अनवर इव्राहिम शल्य चिकित्सा के लिए विदेश नहीं जा सकते हैं; 25. अमरीका के फ्रिक वेइहेन्मेयर एवरेस्ट को जीतने वाले प्रथम अन्धे व्यक्ति हैं; 26. जेरुसलम में वैक्वेट हाल के धराशायी होने से 30 लोग मरे। अराफत ने कहा कि ओ आई सी, इजरायल को अलग करे इंडोनेशिया के राष्ट्रपति ने कहा कि उनके कार्यालय छोड़ते ही देश दो टुकड़े में वंट जाएगा। श्रीलंका ने एल.टी.टी.ई की मांग कि उस पर से शान्ति वार्ता के पूर्व ही प्रतिवन्ध हटा लिया जाए को ठुकराया; 27. अर्जेंटाइना के भूतपूर्व राष्ट्रपति कारलोस मेनेम में चिली की भूतपूर्व मिस यूनिवर्स सेसिलिया वोलोक्को से विवाह रचाया; 28. एमनेस्टी इन्टनेशनल 40 की हुई। श्रीलंका ने तमिलनाडु सरकार की कच्चाटियू द्वीप की वापसी की मांग को ठकरा दिया है; 29. इरिक कलैपटन ने संगीत यात्रा से सन्यास ले लिया। फान्सीसी प्रधानमंत्री लोयनेल जोसफिन ने स्क्रोडर के केन्द्रीय यूरोप के प्रस्ताव को अस्वीकृत कर दिया, लेकिन राष्ट्र राज्यों के संगठन का समर्थन किया; 31. दक्षिण एशियाई राज्यों की नयी अमरीका सहायक सचिव क्रिस्टीना रोक्का वनाई गई।

जून 1. रूस, कजाकिस्तान, किरगिस्तान और ताजिकिस्तान ने मिनस्क (वेलारूस) सम्मेलन में यूराशियन इकोनामिक कम्यूनिटी का उद्घाटन किया। अमरीकी उच्चायोग ने मेरी राविन्सन की अवधि मानव अधिकार के अगले सत्र के लिए भी वढाई। नेपाल नरेश वीरेन्द्र, महारानी ऐश्वर्या और राज परिवार के अन्य छह सदस्य गोली से मार दिये गए थे। सूचना के अनुसार ये हत्याएं राजकुमार दीवेन्द्र द्वारा की गई थीं जिन्होंने अपने आप गोली मारकर हत्या कर ली; 2. तेल अवीव में आत्मघाती वम आक्रमण में 17 इजराइली मरे तथा 90 घायल हुए। दक्षिण फिलीपींस में मुस्लिम वद्रोहियों द्वारा एक अस्पताल और चर्च पर अधिकार कर लिया गया। मारे गए नरेश, महारानी ऐश्वर्या और राजपरिवार के अन्य छठे व्यक्तियों के शवों का अन्तिम संस्कार किया गया। युवराज दीपेन्द्र को राजा वनाया गया। राजकुमार ज्ञानेन्द को प्रतिशासक वनाया गया;3. वंगलादेश के गोपालगंज के चर्च में विस्फोट से 10 मरे। 4. पहली जून को दीपेन्द्र नेपाल नरेश घोषित, तभी से जीवन के लिए संघर्ष कर रहे थे। आज मर गए; उनके चाचा प्रतिशासक ज्ञानेन्द नये नरेश वने। काठमांडू की गलियों में हिंसा भड़की। कर्फ्यू लगाया गया; 5. सोमाली संविधान निर्मित प्रारुप के 97% जनमत स्वीकारात्मक रूप से मिला;7. यूनाइटेड किंगडम में चुनाव। भूतपूर्व राजकुमार दीपेन्द्र शाही के दामाद कैप्टन राजीव शाही और प्रत्यक्ष दर्शी ने प्रेस को वताया कि नेपाल राजपरिवार की हत्या युवराज दीपेन्द्र द्वारा ही की गई;18. व्रिटेन की लेंवर पार्टी के नेता टोनी व्लेयर चुनाव जीत गए। वेल्जियम न्यायालय ने दो रुवाण्डा वासी रोमन कैथोलिक को अपराधी पाया है कि रुवाण्डा में 1994 के दौरान हुए जातीय दंगों में हजारों टुटसी शरणार्थियों के नर संहार में हुटु मिलिशिया की सहायता की थी। टिमोथी मैक वेघ, जिसने ओकलाहामा नगर पर वम वर्षा की थी, उसने दूसरी अपील की है उसकी हत्या जून को लेथल इन्जेकशन द्वारा कर दी जाए; अर्जेंटाइना के भूतपूर्व राष्ट्रपति कारलोस मेनेम गिरफ्तार किये गए और युद्ध सामग्री वेचने का आरोप लगाया गया। ईरान में राष्ट्रपति का चुनाव संपन्न; 9. इरान के राष्ट्रपति मुहम्मद खटामी दूसरा सत्र जीत गए;10. भूतपूर्व ईरान के शाह की पुत्री राजकुमारी लेला पहलवी लन्दन के होटल में मृत पाई गई;11. टिमोटी मैक वेट, जिसने ओंकलाहोमा नगर पर वम वरसाया था, उसे लेथल इन्जेक्शन द्वारा मारा गया। वारिस येलसिन को मातृभूमि की सेवा के लिए प्रथम श्रेणी का सर्वोच्च पुरस्कार राष्ट्रपति पुतिन द्वारा दिया गया;12. अलवेरियाई उग्रवादियों ने 24 घंटे में युद्धवन्दी की घोषणा की। तालिवानियों ने याकोवलंग कस्वे को संयुक्त सेना से लेने के वाद आग के हवाले किया। यूनाइटेड किंगडम में एशियाई मंत्री किथ वाज ने स्वास्थ्य खराव होने के कारण सरकार से त्याग पत्र दिया।14. नेपाली शाही नरसंहार की कार्यालयी जांच रिपोर्ट को सार्वजनिक किया गया, इस पूरे घटना क्रम के लिए पूरी तरह से दीपेन्द्र को नरसंहार के लिए उत्तरदायी ठहराया गया;16. अवामी लीग की ढाका की वैठक में वम फटा, 22 मरे, 100 घयाल;17. पाकिस्तान शंघाई सहयोग संगठन की सदस्य वनने में असफल। वुलगेरिया में चुनाव; 18. वुलगेरिया में निवर्तमान राजा साइमन द्वितीय चुनाव में जीत की तरफ अग्रसर; 19. विल गेट्स ने एड्स के लिए 100 मिलियन डालर का अनुदान दिया; 20. ओसामा विन लादेन में कन्धार में अपना तालिवानी प्रधान कार्यालय छोड़ा। श्रीलंका की संयुक्त सरकार संगठन के ग्यारह मुस्लिम सदस्यों के अलग हो जाने से अल्पमत में आ गई। पाकिस्तानी सैनिक शासक जनरल परवेज मुशर्रफ ने अपने राष्ट्रपति घोषित किया। नेपाल के विरोधी दलों ने नरेश पर दवाव वनाया कि सारी प्रतिभूर्तियों की घोषणा करे; 21. वुश प्रशासन ने जनरल मुशर्रफ के राष्ट्रपति वनने चिन्ता जताई। इस सहस्राव्दी का प्रथम सूर्य ग्रहण अंगोला में दिखाई दिया। 22 जनरल मुशर्रफ की राष्ट्रपति के रूप में नियुक्ति को लाहौर हाई कोर्ट में चुनौती दी गइ. 23. युगोस्लाविया ने संयुक्त राष्ट्र युद्ध अपराध न्यायधिकरण को मिलोसविक अपराधियों के समर्पण का रास्ता साफ किया. 24 दक्षिण पेरु में भूकंप के झटके लगे जिसमें 50 लोग मरे। लंकाशायर (यूनाइटेड किंगडम) में पुलिस और एशियाई नवयुवकों में संघर्ष. 25 न्यूयार्क में एड्स पर संयुक्त राष्ट्र का विशेष सम्मेलन; 26

एजेन्टों की गिरफ्तारी की प्रतिक्रिया में 50 रूसी राजनायिकों को अपने यहां से निकाल दिया; 23. मिर अन्तरीक्ष स्टेशन प्रशान्त महासागर में गिरा और 15 वर्ष के अभियान का अन्त हुआ। प्रतिक्रिया स्वरूप रूस ने भी 4 अमरीकी राजनयिकों के निष्कासन का आदेश दिया; 25. ब्रिटेन में पैर और मुंह की बीमारी फैले हुए पांच हफ्ते बीते सलमान रुश्दी का नवीनतम उपन्यास 'फुरी' का प्रकाशन हालैण्ड में हुआ। अमरीकी अर्थव्यवस्था के लुढ़कने से दक्षिण पूर्व एशियाई मुद्राएं भी खिसकी; 26. आस्कर पुरस्कारों की घोषणा। ग्लैडियेटरर सर्वोत्तम फिल्म, रसेल क्रोव सर्वोत्तम अभिनेता, जुलिया राबर्ट सर्वोत्तम अभिनेत्री; 27. काश्मीरी मूल के ब्रिटिश लेखक हरि कुंजरु ने 1.8 मिलियन पर 'दी इमफ्रेषनिष्ट' के लिए हस्ताक्षर किया। पपुआ न्यू गिनी की 13 दिन लंबी सैनिक बगावत समाप्त हुई। अरब लीग का सम्मेलन अम्मान में आरंभ; 29. दक्षिण कोरिया का नया इन्चेआन अन्तर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा खुला; 30. फ्रांसिसी राष्ट्रपति जैक्स चिराक ने मृत्यु दंड को समाप्त करने की आदेश दिया। एक अमरीकी रपट के अनुसार आधे मिलयन के लगभग, अफगानी अपने घरो को छोड़ चुके हैं तथा 2000-तथा 2001 के प्रारंभ तक विस्थापित हो जाएगे।

अप्रैल 1. भूतपूर्व यूगोस्लाविया के राष्ट्रपति स्लोबोडेन मिलोसेविक ने 24 घन्टे सुरक्षा सेनाओ की घेराबन्दी के बाद आत्मसमर्पण किया। दो चीनी नव सेना के वायुयान आमने-सामने से टकराये और नष्ट हो गए; चीन दलाई लामा के ताइवान भ्रमण पर भड़क उठा। इजराइली प्रधान मंत्री एरियल शैरोन ने सुझाव दिया कि इजरायल गाजापट्टी के यासर अराफात के घर पर बम गिराये; 2. एक नई ताकत [illegible] के विकास के लिए छह देशों टर्की, बुल्गेरिया, [illegible], रुमानिया, रूस और उक्रेन के बीच समझौते पर [illegible]। 3. अमरीकी मानव अधिकार आयुक्त मेरी रोबिन्सन [illegible] वर्ष भी अपने पद पर रहेगी। शेख हसीना को निकालने के लिए बंगलादेश के विरोधी दलों द्वारा हड़ताल। चीन ने जासूसी में संलग्न 24 अवरुद्ध चालक अमरीकी दल से अमरीकी राजनायिकों को मिलने की अनुमति दी; 5. अमरीकी युद्ध अपराध न्यायाधिकरण ने बेलग्रेड में बन्दी स्लोबोडन मिलोसेविक को प्रदान करने के लिए सम्मन जारी किया। कांगों के जोसफ कबीला संपूर्ण कैबिनेट को भंग किया; 6. पाकिस्तानी सर्वोच्च न्यायालय ने बेनजीर भुट्टो के भ्रष्टाचार दोषों की फाइल पुनः खोली ; 7. नेपाल में 47 माओवादी मारे गए; 8. नासा का मार्स ओडीसी अन्तरीक्ष यान मारटियन सतह के ठीक नीचे पानी के खोज के लक्ष्य के लिए उड़ान भरी। यान टक्कर के सन्दर्भ में चीन ने अमरीका से क्षमायाचना की मांग की. 9. पिछले माह गुसमाओं के त्यागपत्र के बाद इस्ट तिमोर की प्रधान अन्तवर्तित विधानमंडल के लिए मानुअल कारसकालाओं के झनाना गुसमाओ को उत्तराधिकारी चुना गया; 11. कैथी पैसिफिक, ब्रिटिश एयरवेज और थाई एयरवेज क्रमश दूसरी, तीसरी, चौथी और पांचवीं स्थिति में है। तजाकिस्तान के उप आन्तरिक मंत्री खबीब संगीनोव की गोली लगने से मृत्यु हो गई। अमरीका द्वारा क्षमा मांगने पर चीन संतुष्ट हुआ ; 12. सिसिनाटी में जातीय हिंसा भड़क उठी क्योंकि तिमोरी नवयुवक तोमस एक श्वेत पुलिस अधिकारी द्वारा गोली चलाकर मार डाला गया; 6. निष्कासित फिलीपींस राष्ट्रपति जोसफ एस्ट्रेडा ने एक विशेष न्यायालय में आत्मसमर्पण किया उनके खिलाफ भ्रष्टाचार के लिए गिरफ्तारी का वारनेट था। मोलडोवा का रूस और बेलारुस की एकता में विवाद है; 18. इरान और सउदी अरेबिया ने आतंकवाद से लड़ने और मादक-द्रव्यों के विरोध में एक महत्वपूर्ण समझौते पर हस्ताक्षर किये।; 21. महारानी एलिजाबेथ 75 वर्ष की हुई। वैश्वीकरण विरोधी विरोधियों ने अमरीका द्वारा कनाड़ा में क्यूबी शहर में आयोजित सम्मेलन की शुरुआत को अस्त व्यस्त कर दिया गया; 22. माइक्रोसाफ्ट के व्यवसायी बिल गेट्स संसार के सर्वाधिक धनी व्यक्ति है। ली तेंग हुई 5 दिन की यात्रा पर जापान पहुंचे; 23. एल.टी.टी.ई ने एकपक्षीय युद्धविराम को वापस लिया; 24. जुनिचिरो कोईजुमि जापान के नये प्रधानमंत्री हुए। ईस्ट तिमोर के पूर्व नेता गुसमाओं की पत्नी को क्रिस्टी पर डिली के समीप आक्रमण किया और घेर कर हत्या कर दी गई; 26. जूनिचिरो कोइजूमि जापान के नये प्रधानमंत्री बने, उसकी मंत्री मंडल में 5 महिलाएं हैं; 28. प्रथम अन्तरिक्ष पर्यटक अमरीका के डेनिस टिटो रूसी राकेट से अन्तरिक्ष के लिए उडे; 30. अन्तरिक्ष पर्यटक डेनिस टिटो अपने लक्ष्य आई.एस.एस. पहुंचे। बेनजीर भुट्टो, जिसने मुशर्रफ सरकार को फासिस्ट एजेण्डे पर चलाने का आरोप लगाया और कहा कि वे लोकतंत्र की पुनर्स्थापना के लिए स्वदेशी लौटेगी।

मई 1. अमरीका ने अमरीकन नाभिकीय शक्तियों के घटाने की एक पक्षीय घोषणा की; 3. अफगानिस्तान के बामियान प्रान्त में भयंकर संघर्ष आरंभ। फिलीपींस के राष्ट्रपति आरोयो ने भूतपूर्ण राष्ट्रपति एस्ट्रेडा से जेल में मुलाकात की; 4. अमरीका ने यू.एन.एच.सी.आर. की सीट खोई; 5. विश्व के प्रथम अन्तरीक्ष पर्यटक टेनिस टिटो अपनी ऐतिहासिक विज्ञान यात्रा को समाप्त कर जमीन पर उतरे; 6. विश्व में प्रथम आनुवांशिक रूप से सुधारित बच्चे न्यू जर्सी में पैदा हुए। फिलीपींस में मनीला के संकट काल को हटाया गया। पाप जान पाल ने सीरिया की एक मस्जिद में प्रवेश किया। ऐसा करनेवाले जान पाल प्रथम पाप हैं; 9. अक्रा में स्टेडियम की भगदंड में 130 फुटबाल प्रेमी मरे। इसमें अनियन्त्रित खेल प्रेमियों को कम करने के लिए पुलिस ने अश्रुगैस का प्रयोग किया था; 11: डेनिस क्यूनोन्स, को पोर्टोरिको, इंडोनेशियाई राष्ट्रपति वाहिद ने दोषारोपण के बचाव के लिए मेगावती को अधिक अधिकार देने से मना किया; चीनी प्रधान मंत्री जू-रोङगी पाकिस्तान की चार दिवसीय यात्रा पर गए। पाकिस्तानी न्यायालय ने भष्टाचार आरोपों के उत्तर देने में असफल बेनजीर भुट्टो के खिलाफ स्थाई गिरफ्तारी वारंट; 15. सिलवियों बेर्लुस्कोनी इटली के सर्वाधिक धनी व्यक्ति हैं। जापानी क्राउन राजकुमारी मसाको गर्भवती हैं जिससे गद्दी के उत्तराधिकारी मिलने की संभावना है; 6. अमरीका ने रियल आई.आर.ए. पर प्रतिबन्ध लगाया; 17. डच राजकुमार कान्सटैनटिन ने एक मंत्री की पुत्री लौरेन्टीन ब्रिन्खोर्ट्स से विवाह रचाया; 18. इजराइली

कस्या नेतान्या वम के धमाके से जड़ीभूत हो गया। ताइवान के राष्ट्रपति ने देश में पहली वार मिली जुली सरकार वनाने का प्रस्ताव रखा; 19. आठ स्विश पर्यटक पूर्व फ्रांस से एक गुफा से सुरक्षित निकले जहां पर वे तीन दिन तक वाढ से घिरे थे;नेतन्या के आत्मघाती वमवर्षा से इजरायल पुन हतप्रभ--वायु हमले में 10 फिलीस्तीनी मरे; 22. 120 राष्ट्रों ने स्टाकहोम में गंदगी उत्सर्जक रसायनों (जैविक पदूषकों) पर पावन्दी लगाने के लिए एक समझौते पर हस्ताक्षर किया; तालियान ने तय किया कि अफगानिस्तान में अपनी पहचान वनाने वाले कपड़े पहने; 24. लेवनानी प्लेन इजरायलियों द्वारा मार गिराया गया। मलेशिया के प्रधानमंत्री ने कहा कि जेल में सजा काट रहे भूतपूर्व उप प्रधानमंत्री अनवर इव्राहिम शल्य चिकित्सा के लिए विदेश नहीं जा सकते हैं; 25. अमरीका के फ्रिक वेइहेन्मेयर एवरेस्ट को जीतने वाले प्रथम अन्धे व्यक्ति है; 26. जेरुसलम में वैक्वेट हाल के धराशायी होने से 30 लोग मरे। अराफत ने कहा कि ओ आई सी, इजरायल को अलग करे इंडोनेशिया के राष्ट्रपति ने कहा कि उनके कार्यालय छोड़ते ही देश दो टुकड़े में वंट जाएगा। श्रीलंका ने एल.टी.टी.ई की मांग कि उस पर से शान्ति वार्ता के पूर्व ही प्रतिवन्ध हटा लिया जाए को टुकराया; 27. अर्जेटाइना के भूतपूर्व राष्ट्रपति कारलोस मेनेम में चिली की भूतपूर्व मिस यूनिवर्स सेसिलिया योलोक्को से विवाह रचाया; 28. एमनेस्टी इन्टनेशनल 40 की हुई। श्रीलंका ने तमिलनाडु सरकार की कच्चाटियू द्वीप की वापसी की मांग को ठकरा दिया है; 29. इरिक कलैपटन ने संगीत यात्रा से सन्यास ले लिया। फान्सीसी प्रधानमंत्री

97% जनमत स्वीकारात्मक रूप से मिला;7. यूनाइटेड किंगडम में चुनाव। भूतपूर्व राजकुमार दीपेन्द शाही के दामाद कैप्टन राजीव शाही और प्रत्यक्ष दर्शो ने देश को वताया कि नेपाल राजपरिवार की हत्या युवराज दीपेन्द द्वारा ही की गई;18. व्रिटेन की लेंवर पार्टी के नेता टोनी व्लेयर चुनाव जीत गए। वेल्जियम न्यायालय ने दो रुवाण्डा वासी रोमन कैथोलिक को अपराधी पाया है कि रुवाण्डा में 1994 के दौरान हुए जातीय दंगो में हजारों टुटसी शरणार्थियो के नर संहार में हुटु मिलिशिया की सहायता की थी। टिमोथी मैक वेघ, जिसने ओकलाहामा नगर पर वम वर्षा की थी, उसने दूसरी अपील की है उसकी हत्या जून को लेथल इन्जेकशन द्वारा कर दी जाए. अर्जेटाइना के भूतपूर्व राष्ट्रपति कारलोस मेनेम गिरफ्तार किये गए और युद्ध सामग्री वेचने का आरोप लगाया गया। ईरान में राष्ट्रपति का चुनाव सपन्न; 9. इरान के राष्ट्रपति मुहम्मद खटामी दूसरा सत्र जीत गए.10. भूतपूर्व ईरान के शाह की पुत्री राजकुमारी लेला पहलवी लन्दन के होटल मे मृत पाई गई;11. टिमोटी मैक वेट, जिसने ओकलाहोमा नगर पर वम वरसाया था, उसे लेथल इन्जेक्शन द्वारा मारा गया। वारिस येलसिन को मातृभूमि की सेवा के लिए प्रथम श्रेणी का सर्वोच्च पुरस्कार राष्ट्रपति पुतिन द्वारा दिया गया [illegible] उग्रवादियों ने 24 घटे मे [illegible] की। तालियानियों ने याकोवलग कस्बे [illegible] लेने के वाद आग के हवाले किया। [illegible] एशियाई मंत्री किथ वाज ने स्वास्थ्य [illegible] सरकार से त्याग पत्र दिया। [illegible] नरसहार की [illegible]

पोप जोन पोल द्वितीय उक्रेन पहुंचे। पपुआ-न्यू गिनी के छात्रों ने सार्वजनिक प्रतिभूतियों के निजीकरण के विरोध में प्रदर्शन।28. कोफी अन्नान पहली जनवरी 2002 से अगले पांच वर्षों के लिए संयुक्त राष्ट्र के सचिव बने रहेग; 29. युगोस्लाविया के स्लोवोडैन मिलोसेविक को संयुक्त राष्ट्र युद्ध अपराध न्यायाधिकरण को सौंपा गया। लाफिआ (नासाराव राज्य) में 200 लोग मारे गए। नाइजीरिया के सजातीय संघर्ष के दो हफ्ते बीते।

जुलाई 1. डेविड ट्रिम्बल, नार्थ आयरलैण्ड की संयुक्त कैथोलिक प्रोटेसटैण्ड प्रशासन के नेता के रूप में छोड़कर चले गए। कांगो विद्रोहियों ने बेल्जियम से आग्रह किया कि वे नागरिक युद्ध में राष्ट्रपति कविला की तरफदारी में सहायता न करें। 3. मैक्सिको के राष्ट्रपति विन्सेण्ट फाक्स ने अपनी प्रवक्ता श्रीमती मारथा सहागुन से विवाह रचाया; 4. नेपाल के प्रधान मंत्री कोईराला के निवास स्थान पर बम विस्फोट; 5. जातीय विभेद के खिलाफ ब्रिटेन ने जांच के आदेश दिया। ईस्ट तिमोर और आस्ट्रेलिया, तिमोर क्षेत्र में प्राप्त तेल और प्राकृतिक गैस स्रोतों से प्राप्त आमदनी को बांटने के लिए सहमत हुए; 6. नेपाल में माओवादी विद्रोहियों ने 41 पुलिस कर्मियों की हत्या की; 10. चिली के पिनोचेट के खिलाफ गिरते स्वास्थ्य के कारण वैधानिक कर्मावाही रोक दी गई। फिलीपींस के एस्ट्रेडा अन्ततः आर्थिक लूटखसोट के लिए एक भ्रष्टाचार विरोधी न्यायालय द्वारा आरोपित; 12. नेपाल में माओवादी गुरिल्लाओं ने 71 पुलिस कर्मियों को नियंत्रण में लिया। श्रीलंका की राष्ट्रपति चन्द्रिका ने 2 अगस्त जनमत संग्रह अभियान के त्यागने और संसद के स्थगन के निश्चय का बचाव किया। इंडोनेशिया की पुलिस ने राष्ट्रपति वाहिद के आदेश के पालन से इनकार किया जिसमें उनके चीफ जनरल सुरोयो बिमान्टोरो की गिरफ्तारी का आदेश था; 13. बीजिंग को 2008 में ओलंपिक खेलों के संचालन का अधिकार ;14. नेपाल में सेना के साथ संघर्ष में 160 माओवादी विरोधी मारे गए; 15. चीन और रुस ने मित्रता के समझौते पर सहमत हुए। अटलांटिक चालकों द्वारा नये विशाल एयरलांक को आई.एस.एस से जोड़ा गया;16. जैन समारांच को हटाकर बेल्जियम के जैक्स रोग अन्तराष्ट्रीय तेल संगठन के नये अध्यक्ष चुने गए हैं;18. रुस ने कह कि नाटो के अस्तित्व को औचित्य नहीं दिशाई देता;19. जी.पी. कोइराला, माओवादियों, विद्रोहियां और प्रतिक्रियावादियों आदि से घेर लिए गए तथा प्रधान मंत्री पद से त्यागपत्र देने के लिए दबाव डाला गया। उपन्यासकार जेफ्री आर्चर को मिथ्या साक्ष्य देने तथा न्याय का उलंघन करने के लिए दोषारोपित किया गया तथा चार वर्षों की जेल की सजा के सथा 2,45,000 डालर जुर्माना किया गया। राष्ट्रपति बुश की पहली औपचारिक ब्रिटेन की यात्रा; 20. जी-8 देशों का सम्मेलन जेनोआ इटली में संपन्न; 21. जी-8 देशों के सम्मेलन पर पूंजीवादी प्रदर्शनकारियों की हिंसा के बादल छाए। वैश्विक चेतावनी पर अमरीका तथा विश्व के अन्य राष्ट्रों के बीच गहरे मतभेद। इन्डोनेशिया के राष्ट्रपति वाहिद ने अपने समर्थकों के पिछड़ने पर चेतावनी दी जैसा कि असम्बली न राष्ट्रपति की उपस्थित होने के लिए कहा; 22. शेर बहादुर देउबा नेपाल के नये प्रधानमंत्री हुए। जकार्ता में हुए बम विस्फोटों से दो चर्च ढह गए; 23. इण्डोनेशिया में नेशनल असंबली ने राष्ट्रपति अब्दुरहमान वाहिद को अपदस्थ कर मेगावती सुकर्णोपुत्री को नया राष्ट्रपति बनाया। नागा अलगान वादी नेता टी.एच. मुइवाह ने थाईलैण्ड को छोड़ा; 24. कोलंबो एयर पोर्ट पर एल.टी.टी.ई. का हमला और साथ में हुआ विमान तल पर। 3 सैनिक वायुयान और नागरिक विमान नष्ट, विश्व के अन्य भागों वायु संपर्क अवरुद्ध। चीन ने मेकांग-गंगा सहयोग में सम्मिलित होने में रुचि दिखाई; 25. कोरिया के जनरल रहीम ने अमरीका युद्ध अपराध न्यायाधिकरण के समक्ष समर्पण किया। युगोस्लाविया की नई सरकार के प्रधानमंत्री ड्रैगिसा पेसिक बने। इंडोनेशियाई राष्ट्रपति वाहिद चिकित्सकीय परीक्षण हेतु अमरीका चले; 26. जैसे ही मलेशिया में नागरिक युद्ध आरंभ हुआ, नाटो और ई.एल.सी. ने युद्ध संकट मिशन की स्थापना की। उत्तरी कोरिया के नेता किम जांग द्वितीय ने पूरे रूस की 10 दिवसीय रेल-यात्रा आरंभ की;29. लैन्स आर्मस्टां ने तीसरा आसान 'टूर डी फ्रेंच' को जीता। डरबन के लोक अभियोजक ने कहा कि क्षमा न पाये हुए क्रिकेट खिलाड़ी कैण्टन हैन्सी क्रोन्जे पर किसी प्रकार का आरोप नहीं लगाया जा सकता है; 31. वेस्ट बैंक के विस्फोट में 8 फिलीस्तीनी मरे। जेल में बन्द चेचन्य गेरिल्लाओं को सुरक्षित रिहाई के लिए दक्षिण तालिबान के तिरस्कारों को रोकने हेतु कदम उठाने के लिए अमरीका बाध्य हुआ।

अगस्त 1. बाढ़ ने बंगलादेश में 50,000 लोगों को बेघरबार कर दिया। अमरीकी हाउस आफ रिप्रेजेनटेटिव ने मानव भ्रूण क्लोनिंग पर प्रतिबंध लगाने का मत दिया; 3. थाईलैण्ड के प्रधानमंत्री थैकासिन पर संपत्तियों की गलत घोषणा का आरोप लगाया गया; 5. हुगो बेंझर के राष्ट्रपति आईलिंग बोलिवियन को जाना है। सुधारक तथा पुरातन वादी आमने सामने और राष्ट्रपति खतामी के औपचारिक उद्घाटन में देरी। उत्तर कोरिया के किम जागे द्वितीय ने रूस की यात्रा की;6. आई.आर.ए. ने कहा कि वह अपने विनाशक हाथियारों की प्रक्रिया आरंभ करने के लिए तैयार है; 7. इण्डोनेशिया पुलिस ने टोम्मी सुहरतो को गिरफ्तार किया जिसने उसे जेल भेजने वाले न्यायाधीश की हत्या की थी। इटली के मेडिकल एसोसियेशन ने उत्पादक डाक्टर सेवेरिनो एन्टीनोरी को विरुद्ध अनुशासनात्म कार्यवाही की, जो विश्व का प्रथम मानव क्लोन पैदा करना चाहता है। उत्तरी आयरलेंड के एकतावादियों ने आई.आर.ए. के प्रस्ताव को ठुकरा दिया। श्रीलंका की राष्ट्रपति कुमारतुंगा उठते विरोधी प्रदर्शन के आगे झुक गई और नये संविधान की आवश्यकता पर जनमत संग्रह को 21 अगस्त तक टाल दिया; 8. ईरानी राष्ट्रपति मोहम्मद खटामी का, अपने द्वितीय और आनीम पद प्रतिष्ठा का समारोह। अमरीकी सरकार ने भारत को कर मुक्त लाभ दिया। घात में बैठकर अलबेनियावालों ने 10 मैकडोनियाई सैनिकों को मार डाला जिससे ई.पू. की शान्ति योजना को धक्का लगा। 10. पालऊ ने भारतीयों और श्रीलंकाइयों के

[व]िदेश पर प्रतिबन्ध लगाया। राष्ट्रपति बुश ने मानव भ्रूण के [च]िकित्सा संबंधी खोज के लिए सीमित केंद्रीय सहायता का [अ]नुमोदन किया। फिलीपींस में उच्च सैनिक अधिकारियों द्वारा [अ]बु सैयफ विद्रोहियों की सहायता करने और उन्हें बचाने के [ब]ारे में जांच के आदेश; 11. ब्रिटेन ने उत्तरी आयरलैण्ड असेम्बली को भंग किया; 12. यूनिटा विद्रोहियों ने ट्रेन पर [घ]ात लगाकर हमला किया और अंगोला में 100 लोगों की [ह]त्या की; 13. मेकडोनिया जेलों में युद्ध बंदी का पता चला। जापानी प्रधानमंत्री कोइजुमि, विवादस्पद यशुकुनि दरगाह का उनके युद्ध कर्मो के सम्मान के साथ युद्ध अपराधियों हेतु दौरा [क]िया; 14. नासा की विशाल स्वचालित उड़ने वाली मशीन, [ब]िना राकेट वाली शक्ति संपन्न एयर क्राफ्ट में विवरणों को [र]खने के बाद सुरक्षा पूर्वक जमीन पर उतरी; 16 इण्डोनेशिया [क]ी मेघावती ने अकेह और इरियन का क्षमा किया; 17. नाटो [ट्र]स्ट फोर्स जिसमें कई हजार ब्रिटिश सैनिक है, जातीय [अ]लबेरिया के विद्रोहियों को कुचलने के लिए मैकडोनिया [प]हुंचे; 19. निकारागुआ के भूतपूर्व राष्ट्रपति डनियल [ओ]रटोग ने वापसी का रास्ता बनाया;20. मैसिडोनिया के [र]ाष्ट्रपति ने नियोजित नाटो मिशन के पूर्व, तीव्रीकरण के [व]िरोध की ओर सहयोग को वापस लेने के सैनिकों को आदेश [द]िया;23. ईस्ट तिमोर के नेता गुसमाओं अप्रेल 2002 में [र]ाष्ट्रपति पद के चुनाव में शामिल होंग;24. डेमोक्रेटिक [क]ांग्रेसी ग्रे कोण्डिट ने कहा गायब नजरबन्द चन्द्रा लेवी से उनके घनिष्ठ संबंध है;25. नार्वे के युवराज हाकोन ने एक [ब]च्चे की मां मिटे-मेरिट-टी जेस्सेम होइबी से विवाह किया; 27. आस्ट्रेलिया ने 434 अफगानी शरणार्थियों को ले जाती [न]ार्वे की जहाज को अनुमति देने से इनकार किया। [म]ेकडोनिया के अलबेनियन विद्रोहियों ने हथियार डाले; 28. [ज़]ानाना गुसमाओ ने घोषणा कि अगले वर्ष देश को पूर्ण [स्व]तन्त्रता मिल जाने पर वे ईस्ट तिमोर के राष्ट्रपति पद पर [ख]ड़े होंगे; 29. श्रीलंका की सरकार ने एल.टी.टी.ई को वार्ता [क]े लिए बुलाया और वार्ता के पूर्व युद्ध बन्दी की घोषणा की; 30. ईस्ट तिमोर में प्रथम स्वतंत्र चुनाव। एल.टी.टी.ई ने [श्र]ीलंका सरकार की वार्ता के प्रस्ताव को ठुकराया। इजरायल [न]े अपनी सेना पालस्तीनी नगर बेइट जला से वापस बुलाई। [ई]स्ट तिमोर ने अफगानी शरण रखनेवालों को अस्थाई [न]कारात्मक उत्तर दिया। उनका जहाज आस्ट्रेलिया के [क्र]िसमस द्वीप के पास खड़ा था; 31. वंशवाद के खिलाफ [ड]रबन में विश्व सम्मेलन आरंभ इसे 150 देशों के [प्र]तिनिधियों ने भाग लिया।

सितंबर 1. पाकिस्तान मिजाइल कार्यक्रम में चीन द्वारा उपकरण की आपूर्ति करने पर स.रा. अमरीका चीन और पाकिस्तान पर और प्रतिबंध लगायेगा; टोक्यो के नाइट क्लब [म]ें आग लगने से 44 मरे; नौरू और न्यूजीलेंड तंपा के [श]रणार्थियों को लेने के लिये तैयार; बंगला देश की सबसे बड़ी इस्लामिक पार्टी जमात ए इस्लामी ने बंगला देश को इस्लामिक गणराज्य बनाने के लिये प्रतिबद्धता प्रकट की; 2. दक्षिण अफ्रीका के हृदय शल्य चिकित्सक क्रिश्चियन बर्नाड का निधन; तांपा के कार्गो शिप पर फंसे 438 शरण मांगने वाले व्यक्तियों को पापुआ न्यू गिनी लेने को तैयार; तालिबान के नेताओं ने कहा कि इस्लामिक कानून के तहत इसाइयत को बढ़ावा देने के आरोप में आठ सहायता कार्य कर रहे लोगों पर मुकदमा चलायेगा; 3. स्टीफेन हाकिंग का कहना है कि कृत्रिम बौद्धिकता का सामना करने के लिये मानव को जेनेटिकली अपने आप को मजबूत करना होगा; अमरीका ने संयुक्त राष्ट्र रंगभेद सम्मेलन से स्वंय को अलग किया; सीशेल्स के राष्ट्रपति रेने को पांच वर्ष का एक और कार्यकाल; 4. डर्बन में रंगभेद सम्मेलन में अरब की कोशिशों की इजराइल को रंगभेद बरतने पर इजराइल की निंदा की जाये पर अमरीका और इजराइल ने सम्मेलन का बहिष्कार किया; 5. फिजी में महेंद्र चौधरी और जार्ज स्पीट संसद के लिये निर्वाचित;8. नाइजीरिया के जोस में सांप्रदायिक दंगों में मस्जिदें और गिरजा घर जलाये गये; डर्बन में संयुक्त राष्ट्र रंगभेद सम्मेलन में दासता और कालोलिनिज्म पर समझौते हुए; 9. फिलीस्तीनी मंत्री जेड ए जय्याद अरब पूर्व जेरुसलम में घुसते समय हिरासत में लिये गये; बेलारूस में आम चुनाव; एक रिपोर्ट के अनुसार अफगान विपक्ष के नेता अहमद शाह मसूद पर आत्मघाती बम विस्फोट; 10. फिजी में लाइसीनिया क्वार्से प्रधानमंत्री नियुक्त किये हुए; जोस में इसाइयों और मुस्लिमों में दंगों में लगभग 100 मरे; बेलारूस में राष्ट्रपति चुनाव में लुकाशेंको विजई; 11. न्यूयार्क में डब्ल्यूटीओ टावर पर आतंकवादियों ने दो वायुयान टकराये, 110 मंजिला भवन ध्वस्त एक और वायुयान पंटागन की इमारत से टकराया, चौथा दुर्गटनाग्रस्त हो गिरा, हजारों के मरने की संभावना, व्हाइट हाउस को खाली कराया गया; 13. सं.रा. अमरीका ने पाकिस्तान पर दबाव डाला कि वह अपने सहयोगी तालिबान से ओसामा बिन लादेन जिस पर इस आतंकवादी हमले का शक है को उसे सौंपने को कहे; अमरीका ने मध्य एशिया के अनेक युवकों की इस हमले में पहचान की; अफगानिस्तान के विपक्ष के नेता अहमद शाह मसूद की हालत चिंताजनक, उनके सहयोगी जनरल मोहम्मद फाकिम नये कमांडर बने; इजराइल की सेना जेनि और जेरिको में घुसीं; बीमा कंपनियो को डब्ल्यूटीओ टावर के ध्वस्त होने पर 30 बिलियन डालर का क्लेम; निवेषकों में भय के कारण शेयर बाजार लुढ़का; 15. अहमद शाह मसूद का निधन, पाकिस्तान अमरीका का सहयोग करने पर राजी, भारत हर प्रकार का सहयोग देने को राजी; 16. अफगानिस्तान के पूर्व शासक 84 वर्षीय किंग मोहम्मद जहीर शाह को तालिबान की जगह लाने के लिये कोशिश; 17. अमरीकी शेयर बाजार चार दिन बाद दुबारा खुला; पाकिस्तानी प्रतिनिधिमंडल अफगानिस्तान में; अमरीका के युद्धपोत जापान से रवाना; 19. तालिबान का कहना है कि वे अमरीका से बातचीत करने को तैयार; पाकिस्तान के वरिष्ठ धार्मिक संगठनों ने फतवा दिया कि अगर अमरीका अफगानिस्तान पर आक्रमण करता है तो यह उसके विरुद्ध पवित्र युद्ध होगा; अमरीका ने बिन लादेन के बारे में सूचना देने पर 25 मिलयन डाल[र]
तालिबान के धार्मिक नेताओं
ओसामा बिन लादेन से कहें [।]
तालिबान ने अमरीका की ओ

ठुकराया; पाकस्तिान में धार्मिक दलों द्वारा तालिवान के विरुद्ध अमरीका द्वारा वहां के स्थलों के इस्तेमाल करने पर आम हड़ताल का आव्हान; 22. यूएई ने तालिवान से राजनयिक संवध तोड़े; 23. अमरीका ने भारत–पाक पर से आर्थिक प्रतिवंध हटाये; तालिवान का कहना है कि ओसामा विन लादेन लापता है; अमरीका ने कहा कि वह इस रिपोर्ट पर विश्वास नहीं करता; पाकिस्तान में अक्टूवर में होने वाले सैफ खेल स्थगित; विल क्लिंटन ने कहा कि उनके प्रशासन ने ओसामा को मारने के लिये अधिकृत किया था; ब्रिटेन ने पूर्व शासक जहीर शाह को अफगानिस्तान वापस आने को कहा; 24. पाकिस्तान ने कावुल से अपने दूतावास के सर्मचारियो को वापस वुलाया; तालिवान ने कंधार में संयुक्त राष्ट्र के कार्यालय पर कब्जा किया; ताजिक सेना चौकन्नी; रूस ने अफगान के विरुद्ध तैयारी की; अमरीका ने एक समझौते पर हस्ताक्षर किये जिसमें पाकिस्तान द्वारा 375.4 मिलयन डालर की रकम 20 वर्ष में वापस की जायगी; अमरीका ने विन लादेन और अल कायदा की संपत्ति सील की; 25. सउदी अरविया ने तालिवान से राजनयिक रिश्ते तोड़े; फ्रांस ने ओसामा और तालिवान की 28 मिलयन फ्रैंक की संपत्ति सील की; पाकिस्तान ने उन देशों को चेतावनी दी जो तालिवान के विपक्ष का साथ दे रहे हैं; उजवेकिस्तान ने अमरीकी वायुसेना को अपने आधार प्रयोग करने की अनुमति दी; राष्ट्रपति पुटिन ने विश्वव्यापी आतंकवाद के विरुद्ध सहयोग देने को कहा; वेलफास्ट में दंगे; चीन ने कहा कि पाकिस्तान उसका सहयोगी देश नहीं है; 26. अफगानिस्तान मे अमरीका के रिक्त दूतावास पर पत्थरवाजी व आगजनी।27. व्रिस्वन में चोघम की 6 से 9 अक्टूवर के सम्मेलन को स्थगित किया गया; पाक रूस, अमरीका औक ताजिकिस्तान ने संयुक्त रूप से ओसामा विन लादेन की खोज शुरु की; 28. संयुक्त राष्ट्र संघ ने अफगानिस्तान में मानवीय सहायता के लिये 584 मिलयन डालर की राशि मांगी; अमरीका ने समस्त 19 अपहरणकर्ताओं की तस्वीर सर्वविदित की; 29. पाकिस्तान ने अपनी भूमि पर अमरीकी सेना के होने का खंडन किया; 30 तालिवान ने कहा कि ओसामा विन लादेन उसके संरक्षण में है और उसका 11 सितंवर की अमरीकी घटनाओं में कोई हाथ नहीं है; कोलंविया की पूर्व संस्कृति मंत्री सुश्री कौंसुएलो अराउजो जिनका अपहरण वामपंथी विद्रोहियों ने किया था मृत पाई गई आतंकवाद के विरुद्ध अमरीकी आपरेशन का नया नाम आपरेशन इनड्यूरिंग फ्रीडम होगा (पुराना नाम आपरेशन इनफिनिट जस्टिस); वर्लिन के मैराथन में 37000 लोग शांति के लिये दोड़े।

अक्टूवर 1. वंगलादेश वेगम खालिदा जिया के नेतृत्व में वंगला देश नेशनलिस्ट पार्टी घटक को संसद में दो तिहाई वहुमत मिला; 4. रूसी वायुयान टीयू154 जिसमें 77 लोग सवार थे व्लैक सी के ऊपर एक विस्फोट के साथ ध्वस्थ हो गया;6. ब्रिटेन के प्रधानमंत्री टोनी व्लेयर अमरीका के आतंकवाद के विरुद्ध कार्रवाई पर भारत से वातचीत करने नई दिल्ली आये 7. पाकिस्तान ने तालिवान के वैंक खाते सील किये। अफगानिस्तान पर अमरीकी हमला प्रारंभ; कावुल जलालावाद और कंधार पर वमवर्षा; कावुल में पत्रकार सुश्री युवोने रिडले रिहा; तालिवान पर अमरीकी आक्रमण जारी;11. त्रिनिदाद में जन्मे भारतीय मूल के ब्रि[illegible] के लेखक वी.एस. नायपाल को साहित्य का नोवल पुरस्[illegible] अफगानिस्तान में अमरीकी वमवर्षा का भयानक दिन; 1[illegible] नोवल शांति पुरस्कार संयुक्त राष्ट्र एवं इसके महास[illegible] कोफी अन्नान को संयुक्त रूप से; इजराइल के विदेश म[illegible] पेरेज का कहना है कि आतंकवाद से लड़ने के लिये भार[illegible] चीन, रूस और जापान को नाटो में शामिल करना चाहि[illegible]; एफ.वी.आई. के अनुसार और आतंकवादी हमले हो सक[illegible] हैं; विश्व भर में कुल 24 मिलयन डालर की आतंकवादि[illegible] की संपत्ति सील की गई;14. अमरीकी वमवारी का दूस[illegible] सप्ताह प्रारंभ; अल क़ायदा ने अमरीका को चेतावनी दी [illegible] व कांश्मीर के मामले में भारत की सहयाता न करे; 1[illegible] इंडोनेशिया की राष्ट्रपति मेगावती ने अफगानिस्तान [illegible] अमरीकी वमवारी की आलोचना की; टोनी ब्लेयर ने स्व[illegible] फिलीस्तीनी राज्य का समर्थन किया; सिडनी में चर्च [illegible] हमला; 16. अफगान विफक्ष नार्थन एलायंस ने मजार शरीफ पक कब्जा किया; दाक्षिण अफ्रीका में विनी मंडे[illegible] पर धोखेधड़ी का आरोप; 17. इजराइल के पर्यटन म[illegible] रेहावाम जीवी की गोली मार कर हत्या;नार्वे में जे[illegible] स्टोलटेनवर्ग की लेवर पार्टी सत्ता से हटी;18. अमरी[illegible] जमीनी लड़ाई के लिये तैयार;19. केजेल मागने वोंडेवि[illegible] के नेतृत्व में नार्वे में मिली–जुली सरकार; जार्ज वुश और च[illegible] के राष्ट्रपति झियांग जेमिन शंघाई में मिले और गोपन[illegible] सूचनाओं के अदान–प्रदान पर सहमत; 20. अमरीका [illegible] इलाइट कमांडो ने अफगानिस्तान में लाइटनिंग कार्रवाई [illegible] जनरल अब्दुल राशिद दोस्तम ने तुर्की के टी.वी. को फो[illegible] कर अपने जीवित होने की पुष्टि की; 21. आतंकवाद [illegible] समाप्ति के लिये एपेक की संयुक्त राष्ट्र से अपील; ब्रिटेन एंथेक्स पत्रों और पार्स ली अफवाहों से निपटने के लि[illegible] आपात नियम वनाये; 2000 से अधिक अमरीकी सैनि[illegible] पाकिस्तान पंहुचे; राष्ट्रपति वुश ने सी.आई को विन लादेन [illegible] समाप्त करने के आदेश दिये; अफगानिस्तान पर नीची उड़[illegible] भरते वायु यानों ने वमवर्षा की; तालिवान के अनुसार 70 अ[illegible] नागरिक अमरीकी हमलों में मारे गये; इजराइल की सेनाओं [illegible] 6 फिलीस्तीनी शहरों पर धावा वोला;22. अमरीकी जेटों [illegible] तालिवान क्षेत्रो पर वमवारी जारी, तालिवान ने एक अमरी[illegible] हेलिकाप्टर को गिराने का दावा किया; राष्ट्रपति पुटिन ने नार्थ[illegible] एलायंस को समर्थन देने के संकल्प को दुहराया; तालिवान [illegible] अनुसार हेरात के एक अस्पताल पर अमरीकी वमवारी से 10[illegible] रोगियों की मृत्यु, हजारों अफगानियों ने पाकिस्तान में शरण ल[illegible] 23. विश्व स्वास्थ्य संगठन ने लोगों को पत्र खोलते सम[illegible] सावधानी वरतने को कहा; अमरीका ने पाकिस्तान के राष्ट्र[illegible] मुशर्रफ की रमजान के दौरान हवाई हमले वंद करने की अपी[illegible] को ठुकराया; त्रिनिदाद में वी.एस नायपाल के नाम पर ए[illegible] लाइब्रेरी वनी और उनके घर को म्यूजियम वनाया गया; 2[illegible] अमरीका की उच्चतम न्यायालय का भवन एंथ्रेक्स परीक्षण [illegible] लिये वंद किया गया; अमरीका ने अफगानिस्तान पर [illegible] वमवारी की।

नवंबर 1. तालिवान ने कहा कि उसने कुछ अमरी[illegible] नागरिकों को वंदी वना लिया है; टोनी व्लेयर पश्चिमी एशि[illegible]

दौरे पर, एरियल शेरोन व यासर अराफात से मिले; ंडोनेशिया में मेगावती ने अमरीका से बमबारी बंद करने को हा; जार्जिया के छात्रों ने राष्ट्रपति शेवार्डनाड्जे द्वारा पूरे त्रालय को भंग करने पर त्यागपत्र देने की मांग की; 4. ण्डी में टुटस व हुतुओं ने सत्ता में भागेदारी की; डोमिटियन यजेवे जो हुतु है उप राष्ट्रपति बने।; 6. उत्तरी आयरलैंड डेविड ट्रिम्बले प्रथम मंत्री निर्वाचित हुए; 7.अमरीकाने सामा के 7 देशों के खातों को सील किया; बंगलादेश से दुओं का पलायन; माइकल ब्लूबर्ग न्यूयार्क के मेयर र्वाचित; उड़ान के लिये प्रतिबंधित कंकार्ड विमान ने पुनः ड़ान भरी; 8. पाकिस्तान ने अफगानिस्तान को कराची वायोग बंद करनेका निर्देश दिया; 9.दोहा में डब्ल्यू.टी.ओ.की त्रिमंडलीयसम्मेलन प्रारंभ, कनाडा ने लिट्टे को आतंकवादी ची में डाला; 10.आस्ट्रेलिया में आम चुनाव; नार्थन एलायंस मजार ए शरीफ परकब्जा किया; 11. ओसामा बिन लादेन कहा कि अमरीका उसे जिंदा नही पकड सकता; 12. मरीका का विमान न्यूयार्क से उड़ान भरते ही दुर्घटनाग्रस्त, लक समेत 255 लोग मारे गय; 13. अफगानिस्तान की जधानी काबुल पर नार्थन एलायंस का कब्जा; दोहा में ब्ल्यू.टी.ओ.की मंत्रिमंडलीय सम्मेलन समाप्त; 14.अफगान तालिबान शासन की समाप्ति पर जश्न, सड़क पर संगीत धुने तैरने लगीं। नाइयों की दुकान पर दाढ़ी कटवाने वालों लंबी कतार।। 5. कयास लगाया जा रहा है कि न्यूयार्क ान दुर्घटना में आतंकवादियों का हाथ है। 19. पाकिस्तान कहा कि वह अब अफगानिस्तान में तालिबान सरकार को न्यता नहीं देता है लेकिन उसने वहां की सरकार के साथ जनयिक संबध नहीं तोड़े। 20. उत्तरी गठबंधन ने कुर्दुज तालियानियों को समर्पण कर देने की चेतावनी देते हुए कहा अन्यथा उनका सफाया कर दिया जायेगा। 21. संयुक्त ज्य अमरीका और 21 अन्य देश अफगानिस्तान के र्निमाण के लिये अरबों डालर की सहायता देने को राजी। 5. तालिबान के नेताओं ने कुर्दुज में समर्पण किया। 27. नेपाल की सेना ने थल व वायु स्तर पर माओवादियों के विरुद्ध आक्रमण शुरु किये।

दिसंबर 1. संयुक्त राष्ट्र के प्रतिनिधिमंडल ने अफगानिस्तान के लिये एक मसौदा तैयार किया और उत्तरी गठबंधन से कहा कि वह सत्ता का हस्तांतरण अंतरिम सरकार को कर दें। 3. इजराइल ने फिलीस्तीनी नेता यासर अराफात के आवास के निकट बमबारी की। 5. अफगानिस्तान के चार घटक हमीद करजाई के नेतृत्व में सरकार घटित करने पर सहमत हुए। 6. कंधार में तालिबानियों ने करजाई के समक्ष समर्पण किया। 7. श्रीलंका की राष्ट्रपति चंद्रिका कुमारतुंगे ने श्री रानिल विक्रमसिंघे को सरकार बनाने के लिये आमंत्रित किया।। 12. पाकिस्तान के दो परमाणु वैज्ञानिको ने स्वीकार किया कि उन्होंने ओसामा बिन लादेन को परमाण्विक व जैविक हथियारों के बारे में जानकारी दी थी। अंतरिम सरकार के प्रधानमंत्री हामिद करजाई पहली बार काबुल आकर मंत्रिमंडलीय सहयोगियों से मिले। 16. एक अमरीकी महिला को एक सिख के साथ रंग विरोधी कार्रवाइयों के लिये 30 दिनों की कैद दी गई। 21. फिजी जिसे सैन्य विद्रोह के कारण कामनवेल्थ सदस्यता से वंचित कर दिया गया था का दुबारा इसकी सदस्यता दे दी गई। 22. श्री हमीद करजाई को काबुल में अंतरिम सरकार के प्रधानमंत्री पद की शपथ दिलाई गई। 23. श्री अडोल्फो पोड्रिगुएज सा को अर्जेन्टाइना के राष्ट्रपति पद की शपथ दिलाई गई। 24. अमरीका, ब्रिटेन और युरोपियन यूनियन ने पाकिस्तान को कहा कि वह अपने दो आतंकवादी गुटों लश्कर–ए–तोयबा और जेश–ए–मोहम्मद पर प्रतिबंध लगाये। 27. संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने अपने सदस्यो को आदेश दिया कि वे पाकिस्तानी आतंकवादी दल उम्माह तमीर–ए नाऊ और इसके तीन निदेशकों की संपत्ति को जप्त करे क्योंकि इनके संबध ओसामा बिन लादेन के साथ हैं। 31. अर्जेन्टाइना के राष्ट्रपति श्री अडोल्फो पोड्रिगुएज सा को गहरे विरोध के कारण पद छोड़ना पड़ा।

विश्वकप फुटबाल संपन्न

2002 जनवरी 1. नई युरोपियन मुद्रा यूरो 12 ोपियन देशों में जहां यह 300 मिलयन लोगों के बीच मान्य भी जारी; एशियान ने 10 देशों में मुक्त व्यापार क्षेत्र घोषित या; पाकिस्तान में उग्रवादियों और कट्टरवादी धार्मिक गठनो पर कार्रवाई जारी; इंडोनेशिया के प्रांत सुलावेसी में सा फैली। 3. श्री लंका के प्रधानमंत्री आर. विक्रमसिंघे की या की साजिश विफल। 4. काठमांडु में सार्क बैठक एक न के लिये स्थगित की गई। 5. फ्लोरिडा के बैंक आफ मरीका बिल्डिंग के 28वें माले पर एक 15 वर्षीय किशोर र्ल्स बिशप द्वारा उड़ाया जा रहा छोटा जहाज टकराया। पाकिस्तान वर्ष 2003 में सार्क बैठक आयोजित करेगा; काठमांडु ने सार्क बैठक में साफ्टा को जल्दी लागू करने का फैसला लिया गया; चीन में युन्नान प्रांत में पुलिस ने 6729 किलोग्राम हिरोइन जब्त की। यह एशिया में पकड़ी गई हिरोइन की सबसे बड़ी मात्रा है; बी.बी.सी. द्वारा कराये गये जन मत में चर्चिल ब्रिटेन के महानायक चुने गये; अर्जेन्टाइना ने अपनी मुद्रा का डालर की तुलना में 30% अवमूल्यन किया। 8. राष्ट्रपति बुश ने पाकिस्तान के राष्ट्रपति मुशर्रफ को आतंकवाद के विरुद्ध कड़े कदम उठाने को कहा; 70 मिलयन एंग्लिकन के धार्मिक नेता आर्चबिशप आफ कैंटरबेरी जार्ज कैरी ने 31 अक्टूबर को अवकाश लेने की घोषणा की; आस्ट्रेलिया में 16 दिनों से झाड़ियों में लगी आग बुझी। 10.

पाकिस्तान के इस्लामाबाद में सैफ खेलों को दूसरी बार तीन महीने में स्थगित किया गया; सात वर्ष के गृहयुद्ध के बाद जिसमें 50,000 लोग मारे गये रुआंडा ने स्थिति अनुकूल बनाने के लिये नया राष्ट्रीय ध्वज व राष्ट्रगीत शुरु किया। 11. फोर्ड मोटर्स विश्व भर में 35,000 रोजगार कम करेगी और उत्तरी अमरीका में 3 संयत्रों को बंद करेगी। 12. ब्रिटेन जिब्राल्टर के 298 वर्षीय कालोनियल शासन की समाप्ति कर स्पने की संप्रुभता स्वीकार कर सकता है। 15. श्री लंका के मुतैय्या मुरलीधरन जिम्बाबवे के हेनरी ओलंगा को आउट कर विश्व के सबसे कम आयु के 400 विकेट लेने वाले खिलाड़ी बने। 16. संयुक्त राज्य अमरीका के सेक्रेट्री आफ स्टेट कालिन पावेल (पाकिस्तान में) ने भारत और पाकिस्तान के झगड़े में मध्यस्थता करने से इंकार कर दिया; संयुक्त राज्य अमरीका ने फिलीपींस में अल कायदा नेटवर्क से जुड़े अबु सय्यफ के दल को समाप्त करने के लिये सेना भेजी; विभाजित साइप्रस क्लोराइड्स और डेन्टकाश के नेता शांति वार्ता के लिये मिले। 17. एमजीएम स्टूडियो 7 अरब डालर में बिकने के लिये तैयार; पोलिसारियो मोर्चे ने 115 युद्ध में पकड़े गये मोरक्को के सैनिकों को रिहा किया। 18. कांगो में ज्वालामुखी फटने से बहे लावा के कारण 45 मरे, लोगों ने रुवांडा में शरण ली 50 लाख लोग बेघर हो गये। 19. सियरा लियोन की सरकार ने 10 वर्ष से चल रहे युद्ध की समाप्ति की घोषणा की और हजारो हथियार जप्त कर लिये। 21. गोमा (कांगो) में पर्वत नियरांगोगो से बहे लावे के कारण बड़े पेट्रोल स्टेशन में आग लगने से 100 लुटेरे जल कर भस्म हो गये; अफगानिस्तान के पुनर्निर्माण के लिये अंतराष्ट्रीय दानकर्ताओं ने 3.5 अरब डालर की सहायता राशि देने का वचन दिया; इसराइल की सेना ने वेस्ट बैंक के शहर टुल्कारेम पर कब्जा कर लिया। 22. क्यूबेक गायिका सेलिन डियोन ने अमरीका की अपनी प्रतिद्वंदी मैडोना की तरह युरोप में अपने रिकार्डों की बिक्री दुगनी की; हमास ने अपने चार साथियों के मरने के बाद इसराइल के विरुद्ध पूर्ण युद्ध की घोषणा की; सिन फेन ने ब्रिटेन की संसद में पहली बार कार्यालय में जगह बनाई लेकिन ब्रिटिश राजशाही से मतभेद के कारण शपथ लेने से मना किया। 23. जेरुसलम में जफ्फा रोड पर फिलीस्तीनी द्वारा अंधाधुंध गोलीबारी से 40 घायल हुए और दो मर गये। 24. केनेथ ले इनरोन के अध्यक्ष पद से हटे; पाकिस्तान का कहना है कि दी गई 20 लोगों की सूची में किसी को भी उसने शरण नहीं दे रखी है। 25. वैज्ञानिको ने संयुक्त राज्य अमरीका के विधि बनाने वालों से क्लोनिंग पर प्रतिबंध हटाने को कहा; फिलीस्तीन के आत्मघाती बाम्बर तेल अबीब में किये गये विस्फोट में 14 लोग घायल हुए; संयुक्त राज्य अमरीका के पत्रकार डैनियल पर्ल का कराची में अपहरण। 27. जेरुसलम की सड़क पर फिलीस्तीन की महिला आत्मघाती बाम्बर विस्फोट में मरी। 28. लागोस में हथियारों के जमावड़े में विस्फोट के बाद एकत्रित बड़ी भीड़ के भागदौड़ में 580 मरे; इक्वेडोरियन वायुयान कोलबियन ज्वालामुखी पर गिर कर ध्वस्त, 92 मरे। 30. राष्ट्रपति बुश ने अपने स्टेट आफ यूनियन के संबोधन में कहा कि लगभग 12 देशों में आतंकवादी अड्डे अस्तित्व में हैं और कहा कि जैश-इ-मोहम्मद आतंकवा[दी] संगठन है। 31. अफगानिस्तान के जातीय झगड़े में 43 म[रे] गये।

फरवरी 1. पोर्टो एलेग्रे (ब्राजील) में वर्ल्ड सोशल फोर[म] के 10,000 प्रतिनिधि इकट्ठे हुए कि दूसरी दुनिया संभ[व] है; न्यूयार्क में नयी आशा के लिये वर्ल्ड इकानोमिक फोर[म] की 32 वीं बैठक। 2. पुर्तगाल के क्राउन प्रिंस विलेम एलेक्जेंडर ने अर्जेन्टाइना की मैक्सिमा जोरेगुइटा से विव[ाह] किया। 4. लागोस के पड़ौस में योरबा और हाउसा के जाति[य] झगड़े में 100 मरे; इरान ने अमरीका के आरोप कि वह अ[ल] कायदा को शरण दे रहा है खारिज किया। . सुप्रीम कोर्ट फिलीपींस की सरकार से अल कायदा गुट से जुड़े मुस्लि[म] गुरिल्ला से लड़ाई में फिलीपींस के सैनिकों की सहायता [के] लिये संयुक्त राज्य अमरीका के सैनिकों की उपस्थित [के] औचित्य को बताने के लिये कहा; कोफी अन्नान के वि[श्व] निर्धनता को याद दिलाये जाने के साथ न्यूयार्क में 5 दिवसी[य] वर्ल्ड इकोनोमिक फोरम की बैठक समाप्त; इनरोन के [पूर्व] अध्यक्ष केनेथ ले बोर्ड आफ डायरेक्टर्स से हटे। 6. महारा[नी] एलिजाबेथ की महारानी पद के पचासवी सालगिरह मन[ाई] गई; डेनियल पर्ल के अपहरण के पीछे जैश-इ-मोहम्[मद] संगठन के नेता शेख ओमर सइद का नाम आया; आयरलै[ंड] के सबसे बड़े बैंक एलाइड आयरिश बैंक लगभग आधे अ[रब] का इसके संयुक्त राज्य अमरीका की शाखा के कर्मचारी द्वा[रा] घोटाला। 9. तालिबान के विदेश मंत्री मुत्तावाकिल [ने] अफगानिस्तान में समर्पण किया; लाइबीरिया में विद्रोहियो [ने] कहा कि अगर राष्ट्रपति टेलर पद से नहीं हटते तो वे ए[क] सप्ताह में मोनरोविया पंहुच जायेंगें। 10. अमरीकन सें[टर] (कोलकाता) पर आक्रमण करने वाले प्रमुख आरोपी आफता[ब] अंसारी को भारत की याचिका पर यू.ए.ई. ने भारत भेज[ा]; इरान जहां अफगानिस्तान के गुलुबुद्दीन हेकमतयार कुछ व[र्षों] से शरण ले रखी थी ने किसी भी राजनीतिक गतिविधियों [में] सलंग्न होने से स्वंय को दूर रखा। 11. फ्रांस के राष्ट्रप[ति] चिराक को दूसरा कार्यकाल मिला। 12. स्लोबोड[ान] मिलोसेविक पर हेग में मुकदमा; इरान के वायुयान [के] दुर्घटनाग्रस्त हो जाने से 117 मरे; बच्चो का सैनिकों के रू[प] में इस्तेमाल पर अंतर्राष्ट्रीय संधि ने रोक लगाई। 13. ब्रिटे[न] की एयरवेज ने 5800 नौकरियों में कटौती की घोषणा क[ी] यह कटौती 7200 कटौतियों की पहले की घोषणा [के] अतिरिक्ति है; यह खुलासा किया गया कि बीटल जॉर्ज हैरिस[न] हालीवुड हिल्स मैंशन में मृत पाये गये; युगोस्लाविया के [पूर्व] शक्तिशाली पुरुष मिलोसेविक ने अपनी गिरफ्तारी और [हेग] में मुकदमा चलाये जाने को चुनौती दी। 14. बहरीन ए[क] राज्य बना और संसद के चुनाव 24 अक्टूबर को; डैनिय[ल] पर्ल के अपहरण के मुख्य आरोपी शेख ओमर सइद का कह[ना] है कि पर्ल मारा जा चुका है। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री टोनी ब्ले[यर] ने कहा कि विपक्ष द्वारा इस बात की मांग कि उनकी सरक[ार] का भारतीय व्यवसाई लक्ष्मी मित्तल से संबध है की जांच को बकवास है; न्यूयार्क के पूर्व मेयर रुडोल्फ गियुलानी को लंद[न] में महारानी एलिजाबेथ ने नाइटहुड की पदवी दी; अफगानिस्त[ान] के उड्डयन मंत्री अब्दुल रहमान को काबुल हवाई अड्डे [पर]

मुस्लिम तीर्थयात्रियों ने मार डाला। 15. मिलोसेविक (हेग में) ने कहा कि वह बिल क्लिंटन और अन्य पश्चिमी नेताओं को ट्रायल में बुलाना चाहते हैं राष्ट्रपति बुश ने अमरीका में नई पर्यावरण नीति की घोषणा की वह क्योटो प्रस्ताव को पहले से नकार चुके हैं; ब्रिटेन के सबसे बड़े मानसिक रोगियों के केंद्र में दंगे के बाद भागने की फिराक में लोगों ने केन्द्र को जला दिया; मारिशस के राष्ट्रपति (1992 से) कास्सम युटीम ने त्यागपत्र दिया। 16. काबुल हवाई अड्डे पर मंत्री की हत्या के पीछे उत्तरी गठबंधन के शक्तिशाली के सदस्यों का कार्य है। 17. फ्रांस ने अपनी मुद्रा 'दी फ्रेंक' को 641 वर्षों के बाद विदा दी और यूरो को अपनाया; युगोस्लाविया को चेतावनी दी गई कि वो जनरल राटको म्लादिक को यूएन वार क्रिमिनल ट्रिब्यूनल को सौंपे; राष्ट्रपति बुश जापान की यात्रा पर यहां की आर्थिक व्यवस्था अस्थिर है; नेपाल में माओवादियों ने 133 लोगों को मार डाला। 18. मारीशस के अंतरिम राष्ट्रपति अंगिडि चेट्टियोर ने त्यागपत्र दिया; यूरो फ्रांस की एकमात्र मुद्रा बनी; श्रीलंका सरकार एवं लिट्टे के बीच प्रारंभिक बातचीत मार्च–अप्रैल में हो सकती है। 19. बंगलादेश के चित्तागांग पहाड़ियों के क्षेत्र में हिंसा; फिजी में जार्ज स्पीट की मदद करने वाले 10 विद्रोहियों को जेल; ब्लेयर की लोकप्रियता उनके भारतीय व्यवसाई मित्तल से संबध के बावजूद बरकरार; गाजा स्ट्रिप पर एक हमले में इस्राइली सैनिकों ने 11 फिलीस्तीनी घरों को तबाह किया। 20. मिस्र में एक ट्रेन में आग लग जाने से 373 लोग जल कर मरे। 21. पश्चिमी नेपाल में सुरक्षा बलों ने 41 माओवादियों को मार गिराया; इंडोनेशिया, मलेशिया और फिलीपींस आतंकवाद से लड़ने के लिये गुप्तचर प्रणाली का विकास करेंगे; रोम में जल वितरण प्रणाली में जहर मिलाने का आतंकवादियों का प्रयास विफल। 22. वाल स्ट्रीट जर्नल के अपहृत पत्रकार डेनियल पर्ल की उनके अपहरकर्ताओं ने गला काट कर हत्या की; श्रीलंका सरकार व लिट्टे ने युद्धविराम संधि पर हस्ताक्षर किये; नेपाल में माओवादियों की हिंसा में 44 मरे; मेडागास्कर ने विपक्ष के नेता मार्क रावालोमानना ने राज्यध्यक्ष की शपथ ली क्योंकि राष्ट्रपति डिडियेर राट्सइर का ने आपातकाल लगा दिया था। 23. अंगोला के यूएनआईटीए विद्रोही नेता जोनास साविम्बी का निधन; अर्जेन्टाइना के सबसे बड़े बैंक बैंको गैलेशिया ने सेंट्रल बैंक से आधे से अधिक कंपनी का ग्रहण करने को कहा ताकि वह अपने कर्जे चुका सके। 24. इसराइल द्वारा रामल्ला में टैंक भेजने के बाद घिरे अराफात को इसराइल ने राहत दी; यूएनआईटीए का कहना है कि वो सरकार के विरुद्ध लड़ाई जारी रखेगी। 25. अंगोला राष्ट्रपति सांटोस का कहना है कि वो यूएनआईटीए के साथ युद्ध विराम चाहते हैं। 26. नेपाल में सुरक्षा बलों ने 76 माओवादियो को मार गिराया; जिम्बाबवे के विपक्ष के नेता मोर्गन स्वानगिराई पर चुनाव के दो सप्ताह के पहले धोखाधड़ी का आरोप लगाया गया। 27. भारत ने अफगानिस्तान के लिये 10 मिलियन डालर की सहायता की घोषणा की। 28. संयुक्त राज्य अमरीका ने डेनियल पर्ल के हत्यारों की पहचान के लिये 5 मिलयन डालर की पुरस्कार राशि की घोषणा की; बाल्कान की मोस्ट वांटेड सूची में नम्बर एक राडोवन काराडजिक को पकड़ने के लिये कार्रवाई प्रारंभ।

मार्च 1. आठ यूरो जोन देशों की अपनी मुद्रा समाप्त, उनकी जगह यूरो ने लेली; इसराइल ने फिलीस्तीनी शरणार्थी कैंपों पर छापा मारा। 2. नासा के मार्स ओडिसी अंतरिक्षयान ने मंगल पर बड़े क्षेत्र पर पानी का पता लगाया, हालांकि यह बर्फ, गंदगी, धूल और चट्टान से मिला है और सतह से तीन फीट ऊंचाई तक फैला है। 4. जातीय अलनियन द्वारा स्वशासन के लिये प्रथम चरण में कोसोवो में विधि निर्माताओं ने इब्राहिम रुगोवा को राष्ट्रपति चुना; स्विटजरलेंड संयुक्त राष्ट्र संघ का सदस्य बना। 6. पश्चिमी एशिया में बढ़ती हिंसा से राष्ट्रपति बुश और होस्नी मुबारक ने हिंसा त्याग करने की अपील की; गाजा स्ट्रिप पर चारों ओर इसराइल के आक्रमण; संयुक्त राज्य अमरीका ने इस्पात के निर्यात पर कर लगाया जवाब में रूस ने अमरीकी पोल्ट्री को बंद करने की घोषणा की। 7. वेस्ट बैंक के निकट इसराइल के हेलिकाप्टरों ने फिलिस्तान के गुप्तचर ठिकानों पर बमवर्षा की; 9. संयुक्त राज्य अमरीका ने इस्पात के निर्यात पर 30 प्रतिशत ड्यूटी लगाई। 10. यासर अराफात के कार्यालय को इसराइल मिसाइल ने नष्ट किया; पूर्व सैन्य नेता ने विन के रिश्तेदारों द्वारा सत्तापलट की असफल कार्रवाई के बाद अनेक शीर्ष म्यानमार अधिकारी हटाये गये। 11. इसराइल ने दिसंबर 2001 से रामल्ला में एक तरह से नजरबंद यासर अराफात पर प्रतिबंध हटाने की पेशकश की; मक्का में लड़कियों के स्कूल में आग लग जाने से 14 मरीं और 50 घायल। 12 रामल्लाह के वेस्ट बैंक पर इसराइल का आक्रमण जारी, 26 फिलीस्तीनी मरे। 13 लंदन 305 मीटर वर्गक्षेत्र में 'शर्द आफ ग्लास' भवन बनायेगा जो कि पांच वर्ष में जब पूरा होगा तो युरोप का सबसे बड़ा भवन होगा; जिम्बाबवे में रावर्ट मुगाबे चुनाव जीते, विपक्षी नेता मार्गन स्वानगिरी ने चुनावों में धोखाधड़ी का आरोप लगाया संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने पहली बार फिलीस्तानी राज्य का उद्‌गम करते हुए प्रस्ताव पारित किया। 14. अदनान को जिसने पत्रकार पर्ल डेनियल की हत्या करने का दावा किया था ने आत्मसमर्पण किया, सर्बिया और मांटेनेग्रो ने एक संधि पर हस्ताक्षर किये इसके अंतर्गत युगोस्लाविया का पुनर्निर्माण करके उसे सर्बिया और मांटेनेग्रो का नाम दिया जायगा संयुक्त राज्य अमरीका ने कहा कि वह बिन लादन के प्रति अनिच्छुक है और इराक के सद्दाम हुसेन को सबक सिखायेगा; श्री लंका के प्रधानमंत्री तमिलियों का लुभाने के लिये जाफना पंहुचे। 15 कामनवेल्थ ने जिम्बाबवे के विरुद्ध कड़े कदम उठाने को कहे क्योंकि उसके अनुसार वहां राष्ट्रपति चुनावों में बड़ पैमाने पर धांधली हुई चीन ने संयुक्त राज्य अमरीका द्वारा इस्पात पर बड़ी ड्यूटी लगाये जाने पर डब्ल्यू.टी.ओ. में अपील की रूस ने अंतरिक्ष टैक्सी की शुरुवात की जिसमें बैठकर 1,00,000 डालर खर्च कर कोई अंतरिक्ष में 3 मिनट गुजार सकता है उत्तरी कोरिया के 25 लोगों ने जिन्होंने चीन में स्पेन के दूतावास में शरण ली थी दक्षिण कोरिया भेजे गये। 17 इस्लामाबाद में चर्च पर ग्रेनेड फेंके जाने से 5 मरे सुरक्षा बलों ने नेपाल में 63

माओवादियो को मारा; बोगोटा में चंदूकधारी ने काली के आरसी. आर्चविशप आई.डी. कैंसिनो को मार डाला। 18. उक्रेन और मोलडोवा ने रूस के नेतृत्व में यूरेशियन इकोनोमिक यूनियन में सम्मिलित होने की इच्छा जताई; पुर्तगाल में विपक्ष सोशल डेमोक्रेट्स को सत्ताधारी सोशलिस्ट पर मामूली अंतर से जीत मिली; ब्रिटेन के मंत्री सुश्री क्लेर शार्ट ने धमकी दी कि यदि ब्रिटेन अमरीका द्वारा इराक पर हमले में साथ देता है तो वे त्यागपत्र देदेंगी; सितंबर 2000 से लगभग 344 इसराइली और 1058 फिलीस्तीनी मारे जा चुके हैं। 19. ओसामा बिन लादेन जिंदा है, उनके भाई का कथन; जिम्बाबवे को कामनवेल्थ से निर्णय समिति से एक वर्ष के लिये निकाला गया; इसाक असिमोव की विधवा ने खुलासा किया कि विज्ञान उपन्यासकार का निधन एड्स से हुआ था जो उन्हें रक्त हंस्तातरित करते हुए हो गया था। 20. उत्तरी इसराइल में बस में बम विस्फोट से पांच नागरिक मरे; अमरीका द्वारा इस्पात पर कर लगाने के विरुद्ध जापान ने डब्ल्यू.टीयओ. में अपील की; जिम्बाबवे के विपक्ष के नेता मोर्गन स्वानगिराई पर धोखाधड़ी का मामला। 21. ब्रिटेन की सरकार सासंदों द्वारा उसके द्वारा अफगानिस्तान में अमरीका की सहयता के लिये 1700 सैनिकों को भेजने के लिये दबाव में आई, ब्लेयर को दूसरा वियतनाम बनाने की चेतावनी दी गई; रार्बट रे की रिपोर्ट ने क्लिंटन और हिलैरी को अपराधिक कार्रवाइयों से बरी किया। 22. संयुक्त राष्ट्र की मांटेरी (मैक्सिको) में बैठक में निर्धन देशों की मदद की अपील की गई, कहा गया कि निर्धनता और सुरक्षा अलग नहीं किये जा सकते हैं और विश्व के निर्धनतम क्षेत्र हिंसा के बीज हैं; थाईलैंड भारत के बाद सस्ता एच.आई.वी. काकटेल विकसित करने वाला देश बना, ब्रिटेन में जन्मे आतंकवादी शेख ओमर और उसके 10 साथियों पर पर्ल डेनियल की हत्या का आरोप लगा। 23. माग्रेट थेचर (76 वर्षीय) ने सार्वजनिक जीवन से हटने का निर्णय लिया; आस्ट्रेलिया में कार दुर्घटना में क्रिकेटियर बेन होलियाको का 24 वर्ष की आयु में निधन; फिलिप मारिस कंपनी को 150 मिलयन डालर जुर्माना उस महिला के एस्टेट को देने को कहा गया जिसका फेफड़े के कैंसर से निधन हो गया था। 24. अफगान के पूर्व राजा जहीर शाह काबुल लौटे; नेपाल ने 16 वर्ष से कम लोगों के लिये एवरेस्ट पर्वतारोहण प्रतिबंधित किया। 25. बोस्निया की फिल्म नो मैन्स लैंड को विदेशी फिल्म का ऑस्कर पुरस्कार, भारतीय फिल्म लगान इस पुरस्कार के लिये दावेदार थी; लिट्टे के प्रमुख वार्ताकार एंटन बालासिंघमविद्रोहियों के कब्जे वाले क्षेत्र में गुरिल्लाओं को शांति वार्ता के बारे में बताने के लिये पंहुचे; इंडोनेशिया के हाउस आफ रेप्रेजेंटेटिव के अध्यक्ष अकबर टांडजुक जिनपर 4 मिलयन डालर के घपले का आरोप है अदालत पंहुचे। 26. अफगानिस्तान में रिचर स्केल पर 6 में आये भूकंप से 4800 मरे 10,000 बेघर हुए नहरीन शहर तबाह; मिस्र के होस्नी मुबारक ने यासर अराफात को चेतावनी दी कि वे बेरुत में अरब सम्मेलन में भाग लेने के लिये न आयें। 27. रोडेशिया के पूर्व प्रधानमंत्री इयान स्मिथ की नागरिकता छिनी; नान्टेरे (फ्रांस) में बंदूकधारी की गोलीबारी में 8 मरे और 30 घायल हुए; बेरुत में अरब बैठक यासर अराफात के बिना प्रारंभ; चीन का तीसरा अंतरिक्षयान जो 25 को छोड़ा गया था पृथ्वी का प्रत्येक 90 मिनट में चक्कर लगा रहा है। 29. इसराइल ने फिलीस्तीन नेता यासर अराफात को अपना दुश्मन घोषित किया और इसकी सेना ने वेस्ट बेंक में राष्ट्रपति भवन को नुकसान पंहुचाया; अलकायदा पर छापे मारने में एफ.बी.आई. पाकिस्तानी अधिकारियों के साथ मिली; थाईलैंड में श्रीलंका और लिट्टे के बीच शांति वार्ता होगी; युरोपियन संघ ने फिलीस्तीन के मामले में इसराइल को संयम रखने को कहा; संयुक्त राज्य अमरीका 11 सितंबर के मामले में जकारियास मौस्साई के लिये मृत्यु दंड के पक्ष में; विश्व का पहला क्लोन खरगोश फ्रांस के वैज्ञानिकों ने तैयार किया। 30. इसराइल की सेना ने यासर अराफात को कार्यालय भवन में सीमित किया। उनके पास विश्व से संबध बनाने के लिये मात्र एक मोबाइल फोन है; ब्रिटेन की महारानी की मां क्वीन मदर एलिजाबेथ की 101 वर्ष की आयु में निधन; संयुक्त राष्ट्र ने इसराइल से रामल्लाह से सेना को हटाने के लिये कहा।

अप्रेल 1. नीदरलैंड में सहज मृत्यु को वैधानिकता; इसराइल के प्रधानमंत्री एरियल शेरोन ने फिलीस्तीन के आतंकवादी ढांचे के विरुद्ध युद्ध की घोषणा की और इसराइल की सेनायें बेथलेहम में घुसीं। 2. इसराइल के प्रधानमंत्री का कहना है कि वे अराफात को अपना भवन छोड़ने देंगें बशर्ते कि वो फिर वापस न आयें; बेथलेहम व रामल्लाह में भारी गोलाबारी। 4. वेस्ट बेंक का सबसे बड़ा शहर नाबलुस इसराइल के कब्जे में; बेथलेहम के चर्च आफ नेटिविटी में 100 से अधिक पुलिस और सेना के कर्मचारियों ने शरण ली; अंगोला में युनिटा के विद्रोहियों ने कहा कि वे संयुक्त राष्ट्र के सर्वेक्षण में अपनी 50,000 सशक्त सेना को वर्ष के अंत तक विघटित कर देंगें; राष्ट्रपति मुशर्रफ ने कहा कि बेनजीर भुट्टो व नवाज शरीफ के लिये पाकिस्तान में कोई राजनीतिक भूमिका नहीं है। 6. राष्ट्रपति मुशर्रफ ने कहा कि वे भारत के विरुद्ध परमाणु अस्त्रो के इस्तेमाल से परहेज नहीं करेंगें; वेस्ट बैंक में बसे शरणार्थी कैंपो में लड़ाई तेज हुई; पुर्तगाल में सेंटर राइट गठबंधन के नेता जोस डुराव बारास्सो ने प्रधानमंत्री पद की शपथ ली। 9. जेरी रोस जो आज अटलांटिस स्पेसशटल में प्रक्षेपित किये गये अंतरिक्ष की 7वीं बार यात्रा कर रहे हैं; ब्रिटेन में महारानी की मां की अंत्येष्टि। 10. लिट्टे के प्रमुख वेलुपिल्लई प्रभाकरन किल्लनोच्चि में 12 वर्षों में पहली बार प्रेस से मिले और स्वतंत्र तमिल राज्य की अपनी मांग की घोषणा पर अटल रहे, हालांकि शांति के प्रति उन्होंने अपना रवैय्या दिखाया और उन्होंने कहा कि वे भारत से विश्वास बनाये रखना चाहते है। 11. इसराइल का कहना है कि वेस्ट बैंक में फिलीस्तीन के विरुद्ध सैन्य कार्रवाई जारी रखेगा; फिलीपींस की एक नाव में आग लगने से 23 मरे; राष्ट्रपति बुश ने सीनेट से समस्त क्लोनिंग पर प्रतिबंध लगाने को कहा; वेनेजुएला के राष्ट्रपति हुगो चावेज ने हिंसक प्रदर्शनों में जिसमें 15 मरे और 350 घायल हुए के बीच सेना के दबाव में पद छोड़ा। 12. नेपाल में माओवादियों के हमले में 84 पुलिसवालों समेत 102

लोग मरे; वेनेजुएला में पेड्रो कार्मोना सेना द्वारा तख्तापलट के बाद नये राष्ट्रपति बने, हालांकि अनेक लैटिन अमरीकी देशों ने इस सरकार को असंवैधानिक सरकार बताया; रोमेरियो ने अपना 831 वां गोल बनाकर जिको की बराबरी की अब वे केवल पेले (1281) से पीछे हैं। 13. नेपाल में 160 माओवादी और पुलिस वाले मारे गये; जेरुसलम में एक आत्मघाती बाम्बर द्वारा विस्फोट में 6 इसराइलियों के मारे जाने के बाद कालिन पावेल व यासर अराफात के बीच वार्ता टली। 14. सेना द्वारा तख्तापलट के दो दिन बाद वेनेजुएला में हुगो चावेज सत्ता में वापस आये; पूर्वी तिमोर में चुनाव; पीर्व राजा के आने के पहले काबुल में हिंसा भड़की; बेनजीर भुट्टो ने राष्ट्रपति मुशर्रफ द्वारा पांच वर्ष के लिये राष्ट्रपति बने रहने के लिये जनमत संग्रह को एक गंभीर भूल बताया; संयुक्त राज्य अमरीका का कहना है कि जब तक फोरेंसिक रिपोर्ट से साबित नहीं हो जाता, तब तक वह बिन लादेन को जिंदा मानेगा। 15. चीन के वायुयान का दक्षिण कोरिया की पहाड़ियों में ध्वस्त हो जाने से 106 व्यक्ति मारे गये; नेपाल मे 24 माओवादी मारे गये। 16. संयुक्त राज्य अमरीका को दिये वादे कि इसराइल की सेना वापस आ जायेगी इसराइल के टैंक्स जेरुसलम के 3 फिलीस्तीनी इलाकों में गये; पिछले 7 सप्ताहों में 250,000 अफगान शरणार्थी वापस लौटे; रोम में श्रम बाजार में सुधार की आलोचना में सरकार विरुद्ध प्रदर्शन और पूरे दिन की हड़ताल; जनानो गुसामोव पूर्वी तिमोर के पहले राष्ट्रपति निर्वाचित। 17. अराफात कालिन वार्ता विफल अराफात ने बुश से कार्रवाई करने को कहा। 18. मिलान की ऊंची इमारत पर एक छोटा पर्यटक वायुयान खतरे का संकेत भेजने के बाद गिरा; पाक की अदालत ने बेनजीर भुट्टो को भगोड़ा माना; जर्मनी के राष्ट्रपति जे. रान ने मारजाबोट्टो व बोलोगना के गांवों में द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान जनसंहार पर माफी मांगी; नाजीरिया के पूर्व तानाशाह सानी अबाचा के परिवार वालों पर राष्ट्र की संपत्ति लूटने का आरोप लगा, उन्हें एक अरब डालर नाइजीरिया को वापस लौटाने का आदेश दिया गया; इसराइल जेनिन कैंप से थोड़ा पीछे हटा; अफगानिस्तान के राजा जमीर शाह 29 वर्षों के निर्वासित जीवन के बाद काबुल वापस लौटे। 19. कांगो शांति वार्ता विफल; पूर्वी तिमोर 20 मई को विश्व का नवीनतम देश; इंडोनेशिया के राजनीतिज्ञों ने पूर्वी तिमोर में स्वतंत्रता दिवस समारोह में मेघावती को भाग न लेने के लिये कहा; मिलान प्लेन क्रेश आत्महत्या का मामला था; वनेजुएला के वायुसेना के प्रमुख 10 अधिकारियां सहित हेलिकाप्टर दुर्घटना में मारे गये। 21. यासर अराफात अभी भी रामल्लाह में; जापानी कंपनी ने दुनिया के किसी भी सुपर कंप्यूटर से पांच गुना तेज कंप्यूटर बनाया। 22. आई.एम.एफ.–वर्ल्ड बैंक 2015 तक 125 मिलयन बच्चों जिन्हे प्राइम स्कूल से वंचित रहना पड़ा है के लिये व्यवस्था करेगा; एक्सट्रीम राइट विंग नेशनल फ्रंट नेता जीन मारी ले पेन फ्रांस के जैक्रेस चिराक के बाद दूसरे लोकप्रिय नेता बने; हंगरी में प्रधानमंत्री विक्टर ओर्बान ने सोशलिस्ट प्रत्याशी पीटर मेडजीस्सी से हार मानी; संयुक्त राज्य अमरीका में बुश पर दबाव डालने की इसराइल को रोके और शांति वार्ता फिर से हो के लिये सउदी अरब के प्रिंस अब्दुल्ला वहां जायेंगे। 23. पोप ने प्रीस्टों द्वारा यौनाचार की निंदा की। 24. अर्जेन्टाइना की आर्थिक स्थिति गड़बड़ाई, एक वर्ष के भीतर पांचवें आर्थिक मंत्री ने त्यापत्र दिया। 26. जर्मनी के गुटेनबर्ग में हाईस्कूल में गोलीबारी से 14 शिक्षकों समेत 18 मरे; रूस और चीन शंघाई कोआपरेशन संगठन के अंतर्गत रक्षा संधि कर रहे हैं; संयुक्त राष्ट्र का कहना है कि अफ्रीका के दक्षिण में 6 मिलयन लोग भुखमरी का शिकार हो रहे हैं; मोजाम्बिक, जिम्बाबवे, जाम्बिया, मलावी, स्वाजीलैंड और लेसोथो सबसे अधक प्रभावित हैं। बुकर प्राइज को नया नाम दी मैन बुकर प्राइज दिया गया और इनाम की राशि को 20,000 पौंड से बढ़ाकर 50,000 पौंड कर दिया गया। 27. पाकिस्तान की उच्चतम न्यायालय ने राष्ट्रपति मुशर्रफ द्वारा अगले पांच वर्षों के लिये राष्ट्रपति पद के लिये जनमत संग्रह को वैधानिक बताया; संयुक्त राज्य अमरीका सउदी अरबिया के प्रिंस के 8 सूत्रीय शांति फार्मूले पर विचार करेगा; दक्षिण अफ्रीका के अंतरिक्ष पर्यटक मार्क शुटेलवर्थ का सोयूज राकेट आई.एस.एस. से जुड़ा। 28. पेरिस में ली पेन के प्रत्याशी होने के विरोध में एक लाख लोगों ने जुलूस निकाला। 29. गंभीर रूप से बीमार डियाने प्रेटी ह्यूमन अधिकारों की युरोपियन अदालत इच्छा मत्यु के मामले में हारीं। 30. म्यानमार की विपक्ष की नेता सू की शीघ्र ही रिहा होंगी; महारानी एलिजाबेथ ने स्पष्ट किया कि वे अपने बेटे प्रिंस चार्ल्स के लिये राजशाही नहीं छोड़ेंगी।

मई 1. पाकिस्तान के राष्ट्रपति मुशर्रफ ने जनमत संग्रह जीता; पश्चिमी अल्जीरिया के टियारेट क्षेत्र में उग्रवादियों ने दो जनसंहार में 31 लोगों को मारा। 2. इसराइल की सेना ने रामल्लाह से घेरा हटाया और यासर अराफात अपने मुख्यालय से बाहर आये; एरिक लिंडबर्घ अपने दादा के एतिहासिक 1927 के न्यूयार्क–पेरिस की अकेली उड़ान को दुहराने के लिये अटलांटिक की यात्रा की; डेविड एल. स्मिथ, ई मेल वायरस 'मेलिसा' के लेखक को 20 महीने की कैद, क्योंकि नया कंप्यूटर वायरस 'क्लेज' ने महामारी मचाई। 4 नाईजीरिया के वायुयान के दुर्घटनाग्रस्त होने से 106 लोग मरे; बंगलादेश में मेघना नदी में 500 लोगों से भरी नाव डूबने से दर्जनों मरे। 5. नेपाल की सेना के आक्रामक [illegible]

लिक चर्च ने 218 प्रीस्टों को यौनाचार के मामले
ाकर हटाया। 2. पाकिस्तान में एक बस दुर्घटना
; दो ब्रिटेन की महिलायें उत्तरी ध्रुव पर पंहुची, ये
हला एक्सप्लोरर बनी जो दोनों ध्रुवों पर गईं। 3.
में सरकारी सुरक्षा बलों और लेफ्ट विंग विद्रोही
ीच भयंकर लड़ाई में 27 गुरिल्ला मारे गये। 4.
महारानी के पचास वर्ष के पूरे होने पर चार दिवसीय
का समापन; बेलफास्ट में लगातार चौथे दिन
झगड़े जारी। 5. थाइलैंड–म्यानमार के रिश्तों
ट, थाई स्कूल बल पर एक बंदूकधारी ने गोली
3 बच्चों को मारा; सीरिया में बांध के टूट जाने से
में पानी भरा; उत्तरी इसराइल में कार बम विस्फोट
इनमें से अधिकांश सैनिक। डब्ल्यूएफपी का कहना
दक्षिणी अफ्रीका के देशों में 12.8 मिलियन लोग
 शिकार हैं; बेलफास्ट में विवादास्पज सिन फेन
लेक्स मास्की लार्ड मेयर बने; इसराइल की सेना
त के मुख्यालय पर हमला किया; लंदन में महारानी
 भगवान मुरुगन (कार्तिकेय) के मंदिर में गईं, यह
 मंदिर है जहां ब्रिटेन की राजसत्ता का कोई व्यक्ति
7. पाकिस्तान के विदेश मंत्री अब्दुल सत्तार ने
देया; राष्ट्रपति बुश ने नौ संघीय विभागों के कार्य
में रखते हुए सरकार का पुनर्सगंठन करते हुए
सेक्यूरीटीज के लिये कैबिनेट एजेंसी का गठन
लीपींस में अबु सय्याफ के बंधको को छुड़ाने के
में दो बंदक (एक अमरीकन औरत एक फिलिपोनी)
रूसी नेताओं का कहना है कि अमरीका द्वारा रूस
वस्था की पहचान देने से इस वर्ष 300 मिलयन
 बचत होगी; इसराइल के टैंक वेस्ट बैंक के जेनिन
ुसे; सं.रा. अमरीका के स्टेट विभाग का कहना है
ामा बिन लादेन ने 10,000 से 50000
देयों को प्रशिक्षण दिया है। 8. फिलीपींस में अबु
 छापों में तेजी। 9. माली में पांच वर्षों के कार्यकाल
र्व जुंटा नेता अमाडाउन टाउमानी राष्ट्रपति बने; बुश
तीनी राज्य तुरंत बनने की हिमायत की; दक्षिणी
 में विद्रोही कैंप में बमवर्षा से 40 वामपंथी गुरिल्ला
 के राष्ट्रपति होस्नी मुबारक की अमरीका से अपील
स्तीनी राज्य बनने की सीमारेखा निर्दिष्ट हो को बुश
ार किया। 10. मेघराही (ग्लासगो में आजीवन
 भुगत रहे) को मुस्लिम देश में ले जाया जायेगा; एक
 अनुसार प्रधानमंत्री शेरोन अराफात को पलायन के
ाश कर देगें; पूर्व महाराज के पद के लिये
स्तान में विवाद; सरकार में जगह पाने के लिये
स्तान की लोया जिरगा की महिला प्रतिनिधियों ने
ज़या। 11. पूर्व विजेता फ्रांस वर्ल्ड कप फुटबाल में
से पराजित हो बाहर; सं.रा. अमरीका के रक्षा सचिव
रम्सफेल्ड शांतिवार्ता के लिये नई दिल्ली पंहुचे;
 विदेश सचिव जैक स्ट्रा ने कहा कि पाकिस्तान की
एजेंसी आई.एस.आई. का काश्मीर में आतंकवादी
ीधा संबध है; युरोपियन संघ ने इस्पात निर्यात के
 लेकर सं.रा.अमरीका प्रतिबंध लगाये; अफगानिस्तान
में राजा जहीर के सत्ता के दौड़ मे हट जाने के साथ और
बुरुहुद्दीन रब्बानी के प्रत्याशी पद से अपना नाम वापस ले लेने
से करजाई अकेले प्रत्याशी बने; विवादास्पित कैथोलिक
रोमन बिशप जे. केंर्डिक विलियम यौनाचार के मामले के
आरोप को लेकर त्यागपत्र दिया; विकासशील देशों ने रोम में
संयुक्त राष्ट्र विश्व खाद्य सम्मेलन में युरोपियन संघ और
सं.रा. अमरीका से अपना बाजार खोलने और सबसिडी हटाने
को कहा। 12. अर्जेन्टाइना विश्व कप फुटबाल से बाहर।
13. अफगानिस्तान में हामिद करजाई राज्याध्यक्ष पद के
लिये नामांकित किये गये; पश्चिमी चीन में भारी वर्षा से 223
मरे और 320,00 बेघर हुए। 14. अंटार्टिक में 108
वैज्ञानिक व चालक दल बर्फ में फंसे; कराची में सं.रा.
अमरीका के कंसुलेट के निकट कार बम विस्फोट में 10 मरे;
इटली के फुटबाल कैप्टेन मालदीनी ने यूडब्लयूई के
कीर्तिमान को विश्व कप के लगातार 21वां मैच खेलकर
तोड़ा; खगोलवेत्ता जियोफरी मार्की (कैलिफोर्निया) और पाल
बटलर (वाशिंग्टन) ने एक ग्रह (बृहस्पति से पांच गुना बड़ा)
की खोज की यह पृथ्वी से 51 प्रकाश वर्ष दूरी पर चक्कर
काट रहा है; अफगानिस्तान की लोया जिरगा ने हामिद
करजाई को नया राष्ट्रपति चुना; चेक में चुनाव; अराफात की
नई गठित फिलीस्तानी सरकार ने कार्य शुरु किया; नेपाल
में सेना के कैंप पर हमले में 7 सैनिक और 150 माओवादी
मारे गये। 15. मिक जाग्गर को नाइटहुड की उपाधि; पूर्व
राष्ट्रपति बिल क्लिंटन को उनके भाषणों से 9.2 मिलयन
डालर की कमाई। 16. चेक गणराज्य मे सत्ताधारी दल
सोशल डेमोक्रेटिक को जीत मिली; शैरोन ने निकट भविष्य
में फिलीस्तीनी देश की स्थापना से इंकार किया। 17. सं.रा.
अमरीका के सर्वोच्च कांग्रेसमैन ने इराक में सद्दाम हुसैन को
हटाये जाने का समर्थन दिया; इसराइल द्वारा वेस्ट बैंक में
120 किलोमीटर में बहुल सुरक्षा तार बनाने के कार्य को
अराफात ने जियोनिजम जातीयतावाद की संज्ञा देते हुए
भयानक कृत्य कतहा; हांगकांग में 6 फालुन गोंग मानने वालों
पर मुकदमा शुरु। 18. जेरुसलम में आत्मघाती बाम्बर ने
बस में विस्फोट कर 18 को मार डाला और 40 को घाय
किया; जे.पी. कोयराला नेशनल कांग्रेस पार्टी से निष्कासित
19. अमरीका ने पाकिस्तान से हमेशा के लिये घुसपैठ व
रोकने के लिये कहा; इसराइल ने वेस्ट बैंक के शहर जेनि
और टुल्कारेम पर दुबारा कब्जा किया; बंगलादेश की संस
ने विपक्ष की नेता के बयान कि पूर्व राष्ट्रपति जिया के श
को मजार में नहीं रखा गया की आलोचना की; नेपाल
प्रधानमंत्री देउबा को सत्ताधारी नेशनल कांग्रेस पार्टी व
अध्यक्ष नियुक्त किया गया; पाकिस्तान ऐसे प्रत्याशी चाहता
जो कम से कम स्नातक हों। 20. जर्मनी में अप्रवास व
विवादास्पद विधेयक विधि बना; तीन दशको में 45 वर्षी
मार्टिना नवातिलोवा डब्ल्यूटीए टूर में मैच जीतकर सब
अधिक आयु में मैच जीतने वाली खिलाड़ी बनीं। 21. ब्राजी
ने इंग्लैंड को वर्ल्ड कप में 2 के मुकाबले 1 गोल से हराय
बंगलादेश के राष्ट्रपति ए.क्यूएम बदुदौजा ने सत्ताधा
बीएनपी की मांग पर त्यागपत्र दिया; डी.एन.ए. परीक्षण से पत
चला कि अरबपति फिल्म निर्माता स्टीव बिंग अभिने

मन कैथलिक चर्च ने 218 प्रीस्टों को यौनाचार के मामले लिप्त पाकर हटाया। 2. पाकिस्तान में एक बस दुर्घटना 45 मरे; दो ब्रिटेन की महिलायें उत्तरी ध्रुव पर पंहुची, ये ...ी महिला एक्सप्लोरर बनी जो दोनों ध्रुवों पर गईं। 3. ...लंबिया में सरकारी सुरक्षा बलों और लेफ्ट विंग विद्रोही ...ों के बीच भयंकर लड़ाई में 27 गुरिल्ला मारे गये। 4. ...टेन की महारानी के पचास वर्ष के पूरे होने पर चार दिवसीय ...रोह का समापन; बेलफास्ट में लगातार चौथे दिन ...म्प्रदायवादी झगड़े जारी। 5. थाइलैंड–म्यानमार के रिश्तों ...कड़वाहट, थाई स्कूल बस पर एक बंदूकधारी ने गोली ...लाकर 3 बच्चों को मारा; सीरिया में बांध के टूट जाने से ...न गांवों में पानी भरा; उत्तरी इसराइल में कार बम विस्फोट 16 मरे इनमें से अधिकांश सैनिक। डब्ल्यूएफपी का कहना कि 6 दक्षिणी अफ्रीका के देशों में 12.8 मिलयन लोग ...मरी के शिकार हैं; बेलफास्ट में विवादास्पज सिन फेन नेता एलेक्स मास्की लार्ड मेयर बने; इसराइल की सेना अराफात के मुख्यालय पर हमला किया; लंदन में महारानी ...लेजाबेथ भगवान मुरुगन (कार्तिकेय) के मंदिर में गईं, यह ...ला हिंदू मंदिर है जहां ब्रिटेन की राजसत्ता का कोई व्यक्ति ...या हो। 7. पाकिस्तान के विदेश मंत्री अब्दुल सत्तार ने ...गपत्र दिया; राष्ट्रपति बुश ने नौं संघीय विभागों के कार्य ...ो लक्ष्य में रखते हुए सरकार का पुनर्सगंठन करते हुए ...होमलैंड सेक्यूरीटीज के लिये कैबिनेट एजेंसी का गठन ...या; फिलीपींस में अबु सय्याफ के बंधको को छुड़ाने के ...भियान में दो बंदक (एक अमरीकन औरत एक फिलिपोनी) ...रे गये; रूसी नेताओं का कहना है कि अमरीका द्वारा रूस ...अर्थव्यवस्था की पहचान देने से इस वर्ष 300 मिलयन ...लर की बचत होगी; इसराइल के टैंक वेस्ट बैंक के जेनिन ...हर में घुसे; सं.रा. अमरीका के स्टेट विभाग का कहना है ...ि ओसामा बिन लादेन ने 10,000 से 50000 ...आतंकवादियों को प्रशिक्षण दिया है। 8. फिलीपींस में अबु ...सय्याफ पर छापों में तेजी। 9. माली में पांच वर्षों के कार्यकाल ...लिये पूर्व जुंटा नेता अमाडाउन टाउमानी राष्ट्रपति बने; बुश ...फिलीस्तीनी राज्य तुरंत बनने की हिमायत की; दक्षिणी ...कोलंबिया में विद्रोही कैंप में बमवर्षा से 40 वामपंथी गुरिल्ला ...मिस्त्र के राष्ट्पति होस्नी मबारक की अमरीका से अपील

में राजा जहीर के सत्ता के दौड़ मे हट जाने के साथ और बुरुहुद्दीन रब्बानी के प्रत्याशी पद से अपना नाम वापस ले लेने से करजाई अकेले प्रत्याशी बने; विवादास्पित कैथोलिक रोमन विशप जे. कॉर्डिक विलियम यौनाचार के मामले के आरोप को लेकर त्यागपत्र दिया; विकासशील देशों ने रोम में संयुक्त राष्ट्र विश्व खाद्य सम्मेलन में युरोपियन संघ और सं.रा. अमरीका से अपना बाजार खोलने और सबसिडी हटाने को कहा। 12. अर्जेन्टाइना विश्व कप फुटबाल से बाहर। 13. अफगानिस्तान में हामिद करजाई राज्याध्यक्ष पद के लिये नामांकित किये गये; पश्चिमी चीन में भारी वर्षा से 223 मरे और 320,00 बेघर हुए। 14. अंटार्टिक में 108 वैज्ञानिक व चालक दल बर्फ में फंसे; कराची में सं.रा. अमरीका के कंसुलेट के निकट कार बम विस्फोट में 10 मरे; इटली के फुटबाल कैप्टेन मालदीनी ने यूडब्लयूई के कीर्तिमान को विश्व कप के लगातार 21वां मैच खेलकर तोड़ा; खगोलवेत्ता जियोफरी मार्की (कैलिफोर्निया) और पाल बटलर (वाशिंग्टन) ने एक ग्रह (बृहस्पति से पांच गुना बड़ा) की खोज की यह पृथ्वी से 51 प्रकाश वर्ष दूरी पर चक्कर काट रहा है; अफगानिस्तान की लोया जिरगा ने हामिद करजाई को नया राष्ट्रपति चुना; चेक में चुनाव; अराफात की नई गठित फिलीस्तानी सरकार ने कार्य शुरु किया; नेपाल में सेना के कैंप पर हमले में 7 सैनिक और 150 माओवादी मारे गये। 15. मिक जाग्गर को नाइटहुड की उपाधि; पूर्व राष्ट्रपति बिल क्लिंटन को उनके भाषणों से 9.2 मिलयन डालर की कमाई। 16. चेक गणराज्य मे सत्ताधारी दल सोशल डेमोक्रेटिक को जीत मिली; शैरोन ने निकट भविष्य में फिलीस्तीनी देश की स्थापना से इंकार किया। 17. सं.रा. अमरीका के सर्वोच्च कांग्रेसमैन ने इराक में सद्दाम हुसैन को हटाये जाने का समर्थन दिया; इसराइल द्वारा वेस्ट बैंक में 120 किलोमीटर में बहुल सुरक्षा तार बनाने के कार्य को अराफात ने जियोनिजम जातीयतावाद की संज्ञा देते हुए भयानक कृत्य कतहा; हांगकांग में 6 फालुन गोंग मानने वालों पर मुकदमा शुरु। 18. जेरुसलम में आत्मघाती बाम्बर ने बस में विस्फोट कर 18 को मार डाला और 40 को घायल किया; जे.पी. कोयराला नेशनल कांग्रेस पार्टी से निष्कासित। 19. अमरीका ने पाकिस्तान से हमेशा के लिये घुसपैठ को

एलिजाबेथ हर्ली के पुत्र डामियान चार्ल्स हर्ले के पिता हैं; दक्षिण कोरिया ने स्पेन को हराकर विश्व कप फुटबाल के सेमीफायनल में जगह बना कर प्रथम एशियाई देश बनने का इतिहास रचा; इरान में भूकंप से 500 मरे; बंगलादेश के संसद के स्पीकर जमीरुद्दीन सिरकार कार्यकारी राष्ट्रपति बने। 23 इसराइल के टैंक फिलीस्तीनी शहर क्वालक्विा में घुसे, तंजानिया में डोडोमा में ट्रेन दुर्घटना में 200 मरे। 24 जंगल में लगी आग अरिजोना तक पहुंची, शहर सोलो खाली कराया गया; जिम्बाबवे में 2900 श्वेत फार्म हाउसों के मालिकों को काम बंद करने का आदेश दिया गया; अराफात दुवारा घेरेबंदी में; डब्ल्यूएचओ ने युरोप और केंद्रीय एशिया को पोलियो से मुक्त क्षेत्र माना; हमास नेता शेख अहमद यासीन को फिलीस्तीनी अधिकारियों ने नजरबंद किया। 25. राष्ट्रपति बुश ने फिलीस्तीनी लोगों से कहा कि फिलीस्तीनी राष्ट्र बनाने की पहली शर्त यह है कि वे नये नेता का चयन करें और इसराइल के विरुद्ध हिंसा का दौर समाप्त करें; युरोपियन संघ अपने 15 देशों के लिये अप्रवास नीति बनाने में असफल। 26. टेलीकाम वर्ल्ड काम आईएनसी ने खुलासा किया कि इसके अधिकारियों ने 3.8 बिलियन डालर के खर्च का दुरुपयोग किया; अलकायदा से मुठभेड़ में 10 पाकिस्तानी सुरक्षा कर्मी मारे गये; कनाडा के कालगैरी में जी-8 सम्मेलन; ब्राजील विश्व कप फुटबाल में तुर्की को हराकर फायनल में पंहुचा जहां उसका मुकाबला जर्मनी से होगा। 27. मलेशिया के प्रधानमंत्री के अपने कार्यालय से हटने के लिये समय (अक्टूबर 2003) की आधिकारिक घोषणा; जी-8 देश विश्व के 42 निर्धन देशों को 1 बिलियन डालर की ऋण मुक्ति देने को राजी; सुश्री नैन्सी पावेल पाकिस्तान की अमरीका की राजदूत बनीं; जी-8 ने पाकिस्तान से आतंकवाद पर काबू पाने को कहा; सं.रा. अमरीका ने सिख अलगाववादी संगठनों बब्बर खालसा और अतर्राष्ट्रीय सिख यूथ फाउडेशन को विश्वव्यापी आतकवादी संगठनों के तौर पर अपनी सूची में रखा। 29. उत्तरी पूर्वी चीन में रिचर स्केल 7 पर भूकंप; इजराइल ने फिलीस्तीनी हेब्रोन में म्यूनिसिपल व सुरक्षा मुख्यालयों को नष्ट किया; दक्षिण कोरिया के चार सैन्य नाविक दक्षिण कोरिया की पेट्रोल बोट्स द्वारा मारे गये; सं.रा. अमरीका पाकिस्तान को अल कायदा के कार्यकर्ताओं को पकिस्तान में घुसपैठ पर नजर रखने के लिये 10 मिलयन डालर, पांच हेलिकाप्टर और तीन वायुयान देगा। 30. ब्राजील ने जर्मनी को हराकर पांचवी बार विश्व कप फुटबाल जीता; रोनाल्डो को प्रतियोगिता में 8 गोल लगाने के कारण गोल्डेन बूट से सम्मानित किया गया; श्रीलंका में वलियाचेचन्नई शहर के इलाके में तमिल-मुस्लिम झगड़ों से तनाव फैला; हागकांग में चीन के राष्ट्रपति के आगमन पर प्रदर्शन।

जुलाई 1. हालीवुड की स्टार यूलिया राबर्ट्स ने कैमरामैन डैनियल मूडर से विवाह किया; विश्व की पहली स्थाई युद्ध अपराध अदालत हेग में अस्तित्व में आई। 3. लास एंजेल्स में इसराइल एयरलाइंस ईएल एआई पर आतंकवादी हमला असफल। 5. अल्जीरिया के बाहरी बाजार में बम विस्फोट में 30 मरे। 6. नेपाल में एक रिपोर्ट के अनुसार माओवादियों ने किशोरवय के बच्चों की नियुक्ति की है; अफगानिस्ता उप राष्ट्रपति हाजी अब्दुल कादिर की हत्या; पाकिस्ता राष्ट्रपति मुशर्रफ ने किसी को भी दो बार प्रधानमंत्री से अधिक पर रोक लगाई, उनका इरादा बेनजीर भु नवाज शरीफ पर रोक लगाना था; रूस ने 2015 सदस्यीय दल को मंगल पर भेजने की योजना बनाई से विलियम्स ने अपनी बहन वीनस को हरा कर विंबलडन म खिताब जीता। 7. आस्ट्रेलिया के लेटन हेविट ने अर्जेन्ट के डेविड नालबांडियान को हराकर पुरुष विंबलडन खि जीता; इराक द्वारा उसके मारक हथियारों के परीक्ष पहले आर्थिक प्रतिबंध की मांग को लेकर सं.रा. अम और इराक टकराव के दौर में। 8. डर्बन में अफ्रीकन नेत की ओ.ए.यू. को अफ्रीकन यूनिटी में बदलने के लिये प्रारंभ; इंडोनेशिया के सुमात्रा के नाइट क्लब में आग से 23 मरे। 9. रावलपिंडी की एक अदालत ने बेनजीर भु की अनुपस्थित में तीन वर्ष की कैद सुनाई; ताइवान में रही नौका से 133 चीनी मछुआरे जीवित बचाये ओ.ए.यू. की जगह अफ्रीकन यूनियन; पाकिस्तान की उच्च न्यायालय इस याचिका पर गौर कर रही है कि संसद सदस्यता के लिये स्नातक होना जरूरी है कि नहीं। 10. आफ इंग्लैंड तलाकशुदा जहां एक जीवित हो के विवाह प्रतिबंध हटा रही है, इसके इस कदम से प्रिंस चार्ल्स कैमिला के विवाह का रास्ता खुल जायेगा; दक्षिण कोरिय राष्ट्रपति के बेटे पर कर चोरी और घूस लेने के आ साबित; रूस की संसद के अपर हाउस ने जार शासन से तक पहली बार फार्म भूमि बेचने को मंजूरी दे दी; मले के पूर्व उप नेता अनवर इब्राहिम की अंतिम अपील खा उन्हें भ्रष्टाचार के मामले में 6 वर्ष का कारावास; सं अमरीका के उप राष्ट्रपति डिक चेनी पर धोखाधड़ी आरोप; पाल रुबेंस की पेंटिंग 'दी मेसेकर आफ इन्नो 76,695,702 डालर में बिकी जोकि एक कीर्तिमान सं.रा. अमरीका की हाउस आफ रेप्रेजेंटेटिव ने व्यवसा उड़ानों में पाइलटों को हथियार रखने की इजाजत देने विधेयक पारित किया। 11. तुर्की में विकट सं प्रधानमंमत्री की पार्टी के अनेक लोगों द्वारा त्यागपत्र देने साथ विदेश मंत्री इस्माइल सेम ने भी त्यागपत्र दिया; द कोरिया में पहली बार महिला प्रधानमंत्री सुश्री चांग सांग वेनेजुएला में राष्ट्रपति चावेज के विरुद्ध हजारों का प्रद उच्चतम न्यायालय ने मुशर्रफ के फैसले की स्नातक से चुनाव नहीं लड़ सकते को स्वीकृत दी। 12. विश्व बैं 20 मिलयन डालर का ऋण पाकिस्तान को आजाद काश्मीर के विकास के लिये स्वीकृत किया; जमाइका एथलीट मार्लीन ओट्टे को मई में स्लोवेनिया की नागरि मिली अब वे यूरोपियन चैम्पियनशिप में स्लोवेनिया प्रतिनिधित्व कर सकेंगें। 13. संयुक्त राष्ट्र ने अमरीकी सेना को एक वर्ष के लिये इंटरनेशनल क्रिमिनल कोर्ट दायरे से बाहर रखा। 14. पेरिस में राष्ट्रपति चिराक की ह का प्रयास विफल, आक्रमणकारी मैक्सिम ब्रुनेरी हिरासत जापान का सुपरसोनिक जेट लाइनर प्रशिक्षण उड़ान आस्ट्रेलिया में दुर्घटनाग्रस्त; मुक्त तिब्बत के विद्वान द

जिसमें सं.रा. अमरीका पंहुचे; इसराइल के जेटों ने गाजा पट्टी पर आक्रमण किया। 15. पाकिस्तान की आतंकवाद विरोधी अदालत ने पत्रकार पर्ल डेनियल के अपहरण व हत्या के आरोप में ओमर सईद शेख को मृत्युदंड दिया। एरियल शैरोन ने कहा कि फिलीस्तीनी युरोपियन संघ की मदद को आतंकवाद के लिये इस्तेमाल कर रहे हैं; चीन की आर्थिक व्यवस्था 2002 के अर्धांश में 7.8% बढ़ी; एक जर्मन इंटेलिजेंस अधिकारी का कहना है कि ओसामा बिन लादेन जिंदा है और नये आक्रमणों की योजना बना रहा है; इराक की संसद ने स.रा. अमरीका की सद्दाम हुसैन को हटाने की धमकी की आलोचना की; स्पेन मोरक्को द्वारा पेरेजिल आइसलैंड पर कब्जे को स्वीकार नहीं करेगा। 16. सं.रा. अमरीका, रूस, युरोपियन संघ और संयुक्त राष्ट्र मनामा में अराफात के भविष्य के बारे में तय करने के लिये बैठक करेंगें; यूरो डालर के निकट पंहुचा, एक यूरो की कीमत 1.0147 डालर है; तुर्की में एसेविट की सरकार 6 और सदस्यों के त्यागपत्र के साथ अल्पमत में; मोरक्को ने पेरेजिल आइसलैंड पर अपने प्रभुत्व को सही ठहराया, उसका यह रवैय्या स्पेन के साथ मतभेद को गहराने वाला है; फिलीस्तीनियों ने सड़क के किनारे एक बम विस्फोट करके 7 इसराइलों को मारा; अभिनेता अरनोल्ड श्वासनेगर का कहना है कि वे केलिफोर्निया के मेयर पद के लिये प्रत्याशी होंगे। 17. आईआरए ने विगत वर्षों में सैकड़ों निधनों के लिये माफी मांगी; सं.रा. अमरीका के सेक्रेटरी कालिन पावेल ने अराफात को फिगर हेड नेता के रूप में राजनीतिक नेता बताया; तुर्की के प्रधानमंत्री एसेविट ने शीघ्र चुनाव कराने की मांग की; स्पेन की सेनाओं ने मोरक्को को विवादास्पद आइसलैंड पेरेजिल से बाहर किया; तेल अवीव में दो आत्मघाती बाम्बरों के हमले। 18. एफएओ ने दक्षिणी अफ्रीका के भुखमरी से शिकार लोगों को खाद्य सामग्री मुहैय्या कराने के लिये 25 मिलयन डालर की मदद की अपील की। 19. ब्रिटेन के डाक्टर हेरोल्ड शापमेन जिन्होंने अपने वृद्ध मरीजों की हत्या की आजीवन कारावास की सजा भोग रहे हैं, कहा जाता है कि उन्होंने 215 लोगों को मारा; युरोपियन संघ ने क्यूबा को मानव अधिकारों के हनन के मामले को लेकर उसे करोड़ों डालर की सहायता से वंचित किया; फिजी के नाडी में 78 सदस्यीय अफ्रीकन केरेबियन पैसिफिक ग्रुप के नेताओं की बैठक; मोरक्को अपनी सेनायें परेजिल आइसलैंड नहीं भेजेगा अगर स्पेन अपनी सेनाओं को वहां से वहां से बुला लेता है 20. केन्या में सुडान की सरकार और विद्रोही सुडान पीपुल्स लिबरेशन आर्मी के बीच समझौते पर हस्ताक्षर के साथ 19 महीनों से चल रहा युद्ध समाप्त हो गया और शांति के रास्ते खुल गये; पेरेजिल आइसलैंड को लेकर मोरक्को और स्पेन के बीच विवाद समाप्त; दो कोरियन देशों ने वायुमार्ग खोलकर मील का पत्थर बनाया। 22. शूमेकर ने फ्रेंच ग्रैंड प्रिक्स जीती। 23. नास्डेक 54 अंक व डाव 82 अंक गिरा; इसराइल के लड़ाकू यानों ने गाजा पट्टी पर हमला किया हमास नेता सलाह शेहाबदेव समेत 15 लोग मारे गये, इनमें 9 बच्चे भी शामिल हैं; सं.रा. अमरीका ने यू.एन.एफ.पी.ए. को 34 मिलयन डालर का भुगतान रोका; कांगो और रुवांडा में शांति समझौते पर हस्ताक्षर करके 4 वर्ष से चल रहे युद्ध जिसमें 2 मिलयन जानें जा चुकी हैं को रोका। 24. काठमांडु में चट्टान सरकने से 40 मरे; युरोपियन संघ संयुक्त राष्ट्र पापुलेशन फंड को अमरीका द्वारा भुगतान रोके जाने पर 32 मिलयन यूरो देगा। 25. डो जोन्स इतिहास में सर्वाधिक अंक की उछाल (489) लेकर वापस लौटा; गाजा में इसराइल के आक्रमण का मामला सुरक्षा परिषद में उठेगा। 27. रूस में निर्मित उक्रेन वायु सेना का सुखोई जेट दुर्घटनाग्रस्त; इंडोनेशिया के एकेह प्रांत में झगड़ों में 13 विद्रोही मारे गये; उगांडा के राष्ट्रपति सुडान के राष्ट्रपति बशीर व विद्रोही नेता जान गारंग के बीच बैठक करायेंगें। 28. बेनजीर भुट्टो अपनी पार्टी की नेता ; शूमेकर ने जर्मन ग्रैंड प्रिक्स जीती , यह इस काल में उनकी 9वीं जीत है। 29. रूस के जंगलों में आग फैली; जोर्डन ने इराक के खिलाफ कार्रवाई की खिलाफत की; पाकिस्तान के राष्ट्रपति मुशर्रफ बंगलादेश की यात्रा पर; ओसामा बिन लादेन के बेटे साद ने अल कायदा की कमान अपने हाथों में ली। 30. पाकिस्तान के राष्ट्रपति मुशर्रफ बंगलादेश की यात्रा पर 31 वर्ष पूर्व अपने देश की सेनाओं द्वारा किये गये अत्याचारों पर माफी मांगी; कांगो और रुवांडा ने दक्षिण अफ्रीका में शांति समझौते पर हस्ताक्षर किये इसी के साथ 1998 से चल रहे युद्ध का अंत हो गया; अफगानिस्तान के राष्ट्रपति करजाई की हत्या कर देने की योजना विफल। 31. दक्षिण अफ्रीका की संसद ने पहली महिला प्रधानमंत्री के विरुद्ध आर्थिक गड़बड़ियों को लेकर अविश्वास मत पारित किया।

अगस्त 1. जेरुसलम की हेब्रू युनिवर्सिटी में बम विस्फोट से 5 अमरीकियों समेत 7 लोग मारे गये; यूएस और एशियान ने आतंकवाद से लड़ने के लिये संधि पर हस्ताक्षर किये; शंघाई ने सड़कों पर से लगभग 8 लाख मोटरसाइकल चलने पर प्रतिबंध लगाया। 2. सं.रा. अमरीका में अशरफ जहांगीर काजी पाकिस्तान के नये राजदूत; यू.एस. सीनेट ने अब तक का सबसे बड़ा रक्षा बजट 355 बिलयन डालर का पारित किया। 3. यू.एस.ए. ने इराक का हथियारों के निरीक्षकों की वापसी के बारे में बातचीत करने का प्रस्ताव ठुकराया। 4. चीन विश्व का सबसे बड़ा इस्पात निर्यातक देश बना; कामनवेल्थ खेलों में इयान थार्पे ने 6 स्वर्ण पदक जीते; बेनजीर भुट्टो ने कहा कि वे मुशर्रफ के साथ सत्ता में भागेदारी करने को तैयार हैं; इसराइल में आत्मघाती बाम्बर द्वारा बस में विस्फोट करने से 10 मरे। 5. अफगानिस्तान के वारलार्ड पादशाह खां ने पूर्व राजा जहीर शाह के आरोप कि वो अफगानिस्तान में अस्थिरता फैला रहे हैं को नकारा; रूस ने जार्जिया पर दबाव बढ़ाया कि वो वहां रह रहे चेचन्या विद्रोहियों के विरुद्ध कार्रवाई करे; कामनवेल्थ खेलों की समाप्ति, आस्ट्रेलिया पदक तालिका में सबसे ऊपर, भारत ने भी 72 पदक जीत कर कीर्तिमान बनाया। 6. सं.रा. अमरीका ने इराक के प्रस्ताव की कांग्रेसमेन जनसंहार के अस्त्रों की जांच करें को अस्वीकार कर दिया; मेक्सिको में बस दुर्घटना में 39 मरे; पाकिस्तान में एक स्कूल पर हमले के बाद आस्ट्रेलिया ने अपने निवासियों को पाकिस्तान छोड़ने के लिये कहा। 7. सू की ने आशा व्यक्त की कि कुछ ही हफ्तों में

लोकतंत्र की प्रक्रिया सत्ताधारी जुंटा से वातचीत के वाद शुरु हो जायेगी; फिलीस्तीन कैबिनेट इसराइल के प्रस्ताव की वेस्ट वैंक और गाजा स्ट्रिप से सेना को वापस वुलाये जाने से सहमत। 8. तुर्कमेनिस्तान के नेता नियाजोव ने अपने को जीवन भर तक राष्ट्रपति घोषित किया; इंडोनेशिया, मलेशिया और थाइलैंड के नेता सिंगापुर में नये सहयोग के लिये मिले; सं.रा. अमरीका ने व्राजील को 30 विलयन डालर के नये ऋण दिये; सद्दाम हुसैन ने अमरीका को चेतावनी दी कि इराक पर हमला उसके लिये विफल होगा। 9. अफगानिस्तान के जलालावाद के एक एन.जी.ओ. कार्यालय में वम विस्फोट से 50 लोग मारे गये; वंगलादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के विरुद्ध 53 धोखाधड़ी के मामले दायर किये गये। 10. पाकिस्तान में शिक्षा सुधार के लिये सं.रा. अमरीका द्वारा 100 मिलयन डालर की सहायता; एक संयुक्त राष्ट्र द्वारा प्रायोजित अध्ययन चेतावनी दी है कि दक्षिणी एशिया में घना जहरीला प्रदूषण गहरा रहा है। 13. इस्लामावाद में अमरीका का सेंटर वंद हुआ; अमरीका की एयरलाइंस ने 7000 रोजगार की कटौती की; पूर्व राष्ट्रपति फुजिमोरी पेरू वापस लौटकर राष्ट्रपति पद के लिये दावेदार होना चाहते हैं; युरोप में वर्षा और वाढ़ से 80 मरे; फिलीपींस में कांग्रेस कमेटी ने मृत्युदंड को समाप्त करने के पक्ष में मत दिया। 15. अमरीका की युनाइटेड एयरलाइंस अगर खर्चों में कटौती नहीं करती है तो उसे दिवालियेपन की ओर अग्रसर होना पड़ेगा; अमरीका की इंटेलीजेंस अधिकारियों का कहना है कि अगर इसराइल पर इराकी जैविक हमला हुआ तो वो परमाण्विक हमला कर देगा; थाईलैंड में सितंवर की वातचीत के पहले लिट्टे पर लगा प्रतिवंध हटाया जायेगा; युरोप में वर्षा और वाढ़ से मृत्यु दर वढ़ रही है। 16. अफ्रीका के तीन श्वेत सैन्य अधिकारियों पर धोखाधड़ी के आरोप; सं.रा. अमरीका के सुरक्षा सलाहकार सुश्री रिके ने सद्दाम को वुरा इंसान कहा; सितंवर 11 के हादसे के शिकार लोगों के परिवार वालों ने वर्जीनिया में 100 ट्रिलयन डालर का हर्जाने के लिये सुडान, सउदी अरव के वैंक और संस्थानों जिन्होंने आतंकवादियों के लिये धन मुहैय्या कराया के विरुद्ध मुकदमा दायर किया। 17. रूस ने दलाई लामा के आगमन को प्रतिवंधित किया। 18. रूस ने जमीन पर आधारित परमाण्विक मिसाइलों को त्यागने का विचार छोड़ा; फिलीस्तीन के गुरिल्ला नेता 65 वर्षीय अबु निदाल ने आत्महत्या की। 19. लैला अली ने आईवीए सुपर मिडलवेट क्राउन जीत कर अपनी पहली मुक्केवाजी प्रतियोगिता जीती; चेचन्या में हेलिकाप्टर दुर्घटना में 85 रूस के सैनिक मरे। 20. जर्मनी में 42 लाख लोग वाढ़ से प्रभावित, युरोप में पिछले 100 वर्षों में भीषणतम वाढ़; इसराइल की सेना की वापसी के साथ वेथलेहम में फिलीस्तीनी पुलिस ने नियंत्रण लिया। 21. सार्क काउंसिल आफ मिनिस्टर्स का 23वां सम्मेलन प्रारंभ; जनरल मुशर्रफ ने अपने को राष्ट्रपति वनाया और अगले पांच वर्षों के लिये सेना प्रमुख वने रहने को कहा; संयुक्त राष्ट्र ने इराक से कहा के 1991 में कुवैत पर वगदाद के आक्रमण के वाद गायव 600 कुवैत के नागरिकों के वारे में पता लगाये। 22. काठमांडु में वस दुर्घटना में 45 मरे; चीन का हुनान प्रांत वाढ़ से प्रभावित, आपातकाल की घोषणा। 24. उगांडा के राष्ट्रपति ने उत्तरी उगांडा के लार्ड्स रजिस्टेंस आर्मी के साथ सशर्त युद्ध विराम का प्रस्ताव रखा; अजरवैजान में संविधान संशोधन के लिये जनमत संग्रह; चीन में उफनती झीलों से छह शहरों को खतरा; रूस सं.रा. अमरीका पर इराक पर हमला न करने के लिये दवाव डालेगा। 25. मानसैंटो कार्पोरेशन मिसिसिप्पी के किसानों द्वारा केमिकल कंपनी जीएम प्लांट द्वारा उत्पादित सोयावीन के वीजों को प्रयुक्त करने में रोकने के अधिकार को जीता। 26. इरान की संसद ने महिलाओं को तलाक देने के समान अधिकार के विधेयक को स्वीकार किया; स्पेन ने वास्क पार्टी वाटासुना को तीन वर्षो के लिये किसी प्रकार के क्रियाकलापों पर प्रतिवंध लगाया। 30. ग्रीनपीस ने यूनियन कार्वाइड के पूर्व अध्यक्ष वारेन एंडर्सन (न्यूयार्क के लांग आइसलैंड) में जो भारत में 1984 की भोपाल त्रासदी के लियो होमीसाइड के अभियुक्त हैं पर आरोप लगाये। चुनाव आयोग ने वनेजीर भुट्टो को 10 अक्टूवर के चुनाव के लिये अवांछनीय वताया; केन्या के राष्ट्रपति मोई ने लोकप्रिय उपराष्ट्रपति जार्ज सैटोटी को पदमुक्त किया। 31. यू.के. के सख्त वर्क परमिट के कारण विदेशी कंप्यूटर कर्मचारियों के लिये अनुत्साह का कारण वनी।

सितंबर 1. श्रीलंका की राष्ट्रपति ने थाईलैंड में सितंबर 16 की वातचीत से पहले लिट्टे पर रुख कड़ा किया; गद्दाफी का कहना है कि लीविया आतंकवादी देश नहीं है; फिलीस्तीनी अधिकारियों ने पांच और फिलिस्तीनियों के मारे जाने के वाद विश्व समुदाय की अकर्मण्यता की आलोचना की; दक्षिण कोरिया में तूफान से 42 मरे 30 गायव। 3. श्रीलंका की राष्ट्रपति सरकार के साथ टकराव को चालने के लिये अपनी शक्तियों को छोड़ने के लिये तैयार; दक्षिण सुडान के विद्रोही नेता शांति वार्ता के लिये तैयार। 5. अफगानिस्तान के राष्ट्रपति करजाई जानलेवा हमले से वचे; जोहांसवर्ग में पृथ्वी सम्मेलन समाप्त हुआ; श्रीलंका की सरकार ने लिट्टे पर प्रतिवंध हटाया। 6. इराक के प्रमुख वायु रक्षा सुविधाओं पर यू.के.–यू.एस.ए. का आक्रमण; नाइजीरिया के राष्ट्रपति ओवासंजो पर नागरिकों के जनसंहार का आदेश देने का आरोप लगा। 8. पूर्व नेपाल में एक पुलिस पोस्ट पर 1000 माओवादियों के आक्रमण से 40 पुलिस वाले मरे; सेरीना विलियम्स ने अपनी वहन वीनस को हराकर अमरीकी ओपन जीत कर विश्व में नम्वर एक की वरीयता क्रम को वनाये रखा; पूर्व चीन में तूफान; युरोपियन संघ का दल म्यानमार वातचीत करने के लिये पंहुचा; सं.रा. अमरीका और व्रिटेन ने विश्व को सद्दाम के खिलाफ होने को कहा, अरव देशों ने इराक से संयुक्त राष्ट्र हथियार निरीक्षकों को विना शर्त कार्य करने देने को कहा; एसपीएलए ने टोरिट शहर पर कब्जा किया, सुडान सरकार ने जुवा से अपने सैनिकों को वापस वुलाया; कराची में अल कायदा का वरिष्ठ सदस्य गिरफ्तार। 9. प्रधानमंत्री वाजपेई सं.रा. अमरीका की सप्ताह की यात्रा पर; हांगकांग में प्रदूषण इंडेक्स 185 तक पंहुचा; आस्ट्रिया की सरकार ने गठजोड़ में फूट पड़ने के वाद त्यागपत्र दिया। 10. कोलंविया में मेटा प्रांत में सेना के साथ मुठभेड़ में लेफ्ट विंग

ने प्रतिबंधित जैश–ए–मोहम्मद के सरगना मसूद अजहर को अदालत के आदेश के बाद रिहा कर दिया। 15. ओसामा बिन लादेन को अवसरवादी बताते हुए फिलीस्तीनी नेता यासर अराफात ने कहा कि वह अपना हित साधने के लिये फिलीस्तीनी मुद्दा न उठाये।17. अमरीकी विदेश मंत्री कोलिन पावेल ने उत्तरी कोरिया को आश्वस्त किया कि अमरीका का उत्तरी कोरिया पर हमला करने का कोई इरादा नहीं है; निरीक्षक दल ने इराक के 80 ठिकानों की जांच की। 18. पाकिस्तान में जनरल मुशर्रफ ने चुनाव आयोग से अप्रेल में कराये गये जनमत संग्रह के सारे रिकार्डों को जलाने को कहा।20. पाकिस्तानी पुलिस और एफ.बी.आई ने एक पाकिस्तानी डाक्टर और उसके परिवार के 8 सदस्यों को अलकायदा से संबध रखने के आरोप में गिरफ्तार किया। 21. अमरीका ने अरब देशों द्वारा इसराइल के निंदा प्रस्ताव को वीटो किया 22. नेपाल में माओवादी सरकार से बातचीत करने को तैयार हैं बशर्ते उन्हें आतंकवादी कहना सरकार बंद करे; अफगानिस्तान में सेना के वाहन पर हमले में 7 जवान मारे गये; काबुल में सेना का हेलिकाप्टर दुर्घटनाग्रस्त होने से 7 जर्मन सैनिक मरे। 23. सद्दाम हुसैन ने विश्व समुदाय से अपील की कि वो अमरीका को बताये कि हथिया निरीक्षण का कार्य पूरा हो चुका है। 24. पाकिस्तान वे राष्ट्रपति मुशर्रफ ने ईरान के राष्ट्रपति मोहम्मद खातमी र कहा कि वह काश्मीर के मसले पर भारत और पाकिस्ता के बीच मध्यस्थता करें। 25. पाकिस्तान के पंजाब प्रांत मे क्रिसमस समारोह के दौरान एक चर्च पर हमले से तीन मरे सद्दाम हुसैन ने कहा कि इराक शहादत देने के लिये तैयार 26. अमरीका के विरोध के बावजूद रूस इरान में परमाणु रियेक्टर के निर्माण में सहयोग जारी रखेगा; आई.सी.सी. क वर्चस्व मानने से अमरीका और भारत का इन्कार। 27 फ्रांसीसी डाक्टर ब्रिगित बोसेलिए ने पहला क्लोन बच्चा पैदा करने का दावा किया; चेचन्या में राजधानी ग्रोजनी एक आत्मघाती हमले में 46 मरे और 76 घायल। 28. चीन में नये राष्ट्रपति व प्रधानमंत्री का चुनाव मार्च में होगा। 29. पुर्तगाल सरकार ने आश्वासन दिया है कि वह अबु सलेम के प्रत्यर्पण के आग्रह पर विचार करेगा और पुर्तगाल से गायब न हो पाये इसलिये उसकी न्यायिक हिरासत की अवधि 90 दिनों और बढ़ा दी गई है।30. पाकिस्तान में जमाली सरकार ने विश्वास मत हासिल किया।

तीन लोगों को गोली मारी; होचिन्ह मिन्ह शहर में आफिस ब्लाक में आग लगने से 50 से अधिक मरे; जापान और उत्तरी कोरिया के बीच संवध सामान्य बनाने के लिये वार्ता प्रारंभ।।31.इटली के कंपोवास्सो में भूकंप से चार बच्चे मरे और अनेक स्कूल के मलवे में फंसे; इसराइल की सरकार सेंटर लेफ्ट लेवर पार्टी द्वारा गठजोड़ से अलग हो जाने से कमजोर पड़ी।

नवंबर 1.मोरक्को की जेल में लगी आग से 50 कैदी मारे गये।2.ब्रिटेन की पुलिस ने पूर्व स्पाइस गर्ल विक्टोरिया वेखम के अपहरण की योजना बनाने वाले 5 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया।3. लिट्टे ने राजनीतिक मुख्यधारा में जुड़ने की इच्छा प्रकट की और कहा कि उत्तर और पूर्व में वह राजनीतिक दलों को कार्य करने देगा।5.एरियल शैरोन बहुमत साबित न कर पाने की स्थित में फरवरी 2003 में चुनाव कराने की मांग की; सं.रा. अमरीका के राष्ट्रपति वुश की रिपब्लिकन पार्टी ने कांग्रेशनल चुनावों में अभूतपूर्व सफलता, सीनेट डेमोक्रेट्स से छीनी। 6. बेंजामिन नेतान्यानयाहू इसराइल के विदेश मंत्री वने; फ्रांस की ट्रेन में लगी आग से 12 मरे।8.संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने इराक के निशस्त्रीकरण का प्रस्ताव पारित किया।10. इरान में नये कानूनों से खतामी की ताकत वढ़ी।।11.मनीला में वायुयान दुर्घटना में 18 मरे; अमरीका में भयानक तूफान से 30 मरे।।12.अमरीका में भीषण तूफान से 35 मरे, सैकड़ों लापता।।13.इराक ने संयुक्त राष्ट्र का प्रस्ताव विना शर्त स्वीकार किया; पाकिस्तान के राष्ट्रपति मुशर्रफ ने एसेंवली की वैठक बुलाई। 14. चीन में राष्ट्रपति च्यांग जेमिन, प्रधानमंत्री चू रोंगजी और संसद के अध्यक्ष ली फंग समेत सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी की 356 सदस्यीय केंद्रीय समिति से आधे से अधिक लोग अपने पदों से हटे उनके स्थानों पर नये सदस्य चुने गय 15.नेपाल माओवादियों के हमले में सुरक्षाकर्मियों सहित 200 माओवादी मरे।16. क में हथियार निरीक्षण का कार्य 27 नवंवर से होगा; सुरक्षा वलों ने 27 माओवादियो के मार गिराया; ने राष्ट्रपति पद के दूसरे कार्य काल के लिये शपथ।19.फिलिपींस के सैनिक कैंप पर मुस्लिम अलगाववादियों का आक्रमण, 55 मरे।18. इटली के पूर्व प्रधानमंत्री गियूलियो एंड्रीयोत्ती को एक पत्रकार की हत्या कराने के आरोप को लेकर 24 वर्ष की सजा। 19. इराकी रक्षा ठिकानों पर अमरीका ने बमवर्षा की। 20 इराक ने कहा कि हथियार निरीक्षकों के साथ पूरा सहयोग करेगें; संयुक्त राष्ट्र संघ के महासचिव कोफी अन्नान ने कहा कि इराक पर गोलावारी सं.रा. प्रस्तावों का उल्लंघन नहीं है। 21. पाकिस्तान में मुशर्रफ के समर्थत मीर जफरुल्लाह खान प्रधानमंत्री वने।23.पाकिस्तान में नवनिर्वाचित प्रधानमंत्री मीर जफरुल्ला खान जमाली के नेतृत्व में नई सरकार का गठन; नेपाल में सेना ने 50 माओवादी मारे।24.मिस वर्ल्ड प्रतियोगिता को लेकर नाईजीरिया में भड़के दंगो में मरने वालों की संख्या 200 हुई; ।25.जम्मू के रघुनाथ मंदिर पर आतंकी हमले की निंदा करते हुए ब्रिटेन के वित्त मंत्री पोल वाओतेंग ने कहा कि ब्रिटेन इस आतंकवाद की कड़ी भर्त्सना करता है; नार्वे की राजधानी ओस्लो में श्रीलंका के मुद्दे पर एक दिवसीय सम्मेलन से पहले वहां पर 19 वर्ष की अशांति को लेकर आर्थिक मदद की अपील की गई। 26.उत्तरी कोरिया को परमाण्विक मदद देने पर अमरीका ने पाकिस्तान को लताड़ा; क्रिसमस तक इराक में और हथियार निरीक्षक पंहुचेंगें। 27.इसराइल के हवाई हमले में पश्चिमी तट पर रफा और जेनिन के शरणार्थी शिविरों से पांच फिलीस्तीनी आतंकवादी मारे गये; संयुक्त राष्ट्र के हथियार निरीक्षकों ने इराक में कार्य शुरु किया; कमिल विद्रोही संगठन लिट्टे के प्रमुख वी. प्रभाकरण ने कहा कि स्वायत्ता की कीमत पर वे अलग राज्य की मांग को छोड़ सकते हैं। 28. केन्या के मोम्वासा में एक असराइली स्वामित्व वाले होटेल के वाहर एक कार वम विस्फोट में 11 मरे अनेक घायल।

दिसंबर 1.इसराइली सैनिकों ने गाजा पट्टी पर अनेक घर ध्वस्त किये; मक्का मदीना जा रही एक वस की ट्रक से टक्कर हो जाने से 19 तीर्थयात्रियों की मुत्यु; पश्चिमी अफगानिस्तान में दो गुटों के संघर्ष में 26 मरे।2.चीन में सांक्षी प्रांत में चिचहे गांव में पटाखे की एक अवैध फैक्ट्री में विस्फोट से 13 मरे। 3. अमरीका ने शस्त्र निरीक्षकों की कार्यप्रणाली पर संदेह जताया।4.ब्रिटेन के प्रधानमंत्री टोनी ब्लेयर और अमरीका के रक्षामंत्री डोनल्ड रम्सफेल्ड ने कहा कि इराक ने विनाशकारी हथियारों के जखीरे को छुपा के रखा है। 5. श्रीलंका सरकार और लिट्टे के वीच ऐसी सरकार वनाने की सहमति हो गई है जिसमें विद्रोहियों को क्षेत्रीय स्वायत्ता मिल सकेगी।6.अमरीका के पश्चिमी तट पर भारी हिमपात और तूफान से 22 मरे; इसराइली सैनिकों ने गाजा पट्टी के वुरैज शरणार्थी शिविर पर टैंको व हेलिकाप्टरों से धावा वोला 9 फिलीस्तीनी मारे गये। 7. इराकी राष्ट्रपति सद्दाम हुसैन ने कुवैत की जनता से 1990 के हमले के लिये माफी मांगी; वेनेजुएला में राष्ट्रपति ह्यूगो शावेज को सत्ता से हटाने के लिये विपक्षी हड़ताल के दौरान रैली में गोलीवारी होने से 3 मरे और 20 घायल हो गये; अमरीकी युद्पोत व इरानी जहाज में फारस की खाड़ी में टक्कर, कोई घायल नहीं; तुर्की की आजरा अनिन मिस वर्ल्ड वनींदूसरे व तीसरे स्थान पर मिस कोलंविया नातालिया पेराल्ता और मिस पेरू मारिना मोरामोतिंरो रहीं।8.इराक ने संयुक्त राष्ट्र हथियार निरीक्षकों को अपने हथियारों की सूची सौंपी।9.गाजा पट्टी में इसराइली गोलावारी में एक फिलीस्तीनी महिला मारी गई; सर्विया में राष्ट्रपति चुनावों में 50% से कम मतदान होने पर दोवारा हुए चुनावों को निरस्त कर दिया गया।।11.अमरीका ने इराक पर एटमी हमला वोलने की धमकी दी; अरव सागर में स्पेन के नोसैनिकों ने उत्तर कोरिया के मिसाइलों से भरे जहाज को पकड़ा।।2.अमरीका ने कतर के साथ सामरिक समझौता किया; रूस के राष्ट्रपति पुतिन ने चेचन्या में राष्ट्रपति पद के लिये जनमत संग्रह कराने का आदेश दिया; अमरीका ने कहा कि इराक पर हमला करने से पहले वो सुरक्षा परिषद से सलाह लेगा।14.युरोपीय संघ ने कहा कि पाकिस्तान के मुख्य निर्वाचन आयुक्त ने देश में अक्टूवर में हुए चुनावों में अपनी स्वायत्ता को ताक पर रख दिया; पाकिस्तान प्रशासन

ने प्रतियंधित जैश-ए-मोहम्मद के सरगना मसूद अजहर को अदालत के आदेश के वाद रिहा कर दिया। 15. ओसामा विन लादेन को अवसरवादी वताते हुए फिलीस्तीनी नेता यासर अराफात ने कहा कि वह अपना हित साधने के लिये फिलीस्तीनी मुद्दा न उठाये।17. अमरीकी विदेश मंत्री कोलिन पावेल ने उत्तरी कोरिया को आश्वस्त किया कि अमरीका का उत्तरी कोरिया पर हमला करने का कोई इरादा नहीं है; निरीक्षक दल ने इराक के 80 ठिकानों की जांच की। 18. पाकिस्तान में जनरल मुशर्रफ ने चुनाव आयोग से अप्रेल में कराये गये जनमत संग्रह के सारे रिकार्डों को जलाने को कहा।20. पाकिस्तानी पुलिस और एफ.बी.आई ने एक पाकिस्तानी डाक्टर और उसके परिवार के 8 सदस्यों को अलकायदा से संवध रखने के आरोप में गिरफ्तार किया। 21. अमरीका ने अरव देशों द्वारा इसराइल के निंदा प्रस्ताव को वीटो किया 22. नेपाल मं माओवादी सरकार से वातचीत करने को तैयार हैं वशर्ते उन्हें आतंकवादी कहना सरकार वंद करे; अफगानिस्तान में सेना के वाहन पर हमले में 7 जवान मारे गये; कावुल में सेना का हेलिकाप्टर दुर्घटनाग्रस्त होने से 7 जर्मन सैनिक मरे। 23. सद्दाम हुसैन ने विश्व समुदाय से अपील की कि वो अमरीका को वताये कि हथियार निरीक्षण का कार्य पूरा हो चुका है। 24. पाकिस्तान के राष्ट्रपति मुशर्रफ ने ईरान के राष्ट्रपति मोहम्मद खातमी से कहा कि वह काश्मीर के मसले पर भारत और पाकिस्तान के वीच मध्यस्थता करें। 25. पाकिस्तान के पंजाव प्रांत में क्रिसमस समारोह के दौरान एक चर्च पर हमले से तीन मरे; सद्दाम हुसैन ने कहा कि इराक शहादत देने के लिये तैयार। 26. अमरीका के विरोध के वावजूद रूस इरान में परमाणु रियेक्टर के निर्माण में सहयोग जारी रखेगा; आई.सी.सी. का वर्चस्व मानने से अमरीका और भारत का इन्कार। 27. फ्रांसीसी डाक्टर व्रिगित वोसेलिए ने पहला क्लोन वच्चा पैदा करने का दावा किया; चेचन्या में राजधानी ग्रोजनी एक आत्मघाती हमले में 46 मरे और 76 घायल। 28. चीन में नये राष्ट्रपति व प्रधानमंत्री का चुनाव मार्च में होगा। 29. पुर्तगाल सरकार ने आश्वासन दिया है कि वह अवु सलेम के प्रत्यर्पण के आग्रह पर विचार करेगा और पुर्तगाल से गायव न हो पाये इसलिये उसकी न्यायिक हिरासत की अवधि 90 दिनों और वढ़ा दी गई है।30. पाकिस्तान में जमाली सरकार ने विश्वास मत हासिल किया।

विश्व के धर्म

मानव सभ्यता और संस्कृति के विकास में धर्मों की बड़ी महत्वपूर्ण भूमिका रही है । उनका उदय इस सृष्टि के प्रयोजन, प्रकृति और उद्देश्य संबंधी कुछ विश्वासों के रूप में हुआ और आगे चल कर उनका विकास विश्वासों की ऐसी सुसंगठित पद्धति में हुआ जिसने लोगों को एक सूत्र में वंधे समाज के रूप में आवद्ध रखा ।

हिन्दू धर्म ने भारतीय जीवन और संस्कृति पर स्थायी प्रभाव डाला । बौद्ध धर्म ने दक्षिण-पूर्व एशिया और चीन के निवासियों के जीवन और उनकी संस्कृति में क्रान्तिकारी परिवर्तन पैदा किए। ईसाई धर्म और इस्लाम यूरोप और एशिया में फैले और उन्होंने लोगों के मन में प्रसुप्त उत्साह प्रज्जवलित करके विश्व के इतिहास में नए अध्यायों की शुरूआत की ।

विश्व के धर्मों को मोटे रूप में तीन श्रेणियों में वांटा जा सकता है: (1) वड़े धर्म, (2) छोटे धर्म और (3) आदिम धर्म। वड़े धर्म हैं: वौद्ध धर्म, ईसाई धर्म, कन्फ्युशी धर्म, हिन्दू धर्म और इस्लाम। भारत के जैन धर्म और सिक्ख धर्म, फिलिस्तीन का यहूदी धर्म, जापान का शिन्तो धर्म, चीन का ताओ धर्म और मूलतः फारस का पारसी धर्म छोटे धर्मों में गिने जाते हैं ।

विभिन्न धर्म के अनुयायियों की अनुमानित संख्या

धर्म विश्व में	संख्या
इसाई	1,974,181,000
रोमन कैथोलिक	*1,044,236,000*
प्रोटेस्टेंट्स	*337,346,000*
आर्थोडाक्स	*213,7991,000*
एंग्लिकन्स	*78,574,000*
मुस्लिम	1,155,109,000
धर्म में विश्वास न करने वाले	762,640,000
हिन्दू	799,028,000
चीन के लोक धर्म के अनुयायी	381,632,000
बौद्ध	356,270,000
विभिन्न मतों के अनुयाई	225,421,000
एथीस्ट्स	149,723,000
नये धर्मों के अनुयायी	101,406,000
सिक्ख	22,837,000
यहूदी	14,313,000
स्प्रिटिस्टस	12,184,000
वहाई	6,932,0000
कन्फूयशियस	4,151,000
जैन	2,778,000
शिन्तो धर्म	2,778,000
अन्य मतावलंवी	1,019,000
जोरोआस्ट्रियन्स	2,486,000
मंडीन्ज	38,000

स्रोत:– वर्ल्ड अलमनाक, 2001

विश्व की भाषायें

अभी तक संसार की भाषाओं की संतोषजनक ढंग से गिनती नहीं हो पाई है ।इस संबंध में कई अटकलें लगायी गयीं हैं ।इसकी वजह यह है कि किसी भाषा को उसकी वोली से अलग करने में भ्रम पैदा हो रहा है ।इसी कारण भाषाओं की संख्या के संबंध में विभिन्न परिकलन सामने आ रहे हैं और यह स्वाभाविक भी है ।यहां पर हमने कतिपय फ्रांसीसी और अमरीकी भाषाविदों के अनुमानों को स्वीकार किया है जिन्होंने कुल 2796 भाषाओं की सूची वनाई है ।उक्त 2796 भाषाओं में से 1200 से अधिक अमरीकी – भारतीय कवीलों द्वारा वोली जाती है ।इनमें से अधिकांश ऐसी भाषाएं हैं जिनके वोलने वाले एक हजार से अधिक नहीं हैं । अफ्रीकी–नीग्रो समूह 700 विभिन्न भाषाएं वोलते हैं जवकि आस्ट्रेलिया, न्यू गिनी और अन्य प्रशान्त महासागरीय द्वीप के निवासी 500 भाषाएं वोलते हैं । इसमें अज्ञात मूलवाले एशिया की लगभग 200 गौण भाषाएं और जोड़ लें तो विश्व की प्रमुख भाषाएं (जो 10 लाख और उससे अधिक लोगों द्वारा योली जाती हैं) मुश्किल से 160 वनती हैं ।दूसरे शब्दों में विश्व की अधिकांश भाषाएं, अर्थात् 85 प्रतिशत भाषाएं, संख्या की दृष्टि से छोटे समूहों द्वारा वोली जाती हैं जवकि प्रमुख भाषाओं के वोलने वाले 15 प्रतिशत हैं ।आजकल इण्डो हिटाइट के स्थान पर इण्डो–यूरोपियन (भारत यूरोपीय) शब्द को अधिक मान्यता दी जाती है । इसमें एनाटोलियन ओर मूल भारतीय भाषा शामिल हैं ।

भाषा	बोलने वालों की संख्या (मिलयन)	प्रमुख क्षेत्र
	1075	चीन,ताइवान
	514	ब्रिटेन, अमरीका, कनाडा, आयरलैंड, आस्ट्रेलिया, न्यूजीलैण्ड
	496	उत्तरी भारत
स्पेनिश	425	स्पेन, लैटिन अमरीका
रुसी	275	रूस
अरवी	256	मध्य पूर्व
वंगाली	215	भारत, वंगला देश
पुर्तगाली	194	पुर्तगाल, व्राजील
मलय–इंडोनेशियन	176	मलेशिया, इंडोनेशिया
फ्रांसीसी	129	फ्रांस, वेल्जियम, कनाडा, स्विटजरलैण्ड
जर्मन	128	जर्मनी, आस्ट्रिया,
जापानी	126	जापान, स्विटजरलैण्ड
उर्दू	106	भारत, पाकिस्तान
पंजावी	96	भारत, पाकिस्तान
कोरियाई	78	कोरिया (उत्तर/दक्षिण)
तेलगू	75	आंध्र प्रदेश (भारत)
तमिल	75	तमिलनाडु (भारत) श्रीलंका,मलेशिया
मराठी	72	महाराष्ट्र (भारत)
कैंटोनीज	71	चीन
वुव	71	चीन
वियतनामी	69	वियतनाम
जावानीज	64	जावा (इंडोनेशिया)
इटैलियन	62	इटली
तुर्की	62	तुर्की
टागालोग	58	फिलीपींस
थाई	53	थाइलैंड
मिन	51	ताइवान, चीन, मलेशिया
स्वाहिली	50	पूर्वी अफ्रीका
उक्रेनियन	49	उक्रेन
कन्नड़	47	कर्नाटक (भारत)
पोलिश	45	पोलैंड
गुजराती	44	गुजरात (भारत)
हौसा	40	नाइजेरिया
फारसी	36	इरान
मलयालम	36	केरल (भारत)
हक्का	34	चीन
वर्मी	32	म्यानमार
उड़िया	31	उड़ीसा (भारत)
सुडानीज़	26	इंडोनेशिया
रोमानियन	26	रोमानिया
योऊवा	23	नाइजेरिया
अम्हारिक	21	इथियोपिया
डच	21	नीदरलैंड
सर्वो क्रोएशियन	21	क्रोएशिया, सर्बिया
पश्तो	19	अफगानिस्तान, पाकिस्तान
सिंधी	19	पाकिस्तान, भारत
इवो	18	नाइजेरिया
उजवेक	18	उजवेकिस्तान
नेपाली	16	नेपाल, भारत
हंगेरियन	14	हंगरी
सेवुआनो	13	फिलिपींस
फुला (पेयुल्थ)	13	कैमरून, नाइजेरिया
सिंहली	13	श्रीलंका
चेक	12	चेकोस्लोवाकिया
यूनानी	12	यूनान
अज़ेरी	11	अजरवेइजान
कुर्दिश	11	टर्की, इरान, इराक
असमी	10	असम (भारत)
वाइलोरशियन	10	वेलारूस
कैटालान	10	स्पेन, फ्रांस,अंडोरा
मदुरीस	10	मदुरा, इंडोनेशिया
मलागासी	10	मेडागास्कर
नियांगा	10	मलावी, ज़ाम्विया
ओरोमो	10	प. इथियोपिया, उ.केन्या

जनसंख्या

इक्कीसवीं शताब्दि के साथ ही भारत की जनसंख्या एक अरव की सीमा को पार कर विश्व में चीन के वाद दूसरे स्थान पर है। एक मार्च 2001 को जनसंख्या 1027,015,247 हो गई थी। दशकीय जनगणना से पता चलता है कि 1991 की जनसंख्या में 1810 लाख लोग वढ़ गये। लेकिन स्वतंत्रता के वाद इस दशक में वृद्धि दर मे तेज गिरावट (21.34%) आई है।

अनंतिम परिणामों जिन्हे अभी जांचना है 1991–2001 के दशक में जनसंख्या वृद्धि दर 1.9% रही जवकि पिछले दशक में यह दर 2.1% थी। लेकिन योजना आयोग और अन्य संगठनों के 1.6 से 1.8% के अनुमान से अधिक है। चीन की जनसंख्या वृद्धि दर पिछले दशक में 1% रही है। इस दशक में खाद्यान्न उत्पादन में 1.9% की वृद्धि हुई जिसे जनसंख्या वृद्धि दर को अनुपानित करने को कहा जा सकता है। कुल 1027 मिलयन जनसंख्या में पुरुषों की संख्या 531,277,078 और महिलाओं की 495,738,169 है। लिंगानुपात प्रति 1000 पुरुषों पर 933 महिलाओं का रहा जोकि पिछले दशक के 927 से वेहत्तर है।

तालिका (1) में राज्यानुसार जनसंख्या और कुल उनके भाग का प्रतिशत दिया गया है। तालिका (2) में 1991–2001 के वीच वार्षिक वृद्धि दर को दिया गया है। तालिका (3) में राज्यानुसार जनसंख्या, लिंगानुपात व साक्षरता दर को दिया गया है। वार्षिक वृद्धि व लिंगानुपात दोनों में 1991–2001 के दशक में राज्यों में वृहद अंतर है। विहार में सर्वाधिक वृद्धि 1981–1991 के 23.38% की तुलना में 1991–2001 में 28.43% हो गई। सवसे कम वृद्धि दर केरल (9.42) की रही, इसके वाद तमिलनाडु (11.19) और आंध्र प्रदेश (13.86) रहे। आंध्र प्रदेश ने अन्य प्रमुख राज्यों के मुकावले वृद्धि दर में तेज गिरावट दर्ज की। पिछले दशक में यह दर 24.20 थी जवकि इस वार यह घट कर 13.86 रही।

भारत की लगभग आधी आवादी उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, विहार, पं. वंगाल और आंध्र प्रदेश में रहती है। उत्तर प्रदेश की आवादी देश की कुल आवादी की 16.17% है जो कि सर्वाधिक है। इसके वाद महाराष्ट्र का स्थान है जहां की आवादी की प्रतिशतता 9.42% और विहार 8.07% की आवादी के साथ तीसरे स्थान पर है।

निम्न तालिका में वीसवी शताब्दि में जनसंख्या वृद्धि को दर्शाया गया है।

जनगणना वर्ष	जनसंख्या (मिलयन में)	औसतन वार्षिक वृद्धि (प्रतिशत)	घनत्व (प्रति वर्ग मील)
1901	238	—	77
1911	252	0.56	82
1921	251	0.03	81

जनगणना आंकड़े एक झलक

	व्यक्ति		1027,0152,47
	पुरुष		531,277,078
	महिलायें		495,738,169
दशकीय जनसंख्या		कुल	प्रतिशत
वृद्धि 1991–2001	व्यक्ति	180,627,359	21.34
	पुरुष	91,944,020	20.93
	महिलायें	88,683,339	21.79
जनसंख्या घनत्व प्रति वर्ग किलोमीटर		324	
लिंगानुपात (प्रति 1000 पुरुषों पर)		933	
जनसंख्या 0–6 आयुवर्ग		कुल	जनसंख्या का प्रतिशत
	व्यक्ति	157,863,145	15.42
	पुरुष	81,911,041	15.47
	महिलायें	75,952,104	15.36
साक्षर		कुल	जनसंख्या का प्रतिशत
	व्यक्ति	566,714,995	65.38
	पुरुष	339,969,048	75.85
	महिलायें	226,745,947	54.16

1931	279	1.04	90
1941	319	1.33	93
1951	361	1.25	117
1961	439	1.96	142
1971	548	2.2	177
1981	683	2.22	216
1991	843	2.14	267
2001	1027	1.93	324

राष्ट्रीय जनसंख्या नीति

भारत सरकार ने पचास वर्षीय राष्ट्रीय परिवार कल्याण कार्यक्रम के अनुभव के आधार पर वर्ष 2000 में राष्ट्रीय जनसंख्या नीति बनाई। इसका मूल उद्देश्य सीमित परिवार, स्वास्थ्य की देखभाल के संस्थान और नवजात शिशुओं के स्वास्थ्य की रक्षा करना है।

जनसंख्या नीति को लागू करने के लिये, इसे दिशा निर्देश देने और इस पर नियंत्रण रखने के लिये जनसंख्या

तालिका-1: राज्यानुसार जनसंख्या और कुल उनके भाग का प्रतिशत

भारत/प्रांत	कुल जनसंख्या			कुल जनगणना
संघ शासित प्रदेश	व्यक्ति	पुरुष	महिलायें	का प्रतिशत
भारत	1,027,015,247	531,277,078	495,738,169	100.00
अंडमान एवं निकोबार द्वीप	536,265	192,985	163,280	0.03
आंध्र प्रदेश	75,727,541	38,286,811	37,440,730	7.37
अरुणाचल प्रदेश	1,091,117	573,951	517,166	0.11
असम	26,638,407	13,787,799	12,850,608	2.59
बिहार	82,878,796	43,153,964	39, 724,832	8.07
चंडीगढ़	900.914	508224	392,690	0.09
छत्तीसगढ़	20,795,956	10,452,426	10,343,530	2.03
दादरा एवं नागर हवेली	220,451	121,731	98,720	0.02
दमन एवं दियु	158,059	92,478	65,581	0.02
दिल्ली	13,782,976	7,570,890	6,212,086	1.34
गोवा	1,343,998	685,617	658,381	0.13
गुजरात	50,596,992	26,344,053	24,252,939	4.93
हरियाणा	21,082,989	11,327,658	9,755,331	2.05
हिमाचल प्रदेश	6,077,248	3,085,256	2,991,992	0.59
जम्मू एवं काश्मीर	10,069,917	5,300,574	4,769,343	0.98
झारखंड	26,909,428	13,861,277	13,048,151	2.62
कर्नाटक	52,733,958	26,856343	25,877,615	5.14
केरल	31,838,619	15,468,664	16,369,955	3.10
लक्षद्वीप	60,595	31,118	29,477	0.01
मध्य प्रदेश	60,385,118	31,456,873	28,928,245	5.88
महाराष्ट्र	96,752,247	50,334,270	46,417,977	9.42
मणिपुर	2,388,634	1,207,338	1,181,296	0.23
मेघालय	2,306,069	1,167,840	1,138,229	0.22
मिजोरम	891,058	459,783	431,275	0.09
नागालैंड	1,988,636	1,041,686	946,950	0.19
उड़ीसा	973,829	486,705	487,124	0.09
पांडिचेरी	640,725	0.08	0.07	27
पंजाब	24,289,296	12,963,362	11,325,934	2.37
राजस्थान	56,473,122	29,381,657	27,091,465	5.50
सिक्किम	540,493	288,217	252,276	0.05
तमिलनाडु	62,110,839	31,268,654	30,842,185	6.05
त्रिपुरा	3,191,168	1,636,138	1,555,030	0.31
उत्तर प्रदेश	166,052,859	87,466,301	78,586,558	16.17
उत्तरांचल	8,479,562	4,316,401	4,163,161	0.83
पं. बंगाल	80,221,171	41,487,694	38,733,477	7.81

स्रोत : भारत की जनगणना 2001 अनंतिम आंकड़ें

तालिका-2: 1991-2001 के बीच वार्षिक वृद्धि दर

क्रम	भारत/राज्य/स.श	कुल जनसंख्या		दशकीय वृद्धि %		औसत वार्षिक वृद्धि दर	
		1991	2001	1981–1991	1991–2001	1981–1991	1991–2001
	भारत	846,387,888	1,027,015,247	23.86	21.34	21.4	1.93
1.	जम्मू एवं कश्मीर	7,803,900	10,069,917	30.34	29.04	2.65	2.55
2.	हिमाचल प्रदेश	5,170,877	6,077,248	20.79	17.53	1.89	1.62
3.	पंजाब	20,281,969	24,289,296	20.81	19.76	1.89	1.80
4.	चंडीगढ़	642,015	900,914	42.16	40.33	3.52	3.39
5.	उत्तरांचल	7,113,483	8,479,562	24.23	19.20	2.17	1.76
6.	हरियाणा	16,463,648	21,082,989	27.41	28.06	2.42	2.47
7.	दिल्ली	9,420,644	13,782,976	51.45	46.31	4.15	3.81
8.	राजस्थान	44,005,990	56,473,122	28.44	28.33	2.50	2.49
9.	उत्तर प्रदेश	131,998,804	166,052,859	25.55	25.80	2.28	2.30
10.	बिहार	64,530,554	82,878,796	23.38	28.43	2.10	2.50
11.	सिक्किम	406,457	540,493	28.47	32.98	2.51	2.85
12.	अरुणाचल प्रदेश	864,558	1,091,117	36.83	26.21	3.14	2.33
13.	नागालैंड	1,209,546	1,988,636	56.08	64.41	4.45	4.97
14.	मणिपुर	1,837,149	2,388,634	29.29	30.02	2.57	2.63
15.	मिजोरम	689,756	891,058	39.70	29.18	3.34	2.56
16.	त्रिपुरा	2,757,205	3,191,168	34.30	15.74	2.95	1.46
17.	मेघालय	1,774,778	2,306,069	32.86	29.94	2.84	2.62
18.	असम	22,414,322	26,638,407	24.24	18.85	2.17	1.73
19.	प. बंगाल	68,077,965	80,221,171	24.73	17.84	2.21	1.64
20.	झारखंड	21,843,911	26,909,428	24.03	23.19	2.15	2.09
21.	उड़ीसा	31,659,736	36,706,920	20.06	15.94	1.83	1.48
22.	छत्तीसगढ़	17,614,928	20,795,956	25.73	18.06	2.29	1.66
23.	मध्य प्रदेश	48,566,242	60,385,118	27.42	24.34	2.41	2.18
24.	गुजरात	41,309,582	50,596,992	21.19	22.48	1.92	2.03
25.	दमन एवं दियु	101,586	158,059	28.62	55.59	2.52	4.42
26.	दादरा एवं नागर हवेली	138,477	220,451	33.57	59.20	2.89	4.65
27.	महाराष्ट्र	78,937,187	96,752,247	25.73	22.57	2.29	2.04
28.	आंध्र प्रदेश	66,508,008	75,727,541	24.20	13.68	2.17	1.30
29.	कर्नाटक	44,977,201	52,733,958	21.12	17.25	1.92	1.59
30.	गोवा	1,169,793	1,343,988	16.08	14.89	1.49	1.39
31.	लक्षद्वीप	51,707	60,595	28.47	17.19	2.51	1.59
32.	केरल	29,098,518	31,838,619	14.32	9.42	1.34	0.90
33.	तमिलनाडु	55,858,946	62,110,839	15.39	11.19	1.43	1.06
34.	पांडिचेरी	807,785	973,829	33.64	20.56	2.90	1.87
35.	अंडमान एवं निकोबार द्वीप	280,661	356,265	48.70	26.94	3.97	2.39

आंध्र प्रदेश, प. बंगाल, अरुणाचल प्रदेश, दिल्ली, मिजोरम, त्रिपुरा, असम, उत्तरांचल, और छत्तीस गढ़ व संघ शासित प्रदेश लक्षद्वीप, पांडिचेरी और अंडमान एवं निकोबार द्वीप में 1991–2002 के दशकीय जनगणना में जनसंख्या वृद्धि दर में पांच प्रतिशत से अधिक की कमी आी है। यह राज्य एव संघ शासित प्रदेशों की कुल आबादी देश की आबादी की 22.61% है। सर्वाधिक गिरावट आंध्र प्रदेश में 10.33%, छत्तीसगढ़ में 7.67% और प. बंगाल में 6.89% की रही।

र राष्ट्रीय आयोग का गठन किया गया है। मध्य मार्ग उद्देश्य यह रखा गया कि 2010 तक उर्वरक दर के पुनःस्थापित तक सीमित किया जाय और 2045 तक स्थिर जनसंख्या के दूरगामी उद्देश्य का लक्ष्य रहे। लेकिन जब तक बिहार, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, मध्य प्रदेश में जनसंख्या वृद्धि दर जो कि राष्ट्रीय वृद्धि दर से काफी अधिक है में कमी नहीं लायी जाती यह लक्ष्य काफी मुश्किल लगता है। इन चार राज्यों में 1991–2001 में 42% जनसंख्या वृद्धि दर रही है।

साक्षरता

साक्षरता के क्षेत्र में उल्लेखनीय वृद्धि इस जनगणना में दर्ज की गई। 1981–1991 के दशक में साक्षरता दर 52.21% थी जोकि बढ़ कर 65.38% (पुरुष 75% व महिलायें 54%) हो गई। तात्पर्य यह कि पुरुषों की तीन चौथाई और महिलाओं की आधी आबादी साक्षर है। 1981–1991 से 1991–2001 में पुरुष महिलाओं के साक्षरता अनुपात में 28.84 से 21.70 की गिरावट दर्ज की गई।

केरल ने जनसंख्या नियंत्रण एवं साक्षरता में अपना प्रभुत्व बनाये रखा। यहां वार्षिक वृद्धि दर गिरकर 0.90% पर आ गई जोकि राष्ट्रीय वद्धि दर 1.93% की तुलना में बहुत कम है। तमिलनाडु 1.06% वृद्धि दर पर दूसरे स्थान पर व आंध्र प्रदेश 1.30% की वृद्धि दर लेकर तीसरे स्थान पर रहा। केरल में साक्षरता दर 90.92% है जबकि बिहार में साक्षरता दर 47.53% है जो कि सबसे कम है।

राष्ट्रीय स्तर पर 203 मिलयन जिसमें 95.6 मिलयन महिलायें भी शामिल हैं 1991–2001 के दशक में साक्षर हुए। इस दशक में निरक्षरों में 296 मिलयन (190 मिलयन महिलायें) की कमी हुई। बावजूद इसके अभी भी भारत साक्षरता की दृष्टि से अति पिछड़ा देश है फिर भी स्वतंत्रता के बाद पहली बार इस दशक में साक्षरता की जो दर बढ़ी है वह उल्लेखनीय है।

दक्षिण भारत के प्रांतों का प्रदर्शन पूर्व जनगणना के अनुरूप इस बार भी वृद्धि दर में कमी, लिंगानुपात और साक्षरता में तुलनात्मक रूप से बेहतर रहा। दक्षिण भारत के चार प्रांतों में सर्वाधिक जनसंख्या (75 मिलयन से अधिक) वाला प्रांत आंध्र प्रदेश में जन संख्या वृद्धि दर में कमी और पांच मिलयन जिसमें 2.45 मिलयन महिलायें शामिल हैं साक्षरता में दर उल्लेखनीय है। लेकिन फिर भी आंध्र प्रदेश उत्तर प्रदेश (57.8 मिलयन) और बिहार (34.9 मिलयन) निरक्षरों के साथ 25 मिलयन निरक्षरों वाला तीसरा प्रांत है।

उत्तरी प्रांतों में जहां जनसंख्या वृद्धि दर में कोई कमी नहीं आई है, बिहार अकेला ऐसा प्रांत है जहां जनसंख्या वृद्धि दर तो बढ़ी ही है निरक्षरों की भी संख्या बढ़ कर 35 मिलयन हो गई।

चार प्रमुख हिंदी भाषी प्रदेशों, उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्य प्रदेश और राजस्थान में राजस्थान अकेला प्रदेश है जहां पुरुषों में साक्षरता दर में बेहतर वृद्धि हुई है। मध्य प्रदेश का स्थान दूसरा रहा। छत्तीसगढ़ में महिला साक्षरता में 24.87% की वृदिवि हुई और महिला साक्षरता में यह अव्वल रहा। उत्तरांचल और उड़ीसा अन्य प्रांत हैं जहां पुरुष–महिला साक्षरता में वद्धि हुई।

उल्लेखनीय है कि दादरा एवं नागर हवेली को छोड़ कर लगभग सभी प्रांतों एवं केंद्र शासित प्रदेशों में महिला साक्षरता में वृद्धि आई है।

दूसरी महत्वपूर्ण बात यह है कि स्वतंत्रता के बाद पहली बार जनगणना के परिणामों से पता चलता है कि निरक्षरों में भारी गिरावट आई। यह गिरावट 1991–2001 के दशक में 31.96 मिलयन (21.45 पुरुष और 10.51 महिलायें) रही।

तालिका-3ः साक्षरता दर

क्रम राज्य/संशा.	जनसंख्या	लिंगानुपात		व्यक्ति	पुरुष	महिलायें
		1991	2001			
भारत	1,027,015,247	927	933	65.38	75.85	54.16
1 जम्मू एवं काश्मीर	10,069,917	896	900	54.46	65.75	41.82
2. हिमाचल प्रदेश	6,077,248	976	970	77.13	86.02	68.08
3. पंजाब	24,289,296	882	874	69.95	75.63	63.55
4. चंडीगढ़	900,914	790	773	81.76	85.65	76.65
5. उत्तरांचल	8,479,562	936	964	72.28	84.01	60.26
6. हरियाणा	21,082,989	865	861	68.59	79.25	56.31
7. दिल्ली	13,782,976	827	821	81.82	87.37	75
8. राजस्थान	56,473,122	910	922	61 03	76.46	44.34
9. उत्तर प्रदेश	166,052,859	876	898	57.36	70.23	42.98
10. बिहार	82,878,796	907	921	47.53	60.32	33.57
11. सिक्किम	540,493	878	875	69.68	76.73	61.46
12. अरुणाचल प्रदेश	1,091,117	859	901	54.74	64.07	44.24
13. नागालैंड	1,988,636	886	909	67.11	71.77	61.92
14. मणिपुर	891,058	921	938	68.87	77.87	59.70

15. मिजोरम	891,058	92	938	88.49	90.69	86.13
16. त्रिपुरा	3,191,168	945	950	73.66	81.47	65.41
17. मेघालय	2,306,069955	955	975	63.31	66.14	60.41
18. असम	26,638,407	923	932	64.28	71.93	56.03
19. प. बंगाल	80,221,171	917	934	69.22	77.58	60.22
20. झारखंड	26,909,428	922	941	54.13	69.94	39.38
21. उड़ीसा	36,706,920	971	972	63.61	75.95	50.97
22. छत्तीसगढ़	20,795,956	985	990	65.18	77.86	52.40
23. मध्य प्रदेश	60,385,118	912	920	64.11	76.80	50.28
24. गुजरात	50,596,992	934	921	69.97	80.50	58.60
25. दमन एवं दियु	158,059	969	709	81.09	88.40	70.37
26. दादरा एवं नागर हवेली	230,451	952	811	60.03	73.32	42.99
27. महाराष्ट्र	96,752,247	934	922	77.27	86.27	67.51
28. आंध्र प्रदेश	75,727,541	972	978	61.11	70.85	51.17
29. कर्नाटक	52,733,958	960	964	67.04	76.29	57.45
30. गोवा	1,343,998	967	960	82.32	88.88	75.51
31. लक्षद्वीप	60,585	943	947	87.52	93.15	81.56
32. केरल	31,838,619	1036	1058	90.92	94.20	87.86
33. तमिलनाडु	62,110,839	974	986	73.47	82.33	64.55
34. पांडिचेरी	973,839	979	1,001	81.49	88.89	74.13
35. अंडमान एवं निकोबार द्वीप	365,265	818	846	81.18	86.07	75.29

नोट: भारत की जनसंख्या में गुजरात के पूरे कच्छ जिले, मौरवी–मियाना राजकोट जिले के वानकानेर तालुक और जामनगर जिले के जोडिया तालुक व हिमाचल प्रदेश के किन्नौर जिले की अनुमानित जनसंख्या सम्मिलत है क्योंकि यहां प्राकृतिक आपदाओं के कारण जनगणना का कार्य नहीं हो सका।

जम्मू काश्मीर की जनसंख्या व घनत्व में पाकिस्तान द्वारा अनधिकृत हिस्से की जनसंख्या शामिल नहीं है।

धार्मिक सम्प्रदाय

रत के प्रमुख धार्मिक सम्प्रदाय हैं: हिन्दू, मुस्लिम, ईसाई, सिख, बौद्ध, जैन और पारसी। इनमें अन्तिम दो संख्या में कम हैं पर अनेक सदियों से महत्वपूर्ण हैं। सन् 1991 में असम को छोड़कर कुल जनसंख्या में हिन्दुओं की संख्या 67.25 करोड़, मुस्लिम 9.52 करोड़ ईसाई 1.88 करोड़, सिक्ख 1.62 करोड़, बौद्ध 0.63 करोड़ जैन 0.33 करोड़ थी। 1981 से 91 तक आबादी में वृद्धि 15.68 करोड़ की हुई है। हिंदुओं की आबादी में वृद्धि 12.48 करोड़, मुस्लिमों की वृद्धि 2.34 करोड़, ईसाई–26 लाख, बौद्ध–17 लाख, सिक्ख–13 लाख और जैन केवल 2 लाख बढ़े हैं।

जहां लगभग हर धर्म के लोगों की आबादी में काफी वृद्धि हुई है जैन धर्म के अनुयायियों की वृद्धि केवल 4.42% ही है। इसके बाद ईसाईयों का स्थान आता है लकिन उनकी वृद्धि दर 16.89% है। हिंदू 22.78%, सिक्ख 25.48%, बौद्ध 35.98% और मुसलमान 32.76% बढ़े हैं।

जैनों की आबादी बिहार, हरियाणा, मेघालय, मिजोरम, उड़ीसा, पंजाब, राजस्थान, सिक्किम, पश्चिम बंगाल और चंडीगढ़ में घटी है। त्रिपुरा और अंडमान निकोबार जहां जैनियों की आबादी बढ़ी है वह नाममात्र की है। यहां बढ़ोत्तरी केवल 9 लोगों की हुई है।

हिंदुओं की आबादी केवल एक राज्य मिजोरम में घटी है और वह भी केवल 457 लोगों की। बाकी हर प्रदेश में हिंदुओं की आबादी बढ़ी है। ईसाईयों की आबादी केवल आंध्र प्रदेश में घटी है। वहां पहले 14 लाख ईसाई थे अब घट कर 12 लाख रह गये हैं। सिक्ख अरुणाचल प्रदेश, मिजोरम, नागालेंड और पांडिचेरी में घटे हैं लेकिन कुल कमी 61 लोगों की है।

एक दिलचस्प बात यह है कि केरल में 1981 से 91 के 10 वर्षों में बौद्धों की आबादी में न तो कमी आयी है और न ही बढ़ोत्तरी हुई है। 1981 में वहां 223 बौद्ध थे और अब भी इतने ही हैं। लेकिन पंजाब में बौद्धों की जनसंख्या में अप्रत्याशित वृद्धि हुई है। 1981 में वहां 799 बौद्ध थे जोकि 91 में बढ़ कर 24930 हो गये। इस प्रकार यहां बौद्धों की वृद्धि का प्रतिशत 3020.15 है। उत्तर प्रदेश में भी बौद्धों

की वृद्धि खासी हुई है। यहां वृद्धि का प्रतिशत 305.99 है। 1991 में यहां बौद्ध 2.21 लाख हैं जबकि 81 में इनकी संख्या केवल 54 हजार थी।

लक्षद्वीप की कुल आबादी 51707 हैं और 1991 की जनगणना में यहां केवल एक सिक्ख बताया गया है। यानी एक पूरा सिक्ख परिवार भी वहां नहीं है। 1981 की जनगणना में तो वहां एक भी सिक्ख नहीं था।

कुल आबादी में वृद्धि के प्रतिशत के आंकड़ो को देखें तो स्थितियां कुछ भिन्न दिखती हैं। देश की कुल आबादी में हिंदुओं का प्रतिशत चूंकि 0.68 घटा है तो इसका असर बिहार (0.55), गुजरात (0.50), हरियाणा (0.15), कर्नाटक (0.32), मध्य प्रदेश (0.16), महाराष्ट्र (0.28), मणिपुर (2.37), मेघालय (3.36), मिजोरम (2.09), नागालैंड (4.24), उड़ीसा (0.75), पंजाब (1.47), राजस्थान (0.28), तमिलनाडु (0.19), त्रिपुरा (2.84), उत्तर प्रदेश (1.57), पश्चिम बंगाल (2.24) और दादर एवं नागर हवेली (0.08) पर भी पड़ा है। ईसाईयों का कुल आबादी में 0.13 प्रतिशत घटा है। सिक्खों का 1981 से 91 तक की आबादी में प्रतिशत न तो घटा है और न ही बढ़ा है।

देश में मुसलिम समुदाय का आबादी दूसरे प्रमुख धार्मिक समुदायों की तुलना में तेजी से बढ़ी है। 1981–91 के बीच इसमें 32.76 प्रतिशत वृद्धि हुई जबकि इस दौरान जनसंख्या वृद्धि का राष्ट्रीय औसत 23.79 प्रतिशत रहा।

भारत के जनगणना आयुक्त की ओर से जारी रिपोर्ट के अनुसार 1981–91 के बीच देश की मुसलिम जनसंख्या दो करोड़ 40 लाख से भी ज्यादा बढ़ी। इस अवधि में देश में हिन्दू समुदाय की जनसंख्या में 22.70 प्रतिशत की वृद्धि हुई। यह दर राष्ट्रीय औसत की तुलना में लगभग एक प्रतिशत कम थी। तीस राज्य और केंद्र शासित प्रदेशों में से 26 में मुसलिम जनसंख्या अन्य समुदायों की तुलना में तेजी से बढ़ रही थी।

1991 में देश की कुल जनसंख्या में मुसलमानों का हिस्सा 10.88 प्रतिशत था जो 1991 में बढ़कर 11.67 प्रतिशत हो गया। इसी दौरान हिन्दू आबादी का अनुपात 83.09 प्रतिशत से घटकर 82.41 प्रतिशत रह गया। इस अवधि में ईसाई, सिख और जैन समुदायों की जनसंख्या 16.81, 25.48 और 4.42 प्रतिशत बढ़ी। केवल बौद्ध धर्मावलंबी जिनकी आबादी केवल 0.77 प्रतिशत है।

रिपोर्ट के मुताबिक 1981 में हिन्दू आबादी 54 करोड़ 77 लाख 90 हजार थी जो 1991 में बढ़कर 67 करोड़ 25 लाख 90 हजार हो गई। मुसलमान सात करोड़ 1.7 लाख 20 हजार, ईसाई एक करोड़ 61 लाख 60 से एक करोड़ 88 लाख 90 हजार, सिख एक करोड़ 29 लाख 40 हजार से एक करोड़ 62 लाख 40 हजार, बौद्ध 46 लाख 50 से बढ़कर 63 लाख 20 हजार और जैन 31 लाख 90 हजार से बढ़कर 33 लाख 30 हजार हो गए।

रिपोर्ट में महिला पुरुष अनुपात को देखें तो प्रति एक हजार पुरुष के बीच सिक्खों में 888, हिन्दुओं में 925, मुसलमानों में 930, जैनियों में 946, बौद्धों में 952 और इसाइयों में 994 महिलाएं थीं। अरुणाचल प्रदेश, मिजोरम, नागालैंड, चंडीगढ़, दादरा और नागर हवेली व दिल्ली में मुसलिम आबादी की वृद्धि दर 50 प्रतिशत से अधिक रही।

धार्मिक समाजशास्त्रियों के लिए रोचक तथ्य-1981 की जनगणना से मिलता है। गृहस्थ जनसंख्या का परिशिष्ट 183 उपवर्गों की सूची देता है जिनको अन्य धर्म और सम्प्रदाय के रूप में एक साथ गिना गया है। इनमें से 71,630 जोरोस्ट्रियन और 5,618 यहूदी है। 25,416 लोग धर्म से आदिवासी और 1367 जनजाति (नागालैंड में) हैं, 119 आत्मवादी और 25,985 जो सिर्फ गैर–ईसाई (मणिपुर, मेघालय तथा नागालैंड में 796 पैगन इन्हीं तीन राज्यों में और मणिपुर में 1,215 मीयन सम्प्रदाय के लोग हैं)।

अन्य जनजातियों ने अपनी विशिष्ट जनजातीय पहचान को धर्म के रूप में गिनाया है – उदाहरण के लिए जनगणना में 484, ओरान, 32,252 संथाल, 1481 गारो, 6975 गोंड, 4133 हो, 148,437 खासी 1160 मुंडा, 1296 नागा लोगों का उल्लेख है।

3382 संख्या वाले निरंकारियों ने जो हिन्दू सम्प्रदाय के अनुयायी ही हैं अपना जातीय या भौगोलिक नामों को गिनाया है जैसे अग्रवाल, बंगाली, गुजराती, मराठी, महाराष्ट्री, मारवाड़ी, मलयाली, तमिल, तेलुगु।

इससे अधिक शायद रोचक तथ्य यह है कि 5117 घर के लगभग 29,086 लोगों ने अपने आपको नास्तिक (तमिलनाडु, महराष्ट्र, मध्यप्रदेश, मणिपुर और बिहार के ग्रामीण क्षेत्रों में अधिकतर) बताया है। मानव धर्म के 816 अनुयायी हैं जिनमें आधे से अधिक महाराष्ट्र में हैं।

1981 की जनगणना कुछ अन्य रोचक तथ्य भी देती है: "भारत में असम को छोड़ कुल उर्वरता दर 3.9 ग्रामीण क्षेत्रों में, 2.8 शहरी क्षेत्रों में और 3.6 दोनों में मिलाकर हैं।

"यह भी ज्ञातव्य है कि मुसलमानों में उर्वरता दर सबसे अधिक है, इसके बाद बौद्धों, हिन्दुओं, सिखों, जैनों और ईसाइयों में है।"

"राष्ट्रीय स्तर पर जैनियों और ईसाईयों में कुल उर्वरता दर समान 26 है। लेकिन ग्रामीण और शहर क्षेत्रों में जैनियों में ईसाईयों से अधिक उर्वरता है।

सभी क्षेत्रों में कुल उर्वरता दर में यह स्पष्ट विरोध ग्रामीण–शहरी विभेदी–मिश्रण के कारण है। सिक्खों की कुल उर्वरता दर 3.4, हिन्दुओं और बौद्धों के लिए 3.6 और मुसलमानों की 4.1 है। विभिन्न जातियों में ईसाई स्त्री अनुपात पुरुषों की तुलना में बहुत अधिक है। प्रति 1000 पुरुषों में उनमें 992 स्त्रिया, बौद्धों में 953, जैनियों में 941, मुसलमानों में 937, हिन्दुओं में 933 और [illegible] में 880 है।

लेकिन दूसरी तरफ जनगणना के अनुसार [illegible] देर से शादी करना पसद करती हैं और इस [illegible] स्त्रियों की उर्वर आयु वर्ग (15 वर्ष से 49 [illegible] केवल 62 15 है, जबकि सिक्खों में यह [illegible] में 72 09% बौद्ध में 79.26%, मुसल[illegible] और हिन्दुओं में 82.35% है।

भारोपीय का उद्‌भव विकास और प्रसार

भारत से लेकर यूरोप तक फैली भाषाओं में कुछ गहरी समानताएं हैं। इसका क्षीण आभास आज से दो–ढ़ाई हजार साल पहले भी था (पतंजलि) कि जिन शब्दों का संस्कृत में व्यवहार होता है, उनका प्रयोग देशांतर में भी होता है और इससे इनके इतने रूप हो जाते हैं कि एक शब्द को भी पूरी तरह समझ पाना एक महान उपलब्धि हो सकती है। इसका आभास धर्मप्रचार के लिए सुदूर देशों में जाने वाले बौद्ध भिक्षुओं को हुआ होगा। दूसरी बार इसकी ओर सत्रहवीं शताब्दी के आरंभ में धर्मप्रचार के लिए आए मिशनरियों का ध्यान गया। पर इसे एक स्थापना का रूप विलियम जोंस ने रायल एशियाटिक सोसायटी आफ बंगाल में, एक व्याख्यान में दिया। उन्होंने संस्कृत के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि इस भाषा की प्राचीनता जो भी क्यों न हो, इसका विन्यास अद्‌भुत है। यह ग्रीक से अधिक अखोट, लातिन से अधिक समृद्ध और इन दोनों में से किसी से भी अधिक सुपरिष्कृत है, फिर भी इन दोनों से, धातुओं और व्याकरण के रूपों में, जितनी निकट है वह मात्र संयोग नहीं हो सकता। निकटता इतनी गहरी है कि कोई भाषाशास्त्री (फिलोलोजर) इनकी जांच यह माने बिना कर ही नहीं सकता कि ये एक ही स्रोत से निकली हैं, जिसका आज अस्तित्व नहीं है। इस क्रम में उन्होंने यह भी सुझाया कि संभवतः केल्ट और ...क की भी उत्पत्ति उसी से हुई जिससे संस्कृत की और ... फारसी भी इसी परिवार की भाषा हो सकती है।

इसके बाद जर्मनी, फ्रांस, ब्रिटेन आदि में भाषाविद इन ...लों का जवाब तलाशने लगे कि उस लुप्त भाषा का स्वरूप क्या था, वह कहां और किन लोगों द्वारा बोली जाती थी, वह किन परिस्थितियों में इतने विशाल क्षेत्र में फैली, और उसे किस नाम से पुकारा जा सकता है।

यह बात आरंभिक अध्ययनों में ही स्पष्ट हो गई थी, कि संस्कृत इन सभी में प्राचीनतम है, और इसमें शब्द, धातुएं, रूपावली, वाक्यविन्यास, सभी पूरी तरह सुरक्षित है, जब कि यूरोप की भाषाओं को समग्र पूंजी का एक लघु अंश ही प्राप्त हुआ है। इसके साथ ही इसका उन सभी भाषाओं से जिनको इस परिवार में शामिल किया जा सकता है, सीधा संबंध है; इसलिए, यह परस्पर दूरस्थ लगने वाली यूरोपीय भाषाओं की गुत्थियों को सुलझाने में समर्थ है।

मूल भाषा

ऐसी स्थिति में विद्वानों को लगता रहा कि मूल भाषा या तो भारत में बोली जाती थी या इसके सटे पास। उन्हें लगता था कि मूलभाषा वैदिक से अधिक भिन्न नहीं थी। यह सचाई नवोदित यूरोप के लिए कड़वा घूंट थी। अतः एक ओर यह प्रयत्न भी चलता रहा कि वेद को भारत से बाहर रचा हुआ सिद्ध कर किया जाए और इसकी प्राचीनता को कुछ कम किया जाए। इसके लिए जो तर्क जुटाए गए वे लचर थे। पर एक तो यह दावा किया गया कि वेद के पुराने अंश भारत से बाहर, संस्कृत में नहीं, भारोपीय भाषा में रचे गए हैं और नए मंडल भारत में। दूसरे यह कि यूरोप की भाषाएं कुछ मामलों में संस्कृत की भी गुत्थियां सुलझा सकती हैं। पहला निराधार था जिससे घालमेल से काम लिया गया था। दूसरे का कोई अर्थ नहीं था, क्योंकि भारतीय बोलियों में मिलने वाले संस्कृत के तद्‌भव रूपों के आधार पर भी यह दावा अधिक औचित्य के साथ किया जा सकता है कि यूरोप की भाषाओं के अनेक रूपों पर ये बोलियां अधिक प्रकाश डालती हैं। उदाहरण के लिए अं. मड– कीचड़, भोज. मड़िया–कीचड़, मड़िया में लिपटना, माड़ – पके चावल का गाढ़ा पानी, माड़ी–कलफ के लिए तैयार किया गया गाढ़ा लेप। अं.नीयर, भोज.नीयर–निकट, नियराना–निकट आना, अं.बर्न, भो.बरना–जलना, अं.लेग–पांव, भो.लंगी अड़ाना, अं.लेम–भो.लंगड़, हिं.लंगड़ा, अं. कैप–टोपी, केप–ललाट, ला.कैपटिस, भो.क़पार–सं.क़पाल, भो.खपर–खोपड़ी के आकार का मिट्टी का पात्र, खोपड़ी–सिर की हड्डी, खपड़ा – खपरैल।

इस भाषा को खींच कर यूरोप में ले जाने के साथ भी समस्याएं थीं। उन जनों से जो पहले यह भाषा बोलते थे, अपना रक्त संबंध जोड़ने और अपने देश को उस भाषा का मूल क्षेत्र सिद्ध करने की होड़ सी मच गई। यह आग्रह जर्मन विद्वानों में सबसे अधिक था, जो अंत तक बना रहा। पर दूसरे देशों के विद्वान, जैसे फ्रांसीसी, अपने को शुद्ध आर्य सिद्ध करने और मूल क्षेत्र को अपने देश में खींच लाने के लिए कम व्या... नहीं थे। इस नोक–झोंक में दोनों के बीच अपनी श्रेष्ठता सि... करने के लिए जो तकरार छिड़ी, उससे नृतत्व नाम ... अध्ययन की एक अन्य शाखा का जन्म हो गाया।

इस विवाद के कारण यह तय नहीं हो पा रहा था कि ... भाषा यूरोप में कहां बोली जाती थी। विवाद से बचने के लि... यह तय हुआ कि यह 'यूरोप में ही कहीं, समस्वेयर इन यूरो... बरो/वा ली जाती रही होगी। यह 'कहीं' कहां और किस तर... तय हो, यह अलग प्रश्न था। इसलिए इस गोलमटोल ... से यूरोप के बीच रख दिया गया। इसके नामकरण को लेक... भी विवाद जारी रहा। अंततः, इसके लिए इंडोयूरोपी... अर्थात् भारोपीय, शब्द स्वीकार कर लिया गया जिससे इ... पूरे यूरोप का साझा रहे।

बहुत अधिक गर्मी पड़ती थी और बरसात बहुत अधिक होती थी (ओटो श्रेडर)। भौतिक संस्कृति से यह सिद्ध होता था कि वे नौचालन में दक्ष थे। कताई-बुनाई करते थे और सूती तथा ऊनी दोनों तरह के वस्त्र बुनते और पहनते थे। वे सिले नहीं, अनसिले वस्त्र उसी तरह पहनते थे जैसे भारत में धोती और साड़ी पहनी जाती थी। इन बातों की ओर ध्यान ही नहीं दिया गया। यह इस बात का प्रमाण था कि वे जिस भौगोलिक परिवेश में रहते थे, वह ऊष्ण कटिबंधीय था और जिस काल में वे यूरोपीय क्षेत्र में पहुंचे थे उस काल में वे वनस्पतियां उसमें प्रधान रूप से उगती थीं जिनको आद्य-भारोपीय के लिए प्रस्तावित किया गया था। इससे यह भी सिद्ध होता था कि आद्य-भारोपीय बोलने वाले पशुचारण की अवस्था में नहीं थे। उनकी एक विकसित संस्कृति थी, जब कि दूसरी सहस्राब्दी ई. पू. के मध्य तक यूरोप का सांस्कृतिक स्तर पशुचारण से आगे नहीं बढ़ पाया था। इसीलिए आर्यों को भी पशुचारी सिद्ध करने के प्रयास किए गए थे, जब कि ऋग्वेद से उन्नत और चतुर्मुखी विकास की पुष्टि होती है।

समेम और कॅंटम का वर्गीकरण भी निर्दोष नहीं है। कॅंटम में भी सतेम के तत्व पाए जाते है और यूरोप की ही पूर्वी-उत्तरी भाषाएं सतेम वर्ग में आती है। ये दो भाषारूप युरोप में नहीं उभरे थे। पश्चिमी दक्षिणी चीन के तुर्किस्तान क्षेत्र तूखार से प्राप्त प्राचीन अभिलेखों में, जिन्हें तूखारियन-ख कहा जाता है, कॅंटम के लक्षण मिलते हैं। यह उस लघु पामीर के निकट है जिसे कभी मैक्समूलर ने संयुक्त भारोपीय परिवार का मूल निवास घोषित किया था।

वंशावली तैयार करते हुए वंशवृक्ष की बुनियादी अपेक्षाओं की अवहेलना की गई है। यह स्वीकार किया जाता है कि संस्कृत उपलब्ध भाषाओं में सबसे प्राचीन, अधिक विशद, अधिक निखोट, अधिक सुपरिष्कृत हे और यही एकमात्र ऐसी भाषा है जो ग्रीक, लातिन, जर्मनिक, लिथुआनी आदि सभी . सीधा जुड़ाव रखती है, जयकि उनमें परस्पर अलगाव है। : संस्कृत सभी की मूल भले न सिद्ध हो, वह तना तो सिद्ध ही है, जिससे ये शाखाएं जुड़ी हैं। एक से बहु का ...न तो संभव है, पर बहु से एक का नहीं।

फिर, यदि वंशवृक्ष का तर्क सही है तो पीछे की ओर लौट कर हमें एक ऐसी भाषा पर पहुंचना चाहिए जिसमें पूरी एकरूपता हो और उसकी बोलियां न हो। कारण अनेक से अनेक की उत्पत्ति में जन्मगत संबंध का आधार ही समाप्त हो जाएगा। परंतु पुनर्सर्जित रूपों से एक ऐसी भाषा का पता चलता हैं जिसमें अनेक बोलियां थीं। इतना ही नहीं। कुछ आत्मग्रस्त यूरोपीय भाषाविदों ने मूल की तलाश में इससे भी पीछे जाकर जिस मूलातिमूल की तलाश की है/मैलोरी/ उसका नाम उन्होंने नोस्त्रातिक लैंग्वेज, अर्थात् 'हमारी भाषा', रखा है। पर इसमें भी उन्हें बहुत सी बोलियां दिखाई देती हैं और इस आधार पर उन्होंने दावा किया है कि सामी, द्रविड़ और आस्त्रिक आदि भाषाएं और इनका व्यवहार करनेवाले यूरोप में ही रहते थे और 'हमारी भाषा' बोलते थे। यह समय में उल्टी यात्रा है। इससे केवल यह सिद्ध होता है कि अकेले भारोपीय ही नहीं, दूसरी भाषाओं के तत्व भी यूरोप में लगभग उतने ही प्राचीन चरण में पहुंचे थे। इसलिए खोज यह होनी चाहिए कि किस क्षेत्र में इन भाषाओं का संपर्क भारोपीय से संभव था। भारत में द्रविड़, कोल या आस्त्रिक ये निजी भाषा क्षेत्र हैं। स्थान नामों पर ध्यान दें/रामविलास शर्मा/तो पाएंगे कि इन दोनों के छोटे-छोटे अंचल उसी भाषा क्षेत्र में बाद तक बने रहे हैं जिसमें उस भाषा के अंचल थे जिसा विकास वैदिक में हुआ-मुंडा झाड़-पेड़, हिंझाड़ी, झालवाड़, झाड़खंड, झरिया, बिड़हर/हरियाणा/बिड़हर/पूर्वी उत्तर प्रदेश/बिरहोर-एक मुंडा उपजाति/ यहां की संपर्क भाषा में इनके तत्वों का समावेश नितांत स्वाभाविक था। वैदिक बोलने वाले तुर्की में दूसरी सहस्राब्दी से कुछ पहले पहुंच चुके थे। दूसरी सहस्राब्दी के मध्य तक उनकी भाषा उस क्षेत्र की भाषाओं से इतनी प्रभावित हो चुकी थी कि इसकी पहचान कुछ शब्दों और देवनामों से ही संभव थी। इसके लूवियन, इलीरियन और हत्ती, तीन रूप बन गए थे। यही इसमें सामी के तत्व मिल सकते थे। आगे जाकर यूरोप के पुराने भाषाक्षेत्रों में पहुंचने पर इसके और भी कई रूप होने ही थे। इससे हम यह भी समझ सकते हैं कि बोलियां किसी भाषा के विघटन या विशाखन से पैदा नहीं होती हैं। ये किसी प्रधान भाषा के दूसरे भाषा क्षेत्रों में फैलने से उन भाषाओं के अवशिष्ट तत्वों की अतिजीविता से पैदा होती हैं।

एक शाखा की जो उपशाखाएं गिनाई जाती हैं उनकी निकटता का ठीक क्या कारण है, यह तक किसी को नहीं मालूम। 'परिवार की सीमाओं के बारे में या इसे किन मुख्य समूहों में बांटा जा सकता है, इसे लेकर अब कोई बहस नहीं है, पर इन समूहों के अंतः संबंध को लेकर आज भी मतभेद बने रह गए हैं। इसका कारण यह है कि तुलनात्मक भाषाविज्ञान की क्लासिकी पद्धति इस मामले में कोई निर्णायक उत्तर देने की स्थिति में नहीं है। देखना यह है कि क्या नई पद्धतियां इसमें सफल हो पाती हैं या नहीं (ग्लीसन)।' फिर उससे पीछे की अवस्था के विषय में, जैसा कि हमने देखा, वंशवृक्ष की मान्यता तो और भी हास्यास्पद हो जाती है।

आर्य आक्रमण

भारोपीय भाषा भारत में आर्य आक्रमण से पहुंची थी, या अवधारणा औपनिवेशिक सत्ता को जायज ठहराने के लि आरोपित की गई थी। यह यहीं तक सीमित नहीं थी, जित जन और भाषाएं – कोल या मुंडारी, द्रविड़ आदि – भार में पाई जाती हैं उनका व्यवहार करनेवाले एक दूसरे प आक्रमण करते हुए ही आए थे। रोचक बात यह कि ये स यूरोप के ही किसी न किसी कोने से ही चली थीं। आक्रम की बात केवल विशेष रूप से भारत के ही संदर्भ में की जा है। यूरोप के ही इतर क्षेत्रों पर आक्रमण नहीं हुआ था। व कहीं कहीं आक्रमण की धुंध सी तैयार की गई है, जैसे ग्री के बारे में, जो व्याख्या के बाद गलत सिद्ध होती है। अ पुरातत्व, नृतत्व/हैंफिल, केनेडी, लूकाक्स/ आदि से सिद्ध हो चुका है कि भारत पर ऐसा कोई आक्रमण न द्रविड़ों का हुआ, न आर्यों का। कम से कम 4500 ई.पू भारतीय मानव समुदाय की धारा पहली सहस्राब्दी ई. पू मध्य तक अव्याहत चलती रही। इसके बाद, दूसरी शत से पहले कभी, सिंधु के पार के क्षेत्र/सराय खोला/में प बार नए तत्वों का प्रमाण मिलता है।

इस तरह हम पाते हैं कि भारोपीय के विषय में समस्त मान्यताएं यूरोप की वर्चस्ववादी जरूरतों से तैयार की गई थीं और इसलिए बाद में इनकी विसंगतियों को लक्ष्य करने के बाद भी इनको पूरी तरह नकारा नहीं गया, पर ये कभी विश्वसनीय न बन पाई। इस घालमेल ने तुलनात्मक भाषाविज्ञान या 'साइंस आफ लैंग्वेज' (मैक्समूलर) को भाषाविज्ञान के षडयंत्र में बदल दिया और इसके लिए फिर फिलोलोजी या भाषाशास्त्र शब्द अधिक उपयुक्त पाया जाने लगा।

भाषा परिवार के लिए भाषा समुदाय और उपसमुदाय का प्रयोग अधिक समीचीन है। कारण, भाषा एक सामाजिक उत्पाद है। सामाजिक उत्पादों और संस्थाओं का चरित्र जैव प्रजनन के विपरीत होता है। जैव प्रजनन में एक अनेक में विभाजित होता चलता है। सामाजिक संस्थाओं और विकासों में अनेक जुड़ कर एक होते हुए अपने से बृहत्तर रूप लेते जाते हैं और अपनी जैव सीमाओं को अतिक्रांत करते हैं। भाषाओं का विकास, विस्तार यहां, तक कि ह्रास और लोप तो होता है, प्रजनन और वंशवृद्धि नहीं।

एक ही भाषा अनेकानेक भाषाक्षेत्रों में व्यवहार में आने लगती है तो उसमें इतनी भिन्नता आ जाती है कि एक क्षेत्र का व्यक्ति दूसरे क्षेत्र में उसी भाषा में कही बात को समझ नहीं पाता। इसका अच्छा उदाहरण अंग्रेजी है। शिथिलता से काम लें तो विश्व में फैली अंग्रेजी के सभी रूपों को अंग्रेजी परिवार में रखते हुए इसकी भी शाखाएं और उपशाखाएं बनाई जा सकती हैं। यदि इनमें अंग्रेजी के ही उच्चारण में प्रयुक्त ध्वनियों की तुलना करते हुए अंग्रेजी की ध्वनिमाला तैयार की जाए तो वह भी अंग्रेजी की ध्वनिमाला से उतनी ही विचित्र और विशद होगी जितनी संस्कृत से भारोपीय की कल्पित ध्वनिमाला है। उदाहरण के लिए 'वी' के बंगाली उच्चारण के आधार पर इसमें 'भ' और मराठी उच्चारण के आधार पर 'व्ह', और हिन्दी उच्चारण के आधार पर 'व' की तीन ध्वनियां तो एक ध्वनि से ही बन जाएंगी। अंग्रेजी के ये सभी अवांतर रूप अंग्रेजी की संतान नहीं, अपितु अंग्रेजी ही हैं।

अब हम इस पूरी समस्या पर नए ढंग से विचार करते हुए यह देख सकते हैं कि यूरोप तक फैलने वाली यह भाषा किन परिस्थितियों में विकसित हुई थी? इसका नाभिकीय क्षेत्र क्या था? इसके विस्तार के चरण क्या थे? इसमें किन-किन चरणों पर किन नए तत्वों का समावेश होता गया? इसने उस पूरे भूभाग पर एकाधिकार कर लिया या वहां की विविध भाषाओं को इस सीमा तक प्रभावित किया कि एक बार तो यह भ्रम पैदा हो जाए कि ये सभी उसी की संतान हैं जब कि उनका प्राचीन भेदक चरित्र आज तक बना रह गया है?

वैदिक भाषा

ऋग्वेद से जिस भाषा का परिचय मिलता है वह संस्कृत से कम समृद्ध या कम ओजस्वी भाषा नहीं है। यह इतनी विकसित भाषा है कि इसमें सूक्ष्मतम अमूर्त संकल्पनाओं को व्यक्त करनेवाली समृद्ध और भेदक शब्दावली थी। कोई भाषा इतनी उन्नत अवस्था में तभी पहुंच पाती है जब वास्तविक जीवन में वैसी ही समृद्धि और सूक्ष्मदृष्टि आ सकी हो। इसके विकास के लिए जिस सांस्कृतिक परिवेश की आवश्यकता है वह पूरे भारोपीय जगत में उस काल में हड़प्पा सभ्यता से बाहर नहीं मिलता। भारत में कोई भाषा नहीं है जिसमें हड़प्पा के विकासों के अनुरूप तकनीक शब्दावली हो। तथाकथित आर्य भाषाओं के अतिरिक्त द्रविड़ अकेली है जो ईस्वी सन से कुछ शताब्दी पहले से उन्नत संस्कृति की भाषा बनी थी, परंतु उसकी भी तकनीकी शब्दावली का 40 प्रतिशत संस्कृत से लिया गया है (काल्डवेल)। ऐसी स्थिति में हम पाते हैं कि हड़प्पा की व्यावहारिक भाषा वैदिक थी। इसका प्रसार आर्थिक और सांस्कृतिक कारणों से, हड़प्पा सभ्यता के प्रसार के साथ हुआ और इसके सीधे संपर्क से पहले वहां के वे लोग आए जो इन गतिविधियों से जुड़े हुए थे और फिर इसका प्रसार, मुख्यत: उनके माध्यम से शेष स्थानीय जनता के बीच हुआ। तुर्की इसका अच्छा उदाहरण है। वहां से प्राप्त अभिलेख चौदहवीं शताब्दी के हैं, परंतु यह माना जाता है कि इस क्षेत्र में आर्य 2000 ई.पू. के लगभग, या कहें, परिपक्व हड़प्पा की अंतिम शताब्दियों में ही पहुंच गए थे, क्योंकि इस काल के आसपास असीरियाई व्यापारियों के अक्कादी भाषा और कीलक लिपि में लिखे अभिलेखों में आर्य भाषा के कुछ शब्द मिलने लगते हैं। किसी अन्य भाषा-भाषी के अभिलेखों में दूसरी भाषा के शब्द तत्काल नहीं आ जाते। अक्सर इसमें शताब्दियां लग जाती हैं। इसलिए इस प्रसार को परिपक्व हड़प्पा काल में रखा जा सकता है। उस क्षेत्र में इन्होंने असीरियाई व्यापारियों से क्रमश: उनका व्यापारिक एकाधिकार छीन लिया था। आगे चल कर इन्होंने राजनीतिक और सांस्कृतिक वर्चस्व भी पा लिया था और उस क्षेत्र के युद्धों में किसी न किसी पक्ष से भाग भी लेने लगे थे। इसका अभास मिस्री राजा रामसेस द्वितीय पक्ष में बारहवीं शताब्दी में लड़े गए युद्ध में उनकी भागीदारी में मिलता है। तुर्की में ये लोग पूर्व की दिशा से पहुंचे थे। प्राचीन असीरियाई अभिलेखों में इन्हें पूरब के रणबांकुरे, माइटी मेन आफ दि ईस्ट, कहकर याद किया गया है।

हड़प्पा सभ्यता आकाश से टपकी नहीं थी, हजारों साल के दौरान इसका विकास हुआ था। यह किसी एक क्षेत्र से, जिसके विषय में अभी पुरातत्वविदों के बीच कुछ अनिश्चय है, विकसित होकर, क्रमश: उस विशाल क्षेत्र में फैली थी जो जम्मू से लेकर उत्तरी महाराष्ट्र तक और गंगाघाटी से लेकर बलूचिस्तान तक के भूभाग को समेटे हुआ है। यह अपने समय की सबसे विशाल व उन्नत सभ्यता थी। इसकी भाषा अपने समय की सबसे उन्नत भाषा थी। इसकी ध्वनिमाला अपने ही नहीं, बाद के समयों की भी सबसे विशद ध्वनिमाला थी। भाषा की शुद्धता पर इसका जोर होने के बाद भी इसमें क्षेत्रीय प्रयोग मिलते हैं जो इस बात को प्रकट करते हैं कि यह अनेक भाषा क्षेत्रों में फैली थी, जो इसकी बोलियां बनती चली गई थीं। परंतु अपने मूल रूप में न तो यह इतनी समृद्ध थी, न इसकी ध्वनिमाला इतनी विशद। यह कुछ तो दूसरे क्षेत्रों की भाषिक संपदा और ध्वनिमालाओं को आत्मसात् करने से पैदा हुई समृद्धि थी, कुछ सांस्कृतिक विकास के परिणाम स्वरूप। कुछ ध्वनियां अन्य भाषा-भाषियों की अपनी सीमाओं के कारण भी पैदा हो सकती है। अंतत: कुछ ध्वनियां वैयाकरणों द्वारा कल्पित और कुछ शब्दावली कवियों और विद्वानों द्वारा भाषिक इंजीनियरी से गढ़ी हुई।

सांस्कृतिक उन्नयन

हड़प्पा सभ्यता के आद्य रूप जब से मिलने लगते है उससे बहुत पहले से एक विशाल क्षेत्र में जिसका केंद्र मध्यप्रदेश को माना जा सकता है, नवपाषाणी संस्कृति, पशुपालन और कृषि तथा इनके साथ तकनीकी प्रयोगशीलता देखने में आती है। इस विशाल क्षेत्र में बहुत से गणों के लोग बसे हुए थे। इनमें से जो नाम ऋग्वेद में आए हैं, ये हैं अनु, दुह्यु, शिग्रु, अज, यदु, तुर्वश, भृगु, तृत्सु, पूरु, कुरू, चेदि, भरत, कुशिक, शिव, विषाणी, पक्थ, भलान, अलि, पणि, कीकट आदि। कुछ गणनामों को जैसे अज–बकरा, अलि–भ्रमर, कौशिक–उल्लू, विषाणी–सींग लगाने वाले, टोटेम से निकले गणनाम माने गए हैं (कोसंबी)। कुछ के नाम कभी व्यक्ति के लिए आए हैं। कभी बहुवचन में, गण या दल के लिए। कुछ को दस्युओं या असुरों का पर्याय माना गया है पर ये भी ऐसे गणों के सूचक हो सकते हैं जिनकी भाषा, संस्कृति और जीविका के साधन भिन्न थे और जिनसे उनके टकराव होते रहते थे। कुछ व्यक्ति नाम ऐसे हैं जिनका अर्थ मनुष्य होता है, और इस अर्थ में प्रयोग में भी आए हैं जैसे नहुष, मनु। ये उन जनों की याद दिलाते हैं जिनका शाब्दिक अर्थ मनुष्य है जैसे मुंडा, नग, मग, अतः ये उन जनों के सूचक हो सकते हैं, जिनकी अलग भाषा थी, पर जो कृषि तंत्र से उभरने वाली नई समाज–व्यवस्था में खपकर अपनी पुरानी पहचान खोते चले गए। इनमें मनु गण वह मुख्य गण हो सकता है जिसके नाभिकीय क्षेत्र में बसे उस गण और भाषा से संबंध हो जिसमें भारोपीय का आद्यरूप प्रचलित था।

इससे यह प्रकट होता है कि अनेकानेक भाषाएं बोलने वाले जन जो आहारसंच से पशुपालन और कृषि की ओर अग्रसर हुए थे, इस क्षेत्र में बसे हुए थे, परंतु बीच बीच में जंगलों और पहाड़ों में ऐसे लोग भी थे जो अभी निम्न स्तर पर जीवन यापन कर रहे थे, जिन्हें वृक, अहि, वनर्गू, अराध और अकर्मा कहा गया है। यदि आर्य द्रविड़ या कोल भाषा के रूप में इनको चलें तो उसी तरह इनको समझ न पाएंगे जैसे वर्णो बांट कर इनके गणों को समझना चाहें तो उसमें कठिनाई होगी। आज भी इस देश में पांच सौ से अधिक भाषाएं बोली जाती हैं और एक–एक बोली क्षेत्र में ऐसी विशिष्टओं वाली उपबोलियां मिलती हैं जो इतनी लंबी रगड़ के बाद भी अपनी पहचान पूरी तरह नहीं मिटा पाई हैं। इनसे इस बात का कुछ अनुमान हो सकता है कि कितनी भाषाओं के क्रमिक अंतर्मिलन से उस भाषा का प्रौढ़ रूप विकसित हुआ था जिसका आगे चल कर दूरतम देशों तक विस्तार हुआ था। इस विस्तार क्रम में भी इसने नए तत्वों को ग्रहण, पुराने तत्वों का परिहार किया और इसका ध्वनितंत्र और शब्दभंडार भी बदला और बढ़ा।

इसी कारण अपनी शुद्धता बनाए रखने के प्रयास के बाद भी वैदिक में अवांतर प्रयोगों का बाहुल्य है जो परिवेशीय भाषाओं के दबाव को प्रकट करता है। लिखित भाषा में भी गम/ग्म/जम/यम/याम, ज्म/क्षम/क्ष्म: स्कम/स्कंभ/स्तभ/स्तंभ, धा/दा, हर/भर जैसे प्रयोगों का वैविध्य मिलता है। यह वैविध्य बोलचाल में अधिक रहा होगा। इसलिए जिन बोलियों का प्रमाण भारोपीय में मिलता है उनको अंत तक भिन्न बनी रह गई भाषाओं में नहीं, संपर्क भाषा में रच पच जाने के बाद भी अपनी पहचान बनाए रखने वाली भाषा प्रवृत्तियों में तलाशना होगा।

ऋग्वेद में यह उल्लेख है कि सरस्वती दृषद्वती और आपया का क्षेत्र संसार में सर्वश्रेष्ठ है। इस संकेत के आधार पर हम वर्तमान हरियाणा, उत्तर राजस्थान और पंजाब को वह नाभिकीय क्षेत्र मान सकते हैं जहां वह संस्कृति विकसित हुई, जिसकी भाषा का विकास भारोपीय या आद्य वैदिक के रूप में हुआ।

सांस्कृतिक उन्नयन के क्रम में आद्य–वैदिक या आद्य–भारोपीय में अनगिनत आर्येतर भाषाओं की शब्दावली है जिसका सही निर्धारण आज करना कठिन है (रामविलास शर्मा)। यह अपनी मूल ध्वनियों के साथ आद्यवैदिक में व्यवहार में आने लगा। इस तरह आद्यवैदिक की ध्वनिमाला का भी विस्तार हुआ।

माना जाता है कि आद्य भारोपीय में घोष–महाप्राण ध्वनियां थीं। पर स्थिति यह है कि इनका विकास या तो बाद में हुआ या ये किसी अन्य भाषा के प्रभाव से आई। संभवतः नाभिकीय क्षेत्र की ध्वनिमाला में घोष–महाप्राण ध्वनियां नहीं थीं। ये ध्वनियां पंजाबी, कश्मीरी, पश्तो आदि में नहीं पाई जातीं। पंजाबी भाषी आज भी घोष–महाप्राण ध्वनियों से आरंभ होने वाले शब्दों का ठीक उच्चारण नहीं कर पाते है। संस्कृत में भी घोष ध्वनियों का प्रयोग बहुत विरल है। केवल 'ध' और 'भ' इसके अपवाद हैं। परंतु वैदिक में इन ध्वनियों के बीच जहां–तहां बिन अर्थभेद के अघोष का व्यवहार होता रहता है। अतः संभावना यह लगती है कि सघा प ध्वनियां किसी अन्य भाषा से ग्रहण की गई जो इस भाषा में खप तो गई पर इतनी प्रभावशली थी, कि इसकी छाया संस्कृत से अधिक बोलियों में बनी रह गई है।

--कुछ बोलियों में घोष–महाप्राण ध्वनियों के लिए आग्रह सा है। संस्कृत में जहां अघोष–महाप्राण, या घोष–अल्पप्राण ध्वनियां पाई जाती हैं वहां बोलियों में घोष–महाप्राण – जटा – झोंटा, जूट–झूंटा, जल/गल झलका/गलका, पाठ–पढ़ाई, पीठ–पीढ़ा, आदि। बोलियों में बहुत से ऐसे शब्द हैं जिनका कोई तत्सम रूप नहीं मिलेगा या खींच तानकर गढ़ा हुआ मिलेगा जैसे घाघ, घिघिआना, घुसना, घुड़कना, घोड़ा, घुघुची, झझरी, झंझट, झिझिया, झोंझ, झुंझलाना, ढाढ़ी, ढोंढ़ी, ढिमिलाना, ढेंकी, ढंढ, धुंधुका, धिंडरा, धौंक, लद्धड़, धोंधा, भेमना, मचकना, भड़कना, भउरी, अभुआना, डभका, भांटा, भटनी, भट्ठा, गब्भा आदि। जहां संस्कृत ने घोष–महाप्राण ध्वनि वाले शब्दों का तत्समीकरण किया है वहां उसका प्रयत्न उनका अघोषीकरण करने का रहता है – घूंघट–अवगुंठन, भिल्म–बिल्म। जिस भाषा या जिन भाषाओं में घोष–महाप्राण ध्वनियों के लिए विशेष आग्रह था, उन्हीं के प्रभाव से नाभिकीय क्षेत्र की भाषा में भी इनका प्रवेश हुआ लगता है। यह कितनी प्रभावशाली थी इसका अनुमान इस बात से ही लग सकता है कि संस्कृतेत्तर घोष–महाप्राण ध्वनियों वाले शब्द बहुत बड़े क्षेत्र में व्याप्त हैं।

ऋग्वेद के संहितापाठ में जहां मूर्धन्य ध्वनियां है वहां पदापाठ में दंत्य ध्वनियां: णु–नु, ण–न, ष्टवाम–स्तवान,

यूरोपीय नीयर ईस्ट या निकट पूर्व कहते रहे हैं। यह वही क्षेत्र है जहां आर्य भाषा और संस्कृति के प्रमाण मिलते हैं। होमर ने जिस ग्रीक में अपना महाकाव्य लिखा था वह लघु एशिया में प्रयोग में आती थी, इसलिए ग्रीक का आर्य भाषा से सीधा संबंध अकारण नहीं है। हम पहले देख आए हैं कि यूरोपीयों के निकट पूर्व की आर्य भाषाओं के कुछ शब्द उससे आगे की भाषाओं में पाए जाते हैं, पर उससे पीछे नहीं मिलते।

क्रमबद्ध विवरण

इस तरह हमें भारत से लेकर यूरोप के प्रवेश द्वार तक की यात्रा का एक क्रमबद्ध विवरण मिल जाता है। परंतु यह एकमात्र प्रवेश मार्ग नहीं था। तुर्की तक की यात्रा जलमार्ग और स्थलमार्ग दोनों से संभव थी। मध्येशिया से आगे बढ़ता यह प्रभाव उस दिशा में भी बढ़ा था जिसे अश्वपालन का प्राचीनतम क्षेत्र बताया जाता है। घोड़ों का पालन जिन भी लोगों ने किया हो, किया संभवतः मांस के लिए था। उस क्षेत्र से जब आर्य व्यापारियों का परिचय हुआ तो वे इसे बहुत अच्छी कोटि का गधा समझकर इसके लिए भी उन्हीं शब्दों का प्रयोग करने लगे जिनका प्रयोग गधे के लिए करते थे। अश्व का प्राचीन अर्थ गधा था। इसका प्राकृत रूप अस्स और अंग्रेजी ऐस, लातिन ऐसिनो आदि उसी अश्व से निकले हैं। उन्होंने परिवहन के लिए अधिक उपयोगी पाकर सुदूर यात्राओं में इसका उपयोग और व्यापार दोनों आरंभ कर दिया। पश्चिम एशिया में भी उन्होंने इसे पहाड़ी गधे के रूप में ही बेचना आरंभ किया था। वे रथों से पहले छकड़ा या गधा–गाड़ी से माल ढोया करते थे। पहिए के आविष्कार, गधों, बैलों, ऊंटों और घोड़ों को भारवाही जानवर के रूप में उपयोग में लाने में आर्यों की अग्रणी भूमिका थी, इसलिए मध्येशिया, ईरान, तुर्की, ईराक, यूरोप सर्वत्र पहिए, गधे, घोड़े और अश्वपालन से संबंधित शब्द यदि अभारोपीय भाषाओं में भी बचे मिलते हैं, तो भी, वे भारतीय आर्यभाषा के ही हैं।

महत्वपूर्ण बात यह है कि यह प्रसार आक्रमण या आव्रजन के माध्यम से नहीं अपितु व्यापार और सांस्कृतिक आदान–प्रदान के माध्यम से हुआ। यह हड़प्पा सभ्यता के निर्माणकाल में ही आरंभ हो गया था, परंतु परिपक्व चरण में इसमें तेजी आई थी। इस भाषा का प्रसार किसी एक केंद्र से नहीं हुआ था। हड़प्पा के पूरे प्रसार क्षेत्र में अलग–अलग क्षेत्रों और केंद्रों के व्यापारियों का विदेशों में अलग–अलग क्षेत्रों और केंद्रों से अधिक कारोबार चलता था। ये मोटे तौर पर संपर्क भाषा का ही व्यवहार करते थे पर आपस में अपनी आर्य और आर्येतर बोलियां बोलते थे, और इसका इसी रूप में भारत से बाहर भी प्रभाव देखने में आता है। जैसे फिनो–उग्रिक क्षेत्र में मुंडा और द्रविड़ भाषाओं से निकटता रखने वाली बोलियां बोलने में अधिक सक्रिय थे। पशुपालन में इन्ही की अग्रता थी और घोड़े के प्रशिक्षण आदि में भी इनकी पहल अधिक रही लगती है। एलाम में द्रविड़ से निकटता रखनेवाले क्षेत्र का प्रभाव अधिक गहरा था।

इतिहास की प्रमुख घटनाएं

रत में आर्यों का आगमन 1500 ई पू में आरंभ हुआ। आर्य पंजाब में बस गए। वैदिक युग की सबसे प्रमुख बात ऋग्वेद की रचना थी।

ई.पू. 1000: आर्य गंगा की घाटी में फैल गए। ब्राह्मणों की रचना।

900: महाभारत युद्ध।

800: आर्य बंगाल तक पहुंच गए। महाभारत की रचना। रामायण का प्रथम रूप। महाकाव्य युग का आरंभ।

550: उपनिषदों की रचना।

544 (?): अनुश्रुति के अनुसार बुद्ध के निर्वाण की तिथि।

527 (?): फारस में डेरियस प्रथम का राज्यारोहण: डेरियस ने साइलेक्स को सिंधु अभियान पर भेजा: उत्तर–पश्चिमी भारत पर फारस की विजय।

500: आर्य दक्षिण भारत और श्रीलंका तक पहुंच गए।

326: भारत पर सिकन्दर का आक्रमण।

323: सिकन्दर की मृत्यु।

321: चन्द्रगुप्त पाटलीपुत्र में नंद वंश को उखाड़ फेंकता है और मौर्य वंश की नींव डालता है। चन्द्रगुप्त का प्रधान मंत्री कौटिल्य अर्थशास्त्र की रचना करता है।

272–232: अशोक का शासन काल।

185: मौर्य सेनापति ने अन्तिम मौर्य शासक बृहदथ को अपदस्थ करके शुंग वंश की नींव डाली।

145: चोल शासक इराट ने श्रीलंका को जीता। खारवेल ने कलिंग साम्राज्य का गठन किया।

58: कृत मालवा–विक्रम संवत्।

30: दक्षिण भारत में सातवाहन वंश। सुदूर दक्षिण में पांड्य साम्राज्य।

26: पांड्य शासक ने अपना राजदूत रोम भेजा। केरल में चेर शासक।

ईसवी 40: सिंधु घाटी और पश्चिमी भारत में शक अथवा सीथियन सत्ता की स्थापना।

52: उत्तर–पश्चिमी भारत में पार्थियन शासक गण्डोफरनीज। भारत में सेंट थामस ने अपना धर्मप्रचार आरंभ किया।

78: शक संवत् आरंभ।

98–117: सीथियन शासक कनिष्क।

320: चन्द्रगुप्त प्रथम ने गुप्त वंश की नींव रखी – गुप्त काल का आरंभ।

360: समुद्रगुप्त ने सारे उत्तरी भारत और अधिकांश ... भारत को जीत लिया ।
380–413: चन्द्रगुप्त विक्रमादित्य । गुप्त साम्राज्य का ... युग–साहित्यिक पुनर्जीवन–कालिदास और अन्य कवि। ... धर्म का पुनरुद्धार ।
606: हर्षवर्धन का राज्यारोहण ।
609: चालुक्य वंश का उदय ।
622: हिजरी संवत् का आरंभ ।
711: मुहम्मद–बिन–कासिम का सिंध आक्रमण ।
753: राष्ट्रकूट साम्राज्य का उदय ।
892: पूर्वी चालुक्यों का उदय ।
985: चोल राजवंश –राजराजा महान ।
1026: महमूद गजनी द्वारा सोमनाथ की लूट ।
1191: दिल्ली के शासक पृथ्वीराज चौहान ने मोहम्मद ... को हराया – तराइन का पहला युद्ध ।
1192: मोहम्मद गोरी ने पृथ्वीराज को हराया – तराइन ... दूसरा युद्ध ।
1206: कुतुबुद्दीन ऐबक ने दिल्ली में गुलाम वंश के ... की स्थापना की ।
1221: चंगेज़ खां के नेतृत्व में मंगोल आक्रमण ।
1232: कुतुबमीनार की नींव रखी गई ।
1298: मार्कोपोलो की भारत यात्रा ।
1290: जलालुद्दीन फिरोज खिलजी ने दिल्ली में ...लजी वंश का शासन स्थापित किया ।
1320: गयासुद्दीन तुगलक ने दिल्ली में तुगलक वंश का ...सन स्थापित किया ।
1333: इब्नबतूता का भारत भ्रमण ।
1336: विजयनगर (दक्षिण भारत) राज्य की स्थापना।
1398: भारत पर तैमूर का आक्रमण ।
1424: बहमनी वंश (दक्षिण भारत) का उत्थान ।
1451: लोदी वंश बहलोल लोदी दिल्ली के सिंहासन पर ...ठा ।
1489: बीजापुर में आदिल शाह राजवंश ।
1490: अहमदनगर में निजाम शाही राजवंश ।
1498: वास्कोडिगामा कालीकट में उतरा ।
1510: पुर्तगालियों ने गोवा पर कब्जा कर लिया– ...ल्बुकर्क गवर्नर ।
1518: गोलकुंडा में कुतुब शाही राजवंश ।
1526: पानीपत का पहला युद्ध – बाबर ने लोदियों को ...राया – मुगल राजवंश की स्थापना ।
1530: बाबर के बाद हुमायूं गद्दी पर बैठा ।
1538: गुरु नानक की मृत्यु ।
1539: शेरशाह ने हुमायूं को हरा दिया और दिल्ली का ...शासक बन गया ।
1555: हुमायूं ने इस्लाम शाह को हराकर दिल्ली की ...गद्दी पुनः प्राप्त कर ली।
1556: हुमायूं की मृत्यु अकबर का राज्यारोहण – ...अकबर ने पानीपत के दूसरे युद्ध में हेमू को हराया ।
1564: अकबर ने जज़िया या हिन्दुओं पर लगे तीर्थ ...यात्रा कर को समाप्त कर दिया ।
1565: तालीकोट का युद्ध–दक्षिण के मुस्लिम राज्यों के संयुक्त मोर्चे ने विजयनगर साम्राज्य को हराकर नष्ट कर दिया।
1571: अकबर ने फतेहपुर सीकरी नगर बसाया ।
1576: हल्दी घाटी का युद्ध – अकबर ने मेवाड़ के शासक राणा प्रताप सिंह को हराया ।
1582: अकबर ने हिन्दू धर्म और इस्लाम के बीच समन्वय स्थापित करने के उद्देश्य से दीने–इलाही धर्म की घोषणा की ।
1597: राणा प्रताप की मृत्यु ।
1600: अंग्रेजों की ईस्ट इंडिया कंपनी की स्थापना ।
1605: अकबर की मृत्यु और जहांगीर का राज्यारोहण।
1609: हॉलैंड की कंपनी ने पुलीकाट में फैक्टरी स्थापित की ।
1611: अंग्रेजों की कंपनी ने मसूली पटनम में फैक्टरी स्थापित की ।
1627: जहांगीर की मृत्यु–शाहजहां गद्दी पर बैठा–शिवाजी का जन्म ।
1631: शाहजहां की पत्नी मुमताज महल की मृत्यु–ताजमहल का निर्माण ।
1639: अंग्रेजों की कंपनी ने मद्रास में फोर्ट सेंट जार्ज की नींव डाली ।
1658: औरंगजेब दिल्ली की गद्दी पर बैठा ।
1664: शिवाजी ने राजा की उपाधि धारण की ।
1679: औरंगजेब ने पुनः जजिया कर लगाया ।
1707: औरंगजेब की मृत्यु ।
1720: पूना में बाजीराव पेशवा का राज्यारोहण ।
1739: फारस के शासक नादिरशाह ने दिल्ली पर कब्जा कर लिया ।
1742: मराठों ने बंगाल पर आक्रमण किया – डूप्ले पांडिचेरी का फ्रांसीसी गवर्नर बना ।
1748: प्रथम अंग्रेज–फ्रांसीसी युद्ध ।
1757: प्लासी का युद्ध – अंग्रेजों ने सिराजुद्दौला, मीर जाफर और बंगाल के नवाब को हराया ।
1760: वन्दीवाश का युद्ध–अंग्रेजों ने फ्रांसीसियों को हराया।
1761: पानीपत का तीसरा युद्ध – अफगानिस्तान के शासक अहमद शाह अब्दाली ने मराठों को हराया – मराठा साम्राज्यवाद का विस्तार रुका ।
1764: बक्सर का युद्ध–अंग्रेजों ने मीर कासिम को हराया।
1765: अंग्रेजों को बंगाल, बिहार और उड़ीसा की दीवानी मिली – क्लाइव बंगाल का गवर्नर बना ।
1766: अंग्रेजों को कर्नाटक में उत्तरी सरकार पर अधिकार प्राप्त हो गया ।
1767–79: प्रथम मैसूर युद्ध–अंग्रेजों को मैसूर के हैदर अली के साथ अपमानजनक शर्तों पर सन्धि ... पड़ी।
1772: वारेन हेस्टिंग्ज बंगाल का गवर्नर ।
1773: ब्रिटिश संसद ने रेग्युलेटिंग ऐक्ट पास कि...
1775–82: प्रथम अंग्रेज–मराठा युद्ध । सालबाई सन्धि ।

1780–84: दूसरा मैसूर युद्ध । अंग्रेजों ने हैदर अली को हराया ।

1784: पिट्स का इंडिया ऐक्ट ।

1790–92: अंग्रेजों और टीपू के बीच तीसरा मैसूर युद्ध – अनिर्णायक युद्ध जो श्रीरंगपट्नम की सन्धि के साथ समाप्त हो गया ।

1793: बंगाल का स्थायी बंदोबस्त ।

1798: वेलेजली भारत का गवर्नर–जनरल बना ।

1799: चौथा मैसूर युद्ध–अंग्रेजों ने टीपू को हराया–टीपू की मृत्यु – मैसूर का विभाजन ।

1810: अंग्रेजों ने कर्नाटक को अपने राज्य में मिला लिया।

1803–05: दूसरा अंग्रेज–मराठा युद्ध । अंग्रेजों ने आर्थर वेलेजली के नेतृत्व में असई नामक स्थान पर मराठों को बुरी तरह हराया ।

1817–19: अंग्रेजों ने मराठों को अन्तिम रूप से कुचल दिया ।

1828: लार्ड विलियम बैंटिक गवर्नर–जनरल बना–सामाजिक सुधारों का काल–सती निषेध (1829), ठगों का दमन (1837) ।

1881: रणजीत सिंह के नेतृत्व में सिक्खों का उत्थान।

1845–46: प्रथम अंग्रेज–सिक्ख युद्ध–सिक्खों की हार।

1848: लार्ड डलहौज़ी गवर्नर जनरल बना ।

1848–49: द्वितीय अंग्रेज–सिक्ख युद्ध–सिक्ख युद्ध में हार गए ।

1848: अंग्रेजों ने पंजाब को अपने राज्य में मिला लिया।

1853: भारत में बम्बई से थाने के बीच पहली रेल चली।

1857–58: स्वाधीनता की पहली लड़ाई ।

1858: ब्रिटिश सम्राट ने भारत में अंग्रेजी राज्य को अपने हाथ में ले लिया–महारानी विक्टोरिया की घोषणा ।

1861: इंडियन कौंसिल्स ऐक्ट, इंडियन हाईकोर्ट्स ऐक्ट, इंडियन पीनल कोड ।

1868: अम्बाला से दिल्ली तक रेल चली ।

1877: दिल्ली दरबार–इंग्लैंड की महारानी को भारत की सम्राज्ञी घोषित किया गया ।

1878: वर्नाक्यूलर प्रेस ऐक्ट ।

1881: फैक्टरी ऐक्ट–मैसूर राज्य उसके असली शासक को सौंप दिया गया ।

1885: इंडियन नेशनल कांग्रेस का पहला अधिवेशन ।

1892: भारत के प्रशासक को विनियमित करने हेतु इंडियन कौंसिल ऐक्ट ।

1899: लार्ड कर्ज़न गवर्नर जनरल और वायसराय बना।

1905: बंगाल का प्रथम विभाजन ।

1906: मुस्लिम लीग की स्थापना ।

1908: न्यूजपेपर्स ऐक्ट ।

1909: मिण्टो–मार्ले सुधार ।

1911: दिल्ली में सम्राट जार्ज पंचम और सम्राज्ञी मेरी का दरबार । बंगाल विभाजन रद्द और बंगाल प्रेसीडेन्सी का निर्माण। देश की राजधानी कलकत्ता से हटाकर दिल्ली लाई गई ।

1914: प्रथम विश्वयुद्ध आरंभ हुआ ।

1915: डिफेन्स आफ इंडिया ऐक्ट ।

1918: विश्व युद्ध समाप्त ।

1919: विश्व युद्ध के दौरान सरकार को जो असाधारण अधिकार प्राप्त थे, उन्हें स्थायी बनाने के उद्देश्य से लाए गए रोलेट ऐक्ट के विरुद्ध देशव्यापी विरोध । जलियांवाला बाग का हत्याकांड । अली बन्धुओं और मौलाना अबुल कलाम आजाद ने गांधीजी के समर्थन से खिलाफत आन्दोलन (टर्की के खलीफा के पद की पुनः स्थापना के लिए) हिन्दुओं और मुसलमानों के बीच पूर्ण सद्भाव । माण्टेग्यु–चेम्सफोर्ड सुधारों के द्वारा भारतीयों को सीमित प्रान्तीय स्वायत्तता प्रदान की गई।

1920: कांग्रेस ने असहयोग आन्दोलन की स्वीकृति प्रदान की । विद्यार्थियों ने कालेज छोड़ दिए और वकीलों ने वकालत छोड़ दी । सुधारों के प्रति जन–असंतोष प्रदर्शित करने हेतु ब्रिटिश कपड़ों आदि की होली जलाई गई ।

1921: मलाबार में मोपला विद्रोह । प्रिंस आफ वेल्स की भारत यात्रा । राष्ट्रव्यापी हड़ताल । भारत में जनगणना ।

1922: नागरिक अवज्ञा आन्दोलन । कांग्रेस ने गांधीजी को बारडोली सत्याग्रह का एक मात्र नेता बनाया । चौरी–चौरा में हिंसा । इसी कारण गांधीजी ने आन्दोलन स्थगित कर दिया।

1923: चितरंजनदास और मोतीलाल नेहरू ने स्वराज्य पार्टी बनाई। स्वराज्य पार्टी वालों का विचार कौंसिलों में जाकर अन्दर से सरकार को तोड़ने का था। खिलाफत आन्दोलन समाप्त हो गया, क्योंकि कमाल पाशा ने टर्की को धर्म–निरपेक्ष राज्य घोषित कर दिया । हिन्दू–मुस्लिम दंगे ।

1925: चितरंजनदास की मृत्यु ।

1926: कृषि सम्बन्धी रायल कमीशन । फैक्टरीज ऐक्ट

1927: इंडियन नेवी ऐक्ट । साइमन कमीशन की नियुक्ति

1928: साइमन कमीशन भारत आया । सभी दलों [illegible] कमीशन का बहिष्कार किया । सर्वदलीय सम्मेलन [illegible] मुसलमान नेताओं द्वारा सम्मेलन का त्याग ।

1929: भारत के वायसराय लार्ड इर्विन ने भारत के लि[ए] औपनिवेशिक स्वराज्य की घोषणा की । कांग्रेस के लाहौ[र] अधिवेशन में आजादी की मांग की गई । 31 दिसम्बर [की] आधी रात को कांग्रेस अध्यक्ष पंडित जवाहरलाल नेहरू [ने] लाहौर में राष्ट्रीय ध्वज फहराया ।

1930: 26 जनवरी को सारे देश में स्वाधीनता दिव[स] मनाया गया । सविनय अवज्ञा आन्दोलन प्रारम्भ रहा । गां[धी] जी द्वारा दांडी मार्च–नमक सत्याग्रह । सरकार ने दमन च[क्र] चलाया । प्रथम गोल मेज सम्मेलन ।

1931: गांधी–इर्विन समझौता । दूसरा गोल मे[ज] सम्मेलन । भारत में जनगणना ।

1932: कांग्रेस आन्दोलन को कुचलने का प्रयास । तीस[रा] गोल मेज़ सम्मेलन । साम्प्रदायिक निर्णय । पूना समझौता ।

1933: भारतीय सुधारों के सम्बन्ध में श्वेत पत्र ।

1934: सविनय अवज्ञा आन्दोलन वापस लिया गया

1935: गवर्नमेंट आफ इंडिया ऐक्ट ।

1936: सम्राट जार्ज पंचम की मृत्यु । एडवर्ड आठ[वें] का राज्यारोहण और गद्दी त्याग। जार्ज छठें का गद्दी पर बैठना।

1937: प्रान्तीय स्वायत्तता का उद्घाटन । बहुसंख्य प्रान्तों में कांग्रेस की सरकारें बनीं ।

1939: दूसरा विश्व युद्ध आरंभ हुआ। कांग्रेस सरकारों द्वारा त्यागपत्र । भारत में राजनैतिक गतिरोध ।

1941: विश्व युद्ध में जापान का प्रवेश । पर्ल हार्बर पर आक्रमण ।

1942: जापान के समक्ष सिंगापुर का पतन । जापान ने रंगून पर कब्जा कर लिया । ब्रिटेन ने बर्मा छोड़ा । भारत में क्रिप्स मिशन का दौरा । कांग्रेस और मुस्लिम लीग दोनों ने क्रिप्स मिशन के प्रस्ताव को ठुकरा दिया । कांग्रेस ने भारत छोडो प्रस्ताव पास किया (8 अगस्त) । कांग्रेस के नेता गिरफ्तार और कांग्रेस को गैर–कानूनी संगठन घोषित कर दिया गया (9 अगस्त) । सुभाष चन्द्र बोस ने जापानियों की सहायता से मलाया में आजाद हिन्द फौज की स्थापना की । उन्होंने सिंगापुर में स्वतंत्र भारत की सरकार की स्थापना की।

1943: लार्ड वेवेल भारत के वायसराय और गवर्नर जनरल । समझौते के लिए वेवेल के प्रस्ताव निष्फल, क्योंकि कांग्रेस और मुस्लिम लीग उनके प्रस्ताव से सहमत नहीं थे।

1945: जापान की पराजय के बाद सुभाष चन्द्र बोस की आजाद हिन्द फौज ने अंग्रेजों के सामने हथियार डाल दिए। भारत में आजाद हिन्द फौज के सैनिकों पर मुकदमा।

1946: 500 रु. और इससे अधिक मूल्य के करेन्सी नोटों का विमुद्रीकरण (12 जनवरी) । आजाद हिन्द फौज के सैनिकों पर मुकदमा चलाए जाने के खिलाफ प्रदर्शन। रायल इंडियन नेवी के सैनिकों द्वारा खुला विद्रोह (18 फरवरी) । केबिनेट मिशन का भारत दौरा (19 आगस्त)। केबिनेट मिशन ने अन्तरिम सरकार बनाने और संविधान सभा गठित करने के प्रस्ताव की घोषणा की । अन्तरिम सरकार का निर्माण वायसराय की कार्यकारी परिषद का पुनगर्ठन करके किया जाना था । कांग्रेस और मुस्लिम लीग दोनों ने प्रस्ताव नामंजूर कर दिया । बाद में कांग्रेस ने प्रस्ताव को मंजूर कर लिया । अतः अन्तरिम सरकार बनी, जिसमें सिर्फ कांग्रेस के प्रतिनिधि रखे गए । मुस्लिम लीग ने नाराज होकर सीधी कार्यवाही शुरू कर दी । मुस्लिम लीग ने कलकत्ता में हिन्दुओं पर हमले किए। शेष बंगाल में हिन्दुओं ने इसका बदला लिया। दंगे आरंभ हो गए । वायसराय ने मुस्लिम लीग के सहयोग की प्रार्थना की किन्तु लीग ने कहा कि जब तक उसकी पृथक् राज्य पाकिस्तान की मांग मानी नहीं जाती, वह संविधान सभा में सम्मिलित नहीं होगी ।

स्वाधीनता और उसके बाद

ब्रिटिश सरकार ने 20 फरवरी 1947 को अपने इस इरादे की घोषणा की कि वे जून 1948 तक भारत छोड़ देंगे । लार्ड माउन्टबेटन को सत्ता के हस्तांतरण का प्रबन्ध करने के लिए नामित किया गया । उन्होंने 24 मार्च को अपना पदभार सम्हाला और भारत के विभाजन की अपनी योजना पर रेडियो प्रसारण कर दिया । घटनाओं का तिथिवार वर्णन इस प्रकार है:

1947: ब्रिटिश संसद ने भारतीय स्वाधीनता अधिनियम पारित किया (1 जुलाई) और सत्ता के हस्तांतरण के लिए 15 अगस्त की तिथि निश्चित कर दी । भारत और पाकिस्तान के रूप में भारत का विभाजन । भारत और पाकिस्तान को सत्ता हस्तांतरित । लार्ड माउन्टबेटन भारत के तथा एम. ए. जिन्ना पाकिस्तान के गवर्नर जनरल बने। पं. जवाहर लाल नेहरु ने प्रधानमंत्री पद से पहली बार आकाशवाणी नयी दिल्ली से राष्ट्र को संबोधित किया (15 अगस्त)।

भोपाल के नवाब ने भोपाल स्टेट को भारत में सम्मिलित करने की घोषणा की (26)। पाकिस्तान के बलूचियों ने पाकिस्तान की सहायता से कश्मीर पर आक्रमण किया (अक्टूबर 22)। राज्य को आक्रमणकारियों से बचाने के लिये कश्मीर सरकार ने भारत सरकार से सैनिक सहायता मांगी (24)। कश्मीर के महाराजा ने भारत सरकार से तुरंत कश्मीर को भारत में सम्मिलित करने का प्रस्ताव रखा (26)

1948: महात्मा गांधी की हत्या (30 जनवरी) । ब्रिटिश सेना की अंतिम टुकड़ी की भारत से विदायी (फरवरी 28)। रक्षामंत्री ने टेरिटोरियल आर्मी के गठन की घोषणा की (अप्रैल 8)। लार्ड माउंटबेटन इंगलैंड वापसी पर रवाना (जून 20)। श्री राजगोपालाचारी ने भारत के गवर्नर जनरल पद का शपथ ली (21)। एम. ए. जिन्ना की मृत्यु (11 सितम्बर) । भारत सरकार द्वारा निजाम की हैदराबाद रियासत पर कब्जा ।

1949: ले. जनरल के. एम. करियप्पा थल सेनाध्यक्ष बने (जनवरी 15)। महात्मा गांधी हत्याकांड पर निर्णय, नाथुराम विनायक गोडसे और नारायण आपटे को अम्बाला जेल में फांसी दी गयी (नवंबर 15)। संविधान सभा द्वारा भारत के संविधान की मंजूरी (26) ।

1950: डा. राजेन्द्र प्रसाद भारत के प्रथम राष्ट्रपति निर्वाचित (जनवरी 24)। भारत का संविधान लागू (26) । सरदार पटेल की मृत्यु (दिसम्बर 15) ।

1951: भारत में पहले आम चुनाव । संविधान का पहला संशोधन । पहली स्वदेशी रेलवे प्रणाली। दक्षिण रेलवे जोन का रेल एवं परिवहन मंत्री द्वारा उद्घाटन (अप्रैल 4)। नयी राष्ट्रीय पार्टी भारतीय जनसंघ की स्थापना। एस.पी. मुखर्जी पार्टी के अध्यक्ष बने (नवम्बर 21)

1952: डा. राजेन्द्र प्रसाद राष्ट्रपति (राज्याध्यक्ष) चुने गए।

1954: चीन और भारत में पंचशील समझौता। प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने टाटा इंस्टीट्यूट आफ फंडामेंटल रिसर्च की आधारशिला रखी (जनवरी 1)। 61 वर्षीय विचारक एम.एन.राय का देहरादून में निधन (25)। प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने भारतीय मानक संस्थान (आई. एस. आई) की स्थापना की (21)।

1955: भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस द्वारा अवादी अधिवेशन में भारत के लिए समाजवादी ढांचे के समाज की मंजूरी ।

1956: जीवन वीमा का राष्ट्रीयकरण । राज्य पुनर्गठन ऐक्ट । प्रजा सोशलिस्ट पार्टी के सभापति, राज्य सभा के सदस्य एवं प्रख्यात शिक्षा शास्त्री आचार्य नरेंद्र देव का निधन (फरवरी 19)। महात्मा गांधी के पुत्र मणि लाल गांधी का फोइनिक्स में निधन (अप्रैल 5)। भारतीय जीवन वीमा निगम का उद्घाटन (सितम्बर 1)।

1957: दूसरे आम चुनाव कराये गए। राजेन्द्र प्रसाद दूसरी अवधि के लिए पुनः राष्ट्रपति चुने गए ।

1958: माप और तौल की मीट्रिक प्रणाली का प्रारम्भ। मौलाना अवुल कलाम आजाद का निधन (फरवरी 22)।

1959: स्वतंत्र पार्टी बनी। पाइलट केन्द्र की स्थापना के साथ भारत में दूरदर्शन की शुरूवात (सितम्बर 5)। श्रीमती आरती शाह ने सफलतापूर्वक इंग्लिश चैनेल पार किया (30)। विख्यात खिलाड़ी दलीप सिंह जी का निधन (दिसम्बर 5)।

1960: वम्बई का [illegible]जन करके महाराष्ट्र और गुजरात राज्यों का वनना; विख्यात विद्वान पं.राहुल सांस्कृतायन का दार्जीलिंग में निधन (अप्रैल 14)।

1961: गोवा, दमन और दियू की पुर्तगाली वस्तियों पर भारत का कब्जा ।

1962: भारत में तीसरे आम चुनाव; डा. राधाकृष्णन राष्ट्रपति निर्वाचित । नेहरू द्वारा तीसरे मंत्रिमंडल का गठन। उत्तरी सीमा पर चीन द्वारा भारत पर आक्रमण (सितम्वर 19)।

1963: स्वर्ण नियंत्रण आदेश । राजेन्द्र प्रसाद की मृत्यु (28 फरवरी) । नागालैंड भारत संघ का एक राज्य वना ।

1964: भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी का विभाजन, मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी एवं भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी दलों का गठन (अप्रैल 11)। जवाहरलाल नेहरू की मृत्यु (27 मई) । लाल वहादुर शास्त्री प्रधान मंत्री वने । भारत की कम्युनिस्ट पार्टी दो दलों में विभाजित।

1965: कच्छ के रन में भारत-पाक युद्ध । युद्ध विराम (30 जून) ।

1966: प्रख्यात फिल्म निदेशक विमल राय का निधन (जनवरी 8)। लाल बहादुर शास्त्री और अयूव खां के वीच ताशकंद वैठक । समझौता हो गया । ताशकंद में शास्त्रीजी की मृत्यु (11) । वायू सेना प्रमुख पद मार्शल को एयर चीफ मार्शल का दर्जा दिया गया (15) श्रीमती इंदिरा गांधी कांग्रेस संसदीय दल की नेता चुनी गई (19) । चुनाव में मोरार जी भाई देसाई को 169 मत प्राप्त हुए और श्रीमती इंदिरा गांधी को 355 मत मिले (19)। विमान दुर्घटना में डा. होमी जे. भाभा की मृत्यु । हरियाणा और पंजाब राज्य अस्तित्व में आए।

1967: चौथे आम चुनाव। इंदिरा गांधी प्रधान मंत्री चुनी गई। डा. जाकिर हुसेन राष्ट्रपति निर्वाचित ।

1969: मद्रास राज्य ने अपना नाम वदल कर तमिलनाडु कर लिया (जनवरी 14)। महात्मा गांधी के अंतिम जीवित पुत्र राम दास गांधी का निधन (अप्रैल 14)। डा. जाकिर हुसेन की मृत्यु (मई 3) । वी. वी. गिरी कार्यकारी राष्ट्रपति वने। वन्य जीवन वोर्ड ने शेर को राष्ट्रीय पशु चुना (जुलाई 4)। 14 वड़े वैंकों का राष्ट्रपति के अध्यादेश द्वारा राष्ट्रीयकरण (19) । गिरि राष्ट्रपति निर्वाचित (20 अगस्त)। जी.एस. पाठक उप-राष्ट्रपति । कांग्रेस पार्टी का विभाजन । इंदिरा गांधी द्वारा जगजीवनराम की अध्यक्षता में अपनी कांग्रेस का वनाना ।

1970: सर्वोच्च न्यायालय ने वैंकों के राष्ट्रीयकरण को अवैध करार दे दिया । राष्ट्रपति के अध्यादेश ने राष्ट्रीयकरण को पुनः मंजूरी दे दी (जनवरी 14) । मेघालय राज्य अस्तित्व में आया (अप्रैल 2) । भूतपूर्व देशी रियासतों के नरेशों को दिये जाने वाली प्रिवी पर्स तथा अन्य विशेषाधिकार समाप्त । डा. सी. वी. रमन का निधन (नवम्वर 21)।

1971: हिमाचल प्रदेश एक राज्य वना (25 जनवरी) के.एम. मुंशी की मृत्यु (फरवरी 8) । लोकसभा के मध्यावधि चुनावों में इंदिरा कांग्रेस विजयी । इंदिरा गांधी प्रधान मंत्री वनी । साधारण वीमा का राष्ट्रीयकरण (मई 13) । भारत-पाक युद्ध प्रारंभ । पाकिस्तान द्वारा पश्चिम में भारत पर हमला (दिसम्वर 3) । भारत द्वारा वंगलादेश को मान्यता। भारतीय सेना का वंगलादेश में प्रवेश और वंगलादेश की मुक्तिवाहिनी का साथ देना । वंगलादेश में पाकिस्तानी सेना

स्वाधीन भारत का पहला मंत्रिमंडल

नाम	विभाग
पं. जवाहर लाल नेहरू	: प्रधानमंत्री, विदेश, कामनवेल्थ संवंध और वैज्ञानिक शोध
सरदार वल्लभ भाई पटेल	: गृह, सूचना एवं प्रसारण और राज्य
डा. राजेन्द्र प्रसाद	: खाद्य एवं कृषि
मौ. अवुल कलाम आजाद	: शिक्षा
डा. जान मथाई	: रेलवे एवं परिवहन
सरदार बलदेव सिंह	: रक्षा
जगजीवन राम	: श्रम
सी. एच. गामा	: वाणिज्य
रफी अहमद किदवई	: संचार
राजकुमारी अमृत कौर	: स्वास्थ्य
डा. वी.आर.अम्बेदकर	: विधि
आर. के शनमुख चेट्टी	: वित्त
डा.श्यामा प्रसाद मुखर्जी	: उद्योग एवं आपूर्ति
एन. वी. गाडगिल	: कार्य खदान एवं उर्जा

सरदार वल्लभ भाई पटेल उप प्रधानमंत्री वनाये गये (अगस्त 23)

भारतीय कमाण्डर के समक्ष आत्मसमर्पण । भारत–युद्ध समाप्त (17) ।

1972: मणिपुर, मेघालय और त्रिपुरा भारत संघ के बने । अरुणाचल प्रदेश और मिजोरम केन्द्र शासित बने (जनवरी 20) । 'अमर जवान' राष्ट्रीय स्मृति को पर स्थापित किया गया (26)। भारत सरकार के के अनुसार राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, पूर्व राष्ट्रपति या के अतिरिक्त किसी भी मृत्यु पर राष्ट्रीय शोक नहीं (फरवरी 20)। विख्यात अभिनेत्री मीना कुमारी का (मार्च 31)। भारत एवं पाकिस्तान के मध्य ऐतिहासिक समझौता (जुलाई 2)। भारत सरकार द्वारा मजदूरों बोनस को 4 प्रतिशत से बढाकर 8.33 प्रतिशत (सितम्बर 17) । सी. राजगोपालाचार्य की (दिसम्बर 28) ।

1973: तीन वरिष्ठतम न्यायाधीशों की वरिष्ठता का करके जस्टिस अजीत नाथ राय को सर्वोच्च का मुख्य–न्यायाधीश बनाना । न्यायाधीश शेलाट, और ग्रोवर का विरोध में त्यागपत्र। मैसूर ने नाम कर्नाटक कर लिया (नवम्बर 1) द्रविड़ कषगम के ई. वी. रामास्वामी नायकर की मृत्यु (24)

1974: प्रशासन ईमानदार और साफ सुथरा बनाने तथा को शक्तिशाली बनाने के लिए जयप्रकाश नारायण के लिए नागरिक' (सिटीजन्स फार डेमोक्रेसी) का प्रारम्भ । राजस्थान में पोखरन नामक स्थान भूमिगत परमाणु विस्फोट का परीक्षण (18 मई) । अली अहमद राष्ट्रपति निर्वाचित (अगस्त 20) । कृपलानी की मृत्यु (दिसम्बर 1)।

1975: समस्तीपुर रेलवे स्टेशन पर हुए बम विस्फोट में एन.मिश्र, रेल मंत्री तथा 22 अन्य घायल । एल. एन. मिश्र (जनवरी 2) । फिलिस्तीनी मुक्ति संगठन को भारत (10) । भूतपूर्व राष्ट्रपति डा. राधाकृष्णन की मृत्यु 17) । भारत का अंतरिक्ष युग में प्रवेश: उपग्रह 'आर्यभट्ट' रूस के कासमोड्रोम से अंतरिक्ष में भेजा गया (19) भारत का 22 वां राज्य बना (16 मई) । फरक्का को समर्पित (21)। श्रीमती इंदिरा गांधी का चुनाव उच्च न्यायालय द्वारा रद्द ... । राष्ट्रपति ने आपात घोषित कर दी । जे. पी. तथा अनेक विरोधी नेता और कांग्रेसी गिरफ्तार (26) । संसद द्वारा राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री तथा लोकसभा के स्पीकर के चुनाव को जांच से अलग रखने से सम्बन्धित संविधान (39वां बिल 1975 स्वीकृत । राज्यसभा ने प्रधान मंत्री को प्रकार के फौजदारी या दीवानी मुकदमे से संरक्षण के लिए (41 वां संशोधन) बिल पास किया। के कामराज की (अक्टूबर 2) । प्रख्यात संगीत निदेशक सचिन देव बर्मन (31) सुप्रीम कोर्ट द्वारा प्रधान मंत्री के चुनाव की पुष्टि 7) ।

1976: अनुच्छेद 19 में वर्णित स्वाधीनताओं पर द्वारा रोक (जनवरी 8) बर्मा शेल का राष्ट्रीयकरण नाम भारत रिफाइनरीज़ लिमिटेड कर दिया (24) ।

1977: राष्ट्रपति द्वारा लोकसभा भंग (जनवरी 18)। चार पार्टियां – कांग्रेस (ओ.) जनसंघ, भारतीय लोकदल तथा समाजवादी दल मिलकर जनता पार्टी के नाम से एक दल के रूप में काम करने को सहमत। राष्ट्रपति फखरुद्दीन अली अहमद की नई दिल्ली में मृत्यु । मोरारजी देसाई ने प्रधान मंत्री के पद की शपथ ली (24) । संजीव रेड्डी लोकसभा के स्पीकर चुने गए । (मई 5) । जनता पार्टी द्वारा हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, उड़ीसा, उत्तर प्रदेश, मध्यप्रदेश, बिहार और राजस्थान की विधानसभाओं और दिल्ली महानगर परिषद में स्पष्ट बहुमत प्राप्त । पंजाब में अकाली–जनता और कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) के गठबंधन द्वारा स्पष्ट बहुमत प्राप्त । तमिलनाडु में अखिल भारतीय अन्ना डी. एम. के. को स्पष्ट बहुमत प्राप्त । पांडिचेरी में किसी पार्टी को स्पष्ट बहुमत नहीं मिला । (जुलाई 10) । संजीव रेड्डी भारत के राष्ट्रपति निर्वाचित । तत्कालीन विदेश मंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेयी द्वारा सबसे पहली बार संयुक्त राष्ट्र महासभा में हिन्दी में भाषण (दिसम्बर 8)।

1978: 1000, 5000 तथा 10,000 रुपये के करेन्सी नोटों का चलन समाप्त (जनवरी 16) । समाचार विभाजन और इसके चार अंग–पी.टी.आई., यू.एन.आई., समाचार भारती और हिन्दुस्तान समाचर द्वारा अलग–अलग काम करना प्रारंभ (अप्रैल 14) लोकसभा की विशेषाधिकार समिति द्वारा 1975 में मारुति के संबंध में उठाए गए प्रश्न के बारे में सरकारी अधिकारियों द्वारा सूचना एकत्र करने में रुकावट डालने के लिए इंदिरा गांधी को लोकसभा की मान–हानि करने और विशेषाधिकारों के हनन का दोषी पाना (अगस्त 21) सुप्रीम कोर्ट ने घोषित किया कि संसद को आपातकाल के दौरान किए गए अपराधों के मामले में विशेष अदालतें कायम करने का वैधानिक अधिकार है (दिसम्बर 1) लोकसभा ने भूतपूर्व प्रधान मंत्री इंदिरा गांधी को सदन से निष्कासित कर दिया और इसके सत्रावसान तक की अवधि के लिए कारावास की सजा (19)। इंदिरा गांधी जेल से रिहा हुई (26) ।

1979: थुम्बा से 'रोहिणी 200' नामक पहला मानसून प्रयोगात्मक राकेट छोड़ा गया (जनवरी 6) । अण्डमान और निकोबार का सेल्यूलर जेल राष्ट्रीय स्मारक घोषित (फरवरी (11) रूसियों द्वारा भारत के दूसरे उपग्रह 'भास्कर' का सफल प्रक्षेपण किया गया। (जून 3) मोरारजी देसाई ने प्रधान मंत्री पद से त्याग–पत्र दिया (15) जनता (एस) और कांग्रेस के संयुक्त प्रधान के रूप में चरणसिंह प्रधान मंत्री (17) बांध के टूटने से गुजरात के मोरवी और लीलापुर में भयानक बाढ़ । 1000 से अधिक लोगों की मृत्यु, अनेकों लापता (अगस्त 12) । श्रीमती गांधी ने चरणसिंह की सरकार को समर्थन देना समाप्त किया (20)। राष्ट्रपति द्वारा संसद भंग, वर्ष के अंत तक आम–चुनाव का आदेश (21) एम. हिदायतुल्ला भारत के उपराष्ट्रपति चुने गए (31) निजाम के जवाहरात राष्ट्रीय सम्पत्ति घोषित (सितम्बर 21)। श्वेत (दुग्ध) क्रांति का दूसरा चरण प्रारंभ (अक्टूबर 2) जयप्रकाश नारायण का निधन (8)। बोलविया में सेना ने सत्ता हथियाई (नवंबर 1)

अस्सी का दशक

जनवरी 14, 1980: केन्द्र में श्रीमती इंदिरा गांधी के नए मंत्रिमंडल द्वारा शपथ ग्रहण। **फरवरी 17:** तमिलनाडु, महाराष्ट्र, उत्तर–प्रदेश, विहार, उड़ीसा, मध्य–प्रदेश, राजस्थान, पंजाव और गुजरात की राज्य विधान सभाएं भंग, मंत्रिमंडल वरखास्त और राष्ट्रपति शासन लागू। प्रकाश पादुकोन आल–इंग्लैण्ड वैडमिंडन. चैम्पियनशिप जीतनेवाले पहले भारतीय (23) । **मार्च 6 :** अटल विहारी वाजपेई की अध्यक्षता में भारतीय जनता पार्टी का गठन। (15) निजी क्षेत्र के छः अन्य वैंकों का राष्ट्रीयकरण। **मई 7:** सुप्रीम कोर्ट का निर्णय कि संसद को संविधान संशोधन का असीमित अधिकार नहीं है; कोर्ट ने मृत्यु दण्ड की वैधता भी स्वीकार की ।(20) वहुगुणा द्वारा कांग्रेस (आई) से और लोकसभा से त्यागपत्र । **जून 1:** ए.आई.ए.डी.एम.के. तमिलनाडु विधान सभा के चुनाव में विजयी, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, गुजरात, राजस्थान, पंजाव, महाराष्ट्र और उड़ीसा में कांग्रेस (आई) विजयी ।(23) नई दिल्ली में एक हवाई दुर्घटना में संजय गांधी की मृत्यु। **जुलाई 18:** भारत के एस. एल. वी.–3 राकेट ने रोहिणी उपग्रह को कक्षा में स्थापित किया। **अक्टूबर 14:** केन्द्र ने मारुति कंपनी का राष्ट्रीयकरण किया। **दिसम्बर 8:** सोवियत राष्ट्रपति

कलाकार एन.टी.रामाराव द्वारा नई पार्टी तेलगु देशम का गठन। **अप्रैल 10:** भारत का उपग्रह इन्सैट–1 ए कक्षा में स्थापित। (21) इन्सैट–1 ए पार्किंग स्लाट में प्रविष्ट। **जून 6:** कर्नाटक के पूर्व मुख्य मंत्री डी. देवराज अर्स का निधन। **जुलाई 8:** गांधीजी की निकट सहयोगी और सरला वेन के नाम से विख्यात केथेरिन मेरी हेलमेन (82) का निधन। (25) जैलसिंह को राष्ट्रपति पद की शपथ । **अगस्त 7:** जम्मू–कश्मीर के मुख्य मंत्री शेख अब्दुल्ला (77) का निधन। **सितंबर 15:** इन्सेट–1 के माध्यम से दिल्ली, मद्रास, पोर्ट ब्लेयर, आइजाल और लेह के भू–केंद्र चालू। **अक्टूबर 15:** भारतीय नागरिक विमान के जनक जे. आर. डी. टाटा ने 50 वर्ष वाद एक वार फिर कराची से वंवई तक 'डि हेवीलेण्ड लियोपार्ड माथ' से उड़ान भरी (27) गांधीजी के निजी सचिव प्यारेलाल की मृत्यु। **नवम्बर 15:** आचार्य विनोवा भावे (88) का निधन । **दिसम्बर 23:** भारत और पाकिस्तान मंत्री–स्तर के संयुक्त आयोग वनाने पर सहमत। 114 वर्ष पुराने अंग्रेजी समाचार पत्र "मद्रास मेल" का प्रकाशन वंद ।

1983: फरवरी 23: आंध्र प्रदेश में तेलगू देशम भारी वहुमत से सत्ता में; कर्नाटक में जनता पार्टी त्रिपुरा में सी.पी. आई. (एम) के नेतृत्व में वामपंथी मोर्चे को पूर्ण वहुमत प्राप्त। कांग्रेस (आई) ने असम में सत्ता प्राप्त की। **मार्च 21:** हितेश्वर

ए. एस. वैद्य को मरणोपरांत 'पदम विभूषण' सम्मान; नीरजा मिश्रा को मरणोपरांत 'अशोक चक्र' सम्मान। **फरवरी 4:** केरल के स्कूलों में राष्ट्रीय गीत के गायन को अनिवार्य बनाया गया। (16) भारत में सर्वाधिक प्रसार वाले दैनिक पत्र 'मलयाला मनोरमा' ने त्रिवेंद्रम संस्करण का प्रारंभ किया। (20) अरुणाचल प्रदेश भारत का 24 वां राज्य बना। **मार्च 7:** सुनील गावस्कर ने अहमदाबाद में अपने टेस्ट जीवन में 10,000 रन पूरे कर विश्व के पहले खिलाड़ी बने। **अप्रैल 2:** भारतीय मानक संस्थान, भारतीय मानक अधिनियम के तहत वैधानिक प्रतिष्ठा प्राप्त कर भारतीय मानक ब्यूरो बना। (7) सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश ने केरल की सायरा बानो के मुकदमे में फैसला दिया कि सारी पत्नियां जिनमें मुस्लिम महिलायें भी शामिल हैं, अगर उनके पति उन्हें छोड़ देते हैं या दूसरा विवाह कर लेते हैं तो जीवन यापन का मुआवजा लेने का अधिकार रखती है। (23) वी. पी. सिंह ने रक्षा मंत्री पद से त्यागपत्र दिया। सर्वोच्च न्यायालय ने अपने निर्णय में 1956 के हिंदू उत्तराधिकारी अधिनियम के अंतर्गत हिंदू विधवा को संपत्ति का एकमात्र अधिकार दिया। **मई 11:** लोक सभा ने गोवा को राज्य का दर्जा दिये जाने के प्रस्ताव पारित किया। (29) भूतपूर्व प्रधान मंत्री चौ. चरण सिंह (85) का निधन। (30) गोवा भारत का 25 वां राज्य बना, दमन और दियु संघ शासित प्रदेश बने रहे। **जून 4:** स्वीडिश जांच से पता चला कि बोफोर्स ने हथियार सौदे को प्राप्त करने के लिये दलाली दी थी। **जुलाई 17:** कांग्रेस अध्यक्ष राजीव गांधी ने वी. सी. शुक्ला, आरिफ मोहम्मद खां और अरुण नेहरू को पार्टी विरोधी गतिविधियों के आरोप में कांग्रेस से निष्कासित किया। भूतपूर्व वित्त मंत्री वी. पी. सिंह ने कांग्रेस पार्टी से त्यागपत्र दिया। राष्ट्रपति चुनाव में आर. वेंकटारमन निर्वाचित। **अगस्त 2:** विश्वनाथन आनंद विश्व जूनियर शतरंज चैंपियनशिप जीतने वाले पहले एशियाई बने। (21) शंकर दयाल शर्मा उपराष्ट्रपति पद के लिये निर्वाचित। (27) लोक सभा अध्यक्ष बलराम जाखड़ ने बोफोर्स सौदे की जांच के लिये शंकरानंद को संसदीय समिति का अध्यक्ष नियुक्त किया। **अक्टूबर 2.** वी. पी. सिंह ने अपने साथियों के साथ 'जन मोर्चा' की स्थापना की। (27) भूतपूर्व टेस्ट क्रिकेट खिलाड़ी विजय मर्चेंट (77) का दिल का निधन। **दिसंबर 15:** कम्युनिस्ट नेता पी. राममूर्ति (80) का निधन। (17) भोपाल ने यूनियन कार्बाइड को 1984 गैस पीड़ितों के लिये अंतरिम सहायता के रूप में 350 करोड़ रु. देने का आदेश दिया। (24) तमिलनाडु के मुख्य मंत्री एम. जी. रामचंद्रन (70) का निधन।

1988: जनवरी 16: तमिलनाडु के राज्यपाल ने श्रीमती जानकी रामचन्द्रन को सरकार बनाने के लिए आमंत्रित किया। प्रख्यात अर्थशास्त्री के. झा की मृत्यु। (20) सीमांत गांधी खान अब्दुल गफ्फार खान का निधन। **फरवरी 17:** बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री कर्पूरी ठाकुर का निधन। **मार्च 23:** मलयाला मनोरमा ने इतिहास के जागरूक प्रत्यक्षदर्शी के रूप में अपने 100 वर्ष पूरे किए। **जून 2:** फिल्म अभिनेता–निर्देशक राजकपूर (64) का निधन। (18) वी. पी. सिंह इलाहाबाद संसदीय उपचुनाव में निर्वाचित। **जुलाई 22:** इन्सेट–आई सी का प्रक्षेपण कोरोऊ आइसलैंड (फ्रेंच गुयाना) से यूरोपियन स्पेस एजेन्सी के एरियन राकेट द्वारा किया गया। (28) राष्ट्रीय बैडमिंटन खिलाड़ी सैय्यद मोदी की हत्या। **अगस्त 3:** श्रीमती इंदिरा गांधी हत्याकांड के दो अभियुक्तों केहर सिंह और सतवंत सिंह के मृत्युदंड को सर्वोच्च न्यायालय ने बहाल रखा और तीसरे अभियुक्त बलबीर सिंह को षड्यंत्रकारी के आरोप से रिहा कर दिया। **अक्टूबर 11:** जनता पार्टी, लोकदल और जनमोर्चा की सदस्यता के साथ नई राष्ट्रीय केन्द्रीय पार्टी–जनता दल–की स्थापना की गई; वी. पी. सिंह अध्यक्ष निर्वाचित। **दिसंबर 11:** इंटरनेशनल कोर्ट आफ जस्टिस के अध्यक्ष डा. नगेन्द्र सिंह (74) का निधन। (18) प्रधान मंत्री राजीव गांधी चीन की राजकीय यात्रा के लिए गए वे पिछले 34 वर्षों में चीन की यात्रा पर जाने वाले पहले प्रधान मंत्री हैं। (21) आठवां भारतीय विज्ञान अभियान दल अन्टार्कटिका पहुंचा। (24) प्रसिद्ध हिंदी लेखक जैनेन्द्र कुमार (83) का निधन।

1989: जनवरी 6: इंदिरा गांधी के हत्यारे सतवंत सिंह और केहर सिंह को नई दिल्ली में तिहाड़ केंद्रीय कारागृह में फांसी। (16) मलयालम फिल्म अभिनेता प्रेम नज़ीर का निधन (16)। **फरवरी 2:** राष्ट्रपति फ्रांसिस मित्तरां ने फ्रांस के सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार लीजन डी. आनर फिल्म निदेशक सत्यजीत राय को सम्मानित किया। (14) सर्वोच्च न्यायालय ने अमरीकी कंपनी यूनियन कार्बइड को "भोपाल गैस त्रासदी" के लिये पूर्ण एवं अंतिम रूप से 470 मिलियन डालर (715 करोड़ रु) का भुगतान करने का आदेश दिया। **मार्च 12:** भू. पू. केन्द्रीय मंत्री एवं लोकदल – बी के अध्यक्ष हेमवतीनंदन बहुगुणा का निधन। (18) मलयाला मनोरमा के शताब्दी वर्ष के समापन समारोह प्रधान मंत्री राजीव गांधी ने मनोरमा इयर बुक के हिंदी संस्करण को जारी किया गया। **अप्रैल 1:** प्रसिद्ध स्वतंत्रता सेनानी एस.एम. जोशी का निधन। **मई 5:** उद्योगपति नवल. एच. टाटा का निधन। (22) आइ.आर.बी.एम. तकनीक की अग्नि मिसाइल का उड़ीसा के चांदीपुर समुद्र तट से सफल प्रक्षेपण। **जून 1:** विख्यात उद्घोषक कमेंट्रेटर, मेलविल डी. मेलो का निधन। **जुलाई 16:** प्रधान मंत्री राजीव गांधी पाकिस्तान यात्रा पर गये। **सितंबर 20:** भारतीय शांति सेना ने लिट्टे के विरुद्ध सभी सैन्य कार्यवाहियां रोकीं। (21) श्रृंगेरी शारदा मठ के आध्यात्मिक प्रमुख जगतगुरु अभिनव विद्या तीर्थ स्वामी का निधन। (27) भारत की सतह से सतह मारक मिसाइल "पृथ्वी" का दूसरा सफल परीक्षण; विख्यात गायक हेमंत कुमार का निधन।

अक्टूबर 5: केरल उच्च न्यायालय की भू. पू. न्यायधीश एम. फातिमा बीबी सर्वोच्च न्यायालय की प्रथम महिला न्यायधीश नियुक्त। (12) प्रसिद्ध लेखक, मातृभूमि के मुख्य संपादक डा. एन. वी. कृष्ण वारियर का निधन। **नवंबर 5:** जनरल ए. एस. वैद्य के हत्यारे सुखदेव सिंह और हरमिंदर सिंह जिंदा को फांसी की सजा। **दिसंबर 21:** प्रधान मंत्री विश्वनाथ प्रताप सिंह ने लोकसभा में विश्वास मत प्राप्त किया। (26) भारत ने बोफोर्स कं. से किसी भी प्रकार के सौदे पर प्रतिबंध लगा दिया; कार्टूनिस्ट केशव शंकर पिल्ले का निधन।

आकाश का प्रक्षेपण

जनवरी 12,1990 भोपाल में गैस पीड़ितों के लिए एकमुश्त अंतरिम राहत की घोषणा। देविका रानी को "सोवियत लैंड नेहरू पुरस्कार । ओशो' रजनीश" का पुणे में निधन।

फरवरी 1: जयपुर घराने के प्रसिद्ध कत्थक नृत्यकार दुर्गालाल का लखनऊ में देहांत। (4) बंगला उपन्यासकार मैत्रेयी देवी का निधन। (16) कुलदीप नैयर ब्रिटेन के नए राजदूत। (18) "एयर बस-320" की उड़ानों पर रोक। (21) कथाशिल्पी अमृतलाल नागर का निधन ।

मार्च 2: महाराष्ट्र में कांग्रेस फिर सत्ता में। (3) अरुणाचल में कांग्रेस को बहुमत। (5) सी.बी.आई. द्वारा पनडुब्बी सौदे के संबंध में प्राथमिकी दायर, भटनागर व हिन्दुजा समेत कई को अभियुक्त बनाया। भोपाल गैस पीड़ितों को 3600 करोड़ रुपए की राशि। प्रत्येक पीड़ित को 200 रुपए महीना मिलना तय। (26) गोवा में राणे मंत्रिमंडल का त्यागपत्र।

अप्रैल 4: स्वर साम्राज्ञी लता मंगेशकर को "दादा फाल्के पुरस्कार"।

मई 1: नागा नेशनलिस्ट कौंसिल के अध्यक्ष फीजो का लंदन में देहांत। (30) अनुसूचित जाति एवं जनजाति आयोग को संवैधानिक दर्जा देने और भूमि सुधार विधेयक पारित। (31) दिल्ली को राज्य दर्जा देने का बिल पेश।

जून 12. "इनसेट-1 डी" का सफल प्रक्षेपण। (19) "कोंकण रेल निगम" समझौते पर हस्ताक्षर। (23) कवि, चरित्र अभिनेता हरीन्द्रनाथ चट्टोपाध्याय का निधन।

जुलाई 1: योजना आयोग से हेगडे का त्यागपत्र; मिजोरम के मुख्यमंत्री लालडेंगा का लंदन में निधन। (20) लंदन में गांधीजी के पत्र 27 हजार पौंड में बिके। (30) प्रसिद्ध उद्योगपति एम.पी. बिड़ला का निधन । कपिल देव ने लार्ड टेस्ट में लगातार चार चौके लगा कर विश्व रिकार्ड बनाया।

अगस्त 1: वी. पी. सिंह ने देवीलाल को मंत्रिमंडल से बर्खास्त किया। (15) प्रक्षेपास्त्र "आकाश" का सफल प्रक्षेपण।

सितंबर 5: "प्रसार भारती" बिल राज्यसभा में पास। मुख्य नायाधीश सव्यसाची मुखर्जी का लंदन में देहांत। प. बंगाल के भूतपूर्व मुख्यमंत्री प्रफुल्ल सेन का कलकत्ता में निधन।

अक्टूबर 1: आरक्षण विरोधी आंदोलन ने 9 और जानें लीं। सुप्रीम कोर्ट द्वारा मंडल रिपोर्ट स्थगन आदेश । रंगनाथ मिश्र नए मुख्य न्यायाधीश बने। (6) पं. कमलापति त्रिपाठी का निधन। (16) नेल्सन मंडेला को "भारतरत्न"। (27) फिल्म निर्माता वी. शांतराम का निधन।

नवंबर 1: गुजरात में चिमनभाई पटेल को विश्वास मत। इंका द्वारा समर्थन। (2) अयोध्या में गोलीबारी में 18 मरे। (7) जनता दल विभाजित । विश्वास प्रस्ताव गिरने से विश्वनाथ प्रताप सिंह सरकार लोकसभा में पराजित। (10) चंद्रशेखर नए प्रधानमंत्री बने।

दिसंबर 1: श्रीमती विजयलक्ष्मी पंडित का देहरादून में निधन। (3) ए-300 एयरबसों की घरेलू उडानें फिर शुरू। (31) विख्यात लेखक रघुवीर सहाय का निधन।

जनवरी 1, 1991: कर्नाटक के गवर्नर बी. पी. सिंह का त्यागपत्र । खुर्शीद आलम खान नए गवर्नर। (4) न्यायाधीश जे. सी. शाह का बंबई में निधन। (5) वी. राघवन रेड्डी प. बंगाल के राज्यपाल बने। (7) डा. मुरली मनोहर जोशी भाजपा के नए अध्यक्ष। (17) खाड़ी के लिए एयर इंडिया की सभी उड़ानें बंद। (25) भूतपूर्व प्रधानमंत्री मोरारजी देसाई को भारतरत्न की घोषणा ।

फरवरी 7: उच्च न्यायालय ने राजीव गांधी के चुनाव को वैध ठहराया। (11) पृथ्वी की टेस्ट फ्लाइट सफल। (18) गोवा के मुख्यमंत्री को विश्वास मत मिला। (21) अभिनेत्री नूतन का बंबई में निधन। (25) पी.एस.एल.वी. के चौथे चरण का सफल परीक्षण।

मार्च 4: पांडिचेरी विधानसभा भंग। (6) प्रधानमंत्री चंद्रशेखर का त्यागपत्र । (13) लोकसभा भंग। (15) भानु प्रकाश गोवा के नए गवर्नर (15) । 1991 की जनगणना के आधार पर जनसंख्या 84 करोड़ 39 लाख।

अप्रैल 3: प. बंगाल विधानसभा भंग। (5) केरल विधानसभा भंग। असम गण परिषद् विभाजित । (13) आरिफ, अरुण नेहरू और सतपाल ने जद पार्टी पद छोड़े। (17) केरल ने 100 प्रतिशत साक्षरता का लक्ष्य पूरा किया।

मई 21. तमिलनाडु के चुनावी दौरे में श्री-पेरम्बुदुर में मानव बम विस्फोट में राजीव गांधी की मृत्यु । 14 अन्य भी मरे। (22) कम्युनिस्ट नेता श्रीपद अमृत डांगे का निधन। (29) पी. वी. नरसिंह राव इंका अध्यक्ष चुने गए।

जून 5: भारत ने 400 करोड़ का सोना बेचा। (9) फिल्म निर्देशक राज खोसला का बंबई में निधन। (13) राजीव हत्याकांड में नलिनी तथा मुरुगुन गिरफ्तार। (20) दसवीं लोकसभा गठित । पी. वी. नरसिंह राव कांग्रेस पार्टी के नेता चुने गए। (28) भारतीय तेल निगम के अफसर के. दोराईस्वामी का श्रीनगर में अपहरण। (30) असम में सैकिया मंत्रिमंडल द्वारा शपथ।

जुलाई 1: असम में उच्च अधिकारियों सहित 14 का अपहरण। (3) रुपए का फिर से भारी अवमूल्यन। (4) 'पृथ्वी' प्रक्षेपास्त्र का सफल परीक्षण। (11) भारत ने बीस करोड़ डालर ऋण के लिए सोना गिरवी रखा । (12) सरदार पटेल मरणोपरांत 'भारत रत्न' से सम्मानित । (17) रिजर्व बैंक ने 12 टन सोना निर्यात किया। (18) 40 करोड़ डालर ऋण के लिए 46.9 टन सोना गिरवी रखा गया। (24) नई औद्योगिक नीति की घोषणा।

नायक का इस्तीफा । (8) डा. विल्फ्रेड डीसूज़ा गोवा के पुनः मुख्यमंत्री । (9) भाकपा के पूर्व महासचिव सी. राजेश्वर राव का 80 वर्ष की आयु में निधन । (24) उद्योगपति एस. एन. किर्लोस्कर का 91 वर्ष की आयु निधन।(27) उच्चतम न्यायालय ने भारतीय दंड संहिता की धारा 309 (आत्महत्या दंडनीय अपराध) को निरस्त किया ।

मई 1: छह प्रमुख अकाली दलों ने संयुक्त होकर एक नये दल शिरोमणि अकाली दल अमृतसर का गठन किया। (4) श्रीहरिकोटा से ए.एस.एल.वी – के प्रक्षेपण से सी–2 उपग्रह कक्षा में स्थापित। (5) सिक्किम में संचामन लिंबू नये नेता निर्वाचित। (7) कपड़ा उद्योगपति सुनिल खटाऊ (55 वर्ष) की गोली मारकर हत्या; ध्रुपद के महान गायक नसीर जहीरुद्दीन डागर का 62 वर्ष की आयु में निधन । (17) संचामन लिंबू नये मुख्यमंत्री; यमन के वेदर गात शहर अदन में ग्रहयुद्ध में फंसे दो हजार भारतीय नागरिकों को भारतीय जल सेना ने छुड़ाया; प्रमुख कांग्रेसी नेता के ब्रह्मानंद रेड्डी का 83 वर्ष की आयु में निधन ।

जून 4: सेना ने सतह से सतह पर प्रहार करने वाली मिसाइल पृथ्वी का परीक्षण किया । (9) विवादित योगी धीरेन्द्र ब्रह्मचारी का वायु–दुर्घटना में निधन।(21) जनता दल में एक और विघटन, उसके लोकसभा में 39 सदस्यों में से 14 ने अलग गुट बनाया ।(25) बंबई के पूर्व अंडरवर्ड डॉन हाजी मस्तान का निधन।

जुलाई 4: अभिनेता संजय दत्त बम्बई बम विस्फोट के मुकदमे के पूरे होने तक न्यायिक हिरासत में । (5) लेखक वाइकम मुहम्मद बशीर (86) का निधन। (9) पंजाब के राज्यपाल सुरेन्द्रनाथ और उनके परिवार के 9 सदस्यों की कुल्लू घाटी में हवाई दुर्घटना में मृत्यु । (11) पुलिस अधिकारी किरण बेदी मैग्सेसे पुरस्कार से सम्मानित। (18) चीन के उपराष्ट्रपति एंव विदेश मंत्री क्यान कविचेन ने भारत के साथ कर संधि पर हस्ताक्षर किये। (21) उच्चतम न्यायालय ने घोषणा की कि अनुसूचित जाति व जनजातियों द्वारा दूसरे राज्यों में पलायन करने पर आरक्षण नहीं मिलेगा। (26) प्रतिभूति घोटाले पर सरकार ने संयुक्त संसदीय समिति की रिपोर्ट को अस्वीकार किया ।

अगस्त 1: विपक्ष ने जे.पी.सी रिपोर्ट को अस्वीकार करने पर संसद के सभी पैनलों को छोड़ने का निर्णय लिया; रेलवे यात्री सुरक्षा बीमा योजना की शुरुआत।

सितम्बर 3: सरकार ने आई.टी.आई, आई.ओ.सी. और आई.टी.जी.सी समेत 21 सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों में अपने हिस्से को अनिवेश करने का निर्णय लिया । (14) केंद्रीय मंत्रिमंडल ने औषधि–मूल्य नियन्त्रण को 73% से 50% तक लाने के लिये औषधि नीति को सहमति दी ।(21) उद्योगपति रामकृष्ण बजाज (72) का निधन ।

अक्टूबर 1: महात्मा गांधी की 125 वीं वर्ष गांठ पर जम्मू काश्मीर में 376 संदिग्ध आतंकवादियों की रिहाई। (2) मुजफ्फरनगर (उ.प्र.) के समीप उत्तराखंड आंदोलनकारियों व पुलिस के बीच जबरदस्त संघर्ष व फायरिंग में 10 आंदोलनकारी मारे गये और लगभग 250 घायल हुए । (10) मदुरै में हिन्दू मन्नानी के अध्यक्ष प. राजगोपालन की दो अज्ञात हमलावरों ने छुरा मार कर हत्या की । राष्ट्रपति न्यायालय से राय मांगी थी कि विवादित स्थल पर मंदिर था मस्जिद, सर्वोच्च न्यायालय ने अधिग्रहण कानून को उचित बत हुए उसके कुछ हिस्सों को अवैध ठहराया तथा कल्याण सिंह दो हजार रुपये का जुर्माना व एक दिन कारावास की सज़ा दी (25) न्यायमूर्ति ए.एम. अहमदी ने भारत के मुख्य न्यायाधीश पद संभाला । (27) उप्र के पूर्व मुख्यमंत्री कल्याण सिंह अयोध्या मामले पर न्यायालय की अवमानना के कारण जेल भे गया ।

नवम्बर 1: राष्ट्रपति डा. शंकरदयाल शर्मा ने जम्मू काश्मीर के मामलों को प्रधानमंत्री पी.वी. नरसिंहाराव निगरानी में रखने संबंधी प्रस्ताव पर औपचारिक स्वीकृ दी। (17) चुनाव आयोग ने दो केन्द्रीय मंत्रियों सीतारा केसरी और कल्पनाथ राय को चुनाव की आदर्श आचा संहिता के उल्लंघन का दोषी ठहराया।(18) थल सेनाध्य जनरल बी.पी. जोशी का निधन ।(21) शंकरराय चौध भारतीय थल सेना अध्यक्ष नियुक्त किये गये (22) तिरुअनन्तपुरम स्थित विक्रम साराभाई अंतरि केन्द्र से अति महत्वपूर्ण दस्तावेजों के लीक होने सिलसिले में दो मालदीवी महिला जासूस गिरफ्तार की गयी (23) जासूसी के आरोप में इसरो के वरिष्ठ वैज्ञानिक डी शशिकुमार गिरफ्तार । नागपुर में आदिवासियों की ए विशाल भीड़ में मची भगदड़ के कारण कम से कम 12 लोग कुचलकर मारे गये तथा सैकड़ो घायल हो गये (24) नागपुर कांड पर महाराष्ट्र के जनजाति विकास मंत्र मधुकर राव पिचाड़ ने इस्तीफा दिया ।

दिसंबर 1. आंध्र प्रदेश और कर्नाटक में विधानस चुनाव संपन्न । (5) बिहार के मुजफ्फरपुर जिले गोपालगंज के जिलाधिकारी जी. कृष्णैया, की उग्र भीड़ हत्या की, इस सिलसिले में सासद लवली आनंद मोहन को हिरासत में लिया गया । (6) सर्वोच्च न्यायालय ने हवाल कांड की जांच सी.बी. आई निदेशक को सुपुर्द की; पू प्रधानमंत्री विश्वनाथ प्रतापसिंह ने लोकसभा की सदस्यत से इस्तीफा दिया; (15) खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री ए.के. एंटनी ने चीनी घोटाले पर ज्ञान प्रकाश समिति की रिपोर्ट में उनके विरुद्ध की गयी टिप्पणी के चलते इस्तीफा दिया। (25) पूर्व राष्ट्रपति ज्ञानीजैल सिंह का निधन।

जनवरी 1, 1995: एन.टी. रामाराव ने समुचित मूल्य की दुकानों से 2 रु. किलो चावल योजना की शुरुवात की; (8) समाजवादी नेता मधु लिमये का निधन। (13) 14वें इंडियन साइंसटिफिक एक्सपेडिशन टू अंटार्कटा के लिये डा. एस.डी. शर्मा के नेतृत्व में 62 सदस्यीय दल अंटार्कटा पहुंचा (17) विख्यात गांधीवादी नेता जी. रामचंद्रन का मदुराई में निधन। प्रधानमंत्री श्री नरसिम्हाराव ने गुटनिरपेक्ष देशों के श्रम मंत्रियों का नयी दिल्ली के विज्ञान भवन में 5 दिवसीय सम्मेलन का उद्घाटन किया। (20) उच्चतम न्यायालय ने उत्तर प्रदेश में आगरा में ताजमहल के निकट 84 उद्योगों को पर्यावरण की दृष्टि से बंद करने के आदेश दिये। (24) कांग्रेस–इ ने अर्जुन सिंह को दल से निष्कासित किया।

फरवरी 1. पत्रकार और राजनीतिज्ञ चंदूलाल चंद्राकर

निधन। (3) मानव अंग प्रत्यारोपण बिल राष्ट्रपति की ...ी के 7 माह के वाद सूची में अंकित व लागू। (8) उत्तर ... में मुलायम सिंह सरकार को विश्वास मत मिला। ...लेखक गुलशेर खान शानी का निधन। (22) पंजाब के ...मुख्यमंत्री राम कृष्ण का निधन। (25) मणिपुर में रिशांग ...शिंग ने मुख्यमंत्री पद की शपथ ली।

मार्च 1. अभिनेता इफ्तिखार की मृत्यु। (17) केरल के ...यमंत्री के. करुणाकरन ने त्यागपत्र दिया। (19) श्री गेगांग ...ंग लगातार चौथी वार अरुणाचल प्रदेश के मुख्य मंत्री वने। ...1) ए.के.एंटोनी केरल के नये मुख्यमंत्री वने। (24) उच्चतम ...यालय ने केंद्रीय प्रदूषण वोर्ड को निर्देश देकर राष्ट्रीय ...जधानी क्षेत्र के अंतर्गत 9 हजार उद्योगों को हटाने के लिये ...हा।

अप्रैल 4. आर्च विशप मार अब्राहम कुदुमोना का निधन। ...10) वंवई के जसलोक अस्पताल में पूर्व प्रधानमंत्री एवं ...ांधीवादी नेता मोरारजी भाई देसाई का निधन।

मई 1. सार्क राष्ट्रों ने साप्टा के रास्ते में सारी रुकावटों को दूर किया; उच्चतम नयायालय ने कहा कि मजिस्ट्रेट की अनुमति के विना किसी अभियुक्त को हथकड़ी नहीं लगायी जायेगी। (2) आठवीं सार्क वैठक नई दिल्ली भारत अध्यक्षता में प्रारंभ। (6) मुम्वई नगर निगम के उपायुक्त जी.आर. खैरनार को सेवा से वरखास्त किया गया। (8) अंग्रेजी दैनिक ट्रिव्यून के पूर्व मुख्य संपादक प्रेम भाटिया का निधन (9) स्वतंत्रता सेनानी और गांधी जी की निकट आभा गांधी (70) का निधन (11) आतंकवादियों ने प्रसिद्ध सूफी संत शेख नूरुद्दीन वली की मजार चरार-ए-शरीफ को आग लगाकर नष्ट कर दिया। (14) चराए-ए-शरीफ में उग्रवादियों का सफाया करने के बाद सेना ने अपना नियंत्रण स्थापित किया। (18) राजस्थान के पूर्व राज्यपाल और उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष सुखदेव प्रसाद (75) का निधन। (26) पत्रकार रमेश गौड़ का (58) निधन।

जून 1. वहुजन समाज पार्टी ने मुलायम सिंह यादव सरकार से समर्थन वापस ले लिया। भारतीय जनता पार्टी के सहयोग से सरकार वनाने का दावा। (3) ब.स.पा. नेता मायावती उत्तर प्रदेश की नई मुख्यमंत्री। (8) वयोवृद्ध स्वतंत्रता सेनानी प्रो. एन.जी. रंगा का निधन। (13) भारत व फ्रांस के वीच निवेश संरक्षण समझौते पर वातचीत पूरी। (16) भारतीय वायु सेना के पायलट कैप्टेन आरुण कंदीकर ने 12 हजार 9 सौ घंटे विमान उड़ाकर नया कीर्तिमान स्थापित किया। (17) उत्तर प्रदेश में राज्यपाल मोतीलाल वोहरा ने अपने अधिकारों का इस्तेमाल करते हुए संविधान की धारा 175(2) के तहत विधान सभा को लिखित आदेश देकर अभूतपूर्व कदम उठाया। (19) उत्तर प्रदेश की विधानसभा में संसदीय इतिहास रचा। स्पीकर धनीराम वर्मा ने कार्यवाही शुरु होते ही स्थागित की। सदन ने श्री वखूराम को पीठासीन अधिकारी वनाया। (20) उत्तर प्रदेश में मायावती सरकार को विश्वास मत प्राप्त। (27) प्रधानमंत्री श्री नरसिंहा राव द्वारा टिहरी परियोजना की समीक्षा के लिये दिये आश्वासन के वाद पर्यावरणविद सुंदर लाल वहुगुणा ने

जुलाई 3. दिल्ली के कनिष्का होटल से सटे ... रेस्तरां के तंदूर में एक महिला की हत्या के वाद ... जलाने की कोशिश नाकाम। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस ... सचिव केशव कुमार गिरफ्तार। प्रमुख अनियुक्त सुशील ... फरार; विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के पूर्व अध्यक्ष ... भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद के अध्यक्ष ... राम. रेड्डी का निधन। (4) प्रमुख उद्योगपति राजन ... गिरफ्तार। (7) प्रमुख उद्योगपति और सिंगापुर के ... किंग कहे जाने वाले राजन पिल्ले की न्यायिक हिरासत ... मृत्यु; (9) अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान में हृदय ... दूसरा सफल प्रत्यारोपण आपरेशन संपन्न; (10) ... रेस्तरां तंदूर कांड का मुख्य अनियुक्त सुशील शर्मा ... में गिरफ्तार (12) लेखिका ज्ञानपीठ पुरस्कार से सम्मा... लेखिका श्रीमती आशापूर्ण देवी (87) का निधन। (22) दक्षेस देशों के संसद अध्यक्षों तथा सासदों के संघ का सम्मेलन नई दिल्ली में प्रारंभ। (24) दक्षिण एशियाई ... के संसद अध्यक्षों ओर सांसदो के संघ का पहला सम्मेलन द्विपक्षीय मसलों पर विचार के लिये इस मंच का इस्तेमाल न करने की सहमति के साथ समाप्त।

अगस्त 3. महाराष्ट्र सरकार ने डाभोल में प्रस्तावित और वहुचर्चित एनरान विजली परियोजना को रद्द कर दिया। (12) पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने रसोई गैस के सिलिंडर व रेग्यूलेटर की एवज में जमाराशी दुगनी कर दी। (13) जम्मू काश्मीर में उग्रवादी सगठन अल-फरान ने अपहृत पांच विदेशी पर्यटकों में से नार्वे के पर्यटक क्रिश्चियन ओस्ट्रो की निर्मम हत्या कर दी। (22) भारतीय मूल के अमरीका निवासी नोवेल पुरस्कार विजेता विख्यात वैज्ञानिक डा. सुब्रह्मण्यम चंदशेखर का 84 वर्ष की आयु में निधन। (25) आंध्र प्रदेश में तेलगू देशम पार्टी में विभाजन। असंतुष्ट नेता और मुख्यमंत्री के दामाद एन. चंद्रवावू नायडु ने सरकार वनाने का दावा किया। (29) आंध्र प्रदेश में विधानसभा अध्यक्ष ने एन. चंद्रवावु नायडु को तेलगु देशम विधायक दल के नेता के रूप में मान्यता दी। (30) तेलगू देशम के वागी गुट ने नायडु को दल का अध्यक्ष चुना। (31) पंजाव के मुख्यमंत्री श्री वेअंत सिंह की वम विस्फोट में हत्या।

सितंबर 18. कवि काका हाथरसी (प्रभुलाल गर्ग) का निधन। (21) उच्चतम न्यायलाय के आदेश के अनुसार कोई भी अपने भवन में राष्ट्रीय झंडा फहरा सकता है। गुजरात में असंतुष्ट नेता व सांसद शंकरसिंह वघेला ने सरकार वनाने का दावा किया

अक्टूवर 1. विख्यात उद्योगपति आदित्य विक्रम विड़ला का निधन। (6) गुजरात भाजपा में सुलह। केशुभाई को हटाने की वघेला की शर्त मानी गयी। (21) सुरेशचंद रूप शंकर मेहता गुजरात के 15 वें मुख्यमंत्री।

नवंबर 4. (4) केन्दीय मंत्रिमंडल ने जम्मू काश्मीर में चुनाव कराने के संवंध में अंतिम फैसला किया। (8) नेशनल कांफ्रेस समेत कई दलों ने कश्मीर में प्रस्तावित चुनावों का

(13) उच्चतम न्यायालय ने जनहित की दृष्टि से अपने फैसले में चिकित्सा सेवा के उपभोक्ता कानून के तहत लाने को कहा। (19) भारत की के. मल्लेश्वरी ने चीन में चल रही विश्व भारोत्तोलन चैंपियन शिप में नया कीर्तिमान स्थापित किया। (30) केंद्रीय मंत्री श्री दिनेश सिंह (70) का निधन।

दिसंबर 7. (7) फ्रेंच गयाना के कौरू प्रक्षेपण स्थल के भारत का दूसरी श्रृंखला का बहुद्देशीय इन्सेट–2 सी उपग्रह का प्रक्षेपण। (11) उच्चतम न्यायालय ने 1987 में महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री मनोहर जोशी के चुनाव को अवैध ठहराये जाने के निर्णय को उलट कर उनके निर्वाचन को वैध ठहराया। (15) सुप्रीम कोर्ट ने भारत रत्न व दूसरे अलंकरणों को वैध ठहराया। (18) पश्चिम बंगाल के पुरुलिया जिले में आनंदमार्ग मुख्यालय के निकट हथियारों का जखीरा विमान से गिराया गया। (22) पुरुलिया में हथियार गिराने वाले विदेशी विमान को मुम्बई में जबरन उतारा गया। (28) आई.आर.एस.–1 सी का सफल प्रक्षेपण।

जनवरी 3. 1996. कर्नाटक कावेरी नदी का पानी छोड़ने के लिये तैयार। 8. महाराष्ट्र सरकार ने एनरान परियोजना के मंजूरी दी। 9. अभिनेत्री नाडिया का निधन। 16. हवाला घोटाले में केंद्रीय जांच ब्यूरो ने लाल कृष्ण अडवाणी, देवीलाल, अर्जुन सिंह, कल्पनाथ राय, यशवंत सिन्हा, आरिफ मोहम्मद खान व प्रदीप सिंह पर चार्जशीट। तीन मंत्री विद्याचरण शुक्ल, बलराम जाखड़ व माधवराव सिंधिया के विरुद्ध सबूत, लाल कृष्ण अड़वाणी ने लोकसभा से इस्तीफा दिया। 17. बलराम जाखड़, वी.सी. शुक्ल व माधव राव सिंधिया ने त्यागपत्र दिया। 18. राष्ट्रीय मोर्चे के अध्यक्ष व आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्य मंत्री एन.टी. रामराव का निधन।

फरवरी 4. समाजशास्त्री डा. श्यामाचरण दुबे का निधन। 10. कलकत्ता के इडेन गार्डेन में विश्व कप क्रिकेट टूर्नामेंट का उद्घाटन। 12. पूर्व केंद्रीय मंत्री कल्पनाथ राय गिरफ्तार जेल भेजे गये। 19. हवाला कांड के तहत केंद्रीय मंत्री थ ने त्यागपत्र दिया। 20. हवाला कांड में बूटा सिंह अरविंद नेताम ने त्यागपत्र दिया। 21. केंद्रीय मंत्री आर. धवन ने हवाला कांड के तहत त्यागपत्र दिया। पूर्व केंद्रीय मंत्री प्रकाश चंद सेठी का निधन 22. दिल्ली के मुख्यमंत्री श्री खुराना ने त्यागपत्र दिया। 24. दिल्ली भाजपा विधायक दल ने साहिब सिंह वर्मा को नया नेता चुना।

मार्च 1. अधिकांश नेताओं को अग्रिम जमानत। 4. पूर्व केंद्रीय मंत्री हरकिशन लाल भगत 1984 में दंगा भड़काने के एक और मामले में आरोपित। 11. पटना उच्च न्यायालय ने बिहार में अरबों रुपये के पशुपालन घोटाले की केंद्रीय जांच ब्यूरो से जांच कराने का आदेश दिया। 13. अभिनेता शफी इनामदार का निधन। 17. श्रीलंका ने आस्ट्रेलिया को पराजित कर विश्व कप क्रिकेट जीता। 18. नेताजी सुभाष चंद्र बोस की पत्नी श्रीमती एमिल शेकल बोस की जर्मनी में अंत्यष्टि। 19. देश में लोकसभा चुनाव कराने का ऐलान। 21. भारतीय अंतरिक्ष अभियान पी.एस.एल.वी. 3 के सफल प्रक्षेपण के साथ उन्नत देशों की कतार में पहुंचा। 24. शायर नजीर बनारसी का निधन। अमृत बाजार पत्रिका के अध्यक्ष तरुण कांति घोष का निधन। 31. तमिलनाडु में जी. के. मूपनार के नेतृत्व में प्रदेश कांग्रेस के एक गुट द्वारा द्रमुक से गठबंधन।

अप्रैल 8. जी.के. मूपनार, माधव राव सिंधिया, नटवर व चिदंबरम समेत अनेक नेता कांग्रेस पार्टी से निष्कासित। 14. केंद्रीय जांच ब्यूरो ने आवास घोटाले में तत्कालीन शहरी विकास मंत्री श्रीमती शीला कौल के दो सचिवों सहित 10 लोगों को अभियुक्त बनाया। 22. असम के मुख्य मंत्री श्री हितेश्वर सैकिया का निधन।

मई 1. हवाला कांड में उत्तर प्रदेश के राज्यपाल मोतीलाल वोहरा एवं केरल के राज्यपाल शिवशंकर ने त्यागपत्र दिया। 9. प्रधानमंत्री श्री नरसिम्हाराव का त्यागपत्र, कोई भी दल सरकार बनाने की स्थिति में नहीं, हरियाणा में हविपा, भाजपा, गठबंधन आगे। 11. भाजपा ने सरकार बनाने का दावा किया। 13. तीसरे मोर्चे में प्रधानमंत्री पद के लिए श्री ज्योति बसु के नाम पर सहमति। 14. रामो–वामो द्वारा कर्नाटक के मुख्यमंत्री श्री एच.डी. देवगौड़ा के नेतृत्व में सरकार बनाने का दावा। 15. अटल बिहारी वाजपेई देश के नये प्रधानमंत्री, 31 मई तक बहुमत साबित करने को कहा गया। 16. श्री अटल बिहारी वाजपेयी व उनके मंत्रिमंडल ने शपथ ली। 17. ई.के नयनार केरल के मुख्यमंत्री। 22. श्री पी.ए. संगमा लोकसभा के अध्यक्ष निर्वाचित। 28. 13 दिन पुरानी भाजपा सरकार द्वारा त्यागपत्र।

जून 1. भूतपूर्व राष्ट्रपति संजीव रेड्डी का निधन; एच.डी. देवगोड़ा द्वारा प्रधानमंत्री पद के लिए शपथ ग्रहण। 3. नयी दुनिया के पूर्व संपादक राहुल बारपुते का निधन। 6. पूर्व प्रधानमंत्री श्री राव के पुत्र पी.वी. प्रभाकर राव पर यूरिया घोटाले का आरोप। 17. राष्ट्रीय संघ सेवक के पूर्व सरसंघ चालक बालासाहेब देवरस का निधन। 21. मद्रास के प्रधान सत्र न्यायधीश ने तमिलनाडु की पूर्व मुख्यमंत्री सुश्री जयललिता की संपत्ति जांच का निर्देश दिया।

जुलाई 3. अभिनेता राजकुमार का निधन। 4. उड़ीसा के पूर्व राज्यपाल यज्ञदत्त शर्मा का निधन। 8. उच्चतम न्यायालय ने दिल्ली से 168 खतरनाक उद्योगों को 30 नवंबर तक हटाने का आदेश दिया। 11. बीसवीं शताब्दी के अंतिम ओलंपिक खेल प्रारंभ। 29. वयोवृद्ध स्वतंत्रता सेनानी श्रीमती अरुणा आसफ अली का देहावसान।

अगस्त 1. श्री मधु दंडवते योजना आयोग के उपाध्यक्ष। 3. भारत के लियेंडर पेइस ने ओलंपिक खेलों में टेनिस प्रतिस्पर्धा में कांस्य पदक जीता। 14. लेखक अमृत राय का देहावसान। 16. पूर्व संचार मंत्री सुखराम के घर पर सी.बी.आई. के छापे में 3 करोड़ 65 लाख की नगद राशि मिली। 20 गुजरात में भा.ज.पा. से निष्कासित नेता शंकर सिंह वाघेला ने राष्ट्रीय जनता पार्टी का गठन किया।

सितंबर 1. क्रेडिट स्विस मास्टर्स रेपिड शतरंज चैम्पियनशिप भारत के ग्रैंडमास्टर विश्वनाथ आनंद ने विश्व चैम्पियन गैरी कास्परोव को हराकर जीती। 7. श्री अजीत सिंह ने भारतीय किसान कामगार पार्टी का गठन किया। 10. संस्कृति कर्मी सोमनाथ जुत्शी का निधन। 23. सीताराम केसरी कांग्रेस के

काश्मीर में सम्पन्न हुए चुनावों में
ादार विजय। । 10. जम्मू काश्मीर
क नेतृत्व में सरकार का गठन।
र्व के मामले में सी.वी.आई. ने श्री
ीश शर्मा, वूटा सिंह समेत 7 लोगों
दालत में दिया
खिलाड़ी पी. हरीकृष्ण ने मेनोरका
शतरंज खिताव जीत लिया। 4.
पूर्व मंत्री श्री सतीश शर्मा पर
तरीके से पेट्रोल पंप आवंटित करने
ये का जुर्माना किया। 7. पूर्व मंत्री
ानूनी ढंग से दुकानें आवंटित करने
50 लाख रुपये का जुर्माना किया।
एयरलाइन्स और कज्ज़ाक एयरवेज
टक्कर, चालक समेत एक भी यात्री

महिला मुख्यमंत्री वनी। 28. चीन के राष्ट्रपति जियांग जेमिन का भारत आगमन। 29. भारत व चीन के वीच अनाक्रमण समझौता।

दिसंबर 1. कलकत्ता में मदर टेरेसा की हालत गंभीर। 2. तमिलनाडु के राज्यपाल डा.एम. चन्ना रेड्डी का निधन 7. तमिलनाडु की पूर्व मुख्यमंत्री जयललिता टी.वी. खरीद घोटाले में गिरफ्तार; अहमदावाद हवाई अड्डे का नाम वदल कर सरदार पटेल अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा कर दिया गया। 8. भारतीय क्रिकेट कप्तान सचिन तेंदुलकर ने विश्व में टेस्ट क्रिकेट में सवसे कमउम्र में तीन हजार रन वनाने का विश्व कीर्तिमान बनाया। 9. तमिलनाडु की पूर्व मुख्यमंत्री जयललिता के यहां 58 करोड़ की संपत्ति मिली 12. भारत व वंगला देश के वीच गंगा के पानी के वंटवारे को लेकर समझौता हो गया; डा. एम.एस. गिल नये मुख्य चुनाव आयुक्त; 29. त्रिशूल प्रक्षेपास्त्र का सफल प्रक्षेपण; इजराइल के राष्ट्रपति इजर विजमैन भारत की यात्रा पर आये।

जल समझौता

भारत और बंगला देश के वीच गंगा
रंभ। 10. प्रसिद्ध स्वतंत्रता सेनानी,
194 वर्ष की आयु में निधन। 16.
की.चार अज्ञात वंदूकधारियों ने गोली
21 वोफोर्स तोप सौदा दलाली से
पनीय वैंक दस्तावेज भारत को सौंपे
ी नयी मिसाइल 'पिनाक' का सफल
ड के प्रधानमंत्री वासुदेव पांडे अपने
लने आजमगढ़ के गांव लखमनपुर

ाली–भा.ज.पा. गठबंधन को तीन
की चीनी की कीमत में वृद्धि।
ादल पंजाव के नये मुख्यमंत्री।
कार का दूसरा आम बजट, आयकर
उपकरण सस्ते, डाक सामग्री की दर
का निधन।
ूस के सहयोग से निर्मित विश्व के
ने वाले पोत प्रहार का जलावतरण ।
वदेशी तकनीक से एटमी भट्टी ठीक
इतिहास में एक नया अध्याय जोड़ा।
के चेयरमैन व विश्व के सबसे समृद्ध
हुंचे। चित्रकार करुणानिधान मुखर्जी
सभा अध्यक्ष संगमा ने पूर्वी दिल्ली के
ागपत्र स्वीकार किया। 9. उत्तर प्रदेश
त रेड्डी का निधन। 13. मदर टेरेसा
नेर्मला मिशनरीज आफ चैरिटीज की

नयी सुपीरियर जनरल निर्वाचित। 14. कनार्टक के पूर्व मुख्यमंत्री वीरेंद्र पाटिल का निधन। 17. पूर्व केंद्रीय मंत्री कल्पनाथ राय को टाडा मामले में 10 वर्ष की कैद व 10 लाख रुपये जुर्माने की सजा। 9. उत्तर प्रदेश में भा.ज.पा. व वा.स.पा. साझा सरकार बनाने के राजी। छह–छह महीने के क्रम से मायावती व कल्याण सिंह मुख्यमंत्री होंगें। 21. मायावती उत्तर प्रदेश की मुख्य मंत्री बनीं; 25. न्यायमूर्ति जे.एस. वर्मा नये मुख्य न्यायधीश बने; भारतीय क्रिकेट बोर्ड के महासचिव जगमोहन डालमियां आई.सी.सी. के अध्यक्ष होंगे। 28. दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति नेल्सन मंडेला भारत यात्रा पर। 29. संस्कृतकर्मी पुपल जयकर का 82 वर्ष की आयु में निधन। 30. कांग्रेस पार्टी नें संयुक्त मोर्चे की सरकार के पक्ष का समर्थन वापस लिया।

अप्रैल 1. पांडिचेरी प्रशासन ने पांडिचेरी का नया नाम पदुचेरी रखने का निश्चय किया। 2. मा.क.पा. नेता प्रबीर सेनगप्ता का निधन। 6. लेखक डा. कृष्णचरण साहू का निधन। 8. हवाला मामले में अभियुक्त भा.ज.पा. के नेता लालकृष्ण अडवाणी और कांग्रेस नेता विद्याचरण शुक्ल को दिल्ली उच्च न्यायालय ने आरोपमुक्त किया। 10. उच्चतम न्यायालय ने विशेष टाडा अदालत के फैसले के खिलाफ पूर्व केंद्रीय मंत्री कल्पनाथ राय को जमानत पर रिहा करने के आदेश के साथ टाडा जज ढींगरा पर टिप्पणी की कि उन्हे अपराधिक कानूनों की प्रारंभिक समझ नहीं है। 17. जनता दल के नेता बीजू पटनायक का निधन। 19. इंद्र कुमार गुजराल संयुक्त मोर्चे के नये नेता चुने गये; राष्ट्रपति के समक्ष सरकार बनाने का दावा। 21. श्री इंद्र कुमार गुजराल ने 34

मंत्रियों के साथ शपथ ली। 24. उत्तर प्रदेश विधानसभा में उत्तराखंड राज्य प्रस्ताव पारित।

मई 8.राजीव गांधी की हत्या के 6 वर्ष के बाद उनकी पत्नी श्रीमती सोनिया गांधी ने कांग्रेस दल की प्रारंभिक सदस्यता ली। 13.मुक्त व्यापार क्षेत्र के लिये दक्षेस देश ज्यादा सक्रिय होंगे, साफ्टा सन 2005 के बजाये 2001 तक होगा। 14. केंद्रीय जांच ब्यूरो ने बोफोर्स तोप सौदे में दलाली की जांच रिपोर्ट सौंपी, पूर्व विदेश मंत्री माधव सिंह सोलंकी, पूर्व रक्षा सचिव एस.के. भटनागर, स्व. राजीव गांधी के कार्यालय में सचिव गोपी अरोड़ा, इतालवी व्यापारी क्वात्रोची, और उनकी पत्नी मारिया, विन चड्ढा और उनके पुत्र हर्ष आदि आरोपी हैं। 15. भारतीय जनता पार्टी के नेता मदन लाल खुराना को विशेष अदालत ने हवाला कांड से आरोपमुक्त कर दिया। 19. श्री के. रघुनाथ भारत के नये विदेश सचिव; नाट्यकर्मी शंभु मित्रा का 81 वर्ष की आयु में निधन। 28. चर्चित हवाला कांड में अदालत ने अर्जुन सिंह, माधवराव सिंधिया, आर.के. धवन और नारायण दत्त तिवारी को आरोपमुक्त किया।

जून 4. सेंट किट्स कांड में श्री नरसिम्हाराव और के. के. तिवारी को अदालत ने बरी कर दिया। 6. संगीतकार श्री मोहन उप्रेती का निधन। 9. राष्ट्रपति चुनाव के लिये अधिघोषणा जारी। 12. कांग्रेस पार्टी अध्यक्ष पद चुनाव में सीताराम केसरी भारी बहुमत से विजयी; हवाला मामले में पूर्व केंद्रीय मंत्री बूटा सिंह व कमलनाथ को अदालत नें आरोपमुक्त किया।। 3. नयी दिल्ली के उपहार सिनेमा में भीषण आग से 60 मरे व अनेक घायल। 16. उपराष्ट्रपति के.आर. नारायणन को कांग्रेस व संयुक्त मोर्चे ने राष्ट्रपति पद के लिये साझा उम्मीदवार बनाया। 17. पूर्व केंद्रीय मंत्री और स्व लाल बहादुर शास्त्री के ज्येष्ठ पुत्र हरिकृष्ण शास्त्री का 59 वर्ष की आयु में निधन। 20. फिल्म निर्माता निदेशक बासु भट्टाचार्य का निधन।। 23. चारा घोटाले में लालू प्रसाद यादव व अन्य 55 व्यक्तियों के खिलाफ ; इस्लामाबाद में भारत व पाकिस्तान के मध्य विदेश की बैठक में आठ कार्यदलों के गठन पर सहमति। ओडिसी नृत्यांगना संयुक्ता पाणिग्रही का निधन। 7. पत्रकार और लोकप्रिय टीवी. कार्यक्रम 'आजतक' के कार्यकारी निर्माता व प्रस्तुतकर्ता एस.पी. सिंह का निधन। 28. फिल्म समीक्षक, संपतलाल पुरोहित का निधन।

जुलाई 6. शरद यादव जनता दल के अध्यक्ष चुने गये; फिल्म निर्माता व निदेशक चेतन आनंद का निधन। 15. बिहार विधान सभा में भारी हंगामे के बीच लालू यादव सरकार को विश्वास मत मिला। 17. के. आर. नारायण राष्ट्रपति पद के चुनावों में विजयी। 18. केंद्र सरकार नें पांचवे वेतन आयोग की सिफारिशों को स्वीकृत दी। 24. पूर्व प्रधानमंत्री गुलजारी लाल नंदा और स्वतंत्रता सेनानी स्व. अरुणा आसफ अली को भारत रत्न; बंगला लेखिका महाश्वेता देवी को मैगसायसाय; मिस्र के राष्ट्रपति होस्नी मुबारक को अंतर्राष्ट्रीय सदभाव के लिये जवाहर लाल नेहरू पुरस्कार। 25. बिहार के मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव ने पद से त्यागपत्र दिया, उनके स्थान पर उनकी पत्नी राबड़ी देवी नयी मुख्यमंत्री; के.आर. नारायणन ने देश के 11वें राष्ट्रपति पद की शपथ ली। 28. केरल उच्च न्यायालय ने हड़ताल व बंद को गैरकानूनी व असंवैधानिक करार दिया 30. बिहार के पूर्व मुख्य मंत्री लालू प्रसाद यादव को चारा घोटाले में गिरफ्तार कर बेउर रोड जेल भेजा गया।

अगस्त 4. केंद्र सरकार ने पांचवे वेतन आयोग की सिफारिशों पर अमल पर रोक लगाने का फैसला किया 8. भा.ज.पा.-नेता मदन लाल खुराना ने राष्ट्रीय उपाध्यक्ष पद से त्यागपत्र दिया। 9. बागी कांग्रेस नेता ममता बनर्जी ने समानांतर कांग्रेस की घोषणा की, इसका नाम तृणमूल कांग्रेस रखा गया है। भारतीय आडियो कैसेट के बादशाह और फिल्म निर्माता गुलशन कुमार की मुंबई में दिनदहाड़े हत्या 16. श्री कृष्णकांत उपराष्ट्रपति निर्वाचित। 20. लता मंगेशकर को राजीव गांधी सद्भावना पुरस्कार। 21. आंध्र प्रदेश के पूर्व राज्यपाल कृष्णकांत ने उप राष्ट्रपति पद की शपथ ली; हृदय शल्य चिकित्सक डा. धनराज महाजन का निधन। 23. अमरीका में हल्दी के पेटेंट को रद्द कराने की लड़ाई में भारत की जीत। 29. दिल्ली उच्च न्यायालय ने पूर्व केंद्रीय मंत्री कैप्टेन सतीश शर्मा के विवेकाधीन कोटे से आवंटित सत्तर पेट्रोल पंप आवंटनों को रद्द किया गया।

सितंबर 1. मुंबई पुलिस के अनुसार फिल्म निर्माता गुलशन कुमार की हत्या में संगीतकार नदीम का हाथ 3. भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के नेता एम. फारुकी का निधन 4. लेखक धर्मवीर भारती का निधन; गीतकार अंजान का निधन। 5. नोबल शांति पुरस्कार से सम्मानित मदर टेरेसा का निधन। फिल्म निदेशक मुकुल आनंद का निधन 10. पूर्व केंद्रीय मंत्री सतीश चंद्र अग्रवाल का निधन 11. पांचवे वेतन आयोग की सिफारिशों पर सरकार व कर्मचारियों के बीच समझौता। 13. राजकीय सम्मान के साथ मदर टेरेसा की अंतिम अंत्येष्टि। 17. संगीतकार नदीम को लंदन पुलिस ने हिरासत में लिया। 20. समझौते का पालन करते हुए उत्तर प्रदेश की मुख्यमंत्री मायावती ने अपने पद से त्यागपत्र देते हुए राज्यपाल से भा.ज.पा.-ब.स.पा. गठबंधन की सरकार बनाने के लिये कल्याण सिंह को आमंत्रित करने का अनुरोध किया; अभिनेता व अशोक कुमार व किशोर कुमार के भाई अनूप कुमार का निधन। 24. सुरक्षा परिषद की सदस्यता के लिये भारत ने अपना दावा पेश किया; समाजवादी नेता लाडली मोहन निगम का 70 वर्ष की आयु में निधन। 25. करोड़ों रुपये के सांसद रिश्वत कांड में अदालत ने पूर्व प्रधानमंत्री श्री नरसिम्हाराव सहित 20 अन्य व्यक्तियों पर आरोप निर्धारित करने से मुकदमा चलाने का रास्ता साफ किया। 29. ध्रुवीय उपग्रह यान पी.एस.एल.वी.- सी 1 का सफल प्रक्षेपण।

अक्टूबर 1. जनरल मलिक नये सेना अध्यक्ष; दुनिया का सबसे नाटा व्यक्ति गुल मोहम्मद की मृत्यु। 3. पांचवे वेतन आयोग की संशोधित सिफारिशें मंजूर; यूरिया घोटाले मामले में तुर्की कंपनी करसन लिमिटेड के दो अधिकारी गिरफ्तार। 5. फारवर्ड ब्लाक के महासचिव चित्त बसु का निधन। 15. भारत की अरुंधती राय को अपने पहले ही उपन्यास द गाड आफ स्माल थिंग्ज पर ब्रिटेन का सबसे प्रतिष्ठित बुकर पुरस्कार दिये जाने की घोषणा। 19. उत्तर प्रदेश में ब.स.पा. ने साझा सरकार से अलग होने की घोषणा की। 20. उत्तर प्रदेश में कांग्रेस विधायकों

में फूट, 22 विधायकों ने अलग गुट बनाया, जनता दल भी टूटा। 21. उत्तर प्रदेश में कल्याण सिंह सरकार को बहुमत प्राप्त, लेकिन केंद्र सरकार ने कल्याण सिंह सरकार को बर्खास्त करने का फैसला किया। 22. राष्ट्रपति द्वारा उत्तर प्रदेश सरकार को बर्खास्त करने के मंत्रिमंडल के निर्णय को पुनर्विचार करने के लिये वापस भेजने के बाद केंद्रीय मंत्रिमंडल ने अपना निर्णय वापस लिया। 28. गुजरात में रा.ज.पा. के नेता दिलीप पारिख के नेतृत्व में नयी सरकार बनी।

नवंबर 6. उच्चतम न्यायालय ने पूर्व केंद्रीय मंत्री कल्पनाथ राय सहित छह अन्य व्यक्तियों को रिहा किया। 8. राष्ट्रपति ने निरंकारी बाबा गुरबचन सिंह हत्याकांड में उम्र कैद की सजा भुगत रहे जत्थेदार भाई रंजीत सिंह की सजा माफ करदीं। 12. [उच्च]तम न्यायालय ने केरल उच्च न्यायालय के बंद को संवैधानिक घोषित करने के फैसले की पुष्टि की। 14. रक्षा [रा]ज्य मंत्री एन.वी.एन. सोमू और तीन अन्य सैनिक अधिकारियों [क]ी अरुणाचल प्रदेश में हेलिकाप्टर दुर्घटना में मृत्यु। 18. दिल्ली में स्कूल के बच्चों से खचाखच भरी बस यमुना नदी के पुल की रेलिंग को तोड़ते हुए नदी में गिरी, 28 बच्चों की मृत्[यु] अनेक घायल। 20. भारतीय मूल की कल्पना चावला [औ]र चालक दल के अन्य पांच सदस्य अंतरिक्ष में पहुंचे। 2[..] भारतीय मिसाइल कार्यक्रम के प्रणेता ए.पी.जे. अबुल कलाम [को] भारत रत्न सम्मान। 28. कांग्रेस द्वारा मोर्चा सरकार से समर्थन वापस लिये जाने पर गुजराल सरकार का इस्तीफा।

दिसंबर 3. केंद्रीय मंत्रिपरिषद ने लोक सभा को भंग कर नये चुनाव कराने की सिफारिश की। 4. राष्ट्रपति ने लोक सभा को भंग किया। 9. ज्ञानपीठ पुरस्कार से सम्मानित लेखक शिवराम कारंत का निधन। 10. पूर्व विदेश सचिव सलमान हैदर ब्रिटेन में भारत के उच्चायुक्त; मलयाला मनोरमा, केरल द्वारा प्रकाशित महिलाओं की मासिक पत्रिका वनिता के हिन्दी संस्करण का राज्य सभा की उपाध्यक्ष नजमा हेपतुल्ला द्वारा लोकार्पण। 25. राज्यपाल ने गुजरात विधान सभा को भंग किया।

नये राज्यों का गठन

जनवरी, 1998: 3. आय की स्वैच्छिक घोषणा योजना में 100 अरब रूपये के टैक्स के जमा होने से लक्ष्य से दुगनी सफलता। 13. उत्तर प्रदेश में विधान परिषद चुनावों में भा.ज.पा. को भारी जीत मिली; मणिपुर में निपामाचा सिंह की सरकार को विश्वासमत मिला। 15. पूर्व प्रधानमंत्री और वयोवृद्ध गांधीवादी नेता गुलजारी लाल नंदा का निधन। 25. गणतंत्र दिवस के अवसर पर राष्ट्रपति ने केरल से प्रकाशित मलयाला मनोरमा के मुख्य संपादक के.एम. मात्यु सहित 18 विभूतियों को पदम भूषण।

फरवरी। 1. असम में चुनावी हिंसा, भा.क.पा. (माले) के राज्य सचिव व डिब्रुगढ़ लोकसभा के उम्मीदवार अनिल कुमार बरुआ की उल्फा उग्रवादियों ने गोली मारकर हत्या कर दी। 21. उत्तर प्रदेश में राज्यपाल रोमेश भंडारी ने कल्याण सिंह की सरकार को बर्खास्त करते हुए लोकतांत्रिक कांग्रेस के जगदम्बिका पाल को मुख्यमंत्री की शपथ दिलाई; अभिनेता ओमप्रकाश का निधन। 23. जगदम्बिका पाल ने उच्चतम न्यायालय में अपील की; पूर्व टेस्ट क्रिकेट खिलाड़ी रमण लाम्बा का निधन। 24. उच्चतम न्यायालय ने आदेश दिया कि कल्याण सिंह व जगदम्बिका पाल दोनों ही विधान सभा में अपना बहुमत सिद्ध करें; भंग लोक सभा के अध्यक्ष पी.ए. संगमा लोक सभा के लिये [चुने गये।] मेघालय में त्रिशंकु विधानसभा। 26. उत्तर प्रदेश में [...] 14. श्रीमती सोनिया गांधी कांग्रेस अध्यक्ष बनीं; अन्नाद्रमुक ने भा.ज.पा. को समर्थन देने का पत्र राष्ट्रपति को दिया; अभिनेता व निर्माता निदेशक दादा कोंडके का निधन। 15. केंद्र में भा.ज.पा. गठबंधन को सरकार बनाने का निमंत्रण। 16. उत्तर प्रदेश के राज्यपाल रोमेश भंडारी ने त्यागपत्र दिया; श्रीमती सोनिया गांधी कांग्रेस संसदीय दल की नेता निर्वाचित। 19. अटल बिहारी वाजपेई ने 42 मंत्रियों के साथ शपथ ली; वामपंथी आंदोलन के शिखर पुरुष, ई.एम.एस नम्बूदिरीपाद का 88 वर्ष की आयु में निधन। 21. जसवंत सिंह योजना आयोग के नये उपाध्यक्ष नियुक्त। 24. तेलगू देशम के अमलापुरम संसदीय क्षेत्र से लोकसभा के सदस्य मोहन चंद्र बालयोगी लोकसभा के अध्यक्ष निर्वाचित। 28. भा.ज.पा. की वाजपेई सरकार को लोकसभा में विश्वास मत मिला। 31. त्रिपुरा के स्वास्थ्य मंत्री विमल सिन्हा और उनके छोटे भाई की उग्रवादियों ने गोली मारकर हत्या

अप्रेल। 1. हरियाणा में शराबबंदी समाप्त। 2. प्रधानमंत्री वाजपेई ने दुमुक सरकार की बर्खास्तगी से इंकार किया; कोंकण रेल मार्ग से हजरत निजामुद्दीन से तिरुवनंतपुरम तक राजधानी एक्सप्रेस की शुरुवात। 3. तेलगु देशम के प्रमुख सी.के. नायडू ने कहा कि उनकी पार्टी सरकार में शामिल हुए बिना समर्थन देती रहेगी। 7. सोली सोराबजी नये एटार्नी जनरल पद पर

30. हिमाचल प्रदेश के उपमुख्यमंत्री सुखराम त्यागपत्र देने को राजी ।

मई 8. पूर्वोत्तर विकास परिषद में सिक्किम को शामिल किया गया, पूर्वोत्तर राज्यों को पड़ौसी देशों से व्यापार की सुविधा। 9. गायक तलत महमूद का 75 वर्ष की आयु में निधन 11. भारत ने राजस्थान के पोखरण में हाइड्रोजन बम समेत तीन परमाणु परीक्षण करके आणविक क्षेत्र में महाशक्ति बनने की तरफ कदम बढ़ाया। 12. केंद्रीय कर्मचारियों की सेवानिवृत्ति की आयु 58 वर्ष से 60 वर्ष तक बढायी गयी; बिहार में राज्यपाल सुंदर लाल भंडारी ने पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव, तीन मंत्रियों व अनेक प्रशासनिक अधिकारियों के विरुद्ध मुकदमा चलाने की सी.बी.आई. को अनुमति दी। 13. अंतर्राष्ट्रीय दबाव के समक्ष न झुकते हुए भारत ने दो और परमाणु विस्फोट किये; परीक्षण अब प्रयोगशाला में संभव, अमरीका ने भारत पर आर्थिक प्रतिबंध लगाये। 19. चीन स्थित भारतीय राजदूत विजय नाम्बियार को परामर्श के लिये दिल्ली बुलाया गया। 24. राजस्थान के राज्यपाल दरबारा सिंह का निधन। 25. प्रसिद्ध संगीतकार लक्ष्मीकांत का 61 वर्ष की आयु में निधन। ।

जून3. प्रधानमंत्री वाजपेयी ने इरान के विदेशमंत्री से बातचीत में स्पष्ट किया कि भारत को काश्मीर पर तीसरे पक्ष की मध्यस्थता नामंजूर है। 5. नाट्यकर्मी बी.एम. शाह का लखनऊ में अचानक निधन; उर्दू के शायर अली सरदार जाफरी को प्रधानमंत्री ने ज्ञानपीठ पुरस्कार दिया। 13. बिहार के पूर्वमंत्री ब्रज बिहारी प्रसाद की पटना में अज्ञात हमलावरों नें हत्या कर दी। 14. बिहार के पूर्णिया में विधायक व मा.क.पा. के नेता अजित सरकार की हमलावरों ने हत्या की। 16. बंगला देश की प्रधानमंत्री शेख हसीना वाजेद दिल्ली की यात्रा पर। 24. समाजवादी पार्टी और राष्ट्रीय जनता दल ने मिलकर लोकतांत्रिक मोर्चे का गठन किया। 27. पत्रकार निखिल चक्रवती का निधन। 29. केंद्रीय मंत्रिमंडल में उत्तरांचल, वनांचल और छत्तीसगढ़ को नये राज्य के रूप में गठन और दिल्ली को पूर्ण राज्य का दर्जा देने की सहमति।

जुलाई 5. जम्मू काश्मीर में उग्रवाद के खिलाफ होने वाले को केंद्र सरकार द्वारा वहन करने की घोषणा। 9. नजमा लगातार चौथी बार राज्यसभा की उपाध्यक्ष चुनी गयीं। 5. भारत के साथ बातचीत के लिये अमरीका के विदेश स्ट्रोब टोलबोट दिल्ली आये। 22. अमरीका ने सात भारतीय वैज्ञानिकों को देश छोड़ने के आदेश दिये। 29. गुजरात कांग्रेस सरकार अल्पमत में आ जाने के बाद बर्खास्त, दल से अलग हुए नेता डा. विल्फ्रेड डिसूजा नये मुख्यमंत्री बने।

अगस्त7. कावेरी जल विवाद को सुलझाने के लिये कर्नाटक, तमिलनाडु, केरल व संघीय क्षेत्र पांडिचेरी के मुख्यमंत्रियों के मध्य समझौता। 11. केंद्र ने कावेरी जल ट्रेब्यूनल के अंतरिम आदेश को लागू करने की अधिसूचना जारी की। 12. भारतीय सिनेमा संगीत की अमर गायिका शमशाद बेगम का निधन। 16. उच्चतम न्यायालय ने कावेरी जल विवाद न्यायाधिकरण के अंतरिम आदेश लागू कराने के केंद्र सरकार की योजना को मंजूरी दी। 18. उत्तर प्रदेश के पिथौरागढ़ जिले में तेज वर्षा के कारण गांव में ठहरे मानसरोवर की तीर्थ यात्रा पर जाने वाले साठ सदस्यों के 12वें दल के भी बह जाने की आशंका, इस दल में विख्यात नृत्यांगना प्रोतिमा बेदी के भी निधन की आशंका। 28. दिल्ली में सरसों के मिलावटी तेल से दो और व्यक्ति मरे, दिल्ली, बिहार और पश्चिम बंगाल के बाद पांच और राज्यों उत्तर प्रदेश, हिमाचल प्रदेश, उड़ीसा, हरियाणा और मध्य प्रदेश में सरसों के तेल की बिक्री पर रोक लगा दी गया।

सितंबर1. मध्य प्रदेश विधानसभा में छत्तीस गढ़ को राज्य का दर्जा देने का प्रस्ताव मंजूर किया गया। 3. प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई ने दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति मंडेला के काश्मीर मसले पर तीसरे देश की मध्यस्थता के सुझाव को नकारा। 15. कांग्रेस पार्टी ने झारखंड राज्य बनाने पर अपना समर्थन दिया। 16. चरित्र अभिनेता मजहर खान का निधन। 17. नये वनांचल राज्य के गठन का पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव ने कड़ा विरोध किया। 19. बिहार के राजनीतिक घटनाक्रम में नाटकीय मोड़, राबड़ी देवी सरकार ने विश्वास मत की पहल की; राजधानी क्षेत्र में सरसों के तेल की बिक्री पर लगा प्रतिबंध समाप्त। 21. बिहार विधानसभा ने वनांचल राज्य के गठन संबधित बिहार पुनर्गठन विधेयक नामंजूर किया। 22. केंद्रीय मंत्रिमंडल ने बिहार में राष्ट्रपति शासन लगाये जाने की सिफारिश की। 25. राष्ट्रपति ने बिहार की राबड़ी देवी सरकार को बर्खास्त कर राष्ट्रपति शासन लगाने की मंत्रिमंडल की सिफारिश को पुनर्विचार के लिये वापस लौटाया।। 26. केंद्रीय मंत्रिमंडल राबड़ी देवी सरकार की बर्खास्तगी के लिये राष्ट्रपति को भेजी गयी सिफारिश को पुनर्विचार के लिये नहीं भेजेगी; दिल्ली राजस्थान और मध्य प्रदेश में विधान सभा के चुनाव 25 नवंबर को।

अक्टूबर3. पत्रकार गुरु कृपाल सिन्हा का नयी दिल्ली में निधन। 7. ऊधम सिंह नगर विवाद को सुलझाने के लिये एक समिति का गठन का मामला उच्चतम न्यायालय ने संविधान पीठ को सौंपा। 10. कम्युनिस्ट क्रांतिकारी और भा.क.पा. (माले) के पोलित ब्यूरो के सदस्य नागभूषण पटनायक का निधन; भा.ज.पा. ने केंद्रीय मंत्री सुषमा स्वराज को दिल्ली की नयी मुख्यमंत्री बनाने की घोषणा की। 13. दुलर्भ हिरणों के शिकार के आरोप में फंसे अभिनेता सलमान खान को अदालत ने रिमांड पर भेजा। 14. भारत के प्रसिद्ध अर्थशास्त्री प्रो. अमर्त्य सेन को अर्थशास्त्र के क्षेत्र में नोबल पुरस्कार के लिये चुना गया। 22. दिल्ली में आयातित प्याज की कीमत 10 रुपये प्रति किलो। 26. केंद्र सरकार ने प्याज, आलू और दालों के निर्यात पर रोक लगाइ। 28. बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव व जगन्नाथ मिश्रा न्यायिक हिरासत में भेजे गये; उच्चतम न्यायालय के फैसले के अनुसार सर्वोच्च न्यायालय में जजों की नियुक्ति व उच्च न्यायालय के जजों के तबादले के लिये मुख्य न्यायधीश को अपने चार वरिष्ठ साथियों से सलाह करनी होगी।

नवंबर 5. कवि और बाबा नागार्जुन का निधन। 6. वयोवृद्ध अकाली नेता जत्थेदार जीवन सिंह उमरानंगल का निधन। 11. नांगलोई से समता पार्टी के उम्मीदवार वेदसिंह की हत्या। 13. भारत पाकिस्तान असैनिक बंदियो व मछुआरों को रिहा करने पर राजी। 14. संयुक्त राष्ट्र संघ में भारतीय परमाणु मुद्दे के पारित हो जाने से बड़ी कूटनीतिक सफलता। 23. केंद्रीय मंत्रिमंडल ने बीमा क्षेत्र को विदेशी कंपनियों के लिये खोलने के प्रस्ताव को स्वीकृति दी। 24. बीमा क्षेत्र में विदेशी

वेश के फैसले का कड़ा विरोध; साहित्यकार डा. विजयेंद्र नातक का निधन।

दिसंबर 1. मध्य प्रदेश में दिग्विजय सिंह दुवारा मुख्यमंत्री ने 3.शीला दीक्षित ने दिल्ली की मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। ..केंद्रीय मंत्रिमंडल के विस्तार में जसवंत सिंह, जगमोहन और मोद महाजन शामिल। 6. सदी के अंतिम एशियाई खेल वैंकाक प्रारंभ। 10, 'ए मेरे वतन के लोगों' गीत के रचयिता कवि दीप का निधन। 15. वीमा विल लोकसभा में पेश किया गया र भारी विरोध के कारण प्रवर समिति को भेजा गया।। 6. द्योग मंत्री सिकंदर वख्त ने राज्य सभा में पेटेंट विल रखा; नये ज्यों के गठन को मंत्रिमंडल की मंजूरी। 18. भारतीय म्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी–लेनिनवादी) के नेता विनोद मिश्र ा निधन। 19. वैंकाक में आयोजित सदी के अंतिम एशियाई खेलों में 20 वर्ष के वाद भारत को हाकी में स्वर्ण पदक मिला। 23. लोकनायक जय प्रकाश नारायण को मर्णोपरांत 'भारत रत्न'; प्रणव मुखर्जी और जसपाल रेड्डी को सर्वश्रेष्ठ सासंद सम्मान; वनांचल विधेयक लोकसभा में भारी हंगामे के वीच पेश; प्रधानमंत्री ने सासंद कोष की राशि 2 करोड़ रूपये की; नये वनांचल प्रदेश में 82 विधानसभा सीटें होंगी। 24. प्रशासनिक सेवा परीक्षा के आयु सीमा 30 वर्ष तक वढ़ाई गई 26.स्वतंत्रता सेनानी मामा वालेश्वर दयाल का इंदौर में निधन। 27. श्रीलंका की राष्ट्रपति चंद्रिका कुमारतुंगे की भारत यात्रा प्रारंभ। 28. भारत और श्रीलंका में मुक्त व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर। 30. केंद्रीय मंत्रिमंडल के आदेश की अवहेलना करने के आरोप में नौसेना अध्यक्ष एडमिरल विष्णु भागवत को सरकार ने वर्खास्त किया।

बस लाहौर पहुंची

जनवरी 1999 5. केंद्रीय मंत्रिमंडल ने पेटेंट कानून में संशोधन विषयक अध्यादेश, और केंद्रीय सतर्कता आयोग अध्यादेश को फिर से जारी करने की मंजूरी दी। 7. भारत – पाक सरकारों ने दौरा रद्द न करने के संकल्प को दोहराया। 8. भारत व पाकिस्तान के बीच शुरु हुई वस सेवा के तहत लाहौर पंहुची। 9. नौवीं पंचवर्षीय योजना के मसौदे को मंत्रिमंडल ने अंतिम मंजूरी दी। 17. प्रधानमंत्री ने धर्मांतरण रोकने के लिये कानून वनाने से इंकार कियाभारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के नेता जेड.ए. अहमद का 91 वर्ष कीआयु में लखनऊ में निधन। 19. भारतीय क्रिकेट वोर्ड के मुख्यालय को मुंवई से कलकत्ता स्थानांतरित किया गया।22. अंतर्राज्यीय परिषद ने संविधान के अनुच्छेद 356 के स्वरूप पर आम सहमति के प्रयास एवं राज्यों के विधेयक पर निर्धारित समय में निर्णय लेने सरकारिया आयोग की सिफारिशों को स्वीकार कर लिया। 23. उड़ीसा के क्योंझार जिले में अपनी कार में सो रहे आस्ट्रेलियाई मूल के इसाई मिशनरी ग्राहम स्टीवार्ट स्टेंस और उनके दो पुत्रों को जिंदा जलाकर मार डाला गया। ।

फरवरी 2. सरकार ने गरीवी रेखा से नीचे रहने वालों के लिये अनाज की वढ़ी कीमतों पर छूट दी 4. के.सी. पंत योजना आयोग के नये उपाध्यक्ष। 7. नई दिल्ली में फिरोजशाह कोटला मैदान में पाकिस्तान के विरुद्ध दूसरे टेस्ट मैच में पाकिस्तान की दूसरी पारी को अनिल कुंवले ने सारे के सारे दस विकेट लेकर 43 वर्ष पूर्व जिम लेकर के वाद पूरी पारी समेटने वाले दूसरे गेंदवाज वने। 8. पूर्व थलसेना अध्यक्ष जनरल सुंदरजी का निधन। 12. विहार में रावड़ी देवी की सरकार को वर्खास्त करके राष्ट्रपति शासन लागू; उड़ीसा के मुख्यमंत्री नें त्यागपत्र दिया। 15. ज्ञानी पूरन सिंह अकाल तख्त के नये कार्यकारी जत्थेदार वन; 16. हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री ओमप्रकाश चौटाला ने वाजपेई सरकार से अपना समर्थन वापस लिया। 17. विहार के राज्यपाल सुंदर सिंह भंडारी का पद से इस्तीफा देने का निश्चय। 18. सुप्रीम कोर्ट ने नर्मदा वांध का निर्माण कार्य फिर से शुरु करवाने की इजाजत दी। 20. श्री वाजपेई का लाहौर में भव्य स्वागत, श्री शरीफ ने सभी मुद्दों पर वातचीत की इच्छा जताइ।26. विहार में राष्ट्रपति शासन की लोकसभा नें मंजूरी दी।

मार्च 1. भा.ज.पा. का विहार पर प्रस्ताव न लाने का इरादा।5. स्वदेशी तकनीक से वने राकेट लांचर पिनाका का परीक्षण।8. सरकार ने विहार में राष्ट्रपति शासन वापस लिया। 10. सरकार ने टेलीफोन की नई दरों को स्थगित किया; लोकसभा में विवादास्पद पेटेंट विल पारित; ज्ञानपीठ पुरस्कार से सम्मानित मराठी के साहित्यकार कुसुमाग्रज का निधन। 13. पेटेंट विल को राज्यसभा की मंजूरी मिली; विहार के राज्यपाल सुंदर सिंह भंडारी गुजरात के राज्यपाल नियुक्त; गुमशुदा कार्टूनिस्ट इरफान का शव झाड़ियों मेंमिला। 15. जत्थेदार गुरचरण सिंह टोहड़ा ने शिरोमणि गुरुद्वारा प्रवंधक कमेटी से त्यागपत्र दिया। 16. भारत पाक वस सेवा योजना के अंतर्गत लाहौर से पहली वस दिल्ली पंहुची। 18. दूरदर्शन के नये खेल चैनेल की शुरुवात 26. विख्यात संगीतकार आनंद शंकर का निधन।

अप्रैल 1. अन्नादुमुक ने भा.ज.पा. सरकार से समर्थन वापस न लेने की घोषणा की। 3 इनसैट दो–ई का सफल प्रक्षेपण के साथ भारत उपग्रह के वैश्विक [illegible] में आ गया 6. अन्नाद्रमुक के दो मंत्रियो का केंद्रीय मंत्रिपरिषद से इस्तीफा। 8. खालसा पथ के त्रिशती समारोहों की शुरुवात 9. अन्नाद्रमुक भा ज पा नेतृत्व वाली साझा सरकार व समन्वय समिति से अलग हुई। [illegible] साहित्यकार तक

शिवशंकर पिल्लै का निधन। 11. उड़ीसा के बालासोर समुद्र तट पर मध्यम दूरी की बैलिस्टिक मिजाइल अग्नि – 2 का सफल परीक्षण। 14. अन्ना द्रुमुक के समर्थन वापस लेने के बाद राष्ट्रपति ने सरकार को सदन में बहुमत सिद्ध करने को कहा। 15. द्रुमुक ने वाजपेई सरकार का समर्थन करने का संकेत दिये। 16. द्रुमुक व चौटाला के समर्थन देने व ब.स.पा. के अनुपस्थित रहने के फैसले से भा.ज.पा. बहुमत पाने पर आश्वस्त। 17. एक मत से विश्वास मत हारने के बाद वाजपेई सरकार ने त्यागपत्र दिया 20. राष्ट्रपति ने वैकल्पित सरकार के लिये विचार विमर्श करने के लिये सोनिया गांधी को बुलाया। 23. बहुमत जुटा पाने में नाकामयाबी के बाद सोनिया गांधी ने राष्ट्रपति से दो दिन का और समय मांगा। 25. विपक्ष व कांग्रेस सरकार बनाने में असमर्थ। 26. केंद्रीय मंत्रिमंडल की सिफारिश पर 12वीं लोकसभा भंग की। 29. प्रसिद्ध फिल्म निर्मार्ता–निर्देशक केदार शर्मा का 90 वर्ष की आयु में निधन; मिस्टर योगी धारावाहिक के साथ टेलिविजन की दुनिया में उभरे रंगमंच कलाकार मोहन गोखले का निधन।

मई. 1. द्रमुक ने भा.ज.पा. से गठजोड़ करने का फैसला किया। 3. आगामी लोकसभा चुनावों के लिये भा.ज.पा. व द्रमुक में गठबंधन के लिये बातचीत। 10. पूर्व केंद्रीय मंत्री कल्पनाथ राय की कांग्रेस में वापसी; इंडियन एयर लाइंस को पूंजी बाजार में जाने की अनुमति मिली। 11. उच्चतम न्यायालय ने राजीव गांधी हत्याकांड के 19 अभियुक्तों को रिहा किया, संतन, मुरुगन, अरिवु व नलिनी को मृत्युदंड व अन्य तीन की मृत्युदंड की सजा को आजीवन कारावास में बदला। 12. प्रसिद्ध मोहिनी अट्टम नृत्यांगना ल्याणी कुट्टी अम्मा का निधन। 13. सुप्रीम कोर्ट ने वाहन ग्मों में यूरो मानक अपनाने की समय सीमा में फेरबदल न्ने से इंकार किया। 14. शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक के पूर्व अध्यक्ष गुरुचरण सिंह टोहड़ा को शिरोमणि से 6 वर्ष के लिये निष्कासित किया गया। 15. और साझा दलों राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन औपचारिक मोर्चा बनाया। 16. लोकसभा में विपक्ष शरद पवार, पूर्व लोकसभा अध्यक्ष पी.ए. संगमा और तारिक अनवर ने कांग्रेस अध्यक्ष को पत्र लिख कर मती सोनिया गांधी को भावी प्रधानमंत्री के रूप में पेश न रने के लिखा क्योंकि वे भारतीय मूल की नहीं है। 17. ग्रेस अध्यक्ष श्रीमती सोनिया गांधी ने पद से त्यागपत्र ा। 19. मराठी साहित्य के सशक्त हस्ताक्षर और ख्यात क्रिकेट खिलाड़ी सचिन तेंदुलकर के पिता रमेश लकर का दिल का दौरा पड़ने से निधन। 20. शरद र, पी.ए. संगमा और तारिक अनवर को कांग्रेस से कासित। 22. राज्य सभा सदस्य सुरेश कलमाडी कांग्रेस लौट। 24. अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त व पदमश्री से मानित कुश्ती के प्रतीक गुरु हनुमान का मेरठ के पास क दुर्घटना में निधन; श्रीमती सोनिया गांधी ने अपना गपत्र वापस लिया। 27. घुसपैठियों के खिलाफ हवाई लें में भारत के दो विमान गिरे, एक विमान यांत्रिक खराबी गेरा, दूसरा पाकिस्तानी मिसाइल से गिरा। एक पायलट को पाकिस्तानी सेना ने मार डाला और दूसरे को युद्धबंदी बना लिया। कांग्रेस से निष्कासित नेता शरद पवार, पी.ए. संगमा और तारिक अनवर ने राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी का गठन किया। 28. कारगिल में घुसे घुटपैठियों ने स्टिंगर मिसाइल से एक भारतीय हेलिकाप्टर मार गिराया, सेना ने अनेक क्षेत्रों में से घुसपैठियों का सफाया किया। 29. भारतीय सेना ने घुसपैठियों को पीछे धकेला, द्रास में सेना नियंत्रण रेखा तक पंहुची। 30. मारे गये घुसपैठियों में 125 पाकिस्तानी सैनिक।

जून 2. प्रधानमंत्री ने युद्धपोत आई.एन.एस. मैसूर को राष्ट्र को समर्पित किया। 3. पाकिस्तान ने भारतीय पायलट फ्लाइट ले. के. नचिकेता को छोड़ा; कारगिल में घमासान जंग जारी। 4. भारतीय पायलट फ्लाइट ले. के. नचिकेता दिल्ली पंहुचा। 6. भारत ने पकिस्तान से युद्ध की आशंका से इंकार किया, कारगिल में घुसपैठियों पर हवाई हमले फिर से शुरु; गोवा विधानसभा चुनावों में कांग्रेस को स्पष्ट बहुमत मिला, 9. भारत ने कहा कि घुसपैठियों की वापसी से कम पर कोई सौदा नहीं होगा; भारतीय सेना का दो और ठिकानों पर कब्जा। 10. ले. सौरभ कालिया समेत पांच अन्य सैनिकों के क्षतविक्षत शव पाकिस्तानी सैनिकों ने सेना को सौंपें। विदेश मंत्री जसवंत सिंह ने पाकिस्तानी जनरलों के बीच हुई फोन की बातचीत का टेप जारी किया इससे सिद्ध होता है कि कारगिल में पाकिस्तानी सैनिक शामिल हैं; बटालिक टाप पर भारतीय सेना ने कब्जा किया। 12. पाकिस्तानी विदेश मंत्री सरताज अजीज के नियंत्रण रेखा के पुर्निधारण पर अड़े रहने के कारण भारत पाक वार्ता विफल। 13. प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई की कारगिल यात्रा के दौरान पाकिस्तानियों द्वारा भारी गोलाबारी, तोलोलिंग पहाड़ी पर भारतीय सेना का कब्जा। 14. भारतीय विदेश मंत्री जसवंत सिंह चीन यात्रा पर। 17. भारतीय वायु सेना की भारी गोलाबारी से कारगिल के मनसाडोला क्षेत्र में घुसपैठियों के सभी अड्डे तहत–नहस हुए। 18. भारतीय सेना ने कारगिल, द्रास और बटालिक क्षेत्रों में घुसपैठियों को आपूर्ति कर रहे एक शिविर पर हमला करने से पाकिस्तान के एक मेजर सहित पांच सैनिक मारे। 19. कलकत्ता से ढाका की बस यात्रा प्रारंभ, पहली बस ढाका पंहुची। आपरेशन विजय में घुसपैठियों के चार अड्डे नष्ट। 20. कारगिल में पाकिस्तानी घुसपैठियों की जी–8 ने निंदा की; तोतलिंग क्षेत्र की सबसे ऊंची चोटी को घुसपैठियों से छुड़ाया गया। 21. भारतीय सेना ने टाइगर हिल्स के रसद मार्ग बंद कर दिये। 23. छह चोटियों और प्वाइंट–5203 पर भारत का कब्जा, अनेक घुसपैठिये मारे गये। 28. सियाचिन में एक सैनिक कार्रवाई में 15 पाकिस्तानी सैनिक मारे गये। 29. कश्मीर में तेरह मुसलमानों की उग्रवादियों ने हत्या करदी; टाइगर हिल्स की मुक्ति का अंतिम अभियान प्रारंभ, 45 घुसपैठिये मारे गये। 30 कारगिल में जारी कार्रवाई में भारतीय सेना ने छह नई चोटियों पर कब्जा किया।

जुलाई 1. टाइगर हिल्स पर लेजर बमों से वायु सेना ने जोरदार हमले किये, पाक के 30 सैनिक मरे। 2. बटालिक

में कई ठिकानों मे घनघोर लड़ाई जारी। 3. टाइगर हिल्स पर तोपों से भारी गोलावारी जारी, इस अभियान में 23 भारतीय सैनिक शहीद हुए। 4. टाइगर हिल्स पर एक वार फिर से भारतीय तिरंगा लहराया, 10 पाक सैनिक मारे गये एक को युद्धवंदी वनाया गया; पेस–भूपति की जोड़ी ने विम्वल्डन युगल प्रतियोगिता जीता; 5. पाकिस्तान कारगिल क्षेत्र में भारतीय सीमा से अपनी सेना और मुजाहिदीनों को वुलाने को तैयार। 6. सेना ने चार प्रमुख चोटियों पर फिर से कब्जा किया, द्रास व वटालिक क्षेत्र में 55 पाक सैनिक मारे गये। 7. प्रधानमंत्री वाजपेई ने कहा कि घुसपैठियों को खदेड़ने तक लड़ाई जारी रहेगी, भारतीय सेना ने जुवार चोटी को घुसपैठियों से मुक्त कराया; पूर्व टेस्ट खिलाड़ी एम.एल. जयसिम्हा का 60 वर्ष की आयु में निधन। 8. वटालिक व द्रास में आर–पार की लड़ाई प्रारंभ, 48 घंटों में 92 पाक सैनिक मारे गये, 38 भारतीय सैनिक शहीद हुए। 9. वटालिक पर भारत का कब्जा, मशकोह के वाद काकसर घाटी में घमासान युद्ध जारी।11. कारगिल से पाकिस्तानी सेनाओं की वापसी प्रारंभ, सेना स्थिति पर निगाह रखेगी; 13वीं लोकसभा के लिये चुनाव कार्यक्रम की घोषणा। 19. आठ दिन की शांति के वाद मश्कोह घाटी में सेना और घुसपैठियों के बीच गोलीवारी। 21. समता पार्टी व लोकशक्ति का जनता दल में विलय, टूटी पार्टी के दूसरे गुट ने देवगौड़ा को अपना नेता चुना; हरियाणा में बंसीलाल सरकार ने त्यागपत्र दिया। 22. कर्नाटक में विधानसभा भंग। 23. ओम प्रकाश चौटाला हरियाणा के नये मुख्यमंत्री वनेंगें। 24. कारगिल संकट की जांच के लिये समिति की घोषणा, रपट तीन महीनें में। 25. द्रास व वटालिक क्षेत्रों में लड़ाई जारी, 62 पाक घुसपैठिये मारे गये 21 भारतीय जवान शहीद हुए। 26. भारतीय सेना ने कारगिल में सभी चोटियां मुक्त कराया। 27. हरियाणा के मुख्यमंत्री ओमप्रकाश चौटाला को विश्वास मत प्राप्त। 28. निर्वाचन आयोग ने शिवसेना प्रमुख वाल ठाकरे को 6 वर्ष के लिये चुनाव लड़ने और मतदान करने के हक से वंचित किया।

अगस्त 2. पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे के गैसल स्टेशन पर अवध असम एक्सप्रेस और ब्रह्मपुत्र मेल के वीच आमने–सामने की भीषण टक्कर में 400 से अधिक यात्रियों के मरने व 750 के घायल होने की आशंका। 4. तमिलनाडु में भा.ज.पा. व द्रमुक में समझौता 6. पूर्व केंद्रीय मंत्री कल्पनाथ राय का 58 वर्ष की आयु में निधन; पूर्व केंद्रीय मंत्री डा. कर्ण सिंह की कांग्रेस में वापसी; वधवा आयोग की रिपोर्ट में मिशनरी ग्राहम स्टेंस और उनके पुत्र की हत्या का दोषी दारा सिंह को ठहराते हुए हिंदू संगठनों को आरोप मुक्त किया। 7. चुनाव आयोग ने अविभाजित जनता दल के चुनाव चिन्ह चक्र पर रोक लगाते हुए विभाजित दोनों गुटों को अस्थाई मान्यता दी। 10. भारतीय वायु सेना ने गुजरात में घुस आये एक पाकिस्तानी टोही विमान को गिरा दिया। 14. दूरदर्शन का समाचार चैनेल प्रारंभ। 16. राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठवंधन के चुनाव घोषणापत्र में लोकसभा अवधि को पांच वर्ष के लिये सुनिश्चित करने व विदेशी मूल के लोगों को उच्च पदों पर रोक पर वल। 18 कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी ने कर्नाटक के वेल्लारी में नामांकन पत्र भरा, भा.ज.पा. की सुषमा स्वराज उनका मुकावला करने के लिये उतरीं। 20. निर्वाचन आयोग ने सभी राजनीतिक दलों, उम्मीदवारों या फिर उनके समर्थित संगठनों व संस्थाओं पर इलेक्ट्रानिक संचार माध्यमों के जरिये चुनावी विज्ञापन देने पर रोक लगाई। 24. समता पार्टी के वरिष्ठ नेता अब्दुल गफूर ने पार्टी से त्यागपत्र देते हुए रा.ज.दा. में शामिल हुए। 27. भारत ने पाकिस्तान के 8 युद्धवंदियों को रिहा किया। 31. लोकसभा चुनावें के दौरान विस्फोट द्वारा दिल्ली में दहशत फैलाने आये दो उग्रवादी गिरफ्तार।

सितंबर 1. जम्मू काश्मीर के सोपोर जिले में उग्रवादियों ने एक सेना के शिविर पर हमला किया जिससे राष्ट्रीय रायफल्स के दो जवानों की मृत्यु हो गइ। 7. जम्मू काश्मीर के अनंतनाग में भा.ज.पा. प्रत्याशी गुलाम हैदर नूरानी और उनके तीन और अन्य साथियों की उग्रवादियों ने वारूदी सुरंग द्वारा हत्या की। 16. पाकिस्तान नें 17 दिनों की हिरासत में रखे दो भारतीय सैनिकों को रिहा किया। 17. पाकिस्तान से रिहा दोनो भारतीय सैनिक देश वापस लौटे; जाने माने गीतकार हसरत जयपुरी का निधन। 28. करोड़ो रुपये के प्रतिभूति घोटाले के आरोपी चर्चित दलाल हर्षद मेहता को 5 वर्ष का सश्रम कारावास। 29. देश में निर्मित चालक रहित विमान निशांत का सफल परीक्षण।

अक्टूबर 7. कर्नाटक में कांग्रेस को स्पष्ट वहुमत प्राप्त; विहार में मधेपुरा निर्वचन क्षेत्र से शरद यादव ने लालू यादव को हराया। 8. तेलगु देशम पार्टी के नेता चंद्रवावु नायडु ने रा.ज.दा के समर्थन में राष्ट्रपति को पत्र भेजा; कांग्रेस पार्टी ने महाराष्ट्र में सरकार वनाने का दावा किया; अरुणाचल प्रदेश में कांग्रेस सत्ता में। 10. चुनाव आयोग द्वारा राष्ट्रपति को निर्वाचित प्रतिनिधियों की सूची सौंपे जाने के साथ ही तेरहवीं लोक सभा के गठन की औपचारिकता पूरी हुई; भा.ज.पा. सांसदों ने और फिर उसके वाद राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठवंधन के सांसदों ने सर्वसम्मति से अटल विहारी वाजपेई को अपना नेता चुना। 11. राष्ट्रपति के.आर. नारायण ने अटल विहारी वाजपेई को सरकार वनाने के लिये आमंत्रित किया।13. प्रधानमंत्री ने 70 सदस्यीय मंत्रिमंडल का गठन किया, महत्वपूर्ण विभागों में कोई फेरवदल नहीं। 17. महाराष्ट्र में नई सरकार के गठन की वाधायें दूर। 22. वोफोर्स कांड में केंद्रीय जांच व्यूरो ने पूर्व प्रधानमंत्री स्व. राजीव गांधी सहित पूर्व रक्षा सचिव एस.के. भटनागर, इटली के आक्टोवियो क्वात्रोची, मैस. ए.वी. वोफोर्स के पूर्व अध्यक्ष मार्टिन आर्डवो और विन चड्ढा के विरुद्ध दिल्ली की विशेष अदालत में आरोप पत्र दाखिल किये; तेलगु देशम के गंति मोहनचंद्र वालयोगी तेरहवीं लोकसभा के अध्यक्ष निर्विरोध चुने गये।27. लोकसभा में अनुसूचित जनजाति के लोगों के लिये आरक्षण को दस वर्ष और वढ़ाने का विधेयक पारित; प्रख्यात लेखक डा. नगेंद्र का निधन। 28. पोखरण विस्फोट के वाद भारत पर लगे अमरीकी

शिवशंकर पिल्लै का निधन। 11. उड़ीसा के बालासोर समुद्र तट पर मध्यम दूरी की बैलिस्टिक मिजाइल अग्नि – 2 का सफल परीक्षण। 14. अन्ना द्रुमुक के समर्थन वापस लेने के बाद राष्ट्रपति नें सरकार को सदन में बहुमत सिद्ध करने को कहा। 15. द्रुमुक ने वाजपेई सरकार का समर्थन करने का संकेत दिये। 16. द्रुमुक व चौटाला के समर्थन देने व ब.स.पा. के अनुपस्थित रहने के फैसले से भा.ज.पा. बहुमत पाने पर आश्वस्त। 17. एक मत से विश्वास मत हारने के बाद वाजपेई सरकार ने त्यागपत्र दिया 20. राष्ट्रपति ने वैकल्पित सरकार के लिये विचार विमर्श करने के लिये सोनिया गांधी को बुलाया। 23. बहुमत जुटा पाने में नाकामयाबी के बाद सोनिया गांधी ने राष्ट्रपति से दो दिन का और समय मांगा। 25. विपक्ष व कांग्रेस सरकार बनाने में असमर्थ। 26. केंद्रीय मंत्रिमंडल की सिफारिश पर 12वीं लोकसभा भंग की। 29. प्रसिद्ध फिल्म निर्माता–निदेशक केदार शर्मा का 90 वर्ष की आयु में निधन; मिस्टर योगी धारावाहिक के साथ टेलिविजन की दुनिया में उभरे रंगमंच कलाकार मोहन गोखले का निधन।

मई. 1. द्रमुक नें भा.ज.पा. से गठजोड़ करने का फैसला किया। 3. आगामी लोकसभा चुनावों के लिये भा.ज.पा. व द्रमुक में गठबंधन के लिये बातचीत। 10. पूर्व केंद्रीय मंत्री कल्पनाथ राय की कांग्रेस में वापसी; इंडियन एयर लांइंस को पूंजी बाजार में जाने की अनुमति मिली। 11. उच्चतम न्यायालय ने राजीव गांधी हत्याकांड के 19 अभियुक्तों को रिहा किया, संतन, मुरुगन, अरिवु व नलिनी को मृत्युदंड व अन्य तीन की मृत्युदंड की सजा को आजीवन कारावास में बदला। 12. प्रसिद्ध मोहिनी अट्टम नृत्यांगना कल्याणी कुट्टी अम्मा का निधन। 13. सुप्रीम कोर्ट ने वाहन नियमों में यूरो मानक अपनाने की समय सीमा में फेरबदल करने से इंकार किया। 14. शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के पूर्व अध्यक्ष गुरुचरण सिंह टोहड़ा को शिरोमणि [illegible] दल से 6 वर्ष के लिये निष्कासित किया गया। 15. [illegible] पा. और साझा दलों राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन [illegible] औपचारिक मोर्चा बनाया। 16. लोकसभा में विपक्ष [illegible] शरद पवार, पूर्व लोकसभा अध्यक्ष पी.ए. संगमा और तारिक अनवर ने कांग्रेस अध्यक्ष को पत्र लिख कर श्रीमती सोनिया गांधी को भावी प्रधानमंत्री के रूप में पेश न करने के लिखा क्योंकि वे भारतीय मूल की नहीं है। 17. कांग्रेस अध्यक्ष श्रीमती सोनिया गांधी ने पद से त्यागपत्र दिया। 19. मराठी साहित्य के सशक्त हस्ताक्षर और विख्यात क्रिकेट खिलाड़ी सचिन तेंदुलकर के पिता रमेश तेंदुलकर का दिल का दौरा पड़ने से निधन। 20. शरद पवार, पी.ए. संगमा और तारिक अनवर को कांग्रेस से निष्कासित। 22. राज्य सभा सदस्य सुरेश कलमाडी कांग्रेस में लौट। 24. अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त व पदमश्री से सम्मानित कुश्ती के प्रतीक गुरु हनुमान का मेरठ के पास सड़क दुर्घटना में निधन; श्रीमती सोनिया गांधी ने अपना त्यागपत्र वापस लिया। 27. घुसपैठियों के खिलाफ हवाई हमलें में भारत के दो विमान गिरे, एक विमान यांत्रिक खराबी से गिरा, दूसरा पाकिस्तानी मिसाइल से गिरा। एक पायलट को पाकिस्तानी सेना ने मार डाला और दूसरे को युद्धबंदी बना लिया। कांग्रेस से निष्कासित नेता शरद पवार, पी.ए. संगमा और तारिक अनवर ने राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी का गठन किया। 28. कारगिल में घुसे घुटपैठियों ने स्टिंगर मिसाइल से एक भारतीय हेलिकाप्टर मार गिराया, सेना ने अनेक क्षेत्रों में से घुसपैठियों का सफाया किया। 29. भारतीय सेना ने घुसपैठियों को पीछे धकेला, द्रास में सेना नियंत्रण रेखा तक पंहुची। 30. मारे गये घुसपैठियों में 125 पाकिस्तानी सैनिक।

जून 2. प्रधानमंत्री ने युद्धपोत आई.एन.एस. मैसूर को राष्ट्र को समर्पित किया। 3. पाकिस्तान ने भारतीय पायलट फ्लाइट ले. के. नचिकेता को छोड़ा; कारगिल में घमासान जंग जारी। 4. भारतीय पायलट फ्लाइट ले. के. नचिकेता दिल्ली पंहुचा। 6. भारत ने पकिस्तान से युद्ध की आशंका से इंकार किया, कारगिल में घुसपैठियों पर हवाई हमले फिर से शुरु; गोवा विधानसभा चुनावों में कांग्रेस को स्पष्ट बहुमत मिला. 9. भारत ने कहा कि घुसपैठियों की वापसी से कम पर कोई सौदा नहीं होगा; भारतीय सेना का दो और ठिकानों पर कब्जा। 10. ले. सौरभ कालिया समेत पांच अन्य सैनिकों के क्षतविक्षत शव पाकिस्तानी सैनिकों ने सेना को सौंपें। विदेश मंत्री जसवंत सिंह ने पाकिस्तानी जनरलों के बीच हुई फोन की बातचीत का टेप जारी किया इससे सिद्ध होता है कि कारगिल में पाकिस्तानी सैनिक शामिल हैं; बटालिक टाप पर भारतीय सेना ने कब्जा किया। 12. पाकिस्तानी विदेश मंत्री सरताज अजीज के नियंत्रण रेखा के पुर्निधारण पर अड़े रहने के कारण भारत पाक वार्ता विफल। 13. प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई की कारगिल यात्रा के दौरान पाकिस्तानियों द्वारा भारी गोलाबारी, तोलोलिंग पहाड़ी पर भारतीय सेना का कब्जा। 14. भारतीय विदेश मंत्री जसवंत सिंह चीन यात्रा पर। 17. भारतीय वायु सेना की भारी गोलाबारी से कारगिल के मनसाडोला क्षेत्र में घुसपैठियों के सभी अड्डे तहत–नहस हुए। 18. भारतीय सेना ने कारगिल, द्रास और बटालिक क्षेत्रों में घुसपैठियों को आपूर्ति कर रहे एक शिविर पर हमला करने से पाकिस्तान के एक मेजर सहित पांच सैनिक मारे। 19. कलकत्ता से ढाका की बस यात्रा प्रारंभ, पहली बस ढाका पंहुची। आपरेशन विजय में घुसपैठियों के चार अड्डे नष्ट। 20. कारगिल में पाकिस्तानी घुसपैठियों की जी–8 ने निंदा की; तोतलिंग क्षेत्र की सबसे ऊंची चोटी को घुसपैठियों से छुड़ाया गया। 21. भारतीय सेना ने टाइगर हिल्स के रसद मार्ग बंद कर दिये। 23. छह चोटियों और प्वाइंट–5203 पर भारत का कब्जा, अनेक घुसपैठिये मारे गये। 28. सियाचिन में एक सैनिक कार्रवाई में 15 पाकिस्तानी सैनिक मारे गये। 29. काश्मीर में सत्रह मुसलमानों की उग्रवादियों ने हत्या करदी; टाइगर हिल्स की मुक्ति का अंतिम अभियान प्रारंभ, 45 घुसपैठिये मारे गये। 30 कारगिल में जारी कार्रवाई में भारतीय सेना ने छह नई चोटियों पर कब्जा किया।

जुलाई 1. टाइगर हिल्स पर लेजर बमों से वायु सेना ने जोरदार हमले किये, पाक के 30 सैनिक मरे। 2. बटालिक

में कई ठिकानों मे घनघोर लड़ाई जारी। 3. टाइगर हिल्स पर तोपों से भारी गोलाबारी जारी, इस अभियान में 23 भारतीय सैनिक शहीद हुए। 4. टाइगर हिल्स पर एक बार फिर से भारतीय तिरंगा लहराया, 10 पाक सैनिक मारे गये एक को युद्धबंदी बनाया गया; पेस–भूपति की जोड़ी ने विम्बल्डन युगल प्रतियोगिता जीता; 5. पाकिस्तान कारगिल क्षेत्र में भारतीय सीमा से अपनी सेना और मुजाहिदीनों को बुलाने को तैयार। 6. सेना ने चार प्रमुख चोटियों पर फिर से कब्जा किया, द्रास व बटालिक क्षेत्र में 55 पाक सैनिक मारे गये। 7. प्रधानमंत्री वाजपेई ने कहा कि घुसपैठियों को खदेड़ने तक लड़ाई जारी रहेगी, भारतीय सेना ने जुबार चोटी को घुसपैठियों से मुक्त कराया; पूर्व टेस्ट खिलाड़ी एम.एल. जयसिम्हा का 60 वर्ष की आयु में निधन। 8. बटालिक व द्रास में आर–पार की लड़ाई प्रारंभ, 48 घंटों में 92 पाक सैनिक मारे गये, 38 भारतीय सैनिक शहीद हुए। 9. बटालिक पर भारत का कब्जा, मशकोह के बाद काकसर घाटी में घमासान युद्ध जारी।11. कारगिल से पाकिस्तानी सेनाओं की वापसी प्रारंभ, सेना स्थिति पर निगाह रखेगी; 13वीं लोकसभा के लिये चुनाव कार्यक्रम की घोषणां। 19. आठ दिन की शांति के बाद मश्कोह घाटी में सेना और घुसपैठियों के बीच गोलीबारी। 21. समता पार्टी व लोकशक्ति का जनता दल में विलय. टूटी पार्टी के दूसरे गुट ने देवगौड़ा को अपना नेता चुना; हरियाणा में बंसीलाल सरकार ने त्यागपत्र दिया। 22. कर्नाटक में विधानसभा भंग। 23. ओम प्रकाश चौटाला हरियाणा के नये मुख्यमंत्री बनेंगें। 24. कारगिल संकट की जांच के लिये समिति की घोषणा, रपट तीन महीनें में। 25. द्रास व बटालिक क्षेत्रों में लड़ाई जारी, 62 पाक घुसपैठिये मारे गये 21 भारतीय जवान शहीद हुए। 26. भारतीय सेना ने कारगिल में सभी चोटियां मुक्त कराया। 27. हरियाणा के मुख्यमंत्री ओमप्रकाश चौटाला को विश्वास मत प्राप्त। 28. निर्वाचन आयोग ने शिवसेना प्रमुख बाल ठाकरे को 6 वर्ष के लिये चुनाव लड़ने और मतदान करने के हक से वंचित किया।

अगस्त 2. पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे के गैसल स्टेशन पर अवध असम एक्सप्रेस और ब्रह्मपुत्र मेल के बीच आमने–सामने की भीषण टक्कर में 400 से अधिक यात्रियों के मरने व 750 के घायल होने की आशंका। 4. तमिलनाडु में भा.ज.पा. व द्रमुक में समझौता 6. पूर्व केंद्रीय मंत्री कल्पनाथ राय का 58 वर्ष की आयु में निधन; पूर्व केंद्रीय मंत्री डा. कर्ण सिंह की कांग्रेस में वापसी; बधवा आयोग की रिपोर्ट में मिशनरी ग्राहम स्टेंस और उनके पुत्र की हत्या का दोषी दारा सिंह को ठहराते हुए हिंदू संगठनों को आरोप मुक्त किया। 7. चुनाव आयोग ने अविभाजित जनता दल के चुनाव चिन्ह चक्र पर रोक लगाते हुए विभाजित दोनों गुटों को अस्थाई मान्यता दी। 10. भारतीय वायु सेना ने गुजरात में घुस आये एक पाकिस्तानी टोही विमान को गिरा दिया। 14. दूरदर्शन का समाचार चैनेल प्रारंभ। 16. राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के चुनाव घोषणापत्र में लोकसभा अवधि को पांच वर्ष के लिये सुनिश्चित करने व विदेशी मूल के लोगों को उच्च पदों पर रोक पर बल। 18 कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी ने कर्नाटक के बेल्लारी में नामांकन पत्र भरा, भा.ज.पा. की सुषमा स्वराज उनका मुकाबला करने के लिये उतरीं। 20. निर्वाचन आयोग ने सभी राजनीतिक दलों, उम्मीदवारों या फिर उनके समर्थित संगठनों व संस्थाओं पर इलेक्ट्रानिक संचार माध्यमों के जरिये चुनावी विज्ञापन देने पर रोक लगाई 24. समता पार्टी के वरिष्ठ नेता अब्दुल गफूर ने पार्टी से त्यागपत्र देते हुए रा.ज.दा. में शामिल हुए। 27. भारत ने पाकिस्तान के 8 युद्धबंदियों को रिहा किया। 31 लोकसभा चुनावें के दौरान विस्फोट द्वारा दिल्ली में दहशत फैलाने आये दो उग्रवादी गिरफ्तार।

सितंबर 1. जम्मू काश्मीर के सोपोर जिले में उग्रवादियों ने एक सेना के शिविर पर हमला किया जिससे राष्ट्रीय रायफल्स के दो जवानों की मृत्यु हो गइ। 7. जम्मू काश्मीर के अनंतनाग में भा.ज पा. प्रत्याशी गुलाम हैदर नूरानी और उनके तीन और अन्य साथियों की उग्रवादियों ने बारूदी सुरंग द्वारा हत्या की। 16. पाकिस्तान नें 17 दिनों की हिरासत में रखे दो भारतीय सैनिकों को रिहा किया। 17. पाकिस्तान से रिहा दोनो भारतीय सैनिक देश वापस लौटे; जाने माने गीतकार हसरत जयपुरी का निधन। 28. करोड़ो रुपये के प्रतिभूति घोटाले के आरोपी चर्चित दलाल हर्षद मेहता को 5 वर्ष का सश्रम कारावास। 29. देश में निर्मित चालक रहित विमान निशांत का सफल परीक्षण।

अक्टूबर 7. कर्नाटक में कांग्रेस को स्पष्ट बहुमत प्राप्त; बिहार में मधेपुरा निर्वचन क्षेत्र से शरद यादव ने लालू यादव को हराया। 8. तेलगु देशम पार्टी के नेता चंद्रबाबु नायडु ने रा.ज.दा के समर्थन में राष्ट्रपति को पत्र भेजा; कांग्रेस पार्टी ने महाराष्ट्र में सरकार बनाने का दावा किया; अरुणाचल प्रदेश में कांग्रेस सत्ता में। 10. चुनाव आयोग द्वारा राष्ट्रपति को निर्वाचित प्रतिनिधियों की सूची सौंपे जाने के साथ ही तेरहवीं लोक सभा के गठन की औपचारिकता पूरी हुई; भा.ज.पा. सांसदों ने और फिर उसके बाद राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के सांसदों ने सर्वसम्मति से अटल बिहारी बाजपेई को अपना नेता चुना। 11. राष्ट्रपति के.आर. नारायण ने अटल बिहारी बाजपेई को सरकार बनाने के लिये आमंत्रित किया।13. प्रधानमंत्री नें 70 सदस्यीय मंत्रिमंडल का गठन किया, महत्वपूर्ण विभागों में कोई फेरबदल नहीं। 17. महाराष्ट्र में नई सरकार के गठन की बाधायें दूर। 22. बोफोर्स कांड में केंद्रीय जांच ब्यूरो ने पूर्व प्रधानमंत्री स्व. राजीव गांधी सहित पूर्व रक्षा सचिव एस.के. भटनागर, इटली के आक्टाविया क्वात्रोची, मैस. ए.बी. बोफोर्स के पूर्व अध्यक्ष मार्टिन आर्डबो और विन चड्ढा के विरुद्ध दिल्ली की विशेष अदालत में आरोप पत्र दाखिल किये; तेलगु देशम के गंति मोहनचंद्र बालयोगी तेरहवीं लोकसभा के अध्यक्ष निर्विरोध चुने गये।27. लोकसभा में अनुसूचित जनजाति के लोगों के लिये आरक्षण को दस वर्ष और बढ़ाने का विधेयक पारित; प्रख्यात लेखक डा नगेंद्र का निधन। 28. पोखरण विस्फोट के बाद म[illegible] गये अमरीकी

प्रतिवंध हटाये गय।29. उड़ीसा में अब तक के आये सबसे भीषण तूफान से कई सौ के मरने की आशंका, भयंकर तवाही, करोड़ो लोग प्रभावित; उड़ीसा का देश भर से संपर्क टूटा, राहत कार्य में वाधायें, केंद्र ने राष्ट्रीय आपदा घोषित की, 300 करोड़ रुपये की मदद।

नवंबर 3. जम्मू काश्मीर में वादामी बाग छावनी क्षेत्र में 15वीं कोर बटालियन के मुख्यालय में उग्रवादियों द्वारा गोलावारी में सेना के जनसंपर्क अधिकारी मेजर पुरषोत्तम सहित 6 सुरक्षाकर्मी मारे गया। 4. बोफोर्स मामले में इटली के ओटावियो क्वात्रोची के खिलाफ वारंट; सूचना प्रौद्योगिकी विधेयक को मंत्रिमंडल की मंजूरी। 5. धर्म गुरु पोप जान पाल द्वितीय की भारत यात्रा प्रारंभ। 9. उत्तर प्रदेश में मुख्य मंत्री पद के लिये रामप्रकाश गुप्त कल्याण सिंह के उत्तराधिकारी चुने गये। 11. उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री कल्याण सिंह ने त्यागपत्र दिया, श्री राम प्रकाश गुप्ता को सर्वसम्मति से भा.ज.पा. विधानमंडल का नेता चुना गया। 12. विहार में कांग्रेस ने रावड़ी सरकार से समर्थन वापस लिया। 16. भारतीय नौसेना और तटरक्षकों ने जापानी जहाज के लुटेरों को पकड़ा; विहार के कम उम्र मंत्री राकेश कुमार को राज्यपाल ने वर्खास्त कर उन पर धोखा धड़ी का मुकदमा चलाने को कहा। 18. राजीव हत्याकांड की अभियुक्त नलिनी को मृत्युदंड न दिये जाने की सोनिया गांधी की राष्ट्रपति से अपील। 21. गोवा में भा.ज.पा. नई सरकार में शामिल होगी। 23. गोवा में कांग्रेसी वागी विधायकें मुख्यमंत्री को वदलने की शर्त पूरी होने पर समर्थन वापसी के फैसले को छोड़ने पर तैयार। 24. गोवा में लुइजिन्हो फलेरो के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार का पतन, वागी विधायकों के नेता फ्रांसिस्को सरदेन्हा नये मुख्यमंत्री वने।25. मद्रास उच्च न्यायालय ने राजीव गांधी हत्याकांड के अभियुक्तों की राज्यपाल द्वारा क्षमादान की ...न को ठुकराने को नामंजूर करते हुए राज्यपाल के ...रों की व्याख्या की; ए.पी.जे. अब्दुल कलाम को भारत ... का प्रमुख वैज्ञानिक सलाहकार वनाकर उन्हें ...ट स्तर के मंत्री का दर्जा दिया गया; वावा आम्टे को ...ांधी शांति पुरस्कार।27. उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कल्याण सिंह को भारतीय जनता पार्टी से निलंवित कर दिया गया। 28. सरकार ने आरोप पत्र से राजीव गांधी का नाम हटाने से इंकार किया। 30. लोकसभा में वामपंथी दलों के विरोध के वावजूद वीमा विधेयक पर वातचीत प्रारंभ;गोवा के मुख्यमंत्री फ्रांसिस्को सरदिन्हा को विश्वास मत प्राप्त; विख्यात समाज शास्त्री एम.एन. श्रीनिवास का निधन।

दिसंबर 1. हांगकांग से प्रकाशित प्रतिष्ठित पत्रिका एशिया वीक ने महात्मा गांधी को शताब्दि का एशियाई चुना; बी.बी.सी. द्वारा कराये गये एक सर्वेक्षण में श्रीमती इंदिरा गांधी को सहस्राब्दि की महिला चुना गया। 5. उड़ीसा कांग्रेस विधायक दल ने हेमानंद विस्वाल को अपना नेता चुना। 7. कांग्रेस के समर्थन से वीमा विधेयक राज्य सभा में पारित; श्री नरेश्वर दयाल व्रिटेन में भारत के नये उच्चायुक्त। 10. भा.ज.पा. से निष्कासित उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कल्याण सिंह ने नई पार्टी बनाने का दावा किया। भा.ज.पा. अध्यक्ष ने उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कल्याण सिंह को पार्टी से छह वर्ष के लिये निष्कासित किया। 12. स्टेट्समैन के पूर्व संपादक सच्चिदानंद सहाय का निधन। 16. मध्य प्रदेश के परिवहन मंत्री लिखी राम कांवरे की संदिग्ध नक्सलवादियों ने हत्या कर दी। 17. पोखरण परीक्षण के वाद अमरीकी प्रतिवंध में छूट, 51 भारतीय उद्यमों से प्रतिवंध हटां; भारतीय जनता पार्टी के उपाध्यक्ष कृष्णलाल शर्मा का निधन; कल्याण सिंह ने राष्ट्रीय क्रांति पार्टी बनाई। 20. लोकसभा ने उपराष्ट्रपति की पेंशन वढ़ाये जाने का विधेयक पारित कर दिया। 23. लोकसभा में महिला आरक्षण विधेयक। 24. काठमांडू से आ रहे इंडियन एयर लाइंस के विमान का अपहरण, अपहृत विमान दुवई की ओर रवाना। 25. अपहर्ताओं ने कट्टरपंथी उग्रवादी को छोड़ने की मांग को लेकर विमान कोउड़ाने की धमकी दी। 26. पूर्व राष्ट्रपति डा. शंकर दयाल शर्मा का निधन; संयुक्त राष्ट्र की टीम कंधार से वापस लौटी। 27. कंधार पंहुचे भारतीय दल ने अपहर्ताओं से वातचीत शुरु की। 31. भारत सरकार द्वारा मसूद के साथ दो और आतंकवादियों को छोड़ने की मांग को मान लेने के बाद सभी वंधक यात्री रिहा।

राजकुमार का अपहरण

जनवरी, 2000: 3. प्रधानमंत्री अटल विहारी वाजपेई ने प्रमुख देशों से पाकिस्तान को आतंकवादी देश घोषित करने की अपील की। 6. चर्चित वीमा विल को राष्ट्रपति ने मंजूरी दी। 7. कारगिल घुसपैठ पर गठित सुव्रह्मण्यम समिति की रपट प्रधानमंत्री को सौंपी गई। 11. वहुचर्चित धारावाहिक इंडियाज मोस्ट वांटेड के निर्माता सुहेय इलियासी की पत्नी अंजू इलियासी की रहस्मय परिस्थिति में मृत्यु।। 2. 1984 के दंगो की जांच के लिये नया आयोग, पांच हवाई अड्डों को लीज पर देना और उड़ीसा के लिये विशेष पैकेज देने का सरकार का फैसला; टी.एस. कृष्णामूर्ति नये चुनाव आयुक्त नियुक्त किये गये। 14. राष्ट्रपति के.आर. नारायणन ने वावा आम्टे को गांधी शांति पुरस्कार से सम्मानित किया 18. उत्तर प्रदेश सरकार ने

आंदोलनकारी विद्युतकर्मियों के खिलाफ कड़े कदम उठाये। 19. भारत व अमरीका आतंकवाद के विरुद्ध कार्यदल वनाने को सहमत; भारत ने पाकिस्तान द्वारा इस्लामावाद में भारतीय उच्चायोगकर्मी पी. मोजेज को भारत वापस भेजने के वाद पाकिस्तानी उच्चायोगकर्मी शवीर हुसैन शाह को 26 जनवरी तक भारत छोड़ने का आदेश दिया; सरकार ने दूरसंचार नियामक प्राधिकरण को भंग कर एक नया प्राधिकरण गठित करने का फैसला किया। 20. चुनाव आयोग ने समता पार्टी के विधानसभा चुनावों के लिये अधिकृत फार्मों को हस्ताक्षरित व जारी करने के सिलसिले में समता पार्टी के जार्ज फर्नान्डीज व नितीश कुमार समेत 10 नेताओं की मान्यता समाप्त की। 21. जया जेटली समता पार्टी की अध्यक्ष चुनी गईं। 22. प्रधानमंत्री ने उग्रवाद की समस्या से झेल रहे पूर्वोत्तर राज्यों और सिक्किम के लिये समाजिक आर्थिक विकास के लिये 10,271 करोड़ रुपये के पैकेज की घोषणा की। 24. उच्चतम न्यायालय ने दिल्ली और हरियाणा में औद्योगिक कचरा डालने पर पूर्ण प्रतिवंध लगाया। 31. विख्यात अभिनेता के.एन. सिंह का 91 वर्ष की आयु में निधन।

फरवरी 1. संविधान समीक्षा के लिये आयोग वनाने का फैसला, आस्ट्रेलियाई मिशनरी ग्राहम स्टेंस व उनके दो वेटों की हत्या के प्रमुख आरोपी दारा सिंह हिरासत में। 3. प्रख्यात तवलावादक अल्ला रखा का 81 वर्ष की आयु में निधन 4. वाटर फिल्म की शूटिंग भारी विरोध के कारण शुरू न हो पाइ 5. उस्ताद विलायत खां ने पद्म विभूषण सम्मान को अस्वीकार किया। 9. भारत और अमरीका अंतर्राष्ट्रीय आतंकवाद को रोकने और भारतीय विमान के अपहर्ताओं को संयुक्तरूप से पकड़ने को सहमत; विश्व पुस्तक मेले में हंस के संपादक व लेखक राजेंद्र यादव ने मनोरमा इयर बुक के हिंदी संस्करण का लोकार्पण किया। 16. राजस्थान में 64 दिनों से चल रही कर्मचारी हड़ताल समाप्त। 20. मध्य प्रदेश के नक्सल प्रभावित वस्तर जिले में नारायणपुर के समीप नक्सलियों ने वारूदी सुंरग में विस्फोट कर 23 पुलिसवालों की जानें लीं। 23. सरकार ने पेट्रोलियम पदार्थों के मूल्यों में वृद्धि के अपने फैसले को स्थगित किया। 25. रेल वजट में यात्री किरायों में कोई वढ़ोत्तरी नहीं, माल भाड़े की ढुलाई में 5% की वृद्धि; उड़ीसा में वीजू जनता दल व हरियाणा में चौटाला को पूर्ण वहुमत, 28. मणिपुर में सत्तारूढ़ युनाइटेड फ्रंट को वहुमत मिला। 29. वर्ष 2000 का वजट वित्त मंत्री यशवंत सिन्हा ने प्रस्तुत किय।

मार्च 1. विहार में सरकार वनाने के लिये राजगा के नितीश कुमार और राजदा की रावड़ी देवी ने सरकार बनाने का दावा किया। 2. हरियाणा में मुख्यमंत्री ओमप्रकाश चौटाला समेत 11 मंत्रियों ने शपथ ली; उड़ीसा में राज्यपाल ने वीजू जनता दल के नवीन पटनायक को सरकार बनाने के लिये आमंत्रित किया। 3. विहार में राज्यपाल विनोद पांडे ने राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठवंधन विधायक दल के नेता नितीश कुमार को मुख्यमंत्री पद की शपथ दिलाई। 4. विहार विधानसभा की वैठक सात मार्च से, नितीश 10 मार्च से पूर्व विश्वास मत प्राप्त करेगें। 7. पश्चिम वंगाल में वाममोर्चा सरकार से भाकपा ने हटने का फैसला किया; आंध्र प्रदेश के पंचायती राज्य मंत्री ए. माधव रेड्डी की वारूदी सुरंग द्वारा हत्या। 8. गुजरा[t] सरकार ने संघ संवधी विवादास्पद परिपत्र वापस लिय[ा]; तमिलनाडु विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष और अखिल भारती[य] अन्ना द्रुमुक के नेता सेदापत्ती आर. मुतैया और उनके दो वे[टों] को विशेष अदालत ने दो वर्ष के सश्रम कारावास की स[जा] सुनाई। 10. विहार के मुख्यमंत्री नितीश कुमार ने त्यागप[त्र] दिया, राजद ने सरकार वनाने का दावा किया; कुप्हल्ल[ी] सीतारामय्या सुदर्शन राष्ट्रीय स्वंयसेवक संघ के न[ये] सरसंघचालक वने। 11. विहार में रावड़ी देवी ने मुख्यमं[त्री] पद की शपथ ली। 13. ट्राई विधेयक को लोकसभा [की] मंजूरी; कांग्रेस रावड़ी सरकार में शामिल होगी। 16. विह[ार] में रावड़ी देवी सरकार को विश्वास मत मिला; केंद्रीय सरक[ार] ने सार्वजनिक उपक्रमों के कर्मचारियों के लिये स्वैच्छिक से[वा] निवृत्ति योजना को मंजूरी दी 18. राज्यसभा के लिये केंद्री[य] मंत्री राम जेठमलानी, अरुण जेटली, कांग्रेस के वरिष्ठ ने[ता] अर्जुन सिंह और फिल्म अभिनेता दिलीप कुमार सहित 2[..] लोग निर्विरोध निर्वाचित। 19. अमरीकी राष्ट्रपति वि[ल] क्लिंटन अपने शिष्टमंडल के साथ पांच दिवसीय राजकी[य] यात्रा पर नई दिल्ली पंहुचे। 21. भारत और अमरीका के वी[च] 22 वर्ष के वाद ऐतिहासिक शिखर वार्ता के दौरान अमरीक[ा] ने भारत के साथ स्थाई साझेदारी के रिश्ते का संकल्प लिय[ा]; अमरीकी राष्ट्रपति की भारत यात्रा की पूर्व संध्या पर विदे[शी] उग्रवादियों ने दक्षिण कश्मीर में 35 सिखों की हत्या कर दी[;] पी. षणमुगम पांडिचेरी के नये मुख्यमंत्री वने। 23. संविधा[न] समीक्षा के लिये आठ क्षेत्रों की पहचान की गई; जम्मू में कर्फ[्यू] के वावजूद कत्ले आम के विरुद्ध सिखों ने जुलूस निकाल[ा;] अमरीकी राष्ट्रपति क्लिंटन राजस्थान पंहुचे। 24. राष्ट्रप[ति] क्लिंटन ने कहा कि अगर पाकिस्तान ने भारत के साथ लड़[ाई] छेड़ी तो उसे मदद नहीं मिलेगी; अमरीकी राष्ट्रपति क्लिंट[न] भारत यात्रा के अंतिम चरण के दौर में मुबंई पंहुच। 2[5.] गिरफ्तार उग्रवादी की सूचना पर सुरक्षा बलों ने सिक्खों [के] हत्याकांड में लिप्त पांच विदेशी उग्रवादियों को मार गिराय[ा;] अमरीकी राष्ट्रपति क्लिंटन ने कहा कि अगर सीमा पर हम[ले] जारी रहे तो पाक हमदर्दी खो देगा। 26. प्रधानमंत्री अट[ल] विहार वाजपेई सितंबर में अमरीका की यात्रा पर जायेंगे। 2[7.] पांडिचेरी में षणमुगम सरकार ने विश्वास मत प्राप्त किय[ा।] 28. धारावाहिक मोस्ट वांटेड के निर्माता सुहेब इलियासी क[ो] पुलिस ने उनकी पत्नी की दहेज हत्या के आरोप पर गिरफ्ता[र] किया; वेस्ट इंडीज के तेज गेंदबाज कर्टनी वाल्श ने टेस्[ट] कैरियर में 435 विकेट लेकर कपिलदेव के कीर्तिमान क[ो] भंग किया। 30. भारत ने पाकिस्तान के फोजी शासक जनरल परवेज मुशर्रफ की दो तरफा बातचीत के प्रस्ताव को ठुकराया। 31 तुर्की के प्रधानमंत्री बुलेत एचाविट भारत की राजकीय यात्रा पर।

अप्रेल 1 3. काश्मीर घाटी के अनतनाग शहर मे प्रदर्शनकारियो पर पुलिस की गोलीबारी से सात मर। 4 बिहार मे केद्रीय जांच ब्यूरो की एक विशेष अदालत ने मुख्यमत्री राबड़ी देवी और लालू यादव के विरुद्ध आय से अधिक सपत्ति के आरोप मे गैर जमानती वारट जारी किया। कथाकार डा. महेश्वर व सुविख्यात लेखिका शशिपभा शास्त्री

का निधन। 5. केंद्रीय जांच ब्यूरो की एक विशेष अदालत ने लालू यादव को हिरासत व रावड़ी देवी को जमानत देने के आदेश दिये। 7. दिल्ली पुलिस ने मैच फिक्सिंग के अंतर्राष्ट्रीय रैकेट का खुलासा करते हुए भारत के दो सटोरियों समेत दक्षिण अफ्रीका की क्रिकेट टीम के कप्तान हैंसी क्रोंजिये व उनके चार सह खिलाड़ियों को नामजद किया। 14. समझौता एक्सप्रेस में यात्रियों को बेहतर सुविधा प्रदान करने के लिये दोनों देशों की बैठक शीघ्र होगी; जासूसी के आरोप में पकड़े गये रूपलाल 26 वर्ष के बाद पाकिस्तान की जेल से रिहा होकर भारत वापस पंहुचे। 15. मैच फिक्सिंग के आरोपी अभिनेता किशन कुमार गिरफ्तार। 17. दिल्ली उच्च न्यायालय ने 55 दिनों से चल रही वकीलों की हड़ताल को अवैध करार दिया। 18. भारतीय क्रिकेट बोर्ड ने मैच फिक्सिंग व सट्टेबाजी के आरोपों की जांच के लिये चंद्रचूड़ जांच रिपोर्ट को सार्वजनिक करने का निर्णय लिया। 19. उच्चतम न्यायालय ने उत्तर प्रदेश में पंचायत चुनाव कराने के इलाहाबाद उच्च न्यायालय के आदेश पर रोक लगाई। 25. बिहार विधानसभा ने झारखंड विधेयक को पारित किया; सुप्रीम कोर्ट ने कर्नाटक को अलमाटी बांध की ऊंचाई को बढ़ाने की इजाजत दी। 28. अमरीका ने भारत से अनुरोध किया कि वह पाकिस्तान से वार्ता का माहौल बनाये; मैच फिक्सिंग कांड के अभियुक्त किशन कुमार को पुलिस ने पांच दिन के रिमांड पर लिया; भरतपुर के आयुद्ध डिपो में आग भड़की तीन लोग मरे। 29. भरतपुर के सेना के आयुद्ध डिपो में लगी आग से अरबों का असला स्वाहा। 30. भरतपुर के आयुद्ध डिपो में लगी आग के कारणों की सैन्य जांच प्रारंभ।

मई 2. श्रीलंका ने लिट्टे के विरुद्ध कार्रवाई के लिये भारत से मदद मांगी 4. विपक्ष के तीखे विरोध के बीच लोकसभा में बजट पारित; 5. विदेश मंत्री जसवंत सिंह के अनुसार भारत श्रीलंका की मांग पर मानवीय सहायता पर विचार करेगा। 7. वित्त मंत्री यशवंत सिन्हा के सार्वजनिक क्षेत्र के निजीकरण पर फैसला शीघ्र जायेगा; नोएडा के भा.ज.पा. के उपाध्यक्ष अतर सिंह की हत्या। 9. श्रीलंका के सभी राजनीतिक दलों ने भारत की सरकार व लिट्टे के बीच मध्यस्था की घोषणा का स्वागत किया; केंद्रीय करों का 29% हिस्सा राज्यों को देने का बिल को मंजूरी। 10. लोकसभा में संविधान संशोधन के साथ खाली पड़े आरक्षित पद अब 50 प्रतिशत के बंधन से मुक्त हुए। 11. केंद्र सरकार की आर्थिक नीतियों के विरुद्ध श्रमिक संगठनों की देशव्यापी हड़ताल का वाम राज्यों की सरकारों वाले प्रदेशों में असर; नई दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल में प्रतीकात्मक एक अरबवें बच्ची 'आस्था' का जन्म। 14. पंजाब परिवहन निगम की एक बस रोपड़ में नहर में गिर जाने से 40 के मरने की आशंका। 16. सूचना प्रौद्योगिकी बिल को संसद में मंजूरी; रंगमंच व सिने अभिनेता सज्जन का 80 वर्ष की आयु में निधन। 17. उत्तर प्रदेश, बिहार व मध्य प्रदेश को काट कर तीन नये प्रांतों के गठन का विधेयक भारी हंगामें के कारण लोकसभा में प्रस्तुत नहीं किया जा सका। 18. प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई ने कहा कि धर्मस्थल बिल पर आपत्तियों की समीक्षा की जायेगी; 21. त्रिपुरा में आदिवासी छापामारों ने 20 लोगों की हत्या की; जाने माने उद्योगपति तथा गोदरेज कंपनी समूह के अध्यक्ष सोराब पी. गोदरेज का 87 वर्ष की आयु में निधन। 24. हिंदी फिल्मों के जाने-माने गीतकार मजरूह सुल्तानपुरी का निधन। 26. सरकार ने एयर इंडिया के आंशिक निजीकरण का फैसला लेते हुए 60 फीसदी शेयर बेचने का निर्णय लिया। आंध्र प्रदेश के महबूब नगर में वरिष्ठ नेता जयपाल रेड्डी के घर को नक्सलियों ने उड़ाया; मंत्रिमंडल विस्तार में नितीश कुमार फिर से शामिल। 28. राष्ट्रपति के.आर. नारायणन 6 दिन की राजकीय यात्रा पर चीन गये; कानपुर से सेना आयुध केंद्र में आग लगने से लाखों का नुकसान। 30. हिंदी साहित्य के शताब्दि पुरुष डा. रामविलास शर्मा का निधन; चेन्नई की विशेष अदालत ने टीवी घोटाले के आरोप से जयललिता और उनकी मित्र शशिकला को बरी कर दिया, लेकिन इनके पूर्व मंत्रिमंडल सहयोगी व वर्तमान सांसद टी.एम. सेल्वागणपति और तीन आई.ए.एस. अफसरों समेत 6 लोगों को पांच वर्ष के कारावास की सजा दी।

जून 1. केरल उच्च न्यायालय की एक खंडपीठ ने किसी भी हड़ताल को सफल बनाने के लिये मानसिक या शारीरिक तौर पर लोगों के साथ जबरदस्ती को असंवैधानिक ठहराया। 4. राष्ट्रपति नारायणन की चीन यात्रा से दोनों देशों के बीच आर्थिक संबधों की मजबूती का रास्ता बना। 8. दुमुक नेता मुरासोली मारन ने श्रीलंका के मामले में साथ रहने का वक्तव्य दिया; आंध्र प्रदेश, कर्नाटक और गोवा के चर्चो में बम विस्फोटों से तीन लोग घायल; पश्चिम बंगाल पांसकुड़ा लोक सभा सीट से तृणमूल कांग्रेस का प्रत्याशी विजयी। 10. संचार मंत्री रामविलास पासवान द्वारा संचार कर्मियों को मुफ्त टेलिफोन देने के फैसले को प्रधानमंत्री की मंजूरी। 11. पूर्व केंद्रीय मंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राजेश पायलट की दौसा के पास सड़क दुर्घटना में मृत्यु। 12. तेलशोधन में विदेशी भागेदारी को शत-प्रतिशत किया गयी; साहित्यकार व रंगकर्मी पुरुषोत्तम लक्ष्मण देशपांडे का 81 वर्ष की आयु में निधन। 13. खाद्य तेलों के आयात शुल्क में 10 से 20 प्रतिशत की बढ़ोत्तरी की गई। 14. गुजरात के गृहमंत्री हरेन पंड्या ने अपना त्यागपत्र दिया। 15. दक्षिण अफ्रीका के बर्खास्त कप्तान हैंसी क्रोंजिये ने कहा कि उनकी सट्टेबाज से मुलाकात भारतीय पूर्व कप्तान मु. अजहरुद्दीन ने कराई थी; गुजरात के गृहमंत्री हरेन पंड्या ने अपना त्यागपत्र वापस लिया। 18. राजधानी दिल्ली में लालकिले के पास दो बम विस्फोटों में दो मरे 11 घायल। 20. केंद्र सरकार ने गरीबी रेखा से नीचे रहने वालों के लिये जनश्री बीमा योजना की घोषणा की। 21. भारत की कैथोलिक बिशप काफ्रेंस के अध्यक्ष और दिल्ली के आर्चबिशप एलन द लास्टिक का पौलैंड में एक सड़क दुर्घटना में निधन। 22. जम्मू काश्मीर के मुख्यमंत्री फारुख अब्दुल्ला ने कहा कि स्वायत्ता के मुद्दे पर विधानसभा में कोई नया प्रस्ताव नहीं लाया जायेगा। 26. जम्मू काश्मीर विधानसभा राज्य को वृहत्तर स्वायत्ता देने के प्रस्ताव को

मंजूरी दी। 30. प्रधानमंत्री अटल विहारी वाजपेई ने कहा कि काश्मीर के स्वायत्ता प्रस्ताव पर संविधान के दायरे में ही विचार किया जायेगा।

जुलाई 1. भारतीय जनता पार्टी ने जम्मू काश्मीर विधान सभा के स्वायत्ता के प्रस्ताव का कड़ा विरोध किया; विश्व के सर्वोच्च वीरता पुरस्कार विक्टोरिया क्रास से सम्मानित सैनिक गंजू लामा का दक्षिणी सिक्किम के राबोंगला उपमंडल के सांगमो गांव में 81 वर्ष की आयु में निधन। 2. जम्मू काश्मीर के मुख्यमंत्री फारूख अब्दुल्ला ने जम्मू काश्मीर के भारत में विलय को अंतिम व अपरिवर्तनीय बताते हुए कहा कि स्वायत्ता का मतलब अलगाव नहीं है। 3. कोयला आयात मामले में तमिलनाडु की पूर्व मुख्यमंत्री जयललिता सहित 9 व्यक्तियों पर आरोप निर्धारित। 4. सरकार ने मंत्रिमंडल बैठक के बाद जम्मू काश्मीर के स्वायत्ता प्रस्ताव को ठुकराते हुए वहां की सरकार को विकास कार्यों पर ध्यान देने को कहा। 5. हुर्रियत कांफ्रेंस केंद्र के साथ विना शर्त वातचीत करने को तैयार; उड़ीसा के नंदनकानन अभयारण्य में एक रहस्यमय बिमारी से 10 वाघों की मौत। 7. नेपाल की हवाई यात्रा करने वालों के लिये पासपोर्ट अनिवार्य। 9. बिहार में मंत्री ललित कुमार यादव पर एक ट्रक ड्राइवर व खलासी को एक माह तक घर में वंद कर उत्पीड़न करने के आरोप पर प्राथमिकी दर्ज। 10. ट्रक ड्राइवर व खलासी को एक माह तक घर में बंद कर उत्पीड़न करने के आरोप पर बिहार के मंत्री ललित कुमार यादव मंत्री पद से बर्खास्त किये गये। 11. सार्वजनिक उद्यमों के लिये नई वेतन नीति की घोषणा। 14. वंगलौर वम विस्फोट कांड के पकड़े गये आरोपी एक घायल सैयद इब्राहिम ने कार बम विस्फोट में संलग्न होने को स्वीकार करने के साथ चर्चो में बम धमाकों के पीछे पाकिस्तानी संगठन के होने की पुष्टि। 15. शाम पांच बजकर 27 शुरु होकर 6 बजकर 32 मिनट पर पूर्ण होकर रात 10 बजकर 19 मिनट पर समाप्त होने वाला चंद्रग्रहण पिछले 150 वर्षों के बाद सबसे लंबा चंद्रग्रहण रहा। 17. इंडियन एयरलाइंस के सहयोगी एलायंस एयर का एक वोइंग-737 विमान पटना हवाई अड्डे पर उतरने से एन पहले दुर्घटनाग्रस्त हो गया, दुर्घटना में 55 मरे। 19. शिवसेना प्रमुख वाल ठाकरे के विरुद्ध कार्रवाई किये जाने के विरोध में शिवसेना मंत्रियों द्वारा दिये गये त्यागपत्र नामंजूर; केंद्र ने स्वायत्ता के मामले पर जम्मू काश्मीर के मुख्यमंत्री फारुख अब्दुल्ला से नये सुझाव मांगे। 25. अदालत ने शिवसेना प्रमुख वाल ठाकरे के विरुद्ध मामले को खारिज कर दिया; भारत की सामाजिक कार्यकर्ता अरुणा राय को मैगसेसे पुरस्कार; स्प्रिंट क्वीन पी.टी. ऊषा ने अतर्राष्ट्रीय एथलेटिक्स से सन्यास लिया। 26. उत्तर प्रदेश सरकार ने हिन्दू धर्मादता कानून रद्द किया 27. अयोध्या में वावरी मस्जिद गिराये जाने के मामले की जांच कर रहे लिव्राहम आयोग ने पूर्व मुख्यमंत्री कल्याण सिंह के नाम वारंट जारी किया 28. केंद्र सरकार ने पाक समर्थक आतंकवादी गुट के एकतरफा युद्ध विराम के प्रस्ताव पर उन्हे बातचीत के लिये आगे आने के लिये कहा। 29. भारत सरकार ने स्पष्ट किया कि हिजबुल के साथ वातचीत संविधान के दायरे मे ही होएगी। 31. चंदन के कुख्यात तस्कार वीरप्पन ने कन्नड़ सिनेमा के लोकप्रिय अभिनेता राजकुमार के साथ उनके दामाद, एक रिश्तेदार व एक फिल्म निदेशक का अपहरण कर लिया।

अगस्त 1. पहलगाम में भाड़े के संदिग्ध विदेशी उग्रवादियों ने अमरनाथ यात्रियों के एक लंगर पर अचानक हमला करके 24 लोगों की हत्या कर दी, हादसे में 22 घायल हुए; लोकसभा नें उत्तरांचल विधेयक पारित किया; उर्दू अदब के तरक्की पसंद शायर और स्वतंत्रता सेनानी अली सरदार जाफरी का निधन 2. जम्मू काश्मीर में उग्रवादी हिंसा में तेजी पहलगाम में भाड़े के कथित विदेशी उग्रवादियों ने 70 और व्यक्तियों की हत्या की; तीन नये राज्यों के गठन के क्रम में झारखंड विधेयक भी लोकसभा में पारित। 3. केंद्र सरकार व जम्मू काश्मीर में हिजबुल मुजाहिदीन के बीच सीधी वार्ता प्रारंभ। 4. सरकार ने जम्मू काश्मीर में नरसंहार की अदालती जांच के आदेश दिये, नरसंहार के विरुद्ध देश बंद का मिला-जुला असर। 5. स्वतंत्र भारत के पहले क्रिकेट कप्तान आलराउंडर लाला अमरनाथ का निधन; मुख्यमंत्री सम्मेलन में विरोध के कारण संघीय सुरक्षा ए। 6. तमिलनाडु और कर्नाटक सरकार ने वीरप्पन की अधिकतर मांगे स्वीकार की। 8. पाक समर्थित आतंकवादी गुट हिजबुल मुजाहिद ने युद्ध विराम को वापस लेने का एलान किया; मुंबई उच्च न्यायालय ने शिवसेना प्रमुख बाल ठाकरे के खिलाफ दंगो के मामलों को खारिज करने को अनुचित कहा; बंगारू लक्ष्मण भा.ज.पा. के नये अध्यक्ष निर्वाचित। 9. छत्तीसगढ़ राज्य विधेयक को राज्य सभा ने मंजूरी दी। 11. झारखंड विधेयक को राज्य सभा की मंजूरी के साथ तीन नये राज्यों के गठन का कार्य नवंबर तक पूरा हो जायेगा; दादा साहेब फाल्के से सम्मानित वयोवृद्ध अभिनेता जयराज का निधन। 12. प्रधानमंत्री [illegible] आश्वासन कि विनिवेश अभियान में कर्मचारियों [illegible] नहीं होगी के बाद सार्वजनिक उपक्रमों की प्रस्ता[illegible] स्थगित; कर्नाटक के मुख्यमंत्री एस.एम. कृ[illegible] तमिल भाषा संबधी मांग को ठुकराया। [illegible] में निजी क्षेत्र के प्रवेश के लिये दि[illegible] प्रधानमंत्री अटल हिारी वाजपेई ने [illegible] का न्यौता दिया; बिहार में [illegible] भ.ज.पा. के अध्यक्ष निर्वा[illegible] जिले में पुलिस ने चर्चित हिं[illegible] विश्वविद्यालय के हिंदी [illegible] आनंद पांडे की गो[illegible] की एक विशेष [illegible] मामले मे रिहाई [illegible] नेतृत्व में [illegible] कि पि[illegible] सांसद [illegible] प्र[illegible]

रंगराजन पी. कुमारमंगलम का अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान में 10 दिनों की बिमारी के बाद निधन, विद्युत शवदाहगृह में राजकीय सम्मान के साथ अंत्येष्टि; 24. संगीतकार कल्याणजी का निधन। 28. कांग्रेस और वामपंथी दलों द्वारा आंध्र प्रदेश में बिजली की दरों में बढ़ोत्तरी को लेकर विधानसभा पर प्रदर्शन के दौरान पुलिस के लाठीचार्ज व गोलीबारी में तीन मरे। 31. भारत संचार निगम बनाने का फैसला एक अक्टूबर से लागू होगा।

सितंबर 1. उच्चतम न्यायालय ने वीरप्पन मामले में कड़ा रुख अपनाते हुए 115 साथियों की रिहाई के स्थगन आदेश देते हुए कर्नाटक सरकार से कहा कि अगर वो वीरप्पन को पकड़ने में असफल है तो सत्ता छोड़ दे। 2. मैच फिक्सिंग विवाद में फंसे मोहम्मद अजहरुद्दीन, अजय जडेजा और निखिल चोपड़ा को टीम से निकाला गया 4. हिंदी फिल्मों के मशहूर चरित्र और हास्य अभिनेता मुकरी का निधन; वीरप्पन के साथियों की जल्द रिहाई की कर्नाटक सरकार की याचिका को सुप्रीम कोर्ट ने ठुकराई 5. दूरसंचार मंत्री पासवान के आश्वासन के बावजूद दूरसंचार कर्मचारी हड़ताल पर; 6. संयुक्त राष्ट्र के सहस्राब्दि शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिये प्रधानमंत्री वाजपेई, न्यूयार्क रवाना; विदेश संचार निगम का एकाधिकार 2004 के बजाये 2002 में ही समाप्त करने का सरकार का निश्चय। 8. संयुक्त राष्ट्र के सहस्राब्दि शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री वाजपेई ने पाकिस्तान के गिरगिटिया चरित्र पर हमला बोलते हुए कहा कि उग्रवाद और बातचीत साथ–साथ नहीं चल सकती; दूरसंचार कर्मियों की तीन दिन पुरानी हड़ताल समाप्त। 14. अमरीकी संसद को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री वाजपेई ने आतंकवाद के खिलाफ सहयोग की अपील की; आयोडीन नमक की अनिवार्यता समाप्त। 15. सिडनी में सहस्राब्दि का पहला ओलंपिक प्रारंभ; अमरीकी राष्ट्रपति बिल क्लिंटन ने भारत के और परमाणु परीक्षण न करने वादे का स्वागत किया; भारत और अमरीका ने द्विपक्षीय आर्थिक सहयोग बढ़ाने के ऊर्जा, ई कामर्स और बैंकिंग क्षेत्र में परियोजनाओं के 6 अरब डालर के समझोते।16. भारतीय प्रधानमंत्री और अमरीका के राष्ट्रपति क्लिंटन के संयुक्त बयान में अमरीका ने काश्मीर के मुद्दे पर भारतीय रुख को सही बताया। 18. राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों का राष्ट्रपति द्वारा वितरण, विख्यात फिल्म निदेशक हृषिकेश मुखर्जी को दादा साहेब फाल्के पुरस्कार। 19. आंध्र प्रदेश के कुडापाह जिले की 25 वर्षीय कर्णम मालेश्वरी ने ओलंपिक खेलों में भारत की प्रथम पदक विजेता बनीं, उन्होंने कांस्य पदक भारोत्तोलन में जीतो। 21. एस.टी.डी. की दरों में कटौती, नई दर एक अक्टूबर से लागू। 28. वीरप्पन के चंगुल से अभिनेता राजकुमार का एक साथी नागप्पा माराडानी भाग निकला। 29. सी.बी.आई. की एक विशेष अदालत ने झारखंड मुक्ति मोर्चा सासंद घूसखोरी कांड में पूर्व प्रधानमंत्री नरसिम्हाराव व पूर्व गृहमंत्री बूटा सिंह को दोषी पाया; पेट्रो उत्पादन के दाम में बढ़ोत्तरी। 30. मंत्रिमंडल का विस्तार छह नये मंत्रियों ने शपथ ली; मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी की राष्ट्रीय मान्यता समाप्त।

अक्टूबर 1. सरकार ने दूरसंचार सेवा विभाग को भारत संचार निगम लिमिटेड में परिवर्तित कर दिया। 2. रूस के राष्ट्रपति व्लादिमिर पुटिन भारत की राजकीय यात्रा पर नई दिल्ली पंहुचे। 4. रक्षा क्षेत्र में में सहयोग के लिये भारत व रूस के बीच अनेक बड़े समझौते; बिहार के लोहरदग्गा जिला के पुलिस अधीक्षक अजय कुमार सिंह की उग्रवादियों ने हत्या की। 6. हैदराबाद के चिड़ियाघर में वहशी शिकारियों ने एक तेरह माह की बाघिन को मार कर उसकी खाल उतार ली। 9. तांसी जमीन घोटाले में तमिलनाडु की पूर्व मुख्यमंत्री जयललिता को तीन वर्ष का कठोर कारावास की सजा सुनाई गई। 10. प्रधानमंत्री वाजपेई के घुटने का मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल में सफल आपरेशन; जाने–माने साहित्यकार यशपाल जैन का निधन। 12. पूर्व प्रधानमंत्री नरसिम्हाराव व पूर्व गृहमंत्री बूटा सिंह को झामुमो रिश्वत कांड में तीन–तीन वर्ष के कठोर कारावास की सजा सुनाई। 14. बिहार में मोजाहिदपुर गांव में मठ के विवाद पर लड़ाई में 11 की हत्या। 16. वीरप्पन ने अभिनेता राजकुमार के दामाद को छोड़ा। 17. सुप्रीम कोर्ट द्वारा फिल्म अभिनेता राजकुमार को वीरप्पन की कैद से रिहाई के मामले में कर्नाटक सरकार की की कार्रवाई से असंतुष्टि जाहिर की। 18. सुप्रीम कोर्ट ने नर्मदा पर 138 मीटर ऊंचाई वाले सरदार सरोवर बांध के निर्माण की अनुमति दी। 21. गोवा में भा.जा.पा. ने 11 महीने पुरानी फ्रांसिस्को सरदिन्हा सरकार से समर्थन वापस लिया। 22. केरल के कोल्लम जिले में जहरीली शराब पीने से 21 लोगों की मृत्यु। 23. सरकार ने तीन निजी कंपनियों – रिलायंस जनरल इंस्योरेंस कंपनी, एच.एफ.डी.सी.–स्टैंडर्ड लाइफ इंस्योरेंस कंपनी और रायाल सुंदरम एलायंस इंस्योरेंस कंपनियो को बीमा क्षेत्र में कार्य करने की अनुमति दी। 24. भा.ज.पा. नेतृत्व ने केंद्रीय मंत्री राजनाथ सिंह को उत्तर प्रदेश का मुख्यमंत्री बनाया; गोवा में मुख्यमंत्री फ्रांस्सिको सरदिन्हा के त्यागपत्र के बाद भा.ज.पा. के मनोहर पारीख नये मुख्यमंत्री बने; कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सीताराम केसरी का निधन। 25. केंद्रीय भूतल परिवहन मंत्री राजनाथ सिंह को उत्तर प्रदेश में भा.ज.पा. विधायक मंडल का नेता चुना गया; 27. उत्तर प्रदेश के उधमसिंह नगर में शारदा नहर में ट्राली के गिरने से एक ही परिवार के 26 मरे। 28. उत्तर प्रदेश में राजनाथ मंत्रिमंडल ने शपथ ली; वाम मोर्चे ने प. बंगाल में बसु के हटने और बुद्धदेव भट्टाचार्य को मुख्यमंत्री बनाने की मंजूरी दी। 29. कांग्रेस अध्यक्ष पद के लिये जीतेंद्र प्रसाद द्वारा नामांकन भरने से चुनाव निश्चित; ज्योति बसु का त्यागपत्र मंजूर।

नवंबर 1. नया राज्य छत्तीसगढ़ अस्तित्व में आया, अजीत जोगी प्रथम मुख्यमंत्री बने; सी.बी.आई. द्वारा जारी रिपोर्ट में मो. अजहरुद्दीन, अजय जडेजा, नयन मोंगिया, अजय शर्मा और मनोज प्रभाकर को मैच फिक्सिंग कांड में लिप्त पाया गया, कपिल निर्दोष। 2. डायरेक्ट टू होम सेवा को कैबिनेट की मंजूरी। 3. उत्तर काश्मीर में श्रीनगर–गुलमर्ग मार्ग पर उग्रवादियों ने बारूदी सुरंग द्वारा किये गये विस्फोट में शिया नेता आगा सैयद मेंहदी सहित 7 लोग मारे गये। 4. उपग्रह इन्सैट–2 फिर से सफलतापूर्वक चालू।

झारखंड मुक्ति मोर्चा ने रा.ज.गा. से संबध तोड़ने का
ला लिया; पश्चिम बंगाल में ज्योति बसु के त्यागपत्र के
बुद्धदेव भट्टाचार्य नये मुख्यमंत्री। 8. उत्तरांचल 27वां
य बना, नित्यानंद स्वामी ने प्रथम मुख्यमंत्री पद की शपथ
। 10. उत्तरांचल मंत्रिमंडल गठन में असंतोष, नित्यानंद
मी की सरकार में तीन मंत्रियों ने शपथ समारोह का
ष्कार किया। 14. देश के 28वें राज्य के रूप में
रखंड अस्तित्व में, बाबू लाल मंराड़ी नये मुख्यमंत्री बने।
5. मशहूर कन्नड़ अभिनेता राजकुमार 109 दिनों के
द कुख्यात चंदन तस्कर वीरप्पन के चंगुल से छूट कर
। कांग्रेस अध्यक्ष चुनावों में सोनिया गांधी विजयी; बैंकिंग
त्र के निजीकरण के सरकारी प्रयासों के विरोध में
ष्ट्रीयकृत बैंकों में हड़ताल। 16. सरकार बैंकों में अपनी
स्सेदारी घटायेगी लेकिन उसका नियंत्रण बना रहेगा।
9. प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई ने जम्मू एवं काश्मीर
रमजान के पवित्र माह में सैन्य कार्रवाइयों को एकतरफा
कने की घोषणा की। 20. दिल्ली में रिहायशी इलाकों
औद्योगिक इकाइयों को हटाने के सरकारी फैसले के
रुद्ध आयोजित बंद का आव्हान हिंसक हो गया, जगह-
गह तोड़-फोड़ और अफरातफरी का माहौल। 21.
ल्ली सरकार की उच्चतम न्यायालय से अपील कि
द्योगिक इकाइयों को धीरे-धीरे हटाने पर उच्चतम
यायालय ने कड़ा रुख अपनाया। 22. केंद्रीय सरकार ने
पष्ट किया कि प्रदूषणकारी उद्योगों को कोई छूट नहीं
लेगी; भारत ने जिम्बाबवे के विरुद्ध दिल्ली में पहला टेस्ट
व 7 विकेट से जीता। 23. प्रधानमंत्री अटल बिहारी
जपेई ने संघर्षविराम पर कायम रहने को कहा। 25. जम्मू
काश्मीर में उग्रवादियों से युद्ध विराम प्रारंभ; उग्रवादियों से
युद्ध विराम से असहमत शिवसेना ने अपना आंदोलन वापस
लिया। 27. भारतीय क्रिकेट बोर्ड के भ्रष्टाचार निरोधक
आयुक्त के. माधवन ने मोहम्मद अजहरुद्दीन को मैच
फिक्सिंग के मामले में दोषी ठहराया, अजय जड़ेजा, मनोज
प्रभाकर, अजय शर्मा और पूर्व फिजियोथिरैपिस्ट अली
इरानी को सट्टेबाजों से सांठ-गांठ का दोषी बताया, नयन
मोंगिया को सभी आरोपों से बरी किया गया। 28. रिहायशी
इलाकों में चल रहे उद्योगों को हटाने के मामले पर उच्चतम
न्यायालय ने कड़ा रुख अपनाया। 30. सिखों की सर्वोच्च
संस्था शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के प्रमुख जगदेव
सिंह तलवंडी चुने गये; उल्फा उग्रवादियों ने असम के
बोंगाईगांव में तीन अलग-अलग दगहों पर 14 गैर
असमियों की हत्या की

दिसंबर 1. भारत की फेमिना मिस इंडिया प्रियंका चोपड़ा
मिस वर्ल्ड बनीं, इसी वर्ष भारत की लारा दत्ता ने मिस
युनिवर्स का ताज जीता था। 3. हैदरा बाद की फेमिना मिस
इंडिया दीया मिर्जा एशिया पैसिफिक का खिताब जीता। 4.
पाकिस्तान द्वारा अपनी सेना को सीमा पर संयम बरतने के
निर्देश पर भारत की प्रक्रिया ठंडी पर प्रधानमंत्री के अनुसार
संघर्ष विराम बढ़ाना संभव; रेलमंत्री ममता बनर्जी के
त्यागपत्र को प्रधानमंत्री ने अस्वीकार किया; सरकार से
बातचीत के विफल होने से देश भर के डाककर्मी हड़ताल
पर। 5. भारतीय क्रिकेट बोर्ड ने मैच फिक्सिंग और सट्टेबाजी
के आरोपों में लिप्त क्रिक्रेट खिलाड़ी मो. अजहरुद्दीन और
अजय शर्मा पर आजीवन प्रतिबंध व मनोज प्रभाकर और
अजय जडेजा पर पांच वर्षों के लिये प्रतिबंध लगाया, नयन
मोंगिया को निर्दोष घोषित किया। 7. सुप्रीम कोर्ट ने रिहायशी
बस्तियों से प्रदूषण फैलाने वाले उद्योगों को बंद करने का
आदेश दिया। 9. अयोध्या मसले पर प्रधानमंमत्री के बयान
पर सहयोगी दलों ने भी रोष जताया। 10. राष्ट्रीय
जनतांत्रिक गठबंधन ने भा.ज.पा. सरकार में विश्वास बनाये
रखने का संकल्प लिया। 12. अयोध्या मामले को लेकर
संसद में मतविभाजन का प्रावधान वाले नियम 184 के
तहत चर्चा कराने पर आम सहमति बन जाने से गतिरोध
समाप्त; बोफोर्स मामले पर हिंदुजा बंधुओं को सम्मान जारी;
कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री जे.एच. पटेल का 71 वर्ष की
आयु में निधन। 13. दिल्ली उच्च न्यायालय ने केंद्र सरकार
को डाककर्मियों की हड़ताल समाप्त करवाने व उनकी मांगों
का निबटारा करने का आदेश दियाविक्रम सूद रा (आर.ए.
डब्ल्यू) के नये प्रमुख। 14. लोकसभा में विपक्ष का निंदा
प्रस्ताव भारी मत से अस्वीकार, प्रधानमंत्री ने कहा कि
अयोध्या पर अदालत का फैसला मानेंगें; सरकार ने
डाककर्मियों की हड़ताल गैरकानूनी घोषित की। 16.
डाककर्मियों की हड़ताल समाप्त; प्रधानमंत्री ने आर्थिक
सुधारों की धीमी गति पर चिंता प्रकट की। 18. दिल्ली में
प्रदूषण फैलाने वाले उद्योगों को सील करने का अभियान
शुरु; डाककर्मियों की हड़ताल समाप्त होने के साथ डाक
सेवायें सामान्य। 19. अयोध्या मुद्दे पर राज्य सभा में सरकार
की पराजय। 20. करोड़ो रुपये के बोफोर्स घुटाले के मुख्य
अभियुक्त इटली के व्यवसाई ओट्टोनियो क्वात्रोची को
मलेशियाई अधिकारियों ने गिरफ्तार किया; काश्मीर में
संघर्ष विराम की अवधि एक माह के लिये और बढ़ाई गई।
23. आयरलैंड में भारतीय राजदूत चोकिला अय्यर प्रथम
महिला विदेश सचिव बनीं; केंद्र सरकार ने पश्चिम बंगाल
की सिफारिश को स्वीकृत देने से कलकत्ता का नया नाम
कोलकाता बना। 24. गृहमंत्री अडवाणी के अनुसार अगर
पाकिस्तान अपना बर्ताव बदल ले तो उससे बातचीत संभव;
ग्रैंड मास्टर विश्वनाथ आनंद स्पेन के एलेक्सी शिरोव को
हरा कर विश्व चैम्पियन बने। 25. कश्मीर में सेना मुख्यालय
पर आत्मघाती दस्ते के हमले से 11 मरे। 26. लालकिला
कांड में शामिल एक आतंकवादी गिरफ्तार व एक को दिल्ली
पुलिस ने एक मुठभेड़ में मार गिराया; केंद्रीय खेल मंत्रालय
ने मैच फिक्सिंग कांड में आरोपित मोहम्मद जहरुद्दीन,
मनोज प्रभाकर व अजय जडेजा को अर्जुन पुरस्कार वापस
लेने संबधित नोटिस भेजी। 28. तीस वर्ष पूर्व इंडियन
एयरलाइंस के विमान के अपहर्ता काश्मीरी अलगाववादी
नेता हाशिम कुरैशी ने समर्पण किया; गाजियाबाद के पूर्व
पार्षद सुभाष त्यागी व उनके भतीजे की हत्या; मार्क्सवादी
कम्युनिस्ट पार्टी को दुबारा राष्ट्रीय पार्टी का दर्जा मिला।
31. प्रधानमंत्री अटलबिहारी वाजपेई ने आरोप लगाया कि
लश्करे तोयेबा द्वारा उनको जान से मार देने की धमकी में
पाकिस्तान का हाथ है।

एल.सी.ए. की सफल उड़ान

जनवरी 2001: 1. प्रधानमंत्री अटलबिहारी वाजपेई ने कहा कि भारत काश्मीर समस्या के समाधान के लिये पाकिस्तान से शीर्ष स्तर पर बातचीत करने को तैयार है 2. उत्तरी ग्रिड के फेल हो जाने से उत्तर भारत अंधेरे में डूबा, अनेक ट्रेने ठप 4. समता पार्टी के नेता और केंद्रीय कृषिमंत्री नितीश कुमार ने त्यागपत्र दिया; भारत में विश्व के अत्याधुनिक लड़ाकू विमानों में स्व निर्मित एल.सी.ए. की सफल उड़ान; गांधीवादी नेता सुशीला नैयर का 86 वर्ष की आयु में निधन 5. दूरसंचार क्षेत्र में सेल्युलर मोबाइल सेवा पर लाइसेंस की प्रक्रिया प्रारंभ, 200 किलोमीटर तक की दूरी तक लोकल काल से बात करना संभव; बिहार में समता पार्टी में विभाजन 7. प्रधानमंत्री वाजपेई वियतनाम यात्रा पर रवाना; 8. मशहूर फिल्म फाइनेंसर व हीरा व्यापारी भरत शाह को माफिया से संबध के आरोप पर विशेष पुलिस के दस्ते ने गिरफ्तार किया; जया जेटली समता पार्टी की अध्यक्ष पुनः चुनी गईं। 9. सहस्राब्दि के पहले महाकुंभ के अवसर पर इलाहाबाद संगम पर लाखों लोगों ने स्नान किया; 11. हुरियत कांफ्रेंस ने पाक दौरे के लिये अपने सदस्यों की सूची को अंतिम रूप दिया; चीन के नेता ली फिंग भारत यात्रा पर; 12. 23 पार्टियों की हुर्रियत कांफ्रेंस में पाकिस्तान में शिष्टमंडल भेजने के प्रश्नचिन्ह पर दरार; थलसेना अध्यक्ष एकतरफा युद्ध विराम के पक्ष में बोले।; 14. जम्मू काश्मीर के मुख्यमंत्री फारूख अब्दुल्ला श्रीनगर के हब्दा कबल में ...ना के दौरान उग्रवादियों के घाती हमले से बचे; ...ब्दि के प्रथम महाकुंभ के द्वितीय स्नान में पचास लाख ...लुओं ने भाग लिया; 15. पाकिस्तान में भारतीय उच्चायुक्त विजय नंबियार ने सैनिक शासक परवेज मुशर्रफ से भेंट की, हुर्रियत नेता पाकिस्तान रवाना नहीं हो पाये; ; 16. आत्मघाती दस्ते का श्रीनगर हवाई उड्डे को उड़ाने का प्रयास नाकाम, 6 उग्रवादी व तीन जवान संघर्ष में मारे गये; वरिष्ठ कांग्रेस नेता जितेंद्र प्रसाद का निधन। 17. अग्नि मिसाइल का दूसरा परीक्षण चांदीपुर से सफल; 18. दक्षिण काश्मीर में उग्रवादियों द्वारा बारूदी सुरंग को उड़ाने से 10 सुरक्षाकर्मी मरे; तीनों हिंदुजा भाई बोफोर्स मामले में पेश होने के लिये भारत पंहुचे; 19. विश्व हिंदू परिषद के अध्यक्ष अशोक सिंघल ने सरकार को मंदिर निर्माण के लिये एक वर्ष की मोहलत दी; बोफोर्स मामले में विशेष न्यायालय ने हिंदुजा भाइयों को सशर्त जमानत दी; 20. विश्व हिंदू परिषद द्वारा आयोजित धर्म संसद ने सरकार को कहा कि वह अगले वर्ष 12 मार्च से राम मंदिर का निर्माण शुरु करेगी; 21. काश्मीर में उग्रवादियो ने यात्री बस उड़ाई 9 मरे 11 घायल; भारत-पाक समझौता एक्सप्रेस को तीन वर्ष और तक चलाने की सहमति; 23. जम्मू काश्मीर में युद्ध विराम को एक और महीने के लिये बढ़ाया गया; 24. मौनी अमावस्या के अवसर पर संगम में तीन करोड़ लोगों ने स्नान किया; उच्चतम न्यायालय ने दिल्ली सरकार से 57 हजार से अधिक उद्योग बंद कराने के लिये समय सीमा स्पष्ट करने को कहा; 25. स्वर कोकिला लता मंगेशकर और शहनाई के जादूगर उस्ताद बिस्मिल्ला खां भारत रत्न की उपाधि, उस्ताद अमजद अली, अमिताभ बच्चन, राहुल बजाज आदि भी सम्मानित; 26. देश भर में भूकंप, गुजरात में स्थिति भयावह, युद्ध स्तर पर राहत कार्य के लिये राहत कार्य के निर्देश, सबसे अधिक तबाही कच्छ के भुज शहर में; 27. गुजरात में आये भूकंप की स्थिति भयावह, संचार सड़ संपर्क भंग; निर्मल वर्मा व गुरदयाल सिंह ज्ञानपीठ पुरस्कार से सम्मानित; 28. भूकंप के नये झटकों से अहमादबाद समेत अनेक क्षेत्रों में फिर से दहशत का माहौल, भूकंप 5.5 मेगाटन हाइड्रोजन बम की शक्ति का था; 29. गुजरात में आये भूकंप में मरने वालों की संख्या 30,000 से अधिक की आशंका, सवा लाख अभी भी मलबे में दबे हैं, पाक सहित दुनिया के अनेक देशों से मदद जारी; 30. गुजरात में आये भूकंप के बाद महामारी फैलने की आशंका को रोकने के लिये और पुनर्वास के लिये उपाय; जम्मू में कटरा के निकट हेलिकाप्टर के गिरने से ब्रिगेडियर समेत पांच सैन्य अफसर मरे; 31. गुजरात में भूकंप के झटके जारी; कर्नाटक के मंत्री टी जान को भूकंप पर आपत्तिजनक टिप्पणी के लिये त्यागपत्र देना पड़ा।

फरवरी: 1. गुजरात भूकंप त्रासदी में पुनर्वास के लिये सरकार ने आयकर पर दो प्रतिशत का सरचार्ज लगाया; 2. गुजरात भूकंप त्रासदी में पुनर्वास के लिये प्रधानमंत्री के अनुसार संसाधनों के लिये और उपाय आवश्यक; मलबे में जिंदा लोगों का उम्मीद समाप्त होने के साथ विदेशी दल वापस; धनबाद में कोयला खदान में पानी भर जाने से 35 मजदूर फंसे; 4. एशियाई क्रिकेट फाउंडेशन ने गुजरात के भूकंप पीड़ितों के लिये शरजाह में सहायतार्थ मैच को रद्द कर दिया; जम्मू काश्मीर में सिखों की हत्या के बाद तनाव; टेस्ट क्रिकेट के आलराउंडर व पहले विकेट की विश्व रिकार्ड साझेदारी बनाने वाले पंकज राय का निधन; 5. पट्टाली मक्कल कक्षी (पी.एम.के.) के संस्थापक एवं अध्यक्ष डा. रामदास ने भा.ज.पा. नेतृत्ववाली राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन सरकार से अलग होने की घोषणा के साथ अपने दोनों मंत्रियों का त्यागपत्र दिलवाया; 6. कैबिनेट ने तंबाकू के सार्वजनिक स्थलों पर रोक। नाबालिगों को बेचने पर सजा और विज्ञापन बंद करने के अध्यादेश पारित किया; वरिष्ठ कांग्रेसी नेता वी.एन. गाडगिल का निधन; 7. दिल्ली में एक स्कूल की बस के ट्रक से टकरा जाने से 27 घायल, दो बच्चों की हालत नाजुक; पी.एम.के. के दोनों मंत्रियों के त्यागपत्र मंजूर; एम.टी.एन.एल. की डाल्फिन सेवा प्रारंभ; 8. सी.बी.आई के निदेशक आर.के. राघवन की नियुक्ति को कैट ने रद्द किया;

9. जम्मू काश्मीर में पुलिस मुख्यालय पर लश्कर–ए–तोयेबा के आत्मघाती दस्ते का हमला, मुठभेड़ में चारों उग्रवादी मारे गये; देश की छठी गणजनना का कार्य प्रारंभ; 10. जम्मू काश्मीर के राजौरी जिले के कोटछटवाल गांव में इग्रवादियों ने अंधाधुंध गोलिया चालाकर हत्यायें की; दार्जिलिंग गोरखा पर्वतीय परिषद के अध्यक्ष सुभाष घीशिंग पर हमला उनकी हालत गंभीर, तीन अन्य मरे।;11. सूरजकुंड पर्यटन मेले में झूले के टूटने से तीन मरे अनेक घायल; मणिपुर राज्य कांग्रेस पार्टी में विभाजन के बाद मणिपुर सरकार अल्पमत में; 12. इलाहाबाद उच्चन्यायालय ने अयोध्या कांड में केंद्रीय गृहमंत्री लालकृष्ण अडवाणी, मानव संसाधन मंत्री मुरली मनोहर जोशी व खेल मंत्री उमा भारती पर मुकदमा चालाने के सी.बी.आई. की विशेष अदालत के फैसले को रद्द कर दिया; 14. वैलेंटाइन डे के विरोध में देश के कई शहरों में प्रदर्शनों के बावजूद युवाओं ने इसे मनाया; 15. रूस से 310 टी–90 टैंक खरीदने का सौदा संपन्न; श्रीनगर में प्रदर्शनकारियों के जुलूस पर सुरक्षा बलों द्वारा गोली चलाये जाने से 4 मरे; समता पार्टी और पीपुल्स फ्रंट के नेता राधा विनोद कोइजम मणिपुर के नये मुख्यमंत्री बने; 16. उच्चतम न्यायालय ने राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में चल रही समस्त बसों को सी.एन.जी. से चलाने की अंतिम सीमा बढ़ाने से इंकार किया; 17. प्रधानमंत्री अटलबिहारी वाजपेई ने इराक पर अमरीका व ब्रिटेन द्वारा बमबारी की आलोचना की; 20 श्रीनगर में प्रदर्शनकारियों व सुरक्षा बलों के बीच झड़प के बाद हिरासत में लिये गये पांचों हुर्रियत नेताओं को रिहा किया गया; 21. महाशिवरात्रि स्नान के साथ महाकुंभ संपन्न; 22. केंद्र ने जम्मू काश्मीर में एक तरफा संघर्ष विराम को तीन महीने और बढ़ाने की घोषणा की; 23. बाल्को में विनिवेश पर विपक्ष का एकजुट विरोध, संसद नहीं चलने दी; उपचुनावों में राजगा को 12 में से 8 सीटें मिली, अजीत जोगी व बाबूलाल मरांडी विजई; 25. उत्तर भारत व मध्य एशिया में भूकंप के ढटके, जान–माल का नुकसान नहीं ;26. रेल बजट में यात्री किराओं में कोई बढ़ोत्तरी नहीं माल भाड़े में 3% की वृद्धि। क्रिकेट महानायक डान ब्रैडमैन का निधन; 27. प्रधानमंत्री वाजपेई ने कहा कि प्राकृतिक आपदाओं से बचने के लिये स्थाई प्राधिकरण बनेगा; 28. लोकसभा में 11 खरब 63 अरब और 14 करोड़ रुपये के राजकोषीय घाटे का बजट पेश, कृषि क्षेत्र में राहत की योजनायें, 14 सेवा क्षेत्रों को कर दायरे में लाने का प्रस्ताव।

मार्चः 1. वित्त मंत्रा के अनुसार सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों का निजीकरण जारी रहेगा; 2. सार्वजनिक क्षेत्र की भारत एल्यूमिनियम कंपनी लिमिटेड (बाल्को) को निजी क्षेत्र में देने को संसद की मंजूरी; घाटी में आतंकवादियों के हमले में 15 पुलिस वाले मारे गये; अफगानिस्तान में तालिबानों के हाथों बौद्ध प्रतिमाओं को तोड़े जाने पर संसद में चिंता व्यक्त की गई; 3. त्रिपुरा में उग्रवादी हमले में केंद्रीय रिजर्व पुलिस के 11 जवान मारे गये; 5. सउदी अरब में हज के दौरान शैतान को पत्थर मारने की रस्म में भगदड़ मचने से 35 मृतकों में दो भारतीय महिला हजयात्रियों की मृत्यु; 6. प्रधानमंत्री के अनुसार स्वदेशी उत्पादों की रक्षा के लिये कारगर कदम उठाये जायेंगे; 8. महाराष्ट्र मंत्रिमंडल में फेरबदल; 9. उ[illegible] प्रदेश में मिर्जापुर जिले में पुलिस ने 15 नक्सलवादियों [illegible] मार गिराया; 11. भारत के पुलेला गोपीचंद ने आल इंग्ले[illegible] बैडमिंटन चैम्पियनशिप जीतकर एक नया इतिहास रचा, प्रकाश पादुकोण के बाद इस प्रतियोगिता को जीतने व[illegible] दूसरे भारतीय खिलाड़ी हैं; कोलकाता में आस्ट्रेलिया [illegible] विरुद्ध दूसरे टेस्ट मैच में पंजाब के युवा स्पिनर हरभजन सि[illegible] ने लगातार तीन गेंदों में तीन खिलाड़ियों को आउट कर भा[illegible] के पहले टेस्ट क्रिकेट में हैटट्रिक बनाने वाले गेंदबाज ब[illegible] संयुक्त राष्ट्र के महासचिव कोफी अन्नान ने कहा कि काश्मी[illegible] पर संयुक्त राष्ट्र प्रस्ताव अब अपार्संगिक हो चुका है, उन्ह[illegible] पाकिकस्तान को लाहौर घोषणा पत्र पर अमल करने [illegible] सलाह दी; केरल के मलाप्पुरम जिले में एक बस की व[illegible] के साथ टक्कर होकर उलट जाने और बस में आग लग ज[illegible] से 40 यात्री झुलस कर मरे; 12. बाल्को में विनिमेश [illegible] मुद्दे पर वाजपेई सरकार को राज्य सभा में पराजय का साम[illegible] करना पड़ा; 13. वेबसाइट तहलका डाट काम द्वारा र[illegible] सौदों में रिश्वत के खुलासों के बाद भा.ज.पा. अध्यक्ष बंग[illegible] लक्ष्मण ने त्यागपत्र दिया; रक्षामंत्री जार्ज फर्नान्डीज [illegible] त्यागपत्र की पेशकश को मंत्रिमंडल ने नामंजूर किया, ;1[illegible] वेबसाइट तहलका डाट काम द्वारा रक्षा सौदों में रिश्वत [illegible] खुलासों के बाद विपक्ष के तेवर तीखे, ममता बनर्जी ज[illegible] फर्नान्डीज के त्यागपत्र के मामले को लेकर अड़ी, रा.ज.[illegible] के सभी घटक एकजुट,; 15. वेबसाइट तहलका डाट क[illegible] द्वारा रक्षा सौदों में रिश्वत कांड से उठे राजनीतिक तूफ[illegible] के दबाव में जार्ज फर्नान्डीज ने त्यागपत्र दिया। ममता बन[illegible] के नेतृत्व में तृणमूल कांग्रेस रा.ज.गा. से अलग समस्त मंत्रि[illegible] का त्यागपत्र; कोलकाता में आस्ट्रेलिया के विरुद्ध दूसरे टे[illegible] मैच में भारत की रोमांचक विजय; 16. प्रधानमंत्री ने तहल[illegible] प्रकरण की जांच उच्चतम न्यायालय के पूर्व या विवर्तम[illegible] न्यायधीश से कराने की घोषणा की; 18. विदेशमंत्री जस[illegible] सिंह को रक्षा मंत्रालय का अतिरिक्ति अधिभार दिया ग[illegible] कांग्रेस के बंगलौर अधिवेश में अध्यक्ष सोनिया गांधी [illegible] कार्यकर्ताओं को चुनाव के लिये तैयार रहने को कहा; 1[illegible] तहलका प्रकरण की जांच के लिये उच्चतम न्यायालय [illegible] पीठासीन जज देने से मना किया ; सैनिक अदालत ने तहल[illegible] प्रकरण की जांच प्रारंभ की; 20. ढाका में खेले [illegible] प्रधानमंत्री गोल्ड कप हाकी प्रतियोगिता भारत ने पाकिस्त[illegible] को हरा कर जीती; 21. सी.बी.आई. ने सोनिया गांधी [illegible] निजी सचिव जार्ज विसेंट पर आय के ज्ञात श्रोतों से अधि[illegible] संपत्ति रखने का आरोप निर्धारित किया;22. चेन्नई में खे[illegible] जारहे आस्ट्रेलिया के विरुद्ध तीसरे और अंतिम टेस्ट मैच [illegible] भारत ने जीतकर श्रृंखला जीती; 23. शेयर बाजार में अ[illegible] गिरावट के सूत्र को तलाशने की कोशिश में छह प्रमुख शे[illegible] दलालों के ठिकानों पर आयकर छापे; कर्मचारी भविष्य नि[illegible] पर ब्याज दर घटाने की सिफारिश; 24 उच्चतम न्यायाल[illegible] ने सेवा निवृत न्यायाधीश के. वेंकटस्वामी को तहलका क[illegible] की जांच के लिये नियुक्त किया; 26. उच्चतम न्यायालय [illegible] दिल्ली में डीजल से चलने वाली बसों को सी.एन.जी. से चल[illegible] वाली बसों में बदलने के लिये छह महीने की सशर्त छूट [illegible]

उग्रवादियों ने सी.आर.पी.एफ. कैम्प पर धावा बोला, 4 जवान व दो उग्रवादी मारे गये। 27. विमान दुर्घटना में सांसद व अभिनेता सुनील दत्त अपने साथियों सहित घायल; 30. शेयर बाजार में 843 करोड़ रुपये के घोटाले का खुलासा, प्रमुख शेयर दलाल केतन पारेख को सी.बी.आई. ने गिरफ्तार किया;31. सचिन रमेश तेंदुलकर एक दिवसीय अतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में 10,000 रन बनाने वाले पहले खिलाड़ी बने;715 वस्तुओं के आयात पर सभी पाबंदिया समाप्त; तमिलनाडु, असम, बंगाल व केरल में विधानसभा के चुनाव 10 मई को।

अप्रेल: 1. राजधानी नई दिल्ली में यात्री बसो की कमी होने से बदहाली का दौर; भारतीय क्रिकेट टीम के शरजाह जाने पर सरकार ने रोक लगाई; 3. राजधानी नई दिल्ली में यात्री बसो की कमी होने से बदहाली का दौर से हिंसा उपजी, सरकार ने परमिट जारी करने में छूट दी; 6. पूर्व उपप्रधानमंत्री देवीलाल का निधन; 7. कर्नाटक कांग्रेस अध्यक्ष पर किसी युवक से काम कराने के लिये पैसे लेते हुए टेप जारी होने पर पद से त्यागपत्र; 8. कांग्रेस कमेटी ने करुणाकरन का त्यागपत्र नामंजूर किया; 9. भारत सरकार के उग्रवादियों से प्रस्ताव पर कुछ काश्मीरी संगठन सहमत; बाल्को सौदे की समीक्षा सुप्रीम कोर्ट करेगा; 10. सुप्रीम कोर्ट ने दो वर्ष में दिल्ली की जीवन रेखा यमुना नदी को साफ करने का निर्देश दिया; 11. नई दिल्ली में बेहद सुरक्षा वाले स्थान नार्थ ब्लाक में बम बरामद, समय पर बेअसर किया गया; तांसी भूमि सौदे में दोषी ठहराये जाने के खिलाफ अन्नादुमुक नेता जयललिता की याचिकाये चेन्नई उच्च न्यायालय ने ठुकराई; 12. आई.टी. क्षेत्र की मशहूर हस्ती और नेस्काम के अध्यक्ष देवांग मेहता आस्ट्रेलिया में होटेल के कमरे में मृत पाये गये; 14. कांग्रेस पार्टी द्वारा सर्वदलीय बैठक से बहिष्कार; झारखंड में हजारीबाग में उग्रवादियों ने 15 आदिवासियों की हत्या की; 15. पूर्व केंद्रीय वित्त मंत्री पी. को टी.एम.सी. ने सदस्यता से निष्कासित किया; . रुपया में रिकार्ड गिरावट 47 की सीमा टूटी; केंद्र ने मुख्य न्यायधाश के विरुद्ध जांच की मांग नामंजूर ; राजस्थान के अजमेर जिले में सांप्रदायिक हिंसा के बाद कर्फ्यू लगा; 18. जी.एस.एल.वी.–डी 1 के सफल प्रक्षेपण के साथ अंतरिक्ष बाजार में भारत ने दस्तक दी; मेघालय से सटी बंगला देश की सीमा पर बंगलादेश राइफल्स द्वारा की गोलाबारी से सीमा सुरक्षा बल के 16 जवान शहीद हो गये; उत्तर प्रदेश पुलिस के विशेष दस्ते ने राजधानी लखनऊ के गोमती नगर इलाके में तीन काश्मीरी उग्रवादी मारे; 19. बांग्ला देश ने उच्चस्तरीय वार्ता के बाद भारतीय चौकी खाली की; उत्तर प्रदेश सरकार ने इलाहाबाद का नाम प्रयागराज रखने का निर्णय लिया; 20. लोकसभा में भारी शोर–शराबे और नारेबाजी के बीच संसद के इतिहास में पहली बार रेल बजट बिना बहस के ध्वनिमत से पारित; तृणमूल कांग्रेस के नेता अजीत पांजा ने रा.ज.गा. सरकार को समर्थन देने को कहा; बंगला देश ने सीमा सुरक्षा बल के 15 जवानों के शव सौंपे; 22. बंगला देश ने घायल जवान वापस लौटाये केंद्र सरकार ने कहा कि विस्तृत जांच के बाद कार्रवाई की जायेगी।23. लेकसभा अध्यक्ष बालयोगी के कमरे में प्रधानमंत्री वाजपेई और विपक्ष की नेता सोनिया गांधी के बीच बैठक में जे.पी.सी. के आश्वासन के बाद संसद का गतिरोध समाप्त; विदेशमंत्री जसवंत सिंह ने भारतीय जवानों के मारे जाने पर बंगला देश राइफल्स पर आक्रोश व्यक्त किया; जम्मू काश्मीर में श्रीनगर स्थित आल पार्टी हुर्रियत कांफ्रेंस की महापरिषद की बैठक के दौरान हथगोलो से हमले में चार घायल।24. अन्नादुमुक महासचिव जयललिता के चारो नामांकन पत्र रद्द; कथाकार शैलेश मटियानी का निधन; 25. सरकार ने बजट में लगाये गये करों में छूट देते हुए आयकर मानक कटौती की सीमा को बढ़ाया; चुनाव लड़ने के लिये अयोग्य ठहराई गईं अन्नादुमुक की प्रमुख जयललिता ने कहा कि मुख्यमंत्री पद के लिये वही उम्मीदवार।26. पूर्व सासंद व विवादास्पद फिल्म किस्सा कुर्सी का के निर्माता अमृत नाहटा का निधन;27. सरकार द्वारा तहलका प्रकरण पर संयुक्त संसदीय समिति की मांग को ठुकराये जाने के साथ बजट सत्र की समाप्ति; 28. राष्ट्रीय जनता दल के अध्यक्ष लालू यादव ने असंतुष्ट गुट के नेता रंजन यादव को पार्टी से निष्कासित किया; राजधानी दिल्ली में भूकंप के झटकों से दहशत,29. काश्मीर में उग्रवादी हिंसा में 11 सुरक्षाकर्मियों समेत 33 मरे; पठानकोट में सेना के शस्त्रागार में आग लगी; 30. तीर्थयात्रियों को बद्रीनाथ लेकर जा रही एक निजी बस के अलकनंदा नदी में गिर जाने से 24 मरे; पठानकोट में सेना के शस्त्रागार में आग लगने से 15 करोड़ का नुकसान।

मई: 1. लशकर–ए–तोयबा और जैश–ए–मोहम्मद को अमरीका ने आतंकवादी संगठन करार दिया;2. उत्तरांचल विशेष दर्जा पाने वाला देश का 11वां राज्य बना; 3. केंद्र सरकार ने दीनदार अंजुमन संगठन पर प्रतिबंध लगाया; 4. अयोध्या मामले में लालकृष्ण अडवाणी, मुरली मनोहर जोशी, उमा भारती समेत 13 अभियुक्तों को राहत; विख्यात शहनाई वादक उस्ताद बिस्मिल्ला खां भारत रत्न से अलंकृत हुए; 5. नई दिल्ली में कनाट प्लेस में बम रखने वाला काश्मीरी आतंकवादी गिरफ्तार; 6. प्रधानमंत्री ने असम में एक चुनावी जनसभा में कहा कि प्रवासी बांग्लादेशियो को काम का परमिट देने पर विचार किया जायेगा; 7. भारत ने अमरीका के राष्ट्रीय मिसाइल रक्षा योजना का अप्रत्यक्ष समर्थन करते हुए भारत में भी मिनी मिसाइल सुरक्षा प्रणाली तैनात करने पर विचार करेगा; 8. करोड़ों रुपये के चर्चित चारा घोटाले में लालू यादव की गिरफ्तारी का वारंट जारी; बाल्को में हड़ताल समाप्त, ; 9. नई दिल्ली में सेना भवन के पास दो बम विस्फोट, एक व्यक्ति मामूली तौर पर घायल; इटा नगर में हेलीकाप्टर दुर्घटना में असम के एक मंत्री समेत 7 लोगों का निधन; रक्षा उत्पादन में निजी क्षेत्र को प्रवेश की इजाजत; 10. पांच राज्यों में मतदान, हिंसक घटनाओं में 14 मरे; 11. अमरीका के विदेश उपमंत्री रिचर्ड आर्माटीज ने नई दिल्ली में पत्रकारों से बातचीत करते हुए पाकिस्तान को उद्दंड राष्ट्र की श्रेणी में रखा; 12. उच्चतम न्यायालय ने एक अंतरिम फैसले में उद्योगपति हिंदुजा भाइयों में 3 में से दो को विदेश जाने की इजाजत दी; पोर्टो रीको की सुंदरी मिस युनिवर्स बनीं, भारतीय की सेलीना जेटली पांचवे स्थान पर रहीं; उच्चतम

राष्ट्रपति को फैक्स किया; 2. तमिलनाडु सरकार के विरुद्ध सख्त कदम उठाने पर मंत्रिमंडल की बैठक; करोड़ो की धोखधड़ी के आरोप में पूर्व क्रिकेटियर मनोज प्रभाकर गिरफ्तार; 3. केंद्र से टकराव के मामले पर जयललिता ने लचीला रुख अपनाया और दोनों केंद्रीय मंत्रियों के विरुद्ध मामले वापस लिये; 4.डी.एम.के. नेता करुणानिधि की रिहाई के आदेश जयललिता ने दिये; प्रधानमंत्री अटल विहारी वाजपेई ने भारतीय जेलों में वंद सभी पाकिस्तानियों की रिहाई के आदेश दिये; 5.विश्व यात्रा पर निकले और पाकिस्तान की जेल में वंद विकास सिंह स्वदेश पंहुचे; मनोज प्रभाकर की जमानत याचिका खारिज; 6.बोफोर्स मामले में आरोपित हिंदुजा भाइयों को एयर इंडिया में निवेश की अनुमति नहीं; 7.पाकिस्तान उच्चोयोग द्वारा आयोजित चाय पार्टी में हुर्रियत नेताओं को वुलाने पर भारत ने आपत्ति की; 8. पाकिस्तान के राष्ट्रपति मुशर्रफ ने कहा कि काश्मीर मुद्दा हल किये विना अच्छे संवध नहीं वन सकेगे; 9. पाकिस्तानियों को वीजा नियमों में भारी छूट देने का फैसला; शिखर वार्ता को सभी दलों ने समर्थन दिया; 10.सरकार के एक फैसले के अनुसार सामान्य वर्ग के लिये भी राशन का गेहूं–चावल सस्ता किया गया; जे.के.एल.एफ ने पाकिस्तान उच्चोयोग द्वारा आयोजित चाय पार्टी का वहिष्कार करने का फैसला; 12.विदेश मंत्री जसवंत सिंह ने कहा कि पाकिस्तान से वातचीत में काश्मीर के साथ अन्य मुद्दों पर भी वातचीत की जायेगी; 13. भारत और पाकिस्तान में नियंत्रण रेखा को मानने पर मतभेद, वाजपेई के अनुसार संयम रखना जरूरी; हुर्रियत नेताओं की प्रेस कांफ्रेंस में भारतीय पत्रकारों को प्रवेश की अनुमति नहीं दी गइ; 14. पाकिस्तान के राष्ट्रपति परवेज मुशर्रफ भारत यात्रा पर आये, राष्ट्रपति परवेज मुशर्रफ अपने वचपन की हवेली नहरवाली हवेली देखने गये; 15.राष्ट्रपति मुशर्रफ की भारत यात्रा भारत–पाक रिश्तों को तनावमुक्त वनाने की नई शुरुवात, वातचीत के दो दौर एक और दौर होने की संभावना; 16. प्रधानमंत्री अटल विहारी और राष्ट्रपति परवेज के वीच शिखर वार्ता के वाद संयुक्त पत्र पर आम सहमति नहीं वन सकी; भारत ने गहरी व्यक्त की; 17.भारत और पाकिस्तान दोनों ने कहा कि वातचीत अधूरी रही लेकिन इसे नाकामयाव नहीं माना जा सकता; उत्तरांचल के रुद्रप्रयाग जिले में फाटा के पास भूस्खलन में 20 शव वरामद; 18.आगरा शिखर वार्ता के असफल होने के वाद भारत ने कहा कि शिमला व लाहौर समझौता ही वातचीत का आधार; 19.अमरीका के शीर्ष सैन्य अधिकारी हेनरी शेल्टन की भारत यात्रा के दौरान भारत–अमरीका रक्षा रिश्तों का नया खाका वना; उच्चतम न्यायालय ने शिवु सोरेन की राज्यसभा सदस्यता निरस्त की; 20.प्रधानमंत्री अटल विहारी वाजपेई ने कहा कि पाकिस्तान के साथ शांति प्रयास जारी रहेंगें; यूटीआई के पूर्व अध्यक्ष पी.एस. सुब्रह्मण्यम और अन्य अफसरों पर सी.वी.आई. के छापे; जयललिता के मुख्यमंत्री वने रहने का मामला संविधान पीठ के सुपुर्द; 21.अमरनाथ की पवित्र गुफा से 20 किलोमीटर दूर शेषनाग स्थित तीर्थ यात्रियों के शिविर में दो शक्तिशाली वम विस्फोट व आतंकवादियों की सुरक्षावलों से मुठभेड़ में 6 तीर्थयात्रियों सहित 13 मरे; विख्यात तमिल अभिनेता शिवाजी गणेशन का निधन; 22.मंत्रिमंडल में मामूली फेरवदल, अजीत सिंह कृषि मंत्री वने; 24.प्रधामंत्री ने सीमापार से चल रहे आतंकवादी गतिविधियों की आलोचना करते हुए [कहा] कि दोस्ती और आतंकवाद एकसाथ नहीं चल सकते; मणि[पुर] में नगा संघर्षविराम को लेकर प्रदर्शन उग्र हुए; 25. सा[ंसद] फूलन देवी की नई दिल्ली में उनके निवास पर अज्ञात हमला[वरों] ने नृशंस हत्या की; पी.एम.के. दुवारा रा.ज.गा. में शामिल; सांसद फूलन देवी हत्याकांड का प्रमुख संदिग्ध अभियु[क्त] शेरसिंह उर्फ पंकज के देहरादून में गिरफ्तार किया ग[या]; प्रधानमंत्री अटल विहारी वाजपेई को पाक आने का निमं[त्रण] मिला; 28.असमी साहित्याकार इंदिरा गोस्वामी को साहित्य [का] प्रतिष्ठित पुरस्कार ज्ञानपीठ के लिये चयनित किया गया; 3[0.] यू.टी.आई. घोटाले में शिव सेना ने आरोप लगाया कि प्रधानमं[त्री] का कार्यालय इसमें लिप्त है, विपक्ष ने वित्त मंत्री यशवंत सि[न्हा] का त्यागपत्र मांगा; 31.आलोचनाओं और प्रधानमंत्री कार्याल[य] पर लग रहे आरोपों से खिन्न अटल विहरी वाजपेई ने त्याग[पत्र] देने को कहा, वरिष्ठ नेताओं ने उन्हे ऐसा कदम उठाने से रोक[ा]; नई दिल्ली में हिजवुल के चार उग्रवादी गिरफ्तार।

अगस्तः 1.प्रधानमंत्री अटल विहारी वाजपेई ने कहा [कि] यू.टी.आई. घुटाले में प्रधानमंत्री कार्यालय का कोई हाथ न[हीं] है, घोटाले की जांच का प्रस्ताव; 2. यू.टी.आई. घुटाले प[र] कामरोको प्रस्ताव गिरा, हंगामें में वित्तमंत्री सिन्हा जवाव नहीं दे पाय; 3. यू.टी.आई. घुटाले की जांच भी संसदीय समिति करेगी; 4.पाक समिर्थत आतंकवादियों ने काश्मीर के डोड[ा] जिले के किश्तवारी तहसील में एक गांव में 21 हिंदुओं का अपहरण कर 17 को गोलियों से भून डाला; संसद फूलन देवी हत्याकांड का एक अभियुक्त धनप्रकाश उर्फ विक्की गिरफ्तार; 6.तमिलनाडु में रामानाथपुरम से 25 किलोमीटर दूर इरावदी दरगाह के निकट एक पागलखाने में आग लग जाने से 25 मनोरोगी मरे; 7. जम्मू रेलवे स्टेशन पर आतंकवादियों का अंधाधुंध गोलीवारी में 9 मरे व 30 घायल, एक आतंकवादी मारा गया, दो भाग निकलने में सफल; 8. आतंकवादियों से कारगर तरीके से निपटने के लिये लद्दाख को छोड़कर जम्मू काश्मीर को अशांत क्षेत्र घोपित किया गया; 10. उत्तर प्रदेश में मुख्यमंत्री राजनाथ सिंह ने विद्युत मंत्री एवं लोकतांत्रिक कांग्रेस के नेता नरेश अग्रवाल को मंत्रीपद से हटाया; 11.उत्तर प्रदेश में लोकतांत्रिक कांग्रेस के 15 मंत्रियों ने मुख्यमंत्री राजनाथ सिंह का साथ देने का निर्णय लिया;12.चेन्नई में दुमुक अध्यक्ष करुणानिधि की गिरफ्तारी के विरुद्ध निकाली गई रैली में हिंसा, तीन मरे व 100 से अधिक घायल; 13.लखनऊ में लश्करे तैयवा के उग्रवादी गिरफ्तार, भारी मात्रा में गोला वारूद वरामद; 14.स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या को राष्ट्रपति ने देश को संवोधित करते हुए कहा कि आमजन राष्ट्रवादी और अधीर होता जा रहा है; 15.देशभर में स्वतंत्रता दिवस धूमधाम से मनाया गया; 16. चेन्नई से 150 किलोमीटर दूर एक आयुद्ध फैक्ट्री में विस्फोट से 22 श्रमिक मरे; फ्लाइंग सिख मिल्खा सिंह ने अर्जुन पुरस्कार ठुकराया; 17.केंद्र सरकार द्वारा तमिलनाडु के तीन पुलिस अधिकारियों को वापस मांगने की मांग को जयललिता ने ठुकराया; उच्चतम न्यायालय ने एक आदेश में कहा कि चुनाव जीते विना मंत्री नहीं वना जा सकता है; 19. गृहमंत्री अडवाणी ने कहा कि उग्रवाद के खिलाफ संघर्ष के

,जिन सुरक्षाकर्मियों पर मानवाधिकार के आरोप हैं उन्हे देने पर विचार किया जाये ।; 20. विश्व व्यापार संगठन अगले दौर की वातचीत का विरोध करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि पहले विकसित देश पूर्व समझौतों का ..करें; 23. लोकसभा अध्यक्ष वालयोगी ने नियम वनाया कि यदि लोकसभा की कार्रवाई रोकी गई तो पांच दिन का निलंबन दिया जायेगा; 26. प्रधानमंत्री वाजपेई ने कहा कि अयोध्या मसले का हल मार्च तक हो जायेगा; 27. तृणमूल व पी.एम.के. रा.ज.गा. में वापस लौटे ; 29. सुरक्षा अधिभार के नाम पर रेल किराये में पहली अक्टूवर से वढ़ोत्तरी; 30. केंद्र सरकोर ने फैसला किया कि वह सी.एन.जी. पर अध्यादेश नहीं लायेगी; उच्चतम न्यायालय ने सुश्री जयललिता को आरोपी ठहराये जाने की अपीलों पर रोक लगाई; तमिल मनीला कांग्रेस के अध्यक्ष व वरिष्ठ नेता जी.के. मूपनार का निधन; 31. संसदीय मंत्री हुकुम सिंह की अध्यक्षता में गठित सामाजिक न्याय समिति ने अति पिछड़ो को 14 प्रतिशत आरक्षण की सिफारिश की;

सितंबर: 1. मंत्रिमंडल में फेरवदल दो नये कैविनेट मंत्री शामिल, दो प्रभारी मंत्रियों को कैविनेट मंत्री वनाया गया, जगमोहन व पासवान के विभाग वदले गये; 4. असम के पूर्व मुख्यमंत्री प्रफुल्ल कुमार महंत ने असम गण परिषद के अध्यक्ष और विधानसभा में पार्टी विधायक नेता पद से त्यागपत्र दिया; 6. शेयर व्रोकर हितेन दलाल को तीन वर्ष के कारावास की सजा; प्रधानमंत्री वाजपेई ने कहा कि पाक के साथ शांति का मार्ग वरकरार रखा जायेगा; 7. प्रधानमंत्री वाजपेई ने कहा कि अर्थव्यवस्था छह महीने में ठीक हो जायेगी; 8. चेन्नई के निकट जहरीली शराब पीकर 12 मरे; 9. गृहमंत्री अडवाणी के नेतृत्व में मंत्रियो की समिति गठित, यह समिति राजनीतिक दलों को चंदे के लिये कानून पर विचार करेगी; मीरा नायर की फिल्म मानसून वेडिंग को वेनिस फिल्मोत्सव में प्रतिष्ठित गोल्डन लायन पुरस्कार; 10. प्रधानमंत्री वाजपेई ने कहा कि आर्थिक संकट से उबरने के लिये कड़े कदम जरूरी, सलाहकार परिषद का सरकारी खर्च में किफायत का जोर; 11. अमरीका में आतंकवादी हमले के वाद दिल्ली में महत्वपूर्ण स्थानों पर सुरक्षा प्रवंध कड़े किये गये; उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी के विधायकों का विधान सभा से सामूहिक त्यागपत्र; 13. अमरीका में आतंकवादी हमलें में 250 भारतीयों के मरने की आशंका; 14. प्रधानमंत्री अटल विहारी वाजपेई ने कहा कि आतंकवाद समर्थक देशों पर शिकंजा कसने की जरूरत है; 16. अमरीका में भारतीय सिखों पर हमले से भारत ने अमरीकी प्रशासन को अवगत कराया; अमरीका के राष्ट्रपति जार्ज वुश ने प्रधानमंत्री अटल विहारी वाजपेई से फोन पर वातचीत की; 17. उच्चतम न्यायालय ने सी.एन.जी. के मामले में और रियायात देने से इकार किया; ; 20. रक्षामंत्री जसवंत सिंह ने कहा कि तालिवान ने काश्मीर से उग्रवादी वापस वुलाये; 21. उच्चतम न्यायालय ने तमिलनाडु की मुख्यमंत्री जयललिता की नियुक्ति को अवैध ठहराया; पनीर सेल्वम नये मुख्यमंत्री बने। 22. लोकसभा संसदीय उपचुनाव में भा.ज.पा. राजस्थान व कांग्रेस गुजरात से विजयी; 23. अमरीका ने भारत और पाकिस्तान पर लगाये प्रतिबंध हटाये; 24. भारत ने कहा कि पाकिस्तान द्वारा ना करने पर भारत अमरीका को सैन्य सुविधायें उपलब्ध करायेगा; 25. असम के वोगियागांव जिले में दिल्ली गोहाटी के बीच चलने वाली नार्थ ईस्ट एक्सप्रेस में वम फटने से 30 यात्री घायल।; 27. कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री के. विजय भास्कर रेड्डी का निधन; केंद्र सरकार ने स्टूडेंट इस्लानिक मूवमेंट आफ इंडिया (सिमी) पर प्रतिबंध लगाया; 31. विमान दुर्घटना में पूर्व केंद्रीय मंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता माधव राव सिंधिया, उनके निजी सचिव, चार पत्रकार और दो चालकों की मृत्यु; एक और हेलिकाप्टर दुर्घटना में सरकार के प्रमुख वैज्ञानिक सलाहकार अबुल कलाम वाल–वाल बचे।

अक्टूबर: 1. जम्मू काश्मीर की विधान सभा के भवन पर विस्फोटक से लदी टाटासूमो की टक्कर, गोलीवारी में 26 मरे, 63 घायल, जैश–ए–मोहम्मद ने जिम्मेवारी ली; 2. जम्मू काश्मीर की विधान सभा पर हमले को लेकर भारत ने पाकिस्तान को कड़ी चेतावनी दी; 5. उच्चतम न्यायालय ने चारा घोटाले के 36 मामलों को झारखंड की राजधानी रांची भेजने के आदेश दिय; 6. एलायंस के चालक दल को उड़ान ड्यूटी से हटाया गया; तमिलनाडु के तिरुवल्लूर जिले में जहरीली शराव पीने से 21 मरे व 30 बिमार; 8. आतंकवाद की समाप्ति के लिये पाक राष्ट्रपति परवेज मुशर्रफ ने प्रधानमंत्री अटल से सहयोग मांगा; 11. भारतीय मूल के व्रिटेन के लेखक वी.एस. नायपाल को साहित्य का नोवल पुरस्कार; 14. रूस के उप प्रधानमत्री भारत यात्रा पर; 15. प्रधानमंत्री ने समता पार्टी के नेता और पूर्व रक्षामंत्री जार्ज फर्नान्डीज को फिर से रक्षा मंत्री बनाया; 16. नोयडा में जहरीली शराब पीने से 27 मरे और दो दर्जन बीमार; केंद्र सरकार आतंकवाद पर अंकुश के लिये टाडा कानून की जगह अध्यादेश लायेगी; रक्षा मंत्री जार्ज फर्नान्डीज ने कहा कि घुसपैठ को रोकने के लिये सेना कोई भी कार्रवाई करने के तैयार; 17. आंध्र प्रदेश के तटीय क्षेत्रों में भयंकर तूफान से 41 मरे सैकड़ों लापता; उत्तर प्रदेश में ब.स.पा. विधायकों के इस्तीफे देने के बाद देश के संवैधानिक इतिहास में पहली बार विधानसभा विपक्ष विहीन हो गई।; 19. पाकिस्तान द्वारा की गई शिखर वार्ता की पेशकश पर भारत का इंकार; एंथ्रेक्स के मामलों की जांच और त्वरित सहयाता उपलब्ध कराने केलिये दिल्ली में नियंत्रण कक्ष; 20. उत्तर प्रदेश के स.पा. सांसद रमाकांत यादव पार्टी से निष्कासित; पटना जिले में उग्रवादियों ने विस्फोट कर सात पुलिस कर्मियों को मारा; 22. रिजर्व बैंक ने बैंक दर में आधा प्रतिशत की कमी करते हुए इसे 7.00 से घटाकर 6.5 पर ला दिया; भारत के ध्रुवीय उपग्रह प्रक्षेपक यान पी.एस.एल.वी.–सी3 का सफल प्रक्षेपण; श्रीनगर के क्विल हवाई अड्डे पर चार आत्मघाती उग्रवादियों का हमला असफल चारों मारे गये;24. बोफोर्स कांड के अभियुक्त विन चड्ढा का निधन; महाराष्ट्र के ठाणें जिले में हिजवुल मुजाहिदीन के चार खूंखार उग्रवादी गिरफ्तार; 26. काश्मीर में सुरक्षा बलों ने बडगाम जिले में एक थाने को उड़ाने की उग्रवादियों के प्रयास को विफल किया; जापान ने भारत व पाकिस्तान पर से आर्थिक प्रतिबंध हटाये; 27. सांप्रदायिक

तनाव के वाद उत्तर प्रदेश के गोंडा जिले में कर्फ्यू; प्रसिद्ध अभिनेता प्रदीप कुमार का निधन; काश्मीर में वी.एसएफ के कमांडेंट समेत और एक पुलिस अधिकारी की मौत, 14 आतंकवादी भी मारे गये; 29. वाइस अडमिरल माधवेंद्र सिंह नये नौसेनाध्यक्ष वनेंगें; उत्तरांचल में भगत सिंह कोश्यारी नये मुख्यमंत्री; 30 श्री निवासपुरम कृष्णास्वामी नये वायुसेनाध्यक्ष; 31. झारखंड के धनवाद जिले में प्रतिवंधित माओवादी कम्युनिस्ट सेंटर के उग्रवादियों ने 13 पुलिसवालों की हत्या की।

नवंबर: 1. गृहमंत्री अडवाणी ने कहा कि 'पोटो' अपराधों के विरुद्ध एक सुविचारित कदम है; 2. भारतीय सेनाओं ने पुंछ जिले के नियंत्रण रेखा के पास 34 घुसपैठिये मारे; प्रधानमंत्री वाजपेई ने कहा कि पाकिस्तान से युद्ध नहीं लेकिन वातचीत भी नहीं; सी.वी.आई. ने मुंवई वम कांड में अभिनेता संजय दत्त को आरोपित किया; उच्चतम न्यायालय ने सार्वजनिक जगहों पर धूम्रपान पर रोक लगाई; 3. भारत द्वारा लंवे समय से जैश ए मोहम्मद और लश्कर–ए–तैयवा पर प्रतिवंध लागने की मांग को अमरीका ने पूरा किया; 4. लश्कर–ए–तैयवा के फियादीनों ने सेना के शिविर पर हमला वोला, चार सैनिक मरे पांच घायल, हमलावर मारे गये; हिंदी फिल्म लगान को आस्कर के लिये भेजा गया; 5. भारत और रूस ने छह समझौतों पर हस्ताक्षर किये; उच्चतम न्यायालय ने विहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू यादव को झारखंड की रांची स्थित विशेष अदालत में समपर्ण करने की हिदायत दी; 6. भारत और रूस के वीच मास्को घोषणापत्र पर हस्ताक्षर, आतंकवाद को कुचलने का आह्वान; 7. उच्चतम न्यायालय ने सती प्रथा पर प्रतिवंध को उचित ठहराया; भारत और रूस के वीच महत्वपूर्ण सुरक्षा समझौता; 8. केंद्रीय संस्कृति मंत्री मेनका गांधी ने अपनी सास इंदिरा गाधी की जीवनी लिखने ले लेखक व प्रकाशक के विरुद्ध मानहानि का मुकदमा ; 9. विग वुल हर्षद मेहता और उसके दो भाइयों अश्विन और सुधीर को वहुचर्चित गायव शेयरों के मामले में सी.वी.आई. ने हिरासत में लिया; 10. केरल के तिरुवनंतपुरम के निकट अंबूरी में भारी वर्षा के कारण भू स्खलन से 40 मरे; प्रधानमंत्री के मुख्य वैज्ञानिक सलाहकार डा. ए.पी.जे. अव्दुल कलाम द्वारा अवकाश ग्रहण करने के फैसले के वाद उनकी जगह डा. आर चिदांवरम की इस पद पर नियुक्ति की गई; 11. डा. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम ने कहा कि भारत के पास हाइड्रोजन वम है; 12. उड़ीसा के पुरी के जगन्नाथ मंदिर से चोरी हुई मदनमोहन की मूर्ति मंदिर प्रांगण के कुएं से मिली; प्रधानमंत्री अटल विहारी वाजपेई ने लंदन में कहा कि पाकिस्तान से वातचीत के लिये अनुकूल माहौल वनाना होगा; 13. दोहा में विश्व व्यापार बैठक के मंत्रिस्तरीय सम्मेलन में भारत ने नये दौर के समझौतों का संशोधित घोषणा पत्र खारिज किया; उड़ीसा में विटामिन ए की खुराक देने के वाद एक वच्चा मरा 12,000 विमार पड; 15 मणिपुर में राष्ट्रपति शासन की अवधि छह महीने और वढ़ी, मेघालय में सरकार पर संकट टला; 16. अतर्राज्यीय परिषद में फैसला लिया गया कि राज्यों में राज्यपाल वहां की रजामंदी से ही होगा; 19. लुधियाना में कड़ी सुरक्षा के वीच राष्ट्रीय खेल का उद्घाटन सम्पन्न।

दिसंवर: 16. सरकार का कहना है कि 13 दिसंवर के हमले के पीछे आई.एस.आई. के सरंक्षण में जैश –ए–मोहम्मद और लश्कर–ए–तोयवा का संयुक्त हमला है; 17. 26 जनवरी 2002 से एस.टी.डी. दर में कमी लाने के लिये भारती टेलिसोनिक ने एलएलडी. सेवा शुरु की। वाद में इसे 31 अप्रेल, 2002 तक दूसरे चरण में मोवाइल से फिक्स एवं फिक्स पोन्स में परिवर्तित कर दिया जायेगा; 31. लियेंडर पेइस और महेश भूपति को चेन्नई में टाटा ओपेन टेनिस प्रतियोगिता में वाइल्ड कार्ड प्रवेश मिला। 26. करते हुए राष्ट्रपति ए.पी.जे. कलाभ ने कहा कि साम्प्रदायिकता देश की एकता के लिये खतरा।

सचिन व ब्रैडमेन बराबर

जनवरी 2002 1. वरिष्ठ समाज सेविका व महिला आंदोलनों की नेता प्रमिला दंडवते का निधन। 2. पर्यावरणविद् अनिल अग्रवाल का निधन 3. दिवंगत मार्क्सवादी नेता ई.एम.एस. नम्बूदिरीपाद की पत्नी आर्या अंर्तजनम का निधन। 4. व्रिटेन के प्रधानमंत्री टोनी ब्लेयर भारत – पाक तनाव कम करने भारत यात्रा पर आये; वैंकों की देशव्यापी हड़ताल। 5. भारत–पाक तनाव को कम करने पर अमरीका द्वारा अपने विशेष दूत को भेजने के प्रस्ताव पर भारत ने एतराज किया। 6. जम्मू काश्मीर के पुंछ सीमा पर भारतीय सेना ने एक पाकिस्तानी टोही विमान को मार गिराया आतंकवाद पर भारत ओर व्रिटेन का साझा घोषणापत्र। 7. भारत ने एक वार फिर पाकिस्तान के साथ किसी प्रकार की वातचीत का इंकार करते हुए कहा कि मुशर्रफ आतंकवाद पर दोहरे मापदंड अपना रहे हैं; इजराइल के उपप्रधानमंत्री शिमोन पेरेज ने नई दिल्ली में कहा कि भारत को संयुक्त राष्ट्र संघ की सुरक्षा परिषद में स्थाई सदस्यता दी जाये। 10. अमरीका राष्ट्रपति जार्ज वुश ने श्री अडवाणी से कहा कि पाकिस्तान अपनी आतंकवादी नीति को छोड़ेगा; अन्यथा भारत पाकिस्तान से राजनयिक रिश्ते भी तोड़ सकता है; 11. सेनाध्यक्ष जनरल एस. पद्मनाभन ने कहा कि सीमा पर स्थिति गंभीर, सेनायें तैयार हैं ट्राई ने वीएसएनएल को एसटीडी दरों में कमी की मंजूरी दी। 13. विदेश मंत्री जसवंत सिंह ने कहा कि पाक राष्ट्रपति मुशर्रफ आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में अपनी घोषणाओं को पहले असली जामा

पहनायें तभी बातचीत हो सकेगी; चीन के प्रधानमंत्री च्यू रोंगची भारत यात्रा पर दिल्ली पंहुचे।।4. रक्षा मंत्री जार्ज फर्नान्डीज के अनुसार आतंकवाद की समाप्ति के बाद ही सेना सीमा से हटेगी। 15. केंद्रीय मंत्रिमंडल ने आम आदमी को अपने घर पर राष्ट्रीय ध्वज फहराने की सहमति दी। 21. उच्चतम न्यायालय ने उत्तर परदेश में अति पिछड़ों की विशेष भर्ती पर रोक लगाई; विदेश मंत्री जसवंत सिंह ने कहा कि पाकिस्तान भारत में छुपे अपराधियों की सूची दे तो तुरंत कार्रवाई की जायेगी। 22. कोलकाता में अमरीकी सूचना केंद्र पर आतंकवादियों की अंधाधुंध गोलीबारी में चार पुलिसकर्मियों की मौत, 12 सुरक्षाकर्मियों समेत 18 घायल। 24. भारतीय संचार उपग्रह इनसैट 3–सी सफलतापूर्वक अपनी कक्षा में स्थापित; नियंत्रण रेखा के दौरे के बाद अमरीका के राजदूत के आंकलन के अनुसार सरहद पर हालात खतरनाक। 25. कम दूरी वाली अग्नि मिसाइल का एक और सफल परीक्षण; अर्जुन सिंह को वायु सेना के सर्वोच्च उपाधि मार्शल से सम्मानित किया गया; दो अमरीकी सासंदो समेत 98 को पदम सम्मान दिये जाने की घोषणा की गई। 26.देश का 53वां गणतंत्र दिवस का मुख्य आकर्षण अग्नि – 2 मिसाइल रही। 28. कोलकाता कांड के दो हमलावर हजारी वाग में मारे गये, दोनो पाकिस्तान नागरिक थे। 31. भारतीय जनता पार्टी ने विश्व हिंदू परिषद से कहा कि कानून तोड़ने पर सजा भुगतने को तैयार रहे; झारखंड के राज्यपाल प्रभात कुमार का त्यागपत्र स्वीकार।

फरवरी 1. प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई ने कहा कि अगर पाकिस्तान के लिये काश्मीर मुद्दा है तो हमारे लिये पाक अधिकृत काश्मीर मुद्दा है। 2. रूस से परमाणु पनडुब्बी लेने पर सहमति शीघ्र ही संभव। 3. जम्मू काश्मीर में सीमावर्ती पुंछ और राजौरी जिले में पीर पंजाल में छिपे उग्रवादियों के खिलाफ संयुक्त अभियान प्रारंभ। 4. प्रख्यात फिल्म अभिनेता, निर्माता और निदेशक भगवान दादा का निधन; जम्मू काश्मीर के सोपोर जिले में तारजू गांव की मस्जिद में छुपे उग्रवादियों ने समर्पण किया। 5. सरकार ने विदेश संचार निगम लिमिटेड और तेल मार्केट कंपनी आई.बी.पी. में अपनी प्रबंधकीय हिस्सेदारी बेचने का फैसला किया। 6. अटल बिहारी वाजपेई ने कहा कि पाकिस्तान काश्मीर का सपना छोड़ दे। 7. हुर्रियत नेता मौलवी उमर फारूख ने संकेत दिया कि हुर्रियत कुछ शर्तो के साथ चुनाव के लिये तैयार। 8. रक्षा मंत्री जार्ज फर्नान्डीज ने सीएजी को झूठी रिपोर्ट देने का दोष मढ़ा।। 9. कोलकाता हमले का मुख्य आरोपी आतंकवादी सरगना आफताव अंसारी को सी.बी.आई. दुबई से दिल्ली लाई। 10. आफताव अंसारी ने जैश ए मोहम्मद के नेता उमर सइद शेख के साथ करीवी संवध स्वीकारे। 12. उच्चतम न्यायालय ने इलाहावाद उच्च न्यायालय के आदेश कि विधानसभा चुनाव में फोटो पहचान पत्र की अनिवार्यता नहीं है को निरस्त कर दिया, लेकिन कार्ड न होने पर मतदान के लिये अन्य विकल्प उपलब्ध।। 6. प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई ने कहा कि अयोध्या मामले का हल अदालत करेगी। 17. लश्कर के आतंकवादियों ने जम्मू के राजौरी जिले के नरला गांव में एक ही परिवार के आठ लोगों की हत्या की। 18. उत्तर प्रदेश में दूसरे चरण के मतदान में छिटपुट हिंसा के बीच 55% मतदान; हिमाचल प्रदेश में शिमला जिले के जुग्गल और रोहड़ू तहसीलों में फैला रहस्मय रोग प्लेग निकला। 20. पोटो के खिलाफ झारखंड और बिहार में बंद के दौरान हिंसा, चार लोग मारे गये। 21. विधानसभा चुनावों के तीसरे और अंतिम चरण में उत्तर प्रदेश में चुनावी हिंसा में एक मरा, कुल मतदान 55% रहा मणिपुर में 80% से अधिक मतदान हुआ। 22.श्रम कानूनों में बड़े बदलाव की मंजूरी, हजार कर्मचारियों वाली बीमार इकाइयों में छटनी और तालाबंदी की छूट। 24. पंजाब और उत्तरांचल में कांग्रेस की जीत उत्तर प्रदेश में विधानसभा त्रिशंकु; मणिपुर में भी त्रिशंकु विधानसभा की आशंका। 25. सपा उत्तर प्रदेश में सरकार बनाने का दावा पेश करेगी, मणिपुर में किसी को भी बहुमत नहीं कांग्रेस सबसे आगे। 26. लोकसभा में रेल बजट प्रस्तुत, सामान्य श्रेणी समेत सभी श्रेणियों के किराये में बढ़ोत्तरी। 27. अहमदाबाद से 200 किलोमीटर दूर गोधरा रेलवे स्टेशन पर साबरमती एक्सप्रेस पर उपद्रवियों ने हमला कर चार डिब्बों में आग लगाई, 57 मरे। 28. वित्त मंत्री यशवंत सिन्हा ने आम बजट लोक सभा में प्रस्तुत किया; गुजरात में बंद के दौरान भारी हिंसा 79 मरे सेना बुलाई गई।

मार्च 1. गुजरात में हिंसा का तांडव रूप मरने वालों की संख्या 230 हुई, सेना की तैनाती। 2. गुजरात में हिंसा का दानव गांवों में पंहुचा, मरने वालों की संख्या 400 तक पंहुची; पाक उच्चायोग के दो कर्मी जासूसी करते हुए पकड़े गये; नारयण दत्त तिवारी व जयललिता क्रमशः उत्तरांचल व तमिलनाडु के मुख्यमंत्री बने। 3. लोकसभा अध्यक्ष जी.एम.सी. बालयोगी का आंध्र प्रदेश के पश्चिम गोदावरी जिले में कोवाडांलका गांव के पास हेलिकाप्टर दुर्घटना में निधन। 4. विश्व हिंदू परिषद मंदिर निर्माण को टालने के लिये तैयार लेकिन 15 मार्च से शिलाओं को अयोध्या ले जाने के लिये अड़ी; गुजरात में हिंसा थमी लेकिन लूटपाट जारी; गुजरात दंगो में मरने वालों की संख्या 518 हुई। 5. विश्व हिंदू परिषद और साधु संत अदालती फैसले तक रुकने के लिये तैयार लेकिन गैर विवादित भूमि बिना शर्त सौंपने की मांग रखी। 6. राज्यपाल ने उत्तर प्रदेश में राष्ट्रपति शासन लगाने की सिफारिश की; लखनऊ में सपा विधायक की राजभवन के सामने दिन दहाड़े गोली मार कर हत्या की; उच्चतम न्यायालय ने बुकर पुरस्कार विजेता अंरुधति राय को न्यायालय की अवमानना के मामले में एक दिन की कैद व 2 हजार रुपये का जुर्माना किया। 7. विश्व हिंदू परिषद ने कहा कि वह अदालत के फैसले को मानेगी; विपक्ष संसद को चलाने के लिये तैयार; केंद्रीय मंत्रिमंडल ने उत्तर प्रदेश में राष्ट्रपति शासन लगाने की स्वीकृत दी। 8. गुजरात की स्थिति को देखने के लिये संसदीय दल गोधरा पंहुचा; उत्तर प्रदेश में राष्ट्रपति शासन लागू। 9. उत्तर प्रदेश सरकार ने केंद्र से सेना को सतर्क रखने को कहा। 10. अयोध्या मसले पर टकराव के आसार, प्रधानमंत्री ने आपात बैठक बुलाई। 11. अयोध्या में भूमि पूजन कार्यक्रम रद्द किया गया अब 15 मार्च को केवल शिलादान की घोषणा।। 2. अयोध्या मामले पर सारी निगाहें उच्चतम न्यायालय पर, उत्तर प्रदेश के

राज्यपाल विष्णुकांत शास्त्री ने कहा कि अयोध्या में प्रस्तावित भूमि पूजन के संदर्भ में उच्चतम न्यायालय के निर्देशो पर राज्य प्रशासन सख्ती से निपटेगा; समूचे उत्तर प्रदेश में धारा 144 लागू, अयोध्या में प्रवेश पर रोक लगी। 13. अयोध्या में अविवादित भूमि पर सांकेतिक पूजा करने की अनुमति देने की केंद्र सरकार के आग्रह को उच्चतम न्यायालय ने ठुकराया; रा.ज.ग. के अन्य सदस्य केंद्र सरकार पर जम कर वरसे। 14. लखनऊ में सेना में भर्ती के समय सेप्टिक टैंक की छत ढ़हने से 23 युवक मरे। 15. एक पखवाड़े के तनाव के बाद अयोध्या में विश्व हिंदू परिषद और राम जन्म भूमि न्यास का शिलादान कार्यक्रम अधिग्रहित स्थल से दो किलोमीटर दूर शांतिपूर्वक संपन्न हुआ; नरसिम्हा राव व बूटा सिंह झारखंड मुक्ति मोर्चा सांसद रिश्वत मामले में वरी किये गये; उच्चतम न्यायालय ने पूर्व पर्यावरण मंत्री कमलनाथ हिमाचल प्रदेश में कुल्लू मनाली के पास ब्यास नदी के किनारे पर्यावरण बिगाड़ने का दोषी ठहरा कर 10 लाख रुपये का जुर्माना किया। 16. उड़ीसा विधानसभा पर विश्व हिंदू परिषद और वजरंग दल का हमला, वेरोकटोक तोड़फोड़ की और पुलिस वाहनों को आग लगाई गई; गैस सिलेंडरो की कीमत में 20 रुपये की कमी की घोषणा। 17. कांग्रेस के वरिष्ठ नेता नटवर सिंह की बहू नताशा सिंह होटेल हयात रीजेसी में रहस्मय परिस्थिति में मृत पाई गईं; गोधरा कांड का मुख्य अभियुक्त हाजी विलाल पकड़ा गया। 19. गुजरात के मोड़ासा शहर में हिंसा के वाद कर्फ्यू लगाया गया; केंद्र का अयोध्या मामले में पक्ष वनने से इंकार; एयर मार्शल मंजीत सिंह सेखों ने त्यागपत्र दिया। 20. नेपाल के प्रधानमंत्री देउवा छः दिन की भारत यात्रा पर नई दिल्ली पंहुचे; राम जन्म भूमि मामले की रोजाना सुनवाई के आदेश 21. विवादास्पद आतंकवाद निवारण विधेयक (पोटो) राज्य सभा में नामंजूर हुआ। 22. गुजरात में गोधरा कांड में गिरफ्तार लोगों पर से पोटो हटाया गया; गुजरात में छुटपुट हिंसा जारी बड़ोदरा में तीन की हत्या। 24 दिल्ली नगर निगम चुनाव में मतदान शांतिपूर्ण, मतदान 42% रहा; तमिलनाडु में द्रुमुक ने राजग से संबध तोड़ा; हरकिशन सिंह सुरजीत चौथी वार माकपा. के महासचिव बने। 26. सयुक्त सत्र में विवादास्पद विधेयक पोटो पारित; यासीन मलिक पुलिस रिमांड पर हुर्रियत दफ्तर की तलाशी 27. दिल्ली नगर निगम चुनावों में भा.ज.पा का सफाया कांग्रेस का कब्जा; लालू प्रसाद यादव, शत्रुघन सिन्हा, जनार्दन पुजारी आदि नेता राज्यसभा चुनाव जीते। 28. पासपोर्ट वनवाने का खर्चा 300 रुपये से बढ़ाकर 1000 रुपये किया गया; पेट्रोल एवं डीजल की कीमत को सरकारी नियंत्रण से मुक्त करने की अधिसूचना जारी; अहमदावाद में दुवारा हिसा भड़कने पर सेना को वुलाना पड़ा। 30. जम्मू में प्रसिद्ध रघुनाथ मंदिर पर आतंकवादी हमले में दो आतंकवादी समेत 10 मरे; गुजरात के मेहसाणा कस्वे में हिंसा कर्फ्यू लगाया गया। 31. सरकार ने निर्यात पर समस्त मात्रात्मक और प्रक्रियात्मक वाधायें हटाने की घोषणा की; गुजरात में अहमदावाद समेत अनेक जगहों पर हिंसा जारी, सात और मारे गये; वेंकटचलैया आयोग ने सरकार को रिपोर्ट सौंपी।

अप्रैल 1. राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग ने गुजरात में दंगों के लिये सरकार को दोषी पाया, गंभीर मामलों की जांच कराने के लिये सी.बी.आई. जांच की सिफारिश की। 2. संविधान समीक्षा आयोग की रिपोर्ट सार्वजनिक वहस के लिये जारी; राष्ट्रपति की स्वीकृत के साथ आतंकवाद निरोधक विधेयक (पोटो) देश भर में प्रभावी हुआ। 3. अहमदावाद में साम्प्रदायिक हिंसा में उग्र भीड़ ने पांच लोगों को जिंदा जलाया; पश्चिम बंगाल के उत्तर चौवीस परगाना व नदिया जिले में भंयकर तूफान से 9 लोग मरे। 4. गुजरात दौरे पर प्रधानमंत्री अटल विहारी वाजपेई ने मुख्यमंत्री नरेंद मोदी को कहा कि राज्य में हिंसा की तुरंत समाप्ति होनी चाहिये। 5. उच्चतम न्यायालय ने दिल्ली में डीजल वसों के सी.एन.जी. में वदले जाने की समय सीमा वढ़ाने से इंकार; देश द्रोह के मामले में गिरफ्तार आतंकवादी अल कायदा के कथित सदस्य मुहम्मद अफरोज अब्दुल रज्जाक को जमानत। 6. प्रधानमंत्री वाजपेई सिंगापुर व कंवोडिया की राजकीय यात्रा पर। 7. भा.ज.पा. की युवा इकाई ने मेधापटकर से धक्कामुक्की की और पुलिस ने कवर कर रहे पत्रकारों की जवरदस्त पिटाई की। 8. जम्मू काश्मीर के उधमपुर जिले की रियासी तहसील में आतंकवादियो ने गोली मार कर 7 लोगों की हत्या की। 9. राजधानी दिल्ली में परिवहन संकट को लेकर केंद्र सरकार ने कहा कि परिवहन राज्य सरकार का मामला है; संपूर्ण विपक्ष की गुजरात के मुख्यमंत्री नरेंद्र मोदी को वर्खास्त करने की मांग। 10. महाराष्ट्र में ठाणे में साम्प्रदायिक हिंसा के भड़कने स तीन की मौत। 11. तेलगु देशम पार्टी ने गुजरात के मुख्यमंत्री नरेंद्र मोदी को हटाने की मांग की; प्रधानमंत्री अटल विहारी वाजपेई ने लिट्टे पर प्रतिबंध को हटाने से इंकार करते हुए किसी प्रकार की मध्यस्थता से भी इंकार किया। 12. गोवा में पणजी में भा.ज.पा. की राष्ट्रीय कार्यकारिणी ने गुजरात में चुनाव कराने का निर्देश दिया। 13. गुजरात के मुख्यमंत्री नरेंद्र मोदी को तेलगु देशम की हटाने की मांग भा.ज.पा. को अस्वीकार। 14. अहमदावाद में हिंसक भीड़ को तितर वतर करने में पुलिस द्वारा चलाई गई गोली से 3 मरे व 4 घायल। 15. संसद में तेलगु देशम ने विपक्ष के साथ गुजरात के मुख्यमंत्री नरेंद्र मोदी को हटाने की मांग की; अहमदावाद के एक और इलाके में हिंसा भड़कने से पुलिस की फायरिंग में एक घायल। 16. संसद में गुजरात के मुख्यमंत्री को हटाये जाने के मामले पर दूसरे दिन भी काम नहीं हुआ; जनता दल यू ने गुजरात में राष्ट्रपति शासन लगाये जाने की मांग की; सरकारी उपक्रमों में हड़ताल, कामकाज पर असर पड़ा। 17. तेलगु देशम के अध्यक्ष चंद्रवावू नायडू ने कहा कि राष्ट्रहित में गुजरात के मुख्य मंत्री नरेंद्र मोदी को हटाना जरूरी; तमिलनाडु की मुख्यमंत्री जयललिता ने भी मोदी को हटाये जाने की मांग की। 19. गुजरात से सेना के हटाये जाने का मुस्लिमों ने विरोध किया; पंजाव लोक सेवा आयोग के पूर्व अध्यक्ष रविंद्र पाल सिंह सिद्धु के संवधियों के लाकरों से 8 करड़ रुपये वरामद, अव तक इस मामले में 25 करोड़ रुपये की संपत्ति का पता चला; उच्चतम न्यायालय ने पूर्व प्रधानमंत्री चद्रशेखर को निर्देश दिया कि वह राजधानी के निकट अपने आश्रम के निकट की 51 एकड़ जमीन द

महीने के अंदर वापस करें। 20. सचिन तेंदुलकर ने वेस्ट इंडीज के विरुद्ध 29 वां शतक बना कर ब्रैडमैन की बराबरी की; भा.जपा. गुजरात मामले में मतदान के प्रावधान वाले नियम पर चर्चा को तैयार नहीं। 21. गुजरात में एक बार फिर से बड़े पैमाने पर हिंसा, 13 मरे 100 घायल। 22. अहमदाबाद में पुलिस फायरिंग में 6 लोग मारे गये; नोयडा की झुग्गी बस्ती में भीषण आग से सात मरे और 12 घायल। 23. गुजरात के मामले को लेकर लोक सभा के उपाध्यक्ष ने नियम 184 के अंतर्गत बहस की अनुमति दी। 24. भारत ने क्वींस पार्क में वेस्ट इंडीज को दूसरे टेस्ट मैच में 37 रनों से हराया; राज्य सभा में गुजरात के मामले को लेकर 2 मई को बहस होगी। 26. वित्त मंत्री यशवंत सिन्हा ने बजट में रियायतों की घोषणा की; युनान के पास पंजाब के 25 युवकों की डूबने से मौत। 27. भा.ज.पा. ने उत्तर प्रदेश में मायावती के नेतृत्व में सरकार बनाने का फैसला लिया। 28. अजित सिंह ने मायावती सरकार के समर्थन में अपना पत्र प्रधानमंत्री वाजपेई को दिया; अहमदाबाद में शांति मार्च के बीच हिंसा मे 6 मरे। 29. कोयला मंत्री रामविलास पासवान ने त्यागपत्र दिया और सरकार के विपक्ष में मतदान देने का फैसला किया। 30. गुजरात मसले पर विपक्ष के साथ सहयोगी दलों ने भी सरकार को घेरा।

मई 2. उच्चतम न्यायालय ने के फैसले के अनुसार प्रत्याशी को जनता को अपना अतीत बतलाना आवश्यक होगा; शिरडी जा रही एक बस के पलटने से उसके डीजल टैंकर में आग लगने से तैंतीस यात्री मरे एवं छब्बीस घायल। 3. उत्तर प्रदेश में मायावती के नेतृत्व में 23 सदस्यीय मंत्रिमंडल के शपथ लेने के साथ ही वे तीसरी बार महिला मुख्यमंत्री बनीं; भारतीय वायु सेना का एक मिग विमान जालंधर के सेंट्रल जेल के पास एक बैंक की इमारत पर गिरा, 8 मरे 16 घायल, दोनों पायलट सुरक्षित। 4. तेलगु देशम पार्टी ने लोकसभा के स्पीकर पद के लिये दावेदारी से इंकार किया; पंजाब के पूर्व पुलिस महा निदेशक के.पी.एस. गिल गुजरात के मुख्यमंत्री नरेंद्र मोदी के सुरक्षा सलाहकार बने। 5. अहमदाबाद में एक बार फिर से हिंसा भड़कने से 7 मरे। 6. गुजरात मामले पर राज्य सभा में विपक्ष का निंदा प्रस्ताव भारी हंगामें के बीच पारित; न्यायमूर्ति भूपिंदर नाथ किरपाल नये मुख्य न्यायधीश बने। 7. गुजरात की हिंसा को काबू में करने के लिये मुख्यमंत्री के सलाहकार पंजाब पुलिस के पूर्व महानिदेशक के.पी.एस. गिल ने पंजाब के कमांडो मांगे; पोटो के खिलाफ झारखंड में भारी हिंसा, 15 पुलिसकर्मी मारे गये। 8. शिव सेना के नेता और भारी उद्योग मंत्री मनोहर जोशी लोक सभा के नये अध्यक्ष होंगे। 9. उच्चतम न्यायालय ने एक सरकारी समिति को सी.एन.जी. की कीमतें बढ़ाये जाने की जांच के आदेश दिये; कांग्रेस के वरिष्ठ नेता नटवर सिंह की बेटी ऋतु सिंह ने फांसी लगाकर आत्महत्या की; दिल्ली में निजामुद्दीन के पास पुलिस मुठभेड़ में दो पाकिस्तानी आतंकवादी मारे गये; पंजाब ने गुजरात को पुलिस दल देने से इंकार किया। 10. अहमदाबाद में साम्प्रदायिक हिंसा जारी, पुलिस आयुक्त पी.सी. पांडे का तबादला किया गया; मनोहर जोशी सर्वसम्मति से लोक सभा अध्यक्ष निर्वाचित। 11. राम जन्म भूमि न्यास के प्रमुख न्यासी महंत बाबा धरम दास ने विश्व हिंदू परिषद पर दो करोड़ रुपये की हेराफेरी का आरोप लगाया। 12. नई दिल्ली से पटना जा रही श्रमजीवी एक्सप्रेस के जौनपुर के पास पटरी से उतर जाने से हुई दुर्घटना में 12 मरे व 100 घायल। 13. फ्लेक्स उद्योग और वित्त मंत्री यशवंत सिन्हा के संबंधो पर संसद में हंगामा। 14. जम्मू काश्मीर में आतंकवादियों के आत्मघाती हमले में 30 लोग मारे गये इनमें अधिकतर सैनिकों के परिवार वाले और एक बस के यात्री थे; केंद्रीय मंत्रिमंडल की विनिवेश संबधी समिति ने मारुति उद्योग लिमिटेड में सरकारी की हिस्सेदारी कम करने और कंपनी का प्रबंधन जापान की कंपनी सुजुकी को देने का निर्णय किया। 15. केंद्र व राज्य सरकार ने जम्मू काश्मीर में हुए फियादीनी हमले में पाकिस्तान का हाथ बताया; वित्तमंत्री सिन्हा ने कहा कि फ्लेक्सकंपनी ने प्रचार सामग्री छापी लेकिन उसका भुगतान किया गया। 17. उत्तर प्रदेश में मायावती सरकार ने सदन में बहुमत सिद्ध किया। 18. जम्मू नरसंहार के बाद भारत ने राजनैयिक दबाव बढ़ाने के लिये पाकिस्तान से कहा कि वो नई दिल्ली में अपने उच्चायुक्त अशरफ जहांगीर काजी को भारत से एक सप्ताह के अंदर वापस बुलायें। 19. सुरक्षा समिति की बैठक में अर्ध सैनिक बलों की कमान सेना को सौंपने का फैसला किया गया; अमृतसर में छह अकाली कार्यकर्ताओं की हत्या। 20. सीमा पर गोलाबारी में पाक को करारा जवाब, भारत ने कई चौकियां तबाह की व 6 पाक सैनिको को हताहत कर दिया। 21. हुर्रियत कांफ्रेंस के वरिष्ठ नेता अब्दुल गनी लोन की कुछ अज्ञात आतंकवादियों ने गोली मार कर हत्या कर दी; तीनों सेनायें किसी भी स्थिति से निपटने के लिये तैयार; सीमा पर गोलाबारी जारी, पाक के कई और बंकर ध्वस्त। 22. प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई देश के जवानों को आव्हान करते हुए कहा कि निर्णायक लड़ाई का वक्त आ गया है। 23. प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई ने कहा कि शायद युद्ध न हो। 24. आगरा की एक जूता फैक्ट्री में आग लगने से 43 मरे अनेक शव और बरामद होने की आशंका। 25. उत्तर प्रदेश के बहराइच जिले में बारात लेकर लौट रही एक बस पर बिजली का हाई टैंशन तार गिरने से लगी आग में 63 मरे। 27. भारत की जवाबी गोलाबारी में 11 पाक सैनिक मारे गये। 28. ब्रिटेन के विदेश मंत्री जेक स्ट्रा नई दिल्ली पंहुचे। 30. पाकिस्तान ने परमाणु हमले की धमकी दी; मेहसाणा और बड़ोदरा में हिंसा भड़की, दो मरे। 31. भारत के प्रमुख तेज गेंदबाज श्रीनाथ ने टेस्ट क्रिकेट से सन्यास लेने की घोषणा की; हरियाणा में जारी किसानों के आंदोलन में जींद में भड़की हिंसा को रोकने में पुलिस गोलीबारी में 4 मारे गये।

जून 1. पाकिस्तान स्थित भारतीय उच्चायोग में कार्यरत भारतीय कर्मचारी कुलवंत सिंह को आई.एस.आई. ने अगवा कर मारपीट की; गोवा में भा.ज.पा. को सफलता मिली। 2. रक्षामंत्री जार्ज फर्नान्डीज ने कहा कि तनाव के बावजूद भारत पहले आक्रमण नहीं करेगा; गोवा में भा.ज.पा. गठबंधन की सरकार। 3. पेट्रोल डीजल की कीमतों में बढ़ोत्तरी; प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई ने विश्व समुदाय से

आतंकवाद के विरुद्ध मोर्चाबंद होने का आव्हान किया; महाराष्ट्र सरकार अल्पमत में। 4. भारतीय उच्चायोग के घायल कर्मचारी कुलवंत सिंह को पाकिस्तानी पुलिस ने सड़क मार्ग द्वारा भारत आने से रोका; पूर्वोत्तर रेलवे के इजजितनगर मंडल में कानपुर कासगंज मीटर गेज पर ट्रेन और बस की टक्कर में 37 मरे। 6. भारत ने काश्मीर में नियंत्रण रेखा पर पाकिस्तान के संयुक्त गश्त पर जोर दिया। 9 हुर्रियत कांफ्रेस के पूर्व प्रमुखसैयद अली शाह जिलानी पोटा के तहत गिरफ्तार; अहमदाबाद में दुबारा भड़की हिंसा मे एक मरा 22 घायल। 10 भारत ने घोषणा की कि भारतीय नभक्षेत्र पर पाकिस्तान के विमानों पर लगी रोक को हटा लिया गया है; प्रख्यात वैज्ञानिक भारत रत्न डा. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम को रा.ज.गा. ने राष्ट्रपति पद के लिये प्रत्याशी बनाया। 12. केंद्रीय गृह मंत्री लाल कृष्ण अडवाणी ने कहा कि पाकिस्तान को भारत को विश्वास में लेने के लिये अनेक कदम उठाने होंगे। 13. कांग्रेस पार्टी ने डा. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम को समर्थन देने का निर्णय लियाऽ महाराष्ट्र में विलासराव देशमुख सरकार के पक्ष में विश्वास मत पारित। 14. वाम मोर्चे ने कैप्टेन लक्ष्मी सहगल को राष्ट्रपति पद के लिये उम्मीदवार बनाया। 15. वित्त मंत्री यशवंत सिन्हा ने कहा कि बैंक ऋण न चुकाने वालों के लिये सख्ती का कानून बनेगा; जम्मू काश्मीर के मुख्य मंत्री फारूख अब्दुल्ला एक हमले में बाल-बाल बचे। 16. जम्मू काश्मीर के उधमपुर जिले में एक गाव में एक ही परिवार के पांच लोगों की हत्या। 17. भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव और कम हुआ; हरियाणा में किसान आंदोलन समाप्त। 18. डा. ए.पी.जे. कलाम के पक्ष में वाम दलों को छोड़ कर समस्त दलों ने नामांकन पत्र भरे। 19. सीमा पर अमरीकी सेसंर लगाये जायेंगें; मणिपुर में 11 विपक्ष के विधायक कांग्रेस में शामिल। 20. रक्षा मंत्री जार्ज फर्नान्डीज ने कहा कि घुसपैठ लगभग समाप्त लेकिन सेना की वापसी अभी नहीं; वी.आर.एस. से होने वाली आय कर मुक्त होगी। 21. कैप्टेन लक्ष्मी सहगल ने राष्ट्रपति पद के लिये नामांकन पत्र भरा। 22. विश्व हिंदू परिषद ने अयोध्या पर अदालत का फैसला मानने से इंकार किया। 23. जम्मू काश्मीर में नेशनल कांफ्रेस ने स्वायत्ता मुद्दा फिर उठाया; पर्यटन मंत्रालय के अनुरोध को ठुकराते रक्षा मंत्रालय ने लालकिले से सेना हटाने को मना किया। 24. सासंद विनय कटियार उत्तर प्रदेश भ.ज.पा. के अध्यक्ष नियुक्त किये गये। 25. प्रिंट मीडिया में विदेशी निवेश को मंजूरी दी गई; भारत की विशालतम पेट्रोकेमिकल कंपनी रिलायंस के अध्यक्ष धीरू भाई अंबानी को ब्रेन स्ट्रोक, स्थिति नाजुक। 26. तहलका पोर्टल के दो ठिकानों पर सी.बी.आई. का छापा; अमरीका के अनुसार काश्मीर में अल कायदा सक्रिय। 27. काश्मीर में तीन स्थानों परर आतंकवादियों के हमले में तीन सुरक्षाकर्मियों सहित पांच गड़रियों की हत्या व 22 घायल; कर्नाटक में मंत्रिमंडल में परिवर्तन, 9 नये मंत्री शामिल। 29. लालकृष्ण अडवाणी उपप्रधानमंत्री बनाये गये; चार नई जन शताब्दी एक्सप्रेस चलाने का फैसला। 30. ब्राजील ने जर्मनी को हराकर फुटबाल का वर्ल्ड कप जीता।

जुलाई 1. मंत्रिमंडल में फेरबदल सिने अभिनेता शत्रुघन सिन्हा कैबिनेट व विनोद खन्ना राज्य मंत्री बने। 4. दूरसंचार नियामक ने वायरलेस इन लोकल लूप (विल) के किराये को 450 रुपये से कम करके 200 रुपये किया। 5. पूर्व केंद्रीय मंत्री सुखराम को अदालत ने भ्रष्टाचार के जुर्म में तीन वर्ष की कड़ी कैद की सजा दी। 6. रिलायंस इंडस्ट्रीज के प्रमुख धीरूभाई अंबानी का निधन। 7. रिलायंस इंडस्ट्रीज के प्रमुख धीरूभाई अंबानी का अंतिम संस्कार। 8. विधानमंडल व संसदीय चुनावों को लड़ने वाले उम्मीदवारों के लिये अपराधिक रिकार्ड, शिक्षा, संपत्ति और देनदारी का ब्यौरा सार्वजनिक करने के चुनाव आयोग की अधिसूचना के बाद सभी राजनीतिक दलों का विरोध; राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों की ज्यूरी से अमोल पालेकर की जगह केरल के फिल्मकार के.एस सेतुमाधवन नये अध्यक्ष बने। 9. तमिलनाडु की मुख्यमंत्री जयललिता ने अपने विरोधियों को कसने के लिये पोटा का इस्तेमाल करने का निश्चय किया; महाराष्ट्र के राज्यपाल पी.सी. एलेक्जेंडर ने त्यागपत्र दिया। 10. प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई ने देश की सभी राजनीतिक पार्टियों से श्रम सुधारों की दिशा में आम राय बनाने की अपील की; केंद्रीय वित्त मंत्री जसवंत सिंह ने करों में राहत देने के लिये अंतरिम बजट लाने से इंकार किया; लिट्टे समर्थक एमडीएमके. नेता वाइको के विरुद्ध पुलिस ने पोटा के तहत वारंट लिया। 11. एमडीएमके. नेता वाइको को चेन्नई में पोटा के तहत गिरफ्तार किया गया। 12. एम.डी.एम.के. नेता वाइको 7 अगस्त तक न्यायियक हिरासत में रखे जायेंगें; भा.ज.पा. ने मदन लाल खुराना को दिल्ली प्रदेश भा.ज.पा. का अध्यक्ष नियुक्त किया। 13. जम्मू शहर के बाहरी इलाके में उग्रवादियों ने एक बस्ती पर हमला करके कम से कम 25 लोगों को मार डाला; भारत ने एक दिवसीय त्रिकोणीय श्रृंखला में इंगलैंड को दो विकेट से हराकर फायनल जीत लिया। 14. जम्मू शहर के बाहरी इलाके में उग्रवादियों ने एक बस्ती पर हमले के बाद स्थिति का जायजा लेने गये उपप्रधानमंत्री अडवाणी व मुख्यमंत्री फारूख अब्दुल्ला को भीड़ के गुस्से का शिकार होना पड़ा। 15. राष्ट्रपति चुनाव में 90% मतदान; भा.ज.पा. ने पोटा कानून में संशोधन की मांग उठाई। 16. वित्त मंत्री जसवंत सिंह कर में राहत देने को राजी; उप प्रधानमंत्री अडवाणी ने कहा कि काश्मीर का विभाजन मंजूर नहीं। 17. राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री भैरोसिंह शेखावत उपराष्ट्रपति पद के लिये रा.ज.ग. के प्रत्याशी। 18. डा. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम देश के नये राष्ट्रपति निर्वाचित; जम्मू काश्मीर के बनिहाल में जो अमरनाथ यात्रा के बीच में आता है में एक मुठभेड़ में तीन आतंकवादी मारे गये; रा.ज.ग. के भैरोसिंह शेखावत ने और विपक्ष के उम्मीदवार सुशील कुमार शिंदे ने उपराष्ट्रपति पद के चुनाव के लिये अपना नामांकन पत्र भरा। 19. गुजरात के राज्यपाल सुंदर सिंह भंडारी ने मोदी सरकार का इस्तीफा स्वीकार करते हुए विधान सभा भंग कर दी। 20. पोटा के तहत बंद जम्मू लिबरेशन फ्रंट के अध्यक्ष मोहम्मद यासीन मलिक को विशेष अदालत द्वारा जमानत पर रिहा करने के तुरंत बाद फिर से गिरफ्तार कर लिया गया; निदेशक निर्माता विजय आनंद ने सेंसर बोर्ड के अध्यक्ष पद से त्यागपत्र दिया। 21. तृणमूल कांग्रेस की

अध्यक्ष ममता बनर्जी ने कहा कि अगर केंद्र सरकार पूर्वी रेलवे के विभाजन का फैसला वापस नहीं लेती तो तीन दिन बंगाल बंद रहेगा। 22. विपक्ष ने गुजरात में राष्ट्रपति शासन लगाने की मांग को लेकर संसद की कार्रवाई ठप की; प्रधानमंत्री के आश्वासन पर ममता बनर्जी ने बंगाल बंद का आव्हान वापस लिया। 23. उप प्रधानमंत्री अडवाणी ने गुजरात में राष्ट्रपति शासन लगाने से इंकार किया; विजडन ने कपिल देव को सदी का सर्वश्रेष्ठ भारतीय क्रिकेटर घोषित किया। 24. झारखंड बंद के दौरान हिंसा से 5 मरे डोमिसाइल नीति के समर्थकों ने राज्य में भारी तोड़ फोड़ की। 25. एक भव्य समारोह मे डा. ए.पी.जे. अबुल कलाम ने राष्ट्रपति पद की शपथ ग्रहण की। उन्होंने भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का संकल्प लिया। 26. राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार घोषित, तब्बू व शोभना को सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का पुरस्कार व मलयालम अभिनेता मुरली को सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का पुरस्कार, फिल्म लगान को सर्वश्रेष्ठ मनोरंजन फिल्म का पुरस्कार; राष्ट्रपति शपथ ग्रहण पुरस्कार में न बुलाये जाने पर तमिलनाडु की मुख्यमंत्री जयललिता ने नाराजगी प्रगट की। 27. उपराष्ट्रपति कृष्णकांत का दिल का दौरा पड़ने से निधन; केरल में कुमरकम में मोहम्मा से आ रही राजकीय जल परिवहन की एक नौका वेंबनाड झील में डूब जाने से 29 मरे। 28. उपराष्ट्रपति कृष्णकांत का अंतिम संस्कार राजकीय सम्मान के साथ; राष्ट्रपति शपथ समारोह में जयललिता को न बुलाये जाने पर उपप्रधानमंत्री आड़वाणी ने अफसोस जताया। 29. मंत्रिमंडल ने रेलवे के नये जोन के फैसले पर सहमति प्रकट की। 30. तृणमूल कांग्रेस की अध्यक्ष ममता बनर्जी ने रेलवे जोन के मामले पर कड़ी आपत्ति की; आतंकवादियों ने अमरनाथ यात्रा पर जा रही एक कार पर ग्रेनेड से हमला किया दो मरे चार घायल। 31. देश के बड़े सूखाग्रस्त क्षेत्र को देखते हुए सरकार ने छोटे और मंझौले किसानों के 50,000 रुपये के ऋण माफ करने की घोषणा की।

अगस्त 1. उपप्रधानमंत्री अडवाणी ने कहा कि काश्मीर आंतरिक मामला है और विदेशी पर्यवेक्षकों को चुनाव की निगरानी करने की इजाजत नहीं दी जायेगी; तमिलनाडु में ए.डी.एम.के. नेता पी. नेदुमारन पोटा के तहत गिरफ्तार। 2. काश्मीर में चुनाव 16 सितंबर से 8 अक्टूबर के बीच कराये जायेंगें। 3. राष्ट्रमंडल खेलों में मुक्केबाजी व महिला हाकी में भारत को पहली बार स्वर्ण पदक। 5. विपक्ष ने पेट्रोलियम मंत्री राम नायक के त्यागपत्र की मांग को लेकर संसद नहीं चलने दी। 7. दिल्ली पुलिस ने शिवानी भटनागर हत्याकांड में वांछित भारतीय पुलिस सेवा के अधिकारी रविकांत शर्मा समेत दो अभियुक्तों की गिरफ्तारी पर पचास हजार रुपये का इनाम रखा; इलाहाबाद शहर के विधायक और अपना दल के अध्यक्ष अतीक अहमद पर जिला कचहरी में बम से बमला, बाल-बाल बचे। 9. गुजरात में दंगा पीड़ितो ने चुनाव आयोग से चुनाव जल्दी न कराये जो की अपील की 10. हुर्रियत कांफ्रेंस चुनावों में भाग नहीं लेगी लेकिन चुनाव के बहिष्कार की अपील नहीं करेगी। 11. निर्वाचन आयोग ने कहा कि गुजरात में हालात पूरी तरह से समान्य नहीं हैं; उत्तरांचल अनेक जगह भारी वर्षा व बादल फटने से 34 मरे। 12. गुजरात गये राष्ट्ररपति डा. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम ने कहा कि पुनर्वास में तेजी लाई जाये; भैरो सिंह शेखावत भारत के उपराष्ट्रपति निर्वाचित। 13. ममता बनर्जी ने रा.ज.ग. से संबध तोड़ा। 14. स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर राष्ट्र को संबोधित 15. स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर लाल किले की प्राचीर से प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई ने कहा कि अतीत को भूल कर सुधार लाना है; शिवानी हत्याकांड के आरोपी आई.पी.एस. रविकांत की पत्नी नें आरोप लगाया कि शिवानी की हत्या संचार मंत्री प्रमोद महाजन के कहने पर हुई थी। 16. चुनाव आयोग ने गुजरात में वर्तमान में चुनाव न कराने की घोषणा की, निर्वाचन संबधी फैसला नवंबर या दिसंबर में लिया जायेगा। 17. मध्य प्रदेश सरकार ने सती कांड के दोषी गांव की दो साल तक सरकारी सहायता बंद की। 18. केंद्र सरकार गुजरात में चुनाव न कराने के फैसले के बारे में राष्ट्रपति के जरिये सुप्रीम कोर्ट की राय मांगेगी। 19. निर्वाचन आयोग और सरकार ने फैसला लिया कि काश्मीर चुनाव में कोई फेर-बदल नहीं किया जायेगा; श्री भैरों सिंह शेखावत ने उपराष्ट्रपति पद की शपथ ली। 20. राष्ट्रपति डा. ए.पी.जे. कलाम ने गुजरात चुनाव मामले में निर्वाचन आयोग और सरकार के बीच उत्पन्न मतभेद का मामला उच्चतम न्यायालय को सौंप दिया; त्रिपुरा में आतंकवादियों के हमले में 20 जवान मारे गये 4 घायल। 21. जम्मू काश्मीर में चुनाव प्रक्रिया प्रारंभ। 22. दक्षेस देशों के मंत्री भारत पाकिस्तान में तनाव के बावजूद पाकिस्तान में दक्षेस का सम्मेलन कराने पर सहमत। 23. राष्ट्रपति ने चुनाव सुधार अध्यादेश पर सरकार से सफाई मांगी; सचिन तेंदुलकर ने आस्ट्रेलिया के महान बल्लेबाज डान ब्रैड मैन के 29 शतक के कीर्तिमान को तोड़ते हुए 30वां शतक बनाया। 24. केंद्र सरकार ने चुनाव सुधार अध्यादेश को मौजूदा स्वरूप में ही जारी करने की गुजारिश की; ऊर्जा मंत्री सुरेश प्रभु का त्यागपत्र मंजूर। 25. राष्ट्रपति ने मंत्रिमंडल के फैसले को मानते हुए चुनाव सुधार अध्यादेश को मंजूरी देदी; कुख्यात तस्कर वीरप्पन ने कर्नाटक के पूर्व मंत्री एच. नागप्पा का अपहरण किया। 26. भारत ने इंग्लैंड के विरुद्ध तीसरे टेस्ट मैच में एक पारी और 46 रन से ऐतिहासिक जीत दर्ज की; उच्चतम न्यायालय ने गुजरात चुनाव के मामले में केंद्र, राज्य सरकारों और चुनाव आयोग समेत छह दलों को नोटिस जारी किया; मंत्रिमंडल में फेरबदल, अनंत गीटे कैबिनेट मंत्री और दो नये मंत्री शामिल किये गये। 27. दिल्ली के पार्षद आत्मा राम की हत्या महिला पार्षद शारदा जैन ने कराई थी, गिरफ्तार; तमिलनाडु की मुख्यमंत्री जयललिता ने कावेरी बैठक से वाकआउट किया। 28. उच्चतम न्यायालय ने केंद्र सरकार के पेट्रोल पंप के आवंटन को निरस्त करने वाले फैसले पर रोक लगा दी। 29. दिल्ली उच्च न्यायालय ने राजधानी के सभी सरकारी अस्पतालों में कर्मचारियों और डाक्टरों की हड़ताल पर प्रतिबंध लगा दिया। 30. उत्तर प्रदेश की मुख्यमंत्री मायावती ने खेल कालेजों में 50% आरक्षण की व्यवस्था को रद्द कर दिया। 31. जन्माष्टमी के अवसर पर दिल्ली के एक मंदिर में आग लग जाने से पांच

बच्चे मरे; बीमार यूटी.आई को बचाने के लिये सरकार अनेक कदम उठायेगी।

सितंबर 1. सुविख्यात रंगकर्मी कारंत का निधन; गुजरात में भा.ज.पा. ने गौरव यात्रा टाली; जार्ज फनान्डीज समता पार्टी के अध्यक्ष बने। 2. उच्चतम न्यायालय ने स्पष्ट किया कि वह गुजरात चुनाव के संदर्भ में चुनाव आयोग के फैसले में दखल नहीं देगा; कोलकाता के अस्पताल में आक्सीजन की कमी से 9 बच्चे मरे। 3. उच्चतम न्यायालय ने कर्नाटक सरकार को प्रतिदिन तमिलनाडु को 1.25 टी.एम.सी. फुट पानी अपने जलाशय से छोड़ने का निर्देश दिया; गुजरात में भा.ज.पा. की गौरव यात्रा एक और दिन टली। 4. भारत कोलोन में पाकिस्तान हाकी टीम को 3–2 से हराकर दूसरे स्थान पर पंहुच गया; मैगसायसाय पुरस्कार विजेता संदीप पांडे ने पुरस्कार राशि वापस की। 5. सचिन तेंदुलकर ने ओवल में सबसे कम उम्र में 100वां टेस्ट मैच खेलने का गौरव प्राप्त किया 7. हिंदुस्तान पेट्रोलियम व भारत पेट्रोलियम के विनिवेश के मामले को प्रधानमंत्री ने तीन महीने के लिये टाल दिया। 8. हुर्रियत कार्फ्रेस के नेता और राम जेठमलानी की अध्यक्षता वाली काश्मीर कमेटी के बीच वार्ता बढ़ी; तमिलनाडु को पानी में कटौती, जयललिता उच्चतम न्यायालय में जायेंगीं। 9. क्रिकेट बोर्ड और खिलाड़ियों के बीच विवाद समाप्त और भारतीय खिलाड़ी श्रीलंका में चैम्पियन्स ट्राफी में खेलने को राजी। 10. बिहार के औरंगाबाद जिले में रफीगंज स्टेशन के पास हावड़ा से नई दिल्ली आ रही राजधानी एक्सप्रेस दुर्घटनाग्रस्त, 80 शव मिले 250 घायल। 11. जम्मू काश्मीर में कुपवाड़ा के निकट गांव रेडनाग में राज्य के कानून मंत्री मुश्ताक अहमद लोन की उग्रवादियों ने हत्या कर दी; राजधानी हादसे में मृतकों की संख्या 94 हुई। 12. उच्चतम न्यायालय ने माध्यमिक स्कूलों के राष्ट्रीय पाठ्यक्रम प्रारूप 2002 को मंजूरी देदी। 13. संयुक्त राष्ट्रसंघ के 57वें सत्र को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री वाजपेई ने कहा कि पाकिस्तान आतंक को भारत के विरुद्ध राष्ट्रीय नीति के रूप में अमल कर रहा है। 14. काश्मीर मसले पर संयुक्त राष्ट्र के महासचिव कोफी अन्नान की टिप्पणी पर भारत ने अपनी नाराजगी दर्ज की। 16. जम्मू काश्मीर में मतदान के प्रथम चरण में बाधा डालने की तमाम कोशिशों के बावजूद 52% मतदान हुआ। 17. राजधानी दिल्ली में मेट्रो ट्रेन का ट्रायल हुआ, हरी झंडी उपप्रधानमंत्री लालकृष्ण अडवाणी ने दिखाई; उत्तर प्रदेश की मुख्यमंत्री मायावती ने अयोध्या मसले पर नई अधिसूचना जारी करने से इंकार किया। 18. मराठी के प्रसिद्ध लेखक शिवाजी सावंत का निधन; चुनाव आयोग ने गुजरात में चुनाव कराये जाने के मुद्दे पर उच्चतम न्यायालय से अपनी राय न देने की अपील की। 19. कर्नाटक ने एक ग्राम पंचायत सदस्य द्वारा पानी में कूद कर अपनी जान देने के बाद तमिलनाडु को कावेरी नदी का पानी रोका। 20. उच्चतम न्यायालय ने चुनाव सुधार अध्यादेश जारी करने पर अपनी नाराजगी जाहिर की; माफिया सरगना अबु सलेम पुर्तगाल में पकड़ा गया; केंद्र ने कर्नाटक को पानी छोड़ने का निर्देश दिया। 21. प्रधानमंत्री ने कर्नाटक सरकार को तमिलनाडु को प्रतिदिन 9000 क्यूबेक पानी छोड़ने का सख्त निर्देश दिया; पुर्तगाल सरकार अबु सलेम को भारत को सौंपने को राजी; जम्मू काश्मीर में मतदान के पहले खून खराबे में तेजी। 23. कुल्लू मनाली में चट्टानों पर लिखे विज्ञापनों से हुए पर्यावरण के नुकसान के लिये उच्चतम न्यायालय ने हिमाचल सरकार को दोषी मानते हुए एक करोड़ रुपये का जुर्माना किया है; काश्मीर में दूसरे चरण के मतदान के पूर्व हिंसा बढ़ी। 24. गुजरात के गांधीधाम में अक्षरधाम मंदिर में आतंकवादी हमले में 44 मरे अनेक घायल। 25. भारत आई.सीसी. ट्राफी में दक्षिण अफ्रीका को हराकर फायनल में पंहुचा; अक्षरधाम मंदिर पर हमले की कड़ी आलोचना करते हुए प्रधानमंत्री ने शांति बरतने की अपील की। 26. विश्व हिंदू परिषद द्वारा भारत बंद का आंशिक असर। 27. शिवानी हत्या कांड के अभियुक्त आई.जी. रविकांत शर्मा ने अंबाला की अदालत में आत्मसमर्पण किया; गुजरात के गांधीधाम के अक्षरधाम मंदिर पर हमला करने वाले पाक नागरिक थे। 28. बहुजन समाज पार्टी द्वारा आयोजित धिक्कार रैली से लौट रहे लोगों में चारबाग रेलवे स्टेशन पर भगदड़ मच जाने से 16 मरे; अभिनेता सलमान खान की कार से कुचल कर एक मरा चार जख्मी। 29. बंगलौर में कर्नाटक व तमिलनाडु पुलिस के कंमाडो अभियान में कुख्यात आतंकवादी इमाम अली और उसके चार साथी मारे गये; शताब्दी के पहले एशियाई खेल पुसान में प्रारंभ। 30. कोलंबो में आईसी.सी. ट्राफी का मैच दूसरे दिन भी वर्ष के कारण बाधित, भारत व श्रीलंका संयुक्त विजेता घोषित।

अक्टूबर 1. गोवा में दोभाली हवाई अड्डे के दो किलोमीटर दूरी पर नौसेना के दो विमानों के टकरा जाने से चालक दल समेत 16 मरे, अनेक घायल; नई दिल्ली में अंतर्राष्ट्रीय फिल्म समारोह का शुभारंभ स्वर साम्राज्ञी लता मंगेष्कर ने किया; जम्मू काश्मीर के विधानसभा के चुनाव के तीसरे चरण में 41% मतदान हुआ। 2. तीसरे चरण का चुनाव बीतने के बाद जम्मू से वैष्णों देवी जा रही बस में बम विस्फोट से दो लोग मारे गये 21 जख्मी। 3. पश्चिम बंगाल में उत्तरी दिनाजपुर गांव में बंगला देश की सीमा से दो विमानों ने दो बोरे गिराये। 4. उच्चतम न्यायालय ने कर्नाटक से तमिलनाडु को प्रतिदिन पानी देने को कहा। 5. प्रधानमंत्री ने अगले दस वर्षों में प्रति व्यक्ति आय दुगनी और आठ प्रतिशत वार्षिक विकास दर के तात्कालिक लक्ष्यों की प्राप्ति के लिये अपनी सरकार के एजेंडे को सख्ती से लागू करने को कहा। 6. तमिलनाडु में धर्मांतरण संबधी अध्यादेश को मंजूरी; कावेरी नदी के मुद्दे पर कर्नाटक व तमिलनाडु में अदालती तनाव। 7. सिने अभिनेता सलमान खान तीन दिन की पुलिस हिरासत में। 8. जम्मू काश्मीर के चुनावों के चौथे चरण में अति संवेदनशील डोडा जिले में आतंकवादियों द्वारा कई मतदान केंद्रो पर हमले के बावजूद 52% मतदान। 9. कावेरी मुद्दे को लेकर तमिलनाडु में हड़ताल का व्यापक असर। 10. जम्मू काश्मीर चुनावों के नतीजे आये नेशनल कांफ्रेस को भारी झटका कांग्रेस को 20 सीटे व पी.डी.पी. को 16 सीटें मिलीं। 11. गुजराती और हिंदी की वयोवृद्धि अभिनेत्री दीना पाठक का 82 वर्ष की आयु में निधन। 12.

बस को बम से उड़ा कर एक मेजर समेत 6 सैनिक, तीन महिलायें दो बच्चों और नागरिक ड्राइवर की मौत हो गई; न्यायमूर्ति के. वेंकटस्वामी ने तहलका जांच आयोग और वित्तीयसमिति के पद से त्यागपत्र दिया 24. जम्मू के रघुनाथ मंदिर पर आतंकवादी हमला, तीन घंटे तक चली मुठभेड़ में सुरक्षा बलों ने हमलावरों को मार गिराया, हमले में 12 मरे व 50 घायल हुए; विजयवाड़ा में वेस्टइंडीज ने भारत को 135 रनों से हराकर एकदिवसीय श्रृंखला 4–3 से जीत ली; केंद्र सरकार ने न्यायमुर्ति के. वेंकटस्वामी का तहलका जांच आयोग ओर उत्पाद एवं सीमा शुल्क अग्रिम निर्देश प्राधिकार के अध्यक्ष पद से त्यागपत्र मंजूर कर लिये। 25.जम्मू में रघुनाथ मंदिर में हुए हमले को लेकर संसद में केंद्र सरकार से ठोस कदम उठाने को कहा गया; आंध्र प्रदेश में गुंटूर जिले के नक्सलियों ने पांडुगुला स्टेशन पर बम विस्फोट किये; भोपाल के यूनियन कार्बाइड के परिसर में लोगों को राहत दिलाने के लिये विभिन्न संगठनों के लोग जहरीला कचरा हटाने के लिये जबरन घुसे। 26. गृहमंत्री लालकृष्ण अडवाणी ने कहा कि केंद्र बलात्कारी को मृत्यदंड देने के पक्ष में है; कर्ज वसूलने के लिये बैंको और वित्तीय संस्थानों को अब सारे अधिकार दिये गये। 27. विदेश मंत्री यशवंत सिन्हा ने कहा कि बंगला देश आई.एस.आई. का नया केंद्र बना है प्रधानमंत्री के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार ब्रजेश मिश्रा ने कहा कि प्रधानमंत्री का दक्षेस शिखर के लिये पाकिस्तान जाना मुश्किल; साहित्याकार शिवमंगल सिंह सुमन का निधन। 28. महाराष्ट्र में कपास के मुद्दे पर राष्टवादी कांग्रेस पार्टी के तीन मंत्रियों ने त्यागपत्र दिया। 29. दक्षेस बैठक में भाग लेने के लिये प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई को पाकिस्तान का बुलावा भारत ने नामंजूर कर दिया; उच्चतम न्यायालय ने उपप्रधानमंत्री लालकृष्ण अडवाणी और कुछ अन्य केंद्रीय मंत्रियों सहित अयोध्या मामले में आरोपियों पर रायबरेली में मुकदमा चलाने का निर्देश दिया। 30. दिल्ली की उच्च न्यायालय ने आदेश दिया कि झुग्गी वालों को जमीन देने की कोई जरूरत नहीं है।

दिसंबर 2. प्रसिद्ध कार्टूनिस्ट अबु अब्राहम का तिरुवनंतपुरम में लंबी बिमारी के बाद निधन। 3. सरकार ने इस कारोबारी साल के शुरुवाती छह महीनों का हिसाब किताब रखते हुए बताया कि विकास दर 5 से साढ़े पांच प्र तिशत बनी है; जम्मू काश्मीर के अनंतनाग जिले के शेखकुंड में 20 घंटे से भी अधिक समय तक जमें रहे ळस्कर–एतैयबा के आतंकवादी मे सैनिकों से समक्ष समर्पण कर दिया। 4. भारत दौरे पर आये रूस के राष्ट्रपति पुतिन ने कहा कि पाकिस्तान जम्मू काश्मीर में घुसपैठ रोके और सीमापार से चलाये जा रहे आतंकवाद को रोके तभी भारत–पाक में बातचीत संभव। 5. विश्व हिंदू परिषद की शौर्य रैली पर चुनाव आयोग ने अंकुश लगाया; अयोध्या में एहतियाती सुरक्षा बंदोबस्त कड़े किये गये। 6. सोमनाथ एक्सप्रेस में लूटमार, 6 जख्मी; चुनाव आयोग ने गुजरात में साबरकांठा के पुलिस अधीक्षक व मेहसाणा के पुलिस अधीक्षक को हटाने का निर्देश दिया। 7. केंद्रीय खेलमंत्री विक्रम वर्मा ने पाकिस्तान के राष्ट्रपति मुशर्रफ की दोनों देशों के बीच क्रिकेट शुरु करने की अपील को ठुकराते हुए कहा कि उग्रवाद और क्रिकेट साथ नहीं च सकते। 8. पिछले 107 दिनों से वीरप्पन के चंगुल में फं कर्नाटक के पूर्व राज्यमंत्री एच नागप्पा का क्षत–विक्षत श चांगड़ी के घने जंगलों में मिला। 9. सरकार ने पेट्रोलिय कंपनियों भारत पेट्रोलियम और हिंदुस्तान पेट्रोलियम विनिवेश को मंजूरी देने की घोषणा की; पाकिस्तान ने आगा दक्षेस शिखर सम्मेलन को स्थगित कर दिया; मुंबई ब विस्फोट कांड के प्रमुख आरोपी और अंडरवर्ल्ड सरग दाउद इब्राहिम के भाई अनीस इब्राहीम को दुबई में गिरफ्ता किया गया, उसे भारत लाने के लिये सी.बी.आई. की टी दुबई पंहुची। 10. लोकसभा में पहले से पारित केब टेलीविजन नेटवर्क (रेग्यूलेशन) अधिनियम 1995 व रज्यसभा ने पारित किया। 11. प्रसिद्ध विधि विशेषज्ञ ए अमरीका में भारतीय राजदूत रहे नाना पालखीवाला व निधन। 12. गुजरात में मतदान शांतिपूर्ण रूप से संपन्न, 6 प्रतिशत मतदान हुआ; सुप्रीम कोर्ट में पेट्रोल पंप घुटाले व जांच के लिये एक समिति गठन करने को कहा। 13. फिल निर्माता यश चोपड़ा को दादा साहेब फाल्के पुरस्कार; संस पर हमले की पहली बरसी पर शहीदों को याद किया गय 14. दक्षिण दिल्ली में लश्कर के दो आतंकवादी पुलि मुठभेड़ में मारे गये, तीसरा बच कर भाग निकलने में सफल 15. गुजरात में भा.ज.पा. ने 126 सीटों पर कब्जा कर बहुमत प्राप्त किया, कांग्रेस को 51 सीटे मिली। 16. संस पर हमले के आरोपियों को दिल्ली की विशेष दालत ने दो ठहराया; सूचना पाने के अधिकार संबधी विधेयक को मंजूर प्रसिद्ध कव्वाल गायिका शकीला बानो भोपाली का निधन गुजरात में भारतीय जनता पार्टी विधायक दल ने नरेंद्र मो को अपना नेता चुना। 17. वकीलों की देशव्यापी हड़ताल प उच्चतम न्यायालय ने कड़ा रुख अपनाते हुए कहा कि वकील को हड़ताल करने का हक नहीं, लेकिन बार काउंसि हड़ताल पर जाने को अडिग; फिल्म अभिनेता अरमान कोहल एक मोटर साइकिल सवार को टक्कर मार कर घायल कर के आरोप में गिरफ्तार। 18. संसद पर हमले में ती अभियुक्तों को पोटा कि विशेष अदालत ने फांसी की स सुनाईअफशां को पांच वर्ष की सजा। 19. करोड़ो रुपये शेयर घुटाले और यूटीआई की दुर्दशा के मामले में जे.प्र.स रिपोर्ट पेश, केतन पारिख व वित्त मंत्रालय को दोषी पाया गय मदर टेरेसा को संत की उपाधि दी जायेगी; एशियाई खेल में मादक पदार्थों के सेवन के आरोप में पदको से वंचित व गई एथलीट सुनीता रानी को दोषमुक्त करार कर प्रदक वाप लौटाने की संभावना; बी.एन. खरे देश के 33वें मुख न्यायधीश बने। 20. उच्चतम न्यायालय ने केंद्र सरकार पेट्रोल पंपो के आवंटन को निरस्त करने के फैसले के विरु आदेश देते हुए 413 पेट्रोल पंपो की जांच के लिये कमे बनाई; काश्मीर में पी.डी.पी. विधायक अब्दुल अजीज मीर व हत्या; पोप ने मदर टेरेसा के चमत्कार पर सहमति व्यक्ति की 21. काचीगुडा से बंगलूर जा रही एक्सप्रेस गाड़ी के पट से उतर जाने से 20 मरे अनेकों घायल; जम्मू काश्मीर बुर्का न पहनने पर एक और महिला की सर काट कर हत 22. गुजरात में नरेंद्र मोदी ने मुख्य मंत्री पद की शपथ ल

थ समारोह में 9 कैबिनेट मंत्री और 6 राज्य मंत्रियों को शपथ दिलाई गई; रसोई गैस के दामों में बढ़त्तरी की ावना; जम्मू काश्मीर सरकार ने हुर्रियत नेता बशीर हमद वट को रिहा किया। 23. राजधानी सहित पूरे उत्तर रत में ग्रिड में खराबी आ जाने से घंटों अंधा छाया रहा; 984 के सिख विरोधी दंगों में अभियुक्त सज्जन कुमार मेत अन्. सभी को आरोपों से बरी किया गया। 24. दिल्ली मेट्रो ट्रेन का उद्घाटन प्रधानमंत्री टल बिहारी वाजपेई ने किया; तर्राष्ट्रीय ओलंपिक समिति ने धाविका सुनीता रानी को पाक फ करार देते हुए एशियाई ओलंपिक परिषद से उसे डोपिंग मामले से मुक्त करने की सिफारिश की।। 25. उग्रवादियों गुवाहाटी शहर के बीचोबीच दो व्यक्तियों को मारा एक पूर्व संद घायल। 26. भारतीय वायु सेना का एक मिग 21 विमान म्मू काश्मीर के बड़गाम जिले लालगाम–चंदौरा गांव में एक र पर गिर गया, एक की मृत्यु। 27. केलकर रिपोर्ट जारी, जमा योजनाओ पर छूट समाप्त करने और कृषि पर कर के प्रस्ताव; रिलायंस इंफोकाम ने मोबाइल सेवा प्रारंभ की; तेल कंपनियों के विनिवेश पर फैसला टला। 28. उत्तर पश्चिम दिल्ली के समयपुर बादली इलाके की एक ग्लास फैक्ट्री में बायलर में विस्फोट होने से 9 मरे। 3 घायल; प्रतिष्ठित अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका टाइम ने भारतीय फिल्म देवदास को 10 सर्वश्रेष्ठ फिल्मों में चौथा स्थान दिया। 29. पाकिस्तान की भारत विरोधी गतिविधियों के मद्देनजर सरकार पाकिस्तानी नागरिकों के भारतीय शहरों में जाने पर अंकुश लगायेगी; प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई नववर्ष में गोवा पंहुचे। 30. पोटा में मंद एमडीएमके नेता वाइको के खिलाफ पुलिस ने चार्जशीट दाखिल की; भारतीय क्रिकेट बोर्ड के अध्यक्ष जगमोहन डालमिया ने आईसीसी अनुबंध समिति से त्यागपत्र दिया। 31. पटना में बंद के दौरान भारी हिंसा, 500 लोग हिरासत में लिये गये; लोगों ने जोश खरोश के साथ वर्ष को अलविदा कहा।

चित्रकला

इतिहास की अविच्छिन्नता के सम्बन्ध में हमारी जानकारी में कुछ अन्तराल होने के बावजूद भारतीय चित्रकला का आरंभ आदिमकालीन मनुष्य की उस कला से माना जाता , जो होशंगाबाद, मिर्जापुर और भीमबेटका जैसे स्थानों पर कन्दराओं और गुफाओं में सुरक्षित रही है।

मैग्डेलेनी काल (ई. पू. 15000 वर्ष) की पाषाणकालीन चित्रकला का इतिहास इतना पुराना नहीं लगता। किन्तु यह बात सभी लोग स्वीकार करते हैं कि यदि समुदाय एक दूसरे से पृथक रहते हैं तो आदिमकालीन प्रज्ञाशक्ति एवं कल्पना काफी लम्बी अवधि तक जीवित रहती है। इन चित्रकारियों में उस आदिमकालीन कला की जीवन्त यथार्थता का दर्शन होता है, जो स्पेन में अल्तामीरा और फ्रांस में लास्काक्स जैसे अनेक स्थानों पर प्राप्त हुई है। शिकार का दृश्य, घायल सुअर का खुला मुंह जो उसकी पीड़ा को अभिव्यक्त करता है, इनके छाया–चित्र छायानाट्य का दृश्य उपस्थित करते हैं।

सिंधु घाटी सभ्यता काल (ई. पू. 3000–1500 वर्ष) एक परिष्कृत शहरी सभ्यता का काल था, लेकिन चूंकि उस समय के मकान आदि शेष नहीं हैं, अतः भित्तिचित्र हमें नहीं मिल सके। लेकिन प्राचीन क्रीट की एजियन सभ्यता में भित्ति चित्रकारी और मिट्टी के बर्तनों की चित्रकारी में काफी समानता मिलती है। अतः संभव है कि सिंधु घाटी सभ्यता काल में भी कुछ भित्ति चित्रकारी की गई हो, क्योंकि मिट्टी के बर्तनों की जो चित्रकारी हमें प्राप्त हुई है। (अर्धपूर्ण अमूर्तता तक — की परिपक्वता और उसकी व्यक्ति–व्यापकता मंजा में जीवन्त यथार्थता से लेकर हो सकता है कि अजंता की सबसे पुरानी चित्रकारी ईसा पूर्व पहली शताब्दी की हो और सबसे नई चित्रकारी आठवीं शताब्दी की हो।

हीनयान या प्रारम्भिक बौद्ध धर्म ने शायद उस भावना को सही रूप में नहीं समझा था, क्योंकि उसने केवल क्षणभंगुर वस्तुओं और पीड़ा की सर्वव्यापकता को ही देखा। जब सिद्धार्थ ने महल छोड़ा तो वह अपने शिशु पुत्र को भी अपने साथ ले जाना चाहते थे, किन्तु वह उसे नहीं ले जा सके, क्योंकि बच्चे की मां ने नींद में भी अपने पुत्र के ऊपर रक्षा का हाथ रखा था। ज्ञान प्राप्ति के बाद भी उन्हें यह बात याद रही और उन्होंने सब लोगों से सब जीवों की रक्षा की बात कही। उन्होंने निर्वाण स्वीकार नहीं किया, बल्कि पीड़ा से त्रस्त मानवता की सहायता के लिए केवल मनुष्य के रूप में ही नहीं, बल्कि हिरण, हाथी और हंस के रूप में जन्म लिया।

जातक कथाओं में इन अवतारों (जन्म धारण) के जीवन के उतार–चढ़ाव का विशद वर्णन है और अजंता के कलाकारों ने लहरदार रेखाओं और सूक्ष्मग्राही रंगों में इनका चित्रण किया। इन भित्ति चित्रों में शहर, देहात, वन, हर प्रकार के पुरुषों, स्त्रियों, जीव जंतुओं और वनस्पति का चित्रण है।

जब बौद्ध धर्म एशिया के शेष भाग में फैला, तो शान्ति के सन्देश के साथ तूलिका और छेनी भी गए। अजंता अपनी शैली को समग्र रूप के साथ एशियाई चित्रकला और भित्ति चित्रकारी का स्रोत बन गया। श्रीलंका में सिगिरिया में, अफगानिस्तान में बामियान में, चीन में प्राचीन रेशमी मार्ग पर स्थित अनेक स्थानों में, कोरिया में और जापान में होरियुजी में इसे देखा जा सकता है।

भित्ति चित्रकारी भारत में प्रचलित रही — चालुक्यों की बादामी (छठी शताब्दी), पल्लवों का पनमलै (सातवीं शताब्दी), पांड्यों की सित्तन्नवासल (नौवीं शताब्दी), चोलों के तंजौर (बारहवीं शताब्दी), विजयनगर की लेपाक्षी (सोलहवीं शताब्दी) और उन्नीसवीं शताब्दी के मध्य तक विभिन्न शताब्दियों में केरल की भित्ति चित्रकारी — किन्तु उसका वेग घटता रहा।

इसी बीच सतही व्यापक भित्ति चित्रकारी ने पांडु लिपियों पर लघु चित्रकारी का रूप ग्रहण किया – शुरू में ताड़ के पत्रों पर, बाद में कागज पर । बंगाल के पाल शासकों के काल (दसवीं और बारहवीं शताब्दी) की लघु चित्रकारी में अजंता की ऐन्द्रिय लीक अनुरक्षित है । किन्तु उसके बाद द्रुत पराभव आया और लीक नाजुक और कोणीय हो गई ।

यही शैली पश्चिमी भारत में फैली और बारहवीं से पन्द्रहवीं शताब्दी की अवधि में बहुत–सी प्रदीप्त पांडु लिपियों में देखी जा सकती है । इनमें से अधिकांशतः पांडु लिपियां जैन धर्म ग्रंथों की हैं । लेकिन पन्द्रहवीं शताब्दी के उत्तरार्द्ध और सोलहवीं शताब्दी के प्रथम चतुर्थांश में परिवर्तन की हवा चलने लगी ।

वसन्त विलास, बिल्हण की चौर पंचाशिका और लौर चन्दा जैसी कविताओं की गीतमयता की अनुक्रिया के परिणामस्वरूप वह लीक पुनः नमनीय हो गई और रंग चमकदार हो गए । मुगलों के आगमन से पहले ही भारतीय लघु–चित्रकारी की एक उत्तम चित्रमय शैली स्थापित हो चुकी थी ।

यद्यपि अकबर के दरबार में फारस के कलाकारों का प्राधान्य था, किन्तु मुगल चित्रकला फारसी चित्रकला की एक प्रान्तीय शैली नहीं कही जा सकती ।फारसी चित्रकला रोमांस के स्वर्गीय लोक की ओर अभिमुख है, जबकि अकबर की रुचि समसामयिकता में दीखती है ।कलाकक्ष (स्टूडियो) और उसकी कार्यशैली की व्यवस्था ने विदेशी शैली के द्रुत देशीकरण को जन्म दिया ।

अकबर ने बहुत–से भारतीय कलाकारों को सेवा में रखा था। हर चित्रकारी प्रायः भारतीय और फारसी कलाकारों के सहकारी प्रयास का परिणाम थी – एक कलाकार रेखांकन करता था, दूसरा उसमें रंग भरता था और तीसरा तफसील तैयार करता था । देशीकरण को उस समय और भी गति मिली जब अकबर ने रामायण और महाभारत के अनुवाद तैयार करने और उसे चित्रकारी से सजाने का आदेश दिया।

राजपूत राजाओं के दरबारों में जो चित्रकार थे, वे प्रायः मुगल शिल्पकला में प्रशिक्षण प्राप्त कलाकार थे ।लेकिन, जहां मुगल चित्रकारी संभ्रान्त कुलीनों की चित्रकारी थी, जिसमें शाही तड़क–भड़क और समारोह का अंकन होता था, वहां राजपूत चित्रकारी में देश की महान कथाओं और आख्यानों, राम और कृष्ण की कथाओं और भागवत व गीतगोविन्द के आख्यानों का अंकन रेखा और रंग के संयोग से किया गया ।मैदानी इलाकों या राजस्थान की अनेक रियासतों में से दो का विशेष उल्लेख करना जरूरी है ।

चित्रकारी की कोटा शैली में डुआनियर रूसो जैसे यूरोपीय चित्रकारों की आदिम संकल्पना और ओजस्विता को उनसे लगभग अस्सी साल पहले निरूपित किया गया। किशनगढ़ की चित्रकारी की शैली में राधा–कृष्ण कथा–काव्य का पूर्ण चित्रांकन मिलता है ।मैदानी इलाकों के अनेक बहादुर राजपूत योद्धाओं द्वारा स्थापित हिमालय की घाटियों के छोटे राज्यों में चित्रकारी के कई केन्द्र अस्तित्व में आए, जिनमें बसोहली की चित्रकारी शैली में अभिव्यक्ति की तीव्रता, कुलू शैली में लोक शैली से उसकी निकटता और कांगड़ा शैली में रोमांसवाद और चित्रों की बहुलता आदि विशेषताएं विकसित हुईं ।

राजपूतों के काल के बाद इसमें रुकावट पैदा हुई । ब्रिटिश काल में पाश्चात्य प्रभाव की प्रमुखता रही, पाश्चात्य सैद्धान्तिक शिक्षावाद की लोकप्रियता बढ़ी रवि वर्मा जैसे अग्रणी चित्रकार ने स्वंय इसका अभ्यास किया, किन्तु अन्य बहुत–से लोगों ने प्रशिक्षण संस्थाओं में शिक्षा प्राप्त की ।रवीन्द्र नाथ टैगोर की अगुवाई में विकसित पुनर्जागरणवादी शैली के पीछे राष्ट्रवादी प्रेरणा थी।

भारत में आधुनिक चित्रकारी के चार अग्रगामी ये हैं – गनेन्द्रनाथ टैगोर, जिन्होंने प्रत्येक टेक्नीक और शैली में प्रयास किया; अमृता शेरगिल, जिन्होंने पश्चिम की चित्रात्मक शैली और भारतीय कल्पना के बीच सामंजस्य स्थापित किया; जैमिनी राय जिन्होंने लोक शैली की ऊर्जस्विता को उजागर किया और उसे कई प्रतिरूपों में निरूपित किया; और रवीन्द्रनाथ टैगोर, जिन्होंने चित्रकारी के लिए संगीत की स्वायत्तता की हिमायत की और उसे यथार्थता के शिकंजे से मुक्त कराने का अध्यवसाय किया और प्राकृतवाद, अमूर्तीकरण और अभिव्यक्तिवाद मुक्त के रूप को मान्यता प्रदान की।

मूर्ति कला

भारतीय मूर्ति कला की कहानी सिंधु घाटी सभ्यता के काल से आरंभ होती है और उस समय भी वह आश्चर्यजनक परिपक्वता की स्थिति में थी ।वहां की खुदाई में नृत्य करती हुई लड़की की जो लघु मूर्ति हमें मिली हैं, उससे पता लगता है कि उस समय भी लोगों को कांसे की मूर्तियां बनाने का अच्छा ज्ञान था; उससे स्त्री के चिरन्तन सौन्दर्य के बोध और भारतीय परम्परा में मूर्ति कला और नृत्य के बीच निकट सम्बन्ध का संकेत मिलता है ।

मिट्टी की मूर्तियां उन वस्तुओं का माध्यम है, जो धार्मिक संस्कारों में प्रयोग में आती थीं, जैसे मातृ देवी की मूर्ति या जो मनोरंजन का साधन जैसे तरह–तरह के खिलौने ।छोटा आकार होने के बावजूद पत्थर की मूर्ति–कला आश्चर्यजनक है और सेलखड़ी की छोटी सीलों पर सांड जैसे पशुओं की आकृतियों में जीवन्त यथार्थ हैं ।ईसा पूर्व चौथी शताब्दी में यूनानियों ने जब एकामेनिड साम्राज्य को रौंद डाला तो फारस के दस्तकार इधर–उधर फैल गए और हो सकता है कि उनके योगदान से अशोक स्तम्भ में शेरों की मूर्ति बनाने की विलक्षण शैली विकसित हुई। किन्तु मौर्यकाल में रामपुरवा स्तम्भ पर सांड की मूर्ति में अपेक्षाकृत अधिक सौम्य शैली विकसित दीखती है और भारतीय मूर्ति कला में समग्रतः पशुओं के अंकन में सदयता

के दर्शन होते हैं। पहले यक्षों, यक्षियों की मूर्तियां सुघड़ नहीं थी, किन्तु कुछ समय बाद ही स्त्री मूर्तियां ऐन्द्रिक दृष्टि से शालीन बनने लगीं दीदारगंज में यक्षी की मूर्ति ऐसी ही है।

ईसा पूर्व दूसरी शताब्दी में मौर्यों के स्थान पर शुंग आ गए, जिनके जमाने में यक्षी की मूर्ति को वस्त्र और आभूषण से सुसज्जित करके अधिक सुघड़ बना दिया गया। इस समय प्रजननशक्ति के माध्यम से वृक्ष एवं महिला के बीच संबंध जोड़ा गया और इस प्रतीकवाद के सहारे हल्के या गहरे उभार वाली वल्लरियों को अंकित किया गया। सातवाहनों ने (ईसा पूर्व दूसरी शताब्दी) इन शैलियों को आगे विकसित किया। सांची की वन देवियों में इस शैली की सबसे सुनम्य अभिव्यक्ति है। अमरावती की वर्णनात्मक शिल्पकला ने मेडल में भद्दे आकार की संरचना की समस्या को शानदार ढंग से हल कर दिया।

देश के उत्तर–पश्चिमी भाग में, जो अब भारत का भाग नहीं है, इंदो–यूनानी राज्यों में, जो सिकन्दर के आक्रमण के बाद अस्तित्व में आए थे, प्राचीन यूरोप के अभिघटन संकल्पना और बौद्ध आध्यात्मिकता के सम्मिश्रण से गान्धार कला का उदय हुआ। यह क्षेत्र कनिष्क के उस विशाल कुषाण साम्राज्य का अंग (ईसा की दूसरी शताब्दी) था, जो आक्सन नदी से गंगा नदी तक फैला हुआ था। किन्तु कुषाणों के क्रियाकलाप का मुख्य केन्द्र मथुरा था। किन्तु यह युग अत्यधिक शहरीकृत एवं विश्रान्त लोकाचार का था। यक्षी का वनों से सम्बन्ध समाप्त हो गया और वह नगर की आत्मचेतना विमोहक किशोरी बन गई। उस समय की मूर्तिकला में मदिरा के मुक्त प्रयोग से भरपूर रंगरेलियों के दृश्य उपस्थित किए गए। स्त्रियों के वस्त्रों की उभयवृत्तिता का परिष्कृत रूप आरंभ हुआ, जिसमें गोपन के प्रयास की आड़ में प्रदर्शन की ललक थी। मथुरा में अप्सरा की मूर्ति ऐसा पारदर्शी वस्त्र पहने हुए है, जैसे वह निर्वस्त्र हो।

गुप्त शासकों के काल (300–600 ई) में बुद्ध की प्रतिमाएं –खडे, बैठे हुए और हाथों की अनेक प्रतीक मुद्राओं सहित बनाने में उत्कृष्ट मानदंड स्थापित हुआ। शुंग और कुषाण काल में रेलिंगों को सजाने वाले गोल फलक ने बुद्ध के चित्र के इर्दगिर्द प्रभामंडल का रूप धारण कर लिया। कुषाण काल के पारदर्शी वस्त्र में ऐसी सुन्दर तहों अर्थात् सलवटों का आविर्भाव हुआ, जो तालबद्ध संगीत की लहरों जैसे थे। सुकुमार और शालीन ढलाई से मंडित मुखमंडल पर आत्मविस्मृति की शान्ति का दर्शन होता है। गुप्तकाल में बुद्ध की उत्कृष्ट प्रतिमाओं का निर्माण एशिया के कलाक्षेत्र की एक विशिष्ट उपलब्धि थी, क्योंकि अजंता की पद्मपाणि की ही भांति इसका प्रकाश दूर देशों तक फैला। इस काल में हिन्दू धर्म के विषयों पर सुन्दर प्रतिमाएं बनीं, जैसे देवगढ़ में पांचवीं शताब्दी के उत्तरार्द्ध में बने मन्दिर में विष्णु अवतार और उदयगिरि में वराह अवतार की मूर्ति।

दक्षिण के वाकाटक शासक गुप्त शासकों के समकालीन थे और उनके संरक्षण में सुन्दर मूर्तिकला की उन्नति हुई, विशेषतया अजंता में बौद्ध मूर्तियों की और एलोरा में हिन्दू मूर्तियों की। इस काल की कला में बड़ी विविधता है। एक ओर हल्की प्रतिमाएं हैं, तो दूसरी ओर औरंगाबाद के नृत्य समूह की शानदार कृति में लयात्मक सन्तुलन है और एलीफेंटा में महेश की मूर्ति में प्रतीकात्मक भाव की भव्यता है।

पश्चिमी चालुक्यों के अधीन ये शैलियां प्रचलित रहीं। तिरती हुई आकृतियां और बदामी, ऐहोल व पट्टादक्कल में नृत्य करते हुए शिव की मूर्तियां बनीं। पूर्वी चालुक्यों ने भी विजयवाड़ा क्षेत्र के मन्दिरों में नृत्य मुद्रा की कुछ सुन्दर मूर्तियां बनवाईं।

आठवीं शताब्दी में राष्ट्रकूट शासकों ने एलोरा में पहाड़ी की चट्टानों को मन्दिर का आकार प्रदान करें शिवजी के जीवन से सम्बन्धित घटनाओं को प्रतिमाओं में अंकित किया। राष्ट्रकूटों के समकालीन गुर्जरों–प्रतिहारों ने विष्णु के ब्रह्माण्डीय रूप को अंकित करके संवेदनशील मूर्तियों का सृजन किया जैसे शिव और पार्वती का विवाह और इस प्रकार भारतीय मूर्ति कला की परम्परा में सुन्दरतम पौराणिक मूर्ति कला का योगदान किया।

गहड़वालों ने इस परम्परा को आगे बढाया और बारहवीं शताब्दी में राजोरगढ़ से प्राप्त शीर्ष शिल्प भारतीय मूर्ति कला में स्त्री केशविन्यास शैली का सर्वोत्कृष्ट नमूना है। स्त्रियों की अतिसंवेदनशील प्रतिमाएं बनाने की शैली चन्देलों के काल में उन्नति की चरमसीमा पर पहुंच गई (दसवीं से बारहवीं शताब्दी) खजुराहो की मूर्ति कला में अभिव्यक्त उन्मुक्त रत्यात्मकता की ओर सारे संसार का ध्यान गया है। स्त्री की उत्कंठा, प्रतीक्षा, दिवास्वप्न जैसी मनःस्थितियों की अभिव्यक्ति बड़े ही संवेदनात्मक एवं कल्पनाशील शैली में की गई है। पूर्वी गंग शासकों (तेरहवीं शताब्दी) के काल में कोणार्क एवं भुवनेश्वर की मूर्ति कला में भी रत्यात्मकता मिलती है।

पल्लवों के काल (आठवीं शताब्दी) में अपेक्षाकृत दक्षिण की ओर सबसे बड़ी उपलब्धि महाबलीपुरम का विशाल सजीव दृश्य है, जहां एक पूरी चट्टान को काटकर गंगा अवतरण की झांकी प्रस्तुत की गई है और उसके तट पर अनगिनत पशु और मनुष्य दिखाए गए हैं।

चोल मूर्ति कला (ग्यारहवीं और बारहवीं शताब्दी) में शिव का प्राधान्य है। कांस्य के अतिरिक्त पत्थर की भी शिव की मूर्तियां बनीं। लेकिन नटराज अर्थात् नृत्य करते हुए शिव की कांस्य मूर्ति ही विशेष रूप से विश्व विख्यात है। गंभीर संकल्पना और पूर्ण रूपविधान से मंडित यह महान मूर्ति सुनियंत्रित ढंग से विश्व के सतत परिवर्तन, परमाणु से लेकर ब्रह्मांड तक सबके परिभ कि यह मंगलकारी व्यवस्था है।

होयसाल शासकों के काल (बारहवीं शताब्दी) में कर्नाटक क्षेत्र में जिस मूर्ति कला का विकास हुआ उसमें नरम क्लोरिस्टिक पर्तदार पत्थर का प्रयोग हुआ और इसलिए उसमें बारीकी से चित्रण तथा सज्जा का बाहुल्य है। सोलहवीं शताब्दी में विजय नगर में विकसित मूर्ति कला में शाही शानशौकत वाले हाथियों की शोभा यात्रा, अश्वारोहियों की शोभा यात्रा और सैनिकों की शोभा यात्रा का अंकन है।

पल्लवों से प्रभावित प्रस्तर मूर्तियों, चोलों से प्रभावित कांस्य मूर्तियों का निर्माण केरल में भी हुआ, किन्तु केरल की सबसे बड़ी उपलब्धि काष्ठ मूर्ति कला है। सम्पूर्ण संसार की [illegible] उद्भावित भारतीय मूर्ति कला में आज सभी [illegible] हो रहे हैं, जिनमें इस्पात और अल्युमीनियम, [illegible] यहां तक कि फाइबर का भी इस्तेमाल [illegible] किन्तु सबसे महत्वपूर्ण रुझान [illegible] की है, विस्मय और [illegible] करने की है जो कि [illegible] सर्वाधिक [illegible]

अंग्रेजी में भारतीय रचना

इंडो एंग्लियन साहित्य और भाषा के विकास को अध्ययन की सुविधा के लिए विद्वानों ने पांच भागों में विभाजित किया है। प्रारंभिक लेखन 1820 से 1870 तक। दूसरा चरण 1870 से 1900 तक का है जिसमें धार्मिक व साहित्यक जागरण प्रमुख रहा। तीसरा चरण 'वंदेमातरम्' और 'होमरूल' की चेतना का रहा जिसका समय 1900 से 1920 तक का माना गया है। 1920 से 1947 तक का समय चौथा चरण माना जाता है जिस दौर में गांधीवादी क्रांति संपन्न हुई। पांचवां चरण 1947 के बाद का है जो स्वतंत्रता की स्वर्ण जयंती तक चला आता है।

स्वभावत: अंग्रेजी लेखन की शुरुआत गद्य से हुई। पहले लेखक ही राजाराम मोहनराय थे जो सचमुच अग्रदूत की चेतना लेकर आए थे। 1820 में उनकी पुस्तकें आ गई थीं। हेनरी दरोज़ियों पहले अंग्रेजी कवि थे। 'द फकीर आफ झंगीरा' उनकी उल्लेखनीय कृति है। आधे भारतीय और आधे पूर्तगाली थे देरोजियो। काशी प्रसाद घोष भी इस समय के दूसरे कवि हैं। 1857 में मुंबई, चेन्नई और कलकत्ता में विश्वविद्यालयों की स्थापना के साथ ही एक पूरी नई पीढ़ी अंग्रेजी लेखन में उतर आई। विलियम जोन्स की लिखी 'ओड टु नारायण' को भी कुछ लोग पहली रचना मानते हैं। बाद में माइकेल मधुसूदन दत्त को शिखर का कवि माना गया।

1870 से 1900 के मध्य अंग्रेजी के रोमांटिक लेखन ने भारतीय रचनाकारों को भी प्रभावित किया। यह वह समय था जब रामकृष्ण परमहंस ने भारतीयों को सचेत कर दिया था। विवेकानंद आकार ले चुके थे। अरु दत्त और तरु दत्त के माध्यम से अंग्रेजी कविता का परिपक्व रुप देखने को मिला। गिरीशचंद्र दत्त का लेखन भी इसी समय आया। रोमेश चंद्र दत्त की विविध रंगी पुस्तकों के अतिरिक्त उनके कवि का रुप भी सामने आया। रामकृष्ण पिल्लै, बेहरामजी मालाबारी, नगेश विश्वनाथ पै की काव्य रचनाओं ने भी ध्यान आकर्षित किया। पिल्ले ने तो दो उपन्यास भी लिखे 'पद्मिनी' और 'डान्स आफ डेथ'।

1900 से 1920 तक का समय इस दृष्टि से महत्वपूर्ण है कि रवींद्रनाथ टैगोर और श्री अरविन्दो सरीखी बड़ी हस्तियों की महत्वपूर्ण पहचान स्थापित हुई। श्री अरविन्दो ने 'नारायण दर्शन' दिया तो तिलक ने 'गीता रहस्य'। 'द चाइल्ड' ही नहीं रवींद्रनाथ के गद्य लेखन में भी उल्लेखनीय कृतियां आईं– 'साधना', 'नेशनलिस्म', 'पर्सनेलिटी' और 'द रिलिजन ऑफ मेन' मूलत: अंग्रेजी में ही लिखी गईं। कवि, कथाकार, उपन्यासकार, दार्शनिक व शिक्षाशास्त्री के रुप में उन्हें विश्वभर में ख्याति प्राप्त हुई। अरविन्दो घोष और मनमोहन घोष का महत्व भी सभी ने स्वीकार किया। ऑस्कर वाइल्ड भी मनमोहन घोष की कविताओं से प्रभावित हुए थे। श्री अरविन्दो घोष के 'कलेक्टेड पोयन्स एंड प्लेस' आज भी स्थाई महत्व के माने जाते हैं। उनका गद्य–पद्य अंग्रेजी साहित्य में अलग ही स्थान रखता है। 'द लाइफ डिवाइन', 'एसेस ऑन गीता', 'सिंथेसिस ऑफ योगा', 'द सोशल साइकल', 'द आइडियल ऑफ ह्यूमन यूनिटी, 'द फ्यूचर पोएट्री' सरीखे ग्रंथ भारतीय साहित्य की धरोहर हैं। अरविन्दो की तरह सरोजिनी नायडू ने भी प्रारंभ कविता–लेखन से ही किया। 1905 में इनका पहला संग्रह आया, 'द बर्ड ऑफ टाइम' (1912) और 'द ब्रोकन विंग' (1917) कुछ अंतराल के बाद आए उनके संग्रह हैं। 1920 से 1947 के बीच का समय भारतीय समाज के लिए विशेष महत्व का था। के.एस. वेंकटरमानी 'पेपर बोट्स' से अपनी अलग पहचान बना गए। यह गद्य लेखक व्यंग्यकार तो थे ही इनकी गद्य कविताएं भी आकर्षक थीं। 'मुरुगन' से 'ए डे विद शंभू' और 'द नेक्स्ट रंग' और फिर गांधीवाद से प्रभावित उनकी रचनाओं में समय के साथ चलता लेखक नज़र आता है। शंकर राम की कहानियों और उपन्यास धरती से जुड़े लेखन का प्रतीक हैं। इनके बाद मुल्कराज आनंद का समय आता है। 'टू लीव्स एंड ए बड', 'द कुली' 'द अनटचेबल' और 'द विलेज' इनकी प्रमुख रचनाएं हैं। आर.के.नारायण का लेखन भी अपनी तरह का अनूठा है।

हुमायूं कबीर, कुमार गुरू, अहमद अली, ए.एस.पी.अय्यर, के.नागराजन आदि इस समय के अन्य उपन्यासकार हैं। कवियों में हरीन्द्रनाथ चट्टोपाध्याय, पी.शेषाद्रि, जी.के. चेत्तूर, वी.एन.भूषण, हुमायूं कबीर, उमा महेश्वर और एन.वी. काडानी प्रमुख हैं।

जोसेफ फर्ताडो, अरमांडे मेनेजेस, मेनुअल सी. रोड्रिग्स आदि ने भी अपनी तरह की कविताओं से पहचान बनाई। शाहिद सुहरावर्दी की 'ऐसेस इन वर्स' का उल्लेख भी जरूरी है। अंग्रेजी में नाटक भी लिखे गए, लेकिन मंचन की संभावनाएं अधिक नहीं थीं। वी.वी.श्रीनिवास अयंगर, ए.एस.पी.अय्यर, भारती साराभाई, मृणालिनी साराभाई, जे.एम. लोबो प्रभु, टी.पी. कैलासम आदि की रचनाओं ने साहित्य को समृद्ध किया। जीवनी लेखन के क्षेत्र में होमी मोदी, सर रुस्तम मसानी, वी.एस.श्रीनिवास शास्त्री, पी.सी.राय, जदुनाथ सरकार आदि ने उल्लेखनीय काम किया। आत्मकथा लेखन में महात्मा गांधी और जवाहरलाल नेहरू तो हैं ही, नीरद सी.चौधरी लिखित 'एन ऑटो बायोग्राफी ऑफ एन अननोन इंडियन' ने विशेष ख्याति एवं महत्व अर्जित किया। भारतीय अंग्रेजी लेखन में एम.एन. राय का नाम कई कारणों से महत्वपूर्ण है। डा.एस. राधाकृष्णन और पी.एन. श्रीनिवासाचारी के बाद भी कई महत्वपूर्ण लेखकों ने अपनी जगह बनाई। सी. राजगोपालाचारी ने भी अंग्रेजी साहित्य को समृद्ध किया।

आजादी के बाद के अंग्रेजी साहित्य को लेकर इस वर्ष अमरीकी पत्रिका 'न्यूर्याकर' में सलमान रुश्दी ने जो विवादास्पद लेख लिखा है उसे लेकर जबर्दस्त बहस फिलहाल हवा में है। रुश्दी ने क्या कहा है, इस पर बाद में, पहले यह देख लें कि आज की अंग्रेजी कविता की शुरुआत कहां से होती है? 1952 में प्रकाशित 'ए टाइप टु ए चेंज' (निस्सीम एजेकिएल) संग्रह से आधुनिक अंग्रेजी कविता की शुरुआत मानी गई है। बाद में

जी.एस. शरतचंद्र, केकी दारूवाला, कमलादास, आदिल जस्सावाला, अरुण कोलटकर, जयंत महापात्र, अरविंद कृष्ण मेहरोत्रा, आर. पार्थसारथी, गीव पटेल और ए.के. रामानुजन की गणना प्रमुखतः की जाती है।

आइए, अब रुश्दी की बात सुनें: "कुल मिलाकर निष्कर्ष यह है कि इन पचास वर्षों में अंग्रेजी में लिखने वाले भारतीयों का गद्य लेखन (चाहे वह कथा साहित्य हो या गैर कथा साहित्य) ज्यादा सशक्त और महत्वपूर्ण है। उनकी तुलना में भारत की मान्यता प्राप्त भाषाओं का लेखन कहीं नहीं ठहरता। आजादी के बाद की आधी सदी का वास्तविक भारतीय साहित्य उस भाषा में लिखा गया है जिसे अंग्रेज अपने पीछे छोड़ गए थे"

रुश्दी को 'अंग्रेजी भाषा' के समान स्तर पर भारतीय साहित्य में महज सआदत हसन मंटो नजर आते हैं। बहरहाल यह एक बेहद विचारोत्तेजक आलेख रहा जिस पर जमकर प्रतिक्रियाएं भी दुनिया भर के अखबारों में प्रकाशित हुई। लेकिन भारत की एक प्रमुख कथापत्रिका 'कथादेश' में एक विदेशी अनुवादक रॉबर्ट ए हक्स्टेड का लेख भी रुश्दी के जवाब में प्रकाशित हुआ जिसने रुश्दी के अज्ञान की कलई खोलकर रख दी। जो भी हो स्वातंत्र्योत्तर अंग्रेजी साहित्य में स्वयं सलमान रुश्दी, विक्रम सेठ और अपने पहले ही उपन्यास से विश्वभर में चर्चित अरुंधति राय की एक अलग जगह बन गई है। अरुंधति राय को इस उपन्यास को लिए बुकर प्राइज मिल चुका है। इससे पहले विक्रम सेठ का 'सुटेबुल ब्वाय' और सलमान रुश्दी का 'सेटेनिक वर्सेस' विश्वभर में चर्चा का विषय बन चुके हैं। 'अलन सीली (दी ट्राटरनामा) शशि थरूर (शो बिजनेस, ग्रेट इंडियन 1 ॉवेल) अमितव घोष (सर्किल आफ रीजन, शैडो लाइन) उपामनयु चटर्जी (इंग्लिश अगस्त) विक्रम चंद्रा (रेड अर्थ एंड पाउरिंग रेन) शोभा डे, दीपक चोपड़ा, गिनु कमानी और रोहिन्टन मिस्त्री ने भी पहचान बनाई है। एक सवाल यह भी उभरता है कि रस्किन बॉड के लेखन को हम क्यों अलग–थलग किए रहते हैं। लंबे समय से रचनारत रस्किन ने अपनी अलग ही शैली विकसित की है। और फिर खुशवंत सिंह अपने पहले झटके में अच्छा लेखन दे ही चुके हैं। दीगर बात है कि उनके लेखन में हर स्तर की चीजें मौजूद रहती हैं। बहरहाल, सच जो भी हो, हिन्दी के सुपरिचित कवि आलोचक विष्णु खरे की इस टिप्पणी का अंग्रेजी कविता के पास शायद ही कोई जवाब हो कि 'यह त्रासद होगा कि भारत में अंग्रेजी कविता के लगभग डेढ़ सौ वर्षों के इतिहास में एक ही उल्लेखनीय पीढ़ी हो और वही अंतिम पीढ़ी भी सिद्ध हो।

मंजुला पद्मानाभन (ओनासिस पुरस्कार, 2,50,000 डालर) और अरुंधति राय (दी गाड आफ स्माल थिंग्ज पर बुकर पुरस्कार) ने भारतीय लेखन को अंतर्राष्ट्रीय ख्याति दिलाई है।

अनिता देसाई की बेटी किरण देसाई ने वर्ष 1998 में अपने उपन्यास 'हुलुबुलु इन ए गुआ आर्कोड' द्वारा विश्व साहित्य का अपनी ओर ध्यान खिचवाया। रुचिरा मुखर्जी का भी उपन्यास 'टोड इन माई गार्डेन' को दुनिया के आलोचकों ने सराहना दी।

नरसिंह देव के शिलालेख क्रमशः 990 ई., 1036 ई. और 1249 ई. के हैं। तेरहवीं शताब्दी की 'कलसा चउतिशा' नामक काव्य में शिव–पार्वती विवाह का वर्णन मिलता है। चौदहवीं शताब्दी में 'रुद्र सुधानिधि' ग्रंथ नारायणानंद अवधूत स्वामी रचित मिलता है। यह रचना गद्य में उपन्यास के ढंग की है।

सरलादास का 'महाभारत', जो वस्तुतः 'महाभारत' का अनुवाद ही नहीं है, एक पदमय रचना है। इसी कवि की 'विलंका रामायण', चंडी पुराण, जैसी कृतियां भी उल्लेखनीय हैं। चौदहवीं शताब्दी के अन्य कविपंचक प्रख्यात हुए–बलराम दास, जगन्नाथ दास, अनंत दास, यशवंत दास, पच्युतानंद दास। बलराम दास ने उड़िया में पहली रामायण लिखी।

मध्यकाल में वैष्णव काव्य की अलग ही धारा है। जयदेव के 'गीत गोविन्द' का प्रभाव तो यहां नजर आता ही है, उड़िया समाज का दावा है कि जयदेव मूलतः ओड़िया ही थे। इस प्रभाव में वैष्णव भक्ति काव्य सत्रहवीं शताब्दी तक लिखा जाता रहा। शिशुशंकर दास, कपिलेश्वर दास, लक्ष्मण महान्ति, हरिहर नायक, कार्तिक दास, ताप राय, मधुसूदन, रामचन्द्र पट्टनायक आदि अनेक उत्कृष्ट कवि हुए। सत्रहवीं शताब्दी के प्रारंभ में रामचन्द्र पट्टनायक ने 'हारावती' नामक एक प्रबंध काव्य की रचना की। वृन्दावनदास ने 'गीत गोविन्द' का अनुवाद, मधुसूदन ने 'नल चरित्र' और सदाशिव राव ने 'हरिवंश पुराण' का उड़िया में अनुवाद प्रस्तुत किया। सत्रहवीं शताब्दी के उत्तरार्ध के कवियों में श्रीधरदास, विष्णुदास, रघुनाथ, धनंजय भंज, कान्हूदास और दीनकृष्ण प्रमुख हैं। इस काल में उपेंद्रभंज को अद्भुत काव्य प्रतिभा का धनी बताया गया है। रानी निशंक राय इस काल की अकेली कवियत्री है। कवि गोपाल कृष्ण उड़िया काव्य के मधुर गायक के रूप में स्मरणीय हैं।

इस काल में पुराणों पर आधारित रचना करने वाले कई कवि हुए। इनमें गौरांगदास, पीतांबरदास, जयसिंह, रामदास, गंगापाणि, बलभद्र भंगराज आदि उल्लेखनीय हैं। धर्मप्रचारकों की दृष्टि से आरक्षित दास और भीमाभाई प्रमुख हैं। हिन्दु मुस्लिम ऐक्य को आधार बनाकर ऐसे ग्रंथों की रचना भी इस काल में हुई जो 'पाला' के नाम से जानी गई। सत्यनारायण और सत्यपीर पूजा का इनमें समन्वय है। उड़िया में 16 पालाओं की रचना हुई।

सन् 1803 में अंग्रेजों ने मराठों से उड़ीसा राज्याधिकार ले तो लिया, लेकिन स्थिति इतनी विषम थी कि वे तुरंत इस पर अन्य राज्यों की तरह छा न सके। उड़िया के मध्यकालीन साहित्य का प्रभाव अधिक देर तक इसलिए भी बना रहा कि रूढ़िवादी होने की वजह से जन सामान्य आसानी से परिवर्तन के लिए तैयार नहीं था। 1857 की राज्य क्रांति के बाद उड़ीसा में भी ईसाई धर्मप्रचारक आ गए और अंग्रेजी शिक्षा की शुरुआत भी हो गई। लगभग इसी वक्त फकीर मोहन सेनापति का आगमन हुआ। समाज सुधारक तो वह थे ही, प्राचीन साहित्य के प्रति प्रेम के साथ–साथ पाश्चात्य साहित्य के विरोधी भी नहीं थे। दोनों साहित्यों के सूक्ष्म अध्ययन के बाद उन्होंने एक नवीन शैली को जन्म दिया। वह आधुनिक उड़िया साहित्य के जन्मदाता माने जाते हैं। 'युद्धावतार' जैसा काव्यग्रंथ, संपूर्ण रामायण और महाभारत का अनुवाद तो उन्होंने किया ही उत्कल भ्रमण, पुष्पमाला, उपहार, लछमा, आत्मजीवन चरित जैसी कालजयी कृतियां भी दी। [illegible]

तेरहवीं शताब्दी से उन्नीसवीं शताब्दी के मध्य तक व बाद का समय आधुनिक काल कहलाता है।

इस भाषा में मिला पहला शिलालेख मैसूर के वेल्लूर के पास हलमिदी नामक गांव में है। कुछ विद्वान इसे ईसा की दूसरी शताब्दी का शिलालेख भी कहते हैं। दूसरा शिलालेख बीजापुर के बादामी से मिला। यह लगभग 700 ई. का है। संस्कृत का साहित्यिक प्रभाव इन पर प्रतीत होता है। 'कविराज मार्ग' कन्नड़ का एक प्राचीन रीतिग्रंथ है। इसके रचयिता राजा नृपतुंग को माना जाता है। इनका समय नवीं या दसवीं शताब्दी के आसपास का है। इस ग्रंथ में कई पूर्ववर्ती कवियों का उल्लेख भी है। नृपतुंग के परवर्ती कवियों ने अपने से पहले के कवियों की प्रशंसा भी की है। समन्त भद्र, कवि परमेष्ठी, पूज्यवाद, गुणवर्मा आदि इसी तरह के कवि हैं।

मध्यकाल के पूर्वार्द्ध में हुए महाकवि पम्प कन्नड़ के पहले बड़े कवि माने जाते हैं। इनके काव्य का प्रभाव ढाई सौ वर्षों तक कन्नड़ पर बना रहा। तीन शताब्दियां 'पम्प युग' के नाम से जानी जाती हैं। 'आदि पुराण' व 'समस्त भारत' इनके प्रमुख ग्रंथ हैं। पम्प के समकालीनों में पौन्ना और रन्न प्रमुख हैं। कन्नड़ का प्रथम गद्य ग्रंथ 'चातुण्डराय पुराण' है जो चातुण्डराय ने इसी काल में लिखा था। ग्यारहवीं शताब्दी के प्रमुख कवि हैं: नागवर्मा, नागचन्द्र। इनके ग्रंथ 'छंदोम्बुधि' और 'कन्नड़ कादम्बरी' व 'मल्लिनाथ पुराण' और 'रामायण' हैं। बारहवीं शताब्दी में प्रमुख कवि हुए जन्न। इनकी प्रमुख कृति 'यशोधरा चरित्र' है। इसी काल में कई कवियित्रयों का उद्भव भी हुआ। इनमें कान्ति प्रमुख है। द्वितीय नागवर्मा ने संस्कृत रहित कन्नड़ का रूप निर्धारित करने का प्रयत्न किया। इन्होंने एक व्याकरण ग्रंथ भी तैयार किया।

मध्यकाल का उत्तरार्ध तेरहवीं से उन्नीसवीं शताब्दी के बीच तक रहा। बारहवीं शताब्दी के 'वीरशैव आंदोलन' का व्यापक प्रभाव रहा और कन्नड़ का क्षेत्र तो व्यापक हुआ ही, उसका आधुनिक रूप भी तय हुआ। जहां काव्य की विविध शैलियों का जन्म हुआ, वहीं गद्य का विकास भी। रचनाकार संस्कृतशैली की [illegible] से मुक्त हुए और 'वचन साहित्य' का प्रणयन हुआ। [illegible] इसके जन्मदाता कहे जाते हैं। नैतिक शिक्षा इनका [illegible] था। हरिहर ने भी उल्लेखनीय रचना कर्म किया। चंपूशैली [illegible] रचना 'गिरिजा कल्याण' और रघवांक की रचना [illegible] काव्य' व 'हरिहर महत्व' महत्वपूर्ण हैं। दूसरी धारा 'वैष्णव काव्य' की है। कुमार व्यास का 'महाभारत' इसी धारा की रचना है। कवि लक्ष्मीश का 'जेमिनी महाभारत' भी इसकी उल्लेखनीय रचना रही। ये दोनों चौदहवीं शताब्दी की रचनाएं हैं। पन्द्रहवीं शताब्दी के कवियों में रत्नाकर वर्णी का नाम विशेष रूप से जाना जाता है। इनका 'भारत वैभव' और सौलहवीं शताब्दी के पुरन्दरदास के पद साहित्य और भक्ति का मिलाजुला रूप कहे जा सकते हैं। मैसूर के शासक चिक्कदेवराय भी एक अच्छे कवि थे। 'गीतगोविंद' और 'गीतगोपाल' का अनुवाद इनके समकालीन चिकुपोध्याय ने किया।

सत्रहवीं शताब्दी के प्रमुख कन्नड़ कवि हैं–षडक्षरदेव, भट्टालक, वसप्प, सर्वज्ञ। भट्टालक का 'कर्नाटक शब्दानुशासन' मुंम्पडि कृष्णराव (मैसूर नरेश) का 'गद्य भारत' और सुदण्णा का 'रामाश्वमेघ' प्रमुख ग्रंथ हैं। ऊपरी तौर पर कन्नड़ के मध्यकालीन तीन श्रेणियों में रखे जा सकते हैं–जैन कवि, वीर शैव कवि और ब्राह्मण कवि। एक हजार वर्ष की अवधि में कन्नड़ भाषा और उसके साहित्य ने तेजी से विकास किया। फिर उन्नीसवीं शताब्दी के मध्यकाल से कन्नड़ साहित्य का वर्तमानकाल प्रारंभ हुआ। इसका पहला चरण 1851 से 1900 ई. तक, दूसरा चरण 1900 से 1920 तक, तीसरा 1921 से 1938 तक और चौथा चरण 1939 से आज तक माना जाता है।

अठारहवीं शताब्दी में कन्नड़ भाषी धरती के कई खंडों में विभाजित हो जाने के कारण कन्नड़ साहित्य का विकास अवरुद्ध जरूर हुआ लेकिन रुका नहीं। इसी दौर में ईसाई धर्मप्रचारकों ने अपना प्रभाव स्थापित करने के लिए कन्नड़ भाषा और साहित्य का गंभीर अध्ययन किया। रेवरेंड किटल ने 'कन्नड़–अंग्रेजी शब्दकोश' तैयार किया। डां. कांडवेल ने द्रविड़ भाषाओं का तुलनात्मक व्याकरण लिखा। अंग्रेजी उपन्यास, कहानी, नाटक निबंध आदि का कन्नड़ अनुवाद प्रारंभ हो गया। साथ ही कैम्पूनारायण के 'मुद्रमंजूषा' जैसे ग्रंथ भी आए। पाश्चात्य प्रभाव में उपन्यास, कहानी, नाटक, निबंध लिखे जाने लगे। कैलासम, गोकाक, आद्य, पी. सदाशिवराव इस काल के युवा साहित्यकार थे। 1865 में 'कर्नाटक प्रकाशिका' प्रारंभ हुआ। यह कन्नड़ भाषा के आधुनिक विकास की तैयारी कही जा सकती है। 1914 में 'कन्नड़ साहित्य परिषद' की स्थापना हुई।

दूसरे चरण के प्रमुख रचनाकार हैं–एस.क़ट्टी, वी. एम. तट्टी, शांत, काव्यानंद, आलूट, वी. रामाराव, मगेश राव, नरसिंहाचार्य। तीसरा चरण स्वर्ण युग कहलाता है। 'तालिरु', 'गेलेयर गुम्पु' और 'मगठीर' मंडल का काम सुयोग्य हाथों में जा पहुंचा। नरसिंहाचार्य, के.वी. पुट्टप्प, राजरत्न, मधुरचेन्न और कडेंगोण्डलु इस काल के महत्वपूर्ण रचनाकार हैं।

उपन्यास लेखन में जहां बेटगिरि कस्तूरी, कारंत, मास्ति, वी.के.गोकाक, के.वी. पुट्टप्प आदि प्रमुख रहे तो कहानी लेखन में मास्ति की दार्शनिक कहानियां पहले आई। अन्य प्रमुख कहानीकार रहे–बेटगिरी, कृष्णकुमार, आनंद, गरुड़, गोपालकृष्णराव, गौरम्मा देवी। कन्नड़ नाट्य साहित्य में पूर्णनाटक, एकांकी और गीति नाट्य इस काल में पाए जाते हैं। दूसरी विधाओं में भी सक्रिय कई रचनाकारों के अतिरिक्त जो नाटककार सक्रिय थे वे हैं–रंग, कृष्णराव, के. वी. राघवाचार्य, डी.वी.जी, आदि। निबंध लेखन की दृष्टि से यह उल्लेखनीय समय रहा। एन.एन. मूर्तिराव, नारायण भट्ट, एन.के. कुलकर्णी, टी.एन.श्रीकंठय्य, कृष्णराव, पुट्टप्प और गोकाक के निबंधों में विविधता नज़र आती है। इस दौर में चरित्र, साहित्य, रेखाचित्र, आत्मकथा, रिपोर्ताज, यात्रा साहित्य, आलोचना आदि भी आने शुरू हो गए।

चौथे चरण में कतिपय रचनाकार और नये जुड़ गए। काव्य साहित्य में नई ऊर्जा से रचनाएं आई। पुट्टप्प ने अनुकांत 'रामायण' की रचना की। चौसर की तर्ज पर मास्ति ने 'नवरात्रि' की रचना की। बेंद्रे ने 'सखी गीता' लिखी तो गुण्टप्प ने 'कग्गा'। नरसिंह वाम अडिग, श्रीधर, विनायक आदि के अतिरिक्त गोविन्द पै, हेमन्त और सीतारामय्य आदि प्रमुख कवि रहे।

इस काल में राष्ट्रीय चेतना से परिपूर्ण काव्य में नया उन्मेष तो था ही, अभिव्यंजना और पौराणिक पात्रों का मानवीकरण भी

ख़ूब हुआ। नाटक, उपन्यास, कहानी, निबंध आदि के क्षेत्र में नए रचनाकार आए। इनमें एल.जे. येंद्रे, पर्वतवाणी, इनामदार, कट्टीयनी, के.टी.पुराणिक, अनंतमूर्ति, नाडिग और वाडधि प्रमुख हैं। आज कन्नड़ साहित्य में विविध वैचारिक लेखन तो हो ही रहा है, लेकिन प्रमुखतः पारंपरिक व प्रगतिशील यथार्थवादी रचनाकार हैं। आज सिद्धलिंगय्या, लक्ष्मीनारायण भट्ट, एच.एस. शिवप्रकाश, के.एस. नरसिंह स्वामी, गोपालकृष्ण आडिग, शांतिनाथ देशाई, वोलुकरु मुहम्मद कुंई, यशवंत चिन्ताल तो सक्रिय हैं ही, यू.आर. अनंतमूर्ति जैसे रचनाकारों ने कन्नड़ साहित्य को नई पहचान दिलाई है। पुट्टप्प, द. रा. येंद्रे, शिवराम कारंत और मास्ति वेंकटेश अय्यंगार सरीखे रचनाकार तो पहले से ही राष्ट्रीय स्तर पर उल्लेखनीय रहे हैं।

कश्मीरी

यह भारोपीय भाषा–समूह के 'दरह' परिवार की एक प्रमुख भाषा है। इसका जन्म 'पैशाची अपभ्रंश' से माना गया है। इस पर फारसी और संस्कृत का प्रभाव है। तेरहवीं शताब्दी के पूर्व का कोई कश्मीरी साहित्य उपलब्ध नहीं है। लेकिन तेरहवीं शताब्दी की प्रौढ़ कृति को देख कर यह अनुमान लगाया गया कि इससे पूर्व भी रचना होती रही होगी। कश्मीरी साहित्य का अध्ययन दो कालखंडों में किया जा सकता है–तेरहवीं शताब्दी से उन्नीसवीं शताब्दी के पूर्वार्ध तक प्राचीन साहित्य व उसके बाद आज तक आधुनिक साहित्य।

कश्मीर में आरंभ से ही संस्कृत सम्मानित भाषा रही है। राजभाषा बदल जाने पर फारसी ने ध्यान आकर्षित किया। संस्कृत के प्रभाव की कश्मीरी भाषा अलग पहचान में आती और फारसी के प्रभाववाली एकदम अलग नजर आती। कश्मीरी में उपलब्ध पहला ग्रंथ शितिकंठ नामक कवि ने 'महानय प्रकाश' लिखा। यह जयरथ के शिष्य थे। इसके बाद शैव दर्शन पर आधारित ग्रंथ मिलता है–'महाअर्थ मंजरी' यह महेश्वरानंद द्वारा रचित है। इसके बाद चौदहवीं शताब्दी में मिलता है 'ललवराण्य' जो विशुद्ध कश्मीरी में मिलता है। यह ललद्यद या ललेश्वरी की उल्लेखनीय कृति है। शेख नूरुद्दीन काश्मीर में सूफी मत का प्रचार करनेवाले प्रथम सूफी साधक थे। कश्मीरी में रचित इनकी सूक्तियां धरोहर हैं। 'बाणासुर वध' पन्द्रहवीं शताब्दी की रचना है। यह कश्मीरी का पहला महाकाव्य है। इसकी रचना महावतार ने की थी। यह हरिवंश पुराण पर आधारित व संस्कृत का प्रभाव मौजूद है। सुल्तान जेनुलाबिदीन का फारसी–कश्मीरी साहित्य के प्रति पर्याप्त प्रेम था। श्रीधर इन्हीं के दरबारी कवि थे। इन्होंने, कहते हैं बिल्हण की 'राजतरंगिणी' का कश्मीरी में पद्यानुवाद किया था। सुल्तान के दरबार में महमांस और योध भी थे जिन्होंने क्रमशः 'जैन चरित्र' और 'जैन विलास' की रचना की।

हब्बा खातून सोलहवीं शताब्दी की सर्वश्रेष्ठ कवियत्री हैं। कश्मीरी काव्य में गीतिकाव्य आरंभ करने का श्रेय इन्हीं को है। फारसी की बहरों के आधार पर कश्मीरी में छन्द विधान किया और विरह के अद्भुत अनुभवों को अभिव्यक्ति दी। कहते हैं हब्बा खातून ने ही 'कश्मीरी मौसीकी' नामक ग्रंथ का संपादन भी किया था। अठारहवीं शताब्दी में अरणिमाल गीति–काव्य रचने में हब्बा खातून के बाद प्रमुख रचनाकर्मी हुई। रूपभवानी की रचनाओं में ललेश्वरी का अनुगमन नजर आता है। करम बुलंदखान स्वच्छकाल, शाह गफूर आदि रहस्यवादी रचनाकार भी अठारहवीं शताब्दी में हुए। महमूद गामी ने फारसी कवि निजामी के 'पंजगंज' का कश्मीरी रूपांतर किया। रसूल मीर, वहाबखार व परमानंद उन्नीसवीं शताब्दी के कवि हुए। हसन सूफी, रहमान डार, मकबुल शाह, शमस फकीर और दरवेश भी इसी समय के रहस्यवादी कवि हैं।

उन्नीसवीं शताब्दी के पूर्वार्द्ध में एक तरफ सूफी कवि अध्यात्म–रचनाकर रहे थे तो दूसरी तरफ कश्मीरी रचनाकार कृष्ण–काव्य व राम–काव्य में रमे हुए थे। साहिब कौल का 'कृष्णावतार' सत्रहवीं शताब्दी में रचा गया था और उसके बाद परमानंद का 'सुदामाचरित्र' आता है। इन्होंने 'शिवलगन' भी लिखा। अठारहवीं शती में ही दिवाकर प्रकाश रचित 'रामावतार चरित' फारसी काव्य शैली का प्रभाव लिए है। उन्नीसवीं शताब्दी के पूर्वाध में 'शंकर रामायण' प्रमुख कृति आई। इसी के आसपास कश्मीरी में प्रेम काव्य भी खूब रचा गया। महमूद गामी की 'यूसुफ जुलेख' 'शीरी–खुसरो' व 'लैला–मजनू' जैसी फारसी असर की रचनाएं उल्लेखनीय हैं। इस दौरान फारसी अंदाज के कुछ शाहनामें भी लिखे गए।

1851 के आसपास कश्मीरी का आधुनिक युग प्रारंभ होता है। इसके पहले चरण में परमानंद के निधन के बाद उल्लेखनीय रचनाकार रहे– अजीजुल्लाह हक्कानी, कलंदरशाह, अब्दुल अहमद नजीम, मोहियुद्दीन, ख्वाजा अकरम, रहमान दर। कृष्ण राजदान और नाजिम ने उल्लेखनीय काम यह किया कि लोक साहित्य की ओर लोगों का ध्यान आकृष्ट किया।

दूसरा चरण मकबूल करलावारी की यथार्थवादी कविताओं से प्रारंभ होता है। परिजादा गुलाम अहमद महजूर उन कवियों में प्रमुख थे जो राष्ट्रीय भावना से ओत–प्रोत रचनाएं कर रहे थे। इनकी 'ग्रीस्तिकूर' (किसान की बेटी) और 'काशिर जनान' (कश्मीरी औरत) प्रमुख रचनाएं हैं। इनके बाद जो कवि सामने आए, उनमें अब्दुल अच्छे आज़ाद, पं. दयाराम, जिन्दा कौल, मिर्जा गुलाम हसन बेग आदि प्रमुख हैं। इस काल में पाश्चात्य साहित्य के असर में भी कुछ रचनाएं की गई। अम्यार दार और फाजिल ने रचना में रोमांस लाने का शुरुआती काम किया। कश्मीरी गद्य की शुरुआत अनुवाद से हुई। रेवरेंड टी.आर.वाड़े ने कश्मीरी में 'बाइबिल' का अनुवाद किया। 'तफसीलए कुरान' और 'मिसल' की रचना भी इसी दौर में हुई। ईश्वर कौल ने कश्मीरी व्याकरण 'कश्मीरी सब्दामृत' तैयार किया।

नया दौर तीसरे चरण में शुरू हो गया। अब्दुल अहद आज़ाद ने 'शिकवए इबलीस' में समाज को बदलने का आह्वान किया। फानी, काफूर और नाज भी राष्ट्रीयता के सुर में गाने लगे। आरीफ ने 'मगर कारवां सौन' लिखा।

चौथे चरण में दबी हुई राष्ट्रीयता की भावना फिर उभार पर आई और दीनानाथ नादिम जैसे रचनाकारों ने लिखा–'मेरी जवानी ताजी है।' उनका 'बम्बुर यम्बर जल' उल्लेखनीय गीति नाट्य है। रोशन, प्रेमी, कामिल, अलमस्त मजबूर इस दौर के अन्य प्रमुख रचनाकार हैं। कामिल कश्मीरी के प्रयोगवादी कवि हुए। 'साकीनामा' इनका स्मरणीय ग्रंथ है। गज़ल से बाहर निकल कश्मीरी कविता विविध छन्दों और रूपों में सामने आई। नये छन्द तो आए ही मुक्त छन्द भी रचना का माध्यम बने। नाट्य लेखन

स्तक है न्यू टेस्टामेंट का अनुवाद। यह 1818 में प्रकाशित आ।

वीसवीं शताब्दी के शुरुआती दौर में हरिदत्त शास्त्री, दीनीभाई त और वाद में कुंवर वियोगी जैसे रचनाकार सक्रिय रहे। ाजनैतिक कारणों से डोगरी को अभी तक न्यायोचित दर्जा नहीं मेल पाया है। लोककथाओं के प्रभाव से शुरु हुई डोगरी कहानी । धीरे–धीरे विकास किया है। चालीस के दशक में पहला संग्रह काशित हुआ 'पहला फुल्ल' "उच्चियां धारां, वहुत वाद में आया। सुई तागा' के काफी वाद जव साठ का दशक आया तव कहीं डोगरी कथा ने जमीन हासिल की। 'खीरला मानु', 'कोले दियां ीकरां' और 'काले हत्थ' 1959 के आसपास प्रकाशित कहानी संग्रह हैं। मदन मोहन, नरेंद्र खजूरिया, वेद राही की अच्छी शुरुआत के वाद डोगरी कहानी परवान चढ़ती शुरु हुई। ओ.पी. शर्मा, ओम गोस्वामी, देशवंधु डोगरा 'नूतन', वन्धु शर्मा, छत्रपाल, अश्विनी मगोत्रा, ललित मगोत्रा, कृष्णा प्रेम, चमन अरोड़ा आदि ने डोगरी की कहानी को राष्ट्रीय स्तर पर परिचित करा दिया है।

नैहतें पोटे, हाशिए दे नोट्स, नहेरे दा समुन्दर, टापू दा आदमी, खीरली वून्द, परशामें, सुर ते ताल आदि इस दौर के उल्लेखनीय कहानी संग्रह हैं।

1969 में डोगरी मे सिर्फ तीन शुरुवाती उपन्यास मौजूद थे। कुछ अनुवाद भी थे। लेकिन 'फुल्ल विना डाली' पहला उल्लेखनीय उपन्यास आया। नरसिंह देव जम्वाल ने 1976 में उपन्यास प्रकाशित कराया 'सांझी धरती वखले माहण'। ओ.पी. शर्मा सारथी ने चार लघु उपन्यासों से एक नई प्रतीक शैली परिचित करा दी। देश वंधु डोगरा 'नूतन' ने कैदी, प्योके भेजो, जंगली लोक जैसी रचनाओं से डोगरी साहित्य को [illegible] किया। डोगरी में नाटक वहुत अधिक नहीं लिखे गए, [illegible] रामनाथ शास्त्री का नाटक 'वावा जित्तो', दीनू भाई का 'अयोध्या' भी चर्चित रहे। नरसिह देव जम्वाल ने [illegible] व 'अल्हड़ गोली वीर सिपाही' सरीखे नाटक [illegible] नये प्रयोग किए हैं। जितेंद्र शर्मा का 'कुंजाशादी' उल्लेखनीय नाटक है। नुक्कड़ नाटकों में मोहनसिंह ने अच्छे प्रयोग किए हैं।

हास्य लेखन में लक्ष्मी नारायण, रेखा चित्रों में चम्पा शर्मा ने उल्लेखनीय काम किया है। 'डुग्गर का सांस्कृतिक इतिहास' और 'डोगरी साहित्य दा इतिहास' ऐसी कृतियां हैं जिन्होंने इतिहास लेखन के नए दरवाजे खोले हैं। 'शीराज़ा', 'साडा साहित्य', 'जोत' और 'नमीं चेतना' जैसी पत्रिकाएं भी आज इस भाषा के साहित्य के विकास के अवसर जुटा रही हैं। पद्मा सचदेव डोगरी की सुपरिचित कवियत्री है। 'मेरी कविता मेरे गीत' के लिये इन्हें 1971 में साहित्य अकादमी सम्मान भी मिल चुका है। यह जव–तव डोगरी से हिन्दी में अनुवाद भी करती हैं। सच पूछें तो हिन्दी और डोगरी के वीच एक पुल हैं! पदमा सचदेव। इन्होंने कविताएं, कहानियां, यात्रावृन्त और साक्षात्कारों की विधा का भी अपने अंदाज से विकास किया है। डोगरी में 'तवी ते झन्हां, न्हैरियां गलियां, 'पोटा पोटा निम्वल' और 'उत्तर वहनी' जैसे काव्य संग्रह तो दिए ही 'नौशीन' और 'अव न वनेगी देहरी' जैसे उपन्यास भी लिखे। डोगरी को उसका हक दिलाने के लिए उनकी सक्रियता देखते ही वनती है।

तमिल

द्रविड़ परिवार की भाषाओं में तमिल का एक महत्वपूर्ण स्थान है। इस भाषा का साहित्यिक रुप 'शेंतमिल' और लोक रूप 'कोडुंतमिल' कहा जाता है। इसमें वहुत पहले से ही दो लिपियां प्रचलित हैं। 'वट्टएषुतु' और 'ग्रन्थम'। इस भाषा में किसी भी शब्द का आरंभ संयुक्ताक्षर से नहीं होता। तमिल साहित्य के विकास को कई खंडों में देखा जाता है–संघपूर्व काल, संघकाल, संघोत्तर काल, भक्ति काल, कम्वनकाल, मध्य काल और आधुनिक काल।

तमिल साहित्य का प्रारंभ ईसा की पांच–छह शताब्दी पूर्व हुआ। पांड्यराजाओं ने इस भाषा की सुरक्षा और विकास में पूरा ध्यान दिया। उन्होंने संघ स्थापित किए और उनके विद्वानों द्वारा भाषा को समृद्ध कराया। पहले संघ के किसी एक सदस्य ने 'अगत्तियम' की रचना की। यह व्याकरण ग्रंथ था। यह भी मान्यता है कि यह ग्रंथ अगस्त्यमुनि ने रचा। पहले संघ का ग्रंथ अनुपलब्ध है, इसलिए दूसरे संघ काल को ही प्रमाणिक माना जाना चाहिए। इस काल का ग्रंथ 'तोलकाप्पियम' ईसा से तीन सौ वर्ष पूर्व रचा गया। 1278 सूत्रों में यह ग्रंथ 'अगत्तियम' के आधार पर ही रचा गया। संघ पूर्व काल के वाद संघ काल आता है। तृतीय संघ की स्थापना सन् 150 ई. के आसपास हुई थी। विलुप्त प्राय इस काल के ग्रंथ महामहोपाध्याय डा. स्वामीनाथ अय्यर ने खोज निकाले। इन में एट्टुतोगै, पत्तुप्पाट्टु और पतिनेणकीषकणक्कु तीन महान ग्रंथ हैं। इस काल में 18 नीतिग्रंथों की रचा हुई। इनमें छह प्रेम प्रधान और शेष पुरम् काव्य है। 'तिरुक्कुरल' तिरुवल्लुवर रचित ग्रंथ इसी काल के है। भाषिक मितव्ययता इस काल की विशेषता है। इस काल के प्रमुख कवि हैं – अव्वैयार, कपिलर, नक्कीरर, परणर, कणियन।

संघोत्तर काल तक संस्कृत व अन्य भाषाओं के संपर्क से तमिल का पर्याप्त विकास हो गया था। इस काल में रचित पांच महाकाव्य विशेष हैं। चिलप्पधिकारम्, मणिमेखले, जीवक चिंतामणि, वड्डयापति, कुण्डलकोशि। नीलकेशी, चूड़ामणि, यशोधर काव्यम्, नागकुमार काव्यम् उदयणन कदै आदि इस काल के प्रमुख खंड काव्य हैं। इनकी रचना जैन कवियों ने की।

भक्ति काल का समय 600 से 900 ई. तक माना गया है। जैन व वौद्ध प्रभाव दक्षिण भारत में प्रारंभ हो चुका था। इसी समय शैव और वैष्णव कवियों का आविर्भाव भी हुआ। अधिकांश रचनाएं संत कवियों ने कीं। शैव संतों की रचनाएं 'तिरुमुकै' और वैष्णव संतों की रचनाएं 'तिरुवायमोलि' कहलाईं। शैव काव्य रचना का प्रारंभ कारक्काल अम्मैयार ने किया। यह एक विरक्त महिला थीं। 'कइलैतिरुवन्दादि' इनकी प्रसिद्ध रचना है। माणिक्कवाचकर, तिरुज्ञानसम्वदर, सुंदरमूर्ति आदि इस काल के प्रमुख शैव कवि है। तिरुमंदिरम में संग्रहीत तीन हजार आध्यात्मिक रचनाओं के रचयिता तिरुमूलर भी इसी समय के हैं। वैष्णव भक्त 'आण्डवर' कहलाए। वैष्णव धर्माचार्यों के जीवन चरित्र 'गुरुपरम्परा' ग्रंथ में संग्रहीत हैं। आण्डवर संतों के चार हजार पद संग्रहीत हैं– 'नालायिर दिव्य प्रवन्धम' में। पेरियालवार के 416 पद स्मरणीय माने जाते हैं। आण्डाल को इस की श्रेष्ठ कवियत्री माना जाता है। तिरुमलिशै इस काल के दार्शनिक कवि थे। 'तिरुमाले' तिरुप्पाण आण्डवर की इस काल की प्रमुख

कृतियां हैं। अन्य प्रमुख कवि हैं—नामळवार, तिरुमंगै आण्डवर, कुलशेखराळ्वार आदि।

महाकवि कम्यन की रचना 'कम्यरामायण' एक अमर कृति है। इसी कारण दसवीं से चौदहवीं शताब्दी के बीच का समय 'कम्यन काल' कहलाता है। 'कम्यरामायण' की रचना 12 हजार 'विरुनाम' छन्दों में हैं। संभवतः यह पहला दृश्यकाव्य है। इस काल के अन्य प्रमुख कवि हैं—ओट्टक्कूत्तर, पुकलेंदि, पट्टिणत्तार, शेक्किलार और कच्चियप्पर शिवाचारियार। इस काल में रचित शास्त्रीय ग्रंथों में व्याकरण व रीति ग्रंथ उल्लेखनीय हैं। 'तोलकाप्पियम', 'अहप्पोरुल', 'नन्नूल, 'नेमिनादम' (गुणवीर पंतिर) 'याप्पेरुंगलम' व 'याप्पेरुगल—मक्कारिकै' (क्रमशः गुणशेखरम व अमृतशेखर) तो रचे ही गए अन्य कई महत्वपूर्ण संस्कृत अनुवाद भी हुए।

पंद्रहवी शताब्दी से उन्नीसवीं शताब्दी तक मध्यकाल आता है। इस की पहली दो शताब्दियों में टीकाएं आदि हुईं। इनसे गद्य लेखन की शुरुआत मानी जा सकती है। बाद में कवि इरट्टयार, मधुर कवि अष्ठकिय देशिंकर, अतिवीर राम पाण्डियर, वरतुंगपांडियर, परजोति आदि प्रमुख कवि हुए। ग्यारहवीं से तेरहवीं शताब्दी तक तमिल में वीर रस की रचनाएं भी हुई। चौदहवीं शताब्दी के अंतिम चरण में कवि पट्टिवत्तार ने जो रचनाएं दीं उनमें तत्कालीन जीवन की निराशा साफ नजर आती है। अन्य संत कवियों की रचनाएं 'तिरुप्पुगळ' में संकलित हैं। सिद्धों की दक्षिण में भी एक परंपरा रही है। तायुमानवर स्वामि रचित 'सिद्धर गणम' ऐसी ही कृति हैं। सत्रहवीं शताब्दी के शिवज्ञान बोधम', कैवल्यनवनीतम' आदि के अतिरिक्त आनंद रंग पिल्लै का रोजनामचा अठारहवीं शताब्दी की प्रमुख धरोहर है।

उन्नीसवीं शताब्दी के तमिल साहित्य में रामलिंगर, सुंदरम पिल्लै, वेदनायकम, गोपालकृष्ण भारती और तिरिकूडराजप्प कविरायर का प्रमुख स्थान है। काव्य और गद्य रचनाएं, उपन्यास भी इस युग में लिखे गए। गोपाल कृष्ण भारती ने युग प्रवर्तक कवि की भूमिका निभाई। इनका 'नन्दनार चरित्रम' स्मरणीय ग्रंथ हैं।

बीसवीं शताब्दी पुनर्जागरण की शताब्दी है। सुब्रमण्यम भारती के आगमन ने नया प्रकाश फैला दिया। पद्य—गद्य दोनो पर समान अधिकार वाले वह राष्ट्रीय रचनाकार हुए। 'पांचालि शपदम, कुइलपाट्टु और ज्ञानरथम' उल्लेखनीय भारतीकृत रचनाएं हैं। उनका 'चंद्रिकै कथै' उपन्यास अधूरा ही रह गया। गांधी आंदोलन पर उनकी प्रभावपूर्ण रचनाएं हैं। तविनायकम अडिकल, भारती दासन भी इस काल के प्रमुख रचनाकार हैं।

तमिल में नाट्य परंपरा पी. संबन्द मुदलियार से सही अर्थों में प्रारंभ हुई। वी.के. सूर्यनारायण, एफ.जी.नटेश अय्यर, पार्थसारथी प्रगुख नाटककार हुए। राजम अय्यर के बाद उपन्यासकारों में माधवय्या प्रमुख हैं। पद्मावतीचरित्रम और विजय मार्तण्डम इनके प्रमुख उपन्यास हैं। 'जटा वल्लाभर' नरेश शास्त्री का मूल उपन्यास है। इन्होंने उल्लेखनीय अनुवाद भी किए। रंगराजू वडुवूर दुरैसामी अयंगर और आर.के. नारायण ने भी प्रभावशाली उपन्यास लिखे। नये उपन्यास का वातावरण कल्कि ने बनाया। देवन, स्वर्णम्वाल्ल सुब्रमण्यम, लक्ष्मी, कुमुदनी अनुत्तमा आदि के उपन्यासों ने भी अपनी पहचान बनाई।

वी.वी.अय्यर और वेंकटंगणि ने कहानी की जिस परपरा का सूत्रपात किया वह धीरे धीरे विकास करती रही। राजगोपालाचार्य, पुदुमैप्पित्तन, कु.प.राजगोपालन, अखिलन, जगन्नाथन, वी.वी.एस.अय्यर आदि बीसवीं शताब्दी के महत्वपूर्ण कथाकार हैं। व.वे.सुब्रमण्य अय्यर ने आलोचना का प्रारंभिक काम किया। टी.वी. कल्याण सुंदरम तमिल गद्य के जनक ही कहे जाते हैं। निबंधकारों में कल्याण सुंदरम, राजगोपालाचार्य, सन्तानम, अविनाशलिंगम और वेंकटाचारी ने उल्लेखनीय काम किया। बाद में पूरी एक पीढ़ी और निबंधकारों की आई जो सक्रिय है। लोक साहित्य, चरित्र साहित्य और विविध अधुनातन विषयों के लेखन से भी तमिल भाषा का विकास हो रहा है। पत्र—पत्रिकाओं में 'स्वदेश मित्रन' ने जो सफर शुरु किया था उसके बाद "इन्दिया', 'तमिलनाडु' 'दिनमणि', 'भारतदेवी', 'चिन्तामणि', 'नवशक्ति' आदि ने उसे आगे बढ़ाया। 'मणिक्कोडि' तमिल का प्रमुख पाक्षिक माना गया। पत्र—पत्रिकाओं से आधुनिक तमिल भाषा को नित नया रूप मिल रहा है।

तेलुगु

द्रविड़ परिवार की प्रमुख भाषा है तेलुगु। संस्कृत व प्राकृत से सर्वाधिक प्रभावित इस भाषा में सहज माधुर्य है। कहते हैं—'तेलुगु' शब्द की उत्पत्ति 'तेनुगु' से हुई जिसका सबसे पहले प्रयोग आदि कवि नन्नय भट्ट ने किया। तेलुगु साहित्य का विकास बाह्य आक्रमणों से अप्रभावित रहकर ही हुआ। इसका आदिकाल सन् 600 ई. से 1000 ई. तक माना जाता है। नन्नय भट्ट की रचना, इस भाषा की आदि कृति 1020 ई. के आसपास की है। इसकी समृद्ध भाषा देखकर यह अनुमान लगता है कि पहले से साहित्य रचना होती रही होगी। इसका पहला व्याकरण संस्कृत में लिखा मिलता है। सन् 600 ई. के एक शिलालेख में अंकित पद्यमय पंक्तियों के बाद सन् 844, 889, 927 और 934 ई. के शिलालेख भी देखे गए। नन्नय पूर्व का तेलुगु साहित्य देशी और मार्गी, दो ही रुपों में मिलता है।

तेलुगु साहित्य का पौराणिक काल 1000 से 1500 ई. तक माना जाता है। इस काल का अधिकांश रामायण व महाभारत पर आधारित है। प्रारंभ में नन्नय भट्ट ही एक अनुवादक के रुप में सामने आए। 'महाभारत' का तेलुगु में पद्यबद्ध अनुवाद इन्होंने प्रारंभ किया जिसे बाद में यरन्ना ने पूरा किया। आंध्रशब्द चिंतामणि, चामुण्डिका विलासमु, इन्द्रसेन विजयमु नन्नय भट्ट के अन्य प्रमुख ग्रंथ हैं। नन्नय के समकालीन कवि थे नारायण भट्ट। तिकन्न सोमयाग्वी सन् 1220 में जन्मे नियोगी ब्राह्मण थे। 'निर्वचनोत्तर रामायण' इनकी पहली कृति है। तिकन्न के बाद यर्रन्न महत्वपूर्ण माने जाते हैं। 'हरिवंश पुराण' का तेलुगु में अनुवाद तो किया ही, इन्होंने 'लक्ष्मी नरसिह पुराण' भी लिखा। पवालुरी मल्लन्ना, इलगती पेदन्ना, भीम कवि, अर्थवर्णाचार्य, भद्रभूपति, नन्नेकोड, सोमनाथ आदि बाद के महत्वपूर्ण कवि हैं।

कवि भास्कर तेरहवी शताब्दी मे हुए। इनकी रामायण तेलुगु में सर्वाधिक लोकपिय हुई। 'उत्तरहरिवंशम्' और '[illegible] विलासम्' इनकी प्रमुख कृतिया है। इस काल के अन्य [illegible] हुए। गौरन्ना, जगन्ना, पोतना, पेछन्ना आदि। सन् [illegible] 1625 तक का काल प्रबन्ध ग्रंथों की रचना [illegible] काल कहलाता है। यह इस भाषा के साहि[illegible] जाता है। विजय नगर के राजा कृष्ण[illegible]

यह काल प्रारंभ हो गया था। 'आमुक्त माल्यद' इनका प्रमुख तेलुगु काव्य है। इनके कुछ दरबारी कवियों ने भी प्रबंध काव्य लिखे। विनक्कोडवल्लभरायलु पन्द्रहवीं शताब्दी के पहले चरण के प्रमुख कवि हुए। इस शताब्दी के उत्तरार्ध में अनेक कवि हुए। इनमें ताल्लपाक्क अन्नमाचार्य, सिंगय्या वेमन्न उल्लेखनीय हैं। सोलहवीं शताब्दी के पूर्वार्द्ध में श्रीकृष्ण देवरायलु, पेदना तिम्मन्न, मलन्न, धूर्जटि और नृसिंह प्रमुख माने जाते हैं तो उत्तरार्ध के कवियों में तल्लयाक, चिन्नन, तेनालि रामकृष्णुडु, मल्लारेड्डि, शंकर आदि उल्लेखनीय हैं। इस काल में भक्तिपरक और श्रृंगारपरक साहित्य की रचना प्रमुख रूप से हुई।

सन् 1625 से 1850 तक ह्रास काल कहलाता है। इस काल के साहित्य में राष्ट्रीय चेतना का सर्वथा अभाव रहा। दक्षिण में अंग्रेजों के प्रवेश से स्थिति काफी बदल गई थी। राजनैतिक स्थिति का तेलुगु साहित्य व भाषा के विकास का विपरीत प्रभाव पड़ा। सत्रहवीं शताब्दी के उत्तरार्ध के कवियों में कामेश्वर सर्वप्रमुख हैं। 'सत्यभामा सान्त्वनु' इनका उल्लेखनीय ग्रंथ है। अठारहवीं शताब्दी के कवियों में शेषमु वेंकटपति, जग्गकवि, लक्ष्मण कवि, कनकेति पापराजु, तिम्मन्न रंगकवि, अय्यलराजु नारायण, लिंगमूर्ति और सोमशेखर उल्लेखनीय हैं। अधिकांश कवि दरबारी थे। उन्नीसवीं शताब्दी के कवियों में कृष्णमूर्ति शास्त्री, जगन्नाथ कवि, पार्वतीश्वर, वेंकटाचार्य की गणना होती है। इस काल में सीतारामाचार्यलु को तेलुगु का प्रामाणिक शब्द कोश तैयार करने का श्रेय मिला। 'जैमिनीभारतमु' जैसे ग्रंथ से तेलुगु में गद्य की प्रतिष्ठा प्रारंभ हुई। मुस्लिम शासकों ने भी तेलुगु रचना में उत्साह दिखाया। इनकी प्रेरणा से अमीरुलशाह ने तेलुगु में काव्य रचना की। ईसाई कवियों में भी दो सत्रहवीं शताब्दी में तेलुगु में रचना कर चुके थे।

उन्नीसवीं शताब्दी संपन्न होते-होते पाश्चात्य साहित्य व ... का प्रभाव जिस तरह समूचे भारत पर पड़ता नजर आ रहा ..., ठीक वैसे ही तेलुगु भाषी समाज की स्थिति भी थी। इस दृष्टि से तेलुगु साहित्य वा भाषा को समृद्ध करने की सार्थक भूमिका वीरेश लिंगम ने निभाई। वह पुरानी रुढ़ियों के विरोधी थे और समाज को नई दिशा देना चाहते थे। उनके नाटक, उपन्यास, निबन्ध, पत्रकारिता संबन्धी लेखन ने महत्वपूर्ण प्रभाव पैदा किया। इन्होंने सबसे पहले नारी शिक्षा व विधवा-विवाह के समर्थन में माहौल बनाया। जीवनी व आत्मकथा जैसी विधाओं में भी वीरेश लिंगम का महत्वपूर्ण काम है। वड्डादि सुब्बाराव, जयन्ति रामय्या, सुब्बाराव वासुदेव, काशी भट्ट आदि इस काल के प्रमुख कवि माने जाते हैं। शेषाद्रि शर्माकृत अनुवाद कार्य भी इसी काल में हुआ।

विश्वनाथ सत्यनारायण को जो ख्याति बाद में मिली वह कम ही कवियों को मिल पाती है। श्रृंगार वीथि, आंध्रप्रशस्ति, शशिदूतम, किन्नेर सानियाटलु जैसी कृतियों ने इन्हें पर्याप्त सम्मान दिलवाया। रामप्रोलु सुब्बाराव स्वच्छन्द धारा के कवि हुए। आधुनिक कवियों में पिंगलि लक्ष्मी कान्तमु और वेंकटेश्वर राव प्रमुख हैं। सीताराम मूर्ति चौधरी तेलुगु के राष्ट्रीय कवि तो माने ही गए इन्होंने महात्मा गांधी की आत्मकथा का पद्यानुवाद भी किया।

तेलुगु साहित्य में प्रगतिवाद की झलक सन् 1940 के आसपास दिखनी प्रारंभ होती है। इस दृष्टि से श्रीरंगम श्रीनिवास राव शुरुआती कवि हैं। चदलुवाड पिच्चय्य की कोशिशों से 'आंध्रप्रगतिशील लेखक संघ, की स्थापना सन् 1940 में हुई। तेलंगाना आंदोलन के दौर में दाशरथि की कविताएं खूब सराही गई। नवीन उन्मेष के कवियों में श्रीराम शास्त्री, विश्वम, रामुलु रेड्डी, नारायण रेड्डी और दाशरथि उल्लेखनीय हैं। वीरेश लिंगम की दिखाई राह पर नाट्य साहित्य भी आगे बढ़ा। इनके बाद धर्मवरम कृष्णमाचार्य, वेदं वेंकटराय शास्त्री, कोलाचलम श्रीनिवास राव आदि बीसवीं शताब्दी के पहले चरण के प्रमुख नाटककार हैं। बाद में नाटककारों की एक पूरी पीढ़ी तैयार हुई। आधुनिक नाटककारों में आत्रेय, बाला त्रिपुर सुंदरी, मल्लडि विश्वनाथ शर्मा और अवधानी उल्लेखनीय माने जा रहे हैं।

उपन्यास, कहानी, आलोचना, निबन्ध व शास्त्रीय लेखन के विकास की भी तेलुगु में सहज यात्रा है। पत्र-पत्रिकाओं के प्रकाशन के साथ ही यह गतिवान होती चली गई। 'विवेकवर्धिनी' से प्रारंभ होकर क्रमशः 'भारती', 'जयंती', 'संस्कृति' 'किन्नरी', 'कृष्णा', 'आंध्रपत्रिका', आंध्रप्रभा' आदि के माध्यम से तेलुगु भाषा नया विकास पा रही है।

वी. राजाराममोहन राय, दादा हयात, राचमल्लु रामचन्द्र रेड्डी, के.ए.वाई.पतंजलि, एम.एस.एन.शास्त्री, आचार्यतिरुमल, सी.नारायण रेड्डी, वेई भीमन्ना जैसे कथाकार और कवि तो राष्ट्रीय स्तर पर पढ़े और जाने जाते हैं।

नेपाली

प्राकृत से निकली नेपाली भारतीय आर्य परिवार की ऐसी भाषा है जो यथोचित विकास कई कारणों से नहीं कर पाई। इस साहित्य में रचना का आरंभ काव्य से हुआ। सुवानन्द दास पहले उल्लेखनीय कवि माने गए। संस्कृत से अनुवाद के माध्यम से काव्य रचना का आरंभ हुआ। अच्छी बात यह है कि नेपाली का प्राचीन गद्य साहित्य भी साथ-साथ चला। भानुभक्त ने 'अध्यात्म रामायण' का अनुवाद किया तो भानु दत्त ने 'हितोपदेश मित्रलाभ'। 'महाभारत' का अनुवाद भी आगे के कवियों के लिए प्रेरक रहा। 'कृष्णचरित्र' नेपाली का पहला खंडकाव्य माना जाता है। इसके रचयिता हैं — वसंतशर्मा।

'पंचतंत्र' के नेपाली अनुवाद को नेपालीकथा के लिए एक टर्निंग प्वाइंट माना जाता है। नारायण भट्ट रचित 'हितोपदेश', कहते हैं पंचतंत्र और जातक कथा के आधार पर रचा गया। शक्ति वल्लभ आर्याल कृत 'हास्य कदंब' (1798) और सुन्दरानन्द बाड़ा कृत 'त्रिरत्न सौंदर्य गाथा' (1832) संस्कृत, प्राकृत और अपभ्रंश साहित्य के आख्यान से ही प्रेरित हैं।

प्रेमनिधि पंत, दीर्घमान, मोतीराम भट्ट, पुष्पनाथ लोहनी, देवीप्रसाद सामकोटा आदि की रचनाएं पुराणों और महाकाव्यों से प्रेरित हैं। सन् 1821 में नेपाली में 'स्वस्थानी व्रत कथा' की रचना ने नेपाली जागरण में उल्लेखनीय भूमिका निभाई। नेपाली कथा को प्रारंभिक प्रेरणा ऐय्यार-कथाओं से मिली। 'बीट सिक्का', 'लाल हीरा', अचम्मका बच्चा को कथा' 'हातिमताई की कथा' और गुलबकावली' आदि बहुत लोकप्रिय हुई। नेपाली कथा के विकास में दन्त्य कथा, बालुन और सवाई की महत्वपूर्ण भूमिका है। 'सुनके स्त्रीरानी को कथा' (1920), 'पिनास को कथा, 'जैमिनी बालुन', 'पंचक

प्रपंच' दशावतार को वालुन' 'तीज को कथा,' 'मोटको लड़ाई को सेवाई' मतालु छोटी को वर्णन' और 'श्री मच्छिन्द्रनाथ को कथा' आदि इस दृष्टि से धरोहर हैं।

आधुनिक नेपाली कथा तो सन् 1934 के बाद ही सामने आई। बनारस से प्रकाशित 'गोर्खा भारत जीवन', 'उपन्यास तरंगिनी', उन्नीसवीं शताब्दी के उत्तरार्ध की दो महत्वपूर्ण पत्रिकाएं हैं। इसके बाद 'सुधा सागर' मासिक का समय प्रारंभ हुआ। बाद में तो 'गोर्खा पत्र, काठमांडू से और 'खबर कागत' दार्जिलिंग से प्रारंभ हुआ। प्रथम विश्वयुद्ध के दौरान बनारस के प्रकाशकों ने गोरखा फौजियों के कैम्प में बिकने वाली पुस्तकें खूब छापीं। 1918 में 'रतन सिंह गुसंग को आउटपोस्ट को कथा' अंग्रेजी से नेपाली में अनूदित हुई। दार्जिलिंग से पत्रिका 'चंद्रिका' प्रारंभ हुई। 1926 के आसपास तो देहरादून से प्रकाशित 'गोर्खा संसार' में मौलिक कहानियां प्रकाशित होने लगीं। रुपनारायण सिंह की कहानी अन्नपूर्णा 1927 में प्रकाशित हुई। लाहुरे की कहानी 'देवी को वलि' ने नये सफर की शुरुवात कर दी। इसी बीच रुद्रराज पांडे का उपन्यास 'रुपमती' प्रकाशित हुआ तो एक लहर ही आ गई। लेकिन रुपनारायण सिंह के उपन्यास 'भ्रमर' ने नये संस्कार भी दिए। 1934 के आसपास प्रकाशित पहले उपन्यास के बाद फिर क्रमशः नेपाली कथा जगत में विकास ने गति पकड़ ली। शिवकुमार राई, असीत राई, लीला वहादुर क्षेत्री, भवानी भिक्षु, गोविंद गोठाले, विजय मल्ल, पारिजात, विश्वेश्वर प्रसाद कोइराला, मत्स्येंद्र प्रधान और ध्रुव चन्द्र गौतम ने नेपाली उपन्यास को नए क्षितिज दिए हैं। आंचलिक कथाकारों में शंकर कोइराला, दौलत विक्रम विष्ट और सुवास घिसिंग के नाम उल्लेखनीय हैं।

नासो (1935) और 'पराईघर' 'सपना को संझना' (1936) और 'धनमती को सिनेमा को स्वप्न' ने नेपाली कहानी की जमीन तैयार की। 'कथाकुसुम' पहला मौलिक संग्रह 1938 में प्रकाशित हुआ जिसमें बालकृष्ण सम, गुरुप्रसाद मैनाली और पुष्कर शमशेर की कहानियां हैं। स्वतंत्रता के पूर्व तीन कहानी संग्रह नेपाली के प्रकाशित हुए लेकिन नेपाली कथा साहित्य का सही विकास स्वातंत्रयोत्तर काल में ही हुआ। 1960 के बाद की नेपाली कहानी अलग ही ढंग की है।

प्रेम प्रधान, सांत गुरुंग, शंकर सुब्बा फागो, गोपीचन्द्र प्रधान, आई.के. सिंह, माधव घुड़थोकी आदि 1980 के पूर्व के महत्वपूर्ण कथाकार हैं। इन्द्रबहादुर राई ने बाद में और नए कथा–प्रयोग किए हैं। इस दृष्टि से ईश्वर वल्लभ, परशुराम रोका, इन्द्र सुन्दास, रमेश विकल और पोषण पांडे ने भी सराहनीय काम किया है।

साहित्यलोचना की दृष्टि से इन्द्र बहादुर राई, लहरबी देवी सुन्दास और डा. कुमार प्रधान के बाद विर्ख खड़की डुवर्सेली, घनश्याम नेपाल आदि ने उल्लेखनीय काम किया है।

पंजाबी

भारतीय आर्य भाषाओं की तरह पंजाबी का उद्गम भी प्राकृत के अन्तिम रुप अपभ्रंश से हुआ। जिस अपभ्रंश से पंजाबी का विकास हुआ उसे टक्क अपभ्रंश कहा जाता है। सिंधी के बाद पंजाबी ही ऐसी भाषा है जिसमें मध्यकालीन भाषा के अधिकांश रुप सुरक्षित हैं। पंजाबी में कई शब्द ऐसे हैं जो बौद्ध और जैन ग्रंथों में भी विद्यमान हैं। पंजाबी तीन लिपियों में लिखी जाती है–देवनागरी, फारसी और गुरुमुखी। इसकी असल लिपि गुरुमुखी ही है।

पंजाबी साहित्य के विकास का प्रस्थान बिंदु फरीद शकरगंज से मानते हैं। इससे कुछ शताब्दी पहले पंजाबी एक बोली के रुप में मौजूद थी। पंजाबी का आदिकाल 1177 से 1450 तक माना जाता है। मध्यकाल सन् 1451 से 1850 तक का और आधुनिक काल 1851 से वर्तमान तक है।

फरीद की रचनाओं में आदर्श पंजाबी, हिन्ददी और मुलतानी, तीनों रुप नजर आते हैं। उनकी भक्ति भावना और सोच का गहरा असर पंजाब पर पड़ा। फरीद के बाद गुरुनानक का साहित्य उल्लेखनीय है। इनमें दो सौ वर्षों का अंतराल आता है। इस बीच युसुफ–जुलेखा, शीरीं फरहाद सरीखी रचनाएं हैं जो लौकिक प्रेम पर आधारित हैं।

पंजाबी के मध्यकाल को गुरुनानक काल, नानकोत्तर काल और रणजीत सिंह काल में विभाजित करना ठीक होगा। गुरुनानक ने सिक्ख पंथ की स्थापना की और ज्ञान, भक्ति व कर्म के साथ सहज योग को सामने रखा। भक्ति और प्रचार के लिए उन्होंने काव्य को माध्यम बनाया। नानक साहित्य को दो मार्गों में देखा जा सकता है – 'आदि ग्रंथ' में , संग्रहीत व गद्य–पद्य ग्रंथों में उद्धरित। फारसी, पंजाबी, हिन्दी छन्दों में गुरु नानक ने करीबन 16 अन्य ग्रथों का प्रणयन किया। नानक काल के अन्य कवियों में गुरुअंगद देव, अमर दास, रामदास, अर्जुन देव, हर गोविन्द, तेग बहादुर और गुरु गोविन्द सिंह उल्लेखनीय हैं।

नानकोत्तर काल 1708 से 1800 तक माना जाता है। इस काल में प्राचीन साहित्य का संकलन ही था। गुरुओं का ऐतिहासिक विवरण, क्रमबद्ध करना, प्रेमगाथाओं की रचना, संस्कृत और व्रज भाषा के साहित्य का अनुवाद व भक्तिपूर्ण रचना इस काल में किया गया प्रमुख काम है। इतिहास पुरुषों से संबंधित गाथाएं भी लिखी गईं। अद्रन शाह, अहमद, अली हैदर, अमरदास, सुंदरदास, अरुरसिंह, गुरुदास सिंह इत्यादि सौ में भी अधिक कवि हुए। हीर की प्रेमकथा को हमीद ने सर्वोत्कृष्ट रुप में प्रस्तुत किया। केसर सिंह और सेवा सिंह के योगदान को भी महत्वपूर्ण माना जाता है।

रणजीत सिंह काल 1800 से 1850 तक माना जाता है। इस काल में पंजाबी लेखकों ने फारसी छन्दों में पर्याप्त रचनाएं कीं। ऐतिहासिक आख्यान उर्दू–पंजाबी में लिखे गए। उर्दू–पंजाबी में कृष्णकाव्य भी रचा गया। नसीर इन कवियों में प्रमुख रहे।

अब्दुल हकीम, अहमद यार, अलक्खशाह, बालमुकुंद, वसनासिंह, दयालसिंह, हाशम, इलाही बख्श, संतोष सिंह, तेजभान आदि अनेक प्रमुख कवि हुए। काव्य के अतिरिक्त नूर हुसैन ने 'भगवत गीता', प्रताप सिंह ने 'राधा गीत संगीत' और संतोष सिंह ने भी कई ग्रंथ गद्य में दिए। पंजाबी में विपुल अनुवाद इस काल में हुआ।

गुरुगोविंद सिंह के बाद प्रेम काव्य की धीरे 'प्रेम भक्ति' से भक्ति का भी लोप कवियों ने लौकिक प्रेम पर अध्यात्म का बुल्लेशाह महत्वपूर्ण हैं। इनके बाद इश्क ही बन गया साहित्य का। दामोदर, वारि

मुहम्मद परीखे उल्लेखनीय रचनाकारों ने पंजाबी साहित्य का नया मार्ग प्रशस्त किया।

पंजाबी के गद्य के बारे में स्पष्ट है कि इसका प्रारंभ तो धार्मिक आवश्यकता के चलते ही हुआ। उत्तर मध्यकाल के गद्य में संत वचन, गद्यानुवाद, जीवन चरित्र, संवाद वाणीविश्लेषण, हिन्दू ग्रंथों का अनुवाद, सिद्धांत विवेचन, गुरुनानक की जन्म साखी, वार्ताएं, हाजिरनाम आदि प्रमुख हैं। सर्वाधिक महत्वपूर्ण माना जाता है–मेहरबान सिंह द्वारा लिखित गुरु नानक का जीवन चरित्र।

आधुनिक काल का आरंभ होता है 1851 से। इस काल में पंजाबी गद्य का विकास राष्ट्रीय आंदोलन के साथ–साथ हुआ। विशुद्ध पंजाबी में गद्य रचनाएं होने लगीं। ब्रजभाषा के असर से मुक्ति ले ली गई। भाई वीरसिंह आधुनिक पद्य के और भाई मोहन सिंह आधुनिक गद्य के जनक माने जाते है। भाई वीर सिंह के समकालीनों में काहन सिंह, चरण सिंह, पूरण सिंह, धनीराम चात्रिक प्रमुख हैं।

आधुनिक कवियों में फिरोजदीन शरफ, विधानसिंह, गुरुमुखसिंह मुसाफिर, प्रीतम सिंह आदि उल्लेखनीय हैं। वर्तमानकाल के डा.मोहनसिंह और अमृता प्रीतम को सबसे उंचा दर्जा हासिल है। मोहन सिंह, 'माहिर' नाम से काव्य रचना करते हैं। अमृता का 'वारिसशाह के प्रति' कविता ने उन्हें विशेष सम्मान दिलाया। अमृता कथा साहित्य में भी समान रुप से सम्मानित हैं।

'सुभद्रा' पंजाबी का पहला नाटक माना जाता है। इसके रचनाकार थे प्रो. ईश्वर चन्द्र नंदा। इनके बाद बलवंत गार्गी ने सर्वाधिक महत्वपूर्ण नाटक दिए हैं। प्रारंभिक उपन्यासों में वीर सिंह के 'सुन्दरी', 'विजय सिंह' और 'सतवन्त कौर' की गणना होती है। नानक सिंह आधुनिक काल के प्रमुख उपन्यासकार है। ... 'मतरेई मा' 1928 में प्रकाशित हुआ था। इसके बाद ... उपन्यासकार उल्लेखनीय काम कर सके, उनमें कर्तार सिंह ..., सुंदर सिंह नरुला, मास्टर तारा सिंह और जसवत सिंह की गणना होती है। 'पूरणमासी' को जसवन्त सिंह की उत्कृष्ट रचना माना गया।

पंजाबी कहानी की स्थिति अन्य विधाओं की अपेक्षा बहुत सुखकर है। 1935 के आसपास पंजाबी कहानी ने जड़ें जमाना प्रारंभ कर दिया था जब संत सिंह सेखों जैसे कथाकार आए। कर्तार सिंह दुग्गाल, कुलवंत सिंह विर्क की कहानियों ने तो राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाई। 'लिखारी' के प्रकाशन से कहानियों को एक मंच मिला। सुजान सिंह व अमृता प्रीतम की कहानियों की भी अपना विशिष्ट स्थान स्वीकार किया गया। आज तो तीन–चार कथा पीढ़ियां पंजाबी में सक्रिय हैं। 'नागमणि' के माध्यम से भी रचनाएं आ रही हैं।

वीरसिंह और मोहन सिंह के बाद पंजाबी साहित्य के लिए विविध रंगी विकास का काम किया गुरुबख्श सिंह ने। 'प्रीत लड़ी' के प्रकाशन से रचनाकारों को एक नया मंच तो मिला ही गुरुबख्श सिंह के निबन्धों ने पंजाबी में नई राह खोल दी आधुनिक गद्य साहित्य में काहन सिंह, तेजासिंह, गंडा सिंह जैसे विद्वानों ने जो काम रचनात्मक, शोध और प्रस्तुति के रुप में किया उससे पंजाबी साहित्य नई सीढ़ियां चढ़ गया।

कथाकारों में आज बूटा सिंह, चंदन नेगी, अजीत कौर, जसवंत सिंह विरदी प्रमुख हैं तो लाल सिंह दिल, हरभजन हलवारवी, अवतार, मंजीत टिवाणा सरीखे कवियों की एक भरी पूरी जमात भी सामने है। सुरजीत पातर व महिन्दर सिंह सरना जैसे रचनाकारों ने तो पंजाबी साहित्य को नई जमीन ही दी है। आत्मकथा, डायरी, स्केच, रिपोर्ताज और नव्यतम विधाओं में पंजाबी साहित्य रचा जा रहा है।

बंगला

मगधी अपभ्रंश से बंगला मूलतः उद्भूत है। इस भाषा में 45 फीसदी शब्दों का व्यवहार संस्कृत से है। बंगला की अपनी लिपि है। इस भाषा के विकास को हम तीन चरणों के साहित्य में देख सकते हैं। इसका आदिकाल सन् 900 से 1200 तक, मध्यकाल 1200 से 1840 तक और आधुनिककाल 1840 से आज तक माना गया है।

बारहवीं शताब्दी के अंतिम चरण में तुर्की आक्रमण तक बंगला में निर्मित उल्लेखनीय साहित्य नहीं मिलता। संस्कृत में रचित तीन ग्रंथ जरूर मिलते हैं। जिनके रचनाकार 'जयदेव', अभिनंदन और संध्याकर हैं। जयदेव का समय बारहवीं शती के अंतिम चरण में राजा लक्ष्मण सेन के शासन का है। बंगला की पहली रचना मानी जाती है – 'रचना चर्यापद'। इसकी खोज महामहोपाध्याय हरप्रसाद शास्त्री ने की और बाद में इसे 'हजार बछरेर पुराण बंगला भाषाय बौद्धगान ओ दोहा' नाम से प्रकाशित कराया। इसी काल में बंगला में कुछ पूजागीत, गाथा, लोकगीत, व्रत कथाएं आदि भी आईं। बंगला साहित्य के इतिहास में इसे 'हिन्दू बौद्ध काल' कहा जाता है। 'शून्य पुराण' के बाद आदिकाल का एक उल्लेखनीय ग्रंथ है–'अनिलपुराण'। खेलाराम का 'धर्म मंगल काव्य', 'गोरक्ष विजय' के अतिरिक्त कुछ पोथियां भी मिलती हैं। 'माणिक चांदेरगान' को ड़ा. ग्रियर्सन ने 11 वीं शताब्दी का बताया है। प्राचीन बंगला साहित्य में गोपीचंद और भरतरी की रचनाएं भी मिलती हैं। डाक और खना के वचन भी प्राचीन माने जाते हैं।

बंगला साहित्य का मध्यकाल तीन हिस्सों में समझा जा सकता है–पूर्व मध्यकाल, उत्तर मध्यकाल और संधिकाल। पूर्वमध्यकाल 1200 से 1600 के बीच का है। जयदेव के बाद का समय उनके प्रभाव में रहा। कृतिवास ओझा की 'रामायण' इसी काल की है। मालाधर वसु की 'कृष्णलीला काव्य' और 'श्रीकृष्ण विजय' आज भी पढ़ी जाती हैं। हुसैन शाह के समय 'मनसा मंगल' की रचना विजय गुप्त ने 1495 ई. में की। यशोराज खां कृत 'कृष्ण मंगल', श्रीधर कृत 'विद्यासुंदर' तो उल्लेखनीय हैं ही लेकिन चंडीदास कृत 'श्रीकृष्ण कीरति' और उनसे एक शताब्दी पहले हुए विद्यापति का प्रभाव भी बंगला में लंबे समय तक बना रहा। बंगला साहित्य में पन्द्रहवीं शताब्दी से कृष्ण काथा की सुस्पष्ट परंपरा मिलती है। नरहरि सरकार, वंशीवदन, वासुदेव घोष, गोविन्द माधव, वासुदेव गुप्त, गोविंदाचार्य और माधावाचार्य आदि प्रमुख वैष्णव बंगला कवि इसी काल के हैं। चैतन्य महाप्रभु की जीवनी से संबंधित साहित्य, कृष्णमंगल काव्य और चंडीमंगल काव्य भी रचे गए।

उत्तर मध्यकाल में वैष्णव काव्य छाया रहा। सत्रहवीं शताब्दी के प्रारंभ में नरोत्तम की पदावली बंगला साहित्य को समृद्ध करती है तो श्रीनिवास और नरोत्तम के शिष्य कवियों ने भी अच्छी रचनाएं कीं। जीवनी काव्य, अनुवाद और स्वतंत्र पद खूब रचे गए।

कविराज वल्लभ का 'वंशी विलास' और गोपीवल्लभ दास कृत 'रसिक मंगल ग्रंथ' इसी समय के हैं।

सत्रहवीं शताब्दी में 'श्रीकृष्ण विलाप', 'भक्तिमान प्रदीप' 'दुर्गामंगल', 'रायमंगल' जैसे ग्रंथ और अलाओल जैसे रचनाकार प्रमुख हैं। शेखचांद कृत 'रसूल विजय' और शाह मुहम्मद सगीर कृत 'यूसूफ जुलेखा' भी उल्लेखनीय हैं। धर्म पूजा काव्य की दृष्टि से श्याम पंडित, रामदास कृत रचनाएं प्रमुख हैं।

अठारहवीं शताब्दी के बंगला साहित्य की कुछ विशेषताएं उल्लेखनीय हैं। मुद्रण और गद्यलेखन का आरंभ इसी काल में हुआ। 'बंगाल पोर्तगीज' शब्दकोश तैयार कराया गया। इस काल में वैष्णव कथा रचना तो होती ही रही, संस्कृत से अनुवाद भी जारी रहा। 'गीत कल्पतरु' या 'पद कल्पतरु' इस काल का सर्वाधिक काव्यग्रंथ है जिसमें डेढ़ सौ के करीब कवियों के तीन हज़ार पद संकलित हैं। मंगल काव्य परंपरा का विकास तो हुआ ही 'विद्या सुंदर काव्य' की रचना भी हुई। बलराम, भारतचन्द्र राय, रामप्रसाद सेन, राधाकांत मिश्र, प्राणराम चक्रवर्ती आदि इसके प्रमुख कवि हैं। ईस्ट इंडिया कंपनी के शासन काल में प्रारंभ हुए अनुवाद कार्य से बंगला गद्य के शुरुआती दौर में काफी सहायता मिली। विलकिन्स ने बंगला का टाइप तैयार कराया और मुद्रण प्रारंभ हुआ।

वैसे संधिकाल, जो 1801 से 1850 तक चला, बंगला गद्य के विकास का उल्लेखनीय समय है। फोर्ट विलियम कालेज की स्थापना 1800 ई. में क्या हुई, भाषा–विभाग ने अपना काम शुरू कर दिया। विलियम केरी ने व्याकरण, कोश और कुछ संकलन तैयार किए। 'प्रतापादित्य चरित्र' और 'हितोपदेश' के प्रकाशन से बंगला गद्य को दिशा मिली। रामराम बसू पहले गद्यकार माने गए। राममोहन राय, राधाकान्त देव, कालीकृष्ण देव ने उल्लेखनीय काम किया। दिक्कत यही थी कि प्रारंभिक गद्य ग्रंथों को 'किरस्तानी' मान लिया गया और बड़ा समुदाय उनसे न जुड़ा। 'दिग्दर्शन', 'समाचार दर्पण' और 'बंगला गजट' से तो नया माहौल ही तैयार होने लगा।

बंगला का आधुनिक काल 1851 से प्रारंभ होता है। इसका पहला चरण 1851 से 1900 तक माना जाता है। ईश्वर चंद्र विद्यासागर आधुनिक बंगला साहित्य के भीष्म हैं। इनके अनुवाद 'बेताल पंचविंशति' के बाद बंगाल का इतिहास, जीवन चरित, बोधोदय, शकुंतला, चरितावली आदि के अतिरिक्त 'व्याकरण कौमुदी' की प्रस्तुति ने उल्लेखनीय योगदान किया। 'तत्वबोधिनी' पत्रिका का सम्पादन तो अक्षयकुमार दत्त ने किया ही 1852 में प्रकाशित उनका निबंध संग्रह प्रमुख घटना माना जाता है। भुदेव मुखोपाध्याय और राजनारायण वसु ने भी इस काल में रचना और अनुवाद का कार्य किया।

रंगलाल बंद्योपाध्याय इस काल के प्रमुख कवि हैं। अपने कविता शुरू ईश्वरचंद्र गुप्त की शैली का विकास ही इन्होंने किया। कृष्णचंद्र मजुमदार ने धर्म और नीतिपरक रचनाएं कीं। इसी समय युगप्रवर्तक कवि मधुसूदन दत्त आए। कई भाषाओं के ज्ञाता तो यह थे ही, अंग्रेजी में लेखन के बाद यह बंगला में भी लिखने लगे। इनका महाकाव्य 'मेघनाथवध' अमित्राक्षर छन्द में है। यह छन्द इन्हीं का बनाया है।

महाकवि रवीन्द्रनाथ का आगमन बंगाल साहित्य के लिए वरदान साबित हुआ। इनकी पहली काव्यकृति 'ज्ञानांकुर' में प्रकाशित होने के बाद 1879 में पुस्तकाकार छपी। 'संध्या संगीत', 'चित्रांगदा', 'सोनारतरी' से होते हुए रवींद्रनाथ चित्रा, चैताली और कल्पना तक पहुंचे। सन् 1900 तक रवींद्रनाथ में एक बदलाव नज़र आता है जहां वह 'क्षणिका' लिखते हैं। 'गीतांजलि' से तो समूचा भारतीय साहित्य ही गौरवान्वित हुआ। इस काल में बंगला में नाट्य साहित्य, की समृद्ध परंपरा रही ही, 'कादंबरी', से ताराशंकर तर्करत्न ने उपन्यास की पगडंडी खोल दी। लेकिन बंगला उपन्यास को सही दिशा और सामर्थ्य देने वाले पहले रचनाकार बंकिम चन्द्र चट्टोपाध्याय। इनकी प्रेरणा से इन्द्रनाथ बंद्योपाध्याय आदि ने भी उपन्यास लेखन किया लेकिन आधुनिक काल के पहले बड़े उपन्यासकार हुए रवींद्रनाथ। कहानी, निबंध–लेखन व पत्र–पत्रिकाओं के जरिए बंगला साहित्य भारतीय साहित्य में विशेष स्थिति बनाता चला गया। रवींद्रनाथ ने बाल साहित्य की दिशा में भी उल्लेखनीय प्रारंभिक योगदान किया। बंगला साहित्य के आधुनिक काल का दूसरा चरण 1901 से प्रारंभ होता है। 1906 में रवींद्रनाथ की कृति 'रवेया' और 1910 में 'गीतांजलि' के प्रकाशन ने एक नए युग का सूत्रपात किया। 1913 में रवींद्रनाथ को 'गीतांजलि' के लिए नोबेल पुरस्कार मिला। वह विश्वकवि हो गए। बंगला गद्यकाव्य के जनक भी रवींद्रनाथ हैं। उनके समकालीनों में देवेन्द्रनाथ सेन, द्विजेन्द्रलाल राय, करुणानिधान बनर्जी आदि प्रमुख थे।

इस काल में कवि काज़ी नजरुल इस्लाम का प्रमुख स्थान है। 1919 में यह बंगला साहित्य में कथाकार बतौर आए थे। राष्ट्रकवि नजरुल ने जन जागृति का साहित्य दिया तो प्रगतिवादी युग में बुद्धदेव वसु, गोकुल नाग, जीवनानंददास प्रमुख रचनाकार रहे। सुकांत भट्टाचार्य, सुभाष मुखोपाध्याय की कविताओं ने नया ही स्वर दिया। नाट्य साहित्य में रवींद्रनाथ ने प्रमुख शुरुआत की और फिर द्विजेंद्रलाल राय न गिरीष घोष सरीखे रचनाकार इस विधा में आए।

आधुनिक काल के दूसरे चरण में बंगला उपन्यास को रवींद्रनाथ व शरत चन्द्र चट्टोपाध्याय सरीखे लेखक मिले। 'चोखेद बालि' (आंख की किरकिरी) 'नौका डूबी', 'गोरा', 'जीवनस्मृति' व 'घरे बाहिरे' रवींद्र के प्रमुख उपन्यास हैं। शरत युग ने तो बंगाल साहित्य को बड़ा पाठक वर्ग दिया। उनका पहला उपन्यास 'बड़ी दीदी' 1908 में प्रकाशित हुआ था। इनके बाद शैलजानंद मुखर्जी, प्रेमेन्द्र मित्र, ताराशंकर बंद्योपाध्याय, आशापूर्णा देवी, नरेन्द्र मित्र, समरेश बसु और माणिक बंद्योपाध्याय प्रमुख हैं। कथालेखन में भी यही रचनाकार प्रमुख रहे। भारतीय पाठकों में सर्वाधिक पढ़े गए बाद के दो उपन्यासकारों में विमल मित्र और महाश्वेता देवी प्रमुख हैं। महाश्वेता को तो भारतीय ज्ञानपीठ सम्मान भी प्रदान किया गया।

बंगला निबंध में रवीन्द्रनाथ से प्रारंभ परंपरा क्रमशः प्रमथ चौधरी, धूर्जटीप्रसाद मुखोपाध्याय, विपिन चन्द्र पाल, गोपाल हालदार, प्रमथनाथविशि से होती हुई आज की पीढ़ी तक आ पहुंची है। इस दिशा में महाश्वेता देवी का लेखन महत्वपूर्ण है।

मणिपुरी

यह तिब्बती–बर्मी भ

जाने वाली भाषा का नि

साहित्यक परंपरा को आदिकाल, मध्यकाल व आधुनिककाल में विकसित होते हुए देखा जाता है। 17 वीं सदी के अंत तक आदिकाल और उसके बाद 19 वीं सदी के मध्य तक मध्यकाल तथा इसके बाद आधुनिक काल माना जाता है।

33 वीं ई. में परखंया के गद्दी पर बैठते ही कुछ अभिलेख तैयार हुए। प्रारंभ में लोक साहित्य की समृद्ध परंपरा रही। 'तुमित काव्य' और 'नेकोनितन खोत फंवल काव' का समय सोलहवीं शताब्दी के उत्तरार्ध का बताया गया है। 'लेत्वक लेखोल' व 'पंतोईबि खोंगुड' सत्रहवीं शताब्दी से हैं। मणिपुरी में गद्य लेखन प्रारंभिक काल में ही प्रारंभ हो गया था।

कतिपय भारतीय कृतियों के उत्कृष्ट अनुवाद भी मणिपुरी में हैं। 'हिजाहिराओ' को इस दृष्टि से श्रेष्ठ माना जाता है। अठारहवीं शताब्दी में प्रमुख कवि हुए लवंग सिंह। 'राम नो गवा' उनकी प्रमुख कृति मानी जाती है।

आधुनिक मणिपुरी कथा साहित्य की समृद्ध परंपरा को प्रारंभिक (1933 से 1948), विकास काल (1948 से 1965), स्वर्ण काल (1965 से 1980 तक) और वर्तमान काल (1980 से अब तक) के रुप में विभक्त किया गया है। डा. लमावम कमल सिंह लिखित 'वृजेंद्रगी लुहोड्बा' को पहली मणिपुरी कहानी माना गया है। यह पत्रिका ललित मंजरी में सन् 1933 में प्रकाशित हुई थी। आधुनिक मणिपुरी साहित्य के इतिहास में वर्ष 1946 महत्वपूर्ण है। राजकुमार शीतल जीत सिंह के दो कहानी संग्रह इस वर्ष आए 'लैकोनुइन्दा' और 'लैनुड्स'।

विकास काल में आंचलिक कथाओं का दौर रहा। नैतिक शिक्षा व आदर्श साहित्य के केंद्र में रहे। एलाडयम रजनीकांत के दो संग्रह 'चिडया तमया' और मुमगी मां' 1950 के बाद प्रकाशित हुए। 1965 के आसपास तो मणिपुरी कथाकारों में ...ह देखते ही बनता है। महाराज कुमारी विनोदनी देवी, ... कुंजमोहनसिंह, खमनथेम प्रकाशसिंह, हिजम गुण ..., शिजगुरुवयुम नीलवीर शास्त्री, श्री बीरेन, चित्रेश्वर शर्मा ... किस्म की कहानियां लिखनी प्रारंभ की। 'कृतनुंगाई चंद्रमुखी (1965), इलिसा अमगी महओ (1973), ... राम (1965), फिजङ मरुमदा (1969), शन्नबुड्दा ...978), डरिहि लाकूले (1980) इस काल के प्रमुख कथा ...। 1980 के बाद की मणिपुरी कहानी में प्रयोग प्रारंभ हो जाते हैं। अकहानी की मार स्वच्छंदता, कुंठा वा संत्रास लेकर आती है। इस समय के प्रमुख कहानीकारों में एलाङ्वम दीनमणि सिंह, तोङ्मोनयम बीरेन, लमावम बीरमणि सिंह, धुमलेमनम इयोगबासिंह, किशोर चांद, प्रियकुमार, शरतचंद्र, एलाङ्बम सोनमणि सिंह आते हैं। इन सभी के कहानी संग्रह प्रकाशित हो चुके हैं। समकालीन मणिपुरी कविता की शुरुआत 1949 में एलाडयम नीलकांत सिंह से मानी जाती है। इनकी कविता 'मणिपुरी' इस दृष्टि से उल्लेखनीय है। इनसे पूर्व हिजम इरावत की कविताओं ने नएपन की अलख जगानी प्रारंभ कर दी थी। इनका संग्रह डा. देवराज के अनुसार प्रकाशित हुआ 1987 में 'इमागी पूजा' शीर्षक से। दुर्भाग्य से यह रचनाकार के निधन के 36 वर्ष बाद प्रकाशित हुआ।

'मणिपुरी साहित्य परिषद' व 'मणिपुर हिन्दी परिषद' सरीखी संस्थाओं से रचनात्मक माहौल बना। कोङ्जम इबोपिशप, एन.जोतिरिन्द्र लवाङ और पे. कोकडाङ सिंह जैसे कवियों की रचनाओं में नयी हवा विचार और यथार्थ के दर्शन होते हैं। को. हेमचन्द्र, रंजीत डबल्यू, यू.मंगीचंद्र, यु. इयोमचा सिंह, ए. नीलकान्त सिंह, एवेमपिशक देवी, सनरुपा इबोतोम्बी, रतन थिमस, श्रीबीरेन आदि की कविताएं मणिपुरी कविता को राष्ट्रीय स्तर के आधुनिक बोध से जोड़ने में सक्षम है। 'मैते मरुप' आंदोलन अधिक भले ही न फैल सका हो, लेकिन 1930 में ही इसने अपनी जड़ें जमा ली थीं जिसके कल्ले 1960 में जाकर फूटे। यद्यपि यह साहित्यक आंदोलन नहीं है, लेकिन इसका प्रभाव रचनाओं पर नजर आता है। रा. कु. मधुबीर की कविताएं इस आलोक में देखी जा सकती हैं। लाइश्रम समरेन्द्र का व्यंग्यात्मक लहजा अलग ही प्रभाव रखता है।

आज हिजम इरावत सिंह, भेमचौबी, माखोनमनि मोङ शाबा, दिलीप मयेङ्बम, एस. लनचनेबा मीतै, दोनेश्वर कोन्सम, के. कुलध्वज, बीरेन्द्रजीत नाओरेम, बरकन्या देवी, कुंजरानी लोङजम चनु सरीखे कई कवि सक्रिय हैं। मणिपुरी साहित्य विकास की ओर निरन्तर उन्मुख है।

मराठी

मराठी का जन्म महाराष्ट्री अपभ्रंश से हुआ। मराठी में संस्कृत के तत्सम शब्द खूब मिलते हैं। पाली के भी कुछ शब्द यहां हैं। पैशाची, मागधी और अर्धमागधी का प्रभाव भी है लेकिन अपभ्रंशों में महाराष्ट्री में ही रचना अधिक हुई। इसकी अनेक विशेषताएं मराठी ने ग्रहण की हैं। स्वामी मुकुंदराज कृत 'विवेक सिंधु' मराठी का पहला ग्रंथ माना जाता है। इसकी रचना सन् 1188 में हुई थी। एक शताब्दी बाद संत ज्ञानेश्वर की 'ज्ञानेश्वरी' सामने आई। इस काल तक मराठी पर्याप्त विकास कर गई थी। अनुमान है कि मराठी का उद्भव ईसा की आठवीं शताब्दी के पूर्व हुआ होगा। 'पंचतंत्र' का मराठी रुपांतर भी प्रारंभिक ग्रंथों में है। उपलब्ध सामग्री को आधार बनाएं तो इस भाषा के क्रमिक विकास पर बारहवीं शताब्दी से ही विचार किया जा सकता है। ज्ञानेश्वर हुए राजा रामदेव के काल में। इसी समय नामदेव, नरहरि, मुक्ताबाई, परसा भगत वा अन्य कई भक्त कवि रचनाएं कर रहे थे।

मराठी का यादव काल 1188 से 1240 तक माना जाता है। इस समय यह फारसी के प्रभाव से एकदम मुक्त रही। लेकिन इस काल के बाद मराठी की स्थिति बिगड़ने लगी। नरसिंह सरस्वती व जनार्दन स्वामी ने इसे संभाला और सही दिशा दी। एकनाथ स्वामी ने 'ज्ञानेश्वरी' का भाषा-संस्कार कर उसे घर-घर तक पहुंचाया। इन्हीं के समय के दासोपंत ने भी विपुल साहित्य रचना की। यादव कालीन मराठी बहमनी काल में ज्यादा संस्कृत निष्ठ हो गई। मुस्लिम संपर्क से फारसी शब्दों का प्रवेश भी होने लगा। शिवाजी काल में प्रयत्न यह रहा कि फारसी के शब्दों को निकाल दिया जाए लेकिन यह सरल न था। इस काम में तीन सौ वर्ष लग गए। शिवाजी काल में तुकाराम व समर्थ गुरु रामदास हुए। शुद्ध मराठी में रचना का उत्साह बढ़ा।

पेशवाकाल 1700 से 1800 तक माना जाता है। इस समय मराठी फिर फारसी आकर्षण में बंधने लगी। 1801 के बाद अंग्रेजों का समय आता है। अंग्रेज शिक्षाशास्त्रियों ने पं. विद्यानाथ की मदद से एक कोश प्रकाशित कराया। सदाशिव काशीनाथ इस युग के महत्वपूर्ण रचनाकार हैं। बालगंगाधर

शास्त्री, जनार्दन, अप्पाजी गाडगिल व हरिशंकर ने मराठी साहित्य के विकास में योगदान किया। संस्कृत नाटकों का मराठी में अनुवाद इसी समय हुआ। विनायक राव कीतने के नाटक ऐतिहासिक थे। इसके बाद आधुनिक काल प्रारंभ होता है। 25 जुलाई 1905 को लार्ड कर्जन ने बंगाल के दो टुकड़े करवा दिए तो आंदोलन ही प्रारंभ हो गया। महाराष्ट्र में लोकमान्य तिलक ने नेतृत्व संभाला। पहले दौर में यदि हरिभाउ आपटे, वामन राव जोशी व गड़करी ने साहित्यिक रचनाएं कीं तो दूसरे दौर में तिलक, सावरकर, परांजपे और भोपटकर सामने आये इनसे पूर्व कतिपय अंग्रेजी अनुवाद और महादेव गोविंद कोल्हरकर की पुस्तक 'प्राकृत कविते ची पुस्तक' ही प्रकाशित हुई थी।

1921 के बाद के कवियों में राजकवि तांबे, चंद्रशेखर, नामदेव, गोखले, देशपांडे, साने गुरूजी, कुसुमाग्रज आदि प्रमुख हैं। कवियित्रियों में संजीवनी मराठे, इन्दिराबाई प्रमुख है। बाद के दो दशकों में छायावादी व प्रयोगवादी प्रकृति के कवि हुए जिनमें य.द.भावे, मनमोहन, मुक्तिबोध और करदीकर चर्चित रहे। केशव मेश्राम, द.भा.धामणस्कर, नारायण कुलकर्णी कावठेकर इधर राष्ट्रीय पहचान के कवि हैं।

संस्कृत अनुवाद से प्रारंभ मराठी का नाट्य साहित्य क्रमशः विकास करता रहा। किर्लोस्कर के बाद गो.व. देवल, खाडिलकर, कोल्हरकर, गड़करी, दरेरकर, मामा वरेरकर, वामनराव जोशी, अत्रे आदि ने मराठी नाटक को विकसित किया। आज तो मराठी नाटक की भारतीय नाट्य जगत में विशेष स्थिति है। रांगणेकर, भोले, फड़के, वड़ेकर, शिखड़कर, देशपांडे आदि के बाद भी कई पीढ़ियां सक्रिय हैं नाटक के क्षेत्र में।

मराठी उपन्यास 1875 के बाद गति पा सका। इससे पूर्व कुछ जासूसी उपन्यास ही लिखे गए थे। इसके बाद 'शिरस्तेदार', 'नारायणराव' व 'स्त्री चरित्र' जैसे उपन्यास आए तो सुधार प्रारंभ हुआ। हरिनारायण आपटे ने सामाजिक व ऐतिहासिक उपन्यासों का सिलसिला बनाया। हरि आपटे, नाथ माधव, वामन मल्हार जोशी के उपन्यास तो इस युग में आए ही। अनुवाद रूप में भी बहुत से उपन्यास पाठकों को मिले। 1920 के बाद फड़के, खांडेकर, साने गुरूजी, जोशी आदि प्रमुख उपन्यासकार रहे। बाद में महिला उपन्यासकारों ने भी मराठी को समृद्ध उपन्यास दिए। 1940 के बाद दलित उभार की रचनाओं से मराठी साहित्य को नई दिशा मिली। उपन्यास भी अछूता न रहा। 'मजूर', 'माहित्यांचि मंजुला', 'जंगलांतील छाया' व 'उघड्या जगत' सरीखे उपन्यास इसकी शुरुआती कड़ी हैं।

मराठी के प्रायः सभी उपन्यासकारों ने कहानी-लेखन भी किया। मराठी में कहानी लेखन 1920 के बाद आरंभ हुआ। 1923 में दिवाकर कृष्ण का कहानी संग्रह 'समाधि आणि सहा इतर गोष्ठी' प्रकाशित हुआ। यह पहला उल्लेखनीय प्रयास था। इनके बाद वि.स.खांडेकर, ना.सी. फड़के, यशवंत गोपाल जोशी आदि की पीढ़ी की रचनाएं आई। महिला कथाकारों में पिरोज आनंदकर, शशिकला, क्षमाबाई, कमलाबाई, कुसुमावती देशपांडे, मालती बाई दांडेकर आदि की एक पूरी पीढ़ी सामने आई।

बाद के कहानीकारों में अरविंद गोखले, पु.ल. भावे, भा.द खेर और ल. रा. पटवर्धन की पीढ़ी के साथ दो कथा पीढ़ियां और सक्रिय हैं। आनंद यादव, ह. मो. मराठे, भारत सासणे और आशा बगे इधर राष्ट्रीय स्तर पर पहचान रखते हैं।

मराठी में शास्त्रीय व लघु निबंधों की स्वस्थ परंपरा है चिपलूणकर, तिलक और आगरकर से प्रारंभ निबंध परंपरा क्रमशः वि.ल.भावे, रा. मि. जोशी, भिड़े, देशपांडे, सखरे से विकसित होती हुई साहित्य की आलोचना तक जा पहुंची. प्रबंधकारों ने निबंध भी लिखे। बाद में तो कई पीढ़ियां निबंधकारों की आई जिन्होंने मराठी निबंध को समृद्ध किया। आलोचना व चरित्र साहित्य की भी मराठी में समृद्ध परंपरा है। बीसवीं शताब्दी के पहले मराठी साहित्य केवल काव्य की सीमा में आबद्ध था, लेकिन बाद में मराठी गद्य और उसकी विविध विधाओं ने पर्याप्त विकास किया। इस कार्य में पत्र-पत्रिकाओं का योगदान भी कम नहीं है।

पहले चरण में मराठी की 'दर्शनचिंतनिका' (1876) से प्रारंभ होकर 'नाट्यकार्णव', 'काव्यनाटकादर्श', 'संगीत दर्पण', 'विबुध प्रिया', 'हिन्दू धर्म विवेचक', 'निबंध चंद्रिका' सरीखी महत्वपूर्ण पत्रिकाएं आई तो 'दर्पण' और 'मुंबई समाचार' और 'ज्ञान प्रकाश' जैसे समाचार पत्र भी। बाद में 1920 तक यह परंपरा आगे ही बढ़ी। 1920 के बाद तो मराठी में हर क्षेत्र में पत्र पत्रिकाओं का श्रीगणेश हुआ और एक नया माहौल बन गया।

मलयालम

'मलयालम' शब्द मलै-आलम' से निकला माना जाता है। मलै का अर्थ है पर्वत और आलम का अर्थ है समुद्र। यानी यह पर्वत और समुद्र का देश हुआ। पश्चिम में अरब सागर के होने से यह अर्थ सही भी प्रतीत होता है। कतिपय विद्वान मलयालम का उद्‌गम मूल द्राविड़ी उद्‌भूत तमिल से मानते हैं, लेकिन कुछ का कहना है कि मलयालम मूल द्राविड़ी की एक स्वतंत्र भाषा है। चौदहवीं शताब्दी के एक ग्रंथ 'लीला तिलकम' में तमिल और मलयालम का अंतर दिखाया गया है। अतः यह तय है कि इस काल तक मलयालम की स्वतंत्र सत्य स्वीकृत थी। मलयालम का वर्तमान शब्द कोष संस्कृत व तमिल शब्दों से युक्त भी है। इस भाषा के एक रूप में संस्कृत बहुलता और दूसरे में तमिल प्रचुर है।

मलयालम के साहित्यिक विकास को हम तीन स्थितियों में वर्गीकृत कर सकते हैं। आदिकाल सोलहवीं शताब्दी के मध्य तक, मध्यकाल इसके बाद उन्नीसवीं शताब्दी के मध्य तक और आधुनिककाल 1850 से अब तक।

आदिकाल का प्रारंभ कुछ विद्वान रामचरितम से तो कुछ 'उण्णीयादि चरितम्' से मानते है। इन दोनों ग्रंथों की भाषा विकसित रूप में है। ग्यारहवीं शताब्दी से मलयालम का साहित्यक विकास प्रारंभ माना जाना चाहिए। इनके बाद 'उण्णी नील संदेशम मिलता है। जो मलयालम का पहला संदेश-काव्य है 'मेघदूत' शैली में। यह चौदहवीं शताब्दी का माना जता है। इसी शताब्दी में लीला तिलकम ग्रंथ द्रविड भाषाओं का तुलनात्मक अध्ययन प्रस्तुत करता है। इसी समय भगवद् गीता', 'रामायन' और महाभारत का मलयालम में अनुवाद भी हुआ।

गद्य लेखन की दृष्टि से मलयालम चौदहवीं शता[illegible] सक्रिय हो गई थी। कौटिल्य इस दृष्टि से उल्[illegible] है जिसमे अर्थशास्त्र पर आलोचनात्मक दृष्टि [illegible] भारतीय भाषा मे विचार किया गया है। नंदू[illegible] मलयालम के बहुपठित रचनाकार हैं। मल[illegible]

में तमिल का अधिक मेल होने के कारण इसके प्राचीन गद्य को 'तमिल' ही कह दिया गया। कहते हैं मलयालम के गद्य को केरल के मंदिरों में जन्म मिला। 'पाठकम' की कथा इसका पहला सूत्र है। इस काल के ग्रंथों की रचना संस्कृत-प्रचुर है।

लगभग साढ़े तीन सौ वर्ष का मध्यकाल, मलयालम साहित्य के विकास को दिशा देने वाला महत्वपूर्ण समय है। इस काल के साहित्य की शुरुआत संस्कृत प्रचुर मलयालम में हुई। पुनम नंपूतिरी सोलहवीं शताब्दी के पहले कवि हैं। 'रामायण चंपू' इनकी श्रेष्ठ कृति है। तुंचत्तु रामानुजाचार्य सत्रहवीं शताब्दी के श्रेष्ठतम कवि माने गए हैं। 'रामायणम' इनकी उल्लेखनीय कृति है। इसी काल में मलयालम अपना नया रूप धारण करने लगी थी।

सत्रहवीं शताब्दी के बीच से उन्नीसवीं शताब्दी के मध्य तक का समय 'कथकलि-साहित्य काल' कहा जाता है। कृष्णनाट्टम व रामनाट्टम कथकलि के पूर्वरूप कहे जा सकते है। 'कथकलि' का तात्पर्य है कथा का खेल। इसमें नृत्य व अभिनय दोनों की जगह है। इसका कथा भाग 'आट्टक्कथा' कहा जाता है। आट्टक्कथाएं प्राचीन लोक गाथाओं से अलग हैं। कृष्णनाट्टम व रामनाट्टम में एक-एक प्रसंग का अभिनय एक-एक दिन में होता है। कोट्टयमत्तु तंपुरान-रचित, वकवधं, कल्याण सौगंधिक आदि प्रसिद्ध प्राचीन आट्टक्कथाएं हैं। 1758 ई. में राज्यासीन हुए रामवर्मा को कथकलि साहित्य रचयिता के रूप में ससम्मान स्मरण किया जाता है। सुभद्राहरण, राजसूयम, पांचाली स्वयंवरम, गंधर्व विजयम् आदि इनकी उल्लेखनीय कृतियां हैं। 'अश्वती, उण्णायिवारियर आदि अन्य प्रमुख कथकलि साहित्यकार हैं। अठारहवीं शताब्दी के कुंचन नंपियार प्रमुख कवि हैं। 'तुल्लल पाट्टु' लोक प्रचलित भाषा की कृति हैं। इन्हें मलयालम का पहला जनकवि माना जाता है। रामपुरत्तु वारियर दूसरे इस काल के कवि हुए। 'कुचेलावृत्तम' नामक गीतों के लिए इन्हें स्मरण [illegible] जाता है।

उन्नीसवीं शताब्दी के मध्यकाल तक कथकलि साहित्य की [illegible] साहित्य की [illegible] भी अनेक रचनाकार करते रहे। अब तक विकसित होते मलयाली साहित्य में चित्र-काव्य, [illegible]-काव्य, नाट्य काव्य, महाकाव्य, संदेश काव्य, चंपू इत्यादि [illegible] जाते रहे। रामायण चंपू की तर्ज पर करीबन 200 चंपू [illegible] लिखे गए। आधुनिक मलयालम साहित्य पर मध्यकाल [illegible] प्रमुख कवियों चेरुश्शेरी, रामानुजन और कुंचन नंपियार का प्रभाव स्वाभाविक रूप में मौजूद है। मलयाली जन-जीवन से संबद्ध साहित्य भी इस दौर में लिखा गया जो पाट्टु साहित्य कहलाता है। यह वस्तुतः गीत शैली है। कीर्तन साहित्य की भी साहित्यक निधि मलयाली साहित्य में प्रचुर मात्रा में है। मलयालम साहित्य का आधुनिक विकास दो चरणों में देखा जाता है। पहला चरण 1850 से 1915 के बीच का है।

केरल वर्मा संस्कृत के अच्छे जानकार तो थे ही, अतः उनकी भाषा संस्कृत प्रचुर मलयालम है। लघुकाव्य, स्फुट काव्य व आट्टक्कथा आदि तो लिखे ही, 'अभिज्ञानशाकुंतलम' का सुंदर अनुवाद किया। रामवर्मा भी इसी समय के कवियों में प्रमुख माने जाते हैं। चन्दु मेनोन लिखित 'इन्दुलेखा' मलयालम का पहला उपन्यास है। आधुनिक मलयालम साहित्य के विकास में ए.आर.राज राज वर्मा का विशेष स्थान है। वैयाकरण, कवि और आलोचक तो यह थे ही 'मेघदूत' का श्रेष्ठ अनुवाद भी इन्होंने किया। इस काल के पचास वर्षों में अनुवाद कार्य प्रमुखतः हुआ। मुक्तछंद मे के.सी. केशव पिल्लै, महाकाव्यकारों में पद्मनाभ कुरूप, उपन्यासकारों में सी.वी. रामन पिल्लै और नाटककारों में मावेलिक्करा कोच्चीपन आदि प्रमुख हैं। कुंञ्चिरामन नायनार के हास्य निबंध भी इस काल की उपलब्धि हैं।

दूसरा चरण प्रारंभ होता है सन् 1915 में। इस दौर में पाश्चात्य साहित्य के प्रकाश में मलयालम के साहित्य ने अद्भुत विकास किया। कुमारन आशान, के.सी.केशव पिल्लै वल्लतोल के साहित्य ने नया प्रकाश दिया। आशान की 'नलिनी' इस दृष्टि से पहली कृति है। उनकी दूसरी काव्यकृति 'लीला' भी खूब सराही गई। उल्लूर परमेश्वर अय्यर की काव्य रचनाएं भी अलग पहचान रखती हैं। आधुनिक काल की काव्य रचनाओं का आरंभ भी महाकाव्यों से ही हुआ। 'चित्रयोगम्' जैसे महाकाव्यों ने प्राचीन साहित्य और पाश्चात्य का सफल मेल प्रस्तुत किया। राष्ट्रीय भावना से आपूरित वल्लतोल तो इस दौर के महत्वपूर्ण रचनाकार माने जाते हैं। सुब्रमण्यन पोट्टि, वालकृष्ण पणिक्कर, के.एम.पणिक्कर, कुंचिकुट्टन तंपुरान, जी. शंकर कुरुप, वडक्कमकूर राजराज वर्मा आदि इस काल के अन्य प्रमुख कवि हैं। नालप्पाट्टु वालामणियम्मा, ललितांबिका, मेरी जोन तोट्टम, पार्वती प्रमुख महिला कवयित्रियां हैं। वर्तमान में के अय्यप्प पणिक्कर, सुगताकुमारी, और विष्णुनारायण नंपूतिरी को प्रतिनिधि माना जाता है। 1936 के समय प्रगतिवाद रुझान मलयालम में भी प्रारंभ हुआ। इसे 'पुरोगमनवादम्' कहते हैं। एन.वी. कृष्ण वारियर, ओलप्पमण्णा, अक्कित्तम, अनुजन, पी. भास्करन, ओ.एन.वी.कुरुप आदि इस धारा के प्रमुख कवि हैं। इसके साथ ही प्राचीन काव्य धारा भी चलती रही। मलयालम गद्य का उन्नीसवीं शताब्दी में उल्लेखनीय विकास हुआ। इस दृष्टि से ईसाई पादरियों का आगमन एक महत्वपूर्ण घटना कही जा सकती है। 'वाइबिल' का अनुवाद सामने आया तो फिर मलयालम का शब्द कोश भी 1860 में प्रकाशित हुआ। नाटक, उपन्यास, कहानी, निबंध, आलोचना की शाखाएं भी समृद्ध होने लगीं।

सरदार के.एम. पणिक्कर ने 'मन्दोदरी', 'भीष्म' 'ध्रुवस्वामिनी' तो सी.वी. रमन पिल्लै ने 'कुरुपिल्ला कलरि' और ई.वी. कृष्ण पिल्लै ने 'राजा केशव दासन', 'वेलुतंपि', 'सीता' व 'लक्ष्मी' सरीखे नाटक लिखे। टी.एन. गोपीनाथन नायर, एन.पी. चेल्लप्पन नायर, के.टी. मुहम्मद ने इस विधा को और आगे बढ़ाया। दूसरे उत्थान में सी.वी.रामन को पहला प्रमुख उपन्यासकार माना जाता है। के.एम.पणिक्कर, अप्पन तंपुरान ने क्रमशः राजसिंहम, नीलोत्पल प्रणय प्रतिकारं ने अपनी-अपनी तरह से उपन्यास साहित्य को समृद्ध किया। तकषि के उपन्यासों ने तो मलयालम के उपन्यासों को भारतीय साहित्य में प्रमुख स्थान ही दिलाया। 'चेम्मीन' को व्यापक स्तर पर प्रशंसा मिली है। एस.के.पोट्टकाट्ट, वशीर, पी. केशवदेव सरीखे उपन्यासकारों के बाद आज दो पीढ़ियां और प्रमुख रूप से उपन्यास-रचना में लगी है। मलयालम में कहानीकारों की समृद्ध परंपरा रही है। तकषि श्रेष्ठ कथाकार माने जाते हैं। इनके पूर्व ओडुविल कुंञ्जुकृष्ण मेनन के कुछ संग्रह प्रकाशित हो चुके थे। पी.सी. कुट्टीकृष्णन, एस.के. पोट्टेकाट्ट, के.टी. मुहम्मद, पुत्तूर, सरस्वती अम्मा, ललितांबिका अन्तर्जनम आदि ने तो महत्वपूर्ण

कहानी लेखन किया ही, आज कई अन्य कथा पीढ़ियां भी मलयालम कहानी को समृद्ध कर रही हैं।

आत्मकथा, आलोचना, चरित्र साहित्य, इतिहास लेखन, प्रवास साहित्य, शास्त्रीय साहित्य आदि की भी मलयालम में समृद्ध परंपरा है। 'केरल साहित्य' का प्रकाशन 1879 में प्रारंभ हुआ। 'मलयाला मनोरमा' ने इस भाषा के साहित्यिक विकास में महत्वपूर्ण योग दिया है। इसका प्रकाशन कंदत्तिल वर्गीस मापिलै ने इस शताब्दी के प्रारंभ में किया था। 'भाषा पोषिणी सभा' इसी पत्रिका के कारण संभव हुई। यह सभा एक सुंदर पत्रिका निकालती है। 'रसिकरंजिनी', 'आत्मपोषिणी', 'मंगलोदयम', 'कौमुदी' जैसी पत्रिकाएं इस भाषा के साहित्य को विकसित करने में उल्लेखनीय मानी जाती हैं। दैनिक पत्रों में तो एक पूरी श्रृंखला ही है।

मैथिली

मैथिली साहित्य की समृद्ध परंपरा का विकास तो ज्योतिरीश्वर के समय में हुआ, लेकिन कहते हैं आठवीं से ग्यारहवीं शताब्दी के मध्य पहली उल्लेखनीय रचना 'चर्यापद' आई। यह बौद्ध सिद्धों के गीतों का संकलन है। तेरहवीं–चौदहवीं शताब्दी के बीच ज्योतिरीश्वर के साहित्य ने नई दिशा दी। नाटक, काव्य व गद्य साहित्य में उनका महत्वपूर्ण योग है। विद्यापति तो ऐसे अमर रचनाकार हुए कि आज भी सर्वाधिक स्मरण किए जाते हैं। लेकिन फिर बाद का समय कृष्ण काव्य परंपरा और राम काव्य परंपरा की लीक से हटने और मनबा ध, चंदा झा की काव्य प्रतिभा से आए बदलाव को समझने में अधिक लगा। बाबू भुवनेश्वर सिंह 'भुवन' व काशीकांश मिश्र 'मधुप' के रचना–जगत में विकास की पहचान की जा सकती हैं। सच पूछें, तो 1941 के आसपास यात्री की कविता को बदलाव का बड़ा संकेत माना गया। देव शंकर नवीन के मुताबिक: 'यात्री की रचना' कविक स्वप्न' घने अंधकार को काटती हुई आई। यह एक प्रस्थान बिंदु है। इनसे पूर्व क्रमबद्धता सिरे से नदारद थी। यात्री के दो संग्रह 'चित्रा' और 'पत्रहीन नग्न गाध' इस दृष्टि से महत्वपूर्ण हैं। 'चित्रा' का प्रकाशन 1949 में हुआ। यात्री बहुरंगी रचनाकार हैं। कहानी, उपन्यास, निबंध, और समीक्षात्मक लेखन भी इन्होंने किया। बलचनमा, पारो और नवतुरआ जैसे मैथिलि उपन्यास राष्ट्रीय स्तर पर चर्चित रहे हैं।

दूसरे बड़े रचनाकार राजकमल चौधरी हुए। राजनीतिक विकृति, व्यवस्थाजन्य विसंगति व आदमी की तकलीफ को राजकमल ने नई ही भाषा दी। उनका संग्रह 'स्वरगंधा' नया शिल्प और संवेदन लेकर उपस्थित हुआ। जीवन और रचना में कोई भेद न करके चलने वाले राजकमल चौधरी बहुमुखी रचनाकार रहे। सुरेंद्र झा 'सुमन', काशीकांत मिश्र 'मधुप' काशीनाथ झा 'किरण' और तंत्रनाथ झा अन्य महत्वपूर्ण रचनाकार रहे। आरसी प्रसाद सिंह, उपेंद्र ठाकुर मोहन, उपेंद्रनाथ झा 'व्यास' ब्रजकिशोर वर्मा 'मणिपद्म' सरीखे कवियों ने अलग ही स्वर सृजित किया।

रामकृष्ण झा 'किसुन' यात्री और चौधरी के बीच के महत्वपूर्ण रचनाकार हुए। इन तीनों के बाद जो रचनाशीलता [illegible] नजर आती है उसे दो वर्गों में विभाजित किया [illegible] वर्ग में मायानंद मिश्र, धूमकेतु, सोमदेव [illegible] हंसराज, रामदेव झा, गंगेश गुंजन, कीर्ति नारायण मिश्र, मधुकर गंगाधर आदि की गणना प्रमुख रुप से की जाती है। मायानंद मिश्र इनमें कथाकार के रुप में तो बहुचर्चित हैं ही, संपादक के रुप में भी 'अभिव्यंजना' के जरिए आपने बड़ा काम किया। गीतकार के रुप में इनकी विशिष्ट छवि है।

इसके दो दशक बाद जो पीढ़ी आती है, उसमें प्रमुख हैं—उदय चंद झा 'विनोद', महाप्रकाश, कुलानंद मिश्र, सुकांत सोम, भीमनाथ झा, नचिकेता, केदार कानन, अग्निपुष्प, हरेकृष्ण झा और देव शंकर नवीन। मैथिली में गज़ल लिखने की परंपरा भी है। आर.सी. प्रसाद सिंह, रवींद्र, डा. महेन्द्र सियाराम सरस, रमेश आदि ने इस विधा में नए प्रयोग किए हैं।

मैथिली साहित्य का आदि गद्य–ग्रंथ है ज्योतीश्वर ठाकुर का 'वर्णरत्नाकर'। कविश्वर चंदा झा आधुनिक मैथिली गद्य साहित्य के प्रमुख रचनाकार माने जाते हैं। मैथिली गद्य साहित्य के प्रमुख रचनाकार माने जाते हैं। मैथिली गल्प के शुरुआती रचनाकार भुवन, कुमान गंगानंद सिंह, हरिमोहन झा, किरणजी, सुधांशु शेखर चौधरी, यात्री, उपेंद्रनाथ झा, व्यास, नगेन्द्र कुमार, योगानंद झा, सुमनजी से होते हुए गद्य ने अपनी अगली पीढ़ी को संभाला। गोविंद झा, शैलेन्द्र मोहन झा, कुलानंद नंदन ने इसे नया ही रूप दिया है।

सोमदेव, मायानंद, बलराम, धीरेन्द्र और हंसराज आदि का कथा लेखन यथार्थवादी धारा का है तो राजनैतिक मोहभंग को विषय बनाया है—राजकमल चौधरी, किरणजी, मणिपद्म, ललित, गुंजन, रामदेव झा, प्रभासकुमार चौधरी और राजमोहन झा आदि। इस पीढ़ी के बाद भी एक कथा पीढ़ी मैथिली में सक्रिय है। अच्छी बात है कि मैथिली गद्य में गल्प और उपन्यास के अलावा, जीवनी, संस्मरण नाटक, निबंध आदि भी लिखे जा रहे हैं लेकिन खेद इस बात का है कि 'मिथिला मिहिर' के बाद कोई भी पत्र–पत्रिका नहीं जो रचनाकारों को सार्थक मंच दे सके। पुस्तक प्रकाशन की स्थिति तो और भी दयनीय है।

राजस्थानी

वैदिक संस्कृत और शौरसेनी प्राकृत से जुड़ी भारतीय आर्यभाषा है राजस्थानी। देवनागरी लिपि में राजस्थानी का विपुल साहित्य सृजित है। राजस्थानी साहित्य का प्रारंभिक काल 1050 से 1450 ई. तक माना जाता है। 1450 से 1850 तक मध्य काल और फिर आधुनिक काल।

प्रारंभिक काल में जैन रचनाएं बाहुल्य में हैं। [illegible] साहित्य मध्यकाल में विकसित हुआ। पद्मनाभ, [illegible] विठ्ठू सूजो प्रमुख राजस्थानी गीतकार माने गए। [illegible] और [illegible] युद्धभूमि का साहित्य इस काल [illegible] युद्ध और प्रेम का समय था यह। आधुनिक [illegible] [illegible] से माना जाता है।

[illegible] राजस्थानी कविता [illegible] [illegible] संस्कर्ता एन.एस.[illegible] [illegible] न पुख्ता किया था। [illegible] [illegible] सक्रिय हैं। [illegible] [illegible] तेजसिंह [illegible] [illegible] सेनजी प्रेम, [illegible] [illegible] साथ ही [illegible]

राखेचा, अतुलकनक, मालचंद तिवाड़ी, सांवर दइया, कुंदन माली आदि भी सक्रिय है।

आधुनिक राजस्थानी साहित्य की नींव में विजयदान देथा और रेवतान चरण जैसे महारथी भी मौजूद हैं। देथा तो आज भी सक्रिय हैं। लोकतत्व को वह साहित्य के लिए मूल आधार मानते हैं। 'वात' के रुप में उनकी कहानियां राष्ट्रीय स्तर पर चर्चित हो चुकी हैं। 'उलझन', 'अलेखू हिटलर', 'वातां री फुलवारी' आधुनिक राजस्थानी साहित्य की उनकी प्रमुख कृतियां हैं। मणि मधुकर, जनकराज पारीख, रामपाल सिंह पुरोहित, व्रजलाल भापावत, मालचन्द तिवाड़ी, कमला भादानी, रामेश्वर दयाल श्रीमाली, सांवर दइया, मीठेश निर्मोही, चैन सिंह परिहार, मदन सैनी आदि ने भी कहानी-लेखन में अपनी प्रमुख पहचान बनाई है।

देथा सीताराम जी लालस का नाम का उल्लेख बड़े आदर के साथ करते हैं। उन्हें वह गुरु मानते हैं। वह कहते हैं: 'मैं ने राजस्थान की कदीमी 'वातों'-जिन्हें हिन्दी में लोक कथाएं कहते हैं-को जस का तस लिपिबद्ध नहीं किया है। कथाओं के अभिप्राय का जैसा बीज हाथ लगा; उसे उसी तरह विकसित किया।" यही उनकी कामयाबी का राज है। अण्णा राम सुदामा, यादवेंद्र शर्मा 'चन्द्र' सरीखे रचनाकारों ने राजस्थानी साहित्य को दूसरी ऊंचाइयां दी हैं।

नाटक, उपन्यास, संस्मरण और निबंध साहित्य भी राजस्थानी में क्रमशः विकास पा रहा है। गजलें भी लिखी जा रही हैं और आधुनिकतम शैली में कविताएं भी। आलोचना भी आकार ले रही है। इतिहास लेखन की ओर अभी नजर नहीं गई है, लेकिन लेख इत्यादि प्रकाशित हुए हैं। राजस्थानी साहित्य तेजी से विकास की ओर उन्मुख है।

संस्कृत

संस्कृत विश्व की प्राचीनतम भाषा मानी जाती है। वैदिक में रचित ऋगवेद को विश्व की सबसे पुरानी रचना माना है। विश्व का समस्त आर्य भाषाओं का स्रोत तो यह है ही, ग्रीक, लेटिन, अंग्रेजी, जर्मन व रूसी भाषाओं की जननी भी कतिपय विद्वान इसे मानते हैं। ऋगवेद का रचना-काल ईसा से चार हजार वर्ष पूर्व का माना गया है। स्पष्ट है कि वैदिक संस्कृत का जन्म और पहले हो गया होगा। बौद्धकाल तक संस्कृत का उपयोग लोक-भाषा के रुप में होता रहा।

आर्यों की उपासना-विधि, यज्ञ प्रणाली और भाषा के विकास के साथ वैदिक भाषा के साहित्य का विकास भी होता रहा। वैदिक साहित्य में संहिता, ब्राह्मण व उपनिषद-रचना प्रथम उत्थान में हुई। वैदिक भाषा को 'छान्दस' भी कहा गया। विकास के साथ ही इसमें रुप-परिवर्तन भी होता रहा। वर्तमान संस्कृत के जन्मदाता पाणिनि कहे जाते हैं। उपनिषद काल के बाद दूसरा उत्थान प्रारंभ हुआ। इसमें रामायण, महाभारत और पुराणों की रचना हुई।

पाणिनि के बाद उनके निर्धारित भाषा रूप में भी परिवर्तन होता रहा। पतंजलि के महाभाष्य से वर्तमान संस्कृत प्रारंभ होती है। प्रारंभ से ही इसकी लिपि देवनागरी रही है।

संस्कृत साहित्य का विकास पाणिनी काल से तीन वर्गों में समझा जा सकता है-आदिकाल, मध्यकाल और आधुनिक काल। आदिकाल में पाणिनि की 'अष्टाध्यायी' सहित 'जांबवती विजय' और 'पाताल विजय' प्रमुख ग्रंथ माने जाते हैं। वररुचि के 'कंठाभरण' का संदर्भ तो मिलता ही है कालिदास ने भी अपने पूर्ववर्ती भास, रामिल, सौमिल आदि रचनाकारों का स्मरण किया है। विक्रम पूर्व दो शताब्दी के शिलालेख भी मिले हैं। भास के 13 नाटकों में 'स्वप्नवासवदत्ता' व शूद्रक का 'मृच्छकटिकम्' उल्लेखनीय हैं। धीरे-धीरे जन-भाषा का रुप 'पाली' कहलाया। बुद्ध और महावीर ने इसे ही अपने उपदेशों के लिए चुना। इससे संस्कृत के विकास का काम अवरुद्ध हुआ।

विक्रम काल से उन्नीसवीं शताब्दी तक के साहित्यक विकास को दो वर्गों मे देखा जा सकता है-पूर्व मध्य काल और मध्यकाल। पूर्वमध्यकाल में ग्यारहवीं शताब्दी तक का समय है। संस्कृत के अधिकांश दीर्घकालीन महत्व के ग्रंथ इसी काल में लिखे गए। यह संस्कृत का स्वर्ण काल है। 'पंचतंत्र' की रचना सन् 300 ई. के आसपास हुई। इसके एक शताब्दी बाद वात्स्यायन ने 'कामसूत्र' की रचना की। भामह के अलंकार ग्रंथ भी इसी शताब्दी के अंतिम चरण में आए।

इस काल में सर्वश्रेष्ठ है-नाट्य साहित्य। भास, कालिदास, अश्वघोष और भारवि उल्लेखनीय हैं। भास के नाटक 'प्रतिमा', उरुभंग, 'स्वप्नवासवदत्ता', 'प्रतिज्ञायौगंधरायण', और 'चारुदत्त' कालिदास के 'अभिज्ञान शाकुंतलम', 'मालविकाग्निमित्र' (नाटक) और 'रघुवंश', 'कुमारसंभव' व 'मेघदूत' सरीखे काव्य संस्कृत साहित्य की अमूल्य निधि हैं। अश्वघोष का 'बुद्धचरित', भारवि का 'किरातार्जुनीयम', (महाकाव्य), माघ का 'शिशुपाल वध' तो प्रमुख हैं ही, भौमिक, अमरु, शिवस्वामी, क्षेमेन्द्र, हर्ष, विल्हण, हेमचन्द्र, भर्तृहरि का भी महत्वपूर्ण स्थान है।

शूद्रक, हर्ष, विशाखदत्त, भट्टनारायण, राजशेखर, भवभूति आदि के नाटक आज भी विश्व साहित्य के गौरव है। संस्कृत का गद्य भी लगभग उतनी ही पुरानी परंपरा लिए है। कृष्ण यजुर्वेद, ब्राह्मणग्रंथ और उपनिषद गद्य में ही रचे गए। पतंजलि का महाभाष्य तो एक श्रेष्ठ उदाहरण ही है। दण्डी, सुबन्धु, बाणभट्ट मध्यकाल के प्रमुख गद्यकार हैं। 'कादंबरी' (बाण) पहला उत्कृष्ट गद्य कथा ग्रंथ माना जाता है।

संस्कृत में चंपू काव्य की भी अनूठी परंपरा है। गद्य-पद्य यहां समान रुप से मिले रहते थे। इस काल में कुछ कहानियां नीतिपरक और कुछ मनोरंजन प्रधान हैं। पंचतंत्र के बाद दूसरी प्रमुख रचना 'हितोपदेश' है। वृहत्कथा, वृहत्कथा-मंजरी, कथासरित्सागर का महत्व सभी मानते हैं। विविध अन्य शास्त्रों पर आधारित गद्य-ग्रंथ भी इस काल में लिखे गए।

उत्तर मध्यकाल में ऐतिहासिक कारणों से संस्कृत में साहित्यिक विकास की गति में अवरोध आया। बारह सौ ईसवी के आसपास जयानक ने 'पृथ्वीराज विजय' और जयदेव ने गीतगोविंद लिखा'। सन् 1700 के आसपास रामचन्द्र दीक्षित ने 'जानकीपरिणय' नाटक लिखा। 'सिद्धान्त कौमुदी' व 'वृत्त रत्नाकर' आदि इस काल के प्रमुख ग्रंथ हैं।

आधुनिक काल में प्राचीन ढंग के संस्कृतज्ञों को परिवर्तन से हतोत्साहित होना पड़ा। 1905 में सी.एम.राय शास्त्री ने 'सीता-रावण संवाद भारी' की रचना की। 'जयपुर वैभव', भी बीसवीं शताब्दी के प्रारंभ की रचना है। अंग्रेज शासकों की

शंसा में भी संस्कृत रचनाएं हुई। 'राजांग्ल महोद्यान' ऐसी रचना है। 'यदुवृद्धसौहार्द' ए. गोपाल अय्यंगर ने लिखा। 1938 में 'जयरुर राजवंशावली' चालुक्य चरित 1951 'अहिल्यावाई', 'दयानंद दिग्विजय', 1950 में 'साधना साम्राज्य' जैसी रचनाओं से आधुनिक संस्कृत काव्य को गति मिली। विविध अंग्रेजी ग्रंथों के अनुवाद तो हुए ही पुराकवियों की रचनाओं के ढंग पर पुनर्रचनाएं भी हुई।

भारतीय राष्ट्रीय नेताओं की प्रशंसा में भी रचनाएं लिखी गई। नागार्जुन ने 'लेनिन शतकम' लिखा तो संस्कृत में अलग किस्म की धारा को जन्म दिया। नारायण शास्त्री ने सर्वाधिक (96) नाटक लिखे। सी. व्यंकट रमैया ने तो 'जीव संजीवनी' शीर्षक नाटक आयुर्वेद के महत्व पर लिखा। ई.महालिंगम शास्त्री कृत 'प्रतिराजसूयम' प्रशंसित नाटक रहा। कुछ प्रसिद्ध अंग्रेजी नाटकों का अनुवाद भी हुआ। ए.के. रामनाथ शास्त्री, सुरेन्द्र मोहन, के. आर. नायर, सुरेन्द्र शर्मा आदि ने प्रहसन लिखे।

उपन्यास का प्रारंभ संस्कृत में इस युग में अनुवाद से हुआ। बंकिम चंद्र की 'लावण्यमयी' का अनुवाद श्री अप्पा शास्त्री ने किया। राजगोपाल चक्रवर्ती, उपेन्द्रनाथ सेन, गोपाल शास्त्री, परशुराम शर्मा, मेघाव्रत आदि उपन्यासकारों के उपन्यास सामने आए। संस्कृत में कहानियों का अनुकरण बंगला कहानियों का हुआ। प्रारंभ में लोककथाओं का संस्कृतीकरण हुआ फिर गद्य काव्यनुमा रचनाएं आई। सन् 1920 के वाद मौलिक कहानी लेखन प्रारंभ हुआ। भवभूति विद्यारत्न की 'लीला'; तारणिकां चक्रवर्ती की 'पुष्पांजलि' और शंकर नारायण शास्त्री की 'ऐंद्रजालिक' सरीखी रचनाएं उल्लेखनीय हैं। क्षमाराव की कहानियां तो प्रशंसित हुई हीं।

संस्कृत में आलोचना, निबंध और शास्त्रीय साहित्य का विपुल भंडार है। अनुसंधान की दृष्टि से इस भाषा का विशेष महत्व सदैव वना रहेगा। अत्याधुनिक संस्कृत में पी.वी. काने, गिरिधर शर्मा चतुर्वेदी, वी.एन.के. शर्मा, गोपीनाथ कविराज, वी.राघवन, रामरुप पाठक, सत्यव्रत शास्त्री, वी. सुब्रमण्य शास्त्री, माधव श्रीहरि अनेय, श्रीधर भास्कर वर्णेकर, शांति भिक्षु शास्त्री आदि भी राष्ट्रीय अंतराष्ट्रीय स्तर पर चर्चित रहे हैं।

सिंधी

सिंधी संस्कृत मूल की भाषा है। उत्तर भारत की दूसरी भाषाओं के मुकावले यह विदेशी तत्वों से ज्यादा मुक्त है। सिंधी पुरानी प्राकृत के अधिक निकट है। अरवी-फारसी के संपर्क में आकर यह अधिक समृद्ध हुई है। भाषा सामर्थ्य का अनुमान लगाना हो तो एक उदाहरण पर्याप्त होगा-'उंट' के लिए पंद्रह शब्द सिंधी में हैं।

अधिकांश सिंधी साहित्य का मूल स्रोत धर्म या प्रचलित लोक-कथाएं है। सिंध में वरुण देवता यानी दरियाशाह की पूजा सवसे ज्यादा होती है। यह लोककथा का मूल कथ्य है। दोदो चनेसर की कथा वर्णित करती पुरानी कविताएं सिंधी साहित्य की थाती हैं। सिंधी साहित्य सोलहवीं शताव्दी की तीसरी दशाव्दी से प्रारंभ माना जाता है। इससे पूर्व लोक साहित्य प्रचलित था। इसके दो सौ वर्ष वाद शाह अव्दुल लतीफ के काव्य में यह परिपक्व स्थिति तक पहुंचा। इस वात के स्पष्ट प्रमाण मौजूद हैं कि सिंध में सोलहवीं और सत्रहवीं शताव्दी में साहित्यिक हलचल वहुत तेज थी। सिंधियों ने फारसी में भी उल्लेखनीय रचनाएं कीं। तारीख मौसमी, तारीख ताहिरी, वेगलारनामा, चचनामा आदि ऐसी रचनाएं हैं। भारतीय कविता और सिंधी कविता का मेल गिनान कविताओं में नजर आता है। यह आध्यात्मिक हैं।

देवचन्द्र, स्वामी प्राणनाथ, वीर मुहम्मद लखवी, मखदूम नोह, शाह अव्दुल करीम, अवू-अल्-हसन, मियांशाह आदि ने जो जमीन तैयार की, उस पर सिंधी साहित्य का महल खड़ा होता चला गया। शाह अव्दुल लतीफ भिटाई कवियों के राजा कहलाते हैं। सत्रहवीं-अठारहवीं शताव्दी के सवसे महान कवि के रुप में इनकी प्रतिष्ठा है। 'रिसालो' सिंधी का महानतम ग्रंथ माना जाता है।

सिंध में मुगल शासन के पतन और अंग्रेजो द्वारा सिंध विजय के वीच का समय भी साहित्य हलचल से भरा-पूरा समय था। सचल और सामी इस काल के वड़े कवि हैं। कुछ कवियों ने नये काव्य रुपों की शुरुआत की 'मदाह' यानी प्रशस्ति, 'मौलूद' यानी पैगंवर-स्तुति, 'मरसिया' यानी प्रतिष्ठित व्यक्ति की मृत्यु पर गाया जाने वाला गीत; 'मसनवी' यानी संवद्ध कथावृत्त। वेदान्त से प्रेरणा लेता सिंधी साहित्य 1843 तक समृद्ध हो चुका था। सामी इस धारा के महानतम कवि थे। इसी समय सिंधी गद्य का भी प्रारंभ हुआ। मखदूम अव्दुल रौफ भरी को कुछ विद्वानों ने सिंधी का पहला कवि वताया है। इनका और शाह लतीफ का निधन करीवन एक ही वरस (1752) में हुआ।

सचल सरमस्त को शाह साहव ने अपना आध्यात्मिक उत्तराधिकारी घोषित कर दिया था। शाह ने जो वात कथात्मक कविताओं में संकेत में कही है। सचल ने वहीं साफ और विस्फोटक अंदाज में कही है। सचल की 'काफियां' लासानी हैं। चैनराय वचूमल दत्तारामाणी वाद में 'सामी' नाम से विख्यात हुए। उनके श्लोकों में आत्मा को पहचानने की उत्कट अभिलाषा झलकती है। वेदान्त में यकीन करने वाले सामी कहते थे कि अज्ञान के कारण ही जीव इस संसार को सत्य मानता है। पांच वुराइयों ने मनुष्य को फास रखा है, इसलिए वह स्वयं को परम तत्व से पृथक मानता है।

1843 में अंग्रेजों ने सिंध पर विजय पा ली। साहित्य में फारसी का महत्व कुछ कम हुआ। सिंधी को उसका सहज स्थान मिल गया। 1887 में 'दयाराम जेठमल सिंध कालेज' की स्थापना एक महत्वपूर्ण घटना मानी गई। इस समय तक अनुवाद जोरशोर से होता रहा। सिंधी कविता पर अंग्रेजों के आने और अरवी सिंधी लिपि के अपनाए जाने का जवर्दस्त असर पड़ा। 1843 से 1907 का समय गद्य में प्रयोग व अनुवाद का रहा। दीवानों, मुसद्दसों और रुवाइयों का समय। खलीफा गुल मुहम्मद 'गुल' ने सिंधी में फारसी ढंग की रचनाएं [illegible] 1855 में इनका गज़ल संग्रह लीथो पर मुंवई से छपकर [illegible] इनकी गजलें वहुत लोकप्रिय हुई। आंखूद [illegible] फाजिल, हाफिज हामिद दिखड़, शम्स-[illegible] मौलवी अब्दुल गफूर हुमायुनीं, अवोझो, [illegible] शाह और वेकस आदि इस काल के [illegible]

1907 से 1947 के [illegible] गद्य का रहा। कवि किशनचंद [illegible]

इनके समय में गद्य के भावी स्वरूप का आभास तो होने लगा था पर साथ ही ऐसे रचनाकारों की कमी भी खल रही थी जो भाषा और रचना के दोहरे मोर्चे पर समान रूप से लड़ सकें । ऐसे कठिन समय में भारतेंदु ने महत्वपूर्ण भूमिका निभायी। इस समय के अन्य उल्लेखनीय रचनाकारों में प्रताप नारायण मिश्र व बालकृष्ण भट्ट प्रमुख हैं। भारतेंदु के प्रभाव से निबंधों व नाटकों की ओर विशेष ध्यान आकर्षित हुआ । कुछ नाटककार तो स्वयं अभिनय कुशल भी थे ।

लाला श्रीनिवास दास ने 'परीक्षागुरु' के साथ ही मौलिक हिन्दी उपन्यासों की परंपरा का सुत्रपात किया । इस समय पत्र-पत्रिकाओं का प्रकाशन भी खूब हुआ । बदरी नारायण चौधरी, श्रीनिवास दास, ठाकुर जगमोहन सिंह, राधाचरण गोस्वामी, अंबिकादत्त व्यास, काशीनाथ खत्री, राधाकृष्णदास, कार्तिक प्रसाद खत्री, आदि का योगदान भी इस समय में उल्लेखनीय रहा ।

कवि भारतेंदु ने 'वैदिकी हिंसा न भवति' 'चंद्रावली' 'भारत दुर्दशा', 'अंधेर नगरी' सरीखे नाटक तो रचे ही बहुतेरे नाटकों का हिन्दी अनुवाद भी किया ।

राजनैतिक फेर-बदल व धार्मिक और सांस्कृतिक आंदोलनों के प्रारंभ के कारण भारतेंदु का समय नये परिवर्तन का समय कहा जा सकता है । राष्ट्रीय चेतना का प्रस्फुटन भी इस समय हुआ । ऐसे में यदि नवजागरण का संदेश इस समय की रचना में प्रस्तुत हुआ तो यह स्वाभविक ही था ।

उल्लेखनीय यहां केवल यह है कि खड़ी बोली में काव्यरचना अधिकांश रचनाकार इस समय इसलिए नहीं कर पाये कि उनके संस्कार ब्रजभाषा में कहीं गहरे में जुड़े थे । भारतेंदु और प्रेमघन की कुछ काव्य-रचनाएं जरूर खड़ी बोली में हैं। सन् 1850 से 1900 तक का यह समय वस्तुतः आधुनिक हिन्दी साहित्य का आधार समय है ।

आधुनिक काल का दूसरा चरण 'सरस्वती' पत्रिका के साथ प्रारंभ हुआ । व्याकरण और भाषा संबंधी सुधार की दृष्टि से 'सरस्वती' के संपादक महावीर प्रसाद द्विवेदी का योगदान भुलाया नहीं जा सकता ।

नाटकों के क्षेत्र में यह रचना-समय अनुवाद की दृष्टि से भी महत्व का रहा पर राम देवी प्रसाद पूर्ण, अयोध्या सिंह उपाध्याय और ज्वाला प्रसाद मिश्र मौलिक नाट्य लेखन की दृष्टि से उल्लेखनीय हैं

कथा-लेखन में उपन्यासकारों की दृष्टि से यह समय देवकीनंदन खत्री, किशोरी लाल गोस्वामी, अयोध्यासिंह उपाध्याय और लज्जाराम मेहता का रहा । 'चंद्रकांता' और 'चंद्रकांता संतति' ने तो पाठकों को हिंदी सीखने पर ही विवश कर दिया। इन उपन्यासों के जरिये तिलिस्म और ऐयारी का ऐसा रास्ता खुला कि आज भी पाठक उसकी गिरफ्त से चाहकर भी नहीं छूट पाता ।

कहानीकारों में किशोरी लाल गोस्वामी, मास्टर भगवानदास, रामचंद्र शुक्ल, गिरिजादत्त बाजपेई, बंग महिला के बाद जयशंकर प्रसाद, जी.पी. श्रीवास्तव, विश्वंभर नाथ शर्मा कौशिक, राधिकारमण प्रसाद सिंह, चंद्रधर शर्मा गुलेरी, चतुरसेन शास्त्री प्रमुख रहे। प्रख्यात कथाकार प्रेमचंद की प्रारंभिक कहानियां इस समय की महत्वपूर्ण उपलब्धि रहीं क्योंकि आगे चलकर आधुनिक हिंदी कहानी की पुख्ता जमीन प्रेमचंद ने ही तैयार की।

भाषा के विकास की दृष्टि से इस समय के निबंधकारों ने विशेष महत्व का काम किया । महावीर प्रसाद द्विवेदी, माधव प्रसाद मिश्र, बालमुकुन्द गुप्त, बाबू श्याम सुंदर दास और चंद्रधर शर्मा गुलेरी इस दृष्टि से उल्लेखनीय हैं ।

दूसरे चरण की कविता का प्रारंभिक कवि श्रीधर पाठक को माना जाता है । प्रकृति वर्णन को पाठक जी ने अपनी कविता की प्रमुख 'वस्तु' के रूप में चुना । इस समय के अन्य प्रमुख कवि हैं हरिऔध, महावीर प्रसाद द्विवेदी, मैथिलीशरण गुप्त और राम नरेश त्रिपाठी । यह समय इस दृष्टि से भी उल्लेखनीय है कि अंग्रेजी शिक्षा का क्रमशः प्रचार हो जाने से प्रबुद्ध वर्ग अंग्रेजी साहित्यिक ग्रंथ पढ़कर अपने ज्ञान-जगत का विस्तार कर रहा था । ऐसे में स्वाभाविक ही था कि मानव जीवन और अनुभूतियों को इस रचना-समय में प्रमुखता से स्थान मिलता।

तीसरे चरण में नाटक, उपन्यास, कहानी, निबंध, आलोचना और काव्य-रचना आदि सभी विधाओं में उल्लेखनीय 'रचनाएं' सामने आयीं । प्रेमचंद, प्रसाद, चतुरसेन शास्त्री, विश्वंभर नाथ शर्मा कौशिक, उग्र, प्रताप नारायण श्रीवास्तव, भगवतीचरण वर्मा, जैनेंद्र कुमार, वृंदावन लाल वर्मा सरीखे उपन्यासकारों ने उपन्यास का नया इतिहास बनाया । 'गबन', 'रंगभूमि', 'गढ़कुंडार' 'चित्रलेखा' 'मां' 'हृदय की प्यास', 'कंकाल' 'तितली' 'तपोभूमि', 'सुनीता' और 'बुधुवा की बेटी' जैसे उपन्यास इस रचना समय की धरोहर हैं ।

कहानी की संवेदना और वस्तु विन्यास की दृष्टि से यह समय विविधतापूर्ण रहा । भगवती प्रसाद बाजपेई, चंडीप्रसाद 'हृदयेश', प्रेमचंद, प्रसाद, विश्वंभर नाथ शर्मा कौशिक, ज्वालादत्त शर्मा, जनार्दन प्रसाद झा 'द्विज', उग्र, सुदर्शन, जैनेंद्र कुमार, विनोद शंकर व्यास और जी.पी. श्रीवास्तव जैसे कहानीकारों की विविधरंगी कहानियों ने कहानी-साहित्य को समृद्ध किया ।

नाटक के क्षेत्र में प्रसाद और हरिकृष्ण प्रेमी के अतिरिक्त सेठ गोविंद दास, गोविंद वल्लभ पंत, लक्ष्मी नारायण मिश्र, उदय शंकर भट्ट, उपेन्द्र नाथ अश्क सरीखे समर्थ रचनाकार सामने आये । रूपक और एकांकी भी इस रचना समय में खुब आये । सुदर्शन, रामकुमार वर्मा, भुवनेश्वर, अश्क, भगवती चरण वर्मा आदि के एकांकियों का तो एक संयुक्त संग्रह ही प्रकाशित हुआ ।

आधुनिक हिन्दी काव्य की एक विशेष प्रवृति के रूप में 'छायावाद' सामने आया । यहां राष्ट्रीय भावना और क्रांति को जगाने के अतिरिक्त वैयक्तिक प्रेम भावना और सौंदर्य चित्रण के लिए भी कवि प्रयत्नशील रहे । रहस्य भावना या आध्यात्मिक प्रेम भी यहां प्रमुख विषय के रूप में बना रहा। प्रसाद, निराला, महादेवी और पंत के अतिरिक्त इस समय के प्रमुख कवि माखन लाल चतुर्वेदी, बच्चन, नवीन, सोहनलाल द्विवेदी, रामकुमार वर्मा, दिनकर और अंचल माने जाते हैं ।

इस महत्वपूर्ण रचना समय के बाद क्रमशः 'प्रयोगवाद' व नई कविता का युग प्रारंभ हुआ ।

सन् 1950 के बाद की कविता को 'नई कविता' के रूप में मान्यता मिली । अज्ञेय द्वारा संपादित 'तार सप्तक' का प्रकाशन इस दृष्टि से एक महत्वपूर्ण प्रस्थान बिंदु साबित हुआ । नई कविता के पहले चरण में अज्ञेय, गिरिजाकुमार माथुर, भारत

भूषण अग्रवाल, मुक्तिबोध, प्रभाकर माचवे, रामविलास शर्मा, नेमिचंद जैन के समानांतर कुछ प्रमुख प्रगतिवादी कवि हैं – (स्व.) शमशेर, नागार्जुन, केदारनाथ अग्रवाल, त्रिलोचन शास्त्री, शील, बालकृष्ण राव, ठाकुर प्रसाद सिंह और शिवमंगल सिंह सुमन। बाद के महत्वपूर्ण कवियों में (स्व.) धर्मवीर भारती, नरेश मेहता, सर्वेश्वर, रघुवीर सहाय, जगदीश गुप्त, कुंवर नारायण व लक्ष्मीकांत वर्मा को मान्यता मिली। विकास की आस्था को साथ लिए समय संघर्ष में आगे बढ़ते हुए नई कविता ने इधर जो रास्ता तय किया उसमें धूमिल, दुष्यंत कुमार, केदार नाथ सिंह, विपिन कुमार अग्रवाल, अशोक वाजपेई, जगदीश चतुर्वेदी, विजेंद्र, विष्णु खरे, लीलाधर जगूड़ी, चंद्रकांत देवताले, गिरधर राठी, प्रयाग शुक्ल, सोमदत्त और शलभ श्रीराम सिंह सरीखे कवियों के साथ ही मंगलेश डबराल, इब्बार रब्बी, उदय प्रकाश, कुबेरदत्त, राजेश जोशी, विनोद दास व अन्य सक्रिय कवियों की समर्थ पंक्ति संबद्ध रही। चार पीढ़ियों की सक्रियता के बावजूद इधर छंदों की ओर रुझान कुछ कम हुआ है। इस दृष्टि से नीरज, रमेश रंजक, नईम, नचिकेता, कुंवर बेचैन के बाद रामकुमार कृषक, पुरुषोत्तम प्रतीक, आनंद शर्मा, प्रताप अनम, सुरेंद्र श्लेष और ब्रजमोहन ही उल्लेखनीय कहे जा सकते हैं। इस कमजोरी के चलते हिन्दी कविता ने बहुत कुछ खोया है। इधर युवा कवियों में देवी प्रसाद मिश्र, विमल कुमार और बद्रीनारायण, कात्यायनी, संजय चतुर्वेदी, रामलखन यादव और निर्मला गर्ग ने अपनी अलग ही पहचान बनाई है।

नाटक के क्षेत्र में प्रसाद के 'ध्रुवस्वामिनी' के बाद लंबे समय तक कोई सशक्त कृति सामने नहीं आई। सन् 1951 में जगदीशचंद्र माथुर रचित 'कोणार्क' और इसके भी सात वर्ष पश्चात आया मोहन राकेश का नाटक 'आषाढ़ का एक दिन'। अन्य नाटककारों में (स्व.) धर्मवीर भारती, विष्णु प्रभाकर, लक्ष्मीनारायण लाल और नरेश मेहता प्रमुख हैं। मंचन की दृष्टि से यह समय उत्साहवर्धक रहा। 'अंधायुग' इस दृष्टि से सफलतम नाटक कहा जा सकता है। बाद के नाटककारों में सर्वेंद्र शरत, रेवतीशरण शर्मा, सुरेंद्र वर्मा, मुद्राराक्षस, मणि मधुकर, शरद जोशी, रमेश बक्षी, नरेंद्र कोहली, कुसुम कुमार और किरन चंद्र शर्मा आदि प्रमुख हैं। बावजूद इसके, सच यह है कि प्रायः नाटकों के निर्देशक यह कहते पाये जाते हैं कि हिन्दी में अच्छे मौलिक नाटक बहुत कम लिखे जा रहे हैं।

साहित्य पर क्रमशः समकालीन यथार्थ की पकड़ इतनी मजबूत होती जा रही थी कि ऐतिहासिक उपन्यासों के प्रति इतना आग्रह न देखा गया। चतुर सेन शास्त्री (वैशाली की नगर वधू), यशपाल (अमिता और दिव्या) और वृंदावन लाल वर्मा (मृगनयनी) अपवाद कहे जा सकते हैं। परिवेश और परिस्थितियों के अनुरूप क्रमशः अपना स्वरूप बदलते हुए उपन्यास विधा ने जिन प्रमुख रचनाकारों को आकृष्ट किया वे हैं जैनेंद्र, अज्ञेय, इलाचंद्र जोशी, उदयशंकर भट्ट, विष्णु प्रभाकर, अमृतलाल नागर, यशपाल, भगवती चरण वर्मा, रांगेय राघव, राहुल सांकृत्यायन, नागार्जुन, फणीश्वर नाथ रेणु, उपेंद्रनाथ अश्क, अमृतराय, भीष्म साहनी, राजेंद्र यादव, प्रभाकर माचवे, धर्मवीर भारती, डा. देवराज, नरेश मेहता और भैरव प्रसाद गुप्त बाद के चर्चित उपन्यासकार हैं – शिवप्रसाद सिंह, शैलेश मटियानी, लक्ष्मीनारायण लाल, शिवानी, श्रीलाल शुक्ल, कृष्ण चंद्र शर्मा भिक्खु, मन्नू भंडारी, विवेक राय, रामदरश मिश्र, रवींद्र कालिया, नरेंद्र कोहली, धर्मेंद्र गुप्त, मुद्राराक्षस, योगेश गुप्त, रमेश बक्षी, रमाकांत, मृदुला गर्ग, हिमांशु जोशी व रवींद्र वर्मा आदि। इधर के उपन्यासकारों में मनोहर श्याम जोशी, ध्रुव शुक्ल, पंकज बिष्ट, नासिरा शर्मा, सुरेंद्र वर्मा, चंद्राकांता, वीरेंद्र जैन और क्षितिज शर्मा उल्लेखनीय हैं।

कथानक, भाषा, शिल्प व प्रस्तुति की विविधता की दृष्टि से इधर के उपन्यास में बहुतेरे परिवर्तन देखने में आये।

इस दृष्टि से 'झूठा सच' (यशपाल), मैला आंचल (रेणु), बूंद और समुद्र (नागर), निशिकांत (विष्णु प्रभाकर), बलचनमा (नागार्जुन) और उखड़े हुए लोग (राजेंद्र यादव) की परंपरा में 'कुरू–कुरू स्वाहा' और 'कसप' (मनोहर श्याम जोशी) 'जुलूस वाला आदमी', 'छोटे–छोटे महायुद्ध' और 'तीसरा देश' (रमाकांत), 'लेकिन दरवाजा' और 'उस चिड़िया का नाम' (पंकज बिष्ट), 'सूखा बरगद' (मंजूर एहतेशाम), 'डूब' (वीरेंद्र जैन) तथा 'अन्वेषण' (अखिलेश), अनवेषी (नरेंद नामदेव) और 'उकाव' (क्षितिज शर्मा) उल्लेखनीय उपन्यास हैं।

प्रेमचंद के बाद कहानी में एक ओर सामाजिक संघर्ष का अर्थबोध हुआ तो दूसरी ओर व्यक्ति के मनोविज्ञान से आगे मनोविश्लेषण की प्रवृत्ति देखने में आई। 'नई कहानी' के विकास के साथ साथ कुछ महत्वपूर्ण कहानीकार उभर कर आये – मोहन राकेश, निर्मल वर्मा, कमलेश्वर, कृष्णा सोबती, शिव प्रसाद सिंह, मार्कंडेय, अमरकांत, राजेंद्र यादव, धर्मवीर भारती, रेणु, उषा प्रियंवदा, शेखर जोशी और मन्नू भंडारी। 'दोपहर का भोजन' (अमरकांत), 'मिस पाल' (मोहन राकेश), 'परिंदे' (निर्मल वर्मा), 'टूटना' (राजेंद्र यादव) 'यही सच है' (मन्नु भंडारी), 'कोसी का घटवार' (शेखर जोशी), 'मारे गये गुलफाम' (रेणु) और 'वापसी' (उषा प्रियंवदा) सरीखी कहानियों की धारा के साथ ही प्राचीन परंपरा की जो कहानी अपनी सृजन लीक नये अनुभव समेट रही थी उसमें विष्णु प्रभाकर (धरती अब भी घूम रही है), रांगेय राघव (गदल), निर्गुण, शैलेश मटियानी, हृदयेश, कामतानाथ, हिमांशु जोशी आदि प्रमुख रचनाकारों ने उल्लेखनीय रचनाएं दीं।

समय के विकास के साथ–साथ अकहानी, सहज कहानी, समांतर कहानी, सचेतन कहानी, सक्रिय कहानी और जनवादी कहानी के आंदोलनों को पार करते हुए आज हिंदी कहानी एक लंबी यात्रा तय कर चुकी है। कविता की ही तरह कहानी के क्षेत्र में भी इस समय कई पीढ़ियां एक साथ सक्रिय हैं। मूल्यवान योगदान के लिए हरिशंकर परसाई, भीष्म साहनी, अमृत राय, ज्ञान रंजन, दूधनाथ सिंह, रामनारायण शुक्ल, रमाकांत, रमेश बक्षी, काशीनाथ सिंह, विजय मोहन सिंह, गिरिराज किशोर, मृदुला गर्ग, रमेश उपाध्याय, गोविंद मिश्र आदि विशेष उल्लेखनीय हैं। इधर जिन कहानीकारों ने अपनी विशेष जगह बनायी है, वे है, स्वयं प्रकाश, पंकज बिष्ट, सुरेश उनियाल, चित्रा मुद्गल, संजीव, उदय प्रकाश, शिवमूर्ति, राजी सेठ, अरुण प्रकाश, धीरेंद्र अस्थाना, नमिता सिंह, असगर वजाहत, नासिरा शर्मा, बलराम, महेश दर्पण, प्रियंवद, चंद्रकिशोर जयासवाल, अखिलेश, अब्दुल बिस्मिल्लाह और संजय।

लघु कथा धीरे–धीरे एक विधा के तौर पर स्थापित होती जा रही है। आधुनिक संवेदना और भाषा की दृष्टि से राजेंद यादव, असगर वजाहत, रमेश बत्तरा, कमलेश भारतीय, प्रकाश, संजय, पृथ्वीराज अरोड़ा, चित्रा मुद्गल, वि

महेश दर्पण, अवधेश कुमार और महावीर प्रसाद जैन की रचनाएं उल्लेखनीय हैं।

हिंदी आलोचना में डा. रामविलास शर्मा ऐतिहासिक और सामाजिक परिप्रेक्ष्य में महत्वपूर्ण कार्य कर रहे हैं किंतु इधर के साहित्य पर उनकी नजर कम ही टिकी है । लंबे समय के बाद संस्मरणों का नया सिलसिला चल निकला है । हरिशंकर परसाई 'हम इक उम्र से वाकिफ हैं' के जरिए तो कमलेश्वर 'यादहानी' की श्रृंखला में सबसे चर्चित रहे । कमलेश्वर की ही तर्ज पर रवींद्र कालिया के संस्मरण भी आये लेकिन उनमें काशीनाथ सिंह के उन संस्मरणों का मजा नहीं है। काशीनाथ सिंह का कहानीकार संस्मरण लिखते समय पूरी तन्मयता से सक्रिय रहता है । रामनारायण शुक्ल पर रमाकांत का संस्मरण भी उल्लेखनीय रहा ।

साक्षात्कारों का स्तर 'वार्तों वार्तों' में (मनोहर श्याम जोशी), 'बीसवीं शताब्दी के अंधेरे' में (श्रीकांत वर्मा) और 'कथा रंग' (सुरेंद्र तिवारी) व 'कथन उपकथन' (महेश दर्पण) से आगे नहीं बढ़ा है। 'दीवानखाना' की कड़ी को 'मितवाघर' से पद्मा सचदेव कुछ आगे ले गई तो डा. नामवर सिंह से किए गए चुनिंदा साक्षात्कार 'कहना व होगा' शीर्षक से छपे हैं।

यात्रा वृतांत की स्थिति दयनीय कही जा सकती है । 'वर्जित देश तिब्बत' के बाद बहुत कम पुस्तकें ऐसी देखी गईं जिनका लेखक लिखने से पहले पूरा क्षेत्र घूमकर आया हो। नेत्रसिंह शक्त की 'पत्थर और पानी' इस दृष्टि से महत्वपूर्ण कृति है ।

एक–एक कर जहां साहित्य पत्रिकाएं बंद होती चली गई, वहीं, 'हंस', 'वर्तमान साहित्य' और 'कहानी' ने यह मोर्चा मजबूती से संभाला हुआ है। 'सारिका' सरीखी कथा पत्रिका के बंद हो जाने के बाद से 'वर्तमान साहित्य' का कहानी महाविशेषांक उत्साह की लहर लेकर आया था, लेकिन फिर 'कविता' और 'आलोचना' पर केन्द्रित अंकों के अतिरिक्त महत्वपूर्ण कुछ न कर सका। कुल मिलाकर लघु पत्रिकाओं या व्यावसायिक पत्रिकाओं के वार्षिक विशेषांकों की भूमिका ही नगण्य रह गई है। विचार वैविध्य के बावजूद राजेंद्र यादव, राजकिशोर, श्यामाचरण दुबे, गिरिराज किशोर और सुधीश पचौरी की टिप्पणियां जब तब सार्थक हस्तक्षेप करती दीखती हैं। पुरस्कार वितरण का बढ़ता असर भी साहित्यिक परिवेश को सीमित प्रभाव का बना रहा है।

बीसवीं सदी का बालसाहित्य

हिन्दी साहित्य में बच्चों के लिए लिखने की परंपरा यद्यपि 12वीं शताब्दी में खुसरो की मुकरियों से मानी जाती है तथापि बच्चों के बौद्धिक विकास को ध्यान में रखते हुए 20वीं शताब्दी में बालसाहित्य की शुरूआत का विशेष महत्व है। यह बात सर्वविदित है आजादी से पूर्व बालकों के लिए लिखा जानेवाला साहित्य राष्ट्रीय भावना से ओतप्रोत था और ऐसा साहित्य रचा जा रहा था जो राष्ट्रीय स्वतंत्रता आन्दोलन में सहायक हो किंतु अधिकांश रचनाकार स्वयं को बाल साहित्यकार कहलाने से बचते थे। आजादी के बाद इसमें क्रांतिकारी परिवर्तन हुआ।

उपलब्ध जानकारी के अनुसार बच्चों के विधिवत बाल साहित्य का सृजनकाल 19वीं सदी का मध्य माना जाता है। संयुक्त प्रान्त के स्कूलों के निरीक्षक राजा शिवप्रसाद सितारे हिन्द ने बच्चों के लिए अनेक पुस्तकें लिखीं। इन में 'बच्चों की कहानी' (1867) और 'लड़कों की कहानी' (1876 ई.) काफी चर्चित हैं। भारतेन्दु हरिश्चन्द्र ने बच्चों के लिए हास्य व्यंग्य रचनाएं लिखीं जिनमें 'अंधेर नगरी' महत्वपूर्ण माना जाता है। लालूजी लाल कृत 'राजनीति' हितोपदेश का हिन्दी रूपान्तर था जो बच्चों को ध्यान में रखकर लिखा गया। पंडित बदरी लाल ने भी 1851 ई. में हितोपदेश की कथाओं का हिन्दी अनुवाद किया। इसी प्रकार स्वामी दयानंद, अम्बिका दत्त व्यास, मुंशी देवी प्रसाद मुंसिफ तथा लक्ष्मी नाथ शर्मा ने क्रमश: 'व्यावहार भानु' (1879 ई) 'कथा कुसुम कलिका' (1885 ई.), 'विद्यार्थी विनोद' (1896 ई) और 'श्री मनोरंजन' (1896 ई.) बच्चों के लिए कृतियां लिखीं।

इस काल में जहां बालकृतियां बच्चों के मानसिक विकास में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही थीं वहीं 1882 ई. में इलहाबाद से प्रकाशित 'बालदर्पण' नामक बच्चों की पत्रिका ने एक नए युग का सूत्रपात कर दिया। यह पत्रिका भारतेन्दु हरिश्चन्द्र के विशेष प्रयत्नों से प्रकाशित हुई थी इसलिए इसे भारतेन्दु हरिश्चन्द्र युग की विशेष देन कहा जाता है। इसके पश्चात 1891 ई. में लखनऊ से 'बालहितकर', 1906 ई. में अलीगढ़ से छात्र हितैपी' 1906 ई. में ही बनारस से 'बाल प्रभाकर' 1910 ई. में प्रयाग से 'विद्यार्थी तथा सन् 1912 ई. में नरसिंहपुर से प्रकाशित 'मानीटर' का योगदान विशेष रूप से सराहनीय रहा। इसके पश्चात बाल पत्रिकाओं की बाढ़ से आ गई। जैसे – 'शिशु' 1916 (संपादक – पंडित सुदर्शनाचार्य), 'बाल सखा', छात्र सहोदर' (1920 ई.) जबलपुर, 'वीर बालक' (सं. माधवजी) 1924 ई. दिल्ली; 'बालक' 1924 ई. (सं. आचार्य रामलोचन–पटना), 'खिलौना' 1927 ई. प्रयाग, (सं. पं. रामजीलाल शर्मा), 'चमचम' 1930, प्रयाग (सं विश्वप्रकाश), 'वानर' 1931 ई. प्रयाग (सं. पं. रामनरेश त्रिपाठी), 'कुमार' 1932, कालाकांकर (प्रतापगढ़) (सं. ठा. सुरेश सिंह), अक्षय मैया' 1934 इलाहाबाद (सं. रामकिशोर अग्रवाल 'मनोज'), 'बाल विनोद' 1936 मुरादाबाद (सं. रमाशंकर जेतली) 'किशोर' 1938, 'चन्दामामा' (चेन्नई) 1942 ई. पटना (सं. रामदहिन मिश्र), 'होनहार' 1944 ई. लखनऊ (सं. प्रेमनारायण टंडन), 'तितली' 1946 ई. प्रयाग (सं. व्यथित हृदय); 'बालबोध' 1947, प्रयाग (सं. ठा. श्रीनाथ सिंह) आदि हैं।

स्वतंत्रा प्राप्ति के बाद जैसे ही राष्ट्रीय लक्ष्य में परिवर्तन हुआ

वैसे ही बच्चों के बहुमुखी विकास के लिए बाल पत्रिकाओं ने अपनी जिम्मेदारी को समझा और अनेक बाल पत्रिकाएं नए युग और नए मूल्यों के साथ अवतरित हुई।:-'बालभारती' 1948 ई. (प्रकाशन विभाग, भारत सरकार, नई दिल्ली), 'प्रकाश' 1949 ई. (पंजाब), 'मनमोहन' 1949 (इलाहाबाद), 'नन्ही दुनिया' 1951 (देहरादून), 'कलियां' 1955 (लखनऊ), 'बालमित्र' 1955 (दिल्ली), 'जीवन शिक्षा' 1957, 'स्वतंत्र भारत' 1957 (दिल्ली), 'पराग' 1958 (दिल्ली), 'राजा बेटा' 1958 वाराणसी, 'बालबंधु' 1958 (मुरादाबाद), 'मीनू-टीनू' 1958 चक्रधरपुर (बिहार), 'राजाभैया' 1959 (दिल्ली), 'बाल फुलवारी' 1958 (अमृतसर), 'बालजीवन' 1960 (करनाल); 'हमारा शिशु' 1960 (कानपुर), 'विश्व बाल कल्याण' 1960 आजमगढ़, 'बेसिक बाल शिक्षा' 1961 ई. (सं. प्रेमनारायण भार्गव), 'बाल लोक' 1961 ई. (सं. बंशीलाल), 'फुलवारी' 1961 (सं. कुवंरजी अग्रवाल), 'बाल दुनिया' 1962 (सं. प्रदीप कुमार अरोड़ा), 'बाल वाटिका', 1962 (सं. पी. एन. पांडेय), 'रानी बिटिया' 1963 (सं. पं. शिवनारायण उपाध्याय), 'शेरखां' 1964 (सं. शम्भू प्रसाद श्रीवास्तव), 'नंदन' 1964 (दिल्ली), 'मिलिंद' 1965 (सं. रत्न प्रकाश शील), 'जंगल' 1965 (सं. आनन्द कमल), 'चमकते सितारे' 1966 (सं. ब्रजेश्वर मलिक), 'बाल प्रभात' 1966 (सं. श्रीप्रकाश जैन), 'शिशु बन्धु' 1966 (सं. सरोजनी कुलश्रेष्ठ), 'बाल जगत' 1967 (सं. उषा तिवारी), 'बच्चों का अखबार' 1967 (सं. महेन्द्र जोशी), 'नटखट' 1967 (सं. अशोक कुमार विश्वकर्मा), 'बालकुंज' 1968 (सं. रमेश कुमार बाल रतन), 'चम्पक' 1968 (सं. विश्वनाथ), 'लोटपोट' 1969 (सं. ए.पी. बजाज), 'चन्द्र खिलौना' 1969 (सं. मुरली प्रसाद सिंह), 'बाल रंगभूमि' 1970 (सं. सत्येन गुप्ता), 'मुन्ना' 1970 (सं. प्रखर बुद्धि कपूर), 'गोलगप्पा' 1970 (महेन्द्र प्रताप गर्ग), 'हिन्दी कामिक्स 1971 (सं. नजीर सईद), 'महाबली कामिक्स' 1971 (सं. सुरेन्द्र सुमन), 'नगराम' 1972 (सं. प्रदीप कुमार मिश्र), 'बच्चे और हम' 1972 (सं. मस्तराम कपूर 'उर्मिल'), 'चमाचम' 1972 (सं. घनश्याम रंजन), 'गुरुचेला' 1973 (सं. श्रीमती उषा कुमारी), 'हंसती दुनिया' 1973 (सं. पी.एल. बजाज एवं निर्मल जोशी), 'गुड़िया' 1973 (सं. श्रीमती विजया), 'किशोर मिलिन्द' 1973 (सं. शशिप्रभा अग्रवाल), 'बाल बन्धु' 1973 (सं. मुश्ताक परदेशी), 'शक्तिपुत्र प्यारा बुलबुल' 1974 (सं. ए.ए. अनंत), 'लल्लू पंजू' 1975 (अतिथि सं. के. पी. सक्सेना), 'शावक' 1975 (सं. सरोजिनी प्रीतमा एवं अंजु बजाज), 'बालेश' 1975 (सं. विश्वदीप), 'बालरुचि' 1975 (सं. रवीन्द्र श्रीवास्तव), 'देवछाया' 1975 (सं. मनमोहन सहगल), 'बाल दर्शन' 1975 (सं. नरेश सक्सेना, 'शिशुरंग' 1977 (सं. करुणेश), 'कलख' 1977 (सं. रमेश कुमार राणा), 'आदर्श बाल सखा' 1977 (सं. रामप्रवेश चौबे), 'ओराजा' 1977 (सं. त्रिलोक सिंह खानुजा), 'बाल साहित्य समीक्षा' 1977 (सं. डा. राष्ट्र बन्धु), 'बालपताका' 1978 (सं. जयव्रत चटर्जी), 'मुस्कराते फूल' 1978 (सं. श्याम विहारी भटनागर), 'बाल कल्पना' 1979 (सं. कु.सीमा), 'मेला' 1979 (सं. योगेन्द्र कुमार लल्ला), 'देवपुत्र' 1979 (सं. विश्वनाथ मित्तल, 'राकेट' 1980 (स राजकुमार राजन), 'बालमन' 1980 (सं. सूर्यनारायण सक्सेना) 'बालरत्न' 1980 (सं. नरेन्द्रकुमार), 'कुटकुट' 1981 (सं. रमेशगुप्ता चातक), 'नन्हें तारे' 1981 (सं. पुष्प कुमार सिंह), 'नन्हीं मुसकान' 1981 (सं. श्याम निगम), 'नन्हें मुन्नों का अखबार' 1981 (सं. प्रदीप सौरभ एवं अजामिल), 'दि चिल्ड्रेन टाइम्स' 1981 (सं. नरेन्द्र निर्मल एवं प्रेमेन्द्र श्रीवास्तव), 'आनंददीप' 1982 (सं. डा. दयानंद शर्मा मधुर), 'बालनगर' 1982 (सं. शील एम.ए. एवं कुणाल श्रीवास्तव), 'चंदन' 1982 (सं. अजीजुल्लाह खान), 'लल्लू जगधर' 1982 (सं. प्रेमचन्द्र गुप्त विशाल), 'सुमन सौरभ' 1983 (सं. विश्वनाथ), 'किलकारी' 1984 (सं. भूपेन्द्र गांधी), 'उपवन' 1984 (सं. सलीम खान 'फरीद'), 'चकमक' 1985 (सं. विनोद रैना), 'बाल कविता 1985 (सं. विनोद चन्द्र पांडेय 'विनोद'), 'अच्छे भैया' 1986 (सं. सतीश चन्द्र अग्रवाल), 'नए फूल धरती के' 1986 (सं. जयव्रत चटर्जी) बालहंस, 1986 (सं. अनंत कुशवाहा) बाल मंच, 1987 (सं. चित्रगर्ग), नन्हे सम्राट, 1988 (सं. आनन्द दीवान), 'किशोर लेखनी' 1988 (सं. देवेन्द्र कुमार देवेश') 'बालमेला' 1989 (सं. राधेश्याम प्रगल्भ), 'समझ झरोखा' 1989 (सं. मनोहर आशी) आदि।

हिन्दी बाल साहित्य में बाल पत्रिकाओं के अतिरिक्त गद्य के क्षेत्र में बाल सहित्यकारों ने काफी योगदान दिया। प्रेमचन्द ने 'जंगल की कहानियां' और 'कुत्ते की कहानी' पुस्तकें बच्चों के लिए विशेष रूप से लिखीं। इसी प्रकार शिशुओं के लिए लिखे गए गीत 'नीलम' शारदा मिश्र तथा 'मसहरी की देवी' निरंकार देव सेवक द्वारा रचित कृतियां उत्तर प्रदेश सरकार ने उत्तम प्रस्तुतीकरण के लिए पुरस्कृत किया। इसी प्रकार 'अनिता सर्कस गई' बालबन्धु तथा 'तीन टिकट महाविकट', 'नथकटी रिन्छू' और 'इल और बिल' नर्मदा प्रसाद मिश्रा उल्लेखनीय कृतियां थीं जो 1930 से 1938 ई. के बीच बच्चों में बहुत लोकप्रिय हुई। पांच से छह वर्ष के बीच के शिशुओं के लिए लिखने वाले रचनाकारों में सुखराम चौबे 'गुनकर', विद्याभुषण विभु, स्वर्ण सहोदर, श्रीनाथ सिंह, रामनरेश त्रिपाटी, सुभद्रा कुमारी चौहान, सुमित्रा कुमारी सिंहा, रामेश्वर गुरु, सरस्वती कुमार दीपक तथा रुद्रदत्त मिश्र उल्लेखनीय हैं।

हमारे देश के बाल-साहित्य का लगभग पचास प्रतिशत साहित्य आठ से बारह वर्ष के बच्चों के लिए लिखा जाता है। इस आयु वर्ग के बच्चों के लिए सोहनलाल द्विवदी, स्वर्ण सहोदर, सुखराम चौबे 'गुनकर' तथा विद्याभूषण विभु ने काफी अच्छी बाल कविताएं लिखीं। इसी परपरा मं सुमित्रा कुमारी सिंह (दादी का मटका), शिवमगल सिह सुमन (प्रभाती), रघुवीर शरण तथा भारत भूषण अग्रवाल (अत्याक्षरी), कुमार हृदय (अभिनयगीत), गया प्रसाद सुरेले (ग्रह मडल की रानी) शुभा वर्मा (निशु और चाद), कुसुमवती देशपाडेय (वर्षा की बूद), निरंकार देव सेवक (चाचा नेहरू के गीत) आदि ने लोकप्रिय बालगीत लिखे।

रामधारी सिह दिनकर ने 'मिर्च का मजा' सात बाल कहानियों का सग्रह लिखा। उपाध्याय सिंह हरिऔध की 'खेल तमाशा', सोहनलाल द्विवेदी की 'यह मेरा हिन्दुस्तान है' तथा 'बालभारती' सरस्वती कुमार दीपक की 'गुड़ियों का देश' हरिकृष्ण देवसरे 'चाद सितारे और पानी के गीत' तथा सत्यमान की ... बासुरी' लोकप्रिय बाल कविताएं हैं। इसी प्रकार

की कहानी' (दिनकर) 'गढ़ आया पर सिंह गया' (व्यथित हृदय), सम्राट अशोक और हर्षवर्धन' (प्रेमचन्द महेश), 'तथागत' यादवेन्द्र जैन), 'चिकित्सा की प्रगति' (भानुशंकर मेहता), 'भाप का इंजन कैसे बना' (जगपति चतुर्वेदी), 'घड़ी कैसे बनी' और हमारा पड़ोसी चांद' (रमेशचन्द्र वर्मा), 'धान की कहानी' (रमेश दत्त शर्मा), 'अणुशक्ति की कहानी' (विश्वमित्र शर्मा), 'ग्रामीण जीवन में विज्ञान', 'अनजान से पहचान' (जयप्रकाश भारती), पर्यावरण एवं पक्षी' और 'पर्यावरण क्विज' (शमशेर अहमद खान), 'हिन्दी की सौ श्रेष्ठ पुस्तकें' (जय प्रकाश भारती) 'चंदा मामा के देश में' (संतोष कुमार नौटियाल), 'हवा की बातें', 'आग की कहानी', 'आवाज' और 'पानी' (केशव सागर), 'धातुओं की कहानी', 'नवयुवकों के लिए हवाई जहाज' (श्रीराम वाजपेयी), आविष्कार और आविष्कारक' (रामवृक्ष बेनीपुरी), 'प्रकाश की बातें' (ब्रहमानंद एवं नरेश वेदी), 'समुद्र के जीवजन्तु, 'पक्षियों की दुनिया' और 'कीड़े मकोड़े' (सुरेश सिंह), 'पौधों की दुनिया' और 'सूरज चांद सितारे' (संत राम वत्स) 'देश के चिड़ियाघर' डा. अशोक कुमार मल्होत्रा तथा श्याम सुन्दर शर्मा) आदि महत्वपूर्ण पुस्तकें प्रकाश में आई। इसके अतिरिक्त भारत सरकार के प्रकाशन विभाग, नेशनल बुक ट्रस्ट ने विविध विषयों पर अनेक पुस्तकें प्रकाशित कीं। सूचना एवं प्रौद्योगिकी को ध्यान में रखकर सरकारी प्रकाशन क्षेत्र द्वारा तकनीकी ज्ञान करानेवाली पुस्तकें प्रकाशित हुई। देश के विभिन्न भागों को स्थित निजी प्रकाशकों ने भी ऐसी पुस्तकें प्रचुर मात्रा में प्रकाशित कीं।

जिस समय देश आजाद हुआ, उस समय हमारे पास श्रेष्ठ बाल साहित्य नहीं था। चूहा–बिल्ली, त्यौहार या देशभक्ति की कविताएं थीं। कुछ पौराणिक कहानियां थीं या अंग्रेजी से अनुदित कथाएं थीं। स्वाधीनता के बाद पच्चीस वर्षों में बच्चों के लिए इतनी पुस्तकें लिखी गई और नई–नई पत्रिकाएं आई–जैसा कि इससे पूर्व कभी नहीं हुआ था। स्वस्थ लोकतंत्र के लिए ज्ञान का प्रचार प्रसार आवश्यक है। उसकी शुरुआत तो बाल साहित्य से ही हो सकती है। आज बाल साहित्य का नया सूर्य उग आया है। हिन्दी में प्रकाशित एक हजार नई पुस्तकें प्रतिवर्ष बाल–साहित्य के भंडार को समृद्ध कर रही हैं। आज बाल–साहित्य के इतिहास को लेकर अनेक पुस्तकें लिखी गई है। विभिन्न विश्वविद्यालयों से अब शोधकार्य भी बाल साहित्य पर होने लगा है। अनेक विद्वानों ने बाल–साहित्य में शोधकार्य करके पी.एच.डी. उपाधियां भी प्राप्त कर ली हैं।

—शमशेर अहमद खान

संगीत

भारतीय संगीत का आरंभ वेदों से हुआ और वेदों में ही इसकी जड़ें हैं अब इस तथ्य को एक हद तक मान्यता मिल चुकी है कि। बाद की शताब्दियों में इस कला ने एक सुव्यवस्थित संहितावद्ध रूप धारण कर लिया। संगीत का विकास क्षेत्रीय प्रतिभा के अनुरूप लोक–शैली में हुआ और धीरे–धीरे उसने शास्त्रीय रूप धारण कर लिया। यद्यपि शास्त्रीय संगीत भारत के अलग–अलग भागों में भिन्न–भिन्न है, किन्तु उन सब के पीछे एकता की एक धारा अवस्थित है।

भारत में संगीत की दो शैलियाँ हैं – कर्नाटक और हिन्दुस्तानी। दोनों शैलियां नियम सम्मत हैं। इनके अतिरिक्त लोक संगीत, भजन और कीर्तन की भी परम्परा है।

राग एक सुरात्मक कथ्य होता है, जो कुछ परम्पागत नियमों के अनुरूप होता है और उसे स्वरों की मर्यादा में भिन्न–भिन्न तरीकों से प्रस्तुत किया जाता है। प्रत्येक राग के कुछ नियम होते हैं। ये नियम प्रत्येक राग के स्वर सोपान, उसके क्रम और अनिवार्य तत्व का निर्धारण करते हैं, जिनके संयोग से उसके विन्यास को एक विशेष तर्ज मिलती है। मेलकर्त्ता, जिसमें 72 राग होते हैं, कर्नाटक शैली का नियमन करता है। इस संरचना के आधार पर अनगिनत अन्य रागों का विकास हुआ है। हर राग के व्यक्तित्व के लिए कम से कम चार स्वरों का होना जरूरी है। अपने विकास के आरम्भिक वर्षो में हिन्दुस्तानी संगीत में मेलकर्त्ता शैली नहीं थी। बाद में श्री भातखण्डे के प्रयास से इसे सुव्यवस्थित किया गया। भारतीय संगीत की मूल विशेषता स्वर का महत्व है। स्वर का अर्थ है – एक समय पर एक ध्वनि-[illegible] का संचालन, अतः यह स्वभावतः एक रेखिक शैली में ध्वनि प्रतिमान का आरोह–अवरोह बन जाता है। चूंकि राग मूलत एक आरम्भिक सुरात्मक धारणा है, अतः इसके कलात्मक सामर्थ्य को प्रकट करने हेतु इसका विस्तार अनिवार्य हो जाता है। इसके परिणामस्वरूप ये आकार–परक संरचनाए या तो लयबद्ध होती हैं या मुक्त होती हैं। इसके साथ ही संगीतज्ञ की प्रतिभा के अनुसार इसकी प्रस्तुति भी थोड़ी भिन्न हो जाती है।

संगीत अनुसंधानकर्ताओं का कहना है कि राग, एक धारणा और परिपाटी के रूप में ईसा की पांचवीं शताब्दी में पूरी तरह से विकसित हुए। यदि भूतकाल का अनुशीलन किया जाए, तो पता चलता है कि राग के बीज सामवेद में थे क्योंकि इसे [illegible] स्वरों में अवरोह में गाया जाता था।

हिन्दुस्तानी संगीत और कर्नाटक संगीत शैली में रागों की संरचना सम्बन्धी [illegible] में कुछ अन्तर है। हिन्दुस्तानी [illegible] की विशेषता यह है कि इसमें राग में वादी और [illegible] पर जोर दिया जाता है [illegible] दूसरे शब्दों में, [illegible] वादी और [illegible] मौलिक स्वर हैं, जैसे [illegible] इसका [illegible] यह है कि इन्हीं स्वरों में थोड़ी [illegible] अनेक [illegible] सकते हैं। दूसरी ओर [illegible] के [illegible] महत्व को घटा[illegible] [illegible] का प्रतिमान निर्माण [illegible] है [illegible]

हिन्दुस्तानी शैली [illegible] कर्नाटक शैली में कुछ [illegible]

अन्तर यह है कि हिन्दुस्तानी संगीत 'समय' सिद्धान्त पर आधारित है।प्रातः दोपहर, गोधूलि, रात्रि और मध्य रात्रि व उषा काल सबके लिए पृथक–पृथक राग हैं। कर्नाटक संगीत में इस सम्बन्ध में उनका कठोरता से पालन नहीं किया जाता। दक्षिण के अन्य रागों की ही भांति हिन्दुस्तानी शैली में रागिनियां हैं। हिन्दुस्तानी संगीत में लिंग तत्व भी हैः रागिनियां स्त्री लिंग और राग पुलिंग। लयात्मक चक्र को ताल कहते हैं। तालों में सार्वभौमिक एकत्व है, जैसे 2+2 चार होते हैं। भारतीय संगीत में तालों की संचरना में बड़ी जटिल विविधता है। कर्नाटक संगीत में यहां तक कि रेलगाड़ी की घड़घड़ाहट में भी, एक लय है। मूल स्थान से पुनरावृत्ति करने से लय को स्वरूप प्राप्त होता है। ताल पुनरावृत्यात्मक या चक्रिक है जैसे सप्ताह के दिन–सोमावार से रविवार तक और उसके बाद पुनः सोमवार आता है। भारतीय लयात्मक संरचना की मौलिक इकाइयां तीन (तिस्र), चार (चतुस्र), पांच (खण्ड), सात (मिश्र) और नौ (संकीर्ण) हैं। ध्यान से देखने पर पता लगेगा कि इनमें से अन्तिम दो, तीन + चार और चार + पांच का मिश्रण मात्र हैं। मिन्नों की बात हम कला–विशेषज्ञों पर छोड़ सकते हैं। चूंकि तालों का मामला साधारण गणित का मामला है, अतः इनमें अन्तर आने का प्रश्न पैदा नहीं होता। लेकिन जहां हिन्दुस्तानी संगीत में विलम्बित चरण से द्रुत चरण तक पहुंचने में कोई कालिक अनुपात नहीं है, वहां कर्नाटक संगीत में काल निर्दिष्ट है – विलम्ब से दूना मध्य और मध्य से दूना द्रुत।

वाद्य यंत्र

बांसुरी, नादस्वरम, वीणा, गोट्टुवाद्यम, तविल, मृदंगम, ढोल आदि भारतीय संगीत के कुछ प्राचीन वाद्य यंत्र हैं। सितार और तबला बाद में आए। लगता है कि सितार फारस से आया। यह अब बहुत लोकप्रिय हो गया है। सभी वाद्य यंत्र अभ्यास से सीखे जाते हैं। ये बजाने वाले की सूझबूझ और प्रवीणता पर निर्भर है। बांसुरी, नादस्वरम और शहनाई सुषिर वाद्य यंत्र हैं, जबकि वीणा, गोट्टुवाद्यम, सितार और सरोद तंत्री वाद्य हैं। सरोद अफगानिस्तान से आया है। ढोल की किस्म के वाद्ययंत्र ताल वाद्य हैं। एक बात भली प्रकार स्मरण रखना चाहिए कि भारत का वाद्य संगीत मूलतः स्वरों पर आधारित है। कर्नाटक संगीत में तो यह तथ्य और भी उजागर होता है, क्योंकि उसमें कलाकार केवल महान गायकों के गीतों को वाद्ययंत्र पर उतारता है। केवल आलाप में ही छूट या ढील की गुंजाइश होती है। किन्तु हिन्दुस्तानी संगीत में स्थिति कुछ भिन्न है, जहां वाद्यस्वर संगीत रचना पर निर्भर नहीं करता। एक निश्चित लयबद्ध आवर्तन पर आधारित संगीत शब्दावली को निरूपण हेतु लिया जाता है और उसे पांच चरणों अर्थात् आलाप, जोड़ और झाला, गति, विलम्बित और द्रुत में संस्कारित किया जाता है। यद्यपि अलग–अलग वाद्य यंत्रों के लिए अलग–अलग वाद्य–स्वर हैं, किन्तु विशेष जोर गायकी अंग पर दिया जाता है, अर्थात् गायकी शैली के साथ पूरा सामंजस्य बैठाने की पूरी कोशिश की जाती है। किन्तु आजकल महान संगीताचार्य वाद्य–यंत्रों पर कुछ विशिष्ट अभिरचनाओं का प्रयोग कर रहे हैं।

इस विषय में पंडित रविशंकर, अली अकबर खां और अमजद अली खां के नाम गिनाए जा सकते हैं। रविशंकर ने तो एक कदम आगे जाकर वाद्यवृंद की स्वर–लिपि तैयार करने में भी विशेष निपुणता प्राप्त कर ली है। इतना ही नहीं, उन्होंने भारतीय संगीत और पाश्चात्य संगीत का सम्मिश्रण तैयार किया है। उन्होंने पॉप और जाज़ संगीतज्ञों के साथ अनेक स्वर लिपियां तैयार की हैं। इस प्रयोग के महत्व और इसकी संभावनाओं का फैसला तो आगे आने वाली पीढ़ियां ही करेंगी।

ताल वाद्यों के सम्बन्ध में भी इस बात की बहुत कोशिश की गई है कि सब प्रकार के ताल वाद्यों के लिए साझा मंच हो। लब्धप्रतिष्ठ अल्लाह रखा के नवयुवक एवं जोशीले पुत्र जाकिर हुसैन ने इस दिशा में काफी प्रगति भी कर ली है। यह प्रयास इसलिए सफल रहा कि लय की प्रभावोत्पादकता सार्वभौमिक है – इसमें क्षेत्रीय या अन्तर्राष्ट्रीय पूर्वाग्रह की गुंजाइश नहीं होती।

वायलिन पूर्णतः पाश्चात्य वाद्ययंत्र है। इसका भी भारतीयकरण हो चुका है और यह काफी लोकप्रिय है। 19वीं शताब्दी में मुत्तुस्वामी दीक्षितर के भाई बालुस्वामी दीक्षितर ने भारत में वायलिन की शुरुआत की थी। उसके बाद यह लोकप्रिय होता गया और अब तो इसे भारतीय संगीत का अनिवार्य वाद्य माना जाता है। सच तो यह है कि अपनी सुवाह्यता, परकाम्यता और परास के कारण यह वाद्य यंत्र अन्य भारतीय वाद्य यंत्रों के ऊपर छा गया है। भारतीय वाद्य यंत्रों पर तो मौसम की खराबी का कु–प्रभाव नहीं पड़ता। यह दक्षिण भारत में सबसे अधिक पसंद किया जाने वाला वाद्य यंत्र है।

उत्तर भारत में सारंगी – यह भी एक तंत्र वाद्य यंत्र है – शताब्दियों से प्रचलित रही है। किन्तु इसकी अपनी कमियां हैं। इसमें अनेक स्पंदित तंत्र होते हैं, जिन्हें राग के अनुसार बदलना पड़ता है। इसके अतिरिक्त, इसे उंगली के अग्र भाग के बजाय उंगली की पोर (गांठ) से बजाया जाता है। वर्षों के अभ्यास से ही इसमें निपुणता प्राप्त की जा सकती है। लेकिन इसकी विशेष खूबी इसकी सुरीली आवाज में है जिसके सामने मनुष्य की आवाज भी हल्की पड़ जाती है। यह विलम्बित में हृदय को उद्वेलित कर सकती है। जब किसी विशिष्ट व्यक्ति का निधन हो जाता है, तो आकाशवाणी से इसी को बजाया जाता है। हाल के वर्षों में उत्तरी भारत में भी वायलिन की लोकप्रियता बढ़ी है। इसे बजाने वाले दो विशिष्ट कलाकार वी. सी. गोग और श्रीमती एन. राजम हैं।

दक्षिण भारत में पहले भी वायलिन के माहिर कलाकार रहे हैं और अभी भी हैं। गोविन्द स्वामी पिल्लै से लेकर अन्य धुरन्धरों के नाम हैं – द्वारम वेंकटस्वामी नायडु, मैसूर टी चौडय्या, राजमणिकम पिल्लै और मायवरम गोविन्दराज पिल्लै। नई पीढ़ी के कलाकारों ने तो पुरानी पीढ़ी के कलाकारों को भी मात कर दिया है। नई पीढ़ी के कलाकारों के उदाहरण हैं – लालगुडी जयरामन, एम. एस. गोपाल कृष्णन और वी. वी. सुब्रह्मण्यम। विख्यात वायलिन वादक नवयुवक प्र. एल सुब्रह्मण्यम की उल्लेखनीय उपलब्धियों का उल्लेख करना आवश्यक है। उन्होंने केवल कर्नाटक शैली ही नहीं, वरन् हिन्दुस्तानी और पाश्चात्य शैलियों में महारत हासिल की है। यह पश्चिम के उत्कृष्ट कलाकारों की बराबरी कर सकते है। जब जुबीन मेहता से भारतीय वायलिन वादकों के बारे में उनकी राय पूछी गई तो उन्होंने कहा कि "नवयुवक एल.सुब्रह्मण्यम सर्वश्रेष्ठ हैं"

कर्नाटक संगीतकारों की संख्या इतनी अधिक है कि उन

सब का विस्तृत विवरण यहां नहीं दिया जा सकता। लेकिन कुछ सुविख्यात कालकारों के नाम गिनाना अनुचित न होगा। ये नाम हैं – पालघाट राम भागवतर, अरियक्कुडी रामानुज अय्यंगार, महाराजपुरम विश्वनाथ अय्यर, मदुरै मणि अय्यर, चेम्बै वैद्यनाथ भागवतर, पालघाट मणि अय्यर, पलनि सुब्बुडु, दक्षिणामूर्ति पिल्लै। लेकिन कर्नाटक संगीत को पश्चिम के देशों में लोकप्रिय बनाने का श्रेय यदि किसी को दिया जा सकता है, तो श्रीमती एम. एस. सुब्बलक्ष्मी को, जिन्होंने अपनी मीठी वाणी से पश्चिम के लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया। इतना ही नहीं, उन्होंने संगीत को भक्ति एवं लोकोपकार का माध्यम बनाया। सच तो यह है कि उन्होंने संगीत के मूल प्रयोजन को सार्थकता प्रदान की।

संगीत रचना

तालपाक्क में अण्णमाचार्य से पहले, जिन्होंने वर्तमान कृति शैलीपल्लवी, अनुपल्लवी और चरण का विकास किया, कर्नाटक संगीत में अपनी अलग शैली थी। तमिलनाडु में अरुणगिरि नाथर, मुत्तु ताण्डवर, माणिक्क वाचकर और तायुमानवर जैसे संत संगीतकारों ने भक्ति के गीत जैसे तिरुप्पुगषा, तेवारम और कीर्तन गाए। चूंकि उस समय कोई स्वरांकन पद्धति नहीं थी, वे गीत सुनकर अभ्यास द्वारा सीखे जाते थे।

कर्नाटक के पुरन्दरदास ने कृति शैली को पूर्णता प्रदान करके कर्नाटक संगीत को स्वरूप ही प्रदान नहीं किया बल्कि सरलि जण्डै और गीतम के रूप में अनेक संगीत–अभ्यास भी तैयार किए। इससे कर्नाटक संगीत का स्वरूप प्राप्त हुआ। इसलिए यह कहा जा सकता है कि पुरन्दरदास ने त्यागराज, श्यामाशास्त्री और मुत्तुस्वामी दीक्षितर के लिए भक्ति भाव को संगीत का जामा पहनाने हेतु आधार भूमि तैयार कर दी थी। यह त्रिमूर्ति कर्नाटक संगीत की समृद्धि में सबसे अधिक योगदान करने वाली सिद्ध हुई। त्यागराज ने तेलुगु में अपने इष्ट देवता राम के यश का गान किया। चूंकि उनके शिष्य बहुत थे, अतः भजन जल्दी ही लोकप्रिय हो गए।

उनके गीतों की विलक्षणता यह है कि प्रत्येक गीत अन्तः प्रेरणा का परिणाम है और उसके पीछे वैयक्तिक अनुभव या कोई घटना है। उन्होंने लगभग सभी रागों का प्रयोग किया और उससे भी बड़ी बात यह है कि अपने गीतों में उन्होंने हर राग को लगभग इतनी अधिक विधियों से इस्तेमाल किया कि भावी संगीतकारों के लिए अधिक गुंजाइश रही ही नहीं। शायद इसी कारण से दीक्षितर ने पदों की गति को दूना करने के लिए ध्रुपद को अपनाया ताकि उनके गीतों में नयापन दिखाई दे। श्यामाशास्त्री ने कांचीपुरम की अधिष्ठात्री कामाक्षी की प्रशंसा के गीत गाए। उनके गीतों ने कर्नाटक संगीत में उनके तकनीकी उत्कर्ष को उद्घाटित किया। जहां त्यागराज के गीत सुनकर सीखे जा सकते हैं, वहां श्यामाशास्त्री और मुत्तुस्वामी दीक्षितर के गीतों को गुरु से सीखना पड़ता है।

हल्के पक्ष में पदम, जावलि और कावडि चिन्दु के नाम गिनाए जा सकते हैं। इनमें से प्रथम दो हिन्दुस्तानी शैली की ठुमरी के समकक्ष हैं। वे श्रृंगारिक हैं और उन्हें भावुक होकर गाया जाता है।

हिन्दुस्तानी संगीत में ध्रुपद प्राचीनतम संगीत रचना है, जिसका विकास स्वामी हरिदास और तानसेन ने किया। स्वामी हरिदास पन्द्रहवीं शताब्दी के अन्त में हुए थे। वे आंध्र दार्शनि[illegible] संत निम्बार्क की यौगिक परम्पराओं में सन्यासी बन गए। उन[illegible] गीतों का सार भक्ति था। अनुश्रुतियों के अनुसार बैजू बाव[illegible] और तानसेन उनके शिष्य थे। तानसेन सोलहवीं शताब्दी [illegible] पूर्वार्द्ध में हुए थे। एक अनुश्रुति के अनुसार वह मकरंद पाण[illegible] नामक व्यक्ति के पुत्र थे और उनका नाम राम तनु था; बाद [illegible] उनका नाम तन्नू मिश्र पड़ गया। वह अकबर के दरबारी थे [illegible] मियां की मल्हार, दरबारी, कन्नड़ और मियां की तोड़ी जैसे न[illegible] रागों के निर्माण का श्रेय उन्हें ही है। यह शैली काफी समय पहल[illegible] ही लुप्त हो चुकी थी, किन्तु डागर परिवार के प्रयासों से अब य[illegible] पुनः प्रकाश में आ गई है और अपनी शक्ति के कारण पश्चि[illegible] के देशों में भी लोकप्रिय हो चुकी है।

'खयाल' का स्रोत फारस है और इस शब्द का अर्थ [illegible] 'कल्पना'। हालांकि इसका जनक अमीर खुसरो को मान[illegible] जाता है, किन्तु आम राय यह है कि 15 वीं शताब्दी [illegible] सुल्तान मोहम्मद शर्की की कोशिशों से इसको प्रसिद्धि मिल[illegible] और सदानंद नियामत खां (18 वीं शताब्दी) के समय में इस[illegible] शास्त्रीय रूप में मान्यता प्राप्त हुई। यह (खयाल), ध्रुपद के विपरीत, अधिक नाजुक और रोमांचक है। इसका कारण यह है कि विन्यास और इसकी तकनीक की दृष्टि से इसमें कुछ ऐसी छूट है, जो ध्रुपद में नहीं है।

ध्रुपद की शुरुआत 'आलाप' से होती है, किन्तु खयाल का आलाप से शुरु होना जरूरी नहीं है। यह गायक की प्रतिभ[illegible] पर निर्भर है कि वह हर स्वर को उचित पर्यावरण, गमकों और वांछित लय प्रदान कर उसके सौन्दर्य की श्रीवृद्धि करे। इस दृष्टि से अनेक विख्यात नाम हैं जैसे बालकृष्ण बुआ (ग्वालियर घराना), रहमत खां (ग्वालियर घराना), नत्थन खां (आगरा घराना), फय्याज खां (आगरा रंगीला घराना), अल्लादियां खां (जयपुर घराना), भास्कर बुआ (आगरा, ग्वालियर, जयपुर घराना), अब्दुल करीम खां (किराना घराना), अब्दुल वाहिद खां (किराना घराना)।

स्वरूप की दृष्टि से ठुमरी हल्की और प्रायः विषयासक्त है। इसका सम्बन्ध संभवतः राधा–कृष्ण भक्ति सम्प्रदाय से रहा है और कथक ने इसे संवारा। 19 वीं शताब्दी में वाजिद अली शाह के जमाने में जो अत्यधिक रसिक थे, ठुमरी बहुत लोकप्रिय हुई। वाजिद अली शाह उदार शासक थे और उनके दरबार में अनेक सुविख्यात नर्तक एवं गायक थे। तराना के लिए सार्थक शब्दावली की आवश्यकता नहीं होती। इसकी संगीतिका में कुछ अक्षर–ध्वनियां हैं– जैसे अबोबिन्दु, टोम, तराना और यलालि, जो तबला और सितार के स्पंद का स्मृत्याधार है। कर्नाटक शैली में 'तिल्लाना' इसके समतुल्य है।

गज़ल इस समय बहुत लोकप्रिय हैं। गज़लें विषयासक्त होने के कारण अधिक लोकप्रिय हैं।

मिर्जा गालिब को गज़लों का जनक कहा जा सकता है और उन्होंने बड़े स्पष्ट शब्दों में इसके प्रयोजन का वर्णन किया है। अब इसने अर्थक्षम व्यवसाय का रूप धारण कर लिया है और हिन्दुस्तानी संगीत की अन्य सभी पद्धतियों में सर्वाधिक लोकप्रिय है।

उपर्युक्त विवरण भारतीय संगीत की दो प्रमुख शैलियों के केवल मोटे एवं मौलिक पहलुओं को स्पर्श करता है।

नृत्य

भारत में प्रचलित नृत्य शैलियां ये हैं – भरतनाट्यम, चाक्यार कूत्तु, कत्थक, कथकली, कृष्णनआट्टम, कुचिपुडी, मणिपूरी, मोहिनीआट्टम, ओडिसी, ओट्टनतुल्लल और यक्षगान। इनके अलावा विभिन्न प्रदेशों और संस्कृतियों के अपने–अपने लोक नृत्य हैं ।

भरतनाट्यम

गतिमय काव्य है। इसका स्रोत भरतमुनि के नाट्यशास्त्र में है।यह नृत्य अति परम्परावद्ध तथा शैलीनिष्ठ है।भरत द्वारा निर्धारित टेकनीक ढांचे में विकसित इस नृत्य शैली में नए फेशन के उद्‌भवों की गुंजाइश नहीं है।इतिहास के दुर्बोध युग में उद्‌भूत (नाट्यशास्त्र 4000 वर्ष ई.पू. पुराना बताया जाता है) भरतनाट्यम सुविख्यात नर्तकों की शालीनता और प्रवीण वास्तुकारों की निपुण उंगलियों के प्रश्रय में पीढी दर पीढ़ी अमरता प्राप्त करता रहा । वास्तुकारों ने भरत की टेकनिक को मन्दिरों की वास्तुकला में रेखांकित किया।

भरतनाट्यम के वर्तमान रूप को तंजौर चतुष्टय अर्थात् पोन्नैया पिल्ले और बन्धुओं ने विकसित किया । इससे पूर्व े 'आट्टम' और 'सदिर' नाम से जाना जाता था और दक्षिण रत के मन्दिरों की देवदासियां यह नृत्य करती थीं । ार्थिक एवं सामाजिक कारणों से इस नृत्य की प्रतिष्ठा हो गई और बाद में रुक्मिणी देवी ने इसे नए जीवन सम्मान से प्रतिष्ठित किया। इसके प्ररूप हैं – अलारिप्पु), जति स्वरम् (स्वर सम्मिश्रण), शब्दम् (स्वर एवं), वर्णम् (शुद्ध नृत्य एवं अभिनय का सामंजस्य), हल्की लियां जैसे पदम और जावलियां (श्रृंगारिक) और अन्तिम ल्लाना (शुद्ध नृत्य)। रुक्मिणी देवी के ही समान प्रतिष्ठित ान बाल सरस्वती का है ।

ात्थक

इसका आधार कथा है । उत्तर भारत के मन्दिरों में ाकाव्यों की कहानियां कहने वाले होते थे । बाद में कथा हने के साथ स्वांग और हाव–भाव प्रदर्शन भी जुड़ गए । त्थक के विकास में दूसरा चरण 15 वीं और 16 वीं ताब्दी में आया, जब राधा–कृष्ण उपाख्यानों को लोकप्रियता ली । मुसलमानों के आने के बाद कथक ने मन्दिरों से कल कर दरबार में प्रवेश किया । जयपुर, लखनऊ और नारस इसके केन्द्र थे । जहां जयपुर में लय पर जोर देते ः शुद्ध नृत्य को प्रधानता मिली, वहां लखनऊ में इसमें गारिकता को प्रश्रय मिला । बनारस में भी शुद्ध नृत्य की प्रधानता रही, किन्तु इसमें राधा–कृष्ण उपाख्यानों के संगिक वृतान्तों का निरूपण करने के परिणामस्वरूप न्द्रिकता आ गई । लखनऊ शैली के सबसे बड़े पोषक जिद अली शाह थे जो कला पर जी खोलकर धन खर्च करते थे । कथक नृत्य का एक नियमबद्ध प्रारूप है और इसमें मुख्य जोर लयात्मकता पर है, जिन्हें तत्कार, पलटा, तोड़ा, आमद और परन कहा जाता है ।

इस विधा के कुछ विख्यात कलाकारों के नाम हैं – बिन्दादीन महाराज, कालकादीन, अच्छन महाराज, गोपीकृष्ण और बिरजू महाराज ।

चाक्यारकुत्तु

विश्वास किया जाता है कि केरल में आरम्भ में आए आर्यों से इस शैली को शुरू किया गया था और केवल चाक्यार जाति के लोग यह नृत्य करते हैं । यह मनोरंजन की एक परम्परागत शैली का नृत्य है । इसे केवल मन्दिर में किया जाता था और केवल सवर्ण हिन्दू ही इसे देख सकते थे । नृत्यागार को कूत्तम्बलम कहते हैं । स्वर के साथ कथापाठ किया जाता है, जिसके अनुरूप चेहरे और हाथों से भावों की अभिव्यक्ति की जाती है । साथ में केवल झांझ और तांबे का बना व चमड़े से मढ़ा ढोल जैसा एक वाद्य यंत्र होता है ।

भारत के अलग–अलग क्षेत्रों के अलग–अलग लोक नृत्य हैं, जिनके कोई निर्धारित नियम नहीं हैं । वे हर क्षेत्र के त्योहारों के अनुरूप हैं ।

कथकली

कथकली केरल का सबसे परिष्कृत, सर्वाधिक वैज्ञानिक और विस्तृत नियमावली वाली नृत्य शैली है। जिस रूप में आज यह है, वह रूप 300 वर्षों से अधिक पुराना नहीं है, किन्तु इसका स्रोत अतीत में ढूंढा जा सकता है । यह बड़ा उत्तेजक नृत्य है, जिसमें कलाकार के शरीर के लगभग प्रत्येक अंग पर पूरे नियंत्रण की ही नहीं, बल्कि भावों की गहरी संवेदनशीलता की भी आवश्यकता होती है ।

आट्टकथा के लिए कथाएं, महाकाव्यों और पुराणों से ली जाती हैं और उन्हें क्लिष्ट संस्कृतनिष्ठ पद्य में मलयालम में लिखा जाता है । अभिनय करने वाला बोलता नहीं बल्कि एक जटिल और वैज्ञानिक ढंग से निर्दिष्ट मुद्राओं और पद संचालन द्वारा भावों की अभिव्यक्ति नेपथ्य में गाए जा रहे पाठ के साथ तालमेल बैठाते हुए करता है ।

कथकली की कथाओं के पात्र महामानव, देव व दानव और पशु होते हैं, जिन्हें मानव आकार से बड़ा दिखाया जाता है । दर्शक को सर्वप्रथम और सर्वाधिक आकृष्ट करते हैं नर्तक की वेशभूषा, उसके आभूषण और उसकी मुख–सज्जा; इनसे नर्तक एक व्यक्ति नहीं रह जाता, बल्कि एक वर्ग का प्रतिनिधि बन जाता है। कौन–सा पात्र किस वर्ग का है इसकी पहचान उसके रंग से की जाती है। हरे रंग की मुखसज्जा कुलीनता, सम्मान, वीरता और उच्च गुणों का प्रतीक है ।

पौराणिक नायकों जैसे पांडवों, राजा नल और कृष्ण व इन्द्र

जैसे देवताओं की मुख–सज्जा हरे रंग से की जाती है। कत्ती मुख–सज्जा वाले पात्रों में हरे रंग के बीच में लाल रंग के मूंछों के गोले जैसे बने होते हैं ।यह मुख–सज्जा कुलीन खलनायकों की होती है, जैसे दुर्योधन और रावण आदि ।

पात्रों का एक अन्य वर्गीकरण 'ताड़ी' (दाढ़ी) कहलाता है। इसके अन्तर्गत पात्रों की लाल, सफेद और काली दाढ़ी होती है ।लाल दाढ़ी दुशासन, बकासुर जैसे कुमार्गी खलनायकों की, सफेद दाढ़ी सदाचारी हनुमान की और काली दाढ़ी आदिवासियों और वनवासियों जैसे पात्रों की होती हैं । 'करी' (काली) श्रेणी के अन्तर्गत ऐसे पात्र आते हैं जैसे सूर्पणखा और हिडिम्बा जैसी राक्षसियां और उनके मुंह पर काला रंग लगाया जाता है ।इसके बिल्कुल विपरीत 'मिनिक्कु ' श्रेणी होती है। इस श्रेणी के पात्रों की मुख–सज्जा पीले व लाल पाउडर को मिलाकर हल्के सौम्य वर्म रंग में की जाती है, जैसे कुलीन महिलाएं, रानियां, राजकुमारियां और दमयन्ती, सीता जैसे अधिकांश आदर्श नारी पात्र । नर्तक केवल हस्तमुद्राओं, चेहरे के हाव–भावों एवं नृत्य द्वारा अभिव्यक्त करता है । पाद–संचालन की ध्वनि, जटिल अभिनय और ढोल जैसे वाद्य–यंत्रों के साथ कथकली नृत्य दर्शक को देवताओं, दानवों और मानव प्राणियों के पारलौकिक वातावरण में पहुंचा देता है ।

कलाकार बनने में वर्षों लग जाते है –सुविज्ञ गुरु की देखरेख में कम से कम सात वर्षों तक अभ्यास जरूरी होता है । किन्तु निपुण अभिनेता (सर्वतोमुखी प्रतिभा सम्पन्न) बनने में इससे भी कहीं अधिक समय लग जाता है ।

कथकली का जन्म केरल के राज दरबारों में हुआ। इसे अति–संश्लिष्ट कला शैली माना जाता है, जिसमें कृष्णन आट्टम और रामन आट्टम जैसी प्राचीन शैलियों के मूल तत्वों सहित अति वैज्ञानिक नृत्य नाटिका का समावेश है ।यह लोकनृत्य नहीं, वरन् अत्यधिक शास्त्रीय नृत्य है।

अधिकांश आट्टकथाएं पिछली शताब्दी में लिखी गई, किन्तु समान स्तर की आट्टकथाएं अभी भी लिखी जा रही हैं। अनेक नवोन्मेष हो रहे हैं, किन्तु मौलिक रूप के अन्तर्गत ही। एक नवोन्मेष यह है कि गोथे के उत्कृष्ट जर्मन काव्य फॉस्ट को आट्टकथा में तैयार किया गया है ।

आज की कथकली का प्रेरणा स्रोत कवि वल्लतोल को माना जा सकता है ।उन्होंने अनेक पाण्डुलिपियों का सृजन किया । भारतपुषा के तट पर केरल कलामण्डलम इस कला की सर्वश्रेष्ठ संस्था है ।

कूडियाट्टम

लम्बी चलने वाली नृत्य नाटिका है, जिसमें कुछ दिनों से लेकर कई सप्ताह का समय लग जाता है ।यह मनोरंजक के साथ उपदेशात्मक भी होता है ।इसमें विदूषक सर्वेसर्वा होता है। वह नैतिक उपदेश देता है और कभी–कभी उसके व्यंग्यों की नाट्यकथा के विषय के साथ कोई संगति नहीं होती ।

कृष्णनाट्टम

इसका विधान लगातार आठ रातों में कृष्ण भगवान के सम्पूर्ण चरित्र के चित्रण का होता है । इसकी शैली कथकली की शैली से मिलती–जुलती है ।

कुचिपुडी

यह आंध्र प्रदेश की नृत्य नाटिका है ।यह तमिलनाडु के भागवत मेला नाटक शैली की प्रतिकृति है । इसके नियम नाट्यशास्त्र के अनुरूप है और इसमें अनुचालन पर जोर दिया जाता है – अन्य दृष्टियों से यह भरतनाट्यम के समान है ।इस शैली का विकास तीर्थ नारायण और सिद्धेन्द्र योगी ने किया । आंध्र प्रदेश में कुचेलपुरम इस शैली का जन्मस्थान था और इसीलिए इसका नाम कुचिपुडी पड़ा ।यह पुरुषों का नृत्य है । हाल के वर्षों में स्त्रियों ने भी इस नृत्य में प्रवेश किया है, किन्तु वे प्रायः एकल नृत्य ही करती हैं ।यह भी कथकली की ही भांति सप्ताह भर चलने वाला नृत्य हुआ करता था ।इस शैली के अग्रणी कलाकार वेदान्तम सत्यनारायणन है और उन्होंने दर्पी सुन्दर और मिथ्याभिमानी सत्यभामा की भूमिका अदा करने में अपने लिए एक विशेष स्थान बना लिया है ।आज सबसे लोकप्रिय गुरु वेम्पट्टि चिन्नसत्यम हैं ।

मणिपुरी

15 वीं से 18 वीं शताब्दी में मणिपुर में वैष्णव धर्म का प्रचलन हुआ और इसके परिणामस्वरूप इस शैली के विकास में एक नए युग का श्रीगणेश हुआ । नृत्य मणिपुर के लोगों के जीवन का अभिन्न अंग रहा है । नृत्य शैली प्रायः आनुष्ठानिक है ।इसमें अभी भी वह नृत्य नाटिका टेक्नीक सुरक्षित है, जिसे मुख्यतः अनुश्रुतियों और पौराणिक कथाओं से प्रेरणा मिली है । इसमें वस्त्र रंग–बिरंगे होते हैं और संगीत में एक अनूठा पुरातन आकर्षण है । लाई हराओबा और रासलीला का अभिनय होता है ।लाई हराओबा में सृष्टि के सृजन का और रासलीला में कृष्ण की लीलाओं का निरूपण होता है ।

ढोल एक महत्वपूर्ण वाद्य यंत्र है और प्रत्येक प्रदर्शन में पूनंग चोलोम अनिवार्य होता है ।झांझ के साथ करतार चोलोम एक अन्य प्रेरक अभिनय है ।

मोहिनीआट्टम

भरतनाट्यम, कुचिपुडी और ओड़िसी की ही भांति मोहिनीआट्टम भी देवदासी नृत्य परम्परा की विरासत है । 'मोहिनी' शब्द का अर्थ उस युवती से है, जो इच्छाओं को प्रेरित करती है या दर्शकों का हृदय जीत लेती है ।एक विख्यात कथा है कि विष्णु भगवान ने शिव को आकृष्ट करने हेतु 'मोहिनी' का रूप धारण किया था – क्षीर–सागर मंथन और भस्मासुर वध दोनों प्रसंगों में । इसलिए ख्याल है कि वैष्णव भक्तों ने इस नृत्य शैली को मोहिनीआट्टम नाम दिया। प्रारूप में यह भरतनाट्यम जैसा ही है। गति ओडिसी की ही भांति शालीन पर वेशभूषा सादी और आकर्षक होती है। यह मूलत एकल नृत्य है । मोहिनीआट्टम का सर्वप्रथम उल्लेख 16 वीं शताब्दी के मषमंगलम नारायणन नम्बूदिरी द्वारा विरचित 'व्यवहारमाला' में मिलता है ।

19 वीं शताब्दी में भूतपूर्व त्रावणकोर के शासक [illegible] तिरुनाल ने इस नृत्य शैली को प्रोत्साहित करने और इसे [illegible] रूप प्रदान करने की बडी कोशिश की । कवि वल्लतोल ने [illegible] इसका पुनरुद्धार किया और आधुनिक युग में 193[illegible] केरल कलामडलम के माध्यम से इसे प्रतिष्[illegible] कलामडलम की प्रथम नृत्य [illegible]

अम्मा ने इस प्राचीन नृत्य शैली में नए प्राण फूंके। यह नृत्य धीरे-धीरे अपने लिए विशिष्ट स्थान बना रहा है और शास्त्रीय नृत्य की गरिमा अर्जित कर रहा है ।

ओड़िसी

यह नृत्य भी नाट्यशास्त्र पर आधारित है और उड़ीसा में नृत्य के अस्तित्व का पहला प्रमाण ईसा पूर्व की दूसरी शताब्दी में मिलता है । उस समय जैन राजा खारवेल का शासन था। वे स्वयं एक कुशल नर्तक एवं संगीतज्ञ थे और उन्होंने तांडव और अभिनय के आयोजन किए ।

17 वीं शताब्दी के आरंभ में कुछ बच्चों का एक समूह अस्तित्व में आया, जिन्हें 'गोतिपुआ' कहा जाता था। उन्होंने नाचने वाली लड़कियों की वेशभूषा पहन कर मन्दिरों में नृत्य करना शुरू किया। यह नृत्य बड़ा शालीन है और भंगी व करण इसके प्रमुख तत्व हैं । मूल मुद्राओं को भंगी कहा जाता है और नृत्य की मूल इकाई को करण कहा जाता है ।

इसके प्रारूप में भूमि-प्रणाम, बातु, पल्लवी और अष्टपदी जैसी हल्की मदें सम्मिलित है । अष्टपदी का समापन दक्षिण भारत के तिल्लाना की भांति मोक्ष में होता है । आज यह बहुत लोकप्रिय हो चुका है और श्रीमती संयुक्ता पाणिग्रही के प्रयासों ने इसे विश्वविख्यात बना दिया है । केलुचरन महापात्र इसके सुविख्यात गुरु है ।

ओट्टनतुल्लल्

यह एकाकी नृत्य है और इसे गरीबों की कथकली कहा जाता है, क्योंकि आम जनता में यह बहुत लोकप्रिय है । कुंजन नम्बियार ने इस शैली का विकास किया और इसके माध्यम से अपने समय की सामाजिक अवस्था, वर्ग-विभेद और धनी व बड़े लोगों की दुर्बलताओं और मनमौजीपन को निरूपित किया । चूंकि इसमें वार्तालाप सरल मलयालम में होता है, अतः आम जनता इससे बहुत आकृष्ट होती है ।

यक्षगान

यह कर्नाटक का नृत्य है और इसका स्रोत ग्रामीण है । इसमें नृत्य और नाट्य का मिश्रण है । इसकी आत्मा 'गान' अर्थात् संगीत है । यह 400 वर्षों से प्रचलित है । भाषा कन्नड़ है और विषय हिन्दू महाकाव्यों पर आधारित हैं । इसमें वेशभूषा लगभग वैसी ही होती है, जैसी कथकली में और लगता है कि कथकली से ही इसे प्रेरणा भी मिली है। नाट्यशस्त्र के वर्णनानुसार इसमें सूत्रधार और विदूषक होते हैं ।

रंगमंच

...ताओं के नेत्रों की तृप्ति के लिए ब्रह्मा की इच्छा से उत्पन्न हुए पंचम/नाट्यवेद की उत्पत्ति के बारे में ...शी-विदेशी विद्वानों में कितना भी विवाद या मतभेद क्यों ...हो - यह तथ्य तो लगभग निश्चित ही है कि भारतीय नाटक के जन्म की कथा किसी न किसी रूप में धार्मिक अनुष्ठानों और ऋतुत्सवों से जुड़ी है । बहुविध बाह्य विभिन्नताओं के बावजूद एक ही संस्कृति-सूत्र में बंधे भारतीय जन-मानस की प्रमुख चिन्ता जीवन और कला-साहित्य के सभी स्तरों पर तथ्य के मुकाबले सत्य के अनुसंधान एवं चित्रण-प्रदर्शन की रही है। इसीलिए उसकी रचना में लौकिक-अलौकिक, देव-दानव, पशु-पक्षी और वनस्पति जगत, जल, थल और आकाश, स्थान, समय और कार्य की विभाजक रेखाएं कभी स्वीकार नहीं की गई । स्पष्ट है कि ऐसे व्यापक और बहुआयामी जीवन-सत्य को व्यक्त करने के लिए प्राचीन भारतीय नाट्य में -- शास्त्रीय और लोक दोनों स्तरों पर - ऐसी रंग-रूढ़ियां और नाट्य-शैलियां खोजी गईं जो दृश्य होकर भी स्थूल दृश्य का अतिक्रमण करने में समर्थ हों, सूक्ष्मातिसूक्ष्म भावावेग एवं सम्वेदन और विराट् से विराट् व्यक्ति एवं घटना को मंच पर प्रदर्शित करने में समान रूप से सक्षम हों । इसी प्रक्रिया में "यथार्थ" के मुकाबले "नाटकीय काव्य" के महत्व को स्वीकारा गया और नृत्य, गीत, संगीत, अभिनय, सूत्रधार, नट-नटी, अर्द्धपटी, मुखौटे, रीतिबद्ध रंग-चर्याओं और अनुष्ठान इत्यादि से युक्त अत्यन्त कल्पनाशील, वैविध्यपूर्ण एवं समृद्ध भारतीय रंगकर्म का उद्‌भव और विकास हुआ । संस्कृत के अश्वघोष, भास, शूद्रक, कालिदास, हर्ष, भवभूति, विशाखदत्त, भट्टनारायण, मुरारि और राजशेखर जैसे अनेक प्रतिभावान एवं श्रेष्ठ नाटककारों की मध्यम व्यायोग, ऊरुभंग, कर्णभारम्, मृच्छकटिक, अभिज्ञान शाकुंतल, मालविकाग्निमित्र, उत्तर रामचरित, मुद्राराक्षस, भगवदज्जुकम् (बोधायन), मत्तविलास (महेन्द्र विक्रम) जैसी कालजयी रचनाओं ने समकालीन भारतीय रंगमंच को भी अनेक रूपों में प्रभावित एवं समृद्ध किया है ।

ऐतिहासिक दृष्टि

ऐतिहासिक दृष्टि से भारत के प्राचीन राज्याश्रित शास्त्रीय-रंगमंच और जनाश्रित लोक-रंगमंच की समृद्ध रंग-धारा मध्ययुग में धर्माश्रित होकर विभिन्न प्रादेशिक रूपों में बंट कर, अनेक राजनैतिक, सामाजिक और सांस्कृतिक कारणों से, क्रमशः क्षीण और लुप्त प्राय-सी हो गई । मुगल साम्राज्य के पतन और अंग्रेजी शासन की स्थापना ने उसे बाहर और भीतर से कई स्तरों पर दूर तक प्रभावित किया। इस बीच यद्यपि बंगाल में जात्रा (यात्रा), महाराष्ट्र में तमाशा, गुजरात में भवई उत्तर प्रदेश में नौटंकी, मध्य प्रदेश में माच, राजस्थान में ख्याल, पंजाब में नकल, कश्मीर में भांडपाथर इत्यादि लोक नाट्य-रूप और कर्नाटक में यक्षगान, असम

में अंकिया नाट, केरल में कूडियाट्टम तथा उत्तर प्रदेश में रास-लीला और रामलीला जैसे अर्द्धशास्त्रीय नाट्य-रूप सामान्य ग्रामीण-जन और धर्म के भरोसे अपने अच्छे-बुरे रूप में किसी न किसी प्रकार जीवित अवश्य रहे । परन्तु बीसवीं शताब्दी के आरम्भिक दौर के पुनर्जागरण के समय प्रबुद्ध शहरी दर्शकों के लिए नाट्य-धर्मी रंगमंच की कोई परम्परा शेष नहीं रह गई थी । एक ओर भास, कालिदास, हर्षवर्धन, विशाखदत्त, भवभूति और शूद्रक प्राचीन इतिहास होकर रह गए तो दूसरी ओर अंग्रेजी के भारतीय रंगकर्म की देखादेखी अथवा उसकी प्रतिक्रिया में व्यावसायिक-अव्यावसायिक भारतीय रंगमंच धीरे-धीरे आकार ग्रहण करने लगा था ।

आधुनिक भारतीय रंगमंच

यूं तो आधुनिक भारतीय नागरिक-रंगमंच का श्रीगणेश नवम्बर, 1765 में रूसी नाट्य-प्रेमी होरासिम लेबेडेफ और बंगला के उत्साही रंगकर्मी गोलोकनाथ दास द्वारा प्रस्तुत अंग्रेजी के दो हास्य-प्रधान नाटकों "डिसगाइज" तथा "लव इज द बेस्ट डॉक्टर" के बंगला प्रस्तुतीकरण के रूप में ही हो गया था । परन्तु इसकी वास्तविक परम्परा 1831 में प्रसन्न कुमार ठाकुर के 'हिन्दू रंगमंच' के बाद नवीनचन्द्र वसु, योगेन्द्रचन्द्र गुप्त, ताराचरण, तर्करत्न तथा दीनबंधु मित्र (नील दर्पण) के नाटकों से आरंभ होकर गिरीश चन्द्र घोष के सामाजिक-व्यावसायिक नाटकों तथा डी. एल. राय के ऐतिहासिक और रवीन्द्रनाथ ठाकुर के काव्यात्मक प्रतीत-नाटकों से होती हुई द्वितीय विश्व युद्ध एवं बंगाल के कुख्यात अकाल जैसी मूल्यहंता भयावह परिस्थितियों से उत्पन्न 'इप्टा' के प्रासंगिक एवं उत्तेजक यथार्थवादी नाटकों तक आ पहुंचती है ।

अकाल की पृष्ठभूमि पर आधारित विजन भट्टाचार्य के नाटक "नवान्न" ने तहलका मचा दिया। कालान्तर में "इप्टा" से अलग होकर लगातार समर्पित एवं प्रतिबद्ध रंगकर्म करने वालों में उत्पल दत्त और शम्भू मित्र के नाम विशेष उल्लेखनीय हैं । स्व. उत्पल दत्त ने पहले 'लिटिल थियेटर ग्रुप' और बाद में 'पीपल्स लिटिल थियेटर' के माध्यम से अपने प्रतिश्रुत विचारों एवं सिद्धान्तों को जन-जन तक पहुंचाया। इसके दूसरे सीमान्त पर इब्सन और रवीन्द्रनाथ ठाकुर के सौंदर्य-बोधयुक्त नाटकों के कलात्मक मंचन से शम्भु मित्र और उनके नाट्य-दल 'बहुरूपी' ने बंगला रंगमंच को अपरिमित समृद्धि और अपूर्व प्रसिद्धि प्रदान की ।

स्वतंत्रता के बाद हमारे जीवन दृष्टिकोण और साहित्य-कला में एक नया मोड़ आया । मोहभंग, समकालीन जीवन की अर्थहीनता और व्यक्ति के साथ उसके परिवेश के तनावपूर्ण अन्तर्सम्बन्धों के माध्यम से मानव-अस्तित्व के मूलभूत प्रश्नों के गम्भीर विश्लेषण और मौलिक एवं प्रभावपूर्ण रंगशिल्प में उसके जीवन्त प्रस्तुतिकरण की दृष्टि से बादल सरकार ने 'एवं इन्द्रजित', 'बाकी इतिहास', 'पगला घोड़ा' जैसे गम्भीर रंगद्वारी नाटकों से शुरू करके 'भोमा', 'जूलुस', 'स्पार्टाकस', 'बासी खबर', 'प्रस्ताव' जैसे सामाजिक सरोकारों के उत्तेजक मंचमुक्त नाटकों तक एक लम्बी यात्रा तय की है। इनकी मनोशारीरिक रंग-शैली ने कमोवेश सम्पूर्ण समकालीन भारतीय रंगकर्म को किसी न किसी रूप में प्रभावित किया है। मोहित चटर्जी के 'गिनीपिग', 'अबूहसन' और 'खारा पानी', अरुण मुखर्जी के 'मारीच-सम्वाद', मनोज मित्र के 'बगिया बाछांराम की', 'राजदर्शन' और 'जगन्नाथ', सांवली मित्रा के 'नाथवती अनाथवत' तथा शिशिर कुमार दास के 'बाघ' और 'अकबर बीरबल' जैसे नाटकों और स्व. अजितेश बनर्जी, रुद्र प्रसाद सेन गुप्त, अमर गांगुली, तरुण राय, प्रवीर गुहा, कुमार राय तथा विभाष चक्रवर्ती इत्यादि के बहुसंख्य श्रेष्ठ प्रदर्शनों ने बंगला रंगमंच की गरिमा और प्रतिष्ठा को बनाए रखने में प्रमुख भूमिका निभाई है । कलकत्ता में उषा गांगुली (रंगकर्मी) ने अपने श्रेष्ठ हिन्दी रंगकर्म से अपनी खास और अलग जगह बनाई है।

बंगला नाटक एवं रंगमंच के इस विकास-क्रम के समानान्तर अथवा कुछ वर्षों के अन्तराल से मराठी, कन्नड़, गुजराती, उड़िया, हिन्दी आदि भाषाओं के रंगमंच का भी विकास हुआ ।

मराठी रंगमंच

महाराष्ट्र के सुदूर दक्षिण में सांगली के राजा के निमंत्रण पर विष्णु दास भावे ने 1843 में 'सीता स्वयंवर' नामक मराठी का पहला आधुनिक नाटक लिखने और करने का श्रेय प्राप्त किया । महाराष्ट्र में अण्णा साहेब किर्लोस्कर की 'किर्लोस्कर नाटक मंडली' प्रथम और सर्वाधिक महत्वपूर्ण व्यावसायिक नाट्य-मंडली थी । 31 अक्तूबर, 1880 को इसने 'अभिज्ञान शाकुन्तलम' के मराठी रूपांतर का अभिमंचन करके नियमित रंगकर्म की शुरुआत की । परन्तु मराठी नाटक और रंगमंच के नवोत्थान से पूर्व के दस-बारह वर्षों तक वहां प्रयोगधर्मी या व्यावसायिक थियेटर के बजाय केवल फिल्मों का साम्राज्य था । उसे नई चेतना से जोड़कर पुनर्जीवित करने का ऐतिहासिक कार्य विजय तेंदुलकर ने किया । 'खामोश, अदालत जारी है', 'गिद्ध', 'सखाराम बाइंडर', 'घासीराम कोतवाल', 'कमला', 'जात ही पूछो साधु की', 'कन्यादान' जैसे आक्रामक, विवादास्पद किन्तु श्रेष्ठ नाटकों के द्वारा तेंदुलकर ने मराठी के प्रयोगधर्मी रंगमंच का कायाकल्प ही कर दिया । विजय तेंदुलकर के इस काम को अपने-अपने ढंग से आगे बढ़ाने वालों में चित्रयं खानोलकर (एक शून्य बाजीराव), वी. वी. शिरवाडकर (नट सम्राट), अच्यत वझे (चल मेरे कद्दू ठुम्मक ठुम), सतीश आलेकर (महानिर्वाण, शनिवार-रविवार), जयवंत दलवी (बैरिस्टर, संध्याछाया), महेश एल्कुंचवार (होली, रक्त पुष्प, वाड़ा चिरेबंदी/विरासत, आत्मकथा, प्रतिबिम्ब) तथा गोविन्द देशपांडे (उध्वस्त धर्मशाला, आंधर यात्रा/चक्रव्यूह, सत्यशोधक./रास्ते) जैसे नाटककारों और विजया मेहता, जब्बार पटेल, (स्व.) अरविन्द देशपांडे, श्रीराम लागू, कमलाकर सारंग, अमोल पालेकर, सत्यदेव दुबे, पुरुषोत्तम बेर्डे, जयदेव हट्टंगड़ी, वामन केन्द्रे जैसे पुरानी-नई पीढ़ी के अनेक निर्देशकों- अभिनेताओं का नाम वि[illegible] रूप से उल्लेखनीय है । व्यावसायिक रंगमंच के [illegible] ल.

देशपांडे तथा वसंत क़ानेटकर के नाटकों ने भी महत्वपूर्ण कार्य किया है ।

कन्नड़ नाटक और रंगमंच

कन्नड़ नाटक और रंगमंच की स्थिति भी भिन्न नहीं रही है। 1878 से 1884 के बीच कर्नाटक में 'हालासागी नाटक कंपनी', 'तांतुपुरास्था थियट्रीकल कम्पनी', 'श्री चमराजेन्द्र कर्नाटक सभा', 'दि मेट्रोपॉलिटन थियेट्रिकल कम्पनी' तथा 'गुब्बी चेनायाकवेश्वर क्रिपापोशिता नाटक संघ' जैसी व्यावसायिक नाट्य–संस्थाएं अस्तित्व में आ चुकी थी। इनमें से गुब्बी कम्पनी अब भी सक्रिय है । परन्तु इन परम्परागत दलों और इनके नाटकों से भिन्न आधुनिक समाज और उसकी समस्याओं से प्रभावित कन्नड़ में नये नाटक की शुरुआत करने का श्रेय 1918 में प्रकाशित टी.पी. केलाराम के नाटक को दिया जाता है । बीसवीं शताब्दी के तीसरे दशक में पद्य और गीति नाटकों की दृष्टि से के. एस. कारंत तथा सामाजिक समस्याओं के चित्रण की दृष्टि से ए.एन. कृष्णराव के अतिरिक्त श्रीकण्ठप्य, गोविन्द पाई तथा के. वी. पुटप्पा के नाम विशेष उल्लेखनीय हैं । सुप्रसिद्ध रचनाकार के. शिवराम कारंत अपने संगीत एवं नृत्य नाटकों के कारण चर्चा का विषय बने । बहुविध प्रयोगधर्मी श्रेष्ठ नाटकों के रचयिता आद्य रंगाचार्य के नाटकों का भी विशेष योगदान है । आजादी के बाद उभरने वाली नई पीढ़ी के नाटककारों में गिरीश कर्नाड ('ययाति', 'तुगलक', 'हयवदन', 'नाग मंडल' और 'रक्त कल्याण/तलेदण्ड') लंकेश ('क्रांति', 'परतें' और 'संक्रान्ति') तथा चन्द्रशेखर कम्बार (जो कुमार स्वामी', 'ऋषिश्रंगा' तथा 'श्री सम्पिगे') और नाट्य–निर्देशकों .व. कारंत, के. वी. सुब्बण्णा, प्रसन्ना, नागेश, स्व. शंकर : और अक्षर इत्यादि के नाम प्रमुख हैं ।

[illegible] नाटक और रंगमंच

उड़िया नाटक और रंगमंच रमाशंकर राय (1860–1910) के नाटकों से होता हुआ मनोरंजन दास (अरण्य [illegible], वनहंसी, श्वेतपद्मा, काठ का घोड़ा), जगन्नाथ प्रसाद दास (सूर्यास्त, सबसे नीचे का आदमी, असंगत नाटक, सुंदरदास), बसंत कुमार महापात्र (श्रृंगार शतक) विजय मिश्र (तट निरंजना) तथा गोपाल डे के रंगकर्म तक आ पहुंचा है।

गुजराती रंगमंच

गुजराती रंगमंच पर अनुवादों–रूपांतरों के व्यावसायिक नाटकों का ही आधिपत्य रहा है । मधुराय (कुमार की छत पर, किसी एक फूल का नाम लो), विनायक पुरोहित (स्टील फ्रेम) शिव कुमार जोशी (सापउतारा, कहत कबीरा), (स्व.) प्रवीण जोशी, सरिता जोशी, भरत दवे, महेन्द्र जोशी और निमेष देसाई जैसे जागरूक रंगकर्मियों ने इसे नई धारा से जोड़ने का सार्थक प्रयास किया।

मलयालम और मणिपुरी रंगमंच

मलयालम और मणिपुरी रंगकर्म को राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय परिदृश्य में स्थापित करने की दृष्टि से क्रमशः लेखक–निर्देशक – कावालम् नारायण पणिक्कर और रतन थियम का नाम विशेष रूप से उल्लेखनीय है । मणिपुर के पारम्परिक लोक–नाट्य और आधुनिक रंग–तकनीक से अपनी नई रंग–शैली तलाश करने वाले रतन थियम के चर्चित प्रदर्शनों में 'उचैग लेंग्मीडोंग', 'इम्फाल इम्फाल', 'लैंग्शोनी', 'उत्स्मंगम्', 'चक्रव्यूह' तथा 'कर्णभारम' का विशिष्ट स्थान है । इनके अलावा कन्हाईलाल, लोकेन्द्र अरम्बम, सानाख्या इबोतोम्बी इत्यादि ने भी इस दिशा में सराहनीय काम किया है ।

केरल की पारम्परिक रंग–रूढ़ियों के मौलिक रचनात्मक प्रयोग से अपनी अनूठी रंग–शैली उपलब्ध करके पणिक्कर ने 'मध्यम व्यायोग', 'दैवत्तार', 'अवनवन कटम्पा', 'करीम कुट्टी', 'दूतवाक्यम', 'उत्स्मंगम', 'मत्तविलासम्' और 'शाकुतंलम्' जैसे संस्कृत–मलयालम के श्रेष्ठ प्रदर्शनों से भारतीय रंगमंच में अपनी खास पहचान और जगह बनाई है। मलयालम और तमिल के अन्य जागरूक एवं चर्चित रंगकर्मियों में एस. रामानुजम, जी. शंकर पिल्लई, केरलम् नारायण तथा जी. अरविन्दन के नाम विशेष रूप से उल्लेखनीय हैं ।

पंजाबी–उर्दू रंगमंच

पंजाबी–उर्दू रंगमंच में क्षेत्रीयता और भाषाई सीमाओं को तोड़कर बाहर निकलने वालों में शीला भाटिया, गुरशरण सिंह, बलवंत गार्गी, परितोष गार्गी, कर्तार सिंह दुग्गल, शन्नो खुराना, नीलम मानसिंह चौधरी, हरचरण सिंह कंवल विद्रोही और नाटककार – निर्देशक सी.डी. सिद्धू का रंगकर्म इस बीच काफी चर्चित हुआ है ।

पिछली सदी के मध्य में जब हम एक ओर सीधे पश्चिम के सम्पर्क से नये के प्रति आकर्षित हो रहे थे और दूसरी ओर हम में राष्ट्रीय चेतना तथा अपने प्राचीन इतिहास–पुराण के गौरव की भावना तीव्र हो रही थी, बम्बई में 1852–53 के आसपास अपने समय के सर्वाधिक सफल व्यावसायिक रंगमंच "पारसी थियेटर" की शुरुआत हुई जो देखते ही देखते देश भर में पूरी तरह छा गयी और दूसरी ओर काशी में अव्यावसायिक रंगकर्म की दृष्टि से प्रथम आधुनिक भारतीय नाटककार भारतेन्दु हरिश्चन्द्र का उदय हुआ जिन्होंने रंगमंच को एक नया मिशन दिया । भारतेन्दु ने 'अंधेर नगरी', 'सत्य हरिश्चन्द्र', 'नील देवी', 'भारत दुर्दशा', 'वैदिकी हिंसा हिंसा न भवति' इत्यादि के माध्यम से व्यक्त अपनी बहुरूपी रंग–परिकल्पना से हिन्दी रंगकर्म को एक नई चेतना प्रदान की, जिसे कालांतर में जयशंकर प्रसाद ने अपने 'स्कन्दगुप्त', 'चन्द्रगुप्त' और 'ध्रुवस्वामिनी' जैसे सांस्कृतिक पुनरुत्थान के श्रेष्ठ–गम्भीर नाटकों से साहित्यिक उत्कर्ष प्रदान किया । आजादी के बाद धर्मवीर भारती (अंधायुग), जगदीश चन्द्र माथुर (कोणार्क, शारदीया, पहला राजा) मोहन राकेश (आषाढ़ का एक दिन, लहरों के राजहंस 'आधे–अधूरे) सुरेन्द्र वर्मा (सूर्य की अंतिम किरण से सूर्य की पहली किरण तक, आठवां सर्ग, कैद–ए–हयात) और नंद किशोर आचार्य (देहांतर, हस्तिनीपुर) ने अपनी रंग–धर्मिता को प्रसाद की इसी परम्परा से जोड़ा ।

कथा और चरित्रांकन, वस्तु और संरचना, अंक और

दृश्य, प्रवेश और प्रस्थान, रंगरूढ़ियों और संरचना, अभिनय और दृश्यत्व, भाषा और संवाद, गीत–संगीत और नृत्य – सभी दृष्टियों से 'पारसी थियेटर' के नाटकों का रंगशिल्प इतना जनरुचिप्रधान, विशिष्ट और सुनिश्चित था कि उसका प्रभाव हम आज की अधिकांश बम्बईया (फार्मूला) फिल्मों पर ही नहीं बल्कि किसी न किसी रूप में समकालीन रंगकर्म पर भी देख सकते हैं ।

इस व्यावसायिक 'पारसी थियेटर' के मुकाबले 1943 में जन्मा अव्यावसायिक 'इप्टा–रंगमंच' विषयवस्तु, रंगशिल्प और उद्देश्य – सभी दृष्टियों से एक भिन्न स्तर का रंगमंच था। देश के सभी भागों में 'इप्टा' की बहुसंख्य शाखाएं खुली और उन्होंने समसामयिक समस्याओं को तीखे एवं कटु यथार्थपरक धरातल पर प्रस्तुत करके नई नाट्य–चेतना तथा व्यापक जन–जागृति उत्पन्न करने का सार्थक प्रयास किया।

व्यावसायिक पारसी थियेटर की अतिरंजनापूर्ण अभिनय–शैली तथा समर्पित भारतीय जन–नाट्य–संघ की समसामयिक समस्याओं को जीवन्त रूप में पेश करने की यथार्थपरक प्रदर्शन–शैली के संयोग से 15 जनवरी 1944 को अर्द्ध–व्यावसायिक 'पृथ्वी थियेटर' का श्रीगणेश हुआ । इसमें संदेह नहीं कि 'दीवार', 'पठान', 'गद्दार', 'पैसा' जैसे यथार्थवादी मंच–सज्जा वाले 'पृथ्वी थियेटर्स' के प्रदर्शनों ने, सृजनात्मक स्तर पर विवादास्पद होने के बावजूद, सोद्देश्य हिन्दी रंगकर्म को लोकप्रिय बनाने, जनरुचि का परिष्कार करने तथा उसे समय की ज्वलंत समस्याओं से जोड़ने की दृष्टि से निश्चय ही महत्वपूर्ण कार्य किया।

आजादी के बाद नए रंगान्दोलन की शुरुआत हुई । इस परिप्रेक्ष्य में जनवरी, 1953 में 'केन्द्रीय संगीत नाटक अकादमी' तथा 1956 तक अनेक राज्यों में प्रादेशिक अकादमियों की स्थापना के साथ–साथ 1958–59 में 'एशियाई नाट्य संस्थान' अथवा 'राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय' की स्थापना भारतीय और विशेषतः हिन्दी रंगमंच पर नवीन रंग–चेतना तथा तकनीक समृद्ध गम्भीर रंगकर्म के उदय की दृष्टि से निर्णायक एवं बुनियादी मोड़ कही जा सकती है ।

इस संदर्भ में यह तथ्य उल्लेखनीय है कि 'राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय' के उदय तक कलकत्ता में अनामिका (1955), बम्बई में थियेटर यूनिट (1954) तथा दिल्ली में थ्री आर्ट्स क्लब (1948), लिटिल थियेटर ग्रुप (1948), दिल्ली आर्ट थियेटर (1951), इन्द्रप्रस्थ थियेटर और यांत्रिक (1959) जैसी नाट्य–संस्थाएं अपना रंगकार्य आरंभ कर चुकी थीं । इनके अतिरिक्त लखनऊ में, राष्ट्रीय नाट्य परिषद् (1949–50) तथा लखनऊ रंगमंच (1953), प्रयाग में इलाहाबाद आर्टिस्ट एसोसियेशन (1955) तथा नाट्य–केन्द्र, वाराणसी में श्रीनाट्यम और कानपुर में भारतीय कला मन्दिर, काडा–नाट्य भारती एवं परफॉर्मर्स (1959) जैसी नाट्य–संस्थाएं भी पर्याप्त सक्रिय थीं। अतः स्वतंत्रता–प्राप्ति से लेकर छठे दशक के आरंभ तक के ये बिखरे हुए छोटे–बड़े प्रयास और परम्परा के सार्थक समन्वय से आधुनिक रंग–शैली की तलाश और उत्साही रंगकर्मियों के अथक परिश्रम एवं मूक समर्पण का ऐसा इतिहास प्रस्तुत करते हैं, जिसके बिना हिन्दी के नये रंगान्दोलन की कल्पना ही नहीं की जा सकती ।

छठे दशक के आरम्भ में आधुनिक भारतीय रंग–दृष्टि उपलब्ध और विकसित करने के उद्देश्य से संस्कृत, मध्यकाली एवं लोक–नाट्य तथा पश्चिमी रंगमंच के सार्थक और प्रासंगि रंग–तत्वों के रचनात्मक उपयोग से, नये परिप्रेक्ष्य में उन संतुलन और समन्वय द्वारा, सृजन के प्रत्येक स्तर पर बहुरू एवं बहुरंगी नाट्य–प्रयोग हुए । रंगमंच को मूल्यवान, सार्थक अ जीवन्त, अनुभव को मूर्त करने के साथ–साथ किसी कलात्मक सृजनात्मक उपलब्धि के सशक्त साधन एवं प्रभावशाली माध्य के रूप में विकसित करने का प्रयत्न भी किया गया ।

बंगला, मराठी और कन्नड़ जैसी रंग–परम्परा से समृ भाषाओं में ही नहीं बल्कि, तथाकथित रंग–संस्कार और परम्प से रहित, हिन्दी रंगमंच के क्षेत्र में भी आधुनिक रंग–चेतना नई समवेदनशीलता से युक्त निष्ठावान, उत्साही तथा कल्पनाशी रंगकर्मियों की एक पूरी पीढ़ी मानो एक साथ सक्रिय हो उठी नाट्य–लेखन के स्तर पर बादल सरकार, विजय तेंदुलक आद्य रंगाचार्य, गिरीश कर्नाड, मोहन राकेश, धर्मवीर भार इत्यादि के कृतित्व ने प्रादेशिकता की सीमाएं तोड़कर राष्ट्री स्तर प्राप्त किया ।

पिछले तीस–पैंतीस वर्षों के भारतीय रंगकर्म पर सामान्य और हिन्दी रंगकर्म पर विशेषतः "राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय" त इसके आरम्भिक एवं बहुचर्चित प्रतिभावान निदेशक/इब्राहि अल्काज़ी का व्यापक और गहरा प्रभाव पड़ा । उनके 'आषा का एक दिन', 'अंधायुग', 'तुगलक', 'लुक बैक इन ऐंगर 'कंजूस' इत्यादि अनेक मौलिक एवं अनूदित श्रेष्ठ नाटकों भव्य और प्रभावशाली प्रस्तुतीकरणों ने प्रदर्शनीयता ए उत्कृष्टता के नए आयाम उद्घाटित किए । यह अलग बात है कि रंगकर्म से चौदह साल के सन्यास के बाद रा. ना. वि. रंगमंड की रजत जयन्ती के उपलक्ष्य में प्रदर्शित इनके रक्त कल्या (गिरीश कर्नाड), जूलियस सीज़र (शेक्सपियर) और दिन अंधेरे (लोर्का) के प्रस्तुतीकरणों ने एक हद तक काफी दर्शक को निराश भी किया । इसके बावजूद, आधुनिक भारतीय हिन्द रंगकर्म को रूपाकार देने की दृष्टि से इब्राहिम अल्काज़ी औ उनके बहुभाषी प्रतिभावान शिष्यों के बहुआयामी योगदान क नकारा नहीं जा सकता । और उनके लिविंग थियेटर' क शुरुआत ने निश्चय ही नई आशा का संचार किया है।

दिल्ली में स्व ओम शिवपुरी मोहन महर्षि, ब. व. कारंत, दृ. मोहन शाह, राम गोपाल बजाज और विश्व मोहन बडोला इत्यादि की नाट्य–संस्था दिशांतर द्वारा प्रस्तुत 'आधे अधूरे', 'ए इन्द्रजित', खामोश अदालत जारी है' तथा 'त्रिशंकु' [illegible] आज भी याद किए जाते हैं । राजिन्दर नाथ द्वारा [illegible] और शाम अरोड़ा इत्यादि के रचनात्मक सहयोग [illegible] नाट्य–संस्था अभियान के 'पगला घोड़ा', [illegible] 'घासीराम कोतवाल' पंछी ऐसे आते हैं', [illegible] की तथा तम्रपत्र जैसे प्रस्तुतीकरणों का [illegible] है । हबीब तनवीर के छत्तीसगढ़ी कलाकार [illegible] थियेटर के आगरा बाजार', 'चरनदास [illegible] और देख रहे हैं नैन जैसे प्रदर्शनों ने [illegible] शैली को जन्म दिया, बल्कि राष्ट्रीय [illegible] प्रतिष्ठा प्राप्त की । राष्ट्रीय न [illegible] के व्यावसायिक रंगमंड

रंगकर्म करने वाली बहुसंख्य नाट्य–संस्थाओं में से 'प्रयोग' (एम. के. रैना), 'स्टूडियो–1' (अमाल अल्लाना), 'अग्रदूत' (स्व. दीना नाथ), 'रूचिका' (फ़ैज़ल अल्काजी एवं अरूण कुकरेजा), 'नॉन ग्रुप' (रवि वासवानी एवं रमेश मनचंदा), 'संभव' (देवेन्द्र राज), 'अंकुर', 'साक्षी' (कृष्णकांत) और 'एक्टवन' (एन. के. शर्मा), 'अस्मिता' (अरविंद गौड़) का प्रमुख स्थान हैं। विभिन्न संस्थाओं के लिए लगातार अच्छे और लोकप्रिय नाटक निर्देशित करने वाले स्वतंत्र–निर्देशक के रूप में रंजीत कपूर, के अतिरिक्त अपने प्रयोगधर्मी रंगकर्म से अनुराधा कपूर, अनामिका हक्सर तथा त्रिपुरारी शर्मा ने अपनी खास पहचान और जगह बनाई है। भानु भारती (उदयपुर) बंसी कौल (भोपाल), सतीश आनन्द (पटना), उर्मिल कुमार थपलियाल (लखनऊ), स्व. सत्यव्रत सिन्हा (इलाहाबाद), स्व. प्रो. सत्यमूर्ति (कानपुर), गिरीश रस्तोगी (गोरखपुर), बीरेन्द्र मेंहदीरत्ता (चण्डीगढ़) दिनेश ठाकुर और नादिरा ज़हीर बब्बर (बम्बई), बलवंत ठाकुर (जम्मू), के अतिरिक्त नए हिन्दी रंगान्दोलन के आरम्भ से अब तक निरन्तर सक्रिय रहकर राष्ट्रीय स्तर पर स्वयं को प्रतिष्ठित करने वाले वरिष्ठ निर्देशकों में सत्यदेव दुबे (थियेटर यूनिट, बम्बई), एम. एस. सथ्यू (इप्टा बम्बई) तथा श्यामानंद जालान (अनामिका और पदातिक, कलकत्ता) और संस्था के रूप में म.प्र. रंगमण्डल और उसके भूतपूर्व निर्देशक ब. व. कारंत (भोपाल) का विशिष्ट स्थान है। मोहन राकेश, शंकर शेष, सर्वेश्वर दयाल सक्सेना, जगदीशचन्द्र माथुर, लक्ष्मीनारायण लाल, शरद जोशी और रमेश बख्शी के निधन ने हिन्दी के मौलिक नाट्य–लेखन को काफी बड़ा आघात दिया। परन्तु इस क्षेत्र में सतत सक्रिय भीष्म साहनी, सुरेन्द्र वर्मा, असगर वजाहत, मृणाल पाण्डे, गिरिराज, नंद किशोर आचार्य, कुसुम कुमार, दूधनाथ सिंह, प्रेम, प्रभाकर श्रोत्रिय, दया प्रकाश सिन्हा, ललित, नाग बोड्स, अविनाश चंद्र मिश्र और स्वदेश दीपक पुरानी–नई पीढ़ी के अनेक रचनाकार मौलिक हिन्दी नाट्य–लेखन को समृद्ध कर रहे है। देशी–विदेशी भाषाओं से अनुवादित या रूपांतरित नाटकों का आधिपत्य हिन्दी रंगमंच पर आरम्भ से ही बना रहा है। उपन्यासों और कहानियों के ही नहीं बल्कि लम्बी कविताओं तक के अभिमंचनों ने भी उल्लेखनीय भूमिका निभाई है। इसी बीच 'बाल रंगमंच' 'नुक्कड़ नाटक' और 'कहानियों का रंगमंच' के क्षेत्र में भी नई सक्रियता दिखाई दे रही है, जो निश्चय ही उत्साहवर्द्धक है।

स्पष्ट है कि बहुरूपी–बहुरंगी भारतीय रंगमंच की जड़ें बहुत गहरी और फैली हुई है। पश्चिमी प्रभावों (यथार्थवाद, एब्सर्ड, ब्रेख्तियन, मनोशारीरिक इत्यादि) को पचाकर, पिछले तीस–पैंतीस वर्षो में, इसने अपनी जमीन से जुड़ने और आधुनिक भारतीय रंगमंच की निजी एवं मौलिक शैली की कलात्मक तलाश का रचनात्मक एवं सार्थक प्रयास किया है। अपने को पहचानने और विकसित करने का यह व्यापक रंग–अनुष्ठान कई रूपों ओर दिशाओं में एक साथ जारी है। आधुनिक भारतीय रंगकर्म की अनेक प्रस्तुतियां सृजनात्मक कल्पनाशीलता और प्रभाव की दृष्टि से अपने आप में नए कीर्तिमान बनाने के साथ–साथ नए रास्ते सुझाने में भी समर्थ हैं। बंगला के शंभु मित्रा तथा कन्नड़ के के.वी. सुब्बण्णा को दिये गये मैग्सायसाय पुरस्कार और हबीब तनवीर, रतनथियम एवं नीलम मानसिंह चौधरी को अंतर्राष्ट्रीय स्तर मिली प्रशंसा और प्रतिष्ठा समकालीन भारतीय रंगकर्म की सार्थकता, श्रेष्ठता और महत्ता का प्रमाण है। यह सच है कि इलैक्ट्रॉनिक मीडिया के प्राणघातक आक्रमण के सामने, पिछले कुछ वर्षो से, हमारा रंगमंच लड़खड़ाता सा प्रतीत होता है। परन्तु इस जीवन्त माध्यम की अपरिमित जीवनी–शक्ति, सदियों पुराने पारम्परिक रंगमंच की ऊर्जा और हमारे बहुसंख्य निष्ठावान–समर्पित रंगकर्मियों की आस्था–हमें यह मानने का पर्याप्त आधार देती है कि भारतीय रंगमंच इन विपरीत परिस्थितियों के बावजूद न केवल जीवित ही रहेगा बल्कि अपने निजी रंग–रूप को उपलब्ध कर निरन्तर विकसित और समृद्ध भी होता रहेगा।

भारत देश

एशिया में भारत सामरिक दृष्टि से महत्वपूर्ण स्थिति में है–पश्चिमी समुद्रों के पार अरब और अफ्रीका तथा पूर्वी समुद्रों के पार बर्मा, मलेशिया और इंडोनेशिया प्रायद्वीप इसके दृष्टिपथ पर है और उत्तर में हिमालय की पर्वत श्रृंखलाएं भारत को पृथक् किए हुए हैं।

भूस्थिति भारत भूमध्य रेखा के उत्तर में 8° 4' और 37° 6' उत्तरी अक्षांश और 68° 7' तथा 97° 25' पूर्वी देशान्तर के बीच स्थित है। दक्षिण–पश्चिम में अरब सागर और दक्षिण–पूर्व में बंगाल की खाड़ी है। उत्तर, उत्तर–पूर्व और पश्चिमोत्तर भागों में हिमालय पर्वत की श्रृंखलाएं हैं। दक्षिणी किनारा कन्याकुमारी हिन्द महासागर द्वारा सतत प्रक्षालित होता रहता है।

विस्तार उत्तर से दक्षिण तक 3214 कि.मी. और पूर्व से पश्चिम तक 2933 किमी क्षेत्र में व्याप्त भारत का सम्पूर्ण क्षेत्रफल 3,287,263 वर्ग कि.मी. है। इसकी पार्थिव सीमा 15200 कि.मी. और समुद्री तट 7516.5 किमी हैं। बंगाल की खाड़ी में अंडमान निकोबार द्वीप और अरब सागर में लक्षद्वीप भारतीय क्षेत्र के अंग हैं।

पड़ोसी पश्चिम में इसकी सीमा पाकिस्तान, अफगानिस्तान से और पूर्व में बर्मा तथा बंगलादेश से मिली हुई हैं। उत्तरी सीमा में चीन का सिंक्यांग प्रदेश तिब्बत, नेपाल और भूटान सम्मिलित हैं।

भारत के प्रमुख भौगोलिक क्षेत्र मुख्य भाग सात क्षेत्रों में बटा है (1) उत्तरी पर्वत श्रृंखलाएं जिनमें हिमालय और उत्तर–पूर्व के पहाड़ों की श्रेणियां शामिल हैं, (2) गंगा का मैदान, (3) मध्यदेशीय अधित्यका, (4) प्रायद्वीपीय पठार, (5) पूर्वी
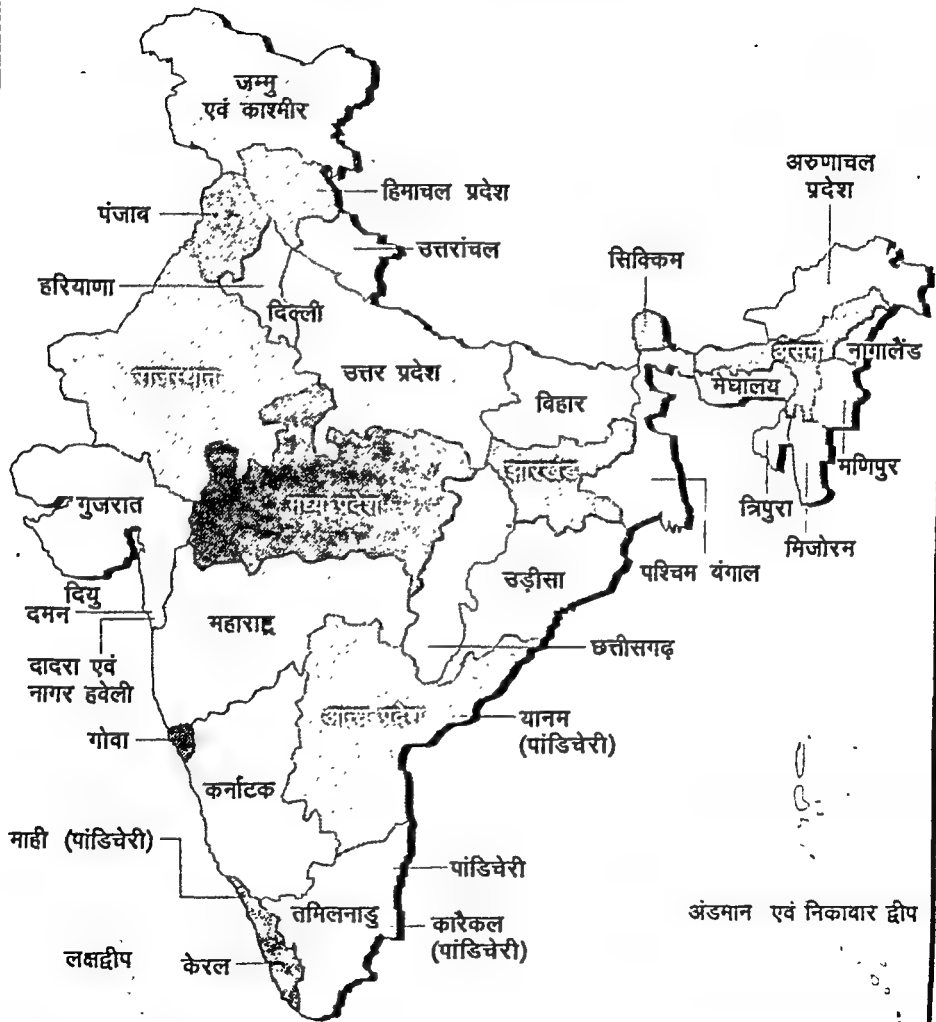
समुद्रतट, (6) पश्चिमी समुद्रतट, (7) समुद और द्वीपों के सीमान्त भाग।

पहाड़ी क्षेत्र भारत में सात प्रमुख पर्वतीय श्रृंखलाएं हैं: (1) हिमालय श्रेणियां, (2) उत्तर और पूर्व की सीमा में फैली पटकाई और अन्य श्रेणियां, (3) विंध्य श्रृंखला जो गंगा के मैदानी भाग को दक्षिण घाट से अलग करती है, (4) सतपुड़ा (5) अरावली (6) सह्याद्रि जो पश्चिमी तटीय मैदानों के पूर्वी किनारों में फैली है तथा (7) पूर्वी घाट जो भार... पर अनियमित रूप ... का निर्माण करती है

भारत : मूलभूत तथ्य

राजधानी	:	नई दिल्ली
क्षेत्रफल	:	3287263 वर्ग कि.मी
जनसंख्या (2001)	:	1,027,015,247
पुरुष	:	531,277,078
महिला	:	495,738,169
वृद्धि दर (1991-2001)	:	21.34%
जनसंख्या का घनत्व:2001	:	324 वर्ग कि.मी.
साक्षरता (2001)	:	65.38%
पुरुष	:	75.85%
स्त्री	:	54.16%
पुरुष-स्त्री अनुपात	:	933 स्त्री 1000 पुरुषों
जन्म दर (1998)	:	26.4
औसत आयु	:	62.6 वर्ष
संभावित (1991-92)		
राष्ट्रीय आय (1988-89)	:	रु. 4,73,246 करोड़ (वर्तमान मूल्य स्तर)
प्रति व्यक्ति वार्षिक आय ('[illegible] 2000)	:	रु. 14,712
मृत्यु दर	:	71.6
[illegible] नियोजन	:	43%
[illegible] वृद्धि (90-95)	:	1%
[illegible] जनसंख्या	:	26%
[illegible] जनसंख्या	:	74%
एक चिकित्सक पर लोग	:	2,272
जी.एन.पी. प्रतिव्यक्ति	:	440 डालर
जी.डी.पी. वृद्धि दर	:	5.3%
घरेलू बचत (जी.डी.पी.की के अनुसार)	:	20.2
विदेशी कर्ज (मार्च 1995)	:	95, 321 मिलयन यू.एस.डालर
भारत का कुल निर्यात (94-95)	:	26223 मिलयन यू.एस.डालर (अंतिम)
भारत का कुल आयात (94-95)	:	28251 मिलयन यू.एस.डालर (अंतिम)
कैलोरी इन्टेक	:	2229 (औसत प्रति व्यक्ति प्रति दिन)
दहेज मृत्यु प्रतिदिन	:	17
60 वर्ष से ऊपर की जनसंख्या	:	6.1%
धूम्रपान करनेवाले (डब्ल्यू.एच.ओ. 1990)		
पुरुष	:	53%
महिला	:	3%
प्रति व्यक्ति उपभोग		
स्वर्ण	:	0.4 ग्राम (1994)
दूध	:	107 ग्राम
मीट	:	2 कि. ग्राम (1990)
इस्पात	:	20 किलो (1987)
कागज	:	3 किलो (89)
फोन	:	0.01
राज्य -28	:	असम, अरुणाचल प्रदेश, आंध्र प्रदेश, उड़ीसा, उत्तर प्रदेश, उत्तरांचल, कर्नाटक, केरल, गुजरात, गोवा, छत्तीसगढ़, जम्मू एवं कश्मीर, झारखंड, तमिलनाडु, त्रिपुरा, नागालैंड, पंजाब, पश्चिमी बंगाल, बिहार, मध्य प्रदेश, मणिपुर, महाराष्ट्र, मिजोरम, मेघालय, राजस्थान, सिक्किम, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश
केंद्रशासित क्षेत्र-6	:	अंडमान निकोबार द्वीप समूह, चंडीगढ़, दादरा नागर हवेली, दमन और दियू, पांडिचेरी, लक्षद्वीप ।
राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र*	:	दिल्ली

* दिल्ली को 69वें संविधान के एन.सी.टी. एक्ट 1991 में राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र घोषित किया गया ।

हिमालय, जो विश्व में सर्वोच्च पर्वतीय व्यवस्था है, विश्व की नवजात पर्वत श्रृंखलाओं में से एक है । यह लगभग 2500 कि.मी. क्षेत्र तक बिना किसी रुकावट के फैला हुआ है और लगभग 500,000 वर्ग कि.मी. क्षेत्र तक के भूभाग को घेरता है । इसमें विश्व की सर्वोच्च चोटी एवरेस्ट और 7500 मी. से अधिक ऊंचाई पर स्थित लगभग दस अन्य शिखर है । ऐसा प्रतीत होता है कि इसका उदय चलायमान भारतीय प्रायद्वीप और दक्षिण एशिया के तिब्बतीय भाग के बीच लगभग 506 लाख वर्ष पूर्व हुई टक्कर से हुआ है । बहुत बाद में हिमालय को वर्तमान ऊंचाई मिली है ।

पटकाई और अन्य पर्वत श्रृंखलाएं भारत–वंगला देश – वर्मा सीमा के साथ–साथ फैली हैं । इनको सामूहिक रूप से पूर्वांचल कहा जाता है । ये श्रृंखलाएं जो एक चाप की तरह हैं, हिमालय के साथ–साथ वनी होंगी ।

अरावली श्रृंखला प्राचीनतम पर्वतीय व्यवस्थाओं में से एक है जो उत्तर पश्चिम भारत में फैली है । वर्तमान अरावली उस विशालकाय व्यवस्था का अवशेष मात्र है जो प्रागैतिहासिक समय में वर्फ की रेखा के ऊपर उठी हुई अनेक चोटियों वाली थी तथा भीमकाय विस्तार वाले हिमनदों का पोषण करती थी और ये हिमनद अनेक वड़ी–वड़ी नदियों को प्लावित करते थे।

विंध्य श्रृंखला भारत प्रायद्वीप की लगभग पूरी चौड़ाई में लगभग 1050 कि.मी. तक फैली है जिसकी ऊंचाई का औसत लगभग 300 मीटर है । ऐसा लगता है कि विंध्य श्रृंखला का निर्माण प्राचीन अरावली श्रृंखलाओं के टूटने से हुआ है ।

सतपुड़ा श्रृंखला एक अन्य प्राचीन पर्वतीय व्यवस्था है जो 900 कि.मी. की दूरी तक लगभग 1000 मीटर से ऊपर उठने वाली अनेक चोटियों वाली श्रृंखला है । यह त्रिभुजाकार है जिसका शीर्ष रत्नपुरी है और दो भुजाएं नर्मदा और ताप्ती नदियों के समानान्तर फैली हैं ।

सह्याद्रि अथवा पश्चिमी घाट लगभग 1200 मीटर औसत ऊंचाई वाली श्रृंखला लगभग 1600 कि.मी. लम्वी है और ताप्ती नदी के उद्गम स्थल से लेकर सुदूर दक्षिण भाग कन्याकुमारी तक व्याप्त दक्षिण पठार की पश्चिमी सीमा के साथ–साथ फैली है । यह अरव सागर के ऊपर स्थित है और मानसूनी हवाओं की पूरी ताकत को रोकती है और इस तरह पश्चिमी तट पर भारी वर्षा का कारण वनती है ।

पूर्वी घाट भारत के पूर्वी समुद्र तट पर स्थित है । इसे शक्तिशाली नदियां पर्वतों को कई विखरे हुए टुकडों में वांटती हैं । गोदावरी और महानदी नदियों के वीच में वंटा उत्तरी भाग लगभग 1000 मीटर से अधिक ऊँचा है।

जलस्रोत भारत में तीन प्रमुख जलस्रोत है । (1) उत्तर की कराकोरम श्रेणी सहित हिमालय श्रृंखला, (2) मध्य भारत और विंध्य और सतपुड़ा श्रृंखलाएं और (3) सह्याद्रि अथवा पश्चिम तट के पश्चिमी घाट ।

भारत के कछारी मैदान अत्यधिक महत्वपूर्ण हैं । गंगा के समतल मैदान में प्रकृति की हरियाली मीलों तक फैली है। नदियां हिमालय समूह की प्रमुख नदियां है – सिंधु, गंगा और व्रह्मपुत्र। ये नदियां वर्फ और वर्षा दोनों से जलपूरित होती हैं और इसीलिए इनमें साल भर पानी वहता रहता है । हिमालय की नदियां समुद्र में लगभग अपने जल प्रवाह का 70 प्रतिशत पानी ले जाती हैं। इसमें मध्य भारत की नदियों का 5 प्रतिशत पानी भी शामिल है । ये गंगा में मिलती है और वंगाल की खाड़ी में गिरती है ।

सिंधु सभ्यता के कारण भारत का नाम हिन्दुस्तान पड़ा । इसके दोनों किनारों की घाटियां सभ्यता की पीठस्थली रही हैं जो सुमेरिया और मिस्र की प्रख्यात सभ्यताओं से न केवल पुरानी अपितु कई मायनों में श्रेष्ठ भी रही हैं । इस ऐतिहासिक नदी की पांच सहायक नदियां हैं – झेलम, चिनाव, रावी, व्यास और सतलज । इनसे पंजाव नाम वना – (पंज = पांच और आव – पानी (नदी) – पांच नदियों की भूमि । तिव्वत में कैलाश पर्वत से सिंधु निकलती है और हिमालय में कई मीलों की यात्रा करने के वाद पंजाव में अपनी सहायक नदियों से मिलती है। इसके वाद पाकिस्तान के सिंध से होती हुई अरव सागर में गिरती है।

गंगा पुराणों और इतिहास में समान रूप से प्रसिद्ध है। यह हिन्दुओं की सवसे अधिक पवित्र नदी है । यह भारत के हृदय भाग को आच्छादित करती है जो प्राचीन आर्य संस्कृति का प्रमुख केन्द्र था । यह हिमालय के हिमनद गंगोत्री से निकलती है और उत्तर–प्रदेश, विहार तथा वंगाल में वहती हुई वंगाल की खाड़ी में गिरती है । गंगा और उसकी सहायक नदियां यमुना, गोमती, घाघरा, शारदा, गंडक, चम्वल, सोन और कोसी भारत के मैदानी भाग में पंखे की तरह फैली हुई हैं और इस तरह भारत के विशालतम कछार का निर्माण करती हैं। यह कछार भाग भारत के पूरे क्षेत्र का एक चौथाई है ।

व्रह्मपुत्र तिव्वत से निकल कर हिमालय में 800 मील के लगभग वहती हुई दक्षिण पश्चिम की ओर पहले मुड़ती है और फिर दक्षिण की ओर जहां वह गंगा की सुदूर पूर्वी शाखा पद्मा से मिलती है और गंगा के साथ मिलकर वंगाल की खाड़ी में गिरती है ।

दक्षिण की नदियां दीर्घकाल से अपने तटीय क्षेत्रों को अनाच्छादित करती हुई निम्नस्तरीय तत्वों वाली चपटी घाटियों का विकास करती रही है । प्रमुख दक्षिणी नदियां हैं – गोदावरी, कृष्णा, कावेरी, पेण्णार, महानदी, दामोदर, शरवती, नेत्रवती, भारत पुषा, पेरियार, पम्पा, नर्मदा और ताप्ती । ये नदियां वर्षा के जल पर ही निर्भर करती है। भारत में पूरे जल–प्रवाह का 30 प्रतिशत ये दक्षिणी नदियां देती है । इनमें से पश्चिम की ओर वहने वाली 10 प्रतिशत प्रवाह देती है । गोदावरी, कृष्णा, कावेरी और पेण्णार पश्चिमी घाट से निकलती है तथा पूरे पठार और पूर्वी तट से वहकर वंगाल की खाड़ी में गिरती हैं । दूसरा वड़ा नदी–वेसिन (कछार) गोदावरी का है जो भारत के डेल्टा क्षेत्र का लगभग 10 प्रतिशत है कृष्णा वेसिन प्रायद्वीप का दूसरा और पूरे देश का तीसरा सवसे वड़ा वेसिन है ।

पठार के उत्तर–पश्चिम से महानदी और दामोदर निकलती है और पूर्व में वंगाल की खाड़ी की ओर वहती है। महानदी सवसे वड़ा कछार वनाती है और यह प्रायद्वीप में तीसरा और पूरे भारत में चौथा सवसे वड़ा कछार है ।

नर्मदा और ताप्ती पठार के सुदूर उत्तर किनारे से निकल कर अरव सागर मेंकेम्वे की खाड़ी में गिरती है। नर्मदा का वेसिन पर्याप्त रूप से वहुत विस्तृत है जो कृष्णा और गोदावरी के वेसिनों के वाद आता है । शरवती, नेत्रवती, पेरियार और पम्वा पश्चिमी घाट से निकलती है और पश्चिमी घाट पार कर अरव सागर में गिरती हैं। ये नदियां अपेक्षाकृत छोटी होने से इनका जलग्रहण क्षेत्र (श्रेणी) सीमित है।

मौसम भारत एक विशाल देश हैं और यहां मौसम में भी विभिन्नता है। प्रमुख रूप से तीन मौसम माने जाते हैं, वर्षा ऋतु (जून से सितंवर: दक्षिण पश्चिमी मानसून, अक्टूवर–नववर: उत्तर पूर्व मानसून) ग्रीष्म ऋतु (अप्रैल से जुलाई) और शरद ऋतु (अक्टूवर से फरवरी)।

भारत भ्रमण के लिये उपयुक्त समय जाड़े का होता है। हिमालय क्षेत्र घूमने के लि[illegible] से सितंवर है। भारत के दक्षिणी भाग

दिन गर्म और रातें समान्य होती हैं। इस प्रकार का मौसम सितंबर से मार्च तक चलता है। केरल में एक जून तक प्रायः मानसून स्थापित हो जाता है और उत्तर की ओर बढ़ता है, जुलाई तक यह पूरे देश में सिवाये पूर्वी समुद्री क्षेत्र तमिलनाडु और आंध्र प्रदेश के फैल जाता है। तमिलनाडु और आंध्र प्रदेश में अक्टूबर व नवंबर में उत्तरी पूर्वी मानसून का दौर होता है जबकि शेष भारत सर्दी की गिरफ्त में होता है। पूर्वी समुद्री क्षेत्र में इस दौरान समुद्री तूफान आते हैं। जिससे, फसल संपति व जीवन का नाश होता है। यह तूफान बंगाल की खाड़ी और हिंद महासागर में वातावरणीय दबाव के कारण पैदा होते हैं और तेज रफ्तार की हवाओ के साथ आगे बढ़ते हैं। पश्चिमी समुद्री क्षेत्र में एसे तूफान बहुत कम आते हैं।

भारत की जनता

भारत के लोग प्रमुख रूप से हिमालय पार से आई जातियों के वंशज हैं । इस चर्चा का कभी अंत होने की संभावना नहीं है कि क्या भारत की भूमि में कभी कोई स्वदेशी जाति रही या नहीं ।

उत्तर-पश्चिमी हिमालय के शिवालिक पहाड़ियों के निचले भाग में रामापिथेकस नामक जाति के लोग पाए गए हैं । यह जाति लगभग 1 करोड़ चालीस लाख वर्ष पूर्व रहने वाली मानव जाति का प्रथम वंश मानी जाती है। आधुनिक अनुसंधानों से मालूम हुआ है कि आस्ट्रेलोपिथे कस जाति से मिलती-जुलती जाति भारत में 20 लाख वर्ष पूर्व रहती थी। किंतु इस खोज से भी रामापिथेकस के बाद 120 लाख वर्ष के अन्तराल के विकास की कहानी अधूरी रह जाती है ।

भारतीय जनसंख्या के जातीय मूल के सम्बन्ध में ...धान कार्य बहुत कम हुआ है । शायद आज इसका बहुत ...क महत्व नहीं है । सच तो यह है कि आज की भारतीय ...ख्या बहुजातीय है और कई जातियों के संबंधों का ...टिल मिश्र रूप है । शायद ही कोई अपने को किसी जाति-...ो का शुद्ध वंशज कह सकता हो। फिर भी अनेक ...रतीय अपने को आर्य सन्तान कहने में गर्व का अनुभव ... हैं ।

...शास्त्रीय अभिरूप के अनुसार भारत की विभिन्न जातियों का विवरण यहां दिया जा रहा है । डा. बी. एस. गुहा के अनुसार भारत की जनसंख्या छह प्रमुख जाति वर्गों से निकली है:

(1) नीग्रिडो, (2) प्रोटो-आस्ट्रालायड अथवा आस्ट्रियाड, (3) मंगोलोयड, (4) भूमध्य सागरीय या द्राविड़ीय, (5) पश्चिमी ब्राकिसेफल्स तथा (6) नार्डिक आर्य ।

नीग्रोयड्स अफ्रीका से आए चौड़े शरीर के ब्राकिसेफेलिक नीग्रो भारत में आने वाले लोगों में सबसे पुरानी जाति है । वे आज दक्षिणी भारत के मैदानों में पहाड़ी जातियों (इरुलर, कोडर, पणियर और कुरुम्बर) के बीच टुकड़ों में मिलते हैं। लेकिन अंडमान-निकोबार द्वीप में ये जीवित है जहां इन्होंने अपनी भाषा को सुरक्षित रखा है ।

प्रोटो-आस्ट्रालायड अथवा आस्ट्रिक जाति के लोगों के लक्षण हैं – भूरे शरीर पर लहराते घने बाल, संकरा माथा, लम्बा सिर, धंसा हुआ माथा, उभरी हुई आंखें, नीचे की झुकी और चौड़ी नाक, ओमोटे जबड़े, लम्बे तालु और दांत तथा छोटे चिबुक ।

भारत के आस्ट्रिक लोग औसत कद, काले रंग, लम्बे सिर और प्रायः चपटी नाक वाले थे । संभवतः आदि नीग्रो लोगों के साथ सम्पर्क के कारण इनका रंग काला और नाक चपटी हो गई होगी । आस्ट्रिक जाति के लोग पूरे भारत में फैले हैं और वे बर्मा, मलाया तथा दक्षिण पूर्व एशिया के द्वीपों में भी फैले हैं । आस्ट्रिक भारतीय जनता की आधारभूत जाति है।

आस्ट्रिक जाति ने भारतीय सभ्यता की नींव डाली । उन्होंने चावल और सब्जियों की खेती की और गन्ने से चीनी बनाई । पूर्वी और मध्य भारत में प्रचलित कोल या मुंडा भाषा के रूप में उनकी भाषा जीवित है ।

द्रविड़ जाति में तीनों उपजातियां – पेलियो – भूमध्यसागरीय, शुद्ध भूमध्यसागरीय और प्राच्य भूमध्य सागरीय हैं । वे एशिया माइनर, क्रेट तथा यूनान के पूर्व-हेलेनिक एगन्स जाति के जैसे प्रतीत होते है । उनको सिंधु-घाटी की सभ्यता के निर्माण का श्रेय मिला है जिसके अवशेष मोहनजोदडो, हड़प्पा तथा अन्य सिंधु नदी के शहरों में मिले हैं ।

मंगोल जाति के विभिन्न प्रकार के लोग भारत के उत्तर-पूर्व क्षेत्र--असम, नागालैंड, मिजो, गारो और जयंती पहाड़ियों में फैले हैं । सामान्यतया ये पीले रंग के हैं । तिरछी आंखें, उभरे कपोल कम बाल और औसत कद इनकी विशेषताएं हैं।

नार्डिक आर्य जो भारत में आए थे । भारत-ईरानी शाखा के लोग थे जिन्होंने अपने मूल स्थान मध्य एशिया को लगभग 5000 वर्ष पूर्व छोड़ा था और मेसोपोटामिया में कुछ शताब्दियों से बस गए थे । भारत में आर्य लगभग 2000 ई.पू. और 1500 ई.पू. के बीच आए होंगे । उनका प्रथम निवास भारत में पश्चिमी और उत्तरी पंजाब था जहां से वे गंगा की घाटी और आगे फैले । भारत में आने पर आर्यों को सिंधु घाटी के लोगों की अत्यधिक उच्च सभ्यता का सामना करना पड़ा जिनके पास बड़े बड़े शहर किले, ईंटों की इमारतें और अन्य उच्च सभ्यता की अनेक सुविधाएं थीं। सिंधु घाटी के लोग नगरवासी थे जबकि आर्य गड़रिये जाति के थे ।

यद्यपि यह स्पष्ट रूप से ज्ञात नहीं कि सिंधु घाटी के लोगों और उनकी सभ्यता का क्या हुआ फिर भी यह अनुमान किया जाता है कि वे आगन्तुक आर्यो से मिल गए और इस संगम से एक नवीन संस्कृति बनी ।

संविधान

भारत का संविधान 26 जनवरी, 1950 से लागू हुआ। इसका निर्माण एक संविधान सभा ने किया था जिसकी पहली वैठक 9 दिसंवर 1946 को हुई थी। संविधान सभा ने 26 नवंवर 1949 को संविधान को अंगीकार कर लिया था।

संविधान सभा की पहली वैठक अविभाजित भारत के लिए वुलाई गई थी। जून 1947 में भारत का विभाजन हो जाने के फलस्वरूप पाकिस्तान में गए क्षेत्रों से चुने गए प्रतिनिधि संविधान सभा के सदस्य नहीं रह गए। 14 अगस्त 1947 को संविधान की वैठक पुनः हुई और उसके अध्यक्ष सच्चिदानंद सिन्हा थे। सिन्हा के निधन के वाद डा. राजेंद्र प्रसाद संविधान सभा के अध्यक्ष वने। फरवरी 1948 में संविधान का मसौदा प्रकाशित हुआ। 26 नवंवर 1949 को संविधान अंतिम रूप में स्वीकृत हो गया और 26 जनवरी 1950 से लागू हुआ।

भारत का संविधान व्रिटेन की संसदीय प्रणाली के नमूने पर है, किंतु एक विषय में यह उससे भिन्न है, व्रिटेन में संसद सर्वोच्च है। वहां व्रिटिश संसद द्वारा पास किये गए किसी कानून की वैधता को किसी न्यायालय में चुनौती नहीं दी जा सकती। भारत में संसद नहीं; वल्कि संविधान सर्वोच्च है। अतः भारत में न्यायालयों को भारत की संसद द्वारा पास किए गए कानून की संवैधानिकता पर फैसला करने का अधिकार प्राप्त है।

अभी तक उपरोक्त तीन तथ्यों को संविधान का मूल ढांचा वताया गया है। यदि संविधान के मूल तत्व कुछ और भी हैं, तो अभी उनका निर्देश नहीं किया गया है।

संविधान में (1) प्रस्तावना है, (2) भाग 1 से भाग 22 तक जिसमें 1 से 395 तक धाराएं हैं, (3) 1 से 10* तक अनुसूचियां हैं और (4) एक परिशिष्ट** है।

भाग 1. संघ और इसके क्षेत्र: संविधान की प्रस्तावना में भारत को एक सर्वप्रभुत्व संपन्न समाजवादी धर्मनिरपेक्ष लोकतंत्रीय गणराज्य घोषित किया गया है। प्रस्तावना में संविधान के मुख्य उद्देश्यों – अर्थात् सभी नागरिकों को सामाजिक, आर्थिक व राजनैतिक न्याय दिलाना, विचारों की अभिव्यक्ति, धर्म, विश्वास एवं पूजा–पाठ की स्वाधीनता प्रदान करना; पद और अवसर की समानता प्रदान करना और व्यक्ति की गरिमा व अखंडता सुरक्षित रखने का वर्णन है।

प्रस्तावना में "समाजवादी धर्मनिरपेक्ष" और "राष्ट्र की एकता और अखंडता" शव्द 42 वें संशोधन द्वारा जोड़े गये।

ढांचा: भारत राज्यों का संघ होगा (धारा 1)। इसके राज्यों तथा केंद्रशासित प्रदेशों का उल्लेख प्रथम अनुसूची में होगा (धारा 2)।

अधिकार का विभाजन: संघ सरकार को सातवीं अनुसूची की पहली सूची (संघ सूची) में वर्णित सभी विषयों पर कानून वनाने का एकाधिकार प्राप्त है। तीसरी सूची (समवर्ती सूची) में वर्णित विषयों पर कानून वनाने का अधिकार संघ सरकार और राज्यों दोनों को प्राप्त है (धारा 246)।

अवशिष्ट शक्तियां: जिन विषयों का वर्णन समवर्ती सूची या राज्य सूची में नहीं है, उन पर कानून वनाने का अधिकार केवल संघ सरकार को प्राप्त है।

अधिभावी शक्तियां: संघ सरकार द्वारा वनाये गए और राज्यों द्वारा वनाये गए कानूनों में कोई टकराव होने पर संघ सरकार द्वारा वनाये गये कानूनों को मान्यता दी जायेगी (धारा 254)।

नागरिकता: नागरिकता का अधिकार ऐसे प्रत्येक व्यक्ति को प्रदान किया गया है, जो भारत में जन्मा हो या जो संविधान लागू होने के 5 वर्ष पहले से भारत में रह रहा हो।

भारत का संविधान 26 जनवरी, 1950 से लागू हुआ। संविधान के भाग–2 में धारा 12 से 35 के अधीन नागरिकों को सात मूल अधिकार प्रदान किए गए हैं। ये अधिकार हैं – 1. समानता का अधिकार, 2. स्वाधीनता का अधिकार, 3. शोषण से रक्षा का अधिकार, 4. धर्म की स्वाधीनता का अधिकार, 5. सांस्कृतिक एवं शिक्षा संवंधी अधिकार, 6. संपत्ति का अधिकार* और 7. संवैधानिक उपचार का अधिकार अर्थात हर नागरिक को अपने मूल अधिकारों की रक्षा के लिए सर्वोच्च न्यायालय या उच्च न्यायालय में कार्यवाही करने का अधिकार है।

संविधान के 16 वें और 24 वें संशोधनों ने मूल अधिकारों के प्रयोग पर काफी वंधन लगा दिए हैं। दो अधिकार विशेषतया (स्वाधीनता का अधिकार और संपत्ति का अधिकार) पहले, चौथे और चौवीसवें संशोधनों द्वारा विल्कुल नगण्य वना दिये गए हैं। राज्य को अधिकार दे दिया गया है कि वह नागरिकों के इन दोनों अधिकारों के प्रयोग पर वाजिव रोक लगा सके।

राज्य के नीति निर्देश तत्व: ये संविधान के भाग–4 में धारा 36 से 51 में दिये हुए हैं। इनमें 19 लक्ष्यों का वर्णन हैं, जिनके अधीन वहुत–से विषय आते हैं। राज्य इन्हें पूरा करने का प्रयास करेगा। इनको मूल अधिकारों की भांति न्यायालय की सहायता से लागू नहीं कराया जा सकता, फिर भी इन्हें देश के शासन में आधारभूत घोषित किया गया है।

25 वें संशोधन के वाद के संशोधनों द्वारा निर्देशक तत्वों को मूल अधिकारों से श्रेष्ठ स्थान प्रदान करने का प्रयत्न किया गया। 25 वें संशोधन ने इस श्रेष्ठता को केवल दो (धारा 39 के खंड (ख) 3

---

* 10वीं अनुसूची को 36वें संशोधन द्वारा निकाल दिया गया था किंतु वाद में 52वें संशोधन द्वारा उसे पुनः सम्मिलित कर लिया गया।

** परिशिष्ट में वह आदेश हैं, जिसके द्वारा संविधान को जम्मू और काश्मीर पर लागू किया गया है।

दिया। इन दोनों का संबंध भौतिक संसाधनों के समान वितरण और कुछ थोड़े से लोगों के हाथों में संपत्ति के केंद्रीकरण से है। वस्तुतः मूल अधिकारों में संशोधन के माध्यम से पहले ही इन दोनों उद्देश्यों की पूर्ति हो गई थी। मूल अधिकारों में संशोधन करके यह व्यवस्था कर दी गई थी कि राज्य संपत्ति के अधिकार पर वाजिब रोक लगा सकता है। 42 वें संशोधन द्वारा निर्देशक तत्वों में वर्णित सभी उद्देश्यों को वरीयता देने का प्रयास किया गया। सर्वोच्च न्यायालय ने इस प्रावधान को रद्द कर दिया।

भारत का एक राष्ट्रपति (धारा 52) होगा, जो देश का कार्यकारिणी प्रधान होगा (धारा 53) (2)। राष्ट्रपति का चुनाव एक निर्वाचक मंडल द्वारा होगा जिसमें (क) संसद की दोनों सभाओं के निर्वाचित सदस्य और (ख) राज्यों की विधान सभाओं के निर्वाचित सदस्य सम्मिलित होंगे (धारा 54)। राष्ट्रपति पांच वर्ष की अवधि के लिए चुना जायेगा (धारा 56 (1) और दोबारा भी चुना जा सकेगा (धारा 57)।

उप-राष्ट्रपति का चुनाव एक निर्वाचक मंडल करेगा जिसमें संसद की दोनों सभाओं ..सदस्य सम्मिलित होंगे ..66 (1))। उपराष्ट्रपति ..ं की अवधि के लिए ..येगा (धारा 67) और राज्य सभा का पदेन ..पति होगा (धारा 64)। राष्ट्रपति को उसके कार्यों निष्पादन में सहायता व ..र्श देने के लिए एक मंत्री परिषद होगी जिसका सर्वोच्च प्रधानमंत्री होगा (धारा 74 (1))। प्रधानमंत्री की नियुक्ति राष्ट्रपति द्वारा की जायेगी (धारा 75 (1))। मंत्री तब तक अपने पद पर रहेंगे जब तक राष्ट्रपति चाहे (धारा 75 (2))। मंत्री परिषद में (जिस रूप में इस समय है) प्रधानमंत्री और (1) ऐसे मंत्री जो मंत्रिमंडल के सदस्य हैं, (2) राज्य मंत्री (संघ सरकार में) जो मंत्रिमंडल के सदस्य नहीं हैं, और (3) उपमंत्री सम्मिलित हैं।

मंत्रालय का प्रशासकीय प्रधान एक सचिव (भारत सरकार का सचिव) होता है। वह मंत्री का प्रमुख सलाहकार होता है। यदि किसी मंत्रालय में काम की मात्रा सीमा से अधिक हो जाती है, तो संयुक्त सचिव के अधीन एक या एक से अधिक भाग बना दिये जाते हैं। मंत्रालय डिवीजनों, ब्रांचों और सेक्शनों में बंटा होता है, जो क्रमशः उप-सचिव, अवर सचिव और सेक्शन अफसर के अधीन काम करते हैं।

संविधान की धारा 79 में कहा गया है कि संघ की एक संसद होगी जिसमें राष्ट्रपति और संसद की दोनों सभाएं - राज्य सभा और लोक सभा सम्मिलित होंगे। राज्य सभा में राज्यों और संघ शासित प्रदेशों का प्रतिनिधित्व करने वाले अधिक से अधिक 238 सदस्य और राष्ट्रपति द्वारा नामजद 12 सदस्य होंगे (धारा 80)। लोक सभा में राज्यों के प्रादेशिक चुनाव क्षेत्रों से प्रत्यक्ष चुनाव द्वारा निर्वाचित अधिक से अधिक 500 सदस्य और संघ शासित प्रदेशों का प्रतिनिधित्व करने वाले अधिक से अधिक 25 सदस्य होंगे (धारा 81)।

राज्य सभा को भंग नहीं किया जा सकेगा किन्तु इसके लगभग एक-तिहाई सदस्य हर दूसरे साल सेवानिवृत्त होते रहेंगे। लोक सभा अपनी प्रथम बैठक से पांच वर्ष की अवधि तक (यदि पहले ही उसे भंग न कर दिया गया हो) ही चलेगी, उससे आगे नहीं; और इस अवधि की पूर्ति के बाद वह अपने आप भंग हो जायेगी (धारा 83)। यदि देश में आपातकालीन स्थिति हो, तो लोक सभा का कार्यकाल एक वर्ष बढ़ाया जा सकता है।

संसद के विचार-विमर्श में सहायता देने के लिए निम्नलिखित समितियां नियुक्त की जाती हैं: 1. लोक लेखा समिति, 2. प्राक्कलन समिति, 3. लोक उपक्रम समिति, 4. सरकारी आश्वासनों संबंधी समिति।

अमरीका जैसी अध्यक्षीय शासन प्रणाली में शासन के तीनों अंग - विधान मंडल, कार्यपालिका और न्यायपालिका - एक दूसरे से स्वतंत्र संगठन के रूप में कार्य करते हैं। किंतु भारत जैसी संसदीय शासन प्रणाली में कार्यपालिका विधान मंडल के अधीन होती है। केवल न्यायपालिका ही एक स्वतंत्र संगठन के रूप में कार्य करती है।

संविधान के खंड 4, अध्याय 4 में न्यायपालिका का वर्णन है। धारा 124 (1) में कहा गया है कि भारत का एक सर्वोच्च न्यायालय होगा जिसमें भारत का मुख्य न्यायाधीश और कुछ अन्य न्यायाधीश होंगे। संसद को न्यायाधीशों की संख्या बढ़ाने का अधिकार है।

राष्ट्रपति सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश के

मूल कर्तव्य

42वें संविधान संशोधन अधिनियम (1976) में मूल कर्तव्यों का एक नया अध्याय जोड़ा गया था। इस प्रकार भारतीय नागरिक के निम्न मूल कर्तव्य हैं।

(1) संविधान के प्रति निष्ठा और इसके आदर्श, संस्थान, राष्ट्रीय ध्वज एवं राष्ट्रीय गीत के प्रति सम्मान।
(2) उत्कृष्ट विचार जिन्होंने स्वतंत्रता संग्राम को प्रेरणा दी का पालन एवं पोषण करना।
(3) भारत की संप्रभुता, एकता और अखंडता को बनाये रखना।
(4) आवश्यकता पड़ने पर राष्ट्र सेवा के लिये तैयार रहना।
(5) समस्त भारतीयों में भाईचारा एवं स्नेह को बढ़ावा देना और महिलाओं की गरिमा को बनाये रखना।
(6) अनेकता में एकता की समृद्धि संस्कृति को संरक्षण देना।
(7) प्राकृतिक पर्यावरण जिसमें वन, झीलें और वन जीवन शामिल हैं को संरक्षण एवं बढ़ावा देना। जीवित प्राणियों के प्रति स्नेहभाव रखना।
(8) वैज्ञानिक सोच, मानवता और जानने एवं सुधार की चेतना का विकास करना।
(9) सार्वजनिक संपत्ति की रक्षा करना और हिंसा का त्याग करना।
(10) व्यक्ति विशेष या समूह कार्यों में उत्कृष्टता लाने का प्रयास करना जिससे राष्ट्र निरंतर उन्नति एवं सफलता की ओर बढ़ता रहे।

परामर्श से सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीशों की नियुक्ति करते हैं। इस प्रकार नियुक्त न्यायाधीश पैंसठ वर्ष की आयु तक अपने पद पर रह सकेगा और राष्ट्रपति ही उसे तभी पदच्युत कर सकेगा जब संसद की दोनों सभाएं अपने उपस्थित व मतदान करने वाले सदस्यों के दो–तिहाई बहुमत से इस प्रकार की मांग का प्रस्ताव पास कर दें।

सर्वोच्च न्यायालय को मूल और अपीलीय दोनों क्षेत्राधिकार प्राप्त हैं। मूल क्षेत्राधिकार के अधीन भारत सरकार और राज्यों के बीच के विवाद या राज्यों के बीच के पारस्परिक विवाद या ऐसे विवाद आते हैं, जिनमें वैध अधिकार के अस्तित्व या उसकी सीमा का विषय अंतर्ग्रस्त हो (धारा 131)। अपीलीय क्षेत्राधिकार भारत के सभी उच्च न्यायालयों पर लागू होता है (धारा 132)।

महान्यायवादी: राष्ट्रपति ऐसे व्यक्ति को महान्यायवादी नियुक्त करेगा जिसमें सर्वोच्च न्यायालय का न्यायाधीश नियुक्त होने के लिए अपेक्षित सभी योग्यताएं हों। वह कानूनी मामलों में भारत सरकार को परामर्श देगा (धारा 76)। उसे संसद की दोनों सभाओं में भाषण देने और उनकी कार्यवाही में भाग लेने का अधिकार होगा और वह किसी भी संसदीय समिति का सदस्य भी बन सकेगा, किन्तु उसे संसद में या संसदीय समिति में वोट देने का अधिकार नहीं होगा (धारा 88)।

संविधान की धारा 148 (1) में कहा गया है कि भारत का एक नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक होगा, जिसकी नियुक्ति राष्ट्रपति करेगा। उसे उसी प्रकार और उन्हीं कारणों से पद से हटाया जा सकेगा जैसे और जिन कारणों से सर्वोच्च न्यायालय के किसी न्यायाधीश को हटाने का प्रावधान हैं। नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक संघ सरकार और राज्य सरकार के हिसाब–किताब की सामान्य जांच करता है (धारा 149)। अपने पद से निवृत होने के बाद वह संघ सरकार या राज्य सरकारों के अधीन कोई पद धारण नहीं कर सकता (धारा 148 (4))।

निर्वाचन आयोग: धारा 324 में कहा गया है कि निर्वाचन आयोग संसद और राज्य विधान सभाओं के सदस्यों के निर्वाचन तथा राष्ट्रपति व उपराष्ट्रपति पद के निर्वाचन करायेगा तथा इन निर्वाचनों से संबंधित सभी विषयों की देखरेख करेगा। निर्वाचन आयोग में मुख्य निर्वाचन आयुक्त और समय–समय पर राष्ट्रपति द्वारा नियुक्त अन्य निर्वाचन आयुक्त हो सकते हैं। मुख्य निर्वाचन आयुक्त उसी प्रकार और उन्हीं कारणों से पद से हटाया जा सकेगा जैसे और जिन कारणों से सर्वोच्च न्यायालय के किसी न्यायाधीश को हटाने का प्रावधान है (धारा 324)।

राज्यों की शासन व्यवस्था लगभग वैसी ही है जैसी संघ सरकार की। 'राज्य' शब्द की सीमा में जम्मू व काश्मीर को तब सम्मिलित नहीं माना जायेगा जब तक कि इस राज्य का स्पष्ट उल्लेख न हो (धारा 152)।

धारा 155 और 156 में कहा गया है कि राज्य का राज्यपाल राज्य का कार्यपालिका प्रमुख है। धारा 163 में कहा गया है कि राज्यपाल की सहायता के लिए एक मंत्रि परिषद होगी, जिसका सर्वोच्च अंग मुख्यमंत्री होगा। मुख्यमंत्री की नियुक्ति राज्यपाल करेगा और अन्य मंत्रियों की नियुक्ति मुख्यमंत्री की सलाह पर की जायेगी।

संविधान की धारा 108 में व्यवस्था है कि राज्य के विधानमंडल में राज्य का राज्यपाल और यथास्थिति विधानमंडल की एक या दोनों सभायें सम्मिलित होंगी। निम्नलिखित राज्यों के विधानमंडल में दो सभायें विधान परिषद और विधानसभा, हैं। बिहार, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, कर्नाटक और उत्तर प्रदेश। किसी राज्य की विधान सभा में सदस्यों की संख्या न 60 से कम होगी और न 500 से अधिक होगी (धारा 170)। यदि किसी राज्य में विधान परिषद हो, तो उसके सदस्यों की संख्या विधान सभा के सदस्यों की कुल संख्या के एक–तिहाई से अधिक नहीं होगी (धारा 171)।

धारा 214 और 216 के अनुसार प्रत्येक राज्य में एक उच्च न्यायालय होगा जिसमें एक मुख्य न्यायाधीश और उतने न्यायाधीश होंगे, जितने राष्ट्रपति नियुक्त करे। धारा 217 में कहा गया है कि राष्ट्रपति उच्च न्यायालय के किसी न्यायाधीश को उसी विधि से उसके पद से हटा सकता है, जिस विधि से सर्वोच्च न्यायालय के किसी न्यायाधीश को। उच्च न्यायालयों को लेखों जैसे मामलों में मूल क्षेत्राधिकार और अपने क्षेत्राधिकार के सभी अधीनस्थ न्यायालयों पर अपीलीय क्षेत्राधिकार प्राप्त हैं।

धारा 165 में कहा गया है कि कानूनी विषयों पर सरकार को परामर्श देने के लिए प्रत्येक राज्य में एक महाविधिवक्ता होगा।

संघ शासित प्रदेशों में सामान्यतया न तो मंत्री परिषद होती है और न ही विधान मंडल होता है। किंतु, संसद कानून बनाकर किसी भी संघ शासित प्रदेश के लिए पूर्णतः निर्वाचित अथवा अंशतः निर्वाचित व अंशतः नामज़द ऐसी सभा का गठन कर सकती है जो उस प्रदेश के लिए विधान मंडल के रूप में काम करे या मंत्रि परिषद के रूप में काम करे या दोनों कार्य करे (धारा 239 क)।

संविधान की धारा 343 में कहा गया है कि संघ की राजभाषा देवनागरी लिपि में लिखी जाने वाली हिंदी होगी और भारतीय अंकों के स्थान पर अरबी अंकों का प्रयोग होगा। अंग्रेजी, जिसे मूलतः 26 जनवरी, 1965 तक राजभाषा के रूप में चलना था, अब राजभाषा अधिनियम, 1963 के अधीन उक्त तिथि के बाद भी हिंदी के साथ–साथ चलती रहेगी।

संविधान की धारा 368 संविधान के संशोधन के संबंध में है। संविधान में संशोधन करने वाला विधेयक संसद की दोनों सभाओं में प्रत्येक सभा के कुल सदस्यों के कम–से–कम दो–तिहाई बहुमत से पास होना चाहिए।

किंतु संविधान के कुछ भागों के संशोधन के लिए कम–से–कम आधे राज्यों के विधानमंडलों द्वारा पास किये गये प्रस्तावों द्वारा अनुसमर्थन होना आवश्यक होता है।

संविधान में 10 अनुसूचियां हैं। नवीं अनुसूची संविधान में प्रथम संशोधन द्वारा 1951 में जोड़ी गई थी और दसवीं अनूसूची 52 वें संशोधन द्वारा 1985 में जोड़ी गई।

प्रथम अनुसूची में (धारा 1 और 4 के अधीन) संघ में सम्मिलित राज्यों और संघ शासित प्रदेशों की सूची दी

राज्य: 1. आंध्र प्रदेश, 2. असम, 3

4. गुजरात, 5. केरल, 6. मध्य प्रदेश, 7. तमिलनाडु, 8. महाराष्ट्र, 9. कर्नाटक, 10. उड़ीसा, 11. पंजाब, 12. राजस्थान, 13. उत्तर प्रदेश, 14. पश्चिम बंगाल, 15. जम्मू व काश्मीर, 16. नागालैंड, 17. हरियाणा, 18. हिमाचल प्रदेश, 19. मणिपुर, 20. त्रिपुरा, 21. मेघालय, 22. सिक्किम, 23. अरुणाचल प्रदेश, 24. मिजोरम 25. गोवा, 26. उत्तरांचल, 27. छत्तीसगढ़, 28. झारखंड।

संघ शासित प्रदेशः 1. दिल्ली, 2. अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, 3. लक्षद्वीप, मिनिकाय और अमीनदिवि द्वीपसमूह, 4. दादरा और नगर हवेली, 5. दमन और दिव, 6. पांडिचेरी, 7. चंडीगढ़ ।

दूसरी अनुसूची में (धारा 59 (3), 65 (3), 75 (6), 97, 125, 148 (3) और 158 (3) के अधीन) पांच भाग – क से ड तक हैं ।

भाग क में राष्ट्रपति और राज्यपालों के वेतन और परिलब्धियों का निर्धारण हैं । राष्ट्रपति को प्रति माह 50,000 रु. वेतन दिया जायेगा । राज्यपालों को प्रति माह 36,000 रु वेतन दिया जायेगा । राष्ट्रपति और राज्यों के राज्यपालों को उतने भत्ते दिये जायेंगे, जितने इस संविधान में लागू होने से ठीक पहले भारत के गवर्नर जनरल और प्रांतों के गवर्नरों को दिये जाते थे । भाग ख को 1956 के संविधान (सातवें संशोधन) अधिनियम द्वारा निकाल दिया गया है ।

भाग ग में लोक सभा के अध्यक्ष और उपाध्यक्ष और राज्य सभा के सभापति और उप–सभापति, विधान सभा के [illegible] और उपाध्यक्ष और विधान परिषद के सभापति और [illegible]भापति के वेतन और भत्तों के बारे में प्रावधान हैं । [illegible] घ में सर्वोच्च न्यायालय और उच्च न्यायालयों के [illegible]धी[illegible] के वेतन व भत्तों संबंधी प्रावधान हैं । सर्वोच्च [illegible]ालय के मुख्य न्यायाधीश को प्रतिमास 10,000 रु. [illegible] । सर्वोच्च न्यायालय के अन्य न्यायाधीशों को प्रतिमास [illegible],000 रु. वेतन दिया जायेगा । उच्च न्यायालय के मुख्य [illegible]धीश को प्रतिमास 9,000 रु. वेतन तथा अन्य [न्]यायाधीशों को प्रतिमास 8,500 रु. वेतन दिया जायेगा [(]नये वेतनमान के लिये संशोधन किये गये हैं, देखें बाक्स)। [भ]ाग ड में भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक के वेतन [के] बारे में प्रावधान हैं ।

तीसरी अनुसूची में (धारा 75 (4), 99, 124 (6), [1]48 (2), 163 (3), 188 और 219 के अधीन) शपथ [औ]र प्रतिज्ञान के प्रपत्र हैं ।

चौथी अनुसूची में (धारा 4 (1) और 80 (20) के [अ]धीन) प्रत्येक राज्य और संघ शासित प्रदेश के लिए राज्य [स]भा में सीटों का निर्धारण है ।

पांचवीं अनुसूची में (धारा 244 (1) के अधीन) [अ]नुसूचित क्षेत्रों के प्रशासन एवं नियंत्रण संबंधी प्रावधान हैं। [इ]स अनुसूची में संसद के साधारण बहुमत से संशोधन की [व्य]वस्था है और ऐसे संशोधन को धारा 368 (संविधान में [सं]शोधन) के अधीन संशोधन नहीं माना जायेगा ।

छठी अनुसूची में (धारा 214(2) और 275 (1) के अधीन) असम, मेघालय और मिज़ोरम के जनजाति क्षेत्रों के प्रशासन संबंधी प्रावधान हैं । यह अनुसूची बड़ी लंबी है और इसमें जनजाति क्षेत्रों के प्रशासन के ब्योरे दिये हुए हैं। इस अनुसूची में संसद साधारण बहुमत से संशोधन कर सकती है ।

सातवीं अनुसूची में (धारा 246 के अधीन) तीन सूचियां दी हुई हैं । 1. संघ सूची में 97 विषय हैं, जिन पर सरकार का एकाधिकार है, 2. राज्य सूची में 66 विषय हैं, जिन पर राज्य सरकारों का एकाधिकार है, 3. समवर्ती सूची में, 4. विषय हैं, जिन पर संघ सरकार और राज्य सरकार दोनों का अधिकार है ।

आठवीं अनुसूची में (धारा 344 (1) और 35 (1) संविधान द्वारा मान्यता प्राप्त 18 भाषाओं की सूची हैं : 1 असमिया, 2. बंगाली, 3. गुजराती, 4. हिंदी, 5. कन्नड़, 6. काश्मीरी, 7. मलयालम, 8. मराठी, 9. उड़िया, 10. पंजाबी, 11. संस्कृत, 12. सिंधी, 13. तमिल, 14. तेलुगु, 15. उर्दू, 16. मणिपुरी, 17. कोंकणी, 18. नेपाली।

नवीं अनुसूची में (धारा 31 (ख) के अधीन) 1951 के संविधान (प्रथम संशोधन) अधिनियम द्वारा जोड़ी गई थी । इसमें भूमि पट्टा, माल गुजारी, रेलवे, उद्योगों आदि के बारे में राज्य सरकारों और संघ सरकार द्वारा पास किये गये अधिनियम और आदेश हैं, जो न्यायालयों के क्षेत्राधिकार के बाहर हैं ।

तत्संबंधी धारा 31 में इस प्रकार व्यवस्था है : "नवीं अनुसूची में उल्लिखित कोई भी अधिनियम और विनियम और उनका कोई भी प्रावधान इस आधार पर न प्रभावशून्य माना जायेगा और न कभी प्रभावशून्य होगा कि वह अधिनियम, विनियम या प्रावधान इस भाग द्वारा प्रदत्त किसी अधिकार को छीनता है, या उसे कम करता है, और किसी न्यायालय या न्यायाधिकरण के किसी प्रतिकूल फैसले, आज्ञप्ति या आदेश के होते हुए भी ऐसा प्रत्येक अधिनियम और/या विनियम लागू रहेगा – केवल सक्षम विधानमंडल को ही इसमें संशोधन करने का अधिकार होगा ।"

दसवीं अनुसूची (धारा 101, 102, 191 और 192 के अधीन) 1985 में संविधान (52 वें संशोधन) अधिनियम द्वारा जोड़ी गई थी। इसमें दल–बदल रोक विधेयक का वर्णन है ।

ग्याहरवीं अनुसूची (धारा 243 जी के अधीन) 1992 में तिहत्तरवें (73) संविधान संशोधन अधिनियम के अंतर्गत प्रत्येक पंचायत में आर्थिक विकास और सामाजिक न्याय के लिये आवश्यक योजनाओं को लागू करने के लिये कार्यकारी क्षेत्रों का उल्लेख किया गया है ।

बारहवीं सूची इसमें तीन प्रकार की नगरपालिका समितियों के बारे में कहा गया है। छोटे शहरों के लिये नगर पंचायत, शहरों के लिये नगरपरिषद और और बड़े शहरों के लिये नगर निगम होंगे।

भारतीय विधि आयोग 15वां विधि आयोग का कार्यकाल 31 अगस्त 2000 में पूरा हो जायेगा (इसका पुनर्गठन 1 सितंबर 1947 में किया गया था) विधि आयोग में अध्यक्ष न्यायमूर्ति बी.पी. जीवन रेड्डी (सेवा निवृत्ति), सदस्य–सचिव

भारतीय सरकार के विधि, न्याय और कंपनी मामले के [illegible] के सचिव के समकक्ष) डा. एस.सी. जैन, सदस्य– न्यायमूर्ति सुश्री लीला सेठ (सेवा निवृत्ति), डा. एन.एम. [illegible]टाटे, और अंशकालीन सदस्य– डा. एन. आर. माधवन [illegible]नन।

विचारार्थ विषय – अप्रचलित कतानूनों का पुनःनिरीक्षण [illegible] निरस्त करना, विधि एवं निर्धनता, न्यायिक प्रशासन को उत्तरदाया बनाने के लिये इसकी प्रणाली का पुनःनिरीक्षण [illegible], राज्य नीति के अनुसार निदेशक सिद्धांत के अंतर्गत वर्तमान कानूनों का परीक्षण करना ताकि निदेशक सिद्धांत और प्रस्तावना के उद्देश्यों में सुधार लाया जा सके, सामान्य महत्व रे केंद्रीय अधिनियमों को संशोधित करना, सरकार को अप्रचलित कानूनों और प्रावधान के वे भाग जो अप्रभावी हो गये हैं को को निरस्त करने के समुचित तरीके वताना।

विधि न्याय और कंपनी मामले का केंद्रीय सरकार का मंत्रालय (न्यायसम्मत मामले का विभाग, वैधायिक विभाग और न्याय विभाग) सिं संविदान में निर्दारित उद्देश्यों के यर्थाथीकरण में अपने विभागों द्वारा समुचित वदलाव लाने के लिये सहायक का कार्य करना है।

वैधानिक मामलों का विभाग का काम भारत सरकार के अनेक मंत्रालयों व विभागों को वैधानिक मामलों में सलाह देना होता है। इसे उनके कार्यों की सत्यता की परख और उनके आधार पर भारत सरकार के मुकदमों के लिये उच्चतम न्यायालय, उच्च न्यायालय, ट्रिब्यूनल और निचली अदालतों में क्रियान्वित करना होता है। केंद्र सरकार के इस नागरिक विधि आधिकारिक कार्यालय को राष्ट्रपति की ओर से ठेके या संपत्ति के आश्वासनों को पूरा करना होता है और यह सरकार के पक्ष में या विपक्ष में किये गये मुकदमों में लिखित वक्तव्य या अर्जीदावे को सत्यापित करने के लिये अधिकारियों को नियुक्त करती है। इसके अतिरिक्त यह विधि अधिकारी जैसे एटार्नी जनरल, सोलिसिटर जनरल और अतिरिक्त सोलिसिटर जनरल की नियुक्ति के लिये भी परामर्श देती है।

यह विभाग एडवोकेट ऐक्ट – 1961 नोटरी ऐक्ट – 1952 और लीगल सर्विसेज अथार्टीज ऐक्ट – 1987 को निर्देशित करता है। यह विभाग फारेन एक्सचेंज रेगुलेशन अपीलेट बोर्ड, इन्कम टैक्स अपीलेट ट्रिब्यूनल, इंडियन लीगल सर्विस और भारत के विधि आयोग का प्रशासनिक प्रभारी है।

विधायिका विभाग मुख्य तौर पर सरकार के विधेयकों का मसौदा और विभिन्न केंद्रीय मंत्रालयों के विधानो को तैयार करता है। यह राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, राज्य विधायक व संसद के चुनावों के लिये चुनाव आयोग के लिये प्रशासनिक उत्तरदायित्व है।

विधि विभाग के कार्यों में न्याय प्रशासन और उच्चतम न्यायालय व उच्च न्यायालयों के लिये न्यायधीशों की नियुक्ति के लिये संसाधन जुटाना है

नेशनल लीगल सविसेज अथारिटीज के अनुसार 31 दिसंवर 1998 तक देश के विभिन्न स्थानों पर 25,000 लोक अदालतें हुई हैं और लगभग 80.38 लाख मुकदमों का निपटारा किया गया है। लगभग 4.16 लाख गाड़ी दुर्घटनाओं में 1591 करोड़ रुपये का मुवायजा दिलवाया जा चुका है।

संशोधन

पहला (संविधान) संशोधन अधिनियम 1951 में पास हुआ था। तव से 1995 तक 76 संशोधन जिनमें से कुछ अपनाये जाने की प्रक्रिया में हैं कुछ पास हो चुके हैं।

1. इस संशोधन में कहा गया है कि अन्य देशों के साथ मैत्री संवंधों अथवा सार्वजनिक व्यवस्था के हितों के लिए भाषण देने और विचार अभिव्यक्ति की स्वाधीनता के अधिकार के प्रयोग पर वाजिव रोक लगाई जा सकती है।

2. (1952) द्वारा संविधान की धारा 81 का संशोधन करके लोक सभा में राज्यों के प्रतिनिधित्व के स्तर में समायोजन किया गया। 1951 की जनगणना हो जाने के वाद ऐसा करना आवश्यक हो गया था।

3. (1954) द्वारा सातवीं अनुसूची की समवर्ती सूची की प्रविष्टि 33 को हटा कर उसके स्थान पर नई प्रविष्टि रखी गई जिसमें खाद्य सामग्री, चारा, कपास और जूट जैसी अतिरिक्त मदों को भी सम्मिलित किया गया, जिनके उत्पादन और वितरण पर लोक हित में आवश्यकता पड़ने पर केद्र सरकार द्वारा नियंत्रण रखा जा सके।

4. (1955) में व्यवस्था [illegible] यदि राज्य किसी सरकारी प्रयोजन हत् [illegible] जायदाद का अनिवार्य अधिग्रहण करे, तो [illegible] मे मुआवजे के लिए निर्धारित राशि की [illegible] न्यायालय में चुनौती नहीं दी जा सकती।

5 (1955 [illegible] को एकाधिकार दिया [illegible] वह राज्य [illegible] द्वारा उन प्रस्तावित कानूनों के [illegible] अपने विचार [illegible] करने हेतु समय –सीमा निर्धारित [illegible] जिनका उनके [illegible] और सीमाओं आदि पर प्र[illegible]

6 (1956 द्वारा अतर्राज्यीय सौदों [illegible] की बिक्री और खरीद पर करों के वारे में [illegible] की सघ सूची म [illegible] नई प्रविष्टि [illegible]

7 राज्यों के पुनर्गठन के लिए [illegible] इसके अधीन [illegible] राज्यों की स्थापना [illegible] में फेरबदल ही नहीं किया जाना [illegible] के जो तीन [illegible] थ उन्हें भी [illegible] को सघ शासित प्रदेशों की श्रेणी [illegible]

8. (1960), द्वारा लोक सभा और राज्यों की विधान सभाओं में अनुसुचित जातियों के लिए सीटों को, और आंग्ल भारतीयों के प्रतिनिधित्व संबंधी विशेष संवैधानिक प्रावधान को 26 जनवरी 1960 से आगे 10 वर्ष के लिए बढ़ाया गया ।

9. (1960) द्वारा संविधान की प्रथम अनुसूची में संशोधन किया गया । इसकी आवश्यकता इसलिए पड़ी कि सितंबर 1958 में भारत सरकार और पाकिस्तान सरकार के बीच हुए समझौते के अनुसरण में भारत का कुछ क्षेत्र पाकिस्तान को दिया जाना था ।

10.(1961), भूतपूर्व पुर्तगाली बस्तियों दादरा और नागर हवेली को भारत में शामिल किया गया और राष्ट्रपति के अधीन इन बस्तियों के शासन का प्रावधान किया गया ।

11.(1961) में यह व्यवस्था की गई कि उप–राष्ट्रपति के निर्वाचन के लिए निर्वाचक मंडल बनाने हेतु संसद की दोनों सभाओं की संयुक्त बैठक आवश्यक नहीं है । इस संशोधन अधिनियम द्वारा धारा 71 में संशोधन करके यह प्रावधान किया गया कि राष्ट्रपति या उप–राष्ट्रपति के निर्वाचन को इस आधार पर चुनौती नहीं दी जा सकेगी कि निर्वाचक मंडल में किसी कारण से कोई स्थान रिक्त था ।

12.(1962) बारहवां संशोधन गोवा, दमन और दियु के इलाकों को एक संघ शासित प्रदेश के रूप में संविधान की प्रथम अनुसूची में सम्मिलित करने और इन इलाकों की शांति, समृद्धि और इनके सुशासन हेतु राष्ट्रपति को अधिनियम जारी करने का अधिकार प्रदान करने हेतु किया गया ।

13. (1962) इस संशोधन के द्वारा भारत संघ में सोलहवें राज्य नागालैंड का निर्माण किया गया ।

14. (1962) इस संशोधन द्वारा संसद को संघ प्रदेशों के लिए विधान मंडल और मंत्रि परिषद बनाने कानून पास करने का अधिकार प्रदान किया गया । साथ ही भूतपूर्व फ्रांसीसी इलाके पांडिचेरी, कारैकल, माही और यनम को संविधान में एक संघ शासित प्रदेश के रूप में स्थान दिया गया

15. (1963) यह एक साधारण–सा संशोधन था । इसके द्वारा भारत के राष्ट्रपति को अधिकार दिया गया कि वह भारत के मुख्य न्यायाधीश की सलाह से उच्च न्यायालय के न्यायाधीश की आयु से संबंधित विवाद के बारे में अंतिम निर्णय करें । इसके द्वारा राज्य कर्मचारियों के विरुद्ध अनुशासन की कार्यवाही की प्रकिया को भी कम अवधि का बनाया गया ।

16.(1963), इस संशोधन द्वारा राज्य को अधिकार दिया गया कि वह देश की एकता और अखंडता की रक्षा के लिए नागरिकों के मूल अधिकारों के प्रयोग पर उचित प्रतिबंध लगाये ।

17.(1964), इस संशोधन द्वारा यह प्रावधान किया गया कि यदि राज्य किसी ऐसी भूमि का अधिग्रहण करता है, जो उसके स्वामी की कृषि के अधीन हो और भूमि की अधिकतम सीमा के भीतर आती हो, तो उस संपत्ति के बाजार मूल्य के आधार पर मुआवजा देना होगा ।

18. (1966) इस अधिनियम के द्वारा पंजाब का पुनर्गठन किया गया – पंजाबी भाषी प्रदेश में पंजाब और हिंदी भाषी प्रदेश में हरियाणा राज्य का गठन किया गया ।

इस संशोधन के द्वारा यह भी प्रावधान किया गया कि धारा 3 के खंड (क से ड) में प्रयुक्त 'राज्य' शब्द में संघ शासित प्रदेश भी सम्मिलित है । इसमें यह बात भी स्पष्ट कर दी गई कि संसद को किसी राज्य या संघ शासित प्रदेश के किसी भाग को किसी अन्य राज्य या संघ शासित प्रदेश के किसी भाग के साथ मिला कर किसी नए राज्य या संघ शासित प्रदेश का निर्माण करने का अधिकार है ।

19.(1966) निर्वाचन आयोग के कर्तव्यों को स्पष्ट किया गया ।

20. (1966) इस संशोधन द्वारा कुछ ऐसे जिला न्यायाधीशों की नियुक्तियों को मान्यता प्रदान की गई, जिनकी नियुक्तियां विधिवत नहीं की गई थीं ।

21.(1967) इस संशोधन द्वारा संविधान की आठवीं अनुसूची में सिंधी भाषा को सम्मिलित किया गया ।

22. (1969) इस संशोधन ने संसद को अधिकार दिया कि वह असम राज्य के भीतर से एक नया राज्य मेघालय बनाये ।

23. (1969) इस संशोधन द्वारा अनुसूचित जातियों व जनजातियों के लिए सीटों के संरक्षण और आंग्ल भारतीय समुदाय के सदस्यों की नामजदगी के प्रावधान को आगे 10 वर्ष तक बढ़ाने की व्यवस्था की गई ।

24. (1971) इस संशोधन द्वारा संसद के इस अधिकार की पुष्टि की गई कि वह संशोधन के किसी भी भाग में, यहां तक कि मूल अधिकारों में भी, संशोधन कर सकती हैं । इसके लिए संविधान की धारा 368 और 13 में संशोधन किया गया । इस प्रकार गोलक नाथ के मुकदमे में न्यायालय के फैसले को निष्प्रभावी बनाया गया ।

इस संशोधन में एक विशेष बात यह थी कि ऐसा प्रावधान किया गया कि संशोधन अधिनियम जब राष्ट्रपति के समक्ष आयेगा उन्हें उसकी स्वीकृति देनी ही पड़ेगी । इस प्रकार राष्ट्रपति की स्वीकृति स्वयं सुलभ हो गई ।

25.(1971) इस संशोधन द्वारा सरकार द्वारा अधिग्रहण किये जाने पर दिए गए मुआवजे की राशि की पर्याप्तता संबंधी विवाद को न्यायालय में ले जाने का मार्ग बंद कर दिया गया । साथ ही अधिग्रहण के बदले में 'मुआवज़ा' शब्द हटा कर उसके स्थान पर 'राशि' शब्द रख दिया गया।

26. (1971) इस संशोधन में भूतपूर्व रियासतों के शासकों को दी गई मान्यता वापस ले ली और उनको दिया जाने वाला प्रिवी पर्स का भी उन्मूलन कर दिया ।

27.(1971) इस संशोधन द्वारा दो नए संघ शासित प्रदेशों – मिजोरम और अरुणाचल प्रदेश का निर्माण किया गया ।

28.(1972), इस संशोधन द्वारा संविधान की धारा 314 को निकाल दिया गया । यह धारा आई. सी. एस. अफसरों की सेवा–शर्तों और विशेषाधिकारों को संरक्षण प्रदान करने वाली थी ।

29. (1972) इस संशोधन ने केरल भूमि सुधार (संशोधन) अधिनियम 1969 और केरल भूमि सुधार

संशोधन) अधिनियम 1971 को संविधान की नवीं अनुसूची में शामिल कर लिया ताकि उन्हें न्यायालय में चुनौती न दी जा सके ।

30.(1972). इस संशोधन ने सर्वोच्च न्यायालय में अपीलों की संख्या कम कर दी । इसके पूर्व सर्वोच्च न्यायालय में अपीलें ले जाने का निर्णय उस मामले में अंतर्ग्रस्त धन राशि के आधार पर किया जाता था । इस संशोधन ने प्रावधान किया कि केवल उन्हीं मामलों में सर्वोच्च न्यायालय में अपील की जा सकेगी, जिनमें विधि का कोई महत्वपूर्ण प्रश्न विचाराधीन हो ।

31.(1973) इस संशोधन द्वारा लोकसभा में चुनी जाने वाली सीटों की संख्या 525 से बढ़ाकर 545 कर दी गई।

32.(1973) इसके द्वारा आंध्र प्रदेश के लिए 6–सूत्री कार्यक्रम लागू किया गया ।

33.(1974) इस संशोधन द्वारा यह व्यवस्था की गई कि राज्य विधान मंडलों और संसद के सदस्यों के ऐसे त्यागपत्रों की स्वीकृति रद्द कर दी जायेगी, जो दवाव में आकर या परवशता की स्थिति में दिये गए हों या जो इच्छा के विपरीत दिये गए हों ।

34.(1974) इस संशोधन द्वारा विभिन्न राज्यों द्वारा पास किये गए 20 भूमि सुधार कानूनों को संविधान की नवीं अनुसूची में सम्मिलित करके उन्हें संरक्षण प्रदान किया गया।

35.(1974) इस संशोधन ने सिक्किम को सह–राज्य का दर्जा प्रदान किया ।

36.(1975) इस संशोधन ने सिक्किम को भारत का 22 वां राज्य वना दिया ।

37.(1975) – इस संशोधन ने संघ शासित प्रदेश अरुणाचल प्रदेश के लिए विधान सभा और मंत्रि परिषद की व्यवस्था की ।

38.(1975) इनसे राष्ट्रपति द्वारा आपातकाल की घोषणा और राष्ट्रपति, राज्यपालों और संघ शासित प्रदेशों के प्रशासकीय प्रमुखों द्वारा जारी किये गए अध्यादेशों को वाद– अयोग्य (न्यायपालिका के क्षेत्राधिकार से वाहर) वना दिया ।

39.(1975) इस संशोधन में संविधान की धारा 71 और 329 में और नवीं अनुसूची में संशोधन किया । इसने राष्ट्रपति, उप–राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और अध्यक्ष के निर्वाचन को न्यायिक जांच के क्षेत्र से वाहर कर दिया ।

40. (1976) इस संशोधन ने धारा 297 का संशोधन करके यह घोषणा की कि "भारत के प्रादेशिक समुद्र या महाद्वीपीय जलमार्ग भूमि या अन्य आर्थिक क्षेत्र के भीतर सागर में सव भूमि, खनिज और अन्य मूल्यवान वस्तुएं संघ सरकार के स्वामित्व में होंगी और संघ के प्रयोजनों के लिए इस्तेमाल होंगी ।"

41. (1976) इस संशोधन के द्वारा राज्य के लोक सेवा आयोग के सदस्यों की सेवानिवृत्ति की आयु 60 वर्ष से वढ़ा कर 62 वर्ष कर दी गई । संघ लोक सेवा आयोग के सदस्यों पर, जो 65 वर्ष की आयु पर सेवा निवृत होते हैं, इसका कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा ।

42.(1976) इस संशोधक अधिनियम की प्रमुख वातें नीचे संक्षेप में दी जा रही हैं :

1. संविधान की प्रस्तावना में 'प्रभुत्व संपन्न लोकतंत्रात्मक गणराज्य' शब्दों के स्थान पर 'प्रभुत्व संपन्न समाजवादी, धर्मनिरपेक्ष, लोकतंत्रात्मक गणराज्य' शब्द और 'राष्ट्र की एकता' शब्दों के स्थान पर राष्ट्र की एकता और अखंडता' शब्द रखे गए ।

2. यदि संविधान के निर्देशक तत्वों और मूल अधिकारों के बीच कभी टकराव हो, तो निर्देशक तत्वों को मूल अधिकारों के ऊपर वरीयता दी जायेगी ।

3. इसी प्रकार राष्ट्र विरोधी गतिविधियों पर रोक या उनके निषेध को मूल अधिकारों के ऊपर वरीयता दी जायेगी।

4. सभी नागरिकों के पालन के लिए कुछ मूल कर्तव्य निर्धारित कर दिये गए हैं । इन कर्तव्यों का पालन न करना या इनके पालन से इंकार करना दंडनीय अपराध है । ऐसी कार्यवाही की वैधता को कोई न्यायालय चुनौती नहीं देगा ।

5. जनसंख्या के आधार पर लोक सभा और राज्यों की विधान सभाओं में इस समय जितनी सीटें हैं, ये सीटें 1971 की जनगणना पर आधारित हैं, उतनी ही सीटें 2001 ई. तक रहेगी, अर्थात् दस–दस वर्ष वाद दो वार जनगणना होने से इन सीटों की संख्या में कोई अंतर नहीं आयेगा ।

6. लोक सभा और राज्यों की विधान सभाओं का कार्यकाल 5 वर्ष से वढ़ाकर 6 वर्ष कर दिया गया ।

7. लोक सभा और राज्यों की विधान सभाओं की वैठकों के लिए संविधान में निर्धारित गणपूर्ति (कोरम) का प्रावधान हटा दिया गया । इसका अर्थ यह है कि अव कोरम कोई संवैधानिक अपेक्षा नहीं रही ।

8. संसद ही इस वात का निर्णय करेगी कि कौन–से पद सरकार के अधीन लाभप्रद हैं । संसद ही निर्णय करेगी कि विधान मंडल की किसी सभा के निर्वाचित सदस्य को अनर्हित करने के लिए भ्रष्ट आचरण क्या है ।

9. विधान मंडल के सदस्यों और समितियों के अधिकारों और विशेषाधिकारों का निर्धारण संवंधित सभाएं ही समय–समय पर करेंगी ।

10. आपात काल की घोषणा सारे देश पर लागू करने के वजाय देश के किसी एक भाग पर लागू की जा सकती है । इसी प्रकार, आपातकाल की घोषणा देश के किसी भाग से समाप्त की जा सकती है जवकि देश के अन्य भागों में लागू रहेगी ।

11. किसी राज्य में राष्ट्रपति शासन लागू करने हेतु राष्ट्रपति की उद्घोषणा की अवधि 6 महीने से वढ़ा कर एक साल कर दी गई ।

12. संघ सरकार को किसी राज्य में सशस्त्र सेनाओं को तैनात करने का अधिकार है । संघ सरकार राज्यों के कैन्टोन्मेंट क्षेत्रों की सीमा का पुनर्निर्धारण कर सकती है । राज्य सरकार को दखल देने का कोई अधिकार नहीं होगा। उन्हें कैन्टोन्मेंट क्षेत्रों के प्रशासन के संवंध में भी कोई अधिकार नहीं होगा ।

13. संविधान में किसी प्रकार से संशोधन करने के संसद के अधिकार को कोई न्यायालय चुनौती नहीं दे सकता।

14. केंद्रीय कानून की वैधता के बारे में निर्णय करने का अधिकार केवल सर्वोच्च न्यायालय को है । उच्च न्यायालय राज्य के कानूनों की वैधता के बारे में निर्णय दे सकते हैं । यदि किसी राज्य के कानून की वैधता केंद्र के किसी कानून की वैधता पर निर्भर हो, तो सर्वोच्च न्यायालय उस पर निर्णय दे सकता है । किन्तु संवैधानिक अवैधता संबंधी कोई भी निर्णय पीठ के न्यायाधीशों के दो–तिहाई बहुमत से होना चाहिए – यदि न्यायाधीशों की संख्या 5 से कम हो, तो उनका निर्णय सर्वसम्मति से होना चाहिए । यह भी प्रावधान किया गया है कि उच्च न्यायालयों को ऐसा कोई अस्थायी आदेश जारी करने का अधिकार नहीं है, जिससे सरकार द्वारा की जा रही किसी जांच या कार्यवाही में रुकावट या बाधा पैदा हो ।

15. यह भी प्रावधान किया गया कि राष्ट्रपति मंत्रि परिषद की सलाह को अवश्य मानेगा ।

43. (1977). इस संशोधन पर राष्ट्रपति की स्वीकृति 3 अप्रैल, 1978 को प्राप्त हुई । इसने (1) बयालीसवें संशोधन द्वारा जोड़ी गई कुछ धाराओं को निकाल दिया, और (2) कुछ अन्य धाराओं में परिवर्तन किया ।

इनका उद्देश्य सर्वोच्च न्यायालय और उच्च न्यायालयों की शक्ति को पुर्नस्थापित करना था ।

44. (1978) विधि के प्राधिकार के बिना किसी व्यक्ति को उसकी संपत्ति से वंचित नहीं किया जायगा । आपातकाल अब आंतरिक उपद्रव के आधार पर नहीं बल्कि सशस्त्र विद्रोह के आधार पर ही लगाया जा सकेगा ।

45. (1980) संसद और राज्य विधान मंडलों में अनुसूचित जातियों और जनजातियों के लिए सीटों का आरक्षण और आंग्ल–भारतीयों के लिए नामजदगी की सुविधा 10 वर्ष के लिए बढ़ा दी गयी ।

46. (1982) इस संशोधन द्वारा धारा 269 में संशोधन किया गया क्योंकि अंतर्राज्यीय व्यापार या वाणिज्य में प्रेषित माल पर लगाया कर राज्यों को दिया जाना था ।

47. (1984) इस संशोधन द्वारा भूमि सुधार कानूनों को संविधान की नवीं अनुसूची में शामिल कर दिया गया ।

48. (1984) यह संशोधन संविधान की धारा 356 के खंड 5 (घ) में किया गया ताकि पंजाब में राष्ट्रपति शासन एक साल और जारी रखा जा सके ।

49. (1984) त्रिपुरा राज्य में जिला परिषदों को स्वायत्त बनाने में संवैधानिक सुरक्षा दी गयी ।

50. (1984) (1) राज्य के कब्जे वाली या राज्य की संपत्ति की रक्षा के लिए उत्तरदायी बलों के सदस्य; अथवा।

(2) आसूचना या प्रति–आसूचना के प्रयोजनार्थ किसी राज्य द्वारा स्थापित किसी ब्यूरो या संगठन के सदस्य: अथवा

(3) किसी बल, ब्यूरो या संगठन के प्रयोजनार्थ निर्मित दूर संचार प्रणाली में या उससे संबंधित कार्य करने वाले व्यक्तियों को धारा 33 के अंतर्गत लाया जायेगा ।

51. (1985) इस संशोधन के द्वारा संविधान की धारा 330 और 332 में "आसाम, नागालैंड, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश के जनजाति क्षेत्रों को छोड़कर अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों "से संबंधित प्रावधान के स्थान पर" असम के स्वायत्तशासी जिले में अनुसूचित जनजातियों को छोड़कर अनुसूचित जनजातियों" रखा गया ।

52. (1985) दल–बदल रोक बिल के नाम से विख्यात बिल का उद्देश्य दल–बदल को रोकने के लिए अर्हताएं लागू करना था । इस अधिनियम की प्रमुख विशेषताएं निम्लिखित हैं: (1) संसद या राज्य विधान मंडल में किसी राजनैतिक दल का सदस्य उस सभा का सदस्य बनने के लिए अयोग्य हो जायेगा:

(क) यदि उसने स्वेच्छा से उस राजनैतिक दल की सदस्यता त्याग दी हो, या

(ख) यदि वह उस सभा में जिस राजनैतिक दल का वह सदस्य है उस राजनैतिक दल या उसकी ओर से इस कार्य के लिए प्राधिकृत किसी व्यक्ति या प्राधिकरण की पूर्व अनुमति प्राप्त किये बिना उसके निर्देश के विपरीत मतदान करता है या मतदान करता ही नहीं, और ऐसे मतदान या मतदान न करने की तिथि से 15 दिन के भीतर उस राजनैतिक दल या प्राधिकृत व्यक्ति या प्राधिकरण द्वारा उसे मतदान करने या न करने के लिए माफ नहीं कर दिया जाता।

(2) किसी सभा का कोई निर्वाचित सदस्य, जो किसी राजनैतिक दल द्वारा उम्मीदवार के रूप में खड़ा नहीं किया गया था, उस सभा का सदस्य होने के लिये अयोग्य हो जायेगा यदि वह निर्वाचित होने के बाद किसी राजनैतिक दल का सदस्य बन जाता है ।

(3) किसी सभा का कोई नामजद सदस्य उस सभा का सदस्य होने के लिए अर्ह होगा यदि वह यथास्थिति धारा 99 या 188 की अपेक्षाओं की पूर्ति के बाद जिस तिथि को वह सभा में अपना स्थान ग्रहण करता है उसके बाद 6 महीने की अवधि व्यतीत होने के बाद किसी राजनैतिक दल का सदस्य बनता है।

53. (1986) संशोधन ने एक नई धारा 371–छ जोड़कर मिज़ोरम को पूर्ण राज्य का दर्जा प्रदान किया ।

54. (1986) इस संशोधन ने दूसरी अनुसूची के भाग 5 में संशोधन करके सर्वोच्च न्यायालय और उच्च न्यायालयों के मुख्य न्यायाधीश और अन्य न्यायाधीशों के वेतन में वृद्धि का प्रावधान किया । धारा 125 और 221 में इस बात का प्रावधान विद्यमान है कि भविष्य में संसद कानून बनाकर न्यायाधीशों का वेतन बढ़ा सकती है ।

55. (1986) इस अधिनियम ने अरुणाचल प्रदेश को पूर्ण राज्य का दर्जा प्रदान किया ।

56. (1987) इस अधिनियम द्वारा गोवा को राज्य का दर्जा देने के लिए विशेष प्रावधान किया गया । इसके परिणामस्वरूप भूतपूर्व संघ शासित प्रदेशों में से दमन और दियू को अलग कर लिया गया ।

57. (1987) इस अधिनियम द्वारा संविधान की धारा 332 में संशोधन करके 2000 ई. के बाद होने वाली पहली जनगणना के आधार पर सीटों के पुर्नसमायोजन होने तक के समय के लिए पूर्वोत्तर के राज्यों अरुणाचल प्रदेश, नागालैंड, मिजोरम और मेघालय में अनुसूचित जन–जातियों के लिए सीटों के आरक्षण के बारे में विशेष व्यवस्था का प्रावधान किया गया है ।

58. (1987) इस अधिनियम द्वारा संविधान के हिन्दी अनुवाद का प्रावधान किया गया ।

भारतीय अर्थ व्यवस्था

सेतुरामन श्रीनिवासन

चीन के बाद दूसरे स्थान पर 1050 मिलियन जनसंख्या वाला देश भारत, विश्व में अर्थव्यवस्था की दृष्टि से ग्यारहवें स्थान पर है। 2002 में इसकी संपूर्ण राष्ट्रीय आय 500 बिलियन डालर के करीब थी। लेकिन प्रति व्यक्ति 460-470 डालर आय के कारण भारत अधिकांश राष्ट्रों की तुलना 162 वें स्थान पर था। जनसंख्या की दृष्टि से 1980 के आरंभ तक आर्थिक विकास दर निम्न थी। 3 प्रतिशत औसत की दर से आर्थिक व्यवस्था में वृद्धि होकर 1980 तक यह दर 5 से 6 प्रतिशत तक पहुंच गई थी। गति स्थिर ही नहीं रही, बल्कि 1990 के दौरान उसमें वृद्धि भी हुई। यद्यपि 1997 के बाद के पांच वर्षों में ह्रासोन्मुख प्रवृत्ति देखी गई है।

जैसा कि स्वतन्त्रता प्राप्ति के समय यह सोचा गया था कि भारतीय अर्थव्यवस्था कृषि पर आधारित है, परन्तु भारतीय अर्थव्यवस्था लंबे समय तक कृषि आधारित नहीं रह सकी। बढ़ती जनसंख्या के कारण भोजन और कच्चे माल की आवश्यकता की पूर्ति में कृषि क्षेत्र लगातार शोचनीय परिस्थितियों से गुजर रहा है। खाद्य पर्याप्तता और औद्योगिक परिवर्तन विकास की मुख्य उपलब्धियां हैं। प्रारंभिक वर्षों में विज्ञान और तकनीकी विशेषकर आणुविक और आन्तरिक्ष क्षेत्र में चमत्कारी वृद्धि ने सूचना तकनीक को गुणित विकास प्रदान किया है जिससे साफ्टवेयर क्षेत्र में भारत अग्रणी शक्ति बनकर उभरा है। इससे भविष्य की दृष्टि को आकार प्रदान किया है और योजनाकारों के 2020 तक भारत को एक विकसित राष्ट्र को दृष्टिगत करने दरवाजे खोला है। चीन की अर्थ व्यवस्था तेजी से विकसित हो रही है। 2002 में चीन की सकल राष्ट्रीय आय का अनुमान 1200 बिलियन डालर था, जो विश्व में छठे स्थान का था जो इस तिथि तक 'समाज का केन्द्र' होने की आशा है। दसवीं पंचवर्षीय में भारत जब तक 7 या 8 प्रतिशत विकास दर की बाधा को तोड़े बिना, दो दशकों में विकसित अवस्था को प्राप्त करना कठिन है।

गरीबी उन्मूलन, साक्षरता का सार्वभौमिकरण आधारभूत संरचना जैसे आवागमन का संजाल, जल, स्वास्थ्य और उर्जा के प्रावधान के बिना लक्ष्य की प्राप्ति मुश्किल है। राष्ट्रपति डा. अब्दुल कलाम ने भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लिए उद्देश्यों का निर्धारण किया है। उन्होंने वित्त के महत्व, ज्ञान इलेक्ट्रोनिक और आर्थिक संबद्धता पर बल दिया है जो ग्रामीण लोगों को शक्ति प्रदान की दिशा में ले जाएगा। मानव विकास अभिलेख बड़ा विषम है जिसमें राज्यों में प्रति व्यक्ति आमदनी साक्षरता और पुरुषों और महिलाओं की समानता में बड़ी विभिन्नता है।

केन्द्र और राज्य सरकारें राजस्व और वित्तीय घाटे को निश्चित करने का उपाय सोचे, जो ग्रामीण क्षेत्रों के निवासियों के जीवन स्तर में सुधार के लिए आधारभूत और सामाजिक संरचना के पर्याप्त स्रोतों के बटवारे में अड़चने पैदा करती है। सकल घरेलू उत्पाद (वितीय घाटा) का 10 प्रतिशत और सकल घरेलू उत्पाद (केन्द्र और राज्य सरकारों की संयुक्त कर्ज एवं अन्य देनदारियां) का 75 प्रतिशत सार्वजनिक व्यय के अस्थिर आर्थिक सहायता देने के लिए भारत को निकालना पड़ता है। इसका अधिकांश भाग चालू उपयोग में खर्च हो जाता है। देश की बचत और निवेश की दर सकल घरेलू उत्पाद पर लगभग 24 प्रतिशत पर दलदल में फंसकर प्रवाह होने हो गई है। कर और सकल घरेलू उत्पाद का अनुपात कई वर्षों से सकल घरेलू उत्पाद के 9 प्रतिशत दर अटक गया है।

दसवीं पंचवर्षीय योजना की रूपरेखा की प्रत्याशा के अनुसार भारत की स्थिर गति में 1990 के मध्य में उच्च वृद्धि देखी गई। यह विकास दर 6.5 प्रतिशत के लक्ष्य के प्रतिकूल नौवीं पंचवर्षीय योजना (1997-2002) 5.5 प्रतिशत की तुलना में हतोत्साह जनक नहीं थी। विकास घोषणा के बावजूद पिछले दशकों में रोजगार का प्रोत्साहित स्वर उत्पादित नहीं किया गया। पिछले दस वर्षो (1983-94) में मजदूर खपत 2 प्रतिशत की तुलना में 1994-200 में एक प्रतिशत से भी कम रही। तथापि, योजनाकार ने 8 प्रतिशत वार्षिक विकास की प्रत्याशा 2002-07 की अवधि के लिए की है। घरेलू बचत के स्थूल गतिमानता के साथ विदेशी बचत (प्रत्यक्ष निवेश और अन्य बहाव) पर बढ़ विश्वास की दुहाई देते हुए 2007 तक इच्छित सामाजिक लक्ष्य को प्राप्त करने की बात की गई है।

योजना आयोग ने वार्षिक संचालन के लिए सामाजिक लक्ष्यों की स्थापना की है।

2007 तक निर्धनता स्तर को 20 प्रतिशत कम करना 1999-2000 के अनुमानित लक्ष्य 26 प्रतिशत था और 2012 के लिए 10 प्रतिशत का लक्ष्य है।

दसवीं पंचवर्षीय योजना समयावधि में श्रमिक वर्ग को मिलाकर लाभकारी रोजगार प्रदान करने में वृद्धि।

2007 तक प्राथमिक शिक्षा का वैश्विक मूल्यांकन 2007 तक वर्तमान साक्षरता दर को 65 प्रतिशत से 7[illegible] प्रतिशत की वृद्धि और 2010 तक 80 प्रतिशत की वृद्धि करना।

पिछले दशक की 21.4 प्रतिशत जनसंख्या वृद्धि को वर्तमान दशक में (2001-11) 16 प्रतिशत तक नीचे लाना। 2007 तक बच्चा और जच्चा मृत्यु दर को प्रति हजार पर क्रमश 45 और 2 तक कम करना।

2007 तक सभी गावों में चल पेय जल की व्यवस्था करना।

संयुक्त राष्ट्र मानव विकास रपट 2003 के अनुसार भारत का मानव विकास सूचकांक 175 राष्ट्रों में 127 स्थान पर है। लेकिन इसका आशय यह नहीं है कि राष्ट्र मानव विकास सूचकांक जैसे प्रतिव्यक्ति आय, जीवन प्रत्याशा और साक्षरता के विकास में असफल रहा। राज्यों के बीच विकास विषम है। वास्तव में, रपट ने केरल, मध्यप्रदेश और पश्चिम बंगाल में अधिकारों के बंटवारे और सहगामी विकास की प्रशंसा की है। राजस्थान उत्तर प्रदेश, बिहार के अतिरिक्त मध्य प्रदेश में, स्त्री–पुरुष साक्षरता अन्तर को कम का प्रसंग स्वागत योग्य है। सामान्यत: इन्हें बीमारू राज्य कहा जाता है।

विकास कार्य

भारत की आर्थिक उदारीकरण, संरचना पुनर्निर्माण और वैश्विक एकता, नि:संदेह 1991 से ही सफल घरेलू उत्पाद वृद्धि को वर्षो से धक्का देकर आगे बढ़ाया है। यद्यपि 1997–2003 के मध्य के बाद की कालावधि में समग्र विकास निष्पत्ति उत्पादकता से कम रही। यह सामान्य से नीचे 6प्रतिशत थी। 1990 के मध्य की विकास पर 7 प्रतिशत की सामान्य तुलना में कम थी। इसे मुख्यत: वर्षा से संबंधित, कृषि निष्पत्ति में अस्थिरता का आरोप लगाया जा सकता है। इससे विशेष रूप से अनाजों, तिलहनों और औद्योगिक वृद्धि में ह्रास 1990 के उत्तरार्ध में रही।

कृषि और उद्योग दोनों में विकास दर, नवीं पंच वर्षीय योजना में (1997–02) लक्ष्य से बहुत निम्न थी। बहुत ही महत्वाकांक्षी दसवीं पचंवर्षीय योजना को पहली अप्रैल 2002 को आरंभ किया गया, यह भी अपने प्रथम वर्ष में पश्चगामी रही। सकल घरेलू उत्पाद की अधुनातन कार्यालयीय अंदाज के अनुसार 2002–03 में 4.3 प्रतिशत से अधिक नहीं होगी। दसवीं पंच वर्षीय योजना का वार्षिक वृद्धि लक्ष्य 8 प्रतिशत रखा गया है। कृषि और उद्योग की निष्पत्ति क्रमश 4 और 10 प्रतिशत से कम नहीं होगी। जबकि नवीं पंचवर्षीय योजना में औसत विकास दर क्रमश: 2.3 और 5 प्रतिशत थी।

विकास प्रक्रिया की घोषणा का अन्य दबाव 2002 का भंयकर सूखा था जिनके कारण 2002–03 में अनाज उत्पादन में कमी होकर 182 मिलियन टन हो गई जबकि इसके पूर्व वर्ष में 212 मिलियन टन था। कृषि विकास 3 प्रतिशत पर नगण्य था। उद्योग 2002–03 के उत्तरार्द्ध में कुछ क्षतिपूर्ति का कदमताल कर रहे थे। और पूर्व वर्ष की 2.8 प्रतिशत की तुलना में 5.8 प्रतिशत पर समाप्त हुआ। सेवा क्षेत्र में सकल घरेलू उत्पाद की 50 प्रतिशत से अधिक की सहभागिता है, वह 7 प्रतिशत वार्षिक विकास दर पर स्थिर बहु आयामी बना रहा। और अर्थ व्यवस्था के प्राथमिक और द्वितीयक क्षेत्रों के ह्रास की पूर्ति में सहायता करता रहा।

वास्तविकता यह है कि सभी औद्योगिक परिवर्तन, आधुनिकीकरण और सूचना तकनीक क्षेत्र (जो सेवा क्षेत्रों को बढ़ाने वाला है) में त्वरित वृद्धि के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था का वैभव, विस्तार और कृषि उपज परिवर्तन से संबंधित था जिस पर अपनी आय के लिए जनसंख्या का दो तिहाई भाग आश्रित है। देश में नियोजन की मुख्य भागीदारी कृषि क्षेत्र के पास है। ग्रमीण क्षेत्र के स्थिर विकास के लिए आय का स्रोत उत्पन्न करना गरीबी कम करना आवश्यक है।

कृषि

जब कि फसल के ढंग और उसकी निष्पत्ति पर मौसमी तत्व प्रभाव डालते हैं, तब पर भी भारत ने अनावृष्टि से निपटने के लिए सफलता नहीं प्राप्त की है। इसके लिए जलाशयों और वर्षा के पानी के संरक्षण की व्यवस्था की जानी चाहिए जिससे मानसून या वर्षा न होने पर नुकसान को कम किया जा सके और भूमि के नीचे के जलस्तर में सुधार किया जा सके। कई राज्यों में भूमिस्त जल स्थर चेतावनी के स्तर तक नीचे पहुंच गया है। देश में जल स्रोतों के शिष्ट उपयोग को अन्तर्राज्यीय नदी जल बंटवारे के झगड़े ने बिगाड दिया है। यह स्थिति विशेषकर प्रायद्वीपीय नदियों की है। लोगों के भोजन की आदतों में परिवर्तन को ध्यान में रखते हुए वहां पर देर से स्वीकृति, मिली है कि अनाजों के बदले ऐसी फसलों को उगाया जाए जिसमें पानी की अधिक आवश्यकता नहीं पड़ती है। लेकिन कृषि की आधारभूत समस्या निम्न निवेश है विशेष नहर–सिंचाई, तकनीकी सड़क सहित ग्रामीण संरचना भंडारण के प्रावधान और बड़े पैमाने पर सुविधाओं को बना में सार्वजनिक निवेश नहीं है।

वर्तमान समय में भारत खाद्य क्षेत्र में आत्म निर्भर है लेकिन स्वाभाविक संकट और अकाल की दशाओं के लि स्थान भी है। इसका समाधान प्रभावी सार्वजनिक वितरण प्रणाली से करना है। जिससे खाद्यान्नों का उपयोग उत्पाद ग्रामीण कार्यो में लगाया जा सकें। कृषि उत्पादों के उदारीकृ व्यापार, धनी देशों द्वारा दी गई बड़ी मात्रा में सहायता औ करों में छूट के द्विपक्षीय व्यापार समझौते के चलते कृषि व भूमिका अहम बनी रहेगी। वर्तमान वर्षों में अनाज निर्यात भारत क़ी सीमित सफलता, संसाधित भोजन, विशेषक फलों, सब्जियों में विशेष क्षेत्र बना सकती है। इन क्षेत्रों भारत विश्व में द्वितीय सबसे बड़ा उत्पादक देश है।

खाद्यान्न (अनाज और दालें) उत्पादन 1998–99 200 मिलियन टन से ऊपर था और 2001–02 में अप उच्चतम स्तर 212 मिलियन टन पर पहुंच गया। इसमें 9 मिलियन टन चावल और 72 मिलियन टन गेहूं का उत्पाद हुआ। मुख्य नगदी फसलों, तिलहन उत्पादन अपने सामा स्तर 20–21 मिलियन टन पर था। इसमें भारत को अप घरेलू आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए कुछ आया करना पड़ता है। खाद्य तेल मूल्य सूचकांक में संवेदनात्म सामग्री है। गन्ना, कपास, जूट और तंबाकू काफी और चा अन्य फसलें हैं।

औद्योगिक प्रवृत्ति

उद्योग में, पांच वर्षों तक गुणात्मक कदमताल क्षमत उपयोग की गिरावट तथा मांग की कमी का संकेत देता है इससे निवेश, विस्तार और आधुनिकीकरण में विराम व स्थिति उत्पन्न की है। सभी क्षेत्रों खनन, उत्पादन, विद्यु

उपयोग आधारित वर्गीकरण, आधारभूत, पूंजीगत और उपभोक्ता सामानों की वृद्धि की घोषणा की गई थी। आटोमोवाइल जैसे कुछ उद्योग, जिसमें सरकार ने विदेशी निवेश को आकर्षित करने की नीतियां वनाई थी। इसके वाद दूरसंचार और अंत में स्टील और सीमेंट उद्योगों ने भी औद्योगिक क्षतिपूर्ति के लक्षण प्रदर्शित किये है। अपने भाग के लिए, उद्योग प्रायः वास्तविक उच्च व्याज दर का दृष्टान्त दिया है। उर्जा तथा परिवहन से सुसज्जित संरचना के होते हुए भी आधार के पुनर्निर्माण और मजदूर वाजार की अनुपस्थिति में इसके धीमी गति दिखाई है।

चालू वर्ष के प्रारंभ में उद्योगों में किसी मजवूत पुर्नउछाल की प्रत्याशा नहीं थी। लेकिन अच्छे मानसून और जुलाई में पूरे देश में फैलने से 2002–03 के यह आशा वन गई कि इस क्षतिपूर्ति की भरपाई हो जाएगी। सव कुछ मिलाकर भारतीय उद्योग को अन्तर्राष्ट्रीयता प्रतियोगिता में अग्रणी वनाने के वजाय, यह पुनर्सरचना प्रक्रिया से गुजर रहा है। इसके लिए इसका विलयन और अधिग्रहण हो रहा है और निम्नगामी प्रवृत्ति दिखाई पड़ रही है। औद्योगिक क्षेत्र में रोजगार का उत्पादन इस पुनर्निर्माण के युग में महत्वहीन है।

वर्तमान में लक्षण मिले हे कि एक दशक से आधिक के उदारीकरण के वाद भारतीय उद्योग को अन्तराष्ट्रीय प्रतियोगिता की वास्तविकता के विश्वास में आना है। इसके लिए इसे अपने घर को व्यवस्थित करना है। कई वड़े उद्योग अपने विकसित और विकासशील देशों में, छूट की व्यवस्था कर या संयुक्त प्रयास से या विलयन से स्थापित कर रहे हैं, जो उन्हें वाजार उपलव्ध करायेगा। सार्वजनिक क्षेत्रों की तेल कंपनियों और सूचना तकनीकी मानकों के आतिरिक्त, स्टील, केमिकल दवा निर्माण, खनन जैसे अग्रणी उद्योग दूसरे देशों में स्थापित हो रहे हैं। कई उत्पादनों को सम्मानित नाम मिल चुका है। सेवाएं पिछले दो दशकों में वैश्विक स्तर पर सेवाओं ने कल्पनातित विकास किया है। भारत में इस क्षेत्र की पुष्ट निष्पत्ति 1990 के प्रारंभ में 7 प्रतिशत सामान्य वृद्धि प्रत्यावर्तित हुई। इस क्षेत्र के कुछ उपक्षेत्रों में अव भी स्थिर परिणाम की घोषणा के लक्षण है। और यह कल्पना की जा रही है अर्थव्यवस्था को गति देने में इन क्षेत्र की भूमिका महत्वपूर्ण होगी। इस क्षेत्र की तुलना निर्माण और कृषि से हो रही है, यह परिचर्चा का विषय है। यह स्वतः सिद्ध है कि वढ़ी हुई निर्माण निष्पत्ति सहित उच्च सकल घरेलू उत्पाद वृद्धि, सेवा की मांग में वृद्धि करती है। इससे यातायात और संचार की मांग वढ़ती है। इसके परिणाम स्वरूप आर्थिक सहायता, इन्श्योरेन्स, कंपनियों और व्यापारिक सेवाओं, व्यापार, होटल, पर्यटन, सामुदायिक, सामाजिक, और व्यक्तिगत सेवाओं में वृद्धि होती है।

कौशल सघनता और उच्च उत्पादक क्रियाएं जैसे सूचना तकनीक क्षेत्र, जो कि वड़ी तेजी से विकसित हो रहा है, इसने रोजगार उत्पादन के अवसरों के अतिरिक्त सेवा क्षेत्र के विकास के उभार में वहुत वड़ा सहयोग दिया है। लेकिन सामान्य उपसंहार जिसका पर्यवेक्षण रिजर्व वैंक आफ इण्डिया ने अपने वर्तमान विश्लेषण में किया है कि लवे समय तक सेवा क्षेत्रों के विकास को स्थिर वनाये रखने के लिए आवश्यक है कि उद्योग या कृषि में पर्याप्त मांग को उत्पादि[illegible] किया जाता रहे। विकसित देशों में सकल घरेलू उत्पाद में सेव[illegible] क्षेत्रों की भागीदारी 70% । या इससे भी अधिक है विकासशील राष्ट्रों में भी व्यापार में आर्थिक सेवाएं अपन[illegible] प्रभुत्व रखती हैं और उनका इस समय 1.5 ट्रिलियन डाल[illegible] है (2001 में 1452 विलियन था) एक दशक उनक[illegible] कारोवार 1200 विलियन डालर वढ़कर दुगुने मूल्य का ह[illegible] गया। भारत आर्थिक सेवाओं का आयात और निर्यात करने वाल[illegible] 30 अग्रणी देशों में है। इसमें तेज विकसित होने की सुनहर[illegible] संभावनाएं हैं जो वाहरी मांग को और कौशल सघन सेवाओं [illegible] पूरी कर सकती हैं, प्रतियोगिता का यही मापदण्ड अमरीका औ[illegible] यूरोप के कुछ भागों में है। भारतीय सफ्टवेयर का झपटदा[illegible] निर्यात से वढ़ी हुई कमाई सेवा क्षेत्र से ही हुई है।

भारतीय अर्थव्यवस्था के वदलाव की प्रशंसा पूरे विश्व भ[illegible] में की गई है। यह प्रशंसा मात्र सकल घरेलू उत्पाद वृद्धि द[illegible] से ही नहीं, वल्कि देश को उन अवसरों को ग्रहण करने के दरवाजे खोलने में सहायता के लिए भी है। चाहे हुए पुनर्निर्माण में सुधार को निश्चित करने, आर्थिक और सामाजिक लक्ष्यों को प्राप्त करने में सहायता मिली है। हमारे देश का सकल घरेलू उत्पाद वृद्धि दर वहुत से विकासशील देशों की तुलना में वहुत आगे है। 1991–92 से कई वर्षों के व्यापार, उद्योग और आर्थिक उदारीकरण तथा पूंजी वहाव, कुछ अन्य विकास शील देशों की तुलना में यद्यपित कम है। भारत की तुलना में केवल चीन का ही सहयोग विश्व की दृष्टि में आगे है।

2003–04 का वजट

दसवीं पंचवर्षीय योजना के द्वितीय वर्ष यानी 2003–04 का केन्द्रीय वजट वित्त मंत्री जसवन्त सिंह ने 28 फरवरी को कुछ नये पहल के साथ प्रस्तुत किया। नयी पहल के अन्तर्गत संरचना निवेश वृद्धि के सार्वजनिक व्यक्तिगत सहभागिता शामिल है जिसमे किसी भी प्रकार के खतरे को सरकार, व्यक्तिगत निवेशको तथा सहायता प्रदाताओ द्वारा सम्मिलित रूप संभाला जायेगा। वित्त मंत्री के भाषण मे सडक रेल और विमान पत्तन योजनाओ के लिए [illegible] 000 करोड रुपये लागत का प्रस्ताव था। अन्य प्राथमिकताओ मे गरीवी उन्मूलन, कृषि वागवानी विकास [illegible] तथा व्याज पुनर्निधार्रण था।

यद्यपि वजट मे किसी मुख्य प्रत्यक्ष कर के पुनर्निर्धारण का प्रस्ताव नही था, [illegible] वित्त मत्री के सलाहकार डा.विजय कलकर [illegible] के अनुसार इस प्रकार की सभावना थी। इसमे शेयर [illegible] के लाभाश पर टैक्स नें छूट; व्यक्तिगत [illegible] सरचार्ज पर छूट, कारपोरेट टैक्स के सरचार्ज [illegible] उच्च आय वालों पर 2.5 % [illegible] प्रतिशत [illegible] जैसे परिवर्तन शामिल थे।

पूरे देश में मूल्य आधारित कर को लागू करना [illegible] निर्माण देश [illegible] वाजार वनाने के लिए [illegible]
जिसके [illegible]
क्षतिपूर्ति [illegible]
लागू [illegible]
दिया [illegible]

सेवा करों को 5 प्रतिशत से बढ़ाकर 8 प्रतिशत कर दिया गया तथा अधिक सेवाओं को कर के अधीन लाया गया। उच्च सीमा शुल्क को 30 प्रतिशत से घटाकर 25 प्रतिशत कर दिया गया। यह व्यापार उदारीकरण बनाये रखने का एक भाग था। जिससे भारत को अति सुरक्षित देश की दृष्टि से नहीं देखा गया। बजट में एक दूसरा अभ्यास उत्पाद शुल्क संरचना का सरलीकरण था।

कर दरों में परिवर्तन, छूट का निरस्तीकरण नयी छूट आदि से 8000 करोड रुपये के अतिरिक्त स्रोतों के संचालन की दृष्टि का परिणाम प्राप्त हुआ। लेकिन छूट और राहत से 2356 करोड़ रूपये के संपूर्ण राजस्व में 6000 करोड़ रुपये कम हो गये। इसे सेवा कर के रूप में प्रत्याशित उत्पादन का श्रेय दिया जाना था। केन्द्रीय सरकार के बजट में संपूर्ण खर्च 4,38,795 करोड़ रुपये है। इसमें 1212 विलियन रुपये का राजस्व अन्तर है और संपूर्ण वित्तीय घाटा 1536 मिलियन रुपये या सकल घरेलू उत्पाद का 5. 6 प्रतिशत है। इसके पूर्व के वर्ष में (2002–03) में सरकार को टैक्स से प्राप्त राजस्व निम्न था। इस वर्ष का वित्तीय घाटा 5.9 प्रतिशत और राजस्व घाटा सकल घरेलू उत्पाद का 4.3 प्रतिशत था जबकि बजट का लक्ष्य क्रमश 3.8 प्रतिशत और 5.3 प्रतिशत था।

जी.ओ.आई. के खर्च और प्राप्तियां

कीमती विदेशी कर्जों के पूर्व भुगतान की प्रक्रिया द्वारा सरकार सार्वजनिक कर्जो को नीचे लाने के लिए कदम उठा रही है। इसके लिए आराम दायक विदेशी विनिमय भंडारण से लाभ लिया जा रहा है। उच्च दर वाले बैंक ब्याज समझौते के कर्जो की वापसी, राज्यों के साथ कर्ज अदला बदली योजना के अन्तर्गत केन्द्र के कर्ज को वापस करना और सस्ती दर पर नये कर्ज लेने का प्रावधान किया गया। भारत ने विश्व बैंक और एशियन डेवलपमेंट बैंक को कर्ज के लिए 3 मिलियन डालर से अधिक पूर्व भुगतान किया है। अन्य सार्थक नीतिगत परिवर्तन बाहरी सहायता की निर्भरता को कम करना तथा अमरीका, इंग्लैण्ड, फ्रांस, जर्मनी, जापान और रूस को छोड़कर अन्य देशों को सहायता के लिए तैयार करना था। छोटे देशों से लिये जाने वाले कर्जो के लिए पूर्व भुगतान की व्यवस्था की गई। सरकार ने निगमों को भूतकालीन विदेशी आर्थिक उधारी के भुगतान को प्रोत्साहित किया क्योंकि विदेशी ब्याज दर निम्नतम स्तर पर है और नये निर्गम से पूंजी को बढ़ाया जा सकता है।

वित्त मंत्री के विकल्प खर्च पुनर्निधारण के साहसी प्रयास के बिना संकुचित हो गए या मुख्य कर प्रयास में आगे कदम नहीं बढ़ाये गए। क्योंकि शासक दल ही आर्थिक सहायता छूट दर प्रतिबन्ध लगाने या छूट को समाप्त करने में सबसे आगे थी। वित्त मंत्री को अपने बजट प्रस्ताव को वापस लेना पड़ा, जिसमें, उर्वरकों के दामों में थोड़ा उछाल था। नीति मापदंडों में उन्होंने व्यक्तिगत बैंकों में 49 प्रतिशत के प्रत्यक्ष विदेशी निवेश को 74 प्रतिशत बढ़ाने के निश्चय की घोषणा की। जैसा कि राजनैतिक पार्टियां 2003 के अन्त में राज्यों में होने वाले चुनाव में व्यस्त रहेंगी और सितंबर, अक्तूबर 2004 में लोकसभा का चुनाव भी होना है। इस स्थिति में संचालक नीति का निर्माण जो शुद्धतः आर्थिक तर्कों पर आधारित हो, बड़ी दूर की बात होगी।

इराक के आसपास बनते तनाव, तेल बाजार की चंचलता के साथ वैश्विक आस्थिरता के विरुद्ध इस बजट की रुपरेखा तैयार की गई थी। यद्यपि वर्ष के अन्त में आर्थिक विकास की गति काफी कमजोर हो गई थी। निम्न मंहगाई के कारण विस्तृत आर्थिक स्थिरता चल रही थी। आरामदायक विदेशी विनिमय भंडारण, पर्याप्त खाद्य भंडार और देनदारी स्थिति का मजबूत संतुलन से दूसरे वर्ष में 3.6 विलियन डालर का चालू खाता आधिक था। मध्य जुलाई 2003 में विदेशी विनिमय भंडारण 82 विलियन डालर तक पहुच गया था पहली बार भारत 291 मिलियन डालर का सहयोग देने वाला लेनदार बना। इससे देश बचे हुए भुगतान की देनदारियों को कर सकता है।

विदेशी संस्थागत निवेशकों द्वारा प्रत्यक्ष विदेशी निवेश और निवेश बहाव, जिनका निवेश मुंबई स्टाक एक्सचेज में किया गया था, वह 2002–03 में 3.55 विलियन था परन्तु इसके पूर्व के लगातार 3 वर्षो में 5 विलियन से ऊपर था। 2002 के अन्त तक भार का विदेशी कर्ज 10[illegible] विलियन डालर था। उधार लेने वाले विकासशील देशों में इसका स्थान सूची में नवां था। इसका अधिकांश कर्ज छू[illegible] वाला था इस प्रकार देश की गणना कम कर्ज में की गई कर्ज–सकल घरेलू उत्पाद और कर्ज–सेवा का अनुपात लगातार नीचे आ रहा है।

विदेशी निवेश

संसद ने वित्तीय उत्तरदायित्व अधिनियम का निर्माण किया है जिससे वित्तीय असंतुलन की कमी के दरवाजे कम सम[illegible] में ही खुलते है। राज्य विद्युत बोर्ड की पुर्नरचना को सुवि[illegible] देने वाली विद्युत अधिनियम को अनुमोदित किया है, इस[illegible] विद्युत उत्पादन, संवाहन और वितरण में बड़े पैमाने प[illegible] व्यक्तिगत सहभागिता को सुविधा मिल सकेगी। जैसे ही शुल[illegible] निर्धारण से बोर्ड की आर्थिक दशा में सुधार होगा वैसे ही कृ[illegible] क्षेत्र में उपयोग की उगाही की निम्न दरें लागू हो जाएगी।

इस बजट में इस वर्ष के लिए सकल घरेलू उत्पाद [illegible] लक्ष्य का निर्धारण नहीं किया गया है। लेकिन सामान्य कल्प[illegible] है कि पिछले वर्ष के भयंकर सूखे की क्षतिपूर्ति करके भार[illegible] इस वर्ष 6 से 6.5 प्रतिशत के लक्ष्य को प्राप्त करने में सफ[illegible] हो जाएगा रिजर्व बैंक आफ इन्डिया सरल ब्याज रचना [illegible] बनाये रखते हुए उत्पादित उद्देश्यों को प्राप्त करने के लि[illegible] पर्याप्त तरलता प्रदान कर रही है। रिजर्व बैंक आफ इण्डि[illegible] का अनुमान है कि सकल घरेलू उत्पाद की दर 6 प्रति[illegible] से कम नहीं होगी जबकि महंगाई दर 5 से 5.5 प्रतिशत त[illegible] स्थिर रहेगी। बैंक दर, सन्दर्भ दर, घटकर 6 प्रतिशत है [illegible] 5 वर्षो में निम्नतम है। बैंक ने अपने मुख्य देनदारी दर [illegible] कम करने का भी आनन्द लिया है, जो 11.5 प्रतिशत [illegible] घटकर 10.5 प्रतिशत हो गया है।

बचत योजनाओं के लिए प्रबन्धित ब्याज दर में उन्नतिशी[illegible] छूट से अन्तिम तीन वर्षो में बैंक खातों में भयंकर कमी अ[illegible]

। इसमें बचत के महत्व को विशेषकर 60 वर्ष से आधिक के नागरिकों की सोच में परिवर्तन आया है। निम्न व्याज व्यवस्था भारत में बनी हुई है और इसे अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर ।। है यह बहाव के दबाव के कारण ही संभव है। सब मिलाकर निम्न व्याज व्यवस्था घरेलू बचत के विकास में कमी ला सकती है जिसके सकल घरेलू उत्पाद में अनुपात भी स्थिर बना हुआ है।

2002–03 का परिदृश्य

वर्तमान वर्ष का आर्थिक व्यवस्था का परिदृश्य बहुत ही शानदार है। अप्रैल–मई के दो महीनों में औद्योगिक और निर्यात विकास क्रमशः 11.5 प्रतिशत और 5.8 प्रतिशत रखा गया है। पूर्व प्रत्याशा जैसा कि वैश्विक आर्थिक क्षतिपूर्ति थमने का नाम नहीं ले रही है, इसके बावजूद भारत का निर्यात बढ़ा है। यद्यपि इराक युद्ध समाप्त हो चुका है और तेल की कीमतें स्थिर हैं। लेकिन अमरीका ब्रिटिश अधिकार के तहत इराक में स्थिति स्थिर नहीं है। और इराकी प्रशासन की स्थापना का काम करना है। नयी करेन्सी के द्वारा मुक्त बाजार की स्थापना करनी है और तेल उत्पादन को बनाना और बढ़ाना है। राष्ट्रीय खर्च को पूरा करने के लिए निर्यात करना । युद्द के बाद के विनाश की कीमत चुकाकर उसका पुनर्निर्माण करना है। ये सब अमरीकी प्रशासन के लिए चुनौतियां हैं।

पहली तिमाही (अप्रैल–जून) के अन्त में आशावाद की हवा थी कि देश बहुत लंबे की प्रतिक्षित क्षतिपूर्ति के कगार पर पहुंच जायेगा। प्रथमतः विभिन्न भविष्यवाणियों और देरी के बाद देश के बड़े हिस्से में जून के तीसरे हफ्ते में मानसून की कृपा हुई। जुलाई में वर्षा की ताकत बढ़ी और कृषि में उछाल की प्रत्याशा जगी। इससे उत्पादित माल के लिए मांग उत्पन्न हुई। यह स्थिति खरीक फसल के बाद वर्ष के उत्तरार्दा की । द्वितीय जून और जुलाई के महीनों में देश की मुख्य शेयर बाजारों, मुंबई स्टाक एक्सचेंज में भागम्–भाग रही और 15 महीने बाद संवेदी सूचकांक 3700 के ऊपर पहुंच गया।

यह ऊपर नीचे के बहाव सामान्य मानसून की भविष्यवाणी के बावजूद भी होता रहा इससे निगमों, बैंकों और दूसरे अन्य सार्वजनिक उपक्रमों में लाभप्रदता को हतोत्साहित किया। देश में डालर का लगातार बहाव आत्मविश्वास का संकेत देता रहा, और प्रारंभिक सार्वजनिक निगम का कदमताल करता हुआ प्रतिलाप, देश की अग्रणी आटोमोबाइल कंपनी मारुति जिससे सरकार का शेयर निवेशित है, इसमें वृद्धि सन्तोषजनक थी। मारुति की सफलता अपने निवेशकों प्रत्याशा तिगुनी सफलता मिली। लंबे अन्तराल के बाद मौलिक बाजार का पुनर्मूल्याकंन, लेकिन सरकार की विनिवेश योजना भी बड़ी तेजी से चल रही है। जुलाई में मुंबई स्टाक एक्सचेंज द्वारा मारुति की औपचारिक सूची बनाई गई और पूंजी बाजार में प्राण फूकती दिखाई दी। दो वर्षों के बीच 14 जुलाई को पहली बार मुंबई स्टाक एक्सचेंज का संवेदी सूचकांक 3700 के पहुंच गया। पेट्रोलियम, दवा निर्माण, आटो, स्टील सीमेंट उर्वरक बैंक और सूचना तकनीक कंपनियां सभी अच्छे लाभ की सूचना है। इससे औद्योगिक क्षतिपूर्ति होगी और इससे 2003 के प्रारंभिक महिनों में तेल के अतिरिक्त अन्य आयातों भी प्रभाव पड़ा था।

वर्तमान औद्योगिक निष्पत्ति प्रवृत्तियां को आनेवाले महीनों में बनाये रखना है इससे उत्पादन और ग्रामीण क्षेत्रों में मांग बढेगी। यह इस वर्ष अच्छे मानसून के कारण संभव हो सका है। अर्थव्यवस्था की वृद्धि 6 प्रतिशत से कम दर्ज नहीं होगी। इसकी परिकल्पना रिजर्व बैंक आफ इण्डिया द्वारा की गई थी। अकार्यालय भविष्यवाणी भी 6 से 6.5 प्रतिशत वृद्धि तक है।

बाह्य वित्त और व्यापार

एक क्षेत्र वह भी है जिसमें भारत ने चमकदार विकास 1991–92 के आर्थिक उदारीकरण की घोषणा के बाद किया है वह बाह्य क्षेत्र है। 1990 के आरंभ बकाया भुगतान का संकट रुपये के अवमूल्यन के कारण उत्पन्न हो गया था। वित्तीय समायोजन, विनिमय दर पुर्नरचना जो चालू खाते में जाती है, रुपये के रुपान्तरण, व्यापार उत्थान और विदेशी निवेश को आकर्षित करने वाली नीतियां और निवेश बहाव, के कारण भारत को विस्तृत आर्थिक स्थिरता, उदारीकरण और लगातार बनी पुनर्ररचना प्रक्रिया के कारण आकर्षक स्थान माना जाता है। विश्व निर्यात में भारत की भागेदारी धीमी प्रगति में है। इसके लिए चालू प्राप्तियों पर विशेष ध्यान देना होगा। इससे विदेशों में रहनेवाले भारतीय कामगार और साफ्टवेयर निर्यात से प्राप्तियां बढ़ सकती है।

निर्यात और आयात

व्यापार पुर्नरचना ने काम को आगे बढ़ाया है और शुल्क दरें 25 प्रतिशत तक नीचे आ गई हैं। चीन में दरें 15 प्रतिशत हैं। भारत में 2001 में सभी गुणात्मक पाबन्दियों को आयात से हटा दिया है। अब सकल घरेलू उत्पाद में निर्यात और निर्यात की दर 20 प्रतिशत बढ़ गई है। 2007 तक भारत का उद्देश्य वैश्विक निर्यात में कम से कम एक प्रतिशत की हिस्सेदारी प्राप्त करना है। 75 प्रतिशत से अधिक का निर्यात उत्पादन से संबंधित है।

शेष विश्व में सेवाओं के स्थानान्तरण की उल्लेखनीय वृद्धि के परिणाम स्वरूप और कामगारों द्वारा भेजी गई रकम जो 12 बिलियन डालर से अधिक है, शेष देनदारियों के चालू खाते में 2002–03 में 3.8 बिलियन डालर आधिक था इस प्रकार का उछाल 2001–02 के बाद आया है। इस प्रकार की स्थिति दो दशकों में पहली बार हुआ है। तब से चालू खाता घाटा 1992–2002 के दशक में सकल घरेलू उत्पाद का एक प्रतिशत बना रहा। निवेश बहाव और अप्रवासी भारतीयों द्वारा जमा पूंजी खाते से भंडारण बड़ी तेजी से लगातार बढ़ रहा है और 2002–03 में 21 बिलियन डालर उल्लेखित वृद्धि हुी। जून 2003 के अन्त में, विदेश विनिमय जमा 82 मिलियन डालर था।

डालर के प्रवाह को तीव्र प्रशंसा 2001–02 में मिली जब डालर के मुकाबला रुपया 48 था और 03 के मध्य में यह 46 रुपये तक पहुंच गया। इस समय विनिमय दर का कोई लक्ष्य नहीं था। और प्लवन पर था। रिजर्व बैंक इस गतिविधि पर निकट दृष्टि रखे हुए था कि विनिमय — पर कोई उधारी न रह जाए। भारत ने 1993

आधारित विनिमय दर मानक बनाया था। रुपया पुनः सभी मुख्य करेन्सी की तुलना में 1993–2002 के बीच 35 प्रतिशत नीचे गिर गया। यह स्थिति फरवरी 2003 तक बनी रही। अमरीकी डालर के मुकाबले में 31.52 से 48.73 होगी। पाउण्ड के मुकाले 37 प्रतिशत तथा येन के मुकाबले 27 प्रतिशत थी। यूरो के मुकाबले 6 प्रतिशत नीचे गिर गया जो मात्रा 1999 में ही प्रचलन में आया था।

पूंजी खाते पर विनिमयता के करीब आते समय और विदेशियों और अप्रवासी भारतीयों द्वारा उपलब्ध थी। अनुकूल विस्तृत आर्थिक वृद्धि के बावजूद भारत लपक कर लेना नहीं चाहता था। यद्यपि आई.एम.एफ. पूंजी खाते पर अपने विचार को पुर्नदृष्टिगत किया था और पूर्ण सावधानी बरती थी। योजना आयोग के अनुसार दसवीं योजना में निवेश के लिए आवश्यक बड़ी योजना की आवश्यकता है। जिससे विदेशी प्रत्यक्ष निवेश से विदेशी बचत की जा सके। इसलिए आयोग ने कहा था कि सकल घरेलू उत्पाद का चालू खाता घाटा 2.5 प्रतिशत चलता रहेगा। प्रत्यक्ष विदेशी निवेश का बहाव तीन मिलियन डालर तक पहुंच गया है जबकि चीन का 40–50 बिलियन डालर पिछले दशक का था। भारत को प्रतिवर्ष प्रत्यक्ष विदेशी निवेश कम से कम 10 बिलियन डालर तक पहुंचाना है। इसके लिए उदारीकरण एक महत्वपूर्ण नीति है जो शेयर सीमा को बढ़ायेगी।

अपने 100 बिलियन डालर के बाहरी कर्ज जो अधिकांश छूट वाला और निम्न कर्ज–सकल घरेलू उत्पादन और कर्ज-चालू प्राप्तियां अनुपात का है भारत को कम कर्ज वाला देश माना जाता है। इसके भंडारण इसकी निश्चितता तक पहुंच गया है प्रश्न उठता है कि देश इस स्रोत का उपयोग अर्थव्यवस्था के उत्पादक निवेश के रूप में क्यों नहीं करता है।

विकास योजना-1951-2001

भारत स्वतन्त्रता प्राप्ति (1947) के ठीक बाद आर्थिक और सामाजिक विकास के लिए 1951 में योजना से बंधा। इसके लिए पंचवर्षीय योजना बनाई गई। इसके लिए प्रेरणा पूर्व सेवियत यूनियन से प्राप्त की गई थी। आर्थिक विकास का लक्ष्य, उदाहरणार्थ–सकल घरेलू उत्पाद दर में वृद्धि या सामानों का संपूर्ण मूल्य और एक वर्ष में सेवा उत्पाद) निश्चित किया गया था और अर्थ व्यवस्था के विकास के लिए विभिन्न क्षेत्रों में निवेश की आवश्यकता, भौतिक लक्ष्यों की प्राप्ति हेतु सुविधाएं प्रदान करना, सकल घरेलू उत्पाद में संपूर्ण विकास का विवरण, इनका उल्लेख प्रत्येक योजना के अन्तर्गत रखा गया।

निवेश की कल्पना घरेलू बचत की वृद्धि के आधार पर की गई की। यह बचत व्यक्तिगत, संगठनों और सार्वजनिक क्षेत्रों से होनी थी। किसी प्रकार की रिक्तता की पूर्ति विदेशी पूंजी के नियोजित बहाव से की जाएगी सर्वाजनिक क्षेत्रों में परिव्यय के लिए योजना को विस्तृत ढांचे को मूर्तरूप दिया गया था। इन्हें सरकार और सार्वजनिक उपक्रमों से सहायता मिलनी थी। यह सहायता विकास के विशिष्ट शीर्षकों के अधीन जैसे कृषि और पशु पालन, सिंचाई, उद्योग, उर्जा, यातायात, दूर संचार, विज्ञान और तकनीकी और सामाजिक क्षेत्रों जैसे शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क पेय जल आदि को देनी थी, जबकि शेष अर्थव्यवस्था में व्यक्तिगत निवेश का स्तर समग्र रूप से संकेतिक किया गया था। लसित विकास दर की प्राप्ति आनेवाले आकस्मिक निवेश पर प्रक्षेपित थी। यह निवेश सार्वजनिक और व्यक्तिगत रूप से आना था। इस योजना को सरकारी और व्यक्तिगत दोनों स्तरों पर प्रभावी ढंग से प्रयोग में लाया जा रहा था।

इन 50 वर्षों में प्रतिव्यक्ति नियोजित आय वृद्धि, साक्षरता, जीवन प्रत्याशा, शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में आधारभूत सेवाओं के विस्तार, के साथ देश ने औद्योगिक आधारों में विस्तार, खाद्यान्न प्रर्याप्तत की प्राप्ति, विकसित उच्च तकनीक प्राप्त कर अन्तरिक्ष और न्यूक्लियर विज्ञान में सामर्थ्य और सूचना तकनीक में विशिष्ट कौशल प्राप्त कर विशेष उन्नति के साथ सभी क्षेत्रों में लंबे कदम उठाये हैं। वित्तीय क्षेत्र में कई मोड़ित विस्तार देखे गये हैं। बैंकिंग व्यवस्था को बड़े पैमाने पर सरकारीकरण हुआ है। जो प्रतियोगिता की दृष्टि से भारतीय व्यक्तिगत और विदेशी अस्तित्व के समक्ष है।

प्रथम तीन दशकों में सकल घरेलू उत्पाद की दर औसत 3 प्रतिशत थी जिससे प्रति व्यक्ति आय बहुत कम थी। जनसंख्या भी बहुत तेजी से बढ़ रही थी जिससे गरीब उन्मूलन पर कोई सार्थक प्रभाव नहीं पड़ा। 1980 के आरंभ से भारत की अर्थव्यवस्था का विकास 5 प्रतिशत हुआ, जो तेजी से विकसित राष्ट्रों के बराबर थी, लेकिन उच्च वृद्धि दर के साथ सरकारी उधारी भी बढ़ गई। बाहरी असन्तुलन के साथ अस्थिर व्यापार घाटा 1991 थे आर्थिक संकट का कारण बना।

प्रारंभिक चाल

विकसित अर्थव्यवस्था एकीकरण के युग में भारत यह महसूस करने लगा कि इसका विकास का आयात प्रतिस्थापन आदर्श और सुरक्षात्मक नीतियां प्रभावी उपलब्धि से वंचित हो गई है। वैश्विक प्रतियोगिता में पिछड़ने के साथ गरीबी उन्मूलन के कीमती वर्ष की खो बैठा है। इससे भारत को पुनः नियोजन का लक्ष्य प्राप्त नहीं हुआ है। प्रतिमान स्थानान्तरण 1991 में प्रभावी हुआ, जब भारत की पूर्ण अर्थव्यवस्था व्यापार, उद्योग, विनिमय दर, और देनदारियों के लिए उदार बना दी गई इससे अनुष्वा और नियन्त्रण के एक बहुत बड़े युग का आरंभ हुआ। पूरे दशक में संरचनागत पुनर्निर्माण आरंभ हुए। इससे अर्थव्यवस्था के उच्च विकास की संभावनाएं हुई, इससे अधिक विकास होगा और बड़ी मात्रा में राजस्व की प्राप्ति होगी इससे सरकार गरीबं उन्मूलन के लिए अधिक स्रोतों का जाल बिछा सकती है। इससे सामाजिक विकास होगा। आठवीं पंचवर्षीय (1992–97) के अन्त में,

उदारीकरण के बाद अर्थव्यवस्था भाग उपर ही नहीं आई घाटा और शेष देनदारियों का संकट, भी उच्च विकास मार्ग में व्यवस्थित हो गया। लगातार तीन वर्षों तक भारत की सकल घरेलू उत्पाद की उपलब्धि दर 7% से ऊपर रही और निर्यात में प्रभावी 20 प्रतिशत की बढ़ोत्तरी हुई। आठवीं पंचवर्षीय योजना में औसत बढ़त 6% वार्षिक थी। भारत नवीं पंचवर्षीय योजना 1997–2002 में आशावाद की भावना से प्रवेश किया था, लेकिन विकास का संवेग पहले दो वर्ष के बादडगमगाने लगा और योजना का अन्त 5.3 प्रतिशत औसत वृद्धि से हुआ, जबकि योजना का लक्ष्य 6.5 प्रतिशत वार्षिक था।

नवीं पंचवर्षीय योजना की विस्तृत समीक्षा और दसवीं पंचवर्षीय योजना (2002–07) का विस्तृत लक्ष्य नीचें दिया जा रहा है।

नवीं पंचवर्षीय योजना (1997–2002)

नवीं पंचवर्षीय योजना का लक्ष्य वार्षिक सकल घरेलू उत्पाद का 6.5 % था इसका आधार 3.9% विकास कृषि का, 8% कारखाने के उत्पादन का, और 6.8% सेवाओं का था। परन्तु प्राथमिक और गौण क्षेत्र विकास दर विस्तृत विचलन से आरंभ हुई। पांच वर्षो में से तीन वर्षों तक कृषि का विकास जिसकी सकल घरेलू उत्पाद में एक चौथाई भागीदारी वाला कृषि क्षेत्र पांच वर्षों में से तीन वर्षो तक नकारात्मक वृद्धि दिखाता रहा, जबकि कारखानों से उत्पादन लक्ष्य से बहुत ही नीचे था अर्थात निम्नतम 2.3% था यह स्थिति 2001–02 की है। देश के अधिकांश भागों में अच्छी सामान्य वर्षा के बावजूद वर्ष दर वर्ष खाद्यान्न उत्पादन में बहुत ही उतार चढ़ाव था। अपर्याप्त पूंजी निर्माण और जमा समर्थन के अभाव में कृषि को बड़ा नुकसान उठाना पड़ा जिसके अन्वेषण और विस्तार में गति का नुकसान हुआ।

उद्योगों में, लंबे समय तक मंदी थी, इसका मुख्य कारण मांग में वृद्धि न होना था। विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों से उत्पादित वस्तुओं की मांग नहीं हुई। निवेश में ठहराव था। उधार का मूल्य, कम मूल्य पर आयातित सामानों की सरल उपलब्धि, और संरचनागत अवरोध इसके कारण थे। निम्न व्यावसायिक आत्मविश्वास और निष्क्रिय मुख्य बाजार जिसमें कुछ नये पूंजी निर्गम आ गए थे। इससे उत्पादन में ह्रास हुआ जो 1995–96 में 13 प्रतिशत तक पहुंच गया।

आर्थिक गतिविधि की घोषणा ने भी सकल घरेलू बचत और निवेश में 1995–96 के बाद नीचे गिराने की व्याख्या की। उस वर्ष में सकल घरेलू उत्पादन 25.1 प्रतिशत था और 1998–99 में बचत दर गिरकर 21.7 प्रतिशत हो गई, फिर 2000–01 में सुधार कर 23.4% हो गई। सकल घरेलू निवेश जो 1995–96 में बढ़कर सकल घरेलू उत्पाद का 26.9 प्रतिशत हो गया था। इसके बाद के वर्षों में लगभग 24% के निम्न औसत पर बना रहा। केन्द्र और राज्य सरकारों के बढ़े हुए राजस्व घाटे के कारण सरकारी क्षेत्र में बचत नकारात्मक रही जिसके कारण समग्र बचत नीचे गिर गई। सार्वजनिक वित्त में ह्रास का मुख्य कारण पांचवें वेतन आयोग की सिफारिशों को अमल में लाना था। देश के सभी कर्मचारियों के इसे नवीं पंचवर्षीय योजना के आरंभ में लागू किया गया। भारत की घरेलू बचत, जिसके सहभागिता अस्तीरक है, वह अपने स्थान पर बनी रही। यह 2000–01 में बढ़कर 20 से 21 प्रतिशत हो गई और व्यक्तिगत संगठन बचत भी सकल घरेलू उत्पाद औसत में 4 प्रतिशत बनी रही। सार्वजनिक क्षेत्र बचत नहीं हुई जिससे सकल घरेलू उत्पाद में 2000–01 में 1.7 प्रतिशत का नुकसान हुआ।

जबकि केन्द्र और राज्य सरकारों अपने चालू उपभोग खर्च के लिए बड़ी मात्रा में कर्ज ले रही है और विकास खर्च विशेषकर पूजी खर्च को बढ़ाने में असमर्थ है। इसके साथ संरचना के लिए व्यक्तिगत निवेश में अपर्याप्त प्रतिक्रिया भी है। इसकी प्रत्याशा उदारीकरण नीति में की गई थी। इस प्रकार का निवेश विशेषतः उर्जा क्षेत्र में होना था। ऊर्जा उत्पादन में क्षमता वृद्धि 50 प्रतिशत नीचे गिर गई है। यह गिरावट आठवीं और नवीं पंचवर्षीय दोनों योजनाओं में हुई है। राज्य स्तर पर बिजली बोर्ड का गठन, मूलभूत परिवर्तन और शुल्क सुधार किये बिना व्यक्तिगत उत्पादन इसमें निवेश करने के लिए इच्छुक नहीं है। बाद में कुछ राज्य जैसे उड़ीसा, आन्ध्र प्रदेश और हरियाना इस समस्या की व्याख्या करने शुरु कर दिये हैं।

न्यूनताः नवीं पंचवर्षीय योजना के लिए बनाए गए लक्ष्यों में सकारात्मक भौतिक गिरावट थी। यह गिरावट उर्जा और यातायात विशेषकर रेलवे में थी, लेकिन उदारीकरण के बाद क्रमश अच्छी निष्पति दिखाई दी। दूर संचार क्षेत्र सामान्य स्तर पर चल रहा था क्योंकि इसमें सार्वजनिक और व्यक्तिगत संचालक आ गए थे। नवीं पंचवर्षीय योजना सामाजिक लक्ष्यों की प्राप्ति में बहुत पिछड़ गई। इतना मानव विकास नहीं कर पाई जिससे दसवीं पंचवर्षीय योजना के लिए यह केन्द्रीय क्षेत्र बन जाता। जिसे संचालित लक्ष्य के अधीन कर लेना था। 1990 में रोजगार नियोजन की धीमी वृद्धि मुख्यकर्मियों में से एक थी, जिसके अन्त बेरोजगारी में 7 प्रतिशत की वृद्धि हुई। प्रतिवर्ष 10 मिलियन रोजगार मुहैया कराने की राजनैतिक घोषणा के होते हुए भी रोजगार सघन विकास व्यूह रचना छलावा ही सिद्ध हुई। नवीं पंचवर्षीय योजना के अन्त में कई क्षेत्र मुख्य चिन्ता के कारण थे जो 6 प्रतिशत विकास दर की स्थिरता को बनाए रखने में कठिनाई का अनुभव कर रहे थे। जबकि रखा गया था, जो सामान रूप से राज्यों के बीच विभाजित था। राजकोषीय घाटे को नियंन्त्रित करना महत्वपूर्ण चुनौती थी। इसके कर्ज–कल घरेलू उत्पाद अनुपात को भी कम करना था। इसे राजस्व मापदण्ड के मिश्रण से करना था, जो नवीं पंचवर्षीय के 2001–02 में दुगुना अर्थात 30, 523 करोड़ रुपये हो गया था, जबकि कुछ सकारात्मक विकास, मंहगाई दर में कमी होने से हुआ, जो योजना के दौरान 4.5 प्रतिशत बनी रही। जिससे देनदारियों की स्थिति में सुवधिाजनक संतुलन हुआ। विदेशी विनिमय भंडारण योजना के आरंभ 1997 में 26 बिलियन से आरंभ होकर जुलाई 2002 में लगभग 55 बिलियन डालर हो गया। अन्तर्राष्ट्रीय निवेशकों में यह प्रत्यय वि[illegible]आ कि निवेश के लिए भारत एक अच्छा

नवीं योजना में, कल्पना से भी कम सकल घरेलू उत्पाद वृद्धि (औसत 5.3%) भी बुरा सुरक्षा वातावरण को सूचित करता है। प्राकृतिक आपदाएं (भूकंप, समुद्रीतूफान और अनावृष्टि) भी वैश्विक अर्थव्यवस्था को नीचे लाने की भूमिका निभाती है। जब अर्थव्यवस्था, एशियाई वित्तीय संकट जैसे बाहरी धक्के के सम्मुख उछली और 1998 में भारत द्वारा न्यूक्लियर परीक्षण की अनुमति के बाद चंचल अन्तर्राष्ट्रीय बाजार (मूलधन और मुद्रा) पंजी बहाव को प्रभावित करने की प्रवृत्ति में आ गया। वैश्विक व्यापार 2001 में आयतन में एक प्रतिशत और मूल्य में 4 प्रतिशत डूब गया जो 25 वर्षो में निम्नतम था।

भारत का निर्यात नवीं पंचवर्षीय योजना में अच्छा नहीं हुआ, 2 वर्षो में मात्र 6 प्रतिशत औसत से कम था, जबकि लक्ष्य 12 प्रतिशत का था। 2001-02 का विकास नकारात्मक था। इसका प्रभाव विश्व व्यापार पर भी दिखाई दिया। आयात वृद्धि भी क्रमशः निम्न थी, जो आर्थिक घोषणा में दिखाई पड़ी, लेकिन व्यापार घाटे को आसानी से, प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष विदेशी निवेश के बहाव के से पाटा जा सकता है। भारत का सन्तुलित देनदारी स्थिति का अधिशेष अप्रवासी भारतीयों द्वारा स्थिर आन्तरिक जमाव के कारण बना रहा और अब भी 12 बिलियन डालर प्रतिवर्ष है।

दसवीं योजना (2002-07)

दसवीं पंचवर्षीय योजना औपचारिक रूप से अप्रैल 2002 से अस्तित्व में आई। बड़ी मुश्किल से वित्त मंत्री के बजट भाषण में इसका उल्लेख हुआ है। राज्यों को सहायता साथ आनेवाले प्रस्तावित योजना खर्च की रुपरेखा बनाने बाद आर्थिक सर्वेक्षण में इसकी चर्चा है। विभिन्न मंत्रियों का योजना खर्च (सार्वजनिक उपक्रमों द्वारा विस्तारित स्रोतों सहित) 'बजट एक दृष्टि में' सामान्य रूप से दिखाए गये हैं। दसवीं योजना के प्रथम वर्ष अर्थात 2002-03 बजट से 1,13,500 करोड रुपये खर्च दिखाया गया है। जिसमें 44,639 करोड़ रुपये राज्यों को दी जाने वाली सहायता भी शामिल है। लेकिन केन्द्रीय योजना खर्च 1,44,038 करोड रुपये हो जाएगा, इसमें 66,871 करोड़ समर्थन भी अन्तर्निहित है और सार्वजनिक उपक्रमों द्वारा आन्तरिक और अन्य स्रोतों को 77,167 करोड़ रुपये के लिए बकिसित करना है। मिली-जुली संरचना जिसमें उर्जा (तेल और बिजली) और दूर संचार का योजना खर्च समग्र रुप संबंधित उपक्रमों द्वारा मदद की जाएगी।

प्रत्येक वर्ष योजना खर्च 10 से 15 प्रतिशत केन्द्र स्तर पर बढ़ता ही जा रहा है, जबकि राज्यों से यह आशा की जाती है, वे अपनी वार्षिक योजना, योजना आयोग की सहमति से प्रस्तुत करें। राज्य अभी तक अपने को अनुमोदनीय स्तर तक लाने में असमर्थ है और स्थिर बने हुए है। क्योंकि उनके ऊपर अनियोजित खर्चों का भारी दबाव पड़ता है। पांच वर्षों का अन्तिम योजना खर्च हमेशा मूल खर्च से बढ़ जाता है, जो उस वर्ष के मूल्य स्तर पर निर्भर करता है। मूल्य भी लगातार बढ़ रहे हैं। इस प्रकार से लक्षित योजना और उद्देश्यों को प्राप्त नहीं किया जा सकता है। कई वर्षों से यह अनुभव किया जा रहा है कि कौन तत्व अधिक प्रभावी स्रोत सिद्ध होगे जिससे स्रोतों के प्रभावी उपयोग और निधियों का उपयोग किया ज[illegible] सके। इस मुश्किल से कई क्षेत्रों की योजनाओं का विस्त[illegible] करके प्राप्त किया जा सकता है।

दसवीं पंच वर्षीय योजना ने 8% वार्षिक विकास का लक्ष्[illegible] रखा है। इसके साथ प्रस्तावित संचालन योग्य लक्ष्य, गरी[illegible] उन्मूलन के लिए रखे गए हैं। प्राथमिक शिक्षा और साक्षर[illegible] दर को बढ़ाना, शिशु और मातृ मृत्यु दर को कम कर[illegible] रोजगार वृद्धि की प्रवृत्तियां इसके अन्य लक्ष्य हैं। राज्य स्त[illegible] पर लक्ष्यों का निर्धारण किया जाएगा और इस प्रक[illegible] क्रियान्वित किया जाएगा जिससे आर्थिक और सामाजि[illegible] विकास में राज्यों के बीच अन्तर समाप्त हो जाए।

निर्धनता उन्मूलनः गरीबी को 20 प्रतिशत तक नी[illegible] लाने का लक्ष्य है। 1990 के मध्य तक 35 प्रतिशत अ[illegible] 2000 से 26 प्रतिशत था। इस का अनुमान योजना आय[illegible] द्वारा लगाया था। प्राथमिक शिक्षा में सार्वभौमिक वृद्धि अ[illegible] साक्षरता दर को वर्तमान 65% से बढ़ाकर 72 प्रतिश[illegible] 2007 तक पहुंचाना है। संपूर्ण दसवीं योजना के दौर[illegible] फलदायक नियोजन प्राप्त करना है।

इसके लिए अर्थव्यवस्था को अधिक तेजी से चलना[illegible] यह विकास दर नवीं पंचवर्षीय योजना में प्राप्त हो जाती य[illegible] औसत विकास 6.5 प्रतिशत के स्थान पर 8% होती। घरे[illegible] बचत और निवेश दर के 29.8 % तक बदला है और सक[illegible] घरेलू उत्पाद दर 23.4 और 24% से बढ़कर 32 प्रतिशत तक पहुंचना है। यह लक्ष्य 2001-02 के वित्[illegible] वर्ष में प्राप्त करती है। इस योजना का संबंध उस व्यूह रच[illegible] को उपयोग में लाना है जहां की पुनर्रचना अभी नहीं हुई सकल घरेलू उत्पाद में सरकारी भागिता 1.7 प्रतिशत गई। घरेलू बचत से सरकार की इतनी भागीदारी है। कृ[illegible] और उद्योग का क्षेत्र क्रमश 4% और 10 प्रतिशत वा[illegible] आगे बढ़ा है।

एक आदर्श अपनाया जा रहा है जिसमें विकास सहा[illegible] को राज्यों से जोड़ा जाएगा और असफलताओं को कम क[illegible] उपलब्धता सुनिश्चित की जाएगी। केन्द्र और राज्य सरक[illegible] को अपने वर्तमान शुल्क-और सकल घरेलू उत्पादन [illegible] (क्रमश 9.3 और 4.6 प्रतिशत) को लंबी छूट देकर योज[illegible] को आर्थिक सहायता देनी पड़ेगी। निवेश के उच्चतम स्तर दिखाने में योजना आयोग ने अन्य विदेशी बहाव, सकल घ[illegible] उत्पाद का 2.8% की कल्पना की। नवीं पंचवर्षीय योजन[illegible] यह 1 से 1.5 प्रतिशत था। संरचना को सहायता सार्वज[illegible] उपक्रमों से मिलेगी। इसके साथ गैर सहकारी संगठन आर्थिक सहायता करेंगे। बजट के लिए समर्थन मुख्य[illegible] सड़क और रेलवे से हैं। आयोग ने भी बड़े पैमाने पर हर [illegible] 16000 से 17000 करोड रुपये के गैर निवेश [illegible] अनुमति दी है। आयोग राज्यों की पंचवर्षीय योजना को अनि[illegible] रुप दे रहा है। इसके साथ उस वर्ष की योजना-खर्च [illegible] रूपरेखा भी बना रहा है। यहां एक प्रश्न उठता है कि रा[illegible] कितना कर सकते हैं, जबकि वर्तमान खर्च को पूरा करने राज्य बहुत बड़ी कठिनाई का सामना कर रहे हैं। क्या उन[illegible] स्रोत, योजना के साथ तालमेल बिठा पायेंगे? जब के

र्थिक सहायता देना बन्द कर देगा। केन्द्र भी योजना खर्च आर्थिक सहायता के लिए राज्यों को सहमत कर रही है वित्तीय पुनर्रचना को प्रभावति करेगा और उर्जा क्षेत्र की ... को प्रभावित करेगा और उर्जा क्षेत्र की पुनर्रचना में ली जा सकेगी। 2002 की अनावृष्टि केन्द्र और दोनें आसीमित वोझ डालेगी, जो योजना खर्च को वित करेगी। इस वर्ष की अनावृष्टि ने दो वर्षो की आर्थिक ... की भविष्य वाणी की है। दसवीं पंचवर्षीय योजना आरंभ विना किसी निर्देश से हुआ है।

सेवाएं: गतिशील विकास क्षेत्रः—विकास शील देशों में ए—विकास के गतिशील क्षेत्र वनकर उभरी है। कुछ ों से विकसित देशों में इसका लगातार विस्तार हुआ है। सि. देशों में सकल घरेलू उत्पाद में सेवाओं की भागीदारी % और विकास शील देशों में 50% है। भारत में षकर 1980 से अर्थव्यवस्था के प्राथमिक और गौण की अपेक्षा सेवाओं का विकास बड़ी तेजी से हुआ है। 1980 के आरंभ में सकल घरेलू उत्पाद का 40% से लेकिन 2001—02 में सेवाओं की भागीदारी 53— प्रतिशत है। इस क्षेत्र का वास्तविक मौसमी झटके और ग में निम्नगामिता का कोई प्रभाव नहीं पड़ा है। और तीय अर्थव्यवस्था को पूर्व अवस्था में पहुंचा दिया। जैसा अनुभव है कि 1990 के उत्तरार्द्ध में सेवाओं की वृद्धि े उच्चतर स्तर 10.5% थी। 1995—96 से 7.5% स्तर 2001—02 तक बनाए रखा और उन वर्षो में ल घरेलू उत्पाद में वृद्धि करना रहा, लेकिन कृषि का ास नकारात्मक था। औद्योगिक निष्पत्ति में भी गिरावट कई वर्षो तक इस क्षेत्र की निष्पत्ति औसत से निम्न केवल ातिशत की। यह स्थिति 2000—01 तक बनी रही। में थोड़ा हल्का विकास आर्थिक, अचल सम्पत्ति, व्यापारिक ओं (मुख्यतय वैंकिंग और उद्योग) के संबंधन से हुआ। ुदायिक, सामाजिक और व्यक्तिगत सेवाएं इसके उपक्षेत्र आर्थिक सहायता, वीमा और व्यापारिक सेवाओं में चर्यजनक 7.5% की वृद्धि हुई जवकि 2000—01 में ल 2.9% था सकल घरेलू उत्पाद वृद्धि 2001—02 5.4 प्रतिशत तक जा सकती है।

भारत में अर्थव्यवस्था के सेवा—क्षेत्र निम्न की भागेदारी 1. व्यापार, होटल, यातायात और दूर संचार। आर्थिक, अचल, संपत्ति और व्यापारिक सेवाएं और सामुदायिक, सामाजिक, और व्यक्तिगत सेवाएं (इसमे कारी सेवा नगारिक प्रशासन और सुरक्षा भी शामिल है) म दो संभवातः उत्पादक सेवाएं है। इसमें 70% की पत्ति सेवा क्षेत्र की होती है, जवकि तीसरी उपभोक्ता और कारी सेवाएं बनाई गई हैं। सेवाओं का बढ़ता हुआ संवध ा उत्पादन क्षेत्रों से जोड़ा गया है। विश्लेषणात्मक अध्ययन वनाते है कि सेवाओं की मांग बढ़ती जा रही है जिससे ाव्यक्ति आय और सकल घरेलू उत्पाद वढ़ रहा है।

सूचना तकनीक—शक्ति प्रदायिनी सेवा: भारतीय र्थव्यवस्था में संरचना गत स्थानान्तरण सेवाओं के पैद ... कम आभारी नहीं है। अव यह अग्रणी क्षेत्र वन गया है ाका अनुवन्धन कृषि और उद्योग से है। प्रभावी विकास ... लिए इस क्षेत्र का क्या सहयोग है। अर्थव्यवस्था में यह क्षेत्र कौशल को वड़ी तेजी से फैलाना है। सघन साफ्टवेयर, संप्रेषण और आर्थिक सेवाएं शीघ्र उपलब्ध कराता है। सूचना तकनीक और दूरसंचार ने उच्च उत्पादकता के यथार्थ का सुविधा प्रदान किये हैं। इससे उत्पादक क्षेत्र उपभोग्य वस्तुएं को प्राप्त कर सकते हैं। वैसे ही ज्ञान या नई अर्थव्यवस्था विस्तृत होने लगती है। इससे माल क्षेत्र से नियोजन का स्थानान्तरण कौशल सघन क्षेत्र केलिए होगा। लेकिन सूचना तकनीक शक्ति प्रदायिनी सेवा है। भविष्य में सेवाओं के निर्यात में यह अग्रणी भूमिका निमायेगी।

विकास शील देशों में रोजगार का मुख्य हिस्सा कृषि और उत्पादक क्रियाएं है, जवकि विकसित इस स्थान पर सेवा का कब्जा है, जिससे अधिकतम रोजगार मिलता है। यह अर्थव्यवस्था का सबसे वडा क्षेत्र है। राष्ट्रीय प्रतिमान सर्वेक्षण के आधार पर जल्दी में ही रिजर्व वैंक आफ इंडिया ने सेवा क्षेत्र 100 मिलियन रोजगार मिलने का अनुमान लगाया है इसमें से अधिकांश अनौपचारिक अर्थव्यवस्था के आनौपचारिक क्षेत्र की है। या मोटे तौर संपूर्ण नियोजन का 24% अर्थात 430 मिलियन से अधिक माल क्षेत्र में कौशल सघन क्षेत्र की होगी, लेकिन सूचना तकनीक शक्ति प्रदायिनी सेवाएं भविष्य मे सेवाओं के निर्यात में अहम भूमिका निभायेगी।

औद्योगिक क्रियाओं के संगठित भाषाओं की तुलना में सेवा क्षेत्र में अधिक रोजगार पैदा हो रहा है।

अभी सेवा क्षेत्र में रपट वनाने वाली व्यवस्था का विकास नहीं हुआ है, जो सेवा क्षेत्र को विकास को सार्थक वनाता। अधिकांश सेवा क्षेत्र की उत्पादकता के मापन के लिए किसी तरीके का विकास करना है। ये अर्थव्यवस्था के असंगठित तत्व हैं। वित्त मत्रालय बड़े पैमाने पर सेवा क्षेत्र को वांधना चाहता है। जिससे सकल घरेलू उत्पाद के आकार में इससे समपरिमाण राजस्व प्राप्त किया जा सके। केन्द्रीय साख्यिकीय संगठन आकडे आधार मे सुधार कर सेवा उत्पादन का सूचकांक व्यवस्थित करना चाहता है। इसका आधार ... रखा जाएगा जो औद्योगिक उत्पादन का सूचकांक है। भारत में, अन्य देशो के विरुद्ध, निर्माण की गणना, औद्योगिक ... के भाग के रूप मे की जाती है। यहां कोई सन्देह नहीं है कि एक बहुत बडा उत्पादक विकास सेवा क्षेत्र में है, जिसमें रोजगार और आमदनी की वृद्धि की जा सकती है।

अभी—अभी जीवन और सामान्य वीमा को निजी ... के लिए ... दिया गया है। जवकि सरकार के ... बीमा ... अपनी पारंपरिक प्रवृत्ति को ... ... संपूर्ण वैंकिंग व्यवसाय अन्य ... ... कम्प्यूटर के उपयोग की प्रवृत्ति ... ... की माग भी वढ़ रही है। ... उपयुक्त जगह वना ली है। ... सर्वाधिक विकास ... 50% से भी अधिक वार्षिक ... 2000 में 6.3 विलियन डालर ... समग्र निर्यात का 13% ... 1994—95 के ... प्रावधान किया गया ...

सेवाओं साहित की सेवा शाखाओं पर कर का विस्तार किया गया। लगभग 50 श्रेणियां की पहचान कर ली गई है। कर योग्य सेवाओं पर 5% की दर से सेवा कर रखा गया है। इस प्रकार के कर लगाने का अधिकार केवल केन्द्रीय सरकार को उपलब्ध है। राज्यों को यह अधिकार नहीं है। जबकि इस प्रकार की मांग राज्य करते रहे हैं कि उन्हें भी सेवा कर लेने का अधिकार दिया जाए। यह प्रस्ताव है कि केन्द्र कर प्राप्तियों पर राज्यों को भागीदारी दें। यह भागीदारी क्षतिपूर्ति राष्ट्रीय मानक के आधार पर 2003 से मिलनी चाहिए।

यद्यपि, इस समय सेवा कर से राजस्व 4000 करोड़ रुपये से कम है (2000-01) और 2002-03 के बजट में 6000 करोड़ रुपये की प्राप्ति की कल्पना की गई थी। इस प्रत्याशा का आधार कर के लंबी दूरी तक फैलने के कारण थी। राजस्व प्राप्ति अधिक स्थिर होगी और कर बोझ अधिक निष्पक्ष हो जाएगा। अन्ततः केन्द्र और राज्य दोनों स्तरों पर सेवा कर में शुल्क लगाया गया। राष्ट्रीय मूल्य कलित कर भी जोडा गया। इसे पहली अप्रैल 2003 से लागू किया जाएगा।

सेवाओं में अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार: दो दशकों से व्यावसायिक सेवा का निर्यात अपना स्थान बना रहा है। यद्यपि सेवाओं को अभी भी बहुमुखी व्यापार व्यवस्था में लाना है। व्यावसायिक सेवाओं में व्यापार विकसित हो रहा है और 1.4 ट्रिलियन डाइनर तक 2001 में पहुंच गया था। व्यावसायिक सेवा जैसे-दूरसंचार, बीमा, आर्थिक सेवाएं सुरक्षित रखने हेतु राज्यकर, और अनुज्ञा शुल्क आदि का निर्यात मूल्य ऊपर उठा लेकिन यातायात और पर्यटन सेवा निर्यात, अमरीका में हुए 11 सितंबर के आतंकवादी हमले के कारण के नीचे गिर गया।

सेवाओं को नियन्त्रित करनेवाले नियमों में ढील देने हेतु विश्व व्यापार संगठन से समझौता चल रहा है। ये समझौते सरकार द्वारा दी गई शर्तों के आधार पर होंगे। कुछ बातों में, जैसे, सार्वजनिक सेवा या सेवाओं में निषेध, जो सरकार द्वारा अप्रतियोगितात्मक या गैर आर्थिक आधार दी जाती हैं और जिसमें निजीकरण की आवश्यकता नहीं है या किसी सेवा को समाप्त करना, कुछ बातों में उनकी निष्पत्ति के लिए सरकार बाध्य नहीं होगी। सेवा प्रशासन परिवर्तन स्वैच्छिक आधार पर किया जा सकता है। पूर्ति के लिए नियम बनाने हेतु देशों का अधिकार होना चाहिए। इसकी भी पहचान की गई है। अधिकांश अध्ययन प्रकाश डालते हैं कि विकासशील राष्ट्र व्यापार सेवा के उदारीकरण से बहुत कुछ प्राप्त कर सकते हैं। विश्व बैंक का आकलन है कि विकास शील देश 2015

दसवीं योजना की खास बातें

1. 2002-07 से दौरान सालाना जीडीपी वृद्धि दर आठ फीसदी।
2. सालाना 7.5 अरब डालर का सीधा विदेशी निवेश।
3. पांच साल में विनिवेश लक्ष्य-78 हजार करोड़ रुपए।
4. पांच साल के दौरान पांच करोड़ रोजगार।
5. सार्वजनिक क्षेत्र का योजना खर्च 15,92,300 करोड़ रुपए।
6. केंद्र का योजना खर्च 9,21,291 करोड़ रुपए।
7. राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों का योजना खर्च 6,71,009 करोड़ रुपए।
8. सन् 2007 तक साक्षरता दर बढ़ा कर 75 फीसदी करना।
9. गरीबी अनुपात 26 से घटा कर 21 फीसदी पर लाना।
10. शिशु मृत्यु दर को 45 फीसदी तक लाना।
11. सन् 2007 तक सभी गांवों में पीने का पानी पहुंचाना।
12. सभी प्रदूषित नदियों की सफाई।
13. जनसंख्या वृद्धि दर 21.3 प्रतिशत (1991-2001) से घटा कर 16.2 फीसदी (2001-2011) पर लाना।
14. जीडीपी का 28.4 फीसदी निवेश करना।
15. घरेलू बचत दर जीडीपी की 26.8 फीसदी।
16. बाहरी बचत दर 1.6 फीसदी।
17. वर्ष 2007 तक टैक्स जीडीपी अनुपात में 10.3 फीसदी वृद्धि।
18. कर प्रोत्साहन व रियायतों को खत्म करना।
19. समेकित केंद्रीय व राज्य मूल्यवर्द्धित कर प्रणाली की शुरआत करना।
20. केंद्रीय कर्मचारियों की संख्या में कमी करना।
21. सबसिडी व प्रशासनिक खर्चों में कटौती।
22. व्यापार व वाणिज्य में अंतरराज्यीय बाधाओं को खत्म करना।
23. आवश्यक वस्तु अधिनियम में संशोधन।
24. कृषि व्यापार, कृषि उद्योग व निर्यात को उदार बनाना।
25. सभी वस्तुओं में वायदा कारोबार शुरू करना।
26. सीका को रद्द करना।
27. श्रम सुधार लागू करना।
28. छोटे उद्योगों के लिए नीति में सुधार।
29. उड्डयन क्षेत्र के लिए रेगुलेटरी फ्रेमवर्क बनाना।
30. निजी क्षेत्र की भागीदारी से बड़े हवाई अड्डे बनाना।
31. पूर्वोत्तर राज्यों पर विशेष रूप से ध्यान देना।
32. केंद्र प्रायोजित योजनाओं में कमी करना।
33. राजस्व और न्यायिक सुधार।

ाक 6 ट्रिलियम का लाभ अतिरिक्त आय के रूप में प्राप्त कर सकते हैं। विश्व स्तर पर सेवाओं का विकास वहुत तेज ाना हुआ है और विश्व सकल घरेलू उत्पादन में सेवा क्षेत्र की सहभागिता, 64% सन् 2000 में थी। इन सारी सूचनाओं का आधार विश्व वैंक के विकास सूचकांक के अनुसार हैं।

विकासशील राष्ट्रों के लिए, व्यावसायिक सेवाओं के निर्यात में वृद्धि भी विकसित राष्ट्रों जैसी हो गई है। सेवा में उन्नति शील राष्ट्रों का निर्यात लगभग 25 प्रतिशत तक पहुंच ाया है। भारत में व्यावसायिक सेवाओं करें निर्यात में, वृद्धि 1990 में 14.5% थी, इसके विरुद्ध विश्व व्यापार वृद्धि 5.4% औसत थी। व्यवसायिक सेवाओं का निर्यात समुद्री और वायुयानीय यात्रा एवं पर्यटन शामिल है। पर्यटन सेवाएं और अन्य व्यवसायिक सेवाएं जैसे वीमा और आर्थिक सेवाएं, अन्तर्राष्ट्रीय दूर संचार, पोस्टल और कुरीयर सेवाएं भी है।

भारत क़ी वाणिज्यक सेवाओं का निर्यात, 2001 में, 20 विलियन डालर था, जवकि सेवाओं का आयात 24 विलियन डालर था, लेकिन भारत में सेवाओं का विकास, विशेपकर उच्च मूल्य आकलन क्षेत्रों में हुआ। जिसके कारण वैश्विक व्यापार में लंवी हिस्सेदारी प्राप्त करनी आवश्यक था। यह सव कुछ संरचना के विकास दर निर्भर करता है, मुख्य रूप से ऊर्जा में वृहत निवेश और व्यवस्था संचालन के वहुत वड़ी कुशालता चाहिए। जवकि भारत दूरसंचार में निजी निवेश के द्वारा वहुत वड़ी प्रगति की है।

भारतीय अर्थव्यवस्था के साथ योजना तथा सेवा क्षेत्र का विकास का अध्ययन मनोरमा ईयर वुक के लिए पी.टी.आई. के पूर्व मुख्य संपादक श्री.एस.सेतुरामन द्वारा किया गया था।

कृषि

अर्थव्यवस्था में कृषि सवसे अधिक निर्णायक क्षेत्र है, क्योंकि कृषि ही खाद्य आश्वासन प्रदान करती है, रोजगार उत्पादित करती है, गरीवी दूर करने में सहायता प्रदान करती है, और देश से माल के निर्यात में सार्थक सहयोग प्रदान करती है। वर्तमान वैश्विक समझौते के संदर्भ में कृषि की भूमिका अत्याधिक महत्वपूर्ण हो गई है, क्योंकि कृषि क्षेत्र, वहु आयामी व्यापार व्यवस्था में परिणित हो गया है जिससे अधिक अन्नवाले और कम अन्न वाले देशों के लिए प्रतियोग मूल्यों पर आयात एवं निर्यात हेतु अनेक सुअवसर खोल दिया है।

स्वतंत्रता प्राप्ति (1947) के समय भारतीय कृषि पूर्ण रूपेण वर्षा पर निर्भर थी, लेकिन पिछले दशकों में सिंचाई साधनों के निर्माण में विलक्षण कदम उठाये गए हैं जिसमें मुख्य एवं उप योजनाएं सम्मिलित हैं, वांधों एवं नहरों का निर्माण किया गया है। जुताई के सुधारित तरीकों के उपयोग के साथ रासायनिक उर्वरकों का प्रयोग तथा उच्च उत्पादन वाले वीजों की किस्मों का उपयोग किया जा रहा है।

1950 के 50 मिलियन टन अनाज (गेहुं, चावल, मोटे अनाज एवं दालें) उत्पादन, 1999–2000 में 208 मिलियन टन पर पहुंच गया है। जो आंकड़े में सवसे ऊपर है। अनाज उत्पादन में यह वढ़ोत्तरी मुख्य रूप से प्रति एकड़ में उच्च उत्पादन के कारण 1970 से आरंभ हुई, जवकि कृषि योग्य संपूर्ण जमीन अपनी चरम सीमा पर पहुंच गई है। वास्तव में अनाज उत्पादन क्षेत्र में थोड़ी कमी हुई है और यह चिन्ता का कारण भी है। कृपिक निप्पत्ति में, विभिन्न वर्षों में उत्तार–चढ़ाव अपर्याप्त वर्षा के कारण हुई है या देश के कुछ भागों में सूखे की स्थिति भी इसका कारण है। जवकि अनाज उत्पादन में ह्रास की संभावना 2000–01 में 212 मिलियन टन के वदले 198 मिलियन टन की गई थी। इसका मुख्य खराव मौसमी दशाए थी।

1980 के आरंभ में भारत खाद्यान्न में लगभग आत्मनिर्भर हो गया था और कुछ वर्षो के सूखे का मुकवला करने के लिए अन्न का भंडारण करने के वाद वड़े पैमाने पर आयात को वन्द कर दिया गया था। सार्वजनिक वितरण प्रणाली के स्तर को पर्याप्त वनाने तथा मूल्य दवावों की सुरक्षा हेतु पर्याप्त अन्न था। 1999–2000 में अनाज उत्पादन का अन्तिम अनुमान कृषि मंत्रालय द्वारा निम्न प्रकार से दिया गया है। चावल 89.48 मिलियन टन, गेहुं 75.57 मिलियन टन, माट अनाज 30.47 मिलियन टन और दालें 13 36 मिलियन टन। व्यवसायिक फसलें जैसे कपास तिलहन, गन्ना, फल और सब्जियां, पशु धन उत्पादन और मछलियों के उत्पादन में सार्थक वृद्धि देखी गई। भारत, काफी और चाय का मुख्य उत्पादक है।

काफी का उत्पादन लगभग 3 4 लाख हेक्टेयर भूमि में मुख्यत: दक्षिणी तीन राज्यो कर्नाटक, केरला और तमिलनाडु में फेला है। एक अनुमान के अनुसार काफी का उत्पादन 1999 मे 2000 मे 2 92 लाख टन था। भारत ने 1.6 [illegible] काफी का निर्यात कर 315 मिलियन डालर विदेशी [illegible] अर्जन किया। चाय का सबसे बड़ा उत्पादक और [illegible] वाला देश भारत है। विश्व के संपूर्ण उत्पादन में इसकी [illegible] 29% है। 1999 का उत्पादन 806 मिलियन [illegible] जिसमे से 190 मिलियन किलोग्राम का निर्[illegible] रोपड फसलों को अधिक उत्पादकता प्राप्ति [illegible] दृष्टि से कमोडिटी बोर्ड को पुन: सं[illegible]

भारत नारियल का भी सवसे वड़ा [illegible] उत्पादन में महत्वपूर्ण स्थान रखता है [illegible] इलायची, हल्दी का भी उत्पादन [illegible] फसलों अर्थात फलों के नि[illegible] सब्जियों के उत्पादन में [illegible] भारत विश्व फल उत्पादन [illegible]

कृषि क्षेत्र 65% [illegible]

में समग्र विकास कार्यक्रम में इसकी भागीदारी घटकर 26 प्रतिशत हो गई है, जबकि 1950 में 52% थी। समग्र विकास कार्यक्रम का सबसे बड़ा सहयोगी कृषि क्षेत्र ही है। कृषि विकास की वार्षिक औसत पर घटकर 4 से 4.5% हो गई है। 1990 में कृषि विकास का औसत 3.3% देखा गया।

अन्धाधुन्ध बढ़ती हुई जनसंख्या, जो इस समय एक बिलियन से अधिक है, के लिए भारत को अधिक अन्न उपजाना होगा। खाद्यान्न की वर्तमान वृद्धि, जनसंख्या वृद्धि जो 1.93% है, के साथ चल रही है। मजबूत औद्योगिक विकास कृषि पर निर्भर करता है। कृषि ही उद्योगों के लिए कच्चा माल उपलब्ध कराता है। इसके साथ मांग और उपभोग वस्तु उत्पन्न करता है। इतने पर भी, आत्म निर्भरता, खाद्य एवं पोषाहार की सुरक्षा की गारन्टी सबकों नहीं दी जा सकती है। प्राय: खाद्यान्न वहां नहीं पहुंचता है जहां पर इसकी सर्वाधिक आवश्यकता होती है। यह हमारी अपूर्ति की कड़ी की असफलता है। मोटे अनाजों का उत्पादन, जिसकी खपत निम्नतम है, 30 मिलियन टन पर निष्क्रिय हो गया है। जबकि दलहन फसलों की निष्पत्ति 1990 में 11 से 14 मिलियन टन थी। भारत को बढ़ती हुई जनसंख्या की पूर्ति करने के लिए इक्कीसवीं शताब्दी के प्रथम दशक में 300 मिलियन टन अनाजों के उत्पादन की आवश्यकता है।

भारत समस्त निर्यात का 15 से 20 प्रतिशत निर्यात, कृषिक उत्पादों का करता है। वर्तमान काल में वैश्विक कृषि व्यापार में अपनी हिस्सेदारी को बढ़ाने की विस्तृत संभावनाएं हैं विश्व व्यापार संगठन समझौते को नियमों और अनुशासन के ढांचे में लाने की देर है। भारत न केवल खाद्यान्नों का निर्यात कर सकता है बल्कि बड़े पैमाने पर कृषि उत्पादों का भी। खाद्य [illegible] का विकास बड़े पैमाने पर मूल्य आधारित उत्पादों [illegible] की सुविधा प्रदान करेगा। 1999–2000 में भारत [illegible] उत्पादों का निर्यात और आयात (अनाजों सहित) क्रमश: 6 और 472 मिलियन डालर था।

1960 के बाद हरित क्रान्ति का उन्माद कम हो गया और [illegible] क्षेत्र बन गया है। कृषि में सार्वजनिक निवेश लंबे [illegible] से कम हो रहा है। सिंचाई, बिजली और ग्रामीण संरचना [illegible] लिए नई पूंजी का विकास नहीं किया जा रहा है।

1960–61 के कृषि में सार्वजनिक निवेश की हिस्सेदारी 35 प्रतिशत से घटकर 1998–99 में 23 प्रतिशत हो गई थी जबकि इस समयावधि में व्यक्तिगत निवेश 66 प्रतिशत से बढ़कर 76.4 प्रतिशत हो गया था।

अभी तक, कृषि की प्रक्रिया खाद्यान्न और उर्वरकों की छूट पर निर्भर थी। तथा प्रत्येक फसल मौसम में निम्नतम समर्थन मूल्य बढ़ता है। नि:संदेह यह नीति रेशों एवं तेल मूल्यों की निष्पत्ति के उच्च स्तर प्राप्ति में सहायता किया है। लेकिन इससे खाद्यान्न–अर्थ व्यवस्था के साथ संपूर्ण कृषि विकास में भयंकर असंतुलन पैदा हुआ है।

बिजली और पानी के अप्रभावी उपयोग के बदले, जिसकी लागत अभी तक प्राप्त नहीं हुई है, राज्यों एवं केन्द्र द्वारा भारी छूट में आवश्यक निवेश में कटौती की गई है। धीरे–धीरे छूट के स्तर को कम करने की संभावना है और इसके बदले किसानों को सस्ता भुगतान, विपणन तथा भंडारण की सुविधाएं दी जा सकती है। भारत को सर्वाधिक ध्यान भूमि और जल संरक्षण पर देने की आवश्यकता है। उत्तर भारत में पहले से ही भूमिगत जल का स्तर नीचे गिर रहा है। पहाडी घाटी और ढलानों पर तालाबों का विकास, जलभराव वाले क्षेत्रों में होना चाहिए।

द्वितीय, राज्य एंव राज्य के बाहर कृषिक सामग्री के विचरण पर प्रतिबन्ध कृषकों के लाभ को निष्फलित कर देते हैं। इसके अनाजों के स्वतंत्र विचरण और ग्राहकों के लिए सस्ते होने चाहिए। कृषि क्षेत्र की समस्याओं के निराकरण हो जाने से, भंडारण सुविधा सहित ग्रामीण संरचना में व्यक्तिगत निवेश के बहाव का मार्ग प्रशस्त होगा।

कृषिक क्षेत्र में सुधार से भारतीय अर्थव्यवस्था में नई शक्ति उत्पन्न करेगा तथा वैश्विक बाजार में सुनहरे सुअवसर उत्पन्न करेगा जो भारत के लिए आयात में गुणात्मक प्रतिबन्ध के लिए बहुत ही आवश्यक है। उपयोग में आनेवाले अनाज, फल, मसाले और खाद्य तेलों पर आयात शुल्क, स्वेदशी कृषकों की सुरक्षा की दृष्टि से निश्चित कर दिये गये हैं। लेकिन वे अब भी विश्व व्यापार संगठन के समझौते से भारत में कम हैं।

विश्व व्यापार संगठन के तहत आयात पर गुणात्मक प्रतिबन्ध के निवारण से गेहुं और चावल का आयात मुफ्त हो गया है। मोटे अनाजों और खाद्य तेलों पर सीमा शुल्क के आरोपण से देशी उत्पादकों का काफी राहत दी गई है। इससे आयात की गई वस्तु महंगी हो जाएगी।

राष्ट्रीय कृषि नीति

200 मिलियन कृषकों और खेतिहर मजदूरों से संपन्न भारतीय कृषि अर्थव्यवस्था विशाल उपक्रम है। यह राष्ट्र के विकास में रीढ़ की हड्डी की भूमिका का निर्वहन करती है। प्राप्त भूमि और जल स्रोतों का अधिक प्रभावी उपयोग ने विकास की असीमित संभावनाएं दी हैं। तकनीकी दोहन और संरचना (सिंचाई, सड़क और बिजली) का विकास करके भारत सरकार द्वारा एक 'राष्ट्रीय कृषि नीति' का ढांचा तैयार किया गया है। इसका उद्देश्य प्रतिवर्ष 4 प्रतिशत विकास करना है जो पूरे क्षेत्र में फैली होगी और कृषि उत्पादों के निर्यात के लाभ को अधिक बनाएगी। यह नीति स्थिर कृषि का विकास करेगी जो बाहरी सहायता के बिना सस्ती होगी। इसमें प्राकृतिक साधनों भूमि, जल और जीन संबन्धी प्रतिभा का उपयोग वातावरण की दृष्टि से किया जाएगा। कृषि के लिए प्रोत्साहन व्यवस्था इस प्रकार होगी कि जिससे यह पूंजी निर्माण को प्रोत्साहित करें और उत्पादक क्षेत्रों को व्यापार की दशाओं में सुधार करें। कृषकों के लिए समर्थक मूल्य और व्यापार व्यवस्था, सिंचाई व्यवस्था का निर्माण तथा उपयोग की दूरी को कम करना, विपणन संरचना और भंडारण सुविधा का विकास, समझौता कृषि द्वारा व्यक्तिगत क्षेत्रों की भागीदारी, तकनीकी हस्तांतरण की सुविधा, और पूंजी का बहाव कृषि की तरफ करना इस नीति की मुख्य बातें है।

आसन्न संकट

विरोधाभासी रूप में, खेती में दो वर्षो (1999–2000) तक वृद्धि के बाद मूल्यों में भयानक ह्रास हुआ है जिससे देश के अधिकांश भाग के किसान दबाव में हैं। उसी समय राज्य एजेंन्सियों द्वारा लगभग 50 मिलियन टन प्राप्त अनाज का अपूर्व अम्बार लगा लिया गया जिसने बजट के बोझ को बढ़ा दिया।

विभिन्न भागों में कृषकों की आत्महत्या ग्रामीण क्षेत्रों में कंजूसी का पर्दाफाश करती है। जबकि धनी कृषक समर्थन मूल्य की वृद्धि से लाभान्वित हुए। छोटे और मध्यम कृषक, जमा और अच्छा लाभ प्राप्त करने में कठिनाइयों का सामना करते रहे। इस प्रकार बहुत सी समस्याएं हैं। विकसित देशों से सस्ते प्राथमिक उत्पादों के अनियानीत बहाव ने उनकी चिन्ताओं को बढ़ा दिया है। जो उनके किसानों को आय समर्थन और निर्यात सहायता में कम कर देगी। सरकार ने 2000-01 के लिए गेहुं का निम्नतम समर्थन मूल्य 580 से धान का 540 रुपये प्रति कुंतल कर दिया है। इससे बड़ी मात्रा में चावल और गेहुं दो वर्षो में प्राप्त कर लिया है। इसके लिए सरकार 30,000 करोड़ रुपये खर्च करने पड़े। सार्वजनिक वितरण प्रणाली में निम्न निर्गम होने से, खाद्य भंडारण के जमाव के परिणाम स्वरूप खाद्य छूट पर बहुत बड़ा बोझ पड़ रहा है। सार्वजनिक वितरण प्रणाली में निम्न निर्गमन का परिणाम से बाजार मूल्य कम हो गया और आपूर्ति अधिक हो रही है। सरकार भी सूखा ग्रस्त क्षेत्रों के लि[illegible] काम के बदले अनाज की योजना के उपयोग के विस्तार में अ[illegible] को सक्षम नहीं बना पा रही है। इस विषय परिस्थिति में सरक[illegible] अन्न संग्रहण और वितरण प्रणाली का विकेन्द्रीयकरण करने [illegible] योजना बना रही है। लेकिन बड़े पैमाने पर राज्य इस उत्तरदायि[illegible] को संभालने के लिए तैयार नहीं है और वर्तमान व्यवस्था [illegible] चलती रहने वाली है। इस विपरीत और विश्व व्यापार संग[illegible] के प्रयोग की व्याकुल चिल्लाहट की दृष्टि में 'कृषि पर समझौत[illegible] करने के लिए मुख्यमंत्रियों और विशेषज्ञों की एक समिति [illegible] निर्माण किया गया है, जो खाद्य नीति से संबंधित सभी बातों [illegible] साथ विश्व व्यापार संगठन के समझौते का परीक्षण करेगी।

जैसा कि भविष्यवाणी है कि दक्षिणी पश्चिमी मानसून [illegible] समय से पूर्व आने से 2001-02 की कृषि अच्छी होगी [illegible] भारतीय मौसम विभाग द्वारा 30 वर्षो की सफलता में सामान[illegible] वर्षा होनी की भविष्यवाणी की है।

बढ़ता जल संकट

कृषि क्षेत्र और देश के सर्वांगीण विकास के लिये जल महत्वपूर्ण है। जलस्रोतों का सही इस्तेमाल करके ही कृषि के क्षेत्र में उन्नति हो सकती है। अभी तक धरती के अलावा किसी भी दूसरे ग्रह पर पानी नहीं मिला।

आदिकालीन पृथ्वी के खौलते महासागरों में ही जीवन के आदिस्वरूप का उद्भव हुआ था। और फिर जलचरों से जल-थल चर और फिर थलचर और नभचर इस तरह प्राणियों की सृष्टि हुई। तभी तो जीव जंतु और पेड़-पौधे सबकी देह का 75 प्रतिशत और इससे भी अधिक अंश जल ही होता है, हमारी देह का भी। हाइड्रोजन के दो और आक्सीजन के एक परमाणु (एटम) के बनने से H_2O यानी जल का एक अणु (मोलीक्यूल) बनता है। पानी ऐसा अद्भुत यौगिक है जो कार्बन के साथ मिलकर कार्बोहाइड्रेट बनाता है जो अन्न, कंद, मूल और फल के रूप में सबका पेट भरते हैं। पानी तरल, ठोस बर्फ और गैसीय वाष्प तीन रूपों में मिलता है। यह एक मात्र तरल है, जो ठोस रूप ग्रहण करने पर फैलता है।

जल का एक चक्र है वर्षा के रूप में बरसना और भाप बनकर उड़ जाना, बादल बनाना और फिर बरस पड़ना। यही जल चक्र समस्त जीवन क्रियाओं का आधार है। पानी के बिन

दुनिया में आबादी बढ़ने के साथ-साथ पानी की खपत बढ़ रही है। सन् 1940 में पूरे साल में लगभग 1000 घन किलोमीटर पानी इस्तेमाल हुआ था। सन् 1960 में यह दुगना हो गया। इसकी भी दुगनी खपत सन् 1990 में हुई। सन् 2000 तक इसमें 20 प्रतिशत की और बढ़ोत्तरी होगी यानी सन् 1940 के मुकाबले इक्कीसवीं सदी में प्रवेश के समय पानी की खपत पांच गुनी होने लगेगी यानी 5190 घन कि.मी.।

आबादी बढ़ने से पानी की कमी कैसे पैदा होती है यह 'जल संसाधन विकास और प्रबंध' के इस्लामी नेटवर्क द्वारा किए गए सर्वेक्षण से स्पष्ट हुआ है। इसके अनुसार अब संघ के 21 देश[illegible] में पानी की न्यूनतम आवश्यकता प्रति व्यक्ति प्रतिवर्ष 120[illegible] घनमीटर थी। इसमें से 55 घन मीटर घरेलू कामों के लिए औ[illegible] सबको पर्याप्त भोजन मिल सके इसके वास्ते कृषि कार्यो मे[illegible] 1150 घनमीटर पानी की खपत आंकी गई। पर्याप्त भोजन क[illegible] मतलब है साल में 375 किलोग्राम फल और सब्जी, 3[illegible] किलोग्राम मांसाहार या दालें और दूध और 125 किलोग्राम[illegible] अनाज। सन् 1985 में इन देशों में प्रतिव्यक्ति 1750 घनमीटर[illegible] पानी की आपूर्ति की गई, फिर भी 21 देशों में से 12 दशों [illegible] पानी की बुनियादी जरूरत पूरी नहीं की जा सकी। आशंका [illegible] कि यहां सन् 2000 तक पानी की उपलब्धता बुनियादी जरूरत[illegible] से ठीक नीचे 1000 घन मीटर रह जाएगी और सन् 202[illegible] में प्रति व्यक्ति 600 घनमीटर ही पानी मिल पायेगा। तब अर[illegible] संघ के केवल तीन देश, इराक, मारिटानिया और लेबनान ह[illegible] अपनी जरूरत पूरी कर पायेंगे। कुल मिलाकर यहां 42100 करोड़ घन मीटर पानी की कमी हो सकती है।

दुनिया के अनेक इलाकों को कुदरत ने ही पानी से वंचित कर रखा है। दक्षिण अमरीका के अराकामा नामक रेगिस्तान[illegible] इलाके मे सन् 1989 से 1994 तक पांच सालों में [illegible] भी पानी नहीं बरसा। जहा 300 मि.मी. से कम [illegible] उन्हे शुष्क क्षेत्र मे गिना जाता है। दुनिया की 60 [illegible] आबादी इन्ही इलाको मे गुजर-बसर करती है। [illegible] 80 के बाद के दशको में सूखे के कारण [illegible] आबादी भूख और अकाल के चंगुल में [illegible] वाले सूखे मौसम में पानी के स्रोत सख [illegible]

पानी मे बहुत ज्यादा गंदगी हो, [illegible] है। बडे जमाने तक अपनी गंद[illegible] लेता था। आज तो हालत यह है [illegible]

450 घन किलोमीटर गंदा पानी ढोती है। इसको फिर से इस्तेमाल के लायक बनाने में 6000 घन किमी. साफ पानी खप जाएगा, जो इसकी गंदगी के गाढ़ेपन को पतला बनाकर बहा ले जाए। यह मात्रा धरती पर होनेवाली वर्षा का दो तिहाई है। रूसी जल विशेषज्ञ एम.आई.एल. वोविच के अनुसार सन् 2000 तक गंदगी को पतला करने और बहाने में दुनिया की सारी नदियों का पानी खप जाएगा।

मनुष्य की बीमारियों और मौतों के लिए सबसे ज्यादा जिम्मेदार है गंदा पानी। गंदे पानी से फैले डायरिया की वजह से हर साल 40 लाख बच्चे मौत के शिकार होते हैं। 81 से 90 के बीच संयुक्त राष्ट्र की प्रेरणा से अंतराष्ट्रीय पेयजल आपूर्ति और स्वच्छता दशक मनाने के बावजूद विकास शील देशों में 31 प्रतिशत आबादी के पास पीने के लिए शुद्ध पानी उपलब्ध नहीं था 40 प्रतिशत आबादी स्वच्छता के मानदंडों से कोसों दूर थी। ये आंकड़े ग्रामीण क्षेत्रों में तो और भी भयावह है।

पीने के पानी में 100 मिलीमीटर में केवल 10 कालीफोर्म जीवाणु हों, तो उसे पीने योग्य माना जाता है। लेकिन इण्डोनिशया, नाइजीरिया और कोलंबिया में पेयजल के नमूनों में 100 मिलीमीटर पानी में 30 लाख तक कालीफोर्म जीवाणु पाये गये हैं। संयुक्त राष्ट्र द्वारा आयोजित जल सम्मेलन में गंदे पानी से 30 खतरनाक बीमारियां जुड़ी बताई गई। इनमें से अनेक रोग घंघे, मच्छर और ऐसे कीड़ों द्वारा होते हैं, जो पानी में ही बसेरा करते हैं। आंत्रशोथ ऐसा ही रोग है जो हर साल लगभग 40 करोड़ लोगों को मुसीबत में डालता है। 16 करोड़ लोग मलेरिया के चंगुल में फंसते हैं। विश्व बैंक की एक रिपोर्ट के अनुसार 'सहारा के नीचे के अफ्रीका में दूषित पेय जल और गंदे रहन-सहन की वजह से संक्रामक और परजीवी रोग इतने ज्यादा बढ़े हैं कि तमाम मौतों में से 62% इन्हीं की वजह से होती हैं।

दुनिया का ज्यादातर मीठा पानी जमीन के अंदर जमा है। ... और अरब के रेगिस्तानों के नीचे पानी के विशाल स्रोत छुपे हैं। अनेक देश भूमिगत पानी से अपनी जरूरतें पूरी करते हैं। इनमें भारत और चीन मुख्य है। भू जल के इन स्रोतों पर भी बराबर दबाव बढ़ रहा है। जो तालाब और कुएं सदियों से आदमी की प्यास बुझा रहे हैं, वे या तो सूख रहे हैं या उनमें पानी बहुत गहरा चला गया है। चीन की राजधानी बीजिंग में साल भर में ही इतना भू-जल इस्तेमाल किया गया कि वहां पानी का स्तर एकदम चार मीटर नीचे चला गया। भारत में महाराष्ट्र में गन्ने के खेतों और चीनी मिलों ने इतने नलकूप (ट्यूबवेल) लगा दिए कि तालगांव तालुके के 2000 के करीब कुएं सूख गए। इससे कोई 23,000 गांव प्रभावित हुए और वहां पीने का पानी दुर्लभ हो गया।

आजादी के समय हमारे देश में प्रति व्यक्ति पानी की उपलब्धता 5326 घनमीटर प्रतिवर्ष आंकी गई थी, जो कि 1991 में घटकर 2267 घनमीटर रह गई। सन् 1990 में सभी क्षेत्रों में पानी की मांग 550 घन कि.मी. की थी। 2000 तक यह बढ़कर 750 घन कि.मी. और 2025 तक 1050 घन कि.मी. होने की आशंका है। इसका सबसे बड़ा कारण है बढ़ती आबादी, जो अब 100 करोड़ से ऊपर जा पहुंची है। हर साल वर्षा और बर्फ के रूप में भारत को 4000 घन कि.मी. पानी मिलता है। लेकिन वर्षा हर जगह एक सी नहीं होती। राजस्थान में 100 मि.मी. औसत वर्षा से लेकर मेघालय में चेरापूंजी में 11000 मि.मी. तक वर्षा दर्ज की गई है, जो कि विश्व का सर्वाधिक वर्षा का रिकार्ड है। लेकिन वर्षा का अधिकतर जल बह जाता है और नदियों, तालाबों, कुंओं और बावड़ियों वगैरह में धरातल पर मात्र 1669 घन किलोमीटर पानी बचा रहता है। लेकिन इसमें से भी 690 घन किलोमीटर पानी ही विविध उपयोगों के लिए उपलब्ध हो जाता है। इसमें सिंचाई के लिए 360 घन किलोमीटर भू जल मिलता है। भू जल और जमीन के ऊपर उपलब्ध पानी को मिलाकर खेती के लिये 1050 घन किलोमीटर पानी की उपलब्धता है। 1985 में सिंचाई में 87 प्रतिशत पानी की खपत थी और बाकी कामों में 13 प्रतिशत पानी इस्तेमाल किया जा रहा था। लेकिन 2025 तक बाकी कामों में पानी का इस्तेमाल बढ़कर 27 % तक पहुंच जाएगा।

विशेषज्ञों के अनुसार विविध क्षेत्रों में पानी की मांग बढ़ने से जल संकट का पूरा असर देश में 2007 से दिखाई देने लगेगा। 2025 में सिंचाई के लिए कुल उपलब्ध जल का मात्र 64.7 % ही मिल पाएगा, जब कि सिंचाई के लिए पानी की मांग बहुत बढ़ जाएगी। हमारे यहां नदियों के 20 कछार हैं। सबसे अधिक पानी 18061 घनमीटर प्रतिव्यक्ति ब्रह्मपुत्र के कछार में उपलब्ध रहता है, जबकि साबरमती में 360 घनमीटर, पेन्नार और कन्याकुमारी में 366 घनमीटर और कावेरी नदी के कछार में 928 घनमीटर पानी प्रतिव्यक्ति की उपलब्धता है।

नदियों के पानी को नहर बनाकर जहां नदी नहीं है, वहां पहुंचाने का सिलसिला बड़ा पुराना है। मुगलों के जमाने में यमुना नहर और आगरा नहर बनाई गई थीं। इनसे हिमालय का पानी पंजाब, उत्तर प्रदेश और राजस्थान ले जाया गया। 19 वीं सदी में कुरनूल-कड़प्पा नहर और पेरियार बेगल नहर बनी और 20 वीं सदी में इंदिरा गांधी नहर बहुत बड़ा प्रयास था। लेकिन अब तो जल संकट इतना बढ़ गया है कि दो राज्यों के बीच से नहर जा रही है, जो राज्य ऊपर वाले इलाके हैं, वे नीचे के राज्य की ओर के हिस्से में पानी देने में आनाकानी करने लगे हैं। इस समय ऐसे अन्तर्राज्यीय नदी विवादों की संख्या नौ है। इनमें से तीन पर उच्चतम न्यायालय विचार कर रहा है।

पंचवर्षीय योजनाओं में सिंचाई के साधन विकसित करने पर शुरू से ही बल दिया गया। 1950-51 में सिंचित क्षेत्र 2 करोड़ 26 लाख हेक्टर था, जो 1994 तक बढ़कर 8 करोड़ 40 लाख हेक्टर हो गया। सन् 1999 तक 8 करोड़ 49 लाख हेक्टर क्षेत्र में सिंचाई की व्यवस्था की गई है। सिंचाई आयोग के अनुसार इसे लगभग 13 करोड़ हेक्टर तक बढ़ाया जा सकता है। इसके लिए बड़े बांध बनाए गए, नहरें निकाली गई, नलकूप लगाए गए और कुएं खोदे गए। आजादी के समय छोटे-बड़े 300 बांध थे। अब इनकी संख्या 4,300 हो गई है, जिनमें से 700 बांध बनाए जा रहे हैं।

सन् 1950 से अब तक सारी दुनिया में 36000 से अधिक बड़े बांध बनाए जा चुके हैं। यूरोप, अफ्रीका और उत्तरी अमरीका में 40 प्रतिशत वर्षा जल बांध बनाकर रोका गया है। जापान में 109 नदियों में से सिर्फ एक बची है, जिस पर कोई बांध नहीं है। सन् 1960 के बाद के दशक में हर साल दुनिया भर में 500 से अधिक नए बांधों का निर्माण शुरू किया जाने

लगा। वड़े वांध की जगह छोटे वांध ओर जगह-जगह तालाव, वावड़ियों और कुंओं का इंतजाम करना सिंचाई और पेयजल दोनों जरूरतों को पूरा करने का, साथ ही ऊर्जा की व्यवस्था का सवसे वेहतर तरीका है। धरती की करीव एक तिहाई जमीन शुष्क और अर्धशुष्क इलाकों ने घेरी हुई है, जो वर्षा पर निर्भर है। यहां किसान वारानी खेती करते हैं। जहां वारिश हो और वहां से जहां तक पानी वहकर जाए, वह वाटर शेड या जलागम क्षेत्र या जल संभर क्षेत्र कहा जाता है। भारत में कृषि क्षेत्र का 67 प्रतिशत वारानी है। अगर सिंचित क्षेत्र वढ़ाने की संभावना अर्जित कर ली जाए, तो भी आधा कृषि क्षेत्र वादलों की वाट जोहता मौसम का जुआ वना रहेगा। सन् 1994 की रपट के अनुसार छोटे अनाजों की खेती का 95 प्रतिशत क्षेत्र, दलहनों का 91 प्रतिशत क्षेत्र, तिलहनों का 80 प्रतिशत क्षेत्र, कपास का 65 प्रतिशत क्षेत्र और धान का 53 प्रतिशत कृषि क्षेत्र वारानी है। यहां किसान को साल में 75 दिन ही मिलते हैं, फसल उगाने के लिए। ज्यादातर किसान साल में एक ही फसल उगाते हैं।

मौसम की इस दगावाजी का असर खेती पर ही नहीं उद्योगों, ऊर्जा-संसाधनों और पेयजल स्कीमों सभी पर पड़ता है। पेयजल की आपूर्ति के लिए भारत सरकार ने सन् 1986 में राजीव गांधी राष्ट्रीय पेयजल मिशन वनाया था। सन् 1991 में इस तकनीकी मिशन का नाम वदलकर राष्ट्रीय पेयजल मिशन कर दिया गया। जल की कमी वाले 55 जिलों को चुनकर काम शुरू किया गया। पानी के स्त्रोतों का पता लगाने, पानी की गुणवत्ता की जांच और समस्याग्रस्त पानी को सुधारने के लिए अनेक उप मिशन वनाए गए। पांचवीं योजना के अंत तक लगभग 94,000 समस्याग्रस्त गांवों की पेयजल की आपूर्ति के लिए कम से कम एक हैंडपंप लगाया गया। छठी योजना तक इनमें से 1 लाख 92 हजार गांवों को कवर किया गया। फिर से सर्वेक्षण करने पर पता चला कि सातवीं योजना में कवर करने के लिए 1 अप्रैल 1985 के आंकड़ों के हिसाव से 1 लाख 62 हजार समस्याग्रस्त गांव थे।

पीने के पानी में भारत के अनेक इलाकों की अपनी-अपनी समस्याएं रही हैं। सन् अस्सी के वाद के दशक में पश्चिम वंगाल के आठ जिलों में भूजल में संखिया (आर्सेनिक) होने की शिकायत मिली। 10 राज्यों के 150 जिलों में और केन्द्र शासित दिल्ली प्रदेश में पेयजल में फ्लोराइड की समस्या का पता चला। उत्तर पूर्वी राज्यों के पानी में लोहा जरूरत से ज्यादा है। राजस्थान में गिनीवर्म की समस्या ने विकराल रूप ग्रहण कर लिया था। अंतिम समस्या से तो राष्ट्रीय पेय जल मिशन के तहत पूरी तरह निपट लिया गया है और देश गिनीवर्म से मुक्त हो गया है। पानी का खारापन दूर करने के भी 150 संयंत्र शुरू किए गए हैं। कुल 194 लगाये जाने हैं। फ्लोराइड हटाने की तकनीक खोज ली गई है जो नालगोंडा तकनीक के नाम से मशहूर हैं। पानी में से लोहा हटाने के 16316 संयंत्र स्वीकृत हुए थे, जिनमें से लगभग 10 हजार लग चुके हैं। पश्चिम वंगाल में भू-जल में से संखिया हटाने के लिए 1777 लाख 56 हजार रुपये की जलापूर्ति योजना चल रही है। स्वच्छ जल आपूर्ति पर अनुसंधान की 84 से अधिक अनुसंधान और विकास परियोजनाएं चल रही हैं, जिनमें 40 से अधिक संगठनों को शामिल किया गया है।

प्रमुख सिंचाई परियोजनायें

वार्गी परियोजना (मध्य प्रदेश): यह वहुउद्देशीय परियोजन है इसमें जवलपुर जिले में वार्गी नदी पर सोनरी वांध औ नहर है।

व्यास (हरियाणा, पंजाव और राजस्थान का संयुक्त उपक्रम) इसमें व्यास व सतलुज को जोड़ने के साथ पोंग में व्यास वांध सम्मिलत है।

गंडक (विहार व उत्तर प्रदेश का संयुक्त उपक्रम): इस परियोजना से नेपाल भी कृषि व विद्युत का लाभ उठाता है।

घाटप्रभा (कर्नाटक): वेलगांव व वीजापुर जिले के वीच घाटप्रभा पर एक परियोजना।

भद्रा (कर्नाटक): भद्रा नदी पर वहुउद्देशीय परियोजना।

भीम (महाराष्ट्र): इसमें दो वांध हैं एक पुणे जिले में फागने के निकट पवाना नदी पर व दूसरा शोलापुर जिले में उज्जैन के निकट कृष्णा नदी पर है।

चंवल (मध्य प्रदेश व विहार का संयुक्त उपक्रम): इस परियोजना में गांधी सागर वांध, राणा प्रताप सागर वांध और जवाहर सागर वांध हैं।

भाखड़ा नंगल (यह हरियाणा, पंजाव और राजस्थान का संयुक्त उपक्रम हे) : भारत का सवसे वड़ा वहुउद्देशीय नदी घाटी परियोजना।

इसमें भाखड़ा में सतलुज पर वांध एवं नांगल हायडल चैनल के साथ दो भाखड़ा वांध पर दो विद्युत गृह व गंगुवाल व कोटमा में दो विद्युत गृह हैं।

फरक्का (प. वंगाल): इस परियोजना को कलकत्ता वंदरगाह की देखभाल, संरक्षण और हुगली में नौपरिवहन में सुधार के लिये शुरू किया गया था। इसमें गंगा नदी में फरक्का पर वैरेज, भागीरथी पर वैरेज व जांगीपुर वैरेज के नीचे गंगा के पानी को भागीरथी में मिलाने के लिये चैनेल है।

हसदेव वांगो परियोजना (मध्य प्रदेश): यह हसदेव वांगो परियोजना का तीसरा चरण है। इसमें हसदेव नदी पर पत्थर का वांध वनाना है। इस परियोजना का पहला व दूसरा चरण पूरा हो चुका है।

दामोदर घाटी परियोजना (पं. वंगाल व विहार) : पश्चिम वंगाल व विहार में कृषि, वाढ़ को रोकने व विद्युत उत्पादन के लिये वहुउद्देशीय परियोजना। इसमें कोनार, तिलाइया, मैइथन और पंचेट में वहुउद्देशीय वांध हैं। जल विद्युत स्टेशन कोनार, तिलाइया, मैइथन और पंचेट में हैं। दुर्गापुर में वैरेज व वोकारो, चंद्रपुरा और दुर्गापुर में थर्मलपावर हाउसेज हैं। परियोजना का प्रशासन दामोदर घाटी निगम करता है।

हीराकुड (उड़ीसा): महानदी पर विश्व का सवसे वड़ा वांध वनाया गया है।

जयाकवाडी (महाराष्ट्र): गोदावरी नदी पर पत्थरों से वना वांध।

ककरापार (गुजरात): सुरत जिले में ककरापार के निकट ताप्ति नदी पर वांध।

कंगसावाटी (प. वंगाल): इस परियोजना में कंगसावाटी व कुमारी नदी पर वांध वनाने है।

कर्जन (गुजरात): भरूच जिले के नंदू तालुक के जीतगढ़ गांव के निकट कर्जन नदी पर पत्थर

कोसी (बिहार): बिहार व नेपाल के लिये बहुउद्देशीय परियोजना।

कृष्णा परियोजना (महाराष्ट्र): कृष्णा नदी पर ढोम गांव के निकट बांध व सतना जिले के कन्हार गांव के निकट वर्मा नदी पर बांध बनाना है।

कुकाडी परियोजना (महाराष्ट्र): पांच अलग संग्रहण बांध – योदगांव, मानिकदोही, दिम्भा, वादाज और पिंपलगांव जोग। नहर प्रणाली में हैं – कुकाडी, सिम्भा, दिम्भा, मीना फीडर और मीना ब्रांच।

लेफ्ट बैंक घाघरा कैनाल (उत्तर प्रदेश): गिरिजा बैराज से घाघरा नदी के बाईं तट से लिंक चैनल जो सरयू नदी को जोड़े।

मध्य गंगा नहर (उत्तर प्रदेश): बिजनौर जिले में गंगा नदी पर बैराज।

महानदी डेल्टा योजना (उड़ीसा): हीराकुड रिजर्ववायर से छोड़े गये पानी का कृषि के लिये उपयोग।

महानन्दी रिजर्ववायर परियोजना (मध्य प्रदेश): इसके तीन चरण हैं – 1. रविशंकर सागर परियोजना और भिलाई इस्पात संयत्र में जलापूर्ति के लिये फीडर कैनाल सिस्टम, 2. महानदी फीडर कैनाल का विस्तार, 3. पैरी बांध।

माही (गुजरात): यह परियोजना दो चरणों की है। एक वानकयोरी गांव के निकट माही नदी पर और कनादा गांव के निकट माही नदी पर बांध।

मालाप्रभा (कर्नाटक): बेलगांव जिले में मालप्रभा नदी पर बांध।

मयूराक्षी (प. बंगाल): कनाडा बांध से सिंचाई और जल विद्युत परियोजना।

नागार्जुनासागर (आंध्र प्रदेश): हैदराबाद से लगभग 44 [illegible] दूर नांदिकोना गांव में कृष्णा नदी पर बांध।

पनम (गुजरात): पंचमहल जिले में केलेडेजर गांव के निकट [illegible] नदी पर बांध।

परंबिकुलम अलियार (तमिलनाडु व केरल का संयुक्त उपक्रम): इस परियोजना में अन्नामलाई पाड़ियों की 6 व 2 मैदानी नदियों के पानी का कृषि के लिये उपयोग करना।

पोकमपाद (आंध्र प्रदेश): गोदावरी नदी पर बांध।

राजस्थान कैनाल (अब इंदिरा गांधी नहर) : 650 किलोमीटर लम्बी कैनाल पोंग बांध से छोड़े गये पानी को प्रयुक्त करती है और राजस्थान के पश्चिमी क्षेत्र में सिंचाई सुविधा उपलब्ध कराती है। इसमें राजस्थान फीडर कैनाल (पहले 167 किलोमीटर पंजाब व हरियाणा, शेष 37 किलोमीटर राजस्थान) मुख्य 445 किलोमीटर कैनाल राजस्थान में है।

रामगंगा (उत्तर प्रदेश): गढ़वाल जिले में गंगा नदी की सहायक नदी रामगंगा पर बांध का निर्माण। परियोजना में केंद्रीय व पश्चिमी उत्तर प्रदेश में बाढ़ के प्रकोप को कम करना और दिल्ली जलापूर्ति योजना में जल की आपूर्ति करना है।

साबरमती (गुजरात): मासाणा जिले में धारी गांव में साबरमती नदी पर संग्रहण बांध व अहमदाबाद के निकट वाश्रा बैरेज का निर्माण।

शारदा सहायक (उत्तर प्रदेश): इस परियोजना में घाघरा नदी पर बैराज, एक लिंक चैनल, शारदा नदी पर बैराजऔर एक फीडर कैनाल का निर्माण जो गोमती और साई नदियों कृत्रिम जल प्रयाण का कार्य करे।

सोन हाई लेवल कैनाल (बिहार): सोन बैराज परियोजना का विस्तार।

तावा (मध्य प्रदेश): होशंगाबाद जिले में नर्मदा की सहायक नदी तावा पर एक परियोजना।

टेहरी बांध (उत्तर प्रदेश): टेहरी जिले में भगीरथी नदी पर बांध।

थेन बांध (पंजाब): रावी नदी पर बांध और इसके पश्चिमी तट पर विद्युत संयत्र।

थुंगभद्रा (कर्नाटक व आंध्र प्रदेश का संयुक्त उपक्रम): थुंगभद्रा नदी पर परियोजना।

उकाई (गुजरात): उकाई गांव के निकट ताप्ती नदी पर बहुउद्देशीय परियोजना।

अपर कृष्णा (कर्नाटक): कृष्णा नदी पर नारायणपुर बांध पर परियोजना और अलमाट्टी बांध।

अपर पेनगंगा (महाराष्ट्र): यावतमल जिले में इसापुर के निकट पेनगंगा नदी पर दो रिजर्ववायर और परमानी जिले रायाधु नदी पर दूसरा।

शिक्षा

भारत ने पिछले पचास वर्षों में विशाल शिक्षा प्रणाली तैयार करके एक ऐसा वातावरण बनाया है जिसमें वैज्ञानिक व तकनीकी, मानवता विज्ञान, दार्शनिक और रचनात्मक कुशलता से समृद्ध युवक–युवतियां का समूह बना लिया है। आधुनिक शिक्षा प्रणाली केवल 140 वर्ष पुरानी है। वर्ष 1857 ब्रिटिश शासन काल में पहले तीन विश्वविद्यालयों – कलकत्ता, मद्रास व बाम्बे में स्थापना की गई थी। आज भारत में 250 से अधिक विश्वविद्यालय और इतने ही संस्थान हैं। उच्च शिक्षा में पंजीकृत छात्रों की संख्या लगभग 75 लाख से अधिक है और शिक्षकों की संख्या में भी काफी वृद्धि हुई है। शोध कार्य कर रहे हैं विद्यार्थियों की संख्या में भी बढ़ोत्तरी हुई है।

महिला साक्षरता

महिला पुरुष साक्षरता अनुपात एक चिंता का विषय है। 1997 में महिला साक्षरता दर 39.3% था जबकि पुरुष साक्षरता दर 64.1% थी। प्रांतों में भी महिला साक्षरता दर में विषमतायें हैं। केरल में महिला साक्षरता दर 86.2% है तो राजस्थान में 20.4% ही है। ऐसी ही विषमतायें पुरुष साक्षरता

दर में भी हैं। अनुसूचित जाति में 1991 से 2001 में लगभग 28.6% की वढ़ोत्तरी हुई है। 1991 में प्रतिशतता 21.4 थी जोकि 2001 में वढ़कर 28.6 हो गयी। महिलाओं में साक्षरता वढ़ाने के प्रयास किया जा रहे हैं।

प्राथमिक शिक्षा और महिलाएं

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 1986 की संशोधित कार्य योजना तथा आठवीं योजना में 21 वीं सदी के पूर्व 14 वर्ष की आयु के सभी वच्चों को निःशुल्क एवं अनिवार्य शिक्षा के निर्देशों के अनुसार प्राथमिक शिक्षा को महत्व दिया गया। इसमें निःशुल्क एवं अनिवार्य शिक्षा का संकल्प व्यक्त किया गया। 1979-80 में अनौपचारिक शिक्षा का कार्यक्रम शुरू किया गया। इसके अंतर्गत स्कूल छोड़ देने अथवा स्कूल न जा सकने वाली लड़कियों को और कामकाजी वच्चों को औपचारिक शिक्षा के समतुल्य शिक्षा दिलाना शामिल था।

प्राथमिक शिक्षा

इस दिशा काफी काम हुआ है। 1950-51 के 42.6% पंजीकरण की तुलना में वृद्धि 94.90% (1999) की हुई है। लेकिन यहां पर भी प्रांतो की दृष्टि से काफी विषमतायें हैं। प्रत्येक वच्चे के लिये निशुल्क एवं अनिवार्य शिक्षा का लक्ष्य रखा गया था। लेकिन आधी सदी वीत गयी है और यह अभी तक सपना ही है। आज प्राथमिक शिक्षा के प्रसार में चीन ने भारत को काफी पीछे छोड़ दिया है। 1993 में जारी युनेस्को की एक रिपोर्ट के अनुसार 87 विकासशील देशों में शिक्षा के क्षेत्र में भारत का स्थान पचासवां है। शिक्षा क्षेत्र के विशेषज्ञों का कहना है कि साक्षरता कार्यक्रम की असफलता का एक प्रमुख कारण यह है कि निर्धन परिवार अपने वच्चों को स्कूल भेजने के वजाये रोजगार में लगाना चाहता है।

साक्षरता प्रसार

1986 की राष्ट्रीय शिक्षा नीतिः प्राथमिक शिक्षा की सार्वजनिकता को उच्च प्राथमिकता दी गई ताकि 14 वर्ष तक के सभी वच्चों को आवश्यक कम से कम शिक्षा प्राप्त हो जाए। इसके लिए खंड विभाजित अभियान आरंभ हुआ जिसका नाम "व्लैक वोर्ड अभियान" है। इसका लक्ष्य प्राथमिक पाठशालाओं के वुनियादी ढांचे को उन्नत वनाना है। 1989-90 तक 383.09 करोड़ रु. इस योजना के अंतर्गत खर्च किये जा चुके हैं। 1995 तक 15 से 35 वर्ष आयु समूह के लोगों में 80 प्रतिशत साक्षरता को पाने के लिये 1988 में राष्ट्रीय साक्षरता प्राधिकरण की स्थापना की गयी थी (वर्तमान में राष्ट्रीय साक्षरता 52.11% है)। राष्ट्रीय शिक्षा नीति में मेधावी छात्रों के लिए आवासीय स्कूलों के खोलने का प्रावधान है। इन स्कूलों को नवोदय विद्यालय कहा जाता है।

माध्यमिक शिक्षा

अनेक राज्यों तथा संघ शासित क्षेत्रों में उच्च माध्यमिक स्तर तक निःशुल्क शिक्षा दी जाती है। गुजरात में लड़कियों के लिए वारहवीं कक्षा तक निःशुल्क शिक्षा है। हरियाणा में लड़कियों के लिए आठवीं कक्षा तक तथा मेघालय अ मिजोरम में छठी-सातवीं तक निःशुल्क शिक्षा उपलब्ध

माध्यमिक शिक्षा का व्यवसायीकरण

विद्यार्थियों को विना उच्च शिक्षा प्राप्त किए लाभका रोजगार मिलने के उद्देश्य से शिक्षा में सुधार के लिए गठि समय-समय पर विभिन्न समितियों एवं आयोगों ने माध्यमि स्तर पर ही शिक्षा में व्यवसायों की विविधता लाने पर व दिया। फरवरी, 1988 में माध्यमिक स्तर पर शिक्षा व्यावसायीकरण की एक योजना शुरू की गई। इस अंतर्गत केंद्रीय सरकार द्वारा 12,543 शिक्षा शाखा तथा 1,623 व्यावसायिक शिक्षा शाखाओं को सुविधा गई जिससे 0.81 लाख अतिरिक्त विद्यार्थी लाभान्वित होंगे

राष्ट्रीय मुक्त विद्यालय

अक्तूवर, 1990 में सरकार द्वारा पारित एक प्रस्ता राष्ट्रीय मुक्त विद्यालय द्वारा अपनी व्रिज, माध्यमिक/उच माध्यमिक परीक्षाएं आयोजित करने तथा प्रमाण-पत्र देने व अधिकार दिया गया। इसके द्वारा सुदूर शिक्षा के जरिए लाख लोगों को वैकल्पिक मुक्त शिक्षा मिलती है। इन विद्यालयों में पू देश के 2 लाख से अधिक विद्यार्थी नामांकित हैं।

केंद्रीय विद्यालय

1963 में शुरू की गई इस योजना का उद्देश्य स्थानांतरणी पदों पर काम करने वाले महिला-पुरुष कर्मचारियों एवं उनके वच्चों की शिक्षा की अनवरता एवं पूर्ति करना रहा है। सेंट्रल स्कूल या केंद्रीय विद्यालय खोलने की स्वीकृति भारत सरका ने सन् 1962 में दी। इसका उद्देश्य माध्यमिक विद्यालयों समान पाठ्क्रम समान शिक्षा माध्यम भाषा लागू करना है ज देशभर में एक रूप शिक्षा प्रदान कर सके। आरंभ में सन 63-64 शिक्षा वर्ष में 20 रेजिमेंटल स्कूलों को केंद्रीय विद्यालय के रूप में हस्तगत कर लिया गया। साथ ही केंद्रीय विद्यालय संगठन को वनाने और उन्हें संचालित रखने का काम दिया गया

इस वक्त देश में 729 केंद्रीय विद्यालय हैं। 52 औ विद्यालय खोले जाने का प्रस्ताव है।

केंद्रीय विद्यालय में आठवीं कक्षा तक पढ़ाई निशुल्क है ऊपर की कक्षाओं के लिए केंद्रीय/सरकार कर्मचारी/केंद्रीय लोक क्षेत्र उपक्रम/स्वायत्त संस्थायें आदि के लोगों के वच्चों के लिए ट्यूशन की फीस अभिभावकों के वेतन के हिसाव से तय है। जो वाहर के लोग है, उनके वच्चों के लिए शुल्क निश्चित है। अनुसूचित जाति/जनजाति के वच्चों और केंद्रीय विद्यालय के शिक्षकों अथवा दूसरे कर्मचारियों के वच्चों से किसी कक्षा में शुल्क नहीं लिया जाता।

इसके अतिरिक्त अनेक योजनाएं हैं जिनमें:

(1) शैक्षिक टैक्नोलोजी कार्यक्रम
(2) विद्यालयों में विज्ञान-शिक्षा में सुधार
(3) स्कूली शिक्षा को पर्यावरणोन्मुख वनाना
(4) विद्यालयों में कंप्यूटर शिक्षा
(5) राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान अ
(6) विश्वविद्यालय तथा उच्च शि

नवोदय विद्यालय

यह भी शिक्षा का एक रूप है जो भारत सरकार ने उन स्थानों के प्रतिभाशाली छात्रों के लिए विशेष रूप से शुरू की है जहां गांवों की मात्रा अधिक हो। इसके अंतर्गत लक्ष्य यह है कि प्रत्येक जिले में एक के औसत से नवोदय विद्यालय स्थापित किए जाएंगे।

लड़के	लड़कियां	ग्रामीण	शहरी	कुल
68.390	27.511	74.398	21.503	95.901
71%	29%	78%	22%	11%

राष्ट्रीय जनसंख्या शिक्षा परियोजना

स्कूल-कालेजों के छात्रों और वयस्कों को परिवार-नियोजन एवं जनसंख्या-शिक्षा का संदेश आज की अनिवार्यता है। इसी संदर्भ में इस योजना को तीन माध्यमों से क्रियान्वित किया जा रहा है :

(क) विद्यालय एवं अनौपचारिक शिक्षा
(ख) कालेज तथा
(ग) वयस्क शिक्षा

वर्तमान में यह योजना 29 राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों में चल रही है।

अनुसूचित जातियों एवं जनजातियों की शिक्षा

1990-91 में डा. अम्बेडकर की जन्म शताब्दी पर प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में यह कार्यक्रम शुरू किया गया, जिसमें शिक्षित अनुसूचित जातियों एवं जनजातियों के लोगों रोजगार देने एवं आरक्षण कोटो को कार्यान्वित करने भी ज़ोर दिया गया।

९ का नामांकन

महिलाओं की शिक्षा में भागीदारी को बढ़ाने के प्रत्येक संभव उपाय किए गए। इसके अंतर्गत उठाए गए विशेष कदम जैसे आपरेशन ब्लैकबोर्ड के लिए 1987-88 में प्राथमिक विद्यालयों के लिए शिक्षकों के 1,22,890 पदों के सृजन के लिए सरकार ने सहायता दी जिनमें मुख्यतः महिलाओं को ही रखने की योजना है। अद्यतन सूचना के अनुसार 69,926 भरे गए पदों में ।

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद की स्थापना 1 सितंबर, 1961 को हुई । इसका पंजीकरण सोसाइटी अधिनियम 1860 के अंतर्गत हुआ । इस संस्थान का मुख्य उद्देश्य शिक्षा का कार्यान्वयन और विशेषकर स्कूली शिक्षा के क्षेत्र में शिक्षा एवं संस्कृति मंत्रालय की नीतियों और प्रमुख कार्यक्रमों में परामर्श और सहायता देना रखा गया ।

परिषद के जो बहुमुखी क्रियाकलाप हैं उनमें एक उल्लेखनीय क्रियाकलाप केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के सहयोग-संबंध से माध्यमिक स्कूलों के पाठ्यक्रम और पाठ्यपुस्तकों के संशोधनों का काम है ।

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड

हाईस्कूल और इंटर मीडियट शिक्षा बोर्ड राजपूताना की, जिसमें अजमेर, मेवाड़ मध्य-भारत और ग्वालियर आते थे की स्थापना भारत सरकार के एक प्रस्ताव द्वारा सन् 1929 में की गई थी । सन् 1952 में इस बोर्ड को केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड में परिवर्तित कर दिया गया। इस बोर्ड से समेकित स्कूल देश के हर भाग में तथा विदेश में भी है जिससे बोर्ड को स्कूल शिक्षा के क्षेत्र में गर्व का स्थान प्राप्त है । ऐसे स्कूलों से अपेक्षा की जाती है कि वे भाषायी और राज्य की सीमा संबंधी बंधनों से ऊपर एक रूप स्कूल शिक्षा प्रदान करें । निहित उद्देश्य यह है कि छात्रों के अंतर-राज्य संचरण से राष्ट्रीय एकता बढ़े । इसकी वजह से जिन बच्चों के अभिभावकों की बदली होती रहती है, उनकी पढ़ाई में भी कोई व्यवधान नहीं पड़ता ।

परिषद ने सन् 1979 से 'खुला विद्यालय' की भी स्थापना की है जिसका लक्ष्य देश में दूरस्थ शिक्षा देना है। दूरस्थ शिक्षा तकनीकों द्वारा माध्यमिक स्तर की शिक्षा दी जाती है जिसके लिए मुद्रित सामग्री निजी संपर्क कार्यक्रम तथा अन्य सहायक सेवायें दी जाती है । सन 82-83 से 'खुला विद्यालय' परिषद के माध्यमिक स्कूल सर्टिफिकेट की परीक्षायें ले रहा है ।

केंद्रीय विश्वविद्यालय

उच्चतर शिक्षा का समन्वय और मानक निर्धारण विषय संघ-सूची में है और इस तरह यह केंद्र सरकार का विशेष उत्तरदायित्व है । इस उत्तरदायित्व का निर्वाह मुख्य रूप से विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के माध्यम से किया जाता है। इस आयोग की स्थापना संसद अधिनियम के अधीन अभी 11 विश्वविद्यालय कार्यरत हैं जिन्हें केंद्रीय विश्वविद्यालय कहा जाता है । केंद्र सरकार ने इसके अतिरिक्त ऐसी एजेंसियां भी स्थापित की हैं जो विशिष्ट क्षेत्रों में अनुसंधान प्रयासों की प्रोन्नति और समन्वय का काम करें । इस वक्त देश में ऐसी चार एजेंसियां है : भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद, भारतीय ऐतिहासिक अनुसंधान परिषद, भारतीय दर्शन अनुसंधान परिषद और भारतीय उन्नत अध्ययन संस्थान ।

11 केंद्रीय विश्वविद्यालय ये हैं:- अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय (अलीगढ़), दिल्ली विश्वविद्यालय (दिल्ली), हैदराबाद विश्वविद्यालय (हैदराबाद), जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (नई दिल्ली), इंदिरा गांधी खुला विश्वविद्यालय (नई दिल्ली), उत्तरी-पूर्वी पर्वत विश्वविद्यालय (शिलांग), विश्वभारती शांतिनिकेतन, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय (वाराणसी), पांडिचेरी विश्वविद्यालय (पांडिचेरी), असम विश्वविद्यालय (सिलचर) और तेजपुर एंड नागालैंड विश्वविद्यालय; खड़गपुर, बंबई, मद्रास, कानपुर और दिल्ली में पांच भारतीय टेक्नालाजी संस्थान की स्थापना इंजीनियरी और प्रयुक्त विज्ञान में शिक्षा और प्रशिक्षण के प्रारंभिक केंद्रों के रूप में की गई । उद्देश्य यह भी था कि स्नातकोत्तर/ अध्ययन और अनुसंधान में भी इनसे पर्याप्त सुविधा मिले । इन संस्थानों में इंजीनियरी और टेक्नालाजी के विभिन्न क्षेत्रों में अंडर-ग्रेजुएट कार्यक्रम चलाये जाते है, जिसके बाद स्नातक-डिग्री दी जाती है । इन संस्थानों में भौतिकी,

रक्षा

विगत वर्ष में भारतीय रक्षा सेनायें जनमानस के पटल पर छाई रही। मई महीने में पोखरण में नाभिकीय विस्फोटों के बाद भारत विश्व की सार्वजनिक तौर पर परमाणु शक्ति बन गया। और इसी वर्ष काश्मीर की कारगिल पहाड़ियों पर पाकिस्तानी सेना की घुसपैठ को भारतीय सेना ने विपरीत परिस्थितियों के बावजूद जिस शौर्य से वापस फेंका वह अपने आप में एक मिसाल बन गई है। लेकिन कारगिल जो कि एक युद्ध ही था ने भारतीय सेना को आयुद्धों की आपूर्ति पर एक प्रश्न चिन्ह लगा दिया है जिस पर सोचना बहुत जरूरी है। दुर्गम चौकियों को पाकिस्तानी सेना से छुड़ाने के लिये बोफोर्स तोपें बहुत उपयोगी साबित हुईं, लेकिन राजनीतिक कारणों से इन तोपों के कलपुर्जे और गोला बारूद की कमी महसूस की गई। इस युद्ध में भारतीय वायु सेना ने भी अपना पूरा कौशल दिखाया, लेकिन यहां पर भी उन्नत प्रौद्योगिकी की कमी महसूस की गई।

जैसा कि माना जा रहा था कि परमाणु शक्ति बन जाने से देश की सुरक्षा पूरी हो गई। लेकिन कारगिल युद्ध से साबित हो गया कि छोटी लड़ाइयों में इनका उपयोग नहीं है। अपनी विशाल सीमा को देखते हुए देश को सीमा पर दुश्मनों के जमाव की छानबीन और निगरानी तकनीक में पूर्ण दक्षता प्राप्त करनी होगी ; भविष्य में रक्षात्मकता व आक्रामकता में तेजी लानी होगी हमारे जवानों का खून कम से कम बहे। इसके लिये रात्रि , स्मार्ट बम, इलेक्ट्रानिक युद्ध प्रणाली, निगरानी रखने , अवाक्स, जामिंग तकनीक एंटी मिसाइल तकनीक अपनाना जरूरी हो गया है। थल सेना, वायु सेना व के लिये पृथ्वी मिसाइल का सफल परीक्षण देश के गर्व का विषय है। अग्नि मिसाइल –2 श्रृंखला कार्यक्रम हरी झंडी मिलना एक सुखद संकेत है।

.सी.ए.

एल.सी.ए. आठ टन का बहुउद्देशीय लड़ाकू विमान है। नवंबर ' को भारत का प्रथम स्वदेश में बना लड़ाकू विमान बाहर लाया ।। इसको इस प्रकार बनाया गया है कि यह तेजी से प्रहार : सके, शीघ्रता से गति पकड़ सके और रनवे पर अच्छा र्शन कर सकने के साथ अधिक वजन के सैन्यास्त्र ले जा ।। यह एक सेकेंड में 20 डिग्री तक का घुमाव ले सकता और 600 किमी के कंबैट क्षेत्र में वायु युद्ध कर सकता है। .सी.ए की 4000 कि.ग्रा. भार उठाने की क्षमता है जो कि I–21 से दुगनी है। 1990 में इसके विकसित करने में)0,000 करोड़ रु. का खर्चा हुआ था। सन् 2002 में सेना में शामिल कर किया जायेगा।

वेरी

'कावेरी' इंजिन अब जबकि अगले साल के शुरू में हलका ड़ाकू विमान (एल.सी.ए.) पहली परीक्षण उड़ान के लिए तैयार किया जा रहा है इस विमान में लगाए जाने वाला भारतीय इंजन 'कावेरी' भी अब बनकर तैयार है और इनके अंतिम परीक्षण के लिए इसे रूस या इस्राइल के 'टेस्ट बेड' पर ले जाया जाएगा। इस परीक्षण के लिए दोनों देशों की कंपनियों से बातचीत चल रही है। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन के सूत्रों के अनुसार इस परीक्षण के लिए चालीस से पचास करोड़ रूपए का खर्च हो सकता है। एल.सी.ए. की पहला परीक्षण अमरीकी जनरल इलेक्ट्रिक कंपनी के इंजन पर ही हो रही है और इस तरह के ग्यारह इंजन भारत ने आयात कर लिया है। इन इंजनों पर एल.सी.ए. के ढांचा और मशीन को लगाकर ही एल.सी.ए. को प्रमाणिक बताया जा सकता है इसलिए भारत ने शुरू में अमरीकी कंपनी की यह मदद ली है।

आवाज से अधिक गति से उड़ने वाले किसी विमान के इंजन का भारत में ही विकास एक उल्लेखनीय तकनीकी उपलब्धि है और विकासशील देशों में ऐसा इंजन बनाने वाला भारत पहला देश होगा। कावेरी इंजन के अबतक तीन नमूने बनाए जा चुके हैं जिनका हिन्दुस्तान एरोनाटिक्स लि. के विभिन्न 'टेस्ट बेड़ो' (इंजन परीक्षण केन्द्र) में परीक्षण कार्य तीन सप्ताह पहले ही पूरा किया गया है। इस इंजिन का विकास बेंगलूर स्थित गैस टरबाईन रिसर्च इस्टैब्लिशमेंट (जी.टी.आर.ई.) में किया गया है। रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन के एक सूत्र के अनुसार कावेरी इंजन को 75 घंटे तक चला कर देखा गया है और इसके बाद इस इंजन को पूरी तरह खोलकर देखा गया है। इंजन की इस जांच के बाद इंजीनियरों को इंजन के किसी भी कलपुर्जे में कोई घिसावट या टूटफूट नहीं दिखायी पड़ी जिससे इंजीनियर कावेरी इंजन की संरचना व डिजाइन को लेकर काफी संतुष्ट हैं।

'जी.टी.एक्स.–35 वी.एस.' तकनीकी नाम से ज्ञात कावेरी इंजन का माडल वास्तव में अमरीकी जीई–404 पर ही बनाया गया है। लेकिन कावेरी इंजन की एक खासियत यह होगी कि इसे दक्षिण एशिया के मौसम के अनुकूल ही विकसित किया गया है। भारतीय उपहाद्वीप में एक ही समय में कहीं तापमान शून्य से 50 डिग्री अधिक या शून्य से तीस डिग्री कम या शतप्रतिशत आद्रता हो सकती है।

रक्षा अनुसंधान एवं शोध संगठन के एक सूत्र के अनुसार कावेरी इंजन से 18 हजार पौंड का दबाव पैदा किया जा सकता है जिससे एल.सी.ए. 8500 किलोग्राम का ईंधन व हथियार ढो सकता है। यह इंजन एल.सी.ए. को प्रति सेकंड 13 से 17 डिग्री की दर से घुमाव दे सकता है और साथ ही 12 सौ किलोमीटर प्रतिघंटा की गति भी हासिल कर सकता है।

पृथ्वी

कम दूरी की सतह से सतह मिसाइल 'पृथ्वी' को सेना को सौंप दिया गया है । सेना ने जून 1994 में इसका सफल परीक्षण किया ।

मिसाइल को पश्चिमी मोर्चे पर स्थापित कर दिया गया जहां से यह पाकिस्तान की हार्फ–1 और हाट्प–2 मिसाइलों का सामना कर सकती है ।

अग्नि

सेना ने 6 जून 1994 को उड़ीसा बालासौर के निकट चांदीपुर से अग्नि मिसाइल के समुद्र में परीक्षण किये। 8.5 मीटर की मिसाइल को गतिशील प्रक्षेपक से 11.07 बजे प्रक्षेपित किया गया, इसने बंगाल की खाड़ी में 150 कि.मी. दूर पूर्व निर्धारित लक्ष्य को 287 सेकेंड में भेजा ।

भारत के पास दो रक्षात्मक मिसाइलें हैं –'आकाश' और 'त्रिशूल' । इन्हें सेना को सौंपा जा चुका है ।

मध्यम दूरी की मिसाइल पृथ्वी की मारक परिधि 250 किलो मीटर है और इसके शस्त्रमुख पर 500 किलोग्राम विस्फोटक सामग्री रखी जा सकती है ।

अन्तर माध्यमिक दूरी की सामरिक मिसाइल 'अग्नि' एक हजार किलोग्राम विस्फोटक सामग्री के साथ 2500 किलोमीटर तक मार कर सकती है । इस पर पारम्परिक' रासायनिक या आणविक हथियार तैनात किये जा सकते हैं।

'अग्नि' दो चरणों की मिसाइल है । इसके पहले चरण में एस.एल.वी.–3 की भांति ठोस राकेट का प्रयोग किया गया है, जबकि दूसरे चरण में पृथ्वी मिसाइल के तरल प्रणोदुक मोटर पद्धति का उपयोग किया गया है । वायुमंडल में पुनः प्रवेश के दौरान मिसाइल का शस्त्रमुख जल कर नष्ट न हो जाये, इसके लिए 'अग्नि' के शस्त्रमुख पर एक विशेष प्रकार का आवरण होता है । इसे पूरी तरह स्वदेश में विकसित किया गया है ।

'अग्नि' की पहली परीक्षण उड़ान 1989 में की गयी थी, जो सफल रही । मिसाइल ने करीब एक हजार किलोमीटर तक उड़ान भरी ।

इसका दूसरा परीक्षण उड़ान 1992 में किया, मगर दूसरे चरण के मोटर के ठीक से काम न करने के कारण यह परीक्षण विफल रहा ।

अग्नि' के परीक्षण पर पश्चिमी जगत की तीखी प्रतिक्रिया को देखते हुए भारत ने स्पष्ट किया था कि वह अग्नि पर आणविक अस्त्र तैनात नहीं करेगा । इससे ये अटकलें तेज हो गयी थीं कि इस पर पारम्परिक या रासायनिक हथियार तैनात किये जायेंगे । मगर इसके लिए टर्मिनल गाइडेंस सिस्टम का सटीक होना जरूरी है ।

अर्जुन टैंक

भारतीय सेना का आयुद्ध टैंक अर्जुन में आयातित जर्मनी डीजल इंजन लगा हुआ है और यह युद्ध के मैदान में 72 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से दौड़ सकता है। इसमें लेजर रेंज फाइंडर, कंप्यूट्रीकृत फायरिंग प्रणाली और तोप के साथ 12.7 एम.एम. मशीनगल से लैस है। टैंकों को इस स्वचलित प्रणाली से लैस कर दिया गया है। यह प्रणाली अग्नि अनुसंधान रक्षा संस्थान में विकसित की गई है । टी–72 टैंकों में भी यह प्रणाली शुरू की जाएगी ।

पिनाका

भारत में स्वदेशी तकनीक पर विकसित वहुनाली राकेट प्रक्षेपक (मल्टी बैरल राकेट लांचर) का सफल परीक्षण किया गया है । 'पिनाका' नामक इन राकेट प्रणाली का यह 14 वां सफल परीक्षण था । रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डी.आर.डी.ओ.) द्वारा विकसित यह राकेट प्रणाली 40 किलोमीटर दूर तक गोलाबारी कर सकती है । यह प्रणाली लंबी मारक दूरी वाली तोपों की सहायक भूमिका में दुश्मन व सैन्य जमाव पर मैदानी बमवर्षा के काम आयेगी ।

पिनाका 'राकेट प्रक्षेपक' में ठोस प्रणोदक वाले 14 राकेट लगे हैं । इसे आठ पहियों वाले टाटा वाहन पर रखा है, जिससे यह राकेट प्रक्षेपक शीघ्र ही आवश्यक स्थान पर ले जाया जा सकता है । इसके राकेट में विस्फोटक छोटे–छोटे टुकड़ों में भरे जा सकते हैं जो किसी स्थान पर बमों की वर्षा जैसी स्थिति पैदा कर सकते हैं। इनके राकेट में ऐसे ज्वलनशील विस्फोटक भी भरे जा सकते हैं जो निर्धारित स्थान के ऊपर जलते हुए गिरेंगे ।

पिनाका का विकास पुणे स्थित शस्त्र शोध एवं विकास प्रतिष्ठान की कुशल देखरेख में किया जा रहा है । इसके विकास में विस्फोटक शोध एवं विकास प्रयोगशाला (ई.आर.डी.एल.) इलेक्ट्रानिक्स शोध एवं विकास प्रतिष्ठान (एल.आर.डी.ई.) तथा टर्मिनल बैलिस्टिक रिसर्च सेंटर का सहयोग लिया गया है ।

पुरुष प्रधान भारतीय सेना में महिलाओं का सेना के तीनों अंगों – थल सेना, वायू सेना और जलसेना में प्रवेश एक बड़े कीर्तिमान की प्राप्ति है ।

पूरे एशिया में भारतीय जल सेना को महिलाओं की नियुक्ति करने का गौरव प्राप्त है । 22 महिला अधिकारियों के पहले दल ने कार्यकारी शाखा में प्रवेश कर लिया है ।

थल सेना में 25 महिलाओं के पहले दल को प्रशिक्षित करके सम्मिलित किया गया है ।

वायु सेना में 12 महिलाओं को पायलट आफिसर पद दिया गया है ।

वायुसेना में नवीन तकनीकी विकास से सांमजस्य रखने के लिये और इस बात को ध्यान में रखते हुए कि सीमित संसाधनों के कारण आधुनिक शस्त्र तकनीक निम्नतम व्यय से प्राप्त करनी है। अनुसंधान कार्य जारी है ।

रक्षा वैज्ञानिकों ने इंटीग्रेटेड गाइडेड मिसाइल डेवलपमेंट कार्यक्रम के अंतर्गत बहुआयामी आर्मी रडार को विकसित किया है । यह रडार इलेक्ट्रानिकली नियंत्रित एंटीना से संयुक्त है । इसकी क्षमता निगरानी रखने व लक्ष्य निर्धारित करने में अद्भुत है । यह एक बार में 100 लक्ष्य निर्धारित कर सकता है ।

संगठन

भारत की रक्षा सेनाओं का सर्वोच्च कमान्डर भारत का राष्ट्रपति है । किन्तु देश की जिम्मेदारी मंत्रिमंडल की है। रक्षा से सम्बन्धित सभी महत्वपूर्ण मामलों का फैसला राजनतिक कार्यो संबंधी मंत्रिमंडल समिति (कैबिनेट कमेटी ऑन पोलिटिकल अफेयर्स) करती है, जिस [illegible]

रक्षा

विगत वर्ष में भारतीय रक्षा सेनायें जनमानस के पटल पर छाई रही। मई महीने में पोखरण में नाभिकीय विस्फोटों के वाद भारत विश्व की सार्वजनिक तौर पर परमाणु शक्ति वन गया। और इसी वर्ष काश्मीर की कारगिल पहाड़ियों पर पाकिस्तानी सेना की घुसपैठ को भारतीय सेना ने विपरीत परिस्थितियों के वावजूद जिस शौर्य से वापस फेंका वह अपने आप में एक मिसाल वन गई है। लेकिन कारगिल जो कि एक युद्ध ही था ने भारतीय सेना को आयुद्धों की आपूर्ति पर एक प्रश्न चिन्ह लगा दिया है जिस पर सोचना वहुत जरूरी है। दुर्गम चौकियों को पाकिस्तानी सेना से छुड़ाने के लिये वोफोर्स तोपें वहुत उपयोगी सावित हुई, लेकिन राजनीतिक कारणों से इन तोपों के कलपुर्जे और गोला वारूद की कमी महसूस की गई। इस युद्ध में भारतीय वायु सेना ने भी अपना पूरा कौशल दिखाया, लेकिन यहां पर भी उन्नत प्रौद्योगिकी की कमी महसूस की गई।

जैसा कि माना जा रहा था कि परमाणु शक्ति वन जाने से देश की सुरक्षा पूरी हो गई। लेकिन कारगिल युद्ध से सावित हो गया कि छोटी लड़ाइयों में इनका उपयोग नहीं है। अपनी विशाल सीमा को देखते हुए देश को सीमा पर दुश्मनों के जमाव की छानवीन और निगरानी तकनीक में पूर्ण दक्षता प्राप्त करनी होगी और भविष्य में रक्षात्मकता व आक्रामकता में तेजी लानी होगी जिससे हमारे जवानों का खून कम से कम वहे। इसके लिये रात्रि ..., स्मार्ट वम, इलेक्ट्रानिक युद्ध प्रणाली, निगरानी रखने ..., अवाक्स, जामिंग तकनीक एंटी मिसाइल तकनीक ... अपनाना जरूरी हो गया है। थल सेना, वायु सेना व ...ना के लिये पृथ्वी मिसाइल का सफल परीक्षण देश के ... गर्व का विषय है। अग्नि मिसाइल –2 श्रृंखला कार्यक्रम ... हरी झंडी मिलना एक सुखद संकेत है।

ल.सी.ए.

एल.सी.ए. आठ टन का वहुउद्देशीय लड़ाकू विमान है। नवंवर 17 को भारत का प्रथम स्वदेश में वना लड़ाकू विमान वाहर लाया गया। इसको इस प्रकार वनाया गया है कि यह तेजी से प्रहार कर सके, शीघ्रता से गति पकड़ सके और रनवे पर अच्छा प्रदर्शन कर सकने के साथ अधिक वजन के सैन्यास्त्र ले जा सके। यह एक सेकेंड में 20 डिग्री तक का घुमाव ले सकता है और 600 किमी के कंवैट क्षेत्र में वायु युद्ध कर सकता है। एल.सी.ए की 4000 कि.ग्रा. भार उठाने की क्षमता है जो कि मिग–21 से दुगनी है। 1990 में इसके विकसित करने में 100,000 करोड़ रु. का खर्चा हुआ था। सन् 2002 में इसे सेना में शामिल कर किया जायेगा।

कावेरी

'कावेरी इजिन अव जवकि अगले साल के शुरू में हलका लड़ाकू विमान (एल.सी.ए.) पहली परीक्षण उड़ान के लिए तैयार किया जा रहा है इस विमान में लगाए जाने वाला भारतीय इंजन 'कावेरी' भी अव वनकर तैयार है और इसके अंतिम परीक्षण के लिए इसे रूस या इस्राइल के 'टेस्ट वेड' पर ले जाया जाएगा। इस परीक्षण के लिए दोनों देशों की कंपनियों से वातचीत चल रही है। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन के सूत्रों के अनुसार इस परीक्षण के लिए चालीस से पचास करोड़ रूपए का खर्च हो सकता है। एल.सी.ए. की पहला परीक्षण अमरीकी जनरल इलेक्ट्रिक कंपनी के इंजन पर ही हो रही है और इस तरह के ग्यारह इंजन भारत ने आयात कर लिया है। इन इंजनों पर एल.सी.ए. के ढांचा और मशीन को लगाकर ही एल.सी.ए. को प्रमाणिक वताया जा सकता है इसलिए भारत ने शुरू में अमरीकी कंपनी की यह मदद ली है।

आवाज से अधिक गति से उड़ने वाले किसी विमान के इंजन का भारत में ही विकास एक उल्लेखनीय तकनीकी उपलब्धि है और विकासशील देशों में ऐसा इंजन वनाने वाला भारत पहला देश होगा। कावेरी इंजन के अवतक तीन नमूने वनाए जा चुके हैं जिनका हिन्दुस्तान एरोनाटिक्स लि. के विभिन्न 'टेस्ट वेड़ों' (इंजन परीक्षण केन्द्र) में परीक्षण कार्य तीन सप्ताह पहले ही पूरा किया गया है। इस इंजिन का विकास वेंगलूर स्थित गैस टरवाईन रिसर्च इस्टेब्लिश्मेंट (जी.टी.आर.ई.) में किया गया है। रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन के एक सूत्र के अनुसार कावेरी इंजन को 75 घंटे तक चला कर देखा गया है और इसके वाद इस इंजन को पूरी तरह खोलकर देखा गया है। इंजन की इस जांच के वाद इंजीनियरों को इंजन के किसी भी कलपुर्जे में कोई घिसावट या टूटफूट नहीं दिखायी पड़ी जिससे इंजीनियर कावेरी इंजन की संरचना व डिजाइन को लेकर काफी संतुष्ट हैं।

'जी.टी.एक्स.–35 वी.एस.' तकनीकी नाम से ज्ञात कावेरी इंजन का माडल वास्तव में अमरीकी जीई–404 पर ही वनाया गया है। लेकिन कावेरी इंजन की एक खासियत यह होगी कि इसे दक्षिण एशिया के मौसम के अनुकूल ही विकसित किया गया है। भारतीय उपमहाद्वीप में एक ही समय में कहीं तापमान शून्य से 50 डिग्री अधिक या शून्य से तीस डिग्री कम या शतप्रतिशत आद्रता हो सकती हे।

रक्षा अनुसंधान एवं शोध संगठन के एक सूत्र के अनुसार कावेरी इंजन से 18 हजार पौंड का दवाव पैदा किया जा सकता है जिससे एल.सी.ए. 8500 किलोग्राम का ईंधन व हथियार ढो सकता है। यह इंजन एल.सी.ए. को प्रति सेकंड 13 से ... डिग्री की दर से घुमाव दे सकता है और साथ ही 12... किलोमीटर प्रतिघंटा की गति भी हासिल कर सकता है।

पृथ्वी

कम दूरी की सतह से सतह मिसाइल 'पृथ्वी' को सेना को सौंप दिया गया है। सेना ने जून 1994 में इसका स... परीक्षण किया।

मिसाइल को पश्चिमी मोर्चे पर स्थापित कर दिया गया जहां से यह पाकिस्तान की हार्फ–1 और हाट्फ–2 मिसाइलों का सामना कर सकती है ।

अग्नि

सेना ने 6 जून 1994 को उड़ीसा बालासौर के निकट चांदीपुर से अग्नि मिसाइल के समुद्र में परीक्षण किये। 8.5 मीटर की मिसाइल को गतिशील प्रक्षेपक से 11.07 बजे प्रक्षेपित किया गया, इसने बंगाल की खाड़ी में 150 कि.मी. दूर पूर्व निर्धारित लक्ष्य को 287 सेकेंड में भेजा ।

भारत के पास दो रक्षात्मक मिसाइलें हैं – 'आकाश' और 'त्रिशूल' । इन्हें सेना को सौंपा जा चुका है ।

मध्यम दूरी की मिसाइल पृथ्वी की मारक परिधि 250 किलो मीटर है और इसके शस्त्रमुख पर 500 किलोग्राम विस्फोटक सामग्री रखी जा सकती है ।

अन्तर माध्यमिक दूरी की सामरिक मिसाइल 'अग्नि' एक हजार किलोग्राम विस्फोटक सामग्री के साथ 2500 किलोमीटर तक मार कर सकती है । इस पर पारम्परिक' रासायनिक या आणविक हथियार तैनात किये जा सकते हैं।

'अग्नि' दो चरणों की मिसाइल है । इसके पहले चरण में एस.एल.वी.–3 की भांति ठोस राकेट का प्रयोग किया गया है, जबकि दूसरे चरण में पृथ्वी मिसाइल के तरल प्रणोदुक मोटर पद्धति का उपयोग किया गया है । वायुमंडल में पुनः प्रवेश के दौरान मिसाइल का शस्त्रमुख जल कर नष्ट न हो जाये, इसके लिए 'अग्नि' के शस्त्रमुख पर एक विशेष प्रकार का आवरण होता है । इसे पूरी तरह स्वदेश में विकसित किया गया है ।

'अग्नि' की पहली परीक्षण उड़ान 1989 में की गयी थी, जो सफल रही । मिसाइल ने करीब एक हजार किलोमीटर तक उड़ान भरी ।

इसका दूसरा परीक्षण उड़ान 1992 में किया, मगर दूसरे चरण के मोटर के ठीक से काम न करने के कारण यह परीक्षण विफल रहा ।

अग्नि' के परीक्षण पर पश्चिमी जगत की तीखी प्रतिक्रिया को देखते हुए भारत ने स्पष्ट किया था कि वह अग्नि पर आणविक अस्त्र तैनात नहीं करेगा । इससे ये अटकलें तेज हो गयी थीं कि इस पर पारम्परिक या रासायनिक हथियार तैनात किये जायेंगे । मगर इसके लिए टर्मिनल गाइडेंस सिस्टम का सटीक होना जरूरी है ।

अर्जुन टैंक

भारतीय सेना का आयुद्ध टैंक अर्जुन में आयातित जर्मनी डीजल इंजन लगा हुआ है और यह युद्ध के मैदान में 72 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से दौड़ सकता है। इसमें लेजर रेंज फाइंडर, कंप्यूट्रीकृत फायरिंग प्रणाली और तोप के साथ 12.7 एम.एम. मशीनगल से लैस है। टैंकों को इस स्वचलित प्रणाली से लैस कर दिया गया है। यह प्रणाली अग्नि अनुसंधान रक्षा संस्थान में विकसित की गई है । टी–72 टैंकों में भी यह प्रणाली शुरू की जाएगी ।

पिनाका

भारत में स्वदेशी तकनीक पर विकसित बहुनाली राकेट प्रक्षेपक (मल्टी बैरल राकेट लांचर) का सफल परीक्षण किया गया है । 'पिनाका' नामक इन राकेट प्रणाली का यह 14 वां सफल परीक्षण था । रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डी.आर.डी.ओ.) द्वारा विकसित यह राकेट पणाली 40 किलोमीटर दूर तक गोलाबारी कर सकती है । यह प्रणाली लंबी मारक दूरी वाली तोपों की सहायक भूमिका में दुश्मन व सैन्य जमाव पर मैदानी बमवर्षा के काम आयेगी ।

पिनाका 'राकेट प्रक्षेपक' में ठोस प्रणोदक वाले 14 राकेट लगे हैं । इसे आठ पहियों वाले टाटा वाहन पर रखा है, जिससे यह राकेट प्रक्षेपक शीघ्र ही आवश्यक स्थान पर ले जाया जा सकता है । इसके राकेट में विस्फोटक छोटे–छोटे टुकड़ों में भरे जा सकते हैं जो किसी स्थान पर बमों की वर्षा जैसी स्थिति पैदा कर सकते हैं। इनके राकेट में ऐसे ज्वलनशील विस्फोटक भी भरे जा सकते हैं जो निर्धारित स्थान के ऊपर जलते हुए गिरेंगे ।

पिनाका का विकास पुणे स्थित शस्त्र शोध एवं विकास प्रतिष्ठान की कुशल देखरेख में किया जा रहा है । इसके विकास में विस्फोटक शोध एवं विकास प्रयोगशाला (ई.आर.डी.एल.) इलेक्ट्रानिक्स शोध एवं विकास प्रतिष्ठान (एल.आर.डी.ई.) तथा टर्मिनल बैलिस्टिक रिसर्च सेंटर का सहयोग लिया गया है ।

पुरुष प्रधान भारतीय सेना ने महिलाओं का सेना के तीनों अंगों – थल सेना, वायु सेना और जलसेना में प्रवेश एक बड़े कीर्तिमान [illegible] है

पूरे [illegible] में [illegible] महिला [illegible] नियुक्ति करने [illegible] है 22 [illegible] के [illegible] दल ने [illegible] में [illegible] है

थल सेना में 25 [illegible] करके [illegible] है ।

वायु सेना में 12 [illegible] दिया [illegible] है ।

[illegible] के लिये और [illegible] के कारण [illegible] से [illegible] है। [illegible] है ।

रक्षा वैज्ञानिकों ने [illegible] कार्यक्रम के अंतर्गत [illegible] किया है । [illegible] संयुक्त है । [illegible] करने में [illegible] है । [illegible] कर सकता है ।

संगठन

[illegible]

रक्षा सेवाओं से सम्बन्धित सभी विषयों के बारे में संसद के समक्ष उत्तरदायी है ।

रक्षा मंत्रालय का प्रमुख रक्षा मंत्री है, सबसे बड़ा वित्तीय अधिकारी रक्षा मंत्रालय का वित्तीय सलाहकर होता है । रक्षा मंत्रालय में चार विभाग हैं । (1) रक्षा विभाग, (2) रक्षा उत्पादन विभाग, (3) रक्षा आपूर्ति विभाग, (4) रक्षा विज्ञान एवं अनुसंधान विभाग । रक्षा मंत्रालय देश की रक्षा करने और सशस्त्र सेनाओं–स्थल सेना, नौ सेना और वायु सेना के साज–सम्मान जुटाने और उनका प्रशासन चलाने के लिए उत्तरदायी है ।

रक्षा मंत्रालय भारत की रक्षा सशस्त्र सेनाओं अर्थात् थलसेना, नौसेना और वायु सेना के गठन और उनके प्रशासन, सशस्त्र सेनाओं के लिए अस्त्र–शस्त्र, गोला–बारूद, पोत, विमान, वाहन; उपकरण और साज–सामान की व्यवस्था करने, अभी तक आयात होने वाली मदों को देश के भीतर निर्मित करने की क्षमता स्थापित करने और रक्षा के क्षेत्र में अनुसंधान एवं विकास को बढ़ावा देने के लिए सीधे उत्तरदायी हैं ।

इस मंत्रालय की कुछ अन्य जिम्मेदारियां हैं : मंत्रालय से संबद्ध असैनिक सेवाओं पर नियंत्रण कैन्टोनमेंट बनाना, उनके क्षेत्र का निर्धारण करना और रक्षा सेवा कर्मचारियों के लिए आवास सुविधाओं का विनिमयन करना।

सेना के प्रमुख सहायक संगठन ये हैं :(1) प्रादेशिक सेना (2) तट रक्षक, (3) सहायक वायु सेना (4) एन.सी.सी. जिसमें स्थल सेना, नौसेना और वायुसेना तीनों पार्श्व होते हैं।

आज भारत की सेना विश्व की सबसे बड़ी स्थल सेनाओं में चौथे नंबर पर, वायु सेना में पांचवें नंबर पर और नौसेना में सातवें नंबर पर मानी जाती है ।

भारत की सशस्त्र सेनाओं में तीन मुख्य सेवायें हैं: थल–, नौसेना और वायु–सेना । ये तीनों सेवायें एक सेनाध्यक्ष क्रमश: स्थल सेनाध्यक्ष, नौ सेनाध्यक्ष और वायु ध्यक्ष के अधीन है । ये तीनों सेनाध्यक्ष जनरल या इसके बर ओहदे वाले होते हैं । इन तीनों सेनाध्यक्षों की एक ध्यक्ष समिति है । इस समिति की अध्यक्षता यही तीनों ध्यक्ष अपनी वरिष्ठता के आधार पर करते है । इस ते की सहायता के लिए उप–समितियां होती हैं जो विशेष समस्याओं जैसे आयोजन, प्रशिक्षण, संचार आदि का काम देखती हैं ।

स्थल सेना

स्थल सेना का मुख्यालय नई दिल्ली में है । निम्नलिखित अधिकारी स्थल सेनाध्यक्ष की सहायता करते हैं – 1. थल सेना उपाध्यक्ष 2. थल सेना सहायक अध्यक्ष 3. एडजुटैंट जनरल 4. क्वार्टर मास्टर जनरल, 5. मास्टर जनरल आफ आर्डनेन्स 6. मिलिट्री सेक्रेटरी 7. इंजीनियर–इन–चीफ ।

भारत की स्थल सेना निम्नलिखित कमांडों में विभाजित है – 1. पश्चिमी कमांड 2. पूर्वी कमांड, 3. उत्तरी कमांड 4. दक्षिणी कमांड 5. मध्य कमांड । प्रत्येक कमांड का सर्वोच्च अधिकारी लेफ्टीनेंट जनरल के बराबर ओहदे वाला एक जनरल अफसर कमांडिंग–इन–चीफ होता है । प्रत्येक कमांड एरिया, इन्डिपेंडेंट सब–एरिया और सब–एरिया में विभाजित है, जिनका प्रधान क्रमश: एक मेजर जनरल और ब्रिगेडियर होता है ।

स्थल सेना में अनेक विभाग और सेवायें हैं जिनके नाम हैं – 1. प्रेसीडेंट्स बाडीगार्ड, 2. आर्मर्ड कोर, 3. रेजिमेंट आफ आर्टिलेरी, 4. कोर आफ इंजीनियर्स; 5. कोर आफ सिग्नल्स, 6. मिलिट्री नर्सिंग सर्विस, 7. आर्मी मेडिकल कोर, 8. कोर आफ इलेक्ट्रिकल एंड मैकेनिकल इंजीनियर्स, 9. रिमाउंट एंड वेटेरिनरी कोर, 10. मिलिटरी फार्म सर्विसेज़, 11. आर्मी एजुकेशन कोर, 12. इंटेलिजेंस कोर, 13. कोर आफ मिलिट्री पुलिस, 14. आर्मी फिजिकल ट्रेनिंग कोर, 15. पायनियर कोर, 16. आर्मी पोस्टल सर्विस कोर, 17. डिफेन्स सेक्युरिटी कोर।

प्रादेशिक सेना

प्रादेशिक सेना एक अंशकालिक स्वेच्छिक सेना है, जिसमें ऐसे व्यक्ति शामिल होते हैं, जो कुशल सैनिक नहीं बल्कि सामान्य नागरिक होते हैं और देश की रक्षा में भूमिका अदा करने के इच्छुक होते हैं । 14 वर्ष से 35 वर्ष तक की आयु वाले सभी भारतीय इसमें भर्ती हो सकते हैं । प्रादेशिक सेना में पैदल सेना, इंजीनियरिंग और चिकित्सा टुकड़ियां हैं।

राष्ट्रीय छात्र सेना

राष्ट्रीय छात्र सेना, अर्थात् एन.सी.सी. नवयुवकों का संगठन है और इसमें शिक्षा संस्थानों के विद्यार्थी शामिल हो सकते हैं । इस संगठन का लक्ष्य नवयुवकों में नेतृत्व के गुण, चरित्र और खिलाड़ी की भावना, सहयोग और सेवा भाव विकसित करना है । यह एक स्वेच्छिक संगठन है और इसके अफसरों और छात्रों दोनों में से किसी के लिए सेना में भर्ती होना अनिवार्य नहीं होता।

एन.सी.सी. में तीन प्रभाग–सीनियर, जूनियर और बालिकाओं का प्रभाग हैं । इसके तीन पार्श्व–स्थल सेना, नौसेना और वायु सेना हैं । सीनियर प्रभाग में प्राधिकृत संख्या 4 लाख, जूनियर प्रभाग में 7 लाख और बालिकाओं के प्रभाग में 62,000 है।

नौसेना

नौसेना का मुख्यालय नई दिल्ली में है । नौसेना अध्यक्ष की सहायता के लिए निम्नलिखित अधिकारी हैं :

1. नौसेना उपाध्यक्ष, 2. चीफ आफ मेटीरियल, 3. नौसेना सहायक अध्यक्ष, 4. चीफ आफ पर्सनल, 5. कंट्रोलर आफ वारशिप प्रोडक्शन एंड एक्युजिशन, 6. चीफ आफ लाजिस्टिक्स।

नौसेना के तीन कमांड हैं – प्रत्येक कमांड का प्रमुख वाइस एडमिरल के बराबर ओहदे वाला फ्लैग अफसर कमांडिंग–इन–चीफ होता है । ये कमांड हैं:

1. बंबई में पश्चिमी नौसेना कमांड, 2. विशाखपटणम में पूर्वी नौसेना कमांड, 3. कोचीन में दक्षिणी नौसेना कमांड ।

नौसेना के दो बेड़े हैं – पश्चिमी बेड़ा और पूर्वी बेड़ा । प्रत्येक बेड़े का मुख्य अधिकारी वाइस [illegible] के

बराबर ओहदे वाला फ्लैग अफसर कमांडिंग होता है । गोवा एरिया और अंडमान–निकोबार द्वीपसमूह के लिए भी फ्लैग अफसर कमांडिंग है । इनके अलावा बंबई, मद्रास और कलकत्ता में नावेल अफसर इंचार्ज है ।

दोनों नौसेना बेड़ों में विमान वाहक, आई.एन.एस. विक्रान्त, नव अर्जित आई.एन.एस. विराट हैं, कई फ्रिगेट स्कवाड्रन हैं, जिनमें आधुनिक विमान भेदी, पनडुब्बी भेदी और सामान्य प्रयोजन वाले पोत हैं । मिसाइलों से सुसज्जित फ्रिगेट/डेस्ट्रायर हैं । पनडुब्बी भेदी गश्ती जहाजों का एक स्क्वार्डन है । बारूदी सुरंग नष्ट करने वाले कई स्क्वाड्रन हैं, पनडुब्बियां, एक पनडुब्बी डिपो जहाज, एक पनडुब्बी बचाव जहाज, टैंक और सैनिक ले जा सकने वाले लैंडिंग जहाज हैं और तीव्र गति से आक्रमण करने वाले अनेक पोत हैं, जो धरती से धरती पर मार करने वाली मिसाइलों से सज्जित हैं । इनके अलावा सर्वे वाले पोत, सर्वे वाली नावें, फ्लीट टैंकर और टग और मूरिंग पोतों जैसे सहायक पोत हैं। नौसेना का सर्वे यूनिट भारत के समुद्र तट और उसके आस–पास के समुद्र, बंदरगाहों के रास्तों आदि का सर्वेक्षण करता है।

बंगाल की खाड़ी के द्वीपों की रक्षा के लिए पोर्ट ब्लेयर में नौसेना का एक संगठन कार्यरत है ।

समुद्री टोह की जिम्मेदारी नौसेना ने वायुसेना से अपने हाथों में ले ली है और उसने इस कार्य के लिए उपयुक्त किस्म

हैं – तटीय और तट से दूर के प्रतिष्ठानों और टर्मिनलों की रक्षा करना, मीन क्षेत्र की रक्षा करना, अनन्य आर्थिक क्षेत्र में गश्त करना और मछली के अवैध शिकार व तस्करी को रोकना और तलाशी व बचाव के कार्य । तटरक्षक सेना के बेड़े में कुठार (पहले नौसेना का पोत था), विक्रम, [illegible] वीर (सब देश में बने) जैसे पोत, तट पर और दूर समुद्र में गश्त लगाने वाले जहाज हैं ।

वायुसेना

वायुसेना पांच लड़ाकू कमांडों और दो सहायक [illegible] कमांडों में संगठित है, जिनके नाम हैं :

1. पश्चिमी वायु सेना कमांड 2. पूर्वी वायु सेना [illegible] दक्षिणी वायु सेना कमांड, 4. मध्य वायु सेना कमांड [illegible] पश्चिमी वायु सेना कमांड, 6. [illegible] कमांड ।

वायु सेना का मुख्यालय नई दिल्ली [illegible] की सहायता के लिए निम्नलिखित [illegible]

1. वायु सेना [illegible] 3. एयर अफसर इंचार्ज [illegible] इंचार्ज पर्सनल, 5. [illegible]

1947 [illegible] सेना का जो [illegible] भारत को [illegible]

आर्म्ड फोर्सेज मेडिकल सर्विसेजः इसके अंतर्गत आर्मी मेडिकल कोर, आर्मी डेन्टल कोर और मिलिट्री नर्सिंग सर्विस सम्मिलित हैं, जो आर्म्ड फोर्सेज मेडिकल सर्विसेज के डायरेक्टर जनरल के नियंत्रण में काम करते हैं ।

आर्म्ड फोर्सेज मेडिकल कालेज पुणे

यहां पूना विश्वविद्यालय के एम.बी.बी.एस. पाठ्यक्रम के लिए उम्मीदवारों को प्रशिक्षण दिया जाता है । हर साल 108 लड़कों और 26 लड़कियों को भर्ती किया जाता है । 110 बच्चों को छात्रवृत्ति मिलती है । लड़कों को स्थायी कमीशन्ड अफसर के रूप में काम करना पड़ता है । अन्य लोगों को केवल 7 साल तक काम करना आवश्यक होता है । पुणे में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम की भी व्यवस्था है । विमान चालकों से संबंधित बीमारियों/समस्याओं की ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट आफ एवियेशन मेडिसिन बंगलोर में दी जाती है और नौसेना विशेषतया गोताखोरों और पनडुब्बी में काम करने वालों से संबंधित बीमारियों/समस्याओं की ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट आफ नेवल मेडिसिन, बंबई में दी जाती है ।

कैन्टनमेंटों की स्थापना 1924 कैन्ट्नमेंट्स ऐक्ट के अधीन सशस्त्र सेनाओं के कर्मचारियों के लिए निवास की व्यवस्था करने और उनके स्वास्थ्य, कल्याण और सुरक्षा का ध्यान रखने के लिए की जाती है । चूंकि कैन्ट्नमेंट्स में बहुत से गैर-सैनिक लोग भी रहते थे, अतः इन क्षेत्रों के लिए स्थानीय स्वशासन की व्यवस्था करना आवश्यक माना गया।

कैन्ट्नमेंट्स ऐक्ट 1924 के अधीन बनाये गये कैन्ट्नमेंट्स बोर्ड केंद्र सरकार के अधीन अपने क्षेत्र के नगरपालिका प्रशासन का काम देखते हैं । ये बोर्ड अपने क्षेत्र के निवासियों के लिए नागरिक सुविधायें उपलब्ध कराते हैं और उनके कल्याण का काम करते हैं । भारत में कुल 62 कैन्ट्नमेंट्स हैं ।

अंतरिक्ष

भारतीय अंतरिक्ष कार्यक्रम ने अपने उद्भव के साथ ही अंतरिक्ष तकनीक द्वारा मनुष्य और समाज की समस्याओं का समाधान का एक उद्देश्य रखा था। इसी के अंतर्गत भागेदारी कार्यक्रम का भारत ने प्रस्ताव रखा है, जिसके [illegible] विकासशील दे[illegible] के साथ अंतरिक्ष तकनीक पर अपने [illegible], कार्यपद्धति, और प्रशिक्षण की भागेदारी करेगा। नवंबर [illegible]63 में रोहिणी राकेट के प्रक्षेपण से लेकर अब तक इसो एक लंबी दूरी को पूरा कर लिया है। 1969 में यान प्रक्षेपण विकास कार्यक्रम को तुम्बा से श्रीहरिकोटा में स्थानांतरित कर दिया गया था । इसो ने तीन पीढ़ियों की यान प्रक्षेपण का पी.एस.एल.वी-डी 3 के 11वें प्रक्षेपण के साथ प्रयोग किये है। इसो के यान प्रक्षेपण कार्यक्रम, उपग्रह विकास कार्यक्रम की अपेक्षा 50 प्रतिशत सफल रहे हैं। उपग्रह विकास कार्यक्रम की सफलता शत प्रतिशत रही है।

उपग्रह अभियान में जी.एस.एल.वी-डी1 अप्रेल 18, 2001 को, इन्सेट 3 ए (अप्रेल 9, जीसेट (मई 8), और इनसैट 3 ई (सितंबर 27, 2003) मील का पत्थर रहे है।

इस समय इस्रो के 4 अंतरिक्ष यान वजूद में है जो कि इन्सैट प्रणाली को 70 ट्रांसपोर्डर दे रहे हैं। यह सारे ट्रांसपोर्डर पूरी तरह से आरक्षित हैं। इन्सॉट 3 की श्रृंखला की शुरुवात के साथ 150 ट्रांसपोर्डर उपलब्ध हो जायेंगें।

ई.ओ. सैट आई.आर.एस.-1 सी से भारतीय केंद्रों की ओर से इकट्ठा आंकड़े भी खरीद कर और देशों को बेचेगा। अमरीका का लेंडसे-6 पांच अक्तूबर 1993 को छोड़े जाने के तुरंत बाद नष्ट हो गया था । इससे आई.आर.एस.-1 ए आई.आर.एस.-1 बी और प्रस्तावित आई.आर.एस.-1 सी के आंकडों की मांग बढ़ गई है । आई.आर.एस. श्रेणी के उपग्रहों के आंकड़ों अमरीका लैंड सेट उपग्रहों से मिलते जुलते हैं । इसलिए अमरीकी कंपनियों के लिए भारतीय उपग्रहों के आंकड़े ज्यादा मूल्यवान हैं ।

ए.एस.एल.वी.-डी 4 भारतीय अंतरिक्ष वैज्ञानिकों ने उपग्रह व अंतरिक्ष विज्ञान में अपनी क्षमता का परिचय देते हुए 113 किलोग्राम के स्त्रेस सी-2 नामक रोहिणी शृंखला के दूसरे दूर संवेदी उपग्रह को पृथ्वी की निचली कक्षा में सफलतापूर्वक स्थापित कर दिया।

शार (बेंगलूर) तिरुवनंतपुरम और कार निकोबार में स्थापित टेलीमेट्री तथा ट्रैकिंग केन्द्रों के नेटवर्क की मदद से यान की गतिविधियों पर निगरानी रखी गयी । कार निकोबार केन्द्र में प्राप्त सूचनाओं के अनुसार स्त्रेस सी-2 यान के चौथे चरण से सामान्य रूप से अलग हुआ ।

इस्रो के प्रक्षेपण यानों के अग्रणी केन्द्र तिरुवनंतपुरम स्थित विक्रम साराभाई अंतरिक्ष केन्द्र वी.एस.एस.सी. ने ए.एस.एल.वी. का डिजाइन तैयार किया है और उसका विकास व निर्माण किया है । जिन अन्य केन्द्रों ने प्रक्षेपण में योगदान दिया है उनमें तिरुवनंतपुरम स्थित लिक्विड प्रोपल्सन सिस्टम सेंटर, तिरुवनंतपुरम स्थित इसरो इनर्शियल सिस्टम यूनिट बंगलूर स्थित स्पेसक्राफ्ट मिशन कंट्रोल सेंटर के अलावा अनेक भारतीय उद्योग, अनुसंधान संस्थान और शिक्षक संस्थान भी शामिल हैं ।

बंगलूर स्थित इसरो उपग्रह केन्द्र ने स्त्रेस सी-2 का डिजाइन तैयार किया है और उपग्रह का विकास व निर्माण किया है ।

ए.एस.एल.वी की यह दूसरी सफल उड़ान है । 1987 और 1988 में पहली दो उड़ानें मिशन में नाकाम रही थीं।

तीसरा प्रक्षेपण 20 मई 1992 को हुआ, जो सफल रहा।

स्त्रेस सी–2 रोहिणी श्रेणी के पहले दूर संवेदी उपग्रह स्त्रेस नववर 1963 में रोहिणी राकेट के प्रक्षेपण से लेकर अव तक इसरो ने एक लंबी दूरी को पूरा कर लिया है। 1969 में यान प्रक्षेपण विकास कार्यक्रम को तुम्बा से श्रीहरिकोटा में स्थानांतरित कर दिया गया था । इसरो ने तीन पीढ़ियों की यान प्रक्षेपण का पी.एस.एल.वी.–डी 3 के 11वें प्रक्षेपण के साथ प्रयोग किये है।

इसरो के यान प्रक्षेपण कार्यक्रम, उपग्रह विकास कार्यक्रम की अपेक्षा 50 प्रतिशत सफल रहे हैं। उपग्रह विकास कार्यक्रम की सफलता शत प्रतिशत रही है।

इसरो के एनाट्रिक्स निगम और अमेरिका की अर्थ आब्जर्वेशन सैटेलाइट (इ.ओ. सैट) के बीच आई.आर.एस. उपग्रहों के आंकड़ों के बारे में 21 अक्तूबर 1993 को समझौता हुआ था । यह व्यावसायिक व्यवस्था उसी समझौते के लागू होने के सिलसिले में की जा रही है । ई.ओ. सैट दूर संवेदी आंकड़ों को इकट्ठा कर उन्हें अमेरिका और दूसरे देशों में बेचने वाली बड़ी एजंसियों में से एक है ।

ई.ओ. सैट को मालूम है कि भारत को दूसरी पीढ़ी का दूरसंवेदी उपग्रह आई.आर.एस.–1 सी अमरीका के मौजूदा लैंड सैट से बेहतर और यह अमरीका और फ्रांस के ऐसे अगली पीढ़ी के उपग्रहों की टक्कर का है और उनसे पहले छोड़ा जाएगा ।

ई.ओ. सैट आई.आर.एस.–1 सी से भारतीय केंद्रों की ओर से इकट्ठा आंकड़े भी खरीद कर और देशों को बेचेगा। अमरीका का लैंडसे–6 पांच अक्तूबर 1993 को छोड़े जाने के तुरंत बाद नष्ट हो गया था । इससे आई.आर.एस.–1 ए, आई.आर.एस.–1 बी और प्रस्तावित आई.आर.एस.–1 सी के आंकडों की मांग बढ़ गई है । आई.आर.एस. श्रेणी के उपग्रहों के आंकड़ों अमरीका लैंड सेट उपग्रहों से मिलते जुलते हैं । इसलिए अमरीकी कंपनियों के लिए भारतीय उपग्रहों के आंकड़े ज्यादा मूल्यवान हैं ।

ए.एस.एल.डी.वी : पन्द्रह करोड़ रुपये की लागत से बना 23.8 मीटर लंबा और 41.7 टन भारी ए.एस.एल.वी.डी.–4 भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन द्वारा विकसित दूसरी पीढ़ी का प्रक्षेपण यान है । यह एक सौ से डेढ़ सौ किलोग्राम तक के उपग्रहों को निकट की कक्षा में स्थापित कर सकता है, जो पृथ्वी से करीव 400 कि.मी. दूर है । इसमें सत्तर प्रतिशत उपकरण स्वदेशी हैं ।

पी.एस.एल.वी.: पी.एस.एल.वी. से भारतीय दूर संवेदी वर्ग आई.आर.एस.एस. के एक टन भारी उपग्रह को सूर्य सापेक्ष कक्षा में तथा जी.एस.एल.वी. से इनसेट वर्ग के ढाई टन भारी उपग्रह को भूस्थैतिक कक्षा में भेजा जा सकेगा ।

ए.एस.एल.वी.–डी–3 के 19 मई 1992 को सफल प्रक्षेपण जो स्ट्रेट्ड रोहिणी श्रृंखला के अंतर्गत किये गये थे ने स्वदेश में निर्माण और प्रक्षेपण के द्वार खोल दिये । इस प्रकार पोलर सैटेलाइट लांच वेहिकिल की शुरुवात हुई ।

275 टन के वजन और 44 मीटर ऊंचे पी.एस. एल.वी. की लागत 45 करोड़ रु. आयी थी । इसकी क्षमता 1000 किलो के रिमोट सेंसिग उपग्रह को 900 किमी की कक्षा में स्थापित करने की थी, 20 सितंबर 1993 को श्रीहरिकोटा से इसे 850 कि. ग्रा. के आई.आर.एस. आई.ई. उपग्रह के साथ प्रक्षेपित किया गया ।

वावजूद इसके कि प्रारंभिक उड़ान विलकुल ठीक हुई । इसके समस्त 30 उपकरण सही कार्य कर रहे थे जिसमें 10 प्रमुख मोटर्स भी शामिल थे, प्रक्षेपण उपग्रह को कक्षा में स्थापित नहीं कर सका । दूसरे चरण और तीसरे चरण में अलग होने के दौरान कोई असंभावित कारण से यह मार्ग से हटकर समुद्र में गिर गया । इसरो ने इस प्रक्षेपण को आंशिक रूप से सफल माना । पी.एस.एल.वी.–डी–1 की सफलता आने वाली पीढ़ी के प्रक्षेपण के विकास से जुड़ी हुई थी । जियोसिंक्रेनस सेटेलाइट लांच वेहिकिल की ओर तेजी से काम हो रहा था । लेकिन दो कारणों से अब इस पर काम रोक दिया गया है । पहला तो पी.एस.एल.वी–डी–1 का असफल प्रक्षेपण और दूसरा संयुक्त राज्य के दबाब में आकर रूस द्वारा क्रायोजेनिक इंजन व तकनीक देने से इंकार कर देना ।

जी.एस.एल.वी: इसकी क्षमता 2,500 कि.ग्रा. के वर्ग के दूरसंचार उपग्रह को अंतरिक्ष में स्थापित करने की है। इसका विकास पी.एस.एल.वी. के आधार पर किया गया है। यह तीन चरण का यान है। पहले चरण ने 229 टन ठोस प्रोपेलेंट कोर मोटर, जिसमें चार द्रवीय प्रोपेलेंट स्ट्रैयान्स है जिसमें 40 टन का ईंधन है। दूसरे चरण में लिक्विड प्रोपेल्शान सिस्टम है जिसमें 37.5 टन जैसा कि पी.एस.एल.वी में होता है और तीसरे चरण में दुबारा चालू होने वाले क्रायोजेनिक इंजन जिसमें 12 टन द्रव आक्सीजन और द्रव हाइड्रोजन का ईंधन है।

क्रायोजेनिक इंजन: भारतीय अंतरिक्ष विज्ञानियों ने इस तकनीक पर पूरा ध्यान केंद्रित कर लिया है और उनका पूरा प्रयत्न है कि इसका विकास देश में कर लिया जाये।

भारतीय अंतरिक्ष कार्यक्रम 1963 में त्रिवेंद्रम के निकट मछुआरों के एक गांव तुम्बा में साउंडिग राकेट प्रक्षेपण सुविधा केंद्र (साउंडिग राकेट लाचिंग फेसेलटी) की स्थापना के साथ आरंभ हुआ । तुम्बा इक्वेटोरियल राकेट लांचिंग स्टेशन ने, जिसे 1968 में संयुक्त राष्ट्र संघ को समर्पित कर दिया गया, भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन के विकास के लिए केंद्र के रूप में काम किया । आज भारतीय अनुसंधान संगठन के अंतर्गत निम्नलिखित संस्थान काम कर रहे हैं ।

(1) विक्रम साराभाई स्पेस सेंटर, त्रिवेंद्रम; (2) शार सेंटर, श्रीहरिकोटा; (3) इसरो सेटेलाइट सेटर, बंगलौर, (4) आक्जीलरी प्राफ्लशन सिस्टम यूनिट, बगलौर, (5) स्पेस एप्लीकेशन सेंटर, अहमदाबाद; (6) डेवलपमेंट ऐंड एज्युकेशनल कम्युनिकेशन यूनिट, अहमदाबाद, (7) इसरो टेलीमीटरी ट्रैकिंग एंड कमाड नेटवर्क जिसका मुख्यालय बंगलौर में है ।

भारतीय अन्तरिक्ष कार्यक्रम ने 1975 में देश मे निर्मित भारत के पहले अन्तरिक्ष यान आर्यभट्ट को अन्तरिक्ष में भेज कर महत्वपूर्ण कदम उठाया । 360 कि ग्रा का यह उपग्रह, जिसे उपग्रह टेक्नोलोजी में आधारभूत विशेषज्ञता अर्जित करने हेतु तैयार किया गया था, सोवियत सघ के एक राकेट कैरियर की सहायता से कक्षा में पहुचाया गया ।

आर्यभट्ट के बाद एक प्रायोगिक भू–प्रक्षपण उपग्रह भास्कर–1 छोड़ा गया । भास्कर–[illegible]

भारत का अंतरिक्ष विमान 'अवतार'

भारतीय वैज्ञानिकों ने एक ऐसा अंतरिक्ष विमान 'अवतार' तैयार किया है, जो न सिर्फ कम लागत पर उपग्रह का प्रक्षेपण कर सकता है, बल्कि पर्यटकों को अंतरिक्ष की सैर पर भी ले जाने में सक्षम है और सबसे बड़ी बात तो यह कि इसका इस्तेमाल सैकड़ों बार किया जा सकेगा। 'अवतार' का वायुसेना के सेवानिवृत्त सीएमडीई और भारत डायनामिक्स लिमिटेड के पूर्व अध्यक्ष राघवन गोपालस्वामी ने अमरीका में अनावरण किया। श्री गोपालस्वामी ने अमरीका रवाना होते समय बताया कि अवतार का डिजाइन इस तरह का है कि उसे सैकड़ों बार प्रक्षेपित किया जा सकता है और उड़ान के दौरान यह अपना ईंधन खुद तैयार करता है। साल्टलेक शहर में होनेवाले एक विश्व सम्मेलन के दौरान गोपालस्वामी भारत में पेटेंट किए गए इस विमान का प्रदर्शन करेंगे। डिजाइन के पंजीयन के लिए आवेदन अमरीका, जर्मनी, चीन और रूस के पेटेंट कार्यालय में किया गया है।

भारत के भूस्थैतिक प्रक्षेपण यान समेत मौजूदा युग के रासायनिक रोकेट एक बार इस्तेमाल के बाद बेकार हो जाते हैं। इसलिए उन्नत देश भी कई सालों से बार-बार इस्तेमाल किए जाने योग्य कम लागत वाले यान के निर्माण में जुटे हैं। श्री गोपालस्वामी ने बताया कि अवतार दूसरे यानों की तरह भारी भरकम भी नहीं है। एक ही चरण में 100 किलोमीटर की कक्षा में प्रवेश कर सकनेवाला अवतार सबसे छोटा यान है। इसका वजन 25 टन है और उसमें से साठ फीसदी तरल हाइड्रोजन ईंधन है। अवतार को अंतरिक्ष में ले जाने के लिए जीएसएलवी की तरह एक क्रायोजेनिक इंजन है। सौ परिक्रमा में यह 100 टन भार अंतरिक्ष में जाने की कूवत रखता है, जबकि जीएसएलवी जैसे यान दो टन भार ले जाने के बाद बेकार हो जाते हैं।

अवतार इस मायने में भी दूसरों से अलग है कि इसे टेक आफ के लिए तरल आक्सीजन का संग्रह नहीं रखना पड़ता। उड़ान के लिए जरुरी 21 टन आक्सीजन उड़ान के दौरान ही ध्वनिवेग से आठ गुना अधिक तेजी से तैयार की जाती है। एक ओन बोर्ड व्यवस्था के जरिए वातावरण की वायु एकत्र करके उसमें से ओक्सीजन को अलग करके तरलीकृत किया जाता है। अवतार में उपग्रह के स्थान पर पर्यटकों को बिठाकर इसे सवारी-गाड़ी का रूप भी दिया जा सकता है। इसके लिए कोई विशेष प्रशिक्षण की जरूरत नहीं है और सवारियों को लेकर यह बोइंग 737 की भांति उड़ान भर सकता है। अवतार के जरिए अंतरिक्ष की सैर का खर्च भी उस राशि (दो करोड़ डालर) से काफी कम होगा जो अमरीकी व्यवसायी डेनिस टीटो ने अंतरिक्ष भ्रमण के लिए दी थी।

कक्षा में पहुंचाया गया, जल विज्ञान, वानिकी, हिम गलन और समुद्र विज्ञान संबंधी भू-प्रक्षेपण अनुसंधान के लिए टीवी कैमरे और माइक्रोवेव रेडियोमीटर से सुसज्जित किया गया था। इस उपग्रह का सुधरा हुआ रूप भास्कर-2 था, जिसे 1981 में छोड़ा गया।

उपग्रह संचार के क्षेत्र में भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन ने भारत की संचार आवश्यकताओं के अनुरूप दो बड़े प्रयोग किये। ये थे - 1977-78 में उपग्रह शिक्षण दूरदर्शन प्रयोग परियोजना (एस.आई.टी.ई.) जिसे "साइट कार्यक्रम" कहा गया। "साइट" के अंतर्गत अमरीकी उपग्रह ए.टी.एस-4 का प्रयोग करके भारत के 2400 गांवों में सामुदायिक टीवी रिसीवर्स के लिए विकास कार्यक्रमों का सीधा प्रसारण किया गया। इसी प्रकार फ्रांसीसी जर्मन अंतरिक्ष यान "सिम्फोनिया" की मदद से एस.टी.ई.पी. कार्यक्रम के आधीन नवीन संचार प्रयोग किये गये।

अंतरिक्ष टेक्नोलाजी के साथ-साथ भारत ने अपना उपग्रह प्रेषण यान तैयार करने की दिशा में भी प्रयत्न किए। *भारत का पहला उपग्रह प्रक्षेपण यान एस. एल. वी.-3 था।* चार चरण वाले ठोस प्रणोदक एस.एल.वी.-3 ने 1980, 1981 और 1983 में अपनी तीन सफल उड़ानों में भारत के रोहिणी श्रृंखला के उपग्रहों को कक्षा में पहुंचाया।

जून 1981 में भारत का पहला प्रायोगिक संचार उपग्रह 'एपल' फ्रेंच गयाना में कोरु नामक स्थान से यूरोपियन स्पेस एजेन्सी के एरियान प्रक्षेपण यान की मदद से छोड़ा गया। यह उपग्रह अपनी कक्षा में 27 महीने सक्रिय रहा और इस अवधि में इसने अनेक उच्चस्तरीय उपग्रह संचार प्रयोग किये।

1983 में अमरीकी अंतरिक्ष शटल की सहायता से भारत के बहुप्रयोजनीय उपग्रह इन्सेट-1 बी को सफलतापूर्वक अंतरिक्ष में पहुचाने और उस उपग्रह के संचालन में सफलता प्राप्त करने के बाद भारत देश के भीतर संचार, मौसम विज्ञान और सामुदायिक दूरदर्शन प्रसारण में पूरी तरह से सक्षम हो गया। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने मौसम विज्ञान संबंधी और उच्चतर वायुमंडलीय अनुसंधान के लिए आर.एच.-125, आर.एच.-200, सेंचूर आर.एच.-300 आर एच-560 जैसे साउंडिंग राकेटों की एक श्रृंखला विकसित कर ली है। आर.एच.-जो 100 कि.ग्रा. वजन के साथ 350 कि.मी. की ऊंचाई तक पहुंच सकता है। भारत के तीनों साउंडिंग राकेट रेंजों - थुम्बा, श्रीहरिकोटा और बालासोर से लगातार परीक्षण किए जा रहे हैं। अंतर्राष्ट्रीय विकास के लिए अंतरिक्ष के उपयोग में अन्य देशों के साथ सक्रिय सहयोग करने की भारत की नीति की कुछ महत्वपूर्ण ऐतिहासिक घटनाएं हैं- तुम्बा इक्वेटोरियल राकेट लांचिग स्टेशन संयुक्त राष्ट्र संघ को समर्पित करना, अमरीका के ए.टी.एस.-6 उपग्रह की सहायता से शैक्षणिक दूरदर्शन, फ्रांस-रूस के अंतरिक्ष यान 'सिम्फोनी' की सहायता से संचार प्रयोग करना, सोवियत रूस के सहयोग से आर्यभट्ट और भास्कर अंतरिक्ष यान अंतरिक्ष में भेजना और यूरोपीय स्पेस एजेन्सी एरियान की सहायता से एपल को अंतरिक्ष में पहुंचाना और अमरीकी स्पेस शटल की सहायता से इन्सेट-1 बी को कक्षा तक पहुंचाना।

पूर्णतः भारत में निर्मित पहले अत्याधुनिक बहुउद्देश्यीय उपग्रह

...ट–2 ए को फ्रेंच गयाना अंतरिक्ष केन्द्र से सफलता–पूर्वक ... कर दिया गया। इसे यूरोप के सबसे शक्तिशाली राकेट ...यन–4 के जरिए अंतरिक्ष में छोड़ा गया है। प्रक्षेपण की इसरो ... तीन दशक के अंतरिक्ष कार्यक्रमों को मील का पत्थर माना जा रहा है क्योंकि उपग्रह के सफल प्रक्षेपण के साथ ही आयातित उपग्रहों पर भारत की निर्भरता समाप्त हो गई है और स्वदेशी संचार उपग्रहों के निर्माण के एक नए युग का सूत्रपात हुआ है। इनसेट–1 श्रृंखला के सभी उपग्रह अमेरिका से खरीदे गए थे।

भारतीय उपग्रह को ई.एल. ए–2 प्रक्षेपण पैड से एरियन 44 राकेट के जरिए अंतरिक्ष में छोड़ा गया। यह एरियन वाहनों का सबसे शक्तिशाली राकेट है। इसे पहली बार अप्रैल 1991 में छोड़ा गया था।

परिवहन

देश में वर्तमान में परिवहन व्यवस्था अनेक प्रणालियों को लेकर है। इसमें रेलवे, सड़क परिवहन, वायु परिवहन और समुद्रीय यान परिवहन शामिल है। पिछले वर्षों में इस क्षेत्र का अभूतपूर्व विकास हुआ है।

रेलवे

भारतीय रेलवे एशिया की सबसे बड़ी और संसार के चौथे नंबर की सबसे बड़ी रेलवे व्यवस्था है। भारत में पहली रेल बंबई से थाना तक (34 कि.मी.) अप्रैल 1853 में आरंभ हुई थी जोकि अब बढ़ कर 62,915 किलोमीटर मार्ग को तय कर रही है। 6867 स्टेशनों से गुजरती भारतीय रेल प्रतिदिन लगभग 11270 रेलें चलाती हैं। भारतीय रेलों के तीन गेज –ब्राडगेज (बड़ी लाइन), मीटर गेज (छोटी लाइन) और नैरोगेज (संकरी लाइन) हैं। रेलवे के पास 7,429 इंजन, 35,650 सवारी डिब्बे और 253186 माल वैगन हैं। भारतीय रेलवे में 16 लाख लोग कार्यरत हैं जो देश में सर्वाधिक है।

ब्राड गेड (1.676 मिलीमीटर) 85429 किमी

मीटर गेज (1,000 मीटर) 19158 किमी

नैरो गेज (762 एवं 610 मिलीमीटर) 3826 मी

माल ढुलाई: माल गाड़ियां प्रति दन लगभग 11 लाख विभिन्न वस्तुओं की ढुलाई करती हैं। रेलवे ने 18,174 करोड़ टन माल की ढुलाई की ढोये गये कुल माल में 8.583 करोड़ टन निर्यात के लिये लौह अयस्क, 1.730 करोड़ टन सीमेंट, 1.206 करोड़ टन खाद्यान्न, 1.232 करोड़ टन उर्वरक, 1.413 करोड़ टन पेट्रोलियम, तेल एवं स्नेहक तथा 1.668 करोड़ टन अन्य माल शामिल था।

भारतीय रेलवे ने मेट्रो रेलवे (भूमिगत रेलवे) का आरंभ 1984–85 में हुआ। कलकत्ते में एस्प्लेनेड से भवानीपुर के बीच पांच स्टेशनों को जोड़ने वाले 3.5 कि.मी. के मार्ग पर मेट्रो रेलवे का व्यावसायिक परिचालन इसी अवधि में आरंभ हुआ। बाद में दमदम से बेलगाछिया तक 2.2 कि.मी. का रेल मार्ग भी व्यावसायिक परिचालन के लिए खोल दिया गया।

रेलवे के प्रशासन और प्रबंध का काम रेलवे बोर्ड के अधीन है और रेलवे बोर्ड एक कैबिनेट मंत्री की देखरेख में काम करता है। रेलवे बोर्ड में एक चेयरमैन होता है, जो रेलवे मंत्रालय का पदेन मुख्य सचिव होता है, एक वित्त आयुक्त होता है और चार अन्य सदस्य होते हैं, जो भारत सरकार में पदेन सचिव होते हैं।

भारतीय रेलवे नौ खंडों (जोनों) में विभाजित है: प्रत्येक खंड का प्रधान एक जनरल मैनेजर होता है।

सड़क

भारत में सड़क नेट विश्व में सबसे बड़ा है। भारत में सड़क यातायात में प्रतिवर्ष 10% की वृद्धि हो रही है। और यातायात के लिये सर्वाधिक उपयुक्त समझा जात है। भारत में सड़क की कुल लंबाई 2465877 किलोमीटर है। राष्ट्रीय राज मार्ग का नेटवर्क 52010 किलोमीटर (99) कुल सड़क जाल का 2 प्रतिशत है। लेकिन इससे कलि यातायात का 40% होता है। संसद ने राष्ट्रीय राजमार्ग संशोधन अधिनियम 1955 के तहत राष्ट्रीय राजमार्ग को बनाने इसकी देखरेख करने में निजी और विदेशी निवेश को मंजूरी दी थी।

प्रांतीय राजमार्ग, जिलों और ग्रामीण क्षेत्रों की सड़कों का उत्तरदायित्व प्रांतीय सरकार पर होता है। ग्रामीण क्षेत्रों में सड़कें विकसित की जा रही है। उद्देश्य यह रखा गया है कि 1500 या उससे अधिक आबादी वाले गांवों को सड़क सुविधा मिलनी चाहिये।

राज्यों, जिलों और ग्रामीण क्षेत्रों की सड़कों की जिम्मेदारी राज्य सरकारों के ऊपर है। ग्रामीण क्षेत्रों में सड़कों का विकास न्यूनतम आवश्यकता कार्यक्रम के अधीन किया जा रहा है, जिसका लक्ष्य 1990 तक 1500 और इससे अधिक जनसंख्या वाले सभी गांवों और 1000 से 15,000 तक जनसंख्या वाले 50 प्रतिशत गांवों को सभी मौसमों में इस्तेमाल होने लायक सड़कों से जोड़ना है।

सड़क संचार के माध्यम से आर्थिक विकास को तेज करने और सीमा रक्षा को सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से 1960 में सीमा सड़क विकास बोर्ड की स्थापना की गई थी। सीमा सड़क संगठन सड़क निर्माण का काम स्वयं करता है।

राष्ट्रीय राज मार्ग (राजमार्ग संख्या, रास्ता और कुल दूरी किलोमीटर में) 1. दिल्ली अंबाला–जालंधर–[illegible]– पाक सीमा (456), 2. दिल्ली–मथुरा–[illegible]– इलाहाबाद–वाराणसी–मोहानिया–बरही–[illegible]– बारा–कलकत्ता (1490), 3. [illegible]– इंदौर–धुले–नासिक–थाने–मुंबई [illegible] 4. राजमार्ग संख्या 3 [illegible]– रानीपेट–चेन्नई के निकट [illegible] संख्या 6 बहारगोरा–[illegible]

रेलवे जोन

जोन	मुख्यालय	किलोमीटर	बीच में आने वाले राज्य
मध्य	मुंबई	7076	हरियाणा, कर्नाटक, मध्य प्रदेश,महाराष्ट्र, राजस्थान, उत्तर प्रदेश
पूर्वी	कलकत्ता	4303	बिहार, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, प. बंगाल
उत्तरी	नई दिल्ली	10995	गुजरात, हरियाणा, हिमाचल, जम्मू-कश्मीर, पंजाब, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, दिल्ली, चंडीगढ़
पूर्वोत्तर	गोरखपुर	5131	बिहार, उत्तर प्रदेश, असम
पूर्वोत्तर सीमांत	मालेगांव (गौहाटी)	3858	नागालैंड, त्रिपुरा, पं. बंगाल
दक्षिण	चेन्नई	7009	आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, केरल, तमिलनाडु
दक्षिण-मध्य	सिकंदराबाद	7218	आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, मध्य प्रदेश,गोवा, महाराष्ट्र, तमिलनाडु
दक्षिण-पूर्व	कोलकाता	7161	आंध्र प्रदेश, बिहार,मध्य प्रदेश, उड़ीसा, पं. बंगाल
पश्चिमी	मुम्बई	9735	महाराष्ट्र, राजस्थान, मध्य प्रदेश, गुजरात, हरियाणा, उत्तर प्रदेश

विजयवाड़ा-चेन्नई के निकट जंक्शन (1533), 6. धुले-नागपुर-रायपुर-सम्बलपुर-बहारगोरा-कलकत्ता (1645), 7. वाराणसी-मंगावन-रेवा-जबलपुर-लखनदन-नागपुर-हैदराबाद-कुर्नूल-बंगलौर-कृष्णागिरी-सेलम-दिंदीगुल-मदुराई-कन्याकुमारी(2369), 8.दिल्ली-जयपुर-अजमेर-उदयपुर-अहमदाबाद-बदोदरा-मुंबई (1428), 9. पुणे-शोलापुर-हैदराबाद-विजयवाड़ा (791), 10. दिल्ली-फजिल्का-भारत-पाक सीमा (403), 11. आगरा-जयपुर-बीकानेर (582), 12. जबलपुर-भोपाल-खिलचीपुर-अखलेरा-झालावाड़-कोटा-बूंदी-देवली-क-जयपुर (890), 13. शोलापुर-चित्रदुर्ग (451), 14. ावर-सिरोही-राधापुर (450), 5. पठानकोट-अमृतसर-भटिंडा-गंगानगर-बीकानेर--बाड़मेर-सामख्याली कंडला के निकट (1526), .निजामाबाद-मन्चीरेल-जगदलपुर(460), 17.पानवेल--पणजी-कारवार-मंगलौर-कन्नूर-कोझीकोड़-फरुख--पुतुपोन्नानी-चावक्काड़-कीडगल्लूर जंक्शन इडपल्ली निकट(1269), 18.कुरनूल-नंदियाल-कुडप्पा चिट्टूर के (369), 19. गाजिपुर-बलिया-पटना (240), 0.पठानकोट-मंडी(220), 21.चड़ीगढ़-रोपड़-बिलापुर--कुल्लु-मनाली(323), 22.अम्बाला-काकला-शिमला--रामपुर-चिनी भारत तिब्बत सीमा (459), 3.चास-रांची-राउलकेला-तलचेर(459), 24.दिल्ली-रेली-लखनऊ (438), 25. लखनऊ-कानपुर-झांसी-ावपुरी (319), 26. झांसी-लखनदन (396), 7. इलाहबाद-मंगावन (93), 28. बरौनी-मुजफ्फपुर-परा-गोरखपुर-लखनऊ(570), 29.गोरखपुर-गाजीपुर-रणासी(230), 30.मुहानिया-पटना-बचतीवरपुर(230), 1. बरही-बख्तियारपुर-मोकामेह-पूर्णिया-दालकोला-ालिगुड़ी-सिबोक-कूंच बिहार-उत्तरी सलमाड़ा नाल बड़ी-राली (1125), 32. गोविन्दपुर-धनबाद-जमशेदपुर 79), 33.बरही-रांची(352), 34.दालकोला-बहरामपुर-रासात-कलकत्ता (443), 35. बारासाठ-बनगांव-भारत बंगलादेश सीमा(61), 36.नवगांग-दबाका-दीमापुर(170), 37.गोलपाड़ा-गौहाटी-जोरबाट-कामरगांव-माकम-सेकोघाट (680), 38. माकम-लैडोह-लेखापानी (54), 39. नमालीगढ़-इंफाल-पालेन-भारत बर्मा सीमा (436), 40. जोरबाट-शिलांग-भारत बंगलादेश सीमा (161), 41.कोलाघाट-हल्दिया(51), 42.संभलपुर-अंगुल(261), 43. रायपुर-विजयनगरम (551), 44. शिलांग-पासी-बदरपुर-अगरतला (495), 45. चैन्नई-तिरुचिरापल्ली-डिंडीगुल (387), 46. कृष्णगिरी-रानीपेठ (132), 47.सेलम-कोयंबतूर-त्रिशूर-एरणाकुलम-तिरुवनन्तपुरम-कन्याकुमारी (640), 48. बंगलौर-हसन-मंगलौर (328), 49.कोचिन-मदुराई-धनुषकोड़ी(440), 50.पुणे के निकट राजमार्ग न. 4 के साथ नासिक जंक्शन (192), 51.पैकांग-दुरा-दालु (149), 52. बाईहाटा-चेराली-तेजपुर-बांदेर-देवा-उत्तरी लखिनपुर-पैसीघाट-तेजु-सीतापानी जंक्शन (850), 53. बदरपुर-जिरीघाट-इंफाल-सिलचर (320), 54. सिलचर-ऐजवाल-तुईपांग (560), 55. सिलीगुड़ी-दार्जलिंग (77), 56. लखनऊ-वारणासी (285)। कुल-34298।

राष्ट्रीय जल मार्ग

भारत में नदी मार्ग व्यापक है, हालांकि क्षेत्रानुसार इनमें भिन्नता है। दुर्भाग्य से प्रकृति के इस वरदान का समुचित उपयोग नहीं हो पाया है। नदियों का उपयोग केवल सिंचाई तक ही आधारित नहीं है बल्कि इनका उपयोग परिवहन के रूप में किया जा सकता है। जो कि न केवल अल्प व्यय का ही है बल्कि पर्यावरण के अनुकूल भी है।

अभी तक तीन राष्ट्रीय जल मार्ग परिवहन के लिये घोषि किये गये हैं। 1986 में गंगा-भागीरथी : हुगली नदी प्रणाल के इलाहाबाद-हल्दिया तक (1,620 किमी) की दूरी क राष्ट्रीय जलमार्ग-1 घोषित किया गया था। दो वर्ष के पश्च ब्रह्मपुत्र नदी में सदिया-बंगलादेश सीमा (891 किमी) क राष्ट्रीय जल मार्ग-2 घोषित किया गया और 1993 में केर

में वेस्ट कोस्ट केनाल चम्पाकरा केनाल (14 किमी) और उद्योगमंडलन केनाल (23 किमी) से कोल्लम–कोट्टापुरम (168 किमी) को राष्ट्रीय जल मार्ग–3 घोषित किया गया।

तीन और जलमार्गों का विकास किया जा रहा है। इनमें से एक सुंदरवन (191 किमी) जिसके द्वारा सागर व बंगलादेश सीमा पर रानीगंगल तक स्टीमर मार्ग उपलब्ध हो सकेगा, दूसरा गोदावरी की डेल्टा केनाल्स में चर्ला व राजमुंदरी (208 किमी) और तीसरा जलमार्ग गोवा में है।

राष्ट्रीय जलमार्ग–1 को तीन भागों में बांटा जा सकता है। हल्दिया दूरा (560 किमी) फरक्का–पटना (460 किमी) और पटना–बालिया। पहली–दूरी में सुव्यवस्थित टर्मिनल और दिन में नौकायन की सुविधा है। राष्ट्रीय जलमार्ग–2 द्वारा अधिकतर कलकत्ता के लिये जाने वाले सामान की भरमार है।

राष्ट्रीय देशीय जलमार्ग प्रणाली के विकास हेतु 1989 में भारतीय देशीय जलमार्ग प्राधिकरण की स्थापना की गई।

शिपिंग: विकासोन्मुख देशों में भारत के व्यापारिक जहाजों का बेड़ा सबसे बड़ा बेड़ा है और जहाजों की क्षमता की दृष्टि से भारत के व्यापारिक जहाजों का बेड़ा संसार में 16 वें नंबर पर है। 31 दिसम्बर 1999 को भारतीय बेड़े में 490 जहाज थे।

देश में 92 नौवहन कंपनियां हैं, जिनमें से 61 केवल तटीय व्यापार में संलग्न हैं, 13 कंपनियां विदेशी व्यापार करती हैं और शेष कंपनियां तटीय और विदेशी व्यापार दोनों करती हैं। एकमात्र सरकारी कंपनी शिपिंग कार्पोरेशन आफ इंडिया तटीय और विदेशी व्यापार दोनों करती है।

भारतीय नौवहन पंजीकरण का मुख्यालय मुम्बई में है और क्षेत्रीय कार्यालय मुम्बई, कलकत्ता, विशाखापट्नम, चेन्नई, कोचीन, गोवा, पारादीप और तिरुचिरापल्ली में हैं।

भारत में चार बड़े और चार मध्यम आकार वाले शिपयार्ड हैं। निजी क्षेत्र में 32 छोटे शिपयार्ड हैं, जो छोटे जहाजों की जरूरतें पूरी करते हैं। बड़े शिपयार्डों में से हिंदुस्तान शिपयार्ड लिमिटेड, विशाखापट्नम और कोचीन शिपयार्ड भूतल परिवहन मंत्रालय के नियंत्रणाधीन हैं। दूसरे शिपयार्ड अर्थात् मझगांव डॉक लिमिटेड, बंबई और गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स, कलकत्ता रक्षा मंत्रालय के रक्षा उत्पादन विभाग के अधीन हैं।

पैंचवे दशक के मध्य में सिंधिया स्टीम नेवीगेशन कंपनी द्वारा स्थापित हिंदुस्तान शिपयार्ड ने, जिसे 1961 में केंद्र सरकार ने अपने हाथ में ले लिया, 1947 से अब तक 91 जहाज बनाये हैं। जापानी सहयोग से निर्मित कोचीन शिपयार्ड में 85,000 टन भार वाले जहाजों के निर्माण के लिए एक गोदी और 100,000 टन तक भार वाले जहाजों की मरम्मत के लिए एक गोदी है। यहां बनने वाला सातवां जहाज 'मोती लाल नेहरू' पहला आयात टैंकर है जिसकी क्षमता 86,000 डी डब्ल्यू की है।

राष्ट्रीय देशीय जलमार्ग प्रणाली के विकास हेतु 1985 में भारतीय देशीय जलमार्ग प्राधिकरण की स्थापना की गई।

भारत में 11 बड़े बंदरगाह (पत्तन) हैं। इनके अलावा देश के लगभग 6,000 कि.मी. लंबे समुद्र तट पर कुल 226 छोटे बंदरगाह हैं जिनमें से 139 छोटे बंदरगाह चालू स्थिति में हैं। पश्चिमी तट के बड़े बंदरगाह हैं – कांडला, मुम्बई, मरमोगोवा, नया मंगलौर और कोचिन।

अन्य बंदरगाहों के नाम हैं– तुतीकोरिन, चेन्नई, विशाखपट्नम, पारादीप और कलकत्ता –हल्दिया।

वायु परिवहन

सरकार ने इंडियन एयरलाइंस व एयर इंडिया के नियंत्रण को 1953 के अधिनियम में संशोधन करके समाप्त कर दिया और इसके साथ निजी कंपनियां प्रतिस्पर्धा में आ गईं। इंडियन एयर लाइंस, एलायंस एयर, अन्य निजी वायु कंपनिया और एयर टैक्सीज घरेलू उड़ानें करती हैं और एयर इंडिया अंतर्राष्ट्रीय उड़ानें भरती है। इस समय तीन निजी सेवायें हैं और यात्रियों के पास विकल्प हैं।

एयर इंडिया: की स्थापना 1953 में वायु निगम अधिनियम, 1953 के अंतर्गत की गई थी। के पास बोइंग 747–200, ए300–बी–4, ए300 समेत 26 वायुयान है और यह 46 गंतव्यों को पूरा करती है। 1997–98 के दौरान इसने 2.93 मिलियन यात्रियों को ढो कर एक कीर्तिमान बनाया। नई 2000 में भारत के वायु सेवा के संदर्भ में 96 देशों के साथ द्विपक्षीय संबंध हैं।

इंडियन एयरलाइंस: की स्थापना 1953 में हुई थी ओर यह 79 घरेलू गंतव्यों और 16 अंतर्राष्ट्रीय (14 देश) की उड़ानें भरती है। 1999 में इसके पा[illegible] थे जिसमें ए300, ए320, बोइंग 747, [illegible]

पवनहंस हेलिकाप्टर लिमिटेड [illegible] दुर्गम स्थानों के लिये हेलिकाप्टर [illegible] है। यह 33 हेलिकाप्टर चलाता [illegible] 2000 तक 250,000 घंटे की [illegible]

एयर टैक्सीज आपरेटर्स: कुल [illegible] सुविधा उपलब्ध करा रहे हैं।

पर्यटन उद्योग

भारत देश विभिन्न सांस्कृतिक आकर्षण का देश है और पूरे विश्व के पर्यटकों के लिये अनेक दर्शनीय स्थल हैं। पर्यटन उद्योग को नया आयाम देने तथा अत्यन्त तीव्र गति से इसका विकास करने के उद्देश्य से सरकार ने पर्यटन उद्योग को निर्यात हाउस (एक्सपोर्ट हाउस) क[illegible] है। इससे पर्यटन उद्योग को नया आ[illegible] उद्योग द्वारा अर्जित की जाने वाली वि[illegible] हो सकेगी। पर्यटन उद्योग को निर्[illegible]

सुविधाएं मिल सकेंगी। लेकिन पर्यटन को 'निर्यात' का नया दर्जा दिए जाने के कारण पर्यटन उद्योग को कुछ और विशेष सुविधायें भी प्राप्त होंगी। आम तौर पर 12.5 करोड़ रुपये के मूल्य की विदेशी मुद्रा कमाने वाली इकाई को निर्यात हाउस माना जाता है। लेकिन दो साल के लिये पर्यटन उद्योग के लिये इस राशि को घटा कर 6 करोड़ रुपये किया जा रहा है। अमरीका में आतंकवादी हमले के बाद भारत में पर्यटकों में 20% की कमी आई, फिर भी 1.23 मिलयन विदेशी पर्यटक वर्ष 2001–2 में भारत आये और विदेशी विनिमय 1.636 मिलयन अमरीकी डालर का रहा।

पर्यटन उद्योग की इकाइयां भी विदेशी मुद्रा अर्जित करने के अपने अनुपात में पर्यटन संबंधी वस्तुओं का आयात कर सकेंगी। आयात के लिये उन्हे बैंक गारंटी देना जरूरी नहीं होगा तथा पर्यटन उद्योग को आयकर की धारा 80 एच.डी. के तहत मुनाफे की राशि को पर्यटन संबंधी परियोजनाओं में लगाने पर आयकर से छूट का लाभ मिल सकेगा।

माल के निर्यात संवर्धन योजना के तहत पर्यटन इकाइयों के लिये भी न्यूनतम सीमा को 20 करोड़ रु. से घटा कर 1 करोड़ रु. कर दिया जायेगा ताकि जीरो ड्यूटी का लाभ कुछ खास आयात के लिये पर्यटन उद्योग को मिल सके। आयात की जाने वाली वस्तुओं के बारे में फैसला वित्त मंत्रालय के साथ विचार विमर्श करके किया जा सकेगा।
वर्ष 2000–2001 में विदेशी आय में 9.3% की वृद्धि अर्जित की गई है। मार्च 2001 तक कुल आय 4,430.79 करोड रुपये की रही।

आज पर्यटन विश्व का तेजी से आगे बढ़ रहा उद्योग है। 500 करोड़ से अधिक पर्यटकों से संपूर्ण विश्व को होने वाली आय 3.5 खरब अमरीकी डालर की है।

पर्यटन भारत का विदेशी मुद्रा की आय कराने वाला तीसरा उद्योग है। हीरे, जवाहरात और तैयार कपड़ों के बाद पर्यटन स्थान है।

पर्यटन मंत्रालय नौवीं योजना में 58 अरब रुपये की राशि निर्धारित की थी जोकि आठवीं योजना की इस मद की राशि 4.5 अरब से तीन गुना अधिक है। पर्यटन क्षेत्र में 2000 में 10 लाख अतिरिक्त रोजगार जुड़े। इस क्षेत्र में प्रत्यक्ष रूप से 78 लाख लोगों को रोजगार मिला हुआ है प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से संयुक्त रोजगार पाने वालों की संख्या एक करोड़ 84 लाख है। पर्यटन उद्योग की विशेषता यह है कि होटल, उड़ान सेवा ट्रावल एजेंसीज, हथकरघा और सांस्कृतिक गतिविधियों के जरिये सबसे अधिक रोजगार महिलाओं को मिला है। इस उद्योग में महिलाओं की संख्या पुरुषों की अपेक्षा दुगनी है। इस समय पर्यटन विश्व सबसे तेजी से विकासित हो रहा उद्योग है।

पर्यटन को उद्योग का दर्जा दिया गया है। 5 उत्तरी राज्यों में इसे पूर्ण उद्योग का दर्जा दिया गया है। पंजाब, जम्मू कारमीर और चंडीगढ़ ने पर्यटन को उद्योग का दर्जा दिये जाने पर अपनी सहमति दे दी। हरियाणा और हिमाचल पहले ही पर्यटन को उद्योग का दर्जा दे चुके हैं।

इस क्षेत्र में विभिन्न देशों की कड़ी प्रतिस्पर्धा को देखते हुए। भारत के लिये जरूरी हो जाता है कि पर्यटन के क्षेत्र में नवीन संभावनायें तलाश करे। इसके लिये सरकार अनेक प्रयत्न कर रही है। सासंकृतिक विरासतें और तीर्थ पर्यटन को बढ़ावा दिया जा रहा है। गर्मी व वर्षा के मौसम में विभिन्न पर्यटन स्थलों की सूचना देने के काम पर बल दिया जा रहा है, और योगा और आयुर्वेद को बढ़ावा दिया जा रहा है। घरेलू पर्यटन को भी बढ़ावा दिया जा रहा है और 1999 में 175 मिलयन घरेलू पर्यटकों ने भारत के विभिन्न भागों की सैर की। 2000 के अंत तक 68,032 कमरे स्वीकृत होटल की सूची में है। वर्गीकृत होटलों में एक सितारे के 146, दो सितारे के 324, तीन सितारे के 316, चार सितारे के 79, पांच सितारे के 50 पांस तिारे डीलक्स के 55 और 62 हेरिटेज वर्ग में हैं। हैरिटेज होटल 1950 से पहले बने हवेलियों, महलों से संचालित होते हैं। 62 संपत्तियां इसके लिये इंगित की गई हैं इनमें 1916 कमरे पर्यटकों के लिये होंगे।

पर्यटन में विविधता लाने के कार्यक्रम में वन्यजीव पर्यटन, समुद्रतट विहार–स्थल और रोमांचक पर्यटन का विकास शामिल है। विश्व के सबसे तेजी से विकसित हो रहे कार्यकलापों में से एक, सावकाश घटक, का पूरा–पूरा लाभ उठाने के लिए सुविधाओं को विकसित करने पर भी बल दिया जाता है।

यात्रा परिपथ: (1) कुल्लू–मनाली–लेह; (2) ग्वालियर–शिवपुरी–ओरछा–खजुराहो; (3) बागडोगरा–सिक्किम–दार्जिलिंग–कालिम्पोंग; (4) भुवनेश्वर–पुरी–कोणार्क; (5) हैदराबाद–नागार्जुन सागर–तिरुपति; (6) मद्रास–मामल्लापुरम–पांडिचेरी; (7) ऋषिकेश–नरेन्द्र नगर–गंगोत्री–बद्रीनाथ; (8) इन्दौर–उज्जैन–महेश्वर– ओंकारेश्वर–माण्डु; (9) जैसलमेर–जोधपुर–बीकानेर–बाड़मेर; (10) बंगलौर–मैसूर–हसन; (11) रायगढ़ दुर्ग–जंजीरा दुर्ग–कुदा गुफाएं–हरिहरेश्वर –श्रवर्धन–सिन्धुदुर्ग

गन्तव्य–स्थल: (1) लक्षद्वीप द्वीपसमूह, (2) अण्डमान द्वीपसमूह, (3) मनाली (सोलांग नाला), (4) बेकल समुद्रतट, (5) मुस्तुकाडु समुद्रतट, (6) कांगड़ा (पोंग बांध)

समुद्रतट पर्यटन: केरल में काप्पड और वरकला, महाराष्ट्र में बालवेश्वर और गणपतिकुले, गुजरात में अहमदपुर और तिथल, पश्चिम बंगाल में दीघा, तमिलनाडु में कन्याकुमारी, कर्नाटक में मारावंथे आदि में समुद्रतट विहार–स्थलों/समुद्रतट कुटीरों के निर्माण के लिए परियोजनाएं स्वीकृति की गई हैं।

वन्य जीव पर्यटन: पहले से चली आ रही स्कीमों के तहत, वन्य जीव पर्यटन को बढ़ाना देने के लिए, अभयारण्यों/राष्ट्रीय उद्यानों में वन–गृहों के निर्माण हेतु धन के रूप में वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है। असम के मानस वन गृह का निर्माण कार्य पूरा हो गया है। राजस्थान में जैसलमेर के समीप साम मरू राष्ट्रीय उद्यान में पर्यटक कुटीरों का कार्य भी पूरा हो गया है।

रोमांचक पर्यटन: रोमांचक पर्यटन और खेल पर्यटन का संवर्धन करने हेतु, पैदल भ्रमण, पर्वतारोहण, और हिम/जल से संबंधित खेल और रोमांचक शिविर स्थलों पर तम्बू आवास के लिए भी आधाभूत सुविधाओं के सृजन हेतु राज्यों को और संघ राज्य क्षेत्रों को वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है। दस ट्रेकर्स हट्स जिन्हें हिमाचल प्रदेश में अधिक ऊंचे क्षेत्र पर निर्मित किया जा रहा है और जिनके लिए हाल ही में धन

हमारी सांस्कृतिक विरासतें

गेटवे आफ इंडिया, बम्बई – ब्रिटिश सम्राट जार्ज पंचम तथा महारानी मैरी के 1911 में भारत आने पर बनाया गया विजय–स्मारक। अंग्रेजों की सेना की आखिरी टुकड़ी इस द्वार से वाहर गयी थी।

इंडिया गेट, दिल्ली – प्रथम विश्वयुद्ध में 90,000 से अधिक शहीद भारतीय सिपाहियों की याद में निर्मित। 13,516 सिपाहियों के नाम इस पर खुदे हुए हैं। 42 मीटर ऊंचा स्मारक चारों ओर से पत्थर से घिरा है जहां अनजान शहीदों की स्मृति में अमरज्योति जल रही है।

स्वर्ण मंदिर, अमृतसर (पंजाब) – सिक्ख तीर्थस्थलों में सर्वाधिक पवित्र। वाहर के भाग का कुछ हिस्सा सोने के वर्क से जड़ा हुआ। मध्य के सरोवर में हरिमंदिर अपनी शोभा वढ़ाता है। सिक्खों की पवित्र पुस्तक गुरु ग्रंथ साहेव अंदर प्रतिष्ठित है इसका निर्माण 1577 में हुआ था।

कुतुब मीनार, दिल्ली – दिल्ली की सवसे शानदार यादगारों में से एक। इसका निर्माण दास वंश के कुतुवुद्दीन ऐयक ने विजय स्तम्भ के रूप में करवाया था। इसकी ऊंचाई 72.5 मीटर है। लाल पत्थर की पांच–मंजिला यह मीनार कुरान की आयतों से अलंकृत है। इसके निकट ही चंद्रवर्मन द्वारा निर्मित लोह–स्तम्भ है जिस पर पिछले 1500 वर्षों से कोई जंग नहीं लगा है।

लाल किला, दिल्ली – सातवीं दिल्ली–शाहजना–याद का किला। परिधि– में इसका क्षेत्रफल दो किमी. से भी अधिक है और इसके अंदर अनेक सुंदर इमारतें हैं। शाहजहां द्वारा सत्रहवीं सदी में निर्मित लाल किला 1857 तक मुगल शक्ति का केन्द्र था।

राष्ट्रपति भवन, दिल्ली – भारत के राष्ट्रपति का सरकारी निवास। 330 एकड़ में फैला यह शानदार भवन पहले वायसराय का महल था। समीप ही मुगल गार्डन है। इस इमारत में 340 कमरे, 37 सैलून, 74 लावी, एक किमी. लंवे गलियारे तथा 37 झरने हैं।

हुमायूं का मकबरा, दिल्ली – भारतीय शिल्प की सर्वाधिक नियोजित अष्टकोणीय इमारतों में से एक। ताजमहल के निर्माण में इस इमारत का प्रभाव है।

जामा मस्जिद, दिल्ली – दिल्ली की सबसे बड़ी इस मस्जिद का निर्माण शाहजहां के शासनकाल में हुआ था। 20,000 से अधिक लोग यहां एक साथ नमाज पढ़ सकते हैं।

जंतर मंतर, दिल्ली – सयसे प्राचीन वेधशाला। इसका निर्माण जयपुर के महाराजा जयसिंह द्वितीय ने सन् 1725 में करवाया था।

मीनाक्षी सुंदरेश्वर मंदिर, मदुराई (तमिलनाडु) – दक्षिण भारत में सर्वाधिक सुंदर अलंकृत मंदिर। 300 लाख से अधिक मूर्तियां।

यहूदी सिनोगोग (कोच्चि, केरल) – 1556 में निर्मित। इसमें ओल्ड टेस्टामेंट के ग्रेट सक्रॉल, तांवे की प्लेटें, तथा हाथ से पेंट की गयी कीमती चीनी टाइले हैं।

विक्टोरिया मेमोरियल, कलकत्ता – साम्राज्ञी विक्टोरिया की स्मृति में वनाया गया संगमरमर का स्मारक।

अवमुक्त किया गया है, पूरी होने वाली हैं। पर्यटन विभाग ने राज्य सरकारों और राज्य पर्यटन निगमों को साथ मिलाकर शिविर पर्यटन के क्षेत्र में पहल की है। दवी में नागोआ समुद्रतट पर भारत पर्यटन विकास निगम के पर्यटन वल के साथ मिलकर वनाए गए रोमांचक शिविर की सफलता उल्लेखनीय है। धुकसोम, सिक्किम और असम में काजीरंगा मानस, भलूकजंग और उमरांगसो में अन्य शिविर भी आयोजित किए गए हैं। पर्यटन विभाग द्वारा 1994–95 में विश्व पर्यटन परिदृश्य में भारत को पर्यटन स्थल के रूप में प्रस्तुत करने के लिये एक समग्र विश्व वाजार योजना यनायीं गयी है। ऐसा पहली यार हुआ है जव विभाग ने वाजार को ध्यान में रखते हुए कोई समग्र योजना वनायी है।

भारत के त्योहार: संक्रांति, पोंगल (जनवरी), वसंत पंचमी (जनवरी, फरवरी), गणतंत्र दिवस (26 जनवरी), शिवरात्री (फरवरी), इदउल जुहा, (यकरीद), होली (मार्च), गणगौर (मार्च, अप्रेल), मोहर्‌म, वैसाखी (अप्रेल), पूरम (मई), मीनाक्षी कल्याणम (अप्रैल–मई), रथ यात्रा (जून–जुलाई), नाग पंचमी (जुलाई–अगस्त), तीज (जुलाई–अगस्त), ओणम (सितंयर), रक्षा वंधन (अगस्त), अमरनाथ यात्रा (जुलाई अगस्त), जन्माष्टमी, गणेश चतुर्थी (अगस्त– सितंवर), दशहरा/ रामलीला/ दुर्गा पूजा/ नवरात्रि (सितंवर–अक्टूवर), दिवाली (अक्टूवर–नवंबर), गुरुपुरव (नवंवर), इदउल फितर, क्रिसमस (दिसंवर), कुंभ मेला, खजुराहो महोत्सव, मुगल संगीत महोत्सव, एलोरा महोत्सव।

प्रसिद्ध मेले

त्यौहारों के अतिरिक्त भारत में वड़ी संख्या
इनमें से कुछ मेले ग्रामीण जीवन को अवगत क

के साथ हिंदी दैनिक प्रेस पहले स्थान पर रहा। यह प्रसार संख्या देश में दैनिकों की कुल प्रसार संख्या का 39 प्रतिशत है। अंग्रेजी प्रेस 46 लाख 50 हजार प्रतियों के साथ दूसरे स्थान पर रही जो कि कुल प्रसार संख्या का 14.7 प्रतिशत है।

इतिहास: भारतीय समाचार पत्र उद्योग में 41 संस्थान ऐसे हैं जो शताब्दी पूरी कर चुके हैं। वंबई से प्रकाशित हो रहा गुजराती अखवार वंबई समाचार न केवल भारत में वल्कि पूरे एशिया में सवसे पुराना अखवार है।

इसकी स्थापना 1822 में हुयी थी। भारत में छपने वाला पहला साप्ताहिक वंगाल गज़ट (हिकीज़ गजेट के नाम से भी जाना जाता है) 1780 में कलकत्ता में प्रकाशित हुआ। संपादक जेम्स हिकी अंग्रेज थे।

दिगदर्शन (वंगाली) भी कलकत्ता से छपने वाला पहला भारतीय भाषा का (1818) पत्र था।

भारत में रजिस्ट्रार आफ न्यूज़ पेपर आफ इंडिया की स्थापना 1556 में हुयी थी।

समाचार एजेंसी

भारत में चार समावार एजेंसियां हैं – प्रेस ट्रस्ट आफ इंडिया (पी.टी.आई.), यूनाइटेड न्यूज आफ इंडिया (यू.एन.आई.), समाचार भारती और हिंदुस्तान समाचार।

प्रेस ट्रस्ट आफ इंडिया की स्थापना 27 अगस्त 1947 को हुई। इसे एसोसियेटेड प्रेस आफ इंडिया और रायटर के स्थान पर वनाया गया था। देश में इसके 124 समाचार व्युरो है जिनमें चार महानगरों के कम्प्युटर सज्जित कार्यालय भी सम्मिलित हैं।

यू.एन.आई. का पंजीकरण एक कंपनी के रूप में 1954 में हुआ था और इसने समाचार का काम 1961 आरंभ किया। 1982 में इसने हिंदी समाचार सेवा यूनिवार्ता के नाम से शुरू की। यह खाड़ी के चार देशों के समाचार पत्रों को समाचार देने के लिए एक समाचार सेवा चलाती है।

प्रेस परिषद ऐक्ट 1978 के अधीन भारत की पहली प्रेस परिषद का गठन 1979 में, दूसरी का 1982 में और तीसरी 1985 में किया गया और चौथी का 28 सितम्वर 1988 को किया गया। न्यायमूर्ति के. जयचंद्र मूर्ति इसके अध्यक्ष हैं। प्रेस परिषद का उद्देश्य समाचार पत्रों की स्वाधीनता की रक्षा करना, समाचार पत्रों और समाचार एजेन्सियों के स्तर को वनाये रखना तथा उसमें सुधार करना है।

आर.एन.आई. इसकी स्थापना 1956 में की गयी थी। आरएन.आई. कागज कोटे को नियत करती है और विदेश से कागज व छपायी मशीनें आयात करने की संस्तुति करती है। प्रत्येक अखवार, पत्रिका को आर.एन.आई. से पंजीकरण कराना होता है।

प्रेस इनफार्मेशन व्यूरो भारत सरकार की यह केंद्रीय एजेंसी है। इसके 40 क्षेत्रीय कार्यालय/शाखायें हैं। पीआई.वी. समस्त सरकारी सूचनाओं कार्रवाइयों व अन्य कार्यक्रमों को पत्र पत्रिकाओं को उपलव्ध कराती है। पत्रकारों, फोटोग्राफर तकनीशियनों को एक्रेडियेशन भी देती है।

सर्वाधिक प्रसार संख्या के पत्र/पत्रिकायें

प्रमुख दैनिक

टाइम्स आफ इंडिया	अंग्रेजी	21,95520
दैनिक भास्कर	हिंदी	15,49804
दैनिक जागरण	हिंदी	15,13092
मलयाला मनोरमा	मलयालम	12,12715
हिंदुस्तान टाइम्स	अंग्रेजी	12,10345
गुजरात समाचार	गुजराती	10,47521
हिंदू	अंग्रेजी	9,25257
इनाडु	तेलगु	911956
आनंद वाजार पत्रिका	वंगाली	8,82533
आज	हिंदी	8,62837

एवीसी जुलाई दिसंवर 2002

प्रमुख साप्ताहिक

दी सनडे टाइम्स आफ इंडिया	अंग्रेजी	19,96017*
मलयाला मनोरमा	मलयालम	10,51088
मंगलम	मलयालम	4,84,816
इंडिया टुडे	अंग्रेजी	4,63808
इंडिया टुडे	हिंदी	3,53,727

नई दिल्ली संस्करण जनवरी जून के आंकड़े प्रयुक्त किये गए है

प्रमुख पाक्षिक व मासिक

सरस सलिल	हिंदी	10,76,344
वनिता	मलयालम	4,62,026
मेरी सहेली	हिंदी	3,16,932
गृहशोभा	हिंदी	3,15,717
कम्पीटीशन सक्सेस रिव्यू	अंग्रेजी	2,52,623

प्रमुख वार्षिक

कालनिर्णय	मराठी	50,76,148
कालनिर्णय	हिंदी	5,46335
मालिग्गे पांचांग दर्शिनी	कन्नड़	2,52,544
मनोरमा इयर वुक	अंग्रेजी	2,33,467
शरदिया वर्तमान	वंगाली	1,51,594

सिनेमा [illegible] सफर

दिलचस्प

मनोरंजन, ज्ञान–विज्ञान, दुर्लभ और विविध दृश्यावली का प्रमुख साधन सिनेमा बनाम फिल्म है। आज भी फिल्में मनोरंजन का प्रमुख साधन है और नौ दशक पूर्व भी मनोरंजन का साधन थीं। हालांकि तब के मनोरंजन में आश्चर्य एवं कौतुहल सम्मिलित था। आज नई–नई तकनीकी, नये–नये वाद्ययंत्र, कंप्यूटर, कैमरा और नये–नये प्रयोगों से इस मनोरंजन की प्रस्तुति को नवीन आयाम मिला है।

विश्व में फिल्म शुरु हुए सन् 1995 (7 जुलाई) में पूरे एक सौ वर्ष हो गए एक सौ वर्षों के फिल्मी इतिहास के संक्षेप में समेटना बड़ा दुष्कर कार्य है जिसके कारण इस आलेख में बहुतेरे नाम, उपलब्धियां व विवरण आने से वंचित रह सकते हैं और रहे भी होंगे। आलोचना प्रत्यालोचना को छोड़कर फिल्मी इतिहास की झलकियां इस प्रकार हैं :

फिल्मों से पहले अभिनय एवं कथा कहानी आदि की प्रस्तुती रासलीलाओं, रामलीलाओं, नाटकों, रम्मत, ख्यालों, कठपुतली, लोक पर्वों, चौपालों आदि से होतीं थीं। अब से एक सौ वर्ष पहले सन् 1895 में फ्रांस की राजधानी पेरिस में सिनेमा का जन्म हुआ। 28 दिसंबर, 1895 को पेरिस के एक रेस्तरा 'ग्रेंड कैफे' में सर्वप्रथम फिल्म प्रदर्शित हुई। दुनिया की इस पहली फिल्म को देखने के लिए सिर्फ 30 व्यक्ति ही आए। दृश्यों में आपस में कोई तालमेल न था और न ही कोई कहानी थी। गीत, संगीत, संवाद का तो कोई सवाल ही न था। इस चलचित्र में शरारती बालक द्वारा पाइप का मुंह दबाकर बाग के माली पर फव्वारा छोड़ना, प्लेटफार्म की भीड़ में ट्रेन का आगमन आदि दृश्य थे। इस फिल्म को बनाने वाले दो व्यक्ति आगस्ट और लुई लुमियर सगे भाई थे जो फोटोग्राफी का सामान बेचते थे।

7 जुलाई, 1896 के लुमियर ब्रदर्स ने बंबई के वाट्सन होटल में 6 फिल्मों का पैकज (एंट्री आफ सिनेमाटोग्राफ, एडिमोलेशन, अराइवल आफ द ट्रेन, द सी वर्थ, लीविंग द फैक्ट्री तथा लेडिज सोल्जर्स आन वील्स), 'मैजिकलैम्प' फिल्म दिखाई जो परदे पर दिखाई जानेवाली, भारत में दिखाई गई पहली फिल्म थीं। टिकट दर थी, एक रुपया। विज्ञापन एवं प्रचार में बताया गया कि धमाकेदार मनोरंजन 6, 7, 9 और 10 बजे होगा। इस फिल्म की लंबाई तीन हजार सात सौ फुट थीं। सन् 1897 में उक्त फिल्मों का पैकज कलकत्ता में प्रदर्शित किया गया। इसी वर्ष सर्व प्रथम भाटवडेकर ने बंबई के हेंगिंग गार्डन में कुश्ती की एक फिल्म उतारी।

सन् 1898 में कलकत्ता के हीरालाल सेन ने प्रथम चलचित्र कैमरा खरीदा जिसका उपयोग राजा–महाराजा और सामंत के महलों के चित्रांकन कर जनता को दिखाए।

पहला दशक

इस दशक में सन् 1901 में कैंब्रिज विश्वविद्यालय से गणित की परीक्षा में सर्वाधिक अंक पाने वाले भारतीय छात्र आर.पी. परांजय भारत लौटे तो स्वदेश आगमन के इस दृश्य का सावे दादा ने फिल्मांकन किया। इसे भारत की पहली डाकुमेंटरी फिल्म माना गया।

सन् 1902 में कलकत्ता के क्लासीकल थिएटर में के. शशि ने ग्रामोफोन डिस्क पर गीत रिकार्ड करवाया।

सन् 1903 में भाटवडेकर और अमरीकी बागोग्राफ ने मिलकर 'दिल्ली दरबार आफ लार्ड कर्जन' का फिल्मांकन किया।

सन् 1905 में एफ. मदान ने फिल्म निर्देशक का कार्य शुरू किया। सन् 1907 में एफ. मदान ने कलकत्ता में देश की प्रथम सिनेमा 'एलफिन्सस पिक्चर पैलेस' बनवाया।

सन् *1901 से 1907 तक सूरत के अब्दुल अली,* यूसफ अली ने अपनी ट्यूरिस्ट सिनेमा के माध्यम से देश विदेश में घूमकर, तंबू लगाकर अपने बाइस्कोप से लोगों को फिल्मे दिखाई।

सन् 1910 में पी.बी. मेहता के थिएटर में 'द लाइफ आफ क्राइस्ट' फिल्म प्रदर्शित हुई जिसे दादा साहेब फालके ने भी देखा।

दूसरा दशक

दूसरे दशक में मराठी भाषी हरिश्चन्द्र सखाराव भाटवडेकर उर्फ दादा सावे ने फिल्म बनाने की शुरुआत की, मगर कहानी पर आधारित फिल्म बनाने का श्रेय दादा साहेब फालके को जाता है।

सन् 1911 में जार्ज पंचम भारत आए। दिल्ली में भव्य दरबार आयोजित हुआ जिसका फिल्मांकन हीरालाल सेन, वार्न एण्ड शेफर्ड, एस.एन. पाटणकर एवं जे.एम. मदान ने किया। इसी वर्ष फालके लंदन गए और फिल्म निर्माण का प्रशिक्षण लिया।

सन् 1912 में आर.जी. तोरणे की प्रथम थिएट्रिकल फिल्म 'पुंडलिक' प्रदर्शित हुई। बम्बई प्रथम नगर है जहां फिल्म निर्मण शुरु हुआ।

सन् 1913 में भारत में भारतीय फिल्म का श्रीगणेश हुआ जिसके जनक थे मराठी भाषी घुंडीराज गोविन्द फालके (दादा साहब फालके) फिल्म थी, 'राजा हरिश्चन्द्र' (गूंगी फिल्म), जिसका प्रेस शो हुआ 21 अप्रैल को एंव प्रदर्शित हुई 3 मई, 1913 को बम्बई के कोरेनेशन थिएटर में।'बोम्बे क्रानिकल (अखबार) में 5 मई को राजा हरिश्चन्द्र फिल्म की समीक्षा छपी। विदेश (लंदन) में सन् 1914 में प्रदर्शित होने वाली प्रथम भारतीय फिल्म राजा हरिश्चन्द्र थी।

सन् 1914 में ही अर्देशीर इरानी के साथ मिलकर अब्दुल अली युसफ अली ने बम्बई में 'एलेक्जेंडा' नाम से सिनेमा हाल बनाया जो मात्र टीन का छप्पर था।

सन् 1918 में मैजेस्टिक सिनेमा (बम्बई) बना जिसमें प्रदर्शित होने वाली पहली भारतीय फिल्म 'कृष्ण जन्म' थी जो फालके द्वारा निर्मित थी।

दादा फालके की दूसरी फिल्म 'भस्मासुर मोहिनी' में दुर्गा और मोहिनी नामकी दो स्त्री कलाकार थीं। फिल्मों की पहली स्त्री कलाकार होने का श्रेय उन्हीं दो स्त्रियों को जाता है। तत्कालीन समय में स्त्री कलाकारों का सर्वदा अभाव था। प्रारंभिक समय में फिल्मों में स्त्रियां आईं भी तो उनमें अधिकतर कोठेवालियां थीं। हालांकि सन् 1932 तक अनेक फिल्मों में पुरुषों ने ही स्त्रियों का रोल अदा किया।

18 वर्षों तक देश में गूंगी फिल्में बनती रहीं। भारत की प्रथम फिल्म 'राजा हरिश्चन्द्र' में नायिका का अभिनय करने के लिए कोई महिला तैयार न हुई। मजबूरन सालुंके नाम के लड़के से महिला का अभिनय करवाया गया। इसके पश्चात् पुरुषोत्तम वैद्य ने श्रीकृष्ण जन्म, लेजरमेड, हिज फादर आनर एवं पति पत्नी फिल्मों में स्त्री का अभिनय किया। पुरुषोत्तम का स्त्री रोल निभाने का भी एक रोचक किस्सा है।

सन् 1917 में इन्दौर नरेश श्रीमंत तुकोजीराव होल्कर ने दादा फालके को फिल्म क्षेत्र में तरक्की के लिए आर्थिक सहायता दी तथा ओर भी कुछ मांगने को कहा। महाराजा के विशिठ दरबारी रायबहादुर डा महादेव पृथ्वीनाथ के ज्येष्ठ पुत्र पुरुषोत्तम वैद्य जो शौकिया चित्रकार और छायाकार थे ~था हावभाव से स्त्री जनित थे, स्त्री अभिनय निभाने के लिए ग लिया।

सन् 1920 में बाबूराव पेंटर ने अपनी फिल्म 'वत्सला रण' के लिए पहली दफा सिनेमा पोस्टर जारी किया।

मूक फिल्मों की कुछ उल्लेखनीय अभिनेत्रियां थीं, लोचना, माधुरी, जेबुन्निसा, लीला, शांताकुमारी, हुस्नबाबू, दनबाई, एनाक्षी रामाराम, फिरोजा आदि तथा प्रमुख भिनेता थे, मास्टर विट्ठल, जयराज, प्राण, माधव कौल, थ्वीराज कपूर, मोती लाल, ई. बिल्मोरिया, पी सी. बरुआ, सवदत्ता, सहगल, सुरेश बाबू इत्यादि।

मूक फिल्मों के संवाद परदे के पीछे बैठे व्यक्ति द्वारा बोले ते थे। परदे के पीछे बैठकर सर्व प्रथम संगीत देने वाले थे, जराती भाषी द्वारका दास संपट जिन्होंने हारमोनियम और पला वादकों के साथ बैठकर हिन्दी फिल्मों में पार्श्वसंगीत ो शुरुआत की। इस दशक में (सन् 1913 से 1920 क) 49 मूक फिल्में बनीं।

ीसरा दशक

तीसरे दशक में भी मूक फिल्मों का दौर जारी रहा। सन् 921 में प्रदर्शित फिल्म 'विदेशी वस्त्रों की होली' में गांधीजी हात्मा गांधी) ने अभिनय किया।

सन् 1923 में कोहेनूर कंपनी के मालिक द्वारकादास गरमल संपट ने फिल्म 'भक्त विदुर' में गांधीजी की भूमिका भिनीत की एवं ब्रिटिश सरकार के विरुद्ध हावभाव, बोल रदे पीछे) प्रदर्शित किए जिसके कारण सिनेमाटोग्राफ एक्ट 1918 के तहत इस फिल्म पर प्रतिबंध लगा दिया गया। प्रतिबंधित होने वाली यह पहली फिल्म थी।

सन् 1925 में भारत की पहली महिला फिल्म निर्माता फातमा बेगम की फिल्म 'बुलबुल ए परिस्तान' प्रदर्शित हुई।

सन् 1926 में निर्मित फिल्म 'वंदेमातरम आश्रम' में इसके निर्माता भालजीराव पेंढारकर और बाबूराम पेंढारकर ने शिक्षा पद्धति में परिवर्तन का संदेश दिया जिसे ब्रिटिश सरकार ने अपने पर आक्षेप समझते हुए फिल्म को प्रदर्शित नहीं होने दिया।

मूक फिल्मों के दौर में मदन थिएटर कंपनी के मालिक जमशेदजी फ्रामजी मदान के देश में एक तिहाई सिनेमाघर थे। इस दशक में 947 मूक फिल्में बनीं।

चौथा दशक

चौथे दशक में बोलती फिल्मों का शुभारंभ हुआ। सन् 1931 में पहली बोलती फिल्म 'आलमआरा' बनी जिसे एक पारसी व्यक्ति अर्देशीर इरानी ने बनाई। यह फिल्म 14 मार्च, 1931 को बम्बई के मैजेस्टिक सिनेमाहाल में प्रदर्शित हुई। फिल्म में 12 गाने थे और उसकी लंबाई 10 हजार 500 फुट थी और सेंसर नं. 10043 था। मुख्यपात्र मास्टर विट्ठल, जुबेदा तथा पृथ्वीराज कपूर एवं गायक डब्ल्यू ए. खान थे।

इस दशक में बाबूराव पेंटर बरुआ, दामले, फत्तेलाल, भालजी पेंढारकर, सोहराब मोदी, वी. शांताराम जैसे अभिनेता-निर्माता, निदेशकों ने-दुनिया न माने, आदमी, अछूतकन्या, पुकार, साहुकारी पाशा, देवदास, सैरंधी जैसी उल्लेखनीय फिल्में बनाई। सैरंधी देश की प्रथम रंगीन फिल्म थी, नगर प्रोसेसिंग की गड़बड़ी से स्पष्ट छवि न होने से 'किसान कन्या' को यह स्थान मिला, इसके साथ ही इस फिल्म-(किसान कन्या) की नायिका पद्मा को 'कलर क्वीन' का खिताब मिला।

इस दौर में अधिकतर कलाकार अपने गाने खुद गाते थे।

बाम्बे टाकीज की 'अछूत कन्या' से अशोक कुमार और देविकारानी का पदार्पण हुआ शरतचन्द्र के उपन्यास देवदास पर इसी नाम से बरुआ ने फिल्म बनाई जिससे कुन्दन लाल सहगल का आगमन हुआ। हिन्दी एवं बंगला में बनी 'देवदास' फिल्म मील का पत्थर सिद्ध हुई। हिन्दी एवं बंगला में बनी 'देवदास' फिल्म मील का पत्थर सिद्ध हुई। सोहराब मोदी द्वारा निर्मित 'पुकार' पहली ऐतिहासिक फिल्म बनी। इस फिल्म से नसीमा बानो का प्रवेश हुआ। अछुत कन्या फिल्म में अभिनय कर देविकारानी को 'फर्स्ट लेडी' का दर्जा हासिल हुआ।

सन् 1932 में बनी फिल्म राधारानी में-17, मीराबाई में-19, सुभद्राहरण में-22, मुफलिस आशिक में-32, शादी की रात में-35 और चतरा-बकावली में-49 गाने थे। संगीतकार नागरदास में संगीत निदेशन में 'इन्द्रसभा' फिल्म में तो 71 गाने थे।

सन् 1933 में देश की पहली अंग्रेजी सवाक फिल्म 'कर्मा' की शूटिंग इंग्लेण्ड में हुई जिसके निर्माता अभिनेता हिमांशुराय और अभिनेत्री देविकारानी थी। इसी वर्ष बनी

सन् 1958 में सत्यजीत राय की 'अपूर संसार' को फिल्म के लिए राष्ट्रपति द्वारा पदक मिला। सन् 1958 हास्य अभिनेता गोप का निधन। उनका निधन भी ड्रामाई । फिल्म 'तीसरी गली' की शूटिंग के एक दृश्य में गोप । यह संवाद वोलना था, 'अव मैं ऊपर जा रहा हूं।' यह ...ग वोलते ही उन्हें दिल का दौरा पड़ा और वे सचमुच 'ऊपर' चले गए इस दशक में 2784 फिल्में वनीं।

... दशक

सातवें दशक में वहुतेरी नवीनताएं रही। विमल मित्र के उपन्यास 'साहव वीवी गुलाम' पर इसी नाम से वनी फिल्म प्रशंसित रही। शक्ति सामंत की गोल्डन जुवली फिल्म आराधना' से एक लोकप्रिय कलाकार राजेश खन्ना का आगमन हुआ। यहीं से 'सुपर स्टार' संवोधन का प्रचलन शुरु हुआ।

चीनी हमले पर वनी फिल्म 'हकीकत' सचमुच में हकीकत और देश की पहली युद्ध फिल्म थी। गीत संगीत भी कर्णप्रिय एवं अभिमानित थे।

इस दशक की शुरुआत में देश में दूरदर्शन का चलन शुरु हो गया।

दशक की लोकप्रिय फिल्में थीं: चौदहवीं का चांद, हरियाली और रास्ता, हिमालय की गोद में, आस का पंछी, गंगा जमुना, मुझे जीने दो, आर्शीवाद, सत्यकाम, संगम, गाइड, वंदिनी, खानदान, मिलन, उपकार, रोटी कपड़ा और मकान, यादगार, मेरे महवूव, शोर, मेरा साया, आरजू, राम और श्याम, पत्थर के सनम, काजल, दो रास्ते, दोस्ती, मैं चुप रहूंगी, वीस साल वाद, वो कौन थी, आरती, गुमनाम, सूरज, जानी मेरा नाम, वरसात की रात, ससुराल, जंगली इत्यादि।

इसी दशक के कला फिल्मों की शुरुआत हुई। यथा– भुवनसोम, सारा आकाश, मंथन, अंकुर, निशांत, भूमिका, मृगया, उसकी रोटी, खण्डहर, आक्रोश, पार्टी, दामुल, अनुभव, आविष्कार, 27 डाउन, पार, पंचवटी एवं माया दर्पण।

गुड्डी फिल्म से जया भादुड़ी एवं जंगली फिल्म से सायरावानो का आगमन हुआ। 'जंगली' से ही शम्मीकपूर के एक नये रूप 'याहू' का उदय हुआ।

पारसमणि फिल्म से संगीतकार लक्ष्मीकांत प्यारेलाल का आगमन हुआ। इस फिल्म का गाना 'हंसता हुआ नूरानी चेहरा' लोकप्रिय हुआ।

फिल्म 'सपनों का सौदागर' से हेमामालिनी का आगमन हुआ जो ड्रीम गर्ल (स्वप्न सुन्दर) कहलाई।

अभिनेताओं में विनोद खन्ना, मनोजकुमार, धर्मेन्द्र, जीतेन्द्र, रणधीर कपूर, जाय मुकर्जी, असरानी, विश्वजीत, महमूद, संजीवकुमार, सुजीत कुमार, देव मुखर्जी, सुधीर, विजय अरोड़ा, सुशील, संजय खान, मनीष आदि उभरे।

अभिनेत्रियों में वविता, विन्दू, सारिका, तनूजा, शकीला वानो, साधना, जमुना, वेवी फरीदा, सुचित्रासेन, राजश्री, रमोला, कल्पना, नीलोफर, सईदाखान, अरुणा ईरानी, शर्मिला टैगोर आदि का प्रवेश हुआ।

गीतकारों में असद भोपाली, रवि, गुलशन वावरा आ जुड़े। संगीतकार यथावत थे।

निदेशक निर्माता में अमरजीत, वीरेन नाग, फणि, शक्तिसामंत, आसित सेन, भीम सिहं, ओ.पी. रल्हन, रवि नागाइच, मनोजकुमार, देवानंद, विजय आनन्द, एल.वी. प्रसाद, देवेन्द्र गोयल की टीम वढ़ी।

सन् 1968 में 'इज्जत' फिल्म में धर्मेन्द्र के साथ जयललिता ने अभिनय किया जो आगे–चलकर तमिलनाडु की मुख्यमंत्री वनी।

सन् 1969 में वनी 'इत्तफाक' एवं 'भुवनसोम' फिल्मों में एक भी गाना न था।

'आसमान महल' फिल्म में अभिनय के लिए पृथ्वीराज कपूर को चैक अकादमी आफ आर्ट्स द्वारा सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का पुरस्कार मिला। मृणाल सेन की फिल्म 'भुवनसोम' को वेनिस कला प्रदर्शनी में स्वर्ण पदक मिला।

सुनीलदत्त ने 'यादें' फिल्म वनाकर रेकार्ड कायम किया। विश्व की यह पहली फिल्म थी जिसमें केवल मात्र एक ही कलाकार याने सुनील दत्त ही था तथा एक ही घर में फिल्माई गई थी।

मनोज कुमार की फिल्म 'उपकार' में गुलशन वावरा द्वारा लिखा गीत 'मेरे देश की धरती...' राष्ट्रीय पर्व का गीत बना। इस प्रकार की फिल्मों एवं गीतों को तत्कालीन प्रधानमंत्री लाल वहादुर शास्त्री ने प्रोत्साहन दिया था। इससे पहले कवि प्रदीप के लिखे गीत ही राष्ट्रीय गीत वने थे ततपश्चात कैफी आजमी के गीत।

कवि प्रदीप ने गैर फिल्मी राष्ट्रीय गीत 'ऐ मेरे वतन के लोगों' लिखकर एवं लता ने गाकर प्रधानमंत्री नेहरु सहित उपस्थित श्रोताओं की आंखें सजल की।

राजेन्द्रकुमार अभिनीत 'सूरज' फिल्म का गाना 'बहारों फूल वरसाओं' शादियों का लोकप्रिय गीत वना। सूरज फिल्म से गायिका शारदा (तितली उड़ी) का उदय हुआ। वैसे राजेन्द्रकुमार जिन्हे जुवली कुमार भी कहते थे उनके वारे में यह प्रचलित था की उनकी फिल्में जुबली जरूर करती थी एव उनकी फिल्मो के गाने भी बहुत पसंद किये जाते थे।

'मैं चुप रहुंगी' फिल्म का गीत 'तुम्हीं हो माता...' स्कूलों का प्रार्थना गीत बना।

सन् 1970 मे फालके जन्म शती समारोह मनाया ... सरकार द्वारा भारतीय फिल्मो का सर्वोच्च पुरस्कार 'दादा साहब फालके पुरस्कार' की शुरुआत की गई। सन् ... का यह पुरस्कार (जो सन् 1970 में प्रदान किया ...) ... बार देविका रानी (अभिनेत्री) को मिला। इस पुरस्कार ... कमल तथा ... हजार रुपये (सन् 1975 ...) शुरु हुए। फालके की स्मृति में डाक टिकट ...

गीत सगीत की दृष्टि से यह दशक ... था। इस दशक में 3302 फिल्में वनीं।

आठवां दशक

आठवे दशक में सन् 1969 ... नामक फिल्म से फिल्मों में कदम र...

का युग शुरू हुआ जो की जंजीर, डान, दीवार, शोले, अमर अकबर एंथनी से सुपर डुपर पायदान पर आ पहुंचे।

शोले और जयसंतोषी मां फिल्मों ने बाक्स आफिस पर रेकार्ड तोड़ धूम मचाई। 'शोले' ने बम्बई के मिनर्वा थिएटर में लगातार 5 वर्ष चलकर 'किस्मत' फिल्म के पश्चात् रेकार्ड कायम किया। देश में पहली दफा फिल्म 'शोले' के डायलाग (संवाद) का कैसट जारी हुआ।

राजकपूर की 'बाबी' फिल्म ने भी भरपूर सफलता अर्जित की। टीनएज की यह पहली फिल्म थी जिसमें डिम्पल ऋषिकपूर का प्रवेश हुआ। नये गायक शैलेन्द्र सिंह का इसी फिल्म से आगमन हुआ।

'नया दिन नई रात' फिल्म में संजीव कुमार ने अलग-अलग 9 प्रकार के रोल किए।

'कुर्बानी' फिल्म से नयी गायिका नाजिया हसन का आगमन हुआ जिसका गाया गाना 'आप जैसा कोई....' आज भी लोकप्रिय है।

'पाकीजा' फिल्म के गाने सदा बहार बने। इन्हीं लोगों ने, चलो दिलदार चलो, ठाड़े रहियो, मौसम है आशिकाना, चलते चलते गानों की मधुरता कभी खत्म नहीं होगी।

अभिनेत्रियों में प्रेमा नारायण, रेहाना सुल्तान (जिसे उसकी प्रथम फिल्म 'दस्तक' में ही उर्वशी पुरस्कार मिला), लक्ष्मी, परवीन बाबी, रेखा, जीनत अमान, मौसमी चटर्जी, जयप्रदा, देबाश्रीराय, मीनाक्षी, सोनिया साहनी, नीतू सिंह, सुलक्षणा पंडित, रीनाराय, रंजीता, स्मिता पाटिल, शबाना आजमी, जेनिफर कपूर, बिंदिया गोस्वामी, रामेश्वरी आदि की टीम जुड़ी।

अभिनेताओं में फिरोजखान, प्रेम चोपड़ा, राकेश रोशन, डेनी, सचिन, गिरीश कर्नाड, शत्रुघन सिन्हा, अमोल पालेकर, तारीक, अमजद खां उभरे।

गायकों में येशुदास, अनूप जालोटा, तलत अजीज, जसपाल [illegible], नितिन मुकेश, चंचल, पंचम (राहुलदेव वर्मन), भूपेन्द्र, अमित कुमार एवं गायिकाओं में सुषमा श्रेष्ठ, प्रीतिसागर, हेमलता, चन्द्राणी मुखर्जी एवं रूना लैला आदि जुड़े।

गीतकारों में बाल कवि बैरागी, इन्द्रजीत सिंह तुलसी, संतोष आनन्द, शहरयार, विठ्ठल भाई पटेल, एम जी. हशमत, योगेश, माया गोविन्द, कफील, जानी बाबू, रवींद्र सुल्तानिया, जांनिसार अख्तर आदि उभरे।

संगीतकारों में सोनिक ओमी, राजेश रोशन, रवींन्द्र जैन, आर.डी. बर्मन, श्यामल मित्र, बिब्बु, चांद परदेशी, हंसराज आदि चर्चित रहे।

निदेशकों में राजा ठाकुर, रघुनाथ झालानी, रमेश सिप्पी, सैंडोचिनप्पा देवर, टी. रामाराव, गोविन्द निहलानी, श्याम बेनेगल, सुभाष घई, होरेन नाग, बासु चटर्जी, सुल्तान अहमद आदि का बोलबाला रहा।

कोशिश, अंकुर, अचानक, चोरचोर, सतहसे उठता आदमी एवं शोध (सभी कला फिल्मों) में कोई गाना न था। मृणालसेन की फिल्म 'मृगया' को स्वर्णकमल पुरस्कार मिला।

इस दशक में दो अभिनेताओं (पृथ्वीराज कपूर, सोहराब मोदी), दो अनिभेत्रियों (सुलोचना, कानन देवी), दो संगीतकारों (आर.सी. बोराल, पंकज मालिक) एवं चार निर्माताओं (बी.एन. सरकार, बी.एन. रेड्डी, धीरेन्द्र गांगुली, नितिन बोस) को दादे साहेब फालके पुरस्कार मिला। इस बार पुरस्कार राशि 40 हजार रु. कर दी गई। (सन् 1975 से 1985 तक)।

नरगिस, दीनानाथ मंगेशकर, एम.जी. रामचन्द्रन, सत्यजीत राय, पृथ्वीराज कपूर और चार्ली चेपलिन पर भारत सरकार ने डाक टिकट जारी किए। इस दशक में 5311 फिल्में बनीं।

नवां दशक

नवें दशक में गीत-संगीत, दृश्य, संवाद आदि सब गुड्डमड्ड हो गए। द्विअर्थी व स्तरहीन गानों की भरमार हो गई। दृश्य फूहड़ और अमर्यादित हो गए।

गुलशन कुमार ने 'गीत बैंक' की स्थापना करके गानों की कैसट तो सस्ती कर दी, मगर सुरीले गानों को अन्य आवाज में गवाकर, गानों का दर्द व मर्म समाप्त कर दिया।

संई परांजपे व मीरा नायर महिला निर्माता-निदेशक एवं सरोजखान नृत्य निदेशिका का आगमन हुआ।

दशक की कुछ सफल फिल्में इस प्रकार थीं: राम तेरी गंगा मैली, एक दूजे के लिए लावारिस, उमरावजान, प्रेमरोग, कुली, गांधी, मासूम, शराबी, नाचे मयूरी, मि. इंडिया, सागर, सौतन, तेजाब, मैंने प्यार किया, आशिकी, घायल, दिल इत्यादि।

कला फिल्मों में मिर्च मसाला, पार, एक चादर मैली सी, सलीम लंगड़े पर मत रो, अर्थ इत्यादि की चर्चित हुई।

फिल्म 'छोटा चेतन' से 'थ्री डी' फिल्मों की शुरुआत हुई जो एक विशेष चश्मा लगाकर देखी जा सकती थी। दृश्य ऐसे लगते थे मानो बिलकुल पास हो। बिना चश्मा के फिल्म नहीं देखी जा सकती। यह प्रयोग सफल नहीं हुआ। अतः तीन फिल्मों के निर्माण के पश्चात थ्री डी फिल्में बननी बंद हो गई।

इस दशक में 'राष्ट्रीय फिल्म विकास निगम' (एन.एफ.डी.सी) का गठन हुआ।

ओमपुरी को 'अर्धसत्य' फिल्म में अभिनय के लिए कार्लोवी फिल्म महोत्सव में 'श्रेष्ठ अभिनेता' का सम्मान दिया गया।

दशक में तीन अभिनेताओं (जयराज, अशोक कुमार, राज कपूर) एक अभिनेत्री (दुर्गा खोटे), एक संगीतकार (नौशाद), एक गायिका (लता) एवं चार निर्माताओं (एल. वी. प्रसाद, सत्यजीतराय, व्ही. शांताराम, बीनागी रेड्डी) को फालके पुरस्कार दिया गया। सन् 1985 से फालके पुरस्कार राशि एक लाख रुपये कर दी गई।

अनिभनेताओं में अनंतनाग, रजनीकांत, दीपक पराशर, सुरेश ओबेराय, ओमपुरी, कुलभूषण खरबन्दा, अनुपम खेर, राजीव कपूर, कुमार गौरव, अरविन्द स्वामी, सलमान खान, आमिर खान, राहुल राय, आदित्य पांचोली, चंकी पांडे, गोविन्दा, अक्षयकुमार, जैकी श्राफ, मिथुन चक्रवर्ती, कमलहासन, अमरीशपुरी, नसीरुद्दीन शाह, नानापाटेकर, मोहसिनखान, कादरखान, सनी देओल, अनील कपूर, जोगिन्दर, राज बब्बर, अमोल पालेकर आदि बढ़े।

बहुतेरी अभिनेत्रियाँ आ जुड़ी। यथा-पूजाबेदी, पूजा भट्ट, सुजाता मेहता, दीप्ति नवल, पद्मिनी कोल्हापुरी, हुमाखान,

कल्पना अय्यर, माधुरी दीक्षित, अमृता सिंह, सोनम, श्रीदेवी, ऋचा शर्मा, सलमा आगा, टीना मुनीम, जरीना वहाव, महुआ राय, पल्लवी जोशी, सोनू वालिया, सोनिका गिल, रति अग्निहोत्री, शताब्दीराय, पूनम ढिल्लो, संगीता विजलानी, रंजीता, रामेश्वरी, विद्यासिन्हा, विजयेता पंडित, मुनमुन सेन, खुशवू, मल्लिका साराभाई, नीतापुरी, सुधा चन्द्रन, रूपा गांगुली, स्वप्ना, सुपर्णा, फरहा, मंदाकिनी, भाग्यश्री, रोहिणी हट्टंगड़ी, अन्नू अग्रवाल इत्यादि।

गायकों में एस.पी. वाला सुब्रह्मण्यम, अनूप घोषाल, अभिजीत, अनुपम देशपांडे, उदित नारायण, वावला मेहता, कुमार सानू, सुरेश वाडकर, शव्वीर कुमार, पंकज उधास, भूपेन्दर, गुरुदास मान आदि जुडे।

गायिकाओं में सलमा आगा, वाणीजयराम, सोनाली वाजपेयी, अल्का याज्ञनिक, चित्रा, दिलराज कौर, एस.जानकी, कविता कृष्णमूर्ति, अनुपमा व अनुराधा पौडवाल आदि आगे आए।

गीतकारों में हसन कमाल, वसर नवाज, फारुक, असद, समीर की पहचान वनी। संगीतकारों में वप्पीलहरी, अन मलिक, आनन्द मिलिन्द, राम लक्ष्मण, शिव हरि का आगमन हुआ।

निदेशकों में मुज्जफरअली, सागर सरहदी, के.वालचन्दर, गोविन्द मुनीष, शेखर कपूर, सावन कुमार, मुकुल आनन्द, हरमेश मल्होत्रा, केतन आनन्द, एन.चन्द्रा, टीनू आनन्द, अवतार भोगल, पंकज पाराशर, सूरज वड़जात्या, राजकुमार संतोषी, महेश भट्ट, इन्द्र कुमार, राजकुमार कोहली, दीपक, वलराज विज आदि वड़े।

गानों में दिल के अरमां (निकाह), इन आंखों की मस्ती (उमरावजान), एक दो तीन (तेजाव) अति लोकप्रिय हुए। लकड़ी की काठी (मासूम) गाना वच्चों को वहुत भाया।

इस दशक में 842 फिल्में वनीं।

दसवां दशक

दसवें दशक (अंतिम) के पूर्वाद्ध में सैकड़ों नये चेहरों का आगमन हुआ, मगर गिनी चुनी फिल्मों को छोड़कर संगीत की माधुर्यता समाप्त हो गई। फिल्में भी पारिवारिक ना रही। शयन कक्ष और हमाम घर के दृश्य अनावृत्त हो गए। खलनायक फिल्म के 'चोली' गीत ने मर्यादाओं का हनन किया।

कुछ सफल फिल्में –मैंने प्यार किया, चांदनी, आंखें, वाजीगर, डर, साजन, फूल और कांटे, दिल्लगी, मोहरा, रोजा, जुरासिक पार्क, तिरंगा, करन अर्जुन, बोम्वे, सौदागर, हम, वेटा, तू खिलाडी में अनाडी, हम आपके हैं कौन, दिलवाले दुल्हनिया ले जायेंगे इत्यादि।

अभिनेताओं में नये चेहरे जुड़े–दीपक तिजोरी, विवेक मुसरान, किशन कुमार, ममूटी, प्रसन्नजीत, अयूबखान, सुनीलशेट्टी, विष्णुवर्धन, शाहरुख खान, सैफ अली खान, परेश रावल, चिरंजीवी, पंकजधीर, अजय देवगण, कमल सदाना, सुदेश वेरी, रवि सागर, जयमेहता, विज़य सक्सेना, प्रशांत, वेंकटेश, रोनितराय, वावी देओल, सुमीत सैगल, रोहणकपूर, दीपक मल्होत्रा, अविनाश वधावन, रविवहल, अतुल अग्निहोत्री, जुगल हंसराज, फैसल खान, पुरू राजकुमार, विकास भल्ला, शोएव खान इत्यादि।

नई अभिनेत्रियों में आगमन हुआ–ममता कुलकर्णी, काजोल, सुचित्रा कृष्णामूर्ति, शिल्पा शेट्टी, रेवती, मनीषा कोइराला, सोमी अली, श्वेता मेनन, नगमा, कंचन, प्रिया, आयशा जुल्का, वर्षा उषगांवकर, रागेश्वरी, शिखा स्वरूप, अश्विनी भावे, जेवा, रवीना टंडन, उर्मिला मांतोडकर, गौतमी, ताहिरा, विजय शांति, सुजाता, सहिला, अंजलि, दिव्या दत्ता, ऋतुपर्णा, ट्विंकल, रम्भा, दीप्ति, जुही चावला, शिल्पा शिरोड़कर आदि।

गायकों में सुदेश भौंसले, मनहर, विनोद राठौड़, जोली मुकर्जी, हरिहरन, अमित आ जुडे। गानों की मधुरता लगभग समाप्त हो गई। रैप और पोप गायकों गायिकाओं पार्वती खान, उषा उथुप, शेरोन प्रभाकर, वावा सैगल, जोजो, संजय कपिल, अपाचे इंडियन चर्चित हुए। गायिकाओं में इला अरुण का आगमन हुआ।

संगीतकारों में श्याम सुरेन्दर, निखिल विनय, नदीम श्रवण, जीतू तपन, जतिन ललित, जाकिर हुसैन, दिलीपसेन समीरसेन, आदेश श्रीवास्ताव, अमल उत्पल, वीजू शाह, हरि अर्जुन, महेश किशोर, दिलीपदत्ता, तुषार भाटिया, ऋषिराज, कमल आनन्द, इलैयाराजा, भूपेन हजारिका एवं ए.आर. रहमान की धूम मची।

निदेशकों में सम्मिलित हुए–आदित्य चोपड़ा, गुलशनकुमार, अशोक ठकारिया, फिरोज सिद्धीकी, डेविड धवन, राजीवराय, मेहुल कुमार, अव्वास मस्तान, दीपक सरीन एवं अजीज मिर्जा।

वम्वई (मुंवई) वमकांड के सिलसिले में अभिनेता संजयदत्त 'टाडा' में गिरफ्तार।

सदावहार हीरो देवानंद 70 वर्ष की उम्र में हीरो का रोल अदा करने वाला दुनिया का पहला कलाकार वना।

सरकते संगीत के वाद भी कुछ गाने लोकप्रिय हुए–साजन साजन (साजन), मैंने प्यार (फूल और कांटे), दिल हुम हुम (रुदाली), तू चीज वडी (मोहरा), इलू इलू (सौदागर), दिल दिया (कर्मा), दिल है छोटा सा (रोजा), घूंघट की आड़ में (हम हैं राही प्यार के) आदि।

सत्यजीत राय को आस्कर पुरस्कार मिला जो किसी भारतीय कलाकार–निर्माता को मिलने वाला पहला पुरस्कार था। सत्यजीतराय को 'भारत रत्न' से भी अलंकृत किया गया।

कमलहासन की 'पुष्पक' फिल्म संवाद रहित होने की वजह से काफी चर्चित हुई।

शेखर कपूर की 'बेंडिटक्वीन' फिल्म पूर्व दस्यु सुन्दरी फूलन देवी के जीवन पर वनी जो विवादास्पद रही। फूलन के एतराज पर यह फिल्म काफी समय तक प्रदर्शित न हो सकी। विलकुल नग्न दृश्य एवं अन्य वोल्ड फिल्मांकन की वजह से सिर्फ महिलाओं के लिए इस फिल्म के शो अलग से हुए।

गीतकारों में रवीन्द्र रावल, नवाव आरजू, माया गोविन्द, रानी मलिक आदि आए।

इस दशक में ए. नागेश्वरराय, मालजी पेंढारकर, भूपेन हजारिका, मजरूह सुल्तानपुरी, दिलीप कुमार, राजकुमार, शिवाजी गणेशन, वी.आर. चोपड़ा, ऋषिकेश मुकर्जी, प्रदीप एवं आशा भौंसल को फालके पुरस्कार प्रदान किया गया।

सन् 1996–अमिताभ वच्चन के संस्था ए.वी.सी.एल. ने भारत में प्रथम 'विश्व सुन्दरी प्रतियोगिता' का आयो

फिल्म समारोह में फिल्म 'बेंडिटक्वीन' की अभिनेत्री सीमा विश्वास को सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री की ट्राफी प्रदान की गई।

सन् 1997–अभिनेता दिलीप कुमार को पाकिस्तान सरकार ने अपने यहां का सर्वोच्च अलंकार 'निशान ए इम्तियाज' देने की घोषणा की। शबाना आजमी व मृणालसेन राज्य सभा के लिए सासंद मनोनीत किये गए। हैदराबाद से 15 किलोमीटर दूर स्थित एशिया की सबसे बड़ी फिल्म नगरी 'रामोजी फिल्म सिटी' का शुभारंभ हुआ।

सन् 1998–अभिनेत्री आशा पारेख सेंसर बोर्ड की अध्यक्ष बनी। केन्द्र ने फिल्मी जगत को उद्योग का दर्जा दिया। फिल्म 'हम साथ साथ है' की जोधपुर (राजस्थान) में शूटिंग के वक्त अभिनेता सलमान खान द्वारा काले हिरन का शिकार करने पर इस गिरफ्तार किया गया। बाद में जमानत पर रिहा। मुकदमा शुरु।

सन् 1999–चित्रकार मकबूल फिदा हुसैन की माधुरी दीक्षित अभिनीत बहुचर्चित फिल्म 'गजगामिनी' सुपर फ्लाप रही।

सन् 2000–'चोरी चोरी चुपके चुपके' फिल्म के निर्माता नाजिम रिजवी को अंडर वर्ल्ड के माफियाओं से सम्पर्क रखने पर गिरफ्तार किया। फिल्मों के फाइनेंसर भरत भाई शाह भी अन्डर वर्ल्ड माफियाओं को धन देने के आरोप में गिरफ्तार। मैडम तुसाद संग्रहालय, लंदन में अमिताभ बच्चन के 'मोम के पुतले' को रखा गया जिसका उद्घाटन श्री अमिताभ बच्चन ने (20 दिसंबर) किया। दो सो वर्षों के इतिहास में बालीवुड के किसी सितारे को तुसाद संग्रहालय में संस्थान दिए जाने का यह पहला मौका था। लता मंगेशकर राज्य सभा के लिए सासंद मनोनीत।

सन् 2001–नासिक में 'चित्रपट्ट महर्षि दादा फालके स्मारक उद्यान' का निर्माण। 'लगान' फिल्म आस्कर के लिए नामांकित। मदर इंडिया तथा सलाम बाम्बे के बाद यह तीसरी भारतीय फिल्म थी जो आस्कर के लिए नामांकित की गई। मुंबई में 40 करोड़ रुपयों की लागत से निर्मित देश के प्रथम 'आई मैक्स स्क्रीन सिनेमा घर' का शुभारम्भ। 'दिलवाले दुल्हनिया ले जायेंगे' फिल्म संयुक्त रूप में मुंबई में 300 सप्ताह तक लगातार चलकर पहली भारतीय फिल्म बनी। इससे पहले 'किस्मत' एवं 'शोले' फिल्म ने अधिक समय तक चलने का रेकार्ड बनाया था। दक्षिण भारतीय परंपरा में कोलकाता में अमिताभ बच्चन के प्रशंसकों ने अमिताभ का मंदिर बनाया।

सन् 2002–'लगान' फिल्म आस्कर पाने से वंचित। संजय लीला भंसाली की फिल्म देवदास' कान अन्तरराष्ट्रीय फिल्म समारोह में भेजी गई।

वैसे तो कई स्टार पुत्रों ने फिल्मी दुनिया में कदम रखा है कई सफल भी है एवं कई संघषरत है–ऋतिक रोशन, अभिषेक बच्चन, विवेक ओबराय, अक्षय खन्ना, तुषार, बाबी देओल, सैफ अली खां, आर्य बब्बर, पुरु राज कुमार आदि। ऋतिक रोशन की पहली फिल्म कहो न प्यार हैं ने रेकार्ड तोड़ सफलता हासिल की। हालांकि उसके बाद उनकी कोई सफल फिल्म नहीं आई। अभिषेक बच्चन की अभी तक पांच फिल्में प्रदर्शित हुई है रिफ्यूजी को छोड़ कर बाकि सभी फिल्मों ने कोई अच्छा व्यवसाय नहीं किया। विवेक ओबराय अपनी पहली फिल्म कंपनी से ही युवाओं के चहेते रफ एंड टफ स्टार बन चुके हैं।

स्टार पुत्रियों में करिश्मा कपूर, करीना कपूर, ट्विंकल खन्ना आदि सफल हुई एवं सेन पुत्रियां, इशा देओल, रिंकी खन्ना आदि संघर्षरत है।

यह वर्ष शहीद भगत सिंह के जीवन पर एक साथ पांच फिल्मों का निर्माण के कारण चर्चा में रहा वे हैं–भगतसिंह (हरभजन सिंह मान), शहीद 23 मार्च, 1931 (बाबी देओल), लीजेण्ड आफ–भगत सिंह (अजय देवगन), अब के बरस (आर्य बब्बर: सपने में भगत सिंह बनते हैं), केप्टन (ओबराय)।

अन्य कई नये अभिनेताओं एवं अभिनेत्रियों का फिल्मी दुनिया में प्रवेश हुआ जिनमें कुछ प्रमुख नाम इस प्रकार हैं: अर्जुन रामपाल, कर्णनाथ, मनोज बाजपेयी, आफताब शिवदसानी, अरबाज खान, सियाजी शिंदे, प्रमोद माउथो, मुकेश तिवारी, आशिष विद्यार्थी, चक्रवर्ती, अरशद वारसी, आर. माधवन, हिमांशु, राकेश बापट, साहिल खान, शरमन जोशी आदि। अभिनेत्रियों में महिमा चौधरी, रानीमुखर्जी, प्रीति जिंटा, नन्दिता दास, अंतरा माली, अमिषा पटेल, रिया सेन, राइमा सेन, बिपाशा बसु, प्रियंका चौपड़ा, युक्ता मुखी, दीया मिर्जा, अदिति, किमशर्मा, सुष्मिता सेन, ऐश्वर्य राय, भारती छाबड़िया, इशा कोपीकर, कीर्ति रेड्डी, आकांक्षा, रमैया, स्मृति मिश्रा, पूजा बत्रा, कश्मीरा शाह, ज्योतिका सदाना, तारा दोशपांडे, नेहा, लिजा रे, ऋषिता भट्ट, आदि।

गीतकारों में रीमा राकेशनाथ, जलीस शेरवानी, फितरत भोपाली, प्रसून जोशी, श्याम अनुरागी, अनिल पांडे, फराज अनवर, नितिन रायकवार, जमिल मुजाहिद, नुसरत बद्र, प्रवीण भारद्वाज, सुरेशग्रोवर, पुष्पराज, प्रतीक जोसफ (गायक भी)।

संगीतकारों में इस्माइल दरबार, निखिल विनय, नुसरत फतेह अली खां, श्याम सुरेन्दर, अमर उत्पल, आनन्द राज आनन्द, गौतम घोष, उत्तम सिंह, विशाल भारद्वाज, समीर श्याम, सुरेन्द्र कोहली, संजीव दर्शन, मिक्की नरुला, बाबुल, रामशंकर, मनी शर्मा, त्रिवेणी भवानी, दीपक खजांची, संदेश शांडिल्य, डब्यू, अर्जुन पुंज, विद्यासागर, हेरिस जयराज।

गायकों में सुखविन्दर, नुसरत फतेह अली खां, रूप कुमार राठोड, मलयसिया, ललितसेन, सुरजो भट्टाचार्य, लिक्की अली, मनोहर शेट्टी, अदनान सामी, करसन सरगाथिया।

गायिकाओं में सुनिधी चौहान, तेजपाल कौर, जसविन्दर नरुला, संजीवनी, सौनाली राठौड़, श्वेता शेट्टी, श्रीनी, पूर्वा जोशी, निकिता, पामिला, प्रीति, पिंकी, श्रेया घोषाल, दिव्या शर्मा।

गाने–परदेशी परदेशी (राजा हिन्दुस्तानी), तुमपास आए (कुछ कुछ होता है), चल छेंया छेंया (दिलसे), छम्मा छम्मा (चायना गेट), जहां पांव में पायल (परदेशी बाबू), ताल से ताल मिला (ताल), आ कहीं दूर (लावारिस), इक पल का जीना (कहो ना प्यार है), आजा माहिया (फिजा), सुनता है मेरा खुदा (पुकार), बूमरो.. (मिशन कश्मीर), जाने क्यों लोग (दिल चाहता है), आंख है भरी भरी (तुम से अच्छा कौन है)।

फिल्मों की एक सदी

फिल्मों की एक सदीपूर्ण होने पर मारधाड़ एवं हिंसा से लौटकर फिल्में फिर से पारिवारिक एवं युवा रोमांच की कथाओं पर वनने लगी थी लेकिन अव फिल्म उद्योग अपने व्यावसायिक पहलू पर भी ध्यान देने लगा है। नये विचारों वाले निदेशको की एक वड़ी जमात अव इस वात पर जोर देने लगे हैं कि फिल्मों में कौनसा फार्मूला ऐसा है जिसे दर्शक पसंद करता है। इसी तर्ज पर अव कई फिल्मे वनने लगी है। इनमें से कई फिल्मों ने तो जवरदस्त कामयावी भी पाई है।

इस शताव्दी की सुपर डुपर फिल्में रहीं–किस्मत, आवारा, नागिन, मदर इंडिया, मुगल ए आजम, संगम, आराधना, दोरास्ते, गाइड, वावी, शोले, जयसंतोषीमां, रोटी कपड़ा और मकान, दीवार, अमर अकवर एंथनी, राम तेरी गंगा मैली, मैंने प्यार किया, हम आपके हैं कौन, करन अर्जुन, दिलवाले दुल्हानिया ले जायेंगे, वार्डर एवं कहो न प्यार है, लगान।

राष्ट्रीय विपदाओं में फिल्मी सितारों ने भरसक मदद की। राष्ट्रीय गीत एवं पर्व, समारोहों, त्योहारों, शादी, विवाह, आरती–भजन के गीत फिल्मों ने दिए. दुर्लभ एवं दूरस्थ दृश्यावली, विविध वेष–भूषा, रहन–सहन एवं, विभिन्न देशों की कला संस्कृति से फिल्मों ने परिचय करवाया। वुराइयों, अपसंस्कृति और मर्यादाओं के हनन को छोड़ दिया जाए तो राष्ट्रभाषा हिन्दी (फिल्मी हिन्दी) का प्रचार–प्रसार फिल्मों ने किया।

संगीत क्षेत्र में कर्णप्रियता एवं मीठे वोलों के लिए लता, आशा, नूरजहां, शमशाद वेगम, गीता दत्त, सुरैया, रफी, मुकेश, किशोर, तलत, महेन्द्र कपूर सहगल, मन्ना डे, हेमंत कुमार आदि गायिकाएं–गायक फिल्म इतिहास में अमर रहेंगे एवं इसी अनुरूप गानों के रचयिता, उन्हें धुनों में ढालने वाले संगीतकार तथा ऐसी फिल्में वनाने वाले निर्माता एवं उनकी पूरी टीम सदैव याद किए जाते रहेंगे।

हमारा समाज सदियों से वुराईयों के खिलाफ एवं अच्छाइयों के पक्ष में रहा है। एक नये स्वस्थ समाज को वनाने में फिल्मों का योगदान काफी महत्वपूर्ण है एवं इसी को ध्यान में रखकर यदि फिल्मों निर्माण हो तो आगे भी कई फिल्मे इतिहास रचेंगी इसमें कोई शक नहीं है।

निदेशकों में योगेश ईश्वर, ऋषि कपूर, करण जोहर, उमेश मेहरा, विनय शुक्ला, देश दीपक, सन्नी देओल, ज्ञान सहाय, रजत रवैल, वावी राजा, संजय छैल, मेघना गुलजार, आशुतोष गोवरिकर, अनुभव मिश्रा, गुरुदेव भल्ला, कल्पना लाजमी, शैमक डावर (नृत्य निदेशक), संगीत शिवन, प्रियदर्शन, सिकन्दर भारती, चक्रवर्ती, अमृत आर्यन, विक्रमभट्ट, तनूजा चन्द्रा, सोहेल खान, मिलन लुथरिया, गोल्डी वहल, मधुर भण्डारकर, आशुतोष फरहान अख्तर।

सन् 2003–कम वजट की फिल्मों का अच्छा व्यापार रहा। वड़े स्टारों की वड़ी फिल्मों की अपेक्षा राज जैसी फिल्मों की सफलता इसका उदाहरण है। वड़े वजट की देवदास ने हालांकि कान फिल्म फेस्टिवल में देश का नाम रोशन किया लेकिन अपने देश में व्यावसायिक सफलता नहीं पा सका। राज के तर्ज पर कई जिस्मदिखाऊ फिल्में वनी जिसमें जिस्म काफी हद तक सफल भी रही। विवेक ओवराय की साथिया, शहरूख खान की चलते चलते, सलमान खान की तेरे नाम, अक्षय खन्ना की हंगामा, ऋतिक रोशन की कोई मिल गया अजय देवगन की गंगाजल आदि चर्चित फिल्मे रही। अन्य सफल फिल्मों में राज, अजनवी, भूत, कौन, कयामत आदि।

नये उभरे अभिनेताओं में जान अव्राहम, हिमांशू, शाहिद कपूर, किरण जंजानी, विकास सेठी, राहुल वोस आदि एवं अभिनेत्रियों में भूमिका चावला, लारा दत्ता, अंतरा माली, कैटरीना, तारा शर्मा, ईशा कोप्पिकर, नेहा धूपिया, मल्लिका सहरावत आदि नाम प्रमुख है।

विग वी अमिताभ ने एक वार फिर सावित कर दिया की उनकी टक्कर का कोई अभिनेता नहीं है। वागवां उनकी हेम मालिनी के साथ अभिनीत एक पारिवारिक ड्रामा है।

विपाशा वसु एक ग्लेमरस अभिनेत्री के रूप में उभरी साथिया एवं चलते चलते ने रानी मुखर्जी को एक अच्छ मुकाम दिया। उर्मिला अपने अलग अलग किरदारों की वजह से चर्चा में वनी रही।

औसतन प्रति वर्ष 700 की संख्या में वननेवाली फिल्मों में केवल 5 प्रतिशत ही फिल्में सफल, हिट एवं सुपरहिट होती हैं। 25 प्रतिशत फिल्में किसी प्रकार चल जाती हैं। शेष 70 प्रतिशत फिल्मों के नाम तक याद नहीं रहते।

फिल्मों की लंवी संख्या को देखते हुए नय अभिनेता अभिनेत्रियों की संख्या मे वृद्धि हुई है। अपवाद छोड़कर 98 प्रतिशत अभिनेत्रियाँ कुछ समय पश्चात–गुमशुदा श्रेणी में आ जाती हैं। वैसे भी कुछेक सौभाग्यशाली अभिनेत्रियों को छोड़कर शेष अभिनेत्रियों का दौर पाच या दस वर्षों का ही होता है। यह हाल अभिनताओं का है। 10 प्रतिशत को छोड़कर वे भी अभिनेत्रियां की तरह भूले–विसरे हो जाते हैं। लाखों रुपयों की लागत से वनने वाली फिल्में और इसी अनुरूप हजारों एव लाखों रुपये पारिश्रमिक लेनेवाले सितारे अव करोड़ों रुपये पारिश्रमिक लेने लगे हैं। अभिनय अदायगी लगभग समाप्त–सी हो गई है। अभिनेत्रियों की हालत तो और भी वदतर है। गिनी चुनी अभिनेत्रियां जो कुछ समय के लिए लोकप्रिय स्थापित होती हैं उन्हें इसके लिए 'खुलकर' अंग प्रदर्शन करना जरूरी होता है। एक [illegible] से फिल्मों प्रसिद्धि की यह पहली शर्त हो गई है

राज्य और संघ शासित प्रदेश

भारत संघ में 28 राज्य, 7 केंद्र शासित प्रदेश और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली (प्रांत का दर्जा और विधान सभा) है ।2001 की जनगणना के अनुसार भारत की जनसंख्या 1,027,015,247.

क्षेत्रफल की दृष्टि से राजस्थान (342,239 वर्ग कि.मी.) सबसे बड़ा राज्य है और गोवा (3,702 वर्ग किमी) सबसे छोटा राज्य है ।

क्षेत्रफल की दृष्टि से प्रांतो का क्रम

1.	राजस्थान	342,239 वर्ग कि.मी.
2.	मध्य प्रदेश	308,313 वर्ग कि.मी.
3.	महाराष्ट्र	307,713 वर्ग कि.मी.
4.	आंध्र प्रदेश	275,045 वर्ग कि.मी.
5.	उत्तर प्रदेश	238,566 वर्ग कि.मी.
6.	जम्मू एवं काश्मीर	222,236 वर्ग कि.मी.
7.	गुजरात	196,024 वर्ग कि.मी.
8.	कर्नाटक	191,791 वर्ग कि.मी.
9.	उड़ीसा	155,707 वर्ग कि.मी.
0.	छत्तीसगढ़	135,133 वर्ग कि.मी.
.	तमिलनाडु	130,058 वर्ग कि.मी.
.	विहार	94,163 वर्ग कि.मी.
3.	पश्चिम बंगाल	88,752 वर्ग कि.मी.
14.	अरुणाचल प्रदेश	83,743 वर्ग कि.मी.
15.	झारखण्ड	79,714 वर्ग कि.मी.
16.	असम	78,438 वर्ग कि.मी.
7.	उत्तरांचल	55,845 वर्ग कि.मी.
18.	हिमाचल प्रदेश	55,673 वर्ग कि.मी.
19.	पंजाब	50,362 वर्ग कि.मी.
20.	हरियाणा	44,212 वर्ग कि.मी.
21.	केरल	38,863 वर्ग कि.मी.
22.	मेघालय	22,429 वर्ग कि.मी.
23.	मणिपुर	22,327 वर्ग कि.मी.
24.	मिज़ोरम	21,081 वर्ग कि.मी.
25.	नागालैंड	16,579 वर्ग कि.मी.
26.	त्रिपुरा	10,492 वर्ग कि.मी.
27.	सिक्किम	7,096 वर्ग कि.मी.
28.	गोवा	3,702 वर्ग कि.मी.

केंद्र शासित प्रदेश

1.	अण्डमान और निकोबर द्वीप	8,249 वर्ग कि.मी.
2.	दिल्ली	1,483 वर्ग कि.मी.
3.	पांडिचेरी	492 वर्ग कि.मी.
4.	दादरा व नागर हवेली	491 वर्ग कि.मी.
5.	चण्डीगढ़	114 वर्ग कि.मी.
6.	दमन व दियु	112 वर्ग कि.मी.
7.	लक्षद्वीप	32 वर्ग किमी

जनसंख्या की दृष्टि से राज्यों का क्रम

1.	उत्तर प्रदेश	166,052,859
2.	महाराष्ट्र	96,752,247
3.	विहार	82,878,796
4.	पश्चिम बंगाल	80,221,171
5.	आंध्र प्रदेश	75,727,541
6.	तमिलनाडु	62,110,839
7.	मध्य प्रदेश	60,385,118
8.	राजस्थान	56,473,122
9.	कर्नाटक	52,733,958
10.	गुजरात	50,596,992
11.	उड़ीसा	36,706,920
12.	केरल	31,838,619
13.	झारखण्ड	26,909,428
14.	असम	26,638,407
15.	पंजाब	24,289,296
16.	हरियाणा	21,082,989
17.	छत्तीसगढ़	20,795,956
18.	जम्मू एवं काश्मीर	10,069,917
19.	उत्तरांचल	8,479,562
20.	हिमाचल प्रदेश	6,077,248
21.	त्रिपुरा	3,191,168
22.	मणिपुर	2,388,634
23.	मेघालय	2,306,069
24.	नागालैंड	1,988,636
25.	गोवा	1,343,998
26.	अरुणाचल प्रदेश	1,091,117
27.	मिज़ोरम	891,058
28.	सिक्किम	540,493

केंद्र शासित प्रदेश

1.	दिल्ली (राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र)	13,782,976
2.	पांडिचेरी	973,829
3.	चण्डीगढ़	900,914
4.	अण्डमान और निकोबर द्वीप समूह	356,265
5.	दादरा व नागर हवेली	220,451
6.	दमन व दियु	158,059
7.	लक्षद्वीप	60,595

भारत संघ: आधारभूत आंकड़े

क्षेत्र	राजधानी	क्षेत्रफल (वर्ग कि.मी.)	जनसंख्या (2001)
भारत	नई दिल्ली	3,287,263*	1,027,015,247

* देश का कुल क्षेत्रफल उस अन्तिम भौगोलिक क्षेत्रफल को दर्शाता है, जो 31 मार्च, 1982 को था और यह भारत के सर्वेक्षण विभाग द्वारा दिया गया है। इसमें पाकिस्तान के अवैध कब्जे वाला 78,114 वर्ग कि.मी. का क्षेत्र, पाकिस्तान द्वारा गैर-कानूनी ढंग से चीन को दिया गया 8,180 वर्ग कि. मी. का क्षेत्र और चीन के अवैध कब्जे वाला 37,555 वर्ग क़ि.मी. का क्षेत्र सम्मिलित है।

राज्य	राजधानी	क्षेत्रफल (वर्ग कि.मी.)	जनसंख्या (2001)	संपूर्ण देश की जनसंख्या प्रतिशत
1. अरुणाचल प्रदेश	ईटानगर	83,743	1,091,117	0.11
2 असम	दिसपुर	78,438	26,638,407	2.59
3. आंध्र प्रदेश	हैदराबाद	275,045	75,727,541	7.37
4. उड़ीसा	भुवनेश्वर	155,707	36,706,920	3.57
5. उत्तर प्रदेश	लखनऊ	238,566	166,052,859	16.17
6. उत्तरांचल	देहरादून	53,483	8,479,562	0.83
7. कर्नाटक	बंगलौर	191,791	52,733,958	5.14
8. केरल	तिरुअनंतपुरम	38,863	31,838,619	3.10
9. गुजरात	गांधीनगर	196,024	50,596,992	4.93
10. गोवा	पणजी	3,702	1,343,998	0.13
11. छत्तीसगढ़	रायपुर	135,191	20,795,956	2.03
12. जम्मू एवं काश्मीर**	श्रीनगर/जम्मू +	222,236	10,069,917	0.98
13. झारखण्ड	रांची	79,714	26,909,428	2.62
14. तमिलनाडु	चेन्नई	130,058	62,110,839	6.05
15. त्रिपुरा	अगरतला	10,492	3,191,168	0.31
16. नागालैंड	कोहिमा	16,579	1,988,636	0.19
17. पंजाब	चण्डीगढ़	50,362	24,289,296	2.37
18. पश्चिम बंगाल	कलकत्ता	88,752	80,221,171	7.81
19. बिहार	पटना	94,163	82,878,796	8.07
20. मणिपुर	इम्फाल	22,327	2,388,634	0.23
21. मध्य प्रदेश	भोपाल	308,313	60,385,118	5.88
22. महाराष्ट्र	मुम्बई	307,713	96,752,247	9.42
23. मिजोरम	ऐज़ल	21,081	891,058	0.09
24. मेघालय	शिलांग	22,429	2,306,069	0.22
25. राजस्थान	जयपुर	342,239	56,473,122	5.50
26. सिक्किम	गंगटोक	7,096	540,493	0.05
27. हरियाणा	चण्डीगढ़	44,212	21,082,989	2.05
28. हिमाचल प्रदेश	शिमला	55,673	6,077,248	0.59

संघ शासित प्रदेश / मुख्यालय

संघ शासित प्रदेश / मुख्यालय	क्षेत्रफल	जनसंख्या	प्रतिशत
1. अण्डमान और निकोबार द्वीप समूह / पोर्ट ब्लेयर	8,249	356,265	0.03
2. चण्डीगढ़ / चण्डीगढ़	114	900,914	0.09
3. दमन व दियू / दमन	112	158,059	0.02
4. दादरा व नागर हवेली / सिलवासा	491	220,451	0.02
5. पांण्डिचेरी / पाण्डिचेरी	492	973,829	[illegible]
6. लक्षद्वीप / कवरत्ती	32	60,595	[illegible]

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र/मुख्यालय

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र/मुख्यालय	क्षेत्रफल	जनसंख्या
दिल्ली / दिल्ली	1,483	13,782,976

** अनुमानित + श्रीनगर (ग्रीष्म क़ालीन राजधानी) जम्मू (शीतकालीन राजधानी)।

भारत का राष्ट्रीय चिन्ह

भारत के राष्ट्रीय प्रतीक को महान राजा अशोक की राजधानी सारनाथ से प्राप्त किया चिन्ह जिसे सारनाथ संग्रहालय में रखा गया है, से लिया गया है । इस प्रतीक को 26 जनवरी 1950 के दिन जब भारत गणतंत्र बना था, अपनाया गया। इस प्रतीक के वास्तविक रूप में चार शेर चिन्ह के रूप दिखाई पडते हैं जो एक दूसरे के पीछे खड़े हैं। यह एक फलक पर निर्मित किये गये हैं जिसमें आराम की मुद्रा में हाथी, तेजी से बढ़ने की मुद्रा में घोड़ा, एक बैल और एक शेर बने हुए हैं। जिन्हें एक घंटी के रूप में कमल के ऊपर चक्रों से विलग किया गया है। यह एक चमकीली शिला पर निर्मित हैं जो धर्म चक्र से सुशोभित है ।

राष्ट्रीय प्रतीक में केवल तीन शेर के रूप दिखायी पड़ते हैं – चौथा दृश्य के अंतर्गत नहीं आता है। चक्र फलक के केंद्र में है, बैल दाहिनी तरफ और घोड़ा बायीं तरफ है । अन्य चक्र दाहिनी और बायीं तरफ अंत में है। मुंडक उपनिषद के श्लोक से "सत्यमेव जयते" देवनागरी लिपि में फलक के नीचे लिखा हुआ है ।

राष्ट्रीय झंडा तीन रंगों का है। ऊपर केसरी, बीच में सफेद और नीचे हरा है। झंडे की लम्बाई और चौड़ाई में 3 और 2 का अनुपात है। झंडे के बीच में नीले रंग का चक्र है जोकि प्रगति का प्रतीक है। इसकी संरचना उस प्रकार के चक्र की है जो अशोक के सारनाथ शेर के चिन्ह में है।

राष्ट्रीय झंडे की संरचना को संविधान सभा ने 1947 अपनाया था ।

रवींद्र नाथ टैगोर के गीत जन गण – को संविधान सभा ने 24 जनवरी 1950 में भारत के राष्ट्रीय गान के रूप में अपनाया था। गीत के पहले पांच छंद को राष्ट्रीय गान रूप में अपनाया गया ।

राष्ट्र गान

"जन गण मन अधिनायक जय हे
भारत भाग्यविधाता
पंजाब सिंधु गुजरात मराठा
द्राविड़ उत्कल बंगा
विंध्य हिमाचल यमुना गंगा
उच्छल जलधि तरंगा
तव शुभ नामे जागे
तव शुभ आशीश मांगे
गाहे तव जय गाथा
जन गण मंगल दायक जय हे
भारत भाग्य विधाता
जय हे जय हे जय हे
जय जय जय हे ।

राष्ट्र गीत

वन्दे मातरम!
सुजलाम, शुभलाम, मलयज शीतलाम
शस्यश्यामलाम, मातरम!
शुभ्रज्योत्सना पुलकित यामिनी
फुल्लकुशुमित द्रुमदल शोभिनी
सुहासिनी सुमधुर भाषिनी
सुखधाम वरदाम, मातरम
वन्दे मातरम!

स्वतंत्रता के बाद भारत सरकार ने क्रिश्चियन युग के आधार पर जार्जियन कैलेंडर अपनाया । राष्ट्रीय सरकार ने कैलेंडर सुधार समिति के सुझावों को भी अपनाया कि शक युग को राष्ट्रीय कैलेंडर के आधार के रूप में अपनाया जाये।

राष्ट्रीय कैलेंडर के महीने और दिन जार्जियन कैलेंडर के महीने और दिन के साथ इस प्रकार है ।

1 चैत्र 30/31	मार्च 22/21
1 वैशाख 31	अप्रैल 21
1 ज्येष्ठ 31	मई 22
1 आषाढ़ 31	जून 22
1 श्रावण 31	जुलाई 23
1 भाद्रा 31	अगस्त 23
1 आश्विन 30	सितम्बर 23
1 कार्तिक 30	अक्तूबर 23
1 अग्रहमण्य 30	नवम्बर 22
1 पौस 30	दिसम्बर 22
1 माघ 30	जनवरी 21
1 फागुन 30	फरवरी 20

भारत का राष्ट्रीय पशुः बाघ, राष्ट्रीय पुष्पः कमल, राष्ट्रीय पक्षीः मोर ।
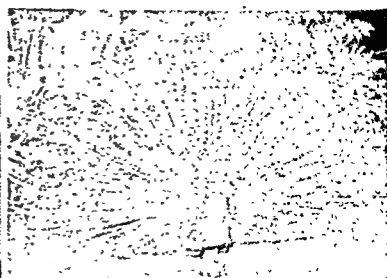
उत्तर प्रदेश

क्षेत्रफल: 238,566 वर्ग कि.मी.; **राजधानी:** लखनऊ; **भाषा:** हिन्दी एवं उर्दू; **जिले:** 70; **जनसंख्या:** 166,052,859; **पुरुष:** 87,466,301; **महिलाएं:** 78,586,558; **वृद्धि दर प्रतिशत** (1991–2001): 25.80; **जनसंख्या घनत्व:** 689; **शहरी जनसंख्या:** 20.78%; **लिंगानुपात (महिलाएं प्रति हजार पुरुष):** 898; **साक्षरता:** 57.36%; **पुरूष:** 70.23; **महिलाएं:** 42.48; **प्रतिव्यक्ति आय** (89–90): 2866 रु. ।

उत्तर प्रदेश देश में सबसे अधिक जनसंख्या का प्रांत है। क्षेत्रफल की दृष्टि से यह राजस्थान,मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र और आंध्र प्रदेश के वाद है।

प्रमुख नदियां: गंगा, यमुना, रामगंगा, गोमती और घाघरा।

फसलें: धान, गेहूं, जौ, ज्वार, वाजरा, मक्का, उर्द, मूंग, अरहर, चना ।

फल: आम, अमरुद, सेव ।

प्रमुख खनिज: चूना, पत्थर, डोलोमाइट, मैग्नेसाइट, सोपस्टोन, जिप्सम, ग्लाससैंड, संगमरमर, फासफोराइट, वाक्साइट, नानप्लास्टिक, फायरक्ले आदि ।

प्रमुख उद्योग: सीमेंट, वनस्पति, तेल, सूती कपड़ा, सूती धागा, चूड़ी व कांच उद्योग, चीनी, जूट ।

प्रमुख हस्तशिल्प: चिकन का काम, जरी का काम, लकड़ी के खिलौने व फर्नीचर, मिट्टी के खिलौने तथा पीतल का काम ।

प्रमुख लोकगीत: विरहा, चैती, ढोला, कजरी, रसिया, आल्हा, पूरनभगत, भर्तृहरि ।

प्रमुख लोकनृत्य: करमा, चांचली, छपेली, छोलिया, पांडव, वादी वादिन, लांग और भेलानृत्य ।

प्राकृतिक रूपरेखा

उत्तर प्रदेश भारत के सीमान्त प्रदेशों में से एक है । इसकी उत्तरी सीमा हिमालय पर्वत से लगी हुई तिव्वत और नेपाल की सीमाओं को छूती है, पश्चिमी और दक्षिण–पश्चिमी सीमा पर हिमालय प्रदेश, हरियाणा, दिल्ली और राजस्थान हैं तथा दक्षिण में मध्य प्रदेश और पूर्वी सीमा विहार से लगी हुई है।

जिले

जिला	क्षेत्रफल (वर्गकि.मी.)	जनसंख्या (2001)	मुख्यालय
आगरा	4,027	3,611,301	आगरा
अलीगढ़	5019	2,990,388	अलीगढ़
एटा	5,019	2,788,270	एटा
फिरोजावाद	2,361	2,045,737	फिरोजाबाद
मैनपुरी	2,760	1,592,875	मैनपुरी
मथुरा	3,811	2,069,578	मथुरा
हाथरस	1,752	1,333,372	हाथरस
आजमगढ़	4,234	3,950,808	आजमगढ़
वलिया	2,981	2,752,412	वलिया
मऊ	1,713	1,849,294	मऊ
कौशंवी	2,015	1,294,937	कौशंवी
फतेहपुर	4,152	2,305,847	फतेहपुर
प्रतापगढ़	3,717	2,727,156	प्रतापगढ
इलाहावाद	2,261	4,941,510	इलाहावाद
चित्रकूट	3,513	800,592	चित्रकूट
वदायूं	5,168	3,069,245	वदायूं
वरेली	4,120	3,598,701	वरेली
पीलीभीत	3,499	1,643,788	पीलीभीत
शहाजहांपुर	4,575	2,549,458	शहजहांपुर
फैजावाद	4,511	2,087,914	फैजावाद
अम्वेदकरनगर	–	2,025,373	अकवरपुर
वहराइच	6,877	2,384,239	वहराइच
वारावंकी	4,402	2,673,394	वारावंकी
गोंडा	7,352	2,765,754	गोंडा
सुल्तानपुर	4,436	3,190,926	सुल्तानपुर
गोरखपुर	3,325	3,784,720	गोरखपुर
देवरिया	2,613	2,730,376	देवरिया
कुशीनगर	2,832	2,891,933	पदरौना
महराजगंज	2,948	2,167,041	महराजगंज
वांदा	7,624	1,500,253	वांदा
हमीरपुर	4,098	1,042,374	हमीरपुर
जालौन	4,565	1,455,859	उरइ
ललितपुर	5.039	977,447	ललितपुर
महोवा	3,068	708,831	महोवा
झांसी	5,024	1,746,715	झांसी
कानपुर (शहरी)	1,065	4,137,489	कानपुर
कानपुर (ग्रामीण)	5,111	1,584,037	अकवरपुर
फर्रुखावाद	4,274	1,577,237	फतेहगढ
इटावा	4,326	1,340,031	इटावा
लखनऊ	2,528	3,681,416	लखनऊ
हरदोई	5,986	3,397,414	हरदोई
लखीमपुर खेरी	7,680	3,200,137	[illegible]
रायबरेली	4,609	2,872,204	[illegible]
सीतापुर	5,743	3,616,510	[illegible]
उन्नाव	4,558	2,700,426	[illegible]
बुलंदशहर	4,352	2,923,290	[illegible]
मेरठ	3,911	3,001,636	[illegible]
गाजियाबाद	2,590	3,289,540	[illegible]
गौतमबुद्ध नगर	1,501	1,191,2[illegible]	[illegible]
मुरादाबाद	5,967	3,749,[illegible]	[illegible]
बिजनौर	4,561	3,130,[illegible]	[illegible]
रामपुर	2,367	1,92[illegible]	[illegible]
ज्योतिबा फुलेनगर	2,470	1,[illegible]	[illegible]
सहारनपुर	3,689	2,[illegible]	[illegible]
मुजफ्फरनगर	4,008	3,[illegible]	[illegible]
वाराणसी	4,036	3,[illegible]	[illegible]

जौनपुर	4,038	3,911,305	जौनपुर
चंदौली	2,485	1,639,777	चंदौली
गाजीपुर	3,377	3,049,337	गाजीपुर
संतरविदासनगर	1,056	1,352,056	भदोही
मिर्जापुर	4,522	2,144,852	मिर्जापुर
सोनभद्रा	6,788	1,463,468	रावर्टसगंज
वस्ती	3,733	2,068,922	वस्ती
वलरामपुर	3,457	1,684,567	वलरामपुर
श्रावस्ती	2,186	1,175,428	श्रावस्ती
सिद्धार्थनगर	3,495	2,038,598	नवगढ
वागपत	1,345	1,164,388	वागपत
कन्नौज	2,058	1,385,227	कन्नौज
औरेया	2,054	1,179,496	औरेया
संत कवीरनगर	–	1,424,500	खलीलावाद

इतिहास

पुरातन काल में उत्तर प्रदेश मध्य देश का नाम से प्रसिद्ध था । ऋग्वेद के समय से कुछ संश्लिष्ट ऐतिहासिक वृतांत मिलता है । आर्यों ने सवसे पहले भारत में ''सप्त–सिंधु'' या सात नदियों द्वारा सिंचित प्रदेश (अविभाजित पंजाव) में वस्तियां वनायीं । वर्तमान उत्तर प्रदेश की सीमा लगभग यही है।ईसा पूर्व मगध राज्य सवसे सर्वाधिक शक्तिशाली साम्राज्य था। मगध में क्रमशः हरयांक, शिशुनाग और नन्द वंश का राज्य रहा ।नन्द वंश ने ई.पू. 343 से ई.पू. 321 तक राज्य किया ।

सिकन्दर की वापसी के साथ ही साथ भारत में एक महान क्रांति हुई, जिसके फलस्वरूप नन्द शासकों को (ईसा से 323 वर्ष पूर्व) शासन की वागडोर चन्द्रगुप्त को देनी पड़ी। चन्द्रगुप्त पिप्पलिवन के क्षत्रिकुल ''मोरिया'' का वंशज था ।
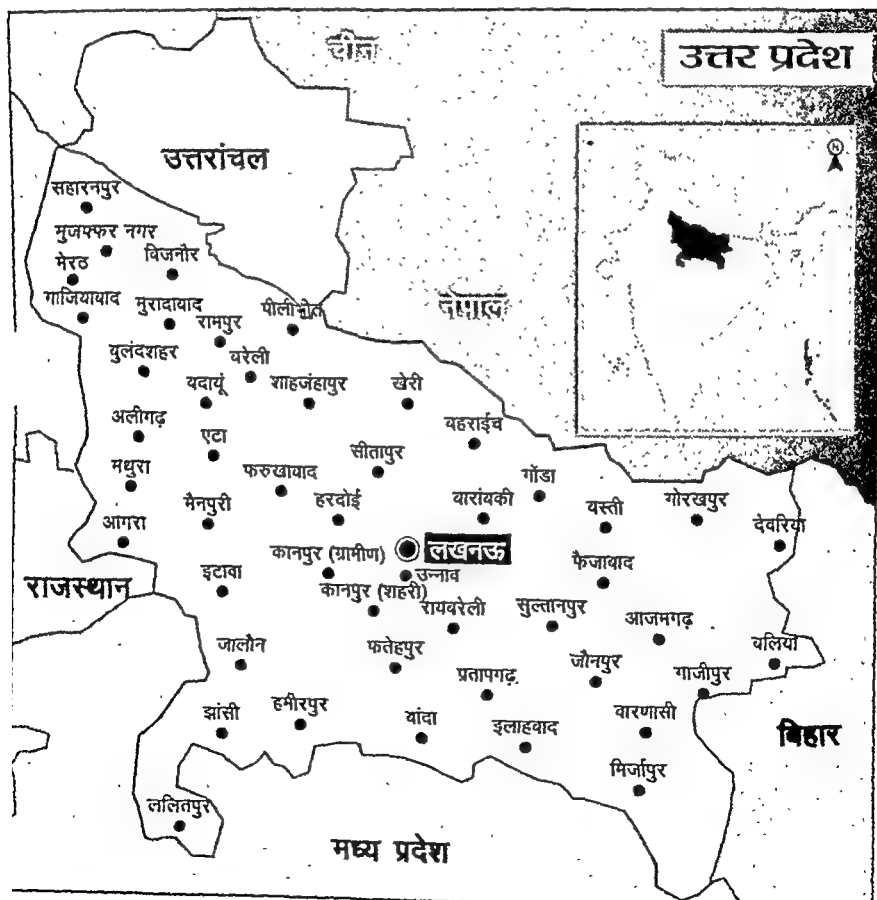
मान उत्तर प्रदेश का पूरा क्षेत्र चन्द्रगुप्त मौर्य, उसका पुत्र दुसार और पोते अशोक के शासनकाल में सुख और न्ति का अनुभव करता रहा ।

ईसा पूर्व 232 वर्ष में अशोक की मृत्यु होते ही मगध के ज्य का ह्रास प्रारम्भ हो गया ।

इसी बीच मगध में शुंग वंश के स्थान पर कण्व वंश की ापना हुई । कुषाण राज–वंश की स्थापना "कुजुल दफिसेस" प्रथम ने की थी ।

ईसा बाद चौथी सदी में गुप्तवंश का प्रादुर्भाव होने पर रत में राजनीतिक एकता फिर स्थापित हुई। त

आठवीं सदी के प्रथम चतुर्थांश में यशोवर्मन ने कन्नौज में ना आधिपत्य जमा लिया था । उसने लगभग पूरे भारत को त लिया

सन् 1206 में कुतुबुद्दीन ऐबक दिल्ली के सिंहासन पर । और तभी से गुलाम वंश का प्रारम्भ हुआ। गुलाम वंश राजाओं और उसके बाद खिलजियों तथा तुगलक वंश के दशाहों ने धीरे–धीरे दिल्ली–बादशाहत की सीमा बढ़ायी । मान उत्तर प्रदेश का क्षेत्र लगभग प्रारम्भ से ही इन लोगों साम्राज्य का अंग रहा ।

तैमूर की चढ़ाई ने तुगलक वंश का शासन समाप्त कर ा।

मुगल–शासन–काल : बाबर ने पानीपत की लड़ाई में [1526 में लोधियों के अन्तिम बादशाह इब्राहिम लोदी परास्त कर आगरा पर अधिकार कर लिया । बाबर ने ल साम्राज्य की नींव रखी।

प्रथम स्वतंत्रता संग्राम और उसके बाद : अवध के ाबों और ईस्ट इण्डिया कम्पनी के बीच जैसे सम्बन्ध थे ान् 1857 में विद्रोह में, जो राष्ट्र की आजादी के लिए ड़ा गया प्रथम स्वतंत्रता संग्राम था, वर्तमान उत्तर प्रदेश लोगों ने शानदार भूमिका अदा की । झांसी की रानी क्ष्मीबाई, अवध की बेगम हजरत महल, बख्त खां, नाना हब, मौलवी अहमदउल्ला शाह, राणा बेनी माधव सिंह, जीमउल्ला खां तथा अन्य अनेक राष्ट्रभक्तों ने उक्त तिहासिक संघर्ष में जिस कर्तव्यनिष्ठा का परिचय दिया ससे वे अमर हो गया ।

र्शनीय स्थल एवं मेले

युगों की प्राचीन परम्परा के इस देश में बहुत से ऐसे स्थान जिनका धार्मिक महत्व है। बहुत से ऐसे स्थल भी हैं, जिन्हें र्थ नहीं कहा जा सकता, पर ऐतिहासिक और पर्यटन की ष्टि से उनका बड़ा महत्व है।

कनखल (जिला सहारनपुर)– मायापुर हेडवर्क से लगभग ३ कि.मी. की दूरी पर एक बहुत बड़े क्षेत्र में यह नगर बसा ा है । नगर का मुख्य मन्दिर 'दक्षेश्वर महादेव' दक्षिणी मा पर है । हनुमान जी का एक मन्दिर भी यहां है ।

प्रयाग (वर्तमान इलाहाबाद) – प्रयाग भारत का प्रसिद्ध र्थ स्थान है। प्रायः सभी धार्मिक ग्रन्थों में प्रयाग का उल्लेख लता है। यहां हर बारहवें वर्ष कुम्भ और छठे वर्ष अर्द्ध कुम्भ मेला लगता है ।

अयोध्या (जिला फैजाबाद)– अयोध्या नगरी भारत की सप्तमहापुरियों में से एक है। इस नगरी को भगवान श्री राम का जन्म–स्थान होने का गौरव प्राप्त है ।

सोरों (जिला एटा) – सोरों या शूकर क्षेत्र की गणना भारत के पवित्र तीर्थों में होती है ।

वाराणसी (काशी) – यह भारत के ही नहीं, संसार के प्राचीनतम नगरों में एक है। यह नाम वरुणा और अस्सी, दो नदियों से मिलकर बना है ।

सारनाथ (जिला वाराणसी) – सारनाथ बौद्ध तीर्थों में बड़ा महत्वपूर्ण स्थान रखता है ।

देवबंद (जिला सहारनपुर) – मुजफ्फरनगर से 24 कि.मी. दूर देवबंद रेलवे स्टेशन है। यहां दुर्गाजी का मन्दिर है । मन्दिर के समीप देवीकुण्ड सरोवर है ।

शाकम्भरी देवी – यह मन्दिर सहारनपुर से 41.6 कि.मी. दूर है ।

गढ़मुक्तेश्वर (जिला गाजियाबाद) – मेरठ से 42 कि.मी. दूर गंगा के दाहिने तट पर स्थित गढ़मुक्तेश्वर प्राचीन काल में हस्तिनापुर नगर का एक मुहल्ला था ।

कौशाम्बी – यह बौद्ध तथा जैनों का प्रसिद्ध तीर्थ है ।

विन्ध्याचल (जिला मिर्जापुर) – यहां विन्ध्यवासिनी देवी का प्रसिद्ध मन्दिर है ।

देवीपाटन (जिला गोंडा) – यहां पाटेश्वरी देवी का प्रसिद्ध मन्दिर है ।

मगहर (जिला बस्ती)–कबीरदास ने यहीं पर शरीर छोड़ा था।

श्रावस्ती (जिला बहराइच) – बलरामपुर सड़क मार्ग पर बहराइच मुख्यालय से लगभग 50 की.मी. दूर स्थित है ।

मथुरा – सप्त महापुरियों में इसकी गणना है । इसका प्राचीन नाम मथुरा था ।

वृन्दावन (जिला मथुरा) – वृन्दावन, मथुरा से 9.6 कि.मी. पर स्थित है ।

गोवर्धन (जिला मथुरा) –गोवर्धन मैदान से सौ फुट की ऊंचाई पर स्थित है ।

बरसाना (जिला मथुरा) – बरसाना गोवर्धन से 24 कि.मी. उत्तर कोसी (आगरा–दिल्ली सड़क पर) के 16 कि.मी. दक्षिण में स्थित है ।

चित्रकूट (जिला बांदा) – मानिकपुर रेलवे लाइन द्वारा चित्रकूट लगभग 80 कि.मी. दक्षिण पूर्व में स्थित है ।

फतेहपुर–सीकरी (जिला आगरा) – आगरा से 40 कि.मी. दूर स्थित इस स्थान में प्रसिद्ध संत शेख सलीम चिश्ती का मकबरा है ।

लखनऊ – जनश्रुति है कि इस नगर को भगवान श्रीराम के भाई लक्ष्मण ने बसाया था और इसका प्राचीन नाम लक्ष्मणपुरी था। यहां एक पुराना टीला है, जो लक्ष्मण टीला के नाम से प्रसिद्ध है । लखनऊ को सबसे अधिक प्रसिद्धि नवाबों के समय मिली। आसफुद्दौला ने रूमी दरवाजा और इमामबाड़ा बनवाया । आसफी मस्जिद, दौलतखाना, रेजीडेंसी, बिबियापुर कोठी और चौ[illegible] ने ही करवाया था ।

देवा शरीफ (जिला [illegible] 24 कि.मी. दूर स्थित दे[illegible] अली शाह की मजार है

बहराइच – यहां सैयद सालार मसूद गाजी की दरगाह है। यह महमूद गजनवी के साथ भारत आया था ।

कन्नौज – इस नगर और इस जनपद का प्राचीन नाम कान्यकुब्ज था ।

जयचन्द के किले के अवशेष – राजा जयचन्द के किले के अवशेष एक दर्शनीय स्थल है।

कृषि

कृषि के लिए भूमि एक अति आवश्यक किन्तु सीमित संसाधन है। कृषि के अतिरिक्त अन्य उपयोगों हेतु भूमि की निरन्तर बढ़ती मांग के कारण कृषि क्षेत्र का विस्तार किया जाना सम्भव प्रतीत नहीं होता है। वर्ष 1999–2000 में प्रदेश में गेंहू का उत्पादन 231.37 लाख टन, 113.87 लाख मीट्रिक टन चावल, 22.68 लाख मीट्रिक टन दालें, 11.60 लाख मीट्रिक टन तेलबीज, और 1,163.03 लाख टन गन्ना का उत्पादन हुआ सिंचाई कृषि उद्यम का प्रमुख एवं अति महत्वपूर्ण निवेश है। उत्तर प्रदेश के भौगोलिक क्षेत्रफल 294.4 लाख हे. में से कृषि योग्य क्षेत्रफल 203 लाख हे. है। प्रदेश का शुद्ध बोया गया क्षेत्रफल 173 लाख हे. है, जिसमें से 84 लाख हे. दो फसली है।

उद्योग

उदारीकरण की नीति कार्यान्वित होने के फलस्वरूप अगस्त, 1991 से मार्च, 1998 तक उत्तर प्रदेश के लिए कुल 1,897 इच्छापत्र तथा 53 आशयपत्र, जिनमे पूंजी निवेश रु. 65,664 करोड़ प्रस्तावित है, दाखिल हो चुके हैं। इनमें से 591 इकाइयां कुल पूंजी निवेश रु. 14,165 करोड़ से स्थापित हो चुकी हैं और 1,09,391 व्यक्तियों के लिए ...र की व्यवस्था हो चुकी है तथा 301 इकाइयां प्रभावी ...यान्वयनाधीन हैं। इनमें पूंजी निवेश रु. 11,076 करोड़ स्थापि... है तथ 59,442 व्यक्तियों के लिए रोजगार सृजन की भी प्रस्तावना है।

विश्वविद्यालय

अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़; इलाहाबद विश्वविद्यालय; बाबा साहेब भीमराव अम्बेदकर विश्वविद्यालय, लखनऊ; बनारस हिंदू विश्वविद्यालय; बुंदेलखंड विश्वविद्यालय, झांसी; छत्रपति साहुजी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर; सेंट्रल इंस्टीट्यूट आफ हायर तिब्बतन स्टडीज, वाराणसी; चौ. चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ; चंद्रशेखर आजाद युनिवर्सिटी आफ एग्रीकल्चर एंड टेक्नालोजी, कानपुर; दयालबाग एजुकेशनल इंस्टीट्यूट, आगरा; दीन दयाल उपाध्या गोरखपुर विश्वविद्यालय; डा. भीमराव अम्बेदकर विश्वविद्यालय, आगरा; डा. राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, फैजाबाद; इंडियन इंस्टीट्यूट आफ टेक्नालोजी, कानपुर; इंडियन वेटिनेरी रिसर्च इंस्टीट्यूट, इज्जतनगर; लखनऊ विश्वविद्यालय; एम.जे.पी. रोहिखंड विश्वविद्यालय, बरेली; नरेंद्रदेव युनिवर्सिटी आफ एग्रीकल्चर एंड टेक्नालोजी, फैजाबाद; महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी; पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर; रुड़की विश्वविद्यालय; संपूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी; संजय गांधी पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टीट्यूट आफ मेडिकल साइंसेज, लखनऊ।

राज्यपाल : विष्णु कांत शास्त्री

मुख्य मंत्री : मुलायम सिंह यादव (स.पा.)

मध्य प्रदेश

क्षेत्रफल: 308,144 वर्ग कि.मी.; **राजधानी:** भोपाल; **भाषा:** हिन्दी; **जिला :** 45; **जनसंख्या:** 60,385,118; **पुरुष:** 31,456,873; **महिलाएं:** 28,928,245; **वृद्धि दर प्रतिशत (1991–2001):** 24.34; **जनसंख्या घनत्व:** 196; **शहरी जनसंख्या:** 26.67%; **लिंगानुपात (महिलाएं प्रति हजार पुरुष):** 920; **साक्षरता:** 64.11%; **पुरुष:** 76.80; **महिलाएं:** 50.28; **प्रतिव्यक्ति आय (89–90):** 2,878 रु।

भू–आकृति

भारत के मध्य में स्थित मध्य प्रदेश की भौगोलिक स्थिति 18° 26' 30 उ. अक्षांश और 74° – 84° 30' उ. पू. देशांतर के मध्य है । देश के 8 राज्यों छत्तीसगढ़, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, गुजरात, महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश, उड़ीसा और बिहार से इसकी सीमा मिली हुई है । सन् 1956 के राज्य पुनर्गठन के बाद मध्य प्रदेश का क्षेत्रफल 308,000 हजार हेक्टयर है । इसमें कुल 45 जिले हैं।

हिमालय की तुलना में इस पठारी राज्य में उच्चावन बहुत कम है । साधारणत: ऊंचे पठार, नीचे पठार और नदियों के मैदान ही प्रमुख स्थलाकृतियां है ।

चम्बल–सोन अक्ष के उत्तर में मध्य उच्च प्रदेश है जो दकन ट्रैप विन्ध्य शैलसमूह तथा ग्रेनाईटनीस का बना है । इसके दक्षिणी और दक्षिणी पूर्वी किनारे प्रपाती कगार है जो पश्चिम से पूर्व की ओर क्रमश: विंध्याचल भण्डेर कैमूर की श्रेणियों के नाम से पुकारे जाते हैं ।

मध्य प्रदेश की जलवायु मानसूनी है । देश के मध्य में स्थित होने के कारण महाद्वीप प्रभाव, विशेष रूप से उत्तरी भा... में दृष्टिगत होने लगता है । यह प्रवृत्ति तापान्तर और वर्षा क... मात्रा दोनों में ही मिलती है ।

मध्य प्रदेश खनिज सम्पत्ति की दृष्टि से विशेष धनी है लगभग 25 प्रकार के खनिज गोण्डवाना और धारवा... शैलसमूहों में मिलते हैं । इसके अतिरिक्त लोहा, मैंगनीज बाक्साइट, हीरा, फायर क्ले, चाईना क्ले, सिलिका स... इमारती पत्थर इत्यादि अन्य उल्लेखनीय खनिज हैं जिन प... आधारित अनेक उद्योग विकसित हो गये हैं ।

जिले

जिला	क्षेत्रफल (वर्गकि.मी.)	जनसंख्या (2001)	मुख्याल...
बढ़वानी	5,432	1,081,039	बढ़...
बालाघाट	9,229	1,445,760	बाला...
बेतूल	10,043	1,394,421	बे...

भिंड	4,459	1,426,951	भिंड
भोपाल	2772	1,836,784	भोपाल
छतरपुर	8687	1,474,633	छतरपुर
छिंदवाड़ा	11,815	1,848,882	छिंदवाड़ा
दमोह	7,306	1,081,909	दमोह
दतिया	2,038	627,818	दतिया
देवास	7,020	1,306,617	देवास
धार	8,153	1,740,577	धार
दिंदोरी	7,427	579,312	दिंदोरी
गुना	11,065	1,665,503	गुना
ग्वालियर	5,214	1,629,881	ग्वालियर
इंदौर	3898	2,585,321	इंदौर
हरदा	3,339	474,174	हरदा
होशंगाबाद	10037	1,085,011	होसंगाबाद
जबलपुर	10,160	2,167,469	जबलपुर
झबुआ	6,782	1,396,677	झबुआ
कटनी	4,947	1,063,689	कटनी
पूर्वी निमाड़	10,779	1,708,170	खंडवा
प. नीमाड़	13,450	1,529,954	खरगोन
मांडला	12;269	893,908	मांडला
मंदसौर	9,791	1,183,369	मंदसौर
मुरैना	11,594	1,587,264	मुरैना
नरसिंहपुर	5,133	957,399	नरसिंहपुर
नीमच	4,267	725,457	नीमच
पन्ना	7,135	854,235	पन्ना
रायसेन	8,466	1,120,159	रायसेन
राजगढ़	6,154	1,253,246	राजगढ
रतलाम	4,861	1,214,536	रतलाम
रीवा	6,134	1,972,333	रीवा
सागर	10,252	2,021,783	सागर
सतना	7,502	1,868,648	सतना
सेहोर	6,578	1,078,769	सेहोर
सिवनी	8,758	1,165,893	सिवनी
शहडोल	14,028	1,572,748	शहडोल
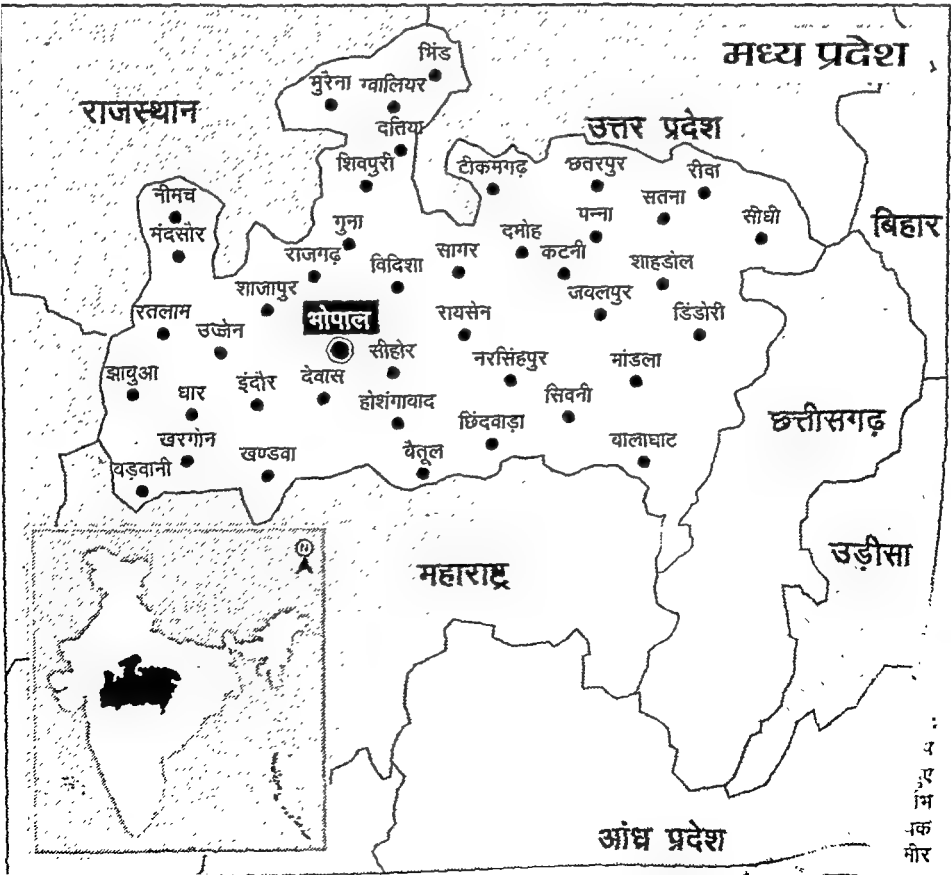
शाजापुर	6,196	1,290,230	शाजापुर
श्योपुर	6,585	559,715	श्योपुर
शिवपुरी	10,278	1,440,666	शिवपुरी
सिधी	10,226	1,830,553	सिधी
टीकमगढ़	5,048	1,203,160	टीकमगढ़
उज्जैन	6,091	1,709,885	उज्जैन
उमरिया	4,026	515,851	उमरिया
विदिशा	7,371	1,214,759	विदिशा

इतिहास

मध्य भारत का क्षेत्र ऐतिहासिक महत्व की दृष्टि से अद्वितीय है। 1 नवम्बर 1956 में गठित मध्य भारत का क्षेत्र मध्य प्रदेश बना। इतिहासकारों के अनुसार महाकोशल का भाग रामायण काल के दंडकारण्य का अंग था। यमुना से गोदावरी का यह विस्तृत भू-भाग राजनीतिक दृष्टि से अयोध्या के अधीन था। मध्य प्रदेश ने आर्थिक – दार्शनिक साहित्यिक और कला संबंधी जीवन को पृष्ठभूमि प्रदान की है।

मध्य प्रदेश का एक विशाल भाग गुप्त साम्राज्य (30-550 ई.पू) का हिस्सा था। काडफिसिस प्रथम के नेतृत्व में मध्य एशिया के युशाई कुशानों ने काबुल के अंतिम-भारतीय यूनानी राजा हदमेआस की सत्ता समाप्त कर दी। सम्राट कनिष्क, जिन्होंने बौद्ध मत स्वीकार कर लिया था, इस वंश के सबसे प्रतापी और विख्यात सम्राट थे। इस वंश के अंतिम सम्राट रुद्रसेन को गुप्त सम्राट चंदगुप्त द्वितीय ने 388 ई. में वध कर दिया और राज्य को गुप्त साम्राज्य में ला दिया। गुप्त साम्राज्य के विघटन के बाद तोरमाण के तृत्व में श्वेत हूणों ने इस क्षेत्र पर 500 ई. में अपना ... जमा लिया। कालक्रम में मगध सम्राट बालादित्य मध्य भारत के राजा यशोवर्धन ने 528 ई. में हूणों को ... कर दिया।

11 वीं शताब्दी में मुस्लिम आक्रमणकारी, पहले महमूद गनी और फिर मुहम्मद गौरी मध्य भारत में आये और इसका हिस्सा दिल्ली सल्तनत में मिल गया।

बाद में यह मुगल साम्राज्य का भाग बना। मराठों के थान के बाद यहां के बड़े क्षेत्र पर मराठों का प्रभुत्व रहा र बाद में यह छोटी-छोटी रियासतों में बंट गया। यकालीन इतिहास में मध्य प्रदेश की अनेक महिला शासकों भी यश प्राप्त किया। इसमें प्रमुख थी रानी अहिल्याबाई, तैर होल्कर, गोंड महारानी कमला देवी और रानी दुर्गावती।

अंग्रेजों के दमनीय शासन की परिणति 1857 में पहले धीनता संग्राम से हुई।

1919 में सेठ गोविन्ददास मध्य प्रदेश (सी.पी.एंड बरार) स्वतन्त्रता संग्राम का नवमंत्र लेकर आए। उनके साथी श्री केशव रामचन्द्र खांडेकर, प. माखनलाल चतुर्वेदी, प. शंकर शुक्ल, नाथुराम मोदी, घनश्याम सिंह गुप्त आदि र्मवीरों ने इस संघर्ष को और तीव्र किया।

देश के सबसे बडे राज्य प्रदेश, जो 308,000 वर्ग लोमीटर क्षेत्र के 45 जिलों, 260 तहसीलों, 313 कास खंड़ों तथा 51,806 गांवों में फैला हुआ है, का र्माण 31 अक्टूबर 1956 को हुआ।

कृषि

मध्य प्रदेश की अर्थव्यवस्था मुख्य रूप से कृषि पर आधारित है। जनसंख्या का 80 प्रतिशत भाग ग्रामीण है और 43.77 प्रतिशत भूभाग पर खेती होती है।

अबुआई क्षेत्र	–	20.42 मिलयन हैक्टेयर
खाद्यान्न उत्पादन	–	15.48 मिलयन हैक्टेयर
चावल	–	1.68 मिलयन हैक्टेयर
गेहूं	–	8.37 मिलयन हैक्टेयर
ज्वार	–	0.55 मिलयन हैक्टेयर
दालें	–	3.29 मिलयन हैक्टेयर
जागरी	–	0.20 मिलयन हैक्टेयर
काटन बेल्स संख्या	–	0.46 मिलयन
तेलबीज	–	5.46 मिलयन हैक्टेयर
सोयाबीन	–	4.43 मिलयन हैक्टेयर

सिंचाई

मध्य प्रदेश में औसत वार्षिक वर्षा 75-125 से.मी. होती है। राज्य में वर्ष 1999-00 में शासकीय एवं निजी स्रोतों द्वारा सिंचित क्षेत्र 50.24 मिलयन हेक्टेयर है जो कुल बोये गये क्षेत्र का 29.4 प्रतिशत है वर्ष 1999-00 में 105.6 हजार हैक्टेयर अतिरिक्ति क्षेत्र को सिंचित करने से कुल सिंचायी क्षेत्र 5928 हजार हेक्टेयर हो गया जो कुल बोये गये क्षेत्र का 29.8

सिंचाई के साधन : (1) नहर (2) तालाब (3) कुआं

नदियां और नहरें : मध्य प्रदेश के पहाडी और ऊंचे पठारी प्रदेशों के सभी दिशाओं में नदियां बहती है। उत्तर की ओर चम्बल, बेतवा, केन और सोन, पश्चिम की ओर नर्मदा और ताप्ती, दक्षिण में गोदावरी की सहायक नदियां – वर्धा, बाणनगंगा तथा इन्द्रावती तथा पूर्व में महानदी और उसकी सहायक नदियां।

वानिकी

प्रदेश के लगभग 1.54 लाख वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में वन हैं। जोकि कुल भौगोलिक क्षेत्र का 34.8 प्रतिशत है।

वन-सम्पदा: लकडी प्रदान करने वाले वृक्ष साल, सागौन, बीजा, साज, हल्दू तिन्सा, शीशम, सलाई तथा सेमल हैं।

वन्य जीव: मध्य प्रदेश वन्य जीवों की दृष्टि से भी सम्पन्न है। वन्य प्राणी संरक्षण की दिशा में सन् 1974 में एक नई शुरूआत हुई जब राज्य में वन्य प्राणी (संरक्षण) नियम बनाए गए। इसके अन्तर्गत वन्य प्राणियों को नैसर्गिक आवास प्रदान करने के उदेश्य से राष्ट्रीय उद्यान एवं अभयारण्य स्थापित किये गए। प्रदेश में 3 राष्ट्रीय उद्यान और 12 अभयारण्य थे जो 5340 वर्ग कि.मी. क्षेत्र का 3.45 प्रतिशत था। इसके बाद इस दिशा में काफी प्रगति हुई व राज्य में 11 राष्ट्रीय उद्यान एवं 31 अभयारण्य स्थापित हो चुके हैं। जिनके अन्तर्गत राज्य के वन क्षेत्र का 11 प्रतिशत भाग (20271.7 वर्ग कि.मी.) है।

उद्योग

मध्य प्रदेश उच्च प्रौद्योगिकी उद्योग जैसे इलेक्ट्रानिक्स, दूरसंचार आटोमोबाइल्स जैसे क्षेत्रों में प्रवेश कर चुका है। दूरसंचार की आवश्यकताओं के लिये राज्य में आप्टिकल

फाइबर का उत्पादन हो रहा है। इंदौर के निकट पीतमपुर में अनेक आटोमोबाइल्स उद्योगों की स्थापना हो चुकी है। सार्वजनिक उपक्रमों में प्रमुख भारत हैवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड भोपाल में है और सेक्योरिटी पेपर मिल होशंगाबाद में है। बैंक नोट प्रेस देवास में है। न्यूजप्रिंट फैक्ट्री नेपानगर में है, अल्केलायड फैक्ट्री नीमच में है। वर्ष 1999–2000 में 81.13 मिलयन मीटर कपड़ा हैंडलूम क्षेत्र में उत्पादित हुआ वहीं पर 131.58 मिलयन मीटर कपड़े का उत्पादन पावरलूम से हुआ। वर्ष 1999–2000 में राज्य में 58.4 माट्रिक टन हजार न्यूज प्रिंट का उत्पादन हुआ।

खनिज

खनिज उत्पादन में णध्य प्रदेश देश के प्रमुख राज्यों में से एक है। वर्ष 1999–2000 में खनिज उत्पादन इस प्रकार रहा।

लाइमस्टोन	–	22.31 मिलयन
हीरे	–	40668 हजार टन
लौह अयस्क	–	92 हजार टन
मैगनीज अयस्क	–	326 हजार टन
बाक्साइट	–	248 हजार टन
तांबा अयस्क	–	74 हजार टन
राक फास्फेट	–	155 हजार टन
डोलोमाइट	–	103 हजार टन
कोयला	–	43.0 मिलयन टन

यातायात

मध्य प्रदेश में यातायात के प्रमुख साधन रेलें तथा सडकें हैं। सन् 1999–2000 में मध्य प्रदेश में सड़कों की कुल लम्बाई 67,600 किलोमीटर है राष्ट्रीय राज मार्ग की लंबाई 3700 किलोमीटर है और प्रांतीय राजममार्ग 7300 किलोमीटर है।

शालेय शिक्षा

14 वर्ष के आयुवर्ग के लिए राज्य में 65,897 प्राथमिक शालाएं तथा 13,453 पूर्व माध्यमिक शालाएं हैं। 24,280 औपारिकेतर शिक्षा केन्द्र हैं

विश्वविद्यालय: अवधेश प्रताप विश्वविद्यालय, रीवा; बरकतउल्ला विश्वविद्यालय, भोपाल; देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इंदौर; डा. हरिसिंह गौड़ विश्वविद्यालय, सागर; इंदिरा कला संगीत विश्वविद्यालय, खैरागढ़; जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय; जबलपुर, जिवाजी, विश्वविद्यालय ग्वालियर; लक्ष्मी बाई नेशनल इंस्टीट्यूट आफ फिजिकल एजुकेशन, ग्वालियर; मध्य प्रदेश भोज विश्वविद्यालय भोपाल; राष्ट्रीय विधि संस्थान विश्वविद्यालय, भोपाल; महर्षि महेश योगी वेदिक विश्वविद्यालय, जबलपुर; महात्मा गांधी ग्रामोदय विश्वविद्यालय चित्रकूट; माखन लाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता विश्वविद्यालय भोपाल; पं. रविशंकर विश्वविद्यालय रायपुर; रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय जबलपुर; विक्रम विश्वविद्यालय उज्जैन।

साहित्य, कला संस्कृति

मध्य प्रदेश की विशेष भौगोलिक स्थिति ने इसकी कला–संस्कृति, साहित्य एवं इतिहास पर विशेष प्रभाव छोड़ा है। सम्पूर्ण भारत की एकात्म भावना एवं विविधता का प्रतीक है यह राज्य। मध्य प्रदेश ने साहित्य एवं ललित कला के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य किया है।

भारत भवन, भोपाल: स्थापना: 13 फरवरी 1982; **उद्देश्य:** सृजनात्मक कलाओं के राष्ट्रीय विकास, परिरक्षण, अन्वेषण, प्रसार प्रचार प्रोत्साहन हेतु भारत भवन न्यास अधिनियम 82 (के अन्तर्गत स्थापित)।

मध्य प्रदेश कला परिषद, भोपाल: स्थापना: 1952; **गतिविधियां:** परिषद राज्य की संगीत, नृत्य नाटक और ललित कलाओं की राज्य अकादमी के रूप में कार्यरत है।

मध्य प्रदेश साहित्य परिषद, भोपाल: स्थापना: 1954; **गतिविधियां:** प्रदेश में हिन्दी साहित्य के प्रोत्साहन संरक्षण हेतु नये रचनात्मक एवं आलोचनात्मक साहित्य सम्मेलन, परिचर्चा गोष्ठियां।

मध्य प्रदेश उर्दू अकादमी: स्थापना: 1976; **गतिविधियां:** मध्य प्रदेश में उर्दू साहित्य के प्रोत्साहन एंव संरक्षण, हेतु अदीबों और शायरों, मुशायरा कराने वाली साहित्यिक संस्थाओं किताबों की छपाई, उर्दू लाइब्रेरियों आदि को आर्थिक सहायता।

कालिदास अकादमी, उज्जैन: स्थापना: 1977; **गतिविधियां:** कला एवं लोकप्रिय व्याख्यान, शोध संगोष्ठियां, नृत्य तथा संगीत प्रशिक्षण हेतु शास्त्र विचार परिषद एंव वेद विधि सम्मेलन कला प्रदर्शनियां, पारम्पारिक नाटक, प्रदर्शन मूल लोक कलाएं, संगीत, नृत्यशोध, अनुशीलन तथा प्रकाशन कार्य आदि। मौखिक परम्परा संरक्षण एवं आचार्य कुल [illegible] स्थापना। कालिदास साहित्य में वर्णित पेड़ पौधों फूलों [illegible] लताओं पर आधारित उद्यान का निर्माण आदि।

उस्ताद अलाउद्दीन खां संगीत अकादमी: [illegible] उस्ताद अल्लाउद्दीन खां की अक्षय कीर्ति को [illegible] देते हुए और उनके उपलब्धियों आदि को [illegible] विभिन्न आयोजन। अलाउद्दीन ख[illegible] वाद्यविनोद चक्रधर समारोह, रा[illegible] प्रसग, अलाउद्दीन खां स्मृति सं[illegible]

नासा अभियान में दो भारतीय छात्र

नासा के प्रतिष्ठित मंगल ग्रह अभियान से संबधित प्रयोगों के लिये पहली बार दो भारतीय विद्यार्थी चुने गये हैं। दिल्ली के 14 वर्षीय सात्विक अग्रवाल और आंध्र प्रदेश के विज्ञान पट्टमट्टा नासा द्वारा चुनी गई 16 सदस्यीय 'विद्यार्थी खगोलविज्ञानी' नामक टीमं का हिस्सा हैं, जो मंगल ग्रह के अभियान रोवर मिशन में भाग लेंगें। 'विद्यार्थी खगोलविज्ञानी' के रूप में सात्विक और विज्ञान रोवर अभियान दल के वैज्ञानिकों के साथ काम करेंगें और विज्ञान संचालन कार्य समूह के सदस्य के रूप में भाग लेंगें। प्रत्येक 'विद्यार्थी खगोलविज्ञानी' का अपना कार्यालय होगा जहां वे शोध और कार्यों का विश्लेषण कर सकेंगें।

दौर) आदि कार्यक्रमों का आयोजन ।प्रकाशनः
पर प्रकाशित स्मारिकाएं, मेरी कथा (उस्ताद
ां रजव अली खां (अमीक हनफली) कुमार गंधर्व
पेयी रायगढ में) कथक (क्रार्तिकराम) एट द. सेंटर
ाद (मोहन नाडकर्णी) मध्यवर्ती (सुशील त्रिवेदी)।
प्रदेश लोक कला-परिषद, भोपालः गतिविधियांः
लोक संस्कृति-कलापरम्परा सर्वेक्षण दस्तावेजीकरण।
प्रदेश फिल्म विकास निगम, भोपालः गतिविधियांः
सवों का आयोजन, फिल्म क्लव वीडियो क्लव, फिल्म
दन पाठ्यक्रम, सिनेमागृहों का निर्माण, फीचर फिल्म
ाक्यूमेंन्ट्री फिल्म निर्माण, पुनरावलोकी फिल्म समारोह,
ी भाषा फिल्म समारोह ।

ध्य प्रदेश संस्कृत अकादमी, भोपालःस्थापनाः 1985,
विधियांः रेवागोष्ठी, रामगढ़ सर्वेक्षण यात्रा शाहलभंजिका
मशेखर नाट्यम) छन्दम (संस्कृत गीत नृत्योपस्तत
न्यन्ध, प्रकाशनः दुर्वा (त्रै मासिक) ।

मध्य प्रदेश तुलसी अकादमी, भोपालः स्थापनाः 1987
ातिविधियांः संस्कार अभियान, मगालचरण, लोकमगल
जनरंजन, लोकयात्रा, तुलसी उत्सव तुलसी शोध सस्थान
शोध सर्वे और पाण्डुलिपि संग्रह।

मध्य प्रदेश सरकार सम्मान

कालीदास सम्मानः (स्थापना वर्ष 1980) पदर्शनकारी
और रुपंकर कलाओं में राष्ट्रीय पुरस्कार ।

लता मंगेशकर सम्मानः (स्थापना वर्ष 1984) सुगम
संगीत का राष्ट्रीय पुरस्कार ।

कबीर सम्मान· स्थापना वर्ष 1986) भारतीय कविता
र राष्ट्रीय पुरस्कार ।

'न सम्मानः (स्थापना वर्ष 1986) सृजनात्मक उर्दू
राष्ट्रीय सम्मान ।

ली शरण गुप्त सम्मानः (स्थापना वर्ष 1983) लोक
रम्परिक कला राष्ट्रीय पुरस्कार ।

नसेन सम्मानः (स्थापना वर्ष 1980) ।

खर सम्मानः (स्थापना वर्ष 1980) पदर्शनकारी
करकला राज्य स्तरीय पुरस्कार ।

सृजनात्मक कार्य हेतु 1000 रु प्रतिमास फेलोशिपः
कृति विभाग मध्य प्रदेश के अन्तर्गत स्थापित सृजनपीठ
राला सृजनपीठ भोपाल मुक्तिबोध सृजनपीठ सागर
ाचन्द सृजनपीठ, उज्जेन उस्ताद हफीज अली सृजनपीठ
वालियर जी जे जा सृजनपीठ इन्दौर ।

दर्शनीय स्थल

आसपास के दर्शनीय स्थलः वेनीसागर बाध 7 कि मी दूर।
रेनेह जल प्रपात पाडव जल प्रपात। पन्ना हीरे की खान गाविन्द
गढ़ रीवा महाराज के निजी संग्रहालय बाधवगढ अभयारण्य पन्ना
उद्यान (32 कि.मी.) चचई प्रपात बीहड नदी पर 130 मीटर
ऊंचा जलप्रपात, क्योंरी और बाहुरी जल प्रपात ।

मैहरः कटनी-इलाहबाद रेल मार्ग मध्यकालीन याद्धाओं
आल्हा-ऊदल, प्रख्यात संगीतकार उस्ताद अलाउद्दीन खा
देवी मां शारदा का मन्दिर ।

ग्वालियरः भारत के सभी पु... ग्वालियर दुर्ग (...
पूर्व का जिब्राल्टर कहलाने वाला ग्वालियर दुर्ग
फुट) राजा सूरजमल द्वारा निर्मित है ।

चित्रकूटः ब्रह्मा, विष्णु और महेश के बाल अवतार की कथा
वनवास के दौरान श्रीराम महर्षि अत्रि सती अनुसूया के अतिथि
यहीं बने तथा यहीं से भरत जी चरणपादुका लेकर लौटे ।

ओरछाः झासी से 19 तथा ग्वालियर से 130 कि.मी.
दूर बेतवा के तट पर बुन्देला राजपूतों का स्थान । चर्तुभुज
मन्दिर और जहांगीरी महल प्रसिद्ध ।

चंदेरीः गुना जिले में स्थित, 200 मीटर ऊंचे किले और
खूनी दरवाजे, चदेरी साडियों चारों ओर बनी बावडियां तथा
सरोवर, बुन्देला राजाओं मालवा के सुल्तानों द्वारा निर्मित
अनेक भवन।

राहतगढ़ः सागर में 40 कि मी. दूर, पुराना किला बादल
महल तथा 50 फुट ऊचा जल प्रपात ।

रायसेनः भोपाल से 35 कि मी दूर गोंड राजाओं द्वारा
निर्मित पहाडी किला ।

नोहटाः दमोह 21 कि मी. दूर, चंदेल राजाओं की
राजधानी (12 वी शताब्दी) ।

विदिशाः भोपाल से 54 कि.मी. दूर बम्बई, दिल्ली रेल
मार्ग। भारतीय इतिहास में उल्लेखनीय प्राचीन नगर।

सांचीः प्राचीन विश्वविख्यात बौद्ध तीर्थ, सांची स्तूप
(निर्माण ईसा पूर्व तीसरी शताब्दी) सम्राट अशोक ।

भोपालः मध्य प्रदेश राजधानी, भोपाल नगर निर्माण परमार
वशी राजा भोज (10 वी शती) गोंडवंश के पराभव के बाद
सरदार शेख मोहम्मद का शासन (2000 वर्ष पूर्व) दो प्रख्यात
झीलें । पुराना भोपाल मस्जिदों का शहर कहलाता है ।
विशेष दर्शनीय विशाल ताज-उल मस्जिद, लक्ष्मीनारायण
मन्दिर, गुफा मन्दिर, प्राचीन शिवमन्दिर, नेवरी वल्लभ
सम्प्रदाय फीजी मन्दिर बडवाले महादेव एवं जैन मन्दिर
लालघाटी मन्दिर नवनिर्मित भारत भवन तथा वन विहार ।
यहा प्रागैतिहासिक काल के गुफा चित्र भी हैं ।

भोजपुरः 28 कि मी विशाल शिव मंन्दिर (निर्माण राजा
भोज) विशाल 350 वर्ग कि.मी. के प्राचीन बांध के निकट
ही जैन मन्दिर ।

मांडूः हिन्दू-मुस्लिम शासकों का कर्मस्थल। यह प्र...
का प्रमुख एतिहासिक स्थल है ।

धारः इदौर से 60 कि मी. परमार राजाओं की प्र...
राजधानी, भोजराज नगरी भोजशाला व लाट मस्जिद प्र...

इंदौरः मालवा की प्रतिष्ठा, प्रमुख औद्योगिक स्थल...
माडू और ओंकारेश्वर-महेश्वर का प्रवेशद्वार, रानी अहि...
(हालकर वश) द्वारा बसाया गया । कांच मंन्दिर (जैन ...
गीता भवन अन्नपूर्णा मन्दिर ओर पुरातत्व संग्रहाल...

बाघ गुफाएंः इदौर से 158 कि.मी. शैलचित्र...
एलोरा के समकक्ष) वर्तमान मे कुछ गुफाएं ही सही सि...

पंचमढी, दूरी भोपाल से 210 कि.मी. पिपरि...
कि मी 120 जलाशय 5 जल प्रपात तथा 70 द...

भेड़ाघाटः दूरी जवलपुर से 13 कि.मी...
चट्टानों के बीच तीव्र पवाह से बहती नर्मदा 69 फु...
से नीचे गिरती है ।

अमरकण्टकः जबलपुर से 245 कि.मी. नर्मदा एवं सोन नदी का उद्भव स्थल तीर्थस्थल, प्राचीन एवं नवीन 24 मन्दिर।

उज्जैनः प्राचीन नाम – अवन्तिका, एक अन्य नाम देवगिरि यह सात पवित्र पुरियों में से एक भारत का प्रमुख तीर्थस्थल है । वेद, पुराण रामायण, महाभारत तथा संस्कृत साहित्य में इसका प्रचुर सन्दर्भ है ।

अन्य दर्शनीय स्थलः ओंकारेश्वरः सुप्रसिद्ध बारह ज्योतिर्लिंगों में से एक आदि शकराचार्य की गुफाए।

राज्यपालः राम प्रकाश गुप्ता

मुख्यमंत्रीः दिगविजय सिंह (कांग्रेस आई)

बिहार

क्षेत्रफलः 94,164 वर्ग किमी; **राजधानीः** पटना; **भाषाः** हिन्दी; **जिलेः** 37; **जनसंख्याः** 82,878,796; **पुरुषः** 43,153,964; **महिलायेंः** 39,724,832; **वृद्धि दर (प्रतिशत)** (1991–2001): 28.43; **जनसंख्या घनत्वः** 880; **शहरी जनसंख्याः** 10.47%; **लिंगानुपात (महिलायें प्रति हजार पुरुष)** : 921; **साक्षरत** 47.53; **पुरुषः** 60.32; **महिलायेंः** 33.57; **प्रतिव्यक्ति आयः** 2122 रु।

भू–आकृति

भारत के पूर्वी भाग में स्थित विहार देश का सवसे ज्याद आवादी वाला दूसरा राज्य है । इसकी स्थिति उत्तर में 27 00′ से 27° 31′ तथा पूर्व में 83° 20′ से 88° 17 के मध्य है । यह राज्य उत्तर से दक्षिण की ओर 695 कि.मी के क्षेत्र मे फैला हुआ है जबकि पूर्व से पश्चिम की दिशा मे इसकी चौड़ाई 483 कि.मी. है । उत्तर में नेपाल, पश्चिम में उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश दक्षिण में उड़ीसा तथा पूर्व मे प. बंगाल से घिरा विहार आकृति में चतुर्भुज–सा है ।

कृषि

भारत के अन्य राज्यों की भांति राज्य की लगभग तीन-चौथाई जनसंख्या कृषि एवं पशुपालन सम्बन्धी व्यवसायों पर निर्भर है ।

राज्य

	क्षेत्रफल (वर्गकि.मी.)	जनसंख्या (2001)	मुख्यालय
	2,796.8	2,124,831	अररिया
	3,389.2	2,004,960	औरंगाबाद
	1,889.1	2,342,989	वेगुसराय
	2,501.9	2,430,331	भागलपुर
	3,020.2	1,608,778	बांका
	2,337	2,233,415	अर्राह
	1,633.6	1,403,462	बक्सर
ा	1,840..3	1,284,575	भभुआ
गा	2,502	3,285,473	दरभगा
चम्पारण	4,1154.8	3,933,636	मोतीहारी
	4,941	3,464,983	गया
ालगंज	2,009.2	2,149,343	गोपालगज
हानाबाद	1,569.3	1,511,406	जहानाबाद
व अरवाल	2,996.5	1,397,474	जामुई
जामुई	1,1956	1,506,418	सहरसा
सहरसा	3,009.9	2 389 533	कटिहार
कटिहार	1,4858	1 276,677	खगडिया
खगड़िया	1,9385	1,294,063	किशनगज
किशनगंज	1,7974	1 524 596	माधेपुर
माधेपुर	3,4778	3,570 651	मधुवनी
मधुबनी	3,3022	801,173	लखिसराय
लखुसराय	1 419	1 '35 499	मगेर
मंगेर	689	525 137	शेखपुरा
शेखपुरा	3 1227	3,743 836	मुजफ्फरपुर
	2 3617	2 368,327	विहारशरीफ
दा	2 4975	1,809 425	नवादा
	3 1301	4 709,851	पटना
र्णिया	3 2023	2 540,788	पूर्णिया
हतास	3,8382	2 448 762	सासारा
समस्तिपुर	2,5787	3,413,413	समस्तिपुर
सारण	2,6241	3 251,474	छपरा
सीतामढ़ी	2,6277	2,669 887	सीतामढि
सिहोर	443	514 288	सिहोर
सिवान	2,213	2,708,840	सिवान
सुपौल	2,9849	1,745 069	सुपौल
वैशाली	1,9953	2 712,389	हाजीपुर
प. चम्पारण	4,2499	3,043,044	वेटिया

विहार में सबसे महत्वपूर्ण खाद्यान्न फसल हे । पश्चिमी विहार में गेहूं भी मुख्य फसल है । इसके अतिरिक्त मक्का, जौ, ज्वार, बाजरा, चना, सरसों, अन्य दालें, तिलहन तथा व्यवसायिक फसलों में गन्ना, जूट यहा सबसे मुख्य फसलें ह कहीं तम्बाकू, आलू, रेण्डी, अलसी, सनई, लालमिर्च, अन्य मसाले, आम, चीनी, अमरूद, टमाटर, पपीता, नारगी, केला आदि फल एवं मौसमी सब्जिया पैदा की जाती हैं। राज्य में कुल 105.1 लाख हैक्टेयर भूमि खेती के योग्य है।

सिंचाई

राज्य में नहरों, तालाव या तालों, नलकूपों एवं सामान्य कुओं आदि साधनों से मुख्यतः सिंचाई की जाती है ।

खनिज

राज्य का दक्षिणी क्षेत्र जो छोटानागपुर पठारी क्षेत्र के रूप में जाना जाता है, में खनिज सम्पदा की बहुलता है। देश में पाये जाने वाले खनिजों का 25% भंडार इस राज्य में विद्यमान है। कोयला, लौह अयस्क, ताम्र अयस्क, यूरेनियम, चुना–पत्थर, वॉक्साइट, डोलोमाट, फायरक्ले, चीनी मिट्टी, पायराइट, ग्रेफाइट, कायनाइट, अभ्रक, फेल्सपार, क्वार्टज, मैगनेटाईट, सोप स्टोन, तुफालाइम, वेन्टो–नाईट, प्लौन्ट–स्टोन, स्लेट एव मार्वल खनिज के भण्डार उपल्वध हैं ।

विश्वविद्यालय

वी एन मडल विश्वविद्यालय, मधेपुरा; वावा साहेब भीमराव अम्वेदकर विहार विश्वविद्यालय, मुजफ्फरपुर; जयप्रकाश विश्वविद्यालय, छपरा; कामेश्वर सिंह दरभंगा सस्कृत विश्वविद्यालय, दरभंगा; ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय, दरभंगा; मगध विश्वविद्यालय, वोधगया; नालदा खुला विश्वविद्यालय, पटना; पटना विश्वविद्यालय; सिद्धु कान्हु विश्वविद्यालय, दुमका; तिल्का मांझी भागलपुर विश्वविद्यालय, वीर कुवर सिंह विश्वविद्यालय, आराह; विनोवा भावे विश्वविद्यालय, हजारीयाग। अरवी और फारसी के विकास के लिये हाल ही में मौलाना आजाद विश्वविद्यालय का गठन किया गया है।

राज्यपालः न्यायमूर्ति (अवकाश प्राप्त) राम जोइस, **मुख्यमंत्रीः** रावडी देवी (आर.जे.डी)

अरुणाचल प्रदेश

क्षेत्रफलः 83,743 वर्ग कि.मी.; **राजधानीः** ईटानगर; **जिलेः** 13 **जनसंख्याः** 1,091,117; **पुरुषः** 573,951, **महिलाएं** : 517,166; **वृद्धि दर (प्रतिशत)** 1991–2001 26.21; **जनसंख्या घनत्वः** 13 **शहरी जनसंख्याः** 20 41%; **भाषायेंः** मोंपा, अका, मि शर्दुकमेन, निशि, अपतनी, हिल मिरि तगिन, अदी, दिगारु, मिजि, खम्पटी, सिंगफू, तंगसा, नोक्टे, वा **लिंगानुपात (महिलाएं प्रति हजार पुरुष): 901; साक्ष** 54.74%, **पुरुषः** 64.07%; **महिलाएं : 44.24** **प्रतिव्यक्ति आय(1989–90): 4176 रु।**

अरुणाचल प्रदेश (उपाकालीन प्रकाश वाले पर्वतों व विरल जनसख्या वाला पहाड़ी क्षेत्र है। इसके पश्चिम में उत्तर में चीन, पूर्व में वर्मा और दक्षिण में असम राज्

भू–आकृतिः अरुणाचल प्रदेश पूरा पहाड़ी देश है असम के निकटवर्ती भाग में समतल मैदान की एक सी पट्टी है । इस राज्य के दो–तिहाई भाग पर घ

अरुणाचल प्रदेश की जनसंख्या मुख्यतः जन है। सभी जनजातियों के कवीले अनुसूचित जन सूची में सम्मिलित हैं। 1981 की जनगणना

इस राज्य की 79 प्रतिशत जनसंख्या अनुसूचित जनजातियों की है। प्रमुख कबीले हैं – अदी, निशी, अपतनी, तगिन, मिश्मी, खम्पटी, नोक्टे, वान्चू, तंगशा, सिंगफू, मोंपा, शर्दुकयेन, अका आदि ।

इतिहास: पहले अरुणाचल प्रदेश को नार्थ–ईस्ट फ्रंटियर एजेन्सी (नेफा) कहा जाता था और 1948 में यह संघ सरकार के प्रशासनाधीन आया। 20 जनवरी 1972 को इसे अरुणाचल प्रदेश के नाम से एक संघ शासित प्रदेश बना दिया गया। दिसंबर 1986 में यह भारत संघ का एक राज्य बन गया ।

इस प्रांत में 13 जिले हैं । इसकी राजधानी ईटानगर है जो लोआ सुवनसिरी जिले में है ।

जिले

जिला	जनसंख्या (2001)	क्षेत्रफल (वर्ग कि.मी.)	मुख्यालय
पश्चिमी कमांग	74,595	7,422	बोमडीला
पूर्वी कमांग	57,065	4,134	सेप्पा
लोअर सुबानसिरी	97,614	10,125	जीरो
अपर सुबानसिरी	54,995	7,032	दापेरिजो
पश्चिमी सियांग	103,575	8,325	एलांग
दिबांग घाटी	57,543	13,029	अनीनी
लोहित	143,478	11,402	तेजु
तिरप	100,227	2,362	खोनसा
तावांग	34,705	2,172	तावांग
चांगलांग	124,994	4,662	चांगलंगा
पाउम पारे	121,750	2,875	ईटानगर
पूर्वी सियांग	87,430	4,005	पासीघाट
अपर सियांग	33,146	6,188	यिंगकियोंग

प्रशासन: 15 अगस्त 1975 को अरुणाचल की प्रादेशिक परिषद को विधान सभा में परिवर्तित कर दिया गया और एक मंत्रि परिषद् गठित कर दी गई।

अर्थव्यवस्था: [illegible] उत्पादन – 27,075 किलोवाट,

्य

, शहर – 12, प्रति फोन पर व्यक्ति –
– 10.3%.
की लगभग 80 प्रतिशत जनसंख्या का उद्यम
की परंपरागत विधि 'झूम कृषि' कहलाती है।
रदार कोशिश की जा रही है कि यहां के लोग
परंपरा छोड़ दें। मुख्य फसलें चावल, मक्का,
और सरसों हैं ।
61,000 वर्ग कि.मी. भूमि वन हैं, जो राज्य
एक महत्वपूर्ण साधन है ।
ज्य में वन उत्पाद पर आधारित उद्योगों की बड़ी
हैं। मध्यम दर्जे के और छोटे पैमाने के बहुत–
स्थापित किये गए हैं जिनमें आरा मिलें, प्लाइवुड
म्मा, चावल मिलें, फल परिरक्षण और कोल्हू
त हैं। इनके अलावा हथकरघा और दस्तकारी
भी हैं ।

वविद्यालयः अरुणाचल विश्वविद्यालय इटानगर

टक केंद्रः ईटा किले के अवशेष, तवाग में प्राचीन बौद्ध
मालिनितन व विस्माक नगर के पुरातत्वीय केंद्र और
ा वन्य जीवन विहार प्रमुख पर्यटक केंद्र हैं ।

राज्यपालः एस. विनोद चंद्र पांडे

मुख्य मंत्रीः गेगोंग अपांग

असम

क्षेत्रफलः 78,438 वर्ग कि.मी. **राजधानीः** दिसपुर
जिलेः 23; **जनसंख्याः** 26,638,407 **पुरुषः**
13,787,799 **महिलाएंः** 12,850,608 **वृद्धि दर
(1991–2001)**: 18.85 **जन घनत्वः** 340 **भाषाः**
1 . **शहरी जनसंख्याः** 12.72% **लिंगानुपात
प्रति पुरुष)**: 923 **साक्षरताः** 64.28%
:71.93% **महिलाएं** 56.03% **प्रतिव्यक्ति आय
89–90)**: 3179 रु.।

असम शब्द के उदभव के बारे में विद्वान एकमत नहीं
कुछ का कहना है कि पहाड़ों और घाटियों के कारण
की भूमि सम नहीं है। इसीलिए इसका नाम असम
1। उन्होंने संस्कृत के असम शब्द को अपने तर्क
आधार बनाया है ।

भू–आकृतिः भौगोलिक दृष्टि से असम अपने पूर्ववर्ती
ाकार से बहुत छोटा हो गया है। पिछले 20 वर्षों में इसका
आकार एक–तिहाई रह गया है। 1947 में असम का
क्षेत्रफल 2 लाख वर्ग कि.मी. से भी अधिक था – तत्कालीन
नेफा और वर्तमान अरुणाचल प्रदेश को छोड़कर । आज
असम का कुल क्षेत्रफल 78,438 वर्ग कि.मी. है ।

1947 में भारत के विभाजन के समय असम का
सिलहट जिला (बस करीमगंज सब–डिवीजन के अधिकांश
भाग को छोड़कर) पूर्वी पाकिस्तान में (जो अब बंगलादेश है)
चला गया।

जिस रूप में आज असम है, उसे दो महत्वपूर्ण प्राकृतिक क्षेत्रों
– बराक घाटी और ब्रह्मपुत्र घाटी में बांटा जा सकता है ।

असम में ब्रह्मपुत्र की बड़ी प्रमुखता है। यह नदी अपने
उद्गम से 2900 कि.मी. ... 9,35,500 वर्ग कि.मी. ... सहायक नदियां हैं
है। लगभग 9,35,500 वर्ग कि.मी. इसकी 120 सहायक नदियां ह
इस नदी में आता है। इसकी 120 सहायक नदियां ह
असम संसार में सबसे अधिक वर्षा वाले स्थानों में से ए
है। यहां 178 से.मी. से 305 से.मी. तक वर्षा होती है। स
वर्षा जून से सितंबर तक चार महीनों में होती है ।

इतिहासः असम में अनेक नस्लों के लोग अपनी पृथक
सभ्यता और संस्कृति लेकर आते और बसते रहे । अनेक
मार्गों से आस्ट्रो–एशियाई, नेग्रिटो, द्रविड़, अल्पाइन, इंडो–
मंगोल, तिब्बती–बर्मी और आर्य नस्लों के लोग असम में आये
और अपने ढंग से उन्होंने एक ऐसे मिश्रित समुदाय का निर्माण
किया जिसे बाद के इतिहास में आसामी नाम दिया गया। फिर
भी, असम मुख्यत. तिब्बती–बर्मी नस्ल वालों का देश रहा ।

13 वीं शताब्दी में ऊपरी इरावदी घाटी में बसे शान
कबीले के राजा सुकाफा के नेतृत्व में अहोमों ने असम पर
अधिकार कर लिया ।

अहोमों ने कामरूप पर शासन करने के लिए बरफाकन
(वायसराय) नियुक्त किए और गोहाटी इन वायसरायों की
राजधानी बन गया। अंतिम वायसराय का नाम बदनचंद्र था।
बर्मावासियों ने अहोमों को सत्ता से हटा दिया और उनके
वायसराय बदनचंद्र को पदच्युत कर दिया ।

अंग्रेजों ने कई लड़ाइयों में (प्रथम अंग्रेज–बर्मा युद्ध के दौरान)
बर्मा को पराजित किया। 1826 में यंदाबू की संधि हो गई।
1832 में कचार को असम में मिला दिया गया और 1835
में जयन्तिया पहाड़ियों को असम में सम्मिलित कर लिया गया।
1839 में अपर असम को बंगाल के साथ मिला दिया गया।
1874 में एक चीफ कमिश्नर के अधीन असम को एक अलग
प्रान्त बना दिया गया, जिसकी राजधानी शिलांग थी ।

1905 में बंगाल के विभाजन पर असम को एक
लेफ्टीनेंट गवर्नर के अधीन बंगाल के पूर्वी जिलों के साथ
मिला दिया गया। 1912 में असम को पुनः एक चीफ
कमिश्नर के अधीन रखा दिया गया। बाद में 1921 से इस
प्रांत के शासन के लिए गवर्नर नियुक्त होने लगा ।

1951 में उत्तरी कामरूप की देवनगिरि क्षेत्र भूटान को
दे दिया।

1948 में सुरक्षा की दृष्टि से नार्थ ईस्ट फ्रंटियर
एजेन्सी (नेफा) को असम से पृथक कर दिया गया। 1963
में असम राज्य के क्षेत्र में से ही एक नया राज्य नागालैंड
बना दिया गया। 21 जनवरी 1972 को असम के इलाके
लेकर मेघालय नामक नया राज्य और मिज़ोरम संघ शासित
प्रदेश बनाए गये।

प्रशासनः इस राज्य के विधान मंडल एक सभा विधा
सभा है । राज्य 23 जिलों में बंटा हुआ है।

जिले जिला	जनसंख्या (2001)	क्षेत्रफल (वर्ग कि.मी.)	मुख्य
बारपेटा	1,642,420	3,245	ब
बोंगाइगाव	906,315	2,510	बों
कचार	1,442,141	3,786	
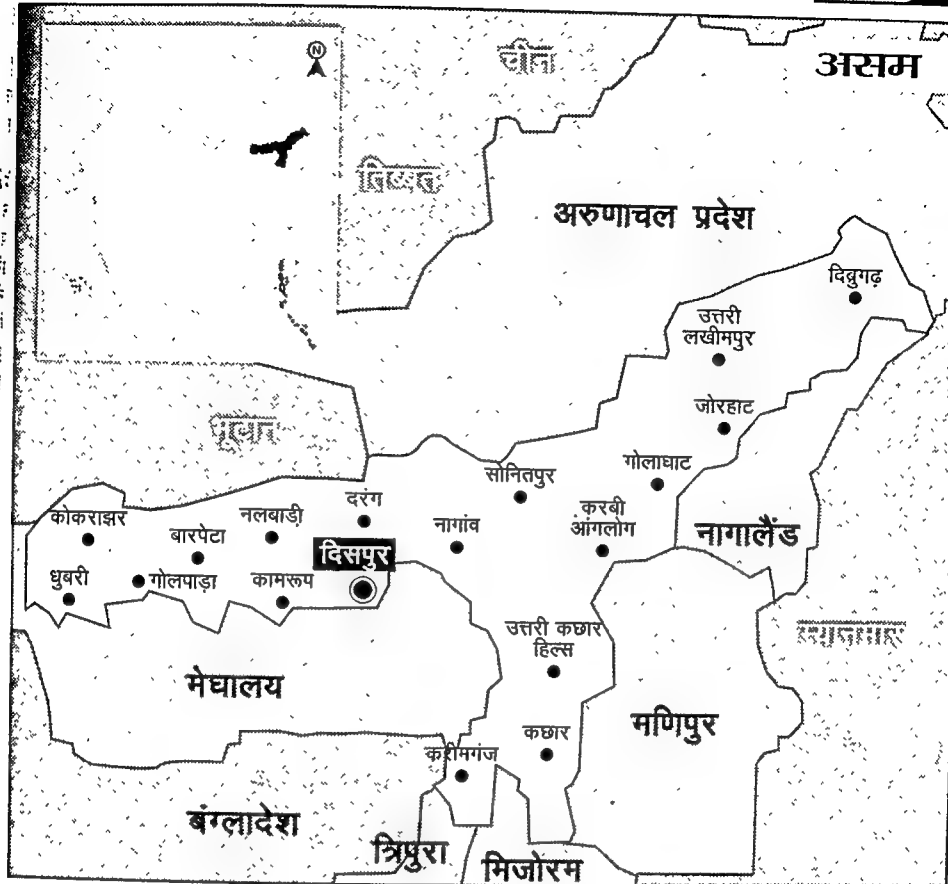
दरंग	1,503,943	3,481	मंगलदोई
धेमाजी	569,468	3,237	धेमाजी
धुबरी	1,634,589	2,838	धुबरी
डिब्रूगढ़	1,172,056	3,381	डिब्रूगढ़
गोलपाड़ा	822,306	1,824	गोलपाड़ा
गोलाघाट	945,781	3,502	गोलाघाट
हैलाकांडी	448,506	1,327	हैलाकांडी
जोरहाट	1,009,197	2,851	जोरहाट
कामरूप	2,515,030	4,345	गोहाटी
करवी आंगलोग	812,320	10,434	दिफू
करीमगंज	1,003,678	11,809	करीमगंज
कोकराझर	930,404	3,129	कोकराझर
लखीमपुर	889,325	2,277	लखीमपुर
मारीगांव	775,874	1,704	मारीगांव
नागांव	2,315,387	3,831	नागांव
उत्तरी कचार हिल्स	186,189	4,888	हाफलांग
नलबाड़ी	1,138,184	2,257	नलबाड़ी
सिवसागर	1,052,802	2,668	सिबसागर
सोनितपुर	1,677,874	5,324	तेजपुर
तिनसुकिया	1,150,146	3,790	तिनसुकिया

अर्थ व्यवस्था: विद्युतीकृत ग्राम – 21,845, औद्योगिक रोजगार – 1.21 लाख, औद्योगिक इकाइयां – 1760, विद्युत उत्पादन – 534.4 मेगावाट, घरेलू हवाई अड्डे – 6, प्रति फोन पर व्यक्ति – 276.3, सड़क लंबाई – 68,913 किलोमीटर, मंदी – 9.0%

असम राज्य खनिजों की दृष्टि से बड़ा समृद्ध है। खनिज, तेल के उत्पादन में इस राज्य की एक विशेष स्थिति है ।

कृषि

कृषि आधारित उद्योगों में चाय का महत्वपूर्ण स्थान है। राज्य में लगभग 750 चाय बागन हैं। विश्व के कुल चाय उत्पादन में असम का योगदान 15.6% है। देश में पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस के कुल उत्पादन में इस राज्य के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस उत्पादों का बड़ा हिस्सा है। इस राज्य में दो तेल शोधन कारखाने हैं और पेट्रोरसायन काम्पलेक्स सहित तीसरा

तेल शोधन कारखाना बना रहा है। कामरूप में सरकारी क्षेत्र का एक उर्वरक कारखाना भी है। इस राज्य के अन्य उद्योग हैं – चीनी, जूट, रेशम, कागज, प्लाईवुड, चावल और चावल मिलें। महत्वपूर्ण कुटीर उद्योगों में हथकरघा, रेशमकीट पालन, बेत और बांस की वस्तुएं बढ़गिरी, लोहारी और पीतल के बर्तन उद्योग हैं । सुआलकुची में एक निर्यात उन्मुख हथकरघा परियोजना आरंभ कर दी गई है ।

पर्यटक केंद्र: पर्यटन हाल में ही आरंभ हुआ है । भारत सरकार ने इस राज्य के लिए दो यात्रा–परिपथों की मंजूरी दे दी है – 1. गौहाटी – काजीरंगा – सिबसागर, 2. गौहाटी – मानस ।

विश्वविद्यालय: असम कृषि विश्वविद्यालय; असम विश्वविद्यालय, सिल्चर; दिब्रुगढ़ विश्वविद्यालय गौहाटी; विश्वविद्यालय, गौहाटी इंडियन इंस्टीट्यूट आफ टेक्नालोजी, तेजपुर विश्वविद्यालय तेजपुर।

राज्यपाल: ले.जनरल (अवकाश प्राप्त) अजय सिंह

मुख्य मंत्री: तरुण गोगोई (भा. रा. कांग्रेस)

आंध्र प्रदेश

क्षेत्रफल: 275,045 वर्ग कि.मी.; **राजधानी:** हैदराबाद; **भाषायें:** तेलुगू और उर्दू; **जिले:** 23; **जनसंख्या:** 75,727,541; **पुरुष:** 38,286,811; **महिलाएं:** 37,440,730; **वृद्धि दर (प्रतिशत) 1991–2001:** 13.86; **जनसंख्या घनत्व:** 275; **शहरी जनसंख्या:** 27.08%; **लिंगानुपात (महिलाएं प्रति हजार पुरुष):** 978; **साक्षरता:** 61.11%; **पुरुष:** 70.85%; **महिलाएं:** 51.17%; **प्रति व्यक्ति आय:** 4507 रु।

भू–आकृति: आंध्र प्रदेश क्षेत्रफल और जनसंख्या दोनों दृष्टि से भारत का पांचवां सबसे बड़ा राज्य है। इसके उत्तर मध्य प्रदेश और उड़ीसा, पूर्व में बंगाल की खाड़ी, दक्षिण तमिलनाडु और कर्नाटक और पश्चिम में महाराष्ट्र है।

राज्य की प्रमुख नदियां कृष्णा और गोदावरी हैं। अन्य महत्वपूर्ण नदियां हैं: पेण्णार, वंशधारा और नागवली ।

इतिहास: इस राज्य, के निवासियों और यहां की भाषा तीनों का नाम आंध्र है – हालांकि कालांतर में यहां की भाषा का नाम तेलुगू हो गया ।

आंध्र प्रदेश के लोग मूलत: आर्य नस्ल के हैं । जब वे विंध्याचल के दक्षिण की ओर पहुंचे, तो उनका मिश्रण गैर–आर्य नस्ल के लोगों के साथ हो गया ।

13 वीं शताब्दी में आंध्र प्रदेश पर काकतीयों का प्रभुत्व था। उनकी राजधानी वारंगल थी। 1323 में दिल्ली के तुगलक सुल्तान ने काकतीय शासक को बंदी बना लिया ।

गोलकुंडा के कुतुबशाही सुल्तान ने हैदराबाद के आधुनिक शहर की नींव रखी। सम्राट औरंगजेब ने कुतुबशाही सुल्तान को हरा दिया और आसफ को दक्षिण का गवर्नर नियुक्त कर दिया। जब औरंगजेब के उत्तराधिकारियों के समय में मुगल साम्राज्य लड़खड़ाने लगा, तो आसफलशाही ने निज़ाम की उपाधि धारण कर अपने को स्वाधीन शासक घोषित कर दिया ।

आंध्र प्रदेश, भारत में विशुद्ध भाषायी आधार पर बनने वाला पहला राज्य है। जब भारत स्वतंत्र हुआ, उस समय आंध्रदेश अर्थात तेलुगू भाषी लोग लगभग 21 जिलों में बंटे हुए थे। जिनमें से 9 जिले निज़ाम के राज्य में थे और 12 जिले मद्रास प्रेसीडेन्सी में थे। एक आंदोलन के आधार पर अक्टूबर 1953 को मद्रास राज्य के 11 जिलों को मिलाकर एक नया राज्य आंध्र बनाया गया जिसकी राजधानी कर्नूल थी ।

राज्य पुनर्गठन आयोग की सिफारिशों के अनुसरण में 1 नवम्बर 1956 को भूतपूर्व निज़ाम के राज्य के 9 जिले आंध्र में जोड़ दिये गए और निज़ाम की भूतपूर्व राजधानी हैदराबाद को आंध्र राज्य की राजधानी बना दिया गया ।

इस प्रकार आंध्र प्रदेश में तीन भिन्न प्रकार के क्षेत्र सम्मिलित हैं –

(1) तटीय क्षेत्र, इसमें आठ जिले हैं और इसे आनतो से आंध्र कहा जाता है, (2) भीतरी क्षेत्र, इसमें चार जिले और इस क्षेत्र को रायलसीमा कहा जाता है, और (3) तेलंगाना क्षेत्र, इसमें राजधानी हैदराबाद और उसके पास नौ जिले सम्मिलित हैं ।

प्रशासन: आंध्र प्रदेश में एक सदनीय विधान मंडल है। विधान सभा में 295 सीटें हैं । आंध्र प्रदेश में 1 जून 1985 को विधान परिषद का उन्मूलन कर दिया गया था ।

जिले

जिला	क्षेत्रफल (वर्ग कि.मी.)	जनसंख्या (2001)	मुख्यालय
रायलसीमा क्षेत्र			
अनंतपुर	19,130	3,639,304	अनंतपुर
चित्तूर	15,152	3,735,202	चित्तूर
कड्डपा	15,359	2,573,481	कड्डपा
कर्नूल	17,658	3,512,266	कर्नूल
आंध्र क्षेत्र			
पूर्वी गोदावरी	10,807	4,872,622	काकिनाडा
गुंटूर	11,391	4,405,521	गुंटुर
कृष्णा	8,734	4,405,521	मछलीपटनम
नेल्लोर	13,076	2,659,661	नेल्लोर
प्रकाशम	17,626	3,054,941	ओंगोल
श्रीकाकुलम	5,837	2,528,491	श्रीकाकुलम
विशाखापट्नम	11,161	3,789,823	विशाखापट्नम
विजयानगरम	6,539	2,245,103	विजयनगरम
पश्चिमी गोदावरी	7,742	3,796,144	एलूरु
तेलंगाना क्षेत्र			
आदिलाबाद	16,128	2,479,347	आदिलाबाद
हैदराबाद	217	3,686,460	हैदराबाद
रंगा रेड्डी	7,493	3,506,670	हैदराबाद
करीमनगर	11,823	3,477,079	करीमनगर
खम्मम	16,029	2,565,412	खम्मम
महबूबनगर	18,432	3,506,876	महबूबनगर
मेडक	9,699	2,662,296	संगारेड्डी
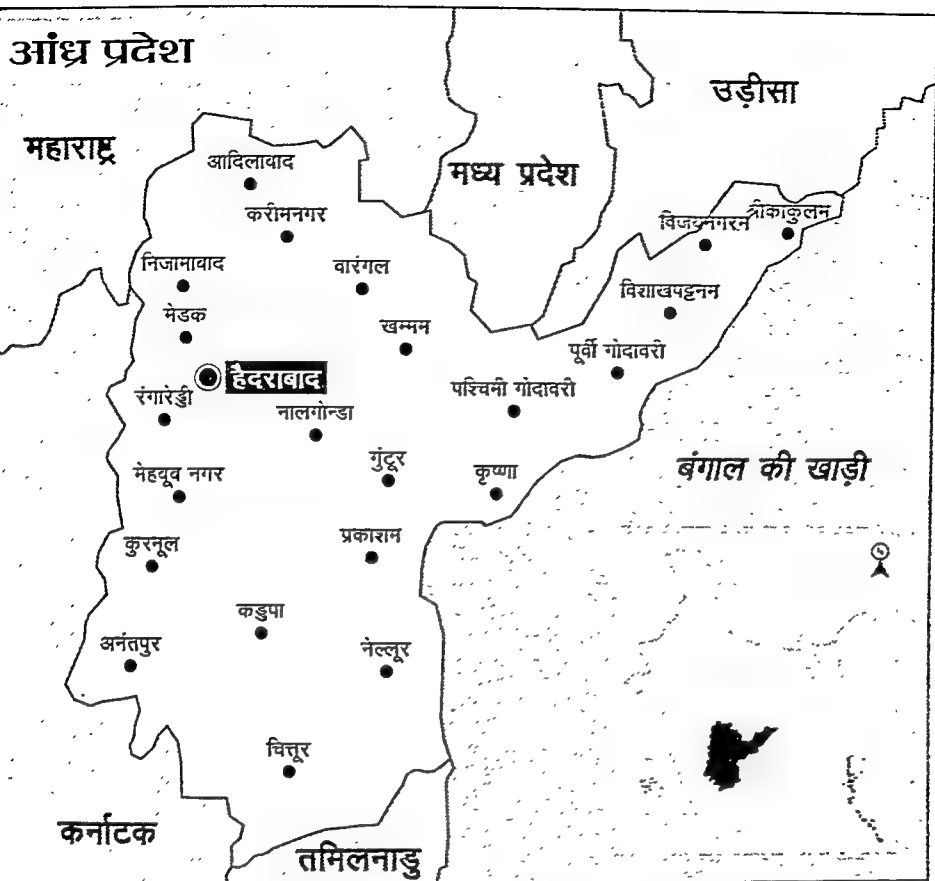
लगोंडा	14,240	3,238,449	नलगोंडा
ज़ामाबाद	7,956	2,342,803	निज़ामाबाद
रंगल	12,846	3,231,174	वारंगल

अर्थ व्यवस्था: विद्युत (कुल क्षमता) : 6110 मेगावाट। औद्योगिक रोजगार: 8.5 लाख, औद्योगिक इकाइयों की संख्या: 21028, व्यक्ति प्रति टेलीफोन:117.5, घरेलू वाई अड्डे: 4, सड़क लंबाई: 1,37,500 किलोमीटर, दी: 10.3%:

आंध्र प्रदेश में विविध प्रकार की खेती होती है जिनमें नकद सलें अनेक किस्म की हैं । इस राज्य में खाद्यान्नों का त्पादन खपत से अधिक होता है ।

तंबाकू के उत्पादन में आंध्र प्रदेश अन्य सब राज्यों से आगे और वर्जीनिया तंबाकू में तो इस राज्य का एकाधिकार है।

औद्योगिक निवेश में राज्य का स्थान चौथा है।

आठवीं योजना के दौरान राज्य में 1296 मेगा वाट धिक विद्युत का उत्पादन हुआ निजी क्षेत्र से यह अपेक्षा की रही है कि नवीं योजना के दौरान इसका उत्पादन दुगना करेगी। भारत के प्रथम भूमिगत जल विद्युत परियोजना पर कार्य प्रगति पर है। श्रीसालम परियोजना के दाईं ओर पहाडियों के नीचे जगह बनाई गई है। हैदराबाद के निकट गाजुलारामाराम में पहली बार महिला उद्यमियों के लिये औद्योगिक एस्टेट बनाई जा रही है।

बेहतर प्रशासन के लिये राज्य ने सूचना तकनीक का बहुत विकास किया है। कलेक्ट्रेट व विभागों के प्रमुखों के कार्यलय कंप्यूटर नेटवर्क से जुड़े हैं। मुख्य मंत्री नायडू इसे एक माडल राज्य बनाना चाहते हैं।

विश्वविद्यालय: आचार्य एन.जी. रंगा कृषि विश्वविद्यालय हैदराबाद; आंध्र विश्वविद्यालय, विशाखापट्नम; सेंट्रल इंस्टीट्यूट आफ इंग्लिश एंड फारेन लैंग्वेज, हैदराबाद; डा. बी.आर. अम्बेदकर खुला विश्वविद्यालय, हैदराबाद; द्रविणियन विश्वविद्यालय, कुप्पन; हैदराबाद विश्वविद्यालय; एन.टी.आर. स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय, विजयवाड़ा; ओस्मानिया विश्वविद्यालय, हैदराबाद; मौलाना आजाद राष्ट्रीय उर्दू विश्वविद्यालय, हैदराबाद; जवाहर [illegible] प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हैदराबाद; काकातिय [illegible], वारांगल;

जिले

जिला	क्षेत्रफल (वर्ग कि.मी.)	जनसंख्या (2001)	मुख्यालय
अंगुल	6,347	1,139,341	अंगुल
बालासोर	3,706	2,023,056	बालासोर
बालांगीर	6,552	1,335,760	बालांगीर
बौद्ध	4,289	373,038	बौद्ध
भद्रक	2,788	1,332,249	भद्रक
बारुगढ़	5,832	1,345,601	बारूगढ
कटक	3,915	2,340,686	कटक
देवगढ़	2,781	274,095	देवगढ़
गंजम	8,033	3,136,937	छत्रपुर
धनकनाल	4,597	1,065,983	धनकनाल
गजापति	3,056	518,448	पारुलाखेमुडी
जगतसिंहपुर	1,759	1056,556	जगतसिंहपुर
जाजपुर	2,885	1,622,868	पानीकोइली
झारसुगुदा	2,202	509,056	झारसुगुदा
केंओनझर	8,337	1,561,521	केंओनझर
कालाहांडी	8,197	1,334,372	भवानीपट्ना
कोरापुट	8,534	1,177,954	कोरापुट
केंद्रापारा	2,546	1,301,856	केंद्रापारा
खुर्दा	2,888	1,874,405	भुभनेश्वर
मयूरभंज	10,410	2,221,782	वारीपाडा
मलकानागिरी	6,115	480,232	मलकानागिरी
नवरंगपुर	5,135	1,018,171	नवरंगपुर
नयागढ़	3,954	863,934	नयागढ
नवापाडा	3,408	530,524	नवापाडा
पुरी	3,055	1,498,604	पुरी
कांधामल	6,004	647,912	फूलवानी
रायागाडा	7,585	823,019	रायागाडा
संबलपुर	6,702	928,889	संबलपुर
सुंदरगढ़	9,942	1,829,412	सुंदरगढ
सोनपुर	2,284	540,659	सोनपुर
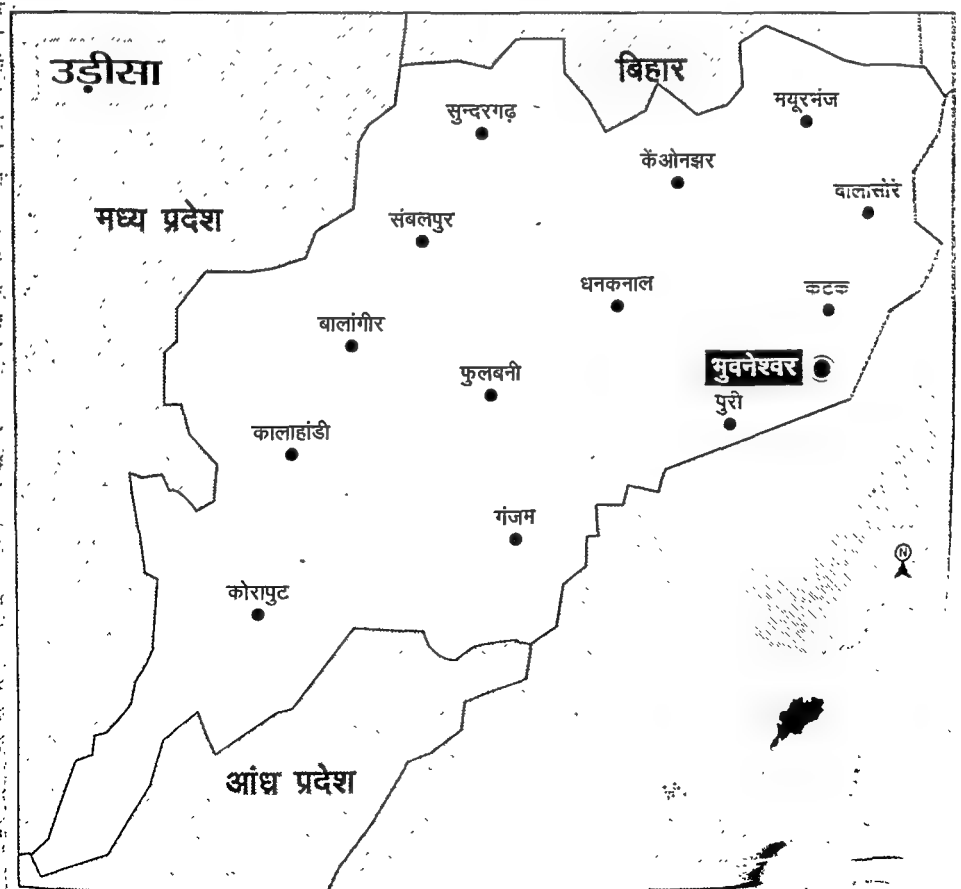
उड़ीसा में अनुसूचित जातियों और जनजातियों का प्रतिशत काफी अधिक है। राज्य की कुल जनसंख्या में अनुसूचित जाति और जनजातियों की कुल संख्या 97.8 लाख है ।

राज्य के 76 प्रतिशत से अधिक लोगों का जीवन कृषि पर निर्भर है। कुल 964200 लाख हेक्टेयर भूमि में फसलें उगाई जाती हैं, जिसमें से 18.79 लाख हेक्टेयर भूमि में सिंचाई की सुविधा है। चावल, दालें, तिलहन, जूट, गन्ना, नारियल और हल्दी मुख्य फसलें हैं ।

इस राज्य में केंद्रीय क्षेत्र की परियोजनाएं ये हैं – राउरकेला में इस्पात कारखाना, छत्रपुर में खाद काम्पलेक्स, तालचेर में भारी पानी परियोजना, मन्वेश्वर में रेल डिब्बा मरम्मत वर्कशाप, फोरापुट में अल्युमिनियम काम्पलेक्स तालचेर में कैप्टिव विजली घर, तालचेर में अल्युमिनियम स्मेल्टर और परादीप में उर्वरक कारखाना।

केंद्र ने 10,000 मेगावाट ऊर्जा परियोजना की मंजूरी दे दी है। वर्ष 2008 में हिरमा में यह परियोजना पूरी हो जायेगी।

योजना आयोग के आंकलन के अनुसार 48% जनता निर्धनता की सीमारेखा के नीचे रह रही है। अक्टूबर माह के पूर्वाध में अब तक के सबसे भयंकर समुद्री तूफान नें यहां तवाही मचा दी। हजारों के मरने की आशंका की गई सरकार ने इसे राष्ट्रीय विपदा माना। और वर्ष 2002 में यह भयंकर सूखे का सामना कर रहा है।

विश्वविद्यालयः बरहामपुर विश्वविद्यालय; उड़ीसा कृषि व प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर; संबलपुर विश्वविद्यालय; श्री जगन्नाथ संस्कृत विश्वविद्यालय, पुरी; उत्कल विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर।

पर्यटक केंद्रः उड़ीसा की राजधानी भुवनेश्वर को मंदिरों का शहर कहा जाता है क्योंकि यहां बहुत–से मंदिर हैं । भुवनेश्वर के स्मारकों में कलिंग शैली के वास्तुशिल्प – आरंभ से परिपक्वता की स्थिति तक लगभग 2000 वर्षों के विकास का मूर्त रूप दिखाई पड़ता है । रोचक स्थान हैं – लिंगराज मंदिर, मुक्तेश्वर मंदिर, अनंत वासुदेव मंदिर, और राजारानी मंदिर, खंडगिरि, उदयगिरि और धोली में चट्टानों को काटकर बनी जैन और बुद्ध गुफायें और अशोक के शिलालेख ।

पुरी (जगन्नाथपुरी) समुद्र तटीय शहर है और यहां समुद्र तट पर सैरगाह भी है। यह भुवनेश्वर से 62 कि.मी. दूरी पर है और भारत के चार धामों में से एक धाम है ।

कोणार्क भुवनेश्वर से 65 कि.मी. दूर और पुरी से 85 कि.मी. दूरी पर है। यह सूर्य मंदिर के लिए विख्यात है । यह एक रथ पर बना है। रथ में 24 उत्कीर्ण पहिएं हैं और सात घोड़े रथ को खींच रहे हैं । इसके अलावा महानदी पर बना हीराकुंड बांध, जो संसार में चौथा सबसे बड़ा बांध है और भुवनेश्वर से 328 कि.मी. की दूरी पर है, पर्यटकों के लिए एक अन्य आकर्षण है ।

राज्यपालः एम. एम. राजेंद्रन

मुख्य मंत्रीः नवीन पटनायक (बीजू जनता दल)

उत्तरांचल

क्षेत्रफलः 53,483 वर्ग कि. मी.; **राजधानीः** देहरादून **भाषाः** हिन्दी, गढ़वाली, कुमाउंनी; **जिलेः** 13; **जनसंख्या** 8,479,562; **पुरुषः** 4,316,401; **महिलायें:** 4,163,161; **वृद्धि दर प्रतिशत (1991–2001)** 19.20; **जनसंख्या घनत्वः** 159; **शहरी जनसंख्या** 25.59; **लिंगानुपातः** 964; **साक्षरताः** 72.28%, **पुरुष** 84.01; **महिलायें:** 60.26%।

उत्तर प्रदेश से अलग किये गय नया प्रांत उत्तरांचल 8 नवंबर 2000 को अस्तित्व में आया। उत्तरांचल अपनी भौगोलिक स्थिति, जलवायु, नैसर्गिक, प्राकृतिक दृश्यों एवं संसाधनों की प्रचुरता के कारण देश में प्रमुख स्थान रखता है।

जिले

जिला	क्षेत्रफल (वर्ग कि.मी.)	जनसंख्या (2001)	मुख्यालय
अल्मोड़ा	5,385	630,446	अल्मोड़ा
बागेश्वर	2,310	249,453	बागेश्वर
चमोली	9,125	369,198	चमोली
चंपावत	1,781	224,461	चंपावत
देहरादून	3,088	1,279,083	देहरादून
हरिद्वार	2,360	1,444,213	हरिद्वार
नैनीताल	3,853	762,912	नैनीताल
पिथौरागढ़	7,110	462,149	पिथौरागढ़
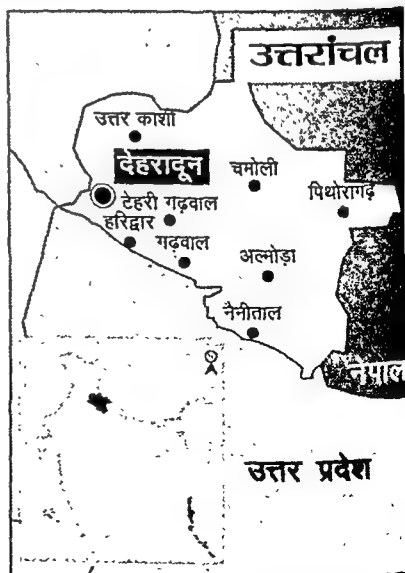
उत्तरी कन्नड़	10,291	1,353,299	कारवार
वागलकोट	6,594	1,652,232	वागलकोट
चामराजनगर	5,685	964,275	चामराजनगर
दावानगेरे	6,018	1,789,693	दावालगेरे
गडग	4,657	971,955	गडग
हवेरी	4,851	1,437,860	हवेरी
कोप्पल	8,458	1,193,496	कोप्पल
उडुपी	–	1,109,494	–

मुख्यतः गांवों में बसा और कृषि प्रधान है। लगभग 76 प्रतिशत जनसंख्या ग्रामीण क्षेत्रों में रहती है। खाद्यान्न की फसलों में कर्नाटक में देश में रागी के कुल उत्पादन का 47 प्रतिशत पैदा होता है। देश की अन्य फसलों के उत्पादन में इस राज्य का भाग इस प्रकार है – ज्वार 16 प्रतिशत, मिलेट 10 प्रतिशत, तुर 9 प्रतिशत, मक्का 7 प्रतिशत, चावल 5 प्रतिशत और वाजरा 5 प्रतिशत ।

गैर–खाद्य फसलों में सबसे महत्वपूर्ण काफी है। देश में कुल उत्पादन में से 59 प्रतिशत काफी इसी राज्य में पैदा होती है। अन्य फसलें ये हैं – इलायची, सुपारी, कुसुम, नारियल, कपास, मूंगफली, मिर्च, अरंड, गन्ना और तंवाकू ।

राज्य में कई बड़े उद्योग हैं। मशीनी औजारों, हवाई जहाज, इलेक्ट्रानिक उत्पादों, घड़ियों और दूर–संचार उपकरणों का निर्माण होता है। इन वस्तुओं का निर्माण करनेवाले महत्वपूर्ण सरकारी उपक्रम ये हैं – हिंदुस्तान एयरोनाटिक्स, हिंदुस्तान मशीन टूल्स, भारत अर्थ मूवर्स, भारत इलेक्ट्रानिक्स, इंडियन टेलीफोन इंडस्ट्रीज और नेशनल एयरोनाटिकल लेवोरेटरी । राज्य स्वामित्व के विश्वेश्वरय्या आइरन एंड स्टील लिमिटेड, भद्रावती में विशेष इस्पात और मिश्रित इस्पात वनता है ।

देश में तैयार कुल सिल्क में से 85 प्रतिशत कर्नाटक में पैदा होता है। सिल्क के अतिरिक्त कर्नाटक का चंदन का सावुन और चंदन का तेल विश्व में विख्यात है ।

कर्नाटक जल विद्युत के उत्पादन में अग्रणी राज्य है। 1902 में शिवानासमुद्रम में एशिया का पहला जल विद्युत संयंत्र स्थापित किया गया था। राज्य की कुल विद्युत क्षमता 4271 मेगा वाट की है जिसमें इस वर्ष 683 मेगावाट व अगले वर्ष 1200 मेगावाट जोड़ी जायेगी।

मुंवई को मंगलौर से जोड़ने वाली नई कोंकण रेलवे का उद्घाटन 1 मई, 1998 को हुआ था। कर्नाटक की वंगलौर में 45 करोड़ रुपये की लागत की सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान वनाने की योजना है।

विश्वविद्यालयः वंगलौर विश्वविद्यालय; गुलवर्गा विश्वविद्यालय; इंडियन इंस्टीट्यूट आफ साइंस, वंगलौर; कन्नड़ विश्वविद्यालय, कमालपुर; कर्नाटक राज्य खुला विश्वविद्यालय, मैसूर; कर्नाटक विश्वविद्यालयच धारवाड; कुवेम्पु विश्वविद्यालय, शिमोगा; मंगलौर विश्वविद्यालय; मणिपाल अकादमी आफ हाइयर एजुकेशन; मैसूर विश्वविद्यालय; नेशनल सेंटर फार मेंटल हेल्थ एंड न्यूरो साइंसेज, वंगलौर; नेशनल ला स्कूल आफ इंडिया युनिवर्सिटी, वंगलौर; राजीव गांधी युनिवर्सिटी आफ हेल्थ साइंसेज, वंगलौर; युनिवर्सिटी आफ एग्रीकल्चरल साइंसेज, वंगलौर; युनिवर्सिटी आफ एग्रीकल्चरल साइंसेज, धारवाड; विवेश्वरिया मेडिकल युनिवर्सिटी वेलगांव।

पर्यटन केंद्रः वंगलौर वागों का शहर है। मैसूर से 80 कि.मी. दक्षिण में वांदीपुर वन्य पशु विहार है। श्रवणवेलगोला जैनियों का तीर्थ है। यहां गोमतेश्वर की 18 मीटर ऊंची मूर्ति है। जरसोपा (जोग झरने) विश्व में विख्यात है ।

राज्यपालः टी.एन. चतुर्वेदी

मुख्य मंत्रीः एस.एम. कृष्णा (कांग्रेस–आई)

केरल

क्षेत्रफलः 38,863 वर्ग कि.मी.; **राजधानीः** तिरुवनंतपुरम; **भाषाः** मलयालम; **जिलेः** 14; **जनसंख्याः** 31,838,619; **पुरुषः** 15,468,664; **महिलाएंः** 16,369,955; **वृद्धि दर(1991–2001):** 9.42%; **जनसंख्या घनत्वः** 819; **शहरी जनसंख्याः** 25.97%; **लिंगानुपात (महिलाएं प्रति हजार पुरुष):** 1058; **साक्षरताः** 90.92%; **पुरुषः** 94.20%; **महिलाएंः** 87.86%; **प्रति व्यक्ति आय (1994–95):** 6,983 रु।

केरल एक छोटा–सा राज्य है और भारत के दक्षिण–पश्चिमी कोने पर है। इसका क्षेत्रफल 38,863 वर्ग कि.मी. है, जो भारत के कुल क्षेत्रफल का केवल 1.18 प्रतिशत है। किंतु इस राज्य की जनसंख्या (2001 जनगणना) देश की जनसंख्या का 3.71 प्रतिशत है। 2001 में यहां जनसंख्या का घनत्व 819 है ।

भू–आकृतिः केरल को तीन भौगोलिक भागों में वांटा जा सकता हैः (1) उच्च भूमि, (2) मध्य भूमि, और (3) निचली भूमि।

उच्च भूमि पश्चिमी घाट के ढलान पर है। पश्चिमी घाट के औसत ऊंचाई 3000 फुट है लेकिन कुछ चोटियां 6000 फुट से भी ऊंची है। इस क्षेत्र में चाय, काफी, रवड़, इलायची और अन्य मसालों के वड़े–वड़े वागान हैं। मध्यभूमि उच्च भूमि और निचली भूमि के वीच में हैं। इसमें ऊंची–नीची पहाड़ियां और घाटियां हैं। इस क्षेत्र में भरपूर कृषि होती है। इसमें काजू, नारियल, सुपारी, टेपिओका, केला, चावल, अदरक, काली मिर्च, गन्ना और तरह–तरह की सब्जियां पैदा होती है ।

निचली भूमि या समुद्र तटीय भाग में नदियों के डेल्टा, वांध द्वारा रोके गये जल के क्षेत्र और अरव सागर का तटीय भाग सम्मिलित है ।

केरल नदियों और स्थल के वीच रुके जल–क्षेत्रों का देश है। यहां कुल 44 नदियां (41 पश्चिम की ओर वहती है और 3 पूर्व की ओर) और इनकी असंख्य सहायक नदियां हैं ।

केरल के सौंदर्य और उसकी अर्थ व्यवस्था में स्थलीय जलक्षेत्रों का महत्वपूर्ण स्थान है। इनमें झीलें है और समुद्र के किनारे–किनारे भूमि के अंदर घुसे ज़ [illegible] हैं। सवसे वड़ा स्थलीय जल–क्षेत्र वेम्पनाड झील [illegible]

लगभग 200 वर्ग किलोमीटर है। यह झील कोच्चि बंदरगाह के पास अरब सागर में मिलती है। पेरियार, मणिमला, अच्चनकोविल, मीनच्चिल और मुवाट्टुपुषा नदियां इसी झील में गिरती हैं। अन्य महत्वपूर्ण स्थानीय जल क्षेत्रों के नाम हैं – वेलि, कठिनकुलम, अंजुतेंगु, एडवा, नडयरा, परवूर, अष्टमुडी (कोल्लम), कायमकुलम, कोडुङ्ङल्लूर (क्राङ्ङल्लूर) और चेतुवा। नदियों के डेल्टा इन स्थलीय जल–क्षेत्रों को एक दूसरे से जोड़ते हैं और इस प्रकार केरल के निचली भूमि वाले प्रदेश में ये जल–परिवहन के उत्तम साधन हैं।

इतिहास: जब भारत स्वाधीन हुआ, उस समय केरल में दो देशी रियासतें त्रावणकोर और कोचीन सम्मिलित थी और मलाबार सीधे ब्रिटिश शासन के अधीन था। उपरोक्त नीति के अनुसरण में त्रावणकोर और कोचीन रियासतों को मिलाकर 1 जुलाई, 1949 को त्रावणकोर, कोचीन राज्य बनाया गया। लेकिन मलाबार मद्रास प्रांत का हिस्सा बना रहा। राज्यों के पुनर्गठन की योजना के अंतर्गत त्रावणकोर–कोचीन राज्य और मलाबार को मिलाकर 1 नवंबर, 1956 को केरल राज्य बनाया गया।

प्रशासन: इस राज्य के विधान मंडल में केवल एक सदन अर्थात् विधान सभा है, जिसमें 141 सीटें हैं।

जिले
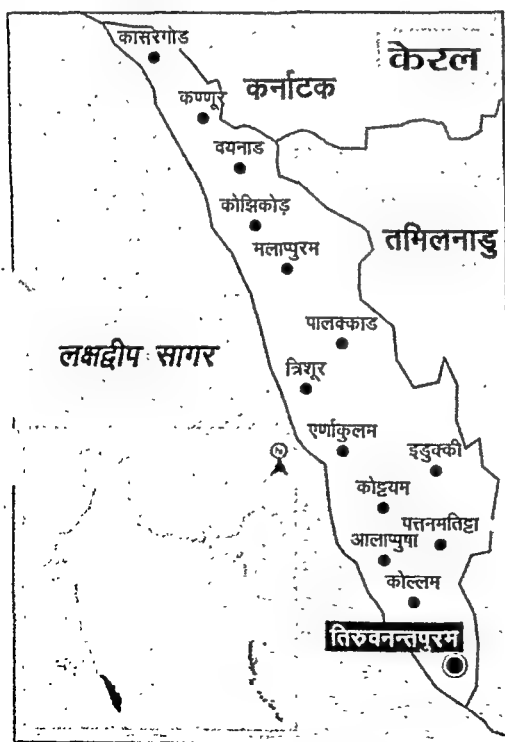
जिला	क्षेत्रफल (वर्ग कि.मी.)	जनसंख्या (2001)	मुख्यालय
आलाप्पुषा	1,417	2,105,349	आलाप्पुषा
एर्णाकुलम	2,407	3,098,378	कोच्चि
इडुक्की	5,019	1,128,605	पाईनव
कण्णूर	2,996	2,412,365	कण्णूर
कासरगोड	4,992	1,203,342	कासरगोड
कोल्लम	2,491	2,584,118	कोल्लम
कोट्टयम	2,203	1,952,901	कोट्टयम
कोझिकोड़	2,345	2,878,498	कोझिकोड
मलाप्पुरम	3,550	3,629,640	मलाप्पुरम
पालक्काड	4,480	2,617,072	पालक्काड
पत्तनमतिट्टा	2,642	1,231,577	पत्तनमतिट्टा
तिरुवनंतपुरम	2,192	3,234,707	तिरुवनंतपुरम
त्रिशूर	3,032	2,975,440	त्रिशूर
वयनाड	2,132	7,86,627	कलपट्टा

अधिक जनसंख्या के कारण केरल में खाद्यान्नों, रोजगार और मकानों की अपनी जटिल समस्यायें हैं। इस राज्य में खाद्यान्नों की 50 प्रतिशत कमी रहती है।

केरल में भारत का 92 प्रतिशत रबड़, 70 प्रतिशत नारियल, 60 प्रतिशत टेपियोंको, 70 प्रतिशत इलायची, 70 प्रतिशत काली मिर्च और लगभग 100 प्रतिशत नीबूघास तेल का उत्पादन होता है। इस राज्य में चाय और काफी का इफरात में उत्पादन होता है; इसके अतिरिक्त केले, अदरक जैसी फसलों के उत्पदान में यह राज्य अन्य सभी राज्यों से आगे है।

भारत में प्रथम निजी हवाई अड्डे को कोच्चि के नेडुम्बाशेरी में जून 99 को खोला गया।

1991 में राज्य सरकार ने नयी उदार औद्योगिक नीति की घोषणा की। भारत में पहला पूर्ण साक्षर शहर कोट्टयम और पहला पूर्ण साक्षर जिला एरणाकुलम है। अप्रैल 1997 में केरल देश का पहला प्रांत हो गया जब यहां के प्रत्येक गांव में फोन की सुविधा उपलब्ध हो गयी। यहां हर जगह से देश विदेश के किसी कोने में फोन से संपर्क किया जा सकता है।

विश्वविद्यालय: युनिवर्सिटी आफ कालीकट (कोषिकोड), कोचीन युनिवर्सिटी आफ साइंस एंड टेक्नालोजी, मलाबार विश्वविद्यालय, कन्नूर, युनिवर्सिटी आफ केरल, तिरुवनंतपुरम, केरल कृषि विश्वविद्यालय, त्रिशूर, महात्मा गांधी विश्वविद्यालय, कोट्टयम, श्री चित्रा तिरुनाल इंस्टीट्यूट फार मेडिकल साइंसेज एंड टेक्नालोजी, तिरुवनंतपुरम, श्री शंकराचार्य संस्कृत विश्वविद्यालय, कलडी।

पर्यटक केंद्र: पर्यटन विभाग और केरल पर्यटन विकास निगम की देखरेख में केरल राज्य में अनेक

मंदिर, दक्षिण गुजरात में सतपुड़ा पहाड़ियां उन अनेक स्थानों में से कुछ हैं, जिन्हें देखने हेतु पर्यटक आते हैं ।

राज्यपाल: कैलाशपति मिश्रा

मुख्य मंत्री: नरेन्द्र मोदी (भा.ज.पा.)

गोवा

क्षेत्रफल: 3,702 वर्ग कि.मी.; **राजधानी:** पणजी; **भाषा:** कोंकणी और मराठी; **जिले:**2; **जनसंख्या:** 1,343,998; **पुरुष:** 685,617; **महिलाएं:** 658,381; **वृद्धि दर (1991–2001):** 14.89%; **जनसंख्या घनत्व:** 363; **शहरी जनसंख्या:** 49.77%; **लिंगानुपात (महिलाएं प्रति हजार पुरुष):** 960; **साक्षरता:** 82.32%; **पुरुष:** 88.88%; **महिलाएं:** 75.51%; **प्रति व्यक्ति आय('89–'90):** 6939 रु।

12 अगस्त, 1987 तक गोवा, संघ शासित प्रदेश गोवा, दमन और दियु का एक भाग था। 12 अगस्त, 1987 को संसद द्वारा पास किए गये एक्ट के अनुसार गोवा भारत संघ का 25 वां राज्य बन गया और दमन व दियू संघ शासित प्रदेश बने रहे। 19 दिसंबर, 1961 को पुर्तगाली औपनिवेशक शासन से आजाद होने के समय से अब तक गोवा, दमन और दियू एक ही प्रशासन के अधीन रहे थे ।

भू–आकृति: गोवा कर्नाटक और महाराष्ट्र के बीच में स्थित है। इसके उत्तर में तेरेखोल नदी है, दक्षिण व पूर्व में कर्नाटक है और पश्चिम में अरब सागर है ।

गोवा का पूर्वी भाग पहाड़ी है, जहां सह्यादि पर्वत की श्रृंखलायें है। पश्चिम की ओर बहने वाली प्रमुख नदियां हैं – मांडोवी, ज़ुआरी, तेरेखोल, चपोरा और बेतूल ।

गोवा का जलवायु गर्म और आर्द्र है। तापमान में अधिक उतार–चढ़ाव नहीं होता। साल में 28000 मि.मी. से 3500 मि.मी. तक वर्षा होती है ।

इतिहास: संस्कृति के संश्लेषण के लिए विख्यात गोवा का इतिहास ई.पू. तीसरी शताब्दी में मौर्य साम्राज्य के समय से मिलता है। ई.पू. दूसरी शताब्दी में कोंकण क्षेत्र पर सातवाहन राजवंश के शासक कृष्ण शातकर्णी का प्रभुत्व था। प्राचीन काल गोवा का नाम गापकपट्टण या गोम्नत था – ये नाम महाभारत के भीष्म पर्व में आये हैं ।

1471 से लेकर 20 साल तक गोवा बहमनी शासकों के अधीन रहा; लेकिन उसके बाद 1489 में बीजापुर के आदिलशाह ने इसे अपने अधीन कर लिया। पुर्तगाली साहसी राज्यपाल अल्बुकर्क ने बीजापुर के आदिलशाह से ही 25 नवंबर, 1510 गोवा छीन लिया। अल्बुकर्क ने उसी दिन गोवा सेंट कैथरीन को समर्पित कर दिया ।

इसी अवधि में स्पेन का जेसुइट पादरी फ्रांसिस ज़ेवियर गोवा आया (1542 ई.)। वह बड़ा उत्साही धर्म प्रचारक था और उसके मन में गरीबों के प्रति बड़ी दया थी। उसे संत माना जाता था । 1552 में उसकी मृत्यु हो गई और उसके शव को शीशे के एक बक्स में सुरक्षित करके पणजी से कुछ मील दूर पुराने गोवा के 'बोम जीसस के वसिलिका' में रखा गया। इसी समय टाइप इस्तेमाल करनेवाला पहला छापाखाना यहां लगाया गया और इस छापाखाने में छपी पहली पुस्तक फ्रासिस् जेवियर द्वारा लिखित ''दौत्रिना क्रिस्टा'' थी।

यहां कई विद्रोह हुये जिनमें मुख्य थे – पिन्टो षडयंत्र (1787) और राने लोगों का विद्रोह (1823) ।

1755 से 1824 तक सातारी के राने लोगों ने 14 वार विद्रोह किया लेकिन हर बार पुर्तगालियों ने विद्रोह कुचल दिया। 1823 और 1824 में भी यही हुआ ।

राष्ट्रवादी आंदोलन: पूर्ण स्वाधीनता की मांग करने वाला प्रथम गोवा निवासी लुसी फ्रांसिसको गोमेस था । उसने 1862 में पूर्ण स्वाधीनता की मांग की थी। नगर निगम के चुनावों में गड़बड़ी के प्रयत्नों के विरोध में 21 सितंबर, 1880 को एक सार्वजनिक रैली की गई; मारगोव चर्च के सामने रैली पर गोली चली और 23 व्यक्ति मौके पर ही मर गए ।

ज्यों–ज्यों भारत में स्वाधीनता आंदोलन तेज होता गया, त्यों–त्यों गोवा में भी आजादी की लड़ाई मजबूत होती गई । इस लड़ाई में एक विख्यात व्यक्ति लुइस डे मेन्जेज ब्रेगेन्जा था, जिसने गणतंत्री शासन व्यवस्था की हिमायत की। 18 जून 1946 को स्वाधीनता संग्राम एक महत्वपूर्ण चरण में

प्रभुत्व है। रसायनों, पेट्रोरसायनों, उर्वरकों, औषधियों और भेषजों, रंगों और इंजीनियरिंग की अनेक वस्तुओं के नए-नए उद्योग लग रहे हैं ।

यह राज्य अकार्यनिक रसायनों जैसे सोडा ऐश और कास्टिक सोडा तथा रासायनिक उर्वरकों का प्रमुख उत्पादक है। देश का सबसे बड़ा पेट्रोरसायन काम्पलेक्स इसी राज्य में है । डेयरी उद्योग में भी इस राज्य ने बड़ी तरक्की की है और देश में शिशुओं के लिए जितना दूध बनता है, उसमें से लगभग 63% इसी राज्य में बनता है ।

अंकलेश्वर, खम्भात और कलालेल में तेल और प्राकृतिक गैस की खोज और उत्पादन और कोयाली में तेल शोधनशाला इस राज्य की अन्य औद्योगिक उपलब्धियां हैं।

गुजरात नमक बनाने वाला एक प्रमुख राज्य है । देश में नमक के कुल उत्पादन का 60 प्रतिशत इसी राज्य में होता है।

इस समय गुजरात में छोटे पैमाने की इकाईयों की संख्या 70,000 से भी अधिक है । कारखानों की संख्या 13,000 है, जिनमें कपड़े के कारखानों की संख्या 1328 है । राज्य में लगभग 167 औद्योगिक बस्तियां हैं ।

विश्वविद्यालयः भावनगर विश्वविद्यालय, डा. बाबा साहेब अम्बेदकर खुला विश्वविद्यालय, अहमदाबाद, गुजरात कृषि विश्वविद्यालय, दांतिवाडा, गुजरात आयुर्वेद विश्वविद्यालय, जामनगर, गुजरात विश्वविद्यालय, अहमदाबाद, गुजरात विद्यापीठ, अहमदाबाद, महाराजा सयाजिराव युनिवर्सिटी आफ बदोदरा, उत्तरी गुजरात विश्वविद्यालय, पाटन, सरदार पटेल विश्वविद्यालय, वल्लभ विद्यासागर; सौराष्ट्र विश्वविद्यालय राजकोट; दक्षिण गुजरात विश्वविद्यालय सूरत।

पर्यटक केंद्रः गुजरात में 4 राष्ट्रीय उद्यान और 11 पशु-पक्षी अभयारण्य हैं। गिरि पशुविहार, द्वारका, सोमनाथ और पालिताना के मंदिर, लगभग 2000 फुट ऊंची शत्रुन्जय पहाड़ी पर जैन मंदिरों का सुंदर पहाड़ी शहर, भारत में पारसियों का सबसे प्राचीन अग्निमदिर, लोथल में 5000 वर्ष पुराने पुरातत्वीय अवशेष, मोधेरा में 11 वीं शताब्दी का सूर्य मंदिर, नल सरोवर में पक्षी विहार, अहमदाबाद में भारतीय मुस्लिम शैली के वास्तु स्मारक और अन्य स्थान, साबरमती आश्रम, अहमदाबाद में महात्मा गांधी का राष्ट्रीय

मंदिर, दक्षिण गुजरात में सतपुड़ा पहाड़ियां उन अनेक स्थानों में से कुछ हैं, जिन्हें देखने हेतु पर्यटक आते हैं ।

राज्यपाल: कैलाशपति मिश्रा

मुख्य मंत्री: नरेन्द्र मोदी (भा.ज.पा.)

गोवा

क्षेत्रफल: 3,702 वर्ग कि.मी.; **राजधानी:** पणजी; **भाषा:** कोंकणी और मराठी; **जिले:**2; **जनसंख्या:** 1,343,998; **पुरुष:** 685,617; **महिलाएं:** 658,381; **वृद्धि दर (1991–2001):** 14.89%; **जनसंख्या घनत्व:** 363; **शहरी जनसंख्या:** 49.77%; **लिंगानुपात (महिलाएं प्रति हजार पुरुष):** 960; **साक्षरता:** 82.32%; **पुरुष:** 88.88%; **महिलाएं:** 75.51%; **प्रति व्यक्ति आय('89–'90):** 6939 रु।

12 अगस्त, 1987 तक गोवा, संघ शासित प्रदेश गोवा, दमन और दियु का एक भाग था। 12 अगस्त, 1987 को संसद द्वारा पास किए गये एक्ट के अनुसार गोवा भारत संघ का 25 वां राज्य बन गया और दमन व दियू संघ शासित प्रदेश बने रहे। 19 दिसंबर, 1961 को पुर्तगाली औपनिवेशक शासन से आजाद होने के समय से अब तक गोवा, दमन और दियू एक ही प्रशासन के अधीन रहे थे ।

भू–आकृति: गोवा कर्नाटक और महाराष्ट्र के बीच में स्थित है। इसके उत्तर में तेरेखोल नदी है, दक्षिण व पूर्व में कर्नाटक है और पश्चिम में अरब सागर है ।

गोवा का पूर्वी भाग पहाड़ी है, जहां सह्याद्रि पर्वत की श्रृंखलायें है। पश्चिम की ओर बहने वाली प्रमुख नदियां हैं – मांडोवी, जुआरी, तेरेखोल, चपोरा और बेतूल ।

गोवा का जलवायु गर्म और आर्द्र है। तापमान में अधिक उतार–चढ़ाव नहीं होता। साल में 28000 मि.मी. से 3500 मि.मी. तक वर्षा होती है ।

इतिहास: संस्कृति के संश्लेषण के लिए विख्यात गोवा का इतिहास ई.पू. तीसरी शताब्दी में मौर्य साम्राज्य के समय से मिलता है। ई.पू. दूसरी शताब्दी में कोंकण क्षेत्र पर सातवाहन राजवंश के शासक कृष्ण शातकर्णी का प्रभुत्व था। प्राचीन काल गोवा का नाम गापकपट्टण या गोम्नत था – ये नाम महाभारत के भीष्म पर्व में आये हैं ।

1471 से लेकर 20 साल तक गोवा बहमनी शासकों के अधीन रहा; लेकिन उसके बाद 1489 में बीजापुर के आदिलशाह ने इसे अपने अधीन कर लिया। पुर्तगाली साहसी राज्यपाल अल्बुकर्क ने बीजापुर के आदिलशाह से ही 25 नवंबर, 1510 गोवा छीन लिया। अल्बुकर्क ने उसी दिन गोवा सेंट कैथरीन को समर्पित कर दिया ।

इसी अवधि में स्पेन का जेसुइट पादरी फ्रांसिस ज़ेवियर गोवा आया (1542 ई.)। वह बड़ा उत्साही धर्म प्रचारक था और उसके मन में गरीबों के प्रति बड़ी दया थी। उसे संत माना जाता था । 1552 में उसकी मृत्यु हो गई और उसके शव को शीशे के एक बक्स में सुरक्षित करके पणजी से कुछ मील दूर पुराने गोवा के 'बोम जीसस के बसिलिका' में रखा गया। इसी समय टाइप इस्तेमाल करनेवाला पहला छापाखाना यहां लगाया गया और इस छापाखाने में छपी पहली पुस्तक फ्रासिस़ जेवियर द्वारा लिखित "दौत्रिना क्रिस्टा" थी।

यहां कई विद्रोह हुये जिनमें मुख्य थे – पिन्टो षडयंत्र (1787) और राने लोगों का विद्रोह (1823) ।

1755 से 1824 तक सातारी के राने लोगों ने 14 बार विद्रोह किया लेकिन हर बार पुर्तगालियों ने विद्रोह कुचल दिया। 1823 और 1824 में भी यही हुआ ।

राष्ट्रवादी आंदोलन: पूर्ण स्वाधीनता की मांग करने वाला प्रथम गोवा निवासी लुसी फ्रांसिसको गोमेस था । उसने 1862 में पूर्ण स्वाधीनता की मांग की थी। नगर निगम के चुनावों में गड़बड़ी के प्रयत्नों के विरोध में 21 सितंबर, 1880 को एक सार्वजनिक रैली की गई; मारगोव चर्च के सामने रैली पर गोली चली और 23 व्यक्ति मौके पर ही मर गए ।

ज्यों–ज्यों भारत में स्वाधीनता आंदोलन तेज होता गया, त्यों–त्यों गोवा में भी आजादी की लड़ाई मजबूत होती गई । इस लड़ाई में एक विख्यात व्यक्ति लुइस डे मेन्जेज ब्रेगेन्जा था, जिसने गणतंत्री शासन व्यवस्था की हिमायत की। 18 जून 1946 को स्वाधीनता संग्राम एक महत्वपूर्ण चरण में
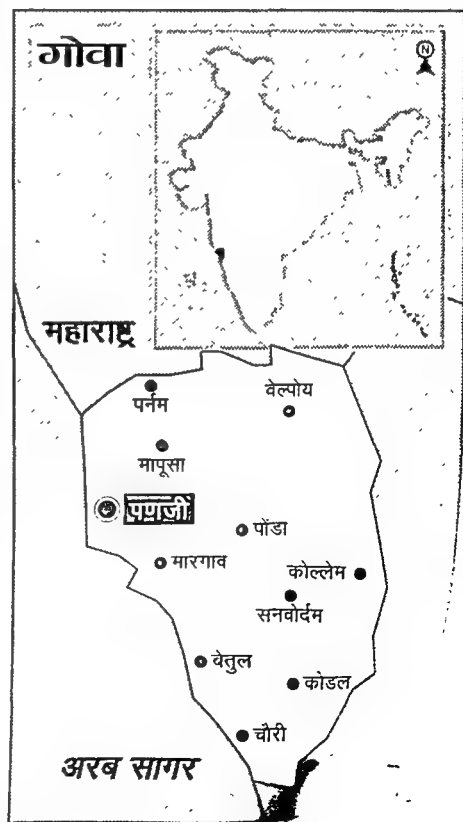
पहुंच गया जव समाजवादी नेता डा. राम मनोहर लोहिया ने मरगांव में सविनय अवज्ञा आंदोलन शुरू कर दिया ।

1954 में इस आंदोलन को पहली सफलता तव मिली जव दमन के निकट स्थित दादरा और नगर-हवेली को आजाद कराया गया।

आजाद गोमंतक दल ने, जो इस आंदोलन का दाहिना हाथ था, सशस्त्र लड़ाई जारी रखी। जव पुर्तगाली गवर्नर जनरल और पाकिस्तानी सेनाध्यक्ष के वीच हुई वैठक की सूचना दिल्ली पहुंची, तो भारत सरकार ने अंततः इस संवंध में कार्यवाही करने का निर्णय कर लिया। 18 दिसंवर की रात को मेजर-जनरल के. पी. केन्डेथ के नेतृत्व में "आपरेशन विजय" की कार्यवाही आरंभ कर दी गई और अगले दिन 19 दिसंवर, 1961 को कोई वड़ी लड़ाई लड़े विना गोवा को मुक्त करा लिया गया ।

गोवा को 30 मई 1987 में पूर्ण राज्य का दर्जा दिया गया। दमन और दियू केंद्र शासित क्षेत्र वने रहे ।

प्रशासनः राज्य के विधान मंडल में एक ही सदन है ।कुल सदस्यों की संख्या 40 है ।राज्य दो जिलों में विभाजित है।

जिले

जिला	क्षेत्रफल (वर्ग कि.मी.)	जनसंख्या (2001)	मुख्यालय
उत्तरी गोवा	1,736	757,407	पणजी
दक्षिणी गोवा	1,996	586,591	मारगांव

गोवा मुख्यतः कच्चा लोहा और मैगनीज़ का निर्यात करने वाला राज्य है और आत्मनिर्भर वनने की कोशिश में लगा हुआ है। मुख्य कृषि फसल चावल है। उसके वाद रागी, काजू और नारियल की फसलों का नंवर है ।आजादी के समय गोवा में चावल का उत्पादन 52,000 टन था, जो अव वढ़ कर 1.62 लाख टन हो गया है।

इस राज्य के पास 105 कि.मी. लंवा समुद्रतट है, चार हजार हेक्टेयर नमी वाली भूमि, 12,000 हेक्टेयर धान पैदा करने वाली भूमि और 100 हेक्टेयर में मीठा पानी भरा हुआ है।

साल में लगभग 52,477 टन मछली पकड़ी जाती है। मछली पकड़ने के काम में 1551 ट्रालर और 2450 देसी नौकायें लगी हुई हैं। इससे 40,000 व्यक्तियों को जीविका मिलती है ।

कुल 124.16 लाख टन कच्चे लोहे का निर्यात हुआ। सवसे अधिक निर्यात जापान को हुआ। 12 वड़े औद्योगिक प्रतिष्ठान, 11 मध्यम दर्जे के प्रतिष्ठान और 4552 छोटे प्रतिष्ठान हैं। गोवा में विकास की वार्षिक दर अनुमानतः 6 प्रतिशत रही है ।

विश्वविद्यालयः गोवा विश्वविद्यालय।

पर्यटनः पर्यटन गोवा का एक प्रमुख उद्योग वनता जा रहा है। औसतन 10 लाख पर्यटक (1.25 लाख विदेशी पर्यटकों सहित) गोवा हर साल आते हैं ।

इस प्रदेश के महत्वपूर्ण पर्यटक स्थान है – पुराना गोवा, जहां वोम जीसस का वसिलिका है, जिसमें गोवा के देवदूत सेंट फ्रांसिस जेवियर का शव सुरक्षित रखा हुआ है। विख्यात धर्म स्थान से कैथेड्रल और असिसि चर्च है। किलोमीटर दूर पर पर पोंडा है, जहां मंगेशी, शिव मंदिर दुर्गा मंदिर और नगेशी मंदिर हैं ।पणजी में मांडोवी न[illegible] दोना पौला, अरावेलम प्रपात, मेईम झील, दूध सागर [illegible] वोंडला पशु अभयारण्य, मरमागोआ वंदरगाह और अगु[illegible] फोर्ट अन्य पर्यटक स्थल हैं ।

राज्यपालः केदार नाथ साहनी

मुख्य मंत्रीः मनोहर परीकर (भा.ज.पा.)

छत्तीसगढ़

क्षेत्रफलः 135,191 वर्ग कि.मी.; **राजधानीः** राय[illegible] **भाषायेंः** हिंदी ; **जिलेः** 16; **जनसंख्याः** 20,795,95[illegible] **पुरुषः** 10,452,426; **महिलाएंः** 10,343,53[illegible] **वृद्धि दर** (1991–2001): 18.06%; **जनसंख्या घन[illegible]** 154; **शहरी जनसंख्याः** 20.08%; **लिंगानुपात** (महिल[illegible] प्रति हजार पुरुष): 990; **साक्षरताः** 65.18%; **पुरु[illegible]** 77.86%; **महिलाएंः** 52.40।

मध्यप्रदेश पुर्नगठन विधेयक 1998 के द्वारा स्थापि[illegible] होनेवाले राज्य छत्तीसगढ़ की सीमायें उड़ीसा, विहा[illegible] आंध्रप्रदेश, महाराष्ट्र और स्वाभाविक ही मध्यप्रदेश [illegible] सटकर रहेंगी।यह राज्य मध्य प्रदेश के पूर्व में 17–23.[illegible] अंश उत्तर अक्षांश एवं 80.40 –83.38 अंश पूर्व देशां[illegible] के मध्य स्थित है।

जिले

जिला	क्षेत्रफल (वर्ग कि.मी.)	जनसंख्या (2001)	मुख्यालय
रायपुर	13,445	3,009,042	रायपुर
धमतरी	4,081	703,569	धमतरी
महासमुंद	4,963	860,176	महासमुंद
दुर्ग	8702	2,801,757	दुर्ग
राजनंदगांव	8,023	1,281,811	राजनंदगांव
कवर्धा	3,958	584,667	कवर्धा
विलासपुर	8569	1,993,042	विलासपुर
कोरवा	5,769	1,012,121	कोरवा
जांजगीर-चांपा	4,467	1,316,140	जांजगीर
रायगढ़	6,528	1,265,084	रायगढ़
जशपुर	6,457	739,780	जशपुर
सरगुजा	16,034	1,970,661	सरगुजा
कोरिया	5,978	585,455	कोरिया
वस्तर	17,016	1,302,253	वस्तर
दन्तेवाड़	15,610	719,065	दन्तेवाड़
कांकेर	6,434	651,333	कांकेर

छत्तीसगढ़ मूलतः एक ग्रामीण प्रदेश है। यहां की 82.56 प्रतिशत जनसंख्या 19,658 गांवों में रहता है। आदिवासी वहुल वस्तर, रायगढ़ एवं सरगुजा जिलों में ग्रामीण जनसंख्या अधिक है।

यहां प्रति हजार स्त्रियों में पुरूषों की औसत जनसंख्या 990 है। राज्य में सर्वाधिक लिंगानुपात राजनांदगांव जिले में 1012 है।

शिक्षा की दृष्टि से पिछड़ा हुआ राज्य है। साक्षरता का प्रतिशत मात्र 65.18 है। पुरुषों की साक्षरता 77.86 प्रतिशत है जबकि महिला साक्षरता 52.40 प्रतिशत है।

छत्तीसगढ़ राज्य की अर्थ व्यवस्था कृषि प्रधान है। यहां की भूमि उपजाऊ एवं कीमती खनिजों से भरी पड़ी है। मध्य प्रदेश का 70 प्रतिशत राजस्व इस क्षेत्र से मिलता है। राज्य के 85 प्रतिशत लोगों की आजीविका कृषि से ही चलती है।

यहां पैदा किया जानेवाला मुख्य खाद्यान्न चावल है। इसी कारण छत्तीसगढ़ को धान का कटोरा कहते हैं। इसके अलावा गेहूं, मक्का, कोदो, ज्वार, बाजरा इत्यादि फसलें भी पैदा होती हैं।

सिंचाई परियोजनाओं में रविशंकर सागर, महानदी परियोजना, हसवदे—बांगों, कोडार, जोंक, पैरी और अरपा है।

छत्तीसगढ़ वन संपदा के मामले में भी समृध्द है। यहां का 46 प्रतिशत हिस्सा वनों से आच्छादित है। 36 प्रतिशत हिस्से में साल के वन है। राज्य के पश्चिमी और दक्षिणी भाग के वनों में सागौन के वन हैं। इसके अतिरिक्त बांस, सरई, साजा, बीजा, हल्दू आदि के वृक्ष भी भारी संख्या में हैं। इमरती लकड़ी का वार्षिक औसत उत्पादन 4.45 लाख घनमीटर है, जिससे कुल वन राजस्व का 40 प्रतिशत प्राप्त होता है। बीड़ी उद्योग का आधार तेन्दू पत्ता छत्तीसगढ़ के वनों की प्रमुख उपज है। यहां भारत के कुल तेन्दूपत्ता उत्पादन का 17 प्रतिशत होता है। जो कि यहां के आदिवासियों की जीविका का प्रमुख स्त्रोत है।

खनिजों के मामले में यह राज्य काफी समृद्ध है। वैलाडीला में लोह अयस्क के विश्व प्रसिद्ध भंडार हैं। टीन अयस्क का पूरे देश में एकमात्र उत्पादक क्षेत्र है। इसके अलावा चूना पत्थर, डोलोमाइट, कोयला तथा बाक्साइट का बाहुल्य है। दुर्लभ बहुमूल्य पत्थर एलेक्जेंड्राइट तथा कार्नपीन भी इस क्षेत्र में मिलते हैं। अन्य खनिजों जैसे सकोरंडम, गारनेट, क्वार्टज, सिलीकार्सेट, क्वार्टजाईट, फ्लोराइट, बेरिल, एडाल्युसाईट, कायनाइट, सिलिमेनाइट, टाल्क, तोपस्टोन, स्टिएटाइट संगमरमर आदि खनिजों विभिन्न आयामों में निक्षेप पाये जाते हैं।

गुणवत्ता में बैलाडीला का लौह अयस्क श्रेष्ठतम है। यहां का खनिज जापान भी निर्यात किया जाता है। लौह अयस्क दूसरा बड़ा भंडार बस्तर जिले में भंडारण घाट क्षेत्र में उपलब्ध है। इसके अलावा दुर्ग जिले में लौह अयस्क के मुख्य भंडार दल्ली राजहरा क्षेत्र में है। इसी भंडार के कारण भिलाई इस्पात संयंत्र कार्यरत हैं।

विलासपुर जिले के फुटकर पहाड़ क्षेत्र के बाक्साइट भंडार के आधार पर कोरबा में एक एल्यूमीनियम संयंत्र स्थापित है। रायपुर जिले में पायलोखंड क्षेत्र में हीरा की खोज की गई है।

राज्य में 1957 में भारत सरकार के उपक्रम भिलाई इस्पात संयंत्र की स्थापना की गई थी, जिसकी वार्षिक उत्पादन क्षमता 50 लाख टन है। इसके अलावा
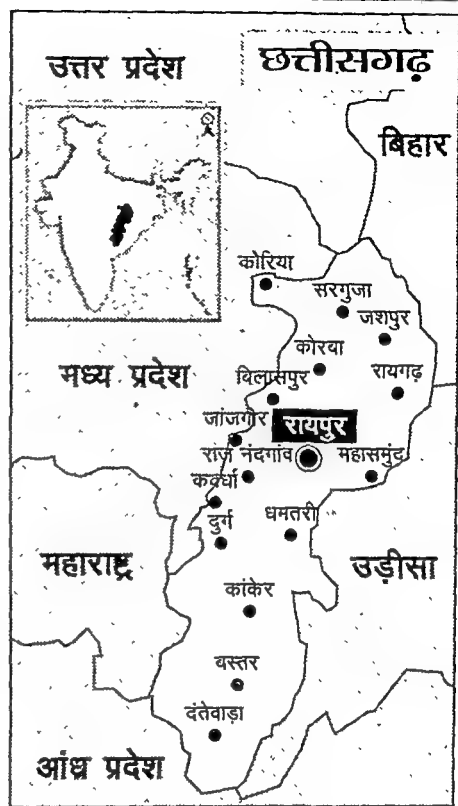
कृषि व वन पर आधारित लघु उद्योग व कारखाने यहां स्थित हैं। भिलाई संयत्र की स्थापना के बाद राज्य में अनेक इंजीनियरिंग कारखाने, इस्पात फाउंड्री, री रोलिंग मिलों, कास्टिंग्स एवं लघु इस्पात सयंत्रों की स्थापना हुई। कोरबा में एक वृहद थर्मल पावर संयंत्र है। यहां पर बाल्को का इस्पात संयंत्र व आई.बी.पी. एक्सप्लोसिक संयंत्र भी स्थित है। इसके अलावा सीमेन्ट के कई बड़े कारखाने स्थित है। रायपुर में रेलवे वैगन मरम्मत का कारखाना भी है। इसके अलावा कई छोटे बड़े खनिजों पर आधारित कारखाने हैं।

इस क्षेत्र में रेल लाइन की लंबाई एक हजार किलोमीटर तथा सड़कों की लंबाई 20 हजार किलोमीटर है। रायपुर हवाई मार्ग से दिल्ली, मुंबई, कलकत्ता आदि बड़े शहरों से जुड़ा हुआ है।

महानदी छत्तीसगढ़ की प्रमुख नदी है, इसका उद्गम धमतरी के निकट सिहावा के पास है। इसकी सहायक नदियां शिवनाथ, हसदों, मांड, ईब, पैरी, जोंक, केलो, उदंती और सूखा इत्यादि नदियां भी राज्य में हैं।

छत्तीसगढ़ की पहली कल्पना पं. संद... सन् 1918 में की थी और इसका बुनियादी...

रूप में सन् 1956 के पूर्व उस समय पड़ा जब डा. खूबचंद बघेल ने पुराने मध्य प्रदेश के रवि शंकर शुक्ल मंत्री मंडल के संसदीय सचिव पद लेकर वे रायपुर आए। सन् 1956 से इस मांग ने विशेष स्वरूप पकड़ा। राज्य पुनर्गठन आयोग के कार्यकाल में जब नया मध्य प्रदेश बन रहा था उसी समय पुराने और नये मध्य प्रदेश के दो हिस्से बरावर और छत्तीसगढ़ ने अलग राज्य होने की मांग रखी। बरार में श्री वृजलाल वियानी जी के नेतृत्व में आंदोलन हुआ। पर छत्तीसगढ़ में पृथक छत्तीसगढ़ की मांग को लेकर आवाज उठाई गई पर आंदोलन नहीं हुए। विचारों में मतभेद में आंदोलन का सही स्वरूप खड़ा नहीं हो सका।

सन् 1957 में छत्तीसगढ़ महासभा का रायपुर में एक सम्मेलन हुआ जिसमें कांग्रेस समाजवादी और साम्यवादी दल तथा कुछ ऐसे लोग जो इस मांग से सहमत थे शामिल हुए। इस सम्मेलन की विषय निर्वाचन समिति की बैठक में कहा गया कि इस मांग को गैर राजनैतिक स्वरूप प्रदान करने संसद व विधायक अपने–अपने दल से अलग हो जाएं इस पर एकमत नहीं हुए।

सन् 1966 में भिलाई इस्पात कारखाने के लगभग डेढ़ हजार मजदूरों की छटनी का मामला सामने आया इस विषय को लेकर छत्तीसगढ़ मजदूर कल्याण सभा का गठन हुआ। और मजदूरों की छटनी को लेकर आंदोलन प्रारंभ हुआ। इस आंदोलन से जुड़े नेताओं के मन में छत्तीसगढ़ी और गैर छत्तीसगढ़ी की परिभाषा का अंतर्द्वंद चला। और 1968 में इसी संदर्भ में छत्तीसगढ़ भातसंघ की स्थापना हुई। सभी एक मंच पर आकर भातसंघ की सदस्यता को बढ़ावा दिया।

छत्तीसगढ़ आंदोलन से जुड़े लोगों के मन में जो रिजर्वेशन था वह कभी खुले तौर पर उजागर नहीं होता था। मुख्य रूप से सत्ताधारियों को इस आंदोलन का विरोधी मानकर चला जा रहा था। इस संशय का पहला मुकाबला श्री विद्याचरण शुक्ल ने 1997 के आम चुनाव के समय रायपुर में ब्राह्मणपारा की एक आमसभा में किया था। उन्होंने स्वतः ही पूछा था कि उन्हें छत्तीसगढ़ी क्यों नहीं माना जाता।

उस समय इस आंदोलन में एक नया रूप आया और अलगाव से हटकर यह कहा जाने लगा कि जो छत्तीसगढ़ के हितों की रक्षा करना हो उसे ही छत्तीसगढ़ी कहना चाहिये।

सन् 1967 के चुनाव में पुनः छत्तीसगढ़ का प्रश्न उठा। उस समय मध्य प्रदेश में संविद सरकार का शासन था। दुर्ग के अहिरपारा में एक सम्मेलन हुआ जिसकी अध्यक्षता राजा नरेश चंद्र सिंह ने की। इस सम्मेलन में वृजलाल वर्मा ने एक बार फिर छत्तीसगढ़ी और गैर छत्तीसगढ़ी होने का प्रश्न उठाया और कहा कि वास्तव में राजा नरेश चंद्र सरीखे आदिवासी ही छत्तीसगढ़ के मूल निवासी हैं। बाकी लोग तो सदैव ही बाहर के आदमी माने जायेंगे। उस समय भी यह कहा गया कि बुनियादी सवाल से हटकर इस बात को बार–बार विवाद का मुद्दा न बनाकर इस मामले को सदैव के लिए समाप्त किया जाये।

मध्य प्रदेश की संविद सरकार टूटने के बाद पुनः इस मामले पर सम्मेलन हुआ और वृजलाल वर्मा ने फिर से छत्तीसगढ़ के शोषण की बात कही। उस समय श्री वर्मा संविद सरकार के मंत्री पद से हट गये थे और श्री श्यामा चरण शुक्ल की नई सरकार बन चुकी थी।

इसी बीच सन् 1972 के आम चुनाव तक यह मामला लगभग ठंडा रहा। पर 1977 में आम चुनाव के बाद पुनः इस विषय पर जोर पड़ना प्रारंभ हुआ। उस समय लोगों ने जनता सरकार के छोटे–छोटे राज्यों की ओर ध्यान दिलाया।

इसी बीच रायपुर में एक बैठक हुई जिसमें दावा किया गया कि 90 विधायकों के हस्ताक्षर व समर्थन मिल गये हैं कि पृथक छत्तीसगढ़ प्रदेश की मांग पूरी की जाये। रायपुर में 26 जनवरी 1980 को पृथक छत्तीसगढ़ राज्य गठित करने की मांग को जोर दिया गया। इस प्रकार छत्तीसगढ़ के हितों की रक्षा करने का मुद्दा लगातार चलता रहा।

पृथक छत्तीसगढ़ राज्य की उपेक्षा का प्रश्न का इतिहास यह स्पष्ट करता है कि यह आवाज उसी समय अधिक जोर शोर से उठी जब शासन पर छत्तीसगढ़ का वर्चस्व नहीं रहा। प्रारंभ में डा. कैलाश नाथ काटजू के कार्यकाल में, फिर संविदकाल में, उसके बाद श्री प्रकाश सेठी के कार्यकाल में सन् 1977 के बाद इस मांग को बलवती करने का प्रयास हुआ। इस राजनैतिक प्रश्न को गैर राजनैतिक बनाने का भी प्रश्न कई बार किया गया पर आवाज को बुलंद करने वालों में एक मत नहीं हुआ।

राज्यपालः ले. जनरल (अवकाश प्राप्त) के.एम. सेठ

मुख्य मंत्रीः अजीत जोगी (कांग्रेस आई)

जम्मू एवं काश्मीर

क्षेत्रफलः 222,236 वर्ग कि.मी.; **राजधानीः** श्रीनगर (गर्मी), जम्मू (सर्दी); **भाषाः** उर्दू, काश्मीरी, डोगरी, लद्दाखी, आदि; **जिलेः** 14; **जनसंख्याः** 10,069,917; **पुरुषः** 5,300,574; **महिलाएंः** 4,769,343; **वृद्धि दर (1991–2001)**: 29.04%; **जनसंख्या घनत्वः** 99; **लिंगानुपात (महिलाएं प्रति हजार पुरुष)**: 900; **साक्षरताः** 54.46%; पुरुषः 65.75%; महिलाएंः 41.82%; **प्रति व्यक्ति आय (89–90)**: 3420 रु.।

भू–आकृतिः यह राज्य देश के उत्तरी कोने पर है। इसके उत्तर में चीन, पूर्व में तिब्बत और दक्षिण में हिमाचल प्रदेश पंजाब और पाकिस्तान है। राज्य की राजभाषा उर्दू है।

इतिहासः जम्मू और काश्मीर राज्य, जिस पर पहले हिंदू राजाओं और उसके बाद मुस्लिम सुल्तानों ने शासन किया, अकबर के शासन काल में मुगल साम्राज्य का अंग बन गया। 1756 के आरंभ में अफगान शासन के बाद 1819 में इसे पंजाब के सिक्ख राज्य में मिला लिया गया। 1846 में रणजीतसिंह ने जम्मू प्रदेश महाराजा गुलाब सिंह को दे दिया। 1846 में सोबरांव के निर्णायक युद्ध के बाद अमृतसर की संधि के अधीन काश्मीर भी महाराजा गुलाब सिंह को दे दिया गया। उसके बाद 1947 में भारतीय स्वाधीनता अधिनियम पास होने के समय तक यह राज्य ब्रिटिश प्रभुत्व के अधीन रहा।

स्वाधीनता के बाद सभी रियासतों ने भारत या पाकिस्तान में मिल जाने का फैसला किया, किंतु काश्मीर रियासत ने कहा कि वह भारत और पाकिस्तान दोनों के साथ पूर्ववत संबंध रखने का करार करना चाहता है। इसी बीच इस राज्य पर पाकिस्तान ने आक्रमण कर दिया और काश्मीर के महाराजा ने विलय पत्र पर हस्ताक्षर करके 26 अक्टूबर, 1947 को काश्मीर राज्य का भारत में विलय कर दिया।

महाराजा के पुत्र युवराज कर्णसिंह 1950 में प्रतिशासक (रीजेंट) बने और आनुवांशिक शासन की समाप्ति (17 अक्टूबर, 1952) पर उन्हें सदरे–रियासत पद की शपथ दिलाई गई।

पिता की मृत्यु (26 अप्रैल, 1961) पर युवराज कर्णसिंह को भारत सरकार ने महाराजा के रूप में मान्यता दे दी, किंतु कर्णसिंह ने निर्णय किया कि वह महाराजा की उपाधि का इस्तेमाल नहीं करेंगे।

प्रशासनः जम्मू और काश्मीर राज्य का संविधान 17 नवंबर, 1956 से आंशिक रूप में और 26 जनवरी, 1957 से पूरी तरह से लागू हुआ। संविधान में दो–सदनीय विधान मंडल (1) विधान सभा, (2) विधान परिषद का प्रावधान है।

इस राज्य में कुल 14 जिले हैं। इनमें से 6 जम्मू में और 6 काश्मीर में है और दो लद्दाख क्षेत्र में हैं।

जिले

जिला	क्षेत्रफल (वर्ग कि.मी.)	जनसंख्या (2001)	मुख्यालय
अनन्तनाग	3,984	1,170,013	अनन्तनाग
बादगाम	1,371	593,768	बादगाम
बारामूला	4,588	1,166,722	बारामूला
डोडा	11,691	690,474	डोडा
जम्मू	3,097	1,571,911	जम्मू
कारगिल	14,036	115,227	कारगिल
कठुआ	2,651	544,206	कठुआ
कुपवारा	2,379	640,013	कुपवारा
लेह	82,665	117,637	लेह
पुलवामा	1,398	632,295	पुलवामा
पूंछ	1,674	371,561	पूंछ
राजौरी	2,630	478,595	राजौरी
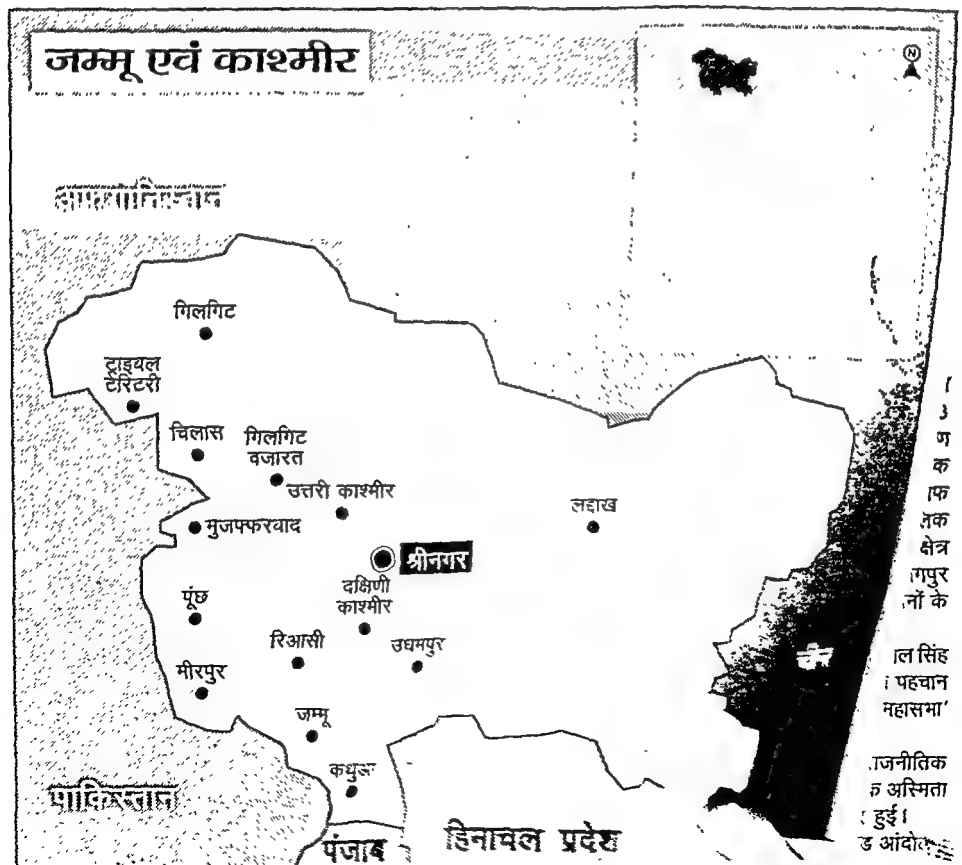
श्रीनगर	2,228	1,238,530	श्रीनगर
उधमपुर	4,550	738,965	उधमपुर

चीन के अवैधानिक कब्जे में 37,555 वर्ग किलोमीटर भाग सम्मिलित है।

इस राज्य की अर्थ व्यवस्था का मुख्य आधार कृषि है। लगभग 80 प्रतिशत जनसंख्या कृषि पर ही निर्भर है। धान, गेहूं और मक्का मुख्य फसलें हैं। कुछ क्षेत्रों में जौ, ज्वार और बाजरा भी पैदा होता है। चना लद्दाख में पैदा होता है।

राज्य सरकार दस्तकारी और हथकरघे की तरक्की को उच्च प्राथमिकता देती है। काश्मीरी दस्तकारी सदैव अपनी उत्कृष्टता के लिए विख्यात रही है। कागज़ की लुग्दी से वस्तुएं बनाने, लकड़ी पर नक्काशी, गलीचे और शाल आदि बनाने का काम काश्मीर में प्राचीन काल से होता आया है। इस क्षेत्र में लगभग 17 लाख लोगों को रोजगार मिला हुआ है। काश्मीरी दस्तकारी की वस्तुओं से, विशेषतया गलीचों से, भारत को काफी विदेशी मुद्रा प्राप्त होती है।

विश्वविद्यालयः युनिवर्सिटी आफ जम्मू; युनिवर्सिटी आफ काश्मीर; शेरे काश्मीर युनिवर्सिटी आफ एग्रिकल्चरल साइंसेज एंड टेक्नालोजी, श्रीनगर; वैष्णो देवी मंदिर बोर्ड ने जम्मू में एक संस्कृत विश्वविद्यालय की स्थापना करने का निश्चय किया है।

पर्यटन केंद्रः काश्मीर, देश के और विदेशी सभी पर्यटकों के लिए स्वर्ग है। आकर्षण के मुख्य केंद्र श्रीनगर, पहलगाम, गुलमर्ग, सोनमर्ग आदि हैं। प्रमुख तीर्थ–स्थान अमरनाथ और वैष्णव देवी हैं।

राज्यपालः ले. जनरल (अवकाश प्राप्त) एस.के. सिन्हा
मुख्य मंत्रीः मुफ्ती मोहम्मद सईद (पीडीपी)

79,714 वर्ग कि.मी.; राजधानीः रांची; भाषाः ; जिलेः 18; जनसंख्याः 26,909,428; पुरुषः ,861,277; महिलाएंः 13,048,151; वृद्धि दर 1991–2001): 23.19%; जनसंख्या घनत्वः 338; (महिलाएं प्रति हजार पुरुष): 941; साक्षरताः 4.13%; पुरुषः 67.94%; महिलाएंः 39.38%।

इस क्षेत्र की भौगोलिक संस्कृति और स्वायत्तता की राजनीति की पहचान भी 'झारखंड' शब्द से जुड़ी है।

भूगोलः बिहार के दक्षिणी क्षेत्र जिसे अब तक भूगोल की भाषा में छोटानागपुर प्लेटो एवं संथालपरगना कहा जाता था, को अलग कर नया राज्य बना है। राज्य के उत्तर में मध्य बिहार (यानी बिहार) दक्षिण में उड़ीसा, पूर्व में पश्चिम बंगाल और पश्चिम में मध्य प्रदेश राज्य होगा।

जिले
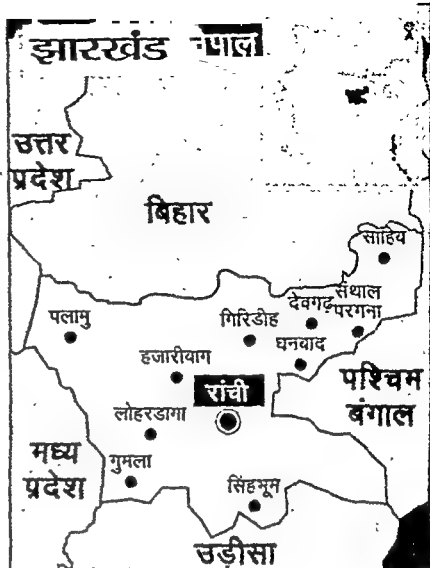
जिला	क्षेत्रफल (वर्ग कि.मी.)	जनसंख्या (2001)	मुख्यालय
बोकारो	2861	1,775,961	बोकारो
छत्रा	3,700	790,680	छत्रा
देवगढ़	2479	1,161,370	देवगढ़
धनबाद	2,075	2,394,434	धनबाद
दुमका	5,518	1,754,571	दुमका
गरवा	4,064	1,034,151	गरवा
गिरिडीह	4,887	1,901,564	गिगिरडीह
गोड्डा	2,110	1,047,264	गोड्डा
गुमला	9091	1,345,520	गुमला
हजारीबाग	6,154	2,277,108	हजारीबाग
कोडर्मा	1312	498,683	कोडर्मा
लोहारडागा	1,494	364,405	लोहारडाग
पाकुर	1805	701,616	पाकुर
पलामू	8,717	2,092,004	डालटनगंज
पश्चिमी सिंहभूम	9,906	2,080,265	चेईप्सा
पूर्वी सिंहभूम	3,533	1,978,671	जमशेदपुर
रांची	7974	2,783,577	रांची
साहबगंज	1,599	927,584	साहबगंज

झारखंड में भूमि के विविध प्रकार

झारखंड क्षेत्र की अर्थव्यवस्था और समाज मुख्यतः खेती और वन पर निर्भर है। कुल जमीन का चौथाई भाग परती और बंजर है।

झारखंड क्षेत्र में आदिवासियों की आबादी कुल आबादी का सिर्फ 27.67 प्रतिशत है।

झारखंड क्षेत्र में करीब 30 श्रेणियों के आदिवासी समुदाय बसते हैं उनमें संथाली (18.01 लाख) उरांव (8.75 लाख), मुड़ (7.32 लाख) और हो (5.50 लाख) प्रजातियां

प्रमुख है। वाकी आदिवासी आवादी पिरहोर, गोडाइत, वंजारा, पहाड़िया खोंड आदि नामों से जानी जाती है।

स्त्री पुरुप अनुपात के उपरोक्त आंकड़ों का अर्थ समझने के लिए इन आंकड़ों का उल्लेख जरूरी है कि झारखंड क्षेत्र में शहरीकरण की रफ्तार 20.3 प्रतिशत है, जवकि पूरे बिहार में शहरीकरण का औसत सिर्फ 13 प्रतिशत के करीव है।

झारखंड क्षेत्र में गैर आदिवासी आवादी खनिज उत्खनन वड़े उद्योगों और विस्थापन का दवाव क्षेत्र की आदिवासी आवादी में कम पड़ती औरतों की संख्या के रूप में पहचाना जा सकता है। झारखंड क्षेत्र की आदिवासी आवादी में स्त्री पुरुप का अनुपात वरावर रहा है। पूर्व में आदिवासी आबादी में स्त्रियों की झारखंड क्षेत्र में बड़ उद्योगों से उत्पन्न विस्थापन की पीड़ा–

· वड़ी वड़ी सिंचाई और बिजली परियोजनाएं, खदान, अभयारण्य, नेशनल पार्क, उद्योग और वन विनाश के कारण विस्थापन का शिकार लोगों की संख्या के बारे में अभी तक कोई ठोस आंकलन नहीं हुआ है।

झारखंड क्षेत्र की आर्थिक स्थिति

आजादी के पूर्व झारखंड क्षेत्र में 65 प्रतिशत जंगल थे। अव मात्र 29 प्रतिशत है।

झारखंड एक रत्नगर्भित क्षेत्र है। वन एवं खनिजों से यह क्षेत्र भरा हुआ है। पूरे भारत की करीब 26 प्रतिशत खनिज संपदा इसी क्षेत्र में है।

झारखंड में खनिज भंडार

खनिज	भारत	झारखंड	भारत में
	मिलियन टन में		झारखंड का %
तांबा	325	110	33.85
कोयला	192359	62085	32.98
अभ्रक	3827	1780	46.51
लोहा	12745	2972	23.32
ग्रेफाइट	3.10	0.53	17.19
काशनाइट	2715	113	4.50

श्रोत:–इंडियन ब्यूरो आफ माईंस (1992)

झारखंड क्षेत्र में फिलहाल 18.25 लाख हेक्टेयर भूमि में खेती की जाती है जो कुल क्षेत्र का 26.02 प्रतिशत है।

इस क्षेत्र में 16 वृहद और 102 मध्यम सिंचाई परियोजनाएं निर्मित और निर्माणधीन है। करीब 33,310 जलाशय, सतही जल को उठाने के लिये 1,00,411 प्रणालियां और 1,28,340 आहर है। भूगर्भ जल के उपयोग के लिए करीब 21.1066 कुएं और 7098 शैलो ट्यूब वेल है।

वृहद एवं मध्यम परियोजनाओं से करीब 6.94 लाख हैक्टेयर जमीन को सिंचाई सुविधा उपलब्ध करने का दावा किया जाता है। सतही जल की छोटी योजनाओं से करीब 2.62 लाख हेक्टेयर और भूगर्भजल से करीब 1.90 लाख हेक्टेयर की सिंचाई होने का अनुमान है।

इस हिसाब से झारखंड क्षेत्र में 11.46 लाख हेक्टेय खेती को सिंचाई सुविधा उपलब्ध हैं। लेकिन यहां अधिकां भूमि वर्षा के पानी पर निर्भर है। 97 प्रतिशत से अधिक जमी एक फसली है। सिर्फ 3.14 प्रतिशत जमीन पर दूसरी फस (साल में) लगती है। अनुमानतः सिर्फ 1.50 प्रतिशत भूमि सुनिश्चित सिंचाई सुविधा से लैस है।

इसे मुख्य फसलों की सालाना वृद्धि दर के इस आंक से समझा जा सकता है।

उक्त आंकड़े झारखंड क्षेत्र में सर्वाधिक बड़े उद्यो (खनिजों के उत्खनन, उत्पादन के संवद्ध) होने का प्रमा हैं। टिस्कों, टेल्कों, टिन–प्लेट, बोकारो स्टील प्लां एच.ई.सी. कोल इंडिया के सभी कोयला उत्पादन क्षेत्र तां एवं यूरेनियम के उत्खनन की कंपनियां झारखंड क्षेत्र में है है। इसके रुबरु यह तथ्य भी गौर तलब है कि झारखंड क्षे में करीब 37.13 प्रतिशत आदिवासी आबादी 'श्रमशक्ति' है उसमें 63.06 प्रतिशत किसान, 23.2 प्रतिशत खेतिह मजदूर, 1.8 प्रतिशत घरेलू उद्योग में लगे कारीगर औ 11.59 प्रतिशत अन्य उद्योगों में लगे हैं।

झारखंड आंदोलनः यूं झारखंड क्षेत्र में आजादी के पू नहीं आंदोलन हुए। औपनिवेशिक काल के आंदोलन मुख्यत जमीन से संबंधित थे। 19 वीं शताब्दी के अंतिम दशक जंगल संबंधी सवाल और संघर्ष सामने आये। 20 वीं शताब्दि के पूर्वाहन में आदिवासियों के बीच उभरे मध्यम वर्ग द्वार आदिवासी संगठन बनाये गये। उनका लक्ष्य भूमि और जंगल की समस्याओं के सुलझाने के वजाय 'राजनीतिक अधिकार प्राप्त करना' था।

इस तरह ब्रिटिश साम्राज्य के खिलाफ 1938 तक झारखंड क्षेत्र में निम्नलिखित आंदोलन हुए।

1783 – तिलाका मांझी आंदोलन

1795–1800 – चेरो आंदोलन

1765 के पूर्व ही झारखंड क्षेत्र में मुगल एवं अन्य राजाओं के वक्त से 'बाहवीं लोगों (राज व्यवस्था के पोषक व आश्रित) का प्रवेश शुरू हो चुका था। 1765 में इस क्षेत्र में अंग्रेजों के आने के बाद यह प्रक्रिया और तेज हुई। 1793 में यहां परमानेंट सेटलमेंट कानून लागू हुआ। इससे शोषण का क्रूरतम स्वरूप सामने आया। 1783 से 1899 तक यानी 100 वर्षो तक झारखंड क्षेत्र में इस शोषण के खिलाफ संघर्ष चलता रहा। इन्हीं आंदोलनों की वजह से तात्कालिक राहत के रूप में विलिकंसन कानून (1834, कोल्हान क्षेत्र में), संथालपरगना टेनेंसी कानून (1857) और छोटानागपुर टेनेंसी कानून (1908) लागू हुए जो कतिपय संशोधनों के साथ कमोबश आज भी लागू हैं।

अलग झारखंड का आंदोलनः राजनीति में श्री जयपाल सिंह का उदय 'आदिवासी समाज की अस्मिता' की मुख्य पहचान बना। श्री जयपाल सिंह ने 1949–50 में 'आदिवासी महासभा' को भंगकर 'झारखंड पार्टी' का निर्माण किया।

1950 के दशत में झारखंड पार्टी अपना राजनीतिक उत्कर्ष पर पहुंची इसके साथ आदिवासी सांस्कृतिक अस्मिता को पहचानने और उसी सुरक्षा की चेतना [illegible] हुई।

1960 के दशक के बाद पारंपरिक [illegible] आंदोलन

बिखर गया। 1970 के बाद एक नयी विचारधारा से झारखंड आंदोलन को नयी दिशा मिली। यह विचारधारा सांस्कृति स्वायत्तता के रूप में प्रकट हुई।

झारखंड क्षेत्र में सांस्कृतिक स्वायत्तता का संघर्ष 1980 के दशक में जातीय आदिवासी आंदोलन से उठकर क्षेत्रिय आंदोलन के रूप में ढला। अन्तत: यही सांस्कृतिक स्वायत्तता राजनीतिक स्वायत्ता और फिर बाद में अलग राज्य की मांग के रूप में सामने आयी। यानी लगभग तमाम राजनीतिक दलों ने सांस्कृतिक अस्मिता की रक्षा के लिए राजनीतिक स्वायत्तता को जरूरी माना।

वैसे, 22 अप्रैल 1954 को जयपाल सिंह की झारखंड पार्टी ने पुराने 14 जिलों को मिलाकर झारखंड राज्य बनाने का प्रस्ताव राज्य पुनर्गठन आयोग के समक्ष रखा था, उसे नामंजूर कर दिया गया था। झारखंड पार्टी के कांग्रेस में विलय से झारखंडी स्वायत्तता का राजनीतिक आंदोलन बिखर गया।

अस्सी के दशक में झामुओं के नेतृत्व में झारखंड आंदोलन तेज हुआ।

1986 में राजीव सरकार के निर्देश से झारखंड विषयक समिति का गठन हुआ। उसमें झारखंड क्षेत्र स्वशासी परिषद के गठन की अनुशंसा की।

1987 से झामुओं और उससे अलग अन्य सभी झारखंड दलों के 'झारखंड को आदिजेशन कमिटी' की ओर से उग्र आंदोलन शुरू हुआ।

1990 के दशक आते-आते छोटानागपुर संथालपरगना के झारखंड क्षेत्र को कई मायने में स्वायतता देने और पूरे क्षेत्र को पृथक इकाई के रूप में देखने का सिलसिला शुरू हो गया।

[illegible]9 अगस्त 1995 को झारखंड क्षेत्र स्वशासी परिषद [illegible] हुआ बिहार विधानसभा में 18 जिलों के जैक [illegible] को स्वीकृति मिली। इसे झामुमों सहित कई झारखंडों [illegible] झारखंड अलग राज्य की दिशा में पहला ठोस कदम [illegible]। 1997 में मुख्यमंत्री रायड़ी देवी के नेतृत्व में सरकार [illegible] स्थिर रखने के लिए लालू प्रसाद ने विधान सभा में अलग [illegible] राज्य के गठन का संकल्प पारित करवा दिया। उसी आधार पर भाजपा की गठबंधन सरकार ने 1998 में अलग वनांचल राज्य से संबंधित विधेयक तैयार कर बिहार सरकार को भेजा।

राज्यपाल: वेद मारवाह

मुख्य मंत्री: अर्जुन मुंडा (भा.ज.पा.)

तमिलनाडु

क्षेत्रफल: 130,058 वर्ग कि.मी.; **राजधानी:** चेन्नई; **भाषा:** तमिल; **जिले:** 30; **जनसंख्या:** 62,110,839; **पुरुष:** 31,268,654; **महिलाएं:** 30,842,185; **वृद्धि दर (1991-2001):** 11.19%; **जनसंख्या घनत्व:** 478; **शहरी जनसंख्या:** 43.86%; **लिंगानुपात (महिलाएं प्रति हजार पुरुष):** 986; **साक्षरता:** 73.47%; **पुरुष:** 82.33%; **महिलाएं:** 64.55%; **प्रति व्यक्ति आय:** 4428 रु।

तमिलनाडु भारतीय प्रायद्वीप के दक्षिणी-पूर्वी कोने में स्थित है। उससे पूर्व में बंगाल की खाड़ी, दक्षिण में हिंद महासागर, पश्चिम में अरब सागर और उत्तर में कर्नाटक व आंध्र प्रदेश है।

भू-आकृति: इस राज्य की भूमि को दो प्राकृतिक भागों में बांटा जा सकता है:

(1) पूर्वी समुद्रतटीय मैदान, और

(2) उत्तर से पश्चिम तक पहाड़ी प्रदेश।

समुद्रतटीय मैदान को साधारणतया निम्नलिखित भागों में बांटा जाता है : (1) कारोमंडल मैदान जिसमें चिंगलपेट, साउथ अर्काट और नार्थ अर्काट जिले सम्मिलित हैं; (2) तंजौर और तिरुचिरापल्ली जिले के कुछ भाग में फैला कावेरी डेल्टा का उपजाऊ मैदान; और (3) दक्षिण का सूखा मैदान जिसमें मदुरै, रामनाथपुरम, कामराज, अण्णा, कन्याकुमारी, पोन मुत्तुरामलिंगम और तिरुनेलवेली जिले सम्मिलित हैं।

नीलगिरी जिले के विख्यात उदगमंडलम क्षेत्र में सबसे ऊंची चोटी दोड्डबेट्टा है, जो समुद्रतल से 2640 मीटर ऊंची है।

इस राज्य की नदियां पश्चिमी तट से पूर्व की ओर बहती है और उनमें सिर्फ वर्षा का पानी बहता है। जिन नदियों में हर मौसम में पानी रहता है, उनके नाम हैं – पालार, चेययार, पोण्णार, कावेरी, मेयार, भवानी, अमरावती, वैगै, चिन्नार और ताम्रपर्णी। जिन नदियों में साल भर पानी नहीं रहता, उनके नाम हैं – वेल्लार, नोइल, सुरुलियार, गुंडार, वैपार वालपारै और वर्शली। 760 कि.मी. लंबी कावेरी इस राज्य की बड़ी नदी है।

इतिहास: तमिलनाडु का इतिहास लगभग 6000 वर्ष पुराना है। यह राज्य भारत में उस द्रविड़ सभ्यता का प्रतिनिधि है जो आर्य सभ्यता से लगभग 1000 वर्ष पहले भारत में विकसित थी। जिस द्रविड़ सभ्यता का तमिलनाडु एक अंग है, वह ई.पू. चौथी शताब्दी में चोल, पांड्य और चेर राजवंशों के समय में सुविख्यात रही। ई.पू. पहली शताब्दी में पाण्ड्य वंश के एक शासक ने रोमन सम्राट अगस्टस के यहां अपना राजदूत भेजा था।

1639 में मद्रास में ईस्ट इंडिया कंपनी के आगमन से तमिलनाडु के इतिहास में एक नया अध्याय आरंभ हुआ। धीरे-धीरे सारा तमिलनाडु और अधिकांश दक्षिण भारत अंग्रेजों के प्रभुत्व में आ गया।

जब भारत स्वाधीन हुआ, उस समय इसमें तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश और केरल का कुछ भाग शामिल था। किंतु पृथक आंध्र राज्य के निर्माण के लिए हुए आंदोलन से मजबूर होकर भारत सरकार ने इस राज्य को दो राज्यों में बांट दिया – तेलुगु भाषी लोगों का आंध्र प्रदेश और तमिल भाषी लोगों का मद्रास राज्य। पुरानी राजधानी मद्रास शहर नये मद्रास राज्य में रहा।

1956 के राज्य पुनर्गठन ऐक्ट के परिणामस्वरूप मद्रास राज्य में से मलाबार जिला और दक्षिण कनारा जिले का

नीलगिरि	2,549	764,826	उदकमंडलम
कोयम्वत्तूर	7,469	4,224,107	कोयम्वत्तूर
तिरुचिरापल्ली	5,114	2,388,831	तिरुचिरापल्ली
करुर	2,896	933,791	करूर
पेरामवालूर	3,691	486,971	पेरामवालूर
तंजावुर	3,397	2,205,375	तंजावुर
नागापट्टिनम	2,761	1,487,055	नागापट्टिनम
तिरुवरूर	2,161	1,165,213	तिरुवरूर
मदुराई	3,676	2,562,279	मदुराइ
तेनी	2,889	1,094,724	तेनी
डिंडीगुल	6,058	1,918,960	डिंडीगुल
रामनाथपुरम	4,232	1,183,321	रामनाथपुरम
विरुदनगर	4,288	1,751,548	विरुदनगर
तिरुनेलवेली	6,810	2,801,194	तिरुनेलवेली
तुतुकुडी	4,621	1,565,743	तुतुकुडी
कन्याकुमारी	1,685	1,669,763	नागरकोयल
अरियलूर	–	694,058	–

तमिलनाडु की अर्थ व्यवस्था का मुख्य आधार कृषि है। यहां चावल प्रति हेक्टेयर 2.5 टन पैदा होता है, जो भारत में सबसे अधिक है।

तमिलनाडु में गन्ने का उत्पादन 100 टन प्रति हेक्टेयर है। लगभग 3.5 लाख एकड़ क्षेत्र में गन्ने की खेती होती है। कपास की खेती 2.8 लाख हेक्टेयर में होती है। चाय और काफी प्रमुख वागान फसलें हैं।

तमिलनाडु में भारत का एक–चौथाई धागा, एक–पांचवां भाग सीमेंट, कास्टिक सोडा और नाइट्रोजन वाला उर्वरक होता है। देश के कुल उत्पादन का दसवां भाग चीनी, [illegible]ल और कैल्शियम कार्वाइड इसी राज्य में होता है। [illegible]डु में देश की 60 प्रतिशत दियासलाइयां और 77 प्रतिशत तैयार चमड़े का उत्पादन होता है।

इस राज्य में वड़े मध्यम दर्जे और छोटे उद्योगों को वित्तीय सहायता और तकनीकी जानकारी प्रदान करने हेतु प्रमुख निगम हैं – तमिलनाडु औद्योगिक विकास निगम, तमिलनाडु उद्योग संवर्धन निगम और टी.आई.आई.सी.। इन निगमों की सहायता से तमिलनाडु के विभिन्न भागों – होसूर, रानीपेट, गिंडी, अम्वतूर, कारैकुडी, शिवगागा, परमकुडी और तिरुचिरापल्ली में विकास केंद्र और औद्योगिक वस्तियों की स्थापना की गई है।

यहां के समस्त परिवहन निगम (20) को 1997 में एकीकृत करके तमिलनाडु सरकार परिवहन निगम के अंतर्गत लाया गया था। यहां के सारे जिले 2000 मध्य तक इंटरनेट से जुड़ गये है।

विश्वविद्यालयः अलागप्पा विश्वविद्यालय, काराकुडी; तमिलनाडु डा. अम्बेदकर विधि विश्वविद्यालय चेन्नई; चेन्नई (भारत की पहली) अन्ना विश्वविद्यालय चेन्नई; अन्नामलाई विश्वविद्यालय अन्नामलाईनगर; श्री अविन्सालिंगम इंस्टीट्यूट फार होम साइंस एंड हाइयर एजुकेशन फार वीमेन, कोयमवत्तूर; भरतियार विश्वविद्यालय कोयमवत्तूर; भारतिदासन विश्वविद्यालय तिरुचिरापल्ली; दक्षिण भारत हिंदी प्रचार सभा, चेन्नई; गांधीग्राम रूरल इंस्टीट्यूट, गांधीग्राम; इंडियन इंस्टीट्यूट आफ टेक्नालोजी, मद्रास; मद्रास विश्वविद्यालय, चेन्नई; मदुरई कामराज विश्वविद्यालय, मदुरई; एम.एस. विश्वविद्यालय तिरुनलवेली; मदर टेरेसा महिला विश्वविद्यालय, कोडाईकनाल; श्री चंद्रा–सेखारेंद सरस्वती विश्व महा विद्यालय, कांचीपुरम; श्री रामचंद्रा मेडिकल कालेज एंड रिसर्च इंस्टीट्यूट, चेन्नई; तमिलनाडु कृषि विश्वविद्यालय, कोयमवत्तूर; तमिलनाडु डा. एम.जी.आर. मेडिकल युनिवर्सिटी, चेन्नई; तमिलनाडु वेटिनेरी एंड एनिमल साइंसेज युनिवर्सिटी, चेन्नई; तमिल विश्वविद्यालय, तंजाउर।

पर्यटन केंद्रः तमिलनाडु पर्यटन विकास निगम 17 होटल, 1 समुद्रतटीय सैरगाह और 10 युवा होस्टल चलाता है।

हिल स्टेशनः उदगमंडलम (ऊटी), कोडाईकनाल और एर्काड।

धार्मिक स्थान : शुचींद्रम, रामेश्वरम, तिरुचेन्दूर, मदुरै, पलनी, तिरुचिरापल्ली, श्रीरंगम, तंजौर, कुम्भकोणम, नागोर, वेलांकण्णि, वैत्तीश्वरन कोइल, चिदम्वरम, तिरुवण्णामलै, कांचीपुरम, तिरुत्तणि और कन्याकुमारी।

पर्यटक केंद्रः मामल्लपुरम, पूमपुहार, पिचावरम, प्वाइंट कालिमेर, कुट्टालम, होगोनकल, अन्नामलै, पशु अभयारण्य, मुदुमलै पशु अभयारण्य, वेडन्तांगल पक्षी विहार, कलक्काड और वंडलूर चिड़िया घर और मुंडातुरै पशु अभयारण्य।

चेन्नई मेंः फोर्ट सेंट जार्ज, फोर्ट संग्रहालय, मरीना बीच, स्नेक पार्क, गिंडी पार्क, गिंडी मृग अभ्यारण्य एवं बच्चों का पार्क, एग्मोर संग्रहालय, वल्लुवर–कोट्टम पार्क, घड़ियाल और वंडलूर चिड़ियाघर, मुत्तुकाडु वोट हाउस।

राज्यपालः पी.एस. रामामोहन राव

मुख्य मंत्रीः जे. जयललिता (ए.आई.ए.डी.एम.के.)

त्रिपुरा

क्षेत्रफलः 10,491.69 वर्ग कि.मी.; **राजधानीः** अगरतला; **भाषाः** वंगाली, ककवार्क और मणिपुरी; **जिलेः** 4; **जनसंख्याः** 3,191,168; **पुरुषः** 1,636,138; **महिलाएंः** 1,555,030; **वृद्धि दर (1991–2001):** 15.74%; **जनसंख्या घनत्वः** 304; **शहरी जनसंख्याः** 17.02%; **लिंगानुपात (महिलाएं प्रति हजार पुरुष):** 950; **साक्षरताः** 73.66%; **पुरुषः** 81.47%, **महिलाएंः** 65.41%; **प्रति व्यक्ति आयः** 2866 रु।

त्रिपुरा भारत में तीसरे नंवर का सवसे छोटा राज्य है। 1 नवंवर, 1957 को इसे संघ शासित प्रदेश वनाया गया था और 21 जनवरी, 1972 को इसे पूर्ण राज्य का दर्जा प्रदान कर दिया गया।

भू–आकृतिः त्रिपुरा के चारों ओर वंगलादेश है – केवल पूर्वोत्तर में एक संकरी पट्टी है, जहां त्रिपुरा की सीमा असम और मिज़ोरम से मिलती है।

त्रिपुरा
उत्तरी त्रिपुरा
पश्चिमी त्रिपुरा
अगरतला
दक्षिणी त्रिपुरा

इतिहासः त्रिपुरा एक प्राचीन हिन्दु राज्य था और 15 अक्टूबर, 1949 को भारत संघ में मिलने से पहले 1300 वर्षों तक यहां महाराजा शासन करते रहे थे। राज्यों का पुनर्गठन होने पर 1 सितंबर, 1956 को त्रिपुरा संघ शासित प्रदेश बना और 21 जनवरी, 1972 को इसे पूर्ण राज्य का दर्जा प्रदान किया गया।

प्रशासनः विधान मंडल में एक सदन विधान सभा है। यह राज्य उच्च न्यायालय के क्षेत्राधिकार में आता है। इस उच्च न्यायालय की एक पीठ अगरतला में है।

त्रिपुरा में 3 जिले, 10 प्रशासकीय प्रखंड और 127 तहसीलें व 5215 गांव हैं।

जिले

जिला	क्षेत्रफल (वर्ग कि.मी.)	जनसंख्या (2001)	मुख्यालय
उत्तरी त्रिपुरा	2,820.63	590,655	काइलाशहर
दक्षि. त्रिपुरा	2,151.77	762,565	उदयपुर
प. त्रिपुरा	2,996.82	1,530,531	अगरतला
धलाई	2,522.47	307,417	अम्बासा

इस राज्य में लगभग 54.5 प्रतिशत भूमि में वन है। केवल लगभग 24.3 प्रतिशत भूमि कृषि के लिए उपलब्ध है। कृषि की मुख्य फसलें है– धान, गेहूं, गन्ना, आलू और तिलहन। लगभग 2.5 लाख हेक्टेयर जमीन में कृषि होती है।

त्रिपुरा राज्य में चाय एक प्रमुख उद्योग है। 5.527 लाख हेक्टेयर में 49 पंजीकृत चाय बागान हैं, जिनमें प्रति वर्ष 45 लाख कि.ग्रा. चाय पैदा होती है।

सरकारी क्षेत्र में त्रिपुरा में अगरत्तला में एक जूट कारखाना स्थापित किया गया है।

इस राज्य में छोटे पैमाने के प्रमुख उद्योग हैं – एल्युमिनियम के बर्तन बनाने का कारखाना, लकड़ी चीरने का कारखाना, इस्पात का फर्नीचर उद्योग, बढईगीरी, दवायें, चावल मिल, कपड़े धोने का साबुन, आर.सी.सी. स्पन पाइप, पी.वी.सी पाइप, आटा मिल, एल्युमिनियम कंडक्टर, चमड़े की वस्तुएं, पोलीथीन पाइप, प्लाईवुड, फलों की डिब्बाबंदी, मोमबत्ती, तेल मिल आदि। हथकरघा इस राज्य का सबसे बड़ा उद्योग है। बुनाई तो वस्तुतः कबीलों का घरेलू उद्योग है। उन्नत तकनीक का प्रशिक्षण देने हेतु राज्य के विभिन्न भागों में नौ प्रायोगिक परियोजनायें चल रही हैं और इनमें बढ़िया किस्म के हथकरघे का कपड़ा बन रहा है।

इस राज्य में रेशम कीट पालन उद्योग तेजी से विकसित हो रहा है। लगभग 1200 एकड़ भूमि में शहतूत के पेड़ है और साल में लगभग 5000 कि.ग्रा. कोये तैयार होते हैं। अगरत्तला में दस्तकारी संबंधी एक डिजाईन केंद्र चल रहा है

विश्वविद्यालयः त्रिपुरा विश्वविद्यालय, अगरतला।

पर्यटक केंद्रः महत्वपूर्ण पर्यटक केंद्र हैं – नीरमहल, सिपाहीजल, डम्बूर झील, कमल सागर, जम्पुई पहाड़ी, उनाकोटि और माताहारी आदि।

राज्यपालः दिनेश नंदन सहाय

मुख्य मंत्रीः मणिक सरकार (मा.क.पा)

नागालैंड

क्षेत्रफलः 16,579 वर्ग कि.मी.; **राजधानीः** कोहिमा; **भाषाः** अंग्रेजी, आओ, कोयक, आंगामी, सेमा और लोथा; **जिलेः** 8; **जनसंख्याः** 1,988,636; **पुरुषः** 1,041,686; **महिलाएंः** 946,950; **वृद्धि दर (1991–2001):** 64.41; **जनसंख्या घनत्वः** 120; **शहरी जनसंख्याः** 17.74%; **लिंगानुपात (महिलाएं प्रति हजार पुरुष):** 909; **साक्षरताः** 67.11%; **पुरुषः** 71.77%; **महिलाएंः** 61.92%; **प्रति व्यक्ति आयः** 3464 रु।

भू–आकृतिः नागालैंड राज्य असम की ब्रह्मपुत्र घाटी और बर्मा के बीच पहाड़ी इलाके की संकरी पट्टी में बसा हुआ है। इसके पूर्व में भारत और बर्मा की अंतर्राष्ट्रीय सीमा है। इसके दक्षिण में मणिपुर, उत्तर और पश्चिम में असम और पूर्वोत्तर में अरुणाचल प्रदेश है।

तराई के कुछ भागों को छोड़कर सारा राज्य पहाड़ी है। सबसे ऊंची चोटी सारामती ... मीटर ऊंची है और राजधानी कोहिमा समुद्रतल ... मीटर की ऊंचाई प[illegible] है। इस राज्य में बहने वाली ... दोयांग, दिखु

और झांजी हैं। नागालैंड की लगभग सारी जनसंख्या कबीलाई है। नागाओं के कई अलग-अलग कबीले और उप-कबीले हैं जिनकी अपनी पृथक-पृथक भाषायें और सांस्कृतिक विशेषताएं हैं ।

इतिहासः नागालैंड राज्य में असम का भूतपूर्व नागा हिल्स जिला और पूर्वोत्तर सीमान्त एजेन्सी का भूतपूर्व त्वेनसांग सीमान्त डिवीजन सम्मिलित है। 1957 में इसे केंद्र शासित प्रदेश बना दिया गया, जिसका शासन राष्ट्रपति असम के राज्यपाल के माध्यम से करता था। जनवरी 1961 में भारत सरकार ने नागालैंड को राज्य का दर्जा प्रदान कर दिया। 1 दिसंबर, 1963 को नागालैंड राज्य का विधिवत् उद्घाटन हुआ ।

प्रशासनः इस राज्य में एक सदन वाला विधान मंडल है अर्थात् विधान सभा है ।

जिले

जिला	क्षेत्रफल (वर्ग कि.मी.)	जनसंख्या (2001)	मुख्यालय
कोहिमा	4,041	314,366	कोहिमा
फेक	2,026	148,246	फेक
मोकोकचुंग	1,615	227,230	मोकोकचुंग
जुन्हेबोटो	1,255	154,909	जुन्हेबोटो
वोखा	1,628	161,098	वोखा
त्वेनसांग	4,228	414,801	त्वेनसांग
मोन	1,786	259,604	मोन
दीमापुर	–	308,382	दीमापुर
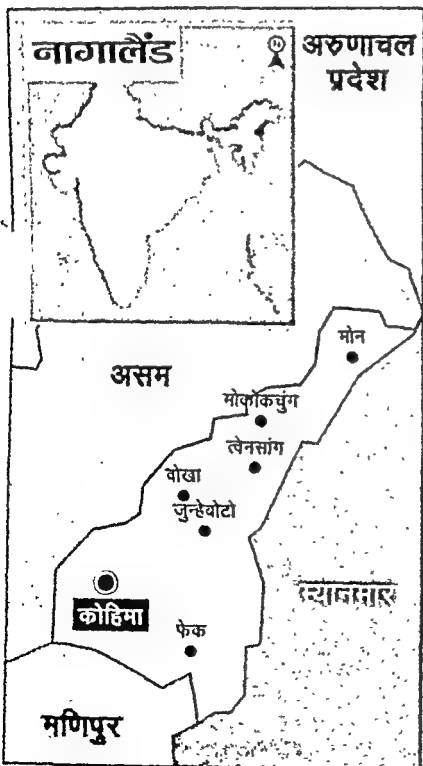
यहां का मुख्य उद्यम कृषि है। चावल मुख्य खाद्यान्न है यद्यपि मुख्य उद्यम कृषि है, परंतु राज्य के कुल क्षेत्रफल में से एक-तिहाई क्षेत्र से कुछ ही अधिक क्षेत्र कृषि योग्य है।

सरकार पहाड़ों की ढाल पर सीढ़ीदार खेत बनाकर उन पर खेती को प्रोत्साहन दे रही है । इसके लिए कई कार्यक्रम चलाये जा रहे हैं और लोग इसे अपना रहे हैं । झूम कृषि के अधीन 87339 हेक्टेयर भूमि और सीढ़ीदार खेती के अधीन 62091 हेक्टेयर भूमि है। नागा अनेक दस्तकारियों में बड़े सिद्धहस्त हैं ।

छोटे और मध्यम दर्जे के उद्योगों में नागालैंड ने प्रशंसनीय तरक्की की है ।

बड़े उद्योग लगाने की योजनायें हैं — वैसे इस समय राज्य में 1 चीनी मिल, 1 कागज मिल और 1 प्लाईवुड कारखाना है। एक सीमेंट कारखाना बन रहा है ।

नए उद्योगों में प्लास्टिक की ढली हुई वस्तुएं, ह्यूम पाइप, पोलीथीन की बोरियों और रबर के चप्पल बनाने के उद्योग शामिल हैं

विश्वविद्यालयः एन.ई.एच.यू.– नार्थ ईस्ट हिल युनिवर्सिटी का कैम्पस कोहिमा में है। लुमामी में केंद्रीय विश्वविद्यालय की स्थापना का विधेयक पारित हो चुका है।

राज्यपालः श्यामलाल दत्त

मुख्य मंत्रीः नेफियु रियो

पंजाब

क्षेत्रफलः 50,362 वर्ग कि.मी.; **राजधानीः** चंडीगढ़; **भाषाः** पंजाबी; **जिलेः** 17; **जनसंख्याः** 24,289,296; **पुरुषः** 12,963,362; **महिलाएंः** 11,325,934; **वृद्धि दर (1991–2001):** 19.76%; **जनसंख्या घनत्वः** 482; **शहरी जनसंख्याः** 33.95%; **लिंगानुपात (महिलाएं प्रति हजार पुरुष):** 874; **साक्षरताः** 69.95%; **पुरुषः** 75.63%; **महिलाएंः** 63.55%; **प्रति व्यक्ति आयः** 7081 रु।

भू-आकृतिः पंजाब राज्य के पश्चिम में पाकिस्तान, उत्तर में जम्मू व कश्मीर, पूर्वोत्तर में हिमाचल प्रदेश और दक्षिण में हरियाणा व राजस्थान हैं। भौतिक दृष्टि से इस राज्य को दो भागों में बांटा जा सकता है – शिवालिक तराई की पट्टी और सतलज – घग्गर का मैदान ।

इतिहासः पंजाब शब्द फारसी के दो शब्दों 'पंज' और 'आब' के योग से बना है । 'पंज' का अर्थ है पांच और 'आब' का अर्थ है पानी ।

भारत में आर्यों के आगमन के समय से पंजाब का
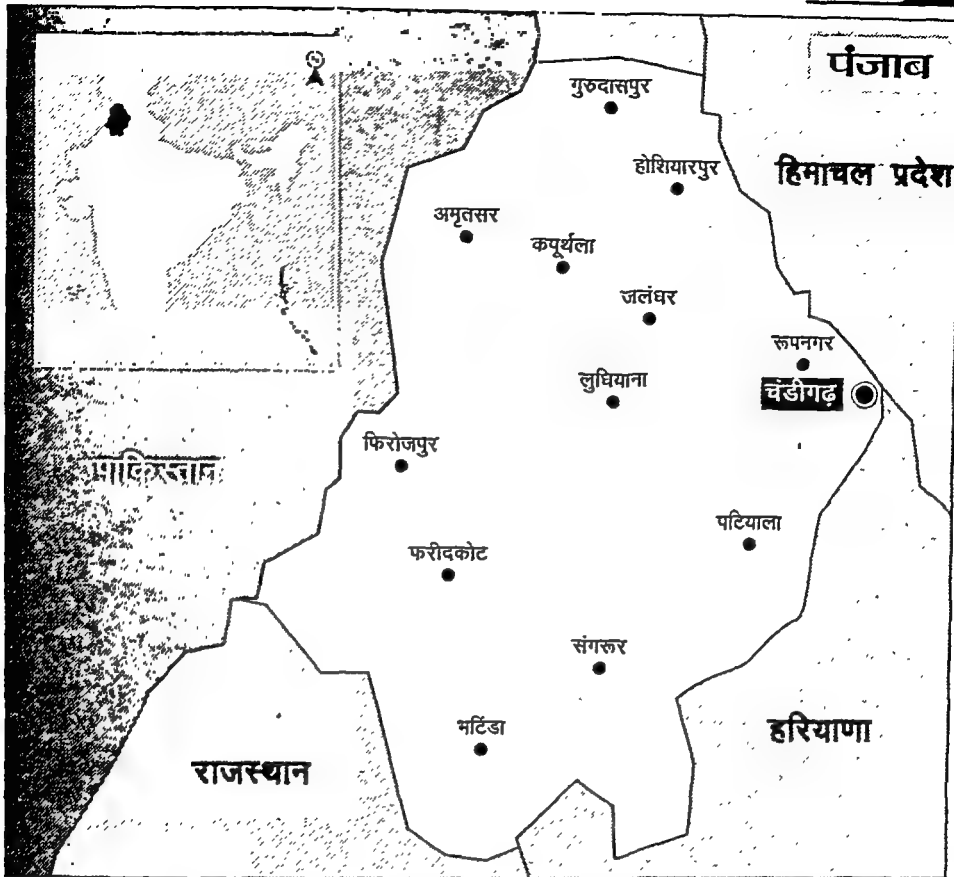
इतिहास मिलता है। प्रारंभिक वैदिक काल में आर्य पंजाब और उसके आस पास के क्षेत्र में बस गये। ई.पू. 522 में फारस के शासक डेरियस ने पंजाब के आस पास के इलाके को जीत लिया और उसे फारस का एक अधीनस्थ भाग बना लिया। ई.पू. 326 में सिकंदर महान ने पंजाब पर आक्रमण किया कुछ समय तक मेसीडोनिया के गवर्नरों ने पंजाब पर नियंत्रण रखा, किंतु बाद में चंद्रगुप्त मौर्य ने उन्हें हरा कर इस प्रदेश पर कब्जा कर लिया। मौर्य साम्राज्य के पतन के बाद उत्तर–पश्चिमी भारत पर पहले सीथियनों ने, उसके बाद पार्थियनों ने और उसके बाद कुषाणों ने कब्जा किया ।

इन सबके बाद पंजाब पर भारतीय शासकों का अधिकार रहा । दसवीं शताब्दी से भारत पर मुसलमानों के आक्रमण शुरू हो गए। इस श्रृंखला में अंतिम आक्रमण मुगल साम्राज्य के संस्थापक बाबर का था।

मुगल साम्राज्य के पतन के बाद दो और मुस्लिम आक्रमण भारत पर हुये – 1738 में नादिरशाह का आक्रमण और 1748, 1750 और 1761 में अहमदशाह अब्दाली के आक्रमण ।

पंजाबी–भाषी पंजाब राज्य के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करने वाले सिक्ख धर्म का उदय 15वीं. और 16वीं. शताब्दी में धार्मिक पुनर्जागरण काल में हुआ।

गुरु नानक ने एक नए धर्म के रूप में सिक्ख धर्म की स्थापना की। उनके बाद नौ गुरू हुए ।इस समय उत्तरी भारत में जो लिपियां प्रचलित थीं, उन्हें मिलाकर गुरु अंगद ने गुरुमुखी लिपि का निमार्ण किया । गुरु रामदास ने अमृतसर शहर बसाया। गुरु अर्जुन देव ने आदि ग्रंथ का संकलन किया। गुरु गोविंदसिह ने सिक्खों को सैनिक शिक्षा देना शुरु किया ।

1937 में पंजाब को भारत का एक पृथक, प्रांत बनाया गया था। भारत के विभाजन के समय पंजाब को भारत और पाकिस्तान के बीच विभाजित कर दिया गया । 1 नवंबर, 1956 को पंजाब के आस पास की रियासतों को पंजाब में मिला दिया गया। 1 नवंबर, 1966 को पंजाब को तीन इकाइयों में बांट दिया गया – पंजाब, जिसमें पंजाबी भाषी इलाके शामिल थे, हरियाणा, जिसमें हिंदी भाषी जिले और खरड़ तहसील सम्मिलित थे और चंड़ीगढ़, जि... ूनी

बनाया गया। पहाड़ी इलाके हिमाचल प्रदेश में मिला दिये गये।

प्रशासन: राज्य के विधान मंडल में केवल विधान सभा है। राज्य 17 जिलों में विभाजित है ।

जिले

जिला	क्षेत्रफल (वर्ग कि.मी.)	जनसंख्या (2001)	मुख्यालय
अमृतसर	5,075	3,074,207	अमृतसर
भटिंडा	3,377	1,181,236	भटिंडा
फरीदकोट	1,472	552,466	फरीदकोट
फतेहगढ़ साहिब	1,180	539,751	फतेहगढ़ साहिब
फिरोजपुर	5,865	1,744,753	फिरोजपुर
गुरुदासपुर	3,570	2,096,889	गुरदासपुर
होशियारपुर	3,310	1,478,045	होशियारपुर
जलंधर	2,658	1,953,508	जलंधर
कपूर्थला	1,646	752,287	कपूर्थला
लुधियाना	3,744	3,030,352	लुधियाना
मानसा	2,174	688,630	मानस
मोगा	1,672	886,313	मोगा
मुक्तसर	2,596	776,702	मुक्तसर
नवांशहर	1,258	586,637	नवांशहर
पटियाला	3,627	1,839,056	पटियाला
संगरूर	5,021	1,998,464	संगरूर
रूपनगर	2,117	1,110,000	रूपनगर

पंजाब मुख्यत: एक कृषि प्रधान राज्य है और इस राज्य की अर्थ व्यवस्था में कृषि का सर्वाधिक महत्व है। राज्य के लगभग 70 प्रतिशत लोग कृषि के काम से जुड़े हुए हैं। इस के [illegible]5 प्रतिशत क्षेत्र में खेती होती है ।

[illegible] 1993 तक छोटे पैमाने के 1,80,000 [illegible]। इन कारखानों में में 6,36,000 व्यक्तियों को [illegible] मिला हुआ है। 410 बड़े उद्योग भी लगे हैं जिनमें ,62,000 लोगों को रोजगार मिला हुआ है ।

इस राज्य के प्रमुख औद्योगिक उत्पादन हैं – कपड़े, सिलाई मशीनें, खेल के सामान, चीनी, स्टार्च उर्वरक, [illegible], वैज्ञानिक उपकरण, बिजली के सामान, मशीनें, औजार और चीड़ का तेल ।

पंजाब में प्रति वर्ष 5133 एम.टी. दूध का उत्पादन होता है जो कि देश के कुल दूध उत्पादन का 10% है। यहां प्रति व्यक्ति दूध की खपत देश में सबसे अधिक है। पंजाब में प्रति व्यक्ति अंडो की उपलब्धता (90) भी देश में सबसे अधिक है

विश्वविद्यालय: गुरु नानक विश्वविद्यालय, अमृतसर; पंजाब कृषि विश्वविद्यालय, लुधियाना; पंजाब टेक्निकल युनिवर्सिटी, जलंधर; पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला; थापर इंस्टीट्यूट आफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नालोजी, पटियाला।

पर्यटक केंद्र: पंजाब में अनेक पर्यटक केंद्र एवं सांस्कृतिक स्थल हैं। रोपड़ सिंधु घाटी सभ्यता का एक केंद्र है। अमृतसर में स्वर्ण मंदिर है। यह सिक्खों का तीर्थस्थल है। आनंदपुर साहिब, यहा पर गुरु गोविंद सिंह ने खालसा पंथ की शुरुवात की थी। दमादमा साहेब प्रसिद्ध बैसाखी पर्व के लिये विख्यात है। भटिंडा का प्राचीन किला, कपूरथला के वास्तुकला के स्मारक, बागों का शहर पटियाला और राजधानी चंडीगढ़, जिसकी योजना फ्रांसीसी वास्तुकार ली कोर्बूज़ियर ने तैयार की थी, इस राज्य के महत्वपूर्ण पर्यटक स्थान हैं ।

राज्यपाल: न्यायमूर्ति (अवकाश प्राप्त) ओमप्रकाश वर्मा

मुख्य मंत्री: कैप्टेन अमरिंदर सिंह (कांग्रेस आई)।

पश्चिम बंगाल

क्षेत्रफल: 88,752 वर्ग कि.मी.; **राजधानी:** कोलकाता; **भाषा:** बंगाली; **जिले:** 18; **जनसंख्या:** 80,221,171; **पुरुष:** 41,487,694; **महिलाएं:** 38,733,477; **वृद्धि दर(1991–2001):** 17.84%; **जनसंख्या घनत्व:** 904; **शहरी जनसंख्या:** 28.03%; **लिंगानुपात (महिलाएं प्रति हजार पुरुष):** 934; **साक्षरता:** 69.22%; **पुरुष:** 77.58%; **महिलाएं:** 60.22%; **प्रति व्यक्ति आय:** 3963 रु।

पश्चिम बंगाल भारत के पूर्व में वह संकरा प्रदेश है, जो उत्तर में हिमालय से लेकर दक्षिण में बंगाल की खाड़ी तक फैला हुआ है। इस राज्य के उत्तर में सिक्किम और भूटान, पूर्व में असम और बंगलादेश, दक्षिण में बंगाल की खाड़ी और पश्चिम में उड़ीसा, बिहार और नेपाल हैं ।

भू–आकृति: पश्चिम बंगाल में दो प्राकृतिक भाग हैं । (1) उत्तरी हिमालयन भाग, जिसमें दार्जिलिंग, जलपाईगुड़ी और कूच–बिहार जिले हैं और (2) उपजाऊ मैदान, जो उत्तरी हिमालयन भाग के दक्षिण में है। सबसे उत्तर में दार्जिलिंग जिला है, जिसकी ऊंचाई समुद्रतल से 3658 मीटर है। जलपाईगुड़ी और कूच–बिहार के जिले अपेक्षाकृत निचले भाग में है, और इनमें तीव्रगति से बहने वाली तीस्ता, तोरसा और जलढाका नदियां हैं। दक्षिण भाग घनी जनसंख्या वाला चावल के खेतों का समतल मैदान है। यह विशाल उर्वर मैदान कई बड़ी नदियों से बना है – जिनमें मुख्य है – भागीरथी और उसकी सहायक नदियां अर्थात् मयूराक्षी, दामोदर, कांगसाबाती और रूप नारायण। भागीरथी, जिसे निचले हिस्से में हुगली कहा जाता है, गंगा की एक शाखा है और कलकत्ता को समुद्र से जोड़ती है ।

संपूर्ण राज्य भारी वर्षा वाले क्षेत्र में है। दक्षिणी–पश्चिमी भाग में 1006 मिलीमीटर से लेकर उत्तरी भाग में 2933 मिलीमीटर तक वर्षा होती है। किंतु राज्य की राजधानी में सामान्य वर्षा 1605 मिलीमीटर होती है ।

इतिहास: पुराना बंगाल (पश्चिम बंगाल इसका एक भाग है) जिसे प्राचीन संस्कृत साहित्य में गौड़ या बंग कहा जाता है, महाकाव्य काल से चला आ रहा था ।

तीसरी शताब्दी में बंगाल मौर्य साम्राज्य का अंग और चौथी से छठी शताब्दी तक यह गुप्तवंशी शासक के अधीन रहा। लगभग 800 ई. तक बंगाल में पाल के स्वाधीन शासकों का राज्य था। अपने उत्कर्ष काल में पालों का राजनयिक संबंध इंडोनेशिया के शासक श्री विजय के साथ था। 11वीं शताब्दी में बंगाल में सेन वंश की स्थापना हो गई। सेन शासकों को, जिनकी राजधानी नदिया थी, दिल्ली के सुल्तान कुतुबुद्दीन

ने हरा कर बंगाल से भगा दिया और इस प्रकार बंगाल दिल्ली सल्तनत का हिस्सा बन गया। अंतिम महत्वपूर्ण मुगल शासक औरंगजेब की मृत्यु के बाद बंगाल के गवर्नर सिराजुद्दौला ने अपने को स्वाधीन घोषित कर दिया । सिराजुद्दौला बंगाल का अंतिम स्वाधीन मुस्लिम शासक था और 1757 में प्लासी की लड़ाई में उसे अंग्रेजों के हाथों पराजय का सामना करना पड़ा। सात वर्षों तक बंगाल पर अंग्रेजों और सिराजुद्दौला के उत्तराधिकारियों, मीर जाफर और मीर कासिम का दोहरा नियंत्रण रहा। 1764 में बक्सर की लड़ाई में मीर कासिम की हार हो गई और अंग्रेजों ने बंगाल पर कब्जा कर लिया।

1905 में लार्ड कर्जन ने बंगाल को दो प्रांतों में विभाजित कर दिया। पुराने बंगाल में से असम एवं पूर्वी बंगाल नाम का एक प्रांत अलग बना दिया गया और उसकी राजधानी ढाका प्रांत अलग बना दी गई ।

जब 1947 में भारत स्वाधीन हुआ, तो बंगाल दो भागों में बंट गया – एक भाग भारत में रहा और दूसरा पाकिस्तान में चला गया। पाकिस्तान में जो भाग गया, उसे पूर्वी बंगाल नाम दिया गया, जो भाग भारत में रह गया, उसे पश्चिमी बंगाल नाम दिया गया ।1950 में कूच–विहार रियासत को पश्चिम बंगाल में मिला दिया गया। 2 अक्टूबर, 1954 को भूतपूर्व
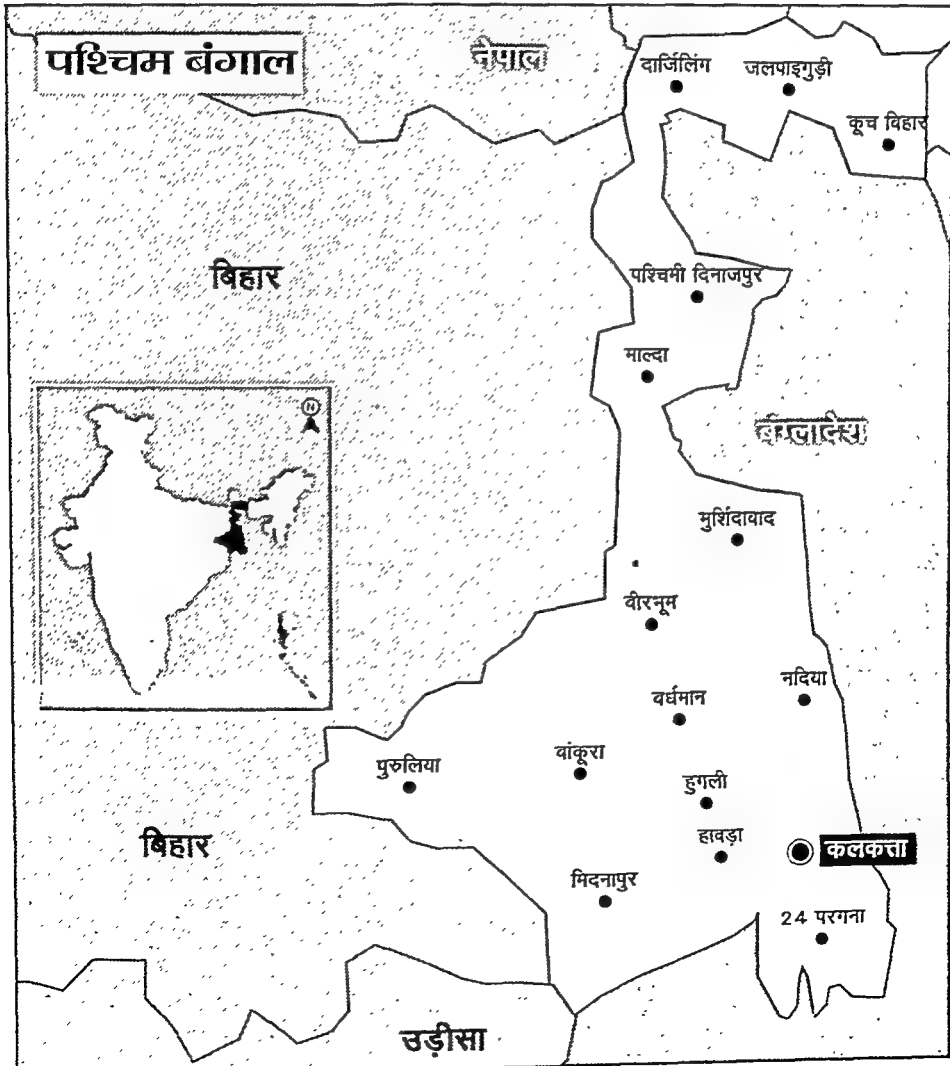
फ्रांसीसी बस्ती चंद्रनगर को पश्चिम बंगाल में सम्मिलित कर दिया गया । राज्यों के पुनगर्ठन की योजना के फलस्वरूप विहार के कुछ हिस्से पश्चिम बंगाल में जोड़ दिये गये ।

प्रशासन: इस राज्य के विधान मंडल में केवल एक सदन विधान सभा है। राज्य 18 जिलों में संगठित है ।

जिले

जिला	क्षेत्रफल (वर्ग कि.मी.)	जनसंख्या (2001)	मुख्यालय
बांकुरा	6,882	3,191,822	बांकुरा
बीरभूम	4,545	3,012,546	सूरी
बर्दमान	7,024	6,919,698	बर्दमान
कोलकाता	18,733	4,580,544	कोलकाता
कूच विहार	3,387	2,478,280	कूच विहार
दार्जिलिंग	3,149	1,605,900	दार्जिलिंग
हुगली	3,149	5,040,047	चिनसुरा
हावड़ा	1,467	4,274,010	हावड़ा
जलपाईगुड़ी	6,227	3,403,204	जलपाईगुडी
माल्दा	3,733	3,290,160	माल्दा
मिदनापुर	14,081	9,638,473	मिदनापुर
मुर्शिदाबाद	5,324	5,863,717	बरहमपुर
नदिया	3,927	4,603,756	कृष्णगोर
पुरुलिया	6,259.	2,535,233	पुरुलिया
उत्तरी 24 परगना	14,052	8,930,295	अलीपुर
दक्षि.24 परगना	–	6,909,015	बारासाट
उत्तर दीनाजपुर	3,180	2,441,824	रायगंज
दक्षिण दीनाजपुर	2,183	1,502,647	बालुरघाट

पश्चिमी बंगाल का स्थान देश में चावल के उत्पादन में और खाद्यान्नों के उत्पादन में चौथा है । चावल इस एक प्रमुख फसल है । 1999–00 के आकडों [illegible] 13,759.7 हजार टन चावल। का उत्पादन [illegible]आ। राज्य में जूट का उत्पादन देश के कुल उत्पादन का 66.5% होता है।

नकदी फसलों में जूट, मेस्ट और चाय प्रमुख हैं । पश्चिमी बंगाल में देश के कुल उत्पादन का 60.4 प्रतिशत जूट और मेस्ट, 24.2 प्रतिशत चाय और 21.5 प्रतिशत आलू पैदा होता है ।

राज्य में कोयले का उत्पादन थोड़ा बढ़ा । 1984 में 19203.0 हजार टन से बढ़कर 1985 में 19360.0 हजार टन हो गया ।

पश्चिम बंगाल भारत का प्रमुख औद्योगिक राज्य है । यहां पर 11416 पंजीकृत उद्योग (1995) हैं । इसमें रक्षा उद्योग सम्मिलित नहीं हैं। मार्च 1995 तक पंजीकृत लघु उद्योगों की संख्या 453,831 थी । दुर्गापुर एवं बर्दमान में इस्पात संयत्र हैं ।

प्रमुख उद्योगों में इंजीनियरिंग, आटोमोबाइल, रसायन, औषधियां, एल्यूमिनियम, सिरैमिक्स, जूट, कपास, कपड़े चाय, कागज़, चमड़ा, बोनमील, साइकिल, डेयरी, पाल्ट्री एवं लकड़ी के हैं। केंद्र नियंत्रित सार्वजनिक उपक्रमों में इंजन, केवल, उर्वरक, शिपिंग और रक्षा संबधित है । राज्य नियंत्रित सार्वजनिक उपक्रमों में, चाय, चीनी, रसायन, फायटो केमिक्लस, एग्रोटेक्सटाइल्स, शुगर बीट, फल एवं सब्जी संवधीन और इलेक्ट्रोमेडिक्ल हैं

विश्वविद्यालय: बंगाल इंजीनियरिंग कालेज, हावड़ा; विधानचंद्र कृषि विश्वविद्यालय, मोहनपुर; युनिवर्सिटी आफ बर्दवान; युनिवर्सिटी आफ कलकत्ता; इंडियन इंस्टीट्यूट आफ टेक्नालोजी, खड़गपुर; इंडियन स्टैस्टिकल इंस्टीट्यूट, कलकत्ता; जादवपुर विश्वविद्यालय, कलकत्ता; युनिवर्सिटी आफ कल्याणी; नेताजी सुभाष खुला विश्वविद्यालय, कलकत्ता; युनिवर्सिटी आफ नार्थ बंगाल, दार्जिलिंग; रबींद्र भारती विश्वविद्यालय, कलकत्ता; विश्वभारती; शांतिनिकेतन; विद्यासागर विश्वविद्यालय, मिदनापुर; वेस्ट बंगाल युनिवर्सिटी आफ एनिमल एंड फिशरीज, कलकत्ता।

पर्यटक केंद्र: 1912 तक कलकत्ता भारत की राजधानी था। अब कलकत्ता भारत के पूर्वोत्तर के राज्यों की वाणिज्यिक राजधानी है। यह नगर जूट, चाय, चमड़ा व खाल, कोयला और लाख जैसे उद्योगों का महत्वपूर्ण केंद्र है। रोचक स्थान हैं – विक्टोरिया मेमोरियल (चित्र वीर्घा और संग्रहालय), भारतीय संग्रहालय, चिड़ियाघर, जैन मंदिर, कालीघाट मंदिर, बेलवेडेर हाउस (मूलत: यह कलकत्ते में ब्रिटिश वायसराय के ठहरने का स्थान था और अब इसे नेशनल लाइब्रेरी बना दिया गया है) राजभवन (राज्य के गवर्नर का निवास स्थान), मार्बल पैलेस, ईडन गार्डन, डलहौजी स्क्वायर (अब इसका नाम विनय– बादल–दिनेश बाग है), दक्षिणेश्वर मंदिर और हावड़ा पुल।

कलकत्ते की ट्यूब या मेट्रो रेलवे एशिया में अपने ढंग की पहली रेलवे है ।

दार्जिलिंग हिमालय की ढाल पर है और भारत का एक विख्यात हिल स्टेशन है। यह कलकत्ता से 592 कि.मी. उत्तर में है । रोचक स्थान हैं – गवर्नमेंट हाउस, टाउन हाल, संग्रहालय, वेधशाला पहाड़ी, बोटानिकल गार्डन, बर्ट हिल पार्क, टाइगर हिल, सेचल झील और धूम मठ–विहार ।

शांति निकेतन (जिला: बीरभूम) में, जो कलकत्ता से 145 कि.मी. दूर है, स्वर्गीय रवींद्र नाथ टैगोर द्वारा स्थापित विख्यात विश्व भारती विश्वविद्यालय है ।

सबसे अधिक लोकप्रिय समुद्रतटीय वीर्घा मिदनापुर जिले में है। यह कलकत्ते से 243 कि.मी. दूर है और सड़क से जुड़ा हुआ है ।

24 परगना जिले में सुंदर वन है, जो संसार के डेल्टाई वनों में सबसे बड़ा है ।

राज्यपाल: वीरेन जे. शाह

मुख्य मंत्री: बुधदेव भट्टाचार्या (सी.पी.एम.)

मणिपुर

क्षेत्रफल: 22,327 वर्ग कि.मी.; **राजधानी:** इम्फाल; **भाषा:** मणिपुरी; **जिले:** 9; **जनसंख्या:** 2,388,634; **पुरुष:** 1,207,338; **महिलाएं:** 1,181,296; **वृद्धि**

दर (1991–2001): 30.02%; **जनसंख्या घनत्व:** 107; **शहरी जनसंख्या:** 23.88%; **लिंगानुपात (महिलाएं प्रति हजार पुरुष):** 978; **साक्षरता:** 68.87%; **पुरुष:** 77.87%; **महिलाएं:** 59.70%; **प्रति व्यक्ति आय:** 3502 रु।

मणिपुर 1956 में एक संघ शासित प्रदेश बना और 1972 में उसे पूर्ण राज्य का दर्जा प्राप्त हो गया ।

मणिपुर के उत्तर में नागालैंड, दक्षिण में मिज़ोरम, पूर्व में ऊपरी बर्मा और पश्चिम में असम का कछरा जिला है ।

इतिहास: प्राचीन काल से ही मणिपुर का इतिहास बड़ा परिवर्तनशील और गौरवपूर्ण रहा है। 1891 में मणिपुर एक रियासत के रूप में ब्रिटिश सरकार के अधीन आया। मणिपुर गठन अधिनियम 1947 के अधीन यहां एक लोकतंत्रात्मक सरकार की स्थापना हुई जिसका कार्यकारी प्रमुख महाराजा था और वयस्क मताधिकार के आधार पर निर्मित एक विधान सभा स्थापित की गई ।

उसके बाद शासन चीफ कमिश्नर के प्रांत के रूप में चलता रहा और 26 जनवरी 1950 से भारत के संविधान के अधीन इसके भाग 'ग' राज्य बना दिया गया। 1950–51 में यहां परामर्शदायी किस्म की लोकप्रिय सरकार स्थापित की गई ।1957 में उसे हटाकर इसके स्थान पर एक क्षेत्रीय परिषद बनाई गई, जिसमें 30 निर्वाचित और 20 नामजद सदस्य थे। उसके बाद 1963 में 30 निर्वाचित और 3 नामजद सदस्यों वाली एक विधान सभा बनाई गई।

दिसंबर 1969 में इसे चीफ कमिश्नर के प्रांत के स्थान पर लेफ्टीनेंट गवर्नर का प्रांत बना दिया गया ।21 जनवरी, 1972 को मणिपुरी को पूर्ण राज्य का दर्जा प्रदान किया गया।

प्रशासन: 1983 में मणिपुर को 9 जिलों में गठित किया गया। जिले के नाम ही जिले के मुख्यालय हैं ।

जिले

जिला	क्षेत्रफल (वर्ग कि.मी.)	जनसंख्या (2001)
पूर्वी इम्फाल	1,228	393,780
प. इम्फाल	–	439,532
बिष्णुपुर	496	205,907
थौबल	514	366,341
ऊखरूल	4,544	140,946
सेनापति	3,271	379,214
तमेंगलांग	4,391	111,493
चौराचांदपुर	4,570	228,707
चंदेल	3,313	122,714

मणिपुर राज्य की मुख्य फसल धान है। तराई के इलाकों में मक्का बोई जाती है। कुल 22,327 वर्ग कि.मी. क्षेत्र में से केवल लगभग 2.1 लाख हेक्टेयर में ही कृषि हो पाती है। 1.86 लाख हेक्टेयर में धान की खेती होती है जिसमें से 1.10 लाख हेक्टेयर क्षेत्र घाटी में है । मणिपुर का सबसे बड़ा उद्योग हथकरघा है। राज्य में लगभग 3 लाख तकुए हैं और इस क्षेत्र में कम–से–कम 3 लाख लोग काम करते हैं ।1974 में लगाई गई मणिपुर स्पिनिंग मिल में 16,416 तकुए हो गए हैं ।

वाघल में 60 टन प्रतिशत उत्पादन क्षमता वाले खंडसारी चीनी कारखाने में उत्पादन शुरू हो गया है ।

टी.वी. संयोजन का एक कारखाना और साइकिल संयोजन का एक कारखाना पूरा–पूरा उत्पादन कर रहे हैं। 1987 में एक यंत्रीकृत रंगाई कारखाना भी चालू किया गया है ।

राज्य में छोटे उद्योगों के 5970 कारखाने हैं जिनमें 23,800 लोग काम करते हैं ।

रेशम कीट पालन: मणिपुर पहला राज्य है, जिसने ओक टसर उद्योग शुरू किया है। पहाड़ी इलाके में 75 टसर फार्म हैं । 1500 आदिवासी परिवार (या 1500 व्यक्ति) लगभग 300 लाख टसर कोरा तैयार करते हैं जिनका मूल्य 30 लाख रु. होता है। इसके अतिरिक्त घाटी क्षेत्र में 100 से अधिक अनुसूचित जाति के परिवार परंपरगत तरीके से रेशम के कीड़े पालने का काम करते हैं और चर्खी, तकली व
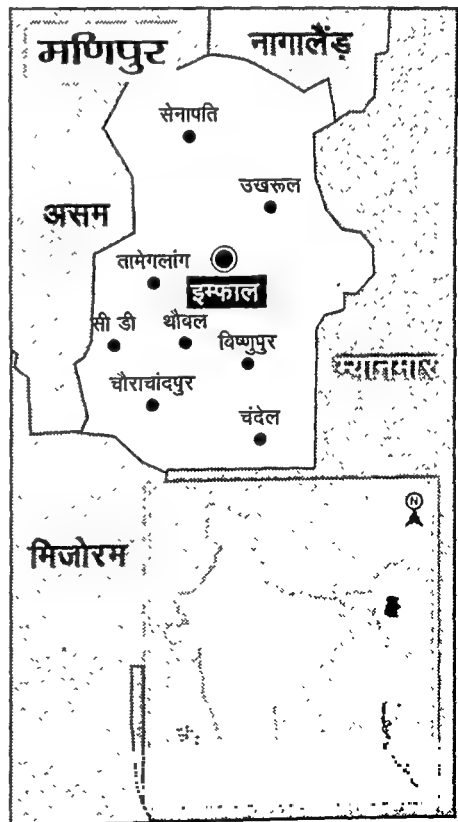
हथकरघे का इस्तेमाल करके प्रतिवर्ष 45,000 कि.ग्राम कच्चा रेशम तैयार करते है ।

विश्वविद्यालय: केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय, इम्फाल; मणिपुर विश्वविद्यालय, इम्फाल।

पर्यटन केंद्र: राज्य की राजधानी और सभी सांस्कृतिक व वाणिज्यिक गतिविधियों का केंद इम्फाल गोविंदाज मंदिर, महिलाओं द्वारा चलाया जाने वाला बाजार आदि राज्य के महत्वपूर्ण केंद है। इनके अलावा, 1467 में विष्णुपुर में बना विष्णु मंदिर, पूर्वी भारत में ताजे पानी की सबसे बड़ी झील लोकटक झील, संसार का एकमात्र तैरता हुआ राष्ट्रीय उद्यान, कीबुल लामजाओ और खेगमपट में आर्किड उद्यान आदि भी काफी सुंदर स्थल हैं ।

राज्यपाल: अरविंद दवे

मुख्य मंत्री: ओकराम बाबी सिंह (कांग्रेस आई)

महाराष्ट्र

क्षेत्रफल: 307,690 वर्ग कि.मी.; **राजधानी:** मुंबई; **भाषा:** मराठी; **जिले:** 35; **जनसंख्या:** 96,752,247; **पुरुष:** 50,334,270; **महिलाएं:** 46,417,977; **वृद्धि दर (1991–2001):** 22.57; **जनसंख्या घनत्व:** 314; **शहरी जनसंख्या:** 42.40%; **लिंगानुपात (महिलाएं प्रति हजार पुरुष):** 922; **साक्षरता:** 77.27%; **पुरुष:** 86.27%; **महिलाएं:** 67.51%; **प्रति व्यक्ति आय:** 6184 रु।

महाराष्ट्र क्षेत्रफल और जनसंख्या दोनों दृष्टियों से भारत का तीसरे नंबर का सबसे बड़ा राज्य है। इस राज्य के पश्चिम में अरब सागर, उत्तर–पश्चिम में गुजरात, उत्तर में मध्य प्रदेश, दक्षिण पूर्व में आंध्र प्रदेश और दक्षिण में कर्नाटक और हैं।

अरब सागर तट का तटीय मैदानी भाग कहलाता है। यह लगभग 720 कि.मी. लंबा और एक–से–अधिक 80 कि.मी. चौड़ा है। इस तटीय मैदान धान के खेत और नारियल के बाग हैं । समुद्रतट के सह्याद्रि या पश्चिमी घाट की श्रृंखलायें कोंकण के पूर्व में हैं। सह्याद्रि के पूर्व में पठारी भाग है ।

सह्याद्रि से निकल कर पठारी प्राय: द्वीप में बहने वाली प्रमुख नदियों के नाम हैं – गोदावरी, भीमा और कृष्णा । ये नदियां बंगाल की खाड़ी में गिरती हैं। प्रायद्वीप का यह भाग बहुत उर्वर है और इसमें कपास, तिलहनों और गन्ने की बढ़िया खेती होती है। इस राज्य के अलग–अलग भागों में अलग–अलग मात्रा में वर्षा होती है। सह्याद्रि के पश्चिम की ओर के क्षेत्र में, रायगढ़ और रत्नागिरि व सिंधुदुर्ग जिलों में भारी वर्षा होती है। औसत वर्षा 200 से.मी. वार्षिक।

इतिहास: ऐतिहासिक दृष्टि से महाराष्ट्र के तीन विभाग हैं – पश्चिमी महाराष्ट्र, विदर्भ और मराठवाड़ा। इनमें विदर्भ ऐतिहासिक दृष्टि से बहुत प्राचीन है। संपूर्ण महाराष्ट्र का उल्लेख मौर्यकाल में मिलता है। उस समय यह मौर्य साम्राज्य का अंग बन चुका था। मौर्यों के पतन के बाद लगभग एक हजार वर्ष तक महाराष्ट्र पर कई हिंदू राजवंशों का शासन रहा । शिवाजी के उदय के बाद महाराष्ट्र ने इतिहास के एक नए चरण में प्रवेश किया। शिवाजी ने मराठों को एक शक्तिशाली राष्ट्र के रूप में संगठित किया। शिवाजी के बाद पेशवाओं ने मराठा साम्राज्य का विस्तार उत्तर में ग्वालियर से लेकर दक्षिण में तंजौर तक किया । 1761 में पानीपत की लड़ाई में मराठा शक्ति को अफगान शासक अहमद शाह अब्दाली ने पराजित कर दिया स्वतंत्र भारत में बंबई प्रांत में महाराष्ट्र और गुजरात सम्मिलित थे। यह द्विभाषी राज्य का एक प्रयोग था – एक प्रांत में दो भाषायी इकाइयां सम्मिलित थीं। लेकिन यह प्रयोग सफल नहीं हो पाया। बंबई पुनर्गठन ऐक्ट 1960 के अधीन 1 मई, 1960 को महाराष्ट्र और गुजरात को दो पृथक राज्यों में बांट दिया गया – पुराने बंबई राज्य की राजधानी (बंबई शहर) नये महाराष्ट्र राज्य की राजधानी बन गया ।

प्रशासन: इस राज्य के विधान मंडल में दो सदन हैं – विधान सभा और विधान परिषद। राज्य में निम्नलिखित जिले हैं ।

जिले

जिला	क्षेत्रफल (वर्ग कि.मी.)	जनसंख्या (2001)	मुख्यालय
अहमदनगर	17,048	4,088,077	अहमदनगर
अकोला	5,429	1,629,305	अकोला
अमरावती	12,210	2,606,063	अमरावती
औरंगाबाद	10,107	2,920,548	औरंगाबाद
भंडारा	9,321	1,135,835	भंडारा
बिड	10,693	2,159,841	बिड
ग्रेटर मुंबई	69	3,326,837	मुंबई
मुम्बई सबर्न	534	8,587,561	बांद्रापूर्व
बुल्डाना	9,661	2,226,328	बुल्डाना
चंद्रपुर	11,443	2,077,909	चंद्रपुर
गंडचिरोली	14,412	969,960	गंडचिरोली
जलगांव	11,765	3,679,936	जलगांव
जालना	7,818	1,612,357	जालना
कोल्हापुर	7,685	3,515,413	कोल्हापुर
लातुर	7,157	2,078,237	लातुर
नागपुर	9,892	4,051,444	नागपुर
नांदेड	10,528	2,868,158	नांदेड
नासिक	15,530	4,987,923	नासिक
थाने	9,558	8,128,833	थाने
रायगढ	7,152	2,205,972	अलीबाग
रत्नगिरी	8,208	1,696,482	रत्नगिरि
सिंधुदुर्ग	5,207	861,672	कुदालं
नंदुरबार	5,055	1,309,135	नंदुरबार
पुणे	15,643	7,224,224	पुणे
सतारा	10,480	2,796,906	सतारा
सांगली	8,572	2,581,835	सांगली
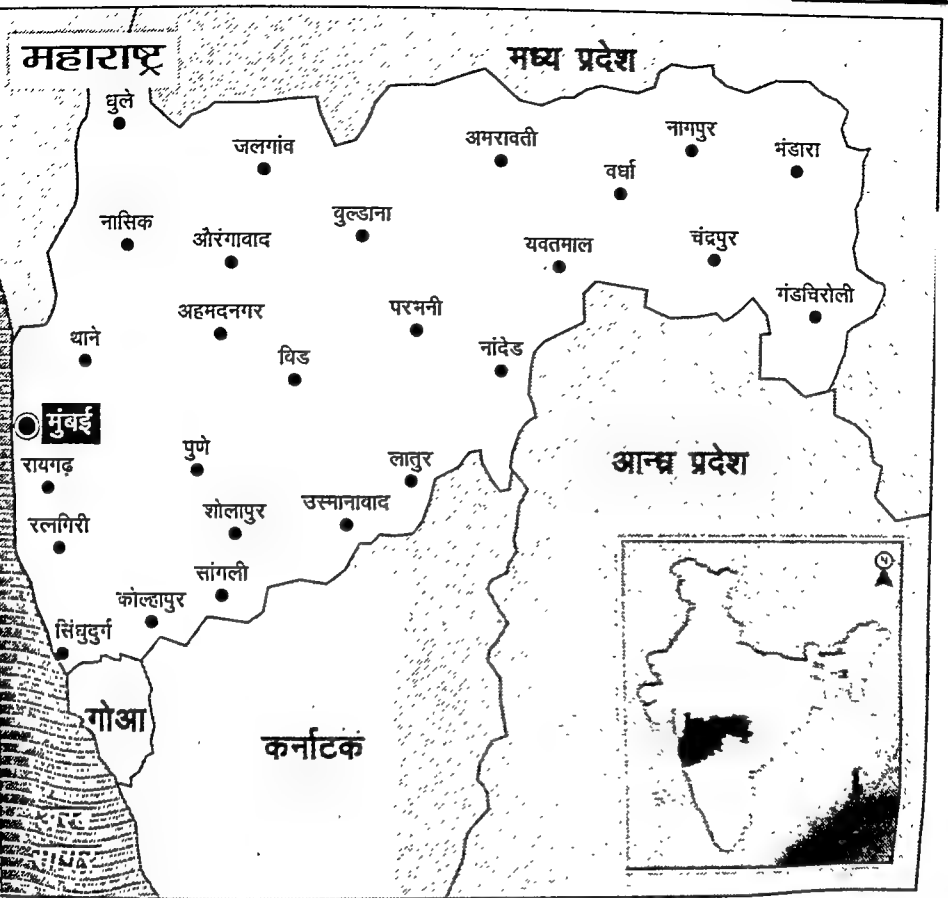
शोलापुर	14,895	3,855,383	शोलापुर
परभनी	11,041	1,491,109	परभनी
उस्मानावाद	7,569	1,472,256	उस्मानावाद
यवतमाल	13,582	2,460,482	यवतमाल
वर्धा	6,309	1,230,640	वर्धा
वाशिम	5,155	1,019,725	वाशिम
धुले	13,150	1,708,993	धुले
गोंडिया	–	1,200,151	गोंडिया
हिंगोली	–	986,717	हिंगोली

महाराष्ट्र में लगभग 70 प्रतिशत जनता कृषि पर निर्भर है। कुल कृषि भूमि में से लगभग 12.22 प्रतिशत भूमि में सिंचाई की व्यवस्था है। मुख्य खाद्यान्न फसलें हैं – गेहूं, चावल, ज्वार, वाजरा और दालें। महत्वपूर्ण नकदी फसलें हैं – कपास, गन्ना, मूंगफली और तंवाकू ।

यद्यपि महाराष्ट्र में देश की कुल जनसंख्या की केवल 9.2 प्रतिशत जनसंख्या है किंतु इस राज्य में देश के कुल औद्योगिक कारखानों के [illegible] 11 प्रतिशत कारखाने हैं, 17 प्रतिशत से भी [illegible] कामगार काम करते हैं, [illegible] कुल पूंजी की लगभग 15 प्रतिशत पूंजी [illegible] है ।

महाराष्ट्र के औद्योगिक उत्पादन में जो [illegible] योगदान करते हैं, उनके नाम हैं – रसायन [illegible] उत्पाद, कपड़े, बिजली की मशीनें तथा [illegible] और इससे जुडे हुये उत्पादन । [illegible] सामान, मशीनी औजार, [illegible] और [illegible] का सामान । [illegible]

विश्वविद्यालयः अमरावती विश्वविद्यालय, अमरावती; भारतीय विद्यापीठ, पुणे; सेंट्रल इंस्टीट्यूट आफ फिशरीज एजुकेशन, मुंबई; डेक्कन कालेज पोस्ट ग्रेजुएट एंड रिसर्च इंस्टीट्यूट, पुणे; डा. बाबा साहेब अम्बेदकर मराठवाड़ा विश्वविद्यालय, औरंगाबाद; डा.बाबा साहेब अम्बेदकर टेक्नालोजी वर्सिटी, लोनेरे; डा. पंजाबराओ कृषि विद्यापीठ, अकोला; गोखले इंस्टीट्यूट आफ पालिटिक्स एंड इकोनोमी, पुणे; इंडियन इंस्टीट्यूट आफ टेक्नालोजी, मुंबई; इंदिरा गांधी इंस्टूट्यूट आफ डेवलपमेंट रिसर्च, मुंबई; इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट आफ पापुलेशन साइंसेज, मुंबई; कविकुल गुरु कालिदास संस्कृत विश्वविद्यालय, रामटेक; कोकंण कृषि विद्यापीठ, दपोली; एम.जी. अंतर्राष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा; महात्मा फुले कृषि विद्यापीठ, राहुरी; मराठवाड़ा कृषि विद्यापीठ, पर्भनी, युनिवर्सिटी आफ बांबे, मुंबई; नागपुर विश्वविद्यालय, नागपुर; नार्थ महाराष्ट्र विश्वविद्यालय, जलगांव; युनिवर्सिटी आफ पुणे; शिवाजी विश्वविद्यालय कोल्हापुर; एस.एन.डी.टी. वीमेन्स युनिवर्सिटी, मुंबई; स्वामी रामानंद तीर्थ मराठवाड़ा विश्वविद्यालय, नांदेद; टाटा इंस्टीट्यूट आफ सोशल साइंसेज, मुंबई; तिलक महाराष्ट्र विद्यापीठ, पुणे; यशपंतराव चव्हाण महाराष्ट्र खुला विश्वविद्यालय, नासिक; एशिया का पहला खेल विश्वविद्यालय का पुणे में जनवरी 96 में उद्घाटन किया गया। और इसी वर्ष मेडिकल युनिवर्सिटी को नासिक में जून महीने में शुरु किया गया।

पर्यटक केंद्रः इस राज्य में कुछ महत्वपूर्ण पर्यटक केंद्र हैं – अजंता, एलौरा, एलीफेंटा, कन्हेरी और कार्ले की गुफायें, मुख्य पर्वतीय स्थान हैं – महाबलेश्वरम माथेरान और पंचाग्नि, धार्मिक स्थान हैं – पंढरपुर, नासिक, शिरडी, ...नाथ नांदेड़ और गणपति पुले ।

मोहम्मद फज़ल

: मंत्रीः सुशील कुमार शिंदे (कांग्रेस आई)

क्षेत्रफलः 20,987 वर्ग कि.मी.; **राजधानीः** एजल; **भाषायेंः** मिजो और अंग्रेजी; **जिलेः** 8; **जनसंख्याः** 891,058; **पुरुषः** 459,783; **महिलाएंः** 431,275; **वृद्धि दर** (1991–2001): 29.18%; **जनसंख्या घनत्वः** 42; **शहरी जनसंख्याः** 49.50%; **लिंगानुपात** (महिलाएं प्रति हजार पुरुष): 938; **साक्षरताः** 88.49%; **पुरुषः** 90.69%; **महिलाएंः** 86.13%; **प्रति व्यक्ति आयः** 5,910 रु।

स्थानीय भाषा में 'मिज़ोरम' का अर्थ मिजो भूमि है ।मिज़ो शब्द का अर्थ है 'पहाड़ वासी' । ब्रिटिश प्रशासन में मिज़ोरम का नाम लुशाई पहाड़ी जिला था। 1954 में संसद द्वारा पास किये गये अधिनियम के आधार पर इसका नाम मिजो पहाड़ी जिला रखा गया। 1972 में जब इस प्रदेश को संघ शासित प्रदेश बनाया गया, तो इसका नाम मिज़ोरम रखा गया।

भू-आकृतिः मिज़ोरम भारत के पूर्वोत्तर कोने में स्थित है। इसके उत्तर में कछार जिला (असम) और मणिपुर राज्य, पूर्व और दक्षिण में चीन पहाड़ियां और अराकान (बर्मा), और पश्चिम में बंगलादेश की चटगांव पहाड़ी पट्टी व त्रिपुरा राज्य हैं ।

केंद्र सरकार और मिजो नेशनल फ्रंट को बीच शांति समझौते के बाद तिरपनवें संविधान संशोधन अधिनियम के साथ मिजोरम 20 फरवरी 1987 को भारत संघ का 23-वां राज्य बन गया। ऊपरी क्षेत्रों में जलवायु सुखद होती है; गर्मी में ठंडक होती है और जाड़ों में अधिक सर्दी नहीं पड़ती। मई से सितंबर तक औसत वर्षा 254 से.मी. होती है ।

इतिहासः मिजो लोग मंगोलियन नस्ल के हैं। लगता है कि शुरू में मिजो लोग बर्मा में शान राज्य में बसे ।

ब्रिटिश शासन काल में मिज़ो लोग ब्रिटिश प्रदेशों, यहां तक कि सुरक्षित स्थानों पर भी, आक्रमण करते थे ।अतः ब्रिटिश सेना ने मिज़ो लोगों के खिलाफ कार्यवाही आरंभ की और उनके इलाके पर कब्जा कर लिया ।1891 में इस इलाके को ब्रिटिश भारत में मिला लिया गया ।

देश के आजाद होने पर मिजोरम असम का एक जिला बना रहा। अधिकारियों ने मिज़ोरम की उपेक्षा की है, इस
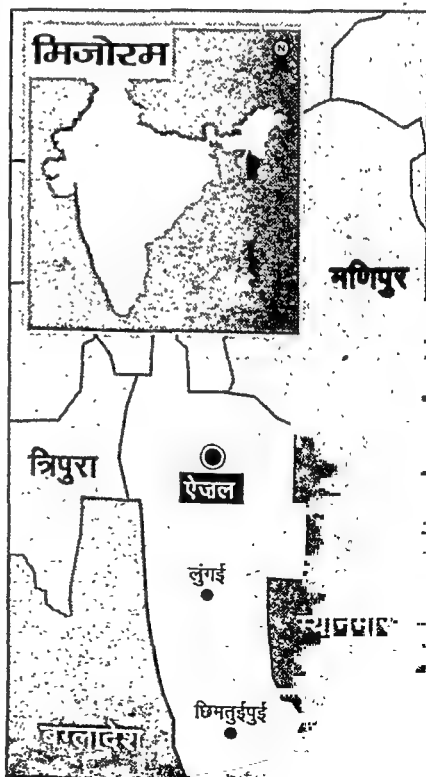
रांव पर 1966 में आंदोलन शुरू कर दिया गया। ...जोरम को अशांत क्षेत्र घोषित कर दिया गया। सशस्त्र ...नायें (विशेष शक्तियां) अधिनियम भी लागू कर दिया गया। ...0 जून 1986 को भारत सरकार और मिज़ो नेशनल ... के बीच मिज़ोरम शांति समझौता हो गया।

मिज़ो लोगों के अनेक कबीले हैं – लुशाई, पवई, पैय, ...ल्से, पैंग, हमार, कुकी, मारा, लाखे आदि। 19 वीं ...में मिज़ो लोग इसाई धर्म प्रचारकों के प्रभाव में आये ...र बहुत-से मिज़ो लोगों ने ईसाई धर्म स्वीकार कर लिया।

प्रशासन: मिज़ोरम में एक सदनवाला विधानमंडल है। ...धान सभा में 40 सीटें हैं। 8 जिले हैं, 9 प्रखंड 3 हिल्स जिला ...रिषद, 23 शहर, 31 पुलिस स्टेशन और 681 गांव हैं।

...ले

...ला	क्षेत्रफल (वर्ग कि.मी.)	जनसंख्या (2001)	मुख्यालय
...ज़ल	12,581	339,812	एंज़ल
...गई	4536	137,155	लुंगई
...म्मतितुपुई	3957	60,823	साइहा
...ावंग्टलाई	2,557.10	73,050	लावंग्टलाइ
...	3,185.85	101,389	चमफाई
...ोलासिब	1,282.51	60,977	कोलासिब
...ामिट	3,025.75	62,313	मामिट
...र्किप	1,421.60	55,539	सर्किप

मिज़ोरम में एक मात्र उद्यान कृषि है। यह राज्य अपनी ...ना रेशे वाली अदरक के लिए विख्यात है। अन्य ...यापारिक फसलें जैसे सरसों, तिल, आलू आदि भी ...गायी जाती है।

सबसे प्रमुख खाद्यान्न फसल धान है। दूसरे नंबर पर ...क्का है। पहाड़ियों की ढाल पर इनकी खेती होती है। ...1999-00 में धान की फसल का कुल क्षेत्र 62,452 ...क्टेयर था। कृषि उपज बढ़ाने के रास्ते में एक बड़ी बाधा ...सिंचाई सुविधाओं का अभाव है। मिजोरम में केवल 2885.30 ...क्टेयर क्षेत्र में सिंचाई होती है।

मिजोरम में कोई बड़ा उद्योग नहीं है। इस इलाके की ...मुख औद्योगिक गतिविधियां हथकरघा और दस्तकारी ...। एक इंजीनियरिंग कारखाने ने बिनौले अलग करने ...और कपास को बुनने की एक मशीन को डिजाइन तैयार ...की है।

चार किस्म रेशम का तैयार होता है – शहतूत के पत्तों ...का रेशम, एरी रेशम, टसर रेशम और मूगा रेशम।

अन्य उद्योग है – अदरक के पेय, तेल, फल परिरक्षण, ...हथकरघा और इनके अलावा बिस्कुट-डबल रोटी, छापाखाना, ...आरा मशीन, ईंटें बनाना, साबुन बनाना जैसे अन्य छोटे पैमाने ...के और कुटीर उद्योग हैं

विश्वविद्यालय: एन.ई.एच.यू. नार्थ ईस्टर्न हिल्स युनिवर्सिटी ...का कैम्पस आयजवाल में है।

राज्यपाल: ए.आर. कोहली

मुख्य मंत्री: जोराम थंगा (मिजो नेशनल फ्रंट)

मेघालय

क्षेत्रफल: 22,429 वर्ग कि.मी.; **राजधानी:** शिलांग; **भाषायें:** खासी, गारो और अंग्रेजी; **जिले:** 7; **जनसंख्या:** 2,306,069; **पुरुष:** 1,167,840; **महिलाएं:** 1,138,229; **वृद्धि दर (1991–2001):** 29.94; **जनसंख्या घनत्व:** 103; **शहरी जनसंख्या:** 19.63%; **लिंगानुपात (महिलाएं प्रति हजार पुरुष):** 975; **साक्षरता:** 63.31%; **पुरुष:** 66.14%; **महिलाएं:** 60.41%; **प्रति व्यक्ति आय:** 3250 रु।

एक स्वायत्तशासी ईकाई के रूप में मेघालय 2 अप्रैल, 1970 को अस्तित्व में आया। 21 जनवरी 1972 को इसे भारत संघ के एक राज्य का दर्जा प्रदान किया गया।

भू-आकृति: यह एक पहाड़ी राज्य है और इसके निवासी खासी, जयंतिया और गारो हैं। इसकी राजधानी शिलांग एक ऊंचे पठार के केंद्र में स्थित है। इस राज्य की सबसे ऊंची पर्वत चोटी शिलांग चोटी 1965 फीट ऊंची है। दूसरे नंबर की सबसे ऊंची चोटी नोकरेक है, जो गारो हिल्स जिले में है।

इस क्षेत्र की नदियां – कृष्णाई (उमरिंग), कालु (जीरा), भुगई (बुगी), निटाई (दरेंग) और सोमेश्वरी (सिमसांग) गारो हिल्स जिले में होकर बहती हैं; किंशी, खरि, उमत्रेउ, उमगांट, उमियाम, माफलंग और उमियाम ख्वान खासी हिल्स जिले में होकर और कुप्ली, मिंटडु और मिनताग जयंतिया हिल्स जिले में होकर बहती हैं। इस राज्य में वार्षिक वर्षा 1200 मिलीमीटर होती है।

प्रशासन: मेघालय पूर्वोत्तर परिषद में सम्मिलित राज्यों में से एक राज्य है। यहां एक सदन वाला विधान मंडल है। विधान सभा में 60 सदस्य हैं। 29 सदस्य खासी हिल्स, 7 जयंतिया हिल्स और 24 गारो हिल्स से निर्वाचित होते हैं।

जिले
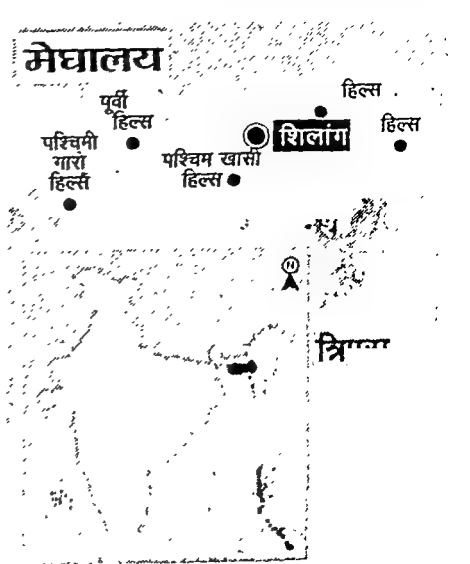
जिला	क्षेत्रफल (वर्ग कि.मी.)	जनसंख्या (2001)	मुख्यालय
पूर्वी खासी हिल्स	5196	660,994	शिलांग
पश्चिमी खासी हिल्स	5,247	294,115	नांगेस्टीन
पूर्वी गारो हिल्स	2,603	247,555	विलियमनगर
पश्चिमी गारो हिल्स	3,714	515,813	तुरा
जयंतिया हिल्स	3,819	295,692	जोवइ
रि भोई	2,448	192,795	नौंगपोह
दक्षिण गारो हिल्स	1,850	99,105	वाघमारा

अधिकांश लोग अपनी जीविका के लिए भूमि पर निर्भर है। राज्य सरकार ने स्थायी खेती के लिए उपयुक्त भूमि पर लोगों को वसाने की एक योजना शुरू की है। राज्य के भू-संरक्षण विभाग की पुनर्वास योजना में, जिसे झूम नियंत्रण योजना कहते हैं, गांव के लोगों को अच्छी भूमि और साथ ही उर्वरक, वीज, सिंचाई सुविधा आदि देने का कार्यक्रम है।

इस राज्य में उद्योग अभी विकसित नहीं है। किंतु मेघालय औद्योगिक विकास निगम द्वारा या उसकी सहायता से स्थापित औद्योगिक कारखाने तेजी से बढ़ते जा रहे हैं। मेघालय प्लाईवुड लिमिटेड, एसोशियेटेड वीवरेज (प्राइवेट लि.) मेघालय एसेन्शल एंड केमिकल लि., मेघालय फाइटो केमिकल्स लि., कोमोराह लाइमस्टोन माइनिंग लि., मेघालय टावर्स एंड ट्रसेज लि. और यूनियन काल्सनेट्स लिमिटेड। चेरापूंजी में स्थापित सरकारी क्षेत्र का सीमेंट कारखाने है

विश्वविद्यालयः एन.ई.एच.यू. नार्थ ईस्टर्न हिल्स युनिवर्सिटी, शिलांग।

पर्यटन केंद्रः मेघालय पर्यटकों के स्वप्नों को साकार करने वाला प्रदेश है। इस प्रदेश के आकर्षण वड़े भव्य और [illegible]। यह भव्य सौंदर्य, ऊंची-नीची पहाड़ियों, लहरियादार के मैदानों, सोपानी प्रपातों, सर्पिल नदियों, सीढ़ीदार [illegible] और रोमांचक वन्य जीवों का प्रदेश है।

कुछ महत्वपूर्ण पर्यटक केंद्र ये है – (1) शिलांग-गौहाटी सड़क के किनारे उनियम झील (2) शिलांग से लगभग 55 किलो मीटर पश्चिम की ओर क्यलांग राक (3) चेरापूंजी के निकट मस्मई में नोहन्स्थियांग झरने का, जो वंगलादेश के धुंधले नीले मैदानों के ऊपर झांकता-सा लगता है। मस्मई की गुफाये। (4) शिलांग से लगभग 90 कि.मी. की दूरी पर नरतियांग है, जहां अनेक अखंडित शिला स्तंभ है। इनका निर्माण 1500 ई. से 1835 ई. के वीच नरतियांग के निवासियों ने किया था।

राज्यपालः एम.एम. जेकव

मुख्य मंत्रीः डी.डी. लापांग

राजस्थान

क्षेत्रफलः 342,239 वर्ग कि.मी.; **राजधानीः** जयपुर; **भाषायेंः** हिन्दी, राजस्थानी; **जिलेः** 32; **जनसंख्याः** 56,473,122; **पुरुषः** 29,381,657; 27,091,465; **वृद्धि दर** (1991-20[illegible]) 28.33%; **जनसंख्या घनत्वः** 165; **शहरी** [illegible] 23.38%; **लिंगानुपात** (महिलाएं प्रति हजार) 922; **साक्षरताः** 61.03%; **पुरुषः** 76.46%; 44.34%; **प्रति व्यक्ति आयः** 2923 रु।

राजस्थान भारत का एक सीमावर्ती राज्य है। पश्चिमी और उत्तर-पश्चिमी सीमा पाकिस्तान की साथ मिली हुई है। इसके उत्तर में पंजाब, पूर्वोत्तर में हरियाणा और उत्तर प्रदेश हैं; दक्षिण और दक्षिण मध्य प्रदेश है और दक्षिण-पश्चिम में गुजरात है।

भू-आकृतिः राजस्थान भारत के उन थोड़े से रा[illegible] से एक है, जिनके विभिन्न भागों में वड़ा अंतर [illegible] मिट्टी, वनस्पति, खनिज संसाधनों आदि के संवंध में है। राज्य को छः खंडों में वांटा जा सकता है: (1) पश्चिम सूखा प्रदेश, (2) अर्द्ध-सूखा प्रदेश,(3) दक्षिण-पू[illegible] प्रदेश, (4) चंवल की घाटी, (5) अरावली प्रदेश और (6) पूर्वी प्रदेश।

पश्चिम के सूखे प्रदेश में जैसलमेर जिला, वीकानेर और जोधपुर का उत्तरी-पश्चिमी भाग, वीकानेर का दक्षिणी-पू[illegible] भाग, चुरु का दक्षिणी-पश्चिमी भाग और नागौर का पश्चि[illegible] भाग सम्मिलित है। इस प्रदेश में ठेठ रेगिस्तान जैसी स्थि[illegible] है। अर्द्ध-सूखा प्रदेश अरावली श्रृंखलाओं के पश्चिम में है और इसमें जालोर जिला, पाली जिला, जोधपुर का दक्षि[illegible] पूर्वी भाग और नागौर, सीकर, झुंझनू और चुरू का पूर्वी भाग सम्मिलित हैं इस क्षेत्र के दक्षिणी भाग में लूनी नदी बहती है जब कि उत्तरी भाग में जल का अभाव है।

राजस्थान नहर (इंदिरा गांधी नहर) इस क्षेत्र के उत्तर-पश्चिमी भाग से होकर निकलती है, से गंगानगर जिले में और वीकानेर जिले के उत्तरी-पश्चिमी भाग में सिंचाई होती है।

अरावली प्रदेश में लगभग संपूर्ण उदयपुर, पाली और सिरोही का दक्षिणी-पूर्वी भाग और डूंगरपुर जिले का पश्चिमी भाग सम्मिलित है।

पूर्वी प्रदेश में जयपुर, अजमेर, सवाई माधोपुर, भीलवाड़ा वूंदी, अलवर, भरतपुर जिले और कोटा जिले का उत्तरी-पश्चिमी भाग सम्मिलित है। इस प्रदेश में वनास और उसकी सहायक नदियां वहती हैं। इसमें सबसे अधिक उद्योग है, जो मुख्यतः जयपुर, अजमेर, कोटा, भीलवाड़ा और शाहपुरा में स्थित हैं। दक्षिणी-पूर्वी प्रदेश में वांसवाड़ा, चित्तौड़गढ़, झालावाड़ और कोटा जिले सम्मिलित हैं। कोटा-झालावाड़ क्षेत्र में ऊंची पथरीली भूमि है लेकिन कोटा में चंवल नदी और उसकी सहायक नदियों की उर्वर घाटी है।

इतिहासः राजस्थान राज्य मुख्यतः राजस्थान की पुरानी रियासतों को मिला कर वनाया गया है। वर्तमान रूप धारण करने में उस राज्य को आठ वर्ष का समय लगा। इस राज्य के निर्माण की दिशा में पहला कदम 17 मार्च 1948 को उठाया गया था। उस समय चार रियासतों – अलवर, भरतपुर, धौलपुर और करौली को मिला कर मत्स्य संघ वनाया गया। दूसरा कदम तव उठाया गया जव 9 राज्यों – वांसवाड़ा, वूंदी, डूंगरपुर, झालावाड़, किशनगढ, कोटा,

प्रतापगढ़, शाहपुरा और टोंक की रियासतों को मिला कर 25 मार्च, 1948 को राजस्थान राज्य का निर्माण हुआ। उदयपुर रियासत इस राज्य में 18 अप्रैल, 1948 को सम्मिलित हुई।

1949 में दो और महत्वपूर्ण कदम उठाये गये: पहला कदम 30 मार्च, 1949 को उठाया गया और चार बड़ी रियासतों – वीकानेर, जयपुर और जैसलमेर को राजस्थान में शामिल कर दिया गया और दूसरा कदम 25 अप्रैल, 1949 को उठाया गया जब मत्स्य संघ को इस राज्य में सम्मिलित किया गया। रियासतों के इस संघ का विशाल राजस्थान संघ नाम दिया गया। 25 जनवरी, 1950 को इस संघ में सिरोही राज्य मिला दिया गया। अंत में 1 नवंबर, 1956 को अजमेर, आबू तहसील और सुनेल टप्पा का इलाका विशाल राजस्थान में विलीन हो गया और इस राज्य का नाम राजस्थान रखा गया।

प्रशासन: इस राज्य के विधान मंडल में केवल विधान सभा है।

जिले

जिला	क्षेत्रफल (वर्ग कि.मी.)	जनसंख्या (2001)	मुख्यालय
अजमेर	8,481	2,180,526	अजमेर
अलवर	8,380	2,990,862	अलवर
वांसवाड़ा	5,037	1,500,420	वांसवाड़ा
वाड़मेर	28,387	1,963,758	वाड़मेर
भरतपुर	5,066	2,098,323	भरतपुर
भीलवाड़ा	10,455	2,009,516	भीलवाड़ा
वीकानेर	27,244	1,673,562	वीकानेर
बूंदी	5,550	961,269	बूंदी
चित्तौड़गढ़	10,856	1,802,656	चित्तौड़गढ़
चुरू	16,830	1,922,908	चुरू
डूंगरपुर	3,770	1,107,037	डूंगरपुर
गंगानगर	20,634	1,788,487	गंगानगर
जयपुर	14,068	5,252,388	जयपुर

जैसलमेर	38,401	507,999	जैसलमेर
जालोर	10,640	1,448,486	जालोर
झालावाड़	6,219	1,180,342	झालावाड़
झुंझनू	5,928	1,913,099	झुंझनू
जोधपुर	22,850	2,880,777	जोधपुर
कोटा	12,436	1,568,580	कोटा
नागौर	17,718	2,773,894	नागौर
पाली	12,387	1,819,201	पाली
सवाई माधोपुर	10,527	1,116,031	सवाई माधोपुर
सीकर	7,732	2,287,229	सीकर
सिरोही	5,136	850,756	सिरोही
टोंक	7,194	1,211,343	टोंक
उदयपुर	17,279	2,632,210	उदयपुर
धौलपुर	3,084	982,815	धौलपुर
बारां	6,955	1,022,568	बारां
दौसा	2,950	1,316,790	दौसा
हनुमानगढ़	12690	1,517,390	हनुमानगढ़
राजसमंद	4,684	986,269	राजसमंद
कैरोली	5014	1,205,631	कैरोली

इस राज्य की मुख्य फसलें हैं – ज्वार, बाजरा, मक्का, गेहूं, चना, तिलहन, कपास, गन्ना और तंबाकू। इस राज्य के प्रमुख उद्योग हैं – कपड़े, कंबल और ऊनी कपड़े, चीनी, सीमेंट, शीशा, सोडियम, आक्सीजन और एसीटिलीन के कारखाने, कीटनाशक औषधियां और रंग। अन्य उपक्रम ये हैं – कास्टिक सोडा, कैल्शियम कार्बाइड, नाइलोन टायर और तांबा पिघलाने का कारखाना।

राजस्थान की दस्तकारी की वस्तुएं सारे संसार में विख्यात हैं। महत्वपूर्ण दस्तकारी वस्तुएं हैं – संगमरमर पत्थर की वस्तुएं, ऊनी कालीन, आभूषण, कढ़ाई की वस्तुएं, चमड़े की वस्तुएं, मिट्टी के बर्तन और तांबे पर उभरी [illegible] का काम।

विश्वविद्यालय: वनस्थली विद्यापीठ; बिड़ला इंस्टीट्यूट आफ टेक्नालोजी एंड साइंस, पिलानी; जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर; जैन विश्वभारती इंस्टीट्यूट, लादनुन; कोटा खुला विश्वविद्यालय; महर्षि दयानंद सरस्वती विश्वविद्यालय, अजमेर; मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर; राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय बीकानेर; युनिवर्सिटी आफ राजस्थान, जयपुर; राजस्थान विद्यापीठ, उदयपुर;

उत्तर भारत में राजस्थान का अजमेर जिला पहला पूर्ण साक्षर जिला है।

पर्यटन केंद्र: राजस्थान में पर्यटकों के लिए अनेक आकर्षण है, विशेषतया प्राचीन एवं मध्यकालीन इमारतें। पर्यटक स्थल हैं – माउंट आबू, अजमेर, अलवर, भरतपुर, बीकानेर, जयपुर, जोधपुर, उदयपुर, पाली, जैसलमेर और चित्तौड़गढ़।

राज्यपाल: कैलाशपति मिश्रा (अतिरिक्त प्रभार)

मुख्य मंत्री: अशोक गहलोत (कांग्रेस आई.)

सिक्किम

क्षेत्रफल: 7,096 वर्ग कि.मी.; **राजधानी:** गंगटोक; **भाषायें:** लेपचा, भोटिया, हिन्दी, नेपाली, लिंबू; **जिले:** 4; **जनसंख्या:** 540,493; **पुरुष:** 288,217; **महिलाएं:** 252,276; **वृद्धि दर (1991–2001):** 32.98%; **जनसंख्या घनत्व:** 76; **शहरी जनसंख्या:** 11.10%; **लिंगानुपात (महिलाएं प्रति हजार पुरुष):** 875; **साक्षरता:** 69.68%; **पुरुष:** 76.73%; **महिलाएं:** 61.46%; **प्रति व्यक्ति आय:** 4396 रु।

भारत संघ का 22 वां राज्य सिक्किम पूर्वी हिमालय में स्थित एक छोटा–सा पहाड़ी राज्य है। उसके उत्तर में तिब्बत, पश्चिम में नेपाल, पूर्व में भूटान है और दक्षिण में पश्चिम बंगाल है।

सिक्किम संविधान (38 वें संशोधन) ऐक्ट 1975 के अधीन भारत संघ का एक राज्य बना। यह ऐक्ट भूतलक्षी प्रभाव से 26 अप्रैल, 1975 से जब इस संशोधन बिल को संसद की दोनों सभाओं ने पास किया था, लागू हुआ।

भू–आकृति: यह संपूर्ण राज्य पहाड़ी है। इस राज्य
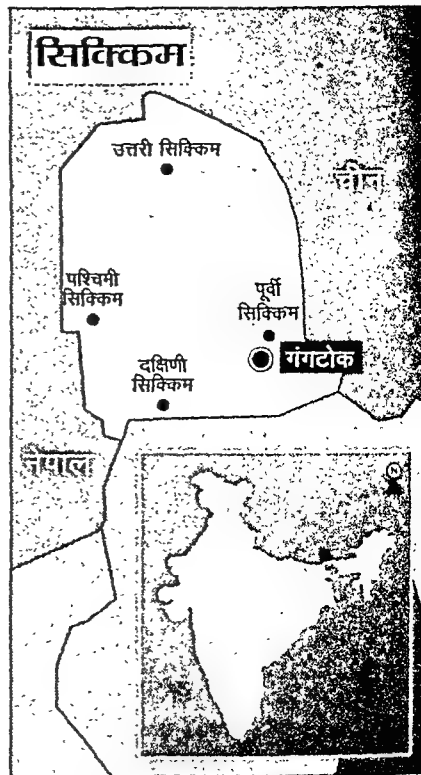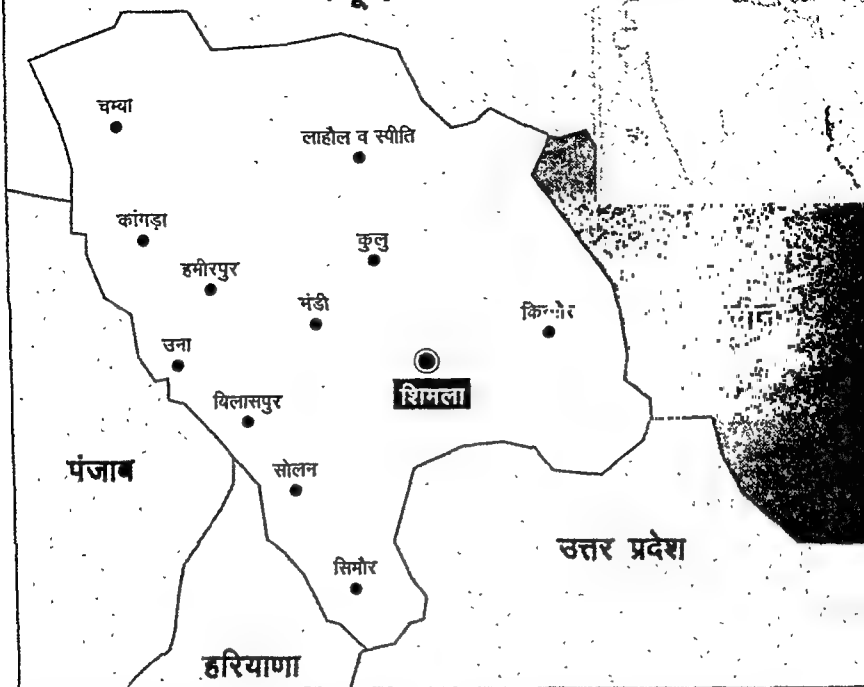
आलू, अदरक, सब्जियों के बीज, सेब, अष्टिफल आदि जैसी नकद व्यावसायिक फसलों को उगाने के लिए अधिक उपयुक्त है । यद्यपि इस राज्य में प्राकृतिक संसाधनों की प्रचुरता है और सस्ती जल विद्युत की बहुत उपलब्धता है, फिर भी यह भौगोलिक दृष्टि से पिछड़ा हुआ है । 1500 मेगावाट का नापथा आकरी जल विद्युत परियोजना से उपयुक्त विद्युत आपूर्ति की व्यवस्था हो जायेगी। यहां लगभग 20,000 लघु उद्योग हैं जिसमें 75,000 लोग कार्यरत् हैं। परवाणु में 400 करोड़ रु. की लागत से फलों को संसाधित करने का एक आधुनिक व बढ़िया कारखाना लगाया गया है ।

विभिन्न रियायतों और प्रोत्साहनों के फलस्वरूप औद्योगिकरण की गति में तेजी आई और बड़े तथा मध्यम दर्जे की 58 परियोजनाओं को मंजूरी दे दी गई। जैसे नाहन फाउंडरी, नाहन; रेज़िन और टर्पिनटाइन कारखाने नाहन और बिलासपुर में, मोहन मीकिन ब्रुवरीज़ सोलन; युनाइटेड डायमंड लिमिटेड, परवाणु । सभी जिलों में जिला उद्योग केंद्र काम कर रहे हैं । राज्य में इलेक्ट्रानिक्स विकास निगम स्थापित हो गया है और इलेक्ट्रानिक्स उद्योगों के केंद्र खोले जा रहे हैं ।

विश्वविद्यालयः डा. वाई.एस. परमार युनिवर्सिटी ऑफ हार्टीकल्चर एंड फारेस्ट्री, सोलन; हिमाचल प्रदेश कृषि विश्वविद्यालय, पालमपुर; हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय, शिमला।

पर्यटक केंद्रः हिमाचल प्रदेश में अनेक पर्वतीय स्थल (हिल स्टेशन) हैं, जो गर्मी में तरो–ताजा कर देते हैं । पर्यटक छुट्टियां मनाने जाते हैं और सुंदर दृश्यों का आनंद उठाते हैं। शिमला, डलहौज़ी, धर्मशाला, कुटलू, कसौली, सोलन, चैल और कुफ्री कुछ मशहूर पर्वतीय स्थल हैं।

हिमाचल प्रदेश वन्य जीवों की दृष्टि से भी बड़ा समृद्ध है। कुछ दुर्लभ किस्म के वन्य जीव हैं -- कस्तूरी हिरन, लंबे सींगों वाला जंगली बकरा, थार बकरी, हिमालय का भूरा भालू, साह आदि पशु और मोनल, ट्रैगोपैन, कोकियाश और स्नोकाक जैसे पक्षी। कटरेना, रोहरु और बरोत ट्राउट मछलियों के पकड़ने हेतु और मरगोया, कारगायु और ... माहशीर मछलियों के पकड़ने हेतु आदर्श स्थान हैं ।

राज्यपालः न्यायमूर्ति (अवकाश प्राप्त) वी.एस. कोकजे
मुख्य मंत्रीः वीरभद्र सिंह (कांग्रेस आई.)

संघ शासित प्रदेश

अंडमान और निकोबार

क्षेत्रफल: 8,249 वर्ग कि.मी.; **राजधानी:** पोर्टब्लेयर; **भाषायें:** बंगाली, हिन्दी, निकोबारी, तमिल, तेलगु और मलयालम; **जिले** : 2; **जनसंख्या:** 356,265; **पुरुष:** 192,985; **महिलाएं:** 163,280; **वृद्धि दर(1991–2001):** 26.94; **जनसंख्या घनत्व:** 43; **शहरी जनसंख्या:** 32.67%; **लिंगानुपात (महिलाएं प्रति हजार पुरुष):** 846; **साक्षरता:** 81.18%; **पुरुष:** 86.07%; **महिलाएं:** 75.29%; **प्रति व्यक्ति आय:** 6751 रु।

अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में 300 से अधिक द्वीप हैं। उनमें से अधिकांश (लगभग 265) में कोई आबादी नहीं है। यह द्वीप समूह बंगाल की खाड़ी में है ।

भू–आकृति: अंडमान और निकोबार द्वीप समूह महाद्वीपीय द्वीप हैं जो 6 और 14 अंश उत्तरी अक्षांश और 92 और 94 अंश पूर्वी देशांतर के बीच स्थित हैं । अंडमान और निकोबार द्वीप समूह के द्वीप दो समूहों में अर्थात् अंडमान और निकोबार में बंटे हुए हैं और दोनों 10 अंश अक्षांश पर एक जलधारा द्वारा पृथक हो गए हैं ।

अंडमान द्वीप समूह में सबसे उत्तर में लैंडफाल द्वीप है जो हुगली नदी के मुहाने से लगभग 900 कि.मी. और म्यानमार (बर्मा) से लगभग 190 कि.मी. की दूरी पर है । इसके नीचे अर्थात् दक्षिण की ओर तीन मुख्य द्वीप – उत्तरी अंडमान, मध्य अंडमान और दक्षिणी अंडमान हैं । इन तीनों के बीच उथला समुद्र है, जो इन्हें एक–दूसरे से पृथक् करता है । इस क्षेत्र को विशाल अंडमान कहते हैं । इससे दक्षिण की ओर पोर्टब्लेयर से लगभग 100 कि.मी. की दूरी पर लिटिल (लघु) अंडमान द्वीप हैं ।

अंडमान से दक्षिण की ओर 60 से 100 उत्तरी अक्षांश के बीच निकोबार द्वीप समूह है । इसके सबसे उत्तर में कार निकोबार द्वीप है । यह लिटिल (लघु) अंडमान से लगभग 120 कि.मी. दक्षिण में है। इसके सबसे दक्षिणी छोर के द्वीप ग्रेट निकोबार है । दोनों समूहों के सब द्वीपों का कुल क्षेत्रफल 8249 वर्ग.कि.मी. है। निकोबार द्वीप समूह के सब द्वीपों का कुल क्षेत्रफल 1953 वर्ग कि.मी. है ।

इतिहास: अंडमान और निकोबार द्वीप समूह का, जिन्हें खाड़ी द्वीप समूह भी कहा जाता है, 16 वीं शताब्दी में यूरोपीय शक्तियों के भारत और पूर्वी देशों में आगमन से पहले कोई ऐतिहासिक महत्व नहीं था।

सबसे पहले पुर्तगाली आये, किंतु वे इन द्वीपों में नहीं बल्कि ईस्ट इंडीज (पूर्वी द्वीप समूह) में दिलचस्पी रखते थे। उसके बाद डच (हालैंडवासी) आये और उन्होंने पुर्तगालियों को ईस्ट इंडीज से मार भगाया और इस प्रकार खाड़ी द्वीप समूह स्वतः ही उनके प्रभुत्व में आ गए। इसी बीच अंग्रेजों ने भारत मे अपना पैर जमा लिया था और अंग्रेजों की डचों के साथ अंडमान में और उसके आस–पास टक्कर हुई। थोड़े ही समय में अंग्रेजों ने डचों को मार भगाया और इन द्वीपों पर कब्जा कर लिया । 1857 में भारत में विद्रोह हुआ। ऐसे बहुत–से विद्रोही बंदी थे, जिनके लिए उस समय भारत की जेलों में स्थान नहीं था। अंडमान उनके लिए उचित स्थान माना गया। अनुमान है कि 1858 और 1860 के बीच 2000 से 4000 विद्रोही सिपाहियों को अंडमान भेजा
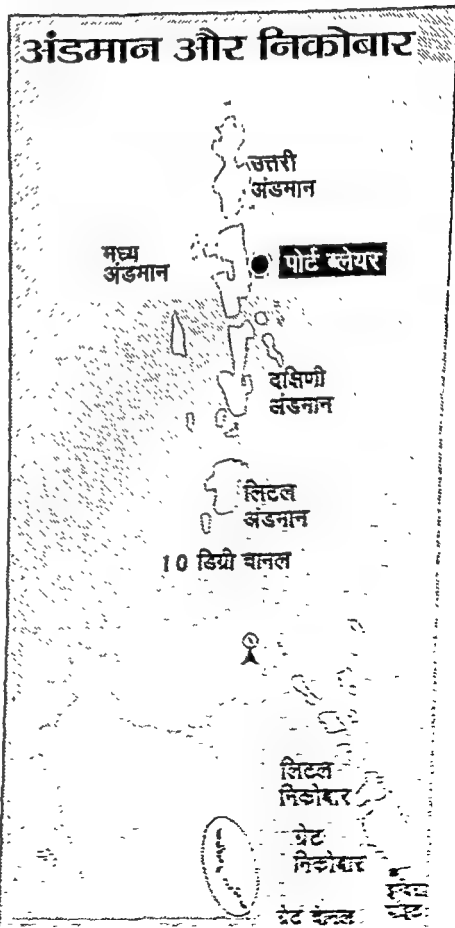
गया। उनमें से अनेकों की वड़ी दर्दनाक स्थिति में मृत्यु हो गई।

सेलुलर जेलः इसी वीच अंडमान में वंदियों को रखने की व्यवस्था में भारी परिवर्तन हो गया। शुरू में वंदियों को रात में वैरकों में वंद कर दिया जाता था। उसके स्थान पर अव सेलुलर जेल वन गई।

1935 के संवैधानिक सुधारों के कारण नीति में परिवर्तन आया। 1937 में वंदियों का पहला समूह अंडमान से वापस लौटा और जनवरी, 1938 तक सभी वंदी मुक्त कर दिये गए।

दूसरे विश्व युद्ध और उसके परिणामस्वरूप 1942–1945 तक इन द्वीपों पर जापान का कब्जा हो जाने से इन द्वीपों के निवासियों को विदेशी सैनिक कब्जे का अनुभव प्राप्त हुआ। 1945 में जापानी इन द्वीपों को छोड़कर चले गये। 15 अगस्त 1947 को ये द्वीप स्वतंत्र भारत के अंग के रूप में स्वाधीन हो गए। 1 नवंवर, 1956 को अंडमान और निकोवार द्वीप समूह को एक संघ शासित प्रदेश वना दिया गया और इसके प्रशासन का अधिकार भारत के राष्ट्रपति को सौंप दिया गया। स्थानीय प्रशासन का कार्यभार नवंवर 1982 से एक लेफ्टीनेंट गवर्नर को सौंप दिया गया जिसका मुख्यालय पोर्टव्लेयर में है।

प्रशासनः संपूर्ण संघ शासित प्रदेश 4 सव–डिवीजनों और 7 तहसीलों में विभाजित है :

क्षेत्रफल, सव–डिवीजन और तहसील

सव डिवीजन	सव डिवीजन में तहसीलें	क्षेत्रफल (वर्ग कि.मी.)
1. मायावंदर	1. दिग्लीपुर	884
	2. मायावंदर	1348
	3. रांगत	1098
2. दक्षिण अंडमान	1. पोर्टव्लेयर	
	2. फरारगंज	3010
3. कार निकोवार	कार निकोवार	129
4. ननकोवरी	ननकोवरी	1824

जिला	क्षेत्रफल (वर्ग कि.मी.)	जनसंख्या (2001)	मुख्यालय
अंडमान	6,408	314,239	पोर्ट व्लेयर
निकोवार	1,841	42,026	कार निकोवार

अर्थव्यवस्थाः कुल क्षेत्र के 7.130 वर्ग कि.मी क्षेत्र पर वना है। अंडमान और निकोवार द्वीप समूह की मुख्य फसलें हैं – चावल, नारियल और सुपारी। अन्य फसलें हैं – गन्ना, दालें, फल और सब्जियां।

उद्योग हैं – आरा मिलें, तेल मिलें, प्लाईवुड और दियासलाई। सरकार ने अनेक प्रशिक्षण उत्पादन केंद्र खोल दिये हैं।

पर्यटन केंद्रः सेलुलर जेल (जिसे राष्ट्रीय स्मारक घोषित कर दिया गया है), मानव विज्ञानीय संग्रहालय, माउंट हैरियट।

उपराज्यपालः एन. एन. झा।

चंडीगढ़

क्षेत्रफलः 114 वर्ग कि.मी.; **राजधानीः** चंडीगढ़; **भाषायेंः** हिन्दी, पंजावी; **जिलाः** 1; **जनसंख्याः** 900,914; **पुरुषः** 508,224; **महिलाएंः** 392,690; **वृद्धि दर (1991–2001):** 40.33%; **जनसंख्या घनत्वः** 7903; **शहरी जनसंख्याः** 89.78%; **लिंगानुपात (महिलाएं प्रति हजार पुरुष):** 773; **साक्षरताः** 81.76%; **पुरुषः** 85.65%; **महिलाएंः** 76.65%।

चंडीगढ़ 1966 में संघ शासित प्रदेश वना। पंजाव समझौते के अनुसार इसे पंजाव का भाग वनाया जायेगा। यह पंजाव और हरियाणा दोनों की राजधानी है और यहां दोनों के लिए उच्च न्यायालय और विश्वविद्यालय हैं।

चंड़ीगढ़ एक सुनियोजित आधुनिक शहर है, जिसकी योजना फ्रांसीसी वास्तुविद् ले कारव्युजियर ने तैयार की थी।

अर्थव्यवस्थाः इस क्षेत्र में 3,407 हेक्टेयर कृषि योग्य भूमि है। जिसमें 2740 हेक्टेयर भूमि पर सिंचाई सुविधायें उपलब्ध है। गेंहू, मक्का और धान यहां की मुख्य फसलें हैं। 27 प्रतिशत भूमि पर वन हैं।

यहां पर 14 बड़ी एवं मध्यम औद्योगिक इकाइयां हैं समें 2 सार्वजनिक उपक्रम हैं। 2000 इकाईयां लघु ोग के अंतर्गत पंजीकृत हैं।

भाखड़ा काम्पलेक्स के विद्युत उत्पादन का 3.5 तिशत चण्डीगढ़ को मिलता है ।

विश्वविद्यालयः पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़; पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टीट्यूट आफ मेडिकल एजुकेशन एंड रिसर्च, डीगढ़।

पर्यटन स्थलः रोज गार्डन, राक गार्डन, शांति कुंज ल, संग्रहालय, आर्ट गैलरी, कैपिटल काम्पलेक्स, और शनल गैलरी आफ पोर्ट्रेट्स ।

प्रशासकः ले. जनरल (अवकाश प्राप्त) ओम प्रकाश र्मा

दमन और दियु

क्षेत्रफलः 112 वर्ग कि.मी.; **राजधानीः** दमन; **भाषायें:** गुजराती, मराठी; **जिले :** 2; **जनसंख्याः** 158,059; **पुरुषः** 92,478; **महिलाएं:** 65,581; **वृद्धि दर (1991–2001):** 55.59%; **जनसंख्या घनत्वः** 1411; **शहरी जनसंख्याः** 36.26%; **लिंगानुपात (महिलाएं प्रति हजार पुरुष):** 709; **साक्षरताः** 81.09%; **पुरुषः** 88.40%; **महिलाएं:** 70.37%।

1987 में गोवा, दमन और दियु में से गोवा को पृथक करके उसे पूर्ण राज्य का दर्जा प्रदान कर दिया गया और दमन और दियु को संघ शासित प्रदेश रहने दिया गया । 1961 में पुर्तगालियों के कब्जे से आजाद होने के बाद से 1987 तक ये तीनों क्षेत्र एक राजनैतिक इकाई अर्थात् संघ शासित प्रदेश में संगठित रहे ।

भू–आकृतिः दमन गुजरात समुद्र तट पर है जबकि दियु काठियावाड़ प्रायद्वीप के दक्षिणी सिरे पर एक छोटा–सा द्वीप हैं।

इतिहासः पुर्तगालियों ने 1534 में दियु पर अधिकार किया था। 1559 में उन्होंने दमन को भी अपने अधीन कर लिया।

संविधान (बारहवां संशोधन) ऐक्ट 1962 के अधीन गोवा को भारत संघ का एक संघ शासित प्रदेश बना कर संविधान की प्रथम अनुसूची में सम्मिलित किया गया । संविधान 57 वें संशोधन द्वारा दमन और दियु को गोवा से पृथक् करके एंक स्वाधीन संघ शासित प्रदेश बनाया गया।

जिले

जिला	क्षेत्रफल (वर्ग कि.मी.)	जनसंख्या (2001)	मुख्यालय
दमन	72.0	113,949	दमन
दियु	40.0	44,110	दियु

मछली मुख्य आर्थिक स्रोत है। मछली पकड़ने के लिये यंत्रीकृत नौकायें व अन्य सुविधायें उपलब्ध करायी जा रही हैं।
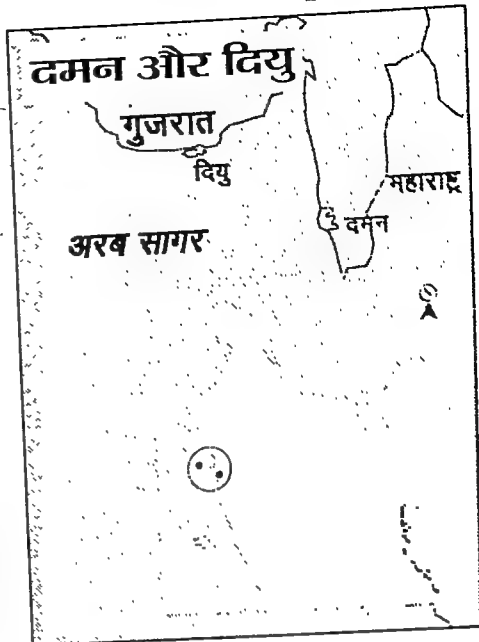
कृषि के लिये दोहरी फसल के क्षेत्र को सिंचाई की सुविधा उपलब्ध कराकर बढ़ाया जा रहा है। इस क्षेत्र में 550 औद्योगिक इकाइयां हैं। समस्त गांवों में विद्युत है।

पर्यटनः ऐतिहासिक स्थलों के अतिरिक्त दमन में देवका बीच व दियु में नगोवा बीच पर्यटकों के लिये आकर्षण का केंद्र हैं। 1992 से हवाई अड्डे को काम में लाया जा रहा है।

प्रशासकः ओ.पी. केलकर।

दादरा और नागर हवेली

क्षेत्रफलः 491 वर्ग कि.मी.; **राजधानीः** [illegible]; **भाषायें:** भीली, भिलोड़ी, गुजराती और हिन्दी; **जिले:** [illegible]; **जनसंख्याः** 220,451; **पुरुषः** 121,731; **महिलाएं:** 98,720; **वृद्धि दर (1991–2001):** 59.2[illegible]%; **जनसंख्या घनत्वः** 449; **शहरी जनसंख्याः** 22.[illegible]%; **लिंगानुपात (महिलाएं प्रति हजार पुरुष):** 811; **[illegible]** 60.03%; **पुरुषः** 73.32%; **महिलाएं:** 42.[illegible]%।

दादरा और नागर हवेली पश्चिमी तट के [illegible] गुजरात व महाराष्ट्र राज्य द्वारा घिरे हुए हैं।

ये दो पृथक् भू–क्षेत्र हैं और इनके [illegible] का प्रदेश है ।

इतिहासः 1779 में मराठा सरकार ने पुर्तगालियों से मैत्री के उपलक्ष्य में उन्हें दादरा और नागर हवेली क्षेत्र 12,000 रु. के राजस्व के बदले में दे दिये थे। 1954 में ये क्षेत्र स्वाधीन हुए। संभवतः देश का यही एक भाग है, जिसमें लगभग 8 वर्षों (1954–61) तक जनता का प्रत्यक्ष शासन था। 11 अगस्त, 1961 को इस क्षेत्र को भारत संघ में सम्मिलित कर लिया गया।

प्रशासनः यह प्रदेश एक प्रशासक के अधीन है। सबसे पहले 1968 में गांव स्तर पर समूह पंचायतों की स्थापना की गई थी और उसके बाद हर चौथे साल निर्वाचन होते रहे हैं।

अर्थ व्यवस्थाः मुख्य उद्यम कृषि है। मुख्य फसलें है – धान, रागी और दालें व फल, पर इनके अलावा गेहूं, सब्जियां और गन्ने की भी खेती होती है। लगभग 22,800 हेक्टेयर भूमि पर कृषि होती है। इस क्षेत्र में कोई बड़े उद्योग नहीं है। दो औद्योगिक बस्तियां स्थापित की गई हैं – एक सरकारी आधार पर सिलवासा में और दूसरी सहकारी औद्योगिक बस्ती समाट में। खडोली में नई औद्योगिक कारखानों की संख्या 286 थी। 1986–87 में 96 मध्यम दर्जे के उद्योग और 37 कुटीर और ग्रामोद्योग कारखाने थे।

जो वस्तुएं बनती हैं, उनमें चश्मे के फ्रेम, फर्श के टाइल, बाल्टियां, डबल रोटी व बिस्कुट, फर्नीचर, कत्था और टेनिन, स्पन पाइप, प्लास्टिक की ढाली हुई वस्तुएं, रसायन, कपड़ा धोने का पाउडर, कृत्रिम रेशमी कपड़ा, बिजली की फिटिंग के सामान, घड़ियां, मोमबत्तियां, टीन के डिब्बे, चप्पलें, रेक्जीन का कपड़ा, फोम आदि सम्मिलित हैं।

कार्यकारी प्रशासकः ओ.पी. केलकर

पांडिचेरी

क्षेत्रफलः 492 वर्ग कि.मी.; **राजधानीः** पांडिचेरी; **भाषायेंः** तमिल, तेलुगू, मलयालम, अंग्रेजी और फ्रेंच; **जिलेः** 4; **जनसंख्याः** 973,829; **पुरुषः** 486,705; **महिलाएंः** 487,124; **वृद्धि दर (1991–2001):** 20.56%; **जनसंख्या घनत्वः** 2029; **शहरी जनसंख्याः** 66.57%; **लिंगानुपात (महिलाएं प्रति हजार पुरुष):** 1001; **साक्षरताः** 81.49%; **पुरुषः** 88.89%; **महिलाएंः** 74.13%; **प्रति व्यक्ति आय (1989–90):** 5,637 रु।

भू–आकृतिः पांडिचेरी संघ शासित प्रदेश का क्षेत्रफल केवल 492 वर्ग कि.मी. है। साउथ आर्काट जिले से घिरा पांडिचेरी शहर और उसके आसपास के गांवों का क्षेत्रफल 239 वर्ग कि.मी.; तंजौर जिले से घिरा कारैकल शहर और उसके गांवों का क्षेत्रफल 160 वर्ग कि.मी.; केरल राज्य द्वारा घिरा माही और उसके गांवों का क्षेत्रफल 9 वर्ग कि.मी. और आंध्र प्रदेश में ईस्ट गोदावरी जिले में यनम का क्षेत्रफल 30 वर्ग कि.मी.।

पांडिचेरी और उसके आस पास की बस्तियां जिंजी नदी की घाटी में स्थित है। उर्वर कावेरी डेल्टा में स्थित कारैकल को अरसलार नदी (इस क्षेत्र में 11.97 कि.मी. बहती है), नट्टर नदी (11.2 कि.मी.), वंजियार नदी (9 कि.मी.), नूलार (13.77 कि.मी.), पुरवाडयारन (5.3 कि.मी.), तिरुमलिसारायनार (5.13 कि.मी.) और नंदालर (15.15 कि.मी.) का जल मिलता है।

इतिहासः आधुनिक इतिहास में पांडिचेरी का प्रवेश 1637 में हुआ, जब फ्रांसीसी ईस्ट कंपनी ने यहां एक बस्ती बसाई। फ्रांसीसियों, ने इस छोटे से गांव को समृद्ध व्यापारिक केंद्र का रूप प्रदान किया।

इसी दौरान फ्रांसीसी ईस्ट इंडिया कंपनी आर्थिक कठिनाइयों में फंस गई और इसलिए उसे बाध्य होकर बंटम, सूरत, और मसूलीपट्टनम में अपने व्यापारिक केंद्र छोड़ने पड़े।

1720 में इस कंपनी का 'परपेच्चुल कंपनी आफ दी इंडीज' के रूप में पुनर्गठन कर दिया गया और पूर्व में फ्रांसीसियों के नए–नए प्रतिष्ठान स्थापित हो गए। 1721 में उन्होंने मारीशस पर कब्जा किया, थोड़े ही समय बाद मलाबार तट पर माही पर कब्जा किया; 1731 में उन्होंने यनम पर और 1738 में कारैक्कल पर कब्जा किया। 1742 मे पांडिचेरी के गवर्नर के रूप में डूप्ले की नियुक्ति
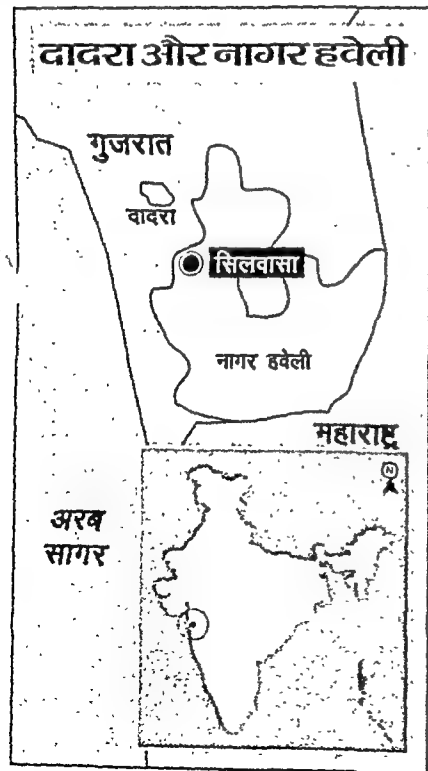
लक्षद्वीप

क्षेत्रफल: 32 वर्ग कि.मी.; **राजधानी:** कवरत्ती; **भाषा:** मलयालम; **जिला:** 1; **जनसंख्या:** 60,595; **पुरुष:** 31,118; **महिलाएं:** 29,477; **वृद्धि दर (1991–2001):** 17.19%; **जनसंख्या घनत्व:** 1894; **शहरी जनसंख्या:** 56.31%; **लिंगानुपात (महिलाएं प्रति हजार पुरुष):** 947; **साक्षरता:** 87.52%; **पुरुष:** 93.15; **महिलाएं:** 81.56%।

भारत का सबसे छोटा संघ शासित प्रदेश लक्षद्वीप एक द्वीप समूह है, जिसमें 12 अटल, 3 प्रवल भित्तियों और 5 जल प्लावित तट हैं। 32 वर्ग कि.मी. में समाये 36 द्वीपों में से केवल 10 द्वीपों में ही वस्ती है। इनके नाम हैं – आन्ड्रोट, अमिनि, अगत्ती, विट्रा, चेटलाट, कटमत, कल्पेनी, कवरत्ती (मुख्यालय) किल्टन और मिनिक्वाय। इनमें सबसे छोटा द्वीप विट्रा है।

भू–आकृति: लक्षद्वीप केरल के तटीय शहर कोचीन से लगभग 200 से 440 कि.मी. की दूर पर 80 और 120° 13 उत्तरी अक्षांश और 710 और 740 पूर्वी देशांतर के बीच स्थित है। इसका मुख्यालय कवरत्ती है। इन द्वीपों और कोचीन के बीच पानी के जहाजों द्वारा संपर्क बना रहता है।

यद्यपि लक्षद्वीप का भू–क्षेत्र बहुत ही कम है किंतु यदि यह इसके लैगून (समुद्रतल) क्षेत्र को, जो 4200 वर्ग कि.मी. है, 20,000 वर्ग कि.मी. में फैले प्रादेशिक समुद्र और लगभग सात लाख वर्ग कि.मी. में फैले आर्थिक प्रदेश को

गणना में लाएं, तो लक्षद्वीप हमारे राष्ट्र के सबसे बड़े प्रदेशों में से एक है।

इन द्वीपों की वनस्पति में केला, कोलोकेसिया, ब्रेडफ्रूट, जैकफ्रूट, जंगली बादाम सम्मिलित हैं। लक्षद्वीप में आर्थिक महत्व की फसल केवल नारियल है। नारियल की कई किस्में हैं, जैसे लक्षद्वीप के साधारण नारियल, हरे नारियल आदि। समुद्र तट पर दो प्रकार की समुद्री घास भी मिलती है, जिनके नाम हैं – थलेसिया हेम्प्रिचिन और साइमोडोसिया आइसोटिकोलिया। ये घास समुद्री कटाव और समुद्र तट के भराव को रोकती है।

समुद्री जीव–जगत समृद्ध है। पशु और पक्षी भी हैं। दिखने वाले समुद्री पक्षी हैं 'थाराथासी' और 'कारीफेटु'। ये पक्षी आमतौर से पित्ती द्वीप पर पाये जाते हैं। इस द्वीप पर बस्ती नहीं है। इस द्वीप को पक्षी विहार घोषित कर दिया गया है।

इतिहास: लक्षद्वीप का पुराना इतिहास अभिलिखित नहीं है। स्थानीय जनश्रुतियों का कहना है कि केरल के अंतिम शासक चेरमान पेरुमाल के समय में पहली बार यहां बस्ती बसाई गई।

भारत में पुर्तगालियों के आने पर लक्षद्वीप पुनः समुद्री यात्रियों के लिए महत्वपूर्ण स्थान बन गया। समुद्री जहाजों के लिए नारियल के बारीक रेशो से बुनी चटाइयों की बड़ी मांग थी। इसलिए पुर्तगाली इन द्वीपों के जहाजों को लूटने लगे। वे जबरदस्ती अमिनि द्वीप में उतरे (16 वीं शताब्दी के आरंभ में) लेकिन कहा जाता है कि द्वीप के निवासियों ने आक्रमणकारियों को जहर देकर उनकी हत्या कर दी। इस प्रकार पुर्तगालियों का आक्रमण समाप्त हो गया। अरक्कल वंश का शासन अत्याचारपूर्ण और असहनीय था। 1783 में किसी समय अमिनि द्वीप के निवासियों ने हिम्मत करके मंगलौर के टीपू सुल्तान से भेंट की और उससे प्रार्थना की कि वह अमिनि द्वीप समूह का शासन अपने हाथ में ले ले उन दिनों टीपू सुल्तान और अरक्कल की बीबी के साथ मैत्रीपूर्ण संबंध थे और इसलिए बातचीत के माध्यम से अमिनि द्वीप समूह का शासन टीपू सुल्तान के हाथों में आ गया। इस प्रकार लक्षद्वीप समूह के द्वीपों का स्वामित्व विभाजित हो गया। पांच द्वीप टीपू सुल्तान की अधीनता में आ गए और शेष द्वीप अरक्कल वंश की अधीनता में रहे।

ईस्ट इंडिया कंपनी के एक अफसर ने, जिसका नाम सर डब्ल्यू. एम. राबिन्सन था, अरक्कल के राजा के साथ आन्ड्रोट द्वीप जाने की पेशकश की। आन्ड्रोट पहुंचने पर अरक्कल का राजा वहां की जनता की सब मांगें पूरी नहीं कर पाया। ऐसी स्थिति में सर विलियम ने राजा को कर्ज के रूप में सहायता देने की पेशकश की। राजा ने पेशकश स्वीकार कर ली। यह व्यवस्था चार साल तक चलती रही लेकिन जब कर्ज की रकम बढ़ गई तो अंग्रेजों ने राजा से उसे वापस करने की मांग की। पर राजा कर्ज वापस नहीं कर पाया। 1854 में शेष द्वीप भी ईस्ट इंडिया कंपनी के अधीन और उसके प्रशासन में आ गए। इस प्रकार इन द्वीपों पर अंग्रेजों का कब्जा हो गया।

1956 में इस द्वीप समूह को संघ शासित प्रदेश बना

और 1973 में इसका नाम लक्षद्वीप रखा गया ।
प्रशासनः 1 नवंबर, 1956 को इन द्वीपों को संघ क्षेत्र प्रदेश बनाने के पहले ये द्वीप भूतपूर्व मद्रास राज्य के अंग थे। द्वीप समूह के सब द्वीपों को मिलाकर एक जिला माना जाता है और जिले को चार तहसीलों में बांट दिया गया है। हर तहसील एक तहसीलदार के अधीन हैं । लेकिन मिनिक्वाय में तहसीलदार का पद समाप्त करके 1978 में उसके स्थान पर डिप्टी कलेक्टर नियुक्त किया गया। लक्षद्वीप और मिनिक्वाय में सबसे छोटा राजस्व अधिकारी अमीन कहलाता है ।

द्वीप जिनमें आबादी है	क्षेत्रफल (वर्ग कि.मी.)	जनसंख्या (1991)
मिनिक्वाय	4.4	8,323
[illegible]	2.3	4,079
[illegible]	4.8	9,149
कवरत्ती	2.7	5,667
[illegible]	3.6	8,684
अमिनि	2.6	6,445
कटमत	3.1	3,983
कल्पेनी	1.6	3,075
बिट्टलाट	1.0	2050
बित्रा	0.1	226

अर्थ व्यवस्थाः लक्षद्वीप की अर्थ व्यवस्था का आधार कृषि है। इस प्रदेश की मुख्य उपज नारियल और नारियल जटा है। नारियल मुख्य फसल है जिसकी उपज संपूर्ण कृषि योग्य क्षेत्र 2780 हेक्टेयर में होती है। नारियल के बागों में ही बीच-बीच में केला, पपीता, अमरूद और चीकू जैसे फल देने वाले पेड़, रसदार फलों वाले पेड़ और ड्रमस्टिक जैसे पेड़ बोये जाते हैं ।

इन द्वीपों में नारियल की गिरी, नारियल जटा, नारियल गुड़, सिरका और मछली मुख्य उत्पाद हैं । 1988-89 के दौरान इन केंद्रों में 20.2 टन बढ़िया किस्म का नारियल जटा का पतला धागा तैयार किया गया। आन्ड्रोट, कटमत, अमिनि और कवरत्ती में नारियल के धागों को प्रसाधित करने वाले यंत्रीकृत कारखानों में 1988-89 में सूखे नारियल के छिलके से 161.5 टन बढ़िया धागा तैयार किया गया। कवरत्ती और कल्पेनी में दस्तकारी प्रशिक्षण केंद्र हैं। कवरत्ती में फर्नीचर बनाने वालों की एक औद्योगिक सहकारी समिति और एक दस्तकारी औद्योगिक सहकारी समिति भी काम कर रही हैं। अमिनि और कल्पेनी में नारियल जटा की दो सहकारी समितियां शुरू की गई हैं, जिसकी सदस्य प्रशिक्षित स्थानीय महिलायें हैं।

पर्यटन केंद्रः इस द्वीप समूह में देशी और विदेशी पर्यटन के विकास की बड़ी संभावनाएं हैं और इस क्षेत्र में काफी काम किया जा रहा है। अब भारत सरकार ने प्रतिबंधों में ढील दे दी है, जिससे देशी और विदेशी पर्यटन को बहुत बढ़ावा मिला है ।

प्रशासकः एस.के. मेहरा।

दिल्ली
राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र

क्षेत्रफलः 1,483 वर्ग कि.मी.; **राजधानीः** दिल्ली; **भाषायें:** हिन्दी, पंजाबी, उर्दू; **जनसंख्याः** 13,782,976; **पुरुषः** 7,570,890; **महिलाएं:** 6,212,086; **वृद्धि दर (1991-2001):** 46.31%; **जनसंख्या घनत्वः** 9294; **शहरी जनसंख्याः** 93.01%; **लिंगानुपात (महिलाएं प्रति हजार पुरुष):** 821; **साक्षरताः** 81.82%; **पुरुषः** 87.37%; **महिलाएं:** 75%; **प्रति व्यक्ति आयः** [illegible]315 रु।

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली को देश की राजधानी होने का गौरव प्राप्त हैं। दिल्ली को सी ग्रेड की विधानसभा दी गयी है। आम चुनाव 6 नवम्बर को हुए। चुनाव परिणाम भारतीय जनता पार्टी के पक्ष में गये ।

भू-आकृतिः यह प्रदेश उत्तरी भारत में हरियाणा की पूर्वी सीमा के भीतर घुसा हुआ है। अपनी स्थिति के कारण इस प्रदेश की जलवायु पश्चिम और दक्षिण-पश्चिम में स्थित राजस्थान के रेगिस्तान और पूर्व में उत्तर प्रदेश के गंगा के मैदान से प्रभावित होती है। यहां के जलवायु के विशेष लक्षण हैं – बिल्कुल शुष्क, गर्मी में भीषण गर्मी और सर्दियों में खूब ठंडक पड़ती है ।

इतिहासः दिल्ली शहर की स्थापना नामर वंश के एक राजपूत राजा ने 11 वीं शताब्दी में की थी [illegible] में तोमरों के हाथ से चौहानों के हाथ [illegible]

1191 में तराइन [illegible] मोहम्मद गोरी के [illegible] अगले [illegible] पुनः आक्रमण किया और [illegible]

(1192) में राजपूत सेना की हार हो गई । पृथ्वीराज को पकड़ कर मौत के घाट उतार दिया गया । इस प्रकार दिल्ली मुस्लिम शासकों के अधीन आ गई और 600 साल तक उनके अधीन रही। मुगल सम्राटों के काल में दिल्ली विश्वविख्यात शहर बन गया।

1857 में भारतीय सैनिकों के विद्रोह के फलस्वरूप अंग्रेजों ने दिल्ली के नाममात्र के सम्राट बहादुरशाह को गद्दी से पदच्युत करके दिल्ली को विधिवत् भारतीय ब्रिटिश साम्राज्य में शामिल कर लिया । 1912 में भारत में ब्रिटिश साम्राज्य की राजधानी कलकत्ता से हटाकर दिल्ली लाई गई ।

प्रशासनः दिल्ली 1 नवंबर, 1956 को संघ शासित प्रदेश बना। इस प्रदेश की जनता को विकास कार्यों में हाथ बंटाने का अधिक अवसर प्रदान करने के उद्देश्य से संसद ने दिल्ली प्रशासन ऐक्ट 1966 पास किया ।इस ऐक्ट के अधीन दिल्ली में एक महानगर परिषद की व्यवस्था की गई। इस परिषद में 61 सदस्य थे, जिनमें से 5 राष्ट्रपति द्वारा नामजद होते थे। दिसम्बर 1991 में संसद ने संविधान संशोधन अधिनियम (74 वां संशोधन) के अंतर्गत दिल्ली को राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र माना गया और इसे [illegible] सदस्यीय विधानसभा दी गयी ।

दिल्ली में शहरीकरण के कारण कृषि क्षेत्र [illegible] से कम होता जा रहा है। 1989 तक कृषि [illegible] 77,000 हैक्टेयर रह गया जो कि [illegible] 1,17,000 हैक्टेयर था।

दिल्ली का कुल भूमि क्षेत्र 1,47,[illegible] हेक्टेयर है, जिसमें से 1443 हेक्टेयर क्षेत्र [illegible] हैं और 70642 हेक्टेयर क्षेत्र खेती के [illegible] उपलब्ध नहीं है। बंजर भूमि छोड़कर कृषि [illegible] अन्य भूमि क्षेत्र 4626 हेक्टेयर हैं ।

मुख्य फसलें गेहूं, ज्वार व बाजरा, गन्ना [illegible] थीं ।

1974 के बाद से बहुत से औद्योगिक [illegible] स्थापित हो गए हैं ।इन उपक्रमों में ब्लेड, [illegible] सामान, रेडियो के पुर्जे, साइकिलें, स्टेशन[illegible] और प्लास्टिक व पी.वी.सी. की वस्तुएं और [illegible] बनाने वाले कारखाने हैं । 1985-86 में ल[illegible] 65000 औद्योगिक इकाइयों में उत्पादन हो [illegible] था। इन इकाइयों में 5,95,000 श्रमिक [illegible] करते थे, उत्पादन 3450 करोड़ रुपये का [illegible] और इनमें लगभग 1260 करोड़ रु. की पूं[illegible] लगी हुई थी ।

विश्वविद्यालयः अखिल भारतीय आयुर्वि[illegible] संस्थान; दिल्ली विश्वविद्यालय; इंडियन एग्रीकल्च[illegible] रिसर्च इंस्टीट्यूट; इंडियन इंस्टीट्यूट [illegible] टेक्नालोजी; इंदिरा गांधी राष्ट्रीय खुला विश्वविद्या[illegible] जामिया हमदर्द; जामिया मिलिया इस्लामि[illegible] जवाहरलाल नेहरु विश्वविद्यालय; नेशनल म्यूजि[illegible] इंस्टीट्यूट आफ हिस्ट्री एंड आर्ट; कंजर्वेशन [illegible] म्यूजियोलोजी; स्कूल आफ प्लानिंग [illegible] आर्किटेक्चर; श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्[illegible] विद्यापीठ। हाल ही में स्थापित इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय [illegible] नया नाम गुरु गोविंद सिंह विश्वविद्यालय रखा जा रहा[illegible]

पर्यटन केंद्रः चूंकि दिल्ली शताब्दियों से भारत [illegible] राजधानी रही है, अतः यहां बहुत-सी सुंदर इमारतें हैं । [illegible] दिल्लियों – शाहजहां द्वारा बसाई गई पुरानी दिल्ली [illegible] पर्यटकों को आकृष्ट करने वाले अनेक स्थान हैं ।

इन स्थानों में राष्ट्रपति भवन, मुगल गार्डन, संसद [illegible] चांदनी चौक, लाल किला, जामा मस्जिद, राज[illegible] शांतिवन, विजय घाट, पुराना किला (इंद्रप्रस्थ), हुमा[illegible] मकबरा, लोदी का मकबरा, कुतुब मीनार, हौज़ [illegible] सफदरजंग का मकबरा, जन्तर-मन्तर और इंडि[illegible] सम्मिलित हैं ।

अन्य महत्वपूर्ण स्थान हैं – चिड़ियाघर, काश्मीरी [illegible] बिड़ला मंदिर, विज्ञान भवन, राष्ट्रीय संग्रहालय, क[illegible] सर्कस, बुद्ध जयंती पार्क, रवींद्र रंगशाला और [illegible] मेमोरियल संग्रहालय।

उपराज्यपालः विजय कुमार कपूर
मुख्य मंत्रीः शीला दीक्षित (कांग्रेस आई.)

40. इंग्लैंड के डेविड गोवर पहले ही टेस्ट मैच में आस्ट्रेलिया के विरुद्ध पारी की शुरुवात चौक्के से करने वाले पहले बल्लेबाज बने।

41. कैच लेने वाले पहले क्षेत्ररक्षक एलेन हिल।

42. सर्वप्रथम एक हजार रन बनाने वाले बल्लेबाज इंग्लैंड के आर्थर श्र्यूसबरी।

43. 7,000 रन पूरे करने वाले प्रथम खिलाड़ी भारत के सुनील गावस्कर।

44 वेस्ट इंडीज के गैरी सोबर्स 8,000 रन पूरे करने वाले प्रथम बल्लेबाज बने।

45. भारत के सुनील गावस्कर ने पाकिस्तान के विरुद्ध खेलते हुए सर्वप्रथम 10,000 रन पूरे किये।

46. इंग्लैंड के बाब टेलर पहले विकेट कीपर बने जिनके सहयोग से 10 खिलाड़ी आउट हुए।

47. इंग्लैंड के जैक रसेल पहले विकेट कीपर बने जिनके सहयोग से 11 खिलाड़ी आउट हुए।

48. पाकिस्तान में आयोजित 1954–55 भारत–पाक के बीच पहली टेस्ट श्रृंखला जिसके सभी टेस्ट अनिर्णीत रहे।

49. आस्ट्रेलिया के क्षेत्ररक्षक विक्टर रिचर्डसन को एक पारी में पहली बार पांच कैच पकड़ने का श्रेय जाता है।

50. पहले तीन टेस्ट मैचों में शतक बनाने वाले भारत के मोहम्मद अजहरुद्दीन।

एक दिवसीय क्रिकेट

एक दिवसीय में सर्वप्रथम

मैचः आस्टेलिया–इंग्लैंड, 5 जनवरी 1971

स्थल (स्टेडियम): मेलबोर्न क्रिकेट ग्राउंड (एमसीजी) 1971

गेंदबाजः ग्रहम मैकेंज़ी ओस्टेलिया 1971

बल्लेबाजः जियोफ़ बायकोट, इंग्लैंड, 1971

विकट लेनेवाले गेंदबाजः अलन थामसन, आस्ट्रेलिया 1971।

अर्ध शतक (50): जोन एड्रिच, इंग्लैंड 1971।

शतक (100): मैंचेस्टेर में 1972 में आस्ट्रेलिया के विरुद्ध खेलते हुए इंग्लैंड के डेन्निस एमिस।

शतकीय साझेदारीः मैंचस्टेर में 1972 में आस्ट्रेलिया के विरुद्ध खेलते हुए इंग्लैंड के कीथ फ्लेचर और डेन्निस एमिस, (125 रन)।

दोहरी शतकीय साझेदारीः मेलबोर्न में 1979 में आस्ट्रेलिया के विरुद्ध खेलते वे वेस्ट इंडीज के डेसमेंड हेन्स और विवियन रिचर्ड्स (205 रन)।

त्रि शतकीय साझेदारीः टानटोन में 1999 में श्रीलंका के विरुद्ध खेलते हुए भारत के राहुल द्राविड और सौरव गांगुली (318 रन)।

मैन आफ द मैचः जान एड्रिच, इंग्लैंड 1971

अम्पायरः टोम बुक्स और लाउ रोवान, आस्ट्रेलिया।

300 रनः इंग्लैंड ने 1975 में लार्ड्स के मैदान पर भारत के विरुद्ध 334 रन।

एक दिवसीय खेल जो दो दिन में पूरा हुआः इंग्लैड – भारत, ओवल 1974

चार विकट लेनेवाले गेंदबाजः इंग्लैंड के जियोफ आरनोल्ड ने आस्ट्रेलिया के विरुद्ध 1972 में।

पांच विकट लेनेवाले गेंदबाजः आस्ट्रेलिया के डेनिस लिली ने पाकिस्तान के विरुद्ध 1975 में।

10 विकट से जीतः भारत ने पूर्वी अफ्रीका को 1975 में।

एक रन से जीतः पाकिस्तान ने न्यूजीलैंड को 1976 में।

विश्व कप चैंपियनः वेस्ट इंडीज ने आस्ट्रेलिया को 1975 में हराकर।

हैटट्रिकः जलालुद्दीन, पाकिस्तान 1982

पांच कैच पकड़नेवाले विकट कीपरः आस्ट्रेलिया के रोडनी मार्श 1981

पांच कैच पकड़नेवाले क्षेत्र रक्षकः दक्षिण अफ्रीका के जान्टी रोड्स 1993

विकट कीपर द्वारा 100 खिलाडियों को आउट करने में सहयोगः आस्ट्रेलिया के रोडनी मार्श 1983

विकट कीपर द्वारा 200 खिलाडियों को आउट करने में सहयोगः वेस्टइंटीज के जियोफ दूजों 1991

विकट कीपर द्वारा 100 खिलाडियों को आउट करने में सहयोग और 1000 रनः आस्ट्रेलिया के रोडनी मार्श 1984

100 कैच पकड़नेवाले क्षेत्र रक्षकः आस्ट्रेलिया के एलन बोर्डर 1991

'हैंडलिंग दी बाल' द्वारा आउट होनेवाला खिलाडीः आस्ट्रेलिया के विरुद्ध खेलते हुए भारत के मोहिंदर अमरनाथ 1986

क्षेत्र रक्षण में बाधा पहुंचाने से अउट होनेवाली खिलाड़ीः इंग्लैंड के विरुद्ध खेलते हुए पाकिस्तान के रमीज राजा, 1987

एक ही मैच में 100 रन बनाने और पांच विकट लेनेवाले खिलाड़ीः न्यूजीलैंड के विरुद्ध वेस्टईंटीज के विवियन रिचर्ड्स।

एक ही मैच में 50 रन बनाने और चार विकट लेनेवाले खिलाड़ीः आस्ट्रेलिया के विरुद्ध जिम्बाबवे के डांकन फ्लेचर।

1000 रन एवं 100 विकटः आस्ट्रेलिया के विरुद्ध खेलते हुए इंग्लैड के इयान बोथम 1985

2000 रन एवं 200 विकटः वेस्टइंडीज के विरुद्ध खेलते हुए भारत के कपिल देव 1991

2000 रन एवं 300 विकटः पाकिस्तान के वासिम अकरम 1997

35: द. अफ्रीका– इंग्लैंड, बर्मिघम, 1924
36: द. अफ्रीका– इंग्लैंड, केप टाउन, 1898–99
36: आस्ट्रेलिया–इंग्लैंड, बर्मिघम, 1902
36: द. अफ्रीका– आस्ट्रेलिया, मेलबोर्न, 1895–96
42: आस्ट्रेलिया–इंग्लैंड, सिडनी, 1887–88
42: न्यूजीलैंड–आस्ट्रेलिया, वेलिंग्टन, 1945–46
42: भारत–इंग्लैंड, लार्ड्स, 1974
43: द. अफ्रीका– इंग्लैंड, केप टाउन, 1988–89
44: आस्ट्रेलिया–इंग्लैंड, ओवल, 1896
45 इंग्लैंड–आस्ट्रेलिया, सिडनी, 1886–87
45: द. अफ्रीका–आस्ट्रेलिया, मेलबोर्न, 1931–32
46: इंग्लैंड–वेस्ट इंडीज, पोर्ट आफ स्पेन, 1993–94
47: द. अफ्रीका– इंग्लैंड, केप टाउन, 1988–89
47: न्यूजीलैंड–इंग्लैंड, लार्ड्स, 1958
51: वेस्ट इंडीज–आस्ट्रेलिया, पोर्ट आफ स्पेन, 1998–99

टेस्ट क्रिकेट में मील के पत्थर

1. पहला टेस्ट मैच मेलबोर्न में 1877 में खेला गया।

2. भारत ने पहला टेस्ट मैच 1932 में लार्ड्स में खेला।

3. टेस्ट में पहला शतक आस्ट्रेलिया के चार्ल्स बैन्नरमैन ने बनाया।

4. दोहरा शतक लगाने वाले पहले क्रिकेटियर आस्ट्रेलिया के डब्ल्यू. एल. गर्डोक ने 1884 में इंग्लैंड के विरुद्ध बनाया।

5. तिहरा शतक लगाने वाले इंग्लैंड के एंटी सांढम थे। उन्होंने 1929–30 में वेस्ट इंडीज के विरुद्ध किंग्सटन में 325 रन बनाये थे।

6. आस्ट्रेलिया के वारेन बार्डस्ले ने पहली बार 1909 में ओवल में दोनों पारियों में शतक लगाया।

7. सौ टेस्ट मैच खेलने वाले पहले क्रिकेटियर इंग्लैंड के कोलिन काउड्रे थे।

के जान ब्रिग्ज ने सबसे पहले 100 विकेट लिये।
लेने वाले पहले गेंदबाज आस्ट्रेलिया के
।
के फ्रेड्डी ट्रुमैन ने सबसे पहले 300 विकेट

0 विकेट का आंकड़ा पाने वाले प्रथम गेंदबाज रिचर्ड हैडली बने।

00 विकेट का आंकड़ा पाने वाले प्रथम गेंदबाज के कर्टनी वाल्श बने।

. आस्ट्रेलिया के फ्रेड स्पोफफोर्थ ने 1878–79 में हैटट्रिक बनाई।

14. टेस्ट मैच में पहला छक्का मारने वाली महिला की राचेल हीलो, उन्होंने आस्ट्रेलिया के विरुद्ध टेस्ट मैच में 1963 में छक्का मारा था।

15. टेस्ट मैच में रन आउट होने वाले पहले आस्ट्रेलिया के क्रिकेटियर डी. डब्ल्यू. ग्रेगोरी।

16. आस्ट्रेलिया के डब्ल्यू. ए. ओल्ड फील्ड 100 खिलाड़ियों को आउट करने वाले पहले विकेट कीपर बने।

17. क्रिकेट के इतिहास में पहली बार 1884 के मेलबोर्न टेस्ट को आस्ट्रेलिया के अखबार मेलबोर्न अर्गुनस ने पहले टेस्ट मैच के रूप में दर्ज किया।

18. आस्ट्रेलिया के टी. केंडाल एक पारी में पांच विके. लेने वाले प्रथम गेंदबाज बनें। उन्होंने 1876–77 में इंग्लैंड के विरुद्ध पांच विकेट लिये थे।

19. इंग्लैंड के जिम लेकर एक ही पारी में दस विकेट लेने वाले पहले गेंदबाज बने।

20. पाकिस्तान के इंतखाब आलम पहली ही गेंद पर विकेट लेने वाले प्रथम एशियाई क्रिकेटियर बने।

21. इंग्लैंड के एलन नाट 4000 रन बनाने वाले पहले विकेट कीपर बने।

22. वेस्ट इंडीज के डेसमंड हेन्स पहले बल्लेबाज बने जिन्होंने दोनो पारियों की शुरुवात की और अंत तक आउट नहीं हुए।

23. आस्ट्रेलिया के ग्राहम यैलप पहले बल्लेबाज थे जिन्होंने हेलमेट पहन कर खेला।

24. आस्ट्रेलिया के डांग वाल्टर्स पहले बल्लेबाज बने जिन्होंने पहली पारी में शतक और दूसरी पारी में दुहरा शतक बनाया।

25. आस्ट्रेलिया के विरुद्ध खेलते हुए भोजन के समय से पहले शतक बनाने वाले इंग्लैंड के के. एस. रणजीत सिंहजी पहले बल्लेबाज बने।

26. श्रृंखला के समस्त पांच टेस्ट मैच आस्ट्रेलिया ने इंग्लैंड के विरुद्ध 1920–21 में जीत कर पहली टीम बनी।

27. इंग्लैंड के जे.जे. मैत्यूज दोनों पारियों में हैटट्रिक बनाने वाले पहले गेंदबाज हैं।

28. इंग्लैंड के आर.ई. फास्टर ने अपने पहले ही टेस्ट मैच में आस्ट्रेलिया के विरुद्ध दुहरा शतक लगाया।

29. आस्ट्रेलिया के क्लेम हिल 99 रन पर आउट होने वाले पहले बल्लेबाज बने।

30 महिलाओं का पहला टेस्ट मैच इंग्लैंड–आस्ट्रेलिया के बीच 1934–35 में हुआ।

31. पहली ही गेंद पर विकेट लेने वाले गेंदबाज आस्ट्रेलिया के आर्थर कन्निघंम बने, उन्होंने मेलबोर्न में इंग्लैंड के विरुद्ध 1894–95 में विकेट लिया था।

32. नाइट की उपाधि से सम्मानित होने वाले प्रथम क्रिकेटियर डान ब्रैडमैन हैं।

33. पाकिस्तान के तसलीम आरिफ दुहरा शतक बनाने वाले पहले विकेट कीपर हैं। उन्होंने 1980 में आस्ट्रेलिया के विरुद्ध 210 रन बनाये।

34. आस्ट्रेलिया के जार्ज ग्रिफिन पहले आलराउंडर हैं जिन्होंने हजार रन बनाये और सौ विकेट लिये।

35. इंग्लैंड के इयान बाथम 4000 रन और 300 विकेट लेने वाले पहले आलराउंडर बने।

36. रुसेल इंडीन पहले बल्लेबाज थे जिन्हें हैंडलिंग दी बाल के कारण 1957 में आउट होना पड़ा।

37. पहले गेंदबाज ए. शा इंग्लैंड के (1876–77)

38. पहले बल्लेबाज चार्ल्स बैन्नरमैन आस्ट्रेलिया के (1876–77)।

39. टेस्ट मैच में पहला रन बनाने वाले आस्ट्रेलिया के चार्ल्स बैन्नरमैन (1876–77)।

एथलेटिक–एशियन रिकार्ड (पुरुष)

	समय	नाम	देश	तिथि
	10.00	कोजिइटो (जापान)	वैंकांक	13–12–98
	20.16	कोजिइटो (जापान)	कुमामाटो	2–10–98
	44.56	मोहम्मद अलमाट्की (ओमान)	बुडापेस्ट	12–8–88
	1.44.14	ली जिन–11(कोरिया)	सियोल	17–6–94
	3.32.10	मोहम्मद सुलेमान (कतार)	ज्यूरिख	13–8–97
	13.13.40	टोशिनारी टकाओका (जापान)	हेचेल	1–8–98
	27.35.33	टाकेयुकी नाकायाना (जापान)	हेलसिंकी	2–7–87
चेज	8.08.26	सादाद अल–अस्मारी (स.अरबिया)	स्टाकहोम	7–7–97
	13.25	लि टांग (चीन)	लिन्ज	4–7–94
	48.17	मुबारत अल नुवी (कतर)	जोहांसवर्ग	11–9–98
	38.31	जापान (राष्ट्रीय टीम)	एथेंस	9–8–97
	3:00.76	जापान (राष्ट्रीय टीम)	अटलांटा	3–8–96
	2.39	झू जियानहुआ (चीन)	एवर्स्टाट	10–6–84
	5.90	ग्रिगोरी येगोरोव (कजाकस्तान)	स्टुटगार्ड	19–8–93
	5.90	इगोर पोटापुविक (कजाकस्तान)	नीस	10–7–96
ूद	8.40	लाओ जियानफेंग (चीन)	झाओजिंग	8–7–97